AN

Illustrated

ARDHA--MAGADHI DICTIONARY.

Literary, Philosophic & Scientific

WITH

Sanskrit, Gujrati, Hindi & English

EQUIVALENTS REFERENCES TO THE TEXTS & COPIOUS QUOTATIONS

BY

Shatavdhani The Jaina Muni Shri Ratnachandraji Maharaj.

Disciple of Swami Shri Gulabchandraji (Limbdi).

WITH

AN INTRODUCTION

BY

A. C. Woolner Esqr. M. A. (Oxon)

Principal, Oriental College, Lahore.

Vol. II.

Published

BY

SARDARMAL BHANDARI,

FOR

THE S. S. JAINA CONFERENCE.

———:o:———

1927.

॥ श्रीः ॥

नमोऽस्तु महावीराय

सचित्र

अर्द्ध-मागधी कोष.

सम्पादक

पूज्यपाद श्री गुलाबचन्द्रजी स्वामी के शिष्य

शतावधानी जैन मुनि श्री रत्नचन्द्रजी महाराज

(लीम्बड़ी सम्प्रदाय).

भाग २.

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फरन्स की तरफ से

प्रकाशक

सरदारमल भंडारी.

राजावाड़ा चौक, इन्दौर.

ई० सन् १९२७. वीर संवत् २४५३.

श्री सुखदेहसहाय जैन प्रिन्टिङ्ग प्रेस, किसनपुरा, पीरगली, इन्दौर
में
ऑ॰ प्रकाशक व सेक्रेटरी द्वारा मुद्रित.

Kesarichand Bhandari,

The late Publisher of the Illustrated Ardha-Magadhi Dictionary.

Birth:- Dt. 24-8-1871 — *Death:- Dt. 27-2-1925*

जन्म:—अ. भाद्रपद शु. ९ सं. १९२८. — मृत्यु:—फाल्गुन शु. ५ सं. १९८१.

चित्र सूचि.

---:o:---

Publisher's Note.

A number of unforeseen circumstances having arisen since the publication of the first volume of the Ardha-Māgadhī Dictionary the work of carrying the volume that is now offered to the subscribers, through the press was seriously hampered. Not the least among these unexpected obstacles was the sad death of my father who though disabled from actively working long ago, continued to encourage and advise me in my efforts to render the Dictionary as complete and useful as possible.

Another serious difficulty that arose was in connection with the translation work. Mr. P N. Kachhi, B A., who had finished more than half of the words, was unable to carry on the remaining work of translation from Gujrati into English, on account of his sudden deputation from the M. S. High School to the Holkar College as Assistant Professor of English. Another competent hand it was very difficult to find and indeed it took a long time to find out one. I am glad, however to be able to see that Mr. C. P. Brahmo, M. A., L. L. B., on whom the choice at last fell has thoroughly satisfied me both by the quality of his work and the dispatch with which he has done it.

I have now every hope that I shall be able to offer to the public the remaining volumes in the course of not more than two years.

I shall be glad to receive opinions of subscribers and the scholars in connection with the second volume and if there are practical suggestions I shall do my best to utilise them in making the Ardha-Māgadhī Dictionary still more useful & practical.

Rajwada Chowk,
Indore,
Dt. 1st April 1927.

Yours truly,
S. K. Bhandari,
(Hon. Publisher).

~ नमोऽस्तु महावीराय. ~

* सचित्र *

॥ अर्द्धमागधी-कोष ॥

आ.

आ. अ० (आ) મર્યાદા; હદ; સીમા. सीमा; मर्यादा. Limit. "**आमरणंतं**" पग्ह० २, ७; क० गं० २, २०; क० प० १, ६४; पन्न० ३६; (२) વાક્યાલંકાર. वाक्यालंकार. an explotive. नाया० २; (३) સન્મુખ. सन्मुख; सामने. in front of. राय० (४) થોડું; ઈષત્; જરાક. थोड़ा; ईषत्; कम. a little. पन्न० २३;

आअ. पुं० (आय) લાભ; પ્રાપ્તિ. लाभ; प्राप्ति. Gain; acquisition. (२) જેનાથી જ્ઞાન આદિની પ્રાપ્તિ થાય તે; અધ્યયન; પ્રકરણ. जिससे ज्ञान आदि की प्राप्ति हो वह; अध्ययन; प्रकरण. means of gaining knowledge etc.; chapter; section विशे० ६६१; १२२८; क० ग० १, २३;

√ **आ+इ.** धा० I. (आ+इण) આવવું. आना. To come.

एइ-त्ति विशे० ४२१; दसा० ७, १; पिं० नि० २०८; प्रव० ६०६;

एंति. विशे० १९८६;

एउ. आ० विशे० १३६;

एहि. आ० विवा० १; नाया० २; ६; भग० १५, १; दस० ७, ४७;

एह. सु० च० २, १६४; उवा० १, ८१;

एही. भ० सु० च० १, २८३;

एस्संति. सूय० १, १, १, २७;

एउं. सं० कृ० उत्त० ४, १०;

एत्तए. हे० कृ० वेय० १, ४६; दसा० ७, १; वव० ६, १;

एज्जंत. व० कृ० उत्त० १२, ४; उवा० ७, २१५;

एज्जमाण. व० कृ० भग० ५, ४; १२, १, १; नाया० १; २; ३; ४; ५; ८; १४; १६; अंत० ६, ३; विवा० १;

आइ. पुं० (आदि) આદિ; પ્રથમ; શરૂઆત. आदि; प्रथम; प्रारंभ. Beginning क० गं० १, १५; ९१; २८; ओव० २७; अणुजो० १२८; नाया० १; ५; ७; १०; १४; भग० २, १; ४, १; ४०, १; पन्न० ११; जं० प० २, १९; (२) નાભીની નીચેનો ભાગ. नाभी के नीचे का भाग-हिस्सा. the part below the navel ठा० ६; (३) ઈત્યાદિ; વગેરે; વગૈરા. वगैरह; इत्यादि. et cetera. भग० ६, ७; नाया० १४; १५; १६; दस० ७, ७; (४) સંસાર. संसार. the world; worldly existence. सूय० १, ७, २२;

—गर. पुं० (-कर) (आदौ प्रथमतः श्रुत

धर्म्माचारादि ग्रन्थात्मकं कर्म करोति तदर्थं प्रणायकत्वेन प्रणयतीत्येवंशीलः) आदि शरूआतमां आचारांग आदि श्रुत धर्मना करनार, तीर्थंकर. आचारांगादि श्रुत धर्म के रचयिता; तीर्थंकर. the first author of Āchārāṅga etc.; a Tīrthaṅkara. "ते सव्वे पायाउया आइगरा धम्माणं" सूय० २, २, ४१; कप्प० २, १५; नाया० ध० भग० १, १; नाया० १, १६; सम० १; —तित्थयर. पुं० (-तीर्थंकर) ऋषभदेव स्वामी. ऋषभदेव स्वामी. Risabhadeva Swāmi. "भगवओ उसह सामिस्स आइतित्थयरस्स" नंदी० — दुग. न० (-द्विक) अपर्याप्त सूक्ष्म अने बादर एकेंद्रिय-रूप बे प्रकृति. अपर्याप्त सूक्ष्म और बादर एकेन्द्रियरूप दो प्रकृतियां. the two Karmic natures (Prakritis) viz Aparyāpta Sūkṣhma and Bādara Ekendriya. क० प० १, १५; —मउ. त्रि० (-मृदु) आरंभमां कोमल. प्रारंभ में कोमल. soft in the beginning. अणुजो० १२८;—मुहुत्त. न० (-मुहूर्त) प्रथम मुहूर्त; सूर्य उग्या पछीनी बे घडी सुधीनो समय. प्रथम मुहूर्त; सूर्योदय के बाद का दो घडी का समय. the first Muhurta; the first period of 48 minutes after sunrise. 1 Muhūrta=48 minutes=2 Ghadīs. "अब्भिंतरओ आइ मुहुत्ते छराणा उइ अंगुलच्छाए परणते" सम०—मोक्ख. पुं० (-मोक्ष – आदिः संसारस्तस्मान्मोक्षः आदि मोक्षः) आदि–संसारथी छुटकारो थवो ते. ससार से छुटकारा–मुक्त होना. emancipation from worldly existence. "इत्थिओ जेण सेवंति आइ मोक्खाहिते जणा" सूय० १, १, २२;—राय. पुं० (-राज) ऋषभदेव प्रभु के जेणे सौथी पहेलां राज्यनी स्थापना करी असि, मसि, कृषि आदि कर्मभूमिपणुं प्रवर्ताव्युं. ऋषभदेव, जिन्होंने सब से पहिले राज्यकी स्थापना की और असि, मसि, कृषि आदि वाणिज्य रूप कर्म-भूमिपन का प्रारंभ किया. Lord Risabhadeva who first started the institution of a kingdom (government) and established the military, the literary and the agricultural departments. ठा ६;—लेसतिग. न० (-लेश्यात्रिक) शरूआतनी त्रण लेश्या; कृष्ण नील अने कापोत लेश्या. प्रारम्भ की तीन लेश्याएं; कृष्ण, नील और कापोत. the first three Leśyās, i. e. thought and matter tints viz black, blue and grey. क० गं० ३, २२;—संघयण. न० (-संहनन) प्रथमनुं संघयण; वज्र, ऋषभ, नाराच संघयण. प्रथम का संहनन; वज्र, ऋषभ, नाराच. the first or primitive physical constitution called Vajra Risabha Nārācha Saṅghayana (i. e. adamantine character of the bones etc.) क० गं० २, २१;

आइअंतियमरण. न० (आत्यन्तिकमरण) देह अने जीव अत्यंत जुदा पडे ते; मृत्यु. जीव और शरीर का सर्वथा पृथक होना; मृत्यु. Death; total separation of soul from body. भग० १२, ६; प्रव० १०२३;

आइं. अ० (आइं) वाक्यालंकार. वाक्यालंकार. An expletive. भग० १५, १;

आइंखिणी. स्त्री० (आ चक्षणा) कर्णपिशा-

चिका विद्या, के जेने योगे सामा माणसनी गुप्त वात जाणी शकाय. कर्ण पिशाचिका विद्या, जिसके बल से दूसरे के मन की गुप्त बात जानी जा सकती है. An art known as Karṇapiśāchikā Vidyā by which other persons' secrets can be fathomed and known. प्रव० ११३;

√ **आइक्ख.** धा० I-II (आ+चक्ष्) कहेवुं; आख्यान करवुं; वधामणी देवी. कहना; आख्यान करना; बधाई देना. To tell; to describe; to inform about some good events.

आइक्खइ. भग० ३, ३; ७, ६; ओव० २७; ३४; सूय० २, ६; १; नाया० १; १; ८; १३; १६; जं० प० ७, १७८; दस० ६, ३; सम० ३६; दसा० १०, ११; निर० १, १;

आइक्खंति. भग० १, ६; २, ५; ५, ७; नाया० १; २; ६; १६; आया० १, ६, ४, १८०;

आइक्खेमि. सूय० २, १, ११;

आइक्खामि. भग० १, ६; १०; २, ५; ३, १; ७, ६; १६, ५;

आइक्खे. दस० ८, ४१; सूय० २, १, ५७; आया० १, ६, ५, १६४;

आइक्खिज्ज. दस० ८, १८;

आइक्खेज्जा. दसा० १०, ३;

आइक्खाहि. भग० २, १;

आइक्खह. नाया० १; भग० १५, १;

आइक्ख. सं० कृ० पि० नि० ३२५;

आइक्खित्तए. वेय० ३, २८; नाया० ८; भग० ९, ३३;

आइक्खिउं. भग० १८, २;

आइक्खमाण. नाया० १२; भग० ३, १; ६, ३३; ११, १२; आया० १, ६, ५, १६५; ओव० ३५;

आइक्खग त्रि० (आख्यायक) शुभाशुभ कहेनार. शुभाशुभ कहने वाला. A messenger or teller of good or evil. जं० प० ओव० अणुजो. ५२;

आइक्खिय. त्रि० (*आचक्षित - आख्यात) कहेलुं; कथन करेल. कहा हुआ. Told; related. सम० २, १; नाया० १;

आइक्खियव्व. त्रि० (आख्यातव्य) कहेवा लायक; उपदेश करवा जोग. कहने लायक; उपदेश करने योग्य. Worth being told; worth being advised. सूय० २, ७, ११;

आइच्च. पुं० (आदित्य) सूर्य; सुरज. सूर्य. The sun. "**सेकेणट्ठेणं भंते एवं वुच्चइ सूरे आइच्चे गोयमा सूरा दियाणं समयाइ वा आवलियाइवा**" भग० १२, ६; १५, १; उत्त० २६, ८; अणुजो० १४७; दस० ८, २८; विशे० १५६८; आव० २, ५; सू० प० २०; प्रव० (२) कृष्णराजीना आंतरामां रहेल अर्चिमाली नामना विमान ना वासी लोकांतिक देवता. कृष्णराजी प्रदेश के अंतर में रहा हुआ अर्चिमाली नामक विमान वासी लोकान्तिक देव. the Lokāntika gods residing in the Archimālī celestial abode in the interior part of Kriṣṇarājī. नाया० ८ भग० ६, ५; (३) ग्रैवेयक विमान विशेष अने तेना देव. ग्रैवेयक विमान विशेष और उसका निवासी देव. the celestial abode of Graiveyaka and its resident gods. प्रव० १४६२; (४) सूर्यमास; साडत्रीस दिवस प्रमाण आदित्य मास. सौरमास; साढे तीस दिन प्रमाण मास.

a solar month i. e. 30½ days. सम० ३१ प्र० व० १०४; —मास पुं० (–मास) सूर्य मास; ३०॥ दिवसनो मास. सौरमास; ३०॥ दिन का माह. a solar month; a month of 30½ days. प्रव० १०४; —संवच्छर. पुं० (संवत्सर) सूर्य पहेलेथी छेले मांडले जई फरी पहेले मांडले आवे त्यां सुधीनो समय; त्रणुसो छासठ दिवस प्रमाणु सौर वर्ष. सूर्य के पहिले मंडल से अन्तिम मण्डल में जाने और वहां से लौट कर फिर पहिले मंडल में आने तक जितना समय लगे उतना समय; तीनसौ छांसठ दिन प्रमाण वर्ष. the solar year; an year consisting of 366 days; the time taken by the apparent revolution of the sun round the earth. जं०प० सू० प० २;

आइच्चजस. पुं० (आदित्ययशस्) भरत चक्रवर्तीनो आदित्ययशा नामे पुत्र, के जे राज्य भोगवी अंते दीक्षा लई सकल कर्म क्षय करी मोक्ष गया. भरत चक्रवर्ती का आदित्ययशा नामक पुत्र, जिसने राज्य भोगकर अंत में दीक्षा ली और कर्म क्षयकर मोक्ष में गया. Ādityayaśā, the son of the emperor Bharata; he ruled for some time but at last took Dikṣā and after having destroyed all Karmas attained to salvation. ठा० ८, १;

आइच्चा. स्त्री० (आदित्या) सूर्यनी बीजी अग्र महिषी. सूर्य का दूसरी पटरानी. The second principal queen of the sun. भग० १०. ५;

आइज्ज. त्रि० (आदेय) ग्रहणु करवा योग्य. ग्रहण करने योग्य. Worth being accepted or taken. नाया० १२; जं० प० कप्प० ३, ३६; क० गं० १, ९६; ५१; २, २३; ६, ७१; (२) जेनुं वचन ग्राह्य—ग्रहणु करवा योग्य होय ते. वह व्यक्ति, जिस का वचन ग्राह्य हो. (one) whose words are worthy of acceptance. गच्छा० ६४;

आइट्ठ न० (आदिष्ट) प्रेरणा करवी; आदेश करवो ते. प्रेरणा करना; आदेश करना. Instruction; suggestion. सूय० १, ४, १, १६; विशे० ४८६;

आइट्ठ. त्रि० (आविष्ट) आवेशवाळो. आवेश वाला. Possessed by; inspired by. "जक्खा एसेणी आइट्ठे समाणी" भग० १८, ७; ठा० ५; दसा० ६, १५; ओघ० नि० ४६७;

आइट्ठि. स्त्री० (आदिष्टि) धारणा. धारणा; विचार. Intention; idea; fixed thought. ठा० ७;

आइड्ढि. स्त्री० (आत्मर्द्धि) आत्मऋद्धि; आत्मशक्ति. आत्मा की शक्ति. Soul-force; soul growth; soul-power. भग० १, ३; ३, ५; २०, १०;

आइड्ढिय. त्रि० (आत्मर्द्धिक-आत्मन एव ऋद्धिर्यस्य) आत्मऋद्धि वाळो; आत्मशक्ति—लब्धि वाळो. आत्मऋद्धि वाला; आत्मशक्तिवाला Possessed of soul-power or soul-wealth. "आइड्ढि एणं भंते! देवे जाव चत्तारी पंच देवावासं तराइं" भग० १०, १;

आइण. न० (अजिन) चर्म; चामडुं. चमडा. Skin; leather. राय० ६७; निसी० १७, १२; क० गं० १, २६; —पावार. न० (–प्रावार) चर्मवस्त्र; चामडाना कपडां.

चमड़े का वस्त्र. a skin or leather garment. निसी० ७, ११;

आइरास. त्रि० (आर्चीर्ण) આજ્ઞા કરેલ. आज्ञा पाया हुआ. Advised; commanded. "आइराणं जं पुरा असुराणयं" आया० नि० १, १, १, ७;

आइराण. त्रि० (आकीर्ण) વ્યાપ્ત; સંકીર્ણ; ખીચો ખીચ ભરેલ खचाखच भरा हुआ. Pervaded by; thickly scattered over with. ओव० ओघ० नि० ८३; नाया० ६; भग० १, १; २, ५; ३, १; ५; (२) त्रि० જાતિ આદિથી શુદ્ધ ગુણવાન ઘોડો. जाति आदि से शुद्ध गुणवान घोड़ा. a horse of good breed. "कसंवदट्ठु माइराणे पावगं परिवज्जए" उत्त० १, १२; पराह० १, ४; जीवा० ३, ४; "आइराण वरतुरय सुसंपउत्त" भग० ७, ८; नाया० १७; (३) વિનયવાન પુરુષ. विनयवान पुरुष. a reverent, respectful person. ठा० ४, १; (४) આકીર્ણ જાત ના ઘોડાના દૃષ્ટાંતવાળું જ્ઞાતાસૂત્રનું १७ મું અધ્યયન. आकीर्ण जाति के घोड़े का जिसमें वर्णन है वह ज्ञाता सूत्र का १७ वां अध्याय. the 17th chapter of Jñātā Sūtra dealing with a horse of Ākirṇa breed. नाया० १; सम० १९;—णाय उभयरा. न० (ज्ञाताध्ययन) જ્ઞાતાસૂત્રનું १७ મું અધ્યયન. ज्ञाता सूत्र का १७वां अध्याय. the 17th chapter of Jñātā Sūtra. सम० नाया० १७; —हय. पुं० (-हय) જાતવાન ઘોડો. जातिवान् घोड़ा. a horse of noble breed. जीवा० ३;

आइराणतर. त्रि० (आकीर्णतर) વધારે વ્યાપ્ત; અતિ ખીચો ખીચ. बहुत ज्यादह व्याप्त. Densely or thickly pervaded by, dense; thick. भग० १३; ४;

आइतव्व. त्रि० (आदातव्य) ગ્રહણ કરવા યોગ્ય. ग्रहण करने योग्य. Worthy of acceptance; worth being taken. वेय० ४, २५;

आइत्त. त्रि० (आदीप्त) થોડું પ્રકાશિત. कुछ प्रकाशित. Faintly gleaming. नाया० १;

आइत्तार. त्रि० (आदातृ) લેનાર. लेने वाला. Acceptor; one who takes ठा० ७;

आइद्ध. त्रि० (आविद्ध) વ્યાપ્ત. व्याप्त; भरा हुआ. Pervaded by; filled with. नाया० १;

आइन्न. त्रि. (आकीर्ण) જુઓ "आइराण" શબ્દ. देखो "आइराण" शब्द. Vide "आइराण" उत्त० १, १२, २१. १; पराह० १, ४; जीवा० १; नदी० ठा० ४, ३;

आइन्न. त्रि० (आचीर्ण) આચરેલ. व्यवहार में लाया हुआ. Practised; performed. पिं० नि० ३२६; ५७१; प्रव० १०९६;

आइम. त्रि० (आदिम) પ્રથમનું; પહેલું. पहिले का; पहिला. First; foremost. ओघ० नि० ६६०; क० गं० ३, १६; प्रव० ४; ६५६; —गणहर. पुं० (-गणधर) પ્રથમ ગણધર. प्रथम गणधर. the first Gaṇadhara प्रव० ६५६;

आइमय. त्रि० (आदिमक) પહેલું; પ્રથમનું. पहिला; प्रथम. First; foremost. विसे० १०४०;

आइय. त्रि० (आदिक) આદિ. आदि; शुरू. Beginning; first of a series. नाया० १; कप्प० ४, ६१; ८६;

आइय. त्रि० (आदृत) આદર પામેલ. आदर पाया हुआ. Honoured; respected. पन्न० १७;

आइय. त्रि० (आचित) વ્યાપ્ત. व्याप्त. Filled with. नाया० ८;

आइयण. न० (आदान) ગ્રહણ કરવું તે. ग्रहण करना. Taking; acceptance. पण्ह० १, ३;

आइयव्व. त्रि० (आदातव्य) સ્વીકારવા યોગ્ય. स्वीकार करने योग्य. Worthy of acceptance. वव० ६, ४१;

आइल्ल. त्रि० (आदिम) પહેલું; આદિનું; પ્રથમનું. पहिला; शुरू का. First; foremost. पन्न० ५, १७; राय० २३६; नंदी० ५६; प्रव० २२२; अणुजो १; —**चंद.** पुं० (-चन्द्र) ઉત્તરો ઉત્તર દ્વીપની અપેક્ષાએ પૂર્વ પૂર્વ દ્વીપનો ચન્દ્ર. उत्तरोत्तर द्वीप की अपेक्षा पूर्व पूर्व द्वीप का चंद्र. the moon of the preceding continent in a series of continents. " आइल्लचंद सहिता अणंतराणंतर खेत्ते" सू० प० १९; —**सूर.** पुं० (-सूर) ઉત્તરોત્તર દ્વીપના અપેક્ષાએ પૂર્વપૂર દ્વીપના સુર્ય. उत्तरोत्तर द्वीप की अपेक्षा से पूर्व पूर्व दिशा के सूर्य. the sun of each preceding continent in a series of continents. सू० प० १६;

आईण न० (आदीन) અત્યન્ત ગરીબ. बहुत गरीब. (one) who is very poor. सूय० १, १०, ६; —**भोइ.** त्रि० (-भोजिन्) ફેંકી દીધેલો ખોરાક ખાનાર. फेंका हुआ भोजन खाने वाला. (One) who eats food thrown away (by others). " आदीणभोइ वि करेति पावं मंताउ एगंत समाहिमाहु " सूय० १, १०, ६; —**वित्ति.** पुं० (-वृत्ति आ समन्तादीना करुणास्पदा वृत्तिरनुष्ठानं यस्य) અત્યન્ત દીન ભિક્ષુ માંગણ વગેરે. अत्यन्त दीन भिखारी. (one) who is indigent; e. g. a beggar. " आदाण वित्तीव करेति पावं " सूय० १, १०, ६;

आईणग. न० (आजिनक) ચર્મમય-ચામડાનું વસ્ત્ર વિશેષ કે જે કમાવીને અતિ સુંવાળું કરેલ હોય છે. चमड़े का वस्त्र विशेष जो कि कमाकर बहुत नरम किया हुआ हो. A garment of cured or tanned leather. "आईणग रूय बूरणवणीयतूलफासे " सू० प० २०; कप्प० ३, ३२; ओव० आया० २, ५, १, १४५; नाया० १; जीवा० ३; भग० ११, ११; (२) पुं० એનામનો એક દ્વીપ તથા એક સમુદ્ર. एक द्वीप और एक समुद्र का नाम. an ocean of that name; also a continent of the name. जीवा० ३;

आईणभद्द. पुं० (आजिनभद्र) આજિન દ્વીપનો અધિપતિ દેવતા. आजिन द्वीप का अधिपति देव. The presiding deity of the Ajina-Dvipa. जीवा० ३;

आईणमहाभद्द. पुं० (आजिनमहाभद्र) આજિન દ્વીપનો અધિષ્ઠાતા દેવતા. आजिन द्वीप का अधिष्ठाता देव. The presiding deity of the Ajina Dvipa. जीवा० ३;

आईणमहावर. पुं० (आजिनमहावर) આજિન સમુદ્ર તથા આજિનવર સમુદ્રનો અધિપતિ દેવતા. आजिन और अजिनवर समुद्र का अधिपति देव. The presiding deity of the Ajina and Ajinavara oceans. जीवा० ३;

आईणवर. पुं० (**आजिनवर**) એ નામનો એક દ્વીપ તથા એક સમુદ્ર. **इस नाम का एक द्वीप तथा समुद्र.** An ocean as well as a continent of that name. (२) આજિન સમુદ્રનો તથા આજિનવર સમુદ્રનો અધિપતિ દેવતા. **आजिन और आजिनवर समुद्र का अधिपति देव.** The presiding deity of the oceans named Ājina and Ājinavara. जीवा० ३;

आईणवरभद्द. पुं० (**आजिनवरभद्र**) આજિનવર દ્વીપનો અધિપતિ દેવતા. **आजिनवर द्वीप का अधिपति देव.** The presiding deity of Ājinavara Dvīpa. जीवा० ३;

आईणवरमहाभद्द. पुं० (**आजिनवरमहाभद्र**) આજિનવર દ્વીપનો અધિપતિ દેવતા. **आजिनवर द्वीप का अधिपति देव.** The presiding deity of Ājinavara Dvīpa. जीवा० ३;

आईणवरोभास. पुं० (**आजिनवरावभास**) એ નામનો એક દ્વીપ તથા સમુદ્ર. **इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र.** Name of a continent; also, that of an ocean. जीवा० ३;

आईणवरोभासभद्द. पुं० (**आजिनवरावभासभद्र**) આજિનવરોભાસ દ્વીપનો દેવતા. आजिनवरोभास नामक द्वीपका देव. The deity of Ājinavarobhāsa Dvīpa जीवा. ३;

आईणवरोभास महाभद्द. पु. (**आजिनवरावभास महाभद्र**) આજિનવરોભાસ દ્વીપનો અધિપતિ દેવતા. **आजिनवरोभास द्वीप का** अधिपति देवता. The presiding deity of Ājinavarobhāsa Dvīpa. जीवा. ३;

आईणवरोभासमहावर. पुं० (**आजिनवरावभासमहावर**) આજિનવરોભાસ સમુદ્રનો અધિપતિ દેવતા. **आजिनवरोभास समुद्र का अधिपति देव.** The presiding deity of the Ājinavarobhāsa ocean. जीवा. ३;

आईणवरोभासवर. पुं० (**आजिनवरावभासवर**) આજિનવરોભાસ સમુદ્રનો અધિપતિ દેવતા. **आजिनवरोभास समुद्र का अधिष्ठाता देव.** The presiding deity of Ājinavarobhasa ocean जीवा ३;

आईणिय. त्रि० (**आदीनिक-आसमन्ताद्दीनमादीनं तद्विद्यते यस्मिन्सः**) અત્યન્ત દીનતા વાળું. **अत्यन्त दीनता** वाला. Indigent; penurious. "**आईणियं दुक्कडियं पुरत्था**" सूय० १, ५, १, २:

आईयट्ठ. त्रि० (**आतीतार्थ-आसमन्तादतीव इता ज्ञाताः परिच्छिन्ना जीवादयोऽर्थायेनसः यद्वाऽऽसामस्त्येनातीतानि प्रयोजनानि यस्य स तथा**) દૂર કર્યાં છે સમસ્ત પ્રયોજન જેણે; શાંત વ્યવહાર વાળો. **समस्त प्रयोजनों** से रहित; शांत व्यवहार वाला. (One) who has risen above all worldly purposes; calm and tranquil. आया० १, ७, ६, २२२;

आइरण. त्रि० (**आजीरण-आजिः संग्रामस्तमीरयति प्रेरयति क्षिपति जयतीति यावत्**) લડાઇ જીતનાર. युद्ध जीतने वाला (One) who conquers in a battle; victorious in battle. संथा०

आईसाण. न० (**आईशान**) ઈશાન દેવલોક પર્યંત. ईशान देवलोक पर्यंत Up to, as far as Īśāna heavenly world. प्रव० ११६२;

आउ. अ० (**अथवा**) અથવા **अथवा; या.** Or. सूय० २, ७, ६;

आउ. न० (आयुष्-प्रतिसमयंभोग्यत्वे नायातीत्यायुः एति गच्छत्यनेनगत्यन्तरमित्यायुः) જેના ઉદયથી જીવ જીન્દગી ભોગવે છે તે; આયુષ્ય કર્મ; આઠ કર્મ માંનું પાંચમું કર્મ. वह कर्म जिस के उदय से आयु प्राप्त करता है; आयुष्य-कर्म; आठ कर्मो मेंसे पांचवा कर्म. The Karma by the rise of which a soul has to finish a life period; the fifth of the eight kinds of Karma. दसा० ६, २; पन्न० २३; भग० ३, १; ५, १; ७, १; ६; १५, १; नाया० २; जं० प० उत्त० ३, १७; १०, ३; ३४, २; क० प० २, ५४; विं० नि० भा० २६; क० गं० १, ३; ५, ६;—**अज्झवसाण.** पुं० (-अध्यवसान) આયુષ્યકર્મ નિષ્પાદક અધ્યવસાય વિશેષ. आयुष्य कर्म उपादान करने वाला अध्यवसाय विशेष. a certain sort of thought-activity giving rise to Āyusya Karma. भग० २४, १; —**उवक्कम.** पुं० (-उपक्रम) પોતાના હાથથીજ આઉખું પૂરૂં કરવું તે જેમ શ્રેણિક રાજાએ કાષ્ટ પિંજરમાં હીરો ચુસી આઉખું પુરૂં કર્યું તેમ. अपने हाथ से ही अपनी आयु का पूरा करना, जैसे कि राजा श्रेणिक ने काष्टके पींजरे मे हीरा चूसकर अपनी आयु पूर्ण की. भग० २०, १०; putting a period to one's own existence; e. g. in the case of Śreṇika the king, who sucked a diamond in a wooden cage and died; suicide. —**कम्म.** न० (-कर्मन् एति याति चेत्या युस्ताभिबन्धनं कर्मायुष्कर्म) આઠ કર્મમાંનું પાંચમું આયુષ્ય કર્મ. आठ कर्मो में से पांचवाँ आयु कर्म. Āyusya Karma, the fifth of the 8 Karmas. उत्त० ३३, २; ४; —**काल.** पुं० (-काल) મૃત્યુકાલ; મરણનો અવસર. मृत्यु समय; मरणकाल. time of death. आया० १, ८, ८, ११; —**क्खय.** पुं० (-क्षय) આયુષ્ય કર્મનો ક્ષય; આયુષ્ય કર્મની નિર્જરા. आयुकर्म का क्षय; आयुकर्म की निर्जरा. "सेणे जह वट्टयं हरे एवमायुक्खयम्मि तुट्टती" the destruction of Āyusya Karma. सूय० १, २; १, १; सु० च० ४, ११६; नाया० १; ८, १४; १६; भग० २, १; १, ६; ६, ३३; २५, ८; पण्ह १, १; कप्प० १, २; निर० ३, १; —**क्खेम.** न. (-क्षेम) આયુષ્ય-જીન્દગીનું સ્વાસ્થ્ય-આબાદી. आयुष्य-जीवन का स्वास्थ्य. the peace and safety of life. " जं किंचि व कम्मं, जाणे आउक्खेमस्समप्पणो तस्सेव अंतरद्धाए खिप्पं सिक्खेज पंडिए " आया० १, ८, ८, ६; सूय० १, ८, १५; —**निवत्ति.** स्त्री० (-निर्वृत्ति) આયુષ્યની નિષ્પત્તિ. आयुष्य की निष्पत्ति. acquisition of life भग ६, ४, —**पज्जव.** पुं० (-पर्यव) આયુષ્યના પર્યાય आयुष्य का पर्याय-मर्यादा. variation of life. जं० प० २, २६; —**परिणाम.** पुं० (-परिणाम) આયુષ્ય કર્મનો સ્વભાવ. आयुष्य परिणाम स्वभाव; आयुष्य कर्म का स्वभाव. nature of Āyusya Karma. " नव विहे आउ परिणामे पण्णत्ते तंजहा गइ परिणामे " गइ बंधण प० ठिइप० ठिइबंधण प० भग ६, ५, जं० प० ७, १७६; —**पहीण.** पुं० (-प्रहीन) ક્ષીણ થયેલ આઉખું. क्षीण आयु. worn out life; worn out life-period भग० ११, १०;

— भेय. पुं० (-भेद-आयुष्यस्य जीवितस्य भेद उपक्रमः आयुर्भेदः) આયુષ્યની ઉપઘાત; આયુષ્યકર્મનું ભેદાવું-તુટવું તે. आयुकर्म का टूटना; आयु में भेद होजाना. breaking down of Āyuṣya; the destruction of Āyuṣya-Karma. "सत्तविहे आउभेद प० तंजहा अज्झवसाणा निमित्ते आहारे वेयणा पराघाए फासे आणापाणू सत्तविहं भिजए आऊ" ठा० ७;

आउ. स्त्री० (अप्) પાણી. जल. Water. भग० ५, ६; ६, ४; पिं० नि० भा० ६; सूय० १, १, १, ७; प्रव० ८८८; (२) स्त्री० અપકાય-પાણીના જીવ; અપકાય. अपकाय-जल के जीव. an aquatic sentient being. जं० प० ७; सू० प० १०; उत्त० २६, ३०; क० गं० १, ०६; ५७; २, ६; ४, ३; भग० ६, ५; ८. (३) પૂર્વાષાઢા નક્ષત્રનો દેવતા पूर्वाषाढा नक्षत्र का देव. the deity of the Pūrvāṣāḍhā constellation. "पुव्वासाढा आउ देवयाए" सू० प० १०; अणुजो० १३१; ठा० २, ३; —काअ-य. पुं० (-काय-आपः कायो यस्येति) અપકાય; પાણીના જીવ. अपकाय के जीव. aquatic lives. सम० ६; उत्त० १०, ६; दस० ६, ३०; भग० २, ६; ७, १०; १६, ३; आया० १, ६, १, १२; —काइय. पुं० (-कायिक-आपो द्रवास्ताएव कायः शरीरं यस्येति) અપ-પાણી કાય-શરીર છે જેનું તે; પાણીના જીવ. ऐसे जीव जिनका शरीर जल है. aquatic lives. भग० १, ५; १७, ८; १८, ८; ३३, १; जीवा० १; पन्न० १; दस० ४; —काअ—य. पुं० (-काय) અપકાય; પાણી. अपकाय; जल. water; water considered as a sentient mass. उत्त० १०, ६; पिं० नि० भा० १६; आया० नि० १, १, ३, ११३, पन्न० ५; पंचा० ५, २६; १०, २४; १४, ७; —काइय. पुं० (-कायिक) જુઓ "आउकाइय" શબ્દ. देखो "आउकाइय शब्द" vide "आउकाइय" "सेकिंते आउकाइया? आउकाइया दुविहा पन्नता" पन्न० १; भग० २६, १; —कायविहिंसग. त्रि० (-कायविहिंसक) પાણીના જીવની હિંસા કરનાર. जलकाय जीव की हिंसा करने वाला. (one) who kills aquatic sentient beings. नंदी० १०; —जीव. पुं० (-जीव) જલજીવ; પાણીના જીવ. जलजीव. पानी के जीव. aquatic lives. "दुविहा आउजीवाओ सुहुमा बायरा तहा" उत्त० ३६, ८६; ३६, ८४; ८४; सूय० १, ११, ७; भग० ५, २; —बहुल. त्रि० (-बहुल) જેમાં પાણી ઘણું હોય તે. जिस में पानी बहुत हो ऐसा. that which is full of water. जं० प० २, ३६; —बहुलकंड. न० (बहुलकाण्ड) ઘણા જલવાળો રત્નપ્રભા પૃથ્વીનો ત્રીજો કાણ્ડ. बहुत जल वाला रत्नप्रभा पृथ्वी का तीसरा काण्ड-भाग the third section of the Ratnaprabhā world abounding in water. "आउबहुलं कंडे असीइ जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं" सम० —याय. पुं० (काय) પાણીના જીવ; અપકાય. पानी के जीव. aquatic creatures; water considered as a living mass. भग० १६, ३; —सोअ. न० (-शौच) જલવડે શૌચ-પવિત્રતા. जलद्वारा शुद्धि. purification, cleaning by means of water. अ० ४, १;

आउंचण. न० (आकुञ्चन) અવયવ સંકોચવા તે. अवयवों को संकुचित करना. Contraction of limbs. सम०

√आउंट धा० I. (*आकुंच-आ+कृ) કરાવવું. कराना To cause to do. (२) સંકોચવું. संकुचित करना. to contract.

आउंटए. ओघ० नि० २२६;
आउंटेज्जा. वि० भग० १४, १;
आउंटेहि. आ० नाया० ५;
आउंटेह. आ० नाया० ५;
आउंटावेति. प्रे० भग० १६, ८;
आउंटावेमि. नाया० ५;
आउंटावेत्तए. प्रे० हे० कृ० भग० १६, ३; ५;
आउंटावेमाण. प्रे० व० कृ० भग० १६, ८;

आउंटण. न० (आकुञ्चन) સંકોચન. संकोचन. Contraction. पन्ना० १७, १६; **—पसारण.** न० (-प्रसारण) સંકોચવું અને વિસ્તારવું તે; સંકેલવું અને પસારવું તે. संकोचना और विस्तार करना. contraction and expansion. भग. १६, ८;

आउंटिय. त्रि० (आकुञ्चित) સંકોચેલું संकुचित किया हुआ. Contracted, folded. भग० १४, १;

आउग. पुं० (आयुष्क) આઉખું; જીવન; આયુષ્ય. आयुष्य; जीवन. Life. भग० ६, १; **—तिग.** न० (-त्रिक) નરકાયુ, તિર્યંચાયુ અને મનુષ્યાયુ, એ આયુષ્યની ત્રણ પ્રકૃતિ. नरकायु तिर्यंचायु और मनुष्यायु यह आयुष्य की तीन प्रकृतियां. the three Prakritis (Karmic natures) of Āyuṣya i. e. life-period viz of hellish beings, subhuman beings and human beings. क० गं० ५, ८३; **—वज्ज.** न० (-वर्ज्य) આયુષ્ય સિવાય. आयुष्यके बिना. excepting, with the exception of, Āyuṣya, (i. e. life). क० प० १, ५५;

आउच्छणा. स्त्री० (आपृच्छना) જુઓ "आपुच्छणा" શબ્દ. देखो "आपुच्छणा" शब्द. Vide "आपुच्छणा" पंचा० १२, २६;

आउज्ज. पुं० (आवर्ज्य आवर्जनमावर्जः आवर्ज्यतेऽभिमुखीक्रियते मोक्षोऽनेनेत्यावर्जः) મન વચન અને કાયાનો શુભ વ્યાપાર; શુભ પ્રવૃત્તિ; મોક્ષને અનુકૂલ કર્તવ્ય मन, वचन, और काया की शुभ प्रवृत्ति; मोक्ष के अनुकूल कर्तव्य. The good activities of mind, speech and body (२) त्रि० મન વચન અને કાયાનો શુભ વ્યાપાર કરનાર. मन, वचन और काया का शुभ व्यापार करने वाला. (one) who has good activities of mind, speech and body. पन्न० ३५;

आउज्ज. त्रि० (आयोज्य) એક બીજા સાથે જોડેલ. एक दूसरे के साथ जोडा हुआ. Interlinked. विशे० १४;

आउज्ज. पुं० (आतोद्य) વીણા આદિ વાજીંત્ર. वीणा आदि वाद्य. A musical instrument like a lute etc. "एवमादूयाणं एगोगवणं आउज्ज विहाणाइं विउव्वन्ति" राय० ठा० २, ३; पराह० २, ४; **—सद्द.** पुं० (-शब्द) વીણા આદિ વાજીંત્રનો અવાજ. वीणा आदि बाजों की आवाज. the sound of a musical instrument such as a lute etc. "आउज्जसद्दे दुविहे पयणत्ते तंजहा ततेचेव वितत्तेचेव" ठा० २;

आउज्जण. न० (आवर्जन) મન, વચન અને કાયાનો શુભ વ્યાપાર. मन, वचन और काया का शुभ व्यापार. Salutary

activity of mind, speech and body. पएण० ४३६;

आउज्जिय. पुं० (आयोगिक) ઉપયોગ પૂર્વક વર્તનાર; જ્ઞાની. उपयोग पूर्वक—सावधान पूर्वक व्यवहार करनेवाला; ज्ञानी. One acting attentively; one possessed of knowledge. भग० २, ५;

आउज्जियकरण. न० (आयोजिकाकरण-आवर्जितस्यकरणमावर्जितकरणम्) કેવલ-સમુદ્ઘાતની પૂર્વે કરાતો શુભ વ્યાપાર યોગ. केवल–समुद्घात के पहिले किये जानेवाला शुभ व्यापार-योग. Salutary thought-activity at the time of Kevala-Samudghāta. पन्न० ३६;

आउज्जियाकरण. न० (आयोजिका-करण–आङ्मर्यादया केवलिदृष्ट्या योजनं शुभानां योगानां व्यापारणम्–भावे युट् तस्य करणमिति) કેવલ-સમુદ્ઘાતની પહેલાં કરવામાં આવતો શુભ મન, વચન, કાયાનો વ્યાપાર-ક્રિયા; એક અંતર્મુહૂર્તસુધી કર્મ-પુદ્ગલને ઉદયાવલિકામાં નાખવારૂપ ઉદીરણા વિશેષ. केवलिसमुद्घात के पहिले की जाने वाली मन वचन और काया की शुभ क्रिया: एक अन्तर्मुहूर्त तक कर्म पुद्गल को उदयावलिका में डालने रूप उदीरणा विशेष. Salutary activity of mind, body and speech at the time of Kevala-Samudghāta; causing an outflow of Karmic atoms for one Antara-Muhūrta. पन्न० ३६;

आउज्जीकरण. न. (आयोजिकाकरण) મન, વચન ને કાયાનો શુભ વ્યાપાર. मन वचन और काया का शुभ व्यापार. Salutary activity of thought, speech and body. पन्न० ३६;

√ **आउट्ट.** धा. I–II. (आ+कुट्ट) હિંસા કરવી. हिंसा करना. To kill; to injure. (२) કરવું. करना. to do. (३) ભુલાવવું. भुलाना. to make one forget. (४) ભમવું. भमना; भटकना. to wander. (५) સંકલ્પ કરવો; ઇરાદો કરવો. संकल्प करना; इरादा करना. to resolve; to intend.

आउट्टइ. भग० ७, १;

आउट्टइ. ,, ,,

आउट्टामो. आया० १. १, ३, १५;

आउट्टिया. आया० १, २, २, ७२;

आउट्ट. आया० २, १३, १७३;

आउट्टिअ.

आउट्टित्तए. कप्प० ६, ४६;

आउट्ट. त्रि० (आवृत्त) વળેલ. વળેલ. उस ओर झुका हुआ. Turned to that side. पंचा. १६, २१; पिं० नि० २६७. (२) વ્યવસ્થિત થયેલ. व्यवस्थित. arranged; settled. आया० १. ७. ४, २१५;

आउट्ट. पुं० (आकुट्ट-आकुट्टनमाकुट्टः) પ્રાણીના અવયવો છેદવા તે; હિંસા કરવી; મારવું તે. प्राणी के अवयव छेदना; हिंसा करना. Cutting off limbs of animals; killing; injuring. सूय० १ १; २, २५;

आउट्टण. न० (आवर्तन) પાસું ફેરવવું તે. करवट पलटना. Turning from one side to the other. आव० ४, ४;

आउट्टणया. स्त्री. (आवर्तनता–आवर्त्ततेऽभिमुखीभूय वर्त्तते येन स तथा तद्भावस्तत्ता) મતિજ્ઞાનનો ભેદ જે 'અવાય' તેનું અપર નામ. मतिज्ञानके अवाय नामक भेद का दूसरा नाम. Another name for Avāya which is a variety of Mati-jñāna. नंदी० ३२;

आउट्टि. स्त्री. (आकुट्टि) हिंसा. हिंसा. Killing; injuring; beating. सम०
—**कय.** त्रि० (-कृत) हिंसा पूर्वक करवामां आवेल. हिंसा पूर्वक किया हुआ. done after having first performed an act of killing or injury. आया० १, ५, ४, १५८;

आउट्टि. स्त्री. (आवृत्ति) सन्मुख थइने रहेवुं ते. सन्मुख होकर रहना. Standing with the face turned towards. नंदी० (२) फरी फरी अभ्यास करवो ते. वारंवार स्वाध्याय आवृत्ति करवी ते. बार बार अभ्यास करना पाठ करना. repeated study; e. g. of Śāstras. (३) सूर्य तथा चंद्रनुं अन्दरना मांडलेथी बहार जवुं अने बहारना मांडलेथी अन्दर आववुं ते; एक युगमां पांच वर्षमां सूर्यनी १० अने चंद्रनी १३४ आवृत्ति थाय छे तेमांना गमे ते एक. सूर्य तथा चंद्र का भीतर के मंडल में से बाहिर और बाहिर के मंडल में से भीतर आने की क्रिया—एक युग (पांच वर्ष) में सूर्य की १० और चंद्र की १३४ आवृत्तियां होती हैं उन में से कोई भी एक. recurrence of the sun and the moon to the same point or place. In five years the sun has got ten and the moon 134 recurrences. सू० प० १२;

आउट्टि. त्रि० (आकुट्टिन) जाणीजोइने हिंसा करनार; इरादा पूर्वक प्राणिनुं छेदन भेदन करनार. जानबूझकर हिंसा करनेवाला. संकल्प पूर्वक प्राणीको छेदनभेदन करनेवाला. (One) who kills or injures animals purposely. सूय० १, १, २, २५;

आउट्टिया. स्त्री० (आकुट्टी) जाणी जोइने-इरादा पूर्वक करवुं ते. जानबूझकर करना. Doing anything intentionally. सम० २१; पंचा० १५, १८; —**दंड.** पुं० (-दण्ड) जाणी जोइने दंडावुं ते. समझ बूझकर पापसे अपने को दण्डना-पापार्जन करना. दण्ड देना. incurring sin, consciously and intentionally. " आउट्टिय दंड खंडियव ओवा " भत्त० ७७;

आउड. धा० II. (आ+जुड) घण वडे कुटवुं; टीपवुं; मारवुं. घन से कूटना, मारना. To hammer; to beat; to pound.
आउडइ. भग० ३, २;
आउडंति. जं० प० ३, ५३;
आउडत्ता. भग० ३, २;
आउडमाण. भग० ६, १; १६, ४;
आउडावेइ. निसी० ६;

आउडिअ. त्रि० (आजुडित) अक्षर कोतरी नाम पाडेल. अक्षर खोदकर लिखा हुआ नाम. (Name) carved in letters. अणुजो० १०८;

आउडिज्जमाण. त्रि० (आजोड्यमान) सम्बन्धयुक्त थतुं; जोडातुं. जुड़ता हुआ. Being linked or united. " छउमत्थेणं भंते मणूसे आउडिज्जमाणाइं सद्दाइं सुणाइ " भग० ५, ४;

आउत्त. त्रि० (आयुक्त) उपयोग पूर्वक; उपयोग सहित; सावधान. उपयोग पूर्वक; सावधानी से. Carefully; attentively. " आउत्तं गमणं आउत्तं ठाणं आउत्तं णिसीयणं " भग० ३, ३; ६, ५; ७, १; २५, ७; संथा० ६४; सूय० २, २, ७३; पण्ह० ११; ओघ० नि० ५५५; (२) रंधाइने तैयार थयेल. रंधाकर तैयार. ready after being cooked; cooked and ready for use. कप्प० ८; ३३;

आउत्त. त्रि० (आगुप्त) गुप्तिथी गोपवेल; रक्षण करेल. रक्षण किया हुआ. Protect-

ed carefully. (२) न० संयत-साधुनी गति चेष्टा वगेरे. संयत साधु की गति-चेष्टा वगेरह. the movements, actions etc. of a Sādhu. भग० २५, ७;

आउत्तया. स्त्री० (आयुक्त) उपयोग; सावधानी. उपयोग, सावधानी. Attentiveness; carefulness. " **आउत्तया जस्स य नत्थि काइ** " उत्त० २०, ४०;

आउधागार. पुं० (आयुधागार) आयुधशाला; हथियारो राखवानी जग्या. आयुध शाला; शस्त्रास्त्र रखने की जगह. An armoury. ओव०

आउय—अ. न० (आयुष्क) आयुष्य; आउखुं; जीवन; जींदगी आयुष्यकर्म. आयुष्य; जीवन; जिंदगी; आयुकर्म. Life; Āyuṣya-Karma. सम० १; नाया० १; ८; ओव० २०; ३८; ४१; अणुजो० १२२; क० गं० २, ४; सूय० २, ७, ११; आया० १, २, १, ६२; उत्त० ४, ३२; २६, २२; भग० १, १; ३; ४; ५, ३; ६; ६, ३; ७, १; ८, ६; ११, १; १८, ४; २४, १; २५, ३; ६; पन्न० २२; दसा० ५, ४०; क० प० १, २६;—**कम्म.** न० (कर्मन्) जुओ " **आउकम्म** " शब्द. देखो " **आउकम्म** " शब्द. vide " **आउकम्म** " भग० २६, १; ३५, २; —**परिहाणि.** स्त्री० (परिहानि) आयुष्यनो प्रतिक्षणे थतो क्षय; आउखानो घटाडो. आयु का प्रतिक्षण होता हुआ क्षय; आयुष्य की हीनता. destruction of life going on every moment. पंचा० १, ४८;—**बंध.** पुं. (-बन्ध) आयुष्यकर्मनो बन्ध. आयुकर्म का बंध. the bondage of Āyuṣya-Karma. " **कइविहेणं भंते ! आउय बंधेपरागते? गोयमा ! छविहे आउय बंधे परागते** " भग० ६, ८;

आउर. त्रि० (आतुर). आतुर; आकुल-व्याकुल; तलपी रहेल; विह्वल. आतुर; व्याकुल; तडफताहुआ, विह्वल. Eager; distracted; longing. " **तत्थ तत्थ पुढो पास आतुरा परितावति** " आया० १, ६, २, १८१; उत्त० २, ५; ३२, २४; वेय० ४, २६; नाया० १; जीवा० ३, १; भग० २५, ७; (२) रोगी; पीडित; दुःखी; मांदा. रोगी; बीमार. diseased; afflicted; troubled भग० २५, ७; दस० ३, ६; नाया० १८; ठा० ४, ४; विशे० ८६१; विवा० ७;—**स्सरण** न० (-स्मरण) क्षुधा आदिथी आतुर थइने पहेलां खाधेला खोराकनुं स्मरण करवुं ते; आतुरपणे स्मरण करवु ते. क्षुधादि से आतुर होकर पहिले किये हुए भोजन का स्मरण करना. wistful recollection of food formerly taken (by one oppressed with hunger). " **तत्ता निव्वुड भोइत्तं आउर स्सरणाणिय** " दस० ३, ६;

आउरपच्चक्खाण न० (आतुरप्रत्याख्यान) २९ उत्कालिक सूत्रमांनुं २८ मुं सूत्र; आउरपच्चख्खाण नामे एक पइन्नो. २९ उत्कालिक सूत्रों में से २८ वाँ सूत्र; आउर-पच्चक्खाण नामक एक पइन्ना. The 28th of the 29 Utkālika Sūtras; a Painnā of the name of Āura-pachchakhāṇa नंदी ४३;

आउरिअ. त्रि. (आतुरित) मंदवाडीओ; आतुर थयेल. बीमार; आतुरतावाला. Diseased; sick; eager. राय० २५८;

आउल. त्रि० (आकुल) आकुल व्याकुल. आकुल व्याकुल. Distracted. नाया० १; ६; भग० १, १०; नंदी० १६; विशे० ६००; आव० ४, ४; ओघ० नि० ५१५; (२) व्याप्त; भरेल; भराहुआ. full of; filled with. नंदी० १६; ओव० ३१; (३)

समूह. समूह. a collection; a group. अणुजो० ५७;—घर. पुं० (-गृह) જીવોથી ભરેલ ઘર. a house full of sentient beings. जीवों से भराहुआ घर. नाया० ६;

आउलतर. त्रि० (आकुलतर) અતિશય આકુલ; बहुत ज्यादह आकुल. Highly distracted; greatly troubled in mind. " णो आउलतराचेव " भग० १३, ४;

आउलत्त. न० (आकुलत्व) આકુલત્વ-વ્યાપ્તપણું. व्याप्तपना. State of being filled with or pervaded by. प्रव० १८१;

आउलिय. त्रि० (आकुलित) વ્યાકુલ થયેલ. व्याकुल. Perturbed; distracted. सु० च० २, ३२८;

आउलीकरण. न० (आकुलीकरण) પ્રચુરી કરણ—ઘણું કરવું—વધારવું તે; સંસારને વધારવો તે; बहुत कुछ बढाना; संसार भ्रमण की वृद्धि करना. Extending; increasing; increasing worldly existence. भग० १, ६;

आउव्वेय. पुं० (आयुर्वेद-आयुर्जीवितं तद्विदन्ति रक्षितुमनुभवन्ति चोपक्रमरक्षणेन विदन्ति वा लभंते यथा काल येन यस्माद्यस्मिन् वेत्यायुर्वेदः) ચિકિત્સા શાસ્ત્ર; વૈદિકશાસ્ત્ર. चिकित्सा शास्त्र; आयुर्वेद शास्त्र; वैद्यक Science of medicine "अट्ठविहे आउव्वेए पण्णत्ते, तं जहा—कुमारभिच्चे —कायतिगिच्छा सालाइसल्लहत्ता जंगोली भूयविजा खारतंते रसायणे" ठा० ८;

√**आउस.** धा० I-II. (आ+क्रुश्) આક્રોશ કરવો; ઠપકો આપવો. आक्रोश करना; उलाहना देना. To cry out; to reproach; to rebuke.

आउसइ. भग० १५, १; नाया० १८;
आउसिहिंति. भ० भग० १५, १; नाया० १८;
आउसित्तए हे० कृ० राय० २६६;
आउसइत्ता. सं० कृ० भग० १५, १;

आउस. न० (आयुष्य) આયુષ્ય; આવરદા. आयुष्यः आयुष्य-काल. Life; life-period. सू० प० ८;

आउस. पुं० (आक्रोश) આક્રોશ ભરેલ વચન; ઠપકાનાં વચન. उलाहना भरा बचन. Words of reproach or rebuke. राय० २६६;

आउस त्रि० (आयुष्मत) દીર્ઘાયુ; ચિરંજીવી. दीर्घायु; चिरंजावी; लंबी आयु वाला. Long-lived. आया० १, १, १, १; सम० १; नाया० १४; पन्न० २;

आउसो. स. ए० व० जीवा १; भग० ८, ६; १५, १; १७, ३; २०, ८; ओव० ३४;

आउसंत. त्रि० (आयुष्मत) દીર્ઘાયુ; ચિરંજીવી. दीर्घायुः लंबा उम्र वाला. Long-lived. " सुयं मे आउसंतेण " सूय० २, ३, ४३; २, ७, ५; ठा० १; आया० १, १, ३, १४; १, ७, २, २०२; २, ३, ३, १२६; निसी० ६, ४;

आउसणा. स्त्री० (आक्रोशना) આક્રોશ કરવો તે. चिल्लाना; बुरा भला कहना; शोर करना. Crying out; reproaching. भग० १५, १;

आउस्स. पुं० (आक्रोश) આક્રોશ—કર્કશ વચન. कठोर वचन. Harsh words of rebuke. सूय० १, ३, ३, १८;

आउह. न० (आयुध) આયુધ; શસ્ત્ર; હથીયાર. शस्त्र; हथियार. A weapon. नाया० २; १६; १८; भग. २, १०; ७, ६; ६, ३३; सु० च० १०, ४४; जं० प० ३, ४३;—घर. न० (-गृह) આયુધ ઘર; આયુધ-

શાલા; હથીયાર રાખવાનું સ્થાન शस्त्रागार; हथियार रखने की जगह. an armoury. जं० प० ३, ४३; —घरसाला. स्त्री. (-गृहशाला) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide, "आउहघर" जं० प० ३, ४३; —घरिअ. पुं० (-गृहिक) આયુધશાલાનો ઉપરિ—અધ્યક્ષ. आयुधशाला का अध्यक्ष. a superintendent of an armoury. "तएणं से आउहघरिए" जं० प० ३, ४३;

आऊणय. त्रि० (* आऊनक ईषदूनक) કંઇક ઓછું; ઉણું. कुछ कम. Somewhat less. भग० २५, ७;

आऊसिय. त्रि० (*) પ્રવેશ કરેલ. प्रविष्ठ. Entered. "आऊसियवयणगंडदेसं" नाया० ८; (२) સંકુચિત. संकुचित. contracted. "आऊसिय अक्खचम्म उइट्ठगंडदेसं" नाया ८;

आएज्ज. त्रि० (आदेय) ગ્રહણ કરવા યોગ્ય; માનનીય. ग्रहण करने योग्य; मानने योग्य. Worth being accepted or taken. जं० प० क० प० ७, ८; —वयण. न० (-वचन) માનનીય વચન. मानने योग्य वचन. words worth accepting. उत्त० ३६, ६;

आएस. त्रि० (*आ+इण्यत्-एण्यत्) આવતું; આવવાનું. आता हुआ. Coming. "आएसा विभत्ति सुव्वया" सूय० १, २, ३, १६;

आएस. पुं० (आदेश-आदिश्यते आज्ञाप्यते सम्भ्रमेण परिजनो यस्मिन्नागते तदातिथेयायत्तदाशनदानादिव्यापारे स आदेशः) પાહુણો; પરોણો; મિજમાન. अतिथि; पाहुना. A guest. "आएसाए समोहिए" उत्त० ७, १; ४; ओघ० नि० १४८; ६६१; ओघ० नि० भा० १४७; निसी० १०, १२; वव० ६, १; (२) પ્રકાર; ભેદ. प्रकार; भेद. mode; kind. भग० ८, २; नंदी० ३६; पएण० १; प्रव० ५१६; विशे० ४०३; (३) વિશેષ; વ્યક્તિ રૂપ. विशेष; व्यक्तिरूप. particular; individual. उत्त० ३६, ६; (४) સૂત્ર; આગમ; શાસ્ત્ર. सूत्र; आगम; शास्त्र. a Sūtra or scripture. विशे० ४०५; (५) ઉત્પાદ વ્યય અને ધ્રૌવ્ય એ ત્રિપદી કે જે ગણધરને પ્રથમ સંભળાવવામાં આવે છે. उत्पाद, व्यय और ध्रौव्य ये त्रिपदी जो कि गणधर को पहले कहा जाता है. the three conditions that are first taught to a Gaṇadhara, viz birth, decay and steady existence. विशे. ५५०; (६) વ્યપદેશ; વ્યવહાર. व्यपदेश; व्यवहार. denomination; nomenclature. सूय० १, ८, ३; (७) હુકમ; આજ્ઞા. हुकम; आज्ञा. command. सु० च० २, ४५६; पिं० नि० १८४, पंचा० ५, ४५; जीवा० १; (८) મત. मत. an opinion. "बीओवय आएसो" प्रव० ८५५; —सव्वय. पुं० (-सर्व आदेशनमादेश उपचारोऽयवहारस्तेन सर्वमादेशसर्वम्) ઉપચારથી સર્વ; પ્રચુર અથવા પ્રધાન વસ્તુમાં સર્વનો ઉપચાર કરવો તે જેમ ભોજનમાં ઘી વધારે હોય તો આજ તો એકલું ઘીજ ખાધું,

---

* કોઇ જગ્યાએ મૂલ શબ્દને લગતો સંસ્કૃત પર્યાય સંસ્કૃત કોષમાં ન હોય તેવે સ્થલે સંસ્કૃતની જગ્યા ખાલી રાખવામાં આવી છે. जहां मूलशब्द का पर्यायवाच संस्कृत शब्द नहीं मिला वहां संस्कृत शब्द की जगह खाली रखने में आई है. Blank space left in brackets indicates that no satisfactory तद्भव or तत्सम Sanskrit equivalent is available.

आमां घीनी प्रधानताने लीधे घी शिवायनी वस्तुमां पण घीनो उपचार कर्यो. एक का अधिकता से उसका सब में उपचार करना; जैसे कि भोजन में घी अधिक होने पर यह कहना कि आज तो घी ही घी खाया इस मे घी की प्रधानता से भोजन की अन्यवस्तुओं में भी घी का उपचार किया. denominating a thing by giving the whole of it the name of a part which is prominently found there.

आएसण. न० (आदेशन) लुहार वगेरेनी कोड—कारखानुं लुहार वगेरह का कारखाना. A workshop of a blacksmith etc. दसा. १०, १; आया० २, २, २, ८०;

आएसिय न० (आदेशिक) साधुने देवा माटे कल्पी राखेल आहारादि; आहारनो एक दोष. साधु को देने की इच्छा से रखा हुआ आहार वगेरह; आहार का एक दोष. Food etc. pre-determined to be given to a Sādhu; a kind of sin relating to food. पिं० नि० २२६;

आओग. पुं० (आयोग) द्रव्य संपादन करवानो उपाय; धंधो-व्यापार वगेरे. द्रव्य उपार्जन करने का उपाय; धंदा व्यापार आदि. Business; trade; means of earning. भग० २, ५; सूय० २, ७, २; (२) पैसानी आवक; बमणो त्रगणो वटाव. धन की आमदनी; दुगना तिगना बटाव. income; double or treble profit of exchange. ओव० जं० प० ३, ५६;—पओग. पुं० (-प्रयोग-आयोग-स्वार्थलाभस्य प्रयोगा उपायाः) द्रव्य संपादन करवानो उपाय; द्रव्यवृद्धिमाटे धीरधार करवी ते. द्रव्य संपादन करने का उपायः वृद्धि के लिये देन लेन करना. earning wealth; business of lending etc. जं० प० ३, ५६;—पओग-संपउत्त. त्रि० (-प्रयोगसंप्रयुक्त) द्रव्य उपार्जन करवाना उपायमां प्रवृत्त थयेल. द्रव्योपार्जन के उपाय मे प्रवृत्त-तत्पर. (one) engaged in money-making concerns. जं० प० ३, ५६;

आओजिया. स्त्री० (आयोजिका) तीव्र परिणामथी करवामां आवती क्रिया के जेनाथी संसार साथेनो संबंध वधे छे. तीव्र परिणाम से की जाने वाली क्रिया, जिससे कि संसार सम्बन्ध बढता है. An action done with keen thought-activity increasing one's worldly attachment. पन्न० २२;

आओज्ज. न० (आतोद्य) वाद्य; वाजिंत्र. बाजा; वाद्य. A kind of musical instrument. ओव० ३०;

आओज्ज. त्रि० (आयोज्य) मर्यादा पूर्वक जोडवा योग्य. मर्यादा पूर्वक जोडने योग्य. Worth being united within limits. विशे० २३;

आओस. धा० I, II. (आ+क्रुश्) तिरस्कार करवो; ठपको देवो. तिरस्कार करना; उलाहना देना. To upbraid; to reproach.

आओसंसि. उवा० ७, २००;

आओसेज्जासि. उवा० ७, २००;

आओसेज्जा. विधि० उवा० ७, २००;

आओस. पुं० (§) परोढियुं; सूर्योदय पहेलानी बे घडी. सवेरा; प्रातःकाल.

§ जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट *. देखो पृष्ठ नंबर १५ का फूटनोट *. Vide foot-note * of the 15th page.

Dawn. "ओआसे संगारो अमुई वेलाए निग्गए ठाणं" पिं० नि० भा० ६१;

आंताइ. त्रि० (आन्तादिन्-आन्तेभवमान्तं भुक्तावशेषं तदान्तमत्तीत्येवंशील आन्तादी) ખાતાં પીતાં બાકી રહેલ આહાર લેનાર, (સાધુ). औरों के खाते बचे हुए अहार को खाने वाला, (साधु). (An ascetic) who eats the remnants of food taken by others. पंचा० १८, ३१;

आंदोलिर. (* आन्दोलिन्) કંપનશીલ. कंपनशील; कांपनेवाला. Trembling; of a quaking nature. सु० च० २, ६५४;

√ आकंख. धा० I (आ+कांक्ष) ઇચ્છવું; આકાંક્ષા રાખવી. इच्छा करना; आकांक्षा रखना. To wish; to desire. आकंखी. वि० "निव्वुडे कालमाकंखी" सूय० १, ११ ३८;

आकंखिर. त्रि० (* आकांक्षिन्) આકાંક્ષા કરનાર; આકાંક્ષણશીલ. आकांक्षा करने वाला. One who wishes or desires. सु० च० २, ३२८;

√ आकंप. धा० I (आ+कम्प्) આરાધના કરવી. आराधना करना. To adore; to worship. (२) સન્મુખ રહેવું. सन्मुख रहना. to remain face to face; to remain in one's presence. आकंपइत्ता. सं० कृ० भग० २५, ७;

आकट्ठ. त्रि० (आकृष्ट) સામે ખેંચેલ. सामने की ओर खींचा हुआ. Drawn towards. पण्ह० १, १;

आकड्ढ. त्रि० (आकर्ष) સામે ખેંચવું તે. सन्मुख खींचना. Drawn towards. भग० ३, १; —विकड्ढि. स्त्री० (-विकृष्टि) આમતેમ ખેંચવું તે; ખેંચાખેંચ કરવી તે इधर उधर खींचना. pulling in different directions. भग० ३, १; १५, १;

आकण्णित्ता. सं० कृ० अ० (आकर्ण्य) સાંભળીને. सुनकर. Having heard. नाया० १६;

√ आकन्न. धा० I. (आ+कर्ण्) સાંભળવું. सुनना. To hear.

आयन्नइ. सु० च० १४, ४६.

आयन्नंत. व० कृ० सु० च० २, ११७;

आयन्निय. सं० कृ० सु० च० २. ७१;

आयन्निऊण. सं० कृ० सु० च० ७, १६७;

आकम्हिय. त्रि० (आकस्मिक—अकस्माद्भवति तदाकस्मिकम्) આકસ્મિક; અહેતુ; કારણ વગરનું. आकस्मिक; अचानक; बिना कारण के. Accidental; without any assignable cause. "बज्झ निमित्ताभावा जंभवइ आकम्हियं" विशे० ३४५१;

आकार. पुं० (आकार) આકૃતિ; ચહેરો; આકાર. आकार; चेहरा; डौल डौल. Form; shape; figure; face. सू० प० २०; ओव० निसी० ७, २८; उवा० २, ६०; ६४;

आकासफलोवमा. स्त्री० (आकाशफलोपमा) ખાદ્ય—ખાવાનો એક પદાર્થ. खानेका एक पदार्थ. An eatable substance; a substance used as food जं० प० १, ११;

आकासिआ. स्त्री० (आकाशिका) ખાદ્ય વિશેષ; ખાવાનો એક પદાર્થ. खानेका एक पदार्थ. A kind of food; a substance used as food. जं० प० १, ११;

आकिइ. स्त्री० (आकृति) આકાર; આકૃતિ દેખાવ. आकृति; रुपरंग; दृश्य. Form; shape; appearance. सम०

आकिंचण. न० (आकिंचन्य—आकिंचनस्यभाव आकिंचन्यम्) પરિગ્રહ રહિતપણું; સુવર્ણ આદિ પરિગ્રહનો અભાવ. परिग्रह राहित्य; परिग्रह का अभाव. Absence of worldly possessions

like gold etc. पंचा० ११; १२; सु० च० १, ४७;

आकिति. स्त्री० (आकृति) આકાર; દેખાવ. आकृति; रूपरंग. Form; appearance; shape. जीवा० ३, ४;

आकीलवास. पुं० (आक्रीडावास) ગૌતમ-દ્વીપમાં રહેતા લવણ-સમુદ્રના અધિપતિ સુસ્થિક દેવતાનો ક્રીડાવાસ. गौतम द्वीप में रहने वाले, लवण समुद्र अधिपति सुस्तिक देवका क्रीडा क्षेत्र. The pleasure-abode of the god Susthika, the presiding deity of the Lavana ocean, residing in the Gautama Dvipa. जीवा० ३, ४;

आकुंचण. न० (आकुञ्चन) સંકોચવું તે. संकोचना. Contraction. विशे० २४६२

—**पट्टग.** न० (-पट्टक) પલાંઠી કે કમર બાંધવાનું વસ્ત્ર. कमर बान्धने का वस्त्र. a cloth used to tie the waist. वेय० ५, ३१;

आकुंचिय. त्रि० (आकुञ्चित) સંકોચેલ. संकुचित; सिकोड़ा हुआ. Contracted. नाया० १;

आकुट्ठ. त्रि० (आक्रुष्ट) જેને આક્રોશ ભરેલ વચન સંભળાવવામાં આવે તે. जिसे कर्कश वचन सुनाये जावें वह. (One) who is upbraided, reproached. आया० १, ६, २, १८३;

आकुल. त्रि० (आकुल) જુઓ " आउल " શબ્દ. देखो " आउल " शब्द. Vide " आउल " सूय० १, १, १, २६;

आकूत. न० (आकूत) અભિપ્રેત વસ્તુ. चाही हुई वस्तु; इच्छित वस्तु. Desired object. विशे० २१५५;

आकूय. पुं० (आकूत) અભિપ્રાય; આશય. अभिप्राय; मन्शा. Opinion; intended meaning. (२) न० અભિપ્રેત-ઈચ્છિત વસ્તુ. चाही हुई वस्तु; इच्छित वस्तु. a desired thing. विशे० ६२८;

√**आ-क्खा.** धा० I, II. (आ+ख्या) કહેવું; કથન કરવું. कहना; कथन करना. To tell; to narrate.

आघवेइ भग० ८, २; १६, ६;

आघवेज. वि० भग० ६, ३१;

आघवित्तए. नाया० १;

आघवेतए. नाया० ६; भग० ९, ३३;

आघवेत्ता. ठा० ३, १;

आघवमाण. नाया० ५; ८; ओव० ३८;

आहिज्जइ. क० वा० सूय० २, १, २०;

आहिज्जंति. क० वा० भग० १६, ३; कप्प० ४, १०३;

आघविज्जन्ति. क० वा० नंदी० ४५; सम० प० १७०;

आक्खेवण. न० (आक्षेपण) આક્ષેપ કરવો તે. आक्षेप करना. Blaming for a fault; charging with a fault नाया० ७;

√**आ-खोड.** धा० I. (आ + खुड्) ફાડવું; દાંત વડે કટકા કટકા કરવા. दांतों से टुकड़े २ करना. To tear into pieces by means of teeth.

आखोडेंति. नाया० ४;

आगइ. स्त्री० (आगति) આગમન; પરભવમાંથી આ ભવમાં આવવું તે. आगमन; परभवसे इस भव में आना Coming; coming to this birth from the previous birth भग० ६, ३; आया० १, ३, ३, ११६; जं० प० २, ३१; वव० ६, २०; राय० २४३; कप्प० ५, १२०; प्रव० ४४; पंचा० २, २५; (२) ઉત્પત્તિ. जन्म; उत्पत्ति. birth; creation. " एगा आगई " ठा० १;

—**गइ.** स्त्री० (-गति) આવવું જવું તે; ગમનાગમન; ગત્યાગતિ. आना जाना; गमनागमन.

coming and going; passing and repassing. पंचा० २, २५; —गइविएणाण. न० (गतिविज्ञान) ક્યાંથી આવ્યો ને કયાં જવું તેનો નિર્ણય કરવો તે. भूत भविष्य के जन्म का निर्णय करना. knowledge of the past and the future births etc; knowledge of whence and whither. "आगइगइविएणाणं इमस्स सह पुण्ण पाएण" पंचा० २, २५; —गइविन्नाय. त्रि० (—गतिविज्ञात) આવવા જવાથી, હાલવા ચાલવાથી જીવરૂપે જણાયેલ તડકામાંથી છાયામાં અને છાયામાંથી તડકામાં જાવ આવ કરવા થી જીવ રૂપે જણાયેલ ત્રસજીવ—બેઇંદ્રિય આદિ જીવ. आव गमन रूप क्रिया से जीवत्व का बोध होना; जैसे कि किसी के हलन चलन या आन जाने से यह जानना कि इस में जीव है. known to be living by to and fro motion; e. g. a tiny insect etc. दस० ४;

आगइमेत्त. न० (आकृतिमात्र) આકાર માત્ર. आकार मात्र. Only the shape. विवा० १;

आगंतगार. न० (*आगन्तागार—आगन्तृगृह) મુસાફર- કાપડિ વગેરેને ઉતરવાનું સ્થાન. मुसाफिर आदि के उतरने का स्थान; सराय; धर्मशाला. अतिथि शाला. Caravansary; a house for travellers. "आगंतगारे आरामगारे समणे उ भीतस्स उवेतिवासं" सूय० २, ६. १४;

आगंतव्व. न० (आगन्तव्य) આવવું. आना. Coming. सु० च० १, १४३;

आगंतार. त्रि० (आगन्तृ) આવનાર. आने वाला. (One) who comes; a comer. "आगंतारो महब्भयं" सूय० १, २, १, १६; १, ३, १, ६; १, ११, ३१;

आगंतार. पुं० न० (आगन्त्रागार) આગંતુક-મુસાફરો ને ઉતરવાની ધર્મશાળા. धर्मशाला; सराय. A house for travellers; a caravansary. आया० २, १, ८, ४४; निसी० ३, १;

आगंतु. त्रि० (आगन्तु) અતિથિ; મુસાફર. आनेवाला; मुसाफिर. A traveller; a guest. सूय० १, १, ३, १, ६, २, ८१; कप्प० २, ८७; —छेय. पुं० (-च्छेद) ભવિષ્યમાં પ્રાપ્ત થવાનું હોય તેનું તલવાર વગેરેથી છેદન કરવું તે. भविष्य में प्राप्त होने वाले का तलवार आदि से च्छेदन करना. destruction of that which is to come; e. g. with a sword etc. सूय० २, २, ८१; —भेय. पुं० (-भेद) ભવિષ્યમાં પ્રાપ્ત થવાનું હોય તેનું ભાલા વગેરેથી ભેદન કરવું તે. भविष्यमें आनवाले का भाला वगैरह से भेदन करना. piercing e. g. with a lance etc. of that which is to come or to be encountered in the future. सूय० २, २, ८१;

आगंतुग. त्रि० (आगन्तुक) અતિથિ; મુસાફર-કાપડી વગેરે. अतिथि; मुसाफिर. (One) who arrives; e. g. a traveller etc. ओघ० नि० २१६; (२) આવનારો ઉપસર્ગ. भावी उपसर्ग—भय. the future trouble. "आगंतुगोय पीलाकरो य जो सो उवसग्गो" पंचा० १६, ८; सूय० नि० १, ३, १, ४५;

आगंतुय. त्रि० (आगन्तुक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो "आगंतुग" शब्द. Vide, "आगंतुग" ओघ० नि० २१६;

√आगच्छ. धा० I. (आ+गम्) આવવું; આવી પોંચવું. आना; आ पहुंचना. To come, to arrive.

आगच्छइ. नाया० ३; १४; १६ ; भग० १, ६; ७; २, १; जं० प० ७, १३३;
आगच्छंति नाया० ८; भग० १, ८;
आगच्छेजा. वि० अणुजो० १३४; भग० ६, ५; १३, ६; वेय० ५, १०; जं० प० २, १६; ओव० १२;
आगच्छे. वि० दसा० ७, १; क० गं० २, ८;
आगच्छह. आ० सु० च० २, ४६६;
आगच्छिस्सइ. भ० उवा० ७, १८८;
आगच्छित्तए. हे० सं० कृ० राय० २४८; भग० १८, ७; ठा० ३, ३;
आगच्छमाण. व० कृ० भग० १२, ६;

आगति. स्त्री० (आकृति) આકૃતિ. आकृति; आकार; प्रकार. Form; appearance. विवा० १;

आगति. स्त्री० (आगति) જુઓ " आगइ " શબ્દ. देखो " आगइ " शब्द. Vide " आगइ ". ठा० १, १:

√**आगच्छ.** धा० II. (आ + गम्) મેળવવું; પામવું. प्राप्त करना; पाना. To gain. (२) જાણવું जानना. to know. (३) આવવું. आना. to arrive at.
आगमेइ. विवा० ६;
आगन्तुं. सं० कृ० राय० २४५;
आगम्म. सं० कृ० आया० १, ६; १, ३; भग० १, ८; जं० प० ५, १२०; नाया० १४;
आगमित्ता. सं० कृ० ओव० २२; उत्त० १, २२; १४, ३; दसा० ५, १; सूय० २, ७, ३६; आया० १, ५, १, १४४;
आगन्तुं. हे० कृ० सूय० १, १, २, ३१;
आगमित्तए. हे० कृ० भग० १६, ५;
आगमिय. सं० कृ० क० प० ७, ५३;
आगममाण. व० कृ० आया० १, ६, ३, १८५; १, ७, ४, २१३;

आगम. पुं०(आगम) આગમ; સિદ્ધાંત; સૂત્ર. शास्त्र; सिद्धान्त; सूत्र: आगम. Scripture; principle; motto. भग० ५, ४; अणुजो० ४२; पग्ह० २, २; ठा० ४, ३; दस० ६, १; (२) આગમ પ્રમાણ; આપ્ત વાક્યથી થતું જ્ઞાન. आगम प्रमाण; आप्तवाक्य से होने वाला ज्ञान. authority of Sūtra. अणुजो० १४७; विशे० ४७०; १५५२; (३) આગમ વ્યવહાર. आगम व्यवहार. terms of scripture. ठा० ५, २; (४) આકાશ. आकाश. the sky. भग० २०, २; (५) આગમન; આવવું તે. आना. arrival; coming. दस० ७, ११; (६) (आ-अभिविधिना मर्यादया वा गम्यन्ते परिच्छिद्यन्तेऽर्था येन स आगमः) કેવલ મનપર્યવ અને અવધિ જ્ઞાન. केवल मनपर्यव और अवधि ज्ञान. the three kinds of knowledge viz Kevala Manaparyava & Avadhijñāna. भग० ८, ८; वव० १० ३; पंचा० ६, १; (७) નવમાં પૂર્વથી ચૌદમા પૂર્વ સુધી. नौवें पूर्वसे चौदहवे पूर्व तक. the Pūrvas from the 9th to the 14th Pūrva. क० प० ७, १८; —पह. पुं० (-पथ) લાભ માર્ગ. लाभका मार्ग. a beneficial or profitable path. ठा० ५; —बलिय. पुं० (-बलिक) આગમ જ્ઞાનમાં બલવાન; કેવલીપ્રભૃતિ. आगम ज्ञान में बलवान; केवली प्रभृति. (one) strong in the knowledge of the Śāstras, e. g. Kevalī etc. " आगम बलिया समणा णिग्गंथा " भग० ८, ८; वव० १०, ३: —बहुमाण. पुं० (-बहुमान) શાસ્ત્રનું બહુમાન કરવું તે. शास्त्र का अधिक मान. paying high reverence to scriptures. प्रव०

३९१; —ववहार. पुं० (-व्यवहार) नव-पूर्वथी चौदपूर्वसुधी जाणनार तथा केवली-नो व्यवहार—प्रायश्चित्त दानादि विधि. नौ पूर्व से चौदह पूर्व तक जाननेवाला तथा केवली का व्यवहार-प्रायश्चित दानादि विधि. the Vyavahāra i. e. the work of a Kevali as also of one who knows the Pūrvas from the 9th to the 14th Pūrva e g. administering expiation etc. प्रव० ८६१; —ववहारि. पुं० (-व्यवहारिन्) प्रत्यक्ष ज्ञानी; नवपूर्वी उपरांत केवली सुधी. प्रत्यक्ष ज्ञानी; नवपूर्व के ज्ञानी से लगाकर केवल ज्ञानी तक. (one) having direct visual knowledge; any one from one knowing nine Pūrvas to a Kevalī. जीवा० ३; —सत्थ. न० (-शास्त्र) आगम शास्त्र; श्रुतज्ञान. आगम शास्त्र; श्रुतज्ञान scripture; Sūtras. "आगमसत्थग्गहणं जं बुद्धि गुणेहिं अट्ठहिं दिट्ठं" नंदी० —सुद्ध. त्रि० (-शुद्ध) आगम सूत्र अनुसार निर्दोष—शुद्ध. आगम के अनुसार शुद्ध. faultless, sinless as judged by the code of Sūtras. "धंमविहिमागमसुद्धं सपरेसिमणुग्गह ट्ठाए" पंचा० ६, १;

आगमओ. अ० (आगमतः) आगम शास्त्रने आश्रीने; सूत्रने अवलंबीने. शास्त्र का आश्रय लेकर. Abiding by the principles of scriptures; with the authority of scriptures. अणुजो० १२; विशे० २६;

आगमण. न० (आगमन) आगमन; आववुं ते. आगमन; आना. Arrival; coming. भग० ३, ३३; ११, ११; १३, ४; नाया० ३; १६; ओव० २६; राय० ६; पिं० नि० ८१; वेय० १, ३६; उवा० १, ४८; पंचा० १, १६; —गहिय विणिच्छय. त्रि० (-गृहीत विनिश्चय) आववाने निश्चय करेल. आने का निश्चय किया हुआ. one determined to come. भग० ३, ३३; —गिह. न० (-गृह पथिकादीनामागमनेनोपेतं तदर्थे वा गृहमागमनगृहम्) धर्मशाळा; मुसाफर-खानुं. धर्मशाला; सराय. a house for travellers to lodge "आगमणगिहंसिवा" वेय० २, १०; —पह. न० (-पथ) आववानो मार्ग. आने का मार्ग; रास्ता. a way to come in. निसी० ४, ३०; —पओयण. न० (-प्रयोजन) आववानुं प्रयोजन. आने का प्रयोजन. cause of arrival. विवा० १; ६;

आगमण,गमण,विभत्ति. न. (आगमनागमन विभक्ति) जेमां चंद्र आदिनुं आगमन गमन दर्शाववामां आवे तेवुं बत्रीश प्रकारना नाटकमांनुं सातमुं नाटक. चंद्र आदिका आवागमन प्रकट करने वाला बत्तीस प्रकार के नाटकों मे से सातवाँ नाटक the seventh of the 32 kinds of drama exhibiting the appearance and disappearance of the moon "आगमणगमण पविभत्ति णामं दिव्वं णट्ट विहिं उवदंसेति" राय० ६२;

आगमिस्स त्रि० (आगमिष्यत्) भविष्यमां थनार; आवतुं. भविष्य म होने वाला. Future. सूय० १, ८, २१; २, २, २३; आउ० २८; दसा० ६, ३; १०, ३; नाया० १६; आया० १, ४, ३, १२६; जं० प० २, ३६; —णिमित्त. न० (-निमित्त) भविष्य-नुं निमित्त. भविष्य का निमित्त. a sign or omen of the future. निसी० १३, १७; जं० प० २. ३६;

आगमेसि. (आगमिष्यत्) भविष्यमां थवानुं;

भविष्य में होनेवाला; आनेवाला. Coming in future; future. जं० प० २, ३१; ओव० ३४; —भद्द. त्रि० (-भद्र) એક ભવ કરી જેને મોક્ષ જવનું છે તે. एक भव कर जिसे मोक्ष जाना है वह. (one) destined to obtain salvation after one birth. सम० ६००; (२) ભવિષ્યનું કલ્યાણ. भविष्य का कल्याण. future welfare जं०प० २,३१; "समणस्स णं भगवओ महावीरस्स भद्द कयाणुत्तरोववाइय णं गइ कल्लाणाणं जाव आगमेसि भद्दाणं उक्कोसिया" कप्प० ६.

आगमेस्स. त्रि० (आगमिष्यत्) આવતો કાલ; ભવિષ્યનું. भविष्य काल; भविष्यका. The future (time); future; belonging to the future. अंत० ५, १; भग० २०, ८;

आगय. त्रि० (आगत) આવેલ; પ્રાપ્ત થયેલ आया हुआ; प्राप्त. Come; obtained उवा० १, ६६; ८६; २, ११३; ११४; ११८; नाया० १; ८; १६; १८; पिं०नि० १६८; सम० ११; ३०; सूय० १, १, १, १६; उत्त० ५, ६; १०, ३४; भग० १, ७; २, १; ३, १, २; ५, ४; ६, ३३; १६, ५; १८, २; दसा० ६, १५; दस० ५, १, ८८; राय० २३२; आया० १, १, १, २; —गंध. त्रि० (-गंध) જેમાં સુગન્ધ ઉત્પન્ન થયેલ છે તે. जिसमें सुगन्ध उत्पन्न हुई है वह. (that) in which fragrance is born. नाया० ७; —पराण. त्रि० (-प्रज्ञ—आगता प्रज्ञा प्रज्ञा यस्या सावागत प्रज्ञ:) જેને પ્રજ્ઞા ઉત્પન્ન થઇ છે તે; આગત બુદ્ધિવાળો. जिसमें प्रज्ञा उत्पन्न हुई है वह; बुद्धिवाला. wise; cautious. "अगिम वणिएहिं गुरुसुव आगयपन्ने." सूय० १, १४, ५; —पण्हया. स्त्री० (-प्रस्नु—आगतः प्रस्नवो यस्याः सा) જેને પુત્ર સ્નેહથી પાનો ચડયો છે તે. पुत्रके स्नेह से जिस स्त्री के स्तन में दूध बढजाता है वह. (a woman) in whose breasts there is a flow of milk through maternal affection. "तएणं सा देवाणंदा माहणी आगयपण्हया" भग० ९, ३३; —समय. त्रि० (-समय) નજીકમાં જેને અવસર આવેલ છે તે जिसका समय पास आया हो वह. (that) for which the time is ripe. नाया० ८;

आगर. पुं० (आकर) સોનું રુપું વગેરેની ખાણ. सोने, चांदी की खदान. A mine (of gold, silver etc). जं० प० ३, ५२; जं० प० टी० २, ४, भग० १, १; ७, ६; नाया. १; ८; १४; १६; राय० २७३; जीवा० ३, १. ओघ० नि० भा० ८; ओव० ३२; उत्त० ३०, १६; सम० ३; वेय० १, ७; नंदी० ४७; आया० १, ७, ६, २२२; २, १, २, १२; उवा० १, २०; १०८; (२) મીઠાના અગર. नमक का खदान, a salt-pit; a field from which salt is obtained. आया० १, ७, ६, २२२; २, १, २, १२; उत्त० ३०, १६; ओव० ४, ३२;

आगरिअ-य. त्रि० (आकरिक) ખાણનો ધણી. खदान का मालिक An owner of a mine. ओघ० नि० भा० ४;

आगरिस. पुं० (आकर्ष) આકર્ષણ; ખેંચવું તે. आकर्षण; खींचना. Attraction. प्रव० २८; पन्न० ६; (२) ફરીથી ગ્રહણ કરવું તે. फिर से ग्रहण करना. re-acceptance. प्रव० ८४३; विसे० १४८५; (३) તેની રીત. (ખેંચવાન) પ્રયત્નથી કર્મ પુદ્ગલોનું ગ્રહણ કરવું તે कर्म-पुद्गलों का आकर्षण करना. attracting Karmic atoms. सम० पन्न० ६; (४) પ્રાપ્તિ; ચારિત્રની પ્રાપ્તિ प्राप्ति, चारित्र

की प्राप्ति. gain; gaining of right conduct. " पुव्वागमसव्वं भंते एग भव-ग्गहणिया केवइया आगरिसा पण्णत्ता " भग० २५.६;

आगाढ. त्रि० (आगाढ) કર્કશ; કઠણ; આકરૂં. कठिन; कठोर. Harsh; hard. निसी० १०, १, २, ३; ११, ११; (२) ગાઢું કારણ; પ્રબલ કારણ. बलवान कारण. powerful cause; cogent reason. गच्छा० ११६; (३) અતિ અશક્ત. अत्यंत अशक्त. very weak. ओघ० नि० ७८;

आगाढ जोग. पुं० (आगाढ योग) ગણિયોગ આચાર્યે યોગ વહન કરવું તે. गणियोग; जिसे आचार्य वहन करता है. Head preceptorship. ओघ० नि० ५४८;

आगामि. त्रि० (आगामिन्) ભવિષ્યમાં મળનાર; પ્રાપ્ત થનારું. भविष्य में प्राप्त होने वाला. Coming; future. ठा० २, ४; —पह. पुं० (-पथ) ભવિષ્યમાં મળવાની વસ્તુનો માર્ગ. भविष्य में मिलनेवाली वस्तु का मार्ग. the way leading to a thing which is to be got in the future. ठा २, ४;

आगामिय. त्रि० (अग्रामिक) ગામ-શહેર વગરનું. ग्राम रहित. Devoid of a city or a village. "अत्थेगइया छिन्नंवाया छिन्नंसओय एगमहं आगामियं छिन्नावायं दीहमद्धं महणर्णावद्धु." नाया० १८;

आगार. पुं० (आकार) આકૃતિ; સંઠાણ. आकृति; संस्थान. Configuration; form. " सिंगारागार चारुवेसाए " राय० भग० ५, ४; पन्न० १७; नाया० १; २; विसे० २६; गच्छा० १२१; प्रव० १४६६; पंचा० ५, ४; उवा० १, १२; (२) આકાર; સિકલ; ચહેરો. आकार; रूपरंग. face; appearance; form. पन्न० १०; (३) ભેદ; પ્રકાર; તરેહ. भेद; प्रकार. kind; variety. पन्न० ११; २१; (४) સ્વરૂપ; વિશેષ લક્ષણ. स्वरूप; विशेष लक्षण. specific shape or form; special quality. " आगारो उ विसेसो " जीवा० (५) (आकिंयते आकल्प्यतेऽभिप्रेतं अनेनेति विकल्पितं वस्त्वनेने-त्याकारः) બાહ્ય ચેષ્ટ; આંતરિક અભિપ્રાય સૂચક આંખ, મુખ, હાથ વગેરેની ચેષ્ટા. आंतरिक अभिप्रायसूचक बाह्य चेष्टा. movements of eye etc, indicative of inward mind. उत्त० १, २; विसे० २१२५; (६) કાઉસગ્ગના અપવાદ-છુટ. कायोत्सर्ग का अपवाद. exceptions to the rules of Kāusagga. " एव माइएहिं आगारेहिं अभग्गो अविराहिओ " आव० १, ५; (७) પચ્ચખ્ખાણના અપવાદ છુટ; પચ્ચખ્ખાણમાં મુકેલ આગાર. पच्चक्खाण का अपवाद. exception to the rules of Pachchakhāṇa. प्रव० ६५; —अभावओ. अ० (-अभावतस्) આકારના અભાવથી. आकार के अभाव से. due to the absence of shape. विसे० ६५; —दरिसण. न० (-दर्शन) આકારનું દેખાવું તે. आकार का दृश्य. sight of a form or shape. विसे० ६६; —भाव पुं० (-भाव-आकारस्या कृतेर्भावाः पर्यायाआकार भावाः) આકૃતિરૂપ પર્યાય; વસ્તુનું સ્વરૂપ વિશેષ. आकृतीरूप पर्याय; वस्तुका स्वरूप विशेष. a particular modification of the shape of a thing. भग० ७, ६; —भावपडोयार. पुं० (-भावप्रत्यवतार आकारस्य आकृतेर्भावाः पर्यायास्तेषां प्रत्यवतारोऽवतरणमाविर्भाव आकारभाव प्रत्यवतारः) આકારના પર્યાયનો આવિર્ભાવ કરવો તે આકૃતિરૂપ

पर्यायनुं अवतरणु देवुं ते; वस्तुनुं स्वरूप विशेष. आकार का पर्यायका आविर्भाव करना; वस्तू का स्वरूप विशेष. manifesting or showing the particular modification of the shape of a thing. " किमागार भाव पडोयाराणं भंते दीवासमुद्दापरणत्ता " जीवा० नाया० ८; भग० ६, ७; ७, ६; —विगार, पुं० (-विकार) आकृति-चेहरा उपर थयेल विकार-क्रोधादिजन्य फेरफार. मुखपर होनेवाला विकार; क्रोधादिजन्य फेरफार. a change on the countenance (produced by anger etc.) " गइविब्भममाइएहिं आगार विगारं तह पवासंति" गच्छा० १२१; —आगार. पुं० (-आगार) घर; स्थान. घर; जगह. a house; an abode. राय० ११३; सूय० १, १, १, १६; नाया० १; पन्न० २०; भग० २, १; ६, ३१; दसा० ८, १; आव० १, ५; जं० प० २, ३०; —आवास. पुं० (-आवास) गृहस्थावास; घरसंसारमां लपटाई रहेवुं ते गृहस्थ वास, घर आदी में आसक्त होना absorption in worldly or household matters. नाया० ८; —चरित्तधम्म * पुं० (-चरित्रधर्म-आगारं गृहं तद्योग दागारा गृहिणस्तेषां चारित्रधर्मोऽगारा) चारित्र धर्मनो एक भेद प्रकार; समकित पूर्वक बारव्रतरूप गृहस्थने चारित्र धर्म. चारित्र धर्म का एक भेद; सम्यक्त्व पूर्वक बारह व्रत रूप गृहस्थ का चारित्र. धर्म. a variety of the rules of right conduct; a householder's duties in connection with right-conduct consisting in twelve vows accompanied with right faith. ठा० ४; —धम्म. पुं० (-धर्म) गृहस्थधर्म. गृहस्थ धर्म. the duty of a householder. भग० १६, ६; —वास. पुं० (-वास) गृहवास; गृहस्थाश्रम. गृहस्थाश्रम. the stage or condition of life of a householder. " सेवो आगारवा. सोत्ति " उत्त० २, २१; जं० प० ३, ७०; नाया० ध० —विणय. पुं० (-विनय) गृहस्थनो विनयरूप धर्म; गृहस्थधर्म. गृहस्थ का विनयरुप धर्म. the duty of reverence on the part of a house-holder. नाया० ५;

आगारमय. त्रि० (आकारमय) आकृतिमय; आकृतिरूप आकृतिरुप. Having a form or shape. विशे० ६४;

आगारि. पुं० (आगारिन्) गृहस्थ. गृहस्थ. A householder; a layman. पिं० नि० २७०;

आगाल. पुं० (आगाल) कर्मनी बीजी स्थितिमांथी कर्मना दलियाने उदीरणा प्रयोगे खेंचीने उदयमां नाखवा ते; उदीरणानुं अपरनाम. कर्म की दूसरी स्थिति मेंसे कर्म के बाजो को उदीरणा के द्वारा खींचकर उदय में लाना; उदीरणा का नामान्तर. Forcing up into maturity Karma which is yet in the 2nd stage; this is also called Udiranā. क० प० ५, १०;

आगास पुं० न० (आकाश—सर्वभावावकाशनादाकाशम्) आकाश; लोकालोक व्यापी अनंत प्रदेशात्मक छ द्रव्यमांनुं एक अमूर्त द्रव्य; धर्मास्तिकाय आदि पांच द्रव्यना आधारभूत द्रव्य. आकाश; लोकालोक व्याप्त अनंत प्रदेशात्मक छः द्रव्यों में का एक अमूर्त द्रव्य; धर्मास्तिकाय आदि पांच द्रव्यों का आधारभूत द्रव्य. The sky; one of the six substances pervading the

Loka and Aloka (all the worlds and non-worlds). पत्र० १; अणुजो० १४३; ठा० २, १; ओव० १०; सु० प० १; नाया० १, ८; भग० १, १; ६; २, १०; ५, ६; २०, २; सूय० १, १, १, ७; उत्त० ६, ४८; २६, ७; ३६, २; ६; उवा० २, ११८; १४०; १५१; भत्त० ६१; जं० प० ३, ५१; —अतिवाइ. पुं० (-अतिपातिन्–आकाशं व्योमातिपतन्त्यत्रातिक्रामन्ति ते तथा) આકાશમાં ઉડી આકાશમાંથી સુવર્ણ વૃષ્ટિ આદિ કરી દિવ્ય પ્રભાવ દર્શાવનાર. आकाश में उड़कर, आकाश से सुवर्ण वृष्टि आदि के द्वारा प्रभाव प्रगट करने वाला. (one) soaring in the sky; (one) showing heavenly power by showering gold etc. from the sky. "अप्पेगइया...चारणा विज्जाहरा आगासातिवाइणो" ओव० १६; —गय. त्रि० (-गत) આકાશવર્તિ; આકાશમાં અધર રહેલું. आकाशवर्ति; आकाश में अधर रहा हुआ. hanging in the sky. "आगासगयं चक्कं. आगासगयं छत्तं" सम० ३४; (२) અતિઉંચું; આકાશતલ સ્પર્શી. बहुत ऊँचा; गगनस्पर्शी. sky-kissing; very lofty. भग० ६, ३३; ११, ५; —गामि. त्रि० (-गामिन्) આકાશમાં ફરનાર પ્રાણી; પક્ષી વગેરે. आकाश में उड़नेवाला प्राणी. a bird etc. "आगासगामिणो पाणापाणे किलेसंति" आया० १, ६, १, १७७; —तल. न० (-तल) આકાશનું તળીયું; आकाश का तल. the bottom of the sky. नाया० १४; (२) ગગનતલ સ્પર્શી–ઊંચા મહેલ. गगनस्पर्शी–बहुत उंचा महल. palaces touching the sky i. e. very lofty जीवा० ३, ३; नाया० १४;

—तलग. न० (-तलक) અગાસી; ઝરૂખો. झरोखा. a terrace. नाया० १६; विवा० १; —थिग्गल. न. (-थिग्गल) શરદઋતુનું સ્વચ્છ આકાશ; વાદલથી છુટું થતું આકાશખંડ કે જે અતિ શ્યામ દેખાય છે; થિગડારૂપ આકાશ. शरदऋतु का स्वच्छ आकाश. the clear blue sky of the autumn as it goes on being cloudless. "आगास थिग्गले णं भंते! किएणा कुहे कहिंवा कएहिं कुहे" पत्र० १५; —पइट्ठिय. त्रि० (-प्रतिष्ठित) આકાશને અવલંબીને રહેલ. आकाश का अवलंबन कर रहने वाला; आकाशावलंबी. supported by the sky; hanging by the sky; "आगास पइट्ठिए वाए" भग० १, १; —पंचम. पुं० (-पञ्चम) આકાશ જેમાં પાંચમું છે તે–પાંચ મહા ભૂત પૃથ્વી, પાણી, અગ્નિ, વાયુ અને આકાશ. जिसमें आकाश पंचम है वह पंच महाभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश). the five elements of which ether is the fifth (e. g. the earth water, fire, wind and ether). "पुढवी आऊ वाऊ तेऊवा, आगासपंचमा" सूय० १, १, १, ७; —पय. न० (-पद) દૃષ્ટિવાદાંતર્ગત સિદ્ધશ્રેણિ પરિકર્મનો ચોથો ભેદ. दृष्टिवाद के अन्तर्गत सिद्धश्रेणि परिकर्म का चौथा भेद. the fourth part of Siddha Śreṇi Parikarma in Dṛiṣtivāda. सम० १२; —प्पएस. पुं० (-प्रदेश) આકાશનો અવિભાજ્ય અંશ. आकाश का अविभाज्य अंश. an indivisible part of the sky. भग० २५, ४; विशे० ४८६; —फालियसरिस. त्रि० (-स्फटिकसदृश) અત્યંત સ્વચ્છ; સ્ફટિક તુલ્ય. अत्यन्त स्वच्छ; स्फटिक तुल्य. clear and trans-

parent like crystal. ओव०
—**फलिया मय**. त्रि० (-स्फटिकमय) અતિસ્વચ્છ; સ્ફટિકમય. अतिस्वच्छ; स्फटिक मय. very clear; crystal-like. " आगास फलियामयं सपायपीढं सीहासणं" सम० राय०
—**फलिह**. पुं० (-स्फटिक-आकाशमिव यदत्यंतमच्छं स्फटिकमकाशस्फटिकम्) અતિ સ્વચ્છ સ્ફટિક; નિર્મલ સ્ફટિક. अत्यंत स्वच्छ स्फटिक. very clear crystal. " आगास फलिहामएण सपायपीढेण सीहासणेण " जं० प०

आगासग. त्रि० (आकाशक) પ્રકાશક. प्रकाश करनेवाला. (That) which gives light. सम०

आगासत्थिकाय. पुं० (आकाशास्तिकाय-अस्तयः प्रदेशाः तेषां कायः समूहः अस्तिकायः) દરેક વસ્તુને અવકાશ આપનાર દ્રવ્ય; છ દ્રવ્યમાંનું ત્રીજું દ્રવ્ય. प्रत्येक वस्तु को अवकाश देनेवाला द्रव्य; छः द्रव्यों में का तीसरा द्रव्य. A substance in which all things exist *or* reside; the third of the six substances. "आगासत्थिकायस्स णं पुच्छा गोयमा अणेगा अभिवयणा " उत्त० २, २०; अणुजो० ६६, १३१; सम० ६; राय० २७०; भग० २, १०; ७, १०; २०, २;

आगास फालि ओवमा. स्त्री० (आकाश स्फटिकोपमा) આકાશ અને સ્ફટિકના જેવી નિર્મલ એક જાતની મીઠા રસ વાળી ખાદ્ય વસ્તુ. आकाश और स्फटिकके समान निर्मल ऐसी मीठे रस वाली एक प्रकारकी खाद्य वस्तु. A substance as pure and transparent as crystal used as foodstuff. पन्न० १७; जं० प० २, २२;

आगासिउं. हे० कृ० अ० (आकृष्टुम्) આકર્ષણ કરીને; સમીપ લાવીને. आकर्षण करके; पास लाकर. Having drawn near; having attracted. विशे० २२२;

आगासिय. त्रि० (आकर्षित) આકર્ષણ કરેલ; ઉપાડેલ. आकर्षित; आकर्षण किया हुआ. Attracted; drawn; lifted up. ओव०

आगासिय. त्रि० (आकाशित — आकाशमम्बर मितः प्राप्तः) આકાશવર્તિ; આકાશમાં રહેલ. आकाशवर्ति. Situated in the sky. "आगासियाहिं सेय चामराहिं" ओव०

आगाहइत्ता. सं० कृ० अ० (आगाह्य) અવગાહીને. अवगाहन करके. Having entered; having resorted to. " आगाहइत्ता चलइत्ता " दस० ५, १, ३१;

आगिइ. पुं० (आकृति) આકૃતિ; આકાર; સંઠાણ. आकार; संस्थान. Form; configuration; shape. विशे० २०६२; ७०७; नाया० १; क० गं० ५, ६१; —**तिग** न० (-त्रिक) આકૃતિ સંઠાણ ૬ સંઘયણ ૭ અને જાતિ પાંચ, એ નામની ૧૭ પ્રકૃતિનો સમુદાય. आकृति-संस्थान ६ संहनन ६ और पांच जाति इस प्रकार नामकी १७ प्रकृतियों का समुदाय. the collection of the 17 Prakṛitis made up of six Saṃsthānas, six Saṅghayaṇas and five Jātis. क० गं० ५, ८;

आगिति. स्त्री० (आकृति) જુઓ "आगिइ" શબ્દ. देखो " आगिइ " शब्द. Vide " आगिइ " जीवा० ३, ४; राय० १८८;

√**आगिल**. धा० I. (*आ + कल् = जि) જીતવું; જયપામવું. जीतना; जय प्राप्त करना. To conquer; to get victory.
आगिलंति. भग० ३, २;

√**आ-ग्घा**. धा० I. (आ+घ्रा) સુગંધ લેવી; સુંઘવું; વાસ લેવી. सुगंध लेना; सूंघना; To smell; to scent.
आग्घायइ. ठा० २, ३;

आग्घावइ. नाया० १;

आग्घायमाण. व० कृ० नाया० ८;

आघं. त्रि० (आख्यातवत्) કહેનાર; કથન કરનાર; આખ્યાન કરનાર. कहनेवाला; आख्यान करने वाला. (One) who tells or lectures or preaches. सूय० १, १०; १; —**अज्झयण**. न० (आख्यातवदध्ययन) સૂયગડાંગ સૂત્રના પહેલા શ્રુતસ્કંધના १० મા સમાધિ અધ્યયનનું અપર નામ. सूत्रकृतांग के पहिले श्रुतस्कंध के १० वें समाधि अध्ययन का दुसरा नाम. another name of the 10th Samādhi chapter of the first Śruta-skandha of the Sūyagadāṅga Sūtra. सूय० नि० १, १०,१०३;

आघंस. त्रि० (आघर्ष) પાણી સાથે ઘસીને પીવા યોગ્ય ઔષધિ વગેરે. पानी के साथ घिसकर पीने योग्य औषधि वगैरह. Medicine which can be taken after it has been rubbed with water on a hard substance. पिं० नि० ५०२;

आघंसित्ता. सं० कृ० अ० (आघृष्य) ઘસીને. घिसकर. Having rubbed. आया० २, ५, १, १४६;

आघवइत्तार. त्रि० (*आख्यातृ) આખ્યાન કરનાર; કથા કરનાર. आख्यान करने वाला; कथा वाचक. (One) who relates or describes; narrator; ठा० ४, ४;

आघवण. न० (आख्यान) વ્યાખ્યાન; સામાન્ય કથન. व्याख्यान; सामान्य कथन Telling; lecturing. नाया० १, १८;

आघवणा. स्त्री० (*आख्यान) આખ્યાન; સામાન્ય કથન. आख्यान; व्याख्यान. Telling; lecturing; "बहुहिं आघवणाहिय" उवा० २, १११; भग० ६, ३३;

आघविय. त्रि० (आख्यात) કહેલું. कहाहुआ. Told; related. "भगवया महावीरेण आघविए" उत्त० २६, ७४; पण्ह० २, १; (२) સ્વીકારેલ. स्वीकृत. accepted. अणुजो० १५;

√**आघस**. धा० II. (आ+घृष्) થોડું ઘસવું. थोड़ा घसना. To rub slightly.

आघसेज्ज. वि० निसी० ३, ५;

आघाअ—य. पुं० (आघात–आहन्यन्ते अपनयन्ति विनाशयंते प्राणिनां दश प्रकार प्राणा अपि प्राणायस्मिन् स आघातः) મરણ; મૃત્યુ. मरण मृत्यु. Death. निसी० १२, २५; दस० ६, ३५; सूय० १, ६, ४; —**मंडल**. न० (–मण्डल) વધસ્થાન–માંડલો. वधस्थान; हत्यागृह; बूचड़ खाना. a slaughter-house; a place of killing. नाया० ८;

आघात. त्रि० (आख्यात) કહેલું. कहाहुआ. Told; related. सूय० १, ४, १, ११; १, १३, २;

आघाय. त्रि० (आख्यात) જુઓ "आघात" શબ્દ. देखो "आघात" शब्द. Vide "आघात" सूय० १, १, २, १;

आघायण. न० (आघातन) વધસ્થાન; ફાંસી દેવાની જગ્યા. वधस्थान; फाँसी देने की जगह. A place of killing; a place where men are hanged. निसी० १२, २५;

आघायाय. व० कृ० त्रि० (आघातयत्) વિનાશ કરતો; ઘાત કરતો. विनाश करताहुआ; घात करता हुआ. Killing; destroying. "आघायाय समुस्सयं" उत्त० ५, ३२;

√**आचर**. धा० I. (आ+चर्) આચરવું; અનુષ્ઠાન કરવું. आचरण करना; अनुष्ठान करना. To practise; to perform.

आयरंति. दस० ६, १६;

आयरिउं. हे० कृ० सु० च० १, २८४;

आचरित्तए. हे० कृ० नाया० १४;
आयरंत. व० कृ० उत्त० १, ४२; प्र० १२१;
आयरमाण. व० कृ० दसा० ६, १; विशे० ३११०;

आचरण. न० (आचरण) આચાર; અનુષ્ઠાન. आचार. Practice; performance; conduct. प्रव० ५०७;

आचारमाओ. अ० (आचरमात्) છેડા પર્યન્ત. छोर तक Up to the end; till the end. क० प० ५, ११;

आचिरण. त्रि० (आचीर्ण) આચરેલ; આચરણ કરેલ. आचरण किया हुआ. Practised; observed. राय० ३७;

आचेलक्क. त्रि० (आचेलक्य-न विद्यते चेलं वस्त्रं यस्य सअचेलकस्तस्य भाव आचेलक्यम्) પરિમાણ ઉપરાંત વસ્ત્ર ન રાખવા તે; પહેલા અને છેલ્લા તીર્થંકરના સાધુઓને માટે બાંધેલી એક મર્યાદા. परिमाण से अधिक वस्त्र न रखना; पहेले और अंतिम तीर्थंकर के साधुओं के लिये नियत की हुई एक मर्यादा. Having no garments beyond the prescribed limit; a fixed limit in the matter of garments of the Sādhus of the 1st and last Tirthankaras. "आचेलक्को धम्मो पुरिमस्स य पच्छिमस्स य जिणस्स" पंचा० १७, ६;

आचेलुक्क. न० (आचेलक्य) પહેલા અને છેલ્લા તીર્થંકરના સાધુઓનો કલ્પ; માન-પરિણામ સહિત સફેદ રંગના જ અલ્પ મૂલ્ય-વાળાં વસ્ત્ર ધારણ કરવાં તે. पहिले और अन्तिम तीर्थंकर के साधुओं का कल्प; अल्प मूल्य वाले परिमित सुफेद वस्त्र कांही धारण करना. The religious practice (in the matter of wearing clothes) of the Sādhus of the first and last Tirthankaras; viz putting on white, scanty and cheap garments. प्रव० ६५८;

आच्छायण. न० (आच्छादन) ઓછાડ. आच्छादन; चादर. A bed-cover; a covering. आया० ०, २, १, ६२. कप्प० ४, ६५;

√ **आच्छिद.** धा० I. (आ+छिद) છેદન કરવું; થોડું છેદવું. छेदन करना; कुछ छेदना. To cut; to cut a little.
आच्छिदेज. वि० निसी० ३, ३४;
आच्छिदिहिति. भग० १५, १; ठा० ५;
आच्छिदित्ता. निसी० ३, ३६;
आच्छिंदिय. सं० कृ० प्रव० १४६;
आच्छिंदमाण. व० कृ० भग० ८, ३;

आच्छिदित्तार. त्रि० (आच्छेत्) ભંગાણ પાડનાર. भंग करनेवाला. (One) who breaks up or disperses by creating alarm. सम० ३३;

√ **आ-छुट.** धा० I, II. (आ + छुट) પાણી છાંટવું. जल छिटकना. To sprinkle water.
अच्छोडेइ. नाया० १८;

आजम्मं. अ० (आजन्मन्) જીંદગી પર્યંત. आजन्म; जीवन पर्यंत. Life-long. "वासिम तत्थ आजम्मगोयमा संजए मुणी" गच्छा० ७; पंचा० १७, २८;

आजाइ. स्त्री० (आयाति) આવવું તે; પૂર્વ ભવમાંથી આવવું તે. आना; पूर्वभव से आना. Coming; arrival; coming from the previous birth. ठा० १०;

आजाइ. स्त्री० (आजाति-आजायन्ते तस्यामित्याजातिः) જન્મવું તે; જન્મ; ઉત્પત્તિ. जन्म; उत्पत्ति. Birth; creation. भग० ५, ३; ठा० १०; —ट्ठाण. न० (-स्थान)

જન્મ-ઉત્પત્તિનું સ્થાન-સંસાર. जन्म-उत्पत्ति का स्थान-संसार. the place of birth. ઠા. ૧૦; (૨) આજાઇટ્ઠાણનામે દશાશ્રુતસ્કંધનું દશમું અધ્યયન. दशाश्रुतस्कंध का आजाइट्ठाण नाम का दसवाँ अध्ययन. the 10th chapter named Ājāitthāṇa of Daśhāśrutaskandha. ઠા. ૧૦;
—ट्ठाणज्झयण. न० (—स्थानाध्ययन) દશાશ્રુતસ્કંધનું અપર નામ; આચારદશાસૂત્રનું ૧૦ મું અધ્યયન. दशाश्रुतस्कंध का दूसरा नाम; आचारदशा सूत्र का १० वाँ अध्ययन. another name of Daśāśruta-Skandha; 10th chapter of Āchāradaśā Sūtra. ઠા० ૧૦;

आजीव. पुं० (आजीव—आजीवनमाजीवः) આજીવિકા; વૃત્તિ; રોજી. आजीविका; वृत्ति; धन्दा. Livelihood. प्रव० ११४; (२) આજીવિકા પુરતો દ્રવ્ય સંચય. आजीविका के योग्य द्रव्य का संचय. wealth sufficient for livelihood. सूय० १, १३, १५; (३) ઉપાયણના ૧૬ દોષમાંનો ચોથો દોષ; જાતિ વગેરે જણાવીને આહારાદિ લેવા તે. उपायण के १६ दोषों में का चोथा दोष अर्थात् जाति वगैरह बताकर आहारादि लेना. the 4th out of 16 Upāyaṇa faults; accepting food after making one's caste etc. known; the fourth of the 16 faults known as Upāyaṇa. पिं० नि० ४०८; (४) ગોશાલાના મતનું નામ. गोशाला के मत का नाम. name of the creed of Gośālā. भग० ८, १; (५) ગોશાલાના મતનો સાધુ. गोशाला के मत का साधु. an ascetic of the creed of Gośālā. भग० ८, ४; पिं० नि० ४४५; प्रव० ७३८;
—भय. पुं० (—भय) આજીવિકાનું ભય. आजीविका का भय. fear of maintenance. सम० १; प्रव० १३३४; —वित्तिया. स्त्री० (—वृत्तिता—जाति कुल गुण कर्म शिल्पादिनामाजीवनमाजीवस्तेन वृत्तिस्तद्भाव आजीव वृत्तिता) જાતિ, કુલ, આદિ દર્શાવીને આહાર લેવો તે; ઉપાયણા નો ચોથો દોષ. जाति, कुल, आदि प्रकट कर के आहारादि लेना; उपायणा का चोथा दोष. acceptance of food after making known one's caste, family etc; the fourth fault of Upāyaṇa. दस० ३; ६;

आजीवग. पुं० (आजीवक) ગોશાલાનો સાધુ. गोशाला का साधु. An ascetic of Gośālā creed. प्रव० ७३८;

आजीवग. पुं० (आजीवग—आसमन्तात्जीवंत्यनेनत्याजीवोऽर्थनिचयस्तंगच्छत्याजीवग-सावा जीवगः) પૈસાનો મદ. धन का मद. Pride of wealth. "आजीवगं चेव चउत्थमाहु से पंडिए उत्तम पोग्गले से" सूय० १, १३, १५;

आजीवणा. स्त्री० (आजीवना) આજીવિકા. आजीविका; रुजगार. Livelihood. पिं० नि० ४३७;

आजीवि. (आजीविन्) ગોશાલાનો શિષ્ય; ગોશાલાના મતનો અનુયાયી. गोशाला का शिष्य; गोशाला के मत का अनुयायी. A follower of the tenets of Gośālā; a disciple of Gośālā. उवा० ७, ३; (२) જે સાધુ પોતાની જાતિ, કુલ, શિલ્પ, તપ વગેરેની પ્રશંસા કરી આહાર લ્યે તે; પેટભરો સાધુ. अपनी जाति, कुल, शिल्प तप आदि की प्रशंसा कर आहार मांगनेवाला; पेटभरा साधु. an ascetic who in order to get food praises

his own community, family, conduct, austerity etc. प्रव० ११४.

आजीविक. पुं. (आजीविक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो "आजीवि" शब्द. Vide above. ओव० ४१;

आजीविय. पुं० (आजीविक-अविवेकिलोकतो लब्धिपूजाख्यात्वादिभिःस्तपश्चरणा दीन्याजीवतीत्याजीविकः) ગોશાલાનો સાધુ; ગોશાલાના મતનો અનુયાયી. गोशाला का साधु; गोशालाका अनुयायी. An ascetic of the creed of Gośālā. सम० २२; निसी० १३, ६३; पन्न० २०; भग० १, २; १५, १; उवा० ७, १८१; २१४;–**उवासग.** पुं. (-उपासक) ગોશાલાના મતનો શ્રાવક. गोशाला के मत का श्रावक. a Śrāvaka of the faith of Gośālā. "तत्थ खलु इमेदुवालस आजीवियोवासगा भवंति" भग. ८, ५; –**उवासय.** अ० त्रि० (-उपासक) ગોશાલાના મતનો શ્રાવક. गोशाला के मत का श्रावक. a Śrāvaka of the faith of Gośālā. उवा० ७, १८१; १८५; —**समय.** पुं० (-समय) ગોશાલાનો સિદ્ધાન્ત; ગોશાલાના મતનું શાસ્ત્ર. गोशाला का प्ररुपित किया हुआ सिद्धान्त; गोशाला के मत का शास्त्र. a scripture of the creed of Gośālā. "आजीविय समयस्सणं अयमट्ठे पएणत्ते" भग० ८२, १५, १; —**सुत्त.** पुं० (-सूत्र) ગોશાલાનું પરૂપેલ સૂત્ર. गोशाला का प्ररूपित सूत्र. a Sūtra of Gośālā's creed. सम०

आडंबर. पुं० (आडम्बर) મોટું નગારું. बड़ा नगाड़ा. A big kettledrum. अणुजो० १२८;

√आडह. धा० I. (आ+दह्) બાલવું. जलाना. To burn. 'आडहंति.' सूय० १, ५, २, ३; " थूलं वियासं मुहे आडहंति "

आडा. स्त्री० (आटा) પાણીમાં તરનાર એક જાતનું પક્ષી; પક્ષી વિશેષ. पानी में तैरनेवाला पक्षी; पक्षी विशेष. A kind of bird that can swim in water. पन्न० १; पराह० १, १;

आडोलिया. स्त्री० (*आडोलिया) નાના બાલકોને રમવાનું એક રમકડું. छोटे बालकों के खेलनेका एक खिलौना. A toy for young children. "एवं वहए आडोलियाओ तेंदुसए पंसुल्लए साडोल्लए......अवहरति." नाया० १८;

√आडोव. धा० II. (आ+टोप्) વિસ્તારીને ભરવું. विस्तार करके भरना. To fill by expanding.

आडोवेत्ता भग० १, ६;

आडोव. पुं० (आटोप) વિસ્તાર. विस्तार. Expansion. नाया० १; उवा० २, १०७; कप्प० ३, ३५;

आढअ—य. पुं० (आढक) ચાર પ્રસ્થ પ્રમાણે ધાન્ય માપ વિશેષ. धान्य नापने का माप विशेष. A kind of measure of corn. ओव० ३८; राय० २७२; प्रव० १३६५;

आढई. स्त्री० (आढकी) તુવરનું ઝાડ. तूर का झाड़. A kind of plant bearing corn called Tuvar. पन्न० १;

आढग. पुं० (आढक) ચાર આઢક પ્રમાણે ધાન્ય માપ વિશેષ धान्य का माप विशेष. A certain kind of measure of corn तंडु० प० १४; अणुजो० १३२;

आढत्त. त्रि० (*आरब्ध) આરંભેલું. आरंभ किया हुआ. Begun; com-

menced. पिं० नि० ४६२; क० प० ७, ४७; भग० ६, ८; सु० च० २, ५, ७;

आढत्तं. सं० कृ० अ० (आरभ्य.) આરંભીને. आरंभ करके. Having begun. पराण० १७;

√**आढा.** धा० I. (आ+दृ) આદર કરવો. आदर करना. To honour; to respect.
आढाइ-ति. भग० ३, १; ४,३३; विवा० ६; नाया० १; ५; ८; १६; १६; राय० ७८; २२७; सूय० २७३७; उवा० ७, २१५; निर० १, १;
आढंति. नाया० २; १६; भग० ३, १;
आढायंति. नाया० १; १४; भग० ३, २;
आढाएजा. वेय० १, ३३;
आढाहि. नाया० १४;
आढाह. नाया० ६; भग० ३, १:
आढायमाण. व० कृ० आया० १, ७, १, १६७; भग० ३, १;

आण. पुं० (आण) શ્વાસોચ્છ્વાસ. श्वासोच्छ्वास. Respiration. भग० ५, १; सू० प० ८; (२) સંખ્યાત આવલિકા પ્રમાણ કાલનો એક વિભાગ; તન્દુરસ્ત માણસના એક ઉચ્છ્વાસ પ્રમાણનો કાલ. संख्यात-संख्यायुक्त आवलिका प्रमाण काल का एक विभाग; निरोग मनुष्य के एक श्वास-प्रमाण काल. a division of time equal to one breath of a healthy man. अणुजो० ११५; —ग्गहण. न० (-ग्रहण) પ્રાણવાયુ (ઉચ્છ્વાસ નિઃશ્વાસ) ને યોગ્ય પુદ્‌ગલનું ગ્રહણ કરવું તે प्राणवायु (श्वासोच्छ्वास) के योग्य पुद्गल का ग्रहण करना. taking in matter fit for respiration. "समयं आणग्गहणं" पन्न० १;

आणअ. पुं० (आनत) નવમાં દેવલોકનું નામ. नौवें देवलोक का नाम. Name of the 9th Devaloka. अणुजो० १०४;

आणंतर. त्रि० (आनन्तर-अनन्तरे भव आनन्तरः) અન્તર નહિ તે-નિરંતર अन्तर न होना; अनन्तर--इतरेतर. Without interval; coming after immediately. आया० नि० १, १, १, २१;

आणंद. पुं० (आनन्द) આનન્દ; હર્ષ. आनन्द; हर्ष; प्रमोद. Delight; joy. आया० १, ३, १, ११७; नाया० १; २; भग० ११, ११; उवा० २, ६१; (२) એક અહોરાત્રિના ત્રીશ મુહૂર્તમાંના ૧૬માં મુહૂર્તનું નામ; સમવાયંગની ગણત્રી પ્રમાણે ૧૧ મું મુહૂર્ત. एक अहोरात्रिके तीस मुहुर्तोंमें से १६ वें मुहूर्त का नाम; समवायंग की गिन्ती के अनुसार ११वां मुहूर्त. the name of the 16th out of 30 Muhūrtas of one day and night; the 11th Muhūrta according to the calculation of Samavāyanga. सू० प० १०; जं० प० ७, १५२; सम० ३०; (३) આવતી ચોવીસીના છટ્ઠા બલદેવનું નામ. आगामि चोवीसी के छट्टे बलदेवका नाम. the name of the 6th Baladeva of the coming Chovīsī. सम० प० २४२; (४) શીતલનાથ સ્વામીના પહેલા ગણધર. शीतलनाथ स्वामी के पहिले गणधर. the first Gaṇadhara of Śītalanātha Svāmī. सम० प० २३३; (५) ભગવાન્ મહાવીર સ્વામીનો અન્તેવાસી એક શિષ્ય. महावीर स्वामीका समीपवर्ति एक शिष्य. a disciple of Mahāvīra Svāmi. "समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी आणंद नामं थेरे" भग० १५, १, (६) આણંદ નામે ગૃહપતિ કે જેને ઘેર ભગવાન્ મહાવીર સ્વામીએ બીજા માસ-

ખમણનું પારણું કર્યું હતું. आनंद नामक एक गृहस्थ जिसके यहां महावीर स्वामी ने दूसरे मासखमण का पारना किया था. a householder named Ananda at whose house Mahāvīra had broken his fast of second month. भग० १५, १; (७) ગન્ધમાદન નામના વખારાપર્વતનો વસનાર દેવ. गन्धमादन नामक बखारा पर्वत पर रहने वाला देव. a deity residing on the Gandhamādana Vakhārā mountain. जं० प० (८) ભરતક્ષેત્રના ચાલુ ચોવીસીના છટ્ઠા બલદેવનું નામ भरत क्षेत्रकी वर्तमान चौवीसांके छट्ठे बलदेवका नाम. name of the 6th Baladeva of Bharata Kṣetra in the present Chovisī (i e. cycle). प्रव० १२२५; (९) વાણીજ નગરનો નિવાસી આણંદજી શ્રાવક; ઉપાસક સૂત્રના દશ શ્રાવક પૈકી પ્રથમ શ્રાવક, કે જેણે મહાવીર સ્વામી પાસે વ્રત આદર્યા, શ્રાવકનાં ૧૧ પડિમા અંગીકાર કરી શ્રાવકપણામાંજ અવધિજ્ઞાન પ્રાપ્ત કર્યું, એક માસનો સંથારો કર્યો-વિસ્તાર ઉવા० ના પ્રથમ અધ્યયનમાં છે ત્યાંથી જોઈ લેવો. वाणिज नगर का एक आनंदजी नामक श्रावक; उपासक सूत्र में वर्णित दस श्रावकों में का पहिला श्रावक जिसने महावीर स्वामी से व्रत ग्रहण किया था, श्रावक की ११ प्रतिमा अंगीकार करके श्रावक अवस्थामें ही अवधिज्ञान प्राप्त करके एक मास का संथारा किया; इसका विस्तृत वर्णन उवा० के प्रथम अध्याय में है. name of a Śrāvaka of Vāṇij city, who practised vows by the preaching of Mahāvīra and accepted the vows of a householder; he obtained Avadhijñāna while still a Śrāvaka and practised Santhāro for a month. उवा० १, १०; संथा० (१०) ઉપાસકદશા સૂત્રના પહેલા અધ્યયનનું નામ. उपासकदशा सूत्र के पहिले अध्ययनका नाम. the name of the 1st chapter of Upāsakadaśa Sūtra. उवा० १, २; (११) અણુત્તરોવવાઈ સૂત્રના ૭ માં અધ્યયનનું નામ. अणुत्तरोववाइ सूत्र के ७ वें अध्यायका नाम. the name of the 7th chapter of the Aṇuttarovavāi Sūtra. अणुत्त० ७; (१२) ધરણેન્દ્રના રથની સેનાનો અધિપતિ. धरणेन्द्रकी रथसेना का अधिपति -नायक. commander of Dharaṇendra's army consisting of chariots. ठा० ५, १; —अज्झयण. न. (-अध्ययन) ઉવાસગદસા સૂત્રના પહેલા અધ્યયનનું નામ. उवासग दसा सूत्रके पहिले अध्याय का नाम. the name of the first chapter of Uvāsagadasā Sūtra. उवा० १; (२) અણુત્તરોવવાઈ સૂત્રના. ૭ મા અધ્યયનનું નામ. अणुत्तरो-ववाइ सूत्रके ७ वें अध्याय का नाम. the name of the 7th chapter of Aṇuttarovavāi Sūtra. अणुत्त० ७; (३) નિરયાવલિકા સૂત્રના ૨ જા વર્ગના નવમાં અધ્યયનનું નામ. निरयावलिका सूत्र के दूसरे वर्ग के नौवें अध्याय का नाम. the name of the 9 th chapter of the second section of Nirayāvalikā Sūtra. निर० २. ६; —कूड. न० (-कूट-आनन्द नाम्नो देवस्य कूटमानन्द कूटम्) ગન્ધમાદન નામે વખારા પર્વતનું સાતમું શિખર. गन्धमादन नामक

वक्खारा पर्वत का सातवाँ शिखर. the 7th summit named Gandhamādana of Vakhāra mountain. जं० प०
—रूव. त्रि० (-रूप) આનન્દરૂપ; આનન્દમય. आनंदरूप; आनन्दमय. full of delight. नाया. ६;

आणंदजीव. पुं० (आनन्दजीव) આવતી ઉત્સર્પિણીમાં થનાર પેઢાલ નામના ૮ માં તીર્થંકરનું પૂર્વભવનું નામ; આનન્દનો આત્મા. आगामी उत्सर्पिणीके ८ वें तीर्थंकर का पूर्वभव का नाम; आनंद की आत्मा. The name of the previous birth of the would-be 8th Tirthankara named Pedhāl of the coming Utsarpiṇī; the soul of Ānanda. प्रव० ४६७;

आणंदरक्खिय. पुं० (आनन्दरक्षित) એ નામના પાર્શ્વનાથના એક થિવર સાધુ (સ્થવિર). पार्श्वनाथ स्वामीके एक (स्थविर) साधु का नाम. Name of an ascetic of Pārśvanātha. "तत्थणं आणंदरक्खिए नामं थेरे" भग० २, ५;

आणंदा. स्त्री० (आनन्दा) પૂર્વ દિશાના રુચક પર્વત ઉપર વસનારી આઠમાંની ત્રીજી દિશાકુમારિકા. पूर्वदिशा के रुचक पर्वतपर बसनेवाली आठ दिशा-कुमारियों में से तीसरी दिशाकुमारी. The third of the 8 Diśākumārikās residing on the Rūchaka mountain of the East. जं० प० ५, ११४; (२) લવણદ્વીપના પૂર્વના અંજનક પર્વત ઉપરની એક લાખ જોજન પ્રમાણ લાંબી પહોળી અને ૧૦ જોજન ઉંડી એક વાવનું નામ. लवणद्वीप की पूर्व दिशा के अंजनक नामक पर्वत पर की एक बावड़ी का नाम जो एक लाख योजन लंबी चौड़ी और १० योजन ऊंडी है. the name of a well one lac Yojanas long and broad and ten Yojanas deep on the Anjanaka mountain to the east of the Lavaṇa-Dvīpa. प्रव० १४६३; ठा० ४, २; जीवा ३; ४;

आणंदिअ—य. त्रि० (आनन्दित) આનંદ પામેલ; આનન્દ યુક્ત. आनंद पाया हुआ; आनंदयुक्त. Joyous; delighted. "हट्ठ तुट्ठ चित्तमाणंदिए" ओव० ११; नाया० ध० भग० २, १; सु० च० १, १२४; कप्प० १, ५;

आणक्खेउं. सं० कृ० अ० (*परीक्ष्य) પરીક્ષા કરીને; તપાસ કરીને. परीक्षा करके; जांच करके. Having examined. ओघ० नि० ३६;

आणट्ठाकिइ. त्रि० (आज्ञार्थकृति–आज्ञाऽऽज्ञार्थं शब्दस्य हेतु वचनस्यापि दर्शनादर्थो हेतुरस्याः सा तथा विधाकृतिरर्थान्मुनि वेषात्मिका यस्य स आज्ञार्थकृतिः) મુનિ વેષના દેખાવ વાળો. मुनि वेश का दिखाव वाला. (One) appearing like, looking like, an ascetic. "आणट्ठाकिइ पव्वए" उत्त० १८, ५०;

आणण. न० (आनन) મુખ; મોઢું. मुख. A face; a mouth. "कुंडल उज्जोइयाणणे" जं० प० जीवा० ३, ४; पन्न० २; नाया० १; कप्प० २, ८४; ३, ३६;

आणणट्ठ. न० (आनयनार्थ) લાવાનેમાટે. लाने को. In order to bring पंचा० ७, ३६;

आणत. पुं० (आनत) નવમાં દેવલોકનું નામ. नौव देवलोक का नाम. Name of the 9th Devaloka. जीवा० २;

आणत्त. त्रि० (आज्ञप्त) આજ્ઞા આપેલ; આદેશ કરેલ; હુકમ કરેલ. आज्ञापित;

आज्ञापित; हुकम किया हुआ. Ordered; commanded. पण्ह० १, ३; सु० च० २, ६, १३; विशे० १०६४; नाया० ८; १६; भग० ७, ६;

आणत्त. न० (अन्यत्व) परस्पर भेद- भिन्नपणुं, जुदाई. परस्पर भेद; भिन्नता; जुदाई. Mutual separation; separation. राय० २६०; पन्न० १५; भग० १८, ३;

आणत्ति. स्त्री० (आज्ञप्ति) आज्ञा; हुकम; आदेश. आज्ञा; हुकम; आदेश. Order; command. "आणत्तिय पच्चप्पिणह" जं० प० ३, ४५; नाया० १; —किंकर. पुं० (-किङ्कर) आज्ञापालक नोकर. आज्ञापालक नौकर. an obedient servant. जं० प० ३, ४५;

आणत्तिआया. स्त्री० (आज्ञप्तिका) आज्ञा; हुकम; आदेश. आज्ञा; हुकम. Order; command. विवा० १; भग० ७, ६; ६, ३३; नाया० १; ८; १४; १६; नाया० ध० ओव० २६; राय० २८; उवा० २, १०६; जं० प० ३, ४४;

आणपाण. पुं० (आनप्राण) एक श्वासोच्छ्वास प्रमाणु काल. एक श्वासोच्छ्वास में जितना समय लगे उतना समय. Time required for a single breath. जीवा० ३, ४; —भासा. स्त्री० (-भाषा) श्वासोच्छ्वास अने भाषा ए बे पर्याप्ति. श्वासोच्छ्वास और भाषा ये दो पर्याप्ति. the development of the two faculties viz that of respiration and that of speech. क० प० ४, १५;

आणप्प. त्रि० (आज्ञाप्य) जेने आज्ञा-हुकम करी शकाय ते; आज्ञा उठावनार. जिसे आज्ञा दी जासके; आज्ञानुसार चलनेवाला. (One) carrying out an order; (one) who can be ordered. "आणप्पा हवंति दासावा" सूय० १, ४, २, १५;

√आणम. धा० I. (आ+अन्) प्राणु धारण करवा; जीववुं; जीना; प्राण धारण करना. To live; to breathe.

आणमंति. सम० १; भग० १, १; २, १; ६, ३३-३४; पन्न० ७;

आणममाण. भग० ६, ३३;

√आणय. धा० I. (आ+नी) लाववुं; लई-आववुं. लाना. To bring; to fetch.

आणयइ. क० गं० ३, १२;

आणय. पुं० (आनत) नवमो देवलोक. नौवाँ देवलोक. The ninth Devaloka. (२) नवमां देवलोकनुं विमान. नौवें देवलोक का विमान. a heavenly abode of the ninth Devaloka. ओव० २६; सम० १६; पन्न० १; ठा० २, ३; उत्त० ३६, २०८; नाया० १; भग० ३, १; ८, १; १८, ७; विशे० ६६६; —देव. पुं० (-देव) नवमा देवलोकना देवता के जेनी १९ सागरोपमनी स्थिति छे-ओगणीस हजार वर्षे आहारनी इच्छा अने १९ पखवाडिये जे श्वासोच्छ्वास लये छे. नौवें देवलोक के देव जिनकी आयु १९ सागरोपम है और उन्नीस हजार वर्षबाद जिन्हें आहार की इच्छा होती है तथा १९ पक्ष (९॥ माह) बाद श्वासोच्छ्वास लेते हैं. the deities of the ninth Devaloka who live for 19 Sāgaropamas, take food once in 19 thousand years and breathe once in 19 fortnights. भग० २४, २१;

आणयण. न० (आनयन) बहारथी लाववुं ते. बाहर से लाना. Bringing from outside. प्रव० २८५; पंचा० १, २०;

—प्पयोग. पुं० (-प्रयोग) નક્કી હદની બહારથી કઈ વસ્તુ મંગાવવી તે; શ્રાવકના દશમા વ્રતનો પ્રથમ અતિચાર. नियत की हुई मर्यादा के बाहिर से वस्तु मंगाना; श्रावक के दशवें व्रत का प्रथम अतिचार. the first of the partial violations of the 10th vow of a Śrāvaka. पंचा० १, २०; प्रव० २८५;

आणवण. न० (आज्ञापन) આદેશ; પ્રતિબોધન; પ્રવર્તન. आदेश; प्रवर्तन. Order; command. उवा० १, ५४;

आणवणिया. स्त्री० (आज्ञापनिका) પાપનો આદેશ-હુકમ કરવાથી કર્મબંધ થાય તે; ૨૫ ક્રિયામાંની એક. पाप के आदेश से कर्मबंध होना; २५ क्रिया में से एक. Incurring Karma by ordering some evil action. ठा० २, १;

आणवणी. स्त्री० (आज्ञापनी) આજ્ઞા આપવાની ભાષા; વ્યવહાર ભાષાનો એક પ્રકાર. आज्ञा करने की भाषा; व्यवहार भाषा का एक भेद. A sort of language viz that of command. पन्न० ११; भग० १०, ३; प्रव० ८०१;

आणा. स्त्री० (आज्ञा) આજ્ઞા; આદેશ; હુકમ; તીર્થંકર, ગણધર, ગુરુ, વડીલ; વગેરેનું ફરમાન. आज्ञा; हुक्म; आदेश; तीर्थंकर, गणधर, गुरु, माता-पिता आदि की आज्ञा. Order; command. भग० १, ३; २, १; ५; ३, १; ७; ७, ६; ८, ८; १८, २; नाया० १; ८; ६; १६; १८; आया० १, १, ३, २१; १, ६, ?, १८४; ओव० २०; ३०; ३२; ३४; उत्त० २, २; २६, १; अणुजो० ४१; ४२; गच्छ० ३०; दस० १०, १, १; पिं० नि० ८०; १८३; पिं० नि० भा० २६; प्रव० १००; कप्प० २, १३; गच्छा० ३६; जं० पं० ५, ११५; वव० ४, १८, ६; १०; १०, ३; सूय० २, ६, ५५; (२) આપ્તનો ઉપદેશ. आप्त का उपदेश. the teaching or advice of an authoritative person. पंचा० २, ३२; (३) બોધિ; સમ્યક્ત્વ. सम्यक्त्व right knowledge. पन्न० १; (४) આજ્ઞા વ્યવહાર. आज्ञा व्यवहार. Ājñāvyavahāra. ठा० ५, २; प्रव० ८६१; —अणुग. त्रि० (-अनुग) આજ્ઞાને અનુસરનાર. आज्ञा के अनुसार चलनेवाला. (one) who obeys, carries out, an order. अणुजो० ४२; (५) આગમાનુસારી. आगम के अनुसार चलनेवाला. (one) who acts according to the orders (of scriptures). पंचा० १६, २४; —अणुगामि. त्रि० (-अनुगामिन्) આજ્ઞાને અનુસરનાર. आज्ञा के अनुसार चलनेवाला. (one) obeying, carrying out, an order. अणुजो० २१; —इस्सरिय. न० (-ऐश्वर्य) આજ્ઞા કરવામાં ઐશ્વર્ય-મહત્તા. आज्ञा करने में ऐश्वर्य महत्ता power of ordering; power of command. "आणा इस्सरियं मे" उत्त० २०, १४; —ईसर. पुं० (-ईश्वर-आज्ञाया ईश्वर आज्ञेश्वर) હુકમ કરનાર; આજ્ઞા કરનાર. आज्ञा करनेवाला. one having the power to command. सम० १८; जं० प० ३, ६६; —कंख. त्रि० (-कांक्षिन् आज्ञाकांक्षितुं शीलमस्येत्याज्ञाकांक्षी) સર્વજ્ઞના ઉપદેશ પ્રમાણે અનુષ્ઠાન કરનાર. सर्वज्ञ के उपदेश का अनुष्ठान करनेवाला. (one) abiding by the teachings of the omniscient. "इह आणा कंखी पंडिए" आया० १, ४, ३, १३५; —कारि. त्रि० (कारिन्) સર્વજ્ઞની આજ્ઞા પ્રમાણે વર્તનાર. सर्वज्ञ की आज्ञानुसार चलनेवाला. (one)

acting according to the orders of the omniscient. "एयस्स फलं भणियं इय आणाकारिणो हसड्डस्स" पंचा० ७, ४८; —गारि. त्रि० (-कारिन्) गुर्वादिकनी आज्ञा प्रमाणे वर्तनार. आज्ञाकारी; गुरू की आज्ञा को मानने वाला. (one) who acts according to the order of a preceptor etc. पंचा० ८, १३; —णिद्देस. पुं० (-निर्देश) विधिनिषेध प्रतिपादन करवुं ते विधिनिषेध का प्रतिपादन करना. explanation of things commanded and things prohibited. (२) आज्ञानो स्वीकार. आज्ञा का स्वीकार. acceptance of an order. "आणा णिद्देस करे" उत्त० १, २; —णिद्देसयर. पुं० (-निर्देशकर) आज्ञानो आराधक. आज्ञा स्वीकारनार. आज्ञा मानने वाला. one who obeys, pays homage to, an order. "आणा णिद्देस करे" उत्त० १, २; -परतंत्त. त्रि० (-परतंत्र) तीर्थंकरनी आज्ञाने आधीन. तीर्थंकर की आज्ञा के आधीन. obedient to the order of a Tirthankara. पंचा० १७, १६; —पवित्ति. स्त्री० (प्रवृत्ति) सर्वज्ञनी आज्ञाने आधीन थइ प्रवर्तन करवुं. आज्ञा के अनुसार चलना. acting according to the order of a Tirthankara. "आणापवित्तिओच्चिय सुद्धो पुर्णोण अण्णहाणियमा" पंचा० ८, १३; —बज्झ. त्रि० (-बाह्य) सर्वज्ञनी आज्ञानी बहार; आज्ञा रहित. सर्वज्ञ की आज्ञा के बाहर. not commanded by the omniscient; outside the pale of things ordered by the omniscient. "समिति पवित्ति सव्वा आणा बज्झत्ति भवफला चेव" पंचा० ८, १३;

—बलाभिओग. पुं० (-बलाभियोग-आज्ञापनमाज्ञा भवतेदं कार्यमेव तदकुर्वतो बलात्कारणं बला.भियोगस्ततश्चाज्ञया सह बलाभियोगा आज्ञाबलाभियोगः) हुकम अने बलात्कारनो उपयोग करवो ते; हुकम और बलात्कार का उपयोग करना. command accompanied with physical force. "आणाबलाभियोगो णिग्गंथाणं ण कप्पते काउं" पंचा० १२, ८; —भंग. पुं० (-भङ्ग) सर्वज्ञनी आज्ञानो भंग. सर्वज्ञ की आज्ञा का भंग. breach of an order of the omniscient. पंचा० ५, ४५; —रुइ. स्त्री० (-रुचि) सर्वज्ञना वचन-हुकमथी उत्पन्न थयेली रुचि; समकितनो एक प्रकार. सर्वज्ञ के वचन से उत्पन्न रुचि; सम्यक्त्व का एक भेद. liking produced by the order, teaching, of the omniscient; a variety of right faith based on liking. ओव० उत्त० १८, १४; ठा० ४, १; पंचा० ११, १२; प्रव० ६६७; (२) त्रि० तेवी रुचि वाळो; समकितना दश प्रकारमांनो एक वैसा रुचिवाला; सम्यक्त्व के दश प्रकार में से एक. (one) possessed of the above kind of liking. भग० २५, ७; उत्त० १८, १४; —लोअ. पुं० (लोप) आज्ञानो भंग लोप आज्ञा का भंग. violation of an order. नि० नि० भा० २९; —ववहार. पुं० (व्यवहार) गीतार्थ बे आचार्यो जुदे जुदे स्थले रहेला होय; अवस्थाने लीधे एक बीजानी पासे जइ शके एवी स्थितिमां नथी त्यारे अगीतार्थ पण मति धारणामां कुशल एवा कोइ शिष्य ने गुप्त अर्थमां अतिचारो कही बीजानी पासे मोकले; बीजा आचार्य ते शिष्यनी मारफत प्रथम आचार्यनी गुप्त शब्दोमां कहेलो आज्ञा प्रमाणे प्रायश्चित्त

वगेरे छये ते आज्ञा व्यवहार. शास्त्रवेत्ता दो आचार्य भिन्न २ स्थानोंपर रहते हो; पर अवस्था के कारण एक दूसरे के पास न जा सकते हो और इसलिये एक आचार्य अगीतार्थी (शास्त्र को न जाननेवाला) परन्तु मति धारण मे कुशल शिष्य को गुप्त अर्थ में अतिचार बतला-कर दूसरे के पास भेजे तब वह दूसरा आचार्य शिष्य द्वारा भेजी हुई प्रथम आचार्य की गुप्त आज्ञा के अनुसार जो प्रायश्चित करे वह आज्ञा व्यवहार. when two Āchāryas well-versed in Śāstras, residing in different places cannot see each other on account of old age and one of them informs the other of his (other's) violations of right conduct in rather abstruse terms, through a disciple, faithful though not well-versed in Śāstras, and the other after receiving the message from the disciple performs the expiations ordered by the first the whole affair is called Ājñā Vyavahāra. प्रव०८३१; —विजय. पुं० (विचय) भगवाननी आज्ञानो निर्णय करवो ते; धर्म ध्याननो प्रथम भेद. भगवान की आज्ञा का निर्णय करना; धर्म ध्यान का प्रथम भेद. contemplation of the authority of the teachings of scriptures: the first variety of religious meditation. भग० २५,७;—विराहणा. स्त्री० (-विराधना) सर्वज्ञनी आज्ञानी विराधना करवी ते. सर्वज्ञ की आज्ञा का भंग करना. offending against the order of the omniscient. पंचा० १६, २८; —विराहणाणुग. त्रि० (-विराधनानुग) आज्ञानी विराधना करनार. आज्ञा भंग करनेवाला. (one) who violates, offends against, an order. "आणाविराहणाणुगमेव पिय होति दट्ठव्वं" पंचा० १६, २८; —विवरीय. त्रि० (-विपरीत) सर्वज्ञनी आज्ञाथी विपरीत सर्वज्ञ की आज्ञा से विपरीत. against the order of the omniscient "आणा विवरीयमेव न किंचि" पंचा० ६, ६; —सार. त्रि० (-सार) आप्त वचनने प्रधान माननार. आप्त वचन को प्रधान माननेवाला. (one) believing the words of an authoritative person to be above all things else. "आणासारं मुणेयव्वं" पंचा० ११, ८;

आणाओ. अ० (आज्ञातः) आज्ञाथी. आज्ञा से. By order; by the command of. पंचा० ५, ११;

आणाहिअ. न० (अनार्धिक) निरयावलिका सूत्रना त्रीजा भागरूप पुष्पिका सूत्रनुं नाम. निरयावलिका सूत्र के तीसरे भाग स्वरूप पुष्पिका सूत्र का नाम. Name of the Puṣpikā Sūtra forming the third part of the Nirayāvalikā Sūtra. निर० ३, १;

आणापाण. पुं. (आनप्राण) श्वासोच्छ्वास. श्वासोच्छ्वास. Respiration. (२) श्वासोच्छ्वास परिमित काल. श्वासोच्छ्वास परिमित काल. time required for one breath. विशे० ३६०; —पज्जत्ति. स्त्री० (-पर्याप्ति) जेथी श्वासोच्छ्वास लइ शकाय एवी शक्ति. श्वासोच्छ्वास पर्याप्ति. जिससे श्वासोच्छ्वास लिया जाता है वह शक्ति; श्वासोच्छ्वास पर्याप्ति. respira-

tory power; power of breathing. भग० १, १; ६, ४;

आणापाणु. पुं० (आनप्राण) જુઓ " आणापाण " શબ્દ. देखो " आणापाण " शब्द. Vide " आणापाण " भग० २५, ५; ठा० २, ४; जीवा० १; —**पोग्गल परियट्ट.** पुं० (-पुद्गल परिवर्त) લોકની અંદરના બધા પુદ્ગલ જુદા જુદા ભવમાં શ્વાસોચ્છ્વાસ પણે જેટલા વખતમાં લઈ અને મુકે તેટલો વખત. समस्त लौकिक पुद्गलों-परमाणुओं को पृथक् २ भव जन्म में श्वास निश्वास रूप से जितने समय में ग्रहण कर छोड़ा जाय उतना समय. the time taken for inhaling and exhaling in different births all the Pudgalas in the world भग० १२, ४;

आणापाणु—त्त. न० (आनप्राणत्व) શ્વાસોચ્છ્વાસ પણું. श्वासोच्छ्वासपन. State. condition of, respiration. भग० २५, २;

आणापाणुत्ता. स्त्री० (आनप्राणता) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. भग० १२, ४; २५, २;

आणाम. (*आयाम) ઉચ્છ્વાસ उच्छ्वास. Breath; breathing in. " एएसिंणं आणामं पाणामं वा उस्सासंवा निस्सासंवा" भग० २, १;

आणामिय. त्रि० (आनामित) થોડું નમાવેલું-વાંકું કરેલું कुछ नमायाहुआ. Somewhat bent or inclined. ओव० १०; उवा० २, १०१;

आणामेत्त. न० (आज्ञामात्र) આજ્ઞા માત્ર आज्ञा मात्र. Mere order. " आणामेत्तंमि सव्वहाउसो; " पंचा० १४, २८;

आणाय. सं० कृ० अ० (आज्ञाय) જાણીને; સમજીને. जानकर; समझकर Having known; having understood उत्त० २, १७;

आणिअ—य. त्रि० (आनीत) આણેલું; લાવેલ. लाया हुआ. Brought. भग० ३, ३३; सु० च० ५, ८२; नाया० १;

आणील. त्रि० (आनीत) આણેલું. लायाहुआ. Carried; brought. प्रव० २७७, ८२०;

आणीअ. पुं० (आनील आ इषन्नील आनील:) થોડો નીલો રંગ; કાંઈક નીલ-શ્યામ. कुछ नीला रंग. Blue tinge; faint blue colour " आणीलंच वत्थयं रयावेंहि " सूय० १, ४, २, ६;

आणुकंपिय. त्रि० (आनुकम्पिक अनुकम्पया चरतास्यानुकम्पिक:) અનુકંપા કરનાર; દયાળુ. दयावान्; दयालु. Compassionate. भग० ३, १; १५, १;

आणुगामिय. त्रि० (आनुगामिक—गच्छन्तं पुरुषमासमन्तादनुगच्छत्येवं शील: अनुगामी-अनुगाम्येवाऽनुगामिकं) આંખની પેઠે સ્વામિની સાથે સાથે જનાર અવધિજ્ઞાન; ઉત્પન્ન થયું હોય ત્યાંજ ન અટકી રહેતાં સાથે સાથે જઈ બોધ કરાવનાર અવધિજ્ઞાનનો એક પ્રકાર. आंख के समान साथ २ रहने वाला अवधिज्ञान; जहां उत्पन्न हुवा हो वहां न रहकर साथ साथ जाने और ज्ञान करानेवाला अवधिज्ञान का एक भेद. A sort of Avadhijñāna i. e. visual knowledge so-called because it accompanies the possessor like his eyes. ' आणुगामिओणुगच्छइ गच्छंतं ' नंदा० ६; " से किंतं आणुगामियं ओहिनाणं दुविहं प० त० अंतगयं मज्झगयंच " नंदा० ६; विशे० ५७७; (२) ઉપાર્જિત પાપપુણ્યનું જીવની સાથે આવવું તે. उपार्जित पापपुण्य का साथ के

साथ आना. the soul's being accompanied with its good and bad Karma. आया॰ १, ७, ४, २१५; —भाव. पुं॰ (-भाव) पछवाडे चालनारनो भाव-अनुकूलता. अनुगामी का भाव; अनुयायी का भाव. the attitude of (reverence) of a man who is a follower. सूय॰ २, २, २६;

आणुगामीश्र—य-ता. स्त्री॰ (अनुगामिकता) भवेभवमां साथे आवे तेवुं सुख. भवोभव -प्रत्येक भव- में साथ रहने वाला सुख. Happiness which accompanies a man in all his births. भग॰ ६; ३३; ओव॰ २७; राय॰ ७१; दसा॰ ४, ८०;

आणुगामित्त. स्त्री॰ (आनुगामित्व) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया॰ १; भग॰ २, १;

आणुत्तण. न॰ (आनत्व) श्वासोच्छ्वासपणुं. श्वासोच्छ्वासपना. Respiration; breathing in and out. क॰ प॰ १, १०;

आणुपुव्व. न॰ (आनुपूर्व) अनुक्रम; परिपाटी. अनुक्रम; परिपाटी; क्रम. Serial order; succession. सूय॰ १, २, ३, १३; नाया॰ १; ६; ७; ओव॰ —सुजाय. त्रि॰ (-सुजात) अनुक्रमे-सारीरीते उत्पन्न थयेल. अच्छी तरहसे-अनुक्रमसे उत्पन्न. well-born; born in proper order. " आणुपुव्व सुजायरुइर लवट्ट भाव परिणया " नाया॰ १; ४; ओव॰

आणुपुव्विग त्रि॰ (आनुपूर्वीग-अनुपूर्वक्रमस्तंगच्छतीत्यानुपूर्वीगः) क्रमसर. क्रमवार. क्रमशः क्रमानुसार. In proper order. " आणुपुव्विग मारुसो पव्वज्जाउत्तमत्थ करणांय " आया॰ १, ६; १, १७२;

आणुपुव्वी. स्त्री॰ (आनुपूर्वी पूर्वस्य पश्चादनुपूर्वं तस्य भाव आनुपूर्वी) अनुक्रम. परिपाटी; पौर्वापर्य भाव. अनुक्रम; क्रमशः Proper order; proper succession of one thing to another. (२) विशिष्ट रचना. विशेष प्रकारकी रचना. a particular kind of arrangement. " आणुपुव्विय संठाए " आया॰ नि॰ १, १, १, ८; १, ८, ८; भग॰ १, ६; २, १; ६, ३; ७, १; १५, १; २५, २; दस॰ ८, १; उत्त॰ ३, ७; पि॰ नि॰ ७८; नंदी॰ ३६; अणुजो. ७०; राय॰ जं॰ प॰ सूय॰ १, ४, १, ६; प्रव॰ ६६६; ८८४; नामकर्मनी एक प्रकृति. (वधु विवेचन माटे जुओ " आणुपुव्विणाम " शब्द) नामकर्म की एक प्रकृति (विशेष वर्णन देखने के लिये देखो 'आणुपुव्विणाम' शब्द) (vide also 'आणुपुव्विणाम') a division of Nāma Karma. क॰ गं॰ ६, ६; पन्न॰ २३; —गंठिय. त्रि॰ (-ग्रथित) अनुक्रमे गुंथेल. अनुक्रम पूर्वक गुंथा हुआ. knit in proper order. " आणुपुव्वि गंठिया " भग॰ ५, २; —णाम. न॰ (-नामन्) नामकर्मनी एक प्रकृति, के जे बलदने नाथनी पेठे जीवने जे गतिनुं आयुष्य उदयमां आव्युं होय तेज गतिमां लइ जाय; बीजी गतिमां जवा न आपे तेवी नामकर्मनी एक प्रकृति. नामकर्म की एक प्रकृति जो कि बैल के नाथ के समान जीव को जिसगतिका उदय होवे उसी गति में ले जाय. a variety of Nāma-karma which perforce carries a man to that condition of existence to which his matured Āyuṣya has entitled him. सम॰ प्रव॰ २८३; —विहारि. पुं॰ (-विहारिन्) प्रव्रज्या कालने अनुसरी संयमनी ते ते क्रिया करनार. प्रव्रज्या-दीक्षा

काल के अनुसार संयम की क्रियाएँ करने वाला. one performing the necessary ascetic practices enjoined after taking Dikṣā. आया॰ नि॰ १, ७, १, २७३;

आणुलोमिअ. न॰ (आनुलोमिक) મધુર વચન; અનુકૂલ વચન. मीठे वचन; मनोहर वचन; अनुकूल वचन. Pleasing and charming speech "वइज्ज बुद्धेहियमाणुलोमियं" दस॰ ७, ५६;

आणेयव्व. त्रि॰ (आनेतव्य) લાવવાને યોગ્ય. लाने के योग्य. Worthy of being brought. सु॰ च॰ ८, ३०७ जं॰ प॰ २, ३३;

आणोह. पुं॰ (आज्ञौघ-आज्ञाया अनुपदेशस्योघः सामान्यम्) સમ્યગ્ દર્શન રહિત આજ્ઞા માત્ર. सम्यग्दर्शन रहित आज्ञा मात्र. Words of the omniscient not accompanied with right faith. "आणोहे जाणंता मुक्का गवजगंसुड सरीरा" पंचा॰ १४, ४८;

आत. पुं॰ (आत्मन्) આત્મા. आत्मा. Soul "कइ विहाणं भंते आता प॰ तं॰ गोयमा अट्ठविहा......दवियाता कसायाता जोगाताता उवओगाता" भग॰ १२, १६; १४, १; २०, ३; दस॰ ४; ठा॰ १;

आतंक. पुं॰ (आतङ्क-आ-सामस्त्येन तङ्कयन्ति कृच्छ्रजीवितमात्मानं कुर्वन्तीत्यातङ्काः) જીવલેણ રોગ; શલ ઝેરીતાવ વગેરે प्राण हारि रोग. A fatal disease. भग॰ ६, ३३; ओव॰ ३९, (२) રોગનો પરીષહ. रोगका परीषह. trouble given or caused by disease. उत्त॰ १०, २७; —दंसि. पुं॰ (-दर्शिन्) शारीरिक या मानसिक दुःख जोनार (जाणनार). शारीरिक या मानसिक दुःख जाननेवाला. (one) having knowledge of physical or mental pain. आया॰ १, ३, २, ४; —संपओग. पुं॰ (-संप्रयोग) રોગનો સંબન્ધ. रोग का सम्बन्ध. connection of disease. —संपओगसंपउत्त. पुं॰ (-संप्रयोग सम्प्रयुक्त) રોગના સંબંધની જોડાવું તે; આર્તધ્યાનનો ત્રીજો ભેદ. रोग के सम्बन्ध से संयुक्त होना; आर्त्तध्यान का तीसरा भेद. meditating upon disease. ओव॰

आतंच. धा॰ I. (आ+तञ्च्) ચોપડવું; મસળવું. चिपड़ना; मसलना. To rub to apply.

आयंचइ. उवा॰ ३, १३२;

आयंचामि. उवा॰ ३, १२८;

आतंब. त्रि॰ (आताम्र) થોડું લાલ; જરા રાતું. कुछ ललाम वाला. Reddish. ओव॰

आतज्झयण. न॰ (आताअध्ययन) જ્ઞાતા ધર્મકથાના બીજા શ્રુતસ્કંધ ૧૦ માં વર્ગના બીજા અધ્યયનનું નામ કે જેમાં સૂર્યની અગ્રમહિષીનો વિસ્તાર પૂર્વક હેવાલ છે. ज्ञाता धर्म कथा के दूसरे श्रुतस्कंध के ७ वे वर्ग के दूसरे अध्याय का नाम, जिसमे कि सूर्य की पट्टराणी का विस्तृत वर्णन है. The name of the 2nd chapter of the 7th part of the 2nd Śruta-Skandha of Jñātā-Dharma-Kathā, in which is related the account of the principal queen of the sun. नाया॰ ध॰ २; ७; २;

आतत. न॰ (आतत) લંબાઈ. लंबाई. Length. जं॰ प॰

आतप. पुं॰ (आतप) નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવને સ્વરૂપથી ગરમ નહિ હોવાં છતાં ઉષ્ણતા અને પ્રકાશ આપનાર શરીર મળે જેમ સૂર્યમંડલગત પૃથ્વિકાયિક જીવ. नाम कर्म की एक प्रकृति जिसके

उदय से प्रकाश देनेवाला शरीर मिलता है जैसे की सूर्यमंडलगत पृथ्वीकाय के जीव. A kind of Nāma Karma by the rise of which the soul which is not hot by nature gets a body which gives light and heat; e. g. a soul having earth-body in the sun. पन्न० २३;

आतपत्त. न० (आतपत्र) छत्र; छत्री. छतरी. An umbrella जं० प०.

√ **आतव.** धा० II. (आ+तप्) આતાપના લેવી. आतापना लेना. To practise austerity by enduring cold, heat etc.

आयावयंति. दसा० ३, १२;
आयावित्ता नि० दस० ८;
आयावेहि आ० दस० २, ३;
आयावित्तए. हे० कृ० आया० १, ०, ३; २१०; वेव० ५, २२;
आतावित्तए हे० कृ० कप. ८;
आयावेत्तए. हे० कृ० नाया० १६, कप्प० ६, ५२;
आयावेमाण. व० कृ० नाया० १; १६; भग० २, १; ३ १; ९, ३१; ५, १; १६, ३;
आतावेमाण. व० कृ० श्रोव० ४०;

आतव. पुं० (आतप) પ્રકાશ; તડકો. प्रकाश; उजेला. Light; sunshine. ठा० २, ४; विशे० २२४२; (२) એ નામનું એક અહોરાત્રિનું ૨૪ મું મુહૂર્ત. अहोरात्रि के २४वें मुहूर्तका नाम. name of the 24th Muhurta of the period of a day and a night. सम० ३०; —णाम. न० (-नामन्) જુઓ " आतप " શબ્દ. देखो " आतप " शब्द. vide " आतप " प्रव० १२७८; क० गं० ५, ६६; —णिवाय पुं० (-निपात-आतपस्य-घर्मस्य निपातो निपातः) ગરમી થવી; બફારો થવો. गर्मी होना. coming of heat, " आयवस्स निवाएणं अउला हवइ वेयणा " उत्त० २, ३५;

आतववंत. पुं० (आतपवत्) એ નામનું અહોરાત્રનું ૨૪ મું મુહૂર્ત. अहोरात्रि के २४वें मुहूर्त का नाम. Name of the 24th Muhūrta of the period making up a day and a night. जं० प०

आतवा. स्त्री० (आतपा) સૂર્યની અગ્ર મહિષીનું નામ. सूर्य की अग्र पट्टरानी का नाम. The name of the principal queen of the sun. सू० प० १८;

आतवाभा. स्त्री० (आतपाभा) જુઓ " आतवा " શબ્દ. देखो " आतवा " शब्द. Vide. " आतवा." जीवा० ३;

आतावग. पुं० (आतापक-आतापयत्यातापनां शीतातपादिसहनरूपां करोतीत्यातापकः) આતાપના સહન કરનાર; સૂર્યની આતાપના લેનાર. आतापना सहन करनेवाला. One who practises the austerity of bearing the intense heat of the sun. ठा० ४;

आतावण. न० (आतापन) આતાપના લેવી તે. शीत, उष्णता आदि से शरीर को कष्ट देना. Practice of austerity by enduring intense heat, cold etc. ठा० ३; दस० ४; —भूमि. स्त्री० (-भूमि) આતાપના લેવાની જગ્યા. आतापना लेनेका स्थान. a place for practising austerity by enduring heat, cold etc. निर० ३, ३;

आतावणया. स्त्री० (आतापनता) જુઓ " आतावण " શબ્દ. देखो " आतावण " शब्द. Vide " आतावण " ठा० ३;

आताबि. पुं० (आतापिन्-आतपयति आतापना शीतातपादिसहनरूपां करोतीत्यातापी) તાપ, શીતાદિ સહન કરનાર. ताप शीत, आदि को सहन करनेवाला. (One) who endures heat and cold. ठा० ४; कप्प० ८;

आत्थिराण. त्रि० (आस्तीर्ण) પાથરેલું; બિછાવેલું; बिछाया हुआ. Spread. भग० १,१;

आतीय. त्रि० (आतीत--आसमन्तादतीवइतो ज्ञातः आतीतः) સર્વત્ર અત્યંત જણ્યાએલ. सर्वत्र अत्यंत-अतीवरूप प्रतीत होता हुआ. Felt excessive everywhere. (२) (आसामस्त्येनातीतोऽतिक्रान्तः आतीतः) સમસ્ત પણે ઉલ્લંઘી ગયેલ. सम्पूर्णतया उलांघा हुआ. wholly, completely, crossed. आया० १, ८, ७, २२६; —ट्ठ. त्रि० (-अर्थ) જેણે જીવ અજીવ આદિ સર્વે પદાર્થ જાણ્યા છે તે. जीव अजीव आदि सर्व पदार्थों को जाननेवाला. (one) who has known fully sentient as well as insentient things. (२) તમામ વ્યાપારથી નિવૃત્ત થયેલ. समस्त व्यापारसे निवृत्त. (one) retired from all activities. आया० १, ८, ७, २२६;

आतुर त्रि० (आतुर) વ્યાકુલ; તીવ્રાભિલાષી. व्याकुल; तड़फड़ाता हुआ. Afflicted; intensely longing. आया० १, १, ६, ५१; भग० १६, ४; नाया० ५; (२) વિષય કષાય આદિ દોષયુક્ત. विषय, कषाय आदि दोषों सहित. full of faults such as passions etc. आया० १, १, २, १८;

आतोडिज्जमाण. त्रि० (आतोद्यमान) વગાડવામાં આવતું. बजाया जानेवाला. Being played upon. सूय० २, ४, ११;

आतोइ. पुं० (आतोद्य) વાજીંત્ર. बाजा. A musical instrument. जीवा० ३, ३;

आत्त. पुं० (आत्मन्) આત્મા; જીવ. आत्मा; जीव. Soul. सूय० १, २, ३, १०; (२) શરીર; દેહ. शरीर; देह. body. जीवा० ३; (३) સ્વયં; પોતે. खुद; स्वयं. oneself. सूय० १, १३, ३; —उवक्कम. पुं० (-उपक्रम-अप्राप्तकालस्यायुषो निर्जरणं, आत्मनास्वयमेवायुष उपक्रम आत्मोपक्रमः, आत्मन उपक्रमोवा) પોતાનું ઉપક્રમ-અપ્રાપ્તકાલ આઉખાનું નિર્જરણ. आत्माका उपक्रम-असामयिक आयुष्य का निर्जरण. Nirjarā of one's own unfinished life period. भग० २०, १०; —भाव. पुं० (-भाव) સ્વાભિપ્રાય; સ્વચ્છંદપણું. स्वेच्छाचार; स्वच्छंदता. wilfulness; self-will. "जे आत्ताभावेण वियागरेज्जा" सूय० १, १३, १; —रक्खग्र. पुं० (-रक्षक) પોતાના સ્વામિના શરીરનું રક્ષણ કરનાર દેવતાની એક જાત; આત્મ-રક્ષક દેવતા. अपने स्वामी की रक्षा करने वाले देवों की एक जाति; आत्मरक्षक देव. a kind of deities who protect the body of their lord. जीवा० ३, ४; —हिग्र. न० (-हित) આત્મશ્રેય; આત્મ-કલ્યાણ. आत्मकल्याण. welfare of the soul. " आत्तहियं खु दुहेण लब्भइ " सूय० १, २, २, ३०;

आतीकय. त्रि० (आत्मीकृत) ખીરનીરની પેઠે આત્માની સાથે એકમેક કરેલ. आत्मसातकिया हुआ; दूध और पानी के समान आत्मा के साथ एकता की हुई. Made one with the soul like milk and water विशे० १;

आदंस. पुं० स्त्री० (आदर्श) એક જાતની

લિપી. एक प्रकारकी लिपि. A particular kind of script; (२) અરિસો. दर्पण; शीशा. a mirror. पन्न० १; —घर. न० (-गृह) અરીસાનો ઘર. शीश-महल. a house of mirrors or looking-glasses. जं० प० ३, ७०;

आदंसग. पुं० (आदर्शक —आसमन्तात् दृश्यते आत्मा यस्मिन् स आदर्शः सएव आदर्शकः) અરીસો. दर्पण; A mirror. "आदंसगंच पयच्छाहि" सूय० १, ४, २, ११;

आदंसिआ. स्त्री० (आदर्शिका) ખાદ્ય વિશેષ; એક જાતનો ખાવાનોપદાર્થ. खाने का एक पदार्थ विशेष. An eatable substance; a kind of food. जं० प० पन्न० १७;

√**आदद.** धा० I. (आ+दद्) ગ્રહણ કરવું; લેવું; આદાન કરવું. ग्रहण करना; लेना. To take; to accept.

आययइ. उत्त० ३२, २६;

आययंति. अया० १, ७, १, १६६; विशे. १२२८; उत्त० ३, ७;

आययमाण. पिं० नि० १०७;

आदर. पुं० (आदर) આદર સત્કાર. आदर-सत्कार. Hospitality. ठा० ६;

आदरण. न० (आदरण) સ્વીકાર. स्वीकार. Acceptance. भग० १२, ५;

आदरिस पुं० (आदर्श) જુઓ "आदंस" શબ્દ. देखो "आदंस" शब्द. Vide. "आदंस". ओव० १७; जं० प० २, ३१;

आदरिस लिवि. स्त्री० (आदर्शलिपि) અઢાર લિપિમાંની એક. अठारह लिपीओं में से एक. One of the 18 scripts. सम० १८;

√**आदह.** धा. I. (आ+धा) ધારણ કરવું; પકડવું. धारण करना; पकडना. To put on; to hold; to catch,

आदहइ. ओव० ३०;

आदहित्ता. ओव० ३०;

√**आदा.** धा. I. (आ+दा) ગ્રહણ કરવું. ग्रहण करना. To accept; to take.

आदियइ. उवा० २, १२१; सूय० २, २, २३;

आइयइ. वेय० ४, २५; निसी० १६, २४; २६;

आइयंति. सूय० २, १, १६;

आदिए. वि० उत्त० २४, १४;

आदियत्त. व० कृ० सूय० २, २, २१;

आइत्तु. सं० कृ० आया० १, ४, १, १२६;

आदियावेन्ति. पुं० सूय० २, २, २१;

आइयावेन्ति. प्रे० सूय० २, १, १६;

आदाण. न० (अवदाह) આંધણ. આધન. Boiling water. "आदाण भरियंसि कडाहयंसि" उवा० ३, १२६; —भरिय. त्रि० (-भृत) આંધરણ થી ભરેલ. गरम जल से भरा हुआ. filled with boiling water. "आदाण भरियंसि कडाहयंसि अद्दहेमि" उवा० ३, १२६;

आदाण. न० (आदान) લેવું; ગ્રહણ કરવું. लेना; ग्रहण करना. To take; to accept. सूय० १, १६, ३; उवा० १, ५१; ओव० १०; १७; भग० २०, २; उत्त० २४, २; प्रव० १०७६; (२) કર્મનું ઉપાદાન કારણ. कर्म का उपादान कारण. the efficient cause of Karma. "भूणादाणाइं लोगंसिसंविजं परिजाणिया" सूय० १, ८, १०; —फलिह. पुं० (-परिघ आदीयते द्वारस्थगनार्थं गृहात् इत्यादानः स चासौ परिघश्चादानपरिघः) બારણું બંધ કરવાની ભોગળ. द्वार बंद करने का आला, चटकन. a bolt of a door. जीवा० ४; पराह० १, ४; —भंडमत्तनिक्खेवणा समिइ. स्त्री० (-भाण्डमात्रनिक्षेपणासमिति) ઉપગરણ આદિ યત્ન-

पूर्वक लेवां मुकवां ते; साधुनी पांच समिति-मांनी चोथी समिति. यत्नाचार पूर्वक उपकरण आदि का उठाना रखना; साधु की पांच समिति में से चोथी समिति. carefulness in taking up and laying down implements or articles of use; the 4th out of 5 Samitis of ascetics. ठा० ७; सम० ४; —भंडमत्तनिक्खेवणा समिय. त्रि० (-भाण्डमात्रनिक्षेपणासमित) भंड उपगरण वस्त्रपात्रादि जतनाथी लेनार मुकनार; पांचमांनी चोथी समिति पाळनार साधु. उपकरण आदि को यत्नाचार पूर्वक उठाने रखनेवाला साधु; पांच में से चोथी समिति पालने वाला साधु. (one) who is careful in handling clothes vessels etc; a Sādhu who observes the 4th of the 5 Samitis (carefulness) ठा० ७; सम० ४; भग० २, १;

आदाणया. स्त्री० (आदान-स्वार्थेताप्रत्ययः) ग्रहण करवुं ते. ग्रहण करना. Acceptance. ठा० २;

आदाणिज्जज्झयण. न० (आदानीयाध्ययन) सूयगडांग सूत्र ना प्रथम श्रुत स्कंधना १५ मां अध्ययननुं नाम. सूयगडांग सूत्र के पहिले स्कंध के १५ वें अध्याय का नाम. Name of the 15th chapter of the first Śrutaskandha of the Sūyagadāṅga Sūtra. सूय० १, १६;

आदाणीय. त्रि० (आदानीय) आदेयवचन; जे वचन सर्वमान्य थाय ते. आदेय वचन; सर्वमान्य वचन. Speech which is acceptable to all. सम० १६; कप्प० ६, १४;

आदाय. सं० कृ० अ० (आदाय) लइने; ग्रहण करीने. लेकर; ग्रहण करके. Having taken. दसा० ५, ४१; भग० १५, १; सूय० १, ४, १, १०;

आदाया. पुं० (आदातृ) ग्रहण करनार; स्वीकारनार. ग्रहण करनेवाला (One) who accepts. विशे० १५६८;

आदि. स्त्री० (आदि) जुओ "आइ" शब्द. देखो "आइ" शब्द. Vide "आइ". दसा० ७; १; सू० प० १;

आदिकर. पुं० (आदिकर) जुओ "आइगर" शब्द. देखो "आइगर" शब्द. Vide "आइगर" सूय० २, २, ४१;

आदिगर. पुं० (आदिकर) जुओ "आइगर" शब्द. देखो "आइगर" शब्द. Vide "आइगर". नाया० १६; भग० १, १; ७, ६; १८; २; राय० २९;

आदिज्ज त्रि० (आदेय) जुओ "आइज्ज" शब्द. देखो "आइज्ज" शब्द. Vide "आइज्ज" पग्ह० १, ४;

आदिट्ठ. पुं० (आदिष्ट) जुओ 'आइट्ठ' शब्द. देखो "आइट्ठ" शब्द. Vide "आइट्ठ" भग० १२, १०;

आदिय. पुं० (आदिक) जुओ 'आइ' शब्द. देखो 'आइ' शब्द. Vide "आइ" भग० १३, ४; १८, १०; २८, १; उवा० १, ६६;

आदिल्ल त्रि० (आदिम) जुओ "आइल्ल" शब्द. देखो "आइल्ल" शब्द. Vide. "आइल्ल" भग० ७, २; १०, १; १३, ४; १५, ८; २४, १; १२; २६, ११;

आदिल्लअ. त्रि० (आदिमिक) जुओ "आइल्ल" शब्द. देखो "आइल्ल" शब्द. Vide "आइल्ल". भग० ५, १;

आदिल्लग. त्रि. (आदिमक) जुओ "आइल्ल" शब्द. देखो "आइल्ल" शब्द. Vide "आइल्ल" भग० २४, १;

आद्दी. स्त्री० (आर्द्दी) गंगामां मळती એક नदी. गंगामें मिलती हुई एक नदी. Name of a river which flows into the Ganges. ठा० ५, ३;

आद्दीण. त्रि० (आदीन) जुओ " आईण " शब्द. देखो " आईण " शब्द. Vide " आईण ". —**विसि**. त्रि० (-वृत्ति) जुओ " आईण विसि " शब्द. देखो " आईण विसि " शब्द. Vide " आईण विसि " " आदीण विसी वकरेंति पावं " सूय० १, १०; ६;

आदेज्ज. पुं० (आदेय) जुओ " आएज्जणाम " शब्द. देखो " आएज्जणाम " शब्द. Vide " आएज्जणाम " पन्न० २३; जीवा० ३, ३; जं० प० —**वक्क**. पुं० (-वाक्य) जेना वचन ग्राह्य छे ते. जिसका वचन ग्राह्य हो वह. one whose words are worth accepting. सूय० १, १४, २७;

आदेयवयण न० (आदेयवचन) ग्रहण करवा योग्य वचन. ग्रहण करने के योग्य वचन. Words worthy of acceptance. दसा० ८, २७;

आदेस. पुं० (आदेश) जुओ " आएस " शब्द. देखो " आएस " शब्द. Vide " आएस " पिं० नि० भा० १८; पन्न० १८; भग० १४, ४;

आधा. स्त्री० (आधा) खास साधुनेमाटे आहारादि बनाववा ते. खास साधु के लिये आहारादि का बनाना. Preparing food etc. specially for Sādhus. ठा० ३; —**कम्म**. न० (-कर्मन्-आधानमाधा साधुनिमित्तं चेतसःप्रणिधानं तस्याः कर्म पाकादिक्रिया आधाकर्म तद्योगात्तत्काराप्याधाकर्म) साधुनेमाटे आहार आदि करवां ते; खास साधुनेमाटे बनावेल आहारादि लेवाथी साधुने लागतो एक दोष. साधु के लिये आहारादि बनाना; साधु के लिये बनाये हुए आहार आदि लेनेसे साधु को लगनेवाला एक दोष. a sin incurred by a Sādhu by taking food specially prepared for him. ठा. ३;

आधार. पुं० (आधार) आधार-आश्रय; टेको. आश्रय; आधार; टेका. Means of supporting; support. भग० २०, २; पिं० नि० ५७; उत्रा० १, ६६;

आधारणिज्ज. त्रि० (आधारणीय) धारण करवाने योग्य. धारण करने के योग्य. Worthy of being put on or accepted. नाया० १६;

√ **आधाव**. धा० I. (आ+धाव्) दोडवुं. दौडना. To run.

आधावंति. भग० ३, १;

आधावमाण. नाया० १;

आधि. पुं० (आधि) मानसिक पीडा. मानसिक पीडा. Mental pain; agony of mind. भग० १, १;

आधुणिय. पुं० (आधुनिक) अठयासी ग्रहमानो पांचमो महाग्रह. ८८ में से पांचवां महाग्रह. The fifth great constellation of the 88 constellations. सू० प० २०;

आधोधिय. पुं० (आधोवधिक) अमुक जग्याए ज रहे एवुं अवधिज्ञान; अवधिज्ञानना एक प्रकार. किसी नियत स्थानपरही रहनेवाला अवधिज्ञान; अवधिज्ञान का एक भेद. A variety of Avadhijñāna remaining confined to a certain place. भग० ७, ७; १४, ७; १०; सम० ३६;

आनंद. पुं० (आनन्द) आनन्द-जंबुद्वीपना

भरतक्षेत्रमांथनार आठमां तीर्थंकरना पूर्व भवनुं नाम. जंबू द्वीपके भरत क्षेत्र में होने वाले आठवें तीर्थंकर के पूर्व भव का नाम. Name of the previous birth of the would-be eighth Tirthankara in the Bharatakṣetra of Jambudvipa. सम० पं० २४१;

√ **आनम.** धा० I. (आ + नम्) नमवुं; मर्यादाथी पगे पडवुं; ताबे थवुं; नमना; नम्रीभूत होना; मर्यादापूर्वक पैरों पड़ना; आधीन होना. To bow before; to submit to.

आनमंति उत्त० ६, ३२;

√ **आने.** धा० II. (आ + नी) आणवुं. लाना. To bring.

आणेमि. पिं० नि० ४६६;

आणेह. आ. भग० ६, ३३;

आणेहि. आ० ओघ० नि० भा० ४१; नाया० १७;

आणाहि. आ० सूय० १, ४, २, ११;

आणिज्जए. क० वा० व० प्र० ए० पिं० नि० ५०७, विशे० २, ३६;

आणिज्जंत. क० वा० व० कृ० सु० च० १४, ५; प्रव० ८१६;

√ **आणव.** धा० I, II. (आ+ज्ञा-णिच्) प्रवृत्ति करावबी; हुकम करवो. प्रवृत्ति करना; आदेश करना. To order; to command.

आणवइ. सु० च० २, ३०६;

आणवेइ. विवा० ५, ६; राय० ४७; सु० च० २, १६०; दसा० १०, १; नाया० ८, १६; जं० प० ५, ११५;

आणवयंति. सूय० १, ४, १, ७;

आणवेह. आ० नाया० ८;

आणवेत्ता. सं० कृ० नाया० १६;

आणवेमाण. व० कृ० सूय० २, २, ३२; ५६; दसा० १०, ३;

आणाविज्जइ. क० वा० राय० २६५;

√ **आपज्ज.** धा० I. (आ+पद्) पामवुं; मेळववुं. पाना; प्राप्तकरना. To get; to obtain; to acquire.

आपज्जइ. उत्त० ३२, १०३;

आपण. पुं० (आपण) दुकान; हाट. दुकान; हाट. A shop. भग० ५, ७; नाया० १; (२) शेरी. गली. street. जीवा० ३;

√ **आपा.** धा० II. (आ+पा) पीवुं. पीना. To drink.

आविअइ. दस० १, २;

आविए. आ० उत्त० १०, २६;

√ **आपील.** धा. I. (आपीड्) मसळवुं; पीडवुं; रगडवुं; मसलना; दुःख देना; रगड़ना. To press; to oppress; to rub.

आवीलइ. भग० १५, १;

आवीलए. आया० १, ४, १, १३७;

आवीलिज्जा दस० ४;

आवीलियाण. सं० कृ० आया० २, १, ८, ४३;

√ **आपुच्छ.** धा० I. (आ + पुच्छ्) पुछवुं; प्रश्न करवो. पूछना; प्रश्न करना. To ask; to question.

आपुच्छइ. नाया० ५; ८; १५; १६; भग० ११, ६; १२, १; उवा० १, ६६;

आपुच्छामि. नाया० १; २; ५; १२; १६; भग० ६, ३३; १८, २; नाया० ध०

आपुच्छामो. नाया० १६;

आपुच्छउ. उवा० १, ६८;

आपुच्छेह. भग० १८, २;

आपुच्छित्ता. नाया० १; ५; ८; १३; १६; उवा० १, ६६; दसा० १, २२; भग० ३, १; विवा० ७;

आपुच्छेत्ता. नाया० ८; भग० १८; २;

आपुच्छेत्ता. नाया० २; ८; भग० १८, २;
आपुच्छइत्ता. भग० ११, ६, १२, १; १५, १; नाया० ५; १५; १६; १८;
आपुच्छिऊण. ओघ० नि० भा० १३, ८; सु० च० ४, ३६;
आपुच्छिउं. कप्प० ६, ४६;

आपुच्छण. न० (आप्रच्छन) પુછવું તે; પ્રશ્ન કરવો તે. पूछना; प्रश्नकरना. Questioning. नाया० ६;

आपुच्छणा. स्त्री० (आप्रच्छना) પુછવું તે; પ્રશ્નકરવો તે. पूछना; प्रश्नकरना. Questioning. भग० २५, ७; नाया० १२; अगुत्त० १, १; पंचा० १२, २; (२) વિનયપૂર્વક ગુરુપાસે આજ્ઞા માગવી તે; દસ સામાચારીમાંનો ૩ જો પ્રકાર. विनयपूर्वक गुरु से आज्ञा मांगना; दस सामाचारी में का ३रा भेद. Respectfully asking the command of a preceptor; the 3rd of the ten Sāmāchāris. "आपुच्छणाय तइया चउरथी पडिपुच्छणा" प्रव० ७७३; उत्त० २६, २;

आपुच्छणिज्ज. त्रि० (आप्रच्छनीय) પુછવા યોગ્ય. पूछने योग्य. Worthy of being asked or questioned. नाया० १, ७; उवा० १, ५;

आपुराण. त्रि० (आपूर्ण) પુરૂં ભરેલ. पूर्ण भरा हुआ. Full to the brim; filled completely. पन्न० ३६.

आपूरमाण. व० कृ० त्रि० (आपूर्यमाण) પાણી વગેરેથી પૂર્ણ ભરાતું. पानी वगेरह से पूर्ण भरा हुआ. Being completely filled with water etc. भग० १, ६; ३, ३;

आपूरिय. त्रि० (आपूरित) મર્યાદા પૂર્વક પૂર્ણ ભરાયેલું. मर्यादा पूर्वक पूर्ण भरा हुआ. Filled to the brim. "जाहेतं वंजणमापूरियं होइ" विशे० २५०;

आपूरेमाण. व० कृ० त्रि० (आपूरयत्) પૂર્ણ કરતો. पूरा करता हुआ. Filling; completing. "सव्वेणं तप्पएसे सव्वओ समता आपूरेमाणे" राय० जीवा० ३; भग० १, १; जं० प० ५, ११६;

आपूविय. त्रि० (आपूपिक) પૂરી કે માલપૌઆ બનાવનાર. पूड़ी या मालपुआ बनाने वाला. (One) who prepares buns. नदी०

आफालित्तार. त्रि० (आस्फालयितृ) વગાડનાર. बजानेवाला. (One) who plays upon a musical instrument. सूय० २, २, ५४;

आबाहा. स्त्री० (आबाधा) પીડા. पीडा. Affliction; pain; trouble. भग० ५,४; १५, १; जीवा० ३, ३; वव० ५, १५; विवा० ६; जं० प० २, २४; नाया० ४; ५;

आभंकर. पुं० (आभङ्कर) એ નામનો ૮૮ ગ્રહ માંનો ૬૮ મો ગ્રહ. ८८ ग्रहों में से ६८ वें ग्रह का नाम. Name of the 68th constellation out of 88. सू० प० २०; ठा० २, ३; (२) ત્રીજા દેવલોકના એક વિમાનનું નામ. तीसरे देव लोक के विमान का नाम. name of the heavenly abode of the 3rd Devaloka. सम० ३;

आभक्खाण. न० (अभ्याख्यान) ખોટો આક્ષેપ મુકવો; કલંક ચડાવવું. झूठा आरोप करना; कलंक लगाना. False accusation; falsely charging a person with guilt. उवा० १, ४६;

आभट्ठ. त्रि० (आभाषित) બોલાવેલ.

बुलाया हुआ. Called; spoken to. विशे॰ १६०६; सु॰ च॰ ६, ५४;

आभरण. न॰ (आभरण) ઘરેણું; અલંકાર; આભૂષણ. गहना; अलंकार; आभूषण. An ornament; an embellishment. पण्ह॰ १, ३; आया॰ २, ५, १, १४५; अणुजो॰ १०३; निसी॰ ७, ११; सम॰ १, २३१; सू॰ प॰ १; उत्त॰ १३, १६; ओव॰ ११; जीवा॰ ३३; नाया॰ १; २; ५; १८; भग॰ ३, २; ३, ७; १६, ५; पन्न॰ २; उवा॰ १, ३१; कप्प॰ ४, ६२; (२) पुं॰ એ નામનો એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર. एक द्वीप और एक समुद्र का नाम. name of an island; also that of an ocean. जं॰ प॰ ३, ४५; पन्न॰ १५; जीवा॰ ३, ४; अणुजो॰ १०३; —**अलंकार.** पुं॰ (-अलंकार) ઘરેણાંગાંઠા પહેરવા તે. गहनों का पहिनना. putting on ornaments. ठा॰ ४, ४; भग॰ ६, ३३; —**अलंकिय.** त्रि॰ (-अलंकृत) આભૂષણો પહેરેલ; આભૂષણોથી અલંકૃત. आभूषणों से अलंकृत, सुशोभित. adorned; ornamented. नाया॰ १२; भग॰ २, ५; नाया॰ ध॰ (२) આભૂષણથી શણગારેલ દેહ. आभूषणों से सिनगारा हुआ शरीर. body adorned with ornaments. भग॰ ६, ३३; —**वित्त.** त्रि॰ (चित्र) જુદી ૨ જાતના આભરણ; વિચિત્ર પ્રકારના આભરણ; भिन्न भिन्न प्रकार के आभूषण. various kinds of ornaments. जीवा॰ ३; —**धारि.** त्रि॰ (-धारिन्) આભરણ ધારણ કરણાર; ઘરેણાં પહેરનાર. आभूषण पहिरनेवाला. (one) who puts on ornaments. नाया॰ ८; —**वास.** स्त्री॰ (-वर्षा) મુદ્રિકાદિ આભૂષણોની વૃષ્ટિ. आभूषणों की वर्षा. a shower of ornaments. कप्प॰ ५, ६७; —**विचित्त.** त्रि॰ (-विचित्र) જુદા જુદા પ્રકારના ઘરેણાં. भिन्न २ प्रकार के गहने. various kinds of ornaments. "आभरणाणिवा आभरणविचित्ताणिवा" आया॰ २, ५, १, १४५; निसी॰ १, ७, ११; १७, १२; —**विहि.** पुं॰ (विधि) ઘરેણાં બનાવવાની તથા પહેરવાની વિધિ. गहने बनाने और पहिनने की विधि. art of making and putting on ornaments. "आभरणविहि परिमाणं करेइ" वा॰ १, ३१; नाया॰ १; ओव॰ ४०;

आभवं-अ. (आभवम्) ભવ પર્યંત; જીન્દગી પર્યંત. जीवन पर्यंत. Life-long. पंचा॰ १, ३४;

आभा स्त्री॰ (आभा) કાન્તિ; તેજ; પ્રભા. कान्ति; तेज. Lustre; light. जीवा॰ ३; ४; राय॰ ७८; भग॰ १२, ५; (२) આકાર; છબી. आकार, छबि. form; picture. पन्न॰ २; जीवा॰ ४;

आभाकर. पुं॰ (आभाकर) એ નામનું ત્રીજા દેવલોકનું એક વિમાન. तिसरे देवलोक के विमान का नाम Name of a heavenly abode of the third Devaloka. सम॰ ३;

आभाग. पुं॰ (आभाग) પડિલેહણનું અપર નામ. पडिलेहन का दूसरा नाम. A synonym of Padilehaṇa i. e. proper examination of clothes etc. ओघ॰ नि॰ ६३;

आभागि. त्रि॰ (आभागिन्) ભાગીદાર; હિસ્સેદાર. हिस्सेदार. A sharer; a partner. पिं॰ नि॰ २, १; नाया॰ १८;

आभासिय. पुं॰ (आभाषिक) એ નામનો ૫૬ અંતર્દ્વીપ માંનો એક. इस नाम का ५६ अन्तरद्वीप में से एक. Name of one

of the 56 Antaradvīpas. (२) त्रि० से अन्तर द्वीपमां रहेनार मनुष्य. आभाषिक नामक अंतरद्वीप में रहनेवाला मनुष्य. (a person) residing in the Antaradvīpa called Ābhāṣika; ठा० ४; जीवा० १; ३; ३; (३) पुं० એ નામનો એક દેશ. इस नाम का एक देश. a country of this name. (४) त्रि० ते देशमां रहेनार मनुष्य; म्लेच्छनी એક જાત. आभाषिक देश में रहने वाला मनुष्य; एक म्लेच्छ जाति. (a person) residing in the country called Ābhāṣika; a kind of Mlechchhas. पन्न० १, पराह० १, १; —दीव. पुं० (-द्वीप) लवणसमुद्रमां चूलहिमवंत पर्वतनी डाढा उपरनो એ નામનો એક દ્વીપ. लवण समुद्र में के चूलहिमवंत पर्वत के अन्तराय पर बसा हुआ द्वीप. name of an island on the Chūla Himavanta mountain in the Lavaṇa ocean. "कहियां भंते दाहिणिल्लाणं आभासिय मणुयाणं आभासिय दीवे नामं दीवे" जीवा० ३; ठा० ४, २; पन्न० १;

आभासी. स्त्री० (आभाषी) આભાષિક દ્વીપની રહેવાસી સ્ત્રી. आभाषिक द्वीप में रहने वाली स्त्री. A female inhabitant of the Ābhāṣika island. जीवा० ३;

आभिओग पुं० (आभियोग्य—आसमन्ताद् युज्यन्ते प्रेष्यकर्मणि व्यापार्यन्ते इत्याभियोग्याः) નોકર દેવતા; આભિયોગિક જાતના દેવતા. नोकर देव; आभियोगिक जाति के देव. A kind of subordinate gods acting as servants; gods of the Ābhiyogika kind. पराह० १, २; भग० १६, २; १८, २; जं० प० १, १२; नाया० ८; (२) (आभियोग आज्ञा प्रदानलक्षणोऽस्यास्तीत्याभियोगी तद्भाव आभियोग्यम्) નોકરપણું; સેવકભાવ. सेवकपना; सेवकत्व. servitude. दस० ६, २, ४; जं० प० ५, ११२; ११४; —पराणत्ति. स्त्री० (-प्रज्ञप्ति) વિદ્યાધરની એક વિદ્યા. विद्याधर की एक विद्या. an art or a branch of learning possessed by Vidyādharas. "संकामणि अभिओग पराणत्ति गमणिथंभणिसुय बज्झुसु विज्जाहरीसु विज्जासु विस्सुयजसे" नाया० १६; —सेढि. स्त्री० (-श्रेणि) વૈતાઢ્ય પર્વત ઉપર વિદ્યાધરની શ્રેણિથી ૧૦ જોજન ઊંચે અભિયોગી દેવતાને રહેવાની જગ્યા. वैताढ्य पर्वत के ऊपर विद्याधर श्रेणी से १० योजन ऊंचा अभियोगी देवों का रहने का स्थान. an abode of Abhiyogi deities on the Vaitāḍhya mount ten Yojanas in height from the Vidyādhara Śreni. जं० प० १, १२;

आभिओगा. स्त्री० (आभियोगा) વિદ્યાધરની એક વિદ્યા. विद्याधर की एक विद्या. A branch of knowledge or an art possessed by Vidyādharas. नाया० १६;

आभिओगिअ—य. पुं० (आभियोगिक—अभियोगःप्रयोजनमस्येति) નોકર દેવતાની એક જાત; ઉતરતા દેવતા. नोकर देवों की एक जाति; निम्न श्रेणी के देव. A kind of subordinate deities. "आभिओगिए देवे सद्दावेइ" जीवा० ३; ओव० ३१; नाया० ८; १७; राय० २८; ३४; भग० १४, २; (२) विद्या, मंत्र, वशीकरण, आदि अभियोगकर्म करनार साधु. विद्या, मंत्र, वशीकरण आदि अभियोग कर्म करनेवाला साधु. a Sādhu who practises

charms, incantations etc. विवा० २; जीवा० ३; भग० १, २; पन्न० २०; जं० प० ५, ११२; —क्खय. पुं० (-क्षय— आभियोगः प्रयोजनमस्येत्याभियोगिकम् परतंत्रता फलं तस्य क्षयो विनाश आभियोगिकक्षयः) अभियोग-परतन्त्रता आपनार कर्मनो नाश. परतंत्रता देनेवाले कर्मों का नाश. destruction of Karmas which bring on dependence as their fruit. जं० प० ५, ११२; ११५; पंचा० १२, ७; —देव. पुं० (-देव) अभियोगजातिना नीचा देवता. अभियोग जाति के हलके देव. a subordinate kind of deities styled Abhiyogika. नाया० ध०

आभिग्गहिय. त्रि० (आभिग्रहिक-अभिगृह्यत इत्यभिग्रहस्तेन निर्वृत्त आभिग्रहिकः) अभिग्रहथी कायोत्सर्गादि करनार; अभिग्रह धारण करीने काउसग्ग वगेरे करनार ते. अभिग्रह धारण करके कायोत्सर्गादि करनेवाला. (One) who practises Kāusagga after taking certain vows. पंचा० ४, ८;

आभिणिबोहिय. न० (आभिनिबोधिक-अर्थाभिमुखो बोध आभिनिबोधः स एवाभिनिबोधिकम्) मतिज्ञान; मन अने इंद्रियथी थतुं ज्ञान; ज्ञानना पांच प्रकारमांनो पहेलो प्रकार. मतिज्ञान; मन और इंद्रियसे होनवाला ज्ञान; ज्ञान के ५ भेदों में से पहिला भेद. Matijñāna; knowledge derived through the five senses and the mind; the first of the 5 varieties of knowledge. "से किं तं आभिणिबोहियणाणं आभि० दुविहं प० तं० सुयनिस्सियं असुयनिस्सियं च " नंदी० ओव० १६; अणुजो० १२७; उत्त० २८, ४; ३३, ४; ठा० २, १; विसे० ८० पन्न० १; —लद्धि. स्त्री० (-लब्धि) मतिज्ञाननी लब्धि-प्राप्ति. मतिज्ञानकी प्राप्ति. attainment of Matijñāna. भग० ८, २;

आभिणिबोहियणाण. पुं० (आभिनिबोधिकज्ञान) जुओ " आभिणिबोहिय " शब्द. देखो " आभिणिबोहिय " शब्द. Vide " आभिणिबोहिय " ठा० २, १; अणुजो० १; भग० १, ५; २, १०; , ६ ४; ८, २; नंदी० १; विसे० ७६; ओव० सम० २८; —पज्जव. पुं० (-पर्यव) मतिज्ञानना पर्याय. मतिज्ञानका पर्याय. modifications of Matijñāna. भग० ८, २; २५, ४; —लद्धिया. स्त्री० (-लब्धिका) मतिज्ञाननी लब्धि. मतिज्ञान की प्राप्ति. acquirement of Matijñāna; भग० ८, २; —आवरण न० (-आवरण) मतिज्ञानावरणीय; मतिज्ञानने ढांकनार कर्म. मतिज्ञानावरणीय; मतिज्ञान को ढंकनेवाला कर्म. Karma which obscures Matijñāna. सम० १७; —आवरणिज्ज. न० (-आवरणीय) मतिज्ञानावरणीय कर्म; मतिज्ञानने अटकावनार ज्ञानावरणीय कर्मनी एक प्रकृति. मतिज्ञानावरणीय कर्म; मतिज्ञान को न होने देनेवाली ज्ञानावरणी कर्म की एक प्रकृति. a variety of knowledge-obscuring Karma, preventing Matijñāna. भग० ६, ३१; —विणय. पुं० (-विनय) मतिज्ञाननो विनय. मतिज्ञान का विनय. Vinaya or austerity of Matijñāna. भग० २५, ७; —सागारोवओग. पुं० (-साकारोपयोग—अर्थाभिमुखो नियतः प्रतिस्वरूपको बोधो बोधविशेषोऽभिनिबोधोऽभिनि. बोध एवाभिनिबोधिकं तच्च तज्ज्ञानञ्च तदेव साकारोपयोगः तथा) मतिज्ञानरूप साकारोपयोग-विशेष उपयोग. मतिज्ञानरूप विशेष

उपयोग. definite, particular knowledge in the form of or through Matijñāna. पन्न० २८;

आभिणिबोहियणाणि. पुं० (आभिनिबोधिक ज्ञानिन्) આભિનિબોધિક મતિજ્ઞાનવાલા. आभिनिबोधिक मतिज्ञान वाला. (One) possessed of Ābhinibodhika Matijñāna. भग० ६, ३; ८, २, १८, १; २५, १;

आभिप्पाइअ. त्रि० (आभिप्रायिक) અભિપ્રાયવાલું; અભિપ્રાય યુક્ત. अभिप्राय वाला. Having a definite aim or purpose. अणुजो० १३१;

आभियोग. पुं० (आभियोग) જુઓ " आभिओग " શબ્દ. देखो " आभिओग " शब्द. Vide. " आभिओग " ठा० ४, ४; भग० ३, ५;

आभियोगत्ता. स्त्री० (आभियोग्यता) નોકરચાકરપણું; સેવા ભાવ; નોકર દેવતાપણું; नोकरचाकर पन; सेवकत्व; नोकर देवत्व. State of being a servant or a servile deity. " चउहिं ठाणेहिं जीवा अभियोगत्ताए कम्मं पगरेंति " ठा० ४;

आभिसेक्क. त्रि० (आभिषेक्य) રાજ્યાભિષેક કરવા યોગ્ય; જેનો અભિષેક કરવામાં આવેછે તે. राज्याभिषेक करने योग्य; जिसका अभिषेक किया जाता है वह. (One) to be crowned king; (one) to be made king with proper ceremony. " आभिसेक्कं हत्थिरयणं पडिकप्पेह " जं० प० ओव० २६; राय० १५८;

आभीरी. स्त्री० (आभीरी) આહિરણ. अहीरनी; अहीर जाति की स्त्री. An Ābhira female. नंदी० ४४;

√ **आभोअ.** धा० II (*आ+भोग=आ+भुज्) જોવું દેખવું. देखना. To see. (२) જાણવું. जानना. to know.

आभोइए. कप्प० ५, १०६;

आभोएइ. राय० २६४; दसा० १०, ११; उवा० ८, २५५; नाया० ८; ६; भग० ५, १; १६, ५; जं० प० ५, ११५;

आभोएंति. जं० प० ५, ११२;

आहोयंति. भग० ३, १;

आभोएमि. भग० ३, २; नाया० ८;

आभोएहिंति. भग० १५, १;

आभोएत्ता सं० कृ० नाया० ९;

आभोइत्ता. सं० कृ० नाया० ८; भग० ३, २; १५, १; दस० ५, १, ८६;

आभोएमाण. व० कृ० नाया० २; ८; १३; भग० १६, १; नाया० ध०

आभोअ-य. पुं० (आभोग) જ્ઞાન; સમજણ. ज्ञान; समज. Knowledge; understanding. दस० ५, १, ८६; विवा० १;

आभोग. पुं० (आभोग-आभोजनमाभोगः) ઉપયોગ વિશેષ. उपयोग विशेष. A particular kind of attentiveness or carefulness. प्रव० ११५८; (२) જ્ઞાન; સમજ; ખબર. ज्ञान; समज. knowledge; information. भग० ७, ६; पन्न० १४; वि० नि० ५७७; ठा० ४, १; १०; (३) જાણી જોઈને કરેલ પ્રવૃત્તિ. जानबूझकर की हुई प्रवृत्ति. activity consciously performed. प्रव० ११६८; (४) વિસ્તાર. विस्तार. extent. नाया० १; —उज्झाण न० (-ध्यान आभोगो ज्ञानपूर्वको व्यापारस्तस्य ध्यानम्) જ્ઞાનપૂર્વક વ્યાપારનું ધ્યાન. ज्ञान पूर्वक व्यापार का ध्यान. contemplation of conscious activity. आउ० —णिव्वत्तिय. त्रि० (निर्वर्तित) જાણી જોઈને

કરેલું. जानबूझकर किया हुआ. performed consciously or purposely. भग० १, १; (२) વૈમાનિક દેવતાનો ક્રોધ વિશેષ; ક્રોધનું પરિણામ જાણવા છતાં પણ કરેલ ક્રોધ. वैमानिक देवों का क्रोध विशेष; क्रोध का परिणाम जानते हुए भी किया हुआ क्रोध. anger of heavenly deities i. e. anger inspite of a knowledge of its results. ठा० ४; —बउस. पुं० (-बकुश) આભોગ-જાણીને દોષ લગાડનાર સાધુ. जान बूझकर दोष लगाने वाला साधु. an ascetic consciously incurring sin. ठा० ५, ३; भग० २५, ६;

आभोगण. न० (* आभोग) વિચારણા. विचारणा; विचार. Thought; reflection. नंदी० ३१;

आभोगणया. स्त्री० (आभोगन) ઈહા; વિચારણા. ईहा; विचारणा. Thought; reflection. नंदी० ३१;

आम त्रि० (आम) અપક્વ; કાચું; अपक्व; कच्चा. Raw; unripe. वेय० १, १; सु० च० ७, १८३; पिं० नि० १७; पगह० १, ३; (२) સદોષ આહાર. दोष सहित आहार. food involving sin. आया० १, २, ५, ८७; —अभिभूय. त्रि० (-अभिभूत) અપરિપક્વ રસથી પરાભવ પામેલ. बिना पके हुए रससे पराभव पाया हुआ. overpowered by raw essence. विवा० ७; —गंध. पुं० (-गन्ध) આધાકર્મ આદિ દોષ. आधाकर्म आदि दोष. a fault such as Ādha Karma etc. "सव्वामगंधं परिणाय णिरामगंधो परिव्वए" आया० १, २, ५, ८७; —डाग. न० (-डाग) કાચું પાંદડું; અધું પાકયું અધું કાચું તાંદલજા વગેરેનું પાંદડું. कच्चा पत्ता. a raw, unripe leaf. "सेजं पुण जाणेज्जा आमडागं वा" आया० २, १, ८, ४६; —मल्लग. पुं० (-मल्लक) અપક્વ-કાચો શરાવલો. कच्चा मिट्टीका प्याला. a raw earthen bowl. नाया० ६; —मल्लगरूव. त्रि० (-मल्लकरूप) અપક્વ શરાવલા જેવું; કાચા શરાવલાની પેઠે તરત ફૂટી જાય તેવું. कच्चे प्याले के समान जल्दी फूट जानेवाला. fragile like a raw earthen bowl. नाया० ६; तंडु० —महुर. त्रि० (-मधुर) કાચું છતાં સ્વાદમાં મધુર. कच्चा होनेपर भी स्वाद में मिष्ट. raw yet sweet (e. g. fruit). "आमे णामं एगे आममहुरे" ठा० ४, १;

आमअ. पुं० (आमय) રોગ. रोग, बीमारी. Disease. पिं० नि० ४५६;

आमअ. त्रि० (आमक) સચિત્ત વસ્તુ; કાચી-જીવવાળી વસ્તુ सचित्तवस्तु; सजीववस्तु. Raw; (a thing) having life in it दस० ३, ७;

√ **आ-मंत.** धा० II (आ+मंत्र+णि) સંબોધન કરી બોલાવવું; આમંત્રણ કરવું; નોતરું આપવું. संबोधनपूर्वक बुलाना; आमंत्रण करना; नोता देना. To call out to; to invite.

आमंतेइ. ओव० २६; विवा० ३; नाया० १; ७; १८; भग० ११, ८; १५, १;

आमंतसि. नाया० १०;

आमंतित्ता. नाया० ७; भग० ३, १; १४ ७; १५, १; निर० ३, ३; दसा० ५, ६; उवा० २, ११६; दसा० १, १; ठा० ३, २; उवा० ६, १, ७४;

आमंतेत्ता. नाया० १४; १५; भग० ११, ६, १५, १;

आमंतेऊण. नाया० १५;
आमंतिय. सं० कृ० सूय० १, ४, १, ६;
आमंतेमाण. व० कृ० आया० २, ४, १, १३४;

आमंतण. न० (आमन्त्रण) संबोधन. संबोधन. Vocative address; calling out to. ठा० ८, १; (२) આમંત્રણ, નોતરું. निमंत्रण; नोता. invitation. सु० च० ३, ११३;

आमंतणी. स्त्री० (आमन्त्रणी) હે દેવદત્ત! ઇત્યાદિ સંબોધનરૂપ ભાષા; વ્યવહાર ભાષાનો એક પ્રકાર. संबोधनरूप भाषा. Language of address in the vocative case; a variety of conventional speech. प्रव० ६०१; भग० १० ३; पन्न० ११; अणुजो० १२६; (२) સંબોધન અર્થમાં વપરાતી (પ્રથમા) વિભક્તિ. संबोधन के अर्थ में काम आने वाली (प्रथमा) (विभक्ति). the nominative used in the sense of the vocative. " आमंतणी भवे श्रट्ठमीय जह हे जुवाणत्ति " ठा० ८;

आमंतिअ-य. त्रि० (आमन्त्रित) પુછેલ; આમંત્રણ કરેલ. पूछा हुआ; आमंत्रण किया हुआ. Asked; addressed; invited. " गच्छामिरायं आमंतिश्रोसि " उत्त० १३, ३३; " सेभिक्खू वा २ इंग्धिआमंतमाणे आमंतिए " आया० २, ४, १, १३४;

आमग. त्रि० (आमक) કાચું; અપરિપક્વ. कच्चा. Raw. (२) સચિત્ત. सचित्त सजीव. having life or lives in. दस० ५, २, १६; ८, १०; भग० १५, १; तंडु०

√**आमज्ज.** धा० I, II. (आ+मृज्) વાળવું, સાફ કરવું; લુંછવું. साफ करना; पोंछना. To cleanse; to wipe; to sweep.

आमज्जिज्ज. विधि० आया० २. १३, १७२;
आमज्जेज्ज. विधि० निसी० ४, ७१; ३, १६; २२;
आमज्जमाण. वकृ० आया० २, १, ६, ३६;

आमयकरणी. स्त्री० (आमयकरणी) વિદ્યા વિશેષ; રોગ ઉત્પન્ન કરનાર એક વિદ્યા. रोग उत्पन्न करनेवाली एक विद्या. An art of producing or causing diseases. सूय० २, २, ३०;

आमरणं. अ० (आमरणम्) મરણપર્યન્ત. मरने तक. Up to death; till death. पंचा० ७, ४६;

आमरणंत. अ० (आमरणान्त) મરણ પર્યંત. मरण पर्यन्त. Till death. ठा० ४, १; —**दोस.** पुं. (-दोष) મરણ પર્યન્ત પણ કાલસુરિયા કસાઈની પેઠે પાપનું પશ્ચાત્તાપ ન થાય એવા પ્રકારનો દોષ; રૌદ્રધ્યાનનું એક લક્ષણ. मृत्यु तक किन्तु कालसूरिया कसाई के समान पाप का पश्चात्ताप न हो ऐसा दोष; रौद्रध्यान का एक लक्षण. sin without repentance till death as in the case of the butcher Kālasūriā; a mark of Raudra Dhyāna. ठा० ४; भग० २५, ७; ओव० २०;

आमरिस. पुं. (आमर्श) સંબંધ; સ્પર્શ. सम्बन्ध, स्पर्श; Connection; contact. विशे० ११०६;

आमल. पुं. (आमल) બહુ બીજવાળું વૃક્ષ; આમલાનું વૃક્ષ. बहु बीजवाला वृक्ष; आंवले का वृक्ष. A hog-plum tree; a kind of tree with many seeds. जीवा० १; आया० टी० १, १, ५, १२६; —**कप्पास.** न० (-कार्पास) આમળાનો કપાસ. कपास की एक जाति.

a variety or species of cotton. "आमलकप्पासाओवा वसीकरणं करेइ" निसी० १, ७२;

आमलक. न० (आमलक) આમલાનું ફલ. आंवला. A fruit of the hog-plum tree. "आमलपाणगं वा" सूय० १, २, १, १६;

आमलकप्पा. स्त्री० (आमलकल्पा) એ નામની એક નગરી एक नगरी का नाम. Name of a city. "इहेव जंबूदीवे भा रहेवासे आमलकप्पा नामं नगरी होत्था" राय० २; नाया० ध०

आमलग. पुं० (आमरक) મારી; મરકી. चारों तरफ फेली हुई बीमारी. Plague infecting all quarters. ठा० १०; (२) न० મરકીસંબંધી અધિકારવાળું વિપાકસૂત્રનું ૯ મું અધ્યયન. विपाक सूत्रका मरी (बीमारी) के सम्बन्ध का ९ वां अध्ययन. The 9th chapter of Vipāka Sūtra dealing with the subject of plague. ठा० १०;

आमलग. पुं० (आमलक) આમલાનું ઝાડ. आंवलेका वृक्ष. A hog-plum tree. पन्न० १; सू० प० १०; सूय० १, ४, २, १०; अणुजो० १४३; १५०; भग० २२, ३; जीवा० १; ठा० ४, ३; —महुर. त्रि० (-मधुर) આંબલાના ફલ જેવું સ્વાદિષ્ટ. आँवले के फल के समान स्वादिष्ट. as tasteful as the fruit of a hog-plum tree. ठा० ४, ३; —रस. पुं० (-रस) આમલાનો રસ. आंवले का रस. juice of hog-plums. सूय० नि० टी० १, ८, ११; —रसिय. त्रि० (-रसित) આંબલાના રસથી મિશ્ર કરેલ. आंवलेके रस से मिश्रित. mixed with the juice of hog-plum fruits. विवा० ७;

आमलय. पुं० (आमलक) જુઓ 'आमलग' શબ્દ. देखो 'आमलग' शब्द. Vide. 'आमलग' राय० २६८: उवा० १, २४;

आमिआ. स्त्री० (आमिका) કાચી ફલી વગેરા. कच्ची फली वगैरह. A raw seed-pod etc. "आमिअं भजिअं सइं" दस० ५, १, २०;

आमिस. न० (आमिष) માંસ. मांस. Flesh. सूय० १, १, ३, ३; उत्त० १२, ६३; नाया० ४; ठा० ४; पंचा० ५, २६; (२) ધન ધાન્યાદિ ભોગ્ય પદાર્થ. धनधान्यादि भोग्य पदार्थ. any thing which can be eaten or enjoyed. "अकिंचणा उज्जुकडा निरामिसा" उत्त० १४, ४१; 'आमिसं कुललं दिस्स बज्झमाणं निरामिसं आमिसं सव्व मुज्झिता विहरिस्सामो निरामिसा' उत्त० १४; ४६; —आवत्त. पुं० (-आवर्त) માંસાર્થી સમડી વગેરે જે આકાશમાં આવર્તન કરે તે; આવર્તનો એક પ્રકાર. मांस की इच्छा से आकाश में उडने की क्रिया; आवर्तनका एक प्रकार. act of wheeling in the sky done by kites etc. for flesh. ठा० ४, ४; —आहार. पुं० (-आहार) માંસાહાર. मांसाहार. flesh food. (२) त्रि० માંસાહારી. मांस खानेवाला. carnivorous; flesh-eating; नाया० ४; —तल्लिच्छ. त्रि० (-तल्लिप्स) માંસનો ગૃદ્ધિ-લોલુપી. मांस का लोलुपी. greedy of flesh. नाया० २; —प्पिय. त्रि० (-प्रिय) માંસ ખાવામાં પ્રીતિ વાળો. मांस खाने में प्रीति रखने वाला. fond of flesh-eating. नाया० ४; —भक्खि. त्रि० (-भक्षिन्) માંસાહારી; માંસ ભક્ષણ કરનાર. मांसाहारी. carnivorous; flesh-eating. नाया० २; —लोल. त्रि० (-लोल) માંસનો

લોલુપી; માંસ લમ્પટ. मांस का लोलुपी: greedy of flesh. नाया० ४;

आमिसत्थि. त्रि० (आमिषार्थिन्) માંસ ની ઇચ્છા-પ્રાર્થના કરનાર. आमिष-मांस की इच्छा-प्रार्थना करनेवाला. (One) desiring flesh. नाया० ४;

√**आ-मुस.** धा० I. (आ+मृश) ઘસવું; મર્દન કરવું; મરડીને નિચોવવું. घिसना; मर्दन करना; मरोडकर निचोना. To rub; to expel water from a wet cloth by twisting it.

आमुसिज्जा. वि० दस० ४;

आमुसंत. ठा० १; दस० ४;

आमुसमाण. व० कृ० भग० ८, ३;

आ-मुहुत्तंतो. अ० (आमुहूर्तान्तस्) અંતર્મુહૂર્ત પર્યન્ત. अन्तर्मुहूर्त तक. Up to the limit of an Antaramuhūrta. क० प० २, ५२;

आमेल. पुं० (*) મસ્તક ભૂષણ; મુગટ ઉપરની ફૂલની માલા. मस्तक भूषण; मुकट उपरकी पुष्प की माला. A flower garland of a crown. " वणमाला मेल मउल कुंडल सच्छंद विउव्विया भरण " पन्न० २; ओव० २४; राय० ८१; नाया० १६; जीवा० ३;

*आमेलअ-य. पुं० (*) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. भग० ६, ३३; ओव० ३०;

*आमेलग. पुं० (*) જુઓ " आमेल " શબ્દ. देखो " आमेल " शब्द. Vide. "आमेल" " आमेलग जमल जुगल वट्टिय " भग० ६, ३३; नाया० १; २, राय० १११;

आमेलग. न० (आमोलक) સ્તનનો અગ્રભાગ;-ડીંટડી-ડીંટું. स्तनका अग्रभाग. The nipple of the breast; a teat. जं० प० जीवा० ३,३; (२) પરસ્પર થોડા સંબંધ વાળું. परस्पर थोडे संबंध वाला. having limited inter-relation. नाया० १; १४;

आमोक्ख. पुं० (आमोक्ष-आमुच्यतेऽस्मिन्नित्या मोक्षणं वाऽऽमोक्षः) આ-સમંતાત-ચારે તરફથી મોક્ષ-છુટકારો; કર્મથી સર્વથા છુટકારો. संपूर्णतया मोक्ष; कर्मसे सर्वथा छुटकारा. Perfect salvation; perfect emancipation from Karma. " आइएयाऽऽजाइ आमोक्खा " आया० नि० १, १, १, ७; सूय० १; १, ४, १३; २, ५, ३३;

आमोडण. न० (आमोटन) આ-થોડું મરડવું-ભાંગવું તે. कुछ मरोडना. A little twisting. पराह. १, १;

आमोडिज्जन्त. व० कृ० त्रि० (आमोट्यमान) થોડું મરડવામાં આવતું. जो थोडा मरोडा जाता है वह. Being twisted a little. राय० ८८;

आमोय. न० (आमोक) કચરાનો ઢગલો; ઉકરડો. कचरेका ढेर. A heap of refuse. " आमोयाणिवा " आया० २, १०, १६६;

आमोयमाण. व० कृ० त्रि० (आमोदमान) ખુશી થતો; આલ્હાદ પામતો; प्रसन्न होता हुआ; खुश. Rejoicing. " आमोयमाणा गच्छंति " उत्त० १४, ४४;

आमोस. पुं० (आमर्श) સ્પર્શ કરવો તે. स्पर्श करना. Touching; touch. ओघ०

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

निं० भा० १६४; पराह० २, १; प्रव० १५०६ आव० ४, ४;

आमोस. पुं० (आमोष) ચોતરફથી ચોરી કરનાર. चारों ओर से चोरी करने वाला. One who steals from all quarters. "आमोसे लोमहारेय" उत्त० ६, २८;

आमोसग. पुं० (आमोषक) ચોર, તસ્કર. चोर. A thief. आया० २, ३, ३, १३०; ठा० ५, २;

आमोसहि. स्त्री० (आमर्शौषधि-आमर्शोहि-हस्तादिना स्पर्शः सएवौषधिरामर्शौषधिः) હાથના સ્પર્શમાત્રથી સર્વ દર્દ મટી જાય એવી જાતની મેળવેલી શક્તિ; ૨૮ લબ્ધિમાંની એક. हाथ के स्पर्श मात्र से सर्व व्याधि मिट जावे ऐसी प्राप्त की हुई शक्ति; २८ लब्धियोंमें की एक लब्धि. Power to cure diseases by mere touch of the hand etc; one of the 24 Labdhis. ओव० १६; (२) એવિ લબ્ધિ વાળો સાધુ. उक्त लब्धिवाला साधु. an ascetic possessed of the above mentioned power. विशे० ७७४; —पत्त. त्रि० (-प्राप्त) હાથ માત્ર લગાડવાથી બધી પીડા મટી જાય તેવી લબ્ધિ ને પામેલ. हाथ के स्पर्श मात्र से संपूर्ण पीडा मिट जाय ऐसी लब्धि पाया हुवा. possessed of the power of curing maladies by merely touching with the hand. पराह० २, १;

आय. न० (आज) બકરીનાં બાલનું બનેલ વસ્ત્ર. बकरी के बाल का बना हुआ वस्त्र. Cloth made of the hair of a she-goat. आया० २, ५, १, १४५;

आय. पुं० (आय) લાભ; ધનાદિકની પ્રાપ્તિ; આવક; કમાણી. लाभ; आय; आमदनी. Gain; earning; income. "आयं न कुज्जा इह जीवियट्ठी" सूय० १, १०, ३; १, ११, २१; २, ६, १६; नाया० १; पिं० नि० ३१६; अणुजो० १३; (३) કર્મની આવક; આશ્રવ. कर्म का आश्रव-आवक. inflow of Karma. सूय० १, १०;, ३; (२) અધ્યયન તથા ઉદ્દેશાદિ. अंग सूत्र के अध्याय वगैरह. chapters, sections etc. "नाणस्स दंसणास्सवि चरणस्सय जेणे आगमो होइ भाव आओ आयो लाहोत्ति एगट्ठा" दस० टी० १; (४) કોલાની એક જાત; વનસ્પતિ વિશેષ. कोलाकी एक जाति; बनस्पति विशेष. a kind of vegetation of the gourd kind. "सेकिंतं कुहणा कुहणा अणेगविहा प० तं० आए काए कुहणे" पन्न० १;

आय. पुं० (आत्मन्) આત્મા; જીવ. आत्मा; जीव. Soul; life. "आयगुत्तेजिइंदिए" नाया० ८; सम० १; पन्न० १४; २८; आया० १, १, १, ३; सूय० १, ११, १६; उत्त० २, १५; ८, १६; १४, १०; भग० १, ४; ६; २, १; ३, ४; ६, १०; २०, २; ४१, १; राय० ७८; नंदी० ४५; ठा० ७, १; विशे० ३०; ६२; ३५३६; —अंगुल. पुं० (-अंगुल) આત્માંગુલ; શાસ્ત્રોક્ત પ્રમાણોપેત ઉંચાઈવાલા ઉત્તમ પુરૂષના શરીરની ઉંચાઈ નો ૧૦૮ મો ભાગ; આત્માંગુલ કહેવાય છે આ અંગુલથી કુવા, નદી, ઘર, ક્ષેત્ર, બાડી વગેરે પદાર્થોનું માપ થાય છે. आत्मांगुल; शास्त्रानुसार उत्तम पुरुष के शरीर की उंचाई का १०८ वां हिस्सा; आत्मांगुल कहलाता है, इस से कुआ, नदी, घर, बाडी आदि का माप होता है. a measure of height or length, 108th part of the full height of a man as settled by the authority of scriptures; it is used to measure the depth of wells etc.

विशे० १४०; अणुजो० १३४; प्रव० ५१, ८; १४०३; —**अंतकर**. पुं. (-अन्तकर-आत्मनो अन्तमवसानं भवस्य करोतीत्यात्मान्तकरः) આત્માનો જીવનનો અંત કરનાર; આત્માનો વધ કરનાર. आत्मा-जीवन का अंत करनेवाला. one who destroys life; one who destroys the soul. ठा० ४, २; —**अजस**. न० (-अयशस्) આત્માનો અયશ-અશુભ નામકર્મની એક પ્રકૃતિ. आत्मा का अपयश-अशुभ नामकर्म की एक प्रकृति. infamy. disrepute of the soul; a variety of evil Nāma Karma. भग० ४१, १; —**अणुकंपय**. त्रि० (-अनुकम्पक—आत्मानमेवानर्थपरिहारद्वारेणानुकम्पते शुभाशुभानेन सद्गतिगामिनं विधत्त इत्यात्मानुकम्पकः) આત્મહિત કરવામાં પ્રવૃત્ત; પ્રત્યેકબુદ્ધ અથવા જિનકલ્પી. आत्महित करने में प्रवृत्त; प्रत्येकबुद्ध अथवा जिनकल्पी. one devoted to the welfare of the soul. "आयाणुकंपए णामयंगे णो पराणुकंपए" ठा० ४, ४; सूय० २, २, ८५; —**अभिणिवेस**. पुं० (-अभिनिवेश) પોતાપણાનો આગ્રહ, મમત્વ ભાવ. अहंभाव; ममत्व भाव. self-love, attachment to one's selfish interests. नंदी० —**अहिगरणवत्तिय**. त्रि० (-अधिकरण प्रत्यय – आत्मनोऽधिकरणानि आत्माधिकरणानि तान्येव प्रत्ययः कारणं यत्र क्रिया करणे तदात्माधिकरणप्रत्ययम्) જેમાં આત્માનો અધિકરણ કારણરૂપ છે તે. जिसमें आत्मा का अधिकरण कारण रूप है वह. (that) in which relation with the soul is the active cause. "आयाहिगरणवत्तियं चणं तस्स णो इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ" भग० ७, १; —**अहिगरणि**. पुं० (-अधिकरणिन्-अधिकरणानि हलशकटादीनि कषायाश्रयभूतानि यस्य सन्तिसोऽधिकरणी आत्मनोऽधिकरणी आत्माधिकरणी) આરંભાદિકના સાધન, હલ વગેરે જેની પાસે છે તે આત્મા; પોતાની જાતે આરંભ સમારંભના અધિકરણ મેળવનાર. आरंभादिक के साधन; हल आदि जिसके पास है वह आत्मा; स्वयं आरंभ समारंभ के साधनों को एकत्रित करने वाला. a soul possessed of implements of killing etc., such as a plough etc. by his own efforts "आयाहिगरणी भवइ" भग० ७, १; १६, १; —**आरंभ**. त्रि० (-आरम्भ) પોતાને હાથે જીવની ઘાત કરનાર. अपने हाथ से जीव की घात करने वाला. (one) who kills a life with his own hands. भग० १, १; —**उवक्कम**. पुं० (-उपक्रम) પોતાની જાતે આયુખાનો ઉપક્રમ કરવો, આયુખું ટુંકું કરવું તે अपने हाथसे आयुष्य को कम करना. shortening one's own life. भग० २० २; १०; —**कम्म**. न० (कर्मन्) આત્માએ કરેલો કર્મ. आत्मा का किया हुआ कर्म. Karmas done by one's self or soul. भग० ३, ५; २०, १०; २५, ८; —**गय**. त्रि० (-गत-आत्मान गतमात्मगतम्) આત્મામાં રહેલ; આત્મસંબંધી. आत्मा संबंधी. relating to the soul. पंचा० ३, ३७; —**गवेसय**. त्रि० (-गवेषक) आत्मानं कर्ममलापहारेण शुद्धं गवेषयतीत्यात्मगवेषकः) આત્માના ખરા સ્વરૂપને શોધનાર. आत्मा के सच्चे स्वरूप को खोजनेवाला. (one) who investigates into the

real nature of the soul. "न ठाइए आयगवेसए से भिक्खू" उत्त० १५, ५; —गुत्त. त्रि० (-गुप्त—असत्प्रवृत्तिभ्यो मनोवाक्कायैरात्मा गुप्तो यस्य स आत्मगुप्तः) મન વચન અને કાયાએ કરી આત્માને પાપથી ગોપવનાર; આત્મરક્ષક. मन, वचन और काया से आत्मा की रक्षा करने वाला. (one) who guards the soul against sins of thought, word and deed. "सव्वेतं साणु जाणंति आयगुत्ता जिइंदिया" सूय० २, २, ६५; आया० १, २, ७, २०४; १, ३, १, १०६; उत्त० १५, ३; सूय० १, ११, १६; —छट्ठ. पुं० (-षष्ठ) આત્મા જેમાં છઠો છે એવાં પાંચ ભૂત. आत्मा जिस में छठा है ऐसे पंचभूत. the soul along with the five elements. "आयछट्ठो पुणो आहु" सूय० १, १, १, १५; —छट्ठवाइ. पुं० (-षष्ठवादिन्) પંચભૂત ઉપરાંત છઠા આત્માને માનનાર સાંખ્ય વગેરે. पंचभूत के सिवाय आत्मा को छठा मानने वाले सांख्य वगैरह. one who admits the existence of the soul in addition to the five elements; e. g. a Sankhya etc. सूय० टी० १, १, १, १५; —जस. न० (-यशस्) આત્માના યશરૂપ સંયમ. आत्मा का यशरूप संयम. the glory of the soul viz self-restraint. "जीवा किं आयजसेणं उववज्जंति" भग० ४१, १; —जोग. त्रि० (-योग) આત્મા તરફની પ્રવૃત્તિ વાળો; કુશલ મનની પ્રવૃત્તિ. आत्मा संबंधी प्रवृत्ति वाला; कुशल मन की प्रवृत्ति. (one) busy with what concerns the soul; salutary activity of the mind. सूय० २, २, ८५; —जोगि. पुं० (-योगिन्—आत्मनो योगः कुशलमनः प्रवृत्तिरूप आत्मयोगः स यस्यास्ति) સદા ધર્મ ધ્યાનમાં નિમગ્ન. सदा धर्म ध्यानमें निमग्न. always engaged in religious meditation. दसा० ५, ३१; —ट्ठ. पुं० (-अर्थ) આત્માનું અર્થ-પ્રયોજન; મોક્ષ. आत्मा का प्रयोजन; मोक्ष. the aim of the soul; salvation. आया० टी० १, २, १, ६३; —ट्ठि. पुं० (-अर्थिन्—आत्मनो अर्थ आत्मार्थः स विद्यते यस्य स तथा) આત્માનું હિત કરનાર; મોક્ષાર્થી. आत्मा का हित करने वाला; मोक्षार्थी. one who accomplishes the well-being of the soul; one aiming at salvation. सूय० २, २, ८५; —इड्ढि. पुं० (-ऋद्धि) આત્માની ઋદ્ધિ-શક્તિ વાળો. आत्मा की ऋद्धि-शक्तिवाला. one possessed of soul power. भग० ३, ४; ६, १; २०, ३; २५, ८; —तिगिच्छिअ. त्रि० (-चिकित्सक) પોતે પોતાની દવા કરનાર. अपना आप औषधि करने वाला. (one) who is his own doctor. ठा० ४, ४; —तुला. स्त्री० (-तुला) આત્માની તુલા-સમાનતા-ઉપમા. आत्मा की उपमा. self-comparison; e. g. comparison of the lives of others with one's own life. "आयतुलं पाणेहिं संजए" सूय० २, २, ३, १२; —दंड. पुं० (-दंड आत्मानं दंडयतीत्यात्मदंडः) આત્માને દંડનાર; આત્માને હાનિ-પહોંચાડનાર. आत्मा को दंडनेवाला; आत्मा को हानि पहुंचाने वाला. one who

destroys or ruins his own soul. " एतेण काएण य आयदंडे " सूय० १, ७, २; —दंडसमायार. पुं० (-दण्डसमाचार) આત્માના અહિતનું અનુષ્ઠાન કરનાર; આત્મા દંડાય તેવું આચરણ કરનાર. आत्मा के अहित का कार्य करनेवाला. one acting in a way to injure his own soul. सूय० १, २, ३, ९; —निप्फेडय. पुं० (-निस्फोटक) સમ્યગ્દર્શન આદિ અનુષ્ઠાન વડે આત્માને સંસારરૂપ કેદખાનામાંથી બહાર કાઢનાર. सम्यग्दर्शनादि के अनुष्ठान के द्वारा आत्मा को संसाररूपी जेल से निकालने वाला. one who releases the soul from the cage of worldly existence by right faith etc. सूय० २, ७, ८१; —पइट्ठिअ-य. त्रि० (-प्रतिष्ठित) પોતાને આશ્રી ઉત્પન્ન થએલ; બહાર નિમિત્તવિના અંદરના નિમિત્તથીજ થએલ. स्वभावतः उत्पन्न; बाहिर के निमित्त बिना अंदरके निमित्त से ही उत्पन्न. spontaneously produced without the operation of any outside agency. ठा० २, ४; ४, १; —पच्चक्ख. न० (-प्रत्यक्ष) આત્મસાક્ષી. आत्म साक्षी. with one's self or soul as witness; in one's own presence. भत्त० ५५; —परक्कम. त्रि० (-पराक्रम) આત્મસાધક-સંયમ અનુષ્ઠાનવાળો. आत्मसाधक--संयम अनुष्ठान वाला. (one) accomplishing the interest of the soul; practising asceticism. सूय० २, २, ८५; दसा० ५, २४; —प्पओग. पुं० (-प्रयोग) આત્માનો વ્યાપાર आत्मा का व्यापार. activity of the soul. भग० ३, ४; ५; २०, १०; २६, ८; ३२, १; —प्पओग निव्वत्तिय. त्रि० (-प्रयोग निर्वर्तित-आत्मनः प्रयोगेण मनः प्रभृति व्यापारेण निर्वर्तितं निष्पादितम्) આત્માના વ્યાપારથી નિપજેલ. आत्मा के व्यापार से उत्पन्न. produced by the activity of the soul. भग० १६, १; —प्पमाण. त्रि० (-प्रमाण) આત્મા દેહનું સાડાત્રણ હાથ પ્રમાણું પ્રમાણ. आत्मा-देह का साडेतीन हाथ का प्रमाण. measure of the body equal to three and a half times the length of the arm. प्रव० १२६; —प्पवाय. न० (-प्रवाद—आत्मानं जीवमनेकधा नयमतभेदेन वदन्त्यदति तदात्मप्रवादम्) એ નામનો એક પૂર્વ-શ્રુત વિશેષ; ચૌદપૂર્વ માંનો એક. चौदह प्रकार के पूर्वो में से एक पूर्व. name of a scripture; one of the 14 Pūrvas. नंदी० ५६; सम० १४; प्रव० ७२०; —बल. पुं० (-बल - आत्मनो बलं शक्त्युपचय आत्मबलम्) આત્માની શક્તિ. आत्माकी शक्ति. power of the soul आया० १, २, २, ७५; —भाव. पुं० (-भाव) મિથ્યાત્વ વિષય ગૃદ્ધિપણું વગેરે. मिथ्यात्व विषय में लोलुपता. greediness after sensual pleasures, heretical belief etc. " थिणाइजओ सव्वह आयभावं " सूय० १, १३, २१, (२) સ્વ-પોતાનો અભિપ્રાય- મત. अपना मत one's own view or opinion. " सद्देयं एस अट्ठे नो खिवंश आय भाव वत्तव्याए " भग० २, ५; १०; विशे० ६८; सूय० १, १२, ३; —भाववंकणया. स्त्री० (-भाववंकनता) પોતાની અંદરના અપ્રશસ્ત ભાવ ખોટા વિચારને સારા રૂપમાં દેખાડવા તે. अपने

अप्रशस्तभाव-खराब विचार को अच्छे रूप में प्रगट करना. white-washing, varnishing one's own wicked internal thoughts or motives. ठा० २, १; —रक्ख. पुं० (-रक्ष) અંગરક્ષક; આત્મરક્ષક. अंगरक्षक; आत्मरक्षक. a body-guard; one who guards the soul. 'तओ आयरक्खा पण्णत्ता संजइए धम्मियाए पडिचोयणाए' ठा० ३, १; पन्न० २; जै० प० ५, ११२; राय० ७१; सूय० २, २, ५६; भग० ३, १; १६, ६; १०, ५; कप्प० २, १३; जं० प० ४, ७३; ५, ११६; —रक्खदेव. पुं० (-रक्षदेव) આત્મરક્ષક દેવતા. आत्मरक्षक देव. a deity protecting the body or guarding the soul. नाया० ८; नाया० ध० भग० ३, ६; १०, ६; १४, ६; जं० प० ४, ७५; —रक्खिय. त्रि० (-रक्षित) જેણે કુગતિથી આત્માનું રક્ષણ કરેલ છે તે; कुगतिसे आत्मा को बचानेवाला. (one) who has guarded the soul against an evil condition of existence. "आयपरक्कमे आयरक्खिए" सूय० २, २, ८५; अरइं पिट्ठओ किच्चा विरए आयरक्खिए" उत्त० २, १५; —विसोहि. त्रि० (-विशुद्धि) પાપનું પ્રાયશ્ચિત કરીને આત્માની વિશુદ્ધિ કરવી તે. पापका प्रायश्चित्त करके आत्माकी विशुद्धि करना. purification of the soul by expiation for sin. नंदी० ४३; —वेयावच्चकर. त्रि० (-वैयावृत्यकर) આળસુ. आलसी. idle; lazy; (२) વિસંભોગિક-સાધુસમુદાયથી ભિન્ન. विसंभोगिक-साधुसमुदाय मे भिन्न. apart from the assemblage of monks. "आयवेयावच्चकरे नाममेगे णो परवेया वच्चकरे" ठा० ४; —संचेयणिज्ज. पुं० (-संचेतनीय-आत्मना-संवेद्यन्ते क्रियन्तइत्यात्मसंचेतनीयाः) જુઓ "आयसंवेयणिज्ज" શબ્દ. देखो "आयसंवेयणिज्ज" शब्द. Vide. "आयसंवेयणिज्ज" "आयसंचेयणिज्जा उवसग्गा चउव्विहा प० तं० घट्टणाया पवडणाया थंभणायया लेसणाया" ठा० ४, ४; —संवेयणीय. पुं० (-संवेदनीय) દ્રવ્ય ઉપસર્ગનો એક પ્રકાર; પોતાનાજ કારણથી શરીર કે સંયમની ઉપઘાત-પીડા થાય તે. द्रव्य उपसर्ग का एक भेद; अपनेही कारण से अपने शरीर अथवा संयम का उपघात होना. disturbance to the body or to self-restraint by causes connected with one's self; a variety of material disturbance. "चउव्विहा उवसग्गा प० तं० दिव्वा माणुस्सा तिरिक्ख जोणिया आयसंवेयणिज्जा" ठा० ४, ४; —सरणट्ठ. न० (-स्मरणार्थ) પોતાના આત્માને સંભારવામાટે. अपनी आत्माका स्मरण करने के लिये. in order to remember or keep in remembrance one's own soul. क० गं० ५, १००; —सरीर अणवकंखवत्तिया. स्त्री० (-शरीरानवकांक्षाप्रत्यया) અણુવકંખવત્તિયા ક્રિયાનો એક ભેદ; પોતાના શરીરનો નાશ થાય તેવા કર્મ કરવાથી લાગતી ક્રિયા. अणवकंखवत्तिया क्रिया का एक भेद; अपने शरीर का नाश हो ऐसे कर्म करने से लगनेवाली क्रिया. Karma incurred by doing acts which destroy one's own body. ठा० २, १; —सात. न० (-सात) આત્મસુખ. आत्मसुख. one's own happiness; self-happiness. "भूताइं जे हिंसति आयसातं" सूय० १, ७, ५; —सायाणु-

गामि. पुं० (स्वातानुगामिन्) આત્મ સુખ મેળવવા ઇચ્છનાર. आत्म सुख प्राप्त करनेकी इच्छावाला. one desirous of getting one's own happiness. "हंता छेत्ता पगब्भित्ता आय सायासाणुगामिणो" सूय० १, १३, ५; —सुह. न० (-सुख) શરીર સુખ. शरीर सुख. physical happiness. "जे छिंदती आयसुहं पडुच्च" सूय० १, ७, ८; —सोहि. स्त्री० (-शोधि) આત્મશુધ્ધિ; કર્મનો ક્ષયોપશમ કે ક્ષય. आत्मशुद्धि; कर्म का क्षयोपशम अथवा क्षय. soul purification; destruction or attenuation of Karma. "आय पजोगमायसोहीए" आया० १, ४, ४, १६; दसा० ५, ४२; —हम्म. त्रि० (-घात्य) આત્માની ઘાત કરનાર. आत्माकी घात करने वाला. soul-destroying; self-destroying. पिं० नि० ६५; —हित. न० (-हित) સ્વહિત; પોતાનું ભલું. स्वहित; अपना भला. self-good; self-benefit. "आयहितं आयगुत्ते आयजोगे" सूय० १, २, ८५; दसा० ५, २१; —हेउ. पुं० (-हेतु) આત્માનિમિત્તે; પોતામાટે. आत्मा के लिये; अपने लिये. for one's own sake; for one's own self. "केइ पुरिसे आयहेउं वा णाइहेउं वा" सूय० २, २, २२;

आयअ. त्रि० (आयत) લાંબું. लंबा. Long. राय० १०२; विशे० ७०४;

आयइ. स्त्री० (आयति) ભવિષ્ય કાલ. भविष्य काल. The future. पंचा० १६, २८; प्रव० १२६१; —जणग. त्रि० (-जनक) ભવિષ્યમાં ઇષ્ટ ફલ આપનાર. भविष्य में इष्ट फल देनेवाला. giving the desired fruit in the future. "आयइ जणगोसो" पंचा० १६, २८; प्रव० १२६१; —फल. न० (-फल) પરભવનું ઇષ્ટ ફલ. परभव का इष्ट फल. desired fruit of the next or future birth. "आयतिफलमदुरसाइयं च नियमं सुयेयव्वं" पंचा० १२, ४०; —संपगासण. न० (-सम्प्रकाशन-आयत्याः सम्प्रकाशनमायतिसम्प्रकाशनम्) ભવિષ્યની સારી આશા બતાવનાર; સામનો એક ભેદ. भविष्य के सम्बन्ध में अच्छी आशा बतानेवाला; साम का एक भेद. showing good hopes for the future; promising well for the future. ठा० ३;

आयं. अ० (आयम्) વાક્યાલંકાર. वाक्यालंकार. An expletive. आया० २;

आयंक. पुं० (आतङ्क) જુઓ "आतंक" શબ્દ. देखो 'आतंक' शब्द. Vide, "आतंक" "आयंकदंसी न करेइ पावं" आया० १, १, २, ४; "अरइ गंडं विसूइया आयंका विविहा फुसंतिते" उत्त० १०, २७; १, १८; आया० १, १, १, ५३; १, ५, २, १४७; १, ३, २, १११; पिं० नि० ६६६; जीवा० ३, १; महा० प० ३५; राय० १२; सु० च० १०, १३१; नाया० १; ५; भग० ३, १; १६, ३; १८, १०; २५, ७; उवा० ४, १५१; गच्छा० ७६; संथा० ३२;

आयंचणियाउदय. न० (*) કુંભારના વાસણમાં રહેલું માટીવાળું પાણી. कुम्हार के बर्तन में रहा हुआ मिट्टीवाला पानी. Water in a potter's vessel i.e. earthen

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર १५ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ट नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

vessel and so muddy. भग० १५, १;

आयंत. त्रि० (आचान्त) મહું કરેલ; પાણી-થી હાથ મોઢું સાફ કરેલ. कुल्ला किया हुआ; पानी से हाथ मुंह साफ किया हुआ. With the hands and face washed with water. नाया० १; १६; भग० ३, १; ८; ३३; ११, ६; जीवा० ३, ४; ओव० १२; राय० १७३; कप्प० ५; १०२;

आयंतम. त्रि० (आत्मतम–आत्मानं तमयति खेदयतीत्यात्मतमः) સંયમ વગેરેથી આત્માને દમનાર. संयमादि के द्वारा आत्मदमन करनेवाला. One who subdues the self by self-restraint etc. ठा० ४, २; (२) (आत्मैव तमोऽज्ञानं क्रोधोवा यस्य स आत्मतमः) અજાણી; ક્રોધી अज्ञानी; क्रोधी (one) who is ignorant; (one) given to anger. "आततमेणामेगे नो परंतमे" ठा० ४, २;

आयंता. स्त्री० (*) આચારાંગ સૂત્રના પાંચમાં અધ્યયનનું નામ. आचारांग सूत्र के पांचवें अध्ययन का नाम. Name of the 5th chapter of Achārāṅga. सम० ८;

आयंतिय मरण. (आत्यंतिकमरण) એક વાર મરીગયા પછી ફરી બીજીવાર તે ગતિનું મરણ ન થાય તે. एकवार मरजाने के बाद फिर दूसरी बार उस गति का मरण न होना. Final death in a particular condition of existence i. e. there will be no birth again in that condition of existence. सम० १७;

आयंदम. त्रि० (आत्मदम–आत्मानं दमयति शमवन्तं करोति शिक्षयतीत्यात्मदमः) આત્માને દમનાર. आत्मदमन करनेवाला. One who subdues the self. ठा० ४, २;

आयंब. त्रि० (आताम्र) આ-ત્રિત્—થોડી રતાશવાળું. कुछ लालामीवाला. Reddish. ओव० १०; प्रव० १४६५;

आयंबिर. त्रि० (आताम्र) લાલરંગનું. लाल रंग का. Red; of red colour. सु० च० १, ७५; ६ १२५;

आयंबिल. न० (आचाम्ल) જેમાં ભાત વગેરે લુખું અનાજ એક વખત ખવાય તેનું આયંબિલ નામનું એક તપ. 'आयंबिल' नामक एक तप विशेष जिस में सूखा भात या अन्य कोई धान्य केवल एकही बार खाया जाता है. A kind of austerity in which a person takes rice, pulse etc. only once without adding Ghee to it. अंत० ८, १; नाया० ८; १६; भग० ३, १; ४२, १; ओव १६; प्रव० २०३; आव० ६, ६; —पच्चक्खाण. न० (-प्रत्याख्यान) આંબિલ કરવાના પ્રત્યાખ્યાન પચ્ચખાણ લેવા તે. आयंबिल करने का प्रत्याख्यान लेना. a vow to perform the austerity of Āyambila (q. v.) नाया० १६; —पाउग्ग. त्रि० (-प्रायोग्य) આંબિલ-આયંબિલમાં વાપરવા યોગ્ય. आंबिल-आयंबिल में काम लाने योग्य. fit to be used in Āyambila आव० ६, ६;

* જુઓ પૃષ્ઠ નંબર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) on page 15th.

—वड्डमाण. न० (-वर्द्धमान) चौद वरस त्रण मास अने २० दिवसे थतुं एक तप के जेमां एक आयंबिलने पारणे; एक उपवास करी, बे आयंबिल करवामां आवेछे; वली एक उपवास करी त्रण आयंबिल; एम एकेक आयंबिल वधारतां १०० आयंबिल सुधी चढाय छे. चौदह वर्ष, तीन मास और २० दिनतक होनेवाला तप जिसमें कि एक आयंबिल के पारणा के बाद एक उपवास करके उसके बाद दो आयंबिल किये जाते हैं. फिर एक उपवास तीन आयंबिल, इस प्रकार बढाते बढाते १०० आयंबिल तक किए जाते हैं. पारणा के बाद एक उपवास होता है. इस रीति से चौदह वर्ष ३ मास २० दिन में यह तप पूर्ण होता है. an austerity extending over 14 years three months and 20 days; here one performs one Āyambila followed by a fast, then two, followed by a fast, then three, followed by a fast and so on up to 100 Āyambilas. अंत० ८, १०; ओव० १६;

आयंबिलअ-य. पुं० (आचाम्लिक) आंबेलनुं तप करनार. आंबिल-आयंबिल का तप करनेवाला. One who performs the austerity known as Āyambila. पराह० २, १; ठा० ५, १;

आयंभर. त्रि० (आत्मम्भर आत्मानं बिभर्ति पुष्णातीत्यात्मम्भरः) स्वार्थी; पोतानुंज पोषण करनार. स्वार्थी; अपनाही पोषण करनेवाला. Selfish. " आयंभरेणाम-मेगे णो परंभरे " ठा० ४, ३;

आयंस. पुं० (आदर्श-आसमन्तादृश्यते अस्मिन् स आदर्शः) अरीसो; दर्पण; दर्पण; आयना; काँच. A mirror; a looking-glass. जं० प० ५, १२०; राय० ४८, ११८; —घर. न० (-गृह) अरिसा भुवन; काचनुं घर. कांचका घर; शीश महल. a house made of glass or mirrors. जं० प० ३, ७०० —घरग. पुं० (-गृहक) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. राय० १३६; —तल. न० (-तल) अरिसानुं तळीउं. दर्पण का पेंदा. the surface of a mirror. ओव० —तलउवम. त्रि० (-तलउपम—आदर्शो दर्पणस्तस्य तलं तेन समतयोपमा यस्य आदर्शतलोपमः) अरीसाना तळीआ जेवुं सिधुं-सपाट. दर्पण के पेंदे के समान समतल. level like the surface of a mirror. राय० —मंडल. न० (-मण्डल—आदर्श इव मण्डलमस्य तदादर्शमण्डलम्) अरीसाने आकारे मंडल-कुंडलो वाळनार सर्पनी एक जात. दर्पण के आकार का मंडल करनेवाला एक जात का सर्प. a kind of serpent forming itself into the shape of a mirror circular in form. (२) (आदर्शो मण्डलमिवादर्शमण्डलम्) मंडलाकारे गोठवेल अरीसा. मंडलाकार सजाये हुए दर्पण. a circle formed of mirrors. " आयंसमंडले इवा " जं० प० पन्ह० १, ४; —लिवि. स्त्री० (-लिपि) १८ जातनी लिपिमांनी एक लिपि. १८ प्रकार की लिपियों में से एक लिपि. one of the 18 kinds of script. पन्न० १;

आयंसग. पुं० (आदर्शक) बळदनी डोकनुं एक आभरण. बैल के गर्दन का एक गहना. A neck-ornament of an ox. अणुजो० १६;

आयंसमुह. पुं० (आदर्शमुख) લવણુ સમુદ્રમાં અગ્નિખુણા તરફ રહેલ આયંસમુખ નામનો એક અન્તરદ્વીપ. लवण समुद्र के अग्निकोण में रहा हुआ आयंसमुख नाम का अन्तरद्वीप. An island of the name of Āyaṃsamukha in the Lavaṇa ocean. (२) તે દ્વીપમાં રહેનાર. उसमें रहनेवाले. an inhabitant of the same. ठा० ४, २; पन्न० १; जीवा० ३, ३;

आयंसय. पुं० (आदर्शक) અરીસો; આયનો. दर्पण. A mirror; a looking-glass. ओव०

आयकाय. पुं० (*आयकाय) વનસ્પતિ વિશેષ. वनस्पति विशेष. A kind of vegetation. भग० २३, ३;

आयग. न० (आजक) બકરીનાં બાલનું બનાવેલ વસ્ત્ર. बकरी के बाल से बनाया हुआ वस्त्र. A cloth made of the hair of a she-goat. आया० २, ५, १, १४५;

आयचरित्त. त्रि० (आयचरित्र-आय भूतं निरतिचारतया चारित्रं यस्य स आय चरित्रः) દૃઢ ચારિત્ર. दृढ चारित्र. (One) having a firm character or right-conduct. संथा०

आयछत्त. न० (आतपत्र) છત્રી; છત્ર. छत्री; छत्र. An umbrella. "एगे पुरिसे विट्ठओ आयच्छत्तं धरेइ" नाया० १६.

आयडि्ढय. सं० कृ० अ० (आकृष्य) ખેંચીને; આકર્ષીને. खींचकर; आकर्षण करके. Having drawn; having attracted. सु० च० ७, १५१; ११, ५६;

आयण. पुं० (आजीव) કમાવેલ ચામડું; ચામડાનું વસ્ત્ર. कमाया हुआ चमड़ा; चमड़े का वस्त्र. Tanned leather; a garment of leather. "जे भिक्खू माउगामस्स मेहुणवडियाए आयणाणिवा आइयपावाराणि वा" निसी० ७, ११;

आयत. त्रि० (आयत) લાંબું; દીર્ઘ. लंबा; दीर्घ. Long; protracted जं० प० पन्न० १; भग० १८, ३; जीवा० ३, ३; सूय० १, २, ३, १५; (२) મોક્ષ; મુક્તિ. मोक्ष; मुक्ति. absolution, salvation. "आयपरे परमायतट्ठिते" सूय० १, २, ३, १४; (३) ખેંચેલ, खींचाहुआ. drawn. भग० १, ८; (४) पुं० દીર્ઘાકાર સંસ્થાન. दीर्घाकार संस्थान. configuration in its length. भग० २५, ३; —कण्णायय. त्रि० (-कर्णायत) અતિશય પ્રયત્નથી કાન સુધી ખેંચેલ. बडे प्रयत्न से कान तक खींचा हुआ. drawn with great effort as far as the ear. "आयय कण्णाययं उसुं आयामेत्ता चिट्ठइ" भग० १, ८; ६; जं० प० ३, ६२; —चक्खु. त्रि० (-चक्षुष्-आयतं दीर्घमैहिका मुष्मिकापायदर्शिचक्षुर्ज्ञानं यस्य स आयतचक्षुः) દીર્ઘ દર્શી. दीर्घ दर्शी. (one) able to take a comprehensive view of things temporal and spiritual. आया० १, २, ५, ६३; —चरित्त. न० (-चरित्र) મોક્ષ માર્ગ સાધક ચરિત્ર. मोक्ष मार्ग साधक चरित्र. right conduct leading to salvation. "आदाणि यंमि आयत चरित्त" आया० टी० १, १, ७, ६१; —ट्ठ. पुं० (-अर्थ) મોક્ષ; મુક્તિ. मोक्ष; मुक्ति. absolution; final emancipation. सूय० १, ८, १८; —ट्ठिअ. पुं० (-अर्थिक) લાંબા વખત થી મોક્ષની

અભિલાષાવાલો. बहुत समय से मोक्ष की अभिलाषा वाला. one desirous of salvation from a long time; one longing after salvation from a long time. "आयपरे परमायसाहिए" सूय० १, २, ३, १५; —फल. त्रि० (-फल) મોક્ષરૂપ ફલ આપનાર. मोक्षरूप फल देनेवाला. giving salvation as fruit or result. पंचा० १२, ४०; —संठाण न० (-संस्थान) દીર્ઘાકાર; લાકડીની પેઠે લંબાઇવાલો આકાર-સંઠાણ; પાંચ સંઠાણ માનું એક. दीर्घाकार; लकडी के समान लंबाईवाला आकार–संस्थान; पांच संस्थानों में से एक. long configuration like that of a stick; one of the five configurations. भग० ८, १; १६, ६; ठा० १; पन्न० १; —संठाणपरिणय. त्रि० (-संस्थानपरिणत) આયત સંઠાણ રૂપે પરિણત પામેલ आयत संस्थान रूप से परिणाम पाया हुआ (one) who has been developed into, changed into, a long configuration. पन्न० १;

आयतण. न० (आयतन) સ્થાન; ન આશ્રય; નિવાસ સ્થાન. स्थान; आश्रय; निवास स्थान. Place; abode; residence. ओघ० नि० ७६२; पराह० २, १; आया० १, ७, ४, २१५; पंचा० ८, १६; निसी० १६, २६; (२) દેહરૂં; દેવાલય. देवालय; मंदिर. a temple. पराह० १, १; (३) દેરાની બાજુનો ઓરડો. मंदिर की बाजू का कोठा. a side-room in a temple. दसा० १०, १; आया० २, २, २, ८०; (४) કર્મનું ઉપાદાન કારણ. कर्म का उपादान कारण. the efficient cause of Karma. निसी० ६, १; आया० २, १. ५, १५; (५) પ્રગટ કરવું; પ્રશ્નનો ખુલાસો કરવો તે. प्रगट करना; प्रश्न का स्पष्टीकरण करना. solution of a question; manifestation. सूय० १, ६, १६; (६) વધસ્થાન. वधस्थान. a place of execution; a place for killing. नाया० ६;

आयति. स्त्री० (आयति) જુઓ "आयइ" શબ્દ. देखो "आयइ" शब्द. vide "आयइ" पंचा० १२, ४०; —फल. त्रि० (-फल—आयत्यां फलमस्य इति) આવતાભવમાં ફલ આપનાર. आगामी भव में फल देनेवाला. giving or ripening into fruit in the next or coming birth. पंचा० १२, ४०;

आयत्त. त्रि० (आयत्त) મિશ્રિત કરેલું; એકઠું કરેલું. मिश्रित किया हुआ; इकट्ठा किया हुआ. Got together; collected together; mixed together. पिं० नि० २३८;

आयत्ता. स्त्री० (आयता) આય-વનસ્પતિ વિશેષ નો ભાવ; આય વનસ્પતિ પણું. आय-वनस्पति विशेष का भाव; आय-वनस्पतिपन. State of being an Āya (a kind of vegetation). सूय० २, ३, १५;

आयन्नण न० (आकर्णन) શ્રવણ કરવું તે. श्रवण करना; सुनना. Hearing. सू० च० १५, ३७;

√**आयम.** धा० I. (आ+यम्) ચળુ કરવું; અશુચિલેપ ટાલવો; આચમન લેવું. आचमन करना; चुल्लू करना. To remove impurity with water after answering a call of nature.

आयमइ. निर्मा० ८, १५; दसा० ३, ०१;
आयमाण. ठा० ५;

आयमण. न० (आचमन) मल त्याग कर्या पछी जलथी शुद्धि करवी ते; लेप रहित पणुं. मल त्याग करने के बाद जल से शुद्धि करना; लेप रहितता. Removal of impurity with water after answering a call of nature. प्रव० १३३; पि० नि० भा० २३;

आयमिणी. स्त्री० (*आयमिनी) विद्या विशेष. विद्या विशेष. A particular branch of knowledge. "आयमिणी एवमाइआओ विज्जाओ अन्नस्स हेउं पउं जंति" सूय० २, २, ३०;

आयय. त्रि० (आयत) जुओ "आयत" शब्द. देखो "आयत" शब्द. Vide "आयत" नाया० ५; सूय० १, ६, १५; उत्त० ३६, २१; अणुजो० १४१; जीवा० ३१; दस० ६, ८, २, ३; पिं० नि० ३६५; ओघ० नि० १२३; भग० ५, ६; ७, ६; १८, ७; पंना० ११, ४२; प्रव० ५२१; —कणगायय. त्रि० (-कर्णायत) जुओ "आयत कणगायय" शब्द. देखो "आयत कणगायय" शब्द. vide "आयत कणगायय" भग० १, ८; —गंतु पच्चागया. स्त्री० (-गत्वा पश्चादगता) कोई साधु एक लता-शेरीमां सिद्धा आगल जई पाछा वलतां गोचरी करे ते; भिक्षानो एक प्रकार नो अभिग्रह. गली में सीधे आगे जाकर पीछे लौटते हुए भिक्षा करना; साधुओं की भिक्षा का एक प्रकार का अभिग्रह. a particular mode of begging food practised by Jaina monks viz going straight to the opposite end of a street and begging food while returning. उत्त० ३०, १६; —चक्खु. त्रि० (-चक्षुष्) जुओ 'आयत चक्खु' शब्द. देखो 'आयत चक्खु' शब्द. vide "आयत चक्खु" आया० १, २, ५, ६३; —ट्ठि. पुं० (आर्थिन्) जुओ "आयतट्ठिअ" शब्द. देखो "आयतट्ठिअ" शब्द. vide "आयतट्ठिअ" दस० ५, २, ३४; —ट्ठिअ. पुं० (-आर्थिक) जुओ "आयतट्ठिय" शब्द. देखो 'आयतट्ठिय' शब्द. vide 'आयतट्ठिय" दस० ६, ४, २, ३; —मग्ग. पुं० (-मार्ग) मोक्ष मार्ग. मोक्ष मार्ग. the path of salvation. पंचा० ११, ४२; —संठाण. न० (-संस्थान) लाकडीना जेवो लांबो आकार-संठाण. लकड़ी के समान लंबा आकार-संस्थान. long shape, configuration, like that of a stick. भग० ८, १०; —संठाण परिणाम. न० (-संस्थान परिणाम) दीर्घाकार परिणाम; आयत संठाणरूपे परिणाम. दीर्घाकार परिणाम; आयत संस्थान-रूप परिणाम. modification into a long shape or configuration. भग० ८, १०;

आययण. न० (आयतन) जुओ 'आयतण' शब्द. देखो 'आयतण' शब्द. vide "आयतण" नाया० ६; ओघ० नि० २; उत्त० ३३, ६; आया० १, ५, २, १४८; कप्प० ६, ४३; प्रव० ६४६; —सेवणा. स्त्री० (-सेवन) साधु प्रभृतिनी सेवना करवी ते; समकितनुं त्रीजुं भूषण. सम्यक्त्व का तीसरा भूषण; साधु प्रभृति की सेवा करना. act of rendering service to monks etc; the third commendable quality or merit of Samakita (i. e. right faith). प्रव० ६४६;

आयर. पुं० (आदर) જુઓ ' आदर ' શબ્દ. देखो ' आदर ' शब्द Vide " आदर " पिं० नि० १२८; २०३; पगह० १, ५; जीवा० ३, ४; भत्त० ९०;

आयरण. न० (आचरण) અનુષ્ઠાન કરવું તે. अनुष्ठान करना. Practice; performance. ठा० ८;

आयरण. नं० (आदरण) વસ્તુનો સ્વીકાર. वस्तु का स्वीकार. Acceptance of a thing. भग० १२, ५;

आयरणया स्त्री० (* आदरणता) માયા-કપટ વિશેષથી કોઈપણ વસ્તુનો સ્વીકાર કરવો તે. छल कपट से किसी वस्तु का ग्रहण करना. Acceptance of anything with some deceitful intention. भग० १२, ५;

आयरिय. त्रि० (आचार्य) આચરવા યોગ્ય. आदरने योग्य. Worthy of being performed or practised. सूय० १, ६, ३२;

आयरिय. पुं० (आचारिक) આચાર સંબંધી તત્ત્વ. आचार संबंधी तत्त्व. Principles of right-conduct; truth about right-conduct. " आयरियं विदित्ताणं सव्व दुक्खा विमुच्चइ " उत्त० ६, ६;

आयरिय. त्रि० (आचरित) આચરેલું. आचरण किया हुआ. Performed; practised. " धम्मज्जियं च ववहारं बुद्धेहायरियं सया " उत्त० १, ४२; राय० २६; उवा० १, ४३; भत्त० २२; प्रव० ७७०; पंचा० १, २३;

आयरिअ-य. पुं० (आचार्य) આચાર્ય સમુદાયના નાયક. आचार्य; समुदायके नायक. The head of an assemblage of monks. (२) તીર્થંકર. तीर्थंकर. Tirthankara. (३) ગુરુ; સાધુ. गुरु; साधु. preceptor. कप्प० १, १; आव० १, २; भत्त० ४३; ७०; पंचा० ५, ४०; १४, १६; पन्न० १६; नाया० १; २; ३; १०; १६; उत्त० १, २०; ४०; सम० ३०; वेय० १, ३७; ४, १४; आया० १, ७, १, २००; २, १, १०, ५६; पिं० नि० भा० २७; सु० च० १०, २०६; ओव० २०; नव० १, २६; २७; ३७; ३, १०; ११; १०, १२; उवा० १, ७३; विशे० ५; भग० १, १; ५, ६; १, ६; २५, ७; दस० ५, २, ४०; ८, ३३; दसा० १, १; ४, ६१; ६२; **—उवज्झाय-अ.** पुं० (-उपाध्याय) આચાર્ય ઉપાધ્યાય; આચાર્ય સહિત ઉપાધ્યાય. आचार्य उपाध्याय. आचार्य सहित उपाध्याय. an Achārya who is also an Upādhyāya; a head of an order of monks who is also a preceptor. निसी० १६, २४; वेय० ४, २६; वव० ३, ५; १०; ११; १२; ४, २; ६७; ७, ४, २; ६, ७; ७, ५; दसा० ६, २०; दस० ६, २, १२; **—पडिणीय.** पुं० (-प्रत्यनीक) આચાર્યનો શત્રુ-પ્રતિપક્ષી. आचार्य का शत्रु-प्रतिपक्षी. an opponent of an Achārya भग० ६, ३३, १५; **—पाय.** पुं० (-पाद) આચાર્યના ચરણ કમલ. आचार्य के चरणकमल. the feet of an Achārya. दस० ८, १, ५; **—वेयावच्च.** न० (-वैयावृत्त्य) આચાર્યની વૈયાવચ્ચ-ભક્તિ-સેવા કરવી તે. आचार्य की सेवा-भक्ति करना. service to an Achārya. ओव० ठा० ५, १; वा० १०; ३६; भग० २५, ७; **—सम्मअ.** न० (-सम्मत) આચાર્યને માન્ય સમ્મત. आचार्य को संम्मत. liked by, acceptable to, an Achārya. दस० ८, ५१;

आयरिय. त्रि० (आर्य) પૂજ્ય; પવિત્ર. पूज्य; पवित्र; श्रेष्ठ H[illegible]; revered.

आया० १, ८, १, २००; वेय० १, ४६; (२) न० तत्त्व. तत्त्व. truth; essence. उत्त० ६: ६; (३) आर्य जाति पाप नहीं करनार मनुष्य. आर्यजाति; पाप न करनेवाली जाति. the Ārya race; a person who does not commit sin. जीवा० ३, ४; पन्न० १; भग० १, ७; ३, १; —खेत्त न० (-क्षेत्र) आर्य क्षेत्र. आर्य क्षेत्र. the country of the Āryas. सूय० नि० टी० १, ५, १, ६६;

आयरियत्त न० (आचार्यत्व) आचार्यपणुं, आचार्य पन. Preceptorhood; status of a preceptor. वव० ७, १६; प्रव० ८०३;

आयरियत्ता स्त्री० (आचार्यता) आचार्यपणुं; आचार्य पदवी. आचार्यत्व; आचार्य पद. State of being an Ācharya; Āchāryahood. वव० ३, ७; ठा० ३, ३; निसी० ७, ३१;

आयरियभासिय न० (आचार्यभाषित) प्रश्न व्याकरण सूत्रनुं चोथुं अध्ययन. प्रश्न व्याकरण सूत्र का चौथा अध्ययन. The fourth chapter of Praśnavyākaraṇa Sūtra. ठा० १०;

आयरिय विप्पडिवत्ति. स्त्री० (आचार्य विप्रतिपत्ति) बंधदशासूत्रनुं पांचमुं अध्ययन. बंधदशासूत्र का पांचवाँ अध्याय. The fifth chapter of Bandha Daśā Sūtra. "बंधदसाणं दस अज्झयणा प० तं० बंधे मुक्खेय देवड्ढी दसारमंडले इय आयरिय विप्पडिवत्ति" ठा० १०;

आयरियव्व. त्रि० (आचरितव्य) आचरवा योग्य. आचरण करने योग्य. Worthy of being performed or practised. सम० २८;

आयरिस. पुं० (आदर्श) अरीसो; दर्पण; आइनो. दर्पण आयना. A mirror; a looking glass. सू० च० २, ११२;

आयव. पुं० (आतप) जुओ "आतव" शब्द. देखो "आतव" शब्द. vide. "आतव". ओव० ३८; उत्त० २, ३५; जीवा० ३, ३; पिं० नि० भा० ३४; भग० १, ६; उवा० ७, १८५; जं० प० ५, १५२;

आयवालोय. पुं० (आतपालोक) अग्निना तापनुं दर्शन. अग्नि के ताप का दर्शन. Sight of the flames of fire. "आतवालोय महंततुंवइय फलणा कयवो" नाया० १; —दुग. न० (-द्विक) आतप अने उद्योत नाम. आतप और उद्योत नाम. the group of the two viz Ātapa and Udyota (i. e. heat and light) क० गं० २, २१;

आयवंत. त्रि० (आत्मवत्-आत्मज्ञानादिकम स्यास्तीत्यात्मवान्) आत्मज्ञानवालो. आत्मज्ञानवाला. (One) Possessed of self-knowledge or knowledge of the soul. 'से आयवं नाणवं वेयवं धम्मवं बंभवं पन्नाणेहिं परियाणइ लोयं' आया० १; ३, १, १०१;

आयवत्त. न० (आतपत्र) छत्र, छत्री. छत्र, छतरी. Umbrella. ओव० ३१; नाया० १; जीवा० ३, ४; सु० च० २, ४६८; भग० ६, ३३; जं० प० ५, ११७;

आयववंत. न० (आतपवत्) अहोरात्रना २४मां मुहूर्तनुं नाम. अहोरात्रि के २४वें मुहूर्त का नाम. Name of the 24th Muhūrta of a period consisting of a day and a night. सू० प० १०; जं० प०

आयवा. स्त्री० (आतपा) आतपा नामनी सूर्यनी एक अग्र महिषी. सूर्य की आतपा

नामक एक पट्टरानी. One of the principal queens of the sun, so named. नाया० ध० ७;

आयवि. त्रि० (आत्मवित्) આત્મજ્ઞાની. आत्माको जाननेवाला; आत्मज्ञानी. (One) having the knowledge of the soul. आया० १, ३, १, १०७,

आयस. त्रि० (आयस) લોહમય; લોઢા-સંબંધી. लोहमय; लोहे संबंधि. Pertaining to iron; made of iron. भग० ७, ६; —**अंड.** पुं० (-भाण्ड) આત્મારૂપી ભાંડ; ભાજન વિશેષ. आत्मारूपी पात्र. the soul considered as a vessel or a receptacle. नाय॰ १; —**वादि.** त्रि० (-वादिन् आत्मानं वदितुं शीलमस्येत्यात्मवादी) આત્માના યથાર્થ સ્વરૂપને સ્વીકારનાર; આસ્તિક; आत्माके यथार्थ स्वरूपको माननेवाला; आस्तिक. (one) who accepts the real nature of the soul; orthodox. " से आयावादी लोयावादी कम्मावादी किरियावादी " आया० १, १, १, ५; —**वाय.** पुं० (-वाद) આત્મવાદ; પોતાના સિદ્ધાંતનો વાદ; સ્વસિદ્ધાંત સ્થાપન. आत्मवाद; निज सिद्धान्त स्थापन. Atmavāda; establishing one's own tenets or doctrines. ओव० १५; —**सुप्पणिहिअ.** त्रि० (-सुप्रणिहित) જેણે આત્માને શુભયોગમાં પ્રવર્તાવ્યો છે તે. आत्माको शुभ योग में प्रवर्ताने वाला. (one) who contemplates upon things beneficial to the soul; (one) who has directed his soul into salutary activities. दसा० ४, ८६;

आयाअ. त्रि० (आयात) આવેલું. आयाहुवा. Come; arrived. उत्त० ६, ११;

आयाण. न० (आदान) લેવું; ગ્રહણ કરવું; સ્વીકારવું તે. लेना; ग्रहण करना; स्वीकार करना. Taking; acceptance. प्रव० ५२२; ओव० १०; ११; भग० २, १; २, २; जीवा० ३, ३; उत्त० १२, ४; पिं० नि० २५५; ३८६; ओ० नि० ७७; विशे० १६४; ४८३; (२) ભોગળ રાખવાનું સ્થાન. आडा (किवाड़ अटकानेका डंडा) रखनेकी जगह. the place where a door-bolt is kept. ओव० १०; (३) વાક્ય. वाक्य. sentence. सूय० १, १६, ३; (४) પરિગ્રહ. परिग्रह. worldly possessions. " आयाणं नरयं दिस्स नायइज्ज तरता तरतामपि " सूय० १, १५, २; ठा० उत्त० ६, ८; (५) ઉપયોગપૂર્વક વસ્તુનું લેવું મુકવું; આયાણભંડમત્તનિખેવણાસમિતિ; પાંચ સમિતિમાંની ચોથી સમિતિ. उपयोग-पूर्वक वस्तु का ग्रहण करना; पांच समितियों में से चौथी समिति. the 4th of the five Samitis viz carefully taking up and laying down things. उत्त० २४, २; (६) કર્મનું ઉપાદાન કારણ. कर्म का उपादान कारण. the efficient cause of Karma. सूय० १, १, २, २६; २, १, ५३; दसा० ७, १; (७) (आदीयते सावद्यानुष्ठाने स्वीक्रियते इत्यादानम्) આઠ પ્રકારના કર્મ; જ્ઞાનાવરણીયાદિ કર્મ. ज्ञाना-वरणीयादि आठ प्रकार के कर्म. the eight varieties of Karma e. g. knowledge-obscuring Karma etc. सूय० १, १३, ४; (८) (आदीयते आत्मप्रदेशैः सह श्लिष्यतेऽष्टप्रकारं कर्म येन तदादानम्) અઢાર પાપસ્થાન; હિંસાદિ આશ્રવસ્થાન पाप के अठारह स्थान; हिंसादि आश्रवस्थान. eighteen sour-

ces of sin; a source of inflow of Karma e. g. killing etc. "आयाणं सगडिज्जे" आया० १, ३, ४; १२१; (९) (आदीयते स्वीक्रियते प्राप्यते मोक्षो येन तदादानम्) सम्यग्ज्ञान, दर्शन अने चारित्र. सम्यग् ज्ञान, दर्शन, और चारित्र right knowledge, faith and conduct. "बुइए य विगयगेही आयाणं सरक्खए" सूय० १, १, ४, ११; १, ८, २०; (१०) (आदीयत इत्यादानम्) मोक्ष. मोक्ष. absolution; salvation. "आयाणमट्ठं खलु वंचइत्ता" सूय० १, १३, ४; (११) (श्रमणोपासकेनादीयत इत्यादानं प्रथमव्रतग्रहणं) श्रावकनुं प्रथम व्रत ग्रहणु करवुं ते. श्रावक के प्रथम व्रत का ग्रहण करना. adoption of the first vow of a layman. "जावजीवाए जेहिं समणोवासगस्स आयाणं सो आमरणंताए दंडे निक्खित्ते" सूय० २, ७; (१२) (आदीयन्ते गृह्यन्ते शब्दादयोऽर्था एभिरित्यादानानीन्द्रियाणि) इंद्रिय; श्रोत्र आदि पांच इंद्रियो. इंद्रिय; श्रोत्र आदि पांच इंद्रियां. an organ of sense e. g. an ear etc. 5 in number. "केवलीणं आयाणेहिं न जाणइ न पासइ" भग० ५, ४, ६, १०; सूय० २, २, ४४; (१३) रमणीय; रम्य. रमणीय; मनोहर. charming; pleasant. पंगह० १, ४; (१४) संयम. संयम. asceticism. आया० १, २, ४, ८५; —**अट्ठि.** पुं० (-अर्थिन्) सम्यक्ज्ञान आदिना प्रयोजन वाळो; मोक्षार्थी. सम्यक्ज्ञान आदि के प्रयोजन वाला; मोक्षार्थी. one desirous of Mokṣa; one desirous of right knowledge etc. "आयाणअट्ठी वोदाणमोणं" सूय० १, १४, १७;

—**पय.** न० (-पद-आदीयते गृह्यते प्रथममादौ यत्तदादानं आदानञ्च तत्पदं च सुबन्तं तिङन्तं वा तदादानपदम्) अध्ययन के श्रुतस्कंधनुं आदि पद—शरु आतनुं वाक्य-जेम ' धम्मो मंगलं. ' अध्याय अथवा श्रुतस्कंध का प्रथम वाक्य, जैसे ' धम्मो मंगलं. ' the commencing words of a scriptural chapter etc; e g. "धम्मो मंगलं" (religion is a blessing) "सेकिंते आयाणपदेणं "धम्मो मंगलं" चूलिआ चाउरंगिं जं असंखयं आवंती" अणुजो० १३१; —**भय-य.** पुं० (-भय) आदान-द्रव्य संबंधी भय; सात भयमानुं एक. द्रव्य संबन्धी भय; सात में से एक भय. fear connected with wealth; one of the seven kinds of fear. सम० ७; ठा० ७, १; प्रव० १३३४; —**भंडमत्तणिक्खेवणासमिइ.** स्त्री० (-भाण्डमात्रनिक्षेपणासमिति) जुओ "आदाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिइ" शब्द. देखो "आदाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिइ" शब्द. vide. "आदाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिइ" सम० ५; —**भंडमत्तनिक्खेवणासमिय.** त्रि० (-भाण्डमात्रनिक्षेपणासमित) जुओ "आदानभंडमत्तनिक्खेवणासमिय" शब्द. देखो "आदानभंडमत्तनिक्खेवणासमिय" शब्द. vide. "आदानभंडमत्तनिक्खेवणासमिय" सूय० २, २, २६; नाया० ५; दसा० ५, ११; —**सोय.** न० (-स्रोतस्-आदीयते कर्मानेनेत्यादानं दुष्प्रणिहितमिन्द्रियं तच्च तत्स्रोतश्चादानस्रोतः) दुष्ट इंद्रियरूप स्रोत—कर्म आववानुं द्वार; इन्द्रियनो दुष्ट उपयोगरूप आश्रव. दुष्ट इन्द्रियरूप स्रोत-कर्म आनेका द्वार; इन्द्रियोंका दुष्ट उपयोगरूप

आश्रव. the door for the inflow of Karma; sources of sin due to the ill activities of sense-organs. "आर्यणसोय-मइवायसोयं जोगंच सव्वसो णच्चा" आया० १, ६, १, १६;

आयाणया. स्त्री० (आदान) जुओ "आदाणया" शब्द. देखो "आदाणया" शब्द. Vide "आदाणया" ठा० २१;

आयाणवंत. त्रि० (आदानवत्) आदान-ज्ञान दर्शन अने चारित्र वाळो धर्म, साधु वगेरे. ज्ञान, दर्शन और चारित्र वाला धर्म साधु वगैरह. (A religion, an ascetic etc.) possessed of right-knowledge, faith, and conduct. "आयाणवंतं समुदाहरेज्जा" सूय० २, ६, ५५;

आयाणसो. अ० (आदानशस्) ग्रहण कर्युं होय त्यारथी मांडी. ग्रहण किया होवे तबसे लेकर. From the time of acceptance. सूय० २, ७, १६;

आयाणिज्ज. त्रि० (आदानीय-आदीयत उपादीयत इत्यादानीयः) ग्रहण करवा योग्य. ग्रहण करने योग्य. Worthy of being taken or accepted; acceptable. आयाणिज्जं विर्याहिए" आया० १, ४, ३, १३७; ठा० ६; सम० ७०; (२) (आदीयंते गृह्यन्ते सर्वभावा अनेनेत्यादानीयम्) श्रुत; शास्त्र. श्रुत; शास्त्र. scripture. आया० १, २, ३, ८०; (३) (आदीयत इत्यादानीयम्) कर्म. कर्म. Karma "आयाणिज्जं आदाय तंमिठाणेण चिट्ठइ" आया० १, ६, २; १८४; (४) संयम; संयमानुष्ठान. संयम; संयमानुष्ठान. asceticism. (५) मोक्ष. मोक्ष. salvation.

आयाणीय. त्रि० (आदानीय) ग्रहण करवा योग्य; ग्राह्य. ग्रहण करने योग्य. ग्राह्य Worthy of being accepted; acceptable. आया० १, १, २, १६:

√ **आ-याम.** धा० II. (आ+यम्) जमाडवुं; जिमाना. To feed (२) लांबु करवुं. लंबा करना. to stretch; to make long.

आयामेइ. "माहणे आयामेइ आयामेइत्ता. आयामेइत्ता, सउत्तरोट्ठं मुंडं करेइ" भग० १५, १;

आयाम. पुं० (आचाम्ल) आयंबिल तप. आयंबिल नाम का तप. The austerity called Āyambila. उत्त० ३६, २५१; पंचा० १६, ३०; प्रव० ६१३; (२) कांजी. कांजी. Konjee. निसी० १७, ३०; विशे० ११७४;

आयाम. न० (आचाम) ओसामण. मांड. Water removed after boiling rice, pulse etc. and after being flavoured served as a separate article of food. ठा० ३; आया० २, १, ७, ४१; पिं० नि० ३७; ३६४; ओव० १६; पिं० नि० भा० ३६ —**सित्थभोइ.** त्रि० (-सिक्थभोजिन्) ओसामणमां जे कंइ अनाजनी सिथ आवे तेटलुं मात्र खानार. मांडमें जो थोडा बहुत अन्न का अंश आवे उतनेही को खानेवाला. one taking just as much solid food as escapes with Āyāma. (q. v.) ओव०

आयाम. न० (आयाम) लंबाइ; लांबुपणुं. लंबाई; लंबापन. Length. विशे० ५८६; ओघ० नि० ७०७; सू० प० १; सम० १; ओव० जं० प० १, ११; ठा० २, ३; नाया० ५; १६; भग० २, १, ८; ३, ७; ६, ३; १०, ६; १३, ४; १५, १; जीवा० ३१; प्रव० ५४५; —**विक्खंभ.** पुं० न० (-विष्कंभ) लंबाइ पहोळाइ. लंबाई चोडाई.

length and breadth. नाया० ६; अं०प० १, ३; ७, १४७;

आयामश्र. न० (आयामक) ઓસામણ. માંડ. Water removed after boiling rice, pulse etc. ठा० ३, ३;

आयामग. न० (आयामक) ઓસામણ. मांड; दाल का पानी Vide " आसामश्र " " आयामगंचेव जवोदगंच ." उत्त० १५, १३.

आयामेत्ता. सं० कृ० अ० (आयम्य) લાંબી કરીને. लंबा करके. Having lengthened, elongated. भग० १, ८;

आयाय. सं० कृ० अ० (आदाय) જુઓ " आदाय " શબ્દ. देखो " आदाय " शब्द Vide " आदाय " भग० ५, ४; ६, १०; १३, ६; १५, १; नाया० ५, ८; ६; १५; उत्त० २, ४३; ५, ३०; आया० १, २, ३, ८०; १, ६, २, १८३; २, १, १, १;

आयार. पुं० (आचार) જ્ઞાનાદિ આચાર. ज्ञानादिक आचार. Knowledge etc. सम० प० १६८; सम० २८; नाया० १; भग० २, १, २६, ३; विशे० ३१६०; ओघ० नि० १८३; पंचा० ५, ४; (२) વ્યવહાર; વિધિમાર્ગ. व्यवहार; विधिमार्ग. practice; prescribed rules. दसा० ६, ५३; ६, ४, २३; (३) વર્તન; ચારિત્ર. चारित्र; वृत्ति. conduct; character. पिं० नि० २०६; दस० ६, २; (४) આચારાંગ સૂત્ર; ૧૨ અંગમાંનું પહેલું અંગ સૂત્ર. आचारांग सूत्र; १२ अंगोंसे से पहिला अंगसूत्र. the first of the twelve Aṅgasūtras; the Āchārāṅga Sūtra. सम० १, १८; अणुजो० ४२; ओव० २१; भग० १६, ६; २०, ८; २५, ३; नंदी० ४४; —अंग. न० (-अङ्ग) ૧૨ અંગસૂત્રમાંનું પ્રથમ અંગસૂત્ર. बारह अंगसूत्रोंमें से पहिला अंगसूत्र. the first of the 12 Aṅgasūtras. सम० —अंगचूला. स्त्री० (-अङ्गचूडा). આચારાંગ સૂત્રના બીજા શ્રુતસ્કંધનો પાછલો ભાગ. आचारांग सूत्र के दूसरे श्रुतस्कंध का पिछला हिस्सा. the latter part of the 2nd Śruta Skandha of Āchārāṅga Sūtra. आया० २, १, १, १; —उवगय. त्रि० (-उपगत) ૧૪ મો યોગ સંગ્રહ; આચાર વિશિષ્ટ પાલવો તે. १४ वाँ योग संग्रह; आचार विशेष का पालन करना. the 14th Yogasaṅgraha; observance of a particular kind of conduct. सम० ३२; —कुसल. त्रि० (-कुशल) આચારમાં કુશલ. आचार में कुशल. (one) proficient in ascetic conduct. वव० ३, ३; —क्खेवणी. स्त्री० (-आक्षेपणी) સાંભલનારને આચાર-અનુષ્ઠાન તરફ ખેંચનારી કથા; કથાનો એક પ્રકાર. सुनने वाले को आचार की ओर आकर्षित करने वाली कथा; कथा का एक भेद. a story inclining the hearer to practise or perform what he hears. ठा० ४, २; —गुत्त. त्रि० (-गुप्त) ગુપ્તાચારી; જેનો ગુપ્ત આચાર છે તે. गुप्ताचारी; गुप्त आचार वाला. (one) whose religious performances are well protected or carried on in privacy. दसा० ६, ३१-३२; —गोयर पुं० (-गोचर) આચાર વિષયક; આચાર સંબંધી. आचार संबंधी. pertaining to Āchāra. भग० २, १; दस० ६, २; ठा० ८; दसा० ४, १०४; आया० १, ६, ४, १६०; —चूला. स्त्री० (-चूला) આચારાંગ સૂત્રના બીજા શ્રુતસ્કંધની ચૂલિકા. आचारांग सूत्र के दूसरे श्रुतस्कंध

की चूलिका. the latter part (the Chūlikā) of the 2nd Śrutaskandha of Āchārāṅga Sūtra. आया० २, १, १, १; —चूलिया. स्त्री० (-चूलिका) આચારાંગ સૂત્રની ચૂલિકા. आचारांग सूत्र की चूलिका. the latter part (the Chūlikā) of Āchārāṅga Sūtra. " आयारस्सणं भगवओ सचूलियायस्स पंचासीइ उद्देसणकाला " सम० ८६. " गणिपिडगाणं आयार चूलिया वज्जाणं सत्तावन्नं अज्झयणा " सम० ५७; —णिज्जुत्ति स्त्री० (निर्युक्ति) આચારાંગ સૂત્રની નિર્યુક્તિ. आचारांग सूत्र की निर्युक्ति. the commentary on the Āchārāṅga Sūtra. सम० १; आया० नि० १, १, १, १; —तेण. त्रि० (-स्तेन) આચારનો ચોર. અણાચારી છતાં પોતાને આચારી કહેવડાવનાર. आचार चोर; अनाचारी होते हुए भी अपने को सदाचारी कहलाने वाला. (one) who pretends to be of right conduct etc. though in reality he is not. दस० ५, १, २; —पणत्ति. स्त्री० (-प्रज्ञप्ति) આચારાંગ અને પન્નત્તિ-જંબૂદ્વીપ પન્નતિ ચન્દ્ર-પન્નતિ સૂર્ય પન્નતિ વગેરે સૂત્રો. आचारांग और पन्नत्ति-प्रज्ञप्ति जंबूद्वीप प्रज्ञप्ति, चंद्र प्रज्ञप्ति, सूर्य प्रज्ञप्ति आदि सूत्र. the Āchārāṅga and Pannati Sūtra e. g. Jambūdvīpa Pannati, Chandra Pannati, Sūrya Pannati etc. दस० ८, ५०; —पणत्तिधर. पुं० (-प्रज्ञप्तिधर) આચારાંગ સૂત્ર અને પ્રજ્ઞપ્તિ સૂત્ર જમ્બુદ્વીપ પન્નતિ ચન્દ્રપન્નતિ સૂર્ય પન્નતિ વગેરેના ધરનાર-જાણનાર. आचारांग सूत्र और प्रज्ञप्ति सूत्र का जाननेवाला. one who knows the Āchārāṅga and Pannati Sūtras like Jambūdvīpa Pannati etc. " आयारपण्णत्तिधरं दिट्ठिवायमहिज्जगं " दस० ८, ५०; —पन्न. त्रि० (-प्राज्ञ) બ્રહ્મચર્યવ્રત આદિ આચારવાળો. ब्रह्मचर्य व्रत आदि का आचरण करनेवाला. (one) who practises continence. " कुसलं आयार पन्नाणं " तंदु० —भंडग. पुं० (-भाण्डक) પાત્રાં પાટ રજોહરણ આદિ ઉપકરણ. पात्र, रजोहरण आदि उपकरण. an ascetic's implements such as alms-bowl, soft brush etc. आया० १, १६; —भंडसेवि. पुं० (-आचारभाण्डसेविन् - आचारः शास्त्रविहितो व्यवहारस्तेन भाण्डमुपकरणमाचारभाण्डम् तत्सेवितुं शीलं यस्य स आचारभाण्ड सेवी) શાસ્ત્ર વિધિને અનુસરી ઉપગરણ સેવનાર. शास्त्रविधि के अनुसार उपकरण का सेवन करनेवाला an ascetic who uses his implements as prescribed by scriptures. आउ० —भाव. पुं० (-भाव) આચાર ભાવ-આચારનું સ્વરૂપ. आचार स्वरूप. the true nature of Āchāra i. e. knowledge, faith, conduct etc. दस० ७, १३; —भावतेण पुं० (-भावस्तेन) ઉત્તમ આચાર વગરનો; ઉત્તમ-આચારનો ચોર. उत्तम आचार रहित; सदाचारचोर devoid of a high quality of Āchāra i. e. knowledge, faith, conduct etc. दस० ५, २, ४६; —भावदोसण्णु. त्रि० (-भावदोषज्ञ —आचारभावस्य दोषं जानातीत्याचारभाव दोषज्ञः) આચારભાવ-સાધુ સમાચારીના દોષને જાણનાર. आचार भाव अर्थात् साधु समाचारी के दोष को जाननेवाला (one) who knows the faults connect-

ed with knowledge, faith, conduct etc. of Sādhus or ascetics. "आयार भाव दोसन्नू न तं भासिज्ज पन्नवं" दस० ७, १३; —मट्ठ. त्रि० (-अर्थ) ज्ञानादि आचारने अर्थे-निमित्ते. ज्ञानादि आचार के लिये. for the sake of Achāra i. e knowledge, faith, conduct etc. "आयारमट्ठाविणयं पउंजे" दस० ६, ३, २; —विणय. पुं० (-विनय-आचारः वर्तितं समाचारः स एव विनीयते अपनीयते कर्माऽनेनेति विनय आचारविनयः) विनय पूर्वक आचार पाळवो ते; विनयनो एक प्रकार. विनय पूर्वक आचार का पालन करना; विनय का एक भेद. practice of ascetic right conduct with reverence and austerity; a mode of Vinaya. "सेकिं तं आयार विणए २ चउव्विहे पन्नत्ते-तंजहा संजमसमायारी यावि भवति" प्रव० ५५४; दसा० ४. ६९; —संपया. स्त्री० (-संपत्—आचरणमाचारोऽनुष्ठानं सांदुपया स एव वा संपद्विभूतिस्तस्य वा सम्पत् सम्पत्तिः प्राग्निराचारसम्पत्) आचारनी संपत्ति; ऊंचो आचार. आचार की संपत्ति; उच्च आचार. high kind of Achāra i. e. religious practices enjoined by right knowledge, faith etc. "आयार संपदा चउव्विहा पन्नत्ता तंजहा संजम धुवजोग जुत्ते" ठा० ८ १; दसा० ४, १०६; —समाहि. पुं० (-समाधि) आचाररूप समाधि; समाधिनो एक प्रकार. आचाररूप समाधि; समाधि का एक भेद. meditation in the form of Achāra i. e. ascetic life with knowledge, faith etc. "चउव्विहा खलु आयार समाही भवइ तंजहा" दस० ६, ४, ५; —समाहिसंवुड त्रि० (-समाधिसंवृत) आचाररूप समाधिवाळा; आश्रवने रोकनार. आचाररूप समाधिवाला; आश्रव को रोकने वाला. (one) having meditation in the form of Achāra; (one) who stops the inflow of Karma. दस० ६, ४; ९, ३;

आयार. पुं० (आकार) आकृति; आकार. आकृति; आकार. Form; configuration. जं० प० नाया० १; —भावपडोयार. पुं० (-भावप्रत्यवतार) जुओ "आगार-भावपडोयार" शब्द. देखो "आगार-भावपडोयार" शब्द. vide "आगार-भावपडोयार" जं० प० १, ११;

आयारकप्प. न० (आचारकल्प) निशीथ सूत्रनुं बीजुं नाम. निशीथ सूत्र का दूसरा नाम. Another name of Nisitha Sutra. वव० ३,१०; प्रव० ८६४; —धर. त्रि० (-धर) निशीथ सूत्रना अर्थनो धरनार. निशीथ सूत्र के अर्थ का ज्ञाता. (one) who knows the meaning of Nisitha Sutra. वव० ३, ४;

आयारकम्व. पुं० (आकरक) जुओ "आयारक्ख" शब्द. देखो "आयारक्ख" शब्द. Vide. "आयारक्ख" जं० प० ४, ८८;

आयारदसा. स्त्री० (आचारदशा आचारप्रतिपादनपरा दशा आचारदशा) आचारदशा नामनुं सूत्र. आचारदशा नामक सूत्र. The Sūtra named Achāra Dasā. "आयारदसाणं दस अज्झयणा पण्णत्ता तंजहा" ठा० १०;

आयारपकप्प पुं० (आचारप्रकल्प) निशीथना त्रण अध्ययन सहित आचारांग सूत्रना २५ अध्ययन. निशीथ सूत्र के तीन अध्यायोंसहित आचारांग सूत्र के २५ अध्याय.

The 25 chapters of Āchārānga plus three chapters of Nisitha. " अट्ठावीसविहो आयारपकप्प नामोयं " पराह० २, ५; वव० १०, २०;

आयारपणिहि. पुं० (आचारप्रणिधि) આચાર પ્રતિપાદન કરનાર દશવૈકાલિક સૂત્રનું ૮ મું અધ્યયન. आचार का प्रतिपादन करनेवाले दशवैकालिक सूत्र का आठवां अध्याय. The eighth chapter of Daśavaikālika explaining Āchāra i. e. right knowledge, faith etc. " आयारपणिहिं लद्धुं जहा कायव्व भिक्खुणा " दस० ८, १; ६४.

आयारमंत. त्रि० (आचारवत्) શુદ્ધ આચાર વાળો. शुद्ध आचरण वाला. Pure in knowledge, conduct, faith etc. दस० ६, १, ३;

आयारवंत. त्रि० (आचारवत्) જ્ઞાન, દર્શન, ચારિત્ર, તપ અને વીર્ય એ પાંચ આચારવાળો. ज्ञान, दर्शन, चारित्र, तप और वीर्य इन पांच आचारवाला. (One) possessed of the five Ācharas viz knowledge, faith, conduct, austerity and heroism. ठा० ८, १; भग० २५, ७; दसा० ४, ३१; ३२;

आयारवत्थु. न० (आचारवस्तु) નવમા પૂર્વના ત્રીજા પ્રકરણનું નામ. नौवें पूर्व के तीसरे प्रकरण का नाम. Name of the third chapter of the 9th Pūrva. भग० २५, ७;

आयाव. पुं० (आताप) જુઓ " आताव " શબ્દ. देखो " आताव " शब्द. Vide. " आताव " भग० १, ५; कप्प० २, ५४; ४, ३३;

आयावअ. त्रि० (आतापक) આતાપના લેનાર; સૂર્યની સામે દૃષ્ટિ રાખી સૂર્યનો તાપ સહેનાર. आतापना लेनेवाला; सूर्य के सामने दृष्टि लगाकर सूर्य के ताप को सहने वाला. (One) who practises austerity by steadily looking at the sun. ओव० १६; पराह० २, १; ठा० ५, १;

आयावग. त्रि० (आतापक) જુઓ " आतावग " શબ્દ. देखो " आतावग " शब्द. Vide. " आतावग " पिं० नि० ३१५;

आयावण. न० (आतापन) આતાપના શીતાદિકનું સહન કરવું તે. आतापना. शीतादिक का सहना. Practice of enduring heat, cold, etc. नाया० १६; —ठाण. न० (-स्थान) શીતાદિ સહન કરવાનું સ્થાન. शीतादिक सहन करने का स्थान. a place where cold etc. are to be endured. पंचा० १८, ४८; —भूमि. स्त्री० (-भूमि) આતાપના લેવાની જગ્યા. आतापना लेनेका जगह. a place for practising the austerity of enduring cold, heat etc. भग० २, १; ३, १; ६, ३३; ११, ६; १५, १; नाया० १६;

आयावणभूमिय. न० (आतापनभूमिक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया० १;

आयावणया. स्त्री० (*आतापनता) જુઓ " आतावणया " શબ્દ. देखो " आतावणया " शब्द Vide " आतावणया " ठा० ३, ३;

आयावणा. स्त्री० (आतापना) આતાપના લેવી. आतापना लेना. Endurance of heat, cold, etc. as austerities. ओव० ३८; वव० ५, २३; निर० ३, ६; भग० ११, ६;

आयास. पुं० (आयास) चित्तनो खेद. चित्त का खेद. Mental grief; sorrow of the mind. पराह० १, ६; (२) १८ लिपिमांनी १५मी लिपि. १८ लिपियों में से १५ वीं लिपि. the 15th of the 18 scripts. पन्न० १; —लिवि. स्त्री० (–लिपि) १८ लिपिमांनी १५ मी लिपि. १८ लिपियोंमें से १५ वी लिपि. the 15th of the 18 scripts. पन्न० १;

आयाहिणं. अ० (आदक्षिणम्) दक्षिणु तरफथी मांडी; जमणी तरफथी शरू करीने. दक्षिण बाजूसे; दाहिनी ओर से प्रारंभ करके. Commencing with, starting from, the right side (as opposed to the left.) ओव० २२; नाया० १, ११; १६; भग० १, १; २, १; ३, १; ४१, २; राय० २६; उवा० १, १०; जं० प० ५, ११२;

आयाहिणपयाहिणा. स्त्री० (आदक्षिणप्रदक्षिणा—आदक्षिणात् – दक्षिणपार्श्वादारभ्य प्रदक्षिणः परितो भ्राम्यतो दक्षिण एव-दक्षिणप्रदक्षिणः) जमणी तरफथी शरु करीने फरी जमणी तरफ सुधी आवर्तन करवुं ते. दाहिनी ओर से आवर्तन कर फिर दाहिनी ओर तक-(प्रदक्षिणा.) Starting from the right and coming round again to the right (as opposed to the left.) " समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ" भग० १, १, ६, १३; विवा० १; राय० ओव० नाया० १६;

आयु. न० (आयुष) आयुष्य. आयुष्य; उमर. Life. क० प० ५, ६३; —क्खय. पुं० (–क्षय) आयुष्यनो क्षय–अंत. आयुष्य का क्षय–अन्त. decay or end of life. क० प० ५, ६३;

आयोग. पुं० (आयोग) धननी आवक. धन की आमदनी. Income of wealth. राय० २८६;

आर. न० (आर–इहभवसारम्) आलोक. यह लोक. This world. " णाहिसि आरं कओपरं " सूय० १, १, १, ८; १, ६, २८; (२) संसार; जीवलोक. संसार; मर्त्यलोक. world; worldly existence. सूय० १, २, ३, ८; (३) गृहस्थपणुं. गृहस्थपन; गार्हस्थ्य. householdership. सूय० १, २, १, ८; (४) चोथी नरकनो एक नरकावासो. चौथी नरक भूमिका एक-नरकावासा. a certain division of the 4th hell-region. सूय० ठा० ६, १;

आरओ. अ० (आरतस्) आलोक. यह लोक. (From) this world. " आरओ परओ वावि " सूय० १, ८, ६; (२) पहेलां; अर्वाग; आपार. पहिले; अर्वाग्; इस पार. before (in time or place) being on this side. पिं० नि० २३४; २४१;

√**आरंभ.** I. धा० (आ+रम्भ्) आरंभ समारंभ करवो; हिंसा–पापनो व्यापार करवो. हिंसा का व्यापार-हिंसक कार्य करना; आरंभ समारंभ करना. To do a sinful action like killing etc.

आरंभइ. भग० ३, ३;

आरंभे. वि० दस० ६, ३५;

आरंभमाण. भग० ३, ३;

आरंभ. पुं० (आरम्भ) हिंसा; कृषि आदि पाप-कारी व्यापार; आरंभ समारंभ. हिंसा; कृषि आदि पापपूर्ण व्यापार; आरंभ समारंभ. Destructive operation; e. g. killing, in agriculture etc. दसा० ६, २; भग० ३, ३; ८, १; ओव० ३८;

उवा० ६, १७७; सूय० १, १, १, १०; १; १, २, ११; उत्त० २४, २१; ३४, २४; विशे० ३; पंचा० १, ८; प्रव० १०७४; (२) त्रि० જેનો આરંભ થાય તેવા જીવ. जिसका आरंभ-वध हो ऐसा जीव. a victim of killing प्रव० १०७४; —उवरय. त्रि० (-उपरत) આરંભથી નિવૃત્ત થયેલ. आरंभ से निवृत्ति पायाहुआ. free from sinful operations of killing etc. "जेय पच्चाणमंतो पवुद्धा आरंभोवरया सम्ममेयंति पासह" आया० १, ४, ५, १६०; —करण. न० (-करण) છ કાયના જીવને હણવા તે. छ काय के जीवों की हिंसा करना. destruction of lives of any of the six elements viz earth, water, fire etc. ठा० ३, १; पण्ह० १, ३; —कहा स्त्री० (-कथा) ભોજનાદિકમાં થતાં આરંભ સમારંભનાં વખાણ કરવાં તે. भोजनादि में होते हुए आरंभ समारंभ को सराहना. praise of sinful operations taking place in the preparation of food etc. ठा० ४, २; —जीवि. त्रि० (-जीविन्) આરંભ-સાવદ્ય ક્રિયાથી આજીવિકા ચલાવનાર (ગૃહસ્થ). आरंभ-सावद्य-क्रिया से आजीविका करनेवाला (गृहस्थ). (a householder) earning livelihood by operations involving killing etc. आया० १, ३, २, १११; —ज्झाण. न० (-ध्यान) હિંસક ધ્યાન; આર્તધ્યાન. हिंसक ध्यान; आर्तध्यान. meditation of destruction of sentient beings. आउ० —ट्ठाण. न० (-स्थान) આરમ્ભ સમારમ્ભ કરવાના ઠેકાણા-ખેતર-વાડી વગેરે. आरंभ समारंभ करने का स्थान जैसे खेती बाडी आदि. a place of sinful operations; e. g. a field, a garden etc. "आरंभ ट्ठाणे पणयाता एवा मे व महा पडमेति" ठा०; ६ —ट्ठि. त्रि. (-अर्थिन्) આરમ્ભનો અર્થી; પાપના વ્યાપારને ઇચ્છનાર. आरंभ का अर्थी; पाप व्यापार को चाहनेवाला. desirous of sinful operations. "आरंभट्ठी अणुवयमाणे हणमाणे घायमाणे" आया० १, ६, ४, १६२; —णिस्सिय. त्रि० (-निश्रित-आरम्भे हिंसादिके सावद्यानुष्ठानरूपे निश्रयेनाश्रिताः सम्बद्धा अध्युपपन्ना आरम्भनिश्रिताः) આરમ્ભમાં તત્પર થયેલ. आरम्भ में तत्पर. plunged in sinful operations. "मंदा आरम्भ णिस्सिया" सूय० १, १, १, १०-१४; १, ६; २; —परिण्णाय. त्रि० (-परिज्ञात) શ્રાવકની આઠમી પડિમા આદરનાર શ્રાવક કે જે આઠ મહીના સુધી પોતે આરમ્ભ સમારમ્ભ કરે નહિ. श्रावक की आठवीं प्रतिमा के अनुसार चलनेवाला श्रावक जो कि आठ मास तक स्वयं कोई आरम्भ समारम्भ नहीं करता. a householder practising the eighth vow i. e. not doing sinful operations for eight months. सम० ११; —वज्जय. त्रि० (-वर्जक) આરમ્ભ-પાપના વ્યાપારનો ત્યાગ કરનાર; શ્રાવકની આઠમી પડિમા સેવનાર. आरम्भ-पाप व्यापारका त्याग करने वाला; श्रावक की आठवीं प्रतिमा का पालन करनेवाला. (one) observing the householder's 8th vow viz avoidance of killing etc. for eight months. पण्ह० २, ५; —संभिय. त्रि० (-सम्भृत) આરમ્ભથી ભરેલું-આરમ્ભથી પુષ્ટ. आरम्भ से भराहुआ; आरम्भ से पुष्ट.

full of sinful operations. "आरंभसंभियाकामा" सूय० १, ६, ३; —सच्च त्रि० (-सत्य-आरंभो जीवोपघातस्तद्विषयं सत्यमारंभसत्यम्) આરમ્ભ વિષયક સત્ય. आरम्भ सम्बन्धी सत्य. truthfulness in the matter of sinful operations of killing etc. भग० ८, १; —सच्चमणप्पओग. पुं० (-सत्यमनःप्रयोग) આરમ્ભવિષયક સત્ય મનનો પ્રયોગ--વ્યાપાર. आरम्भ सम्बन्धी सत्य मन का प्रयोग. right thought--process in the matter of sinful operations of killing etc. भग० ८, १; —सत्त. त्रि० (-सक्त) આરમ્ભમાં લાગેલ; આરમ્ભથી જોડાએલ. आरम्भ संलग्न; आरम्भसंयुक्त. engaged in sinful operations of killing etc. "आरंभसत्तापकरंतिसंगं" आया० १, १, ७, ६०; —समारंभ. पुं० (-समारंभ—आरम्भः कृष्यादिव्यापारस्तेन समारम्भो जीवोपमर्दः-आरम्भसमारम्भः) આરમ્ભ સમારમ્ભ; પાપના વ્યાપારથી જીવની ઘાત કરવી તે. आरम्भ समारम्भ; पापरूप व्यापार-कृत्य से जीव की घात करना. performance of operations involving destruction of life etc. दसा० ६, ४; पराह० १, १;

आरंभग. त्रि० (आरम्भक) આરંભ કરનાર आरंभ करनेवाला. (One) who performs actions involving killing etc. आया० नि० १, ५, १, २३६;

आरंभज. त्रि० (आरम्भज) સાવદ્ય ક્રિયાના અનુષ્ઠાનથી ઉત્પન્ન થયેલ. सावद्य क्रिया के अनुष्ठान से उत्पन्न. Born of sinful operations आया० १, ३, १, १०८;

आरंभय. त्रि० (आरम्भज) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. आया० १, ३, १, १०८;

आरंभि. त्रि० (आरम्भिन्) પાપનો આરંભ કરનાર. पाप का आरंभ करनेवाला. (One) performing sinful operations. सूय० १, ६, ६;

आरंभिया. स्त्री० (आरंभिकी) પાપના વ્યાપારથી લાગતી ક્રિયા. पाप व्यापार से होने वाला कर्मबंध. Karma arising from sinful operations of killing etc. "आरंभिया किरिया दुविहा पराणत्ता तं-जहा जीव आरंभिया चेव" ठा० २, १; ४, ४; भग० १, २; ५, ६; पन्न० १७, २२;

आरक्ख. पुं० (आरक्ष) રાજાના આત્મરક્ષક. राजा के आत्मरक्षक. A body-guard of a king. ठा० ३; (२) ઉગ્રવંશ અને તે વંશમાં ઉત્પન્ન થયેલ. उग्रवंश और उस वंश में उत्पन्न उग्रवंशी. the Ugra family; a person born it. ठा० ६;

आरक्खग. पुं० (आरक्षक) રક્ષણ કરનાર કોટવાલ. रक्षा करनेवाला कोतवाल. (One) who guards or protects; e. g. a police constable. कप्प० ५, ६६;

आरक्खिय. पुं० (आरक्षिक) કોટવાલ. कोतवाल; नगर रक्षक. A constable; one who guards a city. दस० ५, १, १६; ओघ० नि० २२२;

आरग. पुं० (आरक) ચક્રનો આરો; પૈડાનો આરો. चक्र का आरा; पहिये का आरा. A spoke of a wheel पराह० २, ४;

आरगय. त्रि० (आरगत) ઇંદ્રિયોની સમીપ આવેલ; ઇંદ્રિયગોચર થયેલ. इन्द्रियगोचर; इन्द्रियों के समीप आया हुआ. Within the reach of senses; near the senses. "आरगयाइं महाइं सुयेइ थो वारमयारं" भग० ५, ४;

आरटियसद्द. पुं० (आरटितशब्द) આક્રન્દન શબ્દ. चिल्लाने का शब्द. Bawling sound; loud sound. विवा० ६;

आरण. पुं० (आरण) ૧૧મો દેવલોક. ग्यारहवाँ देवलोक. The 11th heavenly world. (२) તે દેવલોકના નિવાસી દેવતા. उस देवलोक के निवासी देव. a deity of that world. विशे० ६६३; पन्न० १; भग० १८, ७; जीवा० २; नाया० १; सम० १२०; ठा० २, ३; ओव० उत्त० ३६, २०६; (३) બુમ પાડવી તે; આક્રંદવું તે. चिल्लाना; बोम मारना. shouting. ओघ० नि० १६४;

आरणग. पुं० (आरणक) ૧૧મો દેવલોક ग्यारहवाँ देवलोक. The 11th heavenly world. भग० २४, २१;

आरण्णिय. त्रि० (आरण्यक) અરણ્ય-વનમાં જવું તે; વાનપ્રસ્થ. वन में जाना; वानप्रस्थ. (One) resorting to a forest; abandoning the world "से जे इमे आरण्णिया आवसियाण गामणियंति वा" दसा० १०, ७;

आरण्णग. त्रि० (आरण्यक) અરણ્ય-વનમાં જઈ વસનાર; વાનપ્રસ્થ. वन में जाकर रहने वाला; वानप्रस्थ. (One) renouncing the world and resorting to a forest. "आरण्णगा होह मुणी पसत्था" उत्त० १४, ६;

आरण्णय. त्रि० (आरण्यक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. निसी० १६, ७;

आरण्णिय. त्रि० (आरण्यिक) વનમાં વસી ફલફૂલ કંદનો આહાર કરનાર તાપસ વગેરે वनमें रहकर फल, फूल, कंद का आहार करनेवाले तापसी वगैरह. An ascetic etc. who stays in the forest and lives upon roots, fruit etc. सूय० २, २, २१; २७;

आरत. त्रि० (आरत) નિવૃત્તિ પામેલ; ઉપરત-વિરામ પામેલ. निवृत्ति प्राप्त; विराम पाया-हुआ. (One) who has ceased. सूय० १, ४, १, १;

आरत्त. त्रि० (आरक्त) થોડું રંગેલું; રંગીન વસ્ત્રાદિ. कुछ रंगाहुआ; रंगीन वस्त्रादि. Lightly coloured; e. g. a cloth etc आया० १, २, ३, १६;

आरद्ध. त्रि० (आरब्ध) આરંભ કરેલ. आरम्भ कियाहुआ. Begun; commenced. सु० च० १, ८०; भग० ३, १; ४२, १; विशे० ४२२; ६५५; ओघ० नि० भा० २४८; क० प० ५, ६५;

आरण्णिय. त्रि० (आरण्यक) જુઓ "आरण्णिय" શબ્દ. देखो "आरण्णिय" शब्द. Vide. "आरण्णिय" सूय० २, २, २१; २७;

आरव. पुं० (*आरब=अर्ब) ઉત્તર ભરતમાંનો આરબ નામે દેશ; અર્બસ્થાન. उत्तर भरत क्षेत्र में का आरब नामक देश; अर्बस्थान. Arabia; name of a country in Uttara Bharata. (२) અરબસ્તાનના રહેવાસી મનુષ્ય; આરબ. अर्बस्थान वासी मनुष्य. an Arab. पण्ह० १, १; जं० प०

आरवग. पुं० (आर्बक) આરબ; આરબદેશનો રહેવાસી. अर्बस्थान का रहनेवाला. An Arab; a resident of Arabia. जं० प०

आरवी. स्त्री० (*आरवी=आर्वी) અર્બસ્થાનમાં જન્મેલ. દાસી. अर्बस्थान में जन्मीहुई दासी. An Arab servant-maid. भग० ६, ३३; ओव० ३३; जं० प० पण्ह० १, १; नाया० १;

आरब्भ. सं० कृ० अ० (आरभ्य) આરમ્ભીને; આરમ્ભ કરીને. आरम्भ करके. Having begun. पश्च० १७; पिं० नि० २३३; भग० ८, ७;

√**आरभ.** धा० I. (आ-रभ) આરમ્ભવું; શરૂઆત કરવું. आरम्भ करना. To begin; to commence.

आरभइ. प्रव० १४६; ८२८;

आरभंत. व० कृ० पिं० नि० ५७५; अणुजो० १२८;

आरभड. न० (आरभट) ૩૨ નાટકમાંનું ૨૮ મું નાટક. ३२ नाटकों में से २८ वां नाटक. 28th of the 32 dramas. जीवा० ३, ४; राय० ६४; ठा० ४, ४; जं० प० ५, १२१;

आरभडभसोल. न० (आरभटभसोल) ૩૨ નાટકમાંનું ૩૦ મું નાટક. ३२ प्रकार के नाटकों में से ३० वां नाटक. 30th of the 32 dramas जीवा० ३, ४; राय० ६४;

आरभडा. स्त्री० (*आरभटी) પડિલેહણ કરતી વખતે વસ્ત્ર ઉતાવળે લેતાં મુકતાં-કે જોતાં લાગતો એક દોષ; પડિલેહણ નો એક દોષ. पडिलेहण करते समय शीघ्रता से वस्त्र उठाने रखने या देखने में जो दोष लगता है वह; पडिलेहण का एक दोष. A fault connected with the examination of clothes viz hastily handling them or hastily inspecting them. उत्त० २६, २६; ओघ० नि० भा० १६२; ठा० ६, १;

आरभिय. न० (आरभित) નાટ્યની વિધિનો એક પ્રકાર. नाट्यविधि का एक भेद. A mode of dramatic acting. राय०

आरय. त्रि० (आरत) નિવૃત્તિ પામેલ. निवृत्ति पायाहुआ. (One) who has ceased; freed from. सूय० १, ४; (२) ગયેલ; દૂર થયેલ. गयाहुआ; दूर होचुका हुआ. departed; gone away. सूय० १, १५, ११; —**मेहुण.** त्रि० (-मैथुन-आरतमुपरतं मैथुनंकामाभिलाषो यस्यासावारतमैथुनः) કામની અભિલાષાથી નિવૃત્ત થયેલ. काम की अभिलाषा से निवृत्त होचुका हुआ. free from sexual desire. सूय० १, १५, ११;

आरव. पुं० (आराव) શબ્દ; અવાજ. शब्द; आवाज; ध्वनि. Sound; noise. जं० प०

√**आरस.** धा० I, II. (आ+रस्) રડવું; વિલાપ કરવો. रोना; विलाप करना. To weep; to lament.

आरसति. नाया० १६;

आरसंत. नाया० ६; उत्त० १४, ६४;

आरसिय-अ. त्रि० (आरसित) બરાડા પાડેલ; આરડેલ. चिल्लाया हुआ. Bawling out; (any thing) bawled out or piteously cried out. "विघुटे विसरे आरसिए तएणं एयस्स दारगस्स" विवा० २; —**सद्द.** पुं० (-शब्द) રડવાનો અવાજ-શબ્દ. रोने की आवाज. wailing sound. नाया० १६;

आरा. स्त्री० (आरा) આરા-ગાડી વગેરેના પૈડાંના મધ્ય ભાગમાં જે લાકડાં ગોઠવેલાં હોય છે તે. आरा-गाडी वगैरह के चाकों के बीच में जो लकडी के डंडे लगेहुए होते हैं वे. A spoke of a wheel. सु० च० १२, ५६; पिं० नि० ३३१; (२) આર; બલદને મારવાની લોઢાની અણી વાળી લાકડી; હથીઆર વિશેષ. आर; बैल के शरीर में टोंचने की लकडी जिसमें लोहे की खील लगी रहती है. a stick with an iron point to drive oxen etc; a goad. सु० च० १२, ५३; सूय० १, ५, १, १४;

आरा. अ० (आरात्) પાસે; નજીક. पास; समीप. Near; in the vicinity. पंचा० ४. १५;

आराभाग. पुं० (आराभाग) પૂર્વનો ભાગ; પાસેનો ભાગ. पूर्व का भाग; समीपवर्ती भाग. The adjoining part. विशे० १७३६;

आराम. पुं० (आराम) ઉપવન; બાગ; સ્ત્રી-પુરૂષોને આરામ લેવાનો મંડપ. उपवन; बाग; स्त्री पुरुषों के विश्राम करनेका मंडप. A garden; a pleasure garden. ओव० नाया० १; २; ५; पराह० १, १; ठा० २, ४; राय० २०१; २३४; अणुजो० १६, १३४; उत्त० २, १५, १६, १४; भग० ५, ७; १८, १०; २५, ७; जीवा० ३; कप्प० ४, ८८; (२) त्रि० (आरामयति सुखयतीत्यारामः) આરામ કરનાર--આપનાર. आराम देनेवाला. refreshing; conducive to rest. आया० १, ५, ४, १५६; राय० ३३; —आगार. न० (–आगार) જુઓ " आरामगार " શબ્દ. देखो " आरामगार " शब्द. vide " आरामगार " निसी० ३. १, —गय. त्रि० (–गत) આરામ બાગમાં આવી પહોંચેલ. बागीचे में आया हुआ. arrived at a pleasure-garden. ठा० ५; —गार. न० (–गृह) ઉદ્યાનગૃહ. उद्यानगृह. a house in a garden. " आगंतागारे आरामगारे " सूय० २, ६, १५; —गिह. न० (–गृह) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide above. दसा० ७, १;

आरामिय. त्रि० (आरामिक) આરામ-બાગનું રક્ષણ કરનાર; માળી. बागीचे की देखरेख करनेवाला; माली. A gardener. ठा० ४;

आराह. धा० I, II. (आ+राध्) આરાધના કરવી; સેવના કરવી. आराधना करना; सेवा करना. To worship; to resort to.

आराहेइ. दस० ५, १, ३६; भग० १, ५; २, १;

आराहइ. उवा० १, ७०, ७१;

आराहयइ. दस० ६, ३, १;

आराहए. वि० भग० २, ५; दस० ७, ५७; ३, १, १६; उत्त० १२, १२;

आराहइस्सामि. भ० भत्त० १५८;

आराहिऊण. सं० कृ० सु० च० ११, १८;

आराहइत्ता. सं० कृ० उत्त० २६, १; दस० ६, १, १७;

आराहेत्ता सं० कृ० नाया० ८; १६; भग० १, ९; ३; १, ८, १०; ६, ३३,

आराहित्ता. सं० कृ० कप्प० ६, ६३; नाया० ८; ओव० ४०;

आराहिउं. हे० कृ० सूय० १, १५, १२;

आराहअ. पुं० (आराधक—आराधयति सम्यक् पालयति वांछितमित्याराधकः) આરાધક; સંયમ આદિનો પાલનાર. पालन करनेवाला; सेवन करनेवाला; संयम आदि की आराधना करनेवाला. (One) who worships or devotes himself to asceticism. ओव० ३८; भग० १, ३; ३, १; ८, ६; ८; राय० ७६; भत्त० ११; पन्न० ११; नाया० १; ३; ५;११;

आराहग. पुं० (आराधक) જ્ઞાનાદિકનો આરાધક. ज्ञानादिक का आराधक. One who devotes himself to right knowledge etc. " आराहगो य जीवो सत्तट्ठ भवेहिं पावती णियमा " पचा० ७, ३१; नाया० १०; भग० ३, १; सूय० १, १, २, २०;

आराहण. न० (आराधन) આરાધન; સેવન. आराधना; सेवा. Worship; service; devotion to. संथा० आव० ४, ४; भत्त० ६;

आराहणय. पुं० (आराधनक) संथारो. संथारा; मृत्यु आंनतक अन्नजल का त्याग करना. Giving up food and water till death comes. संथा०

आराहणया. स्त्री० (आराधना) संथारो. संथारा. Giving up food and water till death comes. (२) श्रुत-शास्त्रनुं सम्यक् प्रकारे आराधन-आसेवन. श्रुत-शास्त्र का सम्यक् रीति से आराधन-आसेवन. devoted observance of scriptural injunctions. संथा० उत्त० २६, २;

आराहणा. स्त्री० (आराधना) मोक्ष मार्गरूप ज्ञान आदिनी सेवा; वीतरागना वचननुं पालन. मोक्ष मार्ग रूप ज्ञान आदि की सेवा; वीतराग के वचनों का पालन. Devoted adherence to the precepts of the omniscient, leading to final bliss. " दुविहा आराहणा प० तं० धम्मियाराहणाचेव " ओव० ३४; उवा० १, ५७; ठा० २; ४; ३, ४; पंचा० ६, ५; सम० १२; अणुजो० २८; प्रव० १००; बेय० १, ३३; आउ० १५; नाया० ११; भग० ३, ४; ५, ६; ८, १; १०; २४, १; कप्प० ६, ५६; —उवउत्त. त्रि० (-उपयुक्त) आराधना सहित. आराधना सहित. full of worship or devotion. आउ० १५;

आराहणी. स्त्री० (*आराधनी) जेनाथी मोक्ष मार्गनी आराधना कराय एवी भाषा; द्रव्य भाषानो एक प्रकार. जिस भाषा से मोक्ष मार्ग की आराधना की जासके ऐसी भाषा; द्रव्य भाषा का एक भेद. Speech fitted to secure final bliss; a variety of ordinary speech; पन्न० ११;

आराहिय त्रि० (आराधित) आराधना करेल. आराधना कियाहुआ. Worshipped; adored; resorted to. पराह० २, १; उत्त० ८, १४; नाया० ८; भग० ८, ६, १०, २; प्रव० २११; —**संजम.** त्रि० (-संयम) बराबर रीते जेणे संयमनी आराधना-सेवना करी छे ते. पूर्णतया जिसने संयम-साधुत्व का आराधना की है वह. (one) who has fully observed asceticism. सम०

आरिट्ठ. पुं० (आरिष्ट) मंडप गोत्रनी शाखा. मंडप गोत्र की एक शाखा. A branch of the *Mandapa family.* (२) ते शाखामांनो पुरुष. उस शाखा का पुरुष. a person belonging to the above branch. ठा० ७, १;

आरिय. पुं० (आर्य) ज्ञानी-तीर्थंकर. ज्ञानी-तीर्थंकर. An omniscient; a Tirthankara. आया० १, २, २, ११; १, २, ५, ८७; (२) पवित्र; विशुद्ध; श्रेष्ठ; निष्पाप. पवित्र; विशुद्ध; श्रेष्ठ; पापरहित; निष्पाप. sinless; holy; pure. उत्त० २, ३७; ठा० ३, १; पन्न० १; भग० ६, ३३; ओव० २७; (३) आर्य देशमां उत्पन्न थयेल; श्रेष्ठ मनुष्य. आर्य देशोत्पन्न; श्रेष्ठ मनुष्य. born in an Ārya country; high in civilisation सूय० २, १, १३; सम० ३४; ओव० ३४; भग० १५, १; (४) पुं० मोक्ष मार्ग. मोक्ष मार्ग. path of salvation सूय० १, ८, १३; (५) आर्य देश. आर्य देश. the Ārya (i. e. civilised) country. प्रव० ६४; —**दंसि.** पुं० (-दर्शिन्—आर्यं प्रगुणं न्यायोपपन्नं पश्यति तच्छीलश्चेत्यार्यदर्शी) न्यायदृष्टि वालो; न्याय दृष्टिए जोनार. न्याय दृष्टि वाला; न्याय दृष्टि से देखने वाला (one) who is just and

impartial. " आरिए आरियपण्णे आरिय वृंसि" आया॰ १, २, ५, ८७; —धम्म. पुं॰ न॰ (-धर्म) આર્ય ધર્મ; અહિંસા ધર્મ; સદાચાર ધર્મ. आर्य धर्म; अहिंसामय धर्म; सदाचाररूप धर्म. Ārya religion i.e. one high in morals and mercy. "वेइज्ज णिज्जरापेही आरिय धम्ममणुत्तरं" उत्त॰ २, ३७; —पन्न. त्रि॰ (-प्रज्ञ) પ્રશંસનીય બુદ્ધિવાળો; શાસ્ત્રીય જ્ઞાનવાન્. प्रशंसनीय बुद्धिवाला; शास्त्रीय ज्ञान सहित. highly talented; well-versed in Śāstras. आया॰ १, २, ४, ८७;

आरियत्तण. न॰ (आर्यत्व) આર્ય દેશમાં ઉત્પન્ન થવું તે; આર્યપણું. आर्य देश में उत्पन्न होना; आर्यत्व. State of being born in an Ārya country; state of being an Ārya. उत्त॰ १०, १६;

आरुग्ग. न॰ (आरोग्य) નિરોગી પણું; સ્વાસ્થ્ય. निरोगीपन; स्वास्थ्य. Health; freedom from disease. गण॰ ६; दस॰ ८, ३५; आव॰ २, ६; भत्त॰ ६५, —बोहिलाभ. पुं॰ (-बोधिलाभ-आरोग्याय बोधिलाभ आरोग्यबोधिलाभः) સ્વાસ્થ્યનેમાટે અરિહંત પ્રણીત ધર્મની પ્રાપ્તિ; મોક્ષ માર્ગના ધર્મની પ્રાપ્તિ. स्वास्थ्य के हेतु अरिहंत प्रणीत धर्म की प्राप्ति; मोक्ष मार्ग रूप धर्म की प्राप्ति. acquisition of the religion taught by Tīrthaṅkaras i. e. one leading to final bliss. आव॰ २, ६;

आरुसिय. त्रि॰ (आरुष्ट) ક્રોધી થયેલ. क्रोधित; क्रुद्ध. Angry; enraged नाया॰ २;

आरुस्स. सं॰ कृ॰ (आरुष्य) રોષ કરીને. क्रोध करके. Being angry; having become angry. सूय॰ १, ५, २, ३;

√ **आ+रुह.** धा॰ I, II. (आ+रुह्) ચઢી બેસવું; આરોહણ કરવું. चढना; चढ बैठना; आरोहण करना. To mount on or upon; to ascend. नाया॰ १, १४; भग॰ १५, १; १७, १; क॰ प॰ ५,६३;

आरुहइ. उत्त॰ १७, ७;
आरोहइ. दसा॰ १०, १;
आरुहेइ. भग॰ १५, १; नाया॰ १३;
आरुभेइ. भग॰ २, १;
आरुभइ. भग॰ १७, १;
आरुहेन्ति. क॰ प॰ २, ३३;
आरुभे. वि॰ वव॰ ६, ४१;
आरुहेत्ता. भग॰ १५, १; १७, १; नाया॰ १४;
आरुभेत्ता भग॰ १७, १;
आरुहित्ता. सूय॰ २, ६, २८;
आरोहेत्ता. भग १५, १; नाया॰ १; १३;
आरुहिय. भत्त॰ १८;
आरोवित्ता. भग॰ २, १;
आरोवंत. सु॰ च॰ ४, २८६;
आरोहिज्जइ. उवा॰ ७, १६७;
आरोविज्जन्ति. भत्त॰ २६;

आरुहण. न॰ (आरोहण) સ્વાર થવું; ચડવું. सवार होना; चढना. Mounting; ascending; riding. जं॰ प॰ सु॰ च॰ १, ३४१; जीवा॰ ३, ३; राय॰ १८५; नाया॰ ६; प्रय॰ १०१७;

आरुहियव्व. त्रि॰ (आरोहितव्य) ચડવા લાયક; આરોહણ કરવા યોગ્ય. चढने योग्य. आरोहण करने योग्य. Worthy to be mounted upon; fit for riding. वव॰ १, १६; २०; निसी॰ २०, १०;

आरूढ. त्रि॰ (आरूढ) ઉપર ચડેલ; આશ્રિને રહેલ. चढा हुआ; ऊपर चढाहुआ; आश्रय से रहा हुआ. Mounted; climbed; resting upon. पिं॰ नि॰ ३६४; ५०२६

(२) પ્રાપ્ત થયેલ; ઉત્પન્ન થયેલ; ઉગેલ. उत्पन्न; उगाहुआ. got; grown; produced. पिं० नि० ८३; —आसारोह. पुं० (–अश्वारोह) સ્વાર ચડયાછે જેના ઉપર એવો -(ઘોડા); સ્વાર સહિત ઘોડો. जिसके ऊपर सवार चढा हो ऐसा घोडा; सवार सहित घोडा. a horseman; a horse with its rider. विवा० २; —हत्थारोह. पुं० (–हस्तारोह–आरूढा हस्त्यारोहा महामात्रा येषु ते तथा) જેના ઉપર માવત સ્વાર થયેલ છે એવો. जिसके ऊपर महावत सवार हो ऐसा हाथी. an elephant with its driver riding it. विवा० २;

आरेण. अ० (आरात्) નજીક; પાસે. नजदीक; समीप; पास. Before (in time or place); near. ओघ० नि० १६३; पिं० नि० ३४४; (२) આ તરફ. આકાંઠે. इस ओर; इस किनारे पर. on this side. सूय० २, ७, २७;

आरोग्ग. न० (आरोग्य) નિરોગિપણું; તંદુરસ્તિ. नीरोगता; तन्दुरस्ती. Health; freedom from disease. ओघ० नि० ८८७; कप्प० ७, २०६; जं० प० २, ५४; (२) त्रि० રોગ રહિત; નિરોગી. रोग रहित; निरोगी. healthy. नाया० १; भग० ११, ११; १५, १; कप्प० १, ८; ६, १७; —आरोग्ग. त्रि० (–आरोग्य) બાધા પીડા રહિત. बाधा-पीडा से रहित. free from pain or affliction. नाया० ८; —फल. न० (–फल) જેનું ફલ આરોગ્ય છે તે. जिसका फल आरोग्यता है ऐसा कोई भी पदार्थ. anything conducive to health. पंचा० १५, ४४; —बोहिलाभ. पुं० (–बोधिलाभ) આરોગ્ય અને બોધિ-સન્માર્ગ તેનો લાભ. आरोग्य और बोधि (सन्मार्ग) का लाभ. acquisition of health and right path of knowledge. पंचा० १६, ४३;

आरोप्प. पुं० (आरोप्य) બુદ્ધ શાસ્ત્રમાં કહેલ એક દેવતાની જાત. बौद्ध शास्त्रों में कही हुई देवों की एक जाति. A species of gods mentioned in Buddhist scriptures. सूय० २, ६, २६;

आरोवणा. स्त्री० (आरोपणा) આરોપણા–એક અપરાધનું પ્રાયશ્ચિત્ત કરતાં પુનઃ તેજ અપરાધ બીજી વાર કર્યો તેનું પ્રાયશ્ચિત્ત પ્રથમ પ્રાયશ્ચિત્તમાં ઉમેરવું-આરોપવું તે. एक अपराध का प्रायश्चित्त करते हुए फिर वही अपराध दूसरी बार करने पर उसका प्रायश्चित्त पहिले प्रायश्चित्त में शामिल करना अथवा पहिले प्रायश्चित्त में उसका आरोपण करना. When a person performs expiation for a sin and in the act of that expiation commits the same kind of sin again; he adds another course of expiation to the former one. This is known as Āropaṇā or adding expiation to expiation. ठा० ५; निसी० २०, ११; कप्प० ६, ५७; सम० २८; —पायच्छित्त. न० (–प्रायश्चित्त) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide above. ठा० ४, १;

आरोवियव्व. त्रि० (आरोपितव्य) આરોપવા યોગ્ય. आरोपण करने योग्य. Worthy of being added to; worthy of being charged with. निसी० २०, ३७;

आरोस. पुं० (आरोष) એ નામનો એક દેશ. इस नाम का एक देश. Name of a country. (२) તે દેશવાસી મ્લેચ્છની

એક જાત. आरोष देशवासी म्लेच्छ की एक जाति. a race of barbarians inhabiting the country of Arosa. पराह० १, १;

आरोह. पुं० (आरोह) શરીરની ઉચિત દીર્ઘતા. शरीर की यथार्थ ऊंचाई. Proper length of a body. दसा० ४, २०; —**परिणाह.** पुं० (-परिणाह) શરીરની ઉંચાઈ જેટલી બે ભુજાની પહોળાઈ હોય તે -આરોહપરિણાહ. जितनी शरीर की ऊंचाई हो उतनीही यदि दोनों भुजाओं की चौड़ाई हो तो उसे आरोहपरिणाह कहते हैं. aggregate breadth of outstretched arms equal to the height of the body. ठा० ४; —**परिणाहजुत्तता.** स्त्री० (-परिणाहयुक्तता) શરીરની ઉંચાઈ જેટલી ભુજાની પહોળાઈ સહિત. शरीर की ऊंचाई के समान भुजाकी चौड़ाई सहित. having the aggregate length of outstretched arms equal to the height of the body. ठा० ४; —**परिणाह संपरण.** त्रि० (-परिणाहसंपन्न) આરોહપરિણાહ; શરીરની ઉંચાઈ જેટલી બે ભુજાની પહોળાઈ વાળો. शरीर की ऊंचाइ के समान दो भुजाओं की चौड़ाई वाला. (one) whose extended arms are equal to the measure of his bodily height. दसा० ४, २०;

आरोहग. पुं० (आरोहक) હાથીની સ્વારી કરનાર; માવત. हाथी की सवारी करनेवाला; महावत. One who mounts upon an elephant; an elephant-driver. ओव० ३१;

आलअ-य. त्रि० (आलय) રહેવાનું સ્થાન; घर. घर; स्थान. A house; a place. विशे० १८७१; ठा० ३, १; जं० प० १, ११; पंचा० ११, ४६; प्रव० ४४२; पण्ह० २; —**सामि.** पुं० (-स्वामिन्) ઉપાશ્રયનો ધણી. उपाश्रय का स्वामी-मालिक. the lord of a Jaina monastery. पंचा० १७, १८;

आलइय. त्रि० (आलगित) યથા યોગ્ય સ્થાને પહેરેલ. यथा योग्य स्थान पर पहिना हुआ. Put on properly. जीवा० ४; कप्प० ३, १३; पण्ण० २; —**मालउमउड.** त्रि० (-मालमुकुट.) જેણે માલા ને મુગટ પહેર્યાં છે તે. जिसने माला और मुकुट पहिना है वह. garlanded and diademed. जीवा० ४; भग० ३, २;

आलंकारिय. त्रि० (आलङ्कारिक) જ્યાં અલંકાર ઘરેણા પહેરવા ઉતારવામાં આવે તે સ્થાન. वह स्थान जहां अलंकार-आभरण पहिरे और उतारे जाते हों. A toilette chamber in which ornaments are put on and put off. ठा० ५; —**सभा.** स्त्री० (-सभा) ચમરચંચા રાજધાનીની અલંકાર પહેરવાની એક સભા. चमरचंचा नामक राजधानी की अलंकार पहिनने की एक सभा. a council-hall of a capital city named Chamarachañchā; it was used as a toilette chamber for putting on ornaments. ठा० ५;

आलंद. पुं० (*आलन्द-कालभेद:) પાણીથી ભીનો-લીલો હાથ સુકાય તેટલા વખતથી માંડી ૫ રાત દિવસ સુધીનો કાલ. काल का एक भेद; पानी से भींगा हुआ हाथ जितने समय में सूखे उतने समय से लेकर ५ दिन रात्रि तकका समय. A period of time ranging between that taken by a wet hand to get dry and

that making up five days and nights. प्रव० ६२१;

आलंब. पुं० (आलम्ब) આધાર; આલમ્બન આધાર; आलम्बन; सहारा. Support; basis. नाया० ५, १६; भग० १८, २;

आलंबण. न० (आलम्बन) આધાર; આશ્રય; ટેકો. आधार; आश्रय; सहारा. Support. अणुजो० २४; राय० ४५; २१०; नाया० ७, ८; भग० २५, ७; उत्त० २४, ४; उवा० १, ५; क० प० १, ४; गच्छा० ८; जं० प० ४, ७४; (२) ઇર્યાસમિતિનું આલંબન-જ્ઞાન દર્શન અને ચારિત્ર. ईर्या समिति का आलंबन-ज्ञान दर्शन और चारित्र. basis of Iryā Samiti viz knowledge, faith, and conduct. अणुजो० २५;

आलंबणभूय. त्रि० (आलम्बनभूत) આધાર ભૂત; આધાર જેવું. आधार भूत; आधार जैसा. Supporting; forming a support. नाया० १;

आलंबणा. स्त्री० (आलम्बना) જુઓ "आलंबण" શબ્દ. देखो "आलंबण" शब्द. Vide "आलंबण" ओव० २०; प्रव० ७८४;

आलंभिया. स्त्री० (आलम्भिका) આલંભિકા નામની એક નગરી. एक नगरी का नाम Name of a town. "तेणं कालेणं तेणं समएणं आलंभिया णामं णयरी होत्था" भग० ११, ११; ११, १२; कप्प० ५, १२१; उवा० ५, १५५;

आलक्क. पुं० (अलर्क) હડકાયો કુતરો. पागला कुत्ता; A mad dog भत० १२५;

√ आलव. धा० I, II. (आ+लप्) આલાપ કરવો; બોલવું. आलाप करना; बोलना To speak; to talk.

आलवइ. नाया० १; सम० १३;

आलवेंति. नाया० १;

आलविज्ज. दस० ७, १७;

आलवे. दस० ७, १६; २१; ४०; ३; १२; १३; उत्त० १, १०;

आलविंत. प्रव० १३५;

आलवंत. उत्त० १, २१; अणुजो० १३१; राय० ८८; दस० ४; २; २०;

आलवमाण. ठा० ४, २; नाया० १४;

आलवित्तए. उवा० १, ५८;

आलवण न० (आलपन) બોલવું; વાતચિત કરવી. वार्तालाप करना. Speaking; conversation. प्रव० १२६;

आलसिय-त. न० (आलस्यत्व) આલસપણું. आलस्य; आलसीपन. Idleness. भग० १२, २;

आलस्स. न० (आलस्य) આલસ; પ્રમાદ. आलस्य. Laziness; carelessness. उत्त० ११, ३; गच्छा० ३१;

आलस्समाण. व० कृ० त्रि० (आलस्यत्) આલસ કરતો. आलस्य करता हुआ. Remaining lazy. भग० १२, २;

आलाव. पुं० (आलाप) થોડું બોલવું તે; આલાપ કરવે તે. थोड़ा बोलना; आलाप करना Talking; whispering. भग० ३, १, ६, ४; पिं० नि० ३७८; विशे० ३६४; ठा० ७, १; —गणण. न० (-गणन) આલાપા સરખે સરખા વાક્યસમૂહને ગણવા તે. समान २ वाक्यसमूह की गिनती करना, counting of groups of uniformly constructed sentences. प्रव० २६२;

आलावअ पुं० (आलापक) જુઓ "आलावग" શબ્દ. देखो "आलावग" शब्द. Vide. "आलावग" जीवा० ३;

आलावग. पुं० (आलापक) આલાવો; એક સંબન્ધવાળા વાક્યોનો સમૂહ. एक सम्बन्धवाले वाक्योंका समूह. A group of

connected sentences. भग० १, १; ३, ४; ५, ४; ६, ३२; आया० २, १, १, ६; २, १, ६; १५२; ठा० २, ३; उवा० २, ११८; सू० प० ८;

आलावण. न० (आलापन) પરસ્પર બે વસ્તુ મળવાથી થતો બન્ધ. दो वस्तुओं के परस्पर मिलाने से जो बंध होता है वह. Connection of two things joined together. भग० ८, ६;—**बंध.** पुं० (-*बंध-आलाप्यंत आलीनं क्रियते एभिरिति आलापनानि रज्ज्वादीनितैर्बन्धस्तृणादीनामिति) પરસ્પર બે વસ્તુ ભેગાથવાથી થતો બંધ-જેમ ખડની ભારી અને દોરડું એ બેનો બન્ધ. परस्पर दो वस्तुओं के एकत्रित होने से जो बंध हो वह जैसे घास और रस्सी. connection of two things joined together e. g. a rope and a bundle of grass. " से किंते आलावण बंधे २ जएणं तण आरा-बावा " भग० ८, ६;

आलि. पुं० (आलि) એક જાતની વનસ્પતિ. एक जातिकी वनस्पति. A kind of vegetation. जीवा० ३, ४; नाया ३;—**घर.** न० (-गृह) આલિ નામની વનસ્પતિ વિશેષનું બનાવેલ ઘર-મંડપ. आलि नामक वनस्पति विशेष के द्वारा बनाया हुआ घर-मंडप. a bower made up of a kind of vegetation named Ali. जीवा० ३, ४; नाया० ३; —**घरग.** न० (-गृहक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. राय० १३;

√**आलिंग.** धा० I. (आ+लिगि) આલિંગન કરવું. आलिंगन करना. To embrace.

आलिंगए. सु० च० ८, १८७;

आलिंगेज्जा. वि० निसी ७, ३१;

आलिंग पुं० (*आलिङ्ग) વાજીંત્ર વિશેષ: મુરજ-માદલ નામનું વાજીંત્ર. वाद्य विशेष; एक विशेष तरह का बाजा; मुरज-मृदंग नाम का बाजा. A kind of drum or tabor. जं० प० १, ११; जीवा० ३, १, ३; राय०४८; (२) આલિંગ-સાધુનો વેષ. साधु का वेष. dress of an ascetic. नाया० ७; —**पुक्खर.** न० (-पुष्कर—मुरजमुखम्) મુરજ-માદલ વાજીંત્રનું મોઢું. मृदंग नामक बाजे का मुँह. the face of a drum or tabor. भग० २, ८; ६; ७; जीवा० ३, ३; जं० प० १, ११; राय०

आलिंगण. न० (आलिङ्गन) આલિંગન; થોડો સ્પર્શ કરવો તે आलिंगन; थोडा स्पर्श करना. Embrace; slight touch. प्रव० १०७७; सू० प० २०; भत्त० १२०;

आलिंगणवट्टि. न० (आलिङ्गनवर्तिन्) શરીર પ્રમાણે લાંબું ઓસીકું. शरीर के अनुसार लंबा तकिया. A pillow measuring the length of the body. " तारि समंसि सयणिज्जंसिसालिंगन वट्टिए " सू० प० २०; जीवा० ३; भग० ११, ११; नाया० १; राय०

आलिंगणिया. स्त्री० (आलिङ्गनिका) શરીર પ્રમાણે લાંબું ઓસીકું. शरीर के प्रमाण लंबा तकिया. A pillow measuring the length of the body जीवा० १;

आलिंगिणी. स्त्री० (आलिंगिनी) ગુડા અને કોણીનીચે રાખવાનો ચાકલો. घुटनों और कुहनी के नीचे रखने का तकिया. A pillow to rest knees & elbows upon. प्रव० ६८४;

√**आलिंप.** धा० I. (आ+लिम्प्) શરીરે વિલેપન કરવું. शरीर पर लेप करना. To smear the body.

आलिंपइ. नाया० ५; ६;

आलिंपिज्ज. वि० आया० २, १३, १७२;

आलिंपेजा. वि० निसी० १, ३७; ११, ३८;

आलिंपित्तए. हे० कृ० वेय० ५, ३६;

आलित्त. त्रि० (*आलित्र) नावाने चलाववानां हलेसां. नाव को चलाने का चाटू. An oar. आया० २, ३, १, ११६;

आलित्त. त्रि० (आदीप्त) सर्व तरफथी प्रज्वलित-बली रहेल. सब तरफ से जलता हुआ. Burning, on fire, from all sides. नाया० १, ८; १४; १६; भग० २, १; ६, ३३; १८, २; नाया० ध०

आलिद्ध. त्रि० (आदिग्ध) लागेल; ल्गेडेल. लगा हुआ; मिलाहुआ. Attached; joined. " अस्थेगइया पुढवीकाइया आलिद्धा " भग० १६, ३; प्रव० १४३;

आलिसंदग. पुं० (*आलिसन्दक) धान्य विशेष; चोला. धान्य विशेष; चोला नामक धान्य. A kind of corn. ठा० ५, ३; जं० प० भग० ६, ७; (२) अलसि. अलसी. linseed. सूय० २, २, ६३;

आलिसिंदग. पुं० (*आलिसिंदक) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. भग० २१, २; दसा० ६, ४;

✓ **आलिह.** धा० I. (आ+लिख्) आलेखवुं; चीतरवुं. आलेखन करना; चितरना. To draw a picture.

आलिहइ. जीवा० ३४; राय० १८६; जं० प० ५, १२२;

आलिहति. जं० प० ३, ४३;

आलिहंति भग० १५, १;

आलिहति. जं० प० ३, ४३;

आलिहिज्जा. वि० दस० ४;

आलिहह. आ० नाया० ८;

आलिहित्ता. सं० कृ० भग० १, २; ३, १; २; १५, १;

आलिहमाण. भग० ८, ३; जं० प० ३, ५४;

आलिहिज्जमाण. क० वा० सं० कृ० जं० प०

आलीण. त्रि० (आलीन) इंद्रिय निग्रहरूप मर्यादामां तल्लीन. इंद्रिय निग्रहरूप मर्यादा में तल्लीन. (One) restrained in senses. आया० १, ३, ३, ११७; (२) आश्रित. आश्रित. resting on. नाया० १; (३) थोडुं लागेल-वलगेल. थोड़ा लगा हुआ-लिपटा हुआ. attached a little; clinging a little. जं० प० —गुत्त. त्रि० (-गुप्त आलीनश्चासौगुप्तश्चालीनगुप्तः) जेणे इंद्रियोनो निग्रह करी गोपवीराखी छे ते. जिसने इंद्रियों का निग्रह कर उन्हें आधीन कर लिया है, वह. (one) having restraint over senses. " आलीणगुत्ता परिव्वए " आया० १, ३, ३, ११७;

आलीयग. त्रि० (आदीपक) आग लगाडनार; अग्नि सलगावनार. आग लगानेवाला; अग्नि सिलगाने वाला. (One) who kindles fire. " आलीवगतित्थभेयलहुहत्थसंपउत्त " नाया० २;

आलीवक. त्रि० (आदीपक) आग लगाडनार; लाय सलगावनार. आग लगानेवाला. (One) who sets fire to. पण्ह० १, ३; नाया० २;

आलीवण. न० (आदीपन) रोशनी करवी ते. रोशनी का करना Illumination on a festive occasion. विवा० १;

आलीवित. त्रि० (आदीप्त) अग्निमां बालेल. अग्नि में जलाया हुआ. Fire-burnt. विवा० ६;

आलु. पुं० (आलु) बटाटा. आलू; कन्द विशेष. A potato. प्रव० २४२;

आलुई. स्त्री० (आलुकी) एक जातनी वेल. एक जाति की वेल. A kind of creeper. आया० नि० १, १, ५, १२६;

√**आलुंप.** धा० I. (आ+लुम्प्) લોપ કરવો; ચોરવું; ગાંઠ છોડી કોઇની વસ્તુ ઉપાડી લેવી. लोप करना; चोरना; गांठ खोलकर किसीकी वस्तु निकाल लेना. To deprive of; to steal; to remove.
आलुंपति नाया० ४;
आलुंपए. आ० आया० १, २, ७, २०४;
आलुंपइ. आ० सूय० २, १,१७;

आलुंप. त्रि० (आलुम्प) ચારે બાજુથી અશુભ ક્રિયાનો કરનાર; હિંસા, ચોરી દારી વગેરે અકૃત્ય સેવનાર. चारों ओर से अशुभ क्रिया करनेवाला; हिंसा, चोरी, व्यभिचार आदि अकृत्य करनेवाला. (One) given to evil deeds like killing, theft, and all sorts of wicked practices. आया० १, २, १, ६२;

आलुग. पुं० (आलुक) આલુ-કંદ વિશેષ; બટાટા. आलू; कंद विशेष. A kind of bulbous root; a potato. "**साहारणसरीरा अणेगहा ते पकित्तिया आलुए मूलए चेव**" उत्त० ३६; भग० ७, २; पन्न० १०; जीवा० १; अणुत्त० ३, १;

आलुय. पुं० (आलुक) સાધારણ વનસ્પતિ વિશેષ. साधारण वनस्पति विशेष. A kind of bulbous root. जीवा० १; उत्त० ३६, ६६; भग० ७, ३; ८, ३; २३, ६;
—वग्ग. पुं० (-वर्ग) આલુ-બટાટા સંબંધી ભગવતી સૂત્રના ૨૩ માં શતકનો બીજો વર્ગ. भगवती सूत्र के तेवीसवें शतक का आलू-सम्बन्धी दूसरा वर्ग. the second section of the 23rd Śataka of Bhagavatī Sūtra dealing with the subject of potatoes. भग० २३, २;

आलेवण. न० (आलेपन) થોડું લેપન. थोड़ा लेप. A slight smearing. निसी० १२, ४५; **—जाय.** न० (-जात) લેપના પ્રકાર. लेपका भेद. varieties of ointments. निसी० ३, ३६; ६, १३; १२, ४५;

आलोइअ-य. त्रि० (आलोकित) નિરીક્ષણ કરેલ. देखाहुआ; निरीक्षण किया हुआ. Observed. "**आलोइयं इंगियमेवनच्चा**" दस० ६, ३, १;

आलोइअ-य. त्रि० (आलोचित) આલોચન કરેલ; નિવેદન કરેલ. आलोचन किया हुआ; निवेदन किया हुआ. Confessed; informed. पि० नि० ११६; नाया० १; १४; १६; सु० च० १, ३९३; भग० २, १; ३, १; ४; ५, ६; ७, ६; १५, १; २०, ६; वव० १, ६; विशे० ३३६८; **—पडिक्कंत.** त्रि० (-प्रतिक्रान्त) આલોચીને પ્રતિક્રમણ કરેલ; પોતાના દોષ પ્રકાશીને તેનાથી પાછા હટેલ. आलोचना पूर्वक प्रतिक्रमण किया हुआ; अपने दोष प्रकाशित कर उन दोषों से हठा हुआ. (one) who has confessed his faults and vowed to refrain from them. भग० २, १; १०, २; विवा० १; **—भोइ.** त्रि० (-भोजिन्) ગુરૂની પાસે આલોચન કરી પછી આહાર કરનાર -(મુનિ). गुरु के समीप आलोचन करके फिर आहार करनेवाला, (मुनि). (an ascetic) taking food after confessing his sins to a Guru (preceptor). ओघ० नि० ५५१;

आलोइत्तार. त्रि० (आलोकितृ) જોનાર; અવલોકન કરનાર. देखनेवाला; अवलोकन करनेवाला. (One) who sees or observes. सम० ६; उत्त० १६, ४;

आलोएयव्व. त्रि० (आलोचितव्य) પ્રકાશવા લાયક; નિવેદન કરવા યોગ્ય. प्रकाश करने योग्य; प्रगट करने योग्य; निवेदन करने योग्य.

Fit to be laid bare; deserving to be communicated. पंचा० १५, २२;

आलोक. पुं० (आलोक) રૂપી પદાર્થ. रूपवाला-दृश्य पदार्थ. A visible object. (२) પ્રકાશ. उजयाला; प्रकाश. light. आया० १, ३, ३, १२०;

आलोग. पुं० (आलोक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. ओघ० नि० १३; जं० प० ३, ५४;

आलोडिऊण. सं० कृ० अ० (आलोड्य) વલોવીને; મથીને. मथ करके. Having churned. सु० च० २, ४०७;

√**आलोय.** धा० I, II. (आ+लोच्) આલોચન કરવું; પોતાના દોષ તપાસી ગુરૂપાસે કહેવા; પોતાની ભૂલ જણાવવી. आलोचन करना; अपने दोष ढूंढकर गुरु से कहना; भूल प्रगट करना. To observe one's own faults and confess them to a Guru (preceptor).

आलोएइ. सम ३३; भग० २, ५; सूय० २, २, २०; उवा० १, ८०;

आलोअइ. गच्छा० ११८;

आलोएमि. भग० ८, ६;

आलोएज्जा. ववं० १०, १; वेय० ४, २५; निसी० ५, १; २०, १०; ११; आया० १, ७, ५, २१६; २, १, २, १२;

आलोइज्जा. वि० आया० २, ६, १, १५२;

आलोए. वि० प्रव० १२६; दस० ५, १, ६०;

आलोएह. उवा० १, ५८;

आलोएहि. नाया० १६; उवा० १, ८४; नाया० ध०

आलोइत्ता. सं० कृ० आया० २, १५, १७८; नाया० १६;

आलोएऊण. पंचा० १६, ५०;

आलोइऊण. सु० च० २, ४३२

आलोइय. पंचा० ३, ४६;

आलोइयव्व. हे० कृ० वव० १, ३७; ५, १९; निसी० ५, ३६; ठा० २, २;

आलोएउं हे० कृ० पिं० नि० ५१८;

आलोएमाण. व० कृ० वव० १, १; निसी० २०, १०;

आलोइज्जइ. क० वा० उवा० १, ८५; नाया० १७;

आलोअंत. व० कृ० जं० प० ३, ६७;

√**आलोय.** धा० I. (आ+लोक) દેખવું; અવલોકન કરવું. देखना. To see; to observe.

आलोएउं. हे० कृ० पिं० नि० ५१८;

आलोयमाण. व० कृ० भग० १०, १;

आलोय-अ. पुं० (आलोक) અવલોકન; નિરીક્ષણ; દર્શન; દેખવું તે. अवलोकन; देखना; निरीक्षण. Seeing; observation. जं० प० ५, ११७; ओव० ३१; दस० दस० ५, १, १५; कप्प० २, २७; ओघ० नि० ६२; २८७; राय० ६८; विशे० २०६; नाया० १; २; ८; १६; आया० २, १, ६, ३२; (२) દીવાનો પ્રકાશ. दीपक का प्रकाश. light of a lamp. उत्त० ३२, २६; —**दरिसणिज्ज.** त्रि० (-दर्शनीय-आलोकं दृष्टिगोचरं यावद् दृश्यतेऽत्युच्चत्वेन यः स आलोकदर्शनीय) જે દ્રષ્ટિગોચર થતાં ઉંચામાં ઉંચું દેખાય તે. जो दृष्टिगत होतेही ऊंचे से ऊंचा दिखे वह. the tallest (object) appearing within one's landscape. "दंसणरस्य आलोअ दरिसणिज्जा" ओव० नाया० १; भग० ६, ३३; —**भायण.** न० (-भाजन) જેમાં પ્રકાશ પડે એવું ભાજન. प्रकाश पात्र; जिसमें प्रकाश पड़े वह. (anything) receiving light. पण्ह० २, १; दस० ५, १, ५६;

आलोयण. न० (आलोकन) દર્શન. दर्शन. Sight; seeing. दस० ४; भग० ३, ३३;

आलोयण. न० (आलोचन) શિષ્યે ગુરૂ પાસે પોતાના દોષનું આલોચન કરવું-નિવેદન કરવું તે. शिष्य का गुरु के समीप अपने दोष की आलोचना करना-दोष प्रगट करना. Confession of a fault by a disciple to his preceptor. सम० ३२; पण्ह० २, १; प्रव० २१; पंचा० १, ३६;

आलोयणया. स्त्री० (*आलोचना) ગુરુ પાસે પોતાના દોષનું નિવેદન કરવું તે. गुरु के सन्मुख अपने दोष निवेदन करना. Confession of one's own sins to a Guru. भग० १७, ३; उत्त० २६, २;

आलोयणा. स्त्री० (आलोचना) લાગેલા દોષનું ગુરુ આગળ નિવેદન કરવું; ગુરૂ સમીપે દોષનું પ્રકાશવું. लगे हुए दोष का गुरु के आगे निवेदन करना; दोष प्रकट करना. Confession of sins to a Guru. सम० २५, ७; संथा० ३३; आव० २०; प्रव० ७५७; उत्त० ३०, ३०; वव० १, ३५; विशे० ३३६६; —**अरिह.** न० (-अर्ह) ગુરૂ પાસે નિવેદન કરવાથી જે પાપની શુદ્ધિ-નિવારણ થાય તે; આલોચનાયોગ્ય પાપ. गुरु के सामने निवेदन करने से पाप की जो शुद्धि हो वह; आलोचना के योग्य पाप. freedom from sin, caused by confession to a Guru; a sin deserving confession. भग० २५, ७; (२) આલોચના યોગ્ય પ્રાયશ્ચિત. आलोचना के योग्य प्रायश्चित. expiation deserving confession. ठा० ६; —**णय.** पुं० (-नय) ગુરુપાસે આલોચના કરવાની રીતિ. गुरु के समीप आलोचना करने की रीति. mode of confession of sins to a Guru. विशे० ३३६६;

आलोविय. त्रि० (आलोपित) આચ્છાદિત-કરેલ. ढँकाहुआ. Covered; concealed under. नाया० १;

आवइ. स्त्री० (आपद्) આપત્તિ-દુઃખ; વિપત્તિ. आपत्ति; दुःख; विपत्ति. Adversity; misery. "आउरे आवईसु य" ठा० १०; "आवईसु दढधम्मया" सम० ३२; "दुहओ गइ बालस्स आवई वह मूलिया" उत्त० ७, १७; नाया० ६; ओव० ३१; भग० २५, ७;

आवइय. न० (आपत्तिक) કષ્ટ; દુઃખ. कष्ट; दुःख. Misery; adversity. नाया० ९;

आवंति अज्झयण. न० (आवन्त्यध्ययन) આચારાંગના પ્રથમ શ્રુતસ્કંધના પાંચમા અધ્યયનનું નામ. आचारांग के प्रथम श्रुतस्कंध के पांचवें अध्ययन का नाम. Name of the fifth chapter of the first Śruta-skandha of Āchārāṅga Sūtra. अणुजो० १३१; आया० नि० १, ५; १; १३६; ठा० ६; सम०

आवंती. पुं० (यावत्) જેટલા. जितना. As many as. "आवंती के यावंती लोयंसि" आया० १, ४, २, १३३;

आवकहं. अ० (यावत्कथम्) જાવજ્જીવસુધી; જીન્દગી પર્યન્ત. यावज्जीवन; जिन्दगी पर्यन्त. As long as life endures; till death. "आवकहं भगवं समित्तासि" आया० १, ६, ४, १५;

आवकहा. स्त्री० (यावत्कथा) જ્યાં સુધી નામકથન રહે ત્યાં સુધી; જીન્દગી પર્યન્ત. जब तक नाम धारण करके रहे वहांतक; जीवनपर्यन्त. (Period of time). till life endures; till death. "आवकहाए गुरु कुल वासं ण मुयंति" पंचा० ११, १६; सूय० १, २, २, ४; आया० १, ६, १, २; ठा० ४;

आवकहिय. त्रि० (यावत्कथिक) યાવજ્જીવ સુધીનું; હમેશનું; ઘણાવખતનું. यावज्जीवन तकका; हमेशहका; बहुत समय का. Lasting till death; permanent; old. अणुजो० ११; १४६; पन्न० १; भग० २५, ७; आव० १६; विशे० १२६३; पंचा० १, ३६; ५, १७; १२, ४३;

आवगा. स्त्री० (आपगा) નદી. नदी. A river. "बज्झसमाधि तित्थाणि आवगाण वियागरे " दस० ७, ३६;

आवज्जग. त्रि० (आवर्जक) પ્રસન્ન કરનાર. प्रसन्न करने वाला. Causing charm; delightful. पि० नि० ४३८;

आवज्जण. न० (आवर्जन) કેવલીને ઉપયોગ–માનસિક વ્યાપાર; શેષ રહેલા કર્મને ઉદયાવલિકામાં પ્રક્ષેપ કરવાનો વ્યાપાર–ક્રિયા. केवली का उपयोग-मनो व्यापार; बाकी बचे हुए कर्म का उदयावलिका में प्रक्षेपण करने की क्रिया. The thought-activity of a Kevalī that he is to perform Kevala Samudghāta; the process on the part of a Kevalī to force up into maturity the remnants of his Karmas. विशे० ३०५१;

आवज्जीकरण न० (आवर्जीकरण) જુઓ "आवज्जण" શબ્દ. देखो "आवज्जण" शब्द. Vide "आवज्जण" ओव० ८२;

आवट्ट. पुं० (आवर्त-आवर्तयति प्राणिनं भ्रामयतीत्यावर्तः) સમુદ્રાદિકમાં ચક્રાકારે ઘુમરી ખાતું પાણી દેખાય તે. समुद्रादि में चक्र के आकार से घूमता हुआ जो पानी दिखे वह. An eddy in an ocean etc. राय० ४६; जं० प० आया० १, २, ३, ८३; नाया० १; ठा० ८; उत्त० ३, ५; (२) (आवर्तनमावर्तः) રખડવું; પરિભ્રમણ કરવું તે. भटकना; परिभ्रमण करना. wandering; going round and round. नाया० १; (३) મોહપાશ; ભૂલવણી. मोह पाश; भुलौनी; भूल भुलैया. an infatuation; a maze. ठा० ४; सूय० १, ३, २, १४; (४) (आवर्तन्ते परिभ्रमन्ति प्राणिनो यत्र स आवर्तः) સંસાર. संसार. the worldly existence. " आवट्टेसोए संगमभिजाणति " आया० १, १, ५, ४०; (५) સંસારના કારણ રૂપ વિષયના શબ્દાદિક ગુણ. संसार के कारण रूप-विषय के शब्दादि गुण. objects of senses e. g. sound etc. which lead to worldly existence. " जे गुणे से आवट्टे जे आवट्टे से गुणे " आया० १, १, ५, ४०; (६) ઉત્કટ મોહના ઉદયથી વિષયની પ્રાર્થના કરવી તે. उत्कट मोह के उदय से विषय की प्रार्थना करना. yearning after sensual pleasures through strong infatuation. " अह मे संति आवट्टा कासवेण पवेइया बुद्धा जत्थ वसप्पंति सियंति अबुद्धा जहिं " सूय० १, ३, २, १४; १, १०, ५; (७) ફરી કરીને ઉત્પન્ન થવું તે. बार बार उत्पन्न होना. rising or being born again and again. " दुक्खाणमेव आवट्टं अणुपरियट्टइ " आया० १, २, ३, ८१; (८) મહાઘોષ નામે થણિત કુમારના ઇંદ્રના લોકપાલનું નામ. महाघोष नामक थणित् कुमार के इन्द्र के लोकपाल का नाम name of the Lokapāla of the Indra of Thaṇitakumāras, styled Mahāghoṣa. ठा० ४; भग० ३, ८; (६) જંબૂદ્વીપમાંનો એક દીર્ઘ વૈતાઢ્ય પર્વત. जंबुद्वीपमें का एक बड़ा वैताढ्य पर्वत. name

of a long Vaitāḍhya mountain in Jambū Dvīpa. ठा० ६; (१०) એક ખરીવાલા સ્થલચર તિર્યંચ પંચેંદ્રિયની એક જાત. एक खुरवाले तिर्यंच पंचेन्द्रिय की एक जाति. a kind of five-sensed, one-hoofed animals living on land. पन्न० (११) અહોરાત્રના ૨૫ મા મુહૂર્તનું નામ. अहोरात्रि के २५ वें मुहूर्त का नाम. name of the 25th Muhūrta of the period of a day and a night. सम० ३४; (१२) આવર્ત નામનું એક વિમાન. आवर्त नामक एक विमान. name of a heavenly abode. सम० १६; (१३) જંબૂદ્વીપના મેરુની પૂર્વે સીતા મહાનદીની ઉત્તરે આવર્ત નામની એક વિજય जंबूद्वीप के मेरु के पूर्व की ओर सीता महानदी की उत्तर दिशा का आवर्त नामक एक विजय. name of a Vijaya in the north of the river Sītā in the east of the Meru of Jambū Dvīpa. "दो आवत्ता" ठा० २, ८; जं० प० (१४) આવર્ત નામે ૩૨ નાટકમાંનું એક નાટક. ३२ प्रकार के नाटकों में से आवर्त नामक एक नाटक. one of the 32 kinds of drama. राय० —कूड. न० (-कूट) મહાવિદેહમાંના નલિનકૂટ નામે વખારા પર્વતનું એ નામનું એક શિખર. महाविदेहके नलिन कूट नामक वखारा पर्वत के एक शिखर का नाम. name of a summit of a Vakhārā mountain, named Nalinakūṭa, in Mahāvideha. जं० प०

आवड. पुं० (आपात) કિરાત દેશના ભિલ્લની એક જાત. किरात देश के भील की एक जाति. A race of Bhils in the country of Kirāta. जं० प० ५, ११, ६; जीवा० ३, ४;

आवडण. न० (आपतन) ભાંગવું; કકડા કરવા. तोडना; फोडना; टुकडे करना. Breaking to pieces. ओघ० नि० २२४; ३१२;

आवडिय. त्रि० (आपतित) ચારે તરફથી આવી પડેલું; લાગેલું. चारों ओर से आया हुआ. Come from all sides. "दोवि आवडिया कुड्ढे" उत्त० २५, ४०; जं० प० ५, ११५;

आवण. पुं० (आपण) હાટ; દુકાન. हाट; दुकान. A shop. ओव० १५; २६; जं० प० वेय० १, १२; विशे० २०६५; दस० ५, १, ७१; भग० ५, ७; ८, ६; अणुजो० १३४; पिं० नि० १६६; उवा० ७, १८४; जीवा० ३, ३; (२) બજાર. बाजार. a market. पिं० नि० ३७७; जीवा० ३, ४; कप्प० ४, ८८; —गिह. न० (-गृह) બજાર વચ્ચેનું ઘર. बाजार के बीच का घर. a house in a market. वेय० १, १२; —वीहि. स्त्री० (-वीथि) બઝારની શેરી; બઝારનો માર્ગ. बाजार का रास्ता. a market-road. जीवा० ३; राय०

आवराण. त्रि० (आपन्न) પ્રાપ્ત થયેલ; આશ્રિને રહેલ. प्राप्त; आश्रय करके रहा हुआ. Got to; come to. "आवरणा दीहमद्धाणं संसारम्मि अणंतए" उत्त० ६, १२; (२) ઉત્પન્ન થયેલ. उत्पन्न. produced; born. नाया० ५; —सत्ता. स्त्री० (-सत्त्वा) ગર્ભવતી; સગર્ભા સ્ત્રી. गर्भवाली स्त्री; गर्भवती. a pregnant woman. नाया० २; १६; विवा० २;

√ **आवत्त.** धा० I, II. (आ+वृत्) સંસારમાં રખડવું ભમવું. संसार में भटकना. To

wander in worldly existence. (२) ફરીને આવવું. फिरसे आना. to return; to come back.

आवट्टति. सूय० १, १०, ५;

आवट्टमाण. दसा० ७, १;

आवत्तयन्त. भग० ११, ११;

आवत्त. पुं० (आवर्त) જુઓ 'आवट्ट' શબ્દ. देखो "आवट्ट" शब्द. Vide "आवट्ट" सम० १६; ३०; जीवा० ३, ३; ४; राय० २८; ८१; पराह० १, १; उत्त० २५, ३८; ठा० ४, १; ओव० १०; २१; सु० च० ६, २६; जं० प० ४, ६९; पन्न० १; नाया० १; ६; भग० ३, ८; कप्प० २, १४; —कूड. पुं० (-कूट) નલિનકૂટ નામે વખારા પર્વતના ચાર કૂટમાંનું ત્રીજું કૂટ-શિખર. वखारा पर्वत के चार कूटों में से नलिनकूट नामक तीसरा कूट-शिखर. the third of the four summits of the Vakhārā mountain named Nalinakūta. जं० प० ४, ६५;

आवत्तण. न० (आवर्तन) ઉઘાડવું વાસવું. खोलना व बंद करना. Opening and shutting a door. पिं० नि० ३५५; —पेढिया. स्त्री० (-पीठिका) જેમાં ભોગળ રહે તે સ્થાન. जिस में किवाड़ों का आडा या चटकनी रहे वह स्थान. the receptacle of the bolt of a door. जीवा० ३; राय० १०६; जं० प०

आवत्ता. स्त्री० (आवर्ता) આવર્તા નામની એક વિજય. आवर्ता नामक एक विजय. Name of a Vijaya. ठा० २, ३;

आवत्तायंत त्रि० (आवर्तायमान) પ્રદક્ષિણા દેતું; ભમતું. प्रदक्षिणा करता हुआ. Revolving; circumambulating. कप्प० ३, ३५;

आवत्ति. स्त्री० (आपत्ति) પ્રાપ્તિ. प्राप्ति. Acquisition; getting. प्रव० ७६; (२) ઉત્પત્તિ. उत्पत्ति. birth; rise; creation. विशे० ६६;

आवन्न. त्रि० (आपन्न) પ્રાપ્ત થયેલ. प्राप्त. Got; got to. विशे० १६७; सु० च० १, १२६; उत्त० ५, ४; प्रव० १३३३;

आवयमाण. त्रि० (आपतत्) પડતો. गिरता हुआ Falling; falling down. नाया० ८;

आवयमाण. त्रि० (आव्रजत्) આવતો. आता हुआ. Coming; arriving. भग० ३, २;

आवया. स्त्री० (आपद्) આફત-આપત્તિ; સંકટ. आपत्ति; आफत; संकट; Calamity; adversity. राय०

√ **आवर.** धा० II. (आ+वृ) આવરવું; ઢાંકવું. ढांकना. To cover; to hide.

आवरित्ता. सं० कृ० राय० २३६;

आवरिय सं० कृ० दसा० ६, १, २;

आवरेत्ता. सं० कृ० भग० ६, ५; १२, ६; १५, १;

आवरेमाण. भग० १२, ६;

आवरयंत. प्रव० १४१४;

आवरिज्जइ. क० वा० भग० ६, ३३;

आवरिज्जंति. क० वा० प्रव० १२६८;

आवरिज्जमाण. भग० १५, १;

आवर. त्रि० (अपर) બીજું. दूसरा. Another सम० १२;

आवरण. न० (आवरण-आ-मर्यादया वृणोतीत्यावरणम्) કવચ; બખતર. कवच; बख्तर. An armour. जीवा० ३, ४; जं० प० राय० १३०; नाया० ८; ओव० ३०; सूय० नि० १, ८, ६२; ६३; (२) ઢાલ. ढाल. a shield. ओव० आया० नि० १, १, ५, १००; (३) ઢાંકવું તે; ઢાંકણુ ढांकना;

ढकन. covering; a cover. पन० २३; राय० ६२; विशे० १०४; सम० ६; क० ग० १, २५; (४) मंजिठ आदि द्रव्य. मंजीठ आदि द्रव्य. a substance such as Indian madder etc. जं० प० (५) सर्वविरति अथवा देशविरतिरूप प्रत्याख्यानने अटकावनार कषाय; मोहनीय कर्मनी प्रकृति. सर्वविरति अथवा देशविरतिरूप प्रत्याख्यान को रोकनेवाला कषाय; मोहनीय कर्म की एक प्रकृति. a variety of deluding Karma obstructing the vow of partial or complete abstention from sense-pleasures. विशे० १२३५; (६) ज्ञान आदि शक्तिने आवरनार ढांकनार ज्ञानावरणीयादि कर्म. ज्ञान आदि शक्ति को ढंकने वाला ज्ञानावरणीयादि कर्म. Karma obscuring knowledge and other powers of the soul. अणुजो० १२७; विशे० ११५; क० गं० १ ३-६; ६, ८६; —अवगम. पुं० (-अपगम) ज्ञानावरणादिकनो अपगम-दूर थवुं ते. ज्ञानावरणादिक कर्मो का दूर होना. exit, passing away, of knowledge-obscuring Karma etc. पंचा० २, ४०; —दुग. न० (-द्विक) ज्ञानावरण अने दर्शनावरण, ए बे प्रकृति. ज्ञानावरण और दर्शनावरण ये दो प्रकृतियां. the two Prakritis (Karmic natures) viz knowledge-obscuring and faith-obscuring Karma. क० गं० १, ५८; —आवरणावरणपविभत्ति. न० (-आवरणावरणप्रविभक्ति) ३२ प्रकारना नाटकमांनुं एक. बत्तीस प्रकार के नाटकों मे से एक. one of the 32 kinds of drama. " चंदावरणपविभत्तिंच सुरावरणपविभत्तिंच आवरणा वरणपविभत्तिं णामं दिव्वं णट्टविहं उवदंसेहि. " राय० ६२;

आवरणिज्ज. न० (आवरणीय) आत्मानी ज्ञानादिशक्तिने आवरनार; ज्ञानावरणीयादि कर्म. आत्मा की ज्ञानादि शक्ति को ढंकनेवाला ज्ञानावरणीयादि कर्म. Karma obscuring the qualities of the soul such as knowledge etc. नंदी० ८; ओव० ४०; उत्त० ३३; २०; अणुजो० १२७; उवा० १, ७४;

आवरणी. स्त्री० (आवरणी) आवरणकारी विद्या. आवरणकारी ढंकनेवाली विद्या. Art of veiling or eclipsing things. नाया० १६;

√ **आवरस.** (आ+वृष) वरसवुं पाणी छांटवुं. बरसना; पानी छिड़कना. To shower water; to sprinkle water; to rain.

आवरसेज्जा. राय० ३५;

आवरिय. त्रि० (आवृत) ढांकेल; आच्छादन करेल; ढांकाहुआ. Covered; hidden. भग० १५, १;

आवरिसण. न० (आवर्षण-सुगन्धितवारिसिञ्चनम्) सुगंधि पाणीनो छंटकाव करवो. सुगंधित जलका छिटकाव करना. Sprinkling of cold water. अणुजो० २०; राय०

आलवण. न० (आवलन) अंग मरडवुं ते. अंग मरोडना. Twisting of the body. पगह० १, १;

आवलि. स्त्री० (आवलि) हार; पंक्ति; लाईन. श्रेणी; पंक्ति. A line; a series. सू० प० १०; राय० ४४; ४८; ६१; ओघ० नि० २०२; नाया० १; क० प० १, ३८;

आवलिय पविभत्ति. न० (आवलिका प्रविभक्ति) नाट्य विधि विशेष. नाटक का

विधि विशेष. A mode of dramatic performance. " आवलिपविभत्तिं णामं दिव्वं णट्टविहिं उवदंसेइ " राय०

आवलिआ-या. स्त्री० (आवलिका) અસંખ્યાત સમય પ્રમાણે એક કાલ વિભાગ; એક શ્વાસોચ્છ્વાસનો સંખ્યાતમો ભાગ. एक श्वासोच्छ्वास का संख्यातवाँ भाग. A period of time consisting of innumerable Samayas or instants. विशे० ५३१; ६०८; अणुजो० ११५. १३८; जं० प० २, १८; नंदी० १२; सग० ५, १; ५, ७; ६, १; २५, ४; पन्न० १२; ठा० २, ४; ओव० १७; (२) શ્રેણિ; પંક્તિ. श्रेणी; पंक्ति. line; row जीवा० ३, १; सू० प० १०; तंदु० —णिवाय. पुं० (-निपात) ક્રમથી મલવું તે. क्रमशः मिलना. coming or getting of anything one after another in order. " ता जोगेति वत्थुस्स आवलिया णिवाते आहितेति वदेज्जा ताइति " सू० प० १०; —पविट्ठ. त्रि० (-प्रविष्ट) શ્રેણીમાં રહેલ; શ્રેણીમાં પ્રવેશ કરેલ; પંક્તિબન્ધ; નરકાવાસના [illegible] જે પંક્તિબન્ધ એટલે બધી દિશાઓમાં શ્રેણીમાં-એક લાઇનમાં ગોલ, ત્રિકોણ અને ચોરસ આકારના છે. श्रेणी में रहे हुए; श्रेणी मे प्रवेश किये हुए; पंक्तिबंध;

नरकावासके संस्थान (आकार) की पंक्तिबंध याने चारों दिशाओं में एक लाइन से गोल, त्रिकोण और चौरस आकार के हैं. in a line or row; in a graded order; e. g. the hellish abodes arranged in a line as differentiated from others situated promiscuously. The shapes of the former are either round, triangular or square, (see diagram) "आवालिय पविट्ठाय आवलिय बाहिराय" जीवा॰ ३. ४; —बाहिर. त्रि॰ (-बाह्य) હાર બહાર; લાઇનબંધ નહીં; જેમતેમ. श्रेणी बद्ध न होना; अव्यवस्थित. not in a line; disordered. जीवा॰ ४; —समय परिमाण. त्रि॰ (-समयपरिमाण) એક આવલિના સમય જેટલા. एक आवलि (आंख मिचकना) के समय के समान. of the measure of time equal to one Avali (twinkling of an eye) क॰ गं॰ ४, ८१;

√आवस. धा॰ I. (आ+वस्) वसवुं रहेवुं. रहना; बसना. To dwell; to stay.

आवसे. विधि॰ आया॰ १, १, ६, ४८;

आवसित्तए. हे॰ कृ॰ नाया॰ १;

आवसंत. सूय॰ १, १, १, १६; आया॰ १, ५, ६, १५५; ठा॰ १; उवा॰ १, ८३;

आवसह न॰ (आवसथ) મકાન; ઘર; રહેઠાણ. रहने का मकान. A residence; a house. जं॰ प॰ ३, ४६; विवा॰ ३; ६; उत्त॰ १३, १३; सूय॰ १, ४, २, १४; (२) તાપસનો આશ્રમ; મઠ. तपस्वी का आश्रम; साधु का मठ. a monastery. आया॰ १, ७, २, २०२; पराह॰ २, ३; भग॰ २, १; —भवण. न॰ (-भवन) નિવાસભુવન. निवासभवन. a place of residence; a house. जं॰ प॰ ३, ४७;

आवसहिय. त्रि॰ (आवसथिक) આશ્રમ-ઝુંપડીમાં રહેનાર. पत्तोंकी झोपड़ी में रहने वाला. (One) living a monastery or in hut of leaves etc. सूय॰ २, २, २१; दसा॰ १०, ७;

आवस्सअ-य. न॰ (आवश्यक) સાધુ અને શ્રાવકને બે વખત અવશ્ય કરવાની ક્રિયા; પ્રતિક્રમણ. साधु और श्रावक को प्रतिदिन दो बार अवश्य करने योग्य क्रिया; प्रतिक्रमण. Pratikramaṇa; a religious practice to be performed twice every day, without fail, by both ascetics and laymen. नाया॰ ८; ठा॰ २, १; विशे॰ १; (२) તે ક્રિયા પ્રતિપાદક આવશ્યક નામનું સૂત્ર. उक्त क्रिया-प्रतिक्रमण-प्रतिपादक आवश्यक नामका सूत्र. name of a Sūtra explaining the above religious practice. ठा॰ २, १, १०, नंदी॰ ४३; प्रव॰ २३७; —अणुओग. पुं॰ (-अनुयोग) આવશ્યક સૂત્રનું વ્યાખ્યાન. आवश्यक सूत्र का व्याख्यान. exposition of Āvaśyaka Sūtra. प्रव॰ २३७; —करण. न॰ (-करण.) કેવલ સમુદ્ઘાત કર્યા પહેલાં કેવલીને અવશ્ય કરવા યોગ્ય વ્યાપાર. केवलसमुद्घात करने के पहले केवली को अवश्य करने योग्य व्यापार. a kind of thought-activity necessary to be performed by a Kevalī before Kevala Samudghāta. पंचा॰ १६, ३१; —वइरित्त. न॰ (-व्यतिरिक्त) આવશ્યક સિવાયના કાલિક અને ઉત્કાલિક સૂત્ર. आवश्यक सूत्र के सिवाय कालिक

और उत्कालिक सूत्र. the Kālika and Utkālika Sūtras excepting Āvaśyaka Sūtra. ठा॰ २; नंदी॰ ४३; —सुयखंध. न॰ (-श्रुतस्कंध) એ નામનું એક સૂત્ર. एक सूत्र का नाम. name of a Sūtra. विशे॰ १;

आवस्सग. न॰ (आवश्यक) જુઓ "आवस्सन्न" શબ્દ. देखो "आवस्सन्न" शब्द. Vide. "आवस्सन्न" पिं॰ नि॰ ६७०; अणुजो॰ ५; भग॰ १८, १०; गच्छा॰ ५३; प्रव॰ १०७;

आवस्सया. स्त्री॰ (आवश्यकी) સાધુએ અવશ્ય કામ પડયે બ્હાર જતી વખતે "આવસ્સહિ" શબ્દ બોલવો તે; સામાચારીનો ચોથો પ્રકાર. साधुको आवश्यक कार्य के लिये बाहिर जाते समय 'आवस्सहि' शब्द बोलना. सामाचारी का चौथा प्रकार. The fourth variety of Sāmāchārī (ascetic right conduct); viz uttering the word "Āvassahi" at the time of moving out on some unavoidable business. प्रव॰ ७६७;

आवास्सिया. स्त्री॰ (आवश्यकी – अप्रमत्तत्वेनावश्यककर्तव्यव्यापारे भवाऽऽवश्यकी) સાધુને જરૂરનું કામ પડ્યે, ઉપાશ્રય બ્હાર જવું પડે, ત્યારે તે પ્રસંગ આવશ્યક છે તેનું સ્મરણ કરવાને મોઢેથી 'આવસ્સિયા' શબ્દ કહેવો તે સામાચારીનો પ્રથમ પ્રકાર. साधु को किसी जरूरी कामके लिये उपाश्रय के बाहिर जाना पड़े तब उस आवश्यक प्रसंग की आवश्यकता स्मरण करने के लिये मुँह से 'आवास्सिया' शब्द का कहना; सामाचारी का प्रथम भेद. The first variety of Sāmāchārī; viz utterance of the word "Āvassiyā" in a loud tone by a monk at the time of leaving monastery for some pressing work. "पढमा आवास्सिया नामं" उत्त॰ २६, २; ठा॰ १०; प्रव॰ ७७२; पंचा॰ १२, २;

आवाग. पुं॰ (आपाक) નિંભાડો. कुम्हार का भट्ठा; आवा. A potter's kiln. नंदी॰ ३५;

आवाड. पुं॰ (आपात) ઉત્તર ભરતમાંના કિરાત નામે ભિલ્લની એક જાત. उत्तर-भरत के भीलोंकी किरात नामक एक जाति. A race of Bhils called Kirāta in Uttara Bharata. "उत्तरड्ढभरहे वासे बहवे आवाडा णाम चिलाता परिवसंति" जं॰ प॰ ३, ५८;

आवाय. पुं॰ (आपात) આવજાવ; માણસોનું ગમનાગમન. आना जाना; मनुष्यों का आवागमन. Coming and going of men; coming and going. "तस्स भोयणस्स आवाए भद्दए भवइ" भग॰ ७, १०; उत्त॰ ४, २; २४, १६; ओव॰ ३६; ओघ॰ नि॰ २६६; —भद्दय. पुं॰ (-भद्रक) પ્રથમ મેળાપમાં બોલવા ચાલવા વિગેરમાં સુખ આપનાર. पहली भेंट में बातचीत वगेरह में सुख देनेवाला. (one) pleasing at first sight or meeting. "आवायभद्दए णाममेगे णो संवासभद्दए" ठा॰ ४;

आवाअ-य. पुं॰ (आपाक-समन्तात्परिवेष्ट्य पच्यतेऽत्र) નિંભાડો. भट्ठा; आवा. A kiln; a potter's kiln. "कुंभकारावाए इवा कवेल्लुयावाए इवा रट्टावाए इ वा" ठा॰ ८;

आवावकहा. स्त्री॰ (आवापकथा) ભોજન સંબંધી કથા કરવી તે. भोजन सम्बन्ध की कथा करना. Talk about food. ठा॰ ४, २;

आवास. पुं॰ (आवास—आवसन्ति येषु ते आवासाः) આવાસ; મ્હેલ; હવેલી; निवा-

सस्थान; रહेઠाણ. रहनेकी जगह; हवेली; घर; महल. A palace; a mansion; a residence. राय० २२७; नाया० ८; १६; जं० प० ५, ११४; ११५; जीवा० ३;४; उत्त० ६, २६; भग० ९, ५; १३, ६; १८, ५; १९; ७; ओव० सम० ८; (२) शरीर. शरीर. the body. सम० (३) આવાસ નામનો એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર. आवास नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island; also that of an ocean. जीवा० ३; ४; पन्न० १५; (४) નરકાવાસ; नरकावास. abode of hell. प्रव० ४१; —पव्वय. पुं० (-पर्वत) નાગ રાજનો આવાસ પર્વત. नागराजा का आवास पर्वत. name of a mountain-residence of Nāgarājā. "गोथुभस्स णं आवासपव्वयस्स" सम० भग० २, ८;

आवासग. पुं० (आवासक) નિવાસસ્થાન; રહેવાનું સ્થાન. निवास स्थान; रहने का स्थान. Habitation; place of residence. सूय० १, १४, २;

आवासय-अ. पुं० (आवासक) પક્ષિનું ઘર-માળો. पक्षी का घर; घोंसला. A bird's nest. सूय० १, १४, २;

आवासय. न० (आवश्यक) આવશ્યક કર્તવ્ય. आवश्यक कर्तव्य. A thing which must be done. ओघ० नि० २२०;

√आवाह. धा० II. (आ+वह्) દેવાદિકનું આવાહન કરવું; પાસે બોલાવવું. आवाहन करना; नजदीक बुलाना. To call; to invite; to invoke.

आवाहेइ. "तालुग्घाडणिविज्जं आवाहेइ" नाया० १८;

आवाह. पुं० (आवाह) વિવાહ પહેલાં તાંબુલ દેવાનો ઉત્સવ. विवाह के पहले पान देनेका उत्सव. The festivity of giving betel-leaves before the celebration of marriage. जीवा० ३३; जं० प० २, २४; (२) નવ પરણેત વહુવરને પ્રથમ ઘેર લાવવા તે. नव विवाहित वधूवर को पहिले पहिल घर लाना. bringing home a newly married couple for the first time. पराह० २, ४;

आवाहण. न० (आह्वान) આમંત્રણ દેવું; બોલાવવું. आमंत्रण देना; बुलाना. Invitation; calling. विशे० १८८३;

आवि. अ० (अपि) સંભાવના; સમુચ્ચયપણું. संभावना; समुच्चय; परंतु. (An indeclinable meaning); possibly; also. आया० १, १, ५, ४१; क० गं० १, २६;

आवि. अ० (आविर्) પ્રગટ; જાહેર. प्रगट; जाहिर. Publicly; openly. "आवी वा जइवा रहस्से" उत्त० १, १७; —कम्म. न० (कर्मन्) ખુલ્લાં-પ્રગટ કામ. प्रगट कार्य; जाहिर काम. an action openly or publicly done. आया० २, १५, १७६; राय० २१३; ठा० ६; कप्प० ५, १२०;

आविई. स्त्री० (आविची-आविचदेशोद्भवा) અવીચ દેશમાં ઉત્પન્ન થયેલ સ્ત્રી. अवीच देश में उत्पन्न स्त्री. A woman born in the country of Avicha. राय०

आविट्ठ. त्रि० (आविष्ट) યુક્ત થયેલ; જોડાયેલ. मिला हुआ; संयुक्त. Joined with; united with. सम० ३०; (२) અધિષ્ઠિત. अधिष्ठित. presided over by; possessed by. ठा० ५;

आविद्ध. त्रि० (आविद्ध) પહેરેલું; ધારણ કરેલું. पहिना हुआ; धारण किया हुआ. Put on. नाया० १, ५; जं० प० ३, ५७;

पण्ह० १, ३; जीवा० ३, ४; ओव० २७; राय० ६१; (२) वींटेलुं; यथोचित बांधेलुं. लपेटाहुआ; यथोचित रीति से बांधा हुआ. wrapped; properly tied जं० प० ५, १२१; कप्प० ४, ६२; —गुडिय. न० (-गुडित) आविद्ध-पहेरावेल छे गुडिय-पाखर-सोना रूपाना फुलनी बनावेल झुल. पहिनाई हुई सोने चांदी के फूलों की बनी झूल. an ornamental cloth of gold and silver flowers placed on the back; (e. g of an elephant etc.). विवा० २; —मणिसुवण्ण. त्रि० (-मणिसुवर्ण) पहेर्यां छे मणि अने सुवर्णनां घरेणां जेणे ते. जिसने रत्न जडित सुवर्ण के आभूषण पहिरे हों वह. (one) who has put on ornaments studded with jewels. दसा० १०, १; —मणिकसुत्तग. त्रि० (-माणिक्यसूत्रक) जेणे माणेक जडित सूत्रक-दोरो पहेरेल छे ते जिसने माणक से जडा हुआ सूत्रक-दोरा पहिना हो वह. (one) who has put on a necklace studded with jewels. जं० प० ३, ५७; —वीरवलय. त्रि० (-वीरवलय-आविद्धानि वीरवलयानिवीरत्व गर्वसूचकानि वलयानि येन) वीर पुरुषोने पहेरवानुं आभूषण जेणे पहेर्युं छे ते. वीर पुरुषों के पहिरने का आभूषण जिसने पहिना है वह. (one) who has put on an ornament worn by heroes. नाया० १;

आविब्भाव. पुं० (आविर्भाव) प्रगट थवुं; प्रादुर्भाव थवो. प्रगट होना; प्रादुर्भाव होना. Manifestation. विशे० ६७;

√ **आविरभव.** धा० II. (आविर+भू) आविर्भाव थवो; प्रगट थवुं. आविर्भाव होना; प्रगट करना. To be or become manifest.

आविब्भावेमि. प्रे० सूय० २, १, ११;

आविल. त्रि० (आविल) आकुल. आकुल. Distracted. सम० ३०; (२) कलुषित; डोळुं. कलुषित; गंदला. turbid. "अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स लोभाविले आययई अदत्तं" उत्त० ३२, २६; जीवा० ३; —प्पा. पुं० (-आत्मन्) आकुल आत्मा. आकुल आत्मा. a troubled soul. "अभयंकरेभिक्खू अणाविलप्पा" सूय० १, ७, २१;

√ **आविस.** धा० I. (आ+विश्) सेववुं; भोगववुं. सेवन करना; भोगना. To endure; to experience; to resort to.

आविसामि. विशे० ३२५६;

आवीइमरण. न० (आवीचिमरण) समये समये आयुष्यना दलनो अपचय-थाय ते; आयुष्य समये समये ओछुं थाय ते. समय समय पर आयुष्य के दल का अपचय होना; समय समय पर आयुष्य का क्षय होना. Diminution of life every instant. सम० १७;

आवीइसण्णिय. न० (आवीचिसंज्ञित) आवीचि नामनुं मरण. आवीचि नाम का मरण. A variety of death named Avichi. प्रव० १०२०;

आवीकम्म. न० (आविष्कर्म) जुओ "आविकम्म" शब्द. देखो "आविकम्म" शब्द. Vide "आविकम्म" जं० प० २, ३१;

आवीचिय मरण. न० (आवीचिकमरण) जुओ "आवीइमरण" शब्द. देखो "आवीइमरण" शब्द. Vide "आवीइमरण" भग० १३, ७;

आवुत्त. त्रि० (अनुक्त) नहि कीधेल; वगर कीधेल. बिना कहा हुआ. Not said; not spoken. सूय० २, २, ५६;

√**आवेढ.** धा० I. (आ+वेष्ट्) वींटवुं लपेटना. To wrap round; to encircle.

आविढइ. दसा० ६, ६;

आवेढिय. त्रि० (आवेष्टित) वींटेल. लपेटा-हुआ. Wrapped round; encircled. ठा० १०; भग० ८, १०; १६, ६; निसी० १६, ४०-४१; नाया० १६;

आवेदिय. सं० कृ० (आवेद्य) कहीने. कहकर. Having said or told. पंचा० १५, ४५;

√**आस.** धा० I, II. (आस्) बेसवुं. बैठना. To sit.

आसइ. व० प्र० ए० नाया० घ०

आसे. वि० दस० ४, ८;

आस. आ० दस० ७, ४७; ८, १३;

आसइस्सामो. भवि० भग० १०, ३;

आसइत्तए. भग० ७, १०; १३, ४; १५, २; १८; ३;

आसइत्तु. दस० ६, ५४;

आसमाण. " अजयं आसमाणोय " दस० ४, ३; राय० ३, ६;

आस. न० (आश-अशनमाशो भोजनम्) भोजन. भोजन. Food. " सामासाए पायरासाए " सूय० २, १, १५; नाया० ५,

आस. न० (आस्य) मुख; मों. मुख; मुंह. Mouth; face. पिं० नि० ३४०; नाया० ८; ९; दस० ५, १, ८५; दसा० ७, १;

आस. पुं० (अश्व-अश्नुते व्याप्नोति मार्गमित्यश्वः) घोडो; अश्व. अश्व; घोडा. A horse. सम० १४; उत्त० ४, ८; ६, ५; ११, १६; अणुजो० ६३; १३१; ठा० २, ३; विसे० १४१६; नाया० १७; भग० ३, ४; ७, ६; ६, ३४; ११, ११; ओव० ३१; ३८; दसा० ६, ४; १०, ३; विवा० ६; जीवा० ३, १; आया० २, १, ५, २७; जं० प० ७, १५७; (२) अश्विनी नक्षत्रनो अधिष्ठाता देवता. अश्विनी नक्षत्र का अधिष्ठाता देव. the presiding deity of the constellation Aśvinī. जं० प० ७, १५७; सू० प० २०; (३) अश्वदेवताथी उपलक्षित अश्विनी नक्षत्र. अश्व देवता से उपलक्षित अश्विनी नक्षत्र. the constellation Aśvinī presided over by the diety Āśva. चं० प० २०; —**करण.** न० (-करण) घोडाने कला सीखववानी जग्या. घोडे को कला सिखाने की जगह. a place for training horses. निसी० १२, २८; —**किसोर.** पुं० (-किशोर) जातवान घोडानुं बच्चुं; वछेरुं. जातिवान् घोडे का बचा. a young one of a noble horse; a colt. नाया० १३; —**किसोरी.** स्त्री० (-किशोरी) जातवान घोडी; वछेरी. जातिवान् घोडी; बछेरी. a mare of noble breed; a filly. नाया० ६; —**कखंध.** पुं० (-स्कंध) घोडानी डोक-खांध. घोडे का कंधा. the neck or shoulder of a horse. ठा० २; नाया० १२; १४; जं० प० ७, १५६; —**कखंध वरगय.** त्रि० (-स्कंधवरगत) घोडा पर चडेल. घोड पर चढा हुआ. mounted on a horse. नाया० १२; १४; —**जुद्ध.** न० (-युद्ध) घोडानुं युद्ध. घोडों का युद्ध. horse-fight. निसी० १२, ३०; —**धर.** त्रि० (-धर) घोडावालो; सोदागर. घोडावाला; घोडों का सोदागर. (one) who has a horse or horses; a horse-merchant.

ठा० २; जं० प० ३, ६७; —**पोसय**. त्रि० (-पोषक) घोडाना पोषनार; सोदागर. घोडे को पालने वाला. (one) who breeds up horses; a horse-merchant. निसी० ६, २३; —**प्पमद्दय**. (-प्रमर्दक) घोडाने कला शीखवनार. घोडे को कला सिखाने वाला. (one) who trains horses. नाया० १७; —**मच्छिया**. स्त्री० (-मक्षिका) घोडानी माख; બગા. घोडों के शरीर मे लगने वाली मक्खी; बग. a horse-fly. पिं० नि० भा० ४६; —**मट्ठ**. पुं० (-मृष्ट) घोडाना समारनारा. घोडे को सुधारने वाला. चाबुक असवार. a horse-breaker. निसी० ६, २३; —**मद्दश्र**. त्रि० (-मर्दक) घोडाने मर्दन करनार. घोडों की मालिश करने वाला. (one) who rubs the body of a horse. निसी० ६, २३; नाया० १७; —**मद्दग**. त्रि० (-मर्दक) घोडाने मर्दन करनार. घोडा की मालिश करने वाला. (one) who rubs the body of a horse. नाया० १७; —**रयण**. न० (-रत्न) अश्वरत्न; चक्रवर्तिना चौदरत्नमांनुं એક रत्न. अश्वरत्न चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में का एक रत्न. an excellent horse; one of the 14 gems of a Chakravartī. "भरतस्स कमलामेलं णामेणं आसरयणं सेणावईकमेणं समभिरूडे" जं० प० टा० ७; पन्न० १६, २०; —**रह**. पुं० (-रथ) घोडा गाडी; जेमां घोडा जोडाय એવો रथ. घोडा गाडी; जिसमें घोडे जुते ऐसा रथ. a horse-carriage. नाया० १; ८; १६; १६; भग० ७, ६; ६, ३३; राय० २५६; जं० प० —**राय**. पुं० (-राजन्) अश्वराज-प्रधान-उत्तम घोडो. अश्वराज; प्रधान घोडा-उत्तम घोडा. an excellent horse. ठा० ५; —**रूव**. पुं० (-रूप) घोडानुं रूप. घोडे का रूप. the shape, beauty, of a horse. नाया० ६; भग० ३, ५; —**रोह**. पुं० (-रोह) घोडेस्वार. घोड सवार. a horseman. निसी० ६, २३; —**वर**. पुं० (-वर) उत्तम जातिनो घोडो. उत्तम जाति का घोड़ा. a horse of noble breed. दसा० १०, ३; भग० ६, ३३; ओव०. —**वाहणिया**. स्त्री० (-वाहनिका) घोडानी स्वारी; अश्व क्रीडा. घोडे की सवारी; अश्व क्रीडा. horse-riding; play on horse-back. निवा० ६; नाया० १२; १४; —**सहस्स**. न० (-सहस्र) हजार घोडा. हजार घोडे. a thousand horses. निर० १, १;

आसंदिया. स्त्री० (आसन्दिका) मांची; खाटली. खाट. a small wooden frame (seat or cot) strung up with cotton or hemp strings. सूय० १, ४, २, १५;

आसंदी. स्त्री० (आसन्दी) એક जातनुं आसन; मांची. एक प्रकार का आसन; खाट. a kind of seat; a wooden frame strung up with thread and used as a seat. "आसंदी पलियंकेय" पिं० नि० २६१; सूय० १, ६, २१; दस० ३, ५; ६, ५८; (२) ठाठडीनुं मांचडुं. बांस की अर्थी. a bamboo frame to carry a corpe. सूय० २, १, १५;

आसंसइय. त्रि० (असंशयित) निःसंशय; संशय रहित; जेमां संदेह नथी तेवुं. निःसंदेह; संदेह रहित. Doubtless; indubitable सूय० २, २, १६;

आसंसप्पओग. पुं० (आशंसाप्रयोग—आशंसनमाशंसाऽभिलाषः तस्याः प्रयोगो-

व्यापारणम् करणमाशंसाप्रयोगः) આશંસા અભિલાષા કરવી તે. अभिलाषा करना. Hoping; desiring; wishing. प्रव० २६६; ठा० १०;

आसंसा. स्त्री० (आशंसा) કામ ભોગ મેળવવાની ઈચ્છા; અભિલાષા. काम भोग प्राप्त करने की इच्छा. Desire or wish for sensual pleasures. सूय० २, १, ५०; उवा० १, ८७; प्रव० २६६; ८२३;

आसंसारं. अ० (आसंसारम्) સંસાર છે ત્યાંસુધી. संसार है तबतक. So long as or as far as the world exists or worldly life exists. प्रव० ६३७;

आसकरण. पुं० (अश्वकर्ण) લવણસમુદ્રમાંના ૫૬ અંતર દ્વીપમાંનો અશ્વકર્ણ નામનો એક અંતર દ્વીપ. लवण समुद्र के ५६ अन्तर द्वीप में का अश्वकर्ण नामक एक अन्तर द्वीप. Name of one of the 56 Antara Dvīpas (islands) in Lavaṇa Samudra. (२) त्रि० તે દ્વીપના રહેવાસી उक्त अन्तर द्वीप के निवासी मनुष्य. a native of the above island. ठा० ४, २; जीवा० ३, ३; पन्न० १;

आसग. न० (आस्यक) મોઢું; મુખ. मुख; मुंह. Mouth; face. भग० १५, १; नाया० १२; १४; सूय० २, २, ५६; दसा० १, ३;

आसग. पुं० (आस्यग) ફીણ. फेन. Foam; froth. पन्न० २;

आसग्गीव. पुं० (अश्वग्रीव) ભરતક્ષેત્રના ચાલુ અવસર્પિણીના પહેલા પ્રતિવાસુદેવનું નામ. भरत क्षेत्र की वर्तमान अवसर्पिणी के प्रथम प्रतिवासुदेव का नाम. The first Prativāsudeva of the current Avasarpiṇī (descending cycle) of Bharatakṣetra. प्रव० १२२७;

आसज्ज. न० (आसज्ज) ક્રિયા વિશેષ. क्रिया विशेष. A particular kind of action. ओघ० नि० २२६;

आसज्ज. सं० कृ० (आसाद्य) પ્રાપ્ત કરીને; મેળવીને. प्राप्त करके; पाकर. Having got to; having acquired. विशे० ५२७; आया० १, ३, २, १११; पिं० नि० १५८; प्रव० ८६६;

आसण. न० (आसन) આસન; બેઠક; સિંહાસન; ભદ્રાસન, મયૂરાસન વગેરે; તપ માટે આસન લગાડવા તે. જેમ વીરાસણ, ઉક્કડિયાસણ; દંડાયત આસણ ઇત્યાદિ. आसन; बैठक; सिंहासन; तपश्चर्या में साधुको लगाने के आसन जैसे वीरासन, दंडायत आसन इत्यादि (देखो चित्र). A seat; an unnatural bodily posture; e. g. Mayūrāsana etc. adopted by a Sādhu while practising penance (see diagram). उत्त० १, २१; ३०; ७, ८; उवा० २, ११२; राय० २३३; २८६; दस० ५, २, २८; ८, ५, १७; सू० प० २०; ओव० नाया० १; २; ५; ८; १३; १४; १६; सम० ६; भग० २, ५; ५, ७; १७, ३; २५, ७; सु० च० ३, ५५; जं० प० २, ३३; सूय० १, १, ४, ११; १, ४, १, ४; आया० १, ६, ३, १२; २, ४, २, १३८; (२) આસન વાળી બેસવું તે. आसन लगाकर बैठना. sitting in a particular bodily posture. प्रव० १५८१; —**अणुप्पदाण.** न० (-अनुप्रदान) સત્કાર કરવાને આસનનું આમંત્રણ કરવું તે. सत्कार करने के लिये आसन का आमंत्रण करना. honouring any one by inviting him to a seat. भग० १४, ३; ठा० ७; —**अभिग्गह.** पुं० (-अभिग्रह) આસન સંબંધી

અભિગ્રહ ધારણ કરવો તે. आसन संबंधी अभिग्रह धारण करना. taking a vow in connection with seat. भग० neighbouring; near. भग० १, ८; ओघ० नि० १०; दसा० २, ३; ४; ५; —सिद्धिय. त्रि० (–सिद्धिक) તરતમાં
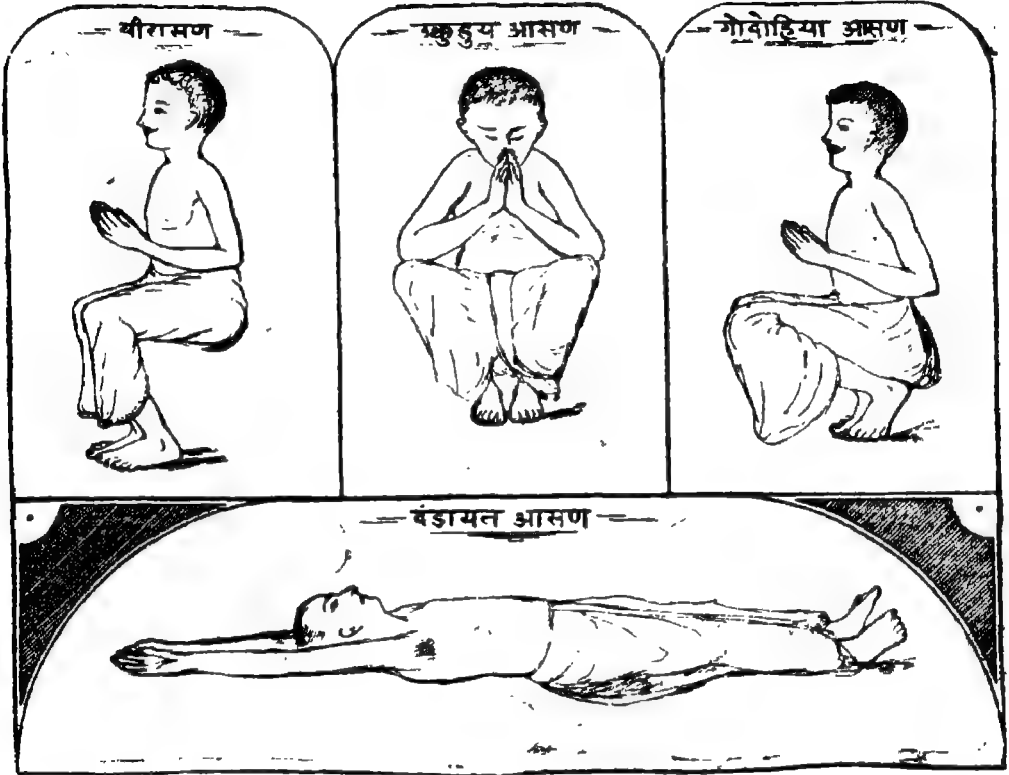
१४, ३; सम० ६१; ओव० २०; —त्थ. त्रि० (–स्थ) ઉભડક ગોદોહ વગેરે આસન વાળીને રહેનાર. उत्कट गोदोह आदि आसन लगाकर बैठाहुआ. (one) sitting or remaining in a particular bodily posture; e. g. like that of one milking a cow. आया० १, ६; ४, १४; प्रव० १२५;

आसणय. पुं० (आसनक–आसनमेव आसनकः) આસન. आसन. A seat; a bodily posture. वेय० ५, ३२;

आसरण. त्रि० (आसन्न) નજીકનું; પાસેનું. नजदीक का; समीपका. Adjacent; neighbouring; near. भग० १, ८; ओघ० नि० १०; दसा० २, ३; ४; ५; —सिद्धिय. त्रि० (–सिद्धिक) તરતમાં સિદ્ધ થાય એવો; થોડા વખતમાં સિદ્ધિ પામનાર. तुरंत सिद्ध होनेवाला; थोडे समय में सिद्धि प्राप्त करने वाला. (one) who is to acquire perfection immediately. पंचा० ११, १५;

आसत्त. पुं० (आसक्त) ભૂમિમાં લાગેલ; ઉપરથી નીચેના ભાગ સાથે લાગેલ. भूमि में जुडा हुआ; ऊपर से नीचे के भाग के साथ संयुक्त. Clung to the earth; attached to the upper as well as the lower part. राय० ५६; पन्न० २; ओव० कप्प० ३, ४१;

आसत्तमं. अ० (आसप्तमम्) સાત પેઢી

पर्यंत. सात पीढी तक. Up to the 7th generation. नाया॰ १; १६; भग॰ ११, २०;

आसत्ति. स्त्री॰ (आसक्ति) પરિગ્રહ આદિમાં ગૃદ્ધિ. परिग्रह आदि मे आसक्ति. Attachment to worldly possessions etc. पगह॰ १, ५;

आसत्तोसत्त. त्रि॰ (आसक्तोत्सक्त) ઉપરના ભાગથી નીચેના ભાગને લાગેલ. ऊपर के भाग से नीचे के भाग तक लगा हुआ. Attached from the upper part to the lower part. कप्प॰ ३, ४१;

आसत्थ. त्रि॰ (आश्वस्त) આરામ લીધેલ. आराम पाया हुआ; विश्रान्त Soothed; comforted; refreshed. ओघ॰ नि॰ भा॰ ५५; नाया॰ १; २, ३; ८; ६; १६, १८; भग॰ ११, ११; १५, १; कप्प॰ १, ५; विवा॰ ३, ६;

आसत्थ. पुं॰ न॰ (अश्वत्थ) પીપળો. पीपल. The holy fig-tree. सम॰ प॰ २३३; —पत्त. न॰ (-पत्र) પીપળાના પાન. पीपल का पत्ता. a leaf of the holy fig-tree. निसी॰ १८, १६; —वच्च. पुं॰ (-वर्चस्) પીપળાના પાંદડા, ફળના કચરાનો ઢગલો. पीपल के पत्ते और फल के कचरे का ढेर. a heap of the refuse of the leaves and fruits of the holy fig-tree. निसी॰ ३, ७८;

√**आसद.** धा॰ I. (आ+शद) બાધા કરવી; પીડા કરવી. बाधा करना; पीडा करना. To give pain; to afflict; to trouble.

आसादए. दस॰ १, ६, १, ४; निसी॰ १३, १२;

आसाइज्जा. आया॰ १, ५, ६, १६५; ठा॰ ४; उत्त॰ ८, १८०; १८८;

आसन. न॰ (आसन) જુઓ " आसण " શબ્દ. देखो " आसण " शब्द. Vide " आसण " पन्न॰ ११; दस॰ ७, २६;

आसन्न. त्रि॰ (आसन्न) જુઓ " आसण्ण " શબ્દ. देखो " आसण्ण " शब्द. Vide " आसण्ण " विशे॰ ६२६; ओघ॰ नि॰ २६; पिं॰ नि॰ २०६; २८६; प्रव॰ १३२; पंचा॰ ३, ४७; सम॰ ३३; —भव्व. पुं॰ (-भव्य) તેજ ભવે અથવા બીજે ત્રીજે ભવે મોક્ષ જનાર જીવ; નજીક વખતમાં મોક્ષ જવા યોગ્ય ભવ્યજીવ. उसी हो भव में या दूसरे तीसरे भव में मोक्ष जानेवाला जीव. a soul which is to attain final bliss in very near future i. e. in the same birth or the 2nd or 3rd. प्रव॰ १२६०;

आसपुरा. स्त्री॰ (अश्वपुरा) પદ્મા વિજયની મુખ્ય નગરી. पद्मा विजय की मुख्य नगरी. The capital-city of Padma Vijaya. ठा॰ २, ३; ८;

आसम. पुं॰ (आश्रम) આશ્રમ; તાપસ લોકોને રહેવાની જગ્યા. आश्रम; तपस्वी लोगों के रहने की जगह. A hermitage. (२) ચાર આશ્રમ પૈકી એક આશ્રમ. चार आश्रमों में से एक आश्रम. one of the four stages of life. भ॰ च॰ ७, १८०; ठा॰ २, ४; उत्त॰ ६, ४२; ३०, १७; आया॰ १, ७, ६, २२२; सूय॰ २, २, १३; भग॰ ७, ७; ३, ७; ७, ६; पगह॰ २, १; वेय॰ १, ६; पंचा॰ ७, १५; —पय. न॰ (-पद) તાપસ લોકોના આશ્રમને નામે ઓળખાતું સ્થાન. तापसों लोगों के आश्रम के नाम से प्रसिद्ध स्थान. a hermitage; a place of abode of a hermit. कप्प॰ ६, ११६; —भेय पुं॰ (-भेद) બ્રહ્મચર્ય, ગૃહસ્થ વગેરે આશ્રમના

अश्रम: ब्रह्मचर्य, गृहस्थ आदि आश्रमके भेद. the four different stages of life distinguished as student's life, householder's life etc. पंचा० १०, ५०;

आसमपय. न० (आकामपद) એ નામનું એક બાગ. एक बाग का नाम. Name of a garden. कप्प० ६, १५६;

आसामित्त. पुं० (अश्वमित्र) અશ્વમિત્રાચાર્ય નામના ચોથા નિન્હવ કે જેણે દરેક પદાર્થ ક્ષણે ક્ષણે નાશ પામે છે એમ સ્થાપન કર્યું. अश्वमित्राचार्य नामक चौथा निन्हव जिसने कि प्रत्येक पदार्थ प्रतिक्षण नाश पाता है, ऐसा सिद्धान्त स्थापन किया. Name of the fourth Ninhava who established the doctrine that every thing perishes every moment. ठा० ७, १;

आसमुह. पुं० (अश्वमुख) લવણ સમુદ્રમાં દાઢા ઉપર જતાં વિદિશામાં રહેલ અશ્વમુખ નામનો એક અંતર-દ્વીપ. लवण समुद्र में विदिशा में स्थित अश्वमुख नामक अंतर द्वीप Name of an Antara Dvipa (island) in a cardinal direction of Lavana Samudra ठा० ४, २; (२) त्रि० તે દ્વીપમાં રહેનાર મનુષ્ય. उक्त द्वीप में रहनेवाला मनुष्य. a person living in the above island. जीवा० ३, ३; पन्न० १;

आसय. न० (आस्यक) મોઢું; મુખ. मुख; मुंह. Mouth; face. दस० ६, ५५; आया० २, २, १. १०६; जीवा० ३, १;

आसय. पुं० (आश्रय) આલય; સ્થાન; મકાન. आलय; स्थान; मकान. A house; an abode; a place. ठा० ३; (२) સેવવા યોગ્ય. सेवन करने योग्य. a proper resort; (anything) fit to be resorted to. नाया० १०; (३) આશ્રય; આધાર. आश्रय; आधार. support. उत्त० २८, ६; पगह० १, १; विशे० १७५४;

आसय. पुं० (आशय) ચિત્તવૃત્તિ; પરિણામ. चित्तवृत्ति; आशय. A state of mind; inclination of mind. पंचा० ७, २५; १६, २५; —**विचित्तया.** स्त्री० (-विचित्रता) પરિણામનું વિચિત્રપણું; અભિપ્રાયનું વિવિધપણું. परिणाम की विचित्रता; अभिप्राय की विविधता. varieties of thought-activities; varieties of thoughts. पंचा० १६, २५; —**वुड्ढि.** स्त्री० (-वृद्धि) પરિણામ વૃદ્ધિ. परिणाम वृद्धि. increase in thought-activity; increase in sense-perceptions and their objects. पंचा० ७, २५;

आसयमाण. न० कृ० त्रि० (*आशायमान-आशयत्) આશા કરતો. आशा करता हुआ. (One) entertaining a hope. विवा० १;

√**आसर.** धा० II. (आ+सृ) સરકવું; ખસવું; હાલવું. सरकना; हटना. To move.

आसरेइ. प्रे० नाया० ३;

आसरूढ. पुं० (अश्वरूढ) ઘોડેસ્વાર. घोडा सवार. A horseman. जं० प० ३, ४४;

आसल. त्रि० (आशल) સ્વાદ લેવા યોગ્ય; ખાવા યોગ્ય. स्वाद लेने योग्य. Worth being relished or tasted. जीवा० ३, ४; पन्न० १७;

आसव. पुं० (आसव) દારૂ; મદીરા; મદ્ય; શરાબ. दारू; मदिरा; शराब. Wine;

intoxicating liquor. पिं० नि० ५४; ५३६; राय० १३३; २२४; पण्ण० १७; उत्त० ७, ३८, १४; ओव० जीवा० ३, ३०८; —(वो)उदगा. स्त्री० (—उदका —आसव इव चंद्रहासादिपरं उदकम् यासां ताः आसवोदकाः) मीठा पाणीनी वाव. मीठे पानी की बावडी. a well of fresh water. जीवा० ३; राय०

आसव. पुं० (आश्रव) જીવરૂપ તળાવમાં કર્મરૂપ પાણીને આવવાનું ગરનાળું; કર્મ આવવાનું દ્વાર; મિથ્યાત્વ અવિરતિ પ્રમાદ કષાય અને અશુભયોગ એ પાંચમાંનું ગમે તે એક. जीव रूप तलाव में कर्म-रूप पानी आने का गरना—द्वार; कर्म आने का द्वार; मिथ्यात्व, अविरति प्रमाद, कषाय और अशुभयोग इन पांचों में का कोईभी एक. A door, a sluice for the inflow of Karma; any of the five viz. Mithyatva, Avirati, Pramāda, Kaṣāya and Aśubhayoga. ओव० १०; ३८; उत्त० १८, ५; २८, १४; ३६, २१; सम० १; नाया० ६; भग० २, ५; ५, ६; आया० १, ४, २, १३०; १, ८, ७, १०; ठा० १, २; ७, १; पिं० नि० ६३; पंचा० ५, ४७; क० गं० १, १५, सूय० २, ५, १२; —णिरोहभाव. पुं० (—निरोधभाव) આશ્રવનો નિરોધ કરવો તે; કર્મના દ્વારને અટકાવવા તે. आश्रव का निरोध करना; कर्म के द्वार को रोकना. stopping the inflow of Karma; stopping the door of the inflow of Karma. पंचा० ५, ४७; —द्दार. न० (—द्वार) આશ્રવ-પાપ આવવાના દ્વાર; દરવાજા. आश्रव—पाप आनेका—द्वार. a gate through which Karma enters. " पंच आसव दारा प० तं० मिच्छत्तं अविरइ पमाया कसाया जोगा " ठा० ५, २; सम० ५; भग० १, ६; ३, ३; —सत्ति. त्रि० (—सक्तिन्-आश्रवा हिंसादयस्तेषु सक्तं संग आस्रवसक्तं तद्विद्यते यस्य स आश्रवसक्ती) આશ્રવનો સંગ કરનાર. आश्रव का संग करने वाला. (one) attached to practices like killing etc. which cause an inflow of Karma. आया० १, ५, १६४;

आसववर. पुं० (आश्रववर) અતિશય આશ્રવ; કર્મની ઘણી આવક. अतिशय आश्रव; कर्मों का बहुत आना. Excessive inflow of Karma. भग० १२, ४;

***आसवर.** पुं० (अश्ववार) અસ્વાર; ઘોડેસ્વાર. सवार. A horseman. " महं आसा आसवरा उभओपासिं णागा " भग० ६, ३३;

आसवार. पुं० (अश्ववार—अश्वं वारयतीति) અસ્વાર; અશ્વ રોકે; घोडे को रोकने वाला; घुडसवार. A horseman. सु० च० १०, ४३;

आससा. स्त्री० (आशंसा) ઈચ્છા-આકાંક્ષા; આશા. आकांक्षा; आशा; चाह. Desire; hope; wish. " तहेव णिरंसुय आससाए " उत्त० १२, १२; विशे० १५१६;

आससेण. पुं० (अश्वसेन) કાશીના રાજાનું નામ. काशी के राजा का नाम. Name of a king of Benares. कप्प० ६, १५०; (२) ચાલુ અવસર્પિણીના ચોથા ચક્રવર્તીના પિતા. वर्तमान अवसर्पिणी काल के चौथे चक्रवर्ती का पिता. name of the father of the fourth Chakravarti of the present Avasarpini. सम० प० २३४; (३) २३ मा तीर्थंकर पार्श्वनाथना पितानुं नाम. २३ के

तीर्थंकर पार्श्वनाथ के पिता का नाम. name of the father of Pārśvanātha the 23rd Tīrthaṅkara. सम० प० २३०;

आसा. स्त्री० (आशा) આશા; ઇચ્છા; અભિલાષા; આકાંક્ષા. आशा; अभिलाषा; आकांक्षा. Hope; desire; wish. निसी० ११, २८; जं० प० २, २२, तंडु० ओव० २१; उत्त० १२, ७; ३२, २७; सम० ६; दस० ६, ३, ६; (२) ભોગની આકાંક્ષા. भोग की आकांक्षा. desire of enjoyments. आया० १, २, ४, ८४;

आस,अ-यं. पुं० (आस्वाद) સ્વાદ; રસ. स्वाद; रस. Taste; relish. जीवा० ३, ३; जं० प० २, २२; आया० १, ५, ३, १५५; नाया० ७; १७; पन्न० १७; दस० ५, १, ७८;

आसाइय. त्रि० (आसादित) પ્રાપ્ત થયેલ. प्राप्त. Got; acquired. नाया० १२; उवा० ३, १४०;

आसाढ. पुं० (आषाढ) અષાડ મહિનો. आषाढ मास The month of Āṣāḍha, " असाढ पुणिमाएणा उक्कोसवए " भग० ११, ११; १८, १०; ओघ० नि० २८३; उत्त० २६, १३; सम० १८, २६; जं० प० २, ३०; ७, १४१; पंचा० ६, ३४; (२) તૃણ વિશેષ. तृण विशेष. a kind of grass. भग० २१, ६; (३) આષાઢાચાર્ય નામના ત્રીજા નિન્હવ કે જેણે દરેક વસ્તુ અવ્યક્ત સંદિગ્ધ છે, કોનામાં સાધુતા છે અને કોનામાં નહિ તેનો નિશ્ચય આપણે કરી શકીએ નહિ માટે કોઇને પગે લાગવું નહિ એમ સ્થાપન કર્યું. आषाढाचार्य नामक एक निन्हव जिन्होंने यह मत स्थापित किया कि प्रत्येक वस्तु अव्यक्त-संदिग्ध है, जैसे किसमें साधुता है और किसमें नहीं इसका निश्चय मनुष्य नहीं कर सकता अतः किसीको साधु समझकर प्रणामादि नहीं करना. name of a religious preceptor who was the 3rd Ninhava and who established the uncertainty of our knowledge and the consequent futility of saluting an ascetic. ठा० ७, १; विशे० ३३०१; (ढा)—**आयरिय.** पुं० (-आचार्य) આષાઢ નામના ત્રિજા નિન્હવ આચાર્ય. आषाढ नामक तीसरे निन्हव आचार्य. the third Ninhava preceptor so named. ओव० —**पाडिवया.** स्त्री० (-प्रतिपत्) શાસ્ત્રીય શ્રાવણ વદ ૧ પડવો. शास्त्रीय श्रावण कृष्ण प्रतिपदा. the first day of the dark half of the month of Śrāvaṇa according to scriptures ठा० ४; —**पुण्णिमा.** स्त्री० (-पूर्णिमा) અષાઢ સુદિ પુનમ; અસાડ મહિનાની પૂર્ણિમા. आषाढ मास की पूर्णिमा. the full-moon-day of the bright half of the month of Āṣāḍha. भग० ११, ११; —**बहुल.** पुं० न० (-बहुल) અષાઢ માસનો કૃષ્ણપક્ષ. आषाढ मास का कृष्ण पक्ष. the dark-half of the month of Āṣāḍha. कप्प० ७, २०६; —**सुद्ध.** पुं० (-शुक्ल) આષાઢ માસનો શુક્લ પક્ષ. आषाढ मास का शुक्ल पक्ष. the bright-half of the month of Āṣāḍha. कप्प० १, २;

आसाढभूइ. पुं० (आषाढभूति) જુઓ " असाढभूइ " શબ્દ. देखो " असाढभूइ " शब्द. Vide " असाढभूइ " पिं० नि० ४१४;

आसाढा. स्त्री० (आषाढा) એ નામનું નક્ષત્ર; પૂર્વાષાઢા અને ઉત્તરાષાઢા. इस नाम का

नक्षत्र; पूर्वाषाढा और उत्तराषाढा. Name of the constellations Pūrvāṣādhā and Uttarāṣāḍhā. "दो आसाढा" ठा० २; जं० प० ७, १५१;

आसाढी. स्त्री० (आषाढी) આષાઢ માસની પૂર્ણિમા. आषाढ मास की पूर्णिमा. The full-moon-day of the month of Āṣāḍha. जं० प० ७, १६१; —**पाडिवश्र.** पुं० (-प्रतिपत्) શાસ્ત્રીય શ્રાવણ વદ એકમ અને લૈકિક આષાઢ વદ એકમ. शास्त्रीय श्रावण कृष्ण प्रतिपदा और लौकिक आषाढ कृष्ण प्रतिपदा. the first day of the dark half of Śrāvaṇa according to scriptures and the first day of the dark half of Āṣāḍha according to mere calculation. निसी० १६, १३;

आसादण. न० (आसादन) મેળવવું; ગ્રહણ કરવું. प्राप्त करना; ग्रहण करना. Getting; obtaining; taking. नाया० ६;

आसादणता. स्त्री० (आशातना) અવિનય; આશાતના. अविनय; अपमान. Irreverence; immodesty. भग० १८, ७;

आसादिय. त्रि० (आसादित) પ્રાપ્ત કરેલ. प्राप्त किया हुआ. Got or acquired. "इमे वणसंडे आसादिए" भग० १५, १;

आसायण. न० (आस्वादन) આસ્વાદન; રસ લેવો તે. आस्वादन; रस लेना; चखना. Tasting; relishing. "थोवमासायण-हाए हत्थगंमि-वसाहिमे" दस० ५, १, ७८;

आसायण. न० (आसादन) ગ્રહણ કરવું; મેળવવું. ग्रहण करना; प्राप्त करना. Getting; acquring. नाया० ६;

आसायणा. स्त्री० (आशातना) આશાતના; વિનય મર્યાદાનું ઉલ્લંઘન. आशातना; विनय मर्यादा का उल्लंघन; गुरु के प्रति किया जाने योग्य विनय में न्यूनता करना. Irreverence to a preceptor etc. आउ० २६; दसा० २, ३: १ ३४; निसी० १३, १२; दस० ६, १, २; ६; उत्त० ३१, २०; सम० ३३; आव० ३, १; पंचा० ६, ४८; प्रव० ८; —**परिहार.** पुं० (-परिहार) આશાતનાનો પરિહાર ત્યાગ. आशातना का परिहार-त्याग. giving up or abandonment of Āśātanā. प्रव० ६४५;

आसायणिज्ज. त्रि० (आस्वादनीय) સ્વાદ લેવા યોગ્ય; ચાખવા યોગ્ય. स्वाद लेने योग्य; चखने योग्य. Worth being tasted or relished. जं० प० पन्न० १७; नाया० १२;

आसालय. न० (आशालक) જેના ઉપર સુઇ શકાય કે બેસીને આરામ લઇ શકાય તેવું એક આસન. ऐसा आसन जिसपर सो सके या बैठकर आराम किया जासके. A seat on which one can sleep or sit comfortably. "आसंदी पलि-यंकेसु" "मंचमासालएसु वा" दस० ६, ५६;

आसालिया. स्त्री० (आशालिका) એ નામનો એક સર્પ કે જે પંદર કર્મભૂમિમાં ચક્રવર્તિની સેના નીચે પૃથ્વીમાં સમુર્છિમપણે અંતર્મુહૂર્તને આઉખે ઉત્પન્ન થાય છે; તેના શરીરની ઉત્કૃષ્ટી ૧૨ જોજનની અવગાહના હોય છે; ચક્રવર્તિની સેનાનો વિનાશ થવાનો હોય ત્યારેજ તેની ઉત્પત્તિ થાય છે અને આખી સેનાનો તેથી અંતર્મુહૂર્તમાં નાશ થાય છે. એટલે તે સર્પ મોટો ખાઇ જાય છે તેથી ૧૨ જોજનનો ખાડો પડતાં તેમાં સેના દટણ પટણ થઇ નાશ પામે છે. इस जाति का एक सर्प जोकि पंद्रह कर्मभूमि में चक्रवर्ति की सेना के नीचे पृथ्वी में समुर्च्छिम रूप में (अ ाह रीति से) अन्तर्मुहूर्त की आयुष्य

धारण कर उत्पन्न होता है. इसके शरीर की उत्कृष्ट अवगाहना १२ योजन की होती है. जब चक्रवर्ती की सेना का विनाश होने वाला होता है तभी इसकी उत्पत्ति होती है और इसके कारण संम्पूर्ण सेना का अन्तमुहूर्त में नाश हो जाता है. क्यों कि वह १२ योजन मिट्टी खा जाता है जिससे उतनी भूमि में बहुत बडा खड्डा पड जाता है जिसमें सेना गिरपडकर नाश को प्राप्त होजाती है. A kind of serpent born in the 15 Karma Bhūmis. It is born underground and has a life of one Antarmuhūrta. Its bulk extends over 12 Yojanas or 96 miles. It is born under the ground occupied by the army of a Chakravarti of the above Karma Bhūmis, when that army is fated to perish. It devours the earth filling the area of 96 miles and the army is swallowed up by the pit thus caused and is destroyed. "सेकिंतं आसालिया? कहिणं भंते! आसालिया समुट्ठंति" जीवा० १; पन्न० १;

आसाविणी. स्त्री० (आश्राविणी) छिद्रवाली नावा; जेमां पाणी आवे एवी नाव. छिद्रवाली नांवा; जिसमें पानी आवे ऐसी नांव. A boat or a ship with a leak in it. "जहा आस्साविणिं नावं जाइ अंधो दुरूहिया" सूय० १, ११, ३०;

आसास. पुं० (आश्वास) आश्वासन. आश्वासन. Taking rest; removal of fatigue. ओघ० नि० ७३; पगह० ५, १; (२) विश्रामनुं स्थान; थाक लेवानी जग्या. विश्राम का स्थान. a resting-place. ठा० ४, ३;

आसासण. पुं० (अश्वासन) अश्वासन नाम नो ग्रह. अश्वासन नामक ग्रह. A planet so named. ठा० २, ३;

आसासणया. स्त्री० (आश्वासना) आशीर्वाद. आशीर्वाद. Blessing; words of blessings भग० १२, ५;

आसासिय. त्रि० (आश्वसित) आश्वासन आपेल; विश्राम लीधेल. आश्वासन दिया हुआ; विश्राम लिया हुआ. (One) who has rested himself; (one) who has removed his fatigue. नाया० १; भग० ८, ३३;

आसि. स्त्री० (आशिग्) दाढ. दाढ. A jaw. पन्न० १; प्रव० १२१५;

आसि सी. त्रि० (आसीत्) अस धातुना भूत काळनुं रूप; हतो-ती-तुं. अस धातु के भूतकाल का रूप; था-थी-थे. He she-it was. सु० च० १, १२५; ३, ११५; विशे० १२६१; पिं० नि० १६१; नाया० ८; ११; १४; भग० २, १; ३, १; सूय० १, ६, २; २, ६; १; उवा० ६, १६७; पंचा० १६, १०;

आसित्त. त्रि० (आसिक्त) थोडुंक छांटेलुं; छंटकाव करेल. थोडा सींचा हुआ; छिटकाव किया हुआ. Sprinkled slightly. पगह० २, ३; नाया० १; जीवा० ३, ४; ओव० २१;

आसित्तिआ. स्त्री० (आसिक्तिका) एक खाद्य पदार्थ. एक खाद्य पदार्थ. Name of an article of food. "विवाहाहिं आसित्तियाओ भोत्ता कज्जं साधेंति" सू० प० १०;

आसिद्धि. अ० (आसिद्धि) सिद्धिपर्यन्त. सिद्धि पर्यन्त. Up to, as far as Sid-

dhahood; up to the attainment of final goal. भत्त० ७१;

आसिय. त्रि० (आश्रित) આશ્રય પામેલ. आश्रय प्राप्त. Resorted to; resting on; dependent on. ठा० ६;

आसिय. त्रि० (आसिक्त) જુઓ "आसित्त" શબ્દ. देखो "आसित्त" शब्द. Vide. "आसित्त" दसा० १०, १; राय० १८०; नाया० ३, ८; १६; भग० ६, ३३;

आसियावाय. पुं० (आशीर्वाद) આશીર્વાદ; આશીષ વચન. आशीर्वाद; आशीर्वचन. Blessings; words of blessings. सूय० १, १४, १६;

आसिल. पुं० (आसील) એ નામના એક અન્ય તીર્થી પ્રાચીન ઋષિ. इस नाम के एक अन्य धर्मानुयायी ऋषि. Name of a non-Jaina ascetic. सूय० १, ३, ४; ३;

आसी. स्त्री० (आशी-आशिस्) સર્પની દાઢ. सर्प की दाढ. A jaw of a serpent; a serpent's fang. ठा० ४; —विस. पुं० (-विष) જેની દાઢમાં ઝેર રહેલું છે તેવો સર્પ. जिसकी दाढ में विष है वह सर्प. a serpent (with venom in the fangs). विशे० ७८०; भग० ८, १; दस० ६, १, ५; पराह० १, १; उत्त० ६, ६३; तंदु० दसा० ६, ३२. जीवा० १; (२) સીતોદા નદીને પશ્ચિમ કિનારે શંખ વિજયની પશ્ચિમ સરહદ પરનો વખારા પર્વત. सीतोदा नदी के पश्चिम किनारे शंख विजय की पश्चिम सीमा प्रान्त पर का वखारा पर्वत. name of a Vakhārā mountain on the western boundary of Saṅkha Vijaya on the western bank of the river Sītodā. ठा० ८, १; जं० प०

आसीण. त्रि० (आसीन) બેઠેલ; આશ્રય કરેલ. बैठा हुआ; आश्रय किया हुआ. Sat; seated; resorted to. आया० १, ८, ७, १७; पराह० २, १;

आसीविसत्त. न० (आशीविषत्व) ઇષ્ટ અનિષ્ટ કરવાનું સામર્થ્ય. इष्ट अनिष्ट करने का सामर्थ्य. Power of bringing about good or evil. भग० १५, १; ठा० ४;

आसीविसत्ता. स्त्री० (आशीर्विषता) આશીવિષપણું; અતિ ઝેરી સર્પનો ભાવ. आशीविषता; अति जहरीले सर्प का भाव. State of being a highly venomous serpent. भग० १६, १;

आसीविसभावणा. स्त्री० (आशीविष भावना) આસી વિષત્વ ઇષ્ટાનિષ્ટ કરવાના સામર્થ્ય સંબંધી હકીકત જેમાં બતાવેલ છે તેવું અંગબાહ્ય એક કાલિક સૂત્ર-કે જે ચૌદ વર્ષ ઉપરાંતની દીક્ષા-પ્રવ્રજ્યાવાળાને વાંચવા દેવાનો અધિકાર છે. તે સૂત્ર હમણા વિદ્યમાન નથી, વિચ્છેદ થઇ ગયેલ છે. जिस में आशी विषत्व-इष्टानिष्ट करने के सामर्थ्य का वर्णन है, ऐसा एक अंगो से पृथक कालिक सूत्र, जिसे कि चौदह वर्ष से अधिक समय के दीक्षित साधु को पढने का अधिकार है. यह सूत्र वर्तमान में विद्यमान नहीं है. इसका विच्छेद हो गया है. Name of an Aṅga Bāhya Kālika Sūtra dealing with the power of bringing about good or evil (by austerities.) It is permitted to be read after 14 years of asceticism. The Sūtra is lost and not extant in these days. वव० १०, ३३; ३६;

आसीविसा. स्त्री० (आशीविषा) સીતોદા મહાનદીને જમણે કાંઠે આવેલી આશીવિષા નામની નગરી. सीतोदा महानदी के दाहिने किनारे पर की आशीविषा नाम की नगरी. Name of a town on the right bank of the great river Sitodā. ठा० २, ३;

आसु. अ० (आशु) જલ્દી; શીઘ્ર; એકદમ. शीघ्र; तुरंत; जल्दी. Quickly; at once. सूय० १, ४, १, २७; दस० ८, ४८;

आसुकार. त्रि० (आशुकार-करणं-कारः-अचित्तीकरणं, आशु-शीघ्रं कार आशु कारः) જેથી તત્કાલ મરણ નિપજે તે; મરણનો અવસર લાવનાર સર્પદંશ વિસૂચિકા વગેરે. शीघ्र-तत्काल-मार डालने वाला; सर्पदंश, विशूचिका आदि. Producing, causing death quickly or instantaneously, e. g. serpent-bite. आउ० ६;

आसुचर. त्रि० (आशुचर) શીઘ્ર ચાલનાર. जल्दी जल्दी चलने वाला. Walking fast; moving fast. विशे० २४२८;

आसुपन्न. त्रि० (आशुप्रज्ञ-आशु शीघ्रं कार्याकार्येषु प्रवृत्तिनिवृत्तिरूपा प्रज्ञा मतिर्यस्य स आशुप्रज्ञः) તીવ્ર બુદ્ધિવાળો; ઉત્પાતકી બુદ્ધિમાન્. तीव्र बुद्धिवाला; उत्पातकी बुद्धिमान्. Quick-witted; sharp-witted. आया० १, ७, १, २००; सूय० १, १४, ४;

आसुर. न० (आसुर) આસુરી ભાવના; જેથી અસુરયોનિમાં થવા યોગ્ય કર્મ બંધાય તેવી ભાવના. आसुरी भावना; ऐसी भावना जिससे आसुर योनि में उत्पन्न होना पडे ऐसे कर्मों का बंधन हो Meditation which causes birth among demons or as a demon. ठा० ४, ४; (२) અસુર સંબંધી; ભવનપતિ અને વ્યંતર સંબંધી. असुरसंबंधी; भवनपति और व्यन्तर संबंधी. pertaining to gods of the infernal world, like Bhavanapatis and Vyantara gods. सूय० १, १, ३, १६; उत्त० ३, ३; ८, १४; प्रव० ८५६;

आसुरता. स्त्री० (आसुरता) આસુર પણું. आसुरी भाव; असुराई. State of being a demon; devilry. ठा० ४;

आसुरत्त. त्रि० (आशुरक्त) ક્રોધથી લાલચોળ થયેલ. जो क्रोध से लाल हो गया हो वह. Red-hot with anger. निर० १, १; नाया० १, ७; ८; ६; १६; दस० ८, २५; उवा० २, ६५;

आसुरत्त. न० (आसुरत्व) આસુરી ભાવના; અસુરદેવતામાં ઉત્પન્ન થવું પડે તેવી ભાવના. आसुरी भावना; असुरदेवों में जिस भावना से उत्पन्न होना पडे वह भावना. A meditation which causes birth among infernal gods; devilish meditation. उत्त० ३६, २५४;

आसुरा. स्त्री० (आसुरी—असुरा भवनपतिदेवविशेषास्तेषामियमासुरी) જેનાથી અસુર યોનિમાં ઉત્પન્ન થવાય એવી ભાવના. जिससे असुर योनि में उत्पन्न होना पडे ऐसी भावना. A meditation which causes birth among infernal beings. " चउहिं ठाणेहिं आसुरत्ताए कम्मं पकरेती " ठा० ४;

आसुरिय. त्रि० (आसुरिक) અસુરસમ્બન્ધી. असुरसंबन्धी. Pertaining to infernal beings. " आसुरियं दिसं बाला गच्छंति अवसातमं " उत्त० ७, १०; दसा० १०, ७; (२) (असुराणां चण्डकोपेन चरतीति आसुरिकः) પૂર્વભવમાં તીવ્ર ક્રોધ કરવાથી અસરપણે ઉત્પન્ન થનાર. पूर्वभव में तीव्र क्रोध करने से असुर रूपसे

उत्पन्न होनेवाला. born as an infernal being on account of habit of sharp anger in previous birth. भाउ०

आसुरिय. न० (आसुर्य) અસુરપણું. असुरपन; असुराई. State of being a denizen of the infernal world; devilry. दसा० १०, ७;

आसुरी. स्त्री० (आसुरी) અસુરપણે ઉપજવા યોગ્ય ભાવના; સાધુ થઇને કજીઆ કરે, સકામ તપ કરે, નિમિત્ત પ્રકાશે, નિર્દયપણું કરે તે. जिससे असुर योनी में उत्पन्न होना पडे ऐसी भावना; साधु होकर झगडा करना, सकाम तप करना, निमित्त प्रकाशित करना, और निर्दयता रखना आदि. Meditation or activity which causes birth as a devil; e. g. quarrelling, practising austerity with desire of fruit, acting cruelly, interpreting omens etc. प्रव० ६४८;

आसुरुत्त. त्रि० (आशुरुष्ट—आशु शीघ्रं रुष्टः क्रोधेन विमोहितो यः सः) જલ્દી ક્રોધાયમાન થનાર. शीघ्रता से क्रोधित होनेवाला. (One) getting quickly exasperated. विवा० ४, ६; भग० ३, १; २; ७; ६; १५, १; नाया० २; १६; जं० प० ३, ४५;

आसुहम्म. न० (आसौधर्म्म) સૌધર્મ દેવલોક સુધી. सौधर्म देवलोक तक. Up to, as far as, the heavenly world called Saudharma. क० गं० ५, ७२;

आसुहुम. न० (आसूक्ष्म) આસૂક્ષ્મ સંપરાય—મિથ્યાત્વ-ગુણઠાણાથી માંડીને દશમાં સૂક્ષ્મ સંપરાય ગુણઠાણા સુધી. आसूक्ष्मसंपराय–मिथ्यात्व गुणस्थान से लेकर दसवें सूक्ष्मसंपराय गुणस्थानतक. State beginning with the Guṇasthāna named Mithyātva (i. e. first) and ending with that named Sūkṣmasaṃparāya (i. e. 10th). क० गं० ४, ६३;

आसूणि. न० (आशूनि) ઘૃતપાનાદિક બલિષ્ટ ઔષધ-કે જેથી માણસ બલવાન્ થાય. घृत पानादिक बलकारी औषधि जिससे कि मनुष्य बलवान् हो. A tonic remedy e. g. taking ghee etc. by which one becomes strong. सूय० १, ६, १५;

आसूय. न० (*) કોઇ દેવને માનતા માનવામાં આવે છે તે. किसी देव की मानता मानना. Vowing to propitiate a god in case a certain desired thing comes to pass. पि०नि०४०२;

√ **आसेव.** धा० I. (आ + सेव्) સેવન કરવું. सेवन करना. To practise; to adopt; to take to.

आसेविउं. हे० कृ० नाया० १७;

आसेवित्ता. सं० कृ० आया० १, ३, २, ११४;

आसेवमाण. व० कृ० नाया० १७;

आसेवण. न० (आसेवन) સેવવું તે. सेवन करना. Resorting to; taking to; waiting upon. पंचा० ७, ३१;

आसेवणा. स्त्री० (आसेवना) સંયમમાં અતિચાર-દોષ લગાડવા તે. संयम में अतिचार–दोष लगाना. Partial violation of ascetic vows. प्रव० ७३२; (२)

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) page 15th.

सूत्रनुं अनुष्ठान करवुं ते. सूत्र का अनुष्ठान करना. studying, following the precepts of, Sūtras. सूय० नि० १, १४, १३१; (२) आरोपण करवुं-आरोपवुं. आरोपण करना; आरोप करना adding to; charging with. सम० २८, —कुशील. पुं० (-कुशील) संयममां अतिचार लगाडवाथी कुशील थयेल. संयम में अतिचार लगाने से जो कुशील हुआ हो वह. one who has become lacking in right conduct on account of partial violation of ascetic restraint. प्रव० ७३२;

आसेवालोय-अ. पुं० (आसेवालोचक) पुनः पुनः पापकरी प्रायश्चित्त लेनार (साधु). बारंबार पाप कर के प्रायश्चित्त लेनेवाला साधु. (An ascetic) frequently incurring sin and frequently performing expiation. विशे० ८६८;

आसेविय. त्रि० (आसेवित) अल्प-थोडुं सेवित-सेवेल; थोडो स्वाद लीधेल-चाखेल. कुछ स्वाद लिया हुआ-चखा हुआ; कुछ सेवन किया हुआ. Slightly resorted to; slightly tasted. आया० १, १, १६; नाया० ८;

आसोअ. पुं० (अश्वयुज) आसोमास. आश्विन मास. The month of Āsvina. सम० ३६; जं० प० ओघ० नि० २८३; भग० ११, ११; १८, १०; कप्प० २, ३०; ६, १६४;

आसोई. स्त्री० (आश्वयुजी—अश्वयुगश्विनीनक्षत्रं भवाऽस्यामाश्वयुजी) आसो सुदि पुनम. आश्विन सुदी १५ पूर्णिमा: The full-moon-day of the month of Āsvina. जं० प० ७, १६१;

आसोग. पुं० न० (आशोक-अशोकस्येदमाशोकम्) अशोक वृक्षनुं फूल. अशोक वृक्ष का फूल. A flower of the Asoka tree. नाया० ८;

आसोत्थ. पुं० (अश्वत्थ) पीपळो; पीपळानुं झाड. पीपल का झाड़. The holy fig-tree. आया० २, १, ८, ४५,

आसोत्थ. पुं० (अश्वत्थ) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. पन्न० १;

√**आ-स्सय.** धा० I. (आ+श्रि) आश्रय करवो. आश्रय करना. To rest upon; to resort to.

आसयइ. दसा० ६, २१;
आसयति. भग० १३, ६;
आसयंति. नाया० १७; जं० प० १, ६; १२;
आसयाहि. नाया० ध०
आसइत्ता. राय० २५७;
आसयंत. विशे० ३२२;

√**आ-स्सय.** धा० I. (आ+स्वद्) स्वाद लेवो. स्वाद लेना. To taste; to relish. (२) अभिलाषा करवी. अभिलाषा करना. to desire.

आसयइ. सम० ३०;

√**आ-स्सस.** धा० II. (आ+श्वस्) थाक उतारवा विश्रांति लेवी. थकावट उतारने के लिये विश्रांति लेना. To take rest in order to remove fatigue.

आसासेइ- नाया० १६;
आसासंति. नाया० ६;
आसासि. भू० "एवमासासि अप्पाणं" उत्त० २, ४१;

√**आ-स्साद.** धा० I. II. (आ+स्वद्) आस्वादन करवुं. स्वाद लेना; चखना. To taste; to relish. (२) चाहवुं; इच्छवुं. चाहना; इच्छा करना to wish;

to desire. (३) પ્રાપ્ત કરવું. प्राप्त करना. to acquire: to gain.

आसाएति. उत्त० २६, ३३; ठा० २, २; नाया० ८; १२; १६; १८; विवा० ७;
आसाएति. पन्न० १५;
आसादेइ. नाया० १२;
आसादेन्ति. भग० १५, १;
आसायन्ति. पन्न० २८;
आसाएमि. नाया० ६;
आसाएमो. नाया० १८;
आसाएहि. आया० १, ५, ३, १५५;
आसादेस्सामो. भग० १५, १;
आसादेस्सामो. भग० १५, १;
आसादेत्ता. सं० कृ० ठा० ७;
आसाइत्ता. सं० कृ० नाया० ६;
आसित्ता. आया० २, १, ३, १४;
आसाएमाण. नाया० १;

आस्सादिय. त्रि० (आसादित) જુઓ " आसादिय " શબ્દ. देखो " आसादिय " शब्द. Vide " आसादिय " भग० १५, १;

आस्सायणिज्ज. त्रि० (आस्वादनीय) સ્વાદ લેવા યોગ્ય. स्वाद लेने योग्य. Worth being tasted. दसा० १०, ५;

आस्साविणी. स्त्री० (आश्राविणी) જલનો સંગ્રહ કરનાર; જેમાં પાણી ચાલ્યું આવે તે: (नावा) जिस में पानी आता हो वह नाव; जल का संग्रह करनेवाली. (A ship) having a leak in it. उत्त० २३, ७०;

आहच्च. अ० (आहत्य) કદાચ; કદાચિત્. कदाचित्. Perhaps. उत्त० १, ११; " आहच्च सवणं लद्धुं " ३, ६; वेय० ४, ११; ओघ० १, १, ४, ३७; २, १; १, १; भग० १, २; ७; ६, १०; ७, ६; १८, ७; वव० २, २३; ४, १०; ११;

आहच्च. अ० (आहृत्य) લાવીને; આણીને लाकर. Having brought. आया० १, ७, २, २०४; २, १, १, १;

आहट्टु. सं० कृ० अ० (आहृत्य) સ્વીકારે કરીને. स्वीकार करके. Having accepted. आया० १, २, ६, ८४; (२) લાવીને; આણીને. लाकर. having brought. आया० ६, ७, २, २०२; सम० २१; निसी० ३, ५; ११, ८; १४, १५; ६१; १७, २८; १८, २; १६, १; दसा० २, ७;

आहड. अ० (आहृत) આણેલું; લાવેલું. लाया हुआ. Brought; carried. दस० ५, १, ४५; ६, ४६; ओघ० नि० भा० २३६; गय० २७४; पगह० २, ५; पंचा० १, १४;

आहडिया. स्त्री० (*आहृतिका) બહારથી આવેલી લ્હાણી. बाहिरसे आई हुई लाहिन; परोसना. Food received from outside as a present. वेय० १, ४४; २, १६;

आहत. त्रि० (आहृत) એક ઠેકાણેથી બીજે ઠેકાણે આણેલું. एक स्थान से दूसरे स्थान में लाया हुआ. Brought or carried from one place to another. प्रव० ८५६;

आहत्तहिअ. न० (याथातथ्य) યાથાતથ્ય; જેવું છે તેવું. जैसे का तैसा; जैसा चाहिये वैसा. Real, actual condition. सम० २३; (२) યથાર્થ ઉપદેશનું સ્વરૂપ; સત્ય; વાસ્તવિક સ્વરૂપ. यथार्थ उपदेश का स्वरूप; सत्य; वास्तविक. स्वरूप. truth; real nature; e. g. of religious teaching. सूय० १, १३, १; (३) સૂયગડાંગના ૧૩ મા અધ્યયનનું નામ કે જેમાં યથાર્થ ઉપદેશનું સ્વરૂપ બતાવ્યું છે. सूयगडांग के १३ वें अध्याय का नाम जिस में कि यथार्थ उपदेश के स्वरूप का वर्णन है. the 13th chapter of

Sūyagaḍāṅga in which the real nature of religious teaching is shown. सूय० १, १३, २३;

आहमंत. व० कृ० त्रि० (आधमत्) ધમતો; ધમણ ધમતો. धौंकता हुआ; धम्मन धोंकता हुआ. Blowing; blowing a furnace with bellows राय० ८, ८;

आहम्मियपय. न० (अधार्मिकपद) અધાર્મિક પદ; ધર્મ વિરૂદ્ધ પદ. अधार्मिक पद; धर्म विरुद्ध पद. An irreligious step. दस० ९, ३१;

आहय. त्रि० (आहत) હણેલું. मारा हुआ. Killed. (२) વગાડેલું; વગાવેલું. पीटा हुआ; बजाया हुआ. played upon; beaten e. g. a musical instrument. ओव० ३२; पन्न० २; पएह० १, ३; उवा० ७, २००; विवा० १; कप्प० ३, ४०; ४३; (३) ઢોલ. ढोल. a drum. आया० २, ११, १७; (३) પ્રેરણા કરેલ. प्रेरित. inspired; hinted at, moved. राय०

आहय्य. स्त्री० (आहत्य) દુંદુભિ. दुंदुभी. A kind of large kettle-drum; a drum भग० १२, १;

√ **आहर.** धा० I, II. (आ+हृ) ખાવું. खाना. To eat. (२) ગ્રહણ કરવું; સ્વીકારવું. ग्रहण करना. to take; to accept. (३) આણવું; લાવવું. लाना. to bring.

आहारेइ-ति. प्रे० निसी० ४, १७; ठा० २, २; नाया० २; ८; ६; १४; १६; १८; भग० १, ७; ३, २; ७, १; अंत० ३, ६; राय० २४०;

आहरेइ. ओव० ४०;

आहारं-रें-ति. भग० ६, १०; ७, ३; ८, ५; १४, ६; १४, ६; १८, ३; १६, ३; नाया० ४; पन्न० १४;

आहारेसि. नाया० १६;

आहारेमि. पन्न० ११;

आहारेमो. नाया० १८;

आहारिज्जा. वि० उत्त० २, ३१;

आहारेज्ज-ज्जा. सूय० १, १, २, २८; भग० ६, ६; २०, ६;

आहारे. दस० ५, १, २७;

√ **आ-हर.** धा० I, II. (आ+हृ) એકઠું કરવું; इकट्ठा करना. To collect.

आहुणिय. सं० कृ० नाया० ४; जं० प० ३, ५५; राय० २६;

आहर. आज्ञा० निसी० १, ५;

आहरेहि. आज्ञा० नाया० १६;

आहराहि. उत्त० २, ३१; भग० १५, १; सूय० १, ४, २, ५;

आहारेह. आज्ञा० नाया० १५; १६; १८;

आहारेत्तए. हे० कृ० नाया १६;

आहारित्तए. ओव० ३८; वेय० १, १६; कप्प० ६, ४३; भग० १, ७; ३, १; नाया० १६;

आहरित्तए. नाया० १८;

आहारेइत्ता. सं० कृ० नाया० ४; ६; १६;

आहारित्ता. भग० २०, ६;

आहारेमाण. व० कृ० नाया० १; भग० ११, ११; २५, ७; वेव० ५, ६; दसा० ३, १६; १६;

आहारमाण. क० वा० व० कृ० ओव० १६; भग० ७, १;

आहरंत. दस० ५, १, २८,

आहारिज्जमाण. क० वा० व० कृ० भग० १, १; ठा० १०;

आहरिज्जमाण. ठा० १;

आहरण. न० (आभरण) ઘરેણું; દાગીનો; આભૂષણ. गहना; आभूषण. An ornament. ओव० २४; सु० च० १, ३१८; प्रव० १२३५; —विहि. पुं० (-विधि)

घरेणां બનાવવા તથા પ્હેરવાનો વિધિ-રીતિ. आभरण बनाने तथा पहनने की विधि. the art or process of making or fashioning ornaments and also of putting tham on. प्रव० १२३४;

आहरण. न० (उदाहरण—उदाह्रियते प्राबल्येन गृह्यतेऽनेनदार्ष्टान्तिकोऽर्थ इत्युदाहरणम्) દૃષ્ટાંત; ઉદાહરણ. दृष्टांत; उदाहरण. An illustration. पिं० नि० ६२६; ठा० ४, ३; **—तद्देस.** पुं० (-तद्देश) એકદેશી દૃષ્ટાંત. एकदेशी दृष्टान्त--एक अंश में घटित होनेवाला दृष्टान्त. a one-sided illustration i. e. one not fully applicable. ठा० ४, ३; **—तद्दोस.** पुं० (-तद्दोष) સદોષ દૃષ્ટાંત. सदोष दृष्टान्त. faulty illustration. " आहरणतद्दोसे चउविहे पण्णत्ते तंजहा अधम्म जुत्ते " ठा० ४, ३;

आहवण. पुं० (आह्वान) બોલાવવું. बुलाना. Calling; inviting. सु० च० ३, ११४; पंचा० २, १२;

आहव्व. त्रि० (आभाव्य) क्षेत्र, शिष्य, ભાત, પાણી, વસ્ત્ર, પાત્ર વગેરે. क्षेत्र, शिष्य, भात, पानी, वस्त्र, पात्र आदि. Such things as, a field, food, water, clothes, vessels etc.; also a disciple etc. पंचा० ११, २६;

आहव्वणी. स्त्री० (आथर्वणी) તાત્કાલિક અનર્થ કરનાર એક વિદ્યા. तात्कालिक अनर्थ करनेवाली एक विद्या. An art (enabling a person) to work instantaneous disaster or mischief. सूय० २, २, २७;

आहव्वाय. न० (यथावाद) વિચ્છેદ ગયેલ બારમાં દૃષ્ટિવાદ અંગના બીજા વિભાગ સૂત્રનો ૧૦ મો ભેદ. विच्छेद हो चुके हुए बारहवें दृष्टिवाद अंग के दूसरे विभाग-सूत्र का १० वाँ भेद. The 10th section of the 2nd part of the lost 12th Dristivāda Aṅga. नंदी० ५६;

आहाकड. त्रि० (आधाकृत) ખાસ સાધુને માટે નિપજાવેલ આહારાદિ. खास साधु के लिये बनाया हुआ आहारादि. (Food etc.) prepared specially for a Sādhu. सूय० १, १०, ८; पराह० २, १;

आहाकम्म न० (आधाकर्मन्) આધાકર્મી-આહાર વગેરે. आधाकर्म आहार वगैरह. Food etc. specially prepared for an ascetic. उत्त० ३, ३; पिं० नि० ६२, १०७; सम० २१; भग० १, ६; ५, ६; ७, ८; पंचा० १३, ४; प्रव० ५७१; दसा० २, ४; ५; ६; निसी० १०, ६;

आहाकम्म. न० (*) પોતાના જેવા કર્મ હોય તે પ્રમાણે; સ્વકૃત કર્માનુસાર. अपने किये हुए कर्म के अनुसार. In accordance with one's own Karma. उत्त० ४, १३;

आहाकम्मिय. त्रि० (आधाकर्मिक) સાધુને માટે બનાવેલ આહાર. साधु के लिये तैयार किया हुआ आहार. Food prepared specially for an ascetic. नाया० १; भग० ६, ३३; ओघ०

आहाच्छंद. त्रि० (यथाच्छंद) પોતાની મરજી મુજબ વર્તનાર; સ્વેચ્છાચારી. अपनी इच्छा अनुसार बर्ताव करनेवाला; स्वच्छंदी. Self-willed. निर० ३, ४;

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ट नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

आहातच्च. न० (याथातथ्य) જે વસ્તુ જેવી હોય તેવીજ કહેવી તે; યથાર્થ; સત્ય. जो वस्तु जैसी चाहिये वैसी ही होना; उचित-ठीक ठीकपना. Reality; truth. दसा० ५, २०;

आहातहिअ. न० (याथातथ्य) યાથાતથિક-સત્ય વાત જેમાં પ્રતિપાદન કરી છે તે સૂયગડાંગ સૂત્રના ૧૩ મા અધ્યયનનું નામ. सूयगडांग सूत्र के १३वें अध्ययन का नाम जिसमें यथार्थ बात का प्रतिपादन किया है. Name of the 13th chapter of Sūyagadānga in which absolute truth is explained. सम० १३०;

आहाय. सं० कृ० अ० (आधाय) મુકીને; કરીને. छोडकर; करके. Having done; having placed. पिं० नि० १७४; १८०;

आहार. पुं० (आधार) આધાર; આશ્રય; અવલમ્બન; ટેકો. आधार, आश्रय; अवलम्बन; सहारा. Support; anything which supports. "दोहिं गडभत्थाणं आहारे पं० तं० मणुस्साणं चेव" ठा० २; विशे० ७१६; १४०६; राय० २१०; नाया० १; ५; ७; १२; १४; भग० १८, २; अणुजो० १२६; उवा० १, ५;

आहार. पुं० (आहार) આહાર-ખોરાક; ભોજન; ખાનપાન. आहार; भोजन. Food; eating; eating and drinking. पन्न० १; ३; २८; ३६; ओव० १६; ३८; विशे० ४; नाया० १; ४; ५; ७; १६; १८; दस० ६, ४७; निसी० १०, ५; ५१; जीवा० १; उत्त० ३०, १३; भग० १, १; ७; २, १; ७, १; १६, ३; २५, ७; सम० १; उवा० १, ५१; जं० प० २, २२; प्रव० ६२८; पंचा० १, २६; कप्प० ४, ८५; क० गं० २, १३, ३, ७; —**अपज्जत्ति.** त्रि० (-अपर्याप्ति) આહારની અપર્યાપ્તિ; આહાર લેવાની શક્તિ પુરી ન થાય તે. आहारकी अपर्याप्ति; आहार लेनेकी पूरी शक्ति का अभाव. imperfectly developed power of assimilating food. भग० ६, ४; —**अवक्कंति.** स्त्री० (-अपक्रांति) આહારનો ત્યાગ. आहार का त्याग. giving up, abandonment, of food. कप्प० १, २; —**उवचिय.** त्रि० (-उपचित) આહારથી ઉપચિત-પુષ્ટ. आहार से पुष्ट. plump with food. भग० १६, २; ८; —**कंखिय.** त्रि० (-कांक्षिक) આહારની ઇચ્છા કાંક્ષા વાળો. आहार की इच्छा वाला. (one) desirous of food. वव० १, १; —**गम.** पुं० (-गम) આહારનો ગમો-આહાર સંબંધી હકીકત બતાવનાર સૂત્ર-પાઠ. आहार संबन्धी वर्णन करनेवाला सूत्र-पाठ. a Sūtra-text dealing with instructions about food. भग० २, १; —**गुत्त.** त्रि० (-गुप्त) થોડો આહાર કરનાર; આહાર પરત્વે મન વચન અને કાયાને પાપથી ગોપવી રાખનાર. किंचित् आहार करनेवाला; आहार के सम्बन्ध में मन, वचन और कायको पाप से पृथक रखनेवाला. (one) taking limited amount of food; self-restrained in the matter of food. प्रव० ६४६; —**गोयर.** पुं० (-गोचर) આહારનો વિષય-વસ્તુ. आहारकी वस्तु. an article of food. पंचा० ५, ३; —**छग.** न० (-षट्क) આહારક શરીર, આહારક અંગોપાંગ, દેવતાનું આયુષ્ય, નરકની ગતિ, નરકનું આયુષ્ય અને નરકાનુપૂર્વી એ છ પ્રકૃતિ. आहारक शरीर, आहारक अंगोपांग, देवता का आयुष्य, नरक की गति, नरक का आयुष्य और नरकानुपूर्वी ये छः प्रकृतियां. the six Pra-

kritis, (Karmic natures) viz Āhāraka Śarīra, Āhāraka Aṅgopāṅga, Devatāyus, Narakagati, Narakāyus, and Narakānupūrvī. क० गं० ३, १५; —आइ. स्त्री० (-जाति) આહારના પ્રકાર; જુદી જુદી જાતના ખોરાકનો જથ્થો. आहार के भेद; भिन्न भिन्न प्रकार के भोजन का समूह. varieties of food; collection of foods of various kinds. पंचा० ५, २१; —जाय. न० (-जात) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. पंचा० १, २६; —जुगल. न० (-युगल) આહારક શરીર અને આહારક અંગોપાંગ એ બે પ્રકૃતિ. आहारक शरीर और आहारक अंगोपांग ये दो प्रकृतियां. the two Prakritis viz Āhāraka Śarīra and Āhāraka Aṅgopāṅga. क० गं० २, १७; —(ऽ)ट्ठि. त्रि० (-अर्थिन्) ભોજનનો અર્થી. भोजन का अर्थी. (one) desirous of, asking for, food. भग० १, १; —तित्थयर. पुं० (-तीर्थंकर) આહારક શરીર અને તીર્થંકરનામ એ બે પ્રકૃતિ. आहारक शरीर और तीर्थंकरनाम ये दो प्रकृतियां. the two Prakritis viz Āhāraka Śarīra and Tīrthaṅkaranāma. " उक्कोसा संखेज्जा–गुणहीणा आहारतित्थयरे" क० प० १, ७८;—(ऽ)त्थि. त्रि० (-अर्थिन्) આહારનો અર્થી–ચાહનાર. आहारका अर्थी; आहार चाहने वाला. (one) who desires, wants, food. नाया० ४; —दव्ववग्गणा. स्त्री० (-द्रव्यवर्गणा) આહારક શરીરમાં ઉપયોગી થાય તેવા પુદ્ગલનો સમુહ. आहारक शरीरमें उपयोगी होसके ऐसे पुद्गलों का समुह. the material molecules which go to build up the Āhāraka body. भग० १, १; —दु. न० (-द्वि) જુઓ " आहार–जुगल " શબ્દ. देखो " आहार-जुगल " शब्द. vide " आहार–जुगल " क० गं० ३, ३; —दुग. न० (-द्विक) જુઓ " आहार–जुगल " શબ્દ. देखो " आहार-जुगल " शब्द. vide " आहार-जुगल " क० प० १, ७३; क० गं० २, ३, ३, १६; —पच्चक्खाण. न० (-प्रत्याख्यान) આહાર–ખાન પાનનો ત્યાગ; ઉપવાસ સંથારો વગેરે. आहार–खान पान का त्याग; उपवास, संथारा आदि. giving up food, drink etc.; a fast. " आहारपच्चक्खाणेणं भंते जीवे किं जणयइ " उत्त० २६, ३५; —पज्जत्ति. स्त्री० (-पर्याप्ति) જે શકિતથી આહાર લઈને શરીર રૂપે પરિણામ પમાડી શકાય તે શકિતની પૂર્ણતા. जिस शक्ति से आहार ग्रहण कर उसका शरीर रूप परिणाम उत्पन्न किया जा सके उस शक्तिकी पूर्णता. the perfect development of the power of assimilating food into the physical body. भग० ३, १; ६, ४; प्रव० १३३१; —पोसह. पुं० (-पोषध) એક અહોરાત્ર સુધી ચારે આહારનો ત્યાગ કરવો તે. एक अहोरात्र तक चारों प्रकार के आहार का त्याग करना. giving up food of every kind for the space of a day and a night. पंचा० १०, १४; —(ऽ)ब्भवहार. पुं० (-अभ्यवहार) આહાર (ભોજન) કરવો; ખાવું તે. आहार (भोजन) करना; खाना. taking food; eating. विशे० २२१; —भाव. पुं० (-भाव) આહારનો ભાવ. आहार का भाव. state of being food. भग० १८, १; —माइय. त्रि०

(-चारिक) ચાર જાતના આહાર; આહાર આદિ. चार प्रकार का आहार. food etc.; food of four kinds viz solid, liquid etc. सूत्र० ८, १८; —वक्कंति. स्त्री० (-व्युत्क्रांति) આહારને છોડી દેવો-તજવો તે. आहार का त्याग करना. giving up food नाया० ८; —संपज्जण. न० (-संपदि) આહારની સંપત્-રસને ઉત્પન્ન કરનાર; મીઠું; લવણ. आहार के रस को उत्पन्न करनेवाला; नमक. salt; (so called because it imparts taste to food). "आहार संपज्जण वज्जयेणं" सूय० १, ७, १२; —सण्णा. स्त्री० (-संज्ञा) આહાર લેવાની સંજ્ઞા-ઇચ્છા. आहार लेनेकी संज्ञा-इच्छा. desire of taking food. "चउहिं ठाणेहिं आहारसण्णा समुप्पज्जइ" ठा० ४, ४; पन्न० ८; भग० ७, ८; १२, ५; २०, ७; २४, १; —सण्णोवउत्त. त्रि० (-संज्ञोपयुक्त) આહારની સંજ્ઞાવાળા. आहारकी संज्ञावाला. (one) having a desire of taking food. भग० ११ १; १३, १; २६, १; —सन्ना. स्त्री० (-संज्ञा) ચાર સંજ્ઞામાંની એક; ખાવાની વાસના. चार संज्ञाओं में से एक; खाने की वासना. one of the four Sañjñās or animate feelings; viz desire for food. आव० ४, ७; —समुग्घाय. पुं० (-समुद्घात) આહારક શરીર બનાવવાની વખતે જીવપ્રદેશનું ઉદારિક શરીરથી બ્હાર નીકાલવું અને, પ્રકૃત પ્રકૃતિનું ભોગવટો કરી નિર્જરવું તે. आहारक शरीर बनाते समय जीव प्रदेशों का औदारिक शरीर से बाहिर निकालना और प्रकृत कर्म प्रकृतियों का उपभोग करके फिर उसकी निर्जरा करना. emanation of soul particles from the physical body at the time of the creation of the Āhāraka body, and the decay of Karmic matter after its results have been endured by the soul. सम० ६;

आहारइत्तार. त्रि० (आहर्तृ) આહાર કરનાર; ખાનાર. आहार करनेवाला; खानेवाला. (One) who eats. सम० ६;

आहारओ. अ० (आहारतस्) ખોરાક આશ્રીને. भोजन का आश्रय करके. From food; on account of food. "आहारओ पंचकवज्जएणं" सूय० १, ७, १२;

आहारग. न० (आहारक-चतुर्दशपूर्वविदाऽऽह्रियते गृह्यते इत्याहारकम्) આહારક શરીર પાંચ શરીરમાંનું ત્રીજું શરીર. आहारक शरीर; पांच शरीर में का तीसरा शरीर. The 3rd of the 5 kinds of body; प्रव० ६४; ७००; क० गं० १, ३३; भग० ८, ६; (२) त्रि० આહાર કરનાર; ખાન પાન વગેરે કરનાર. आहार करनेवाला; खान-पान करनेवाला. (one) who eats. आया० १, १, ५, ४६; भग० ६, ४; ८, २; (३) આહારક શરીરની લબ્ધિવાલા સાધુ. आहारक शरीर की लब्धिवाला साधु. an ascetic who has got the power of evolving the Āhāraka Śarīra. प्रव० ८१७; (४) આહારક સમુદ્ઘાત; આહારક શરીરમાં આત્માના પ્રદેશ વિસ્તારવા તે. आहारक समुद्घात-अर्थात् आहारक शरीर में आत्मा के प्रदेशों का विस्तार करना. Āhāraka Samudghāta i. e. emanation of soul-particles into the tiny body known as Āhāraka Śarīra. प्रव० १३२६; —अंगोपांगणाम. न० (-अङ्गोपाङ्गनाम) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ

के जेना उदयथी आहारक शरीरना अंगोपांग प्राप्त थाय. नाम कर्म की एक प्रकृति कि जिसके उदय से आहारक शरीर के अंगोपांग प्राप्त हों. a variety of Nāmakarma by the maturing of which the Āhāraka body develops limbs and sub-limbs. क० गं० १, ३४; —जुगल. न० (-युगल) आहारक शरीर अने आहारक अंगोपांग ए बे नामकर्मनी प्रकृतिनी जोड. आहारक शरीर और आहारक अंगोपांग, ये नाम कर्म की दो प्रकृतियों का जोड़ा. the pair of the two varieties of Nāmakarma by the rise of which one gets Āhāraka Śarira and Āhāraka Aṅgopāṅga. क० गं० १, ३५; —णाम. न० (-नामन्) जेना उदयथी आहारक शरीर मळे एवी नाम कर्मनी एक प्रकृति. जिसके उदय से आहारक शरीर प्राप्त हो वैसी नामकर्म की एक प्रकृति. a variety of Nāmakarma by the rise of which one gets the Āhāraka Śarira. क० गं० ४, ५८; —दुग. न० (-द्विक) जुओ " आहारग जुगल " शब्द. देखो " आहारग जुगल " शब्द. vide " आहारग जुगल " क० गं० ४, ५८; —मीसग. पुं० (-मिश्रक) जुओ " आहारगमीसा " शब्द. देखो " आहारगमीसा " शब्द. vide " आहारगमीसा " भग० २५, १; —मीसा. स्त्री० (-मिश्रा=मिश्र) आहारक मिश्रयोग; आहारक शरीर बनाववानी वखते के छोडती वखते उदारिक आदि शरीरनी साथे मिश्रण थाय ते वखतनो योग-शारीरिक व्यापार. आहारक मिश्रयोग; आहारक शरीर बनाते या छोडते समय औदारिक आदि शरीर के साथ मिश्रण हो उस समय का योग-शारीरिक व्यापार. the process of the Āhāraka body being mixed with the physical body at the time of the formation of the former body or its dispersion. भग० ८, १; २५, १; —लद्धि. स्त्री० (-लब्धि) आहारक शरीर बनाववानी लब्धि-शक्ति. आहारक शरीर बनाने की लब्धि-शक्ति. the power of making an Āhāraka body. प्रव० ८१७; —वग्गणा. स्त्री० (-वर्गणा) आहारक शरीरनी रचनामां उपयोगी थाय तेवा पुद्गलनो जथ्थो. आहारक शरीर की रचना में उपयोगी हो ऐसे पुद्गलों का समूह. the molecules of matter which go to build up the Āhāraka body क० गं० १, १६; —वज्जिय. त्रि० (-वर्जित) आहारक समुद्घात शिवायनुं. आहारक समुद्घात के अतिरिक्त. excepting or excluding Āhāraka Samudghāta. प्रव० १३२६; —समुग्घाय. पुं० (-समुद्घात) आहारक शरीर बनाववा माटे आत्माना प्रदेश शरीरथी बहार काढवा ते. आहारक शरीर बनाने के लिये आत्मा के प्रदेश शरीर से बाहिर निकालना. emanation of the soul-particles from the body in order to create the Āhāraka body. ठा० ७; भग० १३, ६;

आहारगसरीर. न० (आहारकशरीर) आहारक शरीर. आहारक शरीर. Āhāraka body. भग० ६, ४; ८, १; —कायप्पओग. पुं० (-कायप्रयोग) आहारक शरीर रचीने ते शरीरथी प्रवृत्ति करवी ते; आहारक शरीरनो व्यापार. आहा-

एक शरीर की रचना करके उसी शरीर से प्रवृत्ति करना; आहारक शरीर का व्यापार. creating an Āhāraka body and acting with it. भग० ८, १;

—सरीरि. त्रि० (-शरीरिन्) આહારક શરીરવાળો (જીવ). आहारक शरीरवाला जीव. (a soul) with an Āhāraka body. ठा० ६, १; जीवा० १०;

—प्पओगबंध. पुं० (-प्रयोगबन्ध) આહારક શરીરની રચના કરવી તે. आहारक शरीर की रचना करना. creating an Āhāraka body. भग० ८, ६;

आहारगसरीरत्ता. स्त्री० (आहारकशरीरता) આહારક શરીરપણું. आहारक शरीर पन. State of being an Āhāraka body. भग० २५, २;

आहारण. न० (उदाहरण) દૃષ્ટાંત. दृष्टांत. An illustration. विशे० २३५; १०७७;

आहारत्ता. स्त्री० (आहारता) આહારનો ભાવ. आहार का भाव. State of being food भग० १८, ७;

आहारपरिण्णा. स्त्री० (आहारप्रतिज्ञा) સૂયગડાંગ સૂત્રના બીજા શ્રુતસ્કંધના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ કે જેમાં સર્વ જીવોની ઉત્પત્તિ કેવી રીતે થાય અને આહાર કેવી રીતે લ્યેછે તેનું વર્ણન છે. सूयगडांग सूत्र के दूसरे-श्रुतस्कंध के तीसरे अध्याय का नाम जिसमें कि सर्व जीवों की उत्पत्ति किस प्रकार होती है और वे किस प्रकार आहार ग्रहण करते हैं उसका वर्णन है. Name of the third chapter of the second Śrutaskandha of Sūyagadāṅga Sūtra dealing with the creation of sentient beings and their modes of taking food सूय० २, ३, ३८; सम० २३; ठा० ७;

आहारभूय. त्रि० (आधारभूत) આધારભૂત. आधार भूत. Forming a support नाया० १;

आहारय. न० (आहारक) ५ શરીરમાંનું એક શરીર કે જે ૧૪ પૂર્વધારી લબ્ધિવાળા સાધુ બનાવી શકે કોઇ વાતના સંદેહનું નિવારણ કરવાને તે સાધુ એક આહારક શરીરનું પુતલું બનાવી મહાવિદેહમાં કેવલી પાસે મોકલે છે ને પાછું આવતાં તેને સંકેલી લેછે તે. पांच शरीरों में का एक शरीर जिसे कि चौदह पूर्व धारी लब्धिवाला साधु, बना सकता है. उक्त शक्ति संपन्न साधु को जब कोई संदेह उत्पन्न होता है तब उस संदेह का निवारण करने के लिये इस शरीर की वह रचना करता है और उसे महाविदेह में केवली के पास भेजता है और उसके पीछे आजाने पर फिर अपने शरीर में मिला लेता है. One of the five bodies which can be created by a saint read in 14 Pūrvas. With this body which is tiny, he can go to Mahāvideha and get his doubts solved by Kevalis. It can afterwards be dispersed. पन्न० १२; भग० १, ७; ६, ३; ७, १; १८, १; २४, १; ६; विशे० ३७४; सम० प० २१६; क० गं० १, ३७;

आहारवंत पुं० (अवधारवावत) જે ધારે તે કહે તેવો. जो धारे वही कह गया. One who says what he has retained in mind or remembered. ठा० ८, १; भग० २५, ७;

आहारित. त्रि० (आहारित) આહાર ગ્રહણ કરેલ. आहार ग्रहण किया हुआ. (One) who has taken food. तंडु०

आहारित्तार. त्रि० (आहारयितृ) આહાર

કરનાર. आहार ग्रहण करनेवाला. (One) who takes food. (२) ગ્રહણ કરનાર. ग्रहण करनेवाला. (one) who takes. दसा० ३, १४:

आहारिम. त्रि० (आहार्य) પાણી સાથે ઉતારવા યોગ્ય; ખાદ્ય-ઔષધ-ચૂર્ણ વગેરે. पानी के साथ खाने योग्य; औषधि, चूर्ण वगैरह. (anything e. g. food, medicine, powder etc.) to be swallowed with water. पिं० नि० ५०२;

आहारिय. त्रि० (आहारित) જુઓ " आहारित " શબ્દ. देखो " आहारित " शब्द. Vide. " आहारित " नाया० २; ५; ०६; १८; १६; भग० १५, १; मध० २, ६, ३५;

आहारियं. अ० (यथाऽऽर्यम्) આર્યને ઘટે તેવી રીતે; જેથી આર્ય પણું પ્રાપ્ત થાય તેવી રીતે. जिससे आर्यत्व प्राप्त हो, इस प्रकार. In a manner worthy of a civilised person. आया० २, ३, १, ११६;

आहारिस्समाण. त्रि० (*आहारिष्यमाण-आहारिष्यत्) ભવિષ્ય કાલમાં આહાર કરનારો. भविष्य काल में आहार करने वाला. (One) who is to take food in future; going to take food in future. भग० १, १;

आहारुद्देसअ. पुं० (आहारोद्देशक) " પન્નવણા " સૂત્રના પ્રથમ ઉદ્દેશાનું નામ. " पन्नवणा " सूत्र के प्रथम उद्देश का नाम. Name of the first chapter of Pannavanā Sūtra. भग० १, १;

आहारेत्तार. त्रि० (आहर्तृ) આહાર કરનાર. आहार करनेवाला. (One) who takes food. सम० ३०;

आहारेयव्व. त्रि० (आहर्तव्य) આહાર કરવા લાયક. आहार करने लायक. Worthy of being eaten. ठा० ३;

आहालंदिअ. पुं० (यथालन्दिक) ઉત્કૃષ્ટ આચારી એક પ્રકારના જૈન સાધુ. उत्कृष्ट आचार पालनेवाला एक प्रकार का जैन साधु. A class of Jaina saints with excellent ascetic conduct. कउ० ३३;

आहावणा. स्त्री० (आभावना) ધારણા; સંકલ્પ; ઉદ્દેશ. धारणा; संकल्प; उद्देश्य. Thought; keeping, retention, of things in the mind. पिं० नि० ३४१.

आहासिय. पुं० (आभासिक) એ નામનો એક અન્તર્દ્વીપ. इस नाम का एक अन्तर्द्वीप. Name of an Antara Dvipa (island). (२) त्रि० તેમાં વસનાર મનુષ્ય. उक्त द्वीप में बसनेवाला मनुष्य. an inhabitant of the above island. पन्न० १;

आहिअ. त्रि० (आहृत) આદરથી ગ્રહણ કરેલ. आदर से ग्रहण किया हुआ. Respectfully accepted. जं० प० २, १८, विशे० ३६३;

आहिअग्गि. पुं० (आहिताग्नि) અગ્નિને સ્થાપન કરનાર બ્રાહ્મણ; અગ્નિહોત્રી. अग्निकी स्थापना करनेवाला ब्राह्मण; अग्निहोत्री. A Brāhmaṇa consecrating or preserving the sacred domestic fire. दस० ६, ३, १, ११;

√ **आहिंड.** धा० I. (आ+हिण्ड्) ફરવું; ભમવું; મુસાફરી કરવી; ભટકવું. फिरना; भटकना; यात्रा करना. To walk; to roam; to travel.

आहिंडइ. नाया० १;

आहिंडसि. नाया० ८;
आहिंडह. नाया० ८, १७;
आहिंडेहि. आ० नाया० ८;
आहिंडेह. नाया० १४;
आहिंडिऊण. संथा० ७६;
आहिंडमाण. नाया० १, विवा० ३;

आहिंडअ. पुं० (आहिण्डक) ભ્રમણશીલ; મુસાફર. भ्रमणशील; मुसाफिर. (One) who wanders; a traveller. ओघ० नि० ११५;

आहिंडग. पुं० (आहिण्डक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. "**उवएस असुवएसा दुविहा आहिंडगा समासेणं**" ओव० वव०

आहिंडिअ. त्रि० (*आहिण्डित) મોકલેલ. भेजा हुआ. Sent; despatched. पिं० नि० ४२७;

आहिक्क. न० (आधिक्य) અધિકપણું; વિશેષ પણું. अधिकता; विशेषता. Excess; state of being more. विसे० २०८७;

आहिगरणिया. स्त्री० (आधिकरणिकी) હલ, ઉખલ, ખડગ, વગેરે અધિકરણ મેલવવાથી લાગતી ક્રિયા. हल, ऊखल, खड्ग आदि से होती हुई क्रिया; ऐसा अधिकरण जिससे आत्मा दुर्गति में जाय. Operations of agricultural tools which lead a soul to spiritual degradation. ठा० २, १;

आहित्ता. सं० कृ० अ० (आधाय) લક્ષમાં લઈને. लक्ष में लेकर. Having paid attention to; having taken into consideration. पिं० नि० ६७;

आहिय. त्रि० (आख्यात) કહેલું; પ્રતિપાદન કરેલું. कहा हुआ; प्रतिपादन किया हुआ. Told; said; described. उत्त० २४, १; २८, ४; ३३; ३०, १३; २४; सूय० १, १, १; ७; ८; जं० प० २, १८;

आहिय. त्रि० (आहृत) ધરેલ; આગલ મુકેલ. रखा हुआ; आगे रखा हुआ. Kept; placed before. सूय० नि० १, १०, १०६;

आहिय विसेसत्त. न० (आहितविशेषत्व) સત્ય વચનનો એક અતીશય-અદ્‌ભુત શક્તિ. सत्य वचन का एक अतिशय-अद्‌भुत शक्ति. A super-natural manifestation of truthfulness in speech. सम०

आहुअ-य. त्रि० (आहूत) બોલાવેલ. बुलाया हुआ. Called; invoked. सु० च० १, २८०;

आहुइ. स्त्री० (आहुति) અગ્નિમાં ઘી, તલ, જવ વગેરે હોમવા તે. अग्नि में घी, तिल, जव वगैरह का होम करना. Offering oblation consisting of ghee, barley etc. to fire. पिं० नि० ४८०;

√ **आ-हुण.** धा० I. (आ+धू) કંપવું. हिलना; कंपना. To shake.

आहुणिज्जमाण. क० वा० व० कृ० नाया० ६;

आहुणिज्ज. त्रि० (आह्वानीय) આહ્વાન કરવા યોગ્ય; હોમવા યોગ્ય. हवन करने योग्य. Worthy of being invoked or offered as oblation. ओव० नाया० १;

आहुणिय. पुं० (आधुनिक) ૮૮ ગ્રહમાંનો ૫ મો ગ્રહ. ८८ ग्रहों में का ५ वाँ ग्रह. The 5th of the 88 planets. "**दो आहुणिआ**" ठा० २, ३; जं० प० ३, ५५; सू० प० २०;

आहेउं. हे० कृ० अ० (आधातुम) ધારણ કરવાને. धारण करने के लिये. In order to place or retain. सूय० १, ६, ४;

आहेण. न० (आहान) વિવાહ થાય પછી વરને ત્યાં કન્યાને તેડું કરી જમાડે તે. विवाह

होजाने के पश्चात् वर के यहाँ कन्या को बुलाकर जिमाना-भोजन कराना. An invitation to the bride to dine at the bridegroom's house after marriage. आया० २, १, ४, २२;

आहेय. त्रि० (आधेय) આધારમાં રહેવા યોગ્ય વસ્તુ. आधार में रहने योग्य वस्तु. (Anything) contained or fit to be contained in another thing. विशे० १२४: १४०२:

आहेरी. स्त्री० (आभीरी) આહિરણ; ભરવાડણ; ગોવાલણ. अहीरनी; ग्वालिनी. An Ahīra or shepherd's woman. विशे० १४५४;

आहेवच्च. न० (आधिपत्य) અધિપતિપણું; નાયકપણું; સ્વામીપણું. आधिपतित्व; नायकपन; स्वामित्व. Ownership; lordship; leadership. ओव० ३२: सम० ७८: निर० ४, १; विवा० ७; नाया० १; ३; ५; १८: नाया० ध० पन्न० २: जीवा० ३, ४: भग० ३, ८; १३, ६; १८, २: १०; जं० प० ५, ११५; ठा० ६: कप्प० २, १३;

आहेवण. न० (आक्षेपण) શહેરને ઘેરો ઘાલવો-થાપો મારવો તે. नगर पर आक्रमण कर घेरा डालना. Besieging a town; invading a town. पण्ह० १, ३:

आहोइअ. त्रि० (आभोगिक) જ્ઞાનનો એક પ્રકાર. ज्ञान का प्रकार. A variety of knowledge. " आहोइएणं णाण-दंसणेणं अप्पणो सिक्खमणं कालं आभोएइ, आभोइत्ता " कप्प० ५, १०६;

आहोहिय-अ. पुं० (आधोऽवधिक) નિયમિત ક્ષેત્રમાં રહેનારૂં અવધિજ્ઞાન. नियमित क्षेत्र में रहनेवाला अवधिज्ञान. Avadhijñāna limited to a particular area. भग० १, ४: ७, ७: १८, १८;

इ.

√ इ. धा० I. (इण्) જવું; ગતિ કરવી. जाना; गति करना. To go; to move.

इंति सु० च० २, १२;

इंतु. पि० नि० ४४७;

इत्तए. हे० कृ० कप्प० ४, २८;

इंत. व० कृ० भग० १४, ३; पिं० नि० २६२;

इज्जंत. व० कृ० दस० ६, २, ४;

इ. अ० (इ) પાદપૂરણ; વાક્યાલંકાર. पादपूरण; वाक्यालंकार. An expletive; a word marking the close of a remark or sentence. (२) સમાપ્તિ. इति के अर्थ में; समाप्ति में. thus; in this way. पन्न० १७; नाया० १; ८; १४; वव० १, ५;

इअ. त्रि० (इत) પ્રાપ્ત થયેલ; સ્થિત રહેલ. प्राप्त; स्थित. Acquired; got; remaining steady. विशे० ३५१; दसा० ६, ३१; (२) ગયેલ. गया हुआ. gone; departed. " समियं उवाहु " सूय० १, ६, ४;

इअर. त्रि० (इतर) બીજું; અપર. दूसरा; अन्य. Another; else. क० गं० १, ३७; ४, ३; —तुल्ल. त्रि० (-तुल्य) બીજા જેવું; અન્ય સરખું. औरोंकासा. like

another; resembling another. क० प० ५, १४;

इअरहा. न० (इतरथा) અન્યથા. अन्यथा. In another way; otherwise. क० गं० १, ६०;

इइ. अ० (इति) એમ; એવી રીતે. इस प्रकार; इस तरह. In that way or manner. उत्त० २, २६; सम० ३३; दस० ८, ९; (२) રૂપ પ્રદર્શન; કંઇ નિર્દેશ કરી બતાવવું. कुछ निर्देश करके बताना; रूप प्रदर्शन. a word used to point out anything. भग० १, १; १, ७; ओव० नाया० १; क० प० ५, ११; पंचा० ६, ८;

इइहास. पुं० (इतिहास—इतिह पारम्पर्योपदेश आस्तेऽस्मिन्) પુરાણ; ઇતિહાસ. पुराण; इतिहास. History; narration of past events. ओव० (२) પુરુષની ૭૨ કલામાંની એક કલા. पुरुष की ७२ कलाओंमें की एक कला. one of the 72 accomplishments of a man. कप्प० १, ६; ओव०

इओ. अ० (इतः) અહિંથી; આજન્મથી. यहां से; इस जन्म में. From this place; from this birth or state of existence. "इओ चुतेसु दुहमट्ठदुग्गं" सूय० १, १०; आया० १, १, १, ३; ओव० ३८; विवा० ५; पगह० १, १; पिं० नि० २२३; नाया० १; ७; ८; १०; भग० १५, १; २०, ६;

इंखिणिया. स्त्री० (*) નિન્દા. निंदा. Censure or slander "अदु इंखिणिया उपाविया" सूय० १, २, २, २;

इंखिणी. स्त्री० (इंखिणी) નિન્દા. निन्दा. Censure; slander. "जइ सेयकरी अन्नेसि इंखिणी" सूय० १, २, २, १;

इंगाल. पुं० (अङ्गार) અંગારો; કોલસો; ધુંવાડા રહિત અગ્નિ. अंगारा; धुंआ रहित अग्नि. A burning charcoal; fire free from smoke. ओव० ३८; उत्त० ३६; १०६; ठा० ५, ३; सूय० १; ५, १, ७; जं० प० ७, १७०; दस० ५, १; १; ८, ८; अणुत्त० ३, १; पिं० नि० ५४६; जीवा० १; ३; पन्न० १; नाया० १; भग० ३, २; ५, २; १०, ५; १५, १; आया० २, १०, १६६; उवा० १, ८१; पंचा० १३, ४८; (२) કોયલાની માફક સંયમને કાલો કરનાર-એક પ્રકારનો આહારનો દોષ. कोयले के समान संयम को काला करनेवाला एक प्रकार का आहार का दोष. a fault connected with food, tarnishing self-restraint or asceticism like coal. पिं० नि० १; (३) અંગાર નામનો એક ગ્રહ. अंगार नाम का एक ग्रह. a planet of this name. भग० १०, ५;

—उवम. त्रि० (-उपम) અંગારા જેવો; દેવતા જેવો. अंगार के समान ज्वलंत; अंगार के सदृश देदिप्यमान होने से देव समान. (anything) like burning charcoal; red-hot. ठा० ४, ४;

—कड्ढिणी. स्त्री० (-कर्षणी) કોલસાને ભટ્ઠિમાંથી કાઢવાનો લોઢાનો સલીઓ. कोयले का भट्टा में से निकालने का लोह का सरिया. an iron rod to take out coal from an oven or kiln. भग० १६, १;

—कम्म. न० (-कर्मन्) કોલસા બનાવવા અને વેચવાનો વ્યાપાર. कोयला बनाने और

*જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५का फूटनोट (*). Vide foot-note (*) page 15th.

सेंकने का व्यापार. business of preparing and trading in coal. भग० ८, ५; उवा० १, ५१; —कारिया. स्त्री० (कारिका-अंगाराम् करोतीत्यङ्गार-कारिका) સગડી. सिगड़ी. a portable grate or fire-basket. "इंगालकारियाए अंतो अगणिकाए केवइयं कालं संचिट्ठइ" भग० १६, १; —दाह. पुं० (-दाह-अङ्गाराय दहतीत्यङ्गार दाहः) અંગારા પાડવાની જગ્યા. अंगारा करने की जगह. a place where fuel is converted into coal. निसी० ३, ७५; —सगडिया. स्त्री० (-शकटिका) અંગારા પાડવાની સગડી. अंगारा दहकाने की सिगड़ी. a portable grate in which fuel is converted into burning charcoal. भग० २, १; —सोल्लिय. त्रि० (-शूल्य) અંગારા ઉપર પકાવેલું. अंगारों पर पकाया हुआ. cooked, baked upon burning charcoal. "इंगालसोल्लियं मिव कंदुसोल्लियमिव" भग० ११, ६;

इंगालग्र. पुं० (अङ्गारक) એ નામનો એક ગ્રહ; મંગળ. इस नाम का एक ग्रह; मङ्गल. The planet Mars. सम० २०; भग० ३, ७;

इंगालग. पुं० (अङ्गारक) મંગલ ગ્રહ. मंगल नाम का ग्रह. The planet Mars. ठा० २, ३;

इंगालभूय. त्रि० (अङ्गारभूत) કોયલા-અંગારાની સમાન. अंगारे के सामान. (Anything) like a burning charcoal. भग० ३, १; ५, ६; ७, ६; जं० प० २, ३६;

इंगालवडिंसय. पुं० (अङ्गारावतंसक) અંગારક નામે ગ્રહના વિમાનનું નામ. अंगारक नाम के ग्रहका विमान. Name of the heavenly abode of a planet named Aṅgāraka. भग० १०, ५;

इंगिय-य. न० (इङ्गित) મનોભાવ; જણાવવાની નિશાની; ઇસારો; આંખ વગેરેની સાભિપ્રાય ચેષ્ટા. मनो भाव; संकेत; इशारा. Internal thought; significant gesture of the eye etc. "इंगियागार संपन्ने" उत्त० १, २; ३२, १४; ओव० ३३; दस० ६, २, १; पिं० नि० ४७८; विशे० ६, ३१; भग० ६, ३३; नाया० १; जं० प० ३, ५३; —आगार. पुं० (-आकार) મનોભાવ જણાવવાની નિશાની. मनोभाव प्रगट करने का चिन्ह; इशारा. internal thought; a significant gesture. उत्त० १, २; —आगारसंपण्ण. त्रि० (आकारसंपन्न) ઇંગિત અને આકાર જાણવાની સંપત્તિવાલો. इंगित और आकार जानने की संपत्तिवाला. one who has the power of knowing internal thoughts and out-ward gestures indicating them. "इंगियागारसंपण्णे से विणीएत्ति वुच्चइ" उत्त० १, २; —मरण. पुं० न० (-मरण) જુઓ "इंगिणी मरण" શબ્દ. देखो "इंगिणी मरण" शब्द. vide "इंगिणी मरण" सम०

इंगिणी. स्त्री० (*इंगिनी-श्रुतविहितक्रिया-विशेषः इंग्यते प्रतिनियतदेश एव चेष्टयते-ऽस्यामनशनक्रियायामितीङ्गिनी) શાસ્ત્રમાં કહેલ હદમાં રહી વૈયાવચ્ચ કરાવ્યા વિના સંથારો કરવો તે. शास्त्र में कही हुई हदमें रहकर वैयावृत्य कराये बिना संथारा करना. Performing Santhāro confining oneself within the limits of space prescribed by Śāstras

and not receiving any service from others. भत्त० ६; प्रव० १०३१; सम० १७; —मरण. न० (-मरण) संथारो करी वैयावच्च कराव्या विना ઇંગિત-નિયમિત પ્રદેશની હદમાં રહી સમાધિ મરણ કરવું તે. संथारा करके वैयावृत्य बिना कराये नियमित प्रदेश की हद में रहकर समाधि मरण करना. death in a state of meditation by the practice of Santhāro in a defined area of space fixed by Śāstras and without receiving any service. सम० १७; प्रव० १०३१; ठा० २; संथा०

इंद. पुं० (इन्द्र-इन्दतीति इन्द्रः) શ્રેષ્ઠ. श्रेष्ठ. One who is excellent. सू० प० २०; (२) ઇંદ્ર; દેવતાનો રાજા; પુરન્દર. इन्द्र; देवों का राजा. the god Indra; the king of gods. नि० नि० १३३; जं० प० ३, ४५; भग० ३, १; ७, ९; विशे० ३२५; नाया० ८; नाया० ध० ३; नंदी० २२; ओव० सम० १९; पन्न० २; अणुजो० २०; ठा० ४; दस० ६, १, १४; पंना० ४, ४८; (३) જ્યેષ્ઠા નક્ષત્રનો અધિપતિ દેવતા. ज्येष्ठा नक्षत्र का अधिपति देव. the presiding deity of the Jyesthā constellation. अणुजो० १३१; सू० प० १; ठा० २, ३; (४) એ નામનો એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. an island of that name; also an ocean of that name. जीवा० ३, ४; पन्न० १५; —अभिसेय. पुं० (-अभिषेक) સૂર્યાભ દેવનો રાજ્યાભિષેક. सूर्याभ देव का राज्याभिषेक. the coronation ceremony of the Sūryābha god. राय० १७६; —अहिट्ठिय. त्रि० (-अधिष्ठित) ઇંદ્રને અધિષ્ઠિત. इन्द्राधिष्ठित; इन्द्र के अधिष्ठित. presided over by Indra. " इंदाहिट्ठिया " भग० ३, १; ठा० १०; —अहीण. त्रि० (-अधीन) ઇંદ્રને વશ; ઇંદ્રને આધીન. इन्द्र के आधीन. dependent upon Indra; under the power of Indra. भग० ३, १; —अहीणकज्ज. न० (-अधीनकार्य) ઇન્દ્રાધીન કાર્ય-કામ. इन्द्र के आधीन कार्य. a work under the control of Indra. भग० ३, १; —आउह. पुं० (-आयुध) ઇંદ્રનું આયુધ; વજ્ર. इन्द्र का शस्त्र-वज्र. the weapon of Indra; Indra's thunderbolt. नाया० १; —केउ. पुं० (-केतु) ઇન્દ્ર યષ્ટિ; ઇન્દ્રમહોત્સવમાં બનાવેલ સ્થંભ. इन्द्र यष्टि; इन्द्रमहोत्सव में बनाया हुआ स्तंभ. a post erected in the celebration of Indra's festival. पराह० १, ४; —ग्गह. पुं० (-ग्रह) વ્યન્તર દેવના ઉપદ્રવથી થતો રોગ; વળગાડ. व्यंतर देव के उपद्रव से होता हुआ रोग. a disease caused by the evil influence of hell-gods; being possessed by hell-gods. भग० ३, ७; जीवा० ३, ३; (२) ગ્રહ વિશેષ. ग्रह विशेष. name of a planet. जीवा० ३, ३; —ज्झय. पुं० (-ध्वज – शेषध्वजापेक्षयाऽतिमहत्त्वादिन्द्रश्चासौ ध्वजश्चेन्द्रध्वजः) ઇન્દ્ર ધ્વજ; બીજી ધ્વજની અપેક્ષાએ મોટી ધ્વજા. इन्द्र ध्वजा; दूसरी ध्वजा की अपेक्षा से बड़ी ध्वजा. a banner taller than all the other banners. " इंदज्झओ पुरओ गच्छइ " सम० ३४; प्रव० ४५१; —ट्ठाण. न० (-स्थान) ઇન્દ્રથંભ; ઇન્દ્રધ્વજ. इन्द्र स्तंभ; इन्द्रध्वज. a post

erected in honour of Indra; a flag greater than all the rest. अंत० ६, १४; (२) ઇંદ્રનું નિવાસ સ્થાન. इन्द्र का निवास स्थान. the residence of Indra. " इंदट्ठाणे-णं भंते केवतियं कालं विरहिते " ठा० ६; भग० ८, ८; जीवा० ३; सू० प० १६; —धणु. न० (–धनुष) ઇંદ્ર ધનુષ; કામઠી. इन्द्र धनुस. a rainbow. जं० प० अणुजो० १२७; भग० ३, ७; —पाडिवया. स्त्री० (–प्रतिपत्) ભાદરવા સુદી ૧૫ પછીનો પડવો. भाद्रपद सुदि पूर्णिमा के बाद की बिदि एकम. the first day of the dark half of the month of Bhādrapada. ठा० ४; —मह. पुं० (–*मह) ભાદરવા માસની પુનમે થતો ઇન્દ્રમહોત્સવ. भाद्रपद मास की पूर्णिमा को होने वाला इन्द्र का उत्सव महोत्सव a festival in honour of Indra on the full-moon day of Bhādrapad. राय० २१७; विवा० १; निसी० १६, १२; आया० २, १, २, १२; भग० ६, ३३; नाया० १; —लट्ठि. स्त्री० (–यष्टि) ઇન્દ્ર મહોત્સવમાં જે સ્તંભ રોપવામાં આવે તે. इन्द्र महोत्सव में जो स्तंभ गाड़ा जाता है वह. a post fixed at the time of the celebration of Indra's festival. " निव्वत्तमहेव इंदलट्ठी विमुक संधि बंधणा " नाया० १; भग० ६, ३३;

इंदकंत. पुं० (इन्द्रकान्त) ઇન્દ્રકાન્ત નામે એક વિમાન કે જેના દેવતાઓની સ્થિતિ ૧૯ સાગરોપમની છે. એ દેવતા સાડા નવ મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, અને ૧૯ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. इन्द्रकान्त नामक एक विमान जिसके निवासी देवों की स्थिति १६ सागरोपम की है. ये देव साढे नो मास बाद श्वासोछवास लेते हैं और १६ हजार वर्षोंबाद इन्हें क्षुधा लगती है. Name of a heavenly abode; the gods here live for 19 Sāgaropamas and they breathe once in 9½ months and feel hungry once in 19 thousand years. सम० १६;

इंदकाइय. पुं० (इन्द्रकायिक) ત્રણ ઇંદ્રિય વાળો એક જીવ; ઇન્દ્રગોપ. तीन इन्द्रियोंवाला एक जीव. इन्द्रगोप. A kind of insect of red colour; a kind of three-sensed living being. पन्न० १;

इंदकील. पुं० (*इन्द्रकील—गोपुरावयव विशेषः) નગરના દરવાજાનો એક અવયવ; જેને આધારે દરવાજાના બે કમાડ બંધ રહી શકે તે. नगर के दरवाजे का एक अवयव; जिसके आधार से दरवाजे के दो किंवाड बंध रहसके वह. A portion of a city-gate; a door-bolt fastening the two doors of a gate. " गोमे-ज्झमया इंदकीला " राय० १०६ भग० ३, २; ओव० ठा० २;

इंदकुंभ. पुं० (इन्द्रकुम्भ—कुम्भानामिन्द्र इन्द्रकुम्भः) કલશ; મોટો ઘડો; ભાલિઓ. कलश; बडा घडा A big pot. राय० १०६; जं० प० १; (२) વીતશોકા નગરીના ઇશાન ખુણાનું એક ઉદ્યાન. वीतशोका नगरी का ईशान कोन का एक उद्यान. name of a garden in the north-east of the town of Vitaśokā. " तीसेणं वियासोगाए रायहाणीए उत्तरपुरच्छिम दिसिभाए इंदकुंभ णामं उज्जाणे " नाया० ८; (३) નેમનાથના પ્રથમ શિષ્ય. नेमनाथ का प्रथम शिष्य.

name of the first disciple of Nemanātha. सम० २४; (४) २० મા મુનિસુવ્રત તીર્થંકરના પ્રથમ ગણધરનું નામ. २० वें तीर्थंकर मुनिसुव्रत के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Gaṇadhara of the 20th Tīrthaṅkara, Muni Suvrata. सम० प० २३३;

इंदखील. पुं० (इन्द्रकील) જુઓ 'इंदकील' શબ્દ. देखो 'इंदकील' शब्द. Vide 'इंदकील' जीवा० ३, ४;

इंदग. पुं० (इन्द्रक) તેઇંદ્રિય જીવ વિશેષ. तीन इन्द्रियोंवाला जीव विशेष. A three-sensed living being; a kind of insect. उत्त० ३६; १३७;

इंदगोव. पुं० (इंद्रगोप) ઇંદ્રગોપ; મેમમોલો; વરસાદ થયા પછી દેખાતો એક લાલ જીવડો; ત્રણ ઇન્દ્રિય વાળો એક જીવ. इन्द्रगोप; इन्द्रवहूटी; वर्षा ऋतु में उत्पन्न होनेवाला एक लाल रंग का जन्तु. A kind of insect of red colour springing up in monsoon; a three sensed living being. उत्त० ३६; १३८; अणुजो० १३१; पन्न० १;

इंदगोवअ-य. पुं० (इन्द्रगोपक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. जीवा० ३, ४; राय० ६३; नाया० १;

इंदगोवग. पुं० (इन्द्रगोपक) જુઓ 'इंदगोव' શબ્દ. देखो 'इंदगोव' शब्द. Vide 'इंदगोव' नाया० १;

इंदग्गि. पुं० (इन्द्राग्नि) વિશાખા નક્ષત્રનો અધિષ્ઠાતા દેવતા. विशाखा नक्षत्र का अधिष्ठाता देव. The presiding deity of the constellation Viśākhā. अणुजो० १३१; सू० प० १०; ठा० २, ३;

(२) ३७ મા ગ્રહનું નામ. ३७ वें ग्रहका नाम. name of the 37th constellation. जं० प० ७; ठा० २, ३; सू० प० २०;

इंदजसा. स्त्री० (इन्द्रयशस्) પાંચાલ દેશના બ્રહ્મરાજાની રાણી. पांचाल देश के ब्रह्म राजा की राणी. Name of the queen of Brahmarājā of the country of Pāñchāla "इंदवसु १ इंदजसा २ इंदगिरि ३ चुलणी देवीय" उत्त० टी० १३;

इंदजालि. त्रि० (इन्द्रजालिन्) વિવિધ રચના કરી વિસ્મય પમાડનાર; ઇન્દ્રજાલીયો. विविध रचना करके विस्मित करनेवाला; इन्द्रजालिया; जादूगर. A magician. ठा० ४;

इंदजालिअ-य. त्रि० (इन्द्रजालिक) ઇન્દ્રજાલ કરનાર; ગોડવિદ્યા બતાવનાર. इन्द्रजाल करनेवाला; गोड विद्या बतानेवाला. (One) who displays magical tricks. विशे० १६०७;

इंदनील. पुं० (इन्द्रनील) ઇન્દ્રનીલ મણિ; નીલમ. इन्द्रनील मणि; नीलम. A gem so named; a sapphire. ओव० राय०

इंदत्त. न० (इन्द्रत्व) ઇન્દ્રનું સ્વરૂપ; ઇન્દ્રપણું. इन्द्र का स्वरूप; इन्द्रपन. Power and dignity of Indra; state of being Indra; kingship. उत्त० ६, ५५; भग० ३, २;

इंदत्ता. स्त्री० (इन्द्रता) ઇન્દ્રપણું. इन्द्रपन. State of being Indra; power and dignity of Indra; kingship. भग० २५, ६;

इंददत्त. पुं० (इन्द्रदत्त) ઇન્દ્રદત્ત; ચોથા તીર્થંકરને પ્રથમ ભિક્ષા આપનાર. इन्द्रदत्त; चौथे तीर्थंकर को पहिले पहिल भिक्षा देने

वाला. Name of the man who first gave alms to the fourth Tīrthaṅkara. सम० २४; (२) १२ मा वासुपुज्यनो त्रीजा पूर्व भवनुं नाम. वासुपुज्य १२वें तीर्थंकर के तीसरे पूर्वभव का नाम. name of the 3rd previous birth of the 12th Vāsupujya Swāmī. सम० २४;

इंदविराण. पुं० (इन्द्रदत्त) ए नामना कोटिकगच्छना एक आचार्य. कोटिकगच्छ के एक आचार्य का नाम. Name of a preceptor of the Koṭika order of saints. कप्प० ८;

इंदनील. पुं० (इन्द्रनील) जुओ 'इंद्रणील' शब्द. देखो 'इन्द्रणील' शब्द. Vide 'इन्द्रणील' उत्त० ३६, १५; पन्न० १;

इंदपुर. न० (इन्द्रपुर) ए नामनुं एक नगर. एक नगर का नाम. Name of a city. "इहेव जंबुद्दीवे भारहेवासे इंदपुर णाम नयरे" विवा० १०; (२) ए नामना एक साधु के जेने मणीपुर नामना गाममां नागदत्त गाथापतिए आहार पाणी वहोराव्यां हतां. इन्दपुर नामक एक साधु जिन्हें मणिपुर नामक ग्राम के नागदत्त गाथापतिने आहार पानी दिया था. Name of a monk who was given food and water in a village named Maṇipura by the Gāthāpati named Nāgadatta. "इंदपुरे अणगारे पडिलाभिते जावसिद्धे" विवा० २, ७;

इंदपुरग. पुं० (इन्द्रपुरग) वेसवाडियगणथी नीकळेल ए नामनुं कुल. वेसवाडियगण से निकले हुए कुल का नाम. Name of a family which was an offshoot of Vesavādiya Gaṇa. कप्प० ८;

इंदभूइ. पुं० (इन्द्रभूति) महावीर स्वामीना प्रथम गणधर; गौतम स्वामी. महावीर स्वामी के प्रथम गणधर; गौतम स्वामी. The first Gaṇadhara of Mahāvīra Swāmī. भग० १, १; २, ५; ओव० ३८; नाया० ६; जं० प० नंदी० २०; सम० ११; २४; उवा० १, ७६; प्रव० ३०८; कप्प० ५, १३३;

इंदभूति. पुं० (इन्द्रभूति) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. सम० ६२; सू० प० १;

इंदमुद्धाभिसित्त. पुं० (इन्द्रमूर्धाभिषिक्त) पखवाडीआना सातमा दिवसनुं (सातमनुं) नाम. पखवाडे के सातवें दिन (सप्तमी) का नाम. The 7th day of a fortnight. "इंदमुद्धाभिसित्तेय" सू० प० १०; जं० प०

इंदय. पुं० (इन्द्रक) जुओ 'इंदग' शब्द. देखो 'इंदग' शब्द. Vide 'इंदग' ठा० ६;

इंदयणिरय. पुं० (इन्द्रकनिरय) सौथी मोटो नरकावासो. सबसे बडा नरकावासा. The greatest hell. ठा० ६;

इंदयाल. न० (इन्द्रजाल) ए नामनी एक विद्या. इन्द्रजाल विद्या. Juggling; a kind of lore; magic. सु० च० ४, १६६;

इंदयालि. पुं० (इन्द्रजालिन्) इन्द्रजाल विद्याने जाणनार. इन्द्रजाल विद्या को जानने वाला. A magician; a juggler. सु० च० १३, ५०;

इंदसिरी. स्त्री० (इन्द्रश्री) पांचाल देशनी कांपिल्य नगरना ब्रह्मदत्त राजानी एक राणी. पांचाल देश के कांपिल्य नगर के ब्रह्मदत्त राजा की रानी. Name of a queen of Brahmadatta, the king of the city of Kāmpilya

in the country of Pāñchāla. उत्त० टी० १३;

इंदसेणा. स्त्री० (इन्द्रसेना) ઇન્દ્રસેના નામની એક નદી કે જે મેરૂને ઉત્તરે રક્તવતી નદીમાં મળે છે. इन्द्रसेना नामक एक नदी जो कि मेरु के उत्तर दिशा में रक्तवती नदी में मिलती है. Name of a river which flows into the river Raktavatī in the north of Meru. ठा० ५, ३; १०;

इंदा. स्त्री० (इन्द्रा) ઇન્દ્રા નામની નદી કે જે મેરૂની ઉત્તરે રક્તવતીને મળે છે. इन्द्रा नामक नदी जो कि मेरु की उत्तर दिशा में रक्तवती नदी में मिलती है. Name of a river which flows into the river Raktavatī in the north of Meru. ठा० ५, ३; (२) ઇન્દ્રા નામની એક દેવી. एक देवी का नाम. Name of a goddess नाया० घ० ३; (३) ધરણેંદ્રની પાંચમી અગ્રમહિષીનું નામ. धरणेन्द्र की पांचवीं अग्र महिषी का नाम. name of the 5th principal queen of Dharaṇendra. भग० १०, ५;

इंदा. स्त्री० (ऐन्द्री) પૂર્વ દિશા. पूर्व दिशा. The eastern direction. भग० ६, १; ठा० १०; जं० प० ५, ११८;

इंदाणी. स्त्री० (इन्द्राणी) ઇન્દ્રાણી; ઇન્દ્રની અગ્રમહિષી. इन्द्राणी; इन्द्र की पटरानी. The crowned queen of Indra. ठा० ४;

इंदिय. न० (इंद्रिय) આંખ, કાન, નાક, જીભ, અને ત્વચા એ પાંચ ઇન્દ્રિય. आँख, कान, नाक, जिव्हा और त्वचा ये पांच इंद्रियाँ. The five senses viz eye, ear, nose, tongue and skin. विशे० ६१; पन्न० १५; नाया० १; ४; उत्त० ६, १६; ओव० १६; दस० ५, १, ११; भग० २, १; ४; ८, १; २४, १२; नंदी० ३; सम० ६; क० गं० १, १०; पंचा० १४, ३; (२) પન્નવણા સૂત્રના ૧૫માં પદનું નામ. पन्नवणा के पंद्रहवें पद का नाम. name of the 15th Pada of Pannavaṇā. पन्न० १५; (३) પન્નવણાના ત્રીજા પદના ત્રીજા દ્વારનું નામ. पन्नवणा के तीसरे पद के तीसरे द्वार का नाम. name of the 3rd Dwāra of the 3rd Pada of Pannavaṇā. पन्न० ३; —**अत्थ.** पुं० (-अर्थ) શબ્દ, રૂપ, રસ, ગંધ અને સ્પર્શ એ પાંચ ઇન્દ્રિયના અર્થ-વિષય. शब्द, रूप, रस, गंध और स्पर्श ये पांच इन्द्रियों के अर्थ-विषय. any of the five objects of the senses viz sound, form, taste, smell, and touch. " पंच इंदियत्था पराणत्ता तंजहा " ठा० ५; उत्त० २४; ८; ३१, ७; —**अत्थकोवण.** न० (-अर्थकोपन) કામવિકાર; ઇન્દ્રિયના વિષયનો કોપ થવો તે. कामविकार; इंद्रिय के विषय का कोपित होना. desire for the enjoyment of the objects of the senses. ठा० ६; —**अपज्जत्ति.** स्त्री० (-अपर्याप्ति) ઇન્દ્રિયની અપૂર્ણતા; ઇન્દ્રિય પર્યાપ્તિ બાંધીને પૂરી ન કરી હોય તે. इंद्रियकी असम्पूर्णता; इंद्रिय पर्याप्ति को बांधकर उसे पूर्ण न करना. imperfect development of the senses. भग० ६, ४; —**उवउत्त.** त्रि० (-उपयुक्त) ઇન્દ્રિયના ઉપયોગસહિત. इंद्रियों के उपयोग सहित. (one) carefully controlling the senses. पन्न० ३; —**उवचय** पुं० (-उपचय) ઇન્દ્રિયનો ઉપચય-વૃદ્ધિ. इंद्रियों की वृद्धि.

the growth of the senses. "कइविहेणं भंते इंदियउवचय" पन्न० १५; भग० २०, ४; —ग्गाम. पुं० (-ग्राम) ઇન્દ્રિયોનો સમુદાય. इंद्रियों का समुदाय the group of the senses. आया० टी० १, ५, ४, १५६. —चउक्क. न० (-चतुष्क) મન અને ચક્ષુ શિવાયની ચાર ઇન્દ્રિયો; કાન, નાક, ઘ્રાણ અને સ્પર્શ ઇંદ્રિય. चार इन्द्रियां; कान, नाक घ्राण और स्पर्श. the group of the four senses; viz the senses of hearing smell, taste, and touch. क०गं० १, ४; —चलणा. स्त्री० (-*चलना) ઇન્દ્રિયનું ચાલવું. इन्द्रियों का चलना. the motion of the senses. भग० १७, ३; —जवणिज्ज त्रि० (-यापनीय) પાંચે ઇન્દ્રિયોને વશ કરવી તે. पांचों इन्द्रियों को वश करना. controlling all the five senses. भग० १८, १०; नाया० ५; —जाय. न० (-जात) ઇન્દ્રિયની જાત-પ્રકાર. इन्द्रियों का जाति-भेद. the variety of the senses. वेय० ५, १३; —ट्ठाण. न० (-स्थान) ઇન્દ્રિયના સ્થાન-ઉપાદાન કારણ-આકાશાદિ. इद्रियों के स्थान-उपादान कारण-आकाशादि. the efficient causes of the senses such as space etc. सूय० नि० १, १, १, ३३; —णिवत्तणा. स्त्री० (-निर्वर्त्तना) ઇન્દ્રિયોને નિપજાવવી તે. इंद्रियों को उत्पन्न करना. the creating of the senses. "कतिविहेणं भंते इंदिय णिव्वत्तणा" पन्न० १५; —निरोहि. त्रि० (निरोधिन्) ઇન્દ્રિયની લાલસાનો નિરોધ કરનાર. इन्द्रिय की लालसा का निरोध करनेवाला. (one) who checks the cravings of the senses. प्रव० ५७०; —पज्जत्ति. स्त्री० (-पर्याप्ति) ઇન્દ્રિયની સંપૂર્ણતા, ઇન્દ્રિય પર્યાપ્તિ બાંધીને પુરી કરવી તે. इन्द्रियों की संपूर्णता; full development of the senses. भग० ६, ४; —पडिसंलीणता. स्त्री० (-प्रतिसंलीनता) ઇન્દ્રિયોને વશ કરવી તે. इन्द्रियोंको वश करना. conquest, control over the senses. भग० २५, ७; —परिणाम. न० (-परिणाम) ઇન્દ્રિય રૂપે જીવનું પરિણામ इन्द्रिय रूप में जीव का परिणाम. the modification of the soul into the form of the senses. पन्न० १५; —बल. न० (-बल) ઇન્દ્રિયની શક્તિ. इन्द्रियों का शक्ति. the power of the senses. जीवा० ३; —मणोणिमित्त. न० (-मनोनिमित्त) ચક્ષુ વગેરે પાંચ ઇન્દ્રિય અને મન છે નિમિત્ત જેમાં એવું જ્ઞાન; મતિશ્રુત જ્ઞાન. चक्षु वगैरह पांच इन्द्रियों और मन के निमित्त से होनेवाला ज्ञान; मतिश्रुत ज्ञान. Mati-śruta Jñāna; sensitive knowledge, acquired by the five senses and the mind. विशे० ६३; —मणोभव. न० (-मनोभव) ઇન્દ્રિય અને મનથી ઉત્પન્ન થતું જ્ઞાન. इन्द्रिय और मन से उत्पन्न होनेवाला ज्ञान. knowledge born of the senses and the mind. विशे० ६५; —लद्धि. स्त्री० (-लब्धि) પાંચ ઇંદ્રિયની પ્રાપ્તિ. पांच इन्द्रियों की प्राप्ति. the attainment of the five senses. भग० ८, २; पन्न० १५; —लद्धिया. स्त्री० (-लब्धिका) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ८, २; —वसट्ट. त्रि० (-वशार्त्त) ઇંદ્રિયને વશ થવાથી થયેલ દુઃખી. इन्द्रिय के वश

होने के कारण से दुःखित. (one) miserable on account of lack of control over the senses. भग० १२, २; —विजय. पुं० (-विजय) ઇંદ્રિયને કાબુમાં રાખવી તે; ઇન્દ્રિયોપર જય મેલવવો તે; તપ વિશેષ. इन्द्रियों को वश करना; इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करना; तप विशेष. control over the senses; a kind of austerity. पंचा० १६, ३८; —विभत्ति. स्त्री० (-विभक्ति) ઇન્દ્રિયના વિભાગ; એકેન્દ્રિય, બેઇંદ્રિય વગેરે. इन्द्रियों के विभाग; एकेन्द्रिय बेइन्द्रिय आदि. the classification of the senses; e. g. one sense, two senses etc. सूय० नि० १, ५, १, ६६; —विसय. पुं० (-विषय) ઇંદ્રિયોની વિષય શક્તિ. इन्द्रियों की विषय शक्ति. the power of enjoyment of the senses. भग० ३, ८; —वीरिय. न० (-वीर्य) શ્રોત્ર આદિ ઇંદ્રિયોનું પોત પોતાના વિષયને ગ્રહણ કરવાનું સામર્થ્ય. श्रोत्र आदि इन्द्रियों का स्व स्व विषय ग्रहण करने का सामर्थ्य. the power of the senses e. g. ear etc. to comprehend their objects. सूय० नि० १, ८; ९६;

इंदियउद्देस. पुं० (इन्द्रियोद्देश) પન્નવણા સૂત્રના પંદરમા પદના પ્રથમ ઉદ્દેશનું નામ. पन्नवणा सूत्र के पंद्रहवें पद के प्रथम उद्देश का नाम. Name of the first Uddesa of the 15th Pada of Pannavanā Sūtra. भग० २, ३;

इंदियउद्देसय. पुं० (इन्द्रियोद्देशक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. भग० १८, ३; २, ४;

इंदिय पय. न० (इन्द्रियपद) પન્નવણા સૂત્રનું ૧૫ મું પદ. पन्नवणा का १५ वां पद The 15th Pada of Pannavaṇā Sūtra. भग० २, ४; पन्न० १५;

इंदु. पुं० (इन्दु) ચન્દ્ર; ચન્દ્રમા. चन्द्र; चन्द्रमा. The moon. नाया० १; १६; भग० ६, ३३;

इंदुत्तरवडिंसग. पुं० (इन्द्रोत्तरावतंसक) એ નામનું એક વિમાન, એની સ્થિતિ ઓગણીસ સાગરોપમની છે. એ દેવતા સાડા નવ મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, ઓગણીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. इस नाम का विमान, जिसमें रहनेवाले देवों की १९ सागरोपम आयु है. ये देव साढे नौ महीने बाद श्वास लेते हैं और इन्हें १९००० वर्ष बाद भूख लगती है. Name of a heavenly abode; the gods here live for 19 Sāgaropamas and they breathe once in 9½ months and feel hungry once in 19 thousand years. सम० १९;

इंदुरय. न० (*इन्दुरक) મોટો સુંડલો. बड़ा टोपला. A large basket. राय० २७०;

इंधण. न० (इन्धन) ઈંધણ; બળતણ; છાણાં લાકડાં વગેરે. इन्धन; जलाने की लकड़ी, कंडा वगैरह. Fuel consisting of cowdung cakes, wood etc. उत्त० १४, १०; ३२, ११; पिं० नि० भा० १२; भग० ७, १;

इक्क. त्रि० (एक) એક-સંખ્યાવાચક; एक-संख्यावाचक. The numeral, one. (२) એકલો; એકાકી; અદ્વિતીય. अकेला; एकाकी; अद्वितीय. one; alone; matchless. अणुजो० १३१; नंदी० ३४; आया० १, ५, २, १६८; भग० २, ५; नाया० १५; सु० च० ४, १२६; जं० प० १, १२;

इक्कश्च. त्रि० (एकक) એકલો; એકાકી.

अकेला; एकाकी. Alone; solitary. उत्त० १, १०; ३५, ६;

इक्कड. न० (* इक्कड) ઇક્કડ- ચટાઇ-સાદડી બનાવવાનું કોમલ ઘાસ; દંતણ સદૃશ તૃણ વિશેષ. चटाई बनाने का कोमल घास; तृण विशेष. A kind of soft grass of which a mattress is made. आया० २, २, ३, १००; २, ७, २, १६१; सूय० २, २, ७; भग० २१, ५; पगह० २, ३; ઇક્કડની બનાવેલી ચટાઇ. उक्त घास की बनाई हुई चटाई. a mattress made of the above grass. आया० २, २, ३, १००; (३) આ નામનું પર્વગ જાતનું ઝાડ. इस नाम का पर्वग जाति का झाड. a kind of tree. पन्न० १;

इक्कमिक्क. त्रि० (एकैक) એકેક. परस्पर. Taken singly; (२) પરસ્પર; એક-બીજું; અન્યોન્ય. अन्योन्य; एक दूसरा. mutual. उत्त० १३, ३; सु० च० २, ८१;

इक्कवीस. स्त्री० (एकविंशति) २१; એકવીસ; વીસ અને એક. इक्कीस; २१. Twenty-one; 21. उत्त० ३१, १५; कप्प० १, २;

इक्कसीइ. स्त्री० (एकाशीति) એકાશી; ८१; इक्यासी. Eighty-one; 81. उत्त० ३४, २०;

इक्कार. त्रि० (एकादशन्) અગીયાર; ११. ग्यारह; ११. Eleven; 11. क० गं० ६, २०;

इक्कारस. त्रि० (एकादशन्) અગીઆર; દસને એક. ग्यारह; ११. Eleven; 11. सम० ११; दसा० ६, १, २; उत्त० २८, २३; उवा० १०, २७७; क० गं० ६, २०; जं० प० २, ३१; **—अंग.** पुं० (-अंग) આચારંગાદિ ११ અંગસૂત્ર. आचारांगादि ग्यारह अंग सूत्र. the 11 Aṅga Sūtras e. g. Achārāṅga etc. नाया० १४, १८;

इक्कारसग. त्रि० (एकादशक) અગીયાર. ग्यारह. Elven; 11. क० गं० १, ४२;

इक्कारसम. त्रि० (एकादशम) ११ મો; અગીઆરમો. ग्यारहवां. Eleventh; 11th नंदी० ५५;

इक्कारसी. स्त्री० (एकादशी) અગીઆરસ; પખવાડીઆનો ११ મો દીવસ. ग्यारस; पक्ष का ग्यारहवां दिन. The 11th day of a fortnight. विशे० २०८३; प्रव० १५५७; जं० प० २, ३१;

इक्किक्क. त्रि० (एकैक) એક એક. एक एक. Taken singly. उत्त० २८, ८; क० गं० ४, ७७; **—उदय.** पुं० (-उदय) એકેક પ્રકૃતિનો ઉદય. एकेक प्रकृति का उदय. the rise or maturity of each Prakriti (Karmic nature) singly. क० गं० ६, १६;

इक्खाग. न० (इक्ष्वाकु) ઋષભદેવ સ્વામીનો વંશ; ઇક્ષ્વાકુ કુલ. ऋषभदेव स्वामी का वंश; इक्ष्वाकु कुल. The Ikṣvāku family; the line of descent of Riṣabhadeva Swāmi. आया० २, १, २, ११; पन्न० १; भग० ६. ३३; २०, ८; अणुजो० १३१; ठा० ७, १; ६०; उत्त० १८, ३६; ओव० राय० २१८; **—कुल.** पुं० (-कुल) જુઓ 'इक्खाग' શબ્દ. देखो 'इक्खाग' शब्द. vide. 'इक्खाग' ओव० **—भूमि.** स्त्री० (-भूमि) ઇક્ષ્વાકુ વંશ જ્યાં ઉત્પન્ન થયો તે ભૂમિ; અયોધ્યા. इक्ष्वाकु वंश जहाँ उत्पन्न हुआ वह भूमि; अयोध्या. the land of the birth of the Ikṣvāku family; Oudh. कप्प० ७, २०६; **—राय.** पुं० (-राजन्) ઇક્ષ્વાકુ કુલમાં જન્મેલ રાજા. इक्ष्वाकु कुल

में जन्मा हुआ राजा. a king of the Ikṣvāku line. "पविवुदि इक्खागराया" ठा० ७; नाया० ८; —वंस. पुं० (-वंश) ઋષભ દેવ સ્વામીનો વંશ. ऋषभ देव स्वामी का वंश. the line of descent of Ṛiṣabhadeva Swāmī. पिं० नि० ४७१;

इक्खागुकुल. न० (इक्ष्वाकुकुल) ઇક્ષ્વાકુ નામનું કુલ. इक्ष्वाकु नामक वंश. A family by name Ikṣvāku. कप्प० १, २;

इक्खु. पुं० (इक्षु) ઇક્ખુ; શેરડી. सांटा. Sugar-cane. भग० २१, ५; ओव० पन्न० १; पंचा० ८, २३; —रस. पुं० (-रस) શેરડીનો રસ. सांटे का रस. sugar-cane juice. प्रव० २३३; पंचा० १६, १०; —वण. न० (-वन) શેરડીનું વન. गन्ने का खेत. a forest of sugar-canes. निसी० ३, १६; —वाड. पुं० (-वाट) શેરડીનો વાડ; જ્યાં શેરડી પીલાય તે સ્થાન. गन्ने की बाड़; गन्ने पेलने की जगह. a place where sugar-canes are crushed to get out juice; a field where sugar-canes are grown. राय० २७६; —वाडिया. स्त्री० (-वाटिका) ઇક્ષુ—શેરડી નો વાડવાડી. गन्ने की बाड़ी–खेत. a field where sugar-canes are grown. पन्न० १; भग० २१ ५;

इक्खुवर. पुं० (इक्षुवर) એ નામનો એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. Name of an island; also the name of an ocean. जीवा० ३, ४;

इग. त्रि० (एक) એકની સંખ્યા; ૧. एक की संख्या; १. The number one; 1. क० गं० १, ८; ३३; २, १४ ७, ११; —चतुसय. न० (-चतुःशत) એકસો ને એકતાલીસ. ૧૪૧ एकसौ एकतालीस; १४१. one hundred forty-one; 141. क० गं० २, २७; —नवइ. स्त्री० (-नवति) એકાણું; ૯૧. एकानवें; ९१. ninety-one; 91. क० गं० ३, ७; —चाल. स्त्री० (-चत्वारिंशत) એકતાલીશ; ૪૧. एकतालीस; ४१. forty-one; 41. प्रव० ५१६; क० गं० ६, ६६; —पन्न. स्त्री० (-पञ्चाशत्) એકાવન; ૫૧. एकावन; ५१. fifty-one; 51. प्रव० ३६०; —वीस. स्त्री० (-विंशति) ૨૧ ની સંખ્યા; એકવીશ. इक्कीसवीं संख्या. twenty-one; 21. उवा० १०, २७७; —सय. न० (-शत) એકસો ને એક; १०१. एक सौ एक; १०१. one hundred and one; 101. क० गं० ३, ४; —सट्ठि. स्त्री० (-षष्टि) એકસઠ; ૬૧. इकसठ; ६१. sixty-one; 61. सम० ६१; —सी. स्त्री० (-अशीति) એકાશી; ૮૧. इकासी; ८१. eighty-one; 81. क० गं० २, १७;

इगाहिय-अ-सय. न० (एकाधिकशत) એક અધિક સો; એકસોનેએક; ૧૦૧. एक-सौ-एक; १०१. One hundred and one; 101. क० गं० ४, ४;

इगार. त्रि० (एकादशन्) અગીયાર; ૧૧. ग्यारा; ११. Eleven; 11. क० गं० ६, ६२;

इगारसम. त्रि० (एकादशम) ૧૧મો; અગ્યારમો. ग्यारवां; ११ वाँ. Eleventh; 11th. विवा० १; क० गं० २, १४;

इगिंदिय. त्रि० (एकेन्द्रिय) જેને એક ઇંદ્રિય હોય તે; પૃથ્વી આદિ સ્થાવર જીવ. एकेन्द्रिय वाला; पृथ्वी आदि स्थावर जीव. One-sensed; e. g. earth etc. क० गं० ३, ११; ४, १८;

इगिंदियत्ता. स्त्री० (एकेन्द्रियता) એકેન્દ્રિયપણું. एकेन्द्रियपन. State of being one-sensed. भग० ३५, १;

इगुण. त्रि० (एकोन) એક ઓછું. एक कम. Less by one. क० प० २, १२; —**असि.** स्त्री० (-अशीति) ઓગણ્યાએંસી ૭૯. उनयासी; ७६. seventy-nine; 79. प्रव० ३६७; —**नउइ.** स्त्री० (-नवति) નવ્યાશી; ૮૯. नेवासी; ८६. eighty-nine; 89. क०प० २, २३; —**वीस.** स्त्री० (-विंशति) ઓગણીશ; ૧૯. उन्नीस; १६. nineteen; 19. क० प० २, १२; —**सट्ठि.** स्त्री० (-षष्टि) ઓગણસાઠ; ૫૯. उनसाठ ५६. fifty-nine; 59 क० गं० ६, ७४;

इग्ग त्रि० (एक) એકની સંખ્યા. एक की संख्या. The number, one. क० गं० ५, ४०;

इच्चत्थ. पुं० (इत्यर्थ) આ પ્રકારનો અર્થ. इस प्रकार का अर्थ. This sort of meaning. आया० १, १, २, १६;

इच्चा. सं० कृ० अ० (इत्वा) જાણીને. जानकर. Having known. आया० १, १, ३, २१;

इच्चाइ. त्रि० (इत्यादि) એ; આદિ; ઇત્યાદિક. इत्यादि. Et cetera. क० गं० १, २६; प्रव० ६६३;

इच्चाइय. त्रि० (इत्यादिक) વગેરે. वगैरह वगैरह. Et cetera. कप्प० ६, २०१;

इच्चेवं. अ० (इत्येवं) આ પ્રકારે; એવી રીતે. इस प्रकार से; इस तरह. In this way; in that way. दस० २, ४; पण० ११;

√**इच्छ.** धा० I. (इष्) ઇચ્છવું; ઇચ્છા કરવી. इच्छा करना. To wish; to desire.

इच्छइ. सूय० १, १, २, ३१; अणुजो० १४; नाया० १; ५; १३; १६; भग० १५, ५;

इच्छंति. दस० ६, ११; नाया० ८; १६; भग० ८, ५;

इच्छाम. विशे० २०१;

इच्छामि. नाया० १; २; ५; ८; १२; भग० १, ६; २, १; ५; ३, २; ५, ८; ७, १०;

इच्छामो. नाया० १; ३; ६; भग० ११, ११;

इच्छे. वि० उत्त० १, १२; ३२, ४; दसा० ३, १६; १६; वव० १, २२; २६; ३०;

इच्छिज्जा. वि० कप्प० ६, ४८; दस० ५, १, ६६; ६, ४८;

इच्छेज्जा. वि० उत्त० ९, २६; दस० ५, १, ६५;

इच्छेज्ज. वि० वेय० ४, १५;

इच्छइ० पिं० नि० ३०१; ४६५; उत्त० १२, २८;

इच्छय. विशे० व० कृ० ३२९४;

इच्छंत. नाया० १६; विशे० १६०; दस० ८, ३७; उत्त० १, ६;

इच्छमाण. पंचा० ४, ५०;

इच्छिज्जइ. गच्छा० ७८;

इच्छावेइ. प्रे० व० प्र० ए० विशे० १०८५;

इच्छझाण. न० (इच्छाध्यान) લાભની ઇચ્છાનું ધ્યાન. लाभ की इच्छा का ध्यान. Meditation upon some desire of profit or gain. आउ०

इच्छक्कार. त्रि० (इच्छाकार-एवमभिच्छा स्वाभिप्रायस्तया करणं तत्कार्यनिर्वर्त्तनमिच्छाकारः) ઇચ્છાપૂર્વક ગુરુની આજ્ઞા ઉઠાવવી અનુષ્ઠાન કરવું તે; દશ સામાચારીમાંની એક. इच्छा पूर्वक गुरु की आज्ञा मानना; दश सामाचारियों में की एक सामाचारी. Will-

ingly carrying out the orders of a preceptor; one of the 10 points of ascetic good conduct ठा० १०; पंचा० १२, ४;

इच्छा. स्त्री० (इच्छा) ઇચ્છા; અભિલાષા. इच्छा; अभिलाषा. Desire; longing. ओव० ३८; आया० १, ४, २, १३१; पराह० १, ५; पिं० नि० २१६; सू० प० १०; सम० ५२; ठा० १०; उवा० १, १७; प्रव० ६६; पंचा० १, ७; १२, २; भग० १२, ५; २५, ७; वेय० १, ३३; (२) પખવાડીઆની પંદર રાત્રિઓમાંની અગ્યારમી રાત્રી. पक्ष की पंद्रह रात्रियों में की ग्यारहवीं रात्रि. the 11th night of a fortnight. जं० प०० ७, १५२; **—अणुलोम.** त्रि० (—अनुलोम) ઇચ્છાને અનુકૂલ. इच्छा के अनुकूल. propitious to one's desires. भग० १, ३; पन्न० ११; **—(ऽ) अणुलोमिय.** त्रि० (—आनुलोमिक) ઇચ્છાને અનુકૂલ બોલનાર. इच्छा के अनुकूल बोलनेवाला. (one) who speaks agreeably to one's desire. आया० नि० १, ४, १. २१८; **—काम.** पुं० (—काम) અપ્રાપ્ત વસ્તુની આકાંક્ષા. अप्राप्त वस्तु की आकांक्षा. desire of an unattained object. उत्त० ३६, ३; **—छंद.** पुं० (—छन्द) સ્વચ્છન્દપણું; ઇચ્છામુજબ વર્તવું તે स्वच्छंदता; स्वेच्छाचारत्व. wilful, wanton, action or behaviour. प्रव० १२१; **—पणीय.** त्रि० (-प्रणीत—इंद्रियमनोविषयानुकूला प्रवृत्तिरिहेच्छा तया विषयाभिमुखमभिकर्मबन्धनसंसाराभिमुखं वा प्रकर्षेण नीतः इच्छाप्रणीतः) સંસાર વધે તેવી વિષયાનુકૂલ પ્રવૃત્તિના પ્રવાહમાં ઘસડાયેલ. संसार बढानेवाली विषयानुकूल प्रवृत्ति के प्रवाह में पड़ा हुआ. (one) drawn by activities favourable to sensual gratifications which prolong worldly existence. आया० १, ४, २, १३१; **—परिमाण.** न० (—परिमाण) ઇચ્છાનું પરિમાણ-મર્યાદા બાંધવી તે; પાંચમું અણુવ્રત. इच्छा का परिमाण-मर्यादा करना; पांचवां अणुव्रत. limitation of desires; the 5th partial vow. ठा० ५; **—मुत्ति.** स्त्री० (—मुक्ति) ઇચ્છા-મુક્તિ; ઇચ્છાનો ત્યાગ इच्छा का त्याग. giving up, abandonment, of desires. भत्त० २०, **—लोभ.** पुं० (—लोभ—इच्छा अभिलाषः सा चासौ लोभश्च इच्छालोभः) ઇચ્છારૂપ લોભ. लोभ. avarice in the form of desire "इच्छा लोभेण उवहिमइरेगोत्ति" ठा० ६; आया० १, ८, ८, २३; **—लोभिय.** त्रि० (—लोभिक-इच्छा लोभो यस्यास्ति स इच्छा लोभकः) મહેચ્છાવાલો; ઘણી ઉપધીવાલો. महेच्छावाला; बहुत उपधिवाला. highly ambitious or avaricious. ठा० ५; **—लोल.** पुं० (—लोल) ઇચ્છામાંપણ લોભ; અત્યંત લોભ. अत्यंत लोभ. Excessive avarice. वेय० ६,१८;

इच्छाकार. पुं० (इच्छाकार) જુઓ 'इच्छकार' શબ્દ. देखो 'इच्छकार' शब्द. Vide 'इच्छकार'. उत्त० २६, ३; ओव० ११, उवा० १, ८१;

इच्छाक्कार. पुं० (इच्छाकार) જુઓ 'इच्छकार' देखो 'इच्छकार' शब्द. Vide 'इच्छकार' प्रव० ७६९;

इच्छामित्त. न० (इच्छामात्र) ઇચ્છા માત્ર; યુક્તિ વિના કલ્પના માત્ર इच्छा मात्र; युक्ति बिना कल्पना मात्र. Mere desire

(without a plan to carry it out) सूय० १, ७, १६;

इच्छिय. त्रि० (इष्ट) ઇચ્છેલું; ઇષ્ટ; વાંછિત. इच्छित; इष्ट. Desired; wished for. पिं० नि० ३४२; ओव० १८, ३२; उत्त० ३०, १०, जं० प० सु० च० १२, १९; विशे० २६५३; नाया० १; ५; १२; नाया० ध० भग० १, १; २, १; ६, ३३; ११, ११; ४१, १; उवा० १, १२; कप्प० १, १२; **—काम कामि.** त्रि० (–कामकामिन्) મનગમતા ભોગ ભોગવનાર. मन चाहे भोग भोगनेवाला. (one) enjoying all the pleasures that one desires. जं० प० २;

इच्छियव्व. त्रि० (इष्टव्य) ઇચ્છવું. इच्छा करना. Desiring. जं० प० ३, ५२;

इच्छुरस. पुं० (इक्षुरस) શેરડીનો રસ. सांठे का रस. Sugar-cane juice. क० गं० ५, ६५;

इज्जमाण. त्रि० (एज्यमान) કંપાયમાન. कंपायमान. Trembling. राय० ६४;

इज्जा. स्त्री० (इज्या) યાગ; દેવ પૂજા. याग; देव पूजा. Worship of gods; a sacrifice. अणुजो० २६; उत्त० १२, २;

इज्जेस. त्रि० (इज्यैष—इज्यां पूजां इच्छति एषयति वा यः स इज्यैषः) પૂજાની અભિલાષાવાળો. पूजा की अभिलाषा वाला. (One) desirous of worshipping gods. भग० ९, ३३;

इज्झमाण. त्रि० (इध्यमान) દીપ્યમાન. दीप्यमान. Being kindled or lighted. " मंदायं मंदा इमे इज्झमाणा " राय०

इट्टगा. स्त्री० (इष्टका) ઈંટ. ईंट. A brick. अंत० ३, ८; विशे० १०८२; (२) સેવ; ખાદ્ય વિશેષ. सेव; खाद्य विशेष. a particular variety of food; macaroni. पिं० नि० ४६६;

इट्टया. स्त्री० (इष्टका) ઈંટ. ईंट. A brick. जीवा० ३, १;

इट्टा. स्त्री० (इष्टा) ઈંટ. ईंट. A brick. ठा० ८; **—पाग.** पुं० (–पाक) ઈંટ પકાવવાનું સ્થાન. ईंट पकाने का स्थान. a place where bricks are heated; a kiln. " इट्टा वाएइवा " ठा० ८;

इट्टाल. पुं० (*) ઈંટ. ईंट. A brick. " होजकट्ठं सिलं वावि इट्टालं वावि एगया " दस० ५, १, ६२; पिं० नि० भा० ४६;

इट्ठ. त्रि० (इष्ट) પ્રિય; વ્હાલું; મનગમતું. प्यारा; प्रिय; मनचाहा. Beloved; dear; desired. जं० प० २, ३०; पन्न० १७, २३; ठा० २, ३; ओव० ३२; ३६; नाया० १; ८; ९; १४; १५; १६; विशे० २३; ६८; १६१; राय० ५१; उत्त० २२, २; जीवा० १; सूय० २०; भग० १, १, २, १; १४, ५; ९; १५, १; १८, ३; पंचा० १२; उवा० १, ६; कप्प० ३, ४८; ६, १५५; निर० ३, ४; क० गं० १, ५०; **—अणिट्ठ.** त्रि० (–अनिष्ट) ઇષ્ટ અને અનિષ્ટ. इष्ट और अनिष्ट. good and evil; desirable and undesirable. प्रव० ६३४; **—(ट्ठा)अनिट्ठ.** (–अनिष्ट) કંઈક ઇષ્ટ અને કંઈક અનિષ્ટ; સારું નરસું. भला बूरा; कुछ इष्ट और कुछ अनिष्ट. good and evil mixed up together. विशे० ५१५; **—खगइ.** स्त्री० (–खगति) શુભવિહાયોગતિ; ચાલવાની ગતિ. इष्ट गति. de-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) page 15th.

sirable capacity of moving in space. क० प० ४, १४; —गंध. त्रि० (-गंध) સુગંધ; સુગંધિ - પદાર્થ. सुगंध; सुगंधित पदार्थ. a fragrant substance. ओव० —त्थ. पुं० (-अर्थ) ઇચ્છેલો અર્થ; કર્મ. इच्छित कर्म. desired object or end; desired Karma. पंचा० १६, ४७; —फल. न० (-फल) ઇચ્છિત ફલ. इच्छित फल. desired fruit. पंचा० ४, ३१; —फलजणग. न० (-फलजनक) અભિમતાર્થ-ફલ સાધક. इच्छित फल देनेवाला. (anything) yielding desired fruit; accomplishing desired object. पंचा० ३, ४७; —फलसाहग. त्रि० (-फलसाधक) ઇચ્છિત ફલને સાધનાર. इच्छित फल की साधना करने वाला. (anything) accomplishing a desired object or result, पंचा० ४, ३३; —फलसिद्धि. स्त्री० (-फलसिद्धि) ઇચ્છિત ફલની સિદ્ધિ. इच्छित फल की सिद्धि. accomplishment of a desired result. पंचा० ४, ३३; —रूव. त्रि० (-रूप) ઇષ્ટ છે રૂપ જેનું તે. इष्ट रूप वाला. of a beloved, charming appearance. "सुबाहु कुमारे इट्ठे इट्ठरूवे" विवा० २, १; —सद्द. पुं० (-शब्द) પ્રિય શબ્દ; વીણા વગેરેનો શબ્દ. प्रिय शब्द; वीणा वगैरह का शब्द. sweet sound; e. g. that of a musical instrument. पन्न० २३; —सर. पुं० (-स्वर) મધુરો-પ્યારો સ્વર. मधुर स्वर. sweet, pleasing, sound. क० प० ४, १४; —सिद्धि. स्त्री० (-सिद्धि) ઇષ્ટ-ઇચ્છિત વસ્તુની સિદ્ધિ. इच्छित वस्तु की सिद्धि. accomplishment of a desired object. पंचा० ४, ३१; —सुय. पुं० (-सुत) પ્રિય પુત્ર. प्रिय पुत्र. a beloved son. पंचा० ७, ३६; —स्सर. पुं० (-स्वर) પ્રિય સ્વર. प्रिय स्वर. a pleasant sound. पन्न० २३;

इट्ठतर. त्रि० (इष्टतर) વધારે પ્રિય; અતિશય ઇષ્ટ. बहुत प्रिय; बहुत इष्ट. Extremely beloved; more pleasant. राय० जं० प० २, २२;

इट्ठतरिश्रा. स्त्री० (इष्टतरिका) અતિશય ઇષ્ટ. बहुत इष्ट. Most desirable. जं० प० २, २२;

इट्ठयर. त्रि० (इष्टयर) વધારે પ્રિય. बहुत प्रिय. Highly beloved; very pleasant. जीवा० ३, ३;

√**इड्डर.** न० (*) ગાડા કે ગાડી. गाड़ा या गाडी. A small or big cart. श्रोघ० नि० ४७६;

इड्ढि. स्त्री० (ऋद्धि) સમૃદ્ધિ; વૈભવ. समृद्धि; वैभव. Prosperity; wealth. (२) આમર્શ-ઔષધિ આદિ લબ્ધિ. आमर्श-औषधि आदि लब्धि spiritual power. उत्त० २, ४४; २७, ६; दस० ६, २, ६; १०, १, १७; श्रोव० ३८; सम० ६, ३०; विशे० ५६६; निर० १, १; श्रोघ० नि० ४६८; नंदी० ५०; राय० ४१; नाया० १; २; ८; १६; पन्न० २; सु० च० १५, ६७; भग० १, २; ३, ६; ८, १; ६; पंचा० ६, १८; दसा० ६, २८; —गारव. पुं० (-गौरव) નરેન્દ્રાદિકની તથા આચાર્યની

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ऋद्धिवडे अभिमान करी आत्माने भारे करवी ते. नरेन्द्रादिक की तथा आचार्य की ऋद्धि के कारण अभिमान करके कर्म बंध करना. burdening the soul with the pride of the spiritual power of a preceptor or of the temporal power of a king etc. ठा० ३; सम० ३; आव० ४, ७; —गारवज्झाण. न० (-गौरवध्यान) ऋद्धिना मदनुं ध्यान; दुर्ध्याननो एक प्रकार. ऋद्धि के मद का ध्यान; दुर्ध्यान का एक भेद. meditation upon the power of prosperity; a bad kind of meditation. आउ० —पत्त पुं० (-प्राप्त) ऋद्धि-आमर्ष आदि औषधिनी प्राप्ति थयेल. ऋद्धि, आमर्श आदि औषधियों को प्राप्त. one who has attained to spiritual or temporal prosperity. पन्न० १; भग० १४, ६; —पत्ताणुओग. पुं० (-प्राप्त्यनुयोग) आमर्श औषधि आदिनी लब्धि प्राप्तिनुं व्याख्यान. आमर्श आदि औषधियों की प्राप्ति का व्याख्यान. a discourse on the attainment of such spiritual prosperity or power as Amosahi etc. विशे० ५६०; —पत्तारिय. पुं० (-प्राप्तार्य) ऋद्धिने प्राप्त थयेल आर्य—अरिहंत, चक्रवर्ती, बलदेव, वासुदेव, चारण मुनि अने विद्याधर. ऋद्धि प्राप्त आर्य अर्थात् अरिहंत, चक्रवर्ती, बलदेव, वासुदेव, चारण मुनि, विद्याधर आदि. an Arya who has attained to spiritual prosperity; Arihanta, Chakravartī etc. "से किंतं इड्डिपत्तारिया दुविहा पन्नत्ता तंजहा" पन्न० १; —सक्कारसमुदअ. पुं० (-सत्कार समुदय —ऋद्ध्या—वस्त्र सुवर्णादिसम्पदा सत्कारः पूजाविशेषस्तस्य समुदायस्तथा) ऋद्धि करीने सत्कारनो समुदाय. ऋद्धि से वस्त्राभरणादि द्वारा सत्कार का समुदाय. presents of clothes ornaments etc. as a mark of honour. विवा० ३;

इड्डिमंत. त्रि० (ऋद्धिमत्) ऋद्धिवालो; समृद्धिवान. ऋद्धिवाला; समृद्धिवान्. Prosperous: wealthy. ठा० ५, २;

इणमेव. अ० (इदमेव) एहिज. वही. The same. भग० २, १; ६, ५; १४, ७; २०, ६;

इणामेव. अ० (इदमेव) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. पन्न० ३६;

इणिंह. अ० (इदानीं) हमणां; अहुणा. अभी; अब. Now. सूय० २, ६, १; उत्त० १२, ३२; पिं० नि० ६३४; सु० च० ३, ११३; विशे० १६८; नाया० ८;

इत्तल. पुं० (इतल) तृण विशेष. तृण विशेष. A kind of grass. भग० २१, ६;

इति. अ० (इति) जुओ "इइ" शब्द. देखो 'इइ' शब्द. Vide "इइ" दस० १, ५; नाया० ३; १६; भग० १; ४; ७, २; १५, १; १६, ६; १६, ३; २५, ७; वव० १, ३७; ७, १७; दसा० ३, २२, २६; निसी० ५, ६६, १४, १२; क० गं० १, २५;

इतिहास. पुं० (इतिहास) प्राचीन कालनी हकीगत दर्शावनार इतिहास शास्त्र. प्राचीन काल का वर्णन करनेवाला इतिहास शास्त्र. History; narration of past events. भग० २, १; ओव० ३८;

इतो. अ० (इतः) अहींथी. यहां से. Hence; from this place. सूय० १, १, १,

१२; उत्त० ५, १७; ३४, १५; ओव० ३६; राय० ५, २; सु० च० १, १०४; भग० १, १; १४, ७; १२, १; विशे० ८७; पन्न० १७; क० प० १, १२; क० गं० ४, २१;

इत्तर. त्रि० (**इत्वर**) અલ્પ કાલનું; અલ્પ કાલ; अल्प समय का; किंचित् काल. Of a short duration. सूय० १, २, ३, ८; विशे० २६; ठा० ६; पंचा० १, ६; **—परिग्गहा.** स्त्री० (**—परिग्रहा—इत्वरमल्पमल्पकालं वा परिग्रहो यस्याः सा इत्वरपरिग्रहा**) થોડા વખતને માટે ગ્રહણ કરેલ; વેશ્યાદિ. थोड़े समय के लिये ग्रहण की हुई; वेश्यादि. a woman accepted for a short time; a harlot etc. प्रव० २७, ८; **—परिग्गहियागमण.** न० (**—परिगृहीतागमन**) નાની ઉમરની પરણેલ સ્ત્રી સાથે ગમન કરવું; મૈથુન સેવવું તે; શ્રાવકના ચોથા વ્રતનો પ્રથમ અતિચાર. छोटी उमर की विवाहित स्त्री के साथ गमन करना-मैथुन सेवन करना; श्रावक के चौथे व्रत का प्रथम अतिचार. sexual intercourse with a girl-wife; the first Atichāra of the 4th vow of a Jaina layman. पंचा० १, १६; **—परिग्गहिया.** स्त्री० (**—परिगृहीता**) નાની ઉમરની પરણેલ સ્ત્રી. छोटी उमर की विवाहित स्त्री. a girl-wife. प्रव० २७८; **—वास.** पुं० (**—वास**) થોડો નિવાસ. थोड़ा निवास. short stay or residence. सूय० १, २, ३, ८;

इत्तरिय. त्रि० (**इत्वरिक**) થોડા વખતનું; થોડા સમયનું; અલ્પ કાલીન. अल्प कालीन; थोड़े समय का. Lasting for a short time; short-lived. पंचा० १०, ११; ओघ० १९; अणुजो० ११; पन्न० १, १७; उत्त० ३०, ८; भग० २५, ७; वव० २, २४; ६, २०; निसी० २, ५६; १०, ५०; उवा० १, ४८; (२) પાદોપગમન મરણની અપેક્ષાએ થોડા વખતનું ઇંગિત મરણ કરવું તે. पादोपगमन मरण की अपेक्षा से थोड़े समय का इंगित मरण करना. accepting the Iṅgita kind of death which is speedier than the Pādopagamana kind of death. आया० १, ७, ६, २२२; જવા વાળું; ગમનશીલ. गमनशील having the nature to go or move or pass away. उत्त० १०, ३;

इत्तरी. स्त्री० (**इत्वरी**) થોડા વખતના માટે રાખેલ-વેશ્યા આદિ. थोड़े समय के लिये रखी हुई वेश्या आदि. A woman temporarily kept e. g. a harlot etc. पंचा० १, १६;

इत्ति. अ० (**इति**) એવું; એવીરીતે; આ પ્રકારે. इस प्रकार का; इस तरह. Thus; in this way; in that way. आया० १ १, १, १३; अणुजो० १०;

इत्तिअ--य. त्रि० (**एतावत्**) એટલું એટલા પ્રમાણનું; અમુક-નિયમિત પ્રમાણનું. इतना; इतने प्रमाण का; अमुक नियमित प्रमाण का. That much; this much; उत्त० ३०, १८;

इत्थ. अ० (**अत्र**) અહિં આ; આહિં; આ ઠેકાણે. यहां; इस स्थानपर. Here; in this place. दस० ६, ४, १; आया० १, २, ६, १८३; वेय० ३, २५; पिं० नि० भा० २१; भग० १५, १; नाया० ८; १७; जं० प० वव० ४, १०;

इत्थं. अ० (**इत्थम्**) એવી રીતે; આ પ્રકારે. इस प्रकार मे. In this way; thus. नाया० १; ७; ८; १५; पन्न० २;

इत्थंत्थ. त्रि० (इत्थंस्थ) લોકપ્રસિદ્ધ આકારે રહેલ; લૌકિક સંસ્થાનવાળું. लोकप्रसिद्ध आकार से रहा हुआ; लौकिक संस्थानवाला. Remaining in a common shape; possessed of ordinary configuration of body. " इत्थंत्थं च चयइ सव्वसो सिद्धे वा हवइ सासए " दस० ६, ४; २, ३;

इत्थि. स्त्री० (स्त्री) સ્ત્રી; નારી. स्त्री; नारी. A woman. उत्त० १, १६; नाया० ४, ८; भग० ३, ४; १५, १, क० गं० १, २२; २, ३०; **—आणमणी.** स्त्री० (–आज्ञापनी) સ્ત્રીને આદેશ કરવાની બોલાવવાની ભાષા. स्त्री को आदेश करने की बुलाने की भाषा. a form of address to a woman to call her. पन्न० ११; **—कम्म.** न० (–कर्मन्) સ્ત્રીને વશ કરવાનું કામ. स्त्री को वश करने का काम. the work of bringing a woman under control. सूय० १, ६, १३; (२) હસ્તકર્મ વગેરે પાપ અનુષ્ઠાન. हस्तकर्म आदि पाप पूर्ण कार्य. a sinful action like self-abuse etc. सूय० १, ६, १३; **—कला.** स्त्री० (–कला) સ્ત્રીની ચોસઠ કલા. स्त्री की कला; ६४ प्रकार की स्त्री-कला. any of the 64 accomplishments of a woman. जं० प० २; **—कलेवर.** न० (–कलेवर) સ્ત્રીનું શરીર. स्त्री का शरीर. the body of a woman. " इत्थि कलेवराण साल्विएसु च बहुमाणो " पंचा० १, ४६; **—कहा.** स्त्री० (–कथा) સ્ત્રી સંબંધી કથા; ચાર વિકથામાંની એક. स्त्री सम्बन्धी कथा; चार विकथाओं में का एक कथा. talk about women; one of the four irreligious kinds of talk. " इत्थि कहा चउविहा पण्णत्ता तंजहा " ठा० ४, २; सम० ४; **—काम.** पुं० (–काम) સ્ત્રીની કામના; સ્ત્રીસંબંધી કામ ભોગ. स्त्री की कामना; स्त्री सम्बन्धी काम भोग. enjoyment of women; desire for sexual pleasures. "एवमेव ते इत्थिकामेहिं मुच्छिया" सूय० १, २, ३५; दस० १०, ७; **—कामभोग.** पुं० (–कामभोग) સ્ત્રી સંબન્ધી કામભોગ. स्त्री सम्बन्धी कामभोग. sexual enjoyment; enjoyment of women. " एवमेव ते इत्थिकामभोगेहि मुच्छिया गिद्धा " सूय० टी० २, १, १०; दसा० ६, १; **—कुलत्थ.** न० (कुलस्थ) કુલમાં રહેલ કુલીન સ્ત્રી; માતાદિ. कुलीन स्त्री; मातादि. a noble woman; a mother etc. नाया० ५; भग० १८, १०; **—गण.** न० (–गण) સ્ત્રીઓનો સમૂહ જત્થો. स्त्रियों का समूह. a group of women; a crowd of women. " नो इत्थिगणाणं संवित्ता भवइ " ठा० ६; **—गब्भ.** पुं० (–गर्भ) સ્ત્રી સંબંધી ગર્ભ-સજીવ પુદ્‌ગલ પિન્ડ. स्त्रीसम्बन्धी गर्भ-सजीव पुद्गल पिंड. foetus; embryo. भग० ४, ८; **—गुम्म.** न० (–गुल्म) સ્ત્રીઓનો સમૂહ. स्त्रियों का समूह. a bevy of ladies " इत्थिगुम्मपरिव्वुड " दसा० १०; **—चोर.** पुं० (चोर) સ્ત્રીના રૂપનો ચોર; પરસ્ત્રી લંપટ. स्त्री के रूप का चोर; परस्त्री लंपट. one enamoured of the beauty of the wives of others. पन्ह० १, ३; **—ठाण.** न० (–स्थान) સ્ત્રી જ્યાં બેસે, ઉઠે તે સ્થાન. स्त्री जहां उठे बैठे वह स्थान. a place frequented by women. " नो इत्थिठाणं संवित्ता भवइ " ठा०

६; —णाम. न० (-नामन्) જેથી સ્ત્રી રૂપે જન્મ લેવો પડે તેવી નામકર્મની એક પ્રકૃતિ. नामकर्म की एक प्रकृति जिसके कारण स्त्री रूप जन्म लेना पड़े. a variety of Nāmakarma causing birth as a woman. नाया० ८; —णाम गोय कम्म. न० (-नामगोत्रकर्मन्) સ્ત્રીના ગોત્રમાં-જાતિમાં જન્મ લેવો પડે તેવું કર્મ. ऐसा कर्म जिससे स्त्री जाति में जन्म हो. a Karma by which one has to take birth as a female. नाया० ८; —तित्थ. न० (-तीर्थ) સ્ત્રીરૂપે જન્મેલ મલ્લીનાથ તીર્થંકરનું તીર્થ-શાસન. स्त्रीरूप से जन्मे हुए मल्लीनाथ तीर्थंकर का शासन. the canon of Mallinātha Tirthaṅkara who was born as a female. ठा० १०; —दोस. पुं० (-दोष) સ્ત્રીના દોષ-અવગુણ. स्त्री के दोष अवगुण. the faults of a woman; the defects of a woman; "इत्थिदोसं संकिणो होंति" सूय० १, ४, १, १५; —पच्छाकड. त्रि० (-पश्चात्कृत) જેણે સ્ત્રીપણું પાછળ કર્યું છે-ટાળ્યું છે તે. जिसने स्त्री रूप जन्म दूर कर दिया है वह. (one) who has banished female birth. भग० ८, ८; —पराणवणी. स्त्री० (-प्रज्ञापनी) સ્ત્રીના લક્ષણનું પ્રતિપાદન કરનાર મોહજનક ભાષા. स्त्री के लक्षण का प्रतिपादन करनेवाली मोहजनक भाषा. fascinating, captivating language describing characteristics of women. पन्न० ११; —परिसह. पुं० (-परिषह) સ્ત્રી સંબંધીનો પરિષહ; કોઇ સ્ત્રી સંયમથી ચલાવવા હાવ ભાવ કરે તો પણ ચલિત ન થવું તે; ૨૨ પરિષહમાંનો એક. स्त्री संबंधी परीषह; कोई स्त्री, संयम से विचलित करने के लिये हाव भाव करे तो भी विचलित न होना; २२ परीषहों में का एक परीषह. resisting erotic enticements offered by a woman; one of the 22 Parisahas. भग० ८, ८, उत्त० २, १; —परिसह विजय. पुं० (-परिषहविजय) એકાન્તવાસમાં અમુક ઘણી રૂપાળી સ્ત્રી આવી, અનેક પ્રકારના હાવભાવ કટાક્ષ વગેરેથી પરિષહ આપે છતાં પણ મન ન ડગાવીને પરિષહપર વિજય મેલવવો તે. एकान्तवास में कोई बहुत रूपवान् स्त्री के आने और हाव; भाव, कटाक्ष करनेपर भी मन को चलित न होने देना और परिषह विजय प्राप्त करना. maintaining one's control over the mind in spite of the amorous glances etc. of a fair woman in a private place भग० ८, ८; —पोसय. पुं० (-पोषक—स्त्रियं पोषयन्तीति स्त्रीपोषकाः) સ્ત્રીનું ભરણ પોષણ કરનાર પુરૂષ. स्त्री का भरण पोषण करनेवाला पुरुष. a person who maintains a woman. सूय० १, ४, १, २०; —भाव. पुं० न० (-भाव) કટાક્ષ સંદર્શન વગેરે સ્ત્રીના હાવ ભાવ. कटाक्ष, संदर्शन आदि स्त्री के हाव, भाव. amorous movements, glances etc. of a woman. "मोहुम्मायजणयाइं सिंगारियाइं इत्थिभावाइं उवदंसेमाणी" उवा० ८, २४६; —रज्ज. न० (-राज्य) સ્ત્રીનું રાજ્ય; સ્ત્રી જ્યાં સ્વતંત્રપણે વર્તે છે તે. स्त्री का राज्य; जहां स्त्री स्वतंत्रता से व्यवहार करती है वह. petticoat government. "अजा अवारियाओ इत्थिरज्जं न तं गच्छं" गच्छा० १, ६५; —रयण. न० (-रत्न) ચક્રવર્તીની મુખ્ય પટ્ટરાણી; ચક્રવર્તિના ૧૪ રત્નમાંનું એક રત્ન. चक्रवर्ति की मुख्य

पट्टराणी; चक्रवर्ति के १४ रत्नों में से एक रत्न. the principal queen of a Chakravarti; one of the 14 gems of a Chakravarti. जं० प० ३, ६८; पन्न० २०; भग० ५, ५; ठा० ७; —रूव. न० (-रूप) स्त्री स्वरूप; स्त्रीनो आकार. स्त्री स्वरूप; स्त्री का आकार. the form of a woman; the shape of a woman. तंडु० —लक्खण. न० (-लक्षण) सामुद्रिक शास्त्र प्रसिद्ध स्त्रीनां लक्षण; ७२ कलामांनी एक कला. सामुद्रिक शास्त्र प्रसिद्ध स्त्री के लक्षण; ७२ कलाओं में से एक कला. the marks of a woman as related in the science of palmistry; one of the 72 arts or accomplishments. नाया० १; ओव० ४०; (२) एनुं प्रतिपादन करनार पाप. इस का प्रतिपादन करने से लगने वाला पाप. the sin arising from explaining the above; (३) श्रुतनुं एक अध्ययन. श्रुत का एक अध्ययन. name of a chapter of scriptures सूय० २, २, ३०; —लिंग. न० (-लिङ्ग-स्त्रियो लिङ्गं स्त्रीलिङ्गम्) स्त्रीलिंग; स्त्रीनुं शरीर. स्त्रीत्व; स्त्री जाति. womanhood. पन्न० १; —लिंगसिद्ध. पुं० (-लिङ्गसिद्ध) स्त्रीपणे सिद्ध थवुं ते; स्त्री भवमां मोक्ष जवुं ते. स्त्रीरूप में सिद्ध होना; स्त्री पर्याय से मोक्ष जाना. attainment of salvation in the condition of womanhood. पन्न० १; —वउ. स्त्री० (-वाच्) स्त्रीलिंग प्रतिपादक वचन; माला शाला इत्यादि नारी जातिना शब्द स्त्रीलिंगी वचन—शब्द; माला, शाला आदि स्त्रीलिंगी शब्द. a word in the feminine gender; feminine gender. पन्न० ११; —वयण. न० (-वचन) स्त्रीलिंग वचन—नारी जातिना शब्द; वीणा, कन्या आदि. स्त्रीलिंगी शब्द. feminine gender; a word in the feminine gender. आया० २, ४, १, १३२; पन्न० —वस. पुं० (-वश) स्त्रीने वश; स्त्रीना कब्जामां गयेल. स्त्री के वश; स्त्री के आधीन. a hen-pecked man; one who is under the control of a woman. " इत्थि वसंगया बाला " सूय० १, ३, ४, ६; —विग्गह. पुं० (-विग्रह) स्त्रीनुं शरीर. स्त्री का शरीर. the body of a woman. आया० २, १, ३, १५; दस० ८, ५४; —विण्णवणा. स्त्री० (-विज्ञापना) युवतिने भोगमाटे प्रार्थना अरज करवी ते. युवति से भोग के लिये प्रार्थना करना. courting the affection of a young woman for enjoyment. सूय० १, ३, ४, १०, ११, १२; —विप्पजह. पुं० (-विप्रजह) स्त्रीना त्यागी; स्त्रीनो त्याग करनार. स्त्री का त्यागी; स्त्री का त्याग करनेवाला. one who abandons the company of a woman. " नारीसु नोवगिज्झेज्जा इत्थि विप्पजहे अणगारे " उत्त० ८, १६; —विप्परियासिय न० (-विपर्यासित) स्वप्नमां स्त्री साथे भोग भोगव्या होय ते. स्वप्न में स्त्री के साथ भोग भोगा हो वह. enjoyment of a woman in a dream. आव० ४, ४; —विसय गेहि. त्रि० (-विषय गृद्ध) स्त्रीना विषय सुखमां गृद्ध थयेल. स्त्री के विषय-सुख में गृद्ध. (one) greedy of sensual enjoyments with women. दसा० ६, ११, १२;

—वेद. पुं० (-वेद) स्त्रीवेद; મોહનીયકર્મની એક પ્રકૃતિ; સ્ત્રીને વિકાર થાય તે. स्त्रीवेद; मोहनीयकर्म की एक प्रकृति. स्त्री को जो विकार होता है वह. desire or feeling particular to a woman; a variety of Mohanīya-karma. सम० २१; जीवा० १; उत्त० ३२, १०२; —वेदग. पुं० (-वेदक) સ્ત્રીવેદના ઉદયવાળો જીવ. स्त्री वेद का उदयवाला जीव. a soul with feminine feeling or inclination. भग० २, २; २६, १; —वेदय. पुं० (-वेदक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो उपर का शब्द. vide above. भग० ६, ३१; —वेय. पुं० (-वेद) સ્ત્રી વેદ; સ્ત્રીને પુરુષ સાથે ભોગ ભોગવવાની ઇચ્છા થાય તે. स्त्री वेद; स्त्री को पुरुष के साथ भोग भोगने की इच्छा होना. desire on the part of a woman for sexual pleasure. क० प० ७, २६; जीवा० १; भग० २, ५; उत्त० ३२, १०२; (२) જેના ઉદયથી સ્ત્રીવેદ પ્રાપ્ત થાય એવી નોકષાય મોહનીયની એક પ્રકૃતિ. नोकषाय मोहनीय की एक प्रकृति जिसके उदय से स्त्रीवेद प्राप्त हो. a variety of the 9 minor deluding faults entailing feminine inclination. नंदी० २३; (३) સ્ત્રી ભોગ સંબંધી વિષયનું પ્રતિપાદન કરનાર શાસ્ત્ર; કામ શાસ્ત્ર. स्त्री भोग सम्बन्धी विषय का प्रतिपादन करनेवाला शास्त्र; काम - शास्त्र. sexual science. सूय० १, ४, १, २३; —वेयग. पुं० (-वेदक) જુઓ 'इत्थिवेदग' શબ્દ. देखो 'इत्थि वेदग' शब्द. vide 'इत्थिवेदग' भग० ६, ३; ४; ठा० ४, ४; —वेयण्ण. पुं० (-वेदज्ञ) સ્ત્રી વેદ-સ્ત્રી ચરિત્રમાં નિપુણ; સ્ત્રીવેદ-કામશાસ્ત્રને જાણનાર. स्त्रीवेद-स्त्रीचरित्र में निपुण; काम शास्त्र जाननेवाला. one expert in sexual science; one who knows the characteristics of women. सूय० १, ४, १, २०; —संकिलिट्ठ. त्रि० (-संक्लिष्ट) સ્ત્રીને લીધે ક્લેશ પામેલ. स्त्री के कारण कष्ट पाया हुआ. (one) troubled on account of a woman. प्रव० १२०; —संग. पुं० (-सङ्ग) સ્ત્રીનો સંગ; સ્ત્રીની સોબત. स्त्री की संगति. company of a woman. सूय० टी० २, २, २८; —संपक्क. पुं० (-सम्पर्क) સ્ત્રી સાથે સંસર્ગ કરવો તે; સ્ત્રીસંબંધ. स्त्री के साथ संसर्ग करना सो; स्त्रीसमागम. companionship, contact, with a woman. सूय० टी० १, ४, १, १३; —संवास. पुं० (-संवास) સ્ત્રી સાથે ભોગ ભોગવવો તે. स्त्रीके साथ भोग भोगना. enjoyment of pleasures with a woman. सूय० टी० १, ४, १, १०; —संसग्ग. पुं० (-संसर्ग) સ્ત્રીનો સંસર્ગ. स्त्रीका संसर्ग. contact with a woman. दस० ८, ५७; —संसत्त. त्रि० (-संसक्त) સ્ત્રી સાથે સંગત કરેલ. स्त्री का संग किया हुआ (one) attached to or in love with a woman. ठा० १०; —सड्ढा. स्त्री० (-श्रद्धा) સ્ત્રીમાં શ્રદ્ધા-વિશ્વાસ રાખવો તે. स्त्री में श्रद्धा-विश्वास-रखना confidence or trust in a woman. सूय० टी० १, ४, १; २४; —सहाव. पुं० (-स्वभाव) સ્ત્રીનો સ્વભાવ. स्त्रीका स्वभाव. woman-nature. सू० च० ४, १६७, सूय० टी० १, ४, १, २०; —सागारिय. त्रि० (-सागारिक) જેમાં સ્ત્રી રહેતી હોય તે સ્થાન. जिसमें स्त्री रहती हो वह स्थान. an apartment for women.

"नो कप्पइ निग्गंथाणं इत्थिसागारिए उवस्सए वत्थए" वेय० १, २५, २६, २७, २८;

इत्थिका. स्त्री० (स्त्रीका) स्त्री. स्त्री. A woman. दसा० १०, ४;

इत्थित्त. न० (स्त्रीत्व) स्त्री पणुं. स्त्री पना; स्त्रीत्व. Womanhood. दसा० १०, ४;

इत्थिपरिरणा. स्त्री० (स्त्रीपरिज्ञा) એ નામનું સૂયગડાંગ સૂત્રનું ચોથું અધ્યયન. इस नाम का सूयगडांग सूत्र का चोथा अध्याय. The 4th chapter of Sūyagaḍāṅga. सम० २३;

इत्थियलक्खण. न० (स्त्रीकलक्षण) હાવ ભાવ આદિ સ્ત્રીના લક્ષણ. स्त्री के हाव, भाव आदि लक्षण. A characteristic mark of a woman; e. g. glances, sportive gestures etc नाया० १;

इत्थिया. स्त्री० (स्त्रीका) સ્ત્રી; ઐરી स्त्री; पत्नी; A woman; a wife. ठा० ४, २; प्रव० ८६०; भग० १५, १; दसा० १०, ३;

इत्थी. स्त्री० (स्त्री) સ્ત્રી; નારી. स्त्री; पत्नी. औरत. A woman; a wife. क० गं० ४, २६; क० प० २, ८४; ८५; ५, ४५; "से किंतं इत्थीओ २ तिविहाओ पण्णत्ताओ" नाया० ८; सम० ६; जीवा० १; अणुजो० १२८; ओव १६; ठा० ३, १; दसा० ७, १; आया० १, ६, २, ८; उत्त० ३०, २२; ३६, ४६; ५२; निसी० ७, २१; ६, ६; पन्न० १; सु० च० ४, १५४; दस० ५, २, २६; ६, ५८; पिं० नि० १६२; भग० २, ५; ५, ४, ६, ३; १६, ६; १८, ४; —कलेवर न० (कलेवर) સ્ત્રીનું શરીર. स्त्री का शरीर. female body. पंचा० १, ४६; —कहा. स्त्री० (-कथा) ચાર વિકથામાંની એક. स्त्रीकथा; चार विकथा में की एक one of the four Vikathās; talk about women. आव० ४, ७; —काम. पुं० (-काम) સ્ત્રી સંબંધી કામ ભોગ. स्त्री सम्बन्धी काम भोग. sexual enjoyment. प्रव० ८४०; —गुत्त. न० (-गोत्र) સ્ત્રી ગોત્ર; સ્ત્રી જાતિ. स्त्री गोत्र; स्त्री जाति. womankind. दस० ७, १७; —पच्छाकड. त्रि० (-पश्चात्कृत) જુઓ "इत्थि पच्छाकड" શબ્દ. देखो "इत्थि पच्छाकड" शब्द. vide "इत्थि पच्छाकड" भग० ८, ८; —परिवुड. त्रि० (-परिवृत) સ્ત્રીથી વિંટાયેલ. स्त्री से घिरा हुआ. surrounded by women. निसी० ८, १०; —मज्झगअ. त्रि० (मध्यगत) જુઓ "इत्थि मज्झगयं" શબ્દ. देखो "इत्थि मज्झगय" शब्द. vide "इत्थि मज्झगय" निसी० ८, १०; —रयण. न० (-रत्न) જુઓ "इत्थि रयण" શબ્દ. देखो "इत्थि रयण" शब्द. vide "इत्थि रयण" जं० प० पन्न० १; —रूव. पुं० (-रूप) જુઓ "इत्थि रूव" શબ્દ देखो "इत्थि रूव" शब्द. vide "इत्थि रूव" वेय० ५, १; भग० ३, ४; —वउ. स्त्री० (-वाक) જુઓ "इत्थि वउ" શબ્દ. देखो "इत्थि वउ" शब्द. vide "इत्थि वउ" पन्न० ११; —वेअ-य. पुं० (-वेद) સ્ત્રીને થતી પુરૂષ સમાગમની અભિલાષા. स्त्री को होती हुई पुरुष समागम की अभिलाषा. the desire of sexual intercourse on the part of a woman. ठा० ६, १; पन्न० २३; उत्त० २६, ५; —वेद. पुं० (वेद) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० २०, ७; —वेदग. पुं० (-वेदक) જુઓ "इत्थि वेदग" શબ્દ. देखो "इत्थि वेदग" शब्द. vide "इत्थि वेदग" भग० ६, ३१; ११, १; २४, १; २५, ६;

३५, १; —संसत्त. त्रि० (-संसक्त) સ્ત્રીમાં આસક્ત. स्त्रीसे आसक्त. attached to a woman; in love with a woman. निसी० ८, १०; —सहाव. पुं० (-स्वभाव) જુઓ "इत्थिसहाव" શબ્દ. देखो "इत्थिसहाव" शब्द. vide 'इत्थिसहाव' सु० च० ४, १६७;

इत्थीतित्थ. न० (स्त्रीतीर्थ) ૧૯ મા મલ્લીનાથ સ્ત્રી રૂપે હતાં છતાં તીર્થ પ્રવર્તાવ્યું તે; દશ અછેરામાંનું ત્રીજું અછેરૂં. स्त्री तीर्थंकर; १९वें तीर्थंकर मल्लीनाथ; १० अच्छेर (आश्चर्यजनक बात) में से एक. the 3rd of the 10 Achherās (i. e. wonderful events); viz the founding of a Tīrtha (religious community) by the 19th Tīrthaṅkara Mallinātha who was a woman. प्रव० ८६२;

इत्थीपरिण्णा. स्त्री० (स्त्रीपरिज्ञा) સૂયગડાંગ સૂત્રના ચોથા અધ્યયનનું નામ કે જેમાં સ્ત્રીઓ સાધુઓને કેવી રીતે ફસાવી દુઃખી કરે છે તથા સાધુએ તેનાથી કેમ બચવું તે વિષેનો ઉપદેશ તથા સમજ આપવામાં આવી છે. सूयगडांग सूत्र के चौथे अध्ययन का नाम जिसमें यह वर्णन है कि स्त्रियां साधुओं को किस प्रकार फंसाकर दुःखी करती हैं और साधुओं को उनसे किस प्रकार बचना चाहिये. Name of the 4th chapter of Sūyagaḍāṅga dealing with the ways in which women entice and entrap Sādhus and also pointing out the ways in which a Sādhu can avoid and escape them. सूय० १, ४; २, २२; सम० १६;

इदार्णि. अ० (इदानीं) હમણાં; અહણા. अभी. Now at this time. भग० ३, १; ११, ११; १४, ६; नाया० २; सू० प० १६; उवा० १, ६६;

इदुर. न० (इदुर) સુંડલો. बडी टोपली. A large basket. अणुजो० १३२; (२) મોટી પાટ. बड़ा पाट-लकडी का बेठने का पाट. a large wooden seat. राय०

इन्हिं. अ० (इदानीम्) અધુના; હવે. अब. इस समय. Now; at this time. प्रव० ३५६;

इब्भ. पुं० (इभ्य) જેટલા દ્રવ્યથી અંબાડી સહિત હાથી ઢંકાય તેટલા દ્રવ્યવાળો ગૃહસ્થ इतने द्रव्यवाला गृहस्थ कि जिसके द्रव्य से अंबाडी सहित हाथी ढंक जाय. A man possessed of wealth, enough to drown an elephant bearing an ornamental seat upon its back. पन्न० १; १६; ओव० १४, २७; ठा० ६; भग० ६, ३३; अणुजो० १६; ३१; राय० २५३; जीवा० ३, ३; जं० प० नाया० ५; —कुल. न० (-कुल) શાહુકારનું કુલ. साहूकार का कुल. a wealthy family. नाया० ५; —जाइ. स्त्री० (-जाति) આર્ય જાતિ. आर्य जाति. the Ārya or civilised race. "हरिया चंचुणा चेव छव्भेया इब्भजाइओ" ठा० ६; —सेट्ठि. पुं० (श्रेष्ठिन्) નગર શેઠ. नगर सेठ; नगरभर का मुखिया सेठ. the chief merchant-prince of a town. नाया० ४, १६;

इभ. पुं० (इभ) હાથી. हस्ती; हाथी. An elephant. जं० प० २; कप्प० ३, ३३;

इम. त्रि० (-इदम्) આ; એ; પ્રત્યક્ષ. यह; प्रत्यक्ष. This; that. ओव० ३१; दस० २, २२; २३; २६; ७, ४; १८; दसा० १,

३; ५, १; २; ३; १६; निसी० ६, ४; विशे० २४८; सू० प० १; ६४; ३, १३८; भग० ५, १; ८; ६; पन्न० १५;

इमंचरण. अ० (*इमञ्चन) એટલામાં; તે દરમ્યાન; એ વખતમાં; इतने में; इतने समय में. During that time; meanwhile. अंत० ३, ८; नाया० १; ५; १३; १४; १६;

इमेयारूव. त्रि० (एतद्रूप) આપ્રકારનું; આપ્રમાણે. इस प्रकार; इस तरह. In this way; thus. नाया० ३; ७; ८; १२; १३; १४; १६; विवा० ७; दसा० १०, ३; वव० २, २३; उवा० १, ६६; ३, १३८; ६, १५१; कप्प० ५, १०३; भग० २, १;

इमेरिस. त्रि० (ईदृश) આવેનું; આપ્રકારનું. इस प्रकार का; इसके समान. Of this sort; of this nature. "इमेरिस मणायारं आवजइ अबोहियं" दस० ६, ५७;

इय. अ० (इति) આ પ્રકારે; એ પ્રમાણે. इस प्रकार से; इस तरह से. Thus; in that way. नाया० १; दस० ६, ६१; पिं० नि० २०१; सू० नं० १, ६४; विशे० ७४; ३६०२; आया० १, २, ३, ८५; १, ६, २, १८३; उवा० ७, २१८; पन्न० २; पंचा० ४, ३२; क० गं० १, ५, २४; ३० ६१; (२) સમાપ્તિ. समाप्ति. a word marking conclusion. दस० ६, ४६; नाया० ६; पिं० नि० ३७६; क० गं० १, २५, ३, ८;

इयाणिं. अ० (इदानीं) હમણાં. अभी. Now; at this time. ठा० ३, ३;

इयर. त्रि० (इतर) બીજું; અન્ય; ભિન્ન. दूसरा; अन्य; भिन्न. Another; different; other. पन्न० २१; विशे० २६; ७५; आया० १, ६, २, १८४; नाया० ५; ११; सू० प० ११; पिं० नि० भा० ७; सू० च० १, १; कप्प० १, ३; क० गं० १, ८; पंचा० १, ६; —**कुल.** न० (-कुल) અન્ત પ્રાન્ત કુલ. अन्य कुल. another family; different family. "इयरेहि कुलेहिं" आया० १, ६, २, १८४; —**भेअ.** पुं० (-भेद) અન્ય ભેદ. अन्य भेद; दूसरा भेद. another difference; another variety. विशे० ६७;

इयरत्थ. अ० (इतरत्र) બીજે સ્થલે. दूसरे स्थान पर. In another place; elsewhere. विशे० १२८;

इयरविह. त्रि० (इतरविध) ઇતર-બીજા પ્રકારનું. अन्य प्रकार का. Of another sort; different. क० गं० १, ८;

इयरहा. अ० (इतरथा) અન્યથા; નહિ તો. अन्यथा. In another way; otherwise. भत्त० ३६; प्रव० १४८१;

इयाणिं. अ० (इदानीम्) હમણાં; અધુના. अभी. Now; at this time. अंत० ३८; नाया० १; ५; १३; १४; १६; १८; भग० १, ४, ६; ९, ६; १४, २; राय० २५२; आया० १, १, ४, ३५; जं० प० ७, १६१; कप्प० ४, ८३;

इयाल. स्त्री० (एकचत्वारिंशत्) એકતાલીસ; ૪૧ની સંખ્યા. इकतालीसवीं संख्या. Forty-one; 41 "चउक्क पंचग संजोगेणं इयालं भंगसयं भवंति" भग० २०, ५;

इर. धा० II. (इर) પ્રેરણા કરવી. प्रेरणा करना. To impel; to incite. (२) ગમન કરવું. गमन करना. to go. इरेइ. विशे० १०६०;

इरिय. त्रि० (इरित) પ્રેરણા કરેલ પ્રેરિત; गति कराया हुआ. Made to go; prompted. विशे० ३१४४;

इरियज्झयण. न० (ईर्याध्ययन) આચારાંગ સૂત્રની પ્રથમ ચૂલિકાનું ત્રીજું અધ્યયન. आचारांग सूत्र की प्रथम चूलिका का तीसरा अध्याय. The third chapter of the first Chūlikā of Āchārāṅga Sūtra. आया० २, ३, १, ३०४;

इरियट्ठ. त्रि० (ईर्यार्थ) ઈર્યા-વિશુદ્ધિ અર્થે. ईर्या अर्थात् विशुद्धि के लिये. Aiming at purity or carefulness in walking. ठा० ६;

इरिआ-या. स्त्री० (ईर्या) ગમન ક્રિયા; ઉપયોગપૂર્વક ચાલવું તે; સમિતિનો એક પ્રકાર. गमन क्रिया; उपयोगपूर्वक चलना; समिति का एक भेद. Carefulness in walking; a variety of Samiti or carefulness. ओव० १७; भग० २, १; ३, ३; पिं० नि० ६६२; उत्त० २४, २; ४; उवा० १, ७८; —**असमिति.** स्त्री० (-असमिति) ઈર્યાસમિતિનો અભાવ. ईर्यासमिति का अभाव. lack of carefulness in walking. भग० २०, २; —**वह.** पुं० (-पथ) ગમન માર્ગ. जाने का मार्ग. a way or road to go by. भग० ३, ३; ११, १०; ठा० —**वह किरिया.** स्त्री० (-पथ क्रिया) ગમન ક્રિયા વિશેષ. गमन की क्रिया विशेष. a kind of Karma arising from walking. ठा० ५; —**वहिअ.** त्रि० (-पथिक) તેરમું ક્રિયા સ્થાનક; સમિતિ ગુપ્તિ યુક્ત યત્નાવંત સાધુને હાલતાં ચાલતાં આંખની પાંપણ હલાવતાં યોગ નિમિત્તે ક્રિયા લાગે તે. तेरहवां क्रिया स्थानक; समिति, गुप्ति युक्त यत्नावान् साधु को हलन चलन करने या आंख के पलकों को हलाने पर योग के अर्थात् मन वचन, काय के कर्म के निमित्त से जो कर्म बंध हो वह. the 13th source of Karma (Kriyā-sthānaka); a Karma incurred by a careful and well-restrained Sādhu by the thought and action of movement, by twinkling the eye etc. सम० १३; सूय० २, २, १६; २३; —**वहिय बंध.** न० (-पथिकबन्ध) ગમનક્રિયા થી લાગતો કર્મ બંધ. गमन की क्रिया से होता हुआ कर्म बंध. Karmic bondage incurred by walking. भग० ८, ८; —**समिइ.** स्त्री० (-समिति) ચાલવામાં યત્ના રાખવી-તે; પાંચ સમિતિમાંની પેહેલી સમિતિ. चलने में यत्नाचार रखना; इस प्रकार ध्यान पूर्वक चलना जिससे जीवों को बाधा न हो; पांच समिति में की पहिली समिति. carefulness in walking; the first of the 5 Samitis. ठा० ५, ३; ८; कप्प० ५, ११६; —**समिय.** त्रि० (समित) યત્ના પૂર્વક ચાલનાર; ઈર્યા સમિતિ યુક્ત. यत्नाचार पूर्वक चलनेवाला; इर्या समिति का पालन करनेवाला. (one) walking with care and attention. नाया० १; ५; १४; १६; भग० २, १; १२, १; १८, २; २०, २; दसा० ५, ६;

इरियावहिआ. स्त्री० (ईर्यापथिकी) ઈરિયાવહી ક્રિયા; ૧૧-૧૨-અને ૧૩ મે ગુણઠાણે ઉપશાંતમોહ કે ક્ષીણમોહવાળા સાધુને કેવલ યોગ નિમિત્તે સાતાવેદનીય કર્મ રૂપે કર્મ બંધ થાય તે. इरियावही क्रिया; ११, १२ और १३ वें गुणस्थान मे उपशांत मोह या क्षीण मोहवाले साधु को केवल योग के निमित्त मे साता वेदनीय कर्म रूप जो बंध हो वह. Iriyāvahī Kriyā; i. e. Karmic bondage incurred by an ascetic in the 11th, 12th and 13th

spiritual stages (Guṇa Sthāna) arising from Kevala yoga (thought-activity) in the shape of feeling as a knower; (such an ascetic is free from delusion which has either subsided or perished.) ठा० २, १; आव० ४, ३; प्रव० ७८; भग० १, ६०; ३, ३; ६, ३; ८, ८; १८, ८; नाया० १६; वेय० ३, १४; दस० ५, १, ८८; —किरिया. स्त्री० (-क्रिया) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ७, १, ७;

इला. स्त्री० (इला) જંબૂદ્વીપમાંનું એક ક્ષેત્ર. जंबूद्वीप में का एक क्षेत्र. Name of a region in Jambū Dvīpa. जं० प० ठा० ४; (२) ઇલાવર્ધન નગરની એક દેવી. इलावर्धन नगर की एक देवी. name of a goddess of the town of Ilāvardhana. जं० प० (३) પશ્ચિમ રૂચક પર્વત ઉપર રહેનારી એક દિશાકુમારી. पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली एक दिशाकुमारी. name of a Diśākumārī residing on the western Ruchaka mountain. जं० प० —कूड. न० (-कूट) ચૂલ હિમવંત પર્વત ઉપર ઇલાદેવીના વાસવાળું ચોથું શિખર. चूल हिमवंत पर्वत का चौथा शिखर जहां इलादेवी का निवास है. the fourth summit of Chūla Himavanta mountain where the goddess Ilā resides ठा० ४; जं० प० (२) શિખરી પર્વતના ૧૧ કૂટમાંનું નવમું કૂટ-શિખર. शिखरी पर्वत के ११ शिखरों में से नौवां शिखर. the ninth of the 11 summits of the Śikharī mountain. ठा० ४; जं० प०

इला देवी. स्त्री० (इला देवी) પશ્ચિમ રૂચક પર્વત પર રહેનારી આઠ દિશા કુમારિકામાંની પહેલી. पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर रहनेवाली आठ दिशा कुमारिकाओं में से पहिली दिशाकुमारी. The first of the eight Diśākumārīs residing on the western Ruchaka mountain. निर० ४, १; जं० प० ५, ११४; —कूड. न० (-कूट) જુઓ " इलाकूड " શબ્દ. देखो ' इलाकूड ' शब्द. vide ' इलाकूड ' जं० प० ४, ११४;

इलापुत्त. पुं० (इलापुत्र) ઇલાવર્ધન નગરના રહેવાશી એક શેઠનો પુત્ર-એલાચી કુમાર કે જે એક નટડીમાં લુબ્ધ થઈ કુલ જાતિથી ભ્રષ્ટ થયો હતો પણ પાછળથી બોધ પામી દીક્ષા લીધી હતી. इलावर्धन नगर के रहनेवाले एक सेठ का पुत्र, एलाची कुमार जो कि एक नटनी पर लुब्ध होकर कुल जाति से भ्रष्ट हो गया था और पीछे से बोध को पाकर दीक्षित हुआ. Elāchī Kumāra a son of a merchant of Ilāvardhana town; he was enamoured of an actress and had become degraded but later on he got right knowledge and became a monk. जं० प०

इलावइ. पुं० (इलापति) એલાપત્ય ગોત્રનો પ્રકાશક આદિ પુરુષ. एलापत्य नामक गोत्र का आदि पुरुष. The progenitor of the family called Elāpatya. नंदी०

इलावद्धण. न० (इलावर्द्धन) ઇલાચી પુત્રનું નિવાસ સ્થાન; ઈલાવર્ધન નગર. इलाची पुत्र का निवास स्थान; इलावर्धन नगर.

The residence of Ilāchīpatra viz the town called Ilāvardhana. जं० प०

इलिया-आ. स्त्री० (इलिका) ઇયળ; એલ; ચોખા વગેરે ધાન્યમાં પડતો એક કીડો. इल्ली; चावल वगैरह धान्यों में होनेवाला एक कीडा. A worm found in rice and other grains. विशे० ४३०;

इली. स्त्री० (इला) કરવાલ; બે ધારવાળી તલવાર. दो धारवाली तरवार. A double-edged sword. पराह० १, ३;

इव. अ० (इव) પેઠે; પરે; જેવું; માફક. तुल्य; सदृश्य. Like; as. सम० ३०; दसा० ६, १; नाया० १; ३, ८; १५, १६, १८; दस० ६, ६६; ६, २, १२; भग० ८, ३३; १५, १, २५, ७; आया० १, ५, १, १४२; ओव० १७; उवा० २, १०२; क० गं० १, ३६, ५२;

इसणा. स्त्री० (इषणा) અન્વેષણા; ઇષ્ટ વસ્તુમાં પ્રવૃત્તિ અને અનિષ્ટ વસ્તુમાં ત્યાગબુદ્ધિ. इष्ट वस्तु में प्रेम और अनिष्ट वस्तु में त्याग बुद्धि. Search after what is right and good accompanied with the desire of leaving off what is evil and false. आया० १, ४, १, १२७;

इसि. पुं० (ऋषि) ઋષિ; જ્ઞાનવંત સાધુ. મુનિ. ऋषि; ज्ञानवान् साधु; मुनि. A sage; a saint; an ascetic "इसीण सेट्ठे तह वद्धमाणे" सूय० १, ६, २२; २, १, ६०; जं० प० ३, ५७; पराह० २; ओव० ३६; दस० ६, ४७; भग० ६, ३४; १६, ३; अणुजो० १२८; ठा० २, ३; उत्त० १२, १६; २८, ३६; राय० २६६; जं० प० ३, ५७; **—परिसा.** स्त्री० (परिषत्) અતિશય જ્ઞાનવાળા ઋષિઓની પરીષદ્-સભા. अतिशय महान् ज्ञानवाले साधुओं की सभा. an assembly of highly enlightened saints. भग० ६, ३३; दसा० १०, १; **—वंस.** पुं० (—वंश) ગણધર સિવાયના તીર્થંકરના શિષ્યોનો વંશ. गणधर के सिवाय तीर्थंकरों के शिष्यों का वंश the lineage of the disciples of Tīrthaṅkaras, excepting the Gaṇadharas. (२) તે વંશનું પ્રતિપાદન કરનાર શાસ્ત્ર સમવાયાંગ વગેરે. उक्त वंश का प्रतिपादन करनेवाला शास्त्र समवायांग वगैरह. the scripture e g. Samavāyāṅga etc. dealing with the above सम० २;

इसिगणिआ. स्त्री० (ऋषिगणिका) એ નામના અનાર્ય દેશમાં જન્મેલ દાસી. उस नाम के अनार्य देश में जन्मी हुई दासी. A female servant born in a non Ārya country of the name. जं० प० भग० ६, ३३; ओव० ३३;

इसिगुत्त. पुं० (ऋषिगुप्त) વશિષ્ઠ ગોત્રના સુહસ્તિન્ આચાર્યના એક થિવર શિષ્ય. वशिष्ठ गोत्र के सुहस्तिन आचार्य के एक थिवर शिष्य. Name of a Thivara disciple of the preceptor Suhastin, of the Vasiṣṭha family (२) એ નામનું માણવગણનું પ્રથમ કુલ. इस नाम का माणवगण का प्रथम कुल. name of the first family of Māṇavagaṇa. "थेरेहिंतोणं इसिगुत्तेहिंतो वासिट्ठसगोत्ते हिं" कप्प० ८;

इसिगुत्ति. न० (ऋषिगुप्ति) એ નામનું માણવગણથી નીકળેલ કુલ. माणवगण से निकले हुए कुल का नाम. Name of a

family-offshoot derived from Māṇava Gaṇa. कप्प० ८;

इसिण. पुं० (**इसिन**) એ નામનો એક અનાર્ય દેશ. एक अनार्य देश का नाम. A non-Ārya (uncivilised) country of this name. नाया० १;

इसिणिया. स्त्री० (**इसिनिका**) ઇસિણ નામક અનાર્ય દેશની સ્ત્રી. इसिण नामक अनार्य देश की स्त्री. A woman of a non-Ārya country (uncivilised country) named Isiṇa. पन्न० १; नाया० १;

इसिदत्तिय. पुं० (**ऋषिदत्तक**) ઋષિગુપ્ત થિવરથી માણવગણનું નીકળેલ બીજું કુલ. ऋषिगुप्त स्थविर से निकला हुआ मानवगण का दूसरा कुल. The 2nd Māṇava-gaṇa lineage starting with the saint Risigupta. कप्प० ८;

इसिदास पुं० (**ऋषिदास**) અણુત્તરોવવાઇ સૂત્રના ત્રિજા વર્ગના ત્રિજા અધ્યયનનું નામ. अणुत्तरोववाइ सूत्र के तीसरे वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. Name of the third chapter of the third section of Anuttarovavāi Sūtra. (२) કાકંદી નગરી નિવાસી ભદ્રાસાર્થવાહીના પુત્ર કે જે દીક્ષા લઈ ११ અંગ ભણી છઠ્ઠ છઠ્ઠને પારણાની પ્રતિજ્ઞા લઈ ઘણાં વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી એક માસનો સંથારો કરી સર્વાર્થસિદ્ધ વિમાનમાં ઉત્પન્ન થયા, ત્યાંથી એક અવતાર કરી મોક્ષ પામશે. काकंदी नगरी निवासी भद्रासार्थवाही का पुत्र, जिसने कि दीक्षा लेकर ११ अंग पढ़े, और प्रत्येक छट्ठ २ (दो २ अनशन) का पारणा करनेकी प्रतिज्ञा ली और बहुत वर्षों तक प्रव्रजा का पालन कर अन्त में एक मास का संथारा किया। मृत्यु होनेपर सर्वार्थसिद्धि विमान में उत्पन्न हुआ और अब वहां से एक भव और धारण कर मोक्ष जावेगा. name of a son of the merchant Bhadrāsārthavāhī of the city of Kākandī. He took Dīkṣā, studied 11 Aṅgas, took a vow to take food after every two fasts, practised asceticism for many years and after a Santhārā (giving up food and water) for one month was born in the heavenly abode called Sarvārtha Siddha whence after one birth he will get salvation. अणुत्तो० ३, ३; —**उज्झयण.** न० (—**अध्ययन**) અણુત્તરોપપાતિક સૂત્રના ત્રીજા વર્ગના ત્રીજા અધ્યાનું નામ. अणुत्तरोपपातिक सूत्र के तीसरे वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. name of the third chapter of the third section of the Anuttaropapātika Sūtra. ठा० १०,

इसिदिण्ण. पुं० (**ऋषिदत्त**) જંબુદ્વીપના ઐરવતક્ષેત્રના આ અવસર્પિણીના પાંચમા તીર્થંકર; સુમતિનાથ પ્રભુના સમકાલીન. जंबूद्वीप के ऐरावत-क्षेत्र के वर्तमान अवसर्पिणी काल सम्बन्धी पांचवें तीर्थंकर; सुमतिनाथ स्वामी के समकालीन The 5th Tīrthaṅkara (contemporary of Lord Sumatinātha) of the present Avasarpiṇī in the Airavatakṣetra of Jambūdvipa. सम० प० २४०; (२) કોટીક-કાકન્દકાચાર્યના થવિર શિષ્ય. कोटिक काकन्दकाचार्य का स्थविर शिष्य. name of a

Sthavira disciple of the preceptor Kākandaka of the Kotika descent. कप्प० ८;

इसिपाल. पुं० (ऋषिपाल) પાંચમા વાસુદેવના ત્રીજા પૂર્વભવનું નામ. पांचवें वासुदेव के तीसरे पूर्वभव का नाम. Name of the third preceding birth of the 5th Vāsudeva. सम० प० २३६; (२) ઇસિવાય જાતિના વ્યંતર દેવનો ઇંદ્ર. इसिवाय जाति के व्यंतर देवों का इन्द्र. Indra of the Vyantara gods of the class known as Isivāya. ठा० २;

इसिभद्दपुत्त. पुं० (ऋषिभद्रपुत्र) આલંભિકા નગરીના મુખ્ય શ્રાવક. आलंभिका नगरी का मुख्य श्रावक. The principal Jaina layman of the town of Ālambhikā. भग० ११, १२;

इसिभासिय. न० (ऋषिभाषित) ઋષિભાષિત નામનું એક કાલિક શ્રુત કે જેમાં તીર્થંકર આદિની સ્તુતિ કરેલ છે. હાલ તેનો વિચ્છેદ થઇ ગયો છે. ऋषिभाषित नाम का कालिक श्रुत विशेष, जिस में कि तीर्थंकर आदि की स्तुति की गई है. वर्तमानमें इस श्रुत का विच्छेद होगया है. Name of a Kālika Śruta (not extant) scripture containing the praises of Tirthaṅkaras etc. सम० ४४; विशे० १०७५; नंदी० ४३; (२) त्रि० ઋષિ મુનિએ કહેલ ઉત્તરાધ્યયન વગેરેના અધ્યયનો. ऋषि-मुनि-द्वारा कहा हुआ उत्तराध्ययन वगैरह का अध्याय. chapters of Uttarādhyayana etc. narrated by ascetics. विशे० २२६४;

इसिभासियज्झयण. न० (ऋषिभाषिताध्ययन) પ્રશ્નવ્યાકરણદશાનું ૩જું અધ્યયન. प्रश्नव्याकरणदशा का तीसरा अध्याय. The third chapter of Praśnavyākaraṇa Daśā. ठा० १०;

इसिया. स्त्री० (इषिका) ઘાસની સળી. घांसकी सलाई. A blade of grass. "केइ पुरिसे मुंजाओ इसियं अभिनिव्वट्टित्ता" सूय० २, १, १६;

इसिवाइ. पुं० (ऋषिवादिन्) વાણવ્યંતરની ૧૬ જાતમાની ૧૧ મી જાત. वाणव्यंतर की सोलह जातियों में की ११ वीं जाति. The 11th of the 16 classes of Vāṇavyantara hell-gods. पन्न० २; ओव०

इसिवाइय. पुं० (ऋषिवादिक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. ओव० २४; पराह० १, ४;

इसिवाल. पुं० (ऋषिपाल) જુઓ 'इसिपाल' શબ્દ. देखो 'इसिपाल' शब्द. Vide "इसिपाल" पन्न० २; ठा० २, ३;

इसिवालिय. पुं० (ऋषिपालित) ઇસિવાય જાતિના વ્યન્તરનો ઇંદ્ર. इसिवाय जाति के व्यंतर देवों का इन्द्र. The Indra of the Isivāya Vyantara kind of hell-gods ओव० (२) માઢરસ ગોત્રી આર્યશાન્તિસૈનિકના સ્થવિર શિષ્ય. माढरस गोत्र के आर्यशान्तिसैनिक के स्थविर शिष्य. the Sthavira disciple of Ārya Śantisainika of the Mātharasa family. (३) તેના ઉપરથી નીકળેલ શાખા. उक्त गोत्र पर से निकली हुई शाखा. a lineal branch from the above. "थेरेहिंतो अज्जइसिवालिएहिं तो इत्थणं अज्ज इसिवालिया साहा निग्गया" कप्प० ८;

इसीपब्भारा. स्त्री० (ईषत्प्राग्भारा) જુઓ 'इसिपब्भारा' શબ્દ. देखो 'इसिपब्भारा'

शब्द. Vide "इसिपब्भारा" पन्न० २; ओव० ४३;

इस्स. पुं० (ऐष्यत्) ભવિષ્ય કાલ. भविष्य काल; आगामी काल. The future time. विशे. ५०८.

इस्सर. पुं० (ईश्वर.) દક્ષિણના ભૂતવાદી જાતના વ્યન્તરદેવતાનો ઇંદ્ર. दक्षिण के भूतवादी जाति के व्यंतर देवों का इन्द्र. Indra of the Bhūtavādī kind of Vyantara gods of the south. पन्न. २; (२) માલિક; સરદાર; સામાન્ય રાજા. मालिक; सरदार; सामान्य राजा an owner; a lord; a king. जीवा० ३, ३; निर० १, १; दसा० ६, १३; १४; —**वाइ.** पुं० (वादिन्) ઈશ્વર જગત્કર્તા છે, એવો વાદ કરનાર. ईश्वर जगत् कर्ता है, इस प्रकार वाद करने वाला. one who holds that God is the creator of the universe. सूय० टी० १, १, ३, ५;

इस्सरिय. न० (ऐश्वर्य) ઐશ્વર્ય; મોટાઈ. ऐश्वर्य; समृद्धि; बड़प्पन. Power; wealth; greatness. पन्न० २३; अणुजो० १३१; उत्त० १८, ३६; प्रव० १०७०; विशे० १०४८; —**मअ-य.** पुं० (-मद) ઐશ્વર્યનો-મોટી સંપત્તિ વગેરેનો મદ. ऐश्वर्य-समृद्धि वगैरह का मद. pride, intoxication, of power, wealth etc. सम०८; ठा० ८;—**मद.** पुं० (मद) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द vide above. भग० ८, ६; —**सिद्धि** पुं० (-सिद्धि) ઐશ્વર્યની સિદ્ધિ પ્રાપ્તિ. ऐश्वर्य की प्राप्ति acquisition of power and wealth. सूय० १, १, ३, १५;

इस्सरीकय. त्रि० (ईश्वरीकृत) ધનાઢ્ય નથી તેને ધનાઢ્ય બનાવેલ. जो धनाढ्य न हो उसे धनाढ्य बनाया हुआ. (One) raised to power and wealth. सम० २६; दसा० ६, १३;

इस्सा. स्त्री० (ईर्ष्या) અદેખાઈ. अदेखाई; ईर्षा; दूसरे का वैभव, मान आदि सहन न होना. Envy; jealousy. उत्त०३४,२३;

इह. अ० (इह) અહિંઆ; આ લોકમાં. यहां; इस लोक में. Here; in this world. राय० २३; नंदी० ४५; नाया० १; ३; ६; ७; ८; ९; १५; १६; भग० १, ६; २, १; ३, २; ५, ३; ५; ४, ७; ६, ५; ८, ८; १८, ४; सूय० १, १, १, ७; आया० १, १, १, ३; दस० ४; ६, ३, १५; दसा० १, ३; विशे० ४१; निसी० ६, १२; क० गं० १, ३-२१; २, १७; जं० प०७, १३३; —**गय.** त्रि० (-गत) અહિંઆ રહેલો. यहां रहा हुआ. standing here; remaining here. नाया० ४० भग० २, १; ६, ६; ७, ६; ६; जं० प० ७, १३३;

इहइं. अ० (इह) અહીં. यहां. Here. सु० च०१६,३८;

इहं. अ० (इह) અહિં; ઈહાં. यहां. Here. आया० १, १, १, १; नाया० १; २; ५; ६; १२; १६; १७; पिं० नि० २१६;

इहत्थ. त्रि० (इहार्थ-इहैव जन्मन्यर्थः प्रयोजनं यस्य) આલોકના અર્થે સુખનો અભિલાષી. इस लोक सम्बन्धी सुख का चाहनेवाला. (One) desirous of the happiness of this world. ठा० ४, ३;

इहभव. पुं० (इहभव) આ ભવ; આ જન્મ; મનુષ્ય જન્મ यह भव; यह जन्म; मनुष्य जन्म. This life; this world; human birth. नाया० ४; ७; ६; १३; १५; १८; भग० २, ५;

इहभाविय. त्रि० (इहभाविक) આભવ સંબંધી; આ ભવમાં રહે તેવું. इस भव संबंधी. Pertaining to, belonging to, this birth. भग० १, १; ६; ५, ३; **—आउय.** न० (-आयुष्) આ ભવનું આયુષ્ય. इस भव संबंधी आयु. duration of life in this birth. भग० १, ६; ५, ३; **—चरित.** न० (-चारित्र) આ-ભવ—જન્મનું ચારિત્ર. इस जन्म का चारित्र. the right-conduct of this birth. भग० १, १; **—णाण.** न० (-ज्ञान) આ ભવમાં રહે એવું જ્ઞાન. इस भव-वर्तमान भव का ज्ञान. knowledge remaining with the possessor in this birth. भग० १, १;

इहरहा. अ० (इतरथा) અન્યથા. अन्यथा Otherwise; in another way. पंचा० १०, २२;

इहरा. अ० (इतरथा) અન્યથા; બીજી રીતે. अन्यथा; दूसरी तरह से. Otherwise; in a different way. विशे० १०६; सु० च० ७, २८४; पिं० नि० ४६१; पंचा० २, ३०;

इहलोइय. त्रि० (ऐहलौकिक) આ લોક સંબંધી. इस लोक सम्बन्धी. Pertaining to this world. सम० ६; आया० १, ६, २, ६; २, ११, १७०; **—परलोइय.** त्रि० (-पारलौकिक) આ લોક અને પરલોકનું इस लोक और परलोक का. pertaining to this world and the next world. ठा० ३;

इहलोग. पुं० (इहलोक) આ લોક; આ જન્મ; મનુષ્યભવ. यह लोक; मनुष्यभव; वर्तमान जन्म. This world; this birth; human birth. पिं०नि०२६५;दस०६,२, १३; उवा० १, ५७; **—आसंसप्पओग.** पुं० (-आशंसाप्रयोग) આ લોકમાં હું રાજા થાઉં ઇત્યાદિ ઇચ્છા કરવી તે; સંથારાનો પ્રથમ અતિચાર. इस लोक में मैं राजा बनूं, इत्यादि इच्छा करना; संथारा का प्रथम अतिचार. desire of being a king in this world and such other desires; the first step of violation of Santhārā. उवा० १, ५७; **—पडिणीय.** त्रि० (-प्रत्यनीक) મનુષ્ય-લોક સંબંધી કામભોગથી વિરૂદ્ધ વર્તનાર પંચાગ્નિ તાપસ વગેરે; અથવા માનુષિક કામ ભોગમાં ઉપદ્રવ કરનાર; અથવા મનુષ્ય ભવ-સંબંધી વિપરીત પરૂપણા કરનાર. मनुष्य लोक सम्बन्धी काम भोग से विरुद्ध चलने वाला पंचाग्नि तापस वगैरह; अथवा मानुषिक कामभोग मे उपद्रव करने वाला; अथवा मनुष्य-सम्बन्धी विपरीत प्ररूपणा—विरुद्ध वर्णन करने वाला. (an ascetic) practising rigorous austerities as opposed to the enjoyment of worldly pleasures; or, (one) who causes obstructions in the enjoyment of worldly pleasures; or, (one) who propounds an adverse theory in relation to human life. ठा० ३; **—पडिबद्ध.** त्रि० (-प्रतिबद्ध) આ લોકમાં મચેલ; આ ભવના ભોગમાં લપટાઇ ગયેલ. इस लोक में-संसार में लुप्त; इस भव के भोगों में तल्लीन. plunged or steeped in the pleasures of this world ठा० ४, ४; **—पारत्तहिअ.** त्रि० (परत्र-हित) આ લોક અને પરલોકનું હિત. इस लोक और परलोक का हित. benefit or welfare of this world and the next world दस० ८, ४४; **—भअ.**

पुं० (-भय) મનુષ્ય તિર્યંચાદિકથી ઉત્પન્ન થતું ભય; સાત ભયમાંનું એક. प्राणीयों-मनुष्य तिर्यंचादिकों से उत्पन्न भय-डर. fear arising from the beings (men, animals, etc.,) of this world. सम० ७; ठा० ७, १; —वेयण. पुं० (-वेदन) આ લોકના સુખનો અનુભવ. इस लोक के सुख का अनुभव. experience of the happiness of this world. आया० १, ५, ६, १५८: —वेयणवेज्ज. त्रि० (-वेदनवेद्य) આ ભવમાંજ વેદવાથી વેદાઇ જાય તેવું કર્મ; પ્રમત્ત સંયતિએ ઇચ્છાવિના માત્ર કાય યોગથી બાંધેલ કર્મ. इस भव में ही वेदने से-भोगने से भोगा जाय—ऐसा कर्म; प्रमत्त संयति का भी बिना इच्छा के केवल काया के योग से बांधा हुआ कर्म. (Karma) the result of which can be exhausted (borne) in this world; (Karma) incurred by an erring ascetic without special desire, merely by the weakness of the flesh. आया० १, ५: ६, १५८: —वेयण वेज्जा वडिय. त्रि० (-वेदन वेद्यापतित-इहास्मिन् लोके जन्मनि वेदनमनुभवनमिहलोकवेदनं तेन वेद्यमनुभवनीयमिहलोकवेदन वेद्यं तत्रापतितमिहलोकवेदन वेद्यापतितम्) આ ભવમાંજ ભોગવાઇ જાય એવું કર્મ; ઇચ્છા વિના માત્ર કાયયોગથી કર્મ બંધાય તે. इस भव में ही भुगता जाय, ऐसा कर्म; बिना इच्छा के केवल काया के योग से जिस कर्म का बंधन हो वह. (Karma) the result of which is exhausted (borne) in this very birth incurred without volition, through weakness of the flesh. आया० १, ५, ६; १५८; —संवेगिणी. स्त्री०(-संवेगिनी) આ સંસારનું સ્વરૂપ જાણીને વૈરાગ્ય પમાય તેવી કથા. ऐसा कथा जिससे संसार स्वरूप जान कर वैराग्य प्राप्त हो. a story creating disgust towards this world by showing its worthlessness. ठा० ४;

इहलोय. पुं० (इहलोक) જુઓ 'इहलोग' શબ્દ. देखो 'इहलोग' शब्द. Vide "इहलोग" निसी० १२, ३५; नाया० २: ५: १७: १८; गु० च० ६, ६७; —भय. न० (-भय) આ લોકનું-તિર્યંચ મનુષ્ય વગેરેથી થતું ભય. इस लोक का भय. fright caused by beings in this world e. g. by men, brutes, etc. प्रव० १३३६:

इहेव. अ० (इहैव) અહિંજ. यहां ही. Here; in this very place. नाया० १: ८: ९: १४: १६; भग० ३. २; १५, १:

ई.

ईअ. स्त्री० (ईति) ઉપદ્રવ. उपद्रव; विघ्न. Disturbance; obstruction. ओव०

ईइ. स्त्री० (ईति) અતિવૃષ્ટિ અનાવૃષ્ટિ આદિ ઉપદ્રવ. अतिवृष्टि अनावृष्टि आदि उपद्रव. A calamity such as excess of rain, drought etc. प्रव० ४५०;

ईति. पुं० (ईति) १ स्वचक्रभय; २ परचक्र-भय, ३ અતિવૃષ્ટિ, ૪ અનાવૃષ્ટિ, ૫ ઊંદર, ૬ તીડ અને ૭ શુક એ સાત ઈતિ કહેવાય છે. सात प्रकार की ईति (भय). १ स्वचक्र भय, २ परचक्र भय, ३ अतिवृष्टि, ४ अनावृष्टि, ५ ऊंदरा, ६ टिड्डी, और ७ शुक यह सात प्रकार के भय हैं. A calamity; a disturbance; it is sevenfold; (1) from friends (2) from enemies (3) from excessive rain (4) from drought (5) from locusts (6) from parrots and (7) from rats. जं० प० १,१०; सम०३४; —**बहुल** त्रि० (-बहुल) જેમાં સ્વચક્ર ભય આદિ ઈતિ ઘણી હોય તે. जिसमें स्वचक्र भय आदि भय बहुत हो. that which is full of calamity, disturbance, from friends etc. जं० प० १, १०;

√ईर. धा० I, II (ईर्) પ્રેરણા કરવી. प्रेरणा करना. To prompt; to direct. "ईरन्ति" दस० ६, ३६;

ईरिय. त्रि० (ईरित) પ્રેરણા કરેલ; હાંકેલ; હલાવેલ. प्रेरणा किया हुआ; हलाया हुआ; हांका हुआ. Prompted; directed. "समीरिया कोट्टबलिं करिंति" सूय० १, ५; २, १६; (२) કહેલ; પ્રતિપાદન કરેલ. कहा हुआ, प्रतिपादन किया हुआ. told; explained. आया० १, ६, ४, १६२;

ईरिया. स्त्री० (ईर्या) જુઓ "इरिया" શબ્દ. देखो "इरिया" शब्द. Vide "इरिया" ओघ० नि० ७४८; ओव० ४१; —**समिइ.** स्त्री० (-समिति) જુઓ "इरियासमिइ" શબ્દ. देखो "इरियासमिइ" शब्द. vide "इरियासमिइ" सम० ५; ठा० ८, १;

ईस. पुं० (ईश) ઈશ્વર; ईश्वर. God; lord पण्ह० २;

ईसक्खा. त्रि० (ईशाख्य-ईश ईश्वर इत्याख्या प्रसिद्धिर्येषां) ઈશ્વર-નાયક તરીકે જેની પ્રસિદ્ધિ હોય તે. ईश्वर-नायक-स्वामी के तौर पर जिसकी प्रसिद्धि हो वह. (One) famous as a leader, or commander. जीवा० ३;

ईसाणिया. स्त्री. (ईशानिका) ઈશાન દેશમાં ઉત્પન્ન થયેલ દાસી. ईशान देश में उत्पन्न दासी. A maid-servant born in the country of Īśāna. नाया० १;

ईसत्थ. न० (इष्वस्त्र) ધનુર્વિદ્યા; થોડાનું ઘણું અને ઘણાનું થોડું લશ્કર બતાવવાની ७२ કલામાંની એક કલા. धनुर्विद्या; युद्ध संबंधी शास्त्र; थोड़ी सेना को बहुत और बहुत सेना को थोड़ी बतलानेवाली ७२ कलाओं में की एक कला. Science of archery; one of the 72 arts viz. that of causing a large army to appear small and vice versa. नाया० १; पगण० १, ५; जं० प० २; सम० ओव० ४०;

ईसर. पुं० (ईश्वर) ઈશ્વર; પરમેશ્વર. ईश्वर; परमेश्वर. God. आया० २, २, ३, ८६; पंचा० १७, २१; (२) માલિક; ધણી; નાયક. मालिक; सरदार; स्वामी; नायक. lord; master; commander. कप्प० २, ८३; निर० ३, ४; जं० प० ३, ४३; नाया० ५; ७; १४; आया० २, ७, १, १५५; (३) યુવરાજ. युवराज. an heir-apparent. नाया० १; अणुजो० १६; (४) સામાન્ય માંડલિક રાજા. सामान्य मांडलिक राजा. a king; a chief अणुजो० १६; (५) અમાત્ય; પ્રધાન. मंत्री; प्रधान; कारभारी. a minister; chief minister. अणुजो० १६; (६) શ્રીમંત; શેઠ; श्रीमान्; धनी; सेठ. a wealthy person;

lord of wealth. विशे० १४४१; सम० ३०; (७) લવણુ સમુદ્રની મધ્યમાં ઉત્તર દિશાએ ઇશ્વર નામનો મહાપાતાલ કલશો. लवण समुद्र के बीच में का उत्तर दिशा का ईश्वर नामक महापाताल कलश. an infernal pot-like structure, so named, in the centre of Lavaṇa ocean in the north. जीवा० ३, ४; ठा० ४, २; सम० ५२, (८) ભૂતવાદિ જાતના વ્યંતર દેવનો ઇન્દ્ર. भूतवादी जाति के व्यंतर देव का इन्द्र. Indra of the Vyantara gods of the class known as Bhūtavādi. ठा० २, ३; (६) અણિમાદિ ઋદ્ધિવાળો; સમર્થ. अणिमादि ऋद्धिवाला; समर्थ. powerful; possessed of Yogic powers like Aṇima etc. पन्न० १६; (१०) ચોથા તીર્થંકરના યક્ષ દેવનાનું નામ. चौथे तीर्थंकर के यक्ष का नाम. name of the Yakṣa deity of the fourth Tīrthaṅkara. प्रव० ३७५; —कारणिअ. त्रि० (-कारणिक) ઇશ્વરને જગતનું કારણુ માનનાર વર્ગ; જગતકર્તૃત્વવાદી. ईश्वर को जगत का कारण मानने वाला वर्ग; जगत्कर्तृत्व वादी. (one) who holds that God is the creator of the universe. सूय० २, १, २५; —पभिइ. त्रि० (-प्रभृति) ઇશ્વર પ્રભૃતિ આદિ. ईश्वर प्रभृति-आदि. God etc. जं० प० ३, ४२;

ईसरिअ-य. न० (ऐश्वर्य) ઐશ્વર્ય; મોટાઇ; સંપત્તિ. ऐश्वर्य; बड़प्पन; संपत्ति. Greatness; wealth; power. अणुजो० १३१; —मद. पुं० (-मद) જુઓ 'इस्सरियमय' શબ્દ. देखो 'इस्सरियमय' शब्द. vide "इस्सरियमय" ठा० ८, १;

ईसरी कअ. त्रि० (ईश्वरीकृत) ઇશ્વર-ધનાઢ્ય નહિ તેને ધનાઢ્ય કરવામાં આવેલ. जो धनाढ्य नहीं हो उसे धनाढ्य बनाया हो ऐश्वर्य युक्त किया गया हो वह. (One) raised to greatness and wealth. सम० ३०;

ईसा. स्त्री० (ईर्ष्या) અદેખાઇ. अदेखाई; ईर्षा; दूसरे का वैभव आदि सहन न होना. Jealousy; envy. सु० च० १५, ६७;

ईसा. स्त्री० (ईशा) ઇન્દ્રાણીની અન્દરની સભા. इन्द्राणी की भीतरी सभा. The private or inner council of Indrāṇi. ठा० ३, २; (२) વાણ-વ્યંતર ઇન્દ્રની અભ્યન્તર સભા. वाणव्यंतर इन्द्र की अन्तरंग सभा. the inner council of the Indra of Vāṇavyantara gods. जीवा० ३, ४;

ईसाण. पुं० (ईशान) ઇશાન નામે બીજો દેવલોક. ईशान नामक दूसरा देवलोक. The 2nd heavenly world so named. जीवा० १; ओव० २६; ठा० २, ३; सम० १; नाया० ध० १८; अणुजो० १०४; भग० २, १, १८, ७; नाया० १; विशे० ६६५; जं० प० ५, ११८; ७, १५२; (२) એ દેવલોકના નિવાસી દેવતા. ईशान देव लोकवासी देव. a god residing in the above world. कप्प० २, ८४; पन्न० १; क० गं० ५, ४३; (३) ઇશાન દેવલોકનો ઇંદ્ર. ईशान देवलोक का इन्द्र. Indra of the Devaloka called Īśāna. नाया० ध० ६; पन्न० २; सम० ३२; ठा० २, ३; भग० ३; १; १७, ५; (४) ઇશાન નામે ૧૬ મું મુહૂર્ત. ईशान नामक १६ वां मुहूर्त. name of the 16th Muhūrta (a period of time). सम० ३०; (५) એક અહો-

रात्रिना २४ मुहूर्तमांनुं ११ मुं मुहूर्त. एक अहोरात्रि के २४ मुहूर्तों में से ११ वां मुहूर्त. the 11th of the 24 Muhūrtas of a day and a night. सू० प० १० जं० प० २, ३; ३७, १५२; (६) ईशान कोणु-खुणो. ईशान कोण. the north-east. ओघ० नि० भा० २७६; —इंद. पुं० (-इन्द्र) ईशान देवलोकनो इन्द्र. ईशान नामक स्वर्ग का इन्द्र. Indra of the heaven named Īśāna. भग० ३, १; —देव. पुं० (-देव) बीजा ईशान देवलोकना देवता. दूसरे स्वर्ग के देव. a god of the 2nd heavenly world, named Īśāna. भग० २४ १२;

ईसाण कप्प. पुं० (ईशानकल्प) बीजे देवलोक. दूसरा स्वर्ग-देवलोक. The 2nd heavenly world. नाया० १६; नाया० ध० १०; जीवा० १; निर० २, २;

ईसाणग. पुं० (ईशानक) बीजा ईशान देवलोक वासी देवता. ईशान नामक दूसरे देवलोकवासी देव. A god residing in the 2nd Devaloka styled Īśāna. उत्त० ३६, २०८, जं० प० ५, ११८;

ईसाणवडिंसय. पुं० (ईशानावतंसक) ईशान देवलोकमांनुं सौथी मोटुं विमान; ईशानेन्द्रनुं मध्यनुं विमान. ईशान स्वर्ग का सब से बडा विमान; ईशानेंद्र का मध्यवर्ती विमान. The largest abode of the heavenly world called Īśāna; the middle or central abode of Īśānendra. भग० ३, १; ४, १; १७, ५;

ईसाणिआ-या. स्त्री० (ईशानिका) ईशान कोणु; ईशान खुणो. ईशान कोण; ईशान नामक विदिशा. The north-east quarter. भग० १०, १;

ईसादोस. पुं० (ईर्ष्यादोष) ईर्ष्या रूप दोष. ईर्ष्या रूपी दोष. The fault of jealousy or malice. दसा० ६, १५;

ईसालु. त्रि० (ईर्ष्यालु) ईर्ष्या वाळो. ईर्ष्यालु; ईर्षा वाला. Jealous; malicious. प्रव० ८००;

ईसि. अ० (ईषत्) थोडुं; अल्प; जरा. थोडा; कुछ; जरा; किंचित्. A little. नाया० २; ११; सु० च० १३, ४०; डा० ८, १; पन्न० २; ३६;

ईसिं. अ० (ईषत्) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. जीवा० ३, ४; विशे० १२४६; ओघ० नि० ७२७; भग० ३, १; ५, २; पन्न० २; १७; सम० ३४; ओव० नाया० ६; ८; १६; ठा० ३, १; राय० ६३; दसा० ७, १; पंचा० १२, ६; कप्प० २, १४; जं० प० ५, ११२; ११५; —ओठवलंबि. त्रि० (-ओष्ठावलम्बिन्) थोडुंक होठने अवलम्बन करनार. ओंठ को थोडासा अवलंबन करने वाला. touching, resting on, the lips a little. पन्न० १७; —तंबच्छिकरणी. स्त्री०(-ताम्राक्षिकरणी) थोडीक लाल आंख करनार (स्त्री). कुछ लाल आंख करनेवाली (स्त्री). (a woman) making the eyes a little red. पन्न० १७; —तुंग. त्रि० (-तुङ्ग) कंइक ऊंचुं. कुछ ऊंचा. a little high; somewhat high. जं० प० ६; —दंत. पुं० (-दन्त) थोडा दांत वाळो. थोडे दांतों वाला. (one) having a few teeth or having scanty teeth. ओव० —दंत. त्रि० (-दान्त) थोडी शिक्षा पामेल हाथी. थोडी शिक्षा पाया हुआ हाथी. (an elephant) scantily trained. जं० प० ३; —पब्भार. पुं० (-प्राग्भार) थोडुं कुब्ज थवुं-नमवुं ते.

कुछ नमना; कुछ नम्रीभूत होना. bending a little. पंचा० १८, १६; —पब्भारगय. त्रि० (प्राग्भारगत) थोडुं कुब्ज-नमेल. कुछ नमा हुआ. bent a little; somewhat bent. पंचा० १८, १६; —पुरेवात. पुं० (-पुरोवात) जराक पूर्वनो वायु. जरासा पूर्व का वायु. wind which is a little in front. नाया० ११;—पुरेवाय. पुं० (-पुरोवात) थोडो पूर्व दिशानो वायु. कुछ पूर्व दिशा की हवा. a little eastern wind. नाया० ११; भग० ४, १; —मत्त. त्रि० (-मत्त) यौवननी शरूआतवाला थोडा उन्मत्त-हाथी वगेरे. यौवन की प्रारंभिक अवस्था वाले थोडे उन्मत्त हाथी वगैरह. (an elephant etc.) somewhat intoxicated on account of the budding of youth. जं० प० ३; ओव० —रहस्स. (-ह्रस्व) थोडा ह्रस्व अक्षर-अ-इ-उ-ऋ-लृ. कुछ ह्रस्व अक्षर अ-इ-उ-ऋ-लृ वगैरह. any of the five short vowels-अ-इ-उ-ऋ-लृ. "ईसिरहस्सपंचक्खरुच्चारणद्धाए" ओव० —वोच्छेदकडुइ. स्त्री० (-व्यवच्छेदकटुका) पीधां पछी थोडेज वखते-तत्काल कडवाश आपनारी. पीने के थोडी ही देर बाद-तुरंत ही कटु लगने वाली. anything that tastes bitter immediately after it is drunk. पन्न० १७;

ईसिपब्भारा. स्त्री० (ईषत्प्राग्भारा ईषत्प्राग्भारो महत्त्वं रत्नप्रभाद्यपेक्षया यस्याः सा) सिद्ध शिला; मुक्ति शिला; सिद्ध शिला; मोक्ष शिला. The place of abode of perfected souls or Siddhas; Siddha-Śilā. अणुजो० १०४; ठा० ४, ८, १; ओव० ४३; पन्न० २; भग० ६, ७; ८, ३; १२, ५; १४, १०; १६, ८; २०, ५;

ईसिप्पभा. स्त्री० (ईषत्प्रभा) सिद्ध शिला; मुक्ति शिला. सिद्ध शिला; मोक्ष शिला; मोक्ष स्थान. The place of abode of perfected or liberated souls; Siddha-Śilā. भग० ३, १;

ईसिय. त्रि० (ईषत्क) थोडुं; अल्प. थोडा; अल्प; कुछ. A little; scanty. नाया० ११;

ईसी. स्त्री० (ईषत्) सिद्ध शिलानुं एक नाम. सिद्ध शिला का एक नाम. One of the names of Siddha-Śilā or the abode of perfected souls. ओव० ४३;

ईसीपब्भारा. स्त्री० (ईषत्प्राग्भारा) जुओ 'ईसिपब्भारा' शब्द. देखो 'ईसिपब्भारा' शब्द. Vide "ईसिपब्भारा" सम० १२; उत्त० ३६, ५७; प्रव० ६०६;

√**ईह.** धा० I. (ईह्) इच्छवुं; चहावुं. इच्छा करना; चाहना. To wish; to desire.

ईहइ-ति. उत्त० ७, ४; सु० च० ८, ४५;
ईहिउण. सं० कृ० विशे० २४७;
ईहिय. सं० कृ० विशे० २४८;
ईहमाण. व० कृ० उत्त० २६, ३३;
ईहिज्जइ. क० वा० विशे० २६६,

ईहा. स्त्री० (ईहा) विचारणा; आलोचना; अवग्रह थया पछी ते आम छे के तेम एवी विशेष विचारणा करवी ते; मतिज्ञानना बीजो भेद. विचारणा; आलोचना; अवग्रह होने के बाद जिसका अवग्रह हुआ हो उस वस्तु विशेष की विचारणा करना ईहा कहलाता है; मतिज्ञान का दूसरा भेद. Dealing with perception to arrive at judgment; the 2nd

variety of Matijñāna; reflection upon what one has perceived. दसा० ४, ४५; ओव० ४०; विशे० १७८; ३६६; पन्न० १५; ओघ० नि० ६२; नाया० १; ८; भग० ८, २; ६, ३१; ११, ११; १२, ५; १७, २; राय० १०६; नंदी० २६; सम० ५; २८; कप्प० १, ७; क० गं० १४; (२) मृग विशेष. एक प्रकार का मृग. a kind of deer नाया० १; ८;

ईहापोह. पुं० (**ईहाव्यूह**) ઉહાપોહ; તર્ક વિતર્ક. ऊहापोह; तर्क वितर्क; शंका समाधान. Full consideration of the pros and cons. (२) સંગ્રામ-યુદ્ધ-નીતિ; એક જાતની વ્યૂહ રચના. युद्ध नीति; एक तरह की व्यूह रचना. science of war; a kind of military array. नाया० १; जं० प० ३, ७०;

ईहामइ. स्त्री० (**ईहामति**) ઇહારૂપ મતિ-વિચારણા; મતિજ્ઞાનનો એક ભેદ. ईहारूप मतिज्ञान. मतिज्ञान का एक भेद. One of the varieties of Matijñāna; stage next to perception i. e reflection to arrive at judgment. ठा० ४, ४; ६, १; **—संपया**. स्त्री० (-**सम्पत्**) અવગ્રહ પછી વિચારણા કરવી તે રૂપ મતિજ્ઞાનની સંપત્તિ. अवग्रह के बाद जिस वस्तु का अवग्रह हुआ हो उस वस्तु के संबंध में विचारणा करना वह रूप मतिज्ञान की संपत्ति. the power of Matijñāna consisting in reflection upon what is perceived. to form a judgment. दसा० ४, ३५;

ईहामिग. पुं० (**ईहामृग**) વરુ. भेड़िया. A wolf. जं० प० २, ३३; कप्प० ३, ४४;

ईहामिय. पुं० (**ईहामृग**) વરુ; નાહર. एक प्रकार का पशु; भेड़िया; नहार. A wolf; a tiger. ओव० राय० ४२; ११, ११; जीवा० ३, ४; जं० प० ५, ११४;

ईहिय. त्रि० (**ईहित**) ચેષ્ટા કરેલ; વિચારેલ जिसकी चेष्टा की गई वह; विचारा हुआ. Acted; thought of; reflected upon. "सद्धीमागंतुमीहियं" सूय० १, १, ३, १;

उ.

उ. अ० (**तु**) નક્કી; નિશ્ચય. निश्चय; निस्संदेह. Positively; surely; दस० ६, २८; ९, १; १; पन्न० १५; सूय० १, १, १, ५; (२) વિતર્ક. वितर्क. an indeclinable showing doubt or uncertainty. दस० ६, १३; नाया० ९, १६; विशे० ११०;

उअर. पुं० (**उदर**) પેટ; ઉદર. पेट. Belly; stomach. दस० ८, २६; **—मल**. न० (-**मल**) પેટનો મેલ. पेट का मल. dirt or filth in the stomach. भत्त० ४०;

उआर. पुं० (**उच्चार**) ઉચ્ચાર કરવો તે. બોલવું તે. उच्चारण; बोलना. Act of speaking or uttering words. ओव० २५;

उइगण. त्रि० (**अवनतार्ध**) ભૂમિપર પડી ગયેલ. भूमिपर गिरपड़ा हुआ. Fallen on the ground. निर० १, १;

उइरण. त्रि० (**उदीर्ण**) ઉદય પામેલ; કર્મના

उदयथी प्राप्त थयेल. उदय पाया हुआ; कर्म के उदय से प्राप्त. Got by the maturing of Karma. उत्त० १८, १; विशे० ५३०; ठा० ४; पन्न० १६; (२) उदीरणा करी उदयमां लावेल. उदीरणा करके उदय में लाया हुआ. caused to be matured. भग० १, १; —कम्म. त्रि० (-कर्मन् —उदीर्णमुदयप्राप्तं कर्दुविपाकं कर्म येषां ते तथा) उदय आवेल कर्मवाला. उदय में आये हुए कर्मवाला. (one) whose Karma has matured. "उदिराणकम्माणउदिराणकम्मा पुणो पुणो ते सरहं दुहंति" सूय० १, ५, १, १८; —बलवाहण. त्रि० (बलवाहन—उदीर्ण मुदयप्राप्तं बलं चतुरङ्गं शरीरसामर्थ्यं वा वाहनं शिबिकादि यस्य सः तथा) जेने शुभना उदयथी बल वाहन वगेरे प्राप्त थया छे ते. जिसे शुभ के उदय से बल, वाहन आदि प्राप्त हुए हो वह. (one) who gets strength vehicles etc. by the rise of good Karma. "कंपिले नयरे राया उइराणबलवाहणे" उत्त० १८, १;

उइय. त्रि० (उदित) कहेल कहा हुआ. Said, told. विशे० ४३८; (२) उदय आवेल. उदयागत उदय में आया हुआ. risen; matured. आया० १, श्रु० च० १, ३६३; पंचा० १४, १२; —गुण. त्रि० (गुण) जेना गुण कहेवामां आव्या छे ते. जिसका गुण कहने में आया हो वह (that) of which the attributes or properties have been described. पंचा० ३, ३८; —गुणजुत्त त्रि० (गुणयुक्त) उदय पामेला गुणयुक्त. उदय पाये हुए गुण से युक्त. possessed of qualities which have come to rise or maturity. पंचा० १०, २०;

उईण. पुं० (उदीचीन) उत्तर प्रदेश. उत्तर प्रदेश; उत्तर दिशा का क्षेत्र. Northern region. ठा० ४; भग० ५, १; —पाईण पुं० (-प्राचीन) पूर्वोत्तरदिशा; ईशानकूणो. पूर्व उत्तर दिशाओं के बीच का कोना; ईशान दिशा. the north-east quarter. भग० ५, १; —वाय. पुं० (-वात) उत्तर दिशानो वायु. उत्तर दिशा की हवा the northern wind. पन्न० १;

उईर. धा० I. (उत्+ईर्) उदीरणा करवी. उदीरणा करना. To utter; to cause to rise or move.

उईरंति क० गं० ४, ६४;

उईरइत्ता सूय० १, ६, १६;

उईरेन ठा० ७.

उईरणा. न० (उदीरणा) प्रेरणा करवी. प्रेरणा करना. Act of prompting. ठा० ४;

उईरणा. स्त्री० (उदीरणा) जुओ "उदीरणा" शब्द. देखो "उदीरणा" शब्द. Vide "उदीरणा" ठा० २; ओव०

उईरिय त्रि० (उदीरित) उदीरणा करेल; प्रेरणा करेल. उदीरणा किया हुआ; प्रेरित. कहा हुआ. Told, said, caused to rise or move. पन्न० २३; भग० १, ३.

उउ. पुं० (ऋतु) ऋतु. बे मास प्रमाणनो एक काल विभाग. हेमंत, शिशिर आदि छ ऋतु. ऋतु; दो मास प्रमाण एक काल; हेमंत, शिशिर वर्षा आदि ऋतु. Any of the six seasons of the year; e. g. Hemanta, Śiśira etc. "दो मासा उऊ" भग० ३, ७; ५, १; ६, ७; ६, ३३; २५, ५; जं० प० २, ३१; ७, १५१; सू० प० ८; नाया० १; ३; ६; सम० ३४, ४६; दस० ६, ३६; अणुजो०

११५; १३८; ठा० २, ४; आया० २, १, २, १०; कप्प० ५, १०८; —परियट्ट. पुं० (-परिवर्तन) ऋतुनुं બદલવું તે. ऋतु का बदलना. change of season. आया० २, १, २, १. —पव्वअ. पुं० (-पर्वत) ऋतुरूपी पर्वत. ऋतु रूपी पर्वत-पहाड; a mountain of a season; season regarded as a mountain. नाया० ९; —प्पसन्न. पुं० (-प्रसन्न-प्रसन्नः स्वच्छ ऋतुः ऋतुप्रसन्नः) સ્વચ્છ-નિર્મલ ઋતુ; શરત્કાલ વગેરે. स्वच्छ-साफ-निर्मल ऋतु; शरत्काल वगैरह. clear, cloudless season; e. g. autumn etc. "उउप्पसन्ने विमलेव चंदिमा" दस० ६, ६६; —बद्ध. पुं० (-बद्ध) ऋतु બદ્ધકાલ; શીયાલો અને ઉન્હાલો; ચોમાસા સિવાયનો કાલ. ऋतु बद्धकाल; ठंड और गर्मी का समय; चौमासा वर्षा के समय का काल. winter and summer season; any time of the year except monsoon-time. "उउ बद्ध पीढक लगे" प्रव० १०६; पंचा० ११, २६; ओघ० नि० २६५; पिं० नि० भा० २३; नाया० ५; —मास. पुं० (-मास) ऋतुमास; પરિપૂર્ણ ત્રીસ દિવસ પ્રમાણનો કાલ વિભાગ; કર્મમાસ. ऋतु मास. पूरे तीस दिन प्रमाण काल विभाग; कर्म मास. a period of time consisting of full thirty days; a month of full 30 days. "एसो चेव उउमासो कम्ममासो भगणइ" वव० १, १; प्रव० ८०६; —लच्छी. स्त्री० (-लक्ष्मी) ऋतु લક્ષ્મી; ઋતુની શોભા સંપત્તિ. ऋतु लक्ष्मी; ऋतु की शोभा संपत्ति. beauties of the seasons. नाया० ९; —वास. पुं० (-वर्ष) ऋतु બંધકાલ; ચોમાસા શિવાયના આઠ માસ. चोमासेको छोडकर आठ मास. the whole year excepting the 4 months of the rainy season. "उउ वासे पणग चउमासे" प्रव० ६१३; —संधि. पुं० (-सन्धि) એક ઋતુનો અંત-છેડો અને બીજી ઋતુની શરૂઆત. ऋतु सन्धिः एक ऋतु का अन्त और दूसरी ऋतु का प्रारंभ काल का समय. passing of one season into another. आया० २, १, २, १०; —संवच्छर. पुं० (-संवत्सर) ऋतु સંવત્સર; છ ઋતુ પ્રમાણનો કાલ. छह ऋतु प्रमाण कालः एक वर्ष. an year comprising the six seasons. "ता एएसिणं पंचगहं संवच्छराणं तव उउ संवच्छरस्स" चं० प० १; १२; ठा० ५; —सुह. न० (-सुख) ઋતુને ઉચિત-સુખપ્રદ જેમ ગ્રીષ્મ ઋતુમાં છત્ર. ऋतु के अनुसार उचित सुखः जैसे ग्रीष्म ऋतु में छत्री. (anything) appropriate to the season; e. g. umbrella in summer. "उउ सुहसंवच्छाय समणु बद्धग" ओव०

उउंबर. पुं० (उदुम्बर) ઉદુમ્બરનું ઝાડ અને તેના ફલ; ગુલ્લર. उदम्बर का झाड़ और उसके फल; गुल्लर. Name of a tree; Ficus Glomerata and its fruit. भग० ८, ५, —पणग. न० (पञ्चक) ૧ વડ ૨ પીપલો ૩ ઉદુમ્બર ૪ પ્લક્ષ ૫ કાકોદુમ્બરી એ પાંચ વૃક્ષનો સમૂહ. १ बड़, २ पीपल, ३ उदुम्बर, ४ प्लक्ष, और पांचवां काकोदुम्बरी, ये पांच वृक्षोंका समूह. a collection of five kinds of trees viz (1) Vaṭa (2) Pippala (3) Udumbara (4) Plakṣa & (5) Kākodumbarī. भग० ६, ३३;

—पुप्फ न० (-पुष्प) ઉદંબર ઝાડના ફુલ; ગુલ્લરના ફુલ—કે જે ભાગ્યેજ ક્યાંક જોવામા આવે; દુષ્પ્રાપ્ય વસ્તુને આની ઉપમા અપવામાં આવી છે. उदंबर के झाडका फूल; गुल्लर का फूल जो भाग्य से ही कहीं दिखलाई पड़ता है; इसकी उपमा दुष्प्राप्य वस्तुओं के सम्बंध में दी जाती है. a flower of the Udumbara tree; (it is rarely seen and so is used to express a rarity.) भग० ६, ३३;

उउंबर दत्त. पुं० (उदुम्बरदत्त) પાટલીખંડ નગરના રહેવાશી સાગરદત્ત સાર્થવાહનો પુત્ર. पाटलीखंड नगर के रहनेवाले सागरदत्त सार्थवाह का पुत्र. Name of a son of the merchant Sāgaradatta, a resident of the city named Pāṭalikhaṇḍa. ठा० १०; (२) પાટલીખંડ નગરના ઉદ્યાનમાંનો એક યક્ષ. पाटलीखंड नगर के उद्यानका एक यक्ष. name of a Yakṣa (a ghost or a spirit) living in a garden of the city of Pāṭalikhaṇḍa. विवा० ७;

उउदेवी. स्त्री० (ऋतुदेवी) વસંત, ગ્રીષ્મ, વર્ષા, શરદ વગેરે ઋતુના નામવાળી દેવી. वसन्त, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, आदि ऋतु के नाम वाली देवी. The goddess of a season; e. g. spring-goddess etc. पन्ना० २, १४;

उउय. त्रि० (ऋतुज) ઋતુ સમ્બન્ધી; મોસમનું; કાલને ઉચિત ऋतु संबन्धी; मोसमका; काल के योग्य. Born in the season; appropriate to the season. पन्न० २; ओव० २४; भग० ११, ६; १२, ६;

उंछ. न० (उञ्छ-उञ्छ्यते अल्पाल्पतया गृह्यते भिक्षादिकमित्युञ्छम्) ભિક્ષા; થોડું થોડું ગ્રહણ કરવું તે. भीख; भिक्षा, बहुत थोडा २ ग्रहण करना. Getting a little food at a time; begging of alms: सूय० १, २, ३, १४; ओघ० नि० भा० ८६; ओघ० नि० ४२४; उत्त० ३५, १६; दस० ८, २३; १०, १, १७; पगह० २, १; ठा० ४, २; —जीविया. स्त्री० (-जीविका) એષણા; થોડા થોડા આહાર લઇ જીવિકા ચલાવવી તે. एषणा; थोड़ा २ आहार लेकर जीविका का चलाना. supporting life by begging a little food at a time; alms-begging. ठा० ४; —जीविया संपराण. त्रि० (-जीविकासंपन्न) એષણા કરનાર; એષણા ગવેષણા કરી શુદ્ધ આહાર લેનાર. एषणा करनेवाला; गवेषणापूर्वक—खूब देखभाल कर —शुद्ध आहार लेनेवाला. (one) living by begging alms; (one) taking food begged from others after examining its purity. ठा० ४;

उंज. धा० II. (ऋज) અગ્નિ સંધુકવો; અગ્નિમા તરણા વગેરે નાખવા. अग्नि धोकना; अग्निमें तिनके वगैरह डालना. To throw fuel (e. g grass etc.), into fire to kindle it.

उंजेज्जा. दस० ४; ८, ८;

उंजाविज्जा. दस० ४,

उंजंत. व० कृ० दस० ४;

उंजायण. पुं० (उज्जायन) વશિષ્ઠ ગોત્રની એક શાખા. वशिष्ठ गोत्र की एक शाखा. A branch of the Vasiṣṭha family. (२) त्रि० તે શાખાનો પુરૂષ. उक्त शाखा का पुरुष. a scion of the above branch. ठा० ७, १;

उंद्द. पुं० (उन्द) ઉંદર; સ્વારીનો એક પશુ.

उंट. A camel. निसी० ७, ११; **—लेस्स.** न० (-लेश्य) ઉંટનું ચામડું. ऊंटका चमड़ा. leather of a camel. निसी० १, ११;

उंडग. पुं० (उन्दक) મૂત્ર પાત્ર; માત્રું કરવાનું ઠામ. मूत्र करनेका बरतन. A vessel for making water into. दस० ४; (२) પીણ્ડો; લોચો. पिंड. a lump; a mass "बालाइमंसउंडग मज्जाराइ विराहेज्जा" ओघ० नि० भा० २४६;

उंडी. स्त्री० (उएडी) પિણ્ડી; પેશી. छोटा पिंड. A small lump नाया० ३;

उंडुय. न० (उन्दुक) ભોજન કરવાનું સ્થાન. भोजन करनेका स्थान. A dining-room. "सपिंड पायमागम्म उंडुअं पडिलेहिआ" दस० ५, १, ८७;

उंडेरीय. न० (*) રેવડી; ખાવાની એક સ્વાદિમ વસ્તુ. रेवड़ी; खाने की एक स्वादिष्ट वस्तु. A kind of sweet-meat. ठा० ४;

उंडुपाणिश्र. न० (*) ઉંડું પાણી. उंडा पानी. Deep water. निसी० १३, ३४;

उंदर. पुं० (उन्दर) ઉંદર. चूहा; उन्दरा. A rat; a mouse. पराह० १, १;

उंदिर. पुं० (उन्दुर) ઉન્દર. चूहा. A mouse; a rat. नाया० ८;

उंदुर. पुं० (उन्दुर) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो उपर का शब्द. Vide above उवा० २, ६५; **—माला.** स्त्री० (-माला) ઉન્દરની માળા. चूहों की श्रेणी; चूहों की पंक्ति. a line, a series, of rats. "उंदुरमाला परिगाद्ध सुकय चिगह" उवा० २; ६५;

उंदुरुक्क. न० (*) ઉન્દુ=મુખ. રુક્ક=વૃષભાદિ શબ્દ; દેવતાપુજન વખતે મોઢેથી બલદના જેવો શબ્દ કરવો તે. देवता के पूजन के समय मुख से बैल आदि के समान शब्द करना; उंदु अर्थात् मुख और रुक्क अर्थात् वृषभ—बैल आदि के समान शब्द. Imitating the sound of a bullock at the time of worshipping a deity. अणुजो० २६; गच्छा० २;

उंबर. पुं० (उदुम्बर) ઉમ્બરાનું ઝાડ; ગુલ્લરનું ઝાડ. गुल्लर का झाड़; उदुम्बर का वृक्ष. A kind of tree; ficus glomerata. जीवा० १; विवा० १; भग० ६, ३३; आया० २, १, ८, ४५; पन्न० १; (२) વીજ્જુકુમાર દેવતાનું ચૈત્ય વૃક્ષ. विद्युतकुमार देव का चैत्य वृक्ष. a tree growing in the garden of the deity, Vijjukumāra. ठा० १०, १; **—पुप्फ.** न० (-पुष्प) ગુલ્લરનું ફુલ; આ ફુલ ગુલ્લરના વૃક્ષમાં કવચિત્ દેખાતું હશે; જે વસ્તુ અતિ મુશ્કેલીથી પ્રાપ્ત થઇ હોય છે તેને જાટના દીકરાને આની ઉપમા અપાય છે. गुल्लर का फूल; यह फूल गुल्लर के वृक्ष पर कदाचित ही लगा हुआ दिखता है, जो वस्तु अति कठिनता से प्राप्त होती है उसे इस पुष्पकी उपमा दीजाती है a flower of the Udumbara tree. (It is rarely seen on the tree and so is metaphorically used to express a rarity.) "उंबर पुप्फंमिव दुल्लभे" राय० २४५; नाया० १; २; **—वच्च** पुं० (वर्चस्) ગુલ્લરના ફલથી ભરેલ. गुल्लर के फल से भरा हुआ. filled with the

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot note (*) p. 15th.

fruit of Udumbara tree. निसी० ३, ७८;

उंबर वृत्त. पुं० (उदुम्बरदत्त) એ નામનો યક્ષ. इस नाम का यक्ष. Name of a Yakṣa (a kind of demi-god). विवा० ७;

उबरि. स्त्री० (*) વનસ્પતિ વિશેષ. वनस्पति विशेष. A kind of vegetation. भग० २२, २; पंचा० १, २१;

उंबिगा. स्त्री० (उंबिका) ઘઉં, જવ, ચોખા વગેરેની ઊમ્બડી-મંજરી. गेहूं, जव, चावल आदि की मञ्जरी. Blossoms growing on the plants of wheat, barley, rice etc. पंचा० १०, २३;

उंबेभरिया. स्त्री० (*) એ નામનું એક જાતનું ઝાડ. इस नाम का एक प्रकारका वृक्ष. A kind of tree. पन्न० १;

उंमिसावेत्तए. हे० कृ० अ० (उन्मेषयितुम्) આંખ મીંચવાને; આંખના પલકારો મારવાને. आंख मींचने के लिये. In order to twinkle the eye. भग० १६, ८;

उंमुय. पुं० (उल्मुक) એ નામના એક યાદવ કુમાર. इस नाम का एक यादव कुमार. Name of a Jādava (Yādava) Kumāra. पराह० १, ४;

उकसमाण. व० कृ० त्रि० (अवकसमाण) તણાતો. तनाता हुआ. Being tightened. वेय० ६, ८;

उकुजिय. सं० कृ० अ० (उत्कुब्ज्य) ઉંચેથી કુબડા થઈને-શરીર નમાવીને. कुबडा होकर-शरीर नमा कर. Bending the body. "उकुबियाखिउ उकुजिय खिक्काजिब दिजमाणं पडिग्गाहेति" निसी० १७, २२;

उकुरुडिया. स्त्री० (*) ઉકરડી; ઉકરડો. घूरा. A dung-hill. निर० १, १;

उक्कंचण. न० (उत्कञ्चन--उत् ऊर्ध्वं शूलारोपणार्थं कञ्चनंतत्तथा) શૂળીએ ચઢાવવાને ઉંચે ઉંચકવું તે. किसी को शूली पर चढाने के लिये ऊंचा उचकना. Lifting up a person in order to impale him. सूय० २, २, ६२; (२) ગુણ વગરના માણસના ખોટા વખાણ કરવાં તે; ખુશામત. गुणरहित मनुष्य की प्रशंसा करना; खुशामत. praising an unworthy person to flatter him. नाया० २; (३) ગરીબને વધારે દંડ કરવો તે. गरीब को बहुत दंड देना. mulcting the poor more heavily. भग० ११, ११; (४) કોઈને છેતરવામાં પાસે ઉભેલો ડાહ્યો માણસ જાણી જશે એમ જાણી વાતચિત બંધ રાખવી તે. किसी को ठगने के समय-धोका देते समय पास में खडे हुए समझदार मनुष्य को देख कर इस लिये बात चीत बंद करना कि वह समझ जावेगा. stopping deceitful conversation lest a wise by-stander might hear it. ओव० ३४; राय० (५) લાંચ; રૂશ્વત. रिश्वत; घूंस. bribe; bribery. नाया० २; दसा० ६, ४; राय० २०७; —दीव. पुं० (-दीप) મશાલ. मशाल. a torch. भग० ११, ११;

उक्कंचणया. स्त्री० (* उत्कंचन) મુગ્ધ જનને છેતરવા ઢોંગ કરવો-છલ કરવો તે. कम समझ मनुष्य को ठगने के लिये ढोंग बनाना-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कुच करना. Putting on false appearances to deceive a simpleton. ओव० ३४;

उक्कंठिय. त्रि० (उत्कण्ठित) ઉત્કંઠા વાળો; ઉત્સુક થયેલ. उत्कण्ठायुक्त; उत्सुक. Anxious; eagerly longing. नाया० १४; सु० च० २; ४४०;

√**उक्कंत.** धा० II. (उत्+कृत) માંસ અને ચામડીનું ઉપાડવું-ઉતારવું તે. मांस और चमड़ी का निकालना. To flay; to cut out skin and flesh.

उक्कंते. सूय० १, ४, १, २१;

उक्कंतंत. सु० च० १०, ७७;

√**उत्-कंप-प्रे०** धा० II. (उत्+कम्प्+णि) ચંપાવવું; દબાવવું. दबाना; To cause to be massaged or shampooed.

उक्कंपावेइ. विवा० ६;

उक्कंबिअ. त्रि० (उत्कम्बित) વાંસની કામડીથી બાંધેલ. बांस की किमड़ी से बांधा हुआ. Fastened with strips of bamboo. आया० २, २, १, ६४

उक्कच्छिया. स्त्री० (औपकक्षिकी-कक्षायाः समीपमुकक्षा तदाच्छादिकोपकक्षिकेव तथा) સાધ્વીના ૨૫ ઉપકરણમાંનું એક ઉપકરણ; જમણી બાજુની છાતીથી કાંખ સુધી સીવ્યા વગર ધારણ કરવાનું વસ્ત્ર કે જે અઢી હાથનો ચોરસ કટકો હોય છે. साध्वी के २५ उपकरणों में से एक उपकरण; दाहिनी तरफ की छाती से कांख तक बिना सिला हुआ वस्त्र जोकि अढाई हाथ का एक चौरस टुकड़ा होता है. One of the 25 articles of use permitted to a nun; a kind of bodice (unsewn) covering the breast, being 2½ arms in length and breadth. ओघ० नि० ६७७;

उक्कट्ठि. स्त्री० (उत्कृष्टि) ઉત્કર્ષ. उत्कर्षता. Rise; intensity. सू० प० १४;

उक्कडुअ. त्रि० (उत्कटुक) પૃથ્વી ઉપર શરીર રાખીને પવિત્રતા વડે બેઠેલ. पृथ्वी पर शरीर रख कर पवित्रता से बैठा हुआ. Seated on the ground with pure mind and body. पंचा० १८, १६; (२) ઉકડુ આસન. उकडुक आसन. a seat in a particular bodily posture. प्रव० ५६२;

उक्कड. त्रि० (उत्कट) ઉત્કૃષ્ટ; ઉન્નત; ઊંચું. प्रकृष्ट; ऊंचा; उन्नत. High, raised; intense. उत्त० २, १०७; पराह० १, १; नाया० १; (२) પસરેલ. फैला हुआ. spread; extened. कप्प० ३, ४३; (३) અધિક; વધારે. ज्यादह; बहुत. more; additional. भग० १५, १; पिं० नि० ७१६; (४) કલુષિત; ડોહું. कलुषित; गंदला. turbid; muddy. वव० २, २; (५) બલવાન્. सबल. strong; powerful. नाया० ६; —गंधविलित्त. त्रि० (-गन्धविलिप्त) અતિ દુર્ગંધથી વ્યાપ્ત. बहुत दुर्गंध से व्याप्त. highly stinking. नंदी० —जोगि. त्रि० (-योगिन्) ઉત્કૃષ્ટયોગે વર્તતો. उत्कृष्ट योगी. (one) practising the highest kind of contemplation. क० गं० ५, ८६;

उक्कडुय. न० (उत्कटुक) ઉકડુ આસન; ઉભડક પગે બેસવું તે. उकडू आसन; घूंटों के बल बैठना. A kind of bodily posture; squatting. दसा० ७, ६; नाया० १; पंचा० ५, ११६;

√**उत्-कड** धा० I. (उत्+कृष्) આબાદ થવું. आबाद होना. To flourish; to prosper.

V II 21.

उक्कुड्ड. क० प० ३, १०;

उक्कुग. पुं० (**अपकर्षक**) ચોરને બોલાવી ચોરી કરનાર. चोर को बुला कर चोरी करने वाला. One who calls a thief and steals. पराह० १, ३;

उक्कत्तिऊण. सं० कृ० अ० (**उत्कृत्य**) કાપીને. काट कर. Having cut off. सु० च० १९, ८४;

उक्कत्थण. न० (**उत्कत्थन**) ખાલ ઉતારવી; ચામડી ઉતારવી તે. चमड़ा उतारना निकालना. Flaying; cutting off the skin. पराह० १, १;

उक्कम. पुं० (**उत्क्रम**) પહેલેથી ન ગણતાં છેલ્લેથી ગણવું તે; પશ્ચાનુપૂર્વી; ઉલટો ક્રમ. शुरू से न गिन कर आखिर से गिनना; उलटा क्रम. Counting from the end instead of the beginning; reversed order. विशे० २७१; प्रव० १०६१;

उक्कामित. त्रि० (**उपक्रान्त**) પ્રારબ્ધયોગે પ્રાપ્ત થયેલ. प्रारब्धयोग से प्राप्त. Got through fate. " **अहवा उक्कामंत भवंतिए** " सूय० १, २, ३, १७;

उक्कर. पुं० (**उत्कर**) સમૂહ; સંઘાત સમૂહ; जमघट. A collection; a group. कप्प० ३, ४२; (२) કર રહિત. कर रहित. (one) having no arm. नाया० १; भग० ११, ११; जं० प० कप्प० ५, १०१;

उक्करियाभेय. पुं० (**उत्करिका भेद**) એરંડબીજ કે સુકેલ મગફલી વગેરેનો તડ તડ કરતો થતો ભેદ-છેદન; अरंडी के बीज अथवा सूखी हुई मूंगफली वगैरह का तड़तड़ करता हुआ जो आवाज हो वह. Breaking of dry ground-nuts and other seeds with a cracking sound. " **अयंताइं दव्वाइं उक्करिया भेएणभिजमाणाइं** " भग० ५, ४; पन्न० ११;

उक्करिस. पुं० (**उत्कर्ष**) ઉત્કર્ષ; અતિશય; उत्कर्ष; बहुत ज्यादह; उच्च दशा. Intensity; abundance; excess. " **अत-समुक्करिसत्थं** " सूय० नि० १, २, २, ४३; विशे० १५८३;

उक्कुरडिया. स्त्री० (*) ઉકરડો; મલીન વસ્તુનો સંગ્રહ. कचरा; मलीन वस्तु का संग्रह. A dung hill. नाया० २;

उक्कल. त्रि० (**उत्कल**) ચડતી કલાવાલો; વૃદ્ધિ પામનાર. चढ़ती कला वाला; वृद्धि पाने वाला. Rising; increasing. " **पंच उक्कला पयात्ता तंजहा दंडुक्कले रज्जुकले** " ठा० ५, ३; (२) તેઇંદ્રિય જીવ વિશેષ. तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष a kind of three-sensed living being. उत्त० ३६, १३६;

उक्कलिआ-या. स्त्री० (**उत्कालिका**) વધારે નાનો સમુદાય बहुत छोटा समुदाय A smaller group. ओव० २७; (२) તેઇંદ્રિય જીવવિશેષ; કરોલિઓ तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष. a kind of three-sensed living being कप्प० ६, ४५; (२) લહેર; તરંગ. लहर. a wave. ठा० ४; (३) વાયુની માફક ચક્ર ફરવું તે. वायु के समान चक्र काटना. whirling like wind. जीवा० ३, ४; —**अंड.** पुं० (–**अराड**) કરોલીયાનું ઇંડાલું. मकड़ी का

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

अण्डा. a spider's eggs. कप्प० ९,४५;
—वाय. पुं० (-वात) थोडी थोडी वारने अन्तरे वातो એક પ્રકારનો વાયુ. एक प्रकार की हवा जो थोडे २ समय के बाद चलती है a kind of wind blowing at small intervals of time. पन्न० १; आया० नि० १, १, ७, १६६; उत्त० ३६, ११८; जीवा० १;

उक्कलिका. स्त्री० (उत्कलिका) ઉપરા ઉપરી જવું આવવું તે. बार बार जाना आना. Coming and going in quick succession. राय० १८३;

उक्कलिय. त्रि० (उत्कलिक) એક પ્રકારનો અવ્યક્ત શબ્દ. एक तरह का अव्यक्त शब्द. A sort of indistinct sound. भग० २, १;

उक्कस पुं० (उत्कर्ष—उत्कृष्यते आत्मा दर्पाध्मातो विधीयतेऽनेनेत्युत्कर्षः) માન; અહંકાર. मान; घमंड. Pride; conceit. " उक्कसं जलणं णूमं मज्झत्थं चवि गिंचए" सूय० १, १, ४, १२; (२) વધારેમાં વધારે. अधिकाधिक. maximum; highest limit. क०गं० ४, ७४;

उक्कस्स. पुं० (उत्कर्ष) માન; અહંકાર. मान; घमंड. Pride; conceit. सूय. १. १, ४, १२;

उक्कस्स. त्रि० (उत्कर्षवत्) મદવાળું; અભિમાની. घमन्डी; मदोन्मत्त; अभिमानी Proud; conceited. सूय० १, १, ४, १२;

उक्कस्समान. त्रि० (अपकर्षत्) ટુંકું કરતો. छोटा करता हुआ. Cutting short. (२) પાછું ખેંચતો. पीछे खेंचता हुआ. Pulling backward. "पणगंसि वा दगंसि वा उक्कस्समाणें" ठा० ५;

उक्का. स्त्री० (उल्का) મૂલ અગ્નિથી છુટા પડેલ આગના તણખા. मूल अग्नि से अलग हो चुके हुआ अग्नि का तिनगा. Sparks of fire ओघ० नि० भा०३१०; नंदी. १०; दस. ४; उत्त. ३६, ११०; जीवा. ३, १; ठा० ८; દિગ્ દાહ दिग्दाह; दिशा की ललास preternatural redness of the horizon. उत्त० ३६, ११०; આકાશમાં વ્યંતરાદિકૃત અગ્નિ દેખાય તે. आकाश में व्यंतरादिकृत अग्नि का दृश्य. a fiery appearance in the sky--the work of Vyantara etc. दस० ४; पन्न० १; (४) તેજની જ્વાલા. तेज की ज्वाला. fire; flame of light. ओघ० नि० २१०; ઉલ્કાપાત; તારાનું ખરવું. उल्कापात; तारे का टूटना. falling of a meteor. भग० ३, २; —पाय. पुं० (-पात) ઉલ્કાપાત; આકાશમાંથી તારાઓનું પડવું. उल्कापात; आकाश से तारों का टूटना. falling of meteors from the sky. भग० ३, ७; —वाय. पुं० (-पात-उल्का आकाशजातस्याः पातः) જુઓ "उक्कापाय" શબ્દ. देखो "उक्कापाय" शब्द. vide "उक्कापाय" अणुजो० १२७; ठा० १०, १; भग० ३, ६;—सहस्स. न० (-सहस्र) અગ્નીના હજારો પિણ્ડ તણખા. अग्नि की हजारों चिनगारियां. thousands of sparks of fire. ठा० ८;

उक्कापाया. स्त्री० (उल्कापाता) ઉલ્કાપાત—તારા ખરે તેનું શુભાશુભ જાણવાની વિદ્યા. उल्कापात के भले बुरे फल जानने की विद्या. Science of interpreting the good or evil effects of the fall of meteors. सूय० २, २, २७;

उक्कामुह. पुं० (उल्कामुख) લવણ સમુદ્રમાં આઠસો યોજન ઉપર આવેલ ઉલ્કામુખ નામનો એક અંતર દ્વીપ. लवण समुद्र में आठसौ योजन की दूरी पर स्थित उल्कामुख

नामक एक अंतर द्वीप. Name of an Antara Dvipa (island) in Lavana Samudra at a distance of 800 Yojanas. ठा० ४, २; (२) તેમાં રહેનાર મનુષ્ય. उक्त द्वीप के अंदर रहने वाला मनुष्य. a native of the above island. जीवा० ३, ३; पन्न० १; (३) ગંગા નદીની અધિષ્ઠાત્રી દેવીનો નિવાસ પર્વત. गंगा नदी की अधिष्ठात्री देवी के रहने का पर्वत. the mountain-abode of the presiding goddess of the river Gangā ठा० ८, १;

उक्कालिअ-य. न० (*उत्कालिक—उत्-ऊर्ध्वं कालात्पठ्यतेतत्तथा) ચાર અકાલ સિવાય ચારે પહોર ભણાય તેવું સૂત્ર; ઉવવાઈ આદિ ઉત્કાલિક સૂત્ર. चार अकालों के सिवाय दूसरे तीसरे प्रहरों में पढे जाने योग्य --चारों प्रहरों में पढे जाने योग्य सूत्र; उववाइ आदि उत्कालिक सूत्र. Utkālika Sūtras viz Uvavāi etc. which can be studied during all the four Praharas, excepting the 4 Akālas "कितं उक्कालिअं उक्कालिअं अणेग विहा पण्णत्ता" नंदी० ४३; अणुजो० ४; ठा० २, १;

उक्कास पुं० (उत्कर्ष) અભિમાનથી પોતાની સમૃદ્ધિનાં વખાણ કરવાં તે; મોહનીય કર્મની એક પ્રકૃતિ. अभिमान से अपनी समृद्धि का वर्णन करना; मोहनीय कर्म की एक प्रकृति A variety of deluding Karma; praising one's own prosperity through pride. भग० १२, ५;

उक्किट्ठ. त्रि० (उत्कृष्ट) ઉત્કૃષ્ટ; સર્વોત્તમ; શ્રેષ્ઠ. उत्कृष्ट; उत्तम; सब से श्रेष्ठ. Excellent; surpassing; best. नाया० १; ८; ६; १७; निसी० १७, ३२; राय० २६; पिं० नि० ५३०; दस० १, १; ४, १६; जीवा० ३, १; भग० ३, १; २; ६, ५; कप्प० २, २७; (२) કલિંગડાં તુંબડાં ભીંડા વગેરેને મોરીને કરેલ ઝીણા કકડા. तरबूज, तूंबडी, भिंडी आदि को काट कर किये हुए छोटे टुकडे slices of vegetables, like water-melons, gourds etc "उक्किट्ठमसंसट्ठ" दस० ५, १, ३४; (३) કરજ વગેરે અમુક વખત માટે માગવું નહીં તે. कर्ज वगैरह का अमुक समय के लिये नहीं मांगना. not asking for money lent etc. for a specified time. "उस्सुक्कं उक्करं उक्किट्ठं अदिज्जं अमिज्जं" भग० ११, ११; कप्प० ५, १०१; —**वरगंग.** पुं० (-वर्णक) પ્રધાન-ઉત્તમ-ચંદન. उत्तम-सर्व श्रेष्ठ-चंदन. excellent sandal-wood. "उक्किट्ठ वरगणोपरि" पंचा० २, १७; —**संकिलेस.** पुं० (-संक्लेश) ઉત્કૃષ્ટ સ્થિતિબંધ જનક અધ્યવસાય સ્થાન; હલકામાં હલકું અધ્યવસાય સ્થાન કે જેથી અશુભ ઉત્કૃષ્ટ સ્થિતિ બંધાય. उत्कृष्ट स्थिति बंध करने वाला अध्यवसाय स्थान; नीच से नीच अध्यवसाय--कृत्य जिस से कि अशुभ कार्यों की उत्कृष्ट स्थिति बंधे. impure thought-activity causing increased duration of evil Karma क० गं० —**सरीर.** त्रि० (-शरीर) ઉત્કૃષ્ટ-મોટા શરીરવાળું. बडे शरीर वाला. having a big, bulky body. "उक्किट्ठ उक्किट्ठसरीरं अविस्सइ" विवा० ४; ७; नाया० ८; १४; १६; —**सीहणाय.** पुं० (-सिंहनाद) મ્હોટો અવાજ; ઉત્કૃષ્ટ સિંહનાદ. बडा आवाज; जोर का आवाज; उत्कृष्ट सिंहनाद thundering sound;

roaring sound of a lion. जं० प० ३, ४५; नाया० १८;

उक्किट्ठा. स्त्री० (उत्कृष्टा) એક પ્રકારની દેવતાની વેગવાલી ગતિ; મનોહર ગતિ. एक प्रकार की देवता की शीघ्र गति- मनोहर गति. A kind of quick gait of gods; charming gait. "उक्किट्ठाए तुरियाए चंडाए" राय० जीवा० ३; आया० २, १५, १७६, नाया० ४; ८;

उक्किट्ठि. स्त्री० (उत्कृष्टि) આનંદજનક ધ્વનિ; હર્ષનો અવાજ. आनंदजनक शब्द; हर्षयुक्त शब्द A voice of joy ओव० २७;

उक्किरण. त्रि० (उत्कीर्ण) ઉખેડેલું; ખોદી કાઢેલું. खुदा हुआ. Dug out. ओघ० नि० २६१; (२) અત્યન્ત પ્રગટ; ખુલ્લું. अच्छी तरह से जाहिर; खुला हुआ. open; quite manifest. पन्न० २; (३) કોતરેલ. खोदा हुआ. carved. सम० प० २०६; (४) મિશ્રિત. मिश्रित; मिला हुआ. mixed. पराह० १, १; —अंतर. त्रि० (-अन्तर) અતિ વ્યક્ત અન્તર. अच्छी तरह से प्रगट अंतर. having the inner side quite manifest or laid open; also, having the difference quite manifest. सम०

उक्किरुत्त. त्रि० (उत्कृत्त) ઉખેડેલ. उखाड़ा हुआ. Scratched out; dug out. उत्त० १६, ६३;

उक्कित्तण. न० (उत्कीर्तन) ચઉવિસત્થો; ચોવીસ તીર્થંકરની સ્તુતિ. संस्तवन; गुण कीर्तन; चोवीस तीर्थंकरों की स्तुति. Praise; praise of the glory of the 24 Tirthaṅkaras. अणुजो० ५८; चउ० १; विशे० ६०२; प्रव० ६५; —अणुपुव्वी. स्त्री० (-अनुपूर्वी) ઉત્કીર્તન ગુણગ્રામ; સ્તુત્ય પુરૂષોની અનુક્રમે સ્તુતિ કરવી તે. गुणवान्-प्रशंसनीय पुरुषों की अनुक्रम से स्तुति करना. praising in due order the merits of worthy persons. अणुजो० ७१;

उक्कित्तित. त्रि० (उत्कीर्तित) કીર્તન કરેલ. कीर्तन किया हुआ. Praised; described. सू० प० २०;

उक्कुज्जिय. सं० कृ० अ० (उत्कुब्ज्य , ઊંચેથી શરીર નમાવીને; કુબડા થઈને. ऊंचे से शरीर को नमाकर. Having bent down the body. आया० २, १, ७, ३७;

उक्कुट्ठ. न० (उत्कुष्ट) લીલા પાનનો ભુક્કો. हरे पत्तों का ओखली में किया हुआ चूरा. Powdered green leaves. आया० २, १, ६, ३३;

उक्कुट्ठ. त्रि० (उत्कृष्ट) ઉત્કૃષ્ટ નાદ; આનંદ ધ્વનિ. उत्कृष्ट नाद; श्रेष्ठ शब्द; आनंद ध्वनि. Excellent, pleasant (sound) पराह० १, ३;

उक्कुडुअ न० (उत्कुटुक) ઉકડુ આસન; ઉભપગે બેસવાનું આસન; ઉભડક આસન उकडु आसन; घूंटों के बल बैठने रूप आसन. A squatting bodily posture; sitting on heels etc. आया० १, ६, ४, ४; २, ७, २, १६१; उत्त० १, २२; ओघ० नि० भा० १५६; ओव० १६; भग० ७, ६; —आसण. न० (-आसन) ઉકડુ આસન; ઉભડક પગે બેસવું તે. आसन विशेष; घूंटों के बल बैठने के रूप आसन squatting bodily posture; sitting on heels etc भग० २५, ७; —आसणिअ. त्रि० (-आसनिक) ઉભડક પગે બેસનાર; ઉકડુ આસને બેસનાર. उकडु आसन से बैठने वाला; घूंटों के बल बैठने वाला (one) in a squat-

ting bodily posture. ठा० ५, १; भग० २५, ७;

उक्कुडुग. न० (उत्कुटुक) જુઓ " उक्कुडुअ" શબ્દ. देखो "उक्कुडुअ" शब्द. Vide "उक्कुडुअ" जं० प० नाया० १; आया० २, ?, ३, १०१;

उक्कुडुया. स्त्री० (उत्कुटुका) ઉભડક બેસવું તે; પાંચ પ્રકારની નિષદ્યા-બેઠકમાંની એક. घूंटों के बल बैठना; पांच प्रकार की बैठकों में से एक प्रकार की बैठक. One of the five sitting postures viz. squatting on heels etc. " पंच निसिज्जाओ पं० तं० उक्कुडुया गोदोहिया समपायपुया " ठा० ५, १;

उक्कुकुड. पुं० (*) ઉકરડો. घूरा. A dung-hill. ओघ० नि० ४६६;

उक्कुरुडअ. पुं० (*) ઉકરડો. घूरा. A dung-hill. (२) એ નામનો કોઈ માણસ. इस नाम का कोई मनुष्य. name of a person. अणुजो० १३ ;

उक्कुकाडिआ या. स्त्री० (*) ઉકરડો घूरा. A dung-hill. विवा० १;

उक्कूइय. त्रि० (उत्कूजित) મહાન્ અવ્યક્ત ધ્વનિ. बड़ी भारी अप्रगट ध्वनि. Loud indistinct sound. पराह० १, १;

उक्कूल. त्रि० (उत्कूल) સન્માર્ગ અથવા ન્યાયના કૂલ-તટથી દૂર કરનાર. सन्मार्ग अथवा न्याय की सीमा से तट से दूर करनेवाला. Leading away from the path of justice. पराह० १, २;

उक्कर. पुं० (उत्कर) રાશિ; સમૂહ; ઢગલો. ढेर. A heap. ओघ० नि० २६०; (२) વૃદ્ધિ; ઉદ્વર્તન; કર્મની સ્થિતિ વગેરેમાં વધારો કરવો તે. वृद्धि; बढती; कर्मकी स्थिति वगैरह में बढती करना. increase; increase in the duration of Karma. विशे० २५१४;

उक्कोडा. स्त्री० (उत्कोटा) લાંચ; રૂશ્વત. रिश्वत; घूंस. Bribe; bribery. "उक्कोडाहिय पराभवेहिय दिज्जेहिय" विवा० १; पराह० १, ३;

उक्कोडिय. त्रि० (औत्कोटिक-उत्कोटा लञ्चा तया ये व्यवहरन्ति ते तथा) રૂશ્વત ખાનાર; લાંચ લેનાર; લાંચીઓ. रिश्वत खोर; घूंस लेनेवाला. (One) who takes bribes. ओव० भग० १, १;

उक्कोया. स्त्री० (उत्कोचा) લાંચ. रिश्वत. Bribe; bribery नाया० १८;

उक्कोस पुं० (उत्क्रोश) ઉંચું મોઢું કરી શબ્દ કરનાર પક્ષી; ચાતક; બપૈયો. ऊँचा मुँह करके शब्द करनेवाला पक्षी; चातक; पपैया. A bird that screams with its mouth raised up: e. g. Chātaka etc. पराह १, १;

उक्कोस. पुं (उत्कर्ष) ઉત્કૃષ્ટ; વધારેમાં વધારે; ઘણામાં ઘણું उत्कृष्ट; श्रेष्ठ; ज्यादह से ज्यादह. Highest; longest. पंच० १, २; १६, ४४; क० प० १, १२; ६७; " उक्कोसं जीवो उसंवसे " उत्त० १०, ५; ओव० ३८; नंदी० १४; अणुजो० ८६; ठा० १, १; सम० १; विशे० ३४५; पिं० नि० ३०; नाया० १६; दसा० ६, २; भग० १, १; १०; २, ५; ३, ३; ५, १; ८; ६, ३; ८, ८; १०; ६, ३२; १५; १; १८, ७; २४, २०; २५, ४; ३६, १; जं० प० २, २१; (२) માન; અહંકાર. अहंकार; घमंड.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

pride. सूय० १, २, २, २६; सम० ४२; (३) ઉત્તમ. શ્રેષ્ઠ; श्रेष्ठ; अच्छा. excellent; best पिं० नि० भा० १२; भग० १२, ५; —काल. पुं० (-काल) ઉત્કૃષ્ટ-ઘણામાં ઘણો કાલ. ज्यादह से ज्यादह समय; उत्कृष्ट समय. the longest time. भग० २४, १; —कालट्टिइ. स्त्री० (-कालस्थिति) ઉત્કૃષ્ટ કાલની સ્થિતિ. उत्कृष्ट काल की स्थिति. duration of the longest time. भग० १५, १; -ट्ठिइ. स्त्री० (-स्थिति) ઘણામાં ઘણી સ્થિતિ. ज्यादह से ज्यादह—अधिकाधिक स्थिति. longest duration. निर० २, २; —ट्ठिइय. पुं० (-स्थितिक) ઉત્કૃષ્ટિ-ઘણામાં ઘણી સ્થિતિ વાળો. उत्कृष्ट-ज्यादह से ज्यादह स्थितिवाला. one that has the longest duration. ठा० १, १; —पएसिय. त्रि० (-प्रदेशिक) ઘણામાં ઘણા પ્રદેશ વાળો. ज्यादह से ज्यादह प्रदेश वाला. (one) having the greatest number of molecules. ठा० १; —पद. न० (-पद) ઉત્કૃષ્ટ પદ; ઉત્કૃષ્ટપણું. उत्कृष्ट पद; श्रेष्ठ पद; उत्कृष्टता. excellent status; highest state. "उक्कोसपदे अट्ठ आरिहंता" ठा० ८; —पय. न० (-पद) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ११, १०; —मयपत्त. त्रि० (-मद प्राप्त—उत्कर्षेण मदं प्राप्त उत्कर्षमदप्राप्तः) ઉત્કૃષ્ટ મદવાળો. उत्कृष्ट मदवाला. highly intoxicated with pride. जीवा ३; पन्न १७; —सुयनाणि. त्रि० (-सूत्र ज्ञानिन्) ઉત્કૃષ્ટ શ્રુતજ્ઞાનવાળો. उत्कृष्ट श्रुत ज्ञानवाला. (one) highly learned in the scriptures. विशे० ४५२;

उक्कोसअ. पुं० (उत्कर्षक) મ્હોટામાં મ્હોટો. बड़े से बड़ा. One that is highest or biggest. अणुजो. १३२;

उक्कोसओ. अ० (उत्कर्षतस्) વધારેમાં વધારે; ઉત્કૃષ્ટપણે. उत्कृष्टतासे. At the maximum limit; at the highest. प्रव० ७६४;

उक्कोसंत. त्रि० (उत्क्रोशत्) આક્રન્દન કરતો. आक्रन्दन करता हुआ; चिल्लाता हुआ. Screaming; crying aloud. पण्ह० १ १;

उक्कोसग पुं० (उत्कर्षक) ઉત્કૃષ્ટ; મ્હોટામાં મ્હોટો. उत्कृष्ट; श्रेष्ठ; बडे से बड़ा. One that is highest, biggest or best. "तताणं च उत्तमं कट्ठ पत्ते उक्कोसए अट्ठारसम मुहुत्त" चं० प० १; भग० २५, ६;

उक्कोसिअय त्रि० (उत्कृष्ट) ઉત્કૃષ્ટ; વધારેમાં વધારે. उत्कृष्ट; ज्यादह से ज्यादह. Highest; highest in amount. जं० प० ७, १३४; उत्त० ३३, १६; भग० ५, १; ८,१०; ११, ११; १८, ७; १६, ३; वव० १, १७; नाया० ८; भत्त० ३७; पंचा० ८, २६;

उक्कोसिय. पुं० (उत्कौशिक) એ નામના ગોત્રના પ્રવર્તક ઋષિ. इस नाम के गोत्र के चलानेवाले ऋषि. (A saint) the progenitor of a family of that name. "थेरस्सणं अज्जवइरसेणस्स उक्कोसिय गोत्तस्स" कप्प० ८;

उक्खल. पुं० (उत्त) સંબંધ. सम्बन्ध. Connection; relation नंदी०

उक्खंभ. पुं० (उत्तम्भ) જોરથી રોકવું તે. जोर से रोकना. Stopping· checking forcibly. संथा०

उक्खंभिय. त्रि० (उत्तम्भिक) જોરથી રોકનાર; અટકાવનાર. बल पूर्वक रोकने वाला.

(One) who stops or checks forcibly. संथा०

उक्खणण. न० (उत्खनन) ઉખેડવું તે. उखाडना. Digging out; scratching out. पराह० १, १;

उक्खणिय. त्रि० (उत्खानित) ઉખેડી નાખેલું. उखाडा हुआ. Dug out; rooted out. पिं० नि० २४६;

उक्खय. त्रि० (उत्खात) ઉખેડેલ; ખોદેલ उखाडा हुआ; खोदा हुआ. Rooted out. सु० च० ४, ५६; नाया० ७;

उक्खल. पुं० (उदूखल) ઉખલ; ખાંડણી. ओखली. A mortar. पराह० १, १;

उक्खलग. पुं० (उदूखलक) ખાંડવાની ખાંડણી. कुटने की ओखली. A mortar used for pounding. "को संयमो चमेहाए सुप्पुक्खलगं च खारगालणं च" सूय० १, ४, २, १२;

उक्खलुंदिय. सं० कृ० अ० (*) ખંજોળીને. खुजाकर. Having scratched or rubbed with the nails of the hand to remove itching sensation; having tickled. आया० २, १, ६ ३२;

उक्खा. स्त्री० (उखा) થાળી; તોલડી; હાંડલી. थाली; हंडी; भरतिया. A metal or earthen pot or pan. "एगाओ उक्खातो परिए सिज्जमाणे पहाए" आया० २, १. २, १०;

उक्खिणण. त्रि० (*) ખરડાયેલ. खरडाया हुआ; लिप्त. Bespattered; smeared. पराह० १, ३;

उक्खित. त्रि० (उक्षित) સિંચેલ; વિલેપન કરેલ. सींचा हुआ; लेप किया हुआ. Smeared; bespattered. "चंदणोक्खितगाय सरीरे" सूय० २, २, ५५;

उक्खित्त. त्रि० (उत्क्षिप्त) ઉંચું કરેલ; ઉપાડેલ-ઉઠાવેલ. ऊंचा किया हुआ; उखाडा हुआ उठाया हुआ. Raised up; lifted up. पिं० नि० २८४; नाया० १; ३; ८; भग० ८, ६; १६, ५; वेय० २, १; आव० ८, ६; (२) જ્ઞાતાધર્મ કથા સૂત્રના પહેલા અધ્યયનનું નામ. ज्ञाता धर्म कथा सूत्र के पहले अध्यायका नाम. name of the 1st chapter of the Sūtra named Jñātādharmakathā. नाया० २; (३) ગાનના ચાર પ્રકારમાંનો એક પ્રકાર. गाने के चार भेदों में का एक भेद. one of the four kinds of music. राय० ८५; जं० प० ५, १२१; (४) આકર્ષણ કરેલ; ખેંચેલ. आकर्षित; खींचा हुआ. attracted; drawn. नाया० १६; —कराणनास. त्रि० (-कर्णनास) જેના કાન અને નાક ઉખેડી નાખ્યા છે તે. जिसके कान और नाक उखाड डाले हों वह. (one) whose nose and ears have been rooted out (cut out). विवा० २; ६; —चरश्र. त्रि० (-चरक) રાંધવાના વાસણમાંથી ખાવાના વાસણમાં ગૃહસ્થે પોતાને ખાવા કાઢેલું હોય તેજ લેવું એવો અભિગ્રહ ધારી ગોચરી કરનાર. सिझाने के बर्तनमें से खाने के बर्तन में अपने खाने के लिये ग्रहस्थद्वारा निकालकर रखा हुआ भोजनही लेने की प्रतिज्ञा करके भिक्षा मांगने वाला. (one) who begs alms with a determination to take

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

only that food which has been served out into the dining vessel of a householder, from a cooking vessel. ओव० १९, ठा० ५, १; पगह० ३, १; —र. पुं० (–चरक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide above. ठा० ५; ओव० —**णिक्खित्तचरअ.** पुं० (–निक्षिप्तचरक–पाकभाजनादुत्क्षिप्य निक्षिप्तं तत्रवा अन्यत्र च स्थाने यश्चरतीति तथा) રાંધવાના વાસણમાંથી ખાવાના વાસણમાં કાઢેલ હોય તેને બીજા વાસણમાં નાખે તે લેનાર; અભિગ્રહધારી મુનિ. सिझाने के बरतन में से खाने के बरतनमें निकाले हुए भोजनको दूसरे बरतन में डाले फिर उस भोजनको लेना ऐसी प्रतिज्ञावाला साधु. an ascetic with a vow to take that food only which is first served out into the dining vessel from the cooking vessel and which is then again put into another vessel. ओव० —**पसिणवागरण.** न० (–प्रश्नव्याकरण—उत्क्षिप्तानिसंक्षिप्तानि प्रश्नोत्तराण्युत्क्षिप्तप्रश्नव्याकरणानि) સંક્ષિપ્ત પ્રશ્નવ્યાકરણ-સવાલ જવાબ. संक्षिप्त प्रश्नव्याकरण; संक्षेप में सवाल जवाब. a brief catechism. भग० १६, ५; —**पुव्ववसहि.** पुं० (–पूर्ववसति) આવસતિ–મકાનમાં રહો એમ કહી સાધુને પહેલ વહેલો બતાવેલ ઉતારો. साधुको, इस वसति घरमें रहो यह कहकर पहले पहल बतलाया हुआ उतरने का स्थान. a lodge first pointed out to an ascetic with the words "live in this house." आया० २, २, ३; ८७; —**बलि.** न० (–बलि) ઉપર ફેંકેલ બલિદાન; બલિદાન તરીકે ઉપર ફેંકેલ. ऊपर फेंका हुआ बलिदान; बलिदानरूप से ऊपर फेंका हुआ. an oblation thrown upwards. "अंगमंगानि सरुहिराइं चउद्दिसिं करेति" नाया० ८; —**विवेग.** पुं० (–विवेक–उत्क्षिप्तस्य शुष्कौदनादिभक्ते निक्षिप्तस्य व्रतिनामयोग्यद्रव्यस्य विवेकः पृथक्करणमुत्क्षिप्त विवेकः) ભાત વગેરેમાં પડેલ અણખપણા દ્રવ્યને જુદું કાઢી નાખવું તે. भात वगैरह में पडे हुए व्रतियोंके अयोग्य द्रव्य को पृथक कर देना. removal of impure substances mixed up with rice etc. आव० ६, ६;

उक्खित्तअ–य. त्रि० (उत्क्षिप्तक) ગીતનો એક પ્રકાર; શરૂઆતથી ચઢતે સ્વરે ગાવું તે. गीतका एक भेद; प्रारंभ मे उच्च स्वर से गाना. A pitch of music; singing with a high pitch. ठा० ४, ४; जीवा० ३, ४; राय० १३१;

उक्खित्तणाअ. न० (उत्क्षिप्तज्ञात) જેણે સસલાને ઉગારવા પગ ઉંચો રાખ્યો તે ઉત્ક્ષિપ્ત–મેઘકુમાર; તેનું દૃષ્ટાંત જેમાં આપવામાં આવ્યું છે તે અધ્યયન; જ્ઞાતાસૂત્રનું પ્રથમ અધ્યયન. खरगोश को बचाने के लिये पैर ऊंचा रखनेवाले उत्क्षिप्त मेघकुमार का दृष्टान्त जिसमें दिया गया है वह अध्याय; ज्ञातासूत्र का प्रथम अध्ययन. The first chapter of Jñātā Sūtra in which is illustrated the story of Meghakumāra who kept his leg lifted up to save a hare. नाया० सम० १९;

उक्खित्तय. न० (उत्क्षिप्तक) ગીતનો પ્રથમ પ્રકાર. गीत का प्रथम प्रकार. The first of the varieties of music. जं० प० राय० १२१;

उक्खुलंपिय. सं० कृ० श्र० (*) ખંજોળીને. खुजाकर. Scratching; rubbing with the nails of the hand, to remove an itching sensation. 'नो गाहावइ अंगुलियाए उक्खुलंपिय (उक्खलुंदिय) जाइज्जा' आया० २, १, ६. ३१;

उक्खेव. पुं० (उत्क्षेप) ઉંચે ઉપાડવું; ઉંચે ફેંકવું. ऊंचा उठाना; ऊंचा फेंकना. Lifting up; tossing up. जीवा० ३, ४; पिं० नि० २२७; (२) પ્રારમ્ભ વાક્ય. प्रारंभ का वाक्य; शुरू का वाक्य. commencing sentence or words. उवा० ३, १२६, ४, १४५; निर० ३, ३; (३) અધિકાર; અભિધેય. अधिकार; अभिधेय. subject-matter. विवा० ३; (४) पुं० ઉપોદ્‌ઘાત. उपोद्घात; प्रारंभिक वक्तव्य. introduction; preface. उवा० ३, १२६; ४, १४५;

उक्खेवअ-य. पुं० (उत्क्षेपक) પ્રસ્તાવના; ઉપોદ્ઘાત. प्रस्तावना; प्रारंभिक वक्तव्य; उपोद्घात. Introduction; preface. भग० २४, १; (२) त्रि० આલાવો; અધ્યાય. अध्याय; विभाग; परिच्छेद. a chapter. नाया० ध० ५; ६; (३) પવન નાખવાનો વાંસનો પંખો. हवा करने का बांस का पंखा. a fan. भग० ६, ३३; नाया० १; (४) त्रि० ફેંકનાર. फेंकनेवाला. one who throws or flings. भग० ६, ३३;

उक्खेवण. न० (उत्क्षेपण) ઊંચે ફેંકવું; ન્યાયદર્શન સંમત પાંચ કર્મ પૈકી પ્રથમ કર્મ-ક્રિયા. ऊंचा फेंकना; न्यायदर्शन सम्मत पांच कर्मों में से प्रथम कर्म. Throwing up; one of the five actions recognized in the Nyāya philosophy. विशे० ३४६२; ओघ० नि० २०३;

उग्ग. पुं० (उग्र) ઋષભદેવ પ્રભુએ રક્ષક તરીકે નીમેલું કુલ; ઉગ્રવંશ. ऋषभदेव भगवान्‌को रक्षक के रूपमें नियत किया हुआ कुल; उग्रवंश. The family appointed as a guardian family by lord Riṣabhadeva; the Ugra family. ओव० १३; सम० २३२; नाया० १; ५; भग० ६, ३३; पन्न० १; उवा० २, १०७; जं० प० २, ३०; (२) त्रि० ઉગ્રકુલમાં ઉત્પન્ન થયેલ. उग्रकुल में उत्पन्न. one, born in the Ugra family. प्रव० ३८६; अणुजो० १३१; उत्त० १६. ६; ओव० १३, २७; ठा० ३, १; (३) त्रि० ઉગ્ર; પ્રધાન; બહુ ભારે. उग्र; तीव्र; प्रधान; बहुत भारी. austere; chief; severe. पन्न० १; भग० १०, ४; २०, ८; नाया० ८; (४) त्रि० ઉત્કટ; આકરું, દુઃખે આચરી શકાય તેવું. उत्कट; कठिण. strong; austere; severe. उत्त० ३०, २७; सु० च० १, ३८४; नंदी० ५६; (५) त्रि० ઉદ્યમ સહિત. उद्यम सहित; उद्योग सहित. industrious; active. नाया० १९;

—**कुल.** पुं० (-कुल) ઉગ્રકુલ; જે કુલને ઋષભદેવે રક્ષક તરીકે સ્થાપ્યું તે કુલ. उग्रकुल; जिस कुल को ऋषभदेव स्वामीने रक्षक रूप से स्थापित किया वह कुल. the Ugra family appointed by Riṣabhadeva as a guar-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

dian family. आया० २, १, २, ११; कप्प० २, १७; —तव. न० (-तपस्) ઉગ્રતપ; અઠ્ઠમાદિક તપ; ઘણી કઠિણ તપશ્ચર્યા. उग्रतप; अट्ठमादिक तप; बहुत कठोर तपस्या. austere penance. ठा० ४, २; भग० १, १; उवा० १, ७६; (२) त्रि० ઉગ્રતપ કરનાર. उग्रतप करनेवाला; कठोर तप करनेवाला. (one) performing austere penance. उत्त० १२, २२; —तेय. त्रि० (-तेजस्) ઉગ્ર પ્રભાવવાળો. उग्र-तेज-प्रभाववाला powerful; (one) of powerful lustre. (२) न० તીવ્ર ઝેર. तीव्र जहर. deadly poison. 'आसीविसा उग्गतेयकप्पा" पराह० २, १; —पव्वइय. पुं० (-प्रव्रजित) ઉગ્રવંશમાં ઉત્પન્ન થઇને દિક્ષા લીધેલ. उग्रवंश में उत्पन्न होकर दिक्षा लिया हुआ. one born in the Ugra family, who has taken Dikṣā. ओव० —पुत्त. पुं० (-पुत्र) ઉગ્રવંશમાં ઉત્પન્ન થયેલ પુત્ર-કુમાર. उग्रवंश में उत्पन्न पुत्र-कुमार. a male member (a son) of the Ugra family. ओव० २७; दसा० १०, ३; राय० २१८; —विस. न० (-विष) ઉત્કટ વિષ. प्रधान विष; तीव्र विष. deadly poison. भग० १५, १; नाया० ६; (२) આકરા વિષવાળો સર્પ. बहुत तीव्र विषवाला सर्प. a serpent with deadly poison. उवा० २, १०७; —विहार. पुं० (-विहार) ઉગ્ર વિહાર. उग्र विहार; कठिण विहार. साधु का एक ग्राम से अन्य ग्रम जाना. austere wandering from place to place e g. on the part of a monk. भग० १०, ४; —विहारि. त्रि० (विहारिन्) ઊંચીરીતે સંયમ પાલનાર. उच्च रीति से संयम पालन करनेवाला साधु. (one) who strictly observes ascetic rules. भग० १०, ४;

उग्गम. पुं० (उद्गम) સાધુને અર્થે આહારાદિ નિપજાવતાં ગૃહસ્થથી આધાકર્માદિ લાગતા ૧૬ દોષ, ૧ આહાકમ્મ; ૨ ઉદ્દેસીય, ૩ પૂઇકમ્મ, ૪ મીસજાયએ, ૫ ઠવણા, ૬ પાહુડીયા, ૭ પાઉયર, ૮ કીય, ૯ પામિચ્ચ, ૧૦ પરીયટ્ટિ, ૧૧ ઉબ્ભિન્ને, ૧૨ અભિહડે, ૧૩ માલોહડે, ૧૪ અચ્છિજ્જે, ૧૫ અજ્ઝોયરે, ૧૬ અણીસિટ્ઠે, એ સોળમાંનો ગમે તે એક. साधु के लिये आहारादि बनाने में गृहस्थ को लगनेवाले आधाकर्मादि १६ दोष; १ आहाकम्म. २ उद्देसिय. ३ पूइकम्म. ४ मीसजायए. ५ ठवणा ६ पाहुडिया. ७ पाउयर. ८ कीय. ९ पामिच्च. १० परियट्टि, ११ उब्भिन्ने १२ अभिहडे १३ मालोहडे १४ अच्छिज्जे १५ अज्झोयरे १६ अणिसिट्ठे, इन सोलह दोषोंमें से कोई भी एक. Any of the 16 faults connected with the preparation of food by a house-holder for an ascetic; they are:—(1) Āhākamma (2) Uddesiya (3) Pūikamma (4) Misajāyae (5) Thavaṇā etc. (vide Guj. explanation) पराह० २, १; दस० ५, १, ५६; ठा० ३, ४; उत्त० २४, १२; सम० प० १६८; पिं० नि० १, ३०; सू० प० २; भग० ७, १; प्रव० ५७१; —उवघाय. पुं० (-उपघात) આધાકર્મ આદિ ઉદ્ગમન દોષથી ચારિત્રની વિરાધના કરવી તે. आधा कर्मन् आदि उद्गमन दोष से चारित्र की विराधना करना. damaging one's right conduct by an Udgamana fault e. g. by tak-

ing Ādhākarma food etc. ठा० ३; १०; —कोटि. स्त्री० (-कोटि) ઉદ્ગમ પક્ષ; આધાકર્મ અને ઉદ્દેશિકના ત્રણ ત્રણ ભેદ-એકંદર છ ભેદ ઉદ્ગમ કોટી તરીકે ગણેલ છે. उद्गम पक्ष; आधाकर्म और उद्दोशिक के तीन तीन भेद जुमला छः भेद उद्गम कोटि के रूप में गिने गये हैं. a group containing six varieties of faults viz three of Ādhākarma and three of Uddeśika. पिं० नि० ४०१; —दोस. पुं० (-दोष) १६ ઉદ્ગમન દોષ; જુઓ "उग्गम" શબ્દ. १६ उद्गम दोष; देखो "उग्गम" शब्द. any of the 16 Udgamana faults; vide "उग्गम." "सोलस उग्गम दोसे गिहिणो सुमुट्ठिए" पिं० नि० ४०१; पंचा० १३, २; —विसोहि. स्त्री० (-विशोधि) ૧૬ ઉદ્ગમનના દોષનો અભાવ. १६ प्रकार के दोषों का अभाव. absence of, freedom, from the 16 Udgamana faults. ठा० ५, २;

उग्गमण. न० (उद्गमन) ઉગવું તે; સૂર્યનો ઉદય. ऊगना; उदय होना; सूर्य का उदय. Rising up; rising; e. g. of the sun. जं० प० ७, १३६; —मुहुत्त. न० (-मुहूर्त) સૂર્યોદય થવાનું મુહૂર્ત. सूर्योदय होने का मुहूर्त. time of sunrise. भग० ८, ८;

उग्गय-अ. त्रि० (उद्गत) બહાર નીકળતો ભાગ. बाहिर निकलता हुआ भाग. (A portion) jutting out. नया० १; राय० (२) ઉત્પન્ન થયેલ. उत्पन्न; पैदा हो चुका हुआ. born; produced. अणुजो० १२८; पण्ह० १, ४; विशे० १०६६; आव० ६१; प्रव० ५६६; कप्प० ४, ६३; (३) ઉગેલ; ઉદય પામેલ. ऊगा हुआ; उदय प्राप्त. risen; come out. भग० ७, १; नाया० १; ओघ० नि० १७५; जीवा० ३, ३; —वित्तिअ. त्रि० (-वृत्तिक-उद्गते आदित्ये वृत्तिर्जीवनोपायो यस्यासौ) દિવસ ઉગ્યા પછી જેને વૃત્તિ-ખોરાક મેલવવાનું છે તે. दिन उदय होने के पीछे जिसे आहार लाना हो वह. (one) who has to acquire his food after sunrise. "भिक्खूय उग्गय वित्तिए अणत्थमिय" वेय० ५, ५;

उग्गवई-ती. स्त्री० (उग्रवती) પડવો, છઠ્ઠ અને અગ્યારસ એ રાત્રિની ત્રણ તિથિનું નામ. प्रतिपदा, छठ और ग्यारस की रात्रि. The nights of the 1st, 6th and 11th days of a fortnight. जं० प० ७, १५२; सू० प० १०;

उग्गसेण. पुं० (उग्रसेन) કંસના પિતા ઉગ્રસેન રાજા; કૃષ્ણ વાસુદેવના તાબાના સોળ હજાર રાજાઓમાં અગ્રેસર. उग्रसेन राजा; कृष्ण के अधीनस्थ सोलह हजार राजाओं में मुख्य राजा; कंस का पिता. King Ugrasena, father of Kaṃsa and the foremost of the 16000 kings under the suzerainty of Kriṣṇa Vāsudeva. अंत० १, १; नाया० ५, १६; निर० ५, १;

उग्गह. पुं० (अवग्रह) મન અને ઇન્દ્રિયોની સાથે વસ્તુનો સમ્બન્ધ થતાં પ્રથમ સામાન્ય બોધ થાય તે; મતિજ્ઞાનના ચાર પ્રકારમાંનો પહેલો પ્રકાર. मन और इन्द्रियों के साथ वस्तु का सम्बन्ध होने पर पहिले पहल जो सामान्य ज्ञान हो वह; मतिज्ञान के चार भेदों में का एक भेद. General knowledge derived from the first perception of an object; the first of the 4 varieties of Matijñāna

or sensitive perception. विशे० १७८; भग० ८, २; १२, ५; १७, २०; नंदी० २६; कप्प० ६, ६; (२) ઉપકાર; આશ્રય. उपकार; आश्रय. favour; support. भग० १७, १; (३) આજ્ઞા; રજા; સંમતિ. हुक्म, आज्ञा; राय; सम्मति. order; permission; assent. वव० ४, २२; २३; ७, १७; दसा० १०, १; ओव० १२; वेय० १, ३७; राय० २७; २१६; पगह० २, ३; नाया० १; २; १६; दस० ५, १, १९; भग० २, ५; ६, ३३; १५, १; १६, १; आया० २, १, ५, २८; २, ७, २, १६२; कप्प० १, ८; (४) અભિગ્રહ; નિયમ. अभिग्रह; नियम; प्रतिज्ञा. a vow; a rule of conduct. अंत० ६, ३; (५) પરિગ્રહ. परिग्रह. worldly possessions. सूय० १, ६, १०; दस० ६, १४; उत्त० ३१; ६; (६) આવાસ; નિવાસ સ્થાન. आवास; निवासस्थान. an adode; a residence. निर० १, १; (७) અન્તર; આંતરૂ. अन्तर. interval; anything that intervenes or forms an interval. "उक्किट्ठ सट्ठिहत्थुग्गहं" प्रव० ७७; —**अणुणवणा.** स्त्री० (-अनुज्ञापना) અવગ્રહ-ઉપાશ્રયની રજા. अवग्रह-उपाश्रय की आज्ञा, अथवा मंजूरी. permission to have an abode in monastery. सम० २५; —**पडिमा.** स्त्री० (-प्रतिमा अवग्रहात इत्यवग्रहोवसतिस्तत्प्रतिमा अभिग्रहः अवग्रहप्रतिमा) નિવાસ કરવામાં નિયમ અભિગ્રહ ધારવો તે. ઉપાશ્રયની પ્રતિમા–અભિગ્રહ. निवास करने में नियम का धारण करना; उपाश्रय की प्रतिमा–अभिग्रह. a vow in connection with abode in a particular place; e. g. in a monastery. "जावोग्गहपडिमा पढमा" आया०नि०२, १, १, १६; ठा० ७, १; पिं० नि० ६१; —**प्पवेस.** पुं० (-प्रवेश) મકાનમાં પ્રવેશ કરવો તે. मकान में प्रवेश. entering a house etc; पंचा० १२, २२; —**मइ.** स्त्री० (-मति) ઇંદ્રિય અને અર્થનો સમ્બન્ધ થાય તે; મતિજ્ઞાનનો એક ભેદ. इन्द्रिय और अर्थ का संबंध होना; मतिज्ञान का एक भेद. contact of an object with a sense of perception; a variety of Matijñāna ठा० ४, ४; ६, १; —**मइसंपया.** स्त्री० (-मतिसम्पद्) મતિસંપદાનો એક પ્રકાર; સામાન્યપણે વસ્તુનું ગ્રહણ કરવું તે. मतिज्ञान रूप संपदा का एक भेद; सामान्य रूप से वस्तु का ग्रहण करना. a variety of the power of perception; general knowledge of a thing through perception. दसा० ४, २५;

उग्गहण. न० (अवग्रहण) સામાન્ય અંશનું ગ્રહણ કરવું-વિચારવું. सामान्य अंश का ग्रहण करना विचारना. General perception; perception of broad outlines. विशे० १७६; (२) સ્થાનની આજ્ઞા. स्थान की आज्ञा. permission to lodge. आया० १, २, ५, ८६;

उग्गहणंतग. न० (अवग्रहानन्तक) નાવાને આકારે સાધ્વીનું એક વસ્ત્ર કે જેનો ગુહ્ય પ્રદેશ ઢાંકવામાં ઉપયોગ થાયછે; સાધ્વીના ૨૫ ઉપકરણમાંનું એક. साध्वी के गुह्याङ्ग ढकने का एक वस्त्र; २५ उपकरणों में का एक उपकरण. One of the 25 articles of use for a nun; viz a boat-shaped lower garment put on to protect the private parts.

प्रव० ५३६; ओघ० नि० भा० ३१३; वेय० ३, ११; —पट्टय. न० (-पट्टक) સાધ્વીનું એક ઉપગરણ. साध्वी का एक उपकरण. one of the articles used by a nun. वेय० ३, ११;

उग्गहिय. न० (अवग्रहिक) પાઢીઆરા ઉપગરણ; અમુક વખત સુધી વાપરીને પાછા ધણી ને સોંપવા યોગ્ય ઉપગરણ. अमुक समय तक काम में लेकर-पीछे उसके मालिक को सोंप देने योग्य उपकरण. An article of use (for a monk) to be used for a time and then to be returned to its owner. ठा० १०;

उग्गहिय. त्रि० (अवगृहीत) પીરસવામાટે ઉપાડેલું. परोसने के लिये उठाया हुआ. Taken up to be served as food ठा० १०;

उग्गहिया. स्त्री० (अवगृहीता) ગૃહસ્થને થાળી વગેરેમાં પીરસેલું ભોજન સાધુએ યત્નાપૂર્વક લેવું તે; પિન્ડૈષણાનો પાંચમો પ્રકાર. गृहस्थ द्वारा थाली वगैरह में परोसा हुआ भोजन साधुको यत्नाचारपूर्वक ग्रहण करना; पिंडैषणा का पांचवाँ भेद. Careful taking up (by a Sādhu) of food served to a householder in a utensil; the 5th mode of begging food. ठा० ७; प्रव० ७४४;

उग्गाइय. सं० कृ० (उद्गाय) ગાન કરીને. गाता हुआ. Singing; having sung. ओघ० नि० ६६;

उग्गाल. पुं० (उद्गार) ઓડકારની સાથે અનાજ કે પાણી પેટમાંથી મોઢામાં આવે તે डकार के साथ अन्न या पानी का पेट में से मुंह में आना. Coming up of water or food into the mouth along with eructation वेय० ५, १०;

उग्गाहणा. स्त्री० (अवगाहना) શરીરની ઉંચાઈ. शरीरकी ऊंचाई. The height of the body. भग० १६, ३; २२, ६;

उग्गाहिम. त्रि० (अवगाह्य) ઘી આદિમાં તલેલી વસ્તુ. घी वगैरह में तली हुई वस्तु. Food fried in ghee etc. पराह० २, ५;

उग्गाहिय-अ. त्रि० (उद्ग्राहित) હાથમાં લીધેલ; ઉપાડેલ. हाथ में लिया हुआ; उठाया हुआ. Taken up; lifted up. ओघ० नि० १६७;

उग्गाहियव्व. त्रि० (उद्ग्राहितव्य) તપાસ કરવી. तपास करना; जांच करना. Examining; inquiring. वव० २, २२;

उग्गिरण. त्रि० (उद्गीर्ण) ઓકેલ; વમેલ. वमन किया हुआ. Vomited. नाया० १;

उग्गिलित्ता. सं० कृ० अ० (उद्गीर्य) ઓગાળીને. उगाल कर. Having brought (food already eaten) again from stomach into the mouth; e. g. like cows etc. वेय० ५, १०;

उग्गोवणा. स्त्री० (उद्गोपना) શોધવું; એષણા કરવી. शोधना; खोजना; एषणा करना. To search; being in search of. पिं० नि० ७३;

उग्गोविय. त्रि० (उद्गोपित) મુંઝાઇ ગયેલ સૂત્રને ઉકેલેલ; ગુંચ કાઢેલ. अस्पष्ट या कठिन सूत्र का संशोधन किया हुआ. Deciphered; e. g a difficult Sūtra. भग० १६, ६;

उग्घाइअ-य. त्रि० (उद्घातित) લઘુ પ્રાયશ્ચિત. छोटा प्रायश्चित्त. Minor expiation. ठा० ५; निसी० १०, १२; वेय० ४,

११; १२; (२) नाश पामेल. नाश पाया हुआ; नष्ट. destroyed; ruined. ठा० १०; —संकप्प. पुं० (-संकल्प) लघु प्रायश्चितनो विचार. लघुप्रायश्चित्त का विचार. thought about minor expiation. निसी० १०, २६;

उग्घाइम. न० (उद्घातिम-उद्घातोभाग पातस्तेन निर्वृत्तमुग्घातिमम्) लघु प्रायश्चित्त. लघु प्रायश्चित्त. Minor expiation. ठा० ३;

उग्घाड. त्रि० (उद्घाट) थोडुं ढांकेलुं-वासेलुं; थोडुं खुलुं; भोगळ न दीधेल. कुछ ढंका हुआ और कुछ खुला हुआ. Partially closed; not bolted. आव० ४, ५; —कवाड. त्रि० (-कपाट) अर्धुं दीधेल कमाड. आधा बन्द किवाड. a partially closed door; a door not bolted ओव० आव० ४, ५; —कवाडउग्घाडणा. स्त्री० (-कपाटोद्घाटना) अध उघाडुं कमाड पुरुं उघाडवुं ते; साधुनो गोचरीनो एक अतिचार. आधा खुला हुआ किवाड पूरा उघाडना; साधु का गोचरी का एक अतिचार. opening a partially closed door; a fault in alms-begging by a Sādhu. "पडिक्कमामि गोयरग्ग चरियाए उग्घाडकवाडउग्घाडणाए" आव० ४, ५;

उग्घाडण. न० (उद्घाटन) उघाडवुं, खोलवुं. उघाडना; खोलना. Opening; opening a door. पिं० नि० ४०७; ओघ० नि० ४७६; आव० ४, ५;

उग्घाडपोरिसी. स्त्री० (उद्घाटपौरुषी) पहोरनो पाछलो भाग; पोणो पहोर. प्रहर का पिछला हिस्सा. The latter part of a Prahara (a period of time equal to about three hours;) three-fourth of a Prahara. प्रव० ५४८;

उग्घाडिअ-य. त्रि० (उद्घाटित) उघाडेल; खुल्लुं करेल. उघाड़ा हुआ. खोला हुआ. Opened. नंदी० ४२; पिं० नि० ३५२; क० प० ५, ६४;

उग्घाडियण्ण. त्रि० (उद्घाटितज्ञ-उद्घाटितं प्रकाशितं जानातीति) कहेल मात्र जाणनार. केवल कहे हुए को ही जानने वाला. (One) who knows anything exactly as it is explained or said to him. नंदी०

उग्घाय. पुं० (उद्घात) लघु प्रायश्चित्त. लघु प्रायश्चित्त. Minor expiation ठा० ३;

उग्घायण. न० (उद्घातन) क्षय-नाश करवो. क्षय करना; नाश करना; Destruction. आया० १, २, ६, १०२;

उग्घुट्ट. त्रि० (उद्घुष्ट) घोषणा करेल. घोषित; घोषणा की गई हो वह. Proclaimed. सु० च० २, ४०१;

उग्घोसणा. स्त्री० (उद्घोषणा) उद्घोषणा-ढंढेरो. उद्घोषणा; प्रसिद्धि. Proclamation; declaration. नाया० ५; १५;

उग्घोसिय. त्रि० (उद्घुष्ट) घसेल; मांजेल. घिसा हुआ; मांजा हुआ. Rubbed; cleansed. "उग्घोसियसुणिम्मलंव आयंसमंडलतलं" पराह० २, ४;

उचिअ-य. त्रि० (उचित) योग्य; लायक. योग्य; उचित; लायक. Fit; proper; suitable. नाया० १; राय० ४४; पिं० नि० ६४१; कप्प० ४, ६२; (२) जोडेल; मळेल. जोड़ा हुआ; मिला हुआ. united; joined. पंचा० १, ४३; —अणुट्ठाण. न० (-अनुष्ठान) उचित-योग्य अनुष्ठान. उचित अनुष्ठान; योग्य कार्य. proper

performance. "उचित अणुट्ठाणाओ विचित्त जइ जोगतुल्ला मोएसं" पंचा० ६,१६; —करणिज्ज. त्रि० (-करणीय) યોગ્ય કર્તવ્યવાળો. योग्य कर्तव्य वाला. acting properly. पंचा० १, ४३; —जाग. पुं० (-योग—उचितः स्वभूमिकायोग्यो योगो व्यापारः) પોતાની ભૂમિકાને યોગ્ય વ્યાપાર. अपनी भूमिका के योग्य व्यापार. action proper or appropriate to the status one occupies. पंचा० ५, ४४; —ट्ठिइ. स्त्री० (-स्थिति) ઉચિત-યોગ્ય સ્થિતિ योग्य स्थिति. proper condition. पंचा० ३, ४;

उचिश्र (य) त्त. न० (उचितत्व) યોગ્યતા; લાયકાત. योग्यता; लयाकत. Propriety; fitness. पंचा० ६, ५०;

उच्च. त्रि० (उच्च) ઉચ્ચ; ઉત્તમ; પૂજ્ય. उच्च; उत्तम; श्रेष्ठ; पूजनीय. High; excellent; noble. "उच्चावयाहिं सिज्जाहिं उत्त० २, २२; भग० २, ५; ३, १; (२) ઉંચા શરીર તથા ઉંચા કુલ વાળો. ऊंचे शरीर तथा उच्च कुल वाला. possessed of a noble body and born in a noble family. नाया० १६; ठा० ४, ३; (३) નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેથી ઉચ્ચ ગોત્ર પ્રાપ્ત થાય. उच्च गोत्र प्राप्त कराने वाली नामकर्म की एक प्रकृति. name of a variety of Nāmakarma by the rise of which a man is born in a high family. क० गं० १, ३०—५२; ५, ३०; —आसण. न० (-आसन) ઉંચું આસન. उच्च आसन. a high seat. सम० ३३; दसा० ३, ३४; —गोय. न० (-गोत्र) ઉંચ ગોત્ર નામે ગોત્રકર્મની શુભ પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ ઉંચ ગોત્ર પામે. उच्च गोत्र नामक गोत्र कर्म का एक प्रकृति कि जिसके उदय से जीव उच्च गोत्र पाता है. a variety of Gotra-karma by which a soul is born in a noble family. उत्त० ३३, १४; —ट्ठाण. न० (-स्थान) ઉંચ સ્થાન. ऊंचा स्थान. high place; high position. "उच्चट्ठाणगएसुगाह" नाया० ८;—फल. त्रि० (-फल) લાંબા વખત સુધિ જેનું ફલ રહે છે તે; ચિરકાલનો ઉપકારિ. लंबे समय तक जिसका फल रहता है वह; चिरकाल का उपकारी. having or bearing lasting good fruit. "उच्च फलो अह खुड्डो सउणित्थो" वव० १, ३; —सद्द. पुं० (-शब्द) મ્હોટો શબ્દ. बड़ा शब्द; उच्च शब्द. loud sound. वव० २, ७;

उच्चंत. पुं० (*) દાંતનો રંગ; દંતરાગ. दांत का रंग. Colour of the teeth; tooth colour. राय० ५०;

उच्चंतग. पुं० (*) દન્તનો રંગ; દન્તરાગ. दांत का रंग. Colour of the teeth; tooth-colour. जीवा० ३, ४;

उच्चंतय. पुं० (उच्चन्तक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. राय० पत्र० १७;

उच्चंपिय त्रि० (*) જોરથી હલ્લો કરેલ. जोर से किया हुआ हल्ला. Violently attacked. "सीसं उच्चंपियं कवं धम्मिय" तंडु०

उच्चत्त. न० (उच्चत्व) ઉંચપણું. उच्चता;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

बड़प्पन. Nobility. सम० ७; नाया० ८; जीवा० ३, ४; भग० २, ८; ६, ७; ८, ८; ११, ६; १४; ६, ३५, १; ४०, १५; (२) ઊંચાઈ; કદ; જમીનના તળિયાથી ઊંચાઈ. ऊंचाई; कद; जमीन के तल से ऊंचाई. height. प्रव० ४१२; ठा० १, १; २, ३; जं० प० १, ४; २, २६; सम० ७; सू० प० १; (३) ઉચકો; બદલાની અમુક વસ્તુ. बदलेकी वस्तु, a certain thing as reward. ठा० ४, १; —भयश्र. पुं० (-भृतक) ઉચકો આપી કામ કરાવી એ તે સેવક. मजदूरी देकर जिससे काम कराया जाय वह सेवक. a servant made to work by paying some reward. ठा० ४, १;

उच्चत्तरिया. स्त्री० (उच्चतरिका) અઢાર લિપિમાંની એક. अठारह लिपिओं में की एक लिपि. One of the 18 scripts. सम० १८;

उच्चता. स्त्री० (*) મફત; કંઇ બદલો લેવાની ઇચ્છા ન કરવી તે. मुफत; कुछ भी इच्छा रखे बिना. Gartis; without desire of any reward or gain. "तच्चताए दायं दुल्लभ" पिं० नि० ३२२:

उच्चत्थवणश्र. पुं० (उच्चस्थापनक) ઊંચા મોઢાનું ભાજન વિશેષ; ચંબુ. ऊंचे मुंह का बरतन. A vessel (e. g. a pot) with a long neck; a pitcher with a long neck. अणुत्त० ३, १:

उच्चय. पुं० (उच्चय) ઊંચો ઢગલો. ऊंचा ढेर. A large heap; a high pile. अंत० ६, ३; कप्प० १, ४; —बंध. पुं० (-बन्ध—ऊर्ध्वं चयनं राशीकरणं तद्रूपोबन्ध उच्चयबन्धः) ઉપરા ઉપરી મુકી ઢગલો કરવો તે; રૂપ બંધ. एक के ऊपर एक रखकर ढेर करना. heaping together one upon another भग० ८, ६;

उच्चयर त्रि० (उच्चतर) વધારે ઊંચું. बहुत ऊंचा. Higher; more high. भग० ३, १;

उच्चरण. न० (उच्चरण) અક્ષરાદિનો ઉચ્ચાર કરવો. अक्षरादि का उच्चारण करना. Pronunciation; act of pronouncing words etc. गच्छा० ८२;

उच्चाश्र. त्रि० (*) થાકી ગયેલ. थका हुआ. Tired; fatigued. ओघ० नि० ५१८;

उच्चाकुया. स्त्री० (उच्चाकुचा—उच्चा चासा वकुचा-परिस्पन्द रहिताचोच्चाकुचा) જમીનથી ઉંચી અને હાલે ચાલે નહી તેવી શય્યા. जमीन से ऊंची और न हिलने वाली शय्या. A raised, high, bed which does not shake कप्प० ६, ५४;

उच्चाकुइया. स्त्री० (उच्चाकुजिका) જમીનથી ઉંચી અને ડગમગતી શબ્દ ન કરે તેવી શય્યા વગેરે. जमीनसे ऊंची किन्तु न हिल सके ऐसी शय्या. A raised bed which does not shake. कप्प० ६, ५४;

उच्चागय. त्रि० (उच्चागज-उच्चो योऽगः पर्वतो हिमवान् तत्र जातं उच्चागजम्) હિમાચલમાં ઉદ્ભવેલ-ઉત્પન્ન થયેલ. हिमालय में उत्पन्न. Born, produced on the Himalaya mountain. कप्प० ३, ३६;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उच्चागोअ-य. न० (उच्चगोत्र) ઉંચું ગોત્ર; ગોત્ર કર્મની ઉચ્ચ પ્રકૃતિ. उच्च गोत्र; गोत्र-कर्म की उच्च प्रकृति. Noble family; a kind of Gotra Karma which causes birth in a noble family "से असइं उच्चागोए असइं नीआगोए" आया० १, २, ३, ७७; ठा० २, ४; अणुजो० १२७; सम० १७; क० प० ७, ४३; प्रव० १२६७; **—कम्म.** न० (-कर्मन्) ઉચ્ચ ગોત્ર કર્મ; ગોત્ર કર્મની એક પ્રકૃતિ. उच्च गोत्र कर्म; गोत्र कर्म की एक प्रकृति. a variety of Gotra Karma giving birth in a high family. भग० ८, ९; **—णिबंध.** पुं० (-निबन्ध) ઉચ્ચ ગોત્ર કર્મ બાંધવું તે. उच्च गोत्र कर्म बांधना. performing the nobler kinds of Karma which determine birth in a high or noble family. "उच्चागोयणिबंधो सासण वमणो य लोगंमि" पंचा० १२, ७;

उच्चागोत्त. न० (उच्चगोत्र) જુઓ "उच्चागोअ" શબ્દ. देखो "उच्चागोअ" शब्द. Vide 'उच्चागोअ' उत्त० ३, १, ८;

उच्चानागरी. स्त्री० (उच्चानागरी) એ નામની કોડિયગણથી નીકળેલી શાખા; આર્ય સંતિસેણિકની શાખા. कोडिय गणसे निकली हुई शाखा का नाम. Name of a family off-shoot derived from Koḍiya Gaṇa; the off shoot of Ārya Santiseṇika. कप्प० ८;

उच्चार. पुं० (उच्चार) વડી નીત; ઝાડો; વિષ્ટા. विष्टा-मल; टट्टी, Excrements. पिं० नि० भा० १५; पिं० नि० १९७; ५३६; वेय० १, ४८; ओव० उत्त० २४, १५; सूय० १, ६, १९; सम० ५; आया० २, १, १, २, ६; नाया० १; २; ५; पण्ह० १; दस० ८, १८; भग० १, ७; २, २; ६, ३३, १२, ७; २०; २; प्रव० ४३८; (२) વડી નીત કરવી; મલત્યાગ કરવો. शौच जाना; मल त्याग करना. answering the call of nature; getting rid of fæces. "सेमि० उच्चार पासवण किरियाए" आया० २, १०, १६५; (३) ઉપયોગ અને યત્નાપૂર્વક પરઠવવું; પાંચમી પરિઠાવણિયા સમિતિ. उपयोग और यत्नापूर्वक वस्तुओं का निक्षेप -त्याग करना; पांचवीं परिठावणिया समिति. getting rid of, laying down, excreta etc. carefully. उत्त० २४, २; **—करण.** न० (-करण) દિશાએ જવું. मलमूत्रका त्याग करना. easing oneself; answering a call of nature. प्रव० २४; **—णिरोह.** पुं० (-निरोध) ઝાડાનો નિરોધ અટકાવ કરવો તે. मल निरोध; दस्त रोकना. stopping, checking, of stools. "उच्चारणिरोहेणं पासवणणिरोहेणं" ठा. ६, १; **—पडिक्कमण.** न० (-प्रतिक्रमण) ઉચ્ચાર-વિષ્ટા પરઠવીને ઈરિયા વહિયા પડિકમવી તે. मल त्याग करके इरिया वहिया रूप प्रतिक्रमण करना. performing Iriyā Vahiyā Pratikramaṇa (thinking over sins committed in walking) after answering a call of nature. ठा० ६; **—पासवण.** न० (-प्रस्रवण) ઝાડો અને પેશાબ. मल मूत्र. fæces or solid excrements and urine. दसा० ७, १; निसी० ४, ६१; (२) આચારંગના બીજા શ્રુતસ્કન્ધના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ. आचारांग के दूसरे श्रुतस्कंधके तीसरे अध्यायका नाम. name of the third chapter of the second Śrutaskandha of

Achārānga. आया० २, २, ३, १०६; —पासवण भूमि. स्त्री० (-प्रस्रवणभूमि) ઝાડો અને પેશાબ પરઠવવાની જગ્યા. मल मूत्र त्यागने की जगह. a place for getting rid of solid excrements and urine. नाया० १; भग० २, १; —भूमि. स्त्री० (-भूमि) જંગલ જવાની જગ્યા. शौच जाने का स्थान. a place for answering a call of nature. दस० ८, १७; —मत्तअ. पुं० (-अमत्रक) સ્થંડિલ જવાને માટે ભાજન पेशाब करनेका पात्र. a vessel in which urine, solid excrements etc. are got rid of. कप्प० ६, ५६;

उच्चारण. पुं० (उच्चारण) બોલવું તે. बोलना. Utterance; speaking. पन्न० ३६; पंचा० ६, ३८;

उच्चारत्त. न० (उच्चारत्व) વિષ્ટાપણું. विष्टापन; मलत्व. State of solid excrements. भग० ३०, ४;

उच्चार पासवण खेलजल्ल सिंघाण पारिट्ठावणिया समिय. त्रि० (उच्चार प्रस्रवणखेलमलसिंघानपरिस्थापनिका समित) ઝાડો, પેશાબ, બળખો, મેલ, નાકનો મેલ, એટલી વસ્તુઓ પરઠવવામાં સમિતિ-યત્નાવાલો. मल, मूत्र कफ, मैल; नाक का मैल, इन को यत्नाचार पूर्वक डालने वाला. (One) careful in laying down or throwing out solid excrements, urine, spittle, bodily dirt & snot. नाया० ५; दसा० ५. ११;

उच्चारिय. त्रि० (उच्चारित) ઉચ્ચારેલ; ઉચ્ચાર કરેલ. कहा हुआ; उचार किया हुआ. Said; uttered. पन्न० १७; सु० च० १, ३६३; विं० नि० ६७;

उच्चारियव्व. त्रि० (उच्चारितव्य) ઉચ્ચાર કરવા યોગ્ય. उच्चार करने योग्य. Worth saying or uttering. भग० ६, ३; १६, ४;

उच्चारेयव्व. त्रि० (उच्चारितव्य) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. भग० १, ४; ५, १; ६; २, ५; जं० प० ७, १६२;

उच्चालइअ. त्रि० (उच्चालयिक) દૂર કરનાર; ખસેડનાર. दूर करने वाला. घसाटने वाला. (One) who removes or causes to move. " जंघाणिज्जा उच्चालइअं जाणिज्जा दूरालइयं " आया० १, ३, ३, ११८;

उच्चालिय. त्रि० (उच्चालित) ઉંચું કરેલું; ઉપાડેલું. ऊंचा किया हुआ; उठाया हुआ. Lifted up; raised up. " उच्चालिय म्मिपाए इरिया समियस्स संकमट्ठाए " ओघ० नि० ७४८;

उच्चावअ-य. त्रि० (उच्चावच-उद्कचावाक् उच्चावचं) ઉંચ-નીચ; ઉત્તમાધમ; અનેક પ્રકારનું. ऊंच नीच; उत्तम अधम; अनेक प्रकार का. Of various kinds; high and low. सूय० १, १, १, २७; उत्त० २, २२; नाया० १; १६; १८; भग० ७, ६; १५, १; ओव० ४०; पन्न० ३४; राय० २६६; दसा० १; ३; (२) અનુકૂલ પ્રતિકૂલ. अनुकूल प्रतिकूल. favourable as well as adverse. भग० १, ६;

उच्चावय. त्रि० (उच्चव्रत--उच्चानि महान्ति व्रतानि येषां ते) મહાવ્રત ધારી; ઉંચા વ્રતવાળો. महा व्रत धारन करने वाला; ऊंचे व्रतवाला. (One) observing high or full vows. " उच्चावयाइं मुणियो चरंति " उत्त० १२, १५;

उच्चावइत्ता. सं० कृ० अ० (उच्चैःकृत्वा) ઉંચું કરીને. ऊंचा करके. Having lifted up. पन्न० १७;

उच्चविय. सं० कृ० अ० (उच्चैःकृत्वा) ઉંચું કરીને ऊंचा करके. Having lifted or raised up. पन्न० १७;

उच्चिइअ. त्रि० (उच्चैस्क) ઉંચું. ऊंचा. High; elevated. जीवा० ३, ३;

उच्चूल. न० (उच्चूल = ऊर्ध्वं चूला यथा स्या तथा उच्चूलम्) ઉંચી ચોટલી થાય તેવી રીતે ઉંચું કરેલ માથું. जिस तरह से चोटी ऊंची हो उस तरह से औंधा-नीचा किया हुआ माथा. (Head) topsy-turvied so that the tuft of hair becomes erect. विवा० ६;

उच्चूल. पुं० (अवचूल) હાથીના ગળાની બે બાજુએ ઝુમણા જેવું લટકતું ઝુમકું. हाथी के गले के दोनों ओर झूमके के समान लटकता हुआ झूमका. An ornamental pendant (of the shape of a flower) on both the sides of the neck of an elephant. ओव० ३०,

उच्चूलग. पुं० (अवचूलक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. ओव० ३१;

उच्चोदअ. पुं० (उच्चोदक) બ્રહ્મદત્ત ચક્રવર્તિના એક મહેલનું નામ. ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती के एक महल का नाम. Name of a palace of the Chakravarti Brahmadatta. उत्त० १३, १३;

उच्छंग. पुं० (उत्संग) ગોદ; ખોળો. गोदी. A lap अंत० ३, ८; ओव० ३१; सु० च० २, २४४; नाया० २; १६; विवा० ७; प्रव० १६०;

उच्छण्ण त्रि० (उच्छन्न) ઢાંકેલ ढांका हुआ Covered; hidden. ओव० पन्न० २३; जं० प० २, १६;

उच्छत्त. न० (अपच्छत्र-अपशब्दं विरूपं छत्रं स्वदोषाणां परगुणानांचावरणमपच्छत्रम्) પોતાના દોષ અને બીજાના ગુણોને છુપાવવા તે; અસત્યનો એક પ્રકાર. अपने दोष और दूसरे के गुण को छुपाना. Hiding one's own demerits as well as another's merits. पण्ह० १, २;

उच्छुद्ध. त्रि० (उत्स्तब्ध) અંદર ઉંડે ઉતરેલ. अंदर उतरा हुआ; उंडे मे उतरा हुआ. Gone deep into the interior. अणुत्त० ३, १;

उच्छुण्ण. त्रि० (उच्छन्न) જુઓ ' उच्छण्ण ' શબ્દ. देखो ' उच्छण्ण ' शब्द. Vide ' उच्छण्ण ' जं० प०

उच्छरंत. त्रि० (उत्स्तृणवत्) આચ્છાદન કરતું; ઢાંકતું आच्छादन करता हुआ; ढंकता हुआ. Covering. " चक्खुपहमुच्छरन्त-कच्छइ गंभीर .. " पण्ह० १, ३;

उच्छलणा स्त्री० (उच्छलना) ઉચ્છળવું તે. उछलना. Leaping up; throwing up. पण्ह० १, ३;

उच्छलिय. त्रि. (उच्छलित) ઉચ્છળેલ. उछला हुआ. (One) that has leapt up. पण्ह० १, ३;

उच्छव. पु० (उत्सव) ઇંદ્રોત્સવાદિ; મહોત્સવ इन्द्रोत्सवादि; महोत्सव; बड़ा जल्सा. A festival; e. g. one in honour of Indra. नाया० १; भग० ६, ३३;

उच्छहंत. त्रि० (उत्सहत्) ઉત્સાહ રાખતો. उत्साहवाला. Ardent; zealous; enthusiastic. " अओमया उच्छहया नरेणं " दस० ९, ३, ६.

उच्छाइय. त्रि० (अवच्छादित) આચ્છાદન

करेल; ढांकेल. ढांका हुवा. Covered; hidden. नाया० १;

उच्छादणया. स्त्री० (उच्छादन) उच्छेदन करवुं ते. उच्छेदन करना; उखाडना. Rooting out; cutting out. " अंगाणं संभुतराणं घाताए वाहाए उच्छदणयाए " भग० १५, १;

उच्छाय. पुं० (उच्छाय) उंचाइ. ऊंचाई. Height. ठा० ७;

उच्छायणा. स्त्री० (उच्छादना) व्यवच्छेद-व्यावृत्ति करवी. जातिका विच्छेदन करना-नाश करना. Cutting off; debarring. नाया० ८;

उच्छाह. पुं० (उत्साह) उत्साह; उत्कंठा. उत्साह; उत्कंठा. Zeal; enthusiasm; eager longing. सू० प० २०; सम० ६;

उच्छिंदण. न० (उच्छेदन) उछीनुं-उधारू लेवुं ते. उधार लेना. Borrowing; taking on credit. पिं० नि० ११६;

उच्छिंपग. पुं० (उत्क्षेपक) चोर विशेष; मीणा, भील वगेरे चोरनी जात. चोर विशेष; मीणा, भील वगैरह चोरकी जाति. A particular class or tribe of thieves; e. g. Mīṇā, Bhila etc. पगह० १, ३;

उच्छिट्ठ. त्रि० (उच्छिष्ट) खातां खातां वधेलुं; एंठुं; जुठुं. उच्छिष्ट; झूठन. (Food) remaining after one has eaten a portion of it. प्रव० ११६;

उच्छिण्ण. त्रि० (उच्छिन्न) उच्छेद करेल; नाश पामेल. नाश पाया हुआ; नष्ट. Destroyed; ruined. ठा० ४; भग० ३, ७; कप्प० ४, ८८; **—सामि.** पुं० (-स्वामिक—उच्छिन्नो निःसत्तीभूतः स्वामी यस्य तत्तथा) जेनो स्वामी मालिक नाश पामेल होय ते. जिसका स्वामी नष्ट हो गया हो वह (one) whose master has been ruined. "उच्छिण्ण सामियाइ वा उच्छिण्ण सेउ याइ" भग० ३, ७;

उच्छिय. त्रि० (उच्छ्रित) उंचुं करेल. ऊंचा किया हुआ. Raised up; elevated. ओव० २१; ३१; नंदी० ६;

उच्छु. पुं० (इक्षु) शेरडी. सांटा; गन्ना. Sugar-cane. भग० १, १; आया० २, ७, ३; १६०; ओव० पिं० नि० २८०; सू० च० २, २४; **—खंड.** पुं० (-खण्ड) शेरडीनो कटको -कातळी. गन्नेका टुकडा. a piece of sugar-cane. दस० ३, ७; ५, २, ३८; दसा० १०, ५; **—गंडिया.** स्त्री० (-गण्डिका) शेरडीना गांठ सहित कटका. गन्नेका गांठ सहित टुकडा. a piece of sugar-cane with joints. आया० २, १, १०, ५८; **—मेरग.** न० (-मेरक) शेरडीनी गंडेरी; छोतां उतारेल शेरडीना कटका. गंडेरी; गन्नेके बिना छिलके के छोटे टुकडे. small pieces of sugar-cane with the peel chopped off. आया० २, १, ८, ४७; **—वण.** न० (-वन) शेरडीनुं वन. गन्ने का बन. a forest of sugar-canes. अणुजो० १३१; **—वाड.** पुं० (-वाट) शेरडीनी वाट. गन्नेकी वाड. a field of sugar-cane where they are pressed to extract juice. ओघ० नि० ७७१;

***उच्छुट्ठ.** त्रि० (*) उपर आवेल. ऊपर

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

आया हुआ. Come up; come to the surface. विशे० ११४७;

उच्छुद्ध. त्रि० (विक्षिप्त) वेरायेल; विखेरेल. बिखरा हुआ. Scattered; dispersed. ओघ० नि० भा० २२१;

उच्छूढ. त्रि० (*) चोरायेल. चुराया हुआ. Stolen. जीवा० ३, ३; (२) त्यजेल. त्यागाहुआ. abandoned. ओव० ३८; संथा० (३) पोताना स्थानेथी दूर करेल; बहार करेल. अपने स्थानसे दूर किया हुआ; बाहिर किया हुआ removed. expelled from one's place. "आयाण फलिय उच्छूढ दीह बाहू" तंदु० ओव० १०; —सरीर. पुं० (-शरीर) जेणे शरीर संस्कारने तजी दीधा छे एवा मुनी. एसे मुनि जिन्होंने शरीर संस्कार का त्याग कर दिया है. an ascetic who has given up all physical needs or ceased to attend to them. "घोरतवस्सी घोर बंभचारी उच्छूढ सरीरे" विवा० १; भग० १, १; नाया० १;

उच्छेद. पुं० (उच्छेद) नाश. नाश. Destruction; annihilation. नंदी० ३६

उच्छेय. पुं० (उच्छेद) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द Vide above. नंदी० ३६; —कर त्रि० (-कर) नाश करनार. नाश करने वाला. (one) who destroys नंदी० ३६;

उच्छेयण. न० (उच्छेदन) निर्मूल करवुं; उच्छेदन करवुं. निर्मूल करना; उच्छेद करना. Uprooting; annihilating; eradicating राय० २०८;

उच्छोभ. त्रि० (उत्क्षोभ) क्षोभ रहित. क्षोभ रहित. Free from agitation. ओघ० नि० ४३२;

उच्छोलण. न० (उच्छोलन) अजतनाथे हाथ पग धोवा ते. बिना यत्नाचार के हाथ पैर धोना. Careless washing of hands and feet. सूय० १, ६, १८; —(णा)पहोअ-य. त्रि० (-प्रधाव -उच्छोलनेन प्रभूतजलक्षालनक्रियया धौता धोतगात्रा ये ते तथा) घणा पाणीथी जतना वगर शरीर वगेरे धोनार. बिना यत्नाचार के बहुत से पानी से शरीर वगैरह धोनेवाला. (one) who carelessly washes his body (needlessly) with too much water. ओव० दस० ४, २६; —(णा)पहोइ. त्रि० (-प्रधाविन् —उच्छोलनगोदक यतनया प्रकर्षेण धावतिपादादिशुद्धिं करोति यः स तथा) जतना वगर पाद प्रक्षालन करनार. बिना यत्नाचार के पैर धोनेवाला. (one) who washes feet without proper care. दस० ४;

उच्छोलित्तार. त्रि० (उत्क्षालितृ) उच्छालनार. छांटनेवाला (One) who washes or sprinkles. सूय० २, २, १८.

उज्जम पुं० (उद्यम) उद्यम; धन्धो; प्रवृत्ति. उद्यमः धंधा; व्यापार; प्रवृत्ति; कर्तव्य तत्परता. Industry; activity; business. ओव० २१; सु० च० १, २५; नाया० ५; गच्छा० ४;

उज्जय. त्रि० (उद्यत) तत्पर; तैयार. तत्परः उद्यमः तैयार. Ready; ready to do, prepared. पराह० १, ३; ओघ० नि० भा० ४६; सु० च० १, ३०३; पंचा०

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

८, ५; —विहार त्रि० (-विहार) विहारमां उद्यत-उजमाल. विहार में उद्यत. enthusiastic or zealous about peregrination (Vihāra). पंचा० १, ४६,

उज्जयंत. पुं० (उज्जयत्) गिरनार पर्वत. गिरनार पर्वत. The Giranāra mountain. प्रव० ३६४; **—सेल.** पुं० (-शैल) गिरनार पर्वत. गिरनार पर्वत. the Giranāra mountain. नाया० १६;

उज्जल. त्रि० (उज्वल) निर्मल; स्वच्छ; चोक्खुं; शुद्ध; कलंक रहित. निर्मल; स्वच्छ; साफ; निष्कलंक. Clear; pure; stainless. कप्प० ३, ४१, ४६; नाया० १; जीवा० ३, १; राय० ओव० भग० ६, ३३; १५, १; गच्छा० १०२; (२) उत्कट; तीव्र. उत्कट; तीव्र. sharp; severe. नाया० १; ५; १६; १८; सूय० २, २, ६७; राय० २८३; विवा० १; जं० प० ७, १६६; दसा० ६, १; **—णेवत्थ.** पुं० (-नेपथ्य) निर्मल वेष. निर्मल वेष; स्वच्छ पोशाक. clean, spotless, dress. भग० ७, ८;

उज्जलिय. त्रि०. (उज्ज्वलित-उद्गता ज्वाला यस्य सः) प्रकाशित; देदीप्यमान. प्रकाशित; प्रकाशवान्; देदीप्यमान. Shining; sparkling. नाया० १; जीवा० ३;

उज्जल्ल. त्रि० (उज्जल्ल - उद्गतो जल्लः शुष्कस्वेदो यस्य सः) सुका पसिनाना जमेल मेलयुक्त; मलीन. सूखे पसीने के जमे हुए मेल सहित. Dirty with a sediment of dried up perspiration. "मुंडा कंडूविणट्ठंगा उज्जल्ला असमाहिता" सूय० १, ३, १, १०;

उज्जहित्ता. सं० कृ० (उज्झाय) तजीने; छोडीने. तजकर; छोडकर. Having abandoned; having left. "उज्जहित्ता पलायइ" उत्त० २७, ७;

उज्जाण. न० (उद्यान-वस्त्राभरणादिसमलंकृतविग्रहाः सन्निहितासनाद्याहारा मदनोत्सवादिषु क्रीडार्थं लोका उद्यन्ति यत्र तच्चम्पकादितरुखण्डमण्डितमुद्यानम्) फुल-फुल वाला झाडोथी व्याप्त बाग; साधारण जनोने ओच्छव उजाणी करवानुं स्थान; बगीचो. फूल फल वाले झाडों से व्याप्त बागीचा; साधारण जनों का उत्सव करने का स्थान; बागीचा. A garden with fruit-trees and flowering plants; a place where common people go for celebrating a festivity. कप्प० ४, ५, ८८; ११३; ७, २११; अणुजो० १६; १३४; ठा० २, ४; सम० ६; दस० ६, १; ७; २६; राय० २०, ३३; २३४; नंदी० ५०; पिं० नि० २१२; सु० च० १, ६६; दसा० ६, ३; विवा० ५; ओव० १६; नाया० १; २; ३; ५; ८; १४; १६; भग० ३, २; ५, ७; १५, १; १८, १; २५, ७; जं० प० २, ३०; ३१; निसी० ८, २; (२) ऊंची जमीन; टेकरो. ऊंची जमीन; टेकडी. a high ground; a hill. "उज्जाणंसि दुबला" सूय० १, ३, २, २०; **—गिह.** न० (-गृह) उद्यानमां आवेल मकान. उद्यान गृह; बगीचे वाला घर. a house in a garden. ठा० २, ४; निसी० ८, २; **—जत्ता.** स्त्री० (-यात्रा) उद्यानमां जवुं ते; उद्याननी यात्रा. बागीचे मे जाना. going to a garden. नाया० १; **—पाल.** त्रि० (-पाल) उद्याननो रक्षक-माली उद्यान का रखवाला; माली. a gardener; (one) in charge of a garden. पिं० नि० २१४; **—पालअ.** त्रि० (-पालक) जुओ उपलो शब्द

देखो ऊपर का शब्द. vide above. राय० २३०; —संठिय. त्रि० (-संस्थित) ઉદ્યાનની આકૃતિ વાળું; ઉદ્યાનને આકારે રહેલ. उद्यान की आकृति वाला; उद्यान के आकार वाला. having the form of a garden; of the appearance of a garden. "उज्जाण संठिताण ताव क्खेते" चं० प० २; —साला. स्त्री० (-शाला) ઉદ્યાન શાલા. उद्यान शाला; बगीचा. a park; a garden. निसी० ८, २; —सिरि. स्त्री० (-श्री) ઉદ્યાન-વનની લક્ષ્મી-શોભા. उद्यान की लक्ष्मी; वन की शोभा. beauty of a garden or of a wood. नाया० १६;

उज्जाणियलेण. न० (औद्यानिकलयन) ઉદ્યાન બગીચાની અંદરનું વિરામગૃહ. उद्यान-बगीचा के भीतर का विरामगृह-ठहरने का स्थान. A rest-house in a garden; a house of recreation in a garden. भग० १३, ६; १४, १;

उज्जायण. पुं० (उद्यायन) પુષ્ય નક્ષત્રનું ગોત્ર. पुष्य नक्षत्र का गोत्र. The family-line of the constellation Puṣya. सु० प० १०;

उज्जालअ. त्रि० (उज्ज्वालक) અગ્નિ સલગાવનાર. अग्नि जलाने वाला-सिलगाने वाला. (One) who kindles fire. सूय० १, ७, ६;

उज्जालण. न० (उज्ज्वालन) સલગાવવું તે. जलाना; सिलगाना. Kindling; setting fire to; causing to burn. गच्छा० ७६;

उज्जालिय. त्रि० (उज्ज्वालित) સલગાવેલ. सिलगाया हुआ. Kindled. जीवा० ३, ३;

उज्जिंत. पुं० (उज्जयत्) સોરઠ દેશમાં જુનાગઢ પાસે આવેલ ગિરનાર પર્વત. गिरनार पर्वत. The mountain Girnāra in Junāgaḍha. पंचा० १६, १७; कप्प० ६, १७४;

उज्जु. त्रि० (ऋजु-अर्जयति गुणानिति) સરલ. અવક્ર; અકુટિલ. सरल; सीधा, टेढाई रहित; बिना कुटिलता का. Straight; straight-forward. ओव० १०; ठा० ४, १; आया० १, ३, १, १०७; पिं० नि० २८६; ३६५, जं० प० २; जीवा० ३, ३; (२) માયા-કપટ રહિત; સંયમધારી. माया रहित; छल कपट रहित; संयम वाला. free from deceit; self-restrained. ठा० ३; —आयता. स्त्री० (-आयता) સરળ અને લાંબી શ્રેણી. सरल और लंबी श्रेणी. a long and straight line. भग० २५, ३; ३४, १; —आयया. स्त्री० (-आयता) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० २५, ३; —कड. त्रि० (-कृत) સરળ; માયારહિત કરેલ. सरल-माया रहित किया हुआ. made straight-forward or free from deceit. "अकिंचणा उज्जुकडा निरामिसा! परिग्गहारंभ नियत्त दोसा" उत्त० १४, ४१; आया० १, १, ३, १८; —जड. त्रि० (-जड) સરળ અને જડ; સીધાપણું જડતા વાળા. सरल और जड; सीधा किन्तु मंद बुद्धि. straight-forward but dull and and stupid. "पुरिमा उज्जुजडाओ वक्क जडाय पच्छिमा" उत्त० २३, २६; पंचा० १७, ४३; —दंसि. त्रि० (-दर्शिन्-ऋजु मोक्षं प्रति ऋजुत्वात् संयमस्तं पश्यन्त्युपादेयतयेति ऋजुदर्शिनः) ઋજુ ભાવ-મોક્ષ સાધક સંયમને જોનાર; સંયમાભિલાષી. ऋजु भाव-मोक्ष की सिद्धि करने वाले संयम का अभिलाषी. (one) desirous of

asceticism which leads to salvation दस० ३;११;—पन्न. त्रि०(-प्रज्ञ) સરળ અને સમજુ. सरल और समझदार straight-forward and intelligent. दस० ५, १, ६०; उत्त० ६; २३, २६; पंचा० १७, ४३;—भाव. पुं०(-भाव) ઋજુ ભાવ; સરલતા. सरल स्वभाव; सरलता. straight-forwardness; self-restraint. "उज्जुभावं च जणयइ" उत्त० २६, ४; —मइ. स्त्री० (-मति-मननं मतिः ऋज्वी सामान्यग्राहिणी मतिः ऋजुमतिः) મન પર્યવ જ્ઞાનનો એક ભેદ; સામાન્યથી મનના પર્યવોને જાણવાનાર જ્ઞાન. मन पर्यव ज्ञान का एक भेद; सामान्य से मन के पर्यवों को जानने वाला ज्ञान. a variety of Manaparyava Jñāna; simple mental knowledge. ओव० १६; दस० ४, २७, ठा० २, १. नंदी० १८; भग० ८, २; विशे० ७७४; (२) पुं० કંઈક ન્યૂન (અઢી અંગુલ ન્યૂન); અઢીદ્વીપના સંજ્ઞી પ્રાણિઓના મનોભાવને જાણનાર સાધુ. अढाई द्वीप के संज्ञी प्राणियों के मनो भावों को जानने वाला साधु. (an ascetic) able to know the thoughts of conscious living beings of $2\frac{1}{2}$ Dvīpas i. e. continents; a little less (by the breadth of $2\frac{1}{2}$ fingers). ओव० १५; —यार. त्रि० (-कार) ઋજુ-સંયમ-સરલતાના કારકરનાર; સંયમધારી; સંયમ પાલનાર. संयम का पालन करने वाला. (one) who observes rules of asceticism. सूय० १, १३, ७; —सुत्त. पुं० (-सूत्र) વર્તમાન વસ્તુનેજ માનનાર નય; સાત નયમાંનો એક નય. वर्तमान वस्तु को ही मानने वाला नय; सात नय में से एक नय. the theory which admits the present condition of things only; one of the 7 logical stand-points. ठा० ७; —सुय. पुं० (-श्रुत) અતીત અનાગત કાલ રૂપ વક્રતા વિના માત્ર વર્તમાન કાલવર્તિ વસ્તુનેજ જે દેખે છે, પારકી વસ્તુ નિષ્પ્રયોજનહોઈને અસત્ સમાન માને, લિંગ વચન ભિન્ન છતાં એકજ પદાર્થ માને, નિક્ષેપા ચાર સ્વીકારે તે; સાત નયમાંનો ચોથો નય. सात नय में का चौथा नय, जो अतीत अनागत काल रूपी वकता को छोड़ कर केवल वर्तमान काल रूपी वस्तु को ही दिखलाता है, पर वस्तु को असत् के समान मानता है, लिङ्ग वचनों को भिन्न होने पर भी एकही पदार्थ बतलाता है और चार निक्षेप स्वीकार करता है. the fourth of the seven logical standpoints; viz the actual point of view referring to the present condition of things, regarding as non existent or false all other things because they serve no purpose, and regarding substance as one although it may differ in gender and number. अणुजो० १४; १४८; सम० ८८; पन्न० १६; विशे० ४०; २२२२; प्रव० ८५४; (२) વિચ્છેદ ગયેલ બારમાં દૃષ્ટિવાદ અંગના બીજા વિભાગ સૂત્રનો પ્રથમ ભેદ. जिसका विच्छेद होगया है ऐसे बारहवें दृष्टिवाद अंगके दूसरे विभाग सूत्र का प्रथम भेद. the first division of the 2nd Vibhāga Sūtra of the 12th non-extant Dṛiṣṭivāda Aṅga. —सेढि. स्त्री० (-श्रेणी) સરલ

श्रेणी–આકાશ પ્રદેશપંક્તિ. सरल श्रेणी–आकाश प्रदेशों की सरल पंक्ति. a straight line of spatial units "विप्पजहित्ता उज्जुसेढिपत्ते" उत्त० २६, ७३;

उज्जुअ. पुं० (ऋजुक) ઉંદર સર્પ વગેરેના દર–રાફડો. ऊंदरे और सांपों की बांबी. A hole of a snake, a rat etc. कप्प० ६, ४४;

उज्जुग. पुं० (ऋजुक) દૃષ્ટિવાદના ૮ સૂત્રમાંનું પહેલું સૂત્ર. दृष्टिवाद के ८ सूत्रों में का पहला सूत्र. The first of the 8 Sūtras of Dristivāda. सम० (२) નિષ્કપટી; સરલ. कपटरहित; सरल. one free from fraud. जीवा० ३;

उज्जुगइ. स्त्री० (ऋजुगति) સાધુ પોતાના સ્થાનથી નિકળી સિધ્ધેસિધ્ધું ગૃહપંક્તિએ જઈ વ્હોરે, વળતાં ન વ્હોરે તે; ગાચરીના આઠ પ્રકારમાંનો પહેલો પ્રકાર. गोचरी के आठ प्रकार में का एक प्रकार, जिस में साधु अपने स्थान से निकल सीधा गृहसमूहों में जाकर वहोरता-भिक्षा लेता है और लौटते हुए नहीं वहोरता. The first of the eight modes of begging alms; viz proceeding to beg from one's own abode in a straight line (of houses) and not begging while returning. प्रव० ७५३;

उज्जुगभूय. त्रि० (ऋजुकभूत) સરલ ભૂત-થયેલ. सरलीभूत; सरल हो चुका हुआ. (One) that has become straight or straight-forward. "सोहि उज्जुगभूयस्स धम्मो सुद्धस्स चिट्ठइ" उत्त० ३, १२;

उज्जुगया. स्त्री० (ऋजुकता) સરલતા. सरलता; सीधा साधा पन. Straightness; straight-forwardness. ठा० ३;

उज्जुत्त. त्रि० (उद्युक्त) ઉદ્યમ વાળો; ઉદ્યમી. उद्यमी: उद्यम करने में तत्पर. Industrious; busy. पंचा० १७, ५२; नंदी० २६; (२) સાવધાન. सावधान. सचेत. attentive; careful. आउ०

उज्जुभूय. त्रि० (ऋजूभूत) સરલ થયેલ; સિદ્ધા–સરલ હૃદયનો. सरलीभूत; सरल हृदयवाला, (One) who has become straight-forward in mind; straight-forward. उत्त० ३, १२;

उज्जुय. त्रि० (ऋजुक) સરલ; સીધો; નિષ્કપટી. सीधा साधा; कपट प्रपंचरहित. Free from deceit; guileless. आया० २, ३, १, ११४; भग० १८, ५; दसा० ६, २; ओघ० नि० ८००; कप्प० ३, ३६; (२) पुं० જમણો હાથ. सीधा हाथ; दाहिना हाथ. the right hand. ओघ० नि० ५१०;

उज्जुयया. स्त्री० (ऋजुकता) સરલતા. सरलता: सीधा सादापन. Freedom from guile; straightforwardness. उत्त० २६, ४८;

उज्जुवालिया. स्त्री० (ऋजुवालुका) જંભિયા ગામની બહાર વહેતી એક નદી, કે જેને કાંઠે મહાવીરસ્વામીને કેવલજ્ઞાન ઉત્પન્ન થયું. जंभिया ग्राम के बाहर बहती हुई एक नदी, जिसके तीर पर महावीरस्वामी को केवलज्ञान उत्पन्न हुआ. Name of a river outside the village called Jambhiyā on the bank of which Mahāvira Swāmi got omniscience. "जंभिय गामस्स नगरस्स बाहिया नईए उज्जुवालियाए उत्तरकूले" आया० २, १५, १७६; कप्प० ५, ११६;

उज्जेणी. स्त्री० (उज्जयिनी) માલવ દેશની એક નગરીનું નામ. मालव देशका एक

नगरी का नाम; उज्जयिनी; उज्जैन Ujjain; name of a city in Mālava. " उज्जेणी अट्टणे खलु " आव० ४; संथा० ६५; सु० च० ११८; विशे० १०८२; ओघ० नि० भा० २६;

उज्जोअ—य. पुं० (उद्योत) तेज-प्रकाश ઉદ્યોત; અજવાળું प्रकाश; उजेला; उद्योत. Light; brightness. "देवुज्जोयं करेंति" राय० उत्त० २३, ७५; २८, १२; पन्न० २; आया० २, १५, १७६; भग० २, ८; ५, ६; प्रव० १२७८; भत्त० १६८; (२) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી ઉષ્ણ-ગરમ નહીં છતાં પ્રકાશ કરનાર શરીર પ્રાપ્ત થાય જેમ ચંદ્ર નક્ષત્ર રત્ન વગેરેનાં શરીર. नामकर्मकी एक प्रकृति, जिसके उदयसे गर्म न होते हुए भी प्रकाशवान शरीर प्राप्त हो जैसे कि चंद्र, नक्षत्र, रत्न आदि का शरीर. a variety of Nāmakarma by which one gets a body which is bright and shining without being hot, e.g that of the moon etc. पन्न० २३; क० गं० १, २५-४६; २, ५; —**आयव.** पुं० (-आतप) ઉદ્યોત અને આતપ નામ કર્મ. उद्योत और आतप नामकर्म. the two Nāmakarmas viz Udyota and Ātapa. क० गं० ५, ३; जं० प० ३, ५४; —**गर.** त्रि० (-कर) ઉદ્યોત-પ્રકાશ-જ્ઞાનદર્શનરૂપી પ્રકાશના કરનાર. उद्योत-प्रकाश करनेवाला; ज्ञानदर्शनरूपी प्रकाशका करनेवाला. (one) who enlightens in right knowledge and faith. पराह० २, २; सम० आव० २, १; —**चउ.** (-चतुष्क) ઉદ્યોતાદિ ચાર પ્રકૃતિ; ઉદ્યોતનામ, તિર્યંચ ગતિ; તિર્યંચનું આયુષ્ય અને તિર્યંચ અનુપૂર્વી, એ ચાર પ્રકૃતિ. उद्योतादि चार प्रकृति; उद्योतनाम, तिर्यचगति, तिर्यचका आयुष्य, और तिर्यंच अनुपूर्वी ये चार प्रकृति. The four Prakritis (Karmic natures): viz Udyota Nāma, Tiryañcha Gati, Tiryañcha Āyuṣya, and Tiryañcha Anupūrvī. क० गं० ३, १२; २३; —**णाम.** न० (-नामन्) નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ. नामकर्मकी एक प्रकृति. A variety of Nāmakarma. क० गं० १, २५;

उज्जोइय. त्रि० (उद्योतित) પ્રકાશિત; ઝગઝગતું. प्रकाशित; प्रकाशवान्; चिलकता हुआ. Shining; sparkling. सम० प० २३७; नाया० १; ओव० १०; गच्छा० १; सु० च० २, २६७; कप्प० ४, ६२; प्रव० ८०;

उज्जोग. पुं० (उद्योग) પ્રયત્ન; પરિશ્રમ. प्रयत्न; परिश्रम; महिनत. Effort; work; labour. सु० च० १, ६६;

उज्जोयग. त्रि० (उद्योतक) ઉદ્યોત કરનાર. उद्योत करने वाला. (One) that gives light. " सव्व जगुज्जोयगस्स " नंदी० ३;

उज्जोयण. न० (उद्योजन) જોડવું; તૈયારી કરવી. जोड़ना; तैयारी करना. Uniting; joining; preparing. ओव० नि० भा० ६०;

उज्जोविय. त्रि० (उद्योतित) રત્ન આદિથી પ્રકાશિત. रत्न आदिसे प्रकाशित. Shining with jewels etc. " सउज्जो विएहिं " राय० ४६; नाया० १;

√**उज्झ.** धा० I. (उज्झ्) નાખી દેવું. त्याग देना; छोड़ देना. To abandon; to leave off.

उज्झइ. भत्त० १०३.

उज्झसि. विवा० १;

उज्झाहि. आ० विवा० १;
उज्झसु. आ० भत्त० ५६;
उज्झिउं. सं० कृ० सूय० २, २, ६; नाया० ६;
उज्झिऊण. पराह० १, ४;
उज्झित्तए. नाया० ८; उवा० २, ६४;
उज्झंत. व० कृ० अणुजो० १२८;
उज्झावेइ. प्रे० विवा० २;

उज्झअ. त्रि० (उज्झक) सतविवेक वगरना. सद्विवेक से रहित. Devoid of a sense of decorum or decency. " तित्ता तिधा भितावेणं उज्झआ-असमाहिआ " सूय० १, ३, ३, १३;

उज्झण. न० (उज्झन) બહાર લઈ જવું. बाहिर लेजाना. Taking or carrying out. विशे० २५७७; (२) ત્યાગ. त्याग; abandoning; giving up. ओव०

उज्झर. पुं०(अवझर) પર્વતમાંથી પડતો પાણીનો ઝરો; ગિરિનિર્ઝર. पर्वत में से गिरता हुआ पानीका झरना; गिरिनिर्झर. A mountain torrent; a mountain stream. नंदी० १४; जं० प० १, १०;—रव. पुं० (-रव) ઝરાનો ખલખલ અવાજ. झरने की ध्वनि. babbling sound of a stream. नाया० ६;

उज्झिअ-य. पुं० (उज्झित) ઉજ્ઝિત નામે વિજયમિત્ર સાર્થવાહનો પુત્ર કે જેનો અધિકાર વિપાક સૂત્રના બીજા અધ્યયનમાં છે. उज्झित नामक विजयमित्र सार्थवाह का पुत्र, जिसका वर्णन विपाक सूत्र के दूसरे अध्याय में है. Name of a son of the merchant Vijayamitra whose account is given in the 2nd chapter of Vipāka Sūtra. विवा० १; २; अणुजो० १३१; (२) વિપાકસૂત્રના પ્રથમ શ્રુતસ્કન્ધના બીજા અધ્યયનનું નામ. विपाक सूत्र के प्रथम श्रुतस्कंध के दूसरे अध्याय का नाम name of the 2nd chapter of the first Śrutaskandha of Vipāka Sūtra. विवा० १; (३) त्रि० તજેલ; ત્યાગ કરેલ. त्यागा हुआ. abandoned; given up. विवा० १; पिं० नि० १६६; —नियाणसल्ल. त्रि० (-निदानशल्य) નિયાણારૂપ શલ્યનો ત્યાગ કરેલ છે જેણે તે. नियाणा रूपी शल्य को त्याग देने वाला. (one) who has got himself rid of the thorn in the shape of Niyāṇā (i. e. desire for future sense-pleasure). भत्त० १४०; —धम्मिय. त्रि० (-धार्मिक) નાખી દેવા યોગ્ય; નિરુપયોગી. फेंक देने योग्य; निरुपयोगी. worth being thrown away; useless अणुत्त० ३, १;

उज्झियग. पुं० (उज्झितक) વિજયમિત્ર સાર્થવાહની ભાર્યા સુભદ્રાથી ઉત્પન્ન થયેલ પુત્ર. विजयमित्र सार्थवाह की स्त्री सुभद्रा से उत्पन्न पुत्र का नाम. A son of the merchant Vijayamitra born of his wife Subhadrā. विवा० २;

उज्झियधम्मा. स्त्री० (उज्झितधर्मा) જે વસ્તુ નાખી દેવા યોગ્ય હોય, જેને કોઈ લેવા ન ઇચ્છે તેવી વસ્તુ વહોરવી તે; એષણાના સાત પ્રકારમાંનો એક. जो वस्तु लेने योग्य न हो, उस का वहोरना-लेना, एषणा के सात प्रकारों में का एक प्रकार. Receiving as alms a thing which is worth being thrown away and which nobody would care to take; one of the seven varieties of receiving alms. प्रव० ७५०;

उज्झिया. स्त्री० (उज्झिका) ધન્ના સાર્થવાહના પુત્ર ધનપાલ સાર્થવાહ તેની સ્ત્રી. धन्ना नामक सार्थवाह के पुत्र धनपाल की स्त्री.

Wife of the merchant Dhanapāla, the son of the merchant Dhannā. नाया॰ ७;

उट्ट. पुं॰ स्त्री॰ (उष्ट्र) सांढीओ; ઊંટ. ऊंट; A camel. " **अहभंते उट्ट गोण खर घोडए** " पन्न॰ १; " **भारवहावहंतिउट्टावा** " सूय॰ १, ४, २, १६; २, २, ४५; ओव॰ ३८; जीवा॰ ३, ३; जं॰ प॰ उवा॰ २, ६४; क॰ गं॰ ६, ४३;

उट्टिय. त्रि॰ (औष्ट्रिक-उष्ट्राणामिदमौष्ट्रिकम्) ઊંટના વાળનું બનેલું સૂત્ર ધાબલી વગેરે. ऊंट के बालों से बना हुआ वस्त्र; धाबल वगैरह. A blanket etc. made of the hair of a camel ओघ॰ नि॰ ७०६; वेय॰ २, २३; अणुजो॰ ३७;

उट्टिया. स्त्री॰ (उष्ट्रिका उष्ट्रस्याकारः पृष्ठावयव इवाकारोऽस्याः) ઊંટના આકારનું લાંબા આકારવાળું વાસણ; શિરોઇ. ऊंट के आकार का लम्बी गर्दन वाला बर्तन. A pot with a long neck like that of a camel. उवा॰ १, २७; २, ६४; ७, १८४; विवा॰ ७;

उट्टियासमण पुं॰ (उष्ट्रिकाश्रमण-उष्ट्रिका महानमृन्मयोभाजन विशेषस्तत्र प्रविष्टायेश्राम्यन्ति तपस्यन्तीत्युष्ट्रिकाश्रमणाः) મોટા માટીના વાસણમાં બેસી તપશ્ચર્યા કરનાર; ગોશાલાના સાધુની એક જાત. मिट्टी के बडे बरतन में बैठ कर तपश्चर्या करने वाला; गोसाला के साधु की एक जाति. One who sits in a large earthen vessel and practises penance; one of the sects of the followers of Gośālā. ओव॰ ४१;

उट्टी. स्त्री॰ (उष्ट्री) ઊંટડી; સાંઢણી ऊंटनी; सांढनी. A she-camel. अणुजो॰ १३१; प्रव॰ २१८;

उट्टीवाल. पुं॰ (उष्ट्रपाल) ઊંટ રાખનાર. ऊंट को पालने वाला. A keeper of camels. अणुजो॰ १३१;

उट्ठ. पुं॰ (उष्ट्र) એક જાતનું જલચર પ્રાણી. एक प्रकार का जलचर प्राणी. A kind of aquatic animal. " **मग्गूय उट्ठादगारक्खसाय** " सूय॰ १, १, १५;

उट्ठ. पुं॰ (ओष्ठ) ઓઠ; હોઠ. ओष्ठ. A lip. कप्प॰ ३, ३५; नाया॰ २; ओव॰ ३८; भग॰ ११, ११; सम॰ ११; सु॰ च॰ १०, ४१; ओघ॰ नि॰ भा॰ २६६; उवा॰ २, ६४; विशे॰ ८५७; निसी॰ ३, ५३; ५, ३८; दसा॰ ६, ४; (२) વાસણનો કાંઠો. बरतन की कौर. the brim or border of a vessel. ओघ॰ नि॰ ६६०; —छिन्न. त्रि॰ (-छिन्न) હોઠ કર્યો; હોઠ કાપેલ. जिस का ओठ कटा हो वह; ओठ कटा. (one) whose lip is cut. आया॰ २, ४, २, १३६; —पुड. पुं॰ (-पुट) હોઠ પુટ. ओष्ठ पुट. the cavity formed by hollowing the lips. प्रव॰ २६३;

उट्ठंभिया. सं॰ कृ॰ अ॰ (अवष्टभ्य) રોકીને; સ્તંભન કરીને. रोक कर; स्तमन करके; थांभ कर. Having stopped; having checked. आया॰ १, ६, ३, ११;

उट्ठा स्त्री॰ (उत्था) શરીરને ઊંચું કરવું; ઉભા થવું. शरीर को ऊंचा करना; खडे होना. To raise the body; to stand. ओव॰ ३५; उवा॰ ७, १६३;

उट्ठाण. न॰ (उत्थान) ઉભા થવું-ઉઠવું તે; એક પ્રકારની ચેષ્ટા. खडे होना; उठना, Standing up; getting up. जं॰ प॰ २, ३४; उवा॰ १, ७३; ठा॰ १, १; भग॰ १, ३; ८; ७, ७; १२, ५; १७, २; नाया॰ १; सू॰ प॰ १६; पन्न॰ २३; (२) સાંભળવાને

ગુરુ પાસે જવું તે. सुनने के लिये गुरु के पास जाना. going up to a preceptor to hear. चं० प० २०; (३) ઉદ્યમ-યત્ન. उद्यम; प्रयत्न. effort; industry. भग० २, १; (४) ઉત્પત્તિ. उत्पत्ति; पैदाइश. rise; birth; production. नाया० १४; —कम्म. न० (-कर्मन्) ઉઠવું-શરીર ચેષ્ટા રૂપ કર્મ. उठनेरूप शारीरिक कर्म. the act of standing up नाया० १; जं० प० २, ३४; —परियाणिय. न० (-परियानिक-परियानं विविधस्थानकरपरिगमनं नदेव परियानिकञ्चरितमुत्थानाजन्मत आरभ्य परियानिकमुत्थानपरियानिकं) જન્મથી માંડી જીંદગીના છેડા સુધીમાં બનેલ દરેક બનાવોનો અહેવાલ; જીવનચરિત્ર. जीवनी; जीवन चरित्र; जन्म से मरण तक की प्रत्येक घटना का वर्णन. a biography from birth to death. "गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स उट्ठाणपरियाणियं परिकहियं" भग० १५, १; नाया० १४; १७;

उट्ठाणसुय. पु० (उत्थानश्रुत) ૭૨ કાલિક સૂત્રમાંનું એક. ७२ कालिक सूत्रों में का एक One of the 72 Kālika Sutras. वव० १०, २६; नंदी० ४३;

उट्ठावण. न० (उत्स्थापन) ઉઠાડવું તે; ઉત્થાપના કરવી. उठना; उत्थापना करना. Causing to stand up, rise, or get up. वेय० ४, २६;

उट्ठावण. न० (उत्स्थापन) સામાયિક ચારિત્રમાંથી છેદોપસ્થાપનીય ચારિત્રનું આરોપવું તે. सामायिक चारित्र से छेदोपस्थापनीय चारित्रका आरोपण करना. Re-establishment of equanimity after a temporary lapse. भत्त० २५; ठा० ४, ३; —अंतेवासि त्रि०(-अन्तेवासिन्) પાંચ મહાવ્રતની ઉપસ્થાપના કરી કરેલ શિષ્ય. पंचमहाव्रत की उपास्थापना करके बनाया हुआ शिष्य. a disciple accepted after the establishment (in him) of the five ascetic vows. ठा० ४, ३;

उट्ठिअ-य. त्रि० (उत्थित) ઉઠેલ; ઉભો થયેલ; તૈયાર થયેલ. उठा हुआ; तत्परः उद्यत. Got up; ready. "उट्ठियंमि सूरे" अणुजो० १६; कप्प० ४, ६०; दस० ५, १, ४; वव० ३, १३; ठा० ३, ३; ओव० १३; नाया० १; भग० २, २; पिं० नि० ४१७; (२) ઉદય પામેલ; ઉગેલ. उदय पाया हुआ; ऊगा हुआ. risen. (३) ધર્માચરણ માટે તૈયાર થયેલ; પ્રવ્રજ્યા લેવાને તૈયાર થયેલ. धर्माचरणके लिये तैयार; दीक्षा लेने को उद्यत. ready, prepared to take Dikṣā. " अहपास विवेगमुट्ठिए अविनिलेइह भासइ " सुय० १, २, १ ८; आया० १, ४, १, १२८; (२) ઉજ્જડ; વસ્તિ વગરનું. ऊजड; वस्तिरहित स्थान. desolate; untenanted. ओघ० नि० ८६;

उड. पुं० (पुट) દડીઓ. दोना. A cup made of leaves. ओव० २२; उवा० २, ११३;

उडअ. पुं० (पुटक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. विवा० ५;

उडग. पुं० (उटज) તાપસનો આશ્રમ-ઝુંપડું. तापसों का आश्रम-झोंपड़ा. A hermitage; a cottage of a hermit. भग० ११, ९;

उडव. पुं० (उटज) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. जीवा० ३, १;

उडु. पुं० (उडु) નક્ષત્ર. नक्षत्र. A constellation. जं० प० ३, ६७; सू० प० ५;

—वइ. पुं० (–पति) નક્ષત્રનો સ્વામી; ચંદ્ર. नक्षत्रका स्वामी; चंद्र. the lord of the constellations; the moon. " जहासे उडुवइ चंदे नक्खत्तयपरिवारिए " उत्त० ११. २५; ओव० १०; जीवा० ३, ३; —वर. पुं० (–वर) સૂર્ય. सूर्य. the sun. " तिरिगा सहस्से सगले छच्च सए उडुवरो हरइ " तंडु०

उडु. पुं० (ऋतु) વસન્ત ગ્રીષ્મ આદિ ૬ ઋતુ. वसन्त, ग्रीष्म आदि छह ऋतु. Any of the six seasons viz spring, summer etc ओघ० नि० भा० ३११; ओघ० नि० २६; —पज्जोसविअ. न० (–पर्युषित) ઋતુ બદ્ધકાલ-ચોમાસા સિવાયના વખતમાં રહેલ-નિવાસ કરેલ. ऋतु बद्धकाल में निवास किया हुआ; चोमासे सिवाय दूसरे समय में रहा हुआ. one that has stayed or remained during the Ritubaddha time i. e. time of the year excepting the rainy season. वव० ८, १; —बद्ध. पुं० (–बद्ध) જુઓ 'उउबद्ध' શબ્દ. देखा 'उउबद्ध' शब्द. vide "उउबद्ध" ओघ० नि० २५; निसी० १६. ३२; ३३; ३४; —बद्धिय. त्रि० (–बद्ध) શીત અને ઉષ્ણ કાલમાં સાધુઓનો માસ કલ્પ વિહાર. शीत और उष्ण काल में साधुओं का मास कल्प विहार. the monthly peregrinations of an ascetic during the winter and summer seasons. आया० २, २. २, ७८;

उडु कल्लाणिआ. स्त्री० (ऋतुकल्याणिका) ચક્રવર્તીની ૩૨૦૦૦ રાણી. चक्रवर्ती की ३२००० राणी. The 32000 queens of a Chakravartī. जं० प०

उडुप. न० (उडुप) હોડી. नाव; डोंगी. A boat. विं० नि० ३३०;

उडुव. पुं० न० (उडुप) નાવ; હોડી; હોડીને આકારે બનાવેલો ત્રાપો. नाव; डोंगा; डोंगा के आकार का बनाया हुआ बेड़ा. A boat; a raft. विशे० १०२७;

उडुवाडियगण. पुं० (ऋतुपाटकगण) ભદ્રયશસ્થવિરથી નિકલેલ એક ગણ. भद्रयश स्थविर से निकला हुआ एक गण. Name of a Gaṇa (i. e. order of monks) derived from the Sthavira Bhadrayaśa. कप्प० ८;

उडुविमाण. पुं० (उडुविमान) સૌધર્મ દેવલોકના પહેલા પાથડામાંનું એક વિમાન કે જેની લંબાઇ પહોળાઇ ૪૫ લાખ જોજનની છે. सौधर्म नामक स्वर्ग के पहले पाथडे में का एक विमान जिसकी लंबाई चौड़ाई ४५ लाख योजन की है. Name of an abode in the first stratum of the Saudharma heaven, having an area of 45 square lacs of Yojanas " उडुविमाणे णं विमाणे पणयालीसं जोयण " ठा० ४, ३; सम० ४५;

उडुखल. पुं० (उडुखल) ઉખલ; ખાંડણી. ओखली. A mortar used for pounding. विं० नि० ३६१;

उडु. पुं० (उडु) ઉડુ નામનો એક અનાર્ય દેશ જેને હાલ ઉડીસા કહે છે. उडु नामक एक अनार्य देश; उड़ीसा. Name of an Anārya (uncivilized) country; Orissa. प्रव० १५६७; (२) त्रि० તે દેશના રહેવાસી. उडु नामक अनार्य देश के रहनेवाले. a native of the above country. पराह० १, १;

उडुंचग. पुं० (*) કલકલાટ. कलकलाहट. Bustle; noise. ओघ० नि० २२१;

उड्डावण. न० (उड्डायन) આકર્ષણ. आकर्षण. Attraction; drawing towards oneself. " हिय उड्डावणे का उड्डावणहेउ " नाया० १४;

उड्डाह. पुं० (उदाह) ઉપઘાત. નાશ. नाश. Destruction. " गेलणं वड्ढ उड्डाहो " आव० (२) હલકાઈ કરવી તે. हीलना करना. disregard of scriptures. पिं० नि० ८६; वेय० १, ३; (३) હેલના; ખીંસણુ. अवहेलना; निंदा. disrespect. पिं० नि० ३६१; (४) હાનિ; ન્યૂનતા. हानि; नुकसानी; कमी; न्यूनता. loss; diminution. पिं० नि० ३०८; —**कर.** त्रि० (-कर) હાનિ કરનાર. हानि करनेवाला. productive of, generating, loss. गच्छा० ४५;

उड्डीण त्रि० (उड्डीन) આકાશમાં ઉડેલ. उडा हुआ. Flying, flowing in the sky. नाया० १;

उड्डुभत्तग. पुं० (उड्डुभृतक) ઉડુભડક દેશ. उड्डभडक देश. The country so named. (२) त्रि० તેના રહેવાસી. उनके रहनेवाले. the inhabitants of the above. पन्न० १;

उड्डुय. न० (*) ઓડકાર. डकार. Eructation. " जंभाइएण उड्डुएणं वायणिसग्गेणं " आव० १, ४;

उड्डेंत. त्रि० (उड्डीयमान) આકાશમાં ઉડતો. आकाश में उडता हुआ. Flying, soaring in the sky. राय०

उड्ढ. त्रि० (ऊर्ध्व) ઉંચે; ઉપર; ઊંચો-ચી-ચું. ऊंचा; उपर. High; upwards. जीवा० १; राय० १०३; नाया० १; ८; ६; १६; भग० १, १; ६; २, ८; ३, १; २; ५, ४; ६; २०, ६; २५, ३; पन्न० २; २८; निर० २, १; उत्त० ३, १३; २६, २२; ओव० २१; ३८; आया० १, १, ५, ४१; ठा० १, १; सूय० १, ३, ४, २०; सम० ७; अणुजो० १०३; जं० प० १, ४; पिं० नि० ३६३; (२) ઉર્ધ્વલોક; સ્વર્ગલોક. स्वर्गलोक; ऊर्ध्वलोक. heavenly world. सूय० १, ३, ४, २०; उत्त० ३६, ५०; (३) ઉર્ધ્વ-દિશા; ઊંચી દિશા. उर्ध्व दिशा; ऊंची दिशा. the topmost direction. दस० ६, ३४; आया० १, १, १, २; —**अभिमुह.** त्रि० (-अभिमुख) ઉંચી દિશામાં મુખ કરેલ. ऊपर की ओर जिसने मुख किया हो वह. (one) with the face turned up. भग० ११, १०; —**उववण्णग.** त्रि० (-उपपन्नक) ઉર્ધ્વ લોકમાં બાર દેવલોક નવગ્રીવેકાદિમાં ઉત્પન્ન થનાર-દેવ દેવી. ऊर्ध्व लोक के बारह देवलोक और नवग्रैवेयकादि मे उत्पन्न होनेवाले-देव देवी. (a god or a goddess) born in the twelve Devalokas, Nava Graiveyakas etc. of the upper region. "जे देवा उड्ढं ववण्णगा ते दुविहा पन्नत्ता " ठा० २; भग० ८, ८; —**कंडूयग.** त्रि० (-कण्डूयक) નાભિની ઉપર ખંજોલનાર; તાપસનો એક પ્રકાર. नाभि के ऊपर के भाग मे खुजानेवाला; तापसों का एक भेद. (a class of hermits) who scratch (to remove itching sensation)

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

only the part above the navel. भग० ११, ६; —गइ. स्त्री० (–गति) ઉંચી ગતિ. ऊर्ध्व गति; ऊंची गति. upward motion; birth in a higher state of existence. भग० ३, १; —गारव परिणाम. पुं० (–गौरव परिणाम—येन आयुः स्वभावेन जीवस्य ऊर्ध्वं दिशि गमनशक्तिलक्षणपरिणामो भवति स ऊर्ध्वगौरवपरिणामः) આયુષ્ય પરિણામનો એક પ્રકાર કે જેનાથી જીવ ઉર્ધ્વ-ઉંચી ગતિમાં જાય. आयुष्य परिणाम का एक भेद जिससे कि जीव ऊंची गति में जाता है. a nature of Āyusya Pariṇāma by which the soul has an upward motion. ठा० १०; —चर. त्रि० (–चर) ઉંચે ઉડનાર-ગીધ આદિ. ऊंचे उडनेवाले-गीध आदि. flying, soaring high, e. g. a vulture etc. आया० १, ८, ७, ६; —जाणु. त्रि० (–जानु—ऊर्ध्वे जानुनी यस्यासावूर्ध्वजानुः) જંઘા ઊંચી રહે તેવે આસને બેસનાર. एसे आसन से बैठने वाला जिस में जंघा ऊंची रहे. (one) in a posture in which the thighs are raised up. " उड्ढं जाणु अहो सिरे झाण कोट्ठो वगए " नाया० १; भग० १, १; जं० प० ओव० —दिसि पमाणाइक्कम. पुं० (–दिक्प्रमाणातिक्रम) છઠા દિશિવ્રતનો પ્રથમ અતિચાર. छठे दिग्व्रत का प्रथम अतिचार. the first Atichāra of (the 6th) Disivrata (limitation of movement to a fixed area). उवा० १, ५०; —पाअ. पुं० (–पाद) ઊંચા રાખ્યાછે પગ જેના તે. जिसके पैर ऊंचे रखे हो वह. one with his legs thrown up, lifted up. " कंदंतो कंदु कुंभीसु उड्ढपाओ अहोसिरो " उत्त० १६; ५०; —बद्ध. त्रि० (–बद्ध) ઊંચે-વૃક્ષની ડાલી આદિએ બાંધેલ. ऊंचा-वृक्ष की डालो आदिसे-बांधा हुआ. fastened upwards; e. g. to the branch of a tree. " रसंतो कंदुकुंभीसु उड्ढबद्धो अबंधवो " उत्त० १६; ५२; —बाहा. त्रि० (–बाहु) ઊંચા હાથ જેણે રાખ્યા છે તે. ऊंचे हाथवाला; जिसने हाथ ऊंचा रखा हो वह. (one) with arms raised up. निर० ३, ३; भग० १५, १; —भागि. त्रि० (–भागिन्) આકાશમાં રહેલ. आकाशमे रहा हुआ. remaining in the sky. " उड्ढवा एसु उड्ढभागी--भवति " सूय० २, ३, ३०; —मुइंग. पुं० (–मृदंग) ઉંચા મોઢા-વાલો ઢોલ. ऊंचे मुंहवाला ढोल. a tabor or drum with its mouth upwards. भग० ११, १०; —मुइंगाकार. त्रि० (–मृदंगाकार) ઉંચા મૃદંગના આકારે. ऊंच मृदंग के आकारका. of the shape of a tabor with its mouth upwards. भग० ११, १०; —मुइंगाकार संठिय. त्रि० (–मृदंगाकारसंस्थित-ऊर्ध्व-मूर्ध्व मुखो यो मृदङ्गस्तदाकारेण संस्थितो यः स तथा) ઉંચા મોઢાવાલા ઢોલના આકારે રહેલ. ऊंचे मुंह वाले ढोल के आकार से स्थित. in the shape of a tabor with upward mouth. भग० ११, १०; —मुह. त्रि० (–मुख) ઉંચા મોઢાવાલો. ऊंचे मुह वाला. (one) with face turned up. जं० प० —रेणु. पुं० स्त्री० (–रेणु—जालकाभि व्यक्तयः स्वतः परतो वा ऊर्ध्वाधस्तिर्यक्चलन धर्म्मारेणुरूर्ध्वरेणुः) આઠ સન્હ સન્હઆ-રજકણ ભેગાથવાથી બનેલ મોટોરજકણ

उड्ड लोय-ऊर्ध्व लोक
सिद्धि शिला.
पाथडा १
पाथडा ४
पाथडा ५
पाथडा ६
पाथडा १२
पाथडा १३
विमान
इशान
सुधर्मा
राजनी संख्या
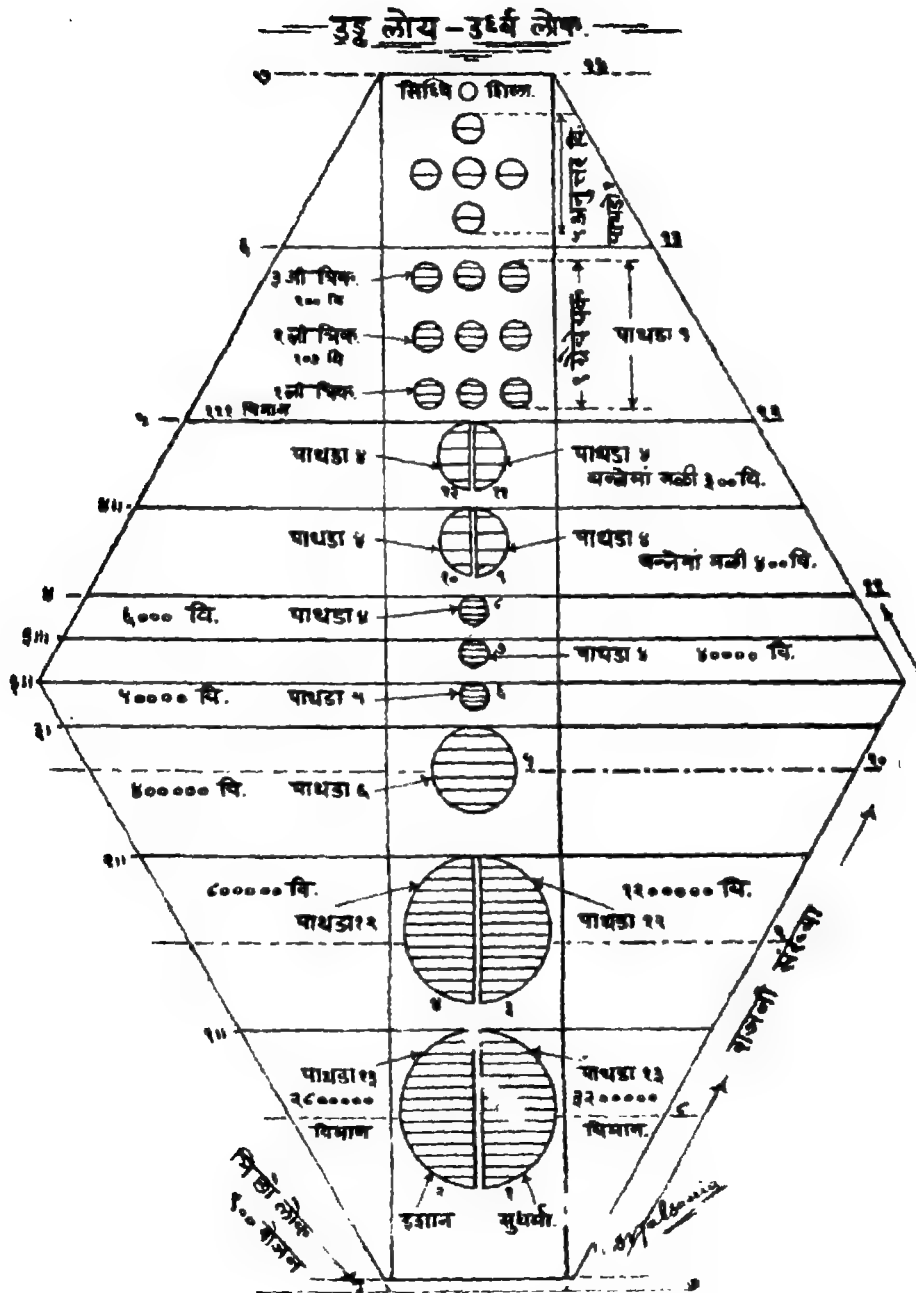
કે જે આકાશમાં પોતાની મેલે અથવા પરના આશ્રયથી ઉચે નીચે ઉડે છે તે; રજકણ. आठ सन्ह सन्हिआ-रजकण एकत्रित होकर बना हुआ बड़ा रजकण जो कि आकाशमें स्वतः अथवा दूसरे के आश्रय से ऊपर नीचे उड़ता है. a particle of dust made up of eight smaller particles which can move up and down in the air of its own accord or when moved by another agency. अणुजो० १३४; जं० प० भग० ६; ७; —लोअ-य. पुं० (-लोक) ઉર્ધ્વલોક; સ્વર્ગલોક; લોકનો પરનો ભાગ; ત્રિચ્છા લોકના ઉપરના છેડાથી તે લોકના અગ્રભાગ સુધીનો પ્રદેશ. उर्ध्व लोक; स्वर्गलोक; लोक के ऊपर का हिस्सा; त्रिच्छालोक के ऊपर के छोर से उस लोक के अग्र भाग तक का प्रदेश. the upper world; the heaven-world. अणुजो० १०३; १४८; पन्न० २; भग० २, १०; ११, १०; —लोअ-य-खेत्तणाली. स्त्री० (-लोक क्षेत्रनाडी) ઉર્ધ્વ લોક-સ્વર્ગ લોકની નાડી -અમુક વિભાગ. उर्द्ध लोक-स्वर्ग लोक की नाड़ी-विभाग. a particular portion of the upper world or heaven-world. भग० ३४, १; —लोग. पुं० (-लोक) જુઓ "उड्डलोअ" શબ્દ. देखो "उड्डलोअ" शब्द. vide "उड्डलोअ" ठा० ३, २; —लोयवत्थव्व. त्रि० (-लोक वास्तव्य) ઉર્ધ્વ લોક-સ્વર્ગલોકના વાસી વસનાર. उर्ध्वलोक में बसने वाले. (one) residing in the upper world or heaven-world. "उड्डलोगवत्थव्वाओ अट्ठ दिसा कुमारी ओ" नाया० ८; —वाय-अ. पुं० (-वात -ऊर्ध्वमुद्गच्छन् यो वाति वातः स ऊर्ध्ववातः) ઉર્ધ્વ દિશાનો વાયુ ऊर्ध्व दिशा में बहने वाली हवा. wind moving in the upward direction. जीवा० १; ठा० ७, १; पन्न० १;

उड्डकाय. पुं० न० (ऊर्ध्वकाय) કાગડો. कौआ. A crow. "ते उड्डकाएहिं पजक्खमाणा अवरेहिं" सूय० १, ५, २, ७;

उड्डत्ता. स्त्री० (ऊर्ध्वता) ઊંચાપણું. ऊंचापन. State of being high or upwards; height. "अहत्ताए नोउड्डत्ताए" भग० ६, ३;

उड्डवाइय. पुं० (ऊर्ध्ववातिक) ઉર્ધ્વવાતિક નામનો મહાવીર સ્વામીના નવ ગણુમાંનો પાંચમો ગણ. ऊर्ध्ववातिक नामक महावीर स्वामी के नौ गणों में का पांचवां गण. The 5th of the 9 Gaṇas (groups of saints) of Mahāvīra Swāmī, so named. "उड्डवाइयगणे विस्सवाइ गणे" ठा० ६, १;

उड्डवाइयगण. पुं० (ऊर्ध्ववातिकगण) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. ठा० ६, १;

उण. अ० (पुनर्) ફરીથી; ફરી. फिर से; पुनः Again; once more. विशे० १४४; पण्ह० १, ३; सु० च० १, २२७; पंचा० २, ३८;

उण. न० (ऊन) વન્દનાના પાઠના અક્ષરો, પદ વગેરે ઓછા કહેવા તે; વંદનાનો ૨૮ મો દોષ. वन्दना के पाठ के अक्षर, पद वगैरह को कम कहना; वंदना का २८ वां दोष. The 28th fault connected with salutation; viz omitting some of the words which must be recited at the time of salutation. प्रव० १४३;

उणम. त्रि० (**अवनत**) નીચું નમેલ. नीचे की ओर नमा हुआ. Bent down; bent low विशे० १४२१;

उणग. त्रि० (**ऊनक**) ન્યૂન; ઓછું. कम; न्यून. Less; diminished; falling short by. जीवा० १; वव० ८, १५;

उणड्ढभाग. पुं० (**ऊनार्द्धभाग**) અર્દ્ધ ભાગે ઉણો-ઓછો. जिस का आधा हिस्सा कम हो. Less by a half. निसी० २, ३६;

उणयालीस. स्त्री० (**एकोनचत्वारिंशत्**) ૩૯; ઓગણચાલીસ. ३६; उन्चालीस. 39; Thirty-nine. भग० ३, ७;

उणहिय. त्रि० (**ऊनाधिक**) ઓછું વત્તું; ન્યુનાધિક. कमज़्यादह; न्यूनाधिक. More or less. विशे० १४३;

उणूण. न० (**ऊनोन**) ઓછું ઓછું; ઊન-ઊનતર-ઇત્યાદિ રીતે ઓછું. ऊन-ऊनतर इत्यादिक रीति से न्यून. Progressively decreasing. क० प० २, ६२;

उणोयरिआ. स्त्री० (**ऊनोदरिका**) ન્યૂન-ઓછો આહાર કરવો તે; ખોરાક ઉપધિ વગેરે જોઇએ તે કરતાં ઓછા લેવા તે. कम आहार करना; आवश्यकता से कम भोजन करना या उपधि आदि कम लेना. Eating less than one's fill. सम० ६;

उणणइ. स्त्री० (**उन्नति**) ઉન્નતિ. उन्नति; अभ्युदय. Rise; prosperity. पंचा० ६, ४७; —**णिमित्त**. न० (**-निमित्त**) પ્રભાવનો હેતુ. प्रभाव का हेतु. cause of power or prosperity. पंचा० ६,४७;

उणणइय. त्रि० (**उन्नत**) ઉન્નત; ઊંચું. ऊंचा; उन्नत. Raised; elevated. भग० १३, ६;

उणणकप्पास. पुं० (**ऊर्णाकार्पास**) ઘેટાના વાળ; ઊન. ऊन; भेड़ के बाल. Wool. निसी० ३, ७२;

उणणतासण. न० (**उन्नतासन**) ઊંચું આસન. ऊंचा आसन. A raised seat; an elevated seat भग० ११, ११;

उणणय. त्रि० (**उन्नत**) ઉંચું; ઉન્નત; આબાદ. ऊंचा; उन्नत; अच्छी दशामें. High; elevated; prosperous. कप्प० ३; ३६; ओव० १०; दस० ७, ४२; नाया० १; स० प० २०; भग० ११, ११; १२, ५; (२) નીકળતું; ચડતું. निकलता हुआ; बढ़िया. prominent; superior. ओव० १०; (३) ગુણવાન. गुणवान. virtuous; meritorious, "**उज्ज जय-चरियदारगोपुर तोरणउण्णाय सुविभत्तराय मग्गा**" नाया० १; ठा० ओव० (४) અભિમાનરૂપ મોહનીય કર્મ. अभिमानरूप मोहनी कर्म. deluding Karma in the form of conceit. भग० १२, ५; सम० —**आवट्ट**. पुं० (**-आवर्त—उन्नत उच्छ्रितः स चासावावर्तश्चेति उन्नतावर्तः**) ઉંચું આવર્તન કરવું તે; આવર્તનનો એક પ્રકાર. ऊपर आवर्तन करना; आवर्तन का एक भेद. moving round in the upward direction. ठा० ४; —**आसण**. न० (**-आसन**) ઉન્નત-ઉંચું આસન. ऊंचा आसन; उन्नत आसन. high, elevated, seat. राय० १३६; जं० प० —**मण**. त्रि० (**-मनस्**) ઉન્નત-ઉદાર મન વાલો. उदार मन वाला; ऊंच मन वाला. high-minded. ठा० ४, ४; —**माण**. त्रि० (**-मान—उन्नतो मानो यस्येत्युन्नतमानः**) હું ઉચો છું એમ માનનાર; ગર્વિષ્ઠ. अपने आपको उन्नत माननेवाला; गर्विष्ठ; अभिमानी. proud; conceited.

"उरणयमाथेय नरे महया मोहेण मुज्झसि" आया० १, ५, ४, १५७;

उरणयथयर. त्रि० (**उन्नततर**) વધારે ઉંચા. बहुत उंचा. More elevated; higher. भग० ३, १;

उरणा. स्त्री० (**ऊर्णा**) ઊન. ऊन. Wool. भग० ८, ६; १५, १; —**लोम**. पुं० (**–रोमन्**) ઊનના રોમ-રેસા. ऊन के बाल. hair in the form of wool. भग० ८, ६; १५, १;

उरणाम. पुं० (**उन्नाम**) ગર્વ; અહંકાર; મદ. गर्व; अहंकार; घमंड; मद. Pride; intoxication. (२) મદના પરિણામથી બંધાતું મોહનીય કર્મ. मद रूप परिणामसे बंधनेवाला मोहनीय कर्म. deluding Karma incurred by pride. भग० १२, ५;

उरिणअ-य त्रि० (**और्णिक**) ઊનનું. ऊन का; ऊनका बना हुआ. Made of wool; woollen. वव० २, २३; अणुजो० ३७; ओघ० नि० भा० ८६; ओघ० नि० ७०६; (२) ઊનનાં બનેલ રજોહરણાદિ. ऊन के बने हुए रजोहरणादि. a kind of brush etc. made of wool. ठा० ५;

उरह त्रि० (**उष्ण – उषति दहति जन्तू निरयुष्णः**) ગરમ; ઊનું; ઉષ્ણ. गर्म; उष्ण. Hot. पंचा० १७, ४६; क० गं० १, ४१; सू० प० १०; उत्त० ३६, २०; आया० १, ५, ६, १७०; दसा० ७ १; पिं० नि० भा० १३; नाया० १; ५; ६; भग० २, १; ४, १०, ७, १; (२) पुं० ગરમી; ઉષ્ણતા; તાપ; તડકો. गर्मी; उष्णता; घाम; धूप. heat; sun shine. राय० ७३६; नाया० १; ओव० ३६; उत्त० २, ६; पिं० नि० २००; —**अभितत्त**. त्रि० (**–अभितप्त**) ગરમીથી અત્યન્ત પીડિત-દુઃખી થયેલ. गर्मी से अत्यन्त दुःखी. troubled by excessive heat. "उरहाभितत्तो मेहावी" उत्त० २, ६; —**अभिहय**. त्रि० (**–अभिहत**) સૂર્યની ગરમીથી અભિભૂત થયેલ-પીડિત. सूर्य की गर्मी से पीडित. overpowered, oppressed, by excessive heat. "उरहाभिहए तरहाभिहए" जीवा० ३; भग० १६, ४; —**उदग्र**. न० (**–उदक**) ઊનું પાણી. गरम जल. hot water. कप्प० ४, ६२; —**ग्गाहिय**. त्रि० (**–ग्राहित**) ગરમી આપેલ. उष्णता दिया हुआ; जिसे गर्मी दी गई हो वह. heated; made hot. नाया० ५; —**दिन्न**. त्रि० (**–दत्त**) ગરમી દીધેલ; તડકે નાખેલ. धूप में डाला हुआ; जिसे गर्मी दी हो वह. heated; put in the sunshine. भग० २, १; —**परियाव**. पुं० (**–परिताप**) અતિશય ગરમીનો પરિતાપ. बहुत गर्मी का परिताप. great affliction caused by heat. उत्त० २, १०; —**वाय**. पुं० (**–वात**) ઊનો વાયુ; ગરમ પવન. गर्म हवा. hot wind. नाया० १; —**सह**. न० (**–सह**) ગરમીનું સહન કરવું તે. गर्मी का सहन करना. endurance of heat. भग० १५, १,

उरहवण. न० (**उष्णापन**) ઊનું કરવું તે. गर्म करना. Heating. पिं० नि० २४०;

उत्त. त्रि० (**उक्त**) કહેલ. कहा हुआ. Said; expressed. दस० ६, ४६; विशे० १०५; उत्त० १, ६; क० गं० ४, ८३;

उत्त. त्रि० (**उप्त**) વાવેલ. बोया हुआ. Sown. (२) બનાવેલ. बनाया हुआ made. "देवउत्ते अयंलोए" सूय० १, १, ३, ५; पिं० नि० १७२;

उत्तण. न० (उत्तृण-उद्गतानि प्रादुर्भूतानि तृणानि यत्रेति) જેમાં ઘાસ ઉગેલું છે તે; ઉત્પન્ન થયેલ તૃણવાળું. जिसमें घांस ऊगा हुआ हो वह. Grassy. अणुजो० १४७;

उत्तत्थ. त्रि० (उत्त्रस्त) ત્રાસયુક્ત. त्रास पाया हुआ; त्रासयुक्त. Terrified. पण्ह० १, ३; भग० ३, ३;

उत्तम. त्रि० (उत्तम) ઉત્તમ; સર્વોત્કૃષ્ટ; પ્રધાન. सर्वोत्कृष्ट; श्रेष्ठ; प्रधान; अच्छा. Best; excellent. नाया० १; उत्त० १०, १६; ओव० १०; राय० २३; दस० ८, ६१; ६, २, २४; भग० २, १; ३, १; ७, ६, ६, ३३; १५, १; कप्प० ३, ५६; —कट्ठपत्त. त्रि० (-काष्ठाप्राप्त) ઉત્તમ અવસ્થાએ પહોંચેલ; ઊંચી સ્થિતિને પ્રાપ્ત થયેલ. उत्तम अवस्था को पहुंचा हुआ; उच्च स्थिति को प्राप्त. (one) in an excellent condition. " दुसमदुसमसमाए उत्तमकट्ठपत्ताए " सू० प० १; " उत्तमकट्ठपत्ताए भरहस्सवासस्स " भग० ७, ६; जं० प० २, २६; ७, १३४; —कट्ठा. स्त्री० (-काष्ठा) પ્રકૃષ્ટ અવસ્થા; ઉત્તમ સ્થિતિ. प्रकृष्ट अवस्था; उत्तम स्थिति. best condition. जं० प० —गुण. पुं० (-गुण) પ્રધાન શ્રેષ્ઠ ગુણ. प्रधान-श्रेष्ठ गुण. excellent, highest quality. पंचा० ४, ४८; —गुणबहुमाण. पुं० (-गुणबहुमान) ઉત્તમ ગુણનો પક્ષપાત. उत्तम गुण का पक्षपात. honour paid to excellent or highest quality. " उत्तम गुणबहुमाणो " पंचा० ४, ४८; —चरिय. न० (-चरित) સત્પુરૂષ ચેષ્ટિત-ચરિત્ર. सत्पुरुष चेष्टित-चरित्र. high or noble conduct. पंचा० २, ३३; —जत्ता. स्त्री० (-यात्रा) શ્રેષ્ઠયાત્રા (જાત્રા). श्रेष्ठ यात्रा. highest, best, pilgrimage. पंचा० ६, ४५; —जोगित्त. न० (-योगित्व) અયોગી અવસ્થારૂપ સંવર દ્વાર. अयोगी अवस्थारूप संवर द्वार. stoppage of Karma (Samvara) by cessation of all vibratory activity of the soul. ठा० ५; —ट्ठाण. न० (-स्थान) મોક્ષ સ્થાન. मोक्ष स्थान. salvation; absolution. " धीरो अमूढलक्खीसो गच्छइ उत्तमट्ठाणं " आउ० —णिदंसण. न० (-निदर्शन) પ્રધાન દૃષ્ટાંત-ઉદાહરણ. श्रेष्ठ उदाहरण, मुख्य दृष्टांत. an excellent illustration; पंचा० ६, ४४; —धम्मपसिद्धि. स्त्री० (-धर्मप्रसिद्धि) ઉત્તમ ધર્મ (જૈન ધર્મ) ની પ્રસિદ્ધિ. उत्तम-श्रेष्ठ-धर्म (जैन धर्म) की प्रसिद्धि. the celebrity of the best religion (Jaina religion). " उत्तम धम्म पसिद्धि पूयाए जिण वरिंदाण " पंचा० ४, ४८; —पुरिस. पुं० (-पुरुष) તીર્થંકર, ચક્રવર્તિ, બલદેવ, વાસુદેવ આદિ ઉત્તમ પુરૂષ. तीर्थंकर, चक्रवर्ति, बलदेवादि उत्तम पुरुष. an excellent person; e. g. Tīrthaṅkara, Chakravartī, Baladeva, Vāsudeva etc. सम० प० २३६; सम० ५४; पन्न० ६; ठा० ३; नाया० १६; —पोग्गल. पुं० (-पुद्गल) આત્મા; ઉત્તમ પુદ્ગલ. आत्मा; उत्तम पुद्गल. the best substance; the soul. " से पंडिए उत्तम पोग्गले से " सूय० १, १३, १५; —बलविरियसत्तजुत्त. त्रि० (-बलवीर्यसत्त्वयुक्त) ઉત્તમ બલ વીર્ય સત્વવાન્. उत्तम बल वीर्यवाला. (one) possessed of the highest strength and might. भग० ६, ३३; —रिद्धि. पुं० (-ऋद्धि) પ્રધાન

वैभव. श्रेष्ठ संपत्ति; प्रधान वैभव. highest glory or prosperity. "सेयाय उत्तमाखलु उत्तमरिद्धिए कायव्वा" पंचा० ६, ४४; —विउव्वि. त्रि० (-विकुर्विन्) उत्तमं विकुर्वन्तीत्येवं शीलाः) ઉત્તમ પ્રકારનું વૈક્રિય કરનાર. उत्तम प्रकार की विक्रिया-रूपान्तर करनेवाला. (one) able to effect the best transformation e. g, of body. जीवा० ४; —संघयणि. पुं० (-संहननिन्) ઉંચા સંઘયણ વાળો. उच्च संहननवाला. one possessed of a high order of physical or bony constitution. क० प० ४, १०; —सुयवण्णिय. त्रि० (-श्रुतवर्णित) પ્રધાન આગમમાં કહેલ. प्रधान आगम में कहा हुआ. mentioned in the highest scripture. पंचा० ६, ४५;

उत्तमंग. न० (उत्तमाङ्ग) મસ્તક; માથું. मस्तक; शिर. The head. "लोय विरलु उत्तमंग" पिं० नि० २६२; जं० प० ओव० १०; जीवा० ३, ३; सूय० १, ५, १, १५; दसा० ६, ४; नाया० १८; प्रव० २५४; पंचा० ३, १८;

उत्तमट्ठ. पुं० (उत्तमार्थ—उत्तमश्चासावर्थश्चोत्तमार्थः) ઉત્તમ પદાર્થ; મોક્ષ. उत्तम पदार्थ; श्रेष्ठ अर्थ; मोक्ष. The highest or best category viz salvation. उत्त० २५, ६; आउ० ११; (२) ઉપવાસી રહેવું તે. उपासे रहना. fasting. ओघ० नि० ७; —गवेसय. त्रि० (गवेषक) મોક્ષનો અભિલાષી मोक्ष का अभिलाषी. desirous of salvation. "नविरुट्ठो नवि तुट्ठो, उत्तमट्ठ गवेसओ" उत्त० २५, ६; —पत्त. त्रि० (-प्राप्त) ઉત્તમ અવસ્થાને પ્રાપ્ત થયેલ. उत्तम अवस्था को पहुंचा हुआ. (one) who has reached the highest condition or salvation. "सुसुमाए समाए उत्तमट्ठपत्ताए अरहस्स" भग० ६, ७;

उत्तमा. स्त्री० (उत्तमा) યક્ષના ઈંદ્ર પૂર્ણભદ્રની ત્રીજી પટ્ટરાણી. यक्ष के इन्द्र पूर्णभद्र की तीसरी पट्टरानी. The third crowned queen of Pūrṇabhadra the Indra of Yakṣas. ठा० ४, १; नाया० ध० ५; भग० १; ५; (२) પખવાડીયાની પન્દર રાત્રિમાંની પહેલી રાત્રિ. पखवाडे की पंद्रह रात्रियों में की पहली रात्रि. the 1st of the 15 nights of a fortnight. जं० प० सू० प० १०;

उत्तर. त्रि० (उत्तर) શ્રેષ્ઠ; પ્રધાન; ઉત્તમ. प्रधान; मुख्य; श्रेष्ठ; अच्छा. Best; highest; prominent. भग० ३, १; ७, २; उत्त० ५, २०; २६; नाया० १; ८; उवा० १, ६६; ओघ० नि० ४३२; (२) બીજું; ઇતર; અન્ય. दूसरा; अन्य. another; next. क० गं० १, २; सम० ८; पन्न० ३४; जं० प० ५, ११२; दस० २, ३; (३) વૃદ્ધિગત वृद्धि को प्राप्त. increased. "कइपएसुत्तरा" भग० १३, ४; (४) ઐરવતક્ષેત્રમાં આવતી ઉત્સર્પિણીમાં થનાર ૨૨ મા તીર્થંકર ऐरवतक्षेत्र में आगामी उत्सर्पिणी में होने वाले २२ वें तीर्थंकर. the future 22nd Tīrthaṅkara of Airavata-kṣetra in the coming Utsarpiṇī. सम० प० २४३; (५) ઉતરણ; ઉતરવું તે. उतरना. descending. (६) અધિક. अधिक; ज्यादह. more; additional. पन्न० २; सूय० १, २, २, २४; (७) મુખ્ય નહિ; પેટાભાગ; મૂલની શાખા. गौण; उपविभाग; मूल की शाखा a branch of the main stock; a

sub-division. उत्त० ३३, १६; (८) ઉત્તર દિશા; ઉત્તર પ્રદેશ. उत्तर दिशा; उत्तर प्रदेश. the north; the north region राय० ४; ६३; जं० प० १, ११; जीवा० ३, १; नाया० ३; ८; भग० ३, ७; ५, ४; सम० ६; वेय० १, ४९; दस० ६, ३४; (९) ઉપર. ऊपर. above; upwards. भग० २४, १२; —**अंग.** न० (-**अंग**) દરવાજા ઉપર આડું લાકડું સ્થાપવામાં આવે છે તે. द्वार पर जो आड़ी लकड़ी लगाई जाती है वह. a horizontal piece of wood placed on a gate जीवा० ३, ४; राय० १०६; प्रव० ६६०; —**अभिमुह.** त्रि० (-**अभिमुख**) ઉત્તર દિશાની સન્મુખ. उत्तर दिशा के सन्मुख. turned towards the north. दसा० ७, १; भग०११,१०; सम०४७;—**अवक्कमण** न० (-**अपक्रमण**) ઉત્તર દિશામાં જવું તે. उत्तर दिशा में जाना. going towards the north. भग० ६, ३३; १३, ६, नाया० १; ८; —(**रिं**) **इंद.** पुं० (-**इन्द्र**) ઉત્તર દિશાનો ઇંદ્ર. उत्तर दिशा का इन्द्र. the Indra of the north. भग० १, ५; —(**रु**)**उट्ट.** पुं० (-**ओष्ठ**) ઉપલો હોઠ. ऊपर का ओंठ. the upper lip. "**भमुहा अहरुट्टा अह पुण एवं जाणिज्जा**" कप्प० ६, ४३; जं० पं० २, २०; निसी० ३, ५६; —**उत्तर.** पुं० (-**उत्तर**) ઉત્તરોત્તર; એક બીજાથી શ્રેષ્ઠ. उत्तरोत्तर; क्रमशः एक दूसरे से श्रेष्ठ; in ascending order; superior "**अक्खाउत्तरउत्तरा**" उत्त० ३, १४; —**उल.** त्रि० (-**कुल**) ઉપરને કાંઠે વસનાર; તાપસ. ऊपर के तट पर बसनेवाले तापस. (an ascetic) residing on the upper part of the bank. निर० ३, ३; —(**रो**)**ओट्ठ.** पुं० (-**ओष्ठ**) ઉપલો હોઠ. ऊपर का ओंठ. the upper lip. निसी० ३, ५४; —**कुंचुइज्ज.** त्रि० (-**कञ्चुयिक**) ઉપર બખતર પહેરનાર. ऊपर बख़्तर पहनने वाला. (one) putting on armour appearing outside; armoured. विवा० २; —**कंचुय.** पुं० (-**कञ्चुक**) ઉપલો બખતર. ऊपर का बख्तर. the outer armour विवा० २; —**कट्ठोवगय.** त्रि० (-**काष्ठोपगत**) ઉત્તર દિશામાં પ્રાપ્ત થયેલ. उत्तर दिशा तक पहुंचा हुआ. (one) that has reached the northern direction. सम० —**करण.** न० (-**करण**) શસ્ત્રાદિને પત્થર સાથે ઘસી ધારવાળું તથા સાફ કરવું તે. पत्थर पर शस्त्रादि को घिस कर धार करना या उन्हें साफ करना. sharpening of weapons etc on a stone; "**जे भिक्खू सूचीए उत्तरकरणं अण्ण उत्थिएण वा गारत्थएण वा करेइ करंतं वा साजइ**" निसी०१,१५;१६;—**किरिया.** न०(-**क्रिया**) વૈક્રિય શરીરદ્વારા ગમન કરવું તે. वैक्रिय विचित्र शरीर में गमन करना. act of going in the Vaikriya body (physical body of a fluid nature). भग० ५, १; —**कूलग.** पुं० (-**कूलग**) એક જાતના વાનપ્રસ્થ તાપસ કે જે ગંગા નદીના ઉત્તર કાંઠે રહેતા હતા. एक प्रकार के वानप्रस्थ तापसी जोकि गंगा नदी के उत्तर किनारे पर रहते थे. one of a kind of forest ascetics residing on the northern bank of the Ganges. भग० ११, ६; ओव० —**गमिअ.** त्रि० (-**गामिक**) ઉત્તર દિશામાં ગમન કરનાર. उत्तर दिशा में गमन करने वाला going towards the north. दसा० ६,

२; —गिह. न० (-गृह) ઉપરનું બીજું ઘર. દૂસરા ઘર; भिन्न घर. a separate upper house, another upper house. निसी० ६, १६; —उज्झाय. पुं० (-अध्याय-उत्तरा प्रधाना अध्यया या अध्ययनानि। उत्तराश्चते अध्यायाश्च वा उत्तराध्यायाः) ઉત્તરાધ્યયન સૂત્રના વિનયાદિ છત્રીસ અધ્યયન. उत्तराध्ययन सूत्र के विनयादि छत्तीस अध्याय. the 36 chapters viz Vinaya etc. of Uttarādhyayana Sūtra. "छत्तीस उत्तरज्झाए भवसिद्धिय" उत्त० ३६, २७२; —दारियणक्खत्त. न० (द्वारिकनक्षत्र) ઉત્તર દિશા તરફ મુખ રાખનાર નક્ષત્ર; સ્વાતિ આદિ સાત નક્ષત્ર. उत्तर दिशा की ओर मुख रखने वाला नक्षत्र; स्वाति आदि सात नक्षत्र. a constellation facing the north; any of the seven constellations viz Swati etc. "साइयाणं सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिया पण्णत्ता" ठा० ७; —दाहिण. पुं० (-दक्षिण) ઉત્તર અને દક્ષિણ દિશા. उत्तर और दक्षिण दिशा. the north and the south. भग० ५, १; —दाहिणायय. त्रि० (-दक्षिणायत्त) ઉત્તર દક્ષિણ લાંબું. उत्तर दक्षिण लंबा. extended lengthwise in the north and the south. "उत्तरदाहिणायए पाईण पडीण विच्छिण्णे" जं० प० —दिसा. स्त्री० (-दिशा) ઉત્તર દિશા. उत्तर दिशा. the north. ओघ० नि० ६६२; —पगइ. स्त्री० (-प्रकृति) જ્ઞાનાવરણીય આદિ મૂલ આઠ કર્મના અવાન્તર ભેદ; કર્મની પ્રકૃતિ. ज्ञानावरणीय आदि मूल आठ कर्मों के अवान्तर भेद; कर्म की उत्तर प्रकृति. any of the sub divisions of the eight main divisions of Karma viz knowledge-obscuring etc. आया० नि० १, २, १; क० प० २, ४४; क० गं० १, २; —पगडि. स्त्री० (-प्रकृति) કર્મની ઉત્તર પ્રકૃતિ-પેટા ભાગની પ્રકૃતિ. कर्म की उत्तर प्रकृति. a subvariety of Karma. प्रव० १२८६; —पगडिबंध. पुं० (-प्रकृतिबन्ध) કર્મની ઉત્તર પ્રકૃતિનો બન્ધ. कर्म की उत्तर प्रकृतियों का बंध. bondage caused by any of the sub-divisons of the main eight divisions of Karma. भग० १८, ३; —पच्चच्छिम. पुं० (-पश्चिम) વાયવ્ય ખુણો; ઉત્તર અને પશ્ચિમ વચ્ચેનો પ્રદેશ. वायव्य कोन; उत्तर और पश्चिम के बीच का प्रदेश. the north-west. भग० ५, १; —पच्चच्छिमिल्ल. पुं० (-पश्चिम) વાયવ્ય કોણ; ઉત્તર અને પશ્ચિમ વચ્ચેનો પ્રદેશ. वायव्य कोन; उत्तर और पश्चिम के बीच का प्रदेश. the north-west quarter. जं० प० ४, १०४; —पच्चत्थिम. पुं० (पश्चिम) જુઓ "उत्तर पच्चच्छिम" શબ્દ. देखो "उत्तर पच्चच्छिम" शब्द. vide 'उत्तर पच्चच्छिम' जं० प० ४, १०४; —पच्चत्थिमिल्ल. पुं० (-पश्चिमक) જુઓ "उत्तरपच्चच्छिमिल्ल" શબ્દ. देखो "उत्तरपच्चच्छिमिल्ल" शब्द. vide "उत्तरपच्चच्छिमिल्ल" जं० प० ४, १०४; —पट्ट. पुं० (-पट्ट) ડાભડાં કામળાની પથારી ઉપર પાથરવાનું વસ્ત્ર. घांस या कम्बल के बिछौने के ऊपर बिछाने का वस्त्र. a covering for a bed of straw or of a blanket. ओघ० नि० १२३; प्रव० ५२१; —पडिउत्तर. न० (-प्रत्युत्तर) ઉત્તર પ્રત્યુત્તર; સવાલ જવાબ. उत्तर प्रत्युत्तर; सवाल जवाब

question and answer. गच्छा० १२६; —पयडि. स्त्री० (–प्रकृति) જુઓ "उत्तरपगडि" શબ્દ. देखो "उत्तरपगडि" शब्द. vide "उत्तरपगडि" प्रव० ४६; —पुरच्छिम. पुं० स्त्री० (–पौरस्त्य) ઈશાન ખુણો. ईशान कोन. the north-east. "तोसेणं मिहिलाए उत्तरपुरच्छिमे दिसि भाए" सू० प० १; दसा० ५, १; विवा० १; निर० ५, १; नाया० १; २; ४; ५; ८; १२; १३; १४; १६; भग० २, १; ६, ५; ६, ३; १०; १; १५, १; सु० च० २, २२१; —पुरच्छिमिल्ल. पुं० (–पौरस्त्य) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide above. भग० ३, ३; —पुरत्थिम. पुं० (–पौरस्त्य) ઉત્તર અને પૂર્વ દિશાની વચ્ચેનો પ્રદેશ; ઈશાન કોણ. उत्तर और पूर्व दिशाके बीचका प्रदेश; ईशान कोन. the north-east. ओव० भग० १, १; २, ७; ३, १; राय० ६४; १५०; सूय० २, १, ४; जं० प० ५, ११७; कप्प० २, २६; —पोट्ठवया. स्त्री० (–प्रौष्ठपदा) ઉત્તરા–ભાદ્રપદ નક્ષત્ર. उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र. the constellation Uttarā–Bhādrapada. सू० प० ४; —फग्गुणी. स्त्री० (–फाल्गुनी) ઉત્તરાફાલ્ગુની નક્ષત્ર; ૧૯ મું નક્ષત્ર. उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र; १६वां नक्षत्र. the 19th constellation viz Uttarā-fālgunī. "उत्तर फग्गुणी-णक्खत्ते दुतारेपरणत्ता" ठा० २; —बाहिर. त्रि० (–बहिर्) ઉત્તર તરફના બહારનું. उत्तर दिशाके बाहिर. outside the northern quarter. भग० ५; ६; —(ऽ) ब्भंतर. न० (–अभ्यन्तर) ઉત્તર તરફના અન્દરનું. उत्तर दिशाके भीतर. within the northern quarter. भग० ६, ५; —भेय. पुं० (–भेद) મૂલની અપેક્ષાએ ઉત્તર પ્રકાર. मूलकी अपेक्षा से उत्तर भेद. further development or stage as compared with the original stage. क० गं० १, ३०; —वाअ-य. पुं० (–वाद) ઉત્કૃષ્ટ વાદ. उत्कृष्ट वाद. the highest tenet or doctrine. "आणाए मामगं धम्मं एस उत्तर वाए" आया० १, ६, २, १८४; —वेउव्वि. त्रि० (*) જન્મપછી ગમે તે વખતે વૈક્રિય શક્તિથી વૈક્રિય શરીર બનાવનાર. जन्म के बाद चाहे जब वैक्रिय शक्तिसे वैक्रिय शरीर बनानेवाला. (one) who is able to evolve Vaikriya body by Vaikriya power at any time after birth. जं० प० ५, ११७; —वेउव्विय-अ. त्रि० (*) જન્મપછી કોઇપણ વખતે ધારણાપ્રમાણે ન્હાનું મોટું શરીર બનાવી શકાય તેવી–વૈક્રિય શક્તિ અને તે શક્તિથી શરીર રચના કરવી તે. जन्म के पश्चात् किसी भी समय धारणाके अनुसार-इच्छानुसार छोटा बड़ा शरीर बना सकने योग्य वैक्रिय शक्ति और उस शक्ति से शरीर रचना करना. the Vaikriya power i. e. the power of contracting or expanding the body at any time after birth to any size one wishes; making the body large or small by the use of this power. 'उत्तरवेउव्विय रूवं विउ-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

व्वइ" राय० २६; प्रव० १०६४; कप्प० २, २; अणुजो० १३४; नाया० ८; जं० प० ५, १३७; भग० १, ५; ३, १; २४, १२; पन्न० १५; —वेउव्विया. स्त्री० (*) મૂલ શરીરથી ન્હાનું વા મ્હોટું રૂપ બનાવવાથી પ્રાપ્ત થયેલ શરીરની અવગાહના. मूल शरीरसे छोटा या बडा रूप बनाने से प्राप्त हुई शरीरकी अवगाहना - शरीरका कद. occupation of space by a body contracted or expanded by the Vaikriyaka power. जीवा० ३; —साल न० (-शाला) એક જાતનું ઘર; બેસવાનું સ્થાન-મંડપ વગેરે. एक प्रकार का घर; बैठनेका मंडप आदि स्थान. a kind of house; a room used for sitting. "उत्तर साला गिहा वत्तव्वा" निसी० ८, १६;

उत्तरश्रो. अ० (उत्तरतः) ઉત્તરોત્તરથી. उत्तरोत्तर से. From one birth or generation etc. to another. क० प० ७, ४७; जं० प० १६४;

उत्तरकुरा. पुं० स्त्री० (उत्तरकुरु) મેરુથી ઉત્તરે મહાવિદેહાન્તર્ગત જુગલિયાનું એક ક્ષેત્ર. मेरुके उत्तरकी ओर महाविदहान्तर्गत जुगलिया का एक क्षेत्र. A region of Jugaliyās (a Karma Bhūmi) in Mahāvideha to the north of Meru. "कहिणं भंते ! महाविदेहे वासे उत्तरकुराणामंकुरा पण्णत्ता गोयमा? " जं० प० ४; (२) २२ मा तीर्थंकरनी प्रव्रज्या पालखीनुं नाम. २२ वें तीर्थंकरकी दीक्षा पालकीका नाम. name of the palankeen of the 22nd Tīrthaṅkara at the time of Dīkṣā. सम० प० २३१; कप्प० ६, १७३;

उत्तरकुरु. पुं० (उत्तरकुरु) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. जं० प० जीवा० ३; सम० ४६; पन्न० १; १६; भग० २; ८; नाया० ४; १२; १३; १७; (२) તે ક્ષેત્રના મનુષ્ય. उत्तर कुरु क्षेत्रके मनुष्य. a native of the above said region. अणुजो० १३१; (३) તે ક્ષેત્રના અધિષ્ઠાતા દેવનું નામ. उक्त क्षेत्रके अधिष्ठाता देवका नाम. name of the presiding deity of the above said region. जं० प० ५, १२०; (४) ઉત્તરકુરુ નામનો એક દ્રહ. उत्तरकुरु नामक एक द्रह. name of a lake. जीवा० ३४; जं० प० —उज्जाण न० (-उद्यान) એ નામનું સાકેતપુર નગરની બહારનું એક ઉદ્યાન. साकेतपुर नगर के बाहिर के एक उद्यानका नाम. name of a garden outside the city of Sāketapura. नाया० ध० ६; विवा० १०; —कूड. पुं० (-कूट) માલ્યવન્ત નામે વખારા પર્વતનું ઉંચું શિખર. माल्यवंत नामक वखारा पर्वतका ऊंचा शिखर. the high summit Mālyavanta of the Vakhārā mount. ठा० ८; (२) મહાવિદેહના ગન્ધમાદન પર્વતના ચોથા શિખરનું નામ. महाविदेह के गन्धमादन पर्वत के चौथे शिखरका नाम. name of the 4th summit of the Gandhamādana mount in Mahāvideha. ठा० १०; जं० प० —द्दह. पुं० (-द्रह)

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ઉત્તર કુરૂ નામનો ૩ જો હૃદ-દ્રહ. उत्तर-कुरु नामक तीसरा द्रह. the 3rd lake bearing the name of Uttara-kuru. ठा. ६; —वत्तव्वया. स्त्री० (-वक्तव्यता) ઉત્તર કુરૂનો અધિકાર. उत्तर कुरु का वर्णन. the subject-matter or topic dealing with Uttara-kuru. भग० ६, ७;

उत्तरकुरुअ. त्रि० (उत्तरकुरुक) ઉત્તરકુરૂ ક્ષેત્રમાં જન્મેલ; ઉત્તરકુરુક્ષેત્રવાસી. उत्तर-कुरु क्षेत्र में पैदा हुआ; उत्तरकुरु क्षेत्र में निवास करनेवाला. Born in Uttara-Kuru Kṣetra. अणुजो० १३१;

उत्तर कुरुग. पुं० (उत्तरकुरुक) જુઓ "उत्तर कुरुअ" શબ્દ. देखो "उत्तर कुरुअ" शब्द. Vide "उत्तर कुरुअ" भग० ६, ७;

उत्तर कोडि. स्त्री० (उत्तरकोटि) ગાન્ધર્વ ગ્રામની ૭મી મૂર્ચ્છના. गान्धर्व ग्राम की ७वीं मूर्च्छना. The 7th note of the musical scale. ठा० ७;

उत्तर गंधारा. स्त्री० (उत्तरगान्धारा) ગાંધાર ગ્રામની પાંચમી મૂર્ચ્છના. गान्धार ग्राम की पांचवीं मूर्च्छना. The 5th note of the musical scale. ठा० ७, १; अणुजो० १२८;

उत्तर गुण. पुं० (उत्तरगुण) મૂલ ગુણની અપેક્ષાયે ઉત્તર ગુણ; સ્વાધ્યાય પિણ્ડ વિશુદ્ધિ આદિ; દશ પ્રકારના પચ્ચખાણ. मूल गुण की अपेक्षा से उत्तर गुण; स्वाध्याय, पिण्ड विशुद्धि आदि; दश प्रकार के पच्चक्खाण. A secondary quality; study of scriptures, purity of food etc.; 10 kinds of Pachchakhāṇas (vows). पंचा० १, ७; प्रव० ७३६; उत्त० २६, १७; भग० २५, ६; —पच्चक्खाण. पुं० (-प्रत्याख्यान) ઉત્તરગુણ-રૂપ પચ્ચખાણ; પચ્ચખાણનો એક પ્રકાર. उत्तर गुण रूप पच्चक्खाण; पच्चक्खाण का एक भेद. a kind of Pachchakhāṇa in the form of the practice or observance of Uttaraguṇas. "उत्तरगुण पच्चक्खाणेणं कइ विहे पण्णत्ते" भग० ७, २; —लद्धि. स्त्री० (-लब्धि) ઉત્તર ગુણ-પિણ્ડ વિશુદ્ધિ આદિ તપની લબ્ધિ. उत्तर गुण अर्थात् पिण्ड विशुद्धि आदि तप की प्राप्ति. attainment of Uttara Guṇas e. g. purity of food, study of scriptures etc. regarded as austerities. "उत्तरगुण लद्धि खयमाणस्स" भग० २०, ६; पन्न० ११; —सड्ढा. स्त्री० (-श्रद्धा) પ્રધાનતર-ઊંચા ગુણની અભિલાષા. प्रधानतर-उच्च गुणों की श्रद्धा-अभिलाषा-चाह. desire to acquire higher qualities. पंचा० १, ३७;

उत्तर चूल. पुं० (उत्तरचूड) વંદના કરીને પછી 'મત્થએણં વંદામિ' કહેવું તે; વંદનાનો ૧૯ મો દોષ. वंदना करने के पश्चात् 'मत्थएणं वंदामि' कहना; वंदना का १६ वां दोष. The 19th fault of salutation; viz uttering the words "I bow with my head" after salutation (instead of before it). प्रव० १५३;

उत्तर चूलिया. स्त्री० (उत्तरचूलिका) વંદન કરીને પછી 'મસ્તકે કરી નમું છું' એમ કહેવું તે. वंदना करके पीछे 'मस्तक से नमन करता हूं' इस प्रकार कहना. uttering the words "I bow

with my head" after salutation (instead of before it) प्रव० १५३;

उत्तरद्ध. न० (उत्तरार्द्ध) ઉત્તરાર્ધ; વૈતાઢ્યથી કે મેરૂથી ઉત્તર બાજુનો પ્રદેશ. उत्तरार्द्ध; वैताढ्य या मेरुपर्वत से उत्तर की ओर का प्रदेश. The northern half, viz the region north of Vaitāḍhya or Meru. सम० ३६; अणुजो० १४८; जं० प० भग० ३, १; ५, १: —**भरत.** पुं० (-भरत) વૈતાઢ્ય પર્વતથી ઉત્તરનો ભરત પ્રદેશ. वैताढ्य पर्वत से उत्तर की ओर का भरत प्रदेश. the Bharata region to the north of Vaitāḍhya mountain. जं० प० —**भरह कूड.** पुं० (-भरतकूट) જંબૂદ્વીપના વૈતાઢ્ય પર્વતનું ૮મું શિખર. जंबूद्वीप के वैताढ्य पर्वत का ८वां शिखर. the 8th summit of the Vaitāḍhya mountain of Jambūdvīpa. (२) તેનો અધિષ્ઠાતા દેવતા. उक्त शिखर का अधिष्ठाता देव. the presiding deity of the above. जं० प० १, १२:

उत्तरद्ध भरहा. स्त्री० (उत्तरार्द्धभरता) ઉત્તરાર્ધ ભરતકૂટની પાસે ઉત્તરાર્ધ-ભરતા નામની રાજધાની. उत्तरार्द्ध भरतकूट के समीप उत्तरार्द्धभरता नाम की राजधानी. Name of a capital city near the Uttarārdha Bharatakūṭa. जं० प० ३, ५३; —**माणुस्सक्खेत्त.** न० (-मानुष्यक्षेत्र—मनुष्य क्षेत्रस्यार्द्धमर्द्ध मनुष्य क्षेत्रं उत्तरंचेतद्भाति) મનુષ્ય ક્ષેત્રનો ઉત્તરાર્ધ પ્રદેશ. मनुष्य क्षेत्र का उत्तरार्द्ध प्रदेश. the northern half of the region of Manuṣya Kṣetra. "उत्तरद्धमाणुस्सखेत्ताणं छावट्ठिं चंदा पभासिंसु" सम०

उत्तरण. न० (उत्तरण) તરી જવું; પાર ઉતરવું. तिरजाना; पार उतरना. Crossing; going to the opposite shore or end. "उत्तरणं चंदसूराणं" नाया० ६; सम० ७; ठा० ५; १०;

उत्तरणप्पाअ. त्रि० (उत्तरणप्राय) પાર ઉતરવા જેવું. पार उतरने योग्य. Worthy of, capable of being crossed. "असुहतरंडुत्तरणप्पाआ" पंचा० ६, २१;

उत्तरपुव्वा. पुं० (उत्तरपूर्वा) ઈશાન ખુણો ઉત્તર અને પૂર્વ વચ્ચેની વિદિશા. उत्तर और पूर्व के बीच की विदिशा ईशान कोन. The north-east. प्रव० ७६०;

उत्तर बलिय. पुं० (उत्तरबालिय) ઉત્તર બલિય નામે એક ગણ. उत्तर बलिय नामक एक गण. Name of a Gaṇa. "गोदासगणे उत्तरबालियस्सयगणे उद्देहगणे" ठा० ६, १;

उत्तरबालिसह. पुं० (उत्तरबलिस्सह) ઉત્તર બલિસ્સહ સ્થવિરથી નિકલેલ એ જાતનો એક ગણ. उत्तरबलिस्सह स्थविर से निकला हुआ इस जाति का एक गण. Name of an order of monks (Gaṇa) derived from the Sthvira named Uttarabalissaha. कप्प० ८;

उत्तरबलिस्सह पुं० (उत्तरबलिस्सह) મહાગિરિ સ્થવિરના પ્રથમ શિષ્ય અને તેનાથી નિકલેલ ગણ. महागिरि नामक स्थविर का प्रथम शिष्य और उससे निकला हुआ गण. The first disciple of the saint Mahāgiri and the order established by him. "थेरेहिंतोणं

उत्तरबलिस्सहेहिंतो तत्थण उत्तर बलिस्सहे" ठा० ६, १;

उत्तरभद्दवया. स्त्री० (उत्तराभाद्रपदा) અભિજિત વગેરે નક્ષત્રમાંનું ૬ ઠું નક્ષત્ર; ઉત્તરાભાદ્રપદ નક્ષત્ર. अभिजित वगैरह नक्षत्रों में का छठवां नक्षत्र; उत्तरा भाद्रपद. The constellation Uttarā Bhādrapadā i. e. the 6th of the constellations viz Abhijita etc. "उत्तर भद्दवया णक्खत्ते दुत्तारे पराणत्ता" ठा० ६, १;

उत्तरमंदा. स्त्री० (उत्तरमन्दा) ગન્ધાર સ્વર અન્તર્ગત એક મૂર્છના; મધ્યમ ગ્રામની પહેલી મૂર્છના; गंधार स्वर के अन्तगत एक मूर्छना; मध्यम ग्राम की पहिली मूर्छना कोट. One of the 7 notes of the Indian gamut; the 1st note of the Madhyama scale. राय० १३०; ठा० ७, १; जीवा० ३, ४;

उत्तर वडिंसग. न० (उत्तरावतंसक) એ નામનું એક વિમાન. इस नाम का एक विमान. Name of a celestial abode. जीवा० ३, २;

उत्तर, समा. स्त्री० (उत्तरसमा) મધ્યમ ગ્રામની ચોથી મૂર્છના. मध्यम ग्राम की चौथी मूर्छना; चौथा कोट. The 4th note of the Madhyama musical scale. ठा० ७, १;

उत्तरा. स्त्री० (उत्तरा) ઉત્તરાષાઢા આદિ નક્ષત્ર. उत्तराषाढा आदि नक्षत्र. The constellation Uttarāṣādhā. अणुजो० १३१; (२) મધ્યમ ગ્રામની પહેલી અને ત્રીજી મૂર્છના. मध्यम ग्रामकी पहिली और तीसरी मूर्छना. the third note of the Madhyama musical scale. ठा० ७, १; अणुजो० १२८; १३८; (३) ઉત્તર દિશા. उत्तर दिशा. the north. 'उत्तरा श्रो वा दिसाश्रो आगश्रो अहमंसि" प्रव० ७६०; क० प० ४, २; भग० १०, १; २५, ३; आया० १, १, १, २; —**आसाढा.** स्त्री० (–आषाढा) ઉત્તરાષાઢા નક્ષત્ર. उत्तराषाढा नक्षत्र. the constellation called Uttarāṣādhā. जं० प० २, ३१; ७, १५५; सम० ४; ठा० २, ३;

उत्तरा कोडि. स्त्री० (उत्तराकोटि) એ નામની ગંધાર ગ્રામની સાતમી મૂર્છના. इस नामकी गंधार ग्रामकी सातवी मूर्छना. Name of a certain musical note in the Indian gamut. ठा० ७, १;

उत्तरज्झयण. न० (उत्तराध्ययन) એ નામનું એક મૂલ સૂત્ર; છત્રીશ અધ્યયનના સમૂહરૂપ ઉત્તરાધ્યયન નામે સૂત્ર. इस नामका एक मूल सूत्र. छत्तीस अध्ययनों का समूहरूप उत्तराध्ययन नामक सूत्र. Name of a Mūla Sūtra; name of a scripture containing 36 chapters. नंदी० ४३; —**फग्गुणी.** स्त्री० (–फाल्गुनी) એ નામનું નક્ષત્ર. इस नामका एक नक्षत्र name of a constellation. जं० प० ७, १२६; ५, ११५; सू० प० १०; सम० २; —**भद्दवया.** स्त्री० (–भाद्रपदा) એ નામનું એક નક્ષત્ર. इस नामका नक्षत्र. name of a constellation. सम० २;

उत्तरायण. पुं० (उत्तरायण) સૂર્ય દક્ષિણ દિશામાંથી ઉત્તર દિશામાં જાય તે. सूर्य का दक्षिण दिशा से उत्तर दिशामें जाना. The northward apparent motion of the sun. सम० २४; ठा० ३; —**गय.** पुं० (–गत) કર્ક સંક્રાંતિનો દિવસ; ઉત્તરાયણમાં પ્રવેશ કરતો સૂર્ય कर्क संक्रांतीका दिन;

उत्तरायण में प्रवेश करता हुआ सूर्य. the day of the progress of the sun to the north; the sun commencing its northward progress. सम॰ —णियट्ट. पुं॰ (–निवृत्त) सूर्य उत्तरने मांडलेथी दक्षिणने मांडले जाय ते. सूर्यका उत्तरायणमें दक्षिणायन होना. the returning of the sun towards the south from the north. "उत्तरायणणियट्टे सूरिए" ठा॰ ३; सम॰ २४;

उत्तरायया. स्त्री॰ (उत्तरायता) गंधार ग्रामनी सातमी मूर्छना. गंधार ग्राम की सातवीं मूर्छना. Name of a certain musical note in the Indian gamut. अणुजो॰ १२८;

उत्तरावग. पुं॰ (उत्तरापथक) उत्तरापथ देशनो रूपानो एक सिक्को. उत्तरापथ देश का चांदीका एक सिक्का. Name of a silver coin current in the country of Uttarāpath. प्रव॰ ८०१;

उत्तरावह. पुं॰ (उत्तरापथ) उत्तर तरफनो एक देश. उत्तर की ओरका एक देश. Name of a country in the north. प्रव॰ ८०१;

उत्तरासंग. पुं॰ (उत्तरासङ्ग) मुख उपर दुपट्टानुं आवर्तन करवुं ते. उत्तरासण करवुं ते. उत्तरासन करना. Wrapping of scarf round the face. कप्प॰ २, १४; जं॰ प॰ ५, ११५; भग॰ २, ४; ६, ३३; १५, १; ओव॰ १२; नाया॰ १; १६; विवा॰ १; राय॰ २३; —करण न॰ (–करण) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above "एग साडिएणं उत्तरासङ्ग करणेणं" नाया॰ १;

उत्तरासमा. स्त्री॰ (उत्तरसमा) मध्यम ग्रामनी चोथी मूर्छना. मध्य ग्राम की चौथी मूर्छना. The fourth note in one of the seven primary notes of Indian music. अणुजो॰ १२८;

उत्तराहुत्त. त्रि॰ (उत्तराभिमुख) उत्तर तरफ; उत्तरने सन्मुख. उत्तरकी ओर; उत्तर दिशा के सन्मुख. Towards the north; facing the north "थोवावसेसमियाए मज्झाए ठाइ उत्तराहुत्तो" ओघ॰ नि॰ ६५०;

उत्तरिज्ज. न॰ (उत्तरीय) खभा उपर राखवानुं वस्त्र–दुपट्टो. कंधेपर रखने का वस्त्र-दुपट्टा. A scarf; an upper garment. "उत्तरिज्जं विकड्ढमाणे" उवा॰ ६, १६६; ओव॰ ३१; दसा॰ १०, १; नाया॰ १; ८; ६; १२; १४; भग॰ ६, ३३; जं॰ प॰ कप्प॰ ४, ६२;

उत्तरिज्जग. न॰ (उत्तरीयक) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. उवा॰ ६, १६४;

उत्तरिज्जय न॰ (उत्तरीयक) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. उवा॰ ६, १६४;

उत्तरिय. पुं॰ (उत्तारक) उत्तर गुण-समिति वगेरे. उत्तर गुण-समिति वगैरह. Samiti etc. (i. e. care in walking, eating etc) विशे॰ १२६५; (२) त्रि॰ प्रधान; श्रेष्ठ. प्रधान; मुख्य; श्रेष्ठ; उत्तम. principal; highest; best. नाया॰ ८; वेय॰ ४, १८; ठा॰ १०; (३) दुपट्टो; खभे राखवानुं वस्त्र. दुपट्टा; कंधेपर रखनेका वस्त्र. a scarf; an upper garment. नाया॰ २;

उत्तरिल्ल. त्रि॰ (औत्तर) उत्तर दिशामांनुं; उत्तर दिशासंबंधी. उत्तर दिशा मे का; उत्तर दिशा सम्बन्धी. Northern; pertaining to the north. नाया॰ ५॰ ४;

पन्न० २; नाया० ६; १३; १६; जं० प० २, ३३; ५, ११४; विवा० ३; भग० ३, १; १०, ७; १६, २; ८; ३४, १; प्रव० ११५२;

उत्तरिल्ल. त्रि० (उत्तार्य) ઉતરવા યોગ્ય. उतरने योग्य. Worth descending; worth crossing; fit to be crossed etc. राय० ७१; जं० प० ५, ११४;

उत्तरीकरण. न० (उत्तरीकरण) જેની આલોચના કરીછે તેની વધારે વિશુદ્ધિ કરવા-કાર્યોત્સર્ગ "કાઉસ્સગ" કરવો તે. जिसकी आलोचना की है उसकी अधिक विशुद्धिके लिये कायोत्सर्ग करना. Meditation upon the soul in a particular posture after confession of a sin in order to wash off that sin the more. आव० १, ५;

उत्ताडण. न० (उत्ताडन) એક પ્રકારનું વાજીંત્ર. एक प्रकारका बाजा. A kind of musical instrument. राय०

उत्ताण. त्रि० (उत्तान) ચત્તુંપાટ; સમું; સિધું. सीधा सचा. Flat; straight. भग० १, ७; "उत्ताण छत्तसंठिया" उत्त० ३६, ६१; वव० ५, १८; पन्न० २; (२) છીછરૂં; ઉંડું નહી તે. जो गहरा ऊंडा न हो वह. shallow. ठा० ४, ४; (३) न० પલકારો માર્યા વિના આંખ ખુલ્લી રાખવી તે. पलक मारे बिना आंखको खुली रखना. keeping the eye open without twinkling. आव० (४) त्रि० ચત્તા સુવાનો અભિગ્રહ ધરનાર. चित सोने का अभिग्रह-प्रतिज्ञा वाला. (one) who has taken a vow to sleep flat on the back. पंचा० १८, १५; —(णो) उदहि. पुं० (-उदधि) છીછરા પાણીવાળો દરીઓ, उथले पानी वाला समुद्र. a sea with shallow waters. ठा० ४, ४; —ओभासि. त्रि० (-अवभासिन्) તુચ્છ જણાય એવું. जो तुच्छ मालूम हो ऐसा. appearing trivial. ठा० ४, ४; —णयणपेच्छणिज्ज. त्रि० (-नयनप्रेक्षणीय) અતિ સુંદર હોવાને લીધે ઉઘાડી-અનિમિષ- આંખે જેવા યોગ્ય. बहुत सुंदर होनेके कारण अनिमिष (बिना पलक मारे) नेत्रोंसे देखने योग्य. deserving to be gazed at with twinkle-less eyes on account of fascinating beauty. "उत्ताणणयणपेच्छणिज्जा पासादिया दरिसणिज्जा" ओव० —हत्थ. पुं० (-हस्त) વસ્તુ લેવાને ઉંચો કરેલો હાથ. वस्तु ग्रहण करने के लिये ऊंचा किया हुआ हाथ. a hand raised to grasp at a thing. "किवणो विव उत्ताणहत्थाओ" तंडु०

उत्ताणअ. त्रि० (उत्तानक) ચત્તા સુનાર. चित् सोनेवाला. One who lies or sleeps flat i. e. on the back. "जीवेण भंते गब्भ गएसमाणे उत्ताणएवा पासल्लएवा" भग० १, ७; विवा० ६; प्रव० ४, ६०; (२) લાંબું કરેલું; પસારેલું. लंबा किया हुआ; पसारा हुआ; फैलाया हुआ. projected; expanded; extended. आया० २, १, १०, ५७;

उत्ताणग. त्रि० (उत्तानक) ચત્તા થઇને-સુઇ જનાર. चित् होकर सोजाने वाला. (One) who lies on the back and goes to sleep. (२) न० સમું; સિધું. सीधा; सन्मुख. straight; even. पंचा० १६, १५;

उत्ताणिअ. त्रि० (उत्तानिक) ચિત્તા સુવાનો અભિગ્રહ ધરનાર. चित् सोनेका अभिग्रह धारण करने वाला. (One) who has

taken a vow to lie flat i. e. sleep on the back. दसा० ७, ६; वेय० ५, ३०;

उत्तार. पुं० (उत्तार) નદીનો ઉતાર; પાણીનો આરો. नदीका उतार. A place where water may be crossed on foot; a ford. जं० प०

उत्तारण. न० (उत्तारण) ઉતરવું-પાર જવું તે. पार जाना; उतरना. Crossing; going to the opposite end. विशे० १०४०; जीवा० ३, ३;

उत्ताल. न० (उत्ताल) તાલ બહાર ગાવું તે; ગાયનનો એક દોષ. तालके खिलाफ गाना; गायनका एक दोष Singing out of tune. "गायं तो मायगाहि उत्ताल" ठा० ७; जं० प० अणुजो० १२८;

उत्तासइत्तार. त्रि० (उत्त्रासयितृ) અતિશય ત્રાસ આપનાર. बहुत त्रास देनेवाला. Highly annoying; excessively troublesome. "भेत्तविलुपिता उद्दगित्ता उत्तासइत्ता" आया० १, २, १, ६६;

उत्तासणग. त्रि० (उत्त्रासनक) ત્રાસ ઉપજાવનાર; ભય ઉત્પન્ન કરનાર. त्रास देनेवाला; भय उत्पन्न करने वाला. Terrifying; annoying; frightful. नाया० ८;

उत्तासणय. त्रि० (उत्त्रासनक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया० ८; पन्न० २; भग० ३, २; ६, ५;

उत्तासणिज्ज. त्रि० (उत्त्रासनीय) મહા ભયંકર. महा भयंकर; बहुत डरावना Very terrible; frightful. "नरोविव उत्तासणिज्जाओ" तंडु०

उत्तासिय. त्रि० (उत्त्रासित) ત્રાસ આપેલ त्रस्त. Troubled; frightened; terrified. भग० ३, ५; (२) પરસ્પર મળેલ. परस्पर मिला हुआ. mixed together; joined together. भग० ३, १; ५, ६;

उत्ति. स्त्री० (उक्ति) વાણી; વચન. वाणी; वचन; कथन. Speech; words. "गंभीराहरणेहिं उत्तीहिं य भावसाराहि" पंचा० ६, १६; विशे० ३३५६;

उत्तिंग. पुं० (उत्तिङ्ग) કીડીયારૂં; કીડીનું દર. चींटियों का बिल. An ant-hill. "सपाणे सबीए सहरिए सउत्तिंगे" सम० २१; दस० ५, १, ५६; ८, ११; आया० १, ७, ६, २२२; आव० ४, ३; (२) છિદ્ર; કાંણું. छेद; छिद्र. a hole; an aperture आया० २, ३, १, ११६; निसी० १८, १८; —लेण. पुं० (-लयन) કીડીયારૂં. चिउंटी का बिल. an ant-hill कप्प० ६, ४५;

उत्तिण्ण त्रि० (उत्तीर्ण) પાર ઉતરેલ. पार उतरा हुआ. Crossed; passed over. जं० प० नाया० १; १६;

उत्तेड. त्रि० (*) વાસણ ઉપર જામેલ ઓસના બિન્દુ. बर्तनके ऊपर जमे हुए ओस बिंदु A dew-drop clinging to a vessel or utensil. "उत्तेडा वत्थायायन ममिति" पिं० नि० भा० १८;

उत्थय. पुं० (उच्छ्रय) ઓભાર; ઉભરો તીવ્રતા. Rising; increasing; intensity. ओव० ३१;

उत्थय त्रि० (अवस्तृत) ઢાંકેલું; આચ્છાદિત કરેલું; ढांका हुआ; आच्छादित. Covered; concealed. ओव० ३१; जं० प०

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot note (*) p. 15th.

उत्थरंत. व० कृ० त्रि० (उत्स्तृणवत्) આચ્છાદન કરતો. आच्छादन करता हुआ; ढांकता हुआ. Covering; hiding. " अग्गि एहिं उत्थरंता अभिभूय हरंति परधणाइं " पराह० १, ३;

उत्थल. न० (उत्स्थल—उन्नतानि धूल्युच्छ्रय रूपाणि स्थलानि=उत्स्थलानि) ધૂળના ટેકરા. धूल के टेकड़े. A sand-hill; a sandy down. भग० ७, ६;

उत्थाण. न० (उत्थान) ઉઠવું; ઉભા થવું. उठना; खड़े होना. Rising up; getting up. विशे० २८२६;

उत्थिय. त्रि० (अवस्तृत) આચ્છાદન કરેલ. ઢાંકેલ. ढांका हुआ; आच्छादित. Covered; concealed from view. उवा० १, ५८;

उदअ-य. पुं० न० (उदक) જલ; પાણી. जल; Water. आया० १, ६, १, १७७; उत्त० ७, २३; २८, २२; नाया० १; ५; ८; १४; १८; भग० ३, ३; राय० २७; ओव० ३९; दसा० ६, १; ६, २; सू० प० १०; विशे० १४५९; पिं० नि० ८३; (२) પાણીમાંની એક વનસ્પતિ. जल म की एक वनस्पति. a kind of aquatic plant. पन्न० १; (३) પર્વગ જાતની વનસ્પતિ; એક જાતનું વૃક્ષ. पर्वग जाति की वनस्पति; एक प्रकारका वृक्ष. a kind of tree. पन्न० १; (४) पुं० એ નામના એક અન્યતીર્થિ વિદ્વાન. इस नामके एक अन्य धर्मी विद्वान्. name of a learned non-Jaina. भग० ७, ६; (५) ગોશાલાના એક મુખ્ય શ્રાવકનું નામ. गोशाला क एक मुख्य श्रावक का नाम. name of one of the principal lay-followers of Gosālā. भग० ८, ५; (६) ઉદક નામે (અપર નામ પેઢાલ પુત્ર) એક પાર્શ્વનાથના સંતાનીયા નિગ્રન્થ કે જેનો ગૌતમસ્વામી સાથે સંવાદ થયો હતો. उदक (अपरनाम पेढाल पुत्र) नामका एक पार्श्वनाथका अनुयायी साधु कि जिसका गौतम स्वामी के साथ संवाद हुआ था. name of an ascetic follower of Pārsvanātha, who had held discussion with Gautama Swāmi; he is also named Pedhālputra. सूय० २, ७, ५; —उप्पीला. स्त्री० (*) પાણી વગેરેનો જથ્થો-સમુહ. जल वगैरह का समूह. a volume of water etc. भग० ३, ७; —तल. न० (-तल) પાણીનું તળીયું. जल का तल. the bottom of water. दसा० ६, १; —परिफोसिया. स्त्री० (-परिपृषत्) પાણીનાઝીણા છાંટા; ફુંવારા. पानी के छोटे छोटे छींटे; फुंवार. spray of water. नाया० ८;

उदइ. त्रि० (उदयिन्) ઉદય પામનાર. उदय पाने वाला. Rising; coming to rise. " उदइणो अणुदइ ठराहं " भग० ११, १; ३५, १;

उदइअ. पुं० (औदयिक) કર્મનો ઉદય. कर्म का उदय. Maturity of Karma; state of maturity. (२) કર્મના ઉદયથી નિષ્પન્ન થએલ ભાવ; ૭ ભાવમાંનો એક. उदय से निष्पन्न--उत्पन्न. anything resulting from maturity of Karma. अणुजो० ८८; भग० १७, १; २५, ६; क० गं० ४, ७२; —आइ. त्रि० (-आदि) ઉદય ભાવ જેમાં આદિ

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

प्रथम छे तेवा औपशमिक क्षायोपशमिक क्षायक अने पारिणामिक भाव. जिन भावों में औदयिक भाव प्रथम है ऐसे औपशमिक, क्षायोपशमिक क्षायक और पारिणामिक भाव. (those Bhāvas or states viz Aupśamika, Kṣāyopśamika, Kṣāyaka and Pariṇāmika) which are headed by Udayabhāva i. e. state of coming to rise; lit. Udayabhāva etc. विशे० ४०४; —भाव. पुं० (-भाव) जुओ "उदइश्र" शब्द. देखो "उदइश्र" शब्द. vide "उदइश्र" भग० १४, ७;

उदउल्ल. त्रि० (उदकार्द्र) पाणीथी भीनुं थयेल. पानी से भींजा हुआ. Wet with water, "उदउल्ल बीयसंसत्तं" दस० ६, २५; ४, ५; १, २३; ८, ७; आया० २, १, ६, ३३; निसी० ४, ४०; कप्प० ६, ४३; प्रव० ६१६; —काय. पुं० (-काय) पाणीथी भीनुं शरीर. पानी से गीला शरीर. body wet with water. दस० ४; —वत्थ. न० (-वस्त्र) पाणीथी भीनुं वस्त्र. पानी से गीला वस्त्र. cloth wet with water. दस० ४;

उदएचर. त्रि० (उदकचर) जलचर. जलचर; जल में रहने वाले प्राणी. Aquatic. "उदएचरा आगास गामिणो" आया० १, ६, १, १७७;

उदओदर. पुं० (उदकोदर) जलोदर रोग. जलोदर रोग. Dropsy. जं० प० २.

उदक. न० (उदक) पानी. जल; पानी. Water. जीवा० ३, ३; —भायण. पुं० (-भाजन) पाणीनुं वासण. पानी का बर्तन. A vessel for keeping water in. निसी० १८, १७;

उदग. न० (उदक) पाणी; जल. जल; पानी. Water. पंचा० ६, ११; प्रव० १५६२; कप्प० ४, ५६; जं०प० ५,१२०; निसी० १८, १८; नाया० ६; ८; १८; भग० १, ६; ८; ५, ४; ७,१; १५, १; पन्न० १; नंदी० ३५; दस० ४, ५. १, ७५; उवा० १, २७; ४१; —(गा) आवत्त. पुं० (-आवर्त) पाणीनुं चक्कर - भमरी - वमळ पानी का भौंर. an eddy; a whirlpool of water. अणुजो० १३४; भग० ५, ७; —गब्भ. पुं० (-गर्भ) पाणीनो गर्भ-पाणी रूपे थनार पुद्गल परिणाम. पानीका गर्भ; पानी रूप होने वाले पुद्गल परिनाम. particles of matter transforming themselves into the element of water. "चत्तारि उदग गब्भा पराणत्ता तं जहा." भग० २, ५; —जोणिय. पुं० (-योनिक- उदकं योनिरुत्पत्तिस्थानं येषां ते) पाणीमां उत्पन्न थनार जीव. पानी में उत्पन्न होने वाला जीव. an aquatic sentient being "इहे गत्तिया सत्ता उदग जोणिश्रा उदग संभवा" सूय० २, ३, १७; —दोणी. स्त्री० (-द्रोणी) पाणी खेंचवानी डोल. पानी भरनेका डोल. a bucket for drawing out water. "अलं उदगदोणीणं" दस० ७, २७; (२) न्हानी होडी; मछवो. छोटासी डोंगी; डोंगा. a small boat. आया० २, ४, २, १२८; (३) लोहारनी पाणीनी कुंडी के जेमां तपेलुं लोढुं ठारवामां आवे छे. लुहार की पानी की कुंडी जिसमें कि तपाया हुआ लोहा बुझाया जाता है. a bucket of water in which heated iron is dipped and cooled. "उदग दोणी सिवत्तिए" भग० १६, १;—धारा. स्त्री० (-धारा) पाणीनी धारा. जलधारा. a stream of water; a down pour of rain. नाया० ६; जं० प० ३, ४३;

—परिणय. त्रि० (-परिणत) પાણી રૂપે પરિણામ પામેલ. जल रूप में परिणाम पाया हुआ. transformed into water. ठा० ३, ३; —पोग्गल. पुं० (-पुद्गल) પાણીના પુદ્ગલ નો સમૂહ; વાદળું. जल रूप पुद्गल का समूह बादल; मेघ. a collection of watery particles; a cloud "तत्थ समुट्ठियं उदग पोग्गलं परिणयंवा." ठा० ३, ३; —प्पसूय. त्रि० (-प्रसूत) જલમાં ઉત્પન્ન થયેલ કન્દ આદિ. जल में उत्पन्न हुए कन्द आदि. (a bulbous root etc.) produced in water. "उदग पसूयाणि कंदाणि वा मूलाणि वा पत्ताणि वा " आया० २, २, १, ६५; —फोसिया. स्त्री० (-पृषद्) પાણીના બિંદુ जल बिन्दु. Spray of water; small drops of water. नाया० ८; —बिंदु. पुं० (-बिन्दु) પાણીનું ટીપું. पानी की बिन्दु; जल का छींटा. a drop of water. भग० ५, ७; ६, १; पंचा० ४, ४७; —मच्छ. पुं० (-मत्स्य) ઇંદ્ર ધનુષ્યના કટકા. इन्द्र धनुष्य के टुकड़े. bits of rainbow. भग० ३, ७; अणुजो० १२७; जीवा० ३, ३; —माल. पुं० स्त्री० (-माला) ઉપરા ઉપર રહેલ પાણીની શિખા; દગમાલો. एक पर एक स्थित पानी की शिखा. crests of water piled one upon another "लवणस्सणं समुद्दस्स के महालए उदगमाले पण्णत्ते" जीवा० ३, ४; ठा० १०; —रयण. पुं० (-रत्न) શુદ્ધ પાણી; રત્નસમાન પાણી. शुद्ध पानी. pure water; crystal water. "उन्ने उदगरयणं अस्सादिए" भग० १५, १; नाया० १२; —रस. (-रस) पुं० પાણીનો રસ. पानी का रस. water in the fluid form. "तओ समुद्दा पगईए उदगरसेणं पण्णत्ता" जं० प० १; —राई. स्त्री० (-राजि) પાણીની લીટી. पानी की रेखा. a line of water. क० प० ५, ४५; —लेव. पुं० (-लेप) નાવા ચાલે તેટલા પાણિમાં ચાલવું-નદી ઉતરવી તે. जितने पानी में नाव चले उतने पानी में से नदी पार होना. fording a river etc. at a place where a boat can sail. "अंतो मासस्स तओ दगलेवे करे माणे सबला" सम० २१; दसा० २, १०; १६; (२) પાણીનો લેપ; પાણીથી ભિંજાવું તે. जलका लेप; पानी से भिंजाना. getting wet with water. आया० २, १, ११, १२; —वत्थि. पुं० स्त्री० (-बस्ति) પાણીની મસક. पानी की मशक. a leather bag for holding water in. "उदगवत्थिं परामुसइ " नाया० १८; —संभाराणज्ज. त्रि० (-सम्भारणीय) પાણીને શુદ્ધ કરવાની વસ્તુ. पानी को शुद्ध करने की वस्तु. any substance used to purify water. " हट्ठ तुट्ठे बहुहिं उदगसंभारणि-ज्जेहिं " नाया० १२; —सत्थ. पुं० (-शस्त्र-उदकमेवशस्त्रंतत्तथा) પાણીના જીવનો નાશ કરનાર શસ્ત્ર; અગ્નિ, ખાર વગેરે. जल के जीवों का नाश करने वाला शस्त्र; अग्नि; खार वगैरह. a weapon which destroys sentient beings living in water e g. fire, poisonous salts etc. आया० १, १, ३, २३; —साला. स्त्री० (-शाला) પાણીનું પર્વ (પરબ). पानी की पो. a place where water is supplied to travellers etc. (out of charity). सूय० २, ७, ४;—सिहा. स्त्री० (-शिखा) દરીયાની વેલ; પાણીની ભરતી ઓટ. पानी की बढती और घटती. ebb and tide of the sea ठा० १०;

उदगणाय. पुं॰ (उदकज्ञात) ખાઇના પાણી-ના દૃષ્ટાંતવાળું જ્ઞાતાસૂત્રનું ૧૨ મું અધ્યયન. खाई के जल के दृष्टान्त वाला ज्ञातासूत्र का १२ वां अध्ययन. Name of the 12th chapter of Jñātā Sūtra containing an illustration of ditch water. सम॰ १६; नाया॰ १;

उदगत्त. न॰ (उदकत्व) પાણીપણું. जलपना; जलत्व. State of being water. "ण बहवे उदगजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताय वक्कमंति" ठा॰ ३; भग॰२,५;

उदगसीमय. पुं॰ (उदकसीमक) એ નામનો એક વેલંધર નાગરાજનો આવાસ પર્વત. वेलंधर नागराज के निवास करने के एक पर्वत का नाम. Name of a mountain-abode of Velandhara Nāgarāja. जीवा॰ ३;

उदग्ग. त्रि॰ (उदग्र) ઉત્કટ; ઉન્નત; ઉત્તરોત્તર વૃદ્ધિવાળું. उत्कट; तीव्र; उन्नत. उत्तरोत्तर वृद्धि वाला. Fierce, intense, tall; lofty; mighty; increasing. "उदग्गो दुप्पहंसए" उत्त॰ ११, २०; भग॰ २, १; नाया॰ १; ५; **-चारित्ततव.** पुं॰ स्त्री॰ (-चारित्रतपस्-उदग्रं प्रधानं चारित्रं तपश्च यस्य स तथा) પ્રધાન ચારિત્ર તપ વાળો. प्रधान चारित्र तप वाला. one of austere right conduct and penance उत्त॰ १३, ३५;

उदत्त. त्रि॰ (उदात्त) ઉદાત્ત; પ્રધાન; શ્રેષ્ઠ. उदात्त; प्रधान; मुख्य; श्रेष्ठ; उदार. High; lofty; prominent. उत्त॰ १३, ३५; भग॰ २, १; ३, १; ६, ३३; (२) અકારાદિ સ્વરનો એક પ્રકાર. अकारादि स्वर का एक प्रकार. a particular variety (accent) of vowel-sound. प्रव॰ ५५०;

उदत्ताभ. पुं॰ (उदात्ताभ) ગૌતમ ગોત્રની એક શાખા અને તેનો પુરુષ. गौतम गोत्र की एक शाखा और उस शाखा का पुरुष. Name of a branch of Gautama family-stock; a person belonging to this branch. "ते उदत्ताभा" ठा॰ ७, १;

उदधि. पुं॰ (उदधि) સમુદ્ર. समुद्र; दर्या. The ocean; the sea. सू॰ प॰ १६; जीवा॰ ३, १;

उदय. पुं॰ (उदय) ઉગવું; પ્રગટ થવું; ઉદય થવું તે. ऊगना; प्रगट होना; उदय होना. Rising; coming to view; appearance. ठा॰ २, १; पगह॰ २, ४; सू॰ प॰ १; नाया॰ ३; ओव॰ १६; (२) અભ્યુદય; ચડતી. अभ्युदय; बढती; चढती. rise, prosperity सूय॰ २, ६, १६; पिं॰ नि॰ ४१४; (३) ઉપજવું; ઉત્પત્તિ. पैदा होना; उत्पत्ति. birth; creation; production सम॰ ३२; (४) જંબુદ્વીપના ભરતખંડમાં થનાર સાતમા તીર્થંકરનું નામ. जंबुद्वीपके भरतखंड में होने वाले सातवें तीर्थंकर का नाम. the name of the 7th would-be Tīrthaṅkara of Bharatakhanda in Jambudvipa. सम॰ प॰ २४१; (५) જંબુદ્વીપમાં ભરતક્ષેત્રમાં થનાર ત્રીજા તીર્થંકરના પૂર્વભવનું નામ. जंबुद्वीप के भरतखंड में होने वाले तीसरे तीर्थंकर का पूर्व भव का नाम the name in the past birth of the third would-be Tīrthaṅkara of Bharatakhanda in Jambudvipa. सम॰ प॰ २४१; (६) કર્મનું વિપાકાભિમુખ થવું તે; જ્ઞાનાવરણીયાદિ કર્મનો ઉદય. कर्म का विपाक (फल देने) के सन्मुख होना; ज्ञानावरणीयादि कर्मों का उदय. maturi-

ty of Karma; e. g. of knowledge-obstructing Karma etc. भग० १, १; २, ५; ५, ४; ८, ६; १४, २, २०, ३; ४०, १४; विं० नि० १०२; (७) ઉદય ભાવ; ૭ ભાવમાંનો પ્રથમ ભાવ. उदय भाव; छह भावों में का प्रथम भाव. state of rising or coming to birth. the first of the 6 Bhāvas. भग० १७,१;—**अंत.** पुं० (-**अन्त**) નદી આદિના પાણીની સીમા; જ્યાં નદી પુરી થાય તે પ્રદેશ. नदी आदि के जल की सीमा, वह प्रदेश जहां नदी पूरी हो. the place where the water of a river ends or terminates. भग० १, ६; —**अंस.** पुं० (-**अंश**) ઉદયના સ્થાનક. उदयके स्थानक any of the portions that have come to rise or maturity. क० गं० ६, १८; —**गय.** त्रि० (-**गत**) ઉદયના સ્થાનને પ્રાપ્ત થયેલ. उदयस्थान को प्राप्त. come to rise; risen. क० गं० ६, ४०; —**णिप्फरण.** त्रि० (-**निष्पन्न**) કર્મના ઉદયથી નિષ્પન્ન થયેલ. कर्म के उदय से निष्पन्न-उत्पन्न. produced on account of the maturity of Karma; resulting from the maturity of Karma. भग० १७, १; २५, ५; —**त्थमण.** त्रि० (-**अस्तमान**) સૂર્યના ઉદય અથવાનો સમય. सूर्यके उदय अस्त का समय. the time of sunrise and sunset. कप्प० ३, ३६; —**पत्त.** त्रि० (-**प्राप्त**) ઉદય પામેલ. उदय पाया हुआ. matured; come to rise. भग० २५, ७; पराह० २, ५; —**विहि.** पुं० (-**विधि**) ઉદયનો પ્રકાર. उदयका प्रकार. mode or method of coming to rise. क० गं० ६, ३०; —**संठिइ.** स्त्री० (-**संस्थिति**) સૂર્યના ઉદયની સ્થિતિ. सूर्य के उदय की स्थिति. the condition of the sun at the time of rising. सू० प० ८; —**संत.** स्त्री० (-**सत्ता**) ઉદય અને સત્તા સ્વરૂપ उदय और सत्ता स्वरूप. the existence and rise i. e. maturity (of Karma). क० प० ७, ५३; ५५;

उदयजिण. पुं० (**उदयजिन**) આવતી ચોવીસીના સાતમા તીર્થંકર કે જે એક વખત મહાવીર સ્વામીના શ્રાવક શંખજી હતા. आगामी चौवीसी के सातवें तीर्थंकर जो एक समय महावीर स्वामीके शंखजी नामक श्रावक थे. The 7th Tīrthankara of the coming Chovīsī i. e. cycle who was once a Śrāvaka (by name Sankhaji) of Mahāvīra Swāmī प्रव० ४६७;

उदयणसत्त. त्रि० (**उदयनसत्व**) ઉદય પામતો છે સત્વ જેનો તે. जिसका सत्व उदय को प्राप्त हो रहा है वह. (One) whose spirit or might is on the rise. ठा० ४, ३;

उदयसीम. पुं० (**उदकसीमन्**) લવણ સમુદ્રમાં ઉત્તર દિશાએ આવેલો એક આવાસ પર્વત. लवण समुद्रके उत्तर दिशामें स्थित एक आवास पर्वत Name of a mountain abode in Lavaṇa Samudra in the north. सम० ४३;

उदयसेण. पुं० (**उदयसेन**) વીરસેન ને શૂરસેનનો પિતા. वीरसेन और शूरसेन के पिता का नाम. Name of the father of Vīrasena and Śūrasena. आया० नि० १, ४, १, १;

उदयायल. पुं० (**उदयाचल**) ઉદયાચલ પર્વત. उदयाचल पर्वत The eastern moun-

tain named Udayāchala behind which the sun rises. सु॰ च॰ ३, ७६;

उदर. न॰ (उदर) જઠર; પેટ. जठर; पेट The belly; the stomach. सूय॰ १, ५, २, २; २, १, ४२; दस॰ ४; जीवा॰ ३, ३; ओव॰ १०; निसी॰ ७, १४; अणुजो॰ १३१; नाया॰ १३; आया॰ १, १, २, १६; उवा॰ २, १०१;

उदरवली. स्त्री॰ (उदरावलि) કાલજું; કલેજું. कलेजा. The heart. निर॰ १, १; **—मंस.** न॰ (-मांस) કાલજાનું માંસ. कलेजेका मांस. the flesh of the heart. निर॰ १, १.

उदरि. त्रि॰ (उदरिन्) પેટનો રોગી; જલોદર રોગવાલો. पेट का रोगी; जलोदर रोगवाला (One) suffering from abdominal affections like dropsy etc. आया॰ १, ६, १, १७२;

उदरिक. त्रि॰ (औदरिक) જલોદરના રોગવાલો. जलोदर रोगवाला. (One) suffering from dropsy. पगह॰ २, ५;

उदरिय. न॰ (औदरिक) જુઓ "उदरिक" શબ્દ. देखो "उदरिक" शब्द. Vide "उदरिक" विवा॰ १, ७;

उदवाह पुं॰ (उदवाह) જલનો નાનો પ્રવાહ. जलका छोटासा प्रवाह. A small current of water. "उदवाहाइ वा प्रवाहाइ वा" भग॰ ३, ७;

उदहि. पुं॰ (उदधि) સમુદ્ર; દરીયો. समुद्र; उदधि; दर्या The ocean; the sea. ठा॰ २, ४; उत्त॰ ११, ३०; भग॰ १, ६; ६; विशे॰ १३३२; पिं॰ नि॰ भा॰ १७; प्रव॰ १४६३; क॰ प॰ १, ७०; जं॰ प॰ २, ३३; ४, ११६; (२) ઉદધિકુમાર નામે ભવનપતિ દેવતાની એક જાત. उदधिकुमार नामक भवनपति देवों की एक जाति. a class of Bhavanapati gods named Udadhikumāra. उत्त॰ ३६, २०४; पराह॰ १, ४; सम॰ ७६; ओव॰ (३) ઘનોદધિ. घनोदधि. the ocean named Ghanodadhi. भग॰ १, ७; (४) સમુદ્ર-સાગરોપમ; કાલવિભાગ વિશેષ. सागरोपम; कालविभाग विशेष a Sāgaropama; a particular division of time. क॰ गं॰ ५, २६; **—पइट्ठिय.** त्रि॰ (-प्रतिष्ठित) ઘનોદધિ સમુદ્રને આધારે રહેલ. घनोदधि समुद्र के आधार से रहा हुआ supported on, resting on Ghanodadhi ocean. "उदहि पइट्ठिया पुढवी" भग॰ १, ७; **—पुहुत्त.** न॰ (-पृथक्त्व) બેથી માંડીને નવસાગરોપમ સુધી. दो से नौसागरोपम तक. ranging from two to nine Sāgaropamas of time. क॰ प॰ १, ६०; **—मंगल.** पुं॰ (-मङ्गल) સમુદ્રના વિઘ્નને દૂર કરનાર મંગલ. समुद्र के विघ्नको दूर करनेवाला मंगल. anything that averts or destroys the obstacles or misfortunes connected with the sea. पंचा॰ ८, २७; **—सरिस** त्रि॰ (-सदृश) સમુદ્ર-સાગર સરખું; સાગરોપમ; દસ કોડા કોડી પલ્યોપમ પ્રમાણ કાલ વિભાગ. समुद्र के समान; सागरोपम; दस कोड़ा कोडी पल्योपम के प्रमाण काल विभाग. similar to an ocean; a division of time equal to 10 crore × 10 crore Palyopama. उत्त॰ ३३, १६;

उदहिकुमार. पुं॰ (उदधिकुमार) ઉદધિકુમારનામે ભવનપતિ દેવતાની એક જાત. भवनपतिदेवों की उदधि-कुमार नामक जाति.

Name of a class of Bhavanapati deities. " उदहि कुमाराणं सव्वे समाहारा " भग० १६, १२; पन्न० १; —आवास. पुं० (-आवास) ઉદધિકુમાર દેવતાના રહેવાના સ્થાન-ભવન. उदधिकुमार देवों के रहने का स्थान-भवन. the abode of Udadhikumāra class of gods. " उदहि कुमारावास सयसहस्सा पण्णत्ता " सम०

उदहिकुमारी. स्त्री० (उदधिकुमारी) ઉદધિ કુમાર જાતના ભવનપતિની દેવી. उदधि कुमार जाति के भवनपति देवों की देवी. A female deity of the Udadhikumāra Bhavanapati class of gods. भग० ३, ७,

उदाइ. पुं० (उदायिन्) કુંડિકાયન ગોત્રમાં જન્મેલ ઉદાયી નામનો એક માણસ કે જે ગોશાલા નો છઠ્ઠો પ્રૌઢપરિહાર હતો. कुंडिकायन गोत्र में जन्मा हुआ उदायी नामक एक मनुष्य जो कि गोशाला का छठवाँ प्रौढ परिहार था. Name of a person born in the Kuṇḍikāyana family who was the sixth Praudha Parihāra of Gośālā. भग० १५, १; (२) કોણિક રાજાનો ઉદાયિ નામે એક હાથી. कोणिक राजा का उदायि नामक हाथी. name of an elephant of a king named Koṇika. भग० ७, ६; १६, १; (३) કોણિકનો એક પુત્ર કે જેણે કોણિકના અવસાન પછી પાટલિપુત્ર નગર વસાવી ત્યાં પોતાની રાજધાની સ્થાપી; જેને ઉદાયી નામના અભવ્યે પોષામાં મારી નાખ્યો હતો; જે તીર્થંકર નામકર્મ ઉપાર્જન કરી આવતી ચોવીસીમાં સુપાર્શ્વનામે ત્રીજા તીર્થંકર થશે. कोणिक का एक पुत्र जिसने कि कोणिक की मृत्यु के बाद पाटलिपुत्र नगर बसाया और वहां अपनी राजधानी स्थापित की; जिसे उदायी नामक अभव्यने पोषध—उपवास की अवस्था में मारडाला; जिसने तीर्थंकर—नामकर्म का उपार्जन किया और आगामी चोवीसी में सुपार्श्व नामक तीसरा तीर्थंकर होगा. name of a son of Koṇika. After Koṇika's death he founded the city of Pātaliputra and made it his capital. He was killed by an Abhavya (one not capable of being liberated) during the continuance of Pauṣadha (fasting etc). He will earn Tirthankara Nāmkarma and be the third Tirthankara named Supārśva in the coming Chovīsī (cycle). ठा० ९;

उदायजीव पुं० (उदयिजीव) કોણિકના પુત્ર-ઉદાયિરાજાનો જીવ કે જે આવતી ચોવીસીમાં ત્રીજા સુપાર્શ્વ નામના તીર્થંકર થશે. कौणिक का पुत्र उदायि राजाका जीव जो आवा: चौबीसी में सुपार्श्व नामके तीर्थंकर होंगे. The soul of king Udāyi (the son of Koṇika) who will be the 3rd Tirthankara by name Supārśva in the coming Chovīsī (i. e. cycle) प्रव० ४६५;

उदायण. पुं० (उदायन) સિંધુસૌવીર દેશના વીતિભય નગરના રાજા કે જેણે દીકરાને રાજ્ય ન આપતાં કેશી નામના ભાણેજને રાજ્ય આપી મહાવીર સ્વામિ પાસે દીક્ષા લીધી. सिंधुसौवीर देश के वीतिभय नगर का राजा जिसने कि पुत्र को राज्य न देकर अपने केशी नामक भानजे को राज्य

दिया और महावीर स्वामीसे दीक्षा ली. Name of a king of the city of Vītibhaya of the country of Sindhusauvīra. He, instead of giving his kingdom to his son, gave it to his nephew named Keśī and took Dīkṣā from Mahāvīra Swāmī. उत्त० १८, ४८; भग० १३, ६; (२) कौशांबी नगरीना राजा शतानीकनो पुत्र. कौशांबी नगरी के राजा शतानीक का पुत्र. name of the son of Śatānika, king of the city of Kośambī. "तस्सणं शयाणीयस्स पुत्ते मियादेवीए अत्तए उदायणे णामं कुमारे होत्था" भग० १२, २; विवा० १, ५;

उदायि. पुं० (उदायिन्) कोणिक महाराजना हाथीनुं नाम. कोणिक महाराजा के हाथी का नाम. Name of the elephant of king Koṇika. भग० १७, १;

उदार. त्रि० (उदार) उदार; प्रधान; श्रेष्ठ. उदार; प्रधान; मुख्य; श्रेष्ठ Generous; high; excellent; prominent भग० २, १; ५; —मण. त्रि० (-मनस्) उदार चित्तवाळो. उदार चित्त वाला. magnanimous; generous. भत्त० ३०;

उदारत्त. न० (उदारत्व) उदारपणुं; सत्यवचननो २२ मो अतिशय. उदारता; सत्यवचन का २२ वां अतिशय Generosity; nobility; the 22nd supernatural manifestation of truthfulness of speech. सम० टी० ३५;

उदारय. त्रि० (उदारक) उदारता वाळुं (तपकर्म). उदारता पूर्ण (तपकर्म). High, noble (ascetic Karma). नाया० १;

उदासीण. त्रि० (उदासीन) राग द्वेषरहित; शान्त; मध्यस्थ. राग द्वेश रहित; शान्त; मध्यस्थ; तटस्थ. Free from passion and hatred; dispassionate. neutral. आया० १, ६, ३, १६१; सूय० १, ४, १, १५;

उदाहड. त्रि० (उदाहृत) कहेल; दर्शावेल. कथित; कहा हुआ; दिखाया हुआ. Said; pointed out; explained. सूय० २, ६, ६१;

उदाहरण. न० (उदाहरण=उदाह्रियते गृह्यते दार्ष्टान्तिकोऽर्थोऽनेनेति) उदाहरण; दाखलो. उदाहरण; दृष्टान्त. An illustration; an example. पिं० नि० ११३; नाया० ३, पंचा० ७, १८;

उदाहरिय. त्रि० (उदाहृत) दाखला साथे कहेलुं. उदाहरण सहित कहा हुआ Explained, narrated with illustration नाया० ८;

उदाहिय. त्रि० (उदाहृत) कथन करेल; व्याख्यान करेल. कथन किया हुआ; कथित; व्याख्यान किया हुआ. Told; narrated; illustrated. "जामा तिण्णि उदाहिया" आया० १, ७, १, २००;

उदाहु. अ० (उताहो) विकल्प; अथवा. विकल्प; अथवा; या. Or; an alternative conjunction. भग० १, १; २, ५; ५, ७; ८, ८; १०; १५, १; १८, ८; नाया० ३; ७; १६; पन्न० १०; विवा० ३;

उदिश्रोदिश्र. त्रि० (उदितोदित) आलोक अने परलोकने आश्री उदय पामेला जेम भरत महाराज. इहलोक और परलोक दोनों के लिये उदय पाया हुआ;—

जैसे कि भरत महाराज. Prosperous; rising both in this world and the next; e. g. king Bharata. ठा० ४, ३; विवा० ३;

उदिएग्ग. त्रि० (उदीर्ण) ઉદય પામેલ. उदय पाया हुआ. Come to rise; risen; matured. पन्न० २०; २३; नाया० १; भग० १, २; ३; ४; ७; २, ५; ५, ४; १०, १; नंदी० ८; —**कम्म.** त्रि० (-कर्मन्) ઉદયમાં આવેલ છે કર્મ જેના તે. जिसके कर्म उदयमें आये हुए हैं वह. (one) whose Karma has matured. ठा० ४, १; —**कामजाअ.** त्रि० (-कामजात) જેને કામનો કોઈપણ પ્રકાર-વિકાર ઉદયમાં આવ્યો છે તે. जिसके उदय मे काम का कोई भी प्रकार-विकार-उदय आया है वह (one) whose passion has risen. दसा० १०, ३: —**मोह.** त्रि० (-मोह) ઉત્કટ મોહના ઉદયવાળો. तीव्र मोह का उदय वाला. (one) whose infatuation or delusion has acutely risen. " अणुत्तरोववाइयाणं भंते देवा किं उदिएणमोहा " भग० ५, ४:

उदित. त्रि० (उदित) ઉદય થયેલ; બહાર આવેલ. उदित; उदय प्राप्त. Risen; come to view. नाया० १;

उदिन्न. न० त्रि० (उदीर्ण) જુઓ "उदिएग्ग" શબ્દ. देखो " उदिएग्ग " शब्द. Vide " उदिएग्ग " क० प० १, ३२;

उदिय. पुं० (उदित) ઉદય પામેલ; ઉગેલ. ऊगा हुआ सूर्य. The sun in its rise; the sun risen above the horizon. नाया० १;

उदीची. स्त्री० (उदीची) ઉત્તર દિશા. उत्तर दिशा. The north. भग० ५, १:

उदीण. पुं० न० (उदीचीन) ઉત્તર દિશા; ઉત્તર વિભાગ. उत्तर दिशा; उत्तर विभाग. The north; the northern region. सू० प० १; जं० प० ४, ७२; ४, ११०; ७, १५०; राय० १०२; नाया० ५; —**अभिमुह.** त्रि० (-अभिमुख) ઉત્તર દિશાને સન્મુખ. उत्तर दिशाके सन्मुख. facing the north. वव० १, ३७; —**वाअ-य.** पुं० (-वात) ઉત્તર દિશાનો વાયુ. उत्तर दिशा का वायु. the north-wind. ठा० ५, ३; ७, १; पन्न० १;

उदीणा. स्त्री० (उदीचीना) ઉત્તર દિશા. उत्तर दिशा. The north. " दो दिसाओ कप्पइ पाइणं चेव उदीणं चेव " ठा० २; राय० आया० १, ६, ५, १६४; जं० प०

उदीरग. त्रि० (उदीरक) ઉદીરણા કરનાર. उदीरणा करनेवाला. (One) who forces up (Karma) into maturity. भग० १, १; ३५, १; क० प० ४, ४:

उदीरण. न० (उदीरणा) ઉદીરણા કરવી તે. उदीरणा करना; गत बात को प्रगट करना. Telling or exposing the past. ओव० १६: क० गं० २, १३:

उदीरणया. स्त्री० (उदीरणा) જુઓ " उदीरण " શબ્દ. देखो " उदीरण " शब्द. Vide. "उदीरण" क० गं० २, १;

उदीरणा. स्त्री० (उदीरणा) જુઓ 'उईरणा' શબ્દ. देखो " उईरणा " शब्द. Vide. "उईरणा" जं० प० भग० ३, १; ७, ६; क० गं० २, २८; ४, ४; क० प० ४, १; ५, ४०; प्रव० ४६;

उदीरय. त्रि० (उदीरक) જુઓ " उदीरग " શબ્દ. देखो "उदीरग" शब्द. Vide 'उदीरग" भग० २५, ६;

उदीरिय. त्रि० (उदीरित) જુઓ "उईरिय" શબ્દ. देखो " उईरिय " शब्द. Vide

"उईरिय" आया० १, ६, ३, १६२; पन्न० २३; राय० १२८; भग० १, १; ३, ३; उत्त० २६, ७१;

उदीरि(रे)त्तार. त्रि० (उदीरयितृ) ઉદેરનાર; પ્રેરણા કરનાર. प्रेरणा करनेवाला. One who prompts or forces up (e. g. Karma) into maturity. सम० १०; दसा० १, १४;

उदु. पुं० (ऋतु) ઋતુ; મોસમ. ऋतु; मोसम. A season नाया० १;

उदुंबर. न० (उदुम्बर) એ નામનું વિપાક સૂત્રનું આઠમું અધ્યયન. इस नामका विपाक सूत्रका आठवाँ अध्ययन. Name of the 8th chapter of Vipāka Sūtra. ठा० १०, १;

उदुंबरिज्जिया. स्त्री० (औदुम्बरिका) ઉદેહ ગણથી નિકલેલ એક શાખા. उद्देह गणसे निकली हुई एक शाखा. An off-shoot of Uddehagaṇa. कप्प० ८;

उदुब्भेय. पुं० (उदकोद्भेद) ગીરી-પર્વત તટ આદિમાંથી પાણીનું નિકલવું. पर्वत, तट आदिसे जलका निकलना. A spring of water from a mountain etc. भग० ३, ७;

उदुहल. पुं० (उदुखल) ખાંડણી; ઉખલ. ओखली. A mortar. आया० २, १, ७, ३७; विशे० १०३०;

√उद्-अय. धा० I. (उत्+अय्) ઉદય થવો; ઉગવું. उदय होना; ऊगना. To rise; to come to rise.

उदयंति. नाया० ५;

उदयंत. व० कृ० भग० १, ५; ६;

√उद्-आ-हर. धा० I. (उत् + आ + हृ) કહેવું; પ્રતિપાદન કરવું; દાખલા સહિત વર્ણન કરવું. कहना; प्रतिपादन करना; उदाहरण सहित वर्णन करना. To tell; to explain; to illustrate.

उयाहरे. वि० उत्त० ११, ४;

उदाहरे. वि० उत्त० ५, १; सूय० १, २, २, १३;

उदाहरिस्सामि. भवि० उत्त० २, १; दस० ८, १;

उदाहु. उत्त० ६, १८; नाया० ८;

√उद्-इ. धा० II. (उत् + इ) ઉદય થવો; ઉગવું. उदय होना; ऊगना. To rise; to come to rise.

उदेइ. जीवा० ३, २;

√उद्-ईर. धा० I, II. (उत् + ईर्) ઉદીરણા કરવી; પરિપાકના સમય પહેલાં કર્મને આકર્ષી ઉદયમાં લાવવાં તે. उदीरणा करना; परिपाक के समय के पहिले कर्म को आकर्षित करके उदयमें लाना. To cause to mature (e. g. Karma) before the ripe time; to force up Karma into maturity.

उदीरइ. राय० २६७; भग० ३, ३; क० प० ५, ५४;

उईरेइ. उत्त० १७, १२; भग० ७, १; २५, १; ६; ७; ठा० २, ४; निसी० ४, २३;

उदीरंति. भग० ५, २; पन्न० १४; गच्छा० ६८;

उदीरेंति. भग० १८, १०; नाया० ५;

उदीरिस्संति. पन्न० १४;

उदीरेंसु. भू० का० पन्न० १४;

उदीरिज्जा. वि० भत्त० १५६;

उदीरित्तए. हे० कृ० वेय० ६, १;

उदिरेमाण. भग० २५, ६; अंत० ३, ८;

उदीरिज्जमाण. क० वा० व० कृ० भग० १, ३; ६, ३३;

√उद्-कस. धा० I. (उत् + कृष्) ઉંચે ખેંચવું. ऊंचा खेंचना. To draw up. (२) ઉત્કર્ષ કરવો. उत्कर्ष करना. to flourish; to prosper.

उक्कोसइ. सू० प० १;

उक्कसिस्सामि. आया० १, ६; ३, १८५;

उक्कसावेइ. प्रे० निसी० १८, ६; ७; ८;

√उद्-कीर. धा० I. (उत् + कॄ) કોતરવું; છોલવું. कुतरना; छीलना. To carve; to scratch off.

उक्कीरइ. क० प० २, ६२;

उक्कीरासि. अणुजो० १४६;

उक्कीरमाण. "तंच केइ उक्कीरमाणं पासित्ता" अणुजो० १४८:

उक्कीरिज्जमाण क० वा० व० कृ० जं० प० राय० ५६; जीवा० ३, ४;

√उद्-कुद्द. धा० I. (उत् + कूर्द्) કુદવું. कूदना. To leap; to jump.

उक्कुद्दइ. उत्त० २७, ४;

√उद्-खण. धा० I. (उत्+खन्) ખોદવું; ઉખેડવું. खोदना. उखाडना. To dig; to dig out; to excavate.

उक्खणइ. सु० च० १२, ५८;

√उद्-क्खिव. धा० I, II. (उत्+क्षिप्) ઉંચા ફેંકવું. ऊंचा फेंकना. To throw high; to toss.

उक्खिप्प. सं० कृ० आया० २, २, ३;

उक्खिवित्तु. सं० कृ० " उक्खिवित्तु न निक्खिवे " दस० ५, १, ८५;

उक्खिवमाण. व० कृ० भग० १६, १;

उक्खिप्पमाण. क० वा० व० कृ० भग० ८, ६;

√उद्-गच्छ. धा० I. (उद्+गम्) ઉદય પામવું; ઉગવું. ऊगना; उदय होना. To rise.

उग्गच्छंति. सू० प० ८;

उग्गच्छं. सं० कृ० भग० ५, १;

√उद्-गम. धा० I० (उत् + गम्) ઉગવું; સૂર્યનો ઉદય થવો. ऊगना: सूर्य का उदय होना. To rise.

उग्गमंत. व० कृ० सु० च० २, १०५;

उग्गममाण. व० कृ० पन्न० १;

√उद्-गलच्छ. धा० II. (*) ઢાંકણું ઉઘડાવવું. ढकन खुलवाना. To get a lid or cover opened

उग्गलच्छावेमि. प्रे० राय० २५४:

√उद्-गाह. धा० I, II. (अव+गाह्) અવગાહવું; પ્રવેશ કરવો; અંદર જવું. अवगाहन करना; प्रवेश करना; भीतर जाना; अंदर जाना. To enter; to penetrate; to pervade.

उग्गाहेइ. भग० २, ५; ११, ६; १६, ६; नाया० ६; विवा० ७;

उग्गाहइ. सू० प० १;

उग्गाहिंति. नाया० २:

उग्गाहेज्जा. वि० भग० ३, ३; ५, ७;

उग्गाहेह. आ० नाया० ८: ६;

उग्गाहित्ता. सं० कृ० भग० २, ८; ४, ४; ६, ५; ६, ३; १३, ४; १६, ६; १८, ३; २०, २;

उग्गाहेत्ता. सं० कृ० भग० ११, ६;

उग्गाहित्तए. हे० कृ० नाया० ६:

उग्गाहेमाण. व० कृ० भग० १६, ६:

√उद्-गिण्ह. धा० I,II. (अव+ग्रह) આજ્ઞા લેવી; રજા માગવી. आज्ञा लेना; छुट्टी मांगना. To ask permission.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

(२) ગ્રહણ કરવું; ધારી રાખવું. ग्रहण करना; धार रखना. To take in; to retain.

उग्गिरहइ नाया० १; दसा० ४, ४१;

उग्गिरहामि. भग० १५, १;

उग्गिरिहत्ता नाया० १; २; ५; १३; १४; भग० २, ५; ओव० २७;

उग्गिरिहत्तए. दसा० ७, १; ८, वव० ८, १०; नाया० ध० दसा० ४, ६०; वेय० ३, ३१;

√उद्-गीर. धा० I. (उद्+गृ) ઓગાળવું; વાગોળવું. उगल जाना; जुंगाला करना. To chew and mix with saliva as cows etc. do

उग्गीरसि. सु० च० १४, ३६;

√उद्-गोव. धा० I, II. (उद्+गूप्) ઉકેલવું; ગુંચ કહાડવી. सुलझाना; उकेलना. To decipher.

उग्गोवेई भग० १६, ६;

उग्गोवेमाण भग० १६; ६;

√उद्घात. धा० I, II. (उन्+हन्+णि) હણવું; ક્ષય કરવો; નાશ કરવો; ખપાવવું; ઠુંઠું કરવું. मारना; हनन करना; नाश करना; क्षय करना. To kill; to destroy.

उग्घाअइ. उत्त० २६, ६.

√उद्-घोस. धा० II. (उद्+घुष्) ઉદ્ઘોષણા કરવી. उद्घोषणा करना; प्रगट करना. To proclaim. (२) માંજવું; સાફ કરવું. मांजना; साफ करना. to rub; to cleanse.

उग्घोसेह. नाया० १६;

उग्घोसेत्ता. विवा० १;

उग्घोसेमाण. नाया० १; ५; १३; १२; १६; १८; विवा० १; जं० पं० ५, १२३; राय० ३७; भग० ३, १; १५, १;

उग्घोसमाण भग० ३, १; १५, १;

उग्घोसावेइ. प्रे० सु० च० २, ३०८;

उग्घोसिज्जंत. क० वा० व० कृ० विवा० ८;

उग्घोसिज्जमाण. विवा० १;

√उद्-चर. धा० I. (उत्+चर्) ઉચ્ચાર કરવો; બોલવું. उच्चारण करना; बोलना. To pronounce; to utter.

उच्चारेइ. प्रे० नाया० १;

उच्चारेमाण. नाया० १; भग० ११, ११;

√उद्-चल. धा० I, II. (उत्+चल्-णिच्) ચાલના કરવી; પાણીને ઉચ્છાળવું. चालना करना; पानी को उछालना. To cause to move; to throw up water.

उच्चालेंति. प्रे० नाया० ४;

उद्-चिण. धा० I. (उत्+चि) વિણવું; ભેગા કરવું. बीनना; एकत्रित करना. To pick up; to collect.

उच्चिणइ. ओघ० नि० भा० २६६.

उच्चिणिउं. सं० कृ० सु० च० ७, ११;

उच्चित्ता. वव० ६, ४४;

√उद्-च्छल. धा० II. (उत्+छल्) ઉછળવું. उछलना. To leap; to jump.

उच्छलंति. जीवा० ३, ४;

उच्छलिउं. सं० कृ० सु० च० ६, २६;

उच्छलंत व० कृ० ओव० २१; क० प० २, ४३;

√उद्-च्छिद्. धा० I, II. (उत्+छिन्द्) નાશ કરવો. नाश करना. To destroy.

उच्छिंदसु. आ० सु० च० २, ६०७;

उच्छिंदिउं. पंना० १३, १२;

√उद्-छुभ. धा० I. (उत्+क्षुभ्) ક્ષોભ પમાડવો. क्षोभ पाना. To become distracted or agitated.

उच्छुभइ. राय० २७६;

उच्छुभित्ता. नाया० १;

√उद्-च्छील. धा० II. (उत्+चल्) પાણીથી ધોવું; પાણી ઉચ્છાળવું. पानी से धोना;

पानी उछालना. To wash with water; to throw up water.

उच्छोलंति. वि० राय० १८३, भग० ३, २;

उच्छोलेज्ज. आया० २, १, ६, ३३; निसी० १, ७; २, २१;

उच्छोलित्ता. सं० कृ० अ० आया० २, ५, १, १४६; भग० ३, २;

उच्छोलित्तए. हे० कृ० दसा० ७, १;

उच्छोलंत. व० कृ० निसी० १, ७;

उच्छोलित. गच्छा० १२२;

√उद्-जम. धा० I, II. (उत्+यम्) ઉદ્યમ કરવો; પ્રયત્ન કરવો. उद्यम करना; प्रयत्न करना. To work; to be industrious; to make an effort.

उज्जमंति. नाया० ५;

उज्जमेउ. आ० सु० च० १, २८०;

उज्जमंतु. सु० च० १, ६८;

उज्जमिस्सं. प्रव० ७८६;

उज्जमंत. व० कृ० पराह० १, ३;

उज्जममाण. व० कृ० सूय० नि० १, १३, १२६;

√उद्-जा. धा० I. (उत्+या) ઉપર જવું. ऊपर जाना. To go up; to mount.

उज्जाइ. भग० ३, ३;

उज्जाइंत. नाया० १;

√उद्-जोय. धा० I, II. (उत्+द्युत्) પ્રકાશ કરવો; ઉદ્યોત કરવો. प्रकाश करना; उद्योत करना. To light up; to brighten.

उज्जोएइ. प्रे० भग० १, ६;

उज्जोवेइ. प्रे० राय० १२०;

उज्जोवेंति. भग० ७, १०; ८, ८; जं० प० ७, १४१; ७, १३७;

उज्जोवेमाण. भग० २, ५; ३, १; २; ओव० २२; उवा० २, ११२;

उज्जोएमाण. जीवा० ३; ठा० ८; ओव०

उज्जोयंत. सु० च० २, २; ३, १८६; नाया० १;

√उद्-जल. धा० I. (उत्+ज्वल्) ઝળકવું; ચળકાટ કરવો. झलकना; चिलकना. To shine; to sparkle.

उज्जलइ. भग० १६, १;

उज्जलंत. राय० ८०;

उज्जालेइ. प्रे० भग० ७, १०; ११, ६;

उज्जालेंति. जं० प० २, ३३;

उज्जालेज्जा. दस० ४;

उज्जालेह आ० जं० प० २, ३३;

उज्जालावेज्जा. णि० दस० ४;

उज्जालेत्ता. सं० कृ० भग० ११, ६;

उज्जालिया. सं० कृ० दस० ५, १, ६३;

उज्जालित्तए. हे० कृ० आया० १, ७, ३, २१०;

√उद्-ट्ठा. धा० I, II. (उत्+स्था) ઉભા થવું, ઉઠવું. खड़े होना; उठना. To get up; to stand.

उट्ठइ-ति. नाया० १; ५; ६; १६; भग० १, १, ३, १; १५; १; राय० ७५; उवा० ७, १६३;

उट्ठंति. भग० ८, १;

उट्ठमो. सूय० २, ७, १५;

उट्ठिहिति. भ० सु० च० ६, ५७;

उट्ठिहिसि. भ० पि० नि० भा० ३६;

उट्ठित्ता. सं० कृ० उत्त० २, २१; भग० १, १; नाया० १; ठा० ३, ३;

उट्ठेत्ता. नाया० १; १६; भग० ३, १; ६, ३३; १०, ४; १५, १;

उट्ठिऊण. सं० कृ० सु० च० २, ५३;

उट्ठाए. सं० कृ० वव० ३, २; नाया० १; ६; १६; १६; भग० १, १; २, १; ३, १; ६, ३३; १५, १; आया० १, ८, ६, २२१; सूय० १, १०, ७;

उट्टुंत. व० कृ० पिं० नि० ४८६;
उट्टित. व० कृ० प्रव० १५८;
उट्टियमाण. भत्त० ८५;
उट्टाविसए. प्रे० हे० कृ० वव० ७, ६;

√ **उद्-दुहु.** धा० I (उत्+ष्ठिव्) थुंकवुं. थुंकनी पिचकारी नाखवी. थूकना; थूक की पिचकारी डालना. To spit; to eject saliva from the mouth.

उद्दुहंति. भग० ३, १;
उद्दुहित्ता. भग० १५, १;

√ **उद्-डा.** धा० I. (उत्+द्रा) पाश रचवुं. पाष-जाल-रचना. To make a net or a snare; to prepare a snare.

उड्डाह. १, ८;

√ **उद्-तर.** धा० I, II. (उत्+तॄ) पार उतरवुं; पार उतरीने सामे कांठे जवुं. पार उतरना; पार होकर पहली पार जाना. To cross; to go to the opposite shore.

उत्तरइ. नाया० १३;
उत्तरेइ. नाया० ६;
उत्तरिंति. नाया० ४; १६; १७;
उत्तरेह. आ० नाया० १६;
उत्तरह. आ० नाया० १६;
उत्तरित्ता. उत्त० ३२, १८; नाया० १३;
उत्तरिसए. हे० कृ० ठा० ५, २; ओव० ४०; वेय० ४, २८; नाया० १६;
उत्तरिउं-त्त. सु० च० १, १७३; जं० प० नाया० १६;
उत्तरंत. व० कृ० संत्था० ५६;
उत्तारेत्ता. प्रे० नाया० १७;
उत्तारेमाण. प्रे० व० कृ० ठा० ५;
उत्तारेइ. प्रे० नाया० २; १७;

√ **उद्-दाल.** धा० II. (उत्+दाल) प्रहार मारवा. प्रहार मारना. To strike blows. (२) चामडी उतारवी. चमडी उतारना. to flay. (३) नीचे पाडवुं. नीचे गिराना. to throw down.

उद्दालित्ता. सं० कृ० सूय० २, २, १८; दसा० ६, ४;
उद्दालेउं. सं० कृ० सु० च० १४, ४५;

√ **उद्-दिस.** धा० I. (उत्+दिश्) अमुक अध्ययननुं पाठ कर एवी रीते शिष्यने गुरुनो आदेश थवो. गुरु का 'अमुक अध्ययन का पाठ कर' इस प्रकार शिष्यको आदेश होना. To order a disciple to study a particular scriptural chapter.

उद्दिसइ. निसी० ५, ६;
उद्दिसामि विशे० ३४१२;
उद्दिसित्तए. वव० २, १४, ३, ३४; ७, ८; ठा० २, १;
उद्दिस्स. सं० कृ० निसी० १४, ५; दस० १६; आया० २, २, २, ८७;
उद्दिसिय. सं० कृ० निसी० १४, ५;
उद्देहुं. सं० कृ० विशे० १४८६.
उद्दिसिज्जंति. क० वा० भग० ४२, १; अणुजो० २;
उद्दिसावित्ता. प्रे० सं० कृ० वव० ३, १०; ११; वेय० ४, २१;

√ **उद्-द्दव.** धा० I, II. (उत्+द्रु) उपद्रव करवो; मारवुं. उपद्रव करना; मारना. To attack; to beat; to trouble.

उद्दवए. आया० १, १, २, १६;
उद्दवंति. पन्न० ३६;
उद्दवेइ. १८, ८;
उद्दवेहिंति. भग० १५, १;
उद्दवेत्ता. सूय० २, २, ६; भग० ८, ५;
उद्दवित्तए. जं० प०
उद्दवेमाण. भग० १८, ८;

उद्दाविज्जमाण. क० वा० व० कृ० सूय० २, १, ४८; २, ४, ११;

√उद्-द्दा. धा० I. (उत्+द्रा) મરવું. मरना. To die.

उद्दाइ. भग० १, १; २, १; विवा० १;

उद्दायंति. आया० १, १, ४, ३७;

उद्दाइत्ता. सं० कृ० भग० २, १, १५, १; जं० प० ६, १२४; ठा० १०;

उद्दाय. सं० कृ० भग० ५, २; जीवा० ३;

उद्दावेत्ता. प्रे० सं० कृ० राय० २८२;

√उद्-द्धंस. धा० II. (उत्+ध्वंस्) વખોડી વખોડી તિરસ્કાર કરવો. किसीकी तुच्छता बतला बतला कर तिरस्कार करना. To dispraise a person and show contempt towards him.

उद्धंसेइ. भग० १५, १; नाया० १८;

उद्धंसेंति. नाया० १६;

उद्धंसेत्ता. भग० १५, १;

उद्धंसित्तए. हे० कृ० राय० २६६.

√उद्-नम. धा० I. (उत्+नम्) ઉભા થવું; મસ્તક ઊંચું કરવું. खडे होना; मस्तक ऊंचा करना. To stand up; to raise the head.

उण्णमंति. राय० ८६;

उण्णमिय. सं० कृ० आया० २, १, ५, ३२;

√उद्-नि-क्खिव. धा० I, II. (उत्+नि+क्षिप्) ઊંચે ખેંચી લેવું; ઉખેડવું. उखाडना; ऊपर खेंच लेना. To root out; to draw up; to pull out.

उण्णिक्खिस्सामि. सूय० २, १, ६;

√उद्-पज्ज. धा० I. (उत्+पद्) ઉત્પન્ન થવું; પેદા થવું. उत्पन्न होना; पैदा होना. To be born; to be produced.

उप्पज्जइ. उत्त० १७, २; विशे० ७०; ४१४; प्रव० ११११५;

उप्पज्जए. सूय० १, १, १, १६;

उववज्जन्ति. सूय० १, १, ३, १६;

उप्पज्जंति नाया० १६, भग० ५, ६;

उप्पज्जन्तु. पण्ह० १, २;

उप्पज्जिस्संति. भ० भग० ५, ६; नाया० १६;

उप्पज्जिस्सं. भ० सु० च० १, २२३०;

उप्पज्जिंसु भू० नाया० १६; भग० ५, ६;

उप्पज्जित्ता. सं० कृ० भग० ५, ६;

उप्पज्जमाण. भग० ३४, १;

√उद्-ज्ज. धा० I. (उत्+पद्+णिच्) ઉત્પન્ન કરવું; પેદા કરવું. उत्पन्न करना; पैदा करना. To create; to produce.

उप्पायइ. भग० ८, ३;

उप्पाए-इ-ति. प्रे० नाया० ५; भग० १४, ८; निसी० ४, २२; ६, १०;

उप्पायेंति. जं० प० २, २४; भग० ११, १०;

उप्पाएज्जा. विधि० भग० ५, ४;

उप्पाएत्ता. जीवा० १;

उप्पाएत्तए. नाया० ४; भग० १५, १;

उप्पाइत्ता. ठा० ४, ७;

उप्पाइय. क० प० २, २६;

उप्पायंत. व० कृ० निसी० ४, २२;

√उद्-पड. धा० I. (उत्+पत) ઊંચે કુદવું. ऊंचा कूदना. To jump. (२) ઊંચે ઉડવું. ऊंचा उडना. to jump high.

उप्पयइ. भग० ३, २; १२, १; नाया० ६;

उप्पयइ. भग० ३, २; १५, १; नाया० ६;

उप्पयन्ति. जीवा० ३; भग० ३, १; राय० १८३, जं० प० ५, १२१;

उप्पएज्जा. वि० भग० ३, ५; १३, ६;

उप्पयाहि. आ० सूय० २, १, १०;

उप्पइत्ता. सं० कृ० पन्न० २; नाया० १; ६; ६; भग० ३, २; ६, ५; जं० प० १, १२;

उप्पइउं. सं० कृ० सु० च० २, ३११;

उप्पयन्त. व० कृ० आया० २, १५, १७६; कप्प० ५, ६६;

उप्पयमाण. व० कृ० नाया० १, ६; कप्प० २, २६;

उप्पाडन्ति. प्रे० ओव० ४१; सु० च० २, ५६६;

उप्पाडें (डिं) ति. प्रे० कप्प० ५, ११५;

उप्पाडेज्जा. वि० ठा० २, १; भग० ६, ३१; पन्न० २०;

उप्पाडेत्ता. सं० कृ० पन्न० २८;

√ उद्-पिल. धा० I. (उत+प्लु+णि) ઉપડાવવું. उठवाना. To cause to lift up.

उप्पिलावेइ. प्रे० निसी० १८, ६;

उप्पिलावए. "वियडेणुप्पिलावए" दस० ६, ६२;

√ उद्-पाड. धा० II. (उत्+पट्+णि) ઉપાડવું. उठाना; उठालेना. To take up; to lift up.

उप्पाडेइ. नाया० ५; भग० १५, १; १६, ३;

उप्पाडे. आ० पराह० १, १;

उप्पाडेत्ता. सं० कृ० नाया० ५; भग० १५, १;

उप्पाडिउं. हे० कृ० सु० च० २, ६६५;

उप्पाडेमाण. भग० १६, ६,

√ उद्-फण. धा० I. (उत+फण्) ઉફણવું. उफनना. To whisk.

उप्फणिंसु. आया० २, १, ६, ३४.

√ उद्-फिड. धा० I. (उत्+स्फुट्) દેડકાની ચાલે ચાલવું; કુદકા મારવા मेंडक की चालसे चलना; उछल कर चलना. To bound or leap; to move bounding like a frog.

उप्फिडइ. उत्त० २७, ५;

उप्फडित्ता. नाया० ८; पन्न० १६;

उप्फिडिउं. सं० कृ० सु० च० ५, १०६;

√ उद्-बाह. धा० I. (उत्+बाध्) પ્રબલ પીડા કરવી. प्रबल पीडा करना. To give great trouble; to cause intense affliction.

उब्बाहंति. आया० १, ७, ३, २१०;

उब्बाहिज्जा. विधि० दसा० ७, १;

उब्बोहे. वि० दस० ७, १;

उब्बाहित्था. भू० नाया० २;

उब्बाहिज्जमाण. क० वा० व० कृ० नाया० २; आया० १, ६, ४, १५६;

√ उद्-भम. धा० II. (उत्+भ्रम्) ભટકવું; ભમવું. भटकना. To wander; to roam.

उब्भमंति. नाया० १७;

उब्भमे. विधि० आया० १; ८, ७, १०;

√ उद्-भिन्द. धा० I. (उत्+भिद्) ઉઘાડવું; તોડવું. खोलना; तोडना. To open; to break open; to break.

उब्भिंदइ. नाया० ७;

उब्भिंदित्ता. सं० कृ० नाया० ७;

उब्भिंदिय. सं० कृ० निसी० १७, २३; दस० ५, १, ४६;

उब्भिंदमाण. आया० २, १, ७, ३८;

√ उद्-मा. धा० I. (उत्+मा) ઉન્માન કરવું; તોલવું तोलना; मापना. To weigh; to measure.

उम्मिणिज्जइ. क० वा० अणुजो० १३३;

√ उद्-मिस. धा० I. (उत्+मिष्) આંખ ઉઘાડવી. आंख खोलना To open the eyes.

उम्मिसेज्जा. वि० भग० १४, १; १०;

√ उद्-मुंच. धा० I, II. (उत्+मुच्) છોડવું; તજવું; મુકવું. छोडना; त्यागना. To abandon; to release; to give up.

उम्मुयइ. भग० ६, ३३; १५, १; १६, ५;

उम्मुख. आ० आया० १, ३, २, १११;
उम्मुहत्ता. नाया० ध० क० भग० ६, ३३; १५, १; १६, ५;

√उद्-मूल. धा० II. (उत्+मूल्) જડ-મૂલમાંથી ઉખડેવું. जड मूल से उखाड़ना. To root out; to eradicate.
उम्मूलेइ. भग० १६, ६;
उम्मूलेमाण. भग० १६, ६;

√उद्-लंघ. धा० I. (उत्+लंघ्) ઓલંઘવું; કૂદવું. उलाँघना; कूदना. To cross; to leap across.
उल्लंघिज्ज. वि० पन्न० ३६;
उल्लंघिश्र. सं० कृ० दस० ५, १, २२;
उल्लंघित्तए. हे० कृ० भग० ३, ४; १४, ५;

√उद्-लंच्छ. धा० I. (उत+लञ्छ्) ખોલવું; ઉઘાડવું; શીલ તોડવું. खोलना; उघाड़ना; मोहर तोडना. To open; to uncover; to break the seal.
उल्लंच्छइ. नाया० २;
उल्लंच्छित्ता. नाया० २;

√उद्-लल. धा० I. (उत्+लल्) ઉછળવું; उछलना. To toss; to throw up.
उल्लालेइ. प्रे० जं० प० ५, ११५;
उल्लालेमाण. प्रे० जं० प० ५, ११५; अंत० ६, ३; राय० ३७;

√उद्-लव. धा० I, II. (उत्+लप्) પ્રલાપ કરવો; ગમેતેમ બોલવું; અસંબધ્ધ બોલવું; प्रलाप करना; असंबद्ध बोलना; मर्यादा रहित बोलना. To prattle; to speak irrelevantly.
उल्लवइ. उत्त० ११, २;
उल्लवंति. गच्छा० ६२;
उल्लवह. आ० सु० च० २, ४४४;

√उद्-लिंच. धा० I. (*) ઉલેચવું. उलीचना. To empty a vessel etc. of the water contained in it; to take out water in small quantities until a vessel is empty.
उल्लिंचइ. पिं० नि० ३६६;

√उद्-लोल. धा० II. (उत्+लोल्) લુંછવું; ઉ-મર્દન કરવું. पोंछना; मलना. To wipe; to rub; to knead.
उल्लोलेइ. आया० २, १५, १७४;
उल्लोलेज्ज. वि० निसी० ३, १६;
उल्लोलेज्जं. आया० २, १, ३, १७२;

√उद्-वत्त. धा० I, II. (उत्+वृत्) ઉદ્વર્તન કરવું; અવલી રૂંવાડીએ મર્દન કરવું. उलटे रुएँ की ओर से मर्दन करना. To rub the body against the grain. (२) અધ્યવસાય વિશેષથી કર્મની ટુંકી સ્થિતીને લાંબી કરવી. अध्यवसाय विशेषसे कर्मकी अल्प स्थिति को लंबी करना. to lengthen the duration of Karma by means of sinful meditation. (३) નરકાદિ ગતિમાંથી નિકલી બીજી ગતિમાં જવું नरकादि गति से निकलकर अन्य गति में जाना. to take birth in another life after finishing the life-period in hell.
उव्वत्तेइ. नाया० २; प्रव० १५८;
उव्वट्टेइ. निसी० १, ६; नाया० ४;
उव्वट्टेति.
उव्वट्टंति भग० १, १; १३, १; २०, १०; ३२, १;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फ़ुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उव्वत्तम्मि. प्रव० ६३८;
उव्वट्टेज. निसी० ३, १६;
उव्वट्टिस्संति. भग० १; १;
उव्वट्टिंसु. भू० भग० १, १;
उव्वट्टित्ता. सं० कृ० ठा० ३, १; नाया० २; १६; १६; उत्त० ८, १५; भग० ७, ९; ११, १; १२, ६; १५, १; १६, ३; ३२, १; नाया० ध० विवा० १; ७;
उव्वट्टेत्ता. सं० कृ० जीवा० १;
उव्वत्तंत. व० कृ० पिं० नि० ५७६;
उव्वट्टन्त. व० कृ० निसी० १, १६; प्रव० ११८७;
उव्वट्टमाण. व० कृ० भग० १, ७;
उव्वत्तमाण. व० कृ० आया० २, १; ६, ३५;
उव्वट्टावेइ. प्रे० विवा० ६;
उव्वत्तिज्जमाण. क० वा० व० कृ० नाया० ३;

√**उद्-वम.** धा० I. (उत्+वम्) ઉલટી કરવી. उलटी करना; कै करना. To vomit.
उव्वमइ. सु० च० २, ५३६;

√**उद्-वल.** धा० I. (उत्+वल्) ઉલટી રૂંવાટીએ પીઠી ચોળવી તે. उलटे रूँआंओरसे पीठी मसलना. To rub a perfumed ointment on the body against the grain.
उव्वलिज्जा. विधि० आया० २, ११३, १७२;
उव्वलमाण. क० प० ७, ४०;

√**उद्-वह.** धा० I, II. (उत्+वह्) નિર્વાહ કરવો; આબાદ થવું. निर्वाह करना; खुश हाल होना; आबाद होना. To sustain; to support; to prosper.
उव्वहइ. सम० ३०; दसा० ६, १३; सु० च० १, ३०;
उव्वहंति. जं० प० ५, ११४;
उव्वहंत. सु० च० १, १८३;

√**उद्-वेढ.** धा० II. (उत्+वेष्ट्) વીંટાળવું. लपेटना. The act of enclosing or enwrapping.
उव्वेढिज. आया० २, ३, २, १२१;

√**उद्-विह.** धा० I. (उत्+विध्) લક્ષપૂર્વક ઊંચે ફેંકવું. ध्यान पूर्वक ऊंचा फेंकना. To throw up or toss up carefully.
उव्विहइ-ति. नाया० ६, भग० ५, ६; १८, ३; उवा० २, १०५;
उव्विहंति भग० १६, १;
उव्विहामि. नाया० ८; उवा० २, १०१;
उव्विहित्ता. सं० कृ० भग० १८, ३;
उव्विहिय. सं० कृ० पन्न० १६; भग० १३, ६;
उव्विहमाण. भग० १२, १;

√**उद्-सक्क.** धा० I, II. (उत्+ष्वष्क्) આગળ વધવું. आगे बढना. To proceed; (२) ઊંચું કરવું. ऊंचा करना. to elevate.
उस्सकइ. पन्न० १७;
उस्सक्कित्ता. सं० कृ० ठा० ६, १;
उस्सक्किया. सं० कृ० दस० ५, १, ६३;

√**उद्-सप्प.** धा० I. (उत्+सृप्) વૃદ્ધિ પામવી. वृद्धि पाना; बढना. To grow; to prosper.
उस्सप्पंति. वेय० १, ४६;

√**उद्-सव.** धा० I, II. (उत्+सु) ઊંચું ફેંકવું; ઉચકવું; ઊંચે કરવું; ऊंचा फेंकना; उचकना; ऊंचा करना. To lift up; to toss up.
ऊसवेइ. भग० ३, २;
ऊस्सवेह. कप्प० ६;
ऊसवेह. भग० ११, ११;
ऊसवेत्ता. सं० कृ० भग० ३, २; ११, ११;
ऊसविय. सं० कृ० सूय० २, २, ८;
उस्सवित्ता. दस० ५, १, ६७;

√उद्-सिंच. धा० II. (उत्+सिंच्) ઉલેચવું; પાણી બહાર કહાડવું. उलेचना; पानी बाहर निकालना. To draw out water; to take out water.

उस्सिंचइ. निसी० १८, ८;
उस्सिंचेज्जा. भग० ३, ३;
उस्सिंचिया. दस० ५, १. ६७;
उस्सिंचमाण. आया० २. १, ६, ३६;

√उद्-स्सस. धा० I. (उत्+श्वस्) શ્વાસ લેવો. श्वास लेना. To breathe; to take breath.

ऊससंति. पन्न० ७; भग० ६, ३४;
ऊससमाण. भग० ६, ३४;

√उद्-हर. धा० I,II. (उत्+हृ) કાઢવું; ઉખેડવું. निकालना; उखाड़ना. To abandon; to take out; to uproot.

उद्धरेसि. नाया० १;
उद्धरिमा. गच्छा० १;
उद्धरे. विधि० सूय० १. ८, १३;
उद्धरिउं. पंचा० १६;
उद्धरित्ता. उत्त० २३, ४६;
उद्धरंत. चउ० १६;

उद्द. पुं० (उद्र) સિંધ દેશમાં થતી ઉદ્દા જાતની માછલીના ચામડીની બનાવટનું વસ્ત્ર. सिंध देश में होने वाली उद्दा जाति की मछली के चमड़े की बनावट का वस्त्र. A cloth made of the skin of a kind of fish produced in Sindh. आया० २, ५, १, १४५;

उद्दंडक. पुं० (उद्दण्डक) ઊંચો દણ્ડ કરી ચાલે તે; તાપસની એક જાત. दंड को ऊंचा करके चलने वाला; तापसियों की एक जाति. One of a class of ascetics walking with a stick raised up. ओव० ३८;

उद्दंडग. पुं० (उद्दण्डक) જુઓ "उद्दंडक" શબ્દ. देखो "उद्दंडक" शब्द. Vide "उद्दंडक" निर० ३, ३; भग० ११, ६;

उद्दंडपुर. पुं० (उद्दण्डपुर) ઉદ્દંડપુર નામનું એક નગર. उद्दंडपुर नामक एक नगर. Name of a city. भग० १५, १;

उद्दंस. पुं० (उद्दंश) ઉદ્ધાંશ; એક જાતનો તેઇંદ્રિય જીવ. दांमक; एक प्रकार का तेइन्द्रिय जीव. A kind of three-sensed living being; a moth. (२) માકડ. खटमल. a bug. "कंथुपिपिलि उद्दंसा" उत्त० ३६, १३६; कप्प० ६, ४६; —अंड. पुं० (-अण्ड) મધમાખ અથવા માકડનું ઈંડાનું. मधुमक्खी या खटमल का अंडा. an egg of a bee or a bug. कप्प० ६, ६५;

उद्दंसगा. स्त्री० (उद्दंशका) જુઓ "उद्दंस" શબ્દ. देखो "उद्दंस" शब्द. Vide "उद्दंस." पन्न० १;

उद्दड्ड. पुं० (उद्दग्ध) રત્નપ્રભા પૃથ્વીના સીમન્તકપ્રભ નામે પૂર્વ તરફના આવલીકાબંધ નરકાવાસાથી २० મા નરકાવાસાનું નામ. रत्नप्रभा पृथ्वी के सीमन्तकप्रभ नामक पूर्व की ओर के आवलिकाबन्ध नरकावास से २० वें नरकावास का नाम. Name of the 20th hell-abode in a series of such in the east (styled Simantaka Prabha) belonging to the Ratna-Prabha earth. ठा० ५; ६, ९;

उद्दड्डमज्झिम. पुं० (उद्दग्धमध्यम) રત્નપ્રભા પૃથ્વીના સીમન્તકપ્રભ નામે ઉત્તર આવલિકાબંધ નરકાવાસાથી २० મા નરકાવાસાનું નામ. रत्नप्रभा पृथ्वी के सीमन्तकप्रभ नामक आवलिकाबन्ध नरकावास से २० वें नरकावास का नाम. Name of the

20th hell-abode in the northern series of such (styled Sīmantaka Prabha) belonging to the Ratna-Prabhā earth. ठा० ६, १;

उद्द्वावत्त. पुं० (उद्दग्घावर्त्त) रत्नप्रभा पृथ्वीना सीमन्तक आवर्त नामे पश्चिम आवलिकाबंध नरकावासाथी २० मो नरकावासो. रत्नप्रभा पृथ्वीके सीमन्तकआवर्त नामक पश्चिम की ओर के आवलिकाबन्ध नरकावास से २० वे नरकावास का नाम. The 20th hell-abode in a series of such (styled Sīmantaka Āvarta) in the west belonging to Ratna-Prabhā earth. ठा० ६, १;

उद्द्वावसिट्ठ. पुं० (उद्दग्घावशिष्ट) रत्नप्रभा पृथ्वीना सीमन्तकावर्त नामे पश्चिम आवलिकाबंध नरकावासाथी २० मो नरकावासो. रत्नप्रभा पृथ्वीके सीमन्तकावर्त नामक पश्चिम की ओर के आवलिकाबन्ध नरकावास से २० वे नरकावास का नाम. The 20th hell-abode in a series of such in the west (styled Sīmantaka Āvarta) belonging to Ratna-Prabhā earth. ठा० ६, १;

उद्दग्गिय. त्रि० (उद्दप्त) कर्मरूपी शत्रुने जीतवाने मगरूर थयेल. कर्मरूपी शत्रु को जीतने के लिये अभिमान करने वाला. (One) proud to conquer the enemy in the form of Karma. नंदी० १४;

उद्दवण. न० (उपद्रवण) मारवुं; घात करवी; उपद्रव; मरणांत कष्ट. मारना; घात करना; उपद्रव; मरणांत कष्ट. Beating; killing; trouble; life-long misery. "उद्दवणं पुण जाणासु अइवाय विवज्जियं पीडं" पिं० नि० ६७; ओव० २०; जं० प० पण्ह० १, १;

उद्दवणा. स्त्री० (*उपद्रवणा=उपद्रवण) उपद्रव करवो ते. उपद्रव करना. Giving trouble or annoyance to. पण्ह० १, १;

उद्दवित्ता. त्रि० (उपद्रावितृ) उपद्रव करनार; दुःख आपनार. उपद्रव करने वाला; दुःख देने वाला. (One) who troubles or annoys; (one) who beats or kills. आया० १, २, १, ६६;

उद्दविय. त्रि० (उपद्रुत) डरावेल; उद्वेग पामेल. उद्वेग पाया हुआ; डराया हुआ. Frightened; troubled; distracted. आव० ४, ३;

उद्दविया स्त्री० (उपद्राविका) मरकी. रोग, बीमारी. Plague. भग० १६, ३;

उद्दवेयव्व. त्रि० (उपद्रावयितव्य) उपद्रव करवा योग्य; घात करवा योग्य. उपद्रव करने योग्य; घात करने योग्य. (One) deserving to be troubled, beaten or destroyed. "अहणं उद्दवेयव्वा अण्णे उद्दवेयव्वा" सूय० २, १, ४८; आया० १, ४, १, १२६;

उद्दहक. पुं० (उद्दाहक) अटवी वगेरेनो दाह करनार. वन वगैरह को जलाने वाला. One setting fire to; one causing forest conflagration etc. पण्ह० १, ३;

उद्दाइ. अ० (उताहो) अथवा. अथवा; या. Or; an alternative conjunction. नाया० १,

उद्दाम. त्रि० (उद्दाम) उद्धत; स्वच्छन्दी, उद्धत; स्वच्छंद. Insolent; self-willed. पण्ह० १, ३; अणुजो० २१;

उद्दामियघंट. त्रि० (उद्दामितघंट) ઘંટાથી યુક્ત. घंटासे युक्त. Furnished with, united with a bell. विवा० २;

उद्दाल. पुं० (अवदाल) એ નામનું એક જાતનું ઝાડ. इस नाम का एक जाति का झाड़. Name of a kind of tree. जं० प० भग० ६, ७; (२) રેતી વગેરેનો પોચો-ઢિલો થર કે જેના ઉપર પગ મુકતાં પગ નીચે જાય તે. रेता वगैरह का ढीला थर जिसपर कि पैर रखने से पैर घुस जाय. a soft heap or layer of sand etc. which gives way as soon as it is trodden by foot राय० १६२; नाया० १; भग० ११, ११, जीवा० ३, ४; कप्प० ३, ३२;

उद्दालक. पुं० (उद्दालक) એક જાતનું વૃક્ષ. एक जाति का वृक्ष. A kind of tree. जीवा० ३, ३;

उद्दावणया. स्त्री० (उद्दावणता) ઉપદ્રવ કરવો; ત્રાસ આપવો. उपद्रव करना; त्रास देना. Harassing; troubling; terrifying. भग० ३, ३: ६;

उद्दाह. पुं० (उद्दाह) મોટો દાહ. बडा भारी दाह. Great conflagration. ठा० १०;

उद्दिट्ठ. त्रि० (उद्दिष्ट) સામાન્યપણે ઉદ્દેશ કરેલ-કહેલ; પ્રતિપાદન કરેલ. सामान्य रीति से कहा हुआ प्रतिपादन किया हुआ. Generally pointed out; explained. वेय० ४, २८; विशे० १७६; निसी० ६, २०; पंचा० १०, ३; प्रव० १२६६; (२) સાધુને ઉદ્દેશી બનાવેલ આહારાદિ, साधु के उद्देश से बनाया हुआ आहार वगैरह. (food etc.) specially prepared for an ascetic. पराह० २, ५; पिं० नि० २०८; (३) અમાવાસ્યા. अमावस; अमावस्या. the 15th day of the dark-half of a month. दसा० ६, २; भग० २, ५; ३, ३; नाया० २; **—कड.** त्रि० न० (-कृत) સાધુ આદિને ઉદ્દેશીને કરેલ. साधु आदि के उद्देश से किया हुआ. (food etc.) specially prepared for a monk. "उद्दिट्ठकडभत्तं विवज्जति किमुपसे समारंभे" पंचा० १०, ३२. **—कय.** त्रि० (-कृत) ઉદ્દેશીને કરેલ. उद्देशकर किया हुआ. prepared specially for. प्रव० १००५. **—भत्त.** पुं० (-भक्त) સાધુને ઉદ્દેશીને બનાવેલ ભોજન. साधु के उद्देश से बनाया हुआ भोजन. food prepared specially for an ascetic. सूय० २, ६, ३७; दसा० ६, २; **—भत्तपरिरणाअ-य.** त्रि० (-भक्तपरिज्ञात) દશમી પડિમા આદરનાર શ્રાવક કે જે દસ માસ સુધી ઉદ્દિષ્ટ ભક્ત પાન એટલે પોતાને ઉદ્દેશી કરેલ ભાત પાણીનો ત્યાગ કરે. दसवीं प्रतिमा ग्रहण करनेवाला श्रावक जो कि दस मास तक अपने लिये बनाये हुए भोजन वगैरह ग्रहण न करने की प्रतिज्ञा करता है (a Jaina layman) practising the 10th vow of a Śrāvaka i. e. not taking food and water specially meant for him. सम० ११;

उद्दिट्ठा. स्त्री० (उद्दिष्टा) અમાવાસ્ય; અમાસ. अमावस; आमावश्या. The 15th day of the dark-half of a month. राय० २१५; जीवा० ३, ४; नाया० ६;

उद्देस. पुं० (उद्देश) સામાન્ય આદેશ; સામાન્ય કથન. सामान्य आदेश; सामान्य कथन. General mention; (२) બોધ; શિખામણ. शिक्षा; उपदेश. advice; expostulation. अणुजो० २; आया०

१, २, ३, ८१; भग० २, २; ५; पंचा० ५, ३१; (३) क्षेत्र કાલ વિભાગ. क्षेत्र काल का एक विभाग. a division of space or time. वेय० ३, १५; (४) અધ્યયન કે શતકનો એક પેટા વિભાગ. अध्याय अथवा शतक का एक उप विभाग. a sub-division of a chapter or of a Śataka. उत्त० ३१, १७; विशे० ६७५;

उद्देसअ-य. पुं० (उद्देशक) અધ્યયન કે શતકનો એક વિભાગ. अध्याय अथवा शतक का एक विभाग. A sub-division of or a portion of a chapter or of a Śataka. भग० ३, ८; ७, ८; ६, ३; निसी० ६, १२;

उद्देसग. पुं० (उद्देशक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. अणुजो० १४६; भग० २१, ४; २३, ५; ३१, ६;

उद्देसण. न० (उद्देसन) અંગસૂત્ર આદિનું પઠન કરવું તે. अंगसूत्र आदि का पठन करना. The study of Aṅga Sūtra, etc. ठा० ३; आव० ४, ७; —**अंतेवासि.** त्रि० (-अन्तेवासिन्) જેને સૂત્ર મૂલપાઠે ભણાવવામાં આવ્યા હોય તે શિષ્ય. जिसे मूल सूत्र पढाये गये हों वह शिष्य. a disciple who is instructed in the original texts of the Sūtras. ठा० ४, ३; वव० १०, १५;—**आयरिय.** पुं० (-आचार्य) આચારંગાદિ સૂત્ર, મૂલ પાઠે ભણાવનાર. आचारांग आदि सूत्रों का मूल पाठ पढाने वाला. one who teaches Aṅga and other Sūtras in the original. वव० १०, १३; १४; ठा० ४, ३; —**काल.** पुं० (-काल) વર્ગ અધ્યયન કે શતકનો એક વિભાગ; ઉદ્દેશો. वर्ग, अध्याय अथवा शतक का एक विभाग; उद्देशा. a sub-division or a portion of a section, a chapter or a Śataka. नंदी० ४५; सम० ३७; पण्ह० २, ५; सम० प० १६६;

उद्देसिय. न० (उद्देशिक) એક સાધુને ઉદ્દેશી બનાવેલ આહારાદિ બીજાઓને પણ ન ખપે એવો પહેલા અને છેલ્લા તીર્થંકરના સાધુઓનો કલ્પ. एक साधु को उद्देश कर बनाया हुआ आहारादि दूसरे साधु को नहीं खपता-चलता ऐसा प्रथम और अन्तिम तीर्थंकर के साधुओं का व्यवहार-आचार. The tenet of the Sādhus of the first and the last Tīrthaṅkaras that the food specially prepared for one Sādhu is not acceptable even to other Sādhus. प्रव० ६५६; (२) અમુક સાધુને ઉદ્દેશીને નિપજાવેલું આહાર પાણી; ઉદ્દેશ દોષ વાળું. व्यक्तिगत साधु के लिये किया हुआ अन्न जल; उद्देश दोष युक्त. (food, water etc.) specially prepared for a particular Sādhu. सम० २१; वेय० २, १९; दस० ३, २; ६, ४६; पिं० नि० ६२; २२६; भग० ६, ३३; निसी० ५, ६३; आव० ४०; प्रव० ५७१; नाया० १; उत्त० २०, ४७;

उद्देहगण. पुं० (उद्देहगण) એ નામનો મહાવીર સ્વામીનો એક ગણ; નવ ગણમાંનો એક. महावीर स्वामी के एक गण का नाम; नौ गणों में का एक गण. Name of an order of saints instituted by Mahāvīra Swāmī; one of the nine such orders. "उद्देहगण चारण गणे" ठा० ६, १; कप्प० ८;

उद्देहिआ-या. स्त्री० (उद्देहिका) ઉધાઈ; ત્રણ ઈંદ્રિયવાળો જીવ વિશેષ. दीमक; तीन इन्द्रियों वाला एक जीव विशेष. A moth; a kind of three-sensed living being पन्न० १; उत्त० ३६, १३६; श्रोघ० नि० ३२६,

उद्देहिगा. स्त्री० (उद्देहिका) ઉધાઈ. दीमक. A moth. पिं० नि० भा० ४८;

उद्ध. त्रि० (ऊर्ध्व) ઊંચું. ऊंचा. High; lofty; tall. भग० १, १; ६; २, ६; ७, १; सू० प० ४; जं० प० ५, ११३; २, ३१; ७, १३६; —**घणभवण.** न० (-घनभवन) ઊંચા અને આંતરા વગરના જોડાજોડ રહેલાં ઘર. अंतर रहित-परस्पर में मिले हुए ऊंचे घर. lofty houses close to each other without any interval of space. भग० ६, ३३; —**चलणबंध.** पुं० (-चरण बन्ध) ઊંચે પગ બાંધવા રૂપ શરીર દંડ. पैरों को ऊपर करके बांध देने रूप शरीर दण्ड. a bodily austerity consisting in remaining with the head downwards and with the feet tied to something above. पराह० १, ३; —**ट्ठिअ.** त्रि० (-स्थित) ઉપર બેઠેલ. ऊपर बैठा हुआ. remaining, sitting above. सु० च० ३, ३०; —**पूरित-य.** त्रि० (-पूरित) ઊર્ધ્વ ભાગ; નાભિની ઉપરનો શ્વાસથી ભરેલો ભાગ. ऊर्ध्व भाग; नाभि से ऊपर का श्वास से भरा हुआ भाग. the part above the navel which is filled with air in respiration पराह० १, ३; —**मुह.** न० (-मुख) ઊંચું મોઢું. ऊंचा मुंह. face turned upwards- नाया० ८; जं० प० ७, १६२; —**रेणु.** स्त्री० (-रेणु) જુઓ "उड्ड-रेणु" શબ્દ. देखो "उड्ढ-रेणु" शब्द. vide "उड्ड-रेणु" जं० प० २, १६;

उद्धंसणा. स्त्री० (*उध्ध्वंसना) તિરસ્કારી વચન. तिरस्कार युक्त बचन. Contemptuous words. "उच्चावयाहिं उद्धंसणाहिं उद्धंसेइ" नाया० १६; भग० १५, १; राय० २६६; (२) નિન્દા. निन्दा; बुराई. blame; censure. श्रोघ० नि० भा० ३८;

उद्धट्टु. सं० कृ० अ० (उद्धृत्य) ઊંચું કરીને. ऊंचा करके. Having raised aloft. "पादुद्धट्टु मुद्धिं पहाणंति" सूय० १, ४; २, २; दसा० ६, २; वव० २, २७;

उद्धडा. स्त्री० (उद्धृता) ગૃહસ્થે પોતાના માટે રાંધવાના વાસણમાંથી બીજા વાસણમાં કાઢ્યું હોય તે ભિક્ષા લેવી તે; ત્રીજી પિણ્ડૈષણા. गृहस्थने अपने लिये, रसोई बनाने के बर्तनमें से दूसरे बर्तन में निकाल कर जो अन्न रखा हो उसकी भिक्षा लेना; तीसरी पिण्डैषणा. Begging of that food only which a householder has served for himself, in a dish from the cooking vessel; the third way of receiving or begging food; viz Piṇḍaiṣaṇā. प्रव० ७४६;

उद्धत त्रि० (उद्धत) ઊંચું; ઉત્કટ. ऊंचा; उत्कट; तीव्र. High; lofty; strong. नाया० १; जं० प० २, ३०; (२) ઉદ્ધત; સ્વેચ્છાચારી. उद्धत; स्वेच्छाचारी. insolent; wanton; self-willed. कप्प० ७, ३६; —**तमंधकार.** पुं० (-तमोन्धकार) અતિશય ગાઢ અન્ધારું. अतिशय अन्धकार. dense darkness. पराह० १, ३;

उद्धत्तु. सं० कृ० अ० (उद्धृत्य) ઊંચી કરીને.

ऊंचा करके. Having raised aloft. सूय० १, ४, १, ३;

उद्धत्तुं. अ० (उद्धर्तुम्) તારવાને; ઉધ્ધાર કરવાને. उद्धार करने के लिये; तारने के लिये. In order to save; in order to raise up. उत्त० २५, ३३;

उद्धमंत. त्रि० (उद्ध्मायमान) ધમતો; શંખાદિ ફૂંકતો. शंखादि फूंकता हुआ; धौंकता हुआ. Blowing; e g. a conch etc. "**उद्धमंताणं संखाणं सिंगाणं**" राय० ८८;

उद्धमाण. न० (उद्ध्मान) શંખ આદિ વગાડતો. शंखादि को मुंह से बजाता हुआ. Sounding or blowing of a conch etc. by the mouth. राय० ८८;

उद्धम्ममाण. त्रि० (*उद्धन्यमान-उत्पाद्य-मान) ઉત્પાદ્યમાન; ઉત્પન્ન થતો. उत्पन्न होता हुआ. Being produced; being created. "**वाउवेग उद्धम्म-माणश्रासा पिवास पाया**" पण्ह० १, ३;

उद्धया. स्त्री० (उद्धता) દેવતાની ગતિ વિશેષ. देवों की गति विशेष. A particular kind of gait possessed by gods. राय० २६; भग० ५, ८; ११, १०;

उद्धरण. न० (उद्धरण) ખેંચી કાઢવું; બહાર કાઢવું. खेंचकर निकालना; बाहर निकालना. To draw out; to uproot. ओघ० नि० ७६२; प्रव० ७६८;

उद्धरिय. त्रि० (उद्धृत) ઉખેડેલ; મૂળથી કાઢી નાખેલ. उखाड़ा हुआ; जड़से निकाल डाला हुआ. Rooted out; eradicated. "**फलेइ विसभक्खिणं साओ उद्ध-रिया कहं**" उत्त० २३, ४५; प्रव० २२७; ७४८, (२) ધારણ કરેલ. धारण किया हुआ. put on. दसा० १०, ३, क० गं० ४, ७८; —**सल्ल.** त्रि० (-शल्य) જેણે શલ્ય કાઢી નાખેલ છે તે. जिसने शल्य निकाल डाला है वह. (one) who has rooted out the feeling of enmity. नाया० १; —**सेय-छत्त.** न० (-श्वेतछत्र) ધર્યું છે જેના ઉપર ધોળું છત્ર તે. जिस के ऊपर श्वेतछत्र लगा हुआ है वह. one with a white umbrella held upon दसा० १०, ३;

उद्धाइय. त्रि० (उद्धावित) દોડી આવેલ; ઉતાવળથી આવેલ. दौड़कर आया हुआ; शीघ्रतासे आया हुआ. (One) that has come in haste; come running. उत्त० १२, १६;

उद्धायमाण. त्रि० (उद्धावत्) દોડતું; કૂદતું. दौड़ता हुआ; कूदता हुआ. Running; leaping. ओव० २१; नाया० १;

उद्धायमाणग. त्रि० (उद्धावत्+क) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द. Vide above पण्ह० १, ३;

उद्धार. पुं० (उद्धार) ગોશાલાના મતને અનુસાર કાલપ્રમાણવિશેષ. गोशाला के मत के अनुसार कालप्रमाण विशेष. A particular measure of time according to the tenet of Gośālā. भग० १५; १; क० गं० २, २७; —**पलिश्रोवम.** पुं० (-पल्योपम) કાલ પ્રમાણ વિશેષ; એક સાગરોપમનો દશ કોડાકોડિમો ભાગ. कालप्रमाण विशेष; एक सागरोपमका दस कोडाकोडवाँ हिस्सा. a particular measure of time; $\frac{1}{10\times crore\times crore}$ of one Sāgaropama. "**से किंतं उद्धार पलिश्रोवमे १ दुविहे पन्नत्ते**" अणुजो० १३८; —**पन्न.**

न० (-पल्य) એક જોજનના કુવામાં ઠાંસીને ભરેલ બાલાગ્રમાંથી સમયે સમયે એકેક બાલાગ્ર અપહરતાં જેટલા વખતમાં કુવો ખાલી થાય તેટલો વખત. एक योजन के कुएमें ठांस ठांस कर भरे हुए बालाग्र मे से समय समयमें एक एक बालाग्र निकालने पर जितने काल में कुआ खाली हो उतना काल a well one 'Yojana' i. e. 8 miles square is to be filled with thin points of hair and at every Samaya (i. e. unit of time) one hair-point is to be taken out; the time taken to empty the well is Uddhārapalya. प्रव० १०३५; —पल्लग. न० (पल्यक) જુઓ "उद्धारपल्ल" શબ્દ. देखो "उद्धारपल्ल" शब्द. vide "उद्धारपल्ल" प्रव० १०३८; —समय. पुं० (-समय) અઢી સાગરોપમના સમયનો સમૂહ; અઢી સાગરોપમમાં જેટલા સમય થાય તેટલા સમયના જથ્થાની ઉદ્ધાર સંજ્ઞા છે; ઉદ્ધાર સમય જેટલા ત્રિચ્છા લોકના દ્વીપ અને સમુદ્ર છે. अढाई सागरोपम काल प्रमाण में जितने समय है उन समयों के समूह का नाम 'उद्धार' है; उद्धार मे जितने समय हैं उतने ही त्रिच्छालोक के द्वीप और समुद्र हैं. the number of Samayas (time units) contained in 2½ Sāgaropamas; the number of continents and oceans of Trichhā Loka is equal to the number of Samayas in 2½ Sāgaropamas. (Samaya = an instant) भग० ६, ८; अणुजो० १३६; —सागरोवय. पुं० (-सागरोपम-उद्धार विषयंतत्प्रधानं स सागरोपम उद्धारसागरोपमः) દશ કોડાકોડિ પલ્યોપમ પ્રમાણુ કાલ વિશેષ. दश कोडाकोडी पल्योपम प्रमाण काल विशेष. a division of time equal to 10×crore×crore Palyopama. ठा० १; अणुजो० १३६;

उद्धि. स्त्री० (उद्धि) ગાડાની ઉંધ. गाडी की जुडी. A particular part of a carriage (the part which rests on the axles). सू० प० १०;

उद्धिय. त्रि० (उद्धृत) ઉખેડી નાખેલ; દેશ બહાર કરેલ. उखाडा हुआ; देश बाहिर किया हुआ. Rooted out; banished from the country. ओव० महा० प० ३५; जं० प० ३, ६६; —कंटय. त्रि० (-कण्टक—उतधृता स्वदेशात्यागन जीवितत्याजनेन वा कण्टका यत्र तदुद्धृत कण्टकम्) દેશ બહાર કરેલ છે પ્રતિસ્પર્ધી જેણે તે. जिसने प्रतिस्पर्धी को देश बाहिर किया है वह (one) who has banished or deported his enemies. राय० ओव० —पय न० (-पद) ઉદ્ધાર કરેલ પદ-શબ્દ. उद्धार किया हुआ पद-शब्द. an extracted or quoted-word. प्रव० ८३५; —मुह. त्रि० (-मुख) ઉંચું કરેલ છે મોઢું જેણે. जिसने ऊंचा मुख किया है वह. (one) who has raised his face upwards. चं० प० ८; —सत्तु. पुं० (-शत्रु—उद्धृताः शत्रवस्तदुद्धृतशत्रुः) દેશ નિકાલ કરેલ ગોત્રજ વૈરી. देशसे निकाला हुआ गोत्रज शत्रु. an enemy who has been banished or deported. ओव० राय०

उद्धी. स्त्री. (उद्धी) બે પગના આગલા ભાગ પાસે પાસે રાખી પેનીને વિસ્તારી પહોળી રાખી કાઉસગ્ગ કરવો તે; કાઉ-

सग्गना १६ दोशमांनो ओक. कायोत्सर्गके १६ दोषोंमें का १ दोष जिसमें दोनों पैर के पंजों को पास पास रख और एडीयों को विस्तृत रख कायोत्सर्ग किया जावे. Practising Kāusagga by keeping the two toes nearer together and keeping the heels far apart; one of the 19 faults connected with Kāusagga. प्रव० २५७;

उद्धीमुह. त्रि० (**ऊर्ध्वमुख**) ऊंचुं मोढुं छे जेनुं ते; ऊंचा मोढावाळुं. ऊंचे मुंह वाला. (One) with the face turned upwards. "**उद्धीमुहकलबुता पुप्फग संठाण संठिया**" चं० प० ४; जं० प० ७, १३४;

उद्‌धुमाय. त्रि० (*) परिपूर्ण; भरेल. परिपूर्ण; भरा हुआ. Full; filled to the brim. नंदीस्थ० गा० १३;

उद्‌धुय. त्रि० (**उद्धृत**) ऊंचे फेलावेल; ऊंचे फरकेल. ऊंचा फेलाया हुआ. Tossed up; flung up. '**वाउद्‌धुय विजय वेजयंती**' ओव० जीवा० ३, १; पन्न० २; (२) उत्कट; प्रकृष्ट. उत्कट; प्रकृष्ट. strong; powerful. सम० प० २१०; नाया० २; (३) उत्पन्न थयेल; ऊठेल. उत्पन्न; उठा हुआ. produced; risen up; got up. ओव० सू० प० २०; कप्प० ३, ३२;

उद्‌धुया स्त्री० (**उद्धूता**) आकाशमां ऊडती धूळना जेवी त्वरित गति. आकाश में उडती हुई धूल के समान शीघ्र गति. Speedy gait like the motion of dust-clouds in the sky. राय०

उद्‌धुव्वमाण. त्रि० (**उद्‌धूयमान**) विंझातुं. पंखा किया हुआ. Being fanned. जं० प० नाया० १६; भग० ५, ६; ६, ३३; ओव० २१;

उद्‌धुस्सित. त्रि० (**ऊर्ध्वोच्छ्रित**) ऊंचे विस्तृत. ऊंचाई में विस्तृत. Having a great expanse above or upwards. "**से जोयणे णवणवतिसहस्से उद्धुस्सितो हेठसहस्समेगं**" सूय० १, ६, १०;

उद्‌धूय. त्रि० (**उद्धूत**) हालेलुं; कंपेलुं. हला हुआ; कंपा हुआ. Shaken; trembled. ओव० ३१; जं० प० राय० ६६; पन्न० २; कप्प० २, २७;

उन्नअ त्रि० (**उन्नत**) उन्नत; मानकषायनो पर्याय. उन्नत; मानकषाय को पर्याय. Lofty; high; a synonym for the moral filth called conceit. सम० ५२; ओघ० नि० ४८६; आया० १, ५, ४, १४७; कप्प० ३, ३२;

उन्नइय. त्रि० (**उन्नतिक**) उन्नतिवाळुं. उन्नति वाला. Lofty; high. जीवा० ३, १;

उन्नमंत. त्रि० (**उन्नमन**) तरणां के लाकडानो भारा उपाडतो. घांस या लकडी का भार उठाता हुआ. (One) who carries bundles of sticks or grass. सूय० २, २, ५४;

उन्नयावत्त. पुं० (**उन्नतावर्त**) ऊंचे चडतुं आवर्त-वंटोळीओ. ऊंचाई मे चढा हुआ धूल का चक्कर. A whirlwind; a winding. (२) पर्वत उपर जवानो करतो मार्ग. पर्वत पर जाने का चक्करदार मार्ग. a circuitous road on a mountain. ठा० ४, ४;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उन्नाम. पुं० (उन्नाम) માન કષાયનો પર્યાય. मान कषाय की पर्याय. A synonym for the moral impurity called conceit. सम० ५२;

उन्नामिश्र. त्रि० (उन्नामित) અમુક નામથી પ્રસિદ્ધિ પામેલ. अमुक नामसे प्रसिद्धि पाया हुआ. Famed by a certain name; known by a particular name. अणुजो० १३१;

उन्निक्खमण्अ. त्रि० (उन्निष्कामन) દીક્ષાનો ત્યાગ કરતો. दीक्षा का त्याग करता हुआ. (One) abandoning Dikṣā i. e. asceticism. विशे० १२६१;

उन्निय. त्रि० (और्णिक) ઊનનું બનેલું; કામળો વગેરે. ऊनी वस्तु कम्बल आदि. Woollen; made of wool. प्रव० ५१४.

उन्नुपित. त्रि० (*) લીલું થયેલ; ભીનું; भींजा हुआ. Wet; damp. पराह० १, ३;

उपएस. पुं० (उपदेश) ઉપદેશ. उपदेश. Advice; exhortation. पंचा० ४, ३६;

उपओग. पुं० (उपयोग) ઉપયોગ; ધ્યાન. उपयोग; ध्यान. Carefulness; attentiveness. नाया० १६;

उपट्ट. पुं० (उन्पट्ट) શણના વસ્ત્ર વણનાર; પટોલીયો. सन के वस्त्र बनाने वाला. A weaver of jute cloth. अणुजो० १३१;

उपणय. पुं० (उपनय) ઉદાહરણ આપી સાધ્ય અને સાધનનો સંબંધ મેળવવો તે. उदाहरण देकर साध्य और साधनका संबंध मिलाना. Establishing a logical conclusion by giving an apt illustration. नाया० ६;

उपणेइत्ता. सं० कृ० अ० (उपनीय) પાસે લઈ જઈને. समीप में लेजाकर. Having taken or carried in the vicinity of. नाया० ४;

उपदंसइत्ता. सं० कृ० अ० (उपदर्श्य) દેખાડીને. दिखलाकर. Having shown or pointed out. भग० १६, ५;

उपप्पुअ. त्रि० (उपप्लुत) ભીનું થયેલ; પલળી ગયેલ. भींजा हुआ. Wet; damp; soaked. अणुजो० १३०; जीवा० ३, १;

उपयुत्त. त्रि० (उपयुक्त) ઉપયુક્ત; ઉપયોગ સહિત. उपयुक्त; उपयोग सहित. Careful; attentive; (one) possessed of carefulness. नाया० १६;

√ **उप-लभ** धा० I (उप+लभ्) ઓલંભો દેવો. उलाहना देना. To taunt; to blame.

उपलंभंति. भग० १५, १;

उपलब्भ. सं० कृ० आया० १, ६, ३, १८८;

√ **उप-लिप.** धा० I, II. (उप+लिप्) મોઢું બંધ કરી ઉપર લેપ મારવો. मुह बंद करके ऊपर लेप लगाना. To close the mouth and smear it up with a semi-liquid substance.

उपलिंपंति. नाया० ७;

उपविट्ठ. त्रि० (उपविष्ट) બેઠેલ. बैठा हुआ. Sat; seated. क० गं० १, ११;

√ **उप-विस.** धा० I. (उप+विश्) બેસવું. बैठना. To sit.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उपविसइ. सु० च० ३, २२२;

उपविसिय. सं० कृ० सु० च० १, २४७;

उपसंकमित्तु सं० कृ० अ० (उपसंक्रम्य) પાસે જઈને. समीप जाकर. Having approached. " उपसंकमित्तु-बूया-आउसम समणा " आया० २, १, ३, १५;

उपसंत. पुं० (उपशान्त) ઇરવત ક્ષેત્રના વર્તમાન ચોવીસીના ૧૫ માં તીર્થંકરનું નામ. इरवत क्षेत्र के वर्तमान चोवीसी के १५ वें तीर्थंकर का नाम. Name of the 15th Tirthaṅkara of Iravatakṣetra in the present Chovīsī (i. e. cycle) प्रव० २६६;

उपसंपया. स्त्री० (उपसंपत्) જ્ઞાનાદિકને માટે બીજા ગુરૂનો આશ્રય લેવો તે. ज्ञानादिक के लिये दूसरे गुरु का आश्रय लेना. Resorting to, going to another preceptor in order to acquire knowledge etc. पंचा० १२, ३.

√ **उपहस** धा० I (उप+हस्) ઉપહાસ કરવું; હસવું. उपहास करना; हंसना. To laugh at; to mock at; to ridicule.

उपसंज. विधि० दसा० ६, ७;

उपहाण. न० (उपधान) તપ વિશેષ. एक प्रकार का तप. A particular kind of austerity. ठा० २, ३; —**पडिमा.** स्त्री० (प्रतिमा) ઉપધાન તપની પડિમા-પ્રતિજ્ઞા; બાર ભિક્ષુની અને અગિયાર શ્રાવકની પડિમા. उपधान तपकी प्रतिमा; साधु की बारह और श्रावक की ग्यारह प्रतिमा. the vow of the austerity known as Upadhāna e. g. 12 vows of an ascetic and 11 of a layman. ठा० २, ३;

उपाय. पुं० (उपाय) ઉપાય; કારણ. उपाय; कारण. Cause; means; remedy. नाया० १६;

उपायओ. अ० (उपायतस्) युक्तिथी; ઉપાયથી. युक्ति से; उपाय से. Skilfully; by some means. उत्त० २३, ४१;

उपालद्ध. त्रि० (उपालब्ध) ઠપકો અપાયેલ. उपालंभ दिया हुआ. Blamed; rebuked; reproached. पिं० नि० १२५;

√ **उ पील.** धा० II. (अव+पीड्) પીડા કરવી; પીડવું. दुःख देना; पीडा करना. To give pain to; to afflict.

उवीलेति. जी० ३, ४;

उवीलेमाण. नाया० १८;

उपेहा. स्त्री० (उपेक्षा) શુભ યોગની પ્રવૃત્તિ અને અશુભ યોગની નિવૃત્તિમાં બેદરકાર રહેવું તે. शुभ योगकी प्रवृत्ति और अशुभ योग की निवृत्ति में बेपर्वाह रहना. Negligence in doing what is good and in omitting to do what is bad; negligence. सम० १७;

उप्पइअ य. त्रि० (उत्पतित) સંયમ લેતી વખતે સિંહની પેઠે ઉઠેલ; સંયમને ઊંચે સ્થાનકે ચડેલ-કુદકો મારેલ. संयम लेते समय सिंह के समान उठा हुआ; संयम के ऊंचे स्थान पर चढा हुआ. (One) who has ascended like a lion to the high pedestal of asceticism. आया० १, ६; ३, १९३; (२) ઉપર આવેલ; ઉપજેલ. उत्पन्न. born; produced. उत्त० २, ३२; (३) ઊંચે ઉછળેલ; ઉડેલ. ऊंचा उछलता हुआ; उडा हुआ. leapt up; flown up. नाया० १६; भग० ३, २; उवा० ३, १३८;

उप्पइया. स्त्री॰ (औत्पातिकी) જેથી અણુ-દીઠું અણુસાંભળ્યું તર્કથી સુઝી આવે તેવી બુદ્ધિ; તર્ક બુદ્ધિ; હાજરજવાબી-ઉત્પાતકી બુદ્ધિ; ચાર બુદ્ધિમાંની એક. ऐसी बुद्धि जिससे बिना देखा सुना केवल तर्क से ही समझ में आजाय; तर्क बुद्धि; चार बुद्धियों में से एक प्रकार की बुद्धि. One of the four kinds of intellect; ready-wittedness; quickness of perception. ठा॰ ४, ४;

उप्पकडा. स्त्री॰ (उत्प्रकटा = उत्प्राबल्येन प्रकटा प्रस्तुतावेति) ચાલુ કથા. चालू कथा. The narrative which forms the actual, present subject-matter. भग॰ १८, ७;

उप्पड. पुं॰ (उत्पट) તેઇંદ્રિય જીવ-વિશેષ. तेइंद्रिय जीव विशेष A kind of three-sensed living being. पन्न॰ १;

उप्पएण. त्रि॰ (उत्पन्न) ઉત્પન્ન થયેલ; ઉપજેલું. उत्पन्न. Born; produced. अणुजो॰ ४२; ओव॰ ३८; पन्न॰ ११; दस॰ ५, १, ६४; भग॰ १, ४; १३, ६; नाया॰ १; दसा॰ ७, १; जं॰ प॰ ३, ४५; ५, ११२; ३, ६७; ५, ११५; —**कोउहल.** त्रि॰ (-कुतुहल) જેણે ઉત્સુકપણું ઉત્પન્ન થયેલ છે તે. जिस में उत्सुकता उत्पन्न हुई है वह. (one) in whom curiosity is engendered. सू॰ प॰ १; —**णाणदंसणधर.** त्रि॰ (-ज्ञानदर्शनधर) ઉત્પન્ન થયેલ જ્ઞાન દર્શનવાળા. जिस में ज्ञानदर्शन उत्पन्न हुए हैं वह. (one) in whom right knowledge and right faith have been engendered. समणे भगवं महावीरे उप्पएणणाणदंसण-धरे " भग॰ १, १; ८, २; —**पक्ख.** पु॰ (-पक्ष) ઉત્પન્ન પક્ષ; ઉત્પાદ-ઉત્પત્તિ પક્ષ उत्पन्न पक्ष. coming into existence. भग॰ १, १; —**संसय.** त्रि॰ (-संशय) ઉત્પન્ન થયેલ છે સંશય જેને તે. जिसे संशय उत्पन्न हुआ है वह. (one) in whom doubt is engendered. सू॰ प॰ गाय॰

उप्पतिअ. त्रि॰ (उत्पतित) ઉંચે ચડેલ; આકાશ તરફ ગતિ કરેલ. ऊंचा चढा हुआ; आकाशकी ओर गमन किया हुआ. Risen up; flown up; gone upwards. उत्त॰ ६, ६०;

उप्पत्ति. स्त्री॰ (उत्पत्ति) ઉત્પત્તિ; આવિર્ભાવ; પ્રગટીકરણ. उत्पत्ति; प्रगट होना; आविर्भाव. Creation; production; manifestation. ओव॰ ४३; नाया॰ १; विशे॰ ११८५; पिं॰ नि॰ ४०६; अणुजो॰ १३०; भत्त॰ १५; प्रव॰ ४१;

उप्पत्तिया-आ. स्त्री॰ (औत्पत्तिकी) તર્ક બુદ્ધિ. तर्क; बुद्धि. Power of imagination; intellect capable of high imagination. " उप्पत्तिया वेणइया कम्मिया परिणामिया " राय॰ २०४; नंदी॰ २६; नाया॰ १; ८; भग॰ १२, ५; १७, २; निर॰ १, १; विवा॰ १०;

उप्पत्तित्ता. सं॰ कृ॰ अ॰ (उत्पत्य) ઉપડીને; ઊંચે ચડીને. ऊंचा चढ कर. Having mounted up; having flown up; जं॰ प॰

उप्पन्न. त्रि॰ (उत्पन्न) જુઓ "उप्पएण" શબ્દ. देखो " उप्पएण " शब्द. Vide " उप्पएण " भग॰ २, १; ५, ६; सु॰ च॰ २, २६८; उवा॰ ६, १८७; प्रव॰ १११५; —**कोउहल्ल.** त्रि॰ (-कुतुहल) જુઓ " उप्पएण कोउहल " શબ્દ.

देखो " उप्पयण कोउहल " शब्द. vide " उप्पयण कोउहल" नाया० १; —संसय. पुं० (-संशय) જુઓ "उप्पयण संसय" શબ્દ. देखो " उप्पयण संसय " शब्द. vide " उप्पयण संसय " नाया० १; —सड्ढ. त्रि० (-श्रद्ध) ઉત્પન્ન થઇ છે શ્રદ્ધા જેને. जिसे श्रद्धा उत्पन्न हुई है वह. (one) in whom faith is engendered or begotten. नाया० १; भग० १, १;

उप्पय. पुं० (उत्पात) ઉંચે કુદવું તે; નીચેથી ઉપર કુદકો મારવો તે. नीचेसे उपर कूदना उछाल मारना. Leaping up; jumping. जं० प० राय० ६५; विशे० ८६४; —णिवय. पुं० (-निपात) ચડ ઉતર કરવી; એક જાતનું નાટક. चढना उतरना; एक प्रकार का नाटक. ascending and descending; a kind of drama. " उप्पयणिवय पसत्त संकुचिय" राय०

उप्पयण. न० (उत्पतन) ઉંચે જવું તે. ऊँचाईपर जाना. Going up; flying up; mounting high. ठा० १०; भग० ३, २; —काल. पुं० (-काल) ઉંચે ચડવાનો કાલ વખત. ऊँचा चढने का समय. the time for going up, flying up. भग० ३, २;

उप्पयणिया. स्त्री० (उत्पातिनिका) ઉંચે ચડવાની વિદ્યા. ऊँचाईपर चढनेकी विद्या. The art of flying up or mounting up. नाया० १६;

उप्पयणी. स्त्री० (उत्पतनी) નીચેથી ઉંચે ચડવાની વિદ્યા. नीचेसे ऊपर चढनेकी विद्या The art of flying up in the air. सूय० २, २, २७; —विज्जा. स्त्री० (-विद्या) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. नाया० १६;

उप्पल. न० (उत्पल) સૂર્યવિકાશી કમલ; નીલકમલ. सूर्य को देखकर विकसित होने वाला कमल; नील कमल. A blue lotus; a sun-lotus. ओव० १०; १३; अणुजो० १८; सूय० २, ३, १०; निसी० १२, २१; नाया० १; २; ४; १३; दस० ५, २, १८; भग० ११, १; २५, ५; जं० प० १, १७; जीवा० ३, १; पन्न० १; विशे० २६३; ओघ० नि० ६८६; उवा० २, ११८; कप्प० ३, ३७; (२) ગંધદ્રવ્ય વિશેષ. सुगंधित द्रव्य विशेष. a particular scented thing. " पउमुप्पल गंधिए " सम० तंडु० जं० प० ५, १२०; (३) દશમા કલ્પનું ઉત્પલ નામનું એક વિમાન કે જેની સ્થિતિ વીસ સાગરોપમની છે, એ દેવતા દશમે મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે. અને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા ઉપજે છે. दसवें कल्पका उत्पल नामका एक विमान जिसकी स्थिति बीस सागरोपम की है, इसके देवता दसवे मास श्वासोछ्वास लेते हैं और इन्हें बीस हजार वर्षमें क्षुधा लगती है. name of a heavenly abode of the 10th Kalpa. Life there lasts for 20 Sāgaropamas. The gods living there breathe once in ten months and feel hungry once in 20 thousand years. सम० २०; (४) ૮૪ લાખ ઉત્પલાંગપ્રમાણ કાલ વિભાગ; ८४ लाख उत्पलांगप्रमाण काल विभाग. a division of time measuring 84 lacs of Utpalāṅgas. भग० ५, १; ६, ७; ठा० २, ४; अणुजो० ११५; जीवा० ३, ४; जं० प० ५, १२०; (५) એ નામનો એક દ્વીપ તથા એક સમુદ્ર. इस नाम का एक द्वीप और एक

समुद्र. name of a continent; also that of an ocean. पन्न० १५; जीवा० ३, ४; —श्रंग. पुं० (-अङ्ग) ८४ લાખ હુહુપ્રમાણ એક કાલ વિભાગ. ८४ लाख हुहुप्रमाण एक काल विभाग. a division of time measuring 84 lacs of Huhus. अणुजो० ११५; ठा० २, ४; भग० ५, १; २५, ५; जं० प० जीवा० ३, ४; —उद्देसय. पुं० (-उद्देशक) કમલનાં અધિકારવાળો ભગવતીના ૨૧ મા શતકનો એક ઉદ્દેશો. भगवती सूत्र के २१वें शतक का कमल के अधिकार वाला एक उद्देश. name of a subdivision of the 21st Śataka of Bhagavatī Sūtra with the subject-matter of a lotus. भग० २१, २; —कंद. पुं० (-कन्द) ઉત્પલ-કમલનો કંદ. कमल का कन्द; कमलकी जड. the bulbous root of a lotus, भग० ११, १; —कंदत्ता. स्त्री० (-कन्दता) કમલનું કન્દપણું. कमल का कन्दपन, state of being the bulbous root of a lotus. भग० ११, १; —करिणयत्ता. स्त्री० (-कर्णिकता) કમલનો બીજકોષપણું. कमल का बीजकोषपना. state of being a seed-vessel of a lotus. भग० ११, १; —केसरत्ता स्त्री० (-केशरता) કમલનું પુંકેસર કે સ્ત્રીકેસરપણું. कमल की पुंकेसर अथवा स्त्रीकेसरता. state of being a filament of a lotus. भग० ११, १; —णाल. न० (-नाल) કમલની નાલી-ડાંડી; જેના ઉપર કમલ રહે છે તે. कमल की दांडी जिस पर कि कमल का फूल रहता है. a lotus stalk. भग० ११, १; —णालत्ता. स्त्री० (-नालता) કમલની નાલિપણું. कमलका नाली पना. state of being a lotus-stalk. भग० ११, १; —थिभुगत्ता. स्त्री० (-थिभुगता) જેમાંથી પાંદડા ફૂટે એવા કમલના એક ભાગનો ભાવ. जिस में से पत्ते फूटे ऐसे कमल के एक भागका भाव. state of being a part of a lotus, from which leaves sprout forth. भग० ११, १; —नालिश्रा. स्त्री० (-नालिका) લીલા કમલની નાલી-ડાંડી. नील कमलकी दांडी. stalk of a blue lotus. दस० ५, २, १८; —पत्त. न० (-पत्र) કમલના પાંદડા कमल का पत्ता. a leaf of a lotus. भग० ११, १; —मूलत्ता. स्त्री० (-मूलता) ઉત્પલ-કમલનું મૂલપણું. कमलका मूलपना. state of being a root of a lotus. भग० ११, १;

उप्पलगुम्मा. स्त्री० (उत्पलगुल्मा) જંબૂ-વૃક્ષના અગ્નિખુણાના વનખંડમાં પચાસ જોજન ઉપર આવેલ એક વાવડી. जंबू-वृक्ष के अग्निकोन के वनखण्ड में पचास योजन दूरपर स्थित एक बावडी. Name of a well in the forest situated to the south-east of Jambū Vṛikṣa. The well is at a distance of 50 Yojanas i. e. 400 miles in the forest. जं० प० जीवा० ३, ४;

उप्पलबेंटिय. पुं० (उत्पलवृन्तिक) કમલના બિંટડાની ભિક્ષા લેનાર ગોશાલાના મતનો અનુયાયી. कमल के गट्टा-पुलंदा की भिक्षा लेने वाला गोशाला का एक अनुयायी. A follower of Gosālā's tenet, accepting a lotus-stalk as alms. ओव० ४१;

उप्पलहत्थग. पुं० (उत्पलहस्तक) કમલ ફૂલ વિશેષ. कमल फूल विशेष. A particular kind of lotus-flower. राय०

उप्पला. स्त्री० (उत्पला) સાવથી નગરીના રહેવાસી શંખ નામના શ્રાવકની સ્ત્રી. सावथी नगरीका निवासी शंख नामक श्रावक की स्त्री का नाम. Name of the wife of a Jaina layman named Śaṅkha residing in the town Sāvarthī. "तस्सणं संखस्स समणोवासगस्स व उप्पलाणामं भारिया होत्था" भग० १२, १; (२) પિશાચના ઈંદ્ર, કાલની ત્રીજી અગ્રમહિષી. पिशाच के इन्द्र, काल की तीसरी अग्रमहिषी the third of the principal queens of Kāla, the Indra of Piśāchas. ठा० ४, १; नाया० ध० क० ५; भग० १०, ५; (३) જંબુવૃક્ષના અગ્નિ ખુણામાંના વનખંડની એક બાવડીનું નામ. जंबूवृक्ष के अग्निकोन के वनखंड की एक बावडी का नाम. name of a well in a forest situated to the south-east of Jambū Vriska. जं० प० जीवा० ३, ४; (४) હસ્તિનાપુર નિવાસી ભીમ નામના કસાઇની સ્ત્રી. हस्तिनापुर निवासी भीम नामक कसाई की स्त्री. name of the wife of a butcher named Bhīma of Hastināpura. विवा० २;

उप्पलिणीकंद. न० (उत्पलिनीकन्द) એક જાતની પાણીની વનસ્પતિ. एक प्रकार की जल में होने वाली वनस्पति. A kind of aquatic plant. "पउमुप्पलिणीकंद अंतरकंदे तहेवज्झिलिय" पन्न० १;

उप्पलुज्जला. स्त्री० (उत्पलोज्ज्वला) જંબુ વૃક્ષના અગ્નિખુણાના વનખણ્ડની એક વાવડી. जंबू वृक्ष के अग्नि कोन के वनखंड की एक बावडी का नाम. Name of a well in a forest situated to the south-east of Jambū Vrikṣa. जं० प० जीवा० ३. ४;

उप्पह. पुं० (उत्पथ) ઉન્માર્ગ; ઉલટો માર્ગ. उन्मार्ग; विरुद्ध मार्ग. Wrong path; perverse path. "आवज्जे उप्पहं जंतु" सूय० १, १, २, १६; उत्त० २४, ५; २७, ४,—जाइ. पुं० न० (-यायिन्) ઉલટે માર્ગે જનાર. विरुद्ध मार्ग से जाने वाला. one who takes to a wrong path. ठा० ३;

उप्पिलण. नं० (उत्प्लावन) શરીર ઉપર પાણી રેડવું. शरीर पर पानी ढोलना. Pouring of water on the body. पिं० नि० ४२२;

उप्पाइत्तार. त्रि० (उत्पादयितृ) ઉત્પાદક; ઉત્પન્ન કરનાર. उत्पन्न करने वाला. (One) who produces or creates. ठा० ४, ४; दसा० १, १३; ६, ६१;

उप्पाइय. त्रि० (औत्पातिक) સહજ; સ્વાભાવિક. सहज; स्वाभाविक. Natural. ओव० ३०; (२) ઉત્પાત કરનાર અનિષ્ટ સૂચક બનાવ; ઉલ્કાપાતાદિ ઉપદ્રવ. अनिष्ट सूचक चिन्ह; उल्कापातादि उपद्रव a portentous event, e. g. the fall of a meteor etc. जं० प० ३, ५६ नाया० ८; ६; १७; सम० ३४; —पव्वय. पुं० (-पर्वत) અસ્વાભાવિક-કૃત્રિમ પર્વત. कृत्रिम-बनावटी पर्वत. an artificial mountain. "उप्पाइयपव्वयं च चंकमंत्तं सक्खं मत्तं गुलुगुलंतं" ओव०

उप्पाडण. न० (उत्पाटन) ઉખેડી નાખવું; મૂળથી ઉખેડવું. उखाड डालना; जड से उखाड़ना. Uprooting; eradicating; tearing out. ओव० ३८;

उप्पाडित. त्रि० (उत्पाटित) ઉપાડેલ. उठाया हुआ; उखाड़ा हुआ. Lifted up; rooted out. भग० १६, ६;

उप्पाडिय. त्रि० (उत्पाटित) ઉખેડેલ. उखाड़ा हुआ. Eradicated; rooted out. दसा० ६, ४;

उप्पाडियग. त्रि० (उत्पाटितक) ઉપાડેલું; માંસ કાઢેલું उठाया हुआ; मांस निकाला हुआ. Lifted; (that) from which flesh is torn out. ओव० ३८;

उप्पातिया. स्त्री० (उत्पातिका) જુઓ "उप्पाइया" શબ્દ. देखो 'उप्पाइया' शब्द. Vide "उप्पाइया" नाया० १;

उप्पाय-श्र. पुं० (उत्पात) ઉડવું ઊંચે કુદવું. उड़ना. Flying up. भग० २०, ६; प्रव० ६०६; (२) પ્રકૃતિનો વિકાર-રૂધિર વૃષ્ટ્યાદિ. प्रकृति का विकार; रुधिर वृष्टि आदि. any unusual phenomenon in nature, e. g. a shower of blood etc. प्रव० १४२१; पगह० २, १; ठा० ८, १; अणुजो० १४७; (३) આકાશમાંથી લોહી વગેરેની વૃષ્ટિ થાય છે તેના લક્ષણ સૂચક-શાસ્ત્ર; ૨૯ પાપ સૂત્રમાંનું એક. आकाश से जो रक्त वगैरह की वृष्टि होती है उसके लक्षण बतलाने वाला शास्त्र; २६ प्रकार के पाप सूत्रों में से एक. a scripture dealing with explaining unusual phenomena in nature which portend evil; one of the 29 Pāpa Sūtras. सूय० ८, २, २६; सम० २६;

उप्पाय-श्र पुं० (उत्पाद) વૃદ્ધિ; વધારો થવો. वृद्धि; बढ़ती. Increase; increasing. विशे० ७५०; (२) ઉત્પત્તિ. उत्पत्ति creation; production; birth. विशे० ६६; ४२४; ठा० १, १; (३) ઉત્પાદ દોષ; સાધુને પોતાથી લાગતા આહારના ધાત્રી આદિ ૧૬ દોષ. साधु को अपने द्वारा लगते हुए आहार के धात्री आदि १६ दोष. any of the 16 sins such as Dhātrī etc. incurred by a Sādhu himself in connection with his food. सम० (४) ચૌદ-પૂર્વમાંનું પ્રથમ ઉત્પાદ નામે પૂર્વ શાસ્ત્ર. चौदहपूर्व में का पहिला उत्पाद नाम का पूर्व-शास्त्र. name of the 1st of the 14 Pūrvas (i. e. scriptures). प्रव० ७१८; **-च्छेयण.** न० (-च्छेदन—उत्पादो देवत्वादिपर्यायान्तरस्यच्छेदस्तेन जीवादि विभागः उत्पादच्छेदनम्) એક પર્યાયની ઉત્પત્તિથી બીજા પર્યાયનો છેદ-વિભાગ થાય તે-જેમ દેવત્વ પર્યાયના ઉત્પાદથી જીવાદિ દ્રવ્યનો વિભાગ થાય છે. एक पर्याय की उत्पत्ति से दूसरी पर्याय का विभाग होना जैसे कि देवत्व पर्याय के उत्पन्न होने से जीवादि द्रव्य का विभाग होना. the classifications of a substance or rather its subdivisions caused by the modifications of that substance; sub division caused by modal transformation; e. g. the substance soul is sub-divided into gods etc. on account of its modification. ठा० ४, ३; **—पव्वय.** पुं० (-पर्वत) સૂર્યાભવિમાનના વનખણ્ડમાંનો એક પર્વત કે જ્યાં સૂર્યાભવિમાનવાસી દેવતા ક્રીડા નિમિત્તે વૈક્રિય શરીર બનાવે છે. सूर्याभविमान के बनखंडों में का एक पर्वत जहां कि सूर्याभ-विमानवासी देव क्रीड़ा के अर्थ वैक्रियिक शरीर बनाते हैं. name of a mountain in a forest region of the Sūryā-

bha heavenly abode. Here the gods of this abode create for themselves a Vaikriyika body for pleasure or sport. राय० १३५; जीवा० ३. ४; (२) ચમરેન્દ્રને ઉપર આવવાનો પર્વત. चमरेन्द्र के ऊपर आने का पर्वत. name of a mountain for Chamarendra to come up or ascend. भग० १३, ६; १६, ६; —पुव्व. पुं० (-पूर्व) દ્રવ્ય પર્યાયના ઉત્પાદનો જેમાં વર્ણન છે તે ઉત્પાદ નામે ૧૪ પૂર્વમાંનો પ્રથમ પૂર્વ-શાસ્ત્ર. द्रव्य पर्याय के उत्पाद का जिसमें वर्णन है वह उत्पाद नामक १४ पूर्वों में का प्रथम पूर्व-शास्त्र. the first of the 14 Pūrvas dealing with the rise of modifications of substances. "उप्पायपुव्वस्सणं दसवत्थु पराणत्ता" ठा० १०; सम० १४; नंदी० ५६; —व्वयधुवधम्म. पुं० (-व्ययध्रुवधर्मन्) ઉત્પત્તિ વ્યય (નાશ) ધ્રુવ-સ્થિતિ વાળો. उत्पत्ति, व्यय (नाश) और ध्रुव-स्थिति वाला. one possessed of or subject to the three predicaments of birth, permanence or stay and death. विशे० ५४३;

उप्पायक. त्रि० (उत्पादक) ઉત્પન્ન કરનાર. उत्पन्न करने वाला. (One) who creates or produces. पराह० १, ५;

उप्पायग. त्रि० (उत्पादक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द Vide above. उत्त० ३६, २६०;

उप्पायण. न० (उत्पादन) ઉત્પન્ન કરવું; પેદા કરવું. उत्पन्न करना. Producing; creating. पराह० १, २; ३; उत्त० ३२, २८; (२) ઉપ્પાયણના ૧૬ દોષ. उप्पायण के १६ दोष. any of the 16 sins known as Uppāyaṇa sins. पिं० नि० १; ७८; पराह० २, १; —(णो) उवघाय. पुं० (-उपघात) ઉત્પાદનાદિ દોષનો ઉપઘાત-નાશ કરવો તે. उत्पादनादि दोष का नाश करना. destruction of the faults or sins known as Utpādana sins. ठा० १०; —विसोहि. स्त्री० (-विशोधि) ઉત્પાદનના ૧૬ દોષનો અભાવ. उत्पादन के १६ दोषों का अभाव. absence of the 16 Utpādana faults or sins. ठा० ५, ३;

उप्पायणा. स्त्री० (उत्पादना) ઉત્પન્ન કરવું; પેદા કરવું. उत्पन्न करना; पैदा करना. Creating; producing. पिं० नि० ३०१; पंचा १३, ३; (२) આહારના દોષનો એક પ્રકાર; ધાત્રી આદિ આહારના ૧૬ દોષ કે જે સાધુને પોતા આશ્રિ લાગે છે. आहार की गवेषणा के दोष का एक भेद; धात्री आदि आहार के १६ दोष जो कि साधु को अपने ही कारण से लगते हैं. a variety of sin connected with the taking of food; the 16 faults connected with food-taking committed by an ascetic in his own person. These are Dhātri etc. प्रव० ५७१; भत्त० २४, १२; भग० ७, १;

उप्पाया. स्त्री० (उत्पाता) ત્રણ ઇંદ્રિય વાળા જીવની એક જાત. तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष A three-sensed living being. पन्न० १;

उप्पिं. अ० (उपरि) ઉપર; ઊંચે. ऊपर; ऊंचाई पर. Above; upon; on. "तेसिं भोमाणं उप्पिंउल्लोया" जीवा० ३; ठा० ३, ४; राय० ४७; १०३; वेय० ४, २६; विवा० ३; ६; पन्न० २; जं०

प० १, ४; ३, ५८; नाया० १; ६; ८; १४; १६; भग० १, ६; २, ८; ३, १; २; ५, ६; ६, ५; ६, ३३; १३, ४; —पासाय. पुं० (-प्रासाद) ઊંચો મહેલ. ऊंचा महल. a high or lofty palace. निर० ३, १; —सलिलपइट्ठाण. त्रि० (-सलिलप्रतिष्ठान) પાણી ઉપર જેનું પ્રતિષ્ઠાન-રહેઠાણ છે તે. जल पर जिस का निवास स्थान है वह. (one) whose residence or abode is on water. भग० ७, १;

उप्पिंजल. त्रि० (उत्पिंजल) ક્ષોભ જનક. आकुलता जनक. (Anything) which causes agitation to the mind. " उप्पिंजलभूए कह कह भूए " राय० ८६;

उप्पिंजलगभूअ. त्रि० (उत्पिञ्जलकभूत) આકુલ વ્યાકુલ થયેલ. आकुल व्याकुल. Troubled; distracted in mind. कप्प० ५, १२६;

उप्पिच्छ. न० (*उत्पिच्छ) અધર શ્વાસે જલદીથી ગાવું તે; ગાયનનો એક દોષ. अधरश्वास से गाना; गायनका एक दोष. Singing far too rapidly; a fault in singing. अणुजो० १२८; भत्त० ११६;

उप्पियमाण. त्रि० (उत्प्लाव्यमान) પાણી ઉપર ઉછળતો. जलके ऊपर उछलता हुआ. Leaping on water; rising and falling on water. " बुड्डमाणे णिबुड्डमाणे उप्पियमाणे" उवा० ७, २१८;

उप्पीलिय. त्रि० (उत्पीडित) દૃઢ કરેલ; ખેંચીને બાંધેલું; તંગ કરેલ. दृढ किया हुआ; खेंचकर बांधा हुआ. Tightly fastened; bound fast. उप्पीलिय चिंधपट्ट गहिया उहपहरणा " भग० ७, ६; नाया० २; ओव० ३०; विवा० २; राय० ८१; जीवा० ३, ४; पगह० १, ३; जं० प० ३, ५२; ३, ५६; —कच्छ. पुं० (-कच्छ) બાંધ્યો છે; કચ્છોટો જેણે. जिसने कछोटा मारा है वह. one who has tightly tucked up the hem of his loin-cloth after carrying it to the back part of his waist. विवा० २;

उप्पुय. न० (उत्प्लुत) ગાયનનો એક દોષ. गायन का एक दोष. A kind of fault in singing. नाया० १५; (२) त्रि० ભયભીત. भयभीत; डरा हुआ. terrified; alarmed. नाया० ६;

उप्पूर. पुं० (उत्पूर) પાણીનો પ્રચંડ પ્રવાહ. प्रचंड प्रवाह. A big current or flood of water. पगह० १, ४; (२) ઘણું; બહુ. बहुत; ज्यादह. much; excessive. पगह० १ ३;

उप्फालग. त्रि० (*) નઠારૂં બોલનાર; નિન્દા કરનાર बुरा बोलने वाला; निंदक. (One) who censures or slanders. उत्त० ३४, २६;

उप्फिडंत. पुं० (*) તીડ. टिड्डी. A locust; a grass-hopper. प्रव० १५७;

उप्फुल्ल. त्रि० (उत्फुल्ल) વિકસિત. विकसित. प्रफुल्लित. Full-blown; blooming. " उप्फुल्लं नवि निज्झाए " दस० ५, १, २३;

उप्फेणउप्फेणिय. त्रि० (उत्फेनोत्फेनित) દૂધના ઉફાણની પેઠે ઉકલેલ-ક્રોધાય-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

मान थयेल. दूधके उफान के समान क्रोधायमान. Boiling with anger; with anger rising like boiling milk. " उप्फेणउप्फेणियं सीहसेणे राय एवं वयासी " विवा॰ ६;

उप्फेस. पुं॰ न॰ (*) મુગટ; તાજ. मुकुट; ताज. A crown; a diadem. ओव॰ १२; ठा॰ ५, १; आया॰ २, ३, २, १२१; पन्न॰ २;

उब्बंधण. न॰ (उद्बन्धन) ઊંચે શાખાદિકમાં લટકી મરવું તે. ऊंचाई पर शाखादिक में लटक कर मरना. Committing suicide or dying by hanging on the branch of a tree etc. प्रव॰ १०३०;

उब्बद्धय. पुं॰ (उद्बद्धक) વિદ્યા, મંત્ર, તંત્ર વગેરેમાં વ્હેમાયલો કે જેને દિક્ષા આપવાની મના કરેલ છે. विद्या मंत्र तंत्र आदि मे शंकायुक्त कि जिसे दीक्षा देने की मनाई की गई है. A person full of superstition in the matter of charms, incantations etc. Such a person is thought unfit to be given Dīkṣā to. ठा॰ ३;

उब्भट्ठ. त्रि॰ (*) માગેલું; યાચેલું. मांगा हुआ. Prayed for; solicited; begged. पिं॰ नि॰ २८१;

उब्भड. त्रि॰ (उद्भट) ખુલ્લું; ઉઘાડું. खुला हुआ; उघाडा. Open; manifest. " उब्भडघडमुहा " भग॰ ७, ६; अणुत्त॰ ३, १; (२) વિકરાલ; ભયંકર. भयंकर; डरावना. terrible; fierce. मत्त॰ १०४; जं॰ प॰ अणुत्त॰ ३, १; सु॰ च॰ २, २१२;

उब्भव. पुं॰ (उद्भव) ઉત્પત્તિ. पैदाइश; उत्पत्ति. Birth; production; rise. नाया॰ २;

उब्भसुक्क. त्रि॰ (*) ઝાડમાંને ઝાડમાં ઉભા ઉભા સુકાઇ ગયેલ. वृक्ष में ही खडे खडे सूख गया हुआ. Dried up in the very tree, in an erect posture. ओघ॰ नि॰ ७३५;

उब्भाम. पुं॰ (उद्भ्राम) ભિક્ષાચરી; ભિક્ષાને વાસ્તે ભ્રમણ કરવું તે. भिक्षा के लिये भ्रमण करना. One who wanders to beg alms; wandering in order to beg alms. ठा॰ ४;

उब्भामश्र. पुं॰ (उद्भ्रामक) જાર; વ્યભિચારી. जार; व्यभिचारी. A person who commits illicit sexual intercourse. पिं॰ नि॰ ४२०

उब्भामग. पुं॰ (उद्भ्रामक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. " अद्धाण णिग्गयाई उब्भामग खमग अक्खरे सिक्खा " ओघ॰ नि॰ भा॰ ६०; (२) એક જાતનો વાયુ. एक प्रकार का वायु. a kind of wind. पन्न॰ १;

उब्भावणा. स्त्री॰ (उद्भावना) પ્રગટ કરવું; જાહેર કરવું; ઉત્પન્ન કરવું. प्रगट करना; जाहिर करना; उत्पन्न करना. Manifesting; declaring; producing. ओव॰ ४१; नंदी॰ ४०; (२) પ્રભાવના. प्रभावना. explaining; explanation. " पवयणउब्भावणया " ठा॰ १०;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उब्भिज्ज. त्रि० (उद्भिज) જમીન ભેદી ફણગારૂપે બહાર આવનાર મેથી વગેરે ભાજીપાલો. जमीन फोड़कर बाहिर निकलनेवाली मेथी वगैरह की भाजी. Vegetation which pierces the soil and sprouts forth. पिं० नि० ६२४; (२) ખંજનક આદિ જીવ. खंजनक आदि जीव. a species of living beings, such as a wag-tail etc. पराह० १, ४;

उब्भिज्जमाण. त्रि० (उद्भिद्यमान) ઉઘાડવામાં આવતું; ખુલ્લું થતું. खुलता हुआ. Being opened; becoming manifest. "केतइपुडाणवा अणुवायंसि उब्भिज्जमाणाण वा" भग० १६, ६; जं० प० १; राय० जीवा० ३, ४;

उब्भिन्न. न० (उद्भिन्न-यत्कुतुपादेः स्थगितं मुखं साधूनां तैलघृतादिदानार्थमुद्भिद्य तैलादि साधुभ्यो दीयते तद्दीयमानं तैलादि पिहितोद्भिन्नम्) સાધુને ઘી આદિ વહોરાવવા માટે કમાડ ઉઘાડીને કે ડાટો ઉખેડી આપવાથી લાગતો દોષ; ૧૬ ઉદ્ગમનમાંનો ૧૨ મો દોષ. साधु को घी आदि वहोराने के लिये किवाँड उघाडकर अथवा बर्तन का डाट निकाल कर भिक्षा देने से लगने वाला दोष; उद्गमन के १६ दोषों में से १२ वां दोष. The 12th of the 16 Udgamana faults viz. opening a jar or a door in order to give ghee etc. to an ascetic for eating. पिं० नि० ६३, ३४७; पंचा० १३, ६; (२) ભેદીને બહાર નીકળેલ. फोड़कर बाहिर निकला हुआ. sprouted forth or shot out after piercing something. "तेणं समएणं उब्भिन्ने मऊरी पोयए" नाया० ३; सु० च० २, ३६५;

उब्भिय. त्रि० (उद्भिद) ભેદીને નીકળેલ–જન્મેલ; ખંજરીટ દેડકા વગેરે. फोड़कर निकले हुए जन्मे हुए; खंजरीट, मेंढक आदि. Come out, shot out after piercing something; a wagtail, a frog etc. सूय० १, ७, ८; दस० ४; प्रव० १२५०; —लोण. न० (-लवण) દરિયા પાસે ખારા પાણીથી ઉત્પન્ન થતું લવણ; દરિયાઇ મીઠું. समुद्र के पास खारे जल से उत्पन्न होनेवाला निमक; दर्याई निमक. sea-salt. आया० २, १, ६, ३५; निसी० ११, ४०;

उब्भियय. त्रि० (उद्भिज्जक) પૃથ્વીને ભેદીને નીકળેલ પ્રાણી–તીડ–પતંગ વગેરે. पृथ्वी को फोड़कर निकले हुए प्राणी–पतंग आदि. (An insect) coming out by piercing the land, e. g, a locust etc. आया० १, १, ६, ४८;

उब्भूइया. स्त्री० (औद्भूतिकी) એ નામની કૃષ્ણ વાસુદેવની ભેરી; કંઈ પણ આશ્ચર્ય પ્રસંગે લોકોને જણાવવા માટે કે અમુક વખતે અમુક થવાનું છે તેટલા માટે વગાડવાની ભેરી. कृष्ण वासुदेव की भेरी का नाम; किसी आश्चर्यजनक प्रसंग पर लोगों को जागृत करने के लिये अथवा अमुक समय में अमुक होगा यह प्रगट करने के लिये बजाई जाने वाली भेरी. Name of the kettle-drum of Kriṣṇa Vāsudeva; a kettle-drum sounded to proclaim some unusual event to people. विशे० १४७६;

उब्भेइम. न० (उद्भेदिम) સમુદ્ર આદિમાં ઉત્પન્ન થતું લવણ; મીઠું. समुद्र आदि में उत्पन्न होता हुआ निमक. Salt produced in the sea etc.; common salt. दस० ६, १८;

उभओ. अ० (**उभयतस्**) બે બાજુએ; બે તરફ. दो तर्फ से; दोनों ओर. On both sides. (२) બે; २. दो; २. two; 2. जं० प० ५, ११७; नाया० १; भग० २४, २२; उत्त० ११, १७; ओव० ३१; क० गं० १, ३६; कप्प० ३, ३२; क० प० १, १३; **—काल.** पुं० (**-काल**) બન્ને વખત. दोनों समय. both times. दसा० १०, ३; वव० ६, २०; **—पासिं.** अ. (**पार्श्व**) બે પડખે; બે બાજુ दोनों तर्फ. on both sides. **सम० ३४;**

उभय. त्रि० (**उभय**) બે. दो. Two; both भग० ६, ३३; १२, १०; विशे० ११८; ४७०; ओव० १६, ३६; अणुजो० ८; २१; दसा० १०, ३; दस० ४, ११; ५, २, १२; नाया० ११; १; पिं० नि० भा० ३; पिं० नि० २१५; ५८०; उत्त० १, २३; क० गं० १, २२; **—(या)-अनुपस्सि** त्रि० (**-अनुदर्शिन्**) આલોક અને પરલોક બન્નેના સુખને ચાહનાર. इस लोक और परलोक दोनों लोकोंके सुख को चाहने वाला (one) who wishes the happiness of both this world and the next world. आया० १, ३, २, ११५; **—(या)अभाव.** पुं० (**-अभाव**) ઉભયનો બન્નેનો અભાવ दोनोंका अभाव absence of both विशे० १३३; **—अरिह.** न० (**-अर्ह**) ઉભય-આલોચના અને પ્રતિક્રમણ એ બન્નેને યોગ્ય आलोचना और प्रतिकमण इन दोनोंके योग्य; deserving both Alochanā (confession) and Pratikramaṇa (repentance for faults); (२) દશ પ્રકારના પ્રાયશ્ચિત્તમાંનું એક. दश प्रकार के प्रायश्चित्तों में का एक one of the ten kinds of expiation जीवा० ३; **—पइट्ठिअ.** त्रि० (**-प्रतिष्ठित**) પોતે અને પર બન્ને આશ્રી રહેલ अपने और दूसरे के आश्रय से प्रतिष्ठा पाया हुआ. in relation to oneself and for others; i. e. applicable to both. ठा० ४, १; **—भाग.** पुं० (**-भाग**) ચંદ્રને બે પડખે રહી જોગ જોડનાર નક્ષત્ર. चंद्रकी दोनों ओर रह कर योग जोडने वाला नक्षत्र. a constellation on both sides of the moon's path. **चंदस्स जोइसिंदस्स जोइसरन्नो छ णक्खत्ता उभयभागा उत्तरा सिंएण विसाहा पुणव्वसू रोहिणी** " ठा० ६; **—लोगहिय.** न० (**-लोकहित**) બન્ને લોકનું હિત કલ્યાણ. दोनों लोकों का कल्याण. beneficial both for this world and the next world. " **कल्लाणभायणत्तेण उभय लोगहियं** " पंचा० ११, ३६; **—वाय.** पुं० (**वात**) બન્ને તરફનો વાયુ. दोनों ओर का वायु. wind blowing from both sides. नाया० ११; **—वायजोग** पुं० (**-वातयोग**) બન્ને તરફના વાયુનો જોગ. दोनों तर्फ की वायुका योग. coming together of winds from both sides i. e opposite sides. नाया० ११; **—विसुद्ध** त्रि० (**-विशुद्ध**) બે પ્રકારે શુદ્ધ. दोनों तरह शुद्ध. pure or purified both ways. पंचा० १, २०; **—विहूण.** त्रि० (**-विहीन**) ઉભય ભ્રષ્ટ; બન્નેથી રહિત. उभय भ्रष्ट; दोनो से रहित. devoid of both; destitute of both. पंचा० ३, ४०; **—सुय** पुं० (**-श्रुत**) દ્રવ્ય અને ભાવ

श्रुत. द्रव्य और भाव श्रुत. scripture of both kinds viz Dravya and Bhāva. विशे० १२६;

उभयतो. अ० (उभयतस्) જુઓ "उभओ" શબ્દ. देखो "उभओ" शब्द. Vide "उभओ" भग० २४, २०;

उभयहा. अ० (उभयथा) બે પ્રકારે; બન્ને રીતે. दो प्रकार से; दोनों रीतियोंसे. Both ways; in both ways. विशे० १५०;

उमा. स्त्री० (उमा) બીજા વાસુદેવની માતાનું નામ. दूसरे वासुदेवकी माताका नाम. Name of the mother of the 2nd Vāsudeva. सम० प० २३५;

उमाण न० (अपमान) અપમાન; અનાદર; તિરસ્કાર. अपमान; अनादर Insult; disrespect. आया० १, ८, १, १९;

उम्मग्ग. त्रि० (उन्मग्न) પાણીમાંથી ઉપર આવેલ. जल में से ऊपर आया हुआ. Emerged out of water. पगह० १; ३; जं० प० ३, ५५;

उम्मग्ग. पुं० (उन्मार्ग) ઉંચે આવવાનો માર્ગ; ડુબકી મારીને બહાર નિકળવાનો માર્ગ. ऊपर आने का मार्ग; डुबकी मारकर बाहिर निकलने का मार्ग. The way to come up; the emergence out of water after dipping oneself into it. "पच्छन्न पलासे उम्मग्गं नालहइ भुजंगाइव" आया० १, ६, १, १७२; पंचा० ११, ३६; क० गं० १, ५६; (२) ઉલટો માર્ગ. उलटा मार्ग; विरुद्ध मार्ग. wrong path; contrary path. (३) ઉન્માર્ગદર્શક. विरुद्ध मार्ग-शास्त्र; विरुद्ध मार्ग-दिखानेवाला. one who leads astray. अणुजो० १५१; (४) અકાર્ય કરવું તે. अकार्य करना. taking to a wrong path; doing a wrong deed. "उम्मग्गवज्जए राग दोसविरए" आया० नि० १, ५, १, २४६; —ट्ठिय. त्रि० (-स्थित) ઉન્માર્ગમાં રહેલ. उन्मार्ग गामी. (one) who has taken to a wrong or prohibited path. "उम्मग्गट्ठिय सूरी तिगिणा विमग्गं पणासेंति" गच्छा० १, २८; —देसणया. स्त्री० (-देशना-उन्मार्गस्य भवहेतोर्मोक्षहेतुत्वेन देशना कथनमुन्मार्गदेशना) ઉન્માર્ગ-અવળા માર્ગની દેશના-ઉપદેશ. उन्मार्ग-खराब-मार्ग का उपदेश. unwholesome, pernicious advice, i. e. one leading astray ठा० ४, ४; —देसणा. स्त्री० (-देशना) ઉન્માર્ગની દેશના ઉપદેશ દેવો તે. उन्मार्ग का देशना-खोटा उपदेश देना. giving a false advice, giving advice leading to a wrong path. प्रव० ३६३; —पइट्ठिय. स्त्री० (-प्रतिष्ठित) અવળે માર્ગે ચડેલ; ઉન્માર્ગે પ્રતિષ્ઠા પામેલ. उन्मार्ग में प्रतिष्ठा पाया हुआ. (one) gone astray; misguided. "भयवं काहि लिंगेहिं उम्मग्ग पइट्ठियं वियाणिज्जा" गच्छा० २; —पट्ठिय त्रि० (-प्रस्थित) જુઓ "उम्मग्ग पइट्ठिय" શબ્દ. देखो 'उम्मग्ग पइट्ठिय' शब्द. vide "उम्मग्ग पइट्ठिय" गच्छा० ८; —पडिवराण. त्रि० (-प्रतिपन्न) ઉન્માર્ગને અંગિકાર કરેલ. उन्मार्ग का स्वीकार किया हुआ. (one) who has accepted a wrong or pernicious path or course of action. उवा० ७, २१८; —पयट्ट. त्रि० (-प्रवृत्त) ઉન્માર્ગે પ્રવૃત્ત થયેલ. उन्मार्ग में प्रवृत्त. gone astray;

started on a wrong path. सु० च० ४, ११५;

उम्मग्गजला. स्त्री० (उन्मग्नजला-उन्मज्जति शिलादिकमस्मादिति, उन्मग्नं उन्मग्नं जलं यस्यां सा) तिमिस्र गुफाने मध्यभागे એ नामनी એક नदी के જેમાં કોઇ वस्तु पडे तेने ઉછાળીને બહાર ફેંકી દે. तिमिस्र गुफा के मध्य भाग में स्थित एक नदीका नाम जो कि किसी वस्तु के पडनेपर उछालकर बाहिर फेंक देती है. Name of a river in the centre of a cave named Timisra. Its water violently throws out anything that falls into it " जगणं उम्मग्ग जलाए महाणईए " जं० प० ३;

√**उम्मज्ज.** धा० I (उत्+मृज्) मंत्र वगेरेथी सर्प आदिनुं ઝेर उतारवुं. मंत्रादिसे सर्पादि का जहर उतारना. To remove the effects of serpent-bite etc. by incantations etc.

उम्मज्जेज्जा "तं इत्थी पुरिसस्स उम्मज्जेज्जा" ववं० ५, २१;

उम्मज्ज. पुं० (उन्मज्जन) पाणीनी अंदरथी सपाटी उपर आववुं ते. जल के भीतर से ऊपरी भाग पर आना. Emerging on the surface of water from below it. (२) संसारनी सपाटी मोक्ष उपर लइ जनार श्रद्धा, संयम, वीर्य वगेरे मोक्ष लेजाने वाले श्रद्धा, संयम, वीर्य आदि faith, asceticism, heroism etc., by which a person emerges to the surface of the worldly ocean and gets salvation " उम्मज्जलद्धं इह माणवेहिं " आया० १, ३, २, ११५; —**णिम्मज्जिया.** स्त्री० (—निमज्जिका) पाणीमांथी उपर आववुं अने नीचे जवुं ते; डुबकी मारवी ते. जल में डुबकी मारना. alternately to emerge out of water and to submerge under it. "अहेउम्मज्ज णिम्मज्जियं करेमाणे देसं पुढवीए चलेज्जा " ठा० ३;

उम्मज्जक. पुं० (उन्मार्जक) स्नान करवाने એકवार पाणीमां पेसी तरत बहार निकळे तेवो तापस; तापसनी એક जात. स्नान करने के लिये एक बार जल में प्रवेश कर तुरंत बाहिर निकल ने वाला तापस; तापसों की एक जात. A class of ascetics; an ascetic who dips himself once in water for his bath and immediately comes out. ओव० ३८;

उम्मज्जग. पुं० (उन्मार्जक) જુઓ उपलो शब्द. देखो उपरका शब्द. Vide above. भग० ११, ६; ओव० निर० ३, ३;

उम्मज्जा. स्त्री० (उन्मज्जा) पाणीमां नीचेथी उपर आववुं ते. पानी में नीचे से ऊपर आना. Emerging out from the bottom. उत्त० ५, १७.

उम्मज्जिय. सं० कृ० अ० (उन्मज्ज्य) कायाने डुबाडीने. शरीरको डुबाकर. Having dipped or submerged the body भग० १३, ६;

उम्मत्त. त्रि० (उन्मत्त) गांडा; उद्धत. पागल; उद्दंड; उद्धत. Mad; insolent. प्रव० ७६७; विशे० ३२६०; (२) गर्विष्ठ; भूत वगेरेना वळगाड वाळुं. गर्विष्ठ; घमंडी; जिसे भूत वगैरह लगे हो वह. proud; conceited; possessed by a ghost etc. प्रव० ७६७; पिं० नि० ५७२;

उम्मत्तगभूय. त्रि० (उन्मत्तकभूत) उन्मत्त-गांडो थयेल; मदिरापानथी जेनं

चित्त ठेकाणे नथी એવો. उन्मत्त; पागल; मदिरा पान से जिसका चित्त ठिकाने पर न हो वह. Maddened; intoxicated with drink. ठा० ५, १;

उम्मत्तजला. स्त्री० (उन्मत्तजला) रम्यक विजयनी पश्चिम सरहद उपरनी नदी; महाविदेहनी બાર અન્તર નદીમાંની એક. रम्यक विजय की पश्चिम तट पर की नदी. Name of a river on the western border of Rampaka Vijaya; one of the 12 Antara Nadis (rivers) of Mahāvideha. "रम्मए विजए उम्मत्तजला महाणई" जं० प० ठा० २, ३;

उम्मद्दण. न० (उन्मर्दन) ઉલટી રૂંવાડીએ મર્દન કરવું તે. उलटे रूएँ की ओर से मर्दन करना. Rubbing (i. e. oil) on the body against the grain. सूय० २, २, ६२; नाया० १३;

उम्मद्दिया. स्त्री० (उन्मर्दिका) ઉલટી રૂંવાડીએ મર્દન કરનાર દાસી. उलटे रुवें की तरफ से मर्दन करनेवाली दासी. A maid-servant who rubs oil etc. on the body against the grain. भग० ११, ११;

उम्माण. न० (उन्मान-उन्मीयते तादृग्युन्मानम्) તોલથી પરિમાણ થાય તે; શેર, મણ, કર્ષ, માસો વગેરે. तोल, वजन का परिमाण; सेर, मण, तोला, मासा आदि. A measure of weight e. g. a seer, a mound etc. सम० प० २३६; जं० प० ठा० २, ४; नाया० १; (२) જેને તોલતા અર્ધભાર પ્રમાણ થાય તેવો પુરુષ ઉન્માનોપેત કહેવાય. जो तोलने पर अर्द्धभार प्रमाण हो वह पुरुष उन्मानोपेत कहलाता है. a person who is Ardhabhāra in weight is styled as Unmānopeta. "सेकिंत उम्माणे २ जएणं उम्मिणिज्जइ" ओव० २०, कप्प० १, ८; (३) સામા ત્રાજવામાં જોખ નાખી વસ્તુને જોખવી તોલવી તે. तराजु के एक पलडेमें बाँट डालकर दूसरे पलडे से वस्तुका तोलना. weighing a thing against a measure of weight in the scales of a balance. ठा० १; अणुजो० १३२;

उम्माद. पुं० (उन्माद) ગાંડપણ; ચિત્ત વિભ્રમ. पागल पन; चित्तविभ्रम. Madness; intoxication; mental aberration. भग० १४, २; दसा० ७, १२; विशे० १४१५; (२) અત્યન્ત કામથી ઉન્મત્ત. अत्यन्त काम से उन्मत्त. maddened with love or lust. "कइ विहेणं भंते उम्मादे पएणत्ते गोयमा दुविहे उम्मादे पएणत्ते" भग० १४, २; (३) યક્ષાદિનો આવેશ. यक्षादि का आवेश. being possessed by a Yaksa etc. ठा० ६, १; **—पमाय.** पुं० (-प्रमाद—उन्मादः संग्रहत्वं स एव प्रमादः प्रमत्तत्वमाभोग शून्यतोन्मादप्रमादः) યક્ષાદિના આવેશથી ઉપયોગ શૂન્યપણું. यक्षादि के शरीरमें प्रवेश होने से उपयोगशून्य होना. listlessness or inattentiveness due to one's being possessed by a Yaksa etc. ठा० ६;

उम्मादण. न० (उन्मादन) કામનું ઉદ્દીપન થાય તે. प्रबल काम का उद्दीपन होना. Rise of strong passion or lust. अणुजो० १३०,

उम्माय. पुं० (उन्माद) જુઓ "उम्माद" શબ્દ. देखो "उम्माद" शब्द. Vide "उम्माद" भग० १४, २; दसा० ७,

२१; विशे० १४१५; उवा० ६, २५८; प्रव० १०७७; —पत्त. त्रि० (-प्राप्त = उन्मादमुन्मत्ततां प्राप्त उन्मादप्राप्तः) મોહનીય કર્મના ઉદયથી ગાંડપણ થયેલ. मोहनीय कर्म के उदय से जो पागलपन हुआ हो वह. mental aberration caused by the maturity of Mohaniya Karma (i. e. Karma which deludes as regards right belief etc.) वव० २, १०; १६;

उम्मि. पुं० (ऊर्मि) તરંગ; મોજાં; લહેર. तरंग; लहर. A wave. कप्प० ३, ४३; नाया० ८; पराह० १, ३; (२) મોજાંને આકારે જનસમુદાય. लहरों के आकार के समान जन समुदाय. a crowd of people resembling a series of waves. भग० २, १; **—वीचि.** पुं० (-वीचि) સમુદ્રના મોટા તરંગ અને નહાના તરંગ. समुद्र की बड़ी २ और छोटी छोटी लहरें. waves and ripples of the ocean. भग० १६, ६;

उम्मिमालिणी स्त्री० (ऊर्मिमालिनी) મેરૂ પર્વતની પશ્ચિમે અને શીતોદા મહા નદીની ઉત્તરે સુવપ્ર વિજયની પૂર્વ સરહદ ઉપરની અન્તર નદી. मेरु पर्वत के पश्चिमकी ओर, सीतोदा नदी के उत्तर की ओर और सुवप्र विजय की पूर्वसीमापर की एक अन्तर नदी. Name of a river on the eastern border of Suvapra Vijaya to the North of the great river Sītodā and in the west of Meru mountain " **सुवप्पे विजए जयंति रायहाणी उम्मिमालिणी णाई** " ठा० २, ३; जं० प० ४;

उम्मिलित. त्रि० (उन्मीलित) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो उपरका शब्द. Vide above. ओव० १३;

उम्मिलिय -अ. त्रि० (उन्मीलित) વિકસિત; ખીલેલ; ઉઘડેલ. फूला हुआ; खिला हुआ; विकसित. Full-blown; opened; blooming. राय० २३८; अणुजो० १६; सम० प० २१३; नाया० १; जीवा० ४;

उम्मिलिर त्रि० (उन्मीलनशील) ખીલનાર. खिलने वाला. Having the nature or characteristic to bloom or open. सु० च० ३, ४४;

उम्मिसिय. त्रि० (उन्मिषित) પ્રકાશિત. प्रकाशित. Bright; shining; opened. भग० १४, १; (२) पुं० આંખ મિંચીને ઉઘાડે તેટલો કાલ. आंख मीचकर खोलनेमें लगनेवाला समय; समय परिमाण. a measure of time required for the twinkling of an eye. "**उम्मिसियाणमिसियंतरणे**" जीवा० ३, १;

उम्मिस्स. न० (उन्मिश्र) ભેળસેળવાળું; એકઠું થયેલ; એષણાનો ૭ મો દોષ. मिश्रित; एकत्रित; एषणा संबंधि का ७ वां दोष. Food etc. of different kinds mixed up together; the 7th fault in connection with food-begging. आया० २, १, १, १; प्रव० ५७६; ठा० ४;

उम्मीलिय. त्रि० (उन्मीलित) ખીલેલ. खिला हुआ. Full-blown; opened. पन्न० २; विवा० १, ७;

उम्मीस. न० (उन्मिश्र) એષણાના દશ દોષમાંનો ૭ મો દોષ. एषणा के दश दोषों में का ७ वां दोष. The 7th of the ten faults connected with food-begging. दस० ५, १, ५७; पि० नि० ५२०; पंचा० १३, २८;

उम्मुक्क. त्रि० (उन्मुक्त) ઊંચે ફેંકેલું. ऊंचाई पर फेंका हुआ. Thrown up; tossed up. ओव० (२) सर्वथा त्याग करेल; छोडेल. सर्वथा छोडा हुआ; त्यागा हुआ. abandoned; renounced for ever. कप्प० ५, १०३; विशे० २७५०; उत्त० ३६, ६२; नाया० १, ३; १५; पिं० नि० ६३२; भग० ११, ११; १२, १; **—कम्मकवय.** पुं० (-कर्मकवच) सકલ કર્મરૂપ કવચનો ત્યાગ કરેલ છે જેણે એવા સિદ્ધ ભગવાન્. सकल कर्मरुप कवच का जिन्होंने त्याग किया है ऐसे सिद्ध भगवान. a liberated soul i. e. a Siddha who has removed the fetters in the form of Karma. ओव० **—बालभाव.** पुं० स्त्री० (-बालभाव) બાલ ભાવ છોડી દીધેલ बालभाव को जिसने त्याग दिया है वह. adolescent; one who has passed from childhood to boyhood or manhood. भग० १५, १; विवा० ५; नाया० १; ८; १३; १४; दसा० १०, ३, कप्प० ३, ६;

उम्मूलणा. स्त्री० (उन्मूलना) મૂલથી ઉખેડવું; મૂળી બહાર કાઢવું. जडमे उखाडना. Uprooting; eradication. "उम्मुलणा सरीरा श्रो" पण्ह० १, १;

उम्मूलिय. त्रि० (उन्मूलित) જડમૂલથી ઉખેડેલ. जड मूल मे उखाडा हुआ. Uprooted; eradicated. भग० १६, ६;

उम्मेस. पुं० (उन्मेष) આંખ મીંચવી ઉઘાડવી તે; આંખનો પલકારો. आँख खोलना, मींचना; आँखकी पलक. A glance; twinkling of eyes. भग० १३, ४;

उम्ह. पुं० (ऊष्मन्) ઉષ્ણતા; ગરમી. उष्णता; गर्मी Heat. ओघ० नि० ४८४;

उय. पुं० (ऋतु) વસંત આદિ ઋતુ. वसंत आदि ऋतु. A season; e. g. spring etc. नाया० १; ५; भग० ६, ३३;

उय. अ० (उत) અથવા. अथवा; या. Or; an alternative conjunction. विशे० १६१०;

उयंसि. त्रि० (ओजस्विन्) ઓજસ્વી; અધિક મનોબલ વાળો. ओजस्वी; ओज गुण वाला; अधिक मनोबल वाले. Powerful; possessed of strong will-power. राय० २१५; सम० प० २३५;

उयट्ट त्रि० (अपवर्त्त) કર્મની લાંબી સ્થિતિને ટુંકી કરવી તે. कर्म की दीर्घ स्थिति को अल्प करना. (One) who has weakened the power of Karma. भग० १, १;

उयट्टण. न० (अपवर्तन) જુઓ "उयट्ट" શબ્દ. देखो "उयट्ट" शब्द. Vide "उयट्ट" भग० १, १;

उयर. पुं० (उदर) પેટ; જઠર. उदर; पेट The belly; the stomach उत्त० ७, २ पिं० नि० भा० ४४; दसा० १०, ४; सु० च० १, ३०४; क० गं० १, ३४;

उयरिय. त्रि० (उदरिक) જલોદર રોગવાળો. जलोदर रोग वाला. (One) suffering from dropsy. विवा० ७;

उर. पुं० (उरस्) વક્ષસ્થલ; છાતી. छाती; वक्षस्थल. The breast. पन्न० १; अणुजो० १२८; आया० १, १, २, १६; राय० ३२; ८६; पण्ह० १, ३; ठा० ७; उवा० २, १०८; क० गं० १, ३४; **उरसि.** ग० ए० व० प्रव० ६७; (२) સુંદર સુંદર; खूबसूरत. beautiful; charming. ठा० ४; **—क्खय.** पुं० (-क्षत) હૃદયનો ઘા. हृदय का घाव. a wound in the heart; a heart-sore. विशे० २१६; **—तव.** पुं०

(-तपस) ગોશાલાના ઉપાસકનું એક જાતનું તપ. गोशालाके उपासक का एक प्रकार का तप. a kind of austerity practised by the followers of Gośālā. ठा० ४; —परिसप्प. पुं० (-परिसर्प) છાતીથી ચાલનાર પ્રાણી-સર્પ વગેરે. छाती के बल चलनेवाले सर्पादि प्राणी. a reptile moving or creeping upon the belly; e. g. a serpent etc. उत्त० ३६, १८०; भग० ८, १; —परिसप्प विहाण. न० (परिसर्प-विधान) સર્પની જાતિ. सर्प की जाति. the serpent kind. भग० १५, १; —परिसप्पिणी. स्त्री० (-परिसर्पिणी) નાગણ; સર્પની સ્ત્રી. नागिन. a female serpent; a female snake. "से किंत उरगपरिसप्पिणी २" जीवा० २; —सुत्तिया. स्त्री० (सूत्रिका) છાતીમાં પહેરવાનું આભુષણ. छाती का एक आभूषण. an ornament of breast जं० प०

उरंउरेणं. अ० (*) છાતીસાથે અડગુ કરવું તે; છાતી સરસો. छाती से लगाना; छाती से छाती मिलाना Embracingly; closing in embrace "च उरं गिणं पि उरंउरं गिगिहत्तए" विवा० ३;

उरग. पुं० स्त्री० (उरग) પેટે ચાલના-સર્પ. पेटके बल चलने वाला सर्प. A snake; a serpent. उत्त० १४, ४७, नाया० १६; १७; भग० ८, १; प्रव० ११०६; —परिसप्प समुच्छिम. पुं० (-परिसर्पसमुच्छिम) છાતી દ્વારા ચાલનાર સમુર્ચ્છિમ સર્પ. छाती के बल चलने वाला समूर्च्छन जीव -सर्प. a reptile moving on the belly, e. g. a serpent. जीवा० १; —परिसप्पी. स्त्री० (-परिसर्पिणी) નાગણ; છાતીથે ચાલના સર્પની સ્ત્રી. नागिन; छातीके बल चलने वाली साँपिन. a female serpent; a female snake. जीवा० १; —वर. पुं० (-वर) ઉત્તમ નાગ; ઉંચી જાતિનો સર્પ. उत्तम नाग; ऊंची जाति का सर्प. a serpent of a high breed; a noble serpent. नाया० १६; जं० प० ३, ४५; —वीहि. स्त्री० (-वीथि) શુક્રની ઉરગ નામની વીથિ ગતિ વિશેષ. शुक्र की उरगनामक गति विशेष. name of a particular kind of motion of the planet Venus. ठा० ६, १;

उरत्थ. न० (उरः स्थ) છાતીમાં પહેરવાનું આભરણ. छाती में पहरने का गहना. An ornament to be worn on the breast जीवा० ३, ३; भग० ६, ३३; कप्प० ३, ३६;

उरब्भ पुं० स्त्री० (उरभ्र) મેંઢું; ઘેટું. मेंढा; भेड; बकरा. A sheep; a lamb. पन्न० १७; सूय० २, ६, ३७; जीवा० ३, ४; राय० ४३; पगह० १, १; नाया० १, उवा० २, ६४; उत्त० ७, ४; —पुडसरिणभ. त्रि० (-पुटसन्निभ) ઘેટાના નાક જેવું. बकरेकी नाक के समान. resembling the nose of a sheep. "उरब्भपुडसरिणभा से नासा" उवा० २, ६४; —रुहिर. पुं० (-रुधिर) ઘેટાનું લોહી. बकरेका रक्त. blood of a sheep. जीवा० ३;

उरब्भिअ-य. पुं० (औरभ्रिक) ઘેટા-બકરાને પાલનાર-ભરવાડ; રબારી. बकरे को पालकर फिर कसाई को बेचनेवाला. A

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

shepherd who herds sheep, goats etc. and sells them to a butcher. सूय० २, २, २८;

उरब्भिय. न० (उरभ्रीय) ઉત્તરાધ્યયન સૂત્રનું સાતમું અધ્યયન. उत्तराध्ययन सूत्रका ७वां अध्याय. The 7th chapter of Uttarādhyayana Sūtra. उत्त० ७;

उरय-अ. पुं० (उरज) એક જાતનો ગુચ્છો. एक प्रकार का गुच्छा. A kind of bunch or cluster. पन्न० १; २;

उरल. पुं० (उदारिक) ઉદારિક શરીર. औदारिक शरीर. The Udārika i. e. physical body. क० गं० १, ३५; २, ६; ११; प्रव० ११९३; जं० प० २, ३०;

उरल. न० (औदारिक) ઔદારિક યોગ. औदारिक योग. Activity or vibrations of the Udārika i. e. physical body. क० गं० ४, ८; —**अंग.** पुं० (–अङ्ग) ઉદારિક શરીર. औदारिक देह. the Udārika i. e. physical body. क० गं० १, ३६; प्रव० १३२६; —**दुग.** न० (–द्विक) ઉદારિક અને ઉદારિક મિશ્ર એ બે પ્રકૃતિ. औदारिक और औदारिक मिश्र ये दो प्रकृतियां. the two Prakritis (Karmic natures) viz Udārika and Udārikamiśra. क० गं० २, ६; ३, ३;

उरस. त्रि० (औरस) પોતાનો પુત્ર. निजका पुत्र; औरस पुत्र. One's own son. ठा० १०;

उरसप्प. पुं० (उरःसर्प) છાતીયે ચાલનાર તિર્યંચ સર્પ વગેરે. छातीके बल चलने वाले तिर्यंच. A reptile walking or moving on its belly, e. g. a serpent etc. प्रव० ८७६;

उरसी. स्त्री० (उरसी) એક જાતનો ગુચ્છો, एक प्रकार का गुच्छा. A kind of bunch or cluster. पन्न० १;

उरस्स. न० (उरस्य-उरसि भवमरस्यं) છાતીનું. छाती का. Being in the breast; anything pertaining to the breast. राय० ३२; —**बल.** न० (–बल) હૃદયબલ. हृदयबल. power of the heart; will-power; strength of the heart. "उरस्सबल-समण्णा जए" राय० ३२;

उराल. त्रि० (उदार) સમર્થ; શક્તિયુક્ત. प्रबल शक्तियुक्त. Powerful. (२) ઉન્નત સ્વભાવ વાળો. उन्नत स्वभाववाला. aspiring. जीवा० ५; राय० जं० प० (३) ઉદાર. उदार. magnanimous. (४) પ્રધાન; શ્રેષ્ઠ. उदार; श्रेष्ठ. chief; prominent. ओव० ३८; सम० ६; नाया० १; ५; ८; १२; १४; १६; भग० १, १; ३, १; ६, ४; ११, ११, १५, १; निर० १, १; पन्न० ३४; जीवा० ३, ४; राय० ५६; ८१; सू० प० २०; कप्प० १, ५; (५) અતિ અદ્ભુત बहुत आश्चर्यजनक. very wonderful. सू० प० १; चं० प० २०; भग० २, १; जं० प० ओव० (६) વિશાલ. વિસ્તારવાળું. विस्तृत. extensive. आया० १, ६; १, १०; ठा० ५; (७) न० એક જાતનું શરીર; ઉદારિક શરીર. एक प्रकार का शरीर; औदारिक शरीर. a kind of body; Udārika Śarīra; external physical body. क० गं० १, ३७; पंचा० १, १५; (८) त्रि० ઉદારિક શરીર સંબંધી. औदारिक शरीर संबंधी. pertaining to the Udārika body. राय० २५२; (९) સ્થૂલ; પ્રસિદ્ધ. स्थूल; मोटा; प्रसिद्ध. gross; not fine; manifest. सूय० १, १, ४, ६; (१०) પ્રધાન તપ. प्रधान तप; मुख्य तप. principal or prominent austerity. नाया० १;

भग० २, १; (११) એ નામની લીલી વનસ્પતિ. एक प्रकार की हरि वनस्पति का नाम. name of a green plant. पन्न० १; —तस. पुं० (-त्रस) સ્થૂલ ત્રસજીવ. औदारिक त्रसजीव. a many sensed living being possessed of an external physical body; a mobile sentient being with physical body. जीवा० १; —मिस्स. पुं० (-मिश्र) ઉદારિક મિશ્ર યોગ. उदारिक मिश्रयोग. vibratory activity of Udārikamiśra i. e. physical mixed with Karmic body. प्रव० १३२६;

उरालिअ-य. त्रि० (औदारिक) હાડમાંસ ને રુધિરવાળું શરીર; મનુષ્ય અને તિર્યંચનું સ્થૂલ શરીર. हाड मांस और रुधिर वाला शरीर; मनुष्य और तिर्यंचका प्राकृतिक शरीर. Exteral physical body having flesh, blood and bone. ठा० २, १; सम० १३; जीवा० १; नाया० ८; भग० २, १; ६, १; दसा० ५, ४०; सम० प० २७६; —सरीर. न० (-शरीर) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. नाया० १८; —सरीरि. पुं० (-शरीरिन्) ઉદારિક શરીર વાળો જીવ. औदारिक शरीर वाला जीव. a sentient being with Udārika or external physical body. ठा० ६, १; जीवा० १०;

उरु. न० (उरु = विस्तीर्ण) વિસ્તીર્ણ; વિશાલ. विस्तृत; फैला हुआ. Extensive vast. भग० ११, ११; —घंटा. स्त्री० (-घण्टा) વિશાલ ઘંટ; મ્હોટી ઘંટા. बडा भारी घंटा. a large bell. विवा० १; —णायग. पुं० (-नायक) મહોટો નાયક. मोटा नायक. a great leader; a great guide. कप्प० ३, ३६; —पीवर. पुं० (-पीवर) ઘણો પુષ્ટ. बडा स्थूल. very fat; corpulent, कप्प० ३, १६;

उरुणग. पुं० (*) વનસ્પતિનો વૂર; એક સુંવાલો પદાર્થ. वनस्पति का एक कोमल पदार्थ A kind of soft substance. जीवा० ३, ३;

उरुतुंबगा. स्त्री० (उरुतुम्बका) ત્રણ ઇંદ્રિય વાળો જીવ. तीन इन्द्रियों वाला जीव. A three-sensed living being. पन्न० १;

उरोरुह. पुं० (उरोरुह) સ્તન. स्तन. The female breast. ओघ०नि० भा० ३१७; प्रव० ५८३;

उरोविसुद्ध. न० (उरोविशुद्ध—उरसि भूमिकानुसारेण स्वरो विशुद्धो भवति इति) ગાયનની શુદ્ધિનો એક પ્રકાર. गायन की शुद्धि का एक भेद. A particular variety of clearness of voice in singing. राय०

उलिज्झमाण. त्रि० (अवलिप्यमान) ચટાતું; ખવાતું. चाटने में आता हुआ; खाने में आता हुआ. Being licked or sipped; being eaten. कप्प० ३, ४२;

उलुग्ग. त्रि० (अवरुग्ण) ગ્લાન થયેલ. उदास. Faded; withered; fatigued; wearied. नाया० १; —सरीर. न० (-शरीर) દુર્બલ શરીર. निर्बल शरीर. an enfeebled body; a weak and emaciated body. नाया० १;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उलुअ. पुं० (उलूक) ધુડ. उल्लू. An owl. (२) વૈશેષિક દર્શનના નેતા કણાદ મુનિ. वैशेषिक दर्शन का नेता कणाद मुनि. Saint Kaṇāda the founder of the Vaiśeṣika school of philosophy. विशे० २१६५;

उलूग. पुं० (उलूक) ઘુવડ; ઘુડ. उल्लू. An owl. सूय० २, २, १६; सम० विशे० ११०७; —**पत्त.** न० (-पत्र) ઘુવડની પાંખ उल्लू के पंख. a wing of an owl. भग० १८, ६;

उलूगी. स्त्री० (उलूकी) એક પ્રકારની વિદ્યા. एक प्रकार की विद्या. Name of an art (२) ઘુવડની માદા. उलूक स्त्री. a female owl. विशे० २४५४;

उल्ल. त्रि० (*) લીલું; ભીનું. आर्द्र; गीला Wet; damp. दस० ५. १, ६६; जं० प० ३, ६२; राय० २५१; पिं० नि० भा० १२; पिं० नि० ३६७; ५३३; भग० ५, ७; १६, ४; नाया० २; ८; १६; उत्त० २५, ४०; —**चम्म.** न० (-चर्मन्) લીલું ચામડું. गीला चमड़ा; कच्चा चमड़ा. wet skin or leather विवा० ६; —**दब्भ.** पुं० (-दर्भ) લીલું દાભ-દાભડો; એક જાતનું ઘાસ. हरित दर्भ. wet i.e. green Darbha grass. विवा० ६;—**पडसाडिया.** स्त्री० (-पटशाटिका) લીલી ઝાડી. हरी झाड़ी. wet i. e. green thicket of trees. विवा० ७;

उल्लंगच्छ. न० (*) ઉદ્દેહ ગણથી નીકળેલ એ નામનું એક કુલ. उद्देह गण से निकले हुए कुल का नाम. Name of a family which was an off-shoot from Uddehagaṇa. कप्प० ८; (२) કાશ્યપ ગોત્રથી નીકળેલ ૩ જો ગણ, काश्यप गोत्र से उत्पन्न ३ रा गण. the third Gaṇa (order of saints) descending from Kāśyapa family origin. कप्प० ८;

उल्लंघण. न० (उल्लङ्घन) ઉલ્લંઘવું; કુદી જવું તે. उलांघना; कूदना. Crossing; leaping across. उत्त० २४, २४; ओव० २०; भग० २५, ७; (२) त्रि० વિનય-મર્યાદા ઉલ્લંઘનાર. विनय-मर्यादा का उल्लंघन करने वाला. (one) who violates the rules of modest or reverential conduct. उत्त० १७, ८;

उल्लंबण. न० (उल्लम्बन) ઝાડની ડાળીએ લટકતું બાંધવું; ઉંચે લટકાવવું. झाड़ की डाली से लटकता हुआ बांधना; ऊंचाई पर लटकाना. Suspending or hanging anything on something above; e. g. on a branch of a tree. सम० ११; पराह० १, १; नाया० २;

उल्लंबिय. सं० कृ० अ० (उल्लम्ब्य) ઉંચે લટકાવીને. ऊंचाई पर लटका कर Having suspended or hung on something above भग० १३, ८;

उल्लंबिय. त्रि० (उल्लम्बित) ઝાડમાં લટકાવેલ. झाड़ पर लटकाया हुआ. Hung or kept suspended on a tree दसा० ६, ४;

उल्लग. त्रि० (आर्द्रिक) આર્દ્ર; ભીનું. गीला; भीगा हुआ. Wet; damp. अंत० ३, ८;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

—हत्थ. पुं० (–हस्त) भीनुं हाथ. गीला हाथ. a wet hand. भग० १५, १;

उल्लण. न० (*) ઓસામણ. पसामण. Water in which pulse, rice etc. are boiled and which is afterwards spiced and served as a separate article of food. पिं० नि० ६२४; (२) भीनुं शरीर लुंछवुं ते गीले शरीर का पोंछना. to wipe off a wet body with a towel etc. उवा० १०, २७७;

उल्लणिया. स्त्री० (*) ઉલ્લણ્ણ વસ્ત્ર; ભીના શરીરને લુંછવાનું વસ્ત્ર. गीले शरीर को पोंछने का वस्त्र; अंगोछा. A piece of cloth to wipe off a wet body. उवा० १, २२; —विहि. पुं० (–विधि) પાણીથી ભીના શરીરને લુંછવાના વસ્ત્રની વિધિ. गीले शरीर को पोंछने के वस्त्र की विधि. a process to be followed in connection with a cloth used to wipe off a wet body. "तयाणंतरं चणं गाणे उल्लणियाविहि परिमाणं करेइ" उवा० १, २२;

उल्लय. त्रि० (आर्द्रक) લીલું; ભીનું. गीला; आर्द्र. Wet; damp. सू० च० २, ४९३; भग० १५, १;

उल्लविय. नं० (उल्लपित) કામદેવ સમ્બન્ધી વાતચીત કરવી તે; કામકથા. कामकथा; काम संबंधी बात चीत. Amorous talk; love talk. "अंग पचंग-संठाणं चारुल्लविय पेहियं" उत्त० १६, ४०;

उल्लसिय. त्रि० (उल्लासित) ઉલ્લાસ આનન્દ પામેલ. उल्लासित; प्रफुल्लित; आनन्द प्राप्त. Delighted; joyful. सु० च० १, ३६८; प्रव० १४१३; कप्प० ३, ४०;

उल्लाइय. त्रि० (*) માટી આણુદિથી લીંપેલ. गोबर मिट्टी आदि से लिपा हुआ. (Wall etc.) smeared or bedaubed with cowdung, earth etc. राय० ५६;

उल्लाय. पु० (उल्लात) પ્રહાર; લાત. प्रहार; लात. A kick; a violent stroke. तंदु०

उल्लालिय. त्रि० (उल्लालित) તાડન કરેલ; ઉછાલેલ. उछाला हुआ; ताडित. Struck; beaten; tossed or flung up. जं० प० ५, ११५; राय०

उल्लाव. पुं० (उल्लाप) વાતચિત; કાકુ વચન બોલવું તે. बात चीत. Indirect talk; conversation. पिं० नि० ४२५; ४६९; अणुजो० १४६; ठा० ७, १; नाया० १; सु० च० २, ५८२; ओघ० नि० भा० ५६; विशे० १४११; (२) પ્રત્યુત્તર; જવાબ. जवाब. a reply; a response. "तत्थगओ सुणइ देइ उल्लावं" प्रव० १४३;

उल्लास. पुं० (उल्लास) પ્રગટ કરવું તે. प्रकट करना. Act of manifesting or bringing to light. प्रव० १३३५; —संजणण. त्रि० (–संजनन) પ્રગટ કરનાર. प्रकट करने वाला. (one) who manifests or brings to light. प्रव० १३३५;

उल्लिंपमाण. त्रि० (उल्लिंपत्) ઉપર લેપ કરતો. ऊपर लेप करता हुआ. Smearing or be-daubing the surface of anything. आया० २, १, ७, ३८;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उल्लिहण. न० (उल्लेखन) ઉલ્લેખ કરવો તે; લખવું તે. उल्लेख करना; लिखना. Writing. सु० च० २, २३७;

उल्लिहिय. त्रि० (उल्लिखित) ઘસાયેલ; ઉઝરડા પાડેલ. अंकित; घिसा हुआ; रगडाया हुआ. Scarred; worn out; bearing marks of being worn out. नाया० २; ओव० उत्त० १६, ६५;

उल्लीण. त्रि० (उल्लीन) ગુપ્ત રહેલ; એકાંતમાં રહેલ. गुप्त रहा हुआ; अप्रगट रहा हुआ; एकान्त में रहा हुआ. Hidden; solitary. आया० २, २, ३, ६७;

उल्लुंचिय. त्रि० (उल्लुंचित) ઉખેડેલ; ચુંટેલ. उखाड़ा हुआ; चूँटा हुआ. Rooted out; plucked out सु० च० २, ६७४;

उल्लुगा. स्त्री० (उल्लुका) એ નામની એક નદી. एक नदी का नाम. Name of a river. विशे० २४२६;

उल्लुगातीर. न० (उल्लुकातीर) ઉલ્લુગા નામની નદીના કાંઠે આવેલું એક નગર કે જેમાં ગંગાચાર્ય નામના નિન્હવ થયા. उल्लुगा नामक नदी के तट पर स्थित एक नगर जिसमें कि गंगाचार्य नामक निन्हव हुए थे. Name of a town on a bank of the river Ullugā. It was the native place of the Ninhava Gaṅgāchārya. ठा० ७,१;

उल्लुयातीर. न० (उल्लुकातीर) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. "तेणं कालेणं तेणं समएणं उल्लुयातीरेणामं णयरे होत्था" भग० १६, ३;

उल्लेऊण. सं० कृ० अ० (आर्द्रीकृत्य) ભીનું કરીને. गीला-आर्द्र करके. Having made wet. विशे० १४५५;

उल्लोइय-अ. न० (उल्लोचित) ખડી માટી વગેરેથી ભીંત વગેરેનું લેપન કરવું તે. मिट्टी वगैरह से दीवाल वगैरह का पोतना. Besmearing or bedaubing a wall etc. with earth cowdung etc. "लाइ उल्लोइय महियं" नाया० १; जं० प० पन्न० २; भग १२, ८; सम० ओव० (२) ચન્દ્રવો બાંધેલ; ઉલ્લોચથી શણગારેલ. जहां चन्दरवा बांधा है वह स्थान. having a cloth-ceiling fastened above. ओव० २६; जीवा० ३, ४;

उल्लोच. पुं० (उल्लोच) છત; ઉલ્લોચ. छत. A cloth-ceiling. सू० प० २०;

उल्लोय. पुं० (उल्लोच) છત; ચંદરવો; ઉલ્લોચ. छत; चंदरवा. A cloth-ceiling. राय० ६; १०७; जीवा० ३; भग० ११, ११; १४, ६; कप्प० ३, ३२; जीवा० १; राय० जं० प० ४, ८८; भग० ११, ११; (२) त्रि० જોવા યોગ્ય; દર્શનીય. देखने लायक. (a sight) worth being seen. नाया० १; ८; भग० ११, ११; १४, ६; —तल. पुं० (-तल) ઘરનો ઉપરનો ભાગ. घर का ऊपरी भाग. the upper part of a house नाया० १; —भूमि स्त्री० (-भूमि) પ્રાસાદ-મહેલની ઉપરની ભૂમિ. महल के ऊपर की भूमि. The upper part or upper floor of a palace. भग० २, ८; —वण्णग. पुं० (-वर्णक) મહેલના ઉપરના ભાગનો વર્ણન. महल के ऊपरी भाग का वर्णन. a description of the upper part of a palace. भग० २, ८;

उल्लोयमेत्त. न० (उल्लोकमात्र) જોતાંવેત; નિમેષમાત્ર निमेष मात्र. At a mere glance; a mere glance. भग० १५, १;

उव. अ० (उप) સમીપ-પાસેના અર્થમાં. नजदीक के अर्थ में. Near; in the vicinity. " **उवदंसिया भगवया पन्नवणा** " पन्न० १; २; (३) સમસ્તપણું; સમગ્રપણું. समस्तपन; संपूर्णता. an indec. used to show " entirety." राय०

√**उव+अति-ने.** धा० II. (उप+अति+नी) ગ્રહણ કરવું; સ્વીકારવો. ग्रहण करना; मंजूर करना. To accept; to take. (२) પ્રવેશ કરવો. प्रवेश करना. to enter. (३) વ્યતીત થવું. व्यतीत होना. to elapse; to be spent.

उवाइणित्तए. हे० कृ० ठा० ३, ४; विवा० ६; दसा० ७; १;

उवाइणित्ता. आया० २, २, २. ७८;

उवाइणावेइ निसी० २, ५०; १२, ३६;

उवायणावेति. निसी० १०, ४६; वेय० ३, ३०;

उवाय-इ-णावित्तए. हे० कृ० वेय० ३, ३०; ४, ११; १२; दसा० ७, १; नाया० १२; कप्प० ६, ५७; ६५;

उवायणावित्ता. सं० कृ० भग० ७, १;

उवाइणावंत. व० कृ० वेय० ३, ३०;

√**उव-अय.** धा० I. (उप+अय) યાચવું; પ્રાર્થના કરવી. प्रार्थना करना; मांगना To beg; to pray for; to solicit.

उवाइत्तए. हे० कृ० नाया० २;

√**उव-आगच्छ.** धा० I. (उप + आ + गम्) પાસે આવવું; સન્મુખ જવું समीप आना; सन्मुख जाना. To go near; to approach.

उवागच्छइ. ओव० ११; राय० ३६, ६१; भग० १, १; ६; २, १; नाया० १; १२; १६; उवा० १, ५८; ७८; ८६;

उवागच्छंति. भग० २, ५; ५, ४; ७, ६; जं० प० २, ३३; ४, ११२; ५, ११३;

उवागच्छामि भग० ३, २; १५, १; नाया० ८;

उवागच्छामो. नाया० १६;

उवागच्छेज्जा. दसा० ७, १;

उवागच्छित्ता. सं० कृ० भग० १, १; ८, ७; ओव० २७; जं० प० ५, ११४; ५, ११७; नाया० १; २; ५; ८; ६; १२; १४; १६; भग० २, १; ५; ३, १; ७, ६; ६, ४;

√**उव-आ-लभ.** धा० I. (उप + आ+लभ्) ઠપકો દેવો. ठपका देना; उपालंभ देना; उलाहना देना. To rebuke; to reproach.

उवालंभति. नाया० १६;

उवालंभित्ता. सं० कृ० राय० १६७;

√**उव-आस.** धा० I, II. (उप+आस) ઉપાસના કરવી; સેવા કરવી. उपासना करना; सेवा करना. To worship; to serve; to wait upon.

उवासंज्जा. सूय० १, ६, ३३;

√**उव-इ.** धा० I. (उप+इण्) પ્રાપ્ત કરવું; મેળવવું. प्राप्त करना. To get; to obtain; to acquire.

उवेइ. उत्त० ३२, ११; ओव० ४०; अणुजो० १४६; भग० ६, ३३; १३, ६; नाया० १६; सूय० २, ६, १६; दसा० १०, १, २१; विशे० १५६;

उवेंति. नाया० २; भग० १३, ६; १४, ८; विशे० १५६;

उविंति. ओव० ३४; सूय० १, २, २, १६;

उवंति. दस० ६, ६६; विशे० १२७६;

उवेहि. नाया० १६;

उवेह. उत्त० १२, २८;

उवेस. सं० कृ० भग० ६, ३३;

उविंत. व० कृ० सूय० १, ५, १, ६;

√**उव-इक्ख.** धा० I, II. (उप+ईक्ष्) ઉપેક્ષા કરવી; બેદરકારી રાખવી. उपेक्षा

करना; परवाह न करना; To neglect; to be indifferent to.

उवेहइ. दसा० ५, ४२; सूय० १, ३, ३, २; आया० १, ६, ३, १६३;

उवेहे. वि० उत्त० १, ११;

उवेहमाण. आया० १, ३, १, १०६; १, ४, ४, १४०; भग० ३, १;

उवइट्ठ. त्रि० (उपदिष्ट) ઉપદેશેલું; બોધેલું. उपदेशित; बोध दिया हुआ. Preached; taught; advised. उत्त० २८, १८; विशे० ३२१७; ओघ० नि० ५८३; क० प० ५, २४; प्रव० ६६६;

उवइय. त्रि० (उपचित) યુક્ત. सहित. Possessed of; united with. राय० ४६; (२) ઉન્નત. उन्नत. raised; exalted. ओव० (३) માંસલ; પુષ્ટ. मांसयुक्त; पुष्ट. fleshy. पराह० १, ४; (४) पुं० એક જાતનો તેઇંદ્રિય જીવ કે જે જમીનમાં ઘર કરી રહે છે. एक प्रकार का तेइंद्रिय जीव जो कि जमीन में घर करके रहता है. a kind of three-sensed living being nestling in burrows. जीवा० १ पन्न० १;

√**उवउंज.** धा० I. (उप+युज) ઉપયોગ કરવો. उपयोग करना. To make use of; to be attentive.

उवउज्जइ विशे० ४८१;

उवउंजिऊण. सं० कृ० भग० ८, १; २४, १; १२; २०;

उवउत्त. त्रि० (उपयुक्त) ઉપયોગ સહિત. उपयोग सहित. Attentive. (२) સાવધાન; સાવચેત. सचेत; ध्यानपूर्वक. careful; cautious. कप्प० ८; प्रव० ७७६; पंचा० १, २; १६, ४; भत्त० ६०; राय० ४०; उत्त० २४, ७; पन्न० २; नंदी० ५७; अणुजो० २३; पिं० नि० २२२; ओघ० नि० ५१५; भग० ५१४; ८, २; १८, ३;

उवउत्तया. स्त्री० (उपयुक्तता) ઉપયોગ; સાવચેતી. उपयोग; सावधानी. Cautiousness; attentiveness. उत्त० २४, ८;

उवएस. पुं० (उपदेश) ઉપદેશ; બોધ; શિખામણ. उपदेश; ज्ञान; हित की शिक्षा. Advice; teaching; ओव० २०; ३०; ४०; अणुजो० ४२; पिं० नि० भा० ५१; सु० च० ४, १०; नाया० १; ७; भग० २, १; ७, ६६; उवा० ७, २१६; पंचा० १, २३; भत्त० ८४; प्रव० १; गच्छा० १३३; —**रुइ.** पुं० (-रुचि) ગુરુનો ઉપદેશ સાંભળી જાગૃત થયેલ તત્વરુચિ; રુચિ-સમકિતનો એક પ્રકાર. गुरु का उपदेश सुनकर जो तत्वरुचि जागृत हुई हो वह; रुचि सम्यक्त्व का एक भेद. liking for right knowledge etc. excited by hearing the sermon of a Guru; a variety of liking for Samakita. "**छउमत्थेण जिणेण व उवएस रुइति नायव्वा**" प्रव० ६६४; उत्त० २८, १६; ठा० १०; (२) त्रि० તેવી રુચિવાળો. वैसी रुचि वाला. a person possessed of the above kind of liking. उत्त० २८, १६; —**लद्ध.** त्रि० (-लब्ध) ઉપદેશ પામેલ. उपदेश पाया हुआ. (one) who has received and accepted religious instructions. "**इय उवएसलद्धा इयाविराणायां पत्ता**" उवा० ७, २१६;

उवएसग. त्रि० (उपदेशक) ઉપદેશ-બોધ-કરનાર. उपदेश करने वाला. A religious instructor; a religious preacher; an adviser. सूय० १, १, ४, १;

उवएसण. न० (उपदेशन) ઉપદેશ; બોધ.

उवदेश; ज्ञान; बोध. Advice; teaching. " तहियाणं तु भावाणं संभावे उवएसणं " उत्त० २८, १५; (२) ઉપદેશ આપવો તે; બીજાને કોઇ કાર્યમાં પ્રવર્તાવવું તે. उपदेश देना; दूसरे को किसी कार्य में प्रवृत्त करना. teaching; advising; exhorting. " बिइया उवएसणे " ठा० ७, अणुजो० १२६;

उवएसय. पुं० (उपदेशक) ઉપદેશ કરનાર. उपदेश करने वाला. An adviser; a preacher. पंचा० १, १२;

उवओग. पुं० (उपयोग=उपयोजनमुपयोगः, उपयुज्यते वस्तुपरिच्छेदं प्रतिव्यापार्यते जीवोऽनेनेत्युपयोगः) વસ્તુ પરિચ્છેદ કરનાર જીવનો જ્ઞાન દર્શનમય વ્યાપાર; ચૈતન્ય શક્તિ. वस्तु परिच्छेद करने वाला जीवका ज्ञान दर्शन मय व्यापार; चैतन्य शक्ति. The power of consciousness used by the soul in dealing with an object. भग० १, ५; २, १; ६, ३; ७, ५; १३, ४; १६, ६; २४, १; पन्न० २८; जीवा० १; विशे० ५४७; ८८०; पिं० नि० ११५; प्रव० ५१; क० गं० ४, २; पंचा० ४, १६; (२) સાવધાનપણું; સાવચેતી સાવધાની. attentiveness; cautiousness; carefulness. ओव० २१; (३) પન્નવણા સૂત્રના ૧૯ માં પદનું નામ. पन्नवणा सूत्र के १९ वें पदका नाम. name of the 19th Pada of Pannavaṇā Sūtra. पन्न० १; (४) પન્નવણા સૂત્રના ત્રીજા પદના ૧૩ મા દ્વારનું નામ. पन्नवणा सूत्र के तीसरे पद के १३ वें द्वार का नाम name of the 13th Dwāra of the 3rd Pada of Pannavaṇā Sūtra. पन्न० ३; (५) ફાયદો; લાભ. फायदा; लाभ. gain; advantage. सु० च० ४, १६३; **—आत.** पुं० (-आत्मन्) ઉપયોગરૂપ આત્મા. उपयोगरूप आत्मा. soul in its aspect of consciousness. भग० १२, १०; **—गुण.** पुं० (-गुण—उपयोगः साकारानाकार चैतन्यं गुणो धर्मो यस्य स तथा) ચૈતન્યધર્મવાળો જીવ. चैतन्य धर्मवाला जीव. soul possessed of the power of consciousness. "जीवे सासए गुणओ उवओग गुणे" ठा०५; **—जुय.** त्रि० (-युत) ઉપયોગવાળો. उपयोग वाला. possessed of attentiveness or carefulness. " तं पुणं संविग्गेणं उवओग जुएणं तिव्व सद्धाए " पंचा० १६; **—ट्ठया.** स्त्री० (-अर्थता) ઉપયોગની અપેક્ષા. उपयोग की अपेक्षा. desire or wish for attentiveness or carefulness. नाया० ५; **—णिव्वत्ति.** स्त्री० (-निर्वृत्ति) ઉપયોગની ઉત્પત્તિ उपयोगकी उत्पत्ति. birth or rise of attentiveness or power of consciousness. भग० १६, ८; **—पद.** न० (-पद) પન્નવણા-પ્રજ્ઞાપના-સૂત્રના ૨૯ મા પદનું નામ प्रज्ञापना सूत्र के २९वें पदका नाम. name of the 29th Pada of Pannavaṇā Sūtra. भग० १६, ७; **—परिणाम.** पुं० (-परिणाम -उपयोग एव परिणाम उपयोगपरिणामः) જીવપરિણામનો એક પ્રકાર. जीवके परिणाम का एक भेद a variety or mode of the development of a soul. पन्न० १२; ठा० १०; **—लक्खण.** न० (-लक्षण) જીવાસ્તિકાયનું ઉપયોગ લક્ષણ. जीवास्तिकाय का लक्षण (उपयोग). the characteristic mark of consciousness or rather power of consciousness possessed by a soul. भग० १३, ४;

उवंग. न० (उपाङ्ग) शरीरना अवयवना अवयव; मुख्य अवयवना अवयव; ઉપાંગ. शरीर के अवयव का अवयव (उपांग). A sub-limb of a body जं० प० अणुजो० १२७; पन्न० २३; क० गं० १, ३४; २, ६; ५, ६२; क० प० ४, ४१; १, ५६; (२) અંગ સૂત્રની પાસેના ઉપાંગ સૂત્ર; ઉવવાઈ આદિ બાર ઉપાંગ. अंगसूत्र के उववाई आदि बारह उपांग. any of the 12 Upāṅga Sūtras viz. Uvavāi etc. जं० प० १; राय० निर० १, १; ३; कप्प० १, ६; —तिग. न० (-त्रिक) ઉદારિક શરીરના અંગોપાંગ, વૈક્રિય શરીરના અંગોપાંગ અને આહારક શરીરના અંગોપાંગ એ ત્રણનો સમૂહ. औदारिक, वैक्रियक और आहारक इन तीनों शरीरों के अंगोपांग. the limbs and sub-limbs of the three kinds of bodies, viz Udārika Vaikreya and Ahāraka. क० गं० २, २३;

उवंजण. न० पुं० (उपाञ्जन) ગાડીના પૈડાને ઊંગણ દેવું–ચીકણો પદાર્થ લગાડવો તે. गाडी के चाक में तैल देना. Lubricating a wheel of a carriage etc. "अक्खोवंजणं वणलेवणं" सूय० २, १, ५६; पन्न० २, १;

√**उव-कप्प.** धा० I. (उप+कल्प्) નિપજાવવું; તૈયાર કરવું. उत्पन्न करना; तैयार करना. To produce; to prepare.

उवकप्पंति. सूय० १, ११, १३;

√**उव-कस.** धा० I. (उप+कष्) પામવું; મેળવવું. प्राप्त करना; पाना. To get; to obtain.

उवकसंति. सूय० १, ४, १, २०;

उवकसंत. व० कृ० दसा० ६, ११;

√**उव-कर.** धा० II. (उप+कृ) ઉપકાર કરવો. उपकार करना. To do a good turn; to do an act of benevolence.

उवकरेड. उवा० १, ६८;

√**उव-कर.** धा० II. (उप+कृ) રાંધવું; રસોઈ કરવી. सिझाना; रसोई करना. To cook; to cook food.

उवक्खडेइ. नाया० २; १३; १६;

उवक्खडिंति. नाया० ८;

उवक्खडिअ वि० आया० २, १, ६, ५०;

उवक्खडेह. आ० नाया० ३;

उवक्खडेउ. उवा० १, ६८;

उवक्खडिय. सं० कृ० नाया० १६;

उवक्खडित्ता. नाया० १६;

उवक्खडेत्ता. सूय० २, ६, ३७;

उवक्खाडेइ. प्रे० नाया० २; १६; भग० १६, ५;

उवक्खडावेइ-ति. प्रे० नाया० १; ७; ८; १६; भग० ३, १; विवा० ३;

उवक्खडाविंति. प्रे० नाया० १६;

उवक्खडावेंति. प्रे० भग० ११, ६; १२, १;

उवक्खडावेहि. आ० प्रे० नाया० १४;

उवक्खडावेह. आ० प्रे० भग० १२, १; १८, २;

उवक्खडाविय. सं० कृ० भग० १२, १;

उवक्खडावेइत्ता. सं० कृ० नाया० १; १६; भग० ३, १; १६, ५;

उवक्खडावेत्ता. सं० कृ० नाया० २; ३; ७; भग० ३, १;

उवकरण. न० (उपकरण) ઉપકરણ; વસ્ત્ર આદિ પરિગ્રહ. उपकरण; वस्त्र वगैरह परिग्रह. An article of possession, such as a cloth, a vessel etc. पण्ह० १, ५; भग० १५, १; —ओमोयरिया. स्त्री० (-अवमोदरिका) ઉપકરણની ઊણોદરી. उपकरण की ऊनोदरी.

limitation, narrowing down, of articles to be possessed. ठा० ३, ३;

उवकासिय. न० (*) शरीरना अवयव; गात्र. शरीर के अवयव. Any of the limbs of the body. पण्ह० २, ४;

√उव-की. धा० III. (उप+कॄ) नींखी नांखवुं. बिखेरना. To scatter; to disperse.

उवकीरेइ निसी० ७, २७;

उवकुल. पुं० (उपकुल) कुलनक्षत्रनी पासेना नक्षत्रो, जेमके अश्विनी कुल तो भरणी उपकुल; कृतिका कुल तो रोहिणी उपकुल. कुलनक्षत्र के समीपवर्ती नक्षत्र जैसे कि अश्विनी नक्षत्र कुल नक्षत्र है और इस के समीप भरणी नक्षत्र उपकुल है, कृतिका कुल नक्षत्र का रोहिणी उपकुल है. The asterisms in the vicinity of a constellation; e. g. Bharaṇi in the vicinity of Aśvini; Rohiṇi in the vicinity of Krittikā. जं० प० ७, १६१;

√उव-क्कम. धा० I. II. (उप+क्रम्) खेडवुं; खेडवुं; वाववाने योग्य करवुं. जमीन हलना. To cultivate; to till.

उवक्कामिज्जइ. क० वा० विशे० २०३६;

उवक्कमिज्जंति. क० वा० अणुजो० ६७;

उवक्कम. पुं० (उपक्रम) दूर रहेल वस्तुने प्रतिपादनशैलीथी नजिक लावीने निक्षेप योग्य करवी; अनुयोग शब्दविवेचननुं प्रथम द्वार. दूरवर्ती वस्तु को प्रतिपादनशैली के द्वारा समीप लाकर निक्षेप करना; अनुयोग शब्द विवेचन का प्रथम द्वार. An introduction; introductory remarks. अणुजो० ५६; ११; (२) जेथी जिंदगीनो अंत आवे-आयुष्य तुटी जाय ते. जिससे जीवन का अंत हो जाय, आयुष्य टूट जाय-वह. that which puts an end to life. सूय० १, ८, १५; आउ० ८; प्रव० १०१७; (३) अनुदित कर्मने उदयमां लाववा ते. अनुदित कर्म को उदय में लाना. causing unmatured Karma to mature. ठा० ४, २; (४) बन्धनो आरम्भ-शरूआत. बंध का प्रारंभ. commencement of bondage; commencement. ठा० ३, ३; ४, २; (५) उपाय; इलाज. उपाय. means to accomplish an object; an expedient; a remedy. "तिविहे उवक्कमे पण्णत्ते तंजहा धम्मिएउवक्कमे अहम्मिए उवक्कमे" ठा० ३; सूय० १, २, ३, १४; आया० १, ८, ७, ६; भग० १, ४; —काल. पुं० (-काल) दूर रहेल वस्तुने प्रतिपादनशैलीथी नजिक लाववानो वखत. दूरवर्ती वस्तु को प्रतिपादनशैली के द्वारा समीप लाने का समय. time for making introductory remarks or preliminary observations. "सकितोवक्कमकालो किरियापरिणाम भूरठो" विशे० ६१७;

उपक्कमण. न० (उपक्रमण) उपक्रम करवो; विशेषता करवी. उपक्रम करना; विशेषता करना. Commencement; particularisation; making preliminary observations. अणुजो० ६८;

उवक्कमिया. स्त्री० (औपक्रमिकी) रोगादिक

---

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ का फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कारणथी थती पीडा. रोगादिक से जो पीडा हो वह. Involuntary pain caused by disease etc. "**अहं उवक्कामियं वेयणं खोसम्मं सहामि**" ठा० ४; २, ४; पन्न० ३५; भग० १, ४;

उवक्कर. पुं० (उपस्कर) संस्कार शुश्रूषा. संस्कार शुश्रूषा. Attendance of a ceremony. पराह० १. १;

उवक्खड. त्रि० (उपस्कृत) रांधवाने आरम्भ करेलुं. पकाने के लिये प्रारम्भ किया हुआ. (Food) begun to be cooked. पिं०नि०१७०; जीवा०३.३;ओघ० नि० भा० ५८; नाया० २; उत्त० १२, ११;

उवक्खड. पुं० (उपस्कर) रांधवानी सामग्री. पकाने का सामान. The articles for cooking. ओव० —**संपरण.** त्रि० (-संपन्न) रांधवानी सम्पूर्ण सामग्रीथी नीपजेल भात वगेरे. आहार का एक भेद; सिझाने से उत्पन्न भात वगैरह. a kind of food; food prepared by cooking. ओव०

उवक्खडिय. त्रि० (उपस्कृत) संस्कार पमाडेल. संस्कार किया हुआ. Seasoned. भग० १४, १; नाया० १६;

उवक्खर. पुं० (उपस्कर) घरना उपकरण; घरवखरी. घर के उपकरण; घर सम्बन्धी सामान. Household furniture. (२) हींग आदि. हींगादि. asafoetida etc. ठा० ८; —**संपरण.** त्रि० (संपन्न) हींग आदिथी वघारेल. हींग आदि से बघारा हुआ. seasoned, spiced with asafoetida etc. ठा० ४, २;

उवक्खा. धा० I, II. (उप+ख्या) नामनिर्देश करवो. नामनिर्देश करना. To make mention of a name.

उवक्खाइज्जंति. क० वा० भग १६, ३; २०, १; सूय० २, ४, १०;

उवक्खाइआ. स्त्री० (उपाख्यायिका) उपकथा; प्रासंगिक कथा. उपकथा; प्रसंग सम्बन्धी कथा. An episode; a stroy subordinate to the main story; an episodical story. नंदी० ५०; सम० ६;

उवक्खाइत्तार. त्रि० (उपाख्यातृ) ख्याति-प्रसिद्धि मेळवनार. प्रसिद्धि प्राप्त करने वाला. (One) who has won renown. सूय० २, २, २६;

√**उव-गम.** धा० I. (उप+गम्) पास आववुं; नजीक आववुं. पास आना; नजदीक आना. To come near.

उवगम्म. सं० कृ० विशे० ३१६६;

उवगंत. व० कृ० सम० ३०;

उवगय-अ त्रि० (उपगत) पामेल; प्राप्त थयेल. पाया हुआ; प्राप्त. Acquired; got; (one) who has got. राय० ३३; ३५; कप्प० ४, ६२; ओव० ३१; विवा० २; सूय० २, १, ५६; अणुजो० १३; नाया० १;८; ६; १७; भग० ३, २; १६, ३; उवा० १, ६६; २, ६६; (२) युक्त; युक्त. possessed of; united with. राय० कप्प० १, ३; —**मलाहत्त.** न० (-श्लाघत्व) २४ मो सत्य वचनना अतिशय. सत्य वचन का २४ वां अतिशय the 24th supernatural manifestation of truthfulness of speech. सम० राय०

उवगरण न० (उपकरण) वस्त्र पात्र वगेरे निर्वाहना साधन. निर्वाह की सामग्री; वस्त्र, पात्र आदि. Articles of use, such as clothes, utensils etc; आव० ४, ६; प्रव० १५; १२८; ५०४; राय० २५७; ओव० १६; उत्त० १२, ४; जं० प० २, ३१; आया० १, २, १, ६२; २, ३, ३, १४;

दसा० ४, ६१; विशे० १६४२; अणुजो० १३४; पिं० नि० २४६; भग० १, ८; ३, १; ५, ४; दस० ४; —इंदिय. न० (-इन्द्रिय) शब्दादिने जाणवामां हेतुरूप शक्ति विशेष. शब्दादि को जानने में हेतु रूप शक्ति विशेष a faculty of sense causing perception or knowledge of sound etc. विशे० १६४; —उप्पादणया. स्त्री० (-*उत्पादनता) उपगरण एकठां करवा ते -आणी आपवा ते. उपकरणों को इकट्ठे करना. collecting & bringing together articles of use, such as clothes, vessels etc. "सेकिंतं उवगरण उप्पादणया चउविहा पण्णत्ता" दसा० ४, ८६; —जाअ. न० (-जात) उपकरणनी जात; उपकरणना प्रकार. उपकरण के भेद; उपकरण की जाति. varieties of articles of use, such as clothes, utensils, etc. वय० २, २०; ४, २४; दस० ४; वव० ७, १७; ८, ११; निसी० ४, ३०; १५, ३५; —दव्वोमोयरिया. स्त्री० (-द्रव्यावमोदरिका) साधुने राखवा जोइए तेना करतां पण ओछा उपकरण राखवां ते; द्रव्य उणोदरीनो एक प्रकार. साधु के रखने योग्य उपकरणों से भी कम उपकरण रखना; द्रव्य उनोदरी का एक भेद. limitation of implements of use such as clothes etc., beyond that prescribed for even a monk. भग० २५, ७; —पणिहाण. न० (-प्रणिधान) लौकिक उपकरण-गृहादि, अने लोकोत्तर उपकरण—वस्त्रपात्रादि, तेनुं प्रणिधान—उपभोग-प्रवर्तन. लौकिक उपकरण-गृहादि—और लोकोत्तर उपकरण-वस्त्रपात्रादि का उपभोग. use of such worldly possessions as a house etc; also that of such implements as clothes utensils etc., by monks. ठा० ४,१; —संजम. पुं० (-संयम) महामुल्यवालां वस्त्रनो त्याग करी सादां धोळां वस्त्र पहेरवां ते; संयमनो एक प्रकार. मूल्यवान् वस्त्रों का त्याग कर सादे सफेद वस्त्रोंको पहिनना; संयम का एक भेद. a variety of ascetic conduct; giving up costly and gaudy clothes and putting on white and simple garments. ठा० ४; —संवर. पुं० (-संवर) संवरनो एक प्रकार; साधुए प्रमाण उपरांत तथा अकल्पनीय उपकरण न लेवा ते. संवर का एक भेद; साधुका प्रमाण से अधिक तथा अकल्पनीय उपकरण न लेना. a mode of the stoppage of Karma; non-acceptance by a monk of materials or articles of use beyond permitted limit. ठा० १०;

उवगसित्ता. सं० कृ० अ० (उपकस्य) समीपे आवीने. समीप आकर. having approached; "मण बंध माणेहिं णेगेहिं कलुण विणीयमुवगसित्ताण" सूय० १, ४, १, ७.

उवगाइज्जमाण त्रि० (उपगीयमान) गवातुं. गाया जाता हुआ. Being sung. "उवणच्चिज्ज-माणे उवगाइज्जमाणे उवलालिज्ज-माणे" राय० २८८;

उवगार. पुं (उपकार) उपकार. उपकार. A good turn; a benevolent deed; benevolence; kindness. नंदी० —(रा) अभाव. पुं० (-अभाव) उपकारनो अभाव; अपकारी पणुं. उपकार का अभाव; अपकार. absence of benevolence or kindness; un-

kindness. " उवगाराभावम्मिवि पूत्राणं पूजगस्स उवगारो " पंचा० ४, ४४;

उवगारण. न० (उपकारण) ઉપકાર કરવો કરાવવો તે. उपकार करना कराना. Showing kindness or causing others to show it to those in distress. " उवयारणपारणासु वियाओ पडिजियव्वो " पण्ह० १, ३;

उवगारि. त्रि० (उपकारिन्) ઉપકાર કરનાર. उपकार करनेवाला; उपकारी. Benevolent; kind; helpful. पंचा० ४, ४१;

उवगारियलेण. न० (उपकारिकालयन) પ્રાસાદમાં દાખલ થવાને ઉપકારક થાય તેવો ચોતરો વગેરે; પ્રાસાદપીઠ. प्रासाद में जानेके समय चढने का ओटला; प्रासादपीठ. A small platform to ascend the palace. भग० ३, ७; १३, ६;

उवगाहित्तए. सं० कृ० अ० (अवगाहितुं) અવગાહન કરવાને. अवगाहन करने के लिये. In order to enter or pervade. नाया० ८;

उवगिज्जमाण. त्रि० (उपगीयमान) ગાતું. गाता हुआ. Singing; being sung. नाया० १; १६; भग० ६, ३३; राय० २७५; जं० प० ३, ५२; ३, ६७;

√ उवगिराह. धा० I, II. (उप+ग्रह्) ગ્રહણ કરવું. ग्रहण करना. To take; to accept.

उवगिराहइ. भग० ५, ४;

उवगिराहमाण. भग० ५, ६;

उवगीयमाण. त्रि० (उपगीयमान) ગાતો. गाता हुआ. Singing. विवा० ६

उवगूढ. त्रि० (उपगूढ) સંસ્પૃષ્ટ; અડકેલ. छुआ हुआ; स्पर्श किया हुआ. Touched by; in contact with. सूय० १, ४, १, २७; नाया० १८; (२) યુક્ત. युक्त; सहित. joined with; possessed of. " गुंजावक कुहरोवगूढं " राय० (३) છુપાઇ રહેલું; ભરાઇ રહેલ. छुप कर रहा हुआ. remaining hidden or concealed; hiding; lurking. राय० ८६;

उवगूहण. न० (उपगूहन) આલિંગન. आलिंगन; भेट; मिलाप Embrace; pressing to the bosom with affection. " आरुहणगाहणेहिं बालय-उवगूहणेहिं " तंदु०

उवगूहिअ. त्रि० (उपगूहित) આલિંગન કરેલ. आलिंगन किया हुआ. Embraced. तंदु० राय० नाया० ६;

उवगूहिज्जमाण. त्रि० (उपगुह्यमान) આલિંગન કરાતું. मिलाप कराता हुआ. Embracing. " उवलालिज्जमाणे उवगूहिज्जमाणे " नाया० १; राय० २८६;

उवग्ग. अ० (उपाग्र) સમીપમાં; નજિક. नजदीक; समीप. Near; in the vicinity. विशे० ३०१५;

उवग्गह. पुं० (उपग्रह) ઉપાધિ; જેથી ભવ વધે તે. उपाधि; कर्मबंध का कारण. Any possession which prolongs one's stay in the cycle of births and deaths. ओव० पन्न० ३६; (२) અવષ્ટંભ; ટેકો. टेका; आधार. a support. गच्छा० १५; ओव० पिं० नि० ६१; भग० २, ६; (३) આજ્ઞા. आज्ञा; हुक्म. order; command. नाया० १३; १४; नाया० ध० —कम्म. न० (-कर्मन्) ભવોપગ્રાહી કર્મ; વેદનીય, આયુષ્ય, નામ, અને ગોત્ર એ ચારમાનું ગમે તે એક. भवोपग्राही कर्म; वेदनीय, आयुष्य, नाम और गोत्र इन चार कर्मों में से कोई भी एक कर्म. Karma which is helpful in prolonging worldly existence;

any of the four kinds of Karma viz Āyuṣya, Nāma, Gotra and Vedanīya. पन्न० ३६; –कुसल. त्रि० (–कुशल) અનુગ્રહ કરવામાં કુશલ. अनुग्रह–उपकार–करने में कुशल. (one) proficient in showing favour, kindness etc. वव० ३, ३; —ट्ठया. स्त्री० (–अर्थता) અવગ્રહની અપેક્ષા अवग्रह की अपेक्षा. a desire or wish for Avagraha i e. favour, help etc. ठा० ५, ३;

उवग्गाहिय. त्रि० (औपग्राहिक) પાડીયારૂં; સાધુએ થોડા વખત રાખી પાછું ધણીને સોંપી દેવાયોગ્ય વસ્તુ-ઉપાધિ. ऐसी वस्तु जो कि साधु थोडे समय के वास्ते लेकर उसे वापस मालिक को दे देता है; वापिस देने योग्य वस्तु. (Anything) borrowed from the owner for temporary use. भग० ६, ३१; ओघ० नि० ७२६;

उवग्गहिय. त्रि० (उपगृहीत) ઉપસ્થાપન કરેલ. उपस्थापित Freshly admitted after expulsion from the order. पन्न० २३;

उवग्घाय. पुं० (उपोद्घात) પ્રસ્તાવ; ઉપોદ્ઘાત उपोद्घात; प्रस्ताव. An introduction; a preface अणुजो० १५५; विशे० ६७२;

उवघाअ-य. पुं० (उपघात) વિનાશ; મરણ; સંહાર. विनाश; मरण; संहार. Death; destruction; annihilation. क० गं० १, २५-४८; ५, ७-७०; क० प० १, ४८; प्रव० १२७७; १३८८; पिं० नि० भा० २४; ओव० पन्न० ११; २३; पण्ह० १, १; (२) આઘાત–શ્રોત્રાદિ ઇંદ્રિયોને વાજીંત્ર વગેરેના શબ્દથી ધક્કો લાગે તે. श्रोत्रादि इन्द्रियों को वाद्य आदि के शब्दादिके श्रवण वगैरह से जो धक्का लगे वह. an impact given by sound etc. to the sense-organs e. g. ears etc. विशे० २०४; (३) પિંડ શય્યા વગેરેનું અકલ્પનિકપણું; જેથી સાધુને આહાર, શય્યા વગેરે કલ્પે નહિ તેવો દોષ. पिण्ड शय्या आदिकी अकल्पनीकता. food, bed etc. used by an ascetic against the rules of scriptures. ठा० ३, ४; —कम्म. न० (–कर्मन्) બીજાની ઘાત થાય તેવી ક્રિયા. दूसरे का घात जिस से हो ऐसी क्रिया. an act which involves destruction of other living beings "आसूणि मक्खिरागं च गिद्धुमुवघायं कम्मगं" सूय० १, ६, १५; —कम्मग. न० (–कर्मक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो उपरका शब्द. vide above सूय० १, ६, १५; —णाम. न० (–नामन्) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ. नामकर्मकी एक प्रकृति. a variety of Nāmakarma. सम० २८; —णिस्सिय. न० (-निश्रित) દશમું મૃષા-જૂઠ; दशवाँ झूठ; असत्य का दशवां भेद. the 10th variety of falsehood or lie. प्रव० ८६६; ठा० १०. —वज्ज. त्रि० (–वर्ज) ઉપઘાત નામકર્મની પ્રકૃતિ શિવાયનું. उपघात नामकर्म की प्रकृति के अतिरिक्त. with the exception of the variety of Nāma Karma known as Upaghāta. क० प० ४, ३;

उवघाइ. त्रि० (उपघातिन्) ઘાત કરનાર; મારનાર. घात करने वाला; मारने वाला. A destroyer; a slaughterer. उत्त० १, ४०;

उवघाइअ. त्रि० (उपघातिक) ઉપઘાત - નાશ કરનાર दूसरेकी घात करने वाला.

(One) that kills or destroys another. दस० ८. २१;

उवघाइया. स्त्री० (उवघातिकी) પ્રાયશ્ચિત્તનો એક પ્રકાર; ભારે પ્રાયશ્ચિતમાંથી થોડો વખત બાદ કરી લઘુ પ્રાયશ્ચિત્ત આપવું તે. प्रायश्चित्त का एक प्रकार; भारी प्रायश्चित्त में से थोड़ा समय कम करके लघु प्रायश्चित्त देना. A mode of expiation; making an expiation lighter by curtailing the time required for its due performance and then proscribing it to a sinner. (२) ૨૮ આચારપ્રકલ્પમાંનું એક. २८ आचारप्रकल्प में से एक. one of the 28 Āchāra Prakalpa. "उवघाइया आरोवणा अणुघाइया आरोवणा" सम० २८;

√**उवचिय.** धा० I. (उप+च्यु) ચ્યવવું; નાશ થવો. च्युत होना; नाश पाना To destroy; to ruin.

उवचयंति भग० २, ५;

उवचय. पुं० (उपचय) પુષ્ટિ; વધારો; વૃદ્ધિ. वृद्धि; बढती; पुष्टि. Increase; growth. भग० २०, ४; पिं० नि० ७; १०१; सु० च० १, ३१५; राय० २५०; (२) ઇંદ્રિય યોગ્ય પુદ્ગલનો સંગ્રહ કરી ઇંદ્રિય પર્યાપ્તિ બાંધવી તે. इन्द्रिय योग्य पुद्गल का संग्रह करके इन्द्रिय पर्याप्ति को बांधना. development or growth of organs of the body by sufficient storage of proper molecules पन्न० १५; पगह० १, ४;

√**उव-चर.** धा० I. (उप+चर्) પાસે આવી ઉપસર્ગ આપવો-કષ્ટ આપવું. समीप आकर उपसर्ग करना-कष्ट देना. To trouble or annoy by approaching.

उवचरंति. आया० १, ६, २, ७;

उवचरअ-य. पुं० (उपचरक) સેવાને મિષે બીજાને ઉતારી પાડવાની તક જોનાર. सेवा के बहाने दूसरे के पतन का मौका ताकने वाला. One who watches for an opportunity to bring another into disgrace while pretending to serve him. सूय० २, २, २८;

उवचरिअ. त्रि० (उपचरित) ઉપચાર કરેલ. उपचार किया हुआ. Worshipped. पंचा० ६, १०;

उवचार. पुं० (उपचार) પૂજા સામગ્રી. पूजा सामग्री Materials of worship पगह० १, ३;

उवचिअ-य. त्रि० (उपचित) પુષ્ટ થયેલું; વૃદ્ધિ પામેલું; જીવના પ્રદેશથી વ્યાપ્ત થએલું. पुष्ट; वृद्धि प्राप्त; जीव के प्रदेश से व्याप्त. Grown; developed; increased. "उवचियतयपत्तरवालं कुर पुप्फ फल समुदए" जं० प० २, ३८; विशे० ८६४; दस० ७, २३; नाया० १; ४; पन्न० २; ओव० १०; भग० १, १; ६; २, १; दसा० १०, १; उवा० २, ६५; कप्प० २, १४; ३, ३२-३४; (२) સહિત. सहित; युक्त. accompanied with. अणुजो० ४३; जीवा० ३, १; (३) સ્થાપેલ; ગોઠવેલ. स्थापित; जमाया हुआ. established; settled; arranged. (४) સંભારેલું; કમાવેલું. सम्हाला हुआ; कमाया हुआ. mended; tanned; cured (leather). राय० १६२;

√**उव-चिट्ठ.** धा० I, II. (उप+स्था) સમીપ જવું; પાસે સ્થિતિ કરવી. समीप में स्थिति करना. To stand in front of; to go to.

उवचिट्ठइ. नाया० १; सु० च० १, २४१;

उवचिट्ठांति भग० ७, २;
उवचिट्ठे. वि० उत्त० १, २०;
उवचिट्ठिज्जा. वि० उत्त० १, ३;
उवचिट्ठइज्जा. वि० दस० ६ ११;

√ **उव-चिण.** धा० II (उप+चि) ઉપચય કરવો; વૃદ્ધિ કરવી. उपचय करना; वृद्धि करना. To increase; to grow; to develop.
उवचिणइ. भग० १, १; १, ७; ६; उत्त० २६, २२;
उवचिणंति. ठा० ४, १;
उवचिणिस्संति. ठा० ४; १;
उवचिणिसु. भू० ठा० ४, १;
उवचिज्जइ. क० वा० भग० १, १०;
उवचिज्जन्ति. भग० ६, ३; २५, २;

√ **उव जा.** धा० I. (उप+या) પાસે જવું; મળવું. पास जाना; मिलना. To go to or near; to meet.
उवयाइ. भत्त० ७२;

√ **उव-जीव** धा० I. (उप+जीव्) જીવવું; નિર્વાહ કરવો. जीना; निर्वाह करना. To live; to maintain livelihood.
उवजीवइ. भग० २, १; वव० ४, ६; सूय० २, ५, ३१;
उवजीवंति. भग० ४१, १;

उवजीवि. त्रि० (उपजीविन्) આજીવિકા ચલાવનાર. आजीविका चलाने वाला. (One) who maintains livelihood; (one) who supports life पिं० नि० २६६;

उवजुंजिऊण. सं०कृ०अ० (उपयुज्य) ઉપયોગ કરીને. उपयोग करके. Having used; having made use of. भग० ८, १;

उवजुत्त. त्रि० (उपयुक्त) ઉપયોગ સહિત. उपयोग सहित. Full of carefulness or attentiveness. प्रव० ६८;

उवजोइय. पुं० (उपज्योतिष्क – ज्योतिषः समीपे तिष्टन्तीति उपज्योतिषस्तएवोपज्योतिष्काः) અગ્નિ પાસે રહેનાર; રસોઈઓ. अग्नि के समीप रहने वाला; रसोइया. One who remains near fire; a cook. (२) અગ્નિહોત્રી. अग्निहोत्री. one who consecrates and maintains the sacred fire. उत्त० १२, १८;

√ **उव-पज्ज.** धा० I. (उप+पद्+य) ઉત્પન્ન થવું. उत्पन्न होना. To be born; to be produced.
उववज्जति. दसा० ७, ७;
उववज्जित्तए. हे० कृ० भग० ७, ६; ३४, १

√ **उव-पज्ज.** धा० II. (उप+पद्) ઉપજવું; ઉત્પન્ન થવું पैदा होना; उत्पन्न होना. To be born or produced.
उववज्जइ. भग० १, ७; ३, ४; ५; ४, ६; ८, १०; नाया० १६;
उववज्जंति. ओव० ३८; उत्त० ८, १४; सू० प० १६; भग० २, ५; ७, ३; १०, ४; ११, १; १२, ६; १३, १; १६, ३; २०, १०; २३, ५; २४, १; १२; २५, ८; ३२, १; ३५, ४; ४०, १; ४१, १;
उववज्जेज्जा. भग० १, ७; १२, ८; १७, ६; २०, ६; २४, १; ३४, १;
उववज्जिहिति. भग० २, १; ७, ६; ११, ११; १३, ६; १४, ८; १५, १; नाया० ध० उवा० १, ६२; ६०; २, १२५; ओव०
उववज्जिहिंति. नाया० १; १४; भग० ३, १; ७, ६; विवा० १; जं० प० २, ३६;
उववज्जिहामि. उवा० ८, २५५; २५४;
उववज्जिस्सइ. भग० ३, १;
उववज्जित्तए. हे० कृ० भग० ३, ४; ५, ३; ६, ५; ७, ६; ७; १२, ६; १७, ६; ७; १८, ५; ८; २०, ६; २४, १; २६; ३४, १; पन्न० १६;

- उववज्जित्ता. सं० कृ० भग० ११,६; २०, ६;
  उववज्जेत्ता. सं० कृ० भग० ६, ५;
  उववज्जिऊण. सं० कृ० पन्न० १६;
  उववज्जमाण. भग० १, २; ६; ७; १२, ८; २४, १; २; २०; २५, ६; ३४, १; ४१, १;
  उववायए. प्रे० वि० उत्त० १, ४३; दस० ८, ३३;

उवज्जोइ. त्रि० (उपज्योतिष्) જ્યોતિ-અગ્નિ સમીપવર્તી. ज्योति-अग्नि समीपस्थ. (One) who remains near the fire; remaining near the fire. सूय० १, ४, १, २६;

उवज्झाय. पुं० (उपाध्याय-उपसमीपमागत्य-अधीयते सूत्रतो जिनप्रवचनं येभ्यस्त उपाध्यायाः) ઉપાધ્યાય; શાસ્ત્રનું અધ્યયન કરાવનાર; उपाध्याय, शास्त्र का अध्ययन करानेवाला. An Upādhyāya or preceptor; a teacher of scriptures. दसा० १, १; वेय० ४, १५; नाया० २; १०; भग० १, १; ५, ६; ८, ८; २५, ७; ओव० २०; ४१; उत्त० १७, ४; सम० ४०, आया० २, १, १०, ५६; राय० १; पन्न० १६; वव० १, २६; २६; आव० १, २; भत्त० ४८; कप्प० १, १;—पडिणीय. पुं० (-प्रत्यनीक) ઉપાધ્યાયનો શત્રુ. उपाध्याय का शत्रु. an enemy of an Upādhyāya or preceptor. भग० ८, ३३; १५, १; —वेयावच्च. न० (-वैयावृत्य) ઉપાધ્યાયની સેવા કરવી તે. उपाध्याय की सेवा. rendering of service to an Upādhyāya or teacher of scriptures. भग० २५, ७; ठा० ५, १; वव० १०, २७;

उवज्झायत्त. न० (उपाध्यायत्व) ઉપાધ્યાયપણું. उपाध्याय पना. State of being an Upādhyaya or teacher of scriptures; preceptorhood. वेय० ४, १६; १७; वव० ७, १६;

उवज्झाय-ता. स्त्री० (उपाध्यायता) ઉપાધ્યાયની પદવી. उपाध्यायकी पदवी. Degree or title of an Upādhyāya or preceptor. ठा० ३, ४; वव० ३, ४; ७;

उवट्ठंभ. पुं० (उपष्टम्भ) ટેકો. टेका. A support प्रव० १३८१;

√ उव-ट्ठव. धा० I, II. (उप+स्था) ગોઠવવું; તૈયારી કરવી; મહાવ્રતનું આરોપણ કરવું. तैयारी करना; मेल मिलाना; जमाना; सजाना; महाव्रतका आरोपण करना. To make preparations or arrangements; to administer the great vows.

  उवट्ठवेइ. नाया० १; ५; ८; १२; १३; दसा० १०, १;
  उवट्ठवेंति. नाया० ८; भग० ७, ६;
  उवट्ठवेसि. नाया० १२;
  उवट्ठेव. दसा० १०, १;
  उवट्ठवेह. आ० नाया० १; ५; ८; १२; १६; भग० ७, ६; ६, ३३; ओव० २६; ३०; राय० २२६; उवा० ७, २०६; जं० प० ५, १२०;
  उवट्ठवेत्ता. भग० ६, ३३; निसी० १४, ४८; नाया० १; १३;

उवट्ठवणा. स्त्री० (उपस्थापना) મહાવ્રતનું આરોપણ કરવું તે. महाव्रत का आरोपण करना. Investing with full vows (i. e. ascetic vows). पंचा० १७, ३१;

√ उव-ट्ठा. धा० I, II (उप+स्था+णि) ઉપસ્થિત રહેવું; તૈયાર રહેવું. तैयार रहना; उपस्थित रहना; हाजिर रहना; To keep (oneself) ready or prepared.

  उवट्ठाइ. जं० प०

उवट्ठंति. अणुजो० २१;
उवट्ठाइंसु. भग० १५, १;

√उवट्ठाव. धा० I, II. (उव+स्था+णि) ચારિત્રમાં સ્થાપવું; મહાવ્રતનું આરોપણ કરવું. महाव्रत का आरोपण करना. To establish (a fresh disciple) in right conduct; to administer the great vows to a disciple.
उवट्ठावेइ. नाया० ८; निसी० ११, ३८;
उवट्ठाविंती. नाया० ८;
उवट्ठावणुज्जा. भग० १, ४; वव० १, २३; २७;
उवट्ठावेइ. आ० भग० ७, ६;
उवट्ठावित्तए. हे० कृ० ठा० २, १. सूय० २, ७, १५: वव० २, १६, ६, २०; १०, १८:
उवट्ठावेत्तए ठा० ३, ४:

उवट्ठाण. न० (उवस्थान) બેઠક; સભા; મંડપ. बैठक; सभा; मंडप. A seat; a meeting-place; a hall of assembly. कप्प० ४, ८८: भग० १, ३: ३, ७; नाया० २: (२) સંયમ અનુષ્ઠાન. संयम का अनुष्ठान. observance of asceticism. सूय० १, १, ३, १८: —**साला.** स्त्री० (-शाला) રાજસભા; બેઠક. राजसभा; बेठक. a seat; a hall of audience; a royal council-hall. नाया० १: ५; १६: जं० प० ३, ४३; भग० ७, ६; ६, ३३: ११, ११; निर० १, १: नाया० ध० दसा० १०, १: "बाहिरियाए उवट्ठाणसालाए पडिएक्क पाडिएक्काइ जत्ताभि मुहाइं जुत्ताइं जायाइ उवट्ठवेह" ओव० ११; २६: कप्प० ४, ५८;

उवट्ठाणिअ. न० (उपस्थानिक) ભેટ; બક્ષીસ; નજરાણો. भेंट; इनाम पारितोषक; नजराना. A gift; a present. जं० प० ३, ६४; ३, ४९;

उवट्ठाणिया. स्त्री० (उवस्थानिका) પાસે બેસનારી દાસી. समीपमें-पास में बैठनेवाली दासी. An attendant female servant; a waiting maid-servant. भग० ११, ११;

उवट्ठावण. न० (उपस्थापन) દીક્ષા લીધા પછી સાત દિવસે ચાર મહિને કે છ મહિને મહાવ્રતનું આરોપણ કરવું-મ્હોટી દીક્ષા આપવી તે; છેદોપસ્થાપનીય ચારિત્ર આરોપવું તે. दीक्षा लेने के बाद सात दिन, चार मास या छ मास के नंतर महाव्रत का आरोपण करना; बड़ी दीक्षा देना; छेदोपस्थापनीय चारित्र का आरोपण. Fresh admission after expulsion from the order of monks. वव० १०, १२; १३; ठा० ४, २; —अंतेवासी. पुं० (अन्तेवासिन्) જેને છેદોપસ્થાપનીય ચારિત્ર આપ્યું હોય તેવો શિષ્ય. जिसे छेदोपस्थापनीय चारित्र दिया हो वह शिष्य. a disciple freshly admitted in the order of monks after a temporary expulsion. वव० १०, १३;१४; (ण)—**आयरिअ.** पुं० (-आचार्य) મોટી દીક્ષા આપનાર આચાર્ય, ગુરૂ. बड़ी दीक्षा देनेवाले आचार्य. a preceptor entitled to re-admit a disciple into the order of monks after a temporary expulsion. ठा० ४, ३; —**आरिअ.** पुं० (-आचार्य) ઉપસ્થાપના છેદોપસ્થાપનીય ચારિત્ર સ્થાપનાર ગુરુ. छेदोपस्थापनीय चारित्र देनेवाले गुरु. a preceptor re-admitting a disciple into the order of monks after a temporary expulsion. वव० १०, १२;

उवट्ठिअ-य. त्रि० (उपस्थित=उप सामीप्येन स्थितः उपस्थितः) પાસે આવેલ; હાજર થએલ. समीप में आया हुआ; हाजिर रहा

हुआ. Come near; approached; present. " उवट्ठियामे आयरिया विज्जामंत तिगिच्छगा " उत्त० २०, २२; नाया० ८; दस० ४; ६, २, ४; सम० ३०; प्रव० १२५; आया० १, ४, १, १२६; भग० १, ६; ७, ६; सूय० १, १, २, ५; उत्त० २५, ५; ओघ० नि० ५१५;

उवडहित्ता-र. त्रि० (उपदग्धृ) બાળનાર. जलाने वाला. (One) who burns or sets fire to. सूय० २, २, १८;

√ उव-ढोय. धा० II (उप+ढौक्) માનતા ચડાવવી; ધરવું. मानता करना; मानता चढाना. To offer for acceptance e. g. before a deity; to present as an offering

उवढोइंति. सू० च० २, ३३६;

उवणच्चिज्जमाण. पु० (उपनृत्यमान) નાચતો. नाचता हुआ; नृत्य करता हुआ. One who is dancing. भग० ६, ३३; जं० प० ३, ६७; ३, ५२;

उवणत्थ. त्रि० (उपन्यस्त) તૈયાર કરેલ. तैयार किया हुआ. Made ready; prepared. दस० ५, १, ३१;

उवणद्ध. स्त्री० (उपनद्ध) ઘણું. बहुत. Much; more; in a great quantity. भग० ६, ३३;

उवणय. पुं० (उपनय) પ્રકૃત વસ્તુની સાથે ઉદાહરણની ઘટના કરવી તે. प्रकृत वस्तु के साथ उदाहरणकी घटना करना. The fourth member of the five-membered Indian syllogism (in logic); the application of the Udāharaṇa or illustration to the special case in question. ओघ० नि० भा० ४४; विशे० २१५२; (२) ભેટણું; બક્ષીસ. डाली; इनाम; पारितोषक. a gift; a present. राय० २३७; (३) ગુણની તારીફ; પ્રશંસા. प्रशंसा. praise or appreciation of merits or virtues. प्रव० १०३; —वयण. न० (-वचन) પ્રશંસા વચન જેમ અમુક સ્વરૂપવાન્ અને સુશીલ છે તે. प्रशंसाके वचन. words of praise or admiration. प्रव० १०३;

उवणयण. न० (उपनयन) કલાચાર્ય પાસે બાલકને કલા શિખવવી તે कला के आचार्य से बालक को कला सिखवाना. Getting a child instructed in arts by a preceptor. भग० ११, ११; पगह० १, २; राय० २८८;

उवणिक्खित्त. त्रि० (उपनिक्षिप्त) મૂકેલ. रखा हुआ. Placed; deposited. वेय० २, ४;

उवणिक्खियव्व. त्रि० (उपनिक्षिप्तव्य) પાછું મૂકવું. फिरसे रखना. Placing or depositing again. वेय० ४, २४,

उवणिग्गय. त्रि० (उपनिर्गत) નીકળેલ; બહાર આવેલ. निकला हुआ; बाहिर निकला हुआ. Come out; got out; emerged. ओव०

√ उवणिमंत. धा० II. (उप+नि+मंत्र) નિમંત્રણ કરવું; નોતરું દેવું. निमंत्रण करना; न्योता करना. To invite; to give an invitation.

उवणिमंतइ. नाया० १; ८; १४; १६; भग० १२, १; सम० ३३;

उवणिमंतेज्जा. भग० ८, ६; वेय० १, ३७;

उवणिमंतेहि. नाया० १४;

उवणमंतह. नाया० १;

उवणिमंतेहिंति. ओव० ४०;

उवणिविट्ठ. त्रि० (उपनिविष्ट) સમીપે રહેલ. समीप में रहा हुआ. Placed near; remaining near; situated near.

राय० ४६, जं० प० ४, ७४;

उवाणिहिआ. स्त्री० (औपनिधिकी) જુદી જુદી અનેક વસ્તુઓના પૌર્વાપર્યભાવ-અનુક્રમની યોજના; આનુપૂર્વી-અનુક્રમનો એક પ્રકાર. भिन्न २ अनेक वस्तुओंका पूर्वापर भाव-अनुक्रम की योजना; अनुक्रमका एक भेद. Arrangement of different things in order or succession. अणुजो० ७२;

उवणीअ-य. त्रि० (उपनीत) પાસે આવેલ; પ્રાપ્ત થએલ. समीपगत; प्राप्त. Come near; brought near; obtained. उत्त० ४, १; सु० च० १,३१६; आया० १, ३, १, १०८; १, ७, १, ६०; पिं० नि० ११३; नाया० १४; १६; राय० २३७; विवा० ६; पंचा० ७, १७; (२) બક્ષીસ આપેલ; સમર્પણ કરેલ. समर्पित; अर्पित; पारितोषक में दिया हुआ-दी हुई. (one) who has been presented with. ओव० १४; भग० ५, ६, पराह० २, १; (३) પ્રશંસા; તારીફ; મહિમા. प्रशंसा; स्तुति. praise; glorification. आया० २, ४, १, १३२; पन्न० ११; (४) સંયુક્ત. संयुक्त; मिला हुआ. joined with; accompanied with. भग० ११, ११; (५) પ્રસ્તાવના ઉપસંહાર વગેરેથી યુક્ત प्रस्तावना, उपसंहार आदि सहित. accompanied with a preface, a conclusion etc. अणुजो० १२८; (६) યોજના કરેલ योजित; योजना किया हुआ-की हुई. planned; arranged. विशे० १५४; —**चरअ.** त्रि० (-चरक) ક્યાંકથી આણેલ હોય કે બક્ષીસ આવી હોય તેની ગવેષણા કરનાર. कहीं से लाई हुई या पारितोषक में प्राप्त वस्तु की गवेषणा करनेवाला. (one) who seeks only that which is brought from out side or got as a present. ओव० १६; —**वयण.** न० (-वचन) પ્રશંસા રૂપ વચન જેમ કે આ સ્ત્રી રૂપાળી છે. प्रशंसायुक्त वचन जैसे अमुक स्त्री रूपवान है. words of praise; commendation; e. g. of the beauty of a woman. आया० २, ४, १, १३२;

उवणीय. त्रि० (उपनीततर) જ્ઞાનાદિકમાં અતિશય મગ્ન થએલ. ज्ञानादिक में जो अतिशय मग्न हो वह. (One) deeply absorbed in right knowledge etc. सूय० १, २, २, १७;

उवणीयतराग. त्रि० (उपनीततर) અતિ નજીકનું. अतिशय समीपस्थ; बहुत पास का. Very close to; very near to. सूय० २, १, ३६;

उवणुप्पयणी. स्त्री० (अवपातोत्पतनी) આકાશમાં ચડવા ઉતરવાની વિદ્યા. आकाश में चढने उतरने की विद्या. Art of ascending and descending in the sky. नाया० १६;

उवणसिउं. सं० कृ० अ० (उपन्यस्य) ઉપન્યાસ કરીને સ્થાપન કરીને. उपन्यास करके स्थापन की हुई. Having placed; having deposited; having established. विशे० १३५५;

उवत्थड. त्रि० (उपस्तृत) આસપાસ ઢંકાયેલું. आसपास ढंका हुआ. Covered on all sides. "आतिपणा वितिपणा उवत्थडा संथडा" भग० १, १, राय० २७३;

उवत्थाणिअ. न० (उपस्थानिक) જુઓ 'उवट्ठाणिअ' શબ્દ. देखो 'उवट्ठाणिअ' शब्द. Vide 'उवट्ठाणिअ'. जं० प०

उवत्थाणिया. स्त्री० (उपस्थानिका) જુઓ

'उवट्ठाणिया' शब्द. देखो 'उवट्ठाणिया' शब्द. Vide उवट्ठाणिया' भग० ११; ११,

उवत्थिअ-य. त्रि० (उपस्थित) પાસે રહેલ; તૈયાર રહેલ. समीप में रहा हुआ-हुई; तैयार. Situated near; in a state of readiness; standing near. "दस-विहारुक्खा उवभोगत्ताए उवत्थिया" सम० १०; नाया० १६; दसा० ६, १७; २३; २४;

√ **उव-दंस.** धा० I, II. (उप-दृश्) દેખાડવું. दिखाना. To show; to manifest.

उवदंसेइ. ति० भग० २, १८; ३, २; १२, ६; १६, ५; ६; विवा० १; कप्प० ६, ६४;

उवदंसंति. भग० ३, १;

उवदंसेंति जं० प० ५, १२१;

उवदंसेमि. सु० च० १५, ११३; सूय० २, १, ११;

उवदंसिज्जा. त्रि० भग० ११, १०; दसा० ३, १४; १५;

उवदंसेज्जा. वि० भग० १४, ८;

उवदंसित्ता. वि० भग० ३, २;

उवदंसेत्ता. सं० कृ० भग० ३, १;

उवदंसित्तए हे० कृ० भग० ६, १०; ५, ६; राय० ७, ८; २६८;

उवदंसेत्तए. हे० कृ० भग० ५, ४; १४, ८;

उवदंसेमाण. राय० ७१; भग० १२, ६; नाया० ८; जं० प० ५, ११७; उवा० ८, २४६;

उवदंसिज्जमाण. क० वा० व० कृ० नाया० १३;

उवदंसण. पुं० (उपदर्शन) નીલવન્ત પર્વત ઉપરનું નવમું શિખર. नीलवंत पर्वत पर का नवमां शिखर. Name of the 9th summit of Nilavanta mount. ठा० २, ३; जं० प० (२) દેખાડવું; બતાવવું. दिखाना; बताना. Act of showing or pointing out. प्रव० १३६; —कूड. पुं० (-कूट) જુઓ 'उवदंसण' શબ્દ. देखो "उवदंसण" शब्द. Vide "उवदंसण" जं० प०

उवदंसणया. स्त्री० (उपदर्शन) નામની અર્થ સાથે યોજના કરી વસ્તુનું નિદર્શન કરવું તે. नामकी अर्थ के साथ योजना करके वस्तु का निदर्शन करना. Pointing out a thing by naming it and explaining the connection between the name and its meaning. अणुजो० ७२;

उवदंसिय. त्रि० (उपदर्शित) દર્શાવેલું; બતાવેલું. प्रदर्शित; बताया हुआ. Shown; pointed out. अणुजो० १६; उत्त० २५, ३५;

उवदिट्ठ. त्रि० (उपदिष्ट) ઉપદેશેલું; દર્શાવેલું. उपदेशित; बतलाया हुआ. Taught; instructed; pointed out. भग० ६, ३३; अणुजो० १७; ओव० २१; पन्न० १५;

√ **उवदिस.** धा० I. (उप+दिश्) ઉપદેશ કરવો. उपदेश करना. To teach; to advise; to preach.

उवदिसइ. कप्प० ७, २१०; जं० प० २, ३०;

उवदिसंति. नाया० ५; पग्ह० १, २;

उवदिसित्तए. हे० कृ० नाया० १४;

उवदेस. पुं० (उपदेश) ઉપદેશ; ધર્મનો બોધ. उपदेश; धर्म का बोध-ज्ञान. Religious teaching; instruction; sermon. भग० ६, ३१; ३३; १८, २; नाया० १६; पन्न० १;

उवदेसण. न० (उपदेशन) જુઓ 'उवदेस' શબ્દ. देखो 'उवदेस' शब्द. Vide "उवदेस" ठा० ८, १;

√ **उव-हुष.** धा० I, II. (उप+द्रु) ઉપદ્ર

કરવો; દુઃખ દેવું; મારવું. उपद्रव करना; दुःख देना; मारना. To harass; to give pain or trouble; to kill.

उवद्दवेमो. भग० ८, ७;

उवद्दवेह. ८, ७;

उवद्दवेमाण. भग० ८, ७;

उवद्दव. पुं० (उपद्रव) મહાકષ્ટ; આફત. महान् कष्ट; आफत; संकट. Great trouble; calamity. भग० ६,३३ ; नाया० १; जं० प० २, २४; जीवा० ३, ३; —रक्खिञय. त्रि० (–रक्षिक) ઉપદ્રવમાંથી રક્ષણ કરનાર. उपद्रवसे रक्षा करनेवाला. (one) who saves from, protects against troubles, dangers etc. प्रव० ६४१;

उवधारेमाण. त्रि० (उपधारयत्) ધારણ કરતો. धारण करता हुआ. Retaining things (perceived) in the mind; putting on. भग० ६, ३३;

उवधारणया. स्त्री० (*उपधारणा) અર્થાવગ્રહનું એક નામ. अर्थावग्रह का एक नाम. Apprehension of an object; a synonym for Arthāvagraha. नंदी० ३०;

उवधारिय. त्रि० (उपधारित) ધારણ કરેલ. धारण किया हुआ–की हुई. Retained in the mind; put on. भग० १, ६;

उवनम. धा० I. (उप+नम्) નમસ્કાર કરવો, नमस्कार करना; प्रणाम करना. To salute; to bow to.

उवणमंति. तंडु० सूत्र० १, २, १, १;

उवणमंतु. भग० ३, २;

उवनंदणभद्द. पुं० (उपनन्दनभद्र) આર્ય સંભૂતવિજયના એ નામના એક શિષ્ય. आर्यसंभूत विजय के एक शिष्य का नाम. Name of a disciple of Ārya Sambhūta Vijaya. कप्प० ८,

उवनच्चमाण. त्रि० (उपनृत्यमान) નાચ કરતો. नृत्य करता हुआ. Dancing. राय० १७५; २८६;

√उव-निमंत. धा० II. (उप+नि+मन्त्र्) પાસે આવી નિમંત્રણ કરવું. समीप में आकर निमंत्रण देना. To invite by approaching; to invite

उवनिमंतेमि. उवा० ७, २२०;

उवनिमंतिस्संति राय० २२६;

उवनिमंतिस्सामि. उवा० ७, १८८;

उवनिमंतेत्ता. भग० १२, ;

उवनिमंतित्तए हे० कृ० उवा० ७, १६३;

उवनिहिश्च. त्रि० (औपनिधिक) ગૃહસ્થ બેઠો હોય તેની નજીકમાં જે આહારાદિ હોય તેની ગવેષણા કરવાના અભિગ્રહ ધરનાર. गृहस्थ बेठा हो और उसके समीप आहारादि हो उसकी गवेषणा करने का अभिग्रह धारण करनेवाला. (One) who has taken a vow to seek only that food which is actually lying by the side of householders. ठा० ५, १; पराह० २, १;

√उव-ने. धा० I. (उप+नी) લઈજવું; દોરવું. लेजाना. To lead; to carry; (२) ભેટ આપવી. भेंट देना. to give as a gift; to give a present. (३) સોંપવું सौंपना to hand over; to give under the charge of.

उवणेइ-ति. नाया० १; २; ३; ५; ८; ६; १२; १४; १६; १७; १८; जं० प० राय० २६०; सु० च० २; ३०८; पिं० नि० ६२३;

उवणिंति. सु० च० २, ३५३;

उवणेंति. नाया० १; ३; ५; ८; ६; उवा० ८, २४३;

उवणेमो. नाया० ८; दसा० १०, ३;

उवणेहि. नाया० २; १२; १६;
उवणेइ. नाया० १३; ८; १६;
उवणेहिंति. ओव० ४०;
उवणेत्ता. सं० कृ० सूय० २; ६: १;
उवणित्तए. हे० कृ० वव० १, २३;
उवणिज्जइ. क० वा० उत्त० १३, २६;

उवन्नासोवणग्र. पुं० (उपन्यासोपनय) વાદિને જિતવાને પ્રત્યુત્તર આપવો તે. वादी को जीतने के लिये प्रत्युत्तर देना. replying an adversary with a view to refute his argument. ठा० ४, ३,

उवप्पयाण. न० (उपप्रदान) રાજનીતિનો બીજો પ્રકાર; પહેલા પ્રકારથી દુશ્મન વશ ન થાય તો પછી કંઇક આપી લલચાવી તેને વશ કરવાની નીતિ. राजनीति के चार भेदों में से दूसरा भेद: पहले प्रकार से शत्रु के वश न होनेपर उसे कुछ लालच देकर वश करने की नीति. (In politics) the 2nd mode of bringing an enemy under subjection viz enticing him to submit by offering some gift. विवा० ३; नाया० १: राय० २०६;

उवबूह. पुं० (उपबृंह) સમાનધર્મિઓના સદ્ગુણની પ્રશંસા કરી તેમના મનને ઉત્સાહિત કરવા તે. समधर्मियोंके सद्गुणकी प्रशंसा करके उनके मनको उत्साहित करना. Encouraging; cheering up; cheering up comrades in a common profession by praising their virtues. पन्न० १; पंचा० १५, २४; प्रव० २६६;

उवबूहण. न० (उपबृंहण) નિભાવ; રક્ષણ; વૃદ્ધિ; પોષણ. निभाव; रक्षा; वृद्धि. Encouraging; nourishing; protecting. पंचा० २, २८; पण्ह० २, १; ५;

उवबूहणिय. त्रि० (उपबृंहणिक) વૃદ્ધિ-પુષ્ટિ કારક. पुष्टि करने वाला. Nourisher of the body. निसी० ६ ११;

उवबूहा. स्त्री० (उपबृंहा) ગુણિજનોના ગુણની પ્રશંસા કરવી; સમકિતના આઠ આચારમાંનો પાંચમો આચાર. गुणीजनों के गुणकी प्रशंसा करना: सम्यक्त्व के आठ आचारोंमेंसे पांचवा आचार. Praising, glorifying the merits of the meritorious; the 6th of the eight Āchāras of right belief or Samakita. उत्त० २८, ३१:

उवबूहिऊणं. अ० (उपबृंह्य) કુહુ કુહુ અવાજ કરીને. कुह कुह शब्द करके. Having made a noise resembling "Kuha, Kuha;" cooing. सु० च० १, १६३:

उवबूहिंत. त्रि० (उपबृंहत्) પ્રશંસા કરતો. प्रशंसा करता हुआ. Praising; applauding: गच्छा० ३४;

√ उव-भुंज. धा० I. (उप+भुज्) ખાવું. खाना. To eat; to dine.

उवभुंजइ. नाया० ७;
उवभुंजासि. सु० च० १, २१३:

उवभुत्त. त्रि० (उपभुक्त) ભોગવેલ. भोगा हुआ. Enjoyed. भत्त० ३६;

उवभोग. पुं० (उपभोग) ઉપભોગની વસ્તુ; જેનો વારંવાર ઉપભોગ થઇ શકે તેવા સ્ત્રી વસ્ત્ર ભૂષણ વગેરે. उपभोगकी वस्तु; जिस का वारंवार उपभोग हो सके ऐसी वस्तु-स्त्री वस्त्र, भूषण आदि. An object of enjoyment; an object of enjoyment which is not consumed by being used once, e. g. clothes, ornaments etc. कप्प० ३, ४४; प्रव० २८२; क० गं० १, ५२: पन्न० २३; उवा० १, २२; ५१; पंचा० १, २४;

—**अंतराय**. न० (-अन्तराय) અન્તરાય કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી વસ્ત્ર આભૂષણ વગેરેના ઉપભોગ થઇ શકે નહીં. अन्तराय कर्म की एक प्रकृति जिस के उदय से वस्त्र, आभूषण आदि का उपभोग नहीं हो सकता. A variety of Antarāya (i. e. obstructing) Karma by the rise of which a person cannot enjoy clothes, ornaments etc. उत्त० ३३, १५; सम० १७; भग० ८, ६; —**ट्ठ** न० (-अर्थ) વસ્ત્ર આદિના ઉપભોગ માટે. वस्त्र आदि के उपभोग के लिये. for the sake of the enjoyment of clothes etc. दस० ६, २, १३; —**परिभोगपरिमाण**. न० (-परिभोगपरिमाण) ગૃહસ્થોના સાતમા વ્રતનું નામ કે જેમાં એકવાર કે વારંવાર ભોગવાય તેવી વસ્તુઓનું પરિમાણ બાંધવામાં આવે છે. गृहस्थके सात वें व्रतका नाम जिसमें कि उपभोग्य-बारंवार भोग मे आनेवाली-वस्तुओं के परिमाण की प्रतिज्ञा की जाती है. the 7th vow of a householder in which a limit is fixed as to the possession of objects of enjoyment of both kinds, viz. those consumed by one use and those not so consumed. भग० ७, २; —**लध्धि** स्त्री० (लब्धि) ઉપભોગ-વસ્ત્રાદિકની પ્રાપ્તિ. उपभोग वस्त्र आदिकी प्राप्ति. acquisition of objects of enjoyment such as clothes etc. भग० ८, २;

उवभोगत्त. न० (उपभोगत्व) વસ્તુનો ઉપભોગ; ઉપયોગ. उपभोग; उपयोग. Use; enjoyment. सम० १०;

उवमा स्त्री० (उपमा) મુકાબલો; સરખામણી; ઉપમા. तुलना; उपमा. Comparison. "**अक्खहा परिसे सक्के उवमा न विज्जए**" उत्त० ७, १५; ३६, ६५; पन्न० २, ३०; ओव० विशे० ४७०; राय० २४६; आया० १, ५, ६, १७०; उवा० १, ६२; ३, १४४; क० गं० १, १६; पचा० १६,१०; (२) ધારણા; માન્યતા. धारणा; मान्यता. belief; supposition. उत्त० ४, ६;

उवमिअ-य. त्रि० (उपमित) ઉપમાયુક્ત. उपमा सहित (That which is) compared. ० जं० प० भग० १८, १; विशे० ६८५;

उवमिय. त्रि० (औपमिक—उपमयानिवृत्त मौपमिकं उपमामन्तरेण यत्कालप्रमाणमनतिशायिना ग्रहीतुं न शक्यते तदौपमिकम्) જેનું કાલપ્રમાણ ઉપમા વિના બીજાથી જાણી ન શકાય માત્ર ઉપમાથીજ જાણી શકાય તે; પલ્યોપમ; સાગરોપમ વગેરે. जिसका काल प्रमाण बिना उपमाके नहीं जाना जा सके वह; पल्योपम; सागरोपम आदि. (Anything) the measure of which can be understood or grasped only by a simile and not otherwise; e. g Palyopama; Sāgaropama etc. भग० ६, ७;

उवयरिय. त्रि० (उपचरित) ઉપચાર કરેલ. उपचार किया हुआ. Worshipped. विशे० २८३;

उवयार. पुं० (उपचार) પૂજાસામગ્રી. पूजासामग्री. Articles of worship. ओव० पन्न० २; सू० प० १०; राय० ६०; जीवा० ३, ३; नाया० १; ३; अणुजो० १३०; भग० ६, ३३; ११, ११; कप्प० ३, ३२; ४, ८८; पंचा० २, ३६; जं० प० ४; ६२; सु० च० १, ३७; (२) કારણમાં કાર્યનો અને કાર્યમાં કારણનો આરોપ.

आरोप-जैसे कि कारण में कार्य का और कार्य में कारण का आरोप. attributing the nature or properties of one thing to another; e. g. identification of cause with effect and vice versa. विशे० १६०; (३) સમૂહ; ઢગલો. समूह; ढेर. a group; a collection. सम० ३४; (४) એક વિષયથી બીજા વિષયનું ગ્રહણ કરવું. एक विषय से दूसरे विषय का ग्रहण करना. figurative or metaphorical use; secondary application. विशे० १२; (५) લોકવ્યવહાર. लोक व्यवहार. conventional practice. ओव० २०; राय० २६१; ओघ० नि० ७४०;

उवयार. पुं० (उपकार) ઉપકાર; મદદ; ભેટ. उपकार; भेंट; सहायता. Obligation; help; a gift; a present. सु० च० १, १९; ओघ० नि० ८८३; पिं० नि० २५१; भत्त० ११८;

उवयारि. त्रि० (उपकारिन्) ઉપકાર કરનાર उपकार करने वाला. Obliging, helpful; kind. विशे० २३४८; सु० च० १०, ५५;

उवयारिअ. पुं० (औपचारिक-उपचारो लोकव्यवहारः पूजा वा प्रयोजनमस्येति) ઔપચારિક વિનય; વિનયનો એક પ્રકાર औपचारिक विनय; विनय का एक प्रकार. A way of showing respect; observing proper forms of respect. पंचा० ६, ३७;

उवयारियलयण. पुं० (उपकारिकलयन) સૂર્યાભના વનખણ્ડમાંના મધ્ય ભાગનું એક ઘર-ભવન કે જે એક લાખ જોજનનું લાંબું પહોળું છે. सूर्याभ के वनखंड के मध्य भाग स्थित एक भवन जो कि एक लाख योजन लंबा चौड़ा है. Name of a mansion in the centre of the Vanakhaṇḍa (forest-region) of Sūryābha, which is one lac of Yojanas in length and breadth. जं० प० ४, ८८;

उवयालि. पुं० (उपजालि) અંતગડ સૂત્રના ચોથા વર્ગના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ. अंतगड सूत्र के चौथे वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. Name of the third chapter of the fourth section of Antagaḍa Sūtra. (२) વસુદેવરાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે દીક્ષા લઇ બાર અંગનો અભ્યાસ કરી સોળ વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી શત્રુંજય ઉપર એક માસનો સંથારો કરી પરમ પદ પામ્યા. वसुदेव राजा की धारणी नामक रानी का पुत्र जिसने कि नेमिनाथ प्रभु से दीक्षा ली थी और बारह अंग का अभ्यास किया था तथा सोलह वर्ष तक तप कर अंत में शत्रुंजय पर एक मास का संथरा किया और मोक्ष पाया. name of a son of Dhāraṇī the qneeen of king Vasudeva. He took Dīkṣā from Lord Neminātha, studied 12 Aṅgas, practised asceticism for 16 years and after a month's Santhārā (giving up food and water) on Śatruñjaya got final emancipation. अंत० ४, ३; (३) અણુત્તરોવવાઇના પ્રથમ વર્ગના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ. अणुत्तरोववाइ के प्रथम वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. name of the third chapter of the first section of Aṇuttarovavāī. (४) શ્રેણિક રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે દીક્ષા લઇ ગુણરયણ તપ કરી સોળ વરસની

પ્રવ્રજ્યા પાળી વિપુલ પર્વત ઉપર એક માસનો સંથારો કરી જયંત નામના અનુત્તર વિમાનમાં ૩૨ સાગર ને આઉખે ઉત્પન્ન થયા, ત્યાંથી એક અવતાર કરી મોક્ષે જશે. श्रेणिक राजा की धारणी रानी के पुत्र का नाम जिस ने कि दीक्षा ग्रहण कर गुणरयण नामक तप किया और सोलह वर्ष तक प्रव्रज्या का पालन कर विपुल पर्वत पर अंत में एक मास का संथारा करके जयंत नामक अनुत्तर विमान में ३२ सागर का आयुष्य प्राप्त कर उत्पन्न हुआ, वहां एक अवतार करके मोक्ष जायंगे. name of a son of Dhāraṇī queen of king Śreṇika. He took Dīkṣā, practised the Guṇarayaṇa austerity, observed asceticism for 16 years and after a month's Santhārā (giving up food and water) on Vipula mount, was born in the celestial abode named Jayanta with a life of 32 Sāgars. After one more birth he will get salvation. अणुत्त० १, ३;

उवयोग. पुं० (उपयोग) પોતાના વિષયને જાણવાને તે તરફ લક્ષ આપવું તે; શબ્દાદિ વિષય તરફ ઇંદ્રિયની પ્રવૃત્તિ વ્યાપાર. अपने विषयको समझनेके लिये उस तरफ लक्ष देना; शब्दादि विषयों की ओर इन्द्रियों का झुकाव-व्यापार. Operation of the senses in cognising their objects; e. g. of the ear in relation to sound; straining of the senses towards their objects. विशे० २०६८; (२) પાંચ જ્ઞાન ત્રણ અજ્ઞાન અને ચાર દર્શન એ બારમાંનું ગમે તે એક. पांच ज्ञान, तीन अज्ञान तथा चार दर्शन इन में से कोई भी एक. any one of the group of the twelve, viz. 5 kinds of knowledge (Jñāna), 3 kinds of ignorance (Ajñāna) and 4 kinds of belief (Darśana) उत्त० २८, १०; विशे० ३१०६; –ट्टया. स्त्री० (-अर्थता) ઉપયોગપણું; ઉપયોગની અપેક્ષા. उपयोग लगाने की अपेक्षा; उपयोग पन; उपयोगिता. state of being Upayoga; desire for Upayoga. (q. v.) भग० ८, ५;

√ **उव-रम.** धा० I. (उप+रम्) નિવર્તવું; અટકવું. दूर होना; रुकना. To cease; to stop; to desist from.

उवरमइ. भग० १, ८; नाया० १८;

उवरम. पुं० (उपरम—उपरमणमुपरमः) અભાવ; નિવૃત્તિ. अभाव; निवृत्ति. Absence; cessation; desisting from. विशे० ६२;

उवरय. त्रि० (उपरत) પાપથી નિવૃત્તિ પામેલ. पाप से हटा हुआ; छुटकारा पाया हुआ. (One) who has desisted from sin. आया० १, ३, ४, १२१; १, ४, १, १२६; दस० ८, १२; उत्त० ६, ७; नाया०१; ६; भग०८, १०; सूय०२, १, ५६; वव० ३, १३; कप्प० ४, ६२; क०गं०६, १०; (२) વૈરભાવ વિનાનો. वैरभाव रहित. free from feelings of hostility. "न हणेपाणिणोपाणे, भयवेराउउवरए" उत्त० ६, ७; आया० १, ३, १, १०८;

उवराग. पुं० (उपराग) ગ્રહણ. ग्रहण; खग्रास. An eclipse. जीवा० ३, ३;

उवरि. अ० (उपरि) ઉપર; ઉંચે. ऊपर; ऊंचा; ऊर्ध्व भाग में. Above; upon; upwards. "मंदरचूलियाणं उवरि चत्तारि जोयणाइं" ठा० ४; उत्त० ३६, ५७;

विशे० ४३०; नाया० १; २; ५; ८; ६; जं० प०१, ३; भग० २, ८, ६, ७; १४, ६; १६, ६; पिं० नि० भा० ३०; क० गं० १, ५०; क० प० ५, ५४;

उवरिं. अ० (उपरि) ઉપર. ऊपर. Upon; above; over. क० प० १, ६७; जं० प० ५, ११६;

उवरिचर. त्रि० (उपरिचर) આકાશમાં અધર રહેનાર. ऊपर आकाश में-अंतराल में रहने वाला. Remaining, situated up in the sky; high in the sky. जीवा० ३, १;

उवरितल. त्रि० (उपरितल) ઉપરનું તળીયું ऊपर का सपाट भाग. The above plat surface. भग०१,६; जं०४, ८६;

उवरिपुंछुणी. स्त्री० (उपरिपुञ्छिनी) સાદડીની છત ઉપર ઝીણા તરણાનું મજબુત આચ્છાદન. चटाई की छत पर बारीक घास का पक्का आच्छादन. A strong covering (made of straws) upon a mattress ceiling. राय० १०८;

उवरिम. त्रि० (उपरिम) ઉપરનું; ઉપલું. ऊपर का; ऊंचा. Situated, remaining above or upwards. निसी० १६, १७; भग० १, ५; ८, १०; ९, ३२; १२, १०; नंदी० १८; पन्न० १; उत्त० ३६, ६१; ठा० १, १; पिं० नि० १५०; प्रव० ६, ६; —**गेवेज्जग.** पुं० (-ग्रैवेयक) ગ્રૈવેયકના નવ વિમાનમાંના ઉપરના ત્રણ વિમાન. ग्रैवेयक के नौ विमानों में से ऊपर के तीन विमान. the three topmost of the nine Graiveyaka heavenly abodes. (२) ઉપરની ત્રિકના દેવતા. ऊपर की त्रिक के देवता. a deity of any of the three above mentioned heavenly abodes. भग० १८, ७; —**गेवेज्जगकप्पातीय.** न० (-ग्रैवेयक कल्पातीत) ઉપરના ગ્રૈવેયકના કલ્પાતીત દેવતા. ऊपर के ग्रैवेयक के कल्पातीत देवता. a Kalpātīta deity of the upper Graiveyaka heavenly abode. भग० ८, १; —**गेवेज्जय.** पुं० (ग्रैवेयक) જુઓ "उवरियगेवेज्जग" શબ્દ. देखो "उवरियगेवेज्जग" शब्द. vide "उवरियगेवेज्जग" भग० १, २; —**तल.** पुं० (-तल) ઉપરનું ભોંય-તળીયું. ऊपर का छत; ऊपरकी फर्श. the upper floor. "जंबुद्दीवप्पमाणा उवरियतलेणं" भग० २, ८;

उवरिमग. त्रि० (उपरिमक-उपरिमा एवोपरिमकाः) ઉપર ઉપર રહેનાર. ऊपरही ऊपर रहनेवाला. Situated one upon another; remaining one above another. विशे० ६६८;

उवरिमय. त्रि० (उपरिमक) જુઓ "उपरिमग" શબ્દ. देखो "उपरिमग" शब्द. Vide "उपरिमग" विशे० ७७;

उवरिमा. स्त्री० (उपरिमा) નવગ્રૈવેયકની ત્રણ ત્રિકમાંની ઉપરની ત્રિક-ત્રણ વિમાન. नवग्रैवेयक की तीन त्रिकों में से सबसे ऊपरकी त्रिक-तीन विमान. The topmost three of the 9 Graiveyaka heavenly abodes. उत्त० ३६, २१२; —**उवरिम.** पुं० (-उपरिम) ઉપલિ ત્રિકમાં ઉપર-નવમાં ગ્રૈવેયકમાં રહેનાર દેવતા. ऊपर की त्रिक में ऊपरके देवता-नवें ग्रैवेयक के. (the deities) of the ninth and topmost Graiveyaka heavenly abode. उत्त० ३६, २१३; —**मज्झिम.** पुं० (-मध्यम) ઉપલી ત્રિકમાં મધ્યમ-આઠમા ગ્રૈવેયકના દેવતા. ऊपर की त्रिक में मध्यम - आठवें ग्रैवेयक के देवता. (the deities) of

the eighth (middle of the topmost three) Graiveyaka heavenly abode. उत्त० ३६, २१२; —हिट्ठिम. पुं० (*) ઉપલી ત્રિકમાં અધસ્તન-સાતમાં ગ્રૈવેયકના દેવતા. ऊपर की त्रिक में नीचे के देव—सातवें ग्रैवेयक के देवता. (the deities) of the 7 th (the lowest of the topmost three) Graiveyaka heavenly abode. उत्त० ३६, २१२;

उवरिल्ल. त्रि० (उपरितन) ઉપરનું; ઉપલું. ऊपरका. Situatad above; upward; upper. " उवरिल्ले तारारूवे चारं चरन्ति " ठा० ६; विशे० ६६७; पन्न० २, १६; अणुजो० १३५; सम० ६; नाया० ८; जीवा० ३, १; पिं० नि० १५०; भग० १, ६; २, ८; १०; ३, १; ६, ३; ५; ६; १५, १; १६, ८; २२, १; २५, ७; ३०, १; जंप० २, ३३; ७, १६४;

उवरिसिज्जमाण. त्रि० (उद्वृष्यमान) વરસાદથી ભિંજાતું. बरसात से भीगता हुआ. Getting wet with rain. निसी० २, ५२;

उवरुद्द. न० (उपरौद्र) નારકીના અંગોપાંગ તોડી દુઃખ દે તે ઉપરૌદ્ર; પરમાધામીની છઠ્ઠી જાત. नारकीयों के अंगोपांग छेदकर दुःख देने वाले उपरौद्र देव; परमाधामी देवताओं की छुट्टी जात. The 6th class of Paramādhāmis (deities) who tear off the limbs and sub-limbs of hell-beings and torture them. भग० ३, ७;

उवरुवरि. अ० (उपर्युपरि) એક બીજાની ઉપર. एक दूसरे के ऊपर. One upon another; one above another. " उवरुवरितरंगदारिय अतिवेगवककुस परमोच्छरंत " पराह० १, ३; निसी० १८, १८;

उवरोह. पुं० (उपरोध) દુઃખ; બાધા. दुःख; तकलीफ. Pain; trouble. (२) આગ્રહ. आग्रह. restraint. सु० च० २, ४८२; (३) અડકાવ; રોકાણ. अटकाव; रोक. obstruction; impediment. पराह० २, २;—कारक. त्रि० (-कारक) ઉપરોધ કરનાર; અટકાવનાર. रोकनेवाला; बाधा पहुंचानेवाला. impeding; obstructing; troubling. पराह० २, २;

उवल. पुं० (उपल) પત્થર; પાણો. पत्थर. A stone. सु० च० १२, ५६; पिं० नि० भा० ७; उत्त० ३६, ७३; भग० ५, २; विशे० ५४४; पन्न० १;

उवलंभ. पुं० (उपलम्भ) ઇંદ્રિયજ્ઞાન; સાક્ષાત્કાર. इंद्रिय ज्ञान; साक्षात्कार. Direct pereeption (by the senses). पंचा० ३, २३; ६, १०; १३, ३८; विशे० ३५; १८६३; (२) સમૂહ. समूह. a group; a collection. सु० च० २, ८१;

उवलंभणा. स्त्री० (* उपलम्भना) ઠપકાનું વચન; ઉલંભો. उपालंभ; ओलम्भा. Words of rebuke or reproach. नाया० १८;

उवलंभमाण. पुं० (उपलंभमान) ઠપકો દેતો. उपालंभ देता हुआ. Rebuking; reproaching. नाया० १८;

उवलक्खण. न० (उपलक्षण) પરિજ્ઞાન-ઇંધાણ; મુખ્ય વસ્તુનું જ્ઞાન થવાથી ગૌણવસ્તુનું જ્ઞાન જેથી થાય તે. वह ज्ञान जिससे मुख्य वस्तु का ज्ञान होने से गौण वस्तु का ज्ञान होजाय. A mark; a characteristic or distinctive feature, implying something that has not been

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

actually expressed. सु० च० ३, १८६; विशे० ६३२;

उवलद्ध. त्रि० (उपलब्ध) જાણવામાં આવેલ;પ્રાપ્ત થએલ. समझा हुआ; प्राप्त. Known; understood; gained; obtained. "**अहयं सहोइ उवलद्धो, तोपेसंति तहाभूएहिं अत्ता उच्छेदपेहेहिं**" सूय० १, ४, २, ४; प्रव० ६७०; नाया० १२; १६; भग० २, ५; ६, ३३; विशे० ६२; —**पुव्व**. न० (-पूर्व) પહેલેથીજ પ્રાપ્ત થએલ. पहिले से ही मिला हुआ. gained; obtained before-hand. नाया० १४;

उवलद्धार. स्त्री० (उपलब्धृ) વસ્તુનો સાક્ષાત્કાર કરનાર; વસ્તુને જાણનાર. वस्तु को देखने वाला; वस्तु को जानने वाला. One who knows or perceives an object; direct perceiver of an object. "**उपलब्धा वस्तूनां बोधा**" विशे० ९२; १८६३;

उवलद्धि. स्त्री० (उपलब्धि) જ્ઞાન; સાક્ષાત્કાર; ज्ञान; साक्षात्कार. Knowledge; perception; observation. विशे० ६१; —**सम**. त्रि० (-सम) સાક્ષાત્કાર જેવું. साक्षात्कार सरीखा. similar to or equal to direct perception विशे० १२८;

√**उव-लभ**. धा० I. (उप + लभ्) પ્રાપ્ત કરવું; મેળવવું. प्राप्त करना; मिलाना. To get; to obtain; to acquire.

उवलब्भइ. क० वा० अणुजो० १२८;

उवलब्भे त्रि० दसा० ६, १;

उवलब्भंते. नाया० १२;

उवलालिय. न० (उपलालित) એક જાતની કામ ચેષ્ટા. एक तरह की काम-चेष्टा. A kind of amorous gesture in a woman; a kind of voluptuous gesture. नाया० ६;

उवलालिज्जमाण. त्रि० (उपलाल्यमान) કામક્રીડા કરતો; મરજીાનુસાર લીલા કરતો. कामचेष्टा करता हुआ; इच्छानुसार क्रीडा करता हुआ. Sporting at will; doing amorous sport. "**उवमाइज्जमाणे उवलालिज्जमाणे**" राय० २८८; जं० प० ३, ६७; नाया० १; भग० ६, ३३; राय० २७५;

√**उव-लिप**. धा० I. (उप+लिप्) હાથ ફેરવવો; ચાટવું; લાડલડાવવો. हाथ फेरना; चाटना; लाड लड़ाना. To pat with the hand; to lick; to fondle and endear.

उवलिंपए. गच्छा० १६;

उवलिंप्पइ. क० वा० उत्त० २५, २६; ओव० ६०;

उवलित्त. त्रि० (उपलिप्त) છાણવડે લિપેલ. गोबर से लिपा हुआ. Bedaubed or smeared with cowdung; cow-dunged. दसा० १०, १; नाया० १; ३; १६; जीवा० ३, ४; कप्प० ४, ५८; ५, ६६; (२) કર્મથી લિપ્ત થએલ. कर्मों से लिपटा हुआ. smeared with Karma. सूय० २, ६, ६;

उवलेव. पुं० (उपलेप) કર્મનો લેપ. कर्मका लेप. Assemblage, gathering together of Karma. उत्त० २१,२२;२५,३६;

उवलेवण. न० (उपलेपन) છાણ વગેરેથી લિપવું તે. गोबर आदि से पोतना; विलेपन. Besmearing or anointing with cowdung etc. "**उपलेवण सम्मज्जणं करेइ**" भग० ११, ६; अणुजो० २०; निर० ३, ३; राय० २७७;

उव-लिय. धा० I. (उप+ली) નિવાસ કરવો ठहरना. To reside; to have an abode.

(२) वर्षा ऋतु पसार करवी. चातुर्मास व्यतीत करना. to spend the rainy season; to stay till the expiry of the rainy season.

उवब्धिइज्जा. आया० २. ३, १, १११;

उववज्झ. त्रि० (औपवाह्य—उपवाह्यानां राजा दिवल्लभानामेते कर्मकरा इत्यौपवाह्याः) सेनापति, प्रधान, राजा, वगेरेने बेसवायोग्य. सेनाध्यक्ष, प्रधान, राजा इत्यादि के बैठने योग्य. Worthy of being mounted by (e. g. a seat etc.) by a king, a minister, a general etc. दस० ६, २, ५;

उववण. न० (उपवन) नानुं वन; वननी पासेनुं वन. लघु वन; जंगलके पासका जंगल. A small forest; a garden; a park. नाया० १; पंचा० ७, १७;

उववराण. त्रि० (उपपन्न—उत्पन्न) उत्पन्न थयेल; पेदा थयेल. उत्पन्न हुआ; पैदा हुआ. Born; produced. "उववरणा माणुसम्मि लोगम्मि" उत्त० ६, १; "दोच्चे पुढवीए नारगा उववन्ना" निसी० च० ११; नाया० १; २; ८; ६; १४; १६; भग० २, १; ३; ३, २; ७, ६; ७; ६; ६, ३३; ११, १; १२, ७; १८, ५; २४, १; २०; जीवा० ३, १; उत्त० ६, १;१३, १; पंचा० ४, ४६; —पुव्व. पुं० (-पूर्व) अगाउ जन्मेल. पहिले पैदा हुआ. one born before or previously भग० ६, ५; २१, १; ३४, १;

उववराणग. पुं० (उपपन्नक) उत्पन्न थनार; पेदा थयेल. उत्पन्न होनेवाला, पैदा होनेवाला. One who is born; one that takes birth. भग० ५, ४; ८, १; २५, १;

√**उववत्त.** धा० I. (उप+वृत) निकळवुं; नरकादि भव पुरोकरी बहार आववुं. निकलना; नरकादि भव पूर्ण कर बाहर आना. To come out; to emerge; to come out after finishing one's life in hell etc.

उववहइ. पन्न० १७;

उववत्तार. त्रि० (*उपपत्तृ) उत्पन्न थनार. उत्पन्न होनेवाला. (One) who is to born; (one) who takes birth. "देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति" ओव० ३४; दसा० १०, ३; भग० १, १; २, ५; ७, ६; ८, ५; ६, ३३; २०, ८;

उववत्ति. स्त्री० (उपपत्ति) उत्पत्ति; उपजवुं ते. पैदायश; उत्पत्ति. Birth; creation; production; being produced. उत्त० २६, १४; ३४, ५८; नंदी० ५३; भग० ४०, १;

उववत्तिमत्त. न० (उपपत्तिमात्र) कारणकार्यनी घटनामात्र. कारण कार्य की घटना मात्र. A mere fitting association established between cause and effect. विशे० १०७७;

उववन्न. त्रि० (उपपन्न) जुओ "उववराण" शब्द. देखो "उववराण" शब्द. Vide "उववराण" प्रव० ११०७;

उववाअ-य. पुं० (उपपात) उत्पन्न थवुं; उत्पत्ति. उत्पन्न होना; उत्पत्ति. Birth; creation; production; being born or produced. "आणेववाय वयणाणिद्दे सेचिट्ठंति" भग० ३, ३; "एगे उववाए" ठा० १०; भग० १, १०; २, ७; ७, ५; ८, ८; ११, १; १२, ८; १४, १;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

१६, ३; ६; २४, १२; २०; २५, ४,; ३४, १; ४१, १; राय० २१३; ओव० ३८; नाया० ध० ३; ४; पन्न० २; जं० प० ४, ६०; जीवा० १; उवा० ६, २७१; प्रव० ४२; पंचा० १४, ४८; (२) ઉત્પત્તિ-દેવતા અને નારકીનો જન્મ થાય તે. उत्पत्ति-देवता और नारकी का जन्म-पैदा होना. birth of heavenly and infernal beings. प्रव० ११०६; आया० १, ३, २, ११४, १, ७, ३; २०७; सू० प० १; ठा० १, १; (३) વિજય દેવતાની સભાનું નામ. विजय देवता की सभा का नाम. name of the council of the Vijaya gods. जीवा० १. (४) ભગવતી સૂત્રના એકત્રિશમાં શતકનું નામ. भगवती सूत्र के एकतीसवें शतक का नाम. name of the 31st Śataka of Bhagavatī Sūtra. भग० ३२, २; (५) ઉપાય; કારણ. उपाय-कारण. a means; an expedient. भग० ३, ७; वव० ४, १८; (६) સેવા; ભક્તિ. सेवा; भक्ति. service; reverent attendance upon. नाया० १; भग० ३, १; (७) સમીપે-નજીકમાં સ્થિતિ કરવી; પાસે બેસવું. पास-नजदीक में स्थित होना; पास बैठना. sitting near; remaining in the vicinity of. क० प० १, ७८; उत्त० १, २; **—कारि.** त्रि० (-कारिन्) આચાર્યાદિની પાસે નિવાસ કરી તેમનો આદેશ ઉઠાવનાર. आचार्यादि के पास रहकर उनकी आज्ञा सिरोधार्य करने वाला. (one) who remains or stays with a preceptor and carries out his orders. "उववाय कारीय हरीमणेय" सूय० १, १३, ६; **—कारिया.** स्त्री० (-कारिका) ચરણ સેવનારી દાસી. चरण सेविका-दासी. an attendant female servant. नाया० १; **—गइ.** स्त्री० (-गति) જીવ અથવા પુદ્ગલને એક ભવ છોડીને બીજો ભવ ગ્રહણ કરવો કે એક સ્થાનેથી બીજે સ્થાને જવું તે. जीव या पुद्गल का भव त्याग कर दूसरे भव मे जाना या एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना. passing from one birth or place to another on the part of a soul or a molecule of matter. भग० ८, ७; पन्न० १६; **—सभा.** स्त्री० (-सभा) દેવતાને ઉપજવાની સભા. देवताओं के उत्पन्न होनेकी सभा. A place of birth for heavenly beings. भग० ३, १; १६, ५; ६; राय० १६७; नाया० ध० निर० ३, ४; नाया० १३; ठा० ५, ३;

उववाइअ-य. त्रि० (औपपातिक) એક ભવમાંથી બીજા ભવમાં જનાર; એક શરીર છોડી બીજું શરીર ગ્રહણ કરનાર. एक भव से दूसरे भव में जानेवाला; एक शरीर त्याग दूसरा शरीर प्राप्त करने वाला. Passing from one birth into another; passing from one body into another. दस० ४; उत्त० ५, १३; भग० १७, ६; ७; आया० १, १, १, ३; सूय० १, १, १, ११; प्रव० १२५०; (२) દેવતા અને નારકી જે સેજ્જા અને કુંભીમાં ઉપજે છે. देवता और नारकी जो कि शय्या व कुंभी में उत्पन्न होते हैं. (heavenly and hell-beings) who are born in Sejjā and Kumbhī. आया० १, १, ६, ४८; (३) ઓગણત્રીશ ઉત્કાલિક સૂત્રમાંનું પાંચમું; ઉવવાઈ (ઔપપાતિક) નામે પ્રથમ ઉપાંગ સૂત્ર. उन्तीस उत्कालिक सूत्रोंमें से पांचवाँ सूत्र; उववाइ (औपपातिक) नामका प्रथम उपांग सूत्र. the 5th of the 29 Utkālika

Sūtras: the first Upānga Sūtra so named. नंदी० ४३; भग० ७, ६; १५, १; २४, ७: —गम. न० (—गम) ઔપપાતિક સૂત્રમાં દર્શાવેલું છે તે પ્રમાણે. उववाइ सूत्र में दिखाये अनुसार. in accordance with what is pointed out or explained in Aupapātika Sūtra. दसा० १०, १;

उववातियव्व. पुं० (उत्पादयितव्य) ઉત્પન્ન થવાને યોગ્ય. उत्पन्न होने लायक. One fit to take birth; one fit to be born or produced. भग० १२, ६; १८, ५; २०, ६; २४, २०; ३१, १; ३४, १;

उववायव्व. पुं० (उपपादयितव्य) ઉત્પન્ન થવા યોગ્ય. उत्पन्न होने योग्य. One fit to be born or produced. भग० १७, ६;

उववास. पुं० (उपवास–उपेति सह उपावृत्त दोषस्य सतो गुणैराहारपरिहारादिरूपैर्वासम उपवासः) આખા એક દિવસ અન્ન પાણીનો વિધિપૂર્વક ત્યાગ કરવો. पूरा एक दिन अन्नजल का विधिपूर्वक त्याग करना. A fast; giving up food and water according to prescribed rules for 24 hours between one sunrise and the next. राय० २२६; नंदी० ४१; ठा० ३, १; पन्न० २०; उवा० १, ५८; २, ६५;

√ **उव विस.** धा० I. (उप+विश) બેસવું. बैठना. To sit.

उवविसामि. राय० २४ :

उववीयमाण. त्र० (उपवीजमान) ચમરીથી પવન નાખતો. चंवरों से पवन उड़ाता हुआ. Fanning with a chowri. नाया० १६;

उववेअ–य. त्रि० (उपेत) યુક્ત; સહિત. युक्त; सहित Accompanied with; possessed of. ओव० पन्न० १७; नाया० १; ५; ८; १२; नंदी० ४३; भग० २, १; ६, ३३; उवा० ७, २०६; कप्प० १, ८; जं० प० २, २२;

उव-सं-कम. धा० II. (उप+सम्+क्रम्) પાસે જવું; સમીપ જવું. समीप जाना; पास जाना. To go to; to approach.

उवसंकमंति. ठा० ३, २;

उवसंकमेज्जा. सूय० २, १, १५;

उवसंकमित्तु. सं० कृ० आया० १, ७, २, २०२; २, ३, ३, १३१;

उवसंकमित्ता. नाया० २; ठा० ३, २; जं० प० ७, १३४; ७, १३१;

उवसंकमंत. सं० कृ० दस० ४, २, १०;

उवसंकममाण. जं० प० ७, १३२;

उवसंघिअ. त्रि० (उपसंहृत) સ્વીકાર કરેલ. स्वीकृत. Accepted; adopted. विशे० १०११;

उवसंत. पुं० (उपशान्त) શાંત વૃત્તિવાળો; ઉપશમ ભાવ વાળો; જેના કષાયાદિક ઉપશમ્યા હોય તે. शांत प्रकृति वाला; उपशांत भाव वाला; जिस के कषायादिक शांत हो वह. One whose passions (e. g. anger etc) have subsided; calm; peaceful पन्न० १; १४; वव० ३, १३; भग० १, ४, ६; ८; ५, ४; १५, १; १८, १०; २७, ०; दस० ६, ६७; १०, १. १० जं० प० सु० च० २, २०३; राय० २७; नाया० १; ५; उत्त० ६, १; २, १५; ठा० २, १; अणुजो० १२७; ओव० ३८; आया० १, ३, २, ११९; १, ६, ३, १८६; सम० १४. प्रव० १२५; १३१३; क० प० ४, ७०; ५, २७; (२) આકુલતા રહિત. घबराहट रहित. one free from distraction of mind. ओघ० नि० ५१५; (३) ક્ષમાવાન. क्षमावंत. one possessed of forgiveness जीवा० ३, ३;

(४) सौंदर्य निरीक्षणु वगेरे विकारथी निवृत्ति पामेल. सौंदर्य देखने आदि विकार से निवृति पाया हुआ; सौंदर्यादि देखने में मन का भाव हटाया हुआ. one not excited by seeing beautiful objects etc. अणुजो० १३०; (५) उदयमां आवेल नहिं; दबायेल. उदय न आये हों; दबे. not come to rise; dormant. (६) जम्बुद्वीपमां ऐरवत क्षेत्रना चालु अवसर्पिणीना पन्दरमा तीर्थंकर. जम्बूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र की वर्तमान अवसर्पिणी के पन्द्रहवें तीर्थंकर. name of the 15th Tirthankara of the current Avasarpiṇī of the Airavata region of Jambūdvīpa. सम० प० २४०; —अहिगरण. न० (-अधिकरण) उपशांत उपशमी गयेल क्लेश. शान्त हुआ क्लेश. trouble that has subsided. प्रव० —कसाइ. पुं० (कषायिन्) जेना क्रोध कषाय वगेरे नाश पाम्या छे ते. जिस के क्रोधादि कषाय शांत हो. one whose moral impurities (e. g. anger, greed etc.) have subsided or have been destroyed. भग० ६, ३१; २५, ६; —कसायवीयराग. पुं० (-कषायवीतराग) जेना कषाय शान्त थया छे ते; ११मा गुणस्थानवर्ती. जिन के राग द्वेष शांत हो गए हों वे; ११ वें गुणस्थानवर्ति. one whose passion and hatred have been completely assuaged; one in the 11th spiritual stage. भग०२५, ६; —गुण. न० (-गुण) उपशांत मोहगुण नामे ११मुं स्थानक. उपशांत मोहगुण नामक ११वां स्थानक. the 11th Sthānaka named Upaśāntamohaguṇa. क० गं० २, १६; —जीवि. पुं० (-जीविन्) कषायादि दबावनार. कषायादि को दबाने वाला. one who subdues his evil passions like anger, greed etc. पण्ह० २, १; सम० ६, ३३; —द्धा. स्त्री० (-अद्धा) उपशांत मोह नामना ११ मा गुणस्थानकनो काल. उपशांत मोह नामके ११ वें गुणस्थानक का समय. the time of the 11th Guṇasthānaka named Upśāntamohaguṇa. क० प० ५, ४६; —वेदय. पुं० (-वेदक) जेनो वेद-कामविकार शान्त पाम्यो छे ते. जिस का वेद काम विकार शांत हो गया हो. one whose lust i. e. sexual passion has been subdued or calmed. भग० ६, ३१; २५, ६;

उव सं पज्ज. धा० II. (उप+सम्+पद्) आश्रय करवो; स्वीकार करवो. स्वीकार करना; ग्रहण करना. To resort to; to accept; to get.

उवसंपज्जइ. भग० २५, ६; ७;

उवसंपज्जामि. ठा० ४, २;

उवसंपज्जे. वि० सूय० १. ८, १३;

उवसंपज्जित्ता. सं० कृ० भग० १, ६; २, १; ३, २; ५, ६; ६, ३३; १०; २; ११, ६; १३, ६; १५, १; १८, १०; २५, ७; ८; नाया० १; ५; ८; १२; १३; १४; १६; १८; जं० प० ७, १४१, वव० १, २६; ४, ११; १२; नाया० ध० वेय० ४, १५; राय० २२३, ओव० १६, उवा० १, ६६, ६६;

उवसंपज्जमाण. पन्न० १६;

उवसंपज्जण. न० (उपसंपादन) पदवीनो स्वीकार. पदवी का स्वीकार. Acceptance of a degree or title. वव० ५, ११;—(ण)अरिह. त्रि० (-अर्ह) पदवी

आपवा योग्य. पदवी देने योग्य. deserving to be invested with a degree or title. वव० ४, ११; १२:५, ११;

उवसंपज्जणावत्त. न० (उपसंपदावर्त्त) उपसंपज्जणुसेणिआ परिकर्मनो चउदमो भेद. उपसम्पादन श्रेणि परिकर्म का चौदहवां भेद. The 14th division of Upasampajanaseniā Parikarma. नंदी० ५६;

उवसंपज्जसेणिया. स्त्री० (उपसंपादनश्रेणिका) उपसंपादन श्रेणी नामना दृष्टिवादांतर्गत परिकर्मनो एक विभाग. उपसम्पादक श्रेणिगण के दृष्टिवादान्तर्गत परिकर्म का एक विभाग. Name of a section of the Parikarma forming a portion of Dristivada. सम० १२;—परिकम्म. पु० (परिकर्मन्) दृष्टिवादना परिकर्मनो चोथो भेद. दृष्टिवाद के परिकर्म का चौथा भेद. the fourth division of the Parikarma of Dristivada. नंदी० ५६;

उवसंपज्जियव्व. पुं० (उपसंपादयितव्य) पदवी देवी. पदवी देना. Investing with a degree or a title. वव० ४,११;१२;

उवसंपन्न. त्रि० (उपसंपन्न) उद्यत थयेल. प्रस्तुत; तैयार. Ready, prepared (to do some action). "उवसंपन्नो जंकारणंतु तं कारणं अपूरिंतो" ध० गं० ३; सूय० २, ७, ६;

उवसंपया. स्त्री० (उपसम्पद्) ज्ञानादि संपत्ति माटे आचार्यादिकनी निश्रा स्वीकारवी ते; हुं तमारोज छुं एवीरीते स्वीकार करवो ते; समाचारीनो दशमो या छेल्लो प्रकार. ज्ञानादि सम्पत्ति में आचार्यादि की नेश्राय स्वीकार करना; मैं आपकाही हूं ऐसा स्वीकार करना; समाचारी का दशवां या अंतिम भेद. The 10th and last mode of Samāchārī; submitting oneself wholly to a preceptor etc in order to acquire knowledge etc. "अत्थणे उवसंपया" उत्त० २६, ४; ठा० ३, ३; भग० २५, ७; प्रव० ७७५;

उवसंहार. (उपसंहार) समेटीलेवुं. एकत्रित करना. Summing up. (२) रोकवुं; निरोध करवो. निरोध करना; लौटा लेना. winding up; withdrawing; withholding. सम० ३२;

उवसग्ग. पुं० (उपसर्ग- उपसृज्यन्ते धातु समीपे युज्यन्ते इति उपसर्गाः) प्र, परि, प्रति, नि, आ, सम, इत्यादि धातुनी आदिमा रहेनार शब्द समूह. प्र, परि, उप, प्रति, नि, आ, सम, इत्यादि धातु के आदि मे रहनेवाला शब्द समूह. a preposition prefixed to roots; e. g प्र, परि, उप, etc. पण्ह० २, २; (२) उपद्रवः कष्टः परिषह. उपद्रव, कष्ट; परिषह. trouble; affliction annoyance. ओघ० नि० भा० २६३; राय० २२८; नाया० १; ८; ६; जं० प० उत्त० २, २१; ३१, ५; नंदी० ५; अंत० ६, ३; दसा० १, १; वव० १०, १; सत्त० ८; ४४; प्रव० ५८८. (३) देवताओए करेल उपद्रव. देवताओं का किया हुआ उपद्रव. disturbance or trouble caused by gods. भग० १, ६; २, १; पिं० नि० ६३६; राय० २६५; सम० ७; ओव० ३६; आया० १, ८, ७, २२; उवा० २, ११८; ३, १४१; ४, १५३; (४) तीर्थंकर विचरे त्यां सवासो जोजनमां मार मरकी न होय छतां महावीर स्वामिना समवसरणमां गोशालाए बे साधुओना उपर तेजुलेश्या मूकी उपसर्ग आप्यो ते; दश अछेरामांनुं पहेलुं अछेरुं. तीर्थंकर विच-

रते हैं वहां सवा सौ योजन में रोग चाला नहीं होता और महावीर स्वामी के समवरण में गोशाला ने दो साधुओं पर तेजोलेश्या डाल कर उपसर्ग किया सो दस आश्चर्य जनक बनावों में से पहिला बनाव. the first of the 10 Achherās (wonderful events), viz. the trouble given by Gośālā to two of the monks of Mahāvīraswāmī in the Samavasaraṇa by inflicting Tejoleśyā upon them, although it is an undeniable fact that within 125 Yojanas of the place where a Tirhaṅkara abides, there can be no fear of any violence, plague etc. प्रव० ८६२; —पत्त. त्रि० (-प्राप्त) ઉપદ્રવ પામેલ. उपद्रव प्राप्त. annoyed; afflicted; harassed. ठा० ५, २; वव० २, २०; १०, १८; —सहण. न० (-सहन) દેવાદિકના ઉપસર્ગ સહન કરવા તે. देवादि का उपसर्ग सहन करना. endurance of the troubles, disturbance etc. caused by heavenly beings etc. प्रव० १३६६;

उवसग्गपरिराणा. स्त्री० (उवसर्गपरिज्ञा) સૂયગડાંગ સૂત્રના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ કે જેમાં ઉપસર્ગ-પરિષહ કેમ સહન કરવા તેની સમજ આપવામાં આવી છે. सूत्र सूयगडांग के तीसरे अध्ययन का नाम, कि जिस में उपसर्ग-परिषह कैसे सहन करना चाहिये जिस की शिक्षा दी है. Name of the 3rd chapter of Sūyagadāṅga dealing with the way in which afflictions are to be endured. सम० १६; २३; सूय० १, ३, ४, २२;

उवसज्जण. न० (उपसर्जन) ઉપસર્ગ, ઉપદ્રવ. उपसर्ग; उपद्रव. Disturbance; trouble; annoyance. विशे० ३००५; (२) અપ્રધાનભૂત-ગૌણરૂપ. गौणरूप; अप्रधान. secondary; subsidiary; subordinate. विशे० २२६२;

उवस-त्त-त्ति. (उपसक्त) ગાઢ આસક્તિવાલો. गाढ आसक्तिवाला. Deeply attached; grossly attached. उत्त० ३२, २६;

√उवसम. धा० I, II. (उप+शम्) શાંત થવું; પ્રકૃતિને ઉપશમાવવી. शांत होना; प्रकृति को उपशांत करना. To become calm; to calm down passions. उवसमइ. वेय० १, ३३; नाया० १६; कप्प० ६, ५६;

उवसामेइ प्रे० भग० १, ३;

उवसमंत. सम० ३८;

उवसमेति. नाय० ३८;

उवसमेजा. वेय० १, ३३;

उवसमित्तए. हे० कृ० नाया० १३;

उवसामित्तए. प्रे० हे० कृ० नाया० १३; विवा० १;

उवसम पुं० (उपशम) ક્ષમા; શાંતિ. क्षमा; शांति. Forgiveness; calmness; peace. दस० ८, ३६; वेय० १, ३३; (२) પખવાડીયાના પંદરમા દિવસનું નામ. पक्ष के पन्द्रहवें दिन का नाम. name of the 15th day of a fortnight. जं० प० सू० प० १०; (३) અહોરાત્રના ત્રીશ મુહૂર્તમાંના પંદરમા અથવા વીશમા મુહૂર્તનું નામ. अहो रात्रि के तीस मुहूर्तों में से पंद्रहवें, अथवा बीसवें मुहूर्त का नाम. name of the 15th as also of the 20th Muhūrta of a day and night (containing 30 such). जं० प० सू० प० १०; सम० ३०; (४) મોહનીયની ઉદયમાં આવેલી

પ્રકૃતિનો ક્ષય કરવો અને ઉદયમાં આવવાની હોય તેને દબાવી દેવી-ઉદયમાં આવવા ન દેવી તે. मोहनीय कर्म की उदयमें आई हुई प्रकृति का क्षय करना और उदय में आने-वाली प्रकृति को दबा देना–उदयमें न आने-देना. destruction of that Mohaniya Karma which has matured and the assuaging of that which is dormant. क० गं० २, २; ४, १६, ६७; प्रव० ३५; ६५०; ६५९; उत्त० ३२, ११; आया० १, ६, ५, १६४; भग० ८८; ओव० ३४; अणुजो० १२७; —निप्फरण. पुं० (-निष्पन्न) જે પ્રકૃતિનો ઉપશમ કરવામાં આવ્યો છે–ઉપશમની નિષ્પત્તિ થઇ ચુકી છે તે जिस प्रकृति को उपशांत कर दिया है–उपशम की निष्पत्ति होगई है वह. calmness which has been born as a result of assuaging the passions. अणुजो० १२७; —सार. त्रि० (-सार) ઉપશમ-પ્રકૃતિઓનો તિરોભાવ છે સાર-સત્વ જેનું તે. उपशम-प्रकृतियों का तिरोभाव है सार-सत्व जिसका ऐसा. (anything) having for its essence the subsidence of Karmic Prakritis. "उवसमसारं खुमाममं" कप्प० ६, ५६; —सेणि. स्त्री० (-श्रेणि) અનંતાનુબંધિ આદિ પ્રકૃતિઓને શાસ્ત્રમાં કહેલ ક્રમ પ્રમાણે ઉપશમાવતાં ગુણશ્રેણિથી ઉપર ચડવું તે; આ શ્રેણિથી અગીયારમા ગુણઠાણાપર્યંત જવાય છે. शास्त्रमें कहे हुए क्रमानुसार अनन्तानुबंधि आदि प्रकृतियों का शमन करते करते गुणश्रेणिपर चढना. इस उपशम श्रेणि से ग्यारहवें गुणस्थान पर्यन्त पहुंचा जा सकता है. the ladder of spiritual advancement leading up to the 11th Guṇasthānaka by a gradual subsidence of deluding passions etc. प्रव० ७०६;

उवसमअ. पुं० (उपशमक) ઉપશમભાવ વાળા મુનિ; ઉપશમ શ્રેણિયે ચડનાર. उपशम भाव वाले मुनि; उपशम श्रेणिपर चढनेवाले. An ascetic with passions calmed down; one trying to curb and assuage his passions भग० २५, ७;

उवसमग. पुं० (उपशमक) જુઓ "उवसमअ" શબ્દ. देखो "उपसमअ" शब्द. Vide. "उपसमअ" भग० २५, ६;

उवसमणा. स्त्री०(उपशमना) જુઓ "उवसमणया" શબ્દ. देखो 'उवसमणया" शब्द. Vide. "उवसमणया" क० प० ५, १;

उवसमि. त्रि० (उपशमिन्) ઔપશમિક ઉપશમ સમકિતવાલો उपशम सम्यक्त्ववाला. One possessed of Upaśama Samyaktva (i. e. subsidential right belief). क० गं० ४, २५;

उवसामिय. पुं० (औपशमिक) મોહનીયકર્મની પ્રકૃતિનો ઉપશમ. मोहनीय कर्म की प्रकृति का उपशम. Subsidence of Mohaniya Karma. (२) ઉપશમ નિષ્પન્ન-ઔપશમિક ભાવ. उपशम निष्पन्न भाव. calmness of mind born of that subsidence. अणुजो० ८८; १२७; भग० १४, ७; १७, १; २५, ६; (३) त्रि० શાંત. शांत. free from passions; calm. सू० न० १, ३४४;

उवसमियव्व. त्रि० (उवशमितव्य) ઉપશમાવવું તે. उपशम करना. Assuaging; causing to subside. वेय० १, ३३; कप्प० ६, ५६;

उवसामअ. पुं० (उपशामक) મોહનીયની ૨૮ પ્રકૃતિને ઉપશમાવી ૧૧મે ગુણસ્થાને વર્તમાન જીવ. मोहनीय कर्म की २८ प्रकृतियों को शमन कर ग्यारहवें गुणस्थान में विचरता हुआ जीव. A soul in the 11th Guṇasthāna with all the 28 varieties of Mohanīya Karma subsided. सम० १४;

उवसामग. पुं० (उपशामक) મોહનીયની પ્રકૃતિઓને સર્વથા ઉપશમાવનાર. मोहनीय की प्रकृतियों का सर्वथा उपशम करने वाला. One who causes right-conduct-deluding Karma to subside completely. क० गं० ४,७३; प्रव०७३३;

उवसामणा. स्त्री० (उपशमना) જુઓ "उपशम" શબ્દ. देखो " उपशम " शब्द. Vide. " उपशम " क० प० ४, ६५;

उवसामणया. स्त्री० (उपशमन) શાન્તિ ઉપશમવૃત્તિ. शांति; उपशम भाव. Ascetic renunciation; calmness; freedom from passions. भग० ३, १;

उवसामणोवक्कम. पुं० (उपशमनोपक्रम) કર્મને ઉપશમાવવાનો ઉપક્રમ-આરંભ. कर्म का उपशम करने का उपक्रम-आरंभ. Commencement of effort to assuage Karma. ठा० ४, २;

उवसामियव्व. त्रि० (उपशमयितव्य) ઉપશમ કરાવવો. उपशम कराना. Causing subsidence of Karma कप्प०६,५६;

उवसेवण. न० (उपसेवन) સેવા કરવી. सेवा करना. Attending upon; rendering service to. प्रव० २७४;

उवसोभमाण. पुं० (उपशोभमान) શોભાયમાન. शोभायमान. Beautiful; charming. नाया० १३; भग० २, १; ७, ३;

उवसोभिअ-य. त्रि० (उपशोभित) શોભિતું થએલું. शोभनीय बना हुआ. शोभित. Beautified; adorned; made beautiful. " कविसीसएहिं उवसोभिए " राय० " हारद्धहार उवसोभिए " राय० जं० प० १, ११; नाया० १;

उवसोभेमाण. पुं० (उपशोभमान) શોભતો. સુંદર; સુશોભિત; शोभायमान; खूबसूरत. Beautiful; appearing beautiful नाया० १: ११; १५; भग० २, १: १५, १; जं० प० २, १६;

उवसोहिय. त्रि० (उपशोभित) શોભાવાળું. સુંદર; शोभामान. Beautiful; lustrous; handsome. नाया० १; ६; सु० च० १, ५१; जं० प० ७, १६६;

उवसोहिय. त्रि० (उपशोधित) નિર્મલ કરેલ; શોધેલ. शाधाहुआ. Purifed. नाया० १;

√ उव-स्सय. धा० I.(उप + आ+श्रि) પેસવું. घुसना. To enter; to resort to. उवस्सए. निर० ३, ४;

उवस्सअ-य. पुं० (उपाश्रय = उपाश्रीयते-सेव्यते संयमपालनाय शीतादित्राणार्थं वा यः स तथा.) સાધુ સાધ્વીને રહેવાનું સ્થાન; ઉપાશ્રય. साधु साध्वीके रहनेका स्थान; उपाश्रय. A Jaina monastery. आया० १, १, ३: १५; २, १, १, १: २, ४, २, १३८; नाया० १४; १६; नाया० ध०ग्रय० २३१; निर० ३, ४; उत्त० २, २३, ३५, ५; पगह० २, ३; ओघ० नि० भा० १७; दस० ७, २६; वेय० १, १४; वव० ६, ७; ८, ५; दसा० ७, १; निसा० ८, १२; कप्प० ६, २८; प्रव० ५८८, गच्छा० १८;

उवहअ-य. त्रि० (उपहत) લોકોમાં પરાભવ પામેલ-નાશ પામેલ. लोगों में पराभव पायाहुआ; नाश प्राप्त-विनष्ट. Destroyed; disgraced amongst people. सु० च० १, २७; भग० ३, २; विशे० ११६; आया० १, २, ३, ७६;

उवहड. पुं० (उपहृत) વાસણમાં કાઢેલ હોય તેજ વહોરવું એવો અભિગ્રહ વિશેષ. बर्तन में निकाल कर रखे हुए कोही भोजन रूपसे ग्रहण करनेका अभिग्रह-नियम विशेष. A kind of vow to eat only that food whch is placed in a dish वव० ६, ४८; ४५; (२) વાસણમાં કાઢેલું-પીરસેલું. बरतन में निकाला हुआ-परोसाहुआ. served in a dish. ठा० ३, ३;

√ उवहण. धा० I. (उप+हन् क० वा०) નાશ પામવું. नाश पाना. To perish; to be destroyed.

उवहम्मइ. क० वा० पिं० नि० ६२२; दश० ७, १३;

उवहम्मंति. भत्त० १३५;

उवहनि. स्त्री० (उपहनि) વ્યાઘાત-અંતર. अन्तर; फर्क; Destruction; break of continuity. विशे० २०१५;

√ उवहस. धा० II. (उप + हस्) હસવું; મશ્કરી કરવી. हंसना; दिल्लगी करना; मजाक करना. To laugh at; to joke.

उवहसे. दस० ८, ५०;

उवहसंत. उत्त० १२, ४;

उवहसिहिंति. भग० १५, १;

उवहसिअ. त्रि० (उपहसित) હસી કાઢેલ. हसा हुआ. Laughed at; ridiculed. तंडु०

उवहाण. न० (उपधान = उप समीपे धीयते क्रियते सूत्रादिकं येन तपसा तदुपधानम्) અનશન આદિ બાર પ્રકારના તપ. बारह प्रकार के तप. Austerity of 12 kinds. ओघ० नि० भा० १६८; नंदी० ५०; उत्त० २, ४३; ठा० २, ३; सम० ३२; पंचा० ६, ७; १५, २३; (२) કરવું તે; વિધાન. करना; विधान. performance; doing. आव० १८; (३) ઓસિકું. तकिया. a small pillow for the head. सु० च० १, ४८; ओघ० नि०

१०५: (४) સૂત્રની વાચના ઉપર તપ કરવું તે. सूत्र बांचने का तप करना. austerity performed after reading Sūtras. प्रव० २६८; —**पडिमा** स्त्री० (-प्रतिमा) ઉપધાન-તપ વિશેષનો અભિગ્રહ કરવો. उपधान-तप-विशेष का अभिग्रह करना, नियम करना. a vow to perform the austerity known as Upadhāna. ठा० ३; ४, १; ओव० —**सुय**. न० (-श्रुत=महावीरसेवितस्योपधानस्य तपसः प्रतिपादकं श्रुतं ग्रन्थः उपधानश्रुतम्) ઉપધાન શ્રુત નામનું આચારંગનું ૮મું અધ્યયન. उपधान सूत्र नाम का आचारंग का आठवां अध्याय. the 8th chapter of the Āchārāṅga Sūtra, styled Upadhāna Sūtra. ठा० ५; सम० ५;

उवहाणग. न० (उपधानक) ઓશીકું. तकिया. A pillow. प्रव० ६८४;

उवहाणवंत. पुं० (उपधानवत् = उपधीयते उपष्टभ्यते श्रुतमनेनेति उपधानतपस्तद्विद्यते यस्याऽसौ उपधानवान्) ઉપધાન-શાસ્ત્ર-વાંચન નિમિત્તે તપવિશેષ, તેનું કરનાર. शास्त्रवाचन के लिये किये जानेवाले तप विशेषको करने वाला. One who practises the austerity known as Upadhāna with a view to study the scriptures. "**वसे गुरु कुलेणिच्चं जोगवं उवहाणवं**" उत्त० ११, १४; ३४, २७; सूय० १, २, १, १५;

उवहार. पुं० (उपहार) ભેટ; બક્ષીસ. भेंट; पारितोषक; इनाम. A gift; a present. "**पहासमुद्दओवहारेहिं सव्वओ खेया**" कप्प० ३, ३४; पगह० १, २;

उवहि. पुं० (उपधि = उपधीयते संगृह्यते इत्युपधिः) વસ્ત્ર-ઘરેણાં ઘરબાર વગેરે ઉપધિ; ઉપકરણ; સામગ્રી. वस्त्र, आभूषण, घरबार आदि उपाधि; परिग्रह; उपकरण. Worldly possessions, such as clothes, ornaments, house etc; material possessions; implements. भग० १२, ५; १७, ३; १८, ७; निसी० २. ५६; १२, ४७; १६, २५; पिं० नि० भा० २६; २६; पिं० नि० ६८; दस० ६, २, १८; १०, १, १६; आया० २, ३, २, १२१; सम० १२; उत्त० १२, ४; १६, ८६; २४, ११; ओव० २०; प्रव० ४६८; (२) માયા; કપટ. माया; कपट. fraud; deceit. पगह० १, २; —**धोअण**. न० (-धावन) ઉપધિ-વસ્ત્રાદિ ધોવા તે. वस्त्रादिकका धोना. washing, cleansing of clothes etc. प्रव० ३०; —**पच्चक्खाण**. न० (प्रत्याख्यान = उपधिरुपकरणं तस्य रजोहरणमुखवस्त्रिकाव्यतिरिक्तस्य प्रत्याख्यानं न मयाऽसौ गृहीतव्य इत्येवं रूपा निवृत्तिरुपधिप्रत्याख्यानम्) ઉપધિ-વસ્ત્રપાત્ર આદિ ઉપકરણ-તેનો ત્યાગ-પરિહાર. वस्त्र, पात्र आदि उपकरणों का त्याग-परिहार. abandonment of material possessions such as clothes, vessels etc. उत्त० २६, ?; —**विउस्सग्ग**. पुं० (-व्युत्सर्ग) વસ્ત્ર પાત્ર આદિ ઉપધિનો પરિત્યાગ. वस्त्र, पात्र आदि उपाधि का परित्याग abandonment of such material possessions as clothes, vessels etc. भग० २५, ७; ओव०

उवहिय. त्रि० (उपहित) અર્પણ કરેલ; પાસે મુકેલ. अर्पित; अर्पण किया हुआ; पासमें रखा हुआ. Offered for acceptance; placed near. विशे० ९३७; भग० १, ६;

उवहिय. पुं० (औपधिक) માયાવડે પાપને ઢાંકનાર. माया-छल कपट-के द्वारा पापको ढांकने वाला. One who deceitfully

hides his sin. नाया० २;

उवाइक्कंत. त्रि० (उपातिक्रान्त) વ્યતીત થયેલ; પસાર થઇ ગયેલ. गया हुआ; व्यतीत. Past; gone. आया० १, ७, ४, २१२;

उवाइक्कम्म. सं० कृ० अ० (उपातिक्रम्य) ઉલ્લંઘન કરીને; ઓળંઘીને. उल्लांघ करके. Having crossed or transgressed. आया० १, ७, १, २००; २, ८, १६३; (२)પરિહાર કરીને; ત્યાગ કરીને. त्याग करके छोड करके. having abandoned; having given up. आया०२,२,३,१००;

उवाइय. त्रि० (उपायित) માગેલું; ઇચ્છેલું. मांगा हुआ; इच्छित. Begged; solicited; desired. "उवाइयं उववाइत्तए" नाया० २; विवा० ७; (२) દેવની આરાધનાથી પ્રાપ્ત થયેલ. देवकी आराधना करने से प्राप्त. got by propitiating a deity. ठा० १०, १; —सेस. त्रि० (-शेष) ખાતાં વધેલું; ખાતાં ખાતાં શેષ રહેલું. खाते खाते बचाहुआ (the portion of food) which has remained in the dish after one has taken his fill. आया० १, २, १, ६७;

उवाइय. पुं० (*) ત્રણ ઇંદ્રિયવાળો જીવ. तीन इन्द्रियों वाला जीव. A three sensed living being. पन्न० १;

उवागअ-य. त्रि० (उपागत) પ્રાપ્ત થયેલ; મેળવેલ. पाया हुआ; प्राप्त. Got; acquired; obtained. जं० प० ओव० १०, नाया० १; ६; १४; १६; भग० १५, १;

उवाचिय. त्रि० (उपाचित) ભરેલ; વ્યાપ્ત. भरा हुआ; व्याप्त. filled; full; pervaded by. नाया० १२;

उवाणह. पुं० (उपानह्) પગરખાં; જોડાં. जूतों का जोडा. A shoe; a pair of shoes. " तिगिच्छमाणहावाए, समारंभं च जोइणो " दस० ३, ४; पण्ह० २, ५; सूय० १, ४, २, ६; प्रव० ४३८;

उवादाण. न० (उपादान) મુખ્ય કારણ. पहला कारण. मूल कारण. Primary or material cause. विशे० १२२६;

उवादेय. त्रि० (उपादेय) ઉપાદેય-આદરવા-યોગ્ય વસ્તુ. उपादेय-ग्रहण करने योग्य. Acceptable; worthy of being accepted. पंचा० ५, २०;

उवाय-अ. पुं० (उपाय) ઉપાય; સાધન; પ્રતીકાર. उपाय; साधन; तरीका. A means; a remedy; an expedient. "विणयं पिजो उवाएणं चोइओ कुप्पइनरो " दस० ६, २, ४; " एगं च दोसं चतेहव मोह, उद्धत्तुकामेण समूल जालं । जे जे उवाया पडिवज्जियव्वा, ते कित्तइस्सामि अहाणु पुव्विं " उत्त० ३२, ६; विशे० ५५७; ओव० ठा० ४, ३, नाया० १; ६; ८; ६; १२; सूय० १, ४, १, २; दस० ८ २१; पन्न० ३६; (२) યુક્તિ. युक्ति. a scheme; a plan. सू० प० १; —उज्झाय. पुं० (-अध्यायक) પોતાના અને પારકા હિતનો ઉપાય ચિંતવનાર अपने और दूसरे के हितका उपाय सोचने वाला. one who reflects upon the means of securing his own well-being as well as that of others. विशे० ३१८६; —पव्वज्जा. स्त्री० (-प्रव्रज्या) ગુરૂની સેવા કરી દીક્ષા લેવી તે. गुरुकी सेवा कर दीक्षा लेना. taking of Dīkṣā after

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

rendering service to a preceptor. ठा॰ ३, २;

उवाय-अ. पुं॰ (अवपात) આચાર્યનો નિર્દેશ-આજ્ઞા. आचार्यकी आज्ञा. The order of a preceptor. सूय॰ १, १४, १; (२) ખાડો. खड्डा; गड्ढा. a pit; a ditch. आया॰ २, १, ४, २७; जीवा॰ ३, ३; पराह॰ १, १;

उवायण. न॰ (उपायन) ભેટ. भेंट; पारितोषक. A gift; a present. सु॰च॰८, ४६; (२) યાચના કરવી; માગણી કરવી. मांगना; याचना करना. praying for; asking for; solicitation. विशे॰ १८७८;

उवायमाण. त्रि॰ (उपायमान) પુત્ર આદિની યાચના કરતો-તી-તું. पुत्र या पुत्रीकी याचना करता हुआ वा करती हुई Praying for, begging for a son or a daughter. नाया॰ २; १७;

उवालंभ. पुं॰ (उपालम्भ = उपालम्भनमुपालम्भः) ઠપકો આપવો તે; ઓલંભો. ठपका देना; उलाहना. A rebuke; a reproach; a reprimand. पिं॰ नि॰ भा॰ ४५; विशे॰ २४८; ठा॰ ४, ३;

उवास. पुं॰ (अवकाश) અવકાશ; આકાશ. अवकाश; आकाश; खाली जगह Vacant space; sky. भग॰ १, ६; वव॰ ७, १८; (२) ઉપાશ્રય; નિવાસ સ્થાન. उपाश्रय; जैन साधुओंका ठहरनेका स्थान. a Jain monastery. निसी॰ १७, २०; —**अंतर.** न॰ (-अन्तर) ઘનવા તનવા વગેરેની વચ્ચેનું આકાશ; આંતરારૂપ આકાશ. घन वात विलय और तनवात विलयके बीच का आकाश. intervening void space. एएसुणं सत्तसु उवासंतरेसु सत्ततणुवाया पइट्ठिया " ठा॰ ७; २, ४; निसी॰ ६, १२; वव॰ ८, १; पन्न॰ १५; जीवा॰३, १; भग॰ १, ६; ४; २, १०; ६, ५; १२, ५; १३, ४; २०, २;

उवासअ-य. त्रि॰ (उपासक = उपास्ते सेवन्ते साधूनित्युपासकाः) ઉપાસના કરનાર; સેવક. उपासना करनेवाला; सेवा करने वाला; सेवक. (One) who worships or serves or waits upon. निसी॰ ८, १२; पिं॰ नि॰ १५८; ४६४;

उवासग. पुं॰ (उपासक = उपासते सेवन्ते साधूनित्युपासकाः) સાધુની ઉપાસના કરનાર; શ્રાવક. साधुकी उपासना करनेवाला; श्रावक. One who renders service to an ascetic; a Jaina-layman. उवा॰ १, ७०; ९, १२३; उत्त॰३१, ११; सम॰११; (२) ધર્મ સાંભળવાની અભિલાષાવાળા. धर्मोपदेश सुननेकी इच्छा वाला. one, desirous of learning religious truths from a Guru भग॰ ५, ४; —**पडिमा.** स्त्री॰ (-प्रतिमा = उपासकाश्रावकास्तेषां प्रतिमाः प्रतिज्ञा अभिग्रहविशेषाः उपासक प्रतिमाः) ઉપાસકની-શ્રાવકની ૧૧ પડિમા. श्रावककी ग्यारह प्रतिमाएं. the 11 vows of a Jaina-layman. पंचा॰१०; १; आव॰ ४, ७; नाया॰ ५; दसा॰ ६, १; २;

उवासगदसा. स्त्री॰ (उपासकदशा = उपासकाः श्रावकास्तद्गताणुव्रतादिक्रियाकलापप्रतिबद्धा दशा अध्ययनानि उपासकदशाः) ઉપાસક-શ્રાવકના અધિકારના દશ અધ્યયન જેમાં છે એવા સાતમાં અંગસૂત્રનું નામ; ઉપાસકદશા સૂત્ર. उपासक-श्रावक के अधिकारके जिसमें दश अध्याय हैं उस सातवें अंगरूपका नाम; उपासगदशा सूत्र. Name of the 7th Anga Sūtra dealing with the duties of a Jaina layman in 10 chapters. उवा॰१०, २१५; अणुजो॰ ४२; नंदी॰ ४४; ५१; सम॰१; ७;

उवासिया. स्त्री० (उपासिका) સિદ્ધાંત સાંભળવાની ઇચ્છાવાળી સ્ત્રી; શ્રાવિકા. सिद्धान्त सुनने की इच्छा रखने वाली स्त्री; श्राविका. A woman desirous of learning religious truths from a preceptor; a Jaina-laywoman. भग० २, ४; १५, १;

उवाहण. पुं० (उपानह्) પગરખું; ખાસડું. जूता. A shoe; a pair of shoes. "छत्तो वाहण संजुत्ते, धाउरत्तवत्थ परिहिए" भग० २, १; अणुत्त० ३, १;

उवाहि. पुं० (उपाधि) ઉપાધિ; વિશેષણ. उपाधि; खिताब; विषेशण; पदवी. Worldly fetters; attachment to worldly objects; a title; an epithet. आया० १, ३, १, १०६;

उविक्खग्ग. त्रि० (उपेक्षक) ઉપેક્ષા કરનાર; બેદરકાર. उपेक्षा करने वाला. Neglectful; indifferent. गच्छा० २८;

उविक्खा. स्त्री० (उपेक्षा) ઉપેક્ષા. उपेक्षा. Neglect; indifference; contempt. पंचा० १८, ३४;

उविच्च. अ० (उपेत्य) પ્રાપ્ત કરીને; મેળવીને. प्राप्त करके; पा करके. Having got or obtained. उत्त० १३, ३१;

उवीला. स्त्री० (अवपीडा = अवपीडनं परेषामित्यवपीडा) પરને પીડા ઉપજાવવી તે. दूसरे का दुःख देना. Giving pain or trouble to others. विवा० १; पराह० १, ३:

उवेश्र. त्रि० (उपेत) યુક્ત; સંયુક્ત; સહિત संयुक्त; सहित; साथ. Accompanied with; joined with; possessed of. "पत्त पुप्फ फलोवेए" उत्त० ६, ६;

उवेहालिय. पुं० (*) અનંત કાય વિશેષ; કંદ મૂલની એક જાત. कंद मूल की एक जाति; अनंत कायरूप वनस्पति विशेष. A kind of bulbous root. भग० २३, ३;

उवेहिश्र. त्रि० (उपेक्षित) ઉપેક્ષા કરેલ. उपेक्षा किया हुआ; जिसकी पर्वाह नहीं की वह. Neglected. सु० च० ५, १००;

*__उव्वाकिउं.__ अ० (उद्गीर्य) ઓગાળીને. उगार करके Having reduced to a semifluid condition by masticating etc. सु० च० ६, ५९;

उव्वट्ट. पुं० (उद्वर्त्त) નારકી અને દેવતાનો ભવ પુરો કરી બીજી ગતિમાં જવું તે. नारकी और देव भव को पूरा करके दूसरी गति में जाना. Passing into another state of existence after completing one's term of existence as a celestial or hell being. विशे० २०४८; (२) પીઠીવડે ચીકાશ દૂર કરવી તે; ઉવટણું કરવું તે. पिठी के द्वारा चिकनाहट दूर करना; उवटन करना. rubbing the body with perfumes; removing oiliness by kneading with a fragrant substance. विशे० २६६४;

√**उवट्टण.** न० (उद्वर्त्तन) કર્મની ટુંકી સ્થિતિને અધ્યવસાયવિશેષથી લાંબી કરવી તે कर्म की अल्प स्थिति को अध्यवसायविशेष से दीर्घ काल की करना. Lengthening the duration of Karmas by meditation. विशे० २५१४; (२) ઉલટી રૂંવાડાએ મર્દન કરવું તે. उलटे रुएँ की ओर

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

से मर्दन करना. act of massaging or rubbing (anything) against the grain. दस० ३, ५; उवा० १, २६; १०, २७७; गच्छा० ११३; (३) પડખું ફેરવું તે. करवट बदलना. turning from one side to another (in a lying posture). आव० ४, ४:

उव्वट्टणा. स्त्री० (उद्वर्त्तना) દેવતા અને નારકી નો ભવ પુરો કરી બ્હાર નીકળવું તે. देव और नारकी के भवको पुरा कर बाहर निकलना. Coming out, emerging after completing one's term of existence as a heavenly or hellish being. प्रव० ११३८; (२) ઉગટણું; મર્દન વિશેષ. उवटना; मलना; मालिश करना. anointing; smearing; rubbing. नाया० १३; विवा० १; भग० ११, १; १६, ३; २१, १; ३५, २; —**आलिगा.** स्त्री० (-आवलिका) કર્મની ટુંકી સ્થિતિની લાંબી સ્થિતિ કરવી તે ઉદ્વર્તના તેની આવલિકા-સમયવિશેષ. कर्म की छोटी प्रकृति की लंबी स्थिति करना, उद्वर्तना-उसकी आवलिका-समय विशेष. the particular moment of prolonging the duration of Karma. क० प० २, ३;

उव्वट्टणावय. त्रि० (उद्वर्त्तनाकारक) પીઠી કરાવનાર. उवटना. उवटन करानें वाला. (One) who gets smeared or rubbed the body with a kind of fragrant unguent. निसी० ६, २४;

उव्वट्टावेयव्व. त्रि० (उद्वर्तितव्य) નરકાદિકનો ભવપુરો કરી નીકળવું. नरकादिक का भवपूर्ण करके निकलना. Finishing one's term of life in hell etc. and taking another birth. भग० १३, १;

उव्वट्टित्ता. सं० कृ० अ० (उद्वर्त्य) નરકાદિમાંથી બ્હાર નિકળીને; નરકાદિ ભવ પુરો કરીને. नरकादि में से बाहिर निकल कर; नरकादि भव पुरा करके. Having finished one's term of life in hell etc. i. e. having come out of it. भग० १५, १;

उव्वट्टिय. त्रि० (उद्वर्तित) નરક આદિનો ભવ પુરો કરી બ્હાર નીકળેલ. नरकादि गतिसम्बन्धी भव पूरा करके बाहिर निकला हुआ. (One) who has come out of hell etc. after finishing the term of life there. "**आउक्खएण उव्वट्टिया समाणा**" प्रव० ११०३; पण्ह० १, १; ३; क० प० २, २६; (२) ઉગટણું કરેલ; પીઠી ચોળેલ. उवटन किया हुआ पीठी चिपडा हुआ. rubbed with a perfumed substance; kneaded with a perfumed substance. (३) પદભ્રષ્ટ થયેલ. पदच्युत; पदभ्रष्ट. deposed; dethroned; degraded. पिं० नि० ४२०;

उव्वण भोग. पुं० (उल्वण भोग) ઉત્કટ ભોગ. उत्कटभोग. Keen enjoyment. पंचा० २, ६;

उव्वत्त. पुं० (उद्वर्त्त) રોગી ગિલાન કે સંથારો કરનાર સાધુની વૈયાવચ્ચ કરનાર નિર્યામક સાધુનો એકવર્ગ કે જે રોગીની ઉદ્વર્તના-પાસું ફેરવવું વગેરે રૂપે શુશ્રૂષા કરે. रोगी, ग्लान या संथारा करने वाले साधु की वैयावच्च करने वाला निर्यामक साधु का एक वर्ग, जो रोगी की उद्वर्त्तना-करवट लिवाना मालिश करना आदि शुश्रूषा करता है. A class of ascetics who

attend upon and render services to other Sādhus who are sick, troubled etc. or who are performing Santhārā; e. g. by helping a sick Sādhu to turn oevr from one side to another. प्रव० ६३६;

उव्वरिय. त्रि० (उर्वरित) આહારનો એક દોષ. आहार का एक दोष. A fault connected with food. पिं० नि० २२७; पंचा० १३, ८; (२) જુદું કરેલ. जुदा किया हुआ. set apart; separated. पंचा० १३, ८;

उव्वलण. न० (उद्वलन) ઉલટી રૂંવાડીયે મર્દન કરવું; મર્દન કરી મલ ઉતારવું. उलटे रुएँ की ओर से मर्दन करना. Rubbing a perfumed unguent on the body against the grain; rubbing and cleaning the body with perfumes etc. ओव० ३१, नाया० १३; क० प० २, ४८; कप्प० ४, ६१;

उव्वलणा. स्त्री० (– उद्वलना=उद्वर्त्तन) ઉખેલવું. खोलना. Act of unfolding or unwinding. क० प० २, ६१;

उव्विग्ग. त्रि० (उद्विग्न) ઉદ્વેગ પામેલ; અશાંત થયેલ. अशांत; उद्वेगयुक्त. Vexed; troubled; agitated. "जम्म मच्चु भउव्विग्गा दुक्खसंतरगवेसिणो" जं० प० ३, ५८; ओव० २१; नाया० १; ३; ४; ६; १६; १७; पगह० १, १; जीवा० ३, १; भग० ३, १; ६, ३३; १२, १; १८, २; पन्न० २; नाया० ध० गु० च० १, २२८; उवा० ८, २५६; जं० प० ३, ५८; उत्त० १४, ५२; **—मण.** त्रि० (मनस्) ઉદ્વેગયુક્ત મનવાળો. उद्वेगयुक्त मन वाला; चिंतित मन वाला. troubled or agitated in mind. नाया० १७;

उव्विद्ध. त्रि० (उद्विध्द) ઉંડું. उंडा; गहरा. Deep. ओव० नाया० १; जं० प० ४, ११५; (२) ઉચ્છ્રિત; ઉંચું. ऊंचा. lofty; raised; high. सम० प० २३६; भग० ६, ३३; पगह० १, ४;

उव्विह. पुं० (उद्विघ) ગોશાલાના મુખ્ય શ્રાવકનું નામ. गोशाला के मुख्य श्रवक का नाम. Name of the principal layman of Gośālā. भग० ८, ५;

उव्विहिय. त्रि० (उद्विद्ध) ઉંચે ફેંકેલ. ऊंचा फेंका हुआ. Thrown up; tossed up. भग० ५, ६;

उव्वीढ. त्रि० (उद्विद्ध) ઉંચું આભુ ફેંકેલું. ऊंचा फेंका हुआ. Thrown up; tossed up; shot up. भग० १८, ३;

उव्वीलअ-य. पुं० (अपव्रीडक=लज्जया अतिचारान् गोपायन्तमुपदेशविशेषैरपव्रीडयति विगतलज्जंकरोतीति अपव्रीडकः) આલોયણના લેનારને શરમ થતી હોય તે સમજાવી દૂર કરનાર. आलोचना करनेवाले को यदि लज्जा लगती हो तो समझाकर उसे दूर करनेवाला. One who reasons with and removes the sense of shame felt by a person confessing his sins. भग० २५, ७; ठा० ८, १;

उव्वीलेमाण. त्रि० (अवपीडयत्) પીડતો. पीड़ादेता हुआ. Troubling; afflicting. "पंथ कोट्टेहिय उव्वीलेमाणे २ विहिंसेमाणे २ विहरइ" ठा० ८; विवा० १;

उव्वुज्झमाण. त्रि० (उपोह्यमान) પાટીયા ઉપર બેસી તરતો. पटिये पर बेठकर तिरता हुआ. Swimming upon a wooden board. "ततेणं अहं उव्वुज्झमाणे रयण

दीवं तेणं संवुडं" नाया० ६;

उव्वेअग्गह. पुं० (उद्वेगग्रह) ઉદ્વેગ ઉત્પન્ન થાય એવો રોગ. जिससे उद्वेग उत्पन्न हो ऐसा रोग. A disease or an ailment giving rise to anxiety and alarm. जीवा० ३, ३;

उव्वेग. पुं० (उद्वेग) ઉદ્વેગ; ખેદ. उद्वेग; खेद; चिंता. Mental affliction; mental agitation. भग० ३, ७; ठा० ३;

उव्वेय. पुं० (उद्वेग) વ્યાકુલતા; ઉદ્વેગ व्याकुलता; चिन्ता; घबडाहट; उद्वेग. Agitation; perturbation; mental distress. नाया० १;

उव्वेयणअ. त्रि० (उद्वेजनक) ઉદ્વેગ કરનાર. उद्वेग करने वाला. Causing distress or misery; giving rise to pain and sorrow. पगह० १, १;

उव्वेयणकरि. त्रि० (उद्वेजनकरिन्) ઉદ્વેગ કરનાર. उद्वेग करने वाला. (One) becoming angry; (one) causing distress or pain of mind. भग० ६, ३३;

उव्वेयणग. त्रि० (उद्वेजनक) જુઓ "उव्वेयणअ" શબ્દ. देखो "उव्वेयणअ" शब्द. Vide "उव्वेयणअ." भग० ६, ३३; पगह० १, १;

उव्वेयणिय. त्रि० (उद्वेजक) ઉદ્વેગકારી. उद्वेग करने वाला. Distressing; painful; full of misery. "असुइए उव्वेयणिगाए भीमाए गब्भव सहीए वासि यव्वं भविस्सइ" ठा० ३, ३;

उव्वेह. पुं० (उद्वेध) જમીનમાં ઊંડાઇ; ઊંડાપણું. गहराई; उंडाई. Depth. भग० २, ८; १५, १; राय० १२५; जीवा० ३, ४; जं० प० १, १२; ७, १७४; अणुजो० १३४; ठा० २, ३;

उव्वेहलिया. स्त्री० (*) એક જાતની વનસ્પતિ. उव्वेहाणिया नामक एक वनस्पति. A kind of vegetable growth. सूय० २, ३, १६;

उसरण. पुं० (अवसन्न) સંયમથી થાકેલ. संयमसे थका हुआ. Fatigued, exhausted on account of ascetic practices; tired of ascetic penance. निसी० ४, ३१; ३६;

उसरण. अ० (*) મોટે ભાગે; પ્રાયે. बहुधा; प्रायः. Mostly; to a great extent. पन्न० ८, भग० ७, ६; श्रोव० २०; वव० १, ३४;

उसराहसागिणआ. स्त्री० (उच्छ्लक्ष्णश्लक्ष्णिका) અનન્ત વ્યવહારિ પરમાણુ ભેગાથવાથી બનેલા ન્હાનામાં ન્હાના સ્કંધની સંજ્ઞા; ઉર્ધ્વરેણુનો ૬૪ મો ભાગ. अनंत व्यवहारिक परमाणुओंके एकत्रित होनेसे बने हुए छोटेसे छोटे स्कंधकी संज्ञा. A name given to the smallest molecule made up of innumerable atoms; 1/64th part of an Urdhwa Renu. भग० ६, ७;

उसगहसगिहआ. स्त्री० (उच्छ्लक्ष्णश्लक्ष्णिका) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द Vide above. अणुजो० १३४;

उसत्त. त्रि० (उत्सक्त) ઉપર બાંધેલ. ऊपर बांधा हुआ. Bound or attached to the top. श्रोव० पन्न० २; राय०५६;

उसन्न. अ० (*) બહુલતા; प्राये.

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

बहुलता; अधिकता; प्रचुरता. Mostly; to a great extent. ठा० ४, १: —तस्सपाणघाति. त्रि० (-त्रसप्राणघातिन्) ઘણે ભાગે ત્રસ પ્રાણીની ઘાતનો કરનાર. अधिकतर त्रस प्राणीकी घात करने वाला. mostly destroying or killing mobile living beings. दसा० ६, १: —संभारकड. त्रि० (-सम्भारकृत) પ્રાયે કર્મના ભારથી પ્રેરાયેલ; ભારે કર્મીપણાથી પ્રેરાયેલ. प्रायः कर्मके भार से दबा हुआ; कर्म के भार से प्रेरित mostly urged by a heavy load of Karma. दसा० ६, १:

उसभ पुं० (वृषभ) શાશ્વતી એક જિન પ્રતિમાનું નામ. शाश्वत-निरंतर रहने वाली एक जिन प्रतिमा का नाम. A permanent idol of a Tirthankara. जीवा० ३, ४: काप० ३, ४४;

उसभ. पुं० (ऋषभ—ऋषति गच्छति परमपदमिति ऋषभः) પ્રથમ તીર્થંકર; ઋષભદેવ સ્વામી. पहले तीर्थंकर श्री ऋषभदेव स्वामी. The first Tirthankara; Risabhadeva Swāmi. आव० २, ४; भग० २०, ८; सम० २३, २४, जं० प० ५, ११५: अणुजो० ११६: पंचा० १६, ८: सम० प० २३४: (२) त्रि० ઉત્તમ; શ્રેષ્ઠ. उत्तम; सब श्रेष्ठ. highest; excellent. ठा० ४, २: (३) पुं० પન્દરમા કુલગરનું નામ. पंद्रहवे कुलकर-नेताका नाम. name of the 15th Kulagara i. e. a great leader of men. जं० प० (४) બળદ; બૈલ. बैल. an ox. भग० ११, ११: १६, ६: अणुजो० ४७; ओव० जं० प० राय० ४३: नाया० १; (५) અગીયારમા બારમા દેવલોકના ઇંદ્રનું ચિન્હ. ग्यारहवें, बारहवें देवलोक के इन्द्र का चिन्ह. the emblem of the Indra of the 11 th and 12 th Devalokas. ओव० २६; (६) બળદના ચિત્ર વાળું વસ્ત્ર અથવા આભરણ. ऐसा वस्त्र या आभरण जिस पर बैल का चित्र हो. a cloth or an ornament bearing a picture of an ox. जीवा० ३, ३: (७) ચામડાનો પાટો. चमडे का पट्टा. a leathern belt. जं० प० सम० प० २२६; पन्न० २३: —आसण. न० पुं० (-आसन) બળદના આકારનું આસન. बैल के आकार का आसन. an ox-shaped seat. जीवा० ३; —कंठ. पुं० (-कण्ठ) એક જાતનું રત્ન. एक प्रकार का रत्न. a kind of gem. राय० १२१: —कंठग. पुं० (-कण्ठक) એક જાતનું રત્ન. एक जात का रत्न. a kind of gem. "उसभकंठगणअट्ठमसं" जीवा० ३, ४: —कूड. पुं० (-कूट) એક પર્વતનું નામ. एक पर्वत का नाम. name of a mountain. जं०प०१,१७: ४, १२५: (२) સિન્ધુકુંડની પૂર્વે ગંગાકુંડની પશ્ચિમે નીલવન્ત પર્વતના દક્ષિણ કાંઠે ઉત્તરાર્દ્ધ કચ્છવિજયમાંનો આઠ યોજનનો ઊંચો એક કૂટ-શિખર. सिन्धुकुंड के पूर्व की ओर गंगा कुंड की पश्चिम दिशा में नीलवंत पर्वत के दक्षिण किनारे पर उत्तरार्द्ध कच्छविजय में का आठ योजन ऊंचा एक शिखर. name of a lofty peak eight Yojanas in height in the northern half of Kachchha Vijaya, to the south of Nilavanta mountain, to the west of Gangā Kunda and to the east of Sindhu Kunda. जं०प० १, १७; —नाराय. पुं० (-नाराच) જુઓ "उसभनारायसंघयण" શબ્દ. देखो "उसभनारायसंघयण" शब्द. vide "उ-

सभनारायसंघयण" भग० २४, १; ठा० ६, १; —नारायसंघयण. न० (-नाराचसंहनन) જેમાં હાડકાના સાંધા પાટા જેવા પદાર્થથી વિંટાયેલ અને મર્કટ બંધથી બંધાયેલ હોય તે સંઘયણ; છ સંઘયણમાનું બીજું સંઘયણ. जिस में शरीर की हड्डियों के जोड़ पट्टेके समान वस्तु से लिपटे हुए और मर्कट बंधन से बंधे हुए हों वह संहनन; छह संहननों में से दूसरा संहनन. a physical constitution in which the bones are wrapped round by sinews as hard as stone and fastened together tightly by Marakata Bandha; the 2nd of the six kinds of Sanghayana (physical structure). जीवा० १; —पंत्ति. स्त्री० (-पंक्ति) બળદોની પંક્તિ. बैलोंकी पांक्ति. a series or line of oxen. भग० १६, ६; —ललियविक्कन्त. त्रि० (ललितविक्रान्त) બળદના જેવી સારી ગતિ વાળો. बैल के समान सुंदर गति वाला. possessed of a gait beautiful like that of an ox. राय० ६२; —संठिय. त्रि० (संस्थित) બળદના આકારનું. बैल के आकारका. ox-shaped. भग० ८, २;

उसभदत्त. पुं० (ऋषभदत्त) ઋષભદત્તનામે એક બ્રાહ્મણ કે જેના ઘરમાં મહાવીર સ્વામી પ્રથમ આવ્યા હતા. ऋषभदत्त नामक एक ब्राह्मण कि जिसके घर महावीर स्वामी प्रथम गये थे. Name of a Brāhmaṇa to whose Mahāvira Swāmī had visited first. भग० ६, ३३; कप्प० १, २; (२) ઉસુયાર નગર નિવાસી એક ગાથાપતિ. उसुयार नगर निवासी एक गाथापति. a merchant-prince of Usuyārnagara. " उसुयारणयरे उसभदत्ते गाहावइ " विवा० ४;

उसभपुर. न० (ऋषभपुर) એ નામનું નગર કે જેમાં તિષ્યગુપ્ત નામે એક નિન્હવ થયા. एक नगरका नाम जिसमें तिष्यगुप्त नामक एक निन्हव हुए थे. Name of a town which was the native place of a Ninhava named Tisyagupta. ठा० ७, १; विवा० २;

उसभसेण. पुं० (ऋषभसेन) ઋષભદેવસ્વામીના ચોરાસી હજાર સાધુઓમાંના મુખ્ય સાધુ. ऋषभदेवस्वामीके चोरासी हजार साधुओं में के मुख्य साधु. The chief of the 84 thousand Sādhus of Ṛiṣabhadeva Swāmī. सम० प० २३३; जं० प० कप्प० ७, २१३; (२) २०मां तीर्थंकरने प्रथम भिक्षा आपनार गृहस्थ. वीस वें तीर्थंकर को प्रथम भिक्षा देनेवाला गृहस्थ name of a householder who first of all gave alms to the 20th Tīrthaṅkara. सम० प० २३३;

उसभा. स्त्री० (ऋषभा) શાશ્વતી ચાર પ્રતિમાઓ પૈકી પહેલી પ્રતિમાનું નામ. शाश्वती चार प्रतिमाओं में की पहली प्रतिमा का नाम. Name of the first of the four permanent Pratimās. राय० १५४;

—लद्धि. स्त्री० (-लब्धि) ઉશ્વાસની પ્રાપ્તિ. उश्वासकी प्राप्ति. the attainment of (the power of) inhaling air. क० गं० १, ४४;

उसह. पुं० (ऋषभ=ऋषति गच्छति परमपदमिति ऋषभः) આદિ તીર્થંકર; પહેલા તીર્થંકરનું નામ. पहले तीर्थंकरका नाम. Name of the first Tīrthaṅkara. जं० प० नंदी० ४३; प्रव० ४;

उसह. पुं० (वृषभ) બળદ. बैल. An ox;

a bull. नाया० ८;

उसहकूड. पुं० (वृषभकूट) એ નામનો એક પર્વત ગંગાકૂટ અને સિન્ધુકૂટની વચ્ચે ચુલહિમવંત પર્વતને દક્ષિણ તટે છે. इस नाम का एक पर्वत गंगाकूट और सिंधु कूटके बीच में और चूल हिमवंत पर्वतके दक्षिण की ओर है. Name of a mountain between Gaṅgākūṭa and Sindhukūṭa, to the south of Chula Himavanta mountain. जं० प०

उसहसेण. पुं० (ऋषभसेन) જુઓ "उसभसेण" શબ્દ. देखो "उसभ-सेण" शब्द. Vide "उसभसेण" प्रव० ३०६;

उसा. स्त्री० (उषा-अवश्याय) ઠાર; ઝાકળ. ओस. Fog; dew. (२) પ્રભાત. प्रातःकाल. dawn. "तेजः परिहानिरुषा, भानोरचर्द्धोदयं यावत्" जीवा० १;

उसिण. पुं० न० (उष्ण-उषति दहति जन्तूनित्युष्णम्) ઉષ્ણ સ્પર્શ; ઉષ્ણતા. गर्मी; उष्ण स्पर्श. Heat; hot touch. (२) त्रि० ઉનું; ગરમ. गर्म. hot. आया०१, १.६, ३३: पन्न०१; ३५; भग० २, २; ५; ६,६;७;८;१०, ९ १८, ६; २०, ६; दस० ६. ६३; पिं० नि० ५५२; जीवा० ३, १; उत्त० २, ८; ठा० ४, ४; नाया० १६; प्रव० ३१; (३) पुं० ઉષ્ણકાલ; ઉનાળો. गरमी की मौसम. summer; hot season. प्रव० ८७५;

—**उदग.** न० (-उदक) ઉનું પાણી; ગરમ પાણી. गर्म पानी. उष्ण जल. hot water. "उसिणोदगंत तफासुयं पडिगाहेज्ज संजए" दस० ८, ६; प्रव० ८८८; पन्न० १; वेय० २, ५; पिं० नि० भा० १८; नाया० १६;

—**उदगवियड.** त्रि० (-उदकविकृत) વિકૃત-અચેત થયેલ ઉનું પાણી. अचित्त पानी; जीवजंतु रहित उष्ण जल. hot water rendered lifeless. निसी० १, ७; दसा० ६, ४;

—**उसिण.** त्रि० (-उष्ण) ઉનુંઉનું. गर्म; उष्ण; ताजा. hot. निसी० १७, २९;—**जोणिय.** पुं० (-योनिक-उष्णामेव योनिर्येषान्ते उष्णयोनिकाः) ઉષ્ણ યોનિવાળા જીવ. उष्ण योनिवाला जीव. a living being (female) with hot generative organ or womb. भग० ७, ३;

—**तेयलेस्सा.** स्त्री० (-तेजोलेश्या) ઉષ્ણ તેજો લેશ્યા; ગરમ અગ્નિરૂપ લેશ્યા-તપના પ્રભાવથી ઉત્પન્ન થયેલ એક લબ્ધિ કે જેથી બીજાને બાળી શકે. उष्ण-तेजो लेश्या; अग्नि के समान लेश्या; तप के प्रभाव से उत्पन्न होनेवाली एक लब्धि जो दूसरे को जला सके. hot and bright Leśyā; a spiritual attainment (by which a person can burn another to ashes) got by austerity. भग० १५, १;

—**परिसह.** पुं० (-परिषह) તાપ-ગરમીનો પરિસહ. गर्मी का परीषह; उष्णता सहन करने रूप तप. bearing affliction caused by heat. सम० २२; उत्त० २, ८; भग० ८, ८.

—**फास.** पुं० (स्पर्श) ઉષ્ણ સ્પર્શ ગરમી; આઠ સ્પર્શમાંનો એક. गर्मी; आठ प्रकार के स्पर्शों में से एक स्पर्श. heat; hot touch; one of the 8 kinds of touch. क० गं० १ ४५;

—**भोयणजाअ.** न० (-भोजनजात) ઉના ભોજનની જાત-પ્રકાર. गर्म भोजन उष्ण भोजन का एक जाति. a variety of food served hot. वेय० ५, १२;

—**विकट.** न० (-विकट) ઉકાળેલું ઉનું પાણી; ઉનું અચિત્ત પાણી. उकाला हुआ गरम जल; गरम अचित्त जल. boiled water; lifeless, sterilised water. कप्प० ६,२५;

उसिणभूय. त्रि० (उष्णभूत) ગરમભૂત.

गर्म; उष्ण. Become hot; made hot. "उसिणे उसिणभूए यावि होत्था" भग० ३, २;

उसिय. त्रि० (उषित) નિવાસ કરેલ; રહેલ. निवासित; रहा हुआ; निवास किया हुआ. Dwelt; inhabited. आया० १, ६, ३, १८७;

उसीर. पुं० (उशीर) વાળો; એક સુગંધિ દ્રવ્ય; વીરિણના મૂલ. खस; एक सुगंधित द्रव्य; खस की जड. The fragrant root of the plant Andropogon Muricatus. राय० ५६; जीवा० ३, ४; पण्ह० २, ५; सूय० १, ४, २ ८; —पुड. पुं० (-पुट) વાળાનો પડો. खस का पुडा. a bundle of roots of a fragrant plant named Andropogon Muricatus. नाया० १७;

उसु. पुं० (इषु) બાણ; તીર; કામઠું. बाण; तीर. An arrow. "अहेयं से उसू" भग० १, ८; ५, ६; ७, ६: १८; १; १८, ३; जं० प० ४, ४५; अंत० ५, १; राय० २२७; विशे० ३१४१; सूय० १, ५, १, ८;

उसुकारिज्ज. न० (इषुकारीय) ઉત્તરાધ્યયનના ચૌદમા અધ્યયનનું નામ, જેમાં ઇષુકાર રાજા કમલાવતી રાણી ભગુ પુરોહિત અને તેની સ્ત્રી તથા પુત્રોનો અધિકાર છે. उत्तराध्ययन के चौदहवें अध्याय का नाम जिसमें इषुकार राजा, कमलावती रानी, भगु पुरोहित और उसकी स्त्री तथा पुत्रों का वर्णन है. Name of the 14th chapter of Uttarādhyayana dealing with the king Iṣukāra, the queen Kamalāvatī, the preceptor Bhagu etc. अणुजो० १३१;

उसुगार. पुं० (इषुकार) ધાતકી ખંડમાં દક્ષિણ અને ઉત્તર દિશાનો વિભાગ કરનાર એક પર્વત. धातकी खंडमें दक्षिण और उत्तर दिशा का विभाग करनेवाला एक पर्वत. Name of a mountain in Dhātakī Khaṇḍa, situated between and separating the north and the south. ठा० २. ३;

उसुअ. पुं० (इषुक) બાણને આકારે બાલકનું એક આભરણ. बाण के आकार का बालक का एक गहना A kind of ornament for a child. "उसुपाइएहिं मंडेहिं तावणं अहवणं विभूसेमि" पिं० नि० ४२३;

उसुयार पुं० (इषुकार) એ નામનું ઇષુકાર રાજાનું નગર. इषुकार राजा के नगर का नाम Name of a town belonging to king Iṣukāra. विवा० ३; उत्त० १४, १; (२) ઇષુકાર નગરીનો રાજા. इषुकार नगरी के राजा का नाम. the name of the king of Iṣukāra town. "उसुयारंणं णयरंउसभदत्ते गाहावई" विवा० १, १; उत्त० १४, ३;

उसुयाल. न० (*) ઉખલ. ऊखल. A wooden mortar used for cleansing grain from chaff etc. निसी० १३, ५; आया० २, ५, १. १४८;

उसोवणी. स्त्री० (अवस्वापिनी) સામા માણસને ગાઢ નિદ્રા આવી જાય તેવી વિદ્યા. ऐसी विद्या जिसके कारण सामनेवाले मनुष्य को गाढ निद्रा आजाय. Art of hypnotising. सूय० २, २, २७;

उस्स. पुं० (अवश्याय) ઓસ; ઠાર; ઝાકળ.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ओस. Dew; fog; hoar-frost. "अप्पहरिएसु अप्पुस्सेसु" वेय० ४, १; भग० १२, १; उत्त० ३६, ८५; विशे० २५७६; ठा० ४, ४;

उस्सअ. पुं० (उच्छ्रय) ભાવની ઉન્નતિ. भाव की उन्नति; विचार की उन्नति. Sublimity of thought. पगह० २, १;

उस्सक्कण. न० (उत्ष्वष्कणा स्वयोगप्रवृत्त कालावधेरूर्ध्वं पुरतः ष्वष्कणमारम्भकरणमुत्ष्वष्कणम्) જેને માટે જે કાલ નિર્માણ કરેલ છે તેને ઉલંઘીને તે કાર્ય કરવું તે. जिस कार्य के लिये जो समय नियत है उस समय के निकल जाने पर वह कार्य करना. Doing an action after the time fixed for it has elapsed. पिं० नि० २८५; (२) ઉંચે કુદવું. ऊंचे कूदना. leaping up; high jump. प्रव० १५७; पंचा० १३, १०;

उस्सग्ग. पुं० (उत्सर्ग) કાઉસગ્ગ કાયાના વ્યાપારનો ત્યાગ. कायोत्सर्ग; शरीर के व्यापार का त्याग. Kāusagga; contemplation upon the soul giving up all thoughts about the body. सम० ६; ओघ० नि० ५२; प्रव० ७४; (२) મલમૂત્ર દિનો ત્યાગ. मलमूत्रादि का त्याग. getting rid of urine, solid excrements i. e. feces etc. पंचा० ३, २०; पिं० नि० भा० १५; ओघ० नि० भा० ३१; भत्त० ४४;

उस्सग्गि. त्रि० (उत्सर्गिन) ઉત્સર્ગમાર્ગ તથા અપવાદમાર્ગને જાણનાર; શાસ્ત્રીય બારીક નિયમોને સમજનાર. उत्सर्ग और अपवाद मार्ग को जाननेवाला; शास्त्रीय सूक्ष्म नियमों को समझने वाला. (One) who has knowledge of general rules and exceptions; (one) who knows the minute rules of Śāstras. प्रव० ५५०;

उस्सरण. न० (*) બહુલતા; ઘણેભાગે; પ્રાયે. बहुलता; बहुत अधिक; प्रायः mostly; to a great extent. "उस्सण्णमंसाहारा" भग० ७, ७; "उस्सण्ण लक्खणसंजुया" निसी० ३; जीवा० १; भग० ७, ६; १५, १; —दोस. पुं० (-दोष—उत्सन्नमनुपरतं बाहुल्येन प्रवर्तत इत्युत्सन्नदोषः) હિંસાદિમાં ઘણી પ્રવૃતિવાલો. हिंसादि में बहुत प्रवृत्ति रखनेवाला. one who is too much given to the sin of killing etc. भग० २५, ७;

उस्सण्हसण्हिआ. स्त्री० (उच्छ्लक्ष्णश्लक्ष्णिका) અનંત વ્યવહારિ પરમાણુ ભેગા થવાથી બનેલ સ્કંધની સંજ્ઞા. अनंत व्यवहारी परमाणुओं के एकत्र होनेसे बने हुए स्कंध की संज्ञा. Name given to a molecule made up of innumerable atoms. जं० प० २, १८;

उस्सन्न. (*) જુઓ "उस्सरण" શબ્દ. देखो 'उस्सरण' शब्द. Vide "उस्सरण" पगह० १, १; सूय० २, २, ६५;

उस्सप्पिणी. स्त्री० (उत्सर्पिणी-उत्सर्पन्ति शुभाभावा अस्यामित्युत्सर्पिणी) ચડતા છ આરા પુરા થાય તેટલો કાલ; દશ કોડા કોડી સાગરોપમ પ્રમાણનો ચડતો કાલ. उत्सर्पिणी काल; प्रगतिशील छह कालों के समूह का नाम; दश कोडा कोडी सागरोपम वह काल जिसमें सदा उन्नति होती रहती है. The æon of increase; the up-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ward revolution of the wheel of time consisting of six periods (Ārās); the era of increase equal to 10 × crore × crore of Sāgaropamas. भग० ३, १; ५, १; ५, ६; १५, १; २०, ८; उत्त० ३४, ३३; अणुजो० ११५; १४५; सम० २०; ठा० १, १; २, ४; सू० प० ८; पन्न० १२; जं० प० ७, १५०; नंदी० १६; कप्प० २, १८; —काल. पुं० (–काल) દશ ક્રોડ ક્રોડી સાગરોપમ પ્રમાણ ચડતો કાલ. उत्सर्पिणी काल; दश कोडा कोडी सागरोपम प्रगतिशील काल the era of increase or of upward revolution of the wheel of time equal to 10 × crore × crore of Sāgaropamas. जं० प० २, १८; भग० २५,६; —ट्ठया. स्त्री० (–अर्थता) ઉત્સર્પિણીની અપેક્ષાએ. उत्सर्पिणी की अपेक्षा से. भग० ११, ११;

उस्सयंगुल. न० (उच्छ्रयांगुल) ત્રણ પ્રકારના અંગુલ પૈકી બીજું ઉત્સેધાંગુલ; જેનાથી અશાશ્વતી વસ્તુની લંબાઈ પહોળાઈ વગેરેનો માપ થાય અથવા શરીરની અવગાહના મપાય તે અંગુલ. तीन प्रकार के अंगुलों में से दूसरा उत्सेध अंगुल; जिससे अनित्यवस्तुओं की लंबाई चोडाई वगैरह की नाप होती है अथवा शरीर की अवगाहना नापी जाती है वह अंगुल. The 2nd of the three kinds of fingers called Utsedha Aṅgula; small finger in its breadth used to measure the length and breadth of destructible objects. विशे० ३४१;

उस्सयण. पुं० (उच्छ्राय) માન; અહંકાર. मान; घमंड; अहंकार. Pride; conceit. "थंडिलुस्सयणाणिय" सूय० १, ९, ११;

उस्सव. पुं० (उत्सव) ઈંદ્ર આદિનો મહોત્સવ. इंद्र आदि का महोत्सव. A festival; e. g. of Indra etc. नाया० १; २; पराह० १, ३; २, ५;

उस्सवणया. पुं० (*उच्छ्रवण) ઊંચું કરવું તે. ऊंचा करना. Lifting up; raising up. भग० १, ८;

उस्सविय. सं० कृ० अ० (विश्वास्य) વિશ્વાસમાં પાડીને. विश्वास में डालकर Having inspired with trust or confidence. सूय० १, ४, १, ६;

उस्ससण. न० (उच्छ्वास) ઉચ્છ્વાસ. उसांस. Inhaling of air; breathing in of air. क० गं० १, ६४;

उस्ससिअ. न० (उच्छ्वसित) ઊંચો શ્વાસ. ऊंचा श्वास. Inhalation of breath. नंदी० ३८; आव० १, ४;

उस्सा. स्त्री० (अवश्याय) ઝાકળ. ओस. Frost; dew; mist. कप्प० ६, ४५;

उस्सास. पुं० (उच्छ्वास—ऊर्ध्व प्रबलःश्वास. उच्छ्वासः) પ્રજ્ઞાપનાના સાતમા પદનું નામ જેમાં નારકી જીવ કેટલે વખતે શ્વાસ લે છે તેના કાળનું પરિમાણ આપેલ છે. प्रज्ञापना के ७ वे पद का नाम, जिसमें "नारकी जीव कितने समय के बाद श्वास लेते हैं" इसका वर्णन है. Name of the 7th Pada of Prajñāpanā in which is given the period of time during which a hell-being takes one

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

breath. पन्न० १; (२) ઉંચો શ્વાસ લેવો તે. ऊंचा श्वास लेना. inhalation of breath. पन्न० २३; दसा० १०, ७; भग० १, ६; २, १; सम० ३४; जं० प० २, १८; (३) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ શ્વાસોચ્છ્‌વાસ લઇ શકે છે. नामकर्म की एक प्रकृति का नाम जिसके कि उदय से जीव श्वासोच्छ्वास लेते हैं. a variety of Nāmakarma by the rise of which a soul can inhale and exhale breath. क० गं० १, २४; ५. ६०; पन्न० २३; —नीसास. पुं० (-निःश्वास) શ્વાસોશ્વાસ લેવો તે; ઉંચેથી નીચે ને નીચેથી ઉંચે શ્વાસ લેવો તે. श्वासोच्छ्वास लेना; ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर श्वास लेना. respiration. पन्न० १; —पश्र. पुं० (-पद) ઉચ્છ્‌વાસ પદ-પ્રજ્ઞાપના સૂત્રના સાતમાં પદનું નામ. उच्छ्वास पद; प्रज्ञापना सूत्र के सातवें पद का नाम. name of the 7th Pada of Prajñāpanā Sutra भग० १, १; —विस. पुं० (-विष) જેના શ્વાસમાં ઝેર છે એવી જાતિનો એક સર્પ. जिसके श्वास में जहर है ऐसी जाति का एक सर्प. a serpent with venomous breath पन्न० १:

उस्सासग. पुं० (उच्छ्वासक उच्छ्वसन्नात्युच्छ्वासकाः) શ્વાસોચ્છ્‌વાસ લેનાર. श्वासोच्छ्वास लेने वाला. One who breathes. नाया० १; ठा० २. २;

उस्सासय. पुं० (उच्छ्वासक) જુઓ " उस्सासग " શબ્દ. देखो " उस्सासग " शब्द. Vide " उस्सासग " भग० ११, १;

उस्सिश्र. त्रि० (उच्छ्रित) ઉંચું કરેલ; ઉંચે ઉપાડેલ. ऊंचा उठाया हुआ Raised up; lifted up. विवा० २; राय० ७०; ओव० ३१; जं० प० २, २१; —(ओ)उदश्र-य. त्रि० (-उदक) વધેલું પાણી; ઉંચું ચડેલ પાણી. बढा हुआ पानी; चढा हुआ पानी. water risen high or increased in volume. " लवणेणं समुद्दे उस्सिओदए " भग० ६, ८; —भया. स्त्री० (-ध्वजा) ઉંચી કરી છે ધ્વજા જેણે તે (સ્ત્રી). जिसने ध्वजा ऊंची की वह (स्त्री). (a woman) who has raised up a flag or banner. विवा० २;

उस्सिचणा. स्त्री० (उत्सेचन = ऊर्द्ध्वसेचनमुत्सेचनम्) તળાવાદિનું પાણી ઉલેચી બહાર કાઢવું તે. तलाव वगैरह का पानी उलीच कर बाहिर निकालना. Taking out or drawing out water from a tank etc. उत्त० ३०, ५; भग० ३, ३;

उस्सिचितार. त्रि० (उत्सेक्तृ) પાણી ઉલેચનાર. पानी उलीचने वाला. (One) that draws out or takes out water. दसा० ६, ४;

उस्सित. त्रि० (उत्सृत) ઉંચું કરેલું. ऊंचा करा हुआ. Raised up; lifted up. जावा० ३, ४;

उस्सित्त. न० (उत्सिक्त) ઉંચું કીધેલું. ऊंचा किया हुआ Lifted up; raised up; exalted. (२) ગર્વિષ્ઠ; ઉદ્ધત गर्विष्ठ; घमंडी; उद्धत. proud; vain. भग० ३, ३;

उस्सिय. त्रि० (उत्सृत) ફેલાયેલ. પસરેલ. फैलाया हुआ; पसारा हुआ. Spread; extended. (२) ઉંચું કરેલ. ऊंचा किया हुआ. lifted up; raised up. सम० प० २१२; राय० ६६;

उस्सीस. न० (उच्छीर्ष) ઓશીકું. तकिया. A small pillow for the head. ओघ० नि० २३२; —मूल न० (-मूल) ઓશીકાનું મુળ; ઓશીકાની નીચે. तकियेके

नीचे का भाग. the under-portion of a pillow for the head. निसी० ४, ७६; नाया० १;

उस्सुअ. न० (औत्सुक्य) ઉત્સુકતાપણું. उत्सुकता; चंचलता. Excessive eagerness or curiosity; busy inquisitiveness. ओघ० १६;

उस्सुक्क. त्रि० (उच्छुल्क) કર રહિત; જગાત રહિત, निःशुल्क; कर रहित; बिना फीस का; जगात रहित. Free from customs duties; free from taxes. "उस्सुक्कं वियरइ" कप्प० ४, १०१; नाया० १; ८; १४; १७; विवा० ३;

उस्सुग. त्रि० (उत्सुक) ઉત્કંઠિત; ઉત્સાહયુક્ત. उत्कंठित; तीव्र चाह वाला; उत्साह सहित. Eager; zealous; enthusiastic. ओव० २६;

उस्सुगत्त. न० (उत्सुकत्व) ઉત્સુકપણું; આકુલતા. उत्सुकता; उत्कंठा; तीव्र इच्छा; आकुलता. Eagerness; confusion of mind caused by excessive eagerness. महा० प० ४;

उस्सुगत्तण. न० (उत्सुकत्व) ઉત્સુકતા; આકુલતા. उत्सुकता उत्कंठा; तीव्र चाह; आकुलता. Eagerness; perturbation of mind. पगह० २, ३;

उस्सुत्त. न० (उत्सूत्र) મન, વચન, અને કાયાએ કરી સૂત્રથી વિરૂદ્ધ આચરણ કરવું તે मन, वचन, और काया से सूत्र से विरुद्ध आचरण करना. Violating the precepts of the Sūtras (scriptures) in thought, word and deed. आव० १, ४; भग० ७, १; १०, १; प्रव० १२१; पंचा० १४, १८;

उस्सुय. त्रि० (उत्सुक) ઉત્કંઠિત; ઉત્સાહવાળો. उत्कंठित; तीव्र इच्छावाला; उत्साह वाला. Eager; zealous; enthusiastic. (२) पुं० ઉત્સુક નામના એક કુમાર. उत्सुक नामक एक कुमार. name of a Kumāra (a boy) नाया० १६;

उस्सुय. न० (औत्सुक्य) ઉત્સુકપણું. उत्सुकता; उत्सुकपना. Eagerness; curiosity. नाया० १; —**कर.** त्रि० (-कर) ઉત્કંઠા ઉપજાવનાર. उत्कंठा पैदा करने वाला. Exciting eagerness or curiosity. नाया० १;

उस्सुयभूअ. त्रि० (उत्सुकीभूत) ઉત્કંઠાવાળો; આતુર બનેલ. उत्कंठा वाला; आतुर; उत्सुक. Made eager or anxious; eager; made curious. "उस्सुयभ्भूएणं अप्पाणेणं" आया० २, १, ३, १४;

उस्सु-याय. ना० धा० I. (उत्सुकं करोतीति उत्सुकायते) વિષય તરફ ઉત્સુકતા કરવી—આતુરતા કરવી. विषयों की ओर उत्सुकता करना; विषयों में उत्सुक होना. To be full of eagerness for sensual enjoyment.

उस्सुयायंति. भग० ५, ८;
उस्सुयाएज्ज. भग० ५, ८,
उस्सुयमाण. भग० ५, ८;

उस्सूलअ. पुं० (*) દુશ્મનના લશ્કરને પાડવા માટે ઢાંકેલી છુપી ખાઇ; એક જાતની ખાઈ. खाई; शत्रु की सेना को गिराने के लिये ढांकी हुई खाई. A ditch; a trench; a hidden trench to destroy a hostile army. उत्त० ६, १८;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उस्सेइम. न० (उत्स्वेदिम) લોટનું ધોવણ; ડાંગર વગેરેનો લોટ ઓસાવવામાં આવે તે લોટ વાળું પાણી. आटे का धोवन. Water in which rice-flour etc. have been socked. ठा० ३, ३; आया० २, १, ७, ४१;

उस्सेयण. न० (उत्स्वेदन) ઓસામણનું પાણી. मांड; चावल वगैरह सिमाने के बाद निकला हुआ पानी. Water taken out after rice etc. have been boiled in it. निसी० १७, ३०;

उस्सेह. पुं० (उत्सेध) ઉંચાઈ; અવગાહના; ऊंचाई; अवगाहना. Height; measure of height. ओघ० नि० भा० २६३; राय० ३६; जं० प० २, १६; ५, १२२; ओव० १०; ३८; उत्त० ३६, ६३; उवा० १, ७६; (२) શિખર. शिखर; चोटी. summit; peak. जीवा० ३, ४; —अंगुल. पुं० (-अंगुल) ઉત્સેધાંગુલ; આઠ જવ મધ્ય-પ્રમાણ એક માપ; આ અંગુલથી નારકી તિર્યંચ વગેરે સર્વ જીવોના શરીરની અવગાહના-ઉંચાઈનું પ્રમાણ ગણવામાં આવ્યું છે. उत्सेधांगुल; नारकी, तिर्यंच वगैरह जीवों के शरीर की ऊंचाई का प्रमाण जिससे किया जाय वह अंगुल. a measure equal in breadth to eight barley seeds and used to calculate the height of hell-beings etc. प्रव० ५८; १४०६; अणुजो० १३४; —प्पमाण. न० (-प्रमाण) શરીરાદિની ઉંચાઈનું પ્રમાણ. शरीरादि की ऊंचाई का प्रमाण. height of the body etc. राय० १५८;

उस्सेह. पुं० (उच्छ्राय) માઢ-મેડીનો શિખર. ऊपर की मंजिल की चोटी. The top of the upper floor. राय० १०७;

उहासणभिक्खा. स्त्री० (अवभासन भिक्षा) પોતાની ઓળખાણ આપીને ભિક્ષા લેવી તે. पहचान देकर ली हुई भिक्षा. Begging alms after introducing oneself i. e. disclosing one's name etc. आव० ४, ५;

ऊ.

ऊण. त्रि० (ऊन) ઊણું; ઓછું; ન્યૂન. न्यून; कम; ओछा; उणा. Wanting; lacking; falling short. अणुजो० ६७; ओव० १६; सूय० २, ६, १५; उत्त० ३०, २१; नाया० ८; पन्न० २; सू० प० १; क० गं० ३, २२; पंचा० ३, २०; जं० प० ७, १३४; क० प० १, १३; —ऊण. त्रि० (-ऊन) ઊણું ઊણું; ઓછું ઓછું. कम कम. less and less. क० गं० ५, १६;

ऊणग. त्रि० (ऊनक) ઓછું. न्यून; कम. Less; falling short. भग० ७, १;

ऊणत्त. न० (ऊनत्व) ઓછા પણું. कमी. ओछापन. State of being less; paucity; defect. पंचा० १४, २४;

ऊणय. त्रि० (ऊनक) જુઓ "ऊणग" શબ્દ. देखो "ऊणग" शब्द. Vide. 'ऊणग' पिं० नि० ६५०;

ऊणाइरित्तमिच्छादंसण. न० (ऊनातिरिक्त-मिथ्यादर्शन) શરીરના પ્રમાણથી જીવને ન્હાનો અથવા મ્હોટો માનવો તે; મિથ્યાત્વનો એક પ્રકાર. शरीर के आकार परसे जीवको छोटा या बडा मानना; मिथ्यात्वका एक भेद. Measuring the size of the soul by the size of the body; a mode of false belief. " ऊणाइरित्त-मिच्छादंसण वत्तिया चेव " ठा० २, १;

ऊणिय. त्रि० (* ऊन) ન્યૂન. न्यून; कम Less; falling short; lacking. " **बायालीसं वासाइं ऊणियाए** " जं० प० २, १६; २, ३५; २, ४०; भग० ६, ७; २५, ७; कप्प० १, २;

ऊणोयरिया. स्त्री० (ऊनोदरिका = ऊनमुदर-मुनोदरं तस्य करणं भावे-वुञ्-ऊनोदरिका) હમેશના ખોરાક કરતાં કંઈક ઓછું ખાવું તે; ઊનોદરી તપ. रोज के प्रमाण से कुछ कम भोजन करना; भूख से कुछ कम खाना. Eating less than one's fill; this is called Ūnodarī austerity. ओव० १६; उत्त० ३०, ८; भग० २५, ७; प्रव० २७१; पंचा० १६, २;

ऊरणी. स्त्री० (*) ગાડર. भेड; गाडर. A female sheep; a ewe; a sheep. अणुजो० १३१;

ऊरणीअ. पुं० (और्णिक) ગાડર પાલનાર; રબારી. गडरिया. A shepherd. अणुजो० १३१;

ऊरु. पुं० (ऊरु) સાથળ. जांघ. A thigh. " **कणगामया ऊरु** " राय० १६४; " **बाहामे ऊरु मे** " सूय० २, १, ४२; भग० ५; ४; १६, ८; दश० ४; ८; ४६; जं० प० ओव० १०; उत्त० १, १८; आया० १, १, २, १६; जीवा० ३१, ३; निसी० ७, १४; उवा० २, ६४; **—घंटा.** स्त्री० (-घण्टा) સાથળ ઉપર લટકતી ઘંટડી. जांघ के ऊपर लटकने वाली घंटी. a small bell hanging upon a thigh. नाया० १८; **—घंटिया.** स्त्री० (घण्टिका) સાથળ ઉપર લટકતી ઘંટડી. जंघाके ऊपर लटकने वाली घंटी. a small bell hanging upon a thigh. नाया० १८;

ऊस. पुं० (ऊष) ખારો; લવણમિશ્ર રેતી; ખારી માટી. नोंन मिली हुई रेती; खार; खारी मिट्टी. Salt earth; sand mixed with salt पन्न० १; निसी० ४, ४०; दस० ५, १, ३३; पिं० नि० भा० १३; उत्त० २६, ७३; आया० २, १, ६, ३३;

ऊसड. त्रि० (* उत्सृत) ઊંચું કરેલ. ऊंचा किया हुआ. Elevated; made high. जीवा० ३, ४; राय० १३४;

ऊसढ. त्रि० (उत्सृष्ट) તજેલું; નાખી દેવાનું. छोडा हुआ; फेंक देने योग्य. Abandoned; thrown away; to be thrown away. निसी० ८, १६; **—पिंड.** न० (-पिण्ड) નાખી દેવાનું પિંડ-ભોજન. फेंक देने योग्य भोजन. food, to be thrown away or cast away. निसी० ८, १६;

ऊसढ. त्रि० (उत्सृत) ઋદ્ધિ સંપદા વગેરેથી ઉંચું. ऋद्धि, संपत्ति आदि से बड़ा. Exalted, high by reason of wealth, prosperity. " **ऊसढं नाभि धारए** " दस० ४, १, २५; सम० ३३; (२) સારૂં રસદાર સુગન્ધિ ભોજન. अच्छे रसवाला सुगंधित भोजन. rich and sweet-smelling food. " **रसियं रसियं ऊसढं ऊसढं मणुण्णं मणुण्णं** " सम० आया० २, १, ४, २६; २, ४, २, १३७; दसा० ३, १६; (३) ઊછરીને મોટા થઈ આવેલ (છોડવા વગેરે). फलफूल कर जो बडा हो गया वह, (वृक्ष वगैरह). grown up (plants, crops etc.)- " **थिरा ऊसढाविय** " दस० ७, ३५;

ऊसप्पिऊण. सं० कृ० अ० (उत्सर्प्य) આમ

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

કરીને. पा करके; प्राप्त करके. Having got or obtained. सु० च० ५, ६७;

ऊसर. न० (ऊषर) ખારી જમીન. नमकीन जमीन. Salt land or soil. सु० च० २, २५; भत्त० ७३;

ऊसरण. न० (उत्सरण) ઉપર ચડવું. ऊपर चढना. Rising up; mounting up. "थाणूसरणंतओ समुप्पयणं" विशे० १२०८;

ऊसव. पुं० (उत्सव) ઉત્સવ; મહોત્સવ. उत्सव; महोत्सव. A festival; a festive occasion. पि० नि० २२५;

ऊसविय. त्रि० (उत्सृत) ઉંચું કરેલ. ऊंचा किया हुआ. Elevated; made high. नाया० १; ८; भग० ६, ३३; ११, ११; जीवा० ३, ३;

ऊसविय. अ० (उत्सृत्य) એકત્ર કરીને; ઉંચા કરીને. एकत्र कर के; ऊंचा कर के. Having collected or gathered or joined together; having raised up. भग० १, ८;

ऊसस. पुं० (उच्छ्वास) ઉંચો શ્વાસ ऊंचा श्वास; उच्छ्वास Inhalation of breath. भग० १, १;

ऊससिअ.-य. न० (उच्छ्वसित) ઉંચો શ્વાસ લેવો. ऊंचा श्वास लेना Inhaling of breath विशे०५०१;सु०च०१३,४०; —**रोमकूव.** त्रि० (-रोमकूप) જેના રૂંવાડાં હર્ષથી ઉંચા થયા છે તે. उच्छ्वसित रोमकूप (जिस के रोम हर्ष से ऊंचे होते हैं) रोमांचित होने वाला. (one) horripilated with joy कप्प० २, १४;

ऊसारिय. पुं० (उत्सारित) પસારેલ; વિસ્તારેલ. प्रसरित; फैलाया हुआ. पसारा हुआ. Spread; extended. नाया० १८; भग० ६, ३३;

ऊसास. पुं० (उच्छ्वास = उत्ऊर्ध्वंश्वास उच्छ्वासः) શ્વાસ ઉંચો લેવો તે ऊंचा श्वास लेना; Inhaling of breath. जीवा० ३, १;जं०प०२,१८; नाया०१;८;१३,१;६; ओव० ३६; भग० २, १; ६, ७; सु० च० २, ४१६; (२) ગાયનનું એક ચરણ બોલતા જેટલો વખત લાગે તેટલા વખત પ્રમાણનો કાળ વિભાગ. गायन का एक चरण बोलने में जितना समय लगे ऊतने समयका काल. a period of time taken up in singing one part of a musical composition. अणुजो० १२८; —**णीसास** पुं० (निःश्वास = उच्छ्वासेनसह निश्वासः) શ્વાસોચ્છ્વાસ. श्वासोच्छ्वास; ऊपर नीचे श्वास लेना. respiration. भग० ७, ६; जं० प० ७, १८; —**द्धा.** स्त्री० (अध्वन्) ઉચ્છ્વાસ પ્રમાણ કાલ. उच्छ्वास प्रमाण काल. a period of time taken up in singing one part of a musical composition. भग० ६, ७;

ऊसासग. पुं० (उच्छ्वासक = उच्छ्वासितीत्युच्छ्वासकः) શ્વાસ લેનાર. श्वास लेनेवाला One who breathes. भग० ३५, १;

ऊसासनाम न० (उश्वासनाम) નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ શ્વાસોશ્વાસ લઈ શકે. नाम कर्म की एक प्रकृति कि जिस के उदयसे जीव श्वासोच्छ्वास ले सकता है. A variety of Nāmakarma by the rise of which a soul gets the power of respiration. क० गं० १, ४४; प्रव० १२७७;

ऊसिय. त्रि० (उच्छ्रित) ઉંચું કરેલ ऊंचा किया हुआ. Raised high; lifted up. ओव० २१; पन्न० १२; जं० प० ३, ४६; ५३; ५७; ७, १६६; भग० ३, ४; ११, ११; नाया० १; ८; ६; सूय० २, १, ३;

जीवा० ३, ३; कप्प० ३, ३३; प्रव० १४६०;

ऊसिय. त्रि० (उत्सृत) ઊંચું કરેલ; ઊંચું મુકેલ. ऊंचा किया हुआ. Raised up; placed high. राय० २२५; जीवा० ३, ४; नाया० ८; ओव० ४०; (२) ઉન્નત उन्नत; ऊंचा उठा हुआ. lofty; high. ओव० ४०; जं० प० ७, १६२; ७, १६६; —**उझया.** स्त्री० (ध्वजा) ઉંચી કરેલી ધ્વજા. ऊंची उठाई हुई ध्वजा. raised up banner or flag. विवा० १, २; नाया० ३; —**फलिह.** पुं० (स्फटिक-उच्छ्रितमुन्नतं स्फटिकमिव स्फटिकं चित्तं येषां ते उच्छ्रितस्फटिका मौनीन्द्रप्रवचनावाप्त्यापरितुष्टमान सा इत्यर्थः। यद्वा उच्छ्रितोऽर्गलास्थानादपनीयोर्द्धीकृतोतिरश्चीनाः कपाटपश्चाद्भागादपनीतः परिघोर्गलायेषां ते उच्छ्रित परिघाः। अथवा उच्छ्रितोगृहद्वारापगतः परिघोयेषां ते उच्छ्रितपरिघा औदार्यातिशयादतिशयदानदायित्वेन भिक्षुकाणां गृहप्रवेशार्थमनर्गलित गृहद्वारा इत्यर्थः) સ્ફટિક રત્ન જેવું નિર્મલ ચિત્તવાળો. स्फटिक समान निर्मल चित्तवाला. a person with a mind as pure and transparent as crystal. (२) જેણે બાગલ ઊંચે ચઢાવી દ્વાર ઉઘાડા મુકયા છે તે. जिसने अपने द्वार सदा खुले रखे हैं वह. one who has raised up a door-bolt and opened the doors. "ऊसियफलिह अवंगुयदुवारे चियत्तंतेउर परघरप्पवेसे" भग० २, ५; नाया० ५; —**लंगूल.** न० (लांगूल) ઊંચી પુંછડીવાળો. ऊंची पूंछवाला. one with the tail lifted up नाया० १;

ऊसिया. सं० कृ० अ० (उत्सृत्य) ઉત્તરોત્તર ચઢીને, આગળ વધીને. उत्तरोत्तर चढकर; अगाडी बढकर. Progressing; rising step by step. उत्त० १०, ३५;

*** ऊसियारी.** स्त्री० (*) બીલાડી. बिल्ली. A cat. आया० १, ६, ४, ११;

ऊसीस. न० (उच्छीर्ष) ઓસિકું. तकिया. A small pillow for the head or for resting the cheeks on. नाया० ७; —**मूल.** न० (-मूल) ઓસીકાની પાસે-નીચે. तकिया के पास; तकिया के नीचे. near a pillow; under a pillow. "उसीसामूले ठावेइ" नाया० ७;

ऊसीसग. न० (उच्छीर्षक) ઓસીકું; તકીયો. तकिया; उसीसा. A small pillow. भग० ६, ३३; —**मूल.** न० (-मूल) ઓસીકા-તકીયાનું મૂલ. तकिये की नीचे की ओर. the bottom or underpart of a pillow. भग० ६, ३३;

ऊह. पुं० (ओघ) ઓઘ-સામાન્ય સંજ્ઞા, આહાર, ભય મૈથુન અને પરિગ્રહ વિષયક સંજ્ઞા-ઇચ્છા. सामान्य संज्ञा-ओघ; आहार, भय आदि संज्ञाएं. Proposition of the subject; inclination towards food, fear, sex and worldly possessions. विशे० ५२१; —**सग्गा.** स्त्री० (-संज्ञा) જુઓ 'ऊह' શબ્દ. देखो 'ऊह' शब्द. Vide "ऊह" विशे० ५२३;

ऊह. न० (ऊधस्) ગાય, ભેંસ વગેરેનો આઉ. गाय भैंस वगैरे का अउ. An udder of a cow etc. विवा० २.

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ए.

ए. अ० (ए) સંબોધન. संबोधन. A vocative interjection. जं० प०

ए. अ० (एवं) આપ્રમાણે. इस प्रकार; इस तरह. Thus; in this way. भग० ५, ४; पन्न० ३६;

एइय. त्रि० (एजित) કાંઈક કંપેલું; ધ્રૂજેલું. कुछ कंपा हुआ; कुछ धूज गया हुआ. A little trembled; quaked. जीवा० ३, ४; राय० १२८;

एक. त्रि० (एक) એક; એકલું; એકજ. एक; अकेला; एकही. One; alone; single; only. नाया० १; सम० १; —(का)असइ. स्त्री० (-अशीति) ८१; એક્યાશી. इक्यासी. 81; eighty-one. वव० ६, ३६; —(का) अह. न० (-अहन्) એક દિવસ. एक दिन. one day. भग० ६, ५; —चत्तालीसा. स्त्री० (-चत्वारिंशत्) એકતાલીસ. इकतालीस. 41; forty-one. सम० ४१; —ट्ठअ. त्रि० (-अर्थक) એક અર્થવાળું; પર્યાયવાચક, एक अर्थवाला. synonymous. अणुजो० २८; —तीसा. स्त्री० (-त्रिंशत्) એકત્રિસ; ३१. इकतीस. 31; thirty-one. पन्न० ४; —पासिय त्रि० (-पार्श्विक) એક પડખે સુનાર. एक करवट से सोनेवाला. (one) who lies or sleeps on one side only. वेय० ५, २; ३; —राइ. स्त्री० (-रात्रि) એક રાત. एक रात्रि. one night. वव० ६, १०; —राय. न० (-रात्र) જુઓ "एकराइ" શબ્દ. देखो "एकराइ" शब्द. vide "एकराइ" दसा० ७, १; —वीसा. स्त्री० (-विंशति) એકવીસ; २१. एकवीस. 21; twenty-one. नाया० ३; १६; क० प० २, १३;

एकंचण. अ० (एकश्चन) એક; કોઇ એક. एक; कोई एक. One; some one. नाया० ६;

एकजडि. पुं० (एकजटिन्) એક જટાવાળો-પુંછડીવાળો ગ્રહ; ८८ ગ્રહમાંનો એક. एक जटावाला-पूंछवाला ग्रह; ८८ ग्रहों में से एक. One of the 88 planets; a planet with a tail. ठा० २, ३;

एक राइया. स्त्री० (एक रात्रिका) એક રાત્રિની બારમી ભિક્ખુ પડિમા. एक रात्रि की बारहवीं भिक्षु की पडिमा. The twelveth austerity of a Jaina-layman which takes one whole night. वव० १, २४;

एकल-ल्ल-विहार. पुं० (एकाकिविहार) સાધુએ એકલા વિચરવું તે. साधु का अकेला विचरना. Lonely peregrination on the part of an ascetic. वव० १, २६; दसा० ४, ११; —पडिमा. स्त्री० (-प्रतिमा) એકાકી-એકલા વિચરવાની પ્રતિજ્ઞા કરવી તે. एकाकी-अकेला विचरने की प्रतिज्ञा लेना. a vow (by an ascetic) of lonely peregrination. वव० १, २६; —सामायारी. स्त्री० (-समाचारी) એકલા વિચરવાની સમાચારી-આચાર મર્યાદા. अकेले घूमने की मर्यादा; विचरने की समाचारी (आचार मर्यादा). a Sādhu's Samāchāri (a point of prescribed conduct) consisting in lonely peregrination. दसा० ४, ११;

एकाणउइ. स्त्री० (एकनवति) એકાણું. इक्यानवे. 91; ninety-one. सम० ६१;

एकाणिय. त्रि०(एकाकिन्) એકલું; સહાય વગરનું. अकेला; सहाय रहित. Alone; helpless; unaccompanied. वेय० १, ४६;

एकारस. त्रि० (एकादश) અગીયાર; ૧૧. ग्यारह. 11; Eleven. क० प० २, १२; नाया० १२; —**अंग.** न० (–अङ्ग) આયારાંગાદિ ૧૧ અંગસુત્ર. आचारांगादि ग्यारह अंग सूत्र. the 11 Aṅga Sūtras, e. g. Āchārāṅga etc. नाया० १२;—**अलंकार.** पुं० (-अलंकार) સંગીતના ૧૧ અલંકાર. संगीत के ग्यारह अलंकार. the 11 melodies or tropes of music. राय० १३१; —**मास.** पुं० (–मास) અગીયાર મહિના ग्यारह मास. 11 months. दसा० ६, २; —**वार.** पुं० (–वार) અગીયારમી વાર. ११ वीं वार. eleventh time. नाया० ८;

एकारसम. त्रि० (एकादशम) અગીયારમો. ग्यारहवां. 11th; eleventh. दसा० ६, २; नाया० ११;

एकारसी. स्त्री० (एकादशी) અગીયારસ. ग्यारस. The 11th day of every fortnight. जं० प०

एकावली. स्त्री० (एकावली) કનકાવલીના જેવું એક પ્રકારનું તપ; અનુક્રમે ચઢતા ઉતરતા તપની આવલી-સમૂહ. कनकावली के समान एक प्रकार का तप; अनुक्रम चढते और उतरते हुए तप का समूह. Name of an austerity resembling that known as Kanakāvali. It consists of a number of fasts in ascending and descending order. ओव० १६; (२) એક સરો હાર; એક જાતનું ઘરેણું. एक प्रकार का गहना. a kind of ornament; a single string of pearls, beads etc. निसी० ७, ८; सम० प० २३७; जीवा० ३, ३;

एकासण. न० (एकाशन) આખા દિવસમાં એકજ વખત ખાવાનું વ્રત લેવું તે. एक व्रत का नाम जिस व्रत में दिन में एकही बार खाया जाता है. A vow of taking only one meal in a day. प्रव० २०३; पंचा० ६, ७;

एकासणिअ. पुं० (एकाशनिक) હમેશાં એક વખત જમનાર. सदा एक बार भोजन करने वाला. One who takes his food only once a day. पण्ह० २, १;

एकूणवीसा. स्त्री० (एकोनविंशति) ઓગણીસ; ૧૯. उन्नीस; उगनीस; १६. 19; nineteen. सम० १६; सू० प० १;

एक. त्रि० (एक) એક; અદ્વિતીય एक; अद्वितीय. One; without a second. पिं० नि० १८५; नाया० १; सम० प० २३२; ओव० ३; ३; भग० २, ५; १०; ३, २; ५, ६; ८; ६, ७; ८; १; १८, ७; २०, १०; २५, ४; ३१, २; वेय० १, ४२; उवा० ७, १८२; क० प० १, ३४; जं० प० ५, ११२; —**अभिलाव.** पुं० (–अभिलाव) એક સમાન સૂત્ર પાઠ. एकसा सूत्र पाठ. one reading of Sūtras. भग० २, १०; —(**का**)**अवराह.** पुं०न० (–अपराध) એક અપરાધ; એક ગુન્હો. एक अपराध. one fault or crime. नाया० ८; —(**का**)-**असी.** स्त्री० (अशीति) એકાશી; ૮૧. इक्यासी; ८१. eighty-one; 81. सम० ८१; —**असीति.** स्त्री० (–अशीति) જુઓ " एकासी " શબ્દ. देखो "एकासी" शब्द. vide " एकासी " भग० ४०, १; —(**का**)**आसण.** न० (–आसन) એકાસણું; એક આસને બેસી દિવસમાં એકજ વખત ભોજન કરવાનું વ્રત. एकासना; एक आसन से बेठकर दिन में एक बार भोजन करने का व्रत. the vow of taking only one meal on one seat during a day (i. e.

24 hours); this is also called Ekāsaṇā. ओघ० नि० भा० २७५; —त्तीसा. स्त्री० (-त्रिंशत्) ३१; એકત્રીશ. ૩૧; इकतीस; 31; thirty-one भग० ८, ९; २०, ५; २४, २१; ४०, १७; ओव० १६; ४१; सम० ३१; कप्प० २, २४; जं० प० ७, १४८; —देस. पुं० (-देश) બાદર દૃષ્ટિ વગેરેથી જોઇ શકાય એવી વનસ્પતિ કાય વગેરેની હિંસા. स्थूल दृष्टि आदि से देखने में आसकनेवाली वनस्पति वगैरह की हिंसा. killing of vegetable life etc. which can be perceived with the eyes etc. विशे० १२३४; —वीसा. स्त्री० (-विंशति) એકવીસ; २१; इक्कीस; २१; इकवीस. 21; twenty-one. भग० २, ८; ६, ५; ७; ७, ६; १६, ६; सम० ११; २१; अणुजो० १४१; क० प० २, १६; —सत्तरि. स्त्री० (-सप्तति) ७१; એકોતેર. ७१; इकहत्तर. 71; seventy-one. सम० ७१; —समय. पुं० (-समय) એક સમય. एक समय. one Samaya i.e. a unit of time, an instnant. भग० १, १०; —सरय. न० (*) એકજ સર-પંક્તિવાળું; ઉદ્દેશાદિ પેટા વિભાગ વિનાનું. एक ही पंक्तिवाला; उद्देशादि उपविभागोंसे रहित (a text composition etc.) not divided into sections, chapters etc. "सम्मत्तं च पवरसमं सयं एक्कसरयं" भग० १५, १; —साडिअ. न० (-शाटिक) વચ્ચે સાંધો ન હોય તેવું વસ્ત્ર; સાલ; દુપટ્ટો. ऐसा वस्त्र जिसके बीच में कोई जोड़ न हो; साल; दुपट्टा a shawl; a scarf; a uniform web of cloth i.e. having no joint. ओव० १२; —सिद्ध. पुं० (-सिद्ध) એકાકી પણે સિદ્ધ થયેલ. एकाकी अवस्था से जो सिद्ध हुए हों वह. one, who has attained to salvation by himself i. e. not in the company of others. ठा० १, १; —सीई. स्त्री० (-अशीति) એકાશી. इक्यासी; ८१. eighty-one; 81; क० प० २, २३;

एक्कअ. त्रि० (एकक) એકલ એકલો; એકલ વિહારી સાધુ, अकेला; एकाकी; अकेला विहार करने वाला साधु. Alone; solitary; an ascetic wandering alone from place to place. दस० ५, १, ६५;

एक्कगदत्ति स्त्री० (एकदत्ति) જે તપમાં એકજ દાત, અન્ન પાણીની લેવાય તે. एक तपका नाम जिस में अन्नजलकी एक ही दात ग्रहण की जा सकती है. An austerity in which one cannot take more than one Dāta of food and water. प्रव० १४२७;

एक्कगसित्थ. न० (एकसिक्थ) જે તપમાં આખો દિવસ અન્નની એક સિથ ઉપરાંત ખવાય નહીં તે તપ. एक तपका नाम जिसमें दिन भर में अन्नकी एक सिथ के सिवाय नहीं खाया जा सकता. An austerity in which one cannot take food exceeding a Sitha (a lump of boiled rice etc.). प्रव० १५२७;

एक्कसिं अ० (एकदा) એકદા; કોઇ વખતે. एक समय में; एक बार. Once; in one Samaya (a unit of time = one instant). ओघ० नि० १२१;

एक्कसेस. पुं० (एकशेष) એકશેષ નામનો

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

सभास; सभासने એક પ્રકાર. एकशेष नामक समास; समासका एक भेद. A variety of compound expression known in grammar as Ekaśeṣa compound. अणुजो० १३१;

एक्काईनाम. न० (इक्काइनामन्) એક્કાઇ નામના રાઠોડ इकाई नाम वाला; एकाइ नामका राठोड (ठाकूर). A person named Ekkāi of Rajpūta caste. विवा १;

एक्कारस. त्रि० (एकादशन्) અગીયાર; ११. ११; ग्यारह. 11; eleven. भग० २, १; ३, २; ७, १०; ८, ८; १४, ६, १५, १; २०, ५; २६, १; ३१, १; ३५, ३; उवा० १, ८६; २, १२४; पन्न० ४; ओव० १४; सु० च० १, ३२७; २, ३५३; विशे० १०६२; —अंग. न० (-अंग) આચારાંગાદિ ११ અંગશાસ્ત્ર. आचारांगादे ग्यारह अंगशास्त्र. the 11 Aṅgaśāstras e. g. Āchārāṅga etc. भग० २, १; ६, ३३; नाया० १; ५; ८; ६; १६; —अंगि. पुं० (-अंगिन्) આચારાંગ આદિ ११ અંગના જાણનાર. आचारांगादि ग्यारह अंगों को जानने वाला. one proficient in, familiar with the 11 Aṅgas viz. Āchārāṅga etc चउ० ३३; नाया० १६; —(सु) उत्तर. त्रि० (-उत्तर) જેના ઉત્તરપદમાં ११ છે તે. जिस के उत्तर पदमें ग्यारह हैं वह. (a compound expression) having " eleven " as its latter part. भग० १, ४; —भाअ. पुं० (-भाग) અગીયાર ભાગ. ग्यारह भाग-हिस्से. 11 parts. निर०१,१;

एक्कारसम. त्रि० (एकादश) અગીયારમો. ग्यारहवां. 11th; eleventh. उवा० १, ७१; ठा० ६, १; भग० २, १;

एक्कारसय. त्रि० (एकादशक) અગીયાર;११. ग्यारह. 11; eleven. भग० २०, १०;

एक्कारसी. स्त्री० (एकादशी) એકાદશીતિથિ; અગીયારસ. ग्यारस; एकादशी (तिथि). The 11th day of every fortnight. नाया० ८; जं० प० ७, १५३;

एक्कावण्ण. स्त्री० (एकपञ्चाशत्) એકાવન; ५१. इक्यावन. 51; fifty-one. भग० ६, ३; सम० ५१;

एक्कावादि. पुं० (एकवादिन्) એકજ આત્મા છે એમ માનનાર એક વાદી. एकही आत्मा है, इसप्रकार, मानने वाला एक वादी. One who holds that there is only one soul without a second. ठा० ८, १;

एक्किक्क. त्रि० (एकैक) એકે એક; પ્રત્યેક. प्रत्येक. Each taken singly; every one. भग० ९, १; क० प० १, ६६; —पडिग्गहग. त्रि० (-पतद्ग्रहक) એક એક પાત્ર રાખનાર. एक एक पात्र रखने वाला. (One) keeping a single vessel at a time. प्रव० ६३२;

एक्किया. स्त्री० (एकाकिनी) એકલી (સ્ત્રી). अकेली (स्त्री). A lonely, solitary, (woman). नाया० ६;

एक्केक्किय. त्रि० (एकैकक) પ્રત્યેક. प्रत्येक. Every one; each taken singly. राय० ६१;

एक्केक्क. त्रि० (एकैक) એકેએક; દરેક; પ્રત્યેક. प्रत्येक; हरएक. Every one; each taken singly भग० १, ६; ६, ५; ८, १; पिं० नि० भा० ८; उत्त० १०, १४; उवा० ४, १४७; १, २२५;

एक्कोणविंसतिम. त्रि० (एकोनविंशतिम) ઓગણીસમું. उन्नीसवां. nineteenth; 19th. नाया० ८;

एग. त्रि० (एक) એક. एक. One. भग० १, ५; ८; २, १; ५, ३, १; ६, ३३; १४, १; १६, ६; १८, १०; २४, १; २५, २; ६; नाया० १; २; ५; ६; ८; ६; १०; १३; १४; १६; १८; उत्त० १, २६; पिं० नि० भा० ४१; पिं० नि० ७५; वेय० १, ६; १०; दस० ६, ६०; ६, १, ३; दसा० ७, १; १०, ३; पन्न० १; ४; जं० प० १, १७; ५, १०, २०; सु० च० १, १०३; ठा० ७; अणुजो० १०; वव० १, ३५; ३६; ८, २; १५; ६, ३७; ४०; ४५; १०, १; २; ४; विशे० ३१; ८४; उवा० २, ६३; ११८; क० गं० २, २९; कप्प० ४, ७७; क० प० १, २१; (२) કોઇ એક; કેટલા એક. कोई एक; कुछ एक. some one; some. सूय० १, १, १, ६; १, १, २, १; आया० १, १, १, १; २; १, ६, २, १८३; सू० प० २०; —**अंगिय.** त्रि० (-आङ्गिक) સલંગ; આખું; અખંડ. सारा; अखंड; पूरा. whole; entire; undivided. ओघ० नि० ७०७; —**अंतर.** त्रि० (-अन्तर) એક એક દિવસને આંતરે આવતા આયંબિલ ઉપવાસ વગેરે; એકાંતરૂં તપ. एक२ दिनके अंतरसे आनेवाले आयंबिल उपवास आदि; एकान्तर तप विशेष. practice of austerity known as Ekāntara. (e. g. fasting etc. on alternate days). उत्त० ३६, २५१; (२) અનન્તર સમય (અન્તરરહિત) એક સમય. अन्तररहित एक समय. continued one Samaya or unit of time. विशे० ३५५; —**अंतरा.** अ० (-अन्तरा) એક આંતરૂં-અંતરાલ. एक अन्तराल. one interval; (at) an interval of one क० प० १, ४८; —**अणुप्पेहा.** स्त्री० (-अनुप्रेक्षा) હું એકલો છું, મારૂં કોઇ નથી, હું કોઇનો નથી એવા પ્રકારની ભાવના. एकत्व भावना; मैं अकेला हूं मेरा कोई नहीं है और न मैं किसी का हूं इस प्रकार की भावना. meditation on one's loneliness in this world taking this form "I am alone and nobody is really mine." ठा० ४, १; —**असी.** स्त्री० (-अशीति) જુઓ "एक्कसीइ" શબ્દ. देखो "एक्कसीइ" शब्द. vide. "एक्कसीइ" प्रव० ३६७; —**अह.** पुं० न० (-अह) એક દિવસ. एक दिन. one day; a single day. भग० १२, ७; दसा० ६, २; वव० ८, ४; —**अहिअ-य.** त्रि० (-आन्हिक) એક દિવસનું. एक दिन का. pertaining to, relating to one day; diurnal. भग० ६, ७; जं० प० ७, १३३; (२) न० એકાન્તરો તાવ. इकतरा बुखार fever on alternate days. जीवा० ३, ३; भग० ३, ७; —**आगार.** पुं० (-आकार) એકાકાર થયેલો; સરખા આકારવાળો. एकाकार; समान आकार वाला. uniform; homogeneous. भग० ८, २; ६; —**आभरण.** न० (-आभरण) એકસરખા આભૂષણ. एक से आभूषण. a uniform ornament. राय० ८०; दसा० १०, ३; —**आमोसा.** स्त्री० (आमर्श) પડિલેહવાના વસ્ત્રનો મધ્યભાગ પકડી બેતરફના છેડાને એકીસાથે ઘસવાથી લાગતો દોષ; પડિલેહણના દોષનો એક પ્રકાર. प्रतिलेखना करनेके वस्त्रको मध्यभाग से पकड़कर दोनों ओर के पल्लों को एक साथ घिसनेसे जो दोष लगे वह; पडिलेहनादोष का एक भेद. a variety of fault incurred in connection with the inspection of clothes viz. holding a cloth (garment)

in the middle and rubbing together its two ends. उत्त० २६, २७; —आसण. न० (-आसन) એક સ્થાનમાં બેશીને દિવસમાં એકજ વખત જમવું તે. एक स्थान में बैठ कर एकही बार भोजन करना. confining oneself to a seat in one place and taking meals only once. आव० ६, ४; —आहिय. त्रि० (-आन्हिक) એક દિવસનું. एक दिन का. lasting for one day. प्रव० १०३४; —(गि) इत्थी. स्त्री० (-स्त्री) એકલી સ્ત્રી. अकेली स्त्री. a lonely, solitary woman. उत्त० १, २६; —उत्तर. त्रि० (-उत्तर) એક એક વધતું. एक एक बढता हुआ. progressing by one. प्रव० १३४८; —उप्पाश्र. पुं० (-उत्पात) એક વાર ઉંચે ચડવું. एक वार उंचे चढना. rising up once. प्रव० ६०६; —खुर. त्रि० (-खुर—एकःखुरो येषां ते तथा) એકખરીવાલા તિર્યંચ પંચેન્દ્રિય ઘોડા, ગધેડા વિગેરે; થલચર તિર્યંચ પંચેન્દ્રિયનો એક ભેદ. एक खुर वाला; पंचेन्द्रिय तिर्यंच घोडा, गधा, आदि स्थलचर पंचेन्द्रिय पशुओं का एक भेद. single-hoofed; five-sensed (animals e. g. a horse, a donkey etc.). उत्त० ३६, १७६; ठा० ४, ४; भग० १५, १; जीवा० १; —चक्खु. त्रि० (-चक्षुष्) શ્રુતજ્ઞાન અને અવધિજ્ઞાન રહિત માત્ર એક ચક્ષુઇંદ્રિય રૂપ દ્રવ્યચક્ષુ ધરનાર. श्रुतज्ञान और अवधिज्ञान रहित केवल मात्र चक्षु इन्द्रियरूप द्रव्यचक्षु धारण करनेवाला. (one) devoid of Śrutajñāna and Avadhijñāna and possessed of merely physical sight. ठा० ३, ४; —चरिश्रा-या. स्त्री० (-चर्या) એકલ વિહારી થવું-એકલા વિચરવું તે બે પ્રકારે-દ્રવ્યથી અને ભાવથી; એકાકીપણે સંયમ પાલતાં વિચરવું તે દ્રવ્ય એક ચર્યા; રાગ-દ્વેષરહિત એકાંત સ્વપરિણતિમાં પરિણત થવું તે-ભાવથી એક ચર્યા. एकाकी विहार करनेवाला होना; एकाकी विहार द्रव्यचर्या व भावचर्या रूप दो प्रकार का होता है. संयम पालते हुए एकाकी रूप से विचरना द्रव्यचर्या है और राग द्वेष रहित एकान्त स्वपरिणति मे परिणत होना भावचर्या है. lonely wandering or peregrination. It is two-fold viz. physical and mental The latter means freedom from passion and hate accompanied with contemplation upon the soul. जं० प० ३, ५२; आया० १, ५, १, १४५; १, ६, २, १८४; —चारि. त्रि० (-चारिन्) એકલ વિહારી; એકાકી વિચરનાર एकाकी-अकेला विहार करनेवाला. (one) who wanders or goes from place to place, alone. सूय० १,१३.१८;—च्च. पुं० (-अर्च) એકાવતારી પુરૂષ; જેને એક વાર ફરી મનુષ્યમાં અવતાર લઇ મોક્ષે જવાનું છે તે. एकावतारी पुरुष; जिसे एकवार फिर मनुष्य योनिमें जन्म लेकर मोक्ष जाना है वह. a man who is to get final beautitude after one human birth. ओव० ३४;—च्छत्त. त्रि० (-छत्र) એકલ છત્રું. एकछत्र वाला. having one paramount or suzerain king. उत्त० १८, ४२; —जडि. पुं० (-जटिन्) જુઓ "एकजटि" શબ્દ. देखो "एकजटि" शब्द. vide "एकजटि" सू० प० २०; —जाय. त्रि० (-जात) એકલું; બીજા નંબર વગરનું. अकेला; एकही प्रकारका. single; without a second. ओव०

१७; —**जाया.** स्त्री० (-जाया) એક સ્ત્રી. एक स्त्री; एक पत्नी. one wife. दसा० १०, ३; —**जीव.** पुं० (-जीव) એક જીવ. एक जीव. one soul; one life. भग० ११, १; —**जीविय.** त्रि० (-जीविक—एको जीवो यत्र तत्तथा) જેમાં એકજ જીવ છે તે; એક જીવવાળું. एक जीव वाला. having only one life i. e. sentient being. " **एगजीविया पत्ता** " पन्न० १; —**ट्ठ.** त्रि० (-अर्थ) એક અર્થવાળું પદ. एक अर्थ वाला पद. a word or expression having one meaning. भग० १, १; १४, ८; प्रव० १२१; पंचा० ४, २; —**ट्ठिय.** त्रि० (-आर्थिक) સમાનાર્થ; એક અર્થવાળું. समानार्थी; एक अर्थवाला. synonymous. पिं० नि० ७३; —**ट्ठिय.** पुं० (-अस्थिक) એક ગોઠલીવાળું ફલ કેરી વિગેરે. * एक गुठला वालाफल; केरी वगैरह. a fruit (e. g. a mango etc.) having only one stone in it. भग० ८, ३; जीवा० १; पन्न० १; —**ट्ठया.** स्त्री० (-अस्थिका) નાની નાવ; હોડી; તરી छोटी नाव; डोंगी. a small boat. विवा० ८; नाया० १६; १७; —**तालीसा.** स्त्री० (चत्वारिंशत्) એકતાલીસ; ४१. एकतालीस. 41; forty-one. सू० प० १०; —**त्थी.** स्त्री० (स्त्री) એકલી સ્ત્રી. अकेली स्त्री. a lonely, solitary woman. निसी० ८, १; —**दिसा.** स्त्री० (-दिश्) એક દિશા. एक दिशा. one cardinal point (e. g. east, west etc.). विशे० ३६५;—**दिसाभिमुह.** न० (दिगभिमुख) એક દિશા તરફ મુખ. एक दिशा की तरफ मुख. face turned towards one direction. भग० २, ५; —**दिसि.** स्त्री० (-दिश्) એક દિશા. एक दिशा. one direction or cardinal point (e. g east etc.). नाया० १; —**दुवार.** न० (द्वार) એક બારણું. एक दरवाजा. one door. बव० ६, १४; ६, १३; —**देस.** पुं० (-देश) એક દેશ; એક વિભાગ. एक देश; एक विभाग. one part; one division. भग० १५, १; नाया० ३; ७; ८; उत्त० ३६. ११; क०

* જેમ જૈન શાસ્ત્રમાં વનસ્પતિ પ્રકરણમાં ગોઠલી માટે " અસ્થિ " શબ્દનો પ્રયોગ કર્યો છે એમજ લૌકિક વૈદ્યક શાસ્ત્રમાં પણ ફલની અન્દર રહેલી ગોઠલી માટે અસ્થિ શબ્દનો પ્રયોગ કર્યો છે એ પ્રાચીન પુરૂષોની પ્રથા છે. જેમ સુશ્રુતસંહિતાના શરીરસ્થાનના ત્રીજા અધ્યાયના ૬૪૨ પૃષ્ટની ૨૭ મી પંક્તિમાં લખ્યું છે " **चूतफलेऽपरिपक्वे केशर मांसास्थिमज्जा न पृथग् दृश्यंते** " કાચા આંબાના ફલમાં-ગુદા અસ્થિ માંસ મજ્જા જુદા જુદા દેખાતા નથી. जिस प्रकार जैन शास्त्र में वनस्पति प्रकरण में गुठला के लिये " अस्थि " शब्द का प्रयोग किया गया है उसी प्रकार लौकिक वैद्यक शास्त्र में भी फल के भीतरकी गुठला के लिये अस्थि शब्दका प्रयोग किया है यह प्राचिन पुरुषो की प्रथा है. यथा-सुश्रुतसंहिता, अध्याय तीसरा, पृष्ट ६४२ पंक्ति २७ वी में लिखा है कि "**चूतफलेऽपरिपक्वे केशरमांसास्थिमज्जा न पृथग् दृश्यंते** " अर्थात् आम के कच्चे फल में गुदा, अस्थि, मांस, मज्जा आदि पृथक् पृथक् नहीं दिखते The word " अस्थि " which literally means "a bone" is used even in old medical writers like Suśruta to denote " a stone of a fruit " This is noteworthy. Vide Suśruta Saṃhitā (Śarīra Sthāna chapter III. page 642 line 27).

प० ४, ६३; —**नाणि**. पुं० (ज्ञानिन्) केवलज्ञानवाळो. केवलज्ञानवाला. an omniscient person. भग० ८, २; —**निक्खमण**. न० (-निष्क्रमण) गुरुनी मर्यादामांथी वंदना वखते एकवार अवग्रहथी बहार निकळवुं ते. गुरु की मर्यादा में से वंदना के समय एकबार अवग्रह से बाहिर निकलना. going or stepping out once with Avagraha (disregard) at the time of salutation or worship; giving up propriety of conduct towards a Guru or preceptor. सम० १२; —**निक्खमणप्पवेस**. त्रि० (-निष्क्रमण प्रवेश) जेमां पेसवा नीकळवानो एकज मार्ग छे ते. जिसमें प्रवेश होने और निकलने का एकही मार्ग हो वह. having only one door or way for exit and entrance. वव० ६, १४; ६ १३; —**पएस**. पुं० (-प्रदेश) एक प्रदेश-ओछामां ओछो अंश-विभाग. एक प्रदेश; सूक्ष्म से सूक्ष्म विभाग अंश. one unit of space; the smallest indivisible atom of matter. भग० १, ४; —**पएसाहिअ**. त्रि० (-प्रदेशाधिक) एक प्रदेशे अधिक वधारे. एक प्रदेश से अधिक. exceeding by one indivisible atom of matter. भग० १, ५; —**पएसिया**. स्त्री० (-प्रदेशिका) एक प्रदेशनी (श्रेणि). एक प्रदेश की (श्रेणि) (a line) of indivisible atoms of matter. भग० ६, २; —**पएसोगाढ**. पुं० (-प्रदेशावगाढ) एक आकाश प्रदेश उपर अवगाही रहेल पुद्गल. आकाश के एक प्रदेशपर फैला हुआ पुद्गल. an indivisible atom of matter occupying one unit of space. भग० ५, ८; —**पक्ख**. त्रि० (-पक्ष) निष्प्रतिपक्ष; प्रतिपक्ष वगरनुं. जिस का कोई विरोधी पक्ष न हो वह; प्रतिपक्ष रहित. without a rival; unrivalled सूय० १, १२; ४, —**पक्खिय**. त्रि०(पाक्षिक) एक गुरुना चेला; एक पक्षना. एक गुरु के चेला; एक पक्ष का. a disciple of the same preceptor; one belonging to the same camp. वव० २, २३; २४; —**पज्जवसिय**. पुं० (-पर्यवसित) जे संख्याने चारे भागतां एक बाकी रहे ते. जिस संख्या को चार से भागने पर एक बचे वह संख्या. any sum which when divided by four leaves one as remainder. भग० ३१, १; —**पत्तय**. त्रि० (पत्रक-एकं पत्रं यत्र तत्तथा) एक पान-पांदडावाळुं; जेमां एक पांदडुं होय ते. एक पत्तेवाला; जिसमें एक पत्ता हो वह. one-leaved. "उप्पलेगांभंतेएगपत्तत्ताकिं एगजीवे" भग० ११, १; —**पदेसिय**. त्रि० (प्रदेशिक) एक प्रदेशवाळो. एक प्रदेशवाला. having one unit of space occupied by an indivisible atom of matter. भग० ६, ५; —**पाइया**. त्रि० (-पादिका) एक पग जेणे उंचुं राख्युं छे ते. जिसने एक पैर ऊपर रखा है वह. (one) who has lifted up one leg. वेय० ५, २२; —**पाण**. त्रि० (-पान) एक पाणीनी (दात). एक पानी का दात. One Dāta of water. वव० १०, १; —**पाय**. पुं० (-पात्र) एक पात्र. एक पात्र; एक बरतन. one vessel or utensil. वव० ६, ६; —**पास**. पुं० (-पार्श्व) एक पडखे रहेनार. एक ओर रहनेवाला; एक तर्फ रहने

वाला. one who stays (i. e. lies etc.) on one side. पगह० २, १; —**पोग्गलठिय**. त्रि० (-पुद्गलस्थित) એક પુદ્ગલ ઉપર રહેલ. एक पुद्गल पर स्थित-रहा हुआ supported on, resting on one Pudgala (substance). दसा० ७, ११; —**फड्डग**. पुं० (-स्पर्धक) કર્મસ્કંધ સમૂહ. कर्मस्कंध समूह. a group or collection of Karmic molecules. क० प० ५, ४६; —**भत्त**. न० (-भक्त -एकं भक्तं भोजनं यत्रतत्तथा) એકાસણું; દિવસમાં એક વાર જમવું તે. एकासना; दिन में एक बार जीमना the austerity known as Ekāsanā i. e. taking only one meal in 24 hours. "नहणगभत्तंच" उस० ६, ३३; पंचा० १२, ३५; —**भव**. पुं० (-भव) એકજ ભવ; પ્રકૃત-ચાલુ એક ભવ. एकही भव; केवल वर्तमान भव. only one birth; the present birth. प्रव० ८४३; —**भवग्गहणिय** त्रि० (-भवग्राहक) એક ભવને ગ્રહણ કરનાર. एक भव को ग्रहण करनेवाला; एकभवावतारी. (one) who is to have one birth. भग० २४, ६. —**भविश्र**. त्रि० (-भविक) એક ભવને અન્તરે જે રૂપે ઉત્પન્ન થવાનું હોય તે જેમ એક ભવ પછી શંખરૂપે ઉત્પન્ન થવું હોય તો તે એકભવિક શંખ કહેવાય. एक भव के अंतर से जिस रूप मे उत्पन्न होना हो वह रूप. जैसे कि एक भव के बाद शंख रूप में उत्पन्न होना हो तो एक भविक शंख कहलायगा (condition) after the interval of one more birth; e. g. a soul which is to be born as a conch-shell after the interval of one birth is called Ekabhavika conch-shell. अणुजो० १४६; —**मण**. त्रि० (-मनस्) એકાગ્ર મનવાળો; સ્થિર ચિત્તવાળો. एकाग्र मनवाला; स्थिर चित्तवाला. steady, concentrated in mind. उत्त० ३५, १; —**रात**. स्त्री० (-रात्रि) એક રાત્રિ. एक रात्रि. one night. दसा० ७, १; पंचा० १८, ३; (२) ભિખ્ખુની ૧૨મી પડિમા-કે જેમાં અઠ્ઠમ તપ કરી કાઉસગ્ગ સ્મશાન ભૂમિમાં કરવામાં આવે છે. भिक्षुक की १२ वीं प्रतिमा–जिसमें अट्ठम तप कर के एक रात्रि का कायोत्सर्ग स्मशान भूमि में किया जाता है. the 12th Padimā (austerity) of an ascetic in which after fasting, one night is spent in Kāussagga on a funeral ground. प्रव० ५८५; —**राइअ-य**. त्रि० (-रात्रिक) એક રાત રહેનાર; એક રાતનો નિવાસ કરનાર. एक रात रहनेवाला. (one) who stays for a single night. वेय० ३, ६; श्राया० १८; भग० १, २३; —**राइंदिया**. स्त्री० (-रात्रिंदिवा) એક રાત્રી અને એક દિવસની ભિક્ખુ પડિમા. एक रात्रि और एक दिनकी भिक्षु प्रतिमा. an austerity practised by a Jaina layman, consisting of a day and night. "एकाराइंदियं भिक्खु पडिमं पडिवरणा" दसा० ७, १; ठाणा० १. —**राइया**. स्त्री० (-रात्रिकी) જેમાં અઠ્ઠમ તપ કરી એક રાત સ્મશાનભૂમિમાં કાઉસગ્ગ કરવામાં આવે છે તે બારમી ભિક્ખુ પડિમા. बारहवीं भिक्षु प्रतिमा जिसमें कि अट्ठम तप करते हुए एक रात्रि श्मशानभूमि में कायोत्सर्ग किया जाता है. the 12th vow of an ascetic viz. contemplation upon the soul for one night in a

cemetery after the Atthama austerity (i. e. three fasts). वव० १, २५; दसा० ६, २; ७, ११; भग० २, १; नाया० ८; —राय. न० (-रात्र-एकाचासौ रात्रिश्च) એક રાત્રિ, એક રાત. एक रात्रि. one night. "गामे गामे यएग रायं" पराह० १, ५; ओव० २१; वव० १, २३; वेय० २, ४; उत्त० २, २३; —रूव. त्रि० (-रूप—एकं समानं रूपं यस्य) એક રૂપ, એક સરખું. एक रूप; एक समान. uniform; of the same type. "पभूएगवरणं एग रूवं विउव्वित्तए" भग० ६, ६; ७, ६; —वगडा. स्त्री० (*) એક વાડો; એક વંડી. एक बाड़ा; एक चौक; एक आंगन. one open compound at the back of a house; one wall enclosing an open space. वव० ६, १४; ६, ३; ८; —वरण पुं० न० (-वर्ण) એક વર્ણ; એક રંગ. एक रंग. one colour; same colour. भग० ७, ६; प्रव० ६८१; —वयण. न० (-वचन) એક વચન; વસ્તુનું એકત્વ બતાવનાર પ્રત્યય. एक वचन; वस्तु का एकत्व-अकलापन बताने वाला प्रत्यय. singular number; a termination of the singular number. ठा० ३, ४; आया० २, ४, १, १३२; —वीसा. स्त्री० (-विंशति) २१, એકવીસ. २१; इकवीस; इक्कीस. twenty-one; 21. दसा० २, १; पन्न० ४; विवा० २; भग० २०, ८; आव० ४, ७; —सट्ठि-भाग. पुं० (-षष्टिभाग) કોઇપણ વસ્તુનો એકસઠમો ભાગ; કોઇ એક વસ્તુના સરખા ૬૧ ભાગ કરીએ તેમાંનો એક ભાગ. किसी एक वस्तु का इकसठवाँ भाग. 1/61 of anything सम० १३; —समय. पुं० (-समय) એક સમય. एक समय, one Samaya (i. e. unit of time); one instant भग० १, ६; क० प० १, १३; —सय. न० (-शत) એકસો એક; ૧૦૧. एकसो एक; १०१. one hundred and one; 101. क० गं० २, ३०; —साड. त्रि० (-शाटक-एकःशाटको यस्य स तथा) એક સાડી પછેડી રાખનાર. एक दुपट्टा रखने वाला. (one) who keeps only one scarf etc. in his possession. आया० १, ७, ४, २१२; —साडिय. न० (-शाटिक) એક-પનાવાળું-સાંધા વગરનું વસ્ત્ર; સાડી; સેલું. एक पहने का वस्त्र; पहने में बिना जोडवाला वस्त्र. a web of cloth not bearing any dividing line upon it (caused by stitching another cloth); a Sāri etc. "एग साडियं उत्तरासंगं करेइ" भग० २, १; राय० २२; विवा० १ ओव० ३२; कप्प० २, १४; जं० प० ३, ४३; ५, ११७; —साला. त्रि० (-शाल) એક ભાગવાળું (ઘર); એક માળનું (મેડી). एक मंजिल का घर (a house) with one floor. जीवा० ३, ३; —सिद्ध. पुं० (-सिद्ध) એક સમયમાં એકજ જીવ સિદ્ધ થાય તે. एक समय में एकही जीव का सिद्ध होना. a soul liberated by himself (at a time) without the company of other souls. पन्न० १; नंदी० २१; —हिय. त्रि० (-अधिक) એક અધિક. एक ज्यादा. exceeding by one; one more. क० प० ७, ४८;

एगअ. त्रि० (एकक) ફક્ત એકલો; એકાકી. एकाकि; अकेला. Alone; solitary; single उत्त० २, २०;

एगइअ-य. त्रि० (एकैक) કોઇ એક; એક

એક; કેટલા એક. कोई एक; कुछ एक. Some one; some; one by one. ओव० १४; ३५; दस० ५, २, ३७; जं० प० सम० १; भग० १, १; ७, ७; नाया० २; दसा० १०, ३;.

एगओ. अ० (एकतस्) એક તરફથી; एक ओर से. On the one hand; from one side; भग० ३, ४; ३४, १; नाया० १; २; ५; ८; १६; उत्त० ३१, २; दसा० १०, १; निसी० ४, ७६; २०, १०; जं० प० ५, १२०, कप्प०४, ६७; **—खहा.** स्त्री० (-ख) જેમાં જીવ ડાબી તરફથી પ્રવેશ કરી ડાબી બાજુએ જઈ ઉત્પન્ન થાય તે શ્રેણિ; વામશ્રેણિ-આકાશ-પ્રદેશ-પંક્તિ. जिस में जीव बांई ओर से प्रवेश करके बांई ओर जाकर उत्पन्न होता है वह श्रेणि; आकाशप्रदेश पंक्ति. a line of space on the left side along which the soul enters the left side and is born. भग० २५, ३; **—णंतअ.** त्रि० (-अनन्तक) એક લંબાઈમાં અનંત. एक लंबाई में अनंत. an endless line of space ठा० ५, ३; **—वंका.** स्त्री० (-वका) એક તરફથી વાંકી શ્રેણી; એક વાંકવાળી શ્રેણી-આકાશ પ્રદેશ પંક્તિ. एक ओरसे टेढी श्रेणी; आकाश प्रदेश पंक्ति. a line of space curved on one side. भग २५, ३; **—सहिय.** पुं० (-सहित) એકઠા થયેલ; એકત્ર કરેલ. एकत्रित. grouped; assembled; collected. नाया० ५;

एगओवत्त. पुं० (एकतोवृत्त) બેઇંદ્રિયવાળા જીવની એક જાત. दो इन्द्रिय वाले जीवकी एक जाति. A kind of two-sensed living being पन्न० १;

एगंचणं अ० (*एकंचन) કોઇ એક. कोई एक. Some one. भग० ७, १०; नाया० ८;

एगंत. न० (एकान्त) એકાંત સ્થલ; નિર્જન સ્થાન. निर्जन स्थान; एकांत स्थान. A solitary place; solitude. " **एगंते पाडेमि** " नाया० ८; " **एगंते एडेइ** " भग० २, १; ३, २; ७, १; ८, ३३; १५, ८; नाया० १; ७; ८; १२;१६; पिं० नि० २११; सू० प० २०; राय० २६; २६३; आया० १, १, ७, ६, २२२; उत्त० ३; २८; वव० २, २५; ७, १७; सु० च० २, ४१८; दस० ४; पंचा० ६, ८; क० प० १, ८७; (२) નક્કી; ચોક્કસ. निश्चित. assuredly; certainly पिं० नि० भा० १२; (३) એકાંત; ફક્ત; કેવલ. एकान्त; सिर्फ; केवल. simply. उत्त० ३२, २; ओव० ३८; विशे० ६५; (४) નિરંતર; ચાલુ. निरंतर; चालू. continuously; uninterruptedly. भग० ३, १; ७, ६; (५) સર્વથા; પુરેપુરું. सर्वथा; पूर्णतया. completely; perfectly. भग०८, ७; **— छुअ.** पुं० (-च्छेक) એકાન્ત છેક-વિશુદ્ધ. पूर्ण विशुद्ध. altogether. perfectly pure. पचा०३, ३५; **—दंड.** पुं० (-दण्ड) એકાંત-ચોક્કસ દંડાય તેવો; હિંસક. यथैव दण्डित होनेवाला; हिंसक one fully sinful; killer or murderer. सग० २, ४, १; **—दुक्ख.** न० (दुःख) કેવલ દુઃખ; એકાન્ત દુઃખ. एकान्त दुःख; दुःखही दुःख; सर्वथा दुःख. perfect misery; unmitigated misery. भग० ६, १०; **—धारा.** स्त्री० (-धारा-एकविभागाश्रया

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

धारेव धाराचेति) એકાન્ત-તીક્ષ્ણ ધારા. एकान्त धारा; तीक्ष्ण धारा. sharp edge. "खुरोइव एगंत धाराए" भग० ६, ३३; नाया० २; —पंडिय. त्रि० (-पण्डित) એકાન્ત પંડિત; પાપથી નિવૃત્ત; સર્વ વિરતિ સાધુ. एकान्त पंडित; पापरहित पुरुष; सर्व विरति साधु. perfectly free from sin; (an ascetic) absolutely free from sin. "एगंत पंडिया यावि भवामो" भग० ८, ७; भग० १, ८; —बाल. त्रि० (-बाल) સર્વથા બાલ; અજ્ઞાની; મિથ્યા દૃષ્ટી અને અવિરતિ. सर्वथा अज्ञानी; मिथ्या दृष्टि और अविरति. absolutely, perfectly ignorant; heretical and sinful. भग० १, ८; ८, ७; १७; २, सूय० २, ४, १; —मंत. पुं० (-अन्त) સર્વથા એકાંત. सर्वथा एकान्त. perfectly solitary. भग० ७, ६; नाया० १३; —यारि. त्रि० (-चारिन्) એકાન્ત જન રહિત સ્થાનમાં વિચરનાર; એકાંતવાસી. निर्जन स्थान में विचरनेवाला; एकान्त मे रहनेवाला. (one) who moves in a solitary place; living in solitude सूय०२,६,१;—लूसग. त्रि०(-लूषक) એકાંત જન્તુની હિંસા કરનાર. सर्वथा जन्तु की हिंसा करनेवाला. (one) who is completely given to the killing of insects. सूय० १,२,३, ६; —साया. स्त्री० (-सात) એકાંત શાન્તિ-સુખ. एकांत सुख; सर्वथा सुख. perfect, unalloyed happiness or peace. भग ६, १०;—सुत. न० (-सुप्त) એકાંત-નિશ્ચયે સુતેલ; ભાવનિદ્રા; મોહમાં ઉંઘેલ. सर्वथा सोया हुआ; मोह निद्रायुक्त assuredly asleep;(metaphorically)steeped in infatuation. सूय० २, ४, १;—सुहि .(-सुखिन्) એકાંત સુખી. सर्वथा सुखी. perfectly happy. नाया० ७; —हिय. न० (-हित) સર્વથા ઉપકારી. एकान्त हितकारी. altogether beneficent. पंचा० १४, १६; —अंबिल. पुं० (-आचाम्ल) એકાંતરે આયંબિલ કરવા તે. एकान्तर आयंबिल करना. alternate performance of Ayambila austerity. प्रव० १५५८; —उववास. पुं० (-उपवास) એકાંતરે ઉપવાસ કરવા તે. एकान्तरे उपवास करना. fasting on alternate days. प्रव० १५६२;

एगंतरिय. त्रि० (एकान्तरित) એક એકને અંતરે આવેલ; એકાંતર; (ઉપવાસ આયંબિલ વગેરે). एक एक के अन्तर पर आया हुआ; एकान्तर (उपवास आयंबिल आदि). alternate; coming at intervals of one. प्रव० ८८२;

एगंतसो. अ० (एकान्तशः) એકાન્તથી; સર્વથા. सर्वथा; पूर्णतया. Perfectly; in all respects. भग० ८, ६;

एगखित्त. न० (एक क्षेत्र) એકજ ગામ. एक गांव. Only one village. प्रव० ७८४. —निवासि. त्रि० (-निवासिन्) એકજ ક્ષેત્રમાં-ગામમાં નિવાસ કરનાર (મુનિ વગેરે). एकही गांव में रहनेवाला (मुनि आदि). (an ascetic etc.) confining his residence to one village only. प्रव० ७८४;

एगगुण. त्रि० (एकगुण) એકગણો; વર્ણ ગંધ આદિની સરખામણી કરતાં જે બમણો ત્રણગણો ન હોય કિન્તુ એક ગણો હોય તે. एक गुना; वर्ण गंध आदि से मिलाने पर जो दुगुना तिगुना नहीं किन्तु एक ही गुना हो वह. Of one (i. e. same) amount or measure; not double treble

etc. in comparison. भग० २५, ४; (२) पुं० न० सिद्ध सेणिया अने मणुस्स सेणिया परिकर्मनो सातमो भेद अने पुट्ठ सेणि आदि पांच परिकर्मनो चोथो भेद. सिद्ध सेणिआ और मनुष्य सेणिया परिकर्म का सातवां भेद और पुट्ठसेणि आदि ५ परिकर्म का चोथा भेद. the 7th division of the Parikarmas of Siddhasenia and Manusyasenia and the 4th division of the five Parikarmas viz. Putthasenia etc. नंदी० ५६; सम० १२; —गुणकक्खड. पुं० (-गुणकर्कश) जेमां एकगणी थोडी कर्कशता छे ते. जिसमें एक गुना (थोडा) कर्कशता है वह. one having as much (less) harshness or roughness. भग० २५, ४; —कालग. पुं० (कालक) जेमां एक गणी कालाश छे ते. जिसमें एक गुना कलास-कालापन है वह. one having as much blackness (i. e. not double or treble etc. the amount of blackness). भग० २५, ४;

एगग्ग. न० (एकाग्र) चित्तनी एकाग्रता; एक मुद्दा उपर मननी स्थिरता. चित्त की एकाग्रता; किसी एक बातपर मन का स्थिर होजाना. Concentration of mind. उत्त० ३२, १; (२) त्रि० चित्तनी एकाग्रता वालो. एकाग्र चित्त वाला. (one) possessed of concentration of mind. उत्त० ३०, १; राय० ८०; —चित्त. पुं० (चित्त) एकाग्र चित्तवाळो. एकाग्र चित्तवाला. one having a concentrated mind. दस० ६, ४, २; ३; जं० प० ५, ११५; —मण. न० (-मनस्) जुओ "एगग्ग चित्त" शब्द. देखो "एगग्ग चित्त" शब्द. vide. "एगग्ग चित्त" उत्त० २६, २; पंचा० १४, २८; —मणसंनिवेसणया. स्त्री० (-मनः सन्निवेशन) मनने एकाग्र बनाववुं; एक वस्तु उपर मनने स्थापवुं ते. मन को एकाग्र करना. concentration of mind upon one object. उत्त० २६, २; —जंबुय. पुं० (एकजम्बुक) उल्लुकतीर नगरनी बहारनो ए नामनो एक बगीचो. उल्लुक तीर नगर के बाहिर के एक बगीचे का नाम. name of a garden outside the town named Ullukatira. भग० १६, ३;

एगट्ठाण. न० (एकस्थान) जेमां दिवसमां एक वखत एक ठेकाणे बेसीने खवाय ते तप; एकठाणुं. एक तपका नाम; जिस तपमें दिन में एक ही बार एक जगह बैठ कर खाया जाता है. An austerity consisting in taking one meal in a day confining one's seat to a single place. प्रव० २०३; १५२७;

एगट्ठियपय. न० (एकार्थिकपद) सिद्ध सेणिआ अने मणुस्ससेणिआ परिकर्मनो बीजो भेद. सिद्ध सेणिआ और मनुष्य सेणिआ परिकर्म का दूसरा भेद. the 2nd division of Siddhasenia and Manusyasenia Parikarma. नंदी० ५६; (२) त्रि० एक अर्थवालुं; समान अर्थवालुं. एक अर्थवाला; समान अर्थवाला. synonymous. सम० १२;

एगतर. त्रि० (एकतर) बे के अनेकमांनो एक. दो या अनेक में से एक. One of two or more. विवा० ७;

एगतिय. पुं० (एकक) कोई एक. कोई एक. Some one सूय० २, ३, १; पन्न० १५;

एगत्त. अ० (एकत्र) एकत्र; एकस्थाने:

એકજ ઠેકાણે. एकत्र; एकही स्थान पर. In one place; in one and the same place. ओव० ३२;

एगत्त. न० (एकत्व) એકપણું; એકલાપણું. अकेलापन. One-ness; solitariness. भग० १, २; ४, ६; १२, ६; १७, १; १८, १; २५, ४; नाया० १; ठा० १०, १; उत्त० २८, १३; प्रव०५०४; —**अणुप्पेहा.** स्त्री० (-अनुप्रेक्षा) આ જીવ એકલો આવ્યો છે અને એકલો જવાનો છે એમ ચિન્તવવું તે. एकत्व भावना; यह जीव अकेला ही आया है और अकेलाही जायगा, इस प्रकार बार बार चिन्तन करना. contemplation upon the solitariness and loneliness of the soul. ओव० २०; भग० २५, ७; —**गत.** त्रि० (-गत) એકત્વ ભાવનાવાળો; અંતકરણવાળો. एकत्व भावना वाला. (one) contemplating upon the loneliness and solitariness of the soul. आया० १, ६, १, ११; —**गय.** त्रि० (-गत) એકત્વભાવનાને પ્રાપ્ત થયેલ. एकत्व भावना को प्राप्त. (one) contemplating upon the loneliness and solitariness of the soul. आया० १, ६, १, ११; भग० ८, ६; —**वियक्क.** न० (-वितर्क) એક દ્રવ્ય આશ્રી રહેલ પર્યાયોનું અભેદ રૂપે ચિન્તવવું અથવા અનેક પર્યાયોમાંના એક પર્યાયને અવલંબી ચિન્તવન કરવું તે. एक द्रव्य के आश्रय में रहीं हुई पर्यायों का अभेदरूप से चिंतवन करना अथवा अनेक पर्यायों में से एक पर्याय का चिन्तवन करना. contemplation of unity among the varieties or modifications of the same substance; also, taking up one of many such modifications and thinking upon it as a separate entity. ओव० २०; भग० २५, ७;

एगत्तीकरण. न०(एकत्रीकरण)એકાગ્રપણું કરવું તે. एकाग्रता करना. Act of concentrating; concentration. भग०२,५;

एगत्तीभावकरण. न० (एकत्रीभावकरण) મનના ભાવને એકત્ર કરવા. मन के भावोंका एकत्री करण - एक स्थान पर इकठ्ठा करना. Concentrating the thoughts of the mind. भग० ६, ३३; २४, ७;

एगत्तीभावकरणया. स्त्री० (एकत्रीभावकरण) જુઓ " एगत्तीभावकरण " શબ્દ. देखो " एगत्तीभावकरण " शब्द. Vide " एगत्तीभावकरण " भग० १३, ४;

एगत्थ. अ० (एकत्र) એક સ્થલે; એક ઠેકાણે एक स्थान पर In one place; in one and the same place. पिं०नि० २८४;

एगनासा. स्त्री० (एकनासा) પશ્ચિમ દિશાના રુચક પર્વતપર વસનારી આઠ દિશાકુમારિકામાંની પાંચમી. पश्चिम दिशाके रुचक पर्वत पर रहने वाली आठ दिशाकुमारियों में से पांचवी दिशाकुमारी. The 5th of the 8 Diśākumārīs residing on the Ruchaka mountain in the west. जं० प० ५, ११४;

एगमेग. त्रि० (एकैक) એકેક. प्रत्येक. Each; taken singly. " ता पुएणं दुवे सूरिया तीसाए मुहुत्तेहिं एगमेगं अद्ध-मंडलं " चं० प० भग० १, ५; ३, १; ५, ३, ६; ७; ८, १०; १०, ५; १२,४; १४,८; नाया०१; ८; जं० प०२,१८; उवा०८,२३४;

एगयश्रो. अ० (* एकव्रतः) જુઓ "एगय" શબ્દ. देखो "एगय" शब्द. Vide "एगय" भग० २, ५; ११, १२; १२, ४; १६, ३; नाया० १६; ववः १, २२; २, १; उवा० ७, १६७; कप्प० ६, ३८; जं० प० ३, ५८;

एगयर. त्रि० (एकतर) એમાંનો ગમે તે એક. दो में से एक; कोईभी एक. One of two or more. पिं० नि० १४०; ४७३; आया० १, २, ६, ६७; १, ६, २, १८३; उत्त० ६, २५; क० गं० २, २३; ३४;

एगया. स्त्री० (एकता) એકત્વ ભાવના; જીવ એકલો આવ્યો છે અને એકલો જવાનો છે એમ ચિન્તવવું તે. एकत्व भावना–जिसमें चिन्तवन किया जाता है कि जीव अकेला आया है और अकेला जायगा. The meditation that the soul has come to this world singly and alone and that it will pass away also alone. प्रव० ५७४;

एगया. अ० (एकदा) એકદા પ્રસ્તાવે; કોઇ પ્રસંગે; કોઇ વખત. किसी एक प्रसंग पर. Once upon a time; on one occasion. आया० १, ६, २, २; उत्त० २, ६; १३; ३, ३; नाया० १२;

एगलया. स्त्री० (एकलता) પહેલે દિવસે ઉપવાસ, બીજે દીવસે એકાસણું, ત્રીજે દિવસે એક સીથ, ચોથે દિવસે એકઠાણું, પાંચમે દિવસે એક દાત, છઠ્ઠે દિવસે નીવી, સાતમે દિવસે આયંબિલ અને આઠમે દિવસે આઠ કવલ એમ આઠ દિવસ સુધી ઉપર કહ્યા પ્રમાણે તપ કરવામાં આવે તે એકલતા તપ. एक तप का नाम. जिसमें पहले दिन उपवास, दूसरे दिन एकाशन, तीसरे दिन एक सीथ, चौथे दिन एकठाण, पांचवे दिन एक दात, छठे दिन नीवी; सातवें दिन आयंबिल और आठवें दिन आठ कवल, इस तरह आठ दिन में होने वाला तप विशेष. an austerity lasting for eight days in which on the first day there is a fast, on the second there is Ekāsaṇā, on the third one Sītha, on the fourth Ekathāṇu, on the fifth one Dāta on the sixth Nivī, on the seventh Āyaṃbila and on the eighth eight morsels (Kavala). प्रव० १५२७;

एगविह. त्रि० (एकविध) એક પ્રકારનું. एक प्रकार का. Of a certain sort; of one kind. उत्त० ३६, ७७; प्रव० १३५६; आव० ४, ७;

एगसेल. पुं० (एकशैल) પુષ્કલાવર્ત અને પુષ્કલાવતી વિજયની વચ્ચેનો વખારાપર્વત. पुष्कलावर्त और पुष्कलावती, इन दोनों के बीच का वखारा पर्वत. The Vakhārā mountain situated between the two Vijayas named Puṣkalāvarta and Puṣkalāvatī. "पच्चत्थिमेणं एगसेलस्स वक्खार पव्वतस्स" नाया० १६; जं० प० ठा० ४, २: —**कूड.** पुं० (–कूट) એકશૈલ વખારા પર્વતના ચાર કૂટમાંનું બીજું કૂટ–શિખર. एकशैल वखारा पर्वतके चार शिखरोंमें से दूसरा शिखर. the 2nd of the four summits of Ekashaila Vakhārā mountain. जं० प० —**वक्खार पव्वय.** पुं०

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

(-वक्खस्कार पर्वत) મહાવિદેહ ક્ષેત્રમાં એક શૈલ નામનો એક વખારા પર્વત. महाविदेह क्षेत्र का एक शैल नामक एक वखारा पर्वत. name of a Vakhārā mountain (called Ekaśela) in Mahāvideha region. नाया० १६.

एगाइ. पुं० (एकादि) એ નામનો એક ક્રૂર રાઠોડ. एक क्रूर राठोड का नाम. Name of a cruel Rāthoḍa. विवा० १; —**सरीरय.** न० (-शरीरक) એકાઇ રાઠોડનું શરીર. एकाइ नामक राठोड का शरीर. the body of the Rāthoḍa named Ekāi. विवा० १;

एगागि. त्रि० (एकाकिन्) એકલો; એકાકી. अकेला; एकाकी. Alone; solitary. आया० १, ७, ५, २१६; प्रव० ५३१; गच्छा० १०५;

एगागिय. त्रि० (एकाकिन्) એકલું. अकेला. Alone; solitary. वव० ४, १; ६, २; वेय० १, ४८; ५, १५; ओघ० नि० भा० २८;

एगाणी. स्त्री० (एकाकिनी) એકલી સ્ત્રી. अकेली स्त्री. A lonely, solitary woman. ओघ० नि० ७८;

एगारस. त्रि० (एकादशन्) જુઓ "एकारस" શબ્દ. देखो "एकारस" शब्द. Vide. "एकारस" नाया० ५; —**वास-परियाग.** त्रि० (-वर्षपर्यायक) અગીયાર વરસની પ્રવ્રજ્યાવાળો; જેને દીક્ષા લીધે ૧૧ વર્ષ થયા હોય તે. जिसे दीक्षा लिये हुए ग्यारह वर्ष हो चुके हों वह. (one) since whose entrance into the religious order 11 years have passed; of 11 years' standing in asceticism. वव० १०, २६; २७;

एगावली. स्त्री० (एकावली) મણિજડિત હાર; એકસરો હાર. मणिजडित हार; एक-लड़ी हार. A single string of beads, pearls etc. भग० ६, ३३; ११, ११; नाया० १; सू० प० १०; दसा० १०; १; जं० प० ७, १५६; राय० ८५; १८६; —**पविभत्ति.** न० (-प्रविभक्ति) એકાવલિ હારની વિશેષ રચનાથી યુક્ત-નાટ્ય વિશેષ; ૩૨ નાટકમાંનું એક. एकावलि हार की विशेष रचना से युक्त नाट्य विशेष; ३२ नाटक में से एक. a kind of dramatic representation arranged after the model of a single string of pearls, beads etc; one of the 32 kinds of drama. राय० ६१;

एगाहच्च. त्रि० (एकाहत्य—एकेनाहत्याऽहननं प्रहारो यत्र तत्तथा) એક ઘાએ મારવા યોગ્ય; એક ઘાથી બે કટકા કરવા યોગ્ય. एक घाव से मारने योग्य. Worthy to be severed into two pieces by a single blow. "एगाहच्चं कुडाहच्चं जीवियाओ ववरो वेइ" भग० ७, ६; १५, १; राय० २४;

एगिंदिय. पुं० (एकेन्द्रिय—एकं इंद्रियं करणं स्पर्शनलक्षणं यस्य) ફક્ત એક સ્પર્શેંદ્રિય જીવ-જેવા કે-૧ પૃથ્વીકાયિક, ૨ અપકાયિક, ૩ તેજસ્કાયિક, ૪ વાયુકાયિક, ૫ વનસ્પતિકાયિક. एक-स्पर्श-इंद्रियवाला जीव. यथाः १ पृथ्वीकायिक, २ अपकायिक, ३ तेजोकायिक, ४ वायुकायिक, ५ वनस्पतिकायिक. The class of one-sensed living beings sub-divided into lives of earth, water, fire, air and vegetable. भग० २, १; १०; ५, २; ८, १; २४, १; ३३, १; पन्न० १; जीवा० १; विशे० १०१; ४११; क० प० १, ४५; २, ५६; आव० ४, ३; —**देस.** पुं० (-देश) એક ઇંદ્રિયવાળા જીવનો દેસ-ભાગ. एकेंद्रिय

जीव का भाग. a portion or part of one-sensed living beings. भग० १०, १; —प्पएस. पुं० (-प्रदेश) એકેન્દ્રિય જીવોનો પ્રદેશ-નિર્વિભાજ્ય અંશ. एकेंद्रिय जीवों का अविभाज्य प्रदेश. an indivisible, atomic part of one-sensed living beings. भग० १०, १; ११, १०; —रूव. न० (-रूप) એક ઇંદ્રિયવાળાનું રૂપ. एकेन्द्रियवाले जीव का रूप. the form, appearance, of one-sensed living beings भग० १२, ६; —सय. न० (-शत) એકેન્દ્રિય શતક; ભગવતી સૂત્રના ૩૩ માં શતકના બીજા ઉદ્દેશાનું નામ. एकेन्द्रिय-शतक; भगवती सूत्र के ३३ वे शतक के दूसरे उद्देश का नाम. Ekendriya Śataka; name of the 2nd Uddeśa (part) of the 33rd Śataka of Bhagavati Sūtra. " बितियं एगिंदिय सयं सम्मत्तं " भग० ३३, २; ४;

एगिंदियत्त. न० (एकेन्द्रियत्व) એક ઇંદ્રિયપણું. एकेन्द्रियता. State of being a one-sensed living being; possession of one sense only. भग० ८, ६;

एगीभूअ. त्रि० (एकीभूत) અનેક મટીને એક થયેલો. अनेक रूप से मिटकर एक रूप को प्राप्त. Reduced to unity from multiplicity. राय० ६६;

एगुत्तरिय. त्रि० (एकोत्तरिक) એક જેનો ઉત્તર અવયવ છે તે; એક વધતું-જેમ ૧૧, ૨૧ વગેરે. जिसका 'एक' उत्तर अवयव है वह संख्या जैसे: ग्यारह, इकीस आदि. Having one as the latter part (in the case of compound numerals): e. g. 11, 21, etc.: exceeding by one. भग० १, २, ४; विशे० ६४२;

एगुरुअ. पुं० (एकोरुक) એકોરૂક નામના ૫૬ અન્તરદ્વીપમાંનો એક. एकोरुक नामक ५६ अंतरद्वीपमें से एक. One of the 56 Antara Dvīpas named Ekoruka. जीवा० ३, ३; (२) त्रि० તે દ્વીપમાં રહેનાર. उस देश मे रहनेवाला मनुष्य. a resident of that country. जीवा० ३, ३;

एगूण. त्रि० (एकोन) એક ઓછું; એક ઓછું. सम० ८६; पन्न० ४; भग० ८, ५; १५, १; २४, १२; २५, ७; उत्त० ३६, १३८; अणुजो० १२८; जं० प० ५, ११५, विवा० ६;—(णा) असि. स्त्री० (अशीति) ७६;ઓગણ્યાએંશી.उन्यासी 79;seventy-nine सम० ७६;—णउइ. स्त्री० (नवति) નવ્યાશી; ८६ नी संख्या. निव्यासी की संख्या. 89; eighty-nine. सम० ८६; —तीसइ. स्त्री० (-त्रिंशत्) જુઓ "एगूणतीस" શબ્દ. देखो "एगूणतीस" शब्द. vide "एगूणतीस" सम० २६; —तीसा. स्त्री० (-त्रिंशत्) २६; ઓગણત્રીસ. २६; गुनतीस. 29; twenty-nine. भग० २४, १२; २५, ७; पन्न० ५; विवा० २; —पगणा. स्त्री० (-पंचाशत्) ઓગણપચાસ; ४६ उनंचास; ४६. forty-nine; 49. " एगूणपरणाराइंदियाइं " भग० २४, १२; वव० ६, ३७; जं० प० ३, ५४; ५, ११५; २, २५;—पन्ना. स्त्री० (-पंचाशत्) ઓગણપચાશ; ४६ उनंचास; ४६. forty-nine; 49. "एगुणपन्नाराइंदिएहिं" सम० ४६; जावा० १; —पन्नास. स्त्री० (-पंचाशत्) ઓગણપચાસ; ४६. उनंचास: ४६. forty nine: 49. अणुजो० १२८; —वरणा. स्त्री० (-पंचाशत्) જુઓ "एगूणपन्ना" શબ્દ. देखो "एगूणपन्ना" शब्द.

vide "एगूणपन्ना" भग० ८, ५; ३७, १; पन्न० ४; उत्त० ३६, १३८;—**वीसति.** स्त्री० (-विंशति) १९ नी संख्या; ओगणीस. उन्नीसकी संख्या; १६. 19; nineteen. जं० प० १, ११; वव० १०, ३३; ३६;—**वीसा.** स्त्री० (-विंशति) ओगणीस; १९. उन्नीस; १६. 19; nineteen, "एगूणवीसणायज्झयणत्ता" सम० १६; नंदी० ५०; भग० १५, १; ३५, १; अणुजो० १४२; नाया० १; १६; आव० ४, ७;—**सट्ठि.** स्त्री० (-षष्टि) ओगणसाठ; ५९. उनसाठ; ५६. fifty-nine; 59. "एगूणसाट्ठराइंदियाइं" सम० ५६; —**सत्तरि.** स्त्री० (-सप्तति) ओकोन्यनसीतेर; आगणोतेर; ६९. उनहत्तर. 69; sixty-nine. "एगुणसत्तरि वासा वासहर पव्वया पण्णत्ता" सम० ६६;

एगूणवीसइम. त्रि० (एकोनविंशतितम) ओगणीसमो. उन्नीसवां. 19th; nineteenth. "एगूणवीसइमं सयं सम्मत्तं" भग० १६, १०; २०, १; ठा० ६, २; नाया० १; १६;

एगूरुई. स्त्री० (एकोरुका) ओकोरुक द्वीपनी स्त्री. एकोरुक द्वीपकी स्त्री. A woman belonging to Ekōruka Dvīpa. जीवा० १;

एगूरुय. पुं० (एकोरुक) ओ नामनो ओक अन्तरद्वीप; छपन्न अन्तरद्वीपमांनो पहेलो. एक अंतर्द्वीपका नाम; छप्पन अन्तर्द्वीपों में से पहला द्वीप. Name of an Antara Dvīpa; the first of the 56 Antara Dvīpas. भग० ६, ३; १०, ७; ठा० ४, २; (२) पुं० स्त्री० ओ द्वीपमां रहेनार. उक्त द्वीप में रहने वाला. a resident of the above named Dvīpa. भग० ६, ३; १०, ७; —**दीव.** पुं० (-द्वीप) जुओ "एगूरुय" शब्द. देखो "एगूरुय" शब्द. vide "एगूरुय" भग० ६, ३; १०, ७; ठा० ४, २; —**मणुस्स.** पुं० (-मनुष्य) ओकोरुक द्वीपना रहेनार मनुष्य. एकोरुक द्वीपका रहने वाला मनुष्य. a person belonging to the Ekoruka Dvīpa. भग० ६, ३; १०, ७;

एगोरुय. पुं० (एकोरुक) जुओ "एगूरुय" शब्द. देखो "एगूरुय" शब्द. Vide "एगूरुय" पन्न० १;

एज. पुं० (एज) वायु; पवन; वायरो. हवा; वायु; पवन. Wind; air. "पहू एजस्स दुगंछणाए" आया० १, १, ७, ५५;

एज्ज. त्रि० (एत्य) आववा योग्य. आने योग्य. Worthy to come. सु० च० ७, १६६;

√एड. धा० II. (*) परठववुं; नाखी देवुं; तजवुं. डाल देना; त्यागना. To discharge; to get rid of; to lay down solid excrements etc.

एडइ. भग० ११, ६; १५, १; १; नाया० ५; निसी० ३, ७२; राय० २६३; ओव० ३६;

एडेंति. राय० ३४; जं० प० ४, ११२;

एडेसि. भग० १५, १;

एडेत्ता. सं० कृ० भग० २, १; ११, ६; १५, १; नाया० ५;

एडय. पुं० (*) ८४ लाख एडयांग परिमित काल विभाग. ८४ लाख एडयांग, जितना काल विभाग. A period of time measuring 84 lacs of Edayāngas. भग० ६, ७;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

एणी. स्त्री० (एणी) હરણી; મૃગલી. हरिणी; मृगी. A female deer. जं० प० १३, ५७: पगह० १, १; जीवा० ३, ३; ओव० १०;

एणेज्ज. पुं० (एणेय) ગોશાલે પહેલો પ્રૌઢ પરિહાર કર્યો તે. गोशालाने पहला जो प्रौढ पारिहार किया था वह. The first Praudha Parihāra (a kind of austerity) practised by Gośālā. भग० १५, १; (२) त्रि० હરણ સંબંધી; મૃગનું. हरण संबंधी; मृगका. pertaining to, belonging to a deer. विवा० ८;
—रस. पुं० (-रस) હરિણ સંબન્ધિ માંસનો રસ. हरिण के मांस का रस. taste of the flesh of a deer. " मच्छरसेय एणेज्जरसेय " विवा० ८;

एत. त्रि० (एतत्) આ; એ; પહેલું. यह. This " एतंवं जाणह " भग० ६, ३२, सू० प० १०;

एतावंत. त्रि० (एतावत) એટલું. इतना. This much; that much. जं० प० विवा० १; वेय० ६, ६६;

एतोवम. त्रि० (एतदुपम) એની બરોબર; એનાજેવો. इसके समान. Similar to that or this. सूय० १, ६, १४;

एत्तिअ-य. त्रि० (इयत्) આટલું; આ પ્રમાણનું. इतना. This much; of this measure. नाया. १७; विशे० १४०; पिं० नि० २२३; —काल. पुं० (-काल) એટલો વખત इतना समय. so much time; that much time. प्रव० ४३२;

एत्तो. अ० (इतः) આહિંથી; હવે પછી. यहां से; इसके बाद. Hence; henceforward; from this place. ओव० १६; अणुजो० ५६; १३०; पिं० नि० १५५; भग० ६, ८; वेय० १, ४६; नाया० २; ८; १२; राय० २६२; प्रव० ३६५; क० प० १, ६;

एत्तोवरं. अ० (अतःपरं) એનાપછી; એ ઉપરાંત. इसके बाद; इसके उपरांत. Further than this or that; in addition to this or that. अणुजो० १३८;

एत्थ. अ० (अत्र) અહીં; એ સ્થલે. यहां; इस स्थानपर. Here; in this place. भग० १, ३; ६; २, १; ७, ३; ८, ७; ६, ३३; १५, १; १६, ६; २०, ५; २१, ८; ४२, १; नाया० १; ३, ५; ७; ८; १३; १७; १८; १६; पन्न० १; जं० प० ५, ११६; २, १४२; ७, १४२; दसा० ४, ५; सू० प० १; ओव० विशे० ८८; उवा० ७, २०१;

एत्थंतरे. अ० (अत्रान्तरे) એટલા વખતમાં. इतने समय में. Meanwhile; in the meanwhile; during that time. सु० च० १, ७४; २४८;

एम. अ० (एवम्) એ પ્રકારે. इस तरह से; इस प्रकार से. Thus; in this way. " एमेण समणा वुत्ता " दस० १, ३;

एमाइ. अ० (एवमादि) ઇત્યાદિ; એ વિગેરે. इत्यादि; वगैरह. This, that etc. पिं० नि० भा० १४;

एमेव. अ० (एवमेव) એવીજ રીતે; એમજ. इसी प्रकार. Exactly in this way; precisely in that way. पिं० नि० ७६; पन्न० १; प्रव० १६१; क० प० १, ७०;

√ **एय.** धा० I (एजृ) કંપવું; ધ્રુજવું. कंपना. To tremble; to shiver.
एयइ-ति. राय० २६६; भग० ३, ३; ५, ६; १७, ३; १८, ३;
एयंत. भग० ५, ७; १७, ३;
एयस्संति. भवि० भग० १७, ३;
एयंसु. भू० का० भग० १७, ३;

एय. त्रि० (एतत्) આ; સામે રહેલી ચીજ વીગેરે. यह; सन्मुख की वस्तु वगैरह का उल्लेख करने योग्य सर्वनाम शब्द. This;

that. सू० प० १०;

पयकम्म. त्रि० (एततकर्मन्) એ છે કર્મ જેનું એવો કોઈ. यह है कर्म जिसका ऐसा कोई. (one) who has thus acted. विवा० १; ५;

पयगुण. त्रि० (एतद्गुण) એટલાએ ગુણેલ. इतने से गुणा हुआ. Multiplied so much or to this extent. प्रव० १३६६;

पयजोग. पुं० (एतद्योग) એનો સંબંધ. इसका सम्बन्ध. Connection of this or that. पंचा० २, ३४;

पयधर. त्रि० (एतद्धर) એને ધારણ કરનાર. इसको धारण करनेवाला. (One) that bears or puts on this or that. पंचा० १४, २४;

पयपहाण. त्रि० (एततप्रधान) એ છે પ્રધાન જેમાં તે. जिसमें यह प्रधान है वह. (Anything) having this as a prominent factor. विवा० १; —**प्पयार.** त्रि० (-प्रकार) એ પ્રકારનું. इस प्रकार का. of this nature; of this sort. नाया० १४;

पयमट्ठ. न० (एतदर्थ) એ માટે; એ અર્થે. इसलिये. For this purpose; for the sake of this. भग० ७, ७; १५, १; १८, ७; नाया० १; ५; ८; १४; दस० ६, ५२;

पयविउत्त. त्रि० (एतद्वियुक्तम्) એથી રહિત. इस के बिना. Devoid of or free from this or that. पंचा० ६, ६;

पयविज्ज. पुं० त्रि० (एतद्विद्य) એ છે વિદ્યા જેની તે. जिसकी यह विद्या है वह. (One) possessed of this or that knowledge or learning. विवा० १;

पयसमायार. त्रि० (एततसमाचार) એ છે આચાર જેનો તે. जिसका यह अचार है वह. (One) possessed of this ascetic conduct. विवा० १;

पयण न० (एजन) કંપવું; ધ્રુજવું. कंपना. Trembling; quaking. भग० ५, १; पन्न० ३६;

पयणा. स्त्री० (एजना) ધ્રુજારી; ધ્રુજ; कंप कंपी. Tremour; shivering. भग० १७, ३;

पयणुद्देसय. पुं० (एजनोद्देशक) ભગવતી સૂત્રના પાંચમા શતકના આઠમા ઉદ્દેશાનું નામ. भगवती सूत्र के पांचवें शतक के आठवें उद्देश का नाम. Name of the 8th Uddeśa of the 5th Śataka of Bhagavatī Sūtra. भग० ५, ८;

पयलई. स्त्री० (एलका) એક જાતની વનસ્પતિ. एक जात की वनस्पति. A kind of vegetation. भग० २३, १;

पयाणुरूव. त्रि० (एतदनुरूप) એને અનુસરતું. इसके अनुरूप. Like, resembling or worthy of this or that. कप्प० ४, ६०;

पयारिस. त्रि० (एतादृश) એવું; એનાજેવું. इस प्रकार का; इसके सरीखा. Of this sort; of this or that nature; similar to this. पंचा० २, ३४; उत्त० ३२, १७; सम० ३०; दसा० ६, १७; दस० ५, १, ६६;

पयारूव. त्रि० (एतद्रूप) એ પ્રકારનું. इस प्रकार का. Of this sort; of that sort. अंत० ६, ३; राय० २४; ७७; विवा० ५; दसा० ६, २; १०, ३; नाया० १; ५; ६; भग० २, १; ५, ८, १४, १; १८, १०; उवा० १, ८०; २, ६४; कप्प० १, ४; जं० प० २, २२;

पयावंति. अ० (एतावत्) એટલા. इतना;

इतने. These many; so many. आया० १, १, १, ७; भग० ६, ७;

एरंड. पुं० (एरण्ड—ईरयति वायुमलं वा) એરંડો એરંડાનું વૃક્ષ. अरंड; अरंड का वृक्ष The castor-oil plant. भग० २, १; २१, ६; ठा० ४, ४; पन्न० १;—**कट्ठसगाडिया.** स्त्री० (—काष्टशकटिका) એરંડના લાકડાની ગાડી. अरंडकी लकडी की गाडी. a cart made of the wood of the castor-oil plant. नाया० १; —**मिंजिया.** स्त्री० (मिंजिका) એરંડાની મીંજ. अरंडा की मींजी. a seed of the castor-oil plant. भग० ७, १;

एरणवत. न० (ऐरण्यवत) એરણ્યવય-નામનું અકર્મ ભૂમિનું એક ક્ષેત્ર. ऐरण्यवय नामक अकर्मभूमि का एक क्षेत्र. Name of a region of the Akarma-bhūmi. सम० १;

एरणवय-अ. पुं० (ऐरण्यवत) એરણ્યવય નામનું રમકવાસ અને ઈરવત ક્ષેત્રની વચ્ચે આવેલું જુગલિયાનું એક ક્ષેત્ર. रमकवास और इरवत क्षेत्र के बीचमें स्थित ऐरणवय नामक जुगलियों का एक क्षेत्र Name of a region inhabited by the Jugalias, situated between Ramakavāsa and Iravata Kṣetra. जं० प० भग० ६, ७; २०, ८; ठा० २, ३; पन्न० १६; जीवा० १; (२) त्रि० ते क्षेत्रमां वसनार. उक्त क्षेत्र मे रहने वाला (one) who resides in the above mentioned region. अणुजो० १३१;

एरवअ-य. पुं० (ऐरवत) મેરુથી ઉત્તરમાં આવેલું કર્મ-ભૂમિનું ભરત જેવડું છેલ્લું ક્ષેત્ર. मेरु की उत्तर दिशामें स्थित कर्मभूमि का भरतक्षेत्र बराबरी का अंतिम क्षेत्र. The last region of Karma Bhūmi to the north of Meru, equal in size to Bharata region. सम० ७; जीवा० १; सू० प० १०; अणुजो० १३४; पन्न० १; नंदी० ४२; भग० २०, ८; विशे० ४४६; प्रव० ३; जं० प० ६, १२५; ठा० २, ३; (२) त्रि० ઇરવત ક્ષેત્રમાં વસનાર. एेरावत क्षेत्र में उत्पन्न; एेरावत क्षेत्र में रहनेवाला. born in Iravata Kṣetra; residing in Iravata Kṣetra. अणुजो० १३१; —**कूड.** पुं० (कूट) શિખરી પર્વતના ૧૧ કૂટમાંનું દશમું કૂટ-શિખર. शिखरी पर्वत के ११ कूटों में से १० वां कूट. the 10th of the 11 peaks of the Sikharī mountain. जं० प० ६, १२५;

एरावअ. पुं० (ऐरावत) જમ્બૂદ્વીપને ઉત્તર છેડે આવેલું ભરત જેવડું છેલ્લું ક્ષેત્ર. जंबूद्वीप की उत्तर दिशामें स्थित भरत क्षेत्र जितना अंतिम क्षेत्र. The last region to the North of Jambu Dvīpa, equal in size to Bharata region. जं० प०

एरावई. स्त्री० (ऐरावती इरा: सन्त्यस्या:) કુણાલા નગરી પાસે વહેતી એરાવતી નામની નદી. कुणाला नगरी के समीप बहने वाली नदीका नाम. Name of a river flowing in the vicinity of the city of Kuṇālā. वेय० ४, २८; कप्प० ६, १२;

एरवण. पुं० (ऐरावण-त) પ્રથમ દેવલોકના ઇંદ્રનો હાથી; જે દેવતા હાથીનું રૂપ લઇ ઇંદ્રને પોતા ઉપર બેસાડે તે. प्रथम स्वर्ग के इंद्र के हाथी का नाम; जो देव हाथी का रूप धारण कर इंद्र को अपने ऊपर बेठाता है वह देव. The elephent of the Indra of the first Devaloka;

a god in the form of an elephant for Indra to ride upon. "हत्थीसु एरावण माहुणाए" सूय० १, ६, २१; जं० प० ५, ११५; पन्न० २; पराह० २, ४; (२) शक्रेन्द्रना हाथीना लश्करनो अधिपति. शक्रेन्द्र के हाथी की सेना का अधिपति. the head of the army of elephants belonging to Sakrendra. "एरावणे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई" ठा० ५, १: (३) ए नामे एक गुच्छजातनी वनस्पति. एक गुच्छ जाति की वनस्पति का नाम. a kind of plant. पन्न० १: (४) उत्तरकुरुक्षेत्रमांनो एक द्रह के जेनी बेयासे वीश कंचनक पर्वत छे. उत्तर कुरुक्षेत्र के एक द्रह का नाम जिसके कि दोनों ओर बीस कंचनक पर्वत है. name of a lake in the Uttara Kuru Ksetra, on both sides of which there are 20 Kanchanaka mountains. जं० प० जीवा० ३, ४: —**वाहण**. पुं० (वाहन) एरावण-हाथी जेनुं वाहन छे ते. एरावण-हाथी के वाहन वाला. one whose vehicle is the Airāvaṇa elephant. कप्प० २, १३;

एरावत. पुं० (ऐरावत) एरावत क्षेत्रना प्रथम चक्रवर्ती. ऐरावत क्षेत्र का प्रथम चक्रवर्ती. The first Chakravarti of Airāvata-Kṣetra. (२) एरावत क्षेत्रनी अधिष्ठाता देवता. ऐरावत क्षेत्रका अधिष्ठाता देव. the presiding deity of Airāvata-Kṣetra. जं० प०

एरावती. स्त्री० (ऐरावती) जुओ "एरावई" शब्द. देखो "एरावई" शब्द. Vide "एरावई" ठा० ५, २:

एरिस. त्रि० (ईदृश = अयमिव पश्यति) एना जेवुं. इसके समान. Of that sort; of this sort; such. भग० २, ५; उत्त० १२, ११; सूय० १, ३, ३, १५; सु० च० २, ३३८; नाया० ८; दस० ६, ५; प्रव० ५६२;

एरिसग. त्रि० (ईदृशक) एनाजेवुं; ए सरखुं. इसके समान; इसके सरीखा. Of that sort; such; similar to this or that. भग० १, १; ८, ५;

एरिसय. त्रि० (ईदृशक) एवुं; ए जेवुं. ऐसा; इसके समान. Such; similar to that; of this sort. पिं० नि० ५८९; नाया० ८; १६;

एल. पुं० (एल) घेटो; मेंढो. भेड़. A sheep; a ram. जीवा० ३, ३; विवा० ४; सूय० २, २, २१; दस० ५, २, ४८; —**मूयत्त**. न० (-मूकत्व = एडइव अव्यक्तं मूकतया शब्दमात्र करोति) गाडरनी पेठे (बेंबे) न समजी शकाय तेवुं बोलवुं ते; बोबडापणुं. भेडके बोलने के समान समझ में न आसकने योग्य बोलना. babbling, indistinct speech like the bleating of a sheep. सूय० २, २, २१, दस० ५, २, ४८; दसा० १०, ४५;

एलइज्ज. न० (एलकीय) उत्तराध्ययन सूत्रना सातमा अध्ययननुं नाम. उत्तराध्ययन के सातवें अध्याय का नाम. Name of the 7th chapter of Uttarādhyayana. अणुजो० १३१;

एलग. पुं० (एडक) घेटो; मेंढो. भेड़. A male sheep; a ram. जं० प० २, २४; दस० ५, १, २२; पन्न० १;

एलगा. स्त्री० (एडका) गाडर. भेड़. A female sheep; a ewe. जं० प० २, २४;

एलय. पुं० (एलक) बकरो; मेंढो. बकरा; मेढा. A he-goat; a ram. "कोई पोसेज एलयं" उत्त० ७, २१९;

एला. स्त्री० (एला) एलची. इलायची.

Cardamom plant; the seed of the plant. जीवा० ३, ४; जं० प० पन्न० १; राय० ४६; —पुड. पुं० (-पुट) એલચીનો પુડો. इलायची का पुडा. A packet of cardamoms नाया० १७;

एलावच्च. पुं० (एलापत्य) મંડુક ગોત્રની શાખારૂપ એક ગોત્રનું નામ. मंडुक गोत्रकी शाखा रूप एक गोत्रका नाम. Name of a branch or off-shoot of the Manduka family-origin. नंदी० स्थ० २६; ठा० ७, १; (२) त्रि० તે ગોત્રમાં ઉત્પન્ન થયેલ પુરુષ. उक्त गोत्र में उत्पन्न पुरुष. a man born in the above mentioned branch of family. ठा० ७, १;

एलावच्चसगुत्त. न० (एलापत्यसगोत्र) આર્ય મહાગિરિનું ગોત્ર. आर्य महागिरी का गोत्र. Name of the family line of Ārya Mahāgiri. कप्प० ८;

एलावच्चा. स्त्री० (एलापत्या) પખવાડીયાની १५ રાત્રિઓમાંની ત્રીજી રાતનું નામ. पक्षकी तीसरी रात. The third day of a fort-night. सू० प० १०; जं० प० ७, १५२;

एलिक्ख. त्रि० (ईदृश) એવું; એના જેવું. इसके समान; ऐसा. Such; of this sort; of that sort. "कहंनु जिच्चमेलिक्खं जिच माणो न संविदे" उत्त० ७, २२;

एलिक्खअ. त्रि० (ईदृक) જુઓ "एलिक्ख" શબ્દ. देखो "एलिक्ख" शब्द. Vide "एलिक्ख" आया० १, ४, ३, ५;

एलुय. पुं० (एलुक) ઘરનો ઉંબરો (ઉંબર) घर की देली. The threshold of a door. जीवा० ३, ४; राय० १०६; दसा० ७, १; वव० १०, २;

एव. अ० (एव) અવધારણ; નિશ્ચય; નક્કી. निश्चय. Positively; assuredly. आया० १, १, १, ११; उत्त० १, १५; अणुजो० १४; वव० १, ३७; निसी० २०, १०; दसा० ६, १; उवा० ७, २१६; विशे० १७८; पिं० नि० १७८;

एवइकाल. पुं० (इयत्काल) એટલો વખત. इतना समय. That much time; so much time. क० प० १, ४५;

एवइक्खुत्तो. अ० (एतावत्कृत्वस्) એટલી વાર. इतनी बार. So often; so many times. कप्प० ६, ४८;

एवइय. त्रि० (इयत्) આટલું. इतना. So much; this much. भग० ३, १; ४; ६, ८; १२, ४; १३, ४; १४, ७; ८; १६, ४; २०, ६; २४, १; २४; ओघ० नि० १५४; विशे० ४४४; वव० १, ३७; प्रव० ८४५;

एवं. अ० (एवम्) એ પ્રકારે; પૂર્વોક્ત રીતે; (પહેલાં કહ્યું તેમ). इस प्रकार से; पूर्वोक्त रीतिसे In that way; as said above; thus. भग० १, १; २, १; ३, ५, ४; ८; ६, ४; ७, १; १६, ५; १८, १०; ३४, १; नाया० १; २, ५; ७; ८; ६; ११; १४; १६; दसा० ३, २६; ४, ४५; ६, ४; दस० ५, २, ३०; ७, ७; ४४; ८, ३; आया० १, १, १, १; १, १, १, २; सूय० १, १, १, २; १, १, १, ६; २, ७, ६; वेय० २, २; जं० प० ५, ११३; ४, १०२; ५, ११२; निर० १, १; विशे० ७२; निसी० २०, १०; उत्त० १, ४; ओव० ११; अणुजो० १४; ठा० १, १; सू० प० २०; उवा० १, १०; १२; १४; नाया० ध० ३; क० प० १, ३१, क० गं० ३, १०; १५; "एवमेयाणि जंपंता" सूय० १, १, २, ४; "एवं आउली करिंति" भग० १, ६;

एवंखलु. अ० (एवंखलु) ખરેખર; નિશ્ચે; એમજ. निश्चयसे; इसी प्रकार; वास्तव में.

Indeed; exactly so. भग० ७, ६; नाया० ६; ८; १०; १६; नाया० ध०

एवंच्चेव अ० (एवंचैव) જુઓ "एवं" શબ્દ. देखो "एवं" शब्द. Vide "एवं" नाया० १; २; भग० १५, १; २५, २; ६१, ८;

एवगहं. अ० (एवम्) જુઓ "एवं" શબ્દ. देखो "एवं" शब्द. Vide "एवं" वेय० १, १४; ४, २८;

एवतिय. त्रि० (इयत्) જુઓ "एवइय" શબ્દ. देखो "एवइय" शब्द. Vide "एवइय" भग० १, ७; ११, १;

एवंपि. अ० (एवमपि) એમ પણ. इस प्रकार भी. Even thus; even so. भग० १, ६;

एवंभूत वादि. त्रि० (एवंभूत वादिन्) ભાવ-સહિત પદાર્થનેજ પદાર્થ માનનાર એક નય. સાત નયમાંનો સાતમો નય. भाव सहित पदार्थ को ही पदार्थ मानने वाला एक नय. (One) who holds the logical standpoint that a substance should be styled by its name only so long as it actually performs the operation denoted by it; the seventh of the 7 logical beliefs. भग० २, ४, १०;

एवंभूय. पुं० (एवंभूत) જે શબ્દનો જે અર્થ થતો હોય તે અર્થ પૂરે પૂરી રીતે, તે વસ્તુમાં જુએ ત્યારેજ તેને તે વસ્તુ કહે, જેમ ઘટ શબ્દ ચેષ્ટાવાચી ઘટ્ ધાતુમાંથી બનેલો છે તો જ્યારે તે ઘડો પાણીથી ભરેલો સ્ત્રીના મસ્તક ઉપર હોય ત્યારેજ તેને ઘડો કહે અન્યથા નહિ એમ માનનાર એક નય સાત નયમાંનો ૭મો નય. जिस शब्द का जो अर्थ होता हो उस अर्थ का पूर्ण भाव उस शब्द वाचि वस्तुमें दिखलाई पड़े तब ही उस वस्तु को वस्तु कहे जैसे कि घट शब्द चेष्टावाची घट् धातु से बना है जब पानी से भरा हुआ स्त्री के मस्तक पर घडा रखा हो तभी उसे घट कहना अन्यथा नहीं; सातनयों में से एक नय. The seventh of the seven logical standpoints, viz that a substance should be styled by its name only so long as it performs actually the operation denoted by it; e g. a pot should de styled a pot only when it is actually filled with water and "carried" by any woman upon the head. विशे० २२५१; ठा० ७, १; भग० ५, ८; पन्न० १६; प्रव० ८४४; पंचा० ६, १२; (२) વિચ્છેદ ગયેલ બારમા દ્રષ્ટિવાદ અંગના બીજા વિભાગ સૂત્રનો ૧૬મો ભેદ. जिसका विच्छेद हो चुका है ऐसे बारहवे दृष्टिवाद अंगके दूसरे विभाग के सूत्रका १६वां भेद name of the 16th division of the 2nd section of the 12th non-extant Anga viz. Dristivada नंदी० ५, ६,

एवंविह. त्रि० (एवंविध) એવા પ્રકારનું તેનું. इस प्रकार का की Of that or this sort; such. सु० च० ४, ८२; पंचा १३, ३६;

एवमेव. अ० (एवमेव) એમજ. इसी प्रकार Exactly so; quite so. नाया० १; भग० १, १;

एवामेव. अ० (एवमेव) એરીજ રીતે इसी प्रकारसे. Exactly so; quite in this manner. जं० प० नाया० २; ३; ४; ५; ८; ६; १०; १४; १६; भग० १, १; ६; ३, ३; ५, ३; ६; १४, १; २५, ८; उवा० ७, २१६;

√**एस.** धा० I. II. (एष्) શોધવું; તપાસ

કરવી; પુછ પરછ કરવી. खोजना; ढूंढना; पुछ पाछ करना. To search; to inquire after.

एसे. नि० आया० १, ६, ४, १०;

एसिज्जा. वि० उत्त० १, ७; २, ३०; दस० ५, २, २६;

एसेज्जा वि० सूय० १, १, ४, ४;

एसंत. व० कृ० उत्त० ३०, २१;

एसमाण. व० कृ० वव० १०, ३;

√ एस. धा० I. (इष्) ઇચ્છવું; ઇચ્છા કરવી. इच्छा करना. To wish; to desire.

एसइ. पिं० नि० ७५;

एस. त्रि० (एष्यत्) આવતો; ભવિષ્યનું. भविष्य का; आगामी. Future; the future. विशे० ४२२; —काल. पुं० (काल) આવતો કાલ. आगामी काल. coming time; future time. दस० ७, ७;

एसण. न० (एषण) એષણીય વસ્તુ; નિર્દોષ આહારાદિ. दोषरहित आहारादि. A thing worthy to be used as food; unobjectionable food etc. उवा० १, ८६; नाया० १६; भग० २, ५;

एसणा. स्त्री० (एषणा) આહારાદિની ગવેષણામાં સાધુ અને ગૃહસ્થી બન્નેથી લાગતા શંકિતાદિ દશ દોષ. आहारादि की गवेषणा में साधु और गृहस्थों से जो दश दोष लगते है वे. Any of the 10 faults (viz Śankita etc.) incurred by a layman as well as an ascetic in connection with begging food etc. प्रव० २२; ५७१; ठा० ३, ४; पिं० नि० १; (२) ઉપયોગ પૂર્વક આહારાદિની ગવેષણા કરવી; એષણાનામની ત્રીજી સમિતિ. उपयोग पूर्वक आहारादि की गवेषणा करना; तीसरी समिति का नाम. name of the third Samiti, circumspection in begging food etc. उत्त० १, ३१; २, ४; ८, ११; २४, २; ३०; २५; भग० २, १; सूय० १, १, ४, ४; पराह० २, १; वव० १०, २, ओव० १७; सम० प० १६८; —असमिअ. त्रि० (-असमित) આહારાદિની ગવેષણારૂપ સમિતિ વિનાનો; એષણા સમિતિ રહિત. आहारादि की गवेषणा रूप समिति से रहित; एषणा समिति से रहित. (one) devoid of circumspection in begging food etc. दसा० १, २; २१; २२; —असमित. त्रि० (-असमित) અસૂઝતો આહારપાણી લઈ બીજા સાધુની સાથે કલહ કરનાર, અસમાધિનું વીસમું છેલ્લું સ્થાનક સેવનાર. असूझता (दोषयुक्त) आहार पानी लेकर दूसरे साधु के साथ कलह करनेवाला—असमाधि का २० वां अन्तिम स्थानक का सेवन करनेवाला (one) who resorts to the last viz. 20th source or cause of Asamādhi i. e. non concentration; (one) who quarrels with another Sādhu, after receiving food involving sin. सम० २०; —रय. (-रत) નિર્દોષ આહાર લેવામાં સાવધાન. निर्दोष आहार लेने में सावधान. one who cautiously and carefully receives only unobjectionable food. दसा० १, ३; —विसोहि. स्त्री० (विशोधि) એષણાની શુદ્ધિ. एषणा समिति की शुद्धि. purity or faultlessness of circumspection in begging food etc. ठा० ५, ३; —समिइ. स्त्री० (-समिति) ४२ પ્રકારના દોષ ટાળી શુદ્ધ આહાર પાણીની ગવેષણા કરવી તે; પાંચ સમિતિમાંની ત્રીજી સમિતિ

४२ प्रकार के दूषणों से रहित शुद्ध आहार पानी की गवेषणा करना; पांच समितियों में से तीसरी समिति. the third of the 5 Samitis viz. begging of alms untainted by the 42 kinds of faults. सम० ५; ठा० ८, १; —समिय. पुं० (समिति एषणायां उत्पादनग्रहणग्रास विषयायां सम्यगितः स्थितः) निर्दोष આહાર લેનાર. निर्दोष आहार ग्रहण करनेवाला. one who receives faultless or absolutely untainted food. "एसणा समिएणिच्चं वज्जयंते अणेसणं" सूय० १, ११, १३; दसा० ५, ६; भग० २०, २; नाया० ५;

एसणिज्ज. त्रि० (एषणीय) મુનિને એષણા કરવા યોગ્ય; લેવું કલ્પે તેવું; દોષ રહિત मुनि के एषणा करने योग्य; निर्दोष; लेने योग्य. Faultless; unobjectionable; worthy of being received as food by a Sādhu. भग० १, ६; २, ५; ५, ६; ७, १; ८, ६; १८, १०; उत्त० १२, १७; ३२, ४; नाया० ५; १६; १६; ठा० ४, २; उवा० १, ५८; पिं० नि० १६१; राय० २२५;

एसणिय त्रि० (एषणीय-एष्यते गवेष्यते उद्गमादिदोषविकलतया साधुभिर्यत्तदेषणीयम्) નિર્દોષ-દોષ વગરનું. निर्दोष; दोष रहित. Faultless; untainted; unobjectionable (e g. food). दस० ६, ४८;

एसिय. त्रि० (एषित) ગોચરીની વિધિથી પ્રાપ્ત થયેલ (આહારાદિ). गोचरी की विधि से प्राप्त (आहारादि). (Food etc.) got by Gochari (i. e. begging) in a particular fashion). आया० २, १, ६, ५०; सूय० २, १, ५६; भग० ७, १;

एसिय. पुं० (एषिक) અસંખ્યાત એકેન્દ્રિય જીવોની હિંસા થાય એવા આહાર કરતાં એક હાથીને મારી ખાવું તે શ્રેય એમ માનનાર એક તાપસ; હાથી તાપસ. असंख्यात एकेंद्रिय जीवोंकी हिंसा जिसमें हो ऐसा आहार करने की अपेक्षा एक हाथी को मार कर खाना श्रेष्ठ समझने वाला तापसी; हाथी तापस. An ascetic believing that it is better to kill an elephant for food instead of taking food involving killing of countless one-sensed living beings; (such a one is styled a Hāthī Tāpasa). " एसिया वोसिया लुद्धा " सूय० १, ६, २;

***एसिय.** पुं० (*) ગોવાળીયા. गोली; ग्वाल. A cowherd. आया० २, १, २, ११;

एस्स. पुं० (एष्यत) ભવિષ્ય કાલ; ભાવી. भविष्य काल; भावी काल. The future; future time. विशे० २८३;

एहंत. त्रि० (एधमान) વધતું; વૃદ્ધિ પામતું-તો-તી. बढ़ता हुआ; बढ़ती हुई; वृद्धिगत. Increasing, growing. दस० ६, २, ५;

एहा. स्त्री० (एधा) શમી (ખીજડી) ના કાષ્ટ; ઈંધણ. शमीकी लकड़ी; उस्तरा नामक वृक्षकी लकड़ी. The wood of the Samī tree; fuel. उत्त० १२, ४४;

एहिय. त्रि० (ऐहिक) આલોક સમ્બન્ધી; આ લોકનું. इस लोक सम्बन्धी; इस लोक का. Belonging to, pertaining to this world. ओघ० नि० ६२; —पएसिय. त्रि० (-प्रदेशिक) વિષમ સંખ્યા-૩, ૫, ૭ વગેરે એકી સંખ્યાના પ્રદેશથી નિષ્પન્ન થયેલ. विषम संख्या के प्रदेश से निष्पन्न. resulting from odd numbers such as three, five, seven etc. भग० २५, ३;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ओ.

ओअंसि. पुं० (ओजस्विन्) મનની ધીરજ વાળો; ધૈર્યવાન્; ધીર. धीरज वाला; धैर्य धारण करनेवाला; धीर. Courageous; brave. ओव० १६;

ओइरण त्रि० (अवतीर्ण) અવતરેલ; ઉતરી આવેલ. अवतरितः उतरा हुआ. Born; descended; come down. ओव० २६; ओघ० नि० ३४; पंचा० १५, ४२;

ओंकार. पुं० (ओंकार) ૐકારનો ઉચ્ચાર કરવો. ॐ कार का उच्चार करना. Pronouncing the word "Omkāra". उत्त० २६, २६;

ओकच्छिया. स्त्री० (अवकक्षिका) જુઓ "उकच्छिया" શબ્દ. देखो "उकच्छिया" शब्द. Vide. "उकच्छिया" ओघ० नि० ६७७; प्रव० ५४३;

√**ओकड्ढ** धा० I. (अप+कृष्) પાછું ખેંચવું. पीछा खींचना. To draw back; to pull back.

ओकड्ढइ. क० प० ३, ७;

ओकड्डिय. सं० कृ० क० प० ४, १;

ओकड्डणा स्त्री० (अपकर्षणा) અપવર્તના. अपवर्तना. Drawing back; turning back. क० प० ३, १०;

ओगाहिअ. त्रि० (अवगृहीत) પીરસેલ; ભાજનમાંથી હાથમાં લીધેલ. ग्रहण किया हुआ; परोसा हुआ. Served as food; held in the hand (sup. food). ठा० ३, ३;

ओगाढ त्रि० (अवगाढ) આકાશ પ્રદેશને અવગાહી-સ્પર્શ કરીને રહેલ. आकाश प्रदेश को व्याप्त करके रहा हुआ. Pervading or touching Ākāśa Dravya i. e. space. उत्त० १८, २४; पन्न० २; जीवा० १; विशे० ६७५; अणुजो० १०१, १४८; ठा० १, १; भग० १३, ४; १६, ६; २०, २; २५, ३; ४; नाया० ८; ६; १७; जं० प० ७, १३७; (२) જમીનમાં ઉંડું. जमीन के भीतर ऊंडा. deep in the ground. प्रव० १५८७; —रुइ. स्त्री० (-रुचि) ઉપદેશ કે શાસ્ત્રને અવગાહવાથી ઉત્પન્ન થતી ધર્મરૂચિ. उपदेश अथवा शास्त्र के अवगाहन --मनन से उत्पन्न होनेवाली धर्मरुचि. love for religion excited by a sermon or a study of scriptures. भग० २५, ७; ठा० ४, १;

ओगाढसेणिआपरिकम्म. न० (अवगाहनश्रेणिकापरिकर्मन्) દૃષ્ટિવાદના પરિકર્મનો છઠ્ઠો ભેદ. दृष्टिवाद के परिकर्म का छठवां भेद. The sixth division of the Parikarma of Dṛiṣṭivāda. नंदी० ५६;

ओगाढावत्त. न० (अवगाढावर्त्त) ઓગાઢસેણિઆપરિકર્મનો ૧૪મો પ્રકાર. ओगाढसेणिआ परिकर्म का चौदहवां भेद. The 14th division of Ogāḍhaseṇia Parikarma. नंदी० ५६;

ओगास. न० (अवकाश) અવકાશ; ખુલ્લી જમીન. अवकाश; खुली जगह; खाली स्थान. Open space. "ओगासं फासुयं नच्चा" दस० ५, १, १६;

√**ओ गाह.** धा० I. II. (अव+गाह्) અવગાહવું; અન્દર પેસવું; સ્પર્શ કરવો. अवगाहन करना; भीतर प्रवेश करना; स्पर्श करना. To pervade; to enter; to touch.

ओगाहइ. भग० २०, ८; प्रव० ६६८;

ओगाहेइ. नाया० २; ९; १६;

ओगाहंति. ओव० ३६;
ओगाहेज्जा. भग० १, ६; १८, १०; अणुजो० १३४;
ओगाहह. नाया० १७;
ओगाहित्ता. सं० कृ० ओव० ३६; जं० प० १, १४; ७, १४२; ७; १२७; भग० २, १; ८; ३, ७; पन्न० २;
ओगाहेत्ता. सं० कृ० नाया० २; ६; भग० २०, ८;
ओगाहित्तए. हे० कृ० ओव० ३८;
ओगाहंत. पिं० नि० ५७५;
ओगाहिऊण. जं० प० ४, १०५; प्रव० १४३५;

ओगाह. पुं० (अवगाह) અવગાહના; અવકાશ; આકાશનું લક્ષણ. अवकाश; आकाश का लक्षण; खाली स्थान. Interpenetration; lit. entrance; giving space to other substances; this is the nature of Ākāśa. उत्त० २८, ६;

ओगाहण. न० (अवगाहन) જીવ શરીર આદિ વસ્તુ જેટલા ક્ષેત્રને અવગાહિ રહે એટલું ક્ષેત્ર. जीव, शरीर आदि वस्तु जितने क्षेत्र में व्याप्त होकर रहे उतना क्षेत्र. Space occupied by any object. भग० १, ५; ५, ७; ८, १; पिं० नि० २८६;

ओगाहणग. त्रि० (अवगाहनक) અવગાહનાર. अवगाहन करने वाला. (One) that occupies a particular space; occupying space. ठा० १, १;

ओगाहणसेणिया. स्त्री० (अवगाहनश्रेणिका) અવગાહનશ્રેણી નામે દૃષ્ટિવાદાંતર્ગત પરિકર્મનો એક ભાગ. अवगाहन श्रेणी नामक दृष्टिवादान्तर्गत परिकर्म का एक भाग. Name of a division of the Parikarma forming a part of Driṣṭivāda. सम० १२;

ओगाहणा. स्त्री० (अवगाहना–अवगाहन्ते–आसते अवतिष्ठन्ते जीवा यस्यां सा तथा) શરીરાદિની ઉંચાઈ. शरीर आदि की ऊंचाई. Height of the body etc. भग० २, १; १६, ३; २४, २०; २५, ४; २५, ६; ३६, १; ओव० ४४; अणुजो० १३४; उत्त० ३६, ६०; ३६, ६१; जीवा० १; नंदी० १२; नाया० ध० प्रव० ४८१; —**ठाण.** न० (-स्थान—अवगाहन्तेजीवा यस्यां साऽवगाहना तनुस्तदाधारभूतं क्षेत्रं वा तस्याः स्थानानि प्रदेशवृद्धा विभागाः अवगाहनास्थानानि) અવગાહના–શરીરની ઉંચાઇના સ્થાન–વિભાગ. अवगाहना अर्थात् शरीर की ऊंचाई का स्थान–विभाग. A (smaller) division of the height of the body. भग० १, ५; —**नामनिहत्ताउय.** न० (-नामनिधत्तायुष्क) ઔદારિકાદિ શરીર નામકર્મ સાથે આયુષ્ય કર્મનો બન્ધ થાય તે; આયુબંધનો એક પ્રકાર. औदारिक शरीर नामकर्म के साथ आयुष्य कर्म का बंध होना; आयु बंध का एक प्रकार. The linking together of Āyuṣya Karma with the Nāmakarma that builds up the physical body पन्न० ६; भग० ६, ८; —**संठाण.** न० (-संस्थान) પ્રજ્ઞાપનાના ૨૧ માં પદનું નામ કે જેમાં ઔદારિક વગેરે પાંચ શરીરોના સંઠાણ વગેરેનું વર્ણન કર્યું છે. पन्नापना के २१ वें पद का नाम कि जिस में औदारिक आदि पांच शरीरों के संस्थान आदि का वर्णन है. Name of the 21st Pada of Prajñāpanā, dealing with the conformation of the five kinds of bodies viz. physical etc. पन्न० १;

ओगाहिम. त्रि० (अवगाहिम) પકવાન;

सुખડી; માલપહુવા વગેરે. मालपुवा आदि पकवान. Rich food; sweetmeats. पिं० नि० ५४८; पंचा० ५, ११;

ओगाहिमग. पुं० न० (*अवगाहिमक) પકવાન; મિઠાઇ વગેરે. पकवान; मिठाई वगैरह. Sweet-meats. प्रव० २०३, २१८;

√ **ओगिएह.** धा० I, II. (अव+गृह्) હાથમાં લેવું; ગ્રહણ કરવું. हाथमें लेना; ग्रहण करना. To hold in hand; to take.

ओगिएहइ. नाया० १; ठा० ३, ३; भग० ६, ३३;

ओगिएहेत्ता. सं० कृ० नाया० १; भग० ६, ३३;

ओगिगिहत्ता. सं० कृ० भग० २, ५; उवा० ७, १६३; २२०; कप्प० ८, ६;

ओगिज्झिय. सं० कृ० आया० २, ७, १, १५६;

ओगिरहण. न० (अवग्रह) અર્થાવગ્રહનું એક નામ. अर्थावग्रह का एक नाम. A synonym for Arthāvagraha i. e. vague idea or apprehension of an object. नंदी० ३०;

ओग्गह. न० (अवग्रह) આજ્ઞા; સંમતિ; રજા. आज्ञा; हुक्म; सम्मति. Order; permission; consent. भग० ९, ३३; दस० ५, १, १८; ८, ५ नाया० ५; पंचा० ६, ०३;

ओग्गहण. स्त्री० (अवग्रहण) ઇંદ્રિયોના વિષયરૂપ પુદ્ગલોનું ગ્રહણ કરવું તે. इंद्रियोंके विषयरूप पुद्गलों का ग्रहण करना. Drawing or taking to oneself the molecules of the various objects of senses. पन्न० १५;

ओघ. पुं० (ओघ) પ્રવાહ; સંસારને પ્રવાહનું રૂપક આપવામાં આવે છે માટે સંસારરૂપ પ્રવાહ. प्रवाह; संसार को प्रवाहका रूपक देने में आता है वास्ते संसाररूप प्रवाह. A current; a flow; metaphorically worldly existence. "एते ओघं तरिस्संति" सूय० १, ३, ४, १८; २, ६, ५५; क० प० १, ८१; पंचा० ३, ३; (२) સમૂહ; રાશિ; જથ્થો. समूह; समुदाय; ढेर. a group; a heap; a collection. जं० प० ५, ११५; नाया० १५; सम० ७; राय० ३७; (३) સામાન્ય; સમુચ્ચય. सामान्य; समुच्चय; साधारण. accumulation; general, broad nature. भग० २५, ३; ४; पन्न० ८; —**आदेस.** पुं० (-आदेश) સામાન્ય પ્રકાર; સામાન્ય અપેક્ષા. सामान्य प्रकार; सामान्य अपेक्षा. matter of course; matter of common expectation. "ओघादेसेणं सियकड जुम्मा" भग० २५, ३; ४;—**आययण.** न० (-आयतन) ઓઘ-પ્રવાહ-પરંપરાથી મનાયલા તીર્થસ્થાન. परंपरा से माने जाने वाले तीर्थस्थान. a place traditionally regarded as sacred. आया० २, १०, १६६;—**सराणा.** स्त्री० (-संज्ञा) મતિજ્ઞાનાવરણકર્મના ક્ષયોપશમથી સામાન્ય બોધ થાય તે-જેમ બીજાની દેખાદેખીથી બાલક નીસરણી પર ચડે પણ તે સમજતો નથી કે હું કેના પર ચડયો. मतिज्ञानावरण कर्मके क्षयोपशमसे जो सामान्य बोध होता है वह-जैसे दूसरेकी देखादेखी से बच्चा निसरनी पर चढता है किन्तु उसे यह नहीं समझता कि वह किसपर चढा है. ordinary knowledge arising on account of the subsidence and destruction of the Karma which obstructs Matijñāna. पन्न० ८; —**ओघस्सरा.** स्त्री० (-ओघस्वरा) ચમરચંચા રાજધાનીના દેવતાને સંદેશો પોંચાડનારી ઘંટા. चमर चंचा नामक राजधानी के देवों को संदेश जिससे पहुंचाया जाताहै वह घंटा. a bell by which

messages were communicated to the deities of the Chamara Chanchā capital. जं० प० ५, ११६;

ओचार. पुं० (अवचार) धान्यनो लांबो कोठार. धान्य का लंबा कोठा. A granary or store-house of grain, somewhat elongated in shape. अणुजो० १३२;

ओचूलअ. न० (*अवचूलक) लगाम; चोकडो लगाम. A bridle; reins. "ओचूलमुह चंडाधर चामर थासक परिमंडिय कडिए" विवा० २; जं० प० ३, ६१;

ओच्छाहिअ. त्रि० (उत्साहित) उत्साहवंत करेलुं; वखाण करी उत्साह चडावेल. उत्साहित कियाहुआ; उपदेश देकर उत्साहित किया हुआ. Encouraged; enlivened with applause. पिं० नि० ४६५;

ओज. न० (ओजस्) बळ; ताकात. बल; शक्ति. Strength; power; vigour. पगह० २, २;

ओट्ठ. पुं० (ओष्ठ) होठ. ओठ. A lip. अणुजो० १३; १२८; १३१; नाया० ८; जं० प० पन्न० २; राय० १६८; विवा० २;

ओणमंत. व० कृ० त्रि० (अवनमत्) नीचे नमतुं. नीचे नमाहुआ. Bending or inclining low. ओघ० नि० भा० २१२;

ओणय. त्रि० (अवनत) वांकुं वळेलुं; नीचे नमेलुं. नीचे नमा हुआ. Bent low; inclined low; curved. सु० च० १, ३८२; नाया० १; ओघ० नि० २२३;

√ **ओ-तर.** धा० I, II. (अव+तृ) आधरण नाखवुं; उमेरवुं आधन रखना; डालना. To add to; to put or throw into boiling water. (२) उतरवुं. उतरना. to descend.

ओयरई. पिं० नि० ३८८;

ओयरंत. पिं० नि० ५१८;

ओयारिया. प्रे० सं० कृ० दस० ५, १, ६३;

ओयारमाण प्रे०व०कृ०आया०२, १,६,३५;

ओतार. पुं० (अवतार) प्रवेश करवो; अंदर उतरवुं. प्रवेश करना. To enter; to descend into. विशे० १०४०;

ओतिरण्ण. त्रि० (अवतीर्ण) पार उतरेलो; पार पामेलो. पार उतराहुआ. पार पाया हुआ. (One) who has crossed or reached the opposite side. उत्त० ५, १४; १०, ३२;

ओदण. पुं० (ओदन) भात; रांधेल चोखा. भात, पके हुए चावल. Cooked rice जीवा० ३, २; भग० ६, ७; उवा० १, ३५; पंचा० १०, ३७;

ओधारिणी. स्त्री० (अवधारिणी) निश्चयकारिणी (भाषा) निश्चय कारक भाषा. Decisive speech. दस० ७, ५४;

√ **ओ-पड.** धा० I. (अव+पत) नीचे पडवुं. नीचे गिरना. To fall down; to come down.

ओवयइ. भग० ३, २;

ओवयंति. विशे० १४६;

ओवयंत. आया० २, १५, १७६; नाया० ६; कप्प० ३, ३७; ५, ६६;

ओवयमाण. व० कृ० नाया० १; ६; भग० ११, ११; राय०७२;जं० प०५,११७;

ओप्पाइय. त्रि० (औत्पातिक) उत्पात संबंधी. उत्पात सम्बन्धी. Relating to the fall of a meteor or a conflagration etc सूय० १, १२, ६;

ओबद्धअ. त्रि० (अवबद्धक) अमुक समय सुधी कोईनी बांधणीमां आवेल; परवश. अमुक समयतक किसी के बन्धन में आया हुआ, पराधीन. Bound down for a time; dependent. प्रव० १६८;

ओमट्ठ. त्रि० (*) માગેલું; યાચેલું. मांगा हुआ. Asked; begged; solicited. ओघ० नि० १४७;

ओ-भम. धा० I (अव+भ्रम्) ફરવું; ભમવું. फिरना; भटकना; भ्रमना. To wander; to roam.

ओभामेइ. प्रे० राय० २३६;

ओभावणा. स्त्री० (अवभावना) ઉપહાસ; હેલના; મશ્કરી. उपहास; अवहेलना; हंसी. Ridicule; insulting; disrespectful joke. ओघ०नि०भा०८१; प्रव०१६३;

√ **ओ-भास.** धा० I,II (अव-भाष्)યાચવું; દાતાર પાસે માગવું. दाता के पास से मांगना; याचना करना. To beg; to solicit a favour.

ओभासिज्ज. आया० २, १, ५, ३०;

√ **ओ-भास.** धा० I,II (अव+भास्) પ્રકાશ થવું; ચલકાટ કરવો. प्रकाशित होना; चिलकाहट करना. To shine; to glitter.

ओभासंति. राय० २७०,

ओभासइ. सू० प० १; राय०१२०; ठा०२,२;

ओभासइ. भग० १, ६;

ओभासंति. सू० प० १८; भग० ७, १०; ८, ८; १४, ६; जं० प० ७, १३७; राय०२७८;

ओभास. पुं० (अवभास) ६५मा મહાગ્રહનું નામ. ६५वें महाग्रह का नाम. Name of the 65th planet. सू० प० २०; ठा० २, ३; (२) પ્રભા; ઝાંઇ. प्रभा; झांई. light; lustre; brilliance. आव०

ओभासिय. त्रि० (अवभाषित) યાચના કરેલ; માગીલીધેલ. मांगकर लिया हुआ; याचित. Begged; solicited; got by solicitation. ओघ० नि० ३१३;

ओम. त्रि० (अवम) ઊણું; ઓછું; ન્યુન; અધુરૂં. कम; अधूरा; न्यून. Less; falling short पंचा० १६, १६; उत्त० २६, १५; ३०, १५; ३२, १२; पिं० नि० ६४३; पिं० नि० भा० ४५; (२) દુકાલ; દુર્ભિક્ષ. अकाल; दुष्काळ; दुर्भिक्ष. famine; scarcity; dearth of food. "जोवामु कहवि ओमे" पिं० नि० २२०; (३) અસાર; તુચ્છ. असार; तुच्छ; सार रहित; हीन. worthless; unsubstantial. उत्त० १२, ६; आया० २, २, ५, १४६; ठा० ४, ४; —(मो) उयरण. न० (*-उदरण = उदर) ઉણોદરી તપ; નિત્ય ખોરાકથી ઓછું ખાવું તે. उनोदरी तप; नित्यके भोजन के परिमाण से कम भोजन करना. the penance consisting in eating less than one's fill "ओमोयरणं पंचहा" उत्त० ३०, १४;

—(मो) उयरिअ. न० (-उदरिक) દુષ્કાળ; દુર્ભિક્ષ. अकाल; दुष्काल. famine; scarcity of food. ओघ० नि० ७;

—उयरिया. स्त्री० (उदरिका-अवमं न्यूनमुदरं यस्यां सा तथा) ઉણોદરી તપ; ૭ બાહ્ય તપમાંનું બીજું. उनोदरी तप; छह प्रकारके बाह्य तपों में से दूसरा तप. eating less than one's fill; the 2nd of the six external penances. "अणसणं ओमोयरिया भिक्खायरिया"

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ठा० ६, १; भग० ७, १; आया० १, २, ४, १५६; १, ६, २, १८३; —कोठया. स्त्री० (-कोष्ठता) खाली पेट. खाली पेट. emptiness of stomach. "आहरस-पगणा समुप्पजइ तंजहा ओमकोठयाए" ठा० ४, ४; —चेल. त्रि० (-चेल) प्रमाणथी ओछां वस्त्र राखनार. प्रमाण से कम वस्त्र रखनेवाला. (one) having less than the permitted number or quantity of clothes. आया० १, ७४, २१२; —चेलग. पुं० (-चेलक—अवमानि असाराणि चेलानि यस्य सः) टुंका अने जूनां वस्त्र पहेरनार. कम और जूने वस्त्र पहनने वाला; मैले वस्त्रों वाला one shabbily dressed; one putting on short and old garments. उत्त० १२, ६; —चेलिअ. त्रि० (-चेलिक) जुओ "ओमचेल" शब्द. देखो "ओमचेल" शब्द. vide "ओमचेल" "अदुवा संतदुत्तर अदुवा ओमचेलए अदुवा एगसाडे" आया० २, ५, २, १४६; —रत्त. पुं० (*) क्षय तिथि; घटेल तिथि. क्षय तिथि; घटी हुई तिथि. a lunar day beginning and ending without one sunrise or between two sunrises. ओघ० नि० २८५; —राइणिअ. पुं० (-रात्निक) दीक्षाये न्हानो (साधु). दीक्षा की अपेक्षा छोटा (साधु). a Sādhu junior in point of Dikṣā or entrance into the religious order. ठा० ४, ३;

ओमंथिय. त्रि० (अवमस्तक) नीचुं मस्तक करीने बेठेल. मस्तक नीचा करके बैठा हुआ. Sitting with the head bent or low. "नो कप्पइ निग्गंथीए ओमंथियाए" वेय० ५, २६; विवा० २; निर० १, १;

ओमच्चय. त्रि० (अवमत्यय) आहारनो एक दोष. आहार का दोष. A fault connected with food. पंचा० १३, ८;

ओमत्त. न० (अवमत्व) ओछापणुं. हीनत्व; ओछापन. Scantiness; paucity. राय० २६०; पन्न० १५;

√ **ओ-मा.** धा० I. (अव+मा) हाथ वगेरेथी भरवुं; भरप करवी. हाथ वगैरह से नापना-मापना. To measure with the hand etc; to take measurement

ओमिणिज्जइ. क० वा० अणुजो० १३३;

ओमाण. न० (अवमान) क्षेत्रादिकनी भरप. क्षेत्रादिकी माप. Measurement of area etc. ठा० २, ४;

ओमाण. पुं० (अपमान) अपमान; मानभंग; अनादर. अपमान; मानभंग; अनादर. Insult; disrespect; affront. "भिक्खालसिएगे एगे ओमाणभीरुए" उत्त० २७, १०;

ओमिणण. न० (अवमान) पोंखवुं. पौंखना. A particular ceremony by which a bridegroom and a bride are greeted at the entrance of a house. पंचा० ८, २५;

√ **ओ-मुंच.** धा० I, II. (अव+मुञ्च्) मुकवुं; छोडवुं. छोडना. To release; to abandon.

ओमुयइ. कप्प० ४, ११४;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ओमुइत्ता. कप्प० ५, ११४;

ओमुद्धग. त्रि० (**अवमूर्धक**) ઊંધુ મસ્તક કરેલ. **ओंधा** मस्तक किया हुआ. (One) with the head touching the ground and legs thrown up, on wards i. e. heels over head. " **ओमुद्धगा धरणितले पडंति** " सूय० १, ५, २, १६;

ओमुय. न० (**उल्मुक**) અંગારો; બળતો કોલસો. अंगारा; जलता हुआ कोयला. A burning charcoal. ओघ० नि० २७४;

√ **ओय.** धा० I. (**अव+लोक्**) નીહાળવું; જોવું. देखना To observe; to see; to mark.

ओयइ. विशे० ७६८;

ओय. न० (**ओजस्**) વિષમ સંખ્યા, જેવી કે-એક, ત્રણ, પાંચ વગેરે. विषम संख्या जैसे कि एक, तीन, पांच, सात वगैरह. Any odd number: e. g. one. three five etc. पिं० नि० ६२६; भग० २५, ३; (२) त्रि० નિષ્કિંચન; નિષ્પરિગ્રહી. परिग्रह रहित. having nothing; keeping no possession of property. सूय० १, १४, २१; (३) રાગ દ્વેષથી રહિત; કર્મ મલ રહિત-શુદ્ધ. राग द्वेष से रहित; कर्म मल राहत. devoid of attachment or malice; devoid of the mud of Karma. आया० १, ५, ६, १७०; १, ७, ६, २२२; सूय० १, ४, २, १; (४) पुं० જીવ ઉત્પન્ન થતાંવેત પ્રથમ આહાર ગ્રહણ કરે તે; માતાનું રેતસ્ અને પિતાનું વીર્ય. जीव उत्पन्न होतेही प्रथम जो आहार ग्रहण करता है वह; माता का रक्त और पिता का वीर्य. the first food of the soul or sentient being immediately after becoming quick viz the semen of the parents. सूय० २, ३, २१; तंदु० १६; पन्न० २८; प्रव० १३७५; (५) તેજ; પ્રકાશ. तेज; **प्रकाश.** luster; light. सु० च० १; —**आहार.** त्रि० (**-आहार**) ઓજ આહાર વાળો. ओज आहार वाला. (one) whose food consists of invigorating substences. प्रव० ११६५;

ओयंसि. त्रि० (**ओजस्विन्**) મનોબલવાળું. मनोबल वाला. Powerful; possessed of great will-power. भग० २, ५; नाया० १;

ओयण. पुं० (**ओदन**) રાંધેલા ચોખા; ભાત. भात; सिझाये हुए चावल. Cooked rice. प्रव० २०८; आया० १, ८, ४. ४; पिं० नि० भा० ३; पंचा० ५, २७; उवा० १०, २७७; ओघ० नि० भा० ३०७; विशे० ३०२७; उत्त० ७, १;

***ओयरण.** न० (**अवचरण**) પાછું ફરવું; પાછું હટવું. पीछे फिरना; पीछे हटना. Retreating; retracing one's steps. विशे० १२१०;

ओयरण. न० (**अवतरण**) ઉપરથી ઊતરવું; હેઠે જવું. ऊपर से उतरना; नीचे जाना. Descending; getting down. पिं० नि० ६८, ३६३;

***ओयव.** धा० II. (**साध्**) સાધવું; સર કરવું. साधना; जीतना. To accomplish; to subdue.

ओयवइ. जं० प०

ओयवेहि. आ० जं० प०

ओयवेत्ता. सं० कृ० जं० प०

ओयास्सि. त्रि० (ओजास्विन्) જુઓ " ओयंसि " શબ્દ. देखो " ओयंसि " शब्द. Vide " ओयंसि " आया० २, २, १, ७१;

ओयाय. त्रि० (अवयात) પ્રાપ્ત કરેલ. प्राप्त किया हुआ. (One) who has reached; (one) who has got or obtained. "महासिलाकंटयं सगामं ओयाए पुरओ य से सक्के " भग० ७, ६;

ओयार. पुं० (अवतार) સમાવેશ; અંતરભાવ. अंतर्भाव. Inclusion; state of being included. विशे० ५५१;

ओरस. पुं० (औरस) અંગ જાત પુત્ર; દત્તક નહિ તે ओरस पुत्र. A son born of one's loins; a legitimate son. सूय० १, ६, २; उत्त० ६, ३;

ओरस्स. त्रि० (औरस्य) છાતી સમ્બન્ધી (હિમ્મત). छाती संबंधी (हिम्मत, धैर्य आदि). (Anything) connected with the breast i. e. courage, bravery etc. पिं० नि० ४६२;

ओराल. त्रि० (उदार) ઉદાર; પ્રધાન. उदार; प्रधान; बड़े दिल का Generous; extensive; prominent. कप्प० १, ४; नाया० १; भग० २, १; १६, ६; (२) સ્થૂલ; મ્હોટું. मोटा; बड़ा. bulky; large in size. उत्त० ३६, १०७; (३) ઔદારિક શરીર-પાંચ શરીરમાંનુ એક. औदारिक शरीर; पांच प्रकार के शरीरों में से एक प्रकार का शरीर. the external physical body; one of the five bodies. क० गं० १, ३३; पिं० नि० ६७; **—सरीर.** न० (-शरीर) ઉદારિક શરીર; પ્રધાન શરીર. औदारिक शरीर; प्रधान शरीर. the external physical body; the prominent body. ओव० नि० २२४;

ओरालिय. पुं० न० (औदारिक) ઉદારિક શરીર; મનુષ્ય અને તિર્યંચનું સ્થૂલ શરીર. औदारिक शरीर; मनुष्य और तिर्यंच का स्थूल शरीर. Audārika body; the external physical body of human and sub-human beings.

(२) त्रि० ઉદારિક શરીરવાલો. औदारिक शरीरवाला. possessed of Audārika body. अणुजो० १४५; क० व० २, ७२; ओव० ४२; भग० १, ७; ८, १; पन्न० १२; विशे० ३७५; ३३३३; **—पोग्गलपरियट्ट.** पुं० (-पुद्गलपरिवर्त्त) ઔદારિક પુદ્ગલ પરાવર્તન-લોકના તમામ પુદ્ગલોને એક જીવ જેટલા વખતમાં ઉદારિક શરીરરૂપે ગ્રહણ કરી પરિણમાવી પુરા કરે તેટલો વખત. औदारिक पुद्गल परावर्तन-दुनिया के तमाम पुद्गलों को एक जीव जितने समय में औदारिक शरीररूप में ग्रहण कर के परिणमित कर के पूरा करे उतना समय. time taken by the soul in embodying within itself all the molecules of matter that constitute the Audārika body. भग० १२, ४; **—मीसग.** पुं० (-मिश्रक) વૈક્રિય આદિ સાથે મિશ્રિત થયેલ ઉદારિક શરીર-યોગ. वैक्रिय आदि के साथ मिश्रित औदारिक शरीर-योग. connection of the Audārika body with other kinds of bodies, such as Vaikriya body etc. and its activity in that mixed condition. भग० २५, १; **—सरीर.** न० (-शरीर) ઔદારિક શરીર; હાડ માંસવાળું શરીર. औदारिक शरीर; हाड मांस वाला शरीर. the ex-

ternal physical body of flesh and blood. नाया० २; —सरीरकाय-जोय. पुं० (-शरीरकाययोग) ઔદારિક શરીરરૂપ કાયાનો જોગ-પ્રવૃત્તિ. औदारिक शरीररूप कायाकी प्रवृत्ति. activity of the external physical body. भग०२५,१:—सरीरत्ता. स्त्री० (-शरीरता) ઔદારિક શરીરપણું. औदारिक शरीरपना. state of being or having the external physical body. भग०२५, २;

ओरुंभिया. अ० (अवरुध्य) અટકાવીને; રોકીને. रोक कर. Having confined or pent up; having obstructed "जायतेयं समारंभे बहु ओरुंभिया जणा" दसा० ६, ८; सम० ३०;

ओरुब्भमाण. व० कृ० त्रि० (अवरुध्यमान) રોકવામાં આવતો; અટકાવવામાં આવતો. रोका हुआ. Being obstructed or checked. उत्त० १४, २०;

ओरुहण न० (अवरोहण) નીચે ઉતરવું. नीचे उतरना. Coming down; act of descending. विशे० १२०८;

ओरोह. पुं० (अवरोध) અંતેપુર; જનાનખાનું. अन्तःपुर; जनानखाना. A harem; a woman's inner apartment. नाया० ८; १६; उत्त० ६, ८; २०, ७८; विवा० २, १; पिं० नि० १२७; (२) દરવાજાની અંદરનો અવાંતર કોઠો. दरवाजे के भीतर का कोठा. an inner apartment of a house. ओव०

ओरोहिया. स्त्री० (अवरोधिका) અંતપુરમાં રહેનાર (સ્ત્રી). अंतःपुर में रहनेवाली (स्त्री). A woman who stays in a harem; a woman. विवा० ६;

ओलंबणदीव. पुं० (अवलंबनदीप) સાંકળથી બાંધેલો દીવો લટકતો દીવો. लटकता हुआ दीपक; सांकल से बंधा हुआ दीपक. A hanging lamp. भग० ११, ११;

ओलंबिय. त्रि० (अवलंबित) દોરડી બાંધી લટકાવેલ. रस्सी बांध कर उस से लटकाया हुआ. Kept suspended on or with a rope. "इमं ओलंबियं करेह." सूय० २, २, ६३; ओव० ३८;

ओ-लग. धा० I. (अव+लग्) સ્થાપિત કરવું; ગોઠવવું. रचना करना; स्थापित करना. To compose; to arrange.

ओलयंति. नाया० ८;

ओलित्त. त्रि० (अवलिप्त) છાણ વગેરેથી લિંપી મુખ બંધ કરેલ. गोबर आदि से छाब कर मुह बंद किया हुआ. With the mouth (e. g. of a pot etc.) stopped with cow-dung. भग० ५, १;६,५;वेय०२, ३; ठा०३.१;(२) લેપાયેલ; ખરડાયેલ. खरड़ाया हुआ. Smeared; bespattered. आया० २, १, ७, ३८;

ओलुग्ग. त्रि० (अवरुग्ण) માંદો; ગ્લાનિ પામેલ. बीमार; ग्लान. Diseased; sickly; fatigued. निर०१.१; विवा०२; भग० ६, ३३; नाया०१;—सरीर. पुं० (-शरीर अवरुग्णं ग्लानं दुर्बलं शरीरं यस्य सः) દુબળા શરીરવાળો; માંદો. दुबले शरीर वाला; बीमार. A man with a lean and sickly body. विवा० २; नाया० १; निर० १, १;

ओलोइअ. त्रि० (अवलोकित) જોયેલું. देखा हुआ. Seen; observed. सूय०२.६.३८;

ओ-लोय. धा० I, II. (अव+लोक्) જોવું; તપાસવું. देखना; खोज करना; जांच करना. To see; to observe; to introspect.

ओलोएमाण. भग० १०, ३; नाया० १;

ओलोयंत. नाया० १६;

ओलोय. पुं० (* अवलोक) પ્રકાશ. उजियाला; प्रकाश. Light. पराह० २, १;

ओवग्गहिअ. त्रि० (औपग्रहिक) ગચ્છ સાધારણ; એકલાનું નહિ.. जो किसी अकेले का न हो वह; गच्छ साधारण. Belonging to a whole order or class of persons jointly. ओघ० नि० २३२; (२) દંડ-લાકડી, આદિ પાઢીયારા સાધુના ઉપકરણ. दंड-लकड़ी आदि साधुके उपकरण, जो थोड़े समय के लिये किसी गृहस्थी से मांग लिये जाते हैं. (articles of use) for an ascetic brought from a househoer for temporary use. e g. a stick etc. उत्त० २४, १३;

ओवचिय. पुं० (*) ત્રણ ઇન્દ્રિયવાળા જીવની એક જાત. तीन इंद्रियों वाला जीव. A three-sensed living being. भग० १५, १;

ओवट्टणा. स्त्री० (अपवर्तना) અપવર્તના. अपवर्तना. Turning back; drawing back. क० प० ३, १०;

ओवट्टिय. त्रि० (अपवर्तित) અપવર્તન કરેલ. अपवर्तन किया हुआ; लौटाया हुआ. Turned back; drawn back. क० प० २, २८;

ओवड्डि. स्त्री० (अपवृद्धि) હાનિ. हानि; नुकसान. Loss; decrease. सू० प० १;

ओवणिहिय. त्रि० (औपनिधिक) ગૃહસ્થે સમીપે આણેલ અન્નાદિની ગવેષણા કરનાર. गृहस्थ द्वारा समीपमें लाये हुए अन्नादि की गवेषणा करने वाला. (One) who searches for food brought to him by a householder. ओव० १६;

ओवतणी. स्त्री० (अवपातिनी) ઉપરથી નીચે પાડવાની વિદ્યા. ऊपर से नीचे गिराने की विद्या. The art of making a thing fall down from a high place. सूय० २, २, २७;

ओवत्तिया. सं० कृ० अ० (अपवर्त्य) અગ્નિ ઉપર રહેલા પાત્રમાંથી લઇને બીજા પાત્રમાં નાખીને. अग्नि पर चढे हुए पात्र में से लेकर दूसरे पात्र में डालकरके. Having taken out from a vessel which is actually on the fire and placed it in another vessel (i. e. food etc.). दस०५, १, ६६;

ओवमिअ. न० (औपमिक) ઉપમાંવડે દર્શાવાય તેવું. उपमा के द्वारा दिखलाया जा सके ऐसा. Capable of being shown or indicated by a simile or metaphor. अणुजो०१३६;जं०प०२,१८;

ओवम्म. न० (औपम्य) ઉપમાન પ્રમાણ; એક વસ્તુની સરખામણીથી થતું બીજી સદૃશ વસ્તુનું જ્ઞાન. उपमान प्रमाण; एक वस्तुका उपमा से होने वाला दूसरी वस्तुका ज्ञान. Argument from analogy; knowledge derived from analogy. ओव० ४५;पन्न०२;११; भग० ५, ४;अणुजो०१४७;

ओवम्मसच्च. पुं० (औपम्यसत्य) ઉપમા સત્ય જેમ મોટું તલાવ જોઇને કહે કે સમુદ્ર જેવું તલાવ છે તે ઉપમા સત્ય. उपमा सत्य, जैसे किसी बडे तालाव को देख कर कहना कि समुद्र के जैसा विशाल ताल है. Truth of the nature of that found in similes; verisimilitude; e. g.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

comparing a big lake with a sea. प्रव० ८६८;

ओवयण. न० (अवपतन) પોંખવું; ઓવારણા લેવા. ओवारना लेना. According welcome or reception with a particular kind of ceremony, auspicious in its nature. नाया० १; (२) નીચે ઉતરવું; નીચે આવવું. नीचे उतरना; नीचे आना. coming down; falling down; descending. भग० ३, २;

ओवरश्र. पुं० (अपवरक) ઓરડો. कोठडी; कोठा. A room; an apartment in a house. ओघ० नि० ४२१;

ओवसमिय. न० (औपशमिक) ઉપશમ સમકિત; ઉદયમાં આવેલ મિથ્યાત્વ મોહનીય કર્મનો નાશ, અને શેષ રહેલ મોહકર્મનો ઉદય થાય તે–ઉપશમ તે વડે કરાયેલું તે–ઔપશમિક. उपशम सम्यक्त्व; उदय में आये हुए मिथ्यात्व मोहनीयकर्म का नाश और शेष रहे हुए मोहकर्म का उदय होना उपशम कहलाता है इस उपशम द्वारा होने वाला सम्यक्त्व औपशमिक सम्यक्त्व होता है. (Right belief) arising from the destruction of actually matured right-belief-deluding Karma and the subsidence of that which is still dormant. विशे० ५२८;

ओवाहिश्र. त्रि० (औपधिक) પોતાના દોષને ઢાંકનાર. अपने दोष को ढांकने वाला. (One) who hides one's own faults. उत्त० ३४, २५; (२) કષાયનિમિત્તક કર્મ. कषाय नैमित्तिक कर्म. an action resulting from Kaṣāya or moral filth. ओव० ४१;

ओवाडित. त्रि० (अवपाटित) ચિરાયેલું; ચીરેલું-લી-લો. चीरा हुआ; चीरी हुई. Rent; torn. ओव० ३८;

ओवात. पुं० (अवपात) પડવાનું સ્થાન; ઠેસ વાગે તેવી ખાડા વાળી જમીન. गिरने का स्थान; खड्डे वाली जमीन. A place unsafe on account of pitfalls जं० प०

ओवाय. न० (अपपात) અખડાખડી ખાડા વાળી જમીન. ऊंची नीची–खड्डे वाली जमीन. Rough, uneven ground. दस० ५, १, ४;

ओवाय. (औपाय) ઉપાય–સાધન સમ્બન્ધી. उपाय सम्बन्धी. Relating to ways and means. उत्त० १, २८;—**पव्वज्जा.** (-प्रव्रज्या) ગુરુસેવારૂપ સાધનથી લીધેલી. દીક્ષા. गुरु की सेवा रूप साधन से ली हुई दीक्षा. Dikṣā received on account of service rendered to a Guru. ठा० ४, ४;

ओवायवंत त्रि० (अवपातवत्) નમ્ર; વિનયવાન્ नम्र; विनीत. Mod st; humble. दस० ६, ३, ३;

ओविश्र-य. त्रि० (* परिकर्मित) સરખી રીતે ગોઠવેલ; સમારેલ; જડેલ. समान रीत से जमा कर रखा हुआ रखी हुई; जड़ा हुआ. Duly arranged; properly set right; inlaid with. ओव० ३१; नाया० १६;

ओवीलग. त्रि० (अपव्रीडक) બીજાને નિર્લજ્જ કરનાર. दूसरे को निर्लज्ज करने वाला. (One) making or causing another person to be shameless. पराह० १, ३;

ओस. पुं० (अवश्याय) ત્રેહ; ખારી જમીનમાંથી નીકળી તરણાં ઉપર જામેલ પાણીના બિન્દુ. खारी जमीन से निकल कर घांस पर जमे हुए पानीके बिन्दु Drops of water

issuing from salt ground and settling on grass. आया० १, ७, ६, २२२; (२) ઝાકળ; હિમ. ओस. dew; fog. उत्त० १०, २; दस० ४;

ओसक्किसा. सं० कृ० अ० (अवष्वष्कय) તક મેળવવાને પાછા હટીને. मौका पाने के लिये पीछे हट कर Having retraced one's steps with a view to secure an advantage. ठा० ६, १;

ओसकण. न० (अवष्वष्कण) અમુક ક્રિયાનો જે સમય નિયમિત હોય તે પહેલાં તેની શરુઆત કરવી, જેમ કે ગોચરીનો મધ્યાન્હ સમય હોય છતાં રાંધવાને વખતે ગોચરી જવું. किसी क्रिया का जो नियमित समय हो उसके पहिले उसका आरंभ करना, जैसे गोचरी (भिक्षा जाने) का मध्यान्ह समय होने पर भी भोजन बनने के समय गोचरी के लिये जाना. Doing a thing before the time fixed for it; e. g. begging in the morning instead of at noon. पिं० नि० २८५; ओघ० नि० भा० २१६;

ओसक्किय. सं० कृ० अ० (अवष्वष्कय) નીચે ખસેડીને. नीचे हटा कर. Having drawn below. आया० २, १, ७, ३८; दस० ४;

ओसक्किया. सं० कृ० अ० (अपष्वष्का) જુઓ "ओसक्किय" શબ્દ. देखो "ओसक्किय" शब्द. Vide "ओसक्किय" दस० ५, १, ६३;

ओसगण. त्रि० (*) અવશ્ય કરવા લાયક ધર્મ ક્રિયા કરવામાં આળસ કરનાર; સંયમમાં ખેદ ધરનાર. अवश्य करने लायक धर्मक्रिया करनेमें आलस्य करने वाला; संयम करने में खेद करने वाला. Lax, faint-hearted in the performance of religious ascetic duties. भग० १०, ४; नाया० ५; १६; १६; ओघ० नि० भा० ४८; नाया० ध० (२) ખુંચી ગયેલ; ફસાઇ ગયેલ. गड़ गया हुआ; फसा हुआ. entrapped; entangled; plunged deep (e. g. in mud). पगह० १, ४; ओव० ३८;

—**विहारि.** त्रि० (विहारिन्) શિથિલ આચાર વાળો. शिथिल आचार वाला. (One) lax in ascetic conduct. (२) સ્વાધ્યાય આદિ ન કરનાર. स्वाध्याय आदि न करने वाला. (one) neglecting scriptural study. भग० १०, ४; नाया० ५; १६; नाया० ध०

ओसगणं. अ० (*प्रायशस्) પ્રાયેકરીને; ઘણું કરીને. प्रायः करके; अधिकतर. Most probably; mostly; to a great extent. विशे० २२७५; ओव० ३८; कप्प० ६, ६१; जं० प० २, ३६;

ओसन्न. पुं० (अवसन्न) જુઓ "ओसगण" શબ્દ. देखो "ओसगण" शब्द. Vide. "ओसगण" क० गं० १, १३; प्रव० १०३;

ओसप्पिणी. स्त्री० (अवसर्पिणी) દિવસેદિવસે ઉતરતો વર્ણગંધાદિકમાં હાનિ પામતો કાલ; દશ કોડાકોડી સાગરોપમ પ્રમાણે ઉતરતો એક કાલવિભાગ; ઉતરતા છ આરા-પુરાથાય-તેટલો કાલ. दिन पर दिन कम होता हुआ -वर्ण गंध आदिमें न्यून होता हुआ काल; दश कोडाकोडी सागरोपम प्रमाण उतरता—कम होता हुआ एक काल; उतरते छः आरे-पूरे हों उतना काल. The cycle of decrease; the era of decrease or

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

degeneration, equal to 10×crore × crore Sāgaropamas. भग० २०, ८; अणुजो० ११५, १४५; नंदी० १२; पन्न० १२; उत्त० ३४, ३३; ठा० २, ४; सू० प० ८; कप्प० १, २; पंचा० १६, ६; जं० प० २, १८; —काल. पुं० (-काल) ઉતરતો કાલ; દશ કોડા કોડી સાગરોપમ પ્રમાણ કાલ વિભાગ. अवसर्पिणी काल; जिसमें दिनपरदिन हीनता हो वह काल विभाग; दश कोडा कोडी सागरोपम प्रमाण कालविभाग. the era of decrease or degeneration equal to 10 × crore × crore Sāgaropamas of time. जं० प० २, १८;

√ **ओ-सम.** धा० I, II. (उप + शम्) શાંત; કરવું. शांत करना. To calm; to appease.

ओसामेहंति. प्रे० पिं० नि० ३२६;

√ **ओ-सर.** धा० I. (उप + सृ) પાછા હટવું. पीछा हटना. To retreat; to retrace one's steps.

ओसरइ. प्रव० ५, ८८;

ओसारेइ. प्रे० निसी० २, ५२;

ओसारेत. व० कृ० निसी० २, ५२;

√ **ओ-सर.** धा० I. (अव + सृ) વિસ્તાર કરવો; પ્રસારવું; લાંબુ કરવું. विस्तार करना; प्रसार करना; फैलाना; लंबा करना. To extend; to spread; to stretch.

ओसारेजा. प्रे० अणुजो० १३८;

ओसरण. न० (अवसरण) સાધુઓનો સમુદાય. साधुओं का समुदाय. A group or assemblage of Sādhus. पिं० नि० २२८; पंचा० ६, ३१; प्रव० ५४५;

ओसाविय. त्रि० (उपशमित) શાંત થયેલ; શાંત વૃત્તિવાળું. शान्त; शान्त वृत्तिवाला. Peaceful; calm-minded. पिं० नि० ३२६;

ओसह. न० (औषध) ઓસડ, સુંઠ, લવીંગ, મરી વિગેરે દવા. औषध; सोंठ, लोंग; मिर्च आदि दवा. A medicine; a drug. पंचा० ६, २२; भग० २, ५; ७, १०; नाया० ५; ८; १३; १४; १६; ठा० ४, ४; ओव० ४१; उत्त० १६, ८०; ३२, १२; उवा० १, ५८; पिं० नि० भा० ४६; सु० च० ४, १००; विवा० १;

ओसहा. स्त्री० (*औषधा) પુષ્કલાવિજયની મુખ્ય રાજધાની. पुष्कला विजय की मुख्य राजधानी का नाम. The principal metropolis of Puṣkalāvijaya. जं० प० ठा० २, ३;

ओसहि. स्त्री० (औषधि) ફલ પાકે ત્યાંસુધી રહેનાર વનસ્પતિ; જુવાર, બાજરો વગેરે. फसल आनेतक रहनेवाली वनस्पति ज्वार, बाजरा आदि. A class of plants which live till the harvest ripens; e. g. crops of grain. उत्त० ११, २६; २२, ६; आया० २, १, १; २; नंदी० १४; सु० च० १, २३४; दस० ७, ३४; जं० प० २, ३३; पंचा० ८, २६; बव० ६, ३३; भग० ७, ६; पिं० नि० ८७; पन्न० १; नाया० १; सूय० २, २, ४६; प्रव० १५१; निसी० ४, २५; उवा० १, ५१; —गंध० पु० (-गन्ध) ઓષધની ગંધ. औषधी की वास. smell of a medicine. नाया० १७; —बीय. न० (-बीज) ઔષધિનાં બીજ. औषधी के बीज. seeds of medicinal herbs. निसी० १४, ४४;

ओसा स्त्री० (अवश्याय) ઓસ; ઝાકળ; ઝાંકલ. ओस; कुहिरा. Dew; fog; hoar-frost. पन्न० १; ओव० ४, ३;

ओसाण. न० (अवसान) સમીપ; નજીક. समीप; नजदीक. In the vicinity of; near. (२) અન્ત; અવસાન. अंत; अवसान; मृत्यु. death; end. सूय० १, १४, ४;

ओसारिया. त्रि० (**अवसारित**) અવલંબિત; ઉપરથી લટકેલ. **अवलंबित; लटकता.** Remaining suspended from above; hanging. ओव० ३०;

ओसास. पुं० (**उच्छ्वास**) ઉંચે શ્વાસ મુકવો તે. उर्द्ध श्वास लेना; ऊपर की श्वास लेना. A sigh; a heavy sigh. अणुजो० १२८;

ओसिंचित्तार. त्रि० (**अवसेक्तृ**) છાંટનાર. छांटनेवाला; सींचनेवाला. (One) who sprinkles water etc. सूय० २,२,१८;

ओसित्त. त्रि० (**अवसिक्त**) સિંચેલ; પલાળેલ; ભિંજાવેલ. भींजा हुआ; गीला; सींचा हुआ. Wet; damp. आया० २, १, १, १;

ओसेइम. न० (**उत्स्वेदिम**) લોટ આદિ ધોવાનું પાણી; ધોવણ. आटा वगैरह के धोने का पानी. Water with which flour, rice etc. are washed. कप्प० ६, २५;

ओसोवणी. स्त्री० (**अवस्वापिनी**) અવસ્વાપિની નિદ્રા; અતિગાઢ નિદ્રા. बडी भारी गाढ़ निद्रा. Very deep sleep; profound sleep. कप्प० २, २७;

ओह. पुं० (**ओघ**) સંસાર સમુદ્ર. संसाररूपी समुद्र. Ocean of worldly existence. आया० १, २, ६, ६६; दस० ६, २, २४; दसा० ५, २७; २८; सूय० १, ११, १; (२) અસંયમ. असंयम; संयम हीनता. absence of self-restraint. वव० २, २३; (३) સંક્ષેપ. संक्षेप; थोडासा. general statement; brief outlines. ओघ० नि० २; २१३; (४) સમૂહ; જત્થો. समूह समुदाय a group; an assemblage. उत्त० १०, ३०; २४, १३; ३२, ३३; ओव० ३४; नंदी० स्थ० ७; सु० च० १०, १६०; जं० प० १, २१; (५) પ્રવાહ. प्रवाह. a current; a stream; a flow. उत्त० ५, १; विशे० ११२१; सम० प० २३५; (६) સમુચ્ચય; સામાન્ય. समान्य; समुच्चय. general or broad nature. अणुजो० १५४; पिं० नि० २१६; पिं० नि० भा० ३१; ओघ० नि० २; विशे० ६५८; क० गं० ६, १२; —**अणुवेहि.** त्रि० (**अनुप्रेक्षिन्**) અસંયમ સેવવાની ઇચ્છાવાળો. असंयम से रहने की इच्छावाला. (one) desirous of leading a life of indulgence. वव० २, २३; —(**हा**) **आदेस.** पुं० (**-आदेश**) સામાન્ય પ્રકાર; દ્રવ્ય સામાન્ય. सामान्य भेद; द्रव्य समान्य. general, broad nature; general outline. विशे० ६०३; —**नाण.** न० (**ज्ञान**) ઓધિક જ્ઞાન. ओधिक ज्ञान. general knowledge; knowledge of broad outlines. विशे० ४७१५; —**सराणा.** स्त्री० (**-संज्ञा-संज्ञायते वस्त्वनयेति**) સામાન્ય બોધ. सामान्य बोध. general knowledge of an object; knowledge or broad outlines by perception etc. भग० ७, ८; —**सुय.** न० (**-श्रुत**) ઉત્સર્ગ શ્રુત-શાસ્ત્ર. उत्सर्ग शास्त्र. a scripture named Utsargaśruta. नंदी० ३६;

ओहंजालिया. स्त्री० (*) ચાર ઇંદ્રિયવાળા જીવની એક જાત. एक चार इद्रियों वाला जीव विशेष. A kind of four-sensed living being. पन्न० १;

ओहंतर. त्रि० (**ओघन्तर-ओघं संसारसमुद्रं तरितुं शीलं यस्य सः**) ઓઘ-સંસાર પ્રવાહને

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

तरेनार; संसार पारगामी. संसार रूपी प्रवाह से पार जाने वाला. (one) wishing to and possessing capacity to cross the ocean of worldly existence; emancipating from worldly existence. सूय० १, १, १, २०;

ओहट्टंत. व० कृ० त्रि० (अपसर्पत्) હટતું; અલગ રહેતું. अलग रहनेवाला. Getting aside; remaining apart. सु० च० ११, ५५;

ओहय. त्रि० (अवहत) હણેલ; વિનાશ કરેલ. मारा हुआ; विनिष्ट Killed; destroyed. उवा० ८; २५६; नाया० ३; ओव० राय० २६३; जं० प० ३, ६६; कप्प० ४, ६२; विवा० ३; —मण. (-मनस्) ઉત્સાહ વગરનું મન. उत्साह रहित मन depressed, gloomy mind. नाया० १; १४; १६; —मणसंकप्प. त्रि० (मनःसंकल्प-अवहतो मनसः संकल्पोयस्य स तथा) નષ્ટ થયા છે મનના (વિકલ્પાદિ) સંકલ્પો જેના એવો. संकल्प विकल्प रहित मनवाला; जिसके मन के संकल्प नष्ट हो चुके हैं वह. free from doubts and misgivings of the mind. नाया० १; ६; निर० १, १; निसी० ८, ११;

√ओहर. धा० I (उप+हृ) સ્થાપન કરવું. स्थापन करना; प्रतिष्ठित करना. To establish; to settle.

ओहरइ. नाया० १४;

ओहारेय. सं० कृ० अ० (उद्धृत्य) ઉદ્ધરીને; બહાર કાઢીને. बाहिर निकाल करके. Having taken or drawn out. (२) વાંકા થઈને. टेढा होकर. having bent low. " अगसिंड सक्किया गिसक्किया ओहरिय आहट्टु दलएज्जा " आया० २, १,७, ३७;

ओहरिय. त्रि० (अवधृत) ઉતારેલું; હેઠે મુકેલું; नीचे रखा हुआ; उतारा हुआ. Taken down; placed down. ओघ०नि० ६०६;

√ओहा. धा० I. (अव+हा) દ્રવ્યલિંગ છોડી મૈથુનાદિ અસંયમ આદરવું. द्रव्यलिंग छोडकर मैथुनादि असंयमों का ग्रहण करना. To indulge in sexual pleasures etc. in talk, imagination etc. without actual deed.

ओहायइ. वव० ३, १८;

ओहायमाण. वव० ५, १४;

ओहायंत. ओघ० नि० १२४;

ओहाइय त्रि० (अवहीन) ચારિત્ર સંયમથી ભ્રષ્ટ થયેલ. संयमभ्रष्ट; चरित्रभ्रष्ट. (One) who has fallen off or lapsed from ascetic right conduct. वव० ५, १४;

ओहाडणी. स्त्री० (अवघाटनी) કમાડ બંધ કરવાની ટાંકી. द्वार बंद करने की टांकी. A contrivance to close a door. जं० प० (२) પાતળા છોઇની ગુંથેલી કંબા-સાદડી વિશેષ. पतली सलाइयों से गुथी हुइ चटाइ वगैरह a mat made of thin strips of wood knit together. राय० १०८; जीवा० ३, ४;

ओहाडिय. त्रि० (अवघाटित) બાંધેલું-લી-લો. बांधा हुआ-हुई. Fastened. वेय० १, १४;

ओहामिश्र. त्रि० (*) તિરસ્કાર કરેલું. तिरस्कृत; तिरस्कार कियाहुआ. Slighted;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

disdained. ओघ० नि० भा० ६०;

ओहार. पुं० (*) કાચબો. कछुवा. A tortoise. पिं० नि० ३३२;

ओहारइत्तार त्रि० (अवधारयितृ) નિશ્ચયકારિ ભાષા બોલનાર; અસમાધિનું ૧૧ મું સ્થાનક સેવનાર. निश्चय कारक भाषा बोलने वाला; असमाधि के ११ वें स्थानक का सेवन करने वाला. (One) speaking with decisiveness or self-confidence; (one) resorting to the 11th source of Asamādhi. सम० २०;

ओहारिणी. स्त्री० (अवधारिणी) નિશ્ચયકારિણી ભાષા; 'હું આમજ કરીશ' એવી ચોક્કસરૂપ વાણી. निश्चय कारिणी भाषा: मैं ऐसा ही करूंगा ऐसे दृढ वाक्य. decisive or positive speech; e. g. "I will positively act thus." भग० २, ६; उत्त० १, २४; दस० ६, ३, ६; पन्न० ११;

ओहारेमाण. त्रि० (अवहरत्) હલાવતો. हिलाता हुआ. Moving; shaking. नाया० १;

ओहावण. न० (अवहापन) અપકીર્તિ; અવહેલના. अपकीर्ति; निंदा. Disrepute; disrespect; dishonour. पिं० नि० ४८६; ओघ० नि० भा० १०२;

ओहासिअ. त्रि० (अवभासित) ઇચ્છેલું; પ્રાર્થનાપૂર્વક માંગેલું. इच्छित; प्रार्थनापूर्वक मांगा हुआ. Desired; solicited. ओघ० नि० ५५६;

ओहि. पुं० (अवधि) ઇંદ્રિયોની સહાય વિના આત્મપ્રકાશથી રૂપિ પદાર્થોનું હદવાળું જ્ઞાન; અવધિજ્ઞાન; વિકલપ્રત્યક્ષજ્ઞાનનો એક પ્રકાર. इन्द्रियोंकी बिना सहायता आत्म प्रकाश से रूपि पदार्थों का होनेवाला परिमित ज्ञान; अवधिज्ञान: विकलप्रत्यक्षज्ञान का एक प्रकार. Direct, limited knowledge of matter without the help of the senses, merely by the light of the soul; a variety of limited direct knowledge by occult powers. क० प० ४, ४६; कप्प० २, १४; उत्त० २८, ४; ३३, ४; भग० ३, १; १२, १; १६, १०; नाया० ८; ६; १३; नाया० ध० दसा० ५, २२; ३०; उवा० १, ७४; ८३; ८, २५५; २५६; क० गं० १, ४; १०; ४, १५; जं० प० ५, ११५; ५, ११२; २, ३३; (२) પન્નવણાના તેત્રીશમાં પદનું નામ કે જેમાં અવધિજ્ઞાનનું વર્ણન છે. पन्नवणा के तेतीसवें पद का नाम जिसमें कि अवधिज्ञान का वर्णन है. name of the 33rd Pada of Pannavaṇā dealing with Avadhijñāna. पन्न० १; (३) અવધિ; હદ; મર્યાદા. अवधि; हद; सीमा. limit; border. सु० च० २, ४४८;

—**खित्त.** न० (-क्षेत्र) અવધિજ્ઞાનનો વિષય. अवधिज्ञान का विषय. an object of or subject-matter of Avadhijñāna. विशे० ५६१; —**जुअ.** पुं० (-युग) અવધિજ્ઞાન અને અવધિદર્શન એ બે પ્રકૃતિ. अवधिज्ञान और अवधिदर्शन ये दो प्रकृति. the group of the two Prakritis viz. Avadhijñāna and Avadhidarśana. क० प० ४, ८६; —**णाण.** न० (-ज्ञान) અવધિજ્ઞાન-ઇંદ્રિય અને મનના વ્યાપાર વિના માત્ર આત્મજ્યોતિથી અમુક હદમાં પ્રત્યક્ષરીતે રૂપીપદાર્થોનું

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

જાણવું; જ્ઞાનના પાંચ પ્રકારમાંનો ત્રીજો ભેદ અવધિજ્ઞાન-इंद्रिय और मन के व्यापार के बिना केवल आत्मज्योति से किसी हद तक प्रत्यक्ष रीति से रूपि पदार्थों का जानना; ज्ञान के पांच प्रकारों में से तीसरा प्रकार direct knowledge of matter, within a limit, without the help of the senses and the mind, merely through the light of the soul; the third of the 5 kinds of knowledge; it is a kind of knowledge by occult powers. "णो केवलणाणे दुविहे पन्नत्ते तंजहा ओहिनाणेचेव" ठा० २; अणुजो० १२७; भग० ८, २; ६, ३१; ओव० १६, ४०; विशे० ७५; —णाणपज्जव. पुं० (-ज्ञानपर्यव) અવધિજ્ઞાનનો પર્યાય अवधिज्ञान के पर्याय. a modification of Avadhijñāna. भग० २५, ४; —णाणि. पुं० (ज्ञानिन्) અવધિજ્ઞાનવાળો જીવ. अवधिज्ञानवाला जीव. a soul possessed of Avadhijñāna. भग० २६, १; नाया० ८; जं० प० २, ३१; —दुग. न० (-द्विक) અવધિજ્ઞાન અને અવધિદર્શન. अवधिज्ञान और अवधिदर्शन the pair of two viz Avadhijñāna and Avadhidarśana. क० ग० ३, १८; ४, १७; —मरण न० (-मरण) અવધિ મરણ; એક વાર એક ગતિના આયુષ્યના દલિયા ભોગવી મરી ફરી તેવા દલિયા ભોગવીને મરે તે. अवधि मरण; एक बार एक गति के आयुष्यके दलिया-समूह भोगकर मरनेपर फिर वैसेही दलिया-समूह भोगकर मरना. death after a repetition of the experiences of a former birth. "ओहीमरणेणंभन्ते" भग० १३, ७; सम० १७; प्रव० १०२३; —लंभ. पुं० (-लम्भ) અવધિજ્ઞાનનો લાભ-પ્રાપ્તિ. अवधिज्ञान की प्राप्ति attainment of Avadhijñāna. क० प० ४, ८२; —लद्धि. स्त्री० (-लब्धि) જુઓ "ओहिलंभ" શબ્દ. देखो "ओहिलंभ" शब्द. vide "ओहिलंभ" क० प० ६, ११;

ओहिंजलिया. स्त्री० (अवधिजलिका) ચોઇંદ્રિય જીવ વિશેષ. चार इन्द्रियों वाला जीव विशेष. A kind of four-sensed living being. उत्त० ३६, १४७;

ओहिदंसण. न० (अवधिदर्शन) દ્રવ્ય, ક્ષેત્ર, કાલ, ભાવની મર્યાદાથી રૂપિ પદાર્થોનું જોવું; જે અવધિજ્ઞાનની પહેલાં થાય છે તે. द्रव्य, क्षेत्र, काल, भावकी मर्यादासे रूपि पदार्थों को देखना; जो अवधिज्ञान के पूर्व होता है वह. Direct perception of matter limited as to subject-matter, place, time etc. with the help of the senses (This state precedes Avadhijñāna.) जीवा० १; भग० २, १०; ८, २; सम० १७; दसा० ५, २२; —आवरण. पुं० (-आवरण) દર્શનાવરણીય કર્મનો એક પ્રકાર જે અવધિદર્શનને રોકે છે. दर्शनावरणीय कर्मका एक प्रकार जो कि अवधिदर्शन को रोकता है. obstruction of Avadhijñāna caused by the rise of Darśanāvaraṇiya Karma. उत्त० ३३, ६; पन्न० २३; ठा० ६, १; सम० १७; —पज्जव. पुं० (पर्यव) અવધિદર્શનના પર્યાય. अवधिदर्शन के पर्याय. a modification of Avadhidarśana. भग० २५, ४;

ओहिदंसणि. त्रि० (अवधिदर्शनिन्) અવધિદર્શનવાળો જીવ. अवधि दर्शन वाला जीव. A soul possessed of Avadhi-

darśana. भग० ६, ३; १३, १; ठा० ४.४;

ओहिनाण. न० (अवधिज्ञान) અવધિજ્ઞાન. अवधिज्ञान. Avadhijñāna. भग० २, १०; ६, ४; ८; २: अणुजो० १: नंदी० १; ठा० २, १; दसा० ७: १२; विशे० ७९;

—(णा) **आवरण.** न० (-आवरण) અવધિજ્ઞાનાવરણ; જ્ઞાનાવરણીય કર્મની એક પ્રકૃતિ. अवधिज्ञानावरण; ज्ञानावरणीय कर्मकी एक प्रकृति. Karma obscuring or obstructing Avadhijñāna; a variety of knowledge obstructing Karma. सम० १७;

—**आवरणिज्ज.** पुं० (-आवरणीय) અવધિજ્ઞાનને આવરનાર – ઢાંકનાર એક પ્રકૃતિ. अवधि ज्ञान को ढांकने वाली शक्ति. a variety of Karma obscuring or hindering the attainment of Avadhijñāna. भग० ८, ३१; ६, ३१;

—**लद्धि.** स्त्री० (-लब्धि) અવધિજ્ઞાનની લબ્ધિ-શક્તિ. अवधिज्ञानकी शक्ति. attainment of or faculty of having Avadhijñāna. भग० ३, ६: —**लद्धिया.** स्त्री० (-लब्धिका) અવધિજ્ઞાનની લબ્ધિ. अवधिज्ञानकी शक्ति. attainment of or faculty of having Avadhijñāna. भग० ८, २;

ओहिनाणि. त्रि० (अवधिज्ञानिन्) અવધિજ્ઞાનવાળો. अवधिज्ञान वाला Possessed of Avadhijñāna. भग० ६, ३; ८, २;

ओहिपद. न० (अवधिपद) પન્નવણાસૂત્રના તેત્રીશમાં પદનું નામ. पन्नवणा सूत्र के ३३वें पद का नाम. Name of the 33rd Pada of Pannavaṇā Sūtra. भग० १६, १०;

ओहिय. न० (अवधिक) અવધિજ્ઞાન. अवधि ज्ञान. Avadhijñāna. नाया० १; —**णाण** न० (-ज्ञान) અવધિજ્ઞાન. अवधिज्ञान. Avadhijñāna. भग० २३, १;

ओहिय-अ. पुं० (औधिक) સામાન્ય; અવિશેષ; સમુચ્ચય. सामान्य; समुच्चय. General; common. पन्न० २; जीवा० २; भग० १, १, २; ८; ६, ४; २४, १; १२; २३; ३१, ६, ४१, ४६; अणुजो० १४४; प्रव० ११९३; —**अण्णाण.** (-अज्ञान) ઔધિક સમુચ્ચય અજ્ઞાન. विशेष अज्ञान; अविशेष अज्ञान. absence of general knowledge; absence of broad comprehensive knowledge. भग० ६, ४; —**गमय.** पुं० (गमक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० २४; १; —**गम.** पुं० (-गम) સામાન્ય પાઠ; સમુચ્ચય ગમો-આલાવો. सामान्य पाठ; समुच्चय वर्णन. ordinary reading of (scriptures etc.). भग० ३१, १; —**णाण.** न० (-ज्ञान) સમુચ્ચય જ્ઞાન. समुच्चय ज्ञान; विशेष ज्ञान. general, comprehensive knowledge; knowledge of broad outlines. भग० ६, ४;

ओहरिमाण. व० कृ० त्रि० (अपाक्रियमाण) થોડી થોડી નિદ્રા લેતો. थोडी थोडी निद्रा लेता हुआ Dozing; taking a nap; slumbering. भग० ११. ११; नाया० १; कप्प० १. ४;

क.

क. त्रि० (किम्) प्रश्न अर्थमां वपराय छे; कोण; शुं. प्रश्नवाचक सर्वनाम; कौन; क्या. An interrogative pronoun. दस० ५, १, ६६; ८, २१; भग० २, १; १२, ४; नाया० १; विशे० १२०;

कइ. त्रि० (कति) केटला. कितने How many. भग० १, १; २, १०; ३, ३; ६; ५, ४; ७, ६; १३, १; १६, ३; २०, ५; नाया० २; विशे० ३७८; सु० च० ३, २१३; अणुजो० ८७; सू० प्र० १; ठा० ४, २; क० गं० ६, २; जं० प० ७, १५१; १५२; —किरिय. त्रि० (-क्रिय) केटली क्रियावाळो. कितनी क्रिया वाला. Of how many acts. भग० १६, १; —भाअ. पुं० (-भाग) केटलामो भाग. कौनसा हिस्सा. what numerical portion. विशे० ३७८; —भाग. पुं० (-भाग) केटलामो भाग. कौनसा भाग. what numerical portion. भग० १, १; —संचिय. त्रि० (-संचित) संख्याथी गणाय तेटला एक समये उत्पन्न थता नारकी वगेरे. संख्या द्वारा गिने जा सकें, उतने एक समय में उत्पन्न होने वाले नारकी वगैरह. numerically calculable number of Nārkis etc. (hell beings etc) born at a time. ठा० ३; भग० २०, १०;

कइ. पुं० (कवि = कवते नवं नवं भणतीति कविः) काव्य बनावनार; कवि. कविता बनाने वाला; कवि; शायर. A poet. सू० च० १, १३; अणुजो० १२८;

कइअ-य. पुं० (क्रयिक) ग्राहक; माल लेनार; खरीदनार. ग्राहक; माल लेने वाला; खरीदार. A buyer; a customer. उत्त० ३५, १४; वव० ७, १८; १६; भग० ५, ६;

कइत्थ. त्रि० (कतिथ) केटलामुं; कई संख्या वाळुं. कितवां ?; कितनी संख्या वाला. Of what number or numerical order ? विशे० ६१७;

कइयव. न० (कैतव) छळ; कपट; दंभ; लुच्चाई. छल; कपट; दंभ; लुच्चाई. Fraud; hypocrisy. विशे० २६८४; सू० च० ८, ८५; प्रव० १६७; —पराणत्ति. स्त्री० (-प्रज्ञप्ति = कैतवानि कपटानि नेपथ्य-भाषामार्गगृहपरावर्तादीनि प्रज्ञाप्यन्ते याभिस्ताः) वेष भाषा वगेरे बदलावीने कपट जणावनार स्त्री. भेष भाषादि बदल कर कपट करने वाली स्त्री. (a woman) who deceives by change in dress, speech etc. तंदु०

कइया. अ० (कदाचित्) कोई वखत. किसी समय. Sometimes. सू० च० १, १०६;

कइयावि. अ० (कदाचिदपि) कोईपण वखते. किसी भी समय. At any time. प्रव० ५३५;

कइर. पुं० (कदर) वृक्ष विशेष; वांसनी एक जात. वृक्ष विशेष; बांसकी एक जाति. A kind of bamboo. पन्न० १७; —सार. पुं० (-सार) वांस जातना वृक्षनो मध्य भाग. बांस जाति के वृक्ष का मध्य भाग. the interior of a tree of the bamboo kind. न० पन्न० १७;

कइलास. पुं० (कैलास = के जले लासो लसनं दीप्तिर्यस्य स कैलासः) जम्बुद्वीपना मेरु पर्वतने नैऋत खुणे लवण समुद्रमां आवेल कैलास नामे अनुवेलंधर नागराज देवतानो आवास पर्वत. जंबुद्वीपके मेरु पर्वतके नैऋत

कोन में लवण समुद्रके बीच में कैलास नाम का एक पर्वत, जहां अनुवेलंधर नागराज देवता रहते हैं. Name of the mountain abode of the Anuvelandhar Nāgarāja deities in the Lavaṇa Samudra in the South-western quarter of Meru mountain in Jambu Dvīpa. जीवा० ३, ४; (२) કૈલાસ નામે અનુવેલંધર દેવતા. कैलास नामका अनुवेलंधर देव. an Anuvelandhara god of the name of Kailāsa. (३) કૈલાસ નામે નન્દીશ્વરદ્વીપના પૂર્વાર્ધનો અધિપતિ દેવતા. कैलास नामका नन्दीश्वर द्वीपके पूर्वार्द्धका अधिपति देव. the presiding deity of the eastern half of Nandīśvara Dvīpa by name Kailāsa. (४) स्त्री० કૈલાસ નામે નાગરાજ દેવતાનિ રાજધાનિ. कैलास नामकी नागराज देवता की राजधानी. the capital of the Nāga Rāja god, by name Kailāsa. जीवा० ३, ४;

कइवय. त्रि० (कतिपय) કેટલા. कितने ? Some; several; a certain number. नाया० ८; १२; सु० च० ३, १८१;१५,६०;पिं० नि० २२०; उवा० ७,१४;

कइविया. स्त्री० (कैतविका) કોણિથી મણિબંધ સુધીનો હાથનો ભાગ. कुहनी से कलाई तक हाथका हिस्सा. The part of the arm from the elbow to the wrist. नाया० १;

कइविह. त्रि० (कतिविध) કેટલા પ્રકારનું. कितनी तरहका? Of how many kinds? भग० ८, १; २०, २०; २५, ५; अणुजो० १४४; जं० प० ७, १२१;

कउह. पुं० (ककुद्) બળદની ખાંધ. बैल की कूबड. A hump (on the shoulder of an Indian bull). नाया० ६; ओघ नि० भा० ७७; प्रव० ८८७;

कउहि. पुं० (ककुद्मत्) ખાંધવાળું બળદ, ખુંટિયો. कुबड वाला बैल; सांड. A humped bull; a humped ox; humped. अणुजो० १३१;

कओ. अ० (कुतस्) શાથી; ક્યાંથી. कहांसे ? कैसे? Whence ? by what means ? " कओआसादिए " नाया० १२; "कओउवलद्धे " नाया० १२; भग० १, ६; १७, १; १६,३; २१, ८; २४, १; ३१, ४; ३५, १; ३६, १; नाया० ६; १२; ओघ० नि० ४७; उत्त० ६, ११; पन्न० ११६;

कओ. अ० (क) ક્યાં ? कहां ? Where ? " कओ वयामो " नाया० १४; जीवा० ३, २;

कओहिंतो अ० (कुतः) ક્યાંથી. कहां से ? Whence ? भग० २४, १३; जं० प० ७, १३५;

कंक. पुं० (कङ्क) પાણીને આશ્રી રહેનાર માંસાહારી એક જાતનું પક્ષી. पानी के आश्रय से रहने वाला एक जात का मांसाहारी पक्षी. An aquatic carnivorous bird; a heron. भग० ७, ६; १२, ८; जीवा० १, ३, ३; सूय० १, १, ३, ३; १, ११, २७; अणुत्त० ३,१;ओव०१०; पन्न०१; —**उवम.** त्रि० (-उपम) કંકપક્ષી સમાન; કંકપક્ષીને જેમ ગમે તેવો દુર્જર આહાર પચી જાય તેમ જેને પચી જાય તે. कंक पक्षी जैसा; जिसे इस पक्षी के समान दुष्पाक आहार पच जाता है वह. like Kaṅka bird; (one) who can digest heaviest food like Kaṅka bird. ठा० ४, ४; —**गहणी.** स्त्री० पुं० (-ग्रहणी-कङ्कः पक्षिविशेषस्तस्येव ग्रहणी गुदाशयो यस्य स तथा) તીર્થંકર તથા

જુગલિયા કે જેની ગુદા વિષ્ટાથી ખરડાય નહિ તે. तीर्थंकर या जुगलियां जिनकी कि गुदा विष्ठा से खराब नहीं होती. any of the Tīrthaṅkara and Jugaliyās whose anus is not bespattered with excrements. जं० प० २, २१; श्रोव० पराह० १, ४;

कंकड. पुं० (कङ्कट) કવચ; બખ્તર. कवच; जिरह बख्तर. An armour; mail. भग० ६, ३३; राय० १३०; जं० प० श्रोव० ३१;

कंकडइय. त्रि० (कङ्कटित) કવચયુક્ત; કવચ જડેલ. जिरह बख्तर से युक्त. Equipped with an armour. पराह० १, ३;

कंकडग. न० (कङ्कटक) કવચ; બખ્તર कवच. बख्तर. An armour; mail. जं० प० १६७;

कंकण. न० (कङ्कण) સ્ત્રીઓને હાથમાં પહેરવાનું એક ભૂષણ; કંકણ. स्त्रियों के हाथ में पहिनने का एक आभूषण. कंगन. A bracelet. भग० ११, १०; ११;

कंकावंस. पुं० (कङ्कावंस) ગાંઠવાળી વનસ્પતિની એક જાત. गांठवाली वनस्पति की एक जात. A kind of bulbous vegetation. पन्न० २;

कंकिल्लि. पुं० (कङ्कल्लि) અશોક વૃક્ષ; આશોપાલવનું ઝાડ. अशोक वृक्ष; आशापल्लव का झाड. Aśoka tree. (२) તીર્થંકર જ્યાં બીરાજે ત્યાં અશોકવૃક્ષ થઈ આવે તે; આઠ પ્રાતિહાર્યમાંનું એક. तीर्थंकर जहां बिराजते हैं वहां अशोक वृक्ष उत्पन्न होजाता है; आठ प्रतिहार्यों में से एक. springing up of an Aśoka tree where Tīrthaṅkara stays; one of the 8 Pratihāryas. प्रव० ४४६;

कंकेल्लि. पुं० न० (कङ्केल्लि) અશોક વૃક્ષ; આશોપાલવ. अशोक वृक्ष; आशापल्लव. The Aśoka tree. प्रव० १४४२;

कंकोल. पुं० (कङ्कोल) એક પ્રકારની વનસ્પતિ. एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation. जीवा० ३, ४;

√कंख. धा० I, II. (कांक्ष्) ઇચ્છવું; વાંછવું. चाहना; इच्छा करना. To wish; to desire.

कंखइ. नाया० १६;

कंखंति. श्रोव० ११;

कंखंति. दसा० १०, १;

कंखपउस. न० (कांक्षाप्रदोष) ભગવતીસૂત્રના પહેલા શતકના ત્રીજા ઉદ્દેશાનું નામ કે જેમાં કાંક્ષામોહનીયના પ્રશ્નોત્તર કરેલ છે. भगवती सूत्र के पहिले शतक के तीसरे उद्देशे का नाम कि जिसमें आकांक्षामोहनीय के प्रश्नोत्तर किये गये हैं. Name of the 3rd Uddeśa of the first Śataka of Bhagavatī Sūtra dealing with the questions and answers regarding the deluding Karma of desire. भग० १, १;

कंखा. स्त्री० (काङ्क्षा) અભિલાષા; દ્રવ્યની ઇચ્છા; લોભનું બીજું નામ. अभिलाषा; द्रव्येच्छा; लोभ का अपर नाम Desire; desire of wealth; a synonym for greed. सु० च० ६, ८०; सम० ५२; भग० १२, ५; दसा० ४, ८४; सूय० १, १५, १४; भग० १, १; उवा० १, ४४; प्रव० २७४, ६४७;

कंखापओस. पुं० (कांक्षाप्रदोष) ખોટા મતની ઇચ્છા કરવી તે; મિથ્યાત્વ મોહનીયનો એક પ્રકાર. मिथ्या मत की चाह करना; मिथ्यात्व मोहनीय का एक भेद. The desire for false tenets; a variety of Mithyātva Mohanīya. भग० १, ६;

कंखि. त्रि० (कांक्षिन्) ઇચ્છનાર. चाहनेवाला. (One) who desires. पिं० नि० २१६;

कंखिय. त्रि० (कांक्षित) ઇચ્છેલું; આકાંક્ષિત. इच्छित; अभिलाषित; चाहा हुआ. Desired; longed for. नाया० ३; ८; भग० १, ३; २, १; १०, ४; ठा० ३, ४; दसा० ४, ८४; उवा० १, ८६;

कंगु. स्त्री० पुं० (कंगु) એક જાતનું ધાન્ય; કાંગ. एक प्रकार का धान्य; कांग. A kind of corn (Panic seed). भग० ६, ७; २१, ३; सूय० २, २, ११; ठा० ७, १; पन्न० १; पिं० नि० ६२४; प्रव० १०१३;

कंगुलया. स्त्री० (कंगुलता) એ નામની એક જાતની વેલ. इस नामकी एक जाति की लता. A kind of creeper of this name. पन्न० १;

कंगुलिया. स्त्री० (*) લઘુનીત અથવા બડીનીત કરવી તે. लघुनीत–लघुशंका या बडी नीत-दीर्घशंका करना. Passing of urine, stool etc. प्रव० ४३६;

कंचण. न० (काञ्चन) સોનું. सोना; सुवर्ण. Gold. विशे० १८१६; ओव० १७; नाया० १; भग० ६, ३३; उवा० २, १०१; प्रव० ४५३; जं० प० ५, १२२; (२) કંચન નામનો એક પર્વત. कंचन नाम का एक पर्वत. the Kañchana mountain. (३) કંચન પર્વતના અધિપતિ દેવતાનું નામ. कंचन पर्वत के अधिपति देवता का नाम. name of the presiding deity of the Kañchana mountain. जीवा० ३, ४; **—कोसी.** स्त्री० (-कोशी) સોનાની મૂર્તિ. सोने की मूर्ति; सुवर्णकी प्रतिमा. an idol of gold. उवा० २, १०१; जं० प० ७ १६६; **—खचिय.** त्रि० (-खचित) સોનાથી જડેલ. सोनेसे जडा हुआ. laid in with gold. नाया० ३; **—भिंगार.** न० (-भिङ्गार) સોનાની ઝારી. सुवर्णकी झारी. a golden kettle. नाया० १; **—मणि-रयणथूभियाग.** त्रि० (-मणिरत्नस्तूपिकाक—काञ्चनंच मणयश्च रत्नानिच तेषां तन्मयो वा स्तूपिका शिखरं यस्य) સોનું મણિ રત્ન વગેરે યુક્ત જેનું શિખર છે તે. जिसका शिखर सुवर्ण, मणि, रत्न आदि से युक्त है. with the crest or summit full of gold, jewels etc राय०

कंचणउर. न० (काञ्चनपुर) કલિંગ દેશનું એક પ્રખ્યાત નગર. कलिङ्ग देश का एक प्रख्यात नगर. Name of a famous town of the country of Kalinga. पन्न० १;

कंचणकूड. पुं० (काञ्चनकूट) કંચનકૂટ નામનું ત્રીજા ચોથા દેવલોકનું એક વિમાન. कंचनकूट नाम का तीसरे चौथे देवलोक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the 3rd and the 4th Devaloka, ठा० ७; सम० ७; (२) સોમનસ વખારા પર્વતના સાત કૂટમાંનું છઠ્ઠું કૂટ-શિખર. सोमनस वखारा पर्वत के सात कूटों में से छठा कूट-शिखर. the 6th of the 7 summits af the Somanasa Vakhārā mountain. जं० प० ४, ६५;

कंचणग. पुं० (काञ्चनक) નીલવંત આદિ દશ દ્રહને પૂર્વ અને પશ્ચિમ બંને પાસે દશ દશ જોજનને આંતરે એ નામના વીશ વીશ પર્વત છે, એકંદર २०० કન્ચન પર્વત છે. नीलवंत आदि दश हृदों (अगाध

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फ़ुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

जलाशयों-झीलों) के पूर्व और पश्चिम-दोनों ओर दस २ योजन की दूरी पर इस नाम के बीस २ पर्वत हैं. एकंदर दोसौ पर्वत हैं. One of the 200 Kāñchana mountains (situated on the eastern and western sides of the 10 lakes viz. Nīlavanta etc.) at intervals of ten Yojanas each; (each lake has got 20). जीवा० ३; जं० प० २८४;

—पव्वय. पुं० (-पर्वत) ઉત્તર કુરૂ ક્ષેત્રમાં નિલવંતાદિ દ્રહની પૂર્વ પશ્ચિમ બાજુએ રહેલ પર્વત. उत्तर कुरु क्षेत्रमें नीलवंतादि ह्रदोंके पूर्व पश्चिम की ओर का पर्वत. one of the mountains on the eastern and western sides of the Nilavanta and other lakes in Uttara Kuru region. जं०प० भग० १४, ८; जीवा० ३; सम० ५०;

कंचणा. स्त्री० (काञ्चना) એક સ્ત્રી કે જેના માટે યુદ્ધ થયું હતું. एक स्त्री का नाम, कि जिसके लिये युद्ध हुआ था. Name of a woman for whom a war was waged. पण्ह० १, ४;

कंचणिया. स्त्री० (कांचनिका) રૂદ્રાક્ષની માલા. रुद्राक्षकी माला. A rosary of Rudrākṣa beads. ओव० ३६; भग० २, १; (२) કંચન પર્વતના અધિપતિ દેવતાની રાજધાનિનું નામ. कंचन पर्वत के अधिपति देवताकी राजधानी. name of the capital city of the Kañchana god. जीवा० ३, ३;

कंचीमेहला. स्त्री० (काञ्चिमेखला) કન્દોરો. कंदोरा. An ornamental waist-belt, जीवा० ३, ३;

कंचुअ. पुं० (कंचुक) ચોલી; કાંચળી. अंगिया; चोली. A bodice (worn by women); an armour. चउ० प्रव० ५३७; (२) સર્પની કાંચલી. सर्प की कांचली. a slough or skin of a snake. विशे० २५१७; चउ०

कंचुइ. पुं० (कंचुकिन्) નાજર; અંતેપુર રક્ષક. अंतःपुर का रक्षक. दर्बान. An attendant on the women's apartments. (२) સર્પ. सर्प. a serpent. विशे० २५१७;

कंचुइज्ज. पुं० (कंचुकीय) નાજર; દ્વારપાલ; અંતઃપુરનો રક્ષક. द्वारपाल; प्रतीहारी; अंतःपुर-का रक्षक. A chamberlain; a door-keeper. भग०६,३३:११, ११; नाया० १; ओव० ३३; निसी० ६, २५; राय० २८६;
—पुरिस. पुं० (-पुरुष) જુઓ 'कंचुइज्ज' શબ્દ. देखो " कंचुइज्ज " शब्द. vide " कंचुइज्ज " भग० ६, ३३;

कंचुग. न० (कञ्चुक) ચોલી; સાધ્વીનેબદન ઉપર ધારણ કરવાનું વસ્ત્ર; કંચવો. चोली; साध्वी के बदन पर धारण करने का एक वस्त्र-कांचली. A bodice (worn by women); a piece of cloth worn like a bodice by nuns. ओघ० नि० २०१: ६७६;

कंचुय. पुं० न० (कंचुक) જુઓ "कंचुअ" શબ્દ. देखो " कंचुअ " शब्द. Vide. "कंचुअ. उत्त०६.२२;अंत० ३, ८; भग० ६, ३३; नाया० १: (२) વાલ; રોમરાજી. केश; रोमराजी; बाल. hair. भत्त० ३०;

कंटक. स्त्री० न० (कण्टक) બોરડી બાવળ વગેરેનો કાંટો. बेर बंबूल आदि का कांटा. A hard thorn e.g. that of Babool etc.जं०प०१,१०;दस०६,३,६;—बोंदिया.

स्त्री० (*) કાંટાની બાડ. कांटों की बाड. thorny fencing. सूय० २, २, ५१;

कंटग. पुं० (कंटक) કાંટો. कांटो. A thorn. राय० २६४; सूय० १, ४, १, ११; जं० प० सु० च० ३, २१८; उत्त० १६, ५२; जं० प० १, १०; दस० ६, ३, ६; —**पह.** पुं० (–पथ) કાંટાવાળો રસ્તો. कंटक मय मार्ग, कांटोंवाला रस्ता. a thorny path. ओघ० नि० ७८५;

कंटय–अ. पुं० (कंटक) કાંટો; પ્રતિસ્પર્ધી. कांटा; प्रतिस्पर्धी, डाही. A thorn; a a rival. ओव० उत्त० २, २६; आया० २, १, ५, २७; पि० नि० २००; ३३२, जीवा० ३, १; ३; (२) વિંછિનો આંકડો. बिच्छू का डंक. a scorpion's sting. नाया० १; दस० ५, १, ७३; दसा० ७, १; सम० ३४, आया० २, १३, १७२; उत्त० १०; ३२, भग० १, ६; प्रव० ४५२;

कंठ. पुं० (कण्ठ) ગળું; ડોક; કણ્ઠ; ગ્રીવા; ગરદન. गला; कंठ; ग्रीवा; गर्दन. Throat; neck. भग० ६, ३३; नाया० १; दसा० १०, १; राय० ८१; अणुजो० १३; १२८; सम० प० २३७; उत्त० १२, १८; ओव० २७; विशे० ३३५; गच्छा० १२२; जं० प० ५, १२१; —**मणिसुत्त.** न० (–मणिसूत्र) કંઠમાં પહેરવાનો હીરાનો હાર. गले में पहिनने की हीरे की माला. a diamond neckless. कप्प० ३, ३६; —**मुरवि.** पुं० (–मुरवि) સોનાની ગુંથેલી કંઠી. सोने की गुंथी हुई माला-कंठी. a gold string used as an ornament for the neck. राय० १८३; —**मुही.** स्त्री० (–मुखी) કંઠની નજીક રહેનારું ઢોલકાના આકારનું આભરણ (માદલિયું). कंठ के पास पहिना जानेवाला एक आभरण (मादलिया). a neck-ornament resembling a knob tied to a string. भग० ६, ३३; —**विसुद्ध.** न० (–विशुद्ध) ચોકખા કંઠથી ગાનકરવું. सुंदर कंठ से गाना. singing in a clear voice. राय० —**सुत्त.** न० (–सूत्र) ડોકમાં પહેરવાનો સોનાનો દોરો. गले में पहिनने की सोने की लड़–डोर. a gold necklace; a gold string used as an ornament for the neck. ओव० —**सुत्तग.** पुं० (–सूत्रक) જુઓ "कंठसुत्त" શબ્દ. देखो "कंठसुत्त" शब्द. vide "कंठसुत्त" जीवा० ३, ३;

कंठगय. त्रि० (कण्ठगत) કણ્ઠે આવેલ; ગળા સુધી આવેલ. कंठतक आया हुआ; गलेतक आया हुआ. Come to the throat. गच्छा० ५५; —**पाण** पुं० (–प्राण) કણ્ઠે આવેલ શ્વાસ; મરણાંત કષ્ટ. कंठतक आया हुआ श्वास; मरणांत कष्ट. life breath come to the throat. गच्छा० ५५;

कंठाकंठि. अ० (कण्ठाकण्ठि—कण्ठे कण्ठे गृहीत्वेतियोगविभागात्) કંઠે કંઠ મળીને. कंठ से कंठ मिलाकर. With necks touching each other; neck of one touching that of another. नाया० २;

कंठिया. स्त्री० (कण्ठिका कण्ठोभूषणतयाऽस्त्यस्याःसा) કણ્ઠી. कंठी. A necklace. जीवा० ३, ४; (२) કણ્ઠ પ્રદેશ. कंठ का हिस्सा. a part of a neck. गच्छा० १२४; (३) પુસ્તકનું પુંઠું. पुस्तक का पुठ्ठा. a

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

cover of a book. राय० १६६;

कंठग्गय. त्रि० (कण्ठोग्रक-कण्ठश्चासावुग्रक श्चोत्कंठःकण्ठोग्रकः) तीक्ष्ण स्वरवाळो तेज कंठवाला. One of shrill voice. ठा०७;

कंठेगुण. पुं० (कण्ठेगुण-कण्ठेगुण इव कण्ठेगुणः) कण्ठे पहेरवानुं दोरा सरखुं आभरण. गले में पहिनने का दोरे जैसा गहना. a gold string used as an ornament for the neck. पन्न० ३; विवा०२;

कंठेमालकअ. त्रि०(कण्ठे मालकृत) कण्ठे माला पहेरी छे जेणे. जिसने गले में माला पहिनी है. (One)who has put on a garland on the neck. दसा० १०, १;

कंड. पुं० (काण्ड) धनुष्य बाण. धनुष्य बाण. an arrow. प्रव० ८२६; क० प० १, ३२; भग० ७, १; जीवा० ३, ४; राय० २०८; नाया०२;८; (२) भाग; हिस्सो.भाग; हिस्सा a section; a part. (३) एक जातनी वनस्पति. एक जाति की वनस्पति. a kind of vegetation भग० २१, ४; (४) पृथ्वी के पर्वतनो एक विभाग; जमीन के पहाडना थर. पृथ्वी या पर्वत का एक हिस्सा; जमीन या पहाड का थर. a section of land or mountain; a layer of rock on land or on mountain. अणुजो० १३४; जं० प० पन्न० २; (५) अगीआरमां देवलोकनुं एक विमान जेनी स्थिति एकवीस सागरोपमनी छे; ए देवता एकवीसमे पखवाडीये श्वासोश्वास ले छे. एने एकवीस हजार वर्षे क्षुधा उपजे छे. ग्यारहवें देवलोक का एक विमान. इसके देवताओं की स्थिति इकवीस सागरोपम की होती है. ये देवता इकवीस पक्ष में श्वासोश्वास लेते है और इकवीस हजार वर्ष मे उन्हें भूक लगती है name of a heavenly abode of the 11th Devaloka. Its deities enjoy a life of 21 Sāgaropamas, breathe once in 21 fortnights and become hungry once in 21 thousand years. सम० २१; (६) कर्मनां स्थिति स्थानकोनो समूह. कर्म के स्थिति-स्थानक का समूह. a collection of items of the different varieties of enduring Karma. क०प०१,८५;

कंडंत. त्रि० (कण्डयत्) खांडतुं; छडतुं. कूटता हुआ; चूरर करता हुआ. Pounding; e. g. with a pestle. पिं० नि० ५७४; ओव०

कंडक. न० (कण्डक) जुओ "कंड" शब्द. देखो "कंड" शब्द. Vide. "कंड" क० प० १, ८६;

कंडग. न० (काण्डक) कांड; पाथडो; पड. पर्त; थर; अस्तर. A layer. सूय० १, ६, १०; (२)बाण. बाण. arrow. राय०२५७; (३) असंख्यातीत संयमना स्थानकोनो समुदाय. असंख्य संयमके स्थानकका समूह. collection of countless items of ascetic conduct. पिं०नि० भा० ६६; क० प० १, ४२; ४६; —हेट्ठ. त्रि० (अधस्तन) चार समयना स्थितिस्थानक समूह रूप कंडकनी नीचेनुं. चार समय की स्थिति स्थानक समूह रूप पर्त नीचे का. situated below Kaṇḍaka and equal to the duration of 4 units in a certain stage. क० प० १, ५०;

कंडय. नं० (काण्डक) काळनो एक सूक्ष्म भाग. समयका एक सूक्ष्म भाग. A very small division of time. भग० ३,२; (२) राक्षसनी सभा आगळनुं चैत्यवृक्ष; कंडक नुं झाड. राक्षस की सभा के सामने का चैत्य

वृक्ष कंडक का झाड. name of a Chaitya (garden) tree near the council-hall of demons. ठा० ८, १;

कंडरीय. पुं० (कण्डरीक) મૂલદેવની સહાયથી વનમાં જતાં કોઇ પુરૂષની સ્ત્રીને લઇજનાર એક લુચ્ચો માણસ કે જેની કથા ઉત્પાતકી બુદ્ધિ ઉપર દર્શાવેલ છે. मूलदेव की मदद से बन के किसी प्रवासी पुरुष की स्त्री को लेजाने वाला एक लुच्चा मनुष्य, कि जिसकी कथा उत्पात की बुद्धि पर घटित की है. Name of a scoundrel who abducted the wife of a person travelling in a forest with the help of Mūladeva. This story is narrated in connection with or to illustrate the variety of Buddhi or intellect known as Utpātiki. पिं० नि० ८६; नंदी० (२) પુષ્કલાવતી વિજયની પુંડરિકિણી નગરીના મહાપદ્મરાજાની પદ્માવતી રાણીનો પુત્ર; પુંડરીકનો ન્હાનો ભાઇ કે જે દીક્ષા લઇ, પાછળથી પતિત થઇ, સંસારમાં આવ્યો અને તરતજ મરણ પામી નરકે ગયો. મ્હોટો ભાઇ પુંડરીક કંડરીકનો ઉતારેલ સાધુવેષ પ્હેરી, સાધુથઇ,ત્રણ દિવસમાંજ મરણ પામી, સર્વાર્થ સિદ્ધ વિમાને પહોંચ્યો. पुष्कलावती विजय की पुंडरीकिणी नगरी के महापद्म राजा की पद्मावतीरानी का अंगजात. पुंडरिक का लघु भ्राता जो कि दीक्षा ले फिर पतीत होगया और संसारी बन गया किन्तु शीघ्र ही मृत्यु पा नरक मे गया. बडा भाई पुंडरीक, कंडरीक के उतारे हुऐ साधु भेष को पहन साधु हो तीन दिन में ही मृत्यु पाकर सर्वार्थ सिद्ध विमान मे जा पहुंचा. name of the son of Padmāvatī, queen of Mahā padma king of the city of Puṇḍarikiṇī belonging to the country Puṣkalāvatī Vijaya. He was younger brother to Puṇḍarīka. He had taken Dīkṣā but had again sinfully taken to worldly life. He immediately died and went to hell while Puṇḍarika putting on the ascetic dress cast off by him became a Sādhu. He too died within three days and reached the heavenly abode named Sarvārtha Siddha. नाया० १६;

कंडवा. स्त्री० (कण्डवा) એક જાતનું વાજિંત્ર. एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. राय० **—कंडा.** स्त्री० (-कण्डा) એ નામનું એક પર્વગ જાતિનું ઝાડ. इस नाम का एक पर्वग जाति का झाड. A kind of vegetation of Parvaga sort. पन्न० १;

कंडिय. त्रि० (कण्डित) ખાંડેલું; છડેલું. कूटा हुआ. पीसा हुआ Pounded with a pestle. पिं० नि० ११३;

कंडियायण पुं० (कण्डिकायन) વૈશાલી નગરીથી બહારનું એક ઉદ્યાન वैशाली नगरी के बाहर का एक बगीचा. Name of a garden outside the city of Vaiśāli. भग० १५, १;

कंडिल्ल. पुं० (कण्डिल्य) કાંડિલ્ય ગોત્ર પ્રવર્તક એક ઋષિ. काण्डिल्य गोत्र चलाने वाले एक ऋषि. The name of the progenitor sage of Kāṇḍilya Gotra (lineage). ठा० ७;

कंडिल्लायरण. पुं० (काण्डिल्यायन) એ નામના એક ઋષિ. इस नामके एक ऋषि. The

name of a sage. ठा० ७;

कंडु. पुं० (कण्डू) લોઢાનું વાસણ; તવો. लोहे का बरतन; तवा. An iron pan. ओव० ३८; (३) ખસનો રોગ. खाज का बिमारी itches. नाया० १३; भग० ७ ८;

कंडुइय. न० (कण्डूमत्) ખસવાળો. खुजलीवाला; खाज वाला. One having itches. सूय० १, ३, ३, १३; भग० ७, ६;

कंडुग. पुं० (कण्डक) અંગુલના અસંખ્યાતમા ભાગ પ્રમાણ આકાશ પ્રદેશ પરિમિત કર્મના સ્થિતિ સ્થાનકોનો સમૂહ. अंगुल के असंख्यातवें भाग के बराबर आकाश परिमित कर्म के स्थिति स्थान का समूह. A collection of different varieties of enduring Karmas equal to the infinite part of an Angula (measure of space). क०प० ३,६;

√**कंडुय.** धा० II. (कण्डू) ખાજ કરવી; ખંજવાળવું. खाज खुजाना; कुचरना To scratch; to tickle; to remove irritation of skin by scratching

कंडुयए. आया० १, ८, १, २०;

कंडुइस्सामि. नाया० २;

कंडुइत्ता. सं० कृ० नाया० १;

कंडूयमाण. व० कृ० सु० च० ३, १३६;

कंडूयावेइ क० वा० विवा० ६;

कंडुयण. न० (कण्डूयन) ખણવું; ખંજવાળ કરવી. खोदना; खड्डा करना Digging. पंचा० ४, २०;

कंडू. स्त्री० पुं० (कण्डू) ચળ; ખંજવાળ. खाज खुजाना, खजवाल. Itching sensation. नाया० ५. सूय० १, ३, १, १०;

कंडूइय. न० (कंडूयित) ખરજ; ચળ. खाज; खुजली. Itching sensation. जं० प० सूय० १, ३, ३, १३;

कंडूयग. त्रि० (कंडूयक) ખંજવાળનાર. खुजाने वाला. One who scratches to remove an itching sensation. ठा० ५, १;

√**कंत.** धा० I. (कृत) છેદવું. छेदना. To cut. (२) કાંતવું. कांतना. to spin.

कंताति. सूय० १, ८, १०,

कंतामि. पिं० नि०भा०३५; जं०प० ५, ११५;

कंत. त्रि० (कान्त) મનોહર; કાન્તિવાન; શોભાયમાન. मनोहर; कांतिवाला; शोभित. Charming; beautiful; lustrous. "कंतपियदंसणा" नाया० १; ८; १४; भग० २, १; ११, ११; १२, ६; ओव० ३२; ३८; जीवा० १; दस० २, ३; सू० प० २०; सम० प० २३५; ठा० २, ३; दसा० १०, १; सु० च० १, ३५३; पन्न० १७, १६; उवा० ८, १५८; जं० प० ५, ११५; कप्प० १, ८; ३, ३८; (३) ઘૃતસમુદ્રના દેવતાનું નામ. घृत समुद्र के देवता का नाम. name of the deity of Ghruta Samudra. जीवा० ३, ४; --**रूव** त्रि० (-रूप) સુંદર રૂપવાળું. सुंदर रूपवान. beautiful; of charming appearance. विवा० १; २. --**स्सर.** त्रि० (-स्वर कान्तः स्वरोयस्य स कान्तस्वरः) સુંદર સ્વરવાળું. सुंदर कंठवाला. of melodious voice. पन्न० ३;

कंत. त्रि० (क्रान्त-आक्रान्त) આક્રમણ કરેલ. आक्रमण किया हुआ. Surmounted. सु० च० १; ३५३;

कंततर. त्रि० (कान्ततर) અતિ સુંદર. बहुत सुंदर. Very beautiful. "एत्तोकंततराए चेवमणुण्णतराए चेव" राय०४१; जीवा० ३;

कंता. स्त्री० (कान्ता) સૌંદર્યવાળી સ્ત્રી. रूपवान स्त्री. (A woman) possessed of beauty. भग० १५; १; नाया० १६;

कंतार. पुं० (कान्तार) અરણ્ય; અટવી; ગહન

वन. बन; जंगल; गहन बन. A deep dense forest; the world. उवा० १, ५८; पंचा० ११, ११; नाया० २; १६; भग० २, १; ५, ६; उत्त० १६, ४६; २७, २; नंदी० ५७; सु० च० १, २; सम० १३; श्रोव० ४०; ठा० २, २; महा० प० ३५; ओघ० नि० ६८३; —भत्त. न० (भक्त = कान्तारमरण्यं तत्र भिक्षुकाणां निर्वाहार्थं यद्विहितं तत् कान्तारभक्तम्) અટવીમાં મુસાફરી કરતાં ગરીબોને આપવાનો ખોરાક. जंगल म मुसाफिरी करते गरीबों को दी जानेवाली खुराक. food to be given in charity to the poor while travelling in a forest. भग० ५, ६; ६, ३३; नाया० १; निसी० ६, ६; श्रोव० —वित्ति. स्त्री० (-वृत्ति) જંગલની વૃત્તિ-નિર્વાહ ચલાવવો તે; જંગલમાં પ્રાણઘાતક આપત્તિ આવી પડે ત્યારે પ્રાણ નિર્વાહ કરવો તે; ૭ આગારમાંનો એક. जंगल में प्रवास कर वृत्ति-निर्वाह करना; जंगल मे प्राणांत कष्ट आ पडे तब प्राण बचाना; छः आगार में से एक. maintenance in a jungle while travelling; saving one's life when met with life-ending difficulty in the jungle; one of the 6 options (on the part of an ascetic). प्रव० ९५३;

कंति. स्त्री० (कान्ति) તેજ; કાંતિ પ્રભા. तेज; कांति; शोभा; लावण्य. Lustre; beauty. पराह० २, १; श्रोव० ३२; ३४; (२) શોભા. प्रभा; सुंदरता. beauty; charm. सु० च० २, ३४५;

कंतिल्ल. त्रि० (कान्तिमत्) કાન્તિવાળો; કાંતિમાન. लावरायवाला. प्रभावान. Lustrous; beautiful. सु० च० ८; २४६;

कंतेल्ल. पुं० (कान्तेल्ल) મંડવ ગોત્રની શાખા. मंडव गोत्र की शाखा. A branch of the Mandava family. ठा० ७, १; (२) મંડવ ગોત્રની શાખામાંનો પુરૂષ. मंडव गोत्र की शाखावाला पुरुष. a person belonging to the above branch. ठा० ७, १;

कंथश्र. पुं० (कन्थक) જાતવાન ઘોડો કે જે તોપોના અવાજથી પણ ભડકે નહીં. कुलवान घोडा जो तोपोंकी आवाजसे भी न भडके. A horse of noble breed not terrified even by the explosions of guns. उत्त० ११, १६;

कंथग. पुं० (कन्थक) જુઓ "कंथश्र" શબ્દ. देखो "कंथश्र" शब्द. Vide "कंथश्र" उत्त० २३, ५८;

कंथीकय. त्रि० (कन्थीकृत) કન્થા-ગોદડીની માફક ઘણા થિગડા વાળું. कंथा-गोदडी के सदृश बहुतसे जोड (चिथे) लगेहुए. (Anything) prepared with a good deal of patch-work. विशे० १४३६;

√**कंद.** धा० I. (क्रन्द) આક્રન્દન કરવું; રડવું; કકળવું; બુમો મારવી. बूम मारना; रोना; आक्रन्द करना; शोर मचाना. To cry; to weep; to shout.

कंदइ. आया० १, २, ५, ६४;

कंदिंसु. आया० १, ६, १, ५;

कंदमाण. व० कृ० नाया० १; २; ६; १६; भग० ६, ३३;

कंद. पुं० (कन्द) કન્દમૂલ; ડુંગલી, લસણ, ગાજર, રતાળુ વગેરે કન્દવાળી સાધારણ વનસ્પતિ. कुन्द मूल; लहसन, गाजर, रतालु आदि कन्दवाली साधारण वनस्पति. Bulbous roots; bulbous vegetation i. e. garlic, carrot etc. जं० प० २, १६, ३, ६७; आया० २, २, ३, १२६; पन्न० १; विवा० १; भग० ३, ४; १७,

१; २२, १; नाया० १३; १४; उत्त० ३६, ६८; निसी०४,५२; दस० ५,१,७०; चउ०२८; (२) ઝાડના મૂલ અને થડની વચ્ચેનો ભાગ. झाड के मूल और धड के मध्य का भाग. the part of a tree between the roots and the trunk. जीवा० १, राय० १५५; भग० ७, ३; नाया०१५;पन्न०१;ओव० (३) કમલાદિકના મૂલ ઉપરનો ગોલ ભાગ. कमलादि के मूल ऊपर का गोल भाग. the upper round portion of the lotus roots. जं० प० —**अहिगार** पुं० (-अधिकार) કંદનો અધિકાર-વર્ણન. कंद का अधिकार-वर्णन. subject-matter dealing with bulbous roots भग० ६, ३३; २१, १; —**आहार**. पुं० (-आहार) કંદનો આહાર કરનાર તાપસનો એક વર્ગ. कंद का भक्षण करने वाली तपस्वी की एक जाति. one who eats bulbous roots. भग० ११, ६; निर० ३, ३: —**जीवफुड**. पुं० (-जीवस्पृष्ट) કંદના જીવથી સ્પૃષ્ટ થયેલ. कंद के जीवों से छुआ हुआ. one touched by the sentient beings living in bulbous roots. भग० ७, ३; —**भोयण**. न० (भोजन) કંદનું ભોજન. कंद का भोजन. food consisting of bulbous roots. ठा० ७; सम० २१; नाया १; भग० ६, ३३; दसा० २, १६; —**मूल** न० (मूल) કન્દ મૂલ. कंद मूल. roots and bulbous roots भग० ८, ५;

कंदणया. स्त्री० (क्रन्दन) આક્રંદનકરવું; રોવું; કકળવું. आक्रंदन करना; रोना; शोर मचाना. Crying; weeping; lamenting. ठा० ४, १; भग० २५, ७; ओव० २०;

कंदत्ता. स्त्री० (कंदता) કંદમૂળ પણું. कंदमूलपना State of being bulbous roots and roots. भग० २१, १; सूय० २, ३, ५;

कंदप्प. पुं० (कन्दर्प) રાગ અને મોહ ઉપજાવનાર હાસ્ય, ગર્ભિત ચેષ્ટા; વક્રભાષણ; राग और मोह पैदा करने वाली हास्यमय क्रीडा; वक्र भाषण. Amorous sport; dalliance; humorous, witty love talk. गच्छा० ८२; उत्त० ३६, २५४; जीवा० ३; पन्न० २; ओघ०नि०१०२; (२) કામદેવ. कामदेव. Cupid. सु० च० ६, २१, पण्ह० २, २; भग० १४, ८; उवा० १, ५२; प्रव० २८३; ६४८; पंचा० १, २४; (३) કુતૂહલી દેવ. (३) कुतूहल करने वाले देव. the god Kutūhalī. भग० ३, ७; (४) કામદેવની ભાવના. कामदेव की भावना. meditation for sexual pleasure. गच्छा० ८२; —**कर**. पुं० (-कार) કામ ઉપજે તેવી ચેષ્ટાના કરનાર. कामदेव उत्पन्न हो ऐसी चेष्टा करनेवाला. one who speaks and acts amorously. ओव० ३१;—**देव** पुं० (-देव-कन्दर्पो—ऽट्टाट्टहसनं कन्दर्पकरणशीलाः कन्दर्पाः कन्दर्पाश्चते देवाश्च कन्दर्पदेवाः) ખડખડાટ હસનારા દેવો. हडहड हंसने वाला देव. a loud-laughing god. तंदु० —**भावणा**. स्त्री० (-भावना-कन्दर्पः कामस्तत्प्रधाना निरन्तरं नर्मादिनिरततया विटप्राया देव विशेषाः कन्दर्पास्तेषामियं कान्दर्पा सा चासौ भावना च) એક પ્રકારની કામોદ્દીપક મોહજનક ભાવના एक जाति की कामोत्पन्न करने वाली मोहमय भावना. a kind of love-exciting meditation. प्रव० ६४८; —**रइ**. स्त्री० (रति) કામભોગમાં રતિ આસક્તિ. कामभोग में रति आसक्ति. delight in amorous pleasures. नाया० १;

कंदप्पिअ-य. त्रि० (कान्दर्पिक-कन्दर्पस्तद्बुद्धिः प्रयोजनमस्येति) કામચેષ્ટા, હાસ્ય, મશ્કરી કરનાર. कामचेष्टा हास्य विनोद करने वाला. (One) doing amorous gestures. ओव० ३८;भग०१,२;पन्न०२०;

कंदर. न० (कन्दर) પર્વતની ગુફા. पर्वत की गुफा. A cave. नाया० १; २; ८; नंदी० १४; जीवा० ३, ३; भग० ३, ७; ६, ३३; विवा० १, ३;

कंदरा. स्त्री० (कन्दरा) ગુફા. गुफा. A cave. अंत०३, १; महा०प०८२; जं०प० नाया०१;

कंदल. न० (कन्दल) એક જાતનું ઝાડ. કેળનું ઝાડ. एक जाति का झाड; केले का झाड. A kind of tree. नाया०१;६;६;

कंदलग. पुं० (कन्दलक) એક ખરીવાળા પશુની એક જાત. एक खुरवाले पशु की एक जात. A one-hoofed animal. पन्न० १;

कंदली. स्त्री० (कन्दली) એક જાતનો કન્દ. एक प्रकार का कंद. A kind of bulbous root. उत्त० ३६, ६७; (२) કેળનું ઝાડ. केले का झाड. a plaintain tree. पन्न०१; भग०२२, १; (३) લીલી વનસ્પતિ. हरी वनस्पति. green vegetation. आया० नि० १, १, ५, १२६;

कंदिय. पुं० न० (क्रन्दित) વિયોગિની સ્ત્રીનું રૂદન. वियोगिनी स्त्री का रोना. Lamentation of a woman separated from her husband. उत्त० १६, ५; ओव० २१; नाया० १; पंचा० ७, १६; (२) વાણવ્યન્તર દેવતાની એક જાત. वाणव्यंतर देवता की एक जाति. a kind of Vāṇavyantara (infernal) gods. पन्न० २; पराह० १, ४; ओव० २४, प्रव० ११४५;

कंदु. त्रि० (कन्दु) લોઢાનું વાસણ; ચણા મમરા વગેરે ભુંજવાની કડાઈ. लोहे का एक बरतन.; चने आदि भूंजने की कढाई. An iron vessel; an iron pan to bake grams etc. पराह० १, १; विवा० ३; —**सोल्लिय.** त्रि० (-पक्व) ચણા મમરાની પેઠે તાવડામાં પકવેલું. चने, फूली की तरह घाममें पका हुआ. Cooked, baked in the heat of the sun. "**कंदुसोल्लियं पिव कट्टसोल्लियं पिव अप्पाणं जाव करेमाणा विहरंति**" भग० ११, ६;

कंदुकत्ता. त्रि० (कन्दुकता) કન્દુક નામની વનસ્પતિનો ભાવ-સ્વરૂપ. कंदुक नामकी वनस्पति का भाव-स्वरूप. State of, nature of a vegetation named Kanduka. सूय० २, ३, १६;

कंदुकुंभी. स्त्री० (कन्दुकुम्भी) લોઢાની કડાઈ. તાવડી. लोहे की कढाई; लोहे का बरतन. An iron pan used to bake bread etc. उत्त० १६, ४८;

कंदुरुक्क. न० (कन्दुरुक्क) એક જાતનો ધૂપનો સુગંધી પદાર્થ. एक जाति का धूप का सुगंधी पदार्थ. A kind of fragrant incense. नाया० १६;

कंदू. स्त्री० (कन्दू) નારકીને ઉપજવાની કુંભી. नारकियों के पैदा होनेकी कुम्भी. A pot-like place where the hell beings get their birth. सूय०१,५,२,७;

कंध. पुं० (स्कन्ध) ખાંધ. कन्धा; स्कन्ध. A shoulder. आया० १, ६, १, २२;

√**कंप.** धा० II. (कम्प) ધ્રુજવું; કંપવું. धूजना; कांपना; थरथराना. To tremble; to quiver.

कंपन्त. व० कृ० सु० च० १, ११०;

कंपमाण. व० कृ० भग० ३, २;

कंप. पुं० (कम्प) કંપારી; ધ્રુજારી; थरथराहट. Tremoar; trembling. सम० ११;

कंपण. न० (कम्पन) કંપવું; ધ્રુજવું; હલવું.

कांपना; धूजना; हिलना. Tremour; trembling. पिं० नि० ५८०; अणुजो० १३०; —वाइअ. पुं० (-वातिक) કમ્પવાનું દર્દ; જેથી મસ્તક કમ્પ્યા કરે એવો રોગ. धूजने का बीमारी; वह बीमारी जिससे सिर धूजा करे name of a disease causing trembling sensation in the head. अणुत्त० ३, १;

कंपिल्ल. पुं० न० (कम्पिल्ल) કમ્પિલ્લપુર નામનું ફરુખાબાદ જીલ્લાનું એક જુનું નગર કે જે દક્ષિણ પાંચાલદેશની રાજધાની હતી અને ત્યાં દ્રૌપદીનો સ્વયંવર થયો હતો. कम्पिलपुर नामक फरुखाबाद जिले का एक पुराना नगर जो दक्षिण पांचाल देश की राजधानी था और जहां द्रौपदी का स्वयंवर रचा गया था. Name of an ancient town of Farukhābād district. It was the capital of southern Pāñchāla country and also the place of Draupadi's choice-marriage. पन्न० १; निसी० ६, २०; उत्त० १३, ३; (२) અન્તગડ સૂત્રના ૧ લા વર્ગના સાતમા અધ્યયનનું નામ. अंतगड सूत्रके पहिले वर्गके सातवें अध्यायका नाम. name of the 7th chapter of the first section of Antagaḍa Sūtra. (३)અન્ધકવૃષ્ણિના પુત્ર સાતમા દશાર્હ કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે બાર વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી શત્રુંજય ઉપર એક માસનો સંથારો કરી મોક્ષ ગયા. अंधकवृष्णि के पुत्र सातवें दशार्ह, कि जो नेमिनाथ प्रभु के पास बारह वर्ष की प्रवज्या पाल शत्रुंजय पर जाकर एक मास का संथारा कर मुक्ति पधारे. the 7th Daśārha, son of Andhaka Vrisṇi. He practised ascetism for twelve years under Lord Neminātha, gave up food and water for one month on Śatruñjaya and got salvation. अंत० १, ७;

कंपिल्लपुर. न० (काम्पिल्यपुर) કંપિલપુર નામે નગર. कंपिलपुर नामका नगर. Name of a city. " पंचालेसु जणवएसु कंपिल्लपुरं णयरं तत्थ दुम्मुहोरायां " नाया० १६; नाया० ध० ६; भग० १४, ८; नाया० १; ८; १६; उवा० ५, १६३; ओव० ३६;

कंबल. पुं० (कम्बल) કંબલ; ધાબળો; કામળો. कंबल; कामल; शाल. A blanket. ओघ० नि० ७०६; निसी० ७, ११; भग० २, ५; ७, १; ८, ६; १३, ६; विवा० २; पन्न० १२; ५३; राय० २२६; नाया० १७; दस० ४; ६, २०; आया० १, २, ५, ८६; १, ७, १, १६७; वेय० १, ३७; जीवा० ३, ३; उवा० १, ५८; कप्प० ६, ५२; प्रव० ८७६; —कड. पुं० (-कट) કાંબળો. कम्बल. a blanket. ठा० ४, ४; —किट्ट. न० (-कट) ધાબળો. कम्बल. a blanket. भग० १३, ६; —पावार. न० (-प्रावार) કામળારૂપ ઓઢવાનું વસ્ત્ર. कम्बल सरीखा ओढने का वस्त्र. a blanket. निसी० ५, ११;

कंबलग. न० (कम्बलक) કામળ; કાંબળ. कामल; कम्बल. A blanket; a rug. आया० २, ५, १, १४५;

कंबलय. न० (कम्बलक) ધાબળો; ઊનનું વસ્ત્ર. कम्बल; ऊन का वस्त्र. A woolen blanket. प्रव० ६६२;

कंबु. पुं० (कम्बु) શંખ शंख. A conch-shell जं० प० जीवा० ३, ३; पराह० १, ४; ओव० १०; (२) કંબુ નામે પાંચમા દેવલોકનું એક વિમાન કે જેમાં વસતા દેવોનું બાર સાગરનું આયુષ્ય છે. कंबु नामक पांचवें

देवलोक का एक विमान, जहां उत्पन्न होनेवाले देवताओं की आयुष्य बारह सागर की होती है. name of a heavenly abode where the gods have a life of 12 Sāgaras; (it is in the fifth Devaloka). सम॰ १२;

कंबुग्गीव. पुं॰ (कम्बुग्रीव) કંબુગ્રીવ નામે પાંચમા દેવલોકનું એક વિમાન કે જેમાં વસતા દેવોનું બાર સાગરનું આયુષ્ય છે. कंबुग्रीव नामका पांचवें देवलोक का एक विमान, जहां के देवताओं की बारह सागर की स्थिति होती है. Name of a heavenly abode in the 5th Devaloka where the gods have a life of 12 Sāgaras. सम॰ १२;

कंबू. स्त्री॰ (कम्बू) એ નામની એક સાધારણ વનસ્પતિ; કન્દમૂલની એક જાત. इस नामकी एक साधारण वनस्पति; कद मूल की एक जात. Name of a kind of vegetation with bulbous roots. पन्न॰ १;

कंबोय. पुं॰(कम्बोज) કમ્બોજ દેશ; કાબુલ દેશ. कम्बोज देश; काबुल देश. The country called Kamboja. राय॰ २३६;

कंबोय-अ. त्रि॰ (काम्बोज) કંબોજ દેશના જન્મેલ. कंबोज देश का मनुष्य. A native of Kamboja country. राय॰ २३६; " जहा से कंबोयाणं आइन्ने कंथए सिया " उत्त॰ ११, १६;

कंस. पुं॰ न॰ (कंस) કંસ નામનો ૮૮ ગ્રહમાંનો ૨૨ મો ગ્રહ. ८८ ग्रहों में से कंस नाम का २२ वां ग्रह. The 22nd planet of the 88. ठा॰ २, ३; सु॰ प॰ २०; (२) મથુરાનો રાજા. मथुरा का राजा. name of a king of Mathurā. ठा॰ २, ३; पण्ह॰ १,४;—**कंस.** पुं॰(-कांस्य) કાંસાની એક ધાતુ. कांसी; एक धातु bronze. उवा॰ ८, २३५; सूय॰ २, १, ३६; उत्त॰ ६, ४६; जं॰ प॰ २, २४; पिं॰ नि॰ ३३४; नाया॰ १; ७; भग॰ ८, ५; ६, ३३; पन्न॰ ११; दसा॰ ६. ५३; जीवा॰ ३, ३; गच्छा॰ ८८;—**पाई.** स्त्री॰ (-पात्री) કાંસાની થાલી. कांसे की थाली. a bronze utensil. " कंस पाईव व मुक्कतोए " ठा॰ ६; ओव॰ १७; उवा॰ ८, २३५, —**पाय.** पुं॰ (-पात्र) કાંસાનું ઠામ, कांसे का बरतन. a bronze pot. "कंसेसु कंस पाएसु, कुंड मोएसु वा-पुणो भुंजंतो असण पाणाइं आयरो परिभस्सइ" दस॰ ६, ५३; कप्प॰ ५, ११६;

कंसणाभ. पुं॰ (कंसनाभ) ત્રેવીશમા ગ્રહનું નામ. २३वें ग्रह का नाम. Name of the 23rd planet. सू॰ प॰ २०;

कंसताल. न॰ (कांस्यताल) કાંસાનું એક જાતનું વાજિંત્ર; કાંસીયા. कांसे का एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument made of bronze. आया॰ २, ११, १६८; राय॰ ८७; जीवा॰ ३, ३; —**सद्द** पुं॰ (-शब्द) કાંસિયાનો આવાજ. कांसे के बाजे की आवाज. the sound of cymbals. निसी॰ १७ ३५;

कंसवरणाभ. पुं॰ (कंसवर्णाभ) અટ્ઠાવીસમાં ગ્રહનું નામ. अट्ठावीसवें ग्रह का नाम. Name of the 24th planet. " दो कंस वण्णाभा " ठा॰ २, ३; सू॰ प २०;

कंसवन्न. पुं॰ (कंसवर्ण) કંસવર્ણ નામનો ગ્રહ. कंसवर्ण नाम का ग्रह. A planet so named. " दो कंस वण्णा " ठा॰ २, ३; सू॰ प॰ २०;

कंसिय. पुं॰ (कांस्यिक) કાંસાનું વાજીંત્ર. कांसे का बाजा. A musical instrument of bronze. सु॰ च॰ १३, ४१;

कंसीय. न॰ (कंसीय) કાંસાનું પાત્ર. कांसे का बरतन. A vessel of bronze.

पन्न० ११;

ककारपविभत्ति. पुं० (ककारप्रविभक्ति) ककारनी रचना वाळुं नाटक. ककार की रचना वाला नाटक. A drama containing a special arrangement of the letter "क." राय० ६३;

ककुद. त्रि० (ककुद्) प्रधान. प्रधान. Any one that is prominent, principal. नाया० १७;

ककुह. स्त्री० (ककुद) राजचिन्ह; जेथी राजानी ओळखाणु पडे तेवी निशानी. राजचिन्ह; जिससे राजा पहिचाना जासके वह चिन्ह. Royal insignia. "राय ककुहा" ठा० ५, १; नाया० १७; ओव० १२; जं० प० ७, १६६; (२) बळदनी खुंध. बैल का कंधा. a hump of a bullock. (३) पर्वतनी टोच. पर्वत का शृंग. a summit of a mountain. जं० प० ७, १६६; कप्प० ३, ३, ८;

कक्क. पुं० (कल्क) कपट; माया; पाप. कपट; माया; पाप. Deceit; sin. सम०५२; भग० १२, ५; पण्ह० १, २; (२) सुगंधी पदार्थ; एक कापेला द्रव्यनो उकाळो के जेनो पीठीमां उपयोग थाय छे ते. लोध्रादिक द्रव्ये शरीरनुं उगटणुं करवुं ते. सुगंधी पदार्थ; एक कपेला पदार्थ को उकालकर (पीठी) मर्दन करने के लिये बनाये हुए लेप में डाला जाता है वह; सुगंधी पदार्थ का शरीर का उबटन. a fragrant substance; a kind of tenacious paste for the body prepared from Lodhra etc. "कक्कं उक्कज्जायं" सूय० १, ६; १५; भग० १२, ५; आया० २, २, १, ६७; निसी० १, ६; दस० ६, ६४;

कक्क. पुं० (कर्क) ब्रह्मदत्त चक्रवर्तीना एक महेलनुं नाम. ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती के एक महल का नाम. Name of a palace of Brahmadatta Chakravarti. "उच्चोदए महुकक्केय बंभे" उत्त० १३, १३;

कक्ककुरुया. स्त्री० (कल्ककुरुका) दंभथी बीजाने छेतरवुं ते. दंभ से दूसरों को ठगना. Deceiving others by means of false tricks. प्रव० १११;

कक्कड. त्रि० (कर्कश) खरखरुं. कर्कश; कठोर. Rough; harsh. क० प० ४, ४५;

कक्कडग. पुं० (कर्कटक) काकडी; शाकनी एक जात. ककडी. A cucumber; a kind of vegetable. पंचा० ५, २८; —**जल.** न० (-जल) काकडी तथा खडबुचा वगेरेमांथी नीकळतुं पाणी. काकडी तथा खरबूजा वगैरह में से निकलता हुआ पानी. the water that comes out of cucumber etc. प्रव० २०६;

कक्कडय. न० (कर्कटक) दोडता घोडाना पेटमां उछळतो वायु. दोडते घोडे के पेट में उछलता वायु. The gases that play in the stomach of a running horse. भग० १०, ३;

कक्कडिगा. स्त्री० (कर्कटिका) काकडी. ककडी. A cucumber. पंचा० ५, २५; १०, २४;

कक्कडी. स्त्री० (कर्कटी) काकडी. काकडी. A kind of vegetable; a sort of cucumber. पिं० नि० १६६; प्रव० २१०,

कक्कब पुं० (कक्कब) उकाळेल शेरडीनो रस. औटाया गर्म किया हुआ सांठे का रस. Boiled juice of sugarcane. पिं०नि०२८३;

कक्कर. पुं० (कर्कर) जेने चावतां करकर थाय तेवी वस्तु. जिसे चबाने से करकर हो ऐसा पदार्थ. A substance which produces a cracking sound when chewed. उत्त० ७, ६; (२) कांकरो. कंकर. a small stone. दसा० ७, १;

राय० २६; आव० ४, ४; —सय. न० (-शत) સેંકડો કાંકરા. सैकडों कंकर. (with) hundreds of pebbles. विवा० २;

कक्करणया. स्त्री० (कर्करण) શય્યા ઉપધિ વગેરેમાં દોષ કહાડી બડબડાટ કરવું તે. शय्या, उपधि आदि में दोष निकालकर बड़ २ करना. Loquaciously finding fault with environments such as a bed etc. ठा० ३, ३;

कक्करय. पुं० (कर्करक) સુભિક્ષાદિના હેતુ શીખવવા. सुभिक्षादि के हेतु सिखाना. Giving instructions into the reasons for proper alms-begging etc. निसी० १३, ८;

कक्करी. स्त्री० (कर्करी) ગાગર. गागर. A round metal pot. जीवा० ३, ३;

कक्कस. त्रि० (कर्कश) કઠણ; આકરૂં. कठीन; कडा. Hard; severe. "विपुला कक्कसा पगाढा चंडा दुहाहिव्वा दुहाहियासत्ति" विवा० १, १; सु० च० २, ३८०; भग० ७, ६; ३३; दस० ८, २६; उवा० २, १०७; ठा० ६; आया० २. ४, १, ६३३, (२) ખરખરૂં; કર્કશ. कर्कश; खुर्दरा. rough; harsh. गच्छा० ५४; राय० २८२;

कक्कावंस. पुं० (कर्कवंश) એક જાતની વનસ્પતિ; વાંસની એક જાત. एक जाति की वनस्पति; बांस की एक जाति. A kind of vegetation so named; a kind of bamboo. भग० २१, ४;

कक्केयण. पुं० (कर्केतन) એક જાતનું રત્ન; મણિ. एक जाति का रत्न; मणि. A kind of gem; a jewel. "आगासकेसकज्ज कक्केयण इंदणील अयसि कुसुमप्पगासे" राय० जं० प० कप्प० ३, ४५;

कक्कोडई. स्त्री० (कर्कोटकी) કકોડાની વેલ. ककुम्बर की लता; ककोटे की वेल. Name of a creeper; a species of cucumber. पन्न० १;

कक्कोडय. पुं० (कर्कोटक) વેલંધર જાતના દેવતાનું નામ. वेलंधर जाति के देवता का नाम. Name of a god belonging to the Velandhara kind of gods. भग० ३, ६; ७; (२) કર્કોટક દેવને રહેવાના પર્વતનું નામ. उस पर्वत का नाम जहां कर्कोटक देव रहता है. name of the mountain abode of the Karkotaka. जीवा० ३,४; (३) અનુવેલંધર દેવતાના રાજાનું નામ. अनुवेलंधर देवता के राजा का नाम. name of the king of the Anuvelandhara kind of gods. जीवा० ३, ४; (४) લવણ સમુદ્રમાં પૂર્વ દિશાએ બેંતાલીશ હજાર જોજન ઉપર આવેલ અણુવેલંધર દેવોનો આવાસ પર્વત. लवण समुद्र में पूर्व दिशा की ओर ४२००० योजन ऊपर स्थित अनुवेलंधर देवताओं का निवास पर्वत. name of the mountain-abode of the Anuvelandhara gods situated at a distance of 42000 Yojanas in Lavana Samudra in the east. ठा० ४, २,

कक्कोल. पुं० (कक्कोल) એક જાતનું ફલ. एक जाति का फल. A kind of fruit. पगह० २, ५;

कक्ख. पुं० (कक्ष) કાખ; બગલ. बगल; कांख. An arm-pit. नाया० २; १६; भग० ३, २; ५, ४; निसी० ५, ४१; जीवा० ३, ३; प्रव० ६७७; कप्प० ३, २६; —अन्तर. न० (-अन्तर = कक्षाया अन्तरं मध्यं कक्षान्तरम्) કાખનો મધ્ય ભાગ. बगल का मध्य भाग. the middle part of the

arm-pit. निर० ४, १; —देसभाग. पुं० (-देशभाग) स्तनपासे काखनो मूल भाग. स्तन के पास बगल का मूल भाग. the part of the arm-pit near the breast. नाया०२;—मेत्त. त्रि० (-मात्र) काख, बगल सुधी प्रमाणवाळुं; बगल सुधी. बगल तक मापवाला; बगल तक. reaching to the arm-pit. प्रव० ६७७; —रोम. न० (-रोम) कांखना रोम. बगल के बाल. the hair of the arm-pit. "परूढण हकेस कक्खरोमा ओत्ति" ओव०३५;आया०२,१३,१७२; निसी०३,४६;

कक्खड. त्रि० (कर्कश) कठोर; खरबचडुं; कर्कश. कठोर; कर्कश; खरदरा. Hard; harsh; rough. "एगेकक्खडे" ठा० १, १; ओघ० नि० ६२: अणुजो० १४१; पन्न० १; जीवा० १, उत्त० ३६, १६; आया० १, ५, ६, १७०; पिं० नि० ४२६; नाया० ६; भग० १, १; १८, ७; १४, १; १८, ६; २०, ५; ठा० १, १; कप्प० ६, ५६; क० प० ४, ६३; —फास०. पुं० (-स्पर्श) कठिनस्पर्श; खरबचडोस्पर्श. कठिन स्पर्श; खरखरा स्पर्श. hard touch; rough touch. सम० २२; भग० ६, ६; ८, १; (२) त्रि० कठीण स्पर्शवाळा. कठिन स्पर्श वाला. feeling hard. दसा० ६, १; क० गं० ५, ३२;

कक्खडत्त. न० (कर्कशत्व) कठोरपणुं; कर्कशपणुं. कठोरता; कर्कशता. Hardness; harshness. भग० १७, २;

कक्खडा. स्त्री० (कर्कशा) कठोर वेदना; दुःसह पीडा. कठोर वेदना, दुःसह पीडा. Hard acute pain. नाया० १;

कक्खा० स्त्री० (कक्षा) काख; बगल- बगल; कांख. An arm-pit. "उप्पीलियकक्खा" विवा० १, ३; सूय० १, ४, १, ३; नाया० १; १६; जं० प० गच्छा० १२२;

कच्च. त्रि० (कृत्य) कर्तव्य; करवानेयोग्य. कर्तव्य; करने योग्य. A deed; an action; a duty. राय० ३१;

कच्चायण. पुं० (कात्यायन.) कात्यना पुत्र श्री प्रभवजीना गोत्रनुंनाम. कात्य के पुत्र श्री प्रभवजी के गोत्रका नाम. Name of the family of Śrī Prabhavajī, the son of Kātya. नंदी० २३; (२) कौशिक गोत्रनी शाखा. कौशिक गोत्र की शाखा. name of a branch of the Kauśika family. ठा० ७, १; (३) कौशिक गोत्रना शाखामांनो पुरुष. कौशिक गोत्र की शाखा का पुरुष. a person belonging to the branch of the Kauśika family. ठा० ७, १; (४) मूल नक्षत्रनुं गोत्र. मूल नक्षत्र का गोत्र. the family of the Mūla constellation. "जे कोसिया ते सत्त विहापण्णत्ता तंजहा ते कोसिया ते कच्चायणा" सु० प० ११; ठा० ७; —सगोत्त. त्रि० (-सगोत्र) कात्यायन गोत्रवाळुं. कात्यायन गोत्र वाला. Of Kātyāyana family. "मूलनक्खत्ते कच्चायण सगोत्ते पण्णत्ते" सु० प० १०; भग० २, १;

***कच्चोलय.** पुं० (*) प्यालो; कचोळो. प्याला; कटोरा. A cup. सु० च० ८, ६५;

कच्छु. पुं० (कच्छ) कछडी; कछोटो. कांछ; कछोटा. The end or hem of a lower garment which after being carried round the body

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

is gathered up behind and tucked into the waist-band. सम० ११; भग० १, ६; १, ८; (२) કાંઠો. किनारा. a border; a margin; a bank. भग० १, ८; जं० प० १, ४; ६५; ३, ५२; (३) સીતા નદીની ઉત્તરે નીલવંતપર્વતની દક્ષિણે ચિત્રકૂટ વખારા પર્વતની પશ્ચિમે અને માલવંત વખારાપર્વતની પૂર્વે મહાવિદેહક્ષેત્રમાંનો એક વિજય. सीता नदी के उत्तर नीलवंत पर्वत के दक्षिण चित्रकूट वखारा पर्वतके पश्चिम और मालवंत वखारा पर्वत के पूर्व में महाविदेह क्षेत्र का एक विजय. name of a Vijaya in the Mahāvideha region, to the east of Mālavanta Vakhārā mountain, to the west of Chitrakūṭa Vakhārā mountain, to the south of Nīlavanta mountain and to the north of the river Sītā. जं०प०(४)ચારેકોર જલથી ઢંકાયેલ પ્રદેશ. वह प्रदेश जिसके चारों बाजू जलसे ढंके हों. a place covered with water on all sides. (५) કચ્છ વિજયના વૈતાઢ્ય પર્વતના નવ કૂટમાંના બીજા અને સાતમા કૂટનું નામ कच्छ विजय के वैताढ्य पर्वत के नौं कूटों में से दूसरे और सातवें कूट का नाम. name of the 2nd and also of the 7th of the eight summits of Vaitāḍhya mountain of Kachchhavijaya जं० प० (६) થોડા જલનું સ્થાન. थोडे जलका स्थान. a place containing scanty water. नाया० १; —कूड. पुं० (-कूट) ચિત્રકૂટ વખારા પર્વતના ચાર કૂટમાંનું ત્રીજું કૂટ-શિખર. चित्रकूट वखारा पर्वतके चारों कूटों में से तीसरा कूट-शिखर. the third of the four summits of the Chitrakūṭa Vakhārā mountain. जं० प० (२) માલવંત પર્વતના નવ કૂટમાંનાં ચોથા કૂટ-શિખરનું નામ. मालवन्त पर्वत के नौं कूटों में से चौथे कूट शिखरका नाम. name of the 4th of the nine summits of Mālavanta mountain जं० प० —वत्तव्वया. स्त्री० (-वक्तव्यता) કચ્છ વિજયની વક્તવ્યતા-અધિકાર. कच्छविजय का वर्णन. a description of Kachchhavijaya.

कच्छ. पुं० (कक्ष) કાખ; બગલ. बगल; कांख. An arm-pit. भग० ३, ७; —कोह. पुं० (-कोथ = कक्षाणां शरीरावयवविशेषाणां कोथो दौर्गन्ध्यम्) કાખમાંની દુર્ગંધ. बगलकी दुर्गन्धी. stench proceeding from the arm-pit. भग० ३, ७;

कच्छगावई. स्त्री० (कच्छकावती) જુઓ "कच्छगावती" શબ્દ. देखो "कच्छगावती" शब्द. Vide "कच्छगावती." "दोकच्छगावई" जं० प० ठा० २, ३;

कच्छगावती. स्त्री० (कच्छकावती) બ્રહ્મકૂટ વખારા પર્વતની પશ્ચિમે અને દ્રહવતી નદીની પૂર્વે બંનેની વચ્ચે મહાવિદેહાન્તર્ગત ક્ષેત્ર વિશેષ. ब्रह्मकूट वखारा पर्वत के पश्चिम और द्रहवती नदी के पूर्व इन दोनों के मध्यमें महाविदेहान्तर्गत क्षेत्र-विजय. Name of a region in Mahāvideha situated between Brahmakūṭa Vakhārā mountain (westward) and Drahavatī river (eastward). जं० प० —कूड. पुं० (-कूट) બ્રહ્મકૂટ વખારા પર્વતના ચાર કૂટમાંનું ચોથું કૂટ-શિખર. ब्रह्मकूट वखारा पर्वत के चार कूटों में से चौथा कूट-शिखर. name of the last of the four summits of

Brahmakūta Vakhārā mount. जं० प०

कच्छभ. पुं० (कच्छप) કાચબો. कछुआ. A tortoise. पन्न० १; जं० प० पगह० १, १; विवा० १; उत्त० ३६, १७१; जीवा० १; नाया० ४; पिं० नि ४६१; भग० ३, २; ७, ६; १२, ६; १५, १; (२) રાહુનું નામ. राहुका नाम. another name of Rāhu सू० प० २०;

कच्छभरिंगिय. न० (कच्छपरिङ्गित) કાચબાની પેંડે આગલ કે પાછલ મરજીપ્રમાણે ચાલીને વંદના કરે તે; વંદનાનો એક દોષ. कछुवे की तरह आगे या पीछे इच्छानुसार चलकर वंदना करना; वंदन का एक दोष. A fault connected with Vandanā (bowing); one who bows by moving backward and forward like a tortoise. प्रव० १५०;

कच्छभाणी. स्त्री० (*) એક જાતની પાણીમાં ઉગતી વનસ્પતિ; કેશરનું ઝાડ. एक जाति की पानी मे उत्पन्न होने वाली वनस्पति; केशर का झाड. A kind of aquatic plant; a saffron tree. पन्न० १;

कच्छभी. स्त्री० (कच्छपी) એક જાતનું વાજીંત્ર; વીણા. एक जाति का वाजित्र; वीणा. A kind of musical instrument; a kind of lute. "**अट्ठसयं कच्छभीणं**" राय० ८८; जं० प० पगह० २, ५; नाया० १७; ठा० ४, २; निसी० १७, ३५;

कच्छवी. स्त्री० (कच्छपी) છેડે પાતળું અને વચ્ચે પહોળું એવું પુસ્તક; પુસ્તકના પાંચ પ્રકારમાંનું એક. किनारों पर पतली और मध्य में मोटी पुस्तक; पुस्तक के पांच भेदों में से एक. A book tapering at the end and bulky in the middle; one of the five varieties of books. प्रव० ६७१;

कच्छा. स्त्री० (कक्षा) હાથીને છાતીમાં બાંધવાની રાસડી. हाथीको छातीमें बांधने की रस्सी. A rope with which an elephant is tied in the middle part of its breast. ओव० ३०; भग० ३, ६; (२) મહાવિદેહની બત્રીશ વિજયમાંની એક. महा विदेहकी बत्तीस विजय में की एक विजय. one of the 32 Vijayas of Mahāvideha. ठा० २, ३;

कच्छुय. पुं० (कच्छुक) ખરજવો; ખસનો રોગ. खाजका रोग; खाज A kind of disease which causes itching sensation. निसी० ६, २२;

कच्छुरी. स्त्री० (कच्छुरा) ધમાસો; ધમાસાનો ગુચ્છો. एक जातकी वनस्पति; धमासे का गुच्छा. Name of a plant; a cluster of the same plant. पन्न० १;

कच्छुल. पुं० (कच्छूर) ગુલ્મ જાતનું એક ઝાડ. गुल्म जाति का एक झाड. A kind of bushy plant. पन्न० १;

कच्छुलनारय. पुं० (कच्छुलनारद) કચ્છુલ નામનો નારદ. कच्छुल नाम का नारद. Nārada bearing the name Kachchhula. नाया० १६;

कच्छू. स्त्री० (कच्छू) ખરજ-ખાજ; કચ્છુ-રોગ. खाज; खुजली; खाज का रोग. Itch; itching sensation. जीवा० ३, ३; जं० प० भग० ७, ६;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कच्छूक. पुं० (कच्छूक) ખાજ; ખસ. खाज; खुजली. Itching sensation. भग० ७, ६;

कच्छूल्ल. त्रि० (कच्छूमत्) ખુજલીનો દર્દી. जिसे खाजकी बीमारी है वह. (One) suffering from itch, scab etc. विवा० ७; पराह० ३, ५;

कज्ज. न० (कार्य) કાર્ય; પ્રયોજન; કારજ; કર્તવ્ય; ક્રિયા. काम; मतलब; कार्य; कर्तव्य; क्रिया. A deed; an action; an aim; a purpose; a duty. "किंकज्जं भरणासि जंतुकीरती तरणं" पिं० नि० भा० ४७; विशे० ७१; ४२३; २११२; उत्त० २५, ३८; ओव० २०; राय० २१०; सू० प० ११; सु० च० १, ५७; जीवा० ३, ४; भग० ११, ६; १२, ६; १८, २; ७; नाया० ५; २; ३; ५; ७; ८; आया० १, २, २, ७६; दस० ७, ३६; उवा० १, ४; गच्छा० २२; ५६; पंचा० ४, १७; ५, ३५; क० प० १, ४; —अंतर. न० (-अंतर) પ્રથમ કહેલા કાર્ય વિના બીજું કાર્ય. प्रथम कहे हुए कार्य के बिना दुसरा कार्य; कार्यान्तर. work other than the one said before. पंचा० १२, ३०; —अभाव. पुं० (-अभाव) કાર્યનો અભાવ. कार्यका अभाव. absence of action or purpose. विशे० ७१; —आवन्न. त्रि० (-आपन्न) કાર્યપણાને-ઉત્પત્તિ ભાવને પ્રાપ્ત થયેલ. कार्य रूप को-उत्पत्ति भाव को प्राप्त. (that) which has reached the stage of effect or result; (that) which has been born. विशे० ६०; —सिद्धि. स्त्री० (-सिद्धि) કાર્યની સફલતા. कार्य की सफलता. accomplishment of a purpose, a deed विशे० ३; —हेउ. पुं० (-हेतु) કાર્યનો હેતુ-નિમિત્ત. कार्य का हेतु-निमत्त. (with) a purpose or motive. ठा० ४, ४; भग० २५, ७;

कज्जकारि. त्रि० (कार्यकारिन्) સાર્થક; સપ્રયોજન. अर्थ युक्त; मतलब सहित. Having meaning; full of meaning. गच्छा० ४५;

कज्जता. स्त्री० (कार्यता) કાર્યપણું. कर्तव्य पन. State of being a deed, a result etc. विशे० ११०;

कज्जल न० (कज्जल) આંજણ; કાજળ. अंजन; कज्जल Soot used as collyrium for the eyes. जं० प राय० ६०; पन्न० १७; ओव० १०; जीवा० ३, ३; नाया० १; भग० २, १;

कज्जलंगी स्त्री० (कज्जलांगी) કાજળની ડબ્બી કે શીસી. काजल की शीशी या डिब्बी. A small box or vial in which eye-collyrium is kept. ओव०

कज्जलप्पभा स्त्री० (कज्जलप्रभा) જંબૂ વૃક્ષના નૈરુત્ય ખુણાના વનખંડની એક વાવડીનું નામ जम्बू वृक्ष के नैऋत्य कोन के वनखंड की एक बावडी का नाम. Name of a forest-well to the south-west of Jambūvrikṣa. जीवा० ३, ४; जं० प०

कज्जसेण. पुं० (कार्यसेन) કાર્યસેન નામે ગત અવસર્પિણીના પાંચમા કુલકર. गत अवसर्पिणी के कार्यसेन नामक पांचवें कुलकर. The 5th Kulakara (a great leader of men) of the past Avasarpiṇī, named Kāryasena. सम० प० २२६;

* **कज्जलावेमाण.** त्रि० (*) પાણીથી

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

भराइने डुभतुं. पानी से भरा कर डूबता हुआ. Sinking down after being filled with water. निसी० १८, १८; आया० २, ३, १, ११६; —कज्जोवअ. पुं० (-कार्योपग) ८८मांना छोतेरमां ग्रहनुं नाम. ८८ गृहों में से ७६वें ग्रह का नाम. name of the 76th planet. सू०प० २०; जं० प० ७, १७०; —कज्जोवग. पुं० (-कार्योपग) जुओ "कज्जोवअ" शब्द. देखो "कज्जोवअ" शब्द. vide "कज्जोवअ" ठा० २, ३;

कट्ठुअ-य. पुं० (कटुक) कडवो रस. कटु रस. Bitter taste. सम० २२; भग० २, १;

कट्टर. पुं० (कट्वर) छाश, चटणी अथवा गरम मशालो. छाछ, चटनी या गरम मसाला. Whey; a kind of sauce; spices used to season food. पिं०नि० ६२१;

कट्ठ. त्रि० (कृष्ट) हलथी खेडेल. हल से खुदा हुआ. Ploughed. पिं० नि० भा० १२; उवा० १, ३३;

कट्ठ. पुं० (कष्ट) कष्ट; दुःख; मुश्केली. कष्ट; दुःख; कठिनाई. (Anything) bad, terrible or calamitous. विवा० ७; ८; नाया० ६; भत्त० १६४;

कट्ठ. न० (काष्ठ) लाकडुं; काष्ट. लकडी. Wood; stick; विवा० ७; पिं० नि० भा० ७; निसी० ३, १; सु० च० १२, १६; भग० ७, ६; ६; १८, ७; आया० १, १, ४, ३७; १, ४, ३, १३५; २, १, ५, २६; नाया० १; ८; ६; १७; राय० २६; २६२; अणुजो० १०; १४६; दस०४; ५, १; २, ३; पन्न० १; पंचा० ७, ६; १८, १०; क० गं० १, १६; प्रव० २२१; जं० प० ५, ११२; ११४; —अंतर. पुं० (-अन्तर) लाकडा लाकडामां अन्तर-विशेषता. लकडी लकडी में भेद-विशेषता. the peculiarity of different kinds of wood. ठा०४,१;—आहार. पुं० (-आहार) लाकडाने खानार एक जातनो कीडो; त्रण इंद्रियवालो जीव. लकडी को खानेवाला एक जाति का कीडा; तीन इंद्रियवाला जीव. a three-sensed living being; a worm found in wood and eating wood उत्त० ३६; १३६; पन्न० १; नाया० १३; —कम्म. न० (-कर्मन्) लाकडा कोतरवानुं कार्य. लकडी कोरने का काम. engraving of wood. नाया० १३, १७; निसी० १२, २०; आया० २, १२, १७१; —कार. पुं० (-कार) सुतार. सुतार; बढई. a carpenter. अणुजो० १३१; —खाअ-य. त्रि० (-खाद —काष्ठं खादतीति काष्टखादः) काष्ट खाई लाकडामां रहेनार एक जातनो कीडो. लकडी खाकर उसमें ही रहने वाला एक जाति का कीडा. a kind of worm found in timber. ठा० ४, १; —पाउया. स्त्री० (-पादुका) लाकडानी पावडी; चाखडी. लकडीकी पादुका a sandal of wood "कट्ठपा उपातिवाजरगा उवाइणत्तिवा" अणुत्त० ३, १; —पाउयार. पुं० (-पादुकाकार) पादुका बनावनार. पादुका बनाने वाला. one who makes sandals of wood. पन्न० १; —पास. पुं० (-पाश) लाकडानो पाशलो. लकडी का पाश. a wooden die. निसी० १२, १; —भार. पुं० (-भार) लाकडानो भारो. लकडी का भारा. a load of wood. भग० ८, ६; —मालिया. स्त्री० (-मालिका) लाकडानी माला. लकडी की माला. a rosary of wood. निसी० ७, १; —मुद्दा स्त्री० (-मुद्रा) लाकडानी पाटली लकडी की पटली. a kind of wooden plank. "कट्ठमुद्दाए मुहंबंधइ बंधइत्ता" निर० ३३;

—रासि. पुं० (–राशि) લાકડાનો ઢગલો. लकडी का ढेर. a heap of wood. भग० ८,६;१५,१;**—संथारोवगय.** पुं०(-संस्तारकोपगत) લાકડાના આસન ઉપર બેઠેલ. लकडी के आसन पर बैठा हुआ. one seated upon a wooden seat. १५, १; **—सगडिया.** स्त्री० (–शकटिका) લાકડાની ગાડી. लकडीकी गाडी. a wooden cart. नाया० १; भग० १, २; २, १; विवा० १; **—सिला.** स्त्री० (–शिला—काष्ठं शिलेवायतिविस्ताराभ्यामिति काष्ठशिला) શિલાનીપેઠે લાંબુ, પહોળું અને ચપટું લાકડાનું પાટીયું. शिला की तरह लम्बा मोटा और चपटा लकडी का पटिया. a slab of wood. ठा० ३; आया० २, ७, २, १६१; **—सिव.** पुं० (–शिव) લાકડાની ઘડેલી શિવની મૂર્તિ लकडी की घडी हुई शिव की मूर्ति. a wooden idol of god Śiva. प्रव० १६६; **—सेज्जा.** स्त्री० (–शय्या) લાકડાની શય્યા-શેજ્યા. लकडी की शय्या. a wooden bed. ठा० ३, ४; भग० १, ६; निर० ५, १; **—हारश्र.** त्रि० (–हारक) લાકડા ઉપાડનાર; કઠીયારો. लकडी उठानेवाला; कठियारा. one who cuts wood and carries the pieces in bundles on his back. अणुजो० १३१;

कट्ठभूश्र. त्रि० (काष्ठभूत) કાષ્ઠની પેઠે જડ; ચેતન વગરનો. जड; काष्ठ की नाईं; अचेतन. Life less; inanimate. उत०१२,३०;

कट्ठयर. त्रि० (कष्टतर) અતિશય કષ્ટ. बहुत कष्टवाला. Very hard; very calamitous. विशे० ३२४;

कट्ठा. स्त्री० (काष्ठा) દશા; અવસ્થા. दशा; हालत. Stage; condition. जं० प० ५, ११४; (२) પ્રમાણ. प्रमाण. unit. "कट्ठकट्ठा पोरिसीछाया" सू० प० १;

कठिण. त्रि० (कठिन) કઠણ; આકરૂં; કર્કશ. कठिन; कडा; कर्कश. Hard; difficult; rough. ओव० २१;

कड. पुं० (कट) સાદડી. चटाई. A mat. अणुजो० १३१; १३३; ओघ० नि० भा० २८८; (२) હાથીનું ગંડસ્થલ. हाथी का गंडस्थल. an elephant's temple. नाया० १; (३) માંચો, પલંગ વગેરે. पलंग; खाट; इत्यादि. a cot; a bed etc. भग० ५, ४; ८, ६; (४) પર્વતનો એક ભાગ. पर्वत का एक भाग. a part of a mountain. नाया० १; (५) ઘાસ (કરા પન્નગની). घांस. grass. भग० २३, १; ठा० ४;

कड. त्रि० (कृत) કરેલું; આચરેલું; અનુષ્ઠાન કરેલું. कृत; किया हुआ; अनुष्ठान किया हुआ; आचरित. Done; performed; practised. प्रव० ६, ६०; कप्प० ५, १२६; ६, २; राय० २६३; वव० ३, ६; ओव० ३४; सूय०१,८,२१; उत्त० १, ११; वेय० ४, १४; नंदी० ४५; पि० नि० १४५; नाया० १; भग० १, ४; ७; १०; ३, १; ५, ३; ४; १७, ४; १८, ३; (२) ચાર, ચારની સંખ્યાનો સંકેત. चार २ की संख्या का संकेत quaternion; a set of four. सूय० १, २, २, २३; (३) સચિત્તે ખરડેલું. सचित्त से लिप्त-लगा हुआ. bespattered by, carved by a living being. निसी० १२, १८;

कडश्र. पुं० (कटक) ભીંત. दीवाल. A wall. जं० प०

कडंगर. न० (कडङ्कर) ફલશૂન્ય એક જાતનું ઘાસ. फल रहित एक जाति का घास. A kind of grass. सु० च० ५, १५;

कडंब. न० (*) એક જાતનું વાજિન્ત્ર. एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. राय० ८८;

कडक्ख. पुं० (**कटाक्ष**) કટાક્ષ. कटाक्ष; भ्रूभंगादि हाव भाव. A glance; a side-long look. " **सकडक्ख दिट्ठिओ** " नाया० ८; सु० च० २,६८३, तंदु० जीवा० ३,३: जं० प० ७, १६६; —**दिट्ठि.** स्त्री० (**-दृष्टि**) કટાક્ષભરી નજર. कटाक्षभरी दृष्टि a look; sight full of glances. नाया० ८; राय० ११२;

कडक्खिय. त्रि० (**कटाक्षित**) કટાક્ષ ભરેલ. कटाक्ष से भरा हुआ. Full of glances. प्रव० १३००;

कडग. पुं० (**कटक**) હાથમાં પહેરવાનું આભૂષણ; કંકણ; કડું. हाथमें पहिनने का आभूषण; कंकण; कड़ा. A bracelet " **वरकडग तुडिय थंभियभूए** " ओव० २२: जं० प० निर्या० ७, ८; राय० २७; दसा० १०, १; सू० च० १३, ४६; नंदी० ३४: महानि० ८२: जीवा० ३, ३: ४; भग० ६, ३३; ११, ११; नाया० १: नाया० ध० ओव० १२; २२: पन्न० २;कप्प० २,१४; ४, ६२; (२) સમૂહ. समूह; झुंड. a group; a collection. जं० प० (३) સૈન્ય; લશ્કર. फौज; सेना. an army. पगह० १, १: (४) ભીંતનું મૂળ; પાયો. दीवाल का मूल पाया. the base of a wall. जं० प० प्रव० ८७५; (५) પર્વતનો તટ; તળેટી. पर्वत का पेंदा; तली. the bottom of a mountain. नाया० १; (६) પર્વતનો ઉપલો ભાગ. पर्वतका ऊपरी हिस्सा. the brow of a mountain. नाया० ५; (७) પર્વતની મેખલાનો મધ્યભાગ. पर्वत का मध्यभाग. the middle part of a mountain. जं० प० —**च्छेज्ज.** न० (**-च्छेद्य**) સોનાના આભૂષણ તથા પર્વતના મધ્ય ભાગને છેદવાની કલા. सुवर्ण का गहना तथा पर्वत के मध्यभाग को छेदनेकी कला. the art of piercing, cutting the middle part of a mountain or a golden ornament. जं० प० ३, ४५; ५, ११५; नाया० १; —**तट.** न० (**-तट**) પર્વતનું તળીયું. पर्वतकी तली. the bottom of a mountain. नाया० १; —**पल्लल.** न० (**-पल्वल**) પર્વતની પાસેનું તલાવ. पर्वत के पासका तालाव. a lake situated near a mountain; a mountain-lake नाया० १: —**बंध.** पुं०(**-बंध**) કેડ બાંધવી તે. कमर का बांधना; कमर बन्ध. girding up the waist. " **कडगबंधेहिं खलिण बंधेहिं** " नाया० १७; —**मद्दण** न० (**-मर्दन**) સૈન્ય અથવા પત્થરથી મર્દન કરવું તે सैन्य द्वारा अथवा पत्थरों से मर्दन नाश करना मारना. pounding, destroying by means of stones; destroying by means of an army. पगह० १, १:

कडग्गिदाह पुं० (**कटाग्निदाह**) બે ફાડવાલા વાંસને અગ્નિ વડે બાળવું તે. दो फांकों वाले बांस को अग्नि द्वारा जलाना Burning, kindling by means of the fire of a bamboo split lengthwise into two.(२) આગલ પાછલથી કટ નામનું ઘાસ વીંટાલીને સલગાવી મુકવું તે. कट नामक घास को चारों ओर लपेट कर जला

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

देना. setting to fire by wrapping into a kind of straw. सम० ११;

कडजुम्म. पुं० न० (कृतयुग्म-कृतंसिद्धं पूर्णं-ततः परस्य राशिसंज्ञान्तरस्याभावेन, न त्र्योजः प्रभृतिवदपूर्णो यत् युग्मं समराशि-विशेषः तत्कृतयुग्मम्) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતાં શૂન્ય શેષ રહે તે સંખ્યા; જેમ કે ૧૬. जिस संख्या में चार का भाग देने से शून्य रहता है वह संख्या; जैसे १६. Any multiple of four; any number which when divided by four does not leave any remainder behind; e. g. 16.—**कडजुम्म.** पुं० न० (-कृतयुग्म) ભાજ્ય સંખ્યા અને લબ્ધ સંખ્યા એ બન્નેને ચારે ભાગતાં શૂન્ય શેષ રહે તે સંખ્યા; જેમ કે ૧૬ ની સંખ્યા. वह संख्या जिस को ४ से भागने पर शून्य शेष रहता है वैसे ही उसके लब्ध को भागने पर भी शेष शून्य रहता है; जैसे १६ की संख्या. any figure in which the sum divided, as also the sum obtained by division, leaves nothing behind when divided by four; e. g. 16. भग० ३५, १; —**कलिओ.ग-य.** पुं० (-कल्योज) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતાં એક શેષ રહે અને લબ્ધ સંખ્યાને ચારે ભાગતાં કંઇ શેષ ન રહે તેવી સંખ્યા; જેમકે સત્તરની સંખ્યા. जिस संख्या को चार का भाग देने पर एक शेष रहे और लब्ध संख्या को चार का भाग देने से कुछ शेष न बचे ऐसी संख्या; जैसे १७. any number which being divided by four leaves one behind, and the sum thus got by division when divided by four. leaves no remainder; e. g. 17. भग० ३५ १; —**तेओग.** पुं० (-त्र्योज) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતાં ત્રણ શેષ રહે અને લબ્ધ સંખ્યાને ચારે ભાગતાં કંઇ શેષ ન રહે તેવી સંખ્યા; જેમકે ઓગણીશની સંખ્યા. जिस संख्या को चार से भागने पर तीन बचें और लब्धि संख्या में चार का भाग देनें पर कुछ शेष न रहे ऐसी संख्या. जैसे १६. any number which being divided by four leaves three behind and the sum thus got by division when divided by four leaves no remainder; e. g. 19. भग० ३५, १; —**दावरजुम्म** पुं० (-द्वापरयुग्म=यो राशिः प्रतिसमयं चतुष्कापहारेणापहियमाणो द्विपर्यवसानो भवति तत्समयाश्चतुःपर्यं वसिताएवेति । असौ अपहियमाणापेक्षया द्वापरयुग्मः) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતાં શેષ બે રહે અને લબ્ધ સંખ્યા ને ચારે ભાગતાં શેષ ન રહે તેવી સંખ્યા; જેમ અઢારની સંખ્યા. जिस संख्या में चार का भाग देने पर शेष दो रहे और लब्धि संख्या में चार का भाग देने से शेष कुछ न रहे ऐसी संख्या; जैसे १८. any number which being divided, by four leaves 2 behind, and the sum thus got by division when divided by four leaves no remainder; e. g. 18. भग० ३५, १;

कडपूयणा. स्त्री० (कटपूतना) કડપૂતના નામની દેવી. कडपूतना नाम की देवी. Name of a goddess. विशे० भा० २५, ४६;

* **कडप्प.** पुं० (*) સમૂહ. समूह; झुंड.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

A group. सु० च० २, ४३१;

❀ **कडभू.** पुं० (कटभू) એ નામનો એક કંદ. इस नाम का एक कंद. A kind of bulbous root. पन्न० १;

कडय. न० (कडक) શેરડી, જાર, વગેરેના સાંઠા; કડબ. जुहार वगैरह के सांठा A stalk of sugar-cane, millet etc. आया० २, १०, १६६;

* **कडयडिय.** त्रि० (*) પાછું ફરેલ. पीछे फिरा हुआ. Retreated; stopped back. सु० च० ८, १६;

कडसक्करा. स्त्री० (कटशर्करा) વાંસની ખીલી-શળી. बांस की सलाई कील. A peg made of bamboo. विवा० ६;

कडाय. पुं० (*कृतायास) સંથારો કરનાર સાધુની સેવા ભક્તિ કરનાર સાધુ. संथारा करने वाले साधु की सेवा भक्ति करने वाला साधु. An ascetic who renders services to an ascetic who is performing or practising Santhārā (giving up food and water). भग० २, १;

कडाली. स्त्री० (कटालिका) ઘોડાના સ્વારને પગ ટેકવાને પલાણની બે બાજુએ લટકતો પાગડો. घुडसवार के पांव टिकाने के लिये जीन के दोनों ओर लटकते हुए रकाब. A stirrup. अणुत्त ३, १;

कडासण न० (कटासन) આસન, પાથરણું. आसन; बिछौना. A seat consisting of a mattress, carpet etc. "**उग्गहणं च कडासणं एएसु जाणिज्जा**" आया० १, २, ५, ८६;

कडाह. पुं० (कटाह) લોઢાનું ઠામ; કઢાઈ. लोहे का बरतन; कढाई; An iron vessel; a cauldron. "**टुप्पसुलिए कडाहे**" पिं० नि० ५५२; उवा० ३, १२६;१३२;१४७; अणुत्त० ३, १; जीवा० ३, १; भग० ८, ९; (२) કાચબાની પીઠ. कछुए की पीठ. the back of a tortoise. अणुत्त० ३, १; (३) પાંસળિના હાડકાં. पसलीकी हड्डियां. the ribs. प्रव० १३८३;

कडाहय. पुं० (कटाहक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो उपरका शब्द. Vide above. उवा० ३, १२६;

कडि. स्त्री० (कटि) કેડ; કમર. कमर. The waist. "**घणकडितडच्छायं**" ओघ० नि० भा० २५६; ३१५; पिं० नि० ४२६; आया० १, १, २, १६; जीवा० ३; भग० १, ६; ओव० १०; जं० प० नाया० २; १८; निर० ३, ४; —**बंध.** पुं० (-बंध) કેડે બાંધવાની દોરી; કંદોરો. कमर पर बांधने की डोरी; कंदोरा. an ornamental belt for the waist. ओघ० नि० भा० ३१६; —**बंधण.** न० (-बंधन) કેડે બાંધવાનું વસ્ત્ર; ચરોટો. कमर पर बांधने का वस्त्र; कमरबंध. a cloth for the waist. "**सेकप्पइ कडिबंधणं धारित्तए**" आया० १, ७, ७, २२३; —**भाग.** पुं० (-भाग) કેડનો ભાગ; કટી પ્રદેશ. कमर का हिस्सा; कटिप्रदेश. the portion of the waist; the waist. प्रव० ५४१; —**सुत्त.** न० (-सूत्र) કમ્મરપટો; કંદોરો; કેડનું ઘરેણું. कमरपट्टा; कंदोरा; कमर का गहना; an ornamental belt for the waist. "**कडिसुत्त सुकयसोहे**" जं० प० सम० प० २३८; ओव० २७; कप्प०

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

४, ६२; —सुत्तग. न० (-सूत्रक) કેડની દોરી; કંદોરો. कमरकी दोरी कंदोरा. a thick thread worn round the waist. राय० १८६; —सुत्तय. न० (-सूत्रक) જુઓ "कडिसुत्तग" શબ્દ. देखो "कडि-सुत्तग" शब्द. vide "कडिसुत्तग" नाया० १;

कडि. पुं० (कटिन्) સાદડીવાળો. चटाई वाला. One having a mattress. अणुजो० १३१;

कडिअ. त्रि० (कटित) સાદડીથી ઢાંકેલું. चटाईसे ढंका हुआ. Covered with a mat. कप्प० ६, २;

कडिअकडि. त्रि० (कटितकटिन्) સાદડીના પટાની માફક એક બીજા સાથે મળેલ; અત્યન્ત નિચ્છિદ્ર. चटाई के पट्टों की तरह परस्पर एक दूसरेसे मिला हुआ; अत्यन्त निच्छिद्र. Interlinked like the strips of a mat; having no hole. "घणकडिअकडिच्छाए" ओव० ३;

कडिण. पुं० (*) વાંસમાં ઉત્પન્ન થતું એક જાતનું ઘાસ કે જેથી ફૂલ ગુંથાય છે. बांस में उत्पन्न होने वाली एक जाति की घांस, जिससे फूल गुंथे जाते हैं. A kind of grass growing in bamboos, used to string together flowers. सूय० २, २, ७;

कडिय. पुं० (कटिक) કેડ; કમ્મર. कटि; कमर. The waist. प्रव० ५४२; —दोर. पुं० (-दोरक) કેડનો દોરો કન્દોરો. कमर का दोरा; कंदोरा. a lace worn round the waist. प्रव० ५४२;

कडियल. त्रि० (कटितल) કમર. कमर. The waist. सु० च० २, ३७४;

कडिल्ल. पुं० न० (कटिल्ल) કડાઈ; મ્હોટી કડાઈ. कढाई; बड़ी कढाई. A large cauldron. अणुजो० १३४; ओघ० नि० ५२; उवा० २, ६४;

कडु. त्रि० (कटु) કડવું; કડવારસવાળું. कटु; कडुआ. Bitter. (२) पुं० કડવો રસ. कडुआ रस. bitter juice. ओघ० नि० भा० १४२; विशे० ८६५; क० गं० १, ४१; उत्त० ३६, १८; जं० प० ७, १४१; —विवाग. त्रि० (-विपाक) દારુણ ફલવાળું; કડવું ફલ. कठोर फलदायी; कडुआ फल. (one) having bitter fruit or result. पचा० १२, १७;

कडुइया. स्त्री० (कटुका) કડવી તુંબડીની વેલ. कडवी तुम्बी की लता. A creeper of gourd bitter in taste. पन्न० १;

कडुग. त्रि० (कटुक) કડવું. कटु; कडवा. Bitter. पंचा० ६, २२;

कडुच्छुग. पुं० (*) ધૂપનો કડછો. धूप का चिमचा; धूपदानी. A large ladle made of iron etc. used to burn incense; an incense pot. जं० प० ५, १२०;

कडुच्छुय. पुं० न० (*) કડછો; કડછી. चिमचा; कर्छी. A large ladle made of iron etc. used in cooking. जं० प० ५, १२; ३, ४३; जीवा० ३, ४; राय० १७५; भग० ५, ७; ८, ६; निर० ३, ३;

कडु-य. त्रि० (कटुक) કડવું. कडुआ. Pungent; bitter. जं० प० ओव० २०; ठा० १, १; अणुजो० १३१; दस० ५, १, ६७; सू० प० ११; आया० १, ५, ६, १७०

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

पन्न० १, नाया० १, १६, १७; विवा० १; राय० २८३; उत्त० ३४, १०; जीवा० ३, १; भग० ६, ३३; १८, ६, २०, ५; क० गं० १, ४२; कप्प० ४, ६५; ६, ५६; (२) पुं० કડવો રસ. कडुआ. bitter juice. (३) અશુભ. अशुभ. inauspicious. दस० ४,१; —तुंबी. स्त्री० (-तुम्बी) કડવી તુંબડી. कटु तुम्बी. a bitter gourd. नाया० १६; —भासिणी. स्त्री० (-भाषिणी) કડવું બોલવાવાળી, (સ્ત્રી.) कटु वचन बोलने वाली (स्त्री.) a woman speaking bitter words. ठा० ४, ४; —रस. पुं० (-रस) કડવો રસ. कटु रस. bitter juice. भग० ८, १; —रुक्ख. पुं० (-वृक्ष) કડવારસ વાળું ઝાડ. कटु रस वाला झाड. a tree, bitter in taste. भग० १५, १; —वयण. न० (-वचन) કડવું વચન. कठोर वचन. bitter words. नाया० ११; —वल्ली. स्त्री० (-वल्ली) કડવી વેલ. कडवी लता. a creeper, bitter in taste. भग० १५, १;

कडुव. न० (*) એક જાત નું વાજીંત્ર. एक जाति का बाजा. A kind of musical instrument. राय० ८८;

*कडुसगबंधण. न० (*) એક ભાગ સૂત્ર એક ભાગ ઉન અને એક ભાગ કાથી એ ત્રણના મિશ્રણથી બનાવેલ દોરો. एक भाग सूत एक भाग ऊन और एक भाग नारियल की जटा इन तीनों के मिश्रण से बनाई हुई रस्सी. A string or thread made of cotton, wool and coir mixed together proportionately. निसी० ५, ७४;

√कड्ड. धा० I. (कथ्) કહેવું. कहना. To tell; to say.

कड्डुंति. पिं० नि० ३१३;

√कड्ड. धा० I. (कृष्) ખેંચવું. खींचना. To draw. (२) ખેડવું. खेडना. to till.

कड्डइ. पिं० नि० २८७; निसी० १८, १५;

कड्डिउं. सं० कृ० सु० च० ६, १७;

कड्डित्तु. सं० कृ० आया० २, १३, १७३;

कड्डंत. पिं० मि० ११४; सु० च० ७, १२६;

कड्डिज्जमाण. क० वा० व० कृ० राय० ७१;

कड्डावेति. प्रे० अंत० ३, ८;

कड्डावित्तु. सं० कृ० आया० २, १३, १७३;

कड्डण. न० (कर्षण) ખેંચવું. खींचना. Drawing. (२) ખેડવું खोदना; हलना. tilling. "कड्डइकीरसइ" पिं० नि० ३८०; सु० च० १५, ११६; पंचा० ५, ३७;

कड्डिढल. त्रि० (कृष्ट) ખેંચેલું. खींचाहुआ. Drawn; pulled पंचा० ७, ४०;

कड्डिढय. त्रि० (कृष्ट) ખેંચેલું. खींचाहुआ. Drawn; dragged. पण्ह० १, १; क० प० ४, १;

कड्डोकड्डा. स्त्री० (कृष्टापकृष्ट-कर्षणापकर्षण) ખેંચાખેંચ; તાણાતાણ. खींचाखींच; खैंचातानी. Tugging to and fro. उत्त० १६,५२;

कढण. पुं० (क्राथन) કઢવું; ઉકાળવું. उबलना; औटाना. Boiling. पण्ह० १, १;

कढिअ-य. त्रि० (कथित) કઢેલું; ઉકાળેલું. औटाया हुआ; उबाला हुआ Boiled. ओघ० नि० १४७; जीवा० ३, ३; भत्त० ४१; पिं० नि० ६२४;

कढिण त्रि० (कठिन) કઠોર; મજબુત. दृढ; मजबूत. Hard; strong. भग० ११,

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

६; ओव० ३८; सु० च० १, १४१; (२) વાંશની સાદડી; ચટાઇ. बांसकी चटाई. a mat; a bamboo mattress. "इकडं वा कढिणं वा जंतुयं वा" आया० २, २, ३, १००;

कण. पुं० (कण) કણકી; ચોખાના ખંડિત દાણા. खंडित चांवल; कणी. Broken grains of rice; broken grain. उत्त० १, ५; आया० २, १, ८, ४८; जं० प० ५, ११५; (२) સાતમાં ગ્રહનું નામ. सातवें ग्रह का नाम. name of the 7th planet. सु० प० २०; ठा० २, ३; **—कुंडग.** पुं० (-कुण्डक) દાણાવાળા કુસકા. दानेवाला भूंसा; अन्न मिश्रित भूंसा. chaff containing grain. आया० २, १, ८, ४८; **—पूवलिया.** स्त्री० (-पूपलिका) કણમિશ્રીત રોટલી. कणमिश्रित रोटी. bread mixed with broken grains. आया० २, १, ८, ४८; **—वित्ति.** त्रि० (-वृत्ति) દાણા વિણીને તેના ઉપર ગુજરાન ચલાવનાર. दाणे चुनकर उसपर निर्वाह करने वाला. one who supports oneself by picking up scattered grains. सु० च० १२, ५;

कणंद. पुं० (कनन्द) કનન્દ નામના સાધુ. कनन्द नामका साधु Name of a monk. भग० १५, १;

कणक. पुं० (कनक) બાણ. बाण An arrow. सम०

कणकणअ. पुं० (कनकनक) નવમાં ગ્રહનું નામ. नौवें ग्रह का नाम. Name of the 9th planet. सू० प० २०;

कणकणग. पुं० (कणकणक) જુઓ "कणकणअ" શબ્દ. देखो "कणकणअ" शब्द Vide "कणकणअ" "दो कणकणगा" ठा० २, ३;

कणकपाणि. पुं० (कनकपाणि) કણક-બાણ અથવા શારંગ-ધનુષ્ય જેના હાથમાં છે તે વાસુદેવ. कणक—बाण या शारंग—धनुष्य जिसके हाथ में है वह वासुदेव. Vāsudeva; lit. one with a bow or arrow in his hand. सम० प० २३७;

कणग. न० (कनक) સુવર્ણ; સોનું. सुवर्ण; सोना Gold. चं० प० १; राय० २२२; आया० २, ५, १, १४५; जं० प० ७, १७०; सु० च० २ ५६३; पिं० नि० ८०; ४०६; नाया० १; ८; १८; भग० ३, १; ८, ५; ६, ३३; ११, ११; २१, ४; उवा० १, ७६; कप्प० ३, ३६; ४४; (२) ઘૃતદ્વીપના દેવતાનું નામ. घृतद्वीप के देवता का नाम. name of the deity of the Grita Island. जीवा० ३, ४; सू० प० १६; (३) રેખા-લીટિ વગરનો તેજનો ગોળો. रेखा रहित प्रकाश वाला गोला. a ball of light without any lines upon it. ओघ० नि० भा० ३१०; (४) ચાર ઇંદ્રિયવાલો એક જીવ. चार इन्द्रिय वाला एक जीव. a kind of four-sensed living creature. पन्न० १; (५) એક જાતનું બાણ. एक जाति का बाण. a kind of arrow. पण्ह० १, १, ३; (६) એક જાતનું વાજીંત્ર. एक जाति का बाजा. a kind of musical instrument. जं० प० **—कंत.** न० (-कान्त = कनकस्येव कान्तं कान्तिर्येषां तानि कनककान्तानि) સોનાની માફક ચમકતું. सोनेकी तरह चमकता. glittering like gold. निसी० ७, ११; आया० २, ५, १, १४५; **—खचित.** त्रि० (-खचित) સોનાના તારથી જડેલ सोनेके तार से जडा हुआ. fastened with, inlaid with golden wires. निसी० ७, ११; भग० ६, ३३; **—चित्त** न० (-चित्र)

सोनेरी चित्रामण. सुनहरी चित्र-चित्राम. pictures, drawings of gold. निसी० ७, ११; **—जालग.** पुं० (-जालक) सोनानी जारी; એક જાતનું આભરણ. सोने की जाली; एक जाति का गहना. a kind of gold ornament; a kind of net of gold. जीवा० ३, ३; **—णिगर मालिया.** स्त्री० (-निकरमालिका) એક જાતનું આભરણ. एक जातिका गहना. a kind of ornament. जीवा० ३, ३; **—तिंदुसय.** न० (-तिंदुसक) સોનાના તારથી ખીચેલ દડો. सोने के तार से बना हुआ गेंद. a ball woven with gold wires. विवा० ६; **—तिलग.** पुं० (-तिलक) સોનાનું તિલક. सोने का तिलक. a mark made on the forehead with gold; an ornament of gold worn on the forehead. जीवा० ३, ३; **—विचित्त.** त्रि० (-विचित्र) સોનેરી ચિત્રામણવાળું. सुनहरी चित्राम वाला. bearing pictures or drawings of gold. निर० ७, ११;

कणगकूड. पुं० (कनककूट) વિદ્યુત્પ્રભ વખારા પર્વતના નવ કૂટમાંનું પાંચમું કૂટ-શિખર. विद्युतप्रभ वखारा पर्वत के नौ कूटों में से पांचवां कूट-शिखर. The 5th of the 9 summits of the Vidyutprabha Vakhārā mountain. जं०प०

कणगकेउ. पुं० (कनककेतु) અહિચ્છત્રી નગરીનો કનકકેતુનામે રાજા. अहिछत्री नगरीका कनककेतु नामक राजा. Kanakakētu, the name of a king of the city of Ahichchatrī. "अहिच्छत्ताए णयरीए कणगकेऊ नाम राया होत्था" नाया० १४; १५; १७; (२) હસ્તિનાપુર નગરના કનકકેતુ નામે રાજા. हस्तिनापुर नगर का कनक केतु नामक राजा name of a king of the city of Hastināpura. नाया० १७;

कणगज्झय. पुं० (कनकध्वज) તેતીલ નગરના કનકરથરાજાનો કણગજ્ઝયનામે પુત્ર. तेतीलपुर नगर के कनकरथ राजाका कनकध्वज नामक पुत्र. Name of the son of Kanakaratha king of Tetīlpura. नाया० १४; **—कुमार.** पुं० (-कुमार) જુઓ "कणकज्झय" શબ્દ. देखो "कणकज्झय" शब्द. vide "कणकज्झय" नाया० १४;

कणगपुर. न० (कनकपुर) કનકપુરનામે નગર. कनकपुर नामक नगर. Name of a town. विवा० २, ६;

कणगप्पभा. स्त्री० पुं० (कनकप्रभा) ઘૃતદ્વીપના અધિપતિ દેવતાનું નામ. घृतद्वीप के अधिपति देवता का नाम. Name of a presiding deity of the Ghṛitadvīpa. सू०प०१६; जीवा०३, ४; नाया०ध०५;

कणगमय. त्रि० (कनकमय) સોનાનું. सोनेका; सुवर्ण का. Golden; made of gold. नाया० ८; १४; सु० च० १, २६७; **—तिंदुसय.** पुं० (-तिंदुसक) સોનાના તારથી ખિચેલ દડો. सोने के तार से बनाया हुआ गेंद. a kind of ball made of gold. नाया० १६; **—पडिमा.** स्त्री० (-प्रतिमा) સોનાની પ્રતિમા-પુતળું. सोने की प्रतिमा-मूर्ति. a golden idol. नाया० ८;

कणगरह. पुं० (कनकरथ) તેતીલપુર નગરનો કનકરથ નામનો રાજા, કે જે આવતી ચોવીસીમાં પહેલા મહાપદ્મ તીર્થંકર પાસે દીક્ષા લેશે. तेतीलपुर नगर का कनक रथ राजा जो आगामीकाल की चौवीसी में पहिले महापद्म तीर्थंकर के पास दीक्षा लेगा. Name of a king of Tetīlapura who will take Dīkṣā from the first

Tirthaṅkara in the coming Chovīsī. नाया० १४; विवा० ७; ठा० ८, १;१०;

कणगलया. स्त्री० (कनकलता) કનક નામની વેલ. कनक नाम की बेल-लता. Name of a creeper. भग० २०, ५; (२) ચમરેન્દ્રના લોકપાલ સોમની બીજી પટ્ટરાણી. चमरेंद्र के लोकपाल सोम की द्वितीय पट्टरानी. the 2nd crowned queen of Soma the Lokapāla of Chamarendra. ठा० ४, १;

कणगवियाणग. पुं० (कनकवितानक) કનકવિતાન નામનો ગ્રહ. कनकवितान नाम का ग्रह. Name of a planet. ठा० २, ३;

कणगसंताणग. पुं० (कनकसन्तानक) કનકસંતાનક નામે ૮૮ માંનો એક ગ્રહ. कनकसंतानक नामका ८८ ग्रहों में का एक ग्रह. Name of one of the 88 planets. ठा० २, ३;

कणगसंताणय. पुं० (कनकसन्तानक) સત્તોતેરમાં ગ્રહનું નામ. ७७ वें ग्रह का नाम. Name of the 77th planet. "दोकणगसंताणय" सू० प० २०;

कणगसत्तरि. न० (कनकसप्तति) સુવર્ણની હકીકત વાળું આગલના વખતનું એક લૌકિક શાસ્ત્ર. सुवर्ण के इतिहास वाला भूत काल का एक लौकिक शास्त्र. An ancient science giving a description of gold. अणुजो० ४१;

कणगा. स्त्री० (कनका) કનકા દેવી. कनका देवी. Name of a goddess. नाया० ध० ५; (२) રાક્ષસના ઇન્દ્ર ભીમની ત્રીજી પટ્ટરાની. राक्षस के इंद्र भीम की तीसरी पट्टरानी. the third crowned queen of Bhīma, Indra of the Rākṣasa. ठा० ४,१; भग० १०,५; (३) ચમરેંદ્રના લોકપાલ સોમની પહેલી પટ્ટરાની. चमरेंद्र का लोकपाल सोम की पहिली पट्टरानी. the first crowned queen of Soma the Lokapāla of Chamarendra. ठा० ४, १;

कणगामय. त्रि० (कनकमय) સુવર્ણનું બનેલ; સુવર્ણમય. सोने का बनाहुआ स्वर्णमय. Golden; made up of gold. जं० प० ४, ७२;

कणगावलि. स्त्री० (कनकावलि) એક પ્રકારના તપનો સમૂહ જેની સ્થાપના કનકાવલિ-હારને આકારે થાય છે તે આપ્રમાણે—
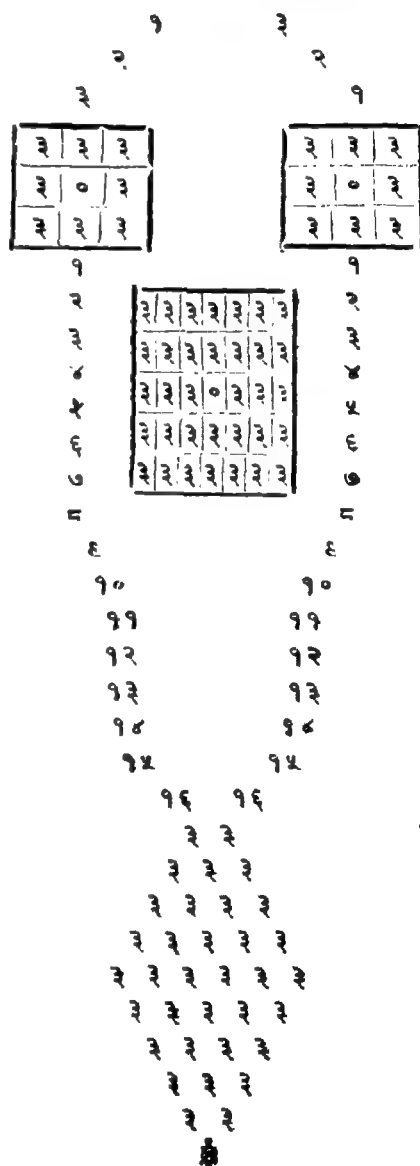
१ ३
२ २
३ १

३	३	३
३	०	३
३	३	३

३	३	३
३	०	३
३	३	३

१ १
२ २
३ ३
४ ४
५ ५
६ ६
७ ७
८ ८

३	३	३	३	३	३	३
३	३	३	३	३	३	३
३	३	३	०	३	३	३
३	३	३	३	३	३	३
३	३	३	३	३	३	३

९ ९
१० १०
११ ११
१२ १२
१३ १३
१४ १४
१५ १५
१६ १६
३ ३
३ ३ ३
३ ३ ३ ३
३ ३ ३ ३ ३
३ ३ ३ ३ ३ ३
३ ३ ३ ३ ३
३ ३ ३ ३
३ ३ ३
३ ३
३

આ કોષ્ટકમાં ચાર પરિપાટી (કડકા) છે. તેમાં પહેલી પરિપાટીમાં એક ઉપવાસથી શરૂ કરી છઠ અને અઠમ (ત્રણ ઉપવાસ) સુધી વ્હડી આઠ અઠમ કરી વલી એક ઉપવાસથી સોલ ઉપવાસ સુધી ચડાવવા. બીજી પરિપાટીમાં ચોત્રિશ અઠમ કરવા. ત્રીજી પરિપાટી પહેલી પરીપાટીથી ઉલટી રીતે કરવી એટલે સોળથી ઘટાડી એક સુધી આવી આઠ અઠમકરી અઠમ, છટ અને એક ઉપવાસ કરવો. ચોથી વચ્ચેની પરિપાટીમાં ચોત્રિશ અઠમ કરવા એકેક પરિપાટીમાં એક વરસ પાંચ માસ અને બાર દિવસ લાગે. ચારેમાં પાંચવરસ નવમાસ અને અઢાર દિવસ લાગે एक प्रकार का तप समुदाय जो कनकावलिहार की तरह किया जाता है जैसे:— इस कोष्टक में चार परिपाटी (लड़ें हैं) उनमें की पहिली परिपाटी में एक उपवास से प्रारंभ कर छट्ठ और अट्ठम (तीन उपवास) तक बढकर आठ अट्ठम किये जाते है, फिर एक उपवास से सोलह उपवास तक चढना पड़ता है. दूसरी में पहिली परिपाटिके विरुद्ध सोलह उपवास मे घटकर एक उपवास तक करके आठ अट्ठम करते हैं और अट्ठम छट्ठ तथा एक उपवास करते है चौथी मध्य की परिपाटिमें ३४ अट्ठम करते हैं. एक एक परिपटि में एक वर्ष पांच मास और बारह दिन लगते हैं. चारो परिपाटियां करने मे पांच वर्ष नौ मास और अठारह दिन लगते हैं. A kind of austerity which, when graphically represented by the units of fasts of which it consists, assumes the shape of a gold necklace. ओव १६; प्रव० १५४२;

कणगावलिपविभत्ति. पुं० (कनकावलिप्रविभक्ति) એક જાતનું નાટ્ય. एक जाति का नाट्य -नाटक. A kind of drama. राय० ६१:

कणगावली. स्त्री० (कनकावली) પાંચ વરસ નવમાસ અને અઢારા દિવસમાં થતું એક તપ કે જેની આંકડામાં સ્થાપના કરતાં કનકાવલિનો આકાર થાય છે કે જે કણકાવલિ શબ્દમાંદર્શાવેલ છે. पांच वर्ष नौ मास और अठराह दिनमें पूर्ण होने वाला एक तप विशेष. जिसकी अंकों में स्थापना करने से कनकावलि हार के आकार के सदृश होता है जो कनकावलि शब्द में दिखाया है. Name of an austerity lasting for 5 years 9 month and 18 days. It consists in a number of fasts in ascending and descending order which, when graphically represented assumes a fanciful resemblance to a gold necklace. अंत० ८, २; निर० ७, ८; (२) ડોકમાં પહેરવાનો સોનાનો હાર. गले में पहिनने का सवर्ण का हार. a gold necklace. नाया० १; भग० ११, ११;

कणयग्ग. पुं०. (कनक) સોનું, सुवर्ण; सोना. Gold. भग० १, १; २, ५; नंदी० १३; सू० च० १, ३१; नाया० १; (२) આઠમા ગ્રહનું નામ. आठवें ग्रह का नाम. name of the eighth planet. सू० प० २०; —**कमल**. न० (-कमल) સોનાનાં કમલ. सोने का कमल. a golden lotus. प्रव० ४५३; —**खचिय**. पुं० (-खचित) સોનાના તારથી ભરેલ. सोने के तार से जड़ा हुआ. anything inlaid with, full of wires of gold. नाया० १: —**दंडिया**. स्त्री० (-दण्डिका) સોનાની છડી નાની લાકડી. सोने की छड़ी-छोटी लकड़ी. a small stick of gold. जं० प० ३, ४८; —**वन्न**. त्रि० (-वर्ण) સોના જેવા રંગ વાળું. जिसका रंग सुवर्ण जैसा हो. of the

colour of gold सु॰ च॰ २, ६५; —सेल॰ पुं॰ (-शैल) મેરૂપર્વત; સોનાનો પર્વત. मेरु पर्वत; सुवर्ण का पर्वत. the Meru mountain; the mountain of gold. सु॰ च॰ २, ४६६;

कणयमय. त्रि॰ (कनकमय) સુવર્ણમય. सुवर्णमय. Golden; full of gold. जं॰ प॰ १, १४; प्रव॰ १२४३;

कणयर. पुं॰ (करवीर) કણેર નામનું ગુલ્મ જાતિનું ઝાડ. कनेर नाम का गुल्म जाति का झाड. Name of a tree. पन्न॰ १;

कणया. स्त्री॰ (कनका) ચમરેન્દ્રના લોકપાલ સોમની કનકા નામની મુખ્ય દેવી. चमरेंद्र के लोकपाल सोम की कनका नाम की मुख्य देवी. The principal queen of Soma, the Lokapāla of Chamarendra. भग॰ २०, ५;

कणयार. पुं॰ (कणेर) કણેરનું ઝાડ. कनेर का झाड. Name of a tree. आया॰ २, १५, १७६;

कणव. पुं॰ (कणाव) કણવ નામનું એક જાતનું ઘાસ. कणाव नाम की एक जाति की घास. A kind of grass. भग॰ २२, ५;

कणविताणअ. पुं॰ (कणवितानक) દશમાં ગ્રહનું નામ. दशवें ग्रह का नाम. Name of the 10th planet. सू॰ प॰ २०;

कणवीर. पुं॰ (कणवीर) કણેરનું વૃક્ષ. कनेर का झाड. Name of a tree called Kanera. राय॰ ५७; जीवा॰ ३, ४; पगह॰ १, ३; जं॰ प॰ ५, १२२; (२) કણેરનું ફૂલ. कनेर का फूल. a flower of the Kanera tree. पगह॰ १, ३;

कणिक. पुं॰ (*) એક જાતનો મચ્છ. एक जाति का मच्छ. A kind of fish. पन्न॰ १;

कणिट्ठ. त्रि॰ (कनिष्ठ) ન્હાનો; લઘુ. छोटा; लघु. Small; young; youngest. पिं॰ नि॰ ५११; गच्छा॰ ६०;

कणिट्ठअ. त्रि॰ (कनिष्ठक) નહાનું; હલકું. हलका; छोटा. Small; younger. क॰ गं॰ ५, ३८;

कणिया-आ. स्त्री॰ (कणिका) એક જાતની વીણા. एक जाति की वीणा. A kind of lute. जीवा॰ ३, ३; (२) ચોખાની કણકી. चावल की कनी. broken grains of rice. पिं॰ नि॰ २४६; तंदु॰

कणियार. पुं॰ (कर्णिकार) થણિતકુમાર દેવતાનું કણેર નામે ચૈત્ય વૃક્ષ. स्तनितकुमार देवता का कनेर नाम का चैत्य वृक्ष. A garden tree of the god Thanitakumāra, named Kanera ठा॰ १०, १; नाया॰ ६; (२) કર્ણિકાર નામના સાધુ. कर्णिकार नाम के साधु. name of a saint. भग॰ १५, १;

कणिर. त्रि॰ (*) વાગવાના સ્વભાવવાળું. दुखने वाला स्वभाव वाला. Having the nature of being hurt or cut. सु॰ च॰ २, ४६; ३२१;

कणीयस. त्रि॰ (कनीयस्) નહાનો; કનિષ્ઠ. छोटा; कनिष्ठ. Young; small; younger. अंत॰ ३, ८; उवा॰ ३, १३४; कप्प॰८;

कणुग. न॰ (कणुक) આંખમાં પડેલું કણું. आं । में गिरा हुआ कण. A particle of dust etc. entering the eye. पंचा॰ १८, १०;

कणुय. न॰ (कणुक) ફુણો; રજકણ; રજ.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कण; रजकण; रज. Particles of dust. " सुकणुयं " आया० २, १, ८, ४३;

कण्ण. पुं० (कर्ण) કાન. कान. An ear. विवा० २; नाया० १; ८; १४; १६; भग० ३ ७; १२, ९; आया० १, १, २, १६; राय० ४०; अणुत्त० ३, १; जं० प० ५, ११४; ११५; उवा० २, ६४; **—अंतर.** न० (-अन्तर) બે કાન વચ્ચેનું અન્તર. दोनों कानों के बीच का अंतर. the distance between the two ears. विवा० १; **—आयय.** त्रि० (-आयत) કાનસુધી લમ્બાવેલ. कान तक लम्बा खींचा हुआ. anything long enough to reach the ears. जं० प० ३, ४५. भग० ५, ६; ७, ६; **—गय.** पुं० (-गत) કાને સંભળાયેલ. कान से सुना हुआ. (anything) heard. " कण्णगया दुम्माणिअं जणंति " दस० ६, ३, ८; **—च्छिन्न.** त्रि० (-च्छिन्न—छिन्नकर्ण) કાનકટો; જેના કાન છેદાયા છે તે. कानकटा; जिसका कान कटा हुआ है वह; छिन्न कर्ण. (one) with ears cut. आया० २, ४, २; १३६; **—च्छेयण.** न० (-च्छेदन) કાનનું છેદન. कान का छेदना. cutting off or piercing of ears नाया० २; **—धार.** पुं० (-धार) નાવિક. मल्लाह; नाविक. a sailor; a boat-man. नाया० ८; ६; १७; **—पीढय.** न० (-पीठक) કાનનું ઘરેણું. कानका गहना. an ear-ornament. " कुंडल मट्टगंडयल कण्णपीढधारी " पन्न० २; भग० १५, १; ठा० ६; ओव० २२; **—पूर.** पुं० (-पूर) કાનમાં પહેરવાનું આભરણ. कान में पहिनने का आभूषण. an ear-ornament. नाया० १; ८; ओव० ३८; (२) કર્ણપૂર નામે હાથીના કાનનું આભૂષણ. कर्णपूर नामक हाथी के कान का आभूषण. an ear-ornament for an elephant. ओव० ३०; **—बंध.** पुं० (-बंध) કાન બાંધવા તે. कानों का बांधना. closing up, tying up of ears. नाया० १७; **—मल.** न० (-मल) કાનનો મેલ. कान का मैल. wax or the ears. निसी० १, ३५; ३, ६६; **—मूल.** न० (-मूल) કાનની નજીકનો પ્રદેશ; કાનનું મૂલ. कान के समीप का भाग; कान का मूल. the neighbouring part of an ear. नाया० ३; जं० प० ५, ११४; **—पाली.** स्त्री० (-पाली) કાનમાં પહેરવાની વાળી—એક આભૂષણ. कान में पहिनने की बाली—एक आभूषण. an ear-ring. जीवा० ३, ३; **—वेयणा.** स्त्री० (-वेदना) કાનની વેદના. कान का दुःख. pain in the ear. नाया० १३; **—वेहण.** न० (-वेधन) જુઓ " कण्णवेहणग " શબ્દ. देखो " कण्णवेहणग " शब्द. vide "कण्णवेहणग" भग० ११, ११; **—वेहणग.** न० (-वेधनक) કાન વિંધવાનો સંસ્કાર. कान बींधने का संस्कार. the ceremony of piercing or perforating the ears. राय० २८८; **—सक्कुलिया.** स्त्री० (-शष्कुलिका) કાનનું વિન્ધ. कान का छेद. a hole in the ear; a perforation made in the ear. नाया० ८; १४; **—सुह.** न० (-सुख) કાનને સુખરૂપ શબ્દ. कान को सुखकारी शब्द. words sounding sweet to the ears. नाया० ९; **—सोहणग.** न० (-शोधनक) કાનને ખોતરવાની સળી; કાન ખોતરણી; ચાટુડી. कान साफ करने की सलाई. a small thin straw etc., used to cleanse the ear of its wax. निसी० १, १६; आया० २, ७, १, १५७; नाया० ६;

कराणकला. स्त्री० (कर्णकला) સૂર્ય એક માંડલેથી બીજે માંડલે જે ગતિએ જાય છે તે ગતિનું નામ કર્ણકલા છે. કર્ણ એટલે એક માંડલાનો બુદ્ધિકલ્પિત છેડો, ત્યાં આવીને સૂર્યકલા એટલે એકેક અંશે બહાર નિકળતો કે અંદર આવતો બીજા માંડલાને છેડે પહોંચે તે કર્ણકલા ગતિ. सूर्य एक मंडल से दूसरे मण्डल में जिस गति से जाता है उस गति का नाम " कर्णकला " है; कर्ण अर्थात् एक मण्डलका बुद्धिकल्पित सिरा, वहां आकर सूर्य कला अर्थात् एक २ अंश में बाहर निकल कर वा अंदर आकर दूसरे मंडल के सिरे–अंत तक पहुंच जाता है उसे " कर्णकला गति " कहते हैं. A name given to the apparent motion of the sun from one point to another. सू० प० १;

कराणंतेउर. पुं० (कन्यांतःपुर) કન્યાનું અન્તઃપુર; રાજકન્યાઓને રહેવાનું સ્થાન. कन्या का अन्त पुर; राज कन्या के रहने का स्थान. An apartment for royal girls नाया० १६;

कराणगा. स्त्री० (कन्यका) કુમારિકા; કન્યા. कुमारी; कन्या. A girl unmarried; a girl. नाया० ८;

कराणतिय. पुं० (-कर्णत्रिक) એક જાતનો પાંખવાળો ઉડતો ચોઇંદ્રિય જીવ. एक जाति का पंखों वाला उड़ता चार इंद्रिय जीव. A kind of four-sensed insect with wings. पन्न० १;

कराणपाउरण. पुं० (कर्णप्रावरण) લવણ સમુદ્રમાં સાતસો જોજન ઉપર આવેલ કર્ણ પ્રાવરણ નામનો એક અંતર દ્વીપ. लवण समुद्र में सातसौ योजन ऊपर स्थित कर्ण प्रावरण नामक एक अंतर द्वीप. Name of an island in Lavaṇa Samudra at a distance of 700 Yojanas from the shore. ठा० ४, २; (२) તે અંતર દ્વીપમાં રહેનારા મનુષ્યો. उस अंतर द्वीप में रहने वाला मनुष्य. an inhabitant of any of the islands called Antara Dvīpas. पन्न० १;

कराणलोयण पुं० (कर्णलोचन) સતભિશક નક્ષત્રના ગોત્રનું નામ. सतभिषक नक्षत्र के गोत्र का नाम. Name of the family of the constellation Satabhiśaka. सू० प० १०;

कराणा. स्त्री० (कन्या) કન્યા; પુત્રી. कन्या; लड़की. A girl; a daughter. उत्त० २२, २८; नाया० १६; पंचा० १, ११;

करिणा-या. स्त्री० (कर्णिका) ખુણો. कोना. A corner. जं० प० (२) કમલનો બીજકોશ; કમલનો મધ્યભાગ. कमल का मध्य भाग; कमल का बीज कोष. pericarp of a lotus; the middle part of a lotus. भग० ११, २; पन्न० १; २; जं० प० ओव० ४२; जीवा० ३, १; कप्प० ३, ४४; (३) એક જાતની વનસ્પતિ. एक जाति की वनस्पति. a kind of vegetation. भग० ११, ७; (४) કાનની વારી. कान की बाली an ear-ring. ओव० ४२; (५) છત્રનો અન્દરનો ભાગ. छत्र का भीतरी भाग. the inner part of an umbrella. राय० १२२;

करिणयार. पुं० (कर्णिकार) કણેરનું ઝાડ. कनेर का झाड़. Name of a tree. (२) न० કર્ણિકારનું ફુલ. कर्णिकार का पुष्प. a flower of this tree. पन्न० १७; भग० १४, १०; नाया० ६;

कराणीरह. पुं० (कर्णीरथ) એક પ્રકારનો વિશિષ્ટ રથ કે જે ખાસ ઋદ્ધિમંત માણસોને ત્યાંજ હોય તે. एक प्रकार का प्रधान रथ. जो

प्रायः श्रद्धिशाली मनुष्यों के यहां ही होता है. A particular kind of chariot possessed only by wealthy people. नाया० ३; —प्पयाय. त्रि० (-प्रयात) श्रीमंताईना चिन्ह वाला रथमां बेसी आव जाव करनार. श्रीमंताई के चिन्ह वाले रथ में बैठ गमनागमन करने वाला. one who drives in a chariot which is a mark of prosperity. "करणी रहप्पयायावि होत्था" नाया० ३;

कराह. पुं० (कृष्ण) कृष्ण वासुदेव. कृष्ण वासुदेव. Kriṣṇa Vāsudeva. पन्न० १; उत्त० ३६, ६८; सम० १०; नाया० ५; प्रव० ८६२; (२) कृष्ण नामना एक परिव्राजक संन्यासी. कृष्ण नामक एक परिव्राजक सन्यासी. name of a mendicant saint. ओव० ३८; (३) अत्यंत काळा रंगना कर्म पुद्गलने योगे थता अत्यंत मलिन परिणाम. अत्यंत काले रंगके कर्म पुद्गलोंके योग से होता हुआ महा मलिन परिणाम. very dark consequence resulting from very dark Karma सम० ६; (४) पांचमां बळदेव वासुदेवना पूर्वभवना धर्माचार्य. पांचवे बलदेव-वासुदेव के पूर्व भव के धर्माचार्य. name of the religious preceptor of the previous birth of the 5th Baladeva-Vāsudeva. सम० प० २३६; (५) काळो रंग. काला रंग. black colour जीवा ३; (६) कृष्ण नामनी वेल. कृष्णा नाम की बेल-लता. name of a creeper पन्न० १; (७) काळी तुलसी. काली तुलसी. the black holy basil. पन्न० १; (८) एक प्रकारनो कृष्ण नामनो कंद. एक जातिका कृष्ण नामका कंद. name of a kind of bulbous root. पन्न० १; (९) स्त्री० छ लेश्यामांनी कृष्ण नामनी पहेली लेश्या. छः लेश्याओं में से कृष्ण नाम की प्रथम लेश्या. the first (viz black) of the six kinds of Leśyā. पन्न० १७; (१०) निरयावलिकाना चोथा अध्ययननुं नाम. निरयावलिका के चौथे अध्याय का नाम. name of the fourth chapter of Nirayāvalikā. निर० १, १; —कंद. पुं० (-कन्द) एक जातनी कृष्णकंद नामनी साधारण वनस्पति. एक जाति की कृष्णकंद नाम की एक साधारण वनस्पति. a kind of bulbous root called also Kriṣṇakanda. उत्त० ३६, ६८; जीवा० १; पन्न० १; —जीव. पुं० (-जीव) कृष्ण वासुदेवनो जीव. कृष्ण वासुदेव का जीव. the life of Kriṣṇa Vāsudeo. प्रव० ४७३; —पक्खिअ-य. पुं० (-पाक्षिक = कृष्णपक्षोऽस्यास्तीति कृष्णपाक्षिकः) जेने अर्द्ध पुद्गल परावर्तन करतां वधारे संसारमां परिभ्रमण करवानुं होय ते जीव. जिसे अर्द्ध पुद्गल परावर्तन काल से भी अधिक संसार में रुलना-भ्रमण करना है वह जीव. a soul that has to wander in worldly existence longer than the time required for Ardha Pudgala Parāvartana. दसा० ६, १; भग० १३, १; २६, १; ३१, २८; ठा० १, १; —लेसा. स्त्री० (-लेश्या) कृष्ण लेश्या नामनी पहेली लेश्या. कृष्ण लेश्या नाम की प्रथम लेश्या. the first of the Leśyās called the black Leśyā. जीवा० १; ४, ५; —लेस्स. त्रि० (-लेश्य) कृष्ण लेश्यावाळो. कृष्ण लेश्या वाला. with black Leśyā (i. e. thought-colour or matter colour). भग० २५, १; २६, २२. ठा० २, १; —लेस्सा.

स्त्री० (-लेश्या) કૃષ્ણલેશ્યા. कृष्ण लेश्या. the black Leśyā (i. e. thought -tint or matter-tint). भग० २५, ६; —वासुदेव. पुं० (-वासुदेव) કૃષ્ણ વાસુદેવ; ચાલુ અવસર્પિણીના નવમાં વાસુદેવ. कृष्ण वासुदेव; वर्तमान अवसर्पिणी काल के नौवें वासुदेव. Krisṇa Vāsudeva; the 9th Vāsudeva of the current Avasarpiṇī. नाया० ४, १६; —सप्प. पुं० (-सर्प) કાળો સરપ. काला सर्प. a black serpent. नाया० ८; (२) રાહુ દેવનું નામ. राहु देव का नाम. name of the god Rāhu. भग० १२, ६; सू० प० १६; —सीहासण. न० (-सिंहासन) કૃષ્ણનું સિંહાસન. कृष्ण का सिंहासन. tho throne of Krisṇa. नाया० ध० १०;

कराहदराल. पुं० (कृष्णदराल) એક જાતની વનસ્પતિ. एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation. भग० २१, ८;

कराहदीवायरा. पुं० (कृष्णद्वैपायन) એ નામના એક બ્રાહ્મણ સંન્યાસી. इस नाम का एक ब्राह्मण संन्यासी. Name of a Brāhmaṇa ascetic. ओव० ३८;

कराहपरिव्वायग. पुं० (कृष्णपरिव्राजक) નારાયણની ભક્તિ કરનાર પરિવ્રાજક. नारायण की भक्ति करनेवाला परिव्राजक. An ascetic worshipping Nārāyaṇa. ओव० ३८;

कराहराइ. स्त्री० (कृष्णराजि) પાંચમાં દેવલોક ઉપર જમીનની ફાટ જેવી લોકાંતિક દેવતાના વિમાનને ફરતી કાળી રેખાઓ છે તે; કૃષ્ણરાજી. पांचवें देवलोक के ऊपर देवताओं के विमान के आसपास पृथ्वी की दरज जैसी काली रेखाएं; कृष्णराजी. The black lines (resembling the cracks in the ground) surrounding the abodes of Lokāntika gods in the 5th Devaloka. आया० २, १५, १७१; भग० ६, ५; ८; ठा० ८, १; प्रव० ६३; १४२५; (ઈશાનેન્દ્રની બીજી પટ્ટરાણીનું નામ. ईशान इंद्र की द्वितीय पट्टरानी का नाम. the other name of the principal queen of Īśānendra. भग० १०, ५;

कराहराई. स्त्री० (कृष्णरात्रि) કૃષ્ણરાત્રી દેવી. कृष्णरात्री देवी. The goddess Krisṇa Ratrī. नाया० ध० १०,

कराहवडिंसय विमान. न० (कृष्णावतंसक विमान) કૃષ્ણાવતંસ નામનો વિમાન. कृष्णावतंस नामक विमान. Name of a heavenly abode. नाया० ध० १०;

कराहसिरी. स्त्री० (कृष्णश्री) કૃષ્ણશ્રી નામની એક સ્ત્રી. कृष्णश्री नामकी एक स्त्री. Name of a woman. विवा० ६;

कराहा. स्त्री० (कृष्णा) ઇશાનેન્દ્રની કૃષ્ણાનામની રાણી. इशान इंद्र की कृष्णा नाम की रानी. Name of a queen of Īśānendra. ठा० ४, २; भग० १०, ५; (२) કૃષ્ણા નામની દેવી. कृष्णा नाम की देवी. name of a goddess. नाया० ध० ६; (३) કૃષ્ણા નામની નદી. कृष्णा नाम की नदी. name of a river. पिं० नि० ५०३; (४) શ્રેણિક રાજાની એક રાણી કે જે મહાવીર સ્વામી પાસે દીક્ષા લઇ, મહાસિંહનિક્રીડિત નામનું તપ આચરી, અગીઆર વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી એક માસનો સંથારો કરી સિધ્ધ થઇ. श्रेणिक राजा की रानी, जिसने महावीर स्वामी के पास दीक्षा लेकर महासिंहनिक्रीडित नाम का तप किया और ग्यारह वर्ष की प्रवज्या पाल एक मास का संथारा कर मोक्ष को प्राप्त हुई.

— कण्हराई — कृष्णराजी. —
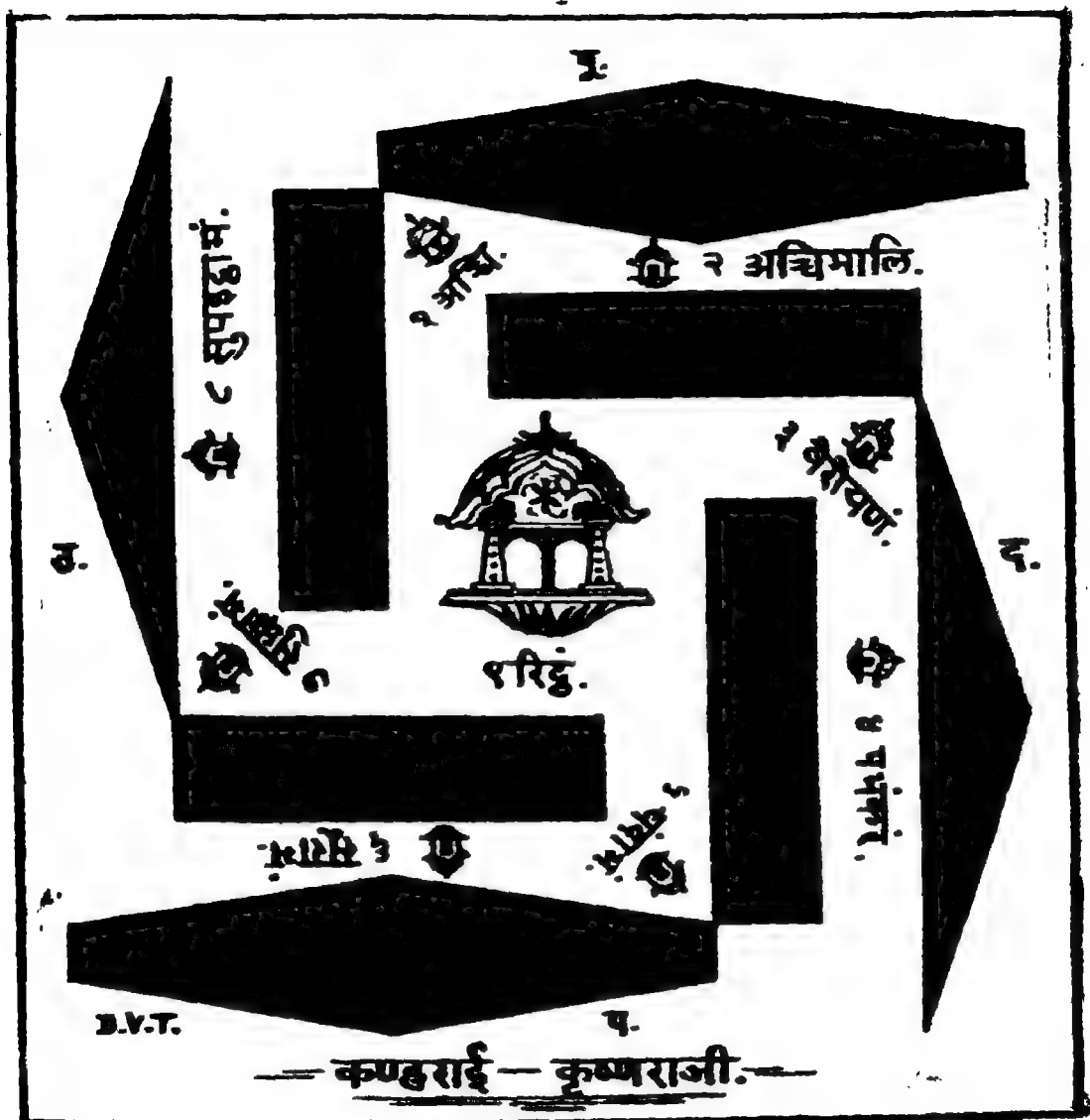
name of a queen of King Śreṇika, who took Dīkṣā from Mahāvīra Swāmī and having practised the austerity known as Mahāsiṅha-Nikrīdita, and having practised asceticism for 11 years, became Siddha after one month's Santhārā. अंत० ८,४;(५) અંતગડસૂત્રના આઠમા વર્ગના ચોથા અધ્યયનનું નામ. अंतगडसूत्र के आठवें वर्ग के चौथे अध्ययन का नाम. name of the 4th chapter of the 8th section of Antagaḍa. अंत० ८, ४; (६) ૭ લેશ્યામાંની પ્રથમ કૃષ્ણલેશ્યા. छः लेश्याओं में से प्रथम की कृष्ण लेश्या. name of the black Leśyā. (७) વિજયપુર નગરના વાસવદત્ત રાજાની રાણીનું નામ. विजयपुर नगर के वासवदत्त राजा की रानी का नाम. name of the queen of king Vāsavadatta of Vijayapura city. विवा० २, ४;

कराहादेवी. स्त्री० (कृष्णादेवी) કૃષ્ણાદેવી. कृष्णादेवी. Name of Kriṣṇādevi. नाया० ध० १०;

कराहुइ. अ० (क्वचित्) કયાંય પણ; કોઇ પણ સ્થાને. कहीं भी; किसी भी स्थानपर. Somewhere; in any place whatever. उत्त० १, ७; २, ४६; दसा० १०, ७;

—**रहस्सिय.** त्रि० (–राहस्यिक) કોઇ એક કાર્યમાં રહસ્ય રાખનાર. किसी भी कार्य में रहस्य रखने वाला. one who keeps secrecy in some work or other. सूय० २, २, २१;

कतर. त्रि० (कतर) બે કે ઘણામાંનો કયો ? दोमेंसे अथवा बहुतोंमें से कौनसा ? Which of two or more than two. अणुजो० ८८; दस० ६, ४, १;

कता. अ० (कदा) કયારે. कब ? When. सू० प० १२;

कति. त्रि० (कृतिन्) સુકૃતી; સદાચારી. सुकृत्य करने वाला; सदाचारी; पुण्यात्मा. (One) whose actions are good. सू० प० २, १, ६०;

कति. त्रि० (कति) કેટલા પ્રકારનું. कितनी तरह का ? Of how many sorts. जं० प० ६, १२५; ७, १५८; ७, १४६; पन्न० १४; नाया० १; भग० १, ४; २, २;

—**भाग.** पुं० (–भाग) કેટલામો ભાગ. कौनसा हिस्सा ? what division or part. भग० १, १;

—**संचिय.** त्रि० (–संचित) સંખ્યાથી ગણી શકાય તે. संख्या द्वारा गिना जा सके वह numerically calculable. ठा० ३, १; भग० २०, १०;

√**कत्त.** धा० I. (कृन्त्) કાતરવું. काटना. To cut. (२) પીડવું. पीडा देना. to afflict.

कत्ताहि. पराह० १, १;

किच्चइ. क० वा० सूय० १, २, १, ७; १, ६, ४; उत्त० ४, ३;

किच्चंति. सूय० १, ३, ४, १८;

√**कत्त.** धा० I. (कन्त्) કાંતવું. कातना. To spin cotton.

कत्तंत. व० कृ० पिं० नि० ५७४;

कत्तण. त्रि० (कर्त्तन) કાપનાર; છેદનાર. काटनेवाला; छेदनेवाला. One that cuts. ओव० ३४;

कत्तर. न० (कर्त्तर) કાતરવાનું સાધન; કાતર. कतरने का साधन; कैंची. A pair of scissors. उवा० २, ६४;

कत्तवीरिय. पुं० (कार्तवीर्य) ભરતના આ ચોવીસી ના આઠમાં ચક્રવર્તિના પિતાનું નામ.

भारत के वर्तमान चौवीसी के आठवें चक्रवर्ति के पिता का नाम. Name of the father of the 8th Chakravarti of the present cycle. सम०प०२३४;

कत्तार. त्रि० (कर्त्ता कर्तृ) કરનાર; કર્તા. कर्ता; करने वाला (One) who does or makes. भग० २०, २; विशे० १७५; २११२; अणुजो० १२८; पिं० नि० १७३; पंचा० ८, ७; **—अभाव.** पुं० (-अभाव) કર્તાનો અભાવ. कर्ताका अभाव. absence of a doer or maker विशे० २१६;

कत्ति. स्त्री० (कृत्ति) ચર્મ; ચામડું. चमडा; चर्म. Leather. ओघ० नि० ३६;

कत्तिअ-य. पुं० (कार्तिक-कृत्तिका नक्षत्रेण युक्ता पौर्णमासी कार्तिकी साऽस्यस्मिन्निति कार्तिकः) કાર્તિક માસ. कार्तिक मास. The month of Kārtika. जं० प० ७, १५१; ओघ० नि० २८५; सम० २६; उत्त० २६, १६; कप्प० ५, १२३; ६, १७०; नाया० ५; भग० १८, १०; (२) હસ્તિનાપુર નગરના રહેવાસી કાર્તિક શેઠ કે જેણે મુનિસુવ્રત પ્રભુની પાસે પોતાના એક હજાર મુનિમની સાથે દીક્ષા લીધી. દીક્ષા પાળી પહેલા દેવલોકના ઇંદ્રપણે ઉત્પન્ન થયા. हस्तिनापुर नगर का निवासी कार्तिक सेठ जिसने मुनिसुव्रत स्वामी के पास अपने एक हजार मुनीमों के साथ दीक्षा ली और दीक्षा पाल कर प्रथम देवलोक का इन्द्र बना. name of a merchant of the city of Hastināpura who took Dikṣā from Lord Munisuvrata accompanied with his one thousand agents. He practised asceticism and was born as the Indra of the first Devaloka. भग० १८, २; निर० ३, १; (३) જમ્બુદ્વીપના ભરતખણ્ડમાં થનાર છઠ્ઠા તીર્થંકરના પૂર્વભવનું નામ. जम्बुद्वीप के भरतखंड में होनेवाले छट्ठे तीर्थंकर के पूर्वभव का नाम. name of the previous birth of the future would-be 6th Tirthaṅkara of the Bharatakhaṇḍa of Jambu Dvīpa. सम० प० २४१; (४) કાર્તિક નામનો માણસ. कार्तिक नाम का मनुष्य. name of a man. अणुजो० १३१; **—अणगार.** पुं० (-अनगार) કાર્તિક નામના સાધુ. कार्तिक नाम का साधु. an ascetic so named. भग० १८, २; **—चाउम्मासिय.** त्रि० (-चातुर्मासिक) કાર્તિક ચોમાસા સંબન્ધી. कार्तिक चातुर्मास संबन्धी. the monsoon season of the month of Kārtika. भग० १५, १; नाया० ५; **—पाडिवय.** पुं० (-प्रतिपद्) કાર્તિક સુદ ૧૫ પછીનો પાડવો તે; કાર્તિક વદ ૧. कार्तिक शुक्ला १५ के पश्चात् की पडवा; मगसर वद १. the first day of the dark half of the month of Mārgaśīrṣa. निसी० १६, १२;

कत्तिया. स्त्री० (कर्त्तिका-कर्तरी) કાતર. कैंची. A pair of scissors सू० च० १० ७३;

कत्तिआ-या. स्त्री० (कृत्तिका) કૃત્તિકા નક્ષત્ર. कृत्तिका नक्षत्र. The constellation Krittikā. जं० प० ७, १५५; सू० प० १, ११; सम० ६; ठा० २, ३;

कत्तिआरक्खिअ. पुं० (कृत्तिकारक्षित) કૃત્તિકારક્ષિત નામનો પુરુષ. कृत्तिकारक्षित नाम का मनुष्य. A man so named. अणुजो० १३१;

कत्तिगी स्त्री० (कार्तिकी) કાર્તિક માસની પુનેમ. कार्तिक मास की पूर्णिमा. The

full-moon day of the month of Kārtika. जं० प० ७, १६१;

कत्तो. अ० (कुतस्) કયાંથી. कहां से ? Whence. संथा० ४८; सूय० १, १, १, १४; पन्न० ६; विवा० ६; विशे० १४०;

कत्तोच्च. त्रि० (कुतस्त्य) કયાંનો; કયા સ્થાનનો; કયા ગામનો. कहां का ? किस स्थान का ? किस ग्राम का ? Of what place or country. पिं० नि० १६८;

कत्तोच्चय. अ० (कौतस्त्यक) કયાંથી. कहांसे ? Whence. विशे० १०१६;

√कत्थ. धा० I. (कथ) કહેવું. कहना. To say; to tell.

कत्थइ. नंदी० ४७;

कत्थ. अ० (कुत्र) કયાં ? કઇ બાજુએ. कहां ? किस ओर ? Where; on what side. सु० च० १, १८; जं० प० विशे० १३३; सू० प० २०,

कत्थ. त्रि० (कथ्य) કથા યોગ્ય (शास्त्र) नाया वगेरे कथा, इतिहासादि हों वह; ज्ञाता आदि शास्त्र. (Nāyā and other scriptures) including stories and historical matter. ठा० ४, ४; जीवा० ३, ४; जं० प० राय० १३१; -गेय न० (-गेय) કથાને યોગ્ય ગેય. कथा के योग्य गायन a narrative song. राय० १३१;

कत्थइ. अ० (कुत्रचित्) કયાંયપણ; કોઇપણ ઠેકાણે. कहीं भी; किसी भी स्थान पर. In any place whatever. विशे० २६८, ३८८; ५४१; ओव० १७; भग० ३, २; १५, १; ४०, १; नाया० २; ६, १६; प्रव० ६७४; विवा० ४;

कत्थवि. अ० (कुत्रापि) કયાંયપણ. कहीं भी? In any place whatever. भग० १५, १.

√कद्-अत्थ. धा० I, II. (कदर्थ) કદર્થના કરવી; દુઃખ દેવું. दुख देना; कष्ट पहुंचाना. To give pain to

कयत्थेइ. सु० च० १२, ५४;

कदंब. न० (कदम्ब) કદમ્બનું ઝાડ. कदम्ब का झाड. A kind of a tree. नाया० १; —पुप्फग. न० (-पुष्पक) કદંબના ઝાડનું પુષ્પ ફૂલ. कदम्ब के झाड का फल और फूल. a flower of the Kadamba tree. नाया० १;

कदलि. पुं० (कदली) કેળનું ઝાડ. केले का झाड.The plantain tree.भग०२२,१;

कदाइ. अ० (कदाचित्) કદાચિત્; કયારેક. कदाचित्; किसी समय. At some time; perhaps. भग० २, १; ६, ३३;

कदापि अ० (कदापि) કયારેપણ; કોઇ-પણ વખતે. कभी भी किसीभी समय. At some time; at any time भग० १५, १;

कद्दम. पुं० (कर्दम) કીચડ; કાદવ काचड़. Mud. " अयइट्ठनिसु भिरणकालिय पगलियरुहिर कयभूमि कद्दमयचिक्खल्लपहे " पराह० १, ३; १, ४; ओव० ३८; पिं० नि० २५३; ठा० ४, २; जीवा० ३, ४; नाया० १; भग० ६, १; ७, ६; प्रव० ८५७; क० गं० १, २०; —उदअ. न० (-उदक) કાદવ-વાળું પાણી. काचडमय पानी. mud with water in it. ठा० ४, ३;

कद्दमअ. पुं० (कर्दमक) અનુવેલંધર દેવતાના બીજા રાજાનું નામ. अनुवेलंधर देवता के दूसरे राजा का नाम Name of the 2nd king of the Anuvelandhara gods. जीवा० ३, ४; भग० ३, ७;

कनककंत. त्रि० (कनककान्त) સોનેરી વરખ; સોનાજેવા દેખાવનો પદાર્થ. सुनहरी वरक; सुवर्ण सरीखा बनावटी पदार्थ (Anything)

of the lustre of gold. आया० २, ५, १, १४५;

कन्न. पुं० (कर्ण) જુઓ " कराण " શબ્દ. देखो " कराण " शब्द. Vide " कराण " सम० ११; आया० २, ३, २, १२१; पिं० नि० ५५३; ५६१; दस० ८, २०; —**धार.** पुं० (-धार) જુઓ " कराणधार " શબ્દ. देखो " कराणधार " शब्द. vide " कराणधार. " सु० च० ३, १६४; —**पावरण.** पुं० (-प्रावरण) ગજરો; કાનનું ભૂષણ. गजरा; कान का गहना. an ornament for the ear; an ear-rings. प्रव० १५४०; —**मल.** पुं० (-मल) જુઓ " कराणमल " શબ્દ देखो " कराणमल " शब्द. vide "कराणमल" तंदु०—**सर.** पुं० (-शर) કાનને બાણજેવું લાગે તે. कानों को तीर के समान लगने वाला. anything striking the ears as an arrow strikes the body (e. g. harsh words). दस० ६, ३, ६; —**सोक्ख.** न० (-सौख्य) કાનને સુખરૂપ कानों को सुखदाई. anything delightful to the ears. दस० ८, २६;

कन्नगा. स्त्री० (कन्यका) કુમારિકા. कुमारी; लड़की. A girl; a daughter. सु० च० १४, ८; ठा० ७, १; निर० ५, १;

कन्ना. स्त्री० (कन्या) જુઓ " कराणा " શબ્દ. देखो " कराणा " शब्द. Vide " कराणा " सु० च० २, ४६५; दस० ६, ३, १३;

कन्नालीय. पुं० न० (न्यालीक) કન્યા આશ્રી જુઠું બોલવું તે; નવ વરસની હોય અને ૧૫ વરસની છે એમ કહેવું તે. कन्या के कारण झूंठ बोलना; नौ वर्षकी हो और १५ वर्षकी बताना A lie spoken for a girl; saying that a girl is of 15 years when she is only nine years old. परह० १, २;

कन्निया. स्त्री० (कर्णिका) જુઓ " कणियाया " શબ્દ. देखो " कणियाया " शब्द. Vide " कणियाया ". नंदी० ७;

कन्ह. पुं० (कृष्ण) જુઓ " कराह " શબ્દ. देखो " कराह " शब्द. Vide " कराह " अंत० १, १; प्रव० ११०;

कपिंजल. पुं० (कपिञ्जल) કપિંજલ પક્ષી. कपिंजल पक्षी. A kind of bird. दसा० ६, ४; आया० ६, १०, १६६;

कपित्थ. न० (कपित्थ) કોઠું; કોઠ. कबीट; फल विशेष. The wood-apple tree. अणुजो० १३१;

कपिल. पुं० (कपिल) ધાતકી ખંડમાંના ભરત ખંડની ચંપા નગરીના કપિલ નામના વાસુદેવ. धातकी खंडान्तर्गत भरतखंड की चम्पा नगरी के कपिल नाम के वासुदेव. Name of the Vāsudeva of the city of Champā on the Dhātakī-khanda. नाया० १६;

कपिहसिय. न० (कपिहसित) વાંદરાના દાંત-વાળી પેઠે વાદળાં વગર આકાશમાં વિજળી થાય તે. आकाश में बिनाही मेघों के बंदर के दांतों (कपिहसित) की तरह विद्युत का होना. Lightning in the sky resembling the teeth of a monkey without there being any sign of clouds. भग० ३, ७;

कपोत. पुं० (कपोत) કબુતર; પારેવું. कबूतर. A dove; a pigeon. दसा० ६, ४;

√**कप्प.** धा० II. (कृत्) કાપવું; છેદવું; ખપવું; સમર્થ થવું; ઉત્પન્ન કરવું. काटना; छेदना; खपना; समर्थ होना. उत्पन्न करना. To cut.

कप्पइ. नाया० १;

कप्पेइ. सूय० २, २, ४५; भग० ६, ३३;
कप्पेंति. सूय० नि० १, ५, १, ७४;
कप्पंति. सूय० ४, ११४;
कप्पेज्ज. निसी० ३, ४२;
कप्पेहि. नाया० १;
कप्पेह. भग० ६, ३३;
कप्पेत्ता. सं० कृ० ५, ११४;
कप्पेमाण. व० कृ० २; ३६;
कप्पावेइ. प्रे० क० वा० सु० च० १३, ६८;

कप्प. पुं० (**कल्प**) કલ્પ; યોગ્ય; ઉચિત, योग्य; उचित. Anything that is worthy or proper. उत्त० ३२, १०४; वव० १, २२; २, २७; ४, १५; विवा० १; उवा० १, ७०; (२) આચાર. आचार. a sacred precept or rule. जं० प० ५, ११५; वेय० ४, १४; वव० ५, ११; ६, २; १६; भग० ३, ८; २५, ४; ओव० १७; आया० १, ३, ३, ११७; १, ६, ३, १८५; कप्प० ५, ११८; पंचा० ६, २१; ११, २७; १५, ४०; (३) કલ્પશાસ્ત્ર; વેદધર્મની વિધિ બતાવનાર એક ધર્મશાસ્ત્ર. कल्पशास्त्र; वेदधर्म की विधि बतानेवाला एक धर्मशास्त्र. Kalpa Śāstra. भग० २, १; ५, ४; विशे० ६; कप्प० १, ६; (४) ઓઢવાની પછેડી; સાધુનું એક ઉપકરણ. पछेवडी; चादर; साधु का एक उपकरण. a kind of scarf. पिं० नि० भा० ४६; प्रव० २५६; ५१४; (५) કલ્પનામનો દ્વીપ અને સમુદ્ર. कल्प नाम का समुद्र और द्वीप. an ocean and an island named Kalpa. जीवा० ३, ४; (६) એ નામનું આચારની મર્યાદા બતાવનાર કાલિક સૂત્ર. इस नामका आचारकी मर्यादा दिखानेवाला कालिक सूत्र. a Kālika Sūtra so named explaining the scriptural rules of conduct, knowledge etc. नंदी० ४३; (७) હિન્દુધર્મનું એક શાસ્ત્ર; આચાર વિચાર પ્રતિપાદક શાસ્ત્ર. ब्राह्मण समाचारी का शास्त्र; आचार विचार प्रतिपादक शास्त्र. name of a Brāhmaṇa scripture dealing with ritual. पिं० नि० १७२; ओव० ३८; (८) સૌધર્મ આદિ લોકોના નામવાળા દ્વીપ અને સમુદ્ર. सौधर्म आदि देवलोकों के नाम वाले द्वीप और समुद्र. any of the islands and oceans bearing the names of Devalokas. e. g. Saudharma etc. पन्न० १५; (९) બાર દેવલોક; કલ્પ-રાજનીતિ વગેરે વ્યવહાર જે દેવલોકમાં છે તે દેવલોક. बारह देवलोक; कल्प-राज नीति इत्यादि व्यवहार जिन देवलोकों में है वे देवलोक. the 12 Devalokas; a Devaloka in which there is to be found political organisation etc. जीवा० १, ३, ४; पन्न० २; उत्त० ३, १५; ठा० २, ४; भग० १, २; ५; २, ७; ८, १; राय० १८; प्रव० ८८७; सम० १; कप्प० ५, १२; (१०) સરખા; બરાબર. समान; बराबर. equal to; similar to. पन्न० ३६; पराह० १, ३; उवा० १, ७४; (११) કલ્પવૃક્ષ. कल्पवृक्ष. a desire fulfilling tree; a sacred tree. सु० च० २, ६७;—**अंतर**. न० (**-अन्तर**) દેવલોકાંતર. देवलोकांतर; अन्य देवलोक. another Devaloka. विवा० १०; (२) જિનકલ્પ અને સ્થવિરકલ્પનું અન્તર. जिनकल्प और स्थविरकल्प का भेद. the difference between the Jina-kalpa and Sthavirakalpa. भग० १, ३; —**अंतरिय**. त्रि० (**-अन्तरित**) કલ્પ-પછેડી-ચાદરની અંદર રહેલ. कल्प-पछेवडी—चादर के अंदर रहा हुआ. remaining under the upper garment. प्रव०

६८०; —उवग. पुं० (-उपग) કલ્પ-નિયમ-રાજ્ય કાયદાની હદમાં રહેનાર દેવતા; પહેલા દેવલોકથી બારમા દેવલોક સુધીના વૈમાનિક દેવતા. कल्प-नियम-राजनीति की सीमा में रहनेवाले देवता; प्रथम देवलोक से बाहरवें देवलोक तक के वैमानिक देवता. a god who has not transcended the need of administrative organisation; any of the gods of the heavenly worlds from the first to the twelfth. नाया० १; उत्त० ३६, २०७; भग० २४, २०; पन्न० १५; —उवय. पुं० (-उपग) જુઓ "कप्पावेग" શબ્દ. देखो "कप्पावेग" शब्द. vide "कप्पावेग" भग० ८, १०; —उवरिम. न० (-उपरितन) પાંચમાં દેવલોકના ઉપરના દેવલોક. पांचवें देवलोक के ऊपर का देवलोक the Devaloka situated above the 5th Devaloka. भग० ६, ८; —उववत्तिय. पुं० स्त्री० (-उपपत्तिक) કલ્પ-બાર દેવલોકમાં ઉત્પન્ન થયેલ વૈમાનિક દેવતા. कल्प-१२ देवलोक में उत्पन्न हुए वैमानिक देवता. a deity of the heavenly worlds 12 in number. भग० १, ८; —उववन्नग. पुं० (-उपपन्नक) જુઓ "कप्पोवग" શબ્દ देखो "कप्पोवग" शब्द. vide "कप्पोवग" जं० प० ७, १४०; ठा० २, २; —काल. पुं० (-काल) ઘણો વખત; ચિર કાલ. बहुत समय; चिरकाल. long time. सूय० १, १, ३; १६; —ग्गहण. न० (-ग्रहण) ચાદર વગેરે વસ્ત્રોનું ગ્રહણ કરવું તે. चादर आदि वस्त्रों को ग्रहण करना. accepting of clothes. प्रव० ५२५; —जुअ. (-युक्त) પછેડી વગેરે કપડાથી યુક્ત चादर इत्यादि वस्त्रों के सहित. possessed of upper garment etc. प्रव० ५०२; —तिग. न० (-त्रिक) ત્રણ પછેડી ત્રણ ચાદર. तीन चादर; तीन पछेवडी. three upper garments (used by ascetics). प्रव० ५०२; ५२१; —दुग. न० (-द्विक) બે પછેડી; બે ચાદર. दो चादर; दो पछेवडी. two upper garments (of an ascetic). प्रव० ५०२; क० गं० ३, ११; —महद्दुम. पुं० (-महाद्रुम) કલ્પદ્રુમનું મોટું વૃક્ષ. कल्पद्रुम का महान् वृक्ष. the big holy tree known as Kalpadruma. प्रव० १०३६; —समत्ति. स्त्री० (-समाप्ति) કલ્પની-પરિહાર તપની સમાપ્તિ. कल्पकी-परिहार तपकी समाप्ति. conclusion, end of the austerity known as Parihāra. प्रव० ६१७;

कप्पट्ठ. पुं० (कल्पस्थ) બાલક. बालक. A child. पिं० नि० २८७; पंचा० १५, ३१; प्रव० ४८८;

कप्पट्ठिइ. स्त्री० (कल्पस्थिति) સાધુ સમાચારીની સ્થિતિ-મર્યાદા साधु समाचारीकी स्थिति मर्य्यादा. Practice of ascetic scriptural rules by a Sādhu. वेय० ६, २०;

कप्पट्ठिय. पुं० (कल्पस्थित) કલ્પસ્થિત સમાચારીની મર્યાદામાં રહેલ મુનિ. कल्पस्थित समाचारी की मर्यादा में रहा हुआ मुनि. An ascetic observing scriptural rules. विशे० १२७५; प्रव० ६१३; —तव. न० (-तपस्) કલ્પસ્થિત-વાચનાચાર્ય ૭ માસ પર્યન્ત પરિહારિક નામનું તપ કરે તે (તપ). कल्पस्थित वाचनाचार्य छः माह तक परिहारक नामका तप करते हैं वह (तप). a kind of austerity named Parihārika; practised

for six months by Vāchanāchārya; a kind of austerity. प्रव० ६१५;

कप्पड. पुं० (कर्पट) લુગડાને વળ દઇને બનાવેલ ગોટો. वस्त्र को बट देकर बनाया हुवा गेंद. A cloth twisted into the shape of a ball. पराह० १, ३; प्रव० ४४०;

कप्पडिय. पुं० (कार्पटिक) કાપડી; કાવડ લઇ ભિક્ષા માગનાર. कावड़ लेकर भिक्षा मांगने वाला. A mendicant begging alms with a balancing lath on his shoulder. पिं० नि० १२७; विवा० ७; नाया० ८;

कप्पण. न० (कल्पन) છેદવું. काटना; छेदना. Act of cutting. सु० च० १३, १; सूय० नि० १, ५, १, ७५;

कप्पणा. स्त्री० (कल्पना) કલ્પના; સંભાવના. खयाल; कल्पना; संभावना. Imagination; act of imagining a thing as probable. विशे० १६; ११७; १७३२; भग० ७, ६;

कप्पणिज्ज. त्रि० (कल्पनीय) ઉદ્ગમાદિ દોષરહિત; કલ્પનું उद्गमादि दोष रहित; लेने योग्य. Free from any fault (objection); acceptable. पंचा० १, ३१;

कप्पणी स्त्री० (कप्पनी–कल्प्यते छिद्यते यया सा कल्पनी.) કાતર; છુરી. कैंची; छुरा. A pair of scissors; a knife. "खुरेहिं तिक्खधाराहिं छुरियाहिं कप्पणीहि या कप्पिओ फालिओ छिन्नो, उक्कत्तोयअणेगसो" उत्त० १६, ६३; जं० प० पराह० १, १; विवा० ४; —**कप्पिय**. न० (–कल्पित) કાતરે કાપેલું. कैंची से कटा हुआ. cut with scissors; विवा० ८;

कप्पतरु. पुं० (कल्पतरु) કલ્પવૃક્ષ. कल्प वृक्ष. A desire-yielding tree. सु० च० २, ३६६; प्रव० १५६३;

कप्पदुम. पुं० (कल्पद्रुम) કલ્પવૃક્ષ. कल्प वृक्ष. A desire-fulfilling tree; a sacred tree; भत्त० २; प्रव० ८०;

कप्पपायव. पुं० (कल्पपादप) કલ્પવૃક્ષ. कल्पवृक्ष. A desire-yielding tree. सु० च० २, ६७;

कप्परुक्ख. पुं० (कल्पवृक्ष) કલ્પવૃક્ષ; જુગલિયા અને દેવતાને વંછિત ફલ આપનાર ઝાડ. कल्पवृक्ष; युगलिया और देवताओं को वांछित फल देने वाला झाड. A deire-yielding tree; a tree furnishing desired objects to Jugaliyās and gods. कप्प० ४, ६२; भत्त० १६७; जं० प० ३, ४३;

कप्परुक्खग. पुं० (कल्पवृक्ष) કલ્પવૃક્ષ. कल्पवृक्ष. A desire yielding tree. जं० प० ५, १२२; भग० ६, ३३;

कप्परुक्खय. पुं० (कल्पवृक्षक) જુઓ "कप्परुक्खग" શબ્દ. देखो "कप्परुक्खग" शब्द. Vide. "कप्परुक्खग" नाया० १;

कप्पवइ. पुं० (कल्पपति) કલ્પવાસી દેવતાના અધિપતિ–ઇંદ્ર कल्पवासि देवताका अधिपति-इंद्र. The lord Indra of Kalpavāsī gods. जं० प० ५, ११५;

कप्पवडिंसिआ. स्त्री० (कल्पावतंसिका) એ નામનું એક કાલિક સૂત્ર. इस नाम का एक कालिक सूत्र. Name of a Kālika Sūtra. जं० प० राय० नंदी० ४३;

कप्पविमाणावास. पुं० (कल्पविमानावास) દેવલોકના એક દેશરૂપ વિમાનમાં નિવાસ. देवलोक के एक देशरूप विमान में निवास. Residence in a heavenly abode named Deśarūpa. ठा० २, ४,

कप्पविमाणोववत्तिया. स्त्री० (कल्पविमानोपपत्तिका) જેથી દેવલોકમાં ઉત્પન્ન થાય

तेनी આચરણા. जिससे देवलोक मे उत्पन्न हो सके ऐसा व्यवहार-आचार. Conduct leading to birth in Devaloka. ठा० १२, ४;

कप्पाईय. पुं० (कल्पातीत) રાજ્યવ્યવસ્થાના નિયમને ઉલ્લંઘી ગયેલ દેવતા; નવગ્રીવેક અને પાંચ અનુત્તર વિમાનના દેવતા. राज्य-व्यवस्था के नियम को उलांघ चुके हुए देव; नवग्रैवेयक और पांच अनुत्तर विमानके देवता. Gods who have transcended the necessity of having administrative organisation; viz. the nine Graiveyaka and the five Anuttara gods. उत्त० ३६, २०७; पन्न० १५;

कप्पाकप्पिय. न० (कल्पाकल्पिक-कल्प आचार: अकल्पोऽविधिः अथवा कल्पो जिनकल्पादिरकल्पश्चरकादिदीक्षा, यद्वा कल्प्यं प्राह्यमकल्प्यच्चान्यत् तत्प्रतिपादकं शास्त्रं कल्पाकल्पिकम्) કલ્પ અકલ્પ દર્શાવનાર એક લૌકિક ધર્મશાસ્ત્ર. कल्प और अकल्प दिखाने वाला एक लौकिक धर्म शास्त्र. A religious scripture showing what is Kalpa and what is not Kalpa. अणुजो० ४१;

कप्पाग. पुं० (कल्पक) એક જગ્યાના ઘણા માલિકોપૈકી એકને મુખ્ય માલિક કલ્પવું તે; સેજાંતરીઓ. एक स्थान के कई मालिकों में से एक को मालिक समझ लेना; शय्यान्तरीय. Designating one among many owners of a place as the principal owner. वेय० २, १२;

कप्पाग. पुं० (कल्पाक) સાધુ. साधु. An ascetic. वव० ४, १५; —**भिक्खु.** पुं० (-भिक्षु) છેદોપસ્થાપનીય ચારિત્ર સ્થાપવા જોગ સાધુ. छेदोपस्थापनीय चारित्र में स्थापने योग्य साधु. an ascetic deserving to re-establish another person (monk or layman) who has temporarily lapsed from right conduct. वव० ४, १३; १४;

कप्पातीत. पुं० (कल्पातीत-कल्पमतीता अतिक्रान्ताः कल्पातीताः) કલ્પાતીત દેવલોકમાં ઉત્પન્ન થયેલ; નવગ્રીવેકથી માંડી પાંચ અનુત્તરવિમાનમાંના દેવતા કે જેને કલ્પ—એટલે રાજનીતિ—વ્યવહારના કાયદાનું બંધન નથી. कल्पातीत देवलोक में उत्पन्न हुए देव; नवग्रैवेयक से लगाकर पांच अनुत्तर विमान के देवता, जिन्हें कल्प अर्थात् राजनीति के व्यवहार—कायदों का बंधन नहीं होता. One born in the heavenly worlds which have transcended the necessity of having administrative organisation. भग० ८, १; १०; २४,२०; (२) સ્થિતિકલ્પ આદિ સાધુના આચારની મર્યાદાને ઉલ્લંઘી ગયેલ-તીર્થંકર કેવલી વગેરે. स्थितिकल्प आदि साधुके आचार की सीमा उलांघे हुए-तीर्थंकर, केवली आदि. a Tīrthaṅkara, a Kevalī etc. who have transcended the necessity of observing scriptural rules prescribed for ascetics. भग० २, ५; ६, ७;

कप्पातीतगवेमाणिय. पुं० (कल्पातीतकवैमानिक) બાર દેવલોકથી ઉપરના દેવલોકમાં ઉત્પન્ન થયેલ વૈમાનિક દેવતા. बारह देवलोंकों के ऊपर के देवलोकों में उत्पन्न हुए वैमानिक देवता. A kind of gods born in a heaven beyond the Kalpa heavens. भग० २४, १२;

कप्पाय. न० (कल्पक) કલ્પ. कल्प. Kalpa. (q. v.) विवा० ३;

कप्पास. पुं० (कार्पास) એક પ્રાચીન લૌકિક મત. एक प्राचीन लौकिक मत. Name of an ancient creed. ओघ० नि० भा० १२; (२) કપાસથી ઉત્પન્ન થતું સૂત્ર. कपास से उत्पन्न होनेवाला सूत. cotton thread. अणुजो० ३७; **—रोम.** न० (-रोमन्) કપાસની રૂંવાટી. कपास के तार-नर्म रेशा. a fibre of cotton. भग० १५, १; **—लोम.** न० (-रोमन्) કપાસ-રની પુંન-રૂંવાટી. कपास-रुई का तार. a cotton fibre. भग० ८, ६; **—वण.** न० (-वन) કપાસનું વન. कपास का बन. a forest of cotton. निसी० ३, १६;

कप्पासत्थि. पुं० (कार्पासास्थि) ત્રણ ઇંદ્રિયવાળો એક કપાસનો જીવ. तीन इंद्रिय वाला एक कपास का जीव. A kind of three-sensed living being found in cotton. पन्न० १; जीवा० १;

कप्पासिअ. पुं० (कार्पासिक) કપાશનો વેપારી कपास का व्योपारी. A cotton-merchant पन्न० १; अणुजो० १३१; (२) એ નામનું કપાસનું બયાન આપનાર એક શાસ્ત્ર. इस नाम का कपास का वर्णन करने वाला एक शास्त्र. name of a science describing the properties of cotton. अणुजो० ४१;

कप्पासी. स्त्री०(-कार्पासी) કપાશમાં રહેનારૂં જીવડું. कपासमें रहने वाला एक कीड़ा. An insect living in cotton. उत्त० ३६, १३५;

कप्पिअ-य. त्रि० (कल्पित) સાધુને લેવા યોગ્ય; સાધુને કલ્પે તેવું. साधु के लेने योग्य; साधु को कल्पनीय. Fit for an ascetic; acceptable to a Sādhu. दस० ६, ४८; (२) ગોઠવેલું; રચેલું; સ્થાપેલું. जमाया हुआ; रचा हुआ; स्थापित किया हुआ. arranged; established. ओव० २७; दसा० १०, १; जं० प० नाया० १; सूय० १, २, ३, १८, कप्प० ४, ६२;

कप्पिअ-य त्रि० (कर्तित) કાપેલું; છેદેલું. काटा हुआ; छेदा हुआ Cut off; broken. जीवा० ३, ४; विवा० ४; उत्त० १६, ६३;

कप्पिअकप्पिअ. पुं० (कल्पाकल्प) ઓગણત્રિશ ઉત્કાલિક સુત્રમાંનું બીજું. २६ उत्कालिक सुत्रों में से २ रा सूत्र. The 2 nd of the 29 Utkālika Sūtras. नंदी० ४३;

कप्पिआ. स्त्री० (कल्पिका) એ નામનું કાલિક સૂત્ર; નિરયાવલિકા અંતર્ગત ઉપાંગ સૂત્ર. इस नामका कालिक सूत्र; निरयावालिका के अंतर्गत उपांग सूत्र. Name of a Kālika Sūtra; the Upānga Sūtras contained in Nirayāvalikā. नंदी० ४३;

कप्पूर. पुं० (कर्पूर) કપૂર. कपूर. Camphor. राय० ५६; नाया० १; १७; जीवा० ३, ४; कप्प० ३, ४३; **—पुड.** पुं० (-पुट) કપૂરનો પડો-પડિકો. कपूर का पुड़ा-पुड़िया. a packet of camphor, नाया० १७;

कप्पोववगगग. पुं० (कल्पोपपन्नक) જુઓ "कप्पोवग" શબ્દ. देखो "कप्पोवग" शब्द. Vide "कप्पोवग" भग० २४, २०; **—वेमाणिय.** पुं० (-वैमानिक) જુઓ "कप्पोवग" શબ્દ देखो "कप्पोवग" शब्द. vide "कप्पोवग" भग० २४, १२;

कबंध. पुं० (कबन्ध) માથાવિનાનું જીવતું ધડ. बिना सिर वाला जाता धड़. A headless trunk with life in it. पराह० १, ३; तंदु०

*कब्बाडिगा. स्त्री० (*) पुत्री; દીકરી. लड़की; कुमारी. A daughter. पिं० नि० ५७६;

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot note (*) p. 15th.

* कयट्ठी. स्त्री. (बालिका) नानी छोकरी. छोटी लडकी. A young girl. पिं० नि० २८५;

कव्वड. न० (कर्बट) नाना गढथी विंटायेलुं शहेर. छोटी दीवार से परिवेष्टित शहर. A city encircled by a low rampart. आया० २, ७, ६, २२२; कप्प० ४, ८८; (२) हलकी वसतीनुं रहेठाण. छोटी वस्ती का स्थान. an abode of mean population. अणुजो० १३१; वेय० १, ६; उत्त० ३० १६; ठा० २, ४;

कव्वडग. पुं० (कर्बटक) कर्बटक नामनो ग्रह. कर्बटक नाम का ग्रह. Name of a planet. ठा० २, ३;

* कभल्ल. न० (*) खप्पर; ठीबडी. खोपडा; खप्पर. The skull; a piece of a broken jar of the shape of a skull. "कभल्ल संठाण संठिए" उवा० २, ६४; अंत० ३, ८; अणुत्त० ३, १;

कम. पुं० (क्रम) क्रम; अनुक्रम; पद्धति; नियमसर. क्रम; अनुक्रम; नियमसर; तरतीब वार. Order; method; serial order. सम० ७; क० प० १, १५; ६६; क० गं० २, ११; ४, ७६; सु० च० १, १; पिं० नि० ६०; नाया० १; ७; १; १६; भग० ५, १; ६, ३; २०, ५; २४, १; ३२, २; प्रव० ३७६; विशे० २; ११०; जं० प० ७,१५७; (२) चरण; पग. पांव; पग; चरण. feet. गच्छा० ३६; —आरद्ध. त्रि० (-आरब्ध) क्रमे करीने आरंभेलुं. क्रमसे प्रारंभ किया हुआ. begun in serial order. क० प० ५,६५; —उक्कम. पुं० (-उत्क्रम) क्रम अने उत्क्रम. क्रम और अनुक्रम. order and serial order. प्रव० १०५८;—जुअल न० (-युगल) क्रम युगल बे पग. क्रम युगल; दो पांव two feet. गच्छा० ३६;—जोग. पुं० (-योग) अनुक्रम-अनुपर्व जोग-व्यापार प्रवृत्ति. क्रमानुसार जोग-व्यापार-प्रवृति. serial order; graded order. दश० ५,१,१;

कमंडलु. न० (कमण्डलु) कमंडलु. कमंडल. A waterpot (earthen or wooden) used by ascetics. नाया० ७१६; भग० ११, ६; १४, ८;

कमकरिया. स्त्री० (कमकरिका) एक जातनुं वाजुंत्र. एक जातका बाजा. A kind of musical instrument. निसी० १७,३५; —सद्द. न० (-शब्द-कमाकिया शब्द-कम कृत शब्द.) वाजुंत्रना शब्द. बाजे का आवाज sound of a musical instrument. निसी० १७, ३५;

कमढग. न० (कमठक) कांसानी कथरोटने आकारे साध्वीने अहार करवानुं तुंबडानुं पात्र; कमंडल. कांसे के पात्र के सदृश साध्वी के आहार करने का तुम्बेका पात्र-कमंडल. A dining vessel of an ascetic made of gourd and having the shape of a bronze pan; an earthen or wooden waterpot of an ascetic. ओघ० नि० ३६, ६७५; वव० २, २७;

कमढय. न० (कमठक) जुओ उपलो शब्द. देखो उपर का शब्द. Vide above. प्रव० ५३६; —जुय. त्रि० (-युत) रोगन वगेरेथी लेपित करेल तुंबडना पात्रथी युक्त. रोगन आदि से लेप किये हुए तुम्बी के पात्र सहित. (one) possessed of a painted vessel made of a dry gourd.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

प्रव० ५३६;

कमण. न० (क्रमण) આક્રમણ કરવું. आक्रमण करना. Attacking. ओव० ३, १;

कमल. पुं० (कमल) કમલ. कमल. A lotus. संत्था० १५; राय० २७; नाया० १; ८; ६; भग० २, १; ६, ३३; विशे० ११०६; (२) એક જાતનો હરણ. एक जाति का मृग. a kind of deer. जं० प० ५, ११५; १२१; अणुजो० १६; ओव० ६३; (३) છઠ્ઠા તીર્થંકરનું લાંછન. छठे तीर्थंकर का चिन्ह-लांछन. the mark (insignia) of the 6th Tīrthaṅkara. प्रव० ३८१; —**आगर.** पुं० (-आकर) કમલવાળું તલાવ. कमलवाला तालाव. a lake with lotuses growing in it. ओव० १३; भग० २, १; अणुजो० १६; —**आयर.** पुं० (-आकर) કમલનાં ઉત્પત્તિસ્થાન; તલાવ સરોવર વગેરે. कमल के उत्पन्न होनेका स्थान. तालाव, सरोवर आदि. a lake etc. where lotuses grow. कप्प० ४, ६०; —**उवम.** त्रि० (-उपम) કમલના સરખું; કમલ જેવું. कमल के सदृश; कमल जैसा. lotus-like; resembling a lotus. विवा० ७; —**ट्ठिय.** त्रि० (-स्थित) કમલ ઉપર રહેલું. कमल पर रहा हुआ. situated on a lotus. कप्प० ३, ४१; —(**ला**)**णयण.** न० (-नयन) કમલના જેવી આંખ. कमल जैसी आंख. an eye like a lotus. नाया० १; —**दल.** न० (-दल) કમલનું પત્ર. कमल का पत्ता. a leaf of a lotus. भत्त० ७८; —**दलक्ख.** त्रि० (-दलाक्ष) કમલની પાંખડી જેવી આંખોવાળું. कमलकी पखडी के समान आंखोंवाला. having eyes like lotus-buds भत्त० ७८; —**वण.** न० (-वन) કમલનું વન. कमलों का वन. the place where lotuses grow abundantly. कप्प० ३, ३६; —**वणालंकरण.** न० (-वनालंकरण) કમલવનના આભૂષણ. कमल बन का आभूषण. the lotus as an ornament of the forest. कप्प० ३, ३६; —(**ला**)**सीहासण.** न० (-सिंहासन) પિશાચના ઇંદ્ર કાળની પટ્ટરાણી-કમલાદેવીનું કમલસિંહાસન નામનું આસન. पिशाचों के इंद्र काल की पट्टरानी कमलादेवी का कमल सिंहासन नाम का आसन. name of the throne of Kamalādevi the crowned queen of Kāla, the Indra of the Piśāchas. नाया० ध० ५;

कमलगाहावइ पुं० (कमलगाथापति) કમલ નામના ગૃહપતિ; ગૃહસ્થ. कमल नाम का एक साहुकार. A merchant-prince so named. नाया० ध० ४;

कमलप्पभा. स्त्री० (कमलप्रभा) પિશાચના મહારાજા કાળની બીજી પટ્ટરાની. पिशाचों के इन्द्र काल की दूसरी पट्टरानी. Name of the second principal queen of the sovereign king of the Piśāchas. ठा० ४, १; भग० १० ५; नाया० ध० ६;

कमलवडिंसयभवण. न० (कमलावतंसकभवन) કમલાવતંસક નામે ભવન. कमलावतंसक नाम का भवन. A celestial abode named Kamalāvataṁsaka. नाया० ध० ५;

कमलसिरी. स्त्री० (कमलश्री) કમલશ્રી નામની રાણી. कमलश्री नाम की रानी. Name of a queen. नाया० २; ८; —**भारिया.** स्त्री० (-भार्या) કમલશ્રી નામની સ્ત્રી. कमलश्री नाम की स्त्री. name of a woman नाया० ध० ६.

कमला. स्त्री० (कमला) पिशायना ઇંદ્ર કાળની પટ્ટરાણી; કમલાદેવી. पिशाच का इंद्र काल की पट्टरानी; कमलादेवी. Kamalādevī, the crowned queen of Kāla, the Indra of the Piśāchas. जं० प० ३, ५७; नाया० ध० ५; ठा० ४, १; भग० १०, ५; **—दारिश्रा.** स्त्री० (—दारिका) કમલા નામની પુત્રી. कमला नाम की लडकी. a daughter of this name. नाया० ध० ५; **—रायहाणी.** स्त्री० (—राजधानी) કમલાદેવીની કમલા નામે રાજધાની. कमलादेवी की कमला नाम की राजधानी. the capital-city named Kamalā of Kamalādevī. नाया० ध० ५;

कमलावई. स्त्री० (कमलावती) ઇષુકાર રાજાની રાણી. इषुकार राजा की राणी. Name of the queen of king Isukāra. उत्त० १४, ३;

कमसो. अ० (क्रमशस्) અનુક્રમથી; ક્રમેકરી. क्रम से; अनुक्रम से. In order; in serial order. विशे० ११०; पिं० नि० ७७; अणुजो० १२८; प्रव० १८; १३४३; क० गं० १, १४; ३०; २, ३०; ५, ८३; क० प० १, १६; ४०; उत्त० १८, ११;

कमा. स्त्री० (कमा) કમાદેવી; ધરણેન્દ્રની અગ્રમહિષીનું નામ. कमादेवी; धरणेंद्रकी अग्रमहिषी का नाम. Kamādevī; the principal queen of Dharaṇedra. नाया० ध०

कमाड. न० (कपाट) કમાડ. किवाड A door. आव० ४, ५;

कमियव्व. त्रि० (क्रमितव्य) આક્રમણ કરવું. आक्रमण करना; हमला करना Attacking; overpowering. नाया० १; भग० ६, ३३;

कम्म. पुं० (कार्मण) કાર્મણ શરીર; પાંચ શરીર માંનું એક. कार्मण शरीर; पांच शरीरों में से एक. Karmic body; one of the five sorts of bodies. भग० १, १; ६, २, १; ८, १; क० गं० ५, ७६; (२) કાર્મણ યોગ; ૧૫ યોગમાંનો એક. कार्मण योग; १५ योगोंमेंसे एक. Kārmaṇa Yoga; one of the 15 Yogas. क० गं० ४, ७; २८; (३) કાર્મણ શરીર યોગ્ય પુદ્ગલ સ્કંધની વર્ગણા-સમુદાય. (३) कार्मण शरीर के योग्य पुद्गल स्कंधों का समूह-समुदाय. a collection of molecules fit for the Kārmaṇa body. क० प० १, १६; **—उरलदुग.** न० (—औदारिकद्विक) કાર્મણ તથા ઔદારિક દ્વિક. कार्मण तथा औदारिक द्विक-युग्म. a pair of Kārmaṇa or physical bodies. क० गं० ४, ३०; **—पोग्गलपरियट्ट.** न० (—पुद्गलपरिवर्त) એક જીવ જેટલા વખતમાં લોકનાં તમામ પુદ્ગલોને કાર્મણ શરીર પણે લઇને પરિણમાવીને છોડે તેટલો વખત-કાલનો એક વિભાગ. एक जीव जितने समय में लोक के तमाम पुद्गलों को कार्मण शरीर द्वारा लेकर और परीणमाकर छोडता है उतना समय; काल का एक विभाग. a certain division of time. भग० १२, ४;

कम्म. पुं० (कर्मन्) ઉત્ક્ષેપણ, અવક્ષેપણ, આકુંચન, પ્રસારણ, ગમન, એ પાંચ કર્મોમાંનું ગમેતે એક કર્મ. उत्क्षेपण, अवक्षेपण, आकुञ्चन, प्रसारण और गमन इन पांच कर्मों में से कोई भी एक कर्म. any of the five actions consisting of raising, lowering, contracting, expanding and moving. भग० १, २; १२, ५; पन्न० २३; दसा० ६, १; उवा० १, ४३; (२) કારીગરી, કારીગરીથી બનાવેલું રૂપ-આકાર कारीगरी; करीगरी से बनाया हुआ आकार.

artificial shape अणुजो० १०; (३) કર્મ; કાર્ય; ક્રિયા; કામ ધંધો. व्यापार; कर्म; काम क्रिया; धंधा action; operation; trade. अणुजो० १३१; ठा० १, १; सू० प० १६; नाया० १, १७; सु० च० १, १; पिं० नि० ६३; १०१; ४३७; पिं० नि० भा० ४०; जं० प० ७, १५१; (४) આરંભ; પ્રવૃત્તિ. आरंभ; प्रवृत्ति. beginning of activity; activity. सूय० १, १२, १५; जं० प० (५) આત્માની શક્તિને દબાવનાર જ્ઞાનાવરણીયાદિ આઠ કર્મ; જ્ઞાનાવરણીય, દર્શનાવરણીય, વેદનીય, મોહનીય, આયુષ્ય, નામ, ગોત્ર,અને અન્તરાય, એ આઠમાંનું ગમે તે એક. आत्मशक्ति को दबाने वाले आठ कर्म; ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, वेदनीय, मोहनीय; आयुष्य. नाम, गोत्र, और अंतराय इन आठ मे से कोई भी एक. any one of the eight Karmas viz. Jñānāvaraṇiya, Darśanāvarṇiya, Vedaniya, Mohaniya, Āyuṣya, Nāma, Gōtra and Antarāya. भग० २, १; ५; ३, १, ५, ४, ७, ८; ३५, १; ३४, १; पन्न० १; १४; १६; दसा० ६, १; विशे० २४६; ३६३; सूय० २, १, ६०; दस० ४, २४; ६. ३३: ६६; नाया० १: ८; कप्प० ५, ११८; आव० १, ५; क० गं० १, १; ३७; २, १; —अंत. पुं० (-अन्त-कर्म्मणां अन्तः पर्यन्तभागो मूलं कारणं यस्य) કર્મના કારણ. कर्म्म का निमित्त-कारण. a cause of Karma. दसा० ६, ३१; —अंस. पुं० (-अंश) જ્ઞાનાવરણાદિ કર્મનો અંશ. ज्ञानावरणादि कर्मोका अंश. a portion of Karma, e. g. of knowledge-obscuring Karma etc. ओव० ४२; उत्त० ३, १०; भग १५. १; १८, ७; (२) કર્મ પ્રકૃતિ. कर्म प्रकृति. a variety of Karma. क० गं० ६, १७; —अवसेस. पुं० (-अवशेष) કર્મ-માત્ર; અવશેષ-બાકીનાં કર્મ. कर्ममात्र; अवशेष-बाकीका कर्म. the whole mass of Karma;the remaining Karmas. भग० १४, ७; —आजीव. त्रि० (-आजीवक) ખેતી વગેરે કર્મ કરી જીવનાર. खेती प्रभृति कर्म करके जीविका चलाने वाला. one who earns livelihood by agriculture and other occupations. ठा० ५, १: —आदाण. न० (-आदान) પંદર પ્રકારનાં કર્માદાન; શ્રાવકને ન કરવા યોગ્ય કર્મ-ધંધો. पंद्रह प्रकारके कर्मादान; श्रावक के न करने योग्य कर्म-व्यापार. the fifteen sorts of actions by which Karma is incurred; a business not fit to be done by a layman or a Jain. भग० ८, ३३; (२) કર્મોને આવવાનો માર્ગ. कर्मों के आने का मार्ग. a door for the coming in of Karma भग० ८, ५; —आयाण. न०(-आदान) કર્મનું ઉપાદાન કારણ. कर्मों का उपादान कारण. an efficient cause of Karma. अंत० ६,१५;—आसीविस. त्रि० (-आशीविष = कर्मणा-क्रियया शापादिनोपघातकरणेनाशीविषाः कर्माशीविषाः) જેને ક્રિયા અનુષ્ઠાનના બલથી બીજાનો નાશ કરવાની શ્રાપ આપી અનિષ્ટ કરવાની શક્તિ ઉત્પન્ન થઇ હોય તેવા તિર્યંચ મનુષ્ય વગેરે. जिसे क्रिया अनुष्ठान के बलसे दूसरों का नाश करने-शाप देकर अनिष्ठ करने की शक्ति उत्पन्न होगई है वह तिर्यंच मनुष्य वगैरह. one that has developed the power of effecting evil to others by the force of some practices and by

pronouncing curses. भग० ८, १; २; —उदय. पुं० (-उदय) કર્મોનો ઉદય. कर्मों का प्रादुर्भाव. rise of Karma; maturity of Karma. भग० ६, ३२; —उदीरण. न० (-उदीरण) કર્મને પરાણે ખેંચીને ઉદયમાં લાવવું તે. कर्मों को उदय भाव में लाना. forcing up Karma into maturity. भग० २५, ६; —उपग. पुं० (-उपग) જ્ઞાનાવરણાદિ કર્મોનું બંધન. ज्ञानावरणादि कर्मों का बंधन. bondage of Karma, e. g. that of knowledge-obscuring Karma etc. भग० १४, ६; —उवचय. पुं० (-उपचय) કર્મોનો ઉપચય-વૃદ્ધિ. कर्मों की वृद्धि. increment of Karmas. भग० ६, ३; —उवसम. पुं० (-उपशम) કર્મોને ઉપસમાવવા તે. कर्मों को उपशमाना. subsidence of Karma; assuaging of Karma. भग० ६, ३२; —उवहि. पुं० (-उपधि) કર્મરૂપ ઉપાધિ; આઠ કર્મરૂપ પરિગ્રહ. कर्म रूप उपाधि; आठ कर्म रूप परिग्रह. obstacles, fetters in the form of the eight kinds of Karma. ठा० ३, १; भग० १८, ७; —कर. पुं० (-कर) ઘરનું કામકાજ કરનાર; કામગરો; નોકર. घर का कामकाज करने वाला; नोकर चाकर. a domestic servant; a servant. जं० प० ओव० ३१; दसा० ६, ४; आया० २, १, २, १२; —करअ. पुं० (-कर+क) જુઓ "कम्मकर" શબ્દ. देखो "कम्मकर" शब्द. vide "कम्मकर" सूय० २, २, ६३; —करण. नं० (-करण—कर्मविषयं करणं जीववीर्यं बन्धनसंक्रमादिनिमित्तभूतं कर्म कर्मकरणं) કર્મનું કરણ, સાધન; જીવ વીર્ય વગેરે. कर्मों का करण-साधन; जीव वीर्य इत्यादि. instrumental cause of Karma. भग० ६, १; —करी. स्त्री० (-करी) કામ કરનારી; કામગરી; દાસી. काम करने वाली; दासी; नौकरानी. a female servant, a maid-servant. आया० २, १, २, १२; —कार. पुं० (-कर) કામ કરનાર; દાસ. काम करने वाला दास. a servant. नाया० ६; —कारअ. पुं० (-कारक) કામ કરનાર; દાસ. काम करने वाला; दास. a servant. दसा० ६, ४; —क्खय. पुं० (-क्षय) કર્મનો ક્ષય-નાશ. कर्मों का क्षय-नाश. destruction of Karma. नाया० ४; प्रव० ४४८; ६५८; भत्त० १३६; —खंध. पुं० (-स्कन्ध) કર્મના સ્કંધ-અણુસમૂહ. कर्म के स्कंध-अणुसमूह. collection of Karmas. क० गं० ५, ७८; —गर. पुं० (-कर) કારીગર-લુહાર વગેરે. दस्तकार (कारीगर) -लुहार इत्यादि. an artisan, e. g. a blacksmith etc. जीवा० ३, ३; जं० प० ५, ११२; —गुरु. त्रि० (-गुरु) કર્મે કરી-ગુરુ-ભારે; ભારેકર્મ. कर्मों से भारी; गुरु कर्मा. (one) possessed of heavy Karmas. नाया० ६; —गुरुयत्ता. स्त्री० (-गुरुकता) કર્મે કરી ગુરૂપણું कर्मों द्वारा भारी पना. heaviness of Karmas. भग० ६, ३२; —गुरुयसंभारियत्ता. स्त्री० (-गुरुकसंभारिकता) કર્મોનું ભારેપણું; ભારેકર્મીપણું. कर्मों का भारी पन; जिसके कर्म बडे जबरदस्त हैं. heaviness of Karmas; state of being one with heavy Karmas. भग० ६, ३२; —घण. पुं० (-घन) કર્મરૂપી વાદળ. कर्म रूपी बादल. a cloud in the form of Karma. "विरायई कम्म घणंमि

अवगए" दस० ८, ६४; —चउक्क. न० (-चतुष्क) दर्शनावरणु, वहेनीय, नाम, अने गोत्र, એ ચાર કર્મ. दर्शनावर्णीय, वेद-नीय, नाम और गोत्र ये चार कर्म. the four varieties of Karma, viz. Darśanāvarṇīya, Vedanīya, Nāma and Gotra. क० प० २, ८०; —जाइभेअ. पुं० (-जातिभेद) કર્મ અને જાતિ નો ભેદ. कर्म और जाति का भेद. the distinctions of occupation and castes. प्रव० १५, १५; —जुत्त. त्रि० (-युक्त) કર્મ યુક્ત; કર્મસહિત. कर्मयुक्त-सहित; यर्म युक्त. possessed of Karmas; with Karmas. प्रव० १२८८; —टुग. न० (-अष्टक) આઠ કર્મ. आठ कर्म. the eight Karmas. क० प० १, १; प्रव० १२८६; —ट्ठगोदय. पुं० (-अष्टकोदय) અષ્ટ કર્મ નો ઉદય. आठों कर्मों का उदय. the rise or maturity of eight Karmas. क० प० ७, ५१; —ट्ठिइ. स्त्री० (-स्थिति) કર્મની સ્થિતિ. कर्मों की स्थिति. duration of existence of Karma. भग० ६, ३; १४, ६; प्रव० १०४४; क० प० २, ७४, ३, २; —णरवइ. पुं० (-नरपति) કર્મરૂપી રાજા. कर्म रूपी राजा. a sovereign, a king in the from of Karma. नाया० १७; —णिदाण. न० (-निदान=कर्म निदानं नारकत्वनिमित्तं कर्मबन्धनिमित्तं वा येषां ते कर्मनिदानाः) કર્મ બંધનના કારણ. कर्म बंधन का कारण. a cause of Karmic bondage. भग० ४, ६; १४, ६; —णिसेग पुं० (-निषेक) જુઓ "कम्म निसेअ" શબ્દ. देखो "कम्मनिसेअ" शब्द. vide. "कम्मनिसेअ" जीवा० २; भग० ६, ३;

—दव्ववग्गणा. पुं० (द्रव्यवर्गणा) કર્મ રૂપ દ્રવ્ય વર્ગણા-કર્મોનો સમૂહ. कर्म रूप समुदाय -कर्मों का समूह; कर्म वर्गणा. a group, collection of Karmas. भग० १, १; —निज्जरा. स्त्री० (-निर्जरा) કર્મની નિર્જરા; કર્મનો ક્ષય. कर्मों की निर्जरा; कर्मों का क्षय. destruction, wasting away of Karma. भग० ७, ३; —निव्वत्ति. स्त्री० (-निर्वृत्ति) કર્મની ઉત્પત્તિ.-નિષ્પત્તિ. कर्मों की उत्पत्ति-उद्गम. birth of Karmas. भग० १६, ८; —निसेअ. पुं० (-निषेक-कर्मणो निषेकः बाधोनाकर्मस्थितिः कर्मदलिक-स्यानुभवनार्थो रचनाविशेषो वा कर्म-निषेकः) અબાધા કાલ શિવાયની કર્મ સ્થિતિ; અબાધાકાલ પછી કર્મનો અનુભવ થાય તેવી રીતે કરેલી કર્મની એક રચના વ્યવસ્થા. अबाधा काल रहित कर्म स्थिति; अबाधा काल के पश्चात् कर्मों का अनुभव हो ऐसी की हुइ कर्म रचना-व्यवस्था. a variety of Karma which is experienced after the period of its end. "अबाहूणिया कम्मट्ठिई कम्मनिसेगोत्ति" भग० ६, ३; —पएस. पुं० (-प्रदेश) કર્મના પ્રદેશ. कर्मों का प्रदेश. the atomic part of Karma. क० प० १, २६; ७, ५०; क० गं० ५, ६६; —पगइ. स्त्री० (-प्रकृति) કર્મની પ્રકૃતિ. कर्मों की प्रकृति. variety of Karma. क० गं० ६, ६६, —पगडि. स्त्री० (-प्रकृति) કર્મની પ્રકૃતિ અવાંતર ભેદ. कर्मों की प्रकृति-अवान्तर भेद. Karmic nature; Karmic variety. भग० ६, ३; ६; ८, १०; १६, ३; २५, ६; २६, ३; ३३, १; —पभार. पुं० (-प्रभार) કર્મનો ભાર; કર્મનો બોજો. कर्म का भार; कर्मों का बोझ. heavy load of Karma. निर० १, १; —परिग्गह. पुं०

(-परिग्रह) આઠ કર્મરૂપ પરિગ્રહ. आठ कर्म रूप परिग्रह. possession in the form of the eight kinds of Karmas. ठा० ३, १; भग० १८; ७; —परिणति. स्त्री० (परिणति) કર્મનું ફલ. कर्मों का फल. the result of Karma पंचा० ७, ४८;—पुरिस. पुं० (-पुरुष) કર્મ-મહારંભાદિ તત્પ્રધાન પુરૂષ-વાસુદેવ. कर्म-महारंभादि में प्रधान पुरुष-वासुदेव. Vāsudeva whose activities mainly consist of sinful operations. ठा० ३, १; —प्पवाय. न० पुं० (-प्रवाद) કર્મ-સંબંધી વિવેચન જેમાં છે તે; કર્મ પ્રવાદ નામનો આઠમો પૂર્વ. जिसमें कर्म सम्बन्धी विवेचन है वह; कर्म प्रवाद नामका आठवां पूर्व. name of the 8th Pūrva in which there is a discourse on Karma. नंदी० ५६; सम० १४; —बंध. पुं० (-बंध) કર્મનો બંધ. कर्मों का बंध. Karmic bondage. नाया० १७; प्रव० ११६१; — बहुत्त. न० (-बहुत्व) કર્મોનું બહોળાપણું. कर्मों का बाहुल्य. multiplicity of Karma. भग० १२, ७; —बीअ. न० (-बीज) કર્મનું બીજ રાગ દ્વેષાદિ. कर्मों का बीज-राग द्वेशादि. seed of Karma. दसा० ५, ३६; —भारियता. स्त्री० (-भारिकता=भारोऽस्ति येषां तानि भारिकाणि तद्भवो भारिकता कर्मणो भारिकता कर्मभारिकता) કર્મોનું ભારેપણું. heaviness of Karmas भग० ६, ३२; —मइल. त्रि० (-मलिन) કર્મ વડે મલીન. कर्मों द्वारा मलीन. bespattered with Karma. क० प० ७, ५७; —मल. पुं० (-मल) કર્મરૂપી મેલ. कर्म रूपी मैल. dirt in the form of Karma. क० प० १, १; —मलावेक्खा. स्त्री० (-मलापेक्षा) કર્મરૂપી મેલની અપેક્ષા. कर्मरूपी मैल की अपेक्षा. reference to the dirt in the form of Karma. प्रव० ७३५; —मूल. न० (-मूल) કર્મનું મૂલ કારણ; મિથ્યાત્વ, અવિરતિ, પ્રમાદ, કષાય અને યોગ. कर्मोंका मूल कारण; मिथ्यात्व, अविरति, प्रमाद, कषाय और योग. any of the five causes of Karma, viz. Mithyātva, Avirati, Kaṣāya and Yoga. "कम्ममूलंच जंट्ठणं" आया० १, ३, १, ११७; —रय. न० (-रजस्) કર્મરૂપ રજ. कर्म रूपी रज; कार्मिक रज. Karmic dust. नाया० ८; १४; दस० ४, २०; भग० ६, ३१; २०, ८; —लेस्सा. स्त्री० (-लेश्या-कर्मणः सकाशाद्या लेश्या जीवपरिणतिः सा कर्मलेश्या) નામકર્મની પ્રકૃતિરૂપ ૭ લેશ્યા. नाम कर्म की प्रकृति रूप छः लेश्या. any of the six Leśyās resulting from the Nāma Karma of a soul. भग० १४, १; ६; —वस. त्रि० (-वश) કર્મને વશ-આધીન. कर्माधीन; कर्मों के वश. one subject to Karma नाया० १८; —वसगय. त्रि० (-वशगत) કર્મને વશ થયેલ. कर्मों के वशीभूत. one under the power of Karma. नाया० ६; —विउसग्ग. पुं० (-व्युत्सर्ग) કર્મનો ત્યાગ કરવો તે. कर्मों का त्याग करना. abandonment of Karma. भग० २५, ७; —विगम. पुं० (-विगम) કર્મનો ક્ષય. कर्म क्षय. destruction of Karma; subsidence of Karma. पंचा० १, २; —विमुक्क. त्रि० (विमुक्त) કર્મોથી મુક્ત થયેલ. कर्मोंसे मुक्त. one, free from Karma. नाया० ६; —वियइ. स्त्री० (-विगति) કર્મની

વિચિત્ર ગતિ. कर्मों की विचित्र गति. the strange course of Karma. भग० ६,३२; —विस. न० (-विष) કર્મરૂપ ઝેર. कर्मरूपी विष-जहर. a poison in the form of Karma. पंचा० ४, २८; —विशुद्धि. स्त्री० (-विशुद्धि) કર્મની શુદ્ધિ. कर्मों की निर्मलता-शुद्धता. purification of Karma. भग० ६, ३२; —विसोहि. स्त्री० (-विशुद्धि) કર્મની શુદ્ધિ. कर्मों की शुद्धि. purification of Karma. भग० ६, ३२; —वेयणा. स्त्री० (-वेदना) કર્મની વેદના. कर्मों की वेदना-पीडा. feeling of pain due to Karma. भग० ७, ३; —समारंभ. पुं० (समारम्भ) પાપના હેતુરૂપ ક્રિયાના કારણ. पाप का हेतु रूप क्रिया का कारण. a cause of Karma which leads to sin; an action leading to sinful Karma. आया० १, १, १, ७; —सह. त्रि० (-सह) કર્મવિપાકને સહન કરનાર. कर्मविपाक को सहन करने वाला. (one) who endures the results of Karma. "कम्मसहा कालेण जंतवो" सूय० १, २, १, ६; —हेउश्र. त्रि० (-हेतुक) કર્મ છે હેતુ જેનું એવું. जिसके कर्म ही निमित्त हैं वह. that of which Karma is the cause. "पयत्तलट्ठि-त्तिव कम्म हेउश्रं" दस० ७, ४२;

कम्मश्र. पुं० (कार्मण) આઠ કર્મના જથ્થા-રૂપ કાર્મણ શરીર; તેજસ અને કાર્મણ શરીર સંસારી દરેક જીવને હોય છે તે ભવાંતરમાં પણ જીવની સાથે જાય છે. आठ कर्मों का समूह रूप कार्मण शरीर; प्रत्येक सांसारी जीव को तेजस और कार्मण शरीर होता है और भवांतर में भी जीव के साथ जाता है. Kārmaṇa Śarīra i. e. a body made up of the combination of the eight varieties of Karma. Every earthly soul has the Kārmaṇa as well as the Tejasa Śarīra and these two accompany it even in the next birth. सम० प० २१६; जीवा० १; श्रणुजो० १४४;

कम्मइया. स्त्री० (कर्मचिता) કામ કરતાં કરતાં ઉત્પન્ન થયેલી બુદ્ધિ; ચાર બુદ્ધિમાંની એક. काम करते २ उत्पन्न हुई बुद्धि; चार बुद्धिश्रों में से एक. Thought excited in the mind during the course of an action. नाया० १;

कम्मश्रा. श्र० (कर्मतः) કર્મથી. कर्म से. Through, on account of Karma. भग० १२, ५; २०, ४;

कम्मग. न० (कर्मक=कार्मण) કાર્મણ શરીર; કર્મ સમુદાય દ્રવ્ય. कार्मण शरीर; कर्म समूह द्रव्य. Kārmaṇa Śarīra i.e. a body made up of the combination of the eight kinds of Karma. विशे० ६५८; भग० ८, ६; १२, ५; —सरीर. न० (-शरीर) કાર્મણ શરીર. कार्मण शरीर, Kārmaṇa Śarīra भग० २५, १; —सरीरि. पुं० (-शरीरिन्) કાર્મણ શરીરવાળો જીવ. कार्मण शरीरवाला जीव. a soul possessed of Kārmaṇa Śarīra. जीवा० १०; ठा० ६, ४; भग० १८, १;

कम्मजाय. पुं० (कार्मणयोग) વશીકરણાદિ વ્યાપાર. वशीकरणादि व्यापार. The act of making one submissive by means of some enchantment etc. नाया० १४;

कम्मण. न० (कार्मण) મનની શક્તિથી કોઈને વશ કરવું, ગાંડા બનાવવું વગેરે. मानसिक

शक्ति से किसीको वश करना; पागल बनाना इत्यादि. Mesmerism. पिं० नि० ४६७; प्रव० १३३०; क० गं० ३, २४; ४, २७; (२) કાર્મણ શરીર. कार्मण शरीर. the Kārmaṇa body. भग० १, ५; क० गं० १, ३३; —जोय. पुं० (-योग) વશીકરણાદિ વ્યાપાર. वशीकरणादि व्यापार. practising of enchantment etc. नाया० १४; —सरीरनाम. न० (-शरीरनामन्) કાર્મણ શરીર નામ. कार्मण शरीर नाम. the name or appellation Kārmaṇa Śarīra. सम० २८;

कम्मतर. न० (कर्म्मतर) અતિશય કર્મ. बेहद कर्म; अधिक कर्म. Excessive Karma. भग० ५, ६;

कम्मतरय. पुं० (कर्म्मतरक) બહુકર્મ, અતિશયકર્મ. बहुत कर्म; अतिशय कर्म. Excessive Karma. भग० ५, ६; ७, ३;

कम्मत्थय. पुं० (कर्मस्तव) કર્મસ્તવનામે કર્મગ્રંથનો ત્રીજો કર્મગ્રંથ. कर्मस्तव नाम का कर्मग्रंथ का तीसरा कर्मग्रन्थ. The third division of Karmagrantha; the third Karmagrantha named Karmastava. क० गं० ३, २५;

कम्मधारय. पुं० (कर्म्मधारय) કર્મધારય સમાસ; સમાસનો એક પ્રકાર. कर्मधारय समास; समास का एक भेद. An appositional compound; a variety of compound. अणुजो० १३१;

कम्मभूम. त्रि० (कर्मभौम) કર્મભૂમિના ક્ષેત્રમાં રહેનાર; અસિ મસી અને કસી (તલવાર કલમ અને ખેતી) એ ત્રણ કર્મ ઉપર નિર્વાહ ચલાવનાર. कर्मभूमि में रहने वाले; असि मसी और कृषी (तलवार, कलम और खेती) ये तीन कर्म करके निर्वाह चलाने वाला. (One) living in the land of Karma; (one) who earns livelihood by any of the three professions, viz. literary, military and agricultural. उत्त० ३६, १९४;

कम्मभूमि. स्त्री० (कर्मभूमि=कृषिवाणिज्यतपःसंयमानुष्ठानादिकर्मप्रधानाभूमयः कर्मभूमयः) કર્મભૂમિ મનુષ્યને રહેવાના પંદર ક્ષેત્ર; પાંચ ભરત, પાંચઐરવત, અને પાંચ મહાવિદેહ એ પંદર ક્ષેત્ર. कर्मभूमि—मनुष्य के रहने के पंद्रह क्षेत्र; पांच भरत, पांच इरवत और पांच महाविदेह. The 15 regions of the abode of men of Karma-Bhūmi, viz. 5 Bharat, 5 Iravata and 5 Mahāvideha. विशे० ५११; भग० २०, ६; ८; २५, ७; नंदी० १७; पन्न० १; आव० ४, ८;

कम्मभूमिग. त्रि० (कर्मभूमिक) કર્મભૂમિમાં પેદા થયેલ મનુષ્ય; અસી, મસી, અને કૃષિ એ ત્રણ કર્મ કરી નિર્વાહ ચલાવનાર મનુષ્ય कर्मभूमि में पैदा हुआ अथवा रहनेवाला मनुष्य; असी, मसी, कृषि ये ३ कर्म कर निर्वाह करनेवाला मनुष्य A person born in Karma-Bhūmi; a person earning his livelihood by any of the three occupations, viz. military, literary, and agricultural. ओघ० नि० ५२६; पन्न० १; —भूमिय. त्रि० (-कर्मभूमिज) જુઓ "कम्मभूमिग" શબ્દ. देखो "कम्मभूमिग" शब्द. vide. "कम्मभूमिग" ठा० ३, १;

कम्मय. न० (कर्म्मज—कर्मणो जातं कर्मजम्) કાર્મણ શરીર; આઠ કર્મના સમુદાયથી ઉત્પન્ન થતું ઉદારિકાદિ ચાર શરીરના કારણરૂપ શરીર. कार्मण शरीर; आठ कर्मों के समुदाय से उत्पन्न औदारिकादि चार शरीरों

का कारणरूप शरीर. Kārmaṇa Śarīra; a body formed by the combination of the particles of the eight kinds of Karma, and a cause of the four kinds of bodies, viz. Audārika etc. जं० प० २, २४; पन्न० १२; —दव्व. न० (-द्रव्य) કાર્મણ શરીરને યોગ્ય દ્રવ્ય વર્ગણા. कार्मण शरीर के योग्य द्रव्य समूह. molecules of which Kārmaṇa Śarīra is made. विशे० ६७४;

कम्ममासअ-य. न० (कर्ममापक) પાંચ ગુંજા (રતિ) ચાર કાગણી અથવા ત્રણ નિષ્પાપ પ્રમાણનું વજન-માપ. पांच रत्ती चार कागणी या तीन निष्पाप के बराबर का वजन —माप. A measure of weight equal to 5 Guñjas or 4 Kāgaṇis or 3 Niṣpāpas i. e. equal to about 10 grains. अणुजो० १३३;

कम्मया. त्रि० (कर्मजा) કામ કરતાં કરતાં ઉપજે તે બુદ્ધિ; ચાર પ્રકારમાંની ત્રીજા પ્રકારની બુદ્ધિ ' કમ્મયા '. काम करते करते जो बुद्धि उत्पन्न होती है वह बुद्धि; चार प्रकार की बुद्धिओं में से तीसरी ' कम्मया ' बुद्धि. Thought or impulse excited in the mind during the course of an action; the third of the 4 varieties of thought or mental operation. नंदी० २६; ३२; ३६; दसा० ६, ४; निर० १, १;

कम्माविवाग. पुं० (कर्मविपाक) એ નામનું કર્મગ્રંથનું પ્રથમ પ્રકરણ; પ્રથમ કર્મગ્રંથનું નામ. इस नामका कर्मग्रंथ का प्रथम प्रकरण; प्रथम कर्मग्रंथका नाम. The first Karmagrantha क० गं० १, १; ६१; (२) કર્મનું પરિણામ-ફલ. कर्मोंका फल. the matured result of Karma.. उत्त० २, ४१; —ज्झयण. पुं० (-अध्ययन) કર્મવિપાક-પુણ્યપાપાત્મક કર્મના ફળનું પ્રતિપાદક શાસ્ત્ર, તેના અધ્યયન-અધ્યાય. कर्मविपाक-पुण्य पापात्मक कर्मों का फल प्रतिपादन करने वाले शास्त्र का अध्ययन-अध्याय. a scripture or a chapter of it explaining the results of good and evil Karmas. सम० ४३;

कम्मवेयय. पुं० (कर्मवेदक) પ્રજ્ઞાપનાના પચીશમાં પદનું નામ, જેમાં જીવ કર્મને કેવી રીતે બાંધે છે તથા કેવી રીતે વેદે છે તેનું વર્ણન છે. प्रज्ञापना के २५ वें पद का नाम, जिसमें जीव, कर्म किस तरह बांधता है तथा किस तरह भोगता है इसका वर्णन है. Name of the 25th Pada of Prajñāpanā dealing with the way in which a soul incurs and experiences the Karmas. पन्न० १;

कम्मार. पुं० (कर्मार) લુહાર. लुहार. A blacksmith. विशे०१२६८; जीवा०३,१;

कम्मार. पुं० (कर्मकार) કામ કરનાર; નોકર; काम करनेवाला; नौकर. A servant; जं० प० जीवा० ३; ३; (२) કારીગર. मिस्त्री. a carpenter; राय० ३२;

कम्मावादि. पुं० (कर्मवादिन्) કર્મવાદી. કર્મને માનનાર. कर्मवादी; कर्मों को माननेवाला. One who believes in the doctrine of Karma. आया० १, १; १, ५;

कम्मासरीर. न० (कार्मणशरीर) કાર્મણ શરીર. कार्मण शरीर. Kārmaṇa Śarīra; Kārmic body. भग० ८, १; —कायजोय. पुं० (-काययोग)

કાર્મણ શરીર સંબંધી કાયાનો વેપાર. कार्मण शरीर सम्बन्धी काया का व्यापार. physical operation connected with Kārmaṇa Śarīra. भग० २५,१;

कम्मिया. स्त्री० (कार्मिका) અભ્યાસ કરતાં કરતાં ઉત્પન્ન થયેલ બુધ્ધિ. अभ्यास करते करते उत्पन्न हुइ बुद्धि. Thought or impulse excited in the mind during the course of study. भग० १, १; १२, ५; नाया० १; ठा० ४, ४; (२) અવશેષ રહેલ કર્મ; કર્મનોઅંશ. बाकी का कर्म; कर्मोंका अंश. the remnant of Karma. भग० २, ५;

कय. पुं० (कच) બાલ, કેશ. बाल; केश. Hair. तंडु० जीवा० ३, ४; राय० ५५; —**आभरण.** न० (-आभरण) માથાના બાલ ઉપર પહેરવાનું આભૂષણ. सिर के बालोंपर पहिनने का आभूषण. an ornament that is worn on the hair of the head. कप्प० ४, ६२; —**गाह.** पुं० (-ग्रह) પાંચ આંગલી વડે કેશ ગ્રહણ કરવા તે. पांचों अंगुलीओं द्वारा केश पकडना-कचग्रह. catching of hair by means of five fingers. "कयग्गगहहिय करयलपब्भट्ठ विमुक्केणं" राय० जं० प०

कय. पुं० (क्रय) ખરીદવું; લેવું. मोल लेना; लेना. Purchasing; buying. जीवा. ३, ३; भग० ३, ७; दसा० ६, ४; गच्छा० १०३; दस० ७, ४६; —**विक्काय** पुं० (-विक्रय) ખરીદવું, વેચવું; આપલે કરવી. खरीदना, बेचना; अदला बदला करना. buying and selling; exchange. आया० १, २, ५; ८८; उत्त० ३६, १३; दस० १०, १, १६;

कय-अ. त्रि० (कृत) કરેલ; આચરેલ. किया हुआ; आचरित. Done; performed; practised. "कयकोउयमंगलपच्छित्ता" विवा० १, २; सु० च० १, ४३; भग० २, ५, १५, १; २५, ७; नाया० १; २; ३; ५; १६; १६; अणुजो० १२८; १२६; १४७; पिं० नि० १५७; ओव० ११; पन्न० २; विशे० १; उवा०२, ६५; कप्प०३, ३६; ४०; पंचा०४, ४०; पिं०नि०भा० २; दसा०६, १५; —**अंतर.** न० (-आन्तर) અન્તર કરણ કરેલ. कार्यांतर; अन्तर करण. Another action; change in action. क० प० ५, ४३; —**कज्ज.** त्रि० (-कार्य) કરેલું છે કાર્ય જેણે તે. जिसने कार्य किया है वह. an action performed. नाया० ८; ६; १८; भग० १२, ६; —**करण.** त्रि० (-करण) કર્મક્ષય કરવામાં ઉદ્યત; દર્શન મોહનીય આદિ ખપાવવાને યથાપ્રવૃત્યાદિ કરવામાં તત્પર. कर्मक्षय करने में तत्पर; दर्शनमोहनीय आदि को उपशमाकर; यथा प्रवृत्यादि करण करने में उद्यत; ready to destroy Karma. क० प० २, ४१; ५, ३२; —**काउसग्ग.** पुं० (-कायोत्सर्ग) કાયોત્સર્ગ કરેલ. कायोत्सर्ग किया हुआ. one who has performed Kāyotsarga or meditation upon the soul. नाया० ५; —**कारण.** पुं० (-कारण) જેણે કારણ કર્યું છે, યોજ્યું છે તે. जिसने कारण किया है, योजना की है. one who has meditated. नाया० ६; —**किच्च.** त्रि० (-कृत्य) કૃતાર્થ; સફલ મનોરથવાલો. कृतार्थ; सफल मनोरथवाला. (one) whose desires have been accomplished or fulfilled. सु० च १, ३६६; २, ४३५; पंचा० ६, २४; प्रव० १५६; —**कोउयमंगलपायच्छित्त** त्रि०(-कौतुकमंगलप्रायश्चित्त=कृतानि कौतुक-

मांगल्यान्येव प्रायश्चित्तानि दुःस्वप्नादिविघातार्थमवश्यकरणीयत्वाद्यैस्ते तथा) દુષ્ટ સ્વપ્ન આદિના ફલને નિવારવામાટે પ્રાયશ્ચિત્ત તરીકે જેણે કૌતુક-કપાલે તિલક તથા માંગલિક કૃત્ય કર્યા છે તે. दुष्ट स्वप्नादि के फलको अफलीभूत करनेके लिये जिसने प्रायश्चित्तरूपमें कौतुक-कपाल में तिलक तथा मांगलिक कृत्य किया है वह. (one) who has made an auspicious mark on the forehead in order to avert the evil attendant upon a bad dream etc. भग० २, ४; दसा० १०, १; नाया० ध० —**नास**. पुं० (-नाश) કરેલ-ધર્મ-અધર્મનો નાશ. कृत-किये हुए धर्म अधर्म का नाश. destruction of good or evil Karma performed. विशे० ३२३१; —**नासि**. त्रि० (-नाशिन्) કૃતઘ્ન; કરેલ ગુણનો નાશ કરનાર. कृतघ्न; किये हुए गुणोंका नाश करने वाला. ungrateful: lit. one who destroys what is done. ओघ० नि० १६६; —**पडिकइ**. त्रि० स्त्री० (-प्रतिकृतिक) ગુણનો બદલો વાલવો તે; હું દાન આપીશ તો ગુરૂ મને શાસ્ત્રજ્ઞાન આપશે એમ પ્રત્યુપકારનો ઉદ્દેશ મનમાં રાખી ગુર્વાદિકની સેવા કરવી તે; લોકોપચાર વિનયનો એક પ્રકાર. गुणोंका बदला चुकाना; मैं दान दूंगा तो गुरु मुझे शास्त्रज्ञान सिखावेंगे,ऐसी प्रत्युपकार की मन में आशा रख गुरु आदि की सेवा करना; लोकोपचार विनय का एक भेद. rendering service (e. g. to a Guru) with the expectation of getting something in return (e. g. knowledge). नाया० २; —**पडिकइया**. स्त्री० (-प्रतिकृतिता) જુઓ " कयपडिकइ " શબ્દ. देखो " कयपडिकइ " शब्द. vide " कयपडिकइ " भग० २५, ७;—**पडिकयय**. त्रि० (-प्रतिकृतक = कृते उपकृतं प्रतिकृतं प्रत्युपकारः तदस्यास्तीति कृतप्रतिकृतिकः) કરેલ ગુણનો બદલો વાળનાર. किये हुए गुणों का बदला चुकाने वाला. one who retnrns good for good. ठा० ४, ४; —**पुराण**. त्रि० (-पुण्य) પુરેપુરા પુણ્યવાળા; પુણ્યવાન્. पूर्ण पुण्यवान्; पुण्यात्मा. one possessed of high religious merit. नाया० १; १३; १६; भग० ६, ३३; १५, १; पंचा० ७, २६; —**बलिकम्म**. त्रि० (-बलिकर्म) કર્યું છે બલિકર્મ=કુલદેવ ગૃહદેવતાને બલિદાનકર્મ અથવા બળ વધે તેવું કર્મ કસરત વગેરે જેણે તે. जिसने बलि कर्म-अथवा बल वर्द्धक-शक्ति प्रद-कसरत आदि किया है वह. one who has given oblations to a deity or has performed strength-giving activity, physical exercise etc भग० ७, ६; ६, ३३; दसा० १०, १; नाया० ध० नाया० १; १२; १६; जं० प० ३,५०; —**लक्खण**. त्रि० (-लक्षण) સંપુર્ણ લક્ષણવાળો. सम्पूर्ण लक्षणों युक्त. one possessed of all the signs or marks. नाया० १; १६; भग० ६, ३३; १५, १; —**विहव**. त्रि० (-विभव) સંપૂર્ણ વૈભવવાળું. संपूर्ण वैभव वाला. (one) possessed of full glory or prosperity. नाया० १; —**व्वयकम्म**. त्रि० न० (-व्रतकर्मन्) શ્રાવકની બીજી પડિમા ધરનાર શ્રાવક કે જે બે માસ સુધી જ્ઞાન અને ઇચ્છા પૂર્વક અણુવ્રત આદરે અને પાળે. श्रावककी दूसरी प्रतिमा धारण करने वाला श्रावक कि जो दो मास तक ज्ञान और इच्छा से अणुव्रत धारण कर उन्हें पालता है; (a Jaina

layman) observing the 2nd vow of a Jaina layman i. e. practising the minor vows for two months intelligently and resolutely. सम० ११;

कयंगला. स्त्री० (कृताङ्गला) શ્રાવસ્તી નગરીની પાસે આવેલી નગરીનું નામ. श्रावस्ती नगरी के पास की नगरी का नाम. Name of a city situated near the city of Śrāvastī. " तीसेणं कयंगलाए नगरीए अदूरसामंते सावत्थी णामं नयरी होत्था" भग० २, १;

कयंत. पुं० (कृतान्त) દૈવ; ભાગ્ય. भाग्य; दैव; तकदीर. Fate; fortune. पण्ह० १, ३; (२) યમરાજ. यमराज. the god of death. सु० च० १, २३३;

कयंब. पुं० (कदम्ब) કદમ્બનું ઝાડ; કલમ, દેવતાડના ઝાડ. कदम्ब का वृक्ष. Name of a tree. जीवा० ३, ४; राय० पन्न० १; अणुजो० १३१; कप्प० १, ५; ३. ३३; जं० प० ५, ११५; —पुप्फ. न० (–पुष्प) કદંબનું ફૂલ कदंब का फूल. a flower of a Kadamba tree. कप्प० १, ५;

कयंबग. न० (कदम्बक) કદંબના ઝાડના ફૂલ. कदंब के झाड का फूल. A flower of the Kadamba tree. नाया० १;१३;

कयग. पुं० (कृतक) કૃત્રિમ; કરેલ. कृत्रिम; बनावटी. Artificial. विशे० १८३७;—कयग. त्रि० (-क्रमक) ખરીદેલું. खरीदा हुआ. bought. निसी० ६, ६; —भत्त. न० (-भक्त) ખરીદેલું ભક્ત-ભોજન. मोल लिया हुआ भोजन-भात. purchased food. निसी० ६, ६;

कयग्घ. पुं० (कृतार्ह) ભરતક્ષેત્રના ગઈ ચોવીશીના १९ મા તીર્થંકર. भरतक्षेत्र की गत काल की चौवीसी के १६ वें तीर्थंकर. The 19th Tirthaṅkara of Bharata Kṣetra of the past cycle. प्रव० २६१;

कयट्ठ. त्रि० (कृतार्थ) કૃતાર્થ; ભાગ્યશાલી. कृतार्थ; भाग्यशाली. Prosperous; fulfilled. भत्त० ५२;

कयण्णय. त्रि० (कृतज्ञक) કરેલાં ઉપકારને જાણનાર. कियेहुए उपकार को माननेवाला. (One) who is conscious of the obligations done by others. पंचा० ११, ३५;

कयत्थ. पुं० (कृतार्थ) જેણે પોતાનું કાર્ય સિદ્ધ કર્યું છે તે; કૃતાર્થ. जिसने अपना कार्य सिद्ध कर लिया है वह; कृतार्थ. One who has accomplished his object. भग० १, ८; ६,३३, २४, १; नाया० १; १३; १९; उत्त० ३२, ११०; विवा० ७; विशे० १००८; सु० च० १, ७१; उवा० २, ११३; जं० प० ५, ११२; ११७;

कयन्न. त्रि० (कृतज्ञ) કરેલા ઉપકારનો જાણનાર. किये हुए उपकार को समजनेवाला; कृतज्ञ. (One) who is conscious of the obligations done by others. प्रव० १३७२;

कयमाल. पुं० (कृतमाल) એક જાતનું વૃક્ષ. एक जाति का झाड. A kind of tree. जं० प० (२) તિમિસ ગુફાનો અધિષ્ઠાયક દેવતા. तिमिस गुफा के अधिष्ठायक देवता. the presiding deity of the Timisa Guphā (cave). जं० प० १, १२; ३, ४१; ३, ६५; ६, १२५;

कयमालअ-य. पुं० (कृतमालक) વૈતાઢ્યની તિમિસ ગુફાનો સ્વામિ-દેવતા. वैताढ्य की तिमिस्र गुफा का स्वामी-देवता. The presiding deity of the cave named Timisra of Vaitāḍhya. जं०

प०(२)वैताढ्यनी गुफानुं नाम. वैताढ्यकी गुफा का नाम.name of a cave of the Vaitāḍhya of Iravata Ksetra. ठा० २, ३; (३) मेरुपर्वतनी पूर्वे सीतानदीनी उत्तरे आठ दीर्घवैताढ्यनी आठ तिमिस्र गुफाना अधिपति देवता. मेरु पर्वत के पूर्व ओर सीता नदी के उत्तर में आठ दीर्घ वैताढ्य की आठ तिमिस्र गुफाओं के अधिपति देवता. the presiding deity of the eight Timisra caves of the eight Dīrgha Vaitāḍhyas to the north of the river Sītā which is to the east of the Meru mount. ठा० ८;

कयर. त्रि० (**कतर**) ओ के घणामांनो कोण्-कयो ओक. दोया बहुनों में से कौन एक. Which; who. "**कयर धम्मे अक्खाए माहणेणं मइमया**" सूय०१,६,१,११,१; दस० ४, १,६, २:८,१८; पिं०नि०३१०;सू०प०१०; जीवा०१;अणुजो०८६; उत्त०१२,६;ओव०४३; ओघ० नि० ११७६; विशे० १६०; पन्न० ३; दसा०१,३:६,१:२; नाया०१६;१७;भग०१,१; ३, १, २; ५, ४:७; १२,४;१६, ११;१८,५; २५, १; ६; जं० प० ७, १५६;

कयली. स्त्री० (**कदली**) केळनुं झाड. केले का झाड. A plantain tree. ओघ० नि० ६६७; जं० प० सु० च० २, १६५; जीवा० ३, २; प्रव० ५११; —**गब्भ**. पुं० (-गर्भ) केळ-कदलीना वृक्षनो गर्भ. केले-कदलीके वृक्ष का गर्भ the inner part of a plantain tree. प्रव० ५११; —**घर**. न० (-गृह) केळनांघर; केळीघर. केले का गृह; केली घर. a house of plantain trees. नाया० ३; जीवा० ३, ४; —**घरग**. पुं० (-गृ.क) जुओ "कयलि घर" शब्द. देखो "कयलि घर" शब्द. vide. "कयलि घर" राय०१३६; —**लया**. स्त्री० (-लता) केळनी लता-- कांप वेल. केले की लता--बेल. a creeper of plantain trees. नाया० १३;— **हर**. न० (-गृह) केळना घर. केले का घर. a house of plantain trees. जं० प० ५, ११४;

कयवत. त्रि० (**कृतवत्**) करनार. करनेवाला. (One)who has done. विशे० १५५५.

कयवम्म. पुं० (**कृतवर्मन्**) तेरमा तीर्थंकरना पिता. तेरहवें तीर्थंकर के पिता. The father of the 13th Tīrthankara. सम० प० २२६; प्रव० ३२४;

कयवर. पुं. (**कचवर**) कचरो; पुंजो; कूडा; कचरा. Dirt; refuse. आया० १, १, ४, ३७, जीवा. ३, ३; भत्त० ८६; नाया० १; २:६; जं०प० ५, ११२; —**उज्झिया**. स्त्री० (**उज्झिका**) कचराने शोधी साफ करी बहार फेंकनार; वासीदुं वाळनारी. कूडे करकट को निकाल साफ कर बहार फेंकने वाली; झाड पूंछ का कार्य करनेवाली. a woman who collects refuse and throws it away. नाया० ७;

कया सं० कृ० अ० (**कृत्वा**) करीने. करके. Having done. पिं० नि० ८८;

कया-अ. न० (**कदा**) क्यारे. कब. When. ठा० ३, ४; उत्त १, २१; सू० च० १, ७७; दस० ७, ५१; भग०५, ७; जं०प०७, १५३;

कयाइ. अ० (**कदाचित्**) कोइ वखते; कदाचित्. किसी समय; कदाचित्. At some time or other; perhaps. भग० २, १; ३, १; ५, ४; १५, १; नाया० १; विवा०१; उत्त०१, १७; २, ७; राय० १४६; जं० प० पिं० नि० २०६; दसा० १०, १; सम० १३; ओव० ४०. सूय० १, १, ३, ६; १, ६, २०; उवा० १, ८८;

कयाई. अ० (कदाचित्) જુઓ "कयाइ" ४७६. देखो "कयाइ" शब्द. Vide "कयाइ" विशे० ३०६; उत्त० ३२, २१; पिं० नि० ३००;

कयाणग. न० (क्रयाणक) કરીયાણું. किराना. Grocery. सु० च० १, १४७;

कयार. न० (कचर) કચરો. कचरा. Refuse; dirt. विशे० ११७०;

✓**कर.** धा० I, II. (कृ) કરવું; બનાવવું. करना; बनाना. To do; to prepare; to make.

करेइ-ति. जं० प० ५, ११२; दसा० १०, १; निर० २, ३; नाया० १; २; ५; ८; ६; वेय० १, ३६; भग० १, २; २, १; ३, १; ४; ७, १; ६, ४;

करन्ति. भग० १, ३; ३, ३; ५, ४; ८, १; दसा० ६, ६८; ६, २; नाया० २, ८;

करिन्ति. नाया० १, ७; ८, १४; १६; भग० २७, १;

करेन्ति. ओव० २७; पिं० नि० २०६; नाया० १; २; ६; १४; भग० १, ६; १५, १; २०, ८; जं० प० ५, ११४; ११२; ११३;

करोसि. नाया० १६;

करोमि. नाया० १; जं० प० ५, ११५;

करेमो. जं० प० ५, ११२;

किरिज्जा. पिं० नि० ४८६; सु० च० ६, १२०; भग० १, ७; १२, ७; ८; २१, १; २४, १; ७; नाया० १५;

✓ **करेजा.** भग० ८, ६;

करेजासि. वि० म० ए० पिं० नि० ४१२;

करेजामि. वि० उ० ए० नाया० २;

करेहि. आ० नाया० २; ८; दस० ७, ४७; भग० ३, १;

करेह. आ० ओव० २८; भग० १, ६; ६, ३३; ११, ११; १५, १; नाया० १; ५; ८; ६; १६;

करिस्सइ. भ० भग० ८, २; १५, १; दस० ७, ६; नाया० ५;

करिस्सन्ति. भ० सम० १; भग० १, ३; २६, १; नाया० ५; दस० ७, ६;

करिहिन्ति. भ० नाया० १८; भग० २, १;

करेहिस्ति. भ० नाया० ६; भग० १५, १;

करिस्सामि. भ० भग० १८, १०; जं० प० २, १२६; ५, १२७;

करेस्सामि. भ० भग० १८, १०; जं० प० २, १२६; ५, ११७;

करेस्सं. भ० भग० १८, १०; जं० प० २, १२६; ५, ११७;

करिस्सामो. भ० ओव० २७; जं० प० ५, ११३;

अकारिस्सं. भू० आया० १, १, १, ५;

अकार्सिु. भू० ठा० ३, १; नाया० १; भग० १, २; ८, २; १५, १;

करित्ता. सं० कृ० ओव० २७; पन्न० ११२; ओघ० नि० ३६; नाया० १६; भग० ११, ११; दसा० १०, १;

करेत्ता. सं० कृ० ओव० २६; भग० ३, १;

करिय. सं० कृ० संथा० १०४;

करेत्तए. हे० कृ० भग० ३, १; ८, ५; ६; १५, १; जं० प० ५, ११२; ११५;

करिन्त. व० कृ० विशे० ३४२०;

करेन्त. व० कृ० विशे० ३४२०;

करेमाण. व० कृ० दस० २, ३; १०; ११; १६, २०; वेय० ४, ३; १०; ३६; ओव० २७; नाया० १; २; ३; १४;

कारेइ. प्रे० पिं० नि० ४२५; निसी० ३, १२ भग० ३, १;

कारावेइ. प्रे० नाया० १२; १६;

करावेइ. प्रे० नाया० २, १३;

कारवेइ. प्रे० सु० च० २, ४३; भग० ८, ५;

कारवेमि. प्रे० दस० ४;

करावे. प्रे० वि० उत्त० २, ३३;
कारेइ. प्रे० आ० आया० १, ७, २, २०४;
कारवेइ. प्रे० आ० ओव० २६; भग० ११, ११; राय० २८;
कारावेइ. प्रे० आ० नाया० १;
कारवेत्ता. प्रे० सं० कृ० ओव० २१; जं० प० ३, ४३;
करावेत्ता. प्रे० सं० कृ०
कारवित्ता. प्रे० सं० कृ० भग० ११, ११;
कारावेत्ता. प्रे० सं० कृ०
कारेत्ता. प्रे० सं० कृ० भग० ३, १;
काराविता. प्रे० सं० कृ० राय० २८;
कराविऊण. प्रे० सं० कृ०
काराविऊण. प्रे० सं० कृ० सु० च० ३, १५;
कारवेत्तए. प्रे० हे० कृ० भग० ८, ५;
कारावित्तए. प्रे० हे० कृ० वव० ५, २०;
कारावेत्तए. प्रे० हे० कृ० सूय० २, ४, ६;
कारन्त. प्रे० व० कृ० निसी० १, १२;
कारेन्त. प्रे० व० कृ० भग० ११, ११;
कारेमाण. प्रे० व० कृ० सम० ७८; भग० १८, २; १३, ६; पन्न० २; कप्प० २, १३; जं० प० ५, ११५;
कारिस्सइ. प्रे० व० कृ० भग० २८, ६;
कीरन्त. प्रे० व० कृ० आया० १, ६, ४, ८; नाया० ११; सु० च० २, ३३०; पंचा० १६, ५;
कीरमाण. प्रे० व० कृ० भग० १५, १; सम० ७, ४०; सु० च० ७, १४१; वव० २, ६; पंचा० ४, २; १६, २२;
किज्जमाण. प्रे० व० कृ० ठा० ३, २;
कज्जमाण. प्रे० व० कृ० सूय० १, ८; भग० १, ८; १, १०; ६, ३३; १२, ४; पंचा० १७;
कारिज्जइ. प्रे० व० कृ० सु० च० २, ४७;
किज्जइ. क० वा० सु० च० १, ६६; सम० ३४;
कज्जइ. क० वा० अणुजो० ७५, ८; भग० १, ६; १, ८; २, ५; ३, ३; ५, ६; १२, ५; १७, ९; १८, ७; जं० प० ७, १३८;
कीरए. क० वा० पिं० नि० ५८;
कीरइ. क० वा० सूय० १, २, ६; नाया० १६; भग० १, ९; ६, ३३; विशे० २६; ६६; गच्छा० ७५; प्रव० ३०; क० गं० १, १;
कज्जन्ति. क० वा० पन्न० १७; भग० १, २; ४, ६; ७, १०;
कीरन्ति. क० वा० सु० च० २, ३२६;
किज्जन्ति. क० वा० भग० १, १०; दसा० ६, ४;
किज्जउ. क० वा० सु० च० १, ३५५;

कर. पुं० (कर) હાથ. हाथ. A hand; an arm. नाया० १, ६; १६; १७; दसा० ६, ४; विवा० १; भग० ८, १०; ४२, १; राय० २८; गच्छा० ८३; (२) હાથીની સૂંઢ. हाथी की सूंड. the trunk of an elephant. नाया० १; पण्ह० १, ३; (३) त्रि० કરનાર. करनेवाला. one who does; a doer. उत्त० १, २६; भग० १, १; ओव०; नाया० १; (४) पुं० ૮૨ મા ગ્રહનું નામ. ८२ वें ग्रह का नाम. name of the 82nd planet. सू० प० २०; (५) કર; વેરો. कर; महसूल. a tax; a duty. जं० प० पिं० नि० ८७; (६) કિરણ. किरण. a ray. जीवा० ३, ३; (७) રાજાના કરની પેઠે અરિહન્તના કર તરીકે માની વંદના કરે તે; વંદનાના ૩૨ દોષમાંનો પચીશમો દોષ. वंदना के ३२ दोषों में से २५ वां दोष. the 25th of the 32 faults connected with Vandanā i. e. bowing a Tirthankara, supposing it to be a tax similar to the tax which is paid to a king. (८) કામના ચોવીશ પ્રકારમાંનો એક; રતિસં-

भोग माटे कामना आसन वगेरे वालवा ते. काम के २४ भेदों में से एक भेद; रति संभोगार्थ काम के आसनादि लगाना. any of the 24 varieties of sexual intercourse: the different postures adopted at the time of sexual intercourse. प्रव० १०७६;

—कमल न० (-कमल) हाथरूप कमल. हाथ रूप कमल. a hand as a lotus (metaphorically). भत्त० १७;

—जुयलमज्झ पुं० (-युगलमध्य) बे हाथनी वच्चे ढींचणराखी वन्दना करवी तेः वन्दनानो एक दोष. दोनों हाथों के बीच में घुटना रखकर बंदना करनाः बंदना का एक दोष. a fault connected with Vandanā (bowing) by keeping the knees between the two hands. प्रव०१२६: **—नवग.** न० (-नवक) नव हाथ. नौ हाथ. nine cubits (a measure of length). प्रव० ७७;

करअ. पुं० (करक) करा; जमेलुं पाणी बर्फ; ओला. Ice; hail. कप्प० ६, ४४;

करंज. पुं० (करंज) करंज नामनुं झाड. एक जाति का करंज नामक झाड. Name of a tree. पन्न० १; भग० २२, ३;

करंड पुं० (करण्ड, करंडियो. डिब्बा; कंडिया. A small box or basket (made of bamboo). नाया० १; पगह० १५;

करंडग. पुं०(करण्डक) करंडीयो; डाबलो. डिब्बा; कंडिया. A small box or basket (made of bamboo). ठा० ४, ४; भग०२,१; अणुत्त०३,१,जीवा० ३, ४;ओघ० नि० ६६०; आव०१६;३६, जं०प० ५,१२०;

करंडय. पुं० (करण्डक) करोडनुं हाडकुं. रीढ की हड्डी. The spinal cord. तंदु०

करंडु. पुं० (करण्ड) पुंठनुं हाडकुं. पीठ की हड्डी. The back-bone. जीवा० ३, ३;

करंब. पुं० (करम्ब) दही चोखाना मिश्रणथी बनतो एक खाद्य पदार्थ; करंबो. दही, चावल के मिश्रण से बना हुआ एक खाद्य पदार्थ. A food prepared of boiled rice and curds mixed together. प्रव० २३०;

करंबिय. त्रि०(करम्बित) कावरचितरा रंगवालो. नाना रंगवाला; रंग बेरंगा. Of variegated colours. सु० च० २, ५०;

करक. पुं० (करक) करा. ओला. A hail-stone. पगह० १, ३; (२) करवडाजेवुं एक पात्र; झारी. करवे जैसा एक बर्तन. (जो साधु के काम मे आता है) a water-pot (used by ascetics). अणुजो०१३२;

करकंड. पुं० (करकण्ड) ए नामनो एक ब्राह्मण संन्यासी. इस नामका एक ब्राह्मण संन्यासी Name of a Brāhmaṇa ascetic. ओव० ३८;

करकंडु. पुं० (करकण्डु) करकंडु नामना एक प्रत्येकबुद्ध के जेने बळदनी पलटाती अवस्था. जोई वैराग्य उत्पन्न थयो हतो. करकंडु नाम के एक प्रत्येकबुद्ध जिन्हें कि बैलकी पलटती हुई अवस्था देखकर वैराग्य उत्पन्न हुआ था. Name of person who felt disgusted with the world upon seeing the changes in the condition of an ox. "करकंडु कलिंगेसु" उत्त० १८, ४६;

करकचिय. त्रि० (क्रकचित) करवत वगेरेथी कापेल काष्ट-पाटीयां. आरे आदि से चीरा हुआ काष्ट—पाटिया. A board of wood cut off with a saw etc. अणुजो०१३३;

करकय. पुं० न० (क्रकच) लाकडां वेहेरवानुं ओजार; करवत. लकडी चीरनेका औजार; आरा;

करवत. A saw. उत्त० १६,५१; पगह० १,१;

करकर. पुं० (**कर्कर**) વહાણ પાણીમાં ડુબતી વખતે કડકર આવાજ કરે છે તે. जहाजका पानी में डूबते समय करकर आवाज करना. A croaking sound produced by a sinking vessel. नाया० ६; उवा० २,८४;

करकरसुंठ. पुं० (**करकरशुराठ**) એક જાતની વનસ્પતિ. एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation. "एरंडे कुरुविंदे करकरसुंठे तहविभंगगुय" पन्न० १; भग० २१,६;

करकरिग. पुं० (**करकरिक**) કરકરિક નામનો ગ્રહ. करकरिक नाम का ग्रह. Name of a planet. "दोकरकरिगा" ठा० २, ३; सू० प० २०;

करकुडि. पु० (*) ફાંસીની સજા પામેલ. કેદીનું એક વસ્ત્ર; फांसी का हुकम पाये हुए कैदी का एक वस्त्र. A garment worn by a person sentenced to capital punishment. पगह० १, ३;

करग. पुं० (करक) કરવડો; કરૂઓ; એક જાતનું વાસણ. करवा; लोटा. A metal-pot. अगुत्त० २ १; सूय० १,४,२,१३; जीवा० ३,३; उवा० ७, १८७; (२) त्रि० કરનાર. करनेवाला. a doer; one who does. नंदी० २८; (३) पुं० વરસાદનો કાચોગર્ભ; કરા. बरसात का कच्चागर्भ; ओला a hailstone. दस० ४; पन्न० १; पिं० नि० भा० १७; जीवा० १; (४) શાલક પક્ષિની એક જાત. शालक पक्षी की एक जाति. a kind of bird. पगह० १, १;

करगय. पुं० (**ककच**) કરવતી; કરવત. आरा; करवत. A saw. उत्त० ३४, १८;

करग्ग. न० (**कराग्र**) હાથનો આગ્રભાગ; આંગળી. हाथ की अंगुलियां. Fingers. सु० च० १, ६५;

करड. पुं० (**करट**) એક જાતનું વાજિંત્ર. एक जाति का बाजा. A kind of musical instrument. राय० ८८;

करडि. पुं० (**करटि**) એક જાતનું વાજિંત્ર. एक जाति का बाजा. A kind of musical instrument. जीवा० ३, ३;

करडुयभत्त. न० (*) મરી ગયેલાની પાછળ જમણ થાય તે; મૃતક ભોજન. मनुष्यके मरने के पश्चात जो भोजन होता है वह; मृतक भोजन; ओसर. Dinner for which the occasion is the death of a person. पिं० नि० ४६४;

करण. न० (**करण**) સાધ્ય ક્રિયાને સિધ્ધ કરવામાં અત્યંત સહાયક; સાધન. साध्य क्रिया को सिद्ध करने में अत्यंत सहायक; साधन. Anything useful in accomplishing an object; an instrument or means of an action. ठा० ३,१;८, १; अगुजो० २७; १२६; नाया० १; जं० प० ७, १५३; ५, ११२; उवा० १, ५८; विशे० २००८; ३३०१; राय० २१५; भग० १, १०; ६,१; १६, ९; पंचा० ३,२६; १४, २; (२) ઇંદ્રિય. इंद्रिय. an organ of sense. क० गं० १, ५; ४६; जीवा० ३, ३; ओव० १०; पगह. १, २; (३) પ્રયોગ કરી બતાવવું. प्रयोग करके दिखाना. actual experiment or performance. ओव ० ४०; (४) જ્યોતિઃ શાસ્ત્રમાં દર્શાવેલ બવ બાલવ વગેરે અગીયાર કરણ. ज्योतिःशास्त्र में दिखाये हुए 'बव' 'बालव' इत्यादि ग्यारह करण. (in Astrology) any of the 11

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

divisions of a day. भग० ११, १; ११, ६; १५, १; नाया० १; ५; ८; १४; १५; १६; ओव० ४०; ओघ० नि० ८०; क० प० ४, १: आव० १, ५; जं० प० (५) કરણ અભિગ્રહ આદિ. करण; अभिग्रह आदि. a certain vow. नाया० १; (६) કરવું. करना. doing; performing. उत्त० २६, ६; ओव० ३१; भग० ३, १; १४, ४; नाया० १; ६; पिं० नि० १६६; ४१०; पराह० १, १; (७) ચારિત્ર ધર્મ. चारित्र धर्म. religion pertaining to right-conduct. नंदी० ३०; (८) પિંડવિશુધ્ધિ આદિ જૈનશાસ્ત્ર પ્રસિધ્ધ ૭૦ બોલનો સમૂહ. पिंडविशुद्धादि जैन-शास्त्र प्रसिद्ध ७० बोलों का समुदाय. the collection of 70 terms of the Śāstras such as Piṇḍa Viśuddhi (purity of food)etc. ओव०१६,सम०२; ओघ०नि०१; नदी० ४५,नाया० १; भग० २, १; प्रव०५६; (६) પૂર્વે કોઇ વખતે નથી ઉત્પન્ન થયા તેવા અધ્યવસાય વિશેષ: અપૂર્વ કરણ. ऐसे अध्यवसाय जो पहिले कभी भी उत्पन्न न हुए हों; अपूर्व भाव. peculiar thought activity: Apūrva Karaṇa. उत्त० २६, ६; (१०) જે અધ્યવસાયથી કર્મના બન્ધન સંક્રમણ, ઉદ્વર્તના, અપવર્તના, ઉદીરણા, ઉપશમના, નિધત્તિ અને નિકાચના થાય તે; બન્ધન આદિ કાર્યભેદથી કારણરૂપ કરણના પણ ઉપર કહ્યા પ્રમાણે આઠ પ્રકાર છે. जिन अध्यवसायों से कर्मों के बंधन, संक्रमण, उद्वर्तना, उदीरणा, उपशमन, निधत्ति और निकाचना होते हैं वह; बंधन आदि कार्य के भेदों से कारण रूप करण के भी ऊपर कहे अनुसार आठ भेद हैं. the thought activity by which Karmic Bandhana, Sankramaṇa, Udvartana, Apavertana Udiraṇa etc. is affects. प्रव०११;—उवाय. पुं० (-उपाय-करणंक्रियाविशेषः स एवा उपायः स्थानान्तरप्राप्तौ हेतुः करणोपायः) કરણ-ક્રિયારૂપ હેતુ; જીવને એક સ્થાનેથી બીજે સ્થાને ઉપજવામાં કે જવામાં કરણ-કર્મરૂપ હેતુ છે તે. करण-क्रियारूप कारण; जीव के एक स्थान से अन्य स्थानमें उत्पन्न होने या जानेमें करण-कर्म रूप कारण. an action or a Karma which constitutes a cause e. g. Karma which is the acause of transmigration to the soul. "सेजहाणामए पवए पवयमाणे अज्झवसाणणिवत्तिएणं करणोवाएणं सेय काले तंठाणं विप्पजहित्ता" भग० २५, ८; —कय. त्रि० (-कृत) યથા પ્રવૃત્યાદિ કરણ-ક્રિયાથી કરેલું. यथा प्रवृत्यादि करण-क्रिया से किया हुआ. performed properly. क० प० ५, १; —जोग पुं० (-योग) કરણરૂપ યોગ-મન, વચન અને કાયાનો વ્યાપાર. करणरूप योग-मन, वचन और काया का व्यापार. activity of mind, speech and body. दस० ६,२७;—जोय. पुं० (-योग) જુઓ "करणजोग" શબ્દ. देखो "करणजोग" शब्द. vide "करणजोग" दस०८,४;—नय. पुं० (-नय) કરણ-ક્રિયાનય, એટલે ક્રિયાનેજ માનનાર; સર્વ વસ્તુ ક્રિયાને આધીન છે એમ માનનાર. करण-क्रियानय अर्थात् क्रियाकांडी मानने वाला; सब चीजें क्रिया के आधीन हैं ऐसा मानने वाला. the doctrine that everything is the result of action or depends upon it. विशे० ३५६१: —वीरिय. न० (-वीर्य) ઉત્થાન આદિ ક્રિયારૂપે પરિણામ પામેલું વીર્ય. उत्थान आदि क्रियाओं के रूप में परिणाम पाता हुवा वीर्य. the vital fluid which is the

cause of physical movements such as standing etc. भग० १,८;—सच्च. न० (-सत्य) ક્રિયામાં દેખાતું સત્ય; પડિલેહણાદિ ક્રિયા યથોક્ત રીતે કરવી તે. क्रिया में दिखाइ देता सत्य; प्रतिलेखनादि क्रिया यथोचित रीतिसे करना. correctness appearing in an action, e. g. proper examination of clothes etc. भग० १७, ३; उत्त० २६, २; सम० २७;

करणओ. अ० (करणतः) પ્રયોગથી. प्रयोग से. Through actual practice or performance. नाया० १; प्रव० १५७;

करणया. स्त्री० (करणता) કરવું તે. करना. Doing; act of performing. नाया० १; ५; ८; १६; निर्या० १, ४०; भग० ३, २; ६, ३२; उवा० २, ११३;

करणिज्ज. त्रि० (करणीय) કર્તવ્ય; કરવા જોગ. कर्तव्य; करने योग्य. (Anything) worthy to be done. भग० ३, १; ६, ३३; नाया० १; ३; अणुजो० २८; वव० २, १; पंचा० १, ४३; राय० १७१;

करपत्त. न० (करपत्र) કરવત; લાકડા વેરવાનું સાધન. आरा; लकडी चीरने का साधन. A saw. ठा० ४, ४; नाया० १६; विवा० ६;

करभ. पुं० (करभ) ઊંટનું બચ્ચું. उंट का बच्चा. A young one of a camel. पण्ह० १, १;

करमद्द. पुं० (करमर्द) કરમદાનું ઝાડ. करौंदे का झाड. Name of a tree producing berries. पन्न० १;

करयल. न० (करतल) હથેળી; હાથની સપાટી. हथेली; पंजे का समचौरस भाग. The palm of a hand दसा० १०, १; राय० २६३; ओघ० नि० भा० २७३; नाया० ध० निर० ३, ४; ओव० ११; ३०; नाया० १; २; ५; ७; ८; १२; १४; १६; भग० २, १; ३, १; २; ७, ६; ६, ३३; १५, १; कप्प० १; ५; जं० प० ५, ११२; ११४;—(ला) —आहय. त्रि० (-आहत) હથેલીથી હણેલ-ધકેલેલ. हथेली से दबायाहुवा-ढकेलाहुआ. pushed forward or struck with the palm of a hand. नाया० ६;—परिग्गहिय. त्रि० (-परिगृहीत) બે હાથ જોડેલ. दोनों हाथ जोडे हुए. folding both hands together. वव० १, ३७; कप्प० १, ५;—पलहत्थमुह. त्रि० (-पर्यस्तमुख) ગાલપર હાથ રાખ્યો છે જેણે તે. जिसने गाल पर हाथ रखा हो वह. (one) who has rested his cheek on the palm of his hand. निर्सी० ८, ११;—पुड. पुं० (-पुट) કરતલ સંપુટ; ખોબો. खोबा. the hollow cavity formed by joining the two palms. जं० प० ५, ११४;—मलिय. त्रि० (-मर्दित) હથેળીમાં મસળેલું. हथेली में मसला हुआ. pressed in the palm of a hand. विवा० २;—मेय. त्रि० (-मेय) મુઠીમાં પકડી શકાય એવું. मुट्ठी में पकडा जासके ऐसा. anything that can be caught in a fist. कप्प० ३, ३६;—संपुड. पुं० (-संपुट) હથેલીનો સંપુટ; ખોબો. हथेली का संपुट. the cavity formed by joining the two palms together. कप्प० २, २१;

करव. पुं० (करव) નાળચાવાળું પાણી પીવાનું પાત્ર. नलीदार पानी पीने का बर्तन. A water-pot resembling a kettle. सु० च० १०, ४२;

करवत्त. पुं० (करपत्र) કરવત; લાકડા વહેરવાનું હથીયાર. करवत; लकडी चीरने का औजार. A saw. उत्त० १६, ५१; जीवा० ३, १; पण्ह० १, १;

करह. पुं० (करभ) હાથી અથવા ઉંટનું બચ્ચું.

हाथी अथवा ऊंट का बच्चा. A young one of an elephant or a camel. सु० च० ४, ११८;

करही. स्त्री० (करभी) ઉંટડી;સાંઢણી. ऊंटनी; सांठणी. A she-camel. पिं० नि० १६४;

कराइ. त्रि० (करादि) હાથ વગેરે. हाथ आदि. A hand etc. विशे० २७२; —**चिट्ठा.** स्त्री० (-चेष्टा) હાથ વગેરેની ચેષ્ટા-પ્રવૃત્તિ. हाथ आदि की चेष्टा-बनाव. movement of the hand etc. विशे० १७२;

कराल. त्रि० (कराल) ઉન્નત; બહાર નીકળતું. उन्नत; वृद्धि पाता हुआ. Projecting; lofty; prominently coming out. अणुत्त० ३, १; उत्त० ३०;

करि. त्रि० (करिन्) હાથવાળો. हाथ वाला. One having a hand or hands. भग० ८, १०; (२) पुं० હાથી. हाथी. an elephant. पगह० १, ३;

करिअ. पुं० (करिक) ૮૩ માં ગ્રહનું નામ. ८३ वें ग्रह का नाम. Name of the 83rd planet. सू० प० २०;

करिंसुगसय. न० (*) ભગવતી સૂત્રના ૨૭ માં શતકનું નામ. भगवती सूत्र के २७ वें शतक का नाम. Name of the 27th Śataka of Bhagavatī Sūtra. भग० २७, ११;

करिल्ल. न० (करील) વાંશના અંકુર; કુંપળ; પાંદડાંનો અગ્રભાગ. बांस के अंकुर; पत्तों का अग्रभाग; कोंपल. The shoot of a bamboo; a shoot or sprout in general. अणुत्त० ३, १; विशे० २६३;

करिस. पुं० (करीष) કરીષનું ઝાડ. करीष का झाड. A kind of a tree. उवा० ७, १६७;

करिसावण. पुं० (कार्षापण) એક જાતનો સિક્કો. चांदी का एक सिक्का. A silver coin. "जहाणगोकरिसावणो तहावहवेकरिसावणा" अणुजो० १४७; तंदु० विशे० ५०६;

करिसित. त्रि० (कृशित) સુક્ષ્મ; પતળું; દુર્બલ. सूक्ष्म; पतला; दुर्बल. Fine; thin; feeble. सूय० १, ३, ३, १५;

करीर. पुं० (करीर) કેરડાનું ઝાડ. एक झाड का नाम. Name of a tree. पन्न० १; आया० २, १८, ४३; —**अंकुर.** पुं० न० (-अङ्कुर) કેરડાનો અંકુરો. बांस का अंकुर. a sprout of a tree. प्रव० २४३;

करीरअ. पुं० (करीरक) કેરડા નામે પાડેલું કોઇ પુરુષનું નામ. केरडा नामवाला कोई पुरुष. Name of a person. अणुजो० १३१;

करीस. न० (करीष) અડાયું; છાણું. कंडा; गोबर का छाना. A dry cow-dung cake. पिं० नि० २७६;

करुण. त्रि० (करुण) દયાજનક; કરુણાપાત્र. दयाजनक; करुणापात्र. Pitiful. भत्त० १६०;

करुणा. स्त्री० (करुणा) કરુણાજનક શબ્દ. करुणा जनक शब्द. Piteous cry. नाया० ६; (२) દયા. दया. mercy. क० गं० १, ५५; —**यर.** त्रि० (-कर) દયા કરવાવાળો दया करने वाला; दयालु. kind; merciful. सु० च० २, ६४;

करेणु. स्त्री० (करेणु) હાથણી. हाथिनी. A she-elephant. उत्त० ३२, ८६; नाया० १;

करेणुया. स्त्री० (करेणुका) હાથણી. हाथिनी. A she-elephant. सु० च० २, ५०१;

करोडि-अ-य. पुं० (करोटिक) તાપસ; કાપાલિક. तापस; कापालिक. An ascetic; an ascetic carrying a garland

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

of human skulls. विवा॰ ७; जं॰ प॰ नाया॰ ८; १३; भग॰ ११, ११; (२) તામ્બુલપટ્ટીનો બટવો વગેરે ઉપાડનાર રાજાનો માણસ. ताम्बूल आदि की कोथली उठाने वाला राजाका मनुष्य. a servant of a king carrying a bag etc. of betel-leaves etc. ओव॰ ३२; (३) માટીની મ્હોટા મોઢાની કુંડી; ઠામ. मिट्टी की बडे मुंह की कुंडा–बरतन. an earthen basin; a cup or basin. भग॰ २, १; ओव॰ ३६; अणुजो॰ १३२; जीवा॰ ३३; जं॰ प॰ ३, ६७; (४) કલશ. कलश. a pitcher. भग॰ ११, ११;

कल. त्रि॰ (कल) એક જાતનું ધાન્ય. एक जाति का धान्य. A kind of corn. पिं॰ नि॰ ६२३; भग॰ १५, १; २१, २; पन्न॰ १७; दसा॰ ६, ४; (२) હૃદય અને કાનને મધુર લાગે તેવો અવ્યક્ત (ધ્વનિ). हृदय और कानको सुहावना अव्यक्त आवाज (ध्वनी). sweet and indistinct sound. "कलाइनियमहुरतंतीतलताल" नाया॰ १७, पराह॰२,५; (३) કાદવ; કીચડ. कीचड. mud. भत्त॰ ५२; १३०; —**रिभिय.** न॰ (—रिभित) મધુર ગીત ગાએલ. मधुर गीत गाया हुआ. a sweet and charming song. नाया॰ १७;

कलंक. पुं॰ न॰ (कलङ्क) ડાઘો; લાંછન. दाग; कलंक; लांछन. Spot; stain. पंचा॰ ६, २०; विवा॰ ३; ओव॰ १०;

कलंकलीभाव. पुं॰ (कलङ्कलीभाव) કગ-કગાટ; દુખનો ગભરાટ. दुःखका घबराहट Piteous lamentation or complaint. पन्न॰२; ओव॰४३; सूय॰२,२,८१; (२)સંસારમાં ગર્ભાશય આદિને વિષે પર્યટન કરવું તે. संसार मे गर्भाशयादि में पर्यटन करना; जन्ममरण धारण करना. wandering in the cycle of birth and death e. g. remaining in the womb etc. आया॰ २, १६, १२;

कलंद. पुं॰ (कलन्द) કુણ્ડ વિશેષ. कुण्ड विशेष. A basin of water. उवा॰२,६४;

कलंब. पुं॰ (कदम्ब) કદમ્બનું ઝાડ. कदम्ब का झाड. Name of a tree. भग॰ ६, ३३; २२, ३; नाया॰ १;

कलंबचीरपत्त. न॰ (कदम्बचीरपत्र) શસ્ત્ર વિશેષ. शस्त्र विशेष. A kind of weapon. विवा॰ ६;

कलंबचीरिगापत्त. न॰ (कदम्बचीरिकापत्र) તીક્ષ્ણ ધારવાળું શસ્ત્ર. तीक्ष्ण धार वाला शस्त्र. A kind of weapon with a sharp edge. नाया॰ १६;

कलंबचीरियापत्त. न॰ (कदम्बचीरिकापत्र) એક જાતનું શસ્ત્ર. एक जाति का शस्त्र. A kind of weapon. ठा॰ ४, ४;

कलंबवालुया. स्त्री॰ (कदम्बवालुका) જેની રેતી વજ્ર જેવી છે એવી વજ્ર વેલુકા અથવા કદમ્બવેલુકા નામની નદી. जिसकी रेत वज्र के समान है ऐसी वज्र वालुका अथवा कदम्ब वालुका नाम की नदी. Name of a river also called Vajra Velukā on account of its sand being as hard as adamant. उत्त॰ १६, ५०; (२) કદમ્બના ફુલના જેવી વેલ. कदम्ब के फूल सदृश लता a creeper resembling the flower of a Kadamba tree. पराह॰ १, १;

कलंबुआ. पु॰ (कलम्बुक) એ નામનું ઝાડ. इस नाम का झाड. A kind of tree. सू॰प॰४;

कलंबुग. न॰ (कलम्बुक) એક જાતની પાણીની વનસ્પતિ. एक जाति की पानी की वनस्पति. A kind of aquatic plant. सूय॰ २, ३, १८;

कलम्बुआ-या. स्त्री० (कलम्बुका) એ નામની પાણીમાં ઉગતી એક વનસ્પતિ. इस नाम की पानी में उत्पन्न होने वाली एक वनस्पति. A kind of vegetation growing in water. पन्न० १; १५; जं० प० ७, १३२;

कलकल. पुं० (कलकल) કલકલાટ; ઘણામાણસોનો આવાજ. बहुत से मनुष्यों की आवाज; कोलाहल. Humming or bustling noise. ओव० २७; जं० प० ३, ४५; राय० २१७; भग० २, १; (२) ચૂર્ણાદિમિશ્ર જલ. चूर्णादि मिश्रित जल. water mixed with powder. विवा० ६; —रव. पुं० (-रव) કલકલાટ શબ્દ. गड़बड़ाट; कोलाहल. humming or bustling sound. भग० ३, २; जं० प० ७, १४०;

कलकलंत. त्रि० (कलकलायमान) કલકલાટ કરતું; કલકલ એવો અવાજ કરતું. कलकल ऐसी आवाज करता हुआ; गुनगुनाट करता हुआ, Humming; producing a bustling sound. उत्त० १६, ६६; आव० २१; पण्ह० २, ५;

कलकलित. त्रि० (कलकलित) કલકલાટ શબ્દ સહિત. कलकलाट शब्द युक्त. With a bustling or humming noise. पण्ह० १, १;

कलत्त. न० (कलत्र) સ્ત્રી. स्त्री. A wife. सु० च० १, २८५;

कलभ. पुं० (कलभ) હાથીનું બચ્ચું. हाथी का बच्चा. A young one of an elephant. पन्न० १७; राय० ६०; नाया १;

कलभिया. स्त्री० (कलभिका) હાથણી. हथिनी. A she-elephant नाया० १;

कलम. पुं० (कलम) ડાંગર; કમોદ. चांवल; उच्च जातिके चांवल. Rice which is sown in May-June and ripens in December-January. सूय० २, २, ६३; जीवा० ३, ३; जं०प० भग० ६, १०; ओ० नि० भा० ३०७; उवा० १, ३५;

कलमल. पुं० (कलमल) જઠરમાં રહેલા દ્રવ્યનો સમૂહ. पेट में रहा हुआ द्रव्य समूह. The contents of the stomach. ठा० ३, ३; —अहियास. पुं० (-अधिवास) જઠરના કલમલ દ્રવ્યમાં વસવું તે. पेटके कलमल-द्रव्यमें रहना. remaining in the contents of the stomach. भग० ६, ३३;

कलमाय. त्रि० (कलमात्र) ચણામાત્ર; ચણા જેવડું. चना मात्र; चने जितना. Of the measure of a gram. निसी० १२, ८;

कलयल. पुं० (कलकल) કલકલાટ શબ્દ. गुनगुनाहट. Bustling noise. जीवा० ३, ४; —रव. पुं० (-रव) કલકલાટ શબ્દ. गुनगुनाहट. Bustling noise. सु० च० ३, ६२;

कलल. पुं० (कलल) ગર્ભની પ્રથમ સાત દિવસની અવસ્થા. गर्भ की प्रारंभिक सात दिन की अवस्था. The condition of the embryo during the seven days succeeding conception. "सत्ताहं कललंहोइ, सत्ताहं होइ बुब्बुय" तंदु० १६;

कलस. पुं० (कलश) ઘડો; કળશો. घडा; कलश. A pot; a pitcher. पन्न० २; ओव० संस्था० १५; जं० प० नाया० १; ५; ८; १६; भग० ६, ३३; राय० ३४; जीवा० ३, ३; कप्प० ३, ३६; (२) આઠ માંગલિક માનું છઠું. आठ मांगलिक में से ६ ठा. the 6th of the 8 Māṅgalikas (auspicious signs). राय० ४७; जं० प० ५, १२०; नाया० १; (३) અગ્નિ કુમાર દેવતાનું ચિન્હ-તેના મુગટમાં રહેલ ઘડાને આકારે નિશાન. अग्नि कुमार देवता का चिन्ह-उसके मुकुट में चित्रित घड़े के आकार का निशान. an emblem of the Agnikumāra

kind of deities, viz. a pot-like figure in their diadem. ओव॰२३; (४) ઓગણીશમાં તીર્થંકરનું લાંછન. १६ वें तीर्थंकर का लाञ्छन. the mark of the 19th Tīrthaṅkara. प्रव॰ ३६२;

कलमय. पुं॰ (कलशक) જુઓ 'कलस' શબ્દ. देखो 'कलस' शब्द. Vide 'कलस' उवा॰ ७, १८४;

कलसिआ. स्त्री॰ (कलशिका) નાનો કળશિયો છોટા कलश. A small pitcher. अणुजो॰ १३२;

कलह. पुं॰ न॰ (कलह) કલેશ; ક્રોધ; ફિસાદ; લડાઇ; ઝગડો. क्लेश; क्रोध; लड़ाई; झगडा. Quarrel; anger; strife. निसी॰ १२, ३३; दसा॰ ६, ४; पन्न॰ २; २२; सम॰ ११३; अणुजो॰ १२८; जीवा॰ ३, ३; आया॰ २, ११, १७०; दस॰ ५, १, १२; ओव॰ २४; उत्त॰ ११, १३; महा॰ नि॰ १; नाया॰ १; १६; भग॰१,६;६;३,६; ७; ७, ६,१२, ५; कप्प॰ ४,११७;गच्छा॰ १३४;—कर. पुं॰ (-कर) કજીયો કરનાર. क्लेश करनेवाला.one who is given to quarrel. "कलह करा असमाहि करं" दसा॰ १, १७; १८; १६; (२) અસમાધિનું ૧૬મું સ્થાનક સેવનાર. असमाधि का १६वां स्थानक सेवनेवाला. one who resorts to the 16th source of Asamādhi i. e. lack of meditation or concentration of mind. सम॰ २०; —वाडिया. स्त्री॰ (*) કલેશ નિમિત્તે. क्लेश के कारण. on account of quarrel. निसी॰ ६, ८;

कलहंस. पुं॰ (कलहंस) રાજહંસ. राजहंस. A swan. ओव॰ पन्न॰ १; जं॰ प॰ नाया॰ १; कप्प॰ ३, ४२;

कलहमाण. व॰ कृ॰ त्रि॰ (कलहायमान) કજીયા કરનાર. लड़ाई, फिसाद करनेवाला. Quarrelsome; (one) who quarrels. सु॰ च॰ १, १४३;

कलहोय. न॰ (कलधौत) ચાંદી. चांदी. Silver. पण्ह॰ १, ४;

कला. स्त्री॰ (कला) ભાગ; અંશ. भाग; अंश. A part; a division. उत्त॰ ६, ४४; नाया॰ ८; १६; जं॰ प॰ ७, १६०; (२) શોભા. शोभा. beauty. नाया॰ ८: १६; (३) હુન્નર; કારીગરી; વિદ્યા; કલા. कला; कारीगरी; विद्या; हुन्नर any practical art. नाया॰ १; राय॰ २८६; विवा॰ २; भग॰ ६, ३३; ११, ११; अणुजो॰ ४१; १२८; सम॰ ७२; ओव॰ ४०; कप्प॰ ७, २१०, प्रव॰ ४३६; (४) ચંદ્રની કળા. चंद्र की कला. a digit of the moon; (these are sixteen) नाया॰ ८; सू॰ प॰ १०;

कलाद. पुं॰ (कलाद) સોની. सुनार. Goldsmith. नाया॰ १४;

कलाय. पुं॰ (कलाद) સુવર્ણકાર; સોની. सुवर्णकार; सुनार. Goldsmith. पण्ह॰ १, २; नाया॰ ८; उवा॰ १, ३६; (२) એક જાતનું ધાન્ય. एक जाति का धान्य. A kind of corn. प्रव॰ १०१०; १०१६;

कलायरिअ-य. पुं॰ (कलाचार्य) ૭૨ કળા શીખવનાર; કળાચાર્યની પદવી મેળવેલ અધ્યાપક. ७२ कला सिखानेवाले; कलाचार्य का पद प्राप्त अध्यापक. A preceptor teaching the 72 arts and entitled Kalāchārya. राय॰२७७; ओव॰ ४०; नाया॰ १; ५;

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कलाय. पुं० (कलाप) મોર; ઢેલ. मयूर; मोर. A peacock; a pea-hen. नाया० १; (२) સમૂહ. समूह. a collection. नाया० ५; सूय० २, २, ५१; ओव० विशे० १५१४; पन्न० २; १५; सु० च० १, ६०; जीवा० १; कप्प० ३, ४१; ५, ६६; राय० ४६; ११०; "आस सोसवविउलव इव ग्घारिय धाम कलावा" पन्न० २, उवा० ७, २०६; (३) ડોકમાં પહેરવાનું આભૂષણ. गले में पहिनने का आभूषण. an ornament for the neck. भग० ६, ३३; जीवा० ३, ३;

कलासिंबलिया. स्त्री० (कलाशिंबिका) એક જાતનું શીંગ વાળું ધાન્ય; વટાણા; ચોરા,વગેરે. एक जाति का फली वाला धान्य; चंवरा; बटला आदि. A kind of corn growing in pods; e. g. peas etc. भग० १, १;

कलाव. पुं० (कलाय) એ નામનું એક અનાજ. इस नाम का अनाज. A kind of corn. पन्न० १; भग० ६, ७;

कलावग. पु० (कलापक) ડોકમાં પહેરવાનું આભૂષણ. गले मे पहिनने का आभरण. An ornament for the neck. पगह० २, ५;

कलावि. पुं० (कलापिन्) મયૂર. मयूर: मार. A peacock. सु० च० २, २४२;

कलि. पुं० (कलि) એક; એકની સંખ્યા. एक; एक की संख्या. The number one. सूय० १, २, २, २३; उत्त० ६, १६; (२) કજીયો કલેશ. लड़ाई; झगडा. quarrel. पगह० १, २: प्रव० ४३६; —**कलुस.** न० (-कालुष्य) કલિ-કલેશનું ડોળાપણું. कलि-क्लेश की मलीनता-मैलापन. filthiness; maligunity like that of quarrel. विवा० १;

कलिऊण. सं० कृ० अ० (कलयित्वा) વિચારીને. विचारकर. Having thought; thinking. सु० च० २, १५२; ३, २०७; भत्त० १७;

कलिओअ-य. न० (कल्योज) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતાં એક શેષ રહે તેવી સંખ્યા. जिस संख्या में चार का भाग देने से एक शेष रहता है वह संख्या. A sum which when divided by four leaves one as remainder. ठा० ४, ३; भग० १८, ४; २५, ३; ३१, १;

कलिओग. पुं० (कल्योज) જુઓ "कलिओअ" શબ્દ. देखो "कलिओअ" शब्द. Vide "कलिओअ" भग०१८, ४; ३५, १; —**कडजुम्म** पुं० (-कृतयुग्म) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતાં ચાર શેષ રહે અને લબ્ધાંકને ચારે ભાગતાં એક શેષ રહે તે સંખ્યા; મહાયુગ્મ સંખ્યાનો તેરમો પ્રકાર. जिस संख्यामें ४ का भाग देने से चार शेष बचें और लब्धि को ४ से भागने पर एक शेष बचे ऐसी संख्या; महायुग्म संख्या का तेरहवां भेद a sum which when divided by four leaves four as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder; the 13th variety of Mahāyugma number. भग०३५, १; —**कलिओग.** पुं० (-कल्योज) જે રાશીને ચારે ભાગતાં એક શેષ રહે અને લબ્ધાંકને પણ ચારે ભાગતાં એક શેષ રહે તે સંખ્યા; મહાયુગ્મ સંખ્યાનો સોલમો પ્રકાર. जिस संख्या को ४ से भागने पर एक शेष रहता है और लब्धि संख्या को भी चार से भागने पर एक शेष बचता है वह संख्या; महायुग्म संख्या का सोलहवां भेद. the 16th variety of Mahāyugma number;

a sum which when divided by four leaves one as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder. भग० ३५, १; —तेओग. पुं० (-त्र्योज) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતાં ત્રણ શેષ રહે અને લબ્ધાંકને ચારે ભાંગતાં એક શેષ રહે તે સંખ્યા; મહાયુગ્મ સંખ્યાનો ચૌદમો પ્રકાર. जिस संख्या में चार का भाग देने से तीन बचते हैं और लब्धांक को चार से भागने पर एक शेष रहता है वह संख्या; महायुग्म संख्याका चौदहवां प्रकार. the 14th variety of Mahāyugma number: a sum which when divided by four leaves three as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder. भग० ३५, १; —दावरजुम्म. पुं० (-द्वापरयुग्म) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતાં બે શેષ રહે અને લબ્ધાંકને ચારે ભાગતાં એક શેષ રહે તે સંખ્યા; મહાયુગ્મ સંખ્યાનો પંદરમો પ્રકાર. जिस संख्या को चार से भागने पर दो शेष बचते हैं और लब्धि संख्या में चार का भाग देने से एक शेष बचता है वह संख्या; महायुग्म संख्या का पंद्रहवां भेद. the 15th variety of Mahāyugma number: a numerical figure which when divided by four leaves two as remainder and has a quotient which leaves one as remainder when divided by four. भग० ३५, १;

कलिओगत्ता स्त्री० (कल्योजता) જે સંખ્યાને ચારે ભાંગતાં એક શેષ રહે તે. जिस संख्या में चार का भाग देने पर एक बाकी बचे वह संख्या. A numerical figure which when divided by four leaves one as remainder. भग० ३५, ३;

कलिंग. पुं० (कलिङ्ग) આર્ય દેશમાંનો કલિંગ નામે ચોથો દેશ. आर्यदेश का कलिंग नाम का चौथा देश. Name of an Āryan country. ओघ० नि० भा० ३; पन्न० १; उत्त० १८, ४५; (२) તરબુચ; કાલિંગડું. तरबूज. a kind of fruit. जं० प०

कलिंग. न०(कालिङ्ग) કલિંગ દેશમાં બનેલ વસ્ત્ર. कलिंग देश का वस्त्र. A cloth made in Kaliṅga country. जीवा० ३, ३; —रव. पुं (-रव) કલકલાટ શબ્દ. गडबडाट; कोलाहल. a humming or bustling-sound. भग० ३, २; जं० प० ७, १४०;

कलिंज. पुं (कलिञ्ज) સુંડલો. गोल हलकी टोकरी. A round shallow basket. राय० ११६;

कलिंद. पुं० (कलिन्द) એક આર્ય જાત. एक आर्य जाति. Name of an Āryan race or tribe. पन्न० १;

कलिंब. पुं० (कलिम्ब) કલિંબ નામનું એક જાતનું લાકડું. कलिम्ब नामकी एक जाति की लकडी. A kind of wood so named. भग० ८, ३;

कलित्त. न० (कटित्र) કેડે બાંધવાનું ઘુઘરીવાળું ભૂષણ; કન્દોરો. कमर पर बांधनेका घुंघरुओं वाला आभूषण;कंदोरा. An ornamental waist band. ओव० नाया० १;

कलिय-अ. त्रि० (कलित) યુક્ત. सहित. Planned; formed together; possessed of. " सुंदरथणजघण वयण कर चरण णयण लावरण विलास कलिया " पन्न० २; दसा० १०, १; विवा० १, २; राय० ३६; ४३; जं० पं० ५, ११५; ४, ६२; सम० प० २१२; ओव० जीवा० ३, ३; कप्प० ५, १०१; सू० प० २०; भग० १, १; ७,

६; १६, ६; नाया० १; ३; ८; १६; १८; गच्छा० ८७; ओघ० नि० भा० २७६; प्रव० १२५४; कप्प० ३, ३२; (२) રચેલું. बनाया हुआ. formed; made. जं० प० ५, ११५; ४, ६२; ३, ४३; सू० च० १, ४४;

कलिसिया. स्त्री० (कलशिका) કલસીઆના આકારનું એક વાજીંત્ર. कलश के आकार का एक बाजा. A musical instrument of the shape of a pitcher. राय० ८६,

कलुण. त्रि० (करुण) કરુણા ઉત્પાદક; દયાપાત્ર; ગરીબ. करुणोत्पादक; दयापात्र; गरीब. Exciting pity or compassion. ओव० २१; नाया० ६; विवा० ७; पिं० नि० ३७१; सूय० १, ५, १, ७; आया० १, १, ६, १७२; (२) કરૂણારસ; નવ રસમાંનો એક રસ. करुणा रस; नौ रसों में से एक. one of the nine sentiments, viz. that of compassion. ठा० ४, ४; अणुजो० १३०; —भाव. न० (-भाव) કરૂણાજનક ભાવ. दयाजनक भाव. sentiment exciting pity or compassion. नाया० ६;

कलुणा. स्त्री० (करुणा) કરૂણા; દયા. दया; करुणा. Compassion; mercy.. पण्ह० १, १; नाया० १; दस० ६, २, ८;

कलुस. त्रि० (कलुष) ડોળું; મેલું; અસ્વચ્છ; કાદવવાળું. अस्वच्छ; कीचड वाला; मैला; गंदा. Muddy; turbid. भग० १, ३; ७; ७, ६; अणुजो० १३०; सूय० २, ३, २१; ओव० २१; विसे० १४६६; ओघ० नि० ५८५; तंदु० १६; नाया० १;

कलुस. पुं० न० (कालुष्य) પાપ કર્મ; ચિત્તની ડામાડોળ સ્થિતિ. पाप कर्म; बिगडी हुई मनोवृत्ति. Sinful action; troubled condition of mind. सूय० १, ५, १, २७; सम० ३०; दसा० ४, १; २१; ८, २१; भत्त० ५२; नाया० १; ६; उवा० ६, १७०; —आउलचेय. त्रि० (-आकुलचेतस्) દોષ પાપાદિકે કરી જેનું ચિત્ત મલીન છે તે. दोष पापादि से जिसका मन मलिन है वह. (one) whose mind is filthy on account of sin etc. दसा० ६, १५; २४; २५; —किलिट्ठ. त्रि० (-किल्बिष) અત્યન્ત મલિન. अत्यन्त मलिन. very filthy in mind. भग० १, ७; —समावण्ण. त्रि० (-समापन्न) ડામાંડોળ સ્થિતિને પામેલ. डावांडोल स्थिति को प्राप्त. one who is troubled in mind. भग० २, १; ६, ३३; ११, ६; नाया० ३; ८; —हियय. पुं० न० (-हृदय) દુષ્ટ-મલિન હૃદય. दुष्ट-मलीन हृदय. wicked heart. नाया० १६;

कलेवर. न० (कलेवर) શરીર; દેહ. शरीर; देह. Body; physical body. जीवा० ३; ४; सू० प० २०; ठा० ४, १; पन्न० १; जं० प० नाया० १२;

कलेसुय. न० (कलेसुक) એક જાતનું ઘાસ. एक जाति की घास. A kind of grass. सूय० २, २, ११;

***कलोवाइ.** स्त्री० (*) વાંસનો કરંડીયો. बांस का कंडिया. A small box of bamboo. आया० २, १, २, १०;

कल्ल. न० (कल्य) આવતી કાલ; બીજે દિવસ. आगामी काल; दूसरा दिन. Next day. निर० ३, ९; विवा० ७; दसा० ७, १; नाया० ८; १४; १६; सु० च० ७, ११२;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

भग० २, १; ३, १; ११, ६; ओघ० नि० १७३; विशे० १८७३; (२) प्रातःकाल; प्रभातनो समय. प्रातःकाल; प्रभात का समय. dawn. नाया० १; २; ५; ८; १३; १६; भग० १२, १; अणुजो० १६; उत्त० २०, ३४; ओव० १३; राय० २३८; उवा० १, ६३; (३) आरोग्य. नीरोग; आरोग्य. health. विशे० ३४४०;

कल्लाकल्लि. अ० (कल्पाकल्पम्) दिनदिन प्रत्ये; दररोज; हरएक रोज; प्रति दिन. Day by day; daily. नाया० ८; ६; १२; १४; १६; विवा० ३; ५; अंत० ३, ८; ५, ३; उवा० ७, १८४;

कल्लाण. न० (कल्याण = कल्योऽत्यन्तनीरुक्तया मोक्षस्तमानयति प्रापयतीति कल्याणः) सुखकर; कल्याणकारी; श्रेयस्कर. सुखकारी; कल्याणप्रद; श्रेयस्कर. Causing ease; giving comfort सू० च० २, ५८; वव० १०, १. जावा० ३, २; विशे०३४४१. सूय० २, ५. १२; दस० ४, ११; राय० २५; उत्त० १. ३८; ठा०३, १; आया० १, ०, १, १६६; ओव० नाया० १; ७; ६; १४; १६; १६; भग० २, १; ३, १; ७, १०; ६, ३३; पगह० २, १; सू० प० १८; उवा० ७, १८७; कप्प० १, ४; (२) ए नामनुं पर्वग जातनुं झाड. इस नाम का पर्वग जाति का झाड. a tree of that name. पन्न०१; (३) एक प्रकारना प्रायश्चित्तनुं नाम. एक प्रकार के प्रायश्चित्त का नाम. name of a kind of expiation. पिं० नि० भा०३८; (४) तीर्थंकरना छ कल्याणिकमांनुं गमे ते एक. तीर्थंकर के छः कल्याणों में से कोई भी एक. one of the six precepts of Tīrthaṅkara. पंचा० ६, २०; —कर. त्रि० (-कर) कल्याण करनार. कल्याण करनेवाला. one who accomplishes welfare. नाया० १५; —कारय. त्रि० (-कारक) कल्याण करनार. कल्याणकारी. one who confers welfare. नाया० १; —दियह. पुं० (-दिवस) जिनेश्वरना पांच कल्याणकनो दिवस. जिनेश्वर के पांच कल्याण का दिन. the day of the 5 Kalyāṇakas of a Tīrthaṅkara. पंचा० ६, २६; —परंपरा. स्त्री० (-परंपरा) कल्याणनी परम्परा. कल्याण की परम्परा. continuation or remote standing of Kalyaṇaka. भत्त० ६८;

—फलविवाग. पुं० (-फलविपाक) विपाक सूत्रनो सुखविपाक रूप एक भाग. विपाक सूत्र का सुखविपाक रूप एक भाग. a part of a Vipāk Sūtra called Sukha Vipāka. जं० प० १, ६; सम० ५७; —भागि. त्रि० (-भागिन्) मोक्षने भजनार. मोक्ष का सेवन करने वाला. one who enjoys final bliss. दस० ६, १, १३; —संपया. स्त्री० (-संपत्) कल्याणनी संपत्ति. कल्याण की संपत्ति पंचा० २, ४१;

कल्लाणग. पुं० (कल्याणक) पडिलेहणनो वखत वीत्या पछी पडीलेहण थाय तेनुं प्रायश्चित एक कल्याणक तप विशेष. प्रतिलेखना का समय बीतने के पश्चात् प्रतिलेखना कीजाय उसका प्रायश्चित्त-एक कल्याणक तप विशेष. A kind of expiatory penance for examining clothes etc. after the time for it has elapsed. ओघ० नि० भा० १७४; (२) त्रि० कल्याणकारी. कल्याण कारी. advantageous. पन्न० २; नाया० १;

कल्लाणि. पुं० (कल्याणिन्) एक जातनी

वनस्पति. एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation. भग० २१, ४; (२) त्रि० કલ્યાણકારી. सुखकारी. advantageous. पंचा० २, ४२;

कल्लाल. पुं० (कल्यपाल) દારુ-તાડી વેચનાર; પીઠાવાળો. दारु-मद्य बेचनेवाला; कलाल. A liquor merchant. अणुजो० १३१;

* **कल्लुय.** पुं० (कल्लुक) બે ઇંદ્રિયવાળો જીવ. दो इंद्रियों वाला जीव. A kind of two-sensed living being. पन्न० १,

कल्लोल. पुं० (कल्लोल) તરંગ; લહેર. तरंग; लहर. A wave. प्रव० १६६५; पराह० १, ३; ओव० २१;

कल्हार. न० (कल्हार) એક જાતનું સફેદ કમલ. एक जाति का सफेद कमल. A kind of lotus white in colour. पन्न० १;

कवचिया. स्त्री० (कवचिका) એક જાતનું ઠામ. एक जाति का पात्र A kind of vessel or utensil. भग० ११, ११;

कवड. न० (कपट) કપટ; છલ; ભાષા અને વેષનો પલટો કરી પોતાને અન્યથા સ્વરૂપે બતાવવું તે. कपट; छल; भाषा और भेष को बदल कर अन्य स्वरूप का दिखाना. Fraud; deceit; disguise. नाया० २;६; जं०प० भग० ७, ६; सूय० २, २, ६२; प्रव० १६७; भत्त० १२३; राय० २०७;

कवड्डिया. स्त्री० (कपर्दिका) કોડી. कौड़ी; एक प्रकार का सिक्का. A small, shell i. e. cowrie (used as a coin). सु० च० १, १७४;

कवय. पुं० (कवच) બખ્તર; કવચ. बख्तर; कवच. An armour. राय० ५६; ओव० ३०; पन्न० २; भग० ७, ६; नाया० २; (२) જાલ; સમૂહ. समूह; समुदाय. A collection; a net work. "मरीचि कवयं विणिमुयंते" जं० प० नाया० १;

कवल. पुं० (कवल) કોળીયો. कौर; ग्रास. A morsel. ओव० १६; वव० ८, १५; नाया० १; भग० ७, १; ६, ३३; २५, ७; प्रव० १६७; पंचा० १३, ४६; १६, १८; **—बत्तीस.** त्रि० (-द्वात्रिंशत्) બત્રીશ કોળીયા. बत्तीस कौर-कवल-ग्रास. 32 morsels. प्रव० ७४२; **—वुड्ढि.** स्त्री० (-वृद्धि) ચાન્દ્રાયણ વ્રતમાં શુક્લ પક્ષના પડવાથી હમેશ એકેક કોળીયો વધારે જમે છે જેમ કે પડવાના રોજ એક પછી અનુક્રમે પૂર્ણિમાના રોજ ૧૫ તે કવલ વૃદ્ધિ. कवल-वृद्धि—चांद्रायण व्रत में शुद्ध पक्ष की एकम से हमेशा एक २ कवल अधिक बढाते जाना-जैसे कि एकम को एक फिर अनुक्रम से पूर्णिमा को १५ कवल लेना. increasing of one morsel daily; i. e. takiag of one morsel on the first day or bright half of a month and then increasing of one morsel daily. Thus on the 15th day 15 morsels are to be taken. This is observed in an austerity styled Chandrāyana. प्रव० १५७०;

कवलिज्जंत. त्रि० (कवलयमान) ખવાતું. खायाहुआ. Eaten; taken as food. सु० च० २, ५३२;

* **कवल्ल.** पुं० (*) લોઢાનું ઠામ; કઢાઇ. लोहे की कढाई. An iron vessel; a cauldron. भग० ३, ३;

कवल्ली. स्त्री० (*) ગોળ ઉકાળવાનું ઠામ.

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

गुड उबालने का बरतन. A vessel in which treacle is boiled. विवा० ३;

कवाड. न० (**कपाल**) ખોપરી. खोपड़ी. The skull. नाया० ४;

कवाड. पुं० न० (**कपाट**) કપાટ; બારણું; દરવાજો. कपाट; द्वार. A gate; a door. उवा० २, ९४; प्रव० १३२७; पिं० नि० ३४७; जीवा ३, ४; ओव० सम० ८; अणुजो० १४६; नाया० ज० प० सु० च० १, ४५; अंत० ६, ३; राय १७६; नाया० १८; सम० प० २१०; जं० प० ३, ४३, (२) કેવલ સમુદ્ઘાત ક્રિયામાં કેવલી આત્માના પ્રદેશને બહાર કાઢી પ્રસારી કપાટને આકારે બનાવે તે. केवल समुद्घात क्रिया में केवली की आत्मा के प्रदेश बाहर निकालकर और फैलाकर दरवाजे के आकार की भांति बना देना. Universal projection of the soul by a Kevali by expanding it in the shape of a door. पन्न० ३६; —**भयश्र.** पुं० (**-भृतक**) બે હાથ અથવા ત્રણ હાથ જમીન ખોદે તો અમુક પૈસા આપીશ, એવી સરત કરી રાખેલો ચાકર. दो हाथ या तीन हाथ जमीन खोदनेपर इतने पैसे दूंगा, इस शर्त पर रक्खा हुआ नौकर. a labourer engaged with the contract of payment of a fixed amount of wages in return for the work of a digging ground to a fixed depth e. g. two or three arms. ठा० ४, १;

कवाल. पुं० न० (**कपाल**) ઘડાનો અર્ધ ભાગ. घड़े का आधा भाग; घड़े का अर्द्ध भाग. The half of an earthen pot. विशे० १६८७; दसा० ६, ४; आया० १, ६, ३, १०, (२) મસ્તક; ખોપરી. मस्तक; खोपड़ी. a brain. सु० च० ५, ५३; सूय० २, १, ४८;

कवि. पुं० (**कवि**) કવિતા કરનાર. कविता बनानेवाला; कवि. A poet. ठा० ७; अणुजो० १३१;

कवि. पुं० (**कपि**) વાંદરો. बंदर; वानर. A monkey. सूय० १, २, १०; विशे० ८६१; ओघ० नि० ६४३; सु० च० १, २६;

कविंजल. पुं० (**कपिञ्जल**) એક જાતનું પક્ષી. एक जात का पक्षी. A kind of bird; the Chātaka bird. सूय० २, २, १०; पन्न० १; उवा० ७, २१७;

कविंजलग. पुं० (**कपिञ्जलक**) જુઓ "**कविंजल**" શબ્દ. देखो "**कविंजल**" शब्द. Vide "**कविंजल**" पगह० १, १;

कविकच्छु. पुं० (**कपिकच्छु**) એક જાતની વેલ કે જેને અડતાં શરીરમાં ખરજ ઉત્પન્ન થાય છે. एक जात की वेल जिसको स्पर्श होतेही शरीर पर खुजली उत्पन्न होती है. A kind of creeper producing an itching sensation in the body by touch. जीवा० ३, १; पगह० २, ५;

कविट्ठ. पुं० (**कपित्थ—कपिस्तिष्ठत्यत्रेति कपित्थः**) વાંદરાને ગમતું બહુ બીવાળું ફલ; કોઠનું ફલ. बहुत बीजों वाला फल जो बंदर को प्रिय-रुचिकर होता है; कबीट. The fruit of the wood-apple tree full of seeds and much liked by monkeys. जं० प० आया० २, १, ८, ४३; उत्त० ३४, १२; सू० १, १८; पन्न० १, २; प्रव० २४६; भग० १८, ६; २२, ३; दस० ५, १, ७३; जीवा० १, ३, ४; निर० ३, २;

कविया. स्त्री० (**कविका**) લગામ. लगाम (जो घोडे वगैरह के मुंह में अटकाई जाती है) A bridle. सु० च० १०, ३२;

काविल. पुं० (**कपिल**) કપિલ નામના મુનિ: કપિલ કેવલી કે જે રાજા પાસે શું માગવું તેનો વિચાર કરતાં, પરિણામની ઉચ્ચ શ્રેણી

ઉપર ચડતાં, સંતોષ વધ્યો અને ત્યાં કેવલ જ્ઞાન ઉત્પન્ન થયું કે તરતજ શાસન દેવે આપેલ સાધુનો વેષ પહેરી, દીક્ષા લઇ ચાલી નીકળ્યા. कापिल नामक मुनि; कपिल नामक केवली जो राजा से क्या मांगना ? इसका विचार कर रहे थे कि विचार करते करते परिणामोंकी ऊपर की श्रेणी पर चढ गये और उस अवस्था में उन्हें संतोष प्राप्त हुआ तथा केवलज्ञान उत्पन्न हो गया, तब आपने तुरंतहां शासनदेव द्वारा दिया हुआ साधु का वेष पहिन कर दीक्षा ली और वहां से चल निकले. Name of a sage, who while pondering upon the boon that he should ask of a king, rose to a high stage of thought-activity, experienced content-ment, attained perfect know-ledge, became an ascetic, took Dikṣā and set out. उत्त० ८, २०; सु० च० १२, ५६; (२) ભુરો રંગ. भूरा रंग. tawny colour. ज० प० भग० ७, ६; (३) એક જાતનું કપિલ નામનું પક્ષી. एक जाति का कपिल नामक पक्षी. a kind of bird. पगह० १, १; जं० प० ओव० (४) કપિલ મુનિ- સાંખ્યશાસ્ત્ર પ્રણેતા અને તેના અનુયાયિઓ. कपिल मुनि और उस मत के अनुयायि–माननेवाले. name of the founder of the Sāṅkhya system of phylosophy also a follower of Kapila. ओव० ३८;

कविलत्र. पुं० (कपिलक) રાહુના પુદ્ગલના પંદર પ્રકારમાંનો એક. राहु के पुद्गल के पंद्रह प्रकार में से एक. One of the 15 varieties of the molecules of which the body of Rāhu is made. सू० प० २०;

कविसायण पुं० (कपिशायन) એક જાતની મદિરા. एक जाति की दारू. A kind of intoxicating drink पन्न० १७;

कविसीसत्र. पुं० (कपिशीर्षक) જુઓ "कविसीसग" શબ્દ. देखो "कविसीसग" शब्द. Vide 'कविसीसग' राय० ००४; जीवा० ३, ४;

कविसीसग. पुं० (कपिशीर्षक) કોશીશાં: ગઢમાંથી બહાર જોવાને તેમાં મુકેલા વાંદરાના માથાને આકારે બાંકા કાંગરા. गढ से बाहिर देखने के लिये उसमें रखे हुए बंदर के सिर के आकार के छेद. An indentation or hole in the wall of a fortification resembling a head of a monkey. ओव० जं० प० नाया० ५; अंत० १, १;

कविहसिय. न० (कपिहसित) આકાશમાં અકસ્માત્ બળતી ભયંકર જ્વાલા દેખાય તે. आकाश में अकस्मात दिखाई देनेवाली भयंकर ज्वाला. Unexpected, sudden flames in the sky. अणुजो० १२७; जीवा० ३, ३;

कवेल्लक. पुं० (*) પાત્ર વિશેષ: મ્હોટી કડાઇ. पात्र विशेष: बड़ी कढाई. A utensil; a big cauldron. भग० ३, १;

कवेल्लुय. पुं० (*) નળિયા. कवेलू A tile. जीवा० ३, १; (२) મ્હોટી કડાઇ; કડાઇઓ. बड़ी कढाई. a large-cauldron. जं० प० २, ३८;

कवोड. पुं० (कपोत) પારેવું. कबूतर. A

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ट नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

dove. पिं० नि० २१७;

कवोतालि. स्त्री० (*कपोतालि—कपोत पालिका) चिट्ठ; पक्षीने पालवानी जगा. पक्षियोंको पालने की जगह. A place set apart for taming birds. जीवा० ३,३;

कवोय. पुं० (कपोत) कबूतर; पारेवा. कबूतर. A dove; a pigeon. जीवा० ३; पन्न० १; ओव० आया० २, १०; १६६; उवा० ७, २१७; जं० प० २, २१; —**सरीर.** न० (-शरीर) पारेवाना शरीरना रंगवाळुं फल, कोळुं. कबूतर के शरीर के समान रंगवाला फल; भूरा कोला. name of a fruit of the colour of a dove; a kind of pumpkin gourd. भग० १५, १;

कवोयग. पुं० (कपोतक) पारेवुं. कबूतर. A dove; a pigeon. सूय० २, २, १०;

कवोल. पुं० (कपोल) गाल; लमणुं. गाल. A cheek; the temples. जीवा० ३, ३; ओव० १०; जं० प० —**मूल.** न० (-मूल) गालनुं मूल; लमणुं. कनपटी. the temples. कप्प० ३, ३३;

कव्व. न० (काव्य) काव्य; कविनी बनावेल कृति. काव्य; कवि का बनाई हुई कविता A poem; the work of a poet. अणुजो० १३०; ठा० ४, ४; जं० प० प्रव० १२४१; सु० च० १, १;

कव्वड. पुं० (कर्वट) कुत्सित नगर; अशोभितुं शहेर. शोभा रहित शहर. A city devoid of beauty. नाया० ८, १६; ओव० ३२; सूय० २, २, १३; पराह० १, ३; जीवा० ३, ३; भग० १, १; ३, ७; ७, ६; जं० प० ३, ६६;

कव्वरग. पुं० (कर्बटक) ७६मा ग्रहनुं नाम. ७६ वें ग्रह का नाम. Name of the 76th planet. सू० प० २०;

√कस. धा० II (कृश) शोषववुं; सुकवी नाखवुं. शोषण करना; शोखना; सुखा डालना. To dry up; to cause to evaporate.

कसेहि. आया० १, ४, ३, १३५;

कस. पुं० (कश=कस्ते शासनयाशासजनयति ताडयति वेति तथा) चाबखो; कोरडो. चाबुक. A whip. पराह० १, १; ३; २, ५; जं० प० उत्त० १, १२; १२, १६; विवा० ६; दसा० ६, ४; विशे० २०४२; (२) कर्म अथवा भव (संसार). कर्म या संसार. Karma; worldly existence. विशे० १२२८; २६७८; —**प्पहार.** पुं० (-प्रहार) चाबखाना प्रहार. चाबुक का प्रहार; चाबुक की मार. a stroke or lash of a whip. विवा० ३; नाया० २; १७;

कस. पुं० (कष) घसीने कसोटी करवी ते. कसोटीपर लगाना. Testing on a touch-stone. पंचा० १४, ३६;

कसट्ट. न० (*) कसतर; कचरो. कचरा. Refuse; dross. ओघ० नि० ५५७;

कसट्टिय. पुं० (कषपट्ट) कसोटीनो पथरो. कसोटी का पत्थर. A touch-stone. भग० ५, २;

कसर. पुं० (*) खंजवालवाथी उत्पन्न थयेलो रोग; खस. खुजाने से उत्पन्न रोग; खाज. A skin disease caused by scratching; itches. "कच्छूकसराभिभूया" भग० ७, ६; जं० प० —**अभिभूय.** त्रि० (-अभिभूत) खाजना रोगथी पीडा-

* जुओ पृष्ट नम्बर १५नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

येलो. खाज के रोग से पीडित. (one) suffering from itches. भग० ७, ६;

कसाय. पुं० (कषाय) भगवां वस्त्र. भगवां वस्त्र. A red cloth or garment. दसा० ६, ४; (२) कसायेलो रस. कसाया हुआ रस; उतरा हुआ रस; चलित रस. astringent taste. जीवा० ३, १; आया० १, ५, ६, १७०; उत्त० ३६, १८; पन्न० १; नाया० १; १७; जं० प० निसी० २, ४४; भग० २, १; १७, ३; १८, ६; २०, ५; २१, ७; २४, १; दस० ५, १, ९७; सम० २२; ठा० १, १; (३) पन्नवणा सूत्रना त्रीजा पदनुं सातमां द्वारनुं नाम. पराणवणा (प्रज्ञापना) के तीसरे पद का सातवां द्वार. name of the 7th Dvāra of the third Pada of Pannavaṇā Sūtra. पन्न० ३; (४) प्रज्ञापनाना चउदमां पदनुं नाम जेमां क्रोधादि चार कषायनुं वर्णन आपेलुं छे. प्रज्ञापना के चौदहवें पद का नाम जिसमें क्रोधादि चार कषायों का वर्णन है. name of the 14th Pada of Prajñāpanā dealing with the four Kaśayās. पन्न० ३; (५) सात समुद्घातोमांनी बीजी समुद्घात-जेमां कषाय मोहनीय कर्मनी निर्जरा थाय छे. सात समुद्घातों में से दूसरी समुद्घात जिसमें कषाय मोहनीय कर्म की निर्जरा होती है. the 2nd of the seven Samudghātas in which there is Nirjarā of Kaṣāya Mōhanīya Karma. पन्न० ३६; (६) जीवना शुद्ध स्वभावने कर्मरूप मेल लगाडी मलीन करे अने संसारनी वृद्धि करे ते क्रोध, मान, माया अने लोभ. जीवके शुद्ध स्वभाव को कर्म रूपी मेल लगाकर मलिन करने वाले तथा संसार भ्रमण की वृद्धि करने वाले क्रोध, मान, माया और लोभ रूप कषाय. the four moral impurities viz. anger, pride, deceit and greed which obscure the spotless nature of the soul and cause it to wander in the cycle of worldly existence. दस० ८, ४०; १०, १, ६; भग० १७, ३; २४, १; क० गं० १, ४१; ५, ६३; पन्न० १४; भत्त० ४८; गच्छा० ६७; पंचा० १७, ५२; कप्प० ४, ६५; जीवा० १; नाया० ५; आया० १, ८, ७, २; उत्त० ३१, ६; अणुजो० १२७; ओव० १६; **—अईय.** त्रि० (-अतीत) कषायरहित जीव; कषाय (कष+आय) संसारनी प्राप्ति करावनार; क्रोधादिथी रहित. कषाय रहित जीव; कषाय (कष+आय)-संसार की प्राप्ति-कराने वाले क्रोधादि भावोंसे रहित. (a soul) free from Kaṣāya i. e. anger etc. which are the causes of worldly existence. विशे० ७७७; **—उदय.** पुं० (-उदय) कषाय-क्रोध, लोभ वगेरेनो आविर्भाव. कषाय-क्रोध लोभ आदिका आविर्भाव (वृद्धि). rise, manifestation of Kaṣāya i. e. anger greed etc. क० प० १, ४२; ६, ७४; **—कलि.** पुं० (-कलि) कषाय रूपी क्लेश. कषाय रूप क्लेश. mental agony, trouble in the form of Kaṣāya, such as anger etc. भत्त० १५१; **—चउक्क.** न० (-चतुष्क) कषायनी चोकडी; क्रोध, मान, माया अने लोभ. कषाय की चोकडी; क्रोध, मान, माया, और लोभ. the group of the four passions viz. anger, conceit, deceit and greed. क० गं० ६, ७७; **—जय.** पुं० (-जय) क्रोध, मान, माया अने लोभ ए चार ने जीतवं ते; कषाय जय. क्रोध, मान, माया और लोभ

इन चारों को जीतना. conquest over the four passions viz. anger, conceit deceit and greed. प्रव० ५६२; —ट्ठग. न० (-अष्टक) કષાયની આઠ પ્રકૃતિ; અપ્રત્યાખ્યાની અને પ્રત્યાખ્યાની ચોકડી. कषाय की आठ प्रकृति-भेद; अप्रत्याख्यानी और प्रत्याख्यानी चोकडी. the eight-fold nature of Kaṣāya viz. four Apratyākhyānī and four Pratyākhyānī. क० गं० ६, ८२; —णिव्वत्ति. स्त्री० (-निर्वृत्ति) ક્રોધાદિ કષાયની ઉત્પત્તિ. क्रोधादि कषायों की उत्पत्ति. the rise of Kaṣāya viz. anger. etc. भग० १६, ८; —पच्चक्खाण. न० (-प्रत्याख्यान) ક્રોધ આદિ કષાયનો ત્યાગ. क्रोधादि कषाय का त्याग. giving up, abandoning Kaṣāya i. e. anger etc. उत्त० २९, २; —पडिसंलीणता स्त्री० (-प्रतिसंलीनता) કષાયને લય કરવો તે. कषाय का लय करना नाश करना. destruction, assuaging of Kaṣāya. भग० २५, ७; —पिसाअ. पुं० (पिशाच) કષાય રૂપી પિશાચ. कषाय रूप पिशाच. a ghost, an evil spirit in the form of Kaṣāy. भत्त० ५७; —पमाअ पुं० (-प्रमाद) કષાયરૂપ પ્રમાદ. कषायरूप प्रमाद. negligence, blunder in form of Kaṣāya. ठा० ६, १; —मोहणिज्ज. न० (मोहनीय) કષાયરૂપ મોહનીય કર્મની પ્રકૃતિ. मोहनीय कर्म की कषायरूप प्रकृति. a variety of Mohaniya Karma in the form of Kaṣāya. उत्त० ३३, १०; —रस. त्रि० (-रस) કસાયેલો રસ. कशाय-कडवा रस. astringent in taste भग० ८, १; —वयण. न० (-वचन) ક્રોધયુક્ત વચન. ગુસ્સાના શબ્દ. क्रोधयुक्त वचन; गुस्सा भरे शब्द. angry words. सूय० १, ३, १, १५; —विउस्सग्ग. पुं० (-व्युत्सर्ग) કસાયનો પરિત્યાગ. कषाय का परित्याग. giving up, abandonment of Kaṣāya i. e. anger etc. भग० २५, ७; —विजय. पुं० (-विजय) ક્રોધાદિક કષાયનો વિજય કરવો તે. क्रोधादि कषाय पर विजय प्राप्त करना. conquest over Kaṣāya i. e. anger etc. प्रव० १५२६; —समुग्धाय. पुं० (-समुद्घात-कषायैः क्रोधादिभिर्हेतुभूतैः समुद्घातः कषाय-समुद्घातः) ક્રોધાદિ કષાયને ઉદયે જીવના પ્રદેશ શરીર અંદર અને બહાર વિસ્તરવાથી નેત્ર વિકાર કે મુખવિકારનું થવું અને કષાય મોહનીયના ભોગવટો કરી કષાયના પુદ્ગલોને નિર્જરવા તે. क्रोधादि कषाय के उदय से जीव प्रदेशों का शरीर के भीतर और बाहिर विस्तृत हो जानेसे नेत्र विकार या मुखविकार होना और कषाय मोहनीय कर्म का भोगने पर क्षय होजाने से कषाय पुद्गलों की निर्जरा होना. deformation in eyes and face caused by the expansion of the molecules of soul in the body due to the rise of Kaṣāya (passions) and destruction of the molecules of Kaṣāya after enduring them. सम० ६; जीवा० १; ठा० ४, ४; भग० ११, १; २४, १; ३४, १; पन्न० ३६;

कसायकुसील. पुं० (कषायकुशील = कषायैः संज्वलन क्रोधाद्युदयलक्षणैः कुशीलः कषाय-कुशीलः) કષાયયુક્ત; સાધુ; ૭ પ્રકારના નિર્ગ્રંથમાંનો એક. कषायवाला साधु क्रोधादि भावयुक्त साधु; छ प्रकारके साधुओं में से एक. An ascetic full of Kaṣāya, one

of the six kinds of Nigranthas i. e. ascetics. भग० २५, ६; पराह० ६३;

कसाय कुसीलत्त. न० (कषाय कुशीलत्व) કષાયકુશીલપણું. कषाय भावसे कुशीलपना. Evil conduct arising from Kaṣāya. भग० २५, ६;

कसायपद. न० (कषायपद) પન્નવણા સૂત્રના ચોથા પદનું નામ. प्रज्ञापना सूत्र के चौथे पद का नाम. Name of the fourth Pada of Pannavanā Sūtra. भग० १८, ४;

कसायात. पुं० (कषायात्मन्) કષાયવાળો આત્મા. कषायवाला आत्मा. A soul full of Kaṣāya. भग० १२, १०,

कसाहि. पुं० (कशाहि) એક જાતનો મુકુલિત સર્પ. एक प्रकार का मुकुलित सर्प. A kind of snake. पन्न० १;

कसि. पुं० (कृषि) ખેતી; કૃષિકર્મ. खेती; कृषि. Agriculture. जीवा० ३, ३; क० प० २, ६५;

कसिण. त्रि० (कृत्स्न) પુરેપુરૂં; સંપૂર્ણ. परिपूर्ण; संपूर्ण. Whole; full; all; entire. दसा० १०, १३; निसी० ८, १२; श्रोव० ४०, अणुजो० ५०; भग० २, १०; ६, ३१; दस० ८, ४०; माया० १४; जं० प० ७, १६६; (२) અખંડ; છડાયેલ નહીં; ખંડિત ન થયેલ. समग्र; अखंड; टुकडे वगैरह जिसके न हुए हों वह. unbroken; entire. कप्प० १, १; ५, १६; क० प० ७, ३; ४५; आया० २, १, १, २; वेय० ३, ५; निसी० ४, १६; (३) पुं० પરિપૂર્ણ સ્કંધ મહાસ્કંધ; જેનાથી મ્હોટો બીજો સ્કંધ નથી તે. परिपूर्ण स्कंध, महास्कंध; सबसे बडा स्कंध. a perfect, complete Skandha or molecule. विशे० ८६७; —**अब्भपुड.** पुं० (-अभ्रपुट) સમ્પૂર્ણ અભ્રમણ્ડલ (બાદલ) નો પડ. सम्पूर्ण बादल का पडल; सम्पूर्ण अभ्रपटल. The entire vault of the sky. "कसिणब्भ पुडावगमेव चंदिमा" दस० ८, ६४; —**चणग.** पुं० (-चणक) આખા ચણા. अखंड चना. chick-pea; gram. प्रव० १०१०; —**संयम.** पुं० (-संयम) સર્વરીતે સાવદ્યનો ત્યાગ; સર્વ વિરતિ. सावद्य का त्याग; पापानुष्ठान का सर्वथा त्याग; सर्व विरति. complete renunciation of sinful things. पचा० ६, ४०;

कसिण. त्रि० (कृष्ण) કાળું; કાળાશવાળું. काला. Black. "आणामिय चावरुइरत्तणु कसिण सिध्धभूया" जीवा० ३, २, सु० च० २, २३६; पन्न० २; श्रोव० १०; ठा० १०; कप्प० ३, ३६; क० गं० १, ४२;

कसिणा. स्त्री० (कृत्स्ना) જે પ્રાયશ્ચિતમાં અધિક સમાઈ શકે નહીં તે; પ્રાયશ્ચિતનો એક પ્રકાર. जिस प्रायश्चित में अधिक शामिल न हो सके वह प्रायश्चित्त; प्रायश्चित्त का एक भेद. A variety of expiation; an expiation which has reached the highest limit and which cannot admit any more. ठा० ५, २; सम० २८;

कसेरु. पुं० (कशेरु) પાણીમાં ઉત્પન્ન થતો કશેરુ નામનો પ્રસિદ્ધ કંદ. पानी में पैदा होनेवाला कशेरु नामक प्रसिद्ध कंद. A bulbous root growing in water and named Kaśeru पन्न० १;

कसेरुग. पुं० (कसेरुक) કસેરૂ નામની પાણીમાં ઉગતી વનસ્પતિ. पानी में उत्पन्न होनेवाली कसेरु नामक वनस्पति. Name of aquatic plant. सूय० २, ३, १८; आया० २, १, ८, ४७;

कस्सई. अ० (कस्यचित्) કોઇ એકનું.

किसी एक का. Of some one; belonging to some one. दस० ८, १०;

कह. धा० II. (**कथ्**) કહેવું; બોલવું. कहना; बोलना. To tell; to speak; to say.

कहेइ. निसी० ८, २; नाया०ध०उवा०१, ६०;

कहंति. ओव० २१;

कहिंति. नाया० १६;

कहिज्जा. वि० दस० १०, १,१०;

कहिज वि० पिं० नि० ३१४;

कहाहि. आ० सूय० १, ११, ३;

कहसु. आज्ञा० सु० च० १, ४६;

कहेसु. सु० च० ५, ६;

कहय. उत्त० २५, १६;

कहेमाण. दसा० ३, २६; सम० ३३;

कहमाण. गच्छा० ३२;

कहिउं. सु० च० ३, ८२;

कहिज्जए. क० वा० विशे० ५८५;

कहिज्जउ. क० वा० सु० च० ४, २४०;

कहिज्जाहि. क० वा० आज्ञा० पिं० नि० ४३२;

कहिज्जंत. क० वा० व० कृ० सु०च० ७,१४६;

कह. अ० (**कथम्**) કેમ; શામાટે; કેવી રીતે. क्यों; किसलिये; किस तरह. Why; how. नाया० २; ६; ७; भग० ७, ६;

कहं. अ० (**कथम्**) કેમ? શામાટે? કેવીરીતે? किस प्रकार? How? why? नाया० १; ५; ६; ७; ८; १०; १८; भग० १, ३; २, ५; ३, १; ५, ५; ६; १५, १; १६, ६; २०, ८; २५,८; दस०२,१;४,७;६,२;२४;२५;दसा०४, १०५; विशे० ३०, १२७; सु०प०१; सूय०१, १, ३; १०; १, २; ३; जं० प० ७, १४१;

कहंचि. अ० (**कथंचित्**) કોઇ પ્રકારે; किसी प्रकार से. In some way or other; some how or other. पंचा० ५, ३५;

√**कहकह.** ना० धा० II. (**कहकह**) કહકહ એવો આવાજ કરવો. कहकह ऐसा आवाज करना. To make a sound resembling the sound of the word Kahakaha.

कहकहति. जीवा० ३, ३;

कहकहंत. पराह० १, ३; जं० प० ५, १२१;

कहकह. पुं० (**कहकह**) ઘણા જણનો ખુશાલીનો અવાજ. कोलाहल; शोर. Bustling noise. राय० ८६;

कहकहअ. पुं० (**कहकहक**) આનંદનો કલકલ શબ્દ. आनंद का कलकल शब्द. A joyous bustling sound. ठा० ३, १;

कहकहक. पुं० (**कथकथक**) કહકહ એવો ખુશાલીનો પોકાર. 'कहकह' रूप हर्षोद्गार; खुशाली की पुकार. A joyous sound resembling the pronounciation of the word Kahakaha. आया० २, १५, १७६;

कहकहग. पुं० (**कहकहक**) કોલાહલ. कोलाहल. Bustling sound. कप्प० ५, ६६;

कहग. पुं० (**कथक**) કથા કરનાર; કથા ઉપર આજીવિકા ચલાવનાર. कथा करनेवाला; कथा करके आजीविका करनेवाला. A professional story-teller राय० अणुजो० ६२; ओव० जं० प० निसी० ६, २२; जीवा० ३, ३; कप्प० ५, ६६; प्रव० ६३६;

कहण. न० (**कथन**) કથન; વર્ણન; કહી બતાવવું. कहना; कथन; वर्णन. Telling; describing; narrating. विशे० ८६४; पिं० नि० ८०; १६०; १६२; सु० च० २, ३५०; नाया० ८; नंदी० ४१;

कहणा. स्त्री० (**कथन**) કથન. कथन. Narration विशे०८४६;पंचा०६, १३;१२, १५;

कहवि. अ० (**कथमपि**) કોઇ પણ રીતે. कोई भी रीति से. In some way or other; anyhow. गच्छा० ८६;

कहा. स्त्री० (**कथा**) કથા; વાર્તા; સમાચાર; કથા-વાદ, જલ્પ, વિતંડા, પ્રકીર્ણ અને

निश्चय એ પાંચ પ્રકારની કથા. कथा; समाचार; वार्ता–वाद, जल्प, वितंडा, प्रकीर्ण और निश्चय, ये पांच प्रकार की कथा. A story; a news; a description. "तिविहा कहा पएणत्ता तंजहा अत्थ कहा धम्मकहा कामकहा" ठा० ३, ३; गच्छा० ११५; कप्प० ३, ५६; भग० २, ५; ७, ६; ६, ३३; ११, ११; दस० ८, ४२; नाया० १; ३, ५; ८, १३, १६; सम० ९; १२; उत्त० १६, ६; २६, २६; ओव० ११; ३८, दसा० ३; २६; ३१; निसी० ८, १; उवा० २, ११७;—अहिकरण. न० (–अधिकरण) કથાના અધિકારવાળું. कथा का वर्णन करने वाला शास्त्र. A scripture containing stories or teaching through stories. दसा० ६, २५; —समुल्लाव. पुं० (–समुल्लाप) પરસ્પર વાર્તાલાપ. परस्पर वार्त्तालाप; आपस में बातचीत. mutual conversation. नाया० ८; ६;

कहाणग. न० (कथानक) કથા, વાત; कथा; कथानक; वर्णन. A story; a narration. नंदी० ५०;

कहि. त्रि० (कथिन्) કહેનાર. कहने वाला. (One) who tells; a teller. "महाधम्म कही" उवा० ७, २१८; जं० प० १, १;

कहि. अ० (क) ક્યાં; કયે ઠેકાણે. कहां; किस जगह. Where? at what place? जं० प० जीवा० ३; नाया० १३; पन्न० २; भग० २, १; ७; ३, २; ६, १; ६, १; १२, १; १३, ४;

कहिअ–य. त्रि० (कथित) કહેલું. कहा हुआ. Told; narrated. नाया० १, २; ५; ६; १६; भग० १, १; २, १; पंचा० १७, ३०;

कहिं. अ० (क) ક્યાં? कहाँ? Where? जीवा० १; राय० नाया० ८; १३; १४; १६; सु० च० ३, ६२; भग० २, १; ३, १; ५; ५, ३; ६, ५; ७, ६; ६. ३३; १४, १; १५, १; ३२, १; अणुत्त० १, १; पिं० नि० ३७६; सू० प० १;

कहिं. अ० (कदा) ક્યારે. कब; किस समय. When? भग० २०, ८;

कहिंचि. अ० (कचित्) ક્યાંયપણ; કોઇસ્થલે. कहीं भी; किसीभी स्थान पर. In some place; in some place or other. विशे०१६२७;नाया० १;आया०१,७,२,२०२;

कहित. त्रि० (कथित) કહેલ. कहा हुआ. Told; said; narrated. सू० प० १;

कहित्तार. त्रि० (कथयितृ) કહેનાર; બોલનાર. कहनेवाला; बोलने वाला. (One) who tells; a teller; a speaker. दसा० ३, ३१; उत्त० १६, ६; सम० २;

कहेत्तार. त्रि० (कथयितृ) કહેનાર. कथन करने वाला; कहनेवाला A speaker; a teller; (one) who tells. "इत्थिकहं भत्तकहं रायकहं कहेत्ता भवइ" ठा० ४, २; सम० २२;

कल्हार. न० (कल्हार) સંધ્યા વિકાશી સફેદ કમલ. संध्या का फूलने वाला सफेद कमल. A white lotus blooming in the evening. सूय० २, ३, १८;

√**का.** धा० I. (कृ) કરવું. करना. To do.

कासिया. विधि० सूय० १, २, १, १७;

काहिइ–ति. भवि० भग० ३, २; ६, ३३; ११, १२; १४, ८; १५, १; १८, १०; नाया० १५; १६; विशे० ६६८;

काही. नाया० ध० ६; दस० ४, १०;

काहिंति. भग० ३, १; १५, १; नाया० १; नाया० ध० १०; ओव० ४०; उत्त० ८, १६; पिं० नि० २३६;

कासी. भूत० सूय० १, १, ३, ८; आया०

१, १, ४, ३२; उत्त० १, १०;
काऊणं. जं० प० नाया० १८, १६; विशे० १५२; पिं० नि० ३; भग० १४, २;
काउं. सं० कृ० भग० १, ८; ३, ५; ६, ३३; १५, १; सु० च० १, २०७; दसा० १०, १; नाया० ध०; नाया० १६; श्रोव० ४०; पिं० नि० भा० ३०;
काउं. हे० कृ० भग० ४, २; नाया० १८;
कट्टु. सं० कृ० दस० ८,३१; वेय० १, ३७; ७, १७, सू० प० १; पन्न० ३६; श्रोव० ११; जं० प० ५,११५; ११२; १२२; २, ३३; ३, ४५; अणुजो० १३; ७१; निसी० ७,३१; १४, १२; १८, १७; श्राया० १, ५ १, १४४; २, १, ३, १५; उत्त० ३, २; ११; नाया० १; ५; ८; १४; भग० १, १; २, १; ५; ३, १; ५, ४; ६, ५; ७, ६; ६,३१; १६,५; वेय०१,१३;५, ५;

√**का.** धा० I. सं० कृ० अ० (कृत्वा) करीने. करके. Having done.
किच्चा. नाया० १; ६; १४; १६; श्राया० १, ७, ६, २२१; सूय० १, १, १०; श्रोव० ३८; भग० १, १; ८; २, १; ३, १; ७, ६; ८, ५; १५, १; दस० ५, २, ४७; ८, ४६; निर० ३, १; दसा० ६, १; ६, ११;

काइ. अ० (काचित्) कोई स्त्री जाति विशेष पदार्थ. कोई स्त्री जाति विशेष वस्तु. Somebody; someone; (said of of an object in the feminine gender). वेय० ५, ११; विशे० १२२;

काइय. त्रि० (कायिक-कायेन शरीरेण निर्वृत्तः कायिकः) शरीरसंबन्धी; शारीरिक. शारीरिकः शरीरसंबन्धी Physical; relating to the body. श्राव० १, ४; श्रोव० ३२; विशे०२३३;३५५; उत्त० ३२,१६;

काइया. स्त्री० (कायिकी) शरीरना व्यापारथी थती क्रिया; पांच क्रियामांनी एक. शरीर के व्यापार से होनेवाली क्रिया; पांच में से एक क्रिया. One of the five activities viz. physical activity. पन्न० २२; समं० ५; ठा० २, १; श्रोघ० नि० २४१; भग० १, ८; ३, १; २; ६, ५, ६; ८, ३;

काई. न० (काकी) कागडी. कौवी (कौवा का स्त्री लिङ्ग). A female crow. विवा० ३; —**अंडअ.** न० (-अण्डक) कागडीना ईंडा. कौवी का अंडा. an egg of a female crow. विवा० ३;

काउ. स्त्री० (कापोती) कापोत लेश्या; पारेवाना रंग जेवा कर्म स्कंधो के जेना योगे जीवने तद्दन काळा नहि पण सफेदनी झांखवाळा परिणाम थाय ते कापोत लेश्या. कापोत लेश्या; कबूतर के रंग के समान कर्म-स्कंध, जिनके संयोग से जीव के बिलकुल काले परिणाम न होकर सफेदी की झांईवाले परिणाम हो ऐसे परिणामों को कापोत लेश्या कहते हैं. Dove coloured tint; grey colour of Karmic molecules resembling that of a dove. पन्न० १७; उत्त० ३४, ३; ५६; क० गं० ४, १६; जं० प० ५, ११५; —**लेसा.** स्त्री० (-लेश्या) छ लेश्यामांनी त्रीजी कापोत लेश्या. छः लेश्याओं में से तीसरी कापोत लेश्या. the third of the six matter or thought tints viz. dove coloured tint. श्राव० ४, ७; प्रव० ११७३; —**लेस्सा.** स्त्री० (-लेश्या) कापोत लेश्या; पारेवाना रंग जेवा के अलसीना फूल जेवा कर्मस्कंधो के जेना योगे तद्दन काळा नहिं पण कंईक सफेदनी झांईवाळा आत्माना भुखरा परिणाम थाय ते. कापोत लेश्या अर्थात् कबूतर के रंग के समान

कर्मस्कंधों के संयोग से होनेवाले जीव के ऐसे परिणाम जो बिलकुल काले नहीं किन्तु सफेदी की झांई लिये हुए हों. dove coloured Karmic molecules which impart a grey colour to the modifications of the soul; dove coloured tint. भग० १, १; ७, ३; १८, ३; २४. ६; २६, १; ३१, ४; ३३, ४; ३५, ४; सम० ६; पन्न० २७; उत्त० ३४ ६; जीवा० १; ठा० १, १;

काउअग्गिवरणाभ. त्रि० (कपोताग्निवर्णाभ) કપોત અથવા ધમેલ અગ્નિના વર્ણ જેવી કાંતિ જેની છે તે. कबूतर अथवा धमी हुई अग्नि के वर्ण समान. One whose colour is grey like that of a dove or like that of a fire blown with a blower. दसा० ६, १;

काउंबरि. पुं० (काकोदुम्बरि) એક જાતનું ઝાડ. एक वृक्ष का नाम. A Kadamba tree; a kind of tree. जीवा० १; पन्न० १;

काउंबरिय. पुं० (काकोदुम्बरिक) વૃક્ષ વિશેષ. एक तरह का झाड. A kind of tree. भग० २२, ३;

काउकाम. त्रि० (कर्तुकाम) કરવાની ઇચ્છાવાળું. करने की इच्छा वाला. Desirous of doing or performing. ओघ० नि० ५३७;

काउज्जुयया. स्त्री० (कायर्जुकता) શરીર યોગની સરળતા; સીધાપણું. शरीर योगका सीधापन; शरीर योग की सरलता. Straightforwardness of physical activities. ठा० ४, १; भग० ८, ६;

काउदर. पुं० (काकोदर) એક જાતનો ફેણવાળો સર્પ. एक प्रकारका फन वाला सर्प. A kind of hooded serpant. पन्न० १;

काउरिस. पुं० (कापुरुष) કાયર; બીકણુ. कायर; डरपोंक. Timid; cowardly. गच्छा० २७; सु० च० ७, १६४; आउ० ६४;

काउलि. स्त्री० (काकोली) એક જાતની વનસ્પતિ. एक तरह की वनस्पति. A kind of vegetation. भग० २३, ५;

काउसग्ग. पुं० (कायोत्सर्ग) કાયાના વ્યાપારનો ત્યાગ કાઉસગ્ગ કરવો તે. शारीरिक क्रिया का त्याग; कायोत्सर्ग करना. Act of stopping the activities of the body and meditating upon the soul. आव० १, १; कप्प० ६, ५२; नंदी० ४३, उत्त० २६, ३८; २६, २; वेय० १, १६; नाया० १; ५; भग० २, १; (२) આવશ્યક સૂત્રના પાંચમા અધ્યયનનું નામ. आवश्यक सूत्र के पांचवें अध्याय का नाम. name of the fifth chapter of Āvaśyaka Sūtra. अणुजो० ५६;

काओदर. पुं० (काकोदर) એક જાતનો સર્પ. एक प्रकार का सर्प. A kind of serpant. पण्ह० १, १;

काओय. पुं० (कापोत) જુઓ "काउ" શબ્દ. देखो "काउ" शब्द; Vide "काउ" पन्न० २,

काओली. स्त्री० (काकोली) એ નામની એક વનસ્પતિ. एक वनस्पति विशेष का नाम. Name of a kind of vegetation. पन्न० १;

कांची स्त्री० (काञ्ची) કાંચી નામની એક નગરી. कांची नाम की नगरी. Name of a town. प्रव० ८०६;

काक. पुं० (काक) કાકડો कौआ. A crow. भग० १;

काकंतिअ. पुं० (काकन्तिक) લોંકડી. लोमडी. A fox जं० प०

कांकंदिया. स्त्री० (काकंदिका) કાકંદી નામની નગરી. काकंदी नामक नगरी. A town

named Kākandī. नाया० ६;

काकंदी. स्त्री० (काकन्दी) જિતશત્રુ રાજાની કાકંદી નામની નગરી કે જેમાં ધન્ના અણગારનો જન્મ થયો હતો. जितशत्रु नामक राजा की एक नगरी जिसमें कि धन्ना अणगार का जन्म हुआ था. A town named Kākandī belonging to king Jitaśatru where the ascetic Dhannā was born. अणुत्त० ३,१; ठा० ५,१;

काकणी स्त्री० (काकिणी) ચક્રવર્તીના ૧૪ રત્નમાંનું એક રત્ન. चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में से एक रत्न. One of the fourteen jewels of a Chakravartī. ओव० ४०;

काकलि. पुं० स्त्री० (काकली) એક જાતની વનસ્પતિ. एक प्रकार की काकली नामक वनस्पति A kind of vegetation so named. भग० २२, ६;

काग. पुं० (काक) કાગડો. कौआ. A crow. अणुजो० १३१; पराह १, १; पन्न० १; पिं० नि० ४५४; भग० ३, २; श्रोघ० नि० ५६३; (२) કાક નામનો ગ્રહ. काक नामक ग्रह. a planet so named. ठा० २, ३;

❀ **कागणि** न० (राज्य) રાજ્ય. राज्य. A kingdom. (२) એ નામની એક વેલ. एक प्रकार की लता का नाम. a creeper of that name. पन्न० १; ચક્રવર્તિના ચૌદરત્નમાંનું એક કે જેથી ચક્રવર્તી તિમિસ ગુફામાં પ્રકાશ કરવાને માંડલા આલેખે છે. चक्रवर्ति के चौदह रत्नों में से एक कि जिससे चक्रवर्ति तिमिस गुफा में प्रवेश करते समय प्रकाश के हेतु मंडल खींचते हैं. one of the fourteen jewels of a Chakravartī by which he draws circles to produce light in dark cavas. ठा० ७, १; पन्न० २०; —रयण. न० (-रत्न.) ચક્રવર્તીનું કાકિણી નામનું રત્ન. चक्रवर्ती का काकणी नामक रत्न. a jewel named Kākiṇī belonging to a Chakravartī. ठा० ७, १; पन्न० २०;—लक्खण. न०(-लक्षण) કાકણિ રત્નને જોવાની કળા. काकणि रत्न को देखने की कला. the art of viewing the Kākiṇī jewel. नाया० १; ओव० ४०;

कागणी. स्त्री० (काकिणी) કોડી; સોનું રૂપું માપવાનું એક વજન; સવા ચણોઠીભારનું માપ; માસાનો ચોથો ભાગ. सोना चांदी तोलने का एक प्रकार का वजन; माशे का चौथा भाग; सवा रत्ती (गुंजा) भर वजन. A cowrie; a small measure of weight equal to about two grains used in weighing gold and silver. अणुजो० १३३; पराह० १, ३; ओव० ३८;

कागस्सर. पुं० (काकस्वर) કાગડાની પેઠે કઠોર સ્વરથી ગાવું તે; ગાયનનો એક દોષ. कौआ के समान कठोर स्वर से गाना; गायन का एक दोष Singing with a harsh sound like that of a crow; a fault in singing. जं० प० ३; अणुजो० १२८;

कागिणी. स्त्री (काकिणी) ચક્રવર્તીના ૧૪ રત્નમાંનું એક રત્ન કે જેને છ તલા, આઠ ખુણા અને બાર હાંસો હોય છે. चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में का एक रत्न जिस के कि छ तह आठ कोने और बारह बाजु होती हैं. One of the fourteen jewels of a Chakravartī, having six facets; eight angles and twelve sides. सूय० २, २, २६; सम० १४; जं० प० प्रव० १२२८; (२) કોડી; માસાનો ચોથો હિસ્સો. मासे का चोथा हिस्सा; दो रत्ती भर वजन. a cowrie; a measure of

weight of about two grains. उत्त० ७, ११; —मंस. न० (-मंस) કોડીને આકારે કોડી જેવડા માંસના કકડા શરીર માંથી કાઢવા તે. शरीरमें से कौडी जैसे मांसके टुकडे निकालना. taking off pieces of flesh of the size of a cowrie. विवा० २,—खाइम. न० (-खादिम) કોડી પ્રમાણે કકડા કરી પોતાનું માંસ પોતાને ખવડાવે તે. कोडी बराबर टुकडे करके अपना मांस अपने को ही खिलाना. feeding oneself with one's own flesh in pieces as a cowrie दसा० ६, ४; —खावेयंग. त्रि० (-खादिताङ्ग) કોડીને આકારે માંસના કકડા કરવા તે; એક પ્રકારની શારીરિક શિક્ષા. कोडी के आकार बरोबर मांस के टुकडे करना; एक प्रकार का शारीरिक दंड. a kind of physical punishment viz. slicing one's flesh into pieces as small as a cowrie. सूय० २, २, ६३;

कागी. स्त्री० (काकी) કાગડી. कौवी. A female crow. (२) કાકડાસંબંધી વિદ્યા. कौआ सम्बन्धी विद्या. a science in connection with crows. विशे० २४५३;

काण. त्रि० (काण) એક આંખવાળો; કાણો. एक आंखवाला; काना. One-eyed. अणुजो० १२८; पण्ह० १, १; नाया० १४; दस० ७, १२; पिं० नि० ४७४; प्रव० ८०२;

काणक. न० (काणक) બાણ. बाण; बान. तीर. An arrow. जं० प०

काणग. न० (काणक) કાણ-શેરડીનો એક રોગ કે જેથી તેમાં છિદ્ર છિદ્ર પડિ જાય. सांटे का एक रोग जिसमे कि उसमें छेद पड़ जावें. A sugarcane with a disease in it which makes it full of small holes. (२) તેવા છિદ્રવાળી શેરડી. ऐसे छेदों वाला गन्ना. a sugarcane with small pin-holes. आया० २, १, ८; ४८;

काणग. त्रि० (काणक-मुषित) ચોરેલું. चुराया हुआ. Stolen. प्रव० ८०३; —महिस. पुं० (-महिष) ચોરેલો પાડો; ચોરાવ પાડો. चुराया हुवा भैंसा. a stolen buffalo. प्रव० ८०३;

काणण. न० (कानन) શહેરની પાસેનું વન; પ્રકીર્ણ ઝાડોવાળું વન. शहर के पास वाला बन; प्रकीर्ण झाडों वाला बन. A forest in the outskirts of a town; a forest with trees lying scattered here and there. पण्ह० १, ४; नाया० १; भग० ५, ७; राय० २०१; अणुजो० १३४; सु० च० ७, ५; भत्त० २;

काणत्त. न० (काणत्व) એક આંખપણું; કાણાપણું. काना पन. State of being one-eyed. आया० १, २, ३, ७८;

काणिय. न० (काण्य) કાણાપણું; રોગથી કે ગર્ભમાંથીજ એક આંખની ખામી રહી ગઇ હોય તે; ૧૬ રોગ માંનો એક રોગ. कानापन; रोग से अथवा गर्भ में से ही एक आंख की न्यूनता होना; सोलह रोगों में का एक रोग. State of being one-eyed; one of the sixteen diseases. आया० १, ६, १, १७२;

कात्तिय पुं० (कार्तिक) કાર્તિક મહિનો. कार्तिक मास. The month Kārtika. प्रव० १४७२;

कादंब. पुं० (कादम्ब) એક જાતનો હંસ. एक प्रकार का हंस. A kind of goose. पण्ह० १, १;

काहूसणिया. स्त्री० (कद्रूषणिका = कं आत्मानं दूषयति तैमस्काय परिणामेन परिणमनात्

कदूषणा सैव कदूषाणिका-दीर्घनाच प्राकृतत्वात्) तमस्कायना प्रभावथी मंद थयेली चंद्रनी कान्ति. तमस्काय के प्रभाव से मंद हुई चन्द्र कान्ति. The luster of the moon dimmed on account of the power of dark bodies. भग० ६, ५;

कापालिअ. पुं० (कापालिक) कापालिक योगी. कापालिक योगी; खोपड़ियें रखनें वाला योगी. A Kapālika ascetic. अणुजो० १३१;

कापिसायण. न० (कापिशायन) એક જાતનો મદિરા. एक तरह की मदिरा. A kind of intoxicating drink. जीवा० ३, ४;

कापुरिस. पुं० (कापुरुष) કાયર પુરુષ. कायर पुरुष; डरपोक आदमी. A timid, worthless person. नाया० १; पराह० २, १;

काम. पुं० (काम काम्यन्तेऽभिलष्यन्त एव नतु विशिष्ट शरीर संस्पर्श द्वारेणोपयुज्यन्ते ये ते तथा) મનોજ્ઞ શબ્દ અને મનોજ્ઞ રૂપ. मनोज्ञ शब्द और मनोज्ञ रूप Attractive sound and form; उवा० १, ४८; आव० ३२; (२) શબ્દાદિ પાંચ વિષય. (२) शब्दादि पांच विषय. the five objects of senses such as sound etc. उत्त० ३, १८; ८, १४; दस० २, १; आया० १, ५, १, १६१; सूय० १, १, १, ६; नाया० १; (३) ઇચ્છા; કામના; વાસના; અભિલાષા. इच्छा; कामना; वासना; अभिलाषा desire; lust. ओव० ३८; दस० ६, ४; १६; सू० प० २०; सम० ५; भग० ७, ७; नाया० ५; पन्न० २; पंचा० १, १६; प्रव० ४०; क० प० २, १५; जं० प० ५, ११५; (४) કામ-કંદર્પ; મૈથુન સેવા. काम-कंदर्प; मैथुन सेवा. the god of love; sexual intercourse. पंचा० १, १६; भत्त० १०७; पन्न० २; पराह० १, ३; —**आसंसा.** स्त्री० (-आशंसा) કામ-મનોહર શબ્દાદિકની અભિલાષા. काम-मनोहर शब्दादिक की अभिलाषा. desire for the enjoyment of the objects of senses. प्रव० ८२३; —**आसंसपओग.** पुं० (-आशंसाप्रयोग) વિષયવાસના ઉપજે એવો પ્રયોગ. विषयोत्पत्ति का प्रयोग. an activity which excites sensual desires. ठा० ४, ४; —**आसत्त.** त्रि० (-आसक्त) કામમાં આસક્તિવાળું. काममे आसक्ति वाला. attached to sensual pleasures. भत्त० ११३; —**आसा.** स्त्री० (-आशा) કામની આશા; લોભનું પર્યાયનામ. काम की आशा; लोभ का पर्याय वाची नाम. desire of sensual enjoyment; a synonym for greed. सम० ५२; भग० १२, ५; —**कंखिय.** त्रि० (-कांक्षित) કામની ઇચ્છા કરવાવાળો. काम की इच्छा करने वाला. desirous of sensual enjoyments. भग० १, ७; —**कम.** त्रि० (-क्रम) ઇચ્છા પ્રમાણે ગતિ કરનાર; સ્વચ્છંદે ચાલનાર. स्वच्छंद चलने वाला; मन मानी गती करने वाला. (one) moving wantonly at his own will. उत्त० १४, ४४; (२) લાંતવ નામે છઠ્ઠા દેવલોકના ઇન્દ્રનું મુસાફરી વિમાન. लांतव इंद्र का मुशाफिरी करने का विमान. the travelling baloon of the Indra of the sixth Deva lōka Lānta. ठा० ८, १; १०; —**कालि.** पुं० (-कालि) કામનો ક્લેશ. काम का क्लेश. the trouble or worry caused by sexual desire. भत्त० ११४; —**कहा.** स्त्री० (-कथा) કામ શાસ્ત્ર સંબંધી કથા. कामशास्त्र अर्थात् कोकशास्त्र संबंधी

कथा. talk about love matters. ठा० ३, ३;—कामश्च. त्रि० (-कामुक) કામની ઇચ્છા કરવાવાળો. काम की इच्छा करने वाला. (one) desirous of sexual intercourse. भग० १, १;—कामि. त्रि० (-कामिन्) કામ વાસનાનો અભિલાષી; કામની ઇચ્છાવાળો. काम वासना का अभिलाषी काम की इच्छा वाला (one) desirous of sexual intercourse. आया० १, २, ५, ६२;—किञ्च. त्रि० (-कृत्य) ઇચ્છા પ્રમાણે વગર વિચાર્યે કામ કરનાર. इच्छा नुसार बिना विचार किये काम करनेवाला. (one) acting wilfully and thoughtlessly. सूय० २, ६, १७; —गम. त्रि० (-गम) ઇચ્છા પ્રમાણે ગતિકરનાર. इच्छानुसार गति करनेवाला. (one) who moves according to his desire. जं० प० ७, १६६; ५, ११८; —गामि. त्रि० (-गामिन्) ઇચ્છા પ્રમાણે ગતિકરનાર; મરજી મુજબચાલનાર. इच्छानुसार गतिकरने वाला; मन मुआफिक चलने वाला. (one) moving or acting according to his own wish. ओव० २४; —गिद्ध. त्रि० (-गृद्ध) વિષયાસકત; કામભોગમાં ગૃદ્ધ થયેલ. विषयासक्त; काम भोग में तल्लीन. (one) greedy of sensual enjoyments; attached to sensual pleasures. उत्त० ६, ४; —गुण. पुं० (-गुण) કામને-વિષયને ગુણ કરનાર-ઉત્તેજન આપનાર ગુણો; શબ્દાદિ પાંચ વિષય. विषय भोग को उत्तेजन देने वाले गुण. any of the five objects of sensers e. g. sound etc. which excite desire or lust. उत्त० १०, २०; सम० ५, नाया० १५; —घत्थ त्रि० (-ग्रस्त) કામ-વિષયમાં ગ્રસ્ત-આસક્ત થયેલ. कामादि विषयोंमें ग्रस्त-आसक्त. attached to or plunged in sensual enjoyments. भत्त० ११४; —तिव्वहिलास. पुं० (-तीव्राभिलाष) કામ-વિષયની અત્યન્ત ઇચ્છા. काम-विषय की अत्यन्त इच्छा. excessive desire of sensual pleasures. प्रव० २७८; —त्थिय. त्रि० (-अर्थिक) કામ ભોગનો અર્થી-ઇચ્છનાર. कामभोग का अर्थी-इच्छाकरनेवाला. (one) who longs for sexual enjoyments. जं० प० ३, ६७;—प्पिवासिय. त्रि० (-पिपासित) કામની પિપાસાવાળો. काम की-विषयभोग की-अभिलाषावाला. (one) thirsting after sensual pleasure. भग० १, ७; —भोग. पुं० (-भोग—कामाः कमनीयाः भोगाशब्दादय) કામ અને ભોગ; શબ્દાદિ પાંચ વિષય. विशय भोग. Desire and enjoyment (of objects of senses); the five objects of senses viz. sound etc. ठा० ४, १; भग० ७, ७; ६, ३३; १२, ६; २५, ७; नाया० १; २; ८; ६; १६; दशा० १०, २, ६; उवा० १, ५७; —भोगि त्रि०(-भोगिन्) કામી અને ભોગી; શબ્દાદિ પાંચે વિષયમાં મશગુલ. विषयी. (one) deeply plunged in sensual desires and enjoyments of the five objects of senses viz. sound etc. भग० ७, ७;—भोय. पुं० (-भोग) જુઓ "कामभोग" શબ્દ. देखो "कामभोग" शब्द. vide "कामभोग" नाया० १; ५; १६;—रइसुह. न० (-रतिसुख) કામ રતિનું સુખ; વિષય સુખ. काम रति का सुख. pleasure derived form sexual enjoyment. प्रव० १००५; —रय न० (-रजस्-कामःशब्दादि विषयःसएवरजःकाम-

रजः)કામ રૂપરજ-મેલ. कामरूप मेल. dirt or impurity in the form of sensual desire. भग० ६,३३; —रागविवड्ढण. त्रि० (-रागविवर्द्धन) કામ રાગને વધારનાર. काम राग की वृद्धि करने वाला. (one) that increases the passion of attachment to sensual objects. दस० ८, ५८; —रूवि. त्रि० (-रूपिन्)ઈચ્છાનુસાર રૂપ બનાવનાર. इच्छानुसार रूप बनाने वाला. (one) that can assume various forms according to one's own desire. उत्त० ६,२७; —समणुन्न. त्रि० (-समनुज्ञ) કામ ભોગ-વિષય વાસનાને મનોજ્ઞ માનનાર; કામી; વિષયી. विषय वासना को मनोज्ञ मानने वाला; कामी; विषयी. (one) who takes delight in sensual pleasures; sensual. आया० १, २, ३, ८१;

कामं. अ० (कामम्) અત્યન્ત; અતિશય. अत्यंत; अतीव. excessively. पिं० नि० १११;

कामगम. पुं० (कामगम) છઠ્ઠા દેવલોકના ઇંદ્રનું વિમાન. छठवें देवलोक के इन्द्र का विमान. Name of the heavenly abode of the Indra of the sixth Devalōka; ओव० २६; जीवा० ३; (२) છઠ્ઠા દેવલોકના ઇંદ્રના યાન-વિમાનનો વ્યવસ્થાપક દેવતા. छठवें देव लोकके इन्द्रके विमान का व्यवस्थापक देव. the deity in charge of the heavenly abode of the Indra of the sixth Devaloka. जं० प० ५; ओव०

कामजल. न० (कामजल) સ્નાન કરવાનો બાજોઠ. स्नान करने की चोकी. A wooden seat for taking bath. आया० २, ५, १, १४८; निसी० १३, ५;

कामज्झया. स्त्री० (कामध्वजा) કામધ્વજા નામની એક વેશ્યા. कामध्वजा. नामकी एक वेश्या. A prostitute named Kāmadhvajā. विवा० १, २;

कामदुहा. स्त्री० (कामदुघा) જોઈએ તેટલું દૂધ પૂર્ણ કરનાર કામદુધા ગાય. इच्छानुसार दूध देने वाली गाय; काम धेनु. A cow yielding as much milk as one desires. उत्त० २० ३६;

कामदेव. पुं० (कामदेव) એ નામનું એક શ્રાવક; મહાવીર સ્વામિના દશ શ્રાવકમાંના એક. इस नाम का एक श्रावक महावीर स्वामी के दस श्रावकोंमें से एक. Name of one of the ten laymen-followers of Mahāvira. उवा०२, १००;

कामफास. पुं० (कामस्पर्श) ૪૭મા ગ્રહનું નામ. ४७ वें ग्रह का नाम. Name of the 47th planet. सू० प० २०;

काममहावण. न० (काममहावन) કાશી-વણારસી બહારનું એક ચૈત્ય-ઉદ્યાન. काशी-बनारसी नामक नगरीके बाहिरका एक उद्यान. Name of a garden situated outside the city of Benares. "तत्थणं जेसे चउत्थे पउट्ट परिहारे सेणं वाणारसीए णयरीए बहिया काममहावणंसि चेइयंसि मंडियस्स सरीरं विप्पजहामि" भग० १५, १; अंत० ६, १६; नाया० ध० ३;

कामय. पुं० (कामुक) કામની ઈચ્છાવાળો; કામી. कामकी इच्छा करने वाला; विषयेच्छु. One desirous of sensual enjoyments. भग० ३, १; दस० ५, २, ३५; उवा० २, ९५;

कामि. पुं० (कामिन्) કામની ઇચ્છાવાળો; કામી. कामी; विषयेच्छु; विषय भोग का लोलुपी. One desirous of sensual enjoyments. भग० ७, ७;

कामिजुग. पुं० (कामियुग) એક તરહના રૂંવા-

ની પાંખવાલો પક્ષી. एक तरह का रूँएदार पंखोंवाला पक्षी. A kind of bird with downy feathers. पन्न० १;

कामिड्डि. पुं० (कामार्थि) આર્ય સુહસ્તીના શિષ્ય. आर्य सुहस्ती का शिष्य. Name of the disciple of Ārya Suhastī. कप्प० ८;

कामिड्डियगण पुं० (कामर्द्धिकगण) કામર્ધિક નામનો મહાવીર સ્વામીના નવ ગણુમાંનો એક ગણુ. कामार्धिक नामक महावीर के ६ गणों में का एक गण. One of the 9 Gaṇas (orders of saints) of Mahāvīra, named Kāmārdhika. ठा० ६;

कामिय. त्रि० (कामित) ઇચ્છેલું. इच्छित; चाहा हुआ. Desired; longed for; wished. पिं० नि० २७२; भत्त० १११;

कामुय. त्रि० (कामुक) કામની ઇચ્છાવાલો. कामेच्छु; विषयेच्छु Sensual; desirous of sexual pleasures. दस०४,२,३,४;

कामेमाण. त्रि० (कामयमान) ઇચ્છતો; અભિલાષા કરતો. इच्छा करता हुआ; अभिलाषा करता हुआ. Desiring; wishing; longing for. ओघ० नि० ३०४;

***काय.** पुं० (*) પાણી લાવવાની કાવડ. पानी लाने की कावड़. A piece of bamboo on two ends of which water-pots are hung; a contrivance to carry water from place to place with ease. पिं० नि० ६६;

काअ-य. पुं० (काक) કાગડો. कौआ. A crow. नाया० २; १६; विशे० २०६४;

काअ-य. न० (काच) કાચ. कांच. A pane of glass; glass. ओघ० नि० ७७२; सू० च० ६, ४१;

काय. पुं० (काय = चिञ् इति धातोश्चयनं कायः चीयतेऽनेनेति वा कायः) કાયા; શરીર; દેહ. शरीर; काया; देह. Body; physical body. दस०४; ८, ७; ४९; १०,१,५; पिं० नि० ६३; १२८; ५८३; जीवा० ३, ४; सू० प० १६; दसा० ४, १८; ६, ४; पन्न० ३४; नाया० १; ४; ८; भग० ३, १; ७, ४; १८, ८; १६, ३; निसी० ३, ३४; ५४; १२, ३८; उत्त० २, ३७; ५, २३; ३२, ६३; ७४; वव० ६, ३१; १०, १; आव० १, ३; भत्त० ३२; पिं० नि० भा० २६; (२) એ નામનો એક અનાર્ય દેશ. एक अनार्य देशका नाम. name of a country of the Non-Āryans. प्रव० १५६७; (३) પૃથિવી આદિ છ કાય; પૃથ્વી, જલ, અગ્નિ, વાયુ, વનસ્પતિ, અને ત્રસ એ છ કાય. पृथ्वी आदि छः काय; पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, वनस्पति और सूक्ष्म जंतु यह छः काय. the six kinds of bodies, viz. those consisting of earth, water, fire, wind, plant and minute insects सूय० १, १२, १३; उत्त० ३१, ८; अणुजो० २०१; (४) કાય દેશમાં રહેવાવાળા મનુષ્ય. काय देश में रहने वाले मनुष्य. people residing in the Kāya region. पन्न० १; (५) એ નામની વનસ્પતિ. इस नामकी एक वनस्पति. a vegetation of that name. पन्न० १; (६) પ્રકાર; ભેદ. भेद; प्रकार. mode; variety. सूय० २, ३, १; (७) કોઇ દેશમાં ઇન્દ્રનીલ મણીના રંગનો કપાશ થાય છે તે કપાસના

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

सुतरनुं બનેલું વસ્ત્ર. किसी देश में इन्द्रनील मणिके रंगका कपास होता है उस कपास के सूतसे बना हुआ वस्त्र. cloth made of the yarn of a variety of cotton produced in certain countries. Its colour is of the colour of Indra's gem (८) ૩૬ મા ગ્રહનું નામ. ३६ वें ग्रह का नाम. name of the thirty-sixth planet. सू० प० २०; (९) પન્નવણા સૂત્રના ત્રીજા પદના ચોથા દ્વારનું નામ. पन्नवणाके ३ रे पदके चोथे द्वारका नाम. name of the 4th chapter of the third section of Pannavaṇā पन्न० ३; (१०) સમૂહ. समूह. collection. अणुजो० ६७; —अगुत्ति. स्त्री० (-अगुप्ति) પાપમાં પ્રવર્તતી કાયાને ન રોકવી તે. पाप में प्रवृत्त होते हुए शरीर को न रोकना. not checking the body from doing sinful deeds. ठा० ३, १; भग० २०, २; —अणुज्जुयया. स्त्री० (अनृजुकता) કાયાના વેપારની વક્રતા-સરલતાનો અભાવ. काया-शरीर-के व्यापार की वक्रता. absence of straight-forwardness in the actions of the body. ठा० ४, १; भग० ८, ६; —उड्डावण. न० (-उड्डापन) શરીરનું આકર્ષણ કરવું તે. शरीर का आकर्षण करना. act of attracting a body towards oneself. नाया० १४; —करण. पुं० (-करण) શરીરનું સાધન. शरीर का साधन. instrumental to the body. ठा० ३, १; भग० ६, १; —किलेस. पुं० (-क्लेश = कायस्य शरीरस्यक्लेशः खेदः पीडा कायक्लेशः) શરીરને કલેશ આપવો તે; આસન વાળવા, આતાપના લેવી, ધર્મનો પરિશ્રમ ઉઠાવવો તે शरीरको क्लेश पहुंचाना; आसन लगाना, घाम (धूप) सहन करना. act of subjecting the body to austere penances e. g. practising unnatural postures, exposing it to sun etc. भग० २५, ७; ओव० १६; ठा० ६, १; उत्त० ३०, ८; सम० ६; प्रव० २७१; —गिरा. स्त्री० (-गिरा) કાયા અને વાણી. शरीर और वाणी. body and speech. दस० ६, १, १२; —गुत्त. त्रि० (-गुप्त=कायगुप्त्या गुप्तः कायगुप्तः) કાયાને પાપથી ગોપાવનાર, काय गुप्तिः शरीरको पाप प्रवृत्त न होने देने वाला.(one) checking the body from doing sinful deeds. " कायगुत्तो जिइंदिओ " उत्त० १२, ३; भग० २, १; —गुत्तया. स्त्री० (-गुप्तता) કાયાને પાપથી ગોપવવી તે. काया को पापसे बचाना. checking the body from doing sinful deeds. उत्त० २९, २; —गुत्ति. स्त्री० (-गुप्ति) કાય ગુપ્તિ, સાવદ્ય પ્રવૃત્તિથી કાયાને ગોપવવી તે; પાપમાં કાયાની પ્રવૃત્તિ ન કરવી તે. काय गुप्ति; पाप प्रवृत्ति से शरीर को बचाना; शरीरको पाप प्रवृत्त न करना. controlling the body and preventing it from doing sinful deeds. आव० ४, ७; भग० २०, २; ठा० ३, १; सम० ३; —चिट्ठा. स्त्री० (-चेष्टा) કાયાની ચેષ્ટા; હલન ચલન વગેરે. शरीर की चेष्टा; हलन चलन आदि. movements or motions of the body. उत्त० ३०, १२; —छक्क. न० (-षट्क) પૃથ્વી આદિ ૭ કાય; પૃથ્વી કાય, અપકાય, તેઉકાય, વાયુકાય, વનસ્પતિ કાય અને ત્રસકાય એ ૭ કાય. पृथ्वी, अप, अग्नि, वायु, वनस्पति और त्रस ये ६ काय. the six kinds of bodies, viz.

those consisting of earth, water, fire, air, vegetable and insects. सम० १८; दस० ६, ८; —जोग. पुं० (-योग) शरीरनो व्यापार, शरीरचेष्टा. शारीरिक चेष्टा. movement or activity of the body. ठा० ३, १; भग० १, ३; १२, ५; १७, १; २५, १; भत्त० ८३; —जोगत्ता. स्त्री० (-योगता) कायेयोगपणुं. काय योगता. that condition in which there is activity of the body. भग० २५, २; —जोगि. त्रि० (-योगिन्) काय-योगी जीव; कायानी प्रवृत्तिमां जोडायेल. काय योगी जीव; शरीर प्रवृत्ति में लगा हुआ. engaged in the activity of the body. ठा० ४, ४; भग० १, ५; ६; ३; ४; ८, २; ६, २१; ११, १; २४, १; २५, ६; २६, १; —ट्ठिइ. पुं० (-स्थिति) पृथ्वी वगेरे कायमां अविच्छिन्नपणे रहेवुं ते. पृथ्वी आदि कायों में अविच्छिन्न-अस्खलित रूपसे रहना. remaining uninterruptedly in earth-bodies etc. (२) प्रज्ञापना सूत्रना अढारमा पदनुं नाम के जेमां नरकादि जीवोनुं कायस्थितिनुं वर्णन आवेल छे. प्रज्ञापना सूत्र के अठारहवें पद का नाम जिसमें कि नरक आदि जीवों की कायस्थिति का वर्णन है name of the eighteenth Pada of Prajñāpanā Sūtra describing the lasting period of bodies of hell-beings etc. पन्न० १; प्रव० ४३; १०४४; —तिगिच्छा. स्त्री० (-चिकित्सा) शरीरना रोग मटाडवानुं चिकित्सा दर्शावनार शास्त्र; आयुर्वेदनो एक भाग. शरीर के रोग मिटाने वाला चिकित्सा शास्त्र; आयुर्वेद का एक भाग. a division of medical science treating of the cure of the diseases of the body. ठा० ८, १; —तिज्ज. त्रि० (-तीर्य—तरणीय) कायाथी तरवा योग्य. शरीर से तिरने योग्य. such as can be crossed by the body. दस० ७, ३८; —दंड. पुं० (-दण्ड = काय एव दण्डःकायदण्डः) काया दंड; कायानी दुष्ट प्रवृत्ति करी आत्माने कर्म बंधनथी दंडवो ते. काया दंड; शरीर से दुष्ट प्रवृत्ति करके आत्मा को कर्मबंधन से दंडित करना. fettering the soul with Karma by engaging the body in sinful deeds. ओव० ४, ७; सम० ३; ठा० ३, १; —दुक्कड. न० (-दुष्कृत) शरीरथी करेलुं पाप. शरीर से किया हुआ पाप. a sinful deed done by the body. ओव ३, १; —दुप्पणिहाण. न० (दुः प्रणिधान) कायानी दुष्टता; कायानो अशुभ योग काया की-शरीर-की दुष्टता. sinful activity of the body. भग० १८, ७; ठा० ३, १; —पओग. पुं० (प्रयोग) कायानो-प्रवर्तन. शरीर का प्रयोग. activity of the body. ठा० ३, १; भग० ६, ३; ८, १; —पओगपरिणय न० (प्रयोग परिणत) कायाना व्यापार रूपे परिणाम पामेल पुद्गल. काया के व्यापार रूप से परिणमित पुद्गल. Material molecules shaping themselves or turning themselves into the activity of the body. भग० ८, १; —पडिसंलीणया. स्त्री० (-प्रतिसंलीनता) कायाने वश करवी ते. शरीर को वशीभूत करना Keeping the body under control. भग० २५, ७; —पणिहाण. न० (-प्रणिधान) कायानुं एकाग्रपणुं. शरीर की एकाग्रता. concentration of the body ठा० ३, १;

४, १; भग० १८; ७; —परियारग. पुं० (-परिचारक) શરીરથી સ્ત્રીસંભોગ કરનાર. शरीर से स्त्री से संभोग करने वाला. one who enjoys sexual intercourse by means of the body. "दोसु कप्पेसुदेवा कायपरियारगापरायत्ता) ठा०२,४; —परियारणा. स्त्री० (परिचारणा) શરીરથી પરિચારણા = મૈથુન સેવવું તે. शरीर से मैथुन सेवन करना enjoying sexual intercourse by means of the body. ठा० ५,१; —पावार. न० (-प्रावार) કાયદેશમાં બનેલ વસ્ત્ર. काय नामक देश में बने हुए वस्त्र. cloth made in the country named Kāya. निसी०७,११; —पीडा. स्त्री० (-पीडा) શરીર વેદના; શારીરિક દુઃખ. शारिरीक कष्ट; bodily pain; physical pain. पंचा० १८, ३६; —पुराण. न० (-पुण्य) કાયાએ સેવા કરવાથી થતું પુણ્ય. शरीर से सेवा करने पर जो पुण्य हो वह. religious merit arising from rendering services with the body. ठा०६, १; —बालिश्र. त्रि०. (-बलिक) મજબુત શરીર વાળો; કાયાના બળવાળો. मजबुत शरीर वाला a man possessed of great physical strength. श्राव० १६;—भवत्थ. पुं० (-भवस्थ=काये जनन्युदरमध्यव्यवस्थितनिजदेह एव यो भवो जन्म स कायभवः तत्र तिष्ठति यः स कायभवस्थः) માતાના ગર્ભમાં રહેવું તે. माता के गर्भ में रहना. remaining in the womb of the mother in the form of the fœtus. भग० २, ५; —वायाम. पुं०(-व्यायाम = कायः शरीरं, तस्य व्यायामो व्यापारः कायव्यायामः) કાયયોગ, કાયાનો વ્યાપાર--પ્રવૃત્તિ--ઉદારિકાદિ શરીર યુક્ત આત્માની વીર્ય પરિણતિ વિશેષ. शरीर की प्रवृत्ति; औदारिक आदि शरीर युक्त आत्मा की वीर्य परिणति विशेष. the modification of the soul united with the body into vitality or the vital fluid. ठा० १, १; —वह. पुं० (-वध) પૃથ્વી વગેરે જીવનિકાયની હિંસા. पृथ्वी वगैरह जीवकायों की हिंसा. killing sentient beings such as earth-bodies etc. पंचा० ४, ४१; —विणय. पु० (-विनय) કાયાને વશ કરવી તે. शरीर को वश करना. bringing the body under control. भग० २५, ७; ठा० ७; —विसय. न० (-विषय) કાયાનો વિષય. शरिर का विषय. an object fit to be seen, enjoyed etc. by the body. नाया० १७; —संफास. न० (-संस्पर्श) કાયાનો સ્પર્શ કરવો તે. शरीर का स्पर्श. act of touching a body. वेय० ४, २१; श्राव० ३, १; —संवेह. पुं० (-संवेध) શરીરની સ્થિતિ. शरीर की स्थिति. state or existence of the body. भग० २४, १; २०; —समाधारणया. स्त्री० (-समाधारणा) સંયમમાંજ કાયાનું પ્રવર્તન કરવું તે. संयममें ही शरीर की प्रवृत्ति करना. engaging the body exclusively in ascetic practices. उत्त० २६,२;—समाहारणत्ता. स्त्री० (-समाधारणा) કાયાને વશ કરવી તે. शरीर को वशकरना. act of controlling the body. भग० १७, ३; —समिइ. स्त्री० (-समिति) કાયાને જતનાએ પ્રવર્તાવવી તે; કાયસમિતિ. यत्नाचार पूर्वक शरीर को प्रवृत्त करना; काय समिति. controlling carefully the activities of the body. ठा० ८, १;

—समिय. त्रि० (–समित) યત્નાપૂર્વક કાયાને પ્રવર્તાવનાર. यत्नाचार पूर्वक काय योग. (one) who carefully controls the activities of the body. भग० २, १; —**सुप्पणिहाण**. न० (–सुप्रणिधान) કાયાનું સુપ્રણિધાન; કાયાને શુભ કૃત્યમાં એકાગ્રતાથી રોકવું તે. शरीर की सुप्रधानता; शरीर का एकाग्रता से पुण्यकार्य में प्रवृत्त करना. engaging the body in salutary activities with a concentrated mind. भग० १८, ७; ठा० ३, १;

कायंदग. त्रि० (काकन्दक) કાકંદી નગરીમાં વસનાર. काकंदी नामक नगरी में रहने वाला. (One) who resides in the town called Kākandī. भग० १०, ४;

कायंदी. स्त्री० (काकन्दी) પ્રાચીન સમયની કાકંદી નામની નગરી. प्राचीन समय की काकंदी नामक नगरी. Name of an ancient town. संथा० ५५; भग० १०; ४;

कायंब. न० (कदम्ब) કદમ્બનું વૃક્ષ. कदम्ब का झाड. The Kadamba tree. ठा० ८, १;

कायंबग. पुं० (कादंबक) કલહંસ. कलहंस. A species of swans. कप्प० ३, ४२;

कायमंत. त्रि० (कायवत्) ઉંચા શરીરવાળો. ऊंचे शरीरवाला. Tall in body. सूय० २, १, १३;

कायमणि. पुं० (काचमणि) કાચમણિ; કાચનો કકડો. कांचमणि; कांच का टुकड़ा. A piece of glass. भत्त० १३८;

कायमाई. स्त्री० (काकमाची) મીઠું ફલ આપનારી એક વનસ્પતિ. मीठा फल देनेवाली वनस्पति. Vegetation yielding sweet fruit. पन्न० १;

कायय. त्रि० (कायक) કાય દેશનું બનેલું. काय नामक देश का बना हुआ. Made or produced in the country called Kāya. निसी० ७, ११;

कायर. त्रि० (कातर) કાયર; નિર્માલ્ય; નાહિમ્મત. कायर; डरपोंक; कम हिम्मत. Cowardly; timid. सु० च० १५, ११; पराह० १, ३; जीवा० ३, ४; उत्त० २०, ३८; आया० १, ६, ४, २५३; नाया० १; ८; भग० ६, ३३; (२) એ નામનો એક દેશ. इस नामका एक देश. name of a country. निसी० ७, ११;—**पावार**. न० (–प्रावार) કાય દેશમાં બનેલ ઓઢવાનું વસ્ત્ર. काय देश में बना हुआ ओढने का वस्त्र. a kind of cloth used for wrapping round the body made in the country called Kāya. निसी० ७, ११;

कायरिय. पुं० (कातरिक) ગોશાલાના મુખ્ય શ્રાવકનું નામ. गोशाला के मुख्य अनुयायी का नाम. Name of the principal layman follower of Gośālā. भग० ८, ५;

कायरिय. पुं० (कातर्य) દેવતા વિશેષ. कातर्य नामक देव. Name of a deity. भग० ३, ७;

कायरिया. स्त्री० (कातरिका) માયા; કપટ. छल; कपट; मायाचार. Deceit; fraud. सूय० १, २, १, १२;

कायवज्ज. पुं० (काकवर्ज्य) એ નામનો ગ્રહ. ग्रह विशेष. A planet so named. ठा० २, ३;

कायव्व. त्रि० (कर्तव्य) કરવા યોગ્ય. करने योग्य. Worthy of being done. पिं० नि० ३; राय० ८४; सु० च० १, ७६; दस० ६, ६; ८, १; उत्त० २६, ९; पन्न० १५, ४; विशे० ५०८, नाया० १४; १६; भग० १, ५; ३, २; ८, ६; २०, ५; २२, २; २४, १; ३१, ७; ४१, २१; प्रव० ५०८; पंचा० ३, ४६; ६, ७; १५, ४१;

कायाइक. त्रि० (कादाचित्क) કોઈ વખતનું.

किसी समय का. Of some time or other. विशे० ७११;

कायोवग. त्रि० (कायोपग) એક કાયામાંથી બીજી કાયામાં જનાર. एक शरीर से दूसरे शरीर में जाने वाला. (One) passing from one body into another. सूय० २, ६, १०;

कार. पुं० (कार) કારાગૃહ; કેદખાનું. जेल; कारागृह. A prison. पण्ह० १, ३; ठा० १०; उवा० १, ८१: —**बाहिय.** त्रि० (-बाधित) કારાગ્રહમાં પીડિત પીડા પામેલ; કેદી. जेलमें कष्ट पाया हुआ; कैदी. a prisoner; one troubled by imprisonment. ओव० ३२; भग० ६, ३३; नाया० १;

कारंड. पुं० (कारण्ड) બતક પક્ષી. बदक पक्षी. A duck. ओव० जं० प० पण्ह० १, १;

कारंडग. पुं० (कारण्डक) જુઓ "कारंड" શબ્દ. देखो "कारंड" शब्द. Vide "कारंड" नाया० १;

कारग. त्रि० (कारक) કરનાર. करने वाला. (One) who does; a doer. विशे० १००३; ओघ० नि० १८; ओव० ४१; नाया० १; अणुजो० १२८; प्रव० ६५६; (२) न० કારક સમકિત; સમકિતના દશ પ્રકારમાંનો એક. कारक समकित; समकित के दश प्रकार में से एक one of the ten varieties of right belief called Kāraka Samakit. प्रव० ३५; —**आइ.** त्रि० (-आदि) કારક આદિ સમકિત. कारक आदि समकित. right belief such as Kāraka etc. प्रव० ६६;

कारण. न० (कारण) કારણ; નિમિત્ત; પ્રયોજન; હેતુ. कारण; निमित्त; हेतु. Cause; motive; reason. प्रव० ६५; पंचा० १; १८; ५, ७; गच्छा० ८३; जं० प० विशे० २०६८; पन्न० ८; राय० ४२; २१०; दस० ६, २, १३; वव० १, ३३; २, २२; ३, २३; नाया० १; ५; ८; ६; १२; भग० १, ३; ५, ४; ८, ७; १५, १; १८, २; सम० ६;(२) આહાર લેવાના બતાવેલા કારણ સિવાય આહાર લેવાથકી યતિને લાગતો એક દોષ. आहार लेने के बतलाये हुए कारणों के सिवाय आहार लेने से यति को लगने वाला एक दोष. a fault incurred by an ascetic by taking food without a justifying reason. पिं० नि० १; —**जाय.** त्रि० (-जात) કારણથી ઉત્પન્ન થયેલ. कारण द्वारा उत्पन्न. caused; born of a cause. प्रव० ६६१; १०३०; —**वत्तिय.** न० (-वृत्तिक) કારણનું વર્તવું; નિમિત્તની ઉપસ્થિતિ. कारण का उत्पन्न होना. existence, presence of a cause or reason. वव० १, २३;

कारणओ. अ० (कारणतस्) કારણથી. कारण से. Through or owing to a cause or reason. विशे० ३;

कारणट्ठ. न० (कारणार्थ) કારણને માટે. कारण के लिये. For some reason or cause. नाया० १;

कारणया. स्त्री० (कारणता) કારણપણું. कारणपन. State of being a cause or reason. विशे० ५६०;

कारणिअ. त्रि० (कारणिक) કાંઇપણ કારણથી નિષ્પન્ન થયેલ. किसी भी कारण से निष्पन्न. Born of some cause or other. ओघ० नि० ७६;

कारभारिअ. पुं० (कार्यभारिक) કારભારી; દિવાન. कारभारी; दिवाण. An administrator; a minister; a Dewān. जं० प०

कारय-अ. न० (कारक) કારક નામનું સમકિત; સદ્‌અનુષ્ઠાન પ્રત્યે શ્રદ્ધાપૂર્વક સારા

अनुष्ठान (કાર્ય) પોતે કરે છે અને બીજાને પણ કરાવે છે તે. कारक नाम का सम्यक्त्व; सद्अनुष्ठान के प्रति श्रद्धा रखता हुआ स्वयं श्रेष्ठ कार्य करने वाला और दूसरों से कराने वाला. Right belief named Kāraka, by which one performs good deeds with faith and causes others also to do the same. विशे० २६७५; भग० ११, ११; उत्त० १, २; ६, ३०; नाया० ७;

कारवण. न० (*कारणा) કરાવવું તે. कराना. Causing (another) to do. पंचा० १, २२;

कारवाहिआ. स्त्री० (कार्यवाहिका) કાર્યવહન કરનારી. कार्यवहन करने वाली. One (woman) who discharges a work. जं० प० ३, ६७;

कारावण. न० (कारणा) કરાવવું; કરવાને પ્રેરવું. कराना; कराने के लिये प्रेरित करना. Causing or exhorting (another) to do. सूय० २, २, ६२; पराह० १,३; पिं० नि० ४१०; पंचा० ६, ४५; प्रव० ५७७;

काराविय. त्रि० (कारित) કરાવેલ. कराया हुआ. Caused to be done. विशे० १०१६;

कारि. स्त्री० (कारिन्) કરનાર. करने वाली. One who does; a doer. विशे० ७४;

कारिअ—य. न० (कार्य) કાર્ય; પ્રયોજન. कार्य; प्रयोजन; काम. An action; a reason; a purpose. सूय० १, २, ३, १०; दस० ६, ६५;

कारित्तण. न० (कारित्व) કરવાપણું. कर्तृत्व शक्ति. State of being a doer. नाया० ७;

कारिय. त्रि० (कारित) કરાવેલ. कराया हुआ. Caused to be done. आउ० ११;

कारिय. त्रि० (कारिक-कारक) કરનાર. करने वाला. (One) who does, a doer. नाया० १; उवा० १, १३४;

कारियल्लइ. स्त्री० (कारवल्ली) કારેલાની વેલ. करेले की बेल. A creeping plant in which the vegetable known as Karelā grows. पन्न० १;

कारिल्लअ. न० (कारिल्लक) કારેલા. करेला. A kind of vegetable. सू० प० ११;

कारीसंग. न० (कारीषाङ्ग) જેનાથી અગ્નિ પ્રજ્વલિત કરાય તે અગ્નિ ફુંકવાનો ધમ્મો. अग्नि प्रज्वलित करने की धम्मन या फूंकनी. Bellows. उत्त० १२, ४३;

कारुइज्ज. पुं० (कारुक) કારીગર. कारीगर. A craftsman; an artist. पन्न० १,२;

कारुणिय. त्रि० (कारुणिक) દયાળુ; કરુણાવાન્. दया करने वाला. Kind; compassionate. सु० च० २, ५५२;

कारुणण. न० (कारुण्य) કરુણા; દયા. दया. करुणा. Kindness; compassion. भत्त० १६; उत्त० ३२, १०३; नाया० १; चउ० ३८;

कारुन्न. न० (कारुण्य) કરુણા; દયા. करुणा; दया. Kindness; compassion. भत्त० १६;

कारेल्लय. न० (कारेल्लक) કારેલું. करेला. A kind of vegetable. अणुत्त० ३, १; अंत० ३, १;

काल. पुं० (काल—कल् संख्याने कलनं कालः कल्यते वा परिच्छिद्यते वस्त्वनेनेति कालः कलानां वा समयादिरूपाणां समूहः कालः) સમય; વખત; અવસર. समय; वक्त. Time. ओव० उत्त० १, १०; २४, ४; वव० ७, १२; १३; विशे० १३४; १५३६; दसा० ६, १; सू० प० १; १६; दस० १, १; २, ७, ८, ८, ३५; ६, २, २१; नंदी० २४; जं०

प० राय० २; ७७; पिं० नि० ५; १२५; अणुजो० २१; १३२; आया० १२, १, ६२; नाया० १; ८; ६; १४; १६; १८; भग० १, १; ५, ४; ८, ६; ११, ११; १२, ६; १५, १; प्रव० १२३२; १५८८; पिं० नि० भ० २०; कप्प० ३, ३; भत्त० ५८; जं० प० १, १; (२) સ્થિતિ. स्थिति. condition; state. विशे० ४०६; जं० प० ५, ११३; ७, १७५; (३) પ્રાતઃકાલ. प्रातःकाल; सुबह. morning time. नाया० १; (४) ૫૬માં ગ્રહનું નામ. ५६वें ग्रह का नाम. name of the 56th planet. सू० प० २० ठा० २, ३; (५) ભયાનક; કાળસ્વરૂપ. भयानक; काल के समान; प्राण लेने वाला terrible like the god of death. उत्त० १२, ६; (६) વિલમ્બ તથા પ્રભંજન ઇન્દ્રના લોકપાલનું નામ. विलंब तथा प्रभंजन इंद्र के लोकपाल का नाम. name of the two Lokapālas (guardians of the people) of Indra named Vilamba and Prabhañjana. ठा० ४, १; (७) વાયુકુમાર જાતિના દેવતાના ઇંદ્રનું નામ. वायुकुमार जाति के देवताओं के इन्द्र का नाम. name of the Indra of the Vāyukumāra species of gods. भग० ३, ८; (८) જે નારકીને કડાયામાં રાંધે અને પોતે રંગે કાળો તે; કાલ નામે પરમાધામી ની એક જાત. जो नारकों को कढाइ में रांधे और खुद कौले रंग का हो वह; काल नामक परमाधामी की एक जाति. a kind of hell-gods (Paramādhāmī,) black in colour, who cooks hell-beings in an iron cauldron. सम० १५; (९) કાલ નામે આઠમા દેવલોકનું એક વિમાન; એની સ્થિતિ અઢાર સાગરોપમની છે. એ દેવતા નવ મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે અને અઢાર હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. आठवें देव लोक का विमान जहां के निवासी देवों की आयु अठारह सागरोपम की होती है. वह नौवें महिने में श्वासोच्छ्वास लेते है तथा उन्हे अठराह हजार वर्षों बाद भूख लगती है. a heavenly abode of the 8th Devaloka, the gods in which live for 18 Sāgaropamas, breathe once in 9 months and eat once in 18000 years. सम० १८; (१०) પૂર્વ દિશામાંનો કાલ નામનો સાતમો નરકનો નરકવાસો. सातवें नर्क में पूर्व दिशामें स्थित काल नामक नरका वास. an abode of the seventh hell in the east. सम० प० २०६; ठा० ५, ३; सम० ३३; पन्न० २; जीवा० ३; १; (११) જુની ને નવી અને નવીને જુની બનાવનાર, પર્યાયને પલટાવનાર એક દ્રવ્ય; છ દ્રવ્યમાંનું એક દ્રવ્ય. पुरानो को नई और नई को पुरानी बनाने वाला-पर्याय परिवर्तन करने वाला एक द्रव्य. a substance that transforms the old into the new and the new into the old. उत्त० २८, ७; (१२) ચક્રવર્તિના નવ નિધાનમાંનું એક કે જેમાં સર્વ કારીગરી-શિલ્પકર્મનો સમાવેશ થાય છે. चक्रवर्ती की नौ निधियों में की १ निधि जिसमें कि संपूर्ण शिल्प कर्मका समावेश होता है. one of the nine treasures of a Chakravartī including a knowledge of all fine and mechanical arts. ठा० ६, १; जं० प० (१३) त्रि० કાળા રંગનું. काले रंगका. black. भग० १, १; ३, ७; ६, ५; ७, ६; जीवा० ३, १; विशे० २०६७; पन्न० १; ओव०

२२; ३०; नाया० ३; (१४) पुं० કૃષ્ણપક્ષ. कृष्णपक्ष. the dark half of a month. जीवा० ३, ४; (१५) પિશાચ જાતના વ્યંતર દેવતાનો ઇન્દ્ર. पिशाच जाति के व्यंतर देवों का इन्द्र. Indra of the Vyantara deities of the kind known as Piśācha. भग० ३, ८: १०, ५; पन्न० २; ठा० २, ३; जीवा ३, ४; (१६) મરણ; મૃત્યુ. मरण; मृत्यु. death. नाया० १: ८; पन्न० १६; विशे० २०६६; दसा० ६, १; भग० १, १; ३, ४; पिं० नि० ५२; आया० १, २, ३, ८०; १, ४, २, १३१; उत्त० ४, ६; (१७) નિરયાવલિકાના પહેલા અધ્યયનનું નામ. निरयावलिका के पहले अध्याय का नाम. name of the first chapter of Niryāvalikā. निर० १, १; भग० ७, ६; —**अइक्कंत**. पुं० (–**अतिक्रान्त**) ભુખને સમયે નહીં પણ તેને ઉલ્લંઘીને મળેલો ખોરાક. क्षुधा के समय पर न मिलकर उस समय के बाद मिला हुआ भोजन. food obtained not at the time of hunger but after it. नाया० ५: १६; भग० ७, १: ६, ३३; (२) કાલની જે મર્યાદા બાંધેલ હોય તેને ઉલ્લંઘી ગયેલ. कालकी जो मर्यादा बांधी हो उस का उल्लंघन किया हुआ. transgressing the limit of time fixed. प्रव० ७८४; ८२०; —**चारि**. त्रि० (–**चारिन्**) સમય–ચતુર્માસાદિ કાલનું ઉલ્લંઘન કરી ચાલનાર. समय– चतुर्मासादि काल का उल्लंघन कर के चलने वाला. (one) who transgresses the rules laid down to be observed in the rainy season etc. प्रव० ७८४; —**अइक्कम**. पुं० (–**अतिक्रम**) કાલને ઉલ્લંઘવો; સમયને તજવો. काल को उल्लंघना; समय को त्यागना. transgression of time fixed. पंचा० १, ३२; —**अइयार**. पुं० (–**अतिचर**) કાલ–આયુષ્યના પ્રમાણનું અતિચાર ઉલ્લંઘન કરવું તે; આયુષ્ય તોડી નાખવું તે. आयुष्य के प्रमाण का उल्लंघन करना; आयुष्य का तोड़ना. cutting short one's allotted period of life. सूय० १, १३, २०; —**अंतर**. पुं० (–**अन्तर**) કાલાન્તર; અન્યદા कालान्तर; दूसरी बार. another time. नाया० ७; पंचा० १२, ३१; —**अगुरु**. पुं० (–**अगुरु**) કાળું અગર; સુગંધિ ધૂપનું દ્રવ્ય; કૃષ્ણાગર. काला अगर; सुगंधित द्रव्य. a kind of black substance used as an incense. ओव० सम० प० २१०; राय० २७; सू० प० २०; नाया० १; १६; भग० ६, ३३; ११, ११; दसा० १०, १; जं० प० ५, ११३; कप्प० ३, ३२; —**अड्ढरत्त**. न० (–**अर्द्धरात्र**) અન્ધારીયા પક્ષની–અમાસની અર્ધી રાત્રિ. अंधेरे पक्ष की अमावस्या की आधी रात. midnight of the 15th day of the dark half of a month. भग० ३, २; —**अणुट्ठाइ**. त्रि० (–**अनुष्ठायिन्**) વખતસર અનુષ્ઠાન કરનાર; નકામો વખત નહીં ગાળનાર. समय पर काम करने वाला; निरर्थक समय नष्ट न करने वाला (one) who is punctual in the performance of his duties. आया० १, २, ५, ८८; —**अणुपुव्वी**. स्त्री० (–**आनुपूर्वी**) કાળ વિષયક અનુપૂર્વી, અનુક્રમ. काल संम्बन्धी अनुपूर्वी. proper order of time. अणुजो० ७१; — **अभिग्गह**. पुं० (–**अभिग्रह**) પહેલે પહોરે કે છેલ્લે પહોરે અમુક વખતે મળે તોજ લેવું એમ કાળ સંબંધી નિયમ ધારવો તે. पहले पहरमें या अन्तिम पहरमें अमुक समय पर मिले तोही

लेना, ऐसा समय सम्बन्धी नियमका बांधना. vowing to take a thing either in the first or the last of the 8 divisions of time of a day. श्राव० —**श्रवभास**. पुं० (-श्रवभास) કાળી ઝાંઇ; કાળી પ્રભા. काली झांई. black tint. नाया० २; —**श्रवहि**. पुं० (-श्रवधि) સમયની મર્યાદા; વખતની હદ. समय की मर्यादा. time-limit. पंचा० ५, १८; —**श्रादेस**. पुं० (-श्रादेश) કાલની અપેક્ષા. काल की अपेक्षा. relativity of time. भग० ५, ८; ६, ४; ११, १; १४, ४; २४, १; —**श्रायस**. न० (-श्रायस) કાળું લોઢું; પોલાદ; ગજવેલ. फौलाद; गजवेल. steel; black iron. राय० १२६; श्राव० ३१; जं०प० —**एयणा**. स्त्री० (-एजना) કાલ આશ્રી અેજના-કંપન. काल की अपेक्षा से कंपना. trembling with fear, having regard to time. भग० १७, ३; —**श्रोगाहणा**. स्त्री० (-श्रवगाहना) કાલની અવગાહના-ક્ષેત્ર વિસ્તાર-અઢીદ્વીપ પ્રમાણ. काल की अपेक्षा से अढ़ाई द्वीप प्रमाण अवगाहना. localisation of time to the extent of two continents and a half. ठा० ४, १; —**श्रोभास**. पुं० (-श्रवभास) કાલી પ્રભા. काली प्रभा. black tint. भग० ६, ५; ७, १०; —**कंखि**. त्रि० (-कांक्षिन्) કાલ-પંડિતમરણને ચાહનાર. पंडित मरण की इच्छा करने वाला. (one) who desires (natural and peaceful) death. श्राया० १, ३, ३, १११; —**गश्र**-**य**. त्रि० (-गत) મરણ પામેલ. मृत; मृत्यु प्राप्त. dead. नाया० १; ८; १६; १८; भग० २, १; ५, ३, १; ७, ६; ६, ३३; १५, १; सम० १००; प्रव० १४७५; कप्प० ६, १८५; श्रोघ० नि० १११; विवा० १; —**चारि**. त्रि० (-चारिन्) પોતાના ઠરાવેલ સમયે ચાલે તે. अपने ठहराये हुए समयानुसार चले वह. (one) who punctually follows his own programme. श्रोघ० नि० १०७; —**ट्टिइ**. स्त्री० (-स्थिति) કાલપરિમિત સ્થિતિ; આયુષ્ય. काल स्थिति; आयुष्य. fixed or determined period of life-time; life. भग० २४, १; —**ट्ठिति**. स्त्री० (-स्थिति) કાલસ્થિતિ; આયુષ્ય. काल स्थिति. fixed or determined period of life-time. भग० १५, १; —**णाण**. न० (-ज्ञान) કાલ સમ્બન્ધી જ્ઞાન. काल सम्बन्धी ज्ञान; शुभाशुभ ज्ञान; knowledge of (what is going to happen in) time. "**काले काल णाणं**" ठा० १०; जं० प० —**णाणि**. त्रि० (-ज्ञानिन्) કાલજ્ઞાની; અમુક માણસનું ક્યારે મોત થશે તે જાણનાર. कालज्ञानी; मृत्युका समय जानने वाला. (one) who knows what is going to happen in time. i. e. the time of death of a particular person. "**काले कालणाणी जाणइवेजयं वेज्जो**" अणुजो० १४६; —**तिग**. न० (त्रिक) ભૂત, ભાવી, અને વર્તમાન એ ત્રણ કાલ. भूत, भविष्य, और वर्तमान ये तीन काल. the triad of times, viz. past, future and present. प्रव० १३४०; —**तिय**. न० (त्रिक) ભૂત, ભવિષ્ય, અને વર્તમાન એ ત્રણ કાલ. भूत, भविष्य, और वर्तमान ये तीन काल. the triad of times, viz. past, future and present. प्रव० ६०३; —**तुल्लय** त्रि० (-तुल्यक) કાળની અપેક્ષાએ બરાબર; સમાન કાળ-

પાળો. काल की अपेक्षा से समान-तुल्य; समकालीन. equal in point of time; same as regards time; contemporaneous. भग० १४, ७; —**धम्म**. पुं० (-धर्म-कालो मरणं स एव धर्मो जविपर्यायः कालधर्म्मः) કાલ ધર્મ; મરણ. मरण; जीवकी पर्याय का मरण रूप स्वभाव. death; passing from one state of existence into another in due course of time. विवा० २; ५; नाया० १; ठा० ३, ३; ४, ३; —**ज्ञाण**. न० (-ज्ञान) કાલ સમ્બન્ધિ જ્ઞાન; જ્યોતિષ આદિને આધારે ભૂત ભાવીનું જ્ઞાન થાય તે. काल सम्बन्धी ज्ञान; ज्योतिष आदिके आधार से भूत भविष्य का ज्ञान का होना. knowledge of events in the past or future through astrology etc. प्रव० १२३८; —**पडिलेहणया**. स्त्री० (-प्रतिलेखना) કાલ વખતનું નિરિક્ષણ; જે વખતનું જે કામ શાસ્ત્રમાં બતાવ્યું હોય તેના પ્રત્યે જાગૃત રહેવું તે. समय का निरीक्षण; जिस समय जो काम करने की शास्त्रने आज्ञा दी हो वही काम करने में जागृत रहना. proper circumspection about doing things at the time prescribed in scriptures. उत्त० २६, २; —**परट्ट**. पुं० (-परावर्त) કાલ આશ્રી પરાવર્તન-પુદ્ગલ પરાવર્તન. काल आश्री परावर्तन-पुद्गल परावर्तन. modifications in matter in due course of time. प्रव० १०६१; —**परमाणु**. पुं० (-परमाणु) સૂક્ષ્મમાં સૂક્ષ્મ કાળ; સમય. सूक्ष्मसे सूक्ष्म काल; समय. the smallest division of time, called a Samaya. भग० २०, ५; — **परियाअ**. (-पर्याय) મોતને વખતે કરવાની સંલેખના વિધિ, ભક્ત પરિજ્ઞાદિ પંડિત મરણ. अपने समय पर करने की सल्लेखना विधि, भक्त परीज्ञादि पंडित मरण. the ceremony known as Saṃlekhanā to be performed at the time of death. आया० १, ७, ४, २१५; —**माण**. पुं० (-मान) કાલનું પ્રમાણ. समय का प्रमाण. measure of time; limit of time. पंचा० १, १४; —**मास**. पुं० (-मास-कालो मरणं तस्य मासःप्रक्रमादवसरःकालमासः) મરણ સમય. मरण समय. time of death. भग० १,१;३,१;१८,१०;नाया०१; ५;६;१४;१६; ओव० ३८;दसा०६,१; "काल मासे कालं किच्चा" भग०७,६;उवा०१,८६; —**मासिणी**. स्त्री०(-मासिनी) પ્રસવ સમયને પ્રાપ્ત થયેલ સ્ત્રી. प्रसव-प्रसूति-समय को प्राप्त स्त्री. a woman about to give birth to a child. दस० ५, १, ४०; —**मिग**. पुं० (-मृग) કાલા મૃગના ચર્મનું વસ્ત્ર. काले हरिण के चमड़े का वस्त्र. a garment made of the skin of a black deer. जीवा० ३,३; निसी०७, ११; —**मियचम्म**. न० (-मृगचर्म) કાલા મૃગનું ચામડું. काले मृग का चमड़ा. skin of a black deer. नाया० १६; —**लोय**. पुं० (-लोक) કાલની અપેક્ષાએ લોક. काल की अपेक्षा से लोक. a world in its relation to time. भग०११,१०; —**वग्ण**. पुं० (-वर्ण) કાલો રંગ. काला रंग. black colour. भग० ८, १; २५, ३; सम० २२; —**वग्णपज्जव**. पुं (-वर्णपर्यव) કાલા રંગની પર્યાય (દશા). काले रंग की पर्याय (अवस्था). a particular state or condition of black colour भग० २५,३;—**वग्णपरिणय**.त्रि०(-वर्णपरिणत) કાલ વર્ણરૂપે પરિણામ પામેલ. काल वर्ण-रूप

कालचक्क. न० (कालचक्र) ७ આરા મલી ઉત્સર્પિણી એટલે ચડતો કાલ થાય છે, તેમજ ૭ આરા પરિમિત અવ-સર્પિણી એટલે ઉતરતો કાલ થાય છે, ઉત્સર્પિણી અને અવ-સર્પિણી એ બન્ને કાલ મલી એક કાલચક્ર થાય છે તેનું પરિમાણ ૨૦ કોડાકોડી સાગરોપમનું છે તે ૭ ૭ આરાનું સ્વરૂપ બતાવે છે. સુસમસુસમાથી દુસમદુસમા સુધી ૧૦ કોડાકોડી સાગરોપમ પરિમિત અવસર્પિણી કાલ અને દુસમદુસમાથી સુસમસુસમાપર્યંત જમણી બાજુના ૭ વિભાગ ૧૦ કોડાકોડી સાગરોપમ પરિમિત ઉત્સર્પિણી કાલને બતાવે છે.
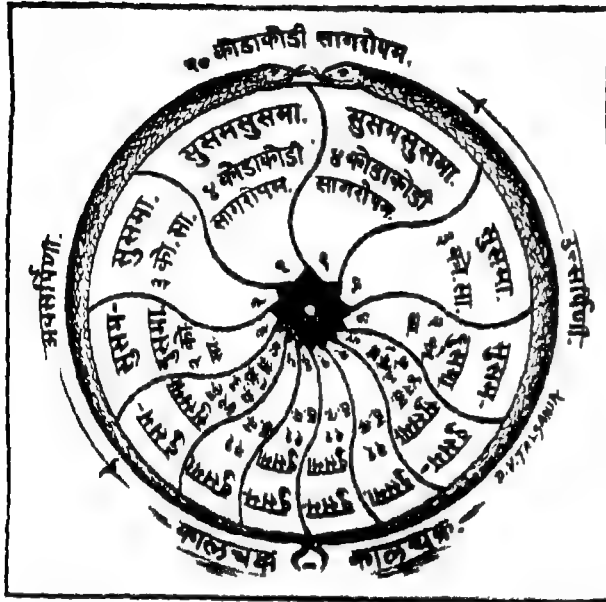
छः आरे (काल विभाग) मिलाकर उत्सर्पिणी अर्थात् बढता काल होता है. इसी प्रकार छः आरे परिमित अवसर्पिणी अर्थात् उतरता काल होता है. उत्सर्पिणी और अवसर्पिणी के दोनों कालों का एक कालचक्र बताते हैं जिसका परिमाण २० कोडाकोडी सागरोपम का होता है. कालचक्र के चित्र के बीच में १२ विभाग हैं वे छः छः आरों का स्वरूप बतलाते हैं. सुसमसुसमा से दुसमदुसमा तक १० कोडाकोडी सागरोपम परिमित अवसर्पिणी काल और दुसमदुसमा से सुसमसुसमा तक दाहिनी ओर के छः विभाग १० कोडाकोडी सागरोपम परिमित उत्सर्पिणी काल को बतलाते हैं. Utsarpiṇī time i. e. an æon of increase is equal to 6 Ārās (a measure of time): and Avasarpiṇī time i. e. an æon of decrease is also equal to 6 Ārās. The Kālachakra measuring 20 Koḍākoḍī (1 crore × 1 crore) Sāgaropamas is made up of these two measures of time taken together. In the middle of the picture there are twelve divisions showing the extent of every 6 Ārās. The six divisions beginning from Dusamadusamā to Susama susamā on the right indicate Utsarpiṇī Kāla which measure 10 Koḍakoḍī, while the six divisions from Susamsusamā to Dusama dusamā to the left indicate Avasarpiṇī Kāla which, is also equel to 10 Kodākodi Sāgaropamas of time. जै० प०

में परिणत. modified into or developed into black colour. भग० ८, १; —वरणपरिणाम. पुं० (-वर्णपरिणाम) काला वर्णरूपे परिणाम पामवुं ते. काले वर्णरूप में परिणत होना. modification or development into black colour भग० ८, १०;—विभाग. पुं० (-विभाग) कालनो भेद; कालविभाग. काल का भेद; काल का विभाग. a division of time. "इत्तो काल विभागंतु, तेसिं वोच्छं चउव्विहं" उत्त० ३६, ११; —वासि. पुं० (-वर्षिन्) समये वरसनार, चोमासामां वरसनार (मेघ). समय पर बरसने वाला. rain falling in due season; seasonable rain. ठा० ४, ४; भग० १४, २. —विसेस पुं० (-विशेष) कालना विशेष विभाग (भेद). समय का विशेष विभाग. a particular division of time प्रव० ६२३; —विहीण. त्रि० (-विहीन) काल द्रव्य शिवायनुं. काल द्रव्य रहित. excluding, excepting the category named time. प्रव० ६६०; संजोग पुं० (-संयोग) काळनो संजोग. काल का संयोग. juncture of time ठा० ३, २; अणुजो० १३१; —संसार. पुं० (-संसार) रात दिवस मास वर्ष पल्योपम सागरोपम पर्यंत भटकवु ते काल संसार. रात, दिन, महीना, वर्ष, पल्योपम, सागरोपम, संसारमे भटकना वह कालसंसार कहलाता है. wandering in worldly existence for indefinite periods of time. ठा० ४, १; —सम. त्रि० (-सम) उदयकाल बराबर. उदय काल के बराबर. simultaneously with the rise of. क० प० ५, ४२; —समय. पुं० (-समय) कालरूपी समय. कालरूपी समय. a point of time viewed as time. विवा० ३; सू० प० ८;

कालओ. अ० (कालतः) कालथकी; कालनी अपेक्षाये; कालआश्री. काल की अपेक्षा से. In point of time; as regards time. ओव० १७; भग० २, १; ५; १०; ५, ७; ८, २; ८, ६; राय० ६६; उत्त० २४, ६; प्रव० ७७८; १२०९; जं० प० ७; १७५;

कालक. न० (कालक) काळा पुद्गल. काला पुद्गल. Matter or substance black in colour. भग० ६, ६;

कालकूट न० (कालकूट) विष; झेर. जहर; विष. Poison. उत्त० २०, ४८;

कालग. त्रि० (कालक) काळा रंगनुं. काले रंगका. Black. उत्त० २२, ५; नाया० ८; भग० १५, १; २५, ४; उवा० २, १०७; (२) पुं० कालकाचार्य. कालकाचार्य. A preceptor named Kālakāchārya. विशे० १७६६; —च्छवि. स्त्री० (-छवि) काळीकान्तिः चामडीनो रंग. काली कान्ति; चमड़े का रंग black colour of the skin. उत्त० २२, ५;

कालगाहावइ पुं० (कालगृहपति) काल नामना गृहपति-शेठ. काल नामक गृहपति-सेठ. A merchant named Kāla. नाया० ध०

कालरणुया. स्त्री० (कालज्ञता = कालं प्रस्तावमुपलक्षणत्वाद् देशं च जानातीति कालज्ञस्तद्भावः कालज्ञता) अवसर जाणवो ते; देश काळनी ओळखाण. समयको पहिचानना; देश काल को जानने वाला. Due recognition, sense of time, place etc. ओव

कालत्त. न० (कालत्व) काळापणुं. कालापन. Blackness. भग० १७, २;

कालन्न. त्रि० (कालज्ञ) कर्तव्य परायण;

वख्तने। जाणुनार; उचित अनुचित समयने जाणुनार. कर्तव्य परायण; समय को जानने वाला; उचित अनुचित समय को जानने,वाला. (One) knowing or realising opportuneness or otherwise of time in doing duties. आया० १, २, ५, ८८; १, ७, ३, २०६;

कालपाल. पुं०(कालपाल) ए नामना धरणेन्द्र अने भूतानंदना लोकपाल. धरणेन्द्र और भूतानंद के लोकपाल का नाम. The guardian of people (so named) of Dharaṇendra and Bhūtānanda. ठा० ४, १;

कालपिसायकुमारिंद. पुं० (कालपिशाचकुमारेन्द्र) काल नामे पिशाचोनो इंद्र. पिशाचोंका काल नामक इन्द्र. Indra of the Piśāchas named Kāla. नाया० ध०

कालमुह. पुं० (कालमुख) उत्तर भरतमांनो एक देश. उत्तर भरतका एक देश. Name of a country in Uttara Bharata. जं० प०

कालय. पुं० (कालक) काळो वर्ण. काला वर्ण. Black colour. नाया० ६; भग० ५, ७; १२, ६; १८, ६; २० ५;

कालवडिंसयभवण. न० (कालावतंसकभवन) कालीदेवीनुं कालावतंशकनामनुं भवन. काली देवी का कालावतंशक नामक भवन. The abode of Kālīdevī named Kālāvatamsaka. नाया०ध० —**वासि**. पुं० स्त्री० (-वासिन्) कालावतंसकभवनमां वसनारा. कालवतंसक भवनमें रहने वाला. (a person) residing in Kālāvatamsaka abode. नाया० ध०

कालवाल. पुं० (कालपाल) धरणेन्द्रना लोकपालनुं नाम. धरणेद्र के लोकपाल का नाम. Name of a guardian of people of Dharaṇendra. भग० ३, ८;१०,५;

कालसिरी. स्त्री० (कालश्री) कालगृहपतिनी कालश्री नामनी धर्मपत्नी. काल गृह पति की कालश्री नामक स्त्री. Name of the wife of Kāla a householder. नाया० ध०

कालसीहासण. न० (कालसिंहासन) काल नामवाळुं सिंहासन. काल नामक सिंहासन. A throne named Kāla. नाया० ध०

काला. स्त्री० (काला) कालेन्द्रनी काला नामनी राजधानी. कालेन्द्र की राजधानी का नाम. Name of the capital city of Kālendra. भग० १०, ५;

कालालोण. न० (काललवण) कोई पर्वतमां उत्पन्न थतुं काळुं मीठुं. किसी पर्वत में उत्पन्न होनेवाला काला निमक. Black salt produced in a mountain. दस० ३, ८;

कालासवेसियपुत्त. पुं० (कालाश वैश्यपुत्र) श्री पार्श्वनाथप्रभुना शासनना एक साधु; पार्श्वनाथना संतानिया के जेणे थिवर साधुओने प्रश्नो पुछ्या हता. श्री पार्श्वनाथ भगवान् के शासन के साधुका नाम जिसने थिवर साधुओंको प्रश्न पूछे थे. Name of an ascetic belonging to the cult of Parśvanātha who had asked some questions to Sthavira monks. भग० १, ६;

कालिअ-य. त्रि० (कालिक) रात अने दिवसना पहेले तथा छेल्ले पहोरे भणाय पण बीजे त्रीजे पहोरे न भणाय तेवुं सूत्र; आचारांग आदि कालिक सूत्र. वह सूत्र जो रात्रि और दिन के पहिले तथा अंतिम प्रहर में पढा जाय; आचारांग आदि कालिक सूत्र. Kālika Sūtras such as Āchārāṅga etc. which could be read at the first and last of the

four divisions of day or of night. विशे० ९२०; ठा० २, १; अणुजो० ४; १४६; नंदी० ४३; (२) કાલાંતરે મળવાનું; અનિશ્ચિત. कालान्तर में मिलने वाला; अनिश्चित. uncertain in point of time. उत्त० ५, ६; (३) એ નામનો એક દ્વીપ-બેટ. इस नामका एक द्वीप-बेट. name of an island. नाया० १७; —**अणुश्रोग**. पुं० (-अनुयोग) કાલિક શ્રુતનું વ્યાખ્યાન. कालिक श्रुत का व्याख्यान. a discourse on, an explanation of a Kālika scripture पंचा० ११, ३४; —**दीव**. पुं० (-द्वीप) કાલીય નામનો દ્વીપ. कालीय नामक द्वीप. an island named Kāliya. नाया० १७; —**वाय**. पुं० (-वात) પ્રચંડ વાયુ; પ્રતિકૂળ વાયુ. प्रचंड वायु; प्रतिकूल हवा. violent wind; adverse wind. नाया० ६; १७; —**सुय**. न० (-श्रुत) કાલિક સૂત્ર; આચારાંગાદિ-કાલે વંચાય તે સૂત્ર. कालिक सूत्र. a Kālika Sūtra e. g. Āchārāṅga etc. which could be read at particular times only. भग० २०, ८; निसी० १६, १०; विशे० ५४६;

कालिंगी. स्त्री० (कालिङ्गी) તરબૂચ. तरबूज; मतीरा. A kind of water-melon. पन्न० १; भग० २२, ६;

कालिंजर. पुं० (कालिंजर) એ નામનો એક પર્વત. एक पर्वत का नाम. Name of a mountain. "दसा दसभे आसी मिया कालिंजरे नगे" उत्त० १३, ६;

कालिज्ज. न० (कालेय) કાળજું; શરીરની અંદરનો એક અવયવ. कलेजा; शरीर के भीतर का एक अवयव. An organ of the body viz. liver. तंदु०प्रव०१३८४;

कालियपुत्त. पुं० (कालिकपुत्र) કાલિકપુત્ર નામે શ્રી પાર્શ્વનાથ પ્રભુના શાસનના એક વિદ્વાન્ થિવર સાધુ. श्रीपार्श्वनाथ प्रभु के शासन के कालिकपुत्र नामक एक विद्वान् साधु. Name of a learned monk of the cult of Śrī Pārśvanātha. भग० २,५;

कालिया. स्त्री० (कालिका) કાલકા દેવી. कालिका नामक देवी. The goddess Kālikā. सु०च० ८,१४६;

काली. स्त्री० (काली) અંતગડ સૂત્રના આઠમા વર્ગના પહેલા અધ્યયનનું નામ. अंतगड़ सूत्र के आठवें वर्ग के पहिले अध्याय का नाम name of the first chapter of the eighth section of Antagaḍa Sūtra. अंत० ८, १; (२) શ્રેણિક રાજાની રાણી અને કોણિકની ઓરમાન માતા કે જેણે મહાવીરસ્વામી સમીપે દીક્ષા લઇ રયણાવલી = રત્નાવલિ નામનું તપ આચરી આઠ વરસની પ્રવજ્યાપાળી એક માસનો સંથારો કરી પરમ પદ પ્રાપ્ત કર્યું. राजा श्रेणिक की रानी और कोणिक की सोतेली माता जिसने की महावीर स्वामी के समीप दीक्षा लेकर रत्नावलि नामक तप किया और आठ वर्षों तक दीक्षा पालन कर अंत में एक मास का संथारा किया और परमपद प्राप्त किया. the queen of Śreṇika and step-mother of Koṇika, who took Dikṣā from Mahavīra Svāmi, practised Ratnāvalī penance, observed asceticism for eight years and after one month's abstinence from food and water attained final bliss. अंत०८,१;(३) કાગડાની જાંઘ. कौए की जांघ. the thigh of a crow. उत्त० २, ३; (४) કાલા રંગની સ્ત્રી. काले रंग की स्त्री. a woman of black colour. अणुजो०

१२८; (५) ચમરેન્દ્રની મુખ્ય દેવી. चमरेन्द्र की मुख्य देवी. the principal goddess of Chamarendra. भग० १०,५; (६) અભિનંદન સ્વામિની શાસન દેવીનું નામ. अभिनंदन स्वामी की शासन देवी का नाम. name of the attendant spirit of Abhinandana Svāmī. प्रव० ३७७; पंचा० १६, २४; —अज्ञा. स्त्री० (-आर्या) કાલી આર્યા. काली आर्या. a nun named Kālī. नाया० ध०—दारिश्रा. स्त्री० (-दारिका) કાલી કુમારી. काली कुमारी. a girl named Kālī नाया० ध०

कालीदेवित्त. न० (काली देवीत्व) કાલી દેવીપણું. काली देवीपना. State of being the goddess Kālī. नाया० ध०

कालीवडिंसयभवण. न० (काल्यवतंसक-भवन) કાલીદેવીનું કાલાવતંસક નામે ભવન. कालीदेवी का कालावंतसक नामक भवन. An abode of Kāli Devī, named Kālāvataṃsaka. नाया० ध०

कालुणिय. त्रि० (कारुणिक) કરુણાજનક. करुणाजनक; करुणा पैदा करने वाला. Piteous. सूय० १, २, १, १७;

कालोअ-य. पुं० (कालोद) કાલોદધિનામનો સમુદ્ર કે જે ધાતકીખંડને ફરતો વિંટાયેલ છે. कालोदधि नामक समुद्र जो कि धातकीखंडद्वीप को घेरे हुए है. An ocean named Kālodadhi, encircling Dhātakī-khaṇḍa. ठा० ७; जीवा० ३; ४; अणजो० १०३; सम० ४२; ६१; पन्न० १५;

कालोद. पुं० (कालोद) જુઓ "कालोअ-य" શબ્દ. देखो "कालोअ-य" शब्द. Vide "कालोअ-य" ठा० २,३; भग०६,२;

कालोदहि. पुं० (कालोदधि) ધાતકીખંડની ચારે બાજુએ આઠ લાખ જોજન પ્રમાણનો કાલોદધિ સમુદ્ર. उस समुद्र का नाम जो धातकीखंडकी चारों ओर है और जिसका प्रमाण आठ लाख योजन का है. An ocean so named, surrounding Dhātakīkhaṇḍa and eight lacs of Yojanas in circumference. भग० ५, १;

कालोदायि. पुं० (कालोदायिन्) કાલોદાયી નામના એક અન્ય દર્શની ગૃહસ્થ. एक जैनेतर गृहस्थ का नाम. Name of a house-holder belonging to a non-Jaina creed. भग० ७, ६; १०;१८, ७;

काव. पुं० (काव्य) કાવ્ય બનાવીને સંભળાવનાર. काव्य बनाकर सुनाने वाला. A bard; a minstrel. जीवा० ३, ३; नाया० १, ८;

कावलिय. पुं० (कावलिक) કવલ આહાર. कौर; कवल. A mouthful. भग० १; ७; प्रव० ११६४;

कावि. अ० (कापि) કોઈપણ. कोई भी. Somebody; some one or other; anybody. नाया० ८;

काविट्ठ. पुं० (काविष्ट) છઠ્ઠા દેવલોકનું કાવિષ્ટ નામનું એક વિમાન; એની સ્થિતિ ચૌદ સાગરોપમની છે; એ દેવતા સાત માસે શ્વાસોશ્વાસ લે છે. छठवें देवलोक के विमान का नाम, जिसके निवासियों की आयु चौदह सागरोपम की है और जो चौदह पक्षों में एक बार श्वासोछ्वास लेते हैं. Name of a heavenly abode of the sixth Devaloka, where the gods live for 14 Sāgaropamas and breathe once in seven months. सम० १४;

काविल. न० (कापिल) કપિલશાસ્ત્ર; સાંખ્ય દર્શનનું શાસ્ત્ર. कापिल शास्त्र; सांख्य दर्शन शास्त्र. The tenets of the founder (Kapila) of the Sāṅkhya

system of philosophy. अणुजो० ४१;

काविलिअ. न० (कापिलिक) કપિલમતનો ગ્રંથ. कपिल मत का एक ग्रंथ. A book containing an exposition of the tenets of Kapila. नंदी० ४१;

कावोय. पुं० (*) કાવડ ફેરવી ભિક્ષા માંગનાર એક વર્ગ. कावड लेकर भिक्षा मांगने वाला एक वर्ग. A class of mendicants begging their food in bags attached to the ends of a bamboo which rests on the shoulders. अणुजो० ६२;

कावोया. स्त्री० (कापोतिका) પારેવી વૃત્તિ; કબૂતરની માફક ઘણી સંભાળથી આહારાદિક લેવું તે. एक प्रकार की वृत्ति-कबूतर के समान बडे यत्नाचारपूर्वक आहारादि ग्रहण करने की वृत्ति. Taking food with great care, like pigeons. उत्त० १६, ३३;

√**कास.** धा० I. (कास) ઉધરસ ખાવી. खाँसना. To cough.

कासित्ता. सं० कृ० जीवा० ३, ३; जं० प० २, २५;

कासंत. व० कृ० पगह० १, ३;

कास. पुं० (कास) ઉધરસ; ખાંસી. खांसी. Cough. जं० प० भग० ३,७; जावा० ३,३;

कास. पुं० (काश) કાશ નામનો ગ્રહ. काश नामक ग्रह. A planet named Kaśa. "दोकासा" ठा० २, ३; (२) કાશ નામની વનસ્પતિનો ગુચ્છો. कास नामक वनस्पति का गुच्छा. a cluster of the vegetation named Kāśa. पन्न० १; उवा० ३, १४८;

कासंकस. त्रि० (कासंकष कस्मन्नेऽस्मिनिति- कासः संसारस्तं कषतीति तदभिमुखोयातीति कासङ्कषः) પ્રમાદી, અસ્વસ્થ; આકુળવ્યાકુળ. अस्वस्थ; बीमार; आकुल व्याकुल. Uneasy; restless. आया० १,२,४,६४;

कासग. पुं० (कर्षक) ખેડૂત; ખેતી કરનાર. किसान; खेती करने वाला. A farmer; a peasant. उत्त० १२, १२;

कासग. पुं० (काशक) એક જાતની વનસ્પતિ. एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation. जीवा० ३, ४;

कासण. न० (कासन) ઉધરસ ખાવી. खांसी आना. Act of coughing. ओघ० नि० २३५;

कासव. पुं० (काश्यप) કાશ્યપ ગોત્રીય- મહાવીર સ્વામી ચોવીશમા તીર્થંકર. काश्यप गोत्र के महावीर स्वामी चौवीसवें तीर्थंकर. Lord Mahāvira the 24th Tirthankara belonging to the family origin named Kāśyapa. भग० १५, १; दस० ४; सू० च० ३, १५५; नंदी० ३; उत्त० २, १; सूय० १, २, २, ७; १, ४, १, २; जं० प० ७, १५६; (२) કાશ્યપ ગોત્રમાં ઉત્પન્ન થયેલ મુનિસુવ્રત અને નેમી સિવાયના બાવીશ તીર્થંકર, ચક્રવર્તિ વગેરે ક્ષત્રિય, સાતમા ગણધર વગેરે બ્રાહ્મણ, જંબુસ્વામી વગેરે ગાથાપતિ. काश्यप गोत्र में उत्पन्न मुनि सुव्रत और नेमिनाथ के सिवाय बाईस तीर्थंकर तथा चक्रवर्ति वगैरह क्षत्रिय, सातवें गणधर वगैरह ब्राह्मण और जंबूस्वामी वगैरह गाथापति. the Tirthankaras (24) excepting Muni Suvrata

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ની ફૂટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

and Nemī, the Kṣatriyas viz. the 7th Gaṇadhara etc. and the Gāthāpatis viz. Jambū Svāmī etc. all born in the Kāśyapa family. ठा० ७, १; उत्त० २४, १६; (३) पुं० એક પ્રસિદ્ધ ગોત્રનું નામ; કાશ્યપ નામે ગોત્ર. एक प्रसिद्ध गोत्र का नाम; काश्यप नाम का गोत्र. name of a famous family-origin. कप्प० ५, १०३; (४) શ્રી પાર્શ્વનાથ પ્રભુના શાસનના એક વિદ્વાન સાધુ. श्री पार्श्वनाथ प्रभु के शासन के एक विद्वान साधु. a learned monk belonging to the cult of Lord Pārśvanātha. भग० २,५; (५) અંતગડ સૂત્રના છઠા વર્ગના ચોથા અધ્યયનનું નામ. अंतगड सूत्र के छठवें वर्ग के चौथे अध्याय का नाम. name of the 4th chapter of the sixth section of Antagaḍa Sūtra. अंत० ६, ४; (६) રાજનગર નિવાસી એક ગાથાપતિ કે જેણે મહાવીર સ્વામી પાસે દીક્ષા લઇ સોળ વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી વિપુલ પર્વત ઉપર સંથારો કરી સિદ્ધિ મેળવી. राजगृह निवासी एक गाथापति जिसने कि महावीर स्वामी से दीक्षा ली और १६ वर्षोंतक तप कर विपुल पर्वत पर संथारा कर सिद्धपद प्राप्त किया. name of a merchant residing in Rājagriha, who took Dīkṣā from Mahāvīra Svāmī, practised asceticism for 16 years, and attained salvation on Vipula mount giving up food and water. अंत० ६, ४; (७) હજામ. नाई. a barber. भग० ८, ३३; (८) ઉત્તરા ફલ્ગુની નક્ષત્રનું ગોત્ર. उत्तरा फल्गुनी का गोत्र. the family origin of the constellation named Uttarā-Falgunī. सू० प० १०; —गुत्त, पुं० (-गोत्र) સિદ્ધાર્થ રાજા વગેરેનું ગોત્ર. सिद्धार्थ राजा वगैरह का गोत्र. the family-orgin of king Siddhārtha etc. क० प० १, २; २, २०; आया० २, १५, १७६; —गोत्त. पुं० (गोत्र) જમ્બુ સ્વામી વગેરેનું ગોત્ર. जम्बू स्वामी का गोत्र. the family-origin of Jambū Svāmī etc. नाया० १;

कासवग पुं० (काश्यपक) નાઈ; હજામ. नाई. A barber. सूय० १, ४, २, ६;

कासवनालिया. स्त्री० (काश्यपनालिका) શ્રીપર્ણીનું ફલ. श्रीपर्णी का फल. The fruit of Śrīparṇī. दस० ५, २, २१; आया० २, १, ८ ४८;

कासवय. पुं० (काश्यपक) જુઓ "कासवग" શબ્દ. देखो "कासवग" शब्द. Vide "कासवग" नाया० १;

कासवी. स्त्री० (काश्यपी) પાંચમા તીર્થંકરની મુખ્ય સાધ્વી. पांचवें तीर्थंकर की मुख्य साध्वी. The principal nun of the 5th Tīrthaṅkara. सम० प० २३४;

कासाइ. न० (काषाय) જુઓ "कासाइअ-य" શબ્દ. देखो "कापाइअ-य" शब्द. Vide "कासइअ-य" उवा० १, २२;

कासाइअ-य. न० (कापायिक) કષાય-ભગવા રંગથી રંગેલું વસ્ત્ર; ન્હાઇને શરીર લુંછવાનું વસ્ત્ર. भगवां रंग से रंगा हुआ वस्त्र; स्नान करके शरीर पोंछने का वस्त्र. A saffron-coloured cloth generally worn by Hindū ascetics; a piece of cloth to dry the body after bath; a towel जीवा० ३, ४; जं० प० ओव० ३१;

कासिल्ल. त्रि० (कासमत्) ખાંસીવાળો. खांसी वाला One suffering from cough. विवा० ७;

कासिह. पुं० (कासिह) જલચારી મત્સ્યાહારી એક જાતનું પક્ષી. मछली खानेवाला जलचारी पक्षी. A sort of crane; a bird eating fish living in water. सूय० १, ११, २७;

कासी. स्त्री०(काशी) કાશીપુરી; વનારસી નગરી. काशी नामक पुरी. The town of Benares. भग० ७, ८; सुत्त० २, ४; उत्त० १३, ६; कप्प० ५, १२७; (२) કાશી દેશ; આર્ય દેશમાંનો એક. काशी देश; आर्यदेश में से एक. a country named Kāśī. पन्न० १; भग० १५, १; नाया० ८; —**राय.** पुं०(-राज) કાશીદેશનો રાજા. काशी देश का राजा. a king of the country named Kāśī उत्त० १८, ४८; नाया० ८;

काहल. त्रि० (काहल) અસ્પષ્ટ; અવ્યક્ત. अव्यक्त; अप्रगट; अस्पष्ट Indistinct; inarticulate; not manifest. पगह. २, २; ठा० ७;

काहलिया. स्त्री० (काहलिका) કાહલિકા નામે એક સોનાનું આભરણ. इस नामका सोनेका आभरण. A sort of gold ornament. प्रव १५३६;

काहार. पुं० (कहार—कं जलं हरतीति) કાવડ. कावड. A contrivance to fetch water consisting of a piece of bamboo with ropes attached to its ends. Pots of water are fastened to the ends of this rope, while the bamboo rests on the shoulders.

काहावण. पुं० (कार्षापण) मुद्रा; સિક્કો. मुद्रा; सिक्का; छाप; मुहर. A stamp. पगह० १, २;

काहिअ-य. पुं० (काथिक = कथया चरति-काथिकः) ગૃહસ્થને ઘેર બનાવી બનાવી કથા કહેનાર સાધુ. गृहस्थ के घर पर बना बना कर कथा करने वाला साधु. An ascetic telling long-drawn scriptural stories at the houses of householders. सद० १, २, २, २८; निसी० १३, ५२; गच्छा० ११५;

काहे. अ० (कदा) ક્યારે. कब. When. अंत० ६, १५; भग० २, १;

किइकम्म. न० (कृतिकर्मन = कृतिरेव कृतेर्वा कर्म क्रिया कृतिकर्म) ગુર્વાદિકને વિધિપૂર્વક વંદના કરવી તે, એવી રીતે કે વાત વગેરે રોગથી પીડિત ન હોય તો ઉઠ બેસ કરી અસ્ખલિત પાઠોચ્ચાર કરી વંદના કરવી; ઉઠવાને અશક્ત હોય તો અસ્ખલિત પાઠનો ઉચ્ચાર કરી વંદના કરવી તે. गुरु आदि की विधि पूर्वक वंदना करना; यदि वात रोगसे पीडित न हो तो उठ बैठ करके धाराप्रवाह पाठोच्चार करते हुए वंदना करना और उठने में अशक्त हो तो धारा प्रवाह पाठ का उच्चारण कर वंदना करना. Rendering obeisance to a preceptor etc. with observance of due forms and ceremonies. प्रव० १८: ६८;पंचा० १७, ६; ओव० २०; भग० १४, ३; सम० १२;

किं. अ० (किम्) કોણ; શું; કયો. कौन; क्या; कौनसा. Who; what; which. भग० १, १; ७; २, १; ३; ५; ६; ३, १; ४; ५, २; ४; ६, ३३; १५, १; १६, ८; १=, ७; ८, २७, २३; २५, ६; २६, १; ४१, १; नाया० १; ३; ५; ८; १६; १७; अणुजो० ३; ११; वेय० १, ३३; वव० २, २२; ओव० १६; ३८; पन्न० १५; दसा० ३, २२; ३३; २४; ४, १०; आया० १, १, १, ३; १, ४, ४, १४०;

सूय० १, १, १, १; दस० ४, १०; ५, २, ४७;६,६५;६,१,५;६.२,१६;जं०प०७, १४०;

किंअंगपुण. अ० (किमङ्गपुनर्) જુઓ " किंपुण " શબ્દ. देखो " किंपुण " शब्द. Vide "किंपुण" नाया० १; १४;

किंअरणं अ० (किमन्यत्) બીજું શું ? दूसरा क्या ? What else ? नाया० ५;

किंकम्म. न०(किंकर्मन्) અંતગડ સૂત્રના છઠ્ઠા વર્ગના બીજા અધ્યયનનું નામ. अंतगड सूत्र के छठवें वर्ग के दूसरे अध्याय का नाम. Name of the 2nd chapter of the 6th section of Antagaḍa Sūtra. (२) રાજગૃહ નિવાસી એક ગાથાપતિ કે જે મહાવિર સ્વામી પાસે દીક્ષા લઇ અગીઆર અંગ ભણી ગુણરયણતપ કરી સોલ વરસની પ્રવજ્યા પાળી વિપુલ પર્વત ઉપર પરમ પદ પામ્યા. राजगृह निवासी एक गाथापति जिसने कि महावीर स्वामी से दीक्षा ली, ग्यारह अंग पढे, गुणरयण नामक तप किया और सोलह वर्ष तक प्रव्रज्या का पालन कर विपुल पर्वत पर मोक्ष पद प्राप्त किया. name of a householder residing in Rājagṛiha, who took Dīkṣā from Mahāvīra Svāmī, studied 11 Aṅgas, practised Guṇarayaṇa penance, observed asceticism for 16 years and attained salvation on the Vipula mount. अंत० ६, २;

किंकर. पुं० (किङ्कर) અનુચર, સેવક; ભૃત્ય; દાસ; ચાકર. नोकर; सेवक. A servant; an attendant. नाया० १; जीवा०३, ४; पन्न०२; ओव०३१ राय० ६६; भग०११,११;

किंगिरिड. पुं० (किङ्गिरीट) ત્રણઇંદ્રિયવાળા જીવની એક જાત. तेइन्द्रिय जीव; तीन इन्द्रियों वाला जीव. A kind of sentient being with three senses.

किंच. अ० (किञ्च) અને; વળી. और. And; moreover. भग० १८, ८;

किंचण. अ० (किंचन) કંઇપણ; કંઇક कुछ; कुछभी. Anything; something. सूय० १, १, २; १४; (२) न० દ્રવ્ય; પરિગ્રહ. द्रव्य का ग्रहण करना. wealth; worldly possessions. विशे० ३४५१, उत्त० ३२, ८; सूय० २, १, १४;

किंचि. अ० (किञ्चित्) કિંચિતમાત્ર; કંઇક. कुछ; किंचित् मात्र. A little; something; something at least. " किंचि बहुयं वयोवंच " पण्ह० १, ३; जं० प० ७, १३२; जं० प० दसा० ६, ३५; ७, २६, भग० २,१; ८; ८, ३;२०, ६;२५,७;३०,१; नाया०५;८; ओव० १६; ३८; उत्त० १, १४; पिं० नि० १००; उवा०६,१७० गच्छा०१; प्रव० १४७; —काल न० (-काल) થોડોકાલ; થોડો વખત. थोडा समय. a little time; some little time. भग० १, ७; नाया० १६;—विसेसाहिय. त्रि० (-विशेषाधिक) જરા વધારે; થોડું અધિક. कुछ ज्यादह. a little more; somewhat more. भग० २, ८; —साहम्म न० (-साधर्म्य) સહેજ સમાન પણું; કાંઇક સાધર્મ્ય. कुछ समानता; कुछ साधर्म्य भाव. a little affinity; possession of common qualities to a little extent. अणुजो० १४७;

किंचिम्मेत्त. त्रि० (-किञ्चित्मात्र) કિંચિત્ માત્ર. कुछ; किंचितमात्र. a little; very little; only a little. विशे० ३११;

किंतु. अ० (किन्तु) પણ; વિશેષતા બતાવવ ને આ અવ્યય વપરાય છે. भी; किन्तु; परन्तु. But; (an adversative conjunction). विशे० १५३;

किंत्थुग्घ. पुं० न० (किंस्तुघ्न) દરેક માસના શુક્લ પક્ષના પડવાને દિવસે આવતું, ચાર થિરકરણમાંનું ચોથું કરણ; ૧૧ કરણમાંનું ૧૧ મું કરણ. प्रत्येक मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा के दिन होने वाले चार स्थिरकरणों में का चौथा करण; ग्यारह करण में का ११वां करण. The last of the eleven Karaṇas; the last of the four Thira-Karaṇas falling on the first day of the bright half of each month. जं० प० ७, १५३;

किंनर. पुं० (किन्नर) કિંનર જાતના વ્યંતર દેવતા. किन्नर जाति के व्यंतर देव. A kind of Vyantara gods known as Kinnaras. नाया० १; १६; भग० ३, ८; सम० ३४; ओव० २४; ठा० २, ३; राय० ४१; जीवा० ३, ४; अणुजो० ४७; उत्त० ३६, २०५; (२) ચમરેન્દ્રના રથની સેનાનો ઉપરી. चमरेन्द्र की रथसेना का मुख्याधिकारी. the commander of the army of chariots belonging to Chamarendra. ठा० ५, १; —**संठिय.** त्रि० (-संस्थित) કિન્નર દેવના આકારવાળો. किन्नर देव का आकार वाला. (one) possessed of the form of a Kinnara god. भग० ८, २;

किंनरकंठ. पुं० (किन्नरकण्ठ) એક જાતનું રત્ન. एक प्रकार का रत्न A kind of jewel or gem. राय० १२१;

किंनरी. स्त्री० (किन्नरी) એક સ્ત્રી કે જેને લીધે યુદ્ધ થયું હતું. एक स्त्री जिसके लिये कि युद्ध हुआ था. Name of a woman who was the cause of a battle. पराह० १, ४;

किंपाग. न० (किंपाक) કિંપાક વૃક્ષ; એક ઝેરી ફ્લવાળું વૃક્ષ. किंपाक वृक्ष; एक जहरी फल वाला वृक्ष. A kind of tree with poisonous fruits; the Kimpāka tree. उत्त० ३२, २०; तंदु० ओव० १४; —**फल.** न० (-फल) કિંપાક વૃક્ષનું ફ્લ; સ્વાદે મધુર પણ પરિણામે ઝેરી એક ફ્લ. किंपाक वृक्ष का फल; स्वाद में मीठा परन्तु परिणाम में जहरी फल. a fruit of a Kimpāka tree sweet in taste but poisonous. तंदु०

किंपि. अ० (किमपि) કંઈક; કાંઈપણ. कुछ भी. Something; something at least; a little. पिं० नि० भा० ३६; सु० च० १, २३४; नाया० १;

किंपुण. अ० (किंपुनर्) તેમાં તો કહેવુંજ શું એવી મહત્તાવાલો નિશ્ચય દર્શાવવામાં એનો ઉપયોગ થાય છે. इसमें तो कहना ही क्या; इस प्रकार महत्तावाला निश्चय प्रगट करने में इस शब्द का उपयोग होता है. A phrase meaning, " it goes without saying. " गच्छा० ६५; नाया० १४;

किंपुणो. अ० (किंपुनर) જુઓ " किंपुण " શબ્દ. देखो " किंपुण " शब्द. Vide " किंपुण " दस० ७, ५;

किंपुरिस. पुं० (किम्पुरुष) કિંપુરુષ દેવતા; વ્યન્તરદેવતાની એક જાત. व्यंतर देवों का 'किं पुरुष' नामक एक भेद. A species of Vyantara gods. भग० २, ५; ३, ८; १०, ५; नाया० १६; पराह० १, ४; जीवा० ३, ४; अणुजो० ४७; सम० ३४; ओव० २४; उत्त० ३६, २०५; ठा० २, २; ३; पन्न० १; २; प्रज० ११५४; (२) વૈરોચન ઇંદ્રના રથની સેનાનો અધિપતિ. वैरोचन इन्द्र के रथ की सेना का अधिपति. name of the commander of the army of chariots of Vairochana Indra. ठा० ५, १; —**संठिय.** त्रि० (-संस्थित) કિંપુરુષ દેવને આકારે રહેલ. किंपुरुष देव

के आकार का. having a shape of a Kimpuruṣa kind of gods. भग० ८, २;

किंपुरिसकंठ. पुं० (किम्पुरुषकंठ) એક જાત નું રત્ન. एक जाति का रत्न. A kind of gem. राय० १२१;

किंबहुणा. अ० (किम्बहुना) વધારે શું ? ज्यादह क्या ? What more ? What is the use of adding more ? नाया० १; भग० ६, ३३;

किंमय. त्रि० (किम्मय) સ્વરૂપ કે પ્રાધાન્ય વિષયક પ્રશ્નાર્થમાં વપરાતું; આનું શું સ્વરૂપ છે કે આમાં પ્રધાનપણે શું છે એવા પ્રશ્નાર્થમાં આ રૂપ વપરાય છે. प्रश्नवाचक वाक्य में उपयोग में आनेवाला शब्द. A form of interrogation meaning "What is the essential or prominent feature of this ?" भग० १६, ७;

किंमूलय. त्रि० (किंमूलक) કયા મૂલવાળું ? इसका मूल क्या ? Originating in what ? नाया० ८;

किंवा. अ० (किंवा) અથવા. अथवा; या Or; an alternative conjunction. विशे० १२०; नाया० १; ५; भग० ३, १;

किंसुअ-य. पुं० (किंशुक) કેશુડાનું ઝાડ; ખાખરાનું વૃક્ષ. केशू का वृत्त; टेसू का झाड. A kind of tree bearing red flowers. जं० प० ओव० १३; अणुजो० १६; भग० २, १, ३, २; नाया० १; ८; ६; जावा० ३, १; राय० ४३; कप्प० ४, ६०;

किंसुग्घ. पु० न० (किंस्तुघ्न) જુઓ "किंत्थुग्घ" શબ્દ. देखो "किंत्थुग्घ" शब्द. Vide "किंत्थुग्घ" विशे० ३३४०;

किच्च. न० (कृत्य) કૃત્ય; કાર્ય; પ્રયોજન. कृत्य; काय; काम. Act; action; purpose. दस० ७, ३६; ६, २, १६; भग० १, १०; ३, १; १३, ८; सूय० २, ४, ८; उत्त० १, ४४; नाया० ३; १४; सु० च० ३, ६६; विशे० ३४६४; क० प० २, ७४; प्रव० २००; (२) કૃતિ-વંદનાને લાયક-ગુરૂ, આચાર્ય વગેરે. कृति अर्थात् वंदना के योग्य गुरू आचार्य आदि. worthy of salutation e. g. a preceptor etc. उत्त० १, १८; (३) પચન પાચનાદિ ક્રિયા. पचन पाचनादि कृत्य. process such as that of digestion etc. सूय० १, १, ४, १; —गय. पुं० (-गत) કાર્યમાં તત્પર. कार्य में तत्पर busily engaged in work. भग० ३, ५;

किच्चण. न० (*) ધોવું. धोना. Washing. ओघ० नि० १६८;

किच्चाकिच्च. न० (कृत्याकृत्य) કૃત્યાકૃત્ય; કાર્ય અને અકાર્ય. कर्म और अकर्म. Act to be done and act not to be done. दसा० ६, ३१;

किच्छ. न० (कृच्छ्र) કષ્ટ; મુશ્કેલી. कठिनाई; कष्ट. Difficulty; trouble. जं० प० सु० च० ६, ७५; भग० ७, ६; नाया० ८; विशे० २२८६; —प्प. पुं० (-आत्मन्) કષ્ટયુક્ત આત્મા. कष्ट सहित आत्मा. a troubled soul. नाया० ८; जं० प० ३, ५६;

किज्ज. त्रि० (क्रेय) ખરીદવાને યોગ્ય. खरीदने के योग्य. Fit for purchase; worthy of being purchased. दसा० ७, ४५;

किट्ट. धा० I, II. (कृत्) કીર્તન કરવું;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

वखाणुवुं. कीर्तन करना; कथन करना. To praise; to glorify; to sing the praise of.

किट्टइ. भग० २, १; नाया० ०;

किट्टइ. आया० १, ५, ४, १५८;

किट्टमि. सूय० २, १ ११;

किट्टे विधि० आया० १, ९, ६, १६४, सूय० २, १, ४७;

किट्टित्ता. सं० कृ० नाया० १;

किट्टत्ता. सं० कृ० उत्त० २६, १; नाया० १;

किट्टिया. सं० कृ० वव० ६, ३७;

किट्टित्तए. हे० कृ० वेय० ३, २०;

किट्ट. पुं० (किट्ट) लोढाना काट. लोहे का जंग Iron-rust. आया० २, १, १, १; —**रासि.** पुं० (-राशि) लोढाना काटनो ढगलो. लोहे के जङ्ग का ढेर. a heap of iron-rust. "**अट्टरासिंसि वा किट्टरासिंसि वा**" आया० २, १, १, १;

किट्टकरणद्धा. स्त्री० (किट्टिकरण द्धा) संज्वलन लोभनी प्रथम स्थितिना त्रण भाग करीओ तेमांना बीजा विभागनी संज्ञा किट्टि करणाद्धा छे. संज्वलन लोभ की प्रथम स्थिति के तीन भाग में से दूसरे विभाग की संज्ञा किट्टिकरणाद्धा कहलाती है. Name of the 2nd of the three divisions of the first stage of the kind of greed known as Sañjvalana Lobha क० प० ४, ६६;

किट्टि. स्त्री० (*) सूक्ष्म. सूक्ष्म. Fine as opposed to gross. प्रव० ७१२; क० प० ३, १०;

किट्टिअ-य. त्रि० (कीर्त्तित) वर्णवेलुं; भजवेलुं. कहा हुआ; वर्णित; वर्णन किया हुआ. Described. '**एवं से अहाकिट्टियमेव धम्मं**" आया० १, ८, ५, २१७; सूय० २, १, ११; ठा० ७, १०;

किट्टिक. पुं० (किंट्टिक) ओक जातनी वनस्पति. एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation भग० २३, १;

किट्टिकर. त्रि० (कीर्तिकर) कीर्तिनुं गान करनार. कीर्तिका गान करने वाला. (One) that sings glory. ओव० ३१;

किट्टिया. स्त्री० (कीटिका) ओक जातनी साधारण वनस्पति. एक प्रकार की साधारण वनस्पति. A kind of ordinary vegetation. पन्न० १; भग० १, २; जीवा० १;

किट्टिस. न० (*) ओत्रणु जातना वाळना मिश्रणथी बनेलुं सूत्र. दो तीन जातिके बालों के मिश्रण से बनाहुआ सूत्र धागा. A rope or thread formed by twisting together horse hair or hairs of different kinds. अणुजो० ३७;

किट्टी. स्त्री० (किंट्टी) ओक जातनी वनस्पति. एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation. पन्न० १;

किट्ठि. पुं० न० (कृष्टि) कृष्टिनामनुं त्रीजा चोथा देवलोकनुं ओक विमान कृष्टि नामक तीसरे चौथे देवलोक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devaloka. सम० ४;

किट्ठिकूड. पुं० न० (कृष्टिकूट) कृष्टिकूट नामनुं त्रीजा चोथा देवलोकनुं ओक विमान. कृष्टिकूट नामक तीसरे चौथे देवलोकका विमान. A name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

lokas. सम० ४;

किट्टिघोस. पुं० (कृष्टिघोष) કૃષ્ટિઘોષ નામનું ત્રીજા ચોથા દેવલોકનું એક વિમાન. कृष्टि घोष नामक तीसरे चौथे देवलोक का विमान. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम० ६;

किट्टिजुत्त. पुं० (कृष्टियुक्त) એ નામનું ત્રીજા અને ચોથા દેવલોકનું એક વિમાન. तीसरे और चौथे देवलोक के विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम० ४;

किट्टिज्झय. पुं० (कृष्टिध्वज) કૃષ્ટિધ્વજ નામનું ત્રીજા ચોથા દેવલોકનું એક વિમાન. तीसरे और चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम० ४;

किट्टिप्पभ. पुं० (कृष्टिप्रभ) કૃષ્ટિપ્રભ નામનું ત્રીજા ચોથા દેવલોકનું એક વિમાન. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम० ४;

किट्टियापत्त. पुं० (कृष्टिकापत्र) કૃષ્ટિકાપત્ર નામનું ત્રીજા ચોથા દેવલોકનું એક વિમાન. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम० ४;

किट्टिलेस्स. पुं० (कृष्टिलेश्य) કૃષ્ટિલેશ્ય નામનું ત્રીજા ચોથા દેવલોકનું એક વિમાન. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम० ४;

किट्टिसिंग. पुं० (कृष्टिशृंग) કૃષ્ટિશૃંગ નામનું ત્રીજા ચોથા દેવલોકનું એક વિમાન. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम० ४;

किट्टिसिद्ध. पुं० (कृष्टिसिद्ध) કૃષ્ટિસિદ્ધ નામનું ત્રીજા ચોથા દેવલોકનું એક વિમાન. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम० ४;

किट्टुत्तरवडिंसग. पुं० (कृष्ट्युत्तरावतंसक) કૃષ્ટિકાવતંસક નામનું ત્રીજા ચોથા દેવલોકનું એક વિમાન. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमानका नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम० ४;

किडिकिडिया. स्त्री० (किटिकिटिका) દુર્બલ શરીર વાળા માણસના માંસ વિનાના હાડકાંનો ઉઠતાં બેસતાં અવાજ થાય તે. दुर्बल शरीर वाले मनुष्य के मांस रहित हड्डियों का उठने बैठने पर जो आवाज हो वह. The cracking sound made by the bones of a fleshless weak person, as he rises up or sits down. नाया० १; भग० २, १;

किडिकिडियाभूय. त्रि० (किटिकिटिकाभूत = किटिकिटिकाभूतः प्राप्तो यः स किटिकिटिकाभूतः) કડ કડ અવાજ કરતું. जिसकी हड्डियों की उठते बैठते आवाज हो वह. Making a cracking sound. विवा० ८, भग० २, १;

किडिभ. पुं० (किटिभ) કીડીઆરૂં; રાફી. चिऊंटीयों का घर. An ant-hill, a swarm of ants. जं० प० भग० ७, ६;

(२) એક જાતનો રોગ. एक प्रकार का रोग. a kind of disease. भग० ७, ६;

किड्डा. स्त्री० (क्रीडा) ક્રીડા, રમત ગમત; રતિ; આનંદ. क्रीडा; खेल; आनंद; रति; विनोद. Sport; play; amusement. आया० १, २, १, ६४; सूय० १, १, ३, ११; भग० १३, ६; १४, २; पिं० नि० ८८; ४२५;

किड्डाविया. स्त्री० (क्रीडाकारिका) ક્રીડા કરાવનારી દાસી. क्रीडा कराने वाली दासी. A maid-servant who makes one sport, play or supplies with some kind of amusement. नाया० १६;

किढिण. पुं० (*) એક જાતનું વાંસનું ઠામ; તાપસનું એક ઉપકરણ; કાવડની બે બાજુના છાબડા. एक प्रकार का बांस का बर्तन; तापस का एक उपकरण; कावड़ के दोनों तरफ के छबड़े. A sort of vessel made of bamboo; a vessel used by an ascetic; the two flat baskets hanging by a rope attached to the two ends of a bamboo placed on the shoulder. भग० ७, ६; **—पडिरूवग.** त्रि० (-प्रतिरूपक=किढिनं वंशमयंस्तापससम्बन्धी भाजनविशेषः तत्प्रतिरूपके किठिनाकारे वस्तुनि) કાવડના આકારની વસ્તુ. कावड़ के आकार की वस्तु. An object having the shape of a wooden pole resting on the shoulders with two baskets hanging at each end. भग० १, ६; **—संकाइय.** न० (-सांकायिक = किठिनं वंशमयस्तापसभाजनविशेषः ततश्च तयोः साङ्कायिकं भारोद्वहनयन्त्रं किठिनसाङ्कायिकम्) કાવડ. कावड़. A contrivance consisting of a long piece of bamboo with two vessels suspended one at each end, by means of ropes. The middle part of the bamboo rests on any or both of the shoulders. भग० ११, ६;

किणण. न० (क्रयण) ખરીદવું તે. खरीदना. Act of purchasing. सु०च० २,४४५;

किणित. न० (किणित) એક જાતનું વાજીંત્ર. एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. जं० प०

किणिया. स्त्री० (किणिका) એક જાતનું વાજીંત્ર. एक प्रकार का बाजा. a kind of musical instrument. राय० ८८;

किणणं. अ० (किम्) કયું. શું. कौनसा. क्या What; a particle showing interrogation. नाया० १; २; ३; ७; ८; ६; १६; भग० ३,२; १३, ५; उवा० ३, १३६;

किण्ण. त्रि० (कीर्ण) આકીર્ણ; વ્યાપ્ત. फैलाया हुआ; व्याप्त. Scattered over with; full of. नाया० ५; उवा० २, ६४;

किण्णमुंड. पुं० (कीर्णमुण्ड) એક જાતનું વાજીંત્ર. एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. जीवा० ३, १;

किण्णर. पुं० (किन्नर) વ્યંતર જાતના દેવતાઓની એક જાત. व्यंतर जाति के देवों की एक जाति. A species of gods known as Vyantara gods. पन्न० १; १; ओव० पराह० १, ४; नाया० ८; भग० २,५; १०, ५; कप्प० ३, ४४; जं०प०५,११५;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

किएवाइ. अ० (किञ्चित) કિંચિત. कुछ; किंचितमात्र. Very little; only a little. पिं० नि० ६४३;

किएह. पुं० (कृष्ण) કાળોરંગ. काला रंग. Black colour. (२) કાળા રંગનું; શ્યામ. काले रंग का; श्याम. black. भग० १२, ६; १५, १; नाया० १;८; १०; १३;१४;१७; राय० ४७; अणुजो० १३१; आया० १, ५, ६, १७०; ठा० १, १; उत्त०३६.१६; सू०प० २०; ओव० पन्न० १; प्रव० १२२६, क० गं० १, ४०; कप्प० ८, ४५; जं० प० ४, ७४; २,११;निर०३,२;(३) पुं०કૃષ્ણ નામના ૯ મા વાસુદેવ. कृष्ण नाम के ६ वें वासुदेव. the 9th Vāsudeva named Krisna. निर० ५, १; (४) કૃષ્ણપક્ષ; અંધારીયું. कृष्णपक्ष. the dark half of a month. पंचा० १६, २०; —**आभास.** त्रि० (-आभास) કૃષ્ણ રંગ જેવું દેખાતું; કાળી પ્રભા. काले रंग के समान दीखता हुआ; काली प्रभा. appearing blackish; black lustre. नाया० ७, ८; निर० ३,२; —**ओभास.** पुं० (-अवभास) કાળી પ્રભા. काली प्रभा. black lustre. नाया० १; भग० १३, ४; १५, १; —**केसर.** पुं० (-केशर) કાળી કેશર. काली केशर. black saffron. पन्न०१७;राय०—**पडिवक्ख.**पुं० (-प्रतिपक्ष) અંધારીયું પખવાડીયું. कृष्णपक्ष. the dark half of a month. पंचा० १६, २०; **मिग.** पुं० (-मृग) કાળીયાર મૃગ; કાળો હરણ. कृष्ण मृग; काला हिरन. a black deer. आया० २. ५, १, १४५; —**लेसा.** स्त्री० (लेश्या) કૃષ્ણ લેશ્યા. कृष्ण लेश्या. black thought tint or matter-tint. प्रव.११७३; —**लेस्सा.**स्त्री०(-लेश्या) કૃષ્ણ લેશ્યા. कृष्ण लेश्या. black tint; black thought-tint or matter-tint. भग० १, १; उत्त० ३४, ४; पन्न० १७; —**सप्प.** पुं० (-सर्प) કાળો સર્પ. काला सांप. a black serpent. भत्त० ८३;—**सुत्तग.** न० (-सूत्रक) કાળા રંગનું સૂત્ર. काला सूत; thread of a black colour. भग० १६, ६;

किएहपडल. न० (कृष्णपटल) એ નામની સાધારણ વનસ્પતિ. इस नाम की एक साधारण वनस्पति. Name of an ordinary kind of vegetation. पन्न० १;

किएहपत्त. पुं० (कृष्णपत्र) ચાર ઇંદ્રિયવાળો એક જીવ. चार इंद्रियों वाला एक जीव. A four-sensed living being. पन्न० १;

किएहसिरि. स्त्री० (कृष्णश्री) છઠ્ઠા ચક્રવર્તીની કૃષ્ણશ્રી નામની સ્ત્રી. छठवें चक्रवर्ती की कृष्णश्री नामक स्त्री. Name of the wife of the sixth Chakravartī. सम० प० २३४;

किएहा. स्त्री० (कृष्णा) મેરૂના ઉત્તરમાં આવેલી રક્તા નદીમાં જઇને મળતી એક નદી. मेरु की उत्तर दिशामें स्थित रक्ता नामक नदीमें जाकर मिलने वाली एक नदी. Name of a river flowing into the river Raktā in the north of Meru ठा० ५, ३; १०; (२) કૃષ્ણ લેશ્યા; કાળામાં કાળા કર્મસ્કંધ કે જેના યોગથી જીવને ક્લિષ્ટમાં ક્લિષ્ટ પરિણામ થાય છે; ૭ લેશ્યામાંની પ્રથમ લેશ્યા. कृष्ण लेश्या; अत्यंत काले वर्ण के स्कंध कि जिनके योग से जीव को अत्यंत दीन और कठोर परिणाम हो. blackest Karmic molecules causing the direst results to the soul; black thought-tint or mattertint. क० गं० ४,१६; उत्त० ३४,३; पिं०नि०भा०३०; (३) એક જાતની વનસ્પતિ. एक प्रकार की वनस्पति a kind of

vegetation. भग० २३, ८; (४) કાળી પ્રભા. काली प्रभा. black lustre. नाया० ७;

√**किस.** धा० I. (कृत्) ગુણ કીર્તન કરવું; વખાણવું સ્તુતિ કરવી. गुण कीर्तन करना; प्रशंसा करना; स्तुति करना. To sing the merits of; to praise.

कित्तइस्सामि. अणुजो० ५९;

कित्तयन्त व० कृ० उत्त० २४, ६;

कित्तण. न० (कीर्तन) વખાણ; પ્રશંસા; સ્તુતિ. प्रशंसा; स्तुति. Praise; eulogy. विशे० ६४०; चउ० ३; नाया० १६; उवा० ७, २१६; पंचा० १६, ३७;

कित्तवीरिअ. पुं० (कीर्तिवीर्य) ભરતની ગાદીએ તેજવીર્ય પછી આવેલ તેનો પુત્ર. भरत की गादी पर तेजवीर्य के पीछे बैठने वाला उस का पुत्र. The son of Tejavirya who succeeded the latter to the throne. ठा० ८, १;

कित्ति. स्त्री० (कीर्त्ति) દાનાદિકમાં ઉદારતા બતાવવાથી થયેલ કીર્તિ, પ્રસિદ્ધિ; યશ; આબરૂ. दानादि में उदारता प्रगट करने से जो कीर्ति प्रसिद्धि, यश अथवा प्रतिष्ठा हुई हो वह. Fame; reputation; glory arising from charity etc. " कित्ति वण्ण सद्द सिलोगट्ठयाए " दस० ६, ४, २; ३; ६, २, २; उवा० २, ६५; सूय० १, ६, २२; ओव० ३१; उत्त० १, ४५; भग० १४, ५; १५, १; १६, ६; पिं० नि० ५०६; ६८७; नंदी० २७; ओघ० नि० भा० १४१; निर० ४, १; पन्न० २३; प्रव० ४६६; (२) કીર્તિદેવીની પ્રતિમા. कीर्तिदेवी की प्रतिमा. an image of the goddess of fame. भग० ११, ११; (३) કિર્તિદેવી; નીલવંત પર્વતના કેશરી દ્રહની અધિષ્ઠાત્રી દેવી. कीर्तिदेवी; नीलवंत पर्वत के केशरी द्रह की अधिष्ठात्री देवी. the goddess of fame; the presiding goddess of the lake named Keśarī in the north of Nilavanta mount. ठा० २, ३; जं० प० ४; —**कूड.** पुं० (-कूट) નીલવંત વખારા પર્વતના નવકૂટમાંનું પાંચમું કૂટ-શિખર. नीलवंत वखारा पर्वत के नौ कूट में का पांचवां कूट. the 5th of the 9 summits of the Nilavant Vakhārā mount. जं० प०—**कर.** त्रि० (-कर) કીર્તિ પ્રગટ કરનાર; યશ કરનાર. कीर्ति प्रकट करने वाला; यश करने वाला. making famous; giving fame. कप्प० ३, ५२;

किंत्ति. स्त्री० (कृत्ति) ચામડાનો ચોખંડો કકડો કે જે બેસવાને પાથરવાના કામમાં આવે તે. चमडे का चोखुंटा टुकडा जो कि बैठने के काम में आता है. A rectangular piece of leather used for sitting on. प्रव० ६८३;

कित्तिअ -य. त्रि० (कीर्तित) વખાણેલ. प्रशंसित; कीर्तिप्राप्त. Praised; famous. ओव० प्रव० २१३; ४७६; आव० २, ६; नाया० १६;

कित्तिआ. स्त्री० (कृत्तिका) કૃતિકા નક્ષત્ર. कृतिका नामक नक्षत्र. The constellation named Krittikā. अणुजो० १३१;

कित्तिआदास. पुं० (कृत्तिकादास) કૃતિકા દાસ નામે કોઈ એક માણસ. कृत्तिका दास. Name of a person. अणुजो० १३१;

कित्तिआदिरण. पुं० (कृत्तिकादत्त) કૃતિકાદત્ત નામનો માણસ कृत्तिकादत्त नामक मनुष्य. Name of a person. अणुजो० १३१;

कित्तिआदेव. पुं० (कृत्तिकादेव) કૃતિકા દેવ નામનો માણસ. कृत्तिका देव. Name of a person. अणुजो० १३१;

कित्तिआधम्म पुं० (कृत्तिकाधर्म) કૃતિકાધર્મ નામનો માણસ. कृत्तिका धर्म नामक मनुष्य.

A person so named. अणुजो० १३१;

किसिश्रासम्म. पुं० (कृत्तिकाशर्मन्) કૃત્તિકા શર્મા; નક્ષત્ર યોગથી માણુસનું નામ. कृतिका शर्मा. A person so named after the constellation called Krittikā. अणुजो० १३१;

किसिश्रासेण. पुं० (कृत्तिकासेन) કૃત્તિકાસેન; કૃતિકા નક્ષત્ર યોગથી માણુસનું પડેલું નામ. कृतिका सेन. A person so named after the constellation called Krittikā. अणुजो० १३१;

किसिकम्म. न० (कृतिकर्मन्) વંદન. वंदन (नमस्कारादि कर्म). Salutation, obeisance to a preceptor etc. वेय० ३, १८;

किसिम. त्रि० (कृत्रिम) બનાવટી; કોઇએ કરેલું. बनावटी; किसी का बनाया हुआ. Artificial; made by somebody. सूय० २, १, २२; गाणि० ७५; जं०प०१,१२;

किसिय. त्रि० (कियत्) કેટલું. कितना. How much. " कित्तिया सिद्धा " वव० २; तंदु० विशे० १३४८;

किसियामित्त. त्रि० (कियन्मात्र) કેટલા. कितना. How many; how much. सु० च० ४, २४१;

किन्नर. पुं० (किन्नर) કિન્નર જાતના દેવતા; વ્યંતર દેવતાની એક જાત. किन्नर जाति के देवता; व्यंतर देवता की एक जाति. A kind of Vyantara gods. प्रव० ११४४; (२) ધર્મનાથજીના યક્ષનું નામ. धर्मनाथजी के यक्ष का नाम name of the Yaksa of Dharmanāthaji. प्रव० ३७६;

किन्ह. पुं० (कृष्ण) કૃષ્ણ વાસુદેવ कृष्ण वासुदेव Krisna Vāsudeva. प्रव० १२८; (२) त्रि० કાળું; કાળા રંગનું. काला; काले रंग का. black. भत्त०६१; —सप्प पुं० (-सर्प) કાળો નાગ; કાળો સર્પ. काला नाग; काला सर्प. A black serpent. भत्त० ६१;

किब्बिस. त्रि०(किल्बिष) બીભત્સ; બીહામણું. बीभत्स; भयानक. Frightful; obscene; sinful. सूय० २, ३, २१; भग० १, ७; १२, ५; उत्त० ७, ५; (२) કિલ્બિષ; માયાનું પર્યાય નામ; પાપ. पाप; मायाका पर्यायवाची नाम. sin; deceit. सम० ५२; पण्ह० १, २; भग० १२, ५;

किब्बिसत्त. न० (किल्बिषत्व) અસુરભાવ; અસુરપણું असुरभाव. Devilishness; fiendishness. पण्ह० २, २;

किब्बिसिश्र-य. पुं० (किल्बिषिक) હલકી જાતના દેવતાની એક જાત. ચણ્ડાલ જેવા દેવતાની એક જાત. नीची जाति के अधम देवों की एक जाति; चांडाल के समान देवों की एक जाति. A kind of lower gods performing the meanest action. भग० ६, ३३; दसा० १०, १; श्रोव० ४१; सूय० १, १, ३, १६; २, २, २१; ठा० ३, ४; प्रव० ६५०; (२) બીજાને હસાડનાર; વિદૂષક दूसरे को हंसानेवाला; विदूषक. a baffoon; a fool जं० प० ३,६७; श्रोव० ३२; (३) ચતુર્વિધ સંઘ તથા જ્ઞાનાદિનું અવર્ણવાદ બોલનાર (સાધુ). चतुर्विध संघ तथा ज्ञानादिका अवर्णवाद बोलनेवाला (साधु). (an ascetic) defaming the fourfold Sangha, and knowledge etc. भग०१,२;पन्न० २०;—भावणा. स्त्री० (-भावना) ગુરૂનિન્દા, ગુરૂદ્રોહ વગેરે દુર્ગુણો કે જેથી કિલ્બિષિ જાતના દેવતામાં ઉત્પન્ન થવું પડે તે. गुरुनिन्दा, गुरुद्रोह आदि भावनाएं जिसके कारण किल्बिषिक जाति के देवों में उत्पन्न होना पडे. offences such as censure, treason etc. towards a preceptor which cause a person

to take birth among the Kilbiṣi kind of gods. उत्त० ३६, २५४;

किब्बिसियत्ता स्त्री० (किल्बिषिकता) કિલ્બિષ દેવપણું. किल्बिष देवपना. State of being one of the Kilbiṣa kind of gods. भग० ६, ३३;

किमंग. अ० (किमङ्ग) 'કિમંગ પુણ' એ વિશેષાર્થ બતાવનાર વાક્યમાં સહયોગી તરીકે વપરાતું અવ્યય. 'किमंगपुण' यह विशेषार्थ बतलाने वाले वाक्य में सहयोगी तरीके काम में आने वाला अव्यय A kind of conjunctive phrase meaning "What else should be told ?" नाया० २, १६; भग० ८, ५; —**पुण.** अ० (-पुनः) શું કહેવું ? તેમાં તો કહેવુંજ શું ? અથવા સામાન્ય આમ છે વિશેષ વાત તો શું કરવી ? क्या कहना ? उसमें तो कहनाही क्या ? अथवा सामान्य बात तो यह है और विशेष बात तो क्या करना ? it goes without saying; or, what more? ओव० २७; नाया० १; भग० २, ५; ६, ३३; १३, ६; १५, १;

किमट्ठं. अ० (किमर्थम्) શા માટે. किस लिये. Why ? wherefor ? भग० १, ९;

किमि. पुं० (कृमि) એક જાતનો કીડો; કરમીયો. जीव; जन्तु; कीड़ा; कृमि. A kind of worm or insect. विवा० १; नाया० १; सूय० १, ५, १, २०; राय० २५५; उत्त० ३६, १२७; (२) લાખ. लाख. lac used in dyeing etc. पन्न० १७; (३) એક જાતનું કંદ. एक प्रकार का कंद. a kind of bulbous root. जीवा० १; —**कवल.** न०(-कवल) કરમીયાનો કવલ-કોળીઓ. कृमि का कौर-कवल. a mouthful of a worm or of worms विवा० ८; —**जालाउल.** त्रि० (-जालाकुल) કરમિયાના સમૂહથી વ્યાકુલ. कृमि-कीडों के समूह से व्याकुल. full of swarms of worms. नाया० १२;

किमिच्छिय. न० (किमिच्छक) "આ ચીજ છે ? આ છે ?" એમ ઇચ્છા પ્રમાણે માંગી લેવું તે; સાધુના ૫૨ અનાચીર્ણમાંનું એક. "यह चीज है ? यह है ?" इस प्रकार मांग लेना; साधू के ५२ अनाचर्णों में से एक. Accepting as alms various things after asking such questions as "have you got this ? have you got that ?" etc.; one of the 52 Anāchīraṇas of a Sādhū. दस० ३, ३; नाया० ८;

किमिण. त्रि० (कृमिवत्) કૃમિ જીવ યુક્ત. कृमि सहित; कीडे वाला. Containing worms i. e. sentient beings. पगह० ७, ३; नाया० १२;

किमियकवल. पुं० (कृमिक कवल) કરમીયાનો કવલ-કોળીઓ. कृमि कवल; कीडों का कौर. A mouthful of worms, or of a worm. विवा० ७,

किमिया. स्त्री० (कृमिका) જઠરમાં ઉત્પન્ન થતા જન્તુ; पेटमें उत्पन्न होनेवाले कीडे-कृमि. Worms produced in the stomach. जीवा० १;

किमिराग. न० (कृमिराग) કિરમજી રંગવાળું સૂત્ર; લોહી પાઇ ઉછેરેલ કીડાની લાળમાંથી લોહીના રંગવાળું બનેલું સૂત્ર. किरमजी रंग का सूत; लोही पिला कर पाले हुए कीडों की लार से लोही के रंग का बना हुआ सूत. A Crimson-coloured thread produced from the saliva of a kind of insect. अणुजो० २, ७; (२) કિરમચી રંગ; એક જાતનો પાકો રંગ. किरमची रंग; एक जात का पक्का रंग. crimson colour; a kind of fast colour. राय० ५३;

क० गं० १, २०; —कंबल. पुं० (-कम्बल) कीरमज़ी रंगथी रंगेल कामळ. किरमजी रंग से रंगा हुआ कंबल. a blanket of crimson colour. नाया० १७; पन्न०१७; —रत्त. त्रि० (-रक्त) किरमचना रंगथी रंगेल. किरमची के रंग से रंगा हुआ. crimson-coloured. ठा० ४, २;

किमिराय. न० (कृमिराग) जुओ "किमिराग" शब्द. देखो "किमिराग" शब्द. Vide "किमिराग" पराह० २, ४;

किमिरासि. पुं० (कृमिराशि) ए नामनी एक वनस्पति एक वनस्पति का नाम. Name of a kind of vegetation. पन्न० १; भग० २३, ५;

किमु. अ० (किमु) शुं; प्रश्नार्थे. क्या ? A particle showing interrogation; what. विं० नि० १२०;

कियकम्म. न० (कृतकर्मन्) कृतकर्म वंदना. कृतकर्म वंदन. The Vandanā (salutation and prayer to a Guru) styled Kritakarma. प्रव० ६५५;

कियापर. त्रि० (कियापर) कार्य करवामां तत्पर. काम करने में तय्यार. Devoted to business; (one) busily doing his work."मग्गाणुसारि सड्ढो पराणवणिज्जो कियापरो चेव" पंचा० ३, ६;

किर. अ० (किल) निश्चय; खरेखर. निश्चय; वास्तवमें. Indeed; assuredly. पिं० नि० ६४२; विशे० ४६३; भग०६, ७; संत्था० २: जं प० सु०च० २, ११; भत्त०१०८; क० गं० ४, ७८;

किरण. पुं० (किरण) किरण; तेज; प्रभा. किरण; तेज; ज्योति. A ray of light; light. भग०११,११; ओव०१०; जीव०३,३;

किराय. पुं० (किरात) किरात नामनो एक अनार्य देश. किरात नाम का एक अनार्य देश. Name of an uncivilised country. प्रव० १५९६;

किरिकिरिया स्त्री० (किरिकिरिका) वांसनी खपाटथी वगाडवानुं भांडलोकोनुं एक वाजिंत्र. बांस की चिपाली से बजाने का भांड लोगों का एक प्रकारका बाजा. A musical instrument used by bards etc. played upon by passing a slip of bamboo across its strings. आया० २, ११, १६८;

किरिमेर पुं० (*किरिमेर) एक जातनुं सुगंधी द्रव्य. एक प्रकारकी सुगंधित वस्तु A kind of fragrant substance. जीवा०३,४;

किरियतर. पुं० (क्रियातर) मोटी क्रिया. बडी क्रिया. A great action. भग० ५, ६; १३, ४;

किरियाविसाल. न० (क्रियाविशाल यत्र क्रियाः कायिक्यादिका विशालाः सभेदत्वेनाभिधीयन्ते तत्) ए नामनो चौद पूर्वमांनो तेरमो पूर्व. इस नाम का चौदह पूर्व में से तेरहवां पूर्व. The 13th of the 14 Pūrvas, so named. सम० १४;

किरिया. स्त्री० (क्रिया) कर्म बंधन हेतु; कायिकी आदि पांच क्रिया; कर्म बंधननी चेष्टा. कर्म बंधन की कारण रूप कायिकादि पांच क्रिया; कर्म बंधन की चेष्टा. Any of the five kinds of actions which lead to bondage e. g. bodily action etc. जं० प० ७, १३८; ओव० २०; उत्त० १८, २३; भग० १, २; ६: १०; २, ५; ३, ३; ५, ६; १७, १; नाया० १; सूय० २, १, १७;२,५,१२; आया० १,६,१,१६; ठा०सम० १; ५; विशे० ३; ४६; ६४; निसी० ५, ६५; राय० २२४; पन्न० १, १७; २२; पराह० २, २; सु० च० ६, ३; (२) प्रज्ञापना सूत्रना बीसमा पदनुं नाम के जेमां कायिकी आदि

પાંચ ક્રિયાનું વર્ણન આપેલ છે. प्रज्ञापना के बीसवें पद का नाम जिसमें कि कायाकी आदि पांच क्रियाओं का वर्णन है. name of the 20th Pada of Prajñāpanā Sūtra describing the five kinds of actions viz. bodily etc. पन्न० १; (३) આત્મા તથા પરલોક છે એમ માનવું તે. आत्मा और परलोक का मानना. belief in the existence of soul and unseen world. प्रव० ५५७; भग० २५ ७; —ट्ठाण. न० (-स्थान) ક્રિયાનું સ્થાનક; ક્રિયાના તેર સ્થાનકમાંનું ગમે તે એક. क्रिया का स्थानक; क्रिया के १३ स्थानकों में से कोई भी एक. any of the 13 varieties of Kriyā i. e. action or source of Karma. प्रव० ८३७; —दार. न० (-द्वार) ક્રિયાનું દ્વાર-પ્રકરણ. क्रिया का द्वार-प्रकरण. the chapter on Kriyā. प्रव० ३१६; —रुइ स्त्री० (-रुचि) ક્રિયા-અનુષ્ઠાનમાં રૂચિ-ઇચ્છા; સમકિતનો એક પ્રકાર. अनुष्ठान में रुचि-प्रेम; सम्यक्त्व का एक भेद. liking for, desire for Kriyā i. e. religious performance; one of the varieties of right belief. उत्त०२८, १६; प्रव०६७२; —वाइ. पुं० (-वादिन्-क्रियां जीवाजीवादिरर्थोऽस्तीत्येवंरूपां क्रियां वदन्ति इति क्रिया वादिनः) ક્રિયાનેજ મોક્ષસાધક માનનાર; क्रिया को मोक्ष दायक मानने वाला; क्रिया का अस्तित्व स्वीकार करने वाला. one who accepts the existence of the soul etc. as a cause of action. ठा० ४, ४; सूय० १, १, २, २४; —वादि पुं० (वादिन्) જુઓ "किरियावाइ" શબ્દ. देखो "किरियावाइ" शब्द. vide "किरियावाइ" आया०१, १, १, ५; भग० ३०, १; —विवज्जिय. पुं० (-विवर्जित) ક્રિયાથી રહિત. क्रिया से रहित. devoid of action भग० ३०, १; —समय. पुं० (-समय) ક્રિયા કરવાનો સમય. क्रिया करने का समय. the time for doing an action. भग० १, १०;

किरियाठाण. न० (क्रियास्थान-करणं क्रिया तस्याः स्थानानि भेदाः तत् क्रियास्थानम्) સૂયગડાંગસૂત્રના બીજા શ્રુતસ્કંધના બીજા અધ્યયનનું નામ કે જેમાં ક્રિયાના તેર સ્થાનકોનું વિસ્તારથી વર્ણન છે. सूत्र कृतांग के दूसरे श्रुतस्कंध के दूसरे अध्याय का नाम जिसमें तेरह स्थानकों का विस्तार पूर्वक वर्णन है. Name of the 2nd chapter of the 2nd Śruta Skandha of Sūyagaḍāṅga Sūtra, describing the 13 varieties of actions. सम० २३; सूय० २, २, ८५; ८६;

किरियापद. न० (क्रियापद) પન્નવણા સૂત્રનું ક્રિયાપદનું નામ. पन्नवना सूत्र के क्रियापद का नाम. Name of the Kriyāpada of Pannavaṇā Sūtra. भग० ८, ३;

किरियाविसालपुव्व. पुं० (क्रियाविशालपूर्व) ક્રિયાવિશાલ નામે તેરમો પૂર્વ. क्रियाविशाल नामक तेरहवां पूर्व. The 13th Pūrva named Kriyāviśāla. नंदी० ५६; प्रव० ७२४;

किरीड. न० (किरीट) મુગટ. मुकुट. A crown; a diadem. सुच० १, १;

किल अ० (किल) નિશ્ચય. निश्चय. Indeed; assuredly. नाया० १६;

किलंजय. पुं० (किलिञ्जक) વાંસની સુંડલી કે જેમાં ગાયને ખાણુ આપવામાં આવેછે તે. बांस की टोपली जिसमें कि गाय को भोजन दिया जाता है. A basket of bamboo used for giving food to cows.

राय० २७१; गवा० २, ३४;

किलंत. त्रि० (क्लान्त) દુઃખથી પીડિત. दुःखसे पीड़ित. Troubled; pained. भग० १६, ४; १६, ३; सु० च० १०, ६५; जीवा० ३, १; पग्ह० १, ३; वेय० ३, १६; नाया० १; कप्प० ६, ६१;

√**किलाम.** धा० II. (क्लम्) દુઃખદેવું; દુઃખઆપવું. दुःख देना. To afflict; to give pain; to trouble.

किलामेइ. भग० ३, ६;
किलावंति. पन्न० ३६;
किलामेसि. दस० ५, २, ३;
किलामेह. भग० ८, ७;
किलाविज्जमाण. क० वा० व० कृ० सूय० २, १, ४८;

किलाम. पुं० (क्लम) પીડા. पीड़ा; दुःख. Affliction; pain; trouble. भग० १, १; विशे० २४०४; कप्प० ४; ७६; (२) થાક. थकावट. exhaustion; getting tired. राय० २३६;

किलामणा. स्त्री० (क्लमना) પીડા; દુઃખ. पीड़ा; दुःख. Misery; pain; affliction. भग० ३, ३;

किलामित्र. त्रि० (क्लान्त) ગ્લાનિ પામેલું; સુકાઈ ગયેલું. मुरझायाहुआ; सूखाहुआ. Tired; faded; dried. अणुजो० १३०; भग० ८, ७;

किलिंच. न० (*) વાંસની ખપાટ. बांसकी चिपाली. A slip of bamboo. निसी० १, २; दस० ४;

किलिट्ठ त्रि० (क्लिष्ट) સંકિલષ્ટ પરિણામી; રાગ દ્વેષના પરિણામવાળો. संक्लिष्ट परिणाम वाला; रागयुक्त परिणामी. Troubled, agonised on account of attachment, hatred etc. उत्त० ३२, २७; क० प० ४, १६; (२) કલેશયુક્ત; દુઃખી. क्लेशयुक्त; दुःखी. unhappy; miserable. सु० च० ३, १५६; (३) અશુભ; દુષ્ટ. अशुभ; दुष्ट. evil; wicked. भत्त० ७८; पंचा० ३ ४१; **—कम्म.** न० (-कर्मन्) કિલષ્ટ કર્મ. क्लिष्ट कर्म. an action causing pain, sorrow etc. arising from anger, hatred etc. भत्त० ७८;**—भाव.** पुं० (-भाव) કિલષ્ટભાવ – પરિણામ. क्लिष्ट परिणाम. state of being full of pain, sorrow caused by attachment, hatred etc. नाया० १४; **—सत्त.** पुं० न० (-सत्व) કલેશી જીવ. क्लेशी जीव. a sentient being full of trouble or pain. पंचा० ३, ४१;

किलिट्ठया. स्त्री० (क्लिष्टता) દુષ્ટપણું. दुष्टपना. State of being evil or wicked. पंचा० १६, २५;

किलिगण. त्रि० (क्लिन्न) આર્દ્ર; ભીનું. भीजा हुआ; गीला. Wet; damp. नाया० १; उत्त० २; ३;

किलिन्न. त्रि० (क्लिन्न) જુઓ "किलिगण" શબ્દ. देखो "किलिगण" शब्द. Vide "किलिगण" उत्त० २, ३६;

√**किलिस्स.** धा० I. (क्लिश्) કલેશપામવું; દુખી થવું. क्लेश पाना; दुःखी होना. To be miserable; to undergo trouble or pain.

किलिस्सइ. उत्त० २७, ३;
किस्सन्ति. सूय० १, ३; २, १२;

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

किलिस्संत. व० कृ० पिं० नि० १८८;

किलिस्स. पुं० (क्लेश) दुःख; क्लेश. दुःख; क्लेश. Misery; pain; trouble. नंदी० १३;

किली. स्त्री० (किली) शलाका; सळी; खीली. सलाई; खील. A small rod; a small nail; a thin blade of grass etc. भत्त० १०२;

√ किलेस. धा० I. (क्लिश्) क्लेश उपजाववो; परिताप–दुःख उत्पन्न करवुं. क्लेश–दुःख उत्पन्न करना. To cause trouble; to give pain.

किलेसंति. प्रे० आया० १, ६, २, १८४;

किलेस पुं० (क्लेश) क्लेश; दुःख. क्लेश; दुःख. Trouble; pain. सू० प० २०; पिं० नि० १८८; नाया० १६; पंचा० ४, २१; —**कर.** त्रि० (-कर) क्लेश करनार. क्लेश करनेवाला. causing trouble; troublesome. भत्त० १२३;

किवण. त्रि० (कृपण) दरिद्री; रांक; भिखारी. कृपण; कंजूस; दरिद्री; निर्धन. Poor; indigent; miserly; beggarly. ठा० ५, ३; अणुत्त० ३, १; भग० १, ६; दस० ५, २, १०; जं० प० पिं० नि० ४४६; नाया० १४; आया० २, १, १, ७; कप्प० २, १६; —**कुल.** न० (-कुल) रांक कुळ; गरीबनुं कुळ. दारिद्र कुल; गरीब का कुल. poor family; indigent family. ठा० ८; दसा० १०, १०; —**पिंड.** पुं० (-पिण्ड) रांकने आपवानो खोराक. रंक के लिये रखा हुआ भोजन. Food to be given to the indigent. निसी० ८, १६;

किवणग. त्रि० (कृपणक) कृपणु; कंजुस. कंजूस. Miserly; stingy. सूय० २, २, ५४;

किवाण. पुं० (कृपाण-कृपांलुनातीति) खड्ग; तलवार. तरवार. A sword. ओव०

किविण. त्रि० (कृपण) कंजुस; गरीब; रांक. निर्धन; दरिद्र. Poor; stingy; miserly. पण्ह० १, १; नाया० १३; सु० च० १, १५४;

√ किस. ना० धा० I. (कृश) पातळुं–दुबळुं करवुं. पतला–दुबला करना. To render weak, slender or emaciated.

किसए. सूय० १, २, १, १४;

किस. त्रि० (कृश) पातळुं; दुबळुं; निर्बळ. पतला; दुबला; कमजोर. Weak; feeble; slender. उवा० १, ७२; ठा० ४, २; सूय० १, १, १, २; १, २, १, ६; उत्त० २, ३; आया० १, ६, ३, १८६, पिं० नि० २६२; भग० २, १; नाया० १; ५; —**उयर.** त्रि० (-उदर) दुबळा–पातळा पेटवाळो. दुबले पेटवाला. (one) with a slender belly. सु० च० २, ८६;

किसलय. पुं० (किसलय) पत्रांकुर; टीसी; कुंपळ. कोंपल. A tendril; a sprouting leaf. जं० प० ओव० राय० ११४; जीवा० ३, ४; " **सव्वो वि किसलओ खलु, उग्गममाणो अणंतओ भणिओ** " पन्न० १; —**पत्त.** न० (-पत्र) किसलयरूप पत्र–नीकळतुं कोमळ पांदडुं-टीसी. किसलयरूप पत्र निकलता हुआ कोमल पत्र–टहनी. a sprouting, tender leaf. प्रव० २४०;

किसि. स्त्री० (कृषि) खेतीवाडी; खेतीकर्म. खेती. Agriculture. ठा० ४, ४; पिं० नि० ४३८; जं० प० सु० च० १२, ५६; विशे० १६१५; पंचा० ८, ४५; —**कम्म.** न० (-कर्म) खेतीनुं काम. काश्तकारी. agriculture. पंचा० ४; ४;

किसोर. त्रि० (किशोर) किशोर अवस्थावाळो. किशोर अवस्था; बाल्यावस्था. Young; adolescent. ओघ० नि० ६६;

किह. अ० (क) क्यां ? कये ठेकाणे. Where ?

at what place ? भग० २, १; ३, २;

किहं. अ० (कथम्) કેમ? કેવી રીતે ? क्यों ? क्या ? How; why. विशे०१३५;१४५; पिं० नि० भा० ३६; नाया० ७; भग० २, १; "से काहेवा किहंवा केवाचिरेख वा किहं वासि" भग० ३, २;

कीअ. त्रि० (क्रीत) વેચાતું લીધેલું. मोल लिया हुआ. खरीदा हुआ. Bought; purchased. पंचा० १३, ५;

कीड. पुं० (कीट) જંતુ; કીડો. जंतु; कीड़ा. An insect; a worm. उत्त० ३, ४; ३६, १४६; दस० ४; ओघ० नि० ७३५; सूय० २, ६, ४८; पगह० १, ३;

कीडय. न० (कीटज) કીડાની લાળથી ઉત્પન્ન થતું સૂત્ર. कीडा की लारसे उत्पन्न सूत. A thread produced from the saliva of an insect. "कीडयं पंचविहंपएणत्तं तं जहा पट्टमलए अंसुए चीणंसुए किमिरागे" अणुजो० ३७;

कीडा. स्त्री० (क्रीडा) રમત ગમ્મત. खेल; विनोद. Sport; play. भग० ११, ६; उत्त० १, ६; नाया० १; उवा० १, ४८; (२) માણસની દશ દશાઓ પૈકી બીજી દશા. मनुष्य की दस दशाओं में से दूसरी दशा. the 2nd of the ten conditions of men. तंदु० —कारी. स्त्री० (-कारिणी) ક્રીડા કરાવનારી દાસી. क्रीडा कराने वाली दासी. a maid-servant who causes to play or sport. भग० ११, ११;

कीणास. पुं० (कीनाश = कुत्सितं नाशयतीति) યમરાજ. यमराज. The god Yama; the god of death. सु० च० ५, १७१;

कीब. न० (क्लीब) કાયર; નપુંસક; નામર્દ. कायर; नपुंसक; नामर्द. A cowardly fellow; an impotent person. उत्त० १६; ४१; सूय० १, ३, १, १७; जीवा०३,३; ठा०३,४; क० गं० ४, ४२; सु० च०६,११८; वेय०४, ४; नाया० १; भग० ६, ३३; प्रव० ७६७; (२) એક જાતનું પક્ષી. एक जातका पक्षी. a kind of bird. पगह० १, १; (३) ક્લીવકુમાર. क्लीवकुमार. Klīvakumāra. नाया० १६;

कीय. त्रि० (क्रीत = क्रियते स्मार्थदानेन गृह्यते स्मेति क्रीतम्) ખરીદેલું, વેચાતું લીધેલું खरीदा हुआ. Bought; purchased. आया० १, ८, २, २०२; २, ५, १, १६४; दस० ६, ४९; सम० २१; दसा० २, ७; निसी० १४, १; १८ २; १९, १; (२) સાધુને માટે આહારાદિ વેચાતું લઇને આપવાથી લાગતો એક દોષ; १६ ઉદ્ગમનમાંનો આઠમો દોષ. साधुको आहारादि खरीद कर देने में जो दोष लगता है वह; १६ उद्गमनों में का ८ वां दोष. the 8th of the 16 Udgamana faults viz. giving food etc. to a Sādhū after purchasing it. प्रव० ५७२; पि० नि०६२; ३०६; भग० ६, ३३; —कड. त्रि० (-कृत—क्रीतेन क्रयेण कृतं निष्पादितं क्रीतकृतम्) સાધુને વાસ્તે અગાઉથી વેચાતું લઇ રાખેલ. साधु के लिये पहले से खरीद कर रखा हुआ. purchased beforehand for a Sādhū. पगह० २, ५; —गड. त्रि० (-कृत) જુઓ "कीयकड" શબ્દ. देखो "कीयकड" शब्द. vide "कीयकड" भग० ५, ६; नाया० १; ओव० ४०; उत्त० २०, ४७; दस० ३, २; ५, १, ५५;

कीय. पुं० (कीचक) કીચક; વાંસ. कीचक; बांस. A bamboo. दस० ६, १, १;

कीयग. पुं० (कीचक) કીચક નામનો રાજા.

कीचक नामक राजा. Name of a king. नाया० १६;

कीया. स्त्री० (* कीका-कानीनिका) આંખની કીકી. आंखकी पुतली. The pupil of the eye. ओव०

√**कील.** धा० I, II. (क्रीड्) ખેલવું; ક્રીડા કરવી. खेलना. To sport; to play. कीलेइ. सु० च० २, ३८५.

कीलंत. व० कृ० जं० प० ३, ६७; भग० १३, ६; पंचा० ७, ३६;

कीलमाण. नाया० १४; १६; विवा० ६;

कील. पुं० (कील) ખીંટી; ખીલો. खील; कील. A nail; a peg. सूय० १, ५, १, ६; दस० ५, १ ६७; उवा० ७, २०७; पंचा० ७, १०;

कीलग. पुं० (कीलक) ખીલો खीला. A nail. जीवा० ३, ४; जं० प० ५, ११६; राय० ४६;

कीलण. न० (क्रीडन) ક્રીડા; રમત. क्रीडा; खेल. Play, sport. ओव० २४; पन्न० २;

कीला. स्त्री० (क्रीडा) રમત खेल; क्रीडा Play; sport. तंदु० निर० १, १; सु० च० १, २४४; —**पसंग.** पुं० (-प्रसंग) ક્રીડા કરવાનો પ્રસંગ. क्रीडा करने का प्रसंग. an occasion of sport or play. प्रव० ४५८;

कीलावण. न० (*क्रीडन) રમાડવું. खिलाना. Causing to sport or play. नाया० २; १८; पिं० नि० ४१०; —**धाई** स्त्री० (-धात्री) ક્રીડા કરાવનારી સ્ત્રી-ધાવમાતા. क्रीडा कराने वाली स्त्री. a wet-nurse who causes a child to sport or play. नाया० १; १६;

कीलावणग. त्रि० (क्रीडाकारक) ક્રીડા કરાવનાર. क्रीडा कराने वाला. (One) who causes to sport. नाया० ३;

कीलिय. न० (क्रीडित) ક્રીડા કરેલ. क्रीडा करा हुआ; खेला हुआ Sported; (one who has) sported. उत्त० १६, ५; सु० च० २, ४१४; नाया० ६; ठा० ६;

कीलिय. त्रि० (कीलित) મંત્રાદિકથી ખીલી મુકેલ. मंत्रादिक से कीला हुआ. Charmed; subjugated with incantations etc; hypnotised. सु० च० २, ४१४;

कीलिया. स्त्री० (कीलिका) જેમાં હાડકાના સાંધા ખીલીથી જડેલ હોય તે સંઘયણ; ૭ સંઘયણમાંનું પાંચમું સંઘયણ. जिसमें हड्डियों के जोड़ कील से जोडे हों वह संघयण; ६ संघयण में से पांचवां संघयण. A variety of physical structure in which the bones are fastened together by (two) little nails; the fifth of the six Saṅghayaṇas. पन्न० २३; क० गं० १, ३६. —**संघयण.** न० (-संहनन = यत्रास्थीनि कीलिकामात्र बद्धान्येव भवन्ति तत्कीलिकासंहननम्) ૭ સંઘયણમાંનું પાંચમું કીલિકા સંઘયણ. ६ संघयण में से पांचवां कीलिका संहनन. the fifth of the six varieties of physical constitutions where the bones are joined together merely by two little nails. जीवा० १; ठा० ७, १;

कीलियासंघयणि. त्रि० (कीलिकासंहननिन्) કીલિકા સંઘયણવાળો. कीलिका संहनन वाला. (One) possessed of a nailed bony frame. भग० २४, १;

कीस. पुं० (कीदृश) કેવું. कैसा. Of what sort or nature. भग० १, १;

कीसत्ता. स्त्री० (कीदृशता) કેવો પ્રકાર ? શું સ્વરૂપ. किस प्रकारका, कैसा. (Of)

२३७; उत्त० ६, ५; पण्ण० २; १५; ओव० १२; २२; निसी०७, ८; कप्प०२, १४; दसा० १०१; (२) કુંડલનામે દશમા દ્વીપ અને દશમા સમુદ્ર. दसवें द्वीप और समुद्र का नाम. name of the 10th island and also of the 10th ocean. सूय० १६; जीवा० ३, ४; अणुजो० १०३; —जुअल. न० (-युगल) કાનમાં પહેરવાના બે કુંડલ. कानों में पहेरने के दो कुंडल. a pair of ear-rings. कप्प० ३, ३६; —जुगल न० (—युगल) કુંડલની જોડ. कुंडल की जोड. a pair of ear-rings. नाया० ८; —धर. त्रि० (-धर) કુંડલને ધારણ કરનાર. कुंडल को धारण करने वाला. (one) who has put on ear-rings. नाया० ८;

कुंडलभद्द. पुं०(कुण्डलभद्र) કુંડલદ્વીપના અધિપતિ દેવતાનું નામ. कुंडल द्वीप के अधिपति देव का नाम. Name of the presiding deity of the Kuṇḍala island जीवा० ३, ४;

कुंडलमहाभद्द. पुं० (कुण्डलमहाभद्र) કુંડલદ્વીપના અધિપતિ દેવતાનું નામ. कुंडल द्वीप के अधिपति देव का नाम. Name of the presiding deity of the Kuṇḍala island. जीवा० ३, ४;

कुंडलवर. पुं० (कुण्डलवर) કુંડલવર નામનો દ્વીપ તથા સમુદ્ર. कुंडलवर नामक द्वीप और समुद्र. Name of an ocean; also that of an island. जीवा० ३, ४; (२) કુંડલદ્વીપને ચારે તરફ ફરતો કુંડલવર નામનો પર્વત. कुंडलद्वीप के चारों ओर स्थित कुंडलवर नामक पर्वत. name of a mountain surrounding the Kuṇḍala island on all sides. ठा० ३, ४; (३) કુંડલવર સમુદ્રનો અધિપતિ દેવતા. कुंडलवर समुद्रके अधिपति देवता का नाम. name of the presiding deity of the ocean named Kuṇḍalavara. जीवा० ३, ४;

कुंडलवरभद्द पुं० (कुण्डलवरभद्र) કુણ્ડલવરદ્વીપના અધિપતિ દેવતાનું નામ. कुंडलवर द्वीप के अधिपति देवता का नाम. Name of the presiding deity of the island of Kuṇḍalavara. जीवा० ३, ४;

कुंडलवरमहाभद्द. पुं (कुंडलवरमहाभद्र) કુંડલવર દ્વીપના અધિપતિ દેવતાનું નામ. कुंडलवर द्वीपके मुख्य देवका नाम. Name of the presiding deity of the island of Kuṇḍalavara जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभास. पुं० (कुण्डलवरावभास) કુંડલવરોભાસ નામનો એક દ્વીપ તથા સમુદ્રનું નામ. कुंडलवरोभास नामक द्वीप अथवा समुद्र का नाम. Name of an ocean; also that of an island. सू० प० १६; जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभासभद्द. पुं० (कुंडलवरावभासभद्र) કુંડલવરાવભાસ દ્વીપના અધિપતિ દેવતાનું નામ. कुंडलवरावभास द्वीप के मुख्य देव का नाम. Name of a deity presiding over the ocean named Kuṇḍalavarāvabhāsa. जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभासमहाभद्द. पुं० (कुण्डलवरावभासमहाभद्र) કુંડલવરાવભાસદ્વીપના અધિપતિ દેવતાનું નામ. कुंडलवरावभास द्वीप के मुख्य देवका नाम. Name of a deity presiding over the island named Kuṇḍalavarāvabhāsa. जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभासमहावर. पुं० (कुण्डलवरावभासमहावर) કુંડલવરાવભાસ સમુદ્રના દેવતાનું નામ. कुंडलवरावभास समुद्र के

देव का नाम. Name of a deity presiding in the Kuṇḍalavarāvabhāsa ocean जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभासवर. पुं० (कुंडलवरावभासवर) કુંડલવરાવભાસ નામે સમુદ્રના દેવતાનું નામ. कुंडलवरावभास समुद्र के देव का नाम. Name of a deity residing in the ocean named Kuṇḍalavarāvabhāsa, जीवा० ३, ४;

कुंडला. स्त्री० (कुण्डला) સુવચ્છ વિજયની મુખ્ય રાજધાની सुवच्छ विजय की मुख्य राजधानी. The chief capital of Suvachchhavijaya. 'दो कुंडलाओ' ठा० २, ३; ३; जं० प०

कुंडलोद. पुं० (कुण्डलोद) કુંડલોદ નામનો એક સમુદ્ર. एक समुद्र का नाम. Name of an ocean. सू० प० १६; जीवा० ३, ४;

कुंडिआ-या. स्त्री० (कुण्डिका) ભાજન વિશેષ; કુંડી; कूंडी; पात्रविशेष. A sort of vessel. राय० अणुजो० १३२; भग० १५, १; नाया० १४; पराह० २, ५; अणुत्त० ३, १; (२) કમંડલ कमंडल. a kind of pitcher made from gourds etc. to hold water in. भग० २, १; ओव० ३८;

कुंडिय. पुं० (कुण्डिक) કમંડલ. कमंडल. A sort of pitcher made from gourds etc. to hold water in. नाया० ५;

कुंडियायणीय. पुं० (कुण्डिकायनीय) કુંડિકાયન ગોત્રવાળા. कुंडिकायन गोत्र वाला. One belonging to the family-line named Kuṇḍikāyana. भग० १५, १;

कुंत. पुं० (कुन्त) ભાલો. भाला. A spear. जीवा० ३, १; भग० ६, ३३; ओव० ३१; जं० प० ३, ६७; **—ग्ग.** न० (अग्र) ભાલાની અણી. भाले की नोक. the point of a spear. नाया० १५; **—ग्गाह.** त्रि० (-ग्रह) ભાલો રાખનાર. भाला रखने वाला. a spearman भग० ६, ३३; निसी० ८, ६, २६;

कुंतीदेवी. स्त्री० (कुन्तीदेवी) પાણ્ડુ રાજાની રાણી. पांडु राजा की रानी. Name of the queen of the king Pāṇḍu. नाया० १६;

कुंथु. पुं० (कुन्थु) કુંથુનાથ નામના ચાલુ ચોવીસીના १७ મા તીર્થંકર અને ६ ઠા ચક્રવર્તી. कुंथुनाथ नाम के वर्तमान चौवीसी के १७ वें तीर्थंकर और ६ ठे चक्रवर्ती. Name of the 17th Tīrthaṅkara and the 6th Chakravartī of the present Chovīsi. भग० २०, ८; अणुजो० ११६; सम० २४; आव० टी० सम० प्र० १३४; प्रव० २६४; कप्प० ६, १८६; उत्त० १८, ३९; (२) ત્રણ ઇંદ્રિયવાળો એક જીવ; કંથવો. तीन इन्द्रियों वाला एक जीव. a kind of sentient being having three sense organs. "पाण सुहुमे" ठा० ८; दस० ४; भग० ७, ८; उत्त० ३, ४; ३६, १३६; राय० २७०; ओघ० नि० ३२३; पन्न० १; कप्प० ५, १३१; **—जिणिंद.** पुं० (-जिनेन्द्र) કુંથુ નામના १७ મા તીર્થંકર. कुन्थु नामक १७ वें तीर्थंकर. the 17th Tīrthaṅkara named Kunthu. प्रव० ४१६;

कुंद. पुं० (कुन्द) મચકુન્દનું ફૂલ; મોગરાનું ફૂલ. मचकुन्दका फूल; मोगरे का फूल. A kind of flower. नाया० १; ६; १६; भग० ६, ३३; ११, ५; ओव० १०; पन्न० १; उत्त० ३४, ६; राय० ५४; जीवा० ३, ३; कप्प० ३, ३७; ४०; जं० प० २, १२२; (२) કુન્દ નામની વનસ્પતિ; વેલ. कुंद नामक वनस्पति; बेल. a creeper bearing Kunda

flowers. नाया० १; पन्न० १; —माला. स्त्री० (-माला) મોગરાના પુષ્પની માલા. मोगरा के पुष्पों की माला. a garland of Kunda flowers. कप्प० ३, ३६; —लया. स्त्री० (-लता) મચકુન્દના ફૂલની વેલ. मचकुंद के फूलकी बेल. a creeper bearing flowers known as Machakunda. ओव०

कुंदुरुक्क. पुं० (कुन्दुरुष्क) એક જાતની સાધારણ વનસ્પતિ. एक प्रकार की साधारण वनस्पति. A kind of ordinary vegetation. जं०प०५,१२२;भग०२३, ३; (२) ચીડ-એક જાતનું સુગંધી ધુપદ્રવ્ય; સીલારસ. एक प्रकार की धूप; सिलारस. a kind of fragrant substance used as incense. सम० प०२१०; राय० २७; जीवा०३,४;सू०प०२०; ओव०नाया०१; भग०११,११;कप्प०३, ३२;

कुंभ. पुं० (कुम्भ) ઘડો; કલશ. घडा; कलश. A pot. "चत्तारि कुम्भापण्णत्ता । तं जहा-पुन्न नाममेगे नो पुन्ने" नाया० १७; राय० ३४; जीवा० ३, १; वेय० २, ४; अणुजो० १६; १३२, सूय० १, ४, १, २६; भग० ११, ११; कप्प० १, ४; जं० प० ७, १६६; (२) ૧૯ મા તીર્થંકરના પિતા. १६ वें तीर्थंकर के पिता. the father of the 19th Tīrthaṅkara. सूय०प०२३०;प्रव०३२५; (३) ૧૮ માં અરનાથ તીર્થંકરના પ્રથમ ગણધરનું નામ. १८ वें तीर्थंकर अरहनाथ के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Gaṇadhara of Aranātha, the 18th Tīrthaṅkara. सम० प० २३३; प्रव० ३०६; (४) કુંભીમાં નારકીને પકાવનાર પરમાધામી. कुंभी में नारकीको पकाने वाला परमाधर्मी. a Paramādhāmī who cooks hell-beings in a pot. सम० १५; भग० ३, ७; (५) કુંભસ્વપ્ન; ચૌદસ્વપ્ન તીર્થંકર, ચક્રવર્તીની માતા જુવે છે તેમાંનું એક. कुंभस्वप्न; तीर्थंकर, चक्रवर्ती की माता जो स्वप्न देखती है वह; चौदह स्वप्नों में से एक. one of the 14 dreams which the mother of a Tīrthaṅkāra Chakravartī sees. नाया० ८; (६) સાઠ આઢક, અથવા ૨૪૦ પ્રસ્થ પ્રમાણ, માન વિશેષ. કુંભ બે પ્રકારના છે જઘન્ય અને ઉત્કૃષ્ટ, જઘન્યનું માન ઉપર બતાવ્યું, તે. ઉત્કૃષ્ટ કુંભ સો આઢક પ્રમાણ ગણાય છે. साठ आढक अथवा २४० प्रस्थ प्रमाण बाट-तोलने के वजन को कुंभ कहते हैं यह जघन्य और उत्कृष्ट रूप से दो प्रकार का होता है जघन्य का प्रमाण ऊपर दिया गया है और उत्कृष्ट का प्रमाण सौ आढक है. तंदु० a measure of weight equal to 60 Ādhakas or 240 prasthas, which is of two kinds viz. superior and inferior, the former being equal to 100 Ādhakas. —जुअल. (-युगल) બે ઘડા. दो घडा. two pots. जं०प० ७, १६६; —सहस्स. न० (सहस्र) હજાર ઘડા. हजार घडा. one thousand pots. जं०प०३, ५;६;

कुंभकार. पुं० (कुम्भकार) કુંભાર. कुम्भार. A potter. उवा० ७, २२०; भग० १५,१; —आवण. पुं० (-आपण) કુંભારની દુકાન. कुम्हार की दूकान. a potter's shop. भग० १५, १;

कुंभकारकडग. न० (कुम्भकारकटक) એક પ્રાચીન નગરનું નામ જ્યાં પાલકે ખંધકના પાંચસો શિષ્યોને ઘાણીમાં પીલ્યા હતા. एक प्राचीन नगर का नाम जहां पालक ने खंधक के पांचसौ शिष्यों को घानी में पेला था. Name of an ancient city in which the ruler had pressed

five hundred disciples of Khandhaka in an oil-mill. संथा० ५८;

कुंभकारी. स्त्री० (कुम्भकारी) कुंभारनी स्त्री; कुम्भारी. कुम्हारनी. A potter's wife; a female potter. भग० १५, १;

कुंभग. पुं० (कुंभक) मिथिला नगरीना राजानुं नाम. मिथिला नगरी के राजा का नाम. Name of a king of the town of Mithilā. नाया० ८;

कुंभगसो. अ० (कुम्भकशस्) घडा प्रमाणे. घडे के समान. After the size of a pot. भग० १५, १;

कुंभय. पुं० (कुम्भक) कुंभराजा; मल्लिनाथना पिता. कुंभराजा; मल्लिनाथ के पिता. Kumbharāja; the father of Mallinātha. नाया० ८;

कुंभराय. पुं० (कुम्भराज) कुंभराजा. कुंभराजा. Kumbharāja; the father of Mallinātha. नाया० ८;

कुंभार. पुं० (कुम्भकार) कुंभार. कुम्हार. A potter. उवा० ७, १८४; पंचा० १, ३४;

कुंभि. पुं० (कुम्भिन्) उत्कट मोहना उदयथी जेनुं पुरुष चिन्ह तथा वृषण, कुंभ जेवडा म्होटा थता होय ते; दीक्षाने अयोग्य पुरुषमांनो एक. उत्कट मोह के उदय में जिसका पुरुष चिन्ह और वृषण, कुंभ के बराबर मोटा होता हो वह; दीक्षा के अयोग्य पुरुष में से एक. A person whose generative organ and testicles swell to the size of a pot through excessive lust or infatuation; one of the classes of persons unfit for Dikṣā. प्रव० ८००;

कुंभिय. न० (कुम्भिक) मगध देश प्रसिद्ध एक प्रमाण. मगध देश प्रसिद्ध एक प्रमाण. The standard measure of Magadha country. राय० ६३; (२) त्रि० कुंभ प्रमाणे; घडा जेवडुं. घडे के बराबर. of the size of a pot. राय० ६३; ठा० ४, २; (३) एक जातनी वनस्पती. एक प्रकार की कुंभिक वनस्पति. a kind of vegetation. भग० ११, ४;

कुंभी. स्त्री (कुम्भी) हाथीनो कुंभस्थल. हाथी का कुंभस्थल. The frontal globe on the fore-head of an elephant जं० प० प्रव० ११००; (२) कुंडी. कुंडी. a small water-pot. पगह० १, १; (३) नारकीनुं उत्पत्ति स्थान. नारकी जीव का उत्पत्ति स्थान. the birth place of hell-beings. पगह० १,१; —**पाग.** पुं० (-पाक) कुंभी नामना पात्रमां पकाववुं. कुंभी नामक पात्र में पकाना. cooking in a vessel called Kumbhī. सम० ११;

कुंभीमुह. न० (कुम्भीमुख) सांकडा मोढावाळी हांडली. सकडे मुह की हंडी. A small earthen pot with a narrow mouth. आया० २, १, २, १०;

कुंम. पुं० (कूर्म) काचबो. कछुआ. A tortoise. आया० १, ६, १, १७२;

कुकंमि. त्रि० (कुकर्मिन्) कुत्सित कामधंधो करनार लुहार, कुंभार वगेरे. कुत्सित-खराब धंदा करने वाला; लुहार, कुंभार वगैरह. (One) engaged in a bad profession e.g. an ironsmith, a potter etc. सूय० १, ७, १८;

कुकम्म. पुं० न० (कुकर्मन्) खराब काम. खराब काम. A bad or wicked action. ओघ० नि० भा० ६०; निसी० ४,५५

कुकुइअ. न० (कौकुच्य) शरीरादिनी चपलाई-कुचेष्टा. शरीरादि की चपलता-कुचेष्टा. Unsteadiness of the motions of the body etc. regarded as a defect. वेय० ६, १६;

कुकुइअ. त्रि० (कौकुचिक = कुत्सितमप्रत्युपेक्षितत्वादिना कुचितमवस्यान्दितं यस्य स कुकुचितः कुकुचा अवस्यन्दनं प्रयोजनमस्येति कौकुचिकः) કુચકુચ એવો અવાજ કરનાર. कुचकुच आवाज करनेवाला. (One) making a sound resembling the pronunciation of the words Kucha Kucha. ओव० ३८; उत्त० १७, १३; भग० ६, ३१;

कुकुल. पुं० (*) છાણું. कंडा. A cake made of cow-dung etc. used as fuel. पगह० १, १;

कुक्कुइअ. न० (कौकुच्य) મુખનેત્રના વિકારવાળી ક્રિયા-ચેષ્ટા. मुख और नेत्रोंका विकारवाली क्रिया-चेष्टा. An action accompanied with gestures of the face and the eyes. पंचा० १, २४;

कुक्कुड. पुं० (कुक्कुट) કુકડો. मुर्गा. A cock. निसी० ६, २३; पन्न०१; नंदी० ४६; पगह० १, १; ओव० अगुजो० १२८; आया० २, १, ६, ३१; उत्त० ३६, १४६; भग० १, १; ठा० ७, १; उवा० ७, २१९; **—पंजर.** न० (-पंजर) કુકડાનું પાંજરૂં. मुर्गेका पिंजरा. a cage in which cocks are confined. प्रव० १४१५; **—पोय.** पुं० (-पोत) કુકડાનું બચ્ચું. मुर्गे का बच्चा. a chicken. भग० १८, ८; दस० ८, ५४; **—मंसय.** न० (-मांसक) કુકડાનું માંસ. मुर्गे का मांस. the flesh of a cock. (२) કોલાપાક. कोले का पाक. a preparation made of sugar, spices and a kind of pumpkin gourd. भग० १५, १; **—लक्खण.** न० (-लक्षण) કુકડાના લક્ષણ જોવાની કળા. मुर्गे के लक्षण देखने की कला. the art of testing the merits or demerits of a cock. नाया० १; जं० प० २; ओव० ४०; सम० **—वसभ.** पुं० (-वृषभ) મોટો કુકડો. बड़ा मुर्गा. a big cock. भग० १२, ८;

कुक्कुडग. पुं० (कुक्कुटक) કુકડો. मुर्गा. A cock. भग० ६, ५;

कुक्कुडिया. स्त्री० (कुक्कुटिका) મુર્ગી; કુકડી. मुर्गी. A hen. नाया० ३;

कुक्कुडी. स्त्री० (कुक्कुटी) કુકડી. मुर्गी. A hen. प्रव० ७४२; पंचा० १६, २१; नाया० ३; विशे० १८१८; भग० १, ६; ७, १; २५, ७; ओव० १५; निर० १, १; (२) માયા; કપટ. माया; छल; कपट. deceit; fraud. पिं० नि० २६७; **—अंडग.** न० (-अण्डक) કુકડીના ઈંડા. मुर्गी का अंडा. a hen's egg. वव० ८, १५; **—अंडमेत्त.** त्रि० (-अण्डमात्र) કુકડીના ઈંડા જેટલું. मुर्गी के अंडे के आकार का. of the size of a hen's egg. प्रव० ७४२; **—पिच्छुअ.** न० (-पिच्छक) કુકડીનાં પિંછાં. मुर्गी के पंख. the feathers of a hen. निर० १, १;

कुक्कुयय. न० (*) ખુંખણો; ઘુઘરો. खुनखुना. A toy for children giving out a jingling sound when shaken. सूय० १, ४, २, ७;

कुक्कुर. पुं० (कुक्कुर) કુતરો. कुत्ता. A dog. आया० १, ८, ३, ३;

कुक्कुस. पुं० (कुक्कुस) એક જાતનું ધાન્ય; કુસકા. एक प्रकार का कुसका धान्य. A

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

kind of grain. आया० २, १, ६, ३३; निसी० ४, ४५; दस० ५, १, ३४;

कुक्कुह. पुं० (कुक्कुह) ચાર ઇંદ્રિય વાળો જીવ. चार इन्द्रियों वाला जीव. A four-sensed living being. पण० १;

कुखगइ. स्त्री० (कुखगति) અશુભ વિહાયસ ગતિ-ચાલવાની ગતિ. अशुभ विहायस गति-चलने की गति. Bad gait. क० गं० २, ५; ३, ४; ५, ३२;

कुग्गह. पुं० (कुग्रह) ખોટો આગ્રહ; કદાગ્રહ. दुराग्रह. Obstinacy in a wrong, false cause. पंचा० ३, ४० १० ४; भत्त० ५३; **—संका.** स्त्री० (-शङ्का) કદાગ્રહ તથા શંકા दुराग्रह तथा शंका. obstinacy and doubt. प्रव० ६६६; **—हविरह.** पुं० (हाविरह) મિથ્યા અભિનિવેશનો નાશ. मिथ्या अभिनिवेश का नाश. destruction, banishment of false attachment. पंचा० २, ४४;

कुग्गहीय. त्रि० (कुगृहीत) નઠારી રીતે ગ્રહણ કરેલું. बुरी तरह से ग्रहण किया हुआ. Taken by, got by foul means. उत्त० २०, ४४;

कुचर. त्रि० (कुचर-कुत्सितं चरन्तीति कुचराः) નઠારું આચરણ કરનાર; પરસ્ત્રી ગમન કરનાર વગેરે. खराब चालचलन वाला. (One) of bad character, e. g. a thief, an adulterer etc. आया० १, ६, २, ८;

कुचेल. त्रि० (कुचेल) ખરાબ વસ્ત્રધારી; કુત્સિત કપડાં પહેરનાર. खराब कपडे पहरने वाला. (One) who puts on bad clothes or garments. "दुइजीविणो कुचेला, कुविलय चोरा चंडाल मुट्ठिया" अणुजो० १२८;

कुच्च. पुं० (कूर्च) દાંતીયો; વાળ ઓળવાનું સાધન. कंगवा; कंगा. A comb. उत्त० २२, ३०; (२) એક જાતનું ઘાસ. एक तरह की घास. a kind of grass. पण्ह० २, ३; (३) દાઢી. दाढी. beard. ओघ० नि० भा० ८३;

कुच्चधर. पुं० (कूर्चधर) દાઢીવાળો. दाढी वाला. Bearded. ओघ० नि० भा० ८३;

कुच्चगक. न० (कूर्चक) શર નામના રોપાનું પાથરણું જેના કુચડા બને છે તે. शर नामक पौधे का बना हुआ बिछौना. A mat made of a plant named Śara. आया० २, ३, ३, १००;

√**कुच्छ.** धा० I. (कुथ्) કહોવડાવવું; પલાળવું. सडाना; भिजाना. To soak in water.

कुच्छेजा. विधि० अणुजो० १३४; भग० ६, ७;

कुच्छिहिइ. पिं० नि० २३८;

√**कुच्छ.** धा० I. (कुत्स) નિંદા કરવી. निन्दा करना. To censure; to cast blame on.

कुच्छामि. विशे० ३२७६;

कुच्छग. पुं० (कुत्सक) એક જાતનું ઘાસ; વનસ્પતિ. एक प्रकार की घास. A kind of grass or vegetation. सूय० २, २, ७;

कुच्छणिज्ज. त्रि० (कुत्स्य) નિંદા કરવાને યોગ્ય; નિંદાપાત્ર. निन्दा करने के योग्य; निंदा पात्र. Worthy of censure or reproach. पण्ह० १, ३;

कुच्छा. स्त्री० (कुत्सा) નિંદા. निंदा. Censure; blame; reproachful words. पिं० नि० १४१; क० गं० १, २१; ५, २; ६०;

कुच्छि. स्त्री० (कुक्षि) કુંખ. कोंख; कुक्षि. The interior of anything. विवा० १; ७; नाया० १; ८; भग० ६, ७; ७, ६; १४, १; सु० च० २, ६६६; अंत० ३, ८; पिं० नि० ६४२; जं० प० जीवा० ३, ३;

पव० १३६१; उवा० २, १०१; (२) પેટ; ગર્ભસ્થાન. पेट; गर्भस्थान. the belly; the womb. जं० प० २, १६; २, २०; कप्प० १, २; ३, ४७; नाया० १३; १६; ओव० १०; पिं० नि० २५२; (३) બે હાથ પ્રમાણ માપ; ગજ. दो हाथ प्रमाण नाप; गज. a measure of length equal to two cubits; a yard. जीवा० ३, ४; नंदी० १४; अणुजो० १३४; —**किमि.** पुं० (-कृमि) કુંખમાં ઉત્પન્ન થતો કૃમિ-કીડો. कोख में उत्पन्न होने वाली लट-कृमि. a worm generated in the belly. पन्न० १; —**किमिय.** न० (-कृमिक) કુંખનો કરમીયો. कुक्षी के कृमि. a worm in the belly. निसी० ३, ४२; —**सूल.** न० (-शूल) કુંખમાં શળાકા આવે શૂલ થાય તે. कोख में शूल का होना. shooting pain in the belly; colic. तंदु० नाया० १३; भग० ३, ७;

कुच्छिधार. पुं० (कुक्षिधार) નાવાનો નિર્યામક; સુકાની. नाव का निर्यामक; सुकानि. One who is at the helm of a ship; a helmsman. जं० प० ५, ११२; नाया० ८; १७;

कुच्छिय. त्रि० (कुत्सित) ખરાબ. खराब; बुरा Bad; evil; deserving censure. विशे० २९९६; पंचा० ७, १२; —**सील.** त्रि० (-शील) ખરાબ આચારવાળો. बुरे चाल चलन वाला. (one) of bad conduct or character. विशे० ५२०;

कुच्छियत्त. न० (कुत्सितत्व) ખરાબો; નિન્દ્યતા. बुरापन. State of being worthy of censure; badness. विशे० ५२१;

कुच्छुभरिय. पुं० (कौस्तुम्भारिक) એક જાતનું વૃક્ષ. एक प्रकार का वृक्ष. A kind of tree. भग० २२, ३;

कुजअ. त्रि० (कुजय) જેનો જય કુત્સિત-નિન્દિત છે તે, જુગારિ. जिसकी जीत निंदित है वह; जुआरि. (One) whose victory or success deserves to be censured i. e. a gambler. सूय० १, २, २, २३;

कुज्ज. त्रि० (कुब्ज) કુબડો. कूबड़ा. Hump-backed; crooked. सु० च० १, १७;

कुज्जय. पुं० (कुब्जक) ગુલાબ, સેવતીનું ઝાડ. गुलाब, सेवती का वृक्ष. A rose-tree. पन्न० १; नाया० १, ८; जं० प० ५, १२२;

√**कुज्झ.** धा० I. (क्रुध्+य) કોપ કરવો. कोप करना. To be angry.

कुज्झे. विधि० सूय० १, १४, ६;

कुटिल त्रि० (कुटिल) વાંકું ચુકું; વક્ર. टेढा तिरछा; वक्र. Crooked; tortuous. तंदु०

कुटुंब. पुं० (कुटुम्ब) પરિવાર. कुटुम्ब; परिवार. A family; a family circle. भग० ३, १; १८, २; —**जागारिया.** स्त्री० (-जागरिका) કુટુમ્બસંબંધી વિચાર કરવો તે. कुटुम्ब सम्बन्धी विचार करना. thinking about one's family. भग० ३, १; १५, १;

√**कुट्ट.** धा० I (कुट्ट) કુટવું; ખાંડવું. कूटना. To pound; to grind.

कुट्टंति. आया० २, १, ६, ३४;

कोट्टिंसु. भू० आया० २, १ ६, ३४;

कुट्टिज्जमाण. क० वा० व० कृ० राय० ५६;

कुट्टिय. सं० कृ० भग० १४, ८;

कुट्टण. न० (कुट्टन) કુટવું; મારવું; कूटना; मारना. Beating; Pounding. "कुट्टो अंतीणं कच्छभीणं चिसविणाणं" राय० ओव० ४१; सूय० २, २, ६२; दसा० ६, ४;

कुट्टिंतिया. स्त्री० (कुट्टिका) અનાજને ખાંડનારી. अनाज को कूटने वाली. A woman

who pounds grain. नाया० ७;

कुट्टिम. पुं० (कुट्टिम) भूमितल भोंतणीयुं. भूमितल. Ground-floor. भग०८, ६; ओव० ३१; कप्प० ४, ६२; **—तल.** न० (-तल) भोंयतणीयुं. तलघर. ground-floor. नाया०१; ओव०३१; राय०१०४; जीवा० ३;

कुट्टिय. त्रि० (कुट्टित) कूटेलुं. कूटा हुआ. Pounded. प्रव० ८५७;

कुट्टिलअ. पुं० (कुट्टिल्लक) ए नामना एक साधु. इस नामका एक साधु. Name of an ascetic. विवा० ६;

कुट्ठ. पुं० (कुष्ठ) कोढ; एक जातनो सुगंधी द्रव्य. एक प्रकार की सुगंधित वस्तु. A kind of fragrant substance. सूय० १, ४;२,८; विशे०२६३; (२) कुष्टरोग; कोढ. कुष्ट रोग; कोढ. leprosy. जीवा० ३, ३;

कुट्ठग. न० (कोष्ठक) कोष्टक; कोठो. कोष्टक; कोठा. A column. दस० ५, १, २१;८२;

कुट्ठाण. न० (कुस्थान) दुष्ट स्थान. खराब स्थान. An impure place; a bad place. भग० ७, ६;

कुट्ठि. त्रि० (कुष्ठिन्) कोढी. कोढी. (One) affected by leprosy. सु०च० १३,२६;

कुट्ठिआ. स्त्री० (कोष्ठिका) धान्य राखवाने बनावेल माटीनी कोठी. कोठी; धान्य रखने की मिट्टी की कोठी. A large earthen cylindrical vessel to store grain in. आया० २, १, ७, ३७;

कुड. पुं० (कुष्ट) कोढनो रोग. कोढ की बीमार. Leprosy. जीवा० ३, ३;

कुड. पुं० (कूट) पर्वत. पर्वत. A mountain. जीवा० ३, ३; दसा० ६, ४; राय० ४०; १००; (२) दृष्टांत; दाखलो. दृष्टान्त; उदाहरण an illustration; an example. विशे० २२४०; (३) असत्य. असत्य; झूठ. falsehood. राय० २०७; भग० ७, ६; (४) एक प्रकारनो पाश. एक प्रकार का पाश. a kind of snare. विवा० २; **—अंतर.** न० (-अन्तर) बे कुट-शिखर वच्चेनुं अन्तर. दो कूट-शिखर के बीच का अन्तर. the interval, distance, between two summits. भग०१५, १; **—ग्गाह.** त्रि० (-ग्राह) कुट-पाश विशेषने ग्रहण करनार. पाश रखने वाला. (one) who holds a snare or a trap in the hands. विवा०२; **—ग्गाहिणी.** स्त्री० (ग्राहिणी) कुट- पाशने ग्रहण करनार-स्त्री. कूट ग्राहिणी. a woman, who holds in her hands a snare or a trap. विवा०२; **—तुल.** न० (-तुल) खोटा तोला. खोटा तोल. false weights. दसा०६, ४; **—माण.** त्रि० (-मान) खोटा माप. खोटा माप. false measure. दसा० ६, ४;

कुडअ-य. पुं० (कुटज) इंदर जवनुं झाड. इन्द्रजव का झाड. A kind of tree. प्रव० ५१८; जं० प० जीवा० ३, ४; अणुजो० १३१; ओव० नाया० १; ६; पन्न० १;

कुडंग. पुं० (कुटङ्क) घरनुं ढांकणुं छापरुं. छप्पर. A roof of a house. विवा० ३; (२) ए नामनो एक द्वीप. इस नामका एक द्वीप name of an island. ओघ० नि० भा० २३६; वांसनुं वन. बांस का वन. a forest of bamboos. नाया० १८;

कुडग. पुं० (कूटक) घडो. घडा. A pot. विशे० १४५४; नंदी० ४४; (२) एक जातनी सफेद फुलवाली वनस्पति. एक प्रकार की सफेद फूल वाली वनस्पति. a kind of plant bearing white flowers. भग० २२, ३; पन्न० १७;

❀ **कुडभि.** स्त्री० (*) न्हानी ध्वजा. छोटी ध्वजा. A small flag; a small banner. " **कुडभी सहस्स परिमण्डियाभिरामो इंदज्झओ** " सम० ३४; राय० ७०; जीवा० ३, ४; जं० प० ५, ११७;

कुडह. त्रि० (*) कद्रूपो; बेडोळ रूप-देखाव. खराब रूप; बेडौल रूप. Ugly appearance; repulsive in appearance. ओघ० नि० भा० ३२०;

कुडागार. पुं० (कुटागार) पर्वतना शिखरमां कोतरेल घर; शिखरना आकारनुं मकान. शिखर के आकार का घर. A house carved out from the summit of a mountain; a house of the shape of the summit of a mountain. निसी० ८, ५; राय० १००; विवा० ३, ३;—**साला.** स्त्री० (-शाला) शिखर-बंध शाळा-मकान. शिखर के आकार का घर. a house with a spire at the top. दशा० १०, ३; राय० २५४; भग० ३, १; २; १३, ४; १६, ५;

❀ **कुडाल.** पुं० (*) हळनो उपलो भाग. हल के उपर का हिस्सा. The upper. part of a plough. उवा० २, ६४;

कुडिल. त्रि० (कुटिल) वांकुंचुकुं टेढा तिरछा. Crooked; tortuous. नाया० ८, ६; ओव० २१; भग० १५, १; सु० च० २, २०; उवा० २, १०७;

कुडिलत्त न० (कुटिलत्व) दुष्टता; कुटिलता. दुष्टता. Wickedness; crookedness. सु० च० १२, ४७;

कुडिव्वय. पुं० (कुटिव्रत) घरमां रही क्रोधादिक कषाय के अहंकारनो त्याग करे तेवो परिव्राजक. घरमें रहकर क्रोधादि कषाय और अहंकार का त्याग करने वाला परिव्राजक. An ascetic getting rid of anger etc. or pride without leaving the house in which he stays. ओव० ३८;

कुडी. स्त्री० (कुटी) ओरडी; झुंपडी. कोठरी. A room; a hut; a cell. ओघ० नि० १०५; भत्त० १२३;

कुडीर. न० (कुटीर) झुंपडुं; निर्धननुं घर. झोंपडा; निर्धन का घर. A hut; a cottage; a hovel. तंदु०

कुडुंब. पुं० (कुटुम्ब) कुटुंम्ब परिवार. कुटुम्ब; परिवार. A family. नाया० १; २; ५; ७; १२; १४; पिं० नि० ६६; उवा० ८, २३८; —**जागरिया.** स्त्री० (जागरिका) कुटुंम्ब संबंधी विचार करवो ते. कुटुम्ब सम्बन्धी विचार करना. thinking about one's family. नाया० २, १४; विवा० ७;

कुडुंबिय. त्रि० (कौटुम्बिक) कुटुम्बी; खास कुटुंम्बनो माणस. कुटुम्बी; कुटुम्ब का मनुष्य. (A member) of a family; (one) belonging to a family. (२) हजुरी. नौकरी. an attendant e.g. on a king. ओव० कप्प० ३, ३६;

कुडुय. पुं० (*) पर्वतनी टोच; शिखर. पर्वत की शिखर. Summit of a mountain. भग० १५, १;

कुडु. न० (कुड्य) दीवाल; भींत. भीत; दीवाल. A wall. भग० ८, ६; विशे० १४२६; उत्त० २५, ४०; पराह० १, १; पिं० नि० २६८; —**अंतर.** न० (-अन्तर) भींत अथवा त्राटीनुं अंतर. भींत अथवा टट्टी

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

का अन्तर. interposition; intervention of a wall. उत्त० १६; ४; प्रव० ६६५;—अंतरिय. त्रि० (-अन्तरित) भींतने आंतरे रहेल. दीवाल की आड रहा हुआ. hidden by a wall. नाया० १६;

कुड्डा. स्त्री० (कुण्डा) पातालना कलशानी ठीकरी. पाताल के घडे की ठीकरी. A broken piece of a pot in Pātāla (nether world). जीवा० ३, ४; प्रव० १५६०;

कुण. धा० I. (कृ) करवुं; रचवुं; बनाववुं. करना; रचना; बनाना. To do; to make.

कुणइ. उत्त० ६, २६; अणुजो० १३०; विशे० २७२; पिं० नि० ६८; प्रव० ६८; कवा० १, ४८; ५३;

कुज्जा. उत्त० २, ३३;

कुणाउ. सु० च० १, १;

कुण. आज्ञा० विशे० ६४३; सु० च० २, ४६;

कुणासु. भूत० अणुजो० १२६; पिं० नि० ४६६;

कुणंत. उत्त० २६, २६;

कुणअ. विशे० १६५;

कुणमाण. विशे० ४६; सु० च० १, ३१५; २, ११५; उत्त० १४, २४; पंचा० १८, २६;

कुणक. पुं० (कुणक) कुणक नामनी एक वनस्पति. एक वनस्पति का नाम (कुणक) Name of a kind of vegetation. पन्न० १;

कुणाल. पुं० (कुणाल) कुणाल नामनो एक देश. एक देश का नाम (कुणाल). Name of a country. नाया० ८; पन्न० १; राय० २१०; (२) कुणाल राजा, जेनुं बीजुं नाम संप्रति राजा हतुं; मौर्यवंशी चन्द्रगुप्तनो प्रपौत्र; बिंदुसारनो पौत्र अने अशोकनो पुत्र कुणाल. मौर्यवंशी चंद्रगुप्त का प्रपौत्र; बिन्दुसार का पोत्र; अशोक का पुत्र; कुणाल राजा; जिसका नाम संप्रति राजा पड गया था. King Kuṇāla also called Samprati, the son of Aśoka and grandson of Bindusāra. विशे० ८६१; —अहिवइ. पुं० (-अधिपति) कुणाल देशनो अधिपति. कुणाल देश का अधिपति. The king of the country named Kuṇāla. ठा० ७, १; नाया० ८;

कुणाला. स्त्री० (कुणाला) कुणाला नामे उत्तर तरफनी एक नगरी; उज्जेणी नगरीनुं बीजुं नाम कुणाला हतुं एम पण कयांक लखेल छे. कुणाला नामक उत्तर प्रदेश की एक नगरी; उज्जयिनी का दूसरा नाम कुणाला भी दिया गया है. Name of a city in the north; (in some works it is also stated that Ujjain was so called). वेय० १, ४६; ४, २५; संत्थागा० ८; कप्प० ६, ११;

कुणि. त्रि० (कुणिन्) हाथ अथवा पग न्हानो म्होटो होय एवा गर्भना दोषवालो. हाथ अथवा पैर छोटे हों ऐसे गर्भ दोषवाला. (One) developed from a defective embryo with one of the arms or legs smaller than the other. पण्ह० २, ५;

कुणिम. न० (कुणप) मांस. मांस. Flesh. ओव० ३४; ठा० ४, ४; सूय० १, ४, १, ८; भग० ६, ३३; जीवा० ३, १; पिं० नि० २६२; (२) शब, मुडदुं. शव; मुर्दा. a corpse; a dead body. जं० प० भग० ७, ६; अणुजो० १३०; पण्ह० १, ३; —आहार. पुं० (-आहार—कुणपः शवस्तद्रसोऽपिवसात्रिः कुणपस्तदाहारः) मांसनो आहार. मांस का आहार. flesh-food. (२) त्रि० मांसाहारी. मांसाहारी. a flesh-eater. जं० प० २, ३६; भग० ७, ६; ८, ६;

कुणिय. पुं० (कुणिक) કૂણિક રાજા; શ્રેણિકનો પુત્ર. कूणिक राजा; श्रेणिक का पुत्र. King Kūṇika, the son of Śreṇika. भग० ७, ६;

कुणिया. स्त्री० (कुणिता) જેથી એક હાથ અથવા પગ ન્હાનો મ્હોટો થઇ ગયો હોય તે; સોળ રોગમાંનો એક રોગ. सोलह रोगोंमें से एक रोग; जिससे एक हाथ अथवा एक पैर छोटा बड़ा हो जाता है. One of the sixteen diseases, in which one of the arms or legs becomes shorter than the other. आया० १, ६, १, १७२;

कुण्हरि. स्त्री० (कुन्हरी) કુન્હરી નામનું કંદ. एक प्रकार के कंद का नाम. Name of a kind of bulbous root. (२) એ નામની એક વનસ્પતિ. एक वनस्पति का नाम. name of a kind of vegetation. पन्न० १;

कुतित्थि. त्रि० (कुतीर्थिन्) જુઓ "कुतित्थिय" શબ્દ. देखो "कुतित्थिय" शब्द. Vide. "कुतित्थिय" उत्त० १०, १८; प्रव० ६५१;

कुतित्थिय. त्रि० (कुतीर्थिक) પાખંડી; કુત્સિત-અસત્ય તીર્થ ભજનાર; મિથ્યાત્વી. पाखंडी; खराब धर्म का माननेवाला; मिथ्यात्वी. A person following a false, heretical creed. नाया० ७;

कुतुंबक. पुं० (कुस्तुम्बक) એક જાતનું વાજિંત્ર. एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. जीवा० ३, १;

कुतुप. पुं० (कुतुप) ઘી તેલ રાખવાનું વાસણ; કુડલો. घी तेल रखनेका बर्तन. An earthen pot to keep oil, ghee etc. जं० प०

कुत्तार. त्रि० (कुतार) ખરાબ તારૂ; પોતે ડુબે અને બીજાને ડુબાડે તેવો. कच्चा तैराक; खुद डूबे और दूसरे को डुबावे ऐसा. (One) who swims badly; (one) who drowns himself and others connected with him. गच्छा० ३१;

कुत्तिअ-य. न० (कुत्रिक=कुरिति पृथिव्याः संज्ञा तस्याश्त्रिकं कुत्रिकम्) સ્વર્ગ, મર્ત્ય અને પાતાળ એ ત્રણ લોક. स्वर्ग, मृत्यु और पाताल, ये तीन लोक. The three worlds, viz. heaven, earth and hell or nether world. ओव० १६;

कुत्तिआवण. पुं० (कुत्रिकापण-कुत्रिकं स्वर्गमर्त्यपातालजलक्षणं भूत्रयं तत्संभवि वस्त्वपि कुत्रिकं कुत्रिकमापणायति व्यवहरति असौ कुत्रिकापणः) ત્રણ લોકમાં નિપજતી દરેક ચીજ જ્યાંથી વેચાતી મલી શકે તેવી મ્હોટી દુકાન. ऐसी दूकान जहां तीनों लोक में उत्पन्न होने वाली प्रत्येक वस्तु मिल सके. A big shop from which any of the articles produced in the three worlds can be got by purchase. भग० ६,३३; नाया० १; ओव०

कुत्थ. अ० (कुत्र) ક્યાં. कहां. Where. नाया० ३;

√ **कुत्थ.** धा० I (कुथ्) કોહાઇ જવું; બગડી જવું. सड़जाना; बिगड़जाना. To spoil. कुत्थेजा. विं० जं० प० २, १३;

कुत्थिअ. त्रि० (कुत्सित) નિન્દિત; ખરાબ. निन्दित. Bad; evil; deserving censure. ओघ० नि० १६४;

कुत्थुंभरि. स्त्री० (कुस्तुम्बरी) ધાણાનો ગુચ્છ; કોથમરી. धनिये का पौधा. A collection of coriander plants. पन्न० १;

कुदंड. पुं० (कुदण्ड) એક જાતનું બન્ધન. एक प्रकार का बन्धन. A kind of bondage. पण्ह० १, १; नाया० १;

कुदंडग. पुं० (कुदण्डक) પ્રહાર મારવાનો કોરડો. प्रहार करने का चाबुक. A whip used for flogging. पगह० १, ३;

कुदंडिम. न० (कुदण्ड) કુત્સિત દંડ; ગુન્હા કરતાં ઓછો દંડ. थोडा दंड. Inadequate punishment. नाया० १; भग० १, ११;

कुदंसण. न० (कुदर्शन) વિપરીત શ્રદ્ધાન; મિથ્યાત્વ દર્શન. विपरीत श्रद्धान; मिथ्यात्व दर्शन. False, heretical faith or creed. पन्न० १; उत्त० २८, २८; " **इमं पिविसिमं कुदंसणं असब्भाव वादिणो पणणवेंति** " पन्न० २;

कुदिट्ठि. स्त्री० (कुदृष्टि) મિથ્યાત્વ દૃષ્ટિ; વિપરીત દૃષ્ટિ. मिथ्या दृष्टि; विपरीत दृष्टि. False faith; heretical faith. उत्त० २८, २६; प्रव० ६७३;

कुद्दाल. पुं० (कुद्दाल) જમીન ખોદવાનું હથિયાર; કોદાળી. जमीन खोदने का हथियार; कुदाली. A spade. पगह० १,१; जं० प० २, १६;

कुद्ध. त्रि० (क्रुद्ध) ક્રોધી; ગુસ્સે થયેલ. क्रोधी. Angry; enraged. पंचा० १५, ३७; प्रव० १५८६; उत्त० २७, ४; भग० ७, १०; १४, ८;

कुपक्ख. त्रि० (कुपक्ष) નીચપક્ષનો. नीच पक्ष का. Belonging to, espousing a cause that is low or mean. आया० २, ४, १, १३४;

√ **कुप्प.** धा० I. (कुप्) કોપ કરવો; ગુસ્સે થવું. कोप करना; गुस्सा होना. To be angry; to get enraged.

कुप्पई. दस० ६, २, ४;

कुप्पिज्जा. उत्त०१,६;दस०८,४८;१०,१, १८;

कुप्पे. आया० १, २, ३, ७७; दस० ५, २, ३०; १०, १, १०;

कुप्पंत सु० च० ७, २०३;

कुप्पमाण. भग० ७, ६;

कोवे. प्रे० उत्त० १, ४०;

कोवइज्जा. प्रे० वि० दस० ६, १, ६;

कुप्प. न० (कुप्य) આસન શય્યા વગેરે રાચરચીલું; ઘરવખરી. आसन शय्या वगैरह. Household furniture, such as beds, chairs etc. पंचा० १, १८;
—संखा. स्त्री० (—संख्या) રાચરચીલું કે ઘરવખરીનું પરિમાણ બાંધવું તે. setting a limit to one's possession in the matter of household furniture. प्रव० २८०;

कुप्पर. पुं० (कूर्पर) ગાડા કે રથની પિંજણી. गाडा या रथ की पिंजणी. A part of a carriage. " **से रहवरस्स कुप्परासन्ना** " जं० प० ३, ४८; (२) કોણી. कहुनी. the elbow. पिं० नि० ४१८; प्रव० ७४;

कुप्पावयणिय. न० (कुप्रावचनिक) પાખંડીઓના પ્રવચનને આધારે તેઓને કરવાનું આવશ્યક-દિન કૃત્ય. पाखंडियों के शास्त्र के आधार के अनुसार उन लोगों के करने का आवश्यक दैनिक कृत्य. A daily religious rite prescribed by false, heretical scriptures. अणुजो० १८;

कुबेरदत्त. पुं० (कुबेरदत्त) એ નામનો એક શેઠ. इस नामका एक सेठ. Name of a rich merchant. भत्त० ११३;

कुब्बर पुं० (कूबर) ધોંસરી; ગાડાની ધુરી. गाडे की जुडी. The yoke of a carriage. (२) મલ્લિનાથનો યક્ષ. मल्लिनाथ का यक्ष. name of the Yakṣa of Mallinātha. प्रव० ३७६;

कुभोइ त्रि० (कुभोजिन्) દુષ્ટ ભોજન કરનાર. खराब भोजन करने वाला. (One)

who takes bad, unwholesome food. भग० ७, ६;

कुमद. पुं० (कुमद) સાતમા દેવલોકનું કુમદ નામે એક વિમાન; એના દેવતાની સ્થિતિ સત્તર સાગરોપમની છે; એ દેવતા સાડા આઠ મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે અને સત્તર હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. सातवें देव लोक के विमान का नाम; इसके निवासी देवों की स्थिति सत्रह सागरोपम की है और साढे आठ मास बाद वे एक बार श्वासोच्छ्वास लेते हैं तथा उन्हें सत्रह हजार वर्षके बाद भूक लगती है. Name of a heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which live 17 Sāgaropamas, breathe once in eight and half months and take their food once in 17000 years. सम० १७;

कुमर. पुं० (कुमार) બાલક. बालक. A boy; a lad. सु० च० २, ३८४;

कुमरत्त. न० (कुमारत्व) કુમારઅવસ્થા. कुमार अवस्था; बाल्यावस्था. Boyhood. सु० च० १३, ४१;

कुमार. पुं० (कुमार) આઠ વરસથી ઉપરનો બાલક; કુમાર; કુંવર; અવિવાહિત. बालक; कुमार; कुंवर; अविवाहित; कुंवारा. A boy; an unmarried lad. उत्त० १२, १६; १४, ३; सूय० १, ७, १०; नाया० २; ५; ८; १४; १६; १८; भग० ५, ४; २४, १२; जं० प० अंत० ३, ८; दसा० ६, ४; निर० ३, ४; उवा० ८, २५६; (२) ખરાબ મરણ. खराब मरण. bad, unfortunate kind of death. नाया० १४; (३) અસુર કુમાર આદિ દેવતા. असुर कुमार आदि देवता. gods known Asura-Kumāra etc. जं० प० भग० ३, ७; जीवा० ३, ३; —**ग्गह**. पुं० (-ग्रह) અસુર કુમારાદિનો વળગાડ. असुर कुमारादि का सम्बन्ध. state of being possessed by, under the influence of the gods known as Asurakumāra etc. जं० प० २; भग० ३, ७; जीवा० ३, ३; —**वास**. पुं० (-वास) કુમાર અવસ્થામાં રહેવું તે; બ્રહ્મચર્યાશ્રમ. कुमार अवस्था; ब्रह्मचर्य आश्रम. remaining in the state of a bachelor; that stage of life in which one remains a bachelor. "कुमारवासमज्झंवसित्ता मुंडे जाव पव्वइया" ठा० ५, ३; कप्प० ७, २१०; जं० प० २, ३०; —**समण**. पुं० (-श्रमण) કુમારાવસ્થામાંથીજ દીક્ષા લીધેલ બાલ બ્રહ્મચારી. कुमार अवस्था में ही दीक्षा लिया हुआ; बाल ब्रह्मचारी. (one) who has taken Dīkṣā (initiation) from early boyhood. अंत० ३, ८; राय० २१५; उत्त० २३, २;

कुमारत्ता. स्त्री० (कुमारता) કુંવારાપણું. कुंवारापन; अविवाहितपना. State of being a maid or a bachelor. नाया० ८;

कुमारपुत्तिय. पुं० (कुमारपुत्रक) એ નામના એક નિર્ગ્રંથ સાધુ. इस नाम के निग्रन्थ साधु. Name of a Nigrantha ascetic. सूय० २, ७, ६;

कुमारभिञ्च. पुं० (कुमारभृत्या—कुमाराणां बालानां भृतौ पोषणे साधुः कुमारभृत्या) આયુર્વેદ શાસ્ત્રનો એક ભાગ કે જેમાં ન્હાનાં છોકરાઓના રોગની ચિકિત્સા બતાવી છે. आयुर्वेद शास्त्र का एक भाग जिसमें कि छोटे २ बच्चों की चिकित्सा बतलाई है. A division of Āyurveda medical science treating of the diseases of children. ठा० ८, १;

कुमारिश्च. पुं० (कुमारक = कुत्सितो मारणीय

सत्वस्याती वेदनोत्पादकत्वाविमन्यो यो मारो मारयं स विद्यते येषां ते कुमारकाः) ખરાબ શીકારી. दुष्ट शिकारी; बुरा शिकारी. A bad, cruel hunter. ओघ० नि० भा० ६०;

कुमारिया. स्त्री० (कुमारिका) કન્યા; કુમારિકા. कन्या; कुमारी. A girl. राय० ८१; नाया० २; दस० ५, १, ४२;

कुमारी. स्त्री० (कुमारी) કુમારિકા; અવિવાહિત સ્ત્રી; કન્યા. कुमारी; लड़की; अविवाहित कन्या. A virgin; a girl. सूय० १, ४, १, १३; नाया० १८; राय० ८१; कप्प० ३, ३८;

कुमारलेच्छइ. न. (कुमार लिप्सु) કુમારલચ્છીનામનું વિપાક સૂત્રનું દશમું અધ્યયન. विपाक सूत्र का कुमारलच्छी नामक दशवां अध्याय. The tenth chapter of Vipāka Sūtra named Kumāralachchhi. ठा० १०, १;

कुमुअ-य. न० (कुमुद) ચન્દ્ર વિકાશી કમલ. चंद्र देखकर फूलनेवाला कमल. A moon-lotus. राय० ४८; जं० प० दस० ५, १; १८, १६; उत्त० १०, २८; सूय० २, ३, १८; नाया० ४; जीवा० ३, १; कप्प० ५, ११६; (२) સફેદ ફૂલ. सफेद फूल. a white flower. विशे० ११०५; —वण. न० (-वन) ચન્દ્રવિકાશી કમલનું વન; પોયણીનું વન. चन्द्रविकाशी कमल का वन. a forest of moon-lotuses. कप्प० ३, ३८;

कुमुद. न० (कुमुद) સફેદ કમલ; ચન્દ્રવિકાશી કમલ. सफेद कमल; चन्द्रविकाशी कमल. A white lotus. पन्न० १; राय० ४८; नाया० १; ६; १२; भग० ६; ३३; (२) પશ્ચિમ મહાવિદેહના દક્ષિણ ખાંડવાની મેરૂ તરફથી છઠ્ઠી વિજય. पश्चिम महाविदेह के दक्षिण खंडकी मेरुकी तरफसे छटवीं विजय. the 6th Vijaya from Meru situated in the south of the western Mahā-Videha. ठा० ८; जं० प० ३, ६६; (३) પશ્ચિમ મહા વિદેહના દક્ષિણ ખાંડવાની મેરૂ તરફથી છઠ્ઠી વિજયનો રાજા. पश्चिम महा विदेह के दक्षिण खंड के मेरु की तर्फ से छटवीं विजय का राजा. the king of the sixth Vijaya from Meru situated in the south of the western Mahā-Videha. जं० प० (४) આઠમા દેવલોકનું કુમુદ નામે એક વિમાન; એના દેવતાની સ્થિતિ અઢાર સાગરોપમની છે. એ દેવતા નવ મહિને શ્વાસોશ્વાસ લેછે, અને ૧૮ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. आठवें देवलोक के विमान का नाम जहां के निवासी देवों की आयु अठारह सागरोपम की है और वे ९ वें मास में एकबार श्वासोश्वास लेते हैं तथा अठारह हजार वर्ष में उन्हें भूक लगा करती है. name of a heavenly abode of the eighth Devaloka. सम० १८;

कुमुदकूड. पुं० (कुमुदकूट) ભદ્રસાલ વનના આઠ દિગ્હસ્તિકૂટમાંનું પાંચમું કૂટ-શિખર. भद्रसाल वन के आठ दिग्हस्ति कूटों में का पांचवां कूट-शिखर. The 5th of the eight Dighasti summits of the forest named Bhadrasāla. जं० प०

कुमुदग. न० (कुमुदक) એક જાતનું ઘાસ. एक प्रकार का घांस. A kind of grass. सूय० २, २, ११;

कुमुदगुम्म. न० (कुमुदगुल्म) આઠમા દેવલોકનું કુમુદગુલ્મ નામે એક વિમાન; એની સ્થિતિ અઢાર સાગરોપમની છે, એ દેવતા નવ મહીને શ્વાસોછ્વાસ લે છે, અને અઢાર

हजार वर्षे क्षुधा लागे छे. आठवें देवलोक का कुमुदगुल्म नामक विमान जहां के देवों की आयु अठारह सागरोपम की है और जो नौ माह में एक बार श्वासोछ्वास लेते हैं तथा जिन्हें अठारह हजार वर्षों में भूँख लगा करती है. Kumudagulma, name of the heavenly abode of the 8th Devaloka, the gods in which live 18 Sāgaropamas, breathe once in nine months and take their food once in 18000 years. सम० १८;

कुमुदप्पहा. स्त्री० (कुमुदप्रभा) જમ્બુવૃક્ષના ઇશાનખુણાના વનખણ્ડમાં ૫૦ જોજન ઉપર આવેલ એક વાવડી. जंबूवृक्ष के ईशान कोन के वनखंड में ५० योजन दूरी पर स्थित एक बावडी. Name of a well situated at a distance of 50 Yojanas to the north-east of Jambū tree. जं० प० ४;

कुमुदा. स्त्री० (कुमुदा) કુમુદા નામની મહાવિદેહની એક વિજય. कुमुदा नामक महाविदेह की एक विजय. Name of Vijaya in Mahāvideha ठा० २, ३; (२) જમ્બૂ વૃક્ષના ઇશાન ખુણાના વનખણ્ડમાં ૫૦ જોજન ઉપર આવેલ એક વાવડીનું નામ. जंबूवृक्ष के ईशान कोन के वनखण्ड में ५० योजन दूरी पर स्थित एक बावडी का नाम. name of a well situated at a distance of 50 Yojanas to the north-east of Jambu tree. जं०प०

कुमुया. स्त्री० (कुमुदा) દક્ષિણ દિશાના અંજનક પર્વતની કુમુદા નામની એક વાવ. दक्षिण दिशा के अंजनक पर्वत की कुमुदा नामक बावडी. Name of a well on the Añjanaka mount in the south. प्रव० १५०१; ठा० ४, २; जीवा० ३, ४;

कुम्म. पुं० (कूर्म) કાચબો. कछुआ. A tortoise. जं० प० ५, ११६; सूय० १, ७, १५; १, ८, १६; दसा० ६, ४; विशे० ११६८; ओव० १०; १७; दस० ८, ४१; नाया० ४; जीवा० ३, ३; भग० ८, ३; १५, ७; ४२, १; उवा० २, १०१; कप्प० ३, ३६; ५, ११६; (२) કાચબાના દૃષ્ટાંતવાળું જ્ઞાતાસૂત્રનું ચોથું અધ્યયન. ज्ञातासूत्र का कछुआके दृष्टान्तवाला चौथा अध्याय. name of the fourth chapter of Jñātā Sūtra, giving an illustration of a tortoise. नाया० १, सम० १६; ओव० (३) કૂર્મ નામનું એક ગ્રામ. एक नगर का नाम. (कूर्म). a village of that name. भग० १५, १; (४) વીશમાં તીર્થંકરનું લાંછન. २० वें तीर्थंकर का लांछन-चिन्ह. the symbol of the 20th Tīrthaṅkara. प्रव० ३८२; —**आवलिया.** स्त्री० (-आवलिका) કાચબાની પંક્તિ. कछुओंकी पंक्ति a row, a series of tortoises. भग० ८,३; —**गइ.** स्त्री० (-गति) કાચબાની ગતિ; કાચબાની ચાલ. कछुओं की गति; कछुओं की चाल. the motion, the gait of a tortoise. नाया० ५; —**चलण.** न० (-चरण) કાચબાના પગ. कछुए का पैर. a foot of a tortoise. नाया० ४;

कुम्मश्र-य. पुं० (कूर्मक) કાચબો. कछुवा. A tortoise. नाया० ४;

कुम्मग. पुं० (कूर्मक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. नाया० ४;

कुम्मत्थल. न० (कूर्मस्थल) ગણ્ડસ્થલ; ગાલ. गण्डस्थल. Cheeks; temples. सु०च० २, २७;

कुम्मास पुं० (कुल्माष) એક જાતનું ધાન્ય;

અડદ. उर्द; एक तरहका अनाज. A kind of grain; black beans. नाया॰ १, ३, ४, ४; पराह॰ २५; दस॰ ५, १, ६८; भग॰ ५, २; उत्त॰ ८, १२; (२) કુળથી. कुलथी; एक तरहका धान्य. a kind of pulse called Kulittha. पिं॰ नि॰ ६२३; सूय॰ २, ३, २१; (३) બાફેલા અડદ; બાકળા. पकाया हुआ उडद नामक धान्य. cooked black beans. पिं॰ नि॰ भा॰ ३७; पिं॰ नि॰ २०२; **—पिंडिया.** स्त्री॰ (-पिंडिका) અડદની મુઠી. उडद की मुट्ठी. a handful of black beans. भग॰ १५, १;

कुम्मुरणया. स्त्री॰ (कुर्मोन्नता-कुर्मःकच्छपस्त-द्वदुन्नता कुर्मोन्नता) કાચબાના જેવી ઉન્નત યોનિ-ઉત્પત્તિ સ્થાન કે જેમાંથી અરિહંત, ચક્રવર્તી, બલદેવ અને વાસુદેવનો જન્મ થાય છે. कछुएके समान उन्नत योनि-उत्पत्ति स्थान जिसमेंसे अरिहंत, चक्रवर्ती, बलदेव और वासुदेवका जन्म होता है. The womb like a tortoise from which Arihanta, Chakravarti Baladeva and Vásudeva are born. "कुम्मुरणयाणं जोणीए तिविहा उत्तम पुरिसा गब्भं वक्कमंति। तंजहा-अरहंता, चक्कवट्टी, बलदेव-वासुदेवा" ठा॰ ३, १; नाया॰ ८; पन्न॰ ६;

कुयवा. स्त्री॰ (कुच्यवा) એ નામની એક વેલ. इस नाम की एक वेल. A kind of creeper so named. पन्न॰ १;

कुरअ. पुं॰ (कुरजल्) એ નામની એક કુહન વનસ્પતિ. इस नाम की एक कुहन वनस्पती. Name of a species of vegetation. पन्न॰ १;

कुरंग. पुं॰ (कुरङ्ग) હરણ; મૃગ. हिरन; मृग. A deer. जं॰ प॰ पिं॰ नि॰ ७६; ८१; पराह॰ १, १; पन्न॰ १;

कुरज्ज. न॰ (कुराज्य) ખરાબ રાજ્ય. खराब राज्य. A bad kingdom. जं॰ प॰ ३, ६६; **—कुरत्था.** स्त्री॰ (-कुरथ्या) ન્હાની શેરી-ગલ્લી. छोटी गली. कुचा a narrow miserable lane. प्रव॰ १४७८;

कुरर. पुं॰ (कुरर) પાણીને કિનારે રહેનાર એક જાતનું પક્ષી. जल के समीप रहने वाला एक प्रकार का पक्षी. A kind of bird residing near water; an osprey. पराह॰ १, १;

कुररी. स्त्री॰ (कुररी) એક જાતનું પક્ષી; ટીટોડી. एक प्रकार का पक्षी; भिंगुर. A kind of bird, a female osprey. उत्त॰ २०, ५०;

कुरल. पुं॰ (कुरल) એક જાતનું રુંઆની પાંખોવાળું પક્ષી. एक प्रकार का रुंए दार पंखोंवाला पक्षी. A kind of bird; an osprey. जीवा॰ १; पन्न॰ १;

कुरली स्त्री॰ (कुरली) કરચલી. मल. A fold; a wrinkle. सु॰ च॰ १, १;

कुरविंद. पुं॰ (कुरविन्द) એ નામનું પર્વગ જાતિનું ઝાડ. इस नाम का पर्वग जाति का वृक्ष. A kind of tree. पन्न॰ १;

कुराय. पुं॰ (कुराजन्) ખરાબ રાજા; સીમાડનો રાજા. दुष्ट राजा; सामान्त राजा. A bad king; a neighbouring king. निसी॰ ९, २१;

कुरिण. न॰ (*) મોટું જંગલ. बडा जंगल. An extensive forest. ओघ॰ नि॰ ४४७;

कुरु. पुं॰ (कुरु) કુરુ નામનો દેશ. कुरु नामक

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

देश. A country named Kuru. नाया० १८; पन्न० १; (२) કુરૂ નામનો દ્વીપ તથા સમુદ્ર. कुरु नामक द्वीप तथा समुद्र. name of an island; also that of an ocean. जीवा० ३, ४; पन्न० १५; (३) મહાવિદેહ ક્ષેત્રમાં આવેલ જુગાલિયાના ક્ષેત્રો; દેવ કુરૂ અને ઉત્તર કુરૂ નામક ક્ષેત્ર महाविदेह क्षेत्र संबंधी जुगलिया के क्षेत्र; देव कुरु और उत्तर कुरु नामक क्षेत्र. the regions of abode of Jugaliyās in Mahāvideha, viz. Deva Kuru and Uttara Kuru. अणुजो० १०३; —जणवय. न० (-जनपद) કુરૂ નામનો દેશ. कुरु देश. a country named Kuru. नाया० ८; १६;—राय. पुं० (-राज) અદીનશત્રુ નામે કુરુ દેશનો રાજા. अदीनशत्रु नामक कुरु देश का राजा. a king of Kurudeśa, Adīnaśatru by name. नाया० ८;

कुरुअ. पुं० (कुरुक) માયા કષાયનું પર્યાય વાચક નામ. माया कषाय का पर्याय वाची नाम. A synonym for Māyā Kaṣāya i. e. deceit. सम० ५२;

कुरुकुन्द. न० (कुरुकुन्द) એક જાતનું ઘાસ. एक तरह का घांस. A kind of grass. भग० २१, ६;

कुरुकुया. स्त्री० (कुरुकुचा) સ્થંડિલે ગયા પછી આચમન લેવું, પગ ધોવા વગેરે શૌચ ક્રિયા કરવી તે. शौच जाने के बाद आचमन लेना, पैर धोने आदि शौच क्रिया का करना. Cleansing the mouth after answering the call of nature; washing the feet etc ओघ० नि० ३१८;

कुरुदत्तपुत्त. पुं० (कुरुदत्त पुत्र) કુરૂદત્તપુત્ર નામના શ્રીમહાવીર ભગવાનના એક શિષ્ય. श्रीमहावीर स्वामी का कुरुदत्तपुत्र नामक शिष्य. Name of a disciple of Lord Mahāvīra. भग० ३, १;

कुरुमई. स्त्री० (कुरुमति) કુરૂમતી નામની ૧૨મા ચક્રવર્તિની સ્ત્રી बारहवें चक्रवर्ती की स्त्री का नाम. Name of the wife of the 12th Chakravarti. सम० प० २३४;

कुरुया. स्त्री० (कुरुका) પગ ધોવા વગેરે શૌચ ક્રિયા. पैर धोना आदि क्रिया Process of cleansing e. g. washing the feet etc ओघ० नि० १६६;

कुरुविंद. पुं० (कुरुविन्द) એક જાતનું ઘાસ; નાગર મોથ. एक प्रकार का घास; नागर मोथा. A kind of grass. ओव० १०; (२) કેલ સ્તંભ. केल स्तंभ; केले का झाड. the trunk of a plantain tree. जीवा० ३, ३;

कुरुविंदावत्त. न० (कुरुविंदावर्त) એ નામનું એક જાતનું ઘરેણું. इस नाम का एक प्रकार का आभूषण. Name of a kind of ornament. कप्प० ३, ३६;

कुरूव. पुं० (कुरूप–कुत्सितं रूपं कुरूपम्) ખરાબ રૂપ; કદરૂપ. बुरा रूप; कुरूप. Ugly appearance. "कुत्सितं यथभवत्येवं रूपयति मोहयतीति कुरूपम्" जं० प० १, ३६; भग० ७, ६; १२, ५; (२) મોહનીરૂપ કર્મ. मोहनी रूप कर्म. Mohanīya Karma. सम० ५२;

कुल. पुं० (कुल) પૂર્વજ; બાપદાદાની પરંપરા; વંશ; ઓલાદ; કુલ. कुल; पूर्वज; पुरखे; बाप दादा; वंशपरंपरा. Family; ancestors; genealogy; family descent. जं० प० ४, ११२; ७, १५५; ७, १६१; ओव० पन्न० १; राय० २१५; संथा० ६; वव० ३, ६;

नाया० १; १६; दस० ५, १, १४; २४; भग० २, ५; ८, ९; २५, ७; आया० १, ६, २, १८४; उत्त० २५, १; सूय० १, ४, १, ११; उवा० १, ६६, (२) पितानुं पक्ष; બાપના વડીલોની પરંપરા. पिता का पक्ष; पिता के पूर्वजोंकी परंपरा. paternal side; continuity of paternal ancestors. ओव० १६; तंदु० राय० ठा० ४, २; (३) ચાંદ્રાદિક કુલ; ગણનો એક ભાગ चांद्रादिक कुल; गण का एक भाग. family like Chāndra etc.; a portion or division of a Gaṇa. ठा० ३, ४; ५ १; भग० ८, ६; १२, २; (४) કુળ; ગોત્ર. कुल; गोत्र. family genealogy or line of descent. अणुजो० १३१; गच्छा० ८७; कप्प० २, १७; प्रव० ५५७; भत्त० ७५; (५) ઘર. गृह; घर. a house. कप्प० ६; निसी० २, ४८; वेय० १, ३१; (६) સમુદાય; જથ્થો: समुद. समूह; समुदाय. a collection; a multitude. राय० २५५; ओव० नि० नि० ८३; पगह. २, ३; नाया० ५; ८; (७) મહીનાના નામસરખા નામવાળા નક્ષત્રો. જેવા કે કૃતિકા, મૃગશિર, પુષ્પ વગેરે બાર નક્ષત્રો. महिनों के नामके समान नाम वाले नक्षत्र जैसे कि कृतिका, मृगशिर, पुष्य, वगैरह बारह नक्षत्र. the twelve constellations corresponding in name to the 12 months; e.g. Kritikā, Mrigaśira etc. जं० प० ३, ४५; —अणुरूव. त्रि० (-अनुरूप) કુલને અનુસાર. कुल के अनुसार. such as is worthy of one's family. नाया० १६; भग० ११, ११; —अमद. पुं० (-अमद) કુલનો મદ ન કરવો તે. कुल के मद से रहित. absence of pride about one's family. भग० ८, ६; —आजीव. पुं० (-आजीविक) કુલ જણાવી આહાર લેવો તે; આહારનો એક દોષ. कुल बतलाकर आहार लेने वाला. a fault connected with begging food; accepting food after declaring one's family. ठा० ५, १; —आधार. पुं० (-आधार) કુલનો આધાર. कुलका आधार. the prop or support of a family. नाया० १; भग० ११, ११; कप्प ३, ५२; —इंगाल. पुं० (-अङ्गार) કુલની કિર્તિને બગાડનાર; નઠારો; કુલમાં અંગારા જેવો; યથા કંડરિક. कुल की कीर्तिपर धब्बा लगाने वाला; कुल में अग्नि के समान जैसे कि कंडरिक. one who is a disgrace to the family; e. g. Kaṇḍarika. ठा० ४, १; —उप्पन्न. त्रि० (-उत्पन्न) કુલમાં ઉત્પન્ન થયેલ. born in a family. कप्प० १, २; —उवकुल. न० (उपकुल) ચિત્રા આદિ કુલ નક્ષત્રની પાસે રહેલ ઉપકુલ નક્ષત્ર. चित्रा आदि नक्षत्र की पास का उपकुल नक्षत्र. the constellation Upakula near Chitrā etc. जं० प० ७, १६१; —कन्नया. स्त्री० (-कन्यका) કુલીન કન્યા कुलीन कन्या. a girl belonging to a family. भग० १८, १०; —कहा. स्त्री० (-कथा) અમુક કુલ સારૂં અમુક કુલ ખરાબ ઇત્યાદિ કથા કરવી તે. कुल सम्बन्धी कथा करना अर्थात् अमुक कुल अच्छा है और अमुक बुरा है आदि. talk about the merits or demerits of a family. ठा० ४, २; —कित्तिकर त्रि० (-कीर्तिकर) કુલની ખ્યાતિ કરનાર. कुल की प्रशंसा करने वाला. one who is a source of fame to the family. नाया० १; भग० ११, ११; —केउ. पुं० (-केतु-कुलस्य केतुः ध्वजः कुलकेतुः) કુલની ધ્વજા રૂપ. कुल की

ध्वजा-पताका रूप. one who is like a flag or banner in a family i. e. prominent in a family. नाया० १; भग० ११, ११;—क्खय. पुं (-क्षय) कुलनो नाश. कुल का नाश. the destruction of a family भग० ३, ७; जीवा० ३; —घर. न० (-गृह) पितृ गृह; पितृ गृह; मैका; पिता का घर. the home of parents; the house of the family. नाया० ७; भग० १५, १; —घरवग्ग. पुं० (-गृहवर्ग) माता पिता भाई भांडु आदि समूह. माता, पिता, भाई बंधु आदि का समूह. a group of the members of a family, such as mother, father, brothers etc. नाया० ७; —जसकर. त्रि० (-यशस्कर) कुलनुं यश वधारनार. कुल का यश बढाने वाला. (one) who increases the reputation of the family. भग० ११, ११; नाया० १, —णंदिकर. त्रि० (-नन्दिकर) कुलनी वृद्धि करनार. कुल की वृद्धिकरने वाला. (one) who is a source of increase and prosperity to the family. नाया० १; भग० ११, ११; —तिलय. न०(-तिलक) कुलनुं तिलक; कुलमां तिलक समान. कुल का तिलक. one who is like an auspicious mark on the forehead in the family i. e. brings fame to the family. नाया० १; भग० ११, ११; —दीव. पुं० (-दीप=कुले दीप इव कुल दीपः) कुलनो दीवो. कुल का दीपक. one who is like a lamp (a source of reputation) in a family. नाया० १; भग० ११; ११; —धम्म. पुं० (-धर्म) कुलाचार. कुलाचार; कुल सम्बन्धी आचार. rules of conduct which are observed in a family. ठा० १०; —धूया. स्त्री०(-दुहितृ) कुलनी पुत्रि. कुल की पुत्री. a daughter in a family. "तत्थणं जेते इत्थिकुलत्था तेतिविहा प०तं०कुलमाउयाइय कुलधूयाइय" नाया० ५; —धूया. स्त्री० (-वधू) कुलनी वहु. कुल वधू a daughter-in-law in a family. "तत्थणं जे ते तिविहा प०तं० कुलकरिणया इवा कुलमाउया इवा कुलधूया इवा" भग० १८, १०; —नंदिकर. त्रि० (-नन्दिकर) जुओ "कुलणंदिकर" शब्द. देखो "कुलणंदिकर" शब्द. vide "कुलणंदिकर" भग० ११, ११; —पडिणीय. त्रि० (-प्रत्यनीक) कुलनो दुश्मन. कुल का शत्रु. an opponent of a family. भग० ८, ३३; —पव्वय. पुं० (-पर्वत—कुले पर्वत इव कुलपर्वतः) कुळमां पर्वत समान. कुल म पर्वत के समान. (one) who is like a mountain (i. e. protector) in his family. नाया० १; भग० ११, ११; जं० प० ५, १२०; (२) क्षेत्रनी मर्यादा करनार पर्वत; चूल हिमवंत वगेरे. क्षेत्र की मर्यादा करनेवाला पर्वत, चूल हिमवंत आदि. mountains like Chūla Himavanta etc. that bound a region of plains.सम० ३८; —पायव. पुं० (-पादप —छायाकरत्वात् आश्रयस्थाच कुलस्य पादप इव वृक्ष इव कुलपादपः) कुलने कल्पवृक्ष तुल्य. कुल में कल्पवृक्ष के समान. (one) who is like a shady tree to his family. नाया० १; भग० ११,११;—पुण्णिमा. स्त्री०(-पूर्णिमा) कुल नक्षत्रयुक्त पूर्णिमा. कुल नक्षत्रयुक्त पूर्णिमा. the 15th bright day with all the constellations. जं०प० ७, १६२;

—मश्र-य. पुं० (**-मद**) કુલનો મદ; પિતાના પક્ષનો મદ કરવો તે. कुल सम्बन्धी मद; पिता के पक्ष का मद. pride of high descent; pride of family. "**दुसहिं ठाणेहिं अहमंसी तिथं भंजा। तंजहा-जाइ मएण वा कुल मएण वा** " ठा० १०; भग० ८, ६; ठा० ८, १; **—मसी.** स्त्री० (-मषी) કુલને મેસરૂપ કલંક લગાડનાર. कुल को मेस रूप कलंक लगाने वाली. (a woman) who blackens the fame of a family. पगह० १, ३; **—माउया.** स्त्री० (**-मातृका**) કુલની માતા, कुल की माता. mother of a family. नाया० ४, भग० १८, १०; **—रोग.** पुं० (**-रोग**) કુળનો રોગ; આખા કુલને લાગુ પડે તેવો વ્યાધિ. कुलसम्बन्धी रोग. a disease affecting the whole family; a disease from which all the members of a family suffer. भग० ३, ७; **—वइ.** पुं० (**-पति**) તાપસ મંડળનો ઉપરી; તાપસ ગુરુ; ઋષિઓમાં શ્રેષ્ઠ. तापसों लोगों का अधिपति; तापसी गुरु; ऋषियों में श्रेष्ठ. the head of a group of ascetics; the preceptor of ascetics; the highest among saints. पिं० नि० ४०३; सू० च० ७, १०१; **—वंस.** पुं० (**-वंश**) કુલવંશ कुलवंश. noble genealogy. भग० ६, ३३; ११, १०; नाया० १; १६; **—वंसतंतु.** पुं० (**-वंशतंतु**) કુલવંશના સન્તાન. कुलवंश की संतान. off-spring of a noble descent. नाया० १; **—वडिंसय.** पुं० (**-वतंसक**) કુલના મુગટ રૂપ. कुल के मुकुट रूप. (one) who is like the crown of a family. भग० ११, ११; नाया० १; **—वहुया.** स्त्री० (**-वधूका**) કુલની વહુ. कुलवधू. a daughter-in-law belonging to a noble family. नाया० ५;**—वहू.** स्त्री० (**-वधू**) સારા કુલની વહુ. अच्छे कुल की वहु. a daughter-in law belonging to a noble family. प्रव० २५४; पंचा० ११, १८; **—वित्तिकर.** त्रि० (**-वृत्तिकर**) કુળની આજીવિકા ચલાવનાર. कुल का आजीविका चलाने वाला. (one) who supports a family. नाया० १; **—विवद्धणकर.** त्रि० (**-विवर्धनकर**) કુલની વૃદ્ધિ કરનાર. कुलकी वृद्धि करनेवाला. (one) who is a source of increase and prosperity to the family. भग० ११, ११; नाया० १; **—वेयावच्च.** न० (**-वैयावृत्य**) કુળની સેવા કરવી તે. कुलकी सेवा करना rendering services to the members of a family. वव० १०, २७; भग० २५, ७; ओव० **—संताण.** पुं० (**-संतान**) કુળની સંતાન-સંતતિ कुलकी संतान. progeny of a (noble) family. भग० ११, ११; **—संपगण.** त्रि० (**-संपन्न—कुलं पैतृकः पक्षः तत्संपन्न**) જેના બાપ દાદા શ્રેષ્ઠ હોય તે કુળ સંપન્ન. जिसके बापदादा श्रेष्ठ हो वह कुलसम्पन्न कहलाता है. born in a noble or high family. " **जाई कुलसम्पण्णो पायमांकिचन सेवईकिंचि। आमेविउं च पच्छा तग्गुणओ सम्ममालोए** " ठा० ८; ३, १; विवा० १; नाया० ५० भग० २, ५; ६, ७; **—संपन्न.** त्रि० (**-सम्पन्न**) જુઓ " **कुलसंपगण** " શબ્દ. देखो "**कुलसंपगण** " शब्द. vide " **कुलसंपगण** " नाया० १; भग० २५, ७; ठा० ४, २; ३; **—समुप्पगण.** त्रि० (**-समुत्पन्न**) કુલમાં ઉત્પન્ન થયેલ. कुल में उत्पन्न हुआ. born

in a noble family. कप्प० १, २; —सरिस. त्रि० (—सदृश) કુલ સમાન-સરખું. कुलकी अपेक्षा से-समान. worthy of the family in which one is born; bearing family resemblance. भग० ११, ११; नाया० १६;

कुलअ-य. न० (कुलक) શ્લોક કે ગાથાનો સમુદાય; એક સંબંધવાલી આઠ કે તેથી વધારે ગાથાઓનો સમુહ. श्लोक या गाथा का समुदाय; एक सम्बन्ध वाला आठ या उससे अधिक गाथाओंका समूह. A collection of verses eight or more in number and grammatically connected. प्रव० १२६३;

कुलकोडी. पुं० (कुलकोटि) કુલકોડિ; જીવની ઉત્પત્તિ સ્થાનના પ્રકાર. जीव के उत्पत्ति स्थान के प्रकार. Varieties of the sources of birth or origin of living beings. प्रव० ३६; ६७७;

कुलक्ख. पुं० (कुलाक्ष) કુલાક્ષ દેશનો મનુષ્ય. कुलाक्ष देश का मनुष्य. A man belonging to the country named Kulākṣa. पराह० १, १; पन्न० १;

कुलक्खरा. न० (कुलक्षरा) અપલક્ષણ; ખરાબ ચિન્હ. बुरे चिन्ह; अपलक्षण; कुलक्षण. A bad sign or mark or characteristic. पराह० १; १;

कुलगर. पुं० (कुलकर) જુગલીયાનો રાજા; જુગલીયાની વ્યવસ્થા કરનાર. जुगलियों का राजा. The king or governor of the Jugaliyās. जं० प० २, २६; सम० ६००; भग० ५, ५; कप्प० ७, २०६;

कुलत्थ. पुं० (कुलत्थ) કળથી; એક જાતનું ધાન્ય. कुलथी. A kind of pulse. वेय० २, १; दसा० ६, ४; जं० प० भग० ६, ७; १८. १०; २१, २; पन्न० १; ठा० ५, ३; नाया० ५; निर० ३, २; प्रव० १०१६;

कुलत्थ. पुं० (कुलार्थ) કુલાર્થ નામે એક અનાર્ય દેશ. कुलार्थ नामक एक अनार्य देश. Name of an Anārya i. e. barbarous country. प्रव० १५६८;

कुलत्था. स्त्री० (कुलस्था) કુલીન સ્ત્રી. कुलीन स्त्री. A nobly born woman. नाया० ५; भग० १८, १०;

कुलय. पुं० (कुलक) ચાર સેતિકા અથવા આઠ પસલિ પ્રમાણ માન વિશેષ. चार सेतिका अथवा आठ पसली प्रमाण तौल विशेष. A measure of capacity equal to eight Pasalis (a Pasali = as much as is contained in two hands joined together). नंदी० अणुजो० १३२; पिं० नि० ४; प्रव० १३६६;

कुलल. पुं० (कुलल) ગીધ પક્ષી. गीध पक्षी; गीधड. A vulture. उत्त० १४, ४६, सूय० १, ११, २७; (२) સમડી. चाल. a kind of bird. उत्त० १४, ४६; पराह० १, १; (३) બીલાડો. बिलाव. a cat. दस० ८, ५४;

कुललय. पुं० (*) પાણીનો કોગળો કરવો તે. पानीका कुल्ला. A gargle. प्रव० ४३६;

कुलविहि. पुं० (कुलविधि) જુઓ "कुलकोडी" શબ્દ. देखो "कुलकोडी" शब्द. Vide "कुलकोडी" भग० ७, ५;

कुलाल. पुं० (कुलाट) માર્જાર; બિલાડો. बिलाव; मार्जार. A cat. सूय० २, ६, ४४;

कुलाल. पुं० (कुलाल) કુંભાર. कुंभार. A

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

potter. क० गं० १. ५२;

कुलालय. पुं० (कुलाटक—कुलानि-गृहाण्यो मिषान्वेषणार्थिनो नित्यं येऽटन्ति ते कुलाटा -मार्जाराः कुलाटा इव कुलाटका भाहा ा:) બિલાડાની પેઠે ગૃદ્ધ થઇ ઘરોઘર ફરનાર ભિક્ષુ. बिल्ली के समान लोलुप होकर घरघर फिरने वाला भिकारी. A greedy mendicant wandering from house to house like a cat. सूय०

कुलालय. पुं० (कुलालय—कुलानि-श्रावकादि गृहाणी तानि नित्यं पिण्डपातान्वेषिणा परतकुकाणामालयो येषां ते कुलालयाः) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो उपरका शब्द. Vide the above word. सूय०२, ६, ४४; "जे भोयए खियए कुलालयाणं" सूय० २, ६, ४४;

कुलावकुल. पुं० (कुलावकुल) અભિચ, શતભિષક, આર્દ્રા, અને અનુરાધા એ ચાર નક્ષત્ર अभिजित शताभिषक आर्द्रा, और अनुराधा ये चार नक्षत्र. The four lunar constellations, viz. Abhicha, Satabhisaka, Ārdrā and Anurādhā. जं० प०

कुलिंग. पुं० (कुलिङ्ग—कुत्सितं लिङ्गं कुलिङ्गं) કુલિંગ—શાક્ય વગેરેનો વેષ. कुलिङ्ग शाक्यादि वगैरह का वेश Garments worn by heretics, such as Śākyas etc. सम० प० २३१; (२) કીડાની એક જાત; માકડ कीडेकी जाति; खटमल. a kind of insect; a bug. विशे० १०५४; ओघ० नि० भा० २५५;

कुलिंगच्छाय. पुं० (कुलिंगच्छाय) જંતુ વિશેષ. जंतु विशेष. A kind of insect. भग० १८, ८;

कुलिंगि. त्रि० (कुलिङ्गिन्—कुत्सितंलिङ्गं कुलिङ्गं शिवसुखबाधकं तद्विद्यते येषां ते कुलिङ्गिनः) કુતીર્થી પાખંડી. कुतीर्थी; पाखण्डी; बुरे धर्म का अनुयायी; मिथ्यात्वी. A follower of a false religion; a heretic. ओव० पराह० १, २;

कुलिय-अ. त्रि० (कुलिक) કોલીયું. कौर. A mouthful. नाया० २, ८, २, १३८; पराह० १, १; अणुजो० ६७; (२) હળ. हल. a plough. विशे० १२५; पराह० १, १; (३) ત્રાટી. टट्टी. a fencing. निसी० १३, ६; १६, २७;

कुलिय. न० (कुल्य) ભીંત. दीवाल. A wall. सूय० १, २, १ १४; आया० २, १, ५, १४८;

कुलियकड. त्रि० (कुलिकीकृत) કુલડાને આકારે ઢગલો કરેલ मिट्टी के लोटे के आकार ढेर किया हुआ. Heaped up in the shape of an earthen pot. वेय० २, ३;

कुलीकोस. पुं० (कुलीकोश) શ્વેતહંસ એક જાતનું પક્ષિ. सफेद हंस; एक प्रकार का पक्षी. A kind of bird; a white swan. पराह० १, १;

कुवश्र. पुं० (कुवय) અન્તઃગડ સૂત્રના ત્રીજા વર્ગના અગીઆરમાં અધ્યયનનું નામ. अंतःगड सूत्र के तीसरे वर्गके ११ वे अध्यायका नाम. Name of the 11th chapter of the 3rd section of Antagada Sūtra. अंत० ३, ११; (२) દ્વારકાના બલદેવ રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે નેમનાથ પ્રભુપાસે દીક્ષા લઇ વીસ વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી ચૌદ પૂર્વનો અભ્યાસ કરી શત્રુંજય ઉપર એક માસનો સંથારો કરી, પરમ પદ પામ્યા. द्वारिका के बलदेव राजा की धारणी नामक रानी का पुत्र जिन्होंने कि नेमिनाथ स्वामी से दीक्षा ली, चौदह पूर्व का अभ्यास किया वीस वर्षोंतक

प्रव्रज्या का पालन किया और अंत में शत्रुंजय पर्वतपर एक मास का संथारा कर के मोक्ष प्राप्त किया. the son of Dhāraṇī the queen of Baladeva the king of Dwārakā city. He (the son) took Dikṣā from lord Neminātb and after practising it for 20 years and having acquired knowledge of the 14 Pūrvas, accepted Santhārā for a month on the mount Śatruñjaya and there attained the final bliss. अंत० ३, ११;

कुवर. न० (कूवर) નાવાનો આગલો ભાગ; નાવાનો મોરચાનો ભાગ. नौक का अगला हिस्सा. The front part of a ship or boat. " संचुरिणय कट्ठ कुवरा " नाया ६;

कुवलय. न० (कुवलय) કમલ. कमल. A lotus. कप्प० ३, ४२; ओव० जं० प० नंदी० ३१; (२) નીલોત્પલ કમલ. नीलोत्पल कमल; नील पत्तों का कमल. a lotus with blue leaves. नाया० ६;

कुविअ-य. त्रि० (कुपित) કોપેલ; ગુસ્સે થયેલ. कुपित; नाराज; क्रोधित. Angry; enraged. "आयरियं कुवियंनच्चा, पत्तिएण पसायए" नाया० १: ६; १६; दस० ६, १, ७; भग० ३, १: २; विवा० १, ८: पण्ह० २, ५; उत्त० १, ४१: उवा० २, ६५; जं० प० ३, ५६;

कुविअ-य. न० (कुप्प) વાસણ વગેરે ઘરવખરી. गृह सामग्री. Household articles and furniture such as vessels etc. पण्ह० १, ४; प्रव० ७२६; —**गिह.** पुं० (-गृह) ઘરવખરો રાખવાનું ઘર गृह सामग्री रखने का घर. a house in which household articles, furniture etc. are kept. निसी० ८, ८; —**साला.** स्त्री० (-शाला) જ્યાં ઘર વખરો રહે તેવું ઘર. जहां घर सामग्री रहती है वह घर A house in which household furniture, vessels etc. are kept. पण्ह० २, ३; निसी० ८, ८;

कुविंद. पुं० (कुविन्द) વણકર. बुननेवाला; जुलाहा. A weaver. सु० च० ८, २३४;

कुविंदवल्ली. स्त्री० (कुविन्दवल्ली) એ નામની એક વેલ. इस नामकी एक बेल. Name of a creeper. पन्न० १;

कुविहायगइ स्त्री० (कुविहायोगति) અશુભ વિહાયો ગતિ; ઉંટીયાની માફક ખરાબ ગતિ. उंट के समान खराब चाल. Bad repulsive gait like that of a camel. प्रव० १३०३;

कुवुट्ठि. स्त्री० (कुवृष्टि-कुत्सिता वृष्टिः कुवृष्टिः) રોગોત્પાદક વરસાદ; ઋતુવિનાનો વરસાદ; માવઠું. रोगोत्पादक वर्षा; बिना ऋतु की वर्षा; मावठा. Rain out of season; unwholesome rain. जं० प० १, १०;

कुवेज्ज. पुं० (कुवैद्य) ખરાબ વૈદ્ય; ઉંટ વૈદ. खराब वैद्य. A bad doctor; a quack. पंचा० १५, ५;

कुवेणी. स्त्री० (कुवेणी) એક જાતનું હથિયાર. एक प्रकार का शस्त्र. A kind of weapon. पण्ह० १, ३;

√ **कुव्व.** धा० I. (कृ) કરવું. करना. To do.

कुव्वइ. उत्त० १, ४४; दस० ५, २, ४६;
कुव्वंति. भग० ६, ४; नाया० १;
कुव्विज्जा. वि० उत्त० १, १४;
कुव्वमाण. आया० १, १, ३, १८; नाया० ९, पन्न० २;

कुव्वन्. सूय० १, १, १, १२; २, ४, ११;

कुव्वकारिया. स्त्री० (कुर्वत्कारिका) એ નામની વનસ્પતિ. इस नाम की वनस्पति. A kind of vegetation so named. पन्न० १;

कुवणा. स्त्री० (*करण) કરવું. करना. Doing; act of doing. भग० ६, ८;

कुस. पुं० (कुश) એક જાતનું ઘાસ; દર્ભ; દાભડો. एक तरह का घांस; दाभ; कांस. A kind of grass; Darbha grass. नाया० १; २; ६; अंत० ३, ८; ओव० १८; पन्न० १; उत्त० ७, २३; ६, ४४; १०, २; २६, २६; आया० २, २, ३, १००; भग० ६, ७; ७, १; ८, ६; २१, ६; जीवा० ३, ३; जं० प० —**अंत.** पुं० (-अन्त) દાભડાનો અગ્રભાગ. दाभ का अग्रभाग. the point of the Darbha grass. राय० ६२; —**ग्ग.** न० (-अग्र) દર્ભનો અગ્રભાગ; દાભડાની અણી. दाभ की अनी. the point of the Darbha grass. आया० १, ६, १, १४२; भग० ६, ३३; —**पत्त.** न० (-पत्र) દાભનું પાંદડું. दाभ के पत्र-पत्ते. a blade of the Darbha grass. निसी० १८, १८;

कुसंघयण. न० (कुसंहनन) હલકું સંઘયણ-શરીરનો બાંધો. कमजोर संहनन-शरीर का बांधा. Bad, mean constitution of the body. भग० ७, ६; जं० प०

कुसंठिय. त्रि० (कुसंस्थित) ખરાબ આકારે રહેલ. कुसंस्थान; बुरे आकार का. Remaining in, being in a bad, ugly conformation. भग० ७, ६;

कुसण. न० (*) દહીં; ગોરસ. दही; गोरस. Curds. पिं० नि० ६०७;

कुसणिय. न० (*) દહિમાં ખાશ વગેરે મસાલા નાખીને બનાવેલ કરંબો. दही में तकादि मसाले डालकर बनाया हुआ पदार्थ. A food prepared of curds, butter milk, spices etc. mixed together. पिं० नि० २८२;

कुसक्त. पुं० (कुशक्त) પથારી ઉપર બિછાવવાના વસ્ત્રની એક જાત. बिछौने पर बिछाने के वस्त्र की एक जाति. A kind of cloth used as a covering of a bed. "अच्छरय मलयमयलकुसक्तलिंबसीह केसरपच्चुत्थए" नाया० १;

कुसत्त. पुं० (कुशावर्त) કુશાવર્ત નામનો દેશ. कुशावर्त नामक एक देश. A country named Kuśāvarta. पन्न० १;

कुसमय. पुं० (कुसमय) કુશાસ્ત્ર; પાખંડમતના શાસ્ત્ર. बुरे शास्त्र; पाखंड मत के शास्त्र. False, heretical scriptures. सम० २; नंदी० २२;

कुसल. त्रि० (कुशल) નિપુણ; કુશલ; ચતુર; હોશીયાર. चतुर; पटु. कुशल; दक्ष. Proficient; expert; clever. नाया० १; २; ५; ६; १३; १८; भग० २, ५; ६, ३३; ११, ११; राय० ३३; १२६; २६५; जीवा० ३, १; सू० प० २०; उत्त० २५, १६; आव० १६; ३१; पंचा० ८, २५; ५, ३७; ८, ५; १२, २०; १२, १५; प्रव० २३७; भत्त० ५६; जं० प० ३, ४७; विवा० २; (२) શુભ; સારૂં. शुभ; उत्तम. wholesome; good. पंचा० १०, १४; प्रव० ६०३; —**उदंत.** पुं० (-उदन्त) ક્ષેમ કુશલ-સમાચાર. राजीखुशी के समाचार. happy news; good news; e. g. about one's health and happiness.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

नाया० ८; १६; —जोग. पुं० (-योग) मन, वचन, કાયાના શુભ વ્યાપાર. मन, वचन और काया के शुभ व्यापार. wholesome, good activity of thought speech and action. पंचा० १३, ४०; —धम्म. पुं० (-धर्म) પ્રાણાતિપાત વિરમણાદિ શુભ આચાર. प्राणातिपात विरमणादि शुभ आचार. right, good conduct consisting in cessation from killing etc. पंचा० १०,१४; —पवित्ति. स्त्री० (-प्रवृत्ति) કુશલ-શુભ મન, વચન, અને શરીરની પ્રવૃત્તિ. कुशल-शुभ मन, वचन और शरीरकी प्रवृत्ति. wholesome, good activity of mind, speech and body. प्रव० ६०३; —पुत्त पुं० (-पुत्र) વૈદ્યશાસ્ત્રમાં કુશળ એવો પુત્ર. वैद्यशास्त्रमें कुशल पुत्र a son proficient in medical science. नाया० १३; —बंध. पुं० (-बन्ध) પુણ્યાનુબન્ધિ-પુણ્યકર્મનો બન્ધ. पुण्य से बंधे हुए पुण्य कर्म के बंधन. bondage caused by good and meritorious actions. पंचा० ६, २३; —मणउईरण. न० (-मनउदीरण) કુશલ-શુભ મનની ઉદીરણા કરવી. कुशल मन की उदीरणा करना. directing the mind towards good and auspicious things. दस० ६, १; भग० २५, ७; —मति. स्त्री० (-मति) ચતુર બુદ્ધિ; चतुर बुद्धि. expert, proficient, intellect पंचा० १३, ४२; —वइउदीरण. न० (-वागुदीरण) કુશલ-શુભ વચનની ઉદીરણા કરવી. कुशल वचन की उदीरणा करना. uttering kind and skilful words. भग० २५, ७;

कुसलया. स्त्री० (कुशलता) કુશલપણું; હોશીયારી. कुशलता; होशियारी. Skilfulness; cleverness; proficiency. प्रव० ६४६;

कुसिस्स. पुं० (कुशिष्य) ખરાબ શિષ્ય; અવિનીત ચેલો. खराब शिष्य. A bad disciple; a rude disciple. भग० ६, ३३; १५, १;

कुसील. त्रि० (कुत्सितं शीलमाचारो यस्येति) કુત્સિત આચારી; અસદ્વર્તન વાળો; અણાચારી; દુષ્ટસ્વભાવ વાળો. दुष्ट आचार वाला; कुत्सित व्यवहार वाला; अनाचार करने वाला; दुष्ट स्वभाव वाला Wicked in nature or conduct; of bad character. पिं० नि० भा० ४८; उत्त० १, १३; भग० २५, ६; दस० १०, १, १८; ठा० ३, २; नाया० ५; वव० १, ३४; ओघ० नि० ३०३; ७६३; निसी० ४, ३०; गच्छा० ४८; प्रव० १०३; ७३२; (२) न० અણાચાર; દુષ્ટ-આચાર. अनाचार; दुष्ट आचार. bad character; wicked conduct. सूय० १, ७, ५; भग० १०, ४; —पडिसेवणा. स्त्री० (-प्रतिसेवन) કુશીલ સેવવું તે; બ્રહ્મચારીએ સ્ત્રીયાદિને આલિંગન દેવું તે. कुशील सेवन करना; ब्रह्मचारी का स्त्रीयादि को आलिंगन करना. act of taking to a dishonourable course of conduct; sexual intercourse by a person professing to be a bachelor. ठा० ४, ४; —लिंग. न० (-लिङ्ग) આરંભાદિ કુશીલ ચેષ્ટા. आरंभादि कुशील चेष्टा. a wicked action, such as injuring, killing etc. दस० १०, १, २०; —वड्ढणठाण. न० (-वर्द्धनस्थान) જેથી કુશીલ-દુરાચાર વધે તે. जिससे कुशील-दुराचार बढे वह. a source or cause of enhancement in wicked practices दस० ६, ५६; —विहारि. त्रि० (-विहारिन्) કુત્સિતશીલ વાળો. कुत्सित

शील वाला. (one) of bad or doubtful character. भग० १०, ४; नाया० ५; —विहारिणी. स्त्री० (-विहारिणी) ખરાબ આચારવાળી (સ્ત્રી); દુરાચારિણી खराब चालचलन वाली स्त्री; दुराचारिनी. a woman of bad character. नाया० ध० नाया० १४; —संसग्गि त्रि० (-संसर्गिन्) નઠારાનો સંગ કરનાર निठल्ले का साथी. (one) who associates with the wicked. नाया० १०;

कुसीलपरिभासिय. न० (कुशील परिभाषित) સુયગડાંગ સૂત્રના સાતમા અધ્યયનનું નામ કે જેમાં કુશીલ-અસદાચારી કુલિંગીનું વર્ણન છે. सूत्रकृतांग के ७ वें अध्ययन का नाम जिसमें कुशील-अनाचारी कुलिंगी का वर्णन है. Name of the 7th chapter of Sūyagadānga Sūtra dealing with or describing persons of bad character. सूय० १, ७, ३०; सम० १६; २३;

कुसीला. स्त्री० (कुशीला) જેનો ખરાબ આચાર છે તે. कुत्सित आचार वाला. (A woman) of bad character. नाया० १५; नाया० ध०

कुसुंभ. पुं० (कुसुम्भ) કુસુંભવૃક્ષ; કુસુંબાનું ઝાડ. कुसुम्भ का झाड; कुसुंबे का वृक्ष. A kind of tree called Kusumbha. प्रव० २२०; ओघ० नि० ४४६; पन्न० १; (२) એક જાતનું ધાન્ય. एक जाति का धान्य. a kind of corn; a kind of cereals. भग० २०, ३; —वण. न० (वन) કુસુંબાના વૃક્ષનું વન. कुसुंभ के वृक्षों का बन. a forest of Kusumbha trees. निसी० ३, ७६; भग० १, १;

कुसुंभग. पुं० (कुसुम्भक) કુસુંબો; કુસુંબી રંગ. कुसुंबा; कुसुम्भी रंग; सुर्ख रंग. A kind of red dye. जं० प० पराह० १, ३; (२) એક જાતનું ધાન્ય. एक जाति का धान्य. a kind of cereals. भग० ६, ७;

कुसुंभय. पुं० (कुसुम्भक) કુસુંબાના રાતા ફૂલમાંથી નીકળતો લાલ રંગ. कुसुंबे के लाल फूलों में से निकलताहुआ लाल रंग. A red dye obtained from the flowers of the Kusumbha tree. अणुजो० १३१;

कुसुम. न० (कुसुम) કુસુમ; પુષ્પ; ફૂલ. पुष्प; फूल; कुसुम. A flower. जं० प० ५, ११२; ११२; नाया० १; ८; ११; १४; भग० १, १; ७, ६; ११, ११; दसा० १०, १; पन्न० १७; ओव० २२; राय० २७, ३६; सू० प० २०; उत्त० ३४, ८; अणुजो० ११८; नंदी० १५; उवा० १, ३०; कप्प० ३, ३२; ३७; प्रव० ४५५, ११११; (२) पुं० પદ્મપ્રભ પ્રભુના યક્ષનું નામ. पद्मप्रभ प्रभु के यक्ष का नाम. name of the Yakṣa (a kind of demi-god) of Padmaprabha the sixth Tīrthaṅkara. प्रव० ३७५; —आसव. पु० (-आसव) ફૂલનો રસ. फूल का रस. juice of flowers. नाया० १; —कुंडल. न० (-कुण्डल) ફૂલના આકારનું કાનનું આભરણ; કાન ફૂલ. फूल का आकृति वाला कान का आभूषण करनफूल an ear-ornament of the shape of a flower. अंत० ३, ८; —घर. न० (-गृह) ફૂલનું ઘર. फूलों का घर. a flower-house. नाया० ३, ६; घरग. न० (-गृहक) જેમાં ફૂલ પાથર્યા રહે તેવું ઘર. जिस घरमें फूल बिखरे हुए हों वह. a house carpeted with flowers. राय० २३६; नाया० ३; जं० प० —णिअर. पुं० (-निकर) ફૂલનો સમૂહ. फूलों का समूह. a collection of

flowers. जं० प० ५, १२२; —णिगर. पुं० (-निकर) જુઓ "कुसुमणिभर" શબ્દ. देखो "कुसुमणिभर" शब्द. vide. "कुसुमणिभर" जं० प० ३, ४३; —दाम. न० (-दामन्) ફૂલની માલા. फूलों की माला. a garland of flowers. नाया० १६; —पत्थर. पुं० (-प्रस्तर) ફૂલનું બીછાનું; કુસુમશય્યા. फूलोंकी शय्या; कुसुम का बिछौना. a bed of flowers. नाया० १३; —रासि. पुं० (-राशि) ફૂલનો ઢગલો. कुसुम का समूह; फूलोंका ढेर. a heap of flowers. कप्प० ४, ६०; —वुट्ठि स्त्री० (-वृष्टि) ફૂલનો વરસાદ. कुसुम वृष्टि; फूलों का बरसना. a shower of flowers नाया० ८; प्रव० ४४६; पंचा० २, १४; —सर. पुं० (-शर) કામદેવ. कामदेव. Cupid; the god of love. सु० च० १, ४०;

कुसुमनगर. न० (कुसुमनगर) પાટલીપુત્રનું અપર નામ. पाटलीपुत्र का दूसरा नाम. Another name for the town of Pāṭaliputra. प्रव० ८०६.

कुसुमपुर. न० (कुसुमपुर) એ નામનું શહેર; પાટલીપુત્ર (પટના). इस नाम का शहर; पाटलीपुत्र (पटना). Name of a town (also called Pāṭaliputra). वि० नि० भा० ४४;

कुसुमसंभव. पुं० (कुसुमसंभव) વૈશાખ માસનું લોકોત્તર નામ. वैशाख माह का लोकोत्तर नाम. The month of Vaisākha, so called in spiritual language as opposed to popular language. जं० प० ७, १५२;

कुसुमिअ-य. त्रि० (कुसुमित—कुसुमानि पुष्पाणि सञ्जातानि एषामिति कुसुमिताः) ફૂલવાળું. फूल वाला. Flowery. भग० १, १; ओव० जीवा० ३, ३; नाया० ६; राय० जं० प० ७, १७७;

कुसुमित. त्रि० (कुसुमित) જુઓ "कुसुमिअ-य" શબ્દ. देखो "कुसुमिअ-य" शब्द. Vide "कुसुमिअ-य" भग० १६, ६;

कुसेज्जा. स्त्री० (कुशय्या) દુષ્ટ શય્યા-સ્થાન. दुष्ट शय्या-स्थान. A vitiated dormitory. भग० ७, ६; जं० प० २;

√ कुह. धा० I. (-कुथ्) સડવું; કોહવું. सडना. To rot; to decay.

कुहेजा. वि० अणुजो० १३६;

कुहअ. पुं० (कुहक) ઈંદ્રજાલ; કુતુહલ. इंद्रजाल कौतुहल. An enchantment; a charm; curiosity. दस० १०, १, २०;

कुहंड. पुं० (कुष्माण्ड) વ્યન્તર દેવતાની એક જાત. व्यन्तर देव की एक जात. A species of a Vyantara gods. पग्ह० १, ३; ओव० २४; पन्न० २;

कुहंडय. पुं० (कुष्माण्डक) કોળું; શાકની એક જાત. एक जाति का फल कि जिसकी भाजी (साग) बनती है; कुष्माण्ड. A kind of vegetable; a gourd. पन्न० १७;

कुहंडी. स्त्री० (कुष्माण्डी) દૂધી; ना. लौकि; तुम्बी. A kind of vegetable; a kind of large fleshy fruit of white colour. राय० ५४; जीवा० ३, ४;

कुहकुह. पुं० (कुहकुह) કુહુ કુહુ એવો અવાજ. कुहु कुहु ऐसा शब्द. An onomatopoetic word meaning the sound resembling "Kuha Kuha" नाया० ८;

कुहण. न० (कुहन) એક જાતની વનસ્પતિ; ભૂમિફોડા. इस नाम की एक जाति की बनस्पति. A kind of vegetation. पन्न० १; जीवा० १; (२) त्रि० કુહણ દેશનો

रहेवासि. कुहन देश का रहने वाला. a native of the country called Kuhuna. पराह० १, १;

कुहणा. स्त्री० (कुहुना) छत्रीना आकारनी वनस्पति; भूमिफोडा. छाते के आकार की वनस्पति; भूमि फोडा. A kind of vegetation of the shape of an umbrella पन्न० १;

कुहम्म. पुं० (कुधर्म) खोटो-पाखण्ड धर्म. मिथ्या-पाखंड धर्म. False religion; heretical creed. भत्त० ६०;

कुहर. न० (कुहर) पर्वतनी गुफा. गिरि कंदरा; पर्वत की गुफा A cave of a mountain. नंदी० १५; नाया० १; ५; पराह० १, ४; राय० ८६;

कुहाड. पुं० (कुठार) कुहाडो; लाकडां कापवानुं हथिआर. कुल्हाडी; लकडी काटनेका औजार. An axe. उत्त० १६, ६७; सूय० १, ५, १, १८;

कुहिंचिय. अ० (कुत्रचित्) क्यांक; कोइ स्थले. कहीं भी; किसी स्थान पर. Somewhere; in some place or other. नाया०८;

कुहिय. त्रि० (कुथित) कोहाइ गयेलुं; सडी गयेलुं. गला हुआ; सडा हुआ. Rotten; decayed; decomposed. नंद० पराह० १, १; नाया० १; ५; १२; जीवा० ३, १;

कुहुण. पुं० (कुहुण) उद्भिज्ज जातनी एक वनस्पति; भूमि फोडा. उद्भिज्ज जाति की एक वनस्पति; भूमि फोडा. A kind of vegetation growing by germination. भग० १५, १; २३, ३;

कुहुव्वय. पुं० (कुहुव्रत) एक जातनो कंद. एक जाति का कंद. A kind of bulbous fruit. उत्त० ३६, ६७;

कुहेडग. पुं० न० (*) अजमो. अजवायन. Thyme. प्रव० २११; पंचा० ५, ३०;

कूअणया. स्त्री० (कूजन) पीडित स्वरथी रडवुं ते. दुःखी स्वर से रोना. A piteous cry. ठा० ३, ३;

कूइअ. न० (कूजित) पक्षिना जेवो अव्यक्त शब्द. पक्षि जैसा अव्यक्त शब्द. Indistinct sound like that of a bird. उत्त० १६, ५;

कूच्चिया. स्त्री० (कूर्चिका) परपोटो. बुदबुदा. A bubble. विशे० १४६७;

कूजिय. न० (कूजित) अव्यक्त ध्वनि. अव्यक्त ध्वनि Indistinct note or sound. पराह० २, ५;

कूड. पुं० (कूट) कूट नामनो द्वीप तथा समुद्र. कूट नामका द्वीप और समुद्र. A continent of that name; an ocean of that name. जीवा० ३, ४; पन्न०१५; (२) शिखर; पर्वतनी टुंक; टोच. शिखर; पर्वत की टोंक; पर्वत की चोटी. top of a mountain. भग० ५, ७; नाया० १; नंदी०१३, ४७; सू० प० १६; अणुजो०१०३; १३४; ओव० १०; ३१; पन्न० २; ठा० २, ४; जं० प०५, ११४; (३) द्रव्य कूट-पाश; भाव कूट-स्नेह; राग बंधन. द्रव्यकूट-पाश अर्थात् फांसी होती है और भाव कूट स्नेह अर्थात् राग भाव है जिसमें कर्म बंध होता है a snare; a trap; excessive attachment (which is a snare). नाया० १७; पिं० नि० १०४; सूय० १, १३, ६; (४) कुड कपट; मायाकषायनुं पर्याय नाम. कपट; माया कषाय का पर्यायवाची नाम.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

deceit. सम० ५२; पराह० १, २; (५) તોલમાં-માપમાં ન્યૂનાધિકતા રાખવી તે. नापतोल में ज्यादह कमती देना. using false weights and measures. सूय० २, २, ६२; (६) પાશલો; માણસને ગલામાંથી ખેંચવાનું યંત્ર. पाश; मनुष्य को गले में डाल कर मारने का यंत्र; फांसी. gallows सूय०१, ५, २. ६८; (७) નરક. नरक. hell. उत्त०५,५; (८) દુઃખનું ઉત્પત્તિ સ્થાન. दुःख उत्पन्न होने का स्थान. source of pain or misery. सूय० १, ५, २, १८; (९) દરવાજાનો ઉપરનો ભાગ; માદ. द्वार के ऊपर का भाग. the upper part of a gate. राय० १०७; (१०) त्रि० ખોટું અસત્ય; દગાબાજી. कूठ; असत्य; दगाबाज. falsehood; deceit. पंचा० ३, ३६; नाया० २; —उवमा. स्त्री० (-उपमा) જેમ કોઇ શિકારીએ પાશલો રચ્યો હોય તેમાં જેમ મૃગનુંજ બંધન થાય છે શિકારીનું નહિ તેમ ગૃહસ્થ સાધુને માટે રસોઇ નિપજાવે તેમાં સાધુનેજ બંધનદોષ લાગે ગૃહસ્થને કંઇ નહિ એવી રીતે ઉપમા આપવી તે. इस प्रकार की उपमा देना कि जिस प्रकार कोई शिकारीके फैलाये हुए जालमें मृगकाही बंधन होता है शिकारी का नहीं, जैसे कि साधु के अर्थ रसोई बनाने वाले गृहस्थ को कोई दोष नहीं लगता, साधु को ही दोष लगता है. a false analogy; e g. just as in a net spread by a hunter the deer is caught and not the hunter; in the same way when food is specially prepared for a Sādhu, the Sādhu incurs sin and not the householder who has prepared it. पि० नि० १०६; —जाल. न० (-जाल) પાશયુક્ત જાળ. फांस सहित जाल. a net that entraps; a snare. उत्त० १६, ६४; —तुला. स्त्री० (-तुला) ખોટું તોલ. झूंटा तौल. a false weight. सूय० २, २, ६२; भग० ८, ६; पंचा० १, १४; —पास. पुं० (-पाश) મૃગલાને ફસાવવા કપટ કરીને પાશ રચવો તે. मृग को फंसाने के लिये कपट से बंध डालना. laying a snare to entrap a deer. विवा० ८; भग० १, ८; —माण. न० (-मान) ખોટાં માપ રાખવા તે; શ્રાવકના ત્રીજા વ્રતનો એક અતિચાર. खोटे माप रखना; श्रावक के तीसरे व्रत का एक अतिचार. act of using false weights; a partial violation of the third vow of a Jaina layman. सूय० २, २, ६२; पराह० १, २; भग० ८, ६; पंचा०१, १४; —माणतुलकरण. न० (-मानतुलकरण) ખોટું માપ અને ખોટાં તોલા વાપરવા તે; ત્રીજા વ્રતનો એક અતિચાર. खोटा माप और खोटा तोल रखना; श्रावक क तीसरे व्रत का एक अतिचार. act of using false weights and measures; partial violation of the third vow. प्रव० २७७; —लेहकरण. न० (-लेखकरण) ખોટો લેખ લખવોતે; બીજા વ્રતનો પાંચમો અતિચાર. झूठा लेख लिखना; दूसरे व्रत का पांचवां अतिचार. fabrication of a false document; the 5th kind of partial violation of the 2nd vow. पंचा० १, १२; प्रव० २७६; —सक्खिज्ज. न० (-साक्ष्य) ખોટી સાક્ષી ભરવી. मिथ्या-झूठी साक्षी देना. act of giving false evidence; false evidence. पंचा० १, ११; —सरिणभ. त्रि० (-सन्निभ)

कूट समान; कूट जेवुं. शृंग के समान; चोटी के सदृश. resembling the top or summit. नाया० १३;

कूडग. त्रि० (कूटक) ખોટું. गलत; अशुद्ध. False; untruthful. पंचा० ३, ३४;

कूडया. स्त्री०(कूटता) तोलनुं ओछावत्तापणुं. तौल की न्यूनाधिकता--कमी बेशी. State of a weight being either above or below the standard. पराह०१,३;

कूडसामलि. पुं० (कूटशाल्मलिन्) कूटशाल्मली नामनुं वृक्ष के जेमां जंबु वृक्षनी माफक आठ जोजननी उंचाई छे अने जे गरुड जातना वेणुदेव नामे देवतानो आवास रूप छे. कूट शाल्मली नामका वृक्ष जिसकी जम्बु वृक्ष की तरह आठ योजन की उंचाइ है तथा जिसपर गरुड जाति के वेणु देव नाम के देवता का निवास स्थान है. Name of the tree which like the Jambu tree has a height of 8 Yojanas and which is the residence of the Veṇudeva deities belonging to the Garuḍa family. "दोकूड सामलीचेव" ठा० २, ३; सम० ८; —पेढ. पुं० (–पीठ) देवकुरु क्षेत्र नापश्चिमार्धने मध्यभागे आवेल कूटशाल्मली वृक्षनुं पीठ-ओटलो. देवकुरु क्षेत्र के पश्चिमार्द्ध के मध्य भाग में कूट शाल्मली वृक्ष की पीठिका ओटला the base of the tree called Kūṭa Śālmalī situated in the centre of the western half of the country called Devakuru Kṣetra. जं० प० ४, १००;

कूडागार. पुं० (कूटागार) शिखर बंध घर; शिखर उपरनुं देवालय. शिखर बंध घर; शिखर ऊपर का देवालय. A house or a temple situated on the summit of a mountain. आया० २, ३, ३, १२७; नाया० १३; निर० ३, १; ठा० २, ४; ४, १; (२) पर्वतमां कोतरेल घर. पर्वत में खोदाहुआ गृह. a house carved out of a rock. जं० प० २, २३; ६, १२५; —दिट्ठंत. पुं० न० (–दृष्टान्त) शिखरवाला घरनुं दृष्टांत. शिखर वाले घर का दृष्टांत. an illustration of a house built on a mountain summit. नाया० १३; —साला. स्त्री० (–शाला) शिखरने आकारे शाला–सभा–बेठक. शिखर के सदृश शाला–सभा–बैठक. a seat in the shape of a mountain summit. भग० ३, १; विवा० ६; सूय० २, २, ५५;

कूडाहच्च. न० (कूटाहत्य कूटे इव तथाविध पाषाणसम्पुटादौ कालाविलम्बाभावसाधर्म्यादाहत्या हननं यत्र तत्कूटाहत्यम्) एक घा मारवाथी पर्वतथी शिखर पडे तेम धड उपरथी माथु उतरी नीचे पडे तेने योग्य; एक घाये शिखरनी माफक नीचे पाडवा योग्य. जैसे एक चोटसे पर्वत पर से शिखर नीचे गिरपडताहै वैसेही धडसे सिर का नीचे गिरपडना; एक चोटसे शिखर की तरह नीचे गिराने योग्य. One whose head deserves to be severed from the body and set rolling down like a rock severed from the peak of a mountain. "तोणं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेमि" भग० १५, १; राय० २४७; भग० १५, ६, १५, १;

कूणिश्र–य. पुं० (कोणिक) श्रेणिक राजानी चेलणा राणीथी उत्पन्न थयेलो मोटो पुत्र कोणिक; चंपा नगरीना राजा. श्रेणिक राजा की चेलना रानी से उत्पन्न बड़ा पुत्र कोणिक राजा; चम्पानगरी का नरपति.

Name of a king of the town called Champā, son of king Śreṇika and queen Chelaṇā. ओव० ६; निर० १, १; नाया० ८; उवा० १, ८;

कूबर. पुं० (कूबर) मल्लिनाथजीना यक्षनुं नाम. मल्लिनाथजी के यक्ष का नाम. Name of the Yakṣa of Mallinātha. प्रव० ३७६;

कूम्मग. पुं० (कूर्मक) काछओ. कछुआ. A tortoise. नाया० ४;

कूर. पुं० (कूर) भात. चावल. Rice. उत्त० १२, ३४; (२) साथवो; खावानी एक वस्तु. सत्तु; खाने की एक वस्तु a kind of food prepared by baking corn and grinding it. सू० प० ११; पिं० नि० १६२; ठा० ३, ३; सम० १; (३) एक जातनी वनस्पति. एक जात की वनस्पति. a kind of vegetation. सूय० २, ३, १६;

कूर. त्रि० (क्रूर) क्रूर; भयंकर; निर्दय; घातकी. क्रूर; भयंकर; निर्दय; घातकी. Cruel; terrible. नाया० ८; आया० १, ४, २, १३२; उत्त० ५, ४; दसा० ६, ४; —ग्गह. पुं०, (-ग्रह) सूर्य, मंगल, शनि, अने राहु ए चार ग्रह ज्योतिःशास्त्र प्रमाणे क्रूर ग्रह कहेवाय छे. सूर्य; मंगल; शनि और राहु ये चारों ग्रह ज्योतिष शास्त्रानुसार क्रूर ग्रह कहे जाते हैं. any of the four planets viz. the Sun, Mars, Saturn and Rāhu regarded in scriptures as cruel. गणि० १६;

कूरत्ता. न० (क्रूरता) तोइकोडी नामे वनस्पतिनुं स्वरूप. लालकनेर नामक वृक्ष का स्वरूप. The shape of a certain kind of vegetation called Toi-Kodi. सूय० २, ३, १६;

कूरि. त्रि० (क्रूरिन्) क्रूर; निर्दय. क्रूर; निर्दय. Cruel; ruthless. पएह० १, ३;

कूल. न० (कूल) कांठो; किनारो. तट; किनारा. A bank; a shore. ओव० ३८; पिं० नि० ५०५; कंप० जीवा० ३, ४; नाया० १;

कूलधम. पुं० (कूलधम) नदीने कांठे उभा रही शंख धमी राम शब्द पोकारी जमे तेवा तापस; तापसनी एक जात. नदी के किनारे खड़े रह कर शंख बजा राम शब्द कह कर भोजन करे ऐसा तपस्वी; तपस्वी का एक जाति. A class of ascetics who take their food after blowing loudly a conch-shell, standing on the bank of a river निर० ३, ३;

कूलधमग. पुं० (कूलधमक) जुओ 'कूलधम' शब्द. देखो 'कूलधम' शब्द. Vide 'कूलधम' निर० ३, ३; भग० ११, ६;

√ **कूव.** धा० I. (कूज्) बुम पाडवी. राना; चिल्लाना. To shout; to bawl aloud.

कूवंत व० कृ० उत्त० १६, ५४;

कूवमाण. व० कृ० विवा० ७; नाया० १८;

कूव. न० (*) चोराइ गयेली वस्तुने पाछी वाळवा वारे चडवुं ते. चुराई गई वस्तु को फिर प्राप्त करने के लिये उतारु होना. Act of helping a man in rescuing his stolen property. "जगणं अहं अमर कंका रायहाणी दोवतीए कूवं गच्छामि" नाया० १६;

कूव. पुं० (कूप) कुवो. कुआ. A well. नाया० २; ८; जीवा० ३, ३; पंचा० ६, ४२;

---

* जुओ पृष्ट नम्बर १५नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

—णाअ. न० (-ज्ञात) કુવાનું ઉદાહરણ-દૃષ્ટાંત. कूए का दृष्टांत-उदाहरण. an illustration of a well, e. g. in a story. पंचा० ४, १०; —दद्दुर. पुं० (-दर्दुर) કુવાનો દેડકો. कूए का मेंडक. a frog in the well. नाया० ८; —मह. पुं० (-मह) કૂવાનો મહોત્સવ. कूए का महोत्सव. a festival connected with a well. भग० ६, ३३;

कूवय. पुं० (कपक) કૂવા થંભ; વહાણ કે મચ્છવાની વચ્ચેનો થાંભલો. जहाज या नाव के मध्य का खंभा. The main-mast of a ship. ओव० २१;

कूविय. पुं० (*) ચોરાઇ ગયેલી વસ્તુની વારે ચડનાર. चुराई हुई वस्तु को लाने के लिये उद्यत होने वाला. One who helps another in rescuing stolen property. नंदु० पिं० नि० ११६; —बल. न० (-बल) વારે ચડેલ લશ્કર. युद्ध पर गया हुआ सैन्य. an auxiliary army coming as a re-inforcement. " सुबहुस्स विकूविय बलस्स आगयस्सदुपमंसया विहोत्था " नाया० १८;

कूहणत्ता. स्त्री० (कूहणत्व) કુહણ વનસ્પતિપણું. कुहन वनस्पतिपना. State of being the vegetation called Kuhaṇa. सूय० २, ३, १६.

केअण. न० (केतन) વાંકી વસ્તુ; ધનુષ્યની કમાન વગેરે. टेढी वस्तु; धनुष्य की कमान वगैरह. Anything curved in shape i. e. a bow etc. ठा० ४, २;

केइ. अ० (कश्चित्) કોઈ એક. कोई एक. Some one. " केइ राया रायपुत्ता " विवा० २; दसा० ६, ४; ७, १; भग० २, १; २, ५; ३, ३; ६, १; ८, १; १३, ७; १८, १; नाया० १; २; ८; १२; १४; १७; दस० ५, १, ६५; क० गं० ३, १३; सम० ३०; पन्न० १; पिं० नि० १७२; नाया० १६; दसा० ३, १२; १३; सु० च० १५, ६७; सूय० १, १, ४, ८; वव० १०, १; वेय० १, ३७; पन्न० ३५; भग० ८, १; दस० ३, १४;

केउ. पुं० (केतु) કેતુ નામનો ગ્રહ. केतु नाम का ग्रह. A planet so named. ओव० २५; सू० प० २०; राय० २०८; (२) ધ્વજા. ध्वजा. a flag. (३) ચિન્હ; નિશાન. चिन्ह; निशान. a sign; a signal. कप्प० ३, ५२; राय० १२३; जीवा० ३, ४; ओव० नाया० १;

केउअ-य. पुं० (केतुक) લવણ સમુદ્રની મધ્યમાં દક્ષિણ દિશામાં રહેલ કેતુક નામનો મહાપાતાલ કળશો. लवण समुद्र के मध्य में दक्षिण दिशा की ओर केतुक नाम का महापाताल कलशा. The Mahāpātāla pot named Ketuka situated in the middle of Lavaṇa ocean in the south. ठा० ४, २; जीवा० ३, ४;

केउं. सं० कृ० अ० (क्रीत्वा) વેચાતી લઈને. खरीद कर; मोल लेकर. Having bought. विशे० १४३५;

केउग. पुं० (केतुक) કેતુક નામનો લવણ સમુદ્રમાંનો દક્ષિણ તરફનો પાતાલકલશો. लवण समुद्र के दक्षिण की ओर का केतुक नामका पाताल कलशा. The Pātāla pot Ketuka situated in the south of Lavaṇa ocean. सम० ५२;

केउभूअ-य. न० (केतुभूत) સિદ્ધ સેણિઆ

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

અને મણુસ્સ સેણિઆ પરિકર્મનો પાંચમો ભેદ અને પુટ્ઠ સેણિઆદિ પાંચ પરિકર્મનો સાતમો ભેદ. सिद्धश्रेणी और मनुष्य परिकर्म का पांचवां भेद और पुष्ठ श्रेणि आदि पांच परिकर्मों का सातवां भेद. The fifth division of Siddha Seṇiā and Maṇussa Seṇiā and the 7th division of the five Parikarmas viz. Puṭṭha Seṇia etc. नंदी० ५६; सम० १२;

केउमई. स्त्री० (केतुमती) કિન્નર દેવતાના ઇંદ્ર કિન્નરની બીજી પટરાણી. किन्नर देवताओं के इंद्र किन्नर की द्वितीय पट्टरानी. The second crowned queen of Kinnara, the Indra of Kinnara gods. भग० १०,५; ठा० ४,१; नाया० ध० ५;

केऊर. पुं० (केयूर) બાજુ બંધ; એક આભરણ. बाजूबंध; एक आभूषण. An ornament worn on the arm. भग० ६, ३३; नाया० १; राय० ३७; १८६; निसी० ७, ८; कप्प० २, १४; जं० प० ५, ११५;

केकई. स्त्री० (कैकयी केकयानां राजा कैकयः तस्येयं:) કૈકેયી-આઠમા વાસુદેવની માતા. कैकेयी- आठवें वासुदेव की माता. Name of the mother of the 8th Vāsudeva. सम० प० २३५; (२) પશ્ચિમ મહાવિદેહની સલિલાવતી વિજયની વીતસોકા નગરીનું બીજું નામ. पश्चिम महाविदेह सलिलावती विजयकी वीतशोका नगरी का दूसरा नाम. the other name of the city Vītaśokā of Salilāvatī Vijaya in the western Mahāvideha. सम०

केकय. पुं० (केकय) કેકય નામનો એક દેશ. केकय नाम का एक देश. A country of this name. (२) त्रि. તે દેશના રહેવાસી. उस देश का निवासी. a resident of that country. पन्न० १; पराह० १, १; राय० २०४;

केकयद्ध. पुं० (केकयार्द्ध) કેકય દેશનો અર્દ્ધભાગ; પરદેશી રાજાનો દેશ. केकय देश का अर्द्धभाग; परदेशी राजा का देश. The half of the Kekaya country; the dominion of the king named Pardeśī. राय० २०५;

केकाइय. न० (केकायित) મોરનો શબ્દ. मयूर का शब्द. The cry of a peacock. नाया० ३;

केकारव. पुं० (केकारव) મોરનો શબ્દ. मयूर का शब्द. The cry of a peacock. नाया० १;

केक्कय पुं० (केकय) કેક્ય નામનો અનાર્ય દેશ. कैकय नाम का अनार्य देश. Name of an uncivilised country. प्रव० १५६८;

केक्कारव. पुं० (केकारव) જુઓ "केकारव" શબ્દ. देखो "केकारव" शब्द. Vide "केकारव" नाया० ३;

केणइ. अ० (केनचित्) કોઇ એ પણ. किसी ने भी. By any body; by some body or other. दस० ४, १, ४३; जं० प० नाया० २; ८; १६; भग० १५, १;

केतई. स्त्री० (केतकी) કેતકી. केतकी. A flowering plant so named. भग० १५,६;--**पुड.** पुं० (-पुट) કેતકીનો પડો. केतकी का पुड़ा. a packet of Ketaki. भग० १५, ६;

केतु. पुं० (केतु) ૮૮મા ગ્રહનું નામ. ८८वें ग्रह का नाम. Name of 88th constellation. सू० प० २०;

केतुमई. स्त्री० (केतुमती) કિન્નરની બીજી રાણીનું નામ. किन्नर की दूसरी रानी का नाम. Name of the second queen of

Kinnara. भग० १०, ५;

केदार. न०(केदार) ક્યારો. क्यारी. A basin of water etc. purposely made in a field or a garden. नाया० ७;

केमहालश्र. त्रि० (कियन्महत्) કેટલું મ્હોટું. कितना मोटा. How much big. जं० प० ७, १३४;

केय. न० (केतन कित निवासे-किस्यते उष्यतेऽस्मिन्निति) ગૃહ; ઘર. गृह; घर. A house. "केयं गिहंति सहसेया" प्रव०१६६;

केयइश्रद्ध. न० (केकयार्द्ध) કેકય દેશનો અર્ધો ભાગ. केकय देश का अर्द्धभाग–आधा हिस्सा. The half of the country Kekaya. " सयावयाय नयरी, केयइश्रद्धं चश्रारियं भणियं " पन्न० १;

केयई. स्त्री० (केतकी) કેતકીનું ઝાડ. केतकी का झाड. The Ketakī plant. राय० पन्न०१;जीवा०३;४; भग० ८,२; —पुड. पुं० (-पुट) કેતકીનો પડો. केतकीका गड्डा–बंडल. a packet of Ketakī. नाया० १७;

केयकंदली. स्त्री० (केतकंदली) એક જાતનો કંદ. एक जाति का कंद. A kind of bulbous root. उत्त० ३६, ६७;

केयण. न० (केतन) ધનુષ્યની કમાન. धनुष्य का कमान. The wooden bow उत्त० ६, २१; (२) મત્સ્ય બંધન; જાલ. मत्स्य बंधन; जाल-फांस. a net; a snare. सूय०१,३,१, १३; (३) બે પ્રકારનું કેતનઃ-१-દ્રવ્ય કેતન–ચાલિની અથવા સમુદ્ર, २-ભાવ કેતન–લોભેચ્છા. दो प्रकार का केतन. १-द्रव्य केतन-चालिनी अथवा समुद्र, २-भाव केतन-लोभेच्छा. a Ketana of two sorts viz. one like that of a sieve or a ocean and the other like that of a greed. आया० १, ३, २, ११३;

केयति. पुं० (केतकी) કેવડાનું વૃક્ષ. केवडे का झाड. A Kevadā tree. भग०२ २, १;

केयव्व. त्रि० (क्रेतव्य) લેવું; ખરીદવું. लेना; खरीदना. Purchasing; buying. उत्त० ३५, १५;

केयाघडिया. स्त्री० (*) દોરીને છેડે બાંધેલ ઘડી. रस्सी से बांधी हुई घड़ी. A clock fastened to the end of a string. भग० १३, ८;

केयार. पुं० (केदार) અનાજના ક્યારા. अनाज का क्यारा. Plots of corn. नाया० ७;

केयावंती. अ० (केवन) કેટલા એક. कितने एक. A certain number. आया० १, ४, २, १३३;

केयूर. पुं० (केयूर) બાજુબંધ. बाजूबंध. An ornament worn on the arm. श्रोव० १२; जीवा० ३, ३; प्रव० १५८६;

केरिस. त्रि० (कीदृश) કેવું; કેવા પ્રકારનું; કેનાજેવું. कैसा; किस तरह का; किस सरीखा. Of what sort or nature. उत्त २३, ११; पन्न०१७ विशे०३२६; भग० १,१;२,५; ३, १; संत्था०३१; जीवा०३, ३; " अणुभावे केरिसे वुत्ते " सू० प० १; जं० प० १, २१;

केरिसश्र-य. त्रि० (कीदृशक) કેવું ? કેવા પ્રકારનું ? कैसा? किसतरह का? Of what sort or nature. नाया० ८; जं० प० निर० १, १; भग० ६, ५; ७; ७, ६; १२, ६; १३, ४; १५, १; १६, ३;

केलास. पुं० (केलास) અંતગડ સૂત્રના છઠ્ઠા વર્ગના સાતમા અધ્યયનનું નામ. अतगड

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

सूत्र के छटे वर्ग के सातवें अध्ययन का नाम. Name of the 7th chapter of the 6th section of Antagaḍa Sūtra. अंत० ६, ७; (२) साकेतन नगर निवासी એક ગાથાપતિ કે જેણે મહાવીર સ્વામી સમીપે દીક્ષા લઇ બાર વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી વિપુલ પર્વત ઉપર સંથારો કરી સિદ્ધિ મેળવી. साकेतन नगर के निवासि एक गाथापति. कि जिसने महावीर स्वामी के पास दीक्षा लेकर बारह वर्ष तक संयम पाल विपुल पर्वत पर संथारा कर मोक्ष प्राप्त किया. a merchant of Sāketana city who took Dīkṣā from Mahāvīra Swāmī, observed it for 12 years and performing Santhārā on the Vipula mount, attained salvation. अंत० ६, ७; (३) રાહુના નવમા પ્રકારના પુદ્ગલનું નામ. राहु के नवें प्रकार के पुद्गल का नाम. name of the 9th variety of the molecule of Rāhu. सू० प० २०;

केलास. पुं० (कैलास) કૈલાસ નામનો પર્વત; મેરૂ પર્વત. कैलास नामका पर्वत; मेरु पर्वत. Name of a mountain; the mount Meru. (२) કુબેરના તાબાનો પર્વત. कुबेर के अधीन पर्वत. the mountain belonging to Kubera. जं प० (३) લવણ સમુદ્રમાં પશ્ચિમ દિશાએ ૪૨૦૦૦ જોજન ઉપર આવેલ અણુવેલંધર દેવોનો નિવાસ પર્વત. लवण समुद्र में पश्चिम दिशा की ओर ४२००० योजन दूर अनुवेलंधर देवता का निवास स्थान पर्वत. the mountain abode of Anuvelandhara gods situated at a distance of 42000 Yojanas in the west, in Lavaṇa ocean. ठा० ४, २;

केलि. स्त्री० (केलि) ક્રીડા; ખેલ; રમત. क्रीड़ा; चेष्टा; रमत; खेल. Play; recreation. ओव० २८; पन्न० २; प्रव० ४३६;

केली. स्त्री० (कदली) કેળાનું વૃક્ષ; કેળ. केले का वृक्ष; केला. A plantain tree. भत्त० १४४;

केवइअ य. त्रि० (कियत्) કેટલું; કેટલા પ્રમાણનું कितना ? कितने प्रमाण का ? How much. ओव० ३८; पन्न० ४; ओघ० नि० १२३; सू० प० १; ठा० ३, १; अणुजो० १४०; नाया० १३; भग० १, १; २, ५; ३, १; ४; ५, २; ८; ६, ५; ८; ८, १; २; ८, १०; ११, १; १२, ४; १४, ७; ८; १६, १; १६, ३; ६; ७; २४, १; १२; २५, ६; ४१, १; नाया० ध० जं प० २, २५; ७, १३६; ७, १४६; ६, १२५; ७, १३२; १, १६; ७, १३१;

केवचिरं. अ० (कियच्चिरं) કેટલો લાંબો વખત; ક્યાં સુધી ? कितना लम्बा समय; कबतक ? How long; how far. जीवा० १; राय० १४६; भग० २, ५; ३, ३; ८, २; ६; २५, ६; जं० प० ७, १७५;

केवच्चिरं अ० (कियच्चिरं) કેટલો વખત. कितना समय How much time. अणुजो० ८१; भग० २५, ४; पन्न० १८;

केवच्चिरेण. अ० (कियच्चिरेण) કેટલે વખતે. कितने समय में. In how much time. अंत० ६, १५; भग० २, १;

केवतिय. त्रि० (कियत्) જુઓ " केवइअ " શબ્દ. देखो " केवइअ " शब्द. Vide " केवइअ " सू० प० १; १६; जीवा० १; भग० १, १०; ११, १;

केवल. न० (केवल) સંપૂર્ણ; પરિપૂર્ણ. संपूर्ण; परिपूर्ण. Full; complete. दसा० ६, २; भग० १, ४; १ ८; ४, ५; ७, ८; ६, ३१; १०, ५; १५, १; १८, ३; पिं० नि० २११; नाया० ५; १६; उत्त० ३३. ४;

(२) એકલું જ્ઞાન; કેવળ જ્ઞાન. अकेला ज्ञान; केवल ज्ञान. perfect knowledge. नाया० ८; पन्न० १; २०; ३६; विशे० ८८; ४१८; पिं० नि० ६०; भग० १६, ६; क० गं० १, ४; ८; १०; ४, १४; जं० प० ७, १६०; (३) કેવલ દર્શન. केवल दर्शन. Kevala Darśana; perfect understanding. क० गं० ४, ४५; —आलोअ. पुं० (-आलोक) કેવલ જ્ઞાન; પરિપૂર્ણ જ્ઞાન. केवल ज्ञान; परिपूर्ण ज्ञान; ब्रह्मज्ञान. perfect knowledge. पिं० नि० ४७६; —जुअल. न० (-युगल) કેવલ યુગલ; કેવલ જ્ઞાન તથા કેવલ દર્શન. केवल द्वय; केवल ज्ञान और केवल दर्शन. a pair of Kevala Jñāna and Kevala Darśana. क० गं० ४, ६८; —दुग. न० (-द्विक) કેવલ જ્ઞાન તથા કેવલ દર્શન. केवल ज्ञान तथा केवल दर्शन. perfect knowledge and perfect vision. क० गं० ३, १६; ४, ८; २०; —दुगूण. त्रि० (-द्विकोन) કેવલ દ્વિક રહિત. केवल द्विक—केवल ज्ञान और केवल दर्शनसे रहित. devoid of a pair of Kevala. क० गं० ४, ३४; —पज्जिाय-य. न० (-पर्याय) કેવલજ્ઞાનના પર્યાય. केवल ज्ञान की पर्याय. molecules of Kevala Jñāna. दसा० १०, ११; भग० १५, १; —मरण. न० (-मरण) કેવળજ્ઞાન સહિત મરણ. केवल ज्ञान सहित मृत्यु. death accompanied with Kevala Jñāna. (२) કેવલ-અદ્વિતીય મરણ; પંડિત મરણ. अनोखी मृत्यु; पंडित मरण. good death; death in a proper way. दसा० ५, २६; २७; —वरणाणदंसण. न० (-वरज्ञान दर्शन—केवलमभिधानतो वरं ज्ञानान्तरापेक्षया प्रधानं ज्ञानं च दर्शनं च ज्ञानदर्शन) પ્રધાન કેવળજ્ઞાન અને કેવલદર્શન. प्रधान केवलज्ञान और केवलदर्शन. the chief Kevala Jñāna and Kevala Darśana. नाया० ५; ८; १४; भग० ६, ३१; २५, १; —सिरी. स्त्री० (-श्री) કેવલજ્ઞાનરૂપ લક્ષ્મી. केवल ज्ञान रूप सम्पत्ति. wealth in the form of Kevala Jñāna. चउ० १४;

केवलकप्प. त्रि० (केवल कल्प—केवलः संपूर्णः कल्पते इति कल्पः स्वकार्यकरणसमर्थो वस्तुरूप इति यावत् केवलश्चासौ कल्पश्चेति केवलकल्पः अथवा केवलज्ञानसदृश परिपूर्णतासाधर्म्यात् सम्पूर्णः पर्यायो वा केवल कल्प शब्दः) સંપૂર્ણ; કેવલ જ્ઞાનની માફક પરિપૂર્ણ. संपूर्ण केवल ज्ञान की तरह परिपूर्ण. Complete; perfect as Kevala Jñāna. दसा० ४, २४; २५; नाया० ५० ठा० ३, ४; भग० ३, १; ६, ५; नाया० १३; जं० प० ओव० ४२; कप्प० ७, १४;

केवलणाण. न० (केवलज्ञान) કેવલજ્ઞાન; સંપૂર્ણ—પરિપૂર્ણ જ્ઞાન; લોકના સર્વભાવને પ્રત્યક્ષ જાણનાર જ્ઞાન; જ્ઞાનનો પાંચમો પ્રકાર. केवलज्ञान; सम्पूर्ण— ब्रह्म ज्ञान; लोक के समस्त भावों को प्रत्यक्ष जानने वाला ज्ञान; ज्ञान का पांचवां भेद. Perfect knowledge; omniscience; knowledge which reveals every thing; the fifth variety of knowledge. ओव० दसा० ४, २४, २५; भग० ६, ४; ८, २; नाया० १; —आवरण. न० (-आवरण) કેવલજ્ઞાનનું આવરણ-આચ્છાદન; જ્ઞાનાવરણીય કર્મની એક પ્રકૃતિ. केवलज्ञान का आच्छादन—आवरण; ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति. obstruction to

Kevala-Jñāna; a variety of Jñānāvāraṇīya Karma. सम॰१७; —आवरणिज्ज. न॰ (-आवरणीय) કેવલ-જ્ઞાનને દબાવનાર કર્મ. केवल ज्ञान को दबाने वाला कर्म; ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति. a Karma which obscures Kevala-Jñāna. भग॰ ६, ३१; —पज्जव. पुं॰ (-पर्यव) કેવલ જ્ઞાનના પર્યાય. केवल ज्ञान की पर्याय. divisions of Kevala Jñāna. भग॰ २५, ४; —विणय. पुं॰ (-विनय) કેવલ જ્ઞાનનો વિનય. केवल ज्ञान का विनय. modesty in relation to Kevala-Jñāna. भग॰ २५, ७;

केवलणाणि. पुं॰ (केवलज्ञानिन्) કેવલજ્ઞાની; કેવલી તીર્થંકર અને સિદ્ધ ભગવાન. केवलज्ञानी; केवली तीर्थंकर और सिद्ध भगवान. An omniscient being; Kevali Tīrthaṅkara and Siddha. भग॰८, २; १८, १; २६, १: नाया॰ ८:

केवलदंसण. न॰(केवलदर्शन—केवलेन संपूर्णवस्तुतत्त्वग्राहकबोधविशेषरूपेण यद्दर्शनं सामान्यांशग्रहणं तत्केवलदर्शनम्) કેવલ દર્શન; સંપૂર્ણ દર્શન. केवल दर्शन; सम्पूर्ण दर्शन. Kevala Darśana; perfect vision. दसा॰ ५, २४:२५; भग॰ २, १०; ८, २; जीवा॰ १; कप्प॰ १, १: —आवरण. न॰ (-आवरण—केवलमुक्तस्वरूपं तच्चदर्शनं च, तस्यावरणं केवलदर्शनावरणम) દર્શનાવરણીય કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ કેવલદર્શન ન પામે. दर्शनावरणीय कर्म की एक प्रकृति; जिसके उदय से जीव को केवलदर्शन उत्पन्न नहीं होता. a variety of Darśanāvaraṇīya Karma by the rise of which a soul does not acquire Kevala Darśana. ठा॰ ६, १: सम॰ १७; पन्न॰ २३; उत्त॰ ३३, ६;

केवलदंसणि. पुं॰ (केवलदर्शनिन्) કેવલ દર્શની જીવ. केवल दर्शन वाली आत्मा. A soul possessed of Kevala Darśana. भग॰ ६, ३; ठा॰ ४, ४:

केवलनाण. न॰ (केवलज्ञान) જુઓ " केवलणाण " શબ્દ. देखो " केवलणाण " शब्द. Vide " केवलणाण " भग॰ २, १०; ८, २; नंदी॰ १; अणुजो॰ १; विशे॰७६; दसा॰ ७, १२; कप्प॰ १, १: प्रव॰ ७०५: —आवरणिज्ज. पुं॰ (-आवरणीय) જુઓ " केवलणाण आवरणिज्ज " શબ્દ. देखो " केवलणाण आवरणिज्ज " शब्द. vide " केवलणाण आवरणिज्ज " भग॰ ६, ३१: —पज्जव. पुं॰ (-पर्यव) કેવલ જ્ઞાનના અનંત પર્યવ. केवल ज्ञान के अनंत पर्यव. infinite atoms of Kevala Jñāna. भग॰ ८,२;—लद्धि. स्त्री॰ (-लब्धि) કેવલજ્ઞાનની પ્રાપ્તિ. केवलज्ञान का प्राप्त होना. acquirement of Kevala Jñāna. भग॰ ८, २; —लद्धिया. स्त्री॰ (-लब्धिका) કેવલજ્ઞાનની પ્રાપ્તિ. केवल ज्ञान की प्राप्ति. attainment of Kevala Jñāna. भग॰ ८, २;

केवलनाणि. पुं॰ (केवलज्ञानिन्) જુઓ " केवलणाणी " શબ્દ. देखो "केवलणाणी" शब्द. Vide " केवलणाणी " भग॰ ६, ३; ८, २; ८, ६: कप्प॰ ६, १८१: (२) અતીત ઉત્સર્પિણી કાલમાં થયેલ પહેલા તીર્થંકર. अतीत उत्सर्पिणी काल में उत्पन्न हुए प्रथम तीर्थंकर. the first Tīrthaṅkara of the past Utsarpiṇī time. प्रव॰ २६०;

केवलि. पुं॰ (केवलिन्) કેવલજ્ઞાન ધરનાર: કેવલજ્ઞાની; કેવલી તીર્થંકર અને સિદ્ધ ભગવાન્. केवलज्ञान रखनेवाले; केवल ज्ञानी;

केवली; तीर्थंकर और सिद्ध भगवान. One possessed of perfect knowledge; an omniscient being; Kevalī, Tīrthaṅkara and the Siddha. भग० १,४;२,१;५,४;७,७;६, ३१; १४, १०; १८, ७; २४, १; २५, ६; ७; दस० ४, २२; पराह० २, १; विं० नि० १४८; नाया० ८; १४; अणुजो० १२७; पन्न० २०; ३; ओव० १०; उवा० ७, १८७; क० गं० १, ४७; ४, ४४; ६, ४; भत्त० १४६; आव० २, १; क०प० २, ४५; प्रव०६; ६६५; (२) કેવલસમુદ્ઘાત--સાત સમુદ્ઘાતમાંની સાતમી જેમાં બે પ્રકારના વેદનીય કર્મની બે પ્રકારના નામકર્મની અને બે પ્રકારના ગોત્ર કર્મની નિર્જરા થાય છે. केवल समुद्घात-सात समुद्घातों में से सातवां, जिसमे दो प्रकार के वेदनीय, दो प्रकार के नाम और दो प्रकार के गोत्र कर्मो की निर्जरा होती है. one of the 7 Samudghātas: Kevala Samudghata; which involves the process of the destruction of 2 sorts of Vedanīya, 2 sorts of Nāma Karma and 2 sorts of Gotra Karmas in a very short time. पन्न० ३६; —**आराहणा**. स्त्री० (—**आराधना**) અવધિજ્ઞાની, મનપર્યવજ્ઞાની અને કેવલજ્ઞાનીની આરાધના. अवधिज्ञानी, मनपर्यवज्ञानी और केवलज्ञानी की आराधना. devotion or services to the soul possessed of Avadhi Jñāna, Manaparyava Jñāna and Kevala Jñāna. ठा० २, ४; —**उवासग**. पुं० (—**उपासक** केवलिनमुपास्ते यः श्रवणानाकांक्षितदुपासनामात्रपरः सक्सो केवल्युपासकः) કેવલીની ઉપાસના કરનાર વ્રતધારી શ્રાવક. केवली की उपासना करनेवाला व्रतधारी श्रावक. a householder who has taken the vows of a layman and who renders devotion to a Kevalī. भग० ५, ४; ६, ३१; —**उवासिया**. स्त्री० (—**उपासिका**) કેવલીની ઉપાસના કરનારી શ્રાવિકા. केवली की उपासना करने वाली श्राविका. a female Jaina householder who worships a Kevalī. भग० ६, ३१; —**पराणत्त**. त्रि० (—**प्रज्ञप्त**) કેવળી ભગવાનનું પ્રરૂપેલું. केवली भगवान द्वारा कथित. prescribed, extolled by the omniscient. राय० २३५; दसा० ७, १२; भग० ६, ३१; आव० ४, १; —**परियाग**. पुं० (—**पर्यायक**) કેવલજ્ઞાનીની કેવલી તરીકેની અવસ્થા. केवलज्ञानी की केवलीपनेकी हालत. the Kevalihood of one possessed of Kevala Jñāna. नाया० ८; १४; अंत० ५, १. —**मरण**. न० (—**मरण**) કેવળીપણે મરણ થાય તે. केवल ज्ञान होते हुए मृत्यु होना. death in the stage of Kevala Jñāna. भग० २, ७; सम० १७; —**समुग्धाअ-य**. पुं० (**समुद्घात**—केवलिन्यन्तर्मुहूर्तभाविपरमपदेभवः समुद्घातः केवलिसमुद्घातः) કેવલી ભગવાનને કરેલ સમુદ્ઘાત; કેવલસમુદ્ઘાત-આઠ સમયમાં થતી એક પ્રકારની આત્મ પ્રદેશને વિસ્તારી કર્મને ખંખેરવાની કેવલિની ક્રિયા. केवली भगवान द्वारा की हुई समुद्घात; केवल समुद्घात—आठ समय में होने वाली एक प्रकार की आत्मप्रदेश को फैला कर कर्म नष्ट करने वाली केवली की क्रिया. the Samudghāta performed by a Kevalī; Kevala Samudghāta, i. e. the activity performed by a Kevalī

in eight Samayas (instants) by expanding the molecules of the soul to destroy the Karmas. भग० २, २; ८, ६; २५, ६; सम० ७; —सावग. पुं० (-श्रावक) કેવલિભગવાનનો શ્રાવક-વચનસાંભળનાર. केवली भगवान का श्रावक-वचन सुनने वाला. an adherent of an omniscient being. भग० ६, ३१; —साविया. स्त्री० (-श्राविका) કેવલિભગવાનની શ્રાવિકા. केवली भगवान की श्राविका. a female adherent of an omniscient being भग० ६, ३१;

केवलित्त. न० (केवलित्व) કેવલજ્ઞાનીપણું. केवलज्ञानीपना. The state of being an omniscient being. प्रव० १५२१;

केवलिय. न० (कैवल्य-केवलस्य भावः कैवल्यम्) કેવલ સ્વરૂપ; ઘાતિકર્મનો વિયોગ. केवल स्वरूप; घाति कर्म का नाश. The perfected stage; absence of Ghāti Karmas. विशे० ११८०;२६८१;

केवलिय. त्रि० (कैवलिक) કેવલજ્ઞાની સંબંધી. केवल ज्ञानी सम्बन्धी. Relating to an omniscient being. "तं सोयकारी पुढो पवेसे। संखा इमं केवलीयं समाहिं" सूय० १, १४, १६; ठा० ४, २; नाया० १;

केस. पुं० (क्लेश) ક્લેશ; દુઃખ. क्लेश; दुःख. Misery; affliction; pain; trouble. विशे० १६२१; उत्त० ५, ७;

केस पुं० (केश) વાળ; કેશ. बाल; केश. Hair. ओव० १०; जीवा० ३, ३; नाया० १; ८; भग० १, ७; ६; ३, २; ४; ७, ६; ६, ३३; पन्न० २; उत्त० १०, २१; आया० २, ८, १६३, सम० ३४; राय० सय० २, १, ४२; उवा० १, ५१; कप्प० ६, ५७; प्रव० ४११; ४३६; —अलंकार. पुं० (-अलङ्कार—केशाएवालङ्काराः केशालङ्काराः) વાળ ઓળવા; પટીયા પાડવા અને તેલ ફુલેલ ઘાલવું તે. बाल ओंछना; मांग पाडना और तेल फुलेल लगाना. combing of hair. ठा० ४, ४; भग० ६, ३३; —ग्ग. न० (-अग्र) કેશનો અગ્રભાગ. बाल का अग्रभाग. the tip, point of a hair. भग० ३, २; —भूमि. स्त्री० (-भूमि) કેશની ભૂમિ, માથાની ચામડી. बाल की चमडी; सिर का चर्म. the skin of the head. ओव० १०; राय० १६४; —मंसु. पुं० (-श्मश्रु) માથાપરના કેશ અને દાઢી મુચ્છ. सिर के बाल और डाढी मूच्छ. the hair of the head, moustache and beard. प्रव० १३६४; —रोमनह. न० (-रोमनख) માથાના કેશ, શરીર રુવાં અને નખ. सिर के बाल; शरीर के रोम और नाखून. the hair of the head, furs and nails. प्रव० ५५४; —लोअ. पुं० (-लोच) કેશનો લોચ કરવો; મસ્તક તથા દાઢીના વાળ હાથેથી ખેંચી-ખુંટી કઢાડવા તે. केश का लुंचन करना; मस्तक तथा डाढी के बाल हाथ से खींचकर उखाडना. rooting out of hair; pulling out of hair of the head, beard etc. with the hand. भग० १, ६; उत्त० १६, ३३; "संतत्ता केस लोएणं, बंभचेरपराइया" सूय० १, ३, १३; निर० ५, १; —वहार. पुं० (-अपहार) કેશ-વાલાઅનું અપહરવું કહાર કાઢવું તે. केश-बाल आदिका परित्याग-बाहर निकाल देना. rooting out of very small hair. क० गं० ५, ८५; —वाणिज्ज. न० (-वाणिज्य) કેશવાળા જીવોનો વ્યાપાર; પંદર કર્માદાનમાંનો એક. केश वाले जीवों का व्यापार; पन्द्रह कर्मा-

दानों में से एक. dealing in the animals having fur; one of the fifteen Karmādānas. भग० ८, ५; —हत्थ. पुं० (–हस्त) કેશના હાથ–વેણી; અમ્બોડો. बाल का हाथ–वेणी; बाल का गूंथना. a braid of hair. नाया० १; कप्प० ३, ३९;

केसंत. पुं० (केशान्त) કેશનો પર્યંત ભાગ; માથાની ચામડી. केश के नीचे का भाग; सिर की चमड़ी. The root of the hair; the skin from which the hair comes out. राय० १६४; जीवा०३; तंडु०

केसर. पुं० न० (केशर) ફૂલનો કેશર; પદ્મ વગેરે ફૂલમાં થતું કેશના આકારે તંતુ. फूल का पराग–केशर; पद्मादि फूलों में उत्पन्न होने वाले केश सरीखे तंतु. The pollen or farina of a flower. पन्न० १; नाया० ८; नंदी ७; जीवा० ३, १; राय० १३३; (२) કમ્પિલપુરની બહારના એક ઉદ્યાન-બગીચાનું નામ. कंपिलपुर के बहार के एक बगीचे का नाम. name of a garden outside the city of Kampilapura. "अह केसरम्मि उज्जाणे अणगारे तवोधणे" उत्त० १८, ३; (३) વૃક્ષની એક જાત; બકુલ-નું ઝાડ. वृक्ष की एक जाति; बकुल का झाड. a kind of tree राय० ५१; (४) સિંહના કેશ. सिंह के केश. the mane of a lion. भग० ११, ११; कप्प० ३, ३५; —आडोव. पुं० (–आटोप) સિંહના કેશ-રાનો વિસ્તાર. सिंह के केशों का फैलाव. the expanse of the mane of a lion. भग० ११, ११; कप्प० ३, ३५; —उववेय. पुं० (–उपपेत) કમલ કેશરથી યુક્ત. कमल केशर सहित full of pollen or farina of a lotus. नाया० १३;

केसरि. पुं० (केसरिन्) કેસરી સિંહ. केशरी सिंह. A lion of high breed. अणुजो० १३१; पण्ह० १,४; (२) કેસરી રંગનું કપડું. केशरी रंग का कपडा. a cloth of saffron colour. नाया० ५; (३) કેસરિ નામનો દ્રહ; નિલવંત પર્વત ઉપરનો એક દ્રહ. केसरी नाम का द्रह; नीलवंत पर्वत ऊपरका एक द्रह. a lake of this name; a lake situated on the Nilavanta mount. जीवा० ३, ४; ठा० २, ३; (४) કેસરી–આવતી ચોવીસીના ચોથા પ્રતિવાસુદેવ. केसरी–आगामीकाल की चौबीसी के चौथे प्रति वासुदेव. Kesari, the fourth Prati Vāsudeva of the coming cycle. सम० प० २४२; —दह. पुं० (–द्रह) જેમાંથી સીતાનદી નીકળે છે તે નીલવંત પર્વત ઉપરનો એક દ્રહ. नीलवंत पर्वत के ऊपर का एक द्रह जिस में से सीता नदी निकलती है. the lake on the mount Nilavanta from which the river Sita rises ठा० ३, ४; सम० ४०००; जं० प० ४, ११०;

केसरिया. स्त्री० (केशरिका) જમીન હાથ પગ સાફ કરવાને સંન્યાસીને રાખવાનો લુગડાંનો કકડો; લાકડીએ બાંધેલ રૂમાલ. भूमि या हाथ पांव साफ करने के लिये संन्यासी के पास रखने का एक वस्त्र का टुकड़ा; लकड़ी पर बांधा हुआ रुमाल. A piece of cloth possessed by an ascetic to brush or cleanse the ground, hands and feet. भग० ३, २; ओव० ३८; (२) પાત્રા પુંજવાનું સાધન; પૂંજણી. पात्रादि पूंजने का साधन; पूंजणी. a small brush of threads used by an ascetic to cleanse the wooden

utensils. भग० २, १; पराह० २, ५; श्रोघ० नि० ६६६;

केसव. पुं० (केशव) કૃષ્ણવાસુદેવનું નામ. कृष्णवासुदेव का नाम. The name of the Krispa Vāsudeva. उत्त० २२, २; नाया० १६; जीवा० ३, २; पराह० १,४;

केसवुट्ठि. स्त्री० (केशवृष्टि) કેશ-વાળની વૃષ્ટિ કરી બતાવવાની વિદ્યા. केश-वालों की वृष्टि दिखलाने वाली विद्या. The lore of making a shower of hair fall. सूय० २, २, २७; (२) કેશ-વાળની વૃષ્ટિ. केश-वालों की वृष्टि. a shower of hair. प्रव० १४६७:

केसि. पुं० (केशिन्) પરદેશી રાજાને સમજાવનાર પાર્શ્વ પ્રભુના સંતાનીયા; એ નામના એક કુમાર સમણ-કુમારાવસ્થામાં પ્રવ્રજ્યા લીધેલ મહાત્મા. परदेशी राजा को समझाने वाले पार्श्वप्रभु के संतानिया; इस नाम के एक कुंवार श्रमण-कुंवारावस्था मे दीक्षित हुए महात्मा. A disciple of Pārśvanāth who had given advice to Pardesī king. उत्त०२३, २;राय०२१५; भग० ११, ११; उवा० ८, २४६; निर० ५, ५; (२) કેશીકુમાર; ઉદાયન રાજાનો ભાણેજ. केशीकुंवार; उदायन राजा का भानेज. the prince named Keśi; the nephew of king Udāyana. भग० १३, ६; उवा० ८, २४६; (३) केशी-वासुदेव. Keśi Vāsudeva. प्रव० ४२३; —सामि. पुं० (-स्वामिन्) કેશી કુમાર શ્રી પાર્શ્વનાથ સ્વામિના શિષ્યાનુશિષ્ય. केशी कुंवार-श्री पार्श्वनाथ स्वामि के शिष्यानुशिष्य. Keśi Kumāra the grand-disciple of Pārśvanātha. भग० २, ५;

केसि. पुं०(क्लेशिन्) કલેશ વાળો; દુઃખ વાળો. क्लेश वाला; दुःखी. Troubled; afflicted. विशे० ३१५४;

केसिआ. स्त्री० (केशिका = केशा विद्यन्ते यस्याः सा केशिका) માથા ઉપર લાંબા કેશ ધરાવનારી સ્ત્રી. सिर पर लम्बे केश रखने वाली स्त्री. A woman having long hair on the head. सूय० १, ४, २, ३;

केसी. स्त्री० (कीदृशी) કેવી; કેવા પ્રકારની. कैसी; किस तरह की; (स्त्री). Of what sort. अणुजो० १२८;

* **कोआसिअ.** त्रि० (*) પદ્મની પેઠે વિકસેલ. पद्म-कमल की तरह विकसित. Blown as a lotus. ओव० १०; जं० प० २;

कोई. अ० (कश्चित्) કોઇ એક. कोई भी. Certain, some one. नाया० ७; सु० च० ४, १८८; दस० ५, १, ४६; भत्त०३८;

कोइल पुं० स्त्री० (कोकिल) કોયલ; વસંત ઋતુમાં પંચમ સ્વરે મધુર અવાજ કરતું એક પક્ષી. कोयल; वसंत ऋतु मे पंचम स्वर मे मधुर आवाज करने वाला एक पक्षी. A cukoo. सु० च० २, ११६; जीवा० ३, ३; नाया० ४; ८; जं० प० निर० ५, १; उत्त० ३४, ६; अणुजो० १२८; ओव० ठा० ७, १;

कोइलच्छय. पुं० (कोकिलच्छद) તેલ કંટક નામની એક વનસ્પતિ. तैल कंटक नाम की एक वनस्पति. A kind of vegetation. पन्न० १७;

कोउअ-य. न० (कौतुक) કુતુહલ. कुतुहल. Curiosity. भग० ७, ६; सू० प० २०;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

सु० च० १३, ४३; प्रव० १११; ६५१; कप्प० ४, ६७, (२) ગર્ભાધાનાદિ સંસ્કાર; મહોત્સવ વિશેષ. गर्भाधान आदि संस्कार; महोत्सव विशेष. ceremony relating to pregnancy. भग०११,११;राय०२८; (३) ઉતાર કાઢવો વગેરે કૌતુક કર્મ. भूत उतारने आदि का कौतुक कर्म. an observance to get rid of the obsession by a ghost. सूय० २, २, ५५; (४) રક્ષા; રક્ષણ. रक्षा; रक्षण. protection. जं० प० ३, ४३; (५) મંગળ ક્રિયા; કપાલે તિલક કરવું તે. मांगलिक क्रिया; कपाल पर कंकु आदिका तिलक लगाना. an auspicious action; an auspicious mark on the fore-head. जं० प० भग० २, ५; ६, ३३; उत्त० २२, ८; ओव० ११, २७; —कम्म. न० (-कर्मन्) મંગલ-સૌભાગ્ય માટે કપાલે તિલક કરવું તે. मंगल-सौभाग्य के लिये कपाल पर कंकु आदि का तिलक लगाना. the act of making an auspicious mark on the fore-head. नाया० १६; निसी० १३, १२; —कारक त्रि० (-कारक) કૌતુક કરનાર. कौतुक-तमाशा करने वाला. an enchanter; a joker. ओव०४१;

कोउग. न० (कौतुक) જુઓ "कोउअ-य" શબ્દ. देखो "कोउअ-य" शब्द. Vide "कोउअ-य" सु०च०६, ८४; पंचा०१३,२४;

कोउय. पुं० (कौतुक) જુઓ "कोउअ" શબ્દ. देखो "कोउअ" शब्द. Vide "कोउअ" नाया० १;

कोउहल. न० (कौतूहल) કૌતુક; કુતુહલ; ઉત્સુકતા. कौतुक; कुतूहल; उत्सुकता. Eagerness; curiosity. ओव०३८; भग० ९, ३३; निसी० ३, ५; जीवा० ३, ३; राय० ४०; —वडिया. स्त्री० (-प्रतिज्ञा) કુતુહલ નિમિત્તે. कुतुहल के लिये. for the sake of curiosity. राय० निसी० १७, १;

कोऊहल. पुं० (कुतूहल) કૌતુક; કુતુહલ. कौतुक भाव. कौतूहल. Curiosity. भग० १, १; (२) અભુક્ત ભોગની ઇચ્છા અને ભુક્ત ભોગની સ્મૃતિ. अभुक्त भोग की आकांक्षा और भुक्त भोग की स्मृति. desire for a thing that is never tasted and remembering of things that are tasted. जं० प० ५, ११५; उत्त० १५, ६;

कोऊहलिल्ल. त्रि० (कौतूहलिक) કુતુહલી; મશકરો. मस्करा; हंसी करनेवाला. A joker; a buffoon. ओघ०नि०भा०११३;

कोंकण. पुं० (कोङ्कण-कोङ्कण एव कौङ्कणः) એ નામનો એક દેશ. इस नाम का एक देश. A country of this name. ओघ० नि० भा० २३३;

कोंकणग. त्रि० (कोंकणक) કોકણ દેશનો રહેવાસિ. कोंकन देश का निवासी. A resident of Kokana. पन्न० १; पण्ह० १, १;

कोंच. पुं० (क्रौञ्च) ક્રૌંચ પક્ષી. क्रौंच पक्षी. A heron. निर० ४, १; पन्न० १; ठा० ७, १; जं० प० नाया० ४; ८; राय० ५६; जीवा० ३, ३; उत्त० १९, ३६; ओव० ३८; " छट्टुं च सारसा कोंचा, सोसायं सत्तमं गओ " ठा० ७; (२) ક્રૌંચ દેશનો રહેવાસી. क्रौंच देश का रहनेवाला. a resident of Krouncha country. पण्ह० १, १; पन्न० १; —आरव. पुं० (-आरव) ક્રૌંચ પક્ષીના જેવો અવાજ. क्रौंच पक्षी जैसा आवाज. a sound resembling that of a heron. जं०प०३,५३;—आसण. न०

(-आसन) એક જાતનું આસન. एक प्रकारका आसन. a kind of bodily posture. जीवा० ३; भग० ११, ११; —स्सर. त्रि० (-स्वर-क्रौञ्चस्येवाप्रयासेन विनिर्गतोऽपि दीर्घदेशव्यापी स्वरो येषां ते कौञ्चस्वराः) ક્રૌંચ પક્ષીના સરખા મધુર સ્વરવાલો. कौंच पक्षी के सदृश मधुर स्वर वाला. (one) having a melodious voice as the cry of a heron जीवा० ३; (२) વિજ્જુ કુમાર દેવતાની ઘંટા. विद्युत कुमार देव का घंटा. a bell of Vijju Kumāra. जं० प० ५, ११९; २, २१;

कोंटलश्र. त्रि० (कौटलक-कौटलं ज्योतिषं निमित्तं वा प्रयुङ्क्त इति कौटलकः) કૌટલ-જ્યોતિષ અથવા નિમિત્ત શાસ્ત્રનો જાણનાર. कौटिल्य-ज्योतिष या निमित्त शास्त्र का ज्ञाता. One knowing astrology and science of omens. " पाणि वहोति सुगहण पउंचणे कोंटल यम्म नितियंतु " ओघ० नि० भा० २२१;

कोंडलक. पुं० (कौण्टलक) એક જાતનું પ્રાણી. एक जात का प्राणी. A kind of animal. ओव०

कोंत. पुं० (कुन्त) ભાલો. भाला. A spear. जं० प० —ग्ग. न० (-अग्र) ભાલાની અણી. भाला की नोक. the point of a spear. नाया० १६;

कोंतिय. पुं० (कौन्तिक) એક જાતનું ઘાસ. एक जाति का घास. A kind of grass. भग० २१, ६;

कोंकंतिय. पुं० (कोकन्तिक कोको इत्येवं आरटतीति) કોહલું. कोला. A gourd. (२) લોંકડી. लोमडी. a jackal. पराह० १, १; आया. २; १, ५, २७; जीवा० ३; ३; नाया० १; पन्न० १;

कोकणय. न० (कोकनद-कोकान् चक्रवाकान् नदति नादयदि वेति) લાલ કમલ. लाल कमल) A red lotus. पन्न० १; सूय० २, ३, १८;

कोकासिश्र-य. त्रि० (*) કોકાસ-લાલ કમલની પેઠે વિકસિત; પ્રફુલ્લિત. कोकास-लाल कमल की तरह प्रफुल्लित-विकसित. Blown as a red-lotus. जीवा० ३, ३; जं० प०

कोकिल. पुं० स्त्री० (कोकिल) કોયલ પક્ષી. कोयल पक्षी. A cuckoo bird. पन्न० १;

कोकुइश्र. पुं० (कौत्कुचिक) હાસ્યજનક ચેષ્ટા કરનાર; ભાંડ. भांड; हास्यमय चेष्टा करनेवाला. A joker जं० प०

कोक्कुइश्र. त्रि० (कौत्कुचिक) ભાંડની પેઠે ચેષ્ટા કરનાર. भांड का तरह चेष्टा करनेवाला. One who acts like a joker. उत्त० ३६, २६१; ओव० ३१; जं० प०

कोच्छ. पुं० (कौत्स) એ નામનો એક દેશ. इस नाम का एक देश. A country of this name. भग० १५, १;

कोच्छुंभरि. पुं० (कुस्तुम्बरि) એક જાતનું ધાન્ય. एक जाति का धान्य. A kind of corn. जं० प०

कोज्ज. पुं० (कुब्ज) કુબ્જક-એક જાતનું ઝાડ. एक जाति का झाड. A kind of tree. कप्प० ३, ३७; नाया० ८;

कोटि. पुं० (कोटि) અગ્રભાગ; અણી. अग्रभाग; नोक. The point. जं० प० (२) કરોડ; સંખ્યા વિશેષ. करोड; बृहद् संख्या. a crore (numerical figure).

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

विशे० ४२३;

कोटिल्ल. पुं० न० (कोटिल्य) नानो मुदगर. छोटा मुद्गल. A small club. विवा० ६;

कोट्ट. धा० II. (कुट्ट) बन्ने पगवडे जमीन पर कुदवुं. दोनों पांव से जमीन पर कूदना. Jumping on the ground by lifting both the feet upwards. (२) कुटवुं. कूटना; बुकनी करना. to pound.

कोट्टिय. सं० कृ० जीवा० ३, १;

कोट्टमाण. व० कृ० भग० १५, १;

कोट्टिज्जमाण. क० वा० व० कृ० जीवा० ३, ४;

कोट्ट. पुं० (*) किल्लो. गढ; किला. A fortress, (२) पछाडवुं; कुटवुं. पछाडना; कूटना to dash; to pound. पराह० १, १;

कोट्टकिरिया. स्त्री० (कोट्टक्रिया) चण्डिका; दुर्गा वगेरे रुद्रस्वरूप देवी. चण्डिका; दुर्गा आदि रौद्ररूप वाली देवियां. The goddess Chandikā etc. भग० ३, १; नाया० ८; अणुजो० २०;

कोट्टणी. स्त्री० (*) किल्ला उपरनी भूमिका. किले की भूमि. The courtyard in a fortress. जं० प० ३, ६७;

कोट्टाग. पुं० (*) सुतार. सुतार; बढई. A carpenter. "कोट्टाग कुलाणि वा गामरक्ख कुलाणिवा" आया० २, १, २, ११;

कोट्टिम. पुं० (कुट्टिम) भोंयतळीयुं. जमीन के नीचे का तलघर; नीचे की भूमि. The underground floor; a cellar. नाया० ८; —**कार.** त्रि० (-कार) भोंयतळीयानो बनावनार. भूमि में तलघर का बनानेवाला. the architect who constructs a cellar. अणुजो० १३१; —**तल.** न० (-तल) भोंयतळीयुं. नीचे की जमीन; तलघर. a cellar. नाया० १; भग० ६, ३३; जं० प० १;

कोट्ठ. पुं० (कोष्ठ) कोठो; धान्य भरवानो कोठार; कोठी. कोठा; धान्य भरने का कोठार; कोठी. A granary. ठा० ३, ४; भग० १५, १; १६, ६; नाया० १; जीवा० ३, १; पिं० नि० २११; ओव० २६; ३८; प्रव० १००६; (२) कोठो; छाती. कोठा; छाती. a store room; the breast. जं०प०३, ६७; ओव० २१; नाया० १६; (३) एक जातनो सुगंधी द्रव्य; काठ. एक जाति का सुगंधी द्रव्य. a kind of fragrant substance. भग० १८, ६; राय० ५५; धारणानुं एक नाम. धारणा का एक नाम. name of a Dhāraṇā. नंदी०३३; (५) शरीरनी अंदर पोलाणवाळो अवयव; एवा कोठा पुरुषने पांच अने स्त्रीने छ होय छे, एक गर्भनो अधिक छे माटे. शरीरके भीतरका पोला अवयव; ऐसे पोले कोठे पुरुष के पांच तथा स्त्री के छः होते हैं, एक गर्भ का अधिक होता है. a hollow organ in the body; there are five such organs in the body of a man and 6 in the body of a woman. तंदु० —**आउत्त.** त्रि० (-आगुप्त) कोठीमां नाखेल; कोठारमां रक्षित. भंडार में डाला हुआ; कोठे में रक्षित. properly stored. भग० ६, ४; ६, ६; ठा० ३, २; निसी० १७, २२; वेय० २, ३; —**उवगय.** पुं० (-उपगत) कोठामां प्रवेश करेल. कोठे में घुसा हुआ. (one) who has entered

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

into a room. भग० ८, ७; —पुड. पुं० (-पुट-कोष्टे यःपच्यते वाससमुदायः स कोष्ठ एव, तस्यपुटाःपुटिकाः कोष्ठपुटाः) કોઠનો-સુગંધી દ્રવ્યનો પડો. सुगंधी द्रव्य का पुडा. a packet of a fragrant substance. नाया० १७; भग० १६, ६; जं०प० ४, ८६; —बुद्धि. स्त्री० (-बुद्धि-कोष्टकप्रक्षिप्तधान्यमिव यस्य सूत्रार्थौ सुचिरमपि तिष्ठतःस कोष्ठबुद्धिः) કોઠારના જેવી બુદ્ધિ; કોઠામાં પડેલ ધાન્ય જેમ સડે કે બગડે નહિં તેમ મેળવેલું જ્ઞાન જીવન પર્યંત નષ્ટ થાય નહિં એવા પ્રકારની બુદ્ધિ-શક્તિ. कोठे जैसी बुद्धि; कोठे में पड़ा हुआ धान्य सड़ता या बिगड़ता नहीं वैसे ही प्राप्त हुआ ज्ञान जीवन पर्यंत नष्ट नहीं होता ऐसी बुद्धि-शक्ति. (one) of great intellect; a kind of intellect which never spoils like corn which is stored in a granary. ओव०विशे०७६६; —समुग्ग. पुं० (-समुद्र) કોઠનો ડાબલો. कविट का डब्बा. a box made of wood-apple. जं० प० ३, ४३;

कोट्ठअ-य. पुं० (कोष्टक) સાવથી નગરીના ઇશાનખુણાના પુરાતન ઉદ્યાનનું નામ. सावथी नगरी के ईशान कोने के पुरातन उद्यानका नाम. Name of an old garden situated to the north east of Sāvarthī city. नाया० १; भग० ६, ३३; १२, १; १५, १; राय०२११; निर० ३, १; उवा०६, १२६; (२) ધાન્યનો કોઠાર. धान्य का कोठा. a store-room for grain; a granary. प्रव० १४१६; —चेइय. न० (-चैत्य) સાવથી નગરીની બહારનું ઉદ્યાન. सावथी नगरी के बाहर का बगीचा. a garden situated outside Sāvarthī city. नाया० ध० २; —बुद्धि. स्त्री० (-वृद्धि) ધાન્યના કોઠારની વૃદ્ધિ. धान्य के कोठों की वृद्धि. increment in grain stores. प्रव० १४०८;

कोट्ठग. पुं० (कोष्टक) કોઠો; બુરજ. कोठा; बुर्ज. A tower; a room. (२) ઓરડો. बड़ा कमरा. a large room. सम० प० २१०; जीवा०३, ३; अणुजो० १४८; पन्न०२; (३) શ્રાવસ્તી નગરીબ્હારનો એક બાગ. श्रावस्ती नगरी के बाहर का एक उद्यान. a garden outside the city of Śrāvasti. उत्त० २३, ८;

कोट्ठागार. पुं० (कोष्टागार) ધાન્ય ગૃહ; કોઠાર. धान्य घर. कोठार. A room for storing grain; a granary. निर० १, १; राय० २०६; २२२; २८२; निसी०८, ५; ६; विशे० १८२७; नाया० १; ७; १४; भग० ११, ६; उत्त० ११, २६; ओव० कप्प० ४, ६४;जं०प०२,२०; —साला. पुं० (-शाला) કોઠારનું મકાન. कोठे का मकान. a house having a granary. निसी० ६, ७;

कोट्ठिय. त्रि० (कोष्टिक) કોઠ વાળો; જેની પાસે કોઠનામે સુંગધી દ્રવ્ય છે તે. सुगंध द्रव्य जिसके पास है वह; कोठ वाला. (One) having a fragrant substance known as Kotha. विवा०७; उवा० २, ६४;

कोडंड. पुं० (कोदण्ड) ધનુષ્ય. धनुष्य. A bow. ओव० ५; १;

कोडंब. पुं० (कोलम्ब) વૃક્ષની નમેલી શાખાનો અગ્રભાગ. झुके हुए वृक्ष की शाखा का अग्रभाग. The foremost portion of a bent branch of a tree. " विसम गिरिकडग कोडंबसंनिविट्ठा " नाया० १८;

कोडंबाणी. स्त्री० (कौटुम्बिकी) એ નામની એક શાખા. इस नाम की एक शाखा. A

sect of this name. कप्प० ८;

कोडण. न० (*कोट्टन) કુટવું તે. कूटना. Poundin'. पएह० १, ३;

कोडाकोडि. स्त्री० (कोटिकोटि) એક ક્રોડ ક્રોડ; કરોડે ગુણ્યા કરોડ. एक कोडा कोड; करोड को करोड से गुणा करना. 10000000× 10000000; a crore multiplied by a crore. ठा० २, ३; भग० ६, ३; १६, ६; जं० प० पन्न० २३;

कोडाल. न० (कोडाल) કોડાલ નામે એક ગોત્ર; ઋષભદત્ત બ્રાહ્મણનું ગોત્ર. कोडाल नामक गोत्र; ऋषभदत्त ब्राह्मण का गोत्र. A lineage known as Kodāla; the lineage of the Brahmin Risabhadatta. कप्प०१, २; —**सगोत्त.** त्रि० (–सगोत्र–कोडालैःसमं गोत्रं यस्य सः) કોડાલ ગોત્રમાં જન્મેલ; કોડાલ ગોત્ર વાળો. कोडाल गोत्र में उत्पन्न; कोडाल गोत्र वाला. (one) born in Kodāla lineage. आया० २, १५, १७६;

कोडि. स्त्री० (कोटि) કરોડ; સો લાખ. (१०००००००) एक करोड; सौ लाख; (१०००००००) One hundred lacs; one crore; 10000000. भग० २, १; ८; ३, २; ७, १; १३, ६; सू० च०१, २१८; सू० प० १८; जीवा० १; नाया० १; ८; अणुजो० ११७; उत्त० ८, १७; ठा० २, ४; ओव० ७, १८२; (२) ખુણો. कोना. a corner; an angle. पंचा० १३, २६; राय० १५६; विं० नि० २४७; ठा० ८; (३) છેડો; અંત્ય પ્રદેશ. किनारा; अंतिम प्रदेश. end; the region of the boundary. जं०प० (४) હથીયારની ધાર. हथियार की धार. the edge of a weapon. जीवा० ३; राय० २०४; (५) અણિ; અગ્રભાગ, नोक; अग्रभाग. point; tip. (६) ધનુષ્યની પણછ. धनुष्य की डोरी. the string of a bow. जीवा० ३, ४; (७) પચ્ચખાણના ભાંગા; કરણ અને જોગના સંયોગથી ઉત્પન્ન થતા વિકલ્પના પ્રકાર. प्रत्याख्यान के भांगे; करण और योग के संयोग से उत्पन्न विकल्प के भेद. divisions of Pachchakhāṇas; प्रव० १६१; —**पहुत्त.** न० (–पृथक्त्व) બેથી માંડી નવ કરોડ સુધી. दो से लगाकर नौ करोड तक. from two to nine crores. प्रव० ६३५; —**सयपुहुत्त.** न० (–शतपृथक्त्व) બસે કરોડથી માંડી નવસે કરોડ સુધી. दोसौ करोड से लगा कर नौसौ करोड तक. from two hundred crores to nine hundred crores. जं० प० ६, १२५; भग० २५, ६; —**सहस्सपुहुत्त.** न० (–सहस्रपृथक्त्व) બે હજાર કરોડથી માંડીને નવ હજાર કરોડ સુધી. दो हजार करोड से लगा कर नौ हजार करोड तक. from two thousand crores to nine thousand crores. भग० २५, ६; —**सहिय.** न० (–सहित–कोटिभ्यामेकस्य चतुर्थादेरन्तविभागोऽपरस्य चतुर्थादेरेवारम्भविभाग इत्येवं लक्षणाभ्यां सहितं मिलितं कोटिसहितम्) એક પચ્ચખાણનો છેડો બીજા પચ્ચખાણની શરૂઆતને મળતો હોય તેવું તપ, દાખલા તરીકે એક માણસે આજે આયંબિલ કર્યું બીજે દિવસે સવારમાં આજનું તપ પુરું થતાં બીજું આયંબિલ પચ્ચખે તો પહેલા પચ્ચખાણનો છેડો બીજા પચ્ચખાણની શરૂઆત સાથે મળ્યો માટે તે તપ કોટિ સહિત તપ કહેવાય. एक प्रत्याख्यान का अंत दूसरे प्रत्याख्यान के प्रारंभ से मिलता हो ऐसा तप; उदाहरणार्थ एक मनुष्य ने आज आयंबिल किया दूसरे दिन सुबह आज की तपस्या पूर्ण होने ही

दूसरा आयंबिल कर ले तो पहिले प्रत्याख्यान का अंत दूसरे प्रत्याख्यान के प्रारंभ से मिल जाय इस लिये इस तप को कोटि सहित तप कहते हैं. a kind of austerity the end of which becomes the beginning of another austerity. भग० ७, २; ठा० १०; उत्त० ३६, २५३; प्रव० १६१;

कोडिकोडि. स्त्री० (कोटिकोटि) જુઓ "कोडाकोडि" શબ્દ. देखो "कोडाकोडि" शब्द. Vide "कोडाकोडि" क० प० १, ८२; २, ७६; **—अंतो.** अ० (-अन्तर्) કોડાકોડીની અન્દર. कोडा कोडी के अंदर. less than a crore multiplied by a crore. क० गं० ५, ३३;

कोडिगार पुं० (कोटिकार) એક પ્રકારનો કારીગર; હથીયારની ધાર સમી કરનાર. एक प्रकार का मिस्त्री; हथियार की धार दुरस्त करने वाला. An architect who sharpens or grinds the edge of a weapon. पन्न० १;

कोडिण. न० (कोटिन) કોટિન નામનું એક નગર. कोटिन नाम का एक नगर. Name of a city. नाया० १६;

कोडिण्ण. न० (कौण्डिन्य) એ નામનું ગોત્ર. इस नाम का एक गोत्र. A lineage of this name. कप्प० ५, १०३;

कोडिन्न. पुं० (कौण्डिन्य) કોડિન્યનામે મહાગિરી આચાર્યનો શિષ્ય. कौण्डिन्य नाम का महागिरी आचार्य का शिष्य. Koundinya, the disciple of the preceptor Mahāgirī. कप्प० ८; विशे २३६०; (२) કુત્સ ગોત્રની શાખા. कुत्स गोत्र की शाखा. a branch of Kutsa lineage. ठा० ७, १; (३) કુત્સ ગોત્રની શાખામાંનો પુરૂષ. कुत्स गोत्र की शाखा में उत्पन्न पुरुष. a person belonging to Kutsa lineage. ठा० ७, १; (४) વસિષ્ઠ ગોત્રની શાખા. वसिष्ठ गोत्र की शाखा. a branch of Vasiṣṭha lineage. ठा० ७, १; (५) વસિષ્ઠ ગોત્રની શાખામાંનો પુરૂષ. वसिष्ठ गोत्र की शाखावाला पुरुष. a person of Vasiṣṭha lineage. ठा० ७, १;

कोडिमा स्त्री० (कोटिमा) ગંધાર ગ્રામની સાતમી મૂર્છના. गंधार ग्राम की सातवीं मूर्छना. The 7th note of a musical scale known as Gandhāra. अणजो० १२८;

कोडियगण. पुं० (कोटिकगण) કોટિક નામનો મહાવીર સ્વામીનો એક ગણ. कौटिक नाम का महावीर स्वामी का एक गण. An order of ascetics styled as Kotika and established by Mahāvir Svāmi. ठा० ६;

कोडिल्लय. न० (कौटिल्लक) કોટિલ્યનું અર્થશાસ્ત્ર. कौटिल्य का अर्थ शास्त्र. Political economy founded by Koutilya. अणुजो० ४१;

कोडी. स्त्री० (कोटी) કરોડની સંખ્યા; સો લાખ. एककरोड की संख्या; सौ लाख; (१००००००००). 10000000; one crore; 100 lacs. पन्न० २; अणुजो० १३३; नाया० १; **—इसर.** पुं० (-ईश्वर) ધનાઢ્ય; કોટિપતિ-શાહુકાર. नाढ्य; कोडाधिपति-साहुकार. a wealthy person; a millionaire. गु०च०१, ३३;

कोडीदुगमिलण. न० (कोटिद्विकमिलन) વ્રતના બે છેડાનું મિલાન કરવું તે; એક વ્રત પુરું થયું કે તે પાલ્યા વિના બીજાનો આરમ્ભ કરવો તે-જેમ ઉપવાસ પુરો થયો કે એકાસણામાં પચ્ચખાણ કરવા તે; પચ્ચ-

भाणुनो એક પ્રકાર. व्रत के दोनों किनारों का मिलान करना; एक व्रत पूरा हुआ कि उसके त्याग न त्यागते दूसरे का प्रारंभ करना, जैसे उपवास पूर्ण होतेही एकलठाणे के प्रत्याख्यान कर लेना; प्रत्याख्यान का एक भेद. A variety of Pachchakhāṇa; joining together of two Pachchakhāṇas (vows) i. e. to undertake another vow at the end of the first. प्रव० १६१;

कोडीवरिस. न० (कोटिवर्ष) લાટદેશનું એ નામનું એક નગર. लाटदेश का इस नाम का एक नगर. A city of this name of the country Lāṭa. पन्न० १;

कोडीवरिसिया. स्त्री० (कोटिवर्षिका) એ નામની એક શાખા. इस नाम की एक शाखा. A branch of a certain lineage. कप्प० ८;

कोडुंबि. त्रि० (कुटुम्बिन) મોટા કુટુંબ વાળો. बड़े कुटुम्ब वाला. (One) of a big family. ठा० ३, १; अणुजो० १३१; जावा० ३, १;

कोडुंबिणी. स्त्री० (कौटुम्बिनी) કુટુંબની સ્ત્રી कुटुम्ब की स्त्री. A female member of a family. (२) દાસી. दासी. a maid servant. भग० ११, ११;

कोडुंबिय. पुं० (कौटुम्बिक-कुटुम्बस्याधिपतिः कौटुम्बिकः) કુટુંબનો નાયક. कुटुम्ब का अधिपति नायक. The head of a family. अणुजो० १६; राय० २४३; पन्न० १६; भग० २, १; ७, ६; उवा० १, १२; नाया० १६; जं० प० (२) સેવક; હજુરી. (२) सेवक; हजुरी. a servant; an attendant. दसा० १०, १; कप्प० ४, ५७; —पुरिस पुं० (पुरुष) કુટુંબનો માણસ; હજુરી; સેવક. कौटुम्बिक मनुष्य; हजुरी; सेवक. an attendant of a family. नाया० १; ८; १४; भग० ६, ३३; विवा० ६; निर० १, १; दसा० १०, १; कप्प० ४, ५७;

कोडूसग. पुं० (कोदूषक) એક જાતનું ધાન્ય; કોદરા. एक प्रकार का धान्य. A kind of corn. भग० ६, ७; प्रव० १०१३;

कोढ. पुं० (कुष्ट) એક પ્રકારનો રોગ; કોઢ. एक प्रकार का रोग; कोढ. A kind of disease; leprosy. नाया० १३;

कोढि. त्रि० (कुष्ठिन —कुष्टमष्टादशभेदमस्यास्तीति कुष्ठी) કોઢ રોગ વાળો; કોઢીયો; कोढ रोग वाला; कोढिया. (One) having leprosy. पगह० २, ५; आया० १, ६, १, १७२;

कोण. पुं० (कोण) ડાંડી; નગારાનો હાથો वाला बजानेका दस्ता. The key note of a musical instrument. राय० १३०; (२) ખુણો. कोना. a corner; an angle. प्रव० ६८२; जीवा० ३, १; सू० प० १; ओघ० नि० भा० १६२;

कोणाल. पुं० (कोणाल) જીવ વિશેષ. जीव विशेष. A kind of living creature. जं० प०

कोणालग. पुं० (कोणालक) એક જાતનું પક્ષી. एक जाति का पक्षी. A kind of bird. पगह० १, १;

कोणिय. पुं० (कोणिक) ચંપા નગરીનો રાજા; શ્રેણિક રાજાનો પુત્ર. चंपा नगरी का राजा; श्रेणिक राजा का पुत्र. The king of the city of Champā; the son of the king Śreṇika. नाया० १; ६; १६; भग० ७, ६;

कोतव. न (कौतव) ઉંદરના વાળનું બનાવેલું મૂત્ર चूहे के बाल का बनाया हुआ सूत. A

thread made of the hair of a rat. अणुजो० ३७;

कोत्तिय. पुं० (कात्रिक) भूमि पर शयन करनारः तापसनी एक जात. भूमि पर सोने वाला; तपस्वी की एक जाति. One who sleeps on the floor. निर० ३, ३; भग० ११, ६; ओव० ३८;

कोत्थ. त्रि० (कौत्स) कुत्स गोत्रमां उत्पन्न थयेल पुरुष-शिवभूति वगेरे. कुत्स गोत्र में उत्पन्न पुरुष शिवभूति आदि. Śivabhūti etc. born in Kutsa lineage. ठा० ७, १;

कोत्थ. पुं० (कोष्ट) कोठो; उदर प्रदेश. कोठा; उदर प्रदेश. The stomach; the belly. नाया० १; —हत्थ त्रि० (–हस्त :कोष्ठे उदर प्रदेशे हस्ता यस्य स तथा) उदर पर हाथ छे जेनो एवो. जिसका छाती पर हाथ है वह. (one) with his hand resting on the breast. "गाविया थार करेसु कोत्थ हत्थी" नाया० १;

कोत्थर. पुं० (*) झाडनी बखोल. झाड की कोचर. A cl ft in a tree. सू० च० १८, १६;

कोत्थल. पुं० (*) थेलो कोथळो. गुथ; थैला. A big bag. उत्त० १६, ४०;

कोत्थलगारिआ. स्त्री० (कोस्थलकारिका) कोथला जेवुं घर करनारी भमरी. मिट्टी का घर बनाने वाली भमरी. A fly which builds a house of the shape of a bag. ओघ० नि० २४२;

कोत्थलवाहगा. स्त्री० (कोस्थलवाहिका) त्रण इंद्रियवाळा जीवनी एक जात. त्रण इंद्रिय वाले जीव की एक जाति. A kind of three-sensed creature. पन्न० १;

कोत्थुभ. पुं० (कौस्तुभ) डोकनुं आभरण. गले का आभूषण. An ornament for the neck; a necklace. (२) कृष्ण वासुदेवनो कौस्तुभ नामनो मणी. कृष्ण वासुदेव का कौस्तुभ नाम की मनि. a gem so named of Kṛiṣṇa Vāsudeva. पन्न० १, ४;

कोत्थुह. पुं० (कौस्तुभ) अगीयारमा तीर्थंकरना १ला गणधरनुं नाम. ग्यारहवें तीर्थंकर के १ ले गणधर का नाम. Name of the 1st Gaṇadhara of the 11th Tīrthaṅkara. प्रव० ३०६;

कोत्थुंभवन्न. पुं० (कौस्तुम्भवर्ण) कोथमरी. कोथमीर. A kind of vegetable. निसी० ३, ८;

कोदंड. न० (कोदण्ड) धनुष्य. धनुष A bow. "कोदंड विप्प मुक्केव उसुणा वांम पादेविद्ध समाणो" अंत० ५, भग० ७, १;

कोदंडिय. पुं० (कुदण्डक) कुत्सित दंड; अयोग्य दंड. कुत्सित दण्ड; अयोग्य दण्ड. Inadequate punishment. भग० ११, ११;

कोदूसग. पुं० (कोरदूषक) एक जातनुं धान्य. कोदरो. एक जाति का धान्य; कोदरा. A kind of corn. भग० २१, ३; पन्न० १;

कोद्दव. पु० (कोद्रव) कोदरो; एक जातनुं हलकुं धान्य एक जाति का हलका धान्य, कोदरा. A kind of corn of inferior quality. पन्न० १; विशे० १२०४; ओघ० नि० भा० ३००; पिं० नि० १६२; भग० ६, ७; २१, ३; जं० प० सूय० २, २, ११; ठा० ७, १; प्रव० ६८२; १०११;

कोद्दाल. पुं० (कोद्दाल) एक जातनुं वृक्ष.

* जुओ पृष्ट नम्बर १५नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

एक जाति का वृक्ष. A kind of tree. जं० प०

कोद्दालग. पुं० (कोद्दालक) એક જાતનું ઝાડ. एक जाति का झाड़. A kind of tree. भग० ६, ७; जीवा० ३, ३;

कोद्दालिया. स्त्री० (कुद्दालिका) કુહાડી. कुल्हाड़ी. An axe. विवा० १ ३;

कोप्पर. पुं० (कूर्पर) કોણી. कुहनी; कोना The elbow. पंचा० ३, १६; श्रोघ० नि० भा० २६६; विवा० ६; (२) નદીનો કોતર. नदी की गुफा-दर. the cleft or hollow in the river. श्रोघ०नि०३०:

कोमल त्रि० (कोमल) સુકોમલ; મૃદુ. सुकोमल; मृदु. Soft; delicate. नंदी० ४२; भग० २, १; ११, ११; नाया० १; २; अणुजो० १६; श्रोव० विवा० ७; राय० (२) એક જાતનું હરણ. एक जाति का हिरन. a kind of deer. राय० २३८; **—अंगी.** स्त्री० (-अंगी) કોમલ અંગવાળી कोमल अंगवाली. a woman having a delicate body. नाया० ८; **—अंबिलिया.** स्त्री० (--आम्लिका) કાચી આંબલી જેમાં આંગળીઓ ન થયો હોય તેવો કાતરો. कच्चा श्रांमली; जिस में गुठली पैदा न हुई हो ऐसी इमली. a kind of raw fruit having sour taste. प्रव० २४१; **—तल.** न० (तल) કોમલ પગનું તળીયું. कोमल पांव की तली. the sole of a delicate feet. भग० १, १:

कोमलिया. स्त्री० (कोमलिका) સુકોમલ સ્ત્રી. सुकोमल स्त्री. A delicate woman. नाया० १६;

कोमारभिच्च. न० (कौमारभृत्य) કુમારને ક્ષીરાદિક કેવીરીતે પોષવું તેનું વર્ણન જેમાં છે એવું શાસ્ત્ર. कुमार का क्षीरादि से किस प्रकार पोषण करना इस का शास्त्र A science dealing with the ways of nourishing the children with milk etc विवा० ७;

कोमारी. स्त्री० (कौमारी) કુમાર અવસ્થામાં દીક્ષા લીધેલ સાધ્વી; બાલબ્રહ્મચારિણી. बाल्यावस्था में दीक्षित हुई आर्जिका; बाल ब्रम्हचारिणी. A woman initiated from the very childhood. भग० १५, १;

कोमुई. स्त्री० (कौमुदी) કાર્તિકી પૂર્ણિમા. कार्तिककी पूर्णिमा. The full-moon-day of the month of Kārtika. जं०प० नाया० २; (२) ચંદ્રપ્રભા; ચંદ્રજ્યોત્સ્ના, चंद्रप्रभा; चंद्रज्योत्स्ना the moonlight. श्राव० **—जोगजुत्त.** पुं० (-योगयुक्त) કાર્તિક માસની પુનમના યોગ વાળો कार्तिक मास की पूर्णिमा के योग वाला (चंद्र). (the moon) coexistent with the full-moon-day of the month of Kārtika. दस०६, १, १५;**—णिसा** स्त्री० (-निशा) કાર્તિક માસની પુનમની રાત્રિ. कार्तिक मास की पूर्णिमा की रात्रि. the night of the full-moon-day of the month of Kārtika. नाया० १:

कोमुईयभेरी. स्त्री० (कौमुदिकभेरी) કૌમુદિ ઉત્સવનું એક વાજિંત્ર. कौमुदी महोत्सव का एक बाजा. A kind of musical instrument. नाया० ५;

कोमुदिया. स्त्री० (कौमुदिका) કૌમુદિકા ભેરી; લોકોને ખબર આપવા માટે મહોત્સવ પ્રસંગે વગાડવાની ભેરી વાજિંત્ર. कौमुदिका भेरी; लोगों को सूचना देने के लिये महोत्सव के समय बजाने की भेरी-बाजा. A kind of musical instrument which is played upon at the time of

some ceremony for giving notice to the people. विशे० १४७६;

कोमुदी. स्त्री० (कौमुदी) ચાન્દની. चांदनी. Moon-light. जीव० ३, ३;

कोयव. न० (कोयव) કોયવ દેશના વસ્ત્રની એક જાત. कोयव देश के वस्त्र की एक जाति. A kind of cloth of the Koyava country. नाया० १७; आया० २,५,१,१४५; (२) કોયવ નામનો એક દેશ कोयव नाम का एक देश. a country of this name. प्रव० १५१८;

कोयवि. पुं० (कोयवि) રૂ-કાપુસથી ભરેલ રજાઈ; ગુદડી. कपास से भरीहुई रजाई. A quilt. प्रव० ६८२;

√ **कोर.** धा० II. (कर्) કોરવું; કોતરવું. खोदना; कुतरना. To carve.

कोरेइ. निसी० १४, ४६;

कोरिय. सं० कृ० निसी० १८, ४६;

कोरावेइ. पुं० निसी० १४, ३०;

कोरंट. पुं० (कोरण्ट) કોરન્ટ જાતનું એક ઝાડ; ફૂલના ગુચ્છાવાળું એક વૃક્ષ. कोरंट जाति का एक झाड. फूल के गुच्छोंवाला एक वृक्ष. A kind of plant bearing flowers in clusters. पन्न० १; भग० ७, ६; ओव० ३१; नाया० १; राय० ५४; ६६; उवा० १, १०; जं० प० ५, १२२; —पत्त. न० (-पत्र) કોરંટ વૃક્ષના પાંદડાં. कोरंट वृक्ष के पत्ते. the leaves of a Koranta tree. नाया० ८; —बेंट. पुं० (वृन्त) કોરંટ વૃક્ષનું દીંટું-બિંટડું. कोरंटवृक्ष का बींट. the stem of a Koranta tree. भग० ४२, १;

कोरंटग. पुं० (कोरण्टक) જુઓ "कोरंट" શબ્દ. देखो "कोरंट" शब्द. Vide. "कोरंट" भग० २२, ५;

कोरण. न० (कोरण) કોતરવું તે नकासना: कोरना. Carving. निसी० १८, १४;

कोरव पुं० (कोरक) કોર; મંજરી. मंजरी. Pollen. (२) કલિ. कली. a bud. ठा० ४, १;

कोरव. पुं० (कौरव) કુરુવંશ. कुरुवंश. The Kuru family. (२) તે વંશમાં જન્મેલ. उस वंश में उत्पन्न. a person born in this family. भग० ६, ३३; पन्न० १; राय० २१८;

कोरविआ. स्त्री० (कोरविका) ષડ્જ ગ્રામની બીજી મૂર્છના. षड्ज ग्राम की दूसरी मूर्छना. The second note of the musical scale. अणुजो० १३८;

कोरव्व पुं० (कौरव्य) કુરુ વંશમાં ઉત્પન્ન થયેલ. कुरुवंश में उत्पन्न. One born in a Kuru family. ओव० १४; भग० २०, ८; जीवा० ३, १; अणुजो० १३१, प्रव० १२२३;

कोरव्विया. स्त्री० (कौरविका) ષડ્જ ગ્રામની બીજી મૂર્છના. षड्ज ग्राम की दूसरी मूर्छना. Known as Ṣaḍaja. ठा० ७, १;

कोरिंग. पुं० (कोरङ्ग) એક જાતનું પક્ષી. एक जाति का पक्षी. A kind of bird. पराह० १, १;

कोरिंट. पुं० (कोरण्ट) એક જાતનું ઝાડ. एक जाति का झाड. A kind of tree. कप्प० ३, ३७; ४, ६२; जीवा० ३, ४; जं० प०

कोरिंठग. पुं० (कोरण्टक) એક જાતનું પ્રાણી. एक जाति का प्राणी. A kind of creature. जं० प०

कोरिंटय. पुं० (कोरण्टक) એક જાતનું ઝાડ. गेंदा; हजारा. A kind of plant. पन्न० १;

कोरिल्लअ. त्रि० (कोरितक) ઘુણા જીવોએ કોરી ખાધેલું; તુટી ફુટી જીર્ણ થયેલું. घुन जीवों ने कोर कर खाया हुआ; टूटा फूटा

जीर्ण. destroyed by insetcs which feed themselves by carving a substance. राय० २५७;

कोल. पुं० (कोल) ધુણો; ઉધઇ; કીડી વગેરે. घुन; उदई; चिउंटी इत्यादि. Insects e. g. white ants etc. आया० १, ८; ७, १७; (२) બોર. बेर. berry. दस० ५, २, २१; आया० २, १, ८, ४३; विं० नि० ५६१; (३) ડુક્કર; ભૂંડ. सुअर. a pig. पगह० १, १; उत्त० १६, ५४; नाया० १; —**अट्ठिग.** न० (-अस्थिक) બોરનો ઠળીયો. बेर की गुठली. a stone of a berry. भग० ६, १०; —**आवास** पुं० (-आवास) ધુણાનું રહેઠાણ; ઉધઇનું સ્થાન. घुन के रहने का स्थान; उदई का स्थान. residing place of insects e. g. white ants etc निसी० ७, २१; १२, ४; —**चुगण.** न० (-चूर्ण) બોરનું ચૂર્ણ; બોર કુટો. बेर का चूर्ण; बेर कुटा. a powder of berry fruits. दस० ५, १, ७१;

कोलंब. पुं० (कोलम्ब-नतद्रुमाग्रभाग) નમેલા ઝાડની શાખાનો અગ્રભાગ. झुके हुए झाड की डाली का अग्रभाग. The front part of a branch of a tree which is bent. विवा० ३;

कोलघरिय. त्रि० (कौलगृहिक) કુલઘર સમ્બન્ધી. कुलघर सम्बन्धी. Relating to father's house. "कोलघरिए पुरिसे सद्दावेइ" उवा० ८, २४२;

कोलव. न० (कौलव) કૌલવ નામનું ત્રીજું કરણ; દરેક માસના શુક્લ પક્ષમાં છઠ અને તેરસને દિવસે તથા બીજ અને નોમની રાતે; તથા કૃષ્ણ પક્ષમાં પાંચમ અને બારસને દિવસે તથા એકમ અને આઠમની રાતે આવતું. સાત ચર કરણમાંનું ત્રીજું કરણ. कौलव नाम का तीसरा करण; प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष की छठ और तेरस के दिन तथा बीज और नवमी की रात, तथा कृष्ण पक्ष की पांचम और बारस का दिन या एकम और आठम की रात पर आनेवाला, सात चर करणों में से तीसरा करण. The third Karaṇa (division of the day) called Kaulava; the third of the seven moving (changing) divisions of the day, occurring on the 6th and the 13th day and on the night of the 2nd and the 9th day of the bright fortnight of every month; as also on the 5th and the 12th day and on the night of the 1st and the 8th day of the dark fortnight. जं० प० ७, १५३; विशे० ३३४८;

कोलवाल पुं० (कोलपाल) ધરણેન્દ્રના બીજા લોકપાલનું અને ભૂતાનંદ ઇંદ્રના લોકપાલનું નામ. धरणेन्द्र के दूसरे लोकपाल का और भूतानंद इंद्र के लोकपाल का नाम. The name of a Lokapāla, the second of Dharaṇendra and of Bhūtananda. ठा० ४, १; भग० ३, ८; जं० प०

कोलसुणश्र-य. पुं० (कोलशुनक) મોટું સુઅર. बडा सूअर. A big pig. आया० २, १, ५, २७;

कोलसुणग. पुं० (कोलशुनक) મોટું ડુક્કર. बडा सुअर. (भसुंडा). A big pig. पन्न० १; जीवा० ३, ३; जं० प० पराह० १ १;

कोलालिय पुं० (कौलालिक-कौलालानि मृद्भाण्डानिपण्यमस्येति कौलालिकः) માટીના વાસણ વેચનાર; કુંભાર. मिट्टी के बरतनों का व्योपारी; कुंभकार. A potter. अणुजो०

१३१; पन्न० १; उवा० ७, १६५;

कोलाह. पुं० (कोलाभ) એક જાતનો ફેણવાળો સર્પ. एक जाति का फनवाला सर्प A kind of hooded serpent. पन्न० १;

कोलाहल. पुं० (कोलाहल) શોર બકોર; ગરબરાટ. कोलाहल; हल्लागुल्ला. An uproar; bustle. नाया० १६; उत्त० ६, ५; ओव० २४; जं० प० पन्न० २; "गाय कोलाहलं करे" सूय० १, ६, ३१; भग० ७, ६; उवा० ६, १३६; —पिय. त्रि० (-प्रिय) કોલાહલ છે પ્રિય જેને તે. जिसे कोलाहल प्रिय है वह. (one) appreciating bustle. नाया० १६;

कोलाहलगभूय. त्रि० (कोलाहलक भूत - कोलाहल एव कोलाहलकः स भूतो जातोऽस्मिन्नतत् कोलाहलक भूतम्) કોલાહલ મય. कोलाहल सहित. Full of bustle. जं० प० २, ३६; भग० ७, ५;

कोलुएण. न० (कारुण्य) દયા; કરુણા. दया; करुणा. Mercy; pity. निसी० १२, १; —पडिया. स्त्री० (-प्रतिज्ञा) અનુકંપા નિમિત્ત; કરૂણા માટે. दया के लिये; करुणार्थ. for the sake of mercy. निसी० १२, १;

* **कोलज्जा.** स्त्री० (अवोवृत्त खाता कारकोष्ठिका विशेष) નીચે ખાટલો અને ઉપર ખાઇના આકારની કોઠી. नीचे बोतल और ऊपर खन्दक के आकर वाली कोठी. A conical shaped pot. आया० २, १७, ३७;

कोल्ल. पुं० (कोल) કોલવૃક્ષ. कोलवृक्ष. A Kola tree. कप्प० ३, ३७;

कोल्लाय. पुं० (कोल्लाक) કોલ્લાક નામનો સંનિવેશ-ગામ. कोल्लाक नाम का संनिवेश-ग्राम. A neighbouring village named Kollāka. भग० १५, १; उवा० १, ८०;

कोव. पुं० (कोप) કોપ; કોપ. क्रोध; कोप. Anger; enragement. पिं० नि० २१२; सम० ५२; भग० १२, ५; —घर. न० (-गृह) કોપ કરવાનું ઘર; રીસાઇને બેસે તે સ્થાન कोप स्थान; कोपित होकर जहां जा बैठे वह जगह. resorting place of one who is enraged. विवा० ६; —सीलया. स्त्री० (-शीलता) ક્રોધી સ્વભાવ. क्रोधी स्वभाव. high temperament. ठा० ४, ४;

कोविश्र-य. त्रि० (कोविद) પંડિત. पंडित. Learned. आया० १, ४, १;

कोस. पुं० (कोश) ગાઉ; બે હજાર ધનુષ્ય પ્રમાણ ક્ષેત્ર; કોસ. गाउ; दो हजार धनुष्य प्रमाण क्षेत्र; कोस. A distance of two miles; a distance equal to 2000 Dhanusyas (a measure of length) उत्त० ३६, ६१; ओव० ४२; जं० प० भग० २, ८; पन्न० ३६; जीवा० ३, १; प्रव० ४१२; (२) આંખનો ડોળો. आंख की पुतली. the pupil of the eye. अणुत्त० ३, १; (३) લઘુનીત-પેશાબ કરવાનું ઠામ. लघुनीत-पेशाब करने का बर्तन. a pot for passing urine in. सूय० १, ४, २, १२; (४) અધોમુખ કમલને આકારે ગર્ભાશય.; ગર્ભ સ્થાન. a womb तंदु० ८; (५) ભંડાર; ખજાનો. भंडार; खजाना. a store; a treasury. जं० प० ७, १६४; राय० १६२; २०६; २२२; २८२; नाया० १; १४; निर० १, १; भग० ११, ६; उत्त० ६, ४६; ओव० कप्प० ४, ८६; (६) કમલનો ડોડો. कमल की फली. a lotus pod. पंचा० ३, १६; —दुग न० (-द्विक) બે ગાઉ. दो कोस. two miles. प्रव० ८१६; —अगार. पुं० (-आगार) ભંડાર; ખજાનો. भंडार; खजाना. treasure;

store. जं०प०—**आकार.** पुं० (-आकार) કમલ કોશની આકૃતિ. कमल की फली सी आकृति. the shape of a lotus pod. पंचा० ३, १६:

कोसंब पुं० (**कौशाम्ब**) દ્વારકાથી પાંડુ મથુરા જતાં વચ્ચે આવતું એ નામનું એક વન કે જેમાં જરાકુમારે કૃષ્ણ મહારાજને હરણની ભ્રાંતિથી બાણ માર્યું. द्वारका से पांडु मथुरा जाते समय मार्ग में आने वाला एक बन जहां जराकुंवर ने कृष्ण महाराज को हिरन समझ कर बान मारा था. A forest of this name situated between Dwārakā and Pandu Mathurā, where Jarā Kumāra had struck Krisna Mahārāja taking him to be a deer through mistake. अंत० ५, १; (२) એ નામનું એક ઝાડ. इस नाम का एक झाड़. a kind of tree. पन्न० १: (३) કોશામ્બ ઝાડનું ફલ. कोशाम्ब नामके झाड़ का फल. a fruit of Kośāmba tree. भग० २२, २: —**गंडिया.** स्त्री० (-**गण्डिका**) કોશમ્બ વૃક્ષની ગાંઠવાળી લાકડી. कोशम्ब वृक्ष की गांठवाली लकड़ी. a stick of Kośamba tree having knods. भग० १६, ४:

कोसंबिया. स्त्री० (**कौशाम्बिका**) એ નામની એક શાખા. इस नाम की एक शाखा. An offshoot of this name. कप्प० ८:

कोसंबी. पुं० (**कौशाम्बी**) એ નામની એક નગરી; અનાથી મુનિનું મૂલ વતન. इस नाम की एक नगरी; अनाथी मुनि का मूल निवास स्थान. Name of a city; the residing city of the ascetic Anāthi. निसी० ६, २०; भग० १२, २; वेय० १, ४८; उत्त० २०, १८; नाया० ध० १०; पन्न० १;

कोसग. पुं० (**कोशक**) એક જાતનું કામ-પાસણ. एक जाति का बर्तन. A kind of pot. "सरावं सिवा डिंडिमंसिवा कोसगं सिवा" आया० २, १, ११, ६२; प्रव०६८३;

कोसल. पुं० (**कोशल**) કોશલ દેશ; શ્રીવૃષભદેવ ભગવાનના ચોવીશમાં પુત્રના ભાગમાં આવેલ દેશ. कौशल देश; श्री ऋषभदेव भगवान के चौवीसवें पुत्र के हिस्से में आया हुआ देश. Kośala country; name of the country which came as a part of property to the 24th son of Śrī Risabhadeva. पन्न० १; नाया० ८; कप्प० ५, १२७; —**जाणवय.** पुं० (-**जानपद**) કોશલ દેશ. कोशल देश. the Kośala country. भग० १५, १:

कोसलग. त्रि० (**कोशलक-कोशला अयोध्या तज्जनपदोऽपि कोशला, तत्सम्बन्धिनः कोशलकाः**) કોશલ દેશવાસી. कौशल देश निवासी. A resident of Kośala. पिं० नि० ६१६; भग० ७, ६; १५, १: ठा० ५, २:

कोसलिअ-य. त्रि० (**कोशलिक-कुशला-विनीता अयोध्या, तस्या अधिपतिस्तत्र भवोवा कौशलिकः**) કોશલ દેશમાં જન્મેલ. कौशल देश में उत्पन्न. (One) born in the country of Kośala. (२) અયોધ્યા નગરીના અધિપતિ રાજા. अयोध्या नगरी का अधिपति-राजा. the king of Ayodhyā. जं० प० २, ३०; ३१;

कोसिअ-य पुं० (**कौशिक**) કૌશિક નામનું ગોત્ર. कौशिक नाम का गोत्र. A lineage of this name. नंदी० २५; सू० प० ११; ठा० ७, १; (२) त्रि० કૌશિક ગોત્રમાં ઉત્પન્ન થયેલ. कौशिक गोत्र में उत्पन्न. (one) born in a Kouśika lineage. ठा० ७, १; जं० प० ७, १५६;

कोसिकार. पुं० (**कोशिकार**) એક જાતનો

रेशमनो कीडो. एक जातका रेशम का कीडा. A kind of silk-worm. पराह० १, ३;

कोसिज्ज. न० (कौशेय) रेशमी वस्त्र. रेशमी कपडा. Silken cloth. जं० प०,

कोसी. स्त्री० (कौशी) कोशी नामनी नदी के जे गंगामां मळे छे. कौशी नाम की नदी कि जो गंगा में मिलती है. Name of a river which joins the Ganges. ठा० ५, ३; उवा० २, १०१;

कोसी. स्त्री० (कोशी) तलवारनी म्यान. तलवार का कोश; म्यान. A sheath. सूय० २, १, १५;

कोसेज्ज. न० (कौशेय) रेशमी वस्त्र. रेशमी वस्त्र. A cloth made of silk. सम० प० २३८; पराह० १, ४; ओव० जीवा० ३;

कोह. पुं० (क्रोध-क्रोधनं क्रुध्यति वा येनसः क्रोधः) क्रोध; रोष; गुस्सो. क्रोध; गुस्सा; रोष. Anger; rage. नाया० १; ५; सु० च० ३, १६१; भग० १, ६; ७, १; १०; १२, ५; दस० ८; ६, १२; ७, ५४; पिं० नि० ६३; ४०६; आया० १, ५, ६, १६५; ठा० १, १; २, १; उत्त० १, १४; ४, १२; ६, ३६; दसा०४,८२;६,४; निसी०१३, ६६; ओव०१६,३४; विशे०१०३४; पन्न०१४;सूय० २,६, १२;भत्त०६८;१५१; प्रव०४५७;ओव० ३, १; क० प० २, ८७; क० गं० १, १६; पंचा०१, १०;—**उदयणिरोह.** पुं० (-उदयनिरोध) क्रोधना उदयने रोकवो. क्रोध का उदय न होने देना. checking of anger. भग० २५, ७; —**उवउत्त.** त्रि० (-उपयुक्त) क्रोधना उपयोगवाळो; क्रोधी. क्रोधी उपयोग वाला; क्रोधी. enraged; angry. भग० १, ५; —**कसाअ-य.** पुं० (-कषाय) क्रोध-गुस्सो ते रूप कषाय. क्रोध-गुस्सा वह रूप वाला कषाय. a passion in the form of anger. ठा० ४, १; सम० ४; भग० २४, १; क० गं० ४, १४; ओव० ४, ७; —**कसाइ.** पुं० (-कषायिन्) क्रोध कषायवाळो; क्रोधी. क्रोध कषायवाला; क्रोधी. a person possessed of anger. भग० ६, ४; ११, १; १८, १; २६, १; ३५, १; —**जुअल.** न० (-युगल) क्रोधनुं जोडुं-युगल; अपच्चखाणावरणीय क्रोध अने पच्चखाणावरणीय क्रोध. क्रोध की जोडी-युगल; अप्रत्याख्यानावरणीय क्रोध और प्रत्याख्यानावरणीय क्रोध. a pair of Pratyākhyānāvaraṇīya and Apratyākhyānāvaraṇīya anger. प्रव० ७१०; —**निग्गह.** पुं० (-निग्रह) क्रोधनो निग्रह करवो ते. क्रोध का निग्रह करना. checking of anger. प्रव०५५६; —**निव्वत्तिअ.** त्रि० (-निर्वर्तित) क्रोधथी निष्पन्न थएल. क्रोध से निष्पन्न. produced, born of anger. ठा० ४, ८; —**पिंड.** पुं० (-पिण्ड—क्रोधः कोपस्तद्धेतुकः पिण्डः क्रोधपिण्डः) कोधपणु साधु विद्या के तपनो प्रभाव दर्शावी राजवल्लभपणुं के पोतानुं बल जणावी आहार ल्ये तेः आहारनो एक दोष. कोईभी साधु विद्या या तप का प्रभाव दिखाकर या राजवल्लभता और अपना बल दिखा आहार ले वह आहारः आहार का एक दोष. accepting of food by exposing some miracle or superhuman power or the royal patronage; a fault connected with receiving food. पिं० नि० ४६२; —**मुंड.** त्रि० (-मुण्ड) क्रोधनो निग्रह करनार. क्रोध का निग्रह करने वाला. (one) who checks anger. ठा० ५, ३; —**वसट्ट.** त्रि० (-वशार्त) क्रोधथी पीडित; क्रोधने वशे आर्त-दुःखी

थयेल. क्रोध से दुःखित; क्रोध के कारण आर्त-दुःखी. afflicted with anger; given to anger. भग० १२, १; —विउस्सग्ग. पुं० (-व्युत्सर्ग) क्रोधनो त्याग. क्रोध का त्याग. abandoning of anger. भग० २५, ७; —विजअ-य. पुं० (-विजय—क्रोधस्य विजयो दुरन्तादि परिभावनेनोदय निरोधः क्रोधविजयः) क्रोधने जीतवो ते; क्रोधने अटकाववो ते. क्रोध को जीतना; क्रोध को रोकना. conquering of anger; victory over anger. उत्त० २९, २; —विवेग. पुं० (-विवेक) क्रोधनो त्याग. क्रोध का त्याग. abandoning of anger. "एगे कोह विवेगे" ठा० १, १; भग० १७, ३; सम० २५; —सगणा. स्त्री० (-संज्ञा — क्रोधोदयात्तदावेशगर्भा प्ररूक्ष मुखनयनदन्तच्छदस्फुरणादि चेष्टैव संज्ञायते अनयेति क्रोधसंज्ञा) क्रोध मोहनीयना उदयथी क्रोधि मनुष्यना मुख नेत्र दान्त वगेरे अंगो ध्रुजे छे ते; क्रोध संज्ञा. क्रोध मोहनीय के उदय से क्रोधी मनुष्य के मुंह, नेत्र, दंत आदि अंगो का धुजना; क्रोध संज्ञा. trembling of face eyes teeth etc., of a man who is enraged. भग० ७, ८; ठा० १०; पन्न० ४;

कोहंगक. पुं० (क्रोधाङ्गक) એક જાતનું પક્ષી. एक जाति का पक्षी. A kind of bird. ओव०

कोहंड. पुं० (कूष्माण्ड) કોળું; દુધી. लौकी; तुम्बी. A white gourd. अणुजो० १४३; प्रव० ११४५;

कोहण. त्रि० (क्रोधन) ક્ષણે ક્ષણે તપી જનાર; ક્રોધી; અસમાધિનું નવમું સ્થાનક સેવનાર. क्षण २ पर क्रोध करने वाला; क्रोधी; असमाधि का नवां स्थानक सेवने वाला. (One) getting angry every moment; (one) undergoing the 9th stage of uneasiness due to anger. सूय० २, २, १८; उत्त० २७, ६; सम० २०;

कोहि. त्रि० (क्रोधिन्) ક્રોધવાળો; ક્રોધી. क्रोधी; क्रोध वाला. Angry; enraged. अणुजो० १३१; क० गं० ४, ६३;

कोहिल्ल. त्रि० (क्रोधवत्) ક્રોધિલો; ખારીલો; ઝેરી. क्रोधी; जहरी; डाही. Angry; enraged. ओघ० नि० भा० १३३;

√ **क्किण.** धा० I, II. (क्री) વેચાતું લેવું; ખરીદવું. बिकता हुआ लेना; खरीदना. To purchase; to buy.

किणेइ निसी० १४, १; १६, १;
किणाइ पिं० नि० ३५०;
किणे. वि० आया० १, २, ५, ८८;
किणं व० कृ० सूय० २, १, २८;
किणंत. उत्त० ३५, १४; सु० च० १५, १७१;
किणावेइ. प्रे० निसी० १४, १, १६, १;
किणावए. प्रे० आया० १, २, ५, ८८;
किणावेमाण. प्रे० सूय० २, १, २८;
किणन्तु. प्रे० पराह० १, २;

√ **क्खोड.** धा० I. (*) निषेध करवो. त्यागना. To abandon; to reject.

खोडिज्जंति. भग० १३, ७;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ख.

ख. न० (ख) આકાશ. आकाश; आस्मान. The sky. "**खे सोहइ विमले अब्भमुक्के**" दस० ६, १, १५; (२) ઇંદ્રિય. इंद्रिय. an organ;a limb. विशे० ३४४५;

खश्र-य. न० (क्षत) ઘા; જખમ. घाव; जख्म. A wound. सु० च० ७, २८४;

खइ. त्रि० (क्षयिन्) ક્ષયરોગવાલો. क्षय रोगी. Consumptive. सु० च० १३, ५४;

खइश्र-य. त्रि० (क्षायिक) કર્મ પ્રકૃતિનો ક્ષય; સમુલગો નાશ કરવાથી ઉત્પન્ન થતો ભાવ-કેવલ જ્ઞાનાદિ ક્ષાયિક ભાવ. कर्म प्रकृति का क्षय; समूल नाश करनेसे उत्पन्न होने वाला भाव-केवल ज्ञानादि क्षायिक भाव. Complete destruction of Karmic natures. पिं० नि० १५८; अणुजो० ८८; भग० १४, ७; २५, ६; विशे० ५२८; प्रव० ६५७; १३०४; क० गं० १, १५; ३, २०; ४, १६;

खइय. त्रि० (क्षापित) ખપાવેલું; ક્ષય કરેલું. नाश कियाहुआ, क्षयकियाहुआ. Destroyed. राय० २८३;

खइय. त्रि० (खचित) જડેલું. जडा हुआ, पच्चीकियाहुआ. Inlaid; studded. आया० २, ४, १, १४५; उवा० ७, २०६;

खइय. त्रि० (खादित) ખવાયેલ; ખાધેલ. खायाहुआ. Tasted; eaten. पिं० नि० १४२; पं० चा० १६, १३; ओघ० नि० भा० ५८८; राय० २५८; पिं० नि० ७३५;

खइर. पुं० (खदिर) ખેરનું ઝાડ. खेरका झाड. A kind of tree known as Khera. सु० च० ७, ६५;

खउर. न० (खपुर) સોપારીના લાકડામાંથી બનાવેલ તાપસનું પાત્ર. सुपारीका लकडी से बनाया हुआ तापस का एक पात्र. A pot for an ascetic made of the wood of a bettle-nut. विशे० १४६५;

खउरिय. त्रि० (*) મેલું; ડોળું. मैला; गन्दला. Turbid; dirty. पिं० नि० २६२;

खश्रोवसम. पुं० (क्षयोपशम) ક્ષયોપશમ ભાવ-કર્મનો કાંઇક ક્ષય અને કાંઇક ઉપશમ કરવો તે, અર્થાત ઉદયમાં આવેલ કર્મનો ક્ષય અને ઉદયમાં ન આવેલ કર્મનો ઉપશમ કરવો તે. क्षयोपशमभाव-कर्मका कुछ्छक क्षय और कुछ्छक उपशम करना अर्थात् क्षय करना और उदय में न आये हुए कर्मका उपशम करना. Destroying of Karmas and forcing the unmatured Karmas to mature. विशे० १०४; श्रोव० ४; नाया० १, १८; भग० ६, ३१; पंचा० १, ३; उवा० १, ७४;

खश्रोवसमिश्र. न० (क्षयोपशमिक) ક્ષયોપશમભાવે પ્રાપ્ત થતાં મતિજ્ઞાન આદિ. क्षयोपशम भावसे प्राप्त होनेवाले मतिज्ञान आदि. Intellectual knowledge etc got by the action of destroying the matured Karmas and forcing the unmatured Karmas to mature. अणुजो० ८८; ठा० २, १; नंदी० ६; भग० १४, ७; २५, ६; विशे० ५१७; क० गं० ६, ५०; प्रव० ६३६;

√ **खंच.** धा० I. (कृष्) ખેંચવું. खेचना. To stretch.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खंच. श्रा० सु० च० २, १८;

खंजण. पुं० (खञ्जन) ગાડાની ઉંધણ--ગાડાના પૈડા-નો મેલ--પૈડાં ફરવાથી ધરી ઊપર જામતો ચી-કણો કાળો મેલ. गाडेकी ऊंघन गाडे के पहियों का मैल—पहिये फिरने से धुरे पर जमनेवाला चिकना काला मैल. The dirty black grease of wheels. ओघ० नि० ४०१; क० गं० १, २; भग० ६, १; १२, ६; उत्त० ३४, ४; श्रोव० सू० प० १६०; (२) એક જાતનું પક્ષી. एक जात का पक्षी. a kind of bird. जीवा० ३, ४; (३) દીવાની મેસ; કાજળ. दीपक की मेस; काजल. the soot of a lamp. ठा० ४, २; पन्न० १७; प्रव० ८५७;

√ **खंड.** धा० II. (खण्ड्) ખાંડવું. खांडना To pound.

खंडेइ. सु० च० २, ३६६;

खंडित्तए. हे० कृ० नाया० ५; ८;

खंडिज्जंत. क० वा० व० कृ० सु० च०२,८२.

खंड. न० (खण्ड) ભાગ; કટકો. भाग; टुकडा A division; a part. जं० प० ६, १२५; विवा० ७; विशे० १४४२; नंदी० ५०; पिं० नि० ५१७; भग० २, ५; १०; ६, ३१; १२, २; नाया० १६, १७; उवा० १, ३८; नंदी० ८७; (२) વનખણ્ડ. वनखंड. a part of a jungle. नाया० ९; (३) ખાંડ. शकर. sugar. उत्त० ३४, १५; जीवा० ३, ३; अणुजो० ६५, १३३; भग० १८, ६; पिं० नि० २८३; जं० प० पन्न० १७; —**घडग.** पुं० (-घटक) ફુટી ગયેલો ઘડો. फूटा हुआ घडा a broken pot. नाया० १६; —**पट्ट.** त्रि० (-पट्ट) અપૂર્ણ લુગડાંવાળો; ગરીબ. अपूर्ण वस्त्रों वाला; गरीब. (one) possessing poor clothes. (२) ઠગ; જુગારી. ठग; जुआरी. a speculator. विवा० ३; ६; —**पडह.** त्रि० (पटह) ભાંગેલ ઢોલવાળો. फूटे ढोल वाला. (one) possessed of a broken drum. विवा० २; —**पाण.** न० (-पान) ખાંડનું પાણી. शकर का पानी. sugar-water. नाया० १७; —**मल्लय.** न० (-मल्लक) ભાંગી ગયેલ પ્યાલો-સરાવલો. फूटा हुआ प्याला, मरावला. a broken cup. नाया० १६; —**महुर.** त्रि० (-मधुर) ખાંડના જેવું મીઠું. शकर जैसा मीठा sweet as sugar. ठा० ४, ३;

खंडग. पुं० (खण्डक) કચ્છવિજયના વૈતાઢ્ય ઉપરના નવ કૂટમાંનું ત્રીજું કૂટ-શિખર. कच्छविजय के वैताढ्य पर के नव कूटों में का तीसरा कूट-शिखर. The third of the nine summits of the Vaitāḍhya mount in Kachchha Vijaya. जं० प० ६, १२५; (२) કર્મસ્થિતિના ભાગ. कर्मस्थिति के खंड-टुकडे. parts, divisions of Karma. क० प० ७, ४८; —**मल्लग.** पुं० (-मल्लक) ભાંગી ગયેલ સરાવલો; ભાંગેલ સકોરૂં. फूटा हुआ प्याला अथवा सिकोरा. a broken earthen cup. नाया० १६; —**विच्छेय.** पुं० (-विच्छेद) કર્મના સ્થિતિખણ્ડનો વિચ્છેદ-અભાવ. कर्मका स्थिति खंड का विच्छेद-अभाव. absence of a division of the duration of Karma. क० प० ७, ४८;

खंडगप्पवाय. पुं० (खण्डकप्रपात) જુઓ "खंडप्पवायगुहा" શબ્દ. देखो "खंडप्पवायगुहा" शब्द. Vide. "खंडप्पवायगुहा" ठा० २, ३;

खंडगप्पवायगुहा. स्त्री० (खण्डकप्रपातगुहा) એવા નામની ભરતના વૈતાઢ્યની બીજી ગુફા; ઉત્તર ભરતમાંથી ચક્રવર્તીના લશ્કરને પાછો દક્ષિણ ભરતમાં આવવાને વૈતાઢ્ય પર્વતની

वच्चे गुफारूप मार्ग. खंडकप्रपात गुहा इस नाम का भरत के वैताढ्य का दूसरी गुफा-उत्तर भरतमें से चक्रवर्ती के लश्कर को पाछा दक्षिण भरत में आने को वैताढ्य पर्वत में का गुफारूप मार्ग. Name of the second cave of Vaitāḍhya in Bharata the cave which is a returning way for the army of a Chakravarti from the northern Bharata to the southern Bharata. "खंडप्पवाय गुहाणं अट्ठ जोयणाइं" ठा० ८; सम० ५०;

खंडप्पवायगुहा. स्त्री० (खण्डप्रपातगुहा) वैताढ्य पर्वत वच्चे पूर्व बाजुनी एक गुफा जेमांथी चक्रवर्ती उत्तर भरतदेशो साधी पाछा दक्षिण भरतमां वळे छे. वैताढ्य पर्वत में की पूर्व बाजू की एक गुफा, जिसमें से चक्रवर्ती उत्तर भरत देश जीतकर पीछे दक्षिण भरत में लौटते हैं. Name of a eastern cave in the midst of the mount Vaitāḍhya through which Chakravarti returns to southern Bharata after conquering the countries of northern Bharata. जं० प० ३, ६५; ६, १२५; १, १३;

खंडप्पवायगुहाकुड. पुं० (खण्डप्रपातगुफाकूट) वैताढ्यपर्वत उपरना नवकूटमांनुं त्रीजुं कूट-शिखर. वैताढ्य पर्वत के नवकूट में का तीसरा कूट-शिखर. The third of the 9 summits of the Vaitāḍhya mount. जं० प०

खंडरक्ख. पुं० (खण्डरक्ष) दाणी; दाण लेनार. दाणी, दाण लेनेवाला. A custom inspector. (२) कोटवाळ. कोतवाल. the head of the police. पराह० १, १, ३; ओव० नाया० १८;

खंडरूवत्तण. न० (खंडरूपत्व) खंडितपणुं. खंडितपना. The state of being broken. पंचा० १४, १२;

खंडसिरी स्त्री० (खण्डश्री) विजयनामे चोर सेनापतिनी स्त्रीनुं नाम. विजय नाम के चोर सेनापति की स्त्री का नाम. Name of the wife of Vijaya the head of thieves. विवा० ३;

खंडाखंडि. अ० (खण्डाखण्डि) खंडेखंड; कडके कडका. खंड खंड; टुकडे टुकडे. Pieces into pieces "अप्पिणा खंडाखंडि करेमि" उवा० २, ६५; नाया० ८;

खंडाभेद. पुं० (खण्डभेद) कटके कटके भांगवुं ते भेदवुं; कडका थाय तेवी रीते भेदवुं ते. टुकडे टुकडे करना; खंड-टुकडे होजाय इस तरहसे छेदन करना. Breaking or piercing into pieces. पन्न० ११;

खंडिय. पुं० (खण्डिक) शिष्य; विद्यार्थी. शिष्य, छात्र, विद्यार्थी. A pupil; a disciple. उत्त० १२, ३०; ओव० ३२ भग० १८ १०;

खंडिय. त्रि० (खण्डित) खंडित; भांगेल. खण्डित, खंडाहुआ. Broken. प्रव० ५८८, तंदु० आव० १, ४; ५, १; (२) एक देशथी भांगेल खंडित थयेल. एक ओर से टूटा हुआ-खंडित. broken on one side नाया० ८;

खंडी. स्त्री० (*) गढमां पाडेली बारी; छीडी. गढ में पाडी हुई बारी; छेद. An

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

opening made in a fortress. नाया॰ २; १८; (२) ખાજા; દહિથરા. खाजा; खाद्य विशेष. a kind of eatable substance. प्रव॰ १४२७;

खंडुयग. न॰ (खण्डक) ખાંડવા; ખંડ; વિભાગ. खंड; विभाग. Division; part. प्रव॰ ६१७;

खंडेय. पुं॰ (खण्डेय) બતક; પક્ષી વિશેષ. बतक; पत्ती विशेष. A kind of swan. ओव॰

खंत. त्रि॰ (क्षान्त क्षाम्यतिक्षमां करोतीति) ક્ષમા વાળો. क्षमा वाला. (One) possessed of a tranquil mind; patient. "खंतो आयरिएहिं, संभंतायाओ निक्खमंति" नाया॰ १४; गच्छा॰ ४३; सूय॰ २, १२, ६, ५; ठा॰ ८; (२) पुं॰ પિતા; બાપ. पिता; बाप. father. "जामा हपुत्त पहमाराणुत्ता खंतयामांसिद्धं" पि॰ नि॰ ४३०;

खंताइ. त्रि॰ (क्षान्त्यादि) ક્ષાંતિ-સહનશીલતા ક્ષમા વગેરે. क्षांति-सहन शीलता-क्षमा वगैर. Patience; forbearance. प्रव॰ ८४६;

खंति. स्त्री॰ (क्षान्ति) સહન શીલતા; ક્રોધનો નિગ્રહ કરવો તે; ક્ષમા. सहन शीलता; क्रोध का निग्रह करना; क्षमा. Patience; forbearance. पराह॰ २, ५; ओव॰ १६; २०; जं॰ प॰ दस॰ ८, २७; नाया॰ १; भग॰ २, १; २५, ७; सु॰ च॰ ३, ४७; सम॰ १०; उत्त॰ १, ६; २६; २; ठा॰ ४, १; राय॰ २१५; क॰ गं॰ १, ५५; कप्प॰ ५, ११६; प्रव॰ ५६१; पंचा॰ ११, १६; १३६८; —खमा. स्त्री॰ (-क्षमा) ક્રોધને રોકીને સહનશીલતા રાખવી તે. क्रोध को रोककर सहनशीलता रखना. the state of being patient by checking anger. भग॰ १२, १; ठा॰ ३, ३; —सूर. पुं॰ (-शूर) ક્ષમા રાખવામાં શૂર ધીરજ ધારી; જેવા કે અરિહંત, મહાવીર. क्षमा रखने में शूर, धैर्य धारि; जैसे कि अरिहंत, महावीर. (one) possessing the power of checking anger; like Arihanta, Mahāvira etc. ठा॰ ४, ३;

खंतिया. स्त्री॰ (क्षान्तिका) જનની, માતા. जननी, माता. A mother. "कहिजाहि खन्तियाए तुमं" पिं॰ नि॰ ४३२; ५७६; ओघ॰ नि॰ भा॰ २४१;

खंद. पुं॰ (स्कन्द) કાર્તિક સ્વામી; કાર્તિકેય નામે શંકરનો મ્હોટો પુત્ર. कार्तिक स्वामी; कार्तिकेय नामक शंकर का बडा पुत्र. Name of a person; Kārtikaswāmi; the eldest son of Śaṅkara Kārtikeya by name. भग॰ ३, १; जं॰ प॰ जीवा॰ ३, ३; अणुजो॰ २०; नाया॰ ३; —ग्गह. पुं॰ (-ग्रह) કાર્તિક સ્વામીનો વળગાડ. कार्तिक स्वामी का लगना. under the influence of Kārtikaswāmī; subject to the influence of Kārtikaswāmī. जीवा॰ ३, ३; जं॰ प॰ भग॰ ३, ७; —मह. न॰ (-महस्) કાર્તિકસ્વામીનો ઉત્સવ. कार्तिक स्वामी का उत्सव. the festival in honour of Kārtikasvāmī. आया॰ २, १, २, १२; नाया॰ १; निसी॰ १६, १२; भग॰ ६, ३३; राय॰ २१७;

खंदग्र-य. पुं॰ (स्कन्दक) ખંધક સંન્યાસી ગદ્દભાલિના શિષ્ય કે જે શ્રી ગૌતમ સ્વામિના મિત્ર હતા; જેને પિંગલ નિગ્રન્થે પ્રશ્નો પૂછ્યા હતા; તે પ્રશ્નોના જવાબ ન આપી શકાયાથી મહાવીરસ્વામી પાસે જતાં પ્રશ્નોના ખુલાસા મેળવી શ્રીમહાવીર સ્વામી પાસે દીક્ષા લીધી. खंधक सन्यासी गद्दभालि के शिष्य थे; जिन से पिंगल निग्रंथने प्रश्न पूछे थे. जब उन प्रश्नों

का उत्तर न दिया गया तो वे महावीर स्वामी के समीप गये और उन से उत्तर पाकर दीक्षा ली. Name of a mendicant who was a disciple of Gaddabhāli and a friend of Gotamaswāmī. He accepted initiation from Mahāvīra for having received answers to the questions which he could not give to the ascetic Piṅgala on being asked. भग० २, १: (२) કાર્તિક સ્વામી. कार्तिक स्वामी. Kārtikaswāmī. नाया० २;

खंदिल. (स्कन्दिल) સિંહસૂરિના શિષ્ય; સ્કન્દિલાચાર્ય. सिंहसूरि के शिष्य; स्कन्दिलाचार्य. The disciple of Sinha-Sūri; Skandilāchārya. नंदी०

खंध. पुं० (स्कन्ध) બૌદ્ધ મતમાં રૂપ, વેદન, વિજ્ઞાન, સંજ્ઞા અને સંસ્કાર એ પાંચને સ્કન્ધ કહેવામાં આવેછે; તેમાં પૃથ્વી આદિ તેમજ રૂપાદિને રૂપ સ્કન્ધ, સુખદુઃખ અને અદુઃખ સુખને વેદના સ્કન્ધ, રૂપ રસાદિ વિજ્ઞાનને વિજ્ઞાન સ્કન્ધ, પદાર્થના નામાદિને સંજ્ઞા સ્કન્ધ અને પુણ્યા પુણ્યાદિ ધર્મ સમુદાયને સંસ્કાર સ્કન્ધ કહે છે. बौद्ध मत में रूप, वेदन, विज्ञान, संज्ञा और संस्कार इन पांचों को स्कन्ध कहने में आता है उनमें से पृथ्वी आदि उसी तरह रूपादि को रूप स्कन्ध, सुख दुःख और अदुःख सुख को वेदना स्कन्ध, रूप रसादि विज्ञान को विज्ञान स्कन्ध, पदार्थ के नामादि को संज्ञा स्कन्ध और पुण्या पुण्यादि धर्म्म समुदाय को संस्कार स्कन्ध कहते हैं. A Skandha (group) of five terms viz. Rūpa, Vedana, Vidyana, Sanjñā and Sanskāra according to Buddhism and these terms are styled according to their name. जं० प० ३, ५८; सूय० १, १, १, १७; पराह० १, २; भग० २०, २; (२) કાંધ; ખભો. कंधा. a shoulder. उत्त० ११, १६; राय० ३२; पिं० नि० ८६; ३३१; नाया० ८; १४; श्राया० १, १, २, १६; जीवा० ३, १; सु० च० २, ३६; कप्प० ३, ३५; प्रव० ८८७; १३१५, (३) દ્વિપ્રદેશાદિક ઘણા પરમાણુઓ મળીને બનેલ એક જથ્થો. द्वि प्रदेशादिक बहुत से परमाणु मिलकर बनाहुआ एक स्कंध. a collection of various particles. भग० १, ४; १०; २, १०; ५, ७; ११, ११; १४, १०; १८, ६; ८; २५, ३; ४; नाया० १; १६; विशे० ३२४; ८५५; अणुजो० ४४; १४४; उत्त० ३ १८; ३६, १०; ठा० १, १; श्रोव० क० गं० ७५; (४) ઝાડનું થડ. भाड का धड़. the trunk of a tree. श्रोव० राय० १४४; भग० ३, ४; २१, ३; सूय० २, ३, २; ५; पन्न० १; (५) સમગ્ર વસ્તુ; સંપૂર્ણ પદાર્થ. समग्र वस्तु; संपूर्ण पदार्थ. a complete thing. पन्न० १; भग० ८, ६; (६) માલા વિશેષ. माला विशेष. a kind of garland. निसी० १६, २८; (७) ઢગલો. ढेर. a heap. नंदी० १८; निसी० १३, ७; श्राया० २, ५, १, १४८; (८) બે ઇન્દ્રિય વાલો એક જીવ. दो इन्द्रिय वाला एक जीव. a two-sensed living being. पन्न० १; (९) કર્મના સ્કંધ. कर्म का स्कन्ध. a heap of Karma. क० प० ७, ४७; —**उत्तरओ.** अ० (—उत्तरतस्) પૂર્વ પૂર્વના કર્મ સ્કંધથી ઉત્તરોત્તર. पूर्व पूर्व के कर्म स्कन्ध से उत्तरोत्तर. the future collection of Karma as opposed to the past. क० प० ७, ४७; —**देस.** पुं० (—देश) સ્કન્ધનો એક આખી વસ્તુનો ભાગ. स्कन्ध का —सारी वस्तु का एक भाग. a part.

division of a group. भग० २, १०; ६, १; उत्त० ३६, १; —प्पएस. पुं० (-प्रदेश) वस्तुनो એક બારીક-માં બારીક અંશ. वस्तु का एक बारीक में बारीक अंश. the infinitisimal part of a thing. अणुजो० १४४; भग० १०, १; —प्पभव. पुं० (-प्रभव) સ્કન્ધનો-થડની ઉત્પત્તિ. स्कन्ध की पौधे की उत्पत्ति. origin of a tree. "मूलाओ खंधप्पभवो दुमस्स" दस० ६, २, १. —बीज. त्रि० (-बीज) ખંધ-થડરૂપ બીજ જેને છે તે; થડ વાવવાથી જે થાય તે: મોગરો ચમ્પેલી-ધુપેડા વિગેરે. पौधे रूपी बीज जिसका है, वह पौधा लगाने से जो होते हैं, मोगरा-चमेली वगैरा. the different flowering plants which grow not from seeds but by sowing their branches etc. आया० २, १, ८, ४८; ठा० ४, १; दस० ४;

खंधकरणी. स्त्री० (स्कन्धकरणी) સાધ્વીને ખભે નાખવાનું વસ્ત્ર; સંથારીઓ. साध्वी के कंधे पर डालने का वस्त्र. a garment of a female ascetic worn on the shoulder. ओघ० नि० ६७७;

खंधग. पुं० (स्कन्धक) જુઓ 'खंध' શબ્દ. देखो 'खंध' शब्द Vide "खंध" सू० प० १०;

खंधगरणी. स्त्री० (स्कन्धकरणी) જુઓ 'खंधकरणी' શબ્દ. देखो 'खंधकरणी' शब्द. Vide "खंधकरणी" प्रव० ५३८; ५४६;

खंधया. स्त्री० (स्कन्धता) ઝાડના થડનો ભાવ-સ્વરૂપ. झाड के पौधे का भाव-स्वरूप. The state of being a trunk of a tree. सूय० २, ३, ५;

खंधार. पुं० न० (स्कन्धावार) સેનાનો પડાવ; લશ્કરનું નિવાસસ્થાન-છાવણી. सैन्य का पड़ाव: लश्कर का निवासस्थान, छावनी. Encampment; the halting place of an army. उत्त० ३०, १७; प्रव० १२३३; —माण. पुं० (-मान) સૈન્યને ગોઠવવાની કલા. सैन्य रचना की कला. the art of arraying an army. नाया० १; ओव० ४०;

खंधावार. पुं० (स्कन्धावार) જુઓ "खंधार" શબ્દ. देखो "खंधार" शब्द. Vide "खंधार" नाया० ८; १६; विशे० ७४२; जं० प०

खंपणय. न० (*) ખાંપણ; મડદા ઉપર નાખવાનું વસ્ત્ર. कफन; शव पर डालने का वस्त्र. A winding sheet. सु० च० १, १४२;

खंभ. पुं० (स्तम्भ) થાંભલો; થંભ. खंभा; स्तंभ. A post; a pillar. उवा० ३, १४०; जं० प० ५, ११५; १, ५५; ३, ६८; ४, ६०; ६६; भग० २, ७; ८, ६; ९, ३३; १०, ५, १२, ६; नाया० १; ८; १३; १६; अणुजो० १५३; जीवा० ३, ३; प्रव० २४६; राय० १०५; सू० प० २०; सूय० २, ७, ४; गच्छा० ८; —उग्गय. त्रि० (-उद्गत) થાંભલા ઉપર રહેલ. स्तंभके ऊपर रहा हुआ. resting on a post or pillar. जं० प० ५, ११५; नाया० १; —सय. न० (-शत) સો થંભ. सो स्तंभ. one hundred pillars. जं० प० ५, ११२;

खकारपविभत्ति. न० (खकारप्रविभक्ति) ખ અક્ષરના આકારની રચનાવાળું નાટક;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

३२ પ્રકારના નાટકમાંનું એક. ख अक्षर के आकार की रचना वाला नाटक; ३२ प्रकार के नाटक में का एक. A kind of drama based on the shape of the letter 'ख' (kha); one of the 32 kinds of dramas. राय० ६३;

खग. पुं० (खग) આકાશમાં ઉડનાર પ્રાણી; પક્ષી. आकाश में उडनेवाला प्राणी, पक्षी. A bird. उत्त० ६, १०; जं० प० ७४, १०२;

खगइ. स्त्री० (खगति) ચાલ; ગતિ. चाल; गति. Gait; motion. क० गं० २, ३२; ५,३; क० प० १, ७१; —**चेट्टा.** स्त्री० (-चेष्टा) ચાલવાની-ગતિ કરવાની ચેષ્ટા. चलने की-गति करने की चेष्टा. the act of moving. क० प० १, ७१; —**दुग.** न० (-द्विक) શુભ અને અશુભ વિહાયોગતિ-ચાલ. शुभ और अशुभ विहायोगति-चाल. auspicious and unauspicious movements क० गं० २, २१; ५, ७३;

खग्ग. पुं० (खड्ग) તલવાર. तलवार. खड्ग. A sword. ठा० ४, १; सु० च० ४, २८; जं० प० क० गं० १, १२; प्रव० १२२८; ओव० १२; जीवा० ३, ४; (२) ગેંડો. गेंडा. a rhinoceros. पराह० १, १, २, ४; —**धारा.** स्त्री० (-धारा) તલવારની ધાર. तलवार की धार. the edge of a sword. क० गं० १, १२;

खग्गपुरा. स्त्री० (खड्गपुरी) સુવલ્ગુ વિજયની મુખ્ય રાજધાની. सुवल्गुविजय की मुख्य राजधानी. The chief capital city of Suvalgu Vijaya. जं० प० ठा० २, ३;

खग्गा. स्त्री० (खड्गा) આવતીવિજયની મુખ્ય રાજધાની. आगामी विजयकी मुख्य राजधानी. The chief capital city of the coming Vijaya. जं० प०

खग्गि. पुं० (खड्गिन्) ગેંડો; એક સિંગડાવાલો જંગલી પશુ. गेंडा; एक सींगवाला जंगली पशु. A rhinoceros. पन्न० १; कप्प० ५, ११६; ओव० १७;

खग्गी. स्त्री० (खड्गी) જુઓ ' खग्गा ' શબ્દ. देखो "खग्गा" शब्द. Vide "खग्गा" ठा० २, ३;

खग्गुड. त्रि० (*) ખરાબ સ્વભાવવાળું; લુચ્ચું;ધર્મહીન. खराब स्वभाववाला; बदमाश; धर्महीन. A roguish; of wicked nature. पिं० नि० ३२२; ओघ० नि० ३५;

खचिय. त्रि० (खचित) જડેલું; ખીચેલું. जड़ा हुआ; खिचा हुआ. Studded; inlaid. नाया० १; कप्प० ३, ६०; राय० ५८; जं० पं० जीवा० ३, ४; (२) કેશર વિગેરેથી રંગેલું. केशर वगैरह से रंगा हुआ. dyed with saffron etc. नाया० १;

खज्ज. न० (खाद्य) ખાજાં વગેરે ખાવા યોગ્ય પદાર્થ. खाजे वगैरह खाने योग्य पदार्थ. Crisp bread etc. नाया० १७; पराह० १, २; प्रव० १४२७;

खज्जग. न० (खाद्यक) જુઓ "खज्ज" શબ્દ. देखो "खज्ज" शब्द. Vide "खज्ज" विशे० १०६५; भग० १५, १; उवा० १, ३४; पंचा० ५, २७; —**विहि.** पुं० (-विधि) ખાજા, ઘેવર, લાપશી વગેરે બનાવવાનો વિધિ. खाजे, घेवर, लापसी वगैरह बनाने की विधि. the process of preparing crisp bread and other sweet eatables etc. प्रव० २०८;

खज्जू. पुं० स्त्री० (खर्जू) ખુજલી; ખરજવો

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खाज; खुजली. Itch. ठा० १;

खज्जूर. न० (खर्जूर) ખજુર; એક જાતનો મેવો. खजूर; एक प्रकार का मेवा; A kind of dried date. उत्त० ३४, १५; आया० २, १, ८, ४३; प्रव० २१०; १०१६; पंचा० ५, २६; —मत्थय. पुं० (-मस्तक) ખજુરનો ગર્ભ-પીસી. खजूर का गर्भ-मगज. the interior of dried dates. "णालिएरमत्थयण वा खज्जूरमत्थएण वा" आया० २, २, ८, ८८; —सार. पुं० (-सार) ખજુરનો આસવ-દારૂ. खजूर का आसव-शराब. the essence, wine prepared from dried dates. जीवा० १; पन्न० १७;

खज्जूरी. स्त्री० (खर्जूरी) ખજુરીનું ઝાડ. खजूर का झाड. A kind of palm tree bearing dates. जं० प० २, १६; भग० २२, १; जीवा० ३, ३; पन्न० १; गच्छा० ७६; —पत्त. न० (-पत्र) ખજુરીનું પાંદડું. खजूरका पत्ता. the leaf of a palm tree. गच्छा० ७६;

खज्जोत. पुं० (खद्योत—खेद्योतते इति) પતંગીઓ; ખજુઓ. पतङ्ग; जुगनू. A glow-worm. अणुजो० १४७;

खज्जोय. पुं० (खद्योत) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. सु० च० १, २२६; क० गं० १, ४६;

खज्जोयग. पुं० (खद्योतक) જુઓ 'खज्जोत' શબ્દ. देखो 'खज्जोत' शब्द. Vide 'खज्जोत' नाया० ८;

खट्ट. त्रि० (*) ખાટું. खट्टा. Sour. पन्न० १; —उदग. न० (-उदक) ખાટું પાણી. खट्टा पानी. the sour water. पन्न० १; —मेह. पुं० (-मेघ) ખાટા પાણી વાલો વરસાદ. खट्टे पानी वाली बरसाद. a sour rain. भग० ७, ६;

खट्टंग. पुं० (खट्वाङ्ग) ખાટલાના અંગ-પાયા વગેરે. खाट के अंग-पाये वगैरह. The legs etc. of a cot. ओव०

खड्डा. स्त्री० (*) ખાડ; ખાઇ. खड्डा; खाइ. A ditch. पंचा० ७, ३६; —तड. पुं० (-तट) ખાડનો-ખાઇનો કાંઠો. खाई का किनारा. the verge of a ditch. पंचा० ७, ३६;

खड्डिआ. स्त्री० (खड्डिका) ગંધાર ગ્રામની બીજી મૂર્છના. गंधार ग्राम की दूसरी मूर्छना. The second note of the musical scale Gandhāra. अणुजो० १३८;

खड्डुग. न० (*) આંગળીમાં પહેરવાની વીંટી, છલ્લા વગેરે ઘરેણાં. अंगुली में पहनने का छल्ला, मुंदरी वगैरह गहना. A ring worn on the finger. भग० ६, ३३;

खड्डुय. पुं० (*) જુઓ "खड्डुग" શબ્દ. देखो "खड्डुग" शब्द. Vide "खड्डुग" दस० १०, १; नाया० १;

खड्डुया. स्त्री० (खड्डुका) આંગળીના ટકોરા; આંગળીથી મારવું તે. अंगुली की टङ्कार; अंगुली से मारना. Tapping with fingers. उत्त० १, ३८;

√ **खण.** धा० I. (खन्) ખોદવું; ખણવું. खोदना. To dig.

खणइ. नाया० १७;

खणंति. सु० च० २, १६३; नाया० १७; जं० प० ५, ११४;

खणे. दस० १०, १, २;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खणाहिं-आ. सूय० १, ४, २, १३;
खणह. उत्त० १२, २६;
खणित्तु. सं० कृ० आया० २. १३. १७२;
खणमाण. व० कृ० पिं० नि० ५१०; विवा० १; नाया० १२;
खणित्ता. सं० जं० प० ५ ११४;
खणावइ. प्रे० दस० १०, १, २;
खणावए. दस० १०, १, २;
खणावेसुं. सं० कृ० नाया० १३;
खणाविसए. हे० कृ० नाया० १३;
खाणित्तु. पिं० नि० १६८;

√खण. धा० I. (क्षणु) મારવું; હિંસા કરવી. मारना; हिंसा करना. To kill.
खणह. आ० आया० १, ७, २, २०४;
खणत. आ० सूय० २, १, १७,

खण. पुं० (क्षण) અવસર; વખત. अवसर, समय. An instant; a moment. सूय०२,४, ४; भत्त०८४; क०प०२, ८२; ४, २१;गच्छा० ६०; आया० १,२,१,७०; कप्प० ५, ११७; (२) ન્હાનામાં ન્હાનો કાળ વિભાગ; સમય. छोटे में छोटा काल विभाग; समय. the shortest division of time; an instant. सूय०१,२८;भग०१, ३३;नाया० १;१६; दस० ५,१,६३; पिं०नि० ७६७; तंदु० भत्त० ५०; पंचा० १, ८८; (३) સંખ્યાત પ્રાણરૂપ કાલ વિભાગ; મુહુર્ત. संख्यात प्राणरूप, काल विभाग, मुहूर्त. a measure of time comprising countable breaths; a time equal to 48 minutes. जं० प० ७, १५१; ठा० २, ४; —जोइ. त्रि० (-योगिन्—परं निकृष्टः क्षणः स विद्यते यस्य इति) પ્રતિક્ષણે નાશ પામનાર; ક્ષણિક. प्रतिक्षण नाश पाने वाला; क्षणिक; क्षण भंगुर. decaying every moment; momentary. सूय०१,१,१, १७; —(अ) द्ध. न० (-अर्ध) અર્ધ ક્ષણ. आधा क्षण. half a moment. गच्छा० ६०; —ण्ण. त्रि० (-ज्ञ) અવસર જાણનાર. समय को पहिचानने वाला. (one) knowing the proper time. आया० १, ७, ३, २०६; —बंध. पुं० (-बन्ध) સમય રૂપે બન્ધ; સ્થિતિ બન્ધ. समय रूप बन्ध; स्थिति बन्ध. limiattion in relation to time. क० प० ७, ४२; —लव. पुं० (-लव) ક્ષણમાત્ર કે લવમાત્ર વૈરાગ્યભાવથી ધ્યાન કરવું તે; તીર્થંકર નામગોત્ર બાંધવાના વીશ પ્રકારમાંનો એક. क्षणमात्र के लवमात्र वैराग्य भावसे ध्यान करना; तीर्थंकर नामगोत्र बांधने के बीस प्रकार में का एक. dispassionate meditation for a moment only; one of the 20 ways of distinguishing oneself as a Tirthankara. नाया० ८; प्रव० ३१२; —संजोइय. त्रि० (-संयोगिक) ક્ષણ-અંતમુહુર્ત પર્યંત જેનો સંયોગ હોય તે. अंतमुहूर्त तक जिसका संयोग हो वह. remaining or lasting forless than 48 minutes. क० प० ७, ३६; —सेस. त्रि० (-शेष) ક્ષણ-જેમાં બાકી છે તેવું; क्षण जिस में बाकी है ऐसा. less by a moment. क० प० २, ८२;

खणयन्न. त्रि० (क्षणज्ञ—क्षणं परं निकृष्टं कालं जानातीति) વખત-અવસરનો જાણનાર. समय-अवसर को जानने वाला. (One) knowing the proper time. आया० १, २, ५, ८९;

खणि. स्त्री० (खनि) ખાણ. खदान; खान A mine. पिं० नि० २२६; नीया० ७;

खत. न० (क्षत) ઘા; ચાંદો; જખમ. घाव; जखम. A wound. अणुजो० १४७;

खतअ. पुं० (खतक) રાહુના પુદ્ગલની પંદર જાતમાંની એક જાત. राहु के पुद्गल की पंदरह जात में की एक जात. One of the 15 sorts of the molecules of Rāhu. सू० प० १६;

खत्त. पुं० (क्षत्र) ક્ષત્રિય; ચાર વર્ણમાંનો બીજો વર્ણ. क्षत्रिय; चार वर्णों में से दूसरा वर्ण. Kṣatriya; the second of the four castes. (२) દાસીપુત્ર; વર્ણસંકર. दासीपुत्र; वर्ण संकर. one belonging to a mixed caste. उत्त० १२, १८;

खत्त. त्रि० (*) છાણજેવા રસવાળું. गोबर जैसा रस वाला. Resembling liquid cow-dung. जं० प० (२) ખાતર પાડેલ. खात लगाया हुआ. (a wall etc.) bored through by a thief. पिं० नि० भा० १३; (३) ખાતર પાડવું; ભીંતમાં બાકું કરવું તે. खात लगाना; भींत में छेद करना. boring through the wall. विवा० ३; नाया० १८; —**खणण.** न० (-खनन-खात्रं खननीति) ખાતર પાડવું; ચોરી કરવાને અંદર દાખલ થવા ભીંતમાં બાકું પાડવું તે. खात लगाना; चोरी करने को अंदर जानेके लिये भींत में छेद करते हैं वह. breaking into a house for the sake of comitting theft. विवा० ३; नाया० १८; —**मेह.** पुं० (-मेघ खात्रेण करीषेण सार्कं सकरीषो वा मेघो यत्रेति) છાણના રસ જેવો વરસાદ. छाण के रस सरीखा बरसात. rain resembling liquid cowdung. जं० प० २, ३६; भग० ७, ६;

खत्तग. पुं० (शत्रक) ક્ષત્રક; રાહુદેવનું નામ. राहु देव का नाम. Name of god Rāhu. भग० १२, ६;

खत्तिय-अ. पुं० (क्षत्रिय) ક્ષત્રિય જાતિ; ચાર વર્ણમાંનો બીજો વર્ણ. क्षत्रिय जाति; चार वर्णों में का दूसरा वर्ण. The second of the four castes. जं० प० ५, ११२; उत्त० ३, ४; ६, १८; १६, ६; राय० २१८; २६६; विवा० १; निसी० ८, १५; ६, २१; दस० ४, २, २, ६, २; भग० १, ६; ११, ६; सु० च० २, ३५५; अणुजो० १३१; ओव० १४; २७; ३८; कप्प० २, १७; प्रव० ३८६; —**कुमार.** पुं० (-कुमार) ક્ષત્રિયકુમાર; રાજપુત્ર. क्षत्रियकुमार; राजपुत्र. a prince; the son of a Kṣatriya. भग० ६, ३३; —**कुल.** न० (-कुल) સામાન્ય ક્ષત્રિય તરીકે સ્થાપેલું કુલ. सामान्य क्षत्रियके तौर पर स्थापित कुल. a family ranked as an ordinary Kṣatriya family. आया० २, १, २, ११; —**जायअ.** त्रि० (-जातक) ક્ષત્રિય જાતિમાં ઉત્પન્ન થયેલ. क्षत्रिय जाति में उत्पन्न. (one) born in the Kṣatriya caste. सूय० १ १३, १०; —**दारग.** पुं० (-दारक) ક્ષત્રિયનો બાલક. क्षत्रिय का बालक. a child of a Kṣatriya. विवा० ४; —**पुत्त.** पुं० (-पुत्र) ક્ષત્રિય પુત્ર; ક્ષત્રિય બચ્ચો. क्षत्रिय पुत्र; क्षत्रिय का बच्चा. a son of a Kṣatriya. भग० ६, ३३; —**विज्जा.** स्त्री० (-विद्या) ક્ષત્રિયની ધનુર્વિદ્યાદિ વિદ્યા; ૪૦ વિદ્યામાંની એક. क्षत्रिय की धनुर्विद्यादि विद्या; ४० विद्यामें की एक. the science of archery possessed by a Kṣatriya; one of the 40

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

lores. सूय० २, २, २७;

खत्तियकुंडगाम. पुं० (क्षत्रियकुण्डग्राम) क्षत्रियकुण्डनामे ग्राम ज्यां जमालि रहेता हता. क्षत्रियकुंड नाम का गांव जहां जमालि रहते थे. Name of a city the residence of Jamāli. भग० ६, ३३; कप्प० २, २०;

खत्तियकुंडपुर. न० (क्षत्रियकुण्डपुर) महावीरस्वामीनी जन्मभूमिनुं ग्राम; सिद्धार्थ राजानी राजधानी. महावीर स्वामी की जन्मभूमि का ग्राम; सिद्धार्थ राजा की राजधानी. The city which is the birth place of Mahāvira Swāmi; the capital city of king Siddhārtha. आया० २, १५, १७६;

खत्तियाणी. स्त्री० (क्षत्रियाणी) क्षत्रियनी स्त्री. क्षत्रिय की स्त्री. A wife of a Ksatriya. कप्प० ३, ४८;

खदिरसार. पुं० (खदिरसार) खेरसार. खैर का सार. A powder prepared of Kher. पन्न० १७;

खद्द-द्ध. त्रि० (खाद्य) मनोज्ञ; स्वादिष्ट; रसभर. मनोज्ञ; स्वादिष्ट; रसभर. Delicious; tasteful. सम० ३३; प्रव० ५२६;

खद्ध. त्रि० (*) प्रभूत; अधिक; प्रमाणथी वधारे. प्रभूत; अधिक; प्रमाण से विशेष. Abundant; much more than enough. आया० २, १, १; ५६; पिं० नि० १८८; ४८१; ५२६; ओघ० नि० ८६; ७२२; पराह० २, ४; प्रव० १३०; दसा० ३, १६; १७; १८; १६; —पजणण. न० (-प्रजनन) म्होटुं पुरुषचिन्ह (इन्द्रिय). बडा पुरुषचिन्ह (इंद्रिय). a big organ of generation. प्रव० ५२६; —सद्द. पुं० (-शब्द) म्होटो शब्द. बडा शब्द. a loud sound. प्रव० १३८;

खद्धं. अ० (शीघ्रम्) जलदी; उतावले. जल्दी; शीघ्र. Quickly. आया० २, १, ५, २५;

*__खद्धादाणिअ.__ त्रि० (*) समृद्धि वाळुं. समृद्धिवान. Prosperous. ओघ० नि० ८६;

खपुप्फ. न० (खपुष्प) आकाशना फुलनी पेठे शून्य. आकाश के फूल की समान शून्य. Anything impossible or nonexistent like the flower in the sky. विशे० ३२;

√**खम.** धा० I. (क्षम्) क्षमा करवी. क्षमा करना. To forgive; to pardon.

खमइ-ति. आया० २, १५, १७४; अंत० ६, ३;

खमंतु. भग० ३, २; नाया० १६; ३, ६;

खमे. वि० वव० १०, १;

खम. आ० नाया० ५;

खमह. आ० सु० च० ८, १२३;

खमाहि. नाया० ८;

खमेह. दस० ६, २, १८;

खामिउं. हे० कृ० सु० च० ८; १२४;

खमंत. व० कृ० दसा० ५, ३;

खममाण. व० कृ० भग० १५, १; २०, ८; विवा० १;

खामेइ-ति. प्रे० भग० २, १; ३, १; ५, ८; १५, १; नाया० १; ५; ८; १४; सु० च० ७, २०८;

खामिंति. भग० ३, १; ११, १२; १८, ३;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खामेंति. भग० ३, १; ११, १२; १८, ३;
खामेमि. भग० ३, २; नाया० ८; १६; महा० प० ६;
खामेमो. भग० ३, १;
खामेसु. आ० नाया० ८;
खामिय. सं० कृ० निसी० ४, ३२;
खामेत्ता. सं० कृ० भग० २, १; ५, ८; १५, १; नाया० १;
खामेमाण नाया० ५;

खम. त्रि० (क्षम—क्षमते इति क्षमः) शक्तिमान्; समर्थ. ताकतदार; समर्थ. Powerful; able. ओघ० नि० ७६३; भग० १, १; ३, १; नाया० १; १०; सु० च० १, २६; ३१६; आया० १, ७, ४, २१५; दसा० ७, १; पिं० नि० ७१; (२) शुभ; हितकर शुभ; हितकारक. auspicious; beneficial. उत्त० ३२, १३;

खमग. पुं० (क्षमक) मास ખમણ આદિ તપ કરનાર; તપસ્વી સાધુ मास खमण करने वाला; तपस्वी साधु. One practising fasts for a month etc.; an ascetic given to austerity. पिं० नि० ४७६;

खमण. पुं० (क्षमण) સહનશીલતા રાખનાર સાધુ. सहनशीलता रखनेवाला साधु. An ascetic of forgiving nature. अणुजो० १३१; प्रव० १५२७; उवा० १, ७७; (२) તપ; ઉપવાસ. तप; उपवास. a fast; an austerity. प्रव० १५३१; —सय. पुं० (-शत) સો ઉપવાસ. सौ उपवास. one hundred fasts. प्रव० १५३१;

खमरिह त्रि० (क्षमार्ह) ક્ષમા કરવાને યોગ્ય. क्षमा करने के योग्य. Deserving pardon. भग० ३, २;

खमा. स्त्री० (क्षमा) ક્રોધનો અભાવ; સહનશીલતા; ક્ષમા. क्रोध का अभाव; सहनशीलता; क्षमा. Absence of anger; forgiveness. भग० ६, ३३; १७, ३; नाया० १०; १३; ओघ० नि० ५८१; सम० २७; नंदी० ३५; जं० प० राय० १७१; उवा० २, ११३; आव० ३, १; कप्प० ८;

खमावणया. स्त्री० (क्षमापना) અપરાધની માફી માગવી ખમાવવું, મિચ્છામિ દુક્કડં લેવું તે. अपराध की माफी मांगना; क्षमायाचना; मिच्छामि दुक्कडं लेना. Begging of pardon for a fault committed; a particular way of confessing a sin. भग० १७, ३; उत्त० २६, २;

खमासमण. पुं० (क्षमाश्रमण) ક્ષમાધારી સાધુ. क्षमाधारी साधु. An ascetic of a calm and quiet nature. कप्प० ८;

खय. पुं० (क्षय) મૂલથી ઉચ્છેદ; સમૂલગો નાશ. मूल मे उखाड डालना; समूल नाश. Utter destruction. भग० ३, ६; ७, ६; ६, ३१; ११, ११; उत्त० ३, १७; क० गं० २, २६; भत्त० ५०; —गश्र. त्रि० (-गत) ક્ષય પામેલ. क्षय पाया हुआ, हुई. destroyed; decayed. दसा० ५; ३२; ३३; —नाणि पुं० (-ज्ञानिन्) સર્વથા આવરણના ક્ષયથી ઉત્પન્ન થયેલ કેવલજ્ઞાનવાન્ કેવલી. सर्वथा आवरण के क्षय के जर्ये (द्वारा) ज्ञानवान् केवली. one possessed of perfect knowledge due to the destruction of cover in the form of Karmas. विशे० ५१८; —निप्फरण. त्रि० (-निष्पन्न) કર્મના ક્ષયથી પ્રાપ્ત થયેલ ભાવ; ક્ષાયકભાવે પ્રાપ્ત થતાં કેવલજ્ઞાનાદિ. कर्म के क्षय से प्राप्त हुआ भाव; क्षायक भावसे प्राप्त हुए केवलज्ञानादि. Kevala Jñāna etc. got by destroying the Karmas. अणुजो० १२७; —समज. न० (-शमज—क्षय-

शमाभ्यां जायते तत्) ઉદીરિત મિથ્યાત્વનો ક્ષય અને અનુદીરિતનો ઉપશમ કરવાથી ઉત્પન્ન થતું ક્ષયોપશમ સમકિત. उदीरित मिथ्यात्व का क्षय और अनुदीरित का उपशम करने से उत्पन्न होने वाला क्षयोपशम समकित. destruction of false belief which is forced to mature and forcing of immature false belief to mature. विशे० ५२८;

खयर. पुं० (खदिर) ખેરનું ઝાડ. खेर का झाड़. A kind of tree known as Kher. अंत० ३, ७; तंदु०—**इंगाल.** पुं० (-अंगार) ખેરના લાકડાના અંગારા. खेर की लकडी के अंगारे. burning charcoals of a Kher wood. राय० ६६;

खयिअ. त्रि० (क्षायिक) જુઓ "खइअ" શબ્દ. देखो "खइअ" शब्द. Vide "खइअ" अणुजो० १२७;

√**खर.** धा० I. (क्षर्) નાશ પામવું. नाश पाना. To be ruined.

खरइ. विशे० ४५४;

खर. त्रि० (खर) કઠિણ; ખરખરો; કર્કશ; તીક્ષ્ણ. कठिण, खरदरा, कर्कश, तीक्ष्ण. Harsh; rough क० गं० १, ४१; ४२; गच्छा० ५४; भग० ७, ६; १५, १; नाया० १; ८, ६; तंदु० दसा० ३, २२; २३; २४; उत्त० ३६, ७१; पिं० नि० ३२७; जीवा० १; पन्न० १; जं० प० अणुजो० १२८; (२) તલનું તેલ. तिलोंका तैल. sesame oil. ओघ० नि० ५, ६; (३) ગધેડો. गधा. an ass. ओव० ३८; जीवा० ३, ३; गच्छा० १२५; (४) રાહુનો અપર નામ. राहुका पर्यायवाची नाम. a synonym for Rāhu. सू०प०१६;—**आवट्ट.** पुं० (-आवर्त) કઠિનચક્રની પેઠે પાણીનું ગોળકુંડાળું થાય તે; વમળ. कठिन चक्र सरीखा पानी का गोल कुंडल होता है वह; वमल. a whirlpool ठा० ४, ४;—**कंट.** पुं० (-कण्ट) તીક્ષ્ણ કાંટાસરખો; શીખામણદેનાર સાધુને દુર્વચનરૂપ કાંટાથી વીંધનાર શ્રાવક. तीक्ष्ण कांटे सरीखा; उपदेश देनेवाले साधुको दुर्वचन रूपी कांटोंसे छेदने वाला श्रावक. one sharp as a thorn: a layman who gives advice to an ascetic in severe words. ठा० ४, ३;—**कंड.** पुं० (-काण्ड) કઠિન ભાગ. कठिन हिस्सा. the hard portion. (२) પહેલી નરકનો પહેલો કાંડ. पहले नर्क का पहला काण्ड. the first division of the first hell. जीवा० ३, १;—**कक्कस.** त्रि० (-कर्कश) કર્કશમાં કર્કશ; અતિકર્કશ. कर्कश में कर्कश; अतिकर्कश. very harsh. प्रव० १४२;—**कम्म.** न० (कर्म) કઠોર કર્મ, કૃત્ય. कठोर कर्म; कृत्य. wicked actions. पंचा० १, २१;—**पवणसंग.** पुं० (-पवनसंग) પ્રચણ્ડ પવનનો સંગ. प्रचण्ड वायु का संग. uniting with fierce wind. प्रव० २५१;—**पुढवी.** स्त्री० (-पृथ्वी) કઠિન પૃથ્વી. कठिन पृथ्वी. hard ground or earth. प्रव० ११९२; क० प० ४, ६७;—**फरूस.** त्रि० (-परुष) ઘણું કઠોર. बहुत कठोर. very harsh. "खरफरुस धूबीमइला" नाया० २; भग० ७,६;—**बायरपुढविक्काइय.** पुं० (-बादर-पृथ्वी कायिक) કઠણ બાદર પૃથ્વીકાયાના જીવ. कठिन बादर पृथ्वीकाया के जीव. hard and visible earth-beings. जीवा० १;—**विसाण.** न० (-विषाण) ગધેડાનું શીંગડું. गधेका सींग. the horn of an ass. विशे० ३५;

खरअ. पुं० (खरक) કામગરો; નોકર; દાસ. काम करने वाला, नौकर, दास. A ser-

vant. ओघ० नि० ४३८;

※ **खरंटणा.** स्त्री० (*) નિંદા; તિરસ્કાર; અપમાન. निन्दा; तिरस्कार; अपमान. Disgrace; censure; dishonour. पंचा० १२, ६; ओघ० नि० ४०; पिं० नि० २२५;

खरमुह. पुं० (खरमुख) ખરમુખ નામે એક અનાર્ય દેશ. खरमुख नामक एक अनार्य देश. A non-Āryan country. प्रव० १५६६;

खरमुहिया. स्त्री० (खरमुखिका) વાદ્ય વિશેષ; કાહલા. वाद्य विशेष, खरमुही. A kind of musical instrument. भग० ५, ४;

खरमुही. स्त्री० (खरमुखी) કાહલા; એક જાતનું વાજીંત્ર. खरमुही; एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. नाया० २, ११, १६८; राय० ८२, ८८; जीवा० ३, ३; ओव० ३१; जं० प० कप्प० २, १०१;

खरमुहीसद. पुं० (खरमुखीशब्द) કાહલાનો શબ્દ. खरमुहीका शब्द. The sound of a musical instrument. निसी० १७, ३६;

खरय. पुं० (खरक) રાહુદેવનું એક નામ. राहुदेवका एक नाम. A synonym of the deity Rāhu. भग० १२, ६; (२) त्रि० કઠિણ. कठिन. hard. नाया० ६;

खरसाहिया. स्त्री० (खरसाधिका-अक्षरसाधिका) અઢાર લિપિમાંની એક. अठारह लिपियों में की एक. One of the 18 scripts. सम० १८;

खरस्सर. पुं० (खरस्वर) વજ્ર જેવા કાંટા વાળા શાલ્મલી વૃક્ષ ઉપર નારકીને ચઢાવીને ગધેડાના જેવો અવાજ કાઢતાં નારકીને આમ તેમ ખેંચે તે પરમાધામી. वज्र सरीखे कांटे वाले शाल्मली वृक्ष पर नारकी को चढाकर गधे सरीखा आवाज निकालते हुए नारकी को इधर उधर खेंचते हैं वे परमाधामी. The infernal gods known as Permādhāmīs who mount the hell-beings on a Śālmalī tree having thorns as hard as adamant and drag them hither and thither while utterning a cry like the braying of a ass. सम० १५; भग० ३, ७; प्रव० ११०१;

खरिआ. स्त्री० (*) દાસી. दासी. A maid-servant. ओघ० नि० ४३८;

खरिंसुय. पुं० (खरिंसुक) કન્દ વિશેષ. कन्द विशेष. A kind of bulbous root. प्रव० २४०;

खरियत्ता. स्त्री० (खरिकता) નગર બાહેર કે બજારમાં રહેનારી વેશ્યાનો ભાવ-સ્વરૂપ. शहर के बाहर या बजार में रहने वाली वैश्या का भाव-स्वरूप. The state of being a prostitute living outside the city or in a bazar. भग० १५, १;

खरोट्ठिया. स्त्री० (खरोष्टिका) અઢાર લિપિમાંની એક. अठारह लिपि में की एक. One of the 18 scripts. सम० १८;

खरोट्ठी. स्त्री० (खरोष्ठी) જુઓ "खरोट्ठिआ" શબ્દ. देखो "खरोट्ठिआ" शब्द. Vide "खरोट्ठिआ" पन्न० १;

√**खल.** धा० I (स्खल) ખસવું; દૂરજવું. खिसकना; दूर जाना. To slip away; to go away. (२) પડવું; સ્ખલના પામવું. पड़जाना; पतन होना. to fall.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

खलइ. सु० च० २, ३६;
खलाहि. आ० उत्त० १२, ७;
खलेज्ज. वि० उत्त० १२, १८;
खलंत. व० कृ० भग० ७, ६; जं०प०

खल. पुं० (खल) ખળાવાડ. खला. A threshing floor place in a field where the corn is husked. ओव० १७;पराह.२,३;जं०प०कप्प०५,११७;(२)त्रि० લુચ્ચો; દુર્જન. बदमाश; दुर्जन. a rogue; a wicked person. सूय० २, २, ४४;

खलणा. स्त्री० (स्खलना) ભૂલ; ત્રુટિ. भूल; त्रुटि. A Mistake. तंदु०

खलय. पुं० (खलक) જુઓ " खल " શબ્દ. देखो " खल " शब्द. Vide " खल " नाया० ७;

खलवाड. पुं० (खलवाट) ખળાવાડ. खलवाट. A barn yard; a place where any sort of grain is heaped for separating the husk from the corn. राय० २७६;

खलिअ. न० (स्खलित) સ્ખલના; ભૂલ; અતિચાર. पतन; अतिचार. Degradation; mistake. (२) त्रि० શીલથી સ્ખલના પામેલ. शीलसे पतन पाया हुआ. (one) degraded; fallen. नाया० १; चउ० १; अणुजो० ६८; ओघ० नि० ५४१; विशे० ६०२; ८५४; पंचा० १२, ६; सु० च० ६, ६;

खलिण न० (खलिन) ઘોડાની લગામ; ચોકડું. घोडे की लगाम; चौकडा. A bridle of a horse. प्रव० २८६; (२) નદીની ભેખડ. नदीकी मिट्टी. the silt of a river. विवा० १;—**बंध.** पुं० (—बन्ध) ચોકડાનો બન્ધ. लगाम का बन्द. the reins. नाया० १७; —**मट्टिया.** स्त्री० (—मृत्तिका) ભેખડની માટી. नदी की मिट्टी. the silt of a river. विवा० १;

खलीण. न० (खलीन) લગામ; ચોકડું. लगाम; चौकडा. The reins. सु०च०२,६३;

खलु. अ० (खलु) નિશ્ચય અવધારણ અર્થમાં અને વાક્યના અલંકાર સાથે ખલુ શબ્દ આવે છે. निश्चय अवधारण में और वाक्य के अलंकार के साथ खलु शब्द आता है. Verily; indeed; (used also to add grace to a sentence). जं० प० ७, १३१; ५, ११२; ११५; भग० १, ३; २, १; ७, १; ८, ५; २५, ३; ३१, १; नाया० १; ४; १४; १६; दसा० १, ३; दस० ४; ७, १; ६, ४, १; आया० १, १, १, ८; १, १, १, १८; १, १, २, १५; पन्न० १; २३; सूय० १, २, १, १; उत्त० १, १५; ओव० ३८; निर० १, २; उवा० १, २; क० गं० १, ६;

खलुअ. पुं० (खलुक) પગની એડી. पैर की एँडी. The heel. विवा० ६;

खलुंक. पुं० (खलुंक) અવિનીત; ક્ષુદ્ર અને વાંકા સ્વભાવવાળો શિષ્ય. विनयहीन; ओछे और टेढे स्वभाव वाला शिष्य. Immodest, a disciple of crooked nature. उत्त० २७, २; (२) ગળીઓ બળદ કે ઘોડો. मस्त बैल अथवा घोडा. an unruly bull or a horse. ठा० ४, ३; उत्त० २७, ८; (३) ડાંસ, મચ્છર વિગેરે શુદ્ર જન્તુ. डांस, मच्छर वगैरह छोटे जीव. small insects, such as mosquitoes, bugs, etc. उत्त० २७, २;

खलग. पुं० (*) ખાખરાના પાંદડાનો પડીયો.

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

पलास के पत्तों का दोना. A cup made of leaves of a Khākarā tree. पिं॰ नि॰ २०६; (२) જોડા; મોજડી; પગરખા. जोड़ा, मोजड़ी, जूती. a pair of shoes. प्रव॰ ६८३;

खल्लूड. पुं॰ (खल्लूड) એક જાતનો કન્દ. एक जात का कन्द. A kind of bulbous root. पन्न॰ १; जीवा॰ ३, ४;

√**खव.** धा॰ I, II. (क्षि+णि) ક્ષય કરવો; ખપાવવું. क्षय करना; अंत करना. To destroy; to make an end; to waste.

खवेइ. भग॰ ६, ३१; नाया॰ १; श्रोव॰ ४३; उत्त॰ २६, १; सूय॰ १, २, १, १५; प्रव॰ ७०१,

खविंति. भग॰ १६, ४; सूय॰ १, १२,१५;

खवंति. दस॰ ६, ५८; सु॰ च॰ १, १८;

खवयन्ति. भग॰ १६, ४; १८, ७;

खवेत्ता. सं॰ कृ॰ भग॰ ६, ३१; १५, १; नाया॰ १; ६;

खविवेत्ता. सं॰ कृ॰ नाया॰ ५; श्रोव॰ ४१; उत्त॰ २८, ३६; दस॰ ३, १५;

खवित्तु. सं॰ कृ॰ दस॰ ६, २, २४;

खवमाण. व॰ कृ॰ नाया॰ २;

खवेमाण. व॰ कृ॰ नाया॰ १८;

खवेंत. क॰ प॰ २, ६६; ४, ४१; ७, ३६;

खविउं. सं॰ कृ॰ क॰ गं॰ २, ३५;

खवत्र. पुं॰ (क्षपक) કર્મોનો ક્ષય કરનાર; ક્ષપક શ્રેણિગત સાધુ. कर्मों का क्षय करने वाला; क्षपक श्रेणिगत साधु. One who destroys Karmas; an ascetic who has reached Kṣapaka Śreṇi (a stage of evolution). भग॰ २५, ७; भत्त॰ १५७;

खवग. पुं॰ (क्षपक) ક્ષપક શ્રેણિપ્રાપ્ત સાધુ. क्षपक श्रेणिप्राप्त साधु. An ascetic who has reached a certain spiritual stage. पिं॰ नि॰ २०६; भग॰ २५, ६; भत्त॰ ४३; प्रव॰ ७०६; क॰ प॰ २, १७; (२) મોહનીયને ખપાવવા રૂપ-ક્ષપક શ્રેણિ. मोहनीय को दबाने वाला-क्षपक श्रेणि. a certain stage in which Mohanīya Karma is wasted away. क॰ गं॰ २, २८; ५, ८२; **—आउ.** पुं॰ (-आयुष्) આયુષ્યને ખપાવનાર-સૂક્ષ્મ સંપરાય અને અપૂર્વ કરણ ગુણસ્થાન વાળો જીવ. आयुष्य का क्षय करने वाला सूक्ष्म संपराय और अपूर्व करण गुणस्थान वाला जीव. a living being possessed of Sūkṣamasanparāya and Apūrvakaraṇa which waste away the period of life. क॰ गं॰ ५, ६७; **—कम.** पुं॰ (-क्रम) ક્ષપક શ્રેણિનો ક્રમ. क्षपक श्रेणि का क्रम. the order of Kṣapaka Śreṇi. कप्प॰ ०, ४३; **—सेढि.** स्त्री॰ (-श्रेणि) ક્ષપક શ્રેણિ. क्षपक श्रेणि. Kṣapaka Śreṇi; the spiritual evolution of a soul made by destroying the different Karmas in succession. प्रव॰२०;**—सेणि.** स्त्री॰ (-श्रेणि) ક્ષપક શ્રેણિ. क्षपक श्रेणि the spiritual evolution of a soul made by destroying the different Karmas in succession. (२) ઘાતીકર્મની પ્રકૃતિઓને ખપાવવાના ક્રમને ક્ષપકશ્રેણિ કહેવામાં આવે છે. તેમાં અનંતાનુબંધી ક્રોધ, માન, માયા અને લોભને ખપાવવાની શરૂઆત કરી ચિત્રમાં બતાવેલ ક્રમ પ્રમાણે મોહનીયની બધી પ્રકૃતિઓને ખપાવનાં દર્શનાવરણીય, જ્ઞાનાવરણીય, અને અંતરાયની પ્રકૃતિઓને ખપાવી ૧૨ માં ગુણઠાણાને છેલ્લે સમયે કેવલજ્ઞાન અને કેવલદર્શન પ્રાપ્ત થાય છે. घातकर्म की प्रकृतियों के क्षय करने के अनुक्रम को क्षपकश्रेणि कहते हैं. उसमें अनंतानुबन्ध क्रोध, मान, माया, और लोभ इनको क्षय करने का आरंभ करके चित्रमें बतलाये हुए क्रमके अनुसार मोहनीय की संपूर्ण प्रकृतियों का क्षय करने पर दर्शनावरणीय, ज्ञानावरणीय और अंतराय की प्रकृतियों का क्षय करने के पश्चात् १२ वें गुणस्थान के अन्तिम समय केवलज्ञान और केवलदर्शन का प्राप्ति होती है. the serial order of destroying the Ghāti Karmas is called Kṣapaka Śreṇi. The course of destroying the said Karmas begins from the destruction of anger, pride,
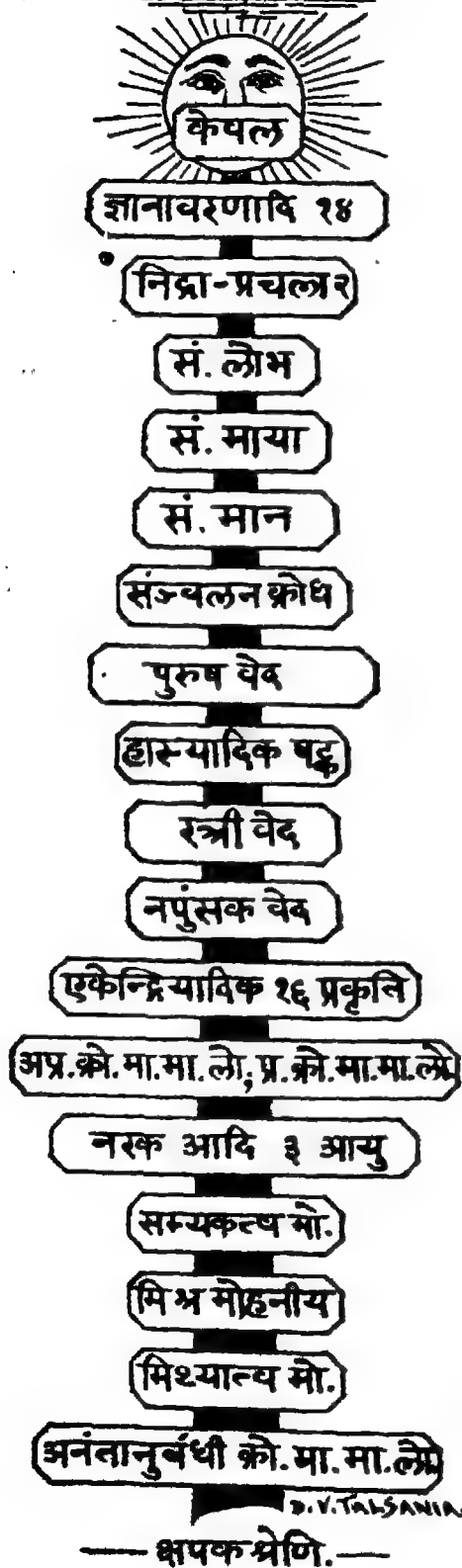
deceit and greed which are of eternal standing and after the destruction of Darśanāvarṇiya, Jñānāvarṇiya and Antarāya Karmas, Kevalajñāna and Kevala Darśana are obtained at the end of the 12th spiritual evolution. प्रव० ७०३;

खवगग. पुं० (क्षपक) જુઓ " खवग " શબ્દ. देखो " खवग " शब्द. Vide " खवग " प्रव० ७००;

खवण. न० (क्षपण) કર્મનો ક્ષય કરવો તે; અમુક અંશે કર્મની નિર્જરા કરવી તે. कर्म का क्षय करना; अमुक अंशतक कर्मों की निर्जरा करना. Destroying of Karmas; destroying the Karmas to a certain limit. विशे० २५१४; उत्त० ३३, २५; पंचा० १८, ४१; पिं० नि० भा० १; सु० च० १, ३८४; (२) પ્રકરણ; અધ્યયન. अध्याय; अध्ययन. chapter; division. विशे० ६६२; (३) સાધુ; મુનિ. साधु; मुनि. a Sādhu; an ascetic. पंचा० १६, ३५;

खवणा. स्त्री० (क्षपणा) અધ્યયનનું અપર નામ. अध्ययन का अपर नाम. A synonym for a chapter. अणुजो० १५४;

***खवल्ल.** पुं० (*) એક જાતનું માછલું. एक जातिका मत्स्य. A kind of fish पण्ह० ;

खविंत. त्रि० (क्षपित) ખપાવેલ; ક્ષય કરેલ. क्षय किया हुआ. destroyed; wasted. सम० २१;—सत्तय. त्रि० (–सप्तक) અનંતાનુબન્ધી ચાર કષાય, મિથ્યાત્વ મોહનીય, સમકિત મોહનીય, અને મિશ્ર મોહનીય એ સાત પ્રકૃતિ જેણે ક્ષીણ કરી છે તે. अनंतानुबंधी चार कषाय मिथ्यात्व मोहनीय, समकित मोहनीय और मिश्र मोहनीय, इन सात प्रकृतियों का जिसने क्षय किया है वह. (One) who has destroyed the seven natural impurities; fourfold passions known as Anantānubandhī. सम० २१;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खविय-अ. त्रि० (**चपित**) ખપાવેલું. क्षय किया हुआ. Destroyed; wasted. क० गं० २, १; क० प० ७, ३६; ४४; **—कम्म.** पुं० (**-कर्मन्**) ખપાવ્યા છે કર્મ જેણે તે. કર્મનો ક્ષય કરનાર (સાધુ). कर्मोंका क्षय करने वाला (साधु); जिसने कर्मों का क्षय किया है वह. one who has destroyed, wasted the Karmas. क० प० २, ६६; ६, २०;

खस. पुं० (**खस**) ખસ નામનો એક અનાર્ય દેશ. खस नाम का एक अनार्य देश. Name of a non-Āryan country. (२) त्रि० તે દેશનો રહેવાસી. उस देश का निवासी. a resident of this country. पराह० १, १; प्रव० १५६७;

खसखासिय. पुं० (**खसखासिक**) ખસખાસિક નામનો એક દેશ. खसखासिक नाम का एक देश. Name of a country. पन्न० १; (२) त्रि० તે દેશમાં રહેવાવાળા માણસો. उस देश के निवासी मनुष्य. a resident of this country. पन्न० १;

खसर. पुं० (*) ખસનો રોગ; ખસ. खस का रोग; खस. Itch; a kind of skin disease. जीवा० ३, ३; जं० प०

खह. न० (**ख**) આકાશ. आकाश. The sky. भग० २०, २;

खहचर पुं० (**खेचर-खे आकाशे चरतीति**) આકાશમાં ઉડનાર પક્ષી, તિર્યંચ પંચેન્દ્રિયની એક જાત. आकाश में उडने वाले पक्षी आदि; पंचेंद्रिय की एक जाति. A bird; a kind of five-sensed animal. भग० २४, १; उत्त० ३६, १७; **—विहाण.** न० (**-विधान**) પક્ષીઓના ભેદ-પ્રકાર. पक्षियों के भेद-प्रकार. varieties of birds. भग० १५, १; नाया० १६;

खहचरी. स्त्री० (**खेचरी**) આકાશમાં ઉડનાર ચકલી; કોયલ વગેરે પક્ષિણી. आकाश में उडने वाली चिडियां; कोयल आदि पक्षी (स्त्री). Birds that fly in the sky; the cuckoo etc. ठा० ३, १;

खहयर. पुं० (**खेचर**) પક્ષી. पक्षी. A bird. (२) વિદ્યાધર. विद्याधर. a god possessed of wonderful powers. अणुजो० १३४; जं० प० भग० ७, ५; ८, १; उत्त० ३६, १८६; ओव० ४१; जीवा० १; पन्न० १; **—मंस.** न० (**-मांस**) તેતર, કુકડા વગેરે પક્ષીનું માંસ. तीतर, मुर्गे आदि पक्षियोंका मांस. the flesh of a cuckoo partridge etc. प्रव० २२२;

खहयरी. स्त्री० (**खेचरी**) પક્ષિણી. स्त्रीलिंग पक्षी. A female bird. जीवा० १;

√खा. I. (**खाद्**) ખાવું. खाना. To eat.

खायइ. अणुजो० १२८; दस० ६, १, ६; पिं० नि० २७४;
खाइ. सु० च० १२, ५५; राय० २४०;
खायह. आ० उत्त० १२. २६;
खायमाण. जीवा० ३; विवा० १;
खाविंयत. प्रे० व० कृ० विवा० २;
खजइ. क० वा० राय० २७६; उत्त० १२.१०;
खजंत. क० वा० व० कृ० भत्त० १६०;
खजमाण. क० वा० व० कृ० संथा० ६६;

खाअ-य. त्रि० (**ख्यात**) પ્રખ્યાત; પ્રસિદ્ધ. प्रख्यात; प्रसिद्ध. Famous; renowned. पंचा० ११, ४; उत्त० १४, २; नंदी० २७;

खाअ-य. त्रि० (**खात**) ખોદેલું. खुदा हुआ. Dug. कप्प० ६, २; ओव० (२) ખાડો; કુવો

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खाडी; कुआ. a ditch; a well. अणुजो॰ १३३; (२) ખાઈ. खाई. a ditch. जं॰ प॰ ३, ४७; सम॰ प॰ २०६;

खाइ. स्त्री॰ (ख्याति) પ્રખ્યાતિ; પ્રસિદ્ધિ. प्रख्याति; प्रसिद्धि. Fame. भग॰ १२, २; १७, २; आव॰ ४१;

खाइआ-या. स्त्री॰ (खातिका) નીચે અને ઉપર સરખી ખોદેલી ખાઈ. नीचे और ऊपर बराबर खुदी हुई खाई; गड्डा. A ditch uniformly dug from its mouth to the bottom. पराह॰ १, १; अणुजो॰ १३४; भग॰ ५, ७; ८, ६;

खाइम. त्रि॰ (*खादिम=खाद्य) સુખડી, મેવો, વગેરે ખાવાલાયક પદાર્થ. मेवा, मिठाई आदि खाने योग्य पदार्थ. Sweetmeats, dried fruits etc. उवा॰ १, ५८; आया॰ १, ७, १, १९७; २, ११, १७०; भग॰ २, १; ५; ५, ६; ७, १; नाया॰ १; ५; १६; पिं॰ नि॰ १६६; राय॰ २२६; दस॰ ५, १, ४६; १०, १, ८; वेय॰ १, १६; सम॰ २१; ३३; ओव॰ ३६; पंचा॰ ५, २६; कप्प॰ ५, १०२; प्रव॰ १६८; आव॰ ६, १; —साइम त्रि॰ (-स्वादिम=स्वाद्य) સુખડી મેવો અને સ્વાદિમ-મુખવાસ-સોપારી લવિંગ વગેરે. मेवा मिठाई आदि स्वादिम-सुपारी लौंग आदि मुखवास. sweetmeats, dried fruits, cardamom, cloves etc. दस॰ ५, १, ६१;

खाइय. त्रि॰ (खादित) ખવરાવેલું; ભક્ષણ કરાવેલું. खिलाया हुआ; भक्षण कराया हुआ. (Any thing) caused to be tasted or eaten. ओव॰ ३८;

खाइय. त्रि॰ (ख्यात) પ્રગટ કરેલ; કહેલ. प्रगट किया हुआ; कहा हुआ. Revealed; exposed; told. भग॰ २, १०;

खाइय. न॰ (क्षायक) ક્ષાયિકભાવે ક્ષાયક સમકિત કેવલજ્ઞાન વગેરે. क्षायिक भाव क्षायक सम्यक्त्व केवल ज्ञान आदि. The state of destroying Karmas etc. विशे॰ ४६;

खाडखड. पुं॰ (खाडखड) એ નામનો ચોથી નરકનો એક નરકાવાસો. इस नाम का चौथी नरक का एक नरकावासा. A division of the 4th hell so named. ठा॰ ६, १;

% **खाडहिल.** पुं॰ (*) જેના શરીરપર ધોલા તથા કાલા પટ્ટા હોય છે તેવું એક પ્રાણી. जिसकी देह पर सफेद तथा काले पट्ट हों ऐसा एक प्राणी. An animal having black and white stripes on the body e.g. the zebra. पराह॰ १, १;

खाणि. स्त्री॰ (खानि) આકર; ખાણ. खान; खदान. A mine. नंदी॰ ४१; उत्त॰ १२, १३; सु॰ च॰ १५, ६१;

खाणिआ. स्त्री॰ (खानिका) જુઓ "खाणि" શબ્દ. देखो "खाणि" शब्द. Vide "खाणि" आया २, १०, १६६;

खाणु. पुं॰ (स्थाणु) ઝાડનું ઠુંઠું. डाली पत्ते रहित सूखे हुए झाड का ठूंठा. A dried trunk of a tree without branches. आया॰ २, १, ५, २७; दसा॰ ७, १; नाया॰ १; जीवा॰ ३, ३; जं॰ प॰ १, १०; उत्त॰ १४, २६; (२) ખીલો; ખુંટો. कीला; खूंटा. a big nail; a peg. वेय॰ ६, १३; जं॰ प॰ ४, ११९; —समाण. त्रि॰ (-समान) સુકેલ ઝાડના ઠુંઠા જેવો; પોતાની ખોટી હઠ છોડે નહિં; ખોટો આગ્રહ કરનાર. सूखे हुए

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

झाड के ठूंठे जैसा; अपनी मिथ्या हट न त्याग ने वाला; झूठा आग्रह करने वाला. (one) like a dried trunk of a tree; (one) who never gives up one's false idea; obstinate. ठा० ४, ३;

खाणुय पुं० (स्थाणुक) જુઓ " खाणु " શબ્દ. देखो " खाणु " शब्द. Vide " खाणु " आया० २, १०, १६६; २, १३, १७२; नाया० २;

खात. न० (खात) ખોદેલું. खुदाहुआ. Dug. पन्न० २; (२) ખાઈ. खाई. a ditch. भग० १५, १; पन्न० २; —**उदग.** पुं० (-उदक) ખાઇનું પાણી. खाई का पानी. water of a ditch. भग० १५, १;

खातिया. स्त्री० (खातिका) જુઓ "खाइआ" શબ્દ. देखो " खाइआ " शब्द Vide " खाइआ " पराह. १, १;

खात्त. न० (खात्र) ખાતર. भीत में खात लगाना. Opening in a wall (made by a thief). नाया० १६; —**खणग.** त्रि० (-खनक) ખાતર પાડનાર; ચોર. खात लगाने वाला; चोर (one) who bores through a wall; a thief. नाया० १८;

खामण. न० (क्षामण) ખમાવવું. क्षमाना. Begging of pardon. दसा० ४, १०४; भत्त० ४०; नाया० ५;

खामणा. स्त्री० (क्षामणा-क्षमापना) અપરાધની માફી માગવી; ખમાવવું ने अपराध की माफी मांगना; क्षमा मांगना. Begging of pardon. प्रव० ६६; १८२; भत्त० १६;

खामिअ -य. त्रि० (*क्षामित-क्षमापित) ક્ષમા કરેલ, માફી આપેલ क्षमा किया हुआ; माफी दिया हुआ. Pardoned सु० च० १, ३८३; भग० ३, १; १५, १; दसा० १, १४; सम० २०;

खार. त्रि० (क्षार) ખારૂં. क्षार. Salt. (२) पुं० જવ ખાર વગેરે ખાર પદાર્થ. मिश्र जव-खार इत्यादि खार पदार्थ. things having salt taste. "खाररसलोणस्स अणासहयं" नाया० १६; सूय० १, ४, १, २१; २, ३, २५; आया० २, १०; १६६; राय २५८; निसी० १२, ३३; जं० प० विवा० १; (३) સામસામો ખાર; વેર. दूसरों से डाह; बैर. enmity towards others. जीवा० ३, भग० ३, ३; ७; (४) पुं० ખારો રસ. क्षार रस. salt juice. पन्न० १७; सु० च० ७, २६४; (५) स्त्री० ખારવાળી ભૂમિ क्षार वाला भूमि. saline soil. पिं० नि० भा० १३; (६) ભુજ-પર સર્પની એક જાત. भुजपर सर्प की एक जाति. a kind of serpent. पन्न० १; —**उदग.** न० (-उदक) થોડું ખારૂં પાણી. थोड़ा खारा पानी. water having some what saltish taste. पन्न० १; भग० १५, १; —**गालण.** न० (-गालनक) સાજીખાર વિગેરેને ગાળવાનું પાત્ર. सज्जीखार आदि गलाने का पात्र. a pot for liquifying carbonate of soda etc. सूय० १, ४; २, १२; —**तेल्ल.** न० (-तैल) ખારૂં તેલ. खारा तेल saltish oil. विवा० ६; —**दाह** पुं० (-दाह) સાજીખારાદિ પકાવ-વાની જગ્યા. सज्जी, खार आदि पकाने का स्थान. a place where carbonate of soda etc are boiled. निसी० ३, ७५; —**मेह.** पुं० (-मेघ) સાલવૃક્ષના રસજેવા જલ વાળો મેઘ-વરસાદ. सालवृक्ष के रस समान जलवाला मेघ-बरसाद. rain resembling the juice of a Sāla tree. भग० ७, ६; जं० प० २, ३६; —**वच्च.** पुं० (-वर्चस्) ખારવાળો કચરો. खार मय कूडा. saltish dirt निसी० ३, ८०; —**वत्तिय.** त्रि० (-वर्तित) ખારમાં ભરાવેલ, ખારમાં નાખેલ. नमक से भराहुआ; नमक

में भिगोया हुआ. salt-soaked. सूय० २, २, ६३; ओव०३८; दसा० ६, ४;—तंत. पु० (-क्षारतंत्र) લિંગ વૃદ્ધયાદિ વાજી કરણ શાસ્ત્ર આયુર્વેદનો એક ભાગ लिंग वृद्धि आदि वाजी करण शास्त्र; आयुर्वेद का एक भाग. a section of Āyur Veda (medial science) dealing with the excitement of amorous desire by means of aphrodisiacs. ठा० ८, १०;

खारायण. पुं० (क्षारायन) મંડપ ગોત્રની શાખા. मंडप गोत्र की एक शाखा. A branch of Maṇḍapa lineage. (२) તે શાખાનો પુરુષ उस शाखा का पुरुष. a man of that branch. ठा० ७, १;

खारेअ. पुं० (क्षारेक) ખારીઓ; મૂળા વગેરેના પાંદડામાં મીઠું ભરાવી અથાણા જેવું બનાવવામાં આવે છે તે. नमकीन; मूले आदि के पत्तों में नमक डालकर अचार जैसा बनाया जाता है वह. Pickles. ओघ० नि० भा० १३६;

खारी. स्त्री० (* खारी) એક જાતનું પ્રાણી. एक जाति का प्राणी. A kind of creature. जीवा० १;

खारुगणिय. पुं० (क्षारुगणिक) એ નામનો એક અનાર્ય દેશ. इस नाम का एक अनार्य देश. Name of a non-Āryan country. (२) त्रि० તે દેશના રહેવાસી. उस देश का निवासी. a resident of this country. भग० ६, ३३;

खालिय. त्रि० (क्षालित) ધોએલું. धुलाहुआ. Washed. सु० च० २, २८३; ७, ६१;

खावण. न० (ख्यापना) પ્રસિદ્ધિ; ખ્યાતિ; प्रसिद्धि; ख्याति. Fame; reputation. पंचा० १०, ७;

खास. पुं० (कास) ખાંસીનો રોગ; ઉધરસ. खासी का रोग; दमा. Cough. नाया० १३; भग० ३, ७;

खासिअ. न० (कासित) જુઓ "खास" શબ્દ. देखो "खास" शब्द. Vide "खास" विशे० ५०१; नंदी० ३८;

खासिय. पुं० (खासिक) એ નામનો એક દેશ. इस नाम का एक देश. Name of a country. (२) તે દેશનો રહેવાસી. उस देशका निवासी. a resident of this country. पण्ह० १, १; प्रव० १५९७; ओव० १, ५;

खिइ. स्त्री० (क्षिति) પૃથ્વી. पृथ्वी. The earth; the world. क० प० १, ६२; ४, ३२;

खिंखणी. स्त्री० (किङ्किणी) ઘુઘરી; નાની ઘંટડી. घुघरियां; छोटा घुगरा. A small bell. नाया० ५; ठा० १०, १;

खिंखणीय. न० (किङ्कणीक) જુઓ "खिंखणी" શબ્દ. देखो "खिंखणी" शब्द. Vide "खिंखणी" नाया० १; उवा० २, ११३;

खिंखिणी. स्त्री० (किङ्किणी) ઘુઘરી; ઘંટડી. छोटा घुगरा. A small bell. जं० प० राय० १०६; जीवा० ३, ३; उवा० ६, १६६;

√**खिंस.** धा० I. (खिस्) નિન્દવું. निन्दा करना. To blame; to censure (२) ક્રોધ કરવો; તરછોડવું. क्रोध करना; तिरस्कार करना. to get angry; to despise.

खिंसइ. ति. सूय० १; १३, १४; २, २; १७; नाया० ध० पिं० नि० ३५८; उत्त० १७, ४; सम० ३०; दसा० ६, २०; २१;

खिंसंति. भग० ३, १; अंत० ६, ३; नाया० ८;

खिंसए. वि० दस० ८, २६; आया० १,

२, ४, ८५;
खिंसइज्जा. दस० ६, ३, २१;
खिंसइ. भग० ५, ४; १२, १;
खिंसिस्संति. नाया० १६;
खिंसे (सि) त्ता. सं० कृ० भग० ५, ६; ठा० ३, १;
खिंसिज्जमाण. नाया० १६; भग० ३, १;

खिंसण. न० (खिंसन) નિન્દા; તિરસ્કાર; અપમાન. निन्दा; तिरस्कार; अपमान. Censure; contempt; dishonour. पएह० १, १; ओव० २१;

खिंसणा. स्त्री० (खिंसना) લોક સમક્ષ મર્મ ઉઘાડા પાડી અવજ્ઞા કરવી. लोगों के सामने गुप्त रहस्य प्रकट कर अवज्ञा करना. Disregarding anyone by exposing his weakness in the public ओव० ४०; राय० २६४;

खिंसणिज्ज. त्रि० (खिंसनीय) તિરસ્કાર કરવા યોગ્ય. तिरस्कार करने योग्य. Censurable; disgraceful. नाया० ३;

खिंसा. स्त्री० (खिंसा) નિન્દા. निंदा. Censure. पंचा० १७, २५;.

खिंसिय. त्रि० (खिंसित) મર્મ ભેદી વચનથી તિરસ્કાર કરેલ. मर्म भेदी वचन से तिरस्कृत. Disgraced with piercing words. ठा० ६, १; प्रव० १३३४; —वयण. न० (-वचन) બીજાની ભર્ત્સના (તિરસ્કાર) કરવાનું વચન. दूसरों की घृणा-तिरस्कार करने योग्य बचन. the words of rebuke. ठा० ६, १; वेय० ६, १;

खिक्खियंत. त्रि० (खिखिकुर्वत) ખિખિ શબ્દ કરતું, તી, તો. खिखि शब्द करता हुआ-हुई. (One) making a sound like ' Khi Khi. ' पएह० १, ३;

खिउआणा. स्त्री० (*खिद्यना-खेदक्रिया) ખેદ. खेद. Pain; trouble. नाया० १८;

खिज्जणिय. त्रि० (खेदनीय) ખેદ કરવાને યોગ્ય. रंज करने योग्य. Regrettable. नाया० १६;

खिज्जमाण. त्रि० (खिद्यमान) ખીજતો-ચીડીયા સ્વભાવ વાળો. खीजताहुआ चिरडा स्वभाव वाला. (One) of an irritable nature. जीवा० ३, ४; नाया० १८; राय० ११२;

खिज्जिय. त्रि० (खिन्न) ખેદ પામેલું. खेद प्राप्त. Troubled; afflicted. नाया० ६;

खिड्डुकर. त्रि० (कड) ગિદગિદિયા કરનાર. गुदगुदी चलाने वाला. (One) who tickles. सु० च० २, ६४३;

खिति. स्त्री० (क्षिति) પૃથ્વી. पृथ्वी The earth; the world. विशे० १२०८;

खित्त. न० (क्षेत्र) આકાશ પ્રદેશ. आकाश प्रदेश. The firmament; the space of the sky. उत्त० ३३, १६; क० गं० ५, ८६; (२) આર્ય અનાર્ય દેશ. आर्य अनार्य देश. a country of Āryas and Anāryas. गच्छा० १४, उत्त० ३, १८; (३) દ્વિપનો એક ભાગ; ખંડ-વિજય; જેમ ભરત ક્ષેત્ર. द्वीप का एक भाग; खंड विजय; जैसे भरत क्षेत्र. a part of a continent. ठा० २, ३; (४) ખુલ્લી જમીન; ધાન્યવાવવાની જમીન. खुली जमीन; धान्य बोने की जमीन. a field; an open plot of ground आया० १, २, ३, ७६; अणुजो० ८०; दस० ८, ३५; प्रव० १८; ६०४; भग० २, १; २५, ५; पन्न० १४; उत्त० ३०, १८; ओघ० नि० भा० ८२; सु० च० १, २३; कप्प० ५, ११७; —निवासि. त्रि० (-निवासिन्) એક ક્ષેત્રમાં નિવાસ કરનાર. एक क्षेत्र में निवास करने वाला. residing in one country. प्रव० ७८४; —फुसणा. स्त्री० (-स्पर्शना)

क्षेत्रनी स्पर्शना आकाश प्रदेशनी अवगाहना. क्षेत्र का स्पर्श; आकाश प्रदेश की अवगाहना. occupying the atmosphere or space. विशे० ४०६; —बाहिट्ठिय. त्रि० (-बहिः स्थित) क्षेत्रथी-वसतिथी बहार रहेल. क्षेत्र से बाहर रहा हुआ. situated outside the inhabited region. प्रव० ६२७;—वुड्ढि. स्त्री० (-वृद्धि) क्षेत्रनी वृद्धि. क्षेत्र की वृद्धि. increment in space. प्रव० २८१; —संठिइ. स्त्री० (-संस्थिति) क्षेत्रनो आकार. क्षेत्र का आकार. the shape of the space or region. जं० प० ३७, १३५; —सहाव. पुं० (-स्वभाव) क्षेत्रनो स्वभाव. क्षेत्र का स्वभाव. the nature of the space. प्रव० १०८८;

खित्त. त्रि० (क्षिप्त) फेंकेलुं. फेंका हुआ. Thrown. क० गं० ४, ८६; नाया० १७; —चित्त. त्रि० (-चित्त) पुत्रशोक वगेरे थी विक्षिप्त थयुं छे चित्त जेनुं एवो. पुत्र-शोक आदि से जिसका चित्त क्षुब्ध है वह. (one) maddened on account of the death of a son etc. ठा० ५, १; वव० २. १०; १०, १८;

खित्तम. त्रि० (क्षेत्रज) स्त्रीथी उपजेलां छोकरां. स्त्री से उत्पन्न लडके. Children born of a woman. ठा० १०;

खित्तओ. अ० (क्षेत्रतस्) क्षेत्रथकी; क्षेत्रनी अपेक्षाए; क्षेत्रआश्री. क्षेत्र से; क्षेत्र की अपेक्षा; क्षेत्र के सम्बन्ध में. In relation to space. उत्त० २४, ६; ओव० १७;

खित्तवाल. पुं० (क्षेत्रपाल) देव विशेष; क्षेत्रपाल. देव विशेष; क्षेत्रपाल. A kind of deity. सु० च० ७, ७०;

खिन्न. त्रि० (खिन्न) खेद पामेलुं. दुःखी; खेद पाया हुआ. Troubled; afflicted. ओघ० नि० १२४;

खिप्प. त्रि० (क्षिप्र) जलदी; उतावळुं. जल्दी; फुर्तीला. Speedy. आया० १, ६, ७, ६; २, ३, २, १२१; उत्त० १, ४४; ओघ० नि० ७७५; भग० १, ६; २, १; ३, १; ३; दस० ४, २८; ८, ३१; नाया० १; १६; विशे० २८०; सूय० १, ८, १५; कप्प० २, २५; ४, ५८; उवा० १, ६६; राय० २८; ३४; ३५; ओव० २६; क० प० २, ८८; ६, १६; सम० ३४; दसा० ४, ३८;

खिप्पगइ. पुं० (क्षिप्रगति) दिशाकुमारना लोकपालनुं नाम. दिशाकुमार के लोकपाल का नाम. Name of a Lokapāla of Diśākumara. भग० ३, ८; (२) अमितगति तथा अमितवाहन इंद्रना लोकपालनुं नाम. अमितगति तथा अमितवाहन इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of a Lokapāla of the Indras named Amitagati and Amitvāhana. ठा० ४, १;

खिलीकय. त्रि० (कीलीकृत) खीली मारीने कर्मने निबड करेल; निकाचितबन्धने बांधेल. कील ठोककर कर्म को दृढ किया हुआ; निकाचित बंध से बंधे हुए. (The Karmas) nailed or bound very tightly. भग० ६, १;

खिल्लुड. पुं० (*) कन्द विशेष. कन्द विशेष. A kind of bulbous root. प्रव० २४०;

खिल्लूड. पुं० (*) कन्द विशेष; वनस्पति.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

वनस्पति; कंद विशेष. A kind of bulbous root; a kind of vegetation. जीवा० १;

*खिल्लेउं. सं० कृ० अ० (क्रीडयित्वा) ખેલીને; રમીને. खेलकर; क्रीडा करके. Having played. सु० च० ७, ११३;

खिविता. सं० कृ० (क्षिप्त्वा) ફેંકીને. फेंककर. Having thrown. भग० ३, २;

खिविय. त्रि० (क्षिप्त) ફેંકેલું. फेंका हुआ. Thrown. सु० च० १, १७;

खीण. पुं० (क्षीण) ખપી ગયેલ; નાશ પામેલ. नष्ट; क्षीण. Wasted; destroyed. नाया० ४; ८; अणुजो० १२७; १३६; जं० प० पन्न० १; भग० १, ९; ५, ४; ६, ७; १५, १; २४, १; ७; सम० ७; ठा० २, १; क० प० ४, १८; ५, १८; प्रव० १३१३; कप्प० २, १८; ५, १४६; क० गं० २, २; २०; ६, ७८; (२) બારમા ક્ષીણમોહગુણ સ્થાનકનું ટુંકું નામ. बारहवें क्षीण मोहनीय गुण स्थानक का संक्षिप्त नाम. a short name of the 12th variety of spiritual evolution known as Kṣiṇamoha. क० गं० ६, ४४; —उदग. त्रि० (-उदक) પાણીવિનાનું; નિર્જલ. पानी रहित; निर्जल. devoid of water; waterless. भग० १४, १. —उवसंत. न० (-उपशान्त) ક્ષીણમોહ તથા ઉપશાંત મોહ નામે ગુણસ્થાનક; બારમું અને અગીયારમું ગુણસ્થાનક. क्षीण मोह तथा उपशांत मोह नाम का गुणस्थानक; बारहवें और ग्यारहवें गुणस्थानक the eleventh and the twefvth spiritual stages known as Kṣiṇamoha and Upaśāntamoha. क० गं० ४, ६१; —कसाइ. त्रि० (-कषायिन्) જુઓ "खीणकसायि" શબ્દ. देखो "खीणकसायि" शब्द. vide "खीणकसायि" भग० ६, ३१; —कसाय. त्रि० (-कषाय) ક્ષય પામ્યા છે કામ ક્રોધાદિ કષાય જેના તે. जिसके काम क्रोधादि कषाय क्षय होगए हैं. (one) whose passions i. e. anger, hatred etc. are destroyed or decayed. क० प० ७, ४८; —कसायि. त्रि० (-कषायिन्) કષાયનો નાશ–ક્ષય કર્યો છે જેણે તે; કષાયરહિત. जिसने कषाय का नाश––क्षय किया है वह; कषाय रहित. (one) who has destroyed the passions. भग० २५, ६; —दुह. त्रि० (-दुःख) ક્ષીણ થયું છે દુઃખ જેનું; દુઃખ વિનાનું. जिसका दुःख क्षीण होगया है वह; दुःख रहित. freed from pain or misery. सम० प० २४०; —भोग. त्रि० (-भोग) જેના ભોગ વિલાસ ક્ષીણ થયા છે એવો. जिसके भोग विलास क्षीण होगये हैं वह. freed from wordly enjoyments. नाया० ६; —भोगि. त्रि० (-भोगिन्—भोगो अस्यास्ति तद्भोगि. शरीरम् तत्क्षीणं तपोरोगादिभिर्यस्य सः क्षीणभोगी) દુબળા શરીર વાળું. पतले शरीर वाला; दुर्बल. (one) of weak constitution. भग० ७, ७; —मोह. त्रि० (-मोह) મોહનીકર્મ જેનું ક્ષીણ થયેલ છે તે. जिसका मोहनीय कर्म क्षय होगया है वह. (one) freed from Karma known as Mohanīya. क० गं० ४, ६३; क० प० ६, ६; ठा० ३, ४; —रय. त्रि० (-रजस्) જેણે કર્મરૂપ રજનો નાશ કર્યો છે તે. कर्म रज का नाश किया है वह. (one) freed from dust in the form of Karmas. सम० प० २४०; —राग त्रि० (-राग) જેણે રાગ દ્વેશ ક્ષય કર્યો છે તે. जिसने राग

क्लेश क्षय किये हैं वह. (one) freed from passions. क० प० ४, १८; ४२; गच्छा० ३३; —वेदय. त्रि० (-वेदक) સ્ત્રી વેદ, પુરૂષ વેદ, નપુંસક વેદ, આદિ જેના કામ વિકાર નષ્ટ થયેલ છે તે. जिसके स्त्री वेद, पुरुष वेद, आदि काम विकार नष्ट हो गए वह. (one) freed from sexual passion. भग० ६, ३१; २५; ६;

खीणकसाय. न० (क्षीणकषाय) બારમું ગુણસ્થાનક કે જ્યાં કષાયનો સર્વથા ક્ષય કરવામાં આવે છે. बारहवां गुणस्थानक कि जहां कषाय का सर्वथा क्षय होता है. The 12th spiritual stage where the passions are completely overcome. क०गं० ६, ८४; —वीतराग. पुं० (-वीतराग) કષાય રહિત વીતરાગ. બારમા ગુણસ્થાનવર્તી. कषाय रहित वीतराग. बारहवें गुणस्थानकवर्ती. a soul that has reached the 12th spiritual stage. भग० २५ ६;

खीर. न० (क्षीर) દુધ. दूध. Milk. सू० प० ११; १६; पन्न० २; आया० २, १, ४, २४; विशे० ७६६; निसी० ६, २२; निर० ३, ४; जीवा० ३, ३; पिं० नि० १३०; भग० ३, ७; ११, ११; ठा० ४, १; ओव० १०; ३८; पिं० नि०भा० ४०; उवा० १, २४; पंचा० ५, २७; १३, १०; कप्प० ३, ३८; ६, १७; (२) ક્ષીર નામનો પાંચમો સમુદ્ર અને પાંચમો દ્વીપ. क्षीर नामका पांचवां समुद्र और पांचवां द्वीप. Name of a continent and an ocean. अणुजो० १०३; पन्न० १; जीवा० ३, ४; —कुंभ. पुं० न० (-कुंभ) દુધનો ઘડો. दूध का घडा. a pot of milk. भग० १६, ३; —दुम. पुं० (-द्रुम) દુધ વાળાં ઝાડ; થોર, આકડા વગેરે. दूधवाले झाड; थूअर, आकडे आदि. trees that give milk e. g. the Aśvattha tree. पंचा० १५, २०; पिं० नि० भा० १२; —धाई. स्त्री० (-धात्री) બાલકને ધવરાવનારી; ધાયમાતા. बालक को दूध पिलाने वाली; धाय माता. a wet nurse. आया० २, १५, १७३; भग० ११, ११; नाया० १; १६; विवा० २; —भोयण. न० (-भोजन) ખીરનું જમણ. क्षीर का भोजन. a meal consisting of rice boiled in milk. निर० ३, ४; —महुर. त्रि० (-मधुर) દુધના જેવું મીઠું. दूध जैसा मिष्ट. sweet as milk. ठा० ४, ३; —मेह. पुं० (-मेघ) ભરત ક્ષેત્રમાં ઉત્સર્પિણીનો બીજો આરો બેસતાં સાત દીવસ પુષ્કર સંવર્ત નામનો મેઘ વરસ્યા પછી બીજો મેઘ સાત દિવસ સુધી વરસે તેનું નામ. भरत क्षेत्र में उत्सर्पिणी का दूसरा आरा बैठता है तब सात दिन तक पुष्कर संवर्त नामका मेघ बरसता है पश्चात् दूसरा मेघ सात दिन तक बरसता है उसका नाम. name of the rain which falls for 7 days at the commencement of the 2nd aeon in Bharata after a 7 days' rain fall known as Puṣkara Saṃvarta. जं० प० —वुट्ठि. स्त्री०(-वृष्टि) દુધની વૃષ્ટિ; દુધનો વરસાદ. दूध की वृष्टि; दूध की बरसात. a shower of milk; a rain of milk. भग० ३, ७; —समुद्द. पुं० (-समुद्र) ક્ષીર સાગર. क्षीर सागर. the ocean of milk. सु० च० २, २५१; —सर. न० (-सरस्) દુધ જેવા પાણીવાળું તલાવ. दूध जैसे पानी वाला तलाव. a tank having milky water. सु० च० १५, ३२; —सागर. पुं

(—सागर) क्षीर समुद्र. क्षीर समुद्र. name of an ocean. कप्प० ३, ३३; —साला. स्त्री० (शाला) दूधनी शाळा दुकान. दूध की शाला—दुकान. a shop of milk. निसी० ६, ७;

खीरकाओली स्त्री० (क्षीरकाकोली) ए नामनी साधारण वनस्पति. इस नाम की साधारण वनस्पति. A kind of vegetation पन्न० १;

खीरकाकोलि. स्त्री० (क्षीरकाकोली) जुओ "खीरकाओली" शब्द. देखो "खीरकाओली" शब्द. Vide "खीरकाओली" भग०

खीरणी. स्त्री० (क्षीरणी) वृक्ष विशेष; खिरनी वृक्ष विशेष; खिरनी. A kind of tree bearing sweet fruit. भग० २२, २; पन्न० १;

खीरभुस. पुं० (क्षीरभुष) ए नामनुं पर्वग जातनुं एक झाड. इस नाम का पर्वग जाति का एक झाड़. A kind of tree of Parvaga sort. पन्न० १;

खीराइय. त्रि०(क्षीरकित) जेमां क्षीर-रस उत्पन्न थयो छे एवुं. जिसमें क्षीर रस उत्पन्न हुआ है वह. (A substance) in which juice has been produced. "तएणंतेसालीओअणुपुव्वेणं आयययगंधा खीराइया बद्धफला" नाया० ७;

खीरासव. त्रि० (क्षीराश्रव) जेनुं वचन दूधना जेवुं सांभळनारने मधुर लागे तेवा शक्ति-लब्धिवाळो माणस. जिसके वचन सुननेवालों का दूध जैसे मिष्ठ मालूम हों ऐसी शक्ति-लब्धिवाला मनुष्य. (One) possessed of sweet speech like milk. आव० १६; पग्ह० २, १;

खीरिणिया. स्त्री० (क्षीरिणिका) दूधवाळी; दुझणी. दूधवाली; दुधारू. A milch cow etc. आया० २, १, ४, २३;

खीरिणी. स्त्री० (क्षीरिणी) चीकवाळी झाडनी वेल. चीडवाले झाड़ की वेल. A kind of creeper. पन्न० १;

खीरोदअ. पुं० (क्षीरोदक) क्षीर समुद्र. क्षीर समुद्र. Name of an ocean. ठा० ४, ४;

खीरोदग. पुं० (क्षीरोदक) क्षीरसमुद्र क्षीरसागर. क्षीर समुद्र; क्षीर सागर. Name of an ocean. भग० ८, ६; जं० प० पन्न० १; —समुद्द. पुं० (—समुद्र) क्षीरोदक समुद्र जेनुं पाणी दूध जेवुं छे एवो समुद्र. क्षीरोदक समुद्र—जिसका पानी दूध सरीखा है ऐसा समुद्र. An ocean the water of which is like milk. नाया० ८;

खीरोदा स्त्री० (क्षीरोदा) पश्चिम महाविदेहना दक्षिण भागनी बीजी विजयनी पश्चिम सरहद उपरनी महानदी. पश्चिम महाविदेह के दक्षिण खंड की दूसरी विजय की सीमा पर बहती हुई महानदी. Name of the great river flowing on the western boundary of the 2nd Vijaya of the southern part of the western Mahāvideha. जं० प० ४, १०२;

खीरोय. न० (क्षीरोद) क्षीर सागर. क्षीर सागर. Name of an ocean. जं० प० ५, १२०; कप्प० ३, ४३; —सायर. पुं० (—सागर) क्षीर समुद्र. क्षीर समुद्र. Name of an ocean. कप्प० ३, ४३;

खीरोया. पुं० (*) जुओ "खीरोदा"

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

शब्द. देखो "खीरोदा" शब्द. Vide "खीरोदा" ठा० २, ३;

खील. पुं० न० (कील) ખીલો. कील. A nail. ओघ० नि० ६८८;

खीलग. पुं० (कीलक) जुओ "खील" शब्द. देखो "खील" शब्द. Vide "खील" सू० प० ८; ओघ० नि० भग० २७१;

खु. अ० (खु-खलु) વાક્યાલંકાર; વાક્યને શોભાવનાર અવ્યય. वाक्यालंकार; वाक्य को सुंदर बनानेवाला अव्यय. A particle used to add grace to a sentence. आया० १, ६, ३, १८५; दस० २, ५; ८, ५४; (२) निश्चे. निश्चय. certainly; verily. गच्छा० ६३;

खुइ. स्त्री० (क्षुति-क्षवथं क्षुतिः) છીંક. छींक. A sneeze. नाया० २; १६; भग० १२, १;

खुक्खु. पुं० (खुक्खु) દોડતા ઘોડાને "ખુક્ખુ" શબ્દ થાય છે તે. दौडते हुए घोडे का खुक्खु शब्द. A sound which is produced when a horse is running. भग० १० ३;

खुज्ज. पुं० (कुब्ज) જેના હાથ પગ મસ્તક અને ગ્રીવા-ડોક લક્ષણયુક્ત પ્રમાણોપેત હોય અને પેટ છાતી પીઠ વગેરે લક્ષણ હીન હોય તે સંસ્થાનનું નામ; છ સંઠાણમાંનું ચોથું સંઠાણ. जिसके हाथ, पांव, सिर और ग्रीवा-गर्दन लक्षणयुक्त प्रमाणानुसार हों और पेट, छाती पीठ आदि लक्षणहीन हो ऐसे संस्थानका नाम; छ संठाणोंमें से चौथा संठाण. Name of a bodily structure in which hands, feet, the head and the neck are in proportion while, stomach, the back, the breast etc. are disproportionate; the 4th of the 6 bodily structures. अणुजो० ११८; ठा० ६, १; पन्न० १; सम० प० २२७; (२) त्रि० કુબડો. कुब्जः कुबडा. (one) hump-backed. सु० च० २, ३६४; पण्ह० १. १; ओघ० नि० भा० ८२; पिं० नि० ४७५; पंचा० १८, १७; प्रव० ५६३; ८०२; (३) न० જે પ્રકૃતિના ઉદયથી કુબડાપણું પ્રાપ્ત થાય તે નામકર્મની એક પ્રકૃતિ. जिस प्रकृति के उदय से कुबडापना प्राप्त हो उस नाम कर्म की एक प्रकृति. a variety of Nāma Karma by the rise of which one becomes hump-backed. क० गं० १. ४०;

खुज्जकरणी. स्त्री० (कुब्जकरणी) રૂપવતી સાધ્વી ઉપર કોઈ મોહ ન પામે તે સારૂં કદરૂપ બનાવવાને ખભા ઉપર રાખવાના સંથારી. આ વસ્ત્રને ખભા નીચે પીઠ ઉપર એક પટાથી બાંધી રાખવું તે. रूपवती साध्वी पर कोई मोहित हो इसलिये सुंदरता को कुरूपता में परिणत करने के वास्ते कंधे के वस्त्र को पीठ मे नीचे पेट पर एक पट्टे से बांध रखना. Wrapping of a shoulder garment round the breast and the back on the part of a female ascetic in order that nobody should be tempted by her beauty ओघ० नि० भा० ३२०; प्रव० ५४६;

खुज्जत्त. न० (कुब्जत्व) કુબડા પણું. कुबडा पन. The state of being hump-backed. नाया० १, २, ३, १८;

खुज्जा. स्त्री० (कुब्जा) કુબડી દાસી. कुबड़ी दासी. A hump-backed female: a maid. ओव० ३३; दसा० ९; १; नाया० १; ८; अंत० ३, ८; जं० प० भग० ९, ३३; विवा० ६; (२) કુબ્જદેશ ની દાસી. कुब्ज देश की दासी. a maid of the country named Kubjā. निसी० ६;

२५; विवा० ६; निर० १७१; (३) थुंकवानुं पात्र (थुंकदानी) धारण करनारी दासी. थुंकने का पात्र (पीकदानी) उठाने वाली दासी. a female attendant who holds a spittle-pot. विशे० १८, १, १; विवा० ६;

खुज्जिया. स्त्री० (कुब्जिता) सोल रोगमांनो एक रोग; खुंधापणुं. सोलह रोगों में का एक रोग; कुबडापन. One of the 16 diseases; croockedness. आया० १, ६; १. १०२;

खुडुअय. त्रि० (*क्षुल्लक) न्हानुं; लघु; हलकुं. छोटा; लघु; हलका. Trifling; small. जं० प० वव० १०, १८;

खुडाग. त्रि० (*क्षुल्लक) न्हाना-नी-नो. छोटा-टी. Small. निसी० ४, ७१; अंत० ८, ३; ओव० १६; भग० ११, ६; ३१, १; नाया० ७;

खुड्डिय. त्रि० (क्षुल्लक) जुओ "खुडअ" शब्द. देखो 'खुडअ' शब्द. Vide 'खुडअ' वव० ६, ६१; १०, १८;

√ **खुड्ड.** धा० I. (क्षुद) तोडवुं. तोडना. To break.

खुड्डंति. भग० १५, १;

खुंडित्ता. सं० कृ० १५, १;

खुड्ड. त्रि० (क्षुद्र) न्हानो छोटा. Small. गच्छा० १०६; —**भव** पुं० (-भव) क्षुद्रभव; न्हानोभव निगोदीया जीवनो २५६ आवलिकानो एक भव. क्षुद्र भव; क्षुद्र भव; निगोदिया जीव का २५६ आवलिका का एक भव. a small period of life; a period of life of hell-beings lasting for 256 Āvalikās (a measure of time) क० गं० ५, ३८;

खुड्ड पुं० (क्षौद्र) मदिरा. दारू. Wine. जं० प० २, ३६; —**आहार** त्रि० (-आहार) मदिरापान करनार. दारू पीने वाला. a drunkard. जं० प० २, ३६;

खुड्डखुड्डग. त्रि० (क्षुद्रक्षुद्रक) न्हानामां न्हानो; बहुज न्हानो. छोटे से छोटा; बहुत छोटा. Smallest. राय० १३५;

खुड्डग. त्रि० (क्षुल्लक) न्हानो; लघु. छोटा; लघु. Small; short. निसी० १४, ६; भग० १३, ४; —**भव.** पुं० (-भव) न्हानामां न्हानो २५६ आवलिकानो एक भव क्षुद्र से क्षुद्र २५६ आवलिका का एक भव. the shortest period of life lasting for 256 Āvalikās. भग० ८, ६; जीवा० ८;

खुड्डतर त्रि० (क्षुद्रतर) अतिशय लघु. अतिशय लघु-थोडा. Shorter; smaller. जं० प० ४, ७५;

खुड्डय. त्रि० (क्षुद्रक) हलकुं; थोडुं. हलका; क्षुद्र; थोडा. Short; trifling. पिं० नि० भा० ४६; विशे० ३१६; जं० प० प्रव० १२८; कप्प० ६, २०;

खुड्डलय. पुं० (क्षुद्रालय) थोडा झुंपडावाळुं गाम; न्हानुं गाम. थोडी बस्ती वाला गाम; छोटा ग्राम A small village. ओव० नि० ६१;

खुड्डलिअ. त्रि० (क्षुल्लक) नाजुक; न्हानुं. नाजुक; छोटा. Delicate; small. ओघ० नि० २१७;

खुड्डाअ. त्रि० (*क्षुल्लक) जुओ "खुडअ" शब्द. देखो "खुडअ" शब्द. Vide "खुडअ" आया० २, १, ८, २४; ओव० ४२; नाया० ७;

खुड्डाखुड्डिय. त्रि० (क्षुद्रक्षुद्रक) न्हानामांन्हानो छोटे से छोटा. Smallest; shortest. जं० प० ४, ८८;

खुड्डाग. त्रि० (क्षुल्लक) न्हानो-नी-नुं. छोटा-टी-टे. Small; short. पन्न० १८; नाया०

७; भग० ३१, १; ओव० १६; —जुम्म. न० (-*जुम्म) ચાર આઠ બાર વિગેરે ન્હાની રાશિના જોડલાં. चार, आठ, बारह आदि छोटी राशि के जोडे. a pair of small figures. भग० ३१, १; —भव. पुं० (-भव) ક્ષુલ્લક ભવ; ૨૫૬ આવલિકા પ્રમાણ નિગોદનો એક ભવ. क्षुद्र भव; २५६ आवलिका जितना निगोद का एक भव. a short period of life equal to 256 Āvalikās. क० प० १, ७८; —भवग्गहण. न० (-भवग्रहण) ૨૫૬ આવલિકાનો નિગોદનો એક ભવ કરવો તે. २५६ आवलिका का निगोद का एक भव करना. a period of hell life equal to 256 Āvalikās. भग० ८, ६;

खुड्डिआ. स्त्री० (क्षुल्लिका) ન્હાની સાધ્વી આર્યા. छोटी आर्या-साध्वी. A child-female ascetic. गच्छा० १०७;

खुड्डिय. त्रि० (*क्षुल्लक) જુઓ " खुड्डिय " શબ્દ. देखो " खुड्डिय " शब्द. Vide " खुड्डिय " भग० ७, ८; सूय० १, ३, २, ३; सम० ३७; जीवा० ३, १; ४; आया० २, १, २, १३; २, ११, १७०; ठा० २, ३; ४, ५; भग० १३, ४; निसी० १४, ६;

खुड्डियामोयपडिमा. स्त्री० (क्षुद्रिकामोकप्रतिमा) માત્રાના અભિગ્રહરૂપ ચાર પડિમા માંની પહેલી. आहार की मात्रा की अभिग्रहरूप चार प्रतिमाओं में से पहिली प्रतिमा. The first of the four particular vows in relation to take a limited portion of food. ठा० ४, १;

खुड्डियविमाणपविभत्ति. स्त्री० (क्षुद्रिकाविमानप्रविभक्ति) એ નામનું એક કાલિક સૂત્ર. इस नाम का एक कालिक सूत्र. Name of a Kālika scripture. नंदी० ४३; वव० १०, २६;

खुणिय. त्रि० (क्षुणित—क्षुण्ण) ભૂમિઉપર ખુંદેલું. भूमि पर कूटा हुआ. Trampled; pounded. भग० ६, ३३;

खुत्त. त्रि० (*) ખુચી ગયેલ; ડુબી ગયેલ. लिप्त; डूबा हुआ; निमग्न Plunged. सु० च० ३, १६१, ओघ० नि० २३;

√**खुद्द.** धा० I. (क्षुद्) અધ્યવસાયાદિ ઉપક્રમ કારણોથી વિનાશ કરવો; આયુષ્ય ટુંકું કરવું. अध्यवसायादि उपक्रम कारणों से विनाश करना; आयुष्य कम करना. To shorten the life period.

खुद्दए. हे० कृ० उत्त० ३२, २०;

खुद्द. त्रि० (क्षुद्र) દુષ્ટ; નીચ. दुष्ट; नीच. Wicked.(२) હલકું; તુચ્છ. हलका; थोडा. trifling; mean. (३) લઘુ; ન્હાનું. छोटा, लघु. small; short. उत्त० ३४, २१; ठा० ६; पराह० १, १; कप्प० ४, १२८; प्रव० ६५६; पंचा० ३, ४८; ७, ४; दसा० ५, ६; राय० २०७; नाया० ६; —कहा स्त्री० (कथा) ક્ષુદ્ર-દુષ્ટકથા; કામ કથા क्षुद्र-दुष्ट कथा; काम कथा. a bad story; a talk about sinful actions. प्रव० ६४६; —पाण. पुं० (-प्राण) ક્ષુદ્ર પ્રાણી-વિકલેન્દ્રિય અને સમુચ્છિમતિર્યંચ. क्षुद्र प्राणी-विकलेंद्रिय और समुर्च्छिमतिर्यच. very very small insects. ठा० ४, ४; —मिग. पुं० (-मृग) દુષ્ટમનુષ્યરૂપી મૃગ. दुष्ट मनुष्य रूपी मृग. a wicked doer. पंचा० ३, ४८; —सत्त. पुं० (-सत्त्व) ક્ષુદ્ર પ્રાણી. क्षुद्र प्राणी. an insignifi-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ciant creature. पंचा० १४, २६;

खुद्दग. त्रि० (क्षुद्रक) જુઓ " खुद्द " શબ્દ. देखो " खुद्द " शब्द. Vide " खुद्द " सूय० २, ५, ६;

खुद्दाअ. त्रि० (क्षुद्रक) જુઓ " खुद्द " શબ્દ. देखो " खुद्द " शब्द. Vide "खुद्द" जीवा० ३, १;

खुद्दिमा. स्त्री० (क्षुद्रिमा) ક્ષુદ્રિમા નામની ગાંધાર ગ્રામની બીજી મૂર્ચ્છના. क्षुद्रिमा नाम की गांधार ग्राम की दूसरी मूर्छना. The second note named Kṣudrimā of the musical scale named Gāndhāra. ठा० ७, १;

खुधिय. त्रि० (क्षुधित) ભુખેલ. भूखा. Hungry. सूय० १, ३, १, ७;

*√ **खुप्प.** धा० I. (मस्ज्) ખુચી જવું; ડૂબી જવું. मग्न रहना; लिप्त रहना. To be immersed; to be drowned.

खुप्पंत० ओघ० नि० २३;

खुप्पिवासा. स्त्री० (क्षुत्पिपासा) ભુખ અને તરસ. भूख और प्यास. Hunger and thirst. नाया० १३; —**परिगय.** त्रि० (-परिगत) ભુખ અને તરસથી ઘેરાયેલ. भूख और प्यास से ग्रसित. overpowered by hunger and thirst. दस० ६, २, ८;

√ **खुब्भ.** धा० I. (क्षुभ्) ખળભળવું; ગભરાવું; ક્ષોભ પામવો. गबराना; क्षोभित होना; हकाबका होजाना. To be agitated.

खुब्भइ. भग० ३, ३;

खुब्भमाणआ. वि० भग० ६, ५;

खुब्भमाण. क० वा० कप्प० ३, ४३;

√ **खुब्भ.** धा० II. (क्षुभ्) ગભરાવું; ક્ષોભ પામવો. घबराना; क्षुब्ध होना. To be agitated or disturbed.

खोभइ. प्रे० नाया० ३;

खोभेंति. प्रे० नाया० ४;

खोभइउं. प्रे० हे० कृ० उत्त० ३२, १६;

खोभित्तए. प्रे० हे० कृ० नाया० ४, ६;

खोभंत. प्रे० व० कृ० भग० ३, २;

खुभिय. त्रि० (*क्षुब्ध) ક્ષોભ પામેલ; ડોલાયમાન થયેલ. क्षोभित; क्षुब्ध; डिगा हुआ. Agitated. भग० ६, ८; —**जल.** न० (-जल) ક્ષોભ પામેલું પાણી. क्षुब्ध पानी. agitated water. भग० ६, ८;

खुम्मिय. त्रि० (*कूर्मित) નમેલું; કાચબાની પેઠે ઢળી ગયેલું. कच्छप की तरह झुका हुआ; नमा हुआ. Bent like a tortoise; sloping. " खुम्मिय संखुम्मिय धवलवलय " नाया० १;

खुर. पुं० (खुर-खुरासन) ઉત્તર ભરતમાંનો ખુરાસાન દેશ. उत्तर भरत का खुरासान देश. Name of Khurāsāna country in Uttara Bharata. जं० प०

खुर. पुं० (खुर) પગની ખરી; ગાય ભેંસ, ઘોડા, ગધેડા વગેરે વાગોળનારાં પશુને પગના આંગળાને પગની ઠેકાણે જે નખ જેવું હોય છે તે. खुर; गाय, भैंस, घोडे, गद्दे आदि वागोलन वाले पशु के पांव की अंगुलियों के स्थान पर जो नाखून जैसा होता है वह. A hoof. भग० ५, २; १२, ७; सूय० २, ३, १६; जं० प० पिं० नि० ३३१; पन्न० १; नाया० ३;

खुर. पुं० (क्षुर) અસ્તરો; સફાયો. उस्तरा. A razor. भग० ६, ३३; सूय० १, ५, १, ८; १, १४, १४; अणुजो० १३४; नाया० १; २; उत्त० १६, ६३; पण्ह० १, १; १, ५; —**धार.** त्रि० (-धार-क्षुरस्य इव धारा यस्य) સફાયાના જેવી ધારવાળું. उस्तरे जैसी धार वाला. having an edge like the edge of a razor. भग० ५, ७; नाया० ८; ६; उवा० २, ६५; (२) स्त्री०

અસ્તરાની ધાર. उस्तरे की धार. the edge of a razor. भग० १८, १; —मुंड. त्रि० (-मुण्ड) ક્ષુર-અસ્ત્રાથી મુંડેલ. उस्तरे से मुंडा हुआ. shaved with a razor. पंचा० १०, ३५; ६, ४७; प्रव० १००७;

खुरदुग. त्रि० (-खुरद्विक) ગાય ભેંસ વગેરેની ચામડીમાં ઉત્પન્ન થતા કીટ વગેરે. गाय भैंस आदि की चमडी में उत्पन्न होने वाले कीडे आदि. Insects etc. that are generated in the skin of domestic animals. सूय० २, ३, २६;

खुरपत्त. न० (-क्षुरपत्र) છરો. छुरा; उस्तरा. A dagger; a razor. ठा० ४, ४; (२) છરપલો. छुरा. a dagger. विवा० ६; (३) છરી જેવા પાંદડા વાળું. छुरी के समान पत्ते वाला. a tree having leaves like a dagger. जंवा० ३, १; (४) અસ્તરાની ધાર. उस्तरे की धार. the edge of a razor. नाया० १६;

खुरप्प. पुं० (क्षुरप्र) અસ્તરો; છરપલો. उस्तरा; छुरा. A razor; a large knife. (२) દાતરડું. दांतरा. a sickle. सूय०२,३,६६; जं० प० प्रव० ११९६; पन्न० २; —संठाण-संठिय त्रि० (-संस्थानसंस्थित) સજાયા આકારે (રહેલ). उस्तरे के आकार का (रहा हुआ). razor-shaped. दसा०६,१;

खुरमुंडअ. पुं० (क्षुरमुण्डक क्षुरेणमुण्डयतीति) હજામત કરનાર; નાવી. हजामत बनाने वाला; नाई. A barber. दसा० ६, २;

खुरि त्रि० (खुरिन्—खुरिन् क्षुरोऽस्यातीति) ખરીવાળું જનાવર. खुर वाले प्राणी. A hooped animal. अणुजो० १३१; आव० ३;

खुल्लय. पुं० न० (-क्षुद्र) બે ઇન્દ્રિયવાળા જીવ; નાના શંખલા. दो इंद्रिय वाले जीव: छोटे शंख आदि. Living beings having two organs i. e. conch, shells etc. पन्न० १; जीवा० १;

खुल्लय. पुं० न० (*) કોડી. कोडी. A shell. नाया० १८;

खुव. पुं० (क्षुप) નાનો છોડવો. छोटा झाड. A small plant. "लया वा वल्ली वा खाणुं वा खुवेवा" नाया० १;

*खुवग. पुं० (*) ખોબો. पस; धोबा. The cavity formed by joining the palms together. वव० २, २७;

खुह. पुं० (*) અંકુશાકાર. अंकुश के आकार का. Goad shaped. राय० ६१; (२) અંકુશાકાર આકાશ પ્રદેશની શ્રેણી. आकाश की अंकुशाकार श्रेणी. a goad-shaped horizontal line of the sky. भग० २४, १;

खुहा. स्त्री० (क्षुधा) ક્ષુધા; ભુખ. क्षुधा; भूख. Hunger. प्रव० ६१२; जावा० ३, १; जीवा० ३, १; नाया० १; २; ओव० ३६; दस० ८, २७; भग० २, १; ७, ८; —सह. त्रि० (-सह क्षुधां सहतेसह) ભુખને સહન કરનાર. भूख को सहने वाला. (one) enduring hunger. भग० १५, १;

खुहिअ. त्रि० (क्षुभित) ક્ષોભપામેલ; હાલ કહોલ થયેલ. क्षुब्ध; हाल बेहाल. Agitated; distracted. महा० प० ७६; ओघ० नि० ७;

खुहिय. त्रि० (क्षुधित) ભુખ્યો; બુભુક્ષિત. भूखा; बुभुक्षित. Hungry; starving. पण्ह० २, १;

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खेअ-य. पुं० (खेद) ખેદ. શ્રમ. खेद; श्रम. Exhaustion. ओव० ३१; सु०च० ३,१८३; (२) કર્મને ખેદ કરાવનાર સંયમ. कर्म को खेद कारने वाला संयम. self restraint which exhausts the Karmas. उत्त० १६, १६;

खेजलग. न० (खाजक) ખાજલાં; ખાજા. खाजे. A crisp thin cake. निर० ३,४;

खेड. पुं० (खेट) ગ્રામ કરતાં મ્હોટી અને શહેર કરતાં ન્હાની વસતિનું સ્થાન જેને ફરતો ધૂડનો ગઢ હોય તે ખેડો. ग्राम की अपेक्षा बडी और शहर की अपेक्षा छोटा बस्ती; जिसके चारों ओर धूल का गढ हो वह खेडा A town surrounded by a wall. उत्त० ३०, १६; ठा० २, ४; भग० १, १; ३, ७; ७, ५; अणुजो० १३१; पराह० १, ३; आया० १, ७; ६, २२२; नाया० ८; १६; वेय० १, ६; ओव० ३२; जांवा० ३, ३; विवा० १; सूय० २, २, १३; विशे० २४; २५;

खेडग. पुं० (खेटक) તલવારનો ઘા ઝીલવાનો એક હથીયાર; ઢાલ. तलवार का घाव झेलने का हथियार; ढाल. A shield; a defensive armour to protect oneself from the stroke of a sword. पराह० १, १; ६;

खेडण. न० (*) ખેડવું. हलना. Tilling. सु० च० १२, ४२;

खेडय. पुं० (खेटक) લાકડાની નાની પટી. लकडी की छोटी पट्टी. A small strip of wood. जं० प०

खेडु. न० (* क्रीडा) ખેલ; ६४ કલામાંની એક. खेल; ६४ कला में का एक. Play; one of the 64 lores. ओव० ४०; जं० प० ३, ६७;

खेड्डा. स्त्री० (खेला) ક્રીડા; ચોપાટ ગંજીપા વગેરે રમત. क्रीडा; रमत; चोपड गंजीफा आदि. Play viz. playing of cards etc. गच्छा० ८२;

खेणुबाण. पुं० (खबाण) આકાશબાણ; શસ્ત્ર વિશેષ. व्योम बाण; शस्त्र विशेष. A kind of weapon. जीवा० ३; ३;

खेत्त. न० (क्षेत्र) આકાશ; જેમાં જીવાદિ પદાર્થ નિવાસ કરીશકે તે. आकाश जिसमें जीवादि पदार्थ निवास कर सके है वह. The space of the universe where living beings live. विशे० ४०४; १४०६; २०८८ ३३४३; दसा० ६, ४८; नाया० १६; सु० प० १; अणुजो० ६०; १३२; भग० १, ६, ८, ८; उवा० १, १६; जं० प० ७, १३३; ७, १४८; (२) દેશ. देश. a country. वेय० १, ४९; (३) જગા; સ્થાન. जगह; स्थान. a place. पन्न० १. भग० १, १; (४) ઉઘાડી-ખુલ્લી જમીન ધાન્યનાખેતર; ગરાસ. खुली जमीन; धान्य का खेत. an open plot of ground. प्रव० ४५३; ७२८; पं० चा० १, १७; १५, २०; सूय० २, १, ३५; ओव० जं० प० (५) રાહુનું નામ. राहु का नाम. name of Rāhu. सु० प० १६; (६) પન્નવણાના ત્રીજા પદના ચોવીસમાં દ્વારનું નામ. पन्नवणा के तीसरे पद के २४वें द्वार का नाम. name of the 24th chapter of the 3rd section of Pannavaṇā Sūtra. पन्न० ३; —**अइक्कंत.** त्रि० (-अतिक्रांत) ક્ષેત્રની મર્યાદા ઉલ્લંઘીને લઇ આવેલ. क्षेत्र की सीमा लांघकर ले आया हुआ. (some-

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

thing) that is brought having transgressed the limit of space. " खत्ताइ कंते पाण भोयणे " भग० ७, १; —अईय. त्रि० (-अतीत) ક્ષેત્રની મર્યાદા ઉલ્લંઘી ગયેલ. चेत्रकी सीमा लांघा हुआ. (one) who has transgressed the limit of space. प्रव० ३७; —अणुपुव्वी. स्त्री० (-अनुपूर्वी) ક્ષેત્ર વિષયક અનુપુર્વી-અનુક્રમ. चेत्र विषयकी अनुक्रमणिका-अनुपूर्वी. serial order of regions. अणुजो० ७१; —अभिग्गह. पुं० (-अभिग्रह) ગામમાં કે બાહર અમુક જગ્યા મલે તોજ લેવું એવી રીતે ક્ષેત્ર આશ્રી નિયમ ધારવો તે. ग्राम में या बाहर अमुक स्थान पर मिले तभी लेना ऐसा चेत्र सम्बन्ध का नियम धारण करना. a kind of vow to accept food etc. only when it is got at a certain place in a city or outside it. ओव० —अभिग्गहचरिया. स्त्री० (-अभिग्रहचर्या) ક્ષેત્ર આશ્રી અભિગ્રહ ધારણ કરીને ગોચરી કરવી તે. चेत्र का अभिग्रह धारण कर गोचरी करना. begging of food only when it is got at a desired place. भग० २५, ७; —आदेस. पुं० (-आदेश) ક્ષેત્રની અપેક્ષા. चेत्र की अपेक्षा. relatiing to a place. भग० ५,८;१८, ४; —एजणा. स्त्री० (-एजना) ક્ષેત્રની અપેક્ષાએ કંપવું તે. चेत्रकी अपेक्षा से कांपना. trembling in relation to a certain place. भग० १७, ३; —ओगाढ. त्रि० (-अवगाढ) ક્ષેત્રને અવગાહી રહેલ. चेत्र का अवगाह कर रहा हुआ. occupying space. भग० ६, १०; —ओगाहणा. स्त्री० (-अवगाहना) ક્ષેત્ર-આશ્રી અવગાહના. चेत्र संबन्धी अवगाहना. length and breadth in relation to a place or space. ठा० ४, १; —तुल्लय. त्रि० (-तुल्यक) ક્ષેત્ર આશ્રી તુલ્ય; ક્ષેત્ર જેવું. चेत्र तुल्य; चेत्र जैसा. resembling a place or space. भग० १४, ७; —पएस. पुं० (-प्रदेश) ક્ષેત્ર-આકાશ પ્રદેશ. चेत्र-आकाश प्रदेश. the firmament. प्रव० १०४०; —परमाणु. पुं० (-परमाणु) ક્ષેત્ર આશ્રી પરમાણુ; આકાશ પ્રદેશને અવગાહી રહેલ પુદ્ગલ પરમાણુ. चेत्रकी अपेचा परमाणु; आकाश प्रदेश की अवगाहना करनेवाले पुद्गल परमाणु. the molecules of matter occupying space. भग० २, ५; —पलिय. न० (-पल्य) ક્ષેત્રપલ્ય; ક્ષેત્ર-આશ્રી પલ્યોપમ; પલ્યોપમનો એક પ્રકાર. चेत्रपल्य; चेत्रकी अपेचा पल्योपम; पल्योपम का एक भेद. a measure of time in relation to a place. प्रव०१०३२; —लोय. पुं० (-लोक—चेत्रमेवलोकः) ક્ષેત્રરૂપ લોક; લોકાકાશ. चेत्र रूप लोक; लोकाकाश. the space in the form of the world भग० ११, १०; —वत्थु. न० (-वास्तु) ક્ષેત્ર ખુલ્લી જમીન અને વાસ્તુ-ઘર-ઢાંકી જમીન. चेत्र-खुली हुई जमीन और वास्तु-घर-ढकी हुई जमीन. the open plot and the covered plot (with a house etc.) प्रव० २७६; —वासि. त्रि० (-वर्षिन्) ખેતરમાં વરસનાર. खेत में बरसने वाला. (rain) falling in a field. ठा० ४, ४; —विवागा. स्त्री० (-विपाकी) ક્ષેત્રવિપાકી, કર્મપ્રકૃતિ. चेत्र विपाकी कर्म प्रकृति. a variety of Karmic nature which maturds at a certain place. क० गं० ५, १९; —बुड्ढि. स्त्री०

(-वृद्धि) क्षेत्रनी वृद्धि-क्षेत्र परिणाममां उमेरवुं ते. क्षेत्रकी वृद्धि; बढतां. extension of space. पंचा॰ १, २०; —संजोग. पुं॰ (-संयोग) क्षेत्रनो संयोग. क्षेत्र का संयोग. joining of two regions. अणुजो॰ १३१; —संसार. पुं॰ (-संसार) चौदराज परिमित क्षेत्र; क्षेत्ररूप संसार-लोक. चौदह राज, परिमित क्षेत्र; क्षेत्र रूप संसार-लोक. the world consisting of 14 Rājalokas; the world having many divisions. ठा॰ ४, १;

खेत्तओ. अ॰ (क्षेत्रतस्) क्षेत्रथी. क्षेत्र से. From a Kṣetra. प्रव॰ ७७१; भग॰ २, १, २०; ५, ८; ८, २;

खेत्ति. त्रि॰ (क्षेत्रिन्) क्षेत्रवाळो. क्षेत्र वाला. (One) possessed of Kṣetra. विशे॰ १६६२;

खेद. पुं॰ (खेद) पीडा; खेद; पीडा; खेद. Affliction; trouble. भग॰ १४, १;

खेम. पुं॰ (क्षेम) कल्याण; उपद्रवनो अभाव. कल्याण; उपद्रव का अभाव. Welfare; absence of trouble. भग॰ २, १, उत्त॰ ६, २८; १०, ३५; २१, ६; ओव॰ सूय॰ ७, ५१; ६, ४, २३; जीवा॰ ३, ४; दसा॰ ४, ८; नाया॰ २; ५; पन्न॰ २; अणु॰ १६; —रूव. त्रि॰ (-रूप) कल्याणकारक; उपद्रवरहित कल्याणकारी; उपद्रव रहित beneficial; happy; free from trouble. ठा॰ ४, २;

खेमअ. पुं॰ (क्षेमक) अन्तगडसूत्रना छठा वर्गना पांचमा अध्ययननुं नाम. अंतगड सूत्र के छट्ठे वर्ग के पांचवें अध्याय का नाम. Name of the 5th chapter of the 6th section of Antagada Sutra. अंत॰ ६, ५; (२) काकंदी नगरीनो रहेवासी एक गाथापति, के जेणे महावीर पासे दीक्षा लइ सोळ वर्षनी प्रव्रज्या पाळी विपुलपर्वत उपर संथारो करी सिद्धि मेळवी. काकंदी नगरी के रहने वाले एक गाथापति, जिनने महावीर स्वामी के पास दीक्षा ले सोलह वर्षका प्रव्रज्या पाल विपुल पर्वत पर संथारा कर सिद्ध गति प्राप्त की. a merchant of the Kākandī city who was initiated by Mahāvira. He practised asceticism for sixteen years gave up food and drink for ever and obtained final bliss on the Vipula mountain अंत॰ ६, ५;

खेमंकर. त्रि॰ (क्षमङ्कर-क्षेमं करोतीति) क्षेम कुशल (रक्षा) करनार. क्षेम कुशल (रक्षा) करने वाला. A protector. सूय॰ २, ६, ४; ओव॰ (२) पुं॰ ए नामनो अडसठमो महाग्रह. इस नाम का अडसठवां महाग्रह. name of the 68th great constellation. सू॰ प॰ २०; ठा॰ २, ३; (३) पांचमा कुलगरनुं नाम. पांचवें कुलकर का नाम. name of the 5th Kulagara. जं॰ प॰ (४) जंबुद्विपमां ऐरावत क्षेत्रमां थनार चोथा कुलकर. जंबूद्वीप में ऐरावत क्षेत्र मे होने वाले चौथे कुलकर. the fourth would-be Kulagara of Airavata country in Jambudvipa सम॰ प॰ २४०;

खेमंधर. पुं॰ (खेमंधर-क्षेमं धारयति अन्यकृतम् यः) जंबुद्विपना ऐरावत क्षेत्रमां थनार पांचमा कुलकर. जंबूद्वीप के ऐरावत क्षेत्र में होने वाले पांचवे कुलकर. Name of the 5th would-be Kulgara of Airāvata country in Jambudvipa. सम॰ प॰ २४०; जं॰ प॰ (२) छठा कुलकरनु नाम. छट्ठे कुलकर का नाम. name

of the 6th Kulakara. (३) ઉપદ્રવ દૂર કરનાર. उपद्रव नष्ट करने वाले. one who removes troubles. ओव०

खेमकर. त्रि० (क्षेमकर) સુખકારી. सुखकारी. Beneficial; giving happiness. पराह० २, १;

खेमपुरा. स्त्री० (खेमपुरी) સુકચ્છ વિજયની મુખ્ય નગરી; રાજધાની. सुकच्छ विजय की मुख्य नगरी; राजधानी. Name of the chief capital of Sukachchha Vijaya. जं० प० ठा० २, ३;

खेमा. स्त्री० (खेमा) કચ્છ વિજયના કચ્છ રાજાની મુખ્ય રાજધાની. कच्छ विजय के कच्छ राजा की मुख्य राजधानी. The chief capital of the king Kachchha of Kachchha Vijaya. ठा० २, ३; जं० प०

खेयराण. त्रि० (खेदज्ञ-खेदः श्रमः संसार पर्यटनजनितः तं जानातीति) સંસારના ખેદને દુઃખને જાણનાર. संसार के खेद दुःख का ज्ञाता. (One) having knowledge of the miseries of the world. आया० १, १, ४, ३२;

खेयन्न. त्रि० (खेदज्ञ) જુઓ ' खेयराण ' શબ્દ. देखो ' खेयराण ' शब्द. Vide ' खेयराण ' सूय० १, ६, ३; ओघ० नि० ६४७; आया० १, २, ५, ८८; १, ७, ३, २०७;

खेयर. त्रि० (खेचर) આકાશ ગામી; પક્ષી. आकाश विहारी; पक्षी. A bird. (२) पुं० વિદ્યાધર. विद्याधर. a kind of deity. सु० च० १, २६१;

√**खेल.** धा० I. (क्रीड्) રમત કરવી. क्रीडा करना. To play.

खेलेज्ज. विधि० ओघ० नि० भा० १८; उत्त० ८, १८;

***खेल.** त्रि० (खेलक-नट) વંશાગ્રે ખેલ કરનાર; નટ વિશેષ. बांस पर खेलने वाला; नट. An actor; one who performs acrobatic feats on a rope or a bamboo. निर० ६, २२;

खेल. पुं० (श्लेष्मन्) નાક તથા મુખમાંથી ચીકણું કફ નીકળે તે. नाक और मुंह से चिकना कफ निकलता है वह; कफ. The phlegm that comes out of the the mouth and the nose. कप्प० ५, ११६;६,५६; प्रव० ४३६; गच्छा० ६६; ओव० १, ५; ४, ७; भग० १, ७, २, १; ६, ३३; १२, ७; २०, २; नाया० १; ५; दस० ८, १८; तंदु० वेय० १, १६; आया० २, १, १६, २६; पन्न० १; उत्त० १४, १६; सम० ५; ओव० —आसव. पुं० (-आश्रव) કફનું બહાર નીકળવું. कफ का बाहर निकलना. coming out of phlegm. भग० ३, ३; नाया० १; ८; दसा० १०, ६; —ओसहि. त्रि० (-ओषधि) એક પ્રકારની લબ્ધિ-શક્તિ; થુંકથી દર્દીનું દર્દ મટી જાય એવી જાતની શક્તિ. एक प्रकार की लब्धि-शक्ति; थूंक से रोग मिटजाय ऐसी शक्ति. a kind of attainment or spiritual power; a certain kind of power which cures diseases by the application of salina only. विशे० ७७४; ओव० १६; पराह० २, १; प्रव० १५०६; —पडिअ. त्रि० (-पतित) બળખામાં પડેલ. सर्दी से त्रस्त. troubled with cold. गच्छा० ६६; —संचाल. पुं० (-संचाल) બળખાનું સંચરણ થવું. कफ का संचार होना. affected with cough. आव० १, ५;

खेलावणधाई. स्त्री० (क्रीडाधात्री) બાળકને રમાડવાનું કામ કરનાર ધાવ માતા. बालक को रमाने का काम करने वाली धाय माता.

A nurse who makes children play. आया० २, १५, १७१;

*खेल्ल. न० (क्रीडा) ક્રીડા; રમત. क्रीडा; रमत. Play. उत्त० ८, १८;

खेल्लगा. स्त्री० (क्रीडा+क) રમત ગમત. रमत गमत; खेलकूद. Play; recreation. निर० ३, ४;

खेल्लुड. पुं० (*) કંદની એક જાત. कंद की एक जाति. A kind of bulbous root. भग० ७, ३;

खेव. पुं० (क्षेप) ફેંકવું તે. फेंकना. Throwing. क० गं० २, १५;

खेविय. त्रि० (क्षेपित) ફેંકાવેલ. फेंका हुआ Thrown. उत्त० १६, ५२;

खोउदअ. पुं० (क्षोदोदक) ક્ષોદ શેરડીના રસ જેવું જેનું પાણી છે તે. શેરડીના રસ જેવા પાણીવાળો એક સમુદ્ર. क्षोद-सांठे के रस जैसा जिसका पानी है वह; सांठे के रस जैसे पानी वाला समुद्र. An ocean the water of which is like the juice of sugar-cane. सूय०१,६,२०;

खोखुब्भमाण. त्रि० (क्षोक्षुभ्यमान) અતિશય ક્ષોભ પામતું; આકુલ વ્યાકુલ થતું. अतिशय क्षुब्ध; आकुल व्याकुल होता हुआ. Exceedingly agitated. ओव० २१;

*खोड. पुं० (*) મોટું લાકડું. बडा लकड. A big log of wood. पगह० १, ३; (२) પ્રદેશ; વિભાગ; સ્થલ. प्रदेश; विभाग; स्थल. a division; a part; a place. ओघ० नि० भा० ७६;

खोड. पुं० (खोटक) વસ્ત્રાદિકનું પડિલેહણ કરતાં એક ભાગ જોયા પછી તેના ઉપરની રજ તરણું કે કોઈ જન્તુને ખંખેરવાને તે ભાગનું પ્રમાર્જન કરવું તે; આ ક્રિયા અખોડા તરીકે ઓળખાય છે, એકેક વસ્ત્રના ત્રણ ભાગ કરીને પડિલેહણ કરતાં નવ અખોડા થવા જોઈએ એમ વિધાન કરેલ છે. वस्त्रादिक का प्रतिलेखना करते समय एक भाग देखे पश्चात् उस पर की रज, तृण या कोई जन्तु को हटाने के वास्ते उस भाग का प्रमार्जन करना. इस क्रिया को अखोडा कहते हैं, एक एक वस्त्र के तीन २ भाग कर के प्रतिलेखना करते हुए नौ अखोडे होने चाहिये ऐसा शास्त्र का विधान है. The cleansing of a part of a garment for the sake of getting rid of particles of dust, straw or any insect after having examined that part at the time of Pratilekhanā; this process is known as Akhodā, which, according to scriptural injunction, has to be repeated nine times, each garment being divided into three parts for Pratilekhanā. ठा० ६, १; उत्त० २६, २५; ओघ० नि० २६५;

*खोडेयव्व. त्रि० (*) નજવા યોગ્ય; નિષેધ કરવા યોગ્ય. छोडने योग्य; त्यागने योग्य. Worth rejecting; worth abandoning. भग० १२, ६; १६, ४; २४, २४;

खोणी. स्त्री० (क्षोणी) પૃથ્વી. पृथ्वी. The world; the earth. सू० च० १२, ५८;

खोतवर. पुं० (क्षोदवर) ક્ષોદવર નામનો દ્વીપ. क्षोदवर नाम का द्वीप. Name of a continent. सू० प० १९;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खोतोद. पुं० (क्षोदोद) ક્ષોદોદ નામનો સમુદ્ર क्षोदोद नाम का समुद्र. Name of an ocean सू० प० १६;

खोदोदग. न० (क्षोदोदक) શેરડીના રસ જેવું પાણી. सांठे के रस जैसा पानी. Water resembling the juice of sugar-cane. पन्न० १;

खोद्द. न० (क्षौद्र) મધ. मधु; शहद. Honey. भग० ७, ६; —**आहार**. त्रि० (-आहार) મધના ખોરાકવાળો. शहद का आहार वाला (one) who eats honey. भग० ७, ६;

खोभ. पुं० (क्षोभ) ભય; ક્ષોભ. भय; डर. Fear; agitation. विशे० १४७६;

खोभण न० (क्षोभन) વિહ્વલતા; આકુલતા. आकुलता; घबराहट. Agitation; distraction. पिं० नि० ५८५;

खोभिय. त्रि० (क्षोभित) સ્થાનથી ચલાવેલ; ક્ષોભ પમાડેલ. स्थान से चलित; क्षोभित. Agitated; distracted. राय० १२८;

खोम. न० (क्षौम) સુતરાઉ કાપડું. सूत का कपडा; सूती कपडा. A cotton cloth जीवा० ३, ३; सू० प० २०; राय० १६२; निसी० ७, ११; उवा० १, २८; ५, १२३; —**जुयल**. न० (-युगल) સુતરાઉ વસ્ત્રની જોડ. सूती वस्त्र की जोडी. A pair of pieces of cotton cloth. भग० ११, ११;—**दुग्गुल**. न० (दुकूल) સુતરાઉ, તથા અતસી (રેશમ) નું વસ્ત્ર. सूती तथा रेशमी वस्त्र. half silken cloth. नाया० १;

खोमिय. न० (क्षौमिक) શણ તથા સુતરાઉ વસ્ત્ર. सन या सूत का कपडा. A cloth made of cotton or jute. प्रव० ८६७; ओघ० नि० ७२४; आया० २, ५, १, १४१; १४५; भग० ११, ११; ठा० ३, ३; (२) રેશમી વસ્ત્ર रेशमी वस्त्र. silken cloth. पिं० नि० भा० ४६;

खोय. पुं० (क्षोद्र) શેરડી. ईख; सांठा. A sugar-cane. पन्न० १५; राय० १३३; (२) સાતમાં દ્વીપ અને સાતમાં સમુદ્રનું નામ. सातवें द्वीप और सातवें समुद्र का नाम. name of the 7th continent and the 7th ocean. अणुजो० १०३; —**रस**. पुं० (-रस) શેરડીનો રસ. इक्षु रस. the juice of sugar-cane. सम० प० २३२; जीवा० ३, ३; सूय० २, १, १६;

खोरय. न० (*) એક જાતનું ગોળ વાસણ. एक जाति का गोल बरतन. A kind of round shaped pot. जीवा० ३;

खोल. पुं० (खोल) ખોળ; તલ વગેરેનો કુચ્ચો. खल; तिलों वगैरह का फोक. Oil-cakes etc. आया० २, १, ८, ४६; (२) ગુપ્તચર; જાસુસ. गुप्तचर; जासूस. a spy. पिं० नि० १२७;

***खोलिय** त्रि० (*) જુનું કરી નાખેલું. जीर्ण; पुराना कर के डाला हुआ. Old; discarded as being old. पिं० नि० ३२१;

खोह. पुं० (क्षोभ) ભય; ક્ષોભ. भय; डर; क्षोभ. Fear; agitation of the mind. सु० च० १५, १८६;

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

ग.

गइ. स्त्री० (गति) ગતિ; ચાલ; ગમન; ધર્માસ્તિકાયનું ખાસ લક્ષણ. गति; चाल; गमन; धर्म्मास्तिकाय का खास लक्षण. Gait; motion; the result; the fulcrum of motion. क० गं० २, २३; ५, ६१; कप्प० १, ५; भग० ३, २; ४, १०; ७, १०; १६, ८; नाया० १; १७; सम० १; उत्त० २८, ८; दस० ६,२, १७; सू० प० १; विशे० ५४७; सु० च० ५, ६; (२) એક ભવમાંથી બીજા ભવમાં જવું તે; ગત્યંતરમાં જવું તે. एक भव से दूसरे भव में जाना; अन्य गति में जाना. passing from one birth to another birth. आया० १, ३, ३, ११६; जं० प० पन्न० १६; (३) નિસ્તાર કરનાર; આશ્રય સ્થાન; શરણુ યોગ્ય. निस्तारा करने वाला; आश्रय दाता; शरण के योग्य. a benefactor; a patron. ओव० कप्प० २, १५; (४) મરીને જ્યાં જવું તે ગતિ ચાર અથવા પાંચ; નરક, તિર્યંચ, મનુષ્ય અને દેવતા. (પાંચમી મોક્ષગતિ). मरकर जहां जाना होता है वे चार या पांच गति; नरक, तिर्यच, मनुष्य और देवगति (पांचवीं मोक्षगति). the four or five states of passing from one birth to another birth viz that of hell, beasts, human beings and gods. the 5th is that of Mokṣa (salvation). पन्न० १३; २३; उत्त० ३४, २; अणुजो० १२०; दस० ४, १४; ६, ३, १५; १०, १, २१; भग० १, ८; ६, ३; प्रश्न० ४; १२७६; कप्प० ५, ११६; क० प० २, १३; ४. ६; (५) હિતાહિત બોધક જ્ઞાન. हिताहित बोधक ज्ञान; वह ज्ञान जिसमे हित और अहित का बोध हो. the power of discrimination. उत्त० २०, १; (६) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ નરક આદિ ગતિમાં જાય છે. नामकर्मकी एक प्रकृति कि जिसके द्वारा जीव नरक आदि गतियों में जाता है. a variety of Nāmakarma the maturity of which leads a soul to hell. क० गं० १, २४; ३३; ४३; (७) પન્નવણા સૂત્રના ત્રીજા પદના બીજા દ્વારનું નામ કે જેમાં નરક આદિ ગતિઆશ્રી જીવોનું અલ્પાબહુત્વ કહ્યું છે. पन्नवणा-प्रज्ञापना सूत्रके तीसरे पद के दूसरे द्वार का नाम कि जिस में नरकादिक गतियों के सम्बन्ध में जीवों का अल्पबहुत्व-न्यूनाधिक्य कहा है. name of the second section of the third Pada (chapter) of Pannavaṇī dealing with the duration of life in hell. पन्न० ३;

—**कल्लाण.** त्रि० (कल्याण) કલ્યાણ રૂપ ઉચ્ચગતિ પામનાર. मंगलरूप-कल्याणमय ऊंची गति को प्राप्त करने वाला. leading to welfare in the form of attaining to the condition of a god or heavenly being. "अणुत्तरोववाइयाणं गइकल्लाणाणं ठिइकल्लाणाणं" कप्प० ६; जं० प० २, ३१; सम० २००;

—**तस.** पुं० (-त्रस) ગતિ આશ્રી ત્રસ; તેઉ કાય તથા વાયુ કાય. गति का आश्रय करके त्रस; तेजस्काय और वायु काय. the living beings of fire and wind in relation to the state of their existence. क० गं० ३, १८; ४, २२;

—**तुल्ल.** त्रि० (-तुल्य) પોતપોતાની ગતિ સમાન. अपनी२ गति के तुल्य-समान according to one's

own state of existence. क० प० ६, ३०; —नाम. न० (-नामन्) જેના ઉદયથી નરકાદિક ગતિ પ્રાપ્ત થાય તે નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ. नाम कर्म की एक प्रकृति, जिसके उदय से नरक आदि गतियों की प्राप्ति होती है. a variety of Nāmakarma the maturity of which leads to the condition of a hellish being. सम० ४२; —पडिहा. स्त्री० (-प्रतिघात) શુભગતિનો પ્રતિઘાત અટકાયત. शुभ गति का प्रतिघात-प्रतिबन्ध. the destruction of a blessed condition of existence by the force of Karmas. ठा० ५, १; —परिणाम. पुं० (-परिणाम) ગતિનું પરિણામ-સ્વભાવ. गति का परिणाम-स्वभाव. the nature of duration of life. भग० ७, १; —प्पवाय. पुं० (-प्रवाद) જેમાં ગતિનું વિવરણ છે એવા એક અધ્યયનનું નામ. name of a chapter dealing with various conditions of existence. भग० ८, ७; —विन्नाण. न० (-विज्ञान) ગતિનું જાણપણું. गति का ज्ञान. knowledge of the condition of existence. पंचा० २, २५; —विब्भम. पुं० (-विभ्रम) ગતિ-ચાલની શોભા. गति-चाल की शोभा. the beauty of the gait, motion or existence. गच्छा० १२१; —विसय. पुं० (-विषय) ગતિનો વિષય; ગતિ શક્તિ. गति का विषय-शक्ति. the subject of a condition of existence. "असुरकुमाराणं देवाणं कहे गइ विसये सिग्घे" भग० ३, २; भग० २०,६; —समावन्नग. त्रि० (-समापन्नक) વાટે વહેતા જીવ; એક ભવપૂરોકરી બીજા ભવમાં ગતિમાં જતો જીવ. जन्म मृत्युरूप प्रवाह में बहाजाता हुआ जीव; एक भव पूरा करके दूसरे भव गति में जाता हुआ जीव. a soul on its way to another birth after finishing one birth. जं० प० ७, १४०; ठा० २, २;

गइमंत. त्रि० (गतिमत्) ગતિમાન્, ગતિવાળો. गतिवाला; गमनशील; चलने वाला. Moving; going. विशे० ३१५७;

गंग. पुं० (गङ्ग) મધ્યાન્હે નદી ઉતરતાં પગે ઠંડો અને માથે ગરમીનો અનુભવ થાય છે માટે એક સમયે બે ઉપયોગ હોઇ શકે એમ સ્થાપના કરનાર ગંગ નામનો પાંચમો નિન્હવ. गङ्ग नामक पांचवां निन्हव-मतप्रवर्तक, जिसे एक ही समय में दो क्रियाओं का ज्ञानभान हुआ था अर्थात गंगा नदी पार करते समय ऊपर से सूर्य का ताप और नीचे से जल की शीतलता का एक कालावच्छेद से ही अनुभव हुआ था, तथा 'एक काल में अनेक अनुभव हो सकते हैं' इस सिद्धान्त का मत भी चलाया था. The fifth of the propounders, named Ganga, who propounded the false theory of the knowledge of two actions simultaneously, as one experiences cold at the feet and heat on the head, while crossing a river at noon time. विशे० २३०१; ठा० ७, १;

गंगदत्त. पुं० (गङ्गदत्त) એ નામનો એક માણસ કે જેનું રાગનેલીધે પતન થયું. इस नाम का एक मनुष्य, कि जिसका राग के कारण पतन हुआ. A man of that name who got a spiritual fall on account of passion. भत्त० १३७; (२) ગંગદત્ત-નવમા વાસુદેવના ત્રીજા પૂર્વ ભવનું નામ. नौवें वासुदेव के तीसरे पूर्व भव का नाम. the name of the third

past birth of the ninth Vāsudeva. सम० प० २३४; (३) છઠ્ઠા બલદેવ-વાસુદેવના પૂર્વભવના ધર્માચાર્ય. छट्ठे बलदेव-वासुदेव के पूर्व जन्म के धर्माचार्य. the religious preceptor of the sixth Baladeva-Vāsudeva, in the previous birth. सम० प० २३४; હસ્તિનાપુરનો રહેવાસી એક ગાથાપતિ. हस्तिनापुर का रहने वाला एक गाथापति. a merchant-prince of Hastinā-pur. भग०१६,५;—देव. पुं० (-देव) એ નામનો સાતમા દેવલોકનો એક મહાસામાનિક દેવતા. सातवें देवलोक के एक महासामानिक देवता का नाम. name of a Mahāsāmānica deity of the 7th Devaloka (heavenly abode). भग० १६, ५;

गंगदत्ता. स्त्री० (गङ्गदत्ता) ગંગદત્તા નામે એક સ્ત્રી. इस नाम की एक स्त्री. Name of a woman. विवा० ७;

गंगप्पवाय. पुं० (गङ्गाप्रपात) હિમવંત પર્વત ઉપરથી નીકળતી ગંગા નદીનો ધોધ જ્યાં પડે છે તે કુંડ. वह कुण्ड जिसमें हिमवंत पर्वत से निकली हुई गंगा नदी का प्रवाह गिरता है. The lake where the torrent of the Ganges starting from the Himavanta mountain falls. ठा० २, ३;

गंगा. स्त्री० (गङ्गा) ગંગાનદી-ચૂલહિમવંત પર્વત ઉપરથી નીકળી વૈતાઢ્યમાં થઇ લવણ સમુદ્રમાં પૂર્વ તરફ મળતી ભરત ક્ષેત્રની એક મ્હોટી નદી. गङ्गा-हिमालय पर्वत से निकल वैताढ्य पर्वत के बीचों बीच होकर लवण समुद्र में पूर्व की ओर मिलती हुई भारतवर्ष की एक बड़ी नदी. A large river of Bharata Kṣetra flowing to the east into Lavaṇa ocean, starting from Chūla-Himavanta and crossing Vaitāḍhya. सम० १४; नाया० १; ४; ८; १६; भग० ५, ७; ७, ६; ९, ३३; १५, १; ओव० १०; जं० प० ५, १२८; ३, ४१; ३८; उत्त० ३२, १८; जीवा० ३, ४; सू० प० २०; अणुजो० १३४; कप्प० ३, ३२; —आवत्तणकूड. पुं० (-आवर्तनकूट) ચૂલ હિમવંત પર્વતના પદ્મદ્રહથી ૫૦૦ જોજન પૂર્વ તરફ ગંગાવર્ત નામે એક શિખર છે કે જ્યાં ગંગા નદીનું આવર્તન થાય છે. हिमालय पर्वत के पद्म नामक ह्रद से पूर्व की ओर ५०० योजन की दूरी पर गंगावर्त नामक एक शिखर है, कि जहां गंगा नदी का आवर्तन होता है. name of a summit of Chūla Himavanta mountain, situated in the east of its lake named Padma, at a distance of 500 Yojanas, here the river Ganges takes a turn. जं०प०—कुंड. पुं० (-कुण्ड) કચ્છ વિજયની ગંગાનદીનો કુંડ; ચિત્રકૂટ વખારા પર્વતની પશ્ચિમે ઋષભકૂટ પર્વતની પૂર્વે નીલવંત પર્વતને દક્ષિણ કાંઠે ઉત્તરાર્ધ કચ્છ વિજયમાંનો ગંગા નદીનો કુંડ. कच्छविजय की गंगा नदी का कुण्ड; चित्रकूट बखारा पर्वत के पश्चिम, ऋषभकूट पर्वत के पूर्व और नीलवंत पर्वत के दक्षिण के किनारे पर उत्तरार्द्ध कच्छ विजय में स्थित गंगा नदी का एक कुण्ड. name of a lake of the river Ganges in the northern half of Kachchha Vijaya, on the southern border of Nīlavanta mountain, in the east of Ṛishabhakūṭa mountain, and in the west of Chitrakūṭa Vakhā-

रा mountain. जं॰ प॰ —**कूड**. पुं॰ (-**कूट**) चूल हिमवंत पर्वत उपरना ११कूटमांनुं पांचमु कूट शिखर. चुल्ल हिमवान् पर्वत के ११कूटों में से पांचवां कूट शिखर. the 5th of the eleven summits of Chula Himavanta mount. जं॰ प॰—**कूल**. न॰ (-**कूल**) गंगा नदीनो किनारो-कांठो. गंगानदी का तीर. a bank of the river Ganges. भग॰११,६;—**दीव**. पुं॰(-**द्वीप**) गंगा प्रपात कुंडनी वच्चे रहेल द्वीप. गंगा प्रपात कुंड के बीच में आया हुआ एक द्वीप. an island in the lake Gangāprapāta.जं॰प॰—**पमाण**. पुं॰(-**प्रमाण**) गंगानदीनुं प्रमाण. गंगानदीका प्रमाण. the extent of the Ganges. भग॰१५,१; —**पुलिणवालुया** स्त्री॰ (-**पुलिनवालुका**) गंगानदीना कांठानी वेलु-रेती. गंगा के तीर की बालु-रेती. the sand of the banks of the river Ganges. भग॰११,११; —**प्पवाय**. पुं॰ (-**प्रपात**) चुल्ल हिमवंत पर्वत उपरथी पडतो गंगानदीनो धरेडो. चुल्ल हिमवंत पर्वत के ऊपर से गिरने वाला गंगानदी का प्रपात-झरना. the fall of the Gangā river from the Chūla Himvanta mountain जं॰ प॰ ठा॰ २, ३; —**प्पवायदह** पुं॰ (-**प्रपातह्रद**) जेमां गंगानदीनो धरेडो पर्वत उपरथी पडे छे ते द्रह. गंगा प्रपातह्रद जिसमें पर्वत पर से गंगा नदी की धारा गिरती है. the lake into which the Gangā river falls from the mountain. ठा॰ २, ३; —**महानई**. स्त्री॰(-**महानदी**) गंगा नामनी मोटी नदी. गंगा नाम की महानदी. the large river named Ganges. नाया॰ १६; —**महानई**. स्त्री॰ (-**महानदी**) जुओ "**गंगामहाणई**" शब्द. देखो "**गंगामहाणई**" शब्द. vide "**गंगामहाणई**" निर॰३,३;—**वालुश्रा**-**या**. स्त्री॰(-**वालुका**) गंगानदीनी रेती. गंगा नदी की रेती. the sands of the river Ganges. भग॰ १५, १; भगजो॰ १४३;

गंगासयसहस्स. न॰ (-**गङ्गाशतसहस्र**) गोशालाना मतानुसार गंगा-एक काल प्रमाण, तेनी एक लाख संख्या. गाशाला के मतानुसार गंगा नामक एक कालविभाग तथा उसकी एक लाख संख्या. According to Gośālā, a division of time called Gangā also a lac of such divisions. भग॰ १५ १; —**सलिल**. न॰ (-**सलिल**) गंगानदीनुं पाणी. गंगा नदी का जल; गंगाजल. water of the Ganges. नाया॰ ८;

गंगाउल. पुं॰ (**गङ्गाकुल**) गंगानदीने कांठे रहेनार तापसनी एक जात. गंगानदी के तीर पर रहने वाले तपस्वी की एक जाति. A class of ascetics residing on the bank of the river Ganges. निर॰ ३, ३;

गंगादेवी. स्त्री॰ (**गङ्गादेवी**) गंगानदीनी अधिष्ठात्री देवी. गंगानदी की अधिष्ठात्री देवी. The persiding goddess of the river Ganges. जं॰प॰३,६४;—**भवण**. न॰ (-**भवन**) गंगादेवीनुं भवन. गंगादेवी का भवन. the palace of the goddess Gangā. जं॰ प॰ ३, ६४;

गंगावत्त. पुं॰ (**गङ्गावर्त**) ए नामनो एक द्रह. इस नाम का एक ह्रद. Name of a lake. कप्प॰ ३, ४३;

गंगेय. पुं॰ (**गाङ्गेय**) पार्श्वनाथना संतानीया ए नामना एक मुनि के जेणे महावीर स्वामिने नरक आदिना भांगाना प्रश्नो पुछ्या छे जे गंगीयाना भांगा नामे

ઓલખાય છે. इस नामका पार्श्वनाथ का वंशज एक मुनि जिसने महावीरस्वामी से नरक आदि के विभागों के सम्बन्ध में प्रश्न पूछे थे और जो गाङ्गेयभांगा नामसे प्रसिद्ध हैं. An ascetic of this name the descendant of Pārśvanātha, who had put certain question concerning the region of hell etc. to Mahāvīra Svāmī these questions are known as Gāṅgeyabhāṅgā. भग० ६, ३२; (२) ગંગાનો પુત્ર-ભીષ્મ પિતામહ. गंगा का पुत्र-भीष्म पितामह. Bhīsmapitāmaha, the son of Gaṅgā. नाया० १६;

गंज. पुं० (**गञ्ज**) ગાંજો; ગુચ્છ વનસ્પતિની એક જાત. गुच्छ वनस्पति की एक जाति; गांजा. A kind of intoxicating vegetation known as hemp-flower. पराह० २, ५; भग० २२, ४; पन्न० १; —**साला** स्त्री० (-**शाला**) ગાંજાની દુકાન. गांजे की दुकान. a shop of hemp-flower. निसी० ८, ७;

√ **गंठ.** धा० I (**ग्रंथ**) ગુંથવું; રચવું. गुंथना; रचना. To knit; to bind; to tie; to compose.

गंठइ. निसी० १, ५३;

गंठंत. निसी० १, ५३;

गंथिज्जइ. क० वा० विशे० १३८३;

गंठि. पुं० (-**ग्रन्थि**) ગાંઠ. ग्रंथि; गांठ. A tie, a knot e. g. that of love and hatred caused by Karma. राय० १६६; जीवा० ३, ४; सु० च० ११, २२; ओघ. नि०६९३; विशे०११८४; नाया० ६; भग० १, ६; प्रव० २००; ५०८; पंचा० ३, ३०; (२) કર્મ જનિત રાગ દ્વેષ વગેરેની ગાંઠ. कर्म जनित रागद्वेश आदि की गांठ a knot in the form of passions born of Karma. विशे० ११८४; —**च्छेदअ.** त्रि० (-**च्छेदक**) ગાંઠ છોડી ચોરી કરનાર गांठ खोल कर चोरी करनेवाला. one who cuts or looses a knot and steals. सूय० २, २, २८; —**च्छेय.** पुं० (-**च्छेद**) જુઓ "**गंठिछेदअ**" શબ્દ. देखो "**गंठिछेदअ**" शब्द. vide "**गंठिछेदअ**" नाया० १८; —**भेअ-य.** त्रि० (-**भेद**) દ્રવ્યની કોથળી ભેદનાર; દ્રવ્યની થેલી તોડી ચોરી કરનાર. रुपयों की थैली काट कर चोरी करने वाला. a cut-purse. उत्त० ६, २८; ओव० पराह० १, २; विवा० ३; भग० ९, १;

गंठिआ स्त्री० (**ग्रन्थिका**) મોહકર્મની રાગ દ્વેષ રૂપ ગાંઠ. मोह कर्मों की राग द्वेष रूप गांठ. The knot of infatuation or fascination with worldly things; the knot of delusion. भग० ४, १;

गंठिग त्रि० (**ग्रन्थिक**) કર્મગ્રંથિ-કર્મની ગાંઠ સહિત. कर्मों की गांठ युक्त. (One) having a knot of Karma; (one) in Kārmic bondage. सूय०२, ४, ४;

गंठिम. त्रि० (**ग्रन्थिमत्**) ગાંઠ દઈને ગુંથેલ गांठे लगाकर गुंथा हुआ. Knitted after tying a knot ठा०४;भग०६,३३;पन्न० १; नाया० ६; (२) ગુંથેલ પુષ્પની માલા गुंथे हुए फूलों की माला a garland knit with flowers. नाया० १७;

गंठिमग. न० (**ग्रन्थिमक**) એ નામનું કોઇ ગુલ્મ જાતનું વૃક્ષ. इस नाम का गुलम जाति का कोई एक वृक्ष. A kind of flowering plant. पन्न० १;

गंठिय. त्रि० (**ग्रथित**) ગુંથેલું; ગાંઠેલું. गुंथा हुआ; गांठा हुआ. Knit; interwoven. निसी० १, ५१; —**सत्त.** पुं० (-**सत्व**)

મોહની નિબડ ગાંઠ વાલો અભવ્ય જીવ. मोह की मजबूत गांठ वाला अभव्य जीव. a soul incapable of untying Karmic knots and so of being liberated उत्त० ३३, १७; क० प० ५, ४;

गंठिल. त्रि० (ग्रन्थिल) ગાંઠવાળું गांठ वाला. Knotty; knotted. ओघ० नि० ७३७;

गंठिल्ल त्रि० (ग्रन्थिमत्) કર્મ સંબંધી ગાંઠ વાળું. कर्म सम्बन्धी गांठ वाला. Having (Karmic) knots. भग० १६, ४;

गंड. पुं० (गण्ड) કપોલ; ગાલ. गाल. A cheek. आया० १, १, २, १६; पन्न० २; सू० प० २०; ओव० प्रव० ४३६; जं० प० ५, ११५; (२) ગડ, ગુમડું, કણ્ઠમાલ રસોલી વિગેરે. फोडा, कण्ठमाल वगैरह. a boil; an ulcer etc. " जं च अणं सुयादगं तं गंडं " निसी० ३, ३४; ६, १३; उत्त० ८, १८, १०, २७; सूय० १, ३, ४, १०; २, १, १७; (३) દડો. गेंद; खेलने का एक साधन-कंदुक. a ball जं० प० (४) ગેંડું; ११ મા તીર્થંકરનું લાંછન. ११ वें तीर्थंकर का लांछन-चिन्ह. a distinction sign of the 11th Tirthaṅkara. पन्न० १; प्रव० ३८१; (५) સ્તન; થાંભ; થાનેલો. स्तन. a breast. पिं०नि० ४१६; —आदिअ पुं० (-आदिक) ગાલ; ગલોફાં વિગેરે. गाल; कपोल आदिक. a cheek etc. निसी० ६, १२; —उवहाणय. न० (-उपधानक) ગાલ મસુરિયું. गल तकिया. a small round pillow for the cheeks. राय० १६१;

गंडउवहाणिय. पुं० (गण्डोपधानिक) ગાલ મસુરિયું. सिराने लेनेका तकिया. A pillow; a small round pillow for the cheeks. जीवा० ३, ४; —तल. न० (-तल) ગાલની સપાટી; મ્હેરાનો મધ્યભાગ. गाल; मुंह का मांसल प्रदेश. a cheek; the middle fleshy part of the face. ओव० २२; —देस पुं० (-देश) કપોલ (ગાલ) નો ભાગ. गाल प्रदेश; कपोलों का भाग. that part which forms a cheek. नाया० ८; —यल. त्रि० (-तल) જુઓ " गंड-तल " શબ્દ. देखो " गंड-तल " शब्द. Vide " गंड-तल " सु० च० १, ८०; —लेहा. स्त्री० (-रेखा) ગાલ ઉપર કરેલ કસ્તુરી વગેરેની રેખા; કપોલ પાલી. कपोलों-गालों पर कस्तूरी वगैरह सुगन्धित पदार्थों की बनाइ हुई रेखा; एक प्रकार का शृंगार-कपोल पाली. a kind of decorative streak or mark of musk or some other fragrant substance made on the cheek. जं० प०

गंडग पुं० (गण्डक) ટેલીઓ. मुखिया. A watchman. (२) ઢંઢેરો પિટનાર. ढ्योंडी पीटने वाला. one who announces or makes a proclamation. ओघ० नि० ६४५;

गंडमाणिया. स्त्री० (गण्डमाणिका) દેશ વિશેષ પ્રસિદ્ધ માપ. किसी देश का प्रसिद्ध माप. Current, well-known, measures of weight etc. of any country; राय० २७१;

गंडाग. पुं० (गण्डक) હજામ; વાળંદ; નાપીત. नाई; नापित; बाल बनाने वाला. A barber. आया० २, १, २, ११;

गंडि. त्रि० (गण्डिन्) કંઠમાળ; મ્હોટા સોળ રોગમાંનો એક રોગ. गण्डमाल. Boils, ulcers etc. on the throat; (this is one of the sixteen great diseases) (२) તે રોગવાળો. इस रोग

वाला. (one) suffering from boils, ulcers etc. on the throat. आया० १, ६, १, १७२; पगह० २, ५;

गंडिआ-या. स्त्री० (गण्डिका) સામાન્ય અર્થના અધિકાર વાળી ગ્રન્થ પદ્ધતિ. साधारण अर्थ के अधिकार वाली ग्रंथ पद्धति. Style of composition fitted for or entitled to convey ordinary thought or matter. नंदी०५६; (२) સોનીની એરણ. सुनार की ऐरण. the anvil of a goldsmith. दस०७, २८; (३) શેરડીની ગંડેરી. गंडेरी; सांठे के छोटे २ टुकड़े. small bits of sugar-cane. आया० २, ७, २, १६;

गंडियाणुओग. पुं० (गण्डिकानुयोग) દૃષ્ટિવાદ સુત્રાન્તર્ગત અનુયોગનો એક વિભાગ કે જેમાં એક સરખા અર્થના વાક્યની રચના રૂપ ગંડિકાની વ્યાખ્યા કરવામાં આવી છે અને તેમાં તીર્થંકર ગણધર ચક્રવર્તી દશાર્હ બલદેવ હરિવંશ વગેરેનો અધિકાર છે. दृष्टिवाद सूत्र के अन्तर्गत अनुयोग का एक विभाग, जिसमें एक जैसे अर्थ वाले वाक्यों की रचनारूप गंडिका की व्याख्या की गई है और उसमें तीर्थंकर, गणधर, चक्रवर्ती, दशार्ह, बलदेव, हरिवंश आदि का अधिकार है. Name of a division of a section of Dristivāda Sūtra: here an explanation of the composition of a sentence uniform in sense, is given; it treats of Tirthañkaras, Gaṇadharas etc. सम० १२; नंदी० ५६;

गंडी. स्त्री० (गण्डी) સોનીની એરણ મૂકવાનું લાકડાનું ઢીમચું જેમાં એરણ ગોઠવવામાં આવે છે તે લાકડું. सुनार की ऐरण रखनेका एक लकड़ी का ढांचा; जिस में ऐरण मजबूत हो कर टिक जाती है वह ढांचा. A block of wood in which a goldsmith's anvil is fixed. आया० २,४, २, १३८; (२) કમલની કર્ણિકા. कमल की कली. a bud of a lotus. उत्त० ३६; १७६; (३) ગંડી પુસ્તક; જે પહોળાઇમાં અને જાડાઇમાં સરખું હોય તે ગણ્ડિ પુસ્તક. गण्डी पुस्तक जो चौड़ाई और लंबाई में बराबर हो. a book which is equal in length and breadth. प्रव० ६७१; —पद. त्रि० (-पद) ગણ્ડી-સોનીની એરણ અથવા કમળની કર્ણિકા જેવા પગવાળા જનાવર; હાથી, ગેંડા, વગેરે. हाथी, गेंडा, वगैरह पशु; ऐरण अथवा कमल की कली के समान पांववाला पशु. (an animal) having feet like a goldsmith's anvil; e. g. an elephant, a rhinoceros. भग०१५, १; ठा० ४, ४; सूय०२, ३, २३; —पय. पुं० (-पद) જુઓ 'गंडी-पद' શબ્દ. देखो 'गंडी-पद' शब्द. Vide 'गंडी-पद' उत्त० ३६, १७६; पन्न० १; जीवा० १; —पोत्थय. न० (-पुस्तक) જુઓ 'गंडी' શબ્દ. देखो 'गंडी' शब्द. vide 'गंडी' प्रव० ६७२;

***गंडूयलग.** पुं० (गण्डूपद-गण्डूवः प्रन्थयस्ताभिरन्विताानि पदानि यस्य) બે ઇન્દ્રિયવાળો જીવ-જેને ગુજરાતીમાં ગિંગોડા કહે છે. दो इन्द्रियों वाला एक जीव: केंचुआ; गंडोआ आदिक. A sentient being with two sense-organs. पन्न० १;

गंतव्व. त्रि०(गन्तव्य) જવા લાયક. जाने योग्य. Worth going to; worth approaching. भग० २, १; १८, २; नाया० १; (२) જાણવું; સમજવું. समझना; जानना. to know; to understand. पन्न० २;

गंतार. त्रि० (गन्तृ) જનાર; ચાલનાર.

चलने वाला; गमन करने वाला. a goer; (one) who goes. सम०३३; दसा०२,२;

गंतुंपच्चागया. स्त्री० (गत्वा प्रत्यागता—गत्वा प्रत्यागतं यस्याम्) એક તરફ ગોચરી કરતાં છેડે જઇ બીજી શ્રેણિ તરફ ગોચરી કરવી તે. एक ओर गोचरी करतेर अन्त में जाकर दूसरी श्रेणी की ओर गोचरी करना. Beginning to beg in the opposite line of houses after reaching the end of one line. ठा० ६, १; दसा० ७, १;

गंतुमण. पुं० (गन्तुमनस्) જવાની ઇચ્છા વાળો, અર્થાત્ અમુક સૂત્ર સમર્પણ કરો તો પછી ભણીને કે સાંભળીને જાઉં એમ બોલનાર અવિનીત શિષ્ય. जाने की इच्छा वाला; अर्थात् अमुक सूत्र अर्पण करो तो बाद पढकर या सुनकर जाऊं इस प्रकार बोलने वाला अविनीत शिष्य. A disciple desirous of going, saying to the preceptor impolitely that he would go after hearing a particular Sūtra. ओघ०नि०भा०२०६; विशे०१४४६;

गंतूण. सं० कृ० अ० (गत्वा) જઇને. जाकर. Having gone. पण० २; सु० च० १, १३५; गच्छा० ११५;

गंथ. पुं० (ग्रन्थ—ग्रथ्यतेऽनेन अस्मादस्मिन् वा अर्थः) સૂયગડાંગના १४ મા અધ્યયનનું નામ. કે જેમાં ગ્રન્થપરિગ્રહનો ત્યાગ કરનાર સાધુ એ કેવી રીતે દેશના આપવી કેમ બોલવું તેનું વ્યાખ્યાન છે. सूत्रकृताङ्ग के १४ वें अध्याय का नाम, जिसमें ग्रन्थपरिग्रह त्याग किये हुए साधुने किस प्रकार देशना देना, बोलना आदि का व्याख्यान है. Name of the 14th chapter of Sūyagaḍāṅga explaining the mode of speech to be adopted by a monk who has given up the possession of books. जं० प० ५, १२२; सूय० १, १४, १; २७; सम० १६; २३, (२) કર્મનો બંધ; કર્મની ગાંઠ. कर्मों का बन्ध; कर्मों की गांठ. knot of Karma. आया० १,१, २, १६; (३) ગ્રંથ; પુસ્તક. ग्रन्थ; पुस्तक. a book. अणुजो०४२;राय० १९०; विशे० १३७८; (४) બાહ્ય અને અભ્યન્તર પરિગ્રહ; બાહ્ય ધન ધાન્યાદિ, અભ્યન્તર કષાયાદિ. बाह्य और अभ्यन्तर परिग्रह; बाह्य धन्य-धान्यादि तथा अभ्यन्तर कषायादि. external and internal possessions, such as wealth corn etc. and attachments to worldly things. आया० १, ३, २, ११५; १, ७, २, २०४; सूय० १, ६, ५; १, १४, १; उत्त० ८, ३; विशे० २५६१; प्रव० ७२७; (५) સૂત્રાર્થ; શાસ્ત્રોનો મતલબ. सूत्रों का अर्थ; शास्त्रों का मतलब. the meaning of Sūtras; the purport of scriptures. सूय० १, १, १, ६;

गंथिम. त्रि० (ग्रन्थिम) દોરાથી ગાંઠીને બનાવેલ ફુલની માળા વિગેરે. डोरे से गांठ कर-गूंथ कर बनाई हुई फूलमाला वगैरह. A garland of flowers etc. knit up with a thread. ओव० ३८; ठा० ४, ४; अणुजो० १०; आया० २, १२, १७१; जीवा० ३, ३; नाया० १३; निसी०१२, २०; भग० ६; ३३;

गंध. पुं० (गन्ध) નાસિકા (ઘ્રાણેંદ્રિય) નો વિષય; સુગંધ કે દુર્ગંધ. घ्राणेंद्रिय का विषय—सुगंधि और दुर्गन्ध. Fragrance; smell; e. g. of flower etc. which is the subject of nose. ओव० १०; २२; अणुजो० १३; १०३; १३०; सम० १; ५; राय० २७; निसी० १, ११; नंदी० १३; जं० प० ५, ११४; ११६; ११२;

नाया० १; ८; १२; १६; १७; ठा० १, १; उत्त० २८, १२; ३२, ४८; ३४, २; भग० १, १; २, ३; ७; ६, १०; ७, ७; ८, १; २०, ५; २५, ४; विशे० २०६; दसा० ६, ४; दस० २, २; सूय० १, ९, १३; सू० प० १७; पन्न० १; प्रव० ६४७; आव० ४, ७; क० प० १, २७; कप्प० ३, ३७; भत्त० १२१; क० गं० १, २४; (२) गंध नामनो द्वीप तथा समुद्र. इस नामका द्वीप और समुद्र. an island of that name; also an ocean of that name. जीवा० ३ ४; पन्न० १; (३) आधा कर्म आदि दोष; छ उद्गमनना दोष. आधा कर्म आदि दोष; उद्गमनके छः दोष. a fault like that of Ādhākarma etc. any of the six faults of Udgamana. आया० १, २, ५, ८६; —अंग. पुं० (-अङ्ग) गंध प्रधान वस्तुना सात प्रकार छे मूल, त्वचा, काष्ठ, निर्यास, पत्र, पुष्प फल, मूल वालो वगेरे, त्वचा सुरंगुआल प्रमुख, काष्ठ चंदनादि, निर्यास-कपूर आदि पत्र-तमाल आदि, पुष्प-जवत्री वगेरे फल-लविंग वगेरे. गन्ध के अङ्ग; गन्ध प्रधान वस्तु के सात भेद होते हैं, यथा-मूल, त्वचा, काष्ठ, निर्यास--कपूर, पत्र, पुष्प, और फल. the seven varieties of fragrant things viz. roots bark, wood, exudation etc leaves, flowers and fruits. जीवा० ३, २; —आदेस. पुं० (आदेश) गंधनी अपेक्षा. गन्ध की अपेक्षा. relating to fragrance. पन्न० १; —आरुहण. न० (-आरोहण) सुगन्धनुं वधारवुं ते. सुगंध का बढाना. increasing the fragrance of a substance. नाया० ३; —उदअ-य. न० (-उदक) सुगन्धिपाणी. सुगन्धि द्रव्य मिश्र पाणी. सुगन्धित जल; सुगन्ध वाले पदार्थों से मिश्रित जल. scented water. ओव० प्रव० ४५५; कप्प० ४, ५८; भग० ६, ३३; १५, १; नाया० १; जं० प० ५, ११४; —उदग. न० (-उदक) जुओ " गन्धोदअ " शब्द. देखो " गंधोदअ " शब्द. vide " गन्धोदअ " भग० ७, ६; नाया० १; १६; पंचा० २, १३; —उदग-दाण. न० (उदक दान) सुगंधी पाणीनी वर्षा. सुगंधित जल का वर्षा. a rain of scented water. पंचा० २, ८३; —उदयवुट्ठि. स्त्री० (-उदक वृष्टि) सुगंधिपाणीनी वृष्टि. सुगन्धित जल की वृष्टि. a shower of scented rain. प्रव० ४५५; —उद्धुयाभिराम. पुं० (-उद्धुताभिराम) सुगन्धि निकळवाथी मनोहर. सुगन्ध निकलने से अभिराम मनोहर. charming on account of the irradiation of fragrance. भग० ११, ११; नाया० १, जं० प० ५, ११२; —उव्वट्टण. न० (उद्वर्तन) सुगंधी पदार्थथी उद्वर्तन पीठी करवी ते. सुगन्ध वाले पदार्थों से उद्वर्तन करना; सुगन्धित पदार्थों को मिला कर, कूट छान कर चूर्ण-उबटना बनाना. mixing, pounding etc. of fragrant substances. नाया० १६;—उस्सास. पुं० (-उच्छ्वास) सुगंधी वा दुर्गंधवालो उच्छ्वास. सुगन्ध या दुर्गन्धवाला उच्छ्वास. fragrant or stinking breath. भग० ६, ३३; —करण. न० (करण) सुगंध करनार; पुष्पादि. सुगंध करने वाला, पुष्प वगैरह (anything) which imparts fragrance; e. g. a flower etc. भग० १६, ६; —कासाइय. त्रि० (काषायिक) अंग लुंछवानुं सुगंधि कपडुं रुमाल.

अंग पूंछने का सुगन्धित वस्त्र. a fragrant or scented cloth for drying the body by wiping. भग० ३, ३३; आया० २, १५, १७९; नाया० १; २; १६; कप्प० ४, ६१; राय० १८५; जं० प० ५, १२२; —कासाई. स्त्री० (-काषायी.) जुओ "गंधकासाइआ" शब्द. देखो "गंधकासाइआ" शब्द. vide "गंधकासाइआ" "गंधकासाईए गायाइं लूहेइ" भग० १५, २; —जुत्ति. स्त्री० (-युक्ति) सुगंधि तेल अत्तर विगेरे बनाववानी युक्तिनुं विज्ञान सुगन्धित तैल, इत्र आदि बनाने की युक्ति-तरकीब. knowledge of the art of preparing fragrant oils, scents etc. ओव० —दृय न० (-द्रव्य) सुगंधि चूर्ण. सुगंधि चूर्ण. scented powder. "गन्धदृएणं उव्वट्टित्ता" ठा० ३. १; —ड्ड. त्रि० (-आढ्य) सुगंध भरेल. सुगन्ध युक्त. scented; fragrant. पंचा० २,१४;८,२४;—णिव्वत्ति. स्त्री० (-निर्वृत्ति) गंधनी निष्पत्ति. गन्ध का निष्पत्ति-प्रादुर्भाव. rise of fragrance. भग० १६, ८; —णिसास पुं० (-निःश्वास) कमलनी गंध जेवो मुखनो निश्वास. कमल की सुगन्धि के समान मुख का श्वास. fragrant breath. नाया० ८;—दुग. न०(-द्विक) सुगंध अने दुर्गंध सुगन्ध और दुर्गन्ध. fragrance and stink. क० गं० २,३२; —दुघाणि. स्त्री० (-घ्राणि) गन्धनो जथ्थो; गन्ध समूह सुगन्धका समुदाय-समूह. a collection of perfumes. ओव० नाया०१; ८; १६; जं० प० ४, ६१०; —नाम. न० (-नामन् गन्ध्यते इतियन्तः तद्धेतुत्वात्-नामकर्म) गंध नामे नाम कर्मनी एक प्रकृति के जेना उदयथी जीव गंधवाळुं शरीर पामे छे. गन्ध नाम की नामकर्म की एक प्रकृति, कि जिसके उदय से जीव को गन्ध प्रधान शरीर मिलता है. the Nāma-karma known as Gandhanama. सम० २८; —परिणत. त्रि० (-परिणत) दुर्गंधि रूपे के सुगंध रूपे परिणाम पामेल. सुगन्ध अथवा दुर्गन्ध रूप में परिणत होना-परिणाम पाना. change of a substance into fragrance or stench. भग० ८, १; —परिणाम. पुं० (-परिणाम) सुगन्धनुं दुर्गन्ध रूप थवुं तथा दुर्गन्धनुं सुगन्धी थवुं ते. सुगन्ध का दुर्गन्ध रूप होना और दुर्गन्ध का सुगन्ध रूप हो जाना. change of fragrance into stench and vice versa. "गंधपरिणामेणंभंते" पन्न० १३; ठा० ४, १; भग० ८, १०; —मदवारि. न० (-मद वारि) सुगंधी मदरूपे झरतुं पाणी. सुगन्धित मदरूप से झरता हुआ जल water trickling like scented wine. नाया०१; —वट्टि. स्त्री० (-वर्ति) सुगंधनी वाट; अगरबत्ती, सुगन्धमय गुटिका. धूपबत्ती; अगरबत्ती या सुगन्ध मय गुटिका. a stick of perfume; a fragrant pill. ओव०२६; राय०२८; भग० ११, ११; जं० प० ५, १२१; (२) कस्तूरीनो गोटो. कस्तूरीका गोटा-गोला. a ball of musk. नाया० १; —हत्थि. पुं० (-हस्तिन्) महोन्मत्त हाथी-जेना गण्डस्थलमांथी सुगन्धित मद झरे छे अने जेनी गन्धथी बीजा हाथीओ नाशी जाय ते गन्ध हस्ती. गन्ध हस्ती; जिसके गण्डस्थल में से सुगन्धित मद झरता है और जिसकी सुगन्धि से दूसरे हाथी भाग जाते हैं मदोन्मत्त हाथी. an intoxicated elephant with rut on its temples which by its scent frightens away other elephanst.

ओव० राय० २३; नाया० १; कप्प०२, १५; आव० ६, ११; (२) કૃષ્ણ વાસુદેવનો વિજય નામનો હાથી. कृष्ण वासुदेव का विजय नामक हाथी. an elephant of Krisna Vāsudeva named Vijaya. नाया० ५;

गंधश्रो. अ० (गन्धतस्) ગન્ધ આશ્રી. गन्ध से; गन्ध का आश्रयकर. Through, from fragrance. उत्त० ३६, १९; भग०८; १; १८, १०;

गंधण. पुं० (गंधन) ગંધન જાતનો સર્પ, કે જે મુકેલ ઝેર મંત્ર પ્રયોગથી પાછું ચુસી લે છે. गंधन जाति का एक सांप, कि जो मंत्र बल से अपने विष को वापिस ले लेता है. A kind of serpents named Gandhana which sucks the poison back again by the power of spells. दस० २, ८; उत्त० २२, ४४;

गंधमंत. त्रि० (गन्धवत) ગન્ધવાળું. गंध वाला. Smelling; fragrant. भग० २, १; १०; २०, ५;

गंधमादण. पुं० (गन्धमादन) જુઓ "गंधमायण" શબ્દ. देखो "गंधमायण" शब्द. Vide "गंधमायण" सम० ४००;

गंधमायण पुं० (गन्धमादन) નીલવંત પર્વતની દક્ષિણ મેરુની ઉત્તરે ગંધિલાવતી વિજયની પૂર્વે અને ઉત્તર કુરૂક્ષેત્રની પશ્ચિમે ઘોડાના ખંધને આકારે એક વખારા પર્વત છે તેનું નામ. नीलवंत पर्वत के दक्षिण, मेरु पर्वत के उत्तर की ओर गन्धिलावती विजयके पूर्व और उतर कुरुक्षेत्र की पश्चिम दिशा में घोडे के कंध जैसा वखारा पर्वत. Name of a Vakhara mountain in the shape of a horse's shoulder: it is situated to the south of Nilavanta mount, to the north of Meru, to the east of Gandhilāvatī Vijaya and to the west of Uttara Kuru Kṣetra. ठा० २, ३; पएह० २, २; जं० प० —कूड. पुं० (-कूट) ગંધમાદન પર્વતના સાત કૂટમાંનું બીજું કૂટ-શિખર. गन्धमादन पर्वत के सात कूटों में से दूसरा कूट-शिखर. the second of the seven summits of Gandhamādana mount. जं० प० ४, ८६;

गंधय. पुं० (गन्धक) ગંધ; સુગંધ. सुगंधि. Smell; fragrance. सु० च० १, २६५;

गंधवट्टिभूय-श्र. त्रि० (गन्धवर्तिभूत) જેમાં ઉત્તમ સુગંધિ હોય તેવી ગુટિકા. जिस में उत्तम सुगंधि हो ऐसा गुटिका. (A pill) having high fragrance in it. सम० प० २१०; नाया० १; १३; कप्प० २, ३२; जं० प० ३, ४३;

गंधव्व. पुं० (गन्धर्व) ગાયનપ્રિય વ્યન્તર દેવની એક જાત. गान प्रिय व्यन्तर देवों की एक जाति; गन्धर्व. A species of Vyantara gods fond of music. सम० ३४; ओव० २४; भग० ३, ५; २४, १२; ठा० २, २; उत्त० १, ४८; ३६, २०५; अणुजो० ४२; विवा० २; पन्न० १; प्रव० १०४४; जीवा० ३, ४; कप्प० ३, ४४; जं० प० ७, १५२; ३, ५६; (२) એક જાતની લિપિ एक प्रकार की लिपि; गन्धर्व लिपि. a particular kind of script. पन्न० १; (३) કુંથુનાથજીના યક્ષનું નામ कुंथुनाथ स्वामी के यक्ष का नाम. name of the Yaksa of Kunthunāth Swāmi. प्रव० ३७६; (४) ગવૈયો; ગાન કરનાર. गवैया; गायक; गाने वाला. a singer. विवा० ६; भग० ७, ६; नाया० १६; (५) એક અહોરાત્રિના ત્રીશ મુહૂર્ત

માંનું ૨૨ મું મુહુર્ત. एक अहोरात्रि के ३० मुहूर्तों में से २२वां मुहूर्त. the 22nd of the 30 Muhūrtas of a day and a night. जं॰ प॰ सम॰ ३०; सू॰ प॰ १०; (६) ગંધર્વ વિદ્યા; નાટક. गंधर्व विद्या; नाटक. a kind of lore; drama. जीवा॰ ३, ३; नाया॰ १; १४; —**अणिय-अ.** पुं॰ (-अनीक) ગન્ધર્વોની સેના-નાટકના એક્ટરો; (ગાયન કરનારા). गंधर्वों की सेना; नाटक के पात्र (गायन करने वाले). a party of Gandharvās or singers and actors भग॰ १४, ६; ठा॰ ७, १; —**कण्णा.** स्त्री॰ (-कन्या) ગંધર્વની પુત્રી. गन्धर्व कन्या. a daughter of a Gandharva. नाया॰ ८; —**घरग.** पुं॰ (-गृहक) જેમાં ગીત નૃત્ય થાય તેવું ઘર; નાટક શાળા. नाटक-शाला; जिस में गीत नृत्य हो वह घर. a theatre; a house for singing and dancing. राय॰ १३७; —**देव.** पुं॰ (-देव) ગંધર્વ દેવ. गंधर्व देवता. Gandharva celestial being. भग॰ ८, १; —**नगर.** पुं॰ (-नगर) આકાશમાં ગંધર્વ નગરને આકારે થતા વાદળાંનો દેખાવ. गन्धर्व नगर के आकार में आकाश में बनता हुआ बादलों का बनाव-दृश्य. an appearance of a Gandharva city in the sky formed by clouds. अणुजो॰ १२७; भग॰ ३, ७; —**लिवि.** स्त्री॰ (-लिपि) ગંધર્વ લિપિ; અઢાર લિપિમાંની એક. अठारह लिपियों में से एक लिपि; गन्धर्व लिपि. one of the 18 scripts; the Gandharva script. सम॰ १८; —**संठिय.** त्रि॰ (-संस्थित) ગંધર્વને આકારે રહેલ. गंधर्व के सदृश-आकार में स्थित. beautiful in appearance like a Gandharva. भग॰ ८, २;

गंधव्वकंठ. पुं॰ (गन्धर्वकण्ठ) એક જાતનું રત્ન. एक प्रकार का रत्न. A kind of gem. राय॰ १२१;

गंधव्वमंडलपविभत्ति. पुं॰ न॰ (गंधर्वमण्डलप्रविभक्ति) ગંધર્વમણ્ડલની વિશેષ રચનાવાળું નાટક વિશેષ. गंधर्वमण्डल की विशेष रचना युक्त नाटक विशेष. (A drama) with a particular arrangement of the party of actors. राय॰ ९२;

गंधहारक. त्रि॰ (*गन्धहारक—गान्धारक) કંદહાર દેશમાં રહેનાર. कंदहार-गान्धार देश में बसने वाला. A resident of Kandahāra. पण्ह॰ १, १;

गंधहारग. पुं॰ (गन्धहारक) ગન્ધહાર દેશનો નિવાસી. गान्धार देश निवासी. A resident of the country of Gandhāra. पन्न॰ १;

गंधार. पुं॰ (गान्धार) નાભિથી ઉઠેલ વાયુ કણ્ઠસ્થાન પામી જે ખાસ સ્વરૂપ ધરે છે તે; સાત સ્વર માંનો ત્રીજો સ્વર. नाभी से उठा हुआ वायु कण्ठ प्रदेश को प्राप्त करके जो खास असाधारण स्वरूप को धारण करता है वह-गंधार; सात स्वरों में से तीसरा स्वर. The third of the seven ascending tunes of music: e. g. सा, री, ग etc. अणुजो॰ १२८; ठा॰ ७, १; (२) ગાંધાર નામનો દેશ; હાલમાં જેને કાબુલ કંધાર કહે છે. गंधार नामक देश; हाल में जिसे काबुल कंधार कहते हैं. the country of Gandhāra or Kandahāra. उत्त॰ १८, ४५;

गंधारगाम. पुं॰ (गन्धारग्राम) નંદી આદિ સાત મૂર્છનાનો આશ્રયભૂત શ્રુતિ સમૂહ.

नन्दी आदि सात मूर्च्छनाओं का आधारभूत श्रुति समूह. A multitude of quarter tones which form the basis of the seven melodies, viz. Nandi etc. अणुजो० १२८;

गंधारी. स्त्री० (गान्धारी) અંતગડ સૂત્રના પાંચમા વર્ગના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ. अंतकृत सूत्र के पांचवें वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. Name of the third chapter of the 5th section of Antagaḍa Sūtra. अंत० ५, ३; (२) કૃષ્ણ વાસુદેવની એક પટ્ટરાણી કે જે નેમનાથ પ્રભુની દેશના સાંભળી યક્ષિણી આર્યાની પાસે દીક્ષા લઇ ૧૧ અંગ ભણી વીસ વર્ષની પ્રવ્રજ્યા પાળી એક માસનો સંથારો કરી પરમપદ પામ્યાં. कृष्ण वासुदेव की एक पटरानी, जो नेमनाथ प्रभु के पास से देशना सुनकर-उपदेश लेकर यक्षिणी आर्याजी के पास से दीक्षा लेकर ११ अङ्गों का अभ्यास कर २० वर्ष की प्रव्रज्या पाल एक मास का संथारा-अनशन कर परमपद को प्राप्त हुई. name of a queen of Kriṣṇa Vāsudeva who heard the preaching of lord Nemanātha and took Dikṣā from a nun of the Yakṣa class. She studied eleven Aṅgas, practised asceticism for twenty years, performed Santhārā (abstained from food and water) for one month and attained final bliss. अंत०५, ३; ठा०८, १; (३) નમિનાથજીની દેવીનું નામ. नेमिनाथ स्वामी की देवी. the goddess of Neminātha. प्रव०३७८; (४) એ નામની એક વિદ્યા. इस नाम की एक विद्या-गांधारी विद्या. a science, a branch of knowledge so named. सूय० २, २, २७;

गंधावइ. पुं० (गन्धापातिन्) એ નામનો હરિવર્ષ ક્ષેત્રમાંનો વાટલો વૈતાઢ્ય પર્વત. इस नाम का एक वैताढ्य पर्वत. Name of a mountain in Harivarṣa Kṣetra. "गंधावइवासी अरुणावंदी" ठा०२, ३; पन्न० १६; ठा० २, ३; भग० ६, ३१; जीवा० ३, ४;

गंधावाति. पुं० (गन्धापातिन्) રમ્યકવાસ ક્ષેત્રના મધ્યભાગમાં આવેલ એક વાટલો વૈતાઢ્ય પર્વત. रम्यकवास क्षेत्र के बीच में का एक वैताढ्य पर्वत. Name of a mountain in the middle of Ramyakavāsa Kṣetra. जं० प० जीवा० ३, ४;

गंधि पुं० (गन्धिन्) ગંધવાળું. गन्ध वाला. Smelling; fragrant. नाया० १;

गंधिय. त्रि० (गन्धित) સુવાસિત; ગંધવાળું. सुवासित; गन्धयुक्त. Smelling; fragrant. ओव० भग० ११, ११; नाया० १; १६; जं० प० ५, १२३; (२) કરીયાણું ગાંધીયાણું किराणा. groceries. वव० ६, २१; २४; —**साला.** स्त्री० (-शाला) ગાંધીયાણું વેચવાની જગ્યા. गन्धप्रधान पदार्थों के बेचने की शाला; इत्र आदि बेचने की दुकान. a place for selling grocery. वव० ६, २१; २४; २५; २६; ३०; (२) કલાલની દુકાન. कलाल की दुकान. a liquor-shop. वव० ६, २१;

गंधिल पुं० (गन्धिल) પશ્ચિમ મહાવિદેહના ઉત્તર ભાગવાની સીતોદામુખ વન તરફથી ७ મી વિજય. पश्चिम महाविदेह के सीतोदामुख वन की ओर से ७ वीं विजय. The 7th Vijaya in the direction of the Sitodāmukha forest, in the north of western Mahāvideha.

(२) એ વિજયનો રાજા. उक्त विजय का राजा. name of a king of the above Vijaya. "गंधिलेविजए भवज्झा रायहाणीदेवे वक्खारपव्वए" जं० प० ६;

गंधिला. स्त्री० (गन्धिला) ગંધિલાવિજય. गंधिलावती विजय. Gandhilā Vijaya. "दो गंधिला" ठा० २, ३;

गंधिलावई स्त्री० (गन्धिलावती) પશ્ચિમ મહાવિદેહના ઉત્તર ખાણ્ડવાની સીતોદામુખ વનથી આઠમો વિજય. पश्चिम महाविदेह के उत्तर खण्ड म के सीतोदामुख बन से आठवाँ विजय. The eighth Vijaya from the Sītodāmukha forest in the north of western Mahāvideha "गंधिलावई विजए भवज्झा रायहाणी" जं० प० ठा० २, ३; (२) पुं० ગંધમાદન પર્વતના સાત કૂટમાંનું ત્રિજું કૂટ-શિખર. गन्धमादन पर्वत के सात कूटों में से तीसरा कूट शिखर. the third of the seven summits of Gandhamādana mount. जं० प०

गंभीर. त्रि० (गम्भीर) તોછડો નહી તે; સાગર પેઠે; ગંભીર. सागर के समान; गंभीर. Grave; deep sounding; serious. उत्त० २७, १७; ओव० १७; नंदी० स्थ० २८; नाया० १; १६; (२) ઉંડું; અગાધ; થાગ વિનાનું. गहरा; अथाह. unfathomable. जं०प० ५, १, १५; ४, ७४; ठा०४, ४; ओव० २१; नाया० ४; राय० २५४; (३) ગહન; ગીચઝાડીવાળું. गहन; सघन; बहुत झिाड़ियों वाला. of dense thicket. नाया० १; ५; भग० ३, १; २; ६, ५; ११, ११; विशे० ३४०४; पन्न० २; कप्प० ३, ३२; (४) પ્રકાશરહિત; અંધારાવાળું. प्रकाश रहित; अंधकारमय. without light. नाया० १; दस० ५, १, ६६;

—**उदहि.** पुं० (-उदधि) ઉંડા પાણીવાળો દરિયો. गहरे पानीवाला दर्या-समुद्र. deep sea; sea with deep water. ठा०४, ४; —**ओभासि.** त्रि० (-अवभासिन्) ગંભીર દેખાય એવું. गंभीर प्रतीत होनेवाला. of settled or of grave appearance. ठा० ४, ४; —**पयत्थ.** पुं० (-पदार्थ) ગહન પદના અર્થ, ન જાણી શકાય એવા પદાર્થ. गहन-कठिन पदों का अर्थ-मतलब, न जाना जासके ऐसा पदार्थ. the meaning or purport of difficult words; an incomprehensible thing. पंचा० ४; २४; —**पोयपट्टण.** न० (-पोतपत्तन) વહાણના ઠહરવાની જગ્યા. जहाज के ठहरने की जगह; पत्तन; बन्दरगाह. a place where ships are anchored. "जेणेव गंभीर पोयपट्टणे तेणेव उवागच्छति" नाया० ८; १७;

गंभीरमालिणी. स्त्री० (गम्भीरमालिनी) સુવલ્ગુવિજયની પૂર્વ સરહદ ઉપરની એક અન્તરનદી. सुवल्गुविजय की पूर्वीय सीमा ऊपर की एक अन्तरनदी. A small river on the eastern border of Suvalguvijaya. "दो गंभीरमालिणीउ" ठा० २, ३; जं० प०

गंभीरविजय. पुं० (गम्भीरविजय—गम्भीरम प्रकाशं विजयं आश्रयः) અગાધ આશ્રય-અંધારાવાળું સ્થાન. गंभीर—अंधकारमय विज.-आश्रय—स्थान. A dark place. दस० ६, ५६;

गंभीरा स्त्री० (गम्भीरा) ચાર ઇંદ્રિયવાલા જીવની એક જાત. चार इंद्रियों वाला एक जीव. A living being with four senses. पन्न० १;

गकारपविभत्ति. पुं० (गकारप्रविभक्ति) નાટકનો એક પ્રકાર; ૩૨ પ્રકારના નાટકમાંનું

એક નાટક का एक भेद; ३२ प्रकारके नाटकों में से एक. A kind of drama; one of 32 kinds of drama. राय० ८३;

गगण. न० (गगन) આકાશ; ગગન. आकाश. The sky: " गगणमिवनिरालंबो " ठा० ६; पिं०नि०१७५; ओव० १७; ३१; नाया०१; भग० २०, २; जीवा० ३, ४; राय० ६; कप्प० ३, ३८; —गण. पुं० (-गण) ગગનરૂપી ગચ્છ; સમૂહ. आकाशरूपी समूह. a multitude in the form of the sky; sky appearing like a heap. " सलिलव ट्ठाणं गगणगणं संत " निसी० २०, २; —तल. न० (-तल) આકાશ તલ. आकाश तल. the surface, vault of the sky. " गगणतलविमल- विपुल गमण गइच वलचालियमणप्पवण जइण सिग्घवेग्गा " भग० ६, ३३; जं० प० ५, ११७; सम० प० २११; नाया० ५; ६; ८; १६; निर० ५, १; —मंडल. न० (-मंडल) આકાશમંડલ. आकाशमंडल. the circle or sphere of the sky. कप्प० ३, ३८, ४५;

गगणवल्लभ. न० (गगनवल्लभ) વૈતાઢ્યપર્વતની દક્ષિણ તરફની વિદ્યાધર શ્રેણીનું મુખ્ય નગર. वैताढ्यपर्वत के दक्षिण ओर का विद्याधर श्रेणी का मुख्य नगर. The principal town of the Vidyādhara Śreṇi to the South of Vaitāḍhya mountain जं० प० १, १२;

गगणवल्लह. न० (गगनवल्लभ) જુઓ " गगणवल्लभ " શબ્દ. देखो " गगणवल्लभ " शब्द. Vide " गगणवल्लभ " जं० प० १, १३;

गग्ग. पुं० (गार्ग्य) ગાર્ગ્યગોત્રમાં ઉત્પન્ન થયેલ ગર્ગનામના આચાર્ય કે જે પોતાના અવિનીત શિષ્યોથી કંટાળી જઈ છેવટે તેમનો ત્યાગ કરી એકાકી સમાધિભાવમાં રહ્યા અને આત્મશ્રેય કર્યું. गार्ग्य गोत्र में उत्पन्न गर्गनाम का आचार्य, जो अपने अविनीत शिष्यों से तंग आकर अन्त में उनका त्याग कर अकेला ही समाधिभाव में स्थित हुआ और आत्मकल्याण को प्राप्त हुआ. An ascetic of the name of Garga, born in the Gārgya family. He was disgusted with his impudent disciples and so he abandoned them and secured spiritual bliss by practising meditation in solitude. उत्त० २७, १; (२) ગૌતમગોત્રની એક શાખા અને તેમાં ઉપજેલ પુરુષ. गौतम गोत्र की एक शाखा और उसमें उत्पन्न मनुष्य. an off shoot of the Gautama line of descent: a person born in that off shoot. ठा० ७, १;

गग्गय. त्रि० (गद्गद) ગદ્ગદ સ્વર. गद्गद स्वर- आवाज. A low and inarticulate sound expressing joy or grief. सु० च० ३, ६८;

गग्गर. न० (गद्गद) શ્વાસ રૂંધાતાં બોલવું તે; ગદ્ગદકંઠ. रुकते हुए गले से बोलना; गद्गद स्वर. Speaking with obstructed breath. भग० ३, २; जं० प० ७; १६६;

गच्चागइ. स्त्री० (गत्यागति-गतिश्चागतिश्चेति) ગતિ અને આગતિ; અનુકૂલ ગમન કરવું તે-ગતિ-પ્રતિકૂલ આવવું તે આગતિ. गति और आगति; गमनागमन; गति-अनुकूल गमन, आगति प्रतिकूल आगमन. Coming and going; passing and repassing. विशे० २१५८;

गच्चागमि. त्रि० (गत्यागमिन्) ગતિવડે આવનાર; ચાલીને આવનાર. गति द्वारा आने वाला; चलकर आने वाला One com-

ing on account of his being in a particular condition of existence. विशे० ३१५४;

√गच्छ. धा० I. (गम् गच्छ्) જવું; ચાલવું. जाना; चलना. To go; to walk; to move.

गच्छइ. भग० ७, १; निसी० १६; २४; जं० प० ५, ११५; ७, १३३; वव० १, २३; २, २३; सू० प० १; सूय० १, १, २, १६; दस० ५, २, ३२; ८, ४४; राय० ३८;

गच्छंति. नाया० ४; ८; १६; दस० ४, २८; जं० प० ७, १३७;

गच्छं. ठा० ३, ३; राय० २५२;

गच्छामि. नाया० ५; ८; १४; १६; भग० २, १; ५, ४; १८, १०; जं० प० ५, ११५;

गच्छेज्जामि. क० वा० विवा० नाया० १६;

गच्छामो. भग० २, १; ५; ३, २; नाया०५; ८;१३; १८; जं०प० ५, ११२; १८, दस० ७, ६; सूय० २, ७, १४; ओव० २७;

गच्छेज्ज. वि० पन्न० ३६;

गच्छेज्जा. वि०भग० ३, ४; ६, ५; १३; ६; नाया० ६; वव० १, २३; २; २३;

गच्छेज्जाहि. आ० नाया० ६;

गच्छिज्जा. विधि० दस० ४;

गच्छंतु. नाया० १६;

गच्छ. नाया० १, २; ६;

गच्छह. नाया० १; ३; ५; ८; १२; १३, १४; १५; १६;

गच्छेह. नाया० ८;

गच्छाहि. भग० ५, ४; नाया०१; ८; जं०प० नाया० ध०

गच्छिहिति, भग०२, १; ७, ६; १४,८; १५, १; १७, १; ओव० ४०;

गच्छिहिंति. भग० ३, १; ७, ६; नाया० १;

गच्छित्ता; सं० कृ० नाया० २; ३;

गच्छंत. व० कृ० ओव० २०; सूय० १, १, १ २७; आया० २, १, ३; उत्त०५, १३; पंचा०१२, १८; भग० १४, ३;

गच्छमाण. भग० ३, ३; ७, १; ७; १२, ६; २५, ६; ७; निसी० ८, ११;

गच्छ. पुं० (गुच्छ) સમુદાય; સમૂહ. समुदाय; समूह. A group; a multitude e. g. of the followers of an Āchārya. अणुजो० ६७; (२) ગણ; સંઘ; સાધુ સમુદાય. गण; संघ; साधु समुदाय. a collection, an asssembly of Sādhus "गच्छंमि संवसित्ताणं" गच्छा० २; ७५; प्रव० ६२३; पंचा०१८,७;—वर त्रि०(-वर) સમગ્ર ગચ્છ -સમુદાયમાં શ્રેષ્ઠ. सब संघ-गच्छ में श्रेष्ठ. the best among all groups. गच्छा० ११७;—वास पुं०(-वास) સાધુ સમુદાયમાં રહેવું તે. साधु समुदाय में रहना. residing amongst Sādhus. प्रव० ५३१;

गच्छागच्छि. अ० (गच्छागच्छि—गच्छेन गच्छेन भूत्वा) એક આચાર્યનો પરિવાર તે ગચ્છ અને ગચ્છ ગચ્છના સાધુઓ ભેગાથઈ ટોળામાં ગોઠવાય તે ગચ્છાગચ્છિ કહેવાય. एक आचार्य का परिवार- शिष्य प्रशिष्य गच्छ होता है, और कइ एक गच्छों के साधु मिल कर मण्डली रूप में हो तो गच्छागच्छि होता है. A multitude of the followers of one Āchārya or head of an order of saints assembling together with other similar multitudes. ओव० २१;

गजसुमाल पुं० (गजसुकुमार) દેવકીજીનો ન્હાનો પુત્ર; કૃષ્ણ મહારાજના ન્હાના ભાઇ કે જેણે કુમારાવસ્થામાં નેમનાથપ્રભુ પાસે

દીક્ષા લઈ બારમી ભિખ્ખુપડિમા આદરી અગ્નિનો અસહ્ય પરિષહ જીતી કેવલજ્ઞાન મેળવ્યું, દીક્ષા લઈ એકજ દિવસમાં મોક્ષે પહોંચ્યા. देवकीजी का छोटा पुत्र; कृष्ण महाराज का छोटा भाई, जो कि कुमारावस्था में ही नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर, भिक्षु की बारहवीं प्रतिमा का पालन कर अग्नि का असह्य परिषह जीतकर केवलज्ञान को प्राप्त हुआ, दीक्षित होकर एक ही दिन में मोक्ष को प्राप्त हुआ. Name of the younger son of Devakī, and younger brother of Lord Kriṣṇa. He took Dikṣā from Lord Nemanātha in young age, practised the 12th ascetic vow, bore the intense pain caused by fire and attaining perfect knowledge became Siddha; (all this took place in one day). ठा० ४, १;

√**गज्ज**. धा० I. (**गर्ज्**) ગાજવું; ગર્જના કરવી. गर्जना; गर्जना करना To roar; to thunder.

गजइ-न्ति. नाया० १; भग० ३, २;

गज्जंति. राय० १८३; जीवा० ३, ४; जं० प० ५, १२१;

गज्जित्ता. सं० कृ० भग० ३, २;

गज्ज न० (**गद्य**) ગદ્યબંધ; કવિતા કે છંદ વિનાનું લખાણ. गद्यबन्ध; छन्द बिना की रचना. Prose writing. ठा० ४, ४; जीवा० ३, ४, राय० १३१;

गज्जफल. न० (**गजफल**) ગાજફલાલીન જેવું ગરમવસ્ત્ર. फलालेन; एक प्रकार का रुईदार गरम वस्त्र. Warm cloth known by the name of gauze flannel. आया० २, ५, १, १४५;

गज्जर. न० (**गृञ्जन**) ગાજર. गाजर. A turnip. प्रव० २३६;

गज्जित्तार. वि० (**गर्जितृ**) ગાજનાર; ગર્જના કરનાર. गर्जना करने वाला. Roaring; thundering. ठा० ४, ४;

गज्जियश्च. न० (**गर्जित**) ગર્જના; ગાજવું તે. गर्जना. Thundering; roaring. जीवा० ३, ३; सु० च० २, २८२; भग० ३, ७; नाया० १; ८; ६; ठा० १०, १; अणुजो० १२७; ओघ० नि० ६४३; जं० प० कप्प० ३, ३३; ४४; गच्छा० ६५; प्रव० १४६६;

गज्झ त्रि० (**ग्राह्य**) ગ્રહણ કરવા યોગ્ય. ग्रहण करने के योग्य. Worthy of being taken; acceptable. विशे० ८४८;

गड्ड. पुं० (**गर्त**) ખાડો. खड्डा. A pit; a ditch. भग० ३, २; ७, ६; (२) ગાડર. भेड. a she-goat; a ewe. सु० च० ४, १४०;

गड्डय. पु० (**गर्तक**) ખાડો; ખાડ खड्डा. A pit; a ditch. भग० ६, ३१;

***गड्डय**. न० (*) ગાડું. गाड़ी. A cart. सु० च० १२, ४८;

गड्डा. स्त्री० (**गर्ता**) મોટી ખાઈ. बड़ा खाई A large ditch जं० प० दसा० ७, १; जीवा० ३; निर० ३, ३;

***गड्डी**. स्त्री० (*) ગાડી. गाडी. A cart. सु० च० १४, ६६;

गड्डिश्च. त्रि० (**गृद्ध**) આસક્તિ પામેલ. मूर्च्छित; आसक्त. Infatuated; deeply

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

attached; greedy. दसा० ६, १; आया० १, १, २, १६;

*गढ. पुं० (*) કિલ્લો; ગઢ. किला; गढ. A castle; a fort. सु० च० १, ३२६; ४, ४०;

गढिय त्रि० (गृद्ध) ગૃદ્ધ; આસક્ત. आसक्त. Very greedy; wistful. भग० ७, १; पिं० नि० २२६; नाया० २; ५; (२) અત્યંત. बहुत ज़्यादह. too much. पराह० १, २;

गढिय. त्रि० (ग्रथित) ગુંથેલ; બાંધેલ. बन्धा हुआ; बद्ध. Tied; knitted. सूय० १, १, ३, १५; आया० १, ५, ६, १६५;

√गण. धा० I. (गण्) ગણના કરવી. गिनती करना. To count.
गणिउं. हे० कृ० सु० च० ४, १६२;
गणेमाण. व० कृ० भग० १५, १;
गणिज्जइ. क० वा० अणुजो० १३३;

गण. पुं० (गण) સમુદાય; સમૂહ; ટોળું. समूह; समुदाय. A crowd; a multitude. भग० १, १; ५, ६; ६, ५; ७, ९; ८, ८; १२, २; १६, ५; १८, ७; उवा० १, ५८; जं० प० सम० ६; नाया० १; ५; पराह० २, ३; नंदी० ८; ओव० राय० २५३; उत्त० १५, ६; अणुजो० ५७; प्रव० ५५७; क० गं० १, ३६; कप्प० ४, ६२; (२) ગણવું; ગણના કરવી. गिनना; गिन्ती करना. reckoning; calculation. अणुजो० १३३; (३) મલ્લ આદિનો સમુદાય. मल्ल-पहलवान आदि का समुदाय. a party of athletes etc. पिं० नि० ४४१; (४) ગચ્છ; સમાન ક્રિયાવાળા સાધુનો સમુદાય. गच्छ; समान क्रिया-आचार विचार वाला साधु समुदाय. an order of ascetics observing the same rules of conduct. सम० ८; दसा० २, ६; वव० १, २६; २, २४; ६, २७; १०, ११; निसी० १६, १०; नाया० ८; ओघ० नि० ६८८; पिं० नि० १६३; भग० २५, ७; (५) ચાન્દ્રાદિ કુલનો સમૂહ; કોટિકાદિ ગણ; સંઘનો એક ભાગ. चांद्रादि कुल का समूह; कोटिकादि गण; संघ का एक भाग. a collection of families like Chāndra etc.; a portion or sub-division of a religious sect. ओव० २०; पराह० २, ३; ठा० ३, ४; —अभिओग. पुं० (-अभियोग) ગણ-સમુદાયની આજ્ઞા. गण-समुदाय की आज्ञा; गच्छ का आदेश. command of a Gaṇa or an order of saints under one head. भग० ७, ६; प्रव० ६५३; —ट्ठकर. पुं० (-अर्थकर) ગણ-સમુદાયનું કામ કરનાર. गण-समुदाय का कार्य करने वाला. (one) who transacts the business of the brothers of the same order of saints. ठा० ४, ३; —णायग. पुं० (-नायक) ગણનો-જનસમૂહનો આગેવાન માણસ. समुदाय-मनुष्य समूह का अगुआ. tne leader of a multitude. नाया० १; —त्थकर. पुं० (-अर्थकर) જુઓ "गणट्ठकर" શબ્દ. देखो "गणट्ठकर" शब्द. Vide "गणट्ठकर" वव० १०, ४; ५; ६; ६; —धम्म. पुं० (-धर्म) મહાવીર સ્વામિએ સ્થાપેલ સાધ્વાદિ સમુદાય રૂપ ગણનો ધર્મ-શ્રુત ચારિત્ર રૂપ

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ગણુતીર્થનો ધર્મ-અણુવ્રત મહાવ્રતાદિ રૂપ. गण-गच्छ का धर्म-आचार; महावीर स्वामी द्वारा स्थापित साध्वादि समुदाय रूप गणका धर्म-श्रुत चारित्र रूप; गण-तीर्थ का धर्म-अणुव्रत महाव्रतादि रूप. the religious principles of an order of saints e. g. that established by Mahāvīrasvāmi; religious principles of a sect; e. g. minior vows, great vows etc. ठा० १०, जं० प० २, ३५; —नायग. पुं० (-नायक) જુઓ "गणणायग" શબ્દ. देखो "गणणायग" शब्द. vide "गणणायग" अणुजो० १२८; ओव० नाया० १; राय० २५३; —पडिणीय. त्रि० (-प्रत्यनीक) ગણુનો શત્રુ. गण का शत्रु an enemy of an order of saints. भग० ८, ३२; —माण. न० (-मान) ગણુનું માન પ્રમાણ. गण का मान; गच्छ का प्रमाण. the limit of an order of ascetics. प्रव० ६३३; —राय. पुं० (-राज-समुत्पन्ने प्रयोजने ये गणं कुर्वन्ति ते) સમૂહનો રાજા; કાર્ય પડ્યે સર્વેને એકઠા કરી શકે તે સામન્ત. समूह का कार्य पड़ने पर सबको इकट्ठा कर सके ऐसा; सामन्त वगैरह. a sovereign king having feudatory princes under him. भग० ७, ८; —विउस्सग्ग. पुं० (व्युत्सर्ग) ગણુ ગચ્છનો પરિત્યાગ. गच्छ का परित्याग. desertion, abandonment of an order of saints. भग० २५, ७; —वेयावच्च. पुं० (-वैयावृत्य) ગણુની સેવા, વૈયાવૃત્યનો નવમો ભેદ. गण की सेवा; वैयावृत्य का नौवां भेद. ninth variety of serviceableness, viz. service to an order of monks. वव० १०, ८; १०; भग० २५, ७; —संगहकर. पुं० (-संग्रहकर) સમુદાયનો આહાર અને જ્ઞાન વગેરેથી સંગ્રહ કરનાર. आहार और ज्ञान आदि का संग्रह-संचय करने वाला. one who preserves or extends the circle of his sect by food, knowledge etc. वव० १०; ४; ५, ६; ७; —संगहण. पुं० (-संग्रहण) સાધુ સમુદાય એકઠો કરવો તે. साधु समुदाय को एकत्रित करना. assembling a multitude of Sādhus or saints. गच्छा० २७; —संपया. स्त्री० (-सम्पत्) ગણુ-ગચ્છ-સમુદાયની સંપદા. गच्छ-समुदाय की सम्पत्ति. the power or authority of an order of ascetics regarded as wealth. प्रव० ५५३; —सामायारी. स्त्री० (-समाचारी) સાધુના સમુદાયની સમાચારી. साधुओं के समुदाय की समाचारी. education of an order of monks in austerities etc. दसा० ४, ७०; —सोभाकर. त्रि० (-शोभाकर) સમુદાયને શોભાવનાર. समुदाय को सुशोभित करने वाला; गच्छ की शोभा बढाने वाला. one who is an ornament or a jewel of an order of saints. वव० १०, ८; ६; —सोहिकर. त्रि० (-शोधिकर) ગણુની શુદ્ધિ કરનાર; ગચ્છની સંભાળ લેનાર. गण की शुद्धि करने वाला; गच्छ की देखरेख करने वाला. one who bestows care on an order of saints; one who refines an order of saints. वव० १०, ४; ५; ६; ७;

गणग. पुं० (गणक) ગણક, જ્યોતિષ શાસ્ત્ર જાણનાર; જ્યોતિષી. गणक; ज्योतिषी; गणित विद्या को जाननेवाला. An astrologer. ओव० नाया० १; कप्प० ४, ६२.

गणण न० (गणन) ગણવું; ગણત્રી કરવી. गिनती करना; गिनना. Calculation; reckoning विशे० ६४५;

गणणा. स्त्री० (गणना) ગણતરી, એક દસ, સો ઇત્યાદિ ક્રમથી ગણવું. गणना-गिनती; एक, दस, सौ आदि क्रमसे गिनना. Calculation; counting. अणुजो० १४६;

—अइरित्त. त्रि० (-अतिरिक्त) ગણના-સંખ્યાથી જુદા. संख्या से अतिरिक्त; गिनती से बाहिर. beyond calculation; different from calculated amount. निसी० १६, २५; **—अणंतअ.** पुं० (-अनन्तक) ગણવાની અપેક્ષાએ અનંત; સંખ્યા આશ્રી અનંત. गणना की अपेक्षासे अनन्त; संख्या के लिहाज से अनन्त. incalculable; countless; beyond calculation. ठा० ५, ३; **—अणुपुव्वी** स्त्री० (-अनुपूर्वी) સંખ્યા વિષયક અનુપૂર્વી; અનુક્રમ. संख्या विषयक अनुपूर्वी-अनुक्रम. serial order; order of numerical calculation. अणुजो० ७१;

गणहर. पुं० (गणधर) ગણધર; તીર્થંકરના મુખ્ય શિષ્ય. गणधर; तीर्थंकर का मुख्य शिष्य. The principal disciple of Tirthaṅkara; the Gaṇadhara. जं० प० २, ३३; नाया० ८; वेय० ४, १५; भग० ४२, १; विशे० ५५०; मत्त० १०४; (२) આચાર્યની આજ્ઞાઅનુસાર સાધુ સમુદાયને લઇ મહીમંડલમાં વિચરનાર સમર્થ સાધુ. आचार्य की आज्ञानुसार साधु समुदाय को लेकर महीमण्डल पर विचरने वाला समर्थ साधु. the able ascetic who wanders over the world along with other ascetics by the order of the head preceptor. आया० २, १, १०, ५६; पन्न० १६; सम० ८; मत्त० २७; १; नंदी० स्थ० २१; **—पमाण** न० (-प्रमाण) ગણધર-તીર્થંકરના મુખ્ય શિષ્યોનું પ્રમાણ. गणधर-तीर्थंकरों के मुख्य शिष्यों का प्रमाण. the authority of the chief disciples of Tirthaṅkara, known as Gaṇadharas. प्रव० ३३२;

गणावच्छेअय. पुं० (गणावच्छेदक) બીજા સાધુઓને સાથે રાખી જે મહીમણ્ડલમાં વિચરે તે. दूसरे साधुओं को साथ लेकर पृथ्वी मण्डल में विहार करने वाला. One who wanders over the world along with other ascetics. कप्प० ६, ४६;

गणावच्छेइणी स्त्री० (-गणावच्छेदिनी) ગચ્છની સાધ્વીઓની સારસંભાળ કરનાર સાધ્વી. गण की साध्वीओं की देखरेख करने वाली साध्वी. A female ascetic who provides necessary things to the nuns of the same order. वव० ५, ३;

गणावच्छेइय. पुं० (गणावच्छेदक) ગણના સાધુઓની સારસંભાળ કરનાર. गण के साधुओं की देखरेख करने वाला. One who provides necessary things to the monks belonging to the same order आया० २, १, १०, ५६; वव० १, १६; २७; २८; २६; २, ७; ३, १५; वेय० ४, १५;

गणावच्छेइयत्त. न० (गणावच्छेदकत्व) ગણાવચ્છેદકપણું. गणावच्छेदकता; गण संचालकत्व. State of being a provider of necessary things to an order of saints. वव० ३, १५; वेय० ४, १६;

गणावच्छेइयत्ता. स्त्री० (गणावच्छेदकता)

जुओ " गणावच्छेइयत्त " शब्द. देखो " गणावच्छेइयत्त " शब्द. Vide " गणावच्छेइयत्त " ववं० ३, ७;

गणावच्छेद. पुं० (गणावच्छेदक) साधु समुदायनी वस्त्र पात्रादि आहारथी सार संभाळ करनार साधु. साधु समुदाय की वस्त्र, पात्र आदि द्वारा सार संभाल देखरेख करने वाला साधु. A Sādhu who provides the monks of an order of saints with food, clothes, vessels etc. पन्न० १६;

गणि. पुं० (गणिन्-गणः साधुसमुदायोऽस्ति-यस्य) आचार्य; सूरि; गच्छना ऊपरी. आचार्य; सूरि; गच्छाधिपति. The head of an order of saints; an Āchārya. अणुजो० ४२; ठा० ४, ३; आया० २, १, १०, ४६; सम० १; दस० ६, १; ९, १४; पिं० नि० ३१५; निसी० १४, ५; पन्न० १६; उवा० २, ११६; भत्त० २३; कप्प० ८; पंचा० १२, ४७; प्रव० १६८; ४४७; गच्छा० २०, ११२; —**आगमसंपन्न.** न० (-आगमसंपन्न) गणि-आचार्यना शास्त्रोमां कुशळ. गणि आचार्य के शास्त्रों में कुशल. proficient in the Sūtras dealing with numerical calculations. दस० ६, १; —**पिडग.** न०(-पिटक-गणो गच्छोऽस्ति यस्य स गणी तस्य पिटकम्) जिन प्रवचन; जैन तत्वोनो खजानो; आचार्यनी पेटी के जेनी अन्दर शास्त्रीय तत्वो भरवामां आव्या होय ते-आचारांगादि सूत्र जिन प्रवचन; जैन तत्वों का खजाना; आचार्यों की पेटी-तिजोरी, जिसमें शास्त्रीय तत्व भरे हुए हों; आचारांगादि अंगसूत्र. the treasury of Jaina canonical scriptures; literally, the box of an Āchārya filled with scriptures. भग० १६, ६; २०, ८; ४२, १; सम० ५७; संस्था० ८१; ओघ० नि० ७६०; —**पिडय.** न० (-पिटक) जुओ " गणि-पिडग " शब्द. देखो " गणि-पिडग " शब्द. vide " गणि-पिडग " भग० २५, ३; —**पिढग** न० (-पिटक) जुओ ' गणि-पिडग ' शब्द. देखो ' गणि-पिडग ' शब्द. vide ' गणि-पिडग ' ओव० १६; —**भाव.** पुं० (-भाव) आचार्यपणुं; गणि-आचार्यनो भाव. आचार्यत्व; आचार्यपना. status of an Āchārya; Āchāryahood. उत्त० २७, १; —**वसभ.** पुं० (-ऋषभ) गणि- आचार्योमां श्रेष्ठ. आचार्यों-सूरियों में श्रेष्ठ. the chief among the Āchāryas. भत्त० ५२; —**संपया.** स्त्री० (-संपद्) आचार्यनी ६४ संपदा. आचार्य की ६४ सम्पदाएं. the 64 acquisitions of an Āchārya. भत्त० २३; दसा० ४, १०६;

गणिअ. त्रि० (गणक) गणितवेत्ता; ज्योतिषी. गणितवेत्ता; ज्योतिषी. A mathematician. अणुजो० १४६; जं० प० २, १६;

गणिणी. स्त्री० (गणिनी) गणमां मोटा साध्वी; प्रवर्तक साध्वी. गण में बड़ी साध्वी-प्रवर्तिका साध्वी. The principal female ascetic of the order. गच्छा० ११६;

गणित. न० (गणित-गण्यते इति) गणितकला. गणितकला. A numerical script. नाया० १; (२) अंकलिपि. अङ्कलिपि. a particular kind of script. पन्न० १; —**प्पहाण.** त्रि० (-प्रधान) गणित छे प्रधान जेमां ते. गणित प्रधान. an art in which mathematics occupies a prominent part. नाया. १;

गणित्ता. स्त्री० (गणिता) गणिपणुं; गणाचार्यनी पदवी. गणिपद; गणाचार्य की पदवी. Headship of an order of saints. ठा० ३, ३; वव० ३, ७;

गणिम. त्रि० (गणय) गणिम; એક બે ત્રણ વગેરે સંખ્યાથી ગણાય તે. एक, दो, तीन आदि संख्या से जो गिना जासके. Capable of numerical calculation; capable of countable. अणुजो० १३२; नाया० ८; ६; १५; विवा० २;

गणिय. न० (गणित) ગણિત કળા; હિસાબની કળા. गणित कला; हिसाब की कला Art of mathematics; numerical calculation. ओव० ४०; अणुजो० १४६; तंदु० भग० ६, ७; नाया० १; ८; पराह० १, ४; जं० प० ओघ० नि० भा० ५; (२) ગણેલું; સંખ્યા કરેલું. गिना हुआ. counted वव० ४, २८; निसी० ६, २०; प्रव० १२३३; —प्पहाण. त्रि० (-प्रधान) જેમાં ગણિતકળા મુખ્ય છે તે. गणितप्रधान; जिसमें गणित कला मुख्य है वह; ज्योतिःशास्त्र का एक अंग. that in which mathematics is the prominent factor; a division of astrology. कप्प० ७, २१; —लिवि. स्त्री० (-लिपि) ગણિતલિપિ; ૧૮ લિપિમાંની એક. गणित लिपि; १८ लिपियों में से एक लिपि one of the 18 scripts; the script of numbers. सम० १८;

गणिया-आ. स्त्री० (गणिका) ગણિકા; વેશ્યા. वश्या; बाजार की औरत. A harlot; a public woman. भग० ११, ११; नाया० १; ३; ५; १६; विशे० ६२८; अंत० १, १; निर० ५, १; कप्प० ५, १०१; विवा० २; अणुजो० ६१; —सहस्स. न० (-सहस्र) હજાર વેશ્યાઓ. हजार वेश्याएं. a thousand harlots. विवा० २;

गणिविज्जा स्त्री० (गणि-विद्या) ૨૯ ઉત્કાલિક સૂત્રમાંનું વીસમું સૂત્ર २६ उत्कालिक सूत्रों में से बीसवां सूत्र. The 20th of the 29 Utkālikā Sutras. नंदी० ४३;

गणेत्तिया. स्त्री० (*) હાથનો બેરખો; સન્યાસીનાં હાથનું આભરણ. संन्यासी के हाथ का एक आभरण. A rosary for the hand; an ornament in the case of an ascetic. ओव० ३६; भग० २, १; नाया० १६;

गत त्रि० (गत) ગયેલ. गया हुआ; पहुंचा हुआ. Gone. (२) પ્રાપ્ત થયેલ. प्राप्त. obtained; acquired. नाया० १;

गति स्त्री० (गति) નરક આદિ ગતિમાં જવું તે. नरक आदि गतियों में जाना. Passing from one state of existence into the state of hell etc. ठा० १, १; (२) નરક આદિ ચાર ગતિ. नरक आदि चार गतियां. the four states of existence viz. hell etc उत्त० ४,१२; (३) ગમન; ચાલ; જવું તે. गमन; चाल. the act of going. भग० ३, १; २५, ३; ६; ८; पन्न० १३; सू० प० १०; —नामनिहत्ताउ-य. त्रि० पुं० (-नामनिधत्तायुष्) ગતિને અનુસારે નામકર્મના પુદ્ગલની સાથે આયુષ્કર્મનો બંધ. गति के अनुसार नाम कर्म के पुद्गलों के साथ आयुष्

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कर्म का बन्ध. Kārmic bondage for the period of the life of Nāma-karma atoms, according to the condition of existence in which a soul is. भग० ६, ८; पन्न० ६; —रागति. स्त्री० (-*आगति) ગતિ અને આગતિ, એક ગતિમાંથી બીજી ગતિમાં જવું અને બીજી ગતિમાંથી આ ગતિમાં આવવું તે. गति और आगति-गमनागमन; एक गतिमें से दूसरी गतिमें जाना और दूसरी गतिमें से इस गतिमें आना. coming and going back from one state of life into another. भग० ११,१:२१, १; २४, १; —लक्खण. न० (-लक्षण) ગતિરૂપ ધર્માસ્તિકાયનું લક્ષણ. गति रूप धर्मास्तिकाय का लक्षण. the nature of Dharmāstikāya in the form of motion भग० १३, ४; —विसय. पुं० (-विषय) ગતિનો વિષય-જવાની શક્તિ गति का विषय; चलने की शक्ति. the object of motion; the power of movement. भग० २०, ८;

गत्त. न० (गात्र) શરીર. शरीर; शरीर के अंग. Body; a bodily limb. ओव० २१; भग० ३, २; ६, ३३; १६, ७; १६, ३; नाया० १; २; ८; सु० च० २, ७५; १३, २४; पन्न० २; कप्प० ४, ६२;

गत्त. पुं० (गर्त) ખાડો. खड्डा. A pit; a ditch. भग० १५, १; जीवा० ३, ३; नाया० १;

गत्तग. न० (गात्रक) પલંગાદિની ઇસ અને ઉપળાં. पलंगादि के ईस व अन्य आधार रूप साधन. The logs of wood making up a bed stead etc. राय० १६१;

गत्ता. स्त्री० (गर्ता) મ્હોટી ખાઈ. बडी-गहरी खाई. A large ditch. जं० प०

गद्दतोय. पुं० (गर्दतोय) પાંચમાં દેવલોકની નીચે કૃષ્ણરાજી વિમાનમાં રહેતા લોકાન્તિક દેવતાની નવ જાતિ પૈકી એક જાત. पांचवें देवलोक के नीचे कृष्णराजि विमान में रहने वाले लोकान्तिक देवों की नौ जातियों में से एक जाति. One of the nine classes of Lokāntika gods residing in the Krisnarāji heavenly abode under the fifth Deva-loka. "गद्दतोय तुसियाणं देवाणं सत्त देवा सत्त देवसहस्सापरिवारा" ठा० ७; प्रव० १४६२; सम० ७७; ठा० ६; भग० ६, ५; नाया० ८;

गद्दभ. पुं० (गर्दभ) ગધેડો. गर्दभ; गधा. An ass; a donkey. पन्न० १; सूय० १, ३, ४, ५; २, २, ४५; दसा० ६, १२;

गद्दभालि. पुं० (गर्दभालि) ગર્દભાલિ નામના સાધુ; સંજતિ રાજાને સમજાવનાર; સંજતિના ગુરૂ. इस नाम का एक साधु; संयति राजा को समझाने वाला; संयति राजा का गुरू. An ascetic named Gardabhāli who enlightened king Sañjati. उत्त० १८, १६; (२) ખંધક સન્યાસિના ગુરૂ. खंधक संन्यासी का गुरू. the preceptor of Khandhak a Sanyāsi. भग० २, १;

गद्दह. पुं० (गर्दभ) જુઓ "गद्दभ" શબ્દ. देखो "गद्दभ" शब्द. Vide "गद्दभ" सम० ३०; पिं० नि० ४४६;

गना. स्त्री० (गणना) સંખ્યા; ગણના. संख्या; गणना; गिनती. Calculation; reckoning. सु० च० १४, १०३;

गब्भ. पुं० (गर्भ) ગર્ભાશય; ગર્ભને રહેવાનું સ્થાન. गर्भ; गर्भाशय; गर्भ के रहने का स्थान; जहां शुक्र शोणित मिलकर रहते हैं वह स्थान. The womb. ओव० ४०; ४२;

निर० १, १; दसा० ६, १; नंदी० ३७; नाया० १;२; १३; १४; भग० १, ७; ५, ४;२; ११, ११; १२, ५; २०, २; पिं० नि० ३६२; पन्न० १७; सूय० १,१, १, १२; १२४; आया० १,५,३; प्रव० २८०; क० प० ४ १६; कप्प० १,१; (२) રેશમના કીડાએ પોતાની લાલમાંથી ઉત્પન્ન કરેલ રેશમનો કોકોટો. रेशम के कीट ने अपनी लार में से उत्पन्न किया हुआ रेशम का कोया. silk thread produced by a silkworm. अणुजो० ३७; (३) મધ્ય; વચલો ભાગ. मध्य; बीच का हिस्सा. middle part; interior. राय० ५७; ओघ० नि० ६६७; —**अजोगा.** स्त्री० (-अयोग्या) ગર્ભધારણ કરવાને અયોગ્ય સ્ત્રી; વંધ્યા. गर्भ धारण करने के अयोग्य स्त्री; बांझ. a barren woman. प्रव० ५७; —**आधाण.** न० (-आधान) ગર્ભાધાન સંસ્કાર. गर्भाधान संस्कार. the ceremony relating to pregnancy. भग० ११,११; —**आहाण.** न० (-आधान) ગર્ભાધાન; ગર્ભનું રહેવું તે. गर्भ का रहना; गर्भाधान. pregnancy. विशे० २३०; —**उब्भव.** त्रि० (-उद्भव) ગર્ભથકી ઉત્પન્ન થયેલ; ગર્ભજ-તિર્યંચ અને મનુષ્ય. गर्भ से उत्पन्न; तिर्यंच और मनुष्य. fetus-born; i. e. men and animals. विशे० ५२३; —**करा.** स्त्री० (-करी) જેના પ્રભાવે ગર્ભ ઉત્પન્ન થાય તેવી વિદ્યા; ૪૦ વિદ્યામાંની એક. जिसके प्रभाव से गर्भ रहे वह विद्या; ४० विद्याओं में से एक विद्या. a science dealing with the cure of sterility; one of the 40 sciences. सूय० २,२, २७; —**गत.** त्रि० (-गत) ગર્ભગત ગર્ભમાં રહેલું. गर्भगत; गर्भ में स्थित. embryonic; in embryo. विवा० १; भग० १, ७; —**घर.** न० (-गृह) સૌથી વચ્ચેનો ઓરડો, અન્દરનો હોલ. गर्भगृह; सब के बीच का कमरा; अन्दर का कोठा. inner room; central hall. अणुजो० १४८; (२) ભોંયરા વિગેરે. तहखाना; जमीन के अन्दर बनाया हुआ घर. a cave; an interior cavity. जीवा० ३, ३; नाया० ८; —**घरग.** न० (-गृहक) અંદરનો ઓરડો. भीतरका घर. a toilette chamber. राय० १३६; नाया० ८; —**घरय.** न० (-गृहक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. नाया० ८; —**ट्ठम.** त्रि० (-अष्टम-गर्भाद् ष्टमोवर्षःगर्भाष्टमम्) ગર્ભથી આઠમો વર્ષ. गर्भ से आठवां वर्ष. the 8th year from conception. नाया० १; —**ट्ठिइ.** स्त्री० (-स्थिति) ગર્ભની સ્થિતિ. गर्भ की स्थिति. condition of embryo. प्रव० ५५; १३७३; —**ट्ठिय.** त्रि० (-स्थित) ગર્ભમાં રહેલ. गर्भगत; गर्भ में रहा हुआ. remaining in the womb. प्रव० ५५; —**त्थ.** त्रि० (-स्थ) ગર્ભમાં રહેલું લો-લી. गर्भ में रहा हुआ. embryonic; in the interior; in embryo. राय० २८७; नाया० १; कप्प० ४; ६४; —**वसहि.** स्त्री० (-वसति) ગર્ભરૂપે નિવાસ; ગર્ભાશયમાં રહેવું તે. गर्भ में रहना. remaining in the womb. ठा० ३, ३; गच्छा० ६८; —**वास.** पुं० (-वास) ગર્ભાશયમાં નિવાસ; માતાના ગર્ભમાં રહેવું તે. गर्भ में निवास करना; माता के उदर में रहना. staying, residence in the womb of one's mother. सूय० २,२, ८१; पन्न० २; नाया० १; प्रव० १३०५; —**वुक्कंति.** स्त्री० (-व्युत्क्रान्ति) ગર્ભમાં ઉત્પત્તિ; ગર્ભાશયમાં આવવું તે. गर्भ में आना. birth in the womb. ठा० २, ३; दसा० ८, १;

—वुक्कंतिय. त्रि० (-व्युत्क्रान्तिक) ગર્ભજ-ગર્ભાશયમાંથી જન્મ પામનાર, મા બાપના શુક્ર શોણિતથી ઉત્પન્ન થતું. गर्भाशय द्वारा उत्पन्न होने वाला; माता पिता के शुक्र शोणित से उत्पन्न होने वाला. born from a womb; fetus-born. अणुजो० १३४; उत्त० ३, १६; जीवा० १; भग० ५, ८; ८, १; ६; सम० १; —संभूइ. स्त्री० (-सम्भूति) ગર્ભની ઉત્પત્તિ. गर्भ की उत्पत्ति. production of the embryo. प्रव० ५६; १३७७; —साडन. न० (-शातन) ગર્ભનું સાડવું- ગર્ભ પાડવા વિગેરે. गर्भ का नाश करना; गर्भ का छांटना. causing abortion etc. विवा० १; —हरण. न० (-हरण) ગર્ભનું હરવું તે; એક ઠેકાણેથી બીજે ઠેકાણે ગર્ભને લઇ જવું તે. गर्भ का हरण करना; एक स्थान से दूसरे स्थान पर लेजाना. stealing or transferring embryo from one womb to another प्रव० ८६०; —गब्भत्ता. स्त्री० (-गर्भता) ગર્ભપણું. गर्भत्व; गर्भपन. embryonic condition. विवा १; नाया० ८; कप्प० १, २;

गब्भमुद्देस. पुं० (गर्भोद्देशक) પ્રજ્ઞાપના સૂત્રના એક ઉદ્દેશાનું નામ. प्रज्ञापना सूत्र के एक उद्देशा का नाम. Name of a chapter of Prajñāpana Sūtra. भग० १६, २.

गब्भिआ-या. स्त्री० (गर्भिता) ગર્ભવતી સ્ત્રી. गर्भवती स्त्री; सगर्भा नारी. A pregnant woman. दस० ७, ३५; नाया० ७;

गब्भिणी. स्त्री० (गर्भिणी) ગર્ભવતી સ્ત્રી. गर्भिणी; गर्भवती स्त्री. A pregnant woman. पिं० नि० ५१०;

गब्भिय. त्रि० (गर्भित) ગર્ભિત; વચ્ચે પોલ સહિત. गर्भ वाला; भीतर पोल वाला. Hollow. प्रव० ७६; (२) અંદર ગર્ભવાળું. भीतर गर्भ वाला. hollow in the middle. पंचा० ३, २१;

गभीर. पुं० (गभीर) અંતગડ સૂત્રના પહેલા વર્ગના ૪ થા અધ્યયનનું નામ. अंतगड सूत्र के पहिले वर्ग के चौथे अध्ययन का नाम. Name of the fourth chapter of the first section of Antagaḍa Sūtra. (२) અન્ધકવૃષ્ણિ રાજાના પુત્ર ચોથા દશાર કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે દીક્ષા લઈ બાર વરસ પ્રવ્રજ્યા પાળી શત્રુંજય ઉપર એક માસનો સંથારો કરી મોક્ષે ગયા. अन्धकवृष्णि राजा का चौथा पुत्र-दशार्ह, कि जो नेमिनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर बारह वर्ष तक प्रव्रज्या पाल शत्रुंजय पर्वत पर एक मास का अनशन कर मोक्ष को प्राप्त हुआ. the son of king Andhaka Vriṣṇi, the fourth Dāśrha, who took Dīkṣā from Lord Nemanātha, practised asceticism for twelve years, performed Santhārā (gave up food and drink) for one month on Śatruñjaya and became Siddha. अंत० १, ४; (३) ઊંડું. गहरा. deep. राय० ३७; (४) મોટું. बड़ा. big; large प्रव० ४४६; —घोस. त्रि० (-घोष) મોટા અવાજવાળું. बड़ी आवाज वाला. deep sounding. प्रव० ४४६;

√गम. धा० I. (गम्) જવું; ગતિ કરવી. जाना; गति करना. To go; to move.

गमइ. आया० २, १, १, ४;
गमिस्सइ. पिं० नि० ३१०;
गमिस्संति. भ० भग० ३, १;
गमिस्सामि. भ० नाया० १;
गमिस्सामो. भ० आव० ३८;
गमेऊण. सं० कृ० सु० च० २, ३५;

गमित्तए. हे० कृ० दसा० ७, १; उत्त० १०, ३४; ओव० ३८; सम० ३, ४; ७, ७; १६, ५; नाया० ८; ६; १२; १६;
गममाण. व० कृ० भग० ८, ७;

गम. पुं० (गम) આલાપક-સૂત્રનો આલાવો; એક વિષયનું પ્રતિપાદન કરનાર વાક્ય સમૂહ; ન્હાનું પ્રકરણ. आलाप-छोटा प्रकरण; एक ही विषय को प्रतिपादन करने वाले वाक्यों का समूह; सूत्र पाठ. A supplementary chapter. नंदी० ४४५; विशे० ४४८; जं० प० नाया० १; पिं० नि० ४२१; भग० ३, १०; ६, ६; १६, ३; २४, १; (२) કથન; વર્ણન; कथन; वर्णन. narration. पन्न० १५; (३) જવું; ચાલવું. जाना; चलना; moving; going. पन्न० २; (४) પ્રકાર; ભેદ. प्रकार; भेद. varieties. ओघ० नि० २५; विशे० १४६२; (५) અર્થ પરિચ્છેદ; અર્થની જુદી જુદી ભંગી; अर्थ का परिच्छेद; अर्थ के अलग २ भाग. the distinctions of meaning. सम० प० १६६;

गम-य. पुं० (गमक-गमयतीति) આલાવો; સરખા પાઠનો વાક્ય સમૂહ. एकार्थ वाचक वाक्यों का समूह; सूत्र पाठ. Text in a uniform style of composition. राय० २३६; नाया० १३; भग० १२, ४; १३, १; २४, १२; १७; ३२, १; नाया० ध० ३; (२) વર્ણન; અધિકાર. वर्णन; अधिकार. description. निसी० १, ४१; ६, १२; पन्न० ५; नाया० ध० ६; (४) ગમનશીલ. गमन शील. having the nature of going. भग० २५, ३; ४, २६, १;

गमग. पुं० (गमक) જુઓ " गमक " શબ્દ. देखो " गमक " शब्द. Vide " गमक " भग० २८, १;

गमगत्त. न० (गमकत्व) જણાવવાપણું. सूचना करने का भाव; जाहिर करने का भाव. State of being a proper subject for information. विशे० ३१५;

गमण. न० (गमन) ચાલવું; જવું; ગતિ કરવી. गमन; जाना; गति करना. Motion; going; movement. भग० २, १; ५, ४; ६, ३३; १२, १; १३; ४; २५, ७; ओव० २१; उत्त० २६, ६; आया० १, ७, ५, २१५; सम० प० १६८; नाया० १; १५; १६; १७; पिं० नि० ८३; १६०; २०६; सु० च० ३, २३३; विशे० २४६२; बेय० १, ३६; ४५; राय० ६४; पंचा० १, १६; ४३; भत्त० ८०; प्रव० १५६६; कप्प० ३, ४३; उवा० २, ८६; —**आगमण.** न० (-आगमन) જવું આવવું. जाना आना. passing and repassing; coming and going. प्रव० १३४; आव० ४, ३; भग० २, ५; नाया० १६; निसी० ११, २०; दस० ५, १, ८६; —**गुण.** पुं० (-गुण-गमनं गतिः तद्गुणः) ગતિરૂપ ગુણ ધર્માસ્તિ-કાયનું લક્ષણ. गतिरूप गुण; धर्मास्तिकाय का लक्षण. the characteristic mark of Dharmāstikāya, viz. motion. भग० २; १०; —**मण.** त्रि० (-मनस्) જવાની ઇચ્છાવાળું. जाने की इच्छा वाला. desirous of going. सु० च० २, १८२;

गमणया. स्त्री० (गमन) ગતિ; ગમન. गति; गमन. State of being in motion; state of being going. " गमणं जोगंत गमणयाए " ठा० ४; नाया० १;

गमणिज्ज. त्रि० (गमनीय) ગમતું; રૂચતું. अच्छा लगता हुआ, मन को रुचता हुआ. Pleasant; charming. ओव० ३२; जं० प० ३, ६७; (२) ઉલ્લંઘવા-પાર પામવા યોગ્ય. उल्लंघने योग्य; पार पाने लायक. worth transgressing. निसी० १६,

१७; (३) જાણવા યોગ્ય; પ્રકાશવા યોગ્ય. जानने योग्य; प्रकाश करने लायक. worth knowing; capable of thowing light upon. भग० १, ३;

गमणी. स्त्री० (गमनी) એક જાતની (ઉડવાની) વિદ્યા; વિદ્યાધરોની વિદ્યા. एक प्रकार की आकाश में गमन करने की विद्या; विद्याधरों की विद्या. A science of flight; (this is possessed by Vidyādharas). नाया० १६;

गमिअ--य. न० (गमिक) જેમાં એક સરખા ઘણા પાઠ હોય તે બારમું દૃષ્ટિવાદ નામે અંગસૂત્ર. जिसमें एक समान बहुत से पाठ हों वह बारहवां दृष्टिवाद नामक अंगसूत्र. Name of the 12th Aṅga Sūtra named Driṣṭivāda having many chapters of the same nature. नंदी० ४३; विशे० ५४६; क० गं० १, ६;

गम्म. त्रि० (गम्य) મેળવી શકાય તેવું; પહોંચી શકાય તેવું. प्राप्त हो सके ऐसा; That which can be acquired; that which can be reached. पग्ह० २, २; पंचा० ४, १७; (२) ગમન કરવા યોગ્ય. गमन करने योग्य. worth going to. भत्त० ११३;

गय-अ. त्रि० (गत) ગયેલ; અદૃશ્ય થયેલ. गया हुआ; अदृश्य जो है वह. Gone; passed out of sight. भग० २, १; ३, १; ५, ४; ७, ६; ६, ३३; ११, १०; १५, १; नाया० १; ६; ७; १३; १६; नाया० ध० दस० ६, २, २४; उवा० १, ११; भत्त० ३८; क० प० ६, २५; कप्प० २, २७; (२) પ્રાપ્ત થયેલ. प्राप्त किया हुआ. got; obtained. भग० ३, १; १८, ७; पन्न० ३६; नाया० १; ३; ८; १६; अणुजो० १६; राय० २३; विवा० ३; उत्त० १, २१; (३) ગતિ; ચાલ. गति; चाल. gait; motion. ओव० जं० प० ५, ११४; ७, ११३; ३, ५६; (४) રહેલ. रहा हुआ. remaining; stayed. ओव० १०; विशे० ३६;
—**तराह.** त्रि० (-तृष्ण) તૃષ્ણા વિનાનું. तृष्णारहित. free from greed. प्रव० ४७३;—**तेय.** त्रि०(-तेजस्) તેજહીન; તેજવિનાનું. तेजहीन; तेजरहित. lack-lustre; having no lustre; dull. भग० १५, १; —**दसण.** त्रि० (दशन) જેના દાંત પડી ગયા હોય તે; દાંત વગરનો. जिसके दांत गिर पड़े हों वह; दांतरहित. (one) without teeth. गच्छा० ६२;

गय. पुं० (गज) હાથી. हाथी. An elephant. अणुजो० २१; १३१; ठा० ४, ३; दसा० १०, १; दस० ५, १, १२; ६, २, ५; सु० च० २, ६४१; कप्प० १, ४; पंचा० १२, २८; पिं० नि० ७६; ८३; राय० ५०; जीवा० ३, ३; पन्न० १; नाया० १; ५; ८, १६; भग० १६, ६; ७, ६; ६, ३३; (२) ગુચ્છો. गुच्छा. a cluster. पन्न० १; (३) અંતગડસૂત્રના ત્રીજા વર્ગના આઠમા અધ્યયનનું નામ. अंतगडसूत्र के तीसरे वर्ग के आठवें अध्याय का नाम. name of the 8th chapter of the third section of Antagaḍa Sūtra. (४) વસુદેવ રાજાની દેવકી રાણીના સૌથી નહાના પુત્ર-કૃષ્ણ મહારાજના નહાના ભાઈ કે જે નેમનાથ પ્રભુપાસે દીક્ષા લઈ તુરતજ ભિખ્ખુની બારમી પડિમા આદરી સ્મશાન ભૂમિમાં કાઉસગ્ગ કરી ઉભા રહ્યા ત્યાં સોમલ બ્રામ્હણે અગ્નિનો પરિષહ આપ્યો તે સમભાવે સહન કરતાં તરતજ કેવળજ્ઞાન પામી મોક્ષમાં ગયા. वसुदेव राजा की देवकी रानी के सब से छोटे पुत्र कृष्ण

महाराज के लघु भ्राता कि जो नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर तुरन्तही भिक्खु की बारहवीं पडिमा का अंगिकार कर श्मशान भूमि में काउसग्ग कर, खडे रहे. वहां सोमल ब्राह्मणने अग्नि का परिषह दिया उसे समभाव से सहन करते हुए तुरन्तही केवल ज्ञान को प्राप्त कर मोक्षगति को पहुंच गये. the youngest son of Devakī, the queen of king Vāsudeva and the younger brother of Lord Kriṣṇa. He took Dikṣā from Lord Nemanātha and immediately becoming a monk practised the 12th vow of a monk in a standing posture with meditation on the soul in a cemetery. A Brahmana. named Somala burnt his body but he bore the pain calmly. Immediately he got perfect knowledge and salvation. अंत॰ ३, ८; पराह॰ १, ४; नाया॰ १६; (४) સાતમાં દેવલોકના ઇંદ્રનું ચિન્હ-નિશાની. सातवें देवलोक के इन्द्र का चिन्ह-निशान. the badge of the Indra of the 7th Devaloka. ओव॰ २६; (५) દિશાકુમાર જાતના દેવતાનું ચિન્હ; તેના મુગટમાં હાથીને આકારે નિશાની હોય છે. दिशाकुमार जाति के देवता का चिह्न; उस के मुकुट में हाथी के आकार का निशान होता है. the badge, emblem of the gods of the Diśākumāra kind. ओव॰ २३; (६) બીજા તીર્થંકરનું લાંછન. द्वितीय तीर्थंकर का चिन्ह. the symbol of the second Tirthaṅkara. प्रव॰ ३८१; —अणीय. न॰ (-अनीक) હાથીનું સૈન્ય. हाथियों का सैन्य. an army of elephants. नाया॰ १; उत्त॰ १८, २; —कलभ. पुं॰ (-कलभ) હાથીનું બચ્ચું; નાનો હાથી. हाथी का बच्चा; छोटा हाथी. a young elephant. नाया॰ १; —गय. त्रि॰ (-गत) હાથી ઉપર બેઠેલું. हाथी के ऊपर बैठा हुआ. mounted on an elephant. भग॰ १५, १; ओव॰ —चम्म, न॰ (-चर्मन्) હાથીનું ચર્મ-ચામડું. हाथी का चर्म-चमडा. skin of an elephant. नाया॰ ८; —चलण. न॰ (-चरण) હાથીના પગ. हाथी का पैर. the foot or leg of an elephant. सम॰ ११; —जोहि. त्रि॰ (-योधिन्) હાથીસાથે યુદ્ધ કરનાર. हाथी के साथ युद्ध करने वाला. (one) who wrestles with an elephant. राय॰ २९२; नाया॰ १; —तालुयसमाण. त्रि॰ (-तालुकसमान) હાથીના તાલવા સમાન. हाथी के तालु के समान. similar to, resembling the temple of an elephant. नाया॰ १६; —दंत. पुं॰ (-दन्त) હાથી દાંત. हाथी दांत. tusks of an elephant. सू॰ प॰ १०; जं॰ प॰ ७, १२१; —पंति. स्त्री॰ (-पंक्ति) હાથીઓની પંક્તિ-હાર. हाथियों की पंक्ति. a series, line of elephants. भग॰ १६, ६; —भत्त. न॰ (-भक्त) હાથીનું ખાણું; મલીદો. हाथी की खुराक; मलीदा. food cooked for elephants. निसी॰ ९, ६; —लक्खण. न॰ (-लक्षण) હાથીના શુભાશુભ લક્ષણો જોવાની કલા. हाथी के शुभाशुभ लक्षण जानने की कला. art of examining the good or bad qualities of an elephant. नाया॰ १; —लोम. न॰ (-लोमन्) હાથીન

ईवाळां. हाथी के बाल. the hair of an elephant. भग० ८, ६; —वर. पुं० (-वर) श्रेष्ठ हाथी. श्रेष्ठ हाथी. an excellent elephant; a noble elephant. नाया० ६; १६; —विक्कम. पुं० (-विक्रम) हाथीनी चाल. हाथी की चाल. the gait of an elephant. सू० प० १०; जं० प० ७, १५६; —विलंबिय. पुं० (-विलम्बित) हाथीनी विशेष गतिवाळुं नाटक; नाटकनो एक प्रकार. हाथी की विशेष गति वाला नाटक; नाटक का एक प्रकार. (a drama) having a particular gait of an elephant. राय० ६३; —संठिय. त्रि० (-संस्थित) हाथीने आकारे रहेल. हाथी के आकार का. of the shape of an elephant; a kind of drama. भग० ८, २; —सगण. न० (-श्रमन) हाथीनुं सूंढ. हाथी की सूंड. the trunk of an elephant. ओव० १०; —साला. स्त्री० (-शाला) हाथीखानुं. हाथी शाला. the place where elephants are kept. निसी० ८, १७;

गयंद. पुं० (गजेन्द्र) हाथीमां इन्द्रसमान; ऐरावत हाथी. हाथीओं में इन्द्र; ऐरावत हाथी. An Indra among elephants; the Airāvata elephant. संथा० १६; —भाव. पुं० (-भाव) गजेन्द्रनो भाव-स्वरूप. गजेंद्र का भाव-स्वरूप. State of being an Indra among elephants. नाया० १;

गयकरण. पुं० (गजकर्ण) गजकर्ण नामना छठ्ठा अन्तर द्वीपमां रहेनार मनुष्य. गजकर्ण नामक छठे अंतर द्वीप में रहने वाला मनुष्य. Name of a person living in the sixth Antara Dvīpa. जीवा० ३, ३; पन्न० १. (२) छप्पन अंतर द्वीपमांनुं एक. छप्पन अंतर द्वीप में का एक. one of the fiftysix Antara Dvīpas. जीवा० ३, ३; पन्न० १; ठा० ४, २; —दीव. पुं० (-द्वीप) लवण समुद्रमां चारसो योजनपर चूल्लहिमवंतनी डाढाउपर आवेलो गजकर्ण नामनो अन्तरद्वीप. लवण समुद्र में चारसौ योजन पर चूलहिमवन्त के उपर आया हुआ गजकर्ण नामक अन्तरद्वीप. name of an Antara Dvīpa (an island) on the Chūlahimavanta in the Lavaṇa Samudra at a distance of 400 Yojanas. ठा० ४, २;

गयकन्न. पुं०(गजकर्ण) ए नामनो एक अनार्य देश. इस नामक एक अनार्य देश. Name of an uncivilised country. प्रव० १५९९; (२) गजकर्ण नामनो एक अंतर द्वीप. गजकर्ण नामक एक अन्तर द्वीप. name of an Antara Dvīpa. प्रव० १४३७;

गयण. न० (गगन) आकाश. आकाश. The sky. उत्त० २६, १६; भग० ३, ३३; सु० च० १, २२; जं० प० —ट्ठिय. त्रि० (-स्थित) गगनमां रहेल. गगन में रहा हुआ. remaining in the sky. प्रव० ४५२;

गयपुर. न० (गजपुर) कुरुदेशमांनुं एक प्रसिद्ध नगर; हस्तिनापुर. कुरु देशमें का एक प्रसिद्ध (हस्तिनापुर) नगर. A famous city in Kurudeśa; viz. Hastināpura. पन्न० १;

गयमुह. पुं० (गजमुख) गजमुख नामे अनार्य देश. गजमुख नामक अनार्य देश. Name of an uncivilised country. प्रव० १५९९;

गयवीहि. स्त्री० (गजवीथि) रोहिणी आदि त्रण नक्षत्रमां शुक्र गति करे ते गजवीथि.

रोहिणी आदि तीन नक्षत्रों में शुक्र की गति हो वह गजवीथि. The movement of Venus in the three constellations viz. Rohiṇī etc. ठा० ९, १;

गयसुकुमाल पुं० (गजसुकुमाल) કોઈ એક શાહુકારનો પુત્ર કે જેણે વૈરાગ્ય ભાવે દીક્ષા લીધી તે એકદા પ્રતિમાધારી થઇ કાઉસગ્ગ કરી ઉભા હતા–એક જણે માર્ગ પૂછયો જવાબ ન મળતાં તેણે કોપાયમાન થઇ જમીન ઉપર પછાડી દરેક અંગે ખીલા મારી જમીન સાથે જડી દીધો તો પણ તે મુનિએ સમભાવ રાખી મરણ આરાધ્યું. कोई एक साहुकार का पुत्र कि जिसने वैराग्य भावसे दीक्षा ली और जब प्रतिमाधारी बन, काउसग्ग कर खडे थे–एक व्यक्ति ने रास्ता पूछा--उत्तर न मिलने पर उसने कोपायमान हो, पृथ्वी पर पटक कर प्रत्येक अंग में खीले ठोक कर जमीन के साथ उसे मिला दिया, तदपि उस मुनिने सम भाव रख कर मृत्युकी आराधना की. Name of a merchant's son who had entered the religious order being disgusted with the world. He once stood contemplating upon the soul and practising a vow when some passer by asked him about the road. Not receiving a reply he knocked the ascetic down and fixed him to the ground with nails hammered over his whole body. The ascetic endured all this quietly and died. संथा० ८६; (२) કૃષ્ણ મહારાજનો ન્હાનો ભાઈ કે જે નાની ઉમ્મરમાં નેમનાથપ્રભુ પાસે દીક્ષા લઈ તેજ રાત્રે સોમલ બ્રાહ્મણ તરફથી અપાએલ અગ્નિનો પરિષહ સમભાવે સહન કરી તત્કાલ મોક્ષ ગયા. कृष्ण महाराज के लघु बन्धु कि जो छोटी उमरमें नेमनाथ प्रभुसे दीक्षा लेकर सोमल ब्राह्मणने दिये हुए अग्नि के परिषह को समभाव से सहन कर तत्काल मोक्षको प्राप्त हुए. the younger brother of Lord Kriṣṇa. He took Dikṣā from Lord Nemanātha in young age and after quietly enduring the pain of fire at the hands of Somala Brāhmaṇa became Siddha immediately on the same night. अंत० ३, ८;

गया. स्त्री० (गदा) કૌમોદકી નામે ગદા; વિષ્ણુનું એક આયુધ. कौमोदकी नामक गदा; विष्णु का एक आयुध. A mace of Viṣṇu named Kaumodaki. जीवा० ३, ३; उत्त० ११, २१; १६, ६२; सम० प० २३७; ओव०

गर. पुं० (गर–गरस्याहारं स्तम्भयति कार्मणं वा) ઝેર; વિષ. विष. Poison. ओघ० नि० ४८७; पराह० १, १;

√**गरह.** धा० I. (गर्ह्) નિન્દા કરવી; નિન્દવું. निन्दा करना. To censure.

गरहइ. सूय० २, २, १७; २०; भग० १, ३;

गरहए. पिं० नि० ४१८;

गरहामो. सूय० १, ६, १२;

गरहंति. अंत० ६, ३;

गरहेज्जा. वि० वेय० ४, २५;

गरहइ. आ० भग० १, ६; ५, ४; १२, १;

गरहंत. सूय० १, १, २, २३;

गरहणया. स्त्री० (गर्हणा) ગુરૂની સાક્ષિએ પોતાના અતિચાર--દોષોની નિન્દા કરવી--પશ્ચાત્તાપ કરવો તે. गुरु के सन्मुख अपने अतिचार–दोषों की निन्दा करना–पश्चात्ताप

करना. Censure of one's own fault in the presence of a preceptor; repentance for one's own faults. भग० १७,३; उत्त० २६,२;

गरहणा. स्त्री० (गर्हणा) निन्दा. निन्दा. Censure राय० २१४; श्रोव० ४०;

गरहणिज्ज. पुं० (गर्हणीय) निन्दनीय; निन्दवा लायक निन्दनीय; निन्दापात्र Censurable; blameworthy. भग० ६, ३३; पराह० १, २;

गरहा स्त्री० (गर्हा) निन्दा. निन्दा. Censure. भग० १, ६; उत्त० १, ४२;

गरहिअ. त्रि० (गर्ह्य) निन्दाने पात्र; निन्दनीय. निन्दापात्र; निन्दनीय. Censurable. आया० २, १, २, ११;

गरहिज्जमाण. त्रि० (गर्ह्यमान) लोकसमक्ष निन्दाने योग्य. लोगों के समक्ष निन्दा पात्र. Deserving public censure. नाया० १६;

गरहित. त्रि० (गर्हित) निंदेलुं. निन्दित. Censured. पंचा० ६, ७;

गरहिय अ. त्रि० (गर्हित) निंदेलुं; गर्हा करेल. निन्दित. Censured. दस० ६, ११; पिं० नि० ५३२; सूय० १, १३, ३१; पंचा० २, ४३;

गराई. न० (गरादि) દરેક માસના શુક્લ પક્ષમાં સાતમ અને ચૌદસને દિવસે તથા ત્રીજ અને દસમની રાતે તેમજ કૃષ્ણ પક્ષમાં છઠ અને તેરસને દિવસે તથા બીજ અને નોમની રાતે આવતું સાત ચરકરણમાંનું પાંચમું કરણ; ૧૧ કરણમાંનું પાંચમું કરણ. प्रत्येक मास के शुक्ल पक्ष में सप्तमी व चतुर्दशी के दिन व तृतिया व दसमी की रात्रि को इसी तरह कृष्ण पक्ष में षष्ठी व त्रयोदशी के दिन व द्वितिया व नवमी के रात्रि को आनेवाला सात चरकरण में का पांचवा करण; ११ करणमें से पांचवां करण. The 5th of the seven movable Karaṇas (divisions of a day) occurring on the 7th and the 14th day, as also on the 3rd and the 10th night of the bright half of every month; also the one occurring on the 6th and 13th day as also on the 2nd and the 7th night of the dark half of every month The 5th of the 11 Karaṇas जं० प० ७, १५३;

गरिट्ठ. त्रि० (गरिष्ठ) सौथी मोटुं सब से बडा. Eldest. सु० च० १, १२६;

√ **गरिह.** धा० I. (गर्ह) निन्दवुं. निन्दा करना. To censure

गरिहंति. दस० ४, ७, ४०; नाया० ८; नाया० ध०

गरिहामि. भग० ८, ६; दस० ४;

गरिहित्ता. सं० कृ० ठा० ३, १. भग० ४, ६; आया० २. १५, १७८;

गरिहित्तए. हे० कृ० ठा० २, १;

गरिहणा. स्त्री० (गर्हणा) निन्दा. निन्दा. Censure. भग० ५०;

गरिहणिज्ज. त्रि० (गर्हणीय) गुरु सन्मुख निन्दवा योग्य. गुरु के सन्मुख निन्दा करने योग्य. Censurable in the very presence of a preceptor. नाया० ३;

गरिहा. स्त्री० (गर्हा) गुरुनी साक्षीએ निन्दा अर्थात् पोते करेला पापनी गुरुनी साक्षीએ निन्दा करवी ते. गुरु के सन्मुख निन्दा; अर्थात् स्वतः ने किये हुए पापकर्मों की गुरु के सन्मुख निन्दा करना. Censure of one's own faults in the presence of a preceptor विशे० ३५७५;

ठा० २, १; दस० ४; प्रव० १४७७;

गरुअ-य. त्रि० (गुरुक) ભારે; વજનદાર. भारी; वजनदार; वजनी. Heavy. दसा० ६, १; आया० १, ५, ६, १७०; भग० २, १; ५, ६; —दंड. पुं० (-दण्ड) ભારે દંડ. भारी दंड. a heavy stick. दसा० ६, ४;

गरुई. स्त्री० (गुर्वी) મોટી; ભારે. बडी; भारी. Big; heavy. भग० ६, ३३; पंचा० ६, २६;

गरुड. पुं० (गरुड) શાંતિનાથજીના યક્ષનું નામ. शान्तिनाथजी के यक्ष का नाम. Name of a Yakṣa of Śāntinātha. प्रव० ३७६;

गरुडासण. न० (गरुडासन) ગરૂડના આકાર જેવું આસન. गरुडाकार आसन. A bodily posture resembling an eagle in shape. भग० ११, ११;

गरुयत्त. न० (गुरुकत्व) ભારેપણું. भारीपन गुरुत्व. Heaviness; weightiness. सु० च० २, ६४२;

गरुडोववाअ. पुं० (गरुडोपपात) ७२ સૂત્રમાંનું એક. ७२ सूत्रोंमें से एक. One of the 72 Sūtras. वव० १; २८; नंदी० ४३;

गरुल. पुं० (गरुड) ગરૂડ પક્ષી. गरुड पक्षी. An eagle. जीवा०३, ३; ओव०१०; सूय० १, ६, २१; नाया० ८; (२) વાણવ્યન્તર દેવતાની એક જાત. वाणव्यन्तर देवता की एक जाति. a species of Vāṇavyantara deities. सम० ८; ३४; नाया० ८; भग० २, ५; (३) સુવર્ણકુમાર દેવતાનું ચિન્હ; તેના મુગટમાં રહેલ ગરૂડાકાર નિશાની. सुवर्णकुमार देवता का चिन्ह; उसके मुकुट में का गरुडाकार निशान. the emblem, badge viz. an eagle in the crown of Suvarṇakumāra god. ओव० २३; पराह० १, ४; —ओसण. न० (-आसन) જુઓ " गरुडासण " શબ્દ. देखो " गरुडासन " शब्द. vide "गरुडासण" जीवा० ३; राय० १३६; —केउ. पुं० (-केतु) ગરૂડના ચિન્હવાળી જેની ધ્વજા છે તે; વાસુદેવ. गरुड के चिन्ह युक्त जिसकी ध्वजा है वह; वासुदेव. Vāsudeva whose banner bears the badge of an eagle. सम० २३६; —वूह पुं० (-व्यूह) ગરૂડને આકારે વ્યૂહ -લશ્કરની રચના કરવાની કલા. गरुड के आकार में व्यूह (लश्कर) की रचना करने की कला. a battle order in the shape of an eagle ओव ४०; निर० १, १; नाया० १;

✓**गल.** धा० I. (गल्) જમવું; ખાવું; जिमना; भोजन करना. To eat; to take meals. (२) ગળવું; છાણવું. छानना. to filter.

गलंत. सूय० १, ५, १, २३;

गलंत. व० कृ० पिं० नि० ५८०; ५८३; ६४५; नाया० ८;

गालेइ. प्रे० निसी० ६, ८;

गालावेइ. प्रे० नाया० १२;

गालंति. प्रे० पिं० नि० ३६८;

गालवेत्ता. सं० कृ० नाया० १२;

गालिय. प्रे० सं० कृ० क० प० २, ६६;

गलावेमाण प्रे० व० कृ० नाया० १२;

गल. पुं० (गल) ગળું; કંઠ; ગરદન. कराठ; गला; गर्दन. Throat; neck. ओव० ३०; ३१; आया० १, १, २, २६; सूय० १, ५, १, १०; जं० प० पिं० नि० ३१४; ६२३; (२) માછલાનું ગળું વિંધનાર જાલની અન્દરનો કાંટો. मच्छी के गले में छेद करने वाला जाल के अन्दर का कांटा. a hook in a net which pierces the throat of a fish. उत्त० १६, ६५; नाया० १७;

—ग्गाह. त्रि० (-ग्रह) गळું પકડી કાઢી મૂકનાર; गर्दन पकड़कर निकाल देने वाला. (one) who takes out seizing by the neck. कप्प० ३, ३६; —च्छुल्ल. पुं० (*) ગળું પકડી પાછું હઠાવવું. गर्दन पकड़ कर पीछे हटाना. giving a push seizing by the neck. पराह० १, ३;

गलकंबल. पुं० (गलकम्बल) ગળાનો ધાબળો; ગાયોને ગળે પંખા જેવું લટકતું હોય છે તે. गले का कम्बल; गायों के गले में पंखा सा लटकता है वह. Lit. a throat blanket; a dowlap. सु०च०१३, १०;

गलग. पुं० (गलक) ગળું; કણ્ઠ. कण्ठ; गला. Throat; neck. पराह० १, १;

गलय. पुं० (गलक) જુઓ "गलग" देखो "गलग" शब्द. Vide. "गलग" नाया०१८;

गलि. त्रि० (गलि) ગળીયો; નિયત ખોટો. आलसी; आंडयल; कुटिल. A lazy, vicious (ox, horse etc.) उत्त० १, १२; ३७; सु० च० १२, ८८; —गद्दह. पुं० (-गर्दभ) ગળીયો ગધેડો; નિયત ખોટો ગધેડો. आंडयल गधा. a lazy, vicious donkey. (२) અવિનીત શિષ્ય. अविनीत शिष्य. a bad disciple. उत्त० १६; २७;

गलिच्च. त्रि० (गलमस्क) ગળા સમ્બન્ધિ; ગળાનું. गल–कंठके सम्बन्ध में. Pertaining to the throat पिं० नि० ४२८;

गलिय. त्रि० (गलित) ગળી ગયેલ; પિગલી ગયેલ गलित; निगला हुआ. Dissolved; worn out. नाया० ६; कप्प० ४, ६२; (२) વરસતું. बरसता हुआ raining; showering; falling as rain. कप्प० ३, ३३; —लंबण. त्रि० (-लम्बन) ગળી ગયેલ છે આલમ્બન (આધાર) જેનું એવું; નિરાધાર. जिस का आलम्बन (आधार) गलित हो गया है ऐसा; निराधार. (that) of which the support has been worn out; supportless. नाया० ६;

गलोई. स्त्री० (गडूची) ગુડવેલ નામની વનસ્પતિ. गुडवेल नामक वनस्पति. A kind of vegetation. प्रव० २३६;

गवक्ख. पुं० (गवाक्ष) ગોખ; ઝરૂખો. खिड़की. A window. विशे०६२; जं०प० १, ४; सु० च० ३, २२८; जीवा० ३, ३; ४; पंचा० १३, ११;

गवच्छिय त्रि० (*) આચ્છાદિત; ઢાંકેલ. आच्छादित; ढंका हुआ. Covered. " किं एह सुत्त सिक्क गवच्छिया " जीवा० ३, ४; राय० १२०;

गवत्त. न० (गवात्त) ગાયનો ખોરાક; ઘાસ. घांस; गौओं का खुराक. Grass. पिं० नि० २२६;

गवय. पुं० (गवय) રોઝ; ગાયજેવો એક ચોપગો પશુ. रोझ; गाय जैसा पशु. A species of ox. पराह० १, १; जं० १० अगुजो० १४७; पन्न० १;

गवल. न० (गवल) ભેંસ કે પાડાનું શિંગડું. भैंस या पाडे का सिंग. A horn of a buffalo. उत्त० ३४, ४; ओव० २२; पन्न० २; १७; जं० प० ३, ४५; राय० ५०; सु० च० २, १३६; जीवा० ३, ४; अंत० ३, ८; नाया० ६; उवा० २, ६४; —गुलिय. स्त्री० (-गुलिका) ભેંસ કે પાડાના શિંગડાની કઠણ ગાંઠ. भैंस या पाडे के सिंग की

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फ़ूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

काठिन गांठ. a hard knot of a buffalo's horn. नाया० १; ५; ८; ६; (२) नीલ ગુલિકા વિશેષ. नील. indigo. नाया० ५; राय०

गवा. स्त्री० (गो) ગાય. गौ; गाय. A cow. उत्त० ६, ५; ६ ४०; दसा० ६, १२; दस० ७, २५; सूय० १, २, ३, ५; उवा० १०, २७७; (२) મૃગ આદિ પશુ. मृग आदि पशु. a deer and such other animals. सूय० १, २, ३, ५; —**श्रलीय.** न० (-अलीक) ગાય આશ્રી જુઠું બોલવું તે. गौ के विषय में असत्य बोलना. telling a lie about a cow. पराह० १, २;

गवाणी. स्त्री० (गवादनी) ગાયોને ખાવાની તથા રહેવાની જગ્યા; ગમાણ. गौओं को खाने की व रहने की जगह. A cow-pen. नाया० २, १०, १६६;

गविट्ठ. त्रि० (गवेषित) એષણા ગવેષણા દોષ રહિત શોધેલું; ખોળેલું. एषणा–गवेषणा दोष रहित ढूंढा-खोजा हुआ. Searched after without committing the fault of Eṣaṇā-gaveṣaṇā; searched after. पिं० नि० ५१३; सु० च० ४, ३२;

गविट्ठ. त्रि० (गर्विष्ठ) અભિમાની. अभिमानी. Proud; vain. भत्त० १४४;

गवेलग. पुं० (गो+एलक) ગાડર; મેંઢો. भेड. A sheep; a lamb. ठा० ७, १; भग० १, १; २, ५; ७, ६; राय० २८६; अणुजो० १२८; ओव० पराह० १, ४;

गवेलय. पुं० (गो+एलक) બકરો; મેંઢો. बकरा. A he-goat. पराह० १, २; दसा० ६, ४; जं० प०

√**गवेस.** धा० II. (गवेष) શોધવું; ગવેષણા કરવી. ढूंढना; गवेषणा करना. To search.

गवेसइ. निसी० १०, ४२;

गवेसेजा. वि० पराह० २, २;

गवेसए. दस० ५, १, १; वव० ८, २;

गवेसमाण. व० कृ० पिं० नि० २०७; नाया० २; ४;

गवेसश्र. पुं० (गवेषक) અન્વેષણા-શોધ કરનાર. अन्वेषणा–खोज करने वाला. One who searches after. उत्त० १, ४०; २६, ९; ओव०

गवेसण. न० (गवेषण-गवेष्यतेऽनेन) વ્યતિરેક ધર્મનું આલોચન, જેમ પાણીની શોધ કરવી હોય ત્યારે પાણીના અસદ્ચારી ધર્મોનું આલોચન કરવું કે ઝાડી નથી સુકા હવા છે. નદી કે તલાવ નથી માટે આંહી પાણી ન હોવું જોઇએ. व्यतिरेक धर्म का आलोचन जिस प्रकार जल का पता लगाना हो, तब जल के असद्चारी धर्मों की आलोचना करना कि झाडी नहीं है, सूखी हवा है, नदी या तालाब नहीं है इस लिये यहांपर जल न होना चाहिये. Search; observing qualities or things which cannot co-exist with the object of search, e. g. deciding the absence of water from the absence of trees etc. ओव० ३९; भग० ६; ३१; जं० प० ३, ७०; (२) શોધ; તપાસ. खोज; जांच. inquiry; search. नाया० १; भग० १५, १;

गवेसणया. स्त्री० (गवेषणता) ખોળવાપણું. गवेषणता. State of being in search after. भग० १२, ६;

गवेसणया. स्त्री० (गवेषणा) શોધ; તપાસ. तलाश; खोज, जांच. Wandering in search; searching after. ओव० २०; नंदी० ३१;

गवेसणा. स्त्री० (गवेषणा) જુઓ "गवेसण"

१७८६. देखो " गवेसण " शब्द. Vide " गवेसण " विशे० ३१२; जं० प० पिं० नि० ७३; ओघ० नि० ६३; उत्त० २४, ११; नाया० १; २; पंचा० १३, २५;

गवेसियग. त्रि० (गवेषितक) शोधी-तपासी आणेलुं. खोज किया हुआ. Searched out; searched after. निसी० २, २७; ३१;

गव्व. पुं० (गर्व) गर्व--मान; अहंकार. अहंकार; गर्व. Pride; conceit; a kind of moral impurity. सम० ५२; भग० १२, ५;

गव्विय त्रि० (गर्वित) अभिमानी. गर्वित; अभिमान युक्त. Proud; conceited. नाया० १७; कप्प० ३, ४२; जं० प० ५ १६६;

√**गस.** धा० I. (...) ... कोईना प्राण लेवामां आ धातुनो प्रयोग थाय छे गलित होना. किसी के प्राण लेना इस मतलब के क्रियापद मे इस धातु का उपयोग किया जाता है To eat: to swallow; (used often in the sense of taking another's life).

गसइ. सु० च० १, ३५५;

गसिऊणं. क० बा० सु० च० २, ५४३;

गसिय. त्रि० (ग्रसित) गसाई गयेलुं. ग्रसित; निगला हुआ. Swallowed. नाया० ४;

गह. न० (गृह) घर; निवास स्थान. घर; निवास स्थान. A house. कप्प० ४, ६६;

गह. पुं० (ग्रह) ८८ ग्रह-ज्योतिषी देवतानी त्रीजी जाति. ८८ ग्रह ज्योतिषी देवता की तृतीय जाति. 88 constellations; the 3rd kind of deities known as Jyotiṣi deities. ओव० २६;३१; उत्त० २६, १७; ३६, २०४, नाया० १; ५; भग० ६, ५; १८, ७; पन्न० १०; सू० प० १०; नंदी० १०; दसा० ६, १; जीवा० १; सु०च० ८, ५८; विशे० १८७८; प्रव० ११४७; (२) गायनना आरंभनो आलाप. गाने के आरंभ का आलाप. the commencing note of singing. जं० प० ७, १६५; ७, १७० जीवा० ३; ४; (३) लेवुं; पकडवुं. लेना; पकडना. taking; catching. क० गं० १, ३१; प्रव० ६१३; —**अवसव्व.** न० (-अपसव्य) ग्रहोनी वांकी गति. ग्रहों की वक्रगति. oblique, crooked motion of planets. भग० ३, ७; ११, १; —**गज्जिय.** न० (-गर्जित) ग्रहो चलायमान थवाथी गर्जना थाय ते. ग्रह चलायमान होने से जो गर्जना होती है वह. thundering of clouds due to the motions of planets. भग० ३, ७; —**गण.** पुं० (-गण) ग्रह समूह. ग्रह समूह. a group of constellations. जं० प० ७, १४०; भग० ३, ७; कप्प० ३, ३१; —**जुद्ध.** न० (-युद्ध) बे ग्रहोनुं एक नक्षत्रमां दक्षिण उत्तरे समश्रेणिमां रहेवुं. दो ग्रहों का एक नक्षत्र में दक्षिण उत्तर में समश्रेणि में रहना. co-existence of 2 planets in one constellation. भग० ३, ७; —**दंड.** पुं० (-दण्ड दण्ड इव दण्डास्तिर्यगायतः श्रेणयःग्रहाणां मंगलादीनां दण्डः) ग्रहोनी दंडनी पेठे त्रांसी श्रेणी. ग्रहों की दंड के समान (टेढी) वक्र श्रेणी. planets ranged in oblique lines. भग० ३, ७; —**भिन्न.** न० (-भिन्न) जे नक्षत्रनी वच्चे थइ ग्रह प्रसार थाय ते नक्षत्र-केजेमां दीक्षा आदि कार्य करवाथी हानि थाय माटे वर्ज्य कहेलछे. जो नक्षत्र के मध्य में से होकर ग्रह पसार हो वह नक्षत्र--कि जिसमें दीक्षा आदि कार्य करने मे हानि हो इस लिये

त्याग करने को कहा हुआ है. a constellation crossed midway by a planet; under such a constellation Dikṣā is forbidden. गणि. १६; —मुसल. न० (-मुशल) મુશલને આકારે ગ્રહેની ઉંચી શ્રેણી. ग्रहों की उच्च श्रेणी. planets forming them selves into the shape of a pestle. भग०३, ७; —वेह. पुं० (-वेध) સૂર્ય ચંદ્રાદિ સાથે ગ્રહનો વેધ. सूर्य चन्द्रादि के साथ क ग्रह का वेध. a particular division of time during which a planet is in conjunction with the sun, the moon etc. प्रव०१४२२; —सिंघाडग. न०(-शृंगाटक ग्रहा.शृंगाटका इव शृंगाटकफलाकारत्वेन संस्थिता इत्यर्थः) શીંગોડાના ફલની પેઠે ગ્રહોનું રહેવું તે. सिंघाडे के फल के समान ग्रहों का रहना. a formation of planets of the shape a three-horned fruit, called Śringhātaka. भग० ३, ७;

गहण. न० (गहन) ઝાડી વાળું જંગલ. झाडी वाला जंगल. A dense forest. सूय०१, ३, ३, १; १, १२, १४; २, २, ८; नाया० १८; दस० ८, ११; भग० १, ८; (२) જેનો પાર પામી ન શકાય તેવું जिसकी थाह न मिल सके ऐसा. profound; immeasurable. नंदी० ४; भत्त०२; (३) નિર્જલ પ્રદેશ. निर्जल प्रदेश. a waterless tract of country. आया० २, ३, ३, १२७; (४) અન્યને છેતરવા માટે કરેલ વચન પ્રપંચ; માયા કપટ. अन्य को ठगने के लिये किया हुआ वचन प्रपञ्च; माया कपट. manipulation of words with the aim of deceiving others. भग०१२,५;पराह० १,२;सम०५२;

गहण. न० (ग्रहण) ગ્રહણ કરવું; સ્વીકારવું; લેવું. ग्रहण करना; स्वीकार करना; लेना. Taking; acceptance. भग० २, १; ५; १०; १३, ४; नाया० ३; दस० ५, १, ८०; पन्न० ११; उत्त० २४, ११; पिं० नि० भा० १४; पिं० नि० ५४; सु० च०१, ३१६; सम० १; अणुजा० १४७; क० प० १, ४; भत्त० ८०; पंचा० १, ३४; ५, ४; १०,४०; प्रव० ४७; (२) આકર્ષણ કરનાર; ખેંચનાર. आकर्षण करने वाला; खींचने वाला. (one) who attracts; an attraction. उत्त० ३२. २२; (३) ગ્રાહ્ય; ગ્રહણ કરવા યોગ્ય. ग्राह्य; ग्रहण करने योग्य. worthy of acceptance; acceptable. क०प० १, २१; —आगरिस. पुं० (-आकर्ष— एकस्मिन्भवे ऐर्यापथिककर्मपुद्गलानां ग्रहणरूपो य आकर्षः सः) ઐર્યાપથિક નિમિત્તથી કર્મોના પુદ્ગલોનું ગ્રહણ કરવું તે ऐर्यापथिक निमित्तसे कर्मों के पुद्गलों का ग्रहण करना. attracting towards oneself and imbibing of Karmic atoms of Airyāpathika (faults connected with walking) भग० ८, ८; —खंध. पुं० (-स्कन्ध) જીવને ગ્રહણ કરવા યોગ્ય પુદ્ગલ સ્કન્ધ. जीव को ग्रहण करने योग्य पुद्गल स्कन्ध. a group of molecules of matter worthy of acceptance for a soul. क०प० १, २१; —दव्व. न० (-द्रव्य) જીવને શરીરાદિ રૂપે ગ્રહણ કરવા યોગ્ય દ્રવ્ય. जीव को शरीरादि रूप से ग्रहण करने योग्य द्रव्य. matter worth accepting for a soul in the form of physical body. क०प०१,२१;—धारणजोग्ग. न० (-धारणयोग्य) ગ્રહણ કરવાને તથા ધારણ કરવાને યોગ્ય ग्रहण करनेको या धारण करनेके योग्य.

worth accepting. क० प० ४, ४६; —**विदुग्ग.** न० (-विदुर्ग) પર્વતની એક તરફનું વન. पर्वत का एक तरफ का वन a forest on one side of a mountain. भग० २, ८; सूय० २, २, ८; —**समय.** पुं० (-समय) ગ્રહણ કરવાનો સમય. ग्रहण करने का समय. time of acceptance or taking. भग० १, १; क० प० १, २६;

गहणय. न० (ग्रहणक) આભૂષણ; ઘરેણું. आभूषण; गहना. An ornament. सु० च० ७, १०६;

गहणया. स्त्री० (ग्रहण) ગ્રહણ કરવું; ધારવું. ग्रहण करना. Putting on; acceptance. ओव० २७; भग० २, ५; ६, ३३;

गहणी. स्त्री० (ग्रहणी) ઝાડાનો રોગ; અતિસાર રોગ; સંગ્રહણી. अतिसार रोग; संग्रहणी. Dysentery. ओघ० नि० भा० ३२३; (२) ગુદાશય; ગુહ્યસ્થાન. गुदाशय; गुह्यस्थान. rectum. ओव० १०; जीवा० ३, ३; पराह० १, ४; जं० प०

*__गहर.__ पुं० (गृध्र) ગીધ પક્ષી. गीध पक्षी. A vulture. पन्न० १;

गहवइ. पुं० (गृहपति) ગૃહપતિ; ગૃહસ્થ. गृहपति; गृहस्थ. A house holder; a merchant. भग० १६, १; —**उग्गह.** पुं० (अवग्रह) ગૃહપતિની આજ્ઞા. गृहपति की आज्ञा. the command of a Gṛihapati. भग० १६, १;

गहवइणी. स्त्री० (गृहपत्नी) ઘરધણીયાણી; (ગૃહસ્વામિની) गृहस्वामिनी The housewife. सु० च० १०, ७;

गहिअ-य. त्रि० (गृहीत) લીધેલું; ગ્રહણ કરેલું. लिया हुआ; ग्रहण किया हुआ. Taken; accepted. आव० २१; ३६; विशे० ६१५; पिं० नि० १८२; १८६; आया० १, ४, २, १३१; उत्त० ४, ३; ३२, ७६; भग० १, १; २, १०; ७, ६; ६, ३३; ११, ११; ११, ४; १४, १; नाया० १; २; ८; १६; १८; दस० ५, १, ३; सु० च० २, २५१; भत्त० ७६; कप्प० ४, ८२; पंचा० ७, २०; १५, १०; ३१; प्रव० ७६०; ८, १८; उवा० ७, १८१; —**आउह.** त्रि० (-आयुध) ગ્રહણ કરેલ છે આયુધ જેણે એવો. ग्रहण किये हैं आयुध जिसने ऐसा. (one) who has taken up arms; armed. विवा० २; —**आगमणपवित्तिय.** त्रि० (आगमन प्रवृत्तिक) ગ્રહણ કરી છે ભગવાન પધારવાની વાતો જેણે એવો. जिसने भगवान के पधारने की वार्ता ग्रहण की हो ऐसा (one) who has heard or known the intelligence about the coming of the lord. नाया० १; —**आयारभंडगनेवत्थ.** त्रि० (आचारभंडकनेपथ्य) સ્વીકારેલ છે આચારભંડક ને પથ્ય-વેષ જેણે એવો. जिसने आचार भंडक और पथ्य-वेष का स्वीकार किया है ऐसा. (one) who has assumed the garb of Āchārabhaṇḍaka. दसा० ६, २; —**ट्ठ.** त्रि० (-अर्थ गृहीतो मोक्षरूपोऽर्थो मार्गो येन सः) જેણે મોક્ષમાર્ગ સ્વીકાર્યો છે એવો સ્ત્રી-પુ. जिसने मोक्ष मार्ग का स्वीकार किया हो ऐसा. (one) who has accepted the path of salvation. सूय० २, ७, ३; (२) જેણે શાસ્ત્રનો અર્થ જાણ્યો છે તે. जिसने शास्त्र के अर्थ को जान लिया है वह. one who has understood the meaning of a scripture. भग० २, ५;

गाहिर. त्रि० (गंभीर) ઊંડું; અગાધ. गहिरा; अगाध. Deep; unfathomable. सु० च० ३, १५;

√गा. धा॰ I. (गै) ગાવું. गाना. To sing. गायंति. जं॰ प॰ ५, १२१; गाएज्ज. वि॰ निसी॰ १७, ३२; गायंत. व॰ कृ॰ श्रोव॰ ३१; श्राया॰ २, ११, १००; सु॰ च॰ २, १४४; जं॰ प॰ ३, ६७; ६४३, निसी॰ १२, ३४; गायमाण. व॰ कृ॰ भग॰ १५, १;

√गा. धा॰ I. (गे) ગાવું. गाना. To sing. गिज्जइ. क॰ वा॰ राय॰ २७६; गिज्जंत. क॰ वा॰ सु॰ च॰ १, २७८; २, ३३१;

गाइर. पुं॰ (* गायक-गायतीति) ગાનાર; ગવૈયા. गानेवाला; गवैया. A singer. सु॰ च॰ २, ३२१;

गाउ. पुं॰ (गव्यूति) બે માઈલ; ગાઉ. दो मील; एक कोस. Two miles. विशे॰ ३४३;

गाउ. पुं॰ (गो) ગાય; બળદ. गौ; बैल. An ox; a cow. श्राया॰ २, ४, १, २३; पन्न॰ ११; श्रणुजो॰ १२६; —जूहियठाण. न॰ (-यूथिकस्थान) ગાયોના ટોળાને રહેવાની જગ્યા. गौश्रों के झुंड को रहने का स्थान. a cow-pen; a cow-fold. निसी॰ १२, ३१;

गाउय. न॰ (गव्यूत) બે હજાર ધનુષ્ય પરિમિત ક્ષેત્ર-જમીન; ગાઉ. दो सहस्र धनुष्य परिमित क्षेत्र-जमीन; कोस. Two miles; land measuring two thousand bows. जं॰ प॰ नंदी॰ १२; ठा॰ २, ३; श्रणुजो॰ १३४; भग॰ ६, ७; २४, १; १२; २२; २३; ३८, १; सु॰ च॰ १४, १८; विशे॰ ६०६; श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ६३; पन्न॰ २; ३३; श्रोघ॰ नि॰ १२; प्रव॰ १११८; जं॰ प॰ ७, १४६; २, २५; —पुहुत्त. न॰ (-पृथक्त्व) બે ગાઉથી માંડી નવ ગાઉ સુધી. दो कोस से लेकर नव कोस पर्यंत. ranging from 4 miles to 18 miles. भग॰ ११, ३;

गागर. पुं॰ (गागर) એક જાતનું માછલું. एक तरह की मच्छी. A kind of fish पन्न॰ १;

गागरी. स्त्री॰ (गर्गरी) પાણી ભરવાની ગાગર. जल भरने की गागरी. A water-pot. श्रणुजो॰ १३२;

गाढ. त्रि॰ (गाढ) ગાઢ; દૃઢ; મજબુત. गाढ; मजबूत. Firm; strong. उत्त॰ १०, ४; पिं॰ नि॰ २०५; श्रोघ॰ नि॰ ३२४; नंदी॰ १२; (२) न॰ સર્પાદિઝેરની તીવ્ર વેદના; મરણાંત કષ્ટ. सर्पादि विष की तीव्र वेदना; मरणांत कष्ट. excessive; e. g. pain of serpent-bite. वेय॰ ५, ३८; नाया॰ १६; (३) અત્યંત; ઘણું. श्रत्यंत; बहुत. much; more; excessive. पंचा॰ ८, १०; —गिलाण. त्रि॰ (-ग्लान) ગાઢ દુઃખી; અત્યંત થાકેલું. बहुत दुःखी; श्रत्यंत थका हुश्रा. greatly afflicted; very, very tired. पंचा॰ ८, १०; —प्पहारीकय. त्रि॰ (-प्रहारीकृत) અત્યન્ત પ્રહાર કરેલ; ઘણું મારેલ. श्रत्यन्त प्रहार किया हुश्रा; बहुत मारा हुश्रा. severely punished or flogged. भग॰ ७, ६; —रोगाइश्र. त्रि॰ (-रोगार्तिक) અત્યન્ત રોગથી આર્ત્ત-દુઃખી થયેલ. श्रत्यन्त रोग से श्रार्त्त-दुःखी greatly afflicted; very sickly. प्रव॰ १६६;

√गाढप्पहारीकर. धा॰ II. (गाढ-प्रहार+कृ) અત્યંત માર મારવો. श्रत्यन्त मार मारना. To beat severely. गाढप्पहारीकरेइ. भग॰ ७, ६;

गाढीकय. त्रि॰ (गाढीकृत-श्रगाढं गाढं भवतीति) મજબૂત કરેલું. दृढ किया हुश्रा. Strengthened. भग॰ ६, १; १६, ४;

गाणंगणिश्र. त्रि॰ (गाणंगणिक) છ માસની

अंदर એક ગણ છોડી બીજા ગચ્છમાં દાખલ થનાર. छः मास के अंदर एक गण छोडकर दूसरे गच्छ में प्रवेश करने वाला (One) who changes his religious order and joins another within six months. उत्त० १७, १७;

गात्त न० (गात्र) શરીરના અવયવો. शरीर के अवयव गात्र. A limb of the body. राय. ३२; नाया० ५;

गाथा. स्त्री० (गाथा) આર્યા વગેરે છંદ શ્લોક. श्लोक, आर्या आदि छंद. A verse etc. सम० २३; भग० १६, ८;

गाम. पुं० (ग्राम-गम्यो गमनीयोऽष्टादशानां शास्त्रप्रसिद्धानां कराणाम्) ગામ-જેમાં સાધારણ વસતિ રહેતી હોય અને વ્યાપારનું સાધન ન હોય તે. वह गांव कि जिसमें साधारण बस्ती रहती हो व व्यापार का साधन न हो. A village. ठा०२, ४; अणुजो०१२७; सूय० २, २, १३; दसा०६, १३; १४; दस०५, १, २; वेय० १, ६; पन्न० १६; उत्त० ३०, १५; ओव० १७; २१; ३२; नाया० १; १४; १६; विशे० ३६५; पिं० नि० १६२; आया० १, ४, ६. १६४; प्रव० ५६२; ७६३; (२) સમૂહ. समूह. a group; a collection. भग० १, ६; राय० २६४; उत्त० ५, ८; २१, १२; सम० ३०; विशे० २८६६; ओव० (३) સંગીત શાસ્ત્ર પ્રસિદ્ધ મૂર્છનાના આશ્રય રૂપ ષડ્જાદિ ત્રણ ગ્રામ. संगीत शास्त्र प्रसिद्ध मूर्छना के आश्रय रूप षड्जादि तीन ग्राम. a gamut; a scale of music with all the notes. अणुजो० १२८; १३१; —**अंतर.** न० (-अन्तर) બે ગામ વચ્ચેનું અંતર-આંતરું. दो गांवों का मध्यस्थ अंतर. the distance between two villages or towns. निसी०१४, ४०; (२) બીજું ગામ. अन्य गांव. another village or town. दसा०१०,५;—**अंतिय.** त्रि०(-अन्तिक) ગામની પાસે રહેનાર. गांवके पास रहने वाला. (one) who resides near a village. सूय० २,२,२१; दसा० १०,७;—**अणुगाम.** अ०(-अनुग्राम) એક ગામ પછી બીજું બીજાપછી ત્રીજું એમ અનુક્રમે નહાના મ્હોટા દરેક ગામ. एक गांव के बाद दूसरा, दूसरे पीछे तीसरा, इस प्रकार क्रमशः छोटा बडा प्रत्येक गांव. every village in order. ओव० २१; राय० २३०; नाया० १; ५; १३; १६; कप्प० ६, ४७; (२) એક ગામથી બીજે ગામ. एक गांव से दूसरे गांव. from one village to another निसी० ८, ११; भग०१,१; १६, ५; १८, १०; वेय० ४, २५; उत्त० २, १४; आया० २, १, १, ४; —**कंटय.** पुं० (-कण्टक) ગામ-ઇંદ્રિય સમૂહને કાંટારૂપ; ઇંદ્રિયોને દુઃખ દાયક. गांव-इंद्रिय समूह को कंटक समान; इंद्रियों को दुःख दायक. one like a thorn to the senses; one intriguing; causing pain to the senses. दस० १०, १, ११; नाया० १; —**कुमारिय.** त्रि० (-कौमारिक) ગામડાના છોકરાઓ સંબંધિ. गांवडे के लड़कों के विषय में. (anything e. g. play) concerning village children. सूय०१,६,२६; —**घाय.** पुं०(-घात) ગામ ભાંગવું તે गांव का टूटना-नष्ट होना. destruction of a village. विवा०३; (२) ગામ ભાંગનાર-લુંટનાર. गांव को लूटने वाला. one who plunders a village. नाया०१८;—**दाह.** पुं० (-दाह) ગામનો દાહ; (બળીજવું તે). गांव का दाह जल उठना. the conflagration (being on fire) of a village. भग०३,७; निसी०१२,२७;—**दुवार.** न०(-द्वार) દરવાજો.

ગામનો ઝાંપો; ગામમાં નિકલવા પેસવાનો દરવાજો. गांवका दरवाजा; गांवमें प्रवेश करनेका व बाहर निकलने का द्वार. a village gate. ओघ० नि० ४५; —धम्म. पुं० (-धर्म) ग्राम-ઈંદ્રિય સમૂહના ધર્મ-શબ્દ-રૂપ રસ ગન્ધ-અને સ્પર્શ એ પાંચ વિષય. ग्राम-इंद्रिय समूहका धर्म-शब्द-रूप रस गन्ध व स्पर्श ये पांच विषय. a longing, desire, for the five objects of senses viz. sound, form, taste, smell and touch. सूय० १,२,२,२५; ठा० १०, १; पराह० १, ४; आया० २,१, ३, १५; (२) ગામડાનો આચાર વિચાર. गांवडे का आचार विचार. the practices and customs of villages. ठा० १०, १; —नगर. न० (-नगर) ગામડું અને શહેર. ग्राम व नगर; गांव व शहर. a village and a city. प्रव० ५६३; —पह. पुं० (-पथ) ગામનો રસ્તો. ग्राम का मार्ग. a village road. निसी० १२, २६; —पहंतर. न० (-पथान्तर) ગામના બે માર્ગનું આંતરૂં. ग्राम के दो मार्गों का अन्तर. the distance between the two roads of a town. निसी० १४, ४७; मारी. स्त्री० (-मारी) ગામનો ક્ષય કરનાર મરકી. गांव का क्षय करने वाला. plague; a kind of disease. भग० ३, ७; —रक्ख. पुं० (-रक्ष—रक्षक) ગામનું રક્ષણ કરનાર; કોતવાલ. ग्राम का रक्षण करने वाला; नगर रक्षक कर्मचारी. one who guards a town. आया० २, १, २, ११; —रक्खिय पुं० (-रक्षिक) કોટવાલ-ગામેતિ. कोटवाल-नगर रक्षक कर्मचारी. a village constable. निसी० ४, ६२; —रूव. न० (-रूप) ગામના જેવો આકાર. गांव के समान आकार. the proper form, outlines of a village. भग० ३, ६; —रोग. पुं० (-रोग) આખા ગામમાં ફાટી નીકળેલો રોગ. सारे गांवमें फट निकला हुआ· उपद्रव-रोग. a disease spreading over the whole village. भग० ३, ७; जं० प० —वह. पुं० (-वध) ગામને મારવું તે. गांवको नष्ट करना. destruction of a villag . निसी० १२, २५; —वाह. पुं० (-वाह) ગામનું વહેવું-તણાવું. गामका बहजाना. wiping off of a town or a village. भग० ३, ७; —संठिय. न० (-संस्थित) ગામને આકારે રહેલ. गांव के आकारसे रहा हुआ. the shape, arrangement of a village. भग० ८, २; —सय. न० (-शत) સો ગામ. शत गाम; सौ ग्राम. a hundred villages. विवा० १; —सामि. पु० (-स्वामिन्) ગામનો ધણી; ગામનો નાયક. गाम का धनी; गाम का नायक. the owner of a village; a village headman. ओघ० नि० भा० ४४;

गामि. त्रि० (गामिन्) જનાર; પહોંચનાર. जाने वाला; पहुंचने वाला. (One) who goes or reaches. ओव० १७; पंचा० ६, ७;

गामिल्ल. त्रि० (ग्राम्य) ગામવાસી; ગામડીયો. ग्रामवासी; गंवार; Resident in a village; rustic. नंदी० ४७;

गामेल्लय. त्रि० (ग्राम्य) ગામડાનો રહીશ. गांव का रहने वाला. A villager. भग० १५, १; विशे० १४११; विवा० १;

गाय. पुं० (गो) બલદ. गौ; बैल. A bullock. पत्र० ११; —दाह. पुं० (-दाह) જ્યાં બિમાર બલદોને ડામ (દાહ) દેવાતા હોય તે સ્થાન. जहां बिमार पशुओं को दाह दिये जाते हों वह स्थान. a veterinary hospital. "खार दाहं·

सिवा गाय ग्राहं सिवा तुस दाहं सिवा" निसी० ३, ७४;

गाय. न० (गात्र) शरीरना अवयवो. शरीर के अवयव. A limb of the body. ओघ० आया० १, ९, १, २०; दस० ३, ५; ६, ६४; उत्त० २, ९; जीवा० ३, ३; पन्न० १७; भग० १, १; १५, १; २५, ७; नाया० १; ९; १६; वेय० ९, ४०; दसा० ७, १२; उवा० ३, १२६; कप्प० ४, ६१; —**अब्भंग.** पुं० (-अभ्यंग) तेल वगेरे सुगंधि पदार्थो शरीरे चोपडवा ते. तैल इत्यादि सुगंधित पदार्थोंका शरीर पर मर्दन करना. smearing the body with fragrant oil etc. दस० ३, ६; —**अब्भंगविभूसण.** न० (-अभ्यंगविभूषण) अभ्यंगन-मर्दन करी शरीर शणगारवुं ते; साधुना ५२ अनाचीर्ण-मांनुं एक. अभ्यंगन-मर्दन कर, शरीर को सुशोभित करना; साधु के ५२ अनाचीर्ण में का एक. anointing the body with ointments etc; one of the 52 minor faults of an ascetic. दस० ३, ६; —**भेय.** पुं० (-भेद) शरीरनो नाश करी लुंटनार चोर. शरीर का नाश कर के लूटने वाला चोर. a thief who destroys the body and commits robbery. भग० १, १; —**लट्ठि.** स्त्री० (-यष्टि) शरीर रूपी लाकडी. शरीर रूप लकडी. the body appearing like a stick. सम० ३४; भग० १, ३३; नाया० १; राय० १६४; जीवा० ३, ४;

गारत्थ. पुं० (अगारस्थ) गृहस्थाश्रमी; घर बारी. गृहस्थाश्रमी; घरबारवाला. A house-holder. उत्त० ५, २०; सूय० २, १, ४३; २, ७, १४;

गारत्थिणी. स्त्री० (अगारस्था) गृहस्थनी स्त्री. गृहस्थ की स्त्री. The wife of a house-holder. निसी० ३, ४;

गारत्थिय-अ. पुं० (अगारस्थित) गृहस्थ. गृहस्थ. A house-holder. आया० २, १, १, १४; निसी० १, १२; ३, ४; —**वयण.** न० (-वचन) गृहस्थनुं वचन; गृहस्थी बोले तेवी रीते बोलवुं ते. गृहस्थ का वचन; गृहस्थी बोले ऐसा बोलना. the manner of speech of a house-holder. ठा० ६, १; वेय० ६, १;

गारव. न० (गौरव) अभिमानवडे आत्माने अशुभभावे भारे करवो ते; गुरुपणुं; मोटाई. अभिमान से आत्माको अशुभ भाव से भारी करना; बड़प्पन; गुरुत्व. Pride; pride of greatness; heaviness. नाया० १६; सम० ३; उत्त० १६, ६२; ठा० ३, ४; ओघ० नि० ४७०; ८०५; आउ० १६; प्रव० ११६; (२) गृद्धि; आसक्ति. आसक्ति. greed; excessive attachment. उत्त० २७, ६; (३) गर्व अभिमान तेना त्रण प्रकार – ऋद्धिनो गर्व; रसनो गर्व; अने पोताने मळेल सुखशांतिनो गर्व. गर्व-अभिमान उसके तीन प्रकार—ऋद्धि का गर्व; रस का गर्व; व स्वतः को जो सुख व शांति प्राप्त हुई है उसका गर्व. pride of three sorts e.g. of prosperity, of pleasures, and of calmness acquired by one. उत्त० ३१, ४; आव० ४, ७; —**कारण.** न० (-कारण) गर्वनुं कारण. गर्व का कारण. the cause of pride. प्रव० १२१; —**पंकनिबुड्ड.** त्रि० (-पङ्कनिमग्न) गर्वरूपी कादवमां डुबेल. गर्वरूपी कीचड में डूबा हुआ. (one) immersed in mud in the form of pride. प्रव० १०२५;

गारविश्र-य. त्रि० (गर्वित) गर्विष्ठ; गर्ववाळुं. गर्विष्ठ; गर्वयुक्त. Proud; con-

ceited. ओघ० नि० ४१३; पराह० १, २;

गारहत्थिया. स्त्री० (गार्हस्थिका) ગૃહસ્થની ભાષા; બેટા, બાપ, મામા વગેરે. गृहस्थकी भाषा; बेटा, बाप, मामा इत्यादि. The language used by a house-holder. प्रव० १३३४;

गारुडिअ. पुं० (गारुडिक) ગારુડીવિદ્યા-(સર્પ ઉતારવાની પકડવાની વિદ્યા) જાણુનાર. गारुडीविद्या को जाननेवाला. A snake-charmer. सु० च० ६, १३;

गालण. न० (गालन) ગાળવું; છાણવું. छानना. Filtration. पराह० १,१; विवा० १;

गालित. त्रि० (गालित) ગાળેલું. छाना हुआ. Filtered. जीवा० ३, ४;

गाली. स्त्री० (गाली) ગાળ દેવી તે. गाली-कटु वचन-अपशब्द कहना. Abusing. प्रव० ४३१;

गाव. पुं० (गो) બલદ. बैल. An ox; a bullock. अणुजो० १२८;

गावी. स्त्री० (गो) ગાય. गाय. A cow. आया० २, १, ४, २३; जं०प० —**अजिण.** न० (-अजिन) ગાયનું ચર્મ. गौका चर्म. the hide of a cow. प्रव० ६८३;

गास. पुं० (ग्रास-ग्रस्यते इति) કોળીયો; કવલ. निवाला; ग्रास. A mouthful of food. उत्त० २, ३०; पिं० नि० ७७; विशे० २४०५; —**एसणा.** स्त्री० (-एषणा) આહારની એષણા. आहार की एषणा. seeking of food or alms. प्रव०२२;

गाह. पुं० (ग्राह) મગરમચ્છ; જલચર પ્રાણિ વિશેષ. मगरमच्छ; जलचर प्राणी विशेष. An aquatic animal; an alligator. उत्त० ३२, ७६; ३६, १७१; सूय० २, २, ६३; तंदु० विवा० १; दसा० ६, ४; जीवा० १; नाया० ४; पिं० नि०३३२; पन्न० १; (२) પકડવું. पकड़ना. holding; catching. राय० ३५; (३) ગ્રહણ કરી ચાલનાર. ग्रहण करके चलने वाला. one who walks after having accepted. ओव० ३३;

√ गाह. धा० II. (गाघ) સ્થાપવું. स्थापन करना. To establish; to install.
गाहेइ. दसा० १०, १;

√ गाह. धा० I. (गाह्)પ્રવેશ કરવો; પેસવું. प्रवेश करना. To enter.
गाहइ. सूय० १, २, १, ४;

गाहग. त्रि० (ग्राहक) સ્વીકારનાર; લેનાર. स्वीकार करने वाला लेने वाला. (One) who takes or accepts. पिं० नि० भा० २७; ३०; विशे० १४५६; (२) ગુરુ; વિદ્યા આપનાર. गुरु; विद्या देने वाला. (one) who instructs like a Guru. विशे० १४५६;

गाहग्ग न० (गाथाग्र) ગાથાનું પરિમાણ. गाथाका परिमाण. The limit of verses. क० गं० ६, ६३;

गाहा. स्त्री० (गाथा) પ્રાકૃત ભાષાનું પદ્ય; શ્લોક; આર્યા આદિ ગાથા. प्राकृत भाषा का पद्य; श्लोक आर्या आदि गाथा. A verse; a Māgadhī etc. verse; the metre known as Āryā etc. उत्त० १३, १२; भग०१, १; २; २, १०;१०; ६, ४;२२, ३; ३१, १; नाया० १; ६; ८; अणुजो० १३१, १४६; वेय० ३, २०; आव० ४, ७; भत्त० १७२; प्रव० ६२१; जं० प० ७, १५१; (२) સામાન્ય પ્રાકૃત ગાથા બનાવવાની તથા જાણવાની કળા. सामान्य प्राकृत भाषा बनाने व जानने की कला. the art of composing or knowing ordinary Prākṛita verses. ओव०४०; (३)સૂયગડાંગ-સૂત્રના પ્રથમ શ્રુતસ્કન્ધના ૧૬મા અધ્યયનનું નામ કે જેમાં ગાથારૂપે શ્રમણ માહણ

भिक्खु અને નિગ્રન્થ શબ્દોના લક્ષણો દર્શાવ્યાં છે. सूयगडांग सूत्र के प्रथम श्रुतस्कन्ध के १६ वें अध्ययन का नाम की जिसमें गाथा रूपसे श्रमण, माहण, भिक्खु व निग्रन्थ शब्दों के लक्षणों का विवेचन किया है. name of the 16th chapter of the first Śruta Skandha of Sūyagaḍāṅga Sūtra. Here meanings of the words Śramaṇa, Māhaṇa, Bhikkhu and Nigrantha are given in verses. सूय० १, १६: ६; सम० १६; उत्त० ३१, १२; पराह० २, ५;

गाहावइ. पुं० (* गाथापति–गृहपति) કુટુંબને નિભાવનાર નાયક; કુલપતિ. कुटुंब को निभानेवाला; कुलपति. The head of the family. कप्प० ५, ११६; ६, २०; आया० २, ७, २, १६२; निर० ३, १; (२) કોઠારનો ઉપરી; ચક્રવર્તીના ૧૪ રત્નમાંનું એક. कोठार का ऊपरी भाग चक्रवर्ती के १४ रत्नमें से एक. the part above the store; one of the 14 jewels of a Chakravartī. सम० १४; ठा० ७, १; (३) એ નામના એક અન્ય તીર્થી વિદ્વાન. इस नामका एक परिव्राजक सन्यासी. a wandering ascetic of this name. भग० ७, १०;

गाहावइ. पुं० (गृहपति) ઘરધણી; ગૃહસ્થ. गृहस्वामी; गृहस्थ. A householder. आया० १, ७, २, २०२; २, १, ३, १४; सूय० २, २, ४५; २, ७, २; भग० २, १; ३, १; ५, ६; ७, १०; ८, ६; १०, ४; नाया० १; अंत० ३, १; वेय० १, ३१; राय० २६६; विवा० १; सु० च० ११, ७; प्रव० १२२८; —करंडअ. (-करण्डक) ગૃહસ્થનો કરંડીઓ કે જેમાં રત્ન કે સુવર્ણ હોય. गृहस्थ की टोकरी कि जिसमें रत्न या सुवर्ण हो. a basket, a receptacle belonging to a householder (containing gold, jewels etc.) ठा० ४, ४; —कुल. न० (-कुल–गृहपति-गृहस्थस्तस्य कुलम्) ગાથાપતિનું કુલ. गाथापति का कुल. the family of a patriarch. वव० ८, ५; निसी० ३, १; ६, ७; दसा० ६, २; —रयण. न० (-रत्न) ચક્રવર્તીના ૧૪ રત્નમાંનું એક. चक्रवर्ती के १४ रत्नों में से एक. one of the 14 gems of a Chakravartī, named Gāthapati. पन्न० २०;

गाहावइणी. स्त्री० (गृहपत्नी) ઘર ધણીઆણી. गृह स्वामिनी. A housewife. अंत० ३, ८; आया० २, १, ३, १५; भग० १५, १; नाया० ५;

गाहावई-ती. स्त्री० (ग्राहवती) નીલવન્ત પર્વતથી નીકળી દક્ષિણ તરફ ચાલતી ૨૮ હજાર નદીઓના પરિવારે શીતા નદીમાં મળતી સુકચ્છ અને મહાકચ્છવિજયને જુદી પાડતી એક મહાનદી. नीलवंत पर्वत से निकलकर दक्षिण दिशा प्रति बहती हुई २८ सहस्र नदियों के परिवार सहित शीता नदी में मिलती हुई सुकच्छ व महाकच्छ विजय को विभक्त करती हुई एक महानदी. Name of a large river separating Sukachchha and Mahākachchha Vijaya and flowing into the river Shita, with 28 thousand tributary rivers. It starts from Nilavanta mountain and flows towards the south. ठा० २, ३; जं० प० ३, ६०; —कुंड. पुं० (-कुण्ड) સુકચ્છ વિજયની પૂર્વે મહાકચ્છ વિજયની પશ્ચિમે નીલવંત

- पर्वतने दक्षिण कांठे ગાહવતી નદીનો ધરેડો જેમાં પડે છે તે કુણ્ડ. सुकच्छ विजय की पूर्व में व महाकच्छ विजय की पश्चिम में नीलवंत पर्वत के दक्षिण किनारे पर ग्राहवती नदी की धारा जिसमें गिरती है वह कुण्ड. name of a lake receiving the torrent of the waters of Grāhavatī river. It is to the south of Nilavanta mountain, to the west of Mahākachchha Vijaya and to the east of Sukachchha Vijaya. जं० प० —दीव. पुं० (-द्वीप) ગાહાવતી કુણ્ડ વચ્ચેનો દ્વીપ. ग्राहावती कुण्ड का मध्यस्थ द्वीप. an island in the lake into which the river Grāhavatī pours down her torrent. जं० प०

गाहिय-अ. त्रि० (ग्राहित) શીખાવેલ; ગ્રહણ કરાવેલ. सिखाया हुआ; ग्रहण कराया हुआ. Taught; caused to accept or take. दसा० ६, २०; सूय० १, २, १, २०; सम० ३०; नंदी० २७;

√**गिज्झ.** धा० I. (गृध्) ગૃદ્ધ થવું; મુંઝાઈ જવું. लालची होना; आसक्त होना To be greedy; to be confounded.

गिज्झइ. नाया० १७; सु० च० ८, २५०; निसी० १२, ३५;

गिज्झेज्जा. वि० आया० २, १५, १७६;

गिज्झा. वि० आया० १, २, ३, ७७;

गिज्झाह. आ० नाया० ८;

गिज्झिहिति. भ० ओव० ४०;

गिज्झ. सं० कृ० उत्त० २६, ३५;

गिज्झ. त्रि० (ग्राह्य) ગ્રહણ કરવા યોગ્ય. ग्रहण करने योग्य. Worthy of acceptance; worthy of being taken. विशे० २४०; २७०; उत्त० १३, १६; —वञ्च. त्रि० (-वचस) જેનું વચન ગ્રહણ કરવા યોગ્ય છે તે. जिसके वचन ग्रहण करने योग्य हो वह. (one) whose words are worth accepting. क० गं० १, ५१;

गिज्झियव्व त्रि० (गृद्धव्य) લાલચુ થવા લાયક. लोभी होनेके लायक. Worthy of being greedy for. पराह० २, ५; —गिड्डियाइरमण. न० (-गिड्डिकादिरमण) ગેડીદડા વગેરેની રમત. गेंद व दगडुके का खेल. (अंग्रेजी रमत हॉकी के समान) a game like hockey. प्रव० ४४१;

√**गिगह.** धा० I, II. (गृह) ગ્રહણ કરવું; લેવું; સ્વીકારવું. ग्रहण करना; लेना; स्वीकार करना. To accept.

गिगहइ. नाया० ५; ८; १३;

गिगहइ. उत्त० २५, २४; निसी० २, ४; नाया० १; १४; १६; पन्न० ११; भग० २, १; ५; राय० २६६; जं० प० ५, ११७;

गेगहइ. नाया० ५; भग० १२, ५; २५, २;

गेगहेइ. सु० च० १, २६५;

गिगहंति. विशे० २०५; नाया० १; २; १४; भग० २, १; राय० ८६; दस० ५, १५; जं० प० ५, ११४;

गेगहंति. भग० १८, ३; २५, २;

गिगहामि. नाया० ७; ८;

गिगहामो. नाया० ८; ओव० ३८;

गेगहामो. भग० ८, ७;

गिगिहज्जा. वि० आया० २, १५, १७६;

गिगहे. वि० पिं० नि० २०५;

गेगहेज. वि० विशे० २१२;

गेगहेज्जा. वि० भग० ३, १; ३; ५, ६;

गिगह. आ० सु० च० ४, १५०; दस० ७, ४५; भग० १, १; २, १;

गिरहाहि. आ० नाया० ७, १२; १४; दस० ६, ३, ११; आया० २, ३, २, १२०;
गिरहसु. आ० सु० च० १, ३५६;
गिरहह. आ० नाया० १२;
गिरहेह. आ० नाया० ७;
√**गिरह.** धा० I. (ग्रह) ग्रहण करवुं. ग्रहण करना. To take.
घेच्छिइ. भवि० विशे० १०२३;
घेच्छामि. भवि० पिं० नि० ४८१;
घेच्छं. भवि० विशे० ११२७;
घेच्छा. भवि० पिं० नि० २८१;
घित्तुं. सं० कृ० सु० च० २, १७०;
घेत्तूण. सं० कृ० नाया० ६; उत्त० ७, १४;
घेत्तुं. सं० कृ० पिं० नि० १६३; प्रव० १४८;
गिरहेत्ता. सं० कृ० नाया० ८; १३; १४;
गेगिहत्ता. सं० कृ० भग० २, १;
गिरिहऊण. सं० कृ० नाया० २; विवा० ७;
गिरिहय. सं० कृ० नाया० ६;
गिरिहत्ता. सं० कृ० नाया० १, ८; २; ४; ७; ६, १२; १६; भग० २, ४; जं० प० ५, ११४;
गेगिहत्तए. हे० कृ० भग० ३, २;
गिरहंत. व० कृ० उत्त० २६, १३; पिं० नि० १८६;
गेरहमाण. व० कृ० भग० ३, २; ३; ७, १०; ७; ८, ७; नाया० १;
गिरहमाण. व० कृ० विवा० १; वेय० ६, ७; दसा० २, १४, १६; ठा० ५, २; सम० २१.
गिरहावइ. णि० सु० च० १३, ६४;
गिरहावेइ. णि० विवा० ४. नाया० ५; १२;
गिरहाविज्जा. वि० आया० २, १५, १७४;
गिरहावेसु. णि० भू० नाया० १;
गिरहावित्ता. णि० सं० कृ० नाया० ८;
√**गिरह.** धा० I. (गृह क० वा०) ग्रहण करवुं. ग्रहण किया हुआ. To take.
घिप्पइ. क० वा० सु० च० ४, १६८;
घेप्पइ. क० वा० पिं० नि० ३५६;
घेप्पेज. क० वा० वि० विशे० २८७;
घिप्पमाण. क० वा० व० कृ० भग० १, १;

गिरहण. न० (ग्रहण) पकडवुं. पकड़ना. Catching; holding. पिं० नि० १८१; नाया० ६;

गिरिहअव्व. त्रि० (गृहीतव्य) ग्रहण करवा योग्य; स्वीकारवा योग्य. ग्रहण करने योग्य; स्वीकृत करने योग्य. Worth being accepted or taken. अणुजो० १५६;

गिद्ध. त्रि० (गृद्ध) लालचु; आसक्त. लालची; आसक्त. Greedy; excessively attached. दसा० ६, १; पगह० १, ३; भग० ७, १; नाया० २; ५; ८; १७; दस० ८, २३; १०, १, १७. उत्त० ४, ५; ८, ११; प्रव० ८४०; भत्त० ११२;

गिद्ध. पुं० (गृध्र) गीध; मांसाहारी पक्षी विशेष. गीध; मांसाहारी पक्षी विशेष. A vulture. "ढक गिद्धेहिंणंत सो" उत्त० १६, ५६; आया० २, १०, १६६; ओव० ३८; प्रव० १०३०; नाया० २;

गिद्धपिट्ठ. न० (गृध्रपृष्ठ) गृध्रपृष्ठ नामनुं मरणः कोइ जनावरना कलेवरमां पडी गिद्धादिकना चुंथी खावाथी मरवुं ते; बार अकाम मरणमांनुं एक. गृध्रपृष्ठ नामक मृत्यु. किसी जानवर के मृतक शरीरपर गिरकर गिद्धादिकका उसको चोंच मार मार कर खाना वह; बारह प्रकारके मृत्युमेंसे एक. Devouring (by vultures etc.) of carcass of an animal by pecking; one of the 12 kinds of deth. ठा० २, ४; भग० २, १; निसी० ११, ४१; प्रव० १०२१; नाया० १६; —**मरण.** न० (-मरण) गिद्ध वगेरे पक्षीना फोली खावाथी मरवुं ते. गिद्ध आदि पक्षी के चौंच मार मार कर खाना

वह. death caused by the piercing of the beaks of vultures etc. सम० ५७;

गिद्धि. स्त्री० (गृद्धि) આકાંક્ષા; આસક્તિ; આતુરતા. आकांक्षा; आसक्ति; उत्सुकता. Greed; longing; attachment. आया० १, ६, २, १८३; प्रव० १०३०;

गिम्ह. पुं० (ग्रीष्म) ગ્રીષ્મ ઋતુ; ગરમીની મોસમ ઉન્હાળો. ग्रीष्म ऋतु; गरमी की मौसिम. Summer. ओव० १७; ३६; भग० ५. १; ७, ३; १४, ८; नाया० १; ८; ९; सूय० १, ३, १, ५; जं० प० ७, १६२; आया० १, ७, ४, २१२; ठा० ६, १; विशे० १२७२; निर० ५, १; सु० च० ३, २४०; दस० ३, १२; पिं० नि० ८३; वेय० १, ७; सू० प० ८; कप्प० १, २; ४, ९६; गच्छा० ७७; प्रव० ५११; ६११; —उउ. पुं० (-ऋतु) ગ્રીષ્મ ઋતુ; ઉનાળો. ग्रीष्म ऋतु. summer season. नाया० ६; —काल. पुं० (-काल) ઉનાળો; વૈશાખ જ્યેષ્ટ માસનો સમય. ग्रीष्म; वैशाख जेष्ठ मासका समय. summer. नाया० १; —कालसमय. पुं० (-कालसमय) ઉનાળાનો વખત. ग्रीष्म का समय. time of summer. नाया० १३;

गिम्हअ. त्रि० (ग्रीष्मक) ગ્રીષ્મ ઋતુમાં થયેલું. ग्रीष्म ऋतुमें बना हुआ. belonging to the hot season. अणुजो० १३३;

गिरा. स्त्री० (गिर्) વાણી. वाणी; शब्द- Speech; words. भग० ३, २; ६, ३३; नाया० १; उत्त० १२, १५; निसी० १३, १५; दस० ७, ३; ५४; चउ० १८;

गिरि. पुं० (गिरि--गृणन्ति शब्दायन्ते जननिवासभूतत्वेन) પર્વત; ડુંગર; પહાડ. पर्वत; पहाड; गिरि. A mountain. भग० २; १; ३, ७; ७, ६; नाया० १; २; १८; ओव० ३१; ३८; उत्त० ११, २१; १२, २६; आया० २, १, २, १२; ओघ० नि० ७८४; जं० प० ३, ४७; महा० प० ८२; दस० ६, १, ६; भत्त० १६१; —ईसर. पुं० (-ईश्वर) પર્વતોનો ઇશ્વર; મોટો પર્વત. पर्वतों का ईश्वर, महान् पर्वत. the highest mountain. प्रव० १४०५; —कंदर. पुं० (कन्दर) પર્વતની ગુફા. पर्वत की गुफा. a mountain cave. विवा० २; नाया० २; १६; प्रव० ८८४; —कडग. पुं० (-कटक) પર્વત પાસેની જમીન. पर्वत के पास की जमीन. the side or ridge of a mountain नाया० १८; —गुहा. स्त्री० (-गुहा) પર્વતની ગુફા. पर्वत की गुफा. a mountain cave. आया० १, ७, २, २०२; —जत्ता. स्त्री० (-यात्रा) પર્વતની યાત્રા (જાત્રા) पर्वत की यात्रा. a pilgrimage to a mountain. नाया० १; निसी० ६, १६; —णयर. न० (-नगर) પર્વત પાસેનું નગર; શહેર. पर्वत के पड़ौस (निकट) का शहर—नगर. a town near a mountain. अणुजो० १३१; —पडण. न० (-पतन) પર્વતથી પડીને મરણ નિપજાવવું એક પ્રકારનું બાલમરણ. पर्वत से गिर कर मरना होना. death by fall from a mountain. ठा० २, ४; भग० २, १; निसी० ११, ४१; नाया० १६; —पायमूल. न० (-पादमूल) પર્વતની તલેટી. पर्वत की तली. the bottom of a mountain. भग० १४, ८; —मह. पुं० (-मह) પર્વતનો ઉત્સવ. पर्वत का उत्सव. a mountain festivity. राय० २१७; —राय. पुं०(-राज) પર્વતનો રાજા, મેરૂ પર્વત. पर्वतों का राजा; मेरु पर्वत. the king of mountains i. e. the

Meru mountain. सम० १६; जं० प० —रेहा. स्त्री० (-रेखा) પર્વતમાં પડેલી ફાટ. पहाड म पडा हुआ चीरारा. the crack in a mountain. क० गं०५,६३; —सिहर. न० (-शिखर) પર્વતનું શિખર ટોચ. पर्वत का शिखर. the summit of a mountain. नाया० ५; ६;

गिरिकरिणया. स्त्री० (गिरिकर्णिका) ગિરિ કર્ણિકા નામની એક વેલ. गिरकर्णिका नाम का एक बेल. A kind of creeper so named. पन्न० १;

गिरिकन्नी. स्त्री० (गिरिकर्णी) ગિરિ કર્ણિકા નામની વેલ. गिरि कर्णिका नामका एक बेल. A kind of creeper. प्रव० २४०;

गिरिकुमार. पुं० (गिरिकुमार) ચુલ્લહિમવંત પર્વત સંબંધી એક શિખરના અધિષ્ઠાતા દેવતા. चूल हिमवन्त पर्वत सम्बन्धी एक शिखर का अधिष्ठाता देवता. The presiding deity of the summit of Chūlahimavanta mountain. जं० प० ४, ७४;

गिरिवर. पुं० (गिरिवर) શ્રેષ્ઠ પર્વત; મેરૂ પર્વત. श्रेष्ठ पर्वत; मेरु पर्वत. Meru mountain, the loftiest and the greatest of all. भत्त० ११६; —गुरु. त्रि० (-गुरु) મેરૂ પર્વત સમાન મોટા શ્રેષ્ઠ. मेरु पर्वत के समान महान–श्रेष्ठ. great as Meru. भत्त० ११६;

गिरिसिया. स्त्री० (गिरिसिका) એક જાતનું વાજીંત્ર. एक प्रकार का वाजित्र. A kind of musical instrument. राय० ८६;

गिलमाण. त्रि० (गिलत्) ગળતો; પાછું પેટમાં ઉતારી જતો गलित होता हुआ; पुनः पेट में उतारता हुआ. Swallowing; swallowing back again into the belly. वेय० ५, १०;

√**गिला.** धा० I. (ग्लै) ગ્લાનિ પામવી; સુકાઇ જવું. ग्लानि पाना; खेदयुक्त होना. To wither; to suffer mental pain.

गिलाइ. आया० १, २, ६, १००; भग० २, १; नाया० १;

गिलायंति. भग० ५, ८;

गिलामि. आया० १, ७, ६, २२१; भग० २, १;

गिलायमाण. व० कृ० दसा० ४, १०४; वव० २, ५; ४, १३; ५, १३; वेय० ६, १०;

गिलाण. त्रि० (ग्लान) ગ્લાનિ પામેલ; અશક્ત; રોગી; દુર્બલ. ग्लानि युक्त; अशक्त; रोगी; दुर्बल. Withered; enfeebled; sickly; afflicted in mind. उत्त० ५, ११; सम० ३०; ठा० ३, ४; सूय० १, ३, ३, १२; पण्ह० २, ३; पिं० नि० भा० २७; विवा० ७; विशे० ४; दसा० ६, २३; २४; निसी० १०, ४२; १६, ६; भग० ८, ८; १२, २; नाया० १३; कप्प० ६, १८; गच्छा० ११६; प्रव० १४५; १६३; ४२५; ८७२; —पओग. पुं० (-प्रयोग) અશક્તને અનુકૂલ પડે એવો પ્રયોગ–ઉપચાર. अशक्त को अनुकूल हो ऐसा प्रयोग. treatment, remedy agreeable to an enfeebled person. निसी० १०, ४४; —भत्त. न० (-भक्त) રોગી–અશક્તને માટે તૈયાર કરેલું ભોજન. रोगी-अशक्त के लिये तैयार किया हुआ भोजन. food for an invalid. ओव० ४०; भग० ५, ६; ६, ३३; नाया० १; निसी० ६, ६; —वेयावच्च. न० (-वैयावृत्य-ग्लानस्य भक्तपानादिभिरुपष्टम्भः) રોગીની વૈયાવચ્ચ–સેવા. रोगी की "वैयावच्च" सेवा. tending the sick; service rendered to a sick person. ठा० ५, १; वव० १; २; ७; भग० २५, ७;

गिलासणि. पुं० (ग्लाशनि) ભસ્મક રોગ; ભસ્મક વ્યાધિ. भस्मकरोग; भस्मक व्याधि.

A kind of disease. आया॰ १, ६, १, १७२;

गिलिअ. त्रि॰ (गिलित) ગળી ગયેલ; ગળા નીચે ઉતારેલ. गलित; गले के नीचे उतारा हुआ. Eaten; consumed. पिं॰ नि॰ १८२;

** गिल्लि.** स्त्री॰ (*) હાથીની અંબાડી. हाथी का ओहदा. A covered wooden frame placed on the back of an elephant and used as a seat; a palanquin. जं॰ प॰ भग॰ ३,४;५, ७;८, ६: ११, ११; (२) બે માણસોએ ઉપાડેલ ઝોળી-ડોલી. दो मनुष्यों ने उठाई हुई झोली -डोली. a sort of small palanquin lifted up by two persons. दसा॰ ६, ४; सूय॰ २, २, ६२; (३) ઉંટનું પલાણ. उंट की काठी. the saddle which is tied on the back of a camel. सूय॰ २, २, ६२; जीवा॰ ३, ३;

गिह. न॰ (गृह) ઘર; મકાન; રહેઠાણ. घर; मकान. A house; a residence. आया॰ १, ५, ६, १६४; २, ४, २, १३६; ओव॰ ११; भग॰ ३, ७; १२, १; १५, १; नाया॰ १; २; ३; ५; ८; १३; १४; १६; १८; वव॰ ८, १; निसी॰ १, ५६; ६, १२; वेय॰ १, १२; ४, २६; सु॰ च॰ २, ५००; दस॰ ७, २७; उवा॰ १, ५८; **—अंगण.** न॰ (-अङ्गण) ઘરનું આંગણું-ફળીયું. घर का आंगन. a court-yard in front of a house. निसी॰ ३, ६३; **—अंतर.** न॰ (-अन्तर) ગૃહાન્તર-બે ઘર વચ્ચેનો ભાગ; ઘરનું અન્તરાલ. गृहांतर—दो घर का मध्यस्थ भाग. an interval of space between two houses; the inside of a house. आया॰ १, ६, ५, १६४; **—अंतरणिसिज्जा.** स्त्री॰ (-अन्तरनिषद्या) બે ઘરની વચ્ચે બેઠક કરવી તે. दो घर के बीचमें बैठक बनाना. a drawing room between two houses or in the inside of a house. दसा॰ ३, ४; **—एलुग.** न॰(-एलुक) ઉમ્મરો-બારણાનો નીચેનો ભાગ. देहली—द्वार के नीचे का भाग. the threshold. आया॰ २,५, १, १४८; **—एलुय.** न॰ (-एलुक-अलिन्द) ઘરનો ઉંબરો. घर की देहली. the threshold. निसी॰ ३, ६३; १३, ४; **—दुवार.** न॰ (-द्वार) ઘરનું બારણું. घर का दरवाजा. a house-door. निसी॰ ३, ६३; **—धम्म.** पुं॰ (-धर्म) ગૃહસ્થનો ધર્મ (અતિથી સત્કાર વગેરે). गृहस्थ का धर्म (अतिथि सत्कार इत्यादि) hospitality to a guest. नाया॰ ८; १५; **—मुह.** न॰ (-मुख) ઘરનો આગળો ભાગ. घर का आगे का भाग. the front of a house. निसी॰ ३, ६३; **—लिंग.** पुं॰. (-लिङ्ग) ગૃહસ્થનો વેષ. गृहस्थ का वेष. the garb of a householder. भग॰ २५, ६; ७; **—वइ.** पुं॰ (-पति) ઘરનો ધણી. घर का मालिक. the owner of a house; the lord of a house. दस॰ ५, १, १५; १६; प्रव॰ ६८८; **—वच्च.** न॰ (-वर्चस्) ઘરનો કચરો. घर का कूडा. the dirt or refuse of a house. निसी॰ ३, ७३; **—वास.** पुं॰ (-वास) ઘરનો વાસ; ગૃહસ્થાશ્રમમાં રહેવું તે. गृहवास; गृहस्थाश्रम में रहना. state

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

of being a householder. उत्त० ५, २४; ३५, २; —संधि. पुं० (-सन्धि) બે ઘરનું જોડાણ; બે ઘરની વચ્ચેનો પ્રદેશ. दो घर का संधान; दो घरों के बीच का प्रदेश. the interval of space between two houses. उत्त० १, २६;

गिहकोकिलिया. स्त्री० (गृहकोकिला) ગૃહ-ગોધિકા-દેઢગરોડી. छिपकली. A lizard. विशे० २४५६;

गिहत्थ. पुं० (गृहस्थ-गृहमगारं तत्रतिष्ठति सः) ગૃહસ્થાશ્રમી-ગૃહસ્થ. गृहस्थाश्रमी-गृहस्थ. A householder. उत्त० २, १६; ५, २२; भग० ३, १; नाया० ११; १५; दस० ५, २, ४५; सु० च० १५, ७०; निसी० १२, १६; गच्छा० ११०; आव० ६, ६; पंचा० १३, ३५; भत्त० १४; १७०; —धम्म. पुं० (-धर्म) ગૃહસ્થનો ધર્મ; શ્રાવક ધર્મ. गृहस्थ का धर्म, श्रावक धर्म. the duties or the rules of a layman. गच्छा० ३२; —पच्चक्ख. न० (-प्रत्यक्ष) ગૃહસ્થ-ની સમ-ક્ષપ્રત્યક્ષ; ગૃહસ્થના દેખતાં. गृहस्थ के समक्ष-समीप-प्रत्यक्ष गृहस्थ की दृष्टि के सामने. in the presence of a householder. गच्छा० ११०; —भाव. पुं० (-भाव) ગૃહસ્થપણું. गृहस्थपन. the status of a householder. पंचा० १०, ३६; —भासा. स्त्री० (-भाषा) ગૃહસ્થની ભાષા; મામા, આઈ, ભાઈ વગેરે બોલવું તે. गृहस्थ की भाषा; मामा, माता, भाई इत्यादि बोलना. the householder's mode of addressing relations. गच्छा० ११७; —संसट्ठ. त्रि० (-संसृष्ट) ગૃહસ્થના ઘી વગેરે પદાર્થથી ખરડાયેલ (હાથ વગેરે). गृहस्थ के घी इत्यादि पदार्थ से भरे हुए (हाथ इत्यादि). the hands of a householder smeared with ghee etc. आव० ६, ६;

गिहि. पुं० (गृहिन्-गृहमस्यास्तीति) ગૃહસ્થા-શ્રમવર્તી; ગૃહસ્થ. गृहस्थाश्रमवर्ती; गृहस्थ. A householder. दस० ३, ६; ६, १६; ८, ५१; ९, ३, १२; पिं० नि० भा० ३२; पिं० नि० १४३; १४५; विशे० ३३७२; उवा० १, १२; पंचा० १, ३१; ४, ७; गच्छा० १२४; प्रव० २; —जोग. पुं० (-योग) ગૃહસ્થનો યોગ-સમાગમ. गृहस्थ का परिचय, समागम. contact with a householder. दस० ८, २१, १०, १, ६; —णिसिज्जा. स्त्री० (-निषिद्या) ગૃહસ્થની બેઠક પલંગ આદિ. गृहस्थ की शय्या पलंग आदि. the seat e.g. a cot etc. used by a householder. निसी० १२, १६; —तिगिच्छा. स्त्री० (-चिकित्सा) ગૃહસ્થનું વૈદું કરવું તે. गृहस्थ का वैदिक उपाय करना. medical treatment of a householder. निसी० १२, १७; —धम्म. पुं० (-धर्म-गृहं यस्यास्तीति तद्धर्मः) ગૃહસ્થધર્મ નેજ શ્રેયસ્કર માનનાર વર્ગ; ત્યાગ ધર્મનું ઉત્થા-પન કરનાર. गृहस्थ धर्मको ही श्रेयस्कर मानने वाला वर्ग; त्याग धर्म का उत्थापन करने वाला. one who regards the duties of a householder as the highest duties; one opposed to asceticism. अणुजो० २०; (२) શ્રાવ-કના બાર વ્રતરૂપ ગૃહસ્થ ધર્મ. श्रावक के द्वादश व्रत रूप गृहस्थ धर्म. the precepts or the 12 vows of a Jaina layman. विवा० १; राय० २२३; नाया० १४; —निसिज्जा. स्त्री० (-निषद्या) ગૃહ-સ્થીની બેઠક. गृहस्थी की बैठक. the seat of a householder. गच्छा० १२६; —पडिक्कमण न० (-प्रतिक्रमण)

गृहस्थनुं-श्रावकनुं प्रतिक्रमण. गृहस्थ का-श्रावक का प्रतिक्रमण. Pratikramaṇa (prayer and confession of faults) to be practised by a layman. प्रव० २; —भायण. न० (-भाजन) गृहस्थनां वासण-थाळी विगेरे. गृहस्थ के पात्र-थाली इत्यादि. household utensils. सम० १८; दस० ६, ८; ५२; —मत्त. न० (-अमत्र) गृहस्थना भाजन-थाळी कलशा वगेरे. गृहस्थ के बरतन -पात्र-थाली कलश आदि. cups, dishes etc. used by a householder दस० ३,३; निसी० १२,१४; —वत्थ. पुं० (-वस्त्र) गृहस्थनां वस्त्र. गृहस्थ के वस्त्र. clothes worn by a householder; dress of a householder. निसी० १२, १५; —व्वय. न० (-व्रत) गृहस्थनां व्रत; श्रावकनां व्रत. गृहस्थ के व्रत; श्रावक के व्रत. the vows or precepts of a layman. प्रव० ५६; —संथव. न० (-संस्तव) गृहस्थनो विशेष परिचय. गृहस्थका विशेष परिचय. close contact with a householder. दस० ८, ५३;

गिहिभूय. त्रि० (गृहीभूत) गृहस्थ सरखा. गृहस्थ के समान. Resembling a householder. वव० २, २१; —लिंग. न० (-लिङ्ग) गृहस्थनुं चिन्ह-वेष. गृहस्थ का चिन्ह-वेष. a mark of a householder; dress; garb. उत्त० ३६, ४६; सम० प० २३१; पन्न० १; प्रव० ११; ५७६; —लिङ्गसिद्ध. पुं० (-लिङ्गसिद्ध) गृहस्थना वेष धारण करी सिद्ध थयेल; (जेम मरुदेवी). गृहस्थ का वेष धारण कर सिद्ध जा हुआ है वह (यथा मरुदेवी). one who has become a Siddha in the condition of a householder; e. g. Marudevī. पन्न० १;

गीअत्थ. त्रि० (गीतार्थ) बहुसूत्री. बहुसूत्री. Learned; well-versed. गच्छा० ४१;

गीइ. स्त्री० (गीति) गीत; छन्द विशेष. गीत; छन्द विशेष. Art of music; name of a metre. नाया० १;

गीइय. पुं० (गीतिक) गीत-कविता बनाववानी विधि. गीत-कविता बनाने की विधि. A poet; a composer of songs. नाया० १;

गीत. न० (गीत) गायन-गीत. गाना-गीत. A song. अणुजो० १२८; ओव० २४; पंचा० ६, ५; (२) सूत्र तथा अर्थने जाणनार; विद्वान. सूत्र व अर्थ को जानने वाला; विद्वान. a learned person; one knowing the original text and its meaning पंचा० १०, ४६;

गीय-अ. न० (गीत) गीत-गायन कला. गीत-गायन कला. Art of song; music. भग० ७, ६; ११, ११; नाया० १; ८; १४; सु० च० २, ३२६; जीवा० ३, ४; ओव० ३२; ३८; उत्त० १३, १४; १६, ५; सू० प० १८; राय० १६; कप्प० २, १३; आया० २, ११, १७०; (२) गीतार्थ; आगमनो जाण. गीतार्थ; आगम का ज्ञान. one knowing the Āgamas (scriptures). जं० प० ७, १४०; प्रव० ८६६; पंचा० ११, ६; —वाइय. न० (-वादित) गीत अने वाजिंत्र. राग और साज Singing and music. जं० प० ५, ११२;

गीयजस. पुं० (गीतयशस्) गन्धर्व जातना व्यन्तर देवतानो बीजो इंद्र. गन्धर्व जातिके व्यन्तर देवता का द्वितीय इंद्र. The

second Indra of Gandharva class of Vyantara gods. ठा० २, ३; भग० ३,८;१०,५; जीवा० ३, ४; पन्न० २;

गीयत्थ. पुं० (गीतार्थ) शास्त्रना अर्थने जाणनार; बहुश्रुत. शास्त्र के अर्थ को जाननेवाला; बहुश्रुत. One well-versed in scriptures. प्रव० ७७७; गच्छा० १००; **—मीसिअ.** त्रि० (-मिश्रित) गीतार्थ अने अगीतार्थ बन्नेनुं मिश्रण. गीतार्थ व अगीतार्थ इन दोनों का मिश्रण. consisting of a mixture of both Gitārtha and Agitartha i. e. the well-versed in scriptures and the ignorant. प्रव० ७७७;

गीयरइ. पुं० (गीतरति) दक्षिण तरफना गन्धर्व देवतानो इन्द्र. दक्षिण तरफ के गन्धर्व देवता का इन्द्र. Indra of the southern Gandharva gods. भग० ३, ८; १०, ५; पन्न० २; विवा० २; ठा० २, ३;

गीवा. स्त्री० (ग्रीवा) डोक, गरदन गळुं कण्ठ; गरदन; गला. Neck; throat. आया० १, १, २, १६; अणुजो० १४३; ओव० १०; उत्त० ३४, ६; नाया० २; ८; १४; जीवा० ३, ३; पन्न० १७, राय० ५२; ज० प० उवा० २, १०८;

गुंजंत. त्रि० (गुञ्जत्) गुंजारव करतो-ती-तुं गुनगुन करता हुआ. Humming; giving out a low sound. ओव० नाया० १;

गुंजद्ध. न० (गुञ्जार्ध) अडधी चणोठी; अडधी रति. अर्धरति. Half a Gunja (q. v.) in weight; a little less than one grain. भग० २, १; नाया० १; **—राग.** पुं० (-राग) अर्ध चणोठीनो राग. अर्ध-रतिका राग. tune of a half grain. कप्प० ४, ६०;

गुंजा. स्त्री० (गुञ्जा) चणोठी; रति एक जाति का लाल परन्तु ऊपरके भागमें काला ऐसा चने के दाने के प्रमाणका फल कि जो सोना, चांदी इत्यादिको तोलने में काम आता है; रत्ती. A red black berry of a shrub of the same name equal to two grains in weight. ओव० १३; अणुजो० १६; १३३; पन्न० १७; राय ५३; ८६; **—वल्ली** स्त्री० (-वल्ली) चणोठीनी वेल. एक जाति के लाल परन्तु उपरसे काले रंगसे मिश्रीत चने के दानेके समान फल की बेल कि जो सोना चांदी इत्यादि को तोलने में काम आते हैं; रत्ती. A line of the red black berries of a shrub of the same name. पन्न १;

गुंजालिआ-या. स्त्री० (-गुञ्जालिका) वांकी वाव, नीक, नहेर वगेरे. टेढ़ी बावडी, नहर इत्यादि. A canal or a channel of water which is not straight. ओव० ३८; अणुजो १३४; निसी० १२, २१; जीवा० ३, ४; राय० १३२; भग० ५, ७; ८, ६; नाया० १; २; पण्ह० २, ५;

गुंजावाय. पुं० (-गुञ्जावात) शब्द करतो सुसवाटा मारतो पवन शब्द करता हुआ सुंसाटा मारता हुआ पवन. Hissing wind. उत्त० ३६, ११८; पन्न० १;

गुंजिय. त्रि० (गुञ्जित) गुंजारव करेल. गुंजारव किया हुआ. Sounding lowly; humming. पण्ह० १, ३; प्रव० १४७१;

गुंडण. न० (गुंण्डन) रजथी भरावुं ते. रज से भरजाना-बिगडना. Spoiling smearing with dust etc. नाया० १;

गुंडिअ-य. त्रि० (गुण्डित) रजथी भराएल. रजसे भरा हुआ. Smeared with dust. पिं० नि० ४४२; नाया० १; (२) वींटाएलुं; घेराएलुं. घेराहुआ; लिपटा हुआ. rolled; wrapped. ओघ० नि०

भा० १६३; पराह०१, ३; सूय०१,२, १,१५;

गुंदरुक्ख. पुं० (गुन्दवृक्ष) એક જાતનું ઝાડ. (ગુંદા) एक जाति का झाड-वृक्ष. A kind of tree having fruits equal in size to hog-plums; a tree full of gum. भग २२, १;

गुंदल. न० (गुन्दल) ક્રીડા; ખેલ. क्रीडा खेल. Play; sport. सु० च० ६, २८;

गुच्छ. पुं० (गुच्छ) રીંગણી પ્રમુખના ગુચ્છા. वृक्षादिका गुच्छा. A cluster of trees etc. जं० प० १, १०; नाया० १; ५; भग० ७, ६; १९, १; जीवा० १; पन्न १; (२) ગુચ્છો૦ શરીર વગેરે ઉપરથી રજ કે જંતુને પુંજીને દૂર કરવાનું એક સાધન-ધર્મનું ઉપકરણ. (२) गुच्छा; शरीर इत्यादि के ऊपरसे रज व जंतु दूर करने का एक साधन -धर्म का उपकरण. a kind of brush made of woollen threads to remove dust or insects from body etc. आव० ४, ८;

गुच्छग. पुं० (गुच्छक) ગુચ્છો. गुच्छा. A cluster. प्रव० ५०६;

गुच्छय-अ. पुं० (गुच्छक) શરીર અને વસ્ત્ર પાત્ર પુંજવાનો ઊનનો ગુચ્છો-ગોચ્છો. शरीर व वस्त्र पात्र को स्वच्छ रखने का ऊनका गुच्छा. A wollen brush to cleanse the body, vessels clothes etc उत्त० २६, २३; ओघ० नि० ६६८;

गुज्झ. त्रि० (गुह्य) ગુપ્ત વાત; બહારના માણસો આગળ પ્રકાશવા યોગ્ય નહિ તે. गुप्त वर्णन; बाहर के मनुष्यों के समीप प्रकाशित करने योग्य नहीं वह. (Anything) secret; private. प्रव० ४४२; ५३६; राय० २१०; नाया० २; ७; (२) ગુહ્ય ભાગ; ગુપ્તેંદ્રિય. गुह्य भाग; गुप्तेंद्रिय. a secret part of the body. ओघ० नि० भा० ३१३; पराह० १, ४; ओव० १०; अणुजो० १३०; नाया० १; २; (३) ભવનપતિ દેવતાનો એક અવાન્તર ભેદ. भवनपति देवता का एक अवान्तर भेद. a sub-division of gods known as Bhavanapati. दस० ७, ५३; **—अंतर.** न० (-अन्तर) ગુહ્યસ્થાનનો વચલો ભાગ. गुह्य स्थान का मध्यस्थ भाग. the middle portion of a private, secret part (e. g. of the body). नाया० १६; नाया० ध० **—अंतराय.** पुं० (-अन्तराल) ગુહ્યસ્થાનનો અંતરાલ-મધ્ય ભાગ. गुह्य स्थान का अंतराल-मध्य भाग. a middle portion of secret parts (e. g. of the body). "गुज्झंतरायं धावेति " निर० ४, १; **—अणुचरिय.** न० (-अनुचरित) ગુહ્ય જાતના ભવનપતિ દેવોએ સેવેલું (સ્થાન). गुह्य जाति के भवनपति देवोंने सेवित किया हुआ (स्थान). (a place) resorted to by gods styled Guhyas. दस० ७, ५३;

गुज्झग. पुं० (गुह्यक) ભવનપતિ દેવની એક જાત. भवनपति देव की एक जाति. A particular kind of deities; a Bhavanapati (lords of the lower parts of the earth) god. दसा० ६, २६; पिं० नि० ४५२; दस० ६, २, १०; (२) ગુપ્ત; અદૃશ્ય. गुप्त; अदृश्य. secret. सम० १०; ओघ० नि० भा० २३८;

गुज्झदेस. पुं० (गुह्यदेश) ગુહ્ય સ્થાન. गुह्य स्थान. Rectum. प्रव० २५३;**—रक्खट्ठ.** न० (-रक्षार्थ) ગુહ્યસ્થાનની રક્ષામાટે. गुह्य स्थान की रक्षा के लिये. for the safety of rectum. प्रव० ५३६;

गुज्झसाला. स्त्री० (गुह्यशाला) ગુપ્ત ઘર. गुप्त घर. A secret house; a private room. निसी० ८, १७; —**गय.** त्रि० (-गत) ગુપ્ત ઘરમાં રહેલ गुप्त घर में रहा हुआ. (one) gone in a private room. निसी० ८, १७;

गुट्ठ. पुं० (गोष्ठ) ગાયોને રહેવાનો વાડો. गौओं को रहने का बाडा. A cow-pen. भत्त० १६२;

गुड. पुं० (गुड) ગોળ; શેરડીના રસથી બનેલ ખાદ્ય પદાર્થ. गुड; गन्ने के रस से बना हुआ खाद्य पदार्थ. Molasses. पिं० नि० भा० ३; अणुजो० ६४; जीवा० ३, ३; प्रव० २०६; कप्प० ६, १७;

गुढायारि. त्रि० (गूढाचारिन्) પોતાનો દુરાચાર છુપાવનાર. अपना दुराचार छिपाने वाला. (one) hiding one's own misconduct. दसा० ६, ८;

√ **गुण.** धा० I, II (गुण) ગુણવું; આવર્તન કરવું. गुनना; आवर्तन करना. To multiply.

गुणइ. सु० च० १४, ६१;

गुणंति. ओघ० नि० ६६३;

गुणेत्ता. सं० कृ० जं० प० ७, १३४;

गुण. पुं० (गुण) ગુણ-મૂલગુણ અને ઉત્તર ગુણ; મૂલગુણ-મહાવ્રત; ઉત્તરગુણ-સમિતિ આદિ. गुण-मूलगुण व उत्तरगुण; मूलगुण-महाव्रत, उत्तरगुण-समिति आदि A quality; it is classified into Mūlaguṇa i. e. a full vow and Uttaraguṇa i. e. Samiti etc. विशे० १; अणुजो० २१; दस० ८, ६१; (२) શ્રાવકનાં ત્રણ ગુણ વ્રત: ૬ ઠું ૭ મું અને ૮ મું વ્રત. श्रावक के तीन गुण व्रत. छठा सातवा व आठवा व्रत. the three vows viz. the 6th, the 7th and the 8th of a Jaina layman. भग० २, ५; ७, ६; नाया० ८; पन्न० २०; (३) દ્રવ્યમાં રહેલ ધર્મ; વસ્તુસ્વભાવ. द्रव्य में रहा हुआ धर्म; वस्तुस्वभाव. the nature of a thing. ओव० पन्न० १५; पिं०नि०भा० १; (४) શબ્દ, રૂપ, રસ આદિ કામના ગુણ; ઈંદ્રિય વિષય. शब्द, रूप, रस आदि काम के गुण; इंद्रिय विषय. the object of senses viz. sound, sight, taste etc. पिं०नि०१२८; आया० १, १, ४, ३४; १, २, १, ६२; (५) ક્ષમા, વિનય, જ્ઞાન, સૌભાગ્ય, સરલતા આદિ સદ્ગુણ. क्षमा, विनय, ज्ञान, सौभाग्य, सरलता इत्यादि सद्गुण. the virtues e.g. forgiveness, modesty, knowledge, straightforwardness etc. भग० २, १; ७, २; ८, ४; २५, ४; ४२, १; नाया० १; ३; ८; १०; १६; दस० ५, २, ४६; ६, ६; ७, ५६; ८, १, १७; ६, ३, ११; राय० ८०; २१५; नंदी० स्थ० ४; अणुजो० १२८; पिं० नि० ३१२; उवा० १, ६६; क० प० १, २६; क० गं० २, २; (६) સૂતના તાંતણા; દોરા. सूत के तंतु; डोर. cotton threads. जीवा० ३; राय० १०६; कप्प० ३, ३४; (७) ગણવું; ગુણાકાર કરવો; गिनना; गुना करना. counting. जं०प०५,१२१; पन्न०२; २८; कप्प०३, ३४; —**अणुराअ.** पुं० (-अनुराग) ગુણનો અનુરાગ-પ્રેમ गुण का अनुराग-प्रेम. love for merit. भत्त० ५४; —**अहिय.** त्रि० (-अधिक) ગુણેકરી અધિક. गुणों से करके अधिक. surpassing by reason of, in point of qualities. उत्त० ३२,५; —**आसाअ.** पुं० (-आस्वाद) વિષયના શબ્દાદિ ગુણોમાં આસ્વાદ; આસક્તિ. विषय के शब्दादि गुणों में आस्वाद-आसक्ति.

attachment to objects of senses such as sound etc. आया० १, १, ५ ४३; —उक्कित्तण. न० (-उत्कीर्तन) ગુણને ગાવાં; ગુણને વખાણવાં. गुणोंका गान करना; गुणों की प्रशंसा करना. extolling, praising of merits. पंचा० ४, २४; —उत्तर. त्रि० (-उत्तर) ગુણ પ્રધાન; ગુણેકરી શ્રેષ્ઠ. गुणप्रधान; गुणों से श्रेष्ठ. superior by reason of or in point of qualities. उत्त० १२, १; —उप्पायण. त्रि० (-उत्पादन) ગુણ-રસાદિને ઉત્પન્ન કરવું તે. गुण इत्यादि को उत्पन्न करना. producing, exciting such qualities as taste etc. भग० ७,१; —उववेय. त्रि० (-उपेत) ગુણથી યુક્ત. गुणों से युक्त having qualities; possessed of qualities नाया० ८; विवा०२; कप्प०१,८; —कर. त्रि० (-कर) ફાયદો કરનાર. लाभ देने वाला. a benefactor. पंचा० ५, १२; —करण न० (-करण) મૂલ ગુણ અને ઉત્તર ગુણ રૂપ કરણ. मूलगुण व उत्तर गुण रूप करण. thought-activity in the form of Mahavrata and Samitis etc. विशे० ३३५६; —कार. पुं० (-कार) ગુણાકાર—એક રકમને બીજી રકમથી ગુણવું તે. गुणाकार; एक संख्या को दूसरी संख्या से गुनना. multiplication. सम० ८४; प्रव० १३५१; —क्खाण. न० (-आख्यान) ગુણ કીર્તન. गुण कीर्तन. praise. पंचा० २, २४; —गण. पुं० (-गण) ગુણનો સમૂહ. गुणों का समूह. a collection of qualities or virtues. नाया० १०; —गाहि. त्रि० (-ग्राहिन्) ગુણને ગ્રહણ કરનાર. गुण ग्राही; गुण को ग्रहण करने वाला. (one) who appreciates virtues. उत्त० ३६, २६०; —जुअ. त्रि० (-युत) ગુણવાલો; ગુણવંત. गुणवाला; गुणवंत; गुणयुक्त. meritorious; possessed of good qualities. पंचा० २, ३४; —ट्ठाण. न० (-स्थान) મિથ્યાત્વ આદિ १४ ગુણસ્થાન. मिथ्यात्व आदि १४ गुणस्थान. the 14 stages including false belief etc. क० गं० २, १; ४, १; पंचा० ८, २१; १०, ११; १५, ४६; —ट्ठाणअ. न० (-स्थानक) મિથ્યાત્વ આદિ १४ ગુણસ્થાનક. मिथ्यात्व आदि गुणस्थानक. the 14 stages including false belief etc. क० गं० ६, ४८; —ट्ठि. त्रि० (-अर्थिन्) શબ્દ આદિ વિષયગુણનો અર્થી—અભિલાષી शब्द आदि विषय गुणका अर्थी—अभिलाषी. (one) desirous of objects of senses like sound etc. आया० १, २, १, ६२; —ट्ठिअ. त्रि० (-अर्थिक) જુઓ “ गुणट्ठि ” શબ્દ. देखो “ गुणट्ठि ” शब्द. vide “ गुणट्ठि ” आया० १, १, ४, ३४; —णिप्पण्ण. त्रि० (-निष्पन्न) ગુણ પ્રમાણે ઉત્પન્ન થયેલું. गुण से उत्पन्न हुआ हो वह. born of qualities. नाया० १; १६; —णिहि. पुं० (-निधि) ગુણનો ભંડાર. गुणों का भंडार. a store of merits. पंचा० ८, ४३; — (ण)ण्णिअ. त्रि० (-अन्वित) ગુણ સહિત; ગુણવાલું. गुण सहित; गुणयुक्त. having qualities. विशे० ८६;—त्थि. त्रि० (-अर्थिन्) જુઓ “गुणट्ठि” શબ્દ. देखो “ गुणट्ठि ” शब्द. vide “गुणट्ठि” विशे०२६४२;—धारणा. स्त्री० (-धारणा) સદ્ગુણ ધારણ કરવા તે. सद्गुण धारण करना. adopting of virtues. अणुजो० ५८; (२) આવશ્યક સૂત્રના પ્રત્યાખ્યાન નામે અધ્યયનનું અપર.

न॰भ. आवश्यक सूत्र के प्रत्याख्यान नामक अध्ययनका अपर नाम. the other name of the chapter Pratyākhyāna of Āvaśyaka Sūtra. विशे॰ ६०२; —**ड्ढि** स्त्री॰ (-ऋद्धि) गुणु रुप समृद्धि; गुणु लक्ष्मी. गुण रूप समृद्धि; गुणलक्ष्मी. wealth in the form of merits. पंचा॰ ७, ६; —**निप्पन्न** त्रि॰ (-निष्पन्न) जुओ "गुणणिप्पन्न" शब्द. देखो "गुणणिप्पन्न" शब्द. vide "गुणणिप्पन्न" भग॰ ११,११:१५, १; नाया॰ २; कप्प॰४, ६०; —**निप्फन्न** त्रि॰ (-निष्पन्न) जुओ "गुणणिपन्न" शब्द. देखो "गुणणिपन्न" शब्द. vide "गुणणिपन्न" क॰प॰१,२०; —**निबद्ध** त्रि॰ (-निबद्ध) गुणु-दोरडी अथवा सद्गुणथी बंधायेल गुण-डोरा अथवा सद्गुण से बंधाया हुआ. bound, tied with merits, qualities. भत्त॰ ११६; —**निहि**. पुं॰ (-निधि) गुणुनो भंडार. गुणों का भंडार a store of merits, qualities. पंचा॰ १४, ४०; —**पगरिस**. पुं॰ (-प्रकर्ष) घणा गुणु. बहुत गुण many merits, qualities. पंचा॰ ८, ४; —**परिराणा** स्त्री॰ (-परिज्ञा) गुणुनुं जाणुपणुं. गुण का ज्ञान. knowledge of qualities. पंचा॰ ७, २५; —**परिहाणि**. स्त्री॰ (-परिहानि) गुणोनी हानि. गुणों की हानि. loss of qualities or attributes. नाया॰ १३; —**पसत्थ**. त्रि॰ (-प्रशस्त) सद्गुणोथी वखणायेल. सद्गुणों से प्रशंसित. praised. क॰ प॰ ५, २; —**पेहि**. त्रि॰ (-प्रेक्षिन्) गुणुदर्शी; गुणुग्राही. गुणदर्शी; गुणग्राही. grateful. क॰ गं॰ १, ६०; —**प्पमाण**. न॰ (-प्रमाण) गुणु-आत्मगुणु-ज्ञानादिरुप प्रमाणु-प्रमेय वस्तुनो परिच्छेद करनार. गुण-आत्मगुण-ज्ञानादि रूप प्रमाण-प्रमेय वस्तु का परिच्छेद करनेवाला. the measure of merits. विशे॰ ६८३; —**प्पहाण**. पुं॰ (-प्रधान) संयमादि गुणोथी प्रधान-श्रेष्ठ. संयमादि गुणों से प्रधान. prominent by reason of, in point of the qualities of asceticism etc. नाया॰ १; —**भवपच्चय**. त्रि॰ (-भवप्रत्यय) गुणु अने भव ए बे जेमां कारणु होय ते. गुण व भव ये दो जिस में कारण हो वह. that in which birth and merits are the cause. क॰प॰२,६८; —**मुक्कजोगि**. पुं॰ (-मुक्तयोगिन्) विषयादि गुणुरहित योगी-साधु. विषयादि गुण रहित; योगी-साधु. an ascetic; one free from passions. नाया॰ १०; —**रागि**. त्रि॰ (-रागिन्) गुणुनो रागी; गुणुनो पक्षपाती. गुण का रागी; गुण का पक्षपाती. (one) given to virtues. प्रव॰ १३७१; पंचा॰ २, ६; ७, ७; —**रासि**. पुं॰ (-राशि) गुणोनो भंडार. गुणों का भंडार. a store of virtues. गच्छा॰ ६४; —**विसिट्ठ**. त्रि॰ (-विशिष्ट) उपशम, संवेग, निर्वेद, अनुकंपा, आस्तिक्य ए पांच गुणोथी युक्त. उपशम, संवेग, निर्वेद, अनुकंपा, आस्तिक्य इन ५ गुणों से युक्त. (one) possessed of five virtues viz. Upaśama, Saṃveda etc. प्रव॰ ६६६; —**संकर**. पुं॰ (-सङ्कर) गुणोनो समुह. गुणों का समुह. a collection of attributes. नाया॰ ३; —**संपन्न**. त्रि॰ (-सम्पन्न) गुणुसम्पन्न; गुणेकरी भरपूर. गुण सम्पन्न; गुण से भराहुआ. full of attributes. गच्छा॰ १२७; —**सायर**.

पुं० (-सागर) ગુણનો સમુદ્ર. गुणसागर; गुण का समुद्र. an ocean of qualities or virtues. दस० ६, ३, १४; गच्छा० १०३; —सुट्ठिअप्प. त्रि० (-सुस्थितात्मन्) જેનો આત્મા ગુણમાં સારી રીતે સ્થિત છે તે. जिसकी आत्मा गुणमें अच्छी तरहसे स्थित है वह. (one) whose soul is strictly given to virtues. दस० ६, ७; ३; —हाणि. स्त्री० (-हानि) ગુણ અને હાનિ; વધારો અને ઘટાડો. गुण व हानि; आधिकता . न्यूनता. loss and gain. क० प० १, १०; ३, ८; —हीण. त्रि० (-हीन) ગુણવિનાનું. गुण रहित. devoid of attributes. गच्छा० १०६; क० प० १, ७८;

गुणओ. अ० (गुणतस्) ગુણથી; ગુણઆશ્રી. गुणसे; गुणआश्री. By reason of qualities; in point of qualities. उत्त० ३२, ५; भग० २, १०;

गुणण. न० (गुणन) આવૃત્તિ; અર્થવિચાર. आवृत्ति; अर्थविचार. Multiplication; revision; reflecting upon the contents of a book. पिं० नि० ६६४; विशे० ११९३;

गुणरयण. न० (गुणरत्न) સોળ મહીનાનું એક તપ કે જેમાં પહેલે મહિને એક ઉપવાસ, બીજે બબે, યાવત્ સોળમે મહીને સોળ ઉપવાસ કરવા પડે છે, દિવસે ઉકુડુ આસને સૂર્યની સન્મુખ અને રાત્રે વીર આસને વસ્ત્ર રહિત બેસવાનું હોય છે; સોળ માસે આતપ પૂર્ણ થાય છે. सोलह मास का एक तप कि जिसमें प्रथम मास में एक एक उपवास, दूसरे में दो दो, यावत् सोलहवें मास में सोलह उपवास करने पड़ते हैं, जिसमें दिनको उकुडु आसन पर सूर्य के सन्मुख व रात्रि को वीर आसन से वस्त्र रहित बैठने का होता है, सोलह मास में यह तप संपूर्ण होता है. A kind of penance lasting for sixteen months in which one fasts for a day in the first month, for two days in the second and so on for sixteen days in the 16th month. During day one has to sit in a certain bodily posture facing the sun and at night in another posture without clothes on the body. The day posture is Oukhadu Āsana while the night posture is Virāsana. अंत० १, १; कप्प० ७, ६; —वत्थर. न० (-वत्सर) ગુણરત્ન સંવત્સર નામનું. गुणरत्न संवत्सर नामका. name of a kind of austerity. प्रव० १५८०; —संवच्छर. न० (-संवत्सर) ગુણરત્ન સંવત્સર એ નામનું એક તપ છે. गुणरत्न संवत्सर इस नामका एक तप है. name of a kind of austerity. भग २, १; नाया० १;

गुणवंत. त्रि० (गुणवत्-गुणा मूलोत्तर विशुध्यादयो विद्यन्ते येषां ते) ગુણી; ગુણયુક્ત. गुणवान; गुणयुक्त. Possessed of qualities or virtues. गुणवओ. व० ए० अणुजो० ५८;

गुणवेरमण. न० (गुणविरमण) શ્રાવકનું છઠું સાતમું અને આઠમું એ ત્રણ વ્રત. श्रावकके छठ, सातवे और आठवे यह ३ व्रत. The three vows viz. the 6th, 7th and 8th of a Jaina layman. राय० २३६; नाया० ८;

गुणव्वय. न० (गुणव्रत) જુઓ " गुणवेरमण " શબ્દ. देखो ' गुणवेरमण " शब्द. Vide " गुणवेरमण " आउ०

४; ठा० ४, १; दस० ६, २; पंचा० १, १६;

गुणसंकम. न० (गुणसंक्रम) અબધ્યમાન અશુભ પ્રકૃતિના દલિઆને બધ્યમાન પ્રકૃતિમાં પ્રતિસમય અસંખ્યાતગુણે વૃદ્ધિએ ઉમેરવા તે. अबद्धमान अशुभ प्रकृति के समूह को बध्यमान प्रकृतिमें प्रतिसमय असंख्य गुण वृद्धि से जोडना. Adding infinitely of sinful molecules every instent in the acquired ones. क० प० २, १००;

गुणसंकमण. पुं० (गुणसंक्रमण) જુઓ " गुणसंकम " શબ્દ. देखो " गुणसंकम " शब्द. Vide "गुणसंकम " क० प० २,७०;

गुणसिल. न० (गुणशील) એ નામનું રાજગૃહ નગરી પાસેનું એક ઉદ્યાન इस नामका राजगृही नगरी के समीप का एक उद्यान-बगीचा. Name of a garden in the vicinity of Rājagruhī city. कप्प० ९, ६३;

गुणसिलअ-य. पुं० (-गुणशीलक) રાજગૃહની બહાર આવેલું એ નામનું એક ચૈત્ય-ઉદ્યાન. राजगृह के बाहर आया हुआ इस नाम का एक चैत्य उद्यान. Name of a garden outside Rajagriha. भग० १, १; २, १; ७, १०; अणुत्त० १, १; नाया० १८; (२) એ નામનું યક્ષનું મન્દિર इस नाम का यक्ष मन्दिर. name of a temple of Yaksa. निर० ३, १; —चेइय न० (-चैत्य) જુઓ "गुणसिलअ-य" શબ્દ. देखो "गुणसिलअ-य" शब्द. vide "गुणसिलअ-य" नाया० १३;

गुणसेढि. स्त्री० (गुणश्रेणि) ગુણાકારે પ્રદેશની રચના; જ્યાં ગુણની વૃદ્ધિએ અસંખ્યાત ગુણી નિર્જરા એકેક સમયે અધિક થાય તે ગુણ શ્રેણિ. गुणश्रेणि; गुणाकार प्रदेश की रचना; जहां गुण की वृद्धि से असंख्यात गुनी कै निर्जरा हर समय पर अधिक हो वह गुण श्रेणि. The spiritual stages of evolution in succession. क० गं० ५, ८२;

गुणसेढी स्त्री० (गुणश्रेणी) સર્વથી ઉપરની સ્થિતિના કર્મ દલિયાને લઈ ઉદયના પહેલા સમયથી પ્રતિ સમયે અસંખ્યાત ગુણ વૃદ્ધિયે નાખતાં અન્તર્મુહુર્ત સુધી તેવી અધિક શ્રેણી ચાલે તેને ગુણશ્રેણી કહેવામાં આવે છે; લાંબી સ્થિતિના દલીયા ભોગવવાની એક રીતિ. सर्व से उच्च स्थिति के कर्म समूह को लेकर उदय के पूर्व समय से प्रति समय पर असंख्यात गुणों की वृद्धि करते हुए अन्तर्मुहूर्त पर्यन्त ऐसी अधिक श्रेणी चालू रहे उसे गुण श्रेणी कहते हैं; लम्बी स्थिति के समूह को भुगत मान करने की रीति. The process of enduring the Karma of a long duration. उत्त० २६.६; आव० ५;

गुणि. त्रि० (गुणिन्) ગુણ વાળુ-ળી-ળો. गुण युक्त. Having a quality; meritorious. नाया० १२; क० प० ४, २५;

गुणिज्जमाण. त्रि० (गुण्यमान) ગુણાકાર કરાતું. गुना किया जाता. Multiplied. प्रव० ६३७;

गुणिय-अ. त्रि० (गुणित) ગુણેલ; ગુણાકાર કરેલ. गुना हुआ; गुना किया हुआ. Multiplied. उत्त० ७, १२; विशे० ७६० भग० २४; २१; क० प० २, ७८;

गुणण. त्रि० (गुणय) ગુણને લાયક, गुनने योग्य. Worthy of attributes. कप्प० ४,६०;

गुत्त. न० (गोत्र) ગોત્ર; અટક. गोत्र; कुल-नाम. Surname; family name. नंदी० २६; उत्त० १८, २१; भग० २५, ६; कप्प० ११२; (२) સાતમું ગોત્ર કર્મ. सातवां गोत्रकर्म. the 7th Gotra Karma. भग० २५, ६;

गुत्त. त्रि० (गुप्त) ગુપ્તિવન્ત; મન વચન અને કાયાને પાપમાં ન જવા દેતાં ગોપવી રાખનાર. गुप्तिवन्त; मन बचन व काया को पाप में जाने से बचा रखने वाला. (One) who protects himself against sins of mind, body and sheech. ओघ०नि० भा० ४६; ओघ०१७; उत्त० १२, १७; आया० १, ३, ३, ११७; भग० २, १; ३, १; २; १३, ४; नाया० ४; सूय० २, १, ६०; गच्छा०५३; (२) સ્તબ્ધ; દિગમૂઢ બનેલ. स्तब्ध; दिगमूढ; बना हुआ. confounded; bewildered. ओघ० नि० भा० १७६; (३) છુપાવેલ; ઢાંકેલ; ગોપવેલ. छुपाया हुआ; ढांका हुआ; गुप्त रखा हुआ. concealed; protected; a hidden cave etc. जीवा०३, ४; नाया० १४; राय०२५४; निसी०२०, १; कप्प०६,२; (४) રક્ષણ કરેલ; બચાવેલ. रक्षण किया हुआ; बचाया हुआ. protected. पन्न० २; (५) ગુપ્તઘર-ભોયરૂં વગેરે. गुप्तघर- तल-घर इत्यादि. a celler. ठा०४,१;—**इंदिय.** त्रि० (-इन्द्रिय) પાંચ ઇંદ્રિયો જેણે વશ કરી પાપથી ગોપવી છે તે. पांच इंद्रियो को जिसने वशकर, पाप से बचाई है वह. (one) who has controlled his senses नाया० ४; भग०२,१; २५, ७; दसा०५, १८; कप्प० ५, ११६; —**दुवार.** न० (-द्वार) છાનું બારણું; ગુપ્તદ્વાર गुप्तद्वार. a hidden door. ठा० ५, २; सम० ३, १; —**बंभयारि.** त्रि० (-ब्रह्मचारिन्) બ્રહ્મચર્યનું રક્ષણ કરનાર. ब्रह्मचर्य का रक्षण करने वाला. (one) who observes celibacy or chastity. दसा० ५, २१; भग० १२, १; १८, २; नाया० १४; १६; नाया० ध० निर० २, १;

गुत्तास. पुं० (गोत्रास) વિપાકસૂત્રનું એ નામનું બીજું અધ્યયન. विपाक सूत्र के द्वितीय अध्ययन का नाम. Name of the 2nd chapter of Vipāka Sūtra. ठा०१०;

गुत्ति. स्त्री० (गुप्ति-गोपयनं गुप्तिः) મન વચન અને કાયાને અશુભ પ્રવૃત્તિથી રોકી ગોપવી રાખવાં તે. मन वचन व काया को अशुभ प्रवृत्ति से रोककर बचा रखना. Control of mind, speech and body. i. e. guarding them against sins. सम० ३; सम० प० १६८; उत्त० १२, १७; २४, १; नाया० १; १०; निसी० २०, १; दस०१;भत्त०१४०;प्रव०२७०;पंचा०१५,३१; विशे० ११३०; —**विभेय.** पुं० (-विभेद) ગુપ્તિ-વચન ગુપ્તિનો વિભેદ- ભંગ. गुप्ति-वचन गुप्ति का विभेद--भंग. the breech in control of speech. गच्छा० १३१;

गुत्तिय. पुं० (गुप्तिक) કોટવાલ. नगर रक्षक अधिकारी; कोतवाल. A village constable. पराह० १, ३; कप्प० ४, ६८;

गुत्तिसेण. पुं० (गुप्तिसेन) જંબુદ્વીપના ઐરવત ક્ષેત્રમાં ચાલુ અવસર્પિણીમા થયેલ સોલમાં તીર્થંકર. जंबूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में वर्तमान अवसर्पिणी में उत्पन्न सोलहवें तीर्थकर. The 16th Tīrthaṅkara of the present Avasarpiṇī in the Airavata region of Jambū dvīpa. सम० प० २४०;

गुद. न० (गुद) ગુદા; ગુહ્યસ્થાન. गुदा; गुह्य-स्थान Anus; rectum. तंदु० प्रव० १३८६;

गुप्पमाण. व० कृ० त्रि० (गुप्यत्) વ્યાકુલ થવું. व्याकुल. Getting troubled or distracted. ओव० २१;

गुप्फ. (गुल्फ) पुं० પગની એડી; ઘુંટી. घुंटी; एडी. A heel. ओव० १०; आया० १, १, २, १६; जीवा० ३, ३;

गुमगुंमंत. त्रि० (गुमगुमत) ગુમગુમાટ કરતો; ગુમ્ગુમ્ એવો અવાજ કરતો. गुमगुमाट करता हुआ; गुम गुम ऐसी आवाज करता हुआ. Buzzing; humming. ओव०

गुमगुमायंत. व० कृ० त्रि० (गुमगुमायमान) ધમધમાટ કરતું, ગણગણાટ કરતું, મધુર શબ્દ કરતું. धमधमाट करता हुआ; गिनगिनाट करता हुआ; मधुर शब्द का उच्चार करता हुआ. Tinkling; buzzing. कप्प० ३, ३७;

गुम्म. पुं० (गुल्म) વંશ જાલ નવમાલિકા આદિ; વૃક્ષની એક જાત. वंशजाल नवमालिका आदि वृक्ष की एक जाति. A cluster of bamboo trees etc. नाया० १; ५; भग० ७, ६; जं० प० जीवा० १; पन्न० १; (२) સમૂહ; પરિવાર. समूह; परिवार. a group; a collection. विशे० ३३; जं० प० १, १०; सय० २, २, ५५;

गुम्मइअ. त्रि०(गुल्मित) મુંઝાએલુ; મૂઢ્બનેલ. मूढबना हुआ. Puzzled; bewildered. ओघ० नि० १३६;

गुम्मागुम्मि. अ० (गुल्मागुल्मि) ગુચ્છનો એક ભાગ તે ગુલ્મ; એક ઉપાધ્યાય અધિષ્ઠિત સાધુઓ ભેગા થાય તે. गुच्छ का एक भाग-गुल्म; एक उपाध्याय अधिष्ठित साधु लोग एकत्र हों वह. A portion of an order of saints; saints under one preceptor assembled together. आव० २१;

गुम्मि. पुं० (गुल्मिक) કાન ખજુરો. खानखजूरा. A centiped. उत्त० ३६, १३७;

गुम्मिय-अ. पुं० (गुल्मिक) કીલ્લાનું રક્ષણ કરનાર; ચોકીદાર. गढ का रक्षण करने वाला. A guard of a fort; a watchman. ओघ० नि० १६३; ७६६; જુઇ વિગેરે ફુલ ઝાડ जुई आदि के फुल के वृक्ष. a kind of flowering plant. जीवा० ३, ?;

गुरु. पुं० (गुरु-तं शास्त्रार्थमिति गृणाति यथावस्थि) શાસ્ત્રનો સદુપદેશ આપનાર; ગુરુ. शास्त्र का सदुपदेश करने वाला; गुरु. A teacher; a preceptor. भग० ७, ६; ८, ७; ११, ११; १७, ३; नाया० १; ७; ८; पिं० नि० भा० २७; अणुजो० १३; ६६; उवा० ३, १३५; पंचा० १, ९; ५, १२; भत्त० १७; ६६; आव० ६, २; (२) त्रि० ભારે; વજનદાર. भारी; वजनदार. heavy. विशे० ६६०; जीवा० ३, १; पिं० नि० ३२७; उत्त० ३६, १६; क० गं० १, ४७; आया० १, ४, १, १४१; (३) અધોગતિ લઇ જનાર મહાદોષ. अधोगति को लेजानेवाला महादोष. a great sin leading to lower condition of existence. पिं० नि० १०२; ११२; जं० प० २, २६; (४) વડીલ; આચાર્ય. वडील; आचार्य. an elder; a head of an order of saints. दस० ५, १, ८८; पंचा० ७, ५; उत्त० १, २; २६, ७; अणुजो. १२०; (५) જેના ઉદયથી જીવ લોઢા જેવું ભારે શરીર પામે તે નામકર્મની એક પ્રકૃતિ. जिसके उदय से जीव लोह के समान भारी शरीर प्राप्त करे उस नाम कर्म की एक प्रकृति. a variety of Nama Karma by the rise of which a soul gets body as hard as iron. क०गं०१, ४१; ४२; —**असाअ**. पुं० न० (-असात) ભારે અસાતા-દુઃખ भारी दुःख. great pain. क० प० ४, ८४; —**उवएस**. पुं० (-उपदेश) ગુરૂનો ઉપદેશ. गुरु का उपदेश. words of advice of a Guru. विशे० १; प्रव० १; ७७६; —**उवएसाणुसार**. पुं० (-उपदेशानुसार) ગુરૂના ઉપદેશ પ્રમાણે. गुरु के उपदेश के अनुसार. according to

the advice of a preceptor. पंचा० ४, १; —जण. पुं० (-जन) મોટા માણસ; વડીલ. बड़ा मनुष्य; वडील. an elderly person; an elder. नाया० ६; १८; कप्प० ३, ४६; पंचा० ४, ३४; प्रव० १००; —जप्पग्ग. त्रि० (-जल्पाक) ગુરૂની સ્હામે બોલનાર; દુર્વિનીત; વિનયવિનાનો. गुरु से अनुचित बोलने वाला दुर्विनीत; विनय रहित. impolite; irreverent. पराह० १, २; —जोग. पुं० (-योग) ગુરૂનો સમાગમ. गुरु का समागम. contact with a preceptor. पंचा० २, ४; —णियोग. पुं० (-नियोग) ગુરૂની આજ્ઞા. गुरु की आज्ञा. command of a preceptor. पंचा० १२, १८; —दत्तसेसभोयण. नं० (-दत्तशेषभोजन) ગુરૂએ પોતે ખાતાં બાકી રહેલું આપેલ ભોજન. गुरुने भोजन कर लेने पर दिया हुआ शेष भोजन. the remnant of food given by a preceptor. प्रव० २१५; —देवया. स्त्री० (-देवता) ગુરુદેવતા; દેવતા સમાન ગુરુ देवता; देवता के समान; गुरु. (one) who regards a preceptor as his god. नाया० ८, १८; पंचा० १, ४५; —दोस. पुं० (-दोष) મોટો દોષ. बड़ा दोष. a major fault; a grave fault. प्रव० २१७; —निग्गह. पुं० (-निग्रह) ગુરૂનો દાબ; ગુરૂની આજ્ઞામાં રહેવું તે. गुरु की आधीनता; गुरु की आज्ञा में रहना. the control of a preceptor. प्रव०६५३;—नियोग. पुं० (-नियोग) ગુરૂ-વડીલનો હુકમ. गुरु, वडील की आज्ञा. the order of a preceptor or elderly person. क० प० ५, २४; —पमुह. त्रि० (-प्रमुख) ગુરૂમહારાજ વગેરે; આચાર્યાદિક. गुरु महाराज इत्यादि-आचार्यादिक. preceptor etc. प्रव० ३०; —पसाय. पुं० (-प्रसाद) ગુરૂની કૃપા. गुरु की कृपा. favour of a preceptor. नाया० १२; दस० ६, १; १०; —पसायभिमुह. पुं० (-प्रसादाभिमुख) ગુરૂની પ્રસન્નતા રાખવાને ઉદ્યમશીલ. गुरु की प्रसन्नता रखने को उद्यमशील. one active in keeping one's preceptor pleased. दस० ६, १, १०; —पुच्छा. स्त्री० (-पृच्छा) ગુરૂને પુછી દરેક કામ કરવું તે. गुरु से पूछ कर प्रत्येक काम करना. performing of an action after consulting a preceptor. पंचा० १२, ४१; —पूया. स्त्री० (-पूजा) શિષ્યે ગુરૂને યથોચિત આહારાદિ લાવી સેવા ભક્તિ કરવી તે. शिष्यने गुरु को यथोचित आहारादि लाकर सेवा भक्ति करना. service of a disciple to his preceptor by bringing food etc. for him. उत्त० २६, ७; —फास. पुं० (-स्पर्श) ગરૂ સ્પર્શ; ભારેપણું; આઠ સ્પર્શમાંનો એક. गुरु स्पर्श; भारीपन; आठ स्पर्श में से एक. heaviness. सम० २२; क० गं० ५, ३२; —भणिय. त्रि० (-भणित) ગુરૂએ કહેલ. गुरुने कहा हुआ. explained by a preceptor. प्रव० १३४; —भत्ति. स्त्री० (-भक्ति) ગુરૂની ભક્તિ-સેવા. गुरु की भक्ति; सेवा. devotion towards a preceptor. क० गं० १, ५५; पंचा० २, ३७; —भूतेवघाइणी. स्त्री० (-भूतोपघातिनी) મહાભૂતોનો નાશ કરનારી (ભાષા). महाभूतों को नाश करने वाली (भाषा). a language which destroys ghosts. दस० ७, ११; —मुह. न० (-मुख) આચાર્યનું મુખ. आचार्य का मुख. the mouth of a

preceptor. पंचा० ६, ५०; —लक्खण. न० (-लक्षण) ગુરૂનાં લક્ષણ. गुरु के लक्षण. the attributes or qualifications of a preceptor. गच्छा० ४०; —लघुग. त्रि० (-लघुक) જુઓ "गुरुअ-लघुअ" શબ્દ. देखो "गुरुअ-लघुअ" शब्द. vide "गुरुअलघुअ" क० प० ४, ४६; —लाघव. न० (लाघव) ભારે અને હલકું. भारी व हलका. heavy and light. प्रव० २१७; —वयण. न० (-वचन) ગુરૂનું વચન. गुरु का वचन. the words of a preceptor. प्रव० ६३; —संभारियत्ता. स्त्री० (-संभारिकता) પરસ્પર ગ્રંથિયોના પ્રયોગથી ભારે. परस्पर ग्रंथियों के प्रयोग से भारी. heavy on account of being interlinked. भग० ५, ३; —सगास. पुं० (-सकाश) ગુરૂપાસે, ગુરૂસમીપ. गुरु के के पास; गुरु के समीप near a preceptor. पंचा० १, ४३; —सम्मय. त्रि० (-सम्मत) ગુરૂને માન્ય; ગુરૂ જેને બહુ માન આપતા હોય તે. गुरु को मान्य; गुरु जिस को बहुत मान देते हों वह. admissible to a preceptor. पंचा० १२, २६; —सुस्सूसणया. स्त्री० (-शुश्रूषणा) ગુરૂની શુશ્રૂષા; ગુરૂ સેવા; ગુરૂ ભક્તિ. गुरु की शुश्रूषा; गुरु सेवा; गुरु भक्ति. service to a preceptor. उत्त० २६, २; —सेज्जासंथारग. पुं० (-शय्यासंस्तारक) ગુરુની શય્યા અને સથારો-પથારી. गुरु की शय्या व संथारा-पथारी. the bed of a preceptor. प्रव० १४६; —हीलणा. स्त्री० (-हेलना) ગુરૂની હેલના-નિન્દા. गुरु की हेलना-निन्दा. censure of a preceptor. "नया विमुक्खो गुरुहीलणाए" दस० ६, १, ७;

गुरुअ-य. त्रि० (गुरुक) ભગવતી સૂત્રના પહિલા શતકના ૯ માં ઉદ્દેશાનું નામ. भगवती सूत्र के पहिले शतक के ६ वें उद्देशा का नाम. Name of the 9th chapter (Uddeśā) of the first Śataka of Bhagavatī Sūtra. भग० १, १; (२) વજનદાર. वजनदार; भारी. heavy. भग० १, ६; ६, ३३, १८, ६; २०, ४; दस० ४, २, ३२; नाया० १; ६; पराह० १, २; पन्न० १; पंचा० १०, २६; —भारियत्ता. स्त्री० (-भारिकता) ગુરુતા રૂપ-ભારેપણું. गुरुता रूप; भारिपन. the state of being heavy; heaviness. उवा० २, १०२; नाया० ६; —लघुअ. पुं० (-लघुक) એક અપેક્ષાએ ભારે અને બીજી અપેક્ષાએ હલકા એવા વાયુ કાયાદિ પદાર્થ. एक अपेक्षासे भारी व अन्य अपेक्षा से हलका ऐसा वायु कायादि पदार्थ. a substance like air-bodied beings etc. भग० १, ६; —संभारियत्ता. स्त्री० (-सम्भारिकता) વિશેષ ભારીપણું. अधिक गुरुता; विशेष भारी पन. extra heaviness. भग० ७, १;

गुरुई. स्त्री० (गुर्वी) મોટી; ભારે (સ્ત્રી). बडी; वजनदार (स्त्री). Heavy; great; (a woman). विशे० १२००; नाया० १; ६;

गुरुक. त्रि० (गुरुक) ભારે; મોટું. भारी; वजनदार. Big; heavy. क० प० ४, ४४;

गुरुकुल. न० (गुरुकुल) અભ્યાસ કરવામાટે ગુરૂ સમીપે રહેવું તે; ગુરૂનું નિવાસ સ્થાન. अभ्यास करने के लिये गुरु के समीप रहना; गुरु का निवास स्थान. A group of ascetics under one preceptor; residence with a preceptor for study; residence of a preceptor. उत्त० ११, १४; पिं० नि० ४३६; —वास.

पुं० (-वास) ધર્મગુરૂની પાસે નિવાસ કરવો તે. धर्मगुरु के पास निवास करना. residing near a religious preceptor. पंचा० ११, ३;

गुरुग. त्रि० (गुरुक) ભારે; મ્હોટું; વજનદાર. भारी; बडा; वजनदार. Heavy; big. पंचा० १४, १७;

गुरुतरग. त्रि० (गुरुतरक) અતિભારે; બહુ મ્હોટો. अतिवजनी; बहुतबडा. Very heavy. पंचा० ८, २८;

गुरुयत्त. न० (गुरुकत्व) ભારીપણું. भारीपना. Heaviness. भग० १. ८; १२, २; नाया० ६; राय० २६०; पन्न० १४;

गुरुयत्ता. स्त्री० (गुरुकता) જુઓ "गुरुयत्त" શબ્દ. देखो "गुरुयत्त" शब्द. Vide. "गुरुयत्त" भग०४, ६; ७, १, १७; नाया०६;

गुरुलहु. त्रि० (गुरुलघु) એકાંત ભારે નહી અને એકાંત હલકું નહી કિન્તુ એક અપેક્ષાએ ભારે અને બીજી અપેક્ષાએ હલકું. एकांत वजनी नहीं व एकान्त हलका नहीं किन्तु एक अपेक्षा से वजनी व अन्य अपेक्षा से हलका. Heavy and light from different points of views; relatively heavy and light सम० २२; —परिणाम. पुं० (-परिणाम) અપેક્ષિક હલકા ભારેપુદ્ગલનું પરિણામ; ગુરૂલઘુ પર્યાય. एक की अपेक्षा से वजनी व अन्यकी अपेक्षा से हलका; गुरु लघु पर्याय. relatively light or heavy. सम० २२;

गुल. पुं० (गुड) ગુડ; ગોળ. गुड Molasses; treacle. 'खंडगुलम च्छंडीमाईणं' ओव० ३८; अणुजो० १२७; ठा० ७, १; नाया० ८, १७; पिं० नि० ५४. २१०; पन्न० १७; जं० प० पंचा० ४, ११; ८, २३; प्रव० २३४; अणुजो० ३८; —पाण. न० (-पान) ગોળનું પાણીપીવું તે. गुड का पानीपिना. drinking of water mixed with treacle. नाया० १७;

गुलइय. त्रि० (गुल्मित) ગુચ્છ-ઝુમ્ખરૂપે મળેલાં ન્હાના ઝાડો. गुच्छ के रूपसे मिले हुए छोटे वृक्ष. A cluster of small trees. ओव० भग० १, १;

गुलगुल. न० (गुलगुल) હાથીનો ગુલગુલાટ શબ્દ; ગુલગુલ એવો ધ્વનિ. हाथी का गुल गुलाट शब्द; गुलगुल ऐसी ध्वनि. The gurgling sound of an elephant.

गुलगुलंत. व० कृ० त्रि० (गुलगुलत्) ગુલ ગુલાટ કરતો; ગુલગુલ એવો આવાજ કરતો. गुलगुलाट करता हुआ; गुलगुल जैसी आवाज. Making a grunting sound like that of an elephant. ओव० ३०;

गुलगुलाइय. न० (गुलगुलायित) હાથીનો ગુલ ગુલ આવાજ. हाथी की गुलगुल आवाज. Grunting of an elephant. राय० १८३; जीवा० ३, ४; भग० ३, २;

गुलगुलिय. स्त्री० (गुलगुलित) કોલાહલ કરેલ. हाथी की इल्ला गुल्ला किया हुआ. Making a bustle or noise सु० च० ६, २७; —लावणिया. स्त्री० (-लावणिका) ગોળ પાપડી. गुड की पपडी. a cake of malacess. प्रव० १४२४;

गुलहाणी. स्त्री० (गुलधाना) ગોળ મિશ્રીત ધાણી. गुड मिश्रित धानी. Parched grains mixed with malacess. प्रव० २३५; १४२८;

गुलिआ-या. स्त्री० (गुलिका) ગુટિકા; દવાની ગોળી. गुटिका; दवाई की गोली. Indigo; a medicinal pill. ओव० २२; ठा० ४, २; सूय० १, ४, २, ७; राय० ४०; अंत० ३, ८; विवा० १; जीवा० ३, ४; नाया० १३; १४; पन्न० २; १७; उवा० २ ६४; अणुत्त० ३, १;

गुक्ष. पुं० (गुक्ष) જુઓ " गुक्ष " શબ્દ. देखो " गुक्ष " शब्द. Vide. " गुक्ष " आया० २, १, ४, २४;

√**गुव.** धा० I. (गुप्) વ્યાકુલ થવું. व्याकुल होना. To become distracted.
गुवंति. भग० १५, १;

गुविल. त्रि० (गुपिल-कुटिल) કુટિલ. कुटिल. Deep; crucked; intricate. सु० च० ७, २५०; (२) વ્યાપ્ત. व्याप्त. pervaded. पराह० १, ३:

गुव्विणी. स्त्री० (गुर्विणी) સગર્ભા સ્ત્રી; ગર્ભવતી સ્ત્રી. सगर्भा स्त्री; गर्भवती स्त्री. A pregnant woman. भग० १५, १; पिं० नि० ३६२; दसा० ७, १; वव० १०. १; दस० ५, १, ३६; प्रव० ७६६;

गुहा. स्त्री० (गुहा) ગુફા. गुफा. A cave. सूय० १, ५, १, १२; भग० ५, ७; जं० प० नंदी० १४; ४७;

गुहिर. त्रि० (गह्वर) ગંભીર; ગહેરૂં. गंभीर; गहरा. Thick; deep; profound. पन्न० २; कप्प० ३; ३८;

गूढ. त्रि० (गूढ) ગૂઢ; ગુપ્ત; છાનું. गूढ; गुप्त. Hidden; mysterious. श्राव० १०; पिं० नि० २०६; नाया० ८; —**आयार.** त्रि० (-आचार) ધુતારો; ઠગારો; ગંઠી છોડા. धूर्त; ठग. (one) who cheats. सूय० २. २, १६; —**आवत्त.** पुं० (-आवर्त) ગૂઢ-ગુપ્ત-આવર્ત શંખ વગેરેનો વળ. गूढ-गुप्त-आवर्त-शंख इत्यादि की मोड. a curve; e. g. of a conch etc. ठा० ४, ४; —**सामत्थ.** न० (-सामर्थ्य) છાનું પરાક્રમ. गुप्त पराक्रम. a secret bravery. प्रव० ८३८; —**हिअय.** त्रि० (-हृदय) માયાવી-કપટી હૃદયવાળો. मायावी-कपटी हृदयवाला. deceitful; fradulant. गच्छा० ६९; क० गं० १,२८;

गूढदंत. पुं० (गूढदन्त) અણુત્તરોવવાઈ સૂત્રના બીજા વર્ગના ચોથા અધ્યયનનું નામ. अणुत्तरोववाइ के अणु द्वितीय वर्ग के चतुर्थ अध्ययन का नाम. Name of the fourth chapter of the second section of Aṇuyogadvara. (२) શ્રેણિક રાજાની ધારણી રાણીનો પુત્ર કે જે દીક્ષા લઇ ૧૧ અંગ ભણી ગુણરયણ તપ કરી ૧૬ વર્ષની પ્રવજ્યા પાળી વિપુલપર્વત ઉપર એક માસનો સંથારો કરી વૈજયંત અનુત્તરવિમાનમાં ઉત્પન્ન થયા, ત્યાંથી એક અવતાર કરી મોક્ષે જશે. श्रेणिक राजा की धारणी राणी का पुत्र कि जो दीक्षा लेकर ११ अंगों का पठन कर गुणरयण तप कर, १६ वर्षकी प्रव्रज्या का पालन कर, विपुलपर्वत ऊपर एक मास का संथारा कर, वैजयंत अनुत्तर विमान में उत्पन्न हुआ. वहां एक अवतार को संपूर्ण करके मोक्ष गति को प्राप्त करेगा. name of the son of queen Dhāriṇī of king Śreṇika. He took Dīkṣā, studied 11 Aṅgas, practised the Guṇarayaṇa penance, observed asceticism for 16 years and was born in the Vaijayanta abode above the heavens after practising one month's Santhārā (giving up food and drink) on Vipula mountain. After one more birth he will attain salvation. अणुत्त० २, ४; (३) જમ્બૂદ્વીપના ભરતમાં આવતી ઉત્સર્પિણીમાં થનાર ત્રીજા ચક્રવર્તી. जंबूद्वीप के भरत में आगामी उत्सर्पिणी में होने वाले तीसरे चक्रवर्ती. the third future Chakravartī of the coming Utsarpiṇī in the Bharata

of Jambū Dvīpa. सम०प०२४२; (२) લવણસમુદ્રમાં નવસો જોજન પર આવેલ ગૂઢદન્ત નામનો એક અન્તરદ્વીપ. लवण समुद्र में नौ सौ योजन पर आया हुआ गूढदन्त नामक एक अंतरद्वीप. name of an island in Lavaṇa Samudra at the distance of 900 Yojanas. ठा० ४, २; ६, १; प्रव० १४४१; (३) २७ मां અન્તરદ્વીપમાં રહેનાર માણસ. २७ वें अन्तरद्वीप में रहनेवाला मनुष्य. a resident of the 27th Antara Dvīpa. पन्न० १;

गूढपय. न० (गूढपद) ગુપ્ત પદ; સાંકેતિક શબ્દ. गुप्तपद; सांकेतिक शब्द. A code word. प्रव० ८६४; —**आलोयणा.** स्त्री० (-आलोचना) ગુપ્તપદ-બે આચાર્યોના સાંકેતિક શબ્દથી અતિચારની આલોચના કરવી તે. गुप्तपद-दो आचार्यों के सांकेतिक शब्द से अतिचार की आलोचना करना. expiation of faults to be performed by two preceptors by means of code words. प्रव० ८६४;

गूढसिराग. न० (गूढशिराक) જેના પાંદડામાં સિરા-રેસા ગુપ્ત હોય અર્થાત પ્રગટ ન દેખાય તેવી એક સાધારણ વનસ્પતિ. जिसके पत्तों में रेशा गुप्त हो अर्थात् प्रगट न दिखाई देवे ऐसी एक साधारण वनस्पति. A vegetation with hidden fibres in its leaves. पन्न० १;

गूहणया. स्त्री० (गूहन) પોતાના રૂપને છુપાવી દેવું તે; કપટનું અપર નામ. अपने रूप को छिपा देना, कपट का अपर नाम. Hiding of one's own form; a kind of deceit. भग० १२, ५; सम०५२;

गेअ. न० (गेय) ગાવા લાયક; ગીત. गाने योग्य; गीत. A song. पगह० २, ४;

गेय-अ. न० (गेय) ઉત્ક્ષિપ્ત-પાદાન્ત મન્દક-અને રોચિતાવસાન-એ ચાર ગીતમાંનો ગમે તે એક જાતનું ગીત. उत्क्षिप्त-पादान्त मन्दक व रोचितावसान इन चार जाति के गीत में से चाहे सो एक जाति का गीत. Any of the four kinds of song viz. Utkṣeipta, Pādānta Mandaka and Rochitāvasāna. राय० ८८; ६६; अणुजो०१२८; ठा०४, ४; जं० प० ५, १२१; —**उज्झणि.** पुं० (-ध्वनि) ગીતનો ધ્વની-શબ્દ. गीत का ध्वनि-शब्द. the sound of a song. सु० च० ५, ६२;

गेरिअ. पुं० (गैरिक-गिरौ भवः) ગૈરિક ધાતુ; ગેરૂ. गैरिक धातुः गेरु. Red chalk; a mountain-born substance or metal. दस० ५, १, ३४;

गेरुय. पुं० (गैरुक) ભગવાં વસ્ત્ર પહેરનાર; પરિવ્રાજક; સંન્યાસી. गेरुए वस्त्र पहिनने वाला; परिव्राजक; संन्यासी. An ascetic with clothes dyed with red chalk. आया० २, १, ६; ३३; पिं० नि० ३५८; ४४५; निसी० ४, ४५; उत्त० ३६, ७६; प्रव० ७३८; (२) એક જાતનો મણી. एक जाति का मणि. a kind of gem. पन्न० १;

गेलगण. न० (ग्लान्य) ગ્લાનિ થવી; મુંઝાવું; અણગમો. ग्लानि से व्याकुल होना; बेचैनी; अरुचि. Mental discomfort. पिं० नि० भा० २५;

गेलन्न. न० (ग्लान्य) જુઓ "गेलगण" શબ્દ. देखो "गेलगण" शब्द. vide "गेलगण" पिं० नि० ४८०; विशे० ५८७; ओव० नि० ७२; प्रव० ८६०;

गेव. त्रि० (ग्रैव) કંઠ સંબંધી. कंठ; गला; गरदन. Neck; throat. "गेविज्जुगबद्धका" ओव० ३८;

गेवज्ज. न० (ग्रैवेय) नव ग्रैवेयક. नव ग्रैवेयक. The nine heavenly abodes. पंचा० १४, ४७;

गेविज्ज. न० (ग्रैवेय-ग्रीवायां बद्धमलंकरणम्) કંઠનું ઘરેણું; ડોકનું આભરણ. कंठ का आभूषण; गले का गहना. A necklace. ओव० ३१; विशे० ६६७; जीवा० १; ३, ३; भग० ७, ६; राय० ८१; जं० प० ७, १६६; कप्प० ४, ६२; (२) ગ્રૈવેયક નામનું વિમાન. ग्रैवेयक नामक विमान. a heavenly abode styled as Graiveyaka. प्रव० ११३०; ११७०; —विमाण. न० (-विमान) ગ્રૈવેયક દેવતાના નિવાસ સ્થાન. ग्रैवेयक देवता का निवास स्थान. name of any heavenly abode between the 12th and the 29th Devaloka. भग० १३, ७; १४, १०;

गेविज्जग. न० (ग्रैवेयक) ગ્રૈવેયક વિમાન. ग्रैवेयक विमान. A heavenly abode named Graiveyaka. नाया० १; सु० च० २, ३७; (२) નવ ગ્રૈવેયકવાસી દેવ. नौग्रैवेयक वासी देव. the gods residing in the nine heavenly abodes known as Graiveyaka. पन्न० १; उत्त० ३६, २१०; ठा० २, ३;

गेवेज्ज. न० (ग्रैवेय) જુઓ " गेविज्ज " શબ્દ. देखो " गेविज्ज " शब्द. vide " गेविज्ज " नाया० १; भग० २, १०; ५, ८; ६, ३३; ओव० ४१; राय० २५३; —कप्पातीय. पुं० (-कल्पातीत) બાર દેવલોક ઉપર ગ્રૈવેયકવાસી દેવો કે જે કલ્પાતીત વ્યવહાર મર્યાદાથી અતીત છે. द्वादशवें देवलोक के ऊपर ग्रैवेयक वासी देव कि जो कल्पातीत व्यवहार मर्यादा से अतीत हैं. name of the gods above the 12th Devaloka. भग० ८, १; —विमाण. न० (-विमान) જુઓ " गेविज्जविमाण " શબ્દ. देखो " गेविज्ज-विमाण " शब्द. vide " गेविज्जविमाण " अणुजो० १०४;

गेवेज्जग. न० (ग्रैवेयक) જુઓ " गेविज्जग " શબ્દ. देखो " गेविज्जग " vide " गेविज्जग " भग० १६, ८; २०, ६; —कप्पातीय. पुं० (-कल्पातीत) જુઓ " गेवेज्जकप्पातीय " શબ્દ. देखो " गेवेज्जकप्पातीय " शब्द. vide " गेवेज्जकप्पातीय " भग० ८, १;

गेवेज्जय. पुं० (ग्रैवेयक) ગ્રીવાનું; ગ્રીવાસંબંધી (બંધન). ग्रीवा संबंधी (बन्धन). Relating to neck. नाया० २;

गेवेय. न० (ग्रैवेय) કણ્ઠનું ભૂષણ. कंठ का भूषण. An ornament for the neck. ओव० ३०;

गेह. न० (गेह) ઘર; મકાન. गृह; मकान. A house; a building. पिं० नि० १६३; भग० २, ५, ६, ५, १३, ६, १८, २; नाया० २; ८; १६; भत्त० ११२; गच्छा० ११२; —आगार. पुं० (-आकार) ઘરની પેઠે ટાઢ તડકો અને વરસાદથી બચાવનાર ઘરને આકારે પરિણત થયેલ કલ્પવૃક્ષ. घर के समान ठंडी, ताप व वर्षा से बचानेवाला; गृह की आकृति में परिणत कल्पवृक्ष. a desire-yielding tree protecting against heat and cold like a house. सम० १०; जीवा० ३, ३; —आवण. पुं० (-आपण) ઘરયુક્ત બજાર. गृहयुक्त बाजार. a market having a line of houses. भग० ६, ५; —वास. पुं० (-वास) ઘરવાસ; ગૃહસ્થાશ્રમ. गृहस्थपना; गृह संसार; घरवास. status of a householder. सूय० २, १, ६०;

गेहंगेह. न० (गृहगृह) ઘરઘર; દરેક ઘર.

घरघर; प्रत्येक घर पर. From house to house. नाया० १६;

गेहसम. न० (गेहसम) वीणा विगेरे वाजींत्रो-ए जे स्वर उपाडयो होय तेज स्वरमां गावुं ते. जिस स्वर को वीणा इत्यादि वाजित्र में उठाया हो उसी स्वर में गाना. Singing in the same pitch in which a song is begun on a musical instrument. अणुजो० १२८;

गेहि. स्त्री० (गृद्धि) आसक्ति; ईच्छा. आसक्ति; इच्छा. Greed; desire. सूय० १, १, ४, ११; १, ६, २५; उत्त० ६, ४; ३४, २३; सम० ३०; ५२; ओघ० नि० ८७; भग० १२, ५; पग्ह० १, ३;

गेहिणी. स्त्री० (गेहिनी) स्त्री; पत्नी. गृहिणी; स्त्री; पत्नी; A wife. सू० च० ५, ६;

गो. पुं० (गो--गच्छतीति) गाय; बळद. गौ; बैल A bull; ox. भग० १, १; २, ५; ओव० अणुजो० १३१; सम० ४०; जीवा० ३, १; नंदी० स्थ० ४६; पिं० नि० १३२; राय० २८६; दसा० ६, ४; दस० ७, २४; सू० प० १०; उवा० १, ४; पंचा० १, १०; जं० प० ५, ११४. —**कलिंज.** न० (-कलिञ्ज) गायोने खाणुं आपवानो वांसनो सुंडलो. गौओं को बांटा देने के काम में आने वाली टोकरी. a basket from which cows are fed. जीवा० ३, ४; —**खीर.** न० (-क्षीर) गायनुं दूध. गाय का दूध. cow's milk. नाया० १; १६; कप्प० ३, ३८; जं० प० ५, १२२; ७, १६६; —**ग्गहण.** न० (-ग्रहण) गायोने पकडी-लइ लेवी ते. गौओं को पकडना-ले जाना. taking away of cows. नाया० १८; विवा० ३; —**घायग्र-य.** पुं० (-घातक) गायोने मारनार; गोवध करनार; कसाइ. गौओं को मारने वाला, गोवध करने वाला; कसाई. a butcher; one who kills cows. सूय० २, २, २८; —**चर.** न० (-चर) गायोने चरवानुं जंगल. गौओं को चरने का जंगल. a pasture-ground; भग० १२, ७; —**जिब्भा.** स्त्री० (-जिह्वा) गायनी जीभ. गौ की जिव्हा. a cow's tongue, उत्त० ३४, १८; —**दोहि.** त्रि० (-दोहिन्) गायने दोनार. गौको दुहनेवाला. (one) who milches a cow. प्रव० ५६३; पंचा० १८, १७; —**दोहिया.** स्त्री० (-दोहिका) गाय दोवाने जे आसने बे-साय ते आसने बेसी ध्यान धरवुं के आता-पना लेवी ते. गौका दूध दुहने को जिस आसनपर बैठा जाता है उस आसन पर बैठ कर ध्यान धरना या आतापना लेना. practice of meditation or austerity on a seat used at the time of milking a cow. नाया० २, १५, १७६; ठा० ५, १; कप्प० ५, ११६; दसा० ७, १०; —**पुच्छ.** न० (-पुच्छ) गायनुं पूंछडुं. गाय की पूंछ. a cow's tail. जं० प० १, ४; ४, १०३; राय० १०४; —**पुट्ठ.** न० (-पृष्ठ) गायनो वांसो-बरडो. गौकी पीठ. a cow's back. भग० १५, १; —**भत्त.** न० (-भक्त) गायनुं खाणुं. गौओं का बांटा. the fodder for cows. प्रव० ११६; —**भत्तलिंदग्र.** न० (-भक्तालिन्दक) गायने खाणु आपवानो खाणीयो. गौओं को बांटा देनेका बर्तन. a fodder pot. प्रव० ११६; —**मंडवग्र.** न० (-मण्डपक) गायनो मंडप-मांडवो. गौओं का मंडप. a house for cows. विवा० २; —**मंस.** न० (-मांस) गाय अथवा बळदनुं मांस. गौ या बैल का मांस. beef. पिं० नि० १५४; —**मड.** न० (-मृत) गाय के बळदनुं मडदुं-कलेवर. गौ या बैल की लोथ. a carcass of a cow

or an ox. उत्त० ३४, १६; नाया० ८; १२; **—महिसी.** स्त्री० (-महिषी) ગાય અને ભેંસ. गौ व महिषी; गाय व भैंस. a cow and a she-buffalo. प्रव० २११; **—मुत्त.** न० (-मूत्र) ગાયનું મૂત્ર. गौमूत्र. urine of a cow. पिं० नि० भा० ५०; ओघ० नि० भा०६४; **—रूव.** त्रि० (-रूप) ગોરૂપ; ગાય જેવું. गौवत्; गौरुप; गौ के समान. like a cow. विवा० २; **—लेह-णिया.** स्त्री० (-लेहनिका) ગાયોને ચરવાની જગ્યા (બીડ). गौओं का चरने की भूमि; चरागाह. a meadow for the grazing of cows. निसी० ३, ७७; **—वइ.** पुं० (-पति) મોટા બળદ. बडा बैल. a big ox. नाया० १; **—वग्ग.** पुं० (-वर्ग) દશ હજાર ગાયોનું ટોળું. दस सहस्र गौओं का युथ. a herd of cows 10 thousand in number. "एगं च णं महं सेयं गोवग्गं पासित्ताणं पडिबुद्धे" ठा० १०; भग० १६, ६; **—वाल.** पुं० (-पाल) ગોવાળિઓ; ગાયો ચારનાર. गोवाल; गौओं को चरानेवाला. a cow-herd. उत्त० २२, ४६; **—वालअ.** पुं० (-पालक) ગાયોને પાલનાર ગોવાળ. गौओं का पालन करनेवाला; गोवाल; गवली. a cowherd. सूय० २, २, २८; पिं० नि० ३६७; **—व्वइअ.** त्रि० (-व्रतिक) ગાયનું વ્રત રાખનાર; ગાય બ્હાર નિકલે ત્યારે બ્હાર જવું; ગાયના ખાધા પછી ખાવું; પાણી પીધા પછી પાણી પીવું અને ગાયના સુવા પછી સુવું એ વ્રત ધરનાર. गौका व्रत रखने वाला; गौ बाहर निकले तब बाहर जाना, गौके खाने के पश्चात् खाना, पानी पीने के पश्चात् जल पीना, व गौके सोने के पश्चात् सोना ऐसे व्रत को धारण करने वाला. (one) who has taken a vow to go out, eat drink and sleep when the cow has done all these things. अणुजो० २०; ओव० ३८;

गोअम. पुं० (गौतम) મહાવીરસ્વામિના પ્રથમ ગણધર-ગૌતમસ્વામી. महावीरस्वामी के प्रथम गणधर-गौतमस्वामी. Gautama Swāmī, the first Gaṇadhara of Mahāvīra Swāmī. ओव० ३८; कप्प० १, २; गच्छा० ७६; (२) ઇંદ્રભૂતિ ગણધરનો ગોત્ર. इंद्रभूति गणधर का गोत्र. the lineage of the Gaṇadhara Indrabhūti. जं० प० ६, १२४; कप्प० ५, १२५; (३) વિચિત્ર બળદને શણગારી તેની મારફત ભિક્ષા ઉઘાડનાર એક ભિક્ષુકવર્ગ. बैल को विचित्र रीति से सजाकर उसके द्वारा भिक्षा एकत्र करने वाला; एक भिक्षुकवर्ग. a class of beggars who decorate an ox and beg in its name. अणुजो० २०;

गोअर. पुं० (गोचर) આહાર લેવાની વિધી; ગૌચરી; મધુકરી. आहार लेने की विधी; गोचरी; मधुकरी. Process of begging food. नंदी० ४५; **—भूमि.** स्त्री० (-भूमि) ગોચરીની આઠ ભૂમિકા. गोचरीकी आठ भूमिका. the eight places of begging alms. गच्छा० ७३;

गोउर. न० (गोपुर-गोभिः पूर्यते इति) નગરનો દરવાજો. नगर का दरवाजा. A city-gate. सम० प० २१०;

गोकरण. पुं० (गोकर्ण) બે ખુરીવાળો ગાયના જેવા કાનવાળો પશુ વિશેષ. दो खुर वाला गौ के समान कान वाला पशु विशेष. A kind of animal with ears resembling those of cows and having two hoofs. जं० प० पराह० १, १; पन्न० १; (२) સાતમાં અંતરદ્વિપમાં

रहेनार माणुस. सातवें अंतरद्वीप में रहने वाला मनुष्य. a resident of the 7th Devaloka. जीवा० ३, ३; पन्न० १; —दीव. पुं० (-द्वीप) लवण समुद्रमां चारसो जोजन पर चूलहिमवंतनी डाढा उपरे आवेल गोकर्ण नामनो अन्तर द्वीप. लवण समुद्रमें चारसौ योजन पर चूलहिमवंत पर्वत के ऊपर आया हुआ गोकर्ण नामक अंतर द्वीप. name of an island on the Chūlahimavanta mount in Lavaṇa Samudra at the distance of 400 Yojanas. ठा० ४, २;

गोचर. पुं० (गोचर) गायोने चरवानी रीति. गौओं की चरने की रीति. The way of grazing of cows. आव० ४, ५;

गोचरी. स्त्री० (गोचरी) भिक्षा; गोचरी. भिक्षा; गोचरी. Begging; alms. आव० ४, ५;

गोच्छग. पुं० (गुच्छक) गुच्छो; पुंजवानुं एक उपकरण. गुच्छा; पूंजने का एक उपकरण. A kind of brush made of woollen threads used in removing dust, insects etc. भग० ८, ६;

गोच्छय-अ. पुं० (गोच्छक) वस्त्र-पात्र-लुछवानो (ऊननो) गोच्छो; वस्त्र-पात्र साफ करने की कूची. A woollen brush to cleanse clothes, vessels etc. पराह० २, ५; दस० ४; वेय० ३, १३; प्रव० ४६८;

गोच्छिय. त्रि० (गच्छित) फुलना गुच्छा वाळुं. फूलों के गुच्छे वाला. Having clusters of flowers. ओव० भग० १, १;

गोजलोया. स्त्री० (गोजलौका) गोजलोका नामनो बेइंद्रिय जीव. गोजलोका नामक दो-इन्द्रिय वाला जीव. A two-sensed being styled Gōjalōka. पन्न० १;

गोट्ठामाहिल. पुं० (गोष्ठामाहिल) गोष्ठामाहिल नामना सातमा निन्हव के जेणे जीवने कर्मनो स्पर्श थाय पण बन्ध न थाय एम स्थापन कर्युं. गोष्ठामाहिल नामक सातवें निन्हव कि जिन्होंने जीव व कर्म का स्पर्श होता है परन्तु बंधन नहीं होता ऐसे सिद्धांत को स्थापन किया. Name of the 7th Ninhava who established that a soul is touched by Karmas but not bound by them. ठा० ७, १;

गोट्ठिअ. पुं० (गोष्ठिक) एक गोष्ठी-मण्डलीमां रहेनार; मित्र; दोस्त. एक गोष्ठी-मण्डलीमें रहने वाला; मित्र; दोस्त. A friend; one belonging to the same circle of friends. अणुजो० १४८;

गोट्ठिग. पुं० (गौष्ठिक) मित्र; गोठीओ. मित्र समुदाय; साथी. A friend. पंचा० १३, १५;

गोट्ठिल्ल त्रि० (गोष्ठीमत्) विट् पुरुषोनी गोष्ठी मण्डलीमां भाग लेनार; गोठीओ. विट् पुरुषों की गोष्ठी-मंडली में भाग लेने वाला सभासद. A member of an assembly of evil persons. अंत० ६, ३; विवा० २;

गोट्ठिल्लग. पुं० (गोष्ठिमत्क) जुओ "गोट्ठिल्ल" शब्द. देखो "गोट्ठिल्ल" शब्द. Vide "गोट्ठिल्ल" विवा० २; —पुरुष. पुं० (-पुरुष) व्यभिचारी मंडलीमां रहेनार माणुस. व्यभिचारी मंडली में रहने वाला मनुष्य. an intriguing person. नाया० १६;

गोट्ठी. स्त्री० (गोष्ठी) व्यभिचारी पुरुषोनी मण्डली. व्यभिचारी पुरुषों की मंडली. A circle of unchaste persons. अंत० ६, ३; (२) मित्र मण्डली. मित्र

मंडली. a circle of friends. पिं० नि० २४५; सु० च० २, ३८६; नाया० १६;

गोड. पुं० (गौड) ગૌડ દેશનો રહેનાર. गौड देश का रहने वाला. A resident of Gauḍa country. पराह० १, १; पन्न० १;

गोड्ड. त्रि० (गौड) ગુડ સંબંધી. गुड़. Treacle; (anything) sweet. (२) મધુર; મીઠું. मधुर; मीठा. sweet; delicious. भग० १८, ६;

गोण. त्रि० (गौण-गुणैर्निवृत्तम्) ગુણથી બનેલું-યથાર્થ ગુણ નિષ્પન્ન. गुण निष्पन्न; गुणोंसे बना हुआ. Possessed of proper qualities. अणुजो० १४०; ओव० ४०; नाया० १; १६; भग० ११, ११; १४, १;

गोण. पुं० (गोण) બળદ; વૃષભ; આખલો. बैल; वृषभ; सांड. An ox; a bull. आया० २, १, ५, २७; २, ३, ३, १३०; सूय० २, २, ४५; जं० प० उ० च० १२, ५७; जीवा० ३, ३; पन्न० १; पराह० १, १; २; भग० ८, ३; ६, ३३; ११, ११; १५, १; नाया० ३; ओव० उवा० ८, २४०; (२) એ નામનો એક અનાર્ય દેશ. इस नामका एक अनार्य देश. name of an uncivilised country. प्रव० १५६७; —**आवलिया.** स्त्री० (आवलिका) બળદોની પંક્તિ. बैलों की पंक्ति. a herd of oxen. भग० ८, ३; —**गिह.** न० (-गृह) બળદને રહેવાનું ઘર-સ્થાન. बैलों को रहनेका स्थान-घर. a fold for bullocks. निसी० ८, ६; १५, २७; —**लक्खण.** न० (-लक्षण) બળદનાં લક્ષણ જોવાની કલા. बैल के लक्षणों को परखने की कला. an art of testing the merits of an ox. नाया० १; —**साला.** स्त्री० (-शाला) બળદ શાલા. बैलों का घर; बैल शाला. a stable for bullocks. निसी० ८, ६;

गोणत्ता. स्त्री० (गोणता) બળદપણું; મૂર્ખતા. मूर्खता; बैलपन. State of being an ox; foolishness. विवा० १;

गोणस. पुं० (गोनस) ફેણ વિનાનો સર્પ. फन रहित सर्प. A serpent without a hood. (२) સર્પ, વીંછી વગેરે. सर्प, बिच्छु इत्यादि. snake, scorpion etc. पन्न० १, जीवा० १; नाया० ८; पराह० १, १;

गोणी. स्त्री० (गो) ગાય. गौ; गाय. A cow. ओघ० नि० भा० ७३; पिं० नि० ११६; विशे० १४११;

गोग्ण. त्रि० (गौण) ગુણનિષ્પન્ન નામ; પ્રકૃતિ પ્રત્યયના અર્થને અનુસરતું નામ. गुण निष्पन्न नाम; प्रकृति प्रत्यय के अर्थ के अनुसार नाम. A name according to attributes. नाया० २; पराह० १, १; अणुजो० १३१; (२) ગૌણ; મુખ્ય નહિ તે. गौण; मुख्य नहीं वह. minor. पिं० नि० भा० ४;

गोतम पुं० (गौतम) અંતગડસૂત્રના પહેલા વર્ગના પહેલા અધ્યયનનું નામ. अंतगडसूत्र के प्रथम वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम. Name of the first chapter of the first section of Antagaḍa Sūtra. (२) અંધકવૃષ્ણિ રાજાનો પ્રથમ પુત્ર કે જેણે નેમનાથપ્રભુ પાસે દીક્ષા લઈ બાર વરસ પ્રવ્રજ્યા પાળી શત્રુંજય ઉપર એક માસનો સંથારો કરી મોક્ષે ગયા. अंधकवृष्णि राजा का प्रथम पुत्र कि जिसने नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर बारह वर्ष पर्यंत प्रव्रज्या का पालन कर शत्रुंजयके ऊपर एक मास का संथारा कर मोक्ष प्राप्त किया. the first son of king Andhakavṛṣṇi who took Dīkṣā from

Nemanātha, practised asceticism for twelve years, performed Santhārā for 1 month on Śatruñjaya mount and attained final bliss. अंत० १, १; (२) ગૌતમ ગણુધર; મહાવીરસ્વામિના મુખ્ય શિષ્ય. गौतमगणधर; महावीरस्वामी के मुख्य शिष्य. the Gaṇadhara named Gautama. भग० ४२, १; नाया० १६; (३) રોહિણી નક્ષત્રનું ગોત્ર. रोहिणी नक्षत्र का गोत्र. the family name of Rohiṇī. सू० प० १०; (४) ગૌતમ ગોત્રમાં ઉત્પન્ન થયેલ. गौतम गोत्रमें जो उत्पन्न हुआ है वह. (one) born in the Gautama family. सू०प० १;

गोतित्थ. न० (गोतीर्थ–गोतीर्थमिव) તલાવમાં ઉતરવાનો આરો. तालाव में उतरने का आरा. A path to descend into a pond. जीवा० ३, ४;

गोत्त. न० (गोत्र–गूयते संशब्द्यते उच्चावचैः शब्दैर्यत् तत्) વંશનો મૂલ પુરુષ–જે નામથી–અટકથી–વંશ ઓળખાતો હોય તે. वंश का मूल पुरुष-जिस नाम से-गोत्र से जो वंश पहिचाना जाता हो वह. The progenitor of a line of descent, from whom the surname of a family is derived. सूय० १, २, ७, ५; ओव० ११; पिं० नि० ५०६; राय० २६; सू० प० १; भग० ३, १; नाया० १६; उवा० १, ७६; जं० प० ७, १५५; (२) त्रि० (गां वाचं त्रायत इति गोत्रं सर्वागमाधार भूतम्) સર્વ આગમનો આધાર. सर्व आगम का आधार. the source of all the scriptures. सूय० १, १३, ६; (३) ગોત્ર કર્મ; આઠમાંનું સાતમું કર્મ. गोत्र कर्म; आठमें से सातवां कर्म. Gotra Karma; the 7th of the eight Karmas. भग० ८, १०; —अगार. पुं० (–अगार) ગોત્રની માલેકીનું ઘર. गोत्र के स्वामित्व का गृह. a house of the same lineage. "पहीया गोत्तागाराइ वा" उच्छिन्न गोत्तागाराइ वा" भग० ३, ७; —कम्म. न० (–कर्मन्) જેથી જીવ ઉંચ નીચ ગોત્રમાં–કુલમાં ઉત્પન્ન થાય તે કર્મ. जिससे जीव उच्च नीच कुल में, उत्पन्न हो वह कर्म. a kind of Karma causing birth in a high or low family. ठा० २, ४; —दुग. न० (–द्विक) નામ અને ગોત્ર. नाम व गोत्र. name and lineage. प्रव० १२६२; —भेइ. पुं० (–भेदिन्) ઇન્દ્ર. इन्द्र. the god Indra. सु० च० २, १५;

गोत्त. न० (गोत्व) ગાયપણું; ગોત્વરૂપ સામાન્ય જાતિ. गौत्व; गोत्वरूप सामान्य जाति. Genus of a cow. विशे० २१६१;

गोथूभ. पुं० (गोस्तूप-भ) લવણ સમુદ્રમાં ચારે દિશાએ જંબુદ્વીપના જગતીથી બેતાલીસ હજાર જોજન ઉપરે આવેલ વેલંધર દેવોને રહેવાનો પર્વત. लवण समुद्रमें चारों दिशाओं में जंबुद्वीप की सीमा से बयालीस सहस्र योजन के ऊपर आया हुआ वेलंधर देवों को रहने का पर्वत. A mountain-residence of Velandhara gods at a distance of 42 Yojanas in the east, in the Lavaṇa Samudara. ठा० ४, २, सम० ४२; जीवा० ३, ४; भग० १, ८; (२) ११ મા શ્રેયાંસનાથના પ્રથમ ગણધરનું નામ. ११वें श्रेयांसनाथ के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Gaṇadhara of the 11th Śreyānsanātha. सम० प० २३३;

गोथूभा. स्त्री० (गोस्तूपा) પશ્ચિમ દિશાના

અંજનકપર્વતની-પશ્ચિમ તરફની વાવનું નામ. पश्चिम दिशा के अंजनक पर्वत की पश्चिम तरफ की बावडी का नाम. Name of a well on the Añjanaka mountain in the west. ठा॰ ४, २; जीवा॰ ३, ४; प्रव॰ १५०२;

गोदास. पुं॰ (गोदास) એ નામના મુનિ. इस नाम के मुनि. Name of an ascetic. कप्प॰ ८;—**गोगण.** पुं॰(-गण) મહાવીરસ્વામિના નવગણમાંનો એક ગણ-સાધુ સમુદાય. महावीर स्वामी के नवगण में से एक गण-साधु समुदाय. One of the nine Gaṇas or groups of saints founded by Mahāvīra Swāmī. ठा॰ ६;

गोधूम. पुं॰ (गोधूम) ગોધૂમ; ઘઉં. गोधूम; गेहूं. Wheat. भग॰ १४, ७; २१; १; ठा॰ ३, १; जीवा॰ ३, ३; जं॰ प॰

गोपुर. न॰ (गोपुर गोभिः पूर्यते इति) શહેરનો દરવાજો. शहर का दरवाजा. A city-gate. नाया॰ ५; १६; भग॰ २, ७; ८, ६; उत्त॰ ६, १८; ओव॰ अणुजो॰ १३४; राय॰ २०१; निसी॰ ८, ३; जीवा॰ ३, ३; जं॰ प॰ सू॰ प॰ ३;

गोप्पय. न॰ (गोष्पद) ગાયના પગલા જેટલું -જેમાં પગ બુડે તેટલું ખાબોચીયું. गौ के पैर जितने प्रमाण का खड्डा जिसमें गाय का पैर मात्र डूब सके. A puddle having the depth of the measure of a cow's foot. " जहा समुद्दो तहा गोप्पयं " अणुजो॰ १४७; ठा॰ ४, ४; विशे॰ १४६६;

गोप्पयमित्त. त्रि॰ (गोष्पदमात्र) ગાયની ખરી જેવડું; નાનું ખાબોચીયું. गौ के खुर जितना; छोटा खड्डा. Of the measure of a cow's hoof. e. g. a pit. सु॰ च॰ ३, १५;

गोप्पहेलिया. स्त्री॰ (गोप्रहेल्या) ગાયોને ચરવામાટે થોડા ઘાસ વાળી ભૂમિ. गौओं को चरने के लिये थोडे घांस वाली भूमि. A pasture-ground for cows having thinly growing grass. आया॰ २, १०, १६६;

गोफ. पुं॰ (गुल्फ) ઘુંટી-પગની એડી. घुंटी-एडी. A heel. पण्ह॰ १, ४;

गोबहुल. पुं॰(गोबहुल) શરવણ નામના ગામમાં રહેનાર એક બ્રાહ્મણનું નામ. शरवण नामक ग्राम में रहने वाले एक ब्राह्मण का नाम. Name of a Brāhmaṇa living in a village named Śrvaṇa. भग॰ १५, १;

गोब्बर. पुं॰ (गोर्बर) મગધ દેશમાનું એક ગામ. मगध देश का एक ग्राम. Name of village in the Magadha country. पिं॰ नि॰ १६६;

गोभत्तिय. त्रि॰ (गोभक्तिक) ગાયની પેઠે આહાર કરનાર. गौ के समान आहार करने वाला. A person taking his food in imitation of a cow. नाया॰ १५;

गोमंत. त्रि॰ (गोमत्) ગાયવાળો. गौओं का रक्षक; गवली. A cowherd; (one) having cows. विशे॰ १४६८;

गोमय. न॰ (गोमय) છાણ. गोबर. Cow-dung. निसी॰ १२, ३८; भग॰ ५, २; आया॰ १, १, ४, ३७; २, १, १, १; भत्त॰ १६२; दस॰ ५, १, ७; —**कीड.** पुं॰ (-कीट) છાણનો કીડો-ચતુરિંદ્રિય જીવ. गोबरका कीडा-चतुरिंद्रिय जीव. an insect in cowdung; a four-sensed being. भग॰ १५, १; जीवा॰ १; पन्न॰ १; —**रासि.** पुं॰ (-राशि) છાણનો ઢગલો. गोबर का ढेर. a heap of cow-dung. भग॰ ८, ९; १५, १;

गोमाउ. पुं॰ (गोमायु) શૃગાલ; શિયાલ.

शृगाल; सियार; A jackal. नाया० ४;

गोमायुपुत्त. पुं० (गोमायुपुत्र) ગોમાયુપુત્ર નામના એક સાધુ. गोमायुपुत्र नाम के एक साधु. An ascetic so named. भग० १५, १;

गोमाणसिआ-या. स्त्री० (गोमानसिका) શય્યા; પથારી. शय्या; बिछौना. A bed. (२) લાંબો ઓટલો. लंबा ओटला. a long verandah. जं० प०राय० १०६;

गोमाणसी. स्त्री०(गोमानसी) શય્યા, शय्या. A bed. जीवा० ३, ४;

गोमिअ. त्रि० (गोमिक गावस्सन्ति अस्येति) જુઓ "गोमंत" શબ્દ. देखो "गोमंत" शब्द. Vide "गोमंत" अणुजो० १३१; पराह० १, २; दस० ७, १६; १६;

गोमिज्जअ. पुं० (गोमेदक) એક જાતનો મણિ; સચિત્ત કઠિન પૃથ્વીનો એક ભાગ. गोमेद-एक जाति का मणि; सचित्त कठिन पृथ्वी का भाग. A kind of gem. उत्त० ३६, ७६;

गोमिणी. स्त्री० (गोमिनी) ગાયવાળી સ્ત્રી. गायवाली स्त्री. A woman possessing a cow. दस० ७, १६;

गोमुत्तिया. स्त्री० (गोमुत्रिका) ચાલતી ગાય મુતરે તેને આકારે વાંકી ગોચરી કરવી તે; ઘરની બે પંક્તિમાં એક વાર એક પંક્તિના એક ઘરે વ્હોરી પછી સામી પંક્તિનું એક ઘર વ્હોરે વળીપાછો પહેલી પંક્તિમાં એક ઘર મુકી ગોચરી કરે એમ ગોમુત્રિકાને આકારે ઘર વ્હોરે તે ભિક્ષાનું નામ ગોમુત્રિકા; ભિક્ષાના અભિગ્રહનો એક પ્રકાર. जिस प्रकार चलती हुई गौ मूत्र करती है उसी आकार में वक्र गोचरी करना अर्थात घरों की दो पंक्तियों में से एक बार एक पंक्ति के एक घर में से भिक्षा लेकर समीप की पंक्ति के एक घर से भिक्षा लेना; पुनः पहिली पंक्ति में एक घर छोड गोचरी करना इस प्रकार गोमुत्रिका के आकार से घर घर भिक्षालेना उसका नाम गोमुत्रिका; भिक्षा के अभिग्रह का एक प्रकार. A vow to beg food; a particular mode or fashion viz. in imitation of the zigzag course described when a cow moves on shedding a stream of urine as she walks; e. g. while begging food from two rows of houses the ascetic would begin with the first house of one row and then go to the first house of the opposite row then to the second house of the first row and so on. उत्त० ३०, १६; ठा० ४, २; ६, १; दसा० ७, १; प्रव० ७५२;

गोमुत्ती. स्त्री० (गोमूत्रिका) ગાય કે બલદ મુતરે તેનો જે આકાર થાય તે. गौ वा बैल मूत्र करे उसका जो आकार हो वह. The zigzag shape which is formed while a cow or a bullock passes urine while it moves. क० गं० १, २०;

गोमुह. पुं० (गोमुख) લવણ સમુદ્રમાં પાંચસો જોજન ઉપર ઇશાન ખુણામાં આવેલ ગોમુખ નામનો એક અન્તર દ્વીપ. लवण समुद्र में पांचसौ योजन पर इशान कोन में आया हुआ गोमुख नामक एक अन्तर द्वीप. Name of an Antara Dvipa (an island) in the north-east in Lavana Samudra at a distance of 500 Yojanas. ठा० ४, २; प्रव० १४३६; (२) १२માં દ્વીપમાં રહેનાર માણસ. १२वें द्वीप में रहने वाला मनुष्य. an inhabitant

of the 12th Dvīpa. पन्न० ९; (३) श्रीऋषभदेव स्वामीना यक्षनुं नाम. श्रीऋषभदेव स्वामी के यक्ष का नाम. name of the Yakṣa of Śrī Riṣabhadeva Swāmī. प्रव० ३७५;

गोमुही. स्त्री० (गोमुखी) એનામનું એક વાજીંત્ર; ગાયના મુખ જેવું-કાહલ મંજીનીયા વિગેરે. इस नामका एक वाजिंत्र; गौके मुख के आकरका वाजित्र विशेष. A kind of wind instrument; e. g. a bugle etc. अणुजो० १२८; ठा० ७, १; नाया० १८; राय० ८८;

गोमेज्ज. पुं० (गोमेद) એક જાતનો મણિ. एक जातिका मणि. A kind of gem. पन्न० १;

गोमेह. पुं० (गोमेध) નેમિનાથજીના યક્ષનું નામ. नेमिनाथजी के यक्ष का नाम. Name of the Yakṣa of Nemināthа. प्रव० ३७६;

गोम्मि. पुं० (गोम्मिन्) ત્રણ ઇન્દ્રિય વાળો જીવ; કાન ખજુરો. तीन इन्द्रिय वाला जीव, कान खजूरा A three-sensed being; a centiped. पन्न० १;

गोय. पुं० न० (गोत्र) સાતમું ગોત્રકર્મ જેના ઉદયથી જીવ ઉંચ અથવા નીચ ગોત્ર પામે છે. सातवां गोत्रकर्म जिसके उदयसे जीव उच्च किंवा नीच गोत्र पाता है. The 7th variety of Karma known as Gotra Karma by the rise of which a soul gets high or low lineage. पन्न० २०; २३; ओव० २०; नाया० ८; भग० २६, १; विशे० ११८७; क० प० १, २६; २, ६; क० गं० १, ३; ५२; ५, ७९; उत्त० ३३, ३; प्रव० १२६४; (२) ગોત્ર; વંશ; અટક. गोत्र; वंश; कुलनाम. lineage; family name. ओव० २७; भग० २, ५; (३) (गां वाणीं त्रायत इति गोत्रम) મૌન ધારણ કરવું તે; વાક્‌સંયમ. मौन धारण करना; वाक्संयम. keeping of silence. सूय० १, १४, २०; —कम्म. न० (-कर्मन्) જુઓ ગોય શબ્દનો બીજો અર્થ. देखो "गोय". शब्द का द्वितीय अर्थ. vide the second meaning of the word "गोय". उत्त० ३३, १४; —दुग. न० (-द्विक) ગોત્ર દ્વિક; ઉંચ ગોત્ર અને નીચ ગોત્ર એ ગોત્રકર્મની બે પ્રકૃતિ. गोत्र द्विक; उच्च गोत्र व नीच गोत्र कर्म की दो प्रकृति. the two varieties of Gotra Karma viz. high and low lineage. क० गं० ४, १४; —मय. पुं० (-मद) ઉંચ ગોત્ર મળે તેનો મદ કરવો તે. उच्च गोत्र प्राप्त हुआहो तो उसका मद करना. pride of high family. सूय० १, १३, १५;

गोयम. पुं०(गौतम—गोभिः तमो ध्वस्तं यस्य) જુઓ "गोतम" શબ્દ. देखो "गोतम" शब्द. Vide "गोतम" "गोयमाय गोत्तेणं" जं० प० उवा० १, ७६; अणुजो० ८६; १३४; ओव० ३, ८, उत्त० १०, १; १८, २०; २३, ६; नंदी० स्थ० २४; भग० ७, १; १८,१०; नाया०१;६;७;१०; ११; १३; १५; राय० ७८; (२) સુસ્થિક (લવણ સમુદ્ર સ્વામિ) દેવતાનો ગૌતમ નામે દ્વીપ. सुस्थिक देवता का गौतम नामक द्वीप. name of an island of the god Susthika the lord of Lavaṇa Samudra. जीवा० ३, ४; (३) ગૌતમ ગોત્રમાં ઉત્પન્ન થયેલ-મુનિ સુવ્રત અને નેમિ તીર્થંકર નારાયણ અને પદ્મશિવાયના વાસુદેવ, બલદેવ, ઇન્દ્રભૂતિ આદિ ત્રણ ગણધર વગેરે. गौतम गोत्र में उत्पन्न मुनि सुव्रत व नेमि तीर्थंकर;

नारायण व पद्मके सिवाय वासुदेव, बलदेव, इन्द्रभूति आदि तीन गणधर इत्यादि. born in Gautama family viz. Muni Suvrata and Nemi Tīrthankara Vāsudeva-Baladevas, excepting Nārāyaṇa and Padma; the three Gaṇadharas e. g. Indrabhūti etc. ठा० ७, १; (४) पुं० गोशालानो छठ्ठो पउट्ट परिहार-कल्पित अवतारनुं नाम. गोशाला का छठा पउट्ट परिहार-कल्पित अवतार का नाम. the immaginary sixth incarnation of Gośālā. भग० १५, १; —गोत्त. न० (-गोत्र) ઇન્દ્રભૂતિ ગણધરનું ગૌતમ ગોત્ર. इन्द्रभूति गणधर का गौतम गोत्र. the family named Gautama to which the Gaṇadhara Indrabhūti belonged. भग० १, १; २, १; —सामि पुं० (-स्वामिन्) ગૌતમસ્વામી गौतम स्वामी. Gautama Swāmī. नाया० १६;

गोयमकुमार. पुं० (गौतमकुमार) અંધક વૃષ્ણિરાજાનો કુમાર; દશ દશારમાંનો એક. अंधकवृष्णि राजा का कुमार; दश दशार में से एक. A son of king Andhaka Vriṣṇi; one of the ten Daśāras. अंत० १, १;

गोयमद्दीव. पुं० (गौतमद्वीप) લવણ સમુદ્રમાં ગૌતમદ્વીપ નામનો ટાપુ છે ત્યાં સુસ્થિત નામનો લવણસમુદ્રનો અધિપતિ રહે છે. लवण समुद्र में गौतमद्वीप नाम का द्वीप है वहां सुस्थित नामक लवण समुद्र का अधिपति रहता है. Name of an island in Lavaṇa Samudra where the lord of that ocean resides. सम० ६७;

गोयमपुत्त. पुं० (गौतमपुत्र) ગૌતમનો પુત્ર અર્જુન. गौतम का पुत्र अर्जुन. Arjuna; son of Gautama Swāmī. भग० १५, १;

गोयर. पुं० (गोचर-गौरिव चराति यस्मिन् सः) ગોચરી; સાધુએ ગોવૃત્તિથી ભિક્ષા લેવા જવું તે. गोचरी; साधु का गोवृत्ति से भिक्षा लेने के वास्ते जाना. Begging of alms by an ascetic moving from place to place like a cow. पिं० नि० १६४; राय० २३५; सम० प० १६८; उत्त० १६, ८१; ओघ० नि० भा० ६६; नाया० १; भग० २, १; वेय० ६, १६; दसा० ७, १; (२) સ્થાન. स्थान. a place. विशे० १६६; भग० ७, ६; (३) સન્મુખ; પ્રત્યક્ષ सन्मुख; प्रत्यक्ष. in front of; in presence. दसा० ५, २; (४) વિષય; સંબંધી विषयमें; संबंधमें. relating to. जं० प० ३, ३६; पंचा० ५, ३; —काल. पुं० (-काल) ગોચરીનો સમય. गोचरीका समय. time of begging food. दसा० ७, १; —चरिया. स्त्री० (-चर्या -गोश्चरणं गोचर इव चर्या) ગોચરીની ચર્યા. गोचरी की चर्या. mode of proceeding to beg alms दसा० ७, १;

गोयरग्ग. न० (गोचराग्र) અગ્ર-પ્રધાન-શ્રેષ્ઠ-ગોચર-ભિક્ષા; આધાકર્માદિ દોષ રહિત ભિક્ષા-ગોચરી. अग्र-प्रधान-श्रेष्ठ-गोचर-भिक्षा; आधाकर्मादि दोष रहित भिक्षा-गोचरी. Begging alms of the highest kind i. e. free from the fault of Ādhākarma etc. उत्त० २, २६; ३०, २५; दस० ५, १, २; १६; ६, ५७; —गअ. त्रि० (-गत) ભિક્ષા-માટે ગયેલ. भिक्षाके लिये गया हुआ. gone to beg alms. दस० ५, १, २;—पविट्ठ. त्रि० (-प्रविष्ट) જુઓ " गोयरग्गगअ "

शब्द. देखो " गोयरग्गगञ्च " शब्द. vide "गोयरग्गगञ्च" दस० ५, १, १६; ६, ५७;

गोयावाय. पुं० (गोत्रवाद) ગોત્રના નામથી કોઈને બોલાવવું-જેમ કે-હે ગૌતમ. गोत्र के नाम से किसी को पुकारना; यथा-हे गौतम. Addressing a person by his family-name.. सूय० १, ६, २७;

गोर. त्रि० (गौर) સફેદ; ઉજળું; ધોળું. श्वेत; उज्वल; सफेद. White. श्रोव० २६; पन्न० २; उवा० १, ७६; —**खर.** पुं० (-खर) ધોળો ગર્દભ-ગધેડો. श्वेत गर्दभ; सफेद गधा. a white ass. पन्न० १; —**मिग.** पुं० (-मृग) સફેદ હરણ. श्वेत मृग; सफेद हिरन. a white deer. आया० २, ४, १, १४४; —**मिय.** न० (-मृग) સફેદ હરણ. श्वेत मृग. a white deer. निसी० ७, ११;

गोरव. नं० (गौरव) ગૌરવ; મહિમા; મોટાઈ. गौरव; महिमा; बडाई. Greatness; glory. विशे० ३४७३; जं० प० सू० प० २०;

गोरस. पुं० (गोरस-गवां रसः व्युत्पत्तिस्त्वेवम्-प्रवृत्तिस्तु महीष्यादीनां दुग्धादि रूपे रसे) દહિ-દૂધ-છાશ વગેરે. दही-दूध-छाछ इत्यादि. Milk, curds, whey etc. पिं० नि० ४७; नाया० ८; १७; प्रव० १४२४;

गोरहग. पुं० (गोरथक) ત્રણ વર્ષનો-નાનો વાછડો. तीन वर्ष का-छोटा बछड़ा. A young ox three years old. आया० २, ४, २, १३८; सूय० १, ४, २, १३; दस० ७, २४;

गोरी. स्त्री० (गौरी) અંતગડસૂત્રના પાંચમાં વર્ગના બીજા અધ્યયનનું નામ. अंतगड सूत्र के पांचवे वर्ग के द्वितीय अध्ययन का नाम. Name of the second chapter of the fifth section of Antagada Sūtra. (२) કૃષ્ણ વાસુદેવની એક પટ્ટરાની કે જે નેમનાથ પ્રભુની દેશના સાંભળી વિરક્ત થઇ યક્ષિણી આર્યાજી પાસે દીક્ષા અંગીકાર કરી ११ અંગ ભણી વીસ વર્ષની પ્રવજ્યા પાળી એક માસનો સંથારો કરી નિર્વાણપદ પામ્યા. कृष्ण वासुदेव की एक पट्टरानी कि जो नेमनाथ प्रभु की देशना का श्रवण कर विरक्त हुई व यक्षिणी आर्या से दीक्षा अंगीकार की व ११ अंगों का अभ्यास कर बीस वर्ष की प्रव्रज्या का पालन कर एक मास का संथारा कर निर्वाण पद को प्राप्त हुई. name of a principal queen of Krisna Vāsudeva. She gave up worldly attachment as a result of the preaching of Nemanātha and took Dīkṣā from a nun named Yakṣinī. After studying 11 Aṅgas and practising asceticism for twenty years she attained to salvation after one month's Santhārā (giving up food and water). अंत० ५, २; ठा० ८, १; (२) પાર્વતી. पार्वती. the goddess Pārvatī. सूय० २, २७, सू० च० २, ३३; (३) ગૌરવર્ણવાળી સ્ત્રી. गौर वर्ण वाली स्त्री. a woman with fair skin. अणुजो० १२८; ठा० ७, १;

गोरोयण. न० (गोरोचन) ગોરું ચંદન. लाल चंदन. The bezoar stone. पंचा० ४, १५;

गोल. त्रि० (गोल) ગોલ; લખોટા, ગોળા વગેરે. गोल; गोटी, गोली इत्यादि. A small ball etc. for play. अणुत्त०

६, १; भग० १०, ५; ११, ३; पन्न० १; जं० प० ७, १७; सू० प० १८; (२) કાશ્યપ ગોત્રની એક શાખા અને તેમાં ઉત્પન્ન થયેલ પુરુષ. काश्यप गोत्र की एक शाखा व उसमें उत्पन्न पुरुष. a branch of the Kāśyapa family; a person born in it. ठा० ७, १; (३) કોઈ એક દેશમાં વપરાયેલ અપમાન સૂચક સંબોધન. किसी मुल्क में प्रचलित अपमान सूचक संबोधन. an exclamation showing contempt (used in some dialect). नाया० ४; आया० २, ४, १, १३४; दस० ७, १४;

गोलगुल. पुं० (गोलांगूल) વાનર. बंदर. A monkey. भग० १२, ८; **—वसभ**. पुं० (—वृषभ) મ્હોટો વાનર. बड़ा बंदर. a big monkey. भग० १२, ८;

गोलय. पुं० (गोलक) ગોળો; ગોળ પિણ્ડો; દડો. गोला; गेंद; A ball. उत्त० २६, ४०;

गोलवट्ट. त्रि० (गोलवृत्त) ગોલાકારે; વર્તુલ. गोलाकार; वर्तुलाकृतिमें. Round; circular. सम० ३५; जं० प० ७, १५०; २, ३३;

गोलव्वायण. न० (गालवायन) અનુરાધા નક્ષત્રનું ગોત્ર. अनुराधा नक्षत्र का गोत्र. The family-name of Anurādhā. सू० प० १०;

गोलिंकायण. पुं० (गोलिंकायन) કૌશિક ગોત્રની શાખા. कौशिक गोत्र की शाखा. A branch of the lineage named Kauśika. (२) તે શાખામાંનો પુરુષ. उस शाखामेंका पुरुष. a person belonging to the above lineage. ठा० ७, १;

गोलियसाला. स्त्री० (गोलिकशाला) ગોળ વેચવાની દુકાન. गुड बेचने की दुकान. A shop for selling treacle. (२) ગાયોને દોહવાનું સ્થાન. गौओंका दूध निकालने का स्थान. a place for milking cows. वव० ६, १; ७;

गोलुंकि सद्द. पुं० (गोलुंक शब्द) ગોલુંકી નામના વાજીંત્રનો શબ્દ. एक प्रकारके वार्जित्र का शब्द. Sound of a musical instrument. निसी० १७, ३३;

गोलोम. पुं० (गोलोम) બે ઈંદ્રિયવાળો જીવ; (છાણમાં થાય છે તે.) दो इंद्रिय वाला जीव-गोबर में होता है वह. A two-sensed being; (found in cow-dung). पन्न० १; निसी० १०, ५०; (२) ગાયનું રૂંવાડું. गौ का रूंवा. the fur of a cow. कप्प० ६, ५७;

√ **गोव**. धा० I, II. (गुप्) બચાવવું; છુપાવવું. बचाना; छिपाना. To hide; to protect.

गोवेइ. नाया० १६;

गोवसि सु० च० १५, ६;

गोविता. सं० कृ० नाया० १६;

गोवित्तए. हे० कृ० नाया० १६।

गोव. पुं० (गोप-गां भूमिं वा पाति रक्षति) ગોવાળ. गवली; ग्वाला. A cowherd. विशे० २१५९; पिं० नि० ६६७; भत्त० ८१;

गोवल्लायण. न० (गोवल्लायन) પૂર્વા ફાલ્ગુની નક્ષત્રનું ગોત્ર. पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र का गोत्र. The family-name of Pūrvāfālguni constellation. सू० प०१०; जं० प० ७, १५६;

गोवालिआ. स्त्री० (गोपालिका) ગોપાલિકા નામની આર્યા. गोपालिका नामक आर्या. Name of a nun. नाया० १६;

गोवाली. स्त्री० (गोवाली) એ નામની એક વેલ. इस नाम की लता. Name of a creeper. पन्न० १;

गोवीहि. स्त्री० (गोवीथि) શુક્રની ગતિ વિશેષ. शुक्र की गति विशेष. A particular kind of motion; the motion of Venus. ठा० ६, १;

गोस. पुं० (*) પ્રાતઃકાલ; સવાર. प्रातःकाल; सवेरा. Morning; dawn. सु० च० २, ११; ४, २०२; प्रव० १६१; पंचा० १, ५०; **—करणीय.** त्रि० (-करणीय) સવારમાં કરવા લાયક (ધર્મ-ધ્યાનાદિ). प्रातःकाल में करने योग्य (धर्मध्यानादि). (anything) to be done in the morning; i. e. religious meditation etc. सु० च० २, ७५;

गोसाल. पुं० (गोशाल) ગોશાલો-મંખલિ પુત્ર, જેનું વિવરણ ભગવતી સૂત્રના ૧૫ મા શતકમાં છે. गोशाला मंखलि पुत्र, जिस का विवरण भगवती सूत्र के पंद्रहवें शतक में है. Gośālā-the son of Mankhali, described in the 15th Śataka of Bhagavatī Sūtra. भग० १५, १; नाया० १६; उवा० ७, १८८;

गोसालग. पुं० (गोशालक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. प्रव० ७६०; **—मय.** न० (-मत) ગોશાલાનો મત. गोशाला का मत. the tenet of Gośālā. प्रव० ७४०;

गोसीस. न० (गोशीर्ष) ગાયના મસ્તકમાંથી નિકળતું ગોરોચન. गौ के मस्तक में से निकलने वाला गोरोचन. A yellow pigment found in the head of a cow. जं० प० ५, ११४; पण०२; सम०प० २१०; नाया० १; भग० ९, ३३; १५, १; ओव० (२) ગાયનું મસ્તક. गौ का मस्तक. the head of a cow. सू० प० १०; **—आवलि.** स्त्री० (-आवलि) ગાયના મસ્તકોની પંક્તિ. गौ के मस्तकों की पंक्ति. a line of the heads of cows. सू० प० १०;

गोह. पुं० (गोध) જુઓ " गोहा " શબ્દ. देखो " गोहा " शब्द. Vide " गोहा " पराह० १, १; उत्त० ३६; १८०; जीवा० १; दसा० ६, ४;

गोहा. स्त्री० (गोधा) ઘો; સરડા જેવું એક ચપટું પ્રાણી એને ભીંગડા અને ચાર પગ હોય છે, રાત્રે શિકાર સારૂં બ્હાર નીકલે છે એની બે જાત છે-ચન્દનઘો અને પાટલાઘો. घो जैसा एक चपटा प्राणी-उसके शरीर पर छिलके व चार पैर होते हैं, रात्रि को शिकार के वास्ते निकलती है उसकी दो जाति हैं-चंदनघो व पाटलाघो. A lizard-like animal having scales and four feet. It moves out in search of prey at night. It is of two kinds. (1) Chandanagho and (2) Pātlagho. नाया० ८; सूय० २, २, ६३; २, ३, २५; भग०८, ३; १५,१; **—आवलिया.** स्त्री० (-आवलिका) ઘોની પંક્તિ. घो की पंक्ति. a row of lizard-like animals. भग० ८, ३;

गोहिआ-या. स्त्री० (गोधिका) ભાંડ લોકનું એક જાતનું વાજીંત્ર. भांड लोगों का एक तरह का वाजिंत्र. A kind of musical instrument used by tumblers etc. अणुजो० १२८; नाया०२, ११, १६८; ठा० ७, १; विवा० ७; (२) સામાન્ય ઘો. सामान्य घो A kind of lizard. जीवा०

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

१; —सद्द पुं० (-शब्द) ભાંડના વાજિંત્રનો શબ્દ. भांडों के वाजिंत्र का शब्द. the sound of a musical instrument of a bard. निसी० १०, ३५;

गोही. स्त्री० (गोही) ગોહણી. गोहणी. A female lizard-like animal. जीवा० १;

गोहूम. पुं० (गोधूम) ઘઉં; ધાન્યની એક જાત. गेहूं; धान्य की एक जाति. Wheat; a kind of corn. पन्न० १; वेय० २, १; प्रव० १००६;

√ग्गह. धा० II. (ग्रह्) ગ્રહણ કરવું. ग्रहण करना. To accept.

गहेइ. निसी० १, ५४;

गहेही. भ० सु० च० ८, १६७;

गहिउं. सं० कृ० सु० च० १२, १७३;

गहेऊण. सं० कृ० नाया० १६;

गहाय. उत्त० ४, २; अणुजो० १४८; भग० २, १; ३, १; ५; ६, १०; ८, ३३; ११, ६; १३, ६; १५, १; १६, १; नाया० १; २; ३; ५; ७; ८; १६; १८; दसा० ७, १; १०, ३; विवा० २; ६; ७; निसी० ३, ८२; ७, २६; ६, ४; वव० ७, १७; ८, ११; राय० ३३; वेय० १, ३७; निर० ३, ३;

गाहेइ. प्रे० नाया० ५; ओव० ३०;

गाहावइ. प्रे० वि० सु० च० १०, १२६;

गाहेहिंति. प्रे० भ० भग० ७, ६; जं० प० २, ३६;

गाहिस्सं. प्रे० भ० विसे० १४५६;

गाहित्ता. प्रे० सं० कृ० भग० ७, ६; ओव० ३८;

गाहेत्ता. प्रे० सं० कृ० नाया० ५;

√ग्घा. (घ्रा) સુંઘવો. सूंघना. To smell.

जिग्घइ. निसी० १, ८; ६, ७;

जिग्घंत. निसी० १, ६;

घ.

*घंघ. त्रि० (*) ગરીબ અનાથ. गरीब; अनाथ. Poor; destitute. पिं० नि० ३४५; —साला. स्त्री० (-शाला) અનાથાલય; ધર્મશાલા. अनाथालय; धर्मशाला. A house of charity for the helpless. ओव० नि० ६३६;

घंट. पुं० (घण्ट) ઘંટડી; ટોકરી. घंटी. A bell. भग. ९, ३३; सु० च० २, ३०३; प्रव० ११४७; जं० प० ५, ११५; —रव. पुं० (-रव) ઘંટનો અવાજ. घंटेकी आवाज. घंटा का नाद. Sound of a bell नाया० ८;

घंटा. स्त्री० (घंटा) ઘંટડી ટોકરી. घंटा. A bell. ओघ० नि० भा० ८६; ओव० ३०; नाया० १, ३; राय० ३७; जं० प० ५, ११५; उवा० ७, २०६; —आवलि. स्त्री० (-आवलि) ઘંટોની પંક્તિ. घंटों की पंक्ति. A series of bells. नाया० १; राय० ओव०

घंटिअ-य. पुं० (घण्टिक-घण्टया चरन्ति तां वादयन्तीति घण्टिकाः) ઘંટા વગાડી ભિક્ષા માગનાર; રાઉલિક. घंटा बजाकर भिक्षा मांगने वाला; राउलिक. One who begs alms by ringing a bell; a Rāulika. नाया० ६; कप्प० ५, १०७;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

घंटिआ-या. स्त्री० (घण्टिका) घण्टडी; घुघरी. घंटी; घुंघरी. A bell; a small bell. राय० ४४; जीवा ३, ३; नाया० ३; प्रव० ११३; (२) એક જાતનું આભરણ. एक जातिका आभरण. a kind of ornament. जं० प० ५, ११५; उवा० ७, २०६; नाया० ८; —जाल. न० (-जाल) घंटडिઓનો, ઘુઘરીઓનો સમૂહ. घंटियों का समूह; घुंघरियों का समूह. a collection, bunch of small bells. भग० ६, ३३;

घंतु. त्रि० (घातुक) મારનાર; ઘાત કરનાર. मारनेवाला; घात करनेवाला. A killer; a destroyer. " रमणिज्जेण घंतुणा " उत्त० १८, ७;

घंसण. न० (घर्षण) ઘસવું. घिसना. घर्षण. Rubbing; friction. विशे० २०४३; नाया० १;

घंसिअ-य. त्रि० (घर्षित) ચંદનની પેઠે ઘસેલું; ઘસેલું. चन्दन की तरह घिसाहुआ. Rubbed against a hard substance; e. g. Sandalwood. ओव० ३८;

घकारप्पविभत्ति. पुं० (घकारप्रविभक्ति) "घ" ના આકાર જેવું; ૩૨ નાટકમાંનું એક. "घ" की आकृति जैसा; ३२ नाटक में से एक. Anything of the shape of the letter "घ" one of the 32 dramas. राय० ६३;

घट्ट. धा० I, II. (घट्ट) સ્પર્શ કરવો; હલાવવું. स्पर्शकरना; हिलाना. To touch; to give motion.

घट्टइ. भग० ३, ३; राय० २६६;

घट्टेइ. नाया० ३;

घट्टेति. नाया० ४;

घट्टिआ. वि० दस० ४;

घट्टेआ. वि० दस० ४;

घट्टाविज्जा. प्रि० वि० दस० ४;

घट्टावेज्जा. प्रि० वि० दस० ४;

घट्टिय. सं० कृ० पिं० नि० २५४;

घट्टेउं. ओघ० नि० ३००

घट्टेत. व० कृ० दस० ४;

घट्टग. न० (घृष्टक) ઘસવાનો પથ્થર. घिसने का पत्थर. A hard stone used for rubbing things against. ओघ० नि० ४०१;

घट्टण. न० (घट्टन) સંઘટ્ટ થવો; અથડાવું. संघट्ट होना; अथडाना. Clash; collision. दस० ४; ठा० ४, ४; पंचा० १५, ३१;

घट्टणया. स्त्री० (घट्टना) સંઘટ્ટો કરવો; જોર કરીને ઘસવું. संघट्टन करना; जोरसे दबा कर घिसना. Rubbing with great pressure. पन्न० १६; ओव० ३८;

घट्टिय. त्रि० (घट्टित) પરસ્પર સ્પર્શ થાય તેવી રીતે હલાવેલ; ઘટ્ટના-ઘસવા પામેલ. परस्पर स्पर्श हो इस तरह हिलाया हुआ. caused to collide; moved in a way to cause friction. " घट्टियाण कंदियाण खोभियाण " जं० प० १; राय० १२८; पिं० नि० ५८३; (२) સ્પૃષ્ટ. स्पृष्ट. touched. पह० १, ३; (३) પ્રેરણા કરેલ. प्रेरणा किया हुआ; प्रेरित. directed; instructed. पगह० १, ३;

घट्ठ. त्रि० (घृष्ट) ઘસેલું; પાલીસ કરેલું; પથ્થરની પેઠે સાફ કરેલું. घिसाहुआ; पत्थर के समान साफ किया हुआ. Rubbed; polished. ओव० ४३; नाया० २, २, १, ६८; २, ५, १, १४४; अणुजो० २१; सू० प० जीवा० ३, ४; भग० २, ८; जं० प० ओघ० नि० ८८; पन्न० २; वेय० १४४; सम०प० २११; राय० कप्प० ३, ३२; ६, २;

√ **घड.** धा॰ I, II. (घट्) घडवुं; टीपवुं. घडना; बनाना. To hammer; to fashion. (२) घटना करवी. घटना करना. to mould.

घडइ. सु॰ च॰ २, १८१;

घडेमो. नाया॰ ८;

घडित्तए. हे॰ कृ॰ नाया॰ ८;

घडंत. भत्त॰ ४७;

घडेंति. भग॰ ११, ६; जं॰ प॰ ५, ११४;

घडित्ता. सं॰ कृ॰ जं॰ प॰ ५, ११४;

घड. पुं॰ (घट–घटतेऽसौ घटनाद् वा घटः) घडो; कळश. घडा; कलश. A pot; a pitcher. विशे॰ ६१; भग॰ ५, ४; ८, १०; पण्ण॰ २; पिं॰ नि॰ ८८; १३२; ओव॰ अणुजो॰ १३१; सम॰ २५; पंचा॰ ६, ११; प्रव॰ ६४५; **—कार.** पुं॰ (–कार) घडानो बनावनार; कुंभार. घट बनाने वाला कुंभकार; कुंभार. a potter. विशे॰ १८१५; **—दास** पुं॰ (–दास) पाणी भरनार नोकर. पानी भरने वाला नौकर. a servant employed to fetch water. नाया॰ २, ४, १, १३८; **—दासी.** स्त्री॰ (–दासी) पाणी भरनारी दासी. पानी भरने वाली दासी. a servant-maid employed to fetch water. सूय॰ १, १४, ८; **—मुह.** पुं॰ (–मुख) घडानुं मोढुं. घटका मुख; घडे का मुंह. the mouth of a pot. सम॰ ७४;

घडक. पुं॰ (घटक) घडो. घडा; घट. A pot. अणुजो॰ १३२;

घडग. पुं॰ (घटक) घडो. घडा; घट. A pot. नाया॰ १६; जं॰ प॰

घडण. न॰ (घटन) उद्यम; प्रयत्न. उद्यम; प्रयत्न. Effort; industry. पण्ह॰ २, १;

घडणा. स्त्री॰ (घटना) घटना करवी; योजवुं. घटना करना; योजना करना. Formation. विशे॰ १२०७; पंचा॰ १२, ४२;

घडत्त. न॰ (घटत्व) घडानो भाव; घटपणुं. घडे का भाव; घटत्व. State of being a pot. भग॰ १, ३;

घडत्ता. स्त्री॰ (घटता–घटा समुदायरचना तद्भावः तत्ता) समुदाय रचनानो भाव. समुदाय रचना का भाव. Formation of group. जीवा॰ ३, ३; भग॰ ५, ३; ११, १०; १८, १०;

घडय. पुं॰ (घटक) जुओ " घडग " शब्द. देखो " घडग " शब्द. Vide " घडग " नाया॰ ७; उवा॰ ७, १६४;

घडि. त्रि॰ (घटिन्) घडावाळो. घडा वाला. (One) having a pot. अणुजो॰ १३१;

घडिगा. स्त्री॰ (घटिका) माटीनी कुलडी. मिट्टी की कुलडी. A small earthen vessel. सूय॰ १, ४, २, १४;

घडिमत्तय. न॰ (घटिमात्रक) घडीने आकारे माटिनुं ठाम. छोटा मिट्टीका बरतन. A small earthen pot. वेय॰ १, १६;

घडिय. त्रि॰ (घटित) घटना करेल; मेळवेल. घटना किया हुआ. Formed; joined. जीवा॰ ३, ३;

घडियव्व. त्रि॰ (घटितव्य) घटना करवी; सांध मेळववी. संयुक्त करना; सांधा जुडाना Uniting together; bringing together. नाया॰ १; ५; भग॰ ६, ३३;

घण. पुं (घन) दहीनो जामेल चक्को. दही का जमा हुआ चक्का. thick curds. " दहि घणे " पण्ण॰ १७; जं॰ प॰ ५, ११२; ७, १४०; ५, १२१; (२) नक्कर वाजिंत्र कांसिया, झांझ वगेरे. ठोस बाजित्र, झांझ इत्यादि. a bronze musical instrument. जं॰ प॰ १, १२; जीवा॰ ३, ४; राय॰ ६६; भग॰ ५, ४; ठा॰ २, ३; ४, ४; (३)

दढ; कठण; मजबुत; छिद्रवगरनुं. दढ; कठिन; छिद्र रहित. hard; firm; free from holes. राय० ३२; १०६; २५४; विशे० ११३१; पिं० नि० भा० १७; पन्न० १; २; ३६; सु० प० १६; ओव० ४३; भग० ५, २; (४) घाटुं; गाढ; जाडुं. घट्ट; गाढा; मोटा. thick; dense. पिं० नि० भा० ३८; ओघ० नि० भा० ३१३; कप्प० ३, ४४; प्रव० ५१२; ५३५; क० गं० १, २०; (५) विस्तार. विस्तार. extent; area. विशे० ४६०१; (६) मेघ. मेघ. a cloud. भग० २, १; पन्न० २; पराह० १, ३; नाया० ६; पिं० नि० १७५; कप्प० ३, ३३; गच्छा० ६५; (७) आत्माना असंख्यात प्रदेशनुं घनरूप पिण्ड. आत्मा के असंख्यात प्रदेश का घन रूप पिण्ड. body consisting of countless atoms of the soul. भग० ५, ६; (८) समान जातिना आंकडा त्रणु वखत गुणवाथी जे आंकडो आवे ते; जेम के बेनो घन आठ, त्रणनो सत्ताविस, चारनो चोसठ वगेरे. समान जाति के अंक तीन बार गुनने से जो अंक आता है वह; यथा दो का घन आठ, तीन का सत्तावीस, चार का चौंसठ इत्यादि. number got by cubing a numerical quantity. पन्न० १२; (९) लंबाइ पहोळाइ अने जाडाइ ए त्रणेनुं मान जेमां आवे ते; घनरूपे आलोकनुं परिमाण सातराज छे. लंबाई चौडाई व मोटाई इन तीनों का मान जिसमें आता है वह; घनरूप में इस लोक का परिमाण सात राज है. a cubic measure as that of this world "सत्तरज्जुमाणघणो" क० गं० ५, ६७; (१०) घणुं; बहु. बहुत; अतिशय. much; more. प्रव० १४८६; (११) नागरमोथ. नागरमोथ. a fruit of a medicinal plant. सु० च० २, ७७; (१२) कांसिया वगेरे वाजिंत्रनुं शब्द. झांझ इत्यादि बाजित्र का शब्द. a sound of a musical instrument made of bronze. भग० ५, ४; —**आयत.** न० (-आयत) जाडाइ अने पहोळाइ युक्त आयत संठाण; नक्कर वस्तुनी लंबाइ. आयत संठाण; ठोस वस्तु की लंबाई, चौडाई व मोटाई. having length and breadth. भग० २५, ३; —**करण.** न० (-करण) कर्मनो बंध मजबुत करवो; निबिड कर्म बंध करवो ते. कर्मों को बांधना, दृढ करना; निबिड कर्म-बंध करना. tightening the bond of Karma. पिं० नि० १०१; —**चउरंस.** न० (-चतुरस्र) नक्कर वस्तुनुं चोरस संठाण. ठोस वस्तु का चौरस संठाण. a quadrangular solid. भग० २५, ३; —**तंस.** न० (-त्र्यस्र) नक्कर रूप त्रिकोण संठाण. ठोस त्रिकोण संठाण (anything) triangular. भग० २५, ३; —**तव.** न० (-तपस्) प्रतरने श्रेणि गुणा करतां घन थाय, अथवा लंबाइ पहोळाइ अने जाडाइ सरखी होय ते घन; दाखला तरीके चार कोष्टकनी श्रेणी होय तो सोळ कोष्टकना प्रतरने चारे गुणतां चोसठ कोष्टक थाय; प्रतरना सोळ कोष्टकने चोवडा बनाववा. घन कोष्टक थाय; तेम लखी शकाय नहीं, जेथी प्रतर तप प्रमाणेज चारवार तप करवाथी, घन तप थाय छे, ते समजी लेवुं. प्रतर व श्रेणि का गुना करने से घन होता है, अथवा लंबाई, चौडाई व मोटाई समान हो वह घन; उदाहरण-चार कोष्टक की श्रेणी हो तो सोलह कोष्टक के प्रतर को चार से गुनने से चौसठ कोष्टक हो; प्रतर के सोलह कोष्टक को चार गुना करने से घन

कोष्टक हों; इस तरह लिखा नहीं जा सका इस लिये प्रतर तप के ही समान चार बार तप करने से घन तप समझ लेना. the cubic measure of an austerity; supposing an austerity to represent x, Ghana Tapas would represent $\dot{x}$ उत्त० ३०, १०; —**परिमंडल** न० (–परिमण्डल) નક્કર રૂપે વર્તુલ આકાર; ઘન પરિમંડલ સંઠાણ. ठोस वर्तुलाकार; घन परिमंडल संठाण. (anything) circular in shape. भग० २५, ३; —**माला**. स्त्री० (–माला) મેઘમાલા. मेघ माला. a line of clouds. भत्त० १२५; —**मणि**. त्रि० (–मणि) ઘણા મણિ. बहुत मणि. many gems. प्रव० १४८६; —**मुइंग**. पुं० (–मृदंग) મ્હોટું નગારું. मृदंग; ढोल; बड़ा नक्कारा. a big drum. जं० प० ५, ११५; कप्प० २, १३; —**रज्जु**. स्त्री० (–रज्जु) જેની લંબાઇ પહોળાઇ અને જાડાઇ સરખી થાય એવી રીતે રાજનું પરિમાણ કરવું તે जिसकी लंबाई, चौड़ाई व मोटाई समान हो इस रीति से राज का परिमाण करना. a unit of measure in which length, breadth and thickness are equal. (२) રજ્જુ એટલે રાજ કે જે લોકના ક્ષેત્રનું પરિમાણ બતાવે છે. આખો લોક ઉક્તરાજથી માપતાં ૧૪ રાજ પરિમિત થાય છે આ માપ ત્રણ પ્રકારે બતાવેલ છે. સૂચિ, પ્રતર અને ઘન. જેમાં લંબાઇ બતાવવામાં આવે પહોળાઇ નહિ, તે સૂચિ. જેમાં લંબાઇ અને પહોળાઇ બન્ને દર્શાવવામાં આવે તે પ્રતર. જેમાં લંબાઇ પહોળાઇ અને ઉંચાઇ એ ત્રણે બતાવવામાં આવે તે ઘન ત્રણે પ્રકાર આ ચિત્રમાં બતાવવામાં આવ્યા છે. रज्जु अर्थात राज कि जो लोक के क्षेत्र का
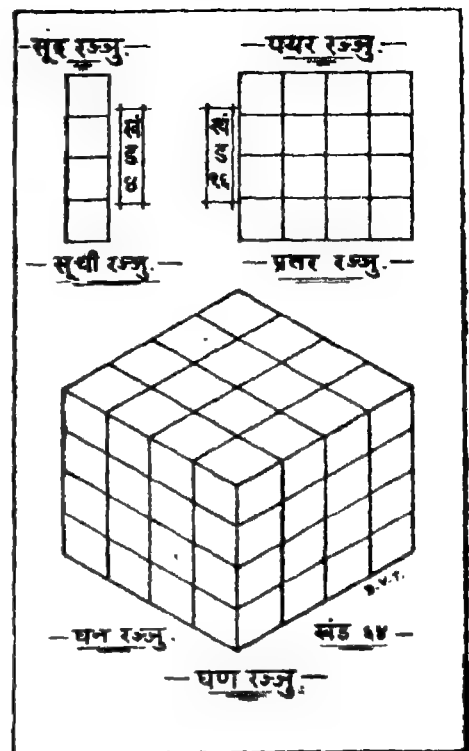
परिमाण बतलाता है. सारा लोक उक्त राज से मापने पर १४ राज परिमित होता है. यह माप तीन प्रकार से बतलाया गया है सूचि; प्रतर और घन. जिसमें केवल लम्बाई बतलाई जाती है वह सूचि जिसमें लंबाई और चौड़ाई दोनों बतलाई जाते है वह प्रतर. जिसमें लंबाई, चौड़ाई और उंचाई ये तीनों बतलाई जाती हैं वह घन. तीनों प्रकार इस चित्र में बतलाये गये है. Rajju means Rāja (a measure of length breadth and thickness) which is used in measuring Loka (region). the whole world when measured with the above unit, measures 14 Rāja. this measure is displayed in three ways, viz. Sūchi, Pratara and Ghana.The measure by which

length and dreadth are calculated is called Pratara and Ghana is that by which length breadth and thickness are measured All these three ways are exhibited in the picture. प्रव० ६२१. —वट्ट. न० (-वृत्त) નક્કર ગોળાકાર; લાડુની માફક. ठोस गोलाकार. (anything) solid and globular or round like a ball. भग० २५, ३: —वात. पुं० (-वात) જુઓ " घणवाय " શબ્દ. देखो " घणवाय " शब्द. vide " घणवाय " भग० २०, ६;—वाय पुं० (-वात) ઘનોદધિ અથવા વિમાન આદિના આધારભૂત જામેલા બરફ જેવો અથવા થીજેલા ઘી જેવો એક પ્રકારનો કઠિન વાયુ. घनोदधि अथवा विमान आदि के आधार भूत जमा हुआ बरफ जैसा अथवा जमे हुए घृत जैसा एक प्रकार का गाढा वायु. a kind of hard and thick wind resembling ice or condensed ghee (clarified butter). उत्त० ३६, ११८; भग० १, ६, ७, १०; १०, ५; १९, ११; पन्न० १; जीवा० ३, १. —वायवलय. पुं० (-वातवलय) વલયાકારે રહેલ ઘનવાયુ. वर्तुलाकार से रहा हुआ घनवायु; वलयाकार मे रहा हुआ घनवायु. thick, condensed air remaining in a circular form. भग० १७, ११; —संताणश्र. पुं० (संतानक) કરોળીયાનું પડ. मकडी का जाला. a cobweb. श्रोघ० नि० २८२; —संमद्द पुं० (-संमर्द) જે યોગમાં ચંદ્ર અને સૂર્ય ગ્રહ તથા નક્ષત્રની વચ્ચમાં થઈ ચાલે તે યોગ. जिस योग में चंद्र व सूर्य, ग्रह व नक्षत्र के मध्यस्थ होकर गमन करते हैं वह योग the time or circumstance of the sun and the moon passing through the midst of a planet and a constellation. सू० प० १२; —सद्द. न० (-शब्द) નક્કર વાજીંત્રના શબ્દ. नक्कर वाजित्र के शब्द. the sound of a certain musical instrument निर्मा० १७, ३५;

घणसार. पुं० (घनसार-घनस्य मुस्तकस्य सारः) કપૂર. कपूर. Camphor. सू० च० २, ७७;

घणघणाइय. न० (घनघनायित) રથનો ઘણું ઘણું એવો અવાજ થાય તે. रथका घण घण ऐसा आवाज होना. Tinkling, jingling sound of a chariot. राय० १८३; पराह० १, ३; भग० ३, २; जीवा० ३, ४;

घणघाइ. न० (घनघातिन) ઘનઘાતી કર્મ: જ્ઞાનાવરણીય, દર્શનાવરણીય, મોહનીય અને અન્તરાય એ ચાર કર્મ. घनघाती कर्म; ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय व अंतराय ये चार कर्म. The four Karmas viz Jñanavaraniya, Mohaniya, Darśnavaraniya and Antaraya; these four Karmas are known as Ghanaghati Karmas. क० गं० ५, २७;

घणदंत. पुं० (घनदन्त) ઘનદન્ત નામના અન્તરદ્વીપમાં રહેનાર મનુષ્ય. घनदन्त नामक अंतर द्वीपमें रहने वाला मनुष्य. A resident of an island named Ghanadanta. पन्न० १, जीवा० ३, ३; (२) લવણ સમુદ્રમાં નવસો જોજનપર ઘનદંત નામનો અંતર દ્વીપ. लवण समुद्र में नवसौ योजन पर घनदंत नामक अंतर द्वीप. name of an island in Lavaṇa Samudra at a distance of 900

Yojanas inside. प्रव० १४४१; ठा० ४, २; ६, १;

घणविज्जुया. स्त्री० (घनविद्युत) ધરણેન્દ્રની છઠ્ઠી અગ્રમહિષીનું નામ. धरणेन्द्र की छठी अग्रमहिषी का नाम. Name of the 6th queen of Dharaṇendra. भग० १०, ५; (२) ૫૬ દિસાકુમારીમાંની એક. ५६ दिशाकुमारियों में से एक. one of the 56 Diśākumāris. ठा० ६;

घणा. स्त्री० (घणा) ઘણા દેવી. घणा देवी. Ghaṇādevī. नाया० ध० ३;

घणोदधि. पुं० (घनोदधि-घनः स्त्यानो हिम शिलावत् उदधिर्जलनिचयः सचासौ चेति घनोदधिः) પ્રત્યેક નરકની પૃથ્વી નીચે બરફની પેઠે જામેલ ઘનરૂપ પાણી કે જે વીશ હજાર જોજન પ્રમાણે છે. प्रत्येक नर्क के नीचे बरफ के समान जमाहुआ घनरूप पानी कि जो बीस हजार योजन तक है. An ocean with frozen water 20 thousand Yojanas in depth, under every hell-world. ठा० ३, ४; " सत्तसुघणवाएसु सत्तघणोदहीपइट्ठिया " जीवा० ३, १; भग० १२, १; २०, ६; सम० ८६; ठा० ७;

घणोदहि. पुं० (घनोदधि) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो उपरोक्त शब्द. Vide above. (२) રત્નપ્રભા પૃથ્વિને ફરતા ત્રણ વલય છે. પહેલો ઘણોદધિનો, બીજો ઘનવાયુનો અને ત્રીજો તનુવાતનો. ઘનોદધિ થીજેલા ઘી જેવું પાણી. ઘનવાત પિગળ્યા ઘી જેવો વાયુ છે. તનુવાત એ સૂક્ષ્મ પવનરૂપ છે. એ ત્રણ વલયની કેટલી કેટલી જાડાઈ છે અને પૃથ્વીને ફરતા કેવી રીતે રહેલ છે તે ચિત્રમાં બતાવેલ છે, ચિત્રની વચ્ચેની જાડી આડી લાઇનો રત્નપ્રભા પૃથ્વીના પાથડા અને આંતરા બતાવે છે रत्नप्रभा पृथ्वी के आसपास तीन वलय हैं. पहिला घनोदधि का, दूसरा घनवायु का और तीसरा तनुवात का. घनोदधि थीजे हुए घी के समान होता है. घनवात पिघले घी जैसा वायु है और तनुवात यह सूक्ष्म पवनरूप है. इन तीनों वलय की कितनी कितनी मोटाई है और पृथ्वि के आसपास किस प्रकार स्थित हैं यह चित्रमें बतलाया है. चित्र के अन्दर बीचकी जो मोटी लकीरें हैं वे रत्नप्रभा पृथ्वि के पाथडा (प्रस्तर) और आन्तरा (अन्तर) बतलाती हैं. The three curves round Ratnaprabhā world, viz. Ghanodadhi, Ghanavāyu and Tanavāyu. Ghanodadhi is like a condensed clarified butter. Ghanavāta is like a fluid clarified butter and Tanavāta is like thin atmosphere. The breadth and the positions of these three curves are shown in the picture. The deep black lines in the picture show the different layers and intervals of the Ratnaprabhā world. भग० १, ६; २, १०; १२, ५; सम० २०; पन्न० २; —**वलय.** पुं० (-वलय घनोदधिरेव वलयमिव वलयकटकं घनोदधिवलगम्) સાતે નરકોની નીચે વીશ હજાર જોજન પ્રમાણ ઘનોદધિ-વલોયાને આકારે જામેલ પાણી. सात नरकों के नीचे बीश सहस्र योजन प्रमाण घनोदधि-वर्तुला कार से जमा हुआ पानी. an ocean with frozen water circular in form, and twenty thousand Yojanas in depth under each of the seven hell-worlds. ठा० ३, ४; भग० १७, ६; २०, ६; पन्न० २;

अ ६ योजन. क ४ १/२ यो. ड १ १/२ यो.
१०००
— १ली नरक. १८०००० —
१ पाथडो ३००० योजन उंचो
१ आंतरो ११५८३ १/३ यो.
१८००००
१३ पाथडा.
१२ आंतरा.
१०००
असंख्यात योजन.
तनुवात असंख्यात योजन.
D.V.TALSANIA.

घणोदहि —(नरक)
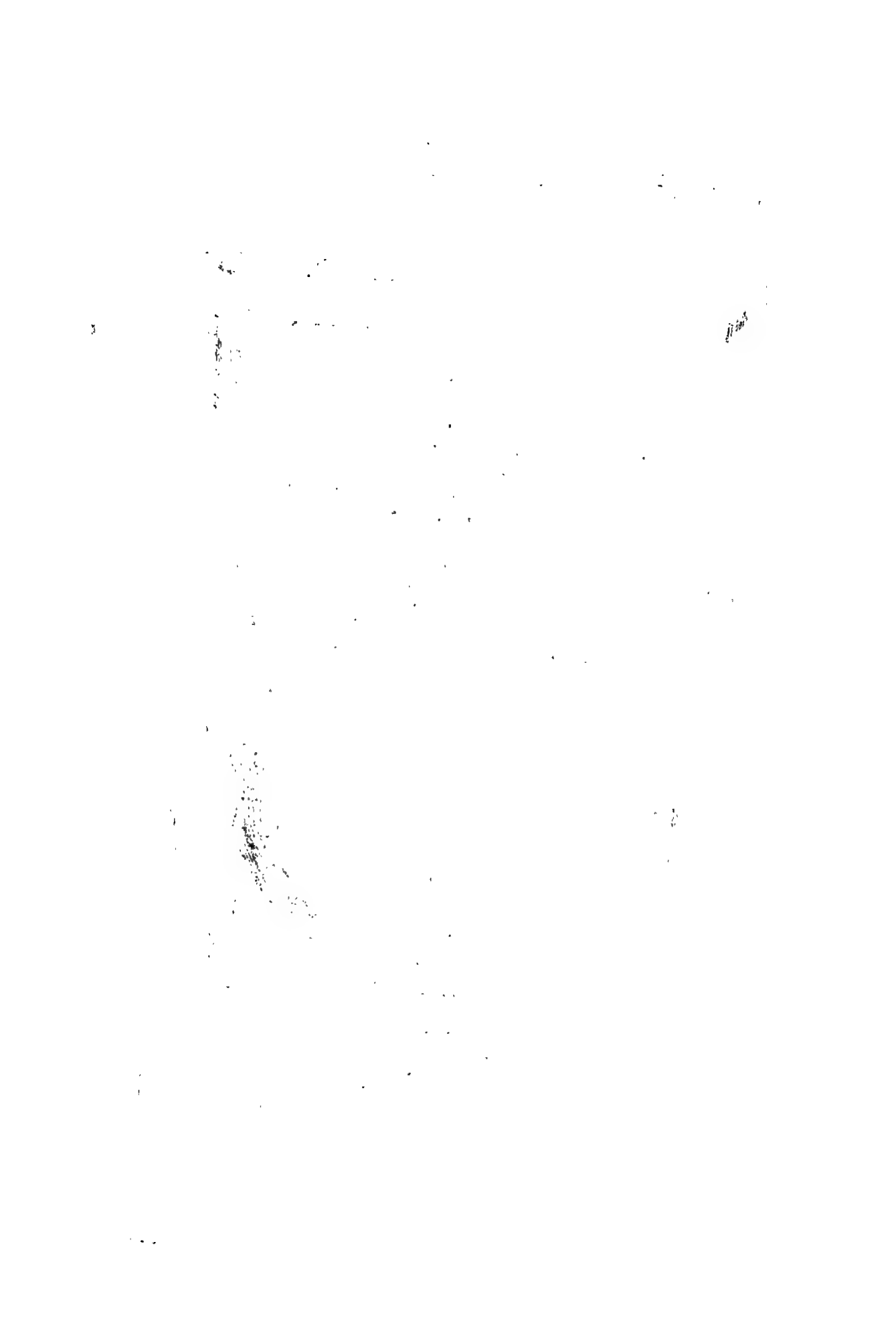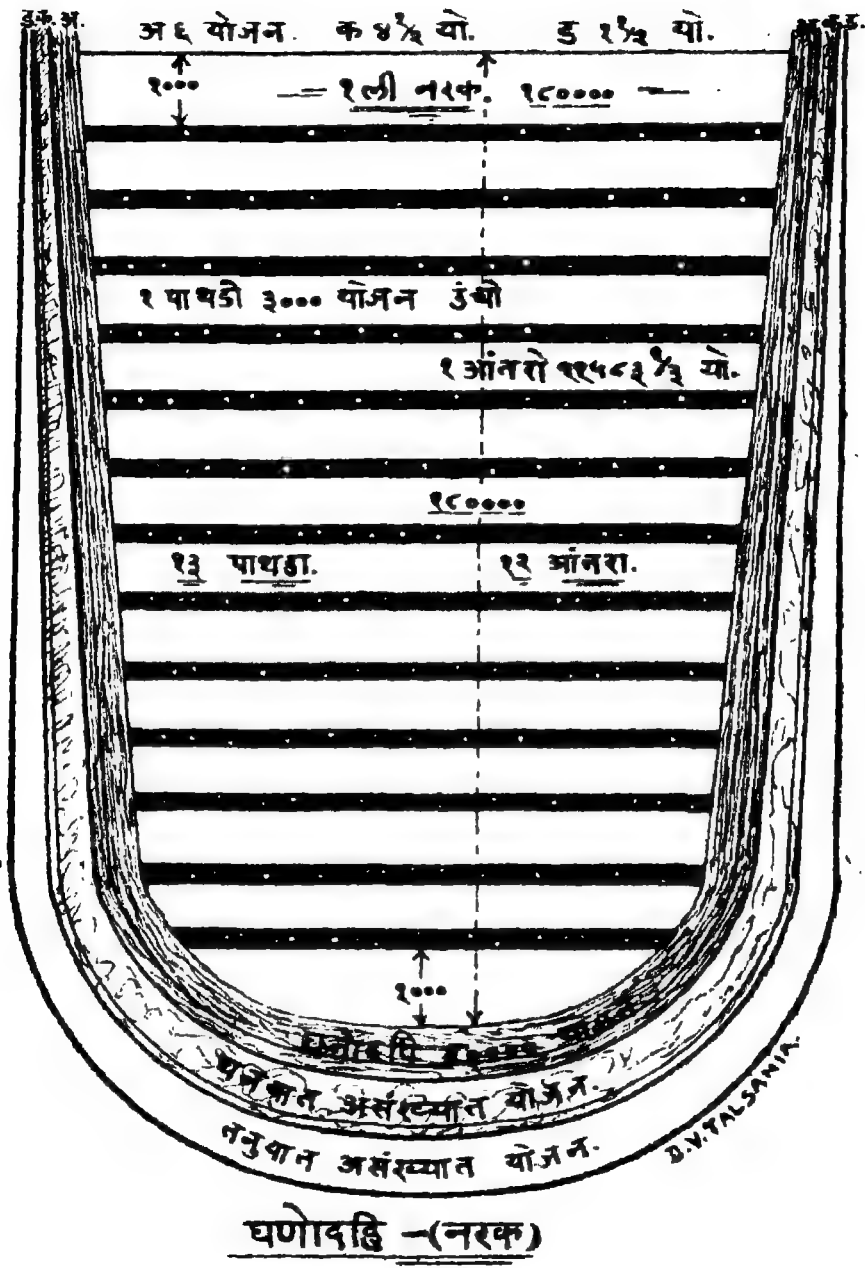
घत. न० (घृत) घी. घी, घृत. Ghee; clarified butter. सू० प० १६;

√**घस.** धा० I. (*) तपास करवी. तपास करना. to search. (२) यत्न करवो. प्रयत्न करना to try.

घसिहामि. भ० उ० ए० विवा० १, ६;

घस. त्रि० (गात्य) घात करवा योग्य. घात करने योग्य. Worthy to be killed; to be killed. सूय० २, ७, ६;

घत्थ. त्रि० (ग्रस्त) पकडाएलुं; घेराएलुं. पकडा हुआ; घिरा हुआ. Caught; surrounded; overpowered. पिं० नि० ११६; पराह० १, ३; भग० १२, ६; सु० च० २, ५३१; (२) घसाइ गयेल; खवाइ गयेल. घिस गया हुआ; कीट खाया हुआ worn out; rusted. गच्छा० १८;

घन. त्रि० (घन) गाढ; गंभीर. गंभीर. Deep; sound; thick. कप्प० ३, ३८; (२) मेघ; वरसाद. मेघ; वर्षा. rain. प्रव० १४८७; **—पडलकलिय.** त्रि० (-पटलकलित) वरसादना वादळाथी युक्त वर्षा के बादलों से युक्त. full of clouds bearing rain. प्रव० १४८७;

घम्म. पुं० (घर्म) घाम; गरमी. घाम; गरमी; ताप. Heat; heat of the sun. ठा० ४, ४; पिं० नि० २०३; **—ठाण** न० (-स्थान) उष्ण तापनुं स्थान; ताप क्षेत्र. उष्ण-गरमी का स्थान; ताप क्षेत्र. a region of heat. सूय० १, ५, १, १२; **—पक्क.** त्रि० (-पक्व) गरमी-तडकाथी पाकेल. गरमी-धूप से पका हुआ. ripened by the heat of the sun. विवा० ८;

घम्मा. स्त्री० (घर्मा) पहेली नरकनुं नाम. प्रथम नरक भूमि का नाम. Name of the first hell. जीवा० ३, १; भग० १२, ३; प्रव० ६११; १०८५;

घय-अ. पुं० न० (घृत) घी. घी. Ghee; clarified butter. निसी० १, ४; दस० ५, १, ६७; नाया० ८; जीवा० ३, ३; उवा० १, ३४; भग० ११, ६; १५, १; पिं० नि० २१०; सु० च० २, ४४७; उत्त० ३, १२; ठा० ४, १; अगुजो० १६; आया० २, १, ४, २४; प्रव० २०६; १४३०; गच्छा० ६६; कप्प० ३, ४२; ५, ११; ८, २३; (२) घृत नामना द्वीप तथा समुद्रनुं नाम. घृत नामक द्वीप व समुद्र. name of an island; also that of an ocean. जीवा० ३, ४; पन्न० १५; अगुजो० १०३; **—उदग.** न० (उदक) घीना जेवुं घृत समुद्रनुं पाणी. घी के समान घृत समुद्र का जल. water of the Ghrita ocean resembling clarified butter. पन्न० १; सू० प० २०; जीवा० ३; **—किट्टि.** स्त्री० (-किट्ट) घीनो मेल-कीटुं. घी का कीट मैल the dirt of ghee प्रव० २३१; **—कुंभ.** पुं० (-कुम्भ) घीनो घडो. घी का पात्र घडा. a pot of ghee or clarified butter. भग० १६, ६; **—मेह.** पुं० (-मेघ) भरतक्षेत्रमां उत्सर्पिणीनो बीजो आरो बेसतां १४ दिवस सुधी मेघ वरस्या पछी सात दिन सुधी त्रीजो मेघ वरसे तेनुं नाम. भरत देश में उत्सर्पिणी का दूसरा आरा लगतेही १४ दिन दो मेघ के बरसने के पश्चात् सात दिन पर्यंत तीसरा मेघ बरसता है वह the name of the last of the 3 downpours of rain (each last-

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ing for 7 days) at the beginning of the 2nd cycle (Ara) of Utsarpiṇī in Bharata-kṣetra. जं० प०

घयपुराण न० (घृतपूर्ण) घेभर. घेवर. An article of food prepared with a great quantity of ghee. पिं० नि० ४६१;

घयपूर. पुं० (घृतपूर) घेभर. घेवर. An article of food requiring a great quantity of ghee to be prepared. पिं० नि० ४६१;

घर. पुं० न० (गृह) मकान; रहेवानुं स्थान; घर. गृह; रहनेका स्थान; मकान. A house; a residence. ओव०१७; अणुजो० १२०; १३१; १३४; उत्त० ६, २६; ३०, १८; नाया० २७; पिं० नि० १६५; भग० १, ६; २, ५; ५, ७; ८, ६; नाया० १; ८; १६; सु० च० १, ३३; जं० प० ठा० २, १; उवा० १, ७७; पंचा० १४, ८२; प्रव० १६७; कप्प० ४, ११७; —अंतर. पुं० न० (-अन्तर) બે ઘર વચ્ચેનું આંતરૂં. दो गृह का मध्यस्थ अंतर. the distance between the two houses. कप्प० ६, २७; —जामाउय पुं० (-जामातृक) ઘર જમાઈ. गृह जामात, घर जवांई. a son-in-law who remains under the roof of his father-in-law. नाया०१६;—समुदाण. न० (-समुदान-गृहेषु समुदानं भिक्षाटनं गृहसमुदानम्) साधु सामान्य प्रकारे બધે ઘરથી ગોચરી કરે તે. साधु सामान्य रीति से सर्व घरों से गोचरी करे वह. the way of begging alms i. e. begging of alms by a Sādhu from all houses without distinction; indiscriminate begging of alms from all houses. भग० २, ५; ३, १; —समुदाणिय. पुं० (-समुदानिक-गृहसमुदायं प्रतिगृहं भिक्षा येषां प्राग्भाऽस्ति ते गृहसमुदानिकाः) પ્રતિઘર-દરેક ઘરે ભિક્ષા લેનાર ગોશાલાના મતનો અનુયાયી. प्रतिघर से भिक्षा लेनेवाला गोशाला के मत का अनुयायी. one who begs alms at each house; a follower of the tenet of Gośālā. ओव० ४१;

घरक न०(गृहक) ઘર. गृह. A house. ओव०

घरकोइला. स्त्री० (गृहकोकिला) ગરોળી; ભીંતગરોળી. छिपकली. A lizard. चउ० ३७; पिं० नि० ३५४;

घरकोइलिया. स्त्री० (गृहकोकिला) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो उपरोक्त शब्द. Vide above. सूय० २, ३, २५;

घरणी स्त्री० (गृहिणी) ઘર ધણિયાણી; સ્ત્રી, ભાર્યા. गृह-स्वामिनी; स्त्री; भार्या. A housewife; a wife. चउ० ३७; उत्त० २१८;

घरय. न० (गृहक) ઘર-ભવન. गृह-भवन. A house. जीवा०३; नाया० १;प्रव०४०८;

घरिणी. स्त्री० (गृहिणी) સ્ત્રી; ઘરધણીયાણી. स्त्री; गृहस्वामिनी. A housewife, a wife. सु० च० १, ८०;

घरोइला. स्त्री० (गृहकोकिला) નાની ગરોળી. छोटी छिपकली. A small lizard. पन्न० १;

घस. न० (घष) જમીનની મોટી ફાટ; કાળી જમીનનો ચીરીયો. जमीन की बड़ी दरार; काली जमीन की दरार. A large crack in land. आया० २, १०, १६६;

घसा. स्त्री० (घसा) ક્ષારવાળી ભૂમિ. क्षारवाली भूमि. Saline soil. दस० ६, ६२;

घसिय. त्रि० (घर्षित) ઘસેલું. घिसा हुआ. (Any thing) rubbed. दसा० ६, ४; सूय० २, २, ६३;

घसिर. त्रि० (घस्मर) અધરાયો; બહુ ખાનાર. अधिक आहार करने वाला. Voracious; gluttonous. ओघ० नि० भा० १३३;

घसी. स्त्री० (घसी) જમીનનો ઢોલાવ. जमीन का उतार. Sloping ground. (२) ભોંયરૂં. तलघर. a cellar जीवा० ३, ३;

घाइ. त्रि० (घातिन्) ઘાત કરનાર. घात करने वाला. (One) who kills. ओघ० नि० भा० २१; क०प० १, ५७; २, ४४; —**कम्म.** न० (-कर्म) જ્ઞાનાવરણીય, દર્શનાવરણીય, મોહનીય અને અંતરાય એ ચાર કર્મ; આત્મિક ગુણોની ઘાત કરનાર કર્મ. ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय व अंतराय ये चार कर्म; आत्मिक गुणों की घात करने वाला कर्म. Karmas destructive of the qualities of the soul i. e. those which obscure knowledge, faith, and those which delude and obstruct. अणुजो० १२०;

घाइअ-य. त्रि० (घातित) મારી નખાવેલું; ઘાત કરાવેલ. मार डाला हुआ; घात कराया हुआ. Caused to be killed. नाया० ८; भग० ७, ६; पिं० नि० १२७; २७४;

घाउकाम. त्रि० (हन्तुकाम) લુંટવાની ઇચ્છાવાળો. लूटने की इच्छावाला. (One) desirous to rob, spoil. नाया० १८;

*__घाण.__ न० (*) ધાણી. धानी. Parched grains. पिं० नि० भा० ४०;

घाण. न० (घ्राण) ઘ્રાણેંદ્રિય; નાસિકા; નાક. घ्राणेंद्रिय; नासिका; नाक. A nose; the sense of smell. " घाणाणं " पन्न० १५; ठा० विशे० २०५; उत्त० ३२, ४८; ठा० ५, १; सूय० २, १, ४२; राय० ५७; ओघ० नि० २८७; पन्न० २३; प्रव० ५६७; ७३४; भत्त० १४५; —**पुग्गल.** पुं० (-पुद्गल) સુગંધી દ્રવ્ય; સુંઘવાનો પુદ્ગલ. सुगन्धित द्रव्य; सूंघने का पुद्गल. a fragrant substance. पन्न० १६; —**पोग्गल.** पुं० न० (-पुद्गल) નાસિકાથી લેવા યોગ્ય પુદ્ગલ. नासिका से ग्रहण करने योग्य पुद्गल. atoms for or of the sense of smell. भग० ६, १०; ओव० ४२; —**बल.** न० (-बल) ઘ્રાણેંદ્રિયનું સામર્થ્ય. घ्राणेंद्रिय का सामर्थ्य. power of the sense of smell. उत्त० १०, २३; —**मणनिव्वुइकर.** त्रि० (-मनोनिर्वृतिकर) નાસિકા અને મનને શાન્તિ કરનારૂં. नासिका व मन को शान्त करने वाला (anything) quieting the mind and the nose. ना ० ६; —**विसय.** पुं० (-विषय) નાસિકાનો વિષય-સુંઘવું તે. नासिका का विषय-सुंघना--बास लेना. smell; smelling. नाया० १७; —**सहगय.** पुं० (-सहगत) નાસિકાના સહકારી પુદ્ગલ. नासिका के सहकारी पुद्गल. atoms which are associated with the sense of smell. भग० १६, ६; १८, ७;

घाणिंदिय. न० (घ्राणेन्द्रिय) નાસિકા; સુંઘવાની શક્તિ ધરાવનાર ઇંદ્રિય; નાક. नासिका; घ्राणेंद्रिय; नाक. A nose; organ of smell. पन्न० १५; नंदी० ४; भग० ८, १; ३३, १; नाया० ५, १७; ओव० १६; सम० ६; —**निग्गह.** पुं० (-निग्रह) ઘ્રાણેંદ્રિય-નાસિકાને કાબુમાં

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

રાખવી તે. घ्राणेंद्रिय--नासिका को वशमें रखना. one who controls the sense of smell. उत्त० २६; २.

√घात. धा॰ I, II. (हन्) હણવું. मारना; घात--वध--करना. To kill.

घाएइ. विवा॰ ३;

घाएंति. विशे॰ १२४८;

घाएत्ता. सं॰ कृ॰ नाया॰ १८;

घाइत्तए. हे॰ कृ॰ नाया॰ १;

घाइज्जमाण. क॰ वा॰ व॰ कृ॰ नाया॰ १८;

√घात. धा॰ I. (हन्+णि) હણાવવું; ઘાત કરાવવી. घात करना. To cause to be killed.

घायए. प्रे॰ दस॰ ६, १०; सूय॰ १,१, १;३;

घायावइ. प्रे॰ भा॰ बु॰ च॰ ८, १८०;

घायमाण. प्रे॰ व॰ कृ॰ आया॰ १, ६, ४, १६२; सूय॰ २, १, २४;

घात. पुं॰ (घात) મારવું. घात करना; वध करना. Killing; murder. भग॰ १५, १; (२) નરક. नरक. hell सूय॰१,५,१,५;

घातश्र. त्रि॰ (तघक) ઘાત કરનારું; મારનારું. घातक. Destructive; (anything) that kills. जं॰ प॰

घाति. त्रि॰ (घातिन्) હણનાર; વધ કરનાર. घात-वध करने वाला. (One) who kills. श्रोव॰ ३८;

घातिश्र-य. त्रि॰ (घातित) હણેલું. घातित; घात किया हुआ. Killed; murdered. भग॰ १६, ६; नाया॰ ८;

घाय. पुं॰ (घात) વધ કરવો; ઘાત કરવો. वध करना; घात करना. Killing; destruction. पिं॰ नि॰ ४८८; नाया॰ १; उवा॰ ८, २४१; पंचा॰ ६, १२; क॰ प॰ २, ४४; —उब्भड. पुं॰ (-उद्भट) ઘાત કરવાને--વિકરાલ. घात करने के समय विकाल रूप धारण किया हुआ. (one) assuming a cruel and terrible appearance at the time of killing. नाया॰ ८; —कर. त्रि॰ (--कर) નાશ કારક. विनाशक. destructive. क॰ गं॰ १, १८;

घायत्र. त्रि॰ (घातक) જુઓ "घातश्र" શબ્દ. देखो "घातश्र" शब्द. Vide. "घातश्र" विशे॰ १७६३;

घायक. त्रि॰ (घातक) ઘાત કરનાર. घात करनेवाला. (One) who kills. जीवा॰ ३, ३; नाया॰ २;

घायग. त्रि॰ (घातक) જીવ હિંસા કરનાર. जीव हिंसा करनेवाला. (One) who kills living beings. पंचा॰ ६, २२;

घायगत्त. स्त्री॰ (घातकता) ઘાતકીપણું; ક્રૂરપણું. घातकीपना; क्रूरपन. Cruelty; destructiveness; murderousness भग॰ १२, ७;

घायण. न॰ (घातन) મારવું; ઘાત કરવી. मारना; घात करना. Killing; murder. स॰ च॰ ८, १३६;

घायणा. स्त्री॰ (घातन) ઘાતકરવી તે. घात करना. Murder; killing. पण्ह॰ १, १;

घायावण. न॰ (घातना) ઘાયલ કરાવવું. घात कराना. Causing (another) to wound or kill. विवा॰ ३;

घास. पुं॰ (ग्रास) કોળીયો. कौर; निवाला; ग्रास. A morsel of food. (२) ભોજન. भोजन. food. सूय॰ १, १, ४, ४; श्रोव॰ १४; उत्त॰ ८, ११; ३; २१; पिं॰ नि॰ ६२६; भग॰ ७, १; वव॰ ८, १५; आया॰ १, ६, ४, ६;

घासक. पुं॰ (घासक) અરિસો; દર્પણ. आरसी; दर्पण. A mirror. विवा॰ २; —परिमंडिश्र. त्रि॰ (-परिमण्डित) અરિસાથી શોભિત. आरसा-दर्पण से सुशो-

मित. adorned with mirrors. "चामर घासक परिमंडिय कडिम" विवा० २;

घिअ. न० (घृत) घी. घी; घृत. Ghee; clarified butter. तंदु०

घिओदअ. पुं० (घृतोदक) घृतोदधि समुद्र; घीना जेवा पाणीवाळो समुद्र. घृतोदधि समुद्र; घी के समान जलयुक्त समुद्र. Name of an ocean having water like clarified butter. ठा० ४, ४;

घिंसु. पुं० (ग्रीष्म) गरमीनी मोसम; उनाळो. ग्रीष्म ऋतु. Summer. सूय० १, ४, २, १०; उत्त० २, ८;

घिणिल्ल. त्रि० (घृणावत्) दयाळु; दयावान. दयालु; दयावान. Kind; compassionate. पिं० नि० १७६;

घुघुयंत. त्रि० (*) घु घु एवो शब्द करतुं. घु घु ऐसा शब्द करता हुआ. Sounding "ghu ghu" नाया० ८;

√ घुट्ट. धा० I. (घुट्ट) पाणी पीवुं. जल पीना. To drink water. (२) घुंटडुं. घूंट लेना. to sip.

घुट्टांत. नंदी० स्थ० ४५;

घुट्टग. पुं० (*) लिंपेल पात्रने शुद्ध करवानो पथरो. कीचड लगे हुए पात्रको शुद्ध करने का पत्थर. A stone used to cleanse a bespattered vessel. पिं० नि० भा० १४;

घुट्ठ. त्रि० (घुष्ट) उंचे स्वरे बोलायेल; उद्घोषणा करेल. उच्च स्वर से बोला हुआ; उद्घोषणा किया हुआ. Spoken aloud; proclaimed aloud. भग० १५, १; उत्त० १२, ३६; उवा० ८, २४१;

घुण. पुं० (घुण) घुणो; जन्तु विशेष-के जे लाकडाने कोरी नाखे छे. लक्कड खोद कांट-जन्तु विशेष. A kind of worm eating into wood. ठा० ४, १;

घुणा. स्त्री० (घुण) लाकडानो कीडो; घुणो. लकड का कीडा. An insect found in wood or timber. राय० २४४;

घुम्मंत. व० कृ० त्रि० (घूर्णत्) भमतुं; फरतुं. भ्रमण करता हुआ; फिरता हुआ. Wandering; roaming; moving. ओव० २१;

घुम्ममाण. व० कृ० त्रि० (घूर्णत्) भमतुं; भ्रमण करतुं. भ्रमण करता हुआ. Wandering; roaming. नाया० ६;

*घुल्ला. स्त्री० (*) बे इंद्रियवाळो जीव; शंखला वगेरे. दो इन्द्रिय वाला जीव; शंख आदि. A two-sensed being. पन्न० १;

घुसिण. न० (घुसृण) केसर. केसर. Saffron. सु० च० १०; २८८; प्रव० १४६८;

*घुसुलित. व० कृ० त्रि० (मन्थत्) दहीं वगेरेनुं मन्थन करतुं; छास वलोवतुं. दही इत्यादि का मथन करता हुआ. Churning curds etc. into whey etc. पिं० नि० ४०३;

घूघूअंडअ. न० (घूकाण्डक) घुवडना ईंडा. घुग्घु का अंडा. An egg of a she-owl. विवा० ३;

घूणंत. व० कृ० त्रि० (घूर्णमान) भयथी विव्हल थतो. भय से विह्वल होता हुआ. Being destracted by fear of danger. पण्ह० १, ३;

घूय. पुं० (घूक) घुवड; घुड. घुग्घू; उल्लू. An owl. नाया० ८; पण्ह० १, ३;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

घूरा. स्त्री० (घूरा) જાંઘ વગેરે શરીરના અવયવ. जंघा इत्यादि शरीर के अवयव. A limb of the body such as thigh etc. सूय० २, २, ४५;

घेत्तव्व. त्रि० (ग्रहीतव्य) ગ્રહણ કરવા યોગ્ય. ग्रहण करने योग्य. Worthy to be accepted. विशे० १२;

घेयव्व. त्रि० (ग्रहीतव्य) જુઓ " घेत्तव्व " શબ્દ. देखो " घेत्तव्व " शब्द. Vide " घेत्तव्व " भग० ८, ६;

घेरोलिया. स्त्री० (गृहकोकिला) ગરોળી. छिपकली. A lizard; a small house-lizard. जीवा० १;

घोड. पुं० (घोट-अश्व) ઘોડા. अश्व-घोडा. A horse. गच्छा० १२५;

घोडग. पुं० (घोटक) એક જાતનો ઘોડો. एक जाति का अश्व. A kind of horse. प्रव० २४६; पन्न० १; सूय० २, २, ४५;

घोडय. पुं० (घोटक) ઘોડા. अश्व; घोडा. A horse. उवा० २, ८४; --**मुह.** न० (-मुख) ઘોડાના લક્ષણો જોવાનું શાસ્ત્ર. अश्व के चिन्हों की परिक्षा करने का शास्त्र. a science treating of the marks by which a horse can be tested. अणुजो० ४१;

घोर. त्रि० (घोर) ઘોર; ભયંકર; દારુણ. घोर; भयङ्कर; दारुण. Dreadful. "घोरनिडरंव कंदरचलंत बीभत्थभावाणं" भग० १६, ६; पण्ह० १, १; नाया०१;६;१७;सम०१,१३,२; दस० ६, ११;६,२,१४; उवा० १,७६; ओव० २१; ३८; उत्त० ४, ६; ६, ४२; २५, ३८; प्रव० ५११; पंचा०७, १२; १८, १२; भत्त० ११९; गच्छा० ५; (२) જેમાં જીવવાનો પણ સંશય રહે તેવું દુષ્કર કૃત્ય. जिसमें जीवित रहने का भी भय हो ऐसा दुष्कर कृत्य a perilous, hazardous undertaking. आया० १, ४, ४, १३६; —**अंसुपाय.** पुं० (-अश्रुपात) આંસુની મ્હોટી ધાર. अश्रुओं की धारा; अश्रुपात. stream of tears. नाया० ६; —**आगार.** पुं० (-आकार) ભયંકર આકાર; આકૃતિ. भयंकर आकृति. terrible appearance. भग० ३, २; —**गुण.** पुं० (-गुणा घोरोऽन्यैर्दुरनुचरा गुणा मूलगुणा यस्य सः) સર્વોત્તમ ગુણવાન્. सर्वोत्तम गुणवान्. (one) extraordinarily virtuous; (one) possessed of insuperable qualities. भग० १, १; —**तव.** न० (-तपस्) સંસારના સુખની ઇચ્છા રહિત તપશ્ચર્યા. संसार के सुख की इच्छा रहित तपश्चर्या austerity without desire of worldly happiness. ठा० ४ २; —**तवस्सि** पुं० (-तपस्विन्) દુશ્ચર (મ્હોટા) તપવાળો. भयानक, महान् तप वाला. one practising austere penance. नाया० १; भग० १, १; —**बंभचेरवासि.** त्रि० (-ब्रह्मचर्यवासिन्) મહાબ્રહ્મચર્ય પાળનાર; અલ્પ-સત્વ વાળાને દુષ્કર એવા બ્રહ્મચર્યનું પાલન કરનાર. महा ब्रह्मचर्य पालने वाला. (one) practising strict or austere continence. नाया० १; भग० १, १; —**रूव.** न० (-रूप) ઘોરરૂપ; બિહામણું રૂપ. डरौना रूप-आकृति- dreadful appearance. उत्त० १२, २१; भग० १६, ६; —**विस.** न० (-विष) ભયંકર ઝેર; જેની ગંધથી હજારો જીવો મરે તેવું. भयंकर विष; जिसकी गंध से असंख्य जीवों का नाश हो. deadly poison. भग० १२, १; —**वेयणा,** स्त्री० (-वेदना) મહા દુઃખ; ભયંકર પીડા. महा दुःख; भयंकर पीडा. severe pain, affliction. भत्त०

१६०; —व्वय. त्रि० (-व्रत) दुष्कर महाव्रतोने पाळनार. दुष्कर महाव्रतों को पालने वाला. (one) who observes full vows difficult to practise. नाया० १;

घोल. पु० (घोल) दहिने कपडामां बांधी गाळी नाखवुं--पाणी काढी नाखवुं ते. दही को कपडे में बांधकर छान डालना--पानी निकाल देना. The process of extracting water out of curds by tying it in a cloth प्रव० २३०;

घोलंत. त्रि० (घोलयत्) डोलायमान थतुं; डगतुं. हिलताहुआ; ढीला चलायमान होता हुआ. Swinging; shaky. ओव० १२; कप्प० ३, १४;

घोलण. न० (घोलन) घोळवुं;अगूठा अने आंगळी वती केरीनी पेठे घोळवुं-मसळवुं. घोलना; अंगूठा व उंगली से केरी के समान घोलना; मसलना. Pressing round by means of the thumb and the fingers; e. g. a mango. विशे० २०४३;

घोलमाण. व० कृ० त्रि० (घोलयत्) घोळता करतुं. घोलता हुआ. Rubbing. क० प० २, १०३;

घोलवड. न० (घोलवटक) दहिं घोळीने तेमां वडां नाखे ते; दहिंवडां. दही को घोलकर उसमें बडे डालना; दहीबडे. A kind of food prepared of tiny cakes dipped in curds mixed with salt etc. This is known as Dahibadā. प्रव० २३०;

घोलिअ. य. त्रि० (घोलित) वलोवेलुं; मन्थेलुं; केरीनी पेठे घोळेलुं. मथन किया हुआ; आम के समान घुला हुआ. Churned; pressed round (e. g. a mango) to take out juice. सूय० २. २; ६३; ओव० ३८;

घोलित. त्रि० (घोलित) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. दसा० ६, ४;

घोलिर. न० (घोलनशील) वक्रपणे फरवुं ते. वर्तुलाकार घूमना. Circular, tortuous motion. सु० च० १, ४;

√ **घोस.** धा० I, II. (घुष्) उंचे स्वरे बोलवुं. उच्च स्वर से बोलना. To speak loudly.

घोसंति. नाया० ५;

घोसेइ. नाया० ५;१३; १४; १६; सु०च० २, १८१; जं० प० ५, १२३;

घोसिस्सा. सं० कृ० नाया० १२;

घोसंत ओघ० नि० ६४८;

घोसावेइ. नाया० १६;

घोस. पुं० (घोष) गोकुल; गायोने रहेवानुं स्थान. गोकुल; गौओं का स्थान. A house for keeping cows in. उत्त०३०, १७; ठा० २, ४; सम०३२; वेय०१, ६; (२) घोस नामनुं त्रीजा अने चोथा देवलोकनुं विमान. घोस नामक तीसरे व चौथे देवलोक का विमान. name of a heavenly abode of the third and the fourth Devaloka. सम० ६; (३) स्वर; अवाज. स्वर; आवाज. sound. नंदी०स्थ० ६; नाया० ६; भग० १५, १; सु०च० २, ५८७; जं० प० (४) उंचुं नीचुं के समस्वर विशेष उच्चार-उदात्तादि स्वर बोलवुं ते. ऊंचा नीचा व समस्वर विशेष उच्चार--उदात्तादि स्वर का उच्चार करना. speaking in high, low or middle accent. विशे० ८५१; पिं०नि० ४४०; अणुजो० १३; (५) स्तनित कुमार जातना भवनपतिनो इन्द्र. स्तनित कुमार

जाति के भवनपति का इन्द्र. Indra of the Bhavanapati gods of the Stanitakumāra kind. नाया० ध० ३; (६) घोस नामनुं पांचमां देवलोकनुं विमान के ज्यांना देवतानुं दश सागरनुं आयुष्य छे. घोस नामक पांचवें देवलोक का एक विमान कि जहां के देवताओं को दश सागरों का आयुष्य प्राप्त होता है. name of a heavenly abode of the fifth Devaloka, the gods here live ten Sāgaras of time. सम० १०; —विसुद्धिकारअ. त्रि० (-विशुद्धिकारक) उदात्त-अनुदात्त-स्वरित आदि शुद्ध उच्चार करनार. उदात्त-अनुदात्त-स्वरित आदि शुद्ध उच्चार करने वाला. (one) using high, low and circumflex accents in speech. दसा० ४, १६; —हीण त्रि० (-हीन) सूत्र पाठनो उच्चार करवामां दीर्घ होय त्यां ह्रस्व, बे मात्रा होय त्यां एक मात्रा बोलवी ते; ज्ञानना १४ अतिचारमांनो एक. सूत्र पाठ का उच्चार करने में दीर्घ हो वहां ह्रस्व, दो मात्रा हों वहां एक मात्रा बोलना; ज्ञान के १४ अतिचार में से एक. wrong pronunciation of scriptural text; one of the 14 faults connected with acquiring knowledge. आव० ४, ७;

घोसण. न० (घोषण) घंटानो शब्द. घंटा का नाद. Sound of a bell. राय० ४०;

घोसणा. स्त्री० (घोषणा) जाहेर खबर; ढंढेरो. प्रसिद्ध-पत्रिका; ढंढेरा. Proclamation. जं० प० ५, १२३; ११५; अंत० ५, १; नाया० १३; १५;

***घोसय** पुं० (*) आरसी; नानो अरिसो. दर्पण; आईना; छोटा दर्पण. A small mirror. भग० ११, ११;

घोसाड. पुं० न० (घोसातक) घीसोडां; शाक वनस्पतिनी एक जात. तुराई; शाक वनस्पति की एक जाति. A kind of vegetable. प्रव० २४३;

घोसाडई. स्त्री० (घोषातकी) घीसोडा-तुरीयानी वेल. तुरई की बेल. A creeper yielding fruit which is used as vegetation. पन्न० १; १७;

घोसाडिया. स्त्री० (घोषातकी) वनस्पति विशेष; घीसोडी. वनस्पति विशेष; टिंडोरे की बेल. A kind of vegetation. जीवा० ३, ४; राय० ५४;

घोसिअ. त्रि० (घोषित) जाहेर करेलुं. साद पाडेलो. प्रसिद्ध किया हुआ; ढूंढी पिटाई हुई. Publicly proclaimed ओघ०नि०६४५;

ङ.

ङकारपविभत्ति. पुं० (ङकारप्रविभक्ति) ङना आकार जेवुं नाटक विशेष. ङ कार की आकृति के समान; नाटक विशेष. (Anything) of the shape of the letter "ङ"; a kind of a drama. राय०

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

च

च. अ० (च) અને; વળી. और; फिर. And; moreover. (२) પાદપૂરણ. पादपूर्ति. an expletive. क० गं० १, ३; २३; २६; ३७; ४२; दस० ४, १४; ५, १, ३०; ५, २, ८; ६, ६; १८; भग० ३, १; नाया० १; ८; १२; १६; आया० १, १, १, ११; नंदी० स्थ० २०; २१, उवा० १, १४;

चअ-य. पुं० (चय) જથ્થો. समूह. A collection. (२) ઈંટ વગેરેનું ચણતર. ईंट, पत्थर आदि का चुनाव. piling of bricks etc. पिं० नि० २; १०१; उत्त० २८, ३३; पराह० १, ५; सूय० १, १०, ३; (३) શરીર. शरीर. body. ओव० ४०; (४) શરીરનું તજવું शरीर का त्याग करना. giving up or abandoning one's body. ओव० ४०;

चइय. त्रि० (त्यक्त) છોડેલું; તજેલું. छोडा हुआ; त्याग किया हुआ. Abandoned; given up. भग० ७, १; पराह० २, १; ओघ नि० ११५;

चइयव्व. त्रि० (त्यक्तव्य) ત્યાગવા યોગ્ય. त्याग ने योग्य; छोडने योग्य. Worthy of being abandoned. सू० च० ८, १८६;

चउ. त्रि० (चतुर्) ચાર; ચારની સંખ્યા. चार; ४ की संख्या. Four; the number 4. उत्त० ३, १; ३६, ६३; ओव० ३१; अणुजो० ८; भग० १, १; ५; २, १; ५, ८; ६, ३; ७, ६; १६, ५; १७, १; २४, ६; नाया० १; राय० १८; दस० ७, १; उवा० १, १८; क० गं० १, ३०; ३३; ४६; २, ४; पंचा० १७, ६; दसा० ७, १; पन्न० १; ४; विवा० ५; सु० च० १, २; निसी० १६, ६; १२; पिं० नि० ४; वेय० ३, १४; ववं० ६, ३६; जं० प० ५, ११२; —**कन्न.** त्रि० (-कर्ण) ચાર કાને ગયેલ (વાર્તા). चार कानों में गई हुई (बात). (a story) known to two persons. ओघ० नि० ७६०; —**कुडव.** पुं० (-कुडव) ચાર કુડવ-ધાન્યનો માપ વિશેષ. एक प्रकार का धान नापने का माप. a measure of capacity equal to four Kuḍavas. प्रव० ५१८; —**कसाय.** पुं० (-कषाय) ક્રોધ, માન, માયા અને લોભ એ ચાર કષાય. चार कषाय-क्रोध, मान, माया और लोभ. the four evil passions viz. anger, pride, deceit and greed. आव० १, ४; दस० ७, ५७; ६, ३, १४; —**कोण.** त्रि० (-कोण -चत्वारः कोणा यस्य) ચાર ખુણાવાળું; ચોરસ. चार कोनों वाला; चतुष्कोण. quadrangular. " सउत्तराओ मणिमुवइद्धओ चउकोणाओ " राय० भग० १३, ६; —**गाहा.** स्त्री० (-गाथा) ચાર ગાથા. चार गाथा. four verses. वेय० ३, २०; —**गुण.** त्रि० (-गुण) ચારગણું. चार गुना; चौगुना. fourfold. जं० प० ५, ११६; भग० २४, १; क० गं० ३, १०; —**गुणिय.** त्रि० (-गुणित) ચોગણું. चौगुना. fourfold. भग० २४, १; —**घाइ.** न० (-घातिन्) જ્ઞાનાવરણીયાદિ ચાર ઘાતિ કર્મ. ज्ञानावरणीय आदि चार घाति कर्म. the four kinds of Karma which obstructs right knowledge etc. क० गं० ४, ७२; —**ठाण.** न० (-स्थान) કર્મનો ચાર ગણો રસ. कर्मों का चतुःस्थानिक रस. the fourfold state of Karma as regards its

acuteness etc. क० गं० ५, ६४; —णउइ स्त्री० (-नवति) ચોરાણું; ९४. चारानवें; ६४; ninety-four; 94. सम० ६४; —णाणोवगय त्रि० (-ज्ञानोपगत) મતિ, શ્રુત, અવધિ અને મનપર્યવ એ ચાર જ્ઞાનથી યુક્ત. मति, श्रुत, अवधि और मनःपर्यव इन चार प्रकार के ज्ञानों से युक्त. Possessed of four kinds of knowledge viz. Mati, Śruta, Avadhi and Manahparyava. नाया० ; नाया० ध० – तणु पुं० (–तनु) શરીર ચતુષ્ક, શરીર નામકર્મ, અંગોપાંગ નામકર્મ સંઘયણ નામકર્મ અને સંઠાણ નામકર્મ એ ચાર પ્રકૃતિનો સમૂહ. शरीर चतुष्क; शरीर नामकर्म, अंगोपांग नामकर्म, संहनन नामकर्म और संस्थान नामकर्म इन चार प्रकृतियों का समुदाय. the fourfold Karmic matter viz. Śarira Nāma Karma, Aṅgopāṅga Nāma Karma, Saṅghayaṇa Nāma Karma and Saṇṭhāṇa Nama Karma. क० गं० ५, २१; —त्तीस. त्रि० (-त्रिंशत्) ચોત્રીશ; ३४. चौंतीस, ३४; Thirty-four; 34. "चउत्तीसबुद्धवयणातिसेसेपत्त" ओव० १०; नाया० ८; —त्तीसम. न० (-त्रिंशत्तम) સોળ ઉપવાસ ભેગા કરવા તે; તેત્રીશ ભક્ત-ટંકનો ત્યાગ કરી ચોત્રીશમે ટંકે પારણું કરવું તે. सोलह उपवास इकट्ठे करना; ३३ भक्त-भोजन का त्याग कर ३४ वें समय पारणा करना. sixteen fasts; taking food after a fast of thirty-three meals. नाया० १; —दंसण न० (-दर्शन) દર્શનાવરણીય કર્મની ચક્ષુદર્શનાવરણીય આદિ ચાર પ્રકૃતિ. दर्शनावरणीय कर्म की चक्षुदर्शनावरणीय वगैरह चार प्रकृतियाँ. the fourfold Karmic variety of the Karma called Darśanāvaraṇiya. क० गं० २, १२; —दंत. पुं० (-दन्त) ચાર દાન્ત વાળો હસ્તી રત્ન. हस्तिरत्न; चार दांतों वाला हाथी an elephant with four tusks. भग० १४, १; नाया० १; ठा० ६; कप्प० ३, ३३; —दसम. त्रि० (-दशतम) ચૌદમું. चौदहवां. fourteenth. दस० ४, ४१; भग० १६, १८; २५, ७ नाया० १; १८; —दिसि. स्त्री० (-दिश्) પૂર્વ, પશ્ચિમ, ઉત્તર અને દક્ષિણ એ ચાર દિશાઓ. चार दिशाएं; पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण. the four quarters east, west etc. नाया० ६, १३; —नवइ. स्त्री० (-नवति) ચોરાણું; ९४नी संख्या. ९४ की संख्या. ninetyfour; the number 94. क०गं० ३, १३; १४; —नाण. न० (-ज्ञान) મતિ, શ્રુત, અવધિ અને મનઃપર્યવ એ ચાર જ્ઞાન. चार ज्ञान; मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान और मनःपर्यव ज्ञान. the four kinds of knowledge viz. Mati, Śruta, Manahparyava and Avadhi. प्रव० १३०६; —नाणि. त्रि० (-ज्ञानिन्) ચારજ્ઞાન વાળું. चार ज्ञान वाला. possessed of the four kinds of knowledge. सु० च० ३, १; १६, ४७; भग० ८, २; —नाणोवगय. पुं० स्त्री० (-ज्ञानोपगत) કેવલ જ્ઞાનને છોડી અન્ય ચાર જ્ઞાનથી યુક્ત. केवल ज्ञान को छोडकर शेष चारों ज्ञानों से युक्त. possessed of all (the remaining four) kinds of knowledge except Kevala Jñāna. भग०१, १; —पंचग. न० (-पञ्चक) ચાર પાંચ. चार पांच, four or five. दसा०

६, १; —**पज्जवासिय.** त्रि० (-पर्यवसित) ચારચારના થોક કરતાં જેમાં ચાર શેષ રહે તે. चार २ का थोक करने पर जिसमें चार शेष रहें वह-संख्या. any sum in which the remainder is four, after it has been divided into parts each containing four. भग० १८, ४; ३१, १; —**पज्जाय.** पुं० (-पर्याय) નામ-સ્થાપના-દ્રવ્ય-ભાવ એ ચાર પર્યાય. चार पर्याय; नाम, स्थापना, द्रव्य और भाव. the four Paryāyas viz. Nāma, Sthāpanā, Dravya and Bhāva. विशे० ७३; —**पत्तण.** स्त्री० (-पञ्चाशत्) ચોપનની સંખ્યા. चोपन की संख्या. fifty-four. जं०प० २, ३१; —**पल्लाहिय.** त्रि० (-पल्याधिक) ચાર પલ્યોપમે અધિક. चार पल्योपम अधिक. exceeding by four Palyopamas (a measure of time). क०प० २, १०७; —**पोरिसिय.** त्रि० (पौरुषिक) ચાર પહોરનું. चार पहर वाला. of or extending to four Praharas (one Prahara = 3 hours) भग० ११, ११; —**प्पएसिअ य.** त्रि० (-प्रदेशिक) જેમાં ચારપરમાણુ એ ભળેલાં છે તેવો (સ્કન્ધ). चतुप्रदेशिक चउप्रदेशी (स्कंध). जिसमें चार परमाणु मिले रहते हैं वह स्कन्ध. a molecule consisting of four atoms. अणुजो० ७४; भग०५,७; —**प्पडोयार.** त्रि०(-प्रत्यवतार) ચાર વિભાગમાં વિભક્ત. चार भागों में विभक्त-बंटा हुआ. divided into four parts. भग० २५, ७; —**प्पण्ण.** त्रि० (-पञ्चाशत्) ચોપન; ૫૪. चौपन;५४. fifty-four; 54. नाया० ध० ३; ४; भग० २५,६;७; —**प्पदी.** स्त्री० (-पदी) તિર્યંચ સ્ત્રી; ચોપગી. तिर्यञ्च जाति की स्त्री; चतुष्पद स्त्री-लिंगी पशु. a female quadruped. जीवा० १; —**प्पदेसिअ.** त्रि०(-प्रदेशिक) જુઓ "चउप्पएसिअ" શબ્દ. देखो "चउप्पएसिअ" शब्द. vide "चउप्पएसिअ" भग०१२, ४;—**प्पय-अ.** त्रि० (-पद-चत्वारिपदानि पादायस्य) ચોપગો; ચારપગવાળું. ગાય-ઘોડા -હાથી વિગેરે. चौपगा चार पैरों वाला; गाय, घोडा हाथी वगैरह. a quadruped; e. g. a cow, horse etc. नाया०८; भग० ७, ४; ८, १; जीवा० १; ३; ४; पिं० नि० ७६; जं० प० ७, १५३; पन्न० १; सम०३४; उत्त० १३; २४; आया०१, २, ३, ८०; ठा० ४, ४; अणुजो० ६१; १३१; (२) દરેક માસની અમાવાસ્યાને દિવસે આવતું ચાર સ્થિરકરણમાંનું બીજું કરણ; ૧૧ કરણમાંનું નવમું કરણ. प्रयेक मास की अमावस के दिन आने वाले चार स्थिरकरणों में से दूसरा करण; ११ करणों में से नौवां करण. the second of the four Sthira-Karaṇas, falling on the fifteenth day of the dark half of every month; the nineth of the eleven Karaṇas. उवा० १, १८; जं० प० विशे० ३३५०; —**प्पयार.** पुं० (-प्रकार) ચાર પ્રકાર-ભેદ. चार प्रकार -भेद. four varieties. क० गं०६, ६६; —**प्पाय.** पुं० (-पाद) જુઓ "चउप्पय" શબ્દ. देखो "चउप्पय" शब्द. vide "चउप्पय" शब्द. भग० १५, १; —**प्पुडय.** त्रि०(-पुट-क) ચાર પડ વાળું. चार पुडवाला. Having four folds. "सयमेवच उप्पुडयं दारुमयं" भग० ३, २; नाया० १; —**फास.** पुं० (-स्पर्श) ચાર સ્પર્શ. चार स्पर्श. four kinds of touch. भग० २०, ५; क० गं० ५, ७८; —**ब्भाग.** पुं० (-भाग) ચતુર્થાંશ; ચોથો

भाग. चौथा हिस्सा; चतुर्थांश. one-fourth. उत्त० २६, ८; ३०, २१; अणुजो० १३२; —भंग. पुं० (-भंग) ચાર વિકલ્પ-ભેદ. ચોભંગી. चार विकल्प-भेद. four varieties. " सुद्धेणामं एगे सुद्धे सुद्धेणामं एगे असुद्धे असुद्धेणामं एगे सुद्धे असुद्धेणामं एगे असुद्धे चउभंगो " ठा० ४, १; पंचा० ५, ६; १२, ४४; भग० ६, ६; —भंगी. स्त्री० (-भङ्गी—चत्वारो भंगाः समाहृताः) ચોભંગી. चार भेदकी रचना. four varieties. पन्न० १०; प्रव० १७१; —मास. पुं० (-मास) ચાર માસ-મહીના. चार मास. four months. क० गं० १, १८; —म्मुह. त्रि० (-मुख—चत्वारि मुखान्यस्य) ચાર મુખવાળું; જેના ચારે દિશામાં દરવાજા-દ્વાર-હોય તેવો પ્રાસાદ-હવેલી. चार मुंह वाला अर्थात् जिसके चारों दिशाओं में चार द्वार हों वैसा प्रासाद-महल. four-faced; a palace having gates facing all the four directions. कप्प० ४, ८८; भग० २, ५; ३, १; ७; ९, ७; ओव० २७; राय० २०१; नाया० १;१६; —राइ. स्त्री० (-रात्रि) ચાર રાત્રી. चार रात्रि. four nights. क० प० ४, २३; —राय. न० (-रात्र) ચાર રાત્રી. चार रात. four nights. निसी० ६, ७; —रूव. त्रि० (-रूप) ચાર મૂર્તિવાળું. चार मूर्तियों वाला. four-shaped; having four shapes. सु० च० ३, ६१; —वइरित्त. त्रि० (-व्यतिरिक्त) ચારથી ભિન્ન. चारों से भिन्न. different from four. विशे० ३०३; —वण्ण. त्रि० (-पञ्चाशत्) ચોપન; ૫૪. चौपन; ५४. fifty-four; 54. सम० ५४; —वण्ण. पुं० (-वर्ण) વર્ણચતુષ્ક; વર્ણ, ગંધ, રસ અને સ્પર્શ એ નામકર્મની ચાર પ્રકૃતિ. वर्णचतुष्क; वर्ण, रस, गंध; और स्पर्श ये नामकर्म की चार प्रकृतियां. the four varieties of Nāmakarma viz. colour, smell, taste and touch. क० गं० ५, ६; —वासपरियाग. त्रि० (-वर्षपर्यायक) ચાર વર્ષની દીક્ષાવાળો. चार वर्ष की दीक्षा वाला; चार वर्षका दीक्षित. (one) with a Dikṣā (asceticism) of four years, standing. वव० १०, २१; २२; २३; २४; —व्विगप्प. पुं० (-विकल्प) ચાર વિકલ્પ-પ્રકાર. चार विकल्प-प्रकार. four varieties. क० प० २,७; —सद्दहणा. स्त्री० (-श्रद्धान) ચાર સદ્દહણા; જીવાજીવાદિ તત્વનો અભ્યાસ કરવો, પરમાર્થદર્શી આચાર્યાદિની સેવા કરવી, નિન્હવોનો સંગ ન કરવો અને પાખણ્ડીનો પરિચય ન કરવો એ ચાર સમકિતની સદ્દહણા. चार श्रद्धाएं; जीव अजीव आदि तत्वोंका अभ्यास करना, परमार्थदर्शी आचार्यों की सेवा करना, निन्हवों-कुमत प्रवर्तकों का संग न करना, और पाखण्डियों से परिचय तक न करना. the four varieties of right faith viz. spiritual study, attendance upon a spiritually enlightened preceptor, avoidance of Ninhavas and of heretics. प्रव० ६४०; —समइय. त्रि० (-सामयिक) ચાર સમયનું. चार समय-काल का. of four Samayas (or units of time). भग० २५, ८; —समयसिद्ध. पुं० (-समयसिद्ध) જેને સિદ્ધ થયા ચાર સમય થયા છે તે. जिसे सिद्ध हुए चार समय हुए हैं वह. one after whose Siddhahood 4 Samayas have elapsed. पन्न० १; —सय. न० (-शत) એકસો ને ચાર. एक सौ और चार. one hundred

and four. क० गं० २, १५; —सयरि. स्त्री० (-सप्तति) ચુમોતેર; ૭૪ની સંખ્યા. चौहत्तर; ७४ की संख्या. seventy-four; 74. क० गं० २, ५; —सरण. न० (-शरण) અરિહન્ત, સિદ્ધ, સાધુ અને ધર્મ એ ચારનું શરણુ (આશ્રય) લેવું તે. अरिहंत, सिद्ध; साधु और धर्म इन चारों की शरण लेना—आश्रय लेना. resigning oneself to these four viz. Arihanta, Siddha, Sādhu and Dharma. (२) દશપઇન્ના પૈકી એક પઇન્ના (પુસ્તક) નું નામ. दस पइन्नाओं में से एक पइन्ना-पुस्तक. name of one of the ten books known as Paiṇṇās. चउ० ११; —सरणगमण. न० (-शरणगमन) ચાર શરણા લેવા. चार शरण-आश्रय लेना. resigning oneself to the four e.g. Arihanta etc. पंचा० २, २७; —साल. त्रि० (-शाल) ચતુઃશાલ; ચાર માળવાળું (ઘર). चार अटारी वाला मकान; चार मजला घर. four-storeyed. जीवा० ३, ३; —सिर. न० (-शिरस्—चत्वारि शिरांसि यस्मिन्) વન્દનામાં ચાર વખત ગુરૂને મસ્તક નમાડવું તે. वन्दना करते समय चार बार गुरु के आगे मस्तक नमाना-टेकना. act of bowing one's head four times while saluting a preceptor. सम० १२; —हेउ. पुं० (-हेतु) મિથ્યાત્વ આદિ કર્મ બન્ધના ચાર હેતુ. मिथ्यात्व आदि कर्मबन्ध के चार हेतु. the four causes of Karmic bondage viz. heresy etc. क० गं० ६, ५३;

चउक्क. पुं० (चतुष्क) ચાર રસ્તા ભેગા થતા હોય તે સ્થલ—ચોક; ચોવાટો. चोक; वह जगह जहां चार मार्ग आकर मिलते हों. A square where four roads meet. ओव० २७; उत्त० १६, ४; अणुजो० १३४; भग० २, ५; ३, ७; ५, ७; कप्प० ४, ८८; नाया० १; २; वेय० १, १२; (२) ચારનો સમૂહ—જત્થો. चारका समूह. a group of four. भग० ८, १; ११, १; १२, ४; १८, ४; २०, ५; २४, १२; ३३, ३; पिं० नि० ३; जीवा० ३, ३; पन्न० २३; राय० २०१; अणुजो० ८; प्रव० ६३७; क० गं० १, ४; —णय. पुं० (-नय) ચાર નયને માનનાર એક આજીવિક મત. चार नयों को मानने वाला एक आजीविकमत-संप्रदाय. a tenet named Ājīvika believing in four standpoints. सम० १२; —णइय. त्रि० (-नयिक) ચાર નયથી વસ્તુનો વિચાર કરનારઃ જે નૈગમના સામાન્ય અંશને સંગ્રહમાં અને વિશેષ અંશને વ્યવહારમાં સમાવી ત્રણ શબ્દનયને એક રૂપે માની સંગ્રહ, વ્યવહાર, ઋજુસૂત્ર અને શબ્દ—એ ચાર નય માનતા હતા તે. चार नयों से वस्तु का विचार करने वाला; जो नैगम के सामान्य अंश का संग्रह मे और विशेष अंश का व्यवहार में समावेश कर तीनों शब्द नयों को एक रूप में स्वीकार कर संग्रह, व्यवहार, ऋजुसूत्र और शब्द ये चार नय मानने वाला. (one) who looks at a thing from four standpoints; (one) who believes in the four standpoints viz. Saṅgraha, Vyavahāra, Rujusūtra and Śabda, including Saṅgraha Viśeṣa in Vyavahāra and taking the three Śabda Nayas to be one. सम० २२; —संजोग. पुं० (-संयोग) ચાર બોલનો જોડાણ-સંયોગ. चार बोलों का संयोग. conjunction of

four words. अणुजो॰ १२७;

चउक्कग. पुं॰ न॰ (चतुष्कक) જુઓ "चउक्क" શબ્દ. देखो "चउक्क" शब्द. Vide "चउक्क" भग॰ २०, ५;

चउक्कय. पुं॰ न॰ (चतुष्कक) જુઓ "चउक्क" શબ્દ. देखो "चउक्क" Vide "चउक्क" भग॰ ३१, १;

चउक्खुत्तो. अ॰ (चतुःकृत्वस्) ચાર વાર. चार बार. Four times. क॰ प॰ ७, ३६;

चउगइ. स्त्री॰ (चतुर्गति) નરક તિર્યંચ મનુષ્ય અને દેવતા એ ચાર ગતિ. नरक, तिर्यञ्च, मनुष्य और देव ये चार गतियां. The four states of existence viz. hellish, beasts, human and divine. चउ॰ ११; क॰ गं॰ ५, ६८; —**मिच्छा.** स्त्री॰ (-मिथ्या) ચાર ગતિના મિથ્યાદષ્ટિ જીવો. चार गति के मिथ्यादृष्टि जीव heritical souls in the four states of existence. क॰ गं॰ ५, ६८;

चउगइअ. त्रि॰ (चतुर्गतिक) ચાર ગતિમાં ફરનાર. चार गतियों में घूमने वाला. Incarnating in the four states of existence. प्रव॰ २६;

चउज्जामधम्म. पुं॰ (चतुर्याम धर्म) ચાર મહાવ્રત રૂપ ધર્મ; અહિંસા, સત્ય, અચૌર્ય અને અપરિગ્રહ એ ચાર મહાવ્રતરૂપ વચ્ચેના બાવીસ તીર્થંકરોએ બતાવેલ ધર્મ. चार महाव्रत रूप धर्म; अहिंसा, सत्य, अचौर्य और अपरिग्रह इन चार महाव्रतों वाला बीच के २२ तीर्थंकरों द्वारा कहा हुआ धर्म. The creed in the form of the four vows viz. non-killing, truth, non-stealing and non possession of worldly effects—this was taught by the 22 intermediate Tīrthaṅkarās. नाया॰ १२;

चउत्तीसइम. न॰ (चतुस्त्रिंशत्तम) સોલ ઉપવાસ. सोलह उपवास Sixteen fasts. भग॰ २, १;

चउत्थ. त्रि॰ (चतुर्थ) ચોથું; ચોથા નમ્બરનું. चौथा; चौथी संख्या वाला. Fourth. जं॰ प॰ ७, १२१; १६२; आया॰ २, ४, १, १३२; सम॰ ८; ठा॰ ६, २; उत्त॰ २६, १६; भग॰ १, ६; २, १; ४; ४, १०; ५, ६; ७, ८; १०; १५, १; १६, ४; २४, १; १६;२६,१;३५, १०; उवा॰ १, ७१; नाया॰ ४; ७; ८; १६; नाया॰ध॰४; पिं॰नि॰ भा॰ १४; २६४; पिं॰ नि॰ २२३; दस॰ ४; ६, ४, १, दसा॰ ७, ८; पज॰ ४; कप्प॰ १, २; ८; (२) ચોથ ભક્ત; એક ઉપવાસની સંજ્ઞા. एक उपवास. a term denoting one fast. नाया॰ १; ५; १६; पंचा॰ १६, ७; —**आहिअ.** पुं॰ (-आह्निक) ચોથે ૨ દિવસે આવતો તાવ. चौथारा; चौथिया ज्वर; तीन २ दिन के बाद आने वाला बुखार. fever making its appearance every fourth day. जं॰ प॰ —**पय.** न॰ (-पद) ચોથું પદ; ગાથાનું છેલ્લું પદ. चौथा पद; गाथा का अन्तिम चरण. the last or fourth line of a verse. दस॰ ६, ४, २; ३; —**भत्त.** न॰ (-भक्त) ચોથ ભક્ત તપ—એક ઉપવાસ-અર્થાત્ ઉપવાસ કરવાને આગલે દિવસે એક વખત જમવું અને ઉપવાસ પછીના દીવસે પણ એક વખત જમવું એટલે ઉપવાસના બે ભક્ત અને આગળ પાછળ દિવસનો એકેક ભક્ત મળી ચાર ભક્ત-(ભોજન) નો ત્યાગ તે ઉપવાસ અથવા ચોથભક્ત કહેવાય. चतुर्थ भक्त नामक तप; एक उपवास अर्थात् जिस दिन

उपवास करना हो उसके पहिले दिन एक समय खाना और उपवास के दूसरे दिन भी एक वक्त भोजन करना, इस प्रकार उपवास के दो भक्त और आगे पीछे के दोनों दिनों के दो भक्त मिलाकर चार भक्त-भोजन का त्याग उपवास अथवा चतुर्थभक्त कहलाता है. a fast with one meal only on the previous day and one meal only on the succeeding day, there being four meals in three days. विशे॰ १२७२; ओव॰ १६; भग॰ १, १; २५, ७; पण्ह॰ २, १; जीवा॰ ३, ३; नाया॰ ८; पन्न॰ २८; —भत्तिय. त्रि॰ (-भक्तिक) ચોથ ભક્ત-એકેક ઉપવાસ કરનાર. एकेक उपवास करने वाला. (one) who does one fast as described above. भग॰ १६, ४; कप्प॰ ६, २१; —मास. पुं॰ (-मास) ચોથો મહિનો. चौथा मास. fourth month. नाया॰ ८;

चउत्थग. पुं॰ (चतुर्थक) ચોથિયો તાવ; ત્રણ દિવસને આન્તરે આવે તે. चौथिया बुखार; तीन २ दिन के बाद आने वाला ज्वर. Fever that makes its appearance every fourth day. जीवा॰ ३, ३; (२) ચોથો. चौथा. fourth. वव॰ ३, १३;

चउत्थय. पुं॰ (चतुर्थक) જુઓ "चउत्थग" શબ્દ. देखो "चउत्थग" शब्द. Vide "चउत्थग" विशे॰ ४६४;

चउत्थी. स्त्री॰ (चतुर्थी) પક્ષની ચોથી તિથિ; ચોથ. पक्ष की चौथी तिथि; चौथ-चतुर्थी. The fourth day of a fortnight. जं॰ प॰ ७, १५३; (२) ચોથા નંબરની. चौथी संख्या वाली. fourth (feminine). उत्त॰ २४, २०; अणुजो॰ १२८; १२९; विशे॰ ६६५; दसा॰ ६, २; पन्न॰ ३; जीवा॰ ३; नाया॰ ७; ८; भग॰ १, ५; ६, ८; १५, १;

चउद्दस. त्रि॰ (चतुर्दशन्-चतुरधिकादश) ચૌદ; દશ અને ચાર. चौदह; दस और चार. Fourteen. जं॰ प॰ ५, ११६; सम॰ १४; ओव॰ ३८; अणुजो॰ १७२; भग॰ १, १; ५, ८; ११, ११; १५, १; २६, ६; ३१, १; क॰ गं॰ १, २५; २, ३०; नाया॰ १; ८; १३; सु॰ च॰ २, ३७; वव॰ १०, २; पन्न॰ ४; —जिअट्ठाण. न॰ (-जीवस्थान) ચૌદ જીવસ્થાન-ગુણઠાણુ. चौदह जीवस्थान-गुणस्थान. the fourteen Gunasthānas or spiritual stages. क॰ गं॰ ४, २; —पुव्व. न॰ (-पूर्व) ચૌદ પૂર્વ-આગમ વિશેષ કે જે હાલ વિચ્છિન્ન થઇ ગયેલ છે. चौदह पूर्व-आगम विशेष, जो वर्तमान में विच्छेद हो गये हैं. the fourteen Pūrvas-a portion of scripture not now extant. भग॰ २५, ७; नाया॰ ५; १४; १६; —पुव्वि. पुं॰ (-पूर्विन्) ચૌદ પૂર્વના જાણનાર (સાધુ). चौदह पूर्वों को जानने वाला (साधु). a Sādhu learned in the fourteen Pūrvas. ओघ॰ नि॰ १; नाया॰ ८, भग॰ १, १; प्रव॰ ६; १६३; कप्प॰ ५, १३६; —पुव्वी. न॰ (-पूर्वी) ચૌદ પૂર્વનો સમૂહ. चौदह पूर्वों का समूह. the collection of the fourteen Pūrvas. जं॰ प॰ २, ३१; प्रव॰ ३६५; —भत्त. न॰ (-भक्त) છ ઉપવાસ ભેગા કરવા તે. छः उपवास इकट्ठे करना. six consecutive fasts. ओव॰ १६; भग॰ २५, ७; —मग्गणट्ठाण. न॰ (-मार्गणास्थान) ચૌદ મૂલ માર્ગણાના સ્થાન. चौदह मूल मार्गणाओं का स्थान. the fourteen original characteristics by which mun-

dam souls are investigated. क० गं० ४, ३; —रज्जु. स्त्री० (-रज्जु) ચૌદ રજ્જુ પ્રમાણ ક્ષેત્ર વિભાગ વિશેષ; આ લોક ચૌદ રાજ પ્રમાણ ઉંચો છે. चौदह रज्जु--राजु परिमित क्षेत्र विशेष; यह लोक चौदह राजु प्रमाण ऊंचा है. name of a region, so called because its height is fourteen Rajjus. क० गं० ५,९७;—रयण. न०(-रत्न)ચક્રવર્તીના ચૌદ રત્ન કે જેના સહાયથી ચક્રવર્તી ભરતખંડ સાધે છે. એ રત્નોના નામ અને આકૃતિ ચિત્રમાં દર્શાવેલ છે. चक्रवर्ति के चौदह रत्न जिसके बल चक्रवर्ती भरतखण्ड जीतता है. इन रत्नों के नाम व आकार चित्रमें बतलाये है. the fourteen gems of a Chakravarti, by the help of which he conquers the whole of Bharatakhanda the names and shapes of the gems are shown in the picture. जं०प० —वासपरियाग. त्रि० (-वर्षपर्यायक) ચૌદ વર્ષની દીક્ષાવાળું. चौदह वर्षों की दीक्षा वाला; चौदह वर्षों से दीक्षित. (one) after whose initiation into the ascetic order fourteen years have elapsed. वव० १०, ३०; ३१; ३२;

चउद्दसहा. अ० (चतुर्दशधा) ચૌદ પ્રકારનું. चौदह प्रकार का. In fourteen modes or varieties. क० गं० १, ५;

चउद्दसी. स्त्री० (चतुर्दशी) ચૌદશ. चतुर्दशी; पक्ष की चौदहवीं तिथि. The fourteenth day of a fortnight. जं० प० ७, १५३; विवा० ५; दसा० ६, २; पंचा० १०, १७;

चउद्धा. अ० (चतुर्धा) ચાર પ્રકારે. चार प्रकार से; चार प्रकार. In four modes or varieties. क० प० २, ७३; ४, ३;

चउप्पाइया. स्त्री० (चतुष्पादिका) ચાર પગવાળા ભુજપરિ સર્પની એક જાત. चार पैर वाले भुजपरिसर्पकी एक जाति. A species of serpents with four feet. पन्न० १; सूय० २, ३, २५; जिवा० १;

चउप्पुडिया. स्त्री० (चतुष्पुटिका) ચપટી વગાડવી તે. चिमटी बजाना. Act of snapping a finger with the thumb. नाया० ३;

चउमाइआ. स्त्री० (चतुर्मानिका) માણીનો ચોથો ભાગ; રસ માપવાનું માપ. माणी के चौथे हिस्से जितना रस नापने का एक नाप. A measure of capacity equal to the fourth of a Māṇi. अणुजो० १३२;

चउभाग. पुं० (चतुर्भाग) ચોથો ભાગ; ચતુર્થાંશ. चौथा भाग; चतुर्थांश. Fourth part. क० गं० ५, ६५; —कढिअ. त्रि० (-क्वथित) ચોથો ભાગ શેષ રહે તેટલું ઉકાળેલ. उतना औटाया हुआ जिससे चतुर्थांश बाकी रहा हो. boiled so long as to be reduced to a fourth part. क० गं० ५, ६५;

चउमासा. स्त्री० (चतुर्मासी-चतुर्णां मासानां समाहारः) ચાર માસનો સમૂહ, ચોમાસું. चार मासका समुदाय; चौमासा. A group of four months; the monsoon season. सु० च० ८, १२३;

चउमासिय. न० (चातुर्मासिक) ચોમાસી તપ; ચાર માસના ઉપવાસ કરવા તે. चातुर्मासिक तप; चार मास तक उपवास करना. Austerity in the form of fasting for four months. ओव० १६;

चउमासिया-आ. स्त्री० (चातुर्मासिका) ભિખ્ખુની ચોથી પડિમા કે જેમાં એક માસ

सचित्र अर्ध-मागधीकोष
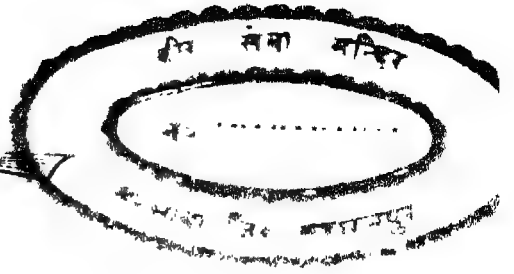
चउद्दसरयण — १४ रत्न.

સુધી ચાર દાત અન્નની અને ચાર દાત પાણી-ની કલ્પે. भिक्षुकी चौथी प्रतिमा, जिसमें एक मास तक अन्न और जल की चार चार दात कवल विशेष लिये जाय. The fourth vow of an ascetic in which he takes four Dātas of food and four of water for one month. भग० २, १; सम० १२, २८; दसा० ७, १; वव० १, १७;

चउमास्स. न० (चतुर्मास्य) આષાઢી ૧૫ થી કાર્તકી ૧૫ સુધીનો સમય. चौमासा; आषाढ की पूर्णिमा से कार्तिक की पूर्णमासी तक का समय. Period of time from the 15th day of Āṣādha to the 15th day of Kārtika. ओघ० नि० भा० ६५; (२) ચાર મહિનાના ઉપવાસ; ચોમાસી તપ વિશેષ. चार मास का उपवास; चातुर्मासिक तप विशेष. fasting for four months; the monsoon-fasting austerity of four months. संथा० ६२;

चउग्गाह. न० (चतुष्कह) ચાર દિવસ. चार दिन. Period of four days. वव० ८, ४;

चउर. त्रि० (चतुर्) ચાર; ૪ ની સંખ્યા. चार; चारकी संख्या; ४. Four; 4. आया० २, ५, १, १४१; सूय० १, १, १, १८; सम० ४; पिं० नि० १२८; वेय० १, ६; दस० ६, ४, २; ३; पन्न० १६; क० गं० १, २६; —अंग. त्रि० (-अङ्ग—चत्वारि चतुर्गुणितानि अंगानि मनुष्यादिभावांगानि यस्य तत्तथा) જેના ચાર અંગ-અવયવ છે તેવી વસ્તુ—ધર્મના ચાર અંગ-દાન, શીલ, તપ અને ભાવ;—શરણના ચાર અંગ—અરિહન્ત, સિદ્ધ, સાધુ અને ધર્મ. जिसके चार अंग हों ऐसी वस्तु, जैसे-धर्म के चार अंग—दान, शील, तप और भाव, वैसे ही शरण के चार अंग—अरिहंत, सिद्ध, साधु और धर्म. anything composed of four parts; e. g. the four parts of Dharma are—charity, chastity; austerity and faith; those of Śaraṇa (surrender) are—Arihanta, Siddha; Sādhu and Dharma. चउ० ६२; (२) હાથી, રથ, ઘોડા અને પેદળ એ ચાર જેના અંગ છે એવી સેના-સૈન્ય. हाथी, रथ, घोडे और प्यादे इन चार अंगों वाली सेना; चतुरंगी सैन्य. an army composed of horses, chariots, elephants and infantry. पण्ह० १, ३; सु० च० १५, २८; —अंगिणी. स्त्री० (-अंगिनी) ચતુરંગી સેના. चतुरंगी सैन्य; चार प्रकार की सेना. an army composed of four parts viz. horses, elephants, chariots and infantry. नाया० १६; निर० १, १; —अंगुल. न० (-अंगुल) ચાર આંગલ. चार अंगुल. four fingers. जं० प० ५, ११२; ७, १६२; ३, ४७; उत्त० २६, १५; नाया० १; भग० ३, २; ६, ३३; —अंगुलदीह. त्रि० (-अंगुलदीर्घ) ચાર આંગલ લાંબું. चार अंगुल लम्बा. of the length of four fingers. प्रव० ६७३; —अंत. त्रि० (-अन्त) ચાર પ્રકારની ગતિ છે જેમાં એવો સંસાર. चतुर्विध गति युक्त संसार. Earthly existence consisting of four Gatis or states of existence. सूय० २, ६, २३; —अंस. त्रि० (-अस्र) ચોરસ; ચાર ખુણાવાળું. चौरस; चार कोनोंवाला. Square; four-angled. "आयताउरसम चउरंस संठाण संठियाओ" ठा० ८; उवा० १, ७६; सूय० २, २, ६६; आया० १, ५, ६, १७०; ठा०

१, १; ३, ३; ७, १; सम० प० ३०६; उत्त० ३६, २१; भग० ६, ५; ८, १; १४, ७; २५, २; नाया० ८; जीवा० ३, १; ३; पन्न० १; ओघ० नि० २८६; दसा० ६, १; विशे० ६०१; प्रव० ६७३; जं० प० १, १२; —असी. स्त्री० (-अशीति) ચૌરાશી; ૮૪. चौरासी; ८४. eighty-four; 84. जं० प० ५, ११५; " सूयगडेणं असीइ सयंकिरियावाईणं चउरासीआ किरियावाईणं " राय० भग० १, ५; ३, १; २; ६, ७; १२, ६; २०, ५; नाया० ८; नंदी० ४३; पन्न० ४; —असीइति. त्रि० (-अशीति चतुरधिका अशीति) ચૌરાશી; ૮૪; चौरासी; ८४. eighty-four; 84. उवा० १, ७४; जं० प० भग० १५, १; २५, ७; सम० ८४; आव० ३८; जं० प० २, १८; —इंदिय. पुं० (-इन्द्रिय) સ્પર્શ-ઘ્રાણ-રસના-નેત્ર-એ ચાર ઇન્દ્રિયવાળો જીવ. चतुरिन्द्रिय जीव; स्पर्श घ्राण, रसना और नेत्र इन चार इन्द्रियों वाला जीव. a living being with four senses viz. touch, smell, taste and sight. ठा० १, १; उत्त० १, १; उत्त० ३६, १२५; भग० १, १; ५; २, १; १०; ५, ६; ८, १; २४, १; १२; १९; २६, १; दस० ४; पिं० नि० भा० ६; जीवा० १; पन्न० १; —इंदियकाय. पुं० (-इन्द्रियकाय) ચાર ઇન્દ્રિય વાળા જીવનું શરીર. चार इन्द्रिय वाले जीव का शरीर. body of a four-sensed living being उत्त० १०, १२;

चउर. त्रि० (चतुर) કુશલ; હોશીઆર. चतुर; कुशल; दक्ष; Clever; skilful. अणुजो० १२८;

चउरग. पुं० (चकोरक) ચકોર પક્ષી. चकोर. the bird Chakora. पराह० १, १;

चउरमइ. पुं० (चतुरमति) શ્રી શેખર રાજાના દૂત (નોકર) નું નામ. श्री सेखर नरपति का एक दूत-नौकर. Name of a servant of king Śrī Śekhara. सु० च० ३, ११२;

चउवीस. त्रि० (चतुर्विंश) ચૌવીશ; વીશ અને ચાર. चौवीस; बीस और चार; २४. Twenty-four; 24. अणुजो० ५६; ठा० १, १; भग० २, ५; ८; ३, १; ५, ८; १५, १; २; ८; २४, १; १२; पन्न० ४; उवा० १०; २७७; प्रव० २; सम० २४; वव० ८, १५; ओव० १६; —त्थअ. नं० (-स्तव) બીજું આવશ્યક સૂત્ર જેમાં તીર્થંકરની સ્તુતિ છે. दूसरा आवश्यक सूत्र, जिस में तीर्थंकरों की स्तुति की गई है. the second Āvaśyaka Sūtra containing the glorification of Tīrthaṅkaras. नंदी० ४३; उत्त० २६१२; —त्थव. पुं० (-स्तव) બીજું આવશ્યક સૂત્ર; લોગસ્સનો પાઠ જેમાં ૨૪ તીર્થંકરની સ્તુતિ છે. देखो ऊपरका शब्द. the second Āvaśyaka Sūtra containing the glorification of twenty-four Tīrthaṅkaras in the text " Logassa " etc. नंदी० ४३; उत्त० २९, २;—दंडअ. न० (-दण्डक) ચોવીસ દણ્ડક. चौवीस दण्डक. twenty-four Daṇḍakas. ठा० १, १;—दंडग. पुं० (-दण्डक) ચોવીશ દણ્ડક. देखो ऊपर का शब्द. twenty-four Daṇḍakas. भग० २०, ७; ठा० २, २;

चउवीसइम. पुं० (-चतुर्विंशतितम) ११ ઉપવાસ. ११ उपवास. Eleven fasts. भग० २, १; नाया० १; (२) ચોવીશમો. चौबीसवां. twenty-fourth. भग० २४, १; ठा० ६, १;

चउव्विह. त्रि० (चतुर्विध) ચાર પ્રકારનું.

चार प्रकार का. Four-fold; of four kinds. क० प० २, ३६; ४, ३०; ८०; क० गं० १, १६; ६, २४; भग० १, १; २; २, १; ५, ३; २५, १; नाया० १; ५; १४; सु० च० ६, १३१; दसा० ४, ११; ४३; ६३; अणुजा० १३२; ओव० १७; सम० ४; विशे० २४; ७८; दस० ६, ४, १; उवा० १; ४३; भत्त० ४४; १५८; गच्छा० १००; कप्प० ४, ६१; —भंडग. न० (-भाण्डक) ચાર પ્રકારના કરીયાણા. चार प्रकार का करयाना-बेचने का सामान. four kinds of groceries. विवा० २;

चउसट्ठि. स्त्री० (-चतुष्षष्टि) ચોસઠ; ૬૪. चौंसठ; ६४. Sixty-four; 64. सम० ६४; ओव० ३८; भग० ३, १; २; ४, ५; १०, ५; १६, ७; २०, ५; नाया० ३; वव० ६, ३८; विवा० २; ५; जं० प० ६६, १२५; २, २६; —कला. स्त्री० (-कला) ચોસઠ કલા. चौंसठ कला. sixty-four arts. नाया० ३;

चउसट्ठिया-आ. स्त्री० (चतुःषष्टिका) રસ તોલવાનું માણીના ચોસઠમા ભાગનું માપ. रस मापने-तौलने का माणी का चौंसठवां भाग-हिस्सा. A measure of weight to weigh liquids equal to the sixty-fourth part of a Māṇī. अणुजो० १३२; राय० २७२;

चउसिया. स्त्री० (चौकुशिका) ચૌકુશ નામના દેશની સ્ત્રી. चौकुश नाम के देश की स्त्री. A female of the country named Choukuśa. भग० ९, ३३;

चउहा. अ० (चतुर्धा) ચાર પ્રકારે. चार प्रकार से. In four ways or parts; four-fold क० गं० १, २; ४; ४३; भग० १२, ४; राय० २६१;

चओर. पुं० (चकोर) ચકોર પક્ષી. चकोर पक्षी. The bird called Chakora. सु० च० २, १६;

चओवचइअ. त्रि० (चयोपचयिक) ન્યૂનાધિક થનારું; ચયોપચય-હાનિવૃદ્ધિ પામનાર. न्यूनाधिक होने वाला; घटता बढता होने वाला; वृद्धि क्षय पाने वाला. Subject to decrease and increase. आया० १, १, ५, ४६;

चंकमंत. व० कृ० त्रि० (चंक्रमत्) ચાલતું; પગલાં ભરતું. चलता हुआ. Moving; stepping. चंकमओ. व० ग० क० गं० १, ११; ओव० ३०;

चंकमण. न० (चंक्रमण) આમ તેમ ફરવું તે. इधर उधर फिरना. Moving here and there. सम० प० १६८;

चंकमिअ. त्रि० (चंक्रमित) અતિશય ચાલેલ. अतिशय चला हुआ. (One) that has moved too much. जं० प० ७, १६६;

चंकमिया. सं० कृ० अ० (चंक्रम्य) વ્યતીત કરીને; પસાર કરીને. व्यतीत करके; गुजार कर. Having passed or spent. आया० १, ८, २, ६;

चंकम्ममाण. व० कृ० त्रि० (चंक्रम्यमाण) ફરતું; ચાલતું; કંપતું. चलता हुआ; कम्पित होता हुआ. Moving; walking; quaking. कप्प० ३, ३८;

चंकार. पुं० (चकार) ચકાર; ચ અક્ષર. 'च' अक्षर; चकार. The letter Cha. ठा० १०, १;

चंगबेर. पुं० (*) કથરોટ; ચંગેરી.

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कठौती. A large metal pan. "पीढए चंगबेरव नंगले मइयं सिया" दस० ७, २८; आया० २, ४, २, १३८;

चंगिम. त्रि० (चङ्गिमन्) સુંદર; રૂપવાન્. सुन्दर; चंगा; सुरूपवान्. Beautiful; handsome. सु० च० २, ३८२;

चंगेरिआ. स्त्री० (*) ફુલ રાખવાની છાબડી. फूल रखनेकी टोकरी. A flat basket to keep flowers in. राय० ३५;

चंगेरी. स्त्री० (*) ફુલની છાબ; છાબડી. पुष्प रखनेकी छाबडी-चंगेर. A flat basket to keep the flowers in; a flat basket. विशे० ७१०; जं० प० जीवा० ३, ४; राय० १२१;

चंचल. त्रि० (चञ्चल) ચંચલ; અસ્થિર; ચપલ. चंचल; अस्थिर; चपल. Unsteady; moving; quick. जं० प० ५, ११२; ओव० १४, २१; भग० ३, १; २, ४, ३३; १५, १; पन्न० २; नाया० १; ८; ६; उवा० २, १०७; —**कुंडल.** न० (-कुण्डल) ચલાયમાન કુણ્ડલ. चलायमान कुण्डल. an unsteady ear-ring. कप्प० २, १३;

चंचलायमाण. त्रि० (चंचलायमान) ચલાયમાન; ચંચલ. चंचल. Unsteady; moving. जं० प० ३, ४१;

चंचु. स्त्री० (चञ्चु) પક્ષીની ચાંચ. पक्षी की चोंच. Bird's beak जं० प० ७, १६६;

चंचुच्चिय. न० (*चंचुच्चित) પોપટની ચાંચની માફક પગ વાંકા અને ઉંચા રાખી ઉભા રહેવું કે ચાલવું તે; ઘોડાની એક પ્રકારની ગતિ. शुक-सुआ-तोते की चोंच की तरह पैरों को टेढा और ऊंचा रखकर खडे रहना या चलना; एक प्रकार की घोडे की गति. Act of standing or walking with feet bent like the beak of a parrot; a kind of gait peculior to a horse. ओव० ३१; जं० प० ७, १६६;

***चंचुमालइय.** त्रि० (*) હર્ષથી વિકાસ પામેલ-રોમાંચ થયેલ. हर्ष से विकसित-फूला हुआ; खुशी के मारे रोमांचित. Bristling with joy. "धाराहयनीव सुरहिकुसुम चंचुमालइयतणु" जं० प० ५, ११५; भग० ११, ११;

चंड. त्रि० (चण्ड) પ્રચણ્ડ; તીક્ષ્ણ; ક્રોધના આવેશવાળું. प्रचण्ड; तीक्ष्ण; क्रोध के आवेश वाला. Fierce; keen; hot with anger. उत्त० १, १३; १७, ८; ओव० २१; सूय० २, २, १७; ६२; भग० ३, १; ७, ६; ६, ३३; ११, ११; १५, १; नाया० १; ४; ६; दसा० ६, ४; पराह० १, १; जीवा० ३, १; दस० ६, २, ३; जं० प० राय० २०७; २८३; उवा० २, १०७; कप्प० २, २७; २८; —**कम्म.** त्रि० (-कर्मन्) ક્રૂર કર્મ કરનાર. क्रूर कर्म करनेवाला. (one) who does fierces or cruel deeds. प्रव० १६००; —**विस.** न० (-विष) શરીરમાં જલદી વ્યાપી જાય તેવું ઝેર; તીવ્ર ઝેર. शरीर में जल्दी प्रविष्ट होने वाला विष; तीव्र विष deadly poison. नाया० ६; भग० १५, १;

चंडपिंगल. पुं० (चण्डपिङ्गल) એ નામનો એક માણસ કે જેનો મોહને લીધે નાશ થયો હતો. इस नाम का एक मनुष्य. जिसका नाश मोहवश हुआ था. Name of a person

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

who was lost on account of infatuation. भत्त० १३७;

चंडरुद्द. पुं० (चण्डरुद्र) એ નામના એક ક્રોધી આચાર્ય. इस नाम का एक क्रोधी आचार्य. Name of a preceptor given to anger. पंचा० ११, ३५;

चंडा. स्त्री० (चण्डा) ચમરેન્દ્ર વગેરેની મધ્યમ પર્ષદા-સભા. चमरेंद्र आदि की मध्यम सभा. The middle council of Chmarendra etc. ठा० ३, २; भग० ३, १०; जीवा० ३, ४; (२) જેમ ક્રોધી માણસને શ્રમ ન લાગે તેમ જેમાં શ્રમ ન જણાય એવી દેવતાની એક ગતિ. जिस प्रकार क्रोधी मनुष्य को श्रम नहीं होता उसी प्रकार जिस में श्रम न हो ऐसी देवता की एक गति. a sort of gait of gods involving no strain to a man given to anger or to themselves. "विपुला कक्खसा पगाढा चंडा दुहा तिव्वा दुरहियासा" विवा० १; राय० २६; नाया० ८;

चंडाल पुं० (चाण्डाल) ચાંડાલથી શૂદ્રથી બ્રાહ્મણીમાં ઉત્પન્ન થયેલ જાત-નીચ જાત. चाण्डाल-शूद्रादि नीच से ब्राह्मणी में उत्पन्न जाति; नीच जाति. A low-caste person having a Brahmaṇa mother and a Sūdra father. उत्त० ३, ४; (२) ભંગી; ઢેડ. भंगी. A sweeper; persons of low caste. भत्त० १००; सु० च० १२, ५५; नाया० २; अणुजो० १२८;

चंडालग. न० (चन्दालक) દેવપૂજા નિમિત્તે ફુલ રાખવાનું તાંબાનું વાસણ કે જેને મથુરામાં ચંડાલગ કહે છે; देवपूजा के निमित्त फूल रखनेका तांबेका एक पात्र; जिसे मथुरामें 'चंडालग' कहते हैं. A copper vessel, so called, in Mathurā, used for holding flowers for the worship of gods. सूय० १, ४, २, १३;

चंडालिय. न० (चाण्डालय) ચણ્ડાલના જેવું કર્મ. चण्डाल जैसा कर्म. A deed worthy of a low-caste person. उत्त० १, १०;

चंडिक्क. पुं० न० (चाण्डिक्य) ચાણ્ડિક્ય-ક્રોધ. क्रोध; गुस्सा. Anger; fury. सम० ५२; पराह० २, २; भग० १२, ५;

चंडिक्किअ-य. त्रि० (*चाण्डिक्यित-चाण्डिक्यं रौद्ररूपं संजातं यस्येति) ક્રોધ પ્રગટવાથી રૌદ્ર રૂપ ધરેલ. क्रोध प्रकट होने से रौद्र रूप-भयंकर रूप वाला. Fierce or grim in appearance on account of anger. जं० प० ३, ५६; ५७; उवा० २, ६५; नाया० १, १६; भग० ३, १; २;

चंडी. स्त्री० (चण्डी) એ નામની સાધારણ વનસ્પતિ. इस नाम की एक साधारण वनस्पति. Name of a common vegetation. पन्न० १; भग० २३, ३; (२) ચણ્ડી દેવી. चण्डी; चण्डिका देवी. the goddess Chandi. पराह० १, २;

चंद. पुं० (चन्द्र) ચંદ્ર; ચંદ્રમા. चंद्र; चंद्रमा. The moon. जं० प० ७, १४७; श्राव० १०; भग० ३, ७; ८, १; ६, २; दसा० ६, १; नाया० १, १०; अणुजो० १०३; सम० ६; १२; उत्त० ११, २५; २५, १६; कप्प० ३ ३६; ४३; पंचा० ८, ३४; आव० २, ७; विशे० २३६; पन्न० १; नंदी० ६; (२) ચંદ્ર નામનું ત્રીજા દેવલોકનું એક વિમાન. तीसरे देवलोक का चंद्र नामक एक विमान. an abode of the name of Chandra in the third Devaloka. सम० ३; (३) વપ્રાવિજયની પૂર્વ સીમા ઉપરનો વખારો પર્વત. वप्रविजय की पूर्व सीमा ऊपर का वखारा पर्वत. the Vakhārā

mountain on the eastern boundary of Vapravijaya. जं० प० (४) જ્યોતિષ દેવતાનો ઇંદ્ર. ज्योतिषी देवों का इन्द्र. the Indra of the Jyotiṣa-gods. जीवा० १; उत्त० ३६, २०६; ठा० २, ३; ओव० २६; (५) ઉત્તર કુરુક્ષેત્રમાંનો એક દ્રહ કે જેને બે પાસે કંચનક પર્વત છે. उत्तर कुरु क्षेत्र में का एक द्रह, जिसके कि दोनो किनारों पर कंचनक पर्वत है. a lake in Uttara Kurukṣetra on two sides of which there is situated the Kañchanaka mountain. जीवा० ३, ४; (६) ચંદ્ર નામનો દ્વીપ અને સમુદ્ર. चंद्र नामक द्वीप और समुद्र. a continent of the name of Chandra; also ocean of that name. जीवा० ३, ४; पन्न० १; (७) જે વર્ષમાં અધિક માસ ન હોય તે સંવત્સર. जिस वर्ष में अधिक मास न हो वह संवत्सर. an ordinary year; an year not intercalary. जं० प० सू० प० १०; प्रव० ६०८; (८) ચન્દ્રપુષ્પિકાનું પહેલું અધ્યયન. चन्द्रपुष्पिका का पहला अध्ययन. the first chapter of Chandrapuṣpikā. निर० ३, १; (९) આઠમા તીર્થંકરનું લાંછન. आठवें तीर्थंकर का चिन्ह. the emblem or symbol of the eigth Tīrthaṅkara. प्रव० ३८१; —अद्ध. न० (-अर्ध अर्धचन्द्र) અડધો ચંદ; અષ્ટમીનો ચંદ. आधा चन्द्र; अष्टमी का चांद. half-moon; the moon on the eighth day of every fort-night. राय० ११३; —आभा. स्त्री० (-आभा) ચંદ્રની આભા-જ્યોતિ. चन्द्र की ज्योति; चन्द्र की आभा. moon-light. भग० ६, ५; १७; —उवराग. पुं० (-उपराग) ચંદ્ર ગ્રહણ. चंद्र ग्रहण. lunar eclipse. अणुजो० १२७; भग० ३, ७; जीवा० ३, ३; —जोग. पुं० (-योग) નક્ષત્રની સાથે ચંદ્રનો યોગ. नक्षत्र के साथ चंद का योग. the moon in conjunction with a lunar asterisk. जं० प० ७, १६०; —दिण. न० (-दिन) ચંદ્રનો દિવસ; સોમવાર. चंद्र का दिन; सोमवार. monday. सम० २८; —पडिमा स्त्री० (-प्रतिमा) ચન્દ્ર નામની પ્રતિમા-અભિગ્રહ કે જેમાં ચન્દ્ર કલાની પેઠે શુકલ પક્ષમાં દરરોજ એકેક કોળીઓ વધારતાં અને કૃષ્ણપક્ષમાં એકેક કોળીઓ ઘટાડતાં અમાવસ્યાએ એકજ કોળીઓ લેવામાં આવે તે; એક પ્રકારનું ઉનોદરી તપ. चन्द्र नाम की प्रतिमा-अभिग्रह, जिसमें चन्द्रमा की कलाओं के समान शुक्लपक्ष में प्रतिदिन एक एक कवल-ग्रास बढाते और कृष्णपक्ष में एक एक ग्रास घटाते अमावस के दिन एक ही ग्रास लिया जाता है; उनोदरी तप विशेष. A sort of austerity in which one morsel of food on the new-moon day is increased by one according to the digits of the moon in the bright half till full moon and then decreased accordingly in the dark half. प्रव० १५७२; ओव० १६, ठा० २, ३; वव० १०, १; —परिवेस. पुं० (-परिवेष) ચન્દ્રનો કુંડાળો; ચન્દ્રને ફરતું મણ્ડલાકારે દેખાવ. चन्द्रमा के चारों ओर गोलाकार का घेराव-वृत्त. the halo of light round the moon. अणुजो० १२७; भग० ३, ७;—पव्वय-अ. पुं० (-पर्वत) ધાતકી ખંડના મહાવિદેહમાંનો એક પર્વત.

चंद मंडल - चंद्र मंडल
उ.
बधा
मांडला
१५
वा.
बधा
मांडला
इ. ५१०
योजनमां
प.
पू.
१
१५
नै.
अ.
बे मांडला वच्चेनुं अंतर ३५ योजन.
द.
D.V.TALSANIA
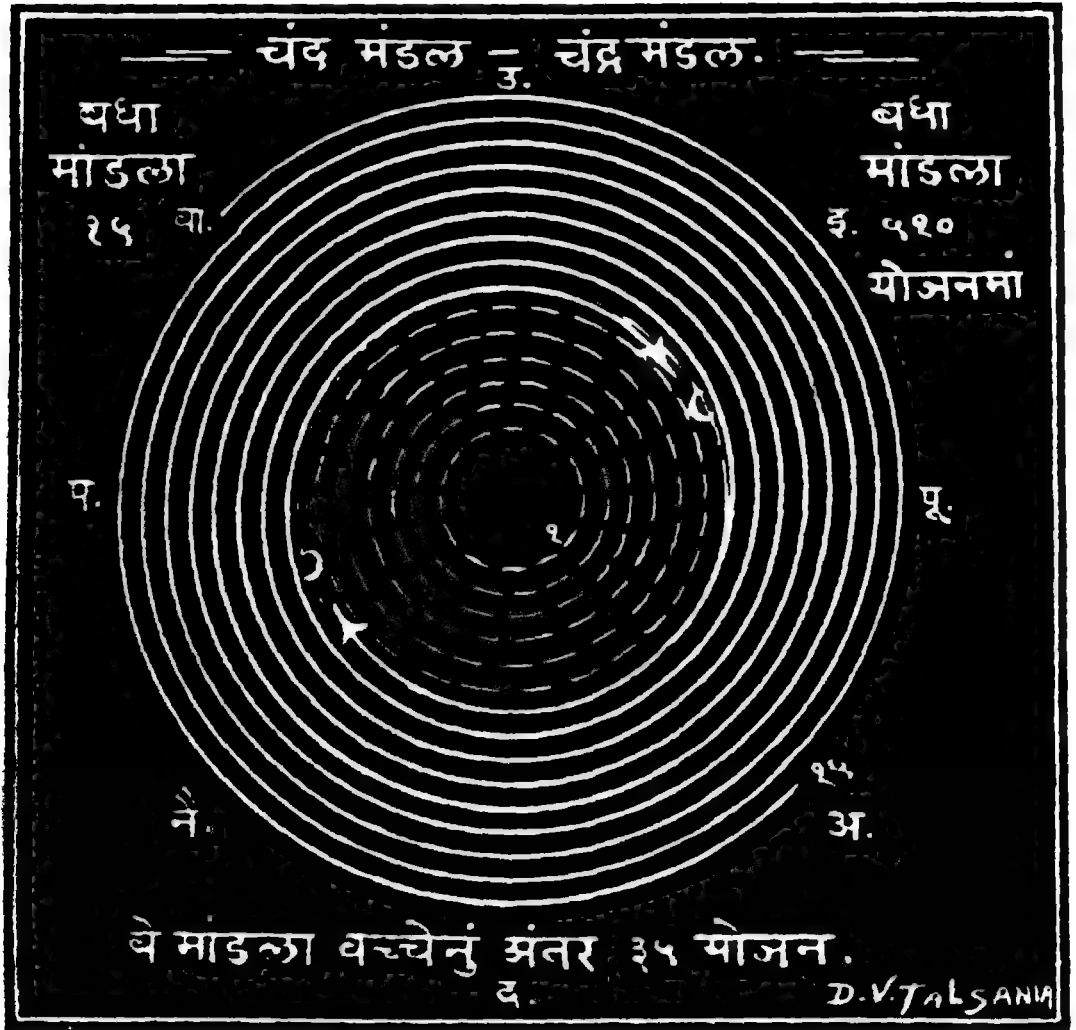
धातकी खण्ड के महाविदेह का एक पर्वत. name of a mountain of the Mahāvideha of Dhātakī continent. ठा० २. ३; (२) એ નામનો સિતોદા નદીનો વક્ષસ્કાર પર્વત. इस नाम का सितोदा नदी का बखारा पर्वत. name of a Vakārā mountain on the river Sitodā. ठा० ८, १; **—मंडल.** न० (-मंडल) ચન્દ્રનું મંડલ. चन्द्र मंडल. the discus of the moon. सम०६१; (३) ચન્દ્રમાને આકાશમાં ચાલવાનો નિયત માર્ગ. चन्द्रमा के चलने के लिये आकाश का नियत मार्ग. the orbit of the moon. (४) આકાશમાં ચન્દ્ર જે પ્રદેશ ઉપર ચાલે છે તે પ્રદેશની લાઈનને ચંદ્રમણ્ડલ કહેવામાં આવે છે. તેવા ચન્દ્રના માંડલા १५ છે અટલે ચન્દ્ર પહેલે માંડલેથી १५ દિવસે १५ મે માંડલે જાય છે, અને પછી અંદર આવતાં १५ મે માંડલેથી १५ દિવસે પહેલે માંડલે આવે છે. એમ પંદર પંદર દિવસે ચંદ્રની આવૃત્તિ થાય છે. आकाश में चंद्र जिस प्रदेश पर फिरता है उस प्रदेश के मार्ग को चन्द्रमण्डल कहते हैं ऐसे चंद्रके मंडल १५ हैं अर्थात् चंद्र प्रथम मण्डल से १५ वें दिन १५ वें मण्डल में जाता है और फिर वापस १५ दिन में १५ वें मण्डल से १ ले मण्डल में आता है. इस प्रकार पंद्रह २ दिन में चंद्र की आवृत्ति होती है. the path of the moon in the sky is called the circle of the moon. There are such 15 circles. The moon begins her course from the first circle and reaches the 15th circle on the 15th day and when she retreats her motion back from the 15th circle takes again 15 days to come to the first circle. Thus the whole course is completed in every fort-night. जं० प० ७,१४२;

चंदमण्डलपविभत्ति. पुं० (चन्द्रमण्डलप्रविभक्ति) ચન્દ્ર મંડલની વિશેષ રચનાવાળું નાટક. चन्द्रमण्डल की विशेष रचना वाला नाटक. A drama in which the scenery of the moon is exhibited. राय० ६२;**—रविजोग.** पुं० (-रवियोग) ચન્દ્ર અને સૂર્યનો યોગ. चंद्र और सूर्य का योग. the moon in conjunction with the sun. जं०प० ७; १५५; **—विमाणजोइसिय.** पुं० (-विमानज्योतिष्क) ચન્દ્રના વિમાનમાં રહેનાર જ્યોતિષ્ક દેવ. चन्द्रमाके विमानमें रहने वाला ज्योतिष्क देव. a deity living in the heavenly abode of the moon. जं० प० ७, १६४; भग० २४, १२; **—सूर.** पुं० (-सूर) ચન્દ્ર અને સૂર્ય. चन्द्र और सूर्य. moon and sun. प्रव० ८६२; **—होरा.** स्त्री० (-होरा) ચન્દ્રની હોરા; ચન્દ્ર લગ્ન. चन्द्रलग्न; चन्द्रमा की होरा-समय विशेष. a particular duration of time in the position of the moon in its orbit. गण० ६५;

चंदक. पुं० (चन्द्रक) મોર પીંછ ઉપરનો ચાંદલો. मोर की पिच्छ ऊपर का एक प्रकार का चन्द्राकार चमकीला आकार विशेष. A star-like spot on the feather of a peacock. नाया० ३;

चंदकंत. पुं० (चन्द्रकान्त) ચન્દ્રકાંત નામનું ત્રીજા દેવલોકનું એક વિમાન. चन्द्रकान्त नाम का तीसरे देवलोक का विमान. Name of a heavenly abode in the third Devaloka. सम० ३;

चंदकंता. स्त्री० (चन्द्रकान्ता) આ અવસર્પિ-

श्रीना श्रीज्ञ कुलकरनी स्त्री. वर्तमान अवसर्पिणी के दूसरे कुलकर की स्त्री. Name of the wife of the second Kulakara of the present or current descending cycle (Avasarpiṇī) सम० प० २२६;

चंदकूड. पुं० (चन्द्रकूट) चन्द्रकूट (कूट) नामनुं त्रीज्ञ देवलोकनुं એક विमान. इस नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the third Devaloka. सम० ३;

चंदगवेज्झ. न० (चन्द्रकवेध्य) राधावेध-चक्करती राधा पुतળીની તારામાંથી આંખ વીંધવી તે. राधा वेध; चक्रकी तरह घूमती हुई पुतली की आंख वेधना. A feat in archery-piercing the eye of a rotating doll ओघ० नि० ८०७; संथा० १२१; आउ० ५.४;

चंदगुत्त. पुं० (चन्द्रगुप्त) मौर्यवंशी चन्द्रगुप्त राजा. मौर्यवंशी चन्द्रगुप्त राजा. King Chandragupta of the Maurya dynasty. विशे० ८६२; पिं नि० भा० ४५;

चंदचरिया. स्त्री० (चन्द्रचर्या) चंद्रनी गति जाणवानी विद्या. चन्द्र की गति जानने की विद्या. The science of the motions of the moon. सूय० २, २, ७७;

चंदच्छाअ-य. पुं० (चन्द्रच्छाय) चंद्रच्छाय नामे अंग देशनो राजा. चन्द्रच्छाय नाम का अंग देश का राजा, Name of a king of the country called Aṅga. ठा० ७, १; नाया० ८;

चंदजसा. स्त्री० (चंद्रयशस्) विमल वाहन कुलकरनी स्त्री. विमल वाहन कुलकर की स्त्री. Name of the wife of the Kulakara Vimala-Vāhana. सम० प० २२९;

चंदज्झय. पुं० (चन्द्रध्वज) चंद्रध्वज नामनुं त्रीज्ञ देवलोकनुं विमान. चन्द्रध्वज नाम का तीसरे देवलोक का विमान. Name of a heavenly abode of the third Devaloka. सम० ३;

चंदण. न० (चन्दन) मलयागर-चन्दन. मलयागर-चंदन. Sandal-wood. (२) सुખડનું ઝાડ. चन्दन का वृक्ष. sandal tree. ओव० भग० ६, ३३; २२, ३; नाया० १; ५; ८; सु० च० २, ५८४; राय० ५६; जीवा० ३, ४; पन्न० १; कप्प० ५, ११८; प्रव० ३१०; उवा० १, २६; जं० प० ५, ११४; (३) अक्ष-कोडानो જીવ; બેઈંદ્રિય જીવનો એક પ્રકાર. अक्ष-कौड़ (घोघा) का जीव; दो इंद्रिय जीव का एक प्रकार. a variety of two-sensed living beings. उत्त० ३६, १२८; पन्न० १; (४) चंदनमणि; सचित्त कठिन पृथ्वीनो એક પ્રકાર. चन्दनमणि; सचित्त कठिन पृथ्वी का एक प्रकार. a kind of sentient hard earth called Chandanamaṇi. उत्त० ३६; ७६; पन्न० १; **—उक्खित्तगाय.** त्रि० (-उक्षितगात्र) चंदनथी लेपायलुं छे शरीर जेनुं એવો. चंदन से लेपन किया हुवा जिसका शरीर है वह. (one) whose body is smeared with sandal-paste. भग० ६, ३३; **—कलस.** पुं० (-कलश) चन्दन लिप्त कलश; मंगल कलश. चन्दन लिप्त कलश मंगल कलश. a pot smeared with sandal-paste; an auspicious pot. राय० ५८; जं० प० ५, १२०; **—पायव.** पुं० (-पादप) चंदननुं वृक्ष. चंदन का वृक्ष. a sandal-tree. विवा० १; **—पेसिया.** स्त्री० (-पेषिका) चन्दन घसनारी दासी. चन्दन घिसने वाली दासी. a maid-

servant who prepares sandal-paste by rubbing sandal-wood against a stone. भग० ११, ११;
—विलेवण. न० (-विलेपन) ચન્દનનો લેપ કરવો તે. चंदन का लेप करना. smearing the body with sandal-paste. पंचा० ८, २४;

चंदणज्जा. स्त्री० (चन्दनार्या) ચોવીશમા તીર્થંકરની મુખ્ય સાધ્વી; ચંદનબાલા નામની આરજા. चौबीसवें तीर्थङ्कर की मुख्य साध्वी. चंदनबाला नामकी आरजा. A nun named Chandanabālā; the chief nun of the 24th Tīrthaṅkara. सम० प० २३४;

चंदणा. स्त्री० (चन्दना) ચંદનબાલા સાધ્વી. चन्दनबाला साध्वी. The nun named Chandanabālā. कप्प० ५, १३४;

चंदणी. स्त्री० (चन्दनी) આચમન. आचमन. Holy water. आया० २, १, ६, ३२;
—उयय. न० (-उदक) આચમનનું પાણી જ્યાં વહેતું હોય તે સ્થલ. आचमन का जल जहांपर बहता हो वह स्थल. a place where holy water is flowing. आया० २, १, ६, ३२;

चंदत्थमणपविभत्ति. स्त्री० (चन्द्रास्तमनप्रविभक्ति) ચન્દ્રાસ્ત ચન્દ્રઆથમવાની વિશેષ રચનાવાળું નાટક. चंद्रास्त की विशेष रचनायुक्त नाटक. A drama in which there is a scene of the setting moon. राय० ८२;

चंददीव. पुं० (चन्द्रद्वीप) ચન્દ્ર નામનો દ્વીપ. चंद्र नाम का द्वीप. A continent or island named Chandra. जीवा० ३, ४;

चंदन. न० (चन्दन) ચંદન. चंदन. Sandal paste; sandal wood तंदु०

चंदनागरी. स्त्री० (चंद्रनागरी) એ નામની એક શાખા. इस नाम की एक शाखा. An off-shoot of that name. कप्प० ८;

चंदपण्णत्ति. स्त्री० (चन्द्रप्रज्ञप्ति) જેમાં ચન્દ્રસમ્બન્ધી વર્ણન કર્યું છે તે ચન્દ્રપ્રજ્ઞપ્તિ નામનું એક કાલિક સૂત્ર. जिसमें चन्द्रसंबन्धी वर्णन किया गया है वह चन्द्रप्रज्ञप्ति नाम का एक कालिक सूत्र. Name of a Kālika Sūtra in which a description of the moon is given. ठा० ३, १; ४, १; नंदी० ४३;

चंदप्पभ. पुं० (चन्द्रप्रभ-चन्द्रस्य इव प्रभा-ज्योत्स्ना यस्य) ચન્દ્રકાંતમણિ. चंद्रकान्तमणि. A precious stone called Chandrakānta. नाया० १; पन्न० १; उत्त० ३६, ७६; (२) છત્રીનો દાંડો. छत्रीका दंडा. the handle of an umbrella. नाया० १; (३) ચંદ્રપ્રભ નામનું ત્રીજા દેવલોકનું એક વિમાન. चंद्रप्रभ नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान. name of a heavenly abode of the third Devaloka. सम० ३; (४) આઠમા ચંદ્રપ્રભ તીર્થંકર કે જેની કાંતિ ચન્દ્ર જેવી હતી. ८ वे चंद्रप्रभ तीर्थंकर कि जिनकी कान्ति चन्द्र के समान थी. the 8th Tīrthaṅkara with moon-like lustre. ठा० २, ४;
—गाहावइ. पुं० (-गाथापति) ચંદ્રપ્રભ નામના એક ગૃહપતિ શેઠ. चन्द्रप्रभ नाम के एक गृहपति सेठ. name of a merchant. नाया० ध० ८;

चंदप्पभा. स्त्री० (चन्द्रप्रभा-चंद्रस्येव प्रभा आकारो यस्याः) ચંદ્રહાસ નામની મદિરા-દારૂ. चन्द्रहास नाम की मदिरा दारू. A sort of wine called Chandrahāsa. जीवा० ३, ३; पन्न० १७; (२) ચંદ્રમાની મ્હોટી પટ્ટરાણી. चंद्रमाकी प्रधान

पट्टराणी. the senior queen of the moon-god. ठा० ४, १; भग० १०, ५; सू० प० १८; जीवा० ४; जं० प० ७, १७०; (३) ચંદ્રપ્રભા દેવી. चंद्रप्रभा देवी. Chandraprabhā Devī. नाया० ध० ८; (४) દશમા અને ચોવિશમાં તીર્થંકરની પ્રવ્રજ્યા પાલખીનું નામ. दशवें और चौवीसवें तीर्थंकरकी प्रव्रज्या पालकीका नाम. name of the Palanquin of the 10th and 24th Tīrthaṅkara at the time when he took holy orders. कप्प० ४, १०७; सम० प० २३१; —दारिया. स्त्री० (-दारिका) ચંદ્રપ્રભા નામની એક કન્યા. चंद्रप्रभा नाम की एक कन्या. a girl named Chandraprabhā. नाया० ध० ८;

चंदप्पह. पुं० (चंद्रप्रभ) વર્તમાન ચોવીસીના આઠમા તીર્થંકરનું નામ. वर्तमान चौवीसी के आठवें तीर्थंकर का नाम Name of the 8th Tīrthaṅkara of the current Chovisī. अणुजो० ११६; सम० २४; कप्प० ३, ४६; ५, १४८; आव० २, २; प्रव० २६३;

चंदप्पहा. स्त्री० (चन्द्रप्रभा) જુઓ " चंदप्पभा " શબ્દ. देखो " चंदप्पभा " शब्द. Vide " चंदप्पभा " नाया० २, १५, १७६;

चंदप्पहाविमान. न० (चन्द्रप्रभाविमान) એ નામનું એક વિમાન. इस नाम का एक विमान. Name of a heavenly abode. नाया० ध० ८;

चंदभागा. स्त्री० (चन्द्रभागा) ચંદ્રભાગા નામની એક નદી કે જે સિંધુમાં જઈને મળે છે. चंद्रभागा नाम की नदी कि जो सिन्धु में जाकर मिलती है वह. The river named Chandrabhāgā. ठा० ५, ३;

चंदम. पुं० (चन्द्रमस्) ચન્દ્રમા. चंद्रमा. The moon. " खावलताणंच चंदमा " नाया० १; सू० प० १;

चंदमस. पुं० (चन्द्रमस्) ચાંદો; ચંદ્રમા. चन्द्रमा; चन्द्र; शशि. The moon. सू० प० १;

चंदमहत्तर. पुं० (चन्द्रमहत्तर) એ નામના એક આચાર્ય કે જેણે સપ્તતિકા નામે ગ્રંથ રચ્યો છે. इस नाम के एक आचार्य कि जिन्होंने सप्ततिका नाम का ग्रंथ बनाया है. Name of a preceptor who was the author of a book named Saptatikā. क० ग० ६, ६३;

चंदय. पुं० (चन्द्रक) મોર પીંછાનો ચાંદલો. मोर पंख का चांद A star in the feather of a peacock. नाया० ३;

चंदयगुत्त. पुं० (चन्द्रगुप्त) પાટલી પુત્રનો પ્રાચીન રાજા; ચન્દ્રગુપ્ત નામે મૌર્યવંશનો એક રાજા पाटलीपुत्र का प्राचीन राजा; चन्द्रगुप्त नाम का मौर्यवंशी एक राजा. Chandragupta of the Maurya dynasty. संथा० ७०;

चंदलेस्स. पुं० (चन्द्रलेश्य) ચન્દ્રલેશ નામનું ત્રીજા દેવલોકનું એક વિમાન. चन्द्रलेश नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान. A heavenly abode named Chandraleśa in the third Devaloka. सम० ३;

चंदलेस्सा. स्त्री० (चन्द्रलेश्या) ચન્દ્રના વિમાનની કાંતી. चन्द्र के विमान की कान्ति. The splendour of the heavenly abode of the moon. भग० १२, ६;

चंदवडिंसअ. पुं० (चन्द्रावतंसक) ચંન્દ્રમાનું વિમાન. चन्द्रमाका विमान. The heavenly abode of the moon. जं० प० निर० ३, १; नाया० ध० ८;

चंदवरा. न० (चन्द्रवर्ण) ચોથા દેવલોકનું ચન્દ્રવર્ણ નામનું એક વિમાન. चौथे देवलोक का चन्द्रवर्ण नाम का एक विमान. Name

of a heavenly abode of the fourth Devaloka. सम० ३;

चंदसालिया. स्त्री०(चन्द्रशालिका) મેડી; માળ; મજલો. मजला; मंजिल. Upper floor; top-floor. पगह० १, १; नाया० १; जीवा० ३, ३;

चंदसिंग. न० (चन्द्रशृंग) ત્રીજા-ચોથા દેવલોકનું એક વિમાન. तीसरे, चौथे देवलोक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the third or fourth Devaloka. सम० ३;

चंदसिद्ध. न० (चन्द्रसिद्ध) ચન્દ્રસિદ્ધ નામનું ત્રીજા દેવલોકનું એક વિમાન. चन्द्रसिद्ध नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान Name of a heavenly abode of the third Devaloka. सम० ३;

चंदसिरी. स्त्री० (चंद्रश्री) ચન્દ્રશ્રી નામની સ્ત્રી; ચક્ષુષ્મત નામના બીજા કુલકરની માતા. चन्द्रश्री नाम की स्त्री; चक्षुष्मत् नाम के दूसरे कुलकर की माता. Name of a woman -the mother of the second Kulakara named Chaksusmat. नाया० ध० ८;

चंदसूरदंसावणिया. स्त्री० (चन्द्रसूर्य-दर्शनिका) બાળકને જન્મથી ત્રીજે દિવસે કરાવવામાં આવતું સૂર્ય ચન્દ્રનું દર્શન. जन्म पाये हुए बालक को तीसरे दिन कराया जाता सूर्य चन्द्र का दर्शन. The practice of showing the sun and the moon to a child on the third day after birth. सम० ११, ११;

चंदसूरमालिआ. स्त्री० (चन्द्रसूर्यमालिका) એક જાતનું ઘરેણું; દાગીનો. एक प्रकार का आभूषण-अलंकार. A kind of ornament. (२) જંબુદ્વીપમાં બે ચંદ્ર અને બે સૂર્ય, લવણ સમુદ્રમાં ચાર ચંદ્ર અને ચાર સૂર્ય, ધાતકી ખણ્ડમાં ૧૨ ચંદ્ર અને ૧૨ સૂર્ય, કાલોદધિ સમુદ્રમાં ૪૨ ચંદ્ર અને ૪૨ સૂર્ય અને અર્ધપુષ્કર દ્વીપમાં ૭૨ ચંદ્ર અને ૭૨ સૂર્ય એમ અઢીદ્વીપમાં ૧૩૨ ચંદ્ર અને ૧૩૨ સૂર્ય છે. એ ચર એટલે ગતિમાન છે અને પોતપોતાના માંડલે ફેર છે અઢીદ્વીપ બહાર અસંખ્યાત ચંદ્ર અને અસંખ્યાત સૂર્ય છે તે સ્થિર છે. અઢીદ્વીપમાં ૧૩૨ ચંદ્ર સૂર્ય કેવી સ્થિતિમાં છે તે આ ચિત્રમાં બતાવેલ છે. जंबूद्वीप में २ चंद्र और २ सूर्य, लवण समुद्र में ४ चंद्र और ४ सूर्य, धातकी खण्ड में १२ चंद्र और १२ सूर्य, कालोदधि समुद्र में ४२ चंद्र और ४२ सूर्य और अर्द्धपुष्कर द्वीप में ७२ चंद्र और ७२ सूर्य इस प्रकार १३२ चंद्र और १३२ सूर्य ढाईद्वीप में हैं. ये सब चर अर्थात् गतिमान हैं और अपने २ मगडल में फिरते हैं ढाईद्वीप के बाहर जो असंख्यात चंद्र और सूर्य हैं वे स्थिर हैं. ढाईद्वीप के अन्दर १३२ चंद्र सूर्य किस प्रकार फिरते हैं यह इस चित्र में बतलाया है. there are 2 moons and 2 suns in Jambu Dvipa, 4 moons and 4 suns in the Lavaṇa ocean, 12 moons and 12 suns in Dhātakī Khaṇḍa, 42 moons and 42 suns in Kālodadhi ocean and 72 moons and 72 suns in Ardha Puskara Dvipa. Thus there are 132 moons and 132 suns in Aḍhī Dvipa and these moons and suns are not stationary e. g. they move in their own circles. There are also innumerable moons and suns outside Aḍhī Dvipa

and they are steady. The respective positions of the moons and the suns of Adhī Dvīpa are shewn in the diagram. जीवा० ३, ३;

भक्ति) नाट्य विशेष; चंद्रागमनना रचना वाळु नाट्य विशेष; चन्द्रागमन की रचना युक्त. A kind of drama in which the moon figures. राय० ६२;

चंदाणण. पुं० (चन्द्रानन) जम्बूद्वीपना
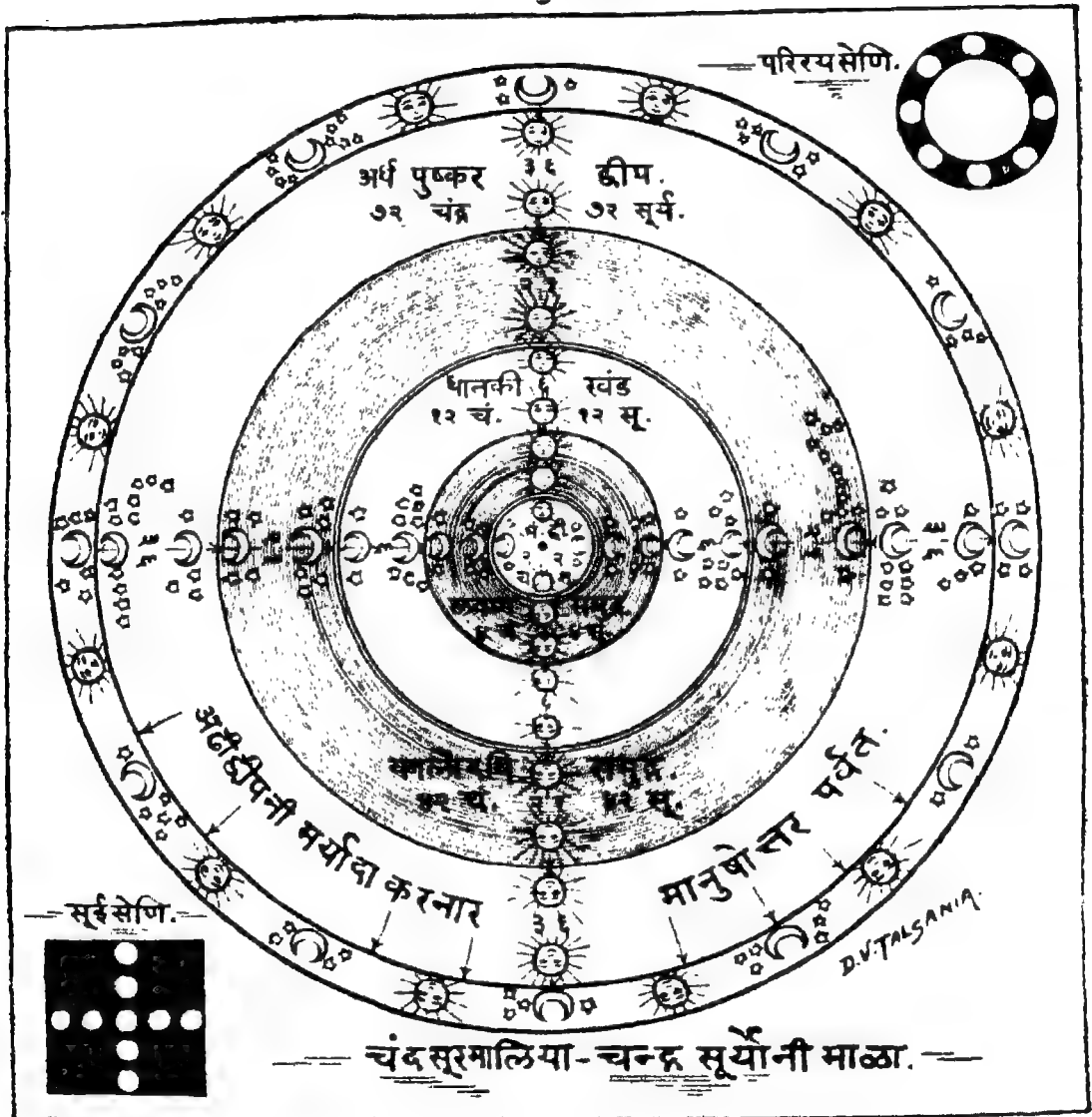
चंदा. स्त्री० (चन्द्रा) चंद्रमानी राजधानी. चन्द्रमा का पाटनगर-प्रधान शहर. The capital city of the moon-god. जीवा० ३, ४; जं० प० ७, १२६;

चंदागमणपविभत्ति. न० (चन्द्रागमनप्रवि-

ऐरावत क्षेत्रमां आ अवसर्पिणीना पहेला तीर्थंकर. जम्बूद्वीप के ऐरावत क्षेत्र में वर्तमान अवसर्पिणी के प्रथम तीर्थंकर. The first Tīrthaṅkara of the current cycle. सम० प० २४०; प्रव० ४६७;

चंदाणणा. स्त्री० (चन्द्रानना) શાશ્વતી જિન પ્રતિમાઓ પૈકી ત્રીજી પ્રતિમાનું નામ. शाश्वती जिन प्रतिमाओं में से तीसरी प्रतिमा का नाम. Name of the third Jaina everlasting vow (Pratimā). जीवा० ३, ४; ठा० ४, २; राय० १५४;

चंदाभ. पुं० (चन्द्राभ) ચંદ્રાભનામનું પાંચમા દેવલોકનું એક વિમાન. चंद्राभ नाम का पांचवें देवलोक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the fifth Devaloka. सम० ८; भग० ६, ५; प्रव० १४६०; (२) અગીયારમા કુલગરનું નામ. ग्यारहवें कुलगर का नाम. name of the eleventh Kulagara. जं० प०

चंदायण. न० (चान्द्रायण) જુઓ "चंद-पडिमा" શબ્દ. देखो "चंद-पडिमा" शब्द. Vide "चंद-पडिमा" पंचा० १६, १८;

चंदावत्त. पुं० (चंद्रावर्त) ચન્દ્રાવર્ત નામનું ત્રીજા દેવલોકનું એક વિમાન. चंद्रावर्त नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the third Devaloka. सम० ३;

चंदावरणपविभत्ति. न० (चन्द्रावरणप्रविभक्ति) ચન્દ્રમાને ઢાંકવાની વિશેષ રચના વાળું નાટ્ય વિશેષ. चन्द्रमा को आच्छादित करने की विशेष रचना युक्त नाट्य विशेष. A drama depicting a particular scene of hiding the moon from view. राय० ६२;

चंदावलिपविभत्ति. न० (चन्द्रावलिप्रविभक्ति) ચંદ્રમાની પંક્તિની વિશેષ રચના વાળું એક નાટક. चंद्रमा की विशेष रचना युक्त एक नाटक. A drama exhibiting a particular position of the moon. राय० ६१;

चंदाविज्झय. न० (चन्द्राविध्यक) २९ ઉત્કાલિકસૂત્રમાંનું ૧૫ મું. २९ उत्कालिक सूत्रों में से १५ वां. The fifteenth of the 29 Utkālika Sūtras. नंदी० ४३;

चंदिम. पुं० (चन्द्रमस्) ચંદ્રમા. चन्द्रमा. The moon. भग० ३, ७; ६, ५; १२, ६; ११, ५; नाया० १; पन्न० २; राय० १००; (२) ચંદ્રમાના દૃષ્ટાંત વાળું જ્ઞાતા સૂત્રનું ૧૦ મું અધ્યયન. चन्द्रमा के दृष्टांतयुक्त ज्ञातासूत्र का १० वां अध्ययन. The tenth chapter of Jñātā Sūtra giving an illustration of the moon. सम० १६; **—सूरवराग.** पुं० (— सूर्योपराग) ચંદ્રગ્રહણ તથા સૂર્યગ્રહણ. चन्द्रग्रहण व सूर्यग्रहण. lunar and Solar eclipses. प्रव० १५७१;

चंदिमसूरिय पुं० (सूर्याचन्द्रमसौ) ચંદ્ર અને સૂર્ય. चंद्र और सूर्य. Sun and Moon. भग० १८, ७;

चंदिमा. पुं० स्त्री० (चन्द्रिका) અણુત્તરોવવાઇ સૂત્રના ત્રીજા વર્ગના છઠ્ઠા અધ્યયનનું નામ. अणुत्तरोववाइ सूत्र के तीसरे वर्ग के छठे अध्ययन का नाम. Name of the sixth chapter of the third Varga of Anuttarovavai Sūtra. (२) કાકંદી નગરી નિવાસી ભદ્રાસાર્થવાહીના પુત્ર કે જેણે દીક્ષા લઈ છઠ્ઠ છઠ્ઠની પ્રતિજ્ઞા લઈ ૧૧ અંગ ભણી ઘણા વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી એક માસનો સંથારો કરી સર્વાર્થસિદ્ધ વિમાને પહોંચ્યા ત્યાંથી એક અવતાર કરી મોક્ષ જશે. काकंदी नगरी निवासी भद्रासार्थवाही के पुत्र कि जिन्होंने दीक्षा लेकर छट्ठ की प्रतिज्ञा लेकर ११ अंग पढ कर बहुत वर्षों की प्रव्रज्या का पालन कर एक मास का संथारा कर सर्वार्थसिद्ध विमान में प्राप्त हुवे वहांसे एक अवतार लेकर मोक्ष को प्राप्त करेंगे. name of the son of Bha-

drā Sārthavāhī of the city of Kākandī, who vowed to observe periodical fasts, studied eleven Aṅgas, practised asceticism for many years and after complete abstention from food and water for a month attained to the heavenly abode known as Sarvārtha Siddha, whence after one incarnation he will attain to final emancipation. अणुत्त० ३, ६; भग० ५, १; ६; दस० ६, ६६; ८, ६४; (२) ચન્દ્રિકા; જ્યોત્સ્ના. चंद्रिका; ज्योत्स्ना. moon-light. नाया० १;

चंदुत्तरवडिंसग. पुं० (चंद्रोत्तरावतंसक) ચંદ્રોત્તરાવતંસક નામનું ત્રીજા દેવલોકનું એક વિમાન. इस नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the third Devaloka. सम० ३;

चंदोत्तरायण. न० (चन्द्रोत्तरायण) કોશામ્બી નગરની બહારનો ચંદ્રોત્તરાયણ નામનો એક બાગ. इस नाम का कौशाम्बी नगर के बाहर का एक बाग. Name of a garden situated outside the city of Kauśāmbī. भग० १२, २; विवा० ५; निर० ३, ५;

चंदोयरण. न० (चन्द्रोत्तरण) એ નામનું એક ચૈત્ય, કે જે ઉદંડપુર નગરની બહાર હતું. उदण्डपुर नगर के बाहर का एक चैत्य. Name of a garden outside the city of Uddaṇḍapura. भग० १५, १;

चंपत्र. पुं० (चम्पक) કિંપુરૂષદેવની સભા આગળનું ચૈત્યવૃક્ષ--ચમ્પાનું ઝાડ. किं पुरुष देव की सभा के समीप का चैत्य वृक्ष-चंपा का वृक्ष. The Champā tree growing near the council-hall of the deities known as Kimpuruṣas. ठा० ८, १; (२) સૂર્યાભના ચમ્પક વનનો રક્ષક દેવતા. सूर्याभ के चम्पक वन का रक्षक देवता. the guardian deity of the Champaka forest of Sūryābha. राय० १४०; (३) ચંપાનું વન તથા ત્યાં રહેનાર દેવ. चंपा का वन व वहां रहने वाला देव. the Champā forest and the deities residing there. जीवा० ३,४; (४) ચંપો; ચંપાનું ફુલ. चंपा; चंपा का फूल. the Champā tree; a flower of that tree. नाया० १६; पन्न० १७; (५) ચંપાનું વૃક્ષ કે જેની હેઠે વીસમાં તીર્થંકરને કેવલજ્ઞાન થયું. चंपा का वृक्ष कि जिस के नीचे २० वें तीर्थंकर को केवलज्ञान हुआ. the Champā tree under which the 20th Tīrthaṅkara attained to Kevala Jñāna. सम० प० २३३;

चंपक. पुं० (चम्पक) ચાંપાનું ઝાડ. चंपा का झाड. A Champā tree. नंद० —पायव पुं० (-पादप) ચાંપાનું ઝાડ. चंपा का वृक्ष. A Champā tree. विवा० ८;

चंपग. पुं० (चम्पक) જુઓ " चंपत्र " શબ્દ. देखो " चंपत्र " शब्द. Vide " चंपत्र " नाया० १; ८; राय० ६३; पन्न० १; नंदी० ३७; कप्प० ३, ३७; जं० प० ५, १२२; —पायव. पुं० (-पादप) ચાંપાનું ઝાડ. चंपा का वृक्ष. A Champā tree. नाया० ३; १८; —पुड. पुं० (-पुट) ચંપાના ફૂલનો દડો. चंपा के फूल का गेंद. a bunch made of Champā flowers. नाया० १७; —माला. स्त्री०

(-माला) ચાંપાના ફુલની માલા. चंपा के फूल की माला. a garland made of Champā flowers. नाया० १; —लया. स्त्री० (-लता) ચંપાની વેલ. चंपा की बेल, लता. a Champā creeper. ओव० भग० ६, ३३; नाया० १; १६; विवा० २; निर० १, १; —वण. न० (-वन) ચાંપાના વૃક્ષોનું વન. चंपा के वृक्षों का वन. a forest of Champā trees. भग० १, १; अणुजो० १३१; निसी० ३, ८१; पन्न० १७; (२) સૂર્યાભવિમાનના પશ્ચિમ દરવાજેથી પાંચસો જોજન ઉપરે ચંપક વૃક્ષનું એક વન સાડા બારહજાર જોજન લાંબું અને પાંચસો જોજન પહોળું છે. सूर्याभ विमान के पश्चिम द्वार से पांचसो योजन पर चंपक वृक्ष का वन साडे बारह हजार योजन लंबा व पांचसो योजन चौडा है. the great Champaka forest at a distance of 500 Yojanas (Yojana=8 miles) from the western gate of the Suryabha heavenly abode. The forest is 12500 Yojanas in length and 500 Yojanas in width. राय० १२६; —वडिंसअ. पुं० (-चंपकावतंसक) જુઓ "चंपगवडिंसअ" શબ્દ. देखो "चंपयवडिंसक" शब्द. Vide "चंपयवडिंसअ" राय० १०३;

चंपयवडंसय. न० (चम्पकावतंसक) ચંપકાવતંસક નામનું ત્રીજું વિમાન. इस नामका तीसरा विमान. The third heavenly abode of this name. भग० ३, ७;

चंपा. स्त्री० (चम्पा) ચંપા નામની નગરી; કોણિક રાજધાની; અંગદેશનો પાટનગર. चंपा नाम की नगरी; कोणिक राजा का पाटनगर; अंगदेश का पाटनगर. Name of a city; the capital of king Koṇika; the capital-city of the country called Aṅga. उत्त० २१, १; ओव० नाया० १; २; ८; ६; १२; १५; १६; भग० ५, १; ६; ६, ३३; उवा० १, १; कप्प० ५, १२१; भत्त० ८१; पन्न० १; जीवा० ३, ४; निसी० ६, २०; नाया० ध० ४; —णयरी. स्त्री० (-नगरी) ચંપા નગરી चंपा नगरी. the city named Champā. नाया० ८; ६; १६; विवा० ६; —पविभत्ति. न० (-चम्पाप्रविभक्ति) ચંપા નગરીની-બજારની શોભાયુક્ત નાટક. चंपा नगरी के हाट की शोभा युक्त नाटक. a drama in which is exhibited the beautiful bazar of Champā. राय० ६३;

चकारवग्गपविभत्ति पुं० (चकार वर्ग प्रविभक्ति) ચ-અક્ષરના આકારની રચના વાળું નાટક; ૩૨ નાટકના પ્રકારમાંનો એક. च- अक्षर की आकृति की रचनायुक्त नाटक; ३२ नाटक के प्रकार में से एक. A drama exhibiting a scene of the shape of the letter च. राय० ६४;

चक्क न० (चक्र) રથનું-ગાડાનું પૈડું. रथका-गाडेका पैया. A wheel of chariot, cart etc. सूय० १, १५, १४; ओव० भग० ३, १; ५; नंदी० स्थ० ५; प्रव० २८५; उवा० ७, १८७; (२) વાસુદેવનું સુદર્શન ચક્ર. वासुदेव नारायण का सुदर्शन नामक चक्र. the wheel of Vāsudeva styled Sudarśana. सम० प० २३७; ओव० १०; उत्त० ११, २१; विशे० २२४ जं० प० ચક્રરત્ન ૧૪ રત્નમાંનું એક one of the fourteen gems known as the Chakra gem. चक्र रत्न, चक्रवर्तिको प्राप्त होनेवाले चौदह रत्नों में से एक रत्न. सम० १४; प्रव० १२२८; (४) ધર્મચક્ર (દેવતાનું બનાવેલ) તીર્થંકરની

આગળ રહે છે તે. तीर्थंकर भगवान् के विहार के समय आगे आगे चलनेवाला देवों द्वारा रचित धर्मचक्र. the wheel known as Dharmachakra accompanying a Tīrthaṅkara. (It is made by gods.) सम० ३४; ओघ० नि० ११६; (४) કુંભારનો ચાકડો. कुंभार का चाक. a potter's wheel. भग० १, १; २, १०; ५, ६; नंदी० स्थ०५; पंचा० १,३४; (६) ચક્રાકારે હાથની રેખા. चकके आकारकी हस्त रेखा. the lines of the palm in the form of a wheel. उत्त० ६, ६०; (७) સમૂહ, મંડલ. समुदाय; मंडल; गोलाकार. a circle; a party; an assemblage. उत्त० २२, ११; (८) મુશલ; સાંબેલું. मूसल; सब्बल. a pestle. भग० ११, ११; (६) આકાશમાં ચક્રાકારે ગોળકુંડાળા જેવું થાય છે તે. आकाशमें चकके आकार का जो गोल कुंडल जैसा बनजाता है वह. a ring like appearance that forms itself in the sky. भग० १३,७; (१०) ચકવો પક્ષી. चकोर पक्षी. a kind of bird. कप्प०३, ४२; —रक्ख पुं० (रक्ष) ચક્રનું રક્ષણ કરનાર દેવ. चक का रक्षण करने वाला देव. a deity who guards the Chakra. भग० ३, ७; —रयण. न० (-रत्न) ચક્રવર્તીના ચૌદરત્નમાંનું એક ચક્રરત્ન. चकरत्न के चौदह रत्नों में से एक चकरत्न. one of the 14 jewels of a Chakravarti. भग० १२, ६; ठा० ७, १; विशे० ५१३; पन्न० २०; जं० प० ३, ४३; —वूह. पुं० (चक्रव्यूह-चक्रमिव व्यूहोरचना विशेषः) ચક્રાકારે વ્યૂહ રચના કરવાની કલા. चक्राकार में व्यूह रचना करने की कला. the art of marshalling an army in the form of a wheel. ओव० ४०; नाया० १;

चक्कंग. पुं० (चक्रांग) ચક્રવાક નામે એક પક્ષી. चकवाक नामक एक पक्षी. A kind of bird named Chakravāka. सु० च० २, ४७;

चक्कग पुं० (चक्रक) ચક્ર; આભરણ વિશેષ. चक्र; आभरण विशेष. A wheel; a kind of ornament. जीवा० ३; ३;

चक्कपुरा स्त्री० (चक्रपुरी) વલ્ગુ વિજયની મુખ્ય રાજધાની-નગરી. वल्गु विजय का मुख्य पाटनगर. The capital-city of Valguvijaya. ठा० २, ३; जं० प०

चक्कल. पुं० (चकल) સિંહાસનનો પડથાયો. सिंहासन के नीचे रखने की ईंट. A stand or base for a throne. राय० ६१;

चक्कवट्टि. पुं० (चक्रवर्तिन्-चक्रेण आयुध-विशेषेण वर्तितुं शीलं यस्य) ચક્રવર્તી રાજા; સમ્રાટ્; ભરત ક્ષેત્રના છ ખણ્ડનો અધિપતિ. चकवर्ती राजा; सम्राट; भरत क्षेत्र के छः खंडों का अधिपति. A suzerain; a sovereign of the six continents of Bharata Kṣetra. ओव० ३४; राय० २३; जं० प० २, ३०; ५, ११२; अणुजो० १३१; सु० च० २, ८२; नाया० १; ८; १६; भग० ५, ५; ११, ११; १६, ६; पन्न० १; दसा० ६, ८; प्रव० ४१६; ११०२; भत्त० १३८; —माउ. स्त्री० (-मातृ) ચક્રવર્તીની માતા. चक्रवर्ती की माता. the mother of a Chakravarti. नाया० १; —वंस. पुं० (-वंश) ચક્રવર્તિનો વંશ-કુલ. चकवर्ति का वंश कुल. the family-line of Chakravartī. ठा० ३, १;

चक्कवाक पुं० (चकवाक) ચકવો પક્ષી. चकवा पक्षी. A kind of bird. जं० प०

चक्कवाग. पुं० (चक्रवाक) રથાંગ પક્ષી; ચકવો. रथांग पक्षी; चक्रवाक पक्षी. A kind of bird. पराह० १, १;

चक्कवाय. पुं० (चक्रवाक) ચકવો પક્ષી. चक्रवाक पक्षी. A kind of bird. ओव० नाया० १; ५; ८; ६;

चक्कवाल. पुं० (चक्रवाल) ચક્રાવો; સમૂહ; મંડલ. परिधि; समूह; मंडल. A group; a cluster; a circle. ओव० ३३; सूय० १, १, १, २६; ठा० २, ३; सम० प० १६५; नाया० १; १६; भग० ५, ३; ६, ३३; ३४, १; ओघ०नि० ८६; सू० प० १६; ६१; गय० २८६ उवा० ७, २०८; प्रव० १४०२; (२) ગાડાનું પૈડું. गाड का पहिया. a wheel of a cart. भग० ३, ४; पन्न० ३६; जीवा० ३, १; जं. प० ४, १०४; (३) સિંહાસનની નીચેનો પાયો. सिंहासन के नीचे का पाया. a stand or base for a throne to rest upon. जीवा० ३, ४;

चक्कवाला. स्त्री० (चक्रवाला) મંડલાકારે શ્રેણી. मण्डलाकार में श्रेणी. A circular ladder " एगओ ग्वहा दुहओखहा चक्कवाला " भग० २५, ३;

चक्कहर. पुं० (चक्रधर) સુદર્શન ચક્રને ધારણ કરનાર વાસુદેવ. सुदर्शन चक्रको धारण करने वाला वासुदेव नारायण. Vāsudeva holding Sudarśana wheel. विशे० ३५१३; (२) છ ખંડનો સ્વામી; ચક્રવર્તી. छः खंडका स्वामी; चक्रवर्ति. a Chakravarti lord of six continents. विशे० ८०४;

चक्काउह. पुं० (चक्रायुध) સોલમા શાંતિનાથ તીર્થંકરના પ્રથમ ગણધરનું નામ. सोलहवें तीर्थंकरके प्रथम गणधरका नाम. Name of the first Gaṇadhara (apostle) of Śāntinātha the 16th Tīrthaṅkara. प्रव० ३०६; सम० प० २३३;

चक्काग. पुं० (चक्रवाक) ચક્રવાક પક્ષી. चक्रवाक पक्षी. The bird named Chakravāka. निर० ५, १; पन्न० १; (२) ચક્રાકાર મણ્ડલ. चक्राकार मंडल. a circular shape. पन्न० १; —भज्जमाण. त्रि० (-भज्यमान) જે ફલ-પાંદડું કે ડાળી તોડતાં ચક્રાકારે ગોળ ચિન્હ થાય છે તે. वृक्ष के फल-पत्ता वा शाखा तोडने से भिन्न हुए स्थान पर गोलाकार चिन्ह होता है वह. (a fruit or leaf or branch of a tree) which when plucked, leaves behind a circular mark. पन्न० १;

चक्कि. पुं० (चक्रिन्) ચક્રવર્તી રાજા. चक्रवर्ती राजा. A sovereign king. पन्न० १;

चक्किय-अ. पुं० (चक्रिक) ચક્ર નામનું આયુધ લઈ ચાલનાર. चक्र नामके आयुध को लेकर चलने वाला. One who carries with him a weapon called Chakra. कप्प० ४, १०४; ओव० ३२; जं० प०

चक्किय त्रि० (चाक्रिक) તેલી. तेली. An oilman. (२) કુંભાર. कुम्हार. a potter. वव० ६, १७; —साला स्त्री० (-शाला) તેલ વગેરે વેચવાની દુકાન. तेल वगैरह बेचने की दुकान. a shop where oil etc. are sold. वव० ६, १७;

चक्कीसर. पुं० (चक्रीश्वर) ચક્રવર્તી; સમ્રાટ. चक्रवर्ती सम्राट. A sovereign king; a paramount king. प्रव० ४३०; —बंभदत्त. पुं० (-ब्रह्मदत्त) બ્રહ્મદત્ત નામે બારમો ચક્રવર્તી. ब्रह्मदत्त नामक १२वां चक्रवर्ती. the 12th Chakravartī named Brahmadatta. प्रव० ४३०;

चक्केसरी. स्त्री० (चक्रेश्वरी) ઋષભદેવ પ્રભુની

देवीनुं नाम. ऋषभदेव प्रभुकी देवी का नाम. Name of the goddess of Lord Risabhadeva. प्रव० ३७७;

चक्ख. न० (चक्षुष्) चक्षु; आंख. चक्षु; आंख. An eye. पन्न० १५;

चक्खिंदिय. न० (चक्षुरिन्द्रिय) चक्षु इंद्रिय; जोवानी शक्तिवाळी इन्द्रिय-आंख. चक्षु-इन्द्रिय; देखने की शक्तियुक्त इंद्रिय; आंख. The sense of sight. ओव० १६; भग० १, १; ७, ७; ८, २; १२, २; २४, १; २५, ७; ३३, १; नाया० १७; नंदी० ४; —निग्गह. पुं० (-निग्रह) चक्षुरिन्द्रिय-आंखने काबुमां राखवी ते. चक्षुरिन्द्रिय-आंख को वश में रखना. control over the sense of sight. उत्त० २६, २;

चक्खु. न० (चक्षुष्-चष्टेऽनेन) आंख आंख. An eye उत्त० १, ३३; ५, ४; भग० २, ५; ३, २; नाया० १; ९; जं० प० ५, ११२; ओव० पिं० नि० ४६३; ओघ० नि० १६७; दसा० ५, २; पन्न० २३; सू० प० २; राय० २३; ४३; सूय० २, १, ४२; प्रव० ५९७; १११६; उवा० १, ५; क० गं० १, ६; १०; ३, १८; ६, ८; क० प० ७, ४६; (२) शास्त्रीय ज्ञान. शास्त्रीय ज्ञान. scriptural knowledge. सम० १; —गोयर. त्रि० (-गोचर) नेत्रने सन्मुख रहेलुं. नेत्र के समीप रहा हुआ. within the range of sight. दस० ५, २, ११; —दीहरोम. न० (-दीर्घरोम) आंखना लांबा रोम; (वाळ). आंखों के लम्बे बाल. eye-lashes. निसी० ३, ४५; ४६; ४७; ४८; —पम्ह. न० (-पक्ष्मन्) आंखनी पांपण. आंखकी बरौनी-पलक. an eyelid. सूय० २, २, २३; भग० ३, ३; —प्फास. पुं० (-स्पर्श) आंखनो विषय; दृष्टिगोचर. आंख का विषय; दृष्टिगोचर. an object of sight. कप्प० ५, १३१; भग० १, ६; २, ५; ६, ३३; जं० प० ७, १३६; —बल. न० (-बल) जोवानी शक्ति; चक्षुइंद्रियनुं सामर्थ्य. देखने की शक्ति; चक्षुइंद्रिय का सामर्थ्य. power of sight. उत्त० १० २२; —राय. पुं० (-राग) दृष्टिराग, आंखनो प्रेम. दृष्टिराग; आंखोंका प्रेम. attachment through or in the eye. नाया० ८; भत्त० १४५; —लेस. त्रि० (-श्लेष) जोवामां ज्यां आंखनो श्लेष थाय-आंख चोंटी जाय ते. देखने में आंखों का श्लेष होना-आंखोंका चिपक जाना. attachment, the cause of which is sight. जं० प० ४, ७४; ५, ११५; —लालअ. त्रि० (-लालक) आंखनी चपळतावाळो दृष्टि की चपलता वाला. (one) with quick or unsteady eyes. "चक्खु लोलए इरिया वहियाए पालिमंथु" वेय० ६, १६; —ल्लोअण. न० (-लोकन) आंखथी जोवुं ते. आंख से देखना. act of seeing. जं० प० ४, ७४; ५, ११५; —सम. त्रि० (-सम) चक्षुदर्शनावरण समान. चक्षुदर्शनावरण समान. like vision obstructing. कप्प० ६ ३२; —हर. न० (-हर—चक्षुर्हरति) आंखने आनंद आपनारुं. चक्षु को आनंद देनेवाला. (anything) that charms or delights the eyes. भग० ६, ३३; नाया० १;

चक्खुरिंदिय. न० (चक्षुरिन्द्रिय) नेत्र; आंख. नेत्र; आंख. An eye. भग० ८, १; सम० ६; नाया० ५;

चक्खुकंत. पुं० (चक्षुष्कांत) कुंडल समुद्रना देवतानुं नाम. कुंडल समुद्र के देवता का नाम. Name of the deity of the ocean named Kuṇḍala. जीवा० ३,४;

चक्खुकुंता स्त्री० (चक्षुष्कान्ता) ચાલુ અવસર્પિણીના પાંચમા કુળકરની સ્ત્રી. वर्तमान अवसर्पिणी के पांचवें कुलकर की स्त्री. Name of the wife of the 5th kulakara of the current Avasarpini समु० प० २२९;

चक्खुदंसण. न० (चक्षुर्दर्शन) આંખથી જોયેલ વસ્તુનો પ્રથમ સામાન્ય બોધ થાય તે. आंखों से देखी हुई वस्तुका प्रथम सामान्य बोध हो वह. General knowledge of a thing that one has when one sees it. अणुजो० १२७; भग० २, १०; ८, २; २४, ४; जीवा० १; —**आवरण.** न० (-आवरण) દર્શનાવરણીય કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ ચક્ષુદર્શન (આંખથી સામાન્ય બોધ થાય તે) ન પામે. दर्शनावरणीय कर्म की एक प्रकृति कि जिसके उदयसे जीव चक्षुदर्शन (दृष्टि से सामान्य बोध हो वह) न प्राप्त कर सके. maturity of a particular variety of sight-obscuring Karma which prevents one from having visual perception. उत्त० ३३, ६; समु० १७; —**पडिया.** स्त्री० (-प्रतिज्ञा) ચક્ષુદર્શન જોવાને નિમિત્તે. चक्षुर्दर्शन-देखने के निमित्त. with a view to visual perception. निसी० ६, ८;

चक्खुदंसणि. त्रि० (चक्षुर्दर्शनिन्) ચક્ષુદર્શનવાળો જીવ. चक्षुदर्शन-प्राप्त जीव. (A living being) possessed of the sense of visual perception. ठा० ४, ४; भग० ६, ३; १३, १;

चक्खुदय. पुं० (चक्षुर्दय) જ્ઞાનરૂપી આંખ આપનાર. ज्ञान रूप आंख-चक्षु को देने वाला. One who gives an eye in the form of knowledge जं० प० ५. ११५; नाया० १; कप्प० २, १५; आव० ६. ११;

चक्खुदरिसण. न० (चक्षुर्दर्शन) જુઓ "चक्खुदंसण" શબ્દ. देखो "चक्खुदंसण" शब्द. Vide "चक्खुदंसण" ठा० ६, १; —**आवरण** न० (-आवरण) જુઓ "चक्खुदंसणावरण" શબ્દ. देखो "चक्खुदंसणावरण" शब्द. vide "चक्खुदंसणावरण" ठा० ९, १;

चक्खुभूय. त्रि० (चक्षुर्भूत) આંખની પેઠે આધાર રૂપ. आंख के समान आधार रूप. (Anything) as helpful as an eye. भग० १८, २; नाया० १; २; ७; गच्छा० २६;

चक्खुमंत. पुं० (चक्षुष्मत) ચક્ષુષ્મા નામે ચાલુ અવસર્પિણીના બીજા કુલકર. चक्षुष्मा नामक वर्तमान अवसर्पिणी के द्वितीय कुलकर. Name of the 2nd Kulakara of the current Avasarpiṇi. सम० प० २२६; (२) આઠમાં કુલકરનું નામ. अष्टम-आठवें कुलकर का नाम. name of 8th Kulakara. जं० प० (३) त्रि० આંખવાળું. चक्षुयुक्त; आंखों वाला. possessed of an eye. विशे० ४१०; ११२६;

चक्खुस. त्रि० (चाक्षुष्) નેત્રગ્રાહ્ય પદાર્થ. नेत्रग्राह्य पदार्थ. (Anything) that is an object of sight. दसा० ६, २८; पगह० १, १;

चक्खुस. न० (चक्षुस्) ચક્ષુ; આંખ. चक्षु; आंख. An eye. प्रव० ७७८;

चक्खुसुह. पुं० (चक्षुस्सुख) કુંડ સમુદ્રના દેવતાનું નામ. कुण्ड समुद्र के देवता का नाम. Name of the deity of the ocean named Kuṇḍa. जीवा० ३, ४;

√ **चच्च.** धा॰ I. (चर्च्) ચંદન વગેરે ચર્ચવું; પૂજવું. चंदन इत्यादि का लेप करना; पूजा करना. To smear with sandal-psate etc; to worship.

चच्चइ. सु॰ च॰ १५, १६६;

चच्चग. पुं॰ (चर्चाक) છાંટણા. छिड़काव. Sprinkling. राय॰ १०६;

चच्चर. न॰ (चत्वर) ચાચર; ચારથી વધારે રસ્તા ભેગા થતા હોય તે સ્થળ; ચકલો. चौवट्टा; चार से अधिक रास्ते एकत्र होते हों वह स्थल; चौक. A place where more than four roads meet. वेय॰ १, १२; अणुजो॰ १३४; उत्त॰ १६, ४; ओव॰ २७; भग॰ ३, ७; नाया॰ २; १६; जीवा॰ ३, ३; कप्प॰ ४, ८८; विवा॰ ३; ६; राय॰ २०१;

चच्चा. स्त्री॰ (चर्चा) ચન્દન વિગેરેથી લેપન કરવું તે. चन्दन इत्यादि से लेपन करना. Act of smearing with sandal-paste etc. जीवा॰ ३, ४; जं॰ प॰ ५, १२१;

चच्चियअ. त्रि॰ (चर्चित) ચંદન વગેરેનું વિલેપન કરેલ; ચર્ચેલ. चंदन इत्यादि से विलेपन किया हुआ. Smeared with sandal paste etc. नाया॰ १; सु॰ च॰ २, ६०३; दसा॰ १०, १;

चज्जा. स्त्री॰ (चर्या) પરિભાષા; સંકેત. परिभाषा; सांकेतिक भाषा. Technical language, conventional terminology. विशे॰ २०८४;

चडग. पुं॰ (चटक) ચકલો. एक जातिका पक्षी. A sparrow. सूय॰ २, २, १०; (२) નોકર. नौकर. a servant. भग॰ ७, ६; ६, ३३;

चडगर. पुं॰ (*) સમુદાય; સમૂહ. समुदाय; समूह. A group; an assemblage. जं॰ प॰ नाया॰ १४; १६; राय॰ २१३; (२) નોકર; સેવક. a servant; an attendant. नाया॰ १; (३) મુખ્ય લડવૈયો. प्रधान सैनिक. a principal warrior; a chief fighter. नाया॰ १; राय॰ ७०; (४) ચટકા દેનાર-ડાંશ વગેરે. डंक देने वाला; दंश देने वाला. anything which bites e.g. a mosquito etc. विवा॰ १;—**पहकर.** पुं॰ (-प्रकर) શૂર વીરોનો સમૂહ. वीरों का समूह. An assemblage of heroic men. नाया॰ १६;

चडचड. पुं॰ (चडचड) ચડચડ એવો શબ્દ. तड तड शब्द. A sound resembling that of the word. चड चड. विवा॰ ६;

चडवेला. स्त्री॰ (चपेटा) ચપેટા મારવા-પોરસ કરવો. चपेटा मारना; पोरस करना. Slapping. पगह॰ १, ३;

चडिअ. त्रि॰ (चटित) ચડેલું. चढा हुआ; आरूढ. Mounted; raised; risen. सु॰ च॰ ६, २६;

चडिउं. सं॰ कृ॰ अ॰ (* चटित्वा-आरुह्य) ચડીને; સ્વાર થઇને. चढकर; आरुढ होकर. Having mounted; having risen. सु॰ च॰ ४, १६०;

चडुकारि. त्रि॰ (चाटुकारिन्) સારું લાગે તેમ કરનાર. अच्छा मालुम हो वैसा करनेवाला. (One) who does what is agreeable to others; trying to please other. पिं॰ नि॰ ३०८; ४१४;

चडुयारि. त्रि॰ (चाटुकारिन्) મીઠા બોલો; માખણીદાસ. मधुर भाषण करनेवाला. One who flatters पिं॰ नि॰ ४८६;

चडुल. त्रि॰ (चटुल) અસ્થિર-ચપળ ચિત્ત વાળું. अस्थिर-चपल चित्त वाला. Unsteady in mind. पगह॰ १, १;

चडुली. स्त्री॰ (चटुली) ઘાસના પુળાના

અગ્રભાગનો અગ્નિ. घास के पूले के अग्रभाग की अग्नि. Fire or burning portion of the top most portion a bundle of hay. नंदी० १०;

चणग. पुं० (चणक) ચણા; કઠોળ ધાન્યની એક જાત. चना; एक प्रकार का धान्य. A kind of corn; gram. अणुजो० १४३; पंचा० १०, २३;

चतु. त्रि० (चतुर्) ચાર. चार. Four. प्रव० १३११; —जोगजुश्र. त्रि० (-योगयुक्त) ચાર યોગથી યુક્ત ચઉક સંયોગી. चतुर्योग से युक्त; चउक संयोगी. Possessed of four-fold Yoga. प्रव० १३११;

चतुत्था. स्त्री० (चतुर्थी) ભિક્ષુની બાર પડિમામાંની ચોથી પ્રતિમા. भिक्षुक की बारह पडिमाओं में से चौथी प्रतिमा. The 4th of the 12 vows of an ascetic. नाया० १;

चत्त. न० (१) તરાક; સૂતર કાંતવાની લોઢાની તરાક. तकुश्रा; सूत कातनेका लोहे का तकुश्रा. An iron instrument for spinning cotton. पंचा० ८, २२;

चत्त. त्रि० (त्यक्त) ત્યાગ કરેલ; છોડી દીધેલ. त्याग किया हुआ; छोड दिया हुआ. Abandoned; given up. प्रव० ५८४; उत्त० ६; १५; अणुजो० २; १६; भग० ७, १; नाया० ७;

चत्ताल. त्रि० (चत्वारिंशत्) ચાલીસ; ४०. चालीस; ४०. Forty; 40. क०गं०६,६०;

चत्तालीस. स्त्री० (चत्वारिंशत्) ચાલીસ; ४०. चालीस; ४०. Forty; 40 भग० १, ५; २, ८; १०, ५; १६, ६; २०, ५; २४,१; २१; नाया० ५; ८; सम० ४०; सु० च० २, २५७; जं० प० ५, ११८; २, ३१;

चपल. त्रि० (चपल) ચપળ. चपल; चालाक. Quick; unsteady. नाया० २;

चप्पुडिया. स्त्री० (चप्पुटिका) ચપ્પુટિકા; ચપટી. चप्पुटिका; चुटकी. A pinch. नाया० ३;

* **चमढण.** न० (*) કષ્ટ કરવું તે. कष्ट पहुंचाना. Act of injuring or hurting. ओघ० नि० ७६;

चमढणा. स्त्री० (*) ચાંપવું; દાબી દેવું; दबा देना. Pressing. ओघ० नि० १८७; (२) ભુંસી નાખવું. मिटा देना. act of effacing. (३) લાત પાટું મારવી તે. लात मारना. act of kicking. ओघ० नि० १५३; (४) પજવવું. सताना act of troubling or vexing or teasing. ओघ० नि० २३७,

चमर. पुं० (चमर) દક્ષિણ દિશાના અસુરકુમારનો રાજા; ચમરેંદ્ર. दक्षिण दिशा के असुर कुमार का राजा; चमरेंद्र. Chamarendra the king of the Asura kumāras in the south नाया० ८; नाया० ध० ओव० ३२; ठा० २, ३; सम० १६; ३२, ३३; भग० २, ८; ३, १; २; ७, ६; जीवा० ३, ४; पन्न० २; प्रव० ११५२; (२) પાડા જેવો એક મૃગ કે જેના પૂંછડાના વાળની ચમરી બને છે; ચમરી ગાય. पाडे के समान एक मृग कि जिसके पूंछ के बालों से चमर बनती है; चमरी गाय. a kind of deer resembling a buffalo the hair of whose tail is used for making chowries. नाया० १; ८; ओव० पगह० १, १; ४;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

जीवा० ३, ३; पन्न० १; कप्प० ३, ४४; राय० ४३; ५८; जं० प० ५, ११५; ११६; (३) પાંચમા તીર્થંકરના ૧ લા ગણધરનું નામ. पांचवें तीर्थंकर के पहिले गणधर का नाम. name of the first Gaṇadhara of the fifth Tīrthaṅkara. प्रव० ३०५; —उप्पाश्च पुं० (-उत्पात) ચમરેંદ્ર શક્રેંદ્ર સાથે લડવાને ઉપર પહેલે દેવલોકે ગયો તે; દશ અચ્છેરામાંનું એક. चमरेंद्र शक्रेंद्र के साथ लडने को प्रथम देवलोक में गया सो; दस आश्चर्यजनक घटनाओं में से एक. one of the ten wonderful events viz. the going up of Chamarendra to fight with Śakrendra in the 1st Devaloka. वव० ८६३; —सिंहासण. न० (-सिंहासन) ચમરેંદ્રનું સિંહાસન. चमरेंद्र का सिंहासन. the throne of Chamarendra. भग० १०, ४;

चमरचंचा. स्त्री० (चमरचञ्चा) ચમરચંચા નામે ચમરેંદ્રની રાજધાની. चमरचंचा नामक चमरेंद्र का पाटनगर. Name of the capital of Chamarendra. भग० २, १; ८; ३, १; १०, ५; १३, ६; सम० ३३; नाया० ध० जं० प० ५, ११६;

चमस. पुं० (चमस) ચાટવો; કડછી. लकडीका चमचा; कडछा. An iron or wooden spoon; a ladle. श्रोव० ३८; (२) ચમસ નામનો એક દેશ. चमस नामक एक देश. name of a country. सू० प० १०;

चमू. स्त्री० (चमू) સેના; લશ્કર. सैन्य; लश्कर. An army. भग० ६, ३३; नाया० १; महा० प० ३५;

चम्म. न० (चर्मन्) ચામડું; ચામડી. त्वचा; चमडा; चमडी. Skin; leather. भग० २, १; १०, ५, ३; ८, ६; १२, ७; नाया० १; १८; सम० १४; ठा० ४, २; पिं० नि० भा० ५०; वेय० ३, ३; कप्प० ४, ६१; प्रव० १६; २२२; १२२८; (२) ચામડાની આંગુઠી. चमडे की अंगूठी. a leather cover for the finger just like a thimble. राय० २०४; —कड. पुं० (-कट) ચામડાની સાદડી. चमडे की चटाई. a mattress made of leather. ठा० ४, ४; —किड. न० (-किट) ચામડાથી મઢેલ-ગાદી-તકીયા વિગેરે. चमडे से आच्छादित गद्दी-तकिया इत्यादि. a bed, pillow etc. with a cover of leather. भग० १३, ६; —कोसश्र. पुं० (-कोशक) ચામડાની કોથળી. चमडे की थैली. a leathern bag. आया० २, २, ३, ८८; श्रोघ० नि० ७२८; —कोसिया. स्त्री० (-कोशिका) ચામડાની કોથળી. चमडे की थैली. a leathern bag. सूय० २, २, ४८; —खंडिय-श्र. त्रि० (-खण्डिक) ચામડાનાજ સર્વ ઉપકરણને રાખનાર એક ભિક્ષુક વર્ગ. चमडकेही सर्व उपकरण का रखनेवाला एक भिक्षुक वर्ग. a class of ascetics who make use of materials (e.g. alms-boul etc.) made of leather only. अणुजो० २०; नाया० १५; —च्छेदण. न० (-च्छेदन) ચામડું કાપવાનું શસ્ત્ર. चमडा काटने का शस्त्र. an instrument for cutting leather. (२) ચાધર વિગેરેનો કકડો-પટ્ટી. चमडे के पट्टे इत्यादि का टुकडा-पट्टी. a band of leather etc. श्रोघ० नि० ७२८; —छेयणश्र. पुं० (-छेदनक) ચામડા કાપવાનું હથિયાર. चमडा काटने का शस्त्र. an instrument for cutting leather. आया० २, २, ३, ८८; —ज्झाम. न० (-ध्मात) ચામડાની અગ્નિથી ધમાયેલ.

चमडे की धम्मनसे धमा हुआ. heated or blown with a bellows made of leather. भग० ५, २; —पलिच्छेयण. न० (-परिच्छेदन) ચામડાનો કકડો. चमडे का टुकडा. a piece of leather. वव० ८, ५; —पाय. (-पात्र) ચામડાનું પાત્ર. चमडे का पात्र. a vessel or receptacle made of leather. भग० ३, ५; —पास पुं० (-पाश) ચામડાનો પાસલો. चमडे का पाश. a net or trap made of leather. नि० १२, १; —रयण. न० (-रत्न) ચક્રવર્તીના ચૌદ રત્નમાનું એક કે જે નદી-સમુદ્ર આદિ સ્થલે નાવાની(હોડી) ગરજ સારે. चक्रवर्ती के चौदह (चतुर्दश) रत्नोंमेंसे एक कि जो नदी-समुद्र आदि स्थलों में नाव का काम देवे. one of the 14 gems of a Chakravarti which serves the purpose of a a boat to cross a river, sea etc. ठा० ७, १; पन्न० २०; जं० प०

चम्मग्ग. पुं० (चर्मक) ચામડાની નળી; પગને તળે બાંધવાની પટ્ટી. चमडे का तला, पैर के नीचे बांधने की पट्टी. A sole made of leather. ओघ० नि० ७२८;

चम्मग. न० (चर्मक) પાદુકા. સન્યાસીનું એક ઉપકરણ. पादुका; संन्यासी का एक उपकरण. A kind of shoe put on by an ascetic सूय० २, २, ८८;

चम्मट्ठिल. पुं० (चर्मास्थिल) પક્ષિ વિશેષ; ચામાચીડી. पक्षि विशेष; चिमगादर, चमगादड. A kind of bird. पण्ह० १, १;

चम्मपक्खि. पुं० (चर्मपक्षिन्) ચામડાની પાંખ વાળાં પક્ષી; ચામાચીડીયાં વગેરે, ખેચર તિર્યંચ પંચેંદ્રિયોનો એક ભેદ. चमडे की पांख वाले पक्षी; तिर्यंच पंचेंद्रिय का एक भेद. A variety of birds with leather wings; a variety of sub-human beings with five senses. उत्त० ३६, १८६; ठा० ४, ४; सूय० २, ३, २६; भग० १५, १; जीवा० १; पन्न० १;

चम्मरुक्ख. पुं० (चर्मवृक्ष) ચર્મવૃક્ષ-વનસ્પતિ વિશેષ. चर्मवृक्ष-वनस्पति विशेष. A kind of tree. भग० २२, १;

चम्मार. पुं० (चर्मकार) ચમાર-પગરખાં બનાવનાર. मोची-जूते बनानेवाला. A shoe-maker विशे० २६८८;

चम्मिट्ठ. पुं० (चर्मेष्ट) મુદ્ગર; કસરતનું એક સાધન. मुगदल; व्यायाम का साधन. A club for taking exercise with. राय ३२;

चम्मेठ पुं० (चर्मेष्ट) પ્રહરણ વિશેષ. शस्त्र का एक भेद. A kind of weapon. पण्ह० १, ३;

चम्मेठग. न० (चर्मेष्टक) લુહારનો લોઢું ટીપવાનો એક ઓજાર. लोहार का लोहा घडने का एक औजार. A kind of tool used by a blacksmith for forging iron. भग० १६, ३;

√ **चय.** धा० I, II. (शक्) શક્તિમાન્ થવું. शक्तिमान होना; समर्थ होना. To be able.

चएइ पिं० नि० १०२;

चयंति सूय० १, ३, २, १;

चाकिया. वि० भग०६, १०; ७, १०; १३, ४; १७, २; १८, ३; वेय० ४, २८; वव० ८, २;

चाएंत विशे० ३६४;

चाएमि. सु० च० १३, ८;

√ **चय.** धा० I. (च्यु) સ્વર્ગથી પતન પામવું; ચવવું. स्वर्ग से पतन होना. To fall spiritually; to be degraded

from heaven.

चयंति. भग० २, ५; ७, ३, १०,४; १३, २; १५, १; १६, ७; २०, १०; सू० प० १६;

चइऊण. उत्त० ६, १;

चइत्ता. भग० २, १; ६, ३३; १२, ८; १५, १; नाया० ८; १५; १६; दस० ५, २, ४८; दसा० ८, १;

चयंत. भग० ६, ३३; विशे० १२७७;

चयमाण. कप्प० १, ३; २, ३;

√**चय.** धा० I.(चिञ्) એકઠું કરવું. एकत्र करना. To gather; to collect.

चयइ. आया० १, २, ६, ६८; भत्त० ४६;

चयंति. पन्न० ६;

चय. न० (च्यवन) દેવલોકમાંથી ચવવું તે. देवलोक में से पतन होना. Fall from, degradation from Devaloka. ओव० ४०; नाया० १; ८; १६; भग० १५, १; उत्रा० १, ६०;

चय. त्रि० (त्याग) તજવું; છોડવું. त्याग. Abandoning; leaveing; giving up. नाया०८; १५; भग०११, ११; १२,८;

चय. पुं० (चय) શરીર. A body. नाया० ८; १५; भग० ११, ११; १२, ८;

चयण. न० (च्यवन) ચ્યવન-વૈમાનિક અને જ્યોતિષીનું મરણ. च्यवन-वैमानिक व ज्योतिषी की मृत्यु. Death of a Vaimānika or of a Jyotiṣī god. ठा०१,१; सू० प० १; पन्न० १७;

चयावचइअ त्रि० (चयापचयिक) વધતું ઘટતું; ન્યૂનાધિક થનાર. न्यूनाधिक होने वाला. Increasing and decreasing; waxing and waning. आया० १, ५, २, १४७;

चयावेयव्व. त्रि० (च्यावयितव्य) ચ્યવનને યોગ્ય. च्यवन के योग्य. Worthy of, deserving Chyavana (spiritual fall, abandonment, death etc.). भग०१३, १;

√**चर.** धा०I. (चर्) સંયમ માર્ગમાં ચાલવું; संयम मार्ग में चलना; To follow the path of asceticism. (२) ગતિ કરવી. गति करना. to walk; to move.

चरइ. दस० ६, ३, ४; सम० ६; भग० ८, ५; जं० प० ७, १३१; १३३;

चरंति. ओव० २६; पिं० नि० २६७; जं०प० ७, १२६;

चरे. वि० उत्त० २, ३; ४, ७; ६, ४६; १०, ३६; आया० १, २. ३, ८०; १, ६, २, १८३; सूय० १, २, १, ६; दस० ४, ८; ५, १, २; १३; ६, २४; २५; ६, ३, १४;

चरेज. वि० दसा० ७; ६, ३१;

चरेजासि. सूय० १, २, १, २२;

चरिस्संति. भ० जं० प० ७, १२६;

चरिंसु. भू० जीवा०३, ४; जं०प० ७, १२६;

चरिय. सं० कृ० वेय० १, ४;

चरिऊण. सं० कृ० पिं० नि० ५१८;

चरित्ता. सं० कृ० उत्त० २६; १;

चरंत. व० कृ० दस० ५, १, १५; उत्त० २, ६; ४, ११; पण्ह० १, ३;

चरमाण व० कृ० भग० १, १; २, ५; ३, २; ६, ३३; १३, ६; १६, ५; १८, १० नाया० १; ३; ५; १६; दस० ४,१; ८,१; ओव०२०; दसा०१०,१;

चर. पुं० (चर) હાલતા ચાલતા ત્રસજીવ. चलता फिरता त्रसजीव. A sentient being having the power of movement. उत्त० ३२, २७;

चरअ. त्रि० (चरक) ચાલનાર; ફરનાર. चलने वाला; फिरने वाला. Walking; (one) that moves; moving.

ओव॰ १६; जं॰ प॰ (२) સેવનાર; આચરનાર. सेवन करने वाला; आचरण करने वाला. one who resorts to; one who practises. उत्त॰ ३०, २४; (३) ધાડ પાડી-હલ્લો કરી ભિક્ષા માગનાર વર્ગ. हल्ला-शोर करके भिक्षा मांगने वाला वर्ग. a class of beggars who get food by violent means. नाया॰ १४;

चरग. पुं॰ (चरक) ધાડ પાડી-હલ્લો કરી ભિક્ષા લેનાર વર્ગ. हल्ला-शोर करके भिक्षा लेने वाला वर्ग. A class of beggars who get their food by violent means. अणुजो॰ १६; नाया॰ १४; पन्न॰ २०; (२) ડાંશ; મચ્છર ઇત્યાદિ. डांस; मच्छर इत्यादि. a flea; a mosquito etc. सूय॰ १, २, २, १४; —**परिव्वायग.** पुं॰ (-परिव्राजक) તાપસ વિશેષ; ત્રિદંડી. तापस विशेष; त्रिदंडी. one of a particular class of ascetics called Tridandi. भग॰ १, २; जं॰ प॰

चरण. न॰ (चरण) સંયમ; ચારિત્ર. संयम; चारित्र. Ascetic conduct; asceticism. सम॰ २; उत्त॰ २४, ६; ठा॰ २, १; विशे॰ १; ओघ॰ नि॰ १; भग॰ २, १; नाया॰ १, ६; पिं॰ नि॰ ६०; १०५; सूय॰ २, १, ६०; भत्त॰ ६३; गच्छा॰ २०; प्रव॰ १६; क॰ गं॰ १, १३; (२) બ્રહ્મભાટ; ચારણ. ब्रह्मभाट-चारण. a bard; a minstrel. विशे॰ १४७३; (३) ચરણ-પગ. चरण-पैर. a foot; a leg. नाया॰ १; ८; ६; १७; —**आय.** पुं॰ (-आत्मन्) ચારિત્ર રૂપી આત્મા; ચારિત્રસ્વરૂપ. चारित्ररूपी आत्मा; चारित्रस्वरूप. soul as consisting of ascetic conduct; ascetic conduct regarded as soul. पिं॰ नि॰ १०४; —**आयार.** पुं॰ (-आचार) ચારિત્રનો આચાર. चारित्र का आचार. practice of asceticism. प्रव॰ २७०; —**कुसील.** त्रि॰ (-कुशील) ચારિત્રની વિરાધના કરનાર. चारित्र की विराधना करने वाला. (one) who shows hatred towards ascetic conduct. प्रव॰ ११०; —**चुअ.** त्रि॰ (-च्युत) ચારિત્ર્યથી ભ્રષ્ટ થયેલ. चारित्र्य से भ्रष्ट जो है वह. degraded from ascetic conduct; spiritually degraded. नाया॰ ६; —**जुअ.** त्रि॰ (-युत) ચારિત્રયુક્ત. चारित्र युक्त. Possessed of ascetic conduct; ascetic in conduct. प्रव॰ ५५०; —**ठिअ.** त्रि॰ (-स्थित) ચારિત્ર્યમાં રહેલું-સ્થિર થયેલ. चारित्र्य में रहा हुवा. steady in ascetic conduct. नाया॰ ६; —**भेय.** पुं॰ (-भेद) ચારિત્રનો ભેદ. चारित्र का भेद. difference, distinction in right-conduct. प्रव॰ ५५६; —**मोह.** पुं॰ (-मोह) ચારિત્ર અંશને અટકાવનાર મોહનીય વિભાગ; ચારિત્ર મોહનીય. चारित्र अंश को रोकने वाला मोहनीय विभाग, चारित्र मोहनीय. anything that checks or hinders right conduct. क॰ गं॰ १, ५७; —**मोहणिय** न॰ (-मोहनीय) મોહનીય કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ ચરણ ચારિત્ર ન પામે. मोहनीय कर्म की एक प्रकृति कि जिसके उदय से जीव चारित्र चरण प्राप्त न कर सके. a variety of Mohaniya Karma the maturing of which hinders right conduct. उत्त॰ ३३, ८;

चरणमंत. त्रि॰ (चरणवत्) ચારિત્ર વાળું. चारित्र युक्त. Possessed of right conduct. पंचा॰ १४, २१;

चरणविहि. पुं॰ (चरणविधि) ૨૯ ઉત્કાલિક

सूत्रमांनुं २७मुं सूत्र. २६ उत्कालिक सूत्रों में से २७वां सूत्र. The 27th of the 29 Utkālika Sūtras नंदी० ४३;

चरम. त्रि० (चरम) छेल्लुं; छेवटनुं. अन्तिम. Final; last. नाया० १; १३; १६; भग० १, ६; १४, १; नंदी० १६; पिं० नि० ५३; कप्प० २, १५; ५, १२३; विशे० २००; दसा० ७, १; सू० प० ७; पंचा० १, २६; क० गं० २, १०; (२) पांचमा सुमतिनाथ तीर्थंकरना प्रथम गणधरनुं नाम. पांचवें सुमतिनाथ तीर्थंकर के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Gaṇadhara of Sumatinātha the fifth Tīrthaṅkara. सम० प० २३३; (३) जेने फरीथी ते भवमां आववुं नथी ते; छेल्ला भववाळो. जिसको पुनः उस भव में नहि आना है वह; अन्तिम भव वाला. one who is for the last time in a particular state of existence. राय० ७६; —अंत. न० (-अन्त) चरमान्त प्रदेश. चरमान्त प्रदेश. the ending region. भग० १६, ८; —खंड. पुं० (-खण्ड) छेल्लो खंड-कटको. अन्तिम खण्ड-टुकड़ा. the last piece or portion of anything. प्रव० ७१४; —खंडग. पुं० (-खण्डक) जुओ "चरम खण्ड" शब्द. देखो "चरम खण्ड" शब्द. vide "चरम खण्ड" क० प० २, ४१; —ट्ठिई. स्त्री० (-स्थिति) छेल्ली स्थिति. अन्तिम स्थिति. last or final state of existence. क० प० १, ६६; —तित्थयर. पुं० (-तीर्थंकर) छेल्ला तीर्थंकर; महावीर स्वामी. अंतिम तीर्थंकर; महावीर स्वामी. lord Mahāvīra, the last Tīrthaṅkara. कप्प०१, २; —निदाहकाल. पुं० (-निदाघकाल) उनाळानो आखर वखत. गरमी की मौसम का अन्तिम समय; ग्रीष्म ऋतु का अन्तिम समय. the fag end of summer. वव० ६, ४१; —भवत्थ. त्रि० (-भवस्थ) छेल्ला भवमां रहेल; चरम शरीरी. अन्तिम भव में रहा हुआ. चरम शरीरी. (a body) that is for the last time in a particular state of existence भग० ३, २; —वरिसारत्त. न०(-वर्षारात्र) चोमासानो आखर समय. वर्षा ऋतु का अंतिम समय. the latter or ending part of the rainy season. नाया० १; —समय. पुं० (-समय) छेल्लो वखत. अंतिम समय. last time. क० गं० ६, ८४; भग० १२, ६;

चरिअ. न० (चरित) चेष्टा; चाल चलगत. चेष्टा; चालचलन. Conduct; behaviour. ओव० २१; नाया० ६; (२) जन्म चरित्र-वृतांत. biography; life. राय० ६१; २०१;

चरिआ-या. स्त्री० (चरिका) गढ अने शहेर वच्चेनो ८ हाथ प्रमाणे रस्तो. किला व शहर के मध्य का आठ हाथ प्रमाण का मार्ग. A road eight arms in breadth between a town and the ramparts that surround it. भग० ५, ७; ८, ६; नाया० १६; ओव० अणुजो० १३४; सम० प०२१०; निर्मा० ८, ३; जीवा० ३, ३; पराह० १, १; (२) परिव्राजिका. परिव्राजिका. a nun. ओघ० नि० ५६८;

चरित्त. न० (चारित्र) चारित्र मोहनीयना क्षय के क्षयोपशमथी उत्पन्न थतो आत्मानो विरति परिणाम; संयम अनुष्ठान; सदाचार. चारित्र मोहनीय के क्षय वा क्षयोपशम से उत्पन्न होता हुआ विरति परिणाम; संयम

अनुष्ठान; सदाचार. Right conduct; ascetic conduct inspired by the subsidence of obstructive Karma. ठा० १, १; ओव० १६; २०; अणुजो० १३१; १४७; भग० २, १; २५, ५; नाया० १; २; ५; १०; ओघ० नि० ६८८; विशे० ५०; १२३४; वेय० १, ४५; राय० २१५; पन्न० १; पिं० नि० ६५; गच्छा० १२३; पंचा० ६, २७; —(त्तं) अंतर. न० (-अन्तर—अन्यंचारित्रं चारित्रान्तरं) ચારિત્ર ચારિત્ર વચ્ચે અંતર-ભેદ જોઈ ઉપજતી આશંકા. चारित्र चारित्र के अंदर भेदान्तर देख उत्पन्न होती हुई आशंका. doubt arising from the observation of differences between one sort of ascetic conduct and another. भग० १, ३; —आता. पुं० (-आत्मन्) ચારિત્રરૂપ આત્મા. चारित्र रूप आत्मा. soul as consisting of right (i. e. ascetic) conduct. भग० १२, १०; —आयार. पुं० (-आचार) પાંચ સમિતિ અને ત્રણ ગુપ્તિ એ આઠ ચારિત્રના આચાર. पांच समिति व तीन गुप्ति ये आठ चारित्र के आचार. right-conduct consisting of the observance of the 5 Samitis and 3 Guptis. ठा० २, ३; ५, २; सम० प० १६८; —आराहणा. स्त्री० (-आराधना) ચારિત્રની આરાધના-સંમ્યક્ સેવન. चारित्र की आराधना-सम्यक सेवन. proper observance of right-conduct. भग० ८, १०; —इंद. पुं० (-इन्द्र) યથાખ્યાત ચારિત્રવાન. यथाख्यात चारित्रवान्. one strictly observing rules of right-conduct. ठा० ३, १. —कुसील. त्रि० (-कुशील) ચારિત્રને દૂષિત બનાવનાર. चारित्र को दूषित बनाने वाला. (one) that sullies or violates the rules of right conduct. ठा० ५, ३; —धम्म. पुं० (-धर्म) ચારિત્રરૂપ ધર્મ. चारित्ररूप धर्म. religion as consisting of right-conduct. ठा० १०; —नास पुं० (-नाश) ચારિત્રનો ભંગ. चारित्र का भंग. violation of the rules of right-conduct. गच्छा० १३२; —पज्जव. पुं० (-पर्यव) ચારિત્ર પર્યવ; ચારિત્ર સંબન્ધિ વિશુદ્ધિના અંશ વિભાગ. चारित्र पर्यव; चारित्र के संबंध में विशुद्धि का अंश विभाग. subdivisions of expiation for faults in right-conduct. पिं० नि० भा० २८; भग० २५, ६; —पाण. पुं० (-प्राण) ચારિત્રરૂપી પ્રાણ. चारित्रात्मक प्राण. life or vitality as consisting of right-conduct. भत्त० १२६; —पायच्छित्त. न० (-प्रायश्चित्त) ચારિત્રની શુદ્ધિ અર્થે અતિચારાદિનું પ્રાયશ્ચિત લેવું તે. चारित्र की शुद्धि के लिये अतिचारादि का प्रायश्चित लेना. act of expiating for faults in right-conduct. ठा० ४, १; —पुरिस. पुं० (-पुरुष) ચારિત્ર વાળો પુરૂષ. चारित्रवान पुरुष. a man possessed of right-conduct. ठा० ३, १; —पुलाअ-य. पुं० (-पुलाक) ચારિત્રને નિઃસાર બનાવનાર પુલાક લબ્ધિવંત સાધુ. चारित्र को निःसार बनाने वाला पुलाक लब्धिवंत साधु. an ascetic with some back-sliding in the observance of rules of right-conduct. ठा० ५, ३; भग० २५, ६; —बुद्ध. पुं० (-बुद्ध) ચારિત્રરૂપે બોધ પામેલ. चारित्र रूपसे बोधप्राप्त. one awake to (i. e. follow-

ing) the rules of right-conduct after knowing them. ठा० ३, २; —बोहि. स्त्री० (-बोधि) ચારિત્રરૂપે ધર્મની પ્રાપ્તિ થવી તે. चारित्र रूप से धर्म की प्राप्ति होना. attainment of religion in the form of right-conduct. ठा० ३, २; —मोह. पुं० (-मोह) જુઓ "चरण-मोह" શબ્દ. देखो "चरण-मोह" शब्द. vide "चरण-मोह" भग० ८, ८; क० प० २, ३७; ५, २७; प्रव० ६६४; —मोहण. न० (-मोहन) ચારિત્રને અટકાવનાર-રોકનાર મોહનીય કર્મની પ્રકૃતિ; સોલ કષાય અને નવ નોકષાય એ પચીસ પ્રકૃતિ. चारित्र को रोकने वाली मोहनीय कर्म की पचीस प्रकृति; १६ कषाय और ६ नोकषाय ये २५ प्रकृति. the 16 Kaṣāyas and 9 Nokaṣāyas which hinder the attainment of right-conduct. उत्त० ३३, १०; —मोहणिज्ज. न० (-मोहनीय) જુઓ "चरित्त-मोहण" શબ્દ. देखो "चरित्त-मोहण" शब्द. vide "चरित्त-मोहण" ठा० २, ४; अणुजो० १२७; भग० ५, ४; ८, ८; २०, ७; —मोहणिय. न० (-मोहनीय) જુઓ "चरित्त-मोहण" શબ્દ. देखो "चरित्त-मोहण" शब्द. vide "चरित्त-मोहण" क० गं० १, १७; —लद्धिया. स्त्री० (-लब्धिका) ચારિત્રની પ્રાપ્તિ. चारित्र की प्राप्ति. attainment of right-conduct. भग० ८, २; —लोग. पुं० (-लोक) સામાયિકાદિ પાંચ ચારિત્ર રૂપ લોક. सामायिकादि पांच चारित्ररूप लोक. the world or region of the five items of right-conduct viz. Sāmāyika etc. ठा० ३, २; —विणय. पुं० (-विनय) ચારિત્રનું સમ્યક પ્રકારે પાલન કરવું તે. चारित्र का सम्यक् प्रकार से पालन करना. due observance of the rules of right-conduct. भग० २५, ७; —विराहणा. स्त्री० (-विराधना) ચારિત્રનું ખણ્ડન કરવું તે; વ્રતમાં ભંગ પાડવો તે. चारित्र का खंडन करना; व्रत का भंग करना. violation of the rules of right-conduct. सम० ३; आव० ४, ७; —संपएण. त्रि० (-संपन्न) ચારિત્ર-ગુણથી ભરપૂર. चारित्र-गुण से भरपूर. well-accomplished in right-conduct. भग० २, ५; २५, ७; —संपन्नया. स्त्री० (-संपन्नता) સામાયિક આદિ ચારિત્ર વિશિષ્ટતા. सामायिक आदि चारित्र विशिष्टता. state of being well-accomplished in right-conduct viz. Sāmāyika etc. उत्त० २६, २, भग० १७, ३;

चरित्ताचरित्त. न० (चारित्राचारित्र) એક દેશે ચારિત્ર અને એક દેશે અચારિત્ર-અવિરતિ; વિરતા વિરતિ; શ્રાવકપણું. एक देश से चारित्र व एक देश से अचारित्र-अविरति; विरताविरति; श्रावकपना. Partial observance (e. g. by a Jaina layman) of the rules of right-conduct. भग० ८, २; —लद्धि. स्त्री० (-लब्धि) દેશવિરતિ-શ્રાવકપણાની પ્રાપ્તિ. देशविरति-श्रावकत्व की प्राप्ति. Śrāvaka-hood; partial observance of the rules of right-conduct. भग० ८, २;

चरित्तावरणिज्ज. न० (चारित्रावरणीय) ચારિત્રને ઢાંકનાર ચારિત્ર મોહનીય કર્મ. चारित्र को ढांकने वाला चारित्र मोहनीय कर्म. Karma that hinders right-conduct. भग० ६, ३१; —कम्म. न०

(-कर्म) ચારિત્રને ઢાંકનાર કર્મ; જેનાથી ચારિત્રની પ્રાપ્તિ થતી નથી તે કર્મ. चारित्र को ढांकने वाला कर्म: जिससे चारित्र की प्राप्ति नहीं होती वह कर्म. Karma that hinders the attainment of right-conduct. भग० ६, ३१;

चारित्ति. त्रि० (चारित्रिन्) ચારિત્રવાળો; ચારિત્રી; સાધુ. चारित्रवान; चारित्री; साधु. An ascetic; (one) possessed of right-conduct. अणुजो० १३१; पंचा० ११, ७; गच्छा० २१;

चरिम. त्रि० (चरम) અંતિમ; છેલ્લું. अंतिम. Last; final. ओव० ३८; ठा० १, १; भग० १, ७; ३, १; ४; ५, ४; ८, २; १३, १; १४, ४; १८, १; १६, ५; २५, ६; १०; २६, १; ३३, १०; विशे० ४२४; पिं० नि० १३८; सु० च० १, १; क० गं० २, २८; भत्त० ३८; प्रव० १८६; ४६०; ६१२; पंचा० ६, २६; (२) ચરમ શરીરી ભવ્યજીવ. चरम शरीरी भव्य जीव. a soul that has its body for the last time i. e. one going to attain to salvation without being re-born. पन्न० ३; १८; जीवा० १०; (३) પન્નવણાસૂત્રના ત્રીજા પદના બાવીસમાં દ્વારનું નામ. पन्नवणा सूत्र के तृतीय पद के बावीसवें द्वार का नाम. name of the 22nd Dwāra of the third Pada of Pannavaṇā Sutra. पन्न० ३; —अंजलिकम्म. न० (-अञ्जलिकर्म) છેવટના પ્રણામ. अंतिम प्रणाम. farewell; final salutation. भग० १५, १; —अंत. त्रि० (-अन्त) પર્યન્ત ભાગ; છેડાનો ભાગ; પર્યવસાન. पर्यन्त भाग; अंत का भाग; पर्यवसान. end; final part. उत्त० ३६, ५६; भग० ६, ३; ३४, १; विशे० ३७६; जीवा० ३, १; पन्न० २; —गेय. न० (-गेय) છેલ્લું ગીત; ગાયન. अन्तिम गीत; गाना. last or final song. भग० १५, १; —चउ. पुं० (-चतुः) છેલ્લા ચાર. अन्तिम चार. last four. क० गं० ४, २३; —दिवस. पुं० (-दिवस) છેલ્લો દિવસ. अन्तिम दिन. final day. जं० प० ७, १६२; —नट्ट. न० (-नाट्य) છેવટનું નાટક. अंतिम नाटक. last or final dramatic performance. भग० १५, १; —पाण. न० (-पान) છેવટનું (મદિરા) પાન. अन्तिम (मदिरा) पान. final or last drinking of intoxicating wine. भग० १५, १;—पुढवी. स्त्री० (-पृथ्वी) છેલ્લી પૃથ્વી; સાતમી નરક. अन्तिम पृथ्वी; सातवां नर्क. last earthly abode; the seventh hell. विशे० ६६२; —भवत्थ. त्रि० (-भवस्थ) ભવના અવસાન ભાગમાં રહેલ; મૃત્યુની પાસે પહોંચેલ. भव के अवसान भाग में रहा हुआ; मृत्यु के पास-निकट पहुंचा हुआ. (one) nearing death; one at death's door. भग० ३, २; —समयभवत्थ. पुं० (-समयभवस्थ) ભવને છેલ્લે સમયે રહેલ. भव के अन्तिम समय पर रहा हुआ. one in the last moment of life; one very near to death. भग० ७, १;

चरिमाइ. न० (चरमादि) પ્રજ્ઞાપના સૂત્રના દશમા પદનું નામ કે જેમાં રત્નપ્રભા વગેરેનાં ચરમ અચરમનું વર્ણન છે. प्रज्ञापना सूत्र के दशवें पद का नाम कि जिसमें रत्नप्रभा इत्यादि का चरम अचरम का वर्णन है. Name of the 10th Pada of Prajñāpanā Sūtra. पन्न० १;

चरिमुद्देसअ. पुं० (चरमोद्देशक) ચરમો-

देशक-ભગવતી સૂત્રના એક ઉદ્દેશાનું નામ છે. चरमोद्देशक नामक भगवती सूत्रका एक उद्देशा. Name of an Uddesā of Bhagavatī Sūtra. भग० ३१, ६;

चरिय. न० (चरित) આચરણ; વર્તન. आचरण; बर्ताव. Conduct; behaviour. पंचा० २, ३१; प्रव० ६१४;

चरिय. पुं० (चरिक) વનસ્પતી વિશેષ. वनस्पति विशेष. A kind of Vegetation. भग० २३, १;

चरिय. न० (चरित) ચરિત્ર-આચાર. चरित्र-आचार. Conduct; behaviour. प्रव० ६१४;

चरियनिबद्ध. न० (चरितनिबद्ध) ३२ નાટકમાંનું ૩૨ મું નાટક કે જેમાં તીર્થંકરના છ કલ્યાણિકના ચરિત્રોનું બયાન આપવામાં આવે છે. ३२ नाटकमें से ३२ वां नाटक कि जिसमें तीर्थंकर के छः कल्याणिक के चारित्रों का वर्णन किया जाता है. The last of the 32 kinds of dramatic performances in which is given an account of the conduct of the six Kalyāṇikas of a Tirthankara. राय० ६५;

चरियव्व. त्रि० (चरितव्य) આચરવા લાયક. आचरण करने योग्य. Worthy of being practised. भग० ६, ३३;

चरिया. स्त्री० (चर्या) ચાલવું; વિહાર કરવો તે. चलना; विहार करना. Moving out; peregrination. सूय १, १, ४, ११; १, ९, ३०; प्रव० ६८२; (२) ઈર્યા સમિતિ. ईर्या समिति. carefulness in walking. भग० ७, १०; (३) ચાલવાનો પરિષહ. चलने का परिषह. endurance of the trouble caused in walking. भग० ८, ८; प्रव० ६६८; (४) ભિક્ષા; ગોચરી. भिक्षा; गोचरी. alms-begging. आव० ४१; **—नियट्ट.** त्रि० (-निवृत्त) ચાલવાથી નિર્વૃત્ત થયેલ. चलने से जो निवृत्त हुआ है वह. (one) who has ceased walking. वव० ४, २२;**—परिसह.** पुं० (-परिषह) ચાલવાનો-વિહાર કરવાનો પરિષહ. चलने का-विहार करने का परिषह. trouble or affliction caused by walking or peregrination. सम० २२; **—पविट्ठ** त्रि० (-प्रविष्ट) ચાલવામાં પ્રવૃત્ત થયેલ. चलने में जो प्रवृत्त है वह. (one) who has commenced walking or peregrination. वव० ४, २०;

चरु. पुं० (चरु) હાંડલી; પાત્ર; યજ્ઞમાં દેવોને બલીદાન આપવાનું પાત્ર. मटका; पात्र; यज्ञमें देवोंको बलिदान देनेका पात्र. An earthen pot or a vessel in which an oblation is offered to gods in a sacrifice. ओव० ३८; भग० ११, ६;

चरेल्लग न० (चारक) રોમરાજી (રૂંવાટા) ની પાંખો વાળું પક્ષી. रुएंदार पंखवाला पक्षी. A bird with downy feathars. पन्न० १;

√**चल.** धा० I, II. (चल) ચાલવું. चलना. To walk; to move.

चलइ. नाया० १; भग० ३, ३; राय० २६६; जं० प० ५, ११५;

चलंति. भग० १७, ३; नाया० ८; जं० प० ५; ११३;

चलेंति. नाया० ८;

चलिस्संति. भग० १७, २;

चलिंसु. भग० १७, ३;

चालिजा; दस० ५, १, ३१;

चलंत. ओव० २१; नाया० ६;

चल (ले) माण. भग० १, १; १०; ४, ३३; आया० २, ७, १, १६८;

चालेइ. प्रे० नाया० ३; राय० २६६;

चालेति. प्रे० नाया० ८;

चालिंति. प्रे० सु० च० २, ५८७;

चालित्तए. प्रे० हे० कृ० नाया० ८; ६;

चालिय. प्रे० सं० कृ० आया० २, १, ६, ३२;

चालिज्जइ. प्रे० क० वा० सु० च० ४, २८;

चल. त्रि० (चल) ચાલતું; અસ્થિર. चलता हुआ; अस्थिर. Moving; unsteady. भग० ५, ४; १३, ४; १२, १; नाया० ८; विशे० ५५०; ओघ० नि० ६; ५१६; सम० प० २३१; —**अचल.** त्रि० (-अचल) ચલાચલ; અસ્થિર. चलाचल; अस्थिर. unsteady; moving; changing. दस० ५, १, ६५; निसी० १३, ७; —**उवगरण.** न० (-उपकरण) અસ્થિર ઉપકરણ अस्थिर उपकरण. an unsteady implement (e. g. an alms-bowl etc. used by an ascetic). भग० ५, ४; —**चपल.** त्रि० (-चपल) ચલ અને ચપળતાવાળું. चल व चपलता युक्त. quick and changing. नाया० ८; —**चित्त.** त्रि० (-चित्त) ચપલ ચિત્તવાળું. चपल चित्त वाला. fickle-minded; unstable in mind. प्रव० २६०; —**जीव.** त्रि० (-जीव) જેની જીવા-પણછ ચલ-અસ્થિર છે એવું (ધનુષ્ય). जिसकी जीवा-दोरी चल-अस्थिर है ऐसा (धनुष्य). (a bow) with an unsteady or quickly moving string. जं० प० ३, ४५; —**सत्त** त्रि० (-सत्त्व) અસ્થિર સત્વવાળો. अस्थिर सत्त्व वाला. unsteady in mind; unsteady in spirit. ठा० ४, ३; ५, ३;

चलण. पुं० (चरण) ચરણ; પગ. चरण; पैर. A foot. भग० ४२, १; अणुजो० १२८; नाया० १; ९; सु० च० १, ५८०; ओव० १०; पिं० नि० १८१; जीवा० ३, ३; जं० प० कप्प० ३, ३६; ४, ६०; भत्त० १०६; (२) ભગવતીનાં પ્રથમ શતકના દશમા ઉદ્દેશાનું નામ. भगवती के प्रथम शतक के दशवें उद्देशा का नाम. the name of the 10th chapter of the first section of Bhagawatī Sūtra. भग० १, १; —**तल.** न० (-तल) પગનું તળીયું. पैर का तला. the sole of a foot. नाया० ७; —**मालिया.** स्त्री० (-मालिका) પગનું ઘરેણું; (તોડા બેડી વગેરે). पैर का आभूषण. an ornament for foot. जीवा० ३, ३;

चलण. न० (चलन) ચાલવું. चलना. Act of walking or moving. तंदु० भग० १७, ३; उवा० २, १०१; —**धम्म.** पुं० (-धर्म) ચાલવું એજ છે ધર્મ જેનો તે. चलना यही जिसका धर्म है वह. one whose duty or nature is to walk or move. दसा० १०, ८; ६;

चलणिआ. स्त्री० (चलनिका) સાધ્વીનું કટી વસ્ત્ર; ઝાંગીયો. साध्वीका कटी वस्त्र; जांघिया. A waist-cloth used by a nun. ओघ० नि० ६७६; "जाणुपमाणा चलणी असीविया लंखिया एवं" (२) ચાલણી. चलनी. a sieve. प्रव० ५३७;

*चलणी. स्त्री० (चलनी-चलनं चरणं तत्प्रमाणं कर्दमश्चलनी) પગડુબે તેટલો કાદવ. पैर गड जाय उतना कीचड. Mud just reaching the ankles; knee-deep mud. प्रव० ५४१; जीवा० ३, ३; भग० ७, ६; जं० प० २, ३६;

चालिय-अ. त्रि० (चालित) ચલાયમાન

थयेल. जो चलयमान है वह. Moving; moved; stirring; quick. कप्प० ३, ४३; सम० ६; भग० १, १०; ६, ३३; नाया० १; ८; १३; जं० प० ५, ११५; २, २३; ५, ११२; ३, ५८; —करण. त्रि० (–कर्ण) ચાલતા (હલતા) છે કાન જેના એવો. जिसके कान चलते (हिलते) हैं वह. (one) whose ears are moving or shaking. नाया० ८; —कम्म. त्रि० (–कर्मन्) ચલાયમાન થયેલ કર્મ. जो कर्म चलायमान है वह. Karma which has become quick or which has commenced its motion. भग० १, १; —रस. त्रि० (–रस) જેનો રસ ચલિત થયો હોય બગડી ગયો હોય તે. जिसका रस चलित हुआ हो बिगड़ा हुआ हो वह. (anything, e. g. a fruit etc.) of which the juice has undergone decomposition. प्रव० २४८;

चवचव. न० (*) અનુકરણ શબ્દ. अनुकरण शब्द. An onomatopoetic word; a sound like that of the word (Chavachava). ओघ० नि० भा० २८६;

चवण. न० (च्यवन) દેવલોક વિગેરેથી ચવવું મરણ પામવું; દેવતા કે નારકીનું મરણ. देवलोक आदिसे पतन होना--मृत्यु को प्राप्त होना; देवता वा नारकी की मृत्यु. Death of a heavenly or hellish deity. सु० च० १, १२०; २, १५५; भग० ७, ५; आया० १, ३, २, ११४; १, ७, ३, २०७; राय० ३५; २६३; जीवा० १; कप्प० ५, १२०; —काल. पुं० (–काल) દેવતાઓનો ચ્યવન (મરણ) કાલ. देवताओं का च्यवन--मृत्युकाल. the hour of death of the gods. नाया० ८;

चवल. त्रि० (चपल) ચંચલ; ચપલ; ઉતાવળું. चंचल; चपल; स्फूर्तिवाला. Wavering; fickle; swift; impatient. जं० प० ३, ४३; ५, ११५; ७, १६६; उत्त० ६, ६०; ओव० १२; २१; सम० प० २३१; भग० ३, १; ११, ११; १५, १; नाया० १; ८; पिं० नि० २६२; जीवा० ३, १; पन्न० २; कप्प० ३, ४३;

चवला. स्त्री० (चपला) દેવતાની એક પ્રકારની ગતિ. देवता की एक प्रकार की गति. A kind of gait of the gods. राय० २६; नाया० २, १५, १७६;

चवलिय. त्रि० (चपलित) ભાજન વિશેષ. भाजन विशेष. A kind of pot or vessel. जीवा० ३, ३;

चविया. स्त्री० (चविका) તીખા રસવાળી એક વનસ્પતિ. तीखा रस वाली वनस्पति. A kind of herb having sharp, pungent juice. पन्न० १७;

चवेडा. स्त्री० (चपेटा) આંગળીવતી ચપટી વગાડવી તે. उंगली से चुटकी बजाना. Snapping the fingers. उत्त० १, ३८; १६, ६८; भग० ३, २; सु० च० १४, ४०; राय० १८३; जीवा० ३, ४; जं० प० ५, १४१;

चाअ. पुं० (त्याग) તજવું; છોડવું. त्याग करना; छोड़ देना. Abandonment; giving up. पंचा० २, ४;

चाइ. त्रि० (त्यागिन्) ત્યાગ કરનાર; ત્યાગી. त्याग करने वाला; त्यागी. (One) who

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

gives up or abandons. भग० २, १; दसा० २, २;

चाइत्त. न० (त्यागित्व) ત્યાગી પણું. त्यागी पना. Renunciation. सु० च० २, १४;

चाइय. त्रि० (शक्त) શક્તિવન્ત; સમર્થ. शक्तिवंत समर्थ. Powerful; capable. उत्त० ३२, १६;

चाउकाल. पुं० (चतुष्काल) બે સંધ્યા અને બે મધ્યાન્હ એમ રાત દિવસમાં ચાર વખત. दो संध्या व दो मध्यान्ह इस प्रकार रात दिन के चार समय. The four points of day and night viz. two twilights, mid-day and mid-night. निसी० १६, १४;

चाउक्कोण. त्रि० (चतुष्कोण) ચાર ખુણા વાળું. चार कोन वाला. Four-cornered. नाया० १३; राय० १३३;

चाउग्घंट. पुं० (चतुर्घण्ट-चतस्रोघण्टायस्य सः) જેની ચારે બાજુએ-ચારે દિશામાં વિજય સૂચક ઘંટડી બાંધેલી હોય તેવો રથ. जिसकी चारों दिशाओं में विजय सूचक घंटा बंधी हुई हो ऐसा रथ. A chariot with triumphal bells tied on its four sides भग० ७, ६; ९, ३३; नाया० १, ८; १६; १६; जं० प० राय० २१३;
—आसरह. पुं० (-अश्वरथ) ચાર ટોકરી વાળી ઘોડા-ગાડી. चार घंटी वाला अश्वरथ. a chariot drawn by horses having four bells. निर० १, १; नाया० ८;

चाउज्जातक. न० (चतुर्जातक) તજ—એલચી કેશર-મરી-એ ચાર વસ્તુનું મિશ્રણ. दालचिनी, केशर, इलायची, कालीमिर्च--इन चार वस्तुओं का मिश्रण. A mixture of four ingredients viz. cinnamon, aromaticum, saffron, cardamom and pepper. जीवा० ३, ४;

चाउज्जाम. पुं० (चातुर्याम) ચાર મહાવ્રત-સર્વ પ્રાણાતિપાત વિરમણ, સર્વ મૃષાવાદ વિરમણ, સર્વ અદત્તાદાન વિરમણ સર્વ પરિગ્રહ વિરમણ એ ચાર મહાવ્રતમાં શ્રમણપણું જેમાં દર્શાવ્યું છે તે ધર્મ; વચ્ચેના બાવીશ તીર્થંકરોનો ધર્મ, તેમાં ચોથું મેહુણ વિરમણવ્રત પાંચમામાં સમાવી દેવાથી મહાવ્રતની સંખ્યા પાંચને બદલે ચારની છે. चार महाव्रत--सर्व प्राणातिपात विरमण, सर्व मृषावाद वीरमण, सर्व अदत्तादान विरमण, सर्व परिग्रह विरमण इन चार महाव्रत में श्रमणपना जिसमें दर्शाया है वह धर्म; मध्य के बाईस (२२) तीर्थंकरों का धर्म, उसमें चतुर्थ मेहुण विरमण व्रत पांचवे में समाविष्ट कर देने से महाव्रत की संख्या पांच के स्थान चार है. that religious teaching which demonstrates the asceticism in the four great vows viz. abstention from all killing, abstention from all false-hood, abstention from acceptance of things not given and abstention from stealing; the distinctive character of the middle 22 Tirthankaras; the fourth of the vows being included in the fifth, the number of the great vows is four instead of five. सूय० २, ७, ४०; उत्त० २३, १२; भग० १, ६; २, ५; ५, ६; ६, ३२; २०, ८; २५, ७; राय० २२१; नाया० १६;
—धम्म. पुं० (-धर्म) ચાર મહાવ્રતરૂપ ધર્મ. चार महाव्रतरूप धर्म. religious

observance in the form of the four great vows. नाया० १६;

चाउद्दसिय. त्रि० (चातुर्दशिक) ચૌદસને દિવસે જન્મેલ. चतुर्दशी के दिन जन्म पाया हुआ. Born on the 14th day (of the bright or dark half of a month). उवा० २, ६५;

चाउद्दसी. स्त्री० (चतुर्दशी) ચૌદશ. चतुर्दशी. 14th day (of the bright or dark half of a month) "चाउद्दसीं पन्नरसिं वज्जेज्जा अट्ठमींच नवमींच" विशे० जीवा० ३, ४; राय० २२५; भग० २, ५; ३, २; ३; ७; नाया० २; ६; विवा० १; —चंद. पुं० (-चन्द्र) ચતુર્દશીનો ચંદ્રમા. चतुर्दशी का चंद्र. the moon of the 14th night (of the bright or dark half of a month). नाया० १०;

चाउप्पाय. त्रि० (चतुरपाद) ચિકિત્સાના ચાર પાયા-વમન, વિરેચન મર્દન અને સ્વેદન. चिकित्साके चार पाये-वमन, विरेचन मर्दन व स्वेदन. the four basic operations of medical treatment; vomitting, purging, rubbing and perspiring. (२) વૈદ્ય, ઔષધી, દરદી અને સારવાર કરણાર માણસ. वैद्य, औषधी, दरदी व सेवा शुश्रूषा करने वाला मनुष्य. the physician, medicine, the patient and who nurses. (३) અંજન-બન્ધન-લેપન અને મર્દન. अंजन-बन्धन, लेपन व मर्दन. application of an ointment, bandaging, smearing and rubbing. उत्त० २०, २३;

चाउभाइया. स्त्री० (चतुर्भागिका) ચોથો ભાગ. चतुर्थ भाग; चौथा भाग. The fourth part. राय० २७२;

चाउम्मास. न० (चातुर्मास्य) ચોમાસું; ચાતુર્માસ. वर्षा ऋतु; चातुर्मास. The rainy season; the four months (of the rainy season). प्रव० १८३; पंचा० १, १६;

चाउम्मासिय. त्रि० (चातुर्मासिक) ચાતુર્માસિક; ચાર મહિનાનું. (પ્રતિક્રમણ વગેરે). चातुर्मासिक; चारमास का (प्रतिक्रमण इत्यादि). Pertaining to the four months (of the rainy season). नाया० ५; निसी० २०, १३; १६; ४१; वव० १, २; वेय० १, ३६; २, १५; —मज्जणय. न० (-मज्जनक) ચાતુર્માસમાં થતો મજ્જન મહોત્સવ. चातुर्मास में होनेवाला मज्जन महोत्सव. the great festival of ablution occuring in the four months (of the rainy season). नाया० ८;

चाउर. त्रि० (चतुर) ચાર; ચારની સંખ્યા. चार; चार की संख्या. Four; the number four. ओव० —अंग. न० (-अंग) ચાર અંગ. चार अंग. the four limbs or divisions. विवा० ३;

चाउरंगिज्ज. न० (चतुरङ्गिक) ઉત્તરાધ્યયનના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ. उत्तराध्ययन के तृतीय अध्ययन का नाम. Name of the third Adhyayana of Uttarādhyayana. अणुजो० १३१;

चाउरंगिणी. स्त्री० (चतुरंगिणी) જુઓ "चउरंगिणी" શબ્દ. देखो "चउरंगिणी" शब्द. Vide "चउरंगिणी" ओव० २६; भग० १, ७; ७, ६; नाया० १; ५; ८; १४; १६; दसा० १०, १; जं० प०

चाउरअंत. त्रि० (चतुरन्त) નારકી-તિર્યંચ-મનુષ્ય અને દેવતા એ ચાર ગતિ છે અન્ત-અવયવ જેની તે, ચાર ગતિરૂપ ચાર અવયવ વાળો સંસાર. नारकी-तिर्यंच-मनुष्य व देवता ये चार गति हैं अन्त-अवयव जिसकी वह,

चार गतिरूप चार अवयव युक्त संसार. Worldly existence consisting of divisions which has got for its end the four conditions viz. hell beings, lower animals, man, and celestial beings. उवा० ७, २१८; उत्त० १६, ४६; सूय० २, २, ८२; भग० १, १; २, १; नाया० १, ८; (२) ચાર દિશાના ચાર વિભાગ વાળું. चार दिशाओं के चार विभाग युक्त. consisting of four divisions of the four quarters. ठा० २, ९; (३) ત્રણ તરફ સમુદ્ર અને ચોથો હિમાચલ એ ચાર જેના અન્ત પર્યન્ત ભાગ છે એવો પૃથ્વી પ્રદેશ. तीनों तरफ समुद्र व चौथा हिमालय ये चार जिसके अन्त-पर्यंत भाग है ऐसा पृथ्वी प्रदेश. the region of the earth bounded on three sides by the sea and on the 4th by the Himālayas. सम० १; उत्त० ११, २२; —**चक्कवाह**. पुं० (चक्रवर्तिन्) ભરતની ચારે દિશા પર્યંત વિજય કરનાર ચક્રવર્તી. भरत की चारों दिशा पर्यंत विजय करने वाला; चक्रवर्ती. one who is victorious in the four quarters of Bharata; a sovereign whose dominion extends as far as the ocean. भग० १8, ३; कप्प० २, १४;

चाउरक पुं० (चातुरक्य) ખાંડ ગોળ દૂધ વિગેરેથી બનાવેલ ખાદ્ય વિશેષ. शकर, गुड, मिश्री, दूध इत्यादि से बनाया हुआ खाद्य विशेष. A kind of dainty prepared from sugar, jaggery, sugar-candy and milk. जीवा० ३, ३;

चाउत्थय. पुं० (चातुर्थक) ચોથિયો જ્વર-તાપ. प्रत्येक चौथे दिन आने वाला ज्वर; चौथिया ज्वर. Fever recurring on every fourth day. भग० ३, ७;

* **चाउल** पुं० (*) ચોખા; ચાવલ; ભાત. चांवल; भात. Cooked or boiled rice. आया० २, १, १, ३; पिं० नि० भा० १८; दस० ५, १, ७४; पंचा० १०, २३; दसा० ५, २; ६, २; वव० ६, ४; —**उदग**. न० (-उदक) ચોખાના ધોવણનું પાણી. चांवल का धोया हुआ पानी. the water in which rice is washed. "चाउल उदगं बहुपसन्नं" दस० ५, १, ७५; पिं० नि० १६४; निसी० १७, ३०; कप्प० ६, २५; —**उदय** न० (-उदक) ઉપરનો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide above. आया० २, १, ७, ४१; —**धोवण**. न० (-धावन) ચોખાનું ધોણ; જેમાં ચોખા ધોયા હોય તે પાણી. चांवल का धोया हुआ पानी. the water in which rice is washed. ठा० ३, ३; —**पिट्ठ** पुं० (-पिष्ट) ચોખાનો લોટ-આટો. चांवल का आटा. the flour of rice. दस० ५, २, २२;

चाउवरण. न० (चातुर्वर्ण्य) બ્રાહ્મણ, ક્ષત્રિય, વૈશ્ય અને શૂદ્ર-એ ચાર વર્ણ. ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य व शूद्र-ये चार वर्ण. The 4 castes viz. Brahman, Kṣatriya, Vaiśya and Śūdra. भग० १५, १; (२) સાધુ, સાધ્વી, શ્રાવક અને શ્રાવિકા એ ચતુર્વિધ સંઘ. साधु, साध्वी, श्रावक व श्राविका ये चार

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

प्रकार के संघ. the four classes, viz. male and female ascetics and male and female disciples. ठा० १०; भग० १६, ६; २०, ८; —**आइराग.** त्रि० (—आकीर्ण—चत्वारो वर्णास्तेनाकुलः कीर्णः) ચાર વર્ણ-સાધુ, સાધ્વી, શ્રાવક અને શ્રાવિકાથી વ્યાપ્ત (સંઘ). चार वर्ण-साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका से व्याप्त (संघ). (an assembly) consisting of four classes viz. male and female ascetics and male and female disciples. " **समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउवण्णा इमे संघे** " ठा० १०; भग० १६, ६; २०, ८;

चाउस्सालग. न० (चतुःशालक) ચાર માળવાળું ભવન. चार मंजिल वाला मकान. A four-storyed mansion. जं० प० ४, ११४;

चाउस्सालय. न० (चतुःशालक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. जं० प० ५, ११४;

चाग. पुं० (त्याग) ત્યજી દેવું તે; ત્યાગ. त्याग. Abandoning; renunciation. पंचा० १०, १४; —**रूव.** न० (—रूप) ત્યાગરૂપ. त्याग रूप. marked by renunciation. पंचा० ५, १३;

चाटुकर. त्रि० (चाटुकार) પ્રિય વચન બોલનાર. प्रिय बचन बोलनेवाला. Speaking sweet words. ओव० ३१;

चाडुकारग. त्रि० (चाटुकारक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. जं० प० ३, ६७;

चाडुयार. त्रि० (चाटुकार) મીઠું-મધુરું બોલનાર. मिष्ट-मधुर बोलने वाला. (One) who speaks sweet words. पराह० १, २;

चाणक. पुं० (चाणक्य) પાટલીપુત્રના ચંદ્રગુપ્તરાજાનો મંત્રી કે જેના ઉપર ચંદ્રગુપ્તના પુત્ર બિન્દુસારનો અભાવો થવાથી તેણે મંત્રીપદ છોડયું, માબાપની અનુજ્ઞા લઇ સર્વ આરંભથી નિવૃત્ત થઇ સંથારો કર્યો. पाटलीपुत्र के चन्द्रगुप्त राजा का मंत्री कि जिसके साथ चन्द्रगुप्त के पुत्र बिन्दुसार का वैरभाव उत्पन्न होनेसे उसने मन्त्रीपद का त्याग किया मा-बाप की अनुज्ञा लेकर सर्व आरंभ से निवृत्त होकर संथारा किया. The minister of Chandragupta, king of Pāṭaliputra, who being on hostile terms with Chandragupta's son Bindusāra, resigned his post and desisting from all worldly activities with the permission of his parents, practised Santhārā. " **पाडलिपुत्तम्मि पुरे चाणक्को नाम विस्सुओ आसी सव्वारंभनियत्तो इंगिणीमरणं अह निवन्नो** " संथा० ७३; पिं० नि० ४००; भत्त० १६२;

चाणूर. पुं० (चाणूर) એ નામનો એક મલ્લ જેને કંસની સભામાં વાસુદેવે માર્યો. इस नामका एक मल्ल जिसको कंस की सभा में वासुदेव ने मारा. Name of a wrestler who was killed by Vāsudeva in the court of Kansa. पराह० १, ४;

चामर. न० (चामर) જેનાથી પવન નખાય છે તે ચામર-ચામરી ગાયના વાળનું બનાવેલું હોય છે તે. जिससे हवा की जाती है वह चमर-चमरी गाय के पुच्छ के बालों की बनाई जाती है वह चंवर. A chawari usually made of the bushy tail of a cow and used as a fan. जं० प० ४, ७४; ५, ११४; ओव० १०; ३१; उत्त० २२, ११; भग० १, १; ७, ३; ६, ३३;

नाया० १; ३; ४; १६; राय० ४७; प्रव० ४४१; कप्प० ४, ६२; ओघ० नि० भा० ८६; सू० प० १०; पन्न० ११; विवा० २; —उक्खेव. पुं० (-उत्क्षेप) ચામર ઢાળવું તે. चंवर उडाना. waving of Chawri. जं० प० ५. १२२; नाया० १६; —ग्गाह त्रि० (-ग्राह) ચામર ગ્રહણ કરનાર. चंवर ग्रहण करने वाला. (a person) who carries a chamara (chawri). जं० प० ३, ६७; निसी० ६, २४; —धार. त्रि० (-धार) ચામર ધરનાર; હાથમાં ચમરી રાખનાર. चंवर धारण करने वाला; हाथ में चंवरी रखने वाला. (one) who holds or carries a chamara in his hand. राय० १६६; —वालवीयणीया. स्त्री० (-वालव्यजनिका) ચામર અને વીંજણું-પંખો. चंवर व पंखा. a chawri and a fan. भग० ६, ३३;

चामरा स्त्री० (चामर-स्त्रीत्वश्च प्राकृतत्वात्) ચમરી; ચામર. चंवरी-चंवर. A chawri. जं० प०

चामीकर. न० (चामीकर) સુવર્ણ; સોનું. सुवर्ण; सोना. Gold. कप्प० ३, ३६; अंत० ३, १;

चामीयर. न० (चामीकर) સુવર્ણ; સોનું. सुवर्ण; सोना. Gold. नंदी० स्थ० १२; नाया० ५; सु० च० २, ६३८; जं० प० ३, ६१;

चाय. पुं० (त्याग) ત્યાગ; અભાવ. त्याग; अभाव. Forsaking; absence. विशे० १८६; ४८०; सु० च० १, ३६१; प्रव० ४४१;

चार. पुं० (चार) જાસુસ; છુપી પોલીસ. गुप्त दूत; जासूस. A spy; a secret emissary. पिं० नि० ५७१; सूय० १, ३, १, १५; उवा० १, १०; (२) ચન્દ્રાદિકની ગતિ-ચાલ. चंद्रादिक की चाल motion of the moon etc. जं० प० ७, १३३; १३६; ओव० २५; नाया० २; १६; भग० २, ५; १६, ५; जीवा० ३, ४; (३) સૈન્યનું માન-માપ કરવાની કલા. सैन्य का मान-अनुमान करने की कला. the art of estimating the strength of an army. ओव० ४०; नाया० १; (४) ભ્રમણ કરવું; ફરવું. भ्रमण करना; फिरना. wandering; roaming. सम० ६; —उववरणग. त्रि० (-उपपन्नक) ગતિયુક્ત. गतियुक्त. possessed of motion. जं०प० ७. १४०; — पुरिस. पुं० (-पुरुष) છાની ખબર મેળવનાર; જાસુસ. गुप्त बात मिलाने वाला; जासूस. a spy; a secret emissary; विवा० ३;

चारअ. न० (चारक) કેદખાનું; કારાગૃહ; જેલ. कारागृह; कैदखाना. A prison. ठा० ७, १;

चारए. हे० कृ० अ० (चरितुम्) વિચરવાને; જવાને विचरने को; जाने को. For the purpose of wandering or going. वव० ४, १; १६;

चारग. न० (चारक) ભાકસી; ગુનેગારને પુરવાની અંધારી કોટડી; કારાગૃહ-જેલ. अपराधी को शिक्षा के लिये अंधेरी कोठड़ी; कारागृह. A dungeon for confining a criminal; a prison. भग० ११, ११; नाया० १; २; सूय० २, २, ६३; ओव० ३८; पराह० १, १; जीवा० ३, ३; कप्प० ५, ६६; —पालअ पुं० (-पालक) જેલર. कारागृह का प्रधान अधिकारी. a jailor; the keeper of a prison. विवा० ६; —बंधण. न० (-बन्धन) જેલખાનાનું બન્ધન; જેલમાં પડવું તે. कारागृह का बन्धन. imprisonment. दसा० ६, ४; —भंड. पुं० (-भांड)

જેલના (બેડીયો વિગેરે) સાધન. कारागृह के (बेडी इत्यादि) साधन. instruments such as fetters etc. of a prison. विवा० ६; —वसहि स्त्री० (-वसति) જેલમાં નિવાસ કરવો તે. कारागृहमें निवास करना. confinement in a prison. पराह० १, ३;

चारगसरह. न० (चारकसरक) એક જાતનું ફલવાળું વૃક્ષ. एक जाति का फलवाला वृक्ष. A kind of fruit tree. भग० २२, ३; —साला. स्त्री० (-शाला) કેદખાનું; જેલનું મકાન. कारागृह. a prison. नाया० २; १४; —सोहण. न० (-शोधन) જેલમાંથી કેદિઓને છુટા કરવા તે. कारागृह से अपराधियों को मुक्त करना. releasing criminals from imprisonment. नाया० १;

चारण पुं० (चारण —चरणं गमनं विद्यते येषाम्) ચારણ લબ્ધિ વાળા સાધુ. તે બે પ્રકારના છે- જંઘાચારણ અને વિદ્યાચારણ, અઠમ અઠમના તપથી ઉપજેલ પહેલા પ્રકારની લબ્ધિવાળા સાધુ એકજ કુદકે તેરમે રૂચકવર દ્વીપે પહોંચી શકે, વળતાં મેરૂને શીખરે વિસામો લઇ બીજે ઉતપાતે મૂલ જગ્યાએ પહોંચે; છટ્ઠ છટ્ઠના તપથી ઉપજેલ બીજા પ્રકારની લબ્ધિવાળા બે ઉત્પાતે મેરૂશિખર અને આઠમે નન્દીશ્વરદ્વીપે પહોંચે અને વળતાં એકજ ઉત્પાતે મૂલ જગ્યાએ પહોંચે. चारण लब्धिवाला साधु वे दो प्रकार के होते हैं–जंघाचारण व विद्याचारण, अठ्ठम अठ्ठम के तपसे उत्पन्न पहिले प्रकार की लब्धि एक ही झडपमें तेरवे रुचकवर द्वीप तक पहुंच सके, लौटते समय मेरु के शिखर पर विश्राम लेकर द्वितीय उत्पात में मूल स्थान पर पहुंचे छठ छट्ठ के तपसे उत्पन्न द्वितीय प्रकारकी लब्धिवाला दो उत्पात से मेरु शिखर व अष्टम नन्दीश्वर द्वीप को पहुंचे व लौटते समय एकही उत्पात से मूल स्थान पर पहुंचता है. An ascetic possessed of the power known as Chāraṇa Labdhi, which is of two sorts namely Jaṅghāchāraṇa and Vidyāchāraṇa. The power of the first kind is born of austerities of 3 days consecutive fasts, performed on enables one to reach in a single jump, the 13th Ruchakavara Dvīpa and come back to the starting point in the next spring after resting on the summit of Meru while returning. One who is possessed of the other power produced from austerities of 2 days consecutive fasts, performed every 6th day of a fortnight, can reach the summit of Meru and the 8th Nandīśwara Dvīpa in two bounds and can come back to the starting point in a single spring while returning. प्रव० ६०४; ओव० १६; सम० १७; भग० २०:८; नाया०१;५;विशे० ७८०; जीवा०३,४;वव०१: —भावना. न० (-भावना) ચારણ ભાવના-ચારણલબ્ધિ ઉત્પન્ન થાય તેવી ભાવના. चारणभावना; चारण लब्धि उत्पन्न हो ऐसी भावना. abstract meditation on the rise of Chāraṇa Labdhi. वव० १०, ३०; ३१; ३२;

चारणगण. पुं० (चारणगण) એ નામનો મહાવીર સ્વામીનો એક ગણ. इस नाम का महावीर स्वामी का एक गण. Name

of a body of followers of Mahāvīra Svāmī. ठा० ८;

चारभड. पुं० (चारभट) સુભટ. सुभट. A clever warrior. (२) ચોર. तस्कर; चोर. a thief. पराह० १, १;

चारि. त्रि० (चारिन्) ચાલનારું; ચાલવાના સ્વભાવ વાળું. चलने वाला; चलने के स्वभाव वाला. Moving; capable of movement. ओव० २६; ४०; नाया० ४; पिं० नि० १७५;

चारि. पुं० (चारि—पशुभक्ष्यविशेषः) ચારો; ઘાસ. पशु भक्ष्य विशेष; चारा; घांस. Food of beasts; grass. पिं० नि० २२५; २३८;

चारिय. पुं० (चारिक) જાસુસ. जासूस; गुप्त दूत. A spy; a secret emissary. आया० २, ४, १. १३४; (२) લડવૈયો; યોદ્ધો. योद्धा; सुभट. a warrior; a fighter. विशे० २३८५; (३) હેર; ચોર. चोर; तस्कर. a thief. पराह० १, २;

चारिआ. स्त्री० (चारिका) પરિવ્રાજિકા; સાધ્વી. परिव्राजिका; साध्वी. A female ascetic who has renounced the world. ओघ० नि० ५१८;

चारित्त. न० (चारित्र) કર્મનો નાશ કરનાર એક જીવ પરિણામ; નિશ્ચય દૃષ્ટિ એ આત્મ સ્વભાવ અને વ્યવહાર દૃષ્ટિ એ સંયમાનુષ્ઠાન. कर्म का नाश करने वाला एक जीव परिणाम; निश्चय दृष्टि से आत्म स्वभाव व व्यवहार दृष्टिसे संयमानुष्ठान. The nature of Jīva (soul) which destroys Karma; the nature of self from the stand-point of will and the practice of self-control from the practical, worldly stand-point. उत्त० २८, ३३; नंदी० स्थ० ४; प्रव० १८; भत्त० ७; आव० १, १; पंचा० ११, २; —गुण. पुं० (-गुण) ચારિત્ર-સંજમના ગુણ. चारित्र-संयम के गुण. the characteristics of self-control. गच्छा० १०२; —जुत्त. त्रि० (-युक्त) ચારિત્રથી યુક્ત. चारित्र से युक्त. possessed of self-control. प्रव० ८४६; —परिणाम. पुं० (-परिणाम) ચારિત્રના પરિણામ-અધ્યવસાય. चारित्र के परिणाम-अध्यवसाय. the thought-activity in relation to right-conduct or self-restraint. पंचा० १. ५०; —रक्खण. न० (-रक्षण) ચારિત્રનું રક્ષણ કરવું તે. चारित्र का रक्षण करना. the guarding of self-restraint. गच्छा० २१;

चारित्ति. त्रि० (चारित्रिन्) ચારિત્ર વાળો. चारित्र युक्त Possessed of self-control. पंचा० ३. ६; प्रव० ७६९;

चारी. स्त्री० (चारि) ચારો; ખડ-ચાર. चारा; घांस Grass. ओघ० नि० २३८;

चारु. त्रि० (चारु) સુન્દર; મનોહર. सुन्दर; मनोहर. Beautiful; charming. ओव० १०; भग० ३, १; २; नाया० १; २; ३; ८; दस० ८, ५८; जीवा० ३, ३; कप्प० ३, ३५; सू० प० २०; (२) હથીયાર. शस्त्र. a weapon. जं० प० ५, ११५; जीवा० ३, ४; राय० २०४; (३) ભરત ક્ષેત્રના ચાલુ ચોવીસીના ત્રીજા તીર્થંકરના પ્રથમ ગણધરનું નામ. भरत क्षेत्र के वर्तमान चौबीसी के तृतीय तीर्थंकर के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Gaṇadhara of the third Tīrthaṅkara of the present cycle of Bharata Deśa. प्रव० ३०५; —गणिआ. स्त्री० (-गणिका) દાસી વિશેષ; સુન્દર વેશ્યા. सुन्दर वेश्या.

दासी विशेष; सुन्दर वेश्या (नायिका गणिका). a beautiful harlot or courtezan. जं० प० —घोस. पुं० (-घोष) સુન્દર શબ્દ; શ્રેષ્ઠ ગર્જના. सुंदर शब्द. श्रेष्ठ गर्जना. sweet voice; a loud roar. कप्प० ३, ३३; —भासि. त्रि० (-भाषिन्) મીઠું મીઠું બોલનાર. मीठा मीठा बोलने वाला. speaking sweetly. जं० प० ३,५२; —चित्त. न० (-चित्र) સુંદર ચિત્ર. सुंदर चित्र. a beautiful picture. कप्प० २,१३; —रूव न० (-रूप) સુંદર રૂપ; શ્રેષ્ઠ આકૃતિ. सुंदर रूप. श्रेष्ठ आकृति. beautiful form. जं० प० ३, ६०; कप्प० ३, ३८; —वेसा स्त्री० (- वेषा) મનોહર છે વેષ જેનો એવી (સ્ત્રી). ऐसी (स्त्री) जिसका पहिनाव मनोहर है. a woman with beautiful dress. भग० १, १०; ६, ३३; ११, ९; विवा० २ —हार पुं० (-हार) સુંદર હાર. सुंदर हार. a beautiful garland. "सहकार चारुहारो" नाया० ६;

चारुपव्वय. पुं० (चारुपर्वत) એ નામનો એક પહાડ. इस नाम का एक पहाड. Name of a mountain. नाया० ८;

चारुरू पुं० (चारूरु) ત્રીજા સંભવનાથ તીર્થંકરના પ્રથમ ગણધરનું નામ. तृतीय संभवनाथ तीर्थंकर के प्रथम गणधर का नाम. The name of the first Gaṇadhara of the third Tirthaṅkara Sambhavanātha. सम० प० २३३;

चारुवंस पुं० (चारुवंश) ચારુવંશ નામે વનસ્પતિ વિશેષ. चारुवंश नामक वनस्पति विशेष. A kind of vegetation. भग० २१, ४;

चारेयव्व. त्रि० (चारयितव्य) કથનદ્વારા સમ્યગ્પ્રકારે સંચાર કરાવવો તે. कथनद्वारा सम्यग् प्रकार से संचार कराना. Proper propounding by means of narration. भग० ६, ३३;

चारोववन्नग. त्रि० (चारोपपन्नक) ચાર ગતિ યુક્ત જ્યોતીશ્ચક્ર ક્ષેત્ર-તેમાં ઉત્પન્ન થયેલ જ્યોતીષી દેવતા. चार-गति युक्त ज्योतिश्चक्र क्षेत्र-उसमें उत्पन्न होनेवाले ज्योतिषी देव. A region of gods known as Jyotischakra where the Jyotisī gods live in four states. ठा० २, ३;

चालण. न० (चालन) સમાધાન કરવાને શંકા કરવી તે; તર્કવિતર્ક. समाधान करने को शंका करना; तर्कवितर्क. Questions and doubts.

चालण्य. पुं० (चालक) ચાળણી. चलनी. A sieve. वव० ६, ४४; विशे० १००७; (२) સ્થાનાંતરે લઈ જવું તે. स्थानांतर को ले जाना. removal. पराह० २, ३;

चालणी. स्त्री० (चालनी) ધાન્ય ચાળવાની ચાળણી. धान्य को साफ करनेकी चलनी. A sieve. विशे० १४५४; नंदी० स्थ० ४४; संथा० ८५;

चालिय. त्रि० (चालित) ચલાયમાન કરેલું. ચાલેલ. चलायमान किया हुआ; चला हुआ. Moved. राय० १२८;

चाली. स्त्री० (चाली) એક જાતનું વાદ્ય-વાજીંત્ર. एक जाति का वाद्य-वाजिंत्र-बाजा. A kind of musical instrument. राय० ८६;

चाली. स्त्री० (चत्वारिंशत्) ચાલીસ; ४०. चालीस. Forty; 40. उवा० १०, २७७;

चालीस. स्त्री० (चत्वारिंशत्) ચાલીસ. चालीस. Forty. सू० प० १;

चाव. पुं० (चाप) ધનુષ. धनुष्य. A bow. ओव० १०; जीवा० ३, ३; राय० १३०;

उवा० २, १०१; जं० प० ३, ६७;

चाविस. त्रि० (च्यावित) પ્રાણથી ભ્રષ્ટ કરવામાં આવેલ; મારી નાખેલ. प्राण से भ्रष्ट किया गया हुआ; मार डाला हुआ. Destroyed; killed. अणुजो० १६;

चावेयव्व. त्रि० (चर्वयितव्य) ચર્વણ કરવા યોગ્ય–ચાવવા લાયક. चर्वण करने योग्य; चाबने के लायक. Worthy of being chewed. उत्त० १६, ३८; नाया० १; भग० ६, ३३;

चावोण्णत. पुं० (चापोन्नत) ચાપોન્નત નામે અગીયારમા દેવલોકનું એક વિમાન, એના દેવતાની સ્થિતિ એકવીસ સાગરોપમની છે. એ દેવતા એકવીશમે પખવાડીયે શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, અને એકવીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. चापोन्नत नामक ग्यारहवें देवलोक का एक विमान, इसके देवताओं की स्थिति इक्कीस सागरोपम की है, यह देवता इक्कीसवें पक्ष में श्वासोच्छ्वास लेता है और उसे इक्कीस हजार वर्ष में क्षुधा लगती है. An abode of gods in the 11th region of gods. The god of this abode lives for 21 Sāgaropamas, breathes once in 21 fort-nights and feels hungry after every 21 thousand years. सम० २१;

चास. पुं० (चाष) ચાષ; બપૈયો. चाष पक्षी. A kind of bird. उत्त० ३४, ५; ओघ० नि० भा० ८४; पण्ह० १, १; जीवा० ३, ४; पन्न० १; राय० ५१;

चिअ. त्रि० (चित) ઈંટ પાણા વિગેરેથી ચણેલું. ईंट, पत्थर इत्यादि से बनाया हुआ. Piled with bricks etc. अणुजो० १३३;

चिअगा. स्त्री० (चिता). ચિતા; ચે. चिता. A funeral pyre. जं० प०

***चिअत्त.** न० (*) મનનો પ્રેમ. मन का प्रेम. Inner love. जं० प० २, ३१; दस० ५, १, १७;

चिआअ. पुं० (त्याग) પરિગ્રહનો ત્યાગ. परिग्रह का त्याग. Giving up of worldly possessions. (२) સુપાત્રમાં આહારાદિક આપવા તે; દાન. सुपात्र में आहारादिक का दान देना वह. right charity; charity or alms to the deserving persons. सम० १०;

चिइ. स्त्री० (चिति) કાષ્ટની ચિતા; ચેહ. काष्ट की चिता. A funeral pyre. (२) ચૈત્ય; ચિતા ઉપર કરેલ સ્મારક ચિન્હ. चैत्य; चिता के ऊपर किया हुआ स्मारक चिन्ह. A sign or mark erected on the spot where a person is burnt after death. पंचा० १, ४२;

चिइगा. स्त्री० (चितिका) જુઓ "चिइ" શબ્દ. देखो "चिइ" शब्द. Vide "चिइ" जं० प० २, ३३;

चिउर. पुं० (चिकुर) જેમાંથી પીળો રંગ થાય તેવું એક દ્રવ્ય–પદાર્થ. जिस में से पीला रंग निकले ऐसा एक द्रव्य–पदार्थ. A kind of substance from which yellow colour is extracted. नाया० १; जीवा० ३, ४; पन्न० १७; राय० ३३;

*** चिचइअ.** त्रि० (*) મંડેલું; શણગારેલું. Adorned. सु० च० ४, ३०८;

***चिंचा.** स्त्री० (चिञ्चा) આંબલી; આંબલીનું વૃક્ષ. इमली; इमली का वृक्ष. A tama-

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

rind tree. आया० २, १, ४३; (२) घासनो બનાવટી પુરૂષ; ઓડો. घांस का कृत्रिम पुरुष. an artificial man made of hay. सु० च० ४, २८४; —छिवा. स्त्री० (-छिवा) આંબલીની કાંબ. एक प्रकार की इमली की (बंगडी) चूड़ी. a bangle made of tamarind wood. विवा० ६;

चिंचिणिआ स्त्री० (*) આંબલીનું વૃક્ષ. इमली का वृक्ष. A tamarind tree. ओघ० नि० २६;

√चिंत. धा० I, II. (चिन्त) ચિન્તવવું; આલોચવું; વિચારવું. चिन्तवन करना विचार करना. To meditate; to think over.

चिंतइ. नाया० ३;
चिंतेइ. दसा० ६, १५;
चिंतमि. पन्न० ११;
चिंतिज्ज. वि० उत्त० २६, ३६;
चिंतिऊण. सं० कृ० विशे० १६१; सु० च० १,५५;
चिंतिउं. हे० कृ० सु० च० २, ३४६;
चिंतंत. व० कृ० ओघ० नि० ६४८; सु० च० १, २६४;
चिंतिज्जइ. क० वा० सु० च० २, ४५०;
चिंतिज्जमाण. क० वा० व० कृ० नाया० ६;
चिंतिज्जंत. क० वा० व० कृ० पंचा० १८;

चिंतग. त्रि० (चिन्त) ચિંતવનાર. चिंतवन करनेवाला. (One) who meditates or thinks over. गच्छा० १२४;

चिंतण. न० (चिन्तन) વિચારવું, ચિંતવન કરવું તે. विचारना; चिंतवन करना. Contemplation. पंचा० १, ४५;

चिंतणा. न० (चिन्तन) ચિંતવન કરવું; चिंतवन करना. Contemplation. अणुत्त० १, १;

चिंतन. न० (चिन्तन) મનમાં વિચાર કરવો તે. मनमें विचार करना. Contemplation. आव० १, १;

चिंतय. पुं० (चिन्तक) વિચાર કરનાર. विचार करनेवाला. One who contemplates. नाया० ५; ८;

चिंता. स्त्री० (चिन्ता) ચિંતા; ફિકર; મનની વ્યગ્રતા. चिंता; मनकी व्यग्रता. Distraction of mind; anxiety. आव० २१; सूय० १, १, २, २४; अणुजो० १३९; भग० ३, २; नाया० १; १२; १६; नंदी० ३१; पंचा० ७, २८; उवा० १०, २७५; राय० २५३; —आउर. त्रि० (-आतुर) ચિંતામાં ગરક થયેલો; चिंताग्रस्त. anxious; distracted. सु० च० ४, २००;

चिंतावर. त्रि० (चिन्तापर-चिन्तनं चिन्ता सैव परमा प्रधाना यस्य असौ चिन्तापरः) ફીકરમાં તત્પર; ચિન્તાવાળો. चिन्ता युक्त. Anxious. उत्त० १४, २२; —सुमिण. न० (-स्वप्न) ચિન્તાથી સ્વપ્નું આવવું તે. चिन्ता से स्वप्न दर्शन करना. dream through anxiety. भग० १६, ४; —सोगसागर. पुं० (-शोकसागर) ચિન્તા રૂપ શોકનો સમુદ્ર. चिन्ता रूप शोक का समुद्र. the ocean in the form of anxieties. निसी० ८, ११;

चिन्तामणि. पुं. (चिन्तामणि) સર્વ ઇચ્છા પૂર્ણ કરનાર મણિ; ચિન્તામણિ રત્ન. सर्व इच्छाओं को पूर्ण करने वाला मणि; चिन्तामणि रत्न. A wish-fulfilling gem

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

पंचा० ३, ४६; मत्त० १६७;

चिंतिय-अ. त्रि० (चिन्तित) ચિન્તવેલું चिन्तन किया हुआ. Contemplated. जं० प० ३, ५३; ओव० ३३; भग० २, १; ३, २; ६, ३३; नाया० १; १२; १३; १४; १६; अंत० ३, ८; कप्प० २, १६; ४, ८६; उवा० १, ६६; राय० २४;

चिंध. न० (चिन्ह) ચિન્હ; લક્ષણ; નિશાની. चिन्ह; लक्षण; निशान. Symbol; insignia; mark. ओव० २२; नाया० ८; १६; भग० ७, ६; सु० च० १, ३३; २, ६१२; विशे० २०६०; पंचा० १५, ४६; प्रव० १६६; पन्न० २; जं० प० —**झया.** स्त्री० (-ध्वजा) ચિન્હવાળી ધ્વજા. चिन्ह युक्त ध्वजा. a flag bearing a symbol. नाया० १६; —**पट्ट.** पुं० (-पट्ट) ચાંદ; ખાસ ઓળખવાની નિશાની વાળો પટ્ટો. चांद; बिल्ला; खास पहिचान करने के चिन्ह वाला . medal, sign; mark. नाया० १; राय० २०४; पगह० १, ३; —**पुरिस.** पुं० (-पुरुष) દાઢી-મૂછવાળો પુરુષ; પુરૂષના ચિન્હવાળો પુરુષ. दाढी-मूछ वाला पुरुष; पुरुष के चिन्ह वाला पुरुष. a person having the marks of a man viz. beard, mustaches etc. ठा० ३; १;

चिक्कण. त्रि० (चिक्कण) ચિકાશવાળું. चिकनाई वाला. Sticky. भग० ६, १; १६, ४; दस० ६, ६६; तंदु० पगह० १, १; पिं० नि० ६६;

***चिक्खल्ल.** न० (चिखल-कर्दम) કીચડ; કાદવ. कीचड़. Mud. अणुजा० १३१; सूय० २, २, ६६; ओघ० नि० ७३६; पगह० १, १; ३; पन्न० २; दसा० ६, १;

***चिक्खिल.** पुं० (*) પગ ખુડે તેટલા કાદવવાળો માર્ગ. पैर गड जांय उतने कीचड वाला मार्ग. The path having some mud. भग० ८, ६; ओव० २१; सम० ११; ओघ० नि० भा० ३३; पगह० १, ३;

√ **चिगिच्छ.** धा० I. (कित्) ચિકિત્સા કરવી; રોગની પરીક્ષા કરવી. चिकित्सा करना; रोग की परीक्षा करना. To diagonise.

चिगिच्छइ. उत्त० १६, ७६;

चिच्चिका. स्त्री० (चिच्चिका) વાદ્ય વિશેષ. वाद्य विशेष. A kind of musical instrument. नाया० ८८;

√ **चिट्ठ.** धा० I, II. (स्था-तिष्ठ) ઉભા રહેવું; સ્થિતિ કરવી. खड़ा होना; स्थित होना. To stand; to stay.

चिट्ठइ. भग० १, १; २, १; १०; नाया० १; ६; १४; १६; उत्त० १०, २; सूय० १, १, ४, ८, ओव० १६, ४२; सु० च० २, ४२५; जं० प० १, २३;

चिट्ठंति. नाया० १; ४; ११; १५; १७; भग० ३, १; ५, ३; १८, ३; पन्न० २; सू० प० १८; जं० प० ५, ११३; ११२;

चिट्ठसि. नाया० १;

चिट्ठामि. भग० २, १;

चिट्ठामो. नाया० ८; १६; सूय० २, ७, १५;

चिट्ठे. वि० उत्त० १, १६; दस० ४, ८; ओघ० नि० ६;

चिट्ठिज्जा. वि० भग० ११, १०, दस० ८, ११;

चिट्ठेज्ज. वि० पन्न० ३६;

चिट्ठेज्जा. वि० भग० ३, ५, १५, १; दस० ४;

चिट्ठ. आ० दस० ७, ४७; ८, १३;

चिट्ठह. आ० विवा० १; नाया० ३, ८; ८;

---

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

१५; १६; राय० २५१;

चिट्ठेह. श्रा० नाया० ८;

चिट्ठिस्सामि. वव० ४, १८; नाया० १६;

चिट्ठिस्सामो. नाया० ६; भग० १०, ३;

चिट्ठंतु. नाया० १६;

चिट्ठित्तए. हे० कृ० भग० ५, ४; ७, १०; १३, ४, १७, २; वेय० १, १६; ३, १;

चिट्ठइत्तए. हे० कृ० नाया० १;

चिट्ठत. व० कृ० भग० १, १; २, १;

चिट्ठेट्ठमाण. व० कृ० भग० १, ३; ३, ३; उत्त० २, २१; दस० ४, २, ५, १, २७; पंचा० १, ५०;

चिठ्ठज्जाह क० वा० श्रा० नाया० ६;

चिट्ठं. श्र० (भृशम्) घणुं; અત્યંત. बहुत; अत्यंत. Very; much. नाया० १, ४, २, १३२;

चिट्ठण. न० (स्थान) ઉભા રહેવું તે. उपस्थित होना. The act of standing. प्रव० १४६;

चिट्ठा. स्त्री० (चेष्टा) હાથ વગેરેની ચેષ્ટા કરવી તે. हाथ इत्यादिक से चेष्टा करना. Gestures by means of hands etc. भग० ७, ६; पिं० नि० २२२; विशे० १७५

चिट्ठिश्र-य. न० (चेष्टित) ચેષ્ટા; સવિકાર અંગ પ્રત્યંગ મરડવાં-કરવાં તે. चेष्टा; सविकार अंग प्रत्यंग मरोड़ना इत्यादि. Gestures of the body. भग० ६, ३३; जीवा० ३, ३; नाया० १; जं० प०

चिट्ठित. न० (चेष्टित) જુઓ "चिट्ठिश्र" શબ્દ. देखो "चिट्ठिश्र" शब्द. Vide "चिट्ठिश्र" सू० प० २०;

चिट्ठितव्व. न० (स्थातव्य) ઉભા રહેવું જોઇએ. खड़ं रहना चाहिये. Ought to stand. भग० १८, २; नाया० ६;

चिट्ठिय. त्रि० (स्थित) સ્થિર રહેલ. स्थिर रहा हुआ. Steady; firm. विशे० २०६८;

चिट्ठित्तार. त्रि० (स्थातृ) ઉભો રહેનાર. खड़ा रहने वाला. (One) who stands. सम० ३३; दसा० २, ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९; ३, ३२; ३३;

चिडक. पुं० (चटक) ચકલો. एक जाति का पक्षी. A kind of bird. पगह० १, १;

चिडगा स्त्री० (चटका) ચકલી; ચીડી. चिड़िया. A sparrow. पन्न० १;

√ **चिण.** धा० I. (चिन्) એકઠું કરવું; સંગ્રહ કરવો. एकत्र करना; संग्रह करना. To collect.

चिणाति-इ. पिं० नि० ६६;

चिणइ. उत्त० ३२, ३३; भग० १, ७;

चिणंति. भग० २, ५; पन्न० १४; ठा० २, ४; ४, १;

चिणिस्संति. ठा० ४, १;

चिणसु. सु० च० ८, २२८;

चिणिसु. पन्न० १४; ठा० ४, १,

चिज्जन्ति. भग० ६, ३; १६, ३; २५, २;

चिएण. त्रि० (चीर्ण) ગ્રહણ કરેલું; એકઠું કરેલ ग्रहण किया हुआ; एकत्रित किया हुआ. Accepted; collected. भग० १६, ३; पंचा० १६, ४६;

चिणण. त्रि० (चैन्य) ચીનદેશમાં ઉત્પન્ન થયેલ. चीन देश में उत्पन्न जो हुआ है वह. Born or produced in China country. निसी० ७, ११;

चिण्ह. न० (चिन्ह) નિશાન; ચિન્હ. निशान; चिन्ह. Mark; sign; symptom. नाया० १; —पट्ट. त्रि० (-पट्ट) ચાંદ; ખાસ નિશાની યુક્ત પટ્ટા વાલો. चांद; विशेष निशानी युक्त; पट्टे वाला. a badge bearing a special mark. नाया० १;

चिति. स्त्री० (चिति) ચિતા; ચેહ. चिता. Funeral pyre. पगह० १, १;

चिति. स्त्री० (चैत्य) ચિતા ઉપરનું સ્મારક.

चिता के ऊपर का स्मारक. A memorial on the funeral pyre. पंचा० २, १६; ८, ३२;

चितिय. न० (चैत्य) જુઓ "चित्ति" શબ્દ. देखो "चित्ति" शब्द. Vide "चित्ति" राय० २१६; **—मह.** पुं० (-मह) ચૈત્ય-મહોત્સવ. चैत्य महोत्सव. a ceremony concerning the memorial on a funeral pyre. राय० २१६;

√ **चित्त.** धा० I. (चित्र्) ચિત્ર કરવા; ચિતરવું. चित्र खींचना. To picture; to portray.

चित्तेइ. नाया० ८;

चित्तेह. आ० नाया० ८;

चित्तेत्ता. सं० कृ० नाया० ८;

चित्त. न० (चित्त) ચિત્ત; અંતઃકરણ; મન. चित्त; मन; अन्तःकरण. Mind; heart. अणुजो० ३७; सूय० १, १, २, २९; सम० १०; उत्त० ८, १८; ओव० ११; भग० २, १; ३, १; नंदी० स्थ० १३; राय० २१; पन्न० २; दसा० ४, २६; २७; नाया० १; नाया० ध० विशे० १८३; पंचा० १, १७; भत्त० १५४; (२) पुं० ચિત્ત નામના મુનિ કે જેણે બ્રહ્મદત્ત ચક્રવર્તીની સાથે ભાઈ રૂપે કેટલા એક સાથે ભવ કર્યા હતા પૂર્વભવની પ્રીતિથી ચિત્તમુનિ થયા પછી બ્રહ્મદત્તને સમજાવવા ઘણી કોશીશ કરી પણ વિષયલુબ્ધ બ્રહ્મદત્તને બોધ ન લાગ્યો. चित्त नामक मुनि जिन्होंने कि ब्रह्मदत्त चक्रवर्ति के साथ साथ भ्राताके रूप में कितने ही भव धारण किये थे चित्तने मुनि होनेके पश्चात् पूर्वभवोंकी प्रीति के कारण ब्रह्मदत्त को समझानेकी बहुत कोशिश की परंतु विषयलुब्ध ब्रह्मदत्त बोध को प्राप्त न हुआ. a saint of the name of Chitta who incarnated several times with the paramount sovereign Brahmadatta in the capacity of a brother. Chitta Muni's attempts at enlightening the pleasure-loving Brahmadatta proved fruitless. उत्त० १३,२; ६; (३) પરદેશી રાજાનો સારથી કે જે રાજાના મોટા ભાઈ થતા હતા અને જેણે પરદેશી રાજાને કેશીસ્વામી દ્વારા ધર્મ પમાડ્યો તેનું નામ. प्रदेशी राजा के सारथी जो कि रिश्ते में राजा के बड़े भाई थे और जिसने प्रदेशी राजा को केशी स्वामी द्वारा धर्म दिलाया-धारण कराया. the charioteer of king Pradeśi and also his elder brother. He initiated king Pradeśi into religion through Keśiswāmi. भग० १८, २; १०; राय० २०९; निर० १, १; (४) જીવ; ચેતન. जीव; चेतन. life; soul; vitality. पन्न० २८; (५) જ્ઞાન. ज्ञान. knowledge. दसा० ४, ६९; **—अणुय.** त्रि० (-अनुग) બીજાના-આચાર્યના ચિત્તને અનુસરી વર્તનાર; સ્વચ્છન્દચારી નહિ તે. आचार्य के चित्त को अनुसरता हुवा जो आचरण करता है वह; स्वच्छंदाचारी नहीं है वह. (one) who acts according to the mind or tendency of a preceptor. उत्त० १, १३; **—चमक.** न० (-चमत्कृति) ચિત્તનો ચમત્કાર; મનમાં આશ્ચર્ય ઉપજે તે. चित्त का चमत्कार; चित्त में आश्चर्य उत्पन्न होना. extra-ordinary things of mind. गच्छा० ७४; **—णास.** पुं० (-न्यास) મનનો ન્યાસ; ધ્યાન આપવું; વિચારવું તે. चित्त का न्यास; ध्यान देना; विचार करना. meditation; contemplation. पंचा० १, ४६; **—थेज्ज.** न० (-स्थैर्य) મનની

स्थिरता. चित्त की स्थिरता. calmness or peace of mind. पंचा० २, ७; —वड्ढण. त्रि० (-वर्धन) चित्त-ज्ञानने वधारनार. चित्त-ज्ञान में वृद्धि करनेवाला. (one) who adds to the knowledge. दसा० ६, ३१; —विरणास. पुं० (-विन्यास) मननो विन्यास-स्थिर चित्ते चिन्तववुं ते. चित्त का विन्यास-स्थिर चित्त से चिन्तवन करना. meditation with calmness of mind. पंचा० १, ४७; —विब्भम. पुं० (-विभ्रम) चित्तविभ्रम; घेलछा. चित्तविभ्रम; पागलपन. derangement of mind; insanity; madness. ओघ० नि० ६८८; —संभूय. पुं० (-संभूत) चित्त अने संभूत-नामना बे मुनि. चित्त व संभूत-नाम के दो मुनि. two sages named Chitta and Sambhūta. उत्त० १३,३; —समाहिअ. त्रि० (-समाहित) चित्त (ज्ञान) मां सावधान. चित्त (ज्ञान) में सावधान. attentive or awake to knowledge. दस० १०, १, १; —समाहित्थाण न० (-समाधिस्थान) चित्तनी समाधिनुं स्थान. चित्त की समाधि का स्थान. a place for abstract contemplation or devout meditation. दसा० ५, १; २; ३; १६;

चित्त. न० (चित्र) चितरामण; छबी; फोटो; चित्र. चित्रकाम; चित्र; तस्वीर. Picture; portrait. नाया० १; भग० १४, ६; अणुजो० १०; पन्न० २; राय० ४३; श्रोव० सू० प० २०; विशे० ४६०; विवा० ६; निसी० ५, ३१; तंदु० (२) त्रि० विचित्र; नाना प्रकारनुं. विचित्र; विविध प्रकार का. varied; wonderful; several; distinct. कप्प० ३, ४२; गच्छा० ११२; पंचा० ४, २; भग० १६, ६; उत्त० ६, ११; ३०, १०; राय० ८१; विशे० ३८७; (३) पुं० चित्तरो; एक जंगली मांसाहारी पशु. चीता; एक जंगली मांसाहारी पशु. leopard; a carnivorous or flesh-eating beast. आया० २, १, ५, २७; नाया० ८; (४) आश्चर्यकारी; नवाइ जेवुं. आश्चर्यकारक wonderful; uncommon. पन्न० २; कप्प० ३, ३७; पंचा० ५, २; (५) चित्र नामनो एक पर्वत. चित्र नामक एक पर्वत a mountain called Chitra. भग० १४, ८; (६) वेणुदेव अने वेणुदालि इंद्रना लोकपालनुं नाम. वेणुदेव व वेणुदालि इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of the god of Veṇudeva and Veṇudāli Indra. ठा० ४; १; (७) भूतानेन्द्रना प्रथम लोकपालनुं नाम. भूतानेंद्र के प्रथम लोकपाल का नाम. name of the first Lokapāla of Bhūtānendra. भग० ३, ८;१०,५; —कम्म. न० (-कर्मन्) चित्रनुं (चीतरवानुं) काम. चित्र-काम. a pictorial work. आया० २, १२, १७१; भग० ११, ११; नाया० १; १३; पिं० नि० भा० ७; पिं० नि० ४४६; निसी० १२, २०. कप्प० ३, ३२; —कार पुं० (-कार) चित्र करनार; चितारो. चित्रकार. painter; draftsman. अणुजो० १३१; —घरग. न० (-गृह-क) चितरेलुं घर; रंगीन घर. चित्रकाम से सुसज्जित गृह; रंगीत गृह. a house beautified or adorned with painting or pictures. उत्त० ३५, ४; राय० १३६; —ताण. पुं० (-तान) चित्र विचित्र ताणो-वस्त्रनो लांबो तंतु चित्र विचित्र धागा-वस्त्र का लंबा तंतु. a variagated or parti-coloured thread; a long

thread of a cloth. भग० ११, ११; —दंड. पुं० (-दण्ड) रंगेली લાકડી. रंगी हुई लकड़ी. a painted stick. भग० ६; ३३; —पत्तअ. पुं० (-पत्रक) ચિત્રપત્રક; ચિત્રવિચિત્ર પાંખવાળો ચોઇંદ્રિય જીવ વિશેષ. चित्रपत्रक; विचित्र पांखवाला चतुरिन्द्रिय जीव विशेष. a kind of four-sensed living-being with parti-coloured wings. उत्त० ३६, १४७; —पयजुय. त्रि० (-पदयुक्त) વિચિત્ર પદવાળું. पदयुक्त; विचित्र पदवाला. (one) possessed of wonderful feet. पंचा० १४, ३६; —प्पहार. पुं० (-प्रहार) ચાબખા વગેરેનો વિચિત્ર પ્રહાર-માર. चाबुक इत्यादि का विचित्र प्रहार-मार. a wonderful stroke or blow of a lash etc. नाया० १७, —फलग. न० (-फलक) ચિત્રનું પાટીયું. चित्र का तख्ता. a painting-board or sheet "चित्तफलग हत्थगए" भग० १५, १; नाया० ८; —भित्ति. स्त्री० (-भित्ति) ચિતરેલ ભીંત. चित्र से सज्जित भींत. a pictured wall. दस० ८, ५५; —माणंदिय. त्रि० (-आनन्दित) જેનું ચિત્ત આનન્દવાળું છે તે; પ્રસન્ન મનવાળું. जिसका चित्त आनंदयुक्त हो ऐसा; प्रसन्न चित्त. (one) possessed of jolly or gay mind. नाया० १; जं० प० ३, ४३; —माला. स्त्री० (-माला) વિચિત્ર માલા. विचित्र माला. a variagated garland. "सोहंत विकसंतचित्तमाला" दसा० १०, १; —रयण. न० (-रत्न) ચિત્રરત્ન-વિવિધ જાતના રત્નો. चित्ररत्न-विविध जाति के रत्न. various kinds of jewels. भग० ६, ३३; —रयहरण. न० (-रजोहरण) ચિત્ર વિચિત્ર રજોહરણ. चित्र विचित्र रजोहरण. a wonderful broom-stick. गच्छा० १२१; —रूव. न० (-रूप) વિચિત્ર રૂપ. विचित्र रूप. a wonderful appearance or form. गच्छा० ११२; —विचित्तपक्खग. पुं० (-विचित्रपक्षक) ચિત્ર વિચિત્ર પાંખવાળો; કોયલો. चित्र विचित्र पंखवाला. (one) possessed of parti-coloured wings भग० १६, ६; —वीणा. स्त्री० (-वीणा) વિચિત્ર વીણા-સતાર. विचित्र वीना (वीणा) सितार. a wonderful guitar with six strings. राय० ८८; —सभा. स्त्री० (-सभा) ચિત્રવાળી-આશ્ચર્યકારી સભા. चित्रयुक्त-आश्चर्यकारक सभा an extra-ordinary meeting. पिं० नि० ८०; नाया० ८, १३; —साला. स्त्री० (-शाला) ચિત્રામણ શિખવાની શાલા; ચિત્રશાલા. चित्रकाम सीखने की शाला; चित्रशाला. a school of arts or painting. जीवा० ३, ३;

चित्त. पुं० न० (चैत्र) ચૈત્ર મહિનો. चैत्र मास. Name of a Hindoo month called Chaitra. उत्त० २६, १३; नाया० ५; भग० ११, ११; ओघ० नि० २८३; जं० प० २, ३३; ५. ११५; ५, १२०; कप्प० ४, ६६; ७, २०८;

चित्तउत्त. पुं० (चित्रगुप्त) ચિત્રગુપ્ત જમ્બૂ દ્વીપના ભરતખંડમાં થનાર ૧૬મા તીર્થંકર. चित्रगुप्त-जम्बूद्वीप के भरत खंड में होने वाले १६ वें तीर्थंकर. The 16th would-be Tirthaṅkara in Bharata Khaṇḍa of Jambu Dvipa. सम० प० २४१;

चित्तंग. पुं० (चित्रांग) રંગ બેરંગી ફુલ આપનાર-કલ્પ વૃક્ષ. विविध रंग के फूल देनेवाला-कल्पवृक्ष. (One) yielding

flowers of various colours; a desire-yielding tree. सम० १०; ठा० ७, १; जीवा० ३, ३; प्रव०१०८१; (२) ચિતરાની એક જાત; હિંસક પશુની એક જાત. एक जाति का चीता; हिंसक पशु की एक जाति. a kind of leopard; a kind of flesh-eating beast. पन्न० १;

चित्तकट्टर. न० (*) સુંડલાનું નીચલું તળીયું (ચિત્ત-સુંડલો-કટ્ટર-કટકો). टोकरी के नीचे का तला; चित्त-टोकरी-कट्टर-टुकडा. Lower part of a basket. अणुत्त० ३, १;

चित्तकणगा स्त्री० (चित्रकनका) વિદિશાના રૂચક પર્વત ઉપર રહેનારી ચાર દિશાકુમારીકામાંની બીજી. विदिशा के उपर रहने वाली चार दिशाकुमारी में से दूसरी. The second of the four Diśākumārīs living on the mountain called Ruchaka of Vidiśā. जं० प० ५, ११४; (२) ભગવન્તના જન્મ સમયે દીવી લઈને ઉભી રહેની એક વિદ્યુત્કુમારી. भगवन्त के जन्म समय पर दीपिका लेकर खडी रहने वाली एक विद्युत्कुमारी. a Vidyutkumārī standing or waiting with a torch at the time of Tīrthaṅkara's birth. ठा० ८, १;

चित्तकूड. पुं० (चित्रकूट) કચ્છ વિજયની પૂર્વ સરહદ ઉપરનો વખારો પર્વત. कच्छ विजय की पूर्व सरहद के ऊपर का वखारा पर्वत. A Vakhārā mountain on the eastern boundary of Kachha Vijaya. जं० प० ६, १२५; (२) દેવકુરુ ક્ષેત્રમાં નિષધ પર્વતથી ૮૩૪ જોજનને સાતીયા ચાર ભાગ ઉત્તરે સીતા નદી ને પૂર્વ કાંઠે આવેલ એક પર્વત. देवकुरु क्षेत्र में निषध पर्वत से ८३४ योजन व सातीया चार भाग उत्तर में सीता नदी के पूर्व किनारे पर आया हुआ एक पर्वत a mountain on the eastern bank of the Sītā river and in the north at a distance of 834 Yojanas from the Niśadha mountain in Devakuru Kśetra. जं० प० (३) જમ્બૂ દ્વીપના મેરૂથી પૂર્વ દિશામાં પહેલી સીતા મહાનદીના ઉત્તર કાંઠા ઉપરનો એક વખારા પર્વત. जम्बू द्वीप के मेरु से पूर्व दिशा में पहिली सीता महानदी के उत्तर किनार ऊपर का एक वखारा पर्वत. a Vakhārā mountain on the northern bank of the first great river Sītā in the east of Meru mountain of Jambu Dvipa. ठा० ४, २;

चित्तग पुं० (चित्रक) ચિતરો; પશુ વિશેષ. चीता; पशु विशेष. A leopard; a kind of brute. जं० प०

चित्तगर पुं० (चित्रकर) ચિતારો ચિત્રકરનાર. चित्रकार. A painter. नाया० ८; —दारय. पुं० (—दारक) ચિતારાનો પુત્ર. चित्रकार का पुत्र a painter's son. नाया० ८; —लद्धि. स्त्री० (—लब्धि) ચિત્ર આલેખવાની શક્તિ. चित्र का आलेखन करने की शक्ति. power or capacity

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

of drawing picture. नाया० ८; —सेणि. स्त्री० (-श्रेणी) ચિતારાઓની પંક્તિ. चित्रकारों की पंक्ति. a line of painters. नाया० ८; —चित्तगुत्त. पुं० (-चित्रगुप्त) ચિત્રગુપ્ત નામે ભરત ક્ષેત્રમાં આવતી ચોવીસીમાં થનાર ૧૬મા તીર્થંકર. चित्रगुप्त नामक भरत क्षेत्र में आगामी चौवीसी में होने वाले १६ वें तीर्थंकर. Chitragupta, the 16th of the 24 would-be Tirthankaras of Bharat Ksetra. प्रव० २६६; ४७१;

चित्तगुत्ता. स्त्री० (चित्रगुप्ता) ચમરેન્દ્રના લોકપાલની ત્રીજી અગ્રમહિષી દેવી. चमरेंद्र के लोक पालकी तृतीय अग्रमाहिषी देवी. The principal queen of the 3rd Lokapāla of Chamarendra. ठा० ४, १; भग० १०, ४; (२) દક્ષિણ દિશાના રૂચક પર્વત પર વસનારી આઠ દિશાકુમારીકાઓમાંની સાતમી. दक्षिण दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली आठ दिशा कुमारी में से सातवीं. the seventh of the eight Disā Kumāris residing on the Ruchaka mountain of the southern direction. जं० प० ११४;

चित्तरण्णु. पुं० (चित्तज्ञ) મનને જાણનાર. मन को जाननेवाला. (One) who reads the heart. विशे० ६३७;

चित्तपक्ख. पुं० (चित्रपक्ष) વેણુદેવ અને વેણુદાલી ઇન્દ્રના લોકપાલનું નામ. वेणुदेव व वेणुदाली इन्द्र के लोक पाल का नाम. Name of the Lokapala of Veṇudeva and Veṇudālī Indra. ठा० ४, १; भग० ३, ८; (२) ચાર ઇન્દ્રિયવાળો એક જીવ. चार इन्द्रिय-वाला एक जीव. a four-sensed living being. पन्न० १;

चित्तमंत. त्रि० (चित्तवत्-चित्तं जविलक्षणं तदस्यास्ति) સચિત્ત; સજીવ વસ્તુ. सचित्त; सजीव वस्तु. A living being or thing. उत्त० २५. २४; सूय० १, १, १, २; आया० १, ५, २, १४८; सम० २१; दसा० २, १८; दस० ४; ६, १४; निसी० ७, २२;

चित्तरस. पुं० (चित्ररस-चित्रा विचित्रा रसा मधुराः संपद्यंते यस्मात्) વિચિત્ર રસના ભોજન-ખાદ્ય પદાર્થ આપનાર કલ્પવૃક્ષ. विचित्र रसयुक्त भोजन-खाद्य पदार्थ देनेवाला कल्पवृक्ष. A tree yielding eatables and diet of various tastes. प्रव० १०८१; सम० १०; ठा० ७, १; जीवा० ३, ३;

चित्तल. पुं० (चित्रक) જંગલી પશુ; ચિત્તરો. जंगली पशु; चीता. A wild beast; a leopard. जीवा० ३, ३; (२) त्रि० विचित्र રંગનું; કાબરચિત્રું. विचित्र रंगका; कबरा. variagated; parti-coloured. गच्छा० १२०; —अंग. त्रि० (-अङ्ग) કાબરચિત્રા અંગવાળું. कबरे अंगवाला. (one) having various colours. जं० प० २, ३६; भग० ७, ६;

चित्तलय. त्रि० (चित्रक) રંગ બેરંગી; અનેક રંગનું. विविध रंगका; अनेक रंगका. Of various colours. ओघ०नि०७३५;

चित्ताल. पुं० (चित्रालिन्) મુકુલિ સર્પ કે જે -ચિતળ- નામથી ઓળખાય છે. मुकुलिन सर्प कि जो-चितल- नाम से पहिचाना जाता है. A kind of serpent. पन्न० १;

चित्ता. स्त्री० (चित्रा) ચિત્રા નામનું નક્ષત્ર. चित्रा नामक नक्षत्र. A constellation of this name. " दो चित्ताओ " ठा०

२, ३; अणुजो० १३१; सम० १; ठा० १, १; नाया० १; सू० प० १०; कप्प० ६, १६६; (२) પહેલા દેવલોકના ઇંદ્ર-શક્રના લોકપાલ સોમની ત્રીજી પટ્ટરાણી. पहिले देवलोक के इन्द्र-शक्र के लोकपाल सोम की तृतीय पट्टरानी. the third principal queen of Soma, the Lokapāla of Śakra, the Indra of the first heavenly region. ठा० ४, १; भग० १०, ५; (३) ભગવંતના જન્મ વખતે દીવો લઇને ઉભી રહેનાર એક વિદ્યુત્કુમારી દેવી. भगवंत के जन्म समय दीपक लेकर उपस्थित रहनेवाली एक विद्युत्कुमारी. a heavenly damsel who stands with a lighted lamp held in a hand at the birth time of a Tīrthaṅkara. ठा० ४, १; (४) વિદિશાના રૂચક પર્વત ઉપર રહેનારી ચાર દિશા કુમારીમાંની પહેલી. विदिशा के रुचक पर्वत ऊपर रहने वाली चार दिशा कुमारी में से पहिली. the first of the four Disākumāris residing on the Ruchaka mount in an oblique direction. जं० प० ७, १५५; ५, ११४;

चित्तामूलय. पुं० (चित्रमूलक) તીખા રસવાળી એક જાતની વનસ્પતિ. तीक्ष्ण रसवाली एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation having pungent taste. पन्न० १७;

चित्तार. पुं० (चित्रकार) ચિતારો. चित्रकार; चितेरा. An artist; a painter. पन्न० १;

चित्ति. त्रि० (चित्रिन्) ચિત્રકાર; ચિતારો चित्रकार. An artist; a painter. क० गं० १, २३;

चित्तिय-य. त्रि० (चित्रित) ચિતરેલું. चित्र काम कियाहुआ. Pictured; painted. कप्प० ३, ३२; भत्त० १०६;—तल. न० (-तल) ચિતરેલું તળીયું. चित्र काम किया हुआ तला. a painted floor. कप्प० ३, ३२;

चिन्न. वि० (चीर्ण) આચરેલ; પાળેલ. आचरण किया हुआ; पाला हुआ. Adopted. सूय० १, ३, २, १८; पिं० नि० २१७; (२) જેમાં એક વખત જવાયું હોય તેવો પ્રદેશ. जिसमें एक बार जाना हुआ हो वह प्रदेश. the part of a country which is once visited. सू० प० १;

चिपिड. त्रि० (चिपिट) ચપટું. चपटा; बैठाहुआ. Flat. नाया० ८;

चिमिढ. त्रि० (*चिपिट) ચપટા નાકવાળું. बैठेहुए नाक वाला; चपटा. (One) having flat nose. "चीवाचिमिढनासाओ" नाया० १; ८; पिं० नि० ४१८;

चिय. त्रि० (चित) ઉપચય-વૃદ્ધિ પામેલ. उपचय-वृद्धिप्राप्त. Increased; risen. उत्त० १, ६; पिं० नि० ६०५;

चियगा. स्त्री० (चिता) ચિતા; ચે. चिता; A funeral pyre. राय० अंत० ३, ८;

*चियत्त. त्रि० (*) પ્રેમ ઉપજાવનાર; લોકપ્રિય. प्रेम उत्पन्न करनेवाला; लोकप्रिय. Liked by the public; popular. ओव० ४०; भग० २, ५; राय० २२५; दस० ५, १, १७;

चियत्त. त्रि० (त्यक्त) તજેલું; છોડેલું. त्याग कियाहुआ; छोड़ाहुआ. Abandoned.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ओव० १९; कप्प० ५, ११४; —देह. त्रि० (-देह—देहस्यक्रोधयचन्त्राद्यावरणाद्देहोयेन) तजेल छे देह (शरीर) नुं ममत्व (शुश्रूषादि जेणे एवुं. त्याग किया है देह (शरीर) के ममत्वको (शुश्रूषादि) जिसने ऐसा. (one) who has ceased from taking care of one's own body भग० १०, २; दसा० ७, १; वव० १०, १;

चिया स्त्री० (चिता) चिता; चेह. चिता; चेह. A funeral pyre. उत्त० १६, ५७; सु० च० १३ २४; सग० १, १;

चियाग. पुं० (त्याग) त्याग. त्याग. Abandonment. ठा० ५. १;

चियाय पुं० (त्याग) त्याग करवो ते. उपाधि का त्याग करना Abandoning. ठा० ५, १; नाया० १०;

चिर न० (चिर) लांबो वखत; घणो काल. लंबा समय; दीर्घ काल. Long time. ओव० ३८; भग० १, ६; ३, ७; नाया० १; २; ४; ८; —अणुगाढा. त्रि० (अनुगत) चिरकालथी अनुगत; सहचारी. चिरकाल से अनुगत—सहचारी of a long standing. भग० १४, ७; —अणुवत्ति. स्त्री० (-अनुवृत्ति) घणा वखतथी अनुकूल वृत्ति. बहुत समय से अनुकूल वृत्ति. favourable disposition from a long time. भग०१४, ७; —उव्वलण. न० (-उद्वलन) लांबा वखतनी उद्वलना-कर्मना रस उखेलवो ते. दीर्घ काल की उद्वलना-कर्म का उलझाव सुलझाना. forcing the Karma into maturity क० प० ७, ४२; —गय. त्रि० (-गत) घणा वखतथी गयेलुं. बहुत समय से गया हुआ. gone from a long time. नाया० १६; —झुसिय. त्रि० (-जुषित) चिरकालथी परिसेवित. चिरकाल से परिसेवित. practised from a long time. भग० १४, ७; —ठिइ. स्त्री० (-स्थिति) घणा वखत सुधी स्थिति; लांबुं आयुष. बहुत समय तक स्थिति; दीर्घायुष. long duration of life. भग० २, ५; क० प० ४, ३८; —त्थमिअ. त्रि० (-अस्तमित) घणा वखतथी अदृश्य थयेलुं. बहुत समय से जो अदृश्य हुआ है वह. invisible from a long time. नाया० ८; —ट्ठिअ त्रि० (-स्थित) घणा काल रहेलुं. बहुत समय तक रहा हुआ. long lived. दसा० १०, ३; —परिचिअ. त्रि० (-परिचित) लांबा वखतथी परिचय वाळुं. बहुत समयसे परिचय वाला. familiar from a long time. भग० १४,७; —राय. न० (-रात्र) घणो वखत; लांबो काळ; जावज्जीव सुधी. बहुत समय; दीर्घ काल. for a long time; up to death. आया० १, ६, ३, १८५; सूय० १, २, ३, ६; —संथुत. त्रि० (-संस्तुत) लांबा वखत स्तुति करायलुं. बहुत समय से स्तुति किया हुआ. praised from a long time. भग० १४, ७; —संसिट्ठ. त्रि० (-संसृष्ट) घणा वखतथी मळेलुं-संबंधमां आवेलुं. बहुत समय से मिला हुआ-संबंध में आया हुआ. in contact from a long time. भग० १४: ७;

चिराइअ. त्रि० (चिरादिक) घणालांबा वखतथी जेनी शरुआत होय ते. बहुत दीर्घ काल से जिसका प्रारंभ हो वह. (Something) begun from a long time. ओव०

चिराईय. त्रि० (चिरातीत) घणो पुरातनी; बहु प्राचीन. बहुत पुरातन, अति प्राचीन. Very old; भग० १२, ३; विवा० १;

चिराधोय त्रि० (चिरधौत) घणा वखतथी

धोयेलुं. बहुत समय पहिले धोया हुआ. Washed a long time before. दस० ५, १, ७६;

चिलाईपुत्त. पुं० (चिलातीपुत्र) राज-गृह निवासी धनाशा शेठनी चिलाती नामे दासीनो पुत्र-ज्ञाता सूत्रमां प्रसिद्ध छे. राजगृह निवासी धनाशा शेठ की चिलाती नामक दासी का पुत्र--ज्ञाता सूत्र में प्रसिद्ध है. The name of the son of Chilātī, the maid of Dhanāśā, a resident of Rajagriha. भत्त० ८८; नाया० १८; संत्था० ८५;

चिलातिया. स्त्री० (किरातिका) किरात देशमां उत्पन्न थयेल दासी चिलात-किरात देश मे उत्पन्न दासी. A maid born in the country named Kirāta. भग० ६, ३३; नाया० १; दसा० १०, १;

चिलाती. स्त्री० (किराती) किरात नामना अनार्य देशमां उत्पन्न थयेल दासी किरात नामक अनार्य देश मे उत्पन्न दासी. A maid born in the Anārya country named Kirāta. जं० प०

चिलाय. पुं० (किरात) धन्न सार्थवाहनो एक दास के जे उद्धत थई चोर बन्यो छेवट चार हत्या करी, वैराग्य पाम्यो अने दीक्षा लीधी अने आत्म श्रेय साध्युं. धन्ना सार्थवाह का एक दास कि जो उद्धत होकर चोर बना, अंत में चार हत्या कर, वैराग्य को प्राप्त कर दीक्षा धारण की व आत्मश्रेय का साधन किया. An attendant of Dhannā Sārthawāha. He became a thief, committed four murders but then realised his self and got initiated. विशे० २७६६. नाया० १८; (२) म्लेच्छ; भीलनी एक जात. म्लेच्छ; भील की एक जाति. A class of aborigines. जं० प० पण्ह० १, १; (३) किरात देशमां रहेनार. किरात देशमें रहनेवाला. one living in Kirāta country. नाया० १८; पन्न० १;
—तक्कर. पुं० (तस्कर) भिल्ल जातिनो चोर. भिल्ल जाति का चोर. A thief of Bhilla caste. नाया० १८;—दास. पुं० (-दास) ए नामनो एक धन्नासार्थवाहनो दास-नोकर. चिलात नामक एक धन्नासार्थवाह का दास-नौकर. An attendant of Dhannā Sārthawāha. नाया० १८;

चिलिण. त्रि० (१) अशुचि; अपवित्र. अशाच; अपवित्र Impure; unholy. ओघ० नि० १६५; जीवा० ३, १;

चिलिमिणि. स्त्री० (*) पडदो; ढांकवानुं वस्त्र. परदा; ढांकने का वस्त्र. A curtain; a cloth used as a curtain. ओघ० नि० १६७;

चिलिमिलिगा. स्त्री० (*) जुओ "चिलिमिणी" शब्द. देखो "चिलिमिणी" शब्द. Vide. "चिलिमिणी" सूय० २, २, ६८;

चिलिमिलिया. स्त्री० (*) दोरी; दोरडी. रस्सी; डोरी. A string. वेय० १, १८;

चिलिमिली. स्त्री० (*) पडदो; वस्त्र. परदा; वस्त्र A curtain. आया० २, २, ३, ८८; ओघ० नि० ७८;

चिल्लग. त्रि० (*) देदीप्यमान; प्रकाशमान. देदीप्यमान; प्रकाशमान. Lustrous; shining. नाया० १६; पन्न० २;

चिल्लडय. पुं० (*) सोकडी; एक

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

जंगली जनावर. लोंकडी; एक जंगली पशु. A jackal. आया० २, १, ४, २७;

चिल्लणा. स्त्री० (चिल्लना) श्रेणिक राजानी पट्टराणीनुं नाम. श्रेणिक राजा की पट्टरानी का नाम. The name of the principal queen of the king Śrenika, भग० १, १;

चिल्लय. त्रि० (*) चमकतुं; देदीप्यमान. चमकताहुआ; देदीप्यमान. Shining. पराह० १, ४;

चिल्लल. पुं० न० (चिल्वल) जल मिश्र कादववाळुं स्थान. जल मिश्र कीचड वाला स्थान. A spot with mud and water mixed together. भग० ५, ७; पन्न० २, नाया० १; पुं० चिल्वल देशनो रहीस. चिल्वल देश का रहनेवाला. a resident of the country Chilvala. पराह० १, १; पन्न० १; (३) बे खरीवाळो जंगली जनावर; गेंनरो. दो खुर वाला जंगली जानवर. a wild animal having two hoofs. पराह० १, १; नाया० १;

चिल्ललग पुं० (चिल्ललक) बे खरीवाळो जंगली पशु साबर रोझ वगेरे. बारहसींगा; दो खुर वाला जंगली पशु A two-hoofed wild animal viz elk etc. भग० ६, ३४; जीवा० ३,३; पन्न० १;११; जं०प० २,३६;

चिल्लित. त्रि० (*) सुशोभित; प्रदीप्त. सुशोभित, प्रदीप्त. Adorned; bright. सू० प० २०;

चिल्लिय. त्रि० (*) दीप्त; दीपतुं दीप्त; प्रकाशित. Shining; bright. ओव० २४; भग० ६, ३३; जीवा० ३, २;

—**तल.** न० (–तल) देदीप्यमान भूमिनुं तळीयुं. देदीप्यमान भूमि का तल. the surface of a bright earth. नाया० १; भग० ११, ११;

चिल्ली स्त्री० (चिल्ली) ए नामनी लीली वनस्पति. इस नामकी हरी वनस्पति. A kind of green vegetation. पन्न० १;

चिहुर. पुं० (चिकुर) केश; वाळ. केश; बाल. Hair. सु० च० १, १;

चीण पुं० (चीन) चीन-देश. चीन देश. China. (२) त्रि० चीन देशनो रहीस. चीन देश का रहने वाला. a resident of China. प्रव० १५९८; जीव० ३, ३; पराह० १, १; पन्न० १; (३) त्रि० न्हानुं; लघु छोटा. small नाया० ८; —**अंसुअ**-**य.** न० (–अंशुक) चीन देशनी बनावटनुं रेशमी वस्त्र. चीन देश की बनावट का रेशमी वस्त्र. China-silk. आया० २, ५, १४५; भग० ६, ३३; दसा० १०, १; (४) चीन देशना कीडाओनी लाळथी उत्पन्न थतुं सूत्र; रेशम. चीन देश के कीडों की लाल में उत्पन्न तार; रेशम. a sort of silk thread got from the saliva of a certain insect in China. अणुजो० ३७;

चीणपिट्ठ पुं० (चीनपिष्ट) सिन्दूर. सिन्दूर. Red lead. राय० ४३; (२) हिंगळो. हिंगलू. vermilion. पन्न० १७;

चीणपिट्ठ. पुं० (चीनपिष्ट) हींगळो. हिंगलू. Vermilion जीवा० ३, ३;

चीर. न० (चीर) वस्त्र; लुगडुं. वस्त्र; कपडा. Clothes. उत्त० २६, २६; पिं० नि० भा० २३; (२) झाडनी छालनुं वस्त्र.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

वृक्ष की छाल का वस्त्र. a cloth made of barks. उत्त॰ ५, २१;

चीरल्ल. पुं॰ (चीरल) ચીરલ; પક્ષી વિશેષ. चीरल; पक्षी विशेष. A kind of bird. पराह॰ १, १; —**पोसय.** पुं॰ (-पोषक) ચીરલ જનાવરને પોષનાર-પાળનાર. चीरल जनावर का पोषण पालन करने वाला. one who keeps or tames a bird named Chīrala. निसी॰ ६, २३;

चीरिग. पुं॰ (चीरिक) શેરીમાં કે રસ્તામાં પડેલ ચીથરાનો બુરખો બનાવી ધારણ કરનાર એક વર્ગ. गली में किंवा रास्ते में-मार्गमें पडे हुए चीथडे का परदा बनाकर धारण करने वाला एक वर्ग. A class of people who put on a face cover of a rag thrown on a road or street अणुजो॰ २०;

चीरिय. पुं॰ (चीरिक) જુઓ " चीरिग " શબ્દ. देखो " चीरिग " शब्द. Vide " चीरिग " नाया॰ १५;

चीवर. न॰ (चीवर) વસ્ત્ર; લુગડું. कपडा. A cloth; clothes. ठा॰ ५, २; भग॰ २, १; आया॰ २, ३, २, १२१; निसी॰ १०, ५३; जं॰ प॰

चुअ. त्रि॰ (च्युत) ભ્રષ્ટ થયેલ; ચવેલ; મરણ પામેલ. भ्रष्ट; मृत्यु प्राप्त. Deceased; fallen; degraded. आया॰ १, १, १, ३; १, ४, ३, १२४; उत्त॰ ३, १७; ७, ८; १४, १; १६, ८; ओव॰ ३८; सम॰ ७; जं॰ प॰ ७, १४१; ओघ॰ नि॰ ६२; कप्प॰ १, १; ३; ४, ६२; दसा॰ ८, १; नाया॰ ७; ८; ६; भग॰ ७, १; सु॰ च॰ १५, ६८; पराह॰ २, ५; विशे॰ १६७६;

—**धम्म.** त्रि॰ (-धर्म) ધર્મથી ભ્રષ્ટ; ધર્મથી પતિત. धर्म से भ्रष्ट; धर्म से पतित. fallen from the path of religion. दसा॰ ४, १६;

चुआचुअसेणिया. स्त्री॰ (च्युताच्युतश्रेणिका) ચ્યુતા ચ્યુત શ્રેણી ગણના; દ્રષ્ટિવાદાન્તર્ગત પરિકર્મનો એક ભેદ. च्युताच्युत श्रेणी गणना; दृष्टिवादान्तर्गत परिकर्म का एक भेद. A division of Parikarma in Dristivāda सम॰ १२;

चुआचुअसेणियापरिकम्म. न॰ (च्युताच्युतश्रेणिक परिकर्मन) દ્રષ્ટિવાદાન્તર્ગત પરિકર્મનો સાતમો ભેદ. दृष्टिवादान्तर्गत परिकर्म का सातवां भेद The 7th division of Parikarma in Dristivādā. नंदी॰ ५६;

चुआवअावत्त न॰ (च्युताच्युतावर्त) ચુઆચુઅ સેણિઆ પરિકર્મનો ચૌદમો ભેદ. चुअाचुअ सेणिआ परिकर्म का चौदहवां भेद. The 14th division of Parikarma in Dristivāda. नंदी॰ ५६;

चुंचुअ. पुं॰ (चुञ्चुक) એ નામે એક અનાર્ય દેશ. इस नामका एक अनार्य देश. An uncivilised country of this name. प्रव॰ १५६८;

चुंचुण न॰ (चुञ्चुन) એક આર્ય જાતિ. एक आर्य जाति An Aryan race. पन्न॰ १;

चुंचुय. पुं॰ (चुञ्चुक) મ્લેચ્છ જાતિનો એક ભેદ. म्लेच्छ जाति का एक भेद. A sub-division of non-Aryan race. जीवा॰ ३, ३;

चुंदी. स्त्री॰ (*) નાની કુઇ. छोटी कुइयां.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

A small well. नाया॰ १;

चुंबण. न॰ (चुम्बन) ચુંબન; ચુમી. चुम्बन Kissing; a kiss. प्रव॰ १०७४;

√ **चुक.** धा॰ I. (भ्रश) ચુકી જવું; ભુલી જવું. भूल जाना To forget; to err. चुक्कंति. गच्छा. ३२;

*चुक्क. त्रि॰ (*) સેકેલું; ભુંજેલું भुना हुआ. Baked; roasted. सु॰च॰६,१५;

चुक्ख. त्रि॰ (चोक्ष) ચોખ્ખું; પવિત્ર. शुद्ध; पवित्र Pest; pure, जं॰ प॰

चुचुय. पुं॰ (चुचुक) ચુચુક નામનો દેશ चुचुक नामक देश. Name of a country. (२) त्रि॰ તે દેશમાં વસનાર. उस देश में रहने वाला a resident of the above country. भग॰ ३, २; पराह॰ १, १;

चुचुया. स्त्री॰ (चुचुका) સ્તનનો અગ્રભાગ. ડીંટી. स्तन का अग्रभाग-घुंघडी. The nipple or teat of a breast. जीवा॰ ३, ३;

चुच्चुय. पुं॰ (चचुक) સ્તનની ડીંટી. स्तन का घुंघडी. The nipple of a breast. राय॰ १६४;

*चुडण. न॰ (*) જુનું થવું; ફાટી જવું. पुराना जीर्ण होना; फट जाना. Wearing out. पिं॰ नि॰ भा॰ ३५;

चुडलिय. पुं॰ (चुडलिक) ઉંબાડીયાનીપેઠે રજોહરણ ફેરવીને વંદના કરવાથી લાગતો દોષ; વંદનાને બત્રીશમો દોષ. रजोहरण घुमाकर वंदना करने से जो दोष लगता है वह; वंदना का बत्तीसवां दोष. A fault incurred by moving a Rajoharana (a kind of brush) here and there while paying respects to an elderly ascetic. प्रव॰ १५३;

चुडिली. स्त्री॰ (*) ઉંબાડીયું अग्नि का प्रकाशना व निस्तेज होना. Gleaming of fire. प्रन॰ १७६;

चुडुलि. स्त्री॰ (*) સળગતો ખડનો પૂળો. जलताहुआ घांस का पूला. A burning bunch of hay. भग॰ ८, ३३.

√ **चुण्ण.** धा॰ I. (चूर्ण्) દળવું; પીસવું. ચૂર્ણ કરવું. पीसना; चूर्णकरना. To pound; to grind.

चुणियाउण. सं॰ कृ॰ सु॰ च॰ २, ४०७;

चुणिणय. सं॰ कृ॰ भग॰ १८, ८; जीवा॰ ३;

चुण्ण पुं॰ न॰ (चूर्ण) ભુકો; રેત. चूर्ण. Powder. पंचा॰ १३, १९; कप्प॰ ३, ३२; पन्न॰ १; १७; सू॰ प॰ २०, निसी॰ १३, ५८; (२) એ નામનો ગુચ્છો-ગુચ્છ, વનસ્પતિ. इस नाम का गुच्छा-गुच्छ, बनस्पति. a kind of vegetation in the form of cluster. पन्न॰ १; (३) કેશર કસ્તુરી વગેરે સુગંધિ દ્રવ્યનું ચૂર્ણ. केशर कस्तूरी इत्यादि सुगंधिमय द्रव्यों का चूर्ण. a powder prepared of saffron and other scented substances पराह॰ २, ४; जीवा॰३, ३; भग॰ ३, ७; ११, ११; (४) ચમત્કારી ચૂર્ણ; ભુકકી. चमत्कारी चूरण, मंत्रित चूरण. a miracled powder. निसी॰ १३, ५८; ६१; (५) ચુનો. चूना. lime. विवा॰ २; —आरुहण न॰ (-आरोहण) અબીર-કેશર વગેરે ચડાવવાં તે. अबीर-केशर इत्यादिका चढाना. offering of scented

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foo-note (*) p. 15th.

ingredients viz. saffron etc. नाया० २;—गुडियगात्त. त्रि० (-गुडित-गात्र) ચુનાથી ખરડાયેલા શરીર વાળું चुने से बिगड हुए शरीर वाला; चूना लगे हुए शरीर वाला. (one) with a body smeared with lime. विवा० २; —जुत्ति. स्त्री० (-युक्ति) અબીર-ગુલાલ વગેરે ચર્ણું બનાવવાની યુક્તિ-વિજ્ઞાન; ૬૪ કલામાંની એક. अबीर-गुलाल इत्यादि चूर्ण बानने की युक्ति-विज्ञान; ६४ कलाओं में का एक कला. a method of preparing a red powder known as Gulâla. ओव० ४०; नाया० १; —जोय. पुं० (योग) સ્તંભનાદિ કર્મ; ચૂર્ણયોગ. स्तंभनादि योग. wedicine etc. which lengthen the period of sexual intercourse. नाया० १४; —वास पुं० (-वर्षा) ચૂર્ણ-કેસર વિગેરે સુગંધિ દ્રવ્યની વૃષ્ટિ चूर्ण-इत्यादि सुगंधित द्रव्य की वृष्टि shower of scented things as saffron etc. नाया० ८; जं० प० ५, १२१;

चुरणय पुं० (चूर्णक) ચુનો चूना. Lime विवा० २;—पेसिया स्त्री० (-पेषिका) ચૂર્ણ પીસનારી દાસી. चूर्ण पीसने वाली दासी. a maid who works as a pounder. भग० ११, ११;

चुरिणअ-य. त्रि० (चूर्णित) ચૂરે ચૂરો કરેલ; ચૂર્ણ થયેલ चूर्ण किया हुआ, चूरा चूरा. Poundered; reduced to atoms. उत्त० १६, ६८; नाया० १;

चुरिणगाभाग. पुं० (चूर्णिकाभाग) ભાગનો પણ ભાગ; અંશનો અંશ. भागका भी भाग. A division of a division जं० प० ७, १२४; १३३;

चुरिणयाभेद. पुं० (चूर्णिकाभेद) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द. Vide above. पन्न० ११;

चुत. त्रि० (च्युत) દશ પ્રકારના પ્રાણથી ભ્રષ્ટ થયેલું; પ્રાણરહિત બનેલું दश प्रकार के प्राणों से भ्रष्ट; प्राणरहित बना हुआ. Lifeless अणुजो० १६; भग० १, १;

चुन्न. पुं० (चूर्ण) જાદુઈ ચૂર્ણ કે જે માણસ ઉપર નાખવાથી હર્ષ-શોકને વશ થાય. जादूई चूर्ण कि जिसको मनुष्य पर डालने से हर्ष-शोक के वश हो A miraculus powder which subjugates a man when thrown upon him. पिं० नि० ४०६; (२) આટો; લોટ. आटा. flour सू० च० ३, २०७; प्रव० ५७५; (३) ચૂર્ણ; ભૂકો. चूर्ण powder. प्रव० २७५;

चुन्नग. पुं० (चूर्णक) સેવઈ-સુરમાદિક ચૂર્ણ. सुरमा सुरमादि चूर्ण. Colirium etc. in a powdered form. निर० ३, ४;

चुन्नी स्त्री० (चूर्णी) ચૂર્ણ; ભૂકો; લોટ. चूर्ण, आटा. Powder. पिं० नि० २४०;

चुप्पालय. पुं० (*) વિજય નામના દેવનું આયુધાલય શસ્ત્ર રાખવાનું ઘર विजय नामके देवका आयुधालय-शस्त्र रखने का गृह. A place for keeping weapons belonging to the god Vijaya. जीवा० ३, ४;

चुलणी. स्त्री० (चुलनी) કંપિલપુરના રાજાની રાણી; બ્રહ્મદત્ત નામના બારમાં ચક્રવર્તીની માતા. कम्पिलपुरके राजा की रानी; ब्रह्मदत्त नामक बारहवें चक्रवर्ती की माता. The name of the queen of the king of Kampilapura. उवा० १, २;

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उत्त० १३, १; सम० प० २३४; जीवा० ३:

चुलसी. स्त्री० (चतुरशीति) ચોરાશી; ૮૪. चोरासी; ८४. Eighty-four. प्रव० ८;

चुलसीइ. स्त्री० (चतुरशीति.) ચોરાશી; ૮૪. चोरासी की संख्या; ८४. Eighty-four. क० गं० ६, ५३; भग० २०, १०; ४२, १; नाया० ८; सू० प० १; **—समज्जिय.** पुं० (-समर्जित) ચોરાશીની સંખ્યાથી સંગૃહીત–ભાજ્ય થાય તે. चोरासी की संख्या से संगृहीत भाज्य होवे वह a sum which can be divided by eighty-four. भग० २८, १०;

* **चुल्ल.** त्रि० (*) ન્હાનું લઘુ. छोटा; लघु. Small; tiny. पन्न० १६; जं० प० उवा० १, २; **—कप्पसुत्त.** न० (—कल्पसूत्र) ૨૯ ઉત્કાલિકમાંનું ત્રીજું. २९ उत्कालिक में से तीसरा. the third of the 29 Utkālika. (Sutras). नंदी० ४३: **—पिउअ.** पुं० (-पितृक) પિતાનો નાનો ભાઈ; કાકો. पिता का छोटा भाई; काका. uncle; the younger brother of a father. " अज्जए पज्जए वावि बप्पो चुल्लपिउत्ति य " दस० ७, १८; **—माउ.** स्त्री० (-मातृ) જુઓ " चुल्लमाउया " શબ્દ. देखो " चुल्लमाउया " शब्द. vide " चुल्लमाउया " नाया० १; **—माउया.** स्त्री० (—मातृका) ઓરમાન માતા. सौतेली माता. step mother " कुच्छियस्सरवयणा चुल्लमाउया " अंत० ८, १; निर० १, १: विवा० ३:

चुल्लग. पुं० (*) ભાત; ખોરાક. भात; खुराक. Food. पिं० नि० ६४;

चुल्लणीदेवी स्त्री० (चुलणीदेवी) દ્રુપદ રાજાની ચુલણી નામની દેવી (રાણી). द्रुपद राजा की चुलणी नामकी देवी (रानी). Name of the queen of the king Drupada. नाया० १६:

चुल्लसयग. न० (चुल्लशतक) ચુલ્લશતક નામનો મહાવીર સ્વામિનો એક શ્રાવક; દશ શ્રાવકમાંનો એક. चुल्लशतक नाम का महावीर स्वामी एक का श्रावक; दस श्रावकमेंसे एक. One of the 10 layman followers of Mahāvira. उवा० १, २;

चुल्ल हिमवंत. पुं० (चुल्ल (लघु) हिमवत्) ભરત ક્ષેત્રની મર્યાદા બાંધનાર પર્વત; ભરત અને હિમવયને જુદું પાડનાર (બેની વચ્ચે આવેલ) પર્વત. भरत क्षेत्र की मर्यादा बांधने वाला पर्वत. A mountain bounding the limit of Bharata Kṣetra. जीवा० ३, ३; सम० ७; भग० ६. ३; जं० प० ४, १२०; ११४; १; १०; पन्न० १६: उवा० १,५४; **—कूड.** (-कूट) ચુલ્લ હિમવંત પર્વત ઉપરના અગીયાર કૂટમાંનું બીજું કૂટ; શિખર. चुल्ल हिमवंत पर्वत के ग्यारह कूटमें से द्वितीय कूट-शिखर. the second out of 11 summits of the mountain Chullahimavanta. ठा० २, ३:

चुल्ल हिमवंता. स्त्री० (चुल्ल हिमवती) ચુલ્લ હિમવંત ગિરિ કુમાર દેવતાની રાજધાનીનું નામ. चुल्ल हिमवन्त गिरि कुमार देवताकी राजधानी का नाम. Name of the capital city of the god Chulla Himavantagirikumāra. जं० प०

चुल्ली. स्त्री० (चुल्ली) ચુલડી; ચૂલી; ન્હાનો

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

चूलो. चूल्हा; छोटा चूल्हा. A small stove. पि० नि० २४३; जीवा० ३ १; उवा० २, ६४;

चूअ-य. पुं० (चूत) આંબાનું વૃક્ષ. आम का वृक्ष. A mango tree. विशे० ३३; १७२४; सु० च० ६, ६४; तंडु० ६; (२) સૂર્યાભના આમ્રવનનો રક્ષક દેવતા. सूर्याभ के आम्रवन का रक्षक देवता. the guardian deity of the mango forest of Sūryābha. जं० प० ५, १२२; राय० १४०; जीवा० ३, ४; (३) એ નામની લતા. इस नाम की लता. a name of a creeper. पन्न० १; —लया. स्त्री० (-लता) આંબાની લતા-ડાંખ. आम्रलता; (आम की लता) a mango creeper. ओव० —वण. न० (-वन) સૂર્યાભ વિમાનના ઉત્તર દરવાજેથી૫૦૦ જોજનઉપર આવેલ આંબાનું એક વન કે જે સાડાબાર હજાર જોજન લાંબું અને પાંચસો જોજન પહોળું છે. सूर्याभ विमान के उत्तर दरवाजे से ५०० योजन पर आया हुआ आम का एक वन कि जो साडे बारह योजन लम्बा व पांच सौ योजन विस्तृत है. a mango forest 12500 Yojanas in length and 500Yojnas in breadth, situated at a distance of 500 Yojanas from the northern gate of the heavenly abode named Sūryābha. ठा० ४, २; निसी० ३, ८१; राय० १२६; भग० १, १; अणुजो० १३१;

चूडामणि. पुं० (चूडामणि) ચૂડામણિ; મુગટ. चूडामणि; मुकुट. Crown; diadem. उत्त० २२, १०; नाया० १; पन्न० २; जीवा० ३, ३;

चूरणकोस. पुं०(चूर्णकोश) ખાવાનો પદાર્થ. खाद्य पदार्थ. Eatable. पराह० २, ५;

चूयगवडिंस. न० (चूतकावतंसक) એ નામનું એક ઇંદ્રનું વિમાન. इस नामका एक इन्द्रका विमान. A Name of an abode of Indra. राय० १०३; भग० ३, ७;

चूयवडिंसा. स्त्री० (चूतावतंसा) સૌધર્મેન્દ્રની અગ્રમહિષી દેવીની રાજધાની. सौधर्मेन्द्र की अग्रमहिषी देवी की राजधानी. The capital city of the principal queen of Saudharmendra. ठा० ४, २;

चूया. स्त्री० (चूता) સૌધર્મેન્દ્રની અગ્રમહિષીની રાજધાની. सौधर्मेन्द्र की अग्रमहिषी का पाटनगर. Vide above. ठा० २, ४;

√ **चूर.** धा० I. (चूर्) ચૂરો કરવો; ભાંગવું. चूराकरना, तोडना. To pound; to reduce to atoms. चूरेइ. नाया० १६; चूरेत्ता. सं० कृ० नाया० १६;

चूलणी. स्त्री० (चूलनी) બ્રહ્મદત્ત ચક્રવર્તીની માતા. ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती की माता. The mother of Brahmadatta Chakravarti. जीवा ३; १;

चूला. स्त्री० (चूडा) ચોટી; શિખા; ચોટલી. शिखा, चुटिया. Summit; peak. नंदी० १०;—उवणयण न० (उपनयन) ચોટલી ઉતારવી-મુન્ડન કરાવવાનો સંસ્કાર शिखा उतारने का-मुन्डन कराने का संस्कार the ceremony concerning shaving. राय० २८८;

चूलामणि. पुं० (चूडामणि) મુગટ. मुकुट. Crown; diadem. ओव० २२; राय० १८६;

चूलिअंग. न० (चूलिकाङ्ग) ચોરાશી લાખ પ્રયુત પરિમિત કાલવિભાગ. चोरासी लक्ष प्रयुत परिमित काल विभाग. A measure of time equal to 84 lacs of Prayuta भग० ५, १; २५, ४; अणुजो०

११५; ठा० २, ४; जं० प०

चूलिआ. स्त्री० (चूलिका) દૃષ્ટિવાદ અંગના પાંચવિભાગમાંનો પાંચમો-છેલ્લો વિભાગ. दृष्टि वाद अंग के पांच विभाग में से पांचवां-अंतिम विभाग. The fifth or the last division of Driṣṭivāda Aṅga. नंदी० ५६; (२) મૂલસૂત્રમાં ન બતાવેલ હકીકત સંગ્રહ કરી અંતમાં બતાવવી તે मूलसूत्र में अप्रकाशित वर्णन का संग्रह कर अंत में प्रकट करना. a commentary which exposes that description which is not given in the original text नंदी० ५६; (३) ચોરાશી લાખ ચુલિઅંગ પ્રમાણનો કાળ વિભાગ. चौरासी लक्ष चूलि अंग प्रमाण का काल विभाग. a measure of time equal to 84 lacs of Chūliaṅga भग० ५, १; ६, ७; ११, १०; २५, ५; जीवा० ३, ४; अणुजो० ११५; ठा० २, ४; जं० प० (४) ચૂલિકા-ચોટલી; શિખર. चूलिका-चोटी; शिखर. summit; peak. सम० १२; नंदी० स्थ० १७, जं० प०

चूलिय. पुं० (चूलिक) ચૂલિક દેશ. चूलिक देश. Name of a country. (२) त्रि० તે દેશમાં વસનાર. उस देश में रहने वाला. a resident of the above country. पगह० १, १;

चूलिया. स्त्री० (चूलिका) ચુલો; સગડી. चूल्हा; सिगड़ी. A stove; a fire place. प्रव० १७२;

चेअयणा. स्त्री० (चेतना) જ્ઞાનાદિ ચેતના; ચૈતન્ય. ज्ञानादि चेतना; चैतन्य. Consciousness. विशे० ४१;

चेइअ-य. त्रि० (चितित) કરેલું; બનાવેલું; ચણાવેલું. किया हुआ; बनाया हुआ. Performed; prepared. " अगारिहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति " आया० २, २, २, ८१; २, २, २, ८३; वेय० २, १५;

चेइत्तए. हे० कृ० (चेतितुं) રહેવાનો. रहने को. For the sake of living or residing. वव० १, २२;

चेइय. न० (चैत्य-चितेरिदं भावः कर्म वा चैत्यम्) યક્ષ વગેરે વ્યંતર દેવતાનું આયતન-સ્થાન; દેવસ્થાન કે જે બાગમાં અથવા તેના પૂર્વપુરૂષના અગ્નિદાહ-ચિતાને સ્થાને, ચોતરા રૂપે કે દેરીરૂપે, ચણાવવામાં આવતાં, અને લોકો સકામવૃત્તિથી આ ભવની લાલસાથી તેની પર્યુપાસના કરતા તેની ઉપમા સાધુ વગેરેની પર્યુપાસનામાટે આપવામાં આવી છે. यक्ष वगैरह व्यंतरदेवताका आयतन-स्थान; चिता के ऊपर मंदिर या अन्य रूप में बनाया हुआ स्मारक चिन्ह. संसारी लोग इनकी इस लोक के सुखों की इच्छासे उपासना करते हैं. The abode of ghosts or infernal gods; the memorial or temple which was erected in olden times on the funeral pyre or in a garden and people used to worship these with a view to get their worldly desires fulfilled. आया० २, १५, १७४; सम० ६; नाया० १; भग० १, १; सू० प० १; ओव० निर० १, २; कप्प० ६, ६३; क० गं० १, ५६; ओघ० नि० ६५; " कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासंति " सूय० २, ७, ८१; " कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवास्सामो " दसा० १०, १; " कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासेज्जा " वव० १०, १; " कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासेत्ता" (दैवतं चैत्यमिव-टी) ठा० ३, १; भग० २, १; " कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवा-

सामि " ठा० ३, ३; " **कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासणिज्जे** " नाया० १४; उवा० ७, १८७; " **कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासणिज्जाओ भवंति** " भग० १०, ५; " **कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासइ** " भग० १५, १; " **थूममहेसुवा चेइयमहेसुवा रुक्खमहेसुवा** " आया० २, १, २, १२; " **रुक्खमहेइवा चेइयमहेइवा थूममहेइवा** " भग० ६, ३३; " **भवण घरसरण लेण आवस चेतिय देवकुल** " पराह० १, ५; " **तवस्सिकुलगणसंघ चेइयट्ठे** " पराह० २, ३; (२) વ્યન્તરના આયતનવાળો અથવા તેના વિનાનો બાગ; ઉદ્યાન; આરામબગીચો. व्यंतर के आयतन वाला किंवा उसके रहित बाग. उद्यान; आराम-बाग. a garden having or not having a temple of an infernal god; a pleasure garden. दसा० ५, ६; नंदी० ४०; जं० प० राय० ४; २११; अंत० १, १; नाया० ६; "**पुरणभद्दे चेइए**" नाया० १; १५; १६; नाया० ध० १; अंत० १, १; विवा० १, १; पराह० १, १; उवा० १, १; २, ९२; ११६; भग० ५, १; ९, ३३; १३, ६; " **कोट्ठए चेइए** " नाया० ध० १; ३; उवा० ३, १२६; ४, १४५; ६, २६७; १०, २७२; भग० ६, ३३; १२, १; १५, १; " **णायाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइआइं** " सम० प० १७६; " **उवासगाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइआइं** " सम० प० १८४, " **अंतगडाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइआइं** " सम० प० १८६; " **अणुत्तरोववाइयाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइआइं** " सम० प० १८७; " **सुहविवागाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइआइं** " सम० प० १९२; " **दुहविवागाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइआइं** " सम० प० १९२; (**चैत्यं व्यंतरायतनम् टी०**) " **चंदोयरणंसि चेइए** " भग० १२, १; " **माणिद्ध-कुण्डिंग्गसि चेइए** " भग० १५, १; " **कणिट्ठ-यायणंसि चेइए** " भग० १५, १; " **एगजंबुए चेइए** " भग० १६, ५; "**सालकोट्ठयए चेइए**" भग० १५, १; " **छत्तपलासए चेइए** " भग० २, १; " **पुप्फवईए चेइए** " भग० २, ५; ६; ६, ३३; " **माणिभद्दे चेइए** " भग० ६, १; " **संखवणे चेइए** " भग० ११, १२; " **नंदणे चेइए** " भग० ३, १; " **बहुसालए चेइए** " भग० ६, ३३; " **चंदोतरायणे चेइए** " भग० १२, २; " **दूइपलासए चेइए** " उवा० १, ३; १०; ५८; ७८; ८६; भग० ८, ३२; १०, ४; ११, ११; १८, १०; " **अंबसालवणे चेइए** " नाया० ध० १; " **काममहावणे चेइए** " नाया० ध० ३; अंत० ६, १६; " ***गुणसिलए चेइए*** " नाया० १; २; १८; नाया० ध० १; ३; अंत० ६, १; ३; ७, १; अणुत्त० १, १; २, १; ३; १; विवा० २, १; उवा० ८, २३१; भग० २, १; ५; ६; ७, १०; ८, ७; १६, ३; १८, ३; ७; ८; (३) તીર્થંકરનું જ્ઞાન-કેવલ જ્ઞાન. तीर्थंकर का ज्ञान-केवल ज्ञान. the knowledge of a Tirthankara. " **एगूणिया चउवीसाए तित्थगराणं चउव्वीसं चेइय-रुक्खा होत्था** " सम० प० २३३; "**ताहिं चेइयाइं वन्दइ** " (**वन्दते स्तौति**) भग० २०, ६; नाया० १६; (४) શ્રમણ; સાધુ. श्रमण; साधु. an ascetic " **देवयं चेइयं पज्जुवासेत्ता** " (**दैवतं कल्याणमिव चैत्यं श्रमणं पर्युपास्य टी०**) ठा० ३, १; " **अन्नउत्थिय देवयाणि वा अन्नउत्थिय परिग्गहियाणि वा (चेइयाइं) वंदित्तए नमंसित्तए वा** " उवा० १, ५८; भग० ३, २; (५) વ્યંતર આદિ દેવતા. व्यंतर आदि देवता. infernal god etc. " **रुक्खं वा चेइयकडं थूभं वा चेइयकडं** " (**वृक्षस्याधो व्यन्तरादिस्थलक स्तूपं वा व्यन्तरादिकृतं टी०**) आया० २, ३,

३, १२७; (६) त्रि० चित्तने આનંદ ઉપજાવનાર. चित्त को आनंद देनेवाला. delightful; pleasant. "तेसिणं चेतियथूभाणं पुरतो चत्तारिमणि पेढिभाओ" (चित्ताह्लादकत्वाद्वा चैत्याः स्तूपाः प्रसिद्धाश्चैत्यस्तूपाः) ठा० ४, २; सम० ३४; दसा० १०, १; वव० १०, १; (७) કોઇ મહાપુરૂષની ચેહ ઉપરના સ્મારક અવશેષ-રાખ અસ્થિ હાડ વગેરે. किसी महापुरुष की चिता ऊपर के स्मारक अवशेष-राख, अस्थि इत्यादि. the memorial on the funeral pyre of a man of importance. "अरहंत वा अरहंत चेइयाणि वा अणगारे वा भाविदप्पाणो णीसाए उड्ढ उप्पयइ" भग० ३, २; (८) જલદી; ઉતાવળું, તુરંત; शीघ्र; उतावला. speedy. "सिग्घं चवलं तुरियं चेइयं" नाया० १; —खंभ. पुं० (-स्तंभ) સુધર્મા સભાની વચ્ચે મણિપીઠિકા ઉપર જે સાઠ જોજન ઉંચો માણવક નામનો સ્તંભ છે તે; ચિત્તને આહ્લાદ ઉપજાવનાર થાંભ. सुधर्मा सभा के मध्य में मणिपीठिका के ऊपर जो साठ योजन ऊंचा माणवक नामक स्तंभ है वह; चित्त को आल्हादित करनेवाला स्तंभ. a pillar named Maṇavaka 60 Yojanas in height situated on Manipīthika in the Council-hall of Sudharmā. "सुहम्माए सभाए माणवए चेइयखंभे" सम० ३५; राय० १४६. —थूभ. पुं० (-स्तूप) ચૈત્ય વૃક્ષ અને પ્રેક્ષા ઘરની વચ્ચે મણિપીઠિકા ઉપરનું ચિત્તને આહ્લાદ જનક સ્તૂપ. चैत्य वृक्ष व प्रेक्षागृह के मध्य में मणिपीठिका के ऊपर का चित्त को आनंद दायी स्तूप. a beautiful pillar situated on Maṇi Pīṭhikā and in the middle of a memorial tree and a particular house. 'चत्तारि चत्तारिचेइयथूमा' जं० प० २, ३३; ठा० ४, २; जीवा० ३, ४; —मह. पुं० (-मह) ચૈત્યનો મહોત્સવ. चैत्य का महोत्सव. a ceremony concerning a memorial on a funeral pyre. आया० २, १, २, १२; भग० ६, ३३; नाया० १; —रुक्ख. पुं० (-वृक्ष) વાણવ્યંતરની સુધર્માદિસભાની આગળ મણિપીઠિકા ઉપર રત્નમય વૃક્ષ કે જેની આઠ જોજનની ઉંચાઇ છે. वाणव्यंतर की सुधर्मादि सभा के सन्मुख मणिपीठिका के ऊपर रत्नमय वृक्ष कि जिसकी आठ योजन की ऊंचाई है. a tree 8 Yojanas in height, made of gem and situated on the Maṇi Pīthikā in front of the council-hall of Sudharma. सम० ८; ठा० ३, १; (२) જેની નીચે તીર્થંકરને કેવલજ્ઞાન થયું હોય તે વૃક્ષ. जिसके नीचे तीर्थंकर को केवल ज्ञान प्राप्त हुआ हो वह वृक्ष. a tree under which Tīrthaṅkara obtained supreme or perfect knowledge. सम० प० २३३; (३) દેવતાઓની સભાના દરેક દરવાજા આગળ મહાધ્વજ અને ચૈત્ય સ્તૂપની વચ્ચેનું વૃક્ષ. देवताओं की सभा के प्रत्येक दरवाजे के सामने महाध्वजा के व चैत्य स्तंभ के मध्यस्थ का वृक्ष. a tree situated in the middle of a flag and a memorial tree which is in front of the doors of the council-halls of gods. ठा० ३, १; जीवा० ३, ४; राय० १४४; —वण्णग्र. न० (-वर्णक) ચૈત્યનું વર્ણન. चैत्य का वर्णन. the descrip-

tion of a memorial on a funeral pyre. दसा० ५, ६;

चेट्टा. स्त्री० (चेष्टा) क्रिया. क्रिया. Gestures; movements. पंचा० ४, २;

चेट्टिय. त्रि० (चेष्टित) चेष्टा करेल चेष्टित. Gestured. पंचा० १, ४८; नाया० १; राय० २६१;

चेड. पुं० (चेट) पगपासे रहेनार नोकर. पैरों के पास रहने वाला नौकर. A close attendant. कप्प० ४, ६२; पिं० नि० ३६८; ओव० राय० १५३; नाया० १; (२) बालक. बालक baby. पिं०नि० भा०१२६;

चेडग. पुं० (चेटक) विशाला नगरीनो चेटक नामनो राजा के जे महावीर प्रभुनो परम भक्त हतो. विशाला नगरी का चेटक नाम का राजा कि जो महावीर प्रभु का परम भक्त था. Chetaka, the king of Viśā'a and a great devotee of Mahāvira. भग०१२, २;निर० १, १;

चेडय. पुं० (चेटक) कुमार; छोकरो. कुमार; लडका. An unmarried boy; a boy. नाया० २; (२) दास; नोकर दास; नौकर. a servant; an attendant. नाया० २; सु० च० १५, १३५;

चेडिया-आ. स्त्री० (चेटिका) दासी; भातडी दासी A maid. भग० ६, ३३; ११, ११; ओव० ३३; नाया० १; ८; १६; राय० २८६; उवा० ७, २०८; **—चक्कवाल.** न० (-चक्रवाल) दासीनो समूह. दासी का समूह. a group of maids निर० ३, ६; नाया० १४; नाया० ध०

चेतिय. न० (चैत्य) जुओ " चेइय " शब्द. देखो " चेइय " शब्द. Vide " चेइय " पराह० १, १;

चेत्त. पुं० (चैत्र) चैत्रमास. चैत्रमास. The month of Chaitra. सम० ३१; भग० १८, १०; **—सुद्ध.** पुं० (-शुद्ध-शुक्ल) चैत्रमासनुं शुक्ल पक्ष. चैत्र मास का शुक्ल पक्ष. the bright-half of the month of Chaitra. नाया० ८;

चेत्ती. स्त्री० (चैत्री) चैत्रमासनी पुनेम. चैत्र मास की पूर्णिमा. The fifteenth bright day of the Chaitra month. जं० प० ७, १६१;

चेदि. पुं० (चेदि) चेदि नामनो देश. चेदि नामक देश. A country of this name. पन्न० १;

√**चेय.** धा० II. (दा) आपवुं; दान करवुं. देना; दान करना. To give; to give as charity.

चेएइ. आया० २, १, १, ६;

चेएमि. आया० १, ७, २, २०२;

√**चेय.** धा० II. (चित्) संकल्प करवो. संकल्पकरना. To resolve. (२) निपजाववुं; उत्पन्न करना. to produce. (३) चणवुं. बनाना. to pile; to construct.

चेएइ. सम० ३०; निसी० ५, २; १३, १; नाया० ६;

चेएसि. नाया० १६;

चेइस्सामो. आया० २, १, ४, ४६;

चेयंत. निसी० ५, २;

चेतेमाण. सम० २१;

चेइज्जमाण. क० वा० दसा० ७, १६; १७;

चेय-अ. न० (चेतस्) चित्त. चित्त; The mind. चेयसा. तृ० ए० भग० ७, १०; दस० ५, १, २; नाया० १; भग० ६, ३३; दसा० ६, ५; दस० ६, ६७; (२) विज्ञान. विज्ञान. science. विशे० १८६२; (३) जीव, आत्मा. जीव; आत्मा. soul. भग० २०, २; **—कड.** त्रि० (-कृत) मनथी करेल. मनसे किया हुआ. heartily per-

formed. भग० १६, ३;

चेय अ० (एव) એમજ; ચોક્કસ. ऐसाही; निश्चित. Verily; certainly. विशे० १४५;

चेयरण्ण. न० (चैतन्य) જીવત્વ; જીવપણું. जीवत्व; जीवितता. Life; vitality. विशे० ४७५; १४५१; ३१३८; सु० च० १, २६०; **—जुत्त.** त्रि० (-युक्त) ચેતનાવાળું. चेतना वाला vital; living. प्रव० १२४६; **—भाव.** पुं० (-भाव) જીવનો જ્ઞાન પરિણામ. जीव का ज्ञान परिणाम. intellecuality. विशे० ४५५;

चेयरा. स्त्री० (चेतना) ચેતના; જ્ઞાનશક્તિ. चेतना; ज्ञानशक्ति. Intellect. विशे० १६५७;

चेल न० (चेल) વસ્ત્ર; લુગડું. वस्त्र; कपडा. Cloth. निसी० १८, १४; आया० २, ६, १, १५२; जीवा० ३, ४; वव० ८, ५; दस० ४; प्रव० ६४०, **—ट्ठ.** न० (-अर्थ) લુગડાનું પ્રયોજન. वस्त्र का प्रयोजन. the cause for keeping a cloth. वेय० ३, १२; **—उक्खेव.** पुं० (-उत्क्षेप) વસ્ત્રનું ફેંકવું; વસ્ત્રની વૃષ્ટિ. वस्त्रों का फेंकना; वस्त्रों की वृष्टि. the shower of clothes. विवा० १; ठा० ३, १; भग० १५, १; **—कण्ण्अ.** न० (-कर्ण) લુગડાની કીનારી. वस्त्र की किनार. the border of a cloth. निसी० १८, १८; दस० ४; **—गोल.** पुं० (गोल) લુગડાનો ગોળ દડો. वस्त्र का गोलाकार गोला a ball of cloth. सूय० १, ४, २, १४; **—चिलिमिलिया.** स्त्री० (*) વસ્ત્રની દોરી. वस्त्र की रस्सी. a string of cloth. वेय० १, १८; **—पेडा-ला.** स्त्री० (-पेटा) લુગડાની પેટી; પોટલી. वस्त्र की पेटी; गठरी; a box for clothes; a bundle of clothes. भग० १५, १; दसा० १०, ३;

चेलअ. न० (चेलक) જુઓ "चेल" શબ્દ. देखो "चेल" शब्द. Vide "चेल" जं० प०

चेलग. न० (चेलक) સંન્યાસીઓનું એક ઉપકરણ. संन्यासियों का एक उपकरण. An implement of an ascetic. सूय० २, २, ४८;

चेलरणा. स्त्री० (चेलणा) શ્રેણિક રાજાની રાણી; ચેડા રાજાની પુત્રી. श्रेणिक राजा की रानी; चेडा राजा की पुत्री. The queen of the king Śrenika; the daughter of the king Cheḍā. अंत० ६, ३; नाया० ध०

***चेलाा.** स्त्री० (*) ચિલાત (કિરાત મ્લેચ્છ) દેશમાં ઉત્પન્ન થયેલ દાસી. चिलात (किरातम्लेच्छ) देश में उत्पन्न दासी. A maid born in Kirāta country. ओव० ३३;

चेव. अ० (च+एव-चैव) નિશ્ચય. निश्चय. Certainly; verily. जं० प० ५, ११४; भग० १, १; २; ८; ५, ४; ६, ५; नाया० १, १४; १६; दस० ६, १, १; उवा० १, ८१; विशे० ७०; वेय० १, ३३; नाया० ध० ३; १०;

चोअअ. पुं० (चोयक) એક જાતનું ફળ. एक प्रकार का फल. A kind of fruit. अणुजो० १३३;

चोअण. न० (चोदन) પ્રેરણા. प्रेरणा. Instigation. गच्छा० ५१;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

चोअणा. स्त्री० (चोदना) પ્રેરણા કરવી તે. प्रेरणा करना. Instigation. गच्छा० ३८; १२७;

चोआलीसा. स्त्री०(चतुश्चत्वारिंशत्)ચુમ્માલીસ. चुम्मालीस. Forty-four. जं० प० ७, १४८; विशे० २३०४;

चोइअ. त्रि० (चोदित) પ્રેરાયલું; પ્રેરણા કરેલ; પુછેલ. प्रेरित; प्रेरित किया हुआ; पूछा हुआ. Instigated. उत्त० ६, ८; ६१; सूय० १, ३, २, २०; दस० ६, २, ४; १६; पिं० नि० ११४; २२२; जं० प० २, ६४;

चोक्ख. त्रि० (चोक्ष) સ્વચ્છ; પવિત્ર; સાફ. स्वच्छ; पवित्र; साफ. Clean; clear; pure; spotless. "आयंतेचोक्खेपरम-इभूए" जं० प० ७, १४६; ओव० १२; ३८; भग० ३, १; ६, ३३; ११, ६; नाया० १; ७; १६; पग्ह० २, १; जीवा० ३, ४; विवा० ३;

चोक्खालि. त्रि० (चोक्षशील) ચોખલો; શરીર વસ્ત્રાદિકને સાફસુફ રાખનાર. शरीर वस्त्रादिक को स्वच्छ रखनेवाला.(One) who keeps the body and the clothes clean. पिं० नि० ६०२;

चोक्खा. स्त्री० (चोक्षा) ચોક્ષા નામની પરિવ્રાજિકા-સંન્યાસણ. चोक्षा नामक परिव्राजिका; संन्यासिनी. A nun of this name. नाया० ८;

चोज्ज. न० (*) આશ્ચર્ય; વિસ્મય. आश्चर्य; विस्मय. Wonder; surprise. सु० च० १, १२२;

चोज्ज. न० (चौर्य) ચોરી; તસ્કર પણું. चोरी; तस्करता. Theft; stealing. उत्त० ३५, ३;

चोरि. त्रि० (*) ગંદુ; સુગામણું. गंदला; घृणा पैदा हो ऐसा. Dirty; turbid. पिं० नि० ५८७;

चोत्तीस. स्त्री० (चतुस्त्रिंशत्) ચોત્રીશ. चौंतीस. Thirty-four. भग० ३, १; १; १; सम० ३४;

चोद्दस. त्रि० (चतुर्दश) ચૌદ. चौदह. Fourteen. भग० ५, १; ६, ५, ८, ८; नंदी० ३७; उवा० १, ६६; जं० प० ३, ४१; —**पुव्व.** न० (-पूर्व) ચૌદ પૂર્વ-શાસ્ત્ર. चौदह पूर्व-शास्त्र. the scriptures known as fourteen Pūrvas. नाया० ४; १४; १६;—**पुव्वधर.** पुं० (-पूर्वधर) ચૌદ પૂર્વના ધરનાર. चौदह पूर्वधारी. one having knowledge of fourteen Pūrvas. विशे० १४२; —**पुव्वि.** पुं० (-पूर्विन्) ઉત્પાદપૂર્વ વિગેરે ચૌદ પૂર્વના અભ્યાસી. उत्पादपूर्व इत्यादि चौदह पूर्व के अभ्यासी. one having the knowledge of fourteen Purvas e. g. Utpāda Pūrva etc. विशे० ५३६; भग० ५, ४; नाया० १; ५; नाया० ८, —**भाग** पुं०(-भाग) ચૌદ ભાગ; ચૌદ રાજ (રજ્જુ) चौदह भाग; चौदह राज-भाग. the fourteen divisions; the fourteen Rājas (a measure of length). विशे० ४३०;

चोद्दसम. त्रि० (चतुर्दशतम) ચૌદમું चौदहवां. Fourteenth. भग०२, १;जं०प०२,३३. (२) છ ઉપવાસ ક; उपवास. six fasts. भग० २, १; नाया० ८.

*__चोप्पड.__ पुं० (*) તેલ વિગેરે ચોપડવું તે. तैल इत्यादि का मर्दन. Smearing

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

of oil etc. ओघ० नि० ४०१;

चोप्पाल. पुं० (चोप्पाल) સૂર્યાભ દેવના આયુધાગાર; હથિયાર શાલાનું નામ. सूर्याभ देव का आयुधागार; शस्त्र शाला का नाम. Name of the house for weapons of the deity Sūryābha. राय० १६२;

चोप्पालग. न० (*) મતવારણ-હાથી. हाथी. An elephant. जं० प० ४, ८८;

चोभंग. पुं० (चतुर्भङ्ग) જેમાં ચાર વિકલ્પ પડે તે; ચોભંગી. जिसमें चार विकल्प पड़ते हैं वह; चतुर्भङ्ग. That which can be classified in four different ways. प्रव० १५५;

√ **चोय.** धा० I, II. (चद्) પ્રેરણા કરવી. प्रेरणा करना. To instigate.

चोएइ. गच्छा० २०; चोइयंति. नाया० १; चोइज्जमाण. क० वा० व० कृ० नाया० १६;

चोय. पुं० (*) ત્વચા; છાલ. छाल. Bark; skin. जीवा० ३, ४; राय० ५६; पन्न० १७;

चोयअ. पुं० (चोयक) એક જાતનું ફલ. एक जाति का फल. A kind of fruit. जं० प०

चोयग त्रि०(चोदक) શંકા કરનાર; પ્રશ્ન પૂછનાર શિષ્ય. शंका करने वाला; प्रश्न पूछने वाला-शिष्य. One who questions and doubts. सूय० २, ४, २. पिं० नि० २५७; राय० १२३; (२) स्त्री० ફૂલનાં છાબ फूलकी छबड़ी. a flower-basket. आया० २, ७, २, १६०;

चोयणा. स्त्री० (चोदना) પ્રેરણા; ચેતવણી. प्रेरणा;चेतावनी. Instruction; caution. प्रव० १४४; पिं० नि० ४८३;

चोयाल. पुं० (*) ગઢઉપર બેસવાનું સ્થાન. किले के ऊपर बैठने का स्थान. A seat on a fort. जीवा० ३, ३; क० गं० ६, ५६;

चोयाल. स्त्री० (चतुश्चत्वारिंशत्) ચુમાલીસ. चुम्मालीस. Forty-four. पन्न० २;

चो (आ) यालीस स्त्री० (चतुश्चत्वारिंशत्) ચુમાલીસ. चुम्मालीस. Forty-four. जं० प० ७, १४६; १४४; भग० ३, १, २६, १२; सम० ४४;

चोर. पुं० (चोर) ચોર; ડેકુ; તસ્કર. चोर; तस्कर. A thief. भग० २, १; ओव० ३८; अणुजो० १२८; नाया० १; १८; दस० ७, १२; भत्त० १०५; पराह० १, ३; राय० २६०; —अभिसंकी. पुं० (-अभिशङ्किन्) ચોરથી શંક રાખનાર; ચોરની શંકા વાળો. चोरसे शंक रखनेवाला; चोर की शङ्कावाला. suspicious of a thief. नाया० १८; —आणीय. त्रि० (-आनीत) ચોરોએ આણેલ. चोरों का लाया हुआ. brought by thieves. प्रव० २०७; —णायग. पुं० (-नायक) ચોરોનો નાયક. चोरोंका नायक the head of thieves. नाया० १८; —णियडि. स्त्री० (निकृति) ચોરોની માયા-કપટ. चोरों का माया-कपट. the deceit or tricks of thieves. नाया० १८; —पल्ली. स्त्री० (-पल्ली) ચોરોને રહેવાની જગ્યા. चोरों के रहने का स्थान. the residing place of thieves. विवा० ३; —प्पसंगि. त्रि० (-प्रसंगिन्) ચોરની સોબત કરનાર. चोर

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

का संग करने वाला. (one) who keeps company with a thief. नाया० १८; —मंत. पुं० (-मंत्र) ચોરનો વિચાર. चोर का विचार. the thoughts of a thief. नाया० १८; -महिला स्त्री० (-महिला) ચોરની સ્ત્રી. चोर की स्त्री. a wife of a thief विवा०३ —माया.स्त्री० (-माया) ચોરની માયા. चोर की माया. the deceits or tricks of a thief. नाया० १८;—विज्जा. स्त्री० (-विद्या) ચોર (ખાતર પાડવાની) વિદ્યા. चोरी करने की विद्या. the art of breaking the house by thieves. नाया० १८; —सय. न० (-शत) સો ચોર शत चोर; सौ चोर one hundred thieves. विवा० ३; —साहिय. पुं०(-साधिक)ચોરનો સાધારણ ભાગ. चोरका साधारण भाग. a common division of thieves. भग० ६, ३३; —सेणावइ पुं०(-सेनापति) ચોરોનો સેનાપતિ; ચોરોનો અગ્રેસર. चोरों का नेता; चोरों का सेनापति, the head of thieves विवा० ३; नाया० ८;

चोरठा. पुं० (चोरक) એ નામની એક સુગંધિ વનસ્પતિ જેને નેપાલમાં ભટેઉર કહે છે. इस नामकी एक सुगन्धमय वनस्पति जिसको नेपाल में ' भटेउर ' कहते हैं. A kind of fragrant vegetation known as Bhateura in Nepāl. पन्न० १; भग० २१, ८;

चोरिक्क. न० (चौरिक्य) ચોરી. चोरी. Theft. मत्त० १०६; १३२; ओघ० नि० ७८७; महा० नि० १; पण्ह० १, ३; —करण. न० (-करण) ચોરી કરવી તે. चोरी करना. the act of stealing. सम० ११;

चोरिय त्रि० (चोरित) ચોરેલું; ચોરી લીધેલું. चुराया हुआ; चोरी से लिया हुआ. Stolen. विशे. ८४७; नि० नि० ५७६;

चोरिय. पुं० (चौरिक) માણસોને મારી ચોરી કરનાર. मनुष्यों को मारकर चोरी करने वाला. A looter; a burgler; one who murders and steals. पण्ह० १, ३; विवा० ६;

चोरी. स्त्री० (चौर्य) ચોરી; ચોરવું તે. चोरी; करना. Theft. प्रव० ४४७;

चोलक. न० (चोलक) ચૂડોપનયન; બાળકોનું પ્રથમ શિરોમુંડન કરાવવું તે. चूडोपनयन; बालकों का प्रथम शिरोमुंडन (चोलकर्म) कराना वह. The ceremony held in connection of shaving a child for the first time. पण्ह०१,२;२, ४;

चोलगपट्ट. पुं० (चोलपट्ट) મુનિને નીચો પહેરવાનું વસ્ત્ર; ચલોટો. मुनि को नीचे पहिनने का वस्त्र; चोलपट्ट. The waist cloth of an asceti . प्रव० २५६;

चोलपट्ट. पुं० (चोलपट्ट) સાધુઓનું કટિ વસ્ત્ર; ચલોટો. साधुओं का कटिवस्त्र चोलपट्ट. The waist cloth of ascetics. ओघ० नि० ३४; ६००; पण्ह० २, १; प्रव० २५५;५०६;

चोलपट्टग. पुं० (चोलपट्टक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. भग० ८, ६;

चोलायणय. न० (चूडापनयन) જુઓ " चोलक " શબ્દ. देखो " चोलक " शब्द. Vide " चोलक " नाया० १; भग० ११, ११; जीवा० ३, ३;

चोल्लग. न० (*) ભોજન; ખાણું भोजन;

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) P. 15th.

खाना. Food; diet. पिं० नि०

चोक्षिय. त्रि० (*) દેદીપ્યમાન. दैदीप्यमान. Bright; lustrous. dazzling. राय० १२२;

चोवत्तरि. स्त्री० (चतुःसप्तति) ચુમ્મોતેર. चुम्मोत्तर. Seventy-four. सम० ७४;

चोव्वीस. स्त्री० (चतुर्विंशति) ચોવીસ. चौबीस. Twenty-four. उवा०१०,२७७;

चोसठि. स्त्री० (चतुःषष्टि) ચોસઠ. चौंसठ. Sixty-four. भग० १, ५;

√ **चय.** धा० I,II. (त्यज्) તજવું; છોડવું. छोड़ना; त्याग करना. To leave; to abandon.

चएइ. दस० ६, ४, २; ३;

चयइ. उत्त० ३१, ६; सु० च० ४, १३६; संथा० ६६; भग० ७, १; दस० ४, १७;

चयंति. सूय० १, २, १, २;

चय. वि० दस० २, ५; ६, ३, १२; १०, १, १७;

चइस्संति. सूय० १. ८, १२;

चइउं. हे० कृ० सु० च० ४, २५१; उत्त० १३, ३२;

चइऊण. सं० कृ० उत्त० ३, ६१;

चइत्ता. सं० कृ० ओव० १६; ४०; उत्त० १, २१; ४८; भग०११, ११;नाया० १; ५; ८; दसा० १०, ३;

चिच्चा. सं० कृ० उत्त० १०; २८; आया० १, ६, २, १८४; १, ७, ६, २२२; दसा० ५, ४०;

चयंत. व० कृ० पन्न० २;

चयमाण. व० कृ० भग० १, ७;

चइज्जइ. क० वा० सु० १०, २७;

√ **चव.** धा० I.(च्यु) મરવું; શરીર છોડવું. मरना; शरीर का त्याग करना. To die.

चयंति. जीवा० ३, १;

चविऊण. सं० कृ० सु० च० १, ११५;

चविय. सु० च० २, ३७;

√ **चुय.** धा० I. (च्युत्) ચવવું; પતન પામવું. पतन होना. To die; to fall; to degrade.

चुए. सूय० १, १, २, १२;

√ **छक्खुण.** धा० I. (क्षण) છેદવું; મારવું; હિંસા કરવી. छेदना; मारना; हिंसा करना. To cut; to kill; to injure.

छणंति. क०वा० "आइंछणंति भूयाइं" दस० ६, ५२;

√ **छाय.** धा० I. II. (छद्+णि) ઢાંકવું; છુપાવવું; ઘરની છત કરવું. ढांकना; मकान की छत बनाना. To cover; to conceal; to have a cloth ceiling below the roof.

छाएइ. सूय० २, २, २०;

छायए. वि० दसा० ९, ८; सूय० १, १४; १६; ओघ० नि० भा० ३१५;

छाएज्जा. वि० सूय० १, १०, १५;

छाइत्तए. हे० कृ० दसा० ७, १;

छायंत. प्रव० ५८; ओघ० नि० भा० ३१४;

√ **छिंद.** धा०I, II. (छिद्) છેદવું; કાપવું; ભેદવું. छेदना; काटना. To cut; to break; to pierce.

छिंदइ. भग० ३, २; १६, ६; नाया० १४; १८; उत्त० २९, ७;

छेदेइ. भग० ८, ३३; १६, ५; नाया० ध०

छिंदए. १६, ८७;

छिंदंति. जं० प० ५, १२१;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foo-note (*) p. 15th.

छिंदन्ति. ओव० ३८;
छिंदे. उत्त० २, २;
छिंदेज्जा. वि० भग० १६, ३; दस० ८, १०;
छिंदेज्ज. वि० आया० १, ३, २. ११५;
छिंद. उत्त० ६, ४; राय० २०८; दसा० ६, ४;
छिंदाहि. आ० दस० २, ५;
छिंदह. आ० आया० १, ७, २, २०४;
छिंदिस्सामि. भ० निसी० १, ३३;
छिन्दिअण. सं० कृ० सु० च० २, ६६६;
छिन्दित्तु. सं० कृ० दस० १०, १, २१;
छिन्दित्ता. सं० कृ० ठा० ३, २; भग० ८, ६;
१४, ८; नाया० १८;
छिन्दिय. क० वा० आया० २, १, २, १३;
भग० १४; ८; २२, ६;
छिन्ना. क० वा० नाया० १४; दसा ५; ४१;
छिन्दमाण. भग० १६, ६; नाया० १;
छिंदंत. व० कृ० निसी० १, ३३; पिं० नि०
५८०; भग० १, ६;
छिन्दावेइ. णि० नाया० ८;
छिंदावए. उत्त० २, २;
छेदित्ता. भग० २, १; ३, १; नाया० १, १४;
दसा० ४, ८४;
छेदेत्ता. भग० ३, ३३; १०, ४; १८, २;
छेदित्ता. सं० कृ० सम० ७;
छेएत्ता. सं० कृ० नाया० १५;
छेत्ता. सं० कृ० भग० ८, ५; आया० १, २,
५, ८६; भग० ३, ५; जं० प० ७,
१३३; ७, १४८; सूय० २, २, ६;
सू० प० १०;
छेत्तूण. सं० कृ० भग० २५, ७; उत्त० ७, ३;
छेत्तुं. हे० कृ० भग० ६, ७, जं० प०
छिज्जइ. क० वा० भग० १६, ३; राय०
२७६; अणुजो० १३८; आया० १,
३, ३, ११६;
छिज्जंति. क० वा० भग० ६, ३; सु० च० २, २३३;
छिज्जेज्ज. वि० भग० ५, ७; १८, १०,
अणुजो० १३४;
छिज्जिही भवि० सु० च० ८, १६८;
छिज्जंत. व० कृ० जीवा० ३, १;
छिज्जमाण भग० १, १; ८, ६; ११, ११;
विवा० २;
छिज्जंत. प्रव० १६१;
√ छिव. धा० I. (छुप्) સ્પર્શ કરવો. અડકવું. स्पर्श करना; छूना. To touch; to come in contact with.
छिवंति पराह० २, २;
छिप्पं. वि० गच्छा० ८०;
√ छुभ धा० I. (क्षिप्) ફેંકવું. फेंकना. To throw.
छुभेज्ज. पिं० नि० ५८२;
छोढुं. सं० कृ० पिं० नि० ३८८;
छोढूण सं० कृ० विशे० ३०१;
√ छुभ. धा० II. (क्षुभ्) ખળભળવું; ગભરાવું. डगमगाना; घबड़ाना. To totter; to be agitated or frightened.
छोभावेइ. विवा० ६;
√ छुह. धा० I. (क्षिप्) ફેંકવું; નાખીદેવું. फेंक देना. To throw, to cast away.
छुहइ. पिं० नि० २२१;
छोहिऊण सं० कृ० सु० च० १३, ३४;
छुहित्ता. सं० कृ० उत्त० १८, ३;
√ छुह. धा० I. (छुप्) સ્પર્શ કરવો; અડકવું. स्पर्श करना; छूना. To touch; to be in contact with.
छुहइ. पिं० नि० २५५; क० गं० ६, ८२; ८३;
√ छोल. धा० I. (छुर्) છોલવું છાલ-ફોતરા ઉતારવા. छीलना; छिलका निकलना. To chop off outer bark, husk etc. of anything.
छोलेइ. नाया० ७;

छ

छ. त्रि० (षट्) ७; ६ नी संख्या. छ: ६ की संख्या. Six; 6. ठा० १, १; उत्त० २६, १६; आया० १, २, ६, ६७; सम० २१; अणुजो० १४८; भग० १, १; २, १; १०; ५, ४; ८; १३, ६; १७, १; २०, १०; २५, १; २; ४; ४; ३२, २; ४१, १; नाया० ८; १६; दस० ४; ७, ५६; पन्न० १; ४; विशे० ३८४; विवा० ५; नंदी० ७; सू० प० १; नाया० ध० ३; छुएहं. प० ब० भग० १, ५; ८; ३, १; १५, १, नाया० ८; दसा० २, ८; ६; क० गं० १, ३०; २, १६; —अंगुल न० (-अंगुल) ७ आंगल. छ: अँगुल. six fingers. भग० ६, ७. —अहिअचत्त. त्रि० (अधिकचत्वारिंशत्) छेतालीश; ४६. छियालीस; ४६. forty-six; 46. क०गं० ४, ५७; —कट्टग न० (-काष्टक) दरवाजाना बहारना भागमां ७ काष्टनो समूह. दरवाजे के बाहर के हिस्से में छः काष्टों का समूह. a collection of six logs in the outside part of a gate or door. नाया० १; —कम्म. न०(-कर्मन्) यजन-याजन-पठन-पाठन वगेरे ब्राह्मणनां ७ कर्म. ब्राह्मणों के छः कर्म कर्तव्य; यजन, याजन, पठन, पाठन, दान, और आदान. the six duties of a Brahmana such as worship, sacrifice, study, teaching, etc. पि० नि० ४४८; —खंड. पुं० (-खण्ड) ७ खंड; भरत आदि क्षेत्रना गंगा सिंधु अने वैताढ्य पर्वतथी पडेला ७ विभाग. छः खण्ड; भरत आदि क्षेत्रों के गंगा, सिन्धु और वैताढ्य पर्वत द्वारा पड़े हुए छः भाग. six parts or divisions; the six divisions of such regions as Bharataksetra etc.demarkated by the Gangā, Sindhu and the Vaitādhya mountain. प्रव० ६८६; —गमक. पुं० (-गमक) ७ गमा-पाठ-आलावा. छः पाठ six (scriptural) studies. भग० १३, २; —जिअ. पुं० (-जीव) ७ काय जीव. छः काय षट्काय जीव. living beings in six different forms. क० गं० ४, ५४; —जीवणिकाय. पुं० (-जीवनिकाय) ७ काय जीवोनो समूह पृथ्वी-अप-तेजस-वायु-वनस्पति अने त्रसकाय. छः जीवों का समूह; पृथ्वी, अग्नि, वायु, वनस्पति, और त्रसकाय a collection of six sentient beings viz. those with bodies of earth, water, fire, air, vegetable and those that are termed Trasakāyas. (moving animals) नाया०३;—काय. पुं० (-षट्काय-षण्णां कायानां समाहारः) पृथ्वीकाय - अपकाय - तेउकाय - वाउकाय - वनस्पतिकाय अने त्रसकाय-ए ७ प्रकारना जीवोनो समुदाय. the group of the six kinds of sentient beings viz with bodies of earth, water, fire, air, vegetable and minute insects. अणुजो० २१; सूय० १, ११; ८; क० गं० ४, १३; पंचा० १४, ४२; —ट्ठाण. न० (-स्थान) जुओ "छट्ठाणग" शब्द. देखो "छट्ठाणग" शब्द. vide "छट्ठाणग" क० गं० ४ ३; —ण्णउइ स्त्री० (-नवति) छन्नुं; ९६. ९६ की संख्या. ninety-six; 96. भग० सम० ६६; १, ५; ६, ७;७,६;२०,५;२४,१२;

८;४१, १६; पन्न०४;१२; जं०प०६,२,१८;७, १३३; —एणउइसअ. न० (-नवतिशत) એકસો છન્નું. एकसौ छयानवें; १६६. one hudered ninety-six; 196. वव०६, ३७; —तल. त्रि० (-तल-षटतलानि यत्र तत्) જેના છ તળિયાં છે એવું. (છ તળવાળું). छ तलों वाला. six bottomed. ठा० ८, १; जं० प० —त्तीस. स्त्री० (-त्रिंशत्) છત્રીશ, ३६. छत्तीस, ३६. thirty-six; 36. उत्त० ३६, ७२; नंदी० ४६; भग० १, १; १०, ५; २०, ५; नाया० १६; विशे०३००; सम० ३६; —इंत. पुं० (-दन्त-षड्दन्ता-यस्य) છ દાંતવાળો હાથી. छः दांत वाला हाथी. having six teeth; an elephant with six tusks. नाया० १; —दिसि. स्त्री० (-दिश्) છ દિશા-પૂર્વ, પશ્ચિમ, ઉત્તર, દક્ષિણ, ઉર્ધ્વ અને અધઃ એ છ દિશા. छः दिशाएं; पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, उर्ध्व, और अधः. six quarters or cardinal points viz. east, west, north, south, upward and downward. विशे० ३५२; भग० १, ६; १६, ३; २५; २; जं० प० ७; १३७; —ब्भाअ. पुं० (-भाग) છઠ્ઠો ભાગ. छट्ठा हिस्सा. sixth part. जं० प० १, १०; उत्त० ३६, ६१; —(मा) म्मास. पुं० (-मास) છ મહિના; છ માસ. छः मास. six months. जं० प० ७, १३४; सु० च० ७, १६४; सम० ८८; भग० ८, ८; वव० १, ५; दसा० ६, २; निसी० २०, २१; भग० २, ५; ३,१; ४, ८; ६, ४; २४, १२; २५, १; ६; ३८, १; —मासतव. न० (-मासतपस्) છમાસીક તપ. षण्मासिक तप. austerity or penance lasting six months. प्रव०६१४; —म्मासिअ. त्रि० (-मासिक) છમાસી તપ; છ મહિનાના ઉપવાસ કરવા તે. षण्मासिक तप; छः माग तक उपवास करना. penance lasting for six months. ओव०१६; निसी० २०, ११; वव० १, ३; प्रव० १०६; —म्मासियभत्त. न० (-मासिकभक्त) છ માસના ઉપવાસનું વ્રત. छः मास का उपवास का व्रत. a vow to fast for six months. भग० २५, ७; —म्मासिया. स्त्री० (-मासिकी) ભિખ્ખુની છઠ્ઠી પડિમા કે જેમાં એક માસ પર્યન્ત છ દાત અન્ન અને છ દાત પાણી ઉપરાન્ત કલ્પે નહિ. भिक्षु की छठी प्रतिमा, जिस में एक मास तक छः दात अन्न और इतना ही पानी लिया जाता है. the sixth vow (Padimā) of a Sādhu requiring him to take not more than six Dātas of food and six of water for one month. सम० १२; नाया० १; वव० १, १२; दसा०७, १; —लेसा. स्त्री०(-लेश्या) કૃષ્ણ, નીલ, કપોત, તેજુ, પદ્મ અને શુક્લ એ છ લેશ્યા. छः लेश्याएं; कृष्ण, नील, कापोत, तेजु, पद्म और शुक्ल. 6 Leśyās viz. thought or matter tints of black, blue, grey, red, pink and white colour. क०गं०४,१०; —वीसा. स्त्री० (-विंशति) છવીસ; २६. छब्बीस. २६. twenty-six; 26. क० गं० २, १०; —व्वीसा. स्त्री० (-विंशति) છવીસ; २६. छब्बीस; २६. twenty-six; 26. सम० २६; अणुजो० १०१; भग० २, १; ८, ८; १७, १; २०, ५; पन्न० २; ४; सु० च० ८, २४; जं० प० विवा० १; क० गं० ६, ३३; —व्वीही. स्त्री० (-वीथी) છ શેરી-ગલી. छः गलियाँ; छः रास्ते. six streets or squares. " छव्वीहीइज गामे

कुव्वंति " प्रव० ६२५; —सट्ठि. स्त्री० (-षष्टि) છાસઠની સંખ્યા. छांसठ; ६६ की संख्या. sixty six; 66. क०गं०२,१८; ५, ८४; —सयार. स्त्री० (-सप्तति) છોંતેર; ७६ ની સંખ્યા. छियोत्तर; ७६ की संख्या. seventy-six; 76. क० गं० २, १७;

छइ. पुं० (छवि) દઢાયુના બાપનું નામ. दृढायु के पिता का नाम. Name of the father of Dridhāyu. जीवा० ३, १;

छइय. त्रि० (छादित) ઢાંકેલું ढंका हुआ. Covered. नाया० १;

छउम न० (छद्मन् छादयति ज्ञानादिकं गुणमात्मन इति) છદ્મસ્થ અવસ્થા; સરાગ દશા सराग दशा; छद्मस्थ अवस्था. Condition in which one is not free from attachment. (२) આત્માનું આચ્છાદન કરનાર જ્ઞાનાવરણીય આદિ આઠ કર્મ. आत्मा को आच्छादन करने वाले ज्ञानावरणियादि आठ कर्म. the eight varieties of Karma such as Jñānāvaraṇiya etc. which obscure the qualities of the soul. उत्त० २, ४३; सम० १; ओव० भग० ५, १, जं० प० ५, ११५; क० प० २, ६०;

छउमत्थ. त्रि० (छद्मस्थ छद्मनि तिष्ठतीति) અપૂર્ણ જ્ઞાનવાન માણસ; કેવલજ્ઞાની નહિ; રાગદ્વેષ સહિત. अपूर्ण ज्ञानवाला मनुष्य; रागद्वेष सहित One, possessed of imperfect knowledge; one not omniscient. " छउमत्थे चेव कालं करिस्संति " भग० १५, १; आया० १, ६, ४, १५; ओव० ४२; उत्त० २८, १६; ठा०२,१; ३, ४; अणुजो० १२७; पन्न० १; भग० १, ४; ३, २; ५, ४; १८, १०; १५, १; २५, ७; विशे० ८७; १६६; जं० प० जीवा० १; पिं० नि० २२२; सूय० ५, १३१; पंचा० ८, ११; क० प० ४, ४; प्रव० ७०; ६६६; —अवक्कमण. न० (-अपक्रमण) છદ્મસ્થપણે નીકળવું. छद्मस्थपन से निकलना; छद्मस्थदशामें बाहर आना. the act of coming out in the condition of a Chhadmastha. भग० ६, ३३; —कालिया. स्त्री० (-कालिका) છદ્મસ્થ કાલની છેલ્લી રાત્રી. छद्मस्थ काल की अन्तिम रात. the last night of the period during which one is Chhadmastha. भग० १६, ६; —परियाय. पुं० (-पर्याय) છદ્મસ્થપણે દીક્ષા. छद्मस्थ अवस्था में दीक्षा. entering religious order in the condition of a Chhadmastha सम० ५४; —मरण. न० (-मरण) છદ્મસ્થપણે મૃત્યુ, મરવું તે. छद्मस्थ अवस्था में मरना, मृत्यु. death in the condition of a Chhadmastha. भग०५, ७; सम० १७;

छउमात्थय. त्रि० (छद्मस्थिक) છદ્મસ્થ અવસ્થામાં રહેનાર. छद्मस्थ दशामें रहने वाला. One living in the condition of a Chhadmastha. भग० २, १;

√ **छड्ड.** धा० I. (छन्द्) બોલાવવું; નિમંત્રણ દેવું. बुलाना. To call; to invite.

छंदिय. सं० कृ० दस० १०, १, ६;

√ **छड्ड.** धा० II. (छर्द्-त्यज्) છાંડવું; મુકવું; તજવું. छोड़ना; त्यागना. To abandon; to leave off.

छड्डेहि राय० २७४;

छड्डेत्ता. राय० २७४;

छंद. पुं० न० (छन्दस्) છાંદો; મરજી; અભિપ્રાય. अभिप्राय; मरजी. Will; opinion; pleasure. प्रव० १०१; सूय० १, २, २, २२; २, २, ८०; आया० १, २, ४, ८४; उत्त० ४, ८, १६, ३०; नाया० २; भग०

१२, १; १५, १; पगह० १, २; दस० ५, १, ३७, ६, ३, १; राय० २३७; विशे० १४५१; पिं० नि० ३१०; ६४१; (२) વિષયાભિલાષા. विषयों की अभिलाषा. desire of sensual pleasure. सूय० १, १०, १०; (३) છંદ વૃત્તોનું સ્વરૂપ બતાવનાર શાસ્ત્ર. પિંગલશાસ્ત્ર; छन्द वृत्तोंका स्वरुप बतलाने वाला शास्त्र; पिङ्गलशास्त्र. science of prosody; metrical science. कप्प० १, ६; ओव० ३८, भग० २, १; (४) ગુરૂનો અભિપ્રાય મરજી. गुरु का अभिप्राय. the will or pleasure of a preceptor. विशे० १४५१; —अणुवत्तग. त्रि० (–अनुवर्तक) અભિપ્રાયને અનુસરનાર; પોતાની મરજી પ્રમાણે ન ચાલતાં ગુરૂની મરજી પ્રમાણે વર્તનાર. गुरु की इच्छानुसार चलने वाला. (one) who acts according to the will of a preceptor. सूय० १, २, २, ३२; नाया० ३; —अणुवत्ति. स्त्री० (अनुवृत्ति) બીજાના છંદાને-અભિપ્રાયને અનુસરી વર્તવું તે. किसीक मर्जी अनुसार चलना. acting according to the will of another. गच्छा० ४२; —उवयार. पुं० (–उपचार) આચાર્ય વિગેરેની ઇચ્છાનુસાર વર્તનાર તથા તેમની ભક્તિ કરનાર. आचार्य आदि की इच्छानुसार चलने वाला तथा उन की सेवा करने वाला. one who obeys and serves a preceptor etc. दस० ६, २, २१;

छंदण. न० (छन्दन) ખડીયાનું ઢાંકણું. दवात--मसीपात्र का ढकना. Lid or cover of an ink-stand. राय० १६०;

छंदणा. स्त्री० (छन्दना) સાધુએ કાંઈપણ વસ્તુ ગૃહસ્થને ત્યાંથી વ્હોરીલાવ્યા પછી ગુર્વાદિકને તે વસ્તુનું આમંત્રણ કરવું તે; સમાચારીનો પાંચમો પ્રકાર. कोई भी वस्तु गृहस्थ के यहां से लाने के बाद उस वस्तु के लिये गुर्वादिक का साधुने आमंत्रण करना; समाचारीका पांचवां भेद. The 5th variety of Samāchārī; inviting a preceptor etc. to partake of a thing received as alms by a Sādhu. प्रव० ७६७; भग० २५, ७; उत्त० २६, ३; पंचा० १२, २;

छक्क. न० (षट्क) છ ૬ નો સમુદાય. छः का समुदाय. A group of six. पिं० नि० ३; भग० २०, १०; उत्त० ३१, ८; क० गं० १, २६; १, ३०; २, ३३; (२) હાસ્યાદિ ૬ હાસ્ય રતિ અરતિ શોક ભય જુગુપ્સા. हास्यादि छः–हास्य, रति, अरति, शोक, भय और जुगुप्सा. the group of six viz. laughter, attachment, discontent, grief, fear and disgust. विशे० १२८४; —समज्जिय. त्रि० (-समर्जित) છ છના થોકથી જેનું ગ્રહણ થઈ શકે એવું. छःछः के थोक से जिसका ग्रहण हो सके वह. capable of being taken into groups of six. भग० २०, १०;

छक्काय. पुं० (षट्काय) પૃથ્વી, અપ, તેઉ, વાઉ, વનસ્પતિ અને ત્રસ એ છ કાયના જીવ. पृथ्वीकाय, अपकाय, तेजस्काय, वायुकाय, वनस्पतिकाय और त्रसकाय इन ६ प्रकारके जीवोंका समूह-षटकाय. A group of living beings in the form of earth, water, fire, wind, vegetable and moving animals. अणुजो० १२; सूय० १, ११, ८; —रक्खण. न० (–रक्षण) પૃથિવી આદિ છ કાય જીવોનું રક્ષણ કરવું તે. पृथ्वी आदि षटकाय जीवों का रक्षण करना. protection of the six kinds of sentient beings. प्रव०

५२४; —रक्खा. स्त्री० (-रक्षा) ७ કાય જીવોનું રક્ષણ. षटकाय जीवों की रक्षा. protection of the six kinds of sentient beings. प्रव० १३६८;

छग. न० (*) વિષ્ટા. विष्ठा, मल. Dung; feces. पराह० १, ३;

छगण. न० (*) છાણ. गोबर. Dung. पंचा० १३, १३; —पीढय. पुं० (-पीठक) છાણનો બાજોઠ. गोबरका बाजोठा; बैठने का आसन विशेष. a square seat made of dung. निसी० १२, ६;

छगणिया. स्त्री० (*) છાણું. उपल; गोबर के छाणे. A dung-cake. अणुत०३,१;

छगल. पुं० (छगल) બોકડો. बकरा. A young of a goat. पराह० १, १; जीवा० ३, ४; (२) ચોથા દેવલોકના ઇન્દ્રનું ચિન્હ. चौथे देवलोक के इन्द्र का चिन्ह. the mark of the Indra of the fourth Devaloka. श्राव० २६; (३) સત્તરમા તીર્થંકરનું લાંછન. १७ वें तीर्थंकर का चिन्ह. the mark of the 17th Tirthankara. प्रव० ३८२;

छगलग. पुं० (छगलक) જુઓ "छगल" શબ્દ. देखो "छगल" शब्द. Vide "छगल" पिं० नि० ३१४;

छगलपुर. न० (छगलपुर) એ નામનું શહેર. इस नाम का एक नगर. Name of a town. विवा० ४;

छच्च. त्रि० (षट्) છ; ६; छः; ६. Six; 6. भग० १, ५; १५, १; पन्न० २; क० गं० २, ७; जं० प० ५, ११८; —अंगुल. न० (-अंगुल) જુઓ "छअंगुल" શબ્દ. देखो "छअंगुल" शब्द. vide "छअंगुल" भग० २४, २०; —त्ताल. स्त्री० (-चत्वारिंशत्) છેંતાલિસની સંખ્યા. छयालीस की संख्या. fourty-six. जं० प० ७, १४७; —मास. पुं० (-मास) છ મહીના. छः मास. six months. उत्त०३६, १५८; —सट्ठ. स्त्री० (-षष्टि) છાસઠની સંખ્યા. छासट की संख्या. sixty-six. जं० प० ७, १४७;

√छज्ज. धा० I. (राजेरग्घछज्जसहरीहरेहा इति सूत्रेण राजतेः छज्जादेशः) શોભવું. शोभना. To appear beautiful; to shine.

छज्जति. जं० प० ३, ४५;

छज्जिआ. स्त्री० (*) છાબડી; ફૂલ વગેરે રાખવાની છાબ. छाबडा; फूल वगैरह रखने का टोकरा. A shallow basket for flowers etc. राय० ३५;

छज्जीवणिया. स्त्री० (*षड्जीवनिका-जीवनिकाय) જેમાં છકાય જીવની રક્ષાનો અધિકાર છે એવા દશવૈકાલિક સૂત્રના ચોથા અધ્યયનનું નામ. दशवैकालिक सूत्र के चौथे अध्याय का नाम, जिसमें षट्काय जीवोंकी रक्षा का अधिकार है. Name of the fourth chapter of Daśavaikālika Sūtra dealing with the subject of protection of the six kinds of sentient beings. दस० ४; —नामज्झयण. न० (-नामाध्ययन) છજીવનિકાય નામે દશવૈકાલિકસૂત્રના ચોથા અધ્યયનનું નામ. षट्जीवनिकाय नाम का दशवैकालिक सूत्र का चौथा अध्याय. the fourth chapter of Daśavaikālika Sūtra named Chha-

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

jīvanikāya. दस॰ ४;

छट्टण. न॰ (*) સીંચવું; છાંટવું. सींचना; छांटना. To sprinkle. सु॰ च॰ ६, ११;

छट्ट. त्रि॰ (षष्ठ) છટ્ઠું, છની પૂરણ સંખ્યા. छठा. Sixth. कप्प॰ ८; पन्ना॰ १६, १२; कप्प॰ ५; ११४; (२) બે ઉપવાસ ભેગા કરવા તે. दो उपवास एक साथ करना two consecutive fasts. भग॰ २, १; ५; ३, १; ९, ७; ७, ७; २४, २०; नाया॰ १; ६; ७, ८; १६; १६; दस॰ ४; सूय॰ १, १, १, १२; सम॰ ८; सु॰ च॰ २, ३४८; पन्न॰ ४; दस॰ ४; वव॰ ६, ४०; विशे॰ ६४१; पिं॰ नि॰ ५६०; नाया॰ ध॰ ६; दसा॰ ६, २; ७, ११; —**अट्ठम.** पुं॰ (–अष्टम) બે અથવા ત્રણ ઉપવાસ કરવાતે–છટ્ઠમ–અટ્ઠમ. दो अथवा तीन उपवास करना; षष्ठ–अष्टम तप. the (Chhattha) or (attha-ma) consecutive fasts. नाया॰ १६; —**खमण.** न॰ (–क्षमण) છટ્ઠ તપ; બે ઉપવાસ સાથે કરવા તે. षष्ठ तपः दो उपवास एक साथ करना. two consecutive fasts. नाया॰ १६; अंत॰ ३, ८; भग॰ २, ५; —**भत्त.** न॰ (–भक्त) પાંચ ટંક ઉલ્લંઘી છટ્ઠે ટંકે ભોજન કરવું; બે ઉપવાસ ભેગા કરવા તે. पाँच भोजन वेलाओं का त्याग कर के छठे वक्त भोजन करना; दो उपवास एक साथ करना. taking food after two consecutive fasts. ओव॰ भग॰ १, १; पन्न॰ २८; —**भत्तिय.** त्रि॰ (–भक्तिक) બે બે ઉપવાસ કરવા વાલો. दो दो उपवास करने वाला. (one) observing two consecutive fasts. भग॰ ७, ६; १४, ७; १६, ४;

छट्टं छट्टेणं. अ॰ (षष्ठं षष्ठेन) છટ્ઠછટ્ઠને પારણે છટ્ઠ તપ કરવું તે. छः २ के पारने से षष्ट तप करना. Practising an austerity in which fast is to be broken every third day. " छट्टं छट्टेणं तवो कम्मेणं " अणुत्त॰ ३, १; नाया॰ १३, १६; भग॰ ९, ३१;

छट्टग. न॰ (षष्ठक) છટ્ઠું. छठा. Sixth. भग॰ ६, १;

छट्टाण. न॰ (षट्स्थान) અનંત ભાગ હીનાધિક, અસંખ્યાત ભાગ હીનાધિક, સંખ્યાત ભાગ હીનાધિક, સંખ્યાત ગુણ હીનાધિક, અસંખ્યાત ગુણ હીનાધિક, અને અનંત ગુણ હીનાધિક, એ હાનિ વૃદ્ધિના છ સ્થાનની સંખ્યા. अनंत भाग हीनाधिक, असंख्यात भाग हीनाधिक, संख्यात गुण हीनाधिक, असंख्यात गुण हीनाधिक, व अनंत गुण हीनाधिक, इन हानि वृद्धि के छ स्थानक की संज्ञा. Name of the six stages of rise and fall namely more or less or than infinite parts or divisions; more or less than immeasurable parts or divisions; more or less measurable or limited vir. tues or qualities, more or less than illimitable virtues and more or less than infinite virtues. पिं॰ नि॰ भा॰ २६;—**गय.** त्रि॰ (–गत) છ સ્થાનકમાં પ્રાપ્ત થયેલ; ૧ અનન્ત ભાગ, ૨ અસંખ્ય ભાગ, ૩ સંખ્ય ભાગ, ૪ અનન્ત ગુણ, ૫ અસંખ્ય ગુણ, ૬ સંખ્ય ગુણ એ છ સ્થાનક સાથે

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

हीनाधिक रूपे प्राप्त थयेल. छ स्थानकों में पहुंचा हुआ; १ अनंत भाग, २ असंख्य भाग, ३ संख्य भाग, ४ अनंत गुण, ५ असंख्य गुण, ६ संख्य गुण, इन छ स्थानकों के साथ न्यूनाधिक प्रमाण से संबंध रखने वाला One who has reached or obtained the 6 stages (1) Infinite divisions (2) immeasurable parts, (3) measurable or limited parts. (4) infinite virtues. (5) virtues by and measure. (6) virtues that can be counted or reckoned. One who keeps concern with the above six forms of stages in a more or less measure. विशे० १४२;—पडिय. त्रि० (-पतित) छ स्थानकमां पतित छ स्थानकोंमें पतित. one resorting to six stages भग० २५, ६;

छट्टिया. स्त्री० (षष्ठिका) छट्ठी उत्पत्ति; छठो जन्म. छठा जन्म. Sixth birth. "इमाओ छट्टिया जाई" उत्त० १३, ७.

छट्टी. स्त्री० (षष्ठी) छट्ठ; पक्षनी छट्ठी तिथि. षष्ठी; पक्ष की छठी तिथि. The sixth day of a fortnight. जं० प०७, १५३; (२) छठी विभक्ति. छठी विभक्ति. the genitive case. जं० प० पत्र० २; ३; अणुजो० १२८; विशे० ६६०; (३) छठी नरक; मघा नामे छठी पृथ्वी. छठा नरक; मघा नामक छठी नरक भूमि. the sixth hell; the sixth world named Maghā. नाया० १६;—पुढवी. स्त्री० (-पृथ्वी) मघा नामे छठी नरक. मघा नामक छठी नरक भूमि. the sixth hell named Maghā. जीवा०३; नाया०१६;

छड्डिय. त्रि० (*) छांडेलुं; छडेलुं. (शाल-डांगर वगेरे) मूसल से पीट कर दाना को भूसा से अलग करना. Thrashed with a flail; pounded. "मिछड्डिय सालि" राय० ११८; तंदु० जीवा० ३, ४;

√ **छड्ड** धा० I, II. (छर्द) छोडवुं; तजवुं. छोडना; त्याग करना To abandon; to leave; to release.

छड्डइ. भग० १, ६;

छड्डमि. उवा० २, ९५;

छड्डेज. वि० विशे० १४१२;

छड्डेजा. नाया० २;

छड्डए वि० दस० ५, १, ८५;

छड्डइस्सामि. राय०

छड्डउं. सं० कृ० विशे० १४७१;

छड्डवेइ. गि० मु० च० १५, १२७;

√ **छड्ड** धा० I, II. (छर्द) उलटी करवी; वमन करवुं. वमन करना. To vomit.

छड्डिआ. आया० २, १, ३, १६;

छड्डछड्ड. पुं० (छड्डछड्ड) सुपडे सेतां चणने ध्वनिना जे अवाज थाय ते; छड्ड छड्ड एवो अनुकरण शब्द-अवाज. छड्ड छड्ड ऐसा आवाज An onomatopoetic word expressive of its sound. नाया०७;

छड्डण. न० (*छर्दन) परठववुं; तजवुं. त्याग देना. Getting rid of (e. g. feces); abandoning. नि० नि० ५२७; ५५६; आया० २, १, ६, ३२;

छड्डावण. न० (छर्दन) छोडाववुं; तजाववुं. छुडाना; त्याग कराना. Causing to abandon. ओघ० नि० भा० २१८;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

छड्डिय. त्रि० (छर्दित) ઉલટી કરેલ; વમન કરેલ. वमन; वमन कियाहुआ. Vomitted. (२) વમન કરનારને હાથે વ્હોરવાથી સાધુને લાગતો એક એષણાનો દોષ. वमन किये हुऐ के हाथ से भिक्षा लेने से साधु को लगाता हुआ एक एषणा का दोष. a fault connected with alms-begging viz. accepting food at the hands of one who has vomtited. पंचा० १३, २६; प्रव० ५७६; पिं० नि० ५२०;

√**च्छण** धा० I. (क्षण) હિંસા કરવી; વધ કરવો. हिंसा करना; वध करना. To kill.

छण. वि० आया० १, ३, २, ११४; १, ८, ७, ६;

छणह. आ० सूय० २, १, १७;

छण. पुं० (क्षण) વખત; અવસર. समय; अवसर. Time; moment. (२) હિંસા. हिंसा. killing. (३) ઉત્સવ. उत्सव. a festivity. ओघ० नि० ८८; —**ऊसविश्र.** त्रि० (-औत्सविक) ઓચ્છવ મહોચ્છવે પહેરવા ઓઢવાનું. उत्सव महोत्सव के प्रसंग पर ओढने व पहिनने का. holiday apparel. निसी० १५, ३५; —**पश्र.** न० (-पद) હિંસાસ્પદ; હિંસાનું સ્થાન. हिंसा का स्थान. an abode of the sin of killing. आया० १, २, ६, १०२;

छणिश्र. त्रि० (क्षणिक) ક્ષણભંગુર. क्षण भंगुर. Transitory; transient. (२) મહોત્સવ. महोत्सव. a great festivity. नाया० ५;

छण्ण. त्रि० (छन्न) ઢાંકેલું; સંતાડેલું; છાનું. ढका हुआ; छिपाया हुआ; गुप्त. Covered; concealed; hidden. निसी० १२, ६; ओघ० नि० १६८; (२) જન સમુદાયે મળી ભોજન કરવું તે. भोजन सम्मेलन. feasting; a feast; a dinner-party. नाया० २; (३) ઇન્દ્રાદિનો મહોત્સવ. इन्द्रादि का महोत्सव. a festivity of Indra etc. भग० ६, ३३; नाया० १;

छण्णालश्र. न० (*षषणालक) ત્રિકાષ્ટિક; સંન્યાસીનું એક ઉપકરણ. त्रिकाष्टिक; सन्यासी का एक उपकरण. A wooden implement used by a Sannāyāsī (an ascetic). भग० २, १; नाया० ५; ओव० ३६;

छणिश्र. पुं० (क्षणिक) એ નામનો એક કસાઇ. इस नाम का एक कसाई. Name of a butcher. विवा० ४;

छत्त न० (छत्र-आतपं छादयति तत्) છત્ર; છત્તર. छत्र; छाता. An umbrella. कप्प० ४, ६२; प्रव० ४४१; १२२८; ओव० १०; २७; अणुजो० १३१; सूय० १, ४, २, ६; ठा० ५, १; सम० १४; ३४; नाया० १; ३; ५; ८; १२; भग० १, १; २, १०; ५, ४, ७, ६; ८, १०; दसा० ६; १; ३; पन्न० ८, ५; पन्न० २; निसी० ६, २२; ओघ०नि० भा० ८५; जीवा० ३, ३; राय० ६८; सु० च० १५; २६; जं० प० ५, ११७; विवा० २; नाया० ध० दस० ३, ४; उवा० १, १०; (२) ચંદ્ર વગેરેનો છત્રાકારે થતો નક્ષત્ર સાથેનો યોગ; છત્રયોગ. चंद्रादि का नक्षत्र के साथ छत्रकी आकृतिके अनुसार होता हुआ योग; छत्रयोग. the conjunction of the moon etc. with a constellation presenting the appearance of an umbrella. सू० प०१२; —**अतिछत्त.** न० (-अतिछत्र) ભગવાનનો એક અતિશય; ભગવાનના માથે છત્રઉપર છત્ર ધારણ થાય તે. छत्रपर छत्र धारण करना; भगवान का एक अतिशय. holding one

umbrella above another as in the case of a Tirthankara etc. नाया० १; ५; भग० १६, ५; सू० प० १२; —कार. पुं० (-कार) छत्र બનાવનાર. छत्र बनाने वाला. a maker of umbrellas. अणुजो० १३१; —ग्गाह. पुं० (-ग्राह) છત્રને ધારણ કરનાર. छत्र को धारण करने वाला. one who holds an umbrella. निसी० ६, २४; —त्तय. न० (-त्रय) ઉપરા ઉપરિ ત્રણ છત્ર, છત્ર ઉપર છત્ર તેના ઉપર છત્ર. ऊपरा ऊपरी तीन छत्र; छत्र के ऊपर छत्र व उसपरभी छत्र. three umbrellas; one held over the other. प्रव० ४५१;—धारि. त्रि०(-धारिन्) છત્ર ધરનાર. छत्र धारण करने वाला. (one) who holds an umbrella. भग० ११, ११. —रयण. न० (-रत्न) ચક્રવર્તીના ચૌદ રત્નમાનું નવમું રત્ન. चक्रवर्ती के चौदह रत्नों मे से नवमा रत्न. the ninth of the fourteen jewels of a Chakravarti. ठा० ७, १; जं० प० पन्न०२०; —लक्खण. न० (-लक्षण) છત્રના લક્ષણ પરખવાની એક કળા. छत्र के लक्षणो की परिक्षा करनेकी एक कला. the art of examining the qualities of an umbrella. नाया० १; —संठिय. त्रि० (-संस्थित) છત્ર સંસ્થિત; છત્રને આકારે રહેલ. छत्र की आकृति वाला. having the form of an umbrella. उत्त० ३६, ५७;

छत्तग. न० (छत्रक) છત્ર; છત્રર. छत्र; छाता An umbrella. आया० २, ३, २, १२०; (२) સંન્યાસીનું એક ઉપકરણ. संन्यासी का एक उपकरण. an implement used by an ascetic. सूय० २,२,६८;

छत्तगत्ता. स्त्री० (छत्रकता) છત્રને આકારે એક વનસ્પતિપણું. छत्र के आकार में एक प्रकार का वनस्पतिपना. State of a kind of vegetation having the shape of an umbrella. सूय० २, ३, १६;

छत्तपलासय. पुं० (छत्रपलाशक) કયંગલા નગરની બહારનો એ નામનો એક બગીચો. कयंगला नगरी के बाहर का इस नाम का एक बगीचा. Name of a garden outside the town named Kayangalā "छत्तपलासए नामं चेइए होत्था" भग० २, १;

छत्तय. न० (छत्रक) જુઓ "छत्तग" શબ્દ. देखो "छत्तग" शब्द. Vide "छत्तग" भग० २, १;

छत्तरि. स्त्री० (षट्सप्तति) છોંતેર; ૭૬ની સંખ્યા; छहत्तर; ७६. Seventy-six; 76. क० गं० ६, ३१;

छत्ता. स्त्री० (छत्रा) અનન્તકાય વિશેષ. अनन्तकाय विशेष A variety of Anantakāya. भग० २३, ३;

छत्तार पुं० (छत्रकार) છત્રી બનાવનાર કારીગર. छाता बनानेवाला कारीगर. A maker of umbrellas. पन्न० १;

छत्ताह. पुं० (छत्राभ) એક વૃક્ષ કે જેની નીચે છઠ્ઠા શ્રીપદ્મપ્રભ તીર્થંકરને કેવળજ્ઞાન થયું હતું. एक वृक्ष कि जिसके नीचे छठे श्री पद्मप्रभ तीर्थंकर को केवलज्ञान प्राप्त हुआ था. The tree under which the 6th Tirthankara Śri Padmaprabha attained to omniscience. सम० प० २३३;

छत्ति. त्रि० (छत्रिन्-छत्रमस्यास्तीति) છત્રવાળો; છત્ર વાળો. छत्रवाला; छातेवाला. Having an umbrella; possessed

of an umbrella. भग० ८, १०; अणुजो० १३१;

छत्तोअ. न० (छत्रौक) छत्राकार वर्षाद पछी तरत ऊगती એક वनस्पति કે જેને લોકો-भींदडानी छत्री कहे છે ते. छत्र की आकृति के अनुसार वर्षा के बाद तुरन्त ही उगनेवाली एक प्रकार की वनस्पति कि जिसको लोग कहते हैं A kind of umbrella-shaped vegetation sprouting up immediately after the setting in of monsoon; mushrooms; fungi. पन्न० १;

छत्तोवग. पुं० (छत्रोपग) એક જાતનું વૃક્ષ. एक प्रकार का झाड़. A kind of tree. ओव० जीवा० ३, ४;

छत्तोह. पुं० (छत्रौघ) એ નામનું ઝાડ; વૃક્ષ વિશેષ. इस नाम का वृक्ष; वृक्ष विशेष. Name of a particular kind of tree. पन्न० १; भग० २२, ३; —वण. न०(-वन) छत्रौघ જાતના વૃક્ષનું વન. छत्रौघ जात के वृक्षों का वन. a forest of the trees of the Chhatroha kind. भग० १, १;

छद. न० (छद) પાંખ; પિચ્છું. पंख; पर. A wing; a feather. उत्त० १४, ६;

छधा. अ० (षोढा-षड्भिःप्रकारैः) छ પ્રકારે. छः प्रकारसे. In six ways or modes. विशे० ६००; क० गं० १, ३८;

छन्न. त्रि० (छन्न) ગુપ્ત રાખેલ; કપટથી આશયને ગોપવી અન્યથા બોલેલ. गुप्त, भेदयुक्त. Hidden; secret; dissimulated. सूय०१,६,२६; भग०२५,७; (२) स्त्री०બીજા ન જાણે તેવી રીતે ગુપ્ત સન્દેશો પહોંચાડનાર એક દૂતી. औरों को ज्ञात न हो इस प्रकार संदेशा पहुंचानेवाली दासी-दूती. a female servant who conveys a message without letting others know it. कप्प० ६, २६; पिं० नि० ४२८; —अक्क. पुं० (-अर्क) વાદળાથી ઢંકાયેલ સૂર્ય. बादल से ढका हुआ सूर्य. the sun hidden behind clouds. विशे०४१८; —पओ-य. न० (-पद) કપટ; માયા. कपट; माया. deceit; fraud; foul play. सूय० १, ४, १, २. —पद. न० (-पद) માયાસ્થાન; કપટ. मायास्थान; कपट deceit; fraud; foul play. सूय० २, ६. ३५;

छन्ना स्त्री० (छन्ना) જુઓ "छन्नपअ" શબ્દ. देखो " छन्नपअ " शब्द. Vide " छन्नपअ " सूय० १, २, २, २१;

छप्पअ. पुं० (*) વાંસની ચીપરણી; ચાળણી. बांसकी चलनी. A sieve of bamboo. आया० २, १, ८, ४३; ओघ० नि० ४५८; पिं० नि० ५६१;

छप्पिआ. स्त्री० (*) રોટલી વણવાની પાટલી; આખરીઓ. रोटी बनानेका पाटा. A wooden board on which bread is made. पिं० नि० २७९;

छप्पंग. पुं० (षडङ्ग) છ અંગ. छ अंग. Six classifications. भग० ६, ४;

छब्भामरी. स्त्री० (षड्भ्रामरी) વીણા; સતાર. सितार; बीन. A harp; a flute. नाया० १७;

छम्मुह. पुं० (षण्मुख) વિમલનાથજીના યક્ષનું નામ. विमलनाथजी के यक्ष का नाम. Name of a Yakṣa of Vimala-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

nāthaji. प्रव० १७६;

छरु. पुं० (त्सरु) तलवारनी मुठ. तलवार की मूठ. The handle of a sword. ओव० १०; जीवा० ३, ३; पराह० १, ४;—प्पवाय. पुं० (-प्रवाद) तलवारनी मुठ पकडी फेरववानी कला. पटेबाजी. the art of fencing. ओव० ४०; नाया० १;

छल. त्रि० (षट्) छ. छः Six. विशे० ४०१; —अंस. पुं० (-अंश) छ अंश. छः अंश. six parts. भग० ६, ५; पराह० १४५७; जं० प० ३, ५४; (२) छठो भाग. छठा हिस्सा. sixth part. "अगुरुलहु चउ चलंसि तीमंता" क० गं० २, १०; —अंसा. स्त्री० (-अंश) छ प्रकृतिनी सत्ता. छः प्रकृतियों की सत्ता. the existence of six Prakritis. क० गं० ६, ६;—ड्ढ. त्रि० (अर्ध-सार्ध-पंचकम्) साडापांच. साडे पांच. five and a half विशे० १४०१;—सीइ. स्त्री० (-अशीति) छ्यासी; ८६ छियासी eighty-six; 86 क० गं० ६, ३१; सम० ८६; भग० २, ८;

छल न० (छल) छल; कपट—बीजाना वचनने पोतानी कल्पनाथी असत्य करी बताववुं. छल, कपट,-औरों के वचन को अपनी इष्ट कल्पना से असत्य कर दिखाना. Fraud; deceit; proving the words of others to be false by interpreting them in the light of tenets acceptable to oneself. विशे० १६०५; —आयतण. न० (-आयतन) छल-वादनो एक दोष तेनुं स्थान. छल-वाद का एक दोष उसका स्थान. an abode of fallacious dispute or controversy. "आईसु छलायतणं च कम्मं" सूय० १, १२, ५;

छलणा. स्त्री० (छलना) छेतरवुं; छलभेद. ठगना; छलभेद. Deceit; fraud. ओघ० नि० ७८५; पिं० नि० १६०;

छलिअ. त्रि० (छलित) कपट विगेरेथी ठगायेल. कपट इत्यादिसे ठगाया हुआ. Deceived; cheated; imposed upon. नाया० ६; विशे० १६०७; पिं० नि० ६३४;

छलुअ. पुं० (षडुलूक) जुओ "छलुग" शब्द. देखो "छलुग" शब्द. Vide "छलुग" ठा० ७, १;

छलुग. पुं० (षडुलूक) वैशेषिक मतना स्थापनार कणाद मुनि. वैशेषिक मत के स्थापक कणाद मुनि. Kaṇāda, the founder of the Vaiśeṣika tenet. विशे० २३०२;

छलूय. पुं० (छलूय) आर्य महागिरिना शिष्यनुं नाम. आर्य महागिरी के शिष्य का नाम. Name of a disciple of Ārya Mahagiri कप्प० ८.

छल्ली. स्त्री० (छल्ली) त्वचा; आलेटो; छाल. त्वचा, छाल. Skin; bark. विवा० १; नाया० १३; १४; अणुजो० १; पन्न० १ राय० ५३; —खाअ. त्रि० (-खाद) छालने खानार एक जातनो कीडो. छाल को खाने वाला एक प्रकार का कीडा. an insect or worm eating the bark of trees. ठा० ४, १;

छवि. स्त्री० (छवि-छयति आत्मानं छिनत्ति वा तमः) चामडी; छाल. त्वचा, चमडी; छाल. Skin; bark. ठा० २, ३; जं० प० प्रव० ४३६; (२) शरीर. शरीर. a body. भग० ५, ८; ७, ६; (३) कांति; तेज. सौन्दर्य. lustre; beauty. कप्प० ३, ३४; जीवा० ३, १; (४) चाळा चोळा वगेरे धान्य. चौले वगैरह धान्य. a variety of pulse. दस० ७, ३४; —खाय. पुं० (-खाद) सुवर प्रमुखनी चामडी खानार.

सुअर वगैरह की चमड़ी को खाने वाला. one who eats the skin of pigs etc निसी० ६,१०; —त्ताण न०(-त्राण) ચામડીનું રક્ષણ કરનાર વસ્ત્ર કાંબળી વિગેરે. त्वचा का रक्षण करने वाला वस्त्र कम्बल वगैरह. any kind of cloth (e. g. a blanket etc.) protecting the skin. उत्त० २, ७; —च्छेद. पुं० (-च्छेद) જુઓ छविच्छेय) शब्द. देखो "छविच्छेय" शब्द. vide " छविच्छेय " ठा० ७,१; भग० ८, ३; ११, १०; १४, ८; १५, १; —च्छेय. पुं० (च्छेद) હાથ, પગ, નાક, કાન વગેરે કાપવા તે; એ નામની દંડ નીતિ. हाथ, पैर, कान, नाक, इत्यादि को काटना; इस नामकी दंड नीति. punishment by mutilation of limbs. जीवा० ३,३; राय०२६०; जं०प०नाया०४; पंचा० १, १०;—पव्व.न०(-पर्वन्) જેમાં હાડના સાંધા અને ચામડી વગેરેછે તેવું શરીર;ઔદારિક શરીર. ऐसा शरीर जिसमें हड्डियों की जोड़ व त्वचा वगैरह है. the physical body consisting of bones, skin etc. उत्त० ४, २४;

छवि. स्त्री० (छवि) નાશ; ક્ષય. नाश; क्षय. Destruction; ruin. भग० २५, ७; —कर. त्रि० (-कर) જીવેનો ક્ષય કરનાર. जीवों का क्षय करने वाला. (one) who destroys or kills living beings. भग० २५, ७;

छव्विसि. स्त्री० (षड्विंशति) છવીસ छब्बीस Twtnty-six. विवा० १;

छव्विह. त्रि० (षड्विध) છ પ્રકારનું. छः प्रकार का. Of six kinds or modes. सम० ६; भग० १२, ४; दसा० ४, ३८; ४१; ४६; ७, १;

छवीइय. त्रि० (छविमत्) કાન્તિવાળું. तेजस्वी; कान्तिवान. Beautiful; lustrous. ओव० १०; आया०२, ४, २,१३८;

छव्विह. त्रि० (षड्विध) છ પ્રકારનું. छः प्रकार का Of six kinds or modes. वेय०६,२०; पिं०नि० ५; भग०६,७; १६, ८; २५. ६; ७; विशे० ३००; —बंधय. त्रि० (-बन्धक) મોહ અને આયુષ્કર્મને છોડી બાકીના છ કર્મનું બન્ધન કરનાર. मोह और आयुष्यकर्म को छोड़कर शेष छः कर्मों का बन्धन करने वाला. one who incurs Karma of six kinds i. e. all save those called Moha and Āyus. भग० ६, ६;

छहा. अ० (षोढा) છ પ્રકારે. छः प्रकार से. In six ways or modes. क० गं० १, ५; ८;

छहाअ. त्रि० (*) ભૂખ્યું. भूखा; जिसको क्षुधा लगी हो वह. Hungry. पि० नि० ६६३;

छाआ. स्त्री० (छाया) છાયા; પડછાયો. छांव. Shade; shadow. ओव० दसा० ७, १;

छाइय त्रि० (छादित) ઢાંકેલું. ढंकाहुआ. Covered. नाया० १;

छाउमत्थ. त्रि० (छाद्मस्थ) છદ્મસ્થ સંબંધી. छद्मस्थ सम्बन्धी. Pertaining to a Chhadmastha (i. e. one not free from attachment. राय० २४३;

छाउमत्थिय. पुं० (छाद्मस्थिक) છદ્મસ્થ અવસ્થામાં રહેનાર. छद्मस्थ अवस्था में रहने वाला. One in the stage of being Chhadmastha. (i. e. one not

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट(*). Vide foot-note (*)p. 15th.

free from attachment. भग० ११, १०;

छागलिअ. पुं० (छागलिक) બોકડા મારનાર કસાઈ. कसाई. A butcher. विवा० ४;

***छाण.** पुं० न० (छादन) દાભડાદિકનો પડ; છત. दर्भादिक का छत. A cover of grass etc. "छाणेकिंशाइ" भग० ८, ६;

***छाण.** न० (*) છાણ. गोबर. Dung प्रव० ४४०; **—उज्झिया.** स्त्री० (-उज्झिका) છાણ વાસીદું વાળનારી; છાણ ઉપાડનારી गोबर इत्यादि साफ करने वाली स्त्री; गोबर उठाने वाली. a female servant who clears off dung, refuse etc. नाया० ७;

छादण. न० (छादन) ઢાંકવું. आच्छादित करना. Act of covering. भग० ११, ११; जीवा० ३, ४; पंचा० १२, १२; पगह० २, ३;

छाय. त्रि० (क्षत) કશાઘાતથી વ્રણમુક્ત कशाघात से व्रणमुक्त Not wounded by blow etc. दस० ६, २, ७;

छायंसि. त्रि० (* छायावत्) આપ-શરીરની શોભાવાળું. शारीरिक सौन्दर्य वाला; दर्शनीय. Beautiful; possessed of physical beauty. सम० प० २३५;

छायण. न० (छादन) દર્ભ વિગેરેથી ઢાંકવું; આચ્છાદન. दर्भ वगैरह से ढांक देना-आच्छादन कर देना. Act of covering with anything e. g. Darbha grass etc. आया० २, २, १, ८४; पंचा० १२, १२; प्रव० ८७६; (२) ઘર ઉપરનું વાંસ ખપાટ વિગેરેનું માળખું-ઢાંકણ घर का छत. a roof of a house. पिं० नि० ६०३; (३) વસ્ત્ર; કપડું. वस्त्र; कपड़ा. cloth; a garment. नाया० १; तंडु०

छाया. स्त्री० (छाया) છાંયડો; છાયા. छांया; छांव. Shade; shadow. उत्त० २८, १२; ठा० २, ४; पिं० नि० भा० ३४; पिं नि० ११२; अणुजो० १२७; दसा० ७, १; सूय० २, १, ४२; पन० १६; भग० १, ६; १४, ६; १५, १; नाया० १५; कप्प० ५, १०७; प्रव० ७६५; (२) કાંતિ, દીપ્તિ. कांति; दीप्ति. lustre; brightness. ओव० १०; २२; राय० ४६; पन्न० २; जं० प० नाया० १०; भग० १, ६; २, ८; (३) ભોજન કરવા (જમવા) ને બેઠેલ પંક્તિ-પંગત. भोजन करने के लिये बैठी हुई पंक्ति. a row of persons sitting at dinner. जं० प० ७, १६२;

छायाल. स्त्री० (षट्चत्वारिंशत्) જુઓ 'छायालीस' શબ્દ. देखो "छायालीस" शब्द. Vide. 'छायालीस' पन्न० ७; क० गं० ६, २७;

छायालीस. स्त्री० (षट्चत्वारिंशत्) છેંતાલીસ; ४६. छियालीस; ४६. Forty-six; 46. सम० ४६; पिं० नि० ६५६;

छायोवअ. पुं० (छायोपग) ઘણી છાયા વાળું ઝાડ. गहरी छाया वाला वृक्ष. A densely shady tree. ठा० ४, ३; निसी० ३, ८१;

छार. न० (क्षार) રાખ; ભસ્મ; વાની. राख; भस्म. Ashes. पिं० नि० ३१४; विशे० १२०६; (२) કાચ. कांच glass. विशे० ३००४; (३) ખારો. संचोरा. any kind of salt. जं० प० नाया० २; **—उज्झिया.** स्त्री० (-उज्झिका) રાખ વાળનારી સ્ત્રી. राख झाडने वाली स्त्री. a female

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) P 15th.

who sweeps off ashes. जं० प०

छारिअ-य. न० (क्षारिक) ભસ્મ. राख; भस्म. Ashes. भग० ४, २; —**रासि** पुं० (-राशि) ભસ્મનો ઢગલો. राख का ढेर. a heap of ashes. दस० ४, १, ७;

छारियभूय. त्रि० (क्षारीभूत-अक्षारं अभस्म क्षारं भस्म भवतीति) રાખ જેવું થયેલું. राख जैसा बना हुआ. Reduced to ashes भग० ५, ६; ७, ६;

छारिया. स्त्री० (क्षारिका) રાખ. राख. Ashes. भग० ५, २; १८, ६;

छारीभूय. त्रि० (क्षारीभूय) જુઓ "छारियभूय" શબ્દ. देखो "छारियभूय" शब्द. Vide. "छारियभूय" भग० ३, १;

छावट्ठि. स्त्री० (षट्षष्टि) છાસઠ; ६६. छाछठ; ६६. Sixty-six; 66. जं० प० ७, १३४; विशे० ४३५; ७१८; सम० ६६; भग० २४, २०; पन्न० ४;

छाव. पुं० (शाव) બચ્ચું; બાળક. बालक; बच्चा. A young one; a baby. नंदी० स्थ० ४६; सूय० १, १६, ३;

छावत्तरि. स्त्री० (षट्सप्तति) છોંતેર; ७६. छिहत्तर; ७६. Seventy-six; 76. सम० ७६; भग० २४,१२; जं० प० ७,१२६;

छासट्ठि. स्त्री० (षट्षष्टि) છાસઠ; ६६. छाछठ; ६६. Sixty-six; 66. भग० ८,२;२४,१;

छासीइ. स्त्री० (षडशीति) છયાસી; ८६. छियासी; ८६. Eighty-six; 86. भग० २०, ५;

छिंडी. स्त्री० (*) છીંડી—નાનો માર્ગ; બારી. बारी; छोटा खिड़की. A small back-door; a small window or gate. नाया० २;

***छिक्क.** त्रि० (छीत्कृत) છી-છી કરેલું. तिरस्कृत. Dispised; condemned. विशे० ३३७; १७१४; पिं० नि० १८६; १५५; पिं० नि० भा० ३७;

छिक्कंत. त्रि० (*) છીંકતું. छींकता हुआ. Sneezing. सु० च० ४,२२६;

छिक्कछुकार. पुं० (छिक्छुकार) કુતરા વગેરેને હાંકવાને છિ-છિ-હત-હત વગેરે શબ્દ કહેવો તે. कुत्ता वगैरह को निकालने के लिये छि-छि हत-हत वगैरह शब्दों का कहना, Uttering the sound Chhi-Chhi or any similar sound to drive away dogs etc. पिं० नि० ४५१; पिं० नि० भा० १२४;

छिड्ड. न० (छिद्र) છિદ્ર; કાણું; બાંકોરું. छिद्र. A hole; an opening. विशे० १४६२; (२) દોષ. दोष; अपराध. a blemish; a fault. राय० २८३; (३) આકાશ. आकाश. the sky. भग० २०, २;

छिड्डिया. स्त्री० (छिद्रिका-छिद्राणि विद्यन्तेऽस्यामिति) ચાલણી. चलनी. A sieve. नाया० ८;

छिण्ण. त्रि० (छिन्न) છેદેલું; કાપેલું. काटा हुआ. Broken; cut off. उत्त० १४, २१; १५,७; ओव० ३८; सम० १२; आया० १, १, ५, ४६; भग० ८, ३; ६; ६, ३३; १३, ४; १६, ६; नाया० १; १६; १८; पन्न० १५; —**आवाय** त्रि० (-आपात—छिन्न अपगत आपातोऽन्योन्यत आगमनम् यस्मिन्) જેમાં જવું આવવું ન બને એવું સ્થાન-પર્વત જંગલ વગેરે. जिसमें आना जाना न हो सके ऐसा स्थान-पर्वत जंगल वगैरह. (anything) inaccessible e. g. a

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

mountain, a forest etc. नाया० १५; भग० १५, १; वेय० ४, २६; —जाला. स्त्री० (-ज्वाला) છેદાયેલ અગ્નિની શિખા; જેની જાલ-જ્વાલા છેદાઇ ગઇ છે તે. छिदी हुई अग्निकी शिखा; जिसकी ज्वाला छिद गई हो. a broken flame of fire; (fire) with broken flame. नाया० १; —भिएण. त्रि० (-भिन्न) છિન્ન ભિન્ન થઈ ગયેલ. छिन्न भिन्न बना हुआ. scattered; at sixes and sevens; in a condition of disorder. " छिण्ण भिण्ण बाहिरियाहिय " विवा० ३; —रुहा. स्त्री० (-रुहा—सत्यपिछिन्ना पुनरारोहतीति) કાપી નાખી હોય તોજ ઉગે એવી એક જાતની વનસ્પતિ (ગળુચી). काट डाली जावे तब ही उगे एसी एक प्रकार की वनस्पति. a species of vegetation which grows only if it is pruned. (Gulachi). पन्न० १; विवा० ३; भग० ०३, १; —सलग. त्रि० (-शंबक) જેમાં પર્વત છેદાઈને પડી ગયેલ છે એવો માર્ગ વગેરે. ऐसा मार्ग जिस में पर्वत छिद कर गिर गया हो. a road etc. obstructed by a mountain which has broken and collapsed. नाया० १८; —सोय. त्रि० (श्रोतस्) જેનો સંસાર પ્રવાહ છેદાઇ ગયો છે તે. जिस का संसार प्रवाह छेदा गया है वह. one whose worldly relations are cut off. जं० प० २, ३१;

*छिक्क. त्रि० (*) સ્પર્શ કરેલું; અડકેલું. स्पर्श किया हुआ; छुआ हुआ. Touched; in contact with. पिं०नि०५३९;

छित्तरा. स्त्री० (*) છાપરું; છત. छत. A roof; a ceiling. " छित्तरा उिक्कयाइ " भग० ८. ६;

छित्तार. त्रि० (छेत्तृ) છેદ કરનાર; નાશ કરનાર. नाश करने वाला. One who cuts off or destroys. आया० १, ७, ३, २०६; प्रव० १३१;

छिद्द न० (छिद्र) જુઓ " छिड्ड " શબ્દ. देखो " छिड्ड " शब्द. Vide " छिड्ड " भग० ३, ३; नाया० २; ८; राय० २५४; पन्न० २; —प्पेहि. त्रि० (-प्रेक्षिन्) છિદ્ર જોનાર. छिद्र को देखने वाला. (One) who looks to the weak points of others. ठा० ५, १; —अंत. पुं० (-अंत) છિદ્રનો અંત-છેડો. छिद्र का अन्त-किनारा. end of a hole. " छिद्दंत दूसंते " भग० १, ६;

छिन्न. त्रि० (छिन्न) જુઓ " छिण्ण " શબ્દ. देखो " छिण्ण " शब्द. Vide. 'छिण्ण' उत्त० २, ५; पिं० नि० ५८४; दस० ४; भत्त० ३२; (२) નિયમિત રીતે જુદું પાડેલું; વિભાગ કરેલ. नियमित रीति से विभक्त. divided; separated. पिं० नि० २३१; ३८८; —कहंकह. त्रि० (-कथंकथ-छिन्ना-ऽपाकृता कथंकथा रागद्वेषादिर्येन असौ) દૂર કરી છે રાગવિલાસાદિક કથા જેણે. जिस ने राग विलासादिक कथा दूर करदी है वह. (one) who has banished talk involving passion, hatred etc. आया० १, ७, ६, २२२; —गंथ. त्रि० (-ग्रन्थ) ગ્રંથ-પરિગ્રહની ગાંઠ-આસક્તિ જેણે છેદી નાખી છે તે. ग्रंथ-परिग्रह की आसक्ति जिसने हटा

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

दी हो वह. (one) who has cut off the knot of attachment to worldly possessions. कप्प० ५, ११६; —पक्ख. त्रि० (-पक्ष) કપાયેલ છે પાંખો જેની તે. कटे पंख वाला. having the wings cut off. भग० १४१;

छिन्नछेयणाइय. त्रि०(छिन्नछेदनयिक) જે સૂત્ર કે ગાથા સ્વતંત્ર અર્થ દશાવે બીજી સૂત્ર કે ગાથાની અપેક્ષા ન રાખે તે છિન્ન છેદનયવાળું કહેવાય જેમ-ધમ્મોમંગલ મુક્કિટ્ઠમ. जो सूत्र या गाथा स्वतंत्र अर्थ बता सके, दूसरे सूत्र या गाथा की अपेक्षा न रखता हो. (An aphorism or a verse) which is complete in sense without dependence on any other aphorism or verse; e. g. "religion is the highest good." सम० २२;

छिन्नाल पुं० (*) હલકી જાતનો બળદ કે ઘોડો. हीन जाति का बैल या घोडा. An ox or a horse of a low breed. उत्त० २७, ७;

छिप्प. त्रि० (स्पृश्य) સ્પર્શ કરવા લાયક स्पर्श करने के योग्य. Worthy of being touched. सू० च० ८, २७;

* **छिप्प.** न० (*) પૂંછડું. पूंछ; दुम. A tail. विवा० २;

छिप्प. न० (क्षिप्र) જલ્દી; ઉતાવળે. जल्दी; शीघ्रता से. Soon; quickly. विवा० १; नाया० १८; —तूर. न० (-तूर्य) ઉતાવળું વાગનાર વાજું. जोर से बजने वाला बाजा. a musical instrument which gives out tunes in rapid succession. "छिप्पतूरेणं वज्जमाणेणं" विवा० १; नाया० १८;

छिप्पतर. त्रि० (क्षिप्रतर) ઉતાવળું. उतावला. Hasty; very quick. विवा० ३;

छिरा. स्त्री० (शिरा) નાડી; નસ. नाडी. An artery. जीवा० १; सूय० २, २, १८; भग० १, ५; ६, ३३;

छिरिया. स्त्री० (क्षीरिका) એક વનસ્પતી; કન્દ વિશેષ. एक वनस्पति; कन्द विशेष. A kind of vegetable with bulbous root. जीवा० १;

* **छिछिय.** न० (*) સીત્કારો કરવો તે. सी २ का आवाज करना. Act of uttering a sibilant sound. पराह० १, ३;

छिवट्ठ. त्रि० (सेवार्त) છેવટ્ઠું સંઘયણ; છ સંઘયણમાંનું છઠ્ઠું સંઘયણ. छः संघयणोंमें से छट्ठा संघयण. The last of the six kinds of Sanghayaṇas (i. e. physical structures of bones etc.). क० गं० २, ४; ५, ४४;

* **छिवा.** स्त्री० (*) ચામડાનો ચાબખો; ચાબખો. चमडे का चाबुक. A leathern whip. पराह० १, ३; —प्पहार. पुं० (-प्रहार) ચાબખાનો માર. चाबुक की मार. a lash of a whip. नाया० २; १७;

* **छिवाडिया.** स्त्री० (*) ભોંયસીંગ; મગફળી. मुमफली. A ground-nut. पन्न० १७; (२) ઝાડની છાલ. झाड की छाल. bark of a tree. दसा० ६, ८;

छिवाडी. स्त्री० (*) સીંગ; ફળી. फली. A pod. आया० २, १, १, २; दस० ५, २, २०; जीवा०३, ४; राय०५५; पन्न०६७१; —पोत्थ. न० (-पुस्तक) પુસ્તકના પાંચ

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foo-note (*) p. 15th.

પ્રકારમાંનો એક; જે પુસ્તકની પહોળાઇ વધારે અને જાડાઇ ઓછી હોય તે પુસ્તક. पुस्तक के ५ प्रकारों में से एक; जिस पुस्तक की चौड़ाई अधिक व मोटाई कम हो ऐसा पुस्तक. one of the five varieties of the shapes of books; viz. a book which is very thin but whose breadth is very great. प्रव० ६७५; —मेत्त. त्रि० (-मात्र) સિંગ-ફળી પ્રમાણ. फली के परिमाण का. of the size of a pod. प्रव० ६७४;

छीअ. न० (क्षुत) છીંક. छींक A sneeze. आव० १, ५, ६, ४;

छींइत्ता. सं० कृ० अ० (*) છીંક ખાઈને; છીંકીને. छींककर. Having sneezed. जं० प० २, ९७; आया० ३, ३,

छीय. न० (क्षुत) છીંકવું તે; છીંક. छींकना; छींक. Sneezing; a sneeze. विशे० ५०१; नंदी० ३८;

छीया. स्त्री० (क्षुता) છીંક ખાવી. छींक खाना; छींक. Act of sneezing; a sneeze. ओघ० नि० ६४२;

छीर. स्त्री० (क्षीर) થીક; દૂધવાળી એક સાધારણ વનસ્પતિ. दूध जैसे रस वाली एक साधारण वनस्पति. A vegetation containing milky juice and having infinite lives. भग० २२, १; पन्न० १;

छीरल. पुं० (क्षीरल) ભુજપર સર્પ વિશેષ. भुजपर सर्प विशेष. A particular kind of serpent. पराह० १, १;

छीरविराली. स्त्री० (क्षीरविदारिका) કન્દ વિશેષ. कन्द विशेष. A particular kind of bulbous root. भग० ७, ३; पन्न० १; जीवा० १;

छुच्छुकार. पुं० (छुच्छुकार) કુતરાને છુ છુ- એ પ્રમાણે શબ્દ કરવો તે. कुत्ते से छु-छु ऐसे शब्द करना. Calling a dog by the sound "chhu-chhu". आया० १, ६, ३, ४;

छुडियवर. न० (*) આભરણ વિશેષ. आभरण विशेष. A particular kind of ornament. जीवा० ३, ३;

छुण्ण. त्रि० (*क्षुण्ण) નપુંસક. नपुंसक; नामर्द. Impotent. पिं० नि० ४२५;

छुयायार. त्रि० (क्षुताचार) ખામી ભરેલ; આચારવાળું. दोष युक्त आचार वाला. Faulty or defective in right conduct. वव० ६, २०;

छुर. पुं० (क्षुर) અસ્ત્રો; સજાઈઓ. उसतरा. A razor. पंचा० १०, ३२; —घर. न० (-गृह) વાળંદની અસ્ત્રા વગેરે રાખવાની કોથળી. नाई की उसतरा वगैरह रखने की थैली. a barber's bag for keeping in razors etc. सू० प० १०; जं० प० ७, १५६; —मुंड त्रि० (-मुण्ड) અસ્ત્રાથી માથું મુંડાવનાર. उसतरे से सिर मुंडाने वाला. (one) who gets his head shaved by means of a razor पंचा० १०, ३९;

छुरय. पुं० (क्षुरक) તિલકનું ઝાડ કે જેના ફુલ સુગંધી અને તલના ફુલ જેવા થાય છે તથા ફળ મીંઢાં અને પિંપળાના જેવા થાય છે. तिलक का वृक्ष; जिसके फूल सुगन्धयुक्त व तिलके फूल जैसे होते हैं व फल मींढ व पीपल के फल जैसे होते हैं. A variety

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

of tree with small fragrant flowers and sweet berry-like fruits; the Tilaka tree. पन्न० १;

छुरिया. स्त्री० (छुरिका) छरी. छुरी. A small knife. उत्त० १६, ६३;

छुहा. स्त्री० (सुधा) ચુનો; કળીચુનો. चूना. Lime; chunam. ओघ० नि० ३२४;

छुहा. स्त्री० ((क्षुधा) ભુખ. भूख; क्षुधा. Hunger "छुहासमावेयणा नत्थि" गच्छा० २; पिं० नि० ६६३; नाया० १; १३; १८; पन्न० २; राय० २५८; सु० च० ३, १८३;

—कम्मंत. न० (-कर्मान्त) क्षुधापरिकर्म; બ્રાહ્મણને રસોઈ નિપજાવવાનું સ્થાન. क्षुधा परिकर्म; ब्राह्मणको रसोई बनाने का स्थान. a place for a Brāhmaṇa to cook food; a kitchen. दसा० १०,१;

—परिसह. पुं० (-परिषह) ભૂખનો પરિષહ; ભૂખસહન કરવી તે. क्षुधा सहन करना. bearing the affliction caused by hunger. भग० ८, ८;

—वेयणिज्ज. न० (-वेदनीय) ક્ષુધા વેદનીય કર્મ; જેના ઉદયથી ભૂખ લાગે છે તે કર્મ. क्षुधा वेदनीय कर्म; जिसके उदयसे क्षुधा लगती है वह कर्म. the Karma by the rise of which one feels hunger. ठा० ४, ४;

छुहिय. त्रि० (क्षुधित) ભૂખ્યું; ભૂખેલ. क्षुधित; क्षुधातुर. Hungry. नाया० १४;

छूढ. त्रि० (*) નાખેલું; ફેંકેલું. फेंकाहुआ; डालाहुआ. Thrown; flung. पिं० नि० ४८; २५४; ५६२; उत्त० २६, ४०;

छेअ-य. त्रि० (छेक) અવસરનો જાણનાર. કુશલ; દીર્ઘદ્રષ્ટા. समय को पहिचानने वाला; कुशल; समय सूचक. Clever; (one) who knows what to do at a particular time. सूय० १, १४, १; ओव० ३०; ३१; जीवा० ३, १; आया० १, ५, १; १४४; भग० ३, १; ७, ६; नाया० १; १६; पण्ह १, ३; विशे० ११४५; कप्प० ४, ६२; दस० ४, ११; राय० १२६, २६५; (२) વિચ્છેદ; અટકાયત. विच्छेद; अटकाव. interruption; hindrance. वेय० २, ४; ५, ५; ओव० २०; उत्त० ३०; ६; (३) વિનાશ; નુકસાની. विनाश; नुकसानी; हरजा. destruction; loss. उत्त० ७, १६; (४) ખંડ; કકડો. खंड; टुकडा a piece; a fragment. राय० ५३;

—आयरिय. पुं० (-आचार्य) નિપુણ એવા શિલ્પના આચાર્ય. शिल्पके निपुण आचार्य. a proficient teacher of arts 'छेयायरियवडएगमहकप्पणाविगप्पेहिं' भग० ७, ६;

—कर. त्रि० (-कर) નાશ કરનાર; છેદી-નાખનાર. नाश करने वाला. (one) who destroys; destructive. पंचा० ३, १२;

—पलिभाग. पुं० (-प्रतिभाग) ભાગનો ભાગ; વિભાગ. हिस्से का हिस्सा. a subdivision. क० गं० ४, ८५;

छेओवट्ठावण. न० (छेदोपस्थापन) એ નામનું બીજું ચારિત્ર; પૂર્વ પર્યાયને છેદી મહાવ્રતોનું આરોપણ કરવું તે. इस नामका दूसरा चारित्र; पूर्वपर्यायका छेदन करके महाव्रतोंका आरोपण करना. Name of the right-conduct in which an ascetic is degraded from his position due to faults and again initiated with the five great vows. विशे० १२६.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुट नोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

छेओवट्ठावणिय. त्रि० (छेदोपस्थापनीक) છેદોપસ્થાનીય નામે બીજું ચારિત્ર. छेदोपस्थापनीय नाम का दूसरा चारित्र. Name of the right-conduct in which an ascetic is degraded from his position due to faults and again initiated with the five great vows. ओव० २०; भग० २४, ६; ७; वेय० ६, २०; पन्न० १; —संजम. पुं० (-संयम) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० २५, ६; —संजय. त्रि० (-संयत) છેદોપસ્થાપનીય ચરિત્રવાળું. छेदोपस्थापनीय चारित्रवाला. an ascetic possessed of the right-conduct as stated above. वेय० ६, २०;

छेज्ज. त्रि० (छेद्य) છેદવા લાયક; (ચારિત્રનો છેદ). छेदनेके योग्य; चारित्रका छेद. Worthy of being cut off; degraded from right-conduct. विशे० १२४४;

छेत्त. न० (क्षेत्र) સ્થાન; સ્થલ. स्थान; स्थल. A place; a region. ओव०

छेत्तार. त्रि० (छेतृ) છેદનાર; કાપનાર. छेदने-काटने वाला. (One) who cuts off. आया० १, २, १, ६६; सूय० १, ८, ४;

छेद. पुं० (छेद) ખંડ; કકડો. खंड; विभाग. A division; a portion. ओव० २०; भग० ५, ४; वव० २, २;

छेदोवट्ठावण. न० (छेदोपस्थापन) જુઓ ' छेओवट्ठावण ' શબ્દ. देखो ' छेओवट्ठावण ' शब्द. Vide. ' छेओवट्ठावण ' उत्त० २८, ३२; ठा० ३, ४; ५, २;

छेदोवट्ठावणिय न० (छेदोपस्थापनिक) જુઓ ' छेओवट्ठावणिय ' શબ્દ. देखो ' छेओवट्ठावणिय ' शब्द. Vide. 'छेओवट्ठावणिय' भग० ८, २;

छेय. पुं० (छेद) નિશીથ આદિ છેદસૂત્ર. निशीथ आदि छेदसूत्र. Niśītha and other Chheda Sūtras. प्रव० ७६६; —गंथ. पुं०(-ग्रन्थ) વ્યવહાર નિશીથ વગેરે છેદસૂત્ર. व्यवहार निशीथ वगैरह छेद सूत्र. Chheda Sūtras such as Vyavahāra, Niśītha etc. प्रव० ७६६; —सुय. न० (-श्रुत) છેદ-પ્રાયશ્ચિત વિધિ બતાવનાર સૂત્રો-નિસીથ, દશાશ્રુત સ્કંધ, વેદકલ્પ અને વ્યવહાર સૂત્ર. छेद-प्रायश्चित विधि बताने वाले सूत्र निशीथ; दशाश्रुत स्कन्ध, वेदकल्प और व्यवहार सूत्र. Sūtras which deal with modes of expiation viz. Niśītha, Daśāśruta Skandha, Vedakalpa and Vyavahāra. वव० १;

छेयगभाव. पुं०(छेदकभाव) છેદાપણું. छिन्नत्व. The state of being cut. विशे० २११;

छेयण. न० (छेदन) ખડગ વિગેરેથી કાપવું તે. खड्ग वगैरहसे काटना. Act of cutting with a sword etc. उत्त० २६,३; सम० ११; ठा० ५,३; (२) કર્મની સ્થિતિનો ઘાત કરવો તે. कर्म की स्थितिका घात करना. cutting off the existence of Karma ठा० १,१; (३) જેનાથી વસ્તુના અંશ-છેદ-પાડી શકાય તે; શસ્ત્ર. शस्त्र. an instrument for cutting. क० प० १, ६;

छेयणग. न०(छेदनक) બે કકડા કરવા તે. दो टुकड़े करना. Cutting into two. पन्न० १२; (२) ચામડાને છેદવાનું શસ્ત્ર. चमडे को छेदनेका शस्त्र. A tool or instrument to cut leather. सूय० २, २, ४८;

छेयणय. न० (छेदनक) જુઓ " छेयणग " શબ્દ. देखो , छेयणग ' शब्द. Vide. ' छेयणग ' सूय० २, २, ४८

छेयपरिहार. पुं० (छेदपरिहार) ચરિત્રનો છેદ અને પરિહાર-તપ चारित्र का छेद और

परिहार तप. Lapse in right conduct, austerity or penance. वव० १, २६; २७; २८; २६;

छेरविरालिया. स्त्री० (छेरविरालिका) વનસ્પતિ વિશેષ. वनस्पति विशेष. A kind of vegetation. जीवा० १;

छेलिअ. न० (*) નાક છીંકવું. नाक छिंकना. Act of clearing away the muscus of the nose by expelling it from the nostrils. नंदी० ३८; (२) સીટી વગાડવી તે. सीटी बजाना. act of whistling. विशे० ५०१;

छेलिया. स्त्री० (*) છાળી; નાની બકરી. छोटी बकरी. A young she-goat. पराह० १, १;

छेवट्ठ. पुं० (सेवार्त) છ સંઘયણમાંનું છઠું સંઘયણ જેમાં હાડકાઓનો પરસ્પર સ્પર્શ માત્ર સંબંધ રહે છે, ખીલી વિના છેદ જોડાઇને રહે છે, તેલ વગેરેથી માલિસ આદિ સેવાની અપેક્ષા રાખે છે તે. जिसमें हड्डीयों का परस्पर स्पर्श मात्र का संबंध रहता है, बिना मेख प्रत्येक छेद जुडाहुआ हो, तैलादि मालिश की अपेक्षा रखता हो ऐसा शरीर का बांधा. The last of the six kinds of bony structures (Sanghayaṇas) in which the bones are kept together without being fastened by a bandage and nails. पन्न० २३; जीवा० १; भग० २४, १; क० गं० १, ३६; ३, ३; ५, ६६; —**संघयण.** न० (-संहनन) છેવટ્ટ સંઘયણ. छेवट्ट संघयण. the Sanghayaṇa known as Chhevaṭṭha. ठा० ६, ४; —**संघयणि.** त्रि० (-संहननिन्) છેવટ્ટ સંઘયણ વાળો. छेवट्ठ संघयण वाला. (one) possessed of Chhevaṭṭha Sanghayaṇa. भग० २४, १;

छोअ. पुं० (छोद) છોતરા. छिलके. Outer harder and useless parts, particularly of vegetable substances chopped off with a knife etc सूय० २, ४, १६;

छोडिय. त्रि० (*) ફોડેલું. फोडा हुआ. Exploded; discharged; broken. ओव० १०;

छोभग. न० (*) આલ; કલંક. दाग; धब्बा; कलंक. A stain; a blemish पिं० नि० ४२०;

ज.

ज. त्रि० (यत्) જે. जो. A relative pronoun meaning who or which. भग० १, १; १२, ४; १०; नाया० १; १६; विशे० १०, १६५;

जअ. त्रि० (यत) યત્નાવંત સાવચેત; અપ્રમાદિ. यत्न करने वाला; सावचेत; अप्रमादि. Self-controlled; self-possessed; circumspect. उत्त० १, ३१; आया० १, ३, ३, १११;

जइ. पुं० (यति) યતનાવંત સાધુ, મુનિ, યતિ. यतनावंत साधु, यति, मुनि. An ascetic; a Sādhu. ओव० ३४; उत्त० २४, १२;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

पिं० नि० १२४; विशे० ८८; ४८३; पंचा० १, ३१; भत्त० १२; क० गं० १, ४६; सु० च० १, २३६; प्रव० ६०; १२१६; —कप्प. त्रि० (-कल्प्य) मुनिने કલ્પે તેવું. मुनि को ग्रहण करने योग्य. such as would be proper for an ascetic. प्रव० २६; —किच्च. न० (-कृत्य) यति-साधुनुं કર્તવ્ય. यति-साधु का कर्तव्य. duty of an ascetic. पंचा० १२, ४०; —जण. पुं० (-जन) સાધુ પુરૂષ. साधु पुरुष. an ascetic; a monk; a saint. "वज्जेयव्वो य सया मुयप्पमाओ जइजणेण" सूय० नि० १, २, १, ४१; —जोग. पुं० (-योग) સ્વાધ્યાય આદિ સાધુનો વ્યાપાર. स्वाध्याय आदि साधु का व्यापार. activity or function of an ascetic e. g. study of scriptures etc. पंचा० ६, १६; —धम्म. पुं० (-धर्म) દસ પ્રકારના યતિ-સાધુનાધર્મ. दस प्रकार के यति-साधु के धर्म. duties of an ascetic classified into ten kinds. "खंतिअज्जवमद्दव मुत्ती तवसं ... संच्चे सोय आकिंचणं च बंभं च जइ धम्मो नाया० १९; प्रव० ४६१;—परिसा. स्त्री०(-पर्षत्)સાધુ લોકોની સભા. साधु लोगों की सभा. an assembly of ecclesiastics. ओव० ३४; राय० —पुच्छा स्त्री०(-पृच्छा) સાધુને શરીર સંયમ સંબંધી વાર્તા પુચ્છવી. शरीर संयम संबंध में साधु से बातचीत करना. act of consulting a Sādhu in the matter of control of body or self. पंचा० १, ४३; —विस्सामण. न०(-विश्रामण) यति-साधुना शरीर आदिनी वैयावच्च करवी ते. यति-साधु के शरीर आदि की सेवा करना-वैयावच्च करना. rendering acts of service to an ascetic e. g. removing his fatigue, nursing etc. पंचा० १, ४५;

जइ. त्रि० (जयिन्) જય મેળવનાર. जय प्राप्त करने वाला. Victorious; conquering. प्रव० ६६६;

जइ. अ० (यति) જેટલું. जितना. An indeclinable meaning "as much in the proportion in which". भग० ७, ३; ८, १; १०; पन्न० १५;

जइ. अ० (यदि) જો કદિ; જોકે; જો; यदि. जोकभी; जोकि; यदि. If ever; though; if. नाया० १; ५; ८; ६; १६; १६; भग० १, ६; ६; २, ५; ३, १; २५, ६; ४१, १; दस० ५, १, ६४; ६, १२; अणुजो० ३; विशे० ८;

जइअ. त्रि० (जयिक) વિજય કરનાર. विजय करने वाला; जय प्राप्त करने वाला. Victorious; conquering. कप्प० ४, ६६;

जइअयव्व न० (यतितव्य) પ્રયત્ન કરવો. प्रयत्न करना; कोशीश करना. Act of making an effort or attempt. "जइयव्वंजाया" भग० ६,३३; नाया० १;५; भत्त० ६; पंचा० १४, ५०;

जइच्छा. स्त्री० (यदृच्छा) અણ ધાર્યું પામવું તે; કાગડાને બેસવું અને તાડને પડવું તે એ ન્યાયેણ. बिना इच्छा के प्राप्त होना वह; काग का बैठना व डालों का गिरना. Accidental occurrence; unexpected happening; e. g. falling down of a palm tree coinciding with the perching of a crow upon it. पण्ह० १, २; —वाइ. पुं० (-वादिन्) દરેક પદાર્થની કારણવિના અણધારી ઉત્પત્તિ થાય છે એમ કહેનાર. प्रत्येक पदार्थ की बिना कारण

भनधारी उत्पत्ति होती है ऐसा वाद करनेवाला. a person holding that the things of the world (i. e. the world) are produced fortuitously by mere accident. नंदी॰

जइण. त्रि (जैन) જિન તીર્થંકરે દર્શાવેલ; જિન સંબંધી. जिन तीर्थंकरने बताया हुआ. जिन संबंधी. Pertaining to, revealed by Jina i. e. Tīrthaṅkara. पंचा॰ ३, ४२; विशे॰ ३८३; १०३८, १०४१;

जइण. त्रि॰ (जयिन्) જયવાન્; જીત મેળવનાર; જિતવાના સ્વભાવવાળું. जीत प्राप्त करनेवाला; जीतने के स्वभाव वाला. Victorious; conquering. ओव॰ ३०; राय॰ ३३; जं॰ प॰ ५,११५; उवा॰ २,१०२; (२) ઘણી ઉતાવળી ગતિ. बहुत शीघ्र गति. great velocity; great speed. " लंघणपवणजइणपमद्दणसमत्थे " राय॰ जीवा॰ ३, १;

जइण. त्रि॰ (जविन्) વેગવાન; વેગવાળું. वेगवान्; वेगवाला; तेज. Fast; speedy. " लंघणवग्गणधावणधोरणतिवई जइणसिक्खिअ गईआ " ओव॰ भग॰ ३, २; जीवा॰ ३, १; —वायाम. पुं॰ (-व्यायाम) ઉતાવળી કસરત. तेज कसरत. fast or quick physical exercise. " लंघणपवणजइणवायामसमत्थे " उत्त॰ टी॰ ६; —वेग. पुं॰ (-वेग) સૌથી વધારે વેગ; ગતિમાન સર્વ પદાર્થો ઉપર જિત મેળવનાર વેગ. सब से अधिक गति; गतिमान; सर्व पदार्थों को जीतने वाला वेग. highest speed; all-conquering speed. भग॰ ३, २:

जइणा. स्त्री॰ (यन्ना) એક જાતની ગતિ. एक प्रकार की गति. A kind of Gati or movement. नाया॰ ४;

जइणी. स्त्री॰ (जविनी) વેગવાળી (સ્ત્રી). गति वाली (स्त्री). (A woman) ,with speedy gait or movement. ओव॰

जइत्ता. स्त्री॰ (यतिता) સાધુ પણું. साधुत्व; साधुपन Monkhood; state of being an ascetic. भत्त॰ ८७;

जइत्तार. पुं॰ (जेतृ) શત્રુના સૈન્યને જીતનાર. शत्रु के सैन्य को जीतने वाला. One that conquers hostile army. ठा॰ ४, २;

जइत्ता. सं॰ कृ॰ अ॰ (याजयित्वा) યજન કરાવીને; યજ્ઞ કરાવીને. यज्ञ कराकर. Having caused a sacrifice to be performed. " जइत्ता विउले जन्ने " उत्त॰ ६, ३८;

जइय. त्रि॰ (जयिक) જય કરનાર; જિતનાર. जय करने वाला; जीतने वाला. Conquering; victorious. नाया॰ १, ८; (२) જય જય શબ્દ. जय जय शब्द. the voice of victory. नाया॰ ८;

जइय पुं॰ (यष्टृ) યાજક; યજ્ઞ કરનાર. यज्ञ कर्ता; यज्ञ करनेवाला. A sacrificer; one who performs a sacrifice. उत्त॰ २५, ३६;

जइवा. अ॰ (यदिवा) અથવા. या. Or; or else. उत्त॰ १, १७; २५, २४;

जइवि. अ॰ (यद्यपि) જોકે તેપણ. जोकि; जोभी. Although; even though. सु॰ च॰ १, १२४; सूय॰ १, २, १, ६; नाया॰ ८; विशे॰ ५०१; मक्का॰ ६६;

जउ. न॰ (जतुन्) લાખ; જતગણી. लाख, जोगनी. A resinous substance called lac used in dyeing etc. पिं॰ नि॰ ३५०; क॰ गं॰ १, ३५; —गोल. पुं॰ (-गोल) લાખનો ગોળો. लाख का गोला. a ball of lac. ठा॰ ४, ४;

जउणा. स्त्री० (यमुना) યમુના; જમના નદી. यमुना, जमुना नदी. The river Yamunā. विवा० ८; ठा० १, २; ५, ३;

जउणावंक. न० (यमुनावक्र) જમુના નદીને કાંઠે એ નામનું એક નગર. यमुना नदी के तट का इस नामका एक नगर. Name of a city on the banks of the river Yamunā. संथा०

जउव्वेय. पुं० (यजुर्वेद) ચાર વેદમાંનો એક વેદ. चार वेदों में से एक. One of the four Vedas so named. भग० ६, ३३; विवा० १, ५; कप्प० १, ६,

जओ. अ० (यतः) જેથી; જેથી કરી; જેમાંથી. जिससे, जिसमें से. From which; since; because. उत्त० १, ७; आया० १, ५, १, १६१; भग० २, १; १५, १; विशे० ३; विवा० १; नाया० २; १३; दस० ७, ११; क० गं० ३, १३;

जओ. अ० (यत्र) જ્યાં. जहां. Where; in which. सम० ३४;

जं. अ० (यत्) જેથી કરીને; જે કારણ માટે. जिस कारण से; जिस वास्ते. So that; reason for which; that for which. नाया० ५; १२; १४; १७; भग० ३, १; १८, ६; क० गं० १, ८; १, ३४; २, ८; जं० प० ५, ११२;

जंकिंचि. अ० (यत्किंचित्) જે કાંઈ. जो कुछ. Any extent to which; anything which. नाया० ६;

जंगम. त्रि० (जङ्गम) હાલતું ચાલતું જંગમ મિલ્કત. चलती फिरती जंगम मालिकत. Moveable; moveable property. पराह० १, १; उत्त० ६, ५; (२) पुं० હાલતા ચાલતા જીવ; ત્રસજીવ. चलते फिरते जीव; त्रस जीव. जं० प० —विस. पुं० (-विष) સર્પ આદિનું ઝેર. सर्प वगैरह का विष venom of a serpent etc. ठा० ६;

जंगल. पुं० (जङ्गल) એ નામનો એક આર્ય દેશ. इस नामका एक आर्य देश. Name of an Ārya country. पन्न० १;

जंगिअ-य. न० (जाङ्गमिक) કોશેટા વગેરે ત્રસ જીવના અવયવથી ઉત્પન્ન થયેલ વસ્ત્ર; ઉન રેશમી વિગેરે. कोशेटा इत्यादि त्रस जीव के अवयव से उत्पन्न ऊन रेशम. Silk, wool etc. produced from the limbs of moving sentient beings such as silkworms etc. "जंगमजायंजंगि तंपुणविगलिंदियबहुविहं" ठा० ३, ३; ५, ३; वेय० २, २२; आया० २, ५, १, १६१;

जंगोल. न० (जाङ्गुल) ઝેર ઉતારવાના ઉપાય બતાવનારૂં શાસ્ત્ર; આયુર્વેદનો એક ભાગ. विष उतारने का इलाज बताने वाला शास्त्र; आयुर्वेद का एक भाग. That part of medical science which deals with the cure of evil effects caused by the poison of serpents etc. विवा० १, ७;

जंगोली. स्त्री० (जाङ्गुली) ઝેર ઉતારવાના ઉપાય દર્શાવનાર શાસ્ત્ર ગારૂડી વિદ્યા. विष उतारने का इलाज दिखानेवाला शास्त्र; मंत्र विद्या. Science dealing with antidotes to snake-bites etc. ठा० ८, १;

जंघा. स्त्री० (जङ्घा) જાંઘ; સાથળ. जांघ, जङ्घा. A thigh. जं० प० जीवा० ३; ३; आघ० नि० भा० ५; ३१६; अणुत्त० ३, १; आया० १, १, २, १६; पिं० नि० ३३०; ओव० १०; उवा० १, ६४; प्रव० १६, ६०५; — ट्ठिया. स्त्री० (-अस्थिका) સાથળના ઉપરના ભાગનું હાડકું. जांघ के ऊपर के हिस्से की हड्डी. the bone of the part above the thigh. तंदु०

—चर. त्रि० (-चर) જાંઘથી-પગથી; ચાલનાર; પાળો. जांघा से-पैरसे चलनेवाला; प्यादा. pedestrian. अणुजो० १२८;

जंघाचारण. पुं० (जङ्घाचारण) તપ વિશેષથી પ્રાપ્ત થયેલી શક્તિવાળા ચારણમુનિ કે જેના ભાવથી જાંઘને થાપડી આકાશમાં અધર જઇ શકે. तप विशेष की एक लब्धि-शक्ति-वाला चारण मुनि कि जो अपनी विद्या के प्रभावसे जंघा को थपथपाकर चाहे ऊपर आकाश में अधर जा सकता है. A class of ascetics who through the force of their spiritual power can move in the sky simply by patting the thighs. भग० २०, ६; प्रव० ६०७; —चारणलद्धि. स्त्री० (-चारणलब्धि) જંઘાચારણ વિદ્યાની પ્રાપ્તિ. जंघा-चारण विद्या की प्राप्ति. acquirement of the knowledge which enables one to move in the sky simply by patting the thighs. भग० २०, ६;

जंघाचारणा. स्त्री० (जंघाचारणा) એ નામની વિદ્યા કે જેના પ્રભાવથી આકાશમાં ઊંચે ઉડી શકાય છે. इस नामकी विद्या कि जिसके प्रभाव से आकाश में उड़ा जा सकता है. A science of that name enabling a person to soar in the sky. भग० २०, ६; —परिजिय. पुं० (-जङ्घापरिजित) એ નામનો સાધુ કે જેણે વશીકરણનો પ્રયોગ કરી મૂલ દોષ લગાડયો હતો. इस नाम का साधु कि जिसने वशीकरण का प्रयोग कर के मूल दोष लगाया था. name of an ascetic who had incurred a blemish by making use of fascination. पिं० नि० ५०७; —बल. न० (-बल) જાંઘનું બલ. जांघ का बल. hardiness, strength of the thighs जीवा० १; —रोम. पुं० (-रोम) જાંઘની રૂવાટી. जांघ पर के नरम नरम बाल. soft hair growing on the thighs. निसी० ३, ४४; —संतारिम. त्रि०(संतार्य) જાંઘથી તરી શકાય તેટલું (પાણી). जंघा से तैरा जासके इतना पानी. (water) reaching the thighs. " अंतरा से जंघा संतारिमे उदगे सिया" आया० २,३,२,१२४;

जंचेव. अ० (यत्रैव) જ્યાં. जहां. Where; at which place. अंत० ३, ८;

जंत. न० (यन्त्र) વશીકરણાદિ પ્રયોગમાં વપરાતો યંત્ર. वशीकरणादि प्रयोग में आने वाला यंत्र. A diagram of some mystical nature used in winning over a certain person. पराह० १,२; (२) નિયમન: નિયંત્રણ. नियमन; नियंत्रण. control. राय०(३) એક પ્રકારનું રથનું ઉપકરણ एक प्रकारका रथका उपकरण one of the parts of a chariot. नाया० १; जं० प० ५, ११५; (४) ઘાણી, ચિંચોડા, ગોફણ વગેરે. घाणी; पीलने के साधन विशेष. oil mill; juice extractors etc. पराह० १,२; —पत्थर पुं० (-प्रस्तर) પાણા ફેંકવાનું યંત્ર; ગોફણ આદિ. पत्थर फेंकने का यंत्र; गिलोल आदि. a weapon (e. g. a sling) to discharge or shoot stones पराह० १, २; —पीलणकम्म. न० (-पीडनकर्म) ઘાણી ચિંચોડા વગેરે ફેરવવાનો ધંધો કરવો તે; શ્રાવકના પંદર કર્માદાનમાંનું બારમું કર્માદાન; સાતમાં વ્રતનો એક અતિચાર. तेल निकालने की चक्की चलाने का उद्योग करना वह; जैनियों के १५ कर्मादानों में से १२ वां कर्मादान; सातवें व्रत का एक अतिचार. occupation of

turning an oil-mill etc.; the 12th of the 15 Karmādānas (sources of incurring Karma) of a Jaina layman; a partial violation of the 7th vow. भग० ८, ५;—लट्ठि. स्त्री० (-यष्टि) યંત્રના ઉપયોગમાં આવતું લાકડું; ચીચોડાનું લાકડું. यंत्र के उपयोग में आता हुआ लकड. wood used in constructing a mill e.g. that for pressing out juice from sugar-cane. दस० ७, २८; —वाडय. पुं० (-पाटक) શેરડી પીલવાનું સ્થલ; શેરડીનો વાડ. गन्ने का रस निकालने का स्थल a place where juice is pressed out of sugar-cane. जीवा० ३, १; —वाडयचुल्ली. स्त्री० (-पाटकचुल्ली) શેરડીનો રસ પકાવવાની ચૂલ. गन्ने का रस पकाने की भट्टी. an oven where the juice of sugar-cane is heated. आया० ३,१; —वाहण. न० (-वाहन) યંત્ર ચલાવવું તે. यंत्र चलाना. working a mill e. g. an oil-mill etc. प्रव० २६८;

जंतिय. त्रि० (यंत्रित) નિયંત્રિત; નિયમિત; કબજે કરેલ. नियंत्रित; नियमित; वश किया हुआ. Kept under restraint. उत्त० १२, १२;

जंतु. पुं० (जन्तु) પ્રાણી; જીવ. प्राणी; जीव. A living being. उत्त० १, १; भग० १, ७; २०, २; (२) જીવાસ્તિકાય નામનું જ્ઞાનાદિ ગુણવાળું દ્રવ્ય; દ્રવ્યનો એક પ્રકાર. जीवास्तिकाय नामक ज्ञानादि गुणवाला द्रव्य; द्रव्य का एक प्रकार. a variety of substance possessed of the attributes of knowledge etc. and named Jīvāstikāya. उत्त० २८, ७;

जंतुग. पुं० (जन्तुक) એક જાતનું ઘાસ કે જેથી ફૂલ ગુંથાય છે. एक प्रकार का घांस कि जिस से फूल गुंथा जाता है. A kind of grass used in knitting together flowers. सूय० २, २, ७; पराह० २, ३;

जंतुय. न० (जन्तुक) જંતુક નામના ઘાસનું પાથરણું. जन्तुक नाम के घांस का बिछौना. Bed made of the grass called Jañtuka. आया० २, २, ३; १००;

√**जंप.** धा० I. (जल्प) બોલવું; કહેવું. बोलना; कहना. To speak; to say.

जंपइ. सु० च० १, १०३;

जपए. सु० च० १, ३७६;

जंपंति. विशे० ५६४;

जप्पंतेत. सूय० १, १, १, १०;

जंपिस्सामि. सु० च० १, २२५;

जंपित्ता. सं० कृ० दसा० ६, १९;

जंपंत. व० कृ० सूय० १, १, २, ४; ओघ० नि० ८०१; आउ० ३२; पराह० २, ३; सु० च० १, ३१३; २, ५७६; पंचा० १२, ४९;

जंपमाण. व० कृ० नाया० ६; पराह० १, १; विशे० २४२०; जं० प० ३, ५२;

जंपग. त्रि० (जल्पक) બોલનાર. बोलने वाला (One) who speaks. पराह० १, ३;

जंपाण. न० (जम्पान) એક પ્રકારનું વાહન; પાલખી વિશેષ. एक प्रकार का वाहन; पालकी विशेष. A kind of vehicle; a particular kind of palanquin सु० च० १०, ११३; ठा० ४, ३;

जंपिय. त्रि० (जल्पित) બોલેલ; કહેલ बोला हुआ; कहा हुआ. Uttered; spoken. उत्त० १२, १४; भग० ११, ११;

जंपिर. त्रि० (जल्पिन्) બોલનાર. बोलने

बाला. (One) who speaks. सू० च० २, २००;

अंबाल. पुं० (जम्बाल) કાદવ; કીચડ. कीचड. Mud; mire. ठा० ३, ३;

जंबु. न० (जम्बु) જાંબુડા. जामुन A fruit of a tree called Jambu. भग० ८, ३३;२२,२; नाया० ६; (२) જાંબુડાનું ઝાડ. जामुन का झाड. a kind of tree. जीवा० १;पन्न०१; (३) જમ્બુ સ્વામી. जम्बू स्वामी. Jambu Svāmi. प्रव० ७००; (४) જમ્બુદ્વીપ. जंम्बूद्वीप. the continent known as Jambū Dvipa. कप्प० ८;

जंबुअ. पुं० (जम्बुक) શિયાળ. सियार. A Jackal. ओघ० नि० भा० ८४; (२) જાંબુનું ફલ. जामुन का फल. a fruit of the Jāmbu tree. सू० च० ११, १०;

जंबुद्दीव. न० (जम्बूद्वीप) જુઓ "जंबूद्दीव" शब्द. देखो "जंबूद्दीव" शब्द. Vide "जंबूद्दीव" जं०प०५,११२; १,३;६, १२४; ५, ११५; सू० प० १; राय० २०; सू० च० २, ८; नाया० १; १३; भग० ५, १; ५; ६, ५; १८, २; २०, ८; जं० प० ५, ११२; १, ३; उवा० २, ११३; कप्प० १, २; २, १४; प्रव० १४१२; —पन्नत्ति स्त्री० (प्रज्ञप्ति) એ નામનું પાંચમું ઉપાંગ સૂત્ર. इस नाम का पांचवा उपांग सूत्र. the fifth Upānga Sūtra so named. भग० ८, १; नंदी०४३; जं० प० ७, १५०; —पमाणय त्रि० (-प्रमाणक) જંબુદ્વીપ પ્રમાણ વાળું. जम्बूद्वीप के प्रमाण वाला. of the measure of Jambudvipa. क० गं० ४, ७५;

जंबुफलकालिया स्त्री० (जम्बूफलकालिका) એક જાતનો દારૂ. एक प्रकार की मदिरा. A kind of liquor. पन्न० १७;

जंबुवती. स्त्री० (जम्बूवती) અંતગડ સૂત્રના પાંચમા વર્ગના છઠ્ઠા અધ્યયનનું નામ. अंतगड सूत्र के पांचवे वर्ग के छटे अध्ययन का नाम. Name of the 6th chapter of the 5th Varga (section) of Antagaḍa Sūtra. अंत० ५, ६;

जंबुसुदंसणा स्त्री० (जम्बुसुदर्शना) એ નામનું ઝાડ કે જેના ઉપરથી આ દ્વીપનું નામ જંબુદ્વીપ પડ્યું. इस नाम का एक वृक्ष कि जिस पर से इस द्वीप का नाम जम्बूद्वीप रखने में आया है. Name of a tree after which Jambudvipa is named. जीवा० ३, ४;

जंबू पुं० (जम्बू) સુધર્મા સ્વામીના શિષ્ય; જંબુ સ્વામી. जंबु स्वामी; सुधर्मा स्वामी के शिष्य. The disciple of Sudharmā Svāmi; Jambu Svāmi. नाया० १; —अणगार. पुं० (अनगार) જંબુ સ્વામી. जम्बु स्वामी. Jambū Swāmi. विवा० १; —फल. न० (-फल) જાંબુડાનું ફલ जामुन का फल. a fruit of the Jāmbu tree राय० जीवा० पन्न० १७; जीवा० ३; —रुक्ख पुं० (-वृक्ष) જાંબુનું ઝાડ. जामुन का झाड. Jāmbu tree. जं० प० ७, १७७; —वण. न० (-वन) જાંબુનું વન. जामुनों का वन. a forest of Jāmbu trees. जं० प०७,१७७; —वणसंड. पुं० (-वनखंड) જાંબુનું નાનું વન. जामुनों का छोटा वन. a small forest of Jāmbu trees. जं० प० ७, १७७; २

जंबूणद. न० (जाम्बूनद) સોનું; સુવર્ણ. सुवर्ण; कांचन. Gold. जं० प०

जंबूणय. पुं० (जाम्बूनद) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. राय० ६१; जीवा० ३, ४; जं० प० उवा०७, २०६;

निषध पर्वत
हरिवास क्षेत्र
महाहेमवंत पर्वत
हेमवंत क्षेत्र
चुल्लहेमवंत पर्वत
भरत क्षेत्र
देव कुरु

जंबुदीव – जंबुद्वीप.

अंबूणयामय. त्रि० (जाम्बूनदमय) સુવર્ણ મય. सुवर्ण मय. Full of gold; golden. भग० ३, ३३;

अंबूद्दीव. पुं० (जम्बूद्वीप) એ નામનો અસંખ્યાત દ્વીપ સમુદ્રમાંનો પ્રથમ દ્વીપ. इस नाम का असंख्यात द्वीप का प्रथम द्वीप. Name of the first Dvipa of innumerable Dvipas in ocean. " कहीणभंते जंबूद्दीव द्दीवे महालवण भंते " सम० १; नाया० १; ८; १६; १६; नंदी० १२; पन्न० १४; ओव० ४३; अणुजो० १०३; १४८; भग० २, ८; १०; ३, १; ७; ठा० १; १; निर० ३, १; —**अहिवइ.** पुं० (—अधिपति) જંબુ દ્વીપનો અધિપતિ અનાદૃત નામનો દેવતા. जम्बूद्वीप का अधिपति अनादृत नाम का देवता. a god named Anādrita, the lord of Jambūdvipa. जं० प० —**पराणत्ति.** स्त्री०(—प्रज्ञप्ति) જેમાં જંબુદ્વીપનું પ્રરૂપણ કર્યું છે તે;જંબુદ્વીપ પન્નતિ નામે એક કાલિક સૂત્ર. कालिक सूत्र कि जिस में जम्बूद्वीप का वर्णन किया है. name of a Kālika Sūtra describing Jambūdvipa. नाया० ८; ठा०४,१; —**प्पमाण.** त्रि० (—प्रमाण) જંબુદ્વીપ પ્રમાણે; જંબુદ્વીપ જેવડું. जम्बूद्वीप के परिमाण का. of the size of Jambūdvipa. भग० ३, ७;

अंबूद्दीवग. त्रि० (जम्बूद्वीपक) જંબુદ્વીપમાં ઉત્પન્ન થનાર મનુષ્ય. जम्बूद्वीप में उत्पन्न होने वाला मनुष्य. A person born in Jambūdvipa. ठा०४, २;

अंबूपल्लवपविभत्ति. न० (जम्बूपल्लवप्रविभक्ति) બત્રીસ પ્રકારના નાટકમાંનું ૨૦ મું જેમાં જાંબુના પાદડાનો વિભાગ દર્શાવવામાં આવે છે તે. ३२ प्रकार की नाटक की विधि में से २० वीं विधि कि जिस में जामुन की पत्तियों का विभाग प्रदर्शित किया जाता है. The 20th of the 32 varieties of dramatic representations characterised by a scene of the leaves of Jambu tree. राय० ६४;

अंबूफलकालिया. स्त्री० (जम्बूफलकालिका) જાંબુડાના જેવી કાલા રંગની મદિરા. जांबुन की सी काले रंग की मदिरा. Liquor as black as Jāmbu fruit. जीवा० ३;

अंबूय. पुं० (जम्बूक) શૃગાલ; શિયાળ. सियार. A jackal. पगह० १, १;

जंबुलय पुं० (जम्बूलक) જંબુ; સાંકડાં મોઢાંનું ઠામ. सुराई; सकडे मुंह का पानी का पात्र. A pot of water with a narrow neck. उवा० ७, १८४;

अंबुवई. स्त्री० (जम्बूवती) કૃષ્ણ વાસુદેવની છઠ્ઠી પટરાણી કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે દીક્ષા લઇ મોક્ષ પધાર્યાં. कृष्ण वासुदेव की छठी पटरानी कि जिन्होंने नेमनाथ प्रभु से दीक्षा ले कर मोक्ष प्राप्त किया. The sixth crowned queen of Krisna Vāsudeva who got religious initiation (Dikṣā) from Lord Nemanātha and attained to final bliss ठा० ८, १; अंत० ५, ७;

जंबुसुदंसणा. स्त्री० (जम्बुसुदर्शना) સુદર્શન નામે જાંબુનું ઝાડ જેના ઉપરથી જંબુદ્વીપ નામ પ્રસિદ્ધ થયેલ છે. सुदर्शन नाम का एक जामुनका वृक्ष जिस परसे जम्बू द्वीप का नाम प्रसिद्ध हुआ है. The Jambu tree named Sudarśana from which the name Jambudvipa is derived. जं० प०

√ जंभ धा० I. (जृम्भ) બગાસું ખાવું. बगासी खाना. To yawn; to gape.

जंभाइत्ता सं० कृ० जं० प० २, २५;
जंभायन्त व० कृ० भग० ११, ११;

जंभग. पुं० (जृम्भक) त्रिच्छालोकवासी देवतानी એક જાત. त्रिच्छा लोक वासी देवता की एक जाति. A class of deities residing in the region known as Trichchhā. "कतिविहा णं भंते जंभगा देवा" भग० १४, ८; नाया० ८; सु० च० २, ३०८; पराह० २, २;

जंभणी. स्त्री० (जृम्भणी) એ નામની એક વિદ્યા. इस नाम की एक विद्या. A science of that name. सूय० २, २, २७;

जंभय. पुं० (जृम्भक) જુઓ "जंभग" શબ્દ. देखो "जंभग" शब्द. Vide "जंभग" नाया० ८; भग० १४, ८; —देव. पुं० (-देव) જુઓ "जंभग" શબ્દ. देखो "जंभग" शब्द. vide "जंभग" नाया० १; ८;

जंभाइय. न० (जृम्भित) બગાસું ખાવું. बघासी खाना. A yawning; a gaping. आव० १, ५; ४, ४;

जंभायमाण. त्रि० (जृम्भमाण) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया० १;

जंभिय. पुं० (जृम्भिक) એ નામનું ગામ. इस नाम का एक गांव. Name of a village. कप्प० ५, ११६;

जंभिय गाम. पुं० (जृम्भिकग्राम) બંગાળામાં આવેલ એક ગામ કે જેની પાસે મહાવીર સ્વામીને કેવલજ્ઞાન પ્રાપ્ત થયું. बंगाल का एक गांव जहां पर महावीर स्वामी को केवलज्ञान प्राप्त हुआ था. Name of a village in Bengal in the vicinity of which Mahāvīra Svāmī attained to omniscience. आया० २; आया० २, १५, १७८; कप्प० ५, ११६;

जंमइअ. न०(यदतीत) સૂયગડાંગ સૂત્રના૧૫મા અધ્યયનનું નામ. सूयगडांग सूत्र के १५ वें अध्ययन का नाम. Name of the 15th chapter of Sūyagadāṅga Sūtra. सूय० १, १५; २५; अणुजो० १३१;

जक्ख. पुं० (यक्ष) યક્ષ; વ્યંતર દેવની એક જાત. जक्ष; यक्ष; व्यन्तर देव की एक जाति. A kind of demi-gods known as Yakṣas; a class of Vyantara gods. सम० ३०; उत्त० ३, १४, १२, ८; ३६, २०७; अणुजो० २०; १०३; ओव० २४; आया० २, १, २, १२; नाया० १; २; ८; ६; ठा० ४, १; ओघ० नि० ४६७; सु० च० १, ३४७; ५, ३१; विवा० १, २; ५; दसा० ६, २४; जीवा० ३, ३; पन्न० १; प्रव० ०, २६१; मत्त० ७८; भग० ३, ५; ४२, १; दस० ६, २, १०; (२) એ નામનો એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર. इस नाम का एक द्वीप व एक समुद्र. name of an island and also that of an ocean. सू० प० २०; पन्न० १५; जीवा० ३, ४; —आइट्ठ. त्रि० (-आविष्ट) યક્ષના આવેશવાળો. यक्ष का आवेश जिसमें है वह. possessed by a Yakṣa. वव० २, १०; १०, १८; ठा० ५, १; —आएस. पुं० (-आवेश) યક્ષનો આવેશ. यक्ष का आवेश. state of being possessed or influenced by Yakṣa. भग० १४; २; १८, ७; —आदित्तय-अ. न० (-आदीप्तक) એક દિશામાં થોડે થોડે આંતરે વીજળીના જેવા ભડકા દેખાય તે; ભૂત પિશાચ વગેરેના ચાળા. एकही दिशा में थोडे थोडे अंतर से बिजली की सी चमक का दिखाई देना; भूत पिशाच इत्यादि का चमत्कार flashes of light seen at intervals in the dark regarded as

the gambols of ghosts etc.; Jack with a lantern. अणुजो० १२७; —आवेश. पुं० (-आवेश) यक्षनो आवेश-प्रवेश. यक्ष का आवेश-प्रवेश. state of being possessed or haunted by a Yakṣa. भग० १८, ७; —आयतन. न० (-आयतन) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. निर० ५, १; —आययण. न० (-आयतन) यक्षनुं आयतन-स्थान-ठेकाणुं. यक्ष मंदिर; यक्ष स्थान. a temple consecrated to a Yakṣa. अंत० १, १; ६, ३; नाया० ५; ६; —आलित्त. न० (-आदीप्त) एक दिशामां थोडे थोडे आंतरे विजळी जेवो प्रकाश देखाय ते. एकही दिशा में कुछ २ अंतर से विद्युत जैसे प्रकाश का दिखाई देना. a flash of light seen at intervals in the dark; jack with a lantern. प्रव० १४८६; —आलित्तअ य. न० (-आदीप्तक) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. ठा० १०, १; जीवा० ३; भग० ३, ७; —इंद. पुं० (-इन्द्र) यक्षनो इन्द्र. यक्षों का इंद्र. the Indra of the Yakṣas. भग० १०, ५. (२) अरनाथजीना यक्षनुं नाम. अरनाथजी के यक्ष का नाम. name of the Yakṣa of Aranāthajī प्रव० ३७६; —आवेस. पुं० (-आवेश) यक्षनो आवेश; वळगाड. यक्ष का आवेश-शरीर प्रवेश. state of being possessed by or under the influence of a Yakṣa. ठा० २, १; भग०१४, २; —(क्खु) उत्तम. पुं० (-उत्तम) यक्षना १३ प्रकारमांनो छेलो प्रकार. यक्ष के १३ प्रकारों में से अन्तिम प्रकार. the last of the thirteen varieties of Yakṣas. पन्न० २; —ग्गाह. पुं० (-ग्रह) यक्षनो आवेश; यक्षनो वळगाड. यक्ष का आवेश; यक्ष का शरीर प्रवेश. state of being possessed by a Yakṣa. भग० ३, ७; जं०प०३,४४; जीवा०३, ३; —देउल. न० (-देवल) यक्षनुं मंदिर. यक्ष का मंदिर. a temple consecrated to a Yakṣa. नाया० २; —पडिमा. स्त्री० (-प्रतिमा) यक्ष देवतानी प्रतिमा. यक्ष देवता की प्रतिमा. an idol of a Yakṣa (a kind of demi-god). राय० १६६; —पाय. पुं० (-पाद) यक्षना पग. यक्ष के चरण. a foot of a Yakṣa. नाया० ८; —मंडलपविभत्ति. स्त्री० (-मंडलप्रविभक्ति) ३२ नाटकमांनुं १० मुं नाटक. ३२ नाटकों में से १० वां नाटक. the 10th of the 32 varieties of dramatic representation. राय० ८२; —मह. पुं० (-मह) यक्षनो महोत्सव. यक्ष का महोत्सव. a festival in honour of a Yakṣa. भग० ६, ३३; राय० २१७; निसी० १६, १२;

अक्खकद्दम. पुं० (यक्षकर्दम) ए नामना बे वाणीआ. इस नाम के दो वैश्य. Two Baniyās named Yakṣa and Kardama (२) ए नामनो एक द्वीप अने एक समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island and also that of an ocean. चं० प० २०;

अक्खदिन्ना. स्त्री० (यक्षदत्ता) बावीसमा तीर्थंकरनी मुख्य साध्वीनुं नाम. बावीसवें तीर्थंकर की प्रधान साध्वी का नाम. Name of the principal nun of the 22nd Tīrthaṅkara. प्रव० ३०६;

अक्खभद्द. पुं० (यक्षभद्र) यक्ष द्वीपनो अधिपति देवता. यक्षद्वीप का अधिपती

देवता. The presiding deity of Yakṣa Dvīpa (i. e. island of the Yakṣas). सू० प० २०;

अक्खमहाभद्द. पुं० (यक्षमहाभद्र) यक्ष द्वीपनो अधिष्ठाता देवता. यक्षद्वीप का अधिष्ठाता देवता. The presiding deity of Yakṣa Dvīpa (i. e. island of the Yakṣas.) सू० प० २०;

अक्खवर. पुं० (यक्षवर) यक्ष समुद्रनो अधिपति देवता. यक्ष समुद्र का अधिपति देवता. The presiding deity of Yakṣa Samudra (i. e. the ocean of the Yakṣas.) सू०प०१९;

अक्खसिरी स्त्री० (यक्षश्री) यक्षश्री नामनी एक ब्राह्मणी. यक्षश्री नामकी एक ब्राह्मणी स्त्री. Name of a Brāhmaṇa woman. नाया० १६;

अक्खा. स्त्री० (यक्षा) स्थुलभद्रनी बहेन स्थूलभद्र की भगिनी. The sister of Sthūlabhadra so named. कप्प०८;

अक्खिणी. स्त्री० (यक्षिणी) २२ मा तीर्थंकरनी मुख्य साध्वी. बावीसवें तीर्थंकर की मुख्य साध्वी. The principal nun of the 22nd Tirthaṅkara. कप्प० ६, १००; सम० प० २३४;

अक्खोद. पुं० (यक्षोद) यक्षोद नामनो समुद्र यक्षोद नामका समुद्र. Name of an ocean. सू० प० १९;

जग. पुं० (*) प्राणी. प्राणी. A living being. सूय० १, ११, ३३;

जग. पुं० (जगत्) जगत; दुनिया; लोक; संसार. जगत; दुनिया; लोक; संसार. The world; worldly existence. सूय० १, १, ३, ८; १, १०, ७; उत्त० १४,४३; पगह० २, १; दस० ८, १२; जं० प० ५, ११२; —**आणन्द.** पुं० (आनन्द—जगतां संक्लिष्टजीवानां दयायां निःश्रेयसाभ्युदयसाधक-धर्मोपदेशद्वारेण आनन्दहेतुत्वात् ऐहिका-मुष्मिकप्रमोदकारणत्वात् जगदानन्दः) संसारना जीवोने धर्म बोध आपी उंच गतीमां लावी आ भव तथा पर भव नो आनंद आपनार; श्री जिनेश्वर. संसार के जीवों को धर्म बोध देकर उच्च गतिमें लाकर इस भव व उस भव का आनंद देने वाला; श्री जिनेश्वर. Śrī Jineśvara so called because he gives delight to worldly beings in this world and the next by religious instruction which elevates them in the scale of spiritual evolution. नंदी० १; **उत्तम.** त्रि० (-उत्तम) जगतमां उत्तम श्रेष्ठ. जगत में उत्तम, श्रेष्ठ. best in the world. प्रव० ४०१; —**गुरु.** पुं० (-गुरु) जगतना गुरु-तीर्थंकर. जगद्गुरु - तीर्थंकर. a world-teacher; a Tīrthaṅkara. प्रव० ४४२; नंदी० १; —**जीवजोणीवियाणय.** पुं० (-जीवयोनिविज्ञायक) जगतजीवोना खरा स्वरूपने जाणनार केवळज्ञानी. जगत् के जीवों के सच्चे स्वरूप को जानने वाला; केवल-ज्ञानी. an omniscient knowing the real nature or essence of the beings on the earth. नंदी० —**जीवण.** पुं० (-जीवन = जगन्ति जङ्गमानि अहिंसकत्वेन जीवयतीति जगज्जीवनः)

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

છકાય જીવના રક્ષક; જિનેશ્વર ભગવાન. छ काय जीवों का रक्षक; जिनेश्वर भगवान. a protector of the 6 kinds of living beings; lord Jineśvara. सम० ३०; —ट्ठभासि पुं० (-अर्थभाषिन्—जगत्यर्था जगदर्था ये यथा व्यवस्थिताः पदार्थाः, तानाभाषितुं शीलमस्येति जगदर्थभाषी) લોક પ્રસિદ્ધ અર્થ-વાત કહેનાર; જેમકે શૂદ્રને આભિર, ઢેઢને ચાંડાલ, આંધળાને આંધળો, પાંગુને પાંગળો વગેરે કહેનાર; નિષ્ઠુર વચન બોલનાર; સત્ય પણ અપ્રિય બોલનાર. लोक-प्रसिद्ध अर्थ-बात कहने वाला, जैसे कि शूद्र को शूद्र, भंगी को चांडाल, अंधे को अंधा, लूले को लूला इत्यादि कहने वाला; निष्ठुर बचन बोलने वाला; सत्य परन्तु अप्रिय बोलने वाला. one who speaks harsh and unpleasant truths plainly and without using euphemisms; e. g. calls a blind man a blind man, an untouchable a Chāṇḍāla etc. " जं कोहणा होइ जगट्ठभासी " सूय० १, १३, ५; —णाह. पुं० (-नाथ) જગતના નાથ; જિનેશ્વર ભગવાન. जगत का स्वामी; जिनेश्वर भगवान्. lord of the world; lord Jineśvara. नंदी० १; —णिस्सिय त्रि० (-निश्रित) લોકમાં રહેલ; જગતને આશ્રી રહેલ. संसार में रहा हुआ; जगत के आश्रित रहा हुआ. residing in the world; having an abode in the world. " जगणिस्सिएहिं भूएहिं " उत्त० ८, १०; दस० ८, २४; —पागड. त्रि० (-प्रकट) જગ જાહેર. जग जाहिर. public; known to the world. पराह० १, १; —पियामह. पुं० (-पितामह) જગતના-દાદા; કુગતિ જતા જીવને બચાવનાર; જગતના પિતારૂપ જિનેશ્વર ભગવાન. जगत के पितामह; दुर्गति जाते जीवों को बचाने वाला; जगत के पितारूप जिनेश्वर भगवान. the grand-father of the world; lord Jineśvara so called because he is a saviour of the world. नंदी० १; —बन्धु. पुं० (-बन्धु—जगतः सकलप्राणिसमुदायरूपस्याव्यापादनोपदेशप्रणयनेन सुखस्थापकत्वाद् बन्धुरिव-बन्धुः) જગતના બંધુ-ભાઈ સમાન; જગતના બધા જીવોને ભાઈ સમાન માનનાર; શ્રીજીનેશ્વર ભગવાન. जगत के बंधु समान; जगत के सब जीवों को भ्राता तुल्य माननेवाला; श्री जिनेश्वर भगवान. Lord Jineśwara, the brother of the world because he bears fraternal affection to the beings of the world. नंदी० १; —सव्वदंसि. पुं० (-सर्वदर्शिन्) જગતને સંપૂર્ણ સ્વરૂપે જોનાર શ્રી જિનભગવાન; શ્રી જ્ઞાતપુત્ર મહાવીર. जगत के संपूर्ण स्वरूप को देखने वाला श्री जिन भगवान; श्री ज्ञातपुत्र महावीर. Lord Mahāvīra who sees and knows fully the real nature of the world. " णाएण जगसव्वदंसिणा " सूय० १, २, २, ३१; —सिहर. न० (-शिखर) જગતના શિખરરૂપ મોક્ષ. जगत् का शिखर रूप मोक्ष. the summit or climax of the world i.e. final bliss. क० गं० ६, ६०; —हित. त्रि० (-हित) જગતનું હિત-ભલું કરનાર. जगत का हित करनेवाला. (one) who is a benefactor of the world. सम० ३२; —हि . त्रि० (-हित) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. सम० ३२;

जगग्ग. न० (जगत्क) જગત્. जगत्. The world; the universe. विशे० १६६८;

जगइ. स्त्री० (जगती) પૃથ્વી. पृथ्वी. The earth. "भूयाणं जगई जहा" उत्त०१,४५; प्रव० १४१२; जं०प०१,५; (२) જંબુદ્વીપને ફરતો કોટ. जंबूद्वीप के चारों ओर का कोट. a fortification encircling Jambūdvipa. सेयं एगाए वइरामईए जगईए सव्वओ " जं० पं० सम० ८; —पव्वयग. पुं० (-पर्वतक) પર્વત વિશેષ; સૂર્યાભ વનખંડમાંનો એક પર્વત. पर्वत विशेष; सूर्याभ वनखंड में का एक पर्वत a particular mountain in Sūryābha forest. राय० १३५;

जगडिज्जंत. त्रि० (कलहायमान) કલહ કરતો. क्लेश करता हुआ. Quarrelling; entering into strife. जगडिजंता विपरकम्माणंहि " गच्छा० ६७;

जगतण. न० (जगत्तृण) એ નામની એક જાતની લીલી વનસ્પતિ. इस नामकी एक प्रकार की हरी वनस्पति. A kind of green vegetation. पन्न० १;

जगती. स्त्री० (जगती) પૃથ્વી. पृथ्वी The earth. सूय० १, ११, ३६; (२) જંબુદ્વીપ આદિ ક્ષેત્રનો કોટ; કિલ્લો. આ કોટ ૮ યોજનનો ઉંચો છે. એની ઉપરની પહોલાઈ ૪ યોજનની અને નીચેની ૧૨ યોજનની છે એના ઉપર પદ્મવર વેદિકા છે અને વચમાં કેટલાક ઝરોખા છે, એનો વર્ણન વિસ્તારથી જીવાભિગમ સૂત્રમાં આપેલ છે, આ ચિત્રમાં કોટનો આકાર, ઉંચાઈ, પહોલાઈ, ઇત્યાદિ બતાવેલ છે. जंबूद्वीप आदि क्षेत्रका कोट, किल्ला. यह कोट ८ योजन का ऊंचा है. इस के ऊपर के भाग की चौडाई ४ योजन की और नीचे (पाये) की चौडाई १२ योजन की है इस के ऊपर पद्मावर वेदिका और बीचमें कई झरोखे हैं. इस का विस्तार से वर्णन जीवाभिगम सूत्रमें दिया गया है. the fortification surrounding Jambūdvipa and other regions. This wall
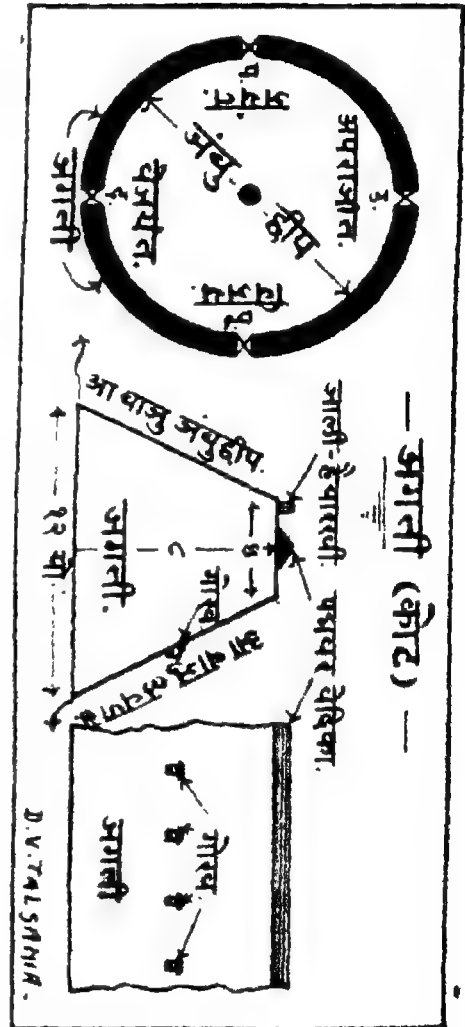
is 8 Yojanas in hight. The breadth at the bottom is 12 Yojanas and at the top 4 Yojanas. There are many lattice windows in the wall. full particulars can be had

from Jīvābhigami Sūtra. जीवा० ३, ४;

जगती(ति)पव्वय. पुं० (जगति पर्वत) जुओ " जगइ पव्वयग " शब्द. देखो " जगइ पव्वयग " शब्द. Vide " जगइ पव्वयग " जीवा० ३, ४;

जगप्पइ. पुं० (जगत्पति) जगत्स्वामी. The lord of the universe. जं० प० ४, ११२;

जगय. न० (यकृत) कलेजुं. कलेजा; हृदय. The liver. (२) ते भागनो रोग. कलेज की बिमारी; हृदय का रोग. a disease of liver. भग० १०, ३;

जगारी स्त्री० (०) राजगरो; एक जातनुं धान्य. राजगरा; एक प्रकार का धान्य. A kind of corn. " असणं ओयणं सत्तुग मुग्गं जगारीइं " दसा० ५, २७;

√ **जग्ग.** धा० I. (जागृ) जागवुं; उजागरो करवो. जागना; जागरण करना. To remain awake, to wake.

जग्गइ. ओघ० नि० ८४;

जग्गन्त. विशे० १४४;

जग्गावेइ. आया० १, ६, २, ६;

जग्गण. न० (जागरण) जागरण; निद्रा न लेवी ते; उजागरो करवो ते. जागरण; निद्रा न लेना यह; जागृत रहना. Remaining awake; a vigil पगह० १, १; ओघ० नि० १०६;

जग्गुण. त्रि० (यद्गुण) जेटला गणुं. जितना गुना. Multiplied as many times; taken as many times. प्रव० ३२;

जघण. न० (जघन) केडनी नीचेनो भाग; साथल. कमर से नीचे का भाग. The fleshy part below the waist. कप्प० ३, ३६;

जघरण. त्रि० (जघन्य) थोडामां थोडुं; ओछामां ओछुं. कम से कम. Minimum; least. सू० प० १८;

जघरिणय. त्रि० (जघन्य) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. सू० प० १;

जच्च. त्रि० (जात्य) स्वाभाविक. स्वाभाविक. Natural; innate. पगह० १, ४; (२) जातवान्; जातिवुं; प्रधान; श्रेष्ठ; उत्तम. जानवान्; प्रधान; श्रेष्ठ; उत्तम. prominent; excellent of its kind. कप्प० ३, ३५; ज० प० २, ३१; नंदी० ३१; ओव० १०; १७; ३१; विशे० १४७०; सू० च० २, ६; ६३८; भग० ११, ११; १५, १; नाया० १२; —**अंजन.** न० (-अञ्जन) शुद्ध अंजन. शुद्ध अंजन. pure collyrium (for the eye). " जच्चंजण भिंगभेय रिट्ठग भमरावलिगवल गुलिय कज्जल समप्पभेसु " नाया० १; कप्प० ३, ३६; —**कंचण.** न० (-कांचन) जातीलुं सोनुं; शुद्ध सुवर्ण. शुद्ध सुवर्ण. pure gold. कप्प० ३, ३६; —**रिणय** त्रि० (-अन्वित) उंच; जातिवान; कुलीन. कुलीन; उच्च जातिका. noble born; born in a high family. सूय० १, १३, ७; —**त्रिअ.** त्रि० (अन्वित) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. vide above. सूय० १, १३, ७;

जजुव्वेय. पुं० (यजुर्वेद) चार वेदमांनो बीजो वेद; ब्राह्मण धर्मनुं मूल पुस्तक. चारों वेद में का द्वितीय वेद; ब्राह्मण धर्म

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

की मूल पुस्तक. The second of the four Vedas held sacred by the Brāhmaṇas. भग० २, १; नाया० ५; १६; ठा० ३, ३; आव० ३८; विवा० ५;

अज्झर. त्रि० (जर्जर) જીર્ણ જુનું-પુરાણું. जीर्ण, पुराना. Old; tottering; भग० ६, ३३; —घर. न० (-गृह) જીર્ણ ઘર. जीर्ण घर. tottering house. भग० ६, ३३;

अज्झरिअ-य. त्रि० (जर्जरित) જાજરો; ખોખરો; જીર્ણ થયેલ; લડથડી ગયેલ. जर्जरित; जीर्ण, लथडा हुआ; भारी; बैठा हुआ. Worn out; tottering. ठा० ४, ४; पराह० १, १; राय० २४८; नाया० १; भग० ११, ३; —सह. पुं० (-शब्द) ખોખરો અવાજ भारी या बैठा हुई आवाज; रूखा स्वर. hoarse and feeble sound ठा० १०;

अज्जाव. न० (यावज्जीव) જીવતાં સુધી. जीवन पर्यंत. As long as life lasts. पिं० नि० ५०६;

अट्ठा. सं० कृ० अ०(इष्ट्वा) યજ્ઞ કરીને; હોમ કરીને. यज्ञ कर के, होम कर के. Having performed a sacrifice. उत्त० ६, ३८;

अड. त्रि० (जड) જડના વાળો; વિવેકરહિત; મૂર્ખ. जड; विवेकहीन; मूर्ख. Devoid of common sense; foolish. राय० २४०;

अडा. स्त्री० (जटा) માથાના કેશનો સમૂહ; જટા. शिर के केशों का समूह; जटा. The hair on the head twisted together. नाया० १६; —मउड. न० (-मुकुट) જટા રૂપી મુકુટ. जटा रूपी मुकुट a crown in the form of hair twisted together. नाया० १६;

अडि. पुं० (जटिन्) જટાધારી; યોગી. जटाधारी; योगी. A person with matted hair on the head; an ascetic; a Yogi. भग० ६, ११; ओव० ३१; जं० प० ३६७; भत्त० १००;

अडत्त. न० (जटित्व) જટાધારીનો ભાવ; જટા. जटाधारी पन; जटा. State of being an ascetic with matted hair on the head; matted hair on the head. जं० प० ३, ६७; उत्त० ५, २१;

अडियाइलग. पुं० (जटिलायक) ૮૮ ગ્રહ-માંનો ૫૩ મો ગ્રહ. ८८ ग्रहों में से ५३ वां ग्रह. The 53rd of the 88 planets "दो जडियाइलगा" ठा० २, ३;

अडियाल. पुं० (जटाल) ૮૮ ગ્રહમાંનો ૫૩ મો ગ્રહ. ८८ ग्रहों म में ५३ वां ग्रह. The 53rd of the 88 planets सू० प० २०;

अडिल. त्रि० (जटिल) જટાધારી; જટાવાળું. जटाधारी; जटावाला. Having matted hair on the head. "एगं महं कोसं गंठियं सुक्कं जडिलं गठिलं" प्रव० ७३४; (२) पुं० રાહુ. राहु. Rāhu (a planet that causes lunar and solar eclipse. सू० प० २०;

अडिलय. पुं० (जटिलक) રાહુનું બીજું નામ. राहु का दूसरा नाम. A synonym of Rāhu (a planet which causes lunar or solar eclipse). सू० प० २०; भग० १२, ६;

अडुल. पुं० (जटिल) કેશરી સિંહની માફક જટાધારી એક જાતનો સાપ. केशरी सिंह

जैसा जटाधारी; एक प्रकार का सर्प. A kind of serpent having a mane like that of a lion. "उक्कड फुडकुडिलजडुलकक्खड विकडफडाडोवकरणदच्छं" भग० १५, १; नाया० ८;

* **जडु.** पुं० (*) હાથી. हस्ती. An elephant. ओघ० नि० ३३८; पिं० नि० ३८६;

जडु. त्रि० (जड) બોલવામાં દેખવામાં અને કાર્યમાં જડ-મૂર્ખ-કે જે દીક્ષા દેવા યોગ્ય નથી. बोलने में, दिखने में व कार्य करने में जड-मूर्ख कि जो दीक्षा देने योग्य न हो. (One) who is stupid in speech, appearance and actions and so unfit to enter the religious order. "बाले वुड्ढे नपुंसेय कीवे जड्डेय वाहिए" प्रव० ७८३;

जढ. त्रि० (हीन) તજી દીધેલ; છોડેલ; મૂકેલ. त्याग किया हुआ, त्यक्त. Abandoned; left. दस० ६, ६१; मत्था० ओघ० नि० १८७; ४२१;

√ **जण्.** धा० I, II. (जन्) જણવું; ઉત્પન્ન કરવું. जन्म देना; पैदा करना. To give birth to; to produce.

जणेइ. सु० च० २, ३७६;

जणंति. दस० ६, ३८.

जणयन्ति. आया० १, २, १, ६३;

जणाइस्सइ. आया० २, ३, ८,

जणित्ता. सं० कृ० ओव० ३२;

जणिउं. हे० कृ० सु० च० २, २२६;

जणेमाण व० कृ० पिं० नि० १८६;

जण. पुं० (जन-जायते इति जनः) લોક; માણસ; મનુષ્ય. मनुष्य; आदमी. A man; a person; people. नाया० १; २; ७; १४; १७; १८; भग० १, १; २, ५; ७, ६; पिं० नि० १२४; १६४; सू० प० १; राय० अणुजो० १३०; उत्त० १०, १९; ओव० सु० च० ४, १५२; ववं० १, २३; नंदी० ८; पंचा० ७, १६; कप्प० ३, ४०; क० गं० १, ५०; (२) જન-સગાવહાલા. जन-सम्बन्धी. relatives. आया० १, ६, ८, १८३;

—**आणंद.** पुं० (-आनन्द) જન સમાજને આનન્દ આપનાર. जन समाज को आनंद दाता. one that pleases or delights mankind or human society. प्रव० ३८६; —**उम्मि.** पुं० (-ऊर्मि) તરંગમાંથી તરંગ ઉઠે તેવી રીતે માણસોના ટોળેટોળા નીકળે તે. जिस प्रकार तरंग में से तरंग निकलता है उसी प्रकार मनुष्यों के समूह के समूह निकलना. surging crowds of men. राय० ओव० ३७; —(गा) **उवयार.** पुं० (-उपचार) લોકપૂજા; સ્વજનાદિકથી થતી પૂજા. उपचार; स्वजनों से होता हुआ worship or honour paid by relatives or other people. पंचा० २, ३६; ८, ४७; —**कलकल.** पुं० (-कलकल) માણસોનો 'કલ કલ' એવો અવાજ. मनुष्यों का कलकल ऐसा आवाज. bustling sound made by a concourse of men. राय० —**क्खय.** पुं० (-क्षय) માણસનો ક્ષય; મરણ. मनुष्य का क्षय; मरण. death of a man. भग० ३, ७; ७ ६; —**क्खयकर.** त्रि० (-क्षयकर) લોકનો ક્ષય કરનાર. लोगों का क्षय करने वाला. (one) that destroys

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

men. " बहु जणक्खय करा संगामा " पराह० १, ४; —जंपणय. न० (-जल्पनक) લોકોમાં અપવાદ. लोगों में अपवाद. censure among people. गच्छा० ६४; —प्पमद्द. न० (-प्रमर्द) લોકોનું ચૂર્ણ નાશ. लोगों का नाश. destruction or annihilation of people. भग० ७, ६; —पूयणिज्ज. त्रि० (-पूजनीय) લોકમાં પૂજનીય; લોકમાન્ય. लोगों में पूजनीय; लोकमान्य. deserving of honour or worship among people. पंचा० २ ८;—वूह. पुं०(-व्यूह) માણસોનો સમૂહ. मनुष्यों का समूह. a concourse or crowd of men. भग०२, १; ११, ११; —बोल. पुं० (-शब्द) માણસોનો અવ્યક્ત અવાજ. मनुष्यों का अव्यक्त आवाज. indistinct noise made by men. विवा० १, १; —मणोहर. त्रि० (-मनोहर) લોકોનાં ચિત્તને આકર્ષનાર. लोगों के चित्त का आकर्षण करने वाला. (one) that attracts the minds of men; charming. पंचा०६, १८; —वह. पुं० (-वध) માણસોની ઘાત. मनुष्यों का वध. killing or slaughter of men भग० ७, ६; —वहा. स्त्री० (-व्यथा) જન પીડા; લોક પીડા. जन पीडा; लोक पीडा. affliction of people; giving pain to men. भग० ७, ६; —वाय. पुं० (-वाद) માણસો સાથે પરસ્પર વાર્તાલાપ કરવો તે; વાતચિત કરવી તે. मनुष्यों के साथ परस्पर वार्तालाप करना. mutual conversation among men. श्रोव० (२) લોકો સાથે વાર્તાલાપ-સંવાદ* કરવાની કલા; વાતચીતથી માણસોને પસંદ કરવાની કલા. लोगों के साथ वार्तालाप—संवाद करनेकी कला; वाकचातुर्य. the art of pleasing men by conversation; adroitness in conversation. जं० प० श्रोव० ४०; नाया० १; —संवट्टकप्प. त्रि० (-संवर्तकल्प) માણસોના સંહાર જેવું. मनुष्यों के संहार समान. like the annihilation of men or people. भग० ७, ६; —सद्द. पुं० (-शब्द) માણસોનો અવાજ; કોલાહલ. मनुष्यों का आवाज; कोलाहल. bustling sound of a concourse of men. नाया०१;विवा०१; भग० ११, ११; —सम्मद्द पुं० (-संमर्द) લોકોનો પરસ્પર અવાજ; કોલાહલ. लोगों का परस्पर आवाज; कोलाहल. bustling sound made by a concourse of men. ठा० ४, १; भग० २, १; —सया-उल. त्रि०(-शताकुल) સેંકડો માણસોથી વ્યાપ્ત. सैंकडों मनुष्यों से व्याप्त. full of, containing hundreds of men. भग० ११, १०;

जणइत्तार. पुं० (जनयितृ) ઉત્પાદક; ઉત્પન્ન કરનાર. उत्पादक; उत्पन्नकर्ता. A generator; a producer. ठा० ४, ४;

जणग पुं० स्त्री० (जनक) જનક; માતાપિતા વગેરે. जनक; माता पिता वगैरह. One who begets; e.g. a father, a mother etc. श्राया० १, ६, १, १८०; पंचा० ६, ६;

जणण पुं० न० (जनन) ઉત્પત્તિ. उत्पत्ति Production; creation. "गंभीर रोम हरिस जणण" भग० ६, ५; नाया० १; उवा० ८, २४६, पंचा०३, ४४; ६, १२;

जणणी. स्त्री० (जननी) માતા. माता. A mother पिं० नि० ४८७; उवा०३, १३५; जं० प० ५, ११२; पंचा० ७, ३४; —कुच्छिमज्झ. न० (-कुक्षिमध्य) માતાની કુક્ષિમાં. माता की कुक्षिमें. in the

womb of a mother. तंदु॰ —गब्भ. पुं॰ (-गर्भ) માતાનો ગર્ભાશય. माता का गर्भाशय. the womb of a mother. प्रव॰ १३८१;

जणपय. पुं॰ (जनपद) દેશ. देश. A country. उत्त॰ ६, ४;

जणय. पुं॰ (जनक) પિતા. पिता. A father. प्रव॰ ८; —नाम. पुं॰ (-नामन्) પિતાનું નામ. पिता का नाम. name of one's father. प्रव॰ ४;

जणवअ-य. पुं॰ (जनपद) દેશ; રાષ્ટ્ર. देश; राष्ट्र. A country. उत्त॰ २६, २१; आया॰ १, ३, २, ११३; १, ६, ५, १६४; नाया॰ १; ५; ८; १२; १५; १६; १८; पराह॰ १, ३; राय॰ २८२; निर॰ १, १; पन्न॰ ११; जं॰ प॰ २, ३६; सु॰ च॰ २, ४; भग॰ २, १; ५; ७, ६; १०; ६, ३३; १३, ६; १५, १; प्रव॰ ८६८; कप्प॰ ४, ८६; —कल्लाणिआ. स्त्री॰ (-कल्याणका) ચક્રવર્તીની રાણીઓ. चक्रवर्ती की रानियां. any of the queens of a Chakravarti. ज॰प॰ —पाल. पुं॰ (-पाल-जनपदं पालयति इति जनपदपालः) દેશનો પાલણહાર; રક્ષક; રાજા. देश का पालने वाला; रक्षक; राजा. the protector of a country; a king. ओव॰ —पिया. पुं॰ (-पितृ) દેશનો પિતા; પાલનાર. देश का पिता; पालने वाला. the father i. e. the protector of a country. ठा॰ ६; —पुरोहिय पुं॰ (-पुरोहित जनपदस्य शान्तिकारित्वा-पुरोहित इव जनपदपुरोहितः) દેશમાં શાંતિ કરનાર; પુરોહિત. देश में शान्ति करनेवाला, पुरोहित. one who gives peace of mind to people; a religious preceptor. ओव॰ —प्पहाण. त्रि॰ (-प्रधान) દેશમાં પ્રધાન-શ્રેષ્ઠ. देशमें प्रधान, श्रेष्ठ. prominent, renowned in a country. "भंजिहय जणवयप्पहाणाहिं कालियंता" पराह॰ १, ४; —वग्ग. पुं॰ (-वर्ग) દેશનો સમુદ. देशों का समूह. a collection or group of countries. भग॰ ३, ६; —सच्च. न॰ (-सत्य-जनपदेषु देशेषु यद् यदर्थवाचकतया रूढं देशान्तरेऽपि तत् तदर्थवाचकतया प्रयुज्यमानं सत्यमवितथमिति जनपदसत्यम्) દશ પ્રકારના સત્યનો પહેલો પ્રકાર. दश प्रकार के सत्य का पहिला प्रकार. the first of the ten kinds of truth. ठा॰ १०; —सच्चा. स्त्री॰ (-सत्या—जनपदमधिकृत्येष्टार्थप्रतिपत्तिजनकतया व्यवहार हेतुत्वात् सत्या जनपद सत्या) સત્ય ભાષાના દશ પ્રકારમાંનો પહેલો પ્રકાર. सत्य भाषा के दश प्रकारो में से पहिला प्रकार. the first of the 10 kinds truthful speech. पन्न॰ ११;

जणिअ-य. त्रि॰ (जनित) ઉત્પન્ન થયેલ. उत्पन्न. Born; produced. ओव॰ २६; नाया॰ १; भग॰ ६, ३३; सु॰ च॰ १, १६; —पमाअ. पुं॰ (-प्रमाद) પ્રમાદ ઉત્પન્ન થયેલ. जिसको प्रमाद उत्पन्न हुआ हो वह. one who has committed an act of negligence. नाया॰ १०; —मोह. त्रि॰ (-मोह) ઉત્પન્ન કર્યો છે મોહ જેણે તે. जिसने मोह उत्पन्न किया वह. (one) that has caused or produced infatuation. भत्त॰ १२०; —संवेग. त्रि॰ (-संवेग) મોક્ષાભિલાષા ઉત્પન્ન થયેલ. जिसको मोक्षाभिलाषा उत्पन्न हुई हो. (one) in whom a desire for salvation has been generated. नाया॰ १०; —हास. पुं॰ (-हास) હાસ્ય ઉત્પન્ન થયેલ. जिसको हर्ष उत्पन्न हुआ हो. (one) in whom joy

has been produced. नाया० ८;

जरण. पुं० (यज्ञ) यज्ञ-नागादिनी पूजा-होम. यज्ञ-नागादिकी पूजा- होम हवन A sacrifice; worship of serpents etc. भग० ६, ३३; उत्त० ६, ३८; नाया० १; २; (२) स्व स्व ईष्टदेवनी पूजा. अपने अपने इष्ट देव की पूजा. worship of one's own special or family-deity. जं०प० जीवा०३; —जाइ. पुं० (-याजिन्) यज्ञ करनार. यज्ञ करने वाला. one who performs a sacrifice or worship. ओव० —ट्ठ. पुं० (-अर्थ) यज्ञना प्रयोजन वालो. यज्ञके प्रयोजनवाला (one) having sacrifice or worship as a motive or end. "जनट्ठा य जे दिया" उत्त० २५, ७; —ट्ठि. पुं० (-अर्थिन्) भाव यज्ञनो अर्थी, इच्छनार भाव यज्ञ करने के उत्सुक. (one) desirous of a sacrifice in a spiritual sense. "जन्नट्ठी वेयसां मुहं" उत्त० २५, १६;

जरणदत्त. पुं० (यज्ञदत्त) ए नामना साधु. इस नाम का साधु. Name of an ascetic. कप्प० ८; —वाड. पुं० (-वाट) यज्ञ वाडो; ज्यां यज्ञथाय छे ते स्थान-जग्या. यज्ञ का बाडा; जहां पर यज्ञ होता हो वह स्थान. a place where a sacrifice is performed. उत्त० १२, ३; —सिट्ठ. पुं० (-श्रेष्ठ-यज्ञेषु श्रेष्ठो यज्ञ श्रेष्ठः) उत्तम यज्ञ. उत्तम यज्ञ. the highest kind of sacrifice. "वोसट्ठ काया सुइचत्तदेहा महाजयं जयइ जयणसिट्ठं" उत्त० १२, ४२;

जरणइ. पुं० (यज्ञिन्) यज्ञ करनार तापसनी एक जात. यज्ञ करने वाले तापसकी एक जाति. One who performs a sacrifice; a kind of an ascetic. ओव० ३८; भग० ११, ६;

जरणइज्ज. न० (यज्ञीय) ए नामनुं उत्तराध्ययन सूत्रनुं पचीसमुं अध्ययन. इस नाम का उत्तराध्ययन सूत्र का पचीसवां अध्ययन. Name of the 25th chapter of Uttarādhyayana Sūtra. सम० ३३; अणुजो० १३१;

जरणं. अ० (यच्च) जे कंइ. जो कुछ Anything; whatever ओव० ३८; ४०; नाया० १; भग० ३, १; ५, ५; (२) जेथी; जेथी करीने; जे माटे जिसके कारण; जिस वास्ते. by which; so that. भग० ३, १; ५, ४; वव० १, २३; नाया० १४;

जरणोवईय. न० (यज्ञोपवीत) जनोइ. यज्ञोपवित A sacred thread worn on the body. भग० १३, ६; नाया० १६;

जरह. अ० (यस्मात्) जेथी; जे माटे. जिस से; जिस लिये. For which; from which. नाया० ८;

जरहवी. स्त्री० (जान्हवी) गंगा नदी. गङ्गा नदी. The river Ganges. प्रव० १२७२;

जतमारा. त्रि० (यतमान) यत्नवाळुं. यत्नवान. Carefully trying or attempting; making efforts to accomplish an object. आया० १, ६, २, ४; १, ४, १, १२६;

जति. अ० (यदि) जुओ "जइ" शब्द. देखो "जइ" शब्द, Vide "जइ" भग० १२, १;

जति. पुं० (यति) साधु; मुनि. साधु; मुनि. An ascetic; a saint. पंचा० ५, ३३; १०, ३४; १२, १;

जतियव्व. त्रि० (यतितव्य) यत्न करवा योग्य. यत्न करने के योग्य. Worthy of being accomplished by efforts; worth attempting. पंचा० १५, ४०;

जतु. न० (जतुष्) લાખ; જોગણી. लाख; चपडी. Lac; a dark-red transparent resin. भग० ११, २; सूय० १, ४, १, २६; —**कुंभ.** पुं० (-कुम्भ) લાખનો ઘડો. लाख का घडा. a pot of lac. सूय० १, ४, १,२६; —**गोल** पुं० (-गोल) લાખ-જોગણીનો ગોળો. लाख-चपडी का गोला. a globe of lac; a ball of lac भग० १५, १; —**गोलासमाण** त्रि० (-गोलसमान) લાખના ગોળા જેવું. लाख के गोले जैसा. resembling a ball of lac. भग० १५; १;

जत्त. त्रि० (यत्तत्) જે તે. जो; वह; जो; सो. That-which; anybody. उत्त० १, २१;

जत्त. त्रि० (यावत) જેટલું. जितना. As much; to the extent to which. गच्छा० ११८;

जत्त. पुं० (यत्न) યત્ન; પ્રયાસ; મહેનત. यत्न; प्रयास, मिहनत. Effort; attempt; labour. दस० ६, ३, १३; भग० ६, ३३; पंचा० १, २९; (२) त्रि० યત્નવંત. यत्नवन्त. full of effort; carefully attempting. आया० १, १, ४, ३३;

जत्ता. स्त्री० (यात्रा) પ્રયાણ; જવું. प्रयाण; निकलना; रवाना होना. Going; setting out. ओव० २६; नाया० ८; ६; (२) સંયમ નિર્વાહ, સંયમ પાલન; તપ નિયમ સંયમ; સ્વાધ્યાય આદિમાં ચિત્તને લગાવવું તે संयम निर्वाह; संयम पालन; तप नियम संयम; स्वाध्याय आदि में चित्त को लगाना. observance of ascetic rules and practices; applying the mind to the study of scriptures etc. " किंते भंते जत्ता ? सो मिला ? " भग० १८, १०; नाया० ५; उत्त० २३, ३२; पंचा० ६, ३; प्रव० ६६; —**अभिमुह.** त्रि० (-अभिमुख) યાત્રા-ગમન કરવાને તૈયાર થયેલો-સન્મુખ થયેલ. यात्रा-गमन करने को तैयार, सन्मुख आया हुआ prepared, ready to set out or start. ओव० २६; —**पडिणियत्त.** त्रि० (-प्रतिनिवृत्त) યાત્રા કરી પાછા વળેલ. यात्रा करके वापस लौटा हुआ. returned from travel, pilgrimage etc. निसी० ६, २४; —**भयअ.** पुं० (-भृतक—त्रियत इति भृतकः सहायार्थं यात्रायां भृतको यात्राभृतकः) દેશાન્તરમાં મુસાફરી કરતી વખતે સાથેનો નોકર. देशान्तर में यात्रा करते समय संग रहने वाला नौकर. a servant engaged to serve during a foreign travel. ठा० ४, १; —**भयग.** पुं० (-भृतक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide above. ठा० ४, १; —**संपत्थिय.** त्रि० (-संप्रस्थित) યાત્રાએ જવાને તૈયાર થયેલ. यात्रा करने को (के लिये) जाने का तत्पर. bound for, prepared for starting on a travel or a pilgrimage. निसी० ६, १३; —**सिद्ध.** पुं० (-सिद्ध) જે બાર વખત સમુદ્રની યાત્રા કરી ક્ષેમ કુશલ-સહીસલામત ઘરે આવે તે યાત્રા સિદ્ધ કહેવાય. बारह बार समुद्रयात्रा क्षेम-कुशल-सहीसलामत करके घर पर आवे उसे यात्रा सिद्ध कहा जाता है. one returning safely after twelve sea-voyages. राय०

जत्तिय. त्रि० (यावत्) જેટલા; જેટલા પ્રમાણનો. जितना; जितने प्रमाण का. As much; of as much extent or proportion. उत्त० ३०; २०; तंदु० ३; भग० ३, ६; ८, १; ११, २; १९, ७; पिं० नि० —**काल.** पुं० (-काल) જેટલો વખત. जितना

समय. as much time; as much extent of time. क० गं० ५, ८७;

जत्तो. अ० (यतस्) જેથી; જે પાસેથી. जिससे; जिसमें से; From which; whence; पिं० नि० ८७;

जत्थ. अ० (यत्र) જ્યાં; જેમાં; જે સ્થલે. જે જગ્યા એ. जिसमें; जहां; जिस स्थान पर. Where; in which; at which place. अणुजो० ८; उत्त० ६, २६; नाया० ध० निर० ४, १; पिं० नि० ७६; वव० १, ३७; दस० ५, १, २१; ७, ६; नाया० १३, १६; भग० ३, १, ८, १; १२, ४; १६, ७; वेय० १, ४६; ४, १८; गच्छा० ७८; प्रव० ७५, ४८७;

जत्थेव. अ० (*यत्रैव-यत्र) જ્યાં. जहां; जिस स्थान पर. Where; at which place. भग० ८, ६; १५, १;

जदा. अ० (यदा) જ્યારે; જે વખતે. जब; जिस समय. When; at the time when. भग० १२, ६;

जदि. अ० (यदि) જુઓ " जइ " શબ્દ. देखो " जइ " शब्द. Vide " जइ " भग० १२, १; २०, ५; २४, २०;

जदिच्छिअ. त्रि० (यादृच्छिक) યથેચ્છિક; અકસ્માત બનેલું. दैवयोग से बना हुआ. Accidental; fortuitous. विशे० ११५;

जदुणंदण. पुं० (यदुनन्दन) શ્રીકૃષ્ણ. श्रीकृष्ण. The god Krishna. ठा० ८;

जन. पुं० (जन) મનુષ્ય. मनुष्य. A man. भग० ६, ३३; विशे० ५६;

जनय. पुं० (जनय) જુઓ " जणय " શબ્દ. देखो " जणय " शब्द. Vide " जणय " सु० च० १, ८८;

जनवअ. पुं० (जनपद) દેશ; રાષ્ટ્ર. देश; राष्ट्र. A country. निसी० १५, १७;

जन्न. पुं० (यज्ञ) જુઓ " जण्ण " શબ્દ. देखो " जण्ण " Vide " जण्ण " विशे० उत्त० २५, ४; १८८२; जीवा० ३, ३; सु० च० ४. १०१; —ट्ठ. त्रि० (-अर्थ) યજ્ઞ છે પ્રયોજન જેનું એવા; યજ્ઞમાં જોડાયેલ. जिसका प्रयोजन यज्ञ है वह; यज्ञ में सम्मिलित. having a sacrifice for an end; engaged in a sacrifice. उत्त० २५, ७; —वाइ. पुं० (-वादिन्) યજ્ઞ વાદિ; અજામેધાદિ દ્રવ્ય યજ્ઞની સ્થાપના કરનાર. यज्ञवादि; अजामेधादि द्रव्य यज्ञ की स्थापना करने वाला. one who believes in the efficacy of sacrificing goats, horses etc. for religious purposes. उत्त० २४, १८;

जप. न० (जप) મંત્રાદિનો જપ. मंत्रादि का जप. Repeating or telling on beads of a rosary a religious formula of prayer etc. अणुजो० २६;

जप्प. स्त्री० (जपा) ચીનાઈ ગુલાબનો છોડવો. चिनाई गुलाब का पौधा. A plant of China rose. राय० ५३;

जप्प. पुं० (जल्प) બબડવું તે; બોલવું તે. बडबडाहट करना; बोलना. Prattle; act of speaking at random. ठा० ६;

जप्पभिइ. अ० (यत्प्रभृति) જે કાલથી; જે વખતથી; જ્યારથી. जिस काल से; जिस समय से; जब से. From the time when; since the time when. " जप्पभिइं च णं अम्हं एस दारए " कप्प० ४, ६०; भग० १०, ४; नाया० ध० जं० प० २, ३१;

√**जम.** धा० II. (यम्) વિષમતા ટાલી સમું કરવું. विषमता मिटा कर योग्य स्थिति में रखना. To make even; to place in order by removing inequalities. (२) નિવૃત્ત થવું. निवृत्त होना.

to retire; to cease from.

जमावेइ. प्रे॰ निसी॰ १, ४०;

जम. पुं॰ (यम) પ્રાણાતિપાતવિરતિ આદિ પાંચ મહાવ્રત. प्राणातिपातविरति आदि पांच महाव्रत. The five major vows such as abstaining from killing etc. "जायइ जमजन्नंमि" उत्त॰ २५, १; ठा॰२,३; (२) શક્ર તથા ઇશાન ઇંદ્રના દક્ષિણ દિશાના લોકપાલનું નામ. शक्र व इशान इंद्र के दक्षिण दिशा के लोकपाल का नाम. a name of the guardian deity of the southern quarter of Śakra and Īśānendra. ठा॰ ४, १; विशे॰ १८८३; सू॰ प॰ १०; भग॰ ३, ७; जं॰ प॰ पराह॰ १, १; (३) ભરણી નક્ષત્રનો અધિષ્ઠાતા દેવતા. भरणी नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता. the presiding deity of the constellation Bharaṇī अणुजो॰ १३१; सू॰ प॰ १०; जं॰ प॰ ७, १५७; ठा॰ २, १; —**काइय.** पुं॰ (-कायिक) દક્ષિણ નરકના યમ જાતના દેવ. दक्षिण दिशा के यम जाति के देव. a deity of the south belonging to the kind known as Yama. पराह॰१,१; भग॰३,७; —**जन्न.** पुं॰ (-यज्ञ) અહિંસા, સત્ય, અસ્તેય, બ્રહ્મચર્ય અને અપરિગ્રહ એ ૫ યમ-સંયમ રૂપ યજ્ઞ; ભાવ યજ્ઞ. अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, व अपरिग्रह इन पांच यम-संयम रूप यज्ञ. भाव यज्ञ. a sacrifice taken in a spiritual sense consisting of the observance of five rules or vows viz. abstaining from killing, truthfulness, abstaining from theft, abstaining from sexual intercourse and non possession of worldly effects. उत्त॰ २५, १; —**देवकाइय.** पुं॰ (-देवकायिक) યમ દેવતાઓની એક જાત. यम देवताओं की एक जाति. a group of the gods known as Yama Devatās. भग॰ ३, ७; —**पुरिससंकुल.** त्रि॰ (-पुरुषसंकुल-यमस्य दक्षिणादिक्पालस्य पुरुषा अम्बादयो सुरविशेषास्तैः संकुला ये ते तथा) પરમાધર્મીકથી વ્યાપ્ત; જમપુરુષ; પરમાધામીઓથી વ્યાકુલ. परम अधर्मियों से व्याप्त; यम पुरुष परम अधम मनुष्य से व्याकुल. full of demons known as Paramādhāmis. पराह॰ १, १; —**पुरिससंनिभ.** त्रि॰ (-पुरुषसन्निभ) પરમાધામીના જેવું પરમાધામી के समान क्रूर. (cruel) like a demon known as Paramādhāmi. पराह॰ १, ३; —**लोइय** पुं॰ (-लौकिक) પરમાધામી વગેરે યમલોકવાસી દેવતા. परमाधार्मि आदि यम लोक वासी देवता. a god living in Yamaloka; e. g. a Paramādhāmi etc. सूय॰ १,१२,१३;

जमइन्न. न॰ (यदतीत) એ નામનું સૂયગડાંગ સૂત્રનું ૧૫ મું અધ્યયન. इस नाम का सूयगडांग सूत्र का १५ वां अध्ययन. Name of the 15th chapter of Sūyagaḍāṅga. सम॰ १६; २३;

जमइत्ता. सं॰ कृ॰ अ॰ (नियम्य) જમાવીને; જમાવટ કરીને અતિપરિચિત કરીને; વારંવાર આવૃત્તી કરી માહીતગાર થઈને. जमा कर; अति परिचित करके बारबार आवृत्ति कर के माहितगार होकर. Having fixed or settled; having become thoroughly familiar with. आव॰ १६;

जमग पुं॰ (यमक) દેવકુરુ ઉત્તરકુરુ ક્ષેત્ર-

मांना એ नामना पर्वत. "कहियं भंते उत्तर कुराए कुराए जमगा नामं दुवे पव्वया पराणता ?" जीवा० ३, ४; जं० प० भग० १४, ८; (२) જમગ પર્વતવાસી દેવતાનું નામ. जमग पर्वतवासी देवता का नाम. Name of the god residing on the Jamaga mountain. जं० प० ४, ११४; ओव० ३१; जीवा० ३, ४; —पव्वय. पुं० (-पर्वत) જુઓ ઉપલા શબ્દના બીજા નંબરનો અર્થ. देखो ऊपर के शब्द का दूसरे नंबर का अर्थ. vide above. जं० प० ४, ८८; ६, १२४; सम० १०००;

जमगसमगं. अ० (यमकसमकं) એકીસાથે; યુગપત્; એકી વખતે. एक साथ; युगपत्; एकही समय पर. At one and the same time; simultaneously. जं० प० ४, ८८; ४, ५७; जीवा० ३, ४; ओव० ३१; विवा० १; ७; नाया० ४; ८; भग० ११, १०; उवा० ४, १४८; १५३; कप्प० ५, १०१;

जमगा. स्त्री० (यमका) જમક દેવતાની રાજધાની. जमक देवताकी राजधानी; जमक देवता का पाटनगर. The capital of the gods known as Jamaka. जीवा० ३, ४; जं० प० ४, ८८;

जमणिया. स्त्री० (यमनिका) જમણી કાંખમાં રાખવાનું સાધુનું એક ઉપકરણ. दाहिनी बगलमें रखनेका साधुका एक उपकरण. An article used by a Sādhu and kept in the right arm-pit. ठा० ६;

जमदग्गि पुं० (जमदग्नि) એ નામનો એક તાપસ; પરશુરામનો પિતા. इस नाम का एक तापस; परशुराम का पिता. Name of a saint who was the father of Paraśurāma. जीवा० ३, १, —पुत्त पुं० (-पुत्र) જમદગ્નિનો પુત્ર; પરશુરામ. परशुराम; जमदग्नि पुत्र. the son of Jamadagni; Paraśurāma. जीवा० ३, १;

जमप्पभ. पुं० (यमप्रभ) યમદેવના ઇંદ્ર ચમરેન્દ્રનો એ નામનો ઉત્પાત પર્વત. यमदेव के इन्द्र चमरेन्द्र का इस नाम का उत्पात पर्वत. Name of a mountain which was the abode of Chamarendra, the Indra of the Yama gods. ठा० १०;

जमल. त्रि० (यमल) સમશ્રેણિયે રહેલું; સરખે સરખું; જોડાજોડ રહેલું. समश्रेणी में रहा हुआ; एक सरीखा; लगोलग रहा हुआ. Remaining in a straight line; in juxtaposition. उवा० २, ६४, ओव० ३०; राय० ३३; नाया० १; ८; ६; जीवा० ३, १; ४; जं० प० भग० १५, १; १६, ३; (२) न० એ નામનું વૃક્ષ કે જેનું રૂપ કૃષ્ણ વાસુદેવના વૈરી વિદ્યાધરે ધારણ કર્યું હતું. इस नाम का वृक्ष कि जिसका रूप कृष्ण वासुदेव के शत्रु विद्याधरने धारण किया था. name of a tree into which a Vidyādhara who was an enemy of Krisṇa Vāsudeva had metamorphosed himself. पगह० १, ४; —जुयल. न० (-युगल) સરખે સરખી જોડ; સમશ્રેણિયે રહેલ જોડું. युगल; समश्रेणी में रहा हुआ. a pair; a couple with its two members in juxtaposition. राय० ११२; —पय. न० (-पद) આઠ આઠ આંકડાનો એક જથ્થો; જેમકે ३२५४८६३५; २८६५३५५०; આમાં પહેલા આઠ આંકડાનું એક જમલ પદ અને બીજા આઠ આંકડાનું બીજું જમલ પદ. आठ आठ अंक का एक समूह; जैसा कि, ३२५४८६३५, २८६३५३५५० इसमें पहिले आठ अंक का एक जमल पद;

व दूसरे आठ अंकों का दूसरा जमल पद. a numerical sum containing 8 figures; e. g. 32548635. अणुजो० १४४; पण० १२; —पाणि पुं० (-पाणि) मुट्ठि. मुट्ठी. the fist of a hand. भग० १६, ३;

जमलत्ता. स्त्री. (यमलता) જોડલાપણું. युगलता. State of being a pair. विवा० ४;

जमलिय. त्रि० (यमलित-यमलं नाम सजातीययोर्युग्मं तत् संजातमेषां ते यमलिताः) દિશામાં સમશ્રેણીએ રહેલ. एकही दिशा में समश्रेणी में स्थित. Remaining in juxtaposition; remaining in a straight line ओव० भग० १, १;

जमा. स्त्री० (याम्या-यमो देवता यस्याः सा याम्या) દક્ષિણ દિશા. दक्षिण दिशा. The southern direction भग० १०, १; (२) યમદેવપાલની રાજધાની. यमदेव का पाटनगर. the capital of god Yama. भग० १०, ४;

जमालि. पुं० (जमालि) એ નામના ક્ષત્રિય રાજકુમાર, મહાવીરસ્વામિના જમાઈ કે જેણે પ્રભુપાસે દીક્ષા લીધી અને પાછળથી એક પંથ ચલાવ્યો. इस नाम का क्षत्रिय राजकुमार, महावीर स्वामी का जवांई कि जिन्होंने प्रभु के समीप दीक्षा ली और फिर एक पंथ की स्थापना की. A Kṣatriya prince, the son in law of Mahāvira Svāmi who received Dikṣā from him and afterwards founded a sect. "तत्थणं खत्तियकुंडग्गामे णयरे जमालिणामं खत्तिय कुमारे परिवसइ" भग० ६, ३३; नाया० ८; निर० ४, १; ठा० ७, १; —अज्झयण न० (अध्ययन) અંતગડ દશાનું છઠ્ઠું અધ્યયન કે જે હાલ ઉપલબ્ધ નથી. अन्तगडदशा का छठा अध्ययन कि जो फिलहाल उपलब्ध नहीं है. name of the 6th chapter of Antagaḍadaśā (it is no longer extant). ठा० १०;

जमिगा. स्त्री० (यमिका) જમક પર્વતના દેવતાની રાજધાની. जमक पर्वत के देवता का पाटनगर. The capital of the gods residing on the Jamaka. जं० प० ४, ८८;

जमिय त्रि० (यमित) નિયન્ત્રિત કરેલ. दिशा दिखाया हुआ. Guided; governed. सु० च० १, २६;

जमुणा. स्त्री० (यमुना) જમના નદી. यमुना नदी. The Jamunā river. सु० च० ५, ६;

जम्म. पुं० न० (जन्मन्) જન્મ; ઉત્પત્તિ. उत्पत्ति; जन्म. Production; birth. नाया० १; २; १३; १६; १६; नाया० ध० भग० ६, ३३; १५, १; सु० च० १, १८७; ३०६; ३, १८३; विशे० १८४; दसा० ६, १; निर० १, १; ओव० ४३, सूय० १, १, १, २३; पि० नि० ७६; उवा० २, ११३; कप्प० २, १८; प्रव० ५; भत्त० १६४; —जरामरण. न० (जरामरण) જન્મ જરા અને મરણ. जन्म जरामरण. birth, old age and death. पगह० १, ३; —जीवियफल. न० (जीवितफल) જન્મરૂપ જીવિતનું ફળ. जीवित फल. the fruit of life. भग० १५, १; नाया० १३; —णगर. न० (नगर) જ્યાં જન્મ થયો હોય તે નગર. जिस जगह जन्म हुआ हो वह नगर. the town where one is born. जं० प० ५, १२२; २, ११७; —णयर. न० (-नगर यस्मिन् नगरे यस्य जन्म भवति तत्तस्य जन्मनगरम्) જન્મ નગર; ઉત્પત્તિ સ્થાન;

जे ગામમાં જન્મ થયો હોય તે ગામ. जन्म नगर; उत्पत्ति स्थान. the town where one is born; birth-place. जं० प० ५,१२३; —दंसि. त्रि०(-दर्शिन्) જન્મના ખરાસ્વરૂપને જોનાર. जन्म के वास्तविक स्वरूप को देखने वाला. (one) who understands the real nature of birth (life). "जे गब्भदंसि से जम्मदंसि जेजम्मदंसि से मारदंसि" आया० १,३, ४,१२५; —दोस पुं० (-दोष) જન્મ સહભાવી દોષ-જન્મની ખોડ. जन्म दोष. the defect from the very birth. ठा० १०; —नक्खत्त न०(-नक्षत्र) જન્મનું નક્ષત્ર. जन्म नक्षत्र the natal star. कप्प० ५, १२८; —पक्क. त्रि०(-पक्व) જન્મથીજ પોતાની મેળે પાકેલ. जन्म से ही-स्वयं परिपक्व बना हुआ. fully developed or mature from the very birth विवा० १,८; —फल. न० (फल) જીવનનું ફલ પ્રયોજન. जीवन का फल प्रयोजन. the aim or object of life. पंचा० ८, ३; —भूमि. स्त्री० (-भूमि) જન્મ ભૂમિ; માતૃ ભૂમિ. जन्म भूमि; मातृ भूमि. birth-place; mother-land. "अवसेसा तित्थयरा निक्खंता जम्मभूमिसु" सम० प० २३१; —समय. पुं० (-समय) જન્મનો વખત. जन्म समय. the hour of birth. प्रव० ५;

जम्मंतर. न० (जन्मान्तर-अन्यज्जन्म जन्मान्तरम्) અન્ય જન્મ; પૂર્વ જન્મ. पूर्व जन्म. Previous birth. गच्छा० ६; भत्त० १६६; —कड. त्रि० (-कृत) જન્માંતરમાં કરેલ. पूर्व जन्म में किया हुआ. done in the previous life. गच्छा० ६;

जम्मण. न० (जन्मन्) જન્મ; ઉત્પત્તિ; ઉપજવું; અવતાર. जन्म; उत्पत्ति; अवतार. Birth; production; incarnation. "जम्मण जरामरण करण गभीर दुक्ख पक्खुभिय" पराह० १, ३; नाया० १; ५; ८; भग० ११, ११; १२, ७; १८, २; २५, ६; जीवा० १; ओव० २१; ओव० ३१; ओघ० नि० ११६; जं० प० ५, ११२; अणुजो० १७; १२७; निर० २,१; —चरिय. न० (-चरित्र) જન્મ ચરિત્ર; જીવન ચરિત્ર. जन्म चरित्र; जीवन चरित्र. account of one's life; biography. राय० ६५; —चरियणिबद्ध. न० (-चरित्रनिबद्ध) તીર્થંકરના જન્માભિષેકના દેખાવવાળું ૩૨ નાટકમાંનું એક. तीर्थंकर के जन्माभिषेक के दृश्य वाला नाटक; ३२ नाटकों में से एक. a dramatic performance showing the birth of a Tirthaṅkara; one of the 32 dramas. राय० —भवण न० (-भवन) પ્રસુતિ ઘર. प्रसूति घर. a lying-in chamber. जं० प० ५; ११२; —मह. पुं० (-मह) જન્મ મહોત્સવ. जन्म महोत्सव. festivity in connection with birth. भग० ३, —महिमा. पुं० (-महिमन्) જન્મોત્સવ. जन्मोत्सव. festivity in connection with birth. भग० १४, २; जं० प० ५, ११२; ११३;

जम्मा. स्त्री० (याम्या) દક્ષિણ દિશા. दक्षिण दिशा. The South. प्रव० ७१४;

√ **जय.** धा० I. (जि) જીતવું; જય મેળવવો; ફતેહ પામવી. जय प्राप्त करना; सफलता पाना. To conquer, to succeed.
जयइ-त्ति. सु० च० १,१; उत्त० ७,३१; नंदी० १;
जयंति. जं० प० ७, १५२;
जइत्था. भग० ७, ६;
जयित्ता. ठा० ३, २;

जयंत. उत्त० ४,११; जं०प० पिं० नि०१६०;
जइत्तए. हे० कृ० भग० ७, ६;

√जय. धा० I. (यत्) મહેનત કરવી; યત્ન કરવો; જયણા કરવી. मिहनत करना; यत्न करना. To exert oneself; to endeavour.

जयइ. उत्त० ३१, ७;
जये. वि० सूय० १, २, ३, १४;
जयसु. पिं० नि० ४४;
जयंत. व०कृ०उत्त० २४, १२; पिं०नि०१६०;
जयतन्त. सूय० १, २, १, ११;
जयमाण. १,४,१, १२६; १, ६, २, १८२; १, ६, १, २१;

जय-अ. पुं०(जय) શત્રુઓને જીતવા તે; વિજય. विजय; शत्रुओंको जीतना. Victory. ओव० ११; दस० ७, ५०; नंदी० ५; कप्प० १, ५; ४, ६७; नाया० १; ३; १६; भग ३, १; २; ७, ६; ६, ३३; राय० ३५; पन्न० २; (२) એ નામના વર્તમાન અવસર્પિણીના ૧૧ મા ચક્રવર્તી इस नाम का वर्तमान अवसर्पिणी का ११ वां चक्रवर्ती. name of the 11th Chakrawarti (sovereign) of the present cycle. जं० प० ३, ४४; उत्त० १८, ४३; सम० प० २३४; (३) એ નામની ત્રીજ આઠમ અને તેરસ એ ત્રણ તિથિઓ. इस नाम की तृतिया अष्टमी व त्रयोदशी ये तीन तिथियां. name of the 3rd, 8th and 13th day of a fortnight. जं० प० १; (४) એ નામનો એક દેવતા. इस नाम का एक देवता. name of a god. भग० ३, ७; (५) १३ મા તીર્થંકરને પ્રથમ ભિક્ષા આપનાર ગૃહસ્થ. १३ वें तीर्थंकर को प्रथम भिक्षा देनेवाले गृहस्थ. a householder who was the first to give alms to the 13th Tirthankara. सम० पं० २४२;—णाम. पुं० (-नामन्) જય નામે ૧૧ મા ચક્રવર્તી. जय नाम का ११ वां चक्रवर्ती. name of the 11th Chakravarti. ठा० १०; उत्त० १८, ४३; —सद्द. पुं० (-शब्द) જય થાઓ એવો શબ્દ. जय हो ऐसा शब्द. the exclamation 'victory! victory!'. "जयसद्दग्घोसणुणं" भग० ६, ३३; ओव० ३१; कप्प० ४, ६२;—जय. पुं० (-जगत्) સંસાર; લોક; દુનિયા. संसार; लोक. worldly existence; the world. भग० २०, २; ३; —गुरु. पुं० (-गुरु) જગતના ગુરૂ; શ્રીજિનેશ્વર. जगत् के गुरु; श्री जिनेश्वर. the world-teacher; Jineśwara. सु० च० २, ३६१; पंचा० ४, ३३;—पसिद्ध. त्रि० (-प्रसिद्ध) જગ જાહેર. जग जाहिर; लोक प्रसिद्ध; प्रख्यात. famous; well-known. सु० च० १, २८; —पहु. पुं० (-प्रभु) જગતના પ્રભુ. परमेश्वर. the lord of the world; the supreme being. सु० च० १, ३८०; —पुंगव. त्रि० (-पुङ्गव) જગતમાં શ્રેષ્ઠ. जगत में श्रेष्ठ the greatest or the best in the world. सु० २, ६७७;

जयंत. पुं० (जयन्त) જંબુદ્વીપના ચાર દ્વારમાંનું પશ્ચિમ તરફનું દ્વાર. जम्बूद्वीप के चार द्वारों में से पश्चिम दिशा के तरफ का द्वार. The western gate of the four gates of Jambū Dvīpa. "कहिणं भंते जंबूदीवस्स जयंत णाम दारे पण्णत्ते" जीवा० ३, ४; जं० प० (२) જયંત નામે પાંચ અનુત્તર વિમાનમાંનું ત્રીજું વિમાન એની સ્થિતિ ૩૨ સાગરોપમની છે એ દેવતા ૧૬ મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે અને ૩૨ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. जयंत नाम के पांच अणुत्तर विमान में से तीसरा विमान;

इस देवता की स्थिति ३२ सागरोपम की होती है. १६ महिने में ये देवता श्वासोच्छ्वास लेते हैं और इन्हें ३२ हजार वर्ष में क्षुधा लगती है. the third of the five principal celestial abodes known as Jayanta. The life-period of the gods of this abode is 32 Sāgaras. They breathe once in 16 months and feel hungry once after every 32 thousand years."विजये विजयंते जयंते अपराजए सवट्ठसिद्धे" ठा० ५, ३; ४; सम० ३२; भग० ५, ८; २४, २४; नाया० ८; प्रव० ११५१; (३) ते विमानवासी देवता. उस विमान में रहने वाले देवता. gods residing in celestial palaces or abodes. सम० उत्त० ३६, २१३; पन्न० १; (४) मेरु पर्वतनी उत्तर दिशाए आवेला रूचकवर पर्वतना आठ कूटमांनुं ७ मुं कूट. मेरु पर्वत की उत्तर दिशा के तरफ आये हुए रूचकवर पर्वत के आठ कूट में से सातवां कूट. the 7th of the eight summits of Ruchakavara mountain situated to the north of Meru. ठा० ४; (५) आवती चोवीसीमां थनार प्रथम बलदेव. आगामी चौवीसी में होने वाले प्रथम बलदेव. the first Baladeva of the coming cycle. सम० प्र० २४२; (६) वज्रसेन सूरीना चार शिष्यमांना त्रीजा शिष्यनुं नाम अने तेनाथी नीकलेल शाखानुं नाम. वज्रसेनसूरी के चार शिष्यों में से तीसरे शिष्य का नाम व उनसे निकली हुई शाखा का नाम. name of the third of the four disciples of Vajrasena Sūri as also the school that sprang from him. कप्प० ८; —पवर. पुं० (-प्रवर) त्रीजुं अनुत्तर विमान. तीसरा अनुत्तर विमान. the third chief celestial abode known as Anuttara. नाया० ८;

अयंती. स्त्री० (जयन्ती) कोशांबी नगरी निवासी जयंती नामे महावीर स्वामीनी मोटी श्राविका. कौशाम्बी नगरी निवासी जयन्ती नाम की महावीर स्वामी की बड़ी श्राविका. Name of the great female disciple of Mahāvīra Svāmī living at Kaośāmbī. भग० १२, २; (२) सातमा बलदेवनी मातानुं नाम. ७वें बलदेव की माता का नाम. name of the mother of the seventh Baladeva. सम० प० २३५; (३) सातमी दिशाकुमारी. सातवीं दिशाकुमारी. the seventh Diśākumārī. (४) सर्व ग्रहनी चार अग्रमहिषीमांनी त्रीजी अग्रमहिषीनुं नाम. सर्व ग्रहों की चार अग्रमहिषी में से तीसरी अग्रमहिषी का नाम. name of the third of the four principal queens of the planets. जं० प० ५, ११४; जीवा० ४; ठा० ८, १; भग० १०, ५; (५) महावप्रविजयनी मुख्य राजधानी. महावप्र विजय का मुख्य पाटनगर. the chief capital of Mahāvipra Vijaya. जं० प० ठा० २, ३; (६) उत्तर दिशाना अंजन पर्वतनी एक पश्चिमनी वावनुं नाम. उत्तर दिशा के अंजन पर्वत की पश्चिम तरफ की एक बावडी का नाम. name of a well situated to the west of the northern mountain, Añjana. जीवा० ३, ४; प्रव० १५०३; (७) पखवाडीआनी पंदर रात्रिमांनी ६ मी रात्रिनुं नाम. पक्ष की १५

रात्रियों में से ९ वीं रात्रि का नाम. name of the ninth of the fifteen nights of a fortnight. जं० प० सू० प० १०; (८) સાતમાં તીર્થંકરની પ્રવજ્યા–પાલખીનું નામ. सातवें तीर्थंकर की प्रवज्या पालकी का नाम. name of the palanquin used by the seventh Tirthankara while accepting asceticism. सम० प० २३१; (९) એ નામની એક શાખા. इस नाम की एक शाखा. a school of this name. कप्प० ८;

जयघोस पुं० (जयघोष) એ નામના એક મુનિ કે જે કાશીનાં બ્રાહ્મણ કુલમાં જન્મેલ હતા. પ્રથમ વેદ ધર્મનો સારી રીતે અભ્યાસ કર્યો હતો. પાછળથી ગંગા નદીને કાંઠે એકેક પ્રાણી બીજા પ્રતિપક્ષી પ્રાણીઓથી ગળાતા જોઈ વૈરાગ્ય પામી જૈન દીક્ષા અંગીકાર કરી, મહા જ્ઞાની અને તપસ્વી બન્યા. માસ ખમણને પારણે પોતાના ભાઈ વિજય ઘોષને આરંભેલ યજ્ઞમાં ભિક્ષા લેવા આવતાં બ્રાહ્મણોએ તિરસ્કાર કર્યો; તથાપિ તેની દરકાર ન કરતાં બ્રાહ્મણ ધર્મ અને બ્રાહ્મણ શબ્દનું ખરું રહસ્ય પ્રકાશી વિજયઘોષને પણ દીક્ષા આપી. इस नामक एक मुनि जो कि काशीमें ब्राम्हण कुलमें जन्मे थे. प्रथम वेद धर्मका अच्छा अभ्यास किया था, पीछे से गंगा नदीके तटपर एक २ प्राणी अन्य प्रतिपक्षी प्राणी द्वारा निगला जाता हुआ देख वैराग्य प्राप्त हो गया. जैन दीक्षा अंगीकार करके बडे ज्ञानी और तपस्वी बने. मास खमण (एक मासका उपवास) के पारणे के दिन अपने बन्धु विजयघोषने प्रारंभ किये हुए यज्ञमें भिक्षा लेनेको गये किन्तु ब्राम्हणोंने तिरस्कार किया, परंतु उस की परवाह न करते ब्राम्हण धर्म व ब्राम्हण शब्द का यथार्थ रहस्य का प्रकाशन कर विजयघोष को भी दीक्षा दी. Name of an ascetic of Benares and born in a Brahman family. First he had studied Vedism well, but afterwards when he saw on the bank of the Ganges every acquatic creature being devoured by the other rival creature, got disgusted of the worldly life, became a Jaina ascetic and acquired a vast knowledge and practised an austerity. Once on the day of breaking a fast of one month he went to beg alms to the place of sacrifice which his brother Vijaya Ghosa had begun but without any regard for being rebuked by the Brahmans explained vividly the meaning of the Vedic religion and of the word Brahmana winned his brother and initiated him in his order. उत्त० २५, १;

जयजय. पुं० (जयजय) જય થાઓ જય થાઓ એવો ધ્વનિ. जय हो जय हो ऐसा ध्वनि. The exclamation Jaya! Jaya! (victory). भग० ९, ३३; —**रव.** पुं०(-रव) જય થાઓ એવો આશીર્વાદ વાચક શબ્દ. जय हो ऐसा आशीर्वादवाचक शब्द. the benedictory exclamation Jaya, Jaya (victory). भग० ९, ३३; —**सद्द.** पुं० (-शब्द) જય જય એવો આશીર્વાદ શબ્દ. जयजय ऐसा आशीर्वाद शब्द. The benedictory exclamation Jaya Jaya (victory).

ओव० जं. प० ५, १२२;

जयण. न० (यजन) અભય દેવું તે. अभय दान देना. Giving assurance of safety. पराह० २; १;

जयण. न० (यत्न) પ્રાણીનું રક્ષણ કરવું. प्राणी का रक्षण करना. Protection of living beings. पराह० २, १; (२) યત્ન કરવો તે; ઉદ્યમ કરવો તે यत्न करना. effort; exertion. नाया० १; पराह० २, १,—(ण) आवरणिज्ज. न०(-आवरणीय) જેથી પ્રયત્ન-ઉદ્યમમાં અંતરાય પડે તેવી કર્મની એક પ્રકૃતી. जिस से प्रयत्न-उद्यम में विघ्न हो ऐसी कर्म की एक प्रकृति. a kind of Karma which hinders efforts. भग० ६, ३१;

जयणा. स्त्री० (यतना) જતના; સંભાળ ભર્યું વર્તન; કાર્યમાં ઉપયોગ રાખવો તે सावधानतायुक्त आचरण; हरेक कार्य में उपयोग रखना. Cautious behaviour; making every action useful; proper circumspection. उत्त० २४; ओव० २१; पिं० नि० भा० २६; नाया० ५; भग० १८, १०; पंचा० ४, १०; ७, २६; गच्छा० ८०;

जयणा. स्त्री०(जयना) બધી ગતિ ઉપર જીત મેળવે એવી દેવતાની ગતિ. सर्व गतियों के ऊपर सफलता प्राप्त करे ऐसी देवता की गति. The gait or the speed of gods which is the highest of all. "जयणाए गइए" कप्प० २, २७; नाया० १; भग० ३, १; राय० २६;

जयणा. स्त्री० (यत्ना) સમકિતમાં છ પ્રકારની યતના-વિવેક. सम्यक्त्व में छः प्रकार का विवेक. The six forms of discrimination in Samyaktva. प्रव० ६४१;

जयद्दह. पुं० (जयद्रथ) એ નામના એક રાજકુમાર. इस नाम का एक राजकुमार. Name of a prince. "गंगेयविदुरदोण जयद्दहं" नाया० १६;

जयमाण. त्रि० (यतमान) યત્ન કરતું. यत्न करता हुआ. Endeavouring; striving. पंचा० १५, ११;

जया. अ० (यदा) જ્યારે; જે વખતે. जब; जिस समय. When. नाया० १; ७; ११; १६; नाया० ध० भग० ५, १; दसा० ५, ३२; १०, १; दस० ४, ४; ओव० १२; उत्त० २५, १६; विशे० ६२; क० गं० २, ७;

जया. स्त्री० (जया) બારમા તીર્થંકર વાસુપૂજ્યની માતાનું નામ. बारहवें तीर्थंकर वासुपूज्य की माता का नाम. Name of the mother of the twelth Tirthankara, Vāsupūjya. सम० प० २३०; प्रव० ११; (२) ત્રીજ, આઠમ અને તેરસની રાત્રિના નામ. तृतीया, अष्टमी और त्रयोदशी की रात्रियों के नाम. name of the 3rd, 5th and 13th night of a fortnight. सू० प० १०; (३) ચોથા ચક્રવર્તીની સ્ત્રી (રત્ન). चौथे चक्रवर्ती की स्त्री the wife of the fourth Chakravarti. सम० प० २३४; (४) એક જાતની મિઠાઇ. एक प्रकार की मिठाई. a kind of sweet-meat. जं० प० ५, ११२;

जयारमयार. पुं० (जकारमकार) જકારમકાર રૂપ અપશબ્દ. जकार मकार रूप अपशब्द. A corrupted word having the sound 'ja' and 'ma'. गच्छा० ११०;

√ जर. धा० I, II. (जॄ) જીર્ણ કરવું. जीर्ण करना. To grow old; to decay. जरेंति. आया० १, ४, ३; १३५;

जर. पुं० (ज्वर) તાવ; એક જાતનો રોગ. बुखार; ताप; एक प्रकार की बिमारी. A

kind of disease; fever. जीवा० ३, ३; विशे० १२०४; नाया० १; ५; १३; भग० ७, ८; (२) न० संताप. संताप. enragement. जीवा० ३, १; —समण. न० (-शमन) તાવને શાંત કરવો. बुखार को शान्त करना. cessation of fever. पंचा० ४, २६;

अरग्ग. त्रि० (जरक) જીર્ણ. जीर्ण; पुराना. Old; worn out. "जरग्ग ओवाहणं त्तिवा" अणुत्त० ३, १;

अरग्ग. पुं० (जरद्गव) ઘરડો બળદ. वृद्ध बैल. An old ox. (२) જરક-ખ નામનું જાનવર. जरक-ख नाम का जानवर. a kind of animal. अणुत्त० ३, १;

अरग्गव पुं० (जरद्गव) ઘરડો બળદ. वृद्ध बैल. An old ox. "जरग्गवपाए" अणुत्त० ३, १; सूय० १, ३, २, २१;

अरढ. त्रि० (जरठ) ઘરડું જુનું; જીર્ણ. वृद्ध; पुरातन; जीर्ण. Old; aged; decayed. ओघ० नि० ७३७; आव०

अरय. पुं० (जरक) પહેલી નરકનો મેરુથી દક્ષિણ તરફનો એક નરકાવાસો. पहिली नरक का मेरु से दक्षिण तरफ का एक नरकावास. An internal abode to the south of Meru of the first hell. ठा० ६, १;

अरयमज्झ. पुं० (जरकमध्य) પહેલી નરકનો ઉત્તર દિશા તરફનો એક નરકાવાસો. पहिला नरक का उत्तर तरफ का एक नरकावास. The northern internal abode of the first hell. ठा० ६, १;

अरयावत्त. पुं० (जरकावर्त) પહેલી નરકનો પશ્ચિમ દિશા તરફનો એક નરકાવાસો. पहिली नर्क का पश्चिम दिशा का एक नरकावास. The western hell-abode of the first hell region. ठा० ६, १;

अरयावसिट्ठ. पुं० (जरकावशिष्ट) પહેલી નરકનો દક્ષિણ દિશા તરફનો એક મ્હોટો નરકાવાસો. पहिली नरक की दक्षिण दिशा की ओर का इस नामका बड़ा नरकावास. A big hell abode of the first hell region situated in the south. ठा० ६, १;

अरल. पुं० (जरल) એક જાતનું જંગલી પશુ. एक जातिका पशु. A kind of brute. जीवा० ३, ३;

अरा. स्त्री० (जरा) ઘડપણ; વૃદ્ધાવસ્થા. वृद्धावस्था. Old age; decline of age. "जीवाणं अंत किं जरा सोगे!" भग० १६, २; भग० २, १; ३, ५; ५, ६; ६, ३३; नाया० १; ५; १७; विशे० ३१७६; पन्न० २; दस० ६; ६०; ८, २६; संथा० ३२; ओव० २१; भत्त० १५, १६८; आव० २, ५; उत्त० ४, १; १३, २३; आया० १, ३, १, १०८; सूय० १, १, १, २६; जं० प० ७, १५३; सू० प० २०; सु० च० १, २३५; —जज्जरिय. त्रि० (-जर्जरित) જરાથી જીર્ણ થયેલ जरासे जार्ण. old; infirm; decayed. भग० १६, ४; —मरण. न० (-मरण) જરા અને મરણ. जरा व मरण. old age and death. आव० २, ५;

अराउअ. त्रि० (जरायुज) જરાયુ-ઓર સાથે જન્મ પામનાર; ગર્ભાશયથી જન્મ પામનાં મનુષ્ય અને પશુ. जरायु-साथ में जन्म लेने वाला; गर्भाशय से जन्म पाते हुए मनुष्य व पशु. Born from the womb; viviparous. सूय० १, ७, १; प्रव० १२५०; आया० १, १, ६, ४८; दस० ४; जीवा० ३, २;

अराउज. त्रि० (जरायुज) જુઓ "जराउअ" શબ્દ. देखो "जराउअ" शब्द. Vide "जराउअ" ठा० ७, १;

जराउय. त्रि० (जरायुज) જુઓ " जराउअ " શબ્દ. देखो " जराउअ " शब्द. Vide " जराउअ " आया० १, १, ६, ४८; दस० ४; जीवा० ३;

जराकुमार पुं० (जराकुमार) યાદવ વંશના એક કુમાર કે જેને હાથે કૃષ્ણ મહારાજનું મોત થશે એમ નેમનાથ ભગવાને પ્રકાશવાથી તે પાતકમાંથી બચવાને જે કોસંબી વનમાં રહેતા હતા છતાં દૈવ યોગે કૃષ્ણ મહારાજ ત્યાં આવીચડયા અને જરાકુમારને હાથેજ મોત થયુ. यादव वंश का एक कुमार कि जिसके हाथ से कृष्ण महाराज की मृत्यु होने वाली थी. नेमनाथ भगवानने यह भविष्य प्रगट किया था और पातक से बचने को जिस कोसंबी बन मे वे रहने लगे थे वहां भी कृष्ण महाराज जा चडे और जराकुमार के हाथ से मृत्यु हुई. A Yādava prince at whose hands Krisņa was to meet his death. Owing to the manifestation of Nemanātha, he used to reside in the forest of Kosambī for saving himself from sin, where too Krisņa happened to come and was killed at the hands of Jarā Kumāra. अंत० ४, १;

जरासंध. पुं० (जरासंध) રાજગૃહ નગરનો રાજા; નવમા પ્રતિ વાસુદેવ. राजगृह नगर का राजा; नव में प्रति वासुदेव. The king of Rajagriha; the ninth Prati-Vāsudeva. पगह० १, ४;

जरासिंधु. पुं० (जरासिन्धु) એ નામનો રાજા. जरा सिन्धु नामका राजा. A king so named; the ninth Prati Vāsudeva. नाया० १६; प्रव० १२२७;

जारि. त्रि० (ज्वरिन्) તાવ વાળો. ज्वर वाला. Attacked with fever. सु० च० १३, ५४;

जरिअ. त्रि० (ज्वरित) જ્વર-તાવ વગેરે રોગવાળું. ज्वर, ताप आदि रोगवाला. Attacked with fever. पिं० नि० ५७२; ५८२; सूय० १, ७, ११; प्रव० ११२;

***जरूला.** स्त्री० (जरूला) ચાર ઈંદ્રિય વાળો એક જીવ. चार इंद्रिय वाला एक जीव. A four-sensed creature. पन्न० १;

जल. न० (जल) પાણી; જલ. जल; पानी. Water. नाया० १; २; ४; ८; १८; भग० २, १; ५, ७; ४२, १; नंदी० ७; विशे० २०६; ओव० २१; उत्त० ३६, ५०; क० गं० १, १६; भत्त० १२६; प्रव० ४७७; (२) જલકાન્ત તથા જલપ્રભ ઈંદ્રના પ્રથમ લોકપાલનું નામ. जलकान्त व जलप्रभ इंद्रके प्रथम लोकपाल का नाम. name of the first Lokapāla of Jalakānta and Jalaprabha Indra. जं० प० ४, ७४; ठा० ४, १; भग० ३, ८; (३) પાણીના જીવ. जल के जीव. an aquatic animal. क० गं० ४, १३; (४) પ્રસ્વેદ; પસીનો. पसीना, पस्वेद. sweat; perspiration. नाया० १; (५) જલસ્થાન; તલાવ વગેરે. जलस्थान वगैरह. a store of water; a pond etc. दसा० ७, १; —अंत. पुं० (-अन्त) પાણીનો અંત-છેડો. जल का अंत भाग. depth of water. भग० ६, ५; —अभिसेय. न० (-अभिषेक) પાણીથી નહાવું તે. जल से स्नान करना. bathing with water. भग० ११, ६; नाया० ५; निर० ३, ३; —अभिसेयकढिणगाय. पुं० (-अभिषेककठिनगात्र) વાનપ્રસ્થ તાપસની એક જાત જેનું શરીર પાણીના વારંવાર સિંચનથી કઠિન થઈ ગયેલ હોય તે. वानप्रस्थ तापस की एक

जाति कि जिसका शरीर जल के बारबार सिंचन से कठिन हो गया हो. an order of hermits; one whose body has been hardened by the frequent sprinkling of water. भग० ११, ११; —उत्तार. पुं० (-उत्तार) પાણીમાં ઉતરવું તે. जलमें उतरना. descending or getting into water. प्रव० ६७८; —उवरिट्ठाइ. त्रि० (-उपरिस्थायिन्) જલ ઉપર રહેનાર. जलके ऊपर रहने वाला. (one) living above water. नाया० ६; —काय. न० (-काय) અપકાય; પાણી. अपकाय; जल. water. क० गं० ८, १३; —किट्ट. न० (-किट्ट) પાણીનો મેલ; સેવાલ; કીચુ. जल का मैल; कीचड़. dirt in the water; moss राय १७३; —कीडा स्त्री० (कीडा) પાણીની અંદર તરવું; ડુબકી મારવી વગેરે ગમ્મત. जल के भीतर तैरना; कूदना इत्यादि खेल. sporting or gambolling in water. राय० १७३; भग० ११, ६; विवा० ७; —कीला. स्त्री० (कीडा) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ११, ६; —कुंभ. पुं० (-कुंभ) પાણીનો ઘડો. जल का घड़ा-पात्र. a pot of water. पंचा० १४, ११; —गय. त्रि० (-गत) પાણીમાં રહેલું. जल में रहा हुआ. living in water. निसी० १८, २०; (२) पुं० પાણીની અંદર રહેલા જીવ. जल के भीतर रहा हुआ जीव. a creature living in water; an aquatic animal. पराह० १, १; —घरिय. त्रि० (गृहिक) પાણીની વ્યવસ્થા કરનાર; પાણી પાનાર. जल पिलाने वाला (one) looking after water arrangements नाया० १२; —चक्कवाल. न० (-चक्रवाल) પાણીના ગોલ કુંડાલા. जल का गोल चक्कर. a ring, a circle of water. पराह० १, ३; —चार. न० (-चार) નાવાદિનું પાણીમાં ચાલવું તે; વહાણનું જવું. नाव वगैरह का जल में चलना; जहाज का जाना. moving of a boat or vessel in the water. आया० नि० १, ४, १, २४६; —चारिया. स्त्री० (-चारिका) ચાર ઈંદ્રિયવાલો એક જાતનો જીવ. चार इंद्रिय वाला एक जाति का जीव. a kind of four-sensed creature. पन्न० १; —ग्गालण. न० (-गालन) પાણી ગલવું તે. जल का टिपकना. oozing or trickling of water. पंचा० ४, ११; —ट्ठाण. न० (-स्थान) જલાશય; પાણીનું સ્થાન. जलाशय; जल का स्थान. a pond; a reservoir of water. पन्न० २; —थलय. त्रि० (-स्थलज) જલ અને સ્થલમાં ઉત્પન્ન થયેલ; કમલ ગુલાબ વગેરે. जल व स्थल में उत्पन्न; कमल, गुलाब इत्यादि. produced in water and on earth; the lotus, the rose etc. सम० ३४; —दोण. पुं० (-द्रोण) દ્રોણ પ્રમાણ પાણી. द्रोण के प्रमाण में जल. a cupful of water. प्रव० १४२४; —धारा. स्त्री० (-धारा) પાણીની ધાર. जल-धारा; पानी की धार. a stream or current. or flow of water. भग० ६, ३३; —पक्खंद. न० (-प्रस्कन्द) પાણીમાં ડૂબી મરી જવું તે; બાલ મરણનો એક પ્રકાર. जलमें डूब मरजाना; बाल-मृत्युका एक प्रकार. drowning in water; premature death. निसी० ११, ४१; —पक्खंदण. न० (-प्रस्कन्दन) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. निसी० ११, ४१; —पवेस. न० (-प्रवेश) જુઓ "जल-

पक्खंद " १७८६. देखो "जलपक्खंद" शब्द. vide "जलपक्खंद" निसी० ११, ४१; —पवेसिक. त्रि० (-प्रवेशिक) જલમાં પ્રવેશ કરનાર. जल में प्रवेश करने वाला. (one) who enters into the water. ओव० ३८; —प्पवेस. न० જુઓ "जलपक्खंद" ૯૭૯. देखो "जल-पक्खंद" शब्द vide "जलपक्खंद" ठा० २, ४; भग० २, १; नाया० १६; —बिंदु. पुं० (-बिन्दु) પાણીનું ટીપું. जल का बूंद. a drop of water. नाया० १; कप्प० ३, ४२; —वासि. पुं० (-वासिन्) જલની અંદર વસનાર તાપસની એક જાત. जल के भीतर रहने वाले तापस की एक जाति an order of ascetics living in water. "जलवासिणो त्ति" भग० ११, ६; निर० ३, ३; —बुब्बुग्र. न० (-बुद्बुद) પાણીના પરપોટા. जल का बुलबुला. A bubble of water. "विसय सुहं जलबुब्बुग्रसमाणं" ओव० —बुब्बुद. पुं० (-बुद्बुद) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द. vide above भग० ६; ३३;—भय. न० (-भय) પાણીનું ભય. जल का भय. fear of water. प्रव० ६८०; —भूमिश्रा. स्त्री० (भूमिका) પાણી વાળી જમીન जल वाली धरती. land having water. पन्न० २; —मज्जण न० (मज्जन) જલ સ્નાન. जल स्नान. bathing or ablution in water. नाया० २; ८; ९; भग० ११, ६; विवा० ७; —मज्झ. न० (-मध्य) પાણીની વચ્ચે; જલમાં. जल के बीच में, जल में. the midst part of water. प्रव० १५६; —माला. स्त्री० (-माला) ઘણું પાણી. बहुत जल. plenty of water. सूय०नि०२,१, १६१; —रक्खस. पुं० (-राक्षस) રાક્ષસનો પાંચમો પ્રકાર. राक्षस का पांचवां प्रकार. the fifth variety of demons. पन्न०१; —रमण. न० (-रमण) જલક્રીડા. जलक्रीडा. sporting in water. नाया० १३; —रुह. पुं० (-रुह) જલમાં પેદા થનાર વનસ્પતિ; કમલ, શેવાલ વગેરે. जलमें पैदा होनेवाली वनस्पति; कमल, इत्यादि. vegetation growing in water; the lotus etc. 'सेकिंतं जलरुहा !; जल रुहा श्रणेगविहा पन्नत्ता' पन्न०१; जीवा०१; —रेहा. स्त्री० (-रेखा) પાણીમાં લાકડી વગેરેથી કરેલી લીટી. जलमें लकडी वगैरह से की हुई रेखा. a line made by means of a stick etc. in the water. क० गं०१,६१;—विच्छुय पुं०(-वृश्चिक) જલનો વિંછી. जल का बिच्छू. a prawn. पन्न० १; —विसुद्ध. त्रि० (-विशुद्ध) જલથી શુદ્ધ થયેલ. जल से शुद्ध. purified by means of water. प्रव० ७३४; —सित्त. त्रि०(-सिक्त) પાણીથી સિંચન કરેલ. जल से सिंचन किया हुआ. sprinkled or moistened with water दस० ६ २, १२; —सिद्धि. स्त्री० (-सिद्धि) જલમાં ન્હાતાં ન્હાતાં સિદ્ધિ પામે તે जल में स्नान करते करते सिद्धि पावे वह. perfection attained while bathing in water. "सुयं वयंत जलसिद्धिमाहु" सूय० १, ७, १७; —सोयवाइ. पुं० (-शौचवादिन्) પાણીથી શુદ્ધિ માનનાર તાપસની એક જાત. जल से शुद्धि माननेवाले तापस की एक जाति. an order of ascetics who believe in purity by means of water. सूय० नि० १, ७, ९०;

जलश्रय. पुं० (जलद) મેઘ; વરસાદ. वर्षा; मेघ. A cloud. विशे० ४१८;

१७१७; कप्प० ३, ३५;

जलकंत. पुं० (जलकान्त) ચંદ્રકાન્ત મણિ; સચિત્ત કઠિન પૃથ્વીનો એક પ્રકાર. चंद्रकांत-मणि, सचित्त कठिन पृथ्वी का एक प्रकार. The moon-gem; a variety of hard animate earth. उत्त० ३६, ७६; पन्न० १; सम० ३२; (२) દક્ષિણ તરફનો ઉદધિકુમારના ઇંદ્રનું નામ. दक्षिण तरफ के उदधिकुमार के इंद्र का नाम. name of Indra of Udadhi Kumāra (son of the ocean) of the south. ठा० २, २; पन्न० २; (३) જલકાંત ઇંદ્રના ત્રીજા લોકપાલનું નામ. जलकांत इन्द्र के तीसरे लोकपाल का नाम. name of the third Lokapāla of Jalakānta Indra. ठा० ४, १; भग० ३, ८;

जलकारि. पुं० (जलकारिन्) ચોઇંદ્રિય જીવ વિશેષ. जलकारि नामक चोइंद्रिय जीव विशेष. A kind of four-sensed creature of this name. उत्त० ३६, १४८.

जलचर. पुं० (जलचर) પાણીમાં ઉત્પન્ન થઇ પાણીમાં રહેનાર પંચેન્દ્રિય તિર્યંચ. जल में उत्पन्न हो जलही में रहने वाला पंचेन्द्रिय तिर्यंच. A five-sensed aquatic animal. ओव० ४१; भग० ८, १; १५, १; २४, १; प्रव० ५५६;—**विहाण.** न० (-विधान) જલચર તિર્યંચ પંચેંદ્રિયનો પ્રકાર. जलचर तिर्यंच पंचेन्द्रिय का प्रकार. a kind of five-sensed aquatic animal. भग० १५, १;

जलचरी. स्त्री० (जलचरी) પાણીમાં રહેનાર માછલી; મગરી વગેરે; જલચર તિર્યંચની સ્ત્રી. जल मे रहने वाली मछली मगरी; जलचर तिर्यंच की मादा. A fish living in watar; the female of an aquatic animal. ठा० ३, १;

जलज. न० (जलज) પાણીમાં ઉત્પન્ન થયેલ; કમલાદિ. जल में उत्पन्न कमलादि. The lotus etc. produced in water. राय० २७;

जलजलित. त्रि०(आमूल्यमान) જલહળતા; દીપતા. प्रज्वलित; ज्वलंत. Blazing; burning. कप्प० ३, ३६;

जलण. त्रि० (ज्वलन) દેદિપ્યમાન અગ્નિ; આગ; દેવતા. देदिप्यमान; अग्नि; आग. Blazing fire; fire. प्रव० १०४१; क० गं० १, ४५; गच्छा० ७६; पंचा० २, ९६; ४, ४४; विशे० २७; २१८; अणुजो० १३१; १४८; नाया० १; १७; दसा० ६, १, ११; सु० च० ४, २१०; ओव० ३८; भग० ३, १; (२) पुं० (आत्मानं चारित्रं वा ज्वालयति दहतीति ज्वलनः) ક્રોધ; ગુસ્સો. क्रोध; गुस्सा. anger; rage. सूय० १, १, ४, १२; (३) સળગાવવું; બાળવું. जलाना. burning; kindling. पण्ह० १, १; (४) જ્ઞાનાદિ ગુણનો પ્રકાશ કરવો તે. ज्ञानादि गुण का प्रकाशन. enlightenment in the form of knowledge etc. प्रव० १४८; (५) અગ્નિકુમાર દેવતા. अग्निकुमार देवता. the Agnikumāra deity. पण्ह० १, ४; —**काय.** न० (काय) તેજસ્કાય; અગ્નિ. तेजस्काय; अग्नि. one having a lustrous form; fire. क० गं० ४, १३; —**पक्खंदण.** न० (प्रस्कन्दन) અગ્નિમાં પડી મરી જવું તે; બાલ મરણનો એક પ્રકાર. अग्नि में गिरकर जल मरना; बालमृत्युका एक प्रकार. burning to death by falling into the fire; a form of premature death. निसी० ११, ४१; —**प्पवेस.** न० (-प्रवेश) અગ્નિની અંદર

पडी બળી મરવું તે; બાલ મરણનો એક પ્રકાર અગ્નિ के भीतर गिर कर जल मरना; बालमृत्यु का एक प्रकार. burning to death by falling into the fire; a form of pre-mature death. निसी० ११, ४१; भग० २, १; नाया० १९; ठा० २, ४;

जलन. पुं० (ज्वलन) જુઓ "जलण" શબ્દ. देखो "जलण" शब्द. Vide "जलण" पिं० नि० भा० १;

जलनिहि. पुं० (जलनिधि) સમુદ્ર. समुद्र. The sea. प्रव० १४१२;

जलप्पभ. पुं० (जलप्रभ) દક્ષિણ તરફના ઉત્તર બાજુના ઉદધિકુમાર જાતિના ભવનપતિ દેવતાનો ઇન્દ્ર. दक्षिण दिशाके उत्तर तरफ का उदधिकुमार जाति के भवनपति देवता का इंद्र. Indra of the Bhavanapati deities of the northern Udadhi Kumāra class of the south. ठा० २, ३; पन्न० २; (२) જલકાન્ત તથા જલપ્રભ ઇન્દ્રના ચોથા લોકપાલનું નામ. जलकान्त व जलप्रभ इंद्र के चौथे लोकपाल का नाम. name of the fourth Lokapāla (regent of a quarter of the world) of Jalkānta and Jalaprabha Indra. ठा० ४, १; भग० ३, ८;

जलप्पह. पुं० (जलप्रभ) જુઓ "जलप्पभ" શબ્દ. देखो "जलप्पभ" शब्द. Vide. "जलप्पभ" सम० ३२;

जलमय. त्रि० (जलमय) પાણીમય; પાણીરૂપ. जलमय; पानीस्वरूप. Abounding in water. पयह० १, १;

जलय. न० (जलज) કમલ. कमल. A lotus. पन्न० १; राय० ४४; नाया० ८; जीवा० ३, ४; —**अमलगंधिय.** पुं० (-अमलगन्धिक—जलजानामिव जलजकुसुमानामिवामलो न तु कुद्रव्यसंमिश्रो यो गन्धः स विद्यते येषां ते जलजामलगन्धिकाः) કમલના જેવી ગન્ધવાલા. कमल की सी गन्धवाला. fragrant like a lotus जीवा० ३, ४; राय० ४७; जं० प० ४, ७४;

जलयर. त्रि० (जलचर-जले चरति पर्यटतीति जलचरः) પાણીમાં ઉત્પન્ન થઇ પાણીમાં રહેનાર પંચેન્દ્રિય તિર્યંચ. जल में उत्पन्न होकर जल में रहनेवाला पंचेन्द्रिय तिर्यंच. A five-sensed creature born and living in water. "से किं तं जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया" पन्न० १; जीवा० १; सम० १२; सू० प० १०; उत्त० ३६, १७०; भत्त० १३०; —**निकर** पुं० (-निकर) જલચર પ્રાણીનો સમૂહ. जलचर प्राणियों का समूह. a collection of aquatic animals. प्रव० २२२; —**मंस** न० (-मांस) મચ્છાં વગેરે જલચર પ્રાણીનું માંસ. मत्स्य आदि जलचर प्राणियोंका मांस. the flesh of aquatic creatures such as fish etc. प्रव० २२२;

जलयरी. स्त्री० (जलचरी) જલચર તિર્યંચ પંચેન્દ્રિયની સ્ત્રી. जलचर तिर्यंच पंचेन्द्रिय की स्त्री. The female of a five-sensed aquatic animal. "से किं तं जलचरीओ" जीवा० १;

जलरय. पुं० (जलरत) જલકાંત તથા જલપ્રભ ઇન્દ્રના લોકપાલનું નામ. जलकान्त व जलप्रभ इंद्र के लोकपाल का नाम. Name of the Lokapala (regent of a quarter of the world) of Jalakānta and Jalaprabha Indra. ठा० ४, १;

जलरूप-य. पुं० (जलरूप) ઉદધિકુમારના

इन्द्र જલકાંતના બીજા લોકપાલનું નામ. उदधिकुमार के इन्द्र जलकांत के दूसरे लोकपाल का नाम. Name of the second Lokapāla (regent of a quarter of the world) of Indra Jalakānta of Udadhikumāra. भग० ३, ८;

जलवीरिय. पुं० (जलवीर्य) ચાર ઇન્દ્રિયવાળો જીવ વિશેષ. चार इन्द्रिय वाला जीव विशेष. A kind of four-sensed creature. जीवा० १; (२) ઋષભદેવ સ્વામીથી તેમના વંશમાં થયેલ સાતમો રાજા. ऋषभदेव स्वामी से उन के वंश का सातवां राजा. name of a king born in the race of Risabhadeva Swāmi and seventh from him. ठा० ८;

जलमूग. पुं० (जलमू) જલકાંત ઇન્દ્રના બીજા લોકપાલનું નામ. जलकान्त इंद्र के दूसरे लोकपाल का नाम. Name of the second Lokapāla (regent of a quarter of the world) of Jalakanta Indra. ठा० ४, १;

जलहर. पुं० (जलधर) મેઘ, વર્ષાદ. मेघ, वर्षा; बारिश. A cloud; rains. कप्प० ३, ३३; ४४;

जलहि. पुं० (जलधि) સમુદ્ર. जल-पानी धि-भंडार-समुद्र. The sea. सु० च० १, १; नाया० ११;

जलाय. पुं० (जल्पाक) રાજાના ગુણ બોલનાર. राजा के गुण बोलने वाला. One who extols the merits of a king. निसी० ६, २२;

जलावण. न० (ज्वालन) સળગાવવું; અગ્નિ પ્રગટ કરવો. जलाना; अग्नि प्रकट करना. Burning; kindling of fire. "जलण जलावण विदंसणेहिं" पगह० १, १;

जलासय. पुं० (जलाशय) જલાશય; જલના ઠેકાણાં-તલાવ વગેરે. जलाशय; जल के स्थल-तालाव इत्यादि. A pond; a reservoir. पन्न० २; —ज. त्रि० (-ज) જલાશય-તલાવ-સમુદ્ર વગેરેમાં ઉત્પન્ન થયેલ. जलाशय-तालाव समुद्र इत्यादि में उत्पन्न हुआ. produced in a pond, sea etc. प्रव० ११६४; —सोसण. न० (-शोषण) જલાશય-તલાવ વગેરે સોસવવાં તે; શ્રાવકના સાતમા વ્રતના અતિચારરૂપ ૧૫ કર્માદાનમાંનું ચૌદમું કર્માદાન. जलाशय-तालाव इत्यादि को सुखाना; श्रावक के सातवें व्रत के अतिचार रूप १५ कर्मादान में से चौदहवां कर्मादान. the suction or absorption of a pond etc. the fourteenth of the fifteen Karmādāns (sinful operations) forming part of the partial violation of the seventh vow of a lay man. प्रव० २६८;

जलिय. त्रि० (ज्वलित) બળેલું. जला हुआ. Burnt. "पक्खंदे जलियं जोइं" दस० २, ६; ६, ३३; ६, १, ६; नाया० १; भग० ५, ६; नाया १; भग० ७, ६; सूय० १, ५, १,१७; ओव० १०; पगह०२,५; —चुडिली. स्त्री० (* चुटिली) બળતી સળગતી પુલી. घास का जलता हुआ पूला. a burning bunch of grass. "जलिय चुडिलीविव अणुसम इ-हणसिलाओ" तंदु०

जलिर. त्रि० (* ज्वलिर-ज्वलनशील) બળનાર; બળવાના સ્વભાવ વાળો. जलनेक स्वभाव वाला. Of a burning nature. सु० च० २, ५१;

जलूगा स्त्री० (जलौकस्-जलमेको वसतिरस्याति) બગડેલું લોહી પીનાર; જળો; બે ઇન્દ્રિયજીવ વિશેષ. बिगडे हुए रक्त को पीने

वाला; द्विइंद्रियजीव विशेष. One that sucks impure blood; a kind of two sensed creature. उत्त० ३६, १२८; नंदी०४४;

जलोया. स्त्री० (जलौकस्) जुओ "जलूगा" शब्द. देखो "जलूगा" शब्द. Vide "जलूगा" पन्न० १; अणुत्त० ३, १; भग० १३, ६; (२) चर्म पक्षीनी એક જાત. चर्म पक्षी की एक जात. a kind of bird पन्न० १;

जल्ल. पुं० (यल्ल याति च लगति चेति यल्लः) शरीर ઉપર જામેલ કઠણ મેલ; પરસેવા આદિનો ઘટ્ટ મેલ. शरीर के ऊपर का जमा हुआ कठिन मल; पसीना आदि का घट्ट मल. Hard dirt or impure matter of the body; thick dirt of perspiration etc. सम० ५; ओव० ३८; जीवा० ३, ३; नाया० १३; भग० १, १; ८, ८; २०, २; उत्त० २, ३७; निसी०३, ७०; पिं० नि०२४२; कप्प०४, ११६; (२) દોરડી વાંધર ઉપર ચડી ખેલ કરનાર; નટ બજાણીઓ. (२) रस्सा पर चढ़ कर खेल करने वाला; नट. an acrobat; a rope-dancer. जं० प० नाया०१; अणुजो० ६२; ओव० पगह० २, ४; कप्प० ५, ६४; (३) त्रि० થોડા પ્રયત્નથી દૂર થાય તેવું. थोड़े प्रयत्न से दूर हो ऐसा (that) which can be got rid of with little effort. (४) મ્લેચ્છની એક જાત; જલ્લ દેશવાસી. म्लेच्छ का एक जाति; जल्लदेशवासी. a class of outcasts residing in Jalla country. पगह०१, १; (५) કાવડ લઈ જનાર. कावड ले जाने वाला. (one) who carries bamboo lath provided with slings at each end. जीवा०३,३; **—ओसहि.** स्त्री० (-औषधि) એક પ્રકારની લબ્ધિ; મેલના સ્પર્શથી દર્દ મટે એવા પ્રકારની શક્તિ. एक प्रकार की लब्धि; मल के स्पर्श से रोग का नाश हो इस प्रकार की शक्ति. a kind of acquisition; the power by which a disease is destroyed by means of contact with dirt. ओव० १५; पगह० २, १; विशे० १७८; **—ओसहिपत्त.** त्रि० (-औषधिप्राप्त-यल्लो मलः स एवौषधिर्यस्यौषधिस्तां प्राप्तो यल्लौषधिप्राप्तः) મેલ માત્રના સ્પર્શથી રોગ મટી જાય એવી લબ્ધિને પ્રાપ્ત થયેલ. मल मात्र के स्पर्श से रोग नष्ट हो ऐसी लब्धि जिसको प्राप्त हुई है वह. (one) possessed of the power of getting rid of a disease by mere contact with dirt. "जल्लोसहिपत्ता" पगह० २, १; **—परिसह.** पुं० (-परिषह—यल्ल-हानिमलः स एव परिषहो यल्लपरिषहः) શરીરના મેલનો પરિષહ; २२ માંનો १८ મો પરિષહ. शरीरके मल का परिषह; २२ में से १८ वां परिषह. affliction or trouble due to dirt of the body due to perspiration; the 18th of the 22 afflictions that a Jain ascetic has to bear calmly. सम० २२; भग० ८, ८; **—पेहा.** स्त्री० (-प्रेक्षा-वरत्राखेलकाराः स्तोत्रपाठका इत्यपरे तेषां प्रेक्षा जल्लप्रेक्षा) દોરડી પર ચડી ખેલનારના ખેલ જોવા તે. रस्सेपर चढ़कर तमाशे करनेवाले नट का तमाशा देखना. witnessing the exhibition of skill of perfomers in the streets जीवा० ३, ३;

—मल. पुं० (-मल—याति च लगति चेति मलः सपासौ मलः यल्लमलः) શરીરનો મેલ. शरीर का मेल. dirt or im

purity of the body. "जह्न मल-कलंक सेयरय दो सवजिय सरीर निरुव लेवा" तंदु॰ श्रोव॰ नाया॰ १३; —सिंघाण. न॰ (-शिङ्घाण) शरीरनो मेल अने नाकनो मेल. शरीर व नाक का मेल. bodily dirt and snot. श्राव॰ ४, ७;

जलत्ता. न॰ (जल्लता—मल) कठीन मेल. कठिन मेल. Hard dirt. दसा॰ ७, १;

जल्लरी. स्त्री॰ (झल्लरी) झालर. झालर. A frill. जं॰ प॰

जल्लिय. न॰ (*जल्लक) शरीरनो मेल. शरीर का मेल. Dirt or impurity of the body. "उच्चारं पासवणं खेलं सिंघाणं जल्लियं" उत्त॰ २४, १५; भग॰६, ३;

जव. पुं॰ (यव) जव; एक जातनुं धान्य. जौ; एक प्रकार का धान्य. Barley; a kind of corn. भग॰ १, १; ६, ४; ६, ३३; १४, ७; २१, १; नाया॰ १; श्रोव॰ उत्त॰ ६, ४६; ठा॰ ३, १; पन्न॰ १; जीवा॰ ३, ३; वेय॰ २, १; नंदी॰ १४; पंचा॰ ५, २८; (२) एक प्रकारनी औषधी एक प्रकार की औषधी. a kind of medicine. पन्न॰ १; (३) आठ जु प्रमाण; जवनो दाणो; अंगुलनो आठमो भाग. आठ जू प्रमाण जव का दाना; अंगुलका आठवां हिस्सा. the eighth part of a finger which is equal to a barley corn. अणुजो॰ १३४; ठा॰ ८, (४) एक जातनी कन्याने पहेरवानी चोळी एक प्रकार की कन्या को पाहनने की चोली. a sort of breast-coat for a girl. निसी॰ ७०६; (५) ए नामनो एक माणस. इस नाम का एक मनुष्य name of a person. भत्त॰ ८७; —उदग. न॰ (-उदक) जवनुं पाणी. जौ का जल-पानी water mixed with barley-corn. ठा॰ ३, ३;—उदग. पुं॰ (-उदक) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. vide above. "सीयं च सोविरं च जवोदगं च" उत्त॰ १५; १३; निसी॰ १७, ३०; प्रव॰ २०१; पंचा॰ ५, २८; कप्प॰ ६, २५; —ओदण. न॰ (-ओदन) जवनो रोटलो वगेरे. जौ का रोटा वगैरह. a barley-cake. "आयामगं चेव जवोदणं च" उत्त॰ १५, १३; —ण्ण. न॰ (-अन्न) एक जातनुं जवनुं बनावेल अन्न. एक प्रकार का जौ से बनाया हुआ अन्न. an article of food consisting of barely. सू॰प॰ २०; —वारय. पुं॰ (-वारक) जवना अंकुर; जवारा. जवारा. a sprout of barley-corn. "जववार वसणयसमन्थि गादि महारम्भे" पंचा॰ ८, २३;

जव. पुं॰ (जव) गति; वेग, जोस. गति; वेग; जोश. Speed; swiftness. उत्त॰११,१६;

जवजव. पुं॰ (यवयव) ए नामनुं एक धान्य. इस नाम का एक धान्य. A kind of corn of this name. भग॰ ६, ४; १४, ७; वेय॰ २, १. जं॰ प॰ ठा॰ ३, १; दसा॰ ६, ४; पन्न॰ १; —जवजवग. पुं॰ (-यव यवक) जुओ "जव जव" शब्द. देखो "जव जव" शब्द. vide "जव जव" भग॰ २१, १; —जवण. पुं॰ (-जवन) वेग; शीघ्रगति वेग, शीघ्रगति. swiftness; velocity. भग॰ १४, १; —जवण. पुं॰ (-यवन) म्लेच्छ; यवन देशवासी. म्लेच्छ; यवनदेश वासी. an out cast; one residing in a foreign country. पण्ह॰ १, १; पन्न॰ १; सू॰ प॰ २०; (२) ए नामनो एक अनार्य देश. इस नामका एक अनार्य देश. a non-Aryan country of this name. प्रव॰

१५६७; —दीव. पुं० (-द्वीप) यवननी वसति वाळो देश. यवनों से बसाहुआ देश. a country inhabited by non-Aryans जं० प० —जवणा. स्त्री० (-यापना) शरीर निर्वाह; जीवन निर्वाह. शरीर निर्वाह, जीवन-निर्वाह. livelihood; maintenance. उत्त० ८, १२; (२) संयमनो निभाव. संयम का निभाव. maintenance of asceticism. उत्त० ८, १२; २५, १७; प्रव० ६६; —(ण) ट्ठ. पुं० (-अर्थ) संयमरूप भार उपाडवानो अर्थ. संयमरूप बोझ उठाने का अर्थ. utility of bearing the burden in the shape of restraint. " जवणट्ठाए निसेवए मंथु " उत्त० ८, १२; दस० ६, ३, ४;

जवणाणिया. स्त्री० (यवनानिका) એક જાતની લિપિ. एक प्रकार की लिपि. A kind of script or character. पन्न० १;

जवणालिया. स्त्री० (यवनालिका) કન્યાને પહેરવાની એક જાતની ચોળી. कन्या को पहिनने की एक प्रकार की चोली. A kind of breast-coat for a girl. नंदी० (२) यवन देशनी लिपि; १८ लिपिमांनी એક. यवन देशकी लिपि; १८ लिपियों में से एक. one of the 18 scripts. सम० १८;

जवणिज्ज. त्रि० (यापनीय) વખત ગુજારવા યોગ્ય. समय व्यतीत करने योग्य. Fit for being a pastime. (२) इंद्रियो અને મનને જીતવા તે. इंद्रिय व मन को जीतना. conquering the senses and the mind. " जवणिज्ज अव्वाबाहं फासुय विहारं " भग० १, १०; १८, १०; नाया० ५; आव० ३, १;

जवणिया. स्त्री० (यवनिका) કનાત. कनात. A curtain. नाया० १; भग० ११, ११; प्रव० ६७६; —(यं) अंतरिय. न० (-अन्तरित) કનાતને આંતરે રહેલ; કનાતની અંદર. कनात के अन्दर रहा हुआ. screened or protected by a curtain. " पभावतिं देविं जवणियंतरियं ठावेइ " नाया० १; ८;

जवनालिया. स्त्री० (यवनालिका) જુઓ " जवणालिया " शब्द. देखो " जवणालिया " शब्द. Vide " जवणालिया " पन्न० ३३;

जवमज्झ. पुं० (यवमध्य) જવના મધ્ય ભાગ પરિમિત એક માપ. जौ के मध्य भाग के प्रमाण का एक नाप. A measure of length equal to the middle part of a barley-corn. जं० प० २, १६; भग० २५, २; ३; प्रव० १४७२; (२) જવનો મધ્ય ભાગ. जौ का मध्य भाग. the interior of a barley-corn. भग० ६, ७; क० प० १, ४०; (३) त्रि० જવના મધ્ય ભાગના આકારનું. जौ के मध्य भाग के आकार का. having the form of the middle part of a barly-corn. भग० ६, ७; २५, ३;

जवमज्झचंदपडिमा. स्त्री० (यवमध्यचन्द्रप्रतिमा) જવના મધ્ય ભાગ જેવી પડિમા એટલે કે બે છેડે પાતળી અને વચ્ચે પુષ્ટ. જેમ કોઈ સાધુ શુકલ પક્ષને પડવેથી એક કોળિયો આહાર લઈ પડિમા શરૂ કરે; પુનમે પંદર કોળીઆ સુધી પહોંચી, પછી દરરોજ એકેક કોળીઓ ઘટાડતાં વદ ०)) એક કોળીઓ આહાર લઈ પડિમા પુરી કરે તે જવમધ્ય ચંદ્રપડિમા. साधु की एक प्रतिमा (तप विशेष) जिसे जव के मध्य भाग की उपमा दी जाती है. जैसे जव दोनों तरफ से पतला

और बीच में मोटा होता है इसी प्रकार इस व्रत में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को एक ग्रास लिया जाता है और प्रतिदिन एक एक ग्रास बढ़ाकर पूर्णिमा को १५ ग्रास लिये जाते हैं, फिर एक एक ग्रास घटा कर अमावस्या को एक ग्रास लेकर यह प्रतिमा पूर्ण की जाती है. इस प्रतिमाको जवमध्यचन्द्रपोडमा कहते हैं. An austerity performed by an ascetic. This is known as Javamadhya Chandra Padimā (an austerity of the shape of the middle part of a barley-corn). This austerity is begun from the 1st day of the bright-half of the month and on that day only one morsel is taken as food and then every day one morsel is increased. Thus on the 15th day 15 morsels are to be taken. In a similar way one morsel is decreased every day till on the 15th day of the dark half of the month one morsel is taken. वव० २, २. १०,१; ठा०२,३;३.३;

जवमज्झा. स्त्री० (यवमध्या) એક પ્રકારની પડિમા; જુઓ ઉપલો શબ્દ. एक प्रकार की पडिमा; देखो ऊपर का शब्द. A kind of Padimā; vide above. ओव० १५; ठा० २, ३; ४, १; उत्त० ३६, ५४; वव० १०, १;

जवस. न० (यवस) મગ અડદ વગેરે કઠોળ ધાન્ય. मूंग, उड़द इत्यादि धान्य. A kind of corn. " बांयणं जवसं देजा " उत्त० ७, १;

जवा स्त्री० (जपा) એક જાતની વનસ્પતિ. एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation. पन्न० १; भग० २१, १;

जवासय. पुं० (यवासक) વનસ્પતિ વિશેષ; જવાસો. वनस्पति विशेष; जवासा. A kind of vegetation. पन्न० १;

जवासा. स्त्री० (यवासा) રાતા ફૂલવાળું એક જાતનું ઝાડ. लाल पुष्प वाला एक प्रकारका वृक्ष. A kind of tree bearing red flowers. " यवासाकुसुमेइ " पन्न० १७;

जवि. त्रि०(जविन्) વેગ વાળો. वेगवान्; गति वाला. Swift; fleet. (२) पुं० ઘોડો. अश्व; घोडा. a horse. सूय०१,१, २, ६;

जव्वस. त्रि० (यद्वश) જેને વશ થયેલ. जिसके आधीन बना हुआ. Subdued by which; submissive to which. क० गं० १, २२;

जस न० (यशस्) યશ; કીર્તિ; આબરૂ. यश; कीर्ति. Fame; renown. भग० २, ६; १४, ५; १९, १; ४१, १; नाया० ८; १८; ओव० ३८; सूय० १, ६, २२; सू० प० १६; नंदी० ३३; पन्न० २३; उत्त० ३, १३; क० गं० ५, ६१; (२) સંયમ; ચારિત્ર संयम, चारित्र. asceticism. 'जसं संचिणु खंतिए' उत्त० ३, १३; दस० ५, २, ३६; (३) શ્રી પાર્શ્વનાથના આઠમા ગણધરનું નામ. श्री पार्श्वनाथ के ८ वें गणधर का नाम. name of the 8th Gaṇadhara of Śrī Parśwanātha. सम० प० २३३; (४) ચૌદમા તીર્થંકર શ્રી અનંતનાથજીના પ્રથમ ગણધરનું નામ. चौदहवें तीर्थंकर श्री अनंत नाथजी के प्रथम गणधर का नाम. name of the 1st Gaṇadhara of the 14th Tīrthaṅkara Śrī Anantanāthaji. सम० प० २३३; प्रव० ३०६;

—**कर.** त्रि० (—कर—यशः सर्व दिग्गामि

प्रसिद्धिविशेषः तत्करो यशस्करः) सर्व दिशामां यश मेळवनार. सर्व दिशाओं में यश प्राप्त करने वाला. (one) attaining fame or glory everywhere. नाया० १; तंदु० (२) ऋषभदेव स्वामीनो ए नामनो ४१मो दीकरो. ऋषभदेव स्वामी का इस नाम का ४१ वां पुत्र name of the 41st son of Riṣabhadeva Svāmi. कप्प० ३, ५२; —वंस. पुं० (-वंश—यशसां वंश इव पर्वप्रवाह इव यशोवंशः) यशवान वंश. यशवान वंश. a glorious family. 'जसवंसो नागदत्थीणं' नंदी० —वाय. पुं० (-वाद) धन्यवाद. धन्यवाद. thanks-giving; thanks "जसवंएणं वद्धित्ता" कप्प० ४, ६०;

जसंस. पुं० (यशस्विन्) महावीरस्वामिना पितानुं एक नाम. महावीर स्वामी के पिता का एक नाम. One of the names of the father of Mahāvira Svāmi. कप्प० ५, १०३;

जसंसि. त्रि० (यशस्विन्) प्रख्यात; यशस्वी; जेनी शुभ कीर्ति चोतरफ प्रसरेली होय ते. प्रख्यात; यशस्वी; जिसकी सुकीर्ति चहुं ओर फैली हुई हो वह. Famous; glorious; (one) whose fame has spread everywhere. "अज्जुनेरे णामगारे जसंसि" उत्त० ५, २६; सम० प० २३४; ओव० १६; नाया० १; दस० ६, ६६; राय० २१५; भग० २, ५; (२) महावीर स्वामीना बापनुं अपर नाम. महावीर स्वामी के पिता का अपर नाम. another name of the father of Mahāvira Swāmi. आया० २, १५, १७७; कप्प० ५, १०३;

जसःकित्ति. स्त्री० (यशःकीर्ति) यश; कीर्ति; आबरू; प्रख्याति. यश; कीर्ति; विख्याति. Fame; reputation; glory. ठा० ३, ३; क० गं० १, २१; क० प० १, ७६; प्रव० १२८०; —णाम. न० (-नामन्) नामकर्मनी एक प्रकृति के जेना उदयथी जीव ज्यां जाय त्यां शुभ कीर्ति मेळवे. नामकर्मकी एक प्रकृति कि जिसके उदय से जीव जहां जावे वहां शुभ कीर्तिको प्राप्त करे. a variety of Nāmakarma by the rise of which a Jīva (a soul) attains fair fame wherever he goes. प्रव० १२८०;

जसघोस. पुं० (यशोघोष) ऐरावत क्षेत्रमां भावि त्रीजा तीर्थंकर. ऐरावत क्षेत्र के भावी तीसरे तीर्थंकर. The third would-be Tīrthaṅkara of Airāvata Kṣetra. प्रव० ३०१;

जसचंद. पुं० (यशश्चन्द्र) ए नामना एक गणी. इस नामका एक गणी. An ascetic of this name. भग० ४२, १;

जसद. पुं० (जसद) जसत. जसत. Zinc. ओव० ३८; —पाय. न० (-पात्र) जसतनुं पात्र. जसत का बरतन (पात्र). a zink pot. "जसदपायाणि वा" ओव० ३८;

जसधर. पुं० (यशोधर) ए नामनो एक राजा. इस नाम का एक राजा. A king of this name. तंदु०

जसवर. पुं० (यशोधर) पखवाडीआना पांचमा दिवसनुं नाम. पक्ष के पांचवे दिन का नाम. Name of the fifth day of a fortnight. जं० प० ७, १५२;

जसभद्द. पुं० (यशोभद्र) शय्यंभव सूरीना एक शिष्य. शय्यम्भव सूरी के एक शिष्य का नाम. Name of a disciple of Śayyambhava Sūri. नंदी० २४; (२) ए नामना एक आचार्य के जे माढरस गोत्रना आर्य संभूतविजयना

शिष्य हता. इस नामके एक आचार्य कि जो माठरस गोत्र के आर्य संभूतविजय के शिष्य थे. name of a teacher who was a disciple of Āyra Sambhūta-vijaya of Māṭharasa race. कप्प० ८; (३) पखवाडीआना पंदर दिवसमांना चोथा दिवसनुं नाम. पक्ष के पंद्रह दिवस में से चौथे दिन का नाम. name of the fourth day of a fortnight. सू० प० १०; जं० प० ७, १५२; (४) न० यशोभद्रथी नीकळेल ए नामनुं कुल. यशोभद्र से उत्पन्न इस नाम का कुल. a family of this name sprang from Yaśo-bhadra. कप्प० ८; (५) पुं० ए नामना श्रीपार्श्वनाथना एक गणधर. इस नाम का श्रीपार्श्वनाथ का एक गणधर. a Gaṇa-dhara of this name of Srī Pārsvanātha. सम० ८;

जसमंत. पुं० (यशोमत्) ए नामना एक कुलगर. इस नामका एक कुलगर (कुलकर) A Kulagara so named. सम० प० २२८; ठा० ६;

जसवई स्त्री० (यशोमति) बीजा सगर चक्रवर्तिनी माता. द्वितीय सगर चक्रवर्ती की माता. The mother of the 2nd Sagara Chakravarti. सम० प० २३४; (२) श्रमण भगवान् श्रीमहावीरनी पुत्रीनी पुत्रीनुं नाम. श्रमण भगवान् श्री महावीर की पुत्री की पुत्री का नाम. name of the daughter of the daughter of the great ascetic Mahavira. कप्प० ५, १०३; (३) त्रीज आठम अने तेरस ए त्रणु रात्रिनी तिथि. तृतीया अष्टमी व त्रयोदशी: इन तीन रात्रियों की तिथि. the three nights viz. of the 3rd, 8th, and 13th day of a fortnight. सू० प० १०; जं० प० ७, १५२;

जसवती. स्त्री० (यशोमती) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. सम० प० २३४; जं० प० ७, १५२;

जसंसि. त्रि० (यशस्विन्) यशवान्, आबरू वाळो; कीर्तिवंत. यशवान्; कीर्तिवंत. Famous; glorious. आया० २, ३; १, ६१;

जसहर. पुं० (यशोधर) जंबुद्वीपना भरतखंडमां थनार १९मा तीर्थंकर. जंबुद्वीप के भरतखंड में होने वाले १९ वें तीर्थंकर. The 19th would-be Tīrthaṅkara who is to appear in Bharata Khaṇḍa of Jambūdvipa. सम० प० २४१; (२) पखवाडीआना पंदर दिवसमांनो पांचमो दिवस. पक्ष का पांचवां दिन. the fifth day of a fornight. जं० प० (३) ग्रैवेयक विमाननो पाथडो. ग्रैवेयक विमान का प्रस्तर (थर). a layer of the dividing matter of Graiveyaka abode. ठा० ६; (४) स्त्री० दक्षिण रूचक पर्वत उपरनी आठ दिशाकुमारीमांनी चोथी दिशाकुमारी. दक्षिण रुचक पर्वत पर की आठ दिशा-कुमारी में की चौथी दिशा-कुमारी. the fourth of the eight Diśākumā-ris living on the southern Ruchaka mountain. ठा० ८; जं० प० (५) पक्षनी पंदर रात्रिमांनी चोथी रात्रिनुं नाम. पक्ष की पंद्रह रात्रि में से चौथी रात्रि का नाम. name of the fourth night of a fortnight. जं० प० (६) जंबु सुदर्शन नामे वृक्ष. जंबू सुदर्शन नाम का वृक्ष. a tree named Jambū

Sudarśana. जंवा॰ ३; जं॰ प॰

जसा. स्त्री॰ (यशा) કોશાંબીના રહીશ કાશ્યપની સ્ત્રી અને કપિલની માતા. कौशांबी का रहीस काश्यप की स्त्री व कपिल की माता. The mother of Kapila and wife of Kaśyapa, the resident of Kauśāmbī. उत्त॰ ८; (२) ભગુ પુરોહિતની સ્ત્રી. भगु पुरोहित की स्त्री. उत्त॰ ३, १४, ३;

जसो. पुं॰ (यशस्) યશ; આબરૂ; કીર્તિ. यश, कीर्ति. Fame; reputation. सु॰ च॰ २, १३८; **—कामि.** पुं॰ (-कामिन्) યશની ઇચ્છા કરનાર. यश की इच्छा करने वाला. one aspiring to fame or reputation. "चिरत्थु ते जसो कामी" दस॰२, ७, २, ३५; **—कित्ति.** स्त्री॰ (-कीर्ति) જુઓ "जसकित्ति" શબ્દ. देखो "जसकित्ति" शब्द. vide "जसकित्ति" पन्न॰ २३; **—कित्तिनाम.** न॰ (-कीर्तिनामन्) જુઓ "जसकित्तिनाम" શબ્દ देखो "जसकित्तिनाम" शब्द. vide. "जसकित्तिनाम" सम॰१७; **—नाम.** न॰ (-नामन्) નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ જશ પામે છે. नामकर्म की एक प्रकृति कि जिसके उदय से जीव यश प्राप्त करता है. a variety of Nāma Karma by the rise of which a soul attains glory. सम॰ २८;

जसोचंद. पुं॰ (यशश्चन्द्र) જુઓ 'जसचंद' શબ્દ. देखो "जसचंद" शब्द. Vide. "जसचंद" भग॰ ४२, १;

जसोद. पुं॰ (जसद) જુઓ "जसद" શબ્દ. देखो "जसद" शब्द. Vide. 'जसद' ओव॰ ३८; **—पाय.** न॰ (-पात्र) જુઓ "जसदपाय" શબ્દ. देखो. "जसदपाय" शब्द. vide. "जसदपाय" ओव॰ ३८;

जसोधण. पुं॰ (यशोधन) એ નામના એક રાજા. इस नाम का एक राजा A king of this name. तंदु॰

जसोधर पुं॰ (यशोधर) જુઓ "जसहर" શબ્દ. देखो "जसहर" शब्द. Vide "जसहर" ठा॰ ५, १; सु॰ प॰ १०;

जसोधरा. स्त्री॰ (यशोधरा) પંદરદ રાત્રિમાંની ચોથી રાત્રિનું નામ. पंद्रह रात्रिमें से चौथी रात्रि का नाम Name of the fourth of the fifteen nights. सु॰ प॰ १०; जं॰ प॰

जसोमंत. पुं॰ (यशोमत्) જુઓ 'जसमंत' શબ્દ. देखो 'जसमंत' शब्द. Vide 'जसमंत' ठा॰ ७;

जसोया. स्त्री॰ (यशोदा) મહાવીર સ્વામીની સ્ત્રી. महावीर स्वामी की स्त्री. The wife of Mahāvira Swāmi. (२) કૃષ્ણ વાસુદેવની માતા. कृष्ण वासुदेव की माता. the mother of Kṛṣṇa Vāsudeva. 'समणस्सणं भगवओ महावीरस्सभज्जाजसोयागोत्तेणकोडिण्णा" आया॰ २, १५, १७७; कप्प॰ ५, १०३; सु॰ च॰ १२, ४;

जसोवई. स्त्री॰ (यशोमती) જુઓ "जसवई" શબ્દ. देखो "जसवई" शब्द. Vide "जसवई" सम॰

जसोहर. पुं॰ (यशोधर) ભરતક્ષેત્રના ગત ચોવીસીના १८ માં તીર્થંકર. भरतक्षेत्रके गत चौवीसी के १८ वे तीर्थंकर. The 18th Tīrthaṅkara of the past cycle of Bharata Kṣetra. प्रव॰ २६१; (२) આવતી ચોવીસીના ભરત ક્ષેત્રના १६ મા તીર્થંકરનું નામ. आगामी चौवीसी के भरतक्षेत्र के १६ वें तीर्थंकर का नाम name of the 19th Tīrthaṅ-

kara of the coming cycle of Bhārat Ksetra. जं० प० २, ११४; प्रव० २६७; ४७१;

जसोहरा. स्त्री० (यशोधरा) दक्षिण दिशाना रुचक पर्वतपरनी आठ दिशा-कुमारीमांनी चोथी दिशा-कुमारी. दक्षिण दिशा के रुचक पर्वत पर की आठ दिशा-कुमारी में से चौथी दिशा-कुमारी. The fourth of the eight Diśa Kumāris living on the southern Ruchaka mountain. जं० प० ७, १४२; (२) जंबु सुदर्शननुं अपर नाम. जंबु सुदर्शन का अपरनाम. another name of Jambu Sudarśana. जीवा० ३, ४;

जह. अ० (यथा) जेम; जेवी रीते. यथा; जिस तरह. In which manner; just as. नाया० १; ६; ७; ८; ६;१३; १४; १६; १८; विशे० २२; २७; पि० नि० ७१; उवा० २, ६४; गच्छा० ३०;

जहकम. न० (यथाक्रम) क्रम अनुसार; क्रम सर; अनुक्रमे. क्रमानुसार; पद्धति पूर्वक. In due succession; regularly. उत्त० ३४, १; पंच० ६; दस० ५, १, ८४; प्रव० ८३;

जहक्खाय. न० (यथाख्यात) कषाय रहित; यथाख्यात नामनुं पांचमुं चारित्र. कषाय रहित; यथाख्यात नाम का पांचवां चारित्र. Free from passion, attachment, the fifth observance known as Yathākhyāta. विशे० १२६६;

जहाचिंतिय. त्रि० (यथाचिन्तित) चिंतव्या प्रमाणे; जेम चिंतव्युं होय तेम. चिन्तन के अनुसार; जैसा सोचा हो वैसा. As contemplated or meditated. सू० च० १, ११३;

जहाट्ठिय. न० (यथास्थित) यथास्थित; जेम होय तेम. यथास्थित; जैसा हो वैसा. According to circumstances. सू० च० १, ३४३; गच्छा० २६;

जहण. न० (जघन) जांघ; जांघ, जंघा The thigh. जीवा० ३, ३; (२) स्त्रीनी कमरनो निचेनो भाग. स्त्री की कमर का नीचे का भाग. the lower part of the loins of a female. जं० प० नाया० ६, १७; जीवा० ३, ३;

जहणवर. न० (वरजघन) श्रेष्ठ साथळ. श्रेष्ठ जांघ. Big heavy thigh. जीवा० ३,३;

जहणिज्ज. त्रि० (हेय) त्यागवा योग्य. त्याग करने योग्य. Fit to be abandoned. नाया० १;

जहएण. त्रि० (जघन्य) ओछामां ओछुं; न्हानामां न्हानुं; थोडामां थोडुं. छोटेमें छोटा थोडा; थोडेमें थोडा. Smallest; little, least. जं० प० ७, १३८; ७, २४; भग० १, १; १, १०; ४, १; ८, ८; ९; १०; नंद० ३, ४; अणुजो० ८६; उत्त० ३०, १४; ३६, ४०; ठा० १, १; ४, २; भत्त० १६६; पन्ना० ३,२; **—उक्कोसग.** त्रि० (-उत्कर्षक- जघन्यो निकृष्ट कश्चिद्व्यक्तिमाश्रित्य स एव च व्यक्त्यान्तरापेक्षयोत्कर्ष उत्कृष्टो जघन्योत्कर्षक:) अमुक वस्तुनी अपेक्षाए जघन्य त्यारे बीजानी अपेक्षाए उत्कृष्ट. अमुक वस्तु की अपेक्षासे जघन्य व दूसरे की अपेक्षा से उत्कृष्ट. inferior to one thing and superior to something else. भग० २४, १; २४, १; **—उगाहणग.** त्रि० (-अवगाहनक -अवगाहन्ते आसते यस्यां साऽवगाहना क्षेत्रप्रदेशरूपा साजघन्या येषांते) जघन्य क्षेत्र प्रदेशने-अवगाहीने रहेल; जघन्य अवगाहना वालो. जघन्य क्षेत्र को अवगाहन करके रहाहुआ. (one) residing or occupying the smallest region. ठा० १,१; **—काल.** पुं० (-काल)

थोडामां थोडो वखत. थोडेमें थोडा समय. shortest space of time. भग० २४, १; २१; —गुणकालग. पुं० (-गुणकालक—जघन्येन जघन्यसंख्याविशेषेणैकेनेत्यर्थो गुणो गुणनं ताडनंयस्य स तथाविधःकालो वर्णो येषांते जघन्यगुणकालकाः) ओछामां ओछागणो कालो; एकगणो कालो. कमसे कम काला; एक गुना काला. of least black colour. ठा० १, १; —ट्ठिइ. स्त्री० (-स्थिति) जघन्य-ओछामां ओछी स्थिति. जघन्य-कमसे कम स्थिति shortest period. क० प० ४, ८६; —ठिइय. त्रि० (-स्थितिक जघन्या जघन्य संख्यासमयापेक्षया स्थितिर्येषां ते जघन्य स्थितिकाः) जघन्य-थोडामां थोडी स्थिति वाळो. जघन्य-थोडेमें थोडी स्थितिवाला. of the shortest period. ठा०१,१;—पएसिय. पुं० (-प्रदेशिक—जघन्याःसर्वाल्पाः प्रदेशाः परमाणवः सन्ति येषां ते जघन्यप्रदेशिकाः) ओछामां ओछा प्रदेश वाळो. कमसे कम प्रदेशवाला. consisting of a small number of atoms. ठा० १, १; —पद. न० (-पद—पद्यते गम्यते इति पदं पदसंख्यास्थानं तच्चानेकधेति जघन्यं सर्वहीनं पदं जघन्यपदम्) न्हानामां न्हानी संख्या; न्हानामां न्हानुं पद. छोटेमें छोटी संख्या-पद. lowest number. भग० १८, ४; —पय. न० (-पद) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. ठा० ४, २; भग० ११, १०; जं० प० ७, १७३; —पुरिस. पुं० (-पुरुष) जघन्य पुरुष; हलको माणस. जघन्य पुरुष; नीच मनुष्य. a low, vile person. ठा०३,१; —सामि. पुं० (-स्वामिन्) अनुभाग-कर्मना रसनी जघन्य उदीरणा करनार. अनुभाग-कर्म के रस की जघन्य उदीरणा करने वाला. one who forces into maturity a small number of Karmas into maturity. क० प० ४, ८२;

जहराणग. त्रि० (जघन्यक) ओछामां ओछुं; न्हानामां न्हानुं. कम से कम; थोडे से थोडा Least; slightest. भग० २४, २१; २५, ६;

जहराणय. त्रि० (जघन्यक) जुओ "जहराण" शब्द. देखो "जहराण" शब्द. Vide "जहराण" भग० ८, ६; २१, १;

जहरिणय. त्रि० (जघन्य) जुओ "जहराण" शब्द. देखो "जहराण" शब्द. Vide "जहराण" भग० ५, १; ८, ६; १०; ११, ११; १६, ३; २५, १; जं० प० ७, १३८;

जहतह. अ० (यथातथा) जेम तेम; आडुं अवळुं. यथा तथा; जैसा वैसा; बांका टेढा. Somehow; somehow or other. क० गं० ५, ८८;

जहत्थ. त्रि० (यथार्थ) यथार्थ; खरेखर; बराबर; साचेसाच. यथार्थ; सचमुच; ठीक ठीक. Infact; actual; real. "बोच्छामि पंचसंगह-मेयमहत्थं जहत्थंवा" पिं० नि० भा० १; पिं० नि० ४६३; नाया० ७; विशे० ८४८; पराह० २, २; सु० च० १, २८;

जहत्थाम. न० (यथास्थाम) यथाशक्ति. यथाशक्ति. As far as possible; to the utmost of one's power. "जुंजइ य जहत्थामं" पंचा० १५, २७;

जहन्न. त्रि० (जघन्य) जुओ "जहराण" शब्द. देखो "जहराण" शब्द. Vide "जहराण" भग० २, ५; विशे० ३२४; नंदी० १२; दसा० ६, २; क० प० २, ३२; १, ६; १३; पंचा० १६, ४३; —आढत्त. त्रि० (-आरब्ध) सर्व जघन्य प्रदेश बंध स्थानथी आरंभेलुं. सर्व जघन्य प्रदेशबंध

स्थान से आरंभ किया हुआ. commenced from the lowest place. क० प० ७, ४७; —इयर. त्रि० (-इतर) જુઓ " जहरण-इयर " શબ્દ. देखो " जहरण-इयर " शब्द. vide ' जहरण-इयर " क० प० १, १२; —काल. पुं० (-काल) જઘન્ય-ઓછામાં ઓછો કાલ. जघन्य-कम के कम समय. shortest space of time. प्रव० १७१; —गइ. स्त्री० (-गति) જઘન્ય ગતિ. जघन्य गति. shortest condition or position. क० प० ४, ७२; —ट्ठाण. न० (-स्थान) જઘન્યસ્થાન. जघन्यस्थान. lowest place. क० प० १, ४६; —ट्ठिइ. स्त्री० (-स्थिति) જુઓ " जहरणट्ठिइ " શબ્દ. देखो " जहरणट्ठिइ " शब्द. vide " जहरणट्ठिइ " क० प० १, ६१; ६, २०; —ट्ठिइबंध. पुं० (-स्थितिबन्ध) જઘન્ય સ્થિતિ રૂપે થતો કર્મબંધ. जघन्य स्थिति रूप होता हुआ कर्मबंध. Karmic bondage lasting for a very short period. क० प० १, ४७; —ट्ठिइसंकम. पुं० (-स्थितिसंक्रम) કર્મની જઘન્ય સ્થિતિનું સંક્રમણ. कर्म की जघन्य स्थिति का संक्रमण. transition of the shortest period of Karma. क० प० २, ६७; —देवट्ठिइ. स्त्री० (-देवस्थिति) દેવગતિની જઘન્ય સ્થિતિ देव गति की जघन्य स्थिति. the shortest period of the state of being a god. क० प० २, ८६; ६, २०; —निक्खेव. पुं० (-निक्षेप) જઘન્ય નિક્ષેપ થોડા કર્મ દલિયા નાખવા તે. जघन्य - थोडे कर्मों के समुह को डालना. discarding or destroying the sins in the form of a few Karmas क० प० ३, ८; —बंध. पुं० (-बन्ध) જઘન્ય કર્મ બન્ધ. जघन्य कर्म बन्ध. incurring the karma of the lowest kind. क० प० २, ३२; —जहण्णअ-य. त्रि० (-जघन्यक) જુઓ "जहरणग" શબ્દ. देखो " जहरणग " शब्द. vide " जहरणग " विशे० ५८७; अणुजो० १३२;

जहरणओ. अ० (जघन्यतस्) જઘન્યથી. जघन्य से. From the shortest state. प्रव० ६६८;

जहरणग. त्रि० (जघन्यक) જુઓ " जहरणग" શબ્દ. देखो " जहरणग " शब्द. Vide. " जहरणग " क० प० १, १५; —इयर. त्रि० (- इतर) જઘન્યથી ઇતર-ભિન્ન; ઉત્કૃષ્ટ. जघन्य से इतर-भिन्न; उत्कृष्ट. other than the shortest; logn. क० प० १, १५;

जहाणय. त्रि० (जघन्यक) જુઓ "जहरण" શબ્દ देखो " जहरण " शब्द. vide " जहरण " उत्त० ३३,१६; सम० १२ वव० १०, १७;

जहत्थ. न० (याथात्म्य) યથાતત્વ. यथातत्व. Reality, truth; real nature. ठा० ५, १;

जहरिह न० (यथार्ह) યથાર્થ; બરાબર; ખરેખર. यथार्थ; सचमुच. As deserving; appropriate; actual. सु० च० ८, २६७;

जहवहि. न० (यथावधि) જ્યાંસુધી. जब तक; जहां तक. As long as, so logn. ग०. सू० च० १, १६३;

जहवाय न० (यथावाद) કથા પ્રમાણે. कथनानुसार. कहने के माफिक. According to narration; as related. पिं० नि० १८६;

जहसंभव. न० (यथा सम्भव) યથા યોગ્ય,

योग्य रीति. यथा योग्य. योग्य रीति से. Proper; right; properly. पिं० नि० ११३;

जहसत्ति. स्त्री० न० (यथाशक्ति) यथाशक्ति; शक्ति प्रमाणे. यथा शक्ति; शक्ति के अनुसार. As far as possible; to the utmost of one's power. पिं० नि० ३६५;

√**जहा.** धा० I. (हा) तजवुं; छोडवुं. त्याग करना. छोड़ देना. To abandon; to give up.

जहइ-ति. वव० १०, ८; ९; भग० २५, ६; ७;

जहाइ आया० १, २; ६, ६८,

जहासि. उत्त० ६, ५१;

जहाय. सं० कृ० उत्त० १४, २;

जहित्ता. सं० कृ० उत्त० १, ५; पिं० नि० ४१७; आया० १, ४, ४, १३७;

जहमाण. भग० २५, ६; ७;

जहा. अ० (यथा) जेवी रीते; जेम; जेप्रमाणे; अनुसार. जिस रीति से; यथा; जिस प्रकार. In which manner; just as. भग० १, १; ३; २, १; ३, १; २; ५, ४; ५; ६, ३; १२, १०; १६, २; १०; १५, १; १८, ५; ४१, ४; नाया० १; २; ५; ८; ६; १०; १५; १६; वव० २, २१; २४; दस० १, २; ८, १; दसा० ६, १; पिं० नि० १५६; १६१; जं० प० अणुजो० १, उत्त० १, ४५; आया० १, ६; ३, १८१; सूय० १, १, १, ६; उवा० १, २; ६; १२; ६६; २, ६२; ८, २५६; क० गं० १, १२; ५३, जं० प० ५, ११८; ५, ११२;

जहाकाल. न० (यथाकाल) यथावसर; अवसर मळे त्यारे. यथावसर. मौका मिले तब. When proper time comes. भत्त० ४६;

जहागहिय. न० (यथागृहीत) जेवी रीते ग्रहण करेल छे ते प्रमाणे. जिस प्रकार ग्रहण किया हुआ है उस प्रकार. As accepted or taken. दस० ५, १, ६०; नाया० १४;

जहाच्छंद. पुं० (यथाच्छंद) स्वच्छंद. स्वच्छंद. self-willed; unrestricted. ठा० ६, ३;

जहाजाय. त्रि० (यथाजात) जन्मती वखतनी स्थिति जेवुं; नग्न. जन्म के समय की स्थिति के जैसा; नग्न. As born; naked. उत्त० २२, ३४; ओघ० नि० भा०५८; सम० १२;

जहाजोग. न० (यथायोग्य) यथायोग्य; जेम घटे तेम. यथा योग्य; जिस प्रकार उचित हो उस प्रकार. Proper; appropriate. विशे० २३; ८०;

जहाट्ठाण. न० (यथास्थान) पोत पोताना अनुष्ठानने अनुरूप-उचित स्थान;-इंद्रादि पद. अपने अपने अनुष्ठान के अनुरूप उचित स्थान; इंद्रादि पद. Appropriate position suited to one's occupations; the position of Indra etc. उत्त० ३, १७;

जहाणामय. त्रि० (यथानामक) जेनो नाम निर्देश कर्यो नथी ते; कोई एक. जिसका नाम निर्देश न किया हो; कोइ एक. Certain; some; any. भग० २५, ११; पन्न० १६;

जहाणिसंत. न० (यथानिशान्त) अवधार्या प्रमाणे; जेम धार्युं होय तेम. अनुमान के अनुसार; जैसा सोचा हो वैसा. As guessed; as anticipated. सूय० १, ६, २;

जहाणुपुव्वि. न० (यथानुपूर्वी) क्रमसर अनुक्रम प्रमाणे. क्रमशः; अनुक्रम के अनुसार. Successively; in regular order

भग० ३, १०; ८, १;

जहातच्च. न० (यथातथ्य) વાસ્તવિક; સત્ય; ખરેખર. वास्तविक; सत्य; सचमुच. True; real; actual. सूय० १, ६, १;

जहातह. न० (याथातथ्य) સૂયગડાંગ સૂત્રનું તેરમું અધ્યયન કે જેમાં ધર્મ સમાધિ વગેરે બરાબર રીતે કહેલાં છે. सूयगडांग सूत्र का तेरवां अध्ययन कि जिस में धर्म समाधि इत्यादि का ठीक ठीक वर्णन किया है. The 13th chapter of Sūyagadānga Sūtra dealing fully with religion, meditation (Samādhi) etc. along with similies. "आणासिबं भिक्खु जहा तहेयं" सूय० १, ६, २; १, ५, २, १;

जहातहज्झयण. न० (याथातथ्याध्ययन) સૂયગડાંગસૂત્રનું ૧૩મું અધ્યયન. सूयगडांग सूत्र का १३ वां अध्ययन. The 13th chapter of Sūyagadānga Sutra. सूय० १, १३;

जहात्थिय. न० (यथास्थित) જેમ હોય તેમ. जिस प्रकार हो उस प्रकार. Somehow or other. भग० १२, ६;

जहानाम. त्रि० (यथानाम) યથાનામ. સંભાવના; કોઇ એક. यथा नाम; संभावना. Possibility; certain; some. भग० २, ५; नाया० १०;

जहानामय. त्रि० (यथानामक) જેમ કોઈ દૃષ્ટાંત ઉપન્યાસ. जैसा कोई; दृष्टांत उपान्यास. As for example (२) વાક્યઅલંકાર. वाक्यअलंकार. a word used to add grace to a sentence. नाया० १; ५; ६; ८;

जहानाय. न० (यथान्याय) યથાયોગ્ય; રીતસરનું; વ્યાજબી. न्याय की रीत से; यथायोग्य. According to justice; rightly; properly. उत्त० २३, ३८;

जहाफुड. न० (यथास्फुट) સ્પષ્ટ; ખરેખર. स्पष्ट; सचमुच. Clear; distinct; true. उत्त० १६, ४५;

जहाभाग. न० (यथाभाग) ભાગ પ્રમાણે; બરાબર. समान विभाग से; भागानुसार. According to share; proportionately. दस० ५, १, १३;

जहाभूत. त्रि० (यथाभूत) જેવી રીતે બનેલું હોય તેવી રીતે; સત્યવાત. जिस रीति से बनाव बना हो उस रीति से; सत्य वार्ता. According to what has happened; fact. "जहाभूयमवितहमसंदिद्धं" नाया० १;

जहाभूय. न० (यथाभूत) જુઓ 'जहाभूत' શબ્દ. देखो "जहाभूत" शब्द. Vide "जहाभूत" नाया० ६;

जहामालिय. न० (यथामालित) જેમ ધારણ કર્યું છે તેમ. जिस प्रकार धारण किया हो उस प्रकार. As assumed. "जहामालियं ओमोयं दलइ" भग० ११, ११;

जहायरिय-अ. (यथाचरित) જે પ્રમાણે આચર્યું હોય તે પ્રમાણે. जिस प्रकार आचरण किया हो उस प्रकार. As practised. भत्त० २२;

जहारिह. न० (यथार्ह) યથાયોગ્ય; જેમ ઘટે તેમ. यथायोग्य; जिस प्रकार उचित हो. Proper; suitable. जं० प० २, ३३; दस० ७, १७; नाया० १; ८; १६; उवा० ८, २५६;

जहालद्ध. त्रि० (यथालब्ध) મળ્યા પ્રમાણે. प्राप्ति के समान; मिलने के बराबर. According to gain or acquisition; equal to attainment. भग० ७, १;

जहावाइ. पुं० (यथावादिन्) ખરું બોલનાર; યોગ્ય કહેનાર; સત્ય બોલનાર. सत्यवक्ता; योग्य कथन करने वाला; सत्य भाषण करने

वाला. One who is truthful in speech; (one) who is plain-spoken. "जो जहावाइ तहाकारीयाऽवि भवइ" ठा० ७;

जहाविभव. न०(यथाविभव) वैभव प्रमाणे; शक्ति प्रमाणे. वैभव के अनुसार; शक्ति के प्रमाण में. In proportion to wealth; according to means. भग० ६, ३३;

जहासंख. न० (यथासंख्य) संख्या प्रमाणे; क्रमवार. क्रमशः; संख्या के अनुसार. Successively; respectively. सु० च० ५, ४१;

जहासंभव. न० (यथासम्भव) जेम संभवे तेम. यथासम्भव; जैसा सम्भव हो उसी प्रकार. Possible; possibly. क० गं० ६, ३२;

जहासत्ति. स्त्री० न० (यथाशक्ति) शक्ति प्रमाणे; यथा शक्ति. शक्ति के अनुसार; यथा शक्ति. As far as possible; to the utmost of one's power. पंचा० २, ३६;

जहासमाहि. न० (यथासमाधि) समाधि प्रमाणे. समाधि के अनुसार. According to agreement or promise. पंचा० १, ४;

जहासुय. न० (यथाश्रुत) जेम सांभळ्युं होय तेम; सांभळ्या प्रमाणे. जिस प्रकार श्रवण किया हो उस प्रकार; श्रवणानुसार. As heard of or listened to. उत्त० १, २३; आया० १, ६, १, १;

जहासुह. न० (यथासुख) जेम सुख पडे तेम. जिस प्रकार सुख हो उस प्रकार At ease; according to happiness. विवा० १;

जाहिं. अ० (यत्र) ज्यां; जे स्थाने; ज्यांपर. जहां; जिस स्थान पर; जहांपर. Where; at which place. भग० १, ५; ७; ८, ८; ११, ११; १५, १; १८, ५; दस० ५, १; ७७; नाया० १७; गच्छा० १७;

जहिच्छ. न० (यथेच्छ) इच्छा प्रमाणे. यथेष्ट; इच्छा के अनुसार. Agreeably to desire. नाया० ७; सु० च० १, १७१;

जहिच्छियकामकामि. पुं० (यथेप्सितकामकामिन्-यथेप्सितान् यथावाञ्छितान् कामान् शब्दादीन्-कामयन्त इत्येवंशीला यथेप्सितकामकामिनः) मनोवांछित सुख भोगवनार. मनोवाञ्छित सुख का भोगने वाला. One who enjoys pleasure according to the desire of one's heart. "जहिच्छिय काम कामिणो" जं० प० जीवा० ३;

जहुत्त. न० (यथोक्त) कह्या प्रमाणे. कथनानुसार; कहने के अनुसार. As said or told previously. पंचा० १०, १२;

जहेट्ठ. न० (यथेष्ट) मन गमतुं; इच्छानुकूल. चित्त रोचक; दिलपसंद; यथेष्ट. As desired; as wished for; pleasing to the heart. पिं० नि० ६०६;

जहेव. अ० (यथैव) जेम; जेवी रीते. जिस प्रकार; जिस रीति से. As; in which manner. नाया० १; भग० ३, १; ७, ९; १६, १; १८, ७; २८, १८; २५, १; ३३, २;

जहोइय. न० (यथोचित) यथोचित; यथायोग्य. यथायोग्य; यथोचित. Proper; suitable. विवा० २; पंचा० ३, ३८;

जहोचिअ. न० (यथोचित) जेम घटे तेम. उचित रीति से. Suitably; properly. पंचा० ७, ३१;

जहोचिय. न० (यथोचित) जेम घटे तेम; यथा योग्य. उचित रीति से; यथायोग्य. Properly; suitably. निर० १, १;

नाया० १;

जहोवइट्ठ. न० (यथोपदिष्ट) જેવી રીતે કહેવામા ઉપદેશવામાં આવ્યું હોય તે પ્રમાણે. जिस रीति से कहने में-उपदेश में आया हो उस रीति से. According to advice or orders. "अहोवइट्ठं अभिकंखमाण" दस० ६, ३, २; उत्त० १, ४४;

जह्नवी. स्त्री० (जाह्नवी) ગંગા નદી. गंगा नदी. The river Ganges. जं० प०

√**जा.** धा० I. (जन्) પેદા થવું; ઉત્પન્ન થવું. पैदा होना; उत्पन्न होना. To be born or produced.

जायइ. नाया० ७; १०; विशे० ७१८; उत्त० १६, ७६;

जायउ. विशे० ४१८;

√**जा.** धा० I. (या) જવું; ગતિ કરવી जाना; गति करना. To go; to walk.

जाइ. उत्त० ३, १२; विशे० ६४४; १६०८; नाया० ६, ६;

जंति. आया० १, २, ४, १२३; सु० च० १, ६३३;

जायमाण. व० कृ० भग० ३, ३;

√**जा.** धा० I. (या+णि) નિર્ગમન કરવું; નિર્વાહ કરવો. निर्गमन करना; निर्वाह करना. To go out; to support oneself. (२) આત્માની સંયમમાં પ્રવૃત્તિ કરાવવી. आत्माको संयममें प्रवृत्त करना. to urge the soul in self-restraint.

जवेंति. प्रे० पि० नि० ६१६;

जविसए. हे० कृ० सूय० १, ३, २, १;

जवित. व० कृ० जं० प०

√**जा.** धा० I. (या+णि) વીતાડવું; ગાળવું. व्यतीत करना. To cause to go; to pass.

जाविंति. प्रे० पि० नि० ६१६;

जावए. वि० सूय० १, १, ४, २;

जावेत. व० कृ० जं० प० ३, ६७;

जा. अ० (यावत्) જ્યાંસુધી. जबलग; जबतक; जहांतक. So long; as long as; as far as. प्रव० ८२; क० गं० २, २६; उवा० १, ८१;

जाइ. स्त्री० (जाति-जननं जातिः) જન્મ; ઉત્પત્તિ. जन्म; उत्पत्ति. Birth; production. आया० १, १, १, ११; उत्त० ६, १; ३२, ७, क० प० ६, ३; प्रव० १२७६; १०७०; क० गं० १, ३३; ५, ६१; (२) એકેંદ્રિય બેઇંદ્રિય આદિ પાંચ જાતિ. एकेंद्रिय, द्विइंद्रिय आदि पांच जाति. five kinds (of creatures) viz. one-sensed two-sensed etc. क० प० ४, ६; भग० ६, ८; ७, ५; ६, ३३; उत्त० ३, २; ६, २; अणुजो० १२७; ठा० ६, ४६; सम० १; क० गं० १; (३) જાતિ; જ્ઞાતી; વર્ણ; ક્ષત્રિય આદિ જાતિ. जाति; ज्ञाति; वर्ण; क्षत्रिय आदि जाति. kind; caste; Kshatriya etc. उत्त० ३, २; १२, ५; १३, १; विशे० १६१; पन्न० १; सु० च० ३, १९४; दस० ७, २१; ८, ३०; पिं० नि० ३१२; जीवा० ३, ३; नाया० ८; विवा० १; राय० २१५; (४) માતા પક્ષ. माता पक्ष. maternal side. ओव० सूय० १, ६, ११; (५) જાઈનું ફૂલ. जूइका फूल. the jasmine flower. राय० ४६; जं० प० —**अंध.** पुं० (-अन्ध) જન્મ અંધ; જન્મથીજ આંધળો. जन्म से ही अंध; जन्मांध. blind from the very birth; born-blind. "केइ पुरिसे जाइअंधे जाइअंधारूवे" विवा० १; सूय० १, १, २, ३१; —**आजीव.** त्रि० (-आजीवक) જાતિ જણાવી આહાર લેનાર. जाति बतलाकर आहार लेने वाला. (one) who accepts food having exposed one's caste. ठा० ५, १; —**आजीवअ-य.** पुं० (-आजीवक)

जुओ "जाइआजीव" शब्द. देखो "जाइआजीव" शब्द. vide "जाइआजीव" ठा० ४, १; —आरिय. पुं० (-आर्य) जातिथी करी आर्य; इभ्य जातिनी स्त्रीथी उत्पन्न थयेल जाति; अम्बष्ठ, कलिंद, विदेह, विदेहठा, हरिता अने चुंचुणा ए छ आर्य जाति. जाति से कर के आर्य; इभ्य जाति की स्त्री से उत्पन्न हुई जाति; अम्बष्ठ, कलिंद, विदेह, विदेहठा, हरिता व चुंचुणा ये छः आर्य जातियां. Ārya by birth; the caste sprung from a woman of Ibhya caste; the six Āryan castes viz. Ambaṣṭa, Kalinda, Videha, Videhathā, Haritā and Chuṇchuṇā. ठा० ६, १; —आसीविस पुं० (-आशीविष—आश्यो दंष्ट्राः तासु विषं येषां ते आशीविषाः) जन्मथीज झेरी; सर्प विंछि आदि. जन्म ही से विषैला; सर्प, बिच्छु वगैरह. venomous from the very birth; a snake, a scorpion etc. भग० ८, १; —कम्म. न० (-कर्म) जन्म संस्कार. जन्म-संस्कार. ceremony connected with birth. भग० ११, ११; —कहा स्त्री० (-कथा) अमुक जाति सारी अमुक खराब इत्यादि कथा करवी ते. अमुक जाति अच्छी या बुरी इत्यादि कथन करना सो. speaking of the superiority of a certain caste and inferiority of some other caste. ठा० ४, २; —कुल. न० (-कुल) जाति अने कुल. जाति व कुल. caste and lineage. "तेसिणं भंते जीवाणं कइ जाइ कुलकोडि जोणिप्पमुह सयसहस्सा पण्णत्ता" जीवा० ३; —गोय. न० (-गोत्र) जाति अने गोत्र. जाति व गोत्र. caste and family. भग० ६, ८; —गोयनिउत्त. त्रि० (गोत्रनियुक्त) निकाचित जाति गोत्रवाळो. निकाचित जाति गोत्र वाला. one of a settled caste and family. भग० ६, ८; —गोयनिहत्त. त्रि० (-गोत्रनिधत्त) जाति गोत्रने योग्य कर्म पुद्गल स्थापन करेल. जाति गोत्र के योग्य कर्म पुद्गल स्थापन किया हुआ. one having Karma-atoms established according to caste and lineage. भग० ६, ८; —गोयनिउत्ताउय न० (-गोत्रनियुक्तायुष्क) जाति गोत्रनी साथे निकाचित बांधेल आयुष्य. जाति गोत्र के साथ निकाचित बांधा हुआ आयुष्य. life-period appointed or fixed along with caste and lineage. भग० ६, ८; —जरामरण. न० (-जरामरण) जन्म जरा अने मरण. जन्म जरा व मरण. old-age and death. जं० प० ३, ७०; —णाम. न० (-नामन्) नामकर्मनी एक प्रकृति के जेथी जीव जुदी जुदी जातिमां उत्पन्न थाय. नामकर्म का एक प्रकृति कि जिससे जीव भिन्न भिन्न जाति में उत्पन्न हो. a variety of Nāmakarma causing the birth of a soul in different castes or classes. "जाति नामणं भंते कम्मे पुच्छा" पन्न० २३; —णामगोयनिउत्त. त्रि० (-नामगोत्रनियुक्त) निकाचित जाति नाम गोत्र वाळो; नारकी आदि. निकाचित जाति नाम गोत्र वाला; नारकी आदि. (one) having an appointed class or caste, name and family; a hell-being etc. भग० ६, ८; —णामगोयनिउत्ताउय त्रि० (-नामगोत्रनियुक्तायुष्क) जाति नाम गोत्र सहित निकाचित आयुष्य वाळो. जाति नाम गोत्र सहित निकाचित आयुष्यवाला. (one)

having the duration of life fixed along with caste name and family. भग० ६, ८; —णामगोयनिहत्त. त्रि० (-नामगोत्र निधत्त —जाति नाम गोत्रं च निधत्तं येस्ते तथा) જાતિ નામ અને ગોત્રની પ્રકૃતિ દૃઢપણે બાંધી છે જેણે તે. जिसने जात नाम व गोत्र की प्रकृति दृढता के साथ बांधी है वह. (one) who has firmly united the characteristics of caste, name, and lineage. भग० ६, ८; —नामगोयनिहत्ताउय. त्रि० (-नाम गोत्रनिधत्तायुष्क—जाति नाम्ना गोत्रेण च सह निधत्तमायुर्येस्ते तथा) જાતિ નામ ગોત્ર સાથે સ્થાપન કરેલ આયુષ વાળો. जाति नाम गोत्र सहित स्थापन किया हुआ आयुष्यवाला. (one) who has the duration of life fixed along with caste, name and family. भग० ६, ८ —णामनिउत्त त्रि० (-नामनियुक्त— जातिनामनियुक्तं नितरां युक्तं संबद्धं निकाचितं वेद्यते वा नियुक्तं येस्ते तथा) નિકાચિત જાતિ નામ કર્મ વાળો જીવ. निकाचित जाति नाम कर्म वाला जीव a being or soul with a fixed caste, name and Karma. भग० ६, ८; —णामनिउत्ताउय. त्रि० (-नामनियुक्तायुष्क— जातिनाम्ना सह नियुक्तं निकाचितं वेदयितुमारब्धं वाऽऽयुर्येस्ते तथा) જાતિ નામ સહિત નિકાચિત આયુષ્યવાળો. जातिनाम सहित निकाचित आयुष्य वाला. (one) having the duration of life fixed along with caste and name. भग० ६, ८; —णामनिहत्ताउय. न० (-नामनिधत्तायुष्क—जातिरेकेन्द्रियजात्यादि पञ्चधा सैव नाम इति नामकर्मण उत्तरप्रकृतिविशेषो जीवपरिणामो वा तेन सह निधत्तं निषिक्तं यदायुस्तज्जातिनाम निधत्तायु:) જાતિરૂપ નામકર્મ સાથે સ્થાપન કરેલ આયુષ્ય. जाति रूप नाम कर्म के सहित स्थापन किया हुआ आयुष्य. life impregnated with kind or class, form, name and Karma. भग० ६, ८; (२) જાતિ રૂપ નામ કર્મ સાથે સ્થાપન કરેલ આયુષ્ય વાળો જીવ. जाति, रूप, नाम, कर्म के सहित स्थापन किया हुआ आयुष्य वाला जीव a being with his life impregnated with kind or class form, name and Karma. भग० ६, ८, —णिबद्ध. न० (निबद्ध) સૂત્ર રચનાનો એક પ્રકાર; ગદ્યપદ્યાદિ સૂત્ર રચના. सूत्र रचना का एक प्रकार; गद्यपद्यादि सूत्र रचना. a method of the composition of Sutras (any work containing aphoristic rules); the composition of Sūtras in prose or metre. सूय० नि० १,१, १, ३; —तिग न० (-त्रिक) પાંચ જાતિ ચાર ગતિ અને બે વિહાયોગતિ. એ ત્રિપુટીની અગ્યાર પ્રકૃતિનો સમુદાય. पांच जाति, चार गति व दो विहायोगति, इस त्रिपुटी की ग्यारह प्रकृति का समुदाय. a collection of eleven varieties of Tripu i consisting of five kinds, four conditions and two Vihāyogatis. क० गं० ५, ३०; —थेर. पुं० (-स्थविर) સાઠ અથવા વધારે વરસની ઉમરના સાધુ. साठ या अधिक वर्ष की उम्र का साधु. a Sādhu of sixty or more than sixty years of age. " सट्ठिवासजाए समणे णिग्गंथे जाइ थेरे " ठा० ३, २; वव० १०, १६; —दोस. पुं० (-दोष) જાતિ

દોષ; જન્મનો દોષ. जाति दोष; जन्म का दोष. deficiency or evil connected with birth. तंदु० —धम्मय. त्रि० (-धर्मक) ઉત્પત્તિ સ્વભાવવાળો. उत्पत्ति स्वभाव वाला. possessed of natural or inherent characteristics. " इमं पि जाइधम्मयं " आया० १, १, ५, ४६; —नाम. न० (-नामन्) જુઓ " जाइणाम " શબ્દ. देखो " जाइणाम " शब्द. vide. " जाइणाम " भग० ५, ८; —नामगोयनिउत्त. त्रि० (-नामगोत्रनियुक्त) જુઓ 'जाइणामगोयनिउत्त' શબ્દ. देखो "जाइणामगोयनिउत्त" शब्द. vide "जाइणामगोयनिउत्त" भग० ६, ८; —नामगोयनिउत्ताउय. त्रि० (-नामगोत्रनियुक्तायुष्क) જુઓ " जाइणामगोयनिउत्ताउय " શબ્દ. देखो " जाइणामगोयनिउत्ताउय " शब्द. vide. " जाइणामगोयनिउत्ताउय " भग० ६, ८; —नामगोयनिहत्त. त्रि० (-नामगोत्रनिधत्त) જુઓ " जाइणामगोयनिहत्त " શબ્દ. देखो 'जाइणामगोयनिहत्त' शब्द. vide " जाइणामगोयनिहत्त " भग० ६, ८; —नामगोयनिहत्ताउय. त्रि० (-नामगोत्रनिधत्तायुष्क) જુઓ " जाइणामगोयनिहत्ताउय " શબ્દ. देखो " जाइणामनिहत्ताउय " शब्द. vide "जाइणामगोयनिहत्ताउय" भग० ६, ८; —नामनिउत्त. त्रि०(-नामनियुक्त) જુઓ " जातिणामनिउत्त " શબ્દ. देखो " जातिणाम निउत्त " शब्द. vide " जातिणाम निउत्त " भग० ६, ८; —नामनिउत्ताउय. त्रि० (-नामनियुक्तायुष्क) જુઓ " जाइणामनिउत्ताउय " શબ્દ. देखो " जाइणाम निउत्ताउय " शब्द. vide " जाइणाम निउत्ताउय " भग० ६, ८; —नामनिहत्त. त्रि० (-नामनिधत्त) જુઓ " जाइणाम निहत्त " શબ્દ. देखो " जाइणाम निहत्त " शब्द. vide " जाइणाम निहत्त " भग० ६, ८; —नामनिहत्ताउय. त्रि० (-नामनिधत्तायुष्क) જુઓ "जाइणामनिहत्ताउय" શબ્દ. देखो " जाइणामनिहत्ताउय " शब्द. vide " जाइणामनिहत्ताउय " भग० ६, ८; —पंगुल त्रि०(-पंगुल)જન્મથીજ પાંગળો; લુલો. जन्मही से लंगड़ा; लूला. lame from the very birth; crippled. विवा० १; —पह. पुं० (-पथ—जातिनामैकेन्द्रियादीनां पंथाजाति पंथः) જન્મ મરણનો માર્ગ; સંસાર. जन्ममरणका मार्ग; संसार मार्ग. the way of birth and death; the way of worldly existence. " जाईपहं अणुपरिवट्टमाणे " सूय० १, ७, ३; दस० ६, १, ४; १०, १, १४; —पुड. न० (-पुट—जातिः पुष्पजाति विशेषः पुटं पत्रादिमयं तद्भाजनं जातिपुटं) જાઈનું પત્રાદિમય ભાજન; જાઈનો પુડો. जूई का पत्रादिमय भाजन; जूई का दोना. a cup made of jasmine leaves. "जाइपुडाणवा " नाया० १, १७; —पसन्ना. स्त्री० (-प्रसन्ना —जातिः पुष्पवासिता तया प्रसन्ना जातिप्रसन्ना) એક જાતનો દારૂ. एक जात का दारु. a kind of wine. " जाइप्पसन्नाइ वा " जीवा० ३; —बहिर. त्रि० (-बधिर) જન્મથીજ બહેરૂં. जन्महीसे बहिरा. deaf from the very birth. विवा०१; —मंडव. पुं०(-मण्डप) જાઈનો મણ્ડપ-માંડવો. जूई का मण्डप. a bower of jasmine plant. राय० १३७;—मंडवग. पुं० (-मण्डपक—जातिर्मालती तन्मयो मण्डपको जातिमण्डपकः) જાઈનો માંડવો. जूई का मण्डप. a bower of jasmine plant. जं०प०१; —मत्त. त्रि० (-मत्त) જાતિ મદ યુક્ત; જાતિનો

मद करनार. जाति का अभिमान करने वाला. (one) who is proud of his birth or caste. दस० १०, १, १६; —मद. पुं० (-मद) જાતિનું અભિમાન. जाति का अभिमान. pirde of caste. ठा० ८,१;—मय. पुं० (-मद—आत्या मदो जातिमदः) જુઓ "जाइमद" શબ્દ. देखो "जाइमद" शब्द. vide "जाइमद" "जाइमएणवा" ठा० १०; सम० ७; —मयपडित्थद्ध. पुं० (-मदप्रतिस्तब्ध) જાતિના અહંકારથી ઉદ્ધત. जातिमदसे उद्धत; जातिके अहंकार से उच्छृंखल. haughty or rude in consequence of the pride of caste "जाइमयपडित्थ हिंसगा अजिइंदिया" उत्त० १२, ५; —मरण. पुं० (-मरण) જન્મ મરણ. जन्म मरण; पैदा होना और मरना. birth and death. दस० ६, ४, २; ३; १०, १, १४; २१; दसा०६, ३२; —मुअ. त्रि० (-मूक) જન્મના મૂંગા. जन्मसे ही मूक-गूंगा. dumb from the very birth विवा०१;—मूयत्त. न०(-मूकत्व) જન્મથી મૂંગાપણું. जन्मसे ही गूंगापन. dumbness from the very birth सूय० २, २, २१; —लिंग न० (-लिङ्ग) જાતિ સૂચક લિંગ શરીર અવયવ. जाति सूचक लिंग शरीर अवयव. a caste mark; a limb of the body. सम० ३; —वंझा. स्त्री० (-वन्ध्या—जातेर्जन्मत आरभ्य वन्ध्या निर्बीजा जातिवन्ध्या) જન્મથીજ વંધ્યા; વાંઝણી. जन्म से ही वन्ध्या barren or sterile from birth. ठा० ५, २; —वर. पुं० (-वर) ઉત્તમ જાતિ उत्तम जाति; श्रेष्ठ जाति. highest caste. "जाइवरसाररविखय" पराह० २, ४; —संपराण. पुं० (-संपन्न) સંપૂર્ણ ગુણ-

વાળી જેની માતા હોય તે; માતાનો પક્ષ જેનો સારો હોય તે. जिसकी माता गुणवती हो वह; मातृपक्ष जिसका श्रेष्ठ हो वह. one having a mother endowed with talents; one having excellent maternal side. भग० २, ५; ८, ७; १०, ५; नाया० १; ठा० ४, २; ३; विवा०१; नाया०ध० —स्सर. त्रि० (-स्मर) પૂર્વ જન્મનું સ્મરણ કરનાર. पूर्व जन्मका स्मरण करने वाला. (one) who remembers his past life. ओव० ४१; —सरण. न० (-स्मरण) ગત જન્મોના બનાવોનું સ્મરણ; મતિ જ્ઞાનનો એક ભેદ; જેનાથી વધારેમાં વધારે સંજ્ઞીના ૯૦૦ ભવની વાત જાણી શકાય-સંભારી શકાય તેવું જ્ઞાન. गत जन्मों की हकीकत का स्मरण; मति ज्ञान का एक भेद; जिसके द्वारा अधिक से अधिक ९०० भवों–जन्मों की बात जानी जा सकती है; एक प्रकार का ज्ञान. memory of past lives; a kind of power of remembrance or knowledge which enables a person to recall the memory of events of past lives numbering up to the maximum of nine hundred lives or births. "जाइ सरणं समुप्पगणं" उत्त० १६, ७; ओव० ४१; प्रव० ४२८; नाया० १; ८; १३; दसा० ५, १६; —सरण वरणिज्ज. न० (-स्मरणावरणीय) જ્ઞાનાવરણીય કર્મની એક પ્રકૃતિ; જાતિ સ્મરણને આવરનાર કર્મ પ્રકૃતિ. ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति; जाति स्मरण—पूर्व जन्मों की स्मृति को आवृत करने वाली कर्म प्रकृति. a variety of knowledge obstructing Karma; a variety of knowledge obs-

tructing Karma; a variety of Karma screening the memory of past lives or births नाया० १; —स्सर. पुं० (-स्मर) જુઓ " जाइसर " શબ્દ. देखो "जाइसर" शब्द. vide. " जाइसर " विशे० १६७१; —हिंगुलुय. पुं० (-हिंगुलुक) સારો હીંગલો. अच्छा-उत्तम हिंगुलक. superior vermillion. नाया० १; पन्न० १;

जाइच्छिअ-य. त्रि० (याद्दच्छिक) ઇચ્છા પ્રમાણે કરનાર. इच्छानुसार बर्ताव करने वाला. (One) acting to one's wish. विशे० २५;

जाइज्जंत. त्रि० (यात्यमान) પછાડવામાં આવતો. पीछे डाला जाता हुआ. (One) made to retreat. पराह० १, १;

जाइमंत. त्रि० (जातिमत्) જાતવાન; સારી જાતનો. उत्तम जातिका. Belonging to a high caste. नाया० ३;

जाइमेत्त. न० (जातिमात्र) જાતિજ; એકલી જાત. जाति मात्र; केवल जाति ही. Mere caste. " जे मासखा च जाइमेत्त " पंचा० ३, ४७;

जाइय. त्रि० (याचित) જાચેલું; માંગેલું. मांगा हुआ; याचित. Begged; asked for. नाया० ६; १८; उत्त० २, २८;

जाइरूववडंसय. पुं० (जातिरूपावतंसक) એ નામનું ઇશાન ઇંદ્રનું ચોથું વિમાન. ईशानेंद्र का चौथा विमान. The 4th celestial abode of Īśānendra. भग० ४, १;

जाई. स्त्री० (जाती) જુઓ " जाइ " શબ્દ. देखो " जाइ " शब्द Vide " जाइ " पन्न० १; जं० प० ५, ११२; कप्प० ३, ३७; —मंडवग. पुं० (-मण्डपक) જુઓ " जाइमंडवग " देखो " जाइमंडवग " शब्द. vide " जाइमंडवग " जं० प० —सरण. न० (-स्मरण) જુઓ " जाइसरण " શબ્દ. देखो " जाइसरण " शब्द. vide " जाइसरण " नाया० १; १४; भग० ११, ११; —सरणावरणिज्ज. न० (-स्मरणावरणीय) જુઓ " जाइसरणावरणिज्ज " શબ્દ. देखो "जाइसरणावरणिज्ज" शब्द " vide ' जाइसरणावरणिज्ज ' नाया० १;— हिंगुलुय. पुं०(—हिंगुलुक) જુઓ " जाइहिंगुलुय " શબ્દ. देखो 'जाइहिंगुलुय' शब्द. vide'जाइहिंगुलुय'नाया० १;

जाउ. पुं० (जायु) દવા; ઓસડ. दवा; औषध. A medicine. पिं० नि० ६२५;

जाउया. स्त्री० (यातृ) દેરાણી. देवरानी; देवर-पति के छोटे भाई की स्त्री. Brother-in law's wife; wife of husband's brother. "मम जाउयाओ" नाया० १६;

जाउल. पुं० (जाउल) એક પ્રકારની ગુચ્છ વનસ્પતિ एक तरह की गुच्छ वनस्पति. A kind of vegetation growing in clusters. पन्न० १;

जाउकरण. न० (जातूकर्ण) એ નામનું એક ગોત્ર. एक गोत्र. Name of a family. जं० प० ७, १५९;

जाऊकरणीय. न० (जातूकर्णीय) એ નામના ગોત્ર વાળું. इस गोत्र का. One belonging to this family. सू० प० १०;

जांबूणय. न०(जाम्बूनद) એક પ્રકારનું સોનું. एक तरह का सुवर्ण. A kind of gold. जं० प०

जाग. पुं० (याग) યજ્ઞ; અશ્વમેધાદિ યજ્ઞ. यज्ञ; अश्वमेध प्रमुख यज्ञ. A sacrifice such as Aśvamedha (horse-sacrifice) etc. ओव० पिं० नि० ४४०; जं० प० ५, ११५;

√**जागर.** धा० I. (जागृ) જાગવું. जगना; जाग्रत होना. To be awake; to be

sleepless.
जागरे. सम० ३३;
जागरित्तए. हे० कृ० वेय० १, १६;
जागरमाण. व० कृ० भग० १, ७; २, १; ३, १; नाया० १; ५; १४; १६; दसा० ३, १४; सम० ३३; ठा० ३, ४; उवा० १, ६६; ७३; ८, २४२; दस० ४;
जागर. व० कृ० प्रव० १३४; कप्प० १, ६;

जागर. पुं० (जागर) અસંયમરૂપ નિદ્રાવગરનો; જાગતો; નિદ્રાના અભાવ વાળો. असंयमरूप निद्रा से रहित; जगता हुआ; निद्रा के अभाव वाला; प्रबुद्ध. One who is free from sleep of want of self-restraint; one who is wakeful or wide awake. " सुत्ता अमुणी उसया मुणी उसुत्ता विजागरा होंति " आया० १, ३, १, १०८; ठा० ५, २; पन्न० ३; २३; भग० ११, ११; १६, १६;

जागरइत्तार त्रि० (जागरितृ) જાગનાર. जगने वाला. Wakeful. भग० १२, २;

जागरण. न० (जागरण) જાગરણ; નિદ્રાનો ક્ષય. जगना; निद्रा का अभाव. Wakefulness; sleeplessness नाया० १; २;

जागरित्तार त्रि० (जागरितृ) જાગનાર. जगने वाला; उनिद्र. Wakeful; sleepless. ठा० ४, २;

जागरिय. त्रि० (जागृत) જાગેલ. जगा हुआ. (One) who has kept awake. भग० १२, १; उवा० १, ७३; ८, २५२;

जागरियत्त. न० (जागरिकत्व) જાગતપણું; જાગરણ. जागरण; निद्रा का अभाव. Wakefulness; sleeplessness. भग० १२, २;

जागरिया. स्त्री० (जागरिका) બાલકના જન્મ પછી છઠ્ઠી રાત્રે ઘરના માણસો રાત્રે જાગરણ કરે તે. बालक के जन्म के बाद छटी रात्रि में परिवार का जागरण करना. A vigil kept by the relatives on the sixth night after the birth of a child. " कइ विहाणं भंते जागरिया पण्णत्ता ?" भग० ११, ११; ओव० ४०; नाया० १; राय० २८६; कप्प० ३, ४६;

जागरिया. स्त्री० (जागर्या) ચિંતવન; વિચારણા. चिन्तन; विचारणा. Contemplation; thought. उवा० १, ७३; ८, २५२;

जाजीवं. अ० (यावज्जीवम्) જીંદગી પર્યંત. जीवन पर्यन्त; जिंदगी तक. Throughout life. क० गं० १, १८;

√ **जाण** धा० I. (ज्ञा) જાણવું. जानना. To know.
जाणइ. भग० १, १; २, १; ३, ६; ५, ४; ६, ४; ८, २; १८, ८; नाया० १; ८; १६; पन्न० ३०; आया० १, १, ७, ५६; १, ७, १, १६६; ठा० २, २; वव० २, ३३; विवा० ६; दस० ४, २३;
जाणंति. भग० ५, ४; ६, ४; १४, ८; १८, ३; विशे० ६१; नाया० १६;
जाणासि. नाया० १४; १६; भग० २, १; १५, १; उत्त० २५, ११;
जाणामि. नाया० १; ७; ८; भग० ३, ६; ५, ४; १७, २;
जाणामो. भग० १, ६; २, १; ३, २; ५, ८; १५, १; १८, ७;
√ जाणे. उत्त० १८, २९;
जाणि वा-जा. दस० ७ ८; भग० २४, १; १२; वेय० २, २; ५, ६; पन्न० १७; अणुजो० ८; १३१; आया० १, १, १, ४; १; ६, ४, १६१; दस० ५, १,४६; दसा० ६,३१; निसी०६,१२;

याणइ. ओघ०नि०१७;विशे०४२; नाया०१७;
याणंति. सु० च० ४, ६८; भग० १, ६;
याणामि. सु० च० ७, १११;
जाणउ. विवा० १; भग० ३, २;
जाणंतु. दस० ५, २, ३६;
जाणसु. पिं०नि० भा० २५; पिं० नि० १०७; नंदी० ४५;
जाणाहि. आया०१, २,१, ७०; गच्छा० ७६;
जाणह. सु० च० ६, ५२; नाया० ६; १६; राय० ७७; भग० १, ६;
जाणिस्संति. नाया० १६;
जाणिय. सं० कृ० दस० १०, १, १८;
जाणिऊण. सं० कृ० सु० च० १, १०१; नाया० ६;
जाणित्ता. सं० कृ० नाया० ८; ५; ७; ८; ६; १२; १४; १६; १८; भग० २, १; ७, ६; ६, ३२; १५, १; ओव० ४०; उत्त० १६३;
जाणिया. सं० कृ० नाया० १६; दस०७,४६;
जाणितु. हे० कृ० आया० १, २, १, ६८; दस० ८, १३;
जाणित्तए. हे० कृ० दसा० ५, १८; २३; सम० १०; नाया० ५; भग० ५, ८;
जाणेत्ता. सं० कृ० भग० २, १; ३, १;
जाणमाण. व० कृ० उत्त० १३, २६; सम० ३०; निसी० १, ४०; जं०प० २,३१; विशे० २३६; विवा० १; दसा० ६, १०; सु० च० १, १३८; कप्प० ६, १५८;
जाणंत. व० कृ० सूय० १, १, १, १; दसा० ६, २; दस० ६, १०; ८, ३१; पिं० नि० भा० ३१; नाया० १४; विशे० ४२; पन्न० ११; पिं० नि० १११;

जाण. न० (यान) ગાડી, ગાડાં, રથ, સગ્રામ વગેરે; સ્વારી. यान-गाडी, रथ आदि सवारी योग्य साधन. A vehicle, carriage chariot etc. उत्त० ५, १४; २५, ११; २७, ८; आया० २, ४, २, १३८; सूय० २, २, ६२; सु० च० २, २०८; ओव० भग० २, ५; ३, ३; ५, ७; ८, ६; ११, ११; नाया० ३; ७; उवा० १, ६१; ७, २०६; दस० ७, २६; जीवा० ३, ३; जं० प० दसा० ६,४;१०,१; प्रव०७२६; पण्ह० २,४; ठा०४, ३; सम० १; (२) વિમાન. विमान. aeroplane. नाया० ४० (३) યાનપાત્ર; વહાણ; नौका; जहाज वगैरह. a boat; a vessel etc. भत्त० १३५; गच्छा० ८; —**गय.** त्रि० (-गत) ગાડીમાં ગયેલ. यान-गत; गाडी में गया हुआ. driven in a carriage. ओव० —**गिह.** न०(-गृह)રથ મુકવાનું ઘર. रथशाला; गाडी आदि के रखने का घर. a coach-house; a carriage-shed. "**जाणगिहाणिवा**" आया० २, २, २, ८०; निसी० ८, ७; १५,२१; —**पवर.** न० (-प्रवर) પ્રધાન રથ; ઉત્તમ વાહન. उत्तम रथ; प्रधान गाडी. an excellent chariot; an excellent vehicle. दसा० १०, १; भग० ६, ३३; —**रह.** पुं० (-रथ) એક પ્રકારનો રથ. एक प्रकार का रथ. a kind of chariot. जीवा० ३,३; —**रूव.** त्रि० (-रूप) પાલખી આદિના રૂપ આકાર. यान-पालकी वगैरह का आकार. the shape of a palanquin etc. "**समोहयजाणरूवेणं**" भग० ३,४; —**विमाण.** त्रि० (-विमान—यानाय गमनाय विमानं यानविमानम्) દેવતાને ગમન કરવા-મુસાફરી કરવાનું વિમાન. देवताओंका मुसाफरी विमान; देवताओंके यात्रा करनेका विमान. a celestial car of the gods. "**दसयहं इंदाणं दस परियाणिया जाणविमाणापरणत्ता**" ठा० १०; ६, ३; राय० ६७; जं० प० ५, ११२; ११५; ११६;

भग० १६, २; —साला. स्त्री० (-शाला) गाडी रथ वहेल वगेरेने राखवानी जग्या. रथ शाला; गाड़ी खाना. a coach-house; a carriage shed. "जाणसालाओवा" आया० २, २, २, ८०; ओव० ३०; नाया० ५; १३; दसा० १०, १; पण्ह० २, ३; निसी० ८, ७; —सालिअ. पुं० (-शालिक) गाडी रथ वगेरे राखवानी यानशालानो उपरी भाग. रथशाला के ऊपर की अटारी. the upper floor of a coach-house or carriage shed. ओव० ३०; दसा० १०, १; —जाणअय. त्रि० (-ज्ञायक) जाणनार; समजनार; ज्ञाता. जानने वाला; समझने वाला; समझदार; ज्ञाता. (one) who knows, comprehends or understands. अणुजो० १४; ४२; ओव० उवा० ७, १८७; विशे० ४४, ४६; (२) पुं० पोते जाणे नहि छतां पोताने जाणकार मानतार बौद्धादि. स्वयं कुछ भी न जानते हुए अपने को जानकार मानने वाला बौद्ध वगैरह. a follower of Buddha etc. who pretends to know without knowing anything himself. सूय० १, १, १, १९; अणुजो० १४६; जं० प० ३, ४७; —सरीर. न० (-शरीर) आवश्यक आदि शास्त्र जाणनारनुं पडी रहेलुं चैतन्य शून्य शरीर. आवश्यक सूत्र आदि शास्त्रों के जानकार का पड़ा हुआ मृत-चैतन्य शून्य शरीर. the lifeless body of one who knows scriptures such as Āvaśyaka etc. अणुजो० १५;

जाणग. पुं० (यानक) रथ रथ. A chariot. दसा० १०, १;

जाणग. त्रि० (ज्ञानक) जाणनार; समजनार. समझने वाला. (One) who knows or understands. पिं० नि० भा० ३१; ओघ० नि० ११८; पंचा० ५, ६;

जाणण. न० (ज्ञान) ज्ञान; जाणवुं ते. जानना; ज्ञान; समझ. Knowing; knowledge; comprehension. प्रव० १; —निमित्त. न० (-निमित्त) ज्ञानना कारणरूप. ज्ञान का कारण-हेतु. cause or motive of knowledge. प्रव० १;

जाणणा. स्त्री० (ज्ञान) जेनाथी वस्तुनो निर्णय थाय ते. जिससे वस्तु का सच्चा स्वरूप प्रतीत-जाना जा सके वह; ज्ञान. That by which the real nature of a thing can be known; knowledge. अणुजो० १४६;

जाणया. स्त्री० (ज्ञान) ज्ञान. ज्ञान. Knowledge. भग० १, ६;

जाणवत्त. न० (यानपात्र) वहाणुं. नौका; नाव. A boat. पंचा० ६, १८;

जाणवय. त्रि० (जानपद) देशमां वसता अथवा आवेला लोको. देश में सदा से बसते हुए या आये हुए लोग. People habitually residing in a country or emigrants. "बहवे जाणवया लूसिसु" जिवा० ३; भग० १,१; ११,११; सू० १०१; ओव०

जाणिअ. त्रि० (ज्ञात) जाणेल. जाना हुआ. Known. नंदी० ४५;

जाणियव्व. त्रि० (ज्ञातव्य) जाणवा योग्य. जानने योग्य. Worth being known. भग० १, ५; ५, १; १२, ४; १६, १; १६, ७; २०, ७; ११; २४, १२; २०; २६, १; कप्प० ६, ४५;

जाणु. न० (जानु) गोठणु; घुंटन; ढींचणु. घुटने. The knee. नाया० १; २; ओव० १०. ३१; भग० ८, ७; जं० प० ५, ११५; जीवा० ३. ३ आया० १, २, २, १६; पिं०

नि० ४६८; राय० २२; १६४; उवा० २, ६४; विवा० ६; प्रव० ७३; पंचा० ३, १८; कप्प० २, १४; —उस्सेहप्पमाणमित्त. त्रि० (-उत्सेधप्रमाणमात्र) ઢીંચણ સુધી; ઢિંચણની ઉંચાઇ પ્રમાણે. घुटनो तक; जानु प्रमाण. reaching as far as the knees; equal to the knees in height. सम० ३४; —कोप्पर. न० (-कूर्पर) ઢીંચણ અને કૂણી. जानु-घुटने और कुहनी-भुजाओं के बीच की ग्रंथी-गांठ. the knee and the elbow. नाया० २;—कोप्परमाया स्त्री० (कूर्पर-मातृ) વંધ્યા સ્ત્રી; વાંઝણી. वन्ध्या. वांझ स्त्री. a barren or sterile woman. नाया० २; —पमाण. त्रि० (-प्रमाण) ઘુંટણ સુધીના પ્રમાણ વાળું. घुटने तक का; जानु तक प्रमाण वाला. reaching the knees. प्रव० ४४१; —पायपडिय. त्रि० (-पादपतित) ઢીંચણે પડેલ. घुटनों पर पड़ा हुआ; पैरोंपर गिरा हुआ. knelt down. विवा० ३; —मित्त. त्रि० (मात्र) ઢીંચન પ્રમાણ. घुटनों का प्रमाण. reaching the knees; knee-deep. प्रव० २४५; —हिट्ठ. अ० (अधः) ઢીંચણની નીચે. घुटनों के नीचे. below the knees. प्रव० १६०;

*जाणु. स्त्री० (ज्ञायक) સમજી જાણીને કરેલી પાપની નિવૃત્તિ. समझ बूझकर की हुई पाप की निवृत्ति. Deliberate abstinence from sin. ठा० ३, ४;

जाणुअ. पुं० (जानुक) જુઓ 'जाणु' શબ્દ. देखो 'जाणु' शब्द. Vide. 'जाणु' उवा० २, ६४;

जाणुय. त्रि० (ज्ञायक) શાસ્ત્રનો જાણનાર. शास्त्र का जानकार. Conversant with the scriptures. 'जाणुयाय जाणुयपुत्ताय' नाया० १३; —पुत्त. पुं० (-पुत्र) શાસ્ત્રના જાણનારનો પુત્ર. शास्त्रज्ञ का पुत्र. the son of one who is conversant with the Scriptures. नाया० १३;

जाणहई. स्त्री० (जान्हवी) ગંગાનદી. गंगा नदी. The Ganges. ठा० ६;

जात. त्रि० (जात) જન્મેલ; ઉત્પન્ન થયેલ. जन्मा हुआ; पैदा हुआ. Born; produced. नाया० १;६;भग० १५, १; (२) न० પ્રકાર. प्रकार, भेद. variety; species. पराह० २, ३; —कम्म. न० (-कर्मन) જન્મ સંસ્કાર. जन्म संस्कार. ceremony in connection with birth. नाया० १; —सड्ढ. त्रि० (श्रद्ध) જેને શ્રદ્ધા-ઇચ્છા ઉત્પન્ન થઇ છે એવા. जिसे श्रद्धा-अभिलाषा उत्पन्न हुई हो वह. one in whom faith has been inspired. निर० १, १;

जातग. त्रि० (जातक) જન્મેલ. उत्पन्न; जन्मा हुआ. Produced; born. नाया० १;

जातणा. स्त्री० (यातना) પીડા. पीडा; वेदना, दर्द. Pain; agony. पराह० १, १;

जातरूव. त्रि० (जातरूप) સુંદર; ચળકતું. सुन्दर, चमकताहुआ. Shining; glittering. (२) न० સોનું. सुवर्ण. gold. ओव० १०; (३) पुं० જાતરૂપ-સોનાનો કાંડ; ખરકાંડનો १३ મો વિભાગ. जातरूप-सुवर्ण का कांड; खरकांड का १३ वां हिस्सा. a lump of gold; the 13th portion of Khara-kāṇḍa. जीवा० ३, १;

जाति. स्त्री० (जाति) જુઓ "जाइ" શબ્દ. देखो "जाइ" शब्द. Vide. "जाइ" ओव० १६; पन्न० २; १७; ३६; जीवा० ३, ४; जं० प० (२) એક જાતનો દારૂ. एक

जाति की दारू-मद्य. a kind of intoxicating drink or wine. विवा० २; —अमद. त्रि० (-अमद) જાતિ-મદ રહિત. जाति के मद से रहित. free from the pride of caste. भग० ८, ६; —कम्म. न० (-कर्मन्) જુઓ "जाइकम्म" શબ્દ. देखो "जाइकम्म" शब्द. vide "जाइकम्म" नाया० २; —नामनिहत्ताउय. त्रि० (-नामनिधत्तायुष्) જુઓ "जाइणामनिहत्ताउय" શબ્દ. देखो "जाइणामनिहत्ताउय" शब्द. vide "जाइणामनिहत्ताउय" पन्न० ६; —पसन्न. पुं० (-प्रसन्न) એક જાતનો દારૂ. एक प्रकार का मद्य. a kind of intoxicating drink जीवा० ३, ३; —पुड न० (-पुट) જુઓ "जाइपुड" શબ્દ. देखो "जाइपुड" शब्द. vide "जाइपुड" नाया० १७; —प्पसन्ना. स्त्री० (-प्रसन्ना) એક જાતનો દારૂ. एक प्रकार की मदिरा a kind of wine. जीवा० ३; —मश्र. पुं० (-मद) જાતિનો અહંકાર. जाति का अहंकार. pride or egotism due to one's lineage or caste. सम० ८; —मद. पुं० (-मद) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ८, ६; —संपन्न. त्रि० (-संपन्न) જુઓ "जाइसम्पराण" શબ્દ. देखो "जाइसंपराण" शब्द. vide "जाइसंपराण" भग० २५, ७; नाया० २; —सरण. न० (-स्मरण) જુઓ "जाइसरण" શબ્દ. देखो "जाइसरण" शब्द. vide "जाइसरण" नाया० ८;

जातिमंत. त्रि० (जातिमत्) જાતવાન્. जातिवान्. Of a high rank or caste. दस० ७, ३१;

जातिय. त्रि० (याचित) માંગેલ; માચેલ. मांगा हुआ; याचित. Begged; entreated. भग० १८, १०;

जाम. पुं० (याम) મહાવ્રત; સર્વથા પ્રાણાતિપાતવેરમણ આદિ મ્હોટાં વ્રત. महाव्रत; प्राणातिपातविरमण आदि बड़े व्रत. Any of the great vows; e. g. complete abstention from killing etc. आया० १, ७, १, २००; (२) પહોર; દિવસ કે રાત્રિનો ચોથો ભાગ. प्रहर; दिन या रात्रि का चौथा हिस्सा. any of the eight periods into which a day (24 hours) is divided. "तओ जामा पन्नता। तं जहा-पढमे जामे मज्झिमे-जामे पच्छिमे जामे" ठा० ३, २; ओघ० नि० ६६०; गच्छा० ३;

जामाउय-अ. पुं० (जामातृक) જમાઈ; दामाद; जामात. A son-in-law. विवा० ३; अणुजो० १३१;

जामिल्लय. पुं० (यामिक) પહેરાદાર; સિપાઈ. रक्षक; पहरेवाला; सिपाही. A guard; a watchman. सु० च० ७, ३१७;

जामुणकुसुम न० (जपाकुसुम) રાતા ફુલવાળા જપા નામે ઝાડનું ફૂલ. जपा नामक वृक्ष का फूल. A flower of the China rose. "जामुण कुसुमेइ वा" राय०

√ **जाय** धा० I, II. (याच्) યાચવું; માગવું; માગણી કરવી. याचना करना; मांगना. To beg.

जायइ. निसी० १, २०; १४, ४७;

जाएइ. नाया० ७;

जाइआ. वि० नाया० ७;

जायाहि. आ० उत्त० २४, ६;

जायसु, आ० पिं० नि० ४७२;

जाइस्सामि. आया० १, ६, ३, १८५;

जाइत्ता. सं० कृ० आया० १, ७, ६, २२२; निसी० १, २८; ३, ८२; ५, १५; दस० ८, ५;

आइत्तए. हे० कृ० नाया० ७; १४;

आयंत. व० कृ० निसी० १,२०; पगह० १,३;

आय. पुं० (याग) યજ્ઞ; પૂજા. यज्ञ; पूजा. A sacrifice; worship. नाया० १; २; भग० ११, ११; कप्प० ५, १०१;

आय-अ. त्रि० (जात) ઉત્પન્ન થયેલ; ઉપજેલ; જન્મેલ. जन्म पाया हुआ; जन्म प्राप्त. Born; produced. नाया०१; २; ३; ४; ६; ७; ८; १२; १३; १४; १६; १८; भग० २, १; ३, २; ६, ३३; १२, ६; १५, १; २४, १; २; पिं० नि० १६६; १८०; दस०२, ६; ४; दसा०५,२७; ६, १; ८, १; वव० ४, ४१; सु० च० १, १८; ओव० ३८; उत्त० ७, २; विवा० ५; भत्त० ८१; कप्प० १, १; (२) પુત્ર; દીકરો. पुत्र; लडका. a son. नाया० १; ५; ६; भग० ६, ३३; ११, ११; सूय० १, ४, २, १३; सु० च० ४, ३१२; पंचा० ८, ३; (३) त्रि० પ્રાપ્ત થયેલ; મેળવેલ. प्राप्त किया हुआ. obtained; got. "सुद्धे सिया जाए न दूसएज्जा" सूय० १, १०; २३; (४) પ્રકાર; ભેદ. प्रकार; भेद a variety; a division. ठा० ४, १; १०; (५) त्रि० શુદ્ધ; જાતિલો. विकार रहित; शुद्ध. pure; of a high caste. "जायहिंमुलेति" राय० २३; (६) અંકુર. अंकुर. sprout. दस० ४; (७) શાસ્ત્રવિધિ અનુસાર; ગીતાર્થ. शास्त्रविधि को जानने वाला. one knowing the precepts of scriptures; a learned. प्रव०७८७; —**अंधरूवग.** पुं० (-अंधरूपक-जातं उत्पन्नं अन्धकं नयनयो राहितं एव अनिष्पतेः कुत्सितं अङ्गरूपं यस्यासौ) આંધળો અને કુત્સિત અંગવાળો; બેડોલ શરીર વાળો. अंध व कुत्सित अंग वाला; कुरूप शरीर वाला. one who is blind and deformed in body. विवा० १;

—**कप्प.** पुं० (-कल्प) ગીતાર્થનો કલ્પ. गीतार्थका कल्प. a resolution of Gītārtha. प्रव०२४; —**कम्म.** न० (-कर्म) જન્મ સંસ્કાર; નાડિ છેદન વિગેરે. जन्म संस्कार; नाडि छेदन इत्यादि. ceremonies like cutting of the umbilical cord (navel cord) etc. after the birth of a child. "चिडवत्त असुई जाय कम्म करणे" ठा० ९; ओव० ४०; नाया० ८; —**कोऊहल.** त्रि० (-कुतूहल-जातं कुतूहलं यस्य स जातकुतूहलः) જેને કુતૂહલ ઉત્પન્ન થયેલ હોય તે. वह जिसको कुतूहल उत्पन्न हुआ हो. (one) in whom curiosity is roused or excited. नाया० १; —**त्थाम.** त्रि० (-स्थामन्) બલ ઉત્પન્ન થયેલ; બલવાન્ થયેલ. बल-प्राप्त. grown strong. "वसभो इव जायत्थामे" ठा०६; —**निंदुया** स्त्री० (-निन्दुता—जातान्यपत्यानि निदुतानि मृतानि यस्याःसा) જેના જન્મેલ બાલક તરત મરણ પામે છે અથવા મુવેલા અવતરે છે તે માતા. जिसके जन्म पाये हुए बालक तुरन्त मर जाते हैं अथवा मृतक पैदा होते हैं वह माता. a woman whose children die immediately after birth or are born dead. "ममहा नामं भारिया जायनिंदुया यावि होत्था" विवा० २; ७; —**पइट्ठ.** न० (-प्रतिष्ठ) અંકુર ઉપર રહેલું. अंकुर पर रहा हुआ. anything resting upon or supported by a sprout. दस० ४; —**पक्ख.** त्रि० (-पक्ष) જેને પાંખ ઉત્પન્ન થયેલ છે તે. जिसको पंख आ गये हैं वह (a bird) having wings. "जायपक्खा जहा हंसा" उत्त० २७, १४; —**मूक.** पुं०

(-मूक) જન્મથીજ મૂંગો. जन्म ही से मूक. dumb from birth. विवा० १; —विम्हय. त्रि० (-विस्मय) વિસ્મય પામેલ. विस्मित; चकित. astonished; surprised. नाया० १२; —संवेग. त्रि० (-संवेग) જેને સંવેગ-મુમુક્ષુતા ઉત્પન્ન થઇ છે તે. जिसमें संवेग-मुमुक्षुता उत्पन्न हुई हो वह. one seeking emancipation. भत्त० १३; —संसय. त्रि० (-संशय—जातःसंशयो यस्य सजात संशयः) સંશય ઉત્પન્ન થયેલ. संशय प्राप्त. thrown into doubt; (one) in whom doubt or suspicion is engendered. भग० १, १; १०, ५; नाया०१;—सड्ढ त्रि० (-श्राद्ध-श्रद्धया यत् क्रियते तत् श्राद्धं जातं उत्पन्नं श्राद्धं इच्छा-विशेषो यस्यासौ जातश्राद्धः) શ્રદ્ધા ઉત્પન્ન થયેલ. श्रद्धावान्. (one) in whom faith is born; having faith. नाया० १, ६; भग० १, १; १०, ५; १४, ८;

आयग. त्रि० (याजक) યાજક; યજ્ઞ કરનાર. याजक; यज्ञ करनेवाला. (One) performing a sacrifice; a sacrificer. "सो तत्थ एव पडिसिद्धो, जायगेण महामुणी" उत्त० २५, ५;

जायण. न० (याचन) માગવું તે; યાચવું તે. मांगना; याचना. Begging; soliciting. उत्त० १२, १०; पंचा० १८, १; —जीवण. त्रि० (-जीवन याचनेन जीवनं प्राणधारणमस्येति याचनजीवनः) જેના જીવનનો આધાર માગવા ઉપર છે તે; ભિક્ષુક. भिक्षुक; जिसकी आजीविका भिक्षा वृत्तिपर निर्भर है वह. (one) who lives by begging; a beggar. "जायणाहि मे जायण जीवणोत्ति" उत्त० १२, १०;

जायण. न० (यातन) પીડા કરવી તે. दुःखी करना; सताना. Giving pain or trouble. पराह० १, २;

जायणा. स्त्री० (याचना) યાચના; માંગણી; ભિખ માગવી તે. भीख मांगना; याचना करना. Begging; solicitation. सूय० १, ३, १, ६; भग० ८, ८; प्रव० ६४२; —परिसह. पुं० (-परिषह-याचनं याञ्चा प्रार्थना सैव परिषहो याञ्चापरिषहः) ભિક્ષાનો પરિષહ; પરિશહનો એક પ્રકાર. भिक्षा का परिषह; परिषह का एक प्रकार. bearing the affliction or trouble caused by having to beg. सम० २२; —वत्थ. न० (-वस्त्र) જાચવાનું વસ્ત્ર ઝોળી. भिक्षा का वस्त्र; झोली. a piece of cloth (like a swinging bag) to keep alms in. निसी० १५, ३४;

जायणा स्त्री० (यातना) પીડા. दुःख; पीडा; कष्ट. Pain; trouble; affliction. "जायणाकरणसयाणि" पराह० १, १; १, ३;

जायणी. स्त्री० (याचनी) આહારાદિકની માગણી કરવાની ભાષા. आहारादिक के लिये याचना करनेकी भाषा. Words used in soliciting or begging food etc. ठा० ४, १; पन्न० ११; भग० १०, ३; दसा० १, १; प्रव० ६०१;

जायतेअ-य. पुं० (जाततेजस्) અગ્નિ. अग्नि. Fire. "जायतेयं समारम्भ बहुश्रो हंभिश्रा जणा" सम० ३०; दस० ६, ३३; भग० ३, ३; ६, १; सूय० २, ६, २८; दसा० ६, ४; जं० प० २, ३५;

जायमित्त न० (जातमात्र) જન્મ થતાંજ. जन्म होते ही; जन्म ही से. Immediately upon being born; from the very birth. विवा० २;

जायमेत्त. त्रि० (जातमात्र) ઉત્પન્ન થતાં વેત.

उत्पन्न होते ही. From the very birth; immediately after birth. विशे० २६८; विवा०४;

आयरूव. न० (जातरूप) એક જાતનું સોનું. सुवर्ण का एक प्रकार. A kind of gold. "आयरूवमईओ ओहारणीओ" जीवा० ३, ४; उत्त० २५, २१; राय० २६; २८९; नाया० १; भग०२, ५; ठा०६; ओव० कप्प० २, २६; जं० प० २, ३२; (२) त्रि० રૂપ वाળું. सुन्दर; स्वरूपवान्. beautiful. कप्प० ५, ११६; —कंड. पुं० (-काण्ड) રત્નપ્રભા પૃથ્વીના ૧૬ કાણ્ડમાંનો ૧૩ મો કાણ્ડ. रत्नप्रभा पृथ्वी के १६ काण्ड में से १३ वां काण्ड. the 13th of the 16 Kinds of the Ratnaprabhā world. ठा० १०;

आयव. पुं० (यादव) યદુવંશજ; યાદવ. यदुवंशज; यादव. One born in the Yadu family; a Yādava. नाया० १६; पराह० १, ४;

आयवेय. पुं० (जातवेदस्) અગ્નિ. अग्नि. Fire. "जायवेयं पाएहिं हणह जे भिक्खु अवमन्नह" उत्त० १२, २६;

आया. स्त्री० (यात्रा) યાત્રા; શરીર નિર્વાહ. यात्रा; शरीर निर्वाह. Livelihood. सूय० १, ७, २९; पिं० नि० ६४३; (२) સંયમ યાત્રા; સંયમ નિર્વાહ. संयम यात्रा; संयम निर्वाह, पंचमहाव्रतादि संयम यात्रा. maintenance of self restraint; observance of the five great vows etc. आया० १, ३, ३, ११६, नाया० १; भग० २, १; ७, १; नंदी० ४५; (३) વિહાર; પ્રવૃત્તિ विहार; प्रवृत्ति peregrination; sport; activity. पराह० २, १; —मया. स्त्री० (-मात्रा — यात्रा संयमयात्रातस्यां मात्रा यात्रामात्रा) સંયમ નિર્વાહની મર્યાદા. संयम-निर्वाह की मर्यादा. a limit fixed in the matter of observance of ascetic practices. "आयगुत्ते आयाएहिं आयामायाए" आया० १, ३, ३, ११६; —मायावित्ति. स्त्री० (-मात्रावृत्ति) સંયમ નિર્વાહની મર્યાદાવાળું જીવન. संयम निर्वाह की मर्यादामय जीवन. life of self-control guided by fixed principles of asceticism. "आया-मायावित्ति होत्था" सूय० २, २, १८; भग० २९, ३; नंदी०

आया. स्त्री० (जाया) સ્ત્રી; ભાર્યા; स्त्री; भार्या. A wife. "बाहिं जाया" जीवा० ३; भग० ८, ५; ठा० ३, २;

आया. स्त्री० (जाता) ચમરેન્દ્ર વગેરેની બહારની સભા કે જેના સભાસદો આમંત્રણ વિના આવે. चमरेन्द्र इत्यादि की बाहरकी सभा कि जिसके सदस्यगण, बिना निमंत्रण, आते हैं. The outer council of Camarendra etc. the members of which attend without invitation. ठा० ३, २; जीवा० ३, ४; ४, २; भग० ३, १०;

आयाइ. पुं० (याजिन्-यायजीतिश्येयंशाली याजी) અવશ્ય યજ્ઞ કરનાર. अवश्य यज्ञ करने वाला. One who performs a sacrifice positively or without fail. "जायाई जमजन्नमि" उत्त० २५, १;

आर. पुं० (जार) મણિનું એક લક્ષણ. मणि का एक लक्षण. A characteristic mark of a gem. राय० ४६; जं० प०

आरा. स्त्री० (जारा) જલચર પ્રાણીની એક જાત. जलचर प्राणी की एक जाति. A class of aquatic animals. जीवा० ३, ४; राय० ६३;

जारापविभत्ति. पुं॰ (जाराप्रविभक्ति) એક પ્રકારની નાટક વિધિ; જારા-એક જાતનું જલચર પ્રાણી તેની એક પ્રકારની રચના વાળું નાટક. एक प्रकार की नाटक विधि; जारा-एक जाति का जलचर प्राणी उसकी एक प्रकार की रचना युक्त नाटक. A kind of dramatic representation, having an arrangement resembling a Jārā i. e. a kind of aquatic animal. राय॰ ६३;

जारामार. पुं॰ (जारामार) જલચર પ્રાણીની એક જાત. जलचर प्राणी की एक जाति. A kind of aquatic animal. जीवा॰ ३; ४;

जारामारापविभत्ति. स्त्री॰ (जारामारप्रविभक्ति) જારામાર-જલચર પ્રાણીની એક જાત-તેની રચના વાળું ૩૨ નાટકમાંનું એક નાટક. जारामार-जलचर प्राणी की एक जाति उसकी रचना युक्त ३२ नाटक में से एक नाटक. One of the 32 kinds of dramas whith a scenic representation of Jārāmāra i. e. a kind of aquatic animal राय॰ ६३;

जारिस. त्रि॰ (यादृश) જેવું; જે પ્રકારનું. जैसा; जिस प्रकार का. As; of the nature of which. " **जारिसया ज नामा जहयकम्मो जारिसं फलंदेंति** " पराह॰ १, १; पि॰ नि॰ ४२८; भग॰ ३, १; उत्त॰ २७, ८; सूय॰ १, ४, २, २३;

जारिसय. त्रि॰ (यादृशक) જેવું; જેવા પ્રકારનું. जैसा; जिस प्रकार का. As; of the nature or quality of which. नाया॰ ८; १६; भग॰ ३, २; १४, १;

जारु. पुं॰ (* जारु) એ નામની એક સાધારણ વનસ્પતિ; કંદની એક જાતિ. इस नाम की साधारण वनस्पति; कंद की एक जाति A kind of plant; a kind of bulbous root. पन्न॰ १;

जारुकराह. पुं॰ (जारुकृष्ण) વશિષ્ઠ ગોત્રની એક શાખા. वशिष्ठ गोत्र की एक शाखा. An offshoot of the Vaśistha family-origin. (२) તે ગોત્રનો પુરૂષ. उस गोत्र का पुरुष. a person belonging to the above family-origin. ठा॰ ७, १;

जाल. पुं॰ (जाल) માછલાં પકડવાની જાલ. मच्छी पकडने की जाल. A net to catch fish. पन्न॰ ११; नाया॰ १; ३; पि॰ नि॰ ६२२; विवा॰ ८; उत्त॰ १६, ३५; (२) મૃગ આદિ પશુને પકડવાનો પાશ. मृग आदि पशु को पकडने का फन्दा. a snare to catch deer etc जं॰ प॰ (३) મુક્તાફલનો ગુચ્છો. मुक्ताफल का गुच्छा a cluster of pearls. कप्प॰ ३, ३६; (४) न॰ એક જાતનું પગનું ઘરેણું. एक प्रकार का पैरोंमें पहिनने का जेवर. a kind of ornament for the feet. ओव॰ (५) જાળી; ન્હાનાં ન્હાનાં કાણાંવાળી બારી. जाली; छोटे छोटे छेद वाली खिडकी. a barred window; a window made up of small apertures. पन्न॰ २; नाया॰ १; जीवा॰ ३, ४; ओव॰ ३१, सम॰ प॰ २१३; (५) સમૂહ. समूह. a group; a collection. राय॰ ४४; १०६; जीवा॰ ३, ३; जं॰ प॰ ओव॰ १०; उवा॰ ७, २०६; **—अंतर.** न॰ (-अन्तर) જાળી-બારી વચ્ચેનું અંતર. जाली-खिडकी के मध्य का अन्तर. an interval between the apertures or open spaces of a barred etc. window. नाया॰ १; ८; **—अंतररयण.** त्रि॰ (-अंतररत्न) જેના

મધ્ય ભાગમાં રત્ન છે એવી જાલી (-બારી) जाली (खिडकी) कि जिसके मध्य भाग में रत्न है. a barred etc. window bearing a gem in the middle. सम० राय० —उज्जल. त्रि० (-उज्ज्वल) મુક્તાફલના ગુચ્છાથી ઉજ્જવલ. मुक्ताफल के गुच्छ से उज्वल. shining on account of a cluster of pearls. कप्प० ३, ३६;—कडग्र. पुं० (-कटक) જાલનો સમૂહ. जाल का समूह. a collection of nets etc.जीवा०३,४; —कडग. पुं० (-कटक) જેમાં રમણિક આકૃતિ કોતરી હોય એવો જાલીવાલો પ્રદેશ जिसमें रमणिक आकृतिका नकशांका काम हो ऐसा जालिदार प्रदेश a wall etc. in which windows are beautifully carved or engraved. जीवा० ३, ४; जं० प० राय० ११३; —गंठिया. स्त्री० (-ग्रन्थिका—जालं मत्स्य बंधनं, तद्वत ग्रन्थयो यस्यां सा जालग्रन्थिका) જાલની ગાંઠ. जालकी गांठ. a knot of a net. " जालं गंठियाइवा —आणुपुव्विगंठियाबा " भग० ५, ३; —घर. न० (-गृह) જાલીવાલું ઘર. जाली दार घर a house having barred windows. नाया० ३, —घरग. न० (-गृहक) જાલી-બારીવાલું ઘર. जालीदार घर, मकान. a house with barred windows or windows. नाया०२; ३; राय० १३४; भोव० - घरय. न० (- गृहक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. नाया० ८; —विंद. न० (-वृन्द) ગોખનો સમૂહ; બારી-જાલીનો સમૂહ. जाली का समूह. a group of windows or barred windows. जीवा० ३; —हरश्र. न० (-गृहक) જાલીવાલું ઘર. जालीदार घर, मकान. a house with windows or barred windows. ओव०

जाल. पुं० (ज्वाल) જ્વાલા; અગ્નિ શિખા. ज्वाला; झाल. Fire; a flame of fire. जीवा० १; —उज्जल. त्रि० (-उज्ज्वल) ઘણું જ જાજ્વલ્યમાન. अत्यंत प्रकाशमान. very bright; flashing. ओव०

जालंधर. पुं०(जालंधर) દેવાનંદાજી બ્રાહ્મણીનું ગોત્ર. देवानंदाजी ब्राम्हणी का गोत्र. the family-origin of Devānandā Brāhmaṇī (wife of a Brāhmaṇa). 'देवणंदाएमाहणीए जालंधरसगुत्ताए' नाया० २, १४, १०६; —सगुत्त. त्रि० (-सगोत्र) જાલંધર ગોત્રમાં ઉત્પન્ન થયેલ. जो जालंधर गोत्र में उत्पन्न हुआ हो. one born in the family of Jālandhara. कप्प० १, २;

जालग पुं० (जालक) જાલી; બારી. जाली; खिडकी. A window; a barred window. नाया० १; ओव० (२)પગનું એક જાતનું આભરણ. पैरों के लिये एक प्रकार का आभूषण. a kind of ornament for the feet. " खिंखिणीजालपरिक्खित्ताओ " ओव० (३) બે ઇંદ્રિય જીવ વિશેષ. दो इन्द्रिय वाला जीव विशेष a kind of two-sensed living being. उत्त० ३६, १२८;

जालड. न० (जालार्द्ध) અર્ધચંદ્રાકારે નિસરણી. अर्धचंद्राकार सीढी. A semicircular ladder. नाया० १;

जालपंजर. पुं० (जालपञ्जर) ગોખ. गोख. A cage-like window; a window jutting out from the main

building. जीवा॰ ३, ४; राय॰ १०७;

आलय. पुं॰ (आलक) જુઓ 'आलग' શબ્દ. देखो 'आलग' शब्द. Vide 'आलग' जीवा॰ १, ३;

आला. स्त्री॰ (ज्वाला) જ્વાલા-ઝાલ; અગ્નિની શિખા. अग्नि की ज्वाला. A flame of fire. "जालातुरं वन खिता" नाया॰ १; १६; भग॰ ३, २; १४, ७; पन्न॰ १; सु॰ च॰ १, ३०; दस॰ ४; ठा॰ ५, ३; उत्त॰ ३६, १०६; पंचा॰ ३, २२; (२) ૯ મા ચક્રવર્તિની માતા. ९ वें चक्रवर्ती की माता. the mother of the 9th Chakravarti. सम॰ प॰ २३४; (३) ચન્દ્રપ્રભ સ્વામીની શાસનદેવી चन्द्रप्रभ स्वामी की शासन देवी. the tutelary goddess of Chandraprabha Svāmi. प्रव॰ ३७७; —उज्जल. त्रि॰ (-उज्ज्वल) જ્વાલાથી ઉજ્જવલ. ज्वाला से उज्वल. brightened with flame. कप्प॰ ३, ४६; —पयर. पुं॰ (-प्रकर) જ્વાલાનો સમૂહ. ज्वालाओं का समूह. a collection of flames कप्प॰ ३, ४६; —माला. स्त्री॰ (-माला) જ્વાલાની માલા; પંક્તિ. ज्वाला की माला; पंक्ति. a row of flames. भग॰ ३, २;

आलाउ. पुं॰ (आलायुध) એક પ્રકારનો બે ઇંદ્રિય જીવ. एक प्रकार का दो इन्द्रिय वाला जीव. A kind of two-sensed living being. पन्न॰ १;

आलाउय. पुं॰ (आलायुधक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. पन्न॰ १;

आलि. पुं॰ (आलि) અંતગડસૂત્રના ચોથા વર્ગના પ્રથમ અધ્યયનનું નામ. अंतगड सूत्र के चौथे वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम. Name of the first chapter of the 4th section of Antagada Sūtra. अंत॰ ४, १; (२) વાસુદેવ રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર, કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે દીક્ષા લઇ બાર અંગનો અભ્યાસ કરી સોલ વરસની પ્રવજ્યા પાલી શત્રુંજય પર્વત ઉપર એક માસનો સંથારો કરી સિદ્ધ થયા. वासुदेव राजा की धारणी राणी के पुत्र कि जो नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर द्वादश अंगों का अभ्यास कर सोलह वर्ष की प्रवज्या का पालन कर, शत्रुंजय पर्वत के ऊपर एक मास का संथारा कर सिद्ध हुए. name of the son of queen Dhāraṇi, wife of the king Vāsudeva. He took Dikṣa from Nemanātha Prabhu (lord), studied the 12 Aṅgas, practised asceticism for 16 years and after a month's Santhārā (giving up food and water) on Śatruñjaya, became a Siddha. अंत॰ ४, १; (३) અણુત્તરોવવાઇસૂત્રના પ્રથમ વર્ગના પ્રથમ અધ્યયનનું નામ. अणुत्तरोववाई सूत्र के प्रथम वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम. name of the 1st chapter of the 1st section of Anuttarovavāi Sūtra अणुत्त॰ १, १; (४) શ્રેણિક રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે મહાવીર સમીપે દીક્ષા લઇ ગુણરયણ તપ તપી સોલ વરસની પ્રવજ્યા પાલી વિપુલ પર્વત ઉપર એક માસનો સંથારો કરી કાલધર્મ પામી વિજય નામના અનુત્તર વિમાનમાં ઉત્પન્ન થયા. श्रेणिक राजा की धारणी राणी के पुत्र कि जो महावीर स्वामी समीप दीक्षा ले गुणरयण तप कर के सोलह वर्ष की प्रव्रज्या पालनकर विपुल पर्वत के ऊपर एक मासका संथारा कर काल धर्मको प्राप्त कर

अनुत्तर विमानमें उत्पन्न हुए. name of the son of queen Dhāraṇī, wife of king Śreṇika. He took Dikṣā from Mahāvīra Svāmī, practised Guṇarayaṇa austerity, led an ascetic life for 16 years, performed a month's Santhārā (giving up of food and water) on Vipula mountain and after death was born in the heavenly abode Vijaya. अणुत्त० १, १;

जालिया. स्त्री० (जालिका) જાળી; લોઢાની બારી. जाली; लोहे की खिड़की. A latticed window. पगह० १, ३;

जाव. अ० (यावत्) જ્યાં સુધી; જ્યાં લગી; જેટલું. जहां तक; जबतक; जितना. As long as; as far as; as much as. जं० प० ५, ११३; ११४; ११२; २, ३३; नाया० १, ८; १०; १४; १६; भग० १, १; ५; २, १; २५, १२; ओव० अणुजो० ३; सूय० १, ३, १, १; आया० १, २, १, ७१; उत्त० ४, १३; वेय० १, ४१; पिं० नि० ५३; पन्न० १; निसी० २०, १०; नंदी० १२; विवा० ५; दसा० ६, १; दस० ७, २१; ८, ३६; निर० १, १; उवा० १, ७४; ८, २५३; कप्प० १, १०; प्रव० १२;

जाव. पुं० (जाप) જાપ; મન્ત્રાદિકનું ઉચ્ચારણ. जाप; मंत्रादिक का उच्चारण. Telling beads upon a rosary; repetition of Mantras i. e. sacred charms etc. पगह० २, २;

जावअ. पुं० (यापक) કાલ વ્યતીત કરાવનાર હેતુ. काल व्यतीत कराने वाला हेतु. The cause to pass time. ठा० ४, ३;

जावइय. त्रि० (यावत्) જેટલું. जितना. (*Lasting*) as long as; (going) as far as. "**जइवा ओ जस्स जावइओ**" पंचा० ४, ५; भग० १, ६; ७; ३, २; ४; ६, १; ७; ८; ८, १०; १४, ७; १५, १; १६, ४; वव० ६, ४३; जं० प० २, १६;

जावई. स्त्री० (यावती) ગુચ્છ વનસ્પતિનો એક પ્રકાર. गुच्छ वनस्पति का एक प्रकार. A kind of vegetation growing in clusters. पन्न० १; (२) એક જાતનો કંદ. एक जात का कंद. a kind of bulbous root. उत्त० ३६, ६७;

जावं. अ० (यावत्) જ્યાં સુધી. यावत्; जहां तक; जबलग. As long as; till; up to. भग० ३, १;

जावंचणं. अ० (यावच्च) જેટલામાં. समय कि जिस दरम्यान. Time etc. during which. सूय० २, १, ६;

जावंत. त्रि० (यावत्) જેટલા. जितने; जितना. As many; as much. "**जावंति विज्जा पुरिसा**" उत्त० ६, १; पिं० नि० १४२; भग० ३, १; दस० ६, १०; (२) ભગવતી સૂત્રના પ્રથમ શતકના છઠ્ઠા ઉદ્દેશાનું નામ. भगवती सूत्र के प्रथम शतक के छट्ठे उद्देश का नाम. name of the 6th Uddeśa of the 1st Śataka of Bhagavatī Sūtra. भग० १, १;

जावंतिम. अ० (यावदंतिम) છેલ્લે સુધી. अन्त पर्यंत. Up to the last. विशे० २८४;

जावंताव. अ० (यावत्तावत्) એક પ્રકારનું ગણિત; સંખ્યાનો એક પ્રકાર. एक प्रकार का गणित; संख्या का एक प्रकार. A kind of arithmetical calculation; a mode of numerical calculation. ठा० १०;

जावग. पुं० (यापक) કાલક્ષેપ કરનાર હેતુ;

हेतुनो એક પ્રકાર. हेतु का एक प्रकार. A variety of causes. ठा० ४, ३;

जावच्चणं. अ० (यावच) जुओ "जावंचणं" शब्द. देखो "जावंचणं" शब्द. Vide "जावंचणं" भग० २, १; ३, ३; ५, ६;

जावज्जीव. अ० (यावज्जीव) જીવે ત્યાં સુધી; જીંદગી પર્યંત. जीवन पर्यंत; जीता रहे उस समय तक. Till death; as long as life endures. ठा० ३, १; आया० १, ७, ८, २२; भग० ३, १; वव० ३, २७; नाया० १; १३; १६; दसा० ६, ४; दस० ६, २६; गच्छा० १०५; —बंधण. न० (-बंधन) જીવે ત્યાં સુધી; બંધન. जीवन पर्यंत बंधन. life-long bondage. दसा० ६, ४;

जावज्जीवियं. अ० (यावज्जीवितम्) ત્યાં સુધી જીવ રહે ત્યાં સુધી. जीवन पर्यंत. As long as life lasts. भग० ७, ६;

जावण. न० (यापन) નિર્વાહ કરવો. निर्वाह करना. Supporting (life); spending; passing (e. g time) पिं० नि० २३०;

जावंतिअ. त्रि० (यावत्) જેટલું. जितना; जिस हद तक. As much as; as many as; to the extent to which. पि० नि० २६०; पन्न० १४; जं० प०

जावत्ती. स्त्री० (जातिपत्री) જાવંત્રી; એ નામનું એક જાતનું ઝાડ. जायपत्री; इस नाम का एक प्रकार का वृक्ष. The outer skin of the nutmeg; name of a tree. पन्न० १;

जावद्दव्व. न० (यावद्द्रव्य) વસ્તુ રહે ત્યાં સુધી રહે તે. वस्तु के अस्तित्व पर्यंत रहे वह. Anything which endures or lasts till the substance of which it is made lasts. विशे० २५;

जावय. पुं० (यापयतीति यापकः) રાગ દ્વેષને જીતવા કરનાર. राग द्वेष का त्याग करने वाला. One who abandons, renounces passion and hatred. नाया० १; जं० प० ५, ११५; सम० १; ओव० १२; कप्प० २, १५;

जावय. पुं० (जापक) રાગ દ્વેષ જીતાવનાર. रागद्वेष जितानेवाला. One that causes to conquer passion and hatred. ओव० १२; सम० १;

जावसिअ. पुं० (* जावसिक) ઘાસના ભારા લાવનાર. घास के गठ्ठे लाने वाला. One who fetches bundles of grass (for selling). ओघ० नि० २३८;

जाव. पु० (जाप) પિશાચનો એક પ્રકાર. पिशाच का एक प्रकार. A kind of ghost or fiend. पन्न० १;

जासुअ. न० (जासूद) જાસુનાં ફુલ. जासु के पुष्प. A Jāsu flower. कप्प० ३, ३०;

जासुण. पु० (जपासुमनस्) જુઓ ઉપરનો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया० १;

जासुमण. न० (जपासुमनस्) જાસુનાં ફુલ. जपा कुसुम; जासु के फूल. A flower of the China rose. "जासुमण कुसुमेइवा" पन्न० १; नाया० १; राय० ६६; अंत० ३, ८; भग० १४, ६; जं० प०

जासुयण. पुं० (जपासुमनस) જાસુનાં ફુલ. जासु के फूल. A flower of the China-rose. आया० ३, ३; ४;

जिअत्त. न० (जीवत्व) જીવપણું. जीवितता; जीवत्व. Life; the state of life. क० गं० ४, ६६;

जाहत्थ. न० (याथार्थ्य) યથાર્થપણું. यथार्थता. Real or correct nature; true character. विशे० १२७६;

जाहे. अ० (यदा) જ્યારે. जब. When (relative adv.). "जाहेयं सक्के देविंदे देवराया " भग० १६, १; २; ६, ३३; १४, ६; १५, १; २४, १६; २७; नाया० १; ८; ६; १८; ओघ० नि० ४६०; विवा० ५; जं० प० ७, १४१; विशे० २३२८;

जिअ. पुं० (जीव) જીવ; પ્રાણી. जीव; प्राणी. A soul; a life; a living being. विशे० १४००; १६८४; चउ० १६; सूय० १, १, २, १; क० गं० १, १; १६; ४६; ४, १; ५, ७६; २१, ५८; नाया०१५; —**अंग.** न० (-अङ्ग) જીવનું અંગ-શરીર. जीव का अंग-शरीर. the physical body in which life exists. क० गं० १, ४६; —**ट्ठाण** न० (-स्थान) જીવના સ્થાન-ભેદ; સૂક્ષ્મ એકેંદ્રિયાદિ જીવના ૧૪ ભેદ-પ્રકાર. जीव के स्थान-भेद; सूक्ष्म एकेंद्रियादि जीव के १४ भेद प्रकार. the different varieties of lives; the 14 divisions of one-sensed minute lives etc. क० गं० ४, ५; —**लक्खण.** न० (-लक्षण) જીવનું અસાધારણ સ્વરૂપ. जीव का असाधारण स्वरूप. the distinguishing quality of a living being. क० गं० ४; ३३; —**लक्खणुवओग.** पुं० (-लक्षणोपयोग) ત્રણ અજ્ઞાન, પાંચ જ્ઞાન અને ચાર દર્શન એ-બાર જીવના લક્ષણ રૂપ ઉપયોગ. तीन अज्ञान, पांच ज्ञान व चार दर्शन ये जीव के द्वादश लक्षण रूप उपयोग. the 12 characteristics of life viz. three Ajñānas, five Jñānas and four Darśanas. क० गं० ४, ३३; —**विवागा.** स्त्री० (-विपाका) જીવ આશ્રી વિપાક પામનારી કર્મ પ્રકૃતિ. जीवके संबंधमें विपाक पाने वाली कर्म प्रकृति. a variety of Karma showing maturity to soul. क०गं०५,२०;

जिअसत्तु. पुं० (जितशत्रु) મહાવીર સ્વામીના વખતમાં મિથિલા નગરીનો રાજા. महावीर स्वामी के समय में मिथिला नगरी का राजा. The king of Mithilā city in the time of Mahāvīra Swāmī. जं० प० ५, ११५;

जाहग. पुं० (जाहक) સેહાઇ; કાંટાવાળું એક પ્રાણી. सेही. Porcupine. भग०१५, १; पगह० १, १; नंदी० ४४; विशे० १४७२;

जिइंदिअ-य. त्रि० (जितेंद्रिय जितानि स्वविषय प्रवृत्तिनिषेधेन इंद्रियाणि येन स जितेन्द्रियः) ઇંદ્રિયોને વશ કરનાર; જિતેન્દ્રિય. इंद्रियों को वश करने वाला. One who has subdued or conquered his senses. दस० ३, १३; ८, ३२; ६४; ६, ३, ८; नाया० १; १४; भग० २, १; पंचा० ११, ४०; गच्छा० ८२;

जिंघणा. स्त्री० (घ्राण) સુંઘવું તે. सुंघना. Act of smelling. ओघ० नि० ३७६;

जिट्ठ. त्रि० (ज्येष्ठ) મોટો. ज्येष्ठ; वाडिल. Elder. गच्छा० ६०; कप्प० ४, १२६; ८; प्रव० १६८; (२) ઉત્કૃષ્ટ; શ્રેષ્ઠ उत्कृष्ट; श्रेष्ठ. best. विशे० ३३२६; क० गं० ६, ७७; ४, ८६; —**ट्ठिइ.** स्त्री० (-स्थिति) ઉત્કૃષ્ટ સ્થિતિ. उत्कृष्ट स्थिति. best condition. क० प० २, १०४; —**पुत्त.** पुं० (-पुत्र) મોટા દીકરો. ज्येष्ठ पुत्र. the eldest son. निर० ३, १; —**वयण.** न०(-वचन) મોટાનું વચન. वाडिलका बचन. words of an elderly person. गच्छा० ६०;

जिट्ठा. स्त्री० (ज्येष्ठा) મોટી બ્હેન. ज्येष्ठ भगिनी; बडी बहिन. Eldest or elder sister. (२) જેઠાણી. जेठानी. wife of the husband's elder

brother. जं० प० ७, १५६;

जिट्ठामूल. पुं० (**ज्येष्ठामूल**) જેની પુનમે જયેષ્ઠા મૂલનક્ષત્રની સાથે ચંદ્રમા જોગ જોડે તે મહિનો; જેઠ માસ. जिसकी पूर्णिमा के दिन ज्येष्ठामूलनक्षत्र के साथ चंद्रमा योग साधन करता है वह मास; ज्येष्ठ मास. Name of a lunar month in which the full moon stands in the constellation Jyeṣṭha (corresponding to May-June) उत्त० २६, १६;

जिडुह. न० (*) એક જાતની રમત. एक प्रकार का खेल. A kind of game. प्रव० ४४१;

√ **जिण.** धा० I. (जि) જીતવું. जीतना; पराजित करना To win, to conquer.

जिच्च. क० वा० वि० उत्त० ७, २२;

जिणे. वि० उत्त० ६, ३४; दस० ८, ३६;

जय. आ० ओव० ३२;

जिच्चमाण. क० वा० व० कृ० उत्त० ७, २२;

जिण. पुं० (**जिन-जयति निराकरोति रागद्वेषादिरूपानरातीनितिजिनः**) રાગદ્વેષને સર્વથા જીતનાર; તીર્થંકર, કેવલી આદિ; જિનભગવાન. रागद्वेष को सर्वथा जीतनेवाला; तीर्थकर, केवली आदि; जिनभगवान. One who has completely subdued passion and hate; a Tirthaṅkara, a Kevali etc. "**अणुत्तरं धम्ममिणं जिणाणं**" सूय० १, ६, ७; "**जिणाणं जावयाणं**" जीवा० ३; कप्प० नाया० १; ३; १५; भग० १, १; ३; २, १; ७, १; १५, १; २५, ६, ७; दस० ४, २२; ५, १, ६२; पन्न० १; सू० प० १८; दसा० ६, १८; नंदी० ३; पिं० नि० १८४; अणुजो० १६; १२७; सम० १; ३०; ओव० उत्त० २, ४५; १०, ३१; आया० १, ५, ५, १६२; उवा० १, ७३; ७, १७८; कप्प० २, १६; क० गं० १, १; १, ५६, ६०; ६१; ४, ५६; आव० २, ५; प्रव० ३; जं० प० ५, ११२; ११५;

—**अंतर.** न० (-**अन्तर**) તીર્થંકરના અંતરનો કાલ; બે તીર્થંકર વચ્ચેનું કાલ પરત્વે અંતર. तीर्थंकर के अंतर का काल; दो तीर्थंकरों के काल का मध्यस्थ अन्तर. the interval of time between two Tirthaṅkaras. भग० २०, ८; प्रव० ४३४;

—**अणुमय.** त्रि० (-**अनुमत**) જિન ભગવાનને અનુમત સંમત. जिन भगवान से अनुमत संमत. acceptable to, permitted by a Tirthaṅkara etc जीवा० १;

—**अभिहिय** त्रि० (-**अभिहित**) તીર્થંકરે કહેલું. तीर्थकर ने कहा हुआ said by Tirthaṅkara. प्रव० ६७४;

—**आहिय.** त्रि० (-**आहित**) જિને પ્રતિપાદન કરેલ. जिन भगवानने प्रतिपादन किया हुआ. established by, propounded by a Tirthaṅkara. "चरे भिक्खू जिणाहियं" सूय० १, ९, ६;

—**इक्कार.** न० (-**एकादशक**) જિનનામકર્મ, દેવત્રિક, વૈક્રિયદ્વિક, આહારકદ્વિક અને નરકત્રિક એ ૧૧ પ્રકૃતિઓનો સમૂહ. जिननामकर्म, देवत्रिक, वैक्रियद्विक, आहारकद्विक व नरक त्रिक इन ११ प्रकृतियों का समूह. a group of the eleven Prakritis viz. Jinanāmakarma, Devatrika, Vaikriyakadvika, Āhārakadvika and Narakatrika.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

क० गं० ३, १४; —इक्कारस. न० (-एकादशक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. क० गं० ३, १०; —ईसर. पुं० (-ईश्वर) તીર્થંકર. तीर्थंकर. Tirthankara. प्रव० ४०६; —उत्तम. पुं० (-उत्तम) તીર્થંકર. तीर्थंकर. Tirthankara. 'धम्मं विराहित्तु जिणुत्तमाणं' उत्त० २०, ४०; —उद्दिट्ठ. त्रि० (-उद्दिष्ट) આપ્ત પુરૂષે દર્શાવેલ. आप्त पुरुषने दर्शाया हुआ. shown by relatives. गच्छा० २६; —उवएस. पुं० (-उपदेश) તીર્થંકરનો ઉપદેશ. तीर्थंकर का उपदेश. teachings of Tirthankara. "...वि तत्थाओ जिणोवएसम्मि " सम० ३; भत्त० ८४; —कप्प. पुं० (-कल्प—जिनाः गच्छनिर्गताः साधुविशेषाः तेषां कल्पः समाचारः) ઉત્કૃષ્ટ આચાર પાળનાર સાધુનો-જિનકલ્પીનો કલ્પ-વ્યવહારવિધિ. उत्कृष्ट आचार का पालन करनेवाले साधु का जिनकल्पीका कल्प-व्यवहार विधि. the ascetic conduct or mode of life of a Jaina monk. पंचा० १७, ४०; भग० २५, ६; प्रव० ५०४, ६२२; —कप्पट्ठिइ. स्त्री० (-कल्पस्थिति) ગચ્છથી બહાર નીકળી જિનકલ્પીપણું સ્વીકારનાર સાધુના આચારનું સ્વરૂપ. गच्छ से बाहर निकलकर जिनकल्पीपना स्वीकार करने वाले साधु के आचार का स्वरूप. the mode of ascetic life of a Jaina monk who leaves his order but follows the conduct prescribed for Jaina monks. वेय० ६, २०; —कप्पि. पुं० (-कल्पिन्) જિનકલ્પી સાધુ. जिन कल्पी साधु. a Jaina ascetic. चउ० ३३; प्रव० ५८५; —कप्पिय. पुं० (-कल्पिक—जिनानां कल्पः आचारो जिनकल्पः स विद्यते येषां ते) જિનકલ્પી સાધુ; ઉત્કૃષ્ટ આચારી સાધુ. जिन कल्पी साधु; उत्कृष्ट आचारी साधु. a Jaina monk; a Sādhu following the conduct prescribed for monks in Jaina Śāstras. वव० ४, २१; प्रव० १५; ४८६; ५४७; ६३०; —कालग. त्रि० (-कालक) જિન-તીર્થંકરના કાળમાં-તેની હયાતિમાં જેની હયાતી હોય તે. जिन-तीर्थंकरके कालमें-उनके अस्तित्वमें जो जीवित हो वह. contemporary to a Jaina Tirthankara. " जिण कालगो मणुस्सो " क० प० ५, ३२; —गुण. पुं० (-गुण) તીર્થંકરના ગુણ. तीर्थंकर के गुण. the attributes of a Tirthankara. भत्त० १६८; —घर. न० (-गृह) જિનગૃહ; દેવમંદિર. जिनगृह; देवमंदिर. a Jaina temple. नाया० १६; पंचा० ७, १; —चंद. पुं० (-चन्द्र) ચંદ્ર જેવા શીતલ જિન ભગવાન્. चंद्र जैसे शीतल जिन भगवान. a Tirthankara, cool and cooling like the moon. पगह० २, १; क० गं० ३, १; —चिण्ण. त्रि० (-चीर्ण) જિને આચરેલું. जिन द्वारा आचरण किया हुआ. practised by a Tirthankara. " सव्वं ... होइ जिणचिण्णं " पंचा० ४, ४८; —जइ. पुं० (-यति) જૈન મુનિ. जैन मुनि. a Jaina ascetic. प्रव० ६६२; —जक्ख. पुं० (-यक्ष) તીર્થંકરની ભક્તિ કરનાર કુશલ એવા ગોમુખ આદિ યક્ષ. तीर्थंकर की भक्ति करने में कुशल ऐसे गोमुख आदि यक्ष. a Yakṣa (e. g. Gaumukha etc.) devoted to the worship of a Tirthankara. प्रव० ७; —जणणी. स्त्री० (-जननी) તીર્થંકરની માતા. तीर्थंकर की माता. the mother of Tirthan-

kara. प्रव॰ ४; —**दिक्खा.** स्त्री॰ (–दीक्षा) जैनधर्मनी रीत प्रमाणे दीक्षा–प्रवज्या लेवी ते. **जैन धर्म की रीति के अनुसार दीक्षा–प्रव्रज्या लेना.** entering into an order according to the prescribed rules. पंचा॰ २, १; —**देसिय.** त्रि॰ (–देशित) जिन भगवाने कहेल. **जिन भगवानने कहा हुआ.** said by, propounded by a Tirthankara. "**धम्मोय जिणदेसिओ**" तंदु॰ जीवा॰ १; —**धम्म.** पुं॰ (–धर्म) जैन धर्म. **जैन धर्म.** Jainism. ठा॰ ४, ३; क॰ गं॰ १, १६; —**नाह.** पुं॰ (–नाथ) जिन–सामान्य केवलीना नाथ–स्वामी; तीर्थंकर. **जिन–सामान्य केवलीके नाथ–स्वामी; तीर्थंकर** the lord of the omniscients of the ordinary type; a Tirthankara. प्रव॰ १८; —**पडिमा.** स्त्री॰ (–प्रतिमा) ऋषभ, वर्द्धमान, चंद्रानन अने वारिषेण ए नामथी ओळखाती शाश्वती प्रतिमा. ऋषभ, वर्धमान, चंद्रानन व वारिषेण इन नामों से प्रसिद्ध शाश्वती प्रतिमाएं. the eternal idols called by the names Vrisabha, Vardhaman, Chandranana like the statute of Jina. राय॰ १२४; नाया॰ १६; विशे॰ ५७; —**पण.** न॰ (पञ्चक) जुओ "**जिणपणग**" शब्द. देखो "**जिणपणग**" शब्द. vide "**जिणपणग**" क॰ गं॰ ३, १४; —**पणग.** न॰ (–पञ्चक) जिन नामकर्म, देवद्विक अने वैक्रियद्विक ए पांच प्रकृतिओनो समूह. **जिन नामकर्म, देवद्विक व वैक्रियद्विक इन पांच प्रकृतियों का समूह.** a group of the five varieties Jinanamakarma, Devadvika and Vaikriyadvika. क॰ गं॰ ३, १४;

—**पण्णत्त.** त्रि॰ (–प्रज्ञप्त) वीतरागे प्ररूपेल–कहेल. **वीतरागने कहा हुआ.** propounded by a Tirthankara etc. सम॰ १७०; नाया॰ १२; —**परियाय.** पुं॰ (–पर्याय) केवलीनो पर्याय, केवली प्रवज्या. **केवली का पर्याय; केवली प्रव्रज्या.** a Kevali ascetic. भग॰ २०, ८; —**पसत्थ.** त्रि॰ (–प्रशस्त) तीर्थंकरे वखाणेल. **तीर्थंकर द्वारा प्रशंसित.** praised by a Tirthankara. "**बहुसु ठाणेसु जिणपसत्थेसु**" पगह॰ २, ५; जीवा॰ १; —**पायमूल.** न॰ (–पादमूल) तीर्थंकरना चरण कमळनी आगळ. **तीर्थंकर के चरण कमल के समीप.** near the lotus-feet of a Tirthankara. प्रव॰ १५८६; —**पुत्त.** पुं॰ (–पुत्र) जिनना-तीर्थंकरना शिष्य. **जिनका-तीर्थंकर का शिष्य.** a disciple of a Tirthankara. सम॰ १; —**पूयट्ठि.** पुं॰ (–पूजार्थिन्) –जिनस्येव पूजामर्थयते यः स जिन पूजार्थी) गोशाळादिनी पेठे जिनतरीके पूजानी इच्छा राखनार. **गोशालादिकके समान जिन भगवानसी पूजा की इच्छा रखने वाला.** one who desires to be worshipped like a Jina; e.g. Gosala etc. सम॰ ३०; दसा॰ ६, ३०; —**पाणीय** त्रि॰ (प्रणीत) जिन भगवाने कहेलुं. **जिन भगवान ने कहा हुआ** propounded by, uttered by a Tirthankara. "**जिणमयं जिणपणीयं**" जीवा॰ १; —**प्परूविय.** त्रि॰ (–प्ररूपित) जिन भगवाने प्ररूपेल. **जिन भगवान ने कहा हुआ.** propounded by, taught by a Tirthankara etc. जीवा॰ १; —**प्पलावि.** पुं॰ (–प्रलापिन्) पोताने जिन तरीके कहेनार; गोशाळादि. **स्वतः को जिन जैसा कहने वाला; गोशालादि.**

one who poses himself as a Jina or Tīrthaṅkara; e. g. Gośālā etc. "एवं सो आजिओ जिणप्पलावी विहरइ" भग० १५, १; —भत्ति. स्त्री० (-भक्ति) જિન-તીર્થંકરની ભક્તિ. जिन तीर्थंकरकी भक्ति. devotion paid to a Tīrthaṅkara. जं० प०५, ११२; भत्त० ७१; —भत्तिराग. पुं० (-भक्तिराग) જિન તીર્થંકરનો ભક્તિ પૂર્વક અનુરાગ. जिन तीर्थंकर का भक्ति पूर्वक अनुराग. pious or devotional love for a Tīrthaṅkara. "जिण भत्ति रागेणं" राय० —भासिय. त्रि० (-भाषित) જિને-તીર્થંકરે ભાખેલું. जिन-तीर्थंकर द्वारा कहा हुआ. described by a Jina Tīrthaṅkara. "सुं इ जिण भासियं" गच्छा० ३३; —मय. न० (-मत) શ્રીતીર્થંકરનો માર્ગ; જૈન દર્શન. श्री तीर्थंकरका मार्ग; जैन-दर्शन. the path, creed shown by Śri Tīrthaṅkara. विशे० ७२; गच्छा० ८७; प्रव० १०३; पंचा० ३, ३२; —मयट्ठिय. त्रि० (-मतस्थित) જૈન દર્શનમાં સ્થિર થયેલ. सर्वज्ञ के आगम में स्थिर. steadied in, having deep faith in the scriptures of the Tīrthaṅkaras or omniscients "विसेसओ जिणमयट्ठियाणं" जीवा० ८; —मयनिउण. त्रि० (-मतनिपुण) જૈનમતમાં પ્રવીણ થયેલ. जैन आगम में प्रवीण बना हुआ. well-versed or proficient in the Jaina scriptures or religion. दस० ६, ३, १५; —मुद्दा. स्त्री० (-मुद्रा) બે પગ વચ્ચે ચાર આંગળનું અંતર રાખી સરખા ઉભા રહીને કાઉસગ્ગ કરવો તે. दो पैरों के मध्यमें चार अंगुल का अंतर रखकर काउस्सग करना. a standing bodily posture, at the time of meditaton, in which the two feet are kept at an angle of 45 degrees. "चायाणं-उस्सग्गो एसा पुण होइ जिणमुद्दा" प्रव० ७१; ७६; —वंस. पुं० (-वंश) જિનનો પરિવાર. जिन का परिवार. a family of a Jina. "वंसाणं जिणवंसो" संथा० —वयण. न० (-वदन) જિન-તીર્થંકરનું મુખ. जिन-तीर्थंकर का मुख. the face of a Tīrthaṅkara. ओव० —वयण. न० (-वचन) તીર્થંકરનાં વચન. तीर्थंकर के वचन. words of a Tīrthaṅkara. पंचा० १, २; नाया० १२; भत्त० ३; ५१; —वयणरत्त. त्रि० (-वचनरक्त) જિનવચનમાં અનુરક્ત-રાગી. जिनवचन में अनुरक्त रागी. (one) who is a lover of the words of a Jina or Tīrthaṅkara. दस० ६, ८, ३, ३; —वयणसुइ. स्त्री० (-वचनश्रुति) જિનવચનનું શ્રવણ. जिनवचन का श्रवण. hearing or listening to the words of a Jina i. e. scriptures. "जिणवयण सुइं जए दुलहं" ठा० ६; —वर. पुं० (-वर) તીર્થંકર. तीर्थंकर देव. a Tīrthaṅkara. नाया० २; भग० ६, ३३; आव० २, ५; प्रव० ७०३; पंचा० १०, २; —वसह. पुं० (-वृषभ) જિન સામાન્ય કેવલીઓમાં વૃષભ-શ્રેષ્ઠ. जिन-सामान्य केवलियोंमें वृषभ-श्रेष्ठ. the best of Kevalis i. e. omniscients. "अकंपजणं जिणवसहं" सम० प० २००; —वाणी. स्त्री० (-वाणी) તીર્થંકરની વાણી. तीर्थंकर की वाणी. speech of a Tīrthaṅkara. जं० प० १;

पुत्र. જેની કથા જ્ઞાતા સૂત્રના નવમા અધ્યયનમાં છે. चंपा नगरी निवासी माकन्दी सार्थवाह का पुत्र. उस की कथा ज्ञातासूत्र के नववें अध्ययन में है. Name of the son of the merchant Mākandi residing in the city of Champā. His story is naratted in the 9th chapter of Jñātā Sūtra. नाया० ६;

जिणिंद. पुं० (जिनेन्द्र) જિનેન્દ્ર ભગવાન્; તીર્થંકર. जिनेन्द्र भगवान; तीर्थंकर. Lord Jina; a Tirthankara. उत्त० १४, २; राय० ६७; विशे० ११०३; नाया० ८; भत्त० ६; प्रव० ४; ४०६; पंचा० ७, २४; **—नाम.** न० (–नामन्) જિનેન્દ્ર–તીર્થંકરનું નામ. जिनेन्द्र तीर्थंकर का नाम. the name of a Tirthankara. विशे० ४०; **—पण्णत्त.** त्रि० (–प्रज्ञप्त) તીર્થંકરે કહેલ. तीर्थंकर ने कहा हुआ. propounded by, laid down by a Tirthankara. जं० प० ५, ११०; नाया० ६; **—वयण.** न० (–वचन) જિનેન્દ્ર-તીર્થંકરના વચન. जिनेन्द्र-तीर्थंकर के वचन. the words of a Tirthankara. "जिणिंदवयणं असेससत्ताहियं" पंचा० १६, ३६;

जिण्ण. त्रि० (जीर्ण) જુનું; જીર્ણ થયેલ. जीर्ण, पुराना. Old; worn out; rotten. नाया० १; २; भग० ८, ६; **—उज्जाण.** न० (–उद्यान) રાજગૃહ નગરની પશ્ચિમમાં આવેલું એક ઉદ્યાન. राजगृह नगर की पश्चिम में आया हुआ एक उद्यान. name of a garden in the west of Rājgriha. नाया० १; २; **—कुमारी.** स्त्री० (–कुमारी) વૃદ્ધ સ્ત્રી; ઘડપણ સુધી કુમારી રહેલ સ્ત્રી. वृद्धा स्त्री; वृद्धावस्था पर्यन्त कुमारी रही हुई स्त्री. an old woman; a woman who has remained a virgin till old age. नाया० १; **—गुल.** त्रि० (–गुड) જુનો ગોળ. पुराना गुड. old molesses. भग० ८, ९; **—तंदुल.** पुं० (–तण्डुल) જુના ચોખા. पुराने चावल. old rice. भग० ८, ६; **—सुरा.** स्त्री० (–सुरा) જુનો દારૂ. पुराना दारु (मद्य). old wine. भग० ८, ६;

जिण्णासा. स्त्री० (जिज्ञासा) જાણવાની ઇચ્છા. जानने की इच्छा. Desire for knowing. पंचा० ३, २६;

जित. त्रि० (जित) જલ્દી ઉપસ્થિત થાય તેવું; યાદ આવે તેવું. जल्द उपस्थित हो ऐसा; स्मृतिगत तुरन्त हो ऐसा. quickly remembered or re-collected. अणुजो० १३; (२) જીતાયેલું. जीता हुआ. conquered; defeated. भग० ९, ३३; १४, १;

जितिंदिय. त्रि० (जितेन्द्रिय) જુઓ "जिइंदिय" શબ્દ. देखो "जिइंदिय" शब्द. Vide "जिइंदिय" सूय० २, ६, ४;

जितसत्तु. पुं० (जितशत्रु) એ નામનો એક રાજા. इस नामका एक राजा. Name of a king. सू० प० १;

जिन्न. त्रि० (जीर्ण) જીર્ણ; જુનું. जीर्ण; पुराना. Old; worn out. उत्त० १४, ३३; विशे० २०८३;

जिब्भा. स्त्री० (जिह्वा) જીભ. जिव्हा. The tongue. सम० ११; आया० १, १, २, १६; उत्त० ३२, ६१; सूय० २, १, ४२; ओव० ३८; पन्न० १५; दसा० ६, ४; नाया० १; उवा० २, ६४;

जिब्भागार. पुं० (जिव्हाकार) જીભનો આકાર બનાવનાર એક પ્રકારનો કારીગર. जिव्हा का आकार बनाने वाला एक प्रकारका कारीगर. A craftsman who makes an artificial tongue. पन्न० १;

जिब्भामय. त्रि० (जिह्वामय) જીભ સંબંધી. जिह्वा के संबंध में. Relating to the tongue. ठा० ४, ४; **—दुक्ख.** न० (—दुःख) જીભને પ્રતિકૂલ સંયોગથી થતું દુઃખ. जिह्वा को प्रतिकूल संयोग से होता हुआ दुःख. painful sensation to the tongue by contact with a uncongenial object. ठा० ४, ४; **—सोक्ख.** न० (—सौख्य) જીભને ઉત્તમ રસ આપવાથી થતું સુખ. जिह्वा को उत्तम रस देने से होता हुआ सुख. pleasant sensation caused to the tongue by tasting of agreeable i. e. delicious substance. " **जिब्भम-याओ सोक्खाओ ववरोवित्ता भवइ** " ठा० ४, ४;

जिब्भिआ. स्त्री० (जिह्विका) વિકસેલા મુખને આકારે પાણી નીકળવાની પરનાળ. विकसित मुख के आकार के समान पानी निकलने का परनाल. A spout or an out-let of water in the form of an open mouth; a gargoyle. 'वइरामयाए जिब्भियाए' सम०जं०प०४,३४;

जिब्भिंदिय. न० (जिह्वेन्द्रिय) રસેંદ્રિય રસના; જીભ. रसनेन्द्रिय; रसना; जिह्वा. The sense of taste; the tongue. नंदी० ४; विशे० ३४३; सम० ६; अणुजो० १४७; ओव० १६; भग० १, १; ८, १; २४, १२; ३३, १; नाया० ५, १७; **—निग्गह.** पुं० (—निग्रह) જિહ્વા ઇંદ્રિયને કાબુમાં રાખવી તે. जिह्वा इन्द्रिय को वश में रखना. controlling the sense of taste i. e. tongue. " **जिब्भिंदिय निग्गहेणं भंते** " उत्त० २६, ६४; **—पडिसंलीणया.** स्त्री० (—प्रतिसंलीनता) જિહ્વા ઇંદ્રિયને અશુભ યોગથી અટકાવી શુભમાં લીન કરવી તે. जिह्वा इन्द्रिय को अशुभ योग से रोक कर शुभ में लीन करना. controlling the sense of taste (i. e. tongue) so as to guard it against improper object and to direct it towards salutary object. ठा० ४, २; **—बल.** पुं० (—बल) બલનો એક પ્રકાર; રસેંદ્રિયની શક્તિ. बल का एक प्रकार; रसेंद्रिय की शक्ति. the power of the sense of taste (i. e. tongue). ठा० १०; **—मुंड.** पुं० (—मुण्ड) જિહ્વા ઇંદ્રિયને જીતનાર. जिह्वा इन्द्रिय को जीतने वाला. one who has subdued the sense of taste. ठा० १०; **—लद्धिया.** स्त्री० (—लब्धिका) રસેન્દ્રિયની પ્રાપ્તિ. रसेन्द्रिय की प्राप्ति. the attainment of the sense of taste. भग० ८२; **—संवर.** न० (—संवर) રસેન્દ્રિયનો સંવર; જીભને આશ્રવથી રોકવી તે. रसेन्द्रिय का संवर. stoppage of the influx of Karma due to (lack of control over) the sense of taste i. e. the tongue. पगह०२,४;

जिब्भिंदियत्ता. स्त्री० (जिह्वेन्द्रियता) રસના ઇન્દ્રિયપણું. रसना इन्द्रियपना. state of the sense of taste. भग० २५, ३;

जिमिय. त्रि० (जिमित-कृतभोजन) ભોજન કરી લીધેલ. जिसने भोजन कर लिया है वह. (One) who has dined or taken his meal. नाया० १; १२; १६; १८; विवा० ३; ८; उवा० १, ६६; कप्प० ४, १०३;

जिम्म. त्रि० (जिह्म) કપટી; માયા વાળો. कपटी; मायावान. Crooked; deceitful. " **अजिम्म कंतसयणा** " जं० प०

(२) કપટ; માયા. कपट; माया. fraud; deceit. सम० ५२;

जिम्मश्र. पुं० (जिह्मक) જિમ્હ નામનો મેઘ; એ વરસે ત્યારે પ્રાયે એક વરસ ત્રેહ ચાલે. जिम्ह नामक मेघ. Name of a particular description of rain. ठा० ४, ४;

जिम्ह. त्रि० (जिह्म) જુઓ " जिम्म " શબ્દ. देखो " जिम्म " शब्द. Vide " जिम्म " जं० प०

जिम्हय. पुं० (जिह्मक) જુઓ " जिम्मय " શબ્દ. देखो " जिम्मय " शब्द. Vide " जिम्मय " ठा० ४, ४;

जिय-श्र. न० (जित) જિત; જય. जीत; जय. Victory; conquest. सूय० १, १, ४, १; (२) त्रि० જીતેલ; વશ કરેલ; રાગદ્વેષથી જીતાયેલ. जीता हुआ; जिसने राग द्वेष वश किये हैं वह. conquerd; subdued (passion and hatred). सूय० १, १, ८, १; उत्त० ५, १६; ६, ३६; नाया० १, ३; भग० ६, ३३; ८२, १; विं० नि० ८०; पंचा० १०, ५२; श्रोव० १६; ठा० ५, २; दस० ८, ४६; जं० प० ३, ६७; (३) त्रि० જલ્દી બોલી શકાય તેવું; જલ્દી આવડે તેવું. तुरन्त बोला जासके ऐसा; तुरन्त सीखा जाय ऐसा. capable of being easily learnt or mastered reproduced. विशे० ८५१; (४) पुं० જીત આચાર - વ્યવહાર. जीत - आचार - व्यवहार. conduct; usage. नाया० ८; **—इंदिय.** त्रि० (-इन्द्रिय) જિતેન્દ્રિય; ઇન્દ્રિયોને વશ કરનાર. जितेन्द्रिय; इन्द्रियों को वश में करने वाला. (one) who has conquered or subdued his senses; self-restrained. भग० २, ५; **—कसाय.** त्रि० (-कषाय) ક્રોધાદિ કષાયને જીતનાર. क्रोधादि कषाय को जीतने वाला. (one) who has subdued evil passions such as anger etc. " तिलोग पुज्जे जिणे जियकसाए " पंचा० १०, १६; प्रव० १००१; **—कोह.** त्रि० (-क्रोध) ક્રોધને જીતનાર. क्रोध को जीतने वाला. (one) who has subdued anger. भग० २, ५; नाया० १; **—णिद्द.** त्रि० (-निद्र — जिता निद्रा येन स जितनिद्रः) નિદ્રાને જીતનાર; અપ્રમાદી. निद्रा -आलस्य को जीतने वाला; अप्रमादी. (one) who has acquired mastery over sleep i. e. idleness; (one) who is not lazy or idle. नाया० १; भग० २, ५; **—परिसम्म.** त्रि० (-परिश्रम) પરિશ્રમને જિતનાર. परिश्रम-थकावट रहित. (one) who has conquered fatigue i. e. does not feel fatigued. नाया० १; कप्प० ४, ६१; **—परीसह.** त्रि० (-परिषह) પરિષહ-કષ્ટ-દુઃખને જીતનાર. परिषह-कष्ट दुःख को जीतने वाला. (one) who has acquired victory over affliction i. e. does not feel troubled by them. नाया० १; भग० २, ५; गच्छा० ५२; **—भय.** त्रि० (-भय) ભયને જીતનાર. भय को जीतने वाला. (one) who has triumphed over fear; fearless. " जिय भयाणं " श्राव० ६, ११; कप्प० २, १५; **—माण.** त्रि० (-मान) માન-અહંકારને જીત્યો છે જેણે એવો. मान, जिसने अहंकार को जीता है वह. (one) who has triumphed over pride or self-conceit i. e. never feels proud. नाया० १; भग० २, ५; **—माय.** त्रि० (-माय) માયાને જીતનાર. माया को जीतने वाला. (one) who has tri-

umphed over deceit i. e. never practises it. नाया॰ १; भग॰ २, ५; —राग. त्रि॰ (-राग) રાગને જીતનાર. राग को जीतने वाला. (one) who has triumphed over passion or attachment i. e. does not feel it. सम॰ प॰ २४०; प्रव॰ ६८२; —रागदोस. त्रि॰ (-रागद्वेष) રાગદ્વેષને જીતનાર. रागद्वेषको जीतने वाला. (one who has subdued love or passion and hatred. 'जियोहिं जियरागदोसेहिं' पंचा॰ ६, ३६; प्रव॰ ११८; —लोभ. त्रि॰ (-लोभ) લોભને જીતનાર. लोभ को जीतनेवाला. (one) who has subdued greed or avarice. भग॰ २, ५; —लोय. त्रि॰ (-लोक) સંસારને જીતનાર. संसार को जीतनेवाला. (one) who has triumphed over the world i. e. worldly existence, (one) not fettered by the bonds of worldly existence. सु॰ च॰ १, २३५, —लोह. त्रि॰ (-लोभ) લોભને જીતનાર. लोभ को जीतनेवाला. (one) who has conquered greed or avarice i. e. subdued it. नाया॰ १; —विग्घ. त्रि॰ (-विघ्न) વિઘ્ન અંતરાયને જીતનાર. विघ्नों को जीतनेवाला. (one) who has triumphed over or who triumphs over obstacles. नाया॰ १;

जियंतग. पुं॰ (जीवान्तक) એ નામની એક પ્રકારની વનસ્પતિ. इस नामकी एक प्रकार की वनस्पति. Name of a kind of vegetation. भग॰ २, ७;

जियंतय. न॰ (जीवान्तक) લીલી વનસ્પતિની એક જાત. हरी वनस्पति की एक जाति. A kind of green vegetation. पन्न॰ १;

जियंती स्त्री॰ (जीवन्ती) એક જાતની વેલ. एक जाति की लता. A kind of creeper. पन्न॰ १;

जियवंत. त्रि॰ (जितवत्) જય મેળવેલ. विजय-प्राप्त; जिसने जय पाया है वह. (One) who has acquired victory. पण्ह॰ १, १;

जियसत्तु. पुं॰ (जितशत्रु) શત્રુને જીતનાર. शत्रु को जीतनेवाला. A conqueror of enemies. पण्ह॰ २, ४; (२) અજિતનાથ સ્વામિના પિતાનું નામ. अजितनाथ स्वामी के पिता का नाम. name of the father of Ajitanātha Swami सम॰ प॰ २२६; प्रव॰ ३२३; (३) વાણિજ્ય ગામનો રાજા. वाणिज्य गांव का राजा. name of a king of Vanijy city 'तत्थणं वाणियगामे जियसत्तूराया' उवा॰ १, ३; (४) ચંપાનગરીનો રાજા. चंपानगरी का राजा. name of a king of the city of Campa. 'चंपानामं नयरी होत्था, पुणभद्द चेइए जियसत्तूराया' उवा॰ २, ९२; आव॰ टी॰ नाया॰ १२; १५; (५) ઉજ્જયિની નગરી નો રાજા. उज्जयनी नगरी का राजा. name of a king of the city of Ujjain. उत्त॰ टी॰ २; (६) સર્વતોભદ્ર નગરના રાજાનું નામ. सर्वतोभद्र नगर के राजा का नाम. name of a king of the city of Sarvatobhadra. 'सव्वओ भद्दे णयरे जियसत्तूणामंरायाहोत्था' विवा॰ ५; (७) મિથિલા નગરીનો રાજા. मिथिला नगरी का राजा. name of a king of the city of Mithilā. सू॰ प॰ १; जं॰ प॰ १, १; (८)

पांचाल देशनो राजा के जेणे मल्लीनाथनी साथे दीक्षा लीधी हती. पांचालदेश का राजा कि जिसने मल्लीनाथ के साथ दीक्षा ली थी. name of a king of the country of Pāñchāla. He had taken Dikṣā along with Mallinātha. नाया० ८; ठा० ७, १; उवा० ६, १६३; (६) आमलकप्पा नगरीनो राजा. आमलकल्पा नगरी का राजा. name of a king of the city of Āmalakalpā. नाया० ध० (१०) सावथी नगरीनो राजा. सावथी नगरी का राजा. name of a king of the Sāvarthī city. उवा० ६, २६७; २७२; नाया० ध० (११) वाणारसी नगरीनो राजा. वाणारसी नगरी का राजा. name of a king of Vāṇārasi city. उवा० ३, १२६; ४, १४५; (१२) आलभिया नगरीनो राजा. आलभिया नगरी का राजा. name of a king of the city of Ālabhiyā उवा० ५, १४५; (१३) पोलासपुर नगरनो राजा. पोलासपुर नगर का राजा. name of a king of the city of Polāsapura. उवा० ७, १८०; —रायरिसि. पुं० (-राजर्षि) जितशत्रु राजर्षि. जितशत्रु राजर्षि. the Rājarṣi (a royal saint) named Jitaśatru. नाया० १२; —राय. पुं० (-राज) जितशत्रु राजा. जितशत्रु राजा. king Jitaśatru. नाया० १२;

जियसेण. पुं० (जितसेन) भरत क्षेत्रना त्रीजा कुलकरनुं नाम. भरत क्षेत्र के तीसरे कुलकर का नाम. Name of the third Kulakara of Bharat Kṣetra. सम० प० २२६;

जियारि. पुं० (जितारि) त्रीजा तीर्थंकर संभवनाथना पिता. तीसरे तीर्थंकर संभवनाथ के पिता. The father of the 3rd Tīrthaṅkara Saṃbhavanātha. "सेनाए जियारि तण्यस्स" सम० प० २२४; प्रव० ३२२;

जीमूअ-य. पुं० (जीमूत) जीमूत नामनो मेघ के जे एकवार वरसे तो दस वरस सुधि पृथ्वीमां तेनो भेज रहे. जीमूत नामक मेघ कि जो एक बार बरस जाय तो दस वर्ष तक पृथ्वी में उसका गीलापन रहे. Name of a particular cloud which keeps the soil wet for ten years as a result of one downpour only. ठा० ४,४;

जमूत. पुं० (जीमूत) जुओ। उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. उत्त० ३४, ४; जीवा० ३, ४; राय० ४०; पन्न० १७;

जीय. पुं० (जीव) जीव. जीव. Soul; a living being. भत्त० १०३; जीवा० १; (२) जीवन; जिंदगी. जीवन. life. सू० च० ३,२४३; पण्ह० १,१;—अट्ठ. त्रि० (-अर्थ) जिंदगीने अर्थे. जीवन के लिये; जीवित के अर्थ. for the sake of life. सू० च० ४, २८७;

जीय-अ. न० (जीत) परंपराथी आवेलो आवतो व्यवहार. वंशपरंपरा से प्रचलित व्यवहार. Traditional usage or convention. आया० २. १५, १७६; वव० १०, ३; जं० प० ३, ४५; भग० ८, ८; प्रव० ८६१; (२) फरज; कर्तव्य. धर्म; कर्तव्य. duty; that which ought to be done. जं० प० ५, ११२; (३) श्रुत. श्रुत. a scripture. नंदी० (४) मर्यादा. मर्यादा. limit. नंदी० २६;

जीयकप्प. पुं० (जीतकल्प) पूर्वाचार्योनी परंपराथी चालो आवतो आचार. पूर्वाचार्यों

की परंपरा से प्रचलित आचार. Practice or usage handed down from one generation to another. पंचा० ६, १७;

जीयकप्पिश्र. त्रि० (जीतकल्पिक) જીતકલ્પિક-પરંપરાનુસારી આચારવાળો. जीत कल्पिक-परंपरानुसारी आचार वाला. One following the usage according to one's predecessors. ठा० १०; कप्प० ५, १०४;

जीयधर. पुं० (जीतधर) એ નામના આર્ય ગોત્રમાં થયેલ આચાર્ય; શાણ્ડિલ્યના શિષ્ય. इस नाम के आर्य गोत्रोत्पन्न आचार्य; शाण्डिल्य के शिष्य. name of a preceptor born in an Ārya family and a disciple of Sāṇḍilya. "संडिल्लं अज्जजीयधरं" नंदी०

जीरय. न० (जीरक) જીરૂં. जीरा. cumin-seed. प्रव०१४२८; (२) એક જાતની વનસ્પતિ. एक प्रकार की वनस्पति. a kind of vegetation. भग० २१,८; —**वुप्प.** न० (-वपन) જીરા વનસ્પતિ વિશેષનો કચરો-પાંદડા વગેરેનો ઢગલો. जीरा-वनस्पति विशेष का कूड़ा-पत्ता इत्यादि का ढेर. refuse of the Jirakā vegetation (cumin-seed). निसी० ३, ८०;

जीरुय. पुं० (जीरुक) એક જાતની વનસ્પતિ. एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation. भग० २३; १;

√ **जीव** धा० I. (जीव्) જીવવું; પ્રાણ ધારણ કરવા. जीना; प्राण धारण करना. To live; to breathe; to have life.

जीव. लि. भग० २, १; ६, १०; उत्त० ७,३;
जीवामो. उत्त० ४, १४;
जीविस्सामो. आया० १, ६, ४, १८८;
जीविउं हे० कृ० दस. ६, ११;
जीवंत. राय० २४३; विवा० ५;

जीव. पुं० (जीव) આત્મા ચૈતન્ય; જીવતત્વ; નવતત્વોમાંનુ પ્રથમ તત્વ; છ દ્રવ્યમાંનું એક દ્રવ્ય. आत्मा, चैतन्य; जीवतत्व; नवतत्वों में से प्रथम तत्व; छ द्रव्य में का एक द्रव्य. Soul; consciousness; the first of the nine categories; one of the six substances. उत्त०२,२७; २८, १४; ३६, १; ६४; श्रोव० १७; ३४; ४०; नाया० १; ४; ६; ८, ६; १०; ११; १६; १७; भग० १, १; २, १; २; ५; ३,३; ५, ६; ६, ८; १०; ७, १०; ८, २; १०; १७, २; २०, २; २६, १; पन्न० १, ६; ३६; दस० ८, २; पिं० नि० ६३४; राय० २२४; अणुजो० ६; दसा० १०, ७; सू० प० १६; विशे० ४४२; २१५१; ३४०८; जीवा० ३, १; उवा० १, ४४; (२) જીવન. जीवन. life. सम० १; श्रोव० जं० प० २, ३१; क० गं० १, ४७, ५३; भत्त० ६१; प्रव० २१; पंचा० २, ६; क० प० १, २६; गच्छा० ७६; —**श्रणुकंपा** स्त्री० (-अनुकम्पा) જીવની દયા; જીવની રક્ષા કરવાની લાગણી. जीव-दया; जीवों की रक्षा करने की वृत्ति. kindness to living beings; compassion for living beings. नाया० १; भग० ७, ६; —**श्रणुसासन.** न० (-अनुशासन) જીવની-શિક્ષા -સમજ. जीव के संबंध में शिक्षा (समझ). explanation, exposition of the nature of the soul. (२) એ નામનો એક ગ્રન્થ. इस नाम का एक ग्रन्थ. name of a book. जीवा० १; —(श्रा) **भिगम.** पुं० (-अभिगम) જીવની સમજ; જીવનું જાણવું. जीव की समझ. knowledge of the soul. ठा० ३,

२; (२) २६ ઉત્કાલિક સૂત્રમાંનું જીવાભિગમ નામનું સૂત્ર. २६ उत्कालिक सूत्रोंमेंसे जीवाभिगम नाम का सूत्र. name of one of the 29 Utkālika Sūtras. जं० प० ५, ११८; " सेकिंते जीवाभिगमे? जीवाभिगमे दुविहे पएणत्ते " जीवा० १; भग० २, ३; ७; ६; ३, ३; ६; ५, ६; १०, ७; १६, ६; २५, ५; नंदी० ४३; —**आरंभिआ.** स्त्री० (-आरम्भिकी) જીવના આરમ્ભથી કર્મ બંધાય તે; ક્રિયાનો એક પ્રકાર. जीव के आरंभ से कर्मों का बंधन होता है वह; क्रियाका एक प्रकार. Karma incurred by killing or injuring a living being. "तंजहा जीवआरंभिया चेव अजीव आरंभिया चेव" ठा० २, १; —**उद्धरण** न० (-उद्धरण) મંત્ર શાસ્ત્રનો એક પ્રકાર. मन्त्र शास्त्र का एक प्रकार. a variety of Mantra Śāstra. ठा० ६; —**काय.** पुं० -काय —जीवनं जीवो ज्ञाना ऽऽद्युपयोगस्तत्प्रधानः कायः जीवकायः) જીવલોક; જીવરાશિ. जीव लोक; जीव राशि. the aggregate of lives or living beings; the world of living beings. सूय० २, १, २३; भग० ७, १०; आव० ४, ७; —**किरिया.** स्त्री० (-क्रिया) જીવનો વ્યાપાર. जीव का व्यापार. an operation or activity of a living being. "जीवकिरिया दुविहा पन्नत्ता" ठा० २, १; —**ग्गाह.** त्रि० (-ग्राह) જીવતાને ગ્રહણ કરનાર. जीवित को ग्रहण करनेवाला. (one) who takes or catches alive. " जीवग्गाहं गिरहंति " नाया० १; २; विवा० ३; —**घण.** पुं० (-घन) જીવઘન--અસંખ્યાત પ્રદેશના પિંડરૂપ. जीवघन--असंख्यात प्रदेश के पिंडरूप. an aggregate of innumerable soul-particles. " अरूविणो जीवघणा " उत्त० ३६, ६५; भग० ५, ६; —**छक्क.** न० (-षट्क) પૃથ્વીકાય આદિ ૭ પ્રકારના જીવોનો જથ્થો. पृथ्वीकाय आदि छः प्रकार के जीवों का समूह. a group of six living beings viz. earth, bodies etc. प्रव० ६८६; —**जोग.** पुं० (—योग) જીવનો વ્યાપાર; (કેવલી સમુદ્ઘાત). जीवों का व्यापार; (केवली समुद्घात). operation or activity of the soul; (Kevali Samudghāta). विशे० ३६१; —**ट्ठाण.** न० (-स्थान) જીવસ્થાન-ગુણસ્થાન. जीवस्थान-गुणस्थान. life stage; spiritual stage. क० गं० ६, ४; —**णास.** पुं० (-नाश) મૃત્યુ; જીવનનો નાશ. मृत्यु: जीवन का नाश. death; distruction of life. " किं जीवनासाउ वरं न कुज्जा " दस० ६, १; ५; —**णिकाय.** पुं० (-निकाय —जीवानां निकायः राशिर्जीवनिकायः) જીવરાશી. जीवराशि. an aggregate of living beings. " छ जिवनी काया पन्नत्ता " ठा० ६; २, १; —**णिज्जाणमग्ग.** पुं० (-निर्याणमार्ग — जीवस्य निर्याणं मरणकाले शरीरात् शरीराभिर्गमः शरीरनिर्गमः तस्य मार्गो जीवनिर्याणमार्गः) જીવ નિકળવાનો માર્ગ. जीव का निकलने का मार्ग. the path or way by which the soul goes out of the body. ठा० ५, ३; —**णिव्वत्ति.** स्त्री० (-निर्वृत्ति—निर्वर्तनं निर्वृत्तिः निष्पत्तिः जीवस्यैकेन्द्रियाऽऽदितया निर्वृत्तिजीवनिर्वृत्तिः) જીવની એકેન્દ્રિય આદિરૂપે નિર્વૃત્તિ-નિષ્પત્તિ. जीवकी एकेंद्रिय आदि रूपमें निर्वृत्ति-निष्पत्ति. functioning of the soul as one-sensed etc. "कइ विहा णं भंते जीवणिव्वत्ती" भग० १६, ८; —णि-

स्सिय. त्रि० (-निश्रित) જીવને આશ્રિત. जीव के आश्रित. depending upon, associated with the soul. ठा० ७; —**णिस्सिय.** त्रि० (-निःसृत—जीवेभ्यो निःसृतो निर्गतो जीवनिःसृतः) જીવથી નીકળેલ. जीवसे निकला हुआ; जीवसे उत्पन्न. issued out of a soul or a living being. ठा० ७; —**तत्त.** न० (-तत्त्व) જીવતત્ત્વ;ચેતન પદાર્થ. जीवतत्त्व;चेतन पदार्थ. the soul regarded as an element. प्रव० १२११; —**त्थिकाय.** पुं० (-अस्तिकाय) ચૈતન્ય-ઉપયોગ લક્ષણવાળું; છ દ્રવ્યમાંનું એક દ્રવ્ય. चैतन्य-उपयोग लक्षणवाला; छः द्रव्य में से एक द्रव्य. one of the six substances having consciousness for its connotation. " जीवत्थिकाए णं भंते । जीवाणं किं पवत्तइ" भग० १३,४;२, १०;७,१०;२०,२; सम० ५; अणुजो० ८७; १३१; —**दय** पुं० (-दय) સંયમરૂપી જીવના દાતા. संयम रूपी जीवके दाता. the giver of a life in the form of self restraint. कप्प० २,१४; आव० ६,११; —**दय.** त्रि० (-दय – जीवेषु दया यस्य जीवदयः) જીવદયા પાળનાર; દયાળુ. जीवदया पालनेवाला; दयालु. one who is kind to living beings. सम० १; अं० प० ४, ११४; —**दया.** स्त्री० (-दया) જીવની દયા. जीव-दया. compassion towards living beings. भत्त० ८३; १०४; —**दव्व.** न० (-द्रव्य) જીવદ્રવ્ય; છ દ્રવ્યમાંનું એક. जीवद्रव्य; छः द्रव्य में से एक. soul; the element known as soul. भग० ११,१०;१८, ४; २५, २; —**दिट्ठिया.** स्त्री०(-दृष्टिका) જીવને જોતાં રાગદ્વેષાદિ કરવાથી લાગતી ક્રિયા. जीव को देखने में राग द्वेषादि करने से जो क्रिया लगती है वह. Karma incurred by love or hatred arising in the mind in the act of seeing a living being. ठा० २, १; —**देस.** पुं० (-देश) જીવનો દેશ-એક વિભાગ. जीव का देश-एक विभाग. a portion of the soul. भग०१०,१;१६,६; २०, २; क० प० १, २१; —**नास.** पुं० (-नाश) જીવનનો નાશ. जीवन का नाश. death; destruction of life. दस० ६, १, ४; —**निव्वत्ति.** स्त्री० (-निर्वृत्ति) જીવનની નિર્વૃત્તિ-નિષ્પત્તિ; એકેન્દ્રિયાદિરૂપે ઉત્પત્તિ. जीवनकी निर्वृत्ति-निष्पत्ति; एकेन्द्रियादि रूपसे उत्पत्ति. birth of the soul in the form of one-sensed etc. living beings. भग० १९, ८; —**पइट्ठिय** त्रि० (-प्रतिष्ठित) જીવની અંદર રહેલ. जीव के भीतर रहा हुआ. residing in a living being. " अजीवा जीवपइट्ठिया " भग० १, ६; निसी० ७,२१; —**पएस.** पुं० (-प्रदेश) જીવનો પ્રદેશ; અવિભાજ્ય અંશ. जीव का प्रदेश-अविभाज्य अंश. an indivisible particle of the soul. भग० २, १०; ८, ३; —**पएसिय.** पुं० (-प्रादेशिक—जीव प्रदेशाएव जीव प्रादेशिकाः)જીવના અસંખ્યાત પ્રદેશમાં છેલ્લા પ્રદેશમાંજ જીવ માનનાર તિષ્યગુપ્ત આચાર્યનો અનુયાયી. जीवके असंख्यात प्रदेशमें से अन्तिम प्रदेशमें ही जीव माननेवाले तिष्यगुप्त आचार्य का अनुयायी. a follower of the preceptor Tisyagupta who believed that of the innumerable particles of the soul only the last had life or consciousness in it. ठा० ७; ओव० ४१; —**पओगबंध.** पुं० (-प्रयोगबन्ध) જીવના પ્રયોગ-વ્યા-

પારથી થતો બન્ધ. जीवके प्रयोग-व्यापार से होता हुआ बंध. bondage caused by the activities of the soul. भग० २०, ७; —पच्चक्खाणकिरिया. स्त्री० (-प्रत्याख्यानक्रिया) જીવ પરત્વે પચ્ચખાણ ન કરવાથી થતી ક્રિયા. जीवके संबंध में प्रत्याख्यान न करने से जो क्रिया लगती है वह. Karma incurred by neglecting Pachchkhāṇa relating to living beings. ठा०२,१; —पज्जव. पुं० (-पर्यव) જીવના પર્યાય. जीवके पर्याय. any of the modifications of the soul. भग० २५, ५; —पण्णवणा. स्त्री० (-प्रज्ञापना—जीवानां प्रज्ञापना जीवप्रज्ञापना) જીવની પ્રરૂપણા. जीवकी प्ररूपणा. exposition of the nature of living beings or souls. "से किं तं जीवपण्णवणा" पन्न०१;—पद. न० (-पद) જીવનું પદ-સ્થાન. जीवका पद-स्थान. condition or, stage of a living being. भग० १८, १; २४, १; २६, १; —पदेस. पुं० (-प्रदेश) જીવના પ્રદેશ. जीव-प्रदेश. an indivisible particle of a soul. भग० २५, ४; —परिणाम. पुं० (-परिणाम) જીવના પરિણામ. जीवके परिणाम. modification; development of the soul. भग० ६, ५; १४, ४; जं० प० ७, १७६; —पाउ-ओ-सिया स्त्री० (-प्राद्वेषिकी) કોઈપણ જીવ ઉપર દ્વેષ કરવાથી લાગતી ક્રિયા. कोई भी जीव से द्वेष करने से जो क्रिया लगती है वह. Karma incurred by showing hatred towards and living being. भग० ३, ३; ठा० २, १; —पाडुच्चिया. स्त्री० (-प्रातीतिकी-जीवं प्रतीत्य यः कर्मबन्धः सा तथा) જીવને આશ્રી લાગતી ક્રિયા. जीव के संबंधमें जो क्रिया लगती है वह. Karma incurred in connection with a living being or a soul. ठा० २,१;—प्पएस.पुं०(-प्रदेश) જીવનો પ્રદેશ-અંશ. जीव-प्रदेश जीव का अंश. a portion, a particle of the soul-substance. भग० ८, ६; १०, १; —प्पदेस. पुं० (-प्रदेश) જીવનો પ્રદેશ-અંશ. जीव का प्रदेश-अंश. a portion, a particle of the soul-substance भग० १६, ६; —प्पाबहुत्त. न० (-अल्पबहुत्व) જીવોનું અલ્પાબહુત્વ. जीवों का अल्पाबहुत्व. scantiness or the profusion of life. क० प० १, ५१; —फुड. त्रि० (-स्पृष्ट) જીવે સ્પર્શ કરેલ. जीवने स्पर्श किया हुआ. touched by, in contact with a soul or living being. ठा० ४, ३; —भाव पुं० (-भाव) જીવપણું. जीवत्व; जीवपना. state of being a living being. "परक्कमं आयभावेणं जीवभावं उवदंसेइ" भग० २, १०; १८, १; —भावकरण. न० (-भावकरण) જીવ પર્યાયનું કરવું તે. जीव पर्याय का करना. modification of the soul. विशे० ३३५४; —मज्झपएस. पुं० (-मध्यप्रदेश) જીવના મધ્યપ્રદેશ. जीव का मध्यप्रदेश. the middle portion of the particles of the soul. भग० ८,६; —मिस्सिया. स्त्री०(-मिश्रिता) સત્યામૃષા ભાષાનો એક પ્રકાર; જ્યાં થોડા મરી ગયા હોય અને થોડા જીવતા હોય ત્યાં બધા મરીગયા છે એમ કહેવું તે. सत्या मृषा भाषा का एक प्रकार; जहां थोडे मर गये हों व थोडे जीवित हों वहां सब मर गये है ऐसा कहना. a variety of speech

partly true and partly false declaring that all are dead when some are yet alive. पन्न० १; —रासि. पुं० (-राशि) જીવનો સમૂહ-જથ્થો. जीवों का समूह a group of a collection of living beings. सम० २; आव० ७, १; —लोय पुं० (-लोक) જીવ લોક; સંસાર. जीव-लोक; संसार. the world of living beings. नाया० १; कप्प० ४, ६०; क० प० ३, ४४; जं० प० ३, ६१; —वह. पुं० (-वध) જીવનો વધ-ઘાત. जीवों का वध-घात. slaughter of animals. भत्त० ६३; —वावार. पुं० (-व्यापार) જીવનો વ્યાપાર-ક્રિયા. जीवों का व्यापार क्रिया. any of the functions or processes of the soul or principle of life. विशे० ३६३; —विजय. पुं० (-विचय) જીવના સ્વરૂપનું ચિંતન કરવું તે. जीव के स्वरूप का चिन्तवन करना. meditation upon the nature of the soul सम० ३; —विप्पजढ. त्रि० (वि-प्रहीन) પ્રાસુક; જીવ રહીત. जीव रहित; प्रासुक deprvied of life; faultless "देवदिन्नस्स दारगस्स सरीरं निप्पाणं निच्चेट्ठं जीवविप्पजढं कूवए पक्खवेति" नाया० २; १६; १८. निर० १. १; —विभत्ति. स्त्री० (विभक्ति) જીવની વિભક્તિ-વિભાગ; જીવનું પૃથક્કરણ-વિવેચન. जीव की विभक्ति-विभाग; जीव का पृथक्करण-विवेचन. discu sion upon, exposition of the nature of the soul. उत्त० ३६, ४७; —विवागा स्त्री० (-विपाका—जीव एव विपाकः स्वशक्तिदर्शन-लक्षणो विद्यते यस्याः सा जीवविपाका:) જીવને વિપાક દર્શાવનાર કર્મ પ્રકૃતિ. जीव को विपाक दिखलाने वाली कर्म प्रकृति. Karmic nature which displays its maturity to the soul. क०गं०—संखा. स्त्री० (-सङ्ख्या) જીવોની સંખ્યા. जीवों की संख्या. a number of living beings प्रव० ४८; —संखेव. पुं० (-संक्षेप—जीवानां संक्षेपा जीवसंक्षेपाः) અપર્યાપ્ત એકેંદ્રિય આદિ જીવનાં સ્થાન કે જ્યાં જીવને સંક્ષેપ-સંકોચમાં રહેવું પડે છે. अपर्याप्त एकेन्द्रिय आदि जीव के स्थान कि जहांपर जीव को संक्षेप-संकुचित स्थितिमें रहना पडता है. any of the places in which an undeveloped living being (one) sensed etc. has to remain in a contracted condition. क० गं० ६, ३६; —संगहिय. त्रि० (संगृहीत —जीवैः संगृहीतः स्वीकृतो जीवसंगृहितः) જીવથી સ્વીકારાયેલ. जीव ने स्वीकृत किया हुआ. accepted by, possessed by a soul or a living being. "अजीवा जीव संगहिया" ठा० २, १; —साहत्थिया. स्त्री० (स्वाहस्तिका —यत्स्वहस्तेन गृहीतेन जीवं मारयति सा जीवस्वाहस्तिका) એક પ્રકારની ક્રિયા; પોતાના હાથથી જીવને મારવાથી લાગતી ક્રિયા. एक प्रकार की क्रिया; अपने हाथ से जीव को मारने से जो क्रिया लगती है वह. Karma incurred by taking life i. e. killing with one's own hand. ठा० २, १; —हिंसा. स्त्री० (-हिंसा) જીવની હિંસા. जीव-हिंसा. destruction of life or living beings. भत्त० ६३; —हिय. न०(-हित) જીવનું હિત. जीव का हित. welfare of the life भत्त० ६८;

जीवतं. त्रि० (जीवत्) જીવતો. जीवित.

living; existing. विशे० २२५६;

जीवंजीव. पुं० (जीवजीव) જીવનનો આધાર. जीवन का आधार. support of life; subsistence. अणुत्त० ३, १; नाया० १; (२) જીવની શક્તિ. जीवकी शक्ति. the vital power of the soul. भग० २, १; (३) એક જાતનું પક્ષી. एक जाति का पक्षी. a kind of bird. जं० प० पन्न० १;

जीवंजीवक. पुं० (जीवजीवक) એક જાતનું પક્ષી; ચકોર. एक जातिका पक्षी; चकोर. A kind of bird; the Chakora bird. पराह० १, १; ओव०

जीवंजीवग. पुं० (जीवञ्जीवक) ચકોર પક્ષી. चकोर पक्षी. The Chakora bird. भग० १३, ६; (२) એક જાતની વનસ્પતિ. एक प्रकार की वनस्पति. a kind of vegetation. भग० २३, ५;

जीवण. न० (जीवन) જીવવું; આયુ ધારણ. जीवन; प्राण धारण. Life; living. उत्त० १२, १०;

जीवणिज्ज. त्रि० (जीवनीय) જીવવા યોગ્ય. जीने के योग्य. Worthy to live; fit to live. सूय० २, २, ५६;

जीवत्त. न० (जीवत्व) જીવપણું. जीवत्व; जीव पना. State of being a soul or living being. भग०२,१;विशे०२४४;

जीवमुत्ति. स्त्री० (जीवन्मुक्ति) જીવતાં જીવતાં મોક્ષનો અનુભવ લેવો તે જીવનમુક્તિ. मोक्ष का अनुभव लेना. Experiencing of salvation in this life. पंचा० २, ४३;

जीवयत. त्रि० (जीवितवत्) પ્રાણી. प्राणी. Living; possessed of life. पराह० १, १;

जीवा. स्त्री० (जीवा-जीवनं जीवा) ધનુષ્યની પણછ; દોરી. धनुष्य की डोर. A bow-string. (२) ધનુષ્યાકાર ક્ષેત્રનો પણછ સ્થાનીય પ્રદેશ; ભરત આદિ ક્ષેત્રના લાંબા છેડાની પહોળાઇ. धनुष्याकार क्षेत्र के व्यास के समीपका प्रदेश; भरत आदि क्षेत्रके लंबे सिरे की चौड़ाई. space between the two ends of a region which is bow shaped; lengthwise space between the two ends of Bharataksetra etc. सूय० २, ५, १२; राय० २५७; सू० प० १; (३) એક બાજુથી બીજી બાજુ સુધીની સીધી લીટી. एक बगल से दूसरी बगल तक की सीधी रेखा–लकीर. a straight line from one end to another. सम० ६०००;

जीवाजीव पुं० (जीवाजीव) જીવ અને અજીવ પદાર્થ. जीवाजीव; जीव और अजीव पदार्थ. The categories viz. living and non-living beings. आया० १४; १८; दस० ८,१२; (२) જીવ અજીવની સમજ આપનાર ઉત્તરાધ્યયનનું ૩૬ મું અધ્યયન. जीव अजीव का समझ देने वाला उत्तराध्ययन का ३६ वां अध्ययन. the 36th chapter of Uttaradhyayana explaining (the nature of) living and non-living beings. उत्त० ३६; —**अहिगम.** पुं० (-अभिगम) જીવ અજીવનો પરિચ્છેદ-સમજણ. जीव अजीव का परिच्छेद समझ. exposition or explanation of (the nature of) living and non-living beings. " से किं जीवाजीवाहिगमे " जीवा० १; दस० ४; —**समाउत्त.** त्रि० (-समायुक्त) જીવ અજીવ વાળું. जीव अजीव वाला possessed of soul or non-soul. " जीवाजीव समाउत्ते सुह दुक्ख समाग्गिए " सूय० १, १, ३, ६;

जीवि. त्रि० (जीविन्) જીવન વાળો; જીવવા વાળો. जीवन वाला; जीनेवाला. living; possessed of life. अणुजो० १२८; (२) पुं० પ્રાણધારક; જીવ. प्राण धारक; जीव. a soul; a living being. सूय० १, ३, १, ६;

जीविअ-य न० (जीवित) જીવન. असंयम जीवितव्य; जीवन; असंयम जीवितव्य. Life; livelihood; absence of asceticism. " जीवियं नाभिकंखेज्जा " आया० १, ८, ८, ४; १, १, १, ११; १, ६, ४, १६१; नाया० १; २; ४; १४; १५; १६; १८; दस० ८, ३४; १०, १, १७; भग० ७, १; १५, १; पन्न० १; २२; राय० २१५; ओव० १४; सूय० १, १, १, ५; १, २, १, १; उत्त० ४, १; ८, १४; १०, ३; ३२, २०; विशे० १३८; विवा० ६; जं० १, १; उवा० १, ५७; २, १०२; ४, १४७; अन्त० १३; १०३; कप्प० ६, ११८; अणुत्त० ६, ३; —अंत. पुं० (-अन्त) જીવનનો અંત; મૃત્યુ; મરણ. जीव का अंत; मृत्यु; मरण. termination of life, death. जं० प० २, ३१; उत्त० २२,१५; —अंतकरण. पुं० (-अन्तकरण) જીંદગીનો અંત કરનાર તે. जीवन का अंत करना. putting an end to life. नाया० ५; पण्ह० १, १; जं० प० ३, ४५; —आइ. त्रि० (-अर्थिन्) જીવવાની ઈચ્છાવાળો. जीने की इच्छा वाला; जीवित रहने का उत्सुक. desirous of living or continuing to live. " जीवा विसं जायइ जीवियाइ " दस० ६, १, ६; —अरिह. त्रि० (-अर्ह) જીવવાને ઉચિત યોગ્ય; આ જીવન ચાલે તેટલું. जीने के योग्य; जीवन निर्वाह के योग्य. sufficient to maintain life. " विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलइ " नाया० १; भग० ११, ११; राय० २३३; दसा० १०, १; जं० प० ३, ४३; —आआ. पुं० (-आत्मन्) જીવ સ્વરૂપ. जीवन स्वरूप. nature of life. नाया० १५; —आउ. न० (-आयुष्) જીંદગી રૂપ આયુષ. जीवन रूप आयुष्य. the duration of life. नाया० ४; —आउअ. पुं० (-आयुष्क) જીવનપ્રદ આયુષ્ય. जीवनप्रद आयुष्य. duration of life. नाया० ८; —आसंसा. स्त्री० (-आशंसा) જીવવાની આશા. जीने की आशा. hope of life. उवा० १, ५७; प्रव० २६६; —आसा. स्त्री० (-आशा) જીવિતવ્યની ઇચ્છા-આશા. जीवितव्य की इच्छा-आशा; लोभ का पर्याय नाम. desire to live long; hope of long life; a synonym of greed. सम० ५२; भग० २, ५, ८ ७; १२, ५; नाया० १; ओव० २६; जं० ३, ५; —उस्सविय. त्रि० (-उत्सविक-जीवितस्योत्सव इव जीवितोत्सवः स एव जीवितोत्सविकः) જીવવાના ઉત્સાહ વાળો. जीने के उत्साह वाला. (one) eager to live " जीवियोत्सविए " भग० ६, ३३; —उस्सासिय. त्रि० (-उच्छ्वासिक) જીવનને વધારનાર; જીવની વૃદ્ધિ કરનાર. जीवन वृद्धि करने वाला. जीवन को दीर्घ बनाने वाला. (anything) which prolongs life. नाया० १; —ऊसासिय. त्रि० (उच्छ्वासिक जीवितमुच्छ्वासयति वर्धयतीति जीवितोच्छ्वासः स एव जीवितोच्छ्वासिकः) જીવન વધારનાર. जीवन को दीर्घ बनाने वाला. life; prolonging; giving longevity. भग० ६, ३३; —कारण. पुं० (-कारण) જીવવાનો હેતુ. जीवन का हेतु. motive of remaining alive or maintaining life. दस० २, ७; —फल. न० (-फल) જીવ-

નનું ફળ. जीवन का फल. accomplished aim or object of life. नाया० ८; १३; १९; निर० ३, ४; —भावणा. स्त्री० (-भावना) જીવનનું સમાધાન કરનારી ભાવના. जीवन का समाधान करने वाली भावना. meditation which reconciles one to (his or her) life. सूय० १, १५, ४; —वसाण. न० (-अवसान) જીવન-આયુષ્યનો છેડો. जीवन-आयुष्य का अन्त. the end of life. क० प० २, ७७;

जीविश्रा-या. स्त्री० (जीविका) આજીવકા; વૃત્તિ. आजीविका; वृत्ति. Livelihood; maintenance of life. सूय० २, ६. २; नाया० ७; अणुजो० १३१; कप्प० ४, ८२;

जीविउं. हे० कृ० अ० (जीवितुं) જીવવા માટે. जीवन के लिये. In order to live or maintain life आया० १, २, ७, ५७;

जीविउकाम. त्रि० (जीवितुकाम) જીવવાની ઇચ્છાવાળો. जीवित रहने को उत्सुक. Desirous of continuing to live. " जीविउकामे लालप्पमाणे " आया० १, २, ३, १६;

जीवितश्र. त्रि० (जीवितक) અનુકંપિત જીવન; દયાપાત્ર જિંદગી. अनुकंपित जीवन; दयापात्र जीवन. Pitiable life; life deserving compassion. उत्त० १०, ३;

जीवियरसम. पुं० (जीविकरसम) સાધારણ બાદર વનસ્પતિકાયનો એક પ્રકાર. साधारण बादर वनस्पति काय का एक प्रकार. A variety of ordinary gross vegetable life. पन्न० १;

जीहा. स्त्री० (जिह्वा) જીભ; રસેન્દ્રિય. जिव्हा; रसेन्द्रिय. The tongue; the sense of taste. नाया० १; ८; ६; भग० ११, ११; १५, १; जं० प० पन्न० २; १५; सु० च० ४, २८४; ओव० १९; अणुजो० १२८; उत्त० ३२, ६२; ठा० ४, ४; राय० १६४; जीवा० ३, ३; उवा० २, ६५; १०७; भत्त० १०६; १४६; कप्प० ३, ३६; गच्छा० १६; —गार. पुं० (-कार) જુઓ " जिब्भागार " શબ્દ. देखो " जिब्भागार " शब्द. vide " जिब्भागार " पन्न० १;

जीहामयदुक्ख. न० (जिह्वामयदुःख) જુઓ " जिब्भामयदुक्ख " શબ્દ. देखो " जिब्भामयदुक्ख " शब्द. Vide 'जिब्भामयदुक्ख' ठा० ५, २;

जीहामयसोक्ख. न० (जिह्वामयसौख्य) જુઓ " जिब्भामयसोक्ख " શબ્દ. देखो " जिब्भामयसोक्ख " शब्द. Vide " जिब्भामयसोक्ख " ठा० ५, २;

जीहिंदिय. न० (जिह्वेन्द्रिय) જીભ; રસેન્દ્રિય. जिव्हा; रसना; रसेन्द्रिय. The tongue; the sense of taste. पग्ह० १, १; —निग्गह. पुं० (-निग्रह) જુઓ " जिब्भिंदियनिग्गह " શબ્દ. देखो " जिब्भिंदियनिग्गह " शब्द. vide 'जिब्भिंदियनिग्गह' उत्त० २६, ६५; —संवर. पुं० (-संवर) જુઓ " जिब्भिंदियसंवर " શબ્દ. देखो " जिब्भिंदियसंवर " शब्द. vide. " जिब्भिन्दियसंवर " पग्ह० २, ५;

जुअ. त्रि० (युत) યુક્ત; સહિત. युक्त; सहित. Accompanied with. क० गं० ३, ६; प्रव० १२०६; १४२७, भत्त० १०६; जं० प० ७, १५१;

जुअणद्ध. पुं० (युगनद्ध) એક પ્રકારનો ચંદ્ર નક્ષત્રનો યોગ; ચંદ્ર અને નક્ષત્રના યોગની સ્થિતિ બળદ ઉપરના ધોંસરાને આકારે થાય તે. एक प्रकार का चन्द्र नक्षत्र का योग; चंद्रमा व नक्षत्र के योग की स्थिति जो कि बैलपर की जुडी की आकृति सी होती है. A par-

ticular mode of the conjunction of the moon with the constellation presenting the appearance of the yoke. सू० प० १२;

जुअल. न० (युगल) જોડું; બેની જોડી. युगल; दोका जोडा. A couple; a pair. जं० प० ५, १२३; ओव ३०; प्रव० १०६६; क० गं० ४, ६१; कप्प० ३, ३६; पंचा० ३, २; —दुग. न० (–द्विक) બે યુગલ. दो युगल. two pairs. क० गं० ४, ४; —धम्म. पुं० (–धर्म) જુગલીયાનો ધર્મ-જુગલપણે ઉત્પન્ન થવું વગેરે. युगलियोंका धर्म; युगल अवस्था में उत्पन्न होना इत्यादि. taking of birth in the form of a pair i. e. Jugaliyās. प्रव० १०६६;

जुइ. स्त्री० (द्युति) કાંતિ; તેજ; દીપ્તિ. कांति; तेज; दीप्ति. Lustre; light; splendour. नाया० १; ८; १०; सम० ३०; भग० १५; १; विशे० ३४४७; ओव० ३८; उत्त० १, ४७; ५, २६; ठा० ४, ३; (२) એ નામનું નિરયાવલિકા સૂત્રના પાંચમાં વર્ગનું ૬ઠું અધ્યયન. इस नाम का निरयावलिका सूत्र के पांचवें वर्ग का ६ठा अध्ययन. name of the 6th chapter of the 5th section of Nirayāvalikā Sūtra. कप्प० ४, १०१;

जुइ. स्त्री० (युति) યુક્તિ; જોડાણ; સંયોગ. युक्ति; संयोग. Joining together; union; contact. ठा० ३, ३; नाया० १; प्रव० ६; उवा० ६, १६७;

जुइमंत. त्रि० (द्युतिमत् द्युतिर्दीप्तिरतिशायिनी विद्यते यस्य सः) કાન્તિવાન્; તેજસ્વી. कान्तिवान्; तेजस्वी. Lustrous; bright; powerful. उत्त० ५, १८; (२) સંયમ. संयम. asceticism; monkhood. आया० १, ७, ३, २०७; (३) મોક્ષ. मोक्ष. final emancipation. आया० १, ७, ३, २०७;

जुंगिअ. त्रि० (जुङ्गित) જાતિ, કર્મ અને શરીરથી દૂષિત હોય તે. जाति, कर्म व शरीर से दूषित हो वह. (One) of a low nature in caste, action and body. प्रव० ७६८; —अंग. त्रि० (–अंग) અપંગ; જેના હાથપગ વગેરે અવયવ કપાઇ ગયા હોય તેવો. अपंग; जिसके हाथ पैर इत्यादि अवयव कट गये हों ऐसा. mutilated or disabled in any of the limbs of the body e. g. a hand, a leg etc. पिं० नि० ४४४; ठा० ५, ३;

जुंज. धा० I. (युज्) જોડવું. जोडना. To join together. (२) સંઘટ્ટન કરવો. संगठन करना. to unite. (३) ઉચિત કરવું. उचित करना; योग्य करना. to fit; to harmonise; to make fit for.

जुंजइ. पन्न० ३६;
जुंजंति. सूय० १, ३, १, १०;
जुंजवि. उत्त० १, १८; दस० ८, ४३;
जुंजंत. पंचा० १२, ४६;
जुजइ. क० वा० पिं० नि० ४६; १६३; सु० च० ४, ६५;
जुजए विशे० १०२, १२८; पिं० नि० ७६; सु० च० २, ५४७;

जुंजण. न० (योजन) યોજવું; જોડવું; વ્યાપાર કરવો તે. योजना; जोडना; व्यापार करना. Joining together; uniting; conducting a business or an operation. "इंदियाण य जुंजणे" उत्त० २४, २४; विशे० ३३४८;

जुंजणया स्त्री० (* योजन) જુઓ ઉપલો

२७६. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. ओव० २०;

जुंम. न० (युग्म) राशि विशेष; બેકી સંખ્યા; સમ સંખ્યા. राशि विशेष; सम संख्या. A particular sign of the zodiac (Gemini) even number. ठा० ४, ३;

जुग. न० (युग) ચાર હાથ પરિમિત એક માપ. चार हाथ परिमित एक माप. A measure of length equal to four arms. सम० ६६; भग० ६, ७; अणुजो० १३३; जं० प० (२) ધોંસરૂં; ધોંસરી. जूडी. a yoke of a carriage. उत्त० २७, ७; जीवा० ३, ३; पिं० नि० २६२; सूय० १, ४, २, ६; जं० प०७,१४१; पराह० २, १; ओघ० नि० ३२४; दसा० ६, ४; उवा० ७, २०६; (३) श्र० ધોંસરના આકારનું પુરુષના હાથ પગનું લક્ષણ. पुरुष के हाथ पैर में घूंसरी की आकृति वाला लक्षण a mark of the shape of a yoke of a carriage in the hand or foot of a male human being (४) સત્ય, દ્વાપર, ત્રેતા અને કલિ, એ ચાર યુગ. सत्य, द्वापर, त्रेता, कलि ये चार युग-काल. any of the four ages viz. Satya, Dwāpara, Tretā, and Kali. विशे० २०८८; (५) પાંચવર્ષ પ્રમાણનો કાલ વિભાગ. पांच वर्ष प्रमाण का काल विभाग. a period of time equal to five years. भग० ६, ७; २४, ४; अणुजो० ११४; नाया० १६; सू० प० ८; पराह० १, ३; ठा० २, ४; सम० ६१; जं० प० जीवा० ३, ४; राय० ३२; (६) એક જાતનો મચ્છ. एक जाति का मत्स्य. a kind of fish. पन्न० १; (७) ગોલ દેશ પ્રસિદ્ધ એક જાતનું બે હાથ પ્રમાણનું વાહન-પાલખી. गोल देश प्रसिद्ध एक जाति का दो हाथ प्रमाण का वाहन-पालकी. a kind of palanquin of the size of two arms length made in the country named Gola. जीवा ३, ३; —**अंतर.** न० (-अंतर) ધોંસરા પ્રમાણે આંતરૂં. जूडी के प्रमाणमें अंतर. an interval (in point of space) of the measure of a yoke of a carriage. भग० २, ५; —**आइजिण.** पुं० (-आदिजिन) યુગના પહેલા તીર્થંકર શ્રી ઋષભદેવ સ્વામી. युग के प्रथम तीर्थंकर श्री ऋषभदेव स्वामी. Risabhadeva the first Tirthankara of the age. प्रव० १; —**गिह.** न० (-गृह) પાલખી રાખવાનું ઘર. पालकी-गृह. a house or hall in which palanquins are kept. निसी०८,७; —**छिड्ड.** न० (-छिद्र) ધોંસરીમાંનું છિદ્ર. जूडी में का छिद्र. a hole in the yoke of a carriage. उत्त० टी० ३; —**प्पहाण** पुं० (-प्रधान) યુગ પ્રધાન પુરુષ; યુગમાં થયેલ પ્રધાન-મહાન પુરુષ; (ભદ્રબાહુ સ્વામી વગેરે) युग प्रधान युग का प्रधान-महापुरुष-भद्रबाहु स्वामी इत्यादि. a prominent person of an age (Yuga); e. g. Bhadrabāhu Swāmi etc. विशे०१४२३; —**पहाण.** न० (-प्रधान) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide above. प्रव० ६२; २६४; —**सूरि.** पुं० (-सूरि) યુગ પ્રધાન સૂરિ-આચાર્ય. युग प्रधान सूरि-आचार्य. a preceptor etc. renowned in a certain age, प्रव० ६२; —**माण.** न० (-मान) પાંચ વર્ષ અથવા બાસઠ માસ પ્રમાણ યુગનું માન. पांच वर्ष किंवा बासठ

मास प्रमाण युग का मान. a measure of time equal to five years or 62 months. प्रव० ६०८;

—**संनिभ** त्रि० (-संनिभ) ચાર હાથ પ્રમાણના જેવું. चार हाथ प्रमाण के जैसा. similar to, analogous to a measure of the length of four arms. " **जुगसन्निभ पीणइय पीवरपउट्ठ संठिय** " जीवा० ३; —**संवच्छर.** पुं० (—संवत्सर) પાંચ સંવત્સર પ્રમાણ સમય; ૧૮૩૦ દિવસ પ્રમાણ યુગ સંવત્સર. पांच संवत्सर प्रमाण समय; १८३० दिवस प्रमाण युग संवत्सर. a Yuga Samvatsara equal to 1830 days. सू० प० १०; जं० प० ७:१४१; ठा० ५,३; —**साला.** स्त्री० (-शाला) પાલખી રાખવાની શાળા. पालकी रखने की शाला. a room, a hall in which palanquins are kept. निसी० ८, ७;

जुगंतकडभूमि. स्त्री० (युगान्तकृतभूमि - युगानि कालमानविशेषाः तानि च क्रमवर्तीनि तत्साधर्म्याद्ये क्रमवर्तिनो गुरुशिष्य प्रशिष्यादिरूपाः पुरुषाः तेऽपि युगानि तैः प्रमितान्तकरभूमिर्युगान्तकृतभूमि.) ગુરુ શિષ્ય પરંપરાએ અવિચ્છિન્નપણે સંસારનો અંત કરનાર જીવોની પરંપરા. गुरु शिष्य परंपरा से अविच्छिन्नता से संसार का अन्त करने वाले जीवों की परंपरा. The successive generations of men such as preceptors and disciples forming as it were a chain of an era, who attain salvation. ठा० ३, ४; नाया० ८; जं० प० २, ३१;

जुगंतकरभूमि. स्त्री० (युगान्तकृतभूमि) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया० ८;

जुगंतगडभूमी. स्त्री० (युगान्तकृतभूमि) યુગનો અંત કરનારી ભૂમિ. युग का अंत करने वाली भूमि. A land or region finishing a Yuga (a period of time.). कप्प० ५, १४९;

जुगंधर. पुं० (युगन्धर) રથ બનાવવાના ઉપયોગમાં આવતું એક જાતનું લાકડું. रथ बनाने के उपयोग में आता हुआ एक प्रकार का लकड़. A kind of timber used in making chariots. जं० प० १;

जुगबाहु. पुं० (युगबाहु) ૯ મા તીર્થંકરનું ત્રીજા પૂર્વ ભવનું નામ. ९ वें तीर्थंकर के तृतीय पूर्व भव का नाम. Name of the third previous birth of the 9th Tīrthaṅkara. सम० प० २३०; विवा० २. (२) લાંબા હાથ, ભુજ. लंबे हाथ, बाहु. a long arm. ठा० ६;

जुगणद्ध. पुं० (युगनद्ध) જુઓ " **जुअणद्ध** " શબ્દ. देखो " **जुअणद्ध** " शब्द. Vide " **जुअणद्ध** " सू० प० १२;

जुगमच्छ. पुं० (युगमत्स्य) એક જાતનો મત્સ્ય. एक प्रकार का मत्स्य. A kind of fish. विवा० ८; पण्ण० १; जीवा०

जुगमाय. त्रि० (युगमात्र) ધોંસરા પ્રમાણનું. जूड़े के प्रमाण का. Measuring a yoke. आया० २, ३, ५, ११८; दसा० ६, २; दस० ५, १, ३;

जुगमित्त त्रि० (युगमात्र) જુઓ " **जुगमाय** " શબ્દ. देखो " **जुगमाय** " शब्द. Vide " **जुगमाय** " उत्त० २४, ७;

जुगमेत्त. न० (युगमात्र) યુગ-ધોંસરા પ્રમાણે, ચાર હાથ પ્રમાણ. युग-जूड़ा के अनुसार; चार हाथ प्रमाण. A particular measure equal to four arms. प्रव० ७७८;

जुगल. न० (युगल) જોડી; જોડું. जोडा; युगल. A couple; a pair. (२) पुं० स्त्री० જુગલીયા. जुगलिया. Jugaliā. भग० ६, ५; १४, १; **—धम्म.** पुं० (-धर्म) જુગલીયાનો ધર્મ; યુગલ ધર્મ. स्त्री पुरुष दोनों का धर्म; युगल धर्म. a combination of the characteristic functions or qualities of both a male and female. तंदु० **—धम्मिय.** पुं० (-धार्मिक) સ્ત્રી પુરુષ રૂપ યુગલના ધર્મવાળો. स्त्री पुरुषरुप युगल के धर्म वाला. one who combines within him the characteristic functions or qualities of both viz. a male and female. तंदु०

जुगलग. न० (युगलक) જોડલું; બેની જોડ. जोडला; दो की जोड. A pair; a couple. जं० प०

जुगलय. न० (युगलक) જુગલ; જોડું. युगल; जोडा. A couple; a pair. सम० ७६;

जुगलिय. त्रि० (युगलित) જોડી યુક્ત. युगल युक्त; सजोड. Coupled together; consisting of a pair. "निच्चं जुगलिया" नाया० १;

जुगवं. त्रि० (युगवत्) કાલના ઉપદ્રવથી રહિત; ત્રીજા તથા ચોથા આરાના જન્મેલ. काल के उपद्रव से रहित तृतीय व चतुर्थ आरेमें जन्म प्राप्त. Free from molestation caused by time; born in the third and the fourth Ārās (a part of a cycle of time). जीवा० ३, १; भग० १४, १; १८, ३; राय० ३, २; उवा० ७, २१८;

जुगवं. अ० (युगपत्) એકી વખતે; એક કાલે; એક સાથે. एकही समय पर; एकही कालमें; एक साथ. Simultaneously. उत्त० २८, २६; ३६, ५४; सु० च० ५, ६; २, ३६१; ठा० १, ४; विशे० १६६; प्रव० ६६८; ओव० ४३;

जुग्ग. त्रि० (योग्य) લાયક. योग्य. Proper. भत्त० १२; प्रव० १३७०;

जुग्ग. न० (युग्य) ગોલ્લ દેશમાં પ્રસિદ્ધ એક જાતની પાલખી કે જેને ફરતી ચોખુણી બે હાથ પ્રમાણે વેદિકા-કઠેડો હોય છે. गोल्ल देश में प्रसिद्ध एक प्रकार की पालकी कि जिसके चारों ओर फिरती चौरस दो हाथ प्रमाण की वेदिका (कठहरा) होती है. A kind of palanquin with a square railing of the height of two arm's length. It is made in the country named Golla. भग० ३, ४; ४, ७; ८, ६; विशे० २६६२; जं० प० ५, ११७; ओव० अणुजो० १३८; (२) ધોંસરી. जुआ. a yoke; that part of the pole of a carriage which is fastened to the shoulder of an ox, a horse etc. ठा० ४, ३; भग० ६, ३३; (३) યુગ-ધોંસરી વહેનાર ઘોડા બળદ વગેરે. युग-जुआ को उठानेवाला-घोडा, बैल इत्यादि. an ox, a horse etc. harnessed to a carriage. 'चत्तारि जुग्गा पण्णत्ता' ठा० ४, ३. (४) પુરુષથી ઉડાય એવું વિમાન. पुरुष से उडा जा सके ऐसा आकाश विमान. a kind of balloon. सूय० २, २, ६२; **—आयरिया.** स्त्री० (-आचर्या-युगस्याऽऽवहनं गमनं युग्याचर्या) યુગવાહનમાં જવું તે. युग-वाहन में जाना. going in, moving in a carriage or conveyance. ठा० ४, ३;

जुग्गआरिया. स्त्री० (युग्याचर्या) જુઓ

उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. ठा० ४, ३; —गय. त्रि० (-गत) वाहन उपर बेठेल. वाहन के ऊपर आरूढ़. seated in a vehicle or carriage. ओव०

जुग्गय. त्रि० (युग्यक) जुओ 'जुग्ग' शब्द. देखो 'जुग्ग' शब्द. Vide 'जुग्ग' ठा० ४, ३;

जुज्ज. त्रि० (योग्य) योजना घटना करवा योग्य. योजना-घटना करने योग्य. Worthy of being united or joined together. उत्त० २७, ८;

√जुज्झ. धा० I. (युध्) युद्धकरवुं; लडाइकरवी. युद्ध करना; लड़ाईकरना. To fight; to battle; to wage war.

जुज्झामि. नाया० १६;

जुज्झामो. नाया० १६;

जुज्झाहि. आया० १, ५, ३, १५३; उत्त० ६, ३५;

जुज्झइ. नाया० १६;

जुज्झंत. सूय० १, ३, १, १; सु० च० ७, ७८;

जुज्झित्ता. ठा० ३, २;

जुज्झ. न० (युद्ध) युद्ध; लडाई. युद्ध; लड़ाई. Battle; war. उत्त० ६, ३५; आया० १, ५, ३, १५३; नाया० ८; —कित्तिपुरिस. पुं० (-कीर्तिपुरुष-युद्धजनिता या कीर्तिः तत्प्रधानः पुरुषो युद्धकीर्तिपुरुषः) युद्धथी कीर्तिवंत थयेल पुरुष. युद्ध मे कीर्तिप्राप्त मनुष्य. one who has acquired renown in a battle. सम० —ज्झाण. न० (-ध्यान) लडाइनुं ध्यान; ध्याननो एक प्रकार. लड़ाई का ध्यान; ध्यान का एक प्रकार. concentration or meditation upon battle; a variety of meditation. आउ०

—सज्ज. पुं० (-सज्ज) युद्धमां तैयार; युद्धमां तत्पर. युद्धमें तत्पर. one who is prepared for battle; one who is ready to fight. नाया० ८, १६; निर० १, १;—सड्ढ. त्रि० (-श्रद्ध-संग्रामस्तत्र संजाताश्रद्धा यस्य सः) युद्धमां श्रद्धावान्; युध्धने चाहनार. युद्ध में श्रद्धावान्; युद्ध को चाहनेवाला. militarist; warlike. पगह० १, ३; —सूर. पुं० (-शूर) युद्धमां शूर. युद्ध में शूर. (one) who is brave in battle; a warrior. "जुज्झ सूरे वासुदेवे" ठा० ४, ३;

जुज्झाइजुज्झ. न० (युद्धातियुद्ध) द्वन्द्व युद्ध; ७२ कलामांनी एक कला. द्वंद्व युद्ध; ७२ कलाओं मे से एक कला. A single combat; a duel; one of the 72 arts. जं० प० ओव० सम०

जुराण. त्रि० (जीर्ण) जीर्ण; जुनुं; वृद्ध. जीर्ण; पुरातन; वृद्ध. Old; worn out; antiquated. नाया० १; ११; भग० १६, ४; १६, ३; अणुजो० १२७; अणुत्त० ३, १; ओघ० नि० १३६; राय० २५८; —उज्जाण. न० (-उद्यान) जुओ "जिरणुज्जाण" शब्द. देखो "जिरणुज्जाण" शब्द. vide "जिरणुज्जाण" नाया० १; —कुमारी. स्त्री० (-कुमारी) जुओ "जिरणकुमारी" शब्द. देखो "जिरणकुमारी" vide "जिरणकुमारी" नाया० १; नाया० ध० —गुल पुं० (-गुड) जुनो गोळ. पुराना गुड़. old treacle. भग० ८, ६;—तंदुल. न० (-तण्डुल) जुना चोखा. पुराने चावल. old rice. भग० ८, ६; —सुरा. स्त्री० (-सुरा) जुनो दारु. पुराना दारू-मदिरा-मद्य. old wine. भग० ८, ६;

जुरिणय. त्रि० (जीर्णित) जीर्ण. जीर्ण. Old. worn out. नाया० १;

जुति. स्त्री० (द्युति) કાન્તિ. कान्ति. Light; lustre. नाया० १; भग० ३, ६; ओव० २२; सू० प० १६; सम० १०;

जुत्त. त्रि० (युक्त) યુક્ત; સહિત. सहित; युक्त; संयुक्त. Accompanied with. (२) જોડેલ. जुड़ा हुआ. joined; united. जं० प० ७, १११; ३, ६४; २, २०; नाया० १; ३; ४; ८; ६; १४; १६; भग० ७, ८; ६, ३३; दस० ३, १०; ८, ४३; ६४; ६,२, १४; ६, ४, २, ३; पिं० नि० १६४; नंदी० ६; उत्त० १, ८; ६, २२; राय० २२९; दसा० ४, १२; १०, १; पंचा० ६, ४२; ३, ३५; क० गं० १, ३७; ४४; क० गं० ४, प्रव० ८१२; गच्छा० १२८; कप्प० ३, ३६; ओव० १०; २६; अणुजो० १३२; ठा० ४, ३; उवा० २, १०१; ७, २०६; (३) યોગ્ય. योग्य. proper; fit; worthy. विशे०५; १३३; सु० च० १, १५४; २, ४५१; निर० १, १; नाया० ८; (३) અસંખ્યાત અને અનંતનો એક પ્રકાર. असंख्यात व अनंत का एक प्रकार. a variety of the innumerable and infinite. अणुजो० १४६; —असंखेज्जय. पुं० (-असंख्येयक) અસંખ્યાતનો એક પ્રકાર. असंख्यात का एक प्रकार. a kind of innumerable अणुजो० १४६; क० गं० ८, ८१; —अहिगरण. न० (-अधिकरण) અધિકરણ-હિંસાના ઉપકરણ અધિક અધિક યોજવા તે; આઠમાં વ્રતનો પાંચમો અતિચાર. अधिकरण-हिंसा के उपकरण अधिक अधिक योजना; आठवें व्रत का पांचवा अतिचार. using more and more the means of injury; the fifth Atichāra of the eighth vow. प्रव०२८३;—जोग. त्रि० (-योग) શરીર વિગેરેની યોગ્ય ચેષ્ટા વાળા. शरीर इत्यादि की योग्य चेष्टा वाला. (one) possessing proper activity of the body etc. पंचा० ११, २१; —परिणय. त्रि० (-परिणत) સારી સામગ્રીથી યુક્ત-પાલખી આદિ. शुभ सामग्री से युक्त-पालकी आदि. possessed of, furnished with good materials (e. g. a palanquin etc.). ठा० ४, ३; —पालिय. त्रि० (-पालिक —युक्ता परस्परसंबद्धा न तु बृहदन्तरालाः पालिः सेतुर्यस्य स युक्तपालिकः) પાસે પાસે-સડક- પૂલવાળું. पासपास-सड़क-पूल वाला. having bridges situated near one another. राय० —फुसिय. न० (-स्पर्श) ઉચિત બિન્દુ-પાણીના છાંટાનું પડવું. उचित बिन्दु-जल के बूंद का गिरना. a shower of proper (desirable) drops of water. " जुत्तफुसिय निहयरयरेणुयं " सम० ३४; —रूव. त्रि० (-रूप) પ્રશસ્ત સ્વભાવ વાળો. प्रशस्त स्वभाव वाला. possessed of praiseworthy temperament. ठा० ४, ३; —सोह. त्रि० (-शोभ —युक्तं शोभते युक्तस्य वा शोभा यस्य तद्युक्तशोभम्) યોગ્ય શોભાવાળું. योग्य शोभायुक्त. possessed of just or proper beauty. ठा० ४,३;

जुत्त. न० (योक्त्र) જોતર. जोत का रस्सा. a rope with which an animal is tied to the pole of a carriage. उत्त० १६, ५६;

जुत्ति. स्त्री० (युक्ति) યુક્તિ; કળા; રીતિ. युक्ति; कला; रीति. Skill; art; mode; process. विशे० १५४; ओघ० नि० ५४६; नाया० १०; अणुजो०१२८; (२) મેળવણી. मिश्रण. joining together; mixture; union. जीवा० ३, ३; पंचा०५,१;

(३) એ નામના એક કુમાર. इस नामका एक कुमार. name of a Kumāra (a boy). निर० ५, १; (४) એ નામનું વન્હિદશાસૂત્રનું એક અધ્યયન. इस नामका वन्हिदशा सूत्र का एक अध्ययन. name of a chapter of Vanhidasā Sūtra. निर०५,१; —क्खम. त्रि०(-क्षम) યુક્તિનું સહન કરવું તે. युक्ति का सहन करना. remaining unrefuted by logical reasoning. " नागमजुत्तिक्खमं होइ " विशे० ३६५; —खम त्रि० (-क्षम) યુક્તિ સહિત; યુક્તિવાળું; युक्ति सहित; युक्ति वाला. logical; possessing reason. पंचा० १२, १६; —गण. (-ज्ञ-युक्ति ज्ञानातीति) યુક્તિને જાણનાર, કલાવાન. युक्ति का जानने वाला; कलावान (one) well versed or skilful in any art " संचार गायजुत्तिगण्णु " ठा० ७; —बाहिय. त्रि० (-बाधित) યુક્તિથી બાધિત-ખંડિત થએલ. युक्ति से बाधित-खण्डित. refuted by logical argument. " जम्हाणा जुत्तिबाहिय विसओ विसइणामो होइ " पंचा० १८, ४४; —सुवण्ण. पुं० (सुवर्ण) બનાવટી સોનું; कृत्रिम सुवर्ण, बनावटी सोना. artificial gold. पंचा० १४, ३४;

जुत्तिसेण. पुं० (युक्तसेन) જંબૂદ્વીપમાંના ઐરવતક્ષેત્રમાં ચાલુ અવસર્પિણીમાં થએલ આઠમા તીર્થંકર. जंबूद्वीप में एरवत क्षेत्र के वर्तमान अवसर्पिणी में उत्पन्न आठवें तीर्थंकर. The eighth Tīrthaṅkara of the current Avasarpinī in the Airavata region of the Jambū Dvipa. सम० प० २४०; (२) ઐરવત ક્ષેત્રના વર્તમાન ૧૧ મા તીર્થંકર. ऐरवत क्षेत्र के वर्तमान ११ वें तीर्थंकर. the present 11th Tīrthaṅkara of the Airavata Kṣetra. प्रव० २९९;

जुज्झ. पुं० (युद्ध) યુદ્ધ; લડાઇ; લડવાની કલા. युद्ध; विग्रह; लडने की कला. Battle; engagement; art of fighting a battle. आव० ३०; ४०; नाया० १; २; १६; जीवा० ३, ३; ओघ० नि० २२५; दस० ५, १, १२; —अइजुज्झ. न० (-अतियुद्ध) દારૂણ યુદ્ધ; યુદ્ધમાં યુદ્ધ. दारुण युद्ध; युद्ध में युद्ध. terrible battle; thick of the fight. नाया० १; आव० ८७; —अरिह. न० (-अर्ह) કર્મની સાથે યુદ્ધ કરવામાં ઉપયોગી; ભાવ યુદ્ધમાં કામ આવે તેવું. कर्मों के साथ युद्ध करने में उपयोगी; भाव युद्ध में उपयोगी हो ऐसा. useful in fighting against Karma; useful in internal war e.g. against passions. आया० १, ५, ३, १५८; —कित्तिपुरिस. पुं० (-कीर्तिपुरुष) જુઓ "जुज्झकित्तिपुरिस " શબ્દ. देखो " जुज्झकित्तिपुरिस " शब्द. vide " जुज्झकित्तिपुरिस " भग० —णीति. स्त्री० (-नीति) લડવાની નીતિ-વ્યવસ્થા. युद्धनीति-व्यवस्था. military tactics or strategy. जं० प० —नीई. स्त्री० (-नीति) યુદ્ધ કરવાની નીતિ. युद्ध करने की नीति. the tactics of fighting. प्रव० १२७०; —सज्ज. त्रि० (-सज्ज) જુઓ " जुज्झसज्ज " શબ્દ. देखो " जुज्झसज्ज " शब्द. vide " जुज्झसज्ज " भग० —सद्ध. त्रि० (-श्रद्ध) જુઓ " जुज्झसद्ध " શબ્દ. देखो " जुज्झसद्ध " शब्द. vide " जुज्झसद्ध " पण्ह० १, ३; —सूर. पुं० (-शूर) લડવૈયો સુભટ. सैनिक; लडवैया, सुभट. a warrior; a combatant. ठा० ४, ३;

जुण्ण. त्रि० (जीर्ण) જુઓ " जुण्ण " શબ્દ.

देखो "जुण्ह" शब्द. Vide "जुण्ह" श्रोघ० नि० ३७७; सु० च० ७, २७१; श्राया० १, ४, ३, १३५;

जुन्हा. स्त्री० (ज्योत्स्ना) ચાંદની રાત. चांदनी रात. Moonlight. सु० च० ७, १४४;

जुम्म. न० (युग्म) જુગલ; જોડી; બેનું જોડું. युगल. जोडा. A pair; a couple. "कइ णं भंते जुम्मा पराणत्ता ? गोयमा ! चत्तारि जुम्मा पराणत्ता" ठा० ४, ३; भग० १८, ४; २५, ४; ३१, ७; ४१, ३; पिं० नि० २; —पएसिश्र. त्रि० (-प्रादेशिक) સમ સંખ્યા બેકી પ્રદેશથી ઉત્પન્ન થયેલ. सम संख्या से उत्पन्न. produced from, resulting from an even number. भग० २५, ३;

जुय. पुं० (युग) યુગ; પાંચ સંવત્સર પ્રમાણે કાલ વિભાગ. युग; पांच संवत्सर के प्रमाण काल विभाग. A Yuga; a period of time measuring five Samvatsaras. भग० ५, १; (२) બે (સંખ્યા વાચક). दो; (संख्यावाचक). an expression for the number 2. सु० च० १, २७२;

जुय. पुं० (यूप) યજ્ઞસ્થંભ. यज्ञस्तंभ. A sacrificial post. पिं० नि० ८६;

जुयग. पुं० (युग्मक) લવણ સમુદ્રમાંના ચાર મ્હોટા પાતાલકલશામાંનો એક. लवण समुद्र में के चार बडे पातालकलशों का एक. One of the four nether world pots of the Lavana ocean. प्रव० १५८६;

जुयल. न० (युगल) જોડી; જોડું. जोडा; युगल. A pair; a couple. नाया० १; ८; ९; जीवा० ३, १; ३; सु० च० १२, ८; राय० १२२; उवा० २, १०७; —धम्मिय. पुं० (-धार्मिक) જુઓ "जुगलधम्मिय" શબ્દ, देखो "जुगलधम्मिय" शब्द. vide "जुगलधम्मिय" तंदु०

जुव. पुं० (युवन्) યુવાન; જુવાન. युवक; जवान. A young man; a youth. दस० ७, २५; विशे० १६१४; श्राया० २, ४, २; १३८; भग० १६, ३;

जुवइ. स्त्री० (युवति) યુવતી; યુવાન સ્ત્રી. युवति; युवा (स्त्री). A youthful woman. भग० १, १; ३, ५; ५, ६; नाया० ८; विशे० २३०; २५७२; श्रोव० सु० च० ४, १६८; —जण. पुं० (-जन) યુવતી; સ્ત્રીજન. युवती; स्त्री-जन. a youthful woman; a woman. पण्ह० १;

जुवग. पुं० (युवक) શુક્લ પક્ષની બીજ અને ત્રીજનો ચન્દ્રમા. शुक्ल पक्ष की द्वितीया व तृतीया का चंद्र The moon of the 2nd and 3rd days of the bright half of a month. जीवा० ३, ३;

जुवति. स्त्री० (युवति) યુવતિ; જુવાન સ્ત્રી. युवती; युवा स्त्री. A youthful lady. सूय० १, ४, १; १९; भग० ३, १;

जुवरज्ज. न० (यौवराज्य) યુવરાજ નરીકે અભિષિક્ત થયેલાનું રાજ્ય. युवराज के समान अभिषिक्त जो है उसका राज्य. Kingdom of one who is crowned while he is still an heir-apparent. श्राया० २, ३, १, ११६;

जुवराय. पुं० (युवराज) વર્તમાન રાજાપછી રાજનો હકદાર વારસદાર; ભવિષ્યનો રાજા; પાટવી કુમાર. वर्तमान राजा के पश्चात् राज्य का हकदार-वारस; भविष्य का राजा; पाटवी कुमार. A crown-prince; an heir-apparent. उत्त० १५, २; पण्ह० १६; विवा० ६; जं० प० नाया० १२; पिं० नि० ५११;

जुवरायत्ता. स्त्री० (युवराजता) યુવરાજપણું. युवराजपना; युवराज पद. Status

of a crown-prince; state of being an heir-apparent. भग० १२, ७;

जुयल. न० (युगल) જોડી. युगल; जोड़ा. A couple; a pair. भग० १, ५; ११, ११;

जुयलग. पुं० (युगलक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. निर० ३, ४;

जुयलय. न० (युगलक) જુઓ 'जुयल' શબ્દ. देखो "जुयल" शब्द. Vide "जुयल" सु० च० १, ४७; पन्न० २;

जुयलिय. त्रि० (युगलित) જોડી રૂપે રહેલ. युगल रूप से रहा हुआ. Forming a pair; joined together into a couple. ओव० भग० १, १;

जुवाण. पुं० (युवन्) જુવાન-યુવાવસ્થાને પ્રાપ્ત થયેલ. युवक; युवावस्था को प्राप्त. Youthful; attaining puberty. नाया० १; ३; भग० ३, १; २; ५, ६; ओघ० नि० ७२१; अणुजो० १३०; ठा० ५, २; प्रव० ५२०;

जुवाणग. त्रि० (युवक) જવાન; યુવક. युवक. Young; youthful. सूय० १, ७, १०;

जुवाणय. त्रि० (युवक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. भग० ६, ३३; उवा० ७, २०६;

जुव्वण. न० (यौवन) યુવાવસ્થા. युवावस्था. Youth; puberty. नाया० ६; सु० च० १, ३१८; जं० प० ५, १२३; —**अणुपत्त.** त्रि० (-अनुप्राप्त) યુવાવસ્થાને પ્રાપ્ત થયેલ. युवावस्था को प्राप्त. attaining puberty; youthful. वया० १०, ३; —**त्थी** स्त्री० (-स्त्री) યુવાન સ્ત્રી. युवती. a youthful lady. "सकडक्खं सविचारं तरलच्छि जुव्वणत्थीए" तंदु०

जुव्वणग. न० (यौवनक) યુવાવસ્થાપણું; જુવાનપણું. युवावस्था. Youth; young-age. कप्प० ३, ५३;

जुव्वणत्त. न० (यौवनत्व) યુવાવસ્થાપણું. युवावस्था की स्थिति. Condition of youth or puberty. सु० च० १३, ५१;

जुसिय. त्रि० (जुष्ट) પ્રસન્ન; પ્રીત. संतुष्ट; खुश. Pleased; propitiated. "पाएसु वइ लोगा उवगारिसु परिचिए व जुसिए वा" ठा० ४, ४;

जुहिट्ठिल. पुं० (युधिष्ठिर) હસ્તિનાપુર નગરના પાંડુરાજાના મોટા પુત્ર-ધર્મરાજ. हस्तिनापुर के पाण्डुराजाके ज्येष्ठ पुत्र-धर्मराज. Dharmarāja i.e. the eldest son of the king Pāṇḍu of Hastināpura. "जुहिट्ठिल पामोक्खाणं पंचण्हं पण्डवाणं" अंत० ५, १; नाया० १६;

जूआ-या स्त्री० (यूका) જુ; માથામાં થતો એક જંતુ. जूं; सिर में पैदा होनेवाला एक जन्तु. A louse. जं० प० २, १६; नंदी० १४; आया० २, १३, १७२; पन्न० १, भग० ६, ५; १९, १; प्रव० ४९२; १४४५; (२) ચોસઠ વાલાગ્ર અથવા આઠ લિખ પ્રમાણ એક માપ. ६४ वालाग्र अथवा ८ लिख प्रमाण का एक नाप. a measure of length equal to 64 hair-points or 8 nits. अणुजो० १३४; —**सेज्जायर.** पुं० (-शय्यातर) જુને સ્થાન આપનાર. जूं को स्थान देनेवाला. one who gives a place of resort to a louse or lice. भग० १५, १;

जूय. पुं० (यूप) યજ્ઞ સ્તંભ. यज्ञ स्तंभ. A sacrificial post. निर० ३, ५; (२) એ નામનું પુરુષના હાથ અથવા પગનું લક્ષણ. इस नाम का पुरुष के हाथ या पैर का चिन्ह. a characteristic mark of a leg or hand of a male human

being. जं० प० (३) એ નામનો પશ્ચિમ દિશાનો પાતાલ કલશો. इस नाम का पश्चिम दिशा का पाताल कलश. a pot of this name of the neth r world of the western direction. प्रव० १५८६; (४) ધોંસરી. जुडी. that part of the yoke which rests on the shoulder; a yoke. पराह० १, १; —चिइ. स्त्री० (-चिति) યજ્ઞની અન્દર સામગ્રી એકઠી કરવી તે. यज्ञ में सामग्री एकत्रित करना. collecting together materials required in a sacrifice. श्रोव०

जूय. न० (द्यूत) જુગટું. जुआ. Gambling; playing at dice. प्रव० ४३८; (२) ७२ કલામાંની એક કલા. ७२ कलाओं में से एक कला. one of the 72 arts. नाया० १; श्रोव० ४०; कप्प० ५, ६६; —कर. पुं० (-कर) જુગારી. जुआरी. a gambler. पराह० १, १, ३; —कार. पुं० (-कार) જુગાર રમનાર. जुआ खेलने वाला. a gambler नाया० १८; —खलय. न० (-खलक) જુગાર ખેલવાનું ઘર. जुआ खेलने का गृह; जुआखाना. a gambling house. नाया० २; १८; —चिइ. स्त्री० (-चिति) જુગાર ખેલવો તે. जुआ खेलना. gambling; playing at dice. श्रोव० —पमाय. पुं० (-प्रमाद) જુગટા રૂપ પ્રમાદ. जुआरूपी प्रमाद. negligence, error in the form of gambling. ठा० ६, १; —पसंगि. त्रि० (-प्रसंगिन्) જુગારમાં આસક્ત. जुआ में आसक्त. addicted to gambling or playing at dice. नाया० २; —प्पसंगि. त्रि० (-प्रसङ्गिन्). જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. नाया० १८;

जूयअ. न० (यूपक) શુકલ પક્ષના પ્રથમ ત્રણ દિવસની સંધ્યા; ચંદ્ર અને સંધ્યાની પ્રભા મિશ્રિત થાય તે. शुक्ल पक्ष के प्रथम ३ दिन की सन्ध्या; चन्द्र व सन्ध्या का प्रभा का मिश्रित होना. Blending of the twilight with the lustre of the rising moon during the first three days of the bright half of a month. ठा० १०, १;

जूयग. पुं० (यूपक) શુકલ પક્ષના પ્રથમ ત્રણ દિવસની ચન્દ્રની કલા અને સન્ધ્યાનો પ્રકાશ મિશ્ર થાય તે. शुक्ल पक्ष के प्रथम ३ दिन की चन्द्रकी कला व संध्या के प्रकाश का मिश्रित होना. Blending of the light of the setting sun with that of the rising moon on the first three days of the bright half of a month. भग० ३, ३; श्राव० (२) પશ્ચિમ દિશાનો એ નામનો પાતાલ કલશો. पश्चिम दिशा का इस नाम का पाताल कलश. a pot of this name of the nether world of the western direction. सम० ५२;

जूयामाय. न० (यूकामात्र) જુ માત્ર જુ જેટલું. जूं मात्र. जूं के प्रमाण का. Merely a louse; of the size of a louse. "जूयामायमवि लिक्खामायमवि अभिनिवट्टित्ता" भग० ६, १०;

√**जूर.** धा० I. (जूर्) ઝુરણ કરવી; પસ્તાવો કરવો. पश्चाताप करना. To pine away, to repent; to waste away;

जूरा-र-इ. सूय० २, १, ३१; आया० १, २, ५, ९२;

जूरंति. सूय० २, २, ५५;

जूराविं. सूय० २, १, ३१;
जूरइ. सूय० १, ३, ४, ७;

जूरवणता. स्त्री० (जूरवणता) જૂરણા કરવી; ઝુરવું. झूरना. Pining away; wasting away. सूय० २, ४, ९;

जूरावण. न० (जूरण) શરીરની જીર્ણતા થાય તે. शरीर का जीर्ण होना. Wearing or wasting away of the body. भग० ३, ३;

जूरिअ. त्रि० (जीर्ण) જીર્ણ થયેલ. जीर्ण. Worn out; decayed; grown old. अणुजो० १४६;

जूव. पुं० (यूप) યજ્ઞ સ્તંભ. यज्ञ स्तंभ. A sacrificial post to which the victim is fastened. निर० ३, ३; उत्त० १२, ३६; भग० ३, ७; ११, ११; जं० प० (२) પશ્ચિમ દિશાનો પાતાલ કલશો. पश्चिम दिशा का पाताल कलश. a pot of the nether world in the western direction. जीवा० ३, ४; प्रव० १४६६, —जिइ. स्त्री० (-क्षिति) જુઓ "जूयविंइ" શબ્દ. देखो "जूयविंइ" शब्द. vide "जूयविंइ" श्रव०

जूवग. पुं० (यूपक) જુઓ "जूयग" શબ્દ. देखो "जूयग" शब्द Vide "जूयग" ठा० १०;

जूवय. पुं० (यूपक) શુક્લ પક્ષના પ્રથમ ત્રણ દિવસમાં સંધ્યાની પ્રભા અને ચંદ્રની પ્રભા એક થઇ જાય તે. शुक्लपक्ष के प्रथम ३ दिन में सन्ध्या की प्रभा व चन्द्र की प्रभा का एकत्र होना. Blending together of the light of the setting sun and the rising moon on the first three days of the bright half of a month. अणुजो० १२७; ठा० ४, २;

जूस. पुं० (यूष) કઢી; ઓસામણ. कढी. Soup; broth. ओघ० नि० १४७; प्रव० १४२५;

जूसणा. स्त्री० (ध्वंसना) વિનાશ. विनाश. Destruction. कप्प० ८, ५१;

जूसणा. स्त्री० (जोसणा) સેવા; સેવન. सेवन. Service; worship. ठा० ४, ३; ओव० ३४;

जूसिय. त्रि० (जुष्ट) સેવન કરેલ. सेवन किया हुआ. Served; worshipped; resorted to. नाया० १; ठा० ४, ३;

जूह. पुं० (यूथ) જૂથ; ટોળું; સમૂહ; જથ્થો. समूह; झुंड. A crowd; a band; a herd. नाया० १; ४; पिं० नि० ५१६; उत्त० ११, १६; पराह० १, १; सु० च० ६, २२; विवा० ४; —अहिवइ. पुं० (-अधिपति) ટોળાનો સ્વામી. झुंड समूहका स्वामी. the head of a group or a band. उत्त० ११, १६; —वइ. पुं० (-पति) ટોળાનો માલિક-ધણી. समूह का स्वामी. a owner of, a lord of crowds; the leader of a group. नाया० १; सु० च० ६, २६; पिं० नि० ६१७;

जुहिअ-य. न० (यूथिक) જુઇના ફુલ. जुई का फूल. A jasmine flower. जं० प०

जुहिया. स्त्री० (यूथिका) જૂઇ. जूई. A kind of jasmine राय० ५६; पन्न० १; जीवा० ३, ४; —पुड. न० (-पुट) જુઇનો પડો. जूई का पुडा. a packet of jasmine flowers. नाया० १७; —मंडव. पुं० (-मण्डप) જુઇનો માંડવો. जूई का मण्डप. a bowbr of jasmine. राय० १३७; —मंडवग. पुं० (-मण्डपक) જુઇનો માંડવો. जूई का

मण्डप. a bower of jasmine. जीवा॰ ३; जं॰ प॰

जूही. स्त्री॰ (यूथिका) જુઇનો વેલો. जूई की बेल. A jasmine creeper. (२) જુઇનું ફુલ. जूई का फूल. a jasmine flower. कप्प॰ ३, ३७;

जे. अ॰ (जे) પાદપૂરણ તથા વાક્યાલંકારમાં વપરાતું અવ્યય. पादपूरण व वाक्यालंकार में उपयोगी अव्यय. An indeclinable used expletively. नाया॰ ६;

जेट्ठ. त्रि॰ (ज्येष्ठ) જ્યેષ્ઠ; મ્હોટું; પ્રથમ ઉત્પન્ન થયેલ. ज्येष्ठ-वडील; प्रथम जो उत्पन्न हुआ हो वह. Senior; eldest; first-born. भग॰ १, १; २, १; ५; ३, १; ५, १; ७, १०, १६, ४; १८, २; नाया॰ १; ५; ६; सु॰ च॰ २, ६६६; जं॰ प॰ सू॰ प॰ १; राय॰ २०४; ओव॰ ३८; विशे॰ ४४३; उवा॰ १, ६६; ६, १७८; ७, २३०; १०, २७४; क॰ प॰ १, ३७; ४, ६०; प्रव॰ २७६; क॰ प॰ ५, १०३; पंचा॰ १०, ६; —पुत्त पुं॰ (-पुत्र) મ્હોટો પુત્ર. जेष्ठ पुत्र. the eldest son नाया॰ ५; ८; १२; १५; १८; —भातु. पुं॰ (-भ्रातृ) મ્હોટો ભાઇ. जेष्ठ भ्राता; वडील बंधु. the eldest or senior brother. नाया॰ १८; —लद्धि. त्रि॰ (-लब्धि) ઉત્કૃષ્ટ લબ્ધિવાળો. उत्कृष्ट लब्धि युक्त. (one) possessing good powers क॰ प॰ ७, २३; —सुण्हा. स्त्री॰ (-स्नुषा) મોટી વહુ. ज्येष्ठ वधु. wife of the eldest son; senior daughter-in-law. नाया॰ ७;

जेट्ठग. त्रि॰ (ज्येष्ठक) મ્હોટું. ज्येष्ठ-वडील. Elder or eldest. पंचा॰ ५, ७;

जेट्ठा. स्त्री॰ (ज्येष्ठा) મ્હોટી બ્હેન. ज्येष्ठ भगिनी. Elder or eldest sister. नाया॰ ८; (२) જેઠાણી. जेठानी. wife of husband's elder brother. सम॰ १; (३) જ્યેષ્ઠા નામનું નક્ષત્ર. ज्येष्ठा नाम का नक्षत्र. name of a constellation. अणुजो॰ १३१; सम॰ ३; ठा॰ २, ३;

जेट्ठामूल. पुं॰ (ज्येष्ठामूल) જેઠમાસ; જેઠ મહિનો. ज्येष्ठ मास. The month of Jyeṣṭha "गिम्हकाल समयम्मि जेट्ठामूलम्मि मासम्मि" ओव॰ ३६; ओघ॰ नि॰ २८६; भग॰ १८, १०; नाया१; —मास. पुं॰ (-मास) જેઠમાસ. ज्येष्ठ मास. the month of Jyeṣṭha. नाया॰ १३;

जेट्ठामूली. स्त्री॰ (ज्येष्ठामूली) જેઠ મહીનાની પુનમ. ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा. The full-moon day of the month of Jyeṣṭha. जं॰ प॰ ७, १६१;

जेणामेव. अ॰ (*येनैव-यत्र) જ્યાંકને जिस स्थान पर. Place where. उवा॰ १, १०; नाया॰ १; १४; भग॰ ५, ७; जं॰ प॰ ३, ४३;

जेणेव. अ॰ (यत्रैव) જ્યાં; જે ભાગમાં. जहां-जिस स्थान में. Where; place where. ओव॰ ११; अंत॰ १, १; नाया॰ १, ४; ५; ८; ९; १२; १४; १६; भग॰ १, १; ६;२, १; ४; ३, १; ५, ४; ७, ६; उवा॰ १, १०; ५८; २, ६४; जं॰ प॰ ४, ११२; ११४;

√ **जेम.** धा॰ II. (जिम्) જમવું; ભોજન કરવું. भोजन करना; जीमना. To dine; to take food.

जेमेइ. उत्त॰ १७, १६;

जेमिय. भग॰ ३, १;

जेमण. न॰ (जेमन) મિષ્ટ ભોજન मिष्ट भोजन. Sweet food; dinner consisting of sweet or delicious food. ओघ॰नि॰ ८८; उवा॰ १, ४०; १०,

२७७; प्रव० ४४२;

जेमणग. न० (जिमन) બાલક ખાતાંશીખે તે પ્રસંગે સંસ્કાર કરવામાં આવે તે. बालक का अन्न प्राशन संस्कार. Rites or ceremony performed at the time when a child first learns to take food. राय० २८८;

जेमावण. न० (जेमन) ભોજન કરાવવું તે. भोजन कराना. Giving food, dinner. भग० ११, ११;

जेमिणि. पुं० (जैमिनि) મીમાંસા દર્શનના સ્થાપક મુનિ. मीमांसा दर्शन के स्थापक मुनि. Name of a saint who was the founder of the Mīmānsā school of philosophy. नंदी०

जेयार. त्रि० (जेतृ) જીતનાર; જય કરનાર. जीतने वाला-विजयी. (One) who conquers; a victor. " जेया-तिया " भग० २०, २; नाया० १; सूय० १, ३, १,१;

जोहिल पुं० (जेहिल) એ નામના વસિષ્ઠ ગોત્રમાં ઉત્પન્ન થયેલ-આર્યનાગના શિષ્ય થિવર મુનિ. इस नाम के वशिष्ठ गोत्रोत्पन्न आर्यनाग के शिष्य थिवर मुनि. Name of a Sthavira ascetic born in the Vasiṣṭha family-origin and disciple of Āryanāga. कप्प० ८;

जोअ. पुं० (योग) સંયમ વ્યાપાર; ક્રિયા. संयम व्यापार; क्रिया. ascetic practice viz. contemplation upon the soul; activity of the mind, speech or body. उत्त० २०, २; विशे० ३५६; प्रव० ८४७; दसा० ९,२६; (२) ચંદ્રમાનો યોગ. चंद्र का योग. conjunction of the moon with a constellation etc. ओघ० ३१; सू० प० १२; (३) યોગ-મન વચન કાયાનો વ્યાપાર. योग-मन वचन काया का व्यापार. the activity of the mind, speech and body. नाया० ५; भग० १८, ८; प्रव० ७४८;

जोअण. न० (योजन) જોજન; ચાર ગાઉ અથવા ચાર હજાર ગાઉ પ્રમાણ એક ક્ષેત્રનું માપ. जोजन; चार कोश प्रमाण अथवा ४००० कोस प्रमाण क्षेत्र का माप विशेष. A Yojana (equal to 8 miles or (the larger one) equal to 800 miles). नंदी० १०; जं० प० ५, ११२; ६, १२५;

जोइ. पुं० (ज्योतिष्) અગ્નિ; પ્રકાશ, તેજ; જ્યોતિ. अग्नि, प्रकाश, तेज, ज्योति. Fire; light; lustre. दस० २, ६; ८, ६२; भग० ३, १; सूय० १, १६, ८; ओघ० नि० ६८२; राय० २५,६; नंदी० १०; दसा० १०, ३; ठा० ८, ३; भग० ८, ६; (२) જ્ઞાન ચક્ષુવાળો. ज्ञानचक्षुयुक्त. possessed of the vision of knowledge. ठा० ४, ३; (३) ગ્રહ, નક્ષત્ર, તારા આદિ. ग्रह, नक्षत्र, तारे आदि. a heavenly body such as a planet, star etc. सम० ३; क० गं० ३, ११; (४) જ્યોતિષ લક્ષણનું વિમાન વિશેષ. ज्योतिष लक्षण का विमान विशेष. name of a particular lustrous heavenly abode. (५) જ્યોતિષ સંબંધી જ્ઞાનવાળું શાસ્ત્ર. ज्योतिष विषयका ज्ञान देनेवाला शास्त्र. the science of the astronomy or astrology. निसी० ३,३;(६) નં૦ દીવાની જ્યોત. दीपक की ज्योति. lamp-light. प्रव० २००; (७) ત્રિ૦ સત્કાર્ય કરવાથી ઉજ્જવલ સ્વભાવવાળો. सत्कार्य करने से उज्ज्वल स्वभाव वाला. possessed of cheerfulness of spirit or nature imparted by performance of good deeds. ठा०

४, ३; (८) જેમાંથી અગ્નિ ઉત્પન્ન થાય તેવી જાતનાં કલ્પવૃક્ષ. उस जाति के कल्पवृक्ष जिनमें से अग्नि उत्पन्न हो. a variety of Kalpavṛikṣa (desire-yielding tree) emitting or supplying with fire. प्रव० १०८१; सम० १०; —अंग. पुं० (–अंग) જેમાં જ્યોતિ-પ્રકાશ જણાય તેવા-કલ્પ વૃક્ષની એક જાત. जिस में ज्योति-प्रकाश दृष्टिगोचर हो ऐसे कल्पवृक्ष की एक जाति. a variety of Kalpavṛikṣa (desire-yielding tree) emitting light. ठा० १०; तंदु० —ट्ठाण. न० (-स्थान) અગ્નિનું સ્થાન; અગ્નિનું ઠેકાણું. अग्नि का स्थान place or abode of fire. " कते जोई के व ते जोइट्ठाणं" उत्त०१२, ४३; —बल. त्रि० (–बल—ज्योतिर्ज्ञानं बलं यस्य स तथा) સદાચાર વાળો; જ્ઞાન વાળો. सदाचारी,ज्ञानी. possessed of the power of knowledge or right-conduct. ठा० ४, ३; —भंड, न० (—भाजन) અગ્નિનું ઠામ. अग्नि का पात्र. a vessel containing fire; a receptacle of fire. " जोइभंडेव रागो विव सुहराग विरागाओ " तंदु०

जोइ. पुं० (योगिन्) યોગ મતનો અનુયાયી; યોગ દર્શનનેજ માનનાર. योग मत का अनुयायी-योग दर्शन को ही मानने वाला. a follower of the tenets of the Yoga school of philosophy. ओव० ३८;

***जोइक्ख**. पुं० (ज्योतिष्क) દીવાની જ્યોત. दीपक की ज्योत. The light of a lamp. प्रव० २००;

जोइभूय. त्रि० (ज्योतिर्भूत) જ્યોતિર્મય થયેલ. ज्योतिर्मय जो है वह. (That which has) become full of light and illumination. " अप्पं समजोइभूयं" विवा० १, ४; सूय० १, १,२, १६;

जोइय. त्रि० (यौगिक) યૌગિક શબ્દ; જેના પ્રકૃતિ પ્રત્યયનો અર્થ શબ્દમાં ઘટે તે; यौगिक शब्द जिस के प्रकृति प्रत्यय का अर्थ शब्द में योग्य सूचित हो वह. A word bearing out its etymological sense. पण्ह० २, २; (२) યોગવાળા. योग वाला. possessed of Yoga. भग० ६, ३३;

जोइय. त्रि० (योजित) યોજેલ; જોડેલ. योजना किया हुआ; जुड़ा हुआ. Joined; united; planned. भत्त० २०, ८; उवा० ७, २०६;

जोइरस. न० (ज्योतिरस) એક જાતનું રત્ન. एक जाति का रत्न. A kind of gem. नाया० १; राय० २६; जीवा० ३, ४; कप्प० २, २६;

जोइस. न० (ज्योतिष) જ્યોતિષ ચક્ર. ज्योतिष चक्र. The system or group of heavenly bodies. जं० प० ५, ११७; पन्न० ३; ओव० २५; (२) पुं० જ્યોતિષ ચક્રની અંદર રહેલા દેવો; સૂર્ય ચંદ્ર વગેરે. ज्योतिष चक्र में रहे हुए देव-सूर्य चन्द्र वगैरह. any of the deities forming a part of the group of heavenly bodies; e. g. the sun, the moon etc. कप्प० ३, ३४; उत्त० ३६, ५१; ३६, २०२; विसे० ७०१; १८७०; पिं० नि० ८७; भग० २, ७; पन्न० २; (३) જ્યોતિષ શાસ્ત્ર. ज्योतिष शास्त्र. the science of Astronomy. भग० २, १; सु० च० ४, ६; —अंगविउ. त्रि० (–अंगविद्—ज्योतिषं ज्योतिष्कं

ज्योतिः शास्त्रमङ्गानि च विदन्ति ये ते ज्योतिषङ्गविदः) જ્યોતિઃશાસ્ત્ર વગેરે વેદનાં અંગને જાણનાર. ज्योतिष शास्त्र वगैरह वेद के अंगों को जानने वाला. (one) proficient in the Aṅgas (subsidiary or auxiliary branches) of Veda such as astronomy etc. उत्त० २४, ७; —अंत. पुं० (-अंत) જ્યોતિષ ચક્રનો અંત છેડો. ज्योतिष चक्र का अन्त. the boundary-line of the system of heavenly orbs. सम० ११; —आलय. पुं० (-आलय—ज्योतिरालयो गृहं येषां ते ज्योतिरालयाः) જ્યોતિષના દેવ. ज्योतिष के देव. a heavenly body regarded as a deity; e. g. the sun, the moon etc. " पंचहा जोइसालया " उत्त० ३६; २०४; ज्योतिष गण तारे नक्षत्र इत्यादि का समूह उस का राजा चन्द्र वा सूर्य. king of the heavenly bodies such as stars, constellations etc. the sun or the moon. जं० प० १; —चक्क. न० (-चक्र) જ્યોતિષ ચક્ર; સૂર્ય ચંદ્ર તારા નક્ષત્ર વગેરેનો સમૂહ. ज्योतिष चक्र; सूर्य चन्द्र तारे नक्षत्र वगैरह का समूह. the system or the group of the heavenly bodies such as the sun, moon and stars etc. —इंद. पुं० (-इंद्र) જ્યોતિષીના ઇંદ્ર; સૂર્ય ચંદ્ર ज्योतिष के इन्द्र. सूर्य, चन्द्र. the Indra of the heavenly bodies; the sun or the moon " चंदिमसूरियाय एत्थ दुवे जोइसिंदा जोइसियरायाणो परिवसंति " जं० प० १; भग० ३, १; १०, ४; १२, ६; १८, ७; निर० ३, १; पंचा० २, १४; प्रव० ४८१; —राय. पुं० (-राज) જ્યોતિષગણ-તારા નક્ષત્ર વગેરેનો સમુહ, તેનો રાજા ચંદ્ર સૂર્ય. king of the planetary system viz. the sun or moon. सम० ११; क० गं० १, ४६; —पह. पुं० (-पथ) સૂર્ય ચન્દ્ર આદિ જ્યોતિષ ચક્રનો માર્ગ. सूर्य चंद्र आदि ज्योतिष चक्र का मार्ग. the path of the heavenly bodies such as the sun, the moon etc. सम०—पह त्रि० (-प्रभ) જ્યોતિષ્ક દેવના જેવી કાંતિવાળો. ज्योतिष्क देवके समान कान्तिवान. possessed of a lustre like that of a heavenly body. सम० (२) અગ્નિના જેવી કાન્તિવાળો. अग्नि के समान कान्तिवान्. possessed of a lustre like that of fire. सम० —पहा स्त्री० (प्रभा) જ્યોતિષ-દેવ સમાન કાન્તિ પ્રભા. ज्योतिष देव समान कान्ति, प्रभा. lustre or brightness like that of a heavenly body. दसा० ६,१; —राय. पुं० (-राज) ચંદ્ર, સૂર્ય. चन्द्र, सूर्य. the sun and moon. "जोइसरायस्स पन्नत्ते" चं० प० १; भग० ३, १; १८, ७; —विमाण. न० (-विमान) જ્યોતિષી દેવનાં વિમાન. ज्योतिषी देवों के विमान. a heavenly abode of the heavenly bodies such as the sun, moon etc. भग० १, ५; —विहूण. (-विहीन) જ્યોતિષ રહિત. ज्योतिष रहित. devoid of heavenly bodies. भग० २, ६; —संचाल. पुं० (-संचाल) જ્યોતિષ ચક્રનું ફરવું. ज्योतिष चक्र का फिरना. motions of the heavenly bodies. सम० ३;

जोइसमंडिउद्देसग. पुं० (ज्योतिर्मण्डितोद्देशक) જીવાભિગમ સૂત્રનો એ નામનો એક

उद्देसो. जीवाभिगम सूत्र का इस नाम का एक उद्देशा. Name of an Uddesā (a section) of Jīvābhigama Sūtra. भग० १६, ६;

ओइसामयण. न० (ज्योतिःशास्त्र) જ્યોતિષ શાસ્ત્ર. ज्योतिष शास्त्र. Astrology, astronomy. कप्प० १, ६;

ओइसिणा. स्त्री० (ज्योत्स्ना) જ્યોત્સ્ના; કૌમુદી; ચાંદની. ज्योत्स्ना; कौमुदी; चांदनी. Moonlight. " जोइ सिणाइ " ठा० २, ४; —**पक्ख.** पुं० (-पक्ष) શુક્લ પક્ષ. शुक्ल पक्ष; the bright half of a month. च० प० १५; सू० प०

ओइसिणाभा. स्त्री० (ज्योत्स्नाभा) ચંદ્રની બીજી અગ્ર મહિષીનું નામ. चन्द्र की दूसरी अग्र महिषी का नाम. Name of the 2nd principal queen of the moon. भग० १०, ५;

ओइसिय. पुं० (ज्योतिष्क) સૂર્ય, ચંદ્ર, ગ્રહ, નક્ષત્ર અને તારા એ પાંચ જાતના દેવતા. सूर्य चन्द्र, ग्रह, नक्षत्र व तारे इन पांच जाति के देवता. The five kinds of deities viz. the sun, moon, planets, constellations and stars. भग० २, १; ३, १; २; ४: ८; ७, ६; ८, १; ६, १२; १४, १; १६, ६; १८, ७; जीवा० १; नाया० ८; सु० च० ४, १८; पन्न० १; ओव० २४; ३८; अणुजो० १४२; सम० १; प्रव० ११२६; ४५; ठा० १, १; —**देव.** पुं० (-देव) જ્યોતિષી દેવ; ચંદ્ર, સૂર્ય વગેરે; ज्योतिष के देव; चन्द्र सूर्य वगैरह. a heavenly body regarded as a deity; e. g. the sun, moon etc. भग० २४, १२; —**देवित्थी.** स्त्री० (-देवस्त्री) જ્યોતિષના દેવતાની સ્ત્રી. ज्योतिष के देवता की स्त्री. a wife of a heavenly body (regarded as a deity). " से किंतं जोइसियदेवित्थियाओ " जीवा० १; —**मंडल.** न० (-मंडल) ચંદ્ર, સૂર્ય, ગ્રહ, નક્ષત્ર, તારા આદિનું મણ્ડલ. चन्द्र, सूर्य, ग्रह, नक्षत्र, तारे आदि का मण्डल. the circle or system of the heavenly bodies such as the sun, moon, planets etc. जं० प० २, ३३; —**राय** पुं० (-राज) ચંદ્ર સૂર્ય. चन्द्र, सूर्य. the sun or moon. " जोइसिय रायाणो परिवसंति " पन्न० २; भग० १०, ५; निर० १, १; —**विमाण.** न० (-विमान) ચંદ્ર સુર્ય તારા આદિનાં વિમાન. चन्द्र, सूर्य, तारे आदि के विमान. a heavenly abode of the sun, moon, stars etc. पन्न० १;

ओई पुं० (ज्योतिष) જુઓ " जोइ " શબ્દ. देखो ' जोइ ' शब्द. Vide ' जोइ ' वेय० २, ६; पिं० नि० २६६;

ओईरस. न० (ज्योतीरस) એક જાતનું રત્ન. एक प्रकार का रत्न. A kind of gem राय० जीवा० ३;

ओईरसमय. त्रि० (ज्योतीरसमय) જ્યોતિરસ-રત્ન મય. ज्योतिरस रत्नमय. Full of gems. " जोईरसमया उत्तरंगा " राय०

ओईस्सर. पुं० (योगीश्वर) યોગીશ્વર; યોગીઓના ઈશ્વર. योगीश्वर; योगियोंके ईश्वर. The lord of Yogis (who concentrate) भग० १११;

ओउकण्णिअ. पुं० (योतकार्णक) પૂર્વાભાદ્રપદા નક્ષત્રનું ગોત્ર. पूर्वा भाद्रपदा नक्षत्र का गोत्र. The family-origin of the constellation Pūrvā Bhādrapadā. सू० प० १०;

ओएयव्य. त्रि० (योजितव्य) જોડવા યોગ્ય. जोडने के योग्य; योजनीय. Worthy of

being united or joined with. पन्न० १०; नाया० ८;

जोग. पुं० (योग) संबंध; मिलाप; જોડાણ. सम्बन्ध; मिलाप. Union; contact; combination. विशे० २; नाया० ११; पिं० नि० ५८; सम० ६; सू० प० ६; पन्न० ११; कप्प० १, २; (२) ચંદ્રમા ને નક્ષત્રનો સંબંધ. चन्द्र व नक्षत्र का सम्बन्ध. conjunction of the moon with a constellation. नाया० ८; (३) અપ્રાપ્ત વસ્તુની પ્રાપ્તિ. अप्राप्त वस्तु की प्राप्ति. acquisition of an unacquired object. जं० प० ७, १२६; १५१; १५२; नाया० ५; (४) યુક્તિ; ઉપાય. युक्ति; उपाय. plan; means to accomplish an object. पिं० नि० ५००; (५) પન્નવણા સૂત્રના ત્રીજા પદના પાંચમા દ્વારનું નામ. पन्नवणासूत्र के तीसरे पद के पांचवें द्वार का नाम. name of the 5th Dvāra of the third Pada of Pannavaṇā Sūtra. पन्न० ३; (६) વશીકરણ આદિ યોગ. वशीकरण आदि योग. the art of fascination etc. पण्ह० २, २; निसी० ११, १२; दस० ८, ५१; पिं० नि० ४०८; (७) ચિત્તની વૃત્તિનો નિરોધ. चित्तवृत्ति का निरोध. control of the vibratory activity of the mind. उत्त० ८, १४; (८) પડિલેહણ વગેરે શુભવ્યાપાર-પ્રવૃત્તિ. पडिलेहण आदि शुभव्यापार-प्रवृत्ति. salutary physical activity such as Paḍilehaṇa (inspection of clothes) etc. उत्त० ८, १४; (९) મન વચન અને કાયાનો વ્યાપાર. मन वचन व काया का व्यापार. vibratory activity of the mind speech and body. भग० ३, ३; ७, ५; ८, ७; १७; ३; २५, १; २६, १; सूय० १, १, ४, ६; अणुजो २१; क० प० १, ४; १४; पंचा० १, ४५; २५; प्रव० २६२; दस० ४, २६; ७, ४०; ८, ४३; नाया० १; उत्त० ३१, २०; सू० प० १; ओव० निसी० ६३, १८; २१; नंदी० ११; विशे० ३५६; मत्था० ३२; (१०) સંયમ. संयम. self-restraint. क० गं० १, ५४;

—क्खेम. न० (-क्षेम) યોગક્ષેમ; અપ્રાપ્તની પ્રાપ્તિ અને પ્રાપ્તનું રક્ષણ. योगक्षेम; अप्राप्त वस्तु की प्राप्ति व प्राप्त का रक्षण. acquisition of a desired object and safe protection of what is already acquired. नाया० ५;

—आयार. पुं० (-आचार) યોગાચાર. योगाचार the conduct of Yoga. सम० १;

—चलण. स्त्री० (-चलन) મન વચનાદિ યોગનું ચલવિચલપણું. मनवचन आदि योगोंका चलविचलपना. unstablitiy of the mind, speech and body. भग० १७, ३;

—जहरण. न० (-जघन्य) જઘન્ય યોગ. जघन्य योग the lowest, shortest Yoga. क० प० २, ७५;

—जवमज्झ. न० (-यवमध्य) આઠ સમયવાળા યોગસ્થાનકો. आठ समय वाले योगस्थानक. the Yoga stages lasting for eight Samayas. क० प० २, ७७;

—जुंजण. न० (-योजन) સ્વાધ્યાય આદિમાં પારકાને યોજવું તે. स्वाध्याय आदि में अन्य को योजना. setting (i. e. helping) another to study the scriptures etc. सम० प० १६८;

—जुंजणया. स्त्री० (-योजन) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide above भग० २५, ७;

—जुत्त. त्रि॰ (-युक्त) યોગ-મન વચન અને કાયાના વ્યાપારથી યુક્ત-સહિત. योग-मन वचन व कायाके व्यापार से युक्त-साहित. possessed of the activity of the mind, speech and body. प्रव॰ २७०; —ट्ठाण. न॰ (-स्थान—योगो वीर्यं तस्य स्थानं-योगस्थानम्) યોગ વીર્યનું સ્થાન. योग-वीर्य का स्थान. the sack or repository of the seminal fluid or heroic power. क॰ प॰ ७, ४४; क॰ गं॰ ५, ६५; —णिप्पोग. पुं॰ (-नियोग) વશીકરણઆદિ યોગનું જોડવું તે. वशीकरण आदि योग का जोडना. directing the activity of mind etc. towards fascination etc. तंदु॰ —णिव्वत्ति. स्त्री॰ (-निर्वृत्ति) યોગની નિષ્પત્તિ. योग की निष्पत्ति. accomplishment of Yoga. भग॰१६,८;—(गा)णुयोग. पुं॰(-अनुयोग) વશીકરણાદિ ઉપાય બતાવનારૂં હરમેખલાદિ શાસ્ત્ર. वशीकरण आदि उपाय बताने वाला हरमेखलादि शास्त्र. A science such as Haramekhala etc. dealing with the ways and means of fascination etc. सम॰ २६; —निमित्त. त्रि॰ (-निमित्त) મન વચન કાયાના યોગને નિમિત્તે થયેલું. मन वचन काया के योग के निमित्त जो हुआ हो वह. caused by the activities of the mind, speech and body. भग॰ १, ३; —पच्चक्खाण. न॰ (—प्रत्याख्यान) યોગ-મન વચન અને કાયાનો વ્યાપાર તેનો પરિહાર-ત્યાગ. योग-मन वचन व काया का व्यापार-उस का परिहार-त्याग. abandonment of, giving up of the activities of the mind, speech and body. उत्त॰ २६,२; —पडिक्कमण. न॰ (-प्रतिक्रमण) યોગ મન વચન અને કાયાના યોગનું પ્રતિક્રમણ કરવું તે. योग-मन वचन व काया के योग का प्रतिक्रमण करना. self-analysis and repentance for the faults connected with the activity of the mind, speech and body. ठा॰ ५, ३; —पडिसंलीणता. स्त्री॰ (-प्रतिसंलीनता) મન, વચન અને કાયાને વશ રાખવાં તે. मन वचन व काया को वशीभूत करना. control over mind, speech and body. भग॰ २५, ७; —परिणाम. न॰ (-परिणाम) જીવના પરિણામનો એક પ્રકાર. जीव के परिणाम का एक प्रकार. a kind of thought-activity of a soul or living being. ठा॰ ८; —परिव्वाइया. स्त्री॰ (-पारिव्राजिका) સમાધિવાળી પરિવ્રાજિકા-સન્યાસિની. समाधिस्थ परिव्राजिका; सन्यासिनी. a nun practising Samādhi or contemplation. नाया॰ ६; —भावियमइ. त्रि॰ (-भावितमति) ધર્મ વ્યાપારથી વિશેષ ભાવિત બુદ્ધિવાળું. धर्म व्यापार से विशेष भावित बुद्धिवाला. one whose knowledge is especially impressed by religious activities. पंचा॰३,२५;—मग्ग. पुं॰(-मार्ग) અધ્યાત્મ શાસ્ત્રનો માર્ગ. अध्यात्म शास्त्र का मार्ग. the path of philosophy. पंचा॰१६, ४२; —वस. त्रि॰ (—वश) યોગને વશ. योग के आधीन. (one) dependent on Yoga. क॰ प॰ ५, ६; —विसुद्ध. त्रि॰ (-विशुद्ध) નિરવદ્ય વ્યાપાર-વિશુદ્ધ વ્યાપારવાન્. निरवद्य व्यापार-विशुद्ध व्यापारवान्. (one) of pure, sinless

activity. "इमम्मी जोगविमुक्का" पंचा० १८, ४८; —वाहि. त्रि० (-वाहिन्) સાંભળેલાને યાદ રાખનાર-મનન કરનાર. श्रवण किये हुवे को स्मरण में रखने वाला, मनन करने वाला. (one) who reflects upon what he has heard. ठा० १०; —संग्गह. पुं० (-संग्रह) મન વચન-કાયાના વ્યાપારરૂપ પ્રશસ્ત યોગનો સંગ્રહ. मन वचन काया के व्यापाररूप प्रशस्त योग का संग्रह. bringing together, accepting the salutary activity of the mind, speech and body. सम० ३२; आव० ४, ७; —सुद्धि. स्त्री० (-शुद्धि) યોગની શુદ્ધિ વિશુદ્ધિ. योग का शुद्धि-विशुद्धि. purity of the activities of the mind, speech and body. प्रव०१५२४;—संपया. स्त्री० (-संपत्) યોગની સંપદા-વિશિષ્ટ ઋદ્ધિ. योगकी सम्पदा-विशिष्ट ऋद्धि. the special power of the activity of the mind,speech and body. प्रव० १५३; —सच्च. न० (-सत्य) મન વચન અને કાયાના વ્યાપારને સત્ય પ્રવર્તાવવે તે. मन वचन व काया के व्यापारको सत्य में प्रवृत्त करना. directing the processes of the mind, speech and body towards the right path. उत्त०२६,२;सम०२७,भग० १७, ३; —सत्थ. न० (-शास्त्र) યોગના શાસ્ત્ર, અધ્યાત્મ ગ્રંથ. योग के शास्त्र; अध्यात्म ग्रंथ. the scriptures dealing with metaphysics.पंचा०३,२७; —हीण. न० (-हीन) યોગ-સંયમ વ્યાપાર હીન. योग-संयम व्यापार हीन. devoid of self-control or asceticism. ओव० ४, ७;

जोगमुद्दा. स्त्री० (योगमुद्रा) હાથની આંગળીઓ પરસ્પર અન્તરિત કરી-સંપુટ બનાવી કોણિનો ભાગ ઉદરપાસે રાખી વંદનાનો પાઠ ઉચ્ચારતાં પાંચઅંગ (બે ઢીંચણ, બે હાથ અને મસ્તક) નમાડવા તે. हाथ की उंगलियों को परस्पर अन्तरित करके संपुट बनाकर कुहुनी का हिस्सा उदर के निकट रख कर वंदना के पाठ का उच्चार करते हुए पांच अंग (दो घुंटने, दो हाथ व मस्तक) झुकाना. Bending the five parts of the body (viz two knees, two hands and head) while paying respects or salutation, having kept the elbow near the abdomen and foldidg hands leaving some interval amongst the fingers. पंचा० ३, १७; प्रव० ७१;

जोगंतिया. स्त्री० (योगान्तिका—योगिनि सयोगिकेवलिनि संक्रमसमर्थत्वान्तः पर्यन्तो यासां तास्तथा) જે પ્રકૃતિઓનો તેરમે ગુણઠાણે અંત આવે છે તેવી કર્મ પ્રકૃતિઓ. जिन प्रकृतियों का तेरहवें गुणस्थान पर अन्त आता है ऐसी कर्म प्रकृतियां. Such varieties of Karmic matter which end at the 13th spiritual stage. कप० २, ३५;

जोगवंत. त्रि० (जोगवत्) સંયમ યોગ યુક્ત. संयम योग युक्त. Possessed or practising self-control or asceticism. सूय० १, २, १, ११; उत्त०११,१४;

जोगि. त्रि० (योगिन्) યોગ સહિત; સયોગી. योग सहित; सयोगी. With concentration; an ascetic सम० २; क० गं० ३, १६;क०प०४,४; —णाण. न० (-ज्ञान) જુઓ " जोइणाण " શબ્દ. देखो " जोइणाण " शब्द. vide "जोइणाण" सम०२;

जोगिय. त्रि० (योगिक) જુઓ " जोइय "

३७६. देखो " ओइय " शब्द. Vide " ओइय " पराह० २, २;

ओग्ग. त्रि० (योग्य) યોગ્ય; ઘટિત; ઉચિત; બરોબર; લાયક. योग्य; उचित; लायक. Proper; fit; worthy. विशे० ४;३३१; ३६०३; ओव० ३१; पिं० नि० ८८; राय० २८; निर० ३, १; क० प० ४, ३६; प्रव० ५५२; जं० प० ५, ११३;

ओग्गया. स्त्री० (योग्यता) યોગ્યતા; લાયકાત. योग्यता. Worthiness; fitness; propriety. सु० च० १, ३८०; पंचा० ३, ७; पंचा० १८, ४७; ६, १०;

ओग्गा. स्त्री० (योग्या) ગુણાકાર કરવો તે. गुणाकरना. Multiplication. भग० ११, ११; ओव० (२) અભ્યાસ. अभ्यास. study. (३) ગર્ભ ધારણ કરવાને લાયક યોનિ. गर्भ धारण करने के योग्य योनि. a womb fit for conception. तंदु०

ओजित. त्रि० (योजित) જોડેલું; લગાડેલું. जुड़ाहुआ; लगाहुआ. Joined; united; attached. पंचा० १६, ७;

ओडिउं. सं० कृ० अ० (योजित्वा) જોડીને. जोड़कर. Having joined or united. सु० च० १०, १४६;

ओडिय. त्रि० (योजित) જોડેલ. जोड़ा हुआ. Joined; united. सु० च० ७, ३४;

ओण. पुं० (योन) અનાર્ય દેશમાંનો એક. अनार्य देश में का एक. One of the Anārya countries. नाया० १;

ओणग. पुं० (यौनक) ઉત્તર ભરતમાંનો એક દેશ. उत्तर भरत का एक देश. Name of a country in Uttara Bharata. जं० प०

ओणि. स्त्री० (योनि) યોનિ; ઉત્પત્તિ સ્થાન; સ્ત્રીનો ગુહ્ય ભાગ. योनि; उत्पत्ति स्थान; स्त्री का गुह्य भाग. The womb; the origin; the female generative organ. भग० २, ५;५,३;४;६, ५;१०, १; २०, २;नाया० ७; तंदु० १०;पन्न०६;पिं०नि० भा० १३; पिं० नि० ५०७; जीवा० ३, ३; आया० १, १, १, ६; उत्त० ३, ५; कप्प० २, १८; अणुजो० १७;प्रव० १३७६; (२) પન્નવણા સૂત્રના નવમા પદનું નામ. पन्नवणा सूत्र के नववें पद का नाम. name of the 9th Pada of the Pannavaṇā Sūtra. पन्न० १; (३) ગીતની એક જાત. गीत की एक जाति. a variety of song. अणुजो० १२८; (४) આધાર. आधार. a support; a prop. " इहेगतिया सत्ता पुढवी जोणिया " सूय० २, ३, १; (५) એ નામનો ભગ અપર નામધારી દેવ. इस नाम का भग अपर नामधारी देव. name of a god, also styled Bhaga. ठा० २, ३; (६) જેનો દેવતા ભગ છે એવું પૂર્વાફાલ્ગુની નક્ષત્ર. जिस का स्वामी भग है ऐसा पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र. the constellation Pūrvāfālguni having Bhaga as its lord. ठा० २, ३; (७) કારણ. कारण. cause; reason. पंचा० ३, २१; —पमुह. त्रि० (-प्रमुख) યોનિ આદિ વગેરે. योनि आदि. a womb etc. विवा० १; —प्पमुह. त्रि० (-प्रमुख) યોનિનું દ્વાર. योनिद्वार. a mouth or entrance of the womb. विवा० १; सम० ८६; जीवा० ३; —मुहणिप्फडिय. त्रि० (-मुखनिष्पतित) યોનિના મુખમાંથી નીકળેલ. योनि के मुख में से निकला हुआ. come out of, issued from the mouth of a womb. तंदु० —लक्खचुलसी. स्त्री० (-लक्षचतुरशीति) ચોરાશી લક્ષ યોનિ. ८४ लख योनि. 84 lacs of lives प्रव०

३६; —**विहाण**. न० (—विधान) યોનિના પ્રકાર. योनि के प्रकार. any of the varieties of a birth. विवा० १; —**संगह**. पुं० (—संग्रह—योनिरुत्पत्ति हेतु; जीवस्य तया संग्रहोऽनेकधामेकशब्दाभिलाप्यत्वं योनिसंग्रहः) યોનિ-ઉત્પત્તિસ્થાનોનો સંગ્રહ. योनि-उत्पत्ति-स्थानों का संग्रह. the word "birth" taken in the abstract or collective sense. भग० ७, ५; ठा० ७, १; ८; जीवा० ३; —**समुच्छेय**. पुं० (—समुच्छेद) યોનિનો નાશ. योनिका नाश. destruction of birth. "एस जोणी जगाणं दिट्ठा न कप्पइ जोणिसमुच्छेओ" पगह० २, ५; —**सूल**. पुं० (—शूल) યોનિનો રોગ. योनि रोग. a disease of the womb. विवा० २; भग० ३, १;

जोणिभूय. त्रि० (योनीभूत) યોનિ અવસ્થાને પ્રાપ્ત થયેલ; (બીજ આદિ) योनि अवस्थाको प्राप्त (बीज आदि). Developed into a womb or origin. पञ०१;भग०२४;

जोणिय. त्रि० (योनिक) યોનિમાં ઉત્પન્ન થયેલ. योनि में उत्पन्न. Born in a womb. उवा० २, ११६; भग० २४, १; (२) યોન દેશમાં ઉત્પન્ન થયેલ. योन देश में उत्पन्न. produced or born in the country named Yona. नाया०१;

जोणिया. स्त्री० (योनिका) યોનિ ઉત્પત્તિ સ્થાન. योनि-उत्पत्ति स्थान. A womb; origin. भग० १४, ६;

जोणिया. स्त्री० (यौनिका) યોન નામના અનાર્ય દેશમાં જન્મેલી દાસી. योन नाम के अनार्य देशमें जन्म प्राप्त दासी. A maid servant born in the Anārya country named Yona. ओव० ३३; जं० प० नाया० १; भग० ९, ३३;

जोणीपद. न० (योनिपद) યોનિના અધિકાર વાળું પન્નવણા સૂત્રનું એક પદ. योनिके अधिकार वाला पन्नवणा सूत्र का एक पद. Name of a Pada of Pannavaṇā Sūtra dealing with the subject of births. भग० १०, २;

जोण्हा. स्त्री० (ज्योत्स्ना) ચાંદની; કૌમુદી. चांदनी. Moonlight. नंदी० ६; जीवा० ३, ३; सु० च० २, ३२;

जोति. न० (ज्योतिष्) જુઓ "जोइ" શબ્દ. देखो "जोइ" शब्द. Vide "जोइ" सूय० १, १२, ८;

जोतिय. त्रि० (योजित) જોતરેલું. जोता हुआ. Yoked to a cart, plough etc. नाया० ३;

जोतिरस. पुं० (ज्योतिरस) જ્યોતિરસ કાણ્ડ; ખરકાંડનો નવમો ભાગ. ज्योतिरस काण्ड; खर काण्ड का ९वां भाग. Jyotirasa Kāṇḍa i. e. the 9th division of Khara Kāṇḍa. जीवा० ३, १;

जोतिस. न० (ज्योतिष) જ્યોતિષ શાસ્ત્ર. ज्योतिष शास्त्र. Astronomy and astrology; the science of the course of the heavenly bodies. ओव० ३८;

जोतिसिय. पुं० (ज्योतिषिक) જુઓ "जोइसिय" શબ્દ. देखो "जोइसिय" शब्द. Vide "जोइसिय" राय० ३७;

जोतिसिह. पुं० (ज्योतिशिख) કલ્પવૃક્ષની એક જાત કે જેમાંથી યુગલીયાને સૂર્ય જેવો પ્રકાશ મળે છે. कल्पवृक्ष की एक जाति कि जिस में से युगलियों को सूर्य समान प्रकाश मिलता है. A species of Kalpa Vriksha (desire-yielding tree) from which the Jugaliyas get light like that of the sun.

जीवा० ३, ३;

ओत्त. न० (योक्त्र) જોતરૂં. जोत. A rope by which animal is tied to the pole of a carriage; halter. "सुकिरया तवणिज्ज ओत्तकलियं" पराह० २, ५; उवा० ७, २०६; सूय० २, २, १८; दसा० ६, ४; वव० १०, १; जं० प० ७, १६६;

√ **ओय.** धा० I, II. (युज्) જોડવું; યોજવું જોતરવું. जोडना; योजना; जोतना. To join; to unite; to yoke.

ओएंति. जं० प० ७, १५१;

ओएइ. ओव० ३०; उत्त० २७, ३; मम० ३; नाया० १७;

ओयंति. सू० प० १०; नाया० ८; जं० प०

ओएंति. ७, १५६;

ओएउं. वि० विशे० ६, १२; पिं० नि० ७६;

ओयंति. जं० प० ७, १५१;

ओएत्ता. नाया० १५; १७;

ओएमाण. जं० प० ७, १६१;

ओयावेइ. नाया० १६;

ओयावेत्ता. नाया० १७;

√ **ओय.** धा० I, II. (द्योत्) પ્રકાશ કરવો. प्रकाश करना To shine; to emit light.

ओयंति. जीवा० ३, ४;

√ **ओय.** धा० I. (द्युत्) જ્યોતિ મુકવી; પ્રકાશવું. प्रकाशित होना; चमकना. To shine; to emit light.

ओइंति. मम० ४२;

ओइंसु. सू० जं० प० ७, १२६;

√ **ओय.** धा० I (दृश्) જોવું; દેખવું. देखना. To see; to perceive.

ओयइ. सु० च० १५, १००;

ओयंत. सु० च० २, ३६५;

ओय. न० (योक्त्र) જોતરું; જોતર. जोत. The rope by which an animal is tied to the pole of a carriage.

ओयग. न० (द्योतक) દ્યોતક પદ; પ્ર, પર, વિગેરે ઉપસર્ગ. द्योतक पद; प्र, पर, इत्यादि उपसर्ग. A suggestive word; a preposition such as Pra, Para, etc. modifying in some way the sense of the verb or noun before which it is placed. विशे० १००३;

ओयण. न० (योजन) ચાર ગાઉ; ચાર ગાઉ પ્રમાણે ક્ષેત્ર. चार कोस; चार कोस के प्रमाण का क्षेत्र. A Yojana (8 miles); area covering eight miles. जं० प० ५, ११२; ११५; १, १२; मम० १; उत्त० ३६, ५७; ओव० ३४; अणुजो० १३४; नाया० ५; सू० प० १८; पंचा० १, १८; १५, ८०; प्रव० ८६१; कप्प० २, १६; भग० २, १; ६, ७; १५, १; १६, ८; ३६, १; नाया० १; ८; १६; विशे० ३८१; ३४६८; राय० २६; सु० च० २, ७०; ओव० ४२; उवा० १, ८३; ८, २५३; (२) જોડવું તે. जोडना. joining; uniting. पराह० १, १; —**निहारि.** त्रि० (-निहारिन्) ચાર ગાઉમાં વિસ્તાર પામનાર. चार कोस में विस्तृत. extending, stretching over 8 miles. "ओयण निहारिणा सरेण" मम० ३४; —**परिमंडल.** त्रि० (-परिमण्डल-योजन योजनप्रमाणं परिमण्डलं गुणप्रधानोऽयं निर्देशः परिमाण्डल्यं यस्य स योजनपरिमण्डलः) એક યોજન પ્રમાણે મંડલ-વર્તુલ. एक योजन के प्रमाण का मण्डल वर्तुल. of the circumference of a Yojana (8 miles.) 'ओयणपरिमंडल' सुस्सरं घंटं" राय० —**प्पमाण.** न० (-प्रमाण) યોજન-

ચાર ગાઉપ્રમાણુ'. योजन-चार कोस प्रमाण. measure of a Yojana (8 miles). भग० ६, ७; जं० प० २, १६०; —मित्त. त्रि० (-मात्र) ચાર ગાઉમાત્ર; જોજન પ્રમાણુ. केवल चारकोस; जोजन प्रमाण. measuring 8 miles only. प्रव० ४४८; —विच्छिन्न. त्रि० (-विस्तीर्ण) જોજનના વિસ્તારવાળું. जोजन के विस्तार वाला. extending 8 miles. प्रव० १०३२; —वेला. स्त्री०(-वेला) એક યોજન ચાલતાં જેટલો વખત લાગે તેટલો. एक योजन चलने में जितना समय लगता है उतना. the time required in walking one Yojana (8 miles) निसी० १८, १२; —सयविच्छिन्न त्रि०(-शतविस्तीर्ण) એક સો જોજનમાં વિસ્તાર પામેલ. एक सौ योजन में विस्तृत. extended as far as one hundred Yojanas. प्रव० ११६०; —सयसहस्स. न० (-शतसहस्र) એક લાખ જોજન. एक लक्ष योजन. hundred thousand Yojanas (8 miles). भग० ३, ७; —सहस्स. न० (-सहस्र) એક હજાર જોજન. एक हजार योजन; एक सहस्र योजन. 1000 Yojanas जं० प० ६; क० गं० ४, ७६;

जोवण. न० (यौवन) યુવાવસ્થા; જુવાની. युवावस्था. Youth; puberty. जीवा० ३, ३; नाया० १६; राय० ८०;

जोवणग. न० (यौवनक) યુવાનપણું. युवकत्व; युवावस्था. Youth; puberty. विवा० १; नाया० १;

जोव्वण. न० (यौवन) યૌવન; યુવાવસ્થા. यौवन; युवावस्था. Youth; puberty. पण्ह० १४; निर० ३, ४; ओव० २२; सूय० १, ३, ४, १४; आया० १, २, १, ६५; नाया० १; ३; ८; १४; १६; सू० प० २०; भग० ११, ११; मत्त० १२६; —गुण. पुं० (-गुण) યુવાવસ્થાના ગુણ. युवावस्था के गुण any of the characteristic qualities of puberty. नाया० १; —ट्ठाण. न० (-स्थान) યુવાવસ્થાનું સ્થાન. युवावस्था का स्थान. condition, stage, of puberty. भग० १२, ६; —त्थ. त्रि० (-स्थ) યુવાવસ્થા વાળો. युवावस्था वाला; युवक. in the prime of life; attaining puberty. भग० ६, ३३;

जोव्वणग. न० (यौवनक) યુવાવસ્થા. युवावस्था. Youth; puberty. नाया० १; १३; १६; भग० १४, १; कप्प० १, ६;

जोव्वणिया. स्त्री० (यौवनिका) યુવાવસ્થા. युवावस्था. Youth. राय०

√ जोस. धा० I. (जुष्) શોષણ કરવું; સુકાવવું; હાનનાશ કરવો. शोषण करना; सुखाना; क्षय–नाश करना. To dry up; to destroy.

जोसइ. आया० १, ३, २, ११२;

जोसयंत. त्रि० (जुषत्) સેવા કરતો. सेवन करता हुआ. Serving; rendering service. आया० १, ६, ४, १८८;

जोसणा. स्त्री० (जोषणा) પ્રીત. प्रीत. Affection; love. (२) સેવા. सेवा. service; devotion to. ओव० सम०

जोसिआ-या. स्त्री० (योषित्) સ્ત્રી. स्त्री. A woman. तंदु०

जोसिय. त्रि० (जुष्ट) સેવેલ. सेवन किया हुआ. Accepted; resorted to; served. सूय० १, २, ३, २;

जोह. पुं० (योध) યોદ્ધો; લડવૈયો; સુભટ. योद्धा; सुभट; सैनिक. A warrior; a combatant. ओव० १३; दसा० १०, १; सूय० १, ६, २२; जीवा० ३, ४; नाया० ८;

जं०प० भग०७,६; प्रव० १२४०; —द्वाण. न० (-स्थान) लडाईनुं स्थान. युद्ध स्थान. a battle-field. ठा० १; —बल. न० (-बल) योद्धानुं बल. सैनिक का बल. strength, might of a combatant. विवा० ३;

जोहार. पुं० (योध) योद्धा; युद्ध करनार. योद्धा; युद्ध करने वाला. A warrior; a combatant. नाया०१; भग०३, २; सूय० २, ३, २५;

जोहार. पुं० (*) सत्कार करवाने हाथ देवो के सामसामे भेटवुं ते. सत्कार करने के लिये कर अर्पण करना व परस्पर मिलना. shaking of hands or embracing each other as a sign of hospitality. प्रव० ४४१;

जोहि. त्रि० (योधिन्) युद्ध करनार. युद्ध करने वाला. A warrior; a combatant. ओव० ४०;

जोहिया. स्त्री० (योधिका) चंदन घो; एक जातनुं प्राणी. घोयरा; एक प्रकार का विषैला-प्राणी. A kind of poisonous reptile. जीवा० १, २;

जोहुत्त. न० (योधत्व) योद्धापणुं शूरवीरपणुं शूरवीरता; वीरत्व. Warlike quality; valour. नाया० १६;

√**उज्जल.** धा० I. (ज्वल्) बळवुं; प्रकाशवुं. जलना; प्रकाशित होना. To burn; to shine.

जलइ. अणुजो० १३१;

जलंति. जीवा० ३, ४; जं० प० ५, १२१; नाया० १७; उवा० १, ६६;

जले. वि० दस० १०, १, २;

जलंत. नाया० १; २; ५; भग० २, १; ६, ४; १६, ६; कप्प० ३, ४२; ४६; ओव० १३; १७; नाया०ध० ४,६०; ४, ११६; उत्त० ११, २४; १६,४६; अणुजो० १६; नंदी० १३; विवा० १; ७; दसा० ७, १;

जलमाण. पिं० नि० ६५६;

जलावण. क० वा० वि० दस० १०, १, २;

√**उज्झा.** धा० I. (ध्यै) ध्यान धरवुं; स्मरण करवुं. ध्यान धरना; स्मरण करना. To meditate upon; to recollect.

झायइ. आया० १,६,४, १५; उत्त० १८,५;

झायंति. ओघ० नि० ६६३;

झाइज्ज. वि० उत्त० १, १०,

झाएज्ज. वि० सु० च० ४, २६२;

झायमाण. व० कृ० नाया० ६;

झायंत. व० कृ० पिं० नि० ६३१; सु० च० ६, २२;

√**उज्झाम.** धा० I. (ध्मा) धमवुं. फूंकना; धौंकना. To blow, e. g. a bellows. (२) बाळवुं. जलाना to burn.

झामेइ. नाया०१;भग०१५,१;सूय०२,२,४४;

झामेन्ति. जं० प० २, ३३;

झामेज्जा. वि० दसा० ७, १;

झामावेइ. प्रे० सूय० २, २, ४४;

झामंत. व० कृ० सूय० २, २, ४४;

झामिज्जइ. क० वा० राय० २६६;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

झ.

झंख. पुं० (*) વારંવાર બોલવું; ઝંખના કરવી. बार बार बोलना; भारी लालसा करना. To speak frequently; to long ardently. पिं० नि० २८६;

झंझ. पुं० (झञ्झ) ધંધ; કલહ; ટંટો. कलह; फिसाद; झगडा. Quarrel, contest; turmoil. ओव० १६; (२) ભેદ. भेद. difference; division; altercation. पराह० २, ३;

झंझा. स्त्री० (झंझा) વ્યાકુલતા; વિહ્વલતા. व्याकुलता; विह्वलता. Distraction; agitation. आया० १, ३, ३, १२०; (२) કલહ; કજીયો; તોફાન. कलह; झगडा; तोफान. quarrel; strife; disturbance. सूय० २, १, ४१; —कर. पुं० (-कर) જેથી સંપ્રદાયમાં ભેદ પડે તેવી ખટપટ કરનાર; અસમાધિનું ૧૮મું સ્થાનક સેવનાર. जिससे संप्रदाय में भेद पडे ऐसी खटपट करने वाला; असमाधि के १८वें स्थान को सेवन करने वाला. a person who resorts to the 18th cause or source of Asmādhi (lack of mind-control) i. e. causes divisions in a sect by intrigues. सम० २०; —वाय. पुं० (-वात) વર્ષા સહિત નિષ્ઠુર વાયુ. वर्षा सहित तेज वायु. violent wind accompanied with rain. पन्न० १;

झंपित्ता. सं० कृ० अ० (अभिक्रम्य) અનિષ્ટ વચન બોલીને. अनिष्ट वचन बोलकर. Having spoken harsh words. सम० ३०;

झगि. अ० (झगिति) શીઘ્ર; જલદી; शीघ्र; सत्वर. Quickly; at once. भग० ३, २,

झत्ति. अ० (झटिति) જુઓ " झगि " શબ્દ. देखो " झगि " शब्द. Vide " झगि " भग० ३, २; सु० च० ३, ७४; —वेग. (-वेग) શીઘ્ર વેગ. शीघ्र वेग. Rapid, quick movement; rapid progress. नाया० १६;

झअ (य). पुं० (ध्वज) ધ્વજ; પતાકા. ध्वजा; पताका. A flag; a banner. भग० ७, ६; ११, ११; राय० ४७; १२३; विवा० ०; ओव० १०; जं० प० ४, ७४; —ग्ग. न० (-अग्र) ધ્વજનો અગ્રભાગ. ध्वजा का अग्रभाग. the fore-part of a flag or banner. नाया० ८; —दंड. त्रि० (-दंड) ધ્વજનો દંડ. ध्वजा का दंड. flag-staff. नाया० ६;

झया. स्त्री० (ध्वजा) ધ્વજ. ध्वजा. A flag; a banner. जं० प० ४, ७८; जीवा० ३, ३; नाया० १; ६; (२) ચૌદ સ્વપ્નામાંનું આઠમું સ્વપ્ન ધ્વજનું કે જે તીર્થંકર ચક્રવર્તિની માતાને ગર્ભાધાન સમયે જોવામાં આવે છે. चौदह स्वप्न में से आठवां ध्वजा का स्वप्न कि जो तीर्थंकर चक्रवर्ति की माता को गर्भाधानके समय देखनेमे आता है. the 8th of the 14 dreams which a Tirthaṅkara or Chakravarti's mother witnesses during her pregnancy; (in this dream she sees a flag). नाया० ८;

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

√**झर.** धा० I. (क्षर) ઝરવું; ઉપરથી સરકવું-પડવું. झरना; ऊपरसे गिरना. To drop down; to fall in drops.
झरइ. सु० च० २, ४८७;
झरंति. पिं० नि० ८४;

झरग. पुं० (*) સ્મરણકરનાર. स्मरण करनेवाला. (One) who remembers. नंदी० स्थ० २८;

√**झलहल.** धा० I. (ज्वल्) સળગવું. जलना. To burn; to be kindled.
झलहलइ. सु० च० ८, २१२;

झल्लरी. स्त्री० (झल्लरी) ઝાલર. झालर. A fringe. जीवा० ३, १; निसी० १७, ३३; ठा० ७, १; ओव० ३१; राय० ८८; कप्प० ४, १०१; (२) ખંજરી; એક જાતનું વાજિંત્ર. एक प्रकार का वाजिन्त्र; खंजरी. a kind of musical instrument played with the hand. अणुजो० १२८; भग० ५, ४; पण्ण० ३३; प्रव० १५००; (३) ડફ઼ા; ડાકલું; એવા આકારે જ્યોતિષનું અવધિજ્ઞાન છે. वाद्य विशेष कि जिसके आकारका ज्योतिषीका अवधि ज्ञान होता है. a sort of musical instrument narrow in the middle part and flat and round at the two ends with leather fastened on to them; (the Avadhijñāna of astrologers bears this shape). विशे० ७०६; (४) ઝમઝમીયાં; ઝાંઝ. झांझ. a sort of musical apparatus consisting of two mettalic dishes which when struck together make a jingling sound. आया० २, ११, १६८; **—संठाणट्ठिय.** त्रि० (-संस्थानस्थित) ઝાલરને આકારે રહેલ. झांझर के आकार के समान रहा हुआ. of the shape of a fringe. प्रव० १५००; **—संठिय.** त्रि० (-संस्थित —अल्पोच्चत्वात्महा विस्तारत्वाच्च तिर्यग्लोकक्षेत्र झांझर झल्लरीसंस्थितः) ઝાલરને સંસ્થાને-આકારે રહેલ. झांलर की आकृति में रहा हुआ. of the shape of a fringe. भग० ११, १०;

झविय. त्रि० (क्षपित) નિર્મૂલ કરેલ; ખપાવી નાખેલ. निर्मूल कियाहुआ; जड से हटा दियाहुआ. Destroyed; eradicated. उत्त० १८, ४;

झस. पुं० (झष) માછલું. मच्छी. A fish. विशे० ४६६; १८५४; जीवा० १; जं० प० नाया० ६; ओव० १०; उत्त० २२; ६; प्रव० १५४; (२) નાની માછલી. छोटी मच्छी. small fish. पराह० १, १;

झाइ त्रि० (ध्यायिन्) ધ્યાનકરનાર; ધ્યાન વાળો; સ્તુતિવાળો. ध्यान करनेवाला; ध्यान वाला; स्तुतिवाला. (One) who meditates upon; (one) who praises or extols. ओघ० नि० ४; आया० १, ६, ४, ३;

झाण. न० (ध्यान—ध्यायते चिन्त्यतेऽनेन) ધર્મધ્યાન વગેરે; અભ્યંતર તપનો એક પ્રકાર. धर्मध्यान वगैरह; अभ्यन्तर तप का एक प्रकार. A kind of inner austerity such as religious meditation etc. आया० १, १६; भग० ८, ७; १८, १०; २५, ७; उवा० २, ६६; प्रव० २७२; अत्त० १६०; (२)

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ચિત્તનું એકાગ્રપણું चित्त की एकाग्रता. concentration of the mind. सम० ४,६; ३२; श्रोव० २०; ३८; उत्त० २६, १२; पिं० नि० ५६०; सूय० १, ९, १६; विशे० ३०७; कप्प० ५, ११४; (३) મનન; સ્મૃતિ: मनन; स्मृति. meditation; recollection. सु० च० १, १; भग० २, ५; ३, २; दसा० ५, २७; —अंतरिया. स्त्री० (-अन्तरिका-अन्तरस्य विच्छेदस्य करणमन्तरिका ध्यानस्यान्तरिका ध्यानान्तरिका) આરંભેલ ધ્યાનની સમાપ્તિ અને અપૂર્વ ધ્યાનનો અનારંભ; બે ધ્યાનની મધ્યઅવસ્થા. आरम्भ कियेहुए ध्यान की समाप्ति और अपूर्वध्यान का अनारंभ; ध्यान की मध्यावस्था. the state between the end of one meditation and the beginning of another, a temporary break in meditation. भग० ५, ४; १२, १; (२) શુકલધ્યાન વિશેષ. शुक्लध्यान विशेष. a particular kind of purifying meditation e. g. upon the soul etc जं० प० २, ३१; —कोट्ठ पुं० (-कोष्ठ) ધ્યાનરૂપ ભંડાર. ध्यान रूप भंडार. a treasure in the form of meditation. विवा० १; —कोट्ठोवगश्र पुं० (-कोष्ठोपगत) જે ધ્યાનરૂપી કોષ્ટમાં નિમગ્ન હોય તે. जो ध्यान रूपी कोष्ठ में निमग्न हो वह. (one) who in immersed in the treasure of meditation. जं० प० २, ३१; भग० १, १; —सेवण. न० (-सेवन) ધ્યાનનું સેવન કરવું તે; ધ્યાન ધરવું તે. ध्यान का सेवन करना; ध्यान धरना. act of practising meditation. प्रव० ३१८;

झाणविभत्ति. स्त्री० (ध्यानविभक्ति-ध्यानानां विभजनं यस्यांसा) ૨૯ ઉત્કાલિકસુત્રમાનું ૨૧ મું. २९ उत्कालिक सूत्र में से २१ वां सूत्र. The 21st of the 29 Utkālika Sūtras. नंदी० ४३;

झाम. त्रि० (ध्मात-दग्ध) બળેલું, દાઝેલું. जला हुआ. Burnt; scalded. आया० २, १, १, १; जीवा० ३, १; पगह० १, ३; —वगण. न० (-वर्ण) ઉજ્વલતાથી રહિત વર્ણ; બળીગયેલનો રંગ-શ્યામતા. उज्वलता से हीन वर्ण; जले हुए का रंग-कालापन. black clour like that of an object burnt. भग० ७, ६;

झामिय. न० (ध्मापित) ઓલવાયેલું; બુઝાયેલું. बुझाया हुआ. Extinguished. भग० ५, २; सूय० २, १, १५;

झारी. स्त्री० (*) કીટ વિશેષ. कीट. विशेष. A kind of insect. सु० च० १०, ४६;

झिंगिरा. स्त्री० (झिंगिरा) તેઇંદ્રિય જીવની એક જાત. जिसको ३ इन्द्रियां हो ऐसा एक जीव. A kind of three-sensed living being. पन्न० १;

***झिंझिय.** त्रि० (*) ભૂખ્યા. भूखा. Hungry. वव० ८, २६;

√ **झिज्झ.** धा० I (क्षि) ક્ષયપામવું; ક્ષીણ થવું. क्षय को प्राप्त होना; क्षीण होना. To be destroyed; to waste away; to decay.

झिज्झइ. विशे० १२०६;

झिमिरी. स्त्री० (झामिरी) એક જાતની

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट(*). Vide foot-note (*)p. 15th.

वेलडी. एक जाति की छोटी बेल. A kind of small creeper. आया० २,१, ८, ४५;

झिमिया. स्त्री० (*) જડતા; શરીરના અવયવો જડાઈ જાયતે; સોલરોગમાંનો એક રોગ. जडता; शरीर के अवयवों का अकड जाना; १६ रोग में से १ रोग. One of the 16 diseases viz. paralysis of the limbs of the body. आया० १, ६, १, १७२;

√**झिया.** धा I. (ध्यै) ધ્યાન ધરવું; ચિંતન કરવું. ध्यान धरना; चिंतन करना. To contemplate: to meditate upon.

झियाइ. सूय० १, ६, १६; भग० ३, २; नाया० १: १६; उवा० १, ७७;
झियायइ. नाया० १; ३; ६; १४;
झियायंति. जं० प० ३, ५६;
झियायंति. सूय० १, ११, १६; नाया० १६;
झियायसि. नाया० १;
झियामि, नाया० १; ८; १६;
झियाए. वि० भग० २, ५;
झियाहि. नाया० १६;
झियायह. नाया० १; ८;
झियाइत्ता. सं० कृ० भग० ३, २;

√**झिया.** धा० I. (ध्मा) બળવું; દીપ્ત થવું. जलना; दीप्त होना. To burn: to be ignited. (२) બુઝાવવું. बुझाना. to extinguish.

झियाएज. भग० ५, ७;
झियाएजा. भग० १४, ५; वेय० २, ६;
झियायमाण. नाया० १; १४; १६; भग० २, १; ३, २; ८, ६; दसा० १०, ३; ५, २४;

झिलिया. स्त्री० (झिल्लिका) ત્રણ ઇન્દ્રિય વાલા જીવની એક જાત. तीन इन्द्रिय वाला एक जीव. A kind of three-sensed living being. पन्न० १;

झिल्ली. स्त्री० (झिल्लिका) એ નામની કોઈ વનસ્પતિ. इस नाम की कोई वनस्पति. Name of a kind of vegetation. पन्न० १;

झीण. त्रि० (क्षीण) ક્ષય પામેલ; નષ્ટ થયેલું. क्षयको प्राप्त; नष्ट. Destroyed; wasted away; consumed ओव० ३६;

झुंझिअ. पुं० (बुभुक्षित) ક્ષુધાથી પીડિત; ભુખ્યો. क्षुधा से पीडित; भूखा. Hungry; troubled by hunger. भग० १६, ४;

झुंझिय त्रि० (बुभुक्षित) ક્ષુધાતુર; ભુખ્યો; દુર્બલ. क्षुधातुर; भूखा; दुर्बल. Hungry; weak on account of hunger. नाया० १;

झुणि. स्त्री० (ध्वनि) અવાજ. आवाज. Sound. क० गं० १, ५१;

√**झुर.** धा० I. (झुर) ઝુરણા કરવી; રુદન કરવું. झुरना; रुदन करना. To cry; to weep; to pine away.

झुरंति. दसा० ६, १; ४;

झुरण. पुं० (झुरण) ઝુરવું; પસ્તાવું. पश्चात्ताप करना; झुरना. To pine away; to repent. दसा० ६, १;

झुसदाह. पुं० (बुसदाह) ભુસાને બાળવાનું સ્થાન. भुसा को जलानेका स्थान. The place for burning chaff or husk. निसी० ३, ६५;

झुसिर. त्रि० (शुषिर) છિદ્રવાળું; પોલું. छिद्र वाला; पोला. Having leaks or

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

holes; hollow. (२) न० छिद्र; पोल. छेद, पोलाई. hole hollowness. पगह० १, २; सू० प० १, ६; निसी० १७,२६; दस० ४,१,६६;जं० प० उवा० २, ६४; नाया० ८; गच्छा०८८;(३)वांसळी आदि सच्छिद्र वाजिंत्र. बांसुरी आदि सच्छिद्र वाजित्र. a musical instrument with holes e.g. a flute etc. जीवा० ३, ४; राय० ६५; (३) आकाश. आकाश. sky. भग० २०,२; (४) वांसळी आदि सच्छिद्र वाजिंत्रने शब्द. बांसुरी आदि सछिद्र वाजित्रकी आवाज. sound of a flute etc. भग० ५, ४; (५) खुल्ली जमीन. खुली जमीन. open space. नाया० १; —गोलसंठिय. त्रि० (-गोलसंस्थित) खाली गोळाने आकारे रहेल. खाली गोले के आकार में स्थित. of the shape of a hollow globe. भग० ११, १०;

√झूस. धा० II. (जुष्) सेववुं; आराधवुं. सेवन करना. To resort to; to worship. (२) क्षय करवो; कृश करवुं. क्षय करना; कृश करना. to destroy; to reduce.

झूसेइ. नाया० ५०

झूसंति. भग० १०, ४;

झूसित्ता. भग०३,१; नाया०१; उवा०१, ८६;

झूसत्ता. नाया० ५०

झूसणा. स्त्री० (जोषणा) कर्मोनो क्षय करवो. कर्मों का क्षय करना. Act of destroying Karmas. भग० २, १; नाया० १; (२) सेवा करवी; ग्रहण करवुं. सेवा करना; ग्रहण करना. act of worshipping; act of accepting. नाया० १; ठा० २, २;

झूसिअ-य. त्रि० (जुष्ट) क्षीण करेल; शोषवेल. क्षीण कियाहुआ; शोषण कियाहुआ. Dried up; enfeebled; sucked up. उवा० ८, २४२; जीवा० ३, १; भग० २, १; (२) सेवा करेल; आराधेल. सेवन किया हुआ; आराधन किया हुआ. worshipped; served. नाया० १; ठा० २, २;

झूसित. पुं० (जुष्ट) सेवेलु. सेवित. Worshipped; served. (२) कर्मनो क्षय करेल. कर्मका क्षय कियाहुआ. (one) who has destroyed the Karmas. भग० २, १;

झोड. पुं० (*) झाडमांथी पत्रादिनुं खंखेरवुं. वृक्ष में से पत्रादिक नीचे गिराना. Felling of leaves etc. from a tree. (२) पत्र रहित वृक्ष. पत्रों से रहित वृक्ष. a bare tree. नाया० ११;

झोडण. न० (*) वृक्षादिकने खंखेरवुं; फ्लादिने पाडवुं. वृक्षादिक को खंखेरना; फलादिकों को गिराना. Causing the fruits, leaves etc. to drop down from a tree by shaking it or thrashing it. पगह० १, १;

√झोस. धा० II. (क्षि जुष्) क्षय थवो. क्षय होना, करना. To waste away; to be destroyed; (२) सेववुं. सेवन करना. to resort to; to serve.

झोसेइ. भग० १८, २;

झोसित्ता. सं० कृ० भग० १८, २; नाया० १४; १६;

झोसमाण. व० कृ० सु० च० १, ३८४; आया० १, ६, २, १८४;

झोसणा. स्त्री० (जोषणा) सेवन. सेवन. Act

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foo-note (*) p. 15th.

of resorting to; serving. सम० ७;

झोसिय. त्रि० (जुष्ट) ખપાવેલ; ક્ષય કરેલ. क्षय किया हुआ. Destroyed; caused to waste away. आया० १,५;३,१२१;

ट.

टंक. पुं० (टङ्क) જેના કાંઠા તુટીગયા હોય તેવું તળાવ. जिसका किनारा टूट गया हो वैसा तलाव. A pond or a lake with its embankments broken. नंदी० ४७; (२) પર્વતની ટોચ-ટુંક. पर्वत का सिरा-शिखर. the summit of a mountain. अणुजो० १३४; (३) એક તરફથી તુટેલ પર્વત. एक तरफ से टूटा हुआ पर्वत. a mountain broken on one side. नाया० १; भग० ५, ७; पन्न० २; (४) न० છાપેલું નાણું, સિક્કો; છાપ. सिक्का ठप्पा दिया हुआ सिक्का. a coin; a stamped coin. पंचा० ३, ३५;

टंकण. पुं० (टङ्कण) પર્વતવાસી મ્લેચ્છની એક જાત. म्लेच्छ की एक जाति; पर्वत का आश्रय करने वाली एक म्लेच्छ जाति. A race of barbarians living in hilly districts. सूय० १, ३, ३, १८; विशे० १४४४; (२) ટંકણ નામનો દેશ. टंकण नाम का देश. a country of that name. भग० ३, २;

टकारवग्गपविभत्ति. पुं० न० (टकारवर्गप्रविभक्ति) ટકાર વર્ગના આકાર વિશેષથી યુક્ત; ૩૨ પ્રકારના નાટકમાંનો એક પ્રકાર. टकार वर्ग के आकार विशेष से युक्त; ३२ प्रकार के नाटक में से एक. Bearing the shape of any of the letters of the lingual class; one of the 32 varieties of dramas. राय० ९४;

टाल. न० (टाल) જેમાં ગોટલી કે ઠળિયા બંધાયા ન હોય તેવું ફલ. जिस फल में गुठली न बनी हो वह फल. A fruit with its stone unformed. आया० २, ४, २, १३८; दस० ७, ३२;

√**टिट्टियाव**. धा० II. (*) ખખડાવીને શબ્દ કરવો. खडखडाकर शब्द करना. To make a sound by shaking an object close to an ear.

टिट्टियावेइ. नाया० १;

टिट्टियाविन्ति. जं० प० ५, ११८;

टिट्टियाविज्जमाण. नाया० ३;

टिट्टिभी. स्त्री० (टिट्टिभी) ટિટોડી; ઊંધેમાથે લટકનાર એક પક્ષીની જાત. टिटोडी; नीचे की ओर सिरकरके लटकने वाला एक पक्षी. A kind of birds hanging head downwards, from trees. विवा० ३; —**अंडअ**. न० (-अण्डक) ટિટોડીના ઇંડા. टिटोडी-पक्षीविशेष का अण्डा. an egg of a kind of bird. विवा० ३;

टोपिआ. पुं० (*) પાઘડી; ટોપી. पगडी; टोपी. A turban; a cap. सू० च० १५, १३५;

टोल. पुं० (*शलभ) પતંગીઓ. Moth. भग० ७, ६; (२) તીડ. टिड्डी; तीड. Locust. प्रव० १२०; —**गति**. स्त्री० (-गति) પતંગીયાના જેવી ગતિ. पतं-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) P. 15th.

गिया की सी गति. Gait like that of a moth. भग० ७, ६;

टोलगइ. स्त्री० (टोलगति) ટોલ-તીડની પેઠે કુદતો કુદતો વંદન કરે તે; વંદનાના બત્રીશ દોષમાંનો પાંચમો દોષ. अंखफुडव जैसे कुदते हुए वंदना करने वाला; वन्दना के ३२ दोषों में से ५ वां दोष. One of the 32 faults of salutation to a Guru viz. hopping in the act like a grasshopper. प्रव०१५०;

√**ठव.** धा० I,II. (स्था + णि) સ્થાપવું; સ્થાપના કરવી. स्थापना; स्थापना करना. To fix; to place; to set.

ठवइ. जं० प० ५, ११७;

ठवेइ. जं० प० ५, ११७; वेय० १, ३१; ओव० ३२; निसी० ४, ३०; राय० ७३; नाया० १; २; ७; १६; नाया० ध० भग० ७, ६; २५, ७; उवा० १, ६८; ६, १६४;

ठवंति. ओव० ३३;

ठविंति. जं० प० ५, ११२;

ठवेंति. जं० प० ५, ११४; २, ३३;

ठवयंति. सूय० २, ७, १०;

ठवेमि. नाया० १२;

ठविज्ज. वि० उत्त० १, ६;

ठवेहि. आ० पक्ष० १.

ठवसु आ० सु० च० ४, १३६;

ठवित्तु सं० कृ० उत्त० ८, २;

ठवित्ता. सं० कृ० जं० प० ५, ११२; ११४; नाया० ५; वव० ८, ५; वेय० २, १२; उवा० १, ६६; वव० २, १;

ठवेत्ता. नाया० १; ८; १६; नाया० ध० भग० ७, ६;

ठविज्जइ. क० वा० नंदी० ४६; अणुजो०१०; पिं० नि० ५०६;

ठविज्जंति. सु० च० २, ३१९;

ठवेउं. गच्छा० २०;

√**ठा.** धा० I. (स्था) ઉભા રહેવું; સ્થિર થવું. खडा रहना; स्थिर होना. To stand. नंदी० ४६;

ठाइ. भग०५, ६; ७, ६; विशे०४७०; ६०४;

ठाइऊण. सं० कृ० जं० प० ३, ६२;

ठाइत्तए. हे० कृ० वेय० १, १६; आया० १, ६, २, १५;

ठाइत्ता. भग० १८, ३;

ठिच्चा. सं० कृ० भग० ३, १; ५, ६; ७, ६; ६, ३१; ३३; १०, १; ११, १०; १५, १; १६, ८; १८, १०; राय० २४१; नाया० ३; १४; निसी०५, १; पन्न०१७; वेय०५,२२; उत्त०३, १७;

√**ठा** धा० I, II. (स्था) ઉભા રહેવું; સ્થિર થવું. खडा रहना; स्थिर रहना. To stand; to be steady.

ठावेइ प्रे० भग० ६, ६; ११, ११; नाया० ४; ७; १३; दस० ६, ४, २;

ठावयइ. प्रे० " ठिओ परं ठावयइ परंपि " दस० १०, १, २०;

ठावइंति. प्रे० ओव० २७;

ठावेंति. प्रे० विवा० ४; भग० १८, २;

ठावेमि. प्रे० नाया० ४; ८; भग० ११, ६; १६, ५; १८, २;

ठावेमो. प्रे० नाया० १६;

ठावेहि. आ० नाया० १२;

ठावेह. आ० नाया० ८; भग० १८ २;

ठावइस्सामि. प्रे० दस० ६, ४, २;

ठावित्ता. सं० कृ० ठा० ३, १; भग० ३, १; नाया० १६;

ठावेत्ता. सं० कृ० नाया० ५; ७; ८; ६; १५; भग० ११, ६; १३, ६; ६; उत्त० ६,२२; भग०९,३३;११,११;१८,२;

ठावेंत. व० कृ० सु० च० ३, ८७;

ठाविज्जंति. क० वा० सम० ३;

ठ.

ठइत्त. त्रि० (स्थापित) साधु आवशे त्यारे आपशुं एम धारी स्थापी राखेलुं; साधुए टाळवा योग्य ठवणा नामना दोष वाळुं. साधु आवेंगे तब देंगे ऐसा सोच कर रक्खा हुआ; साधु को टालने योग्य ठवणा नामक दोष वाला. Kept, reserved with a view to be given to an ascetic when he might come; (this sort of food etc. is to be avoided by a Sādhu). ओव० ४;

ठइय. त्रि० (स्थगित) ढांकेलुं. ढांका हुआ; Covered. " पिहियंतु कआवरणा ठइयं " पंचा० १३, २७;

ठंडिल. न० (स्थंडिल) थंडिल-दिशाए जवानी भूमि. थंडिल-टट्टी जाने की भूमि. A ground for answering a call of nature on. नाया० १६;

***ठगिय.** त्रि० (*) छेतरायेल; ठगायेल. ठगाया हुआ; धोका खाया हुआ. Deceived; cheated. सु० च० ४, २८८;

ठप्प. त्रि० (स्थाप्य) स्थापवा योग्य; एक बाजु मुकी देवा योग्य. स्थापने योग्य; एक तरफ रखने योग्य. Worthy of being fixed or kept in some place. पिं० नि० २१८; अणुजो० ७२; १३८; भग० १५, १; (२) व्यवहार करवा योग्य नहीं; असंव्यवहार्य; लोकोना व्यवहारमां अनुपयोगी. व्यवहार करने में अयोग्य; असंव्यवहार्य; लोगों के व्यवहार में अनुपयोगी. unworthy of practical purposes. अणुजो० ३;

ठवक. पुं० (स्थापक) स्थापन करनार. स्थापन करने वाला. (One) who fixes, sets or places. नाया० १८;

ठवण. न० (स्थापन) स्थापन करवुं; मुकवुं. स्थापन करना; रखना. Setting; placing; fixing. पिं० नि० भा० २४; —**कुल.** न० (-कुल) भीक्षाचरने माटे आहारादिक थापी मुके तेवुं कुल. भिक्षाचर के लिये आहारादिक रख छोडे वह. reserving food etc. for Sādhus begging alms. निसी० ४,२८; —**जिण.** पुं० (-जिन) कोइ वस्तुमां जिननी कल्पना करवी ते. किसी वस्तुमें जिन की कल्पना करना. imagining Jina in any particular object. प्रव० ८७; —**पुरिस.** पुं० (-पुरुष) पुरुषनी स्थापना. पुरुष की स्थापना. setting or establishment by or of a person. ठा० १, १; —**लोग.** पुं० (-लोक) चौद राजलोकनी स्थापना. चौदह राजलोक की स्थापना. establishment of the 14 Rājalokas. ठा० ३, ३;

ठवणा. स्त्री० (स्थापना) जीववाळी के निर्जीव वस्तुमां तेना जेवा आकारवाळी बीजी वस्तुनी कल्पना करवी ते; स्थापना निक्षेपो. जीववाली या निर्जीव वस्तु में उसके जैसा भिन्न आकार वाली अन्य वस्तु की कल्पनाका करना; स्थापना निक्षेप. Imagining of one thing in another; animate or inanimate which is similar in form imagining one thing to

* जुओ पृष्ट नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

be another thing; Sthāpanā Nikṣepa. पन्न० ११; विशे० २६; ५४; पिं० नि० ५; अणुजो० ८; पंचा० २,१७; (२) સાધુને માટે અમુક કાલપર્યન્ત સ્થાપીને રાખેલ આહારાદિ આપવાથી લાગતો એક દોષ; ૧૫ ઉદ્ગમનમાંનો ૫ મો દોષ. साधु के उद्देश से किसी समय तक रख छोड़ा हुआ आहार आदि देनेसे लगनेवाला दोष; १६ उद्गमनों में से ५ वां दोष. the 5th of the 16 Udgamana faults connected with food viz. giving to a Sādhu after specially reserving it for him for some time. प्रव० ५७७; पंचा० १३, ५; पिं० नि० ६८; (३) ધારણાનું એક નામ. धारणा का एक नाम. another name for Dhāraṇā. नंदी० ३३; —अणंतय. त्रि० (-अनन्तक) સ્થાપનાથી અનન્ત છેડો નહિ આવે તે. स्थापना से अनंत-अंत नहीं आता वह. endless in the matter of Sthāpanā. ठा० ५, ३; —अणुपुव्वी. स्त्री० (-अनुपूर्वी) સ્થાપેલી-કલ્પેલી અનુપૂર્વી-અનુક્રમ. स्थापन कल्पित अनुपूर्वी-अनुक्रम. imagined serial order; imagined graded order. अणुजो० ७१; —(णि) इंद. पुं० (-इन्द्र) કોઈ પણ વસ્તુમાં ઈંદ્રની કલ્પના કરવી તે. किसी भी वस्तु में इन्द्र की कल्पना करना. imagining a particular object to be Indra. ठा० ३, १; विशे० ५३; —कम्म न० (-कर्मन्) પરમતનું ઉત્થાપન કરી સ્વમતનું સ્થાપન કરવું તે. अन्य मत का उत्थापन कर स्वमत का स्थापन करना. establishing one's own creed or tenet by refuting another's tenet or creed. ठा० ४, ३; —करण. न० (-करण) દાતરડા તલવાર વગેરે કરણનો લાકડા કે પત્થર વગેરેમાં કરેલો આકાર. दरांता, तलवार आदि हथियार का लकड़ या पत्थर में किया हुआ आकार. a shape or figure of a sword or a scythe carved in a piece of wood or stone. विशे० ३३०२;

ठवणिज्ज. त्रि० (स्थापनीय) સ્થાપવા યોગ્ય; એક બાજુ મૂકી દેવા યોગ્ય. स्थापित कर रखने के योग्य; एक ओर रख छोड़ने के योग्य. Worthy of being kept or fixed; worthy of being set aside. अणुजो० २; वव० २, १;

ठविअ-य. त्रि० (स्थापित) સાધુ સાધ્વીને માટે સ્થાપી રાખેલ (આહાર વગેરે). साधु साध्वी के लिये स्थापित कर रक्खा हुआ. Kept, reserved for a monk or nun; e. g. food etc. पराह० २, ५; दस० ५, १, ५५; वव० १, १८; नाया० १; २; भग० ५, ६;

ठवियग त्रि० (स्थापितक) જુઓ "ठविअ" શબ્દ. देखो "ठविअ" शब्द. Vide "ठविअ" प्रव० १०६; —भोइ. त्रि० (-भोगिन्) સાધુને માટે સ્થાપી રાખ્યું હોય તેને ભોગવનાર; સ્થાપના દોષ સેવનાર (સાધુ). साधु के वास्ते स्थापित कर रक्खा हो उसे भोगनेवाला; स्थापना दोष का सेवन करनेवाला (साधु). (one) who enjoys food etc. specially reserved for a Sādhu and thus incuring the fault known as Sthāpanā. प्रव० १०६;

ठविया. स्त्री० (स्थापिता) મળેલ પ્રાયશ્ચિત સ્થાપી મૂકે તે; આચાર્યાદિકની વૈયાવચ્ચમાં વ્યાઘાત પડે તેથી કરવાનું પ્રાયશ્ચિત વર્ત-

માનમાં ન કરતાં આગલ ઉપર કરવાનું રાખે તે. मिला हुआ प्रायश्चित्त स्थापन कर रखना; आचार्यादिक की वैयावच में व्याघात पडे इसलिये करनेका प्रायश्चित्त वर्तमान में न करते हुए भविष्य के वास्ते रख छोडना. Act of reserving an expiatory austerity for a future date in order to avoid disturbance in the service of a Guru etc. ठा० ५, १;

ठाइ. त्रि० (स्थायिन्) સ્થાયી; સ્થિર રહેનાર. स्थायी; बहुत समय स्थिर रहनेवाला. Standing; stationary. क०प० ४, २३;

ठाइयव्व. त्रि० (स्थापितव्य) સ્થાપવા યોગ્ય; સ્થાપવું. स्थापन करना; स्थापने योग्य. Act of fixing or establishing; worthy of being fixed or established. वव० ६, ४१;

ठाण. न० (स्थान) સ્થાન; ઠેકાણું; જગ્યા; મકાન. स्थान; ठिकाना; स्थल; मकान. A place; a house; an abode. भग० १, १; २, ७; ३, ४; ५, ६; ११, ६; १३, ४; १४, १०; १६, ५; २४, १२; २५, ८; नाया० १; ८; १६; दस० ५, १, १६; ६, ७; ६, २, १७; निसी० ५, २; १३, १; ओव० १०; सम० १; १०; राय० २३; वव० ७, ३; पिं० नि० भा० ४७; नंदी० ११; उत्त० ५, २; आया० २, २, १६३; सु० च० ४, ६१; प्रव० ५८७; कप्प० २, १५; गच्छा० १२५; क० प० १, ३१; (२) કાઉસગ્ગ; કાયાને જરીપણ હલાવવી નહીં તે. काउस्सग्ग; काया को जरा भी न हिलाना. giving up attachment to the body and practising self-contemplation. जं० प० ५, ११५; ओव० १६; सूय० १, २, २, १२; नाया० १६; नाया० ध० सम० प० १६८; वेय० १, १६; (३) लेश्या के अध्यवसायोनुं स्थान. लेश्या या अध्यवसायों का स्थान. an abode or source of matter or thought-tint or of thought activity. उत्त० ३४, २; भग० ४, १०; (४) કાર્ય. कार्य. an act; a deed. भग० ८, ६; (५) સ્થિતિ કરવી તે; અધર્માસ્તિકાયનું લક્ષણ. स्थिति करना; अधर्मास्तिकाय का लक्षण. act of remaining stationary; the characteristic (fulcrum of rest) of Adharmāstikāya उत्त० २८, ६; (६) આંકડાનું સ્થાન. अंक का स्थान. the place of figure. अणुजो० १४५; (७) ઉત્પત્તિસ્થાન; ઉપજવાનું ઠેકાણું. उत्पत्तिस्थान; उत्पन्न होनेका ठिकाना. source of birth; origin. अणुजो० १२८; (८) અવકાશ-ભૂમિપ્રદેશ. अवकाश-भूमिप्रदेश. space of land; ground. नाया० २; (६) શરીરને અમુક સ્થિતિમાં રાખવું તે; આસન. शरीर को अमुक स्थिति में रखना; आसन. a particular posture of the body. कप्प० ६, ५२; उत्त० ३०, २६; (१०) પન્નવણાના બીજા પદનું નામ. पन्नवणा के द्वितीय पद का नाम. name of the second Pada of Pannavaṇā. पन्न० १; (११) ત્રીજું અંગસૂત્ર કે જેમાં એકથી દશ પ્રકારની વસ્તુઓનું વર્ણન છે. तीसरा अंगसूत्र कि जिसमें एक से दश प्रकार की वस्तुओं का वर्णन है the third Aṅga Sūtra containing an account of substances ranging from 1 to 10 kinds. नंदी० ४४; अणुजो० ४२; सम० १; (१२) સ્થિતિ પરિણામ. स्थिति परिणाम. state of being motionless पि०

नि० ४४०; विशे० ५४७; (१३) સ્થાન-સ્થિતિરૂપ ગુણ. स्थान-स्थितिरूप गुण. the quality of being stationary. ठा० २,१; (१४) યોગ-મન, વચન, કાયાના વ્યાપારના સ્થાનક. योग-मन, वचन, काया के व्यापार का स्थानक. an abode or source of the activity of the mind, speech or body. क०प०१,५; (१५) ઉભા રહેવું તે. खड़ा रहना. act of standing. प्रव० ५२२; —अंतर. न० (-अंतर) સ્થાનાન્તર; યોગના એક સ્થાનથી બીજું સ્થાન. स्थानान्तर; योग के एक स्थान से दूसरा स्थान. another place; change of stage e. g. from one sort of activity to another. क०प० १, ४८; —उक्कडियासणिया. स्त्री० (-उत्कटिकासनिका) ઉકડું આસને બેસનાર સ્ત્રી. उकडु आसन से बैठनेवाली स्त्री. a female sitting in a knee-chest posture. वव० ५, २१; —उक्कुडुअ. पुं० स्त्री० (-उत्कुटुक) કાયોત્સર્ગ કરીને ઉકડું આસને ઉભડકાયે બેસનાર. कायोत्सर्ग करके उकडु आसनमें उभडकिये बैठनेवाला. one who sits on his legs after performing Karyotsarga (meditation upon the soul). नाया० १; बेय० ५, २४; पण्ह०२, १; भग० २,१; —कम. पुं० (-क्रम) સ્થાન યોગાદિ સ્થાનકનો અનુક્રમ. स्थान योगादि स्थानकका अनुक्रम. a graded order or order of the sources of the activity of the mind, speech and body etc. क०प० ४, २६; —गुण. पुं० (-गुण-स्थाने स्थितिगुणः कार्य यस्य सः) અધર્માસ્તિકાય; સ્થિતિમાં સહાય કરવાનો જેનો ગુણ છે તે. अधर्मास्तिकाय; स्थिति में सहाय करने का जिस का गुण है वह. one that has the property of helping stationary condition; Adharmāstikāya; fulcrum of rest. भग० २, १०; —ठाइत्ता. स्त्री०(-स्थायिता) એક સ્થાને ઉભા રહેવું તે. एक स्थान पर खडे रहना. act of remaining stationary. प्रव० ५६१; —नवग. न० (-नवक) નવ ગુણઠાણા. नौ गुणस्थान. nine Guṇasthānas(stages of spiritual development). " नियमा ठाणनवगम्मि भवणिज्जं " क० प० ७, ५; —ठिअ-य. त्रि० (स्थित) સંયમના સ્થાનકને વિષે સ્થિતિ પામેલ. संयम के स्थानक के विषयमें स्थिति-प्राप्त. (one) who has reached the stage of asceticism. सूय० १, २, १, १६; जं० प० ७, १४१; —पडिमा. स्त्री० (-प्रतिमा) સ્થાનની પ્રતિમા; આસન કે કાઉસગ્ગ સંબંધી અભિગ્રહ વિશેષ. स्थान की प्रतिमा; आसन या काउसग्ग के संबंध में अभिग्रह विशेष. a particular vow in connection with bodily posture or Kāyotsarga (contemplation upon the soul). ठा० ४, ३;—भट्ठ. पुं० (-भ्रष्ट) સ્થાનથી-સંયમ સ્થાનકથી ભ્રષ્ટ-પડેલો. स्थान से सयम-स्थानक से भ्रष्ट-गिरा हुआ. degraded, fallen down from asceticism. नाया० ८; —मग्गणा स्त्री० (-मार्गणा-मृग्यते इति मार्गणा स्थानस्य मार्गणा) સ્થાનની માર્ગણા; અવતરણ. स्थान की मार्गणा; अवतरण. the search for a way; descending of incarnation. जीवा० १; —लक्खण. त्रि० (-लक्षण) સ્થિતિ લક્ષણ યુક્ત (અધર્માસ્તિ કાય).

स्थिति लक्षण युक्त (अधर्मास्तिकाय). with the characteristic of Adharmāstikāya(fulcrum of rest).भग० १३;४; —विणिश्रोग. पुं० (-विनियोग-स्थाने विनियोगः) ठीक ठेकाणे जोडवुं; योजवुं. योग्य स्थान में जोडना; योजना करना. apt or proper application; proper use. विसे० ३३२; —समवायधर. पुं० (-समवायधर) ठाणांग अने समवायांग सूत्रनो धरणार-जाणनार. ठाणांग और समवायांग सूत्र को धारण करने वाला-जाननेवाला. one who knows the two Sūtras viz. Thāṇāṅga and Samvāyāṅga. वव० १०, १६;

ठाणश्रो. अ० (स्थानतः) एक ठेकाणेथी. एक ठिकाने से. From one place. सूय० १, १, २, १;

ठाणपद. न० (स्थानपद-स्थानस्य पदम्) प्रज्ञापना सूत्रना द्वितीय पदनुं नाम. प्रज्ञापना सूत्र के द्वितीय पद का नाम. Name of the 2nd Pada of Prajñāpanā Sūtra. भग०२, ७; १७,८;३४,१;

ठाणाइय. त्रि० (स्थानायत) कायोत्सर्ग, काउसग्गने आसने बेठेल. कायोत्सर्ग-काउसग्गके आसन से बैठा हुआ. (One) seated in the Kāusagga (meditatvie) posture. वेय० ५, २३; ठा० ५, १; भग० २५, ७;

ठायव्व. त्रि० (स्थातव्य) स्थिर रहेवुं. स्थिर रहना. Remaining stationary; state of being at rest. प्रव० १५८१;

ठावश्र. पुं० (स्थापक) पक्षने स्थापन करनार हेतु. पक्ष को स्थापन करने वाला हेतु. A logical reason which establishes one's own tenet. ठा० ४, ३;

ठावइत्तार. त्रि० (स्थापयितृ) स्थापनार. स्थापन करने वाला. (One) who places or establishes. दसा०४, ७१;

ठावण. न० (स्थापन) स्थापन करवुं ते. स्थापन करना. Act of placing or establishing. पंचा० ६, ३;

ठाविय. त्रि० (स्थापित) स्थापन करेल. स्थापन कियाहुआ. Placed; established. सम०३४;

ठावियव्व. त्रि० (स्थापयितव्य) स्थापन करवा योग्य. स्थापन करने योग्य. Worthy of being established; fit to be placed or established. भग० ८, १०; १२, ७;

ठिश्र-य. त्रि० (स्थित) स्थिर रहेल; व्यवस्थित करेल; उभुं राखेल. स्थिर रहा हुआ; व्यवस्थित किया हुआ; खड़ा किया हुआ. Steady; kept in order; kept standing. भग० ६, ३३; १८, ३; १७, २; २५, २; नाया० १६; ओव० २०; २६; उत्त० ३२, १७; दस० ६, ४, २; १०, १, २०; विशे० ५; ८४१; दसा० ४, १८; वव० ३, १३; पिं० नि० भा० ३२; सु० च० १, ३८; क० गं० १, ११; प्रव० २६३; कप्प० ५, १३३; प्रव० ४६१; —कप्प पुं० (-कल्प) भरत अने ऐरवत क्षेत्रमां पहेला अने छेल्ला तीर्थंकरना शासनना साधुओने माटे नियत करेल आचार व्यवस्था मर्यादा. भरत और ऐरवत क्षेत्र में प्रथम और अन्तिम तीर्थंकर के शासन के साधुओं के लिये नियत की हुई आचार व्यवस्था-मर्यादा. the course of conduct prescribed for Sādhus of the cult of the first and last Tirthaṅkaras of Bharata and

Iravatā Kṣetras. भग० २४, ६; ७; विशे० १२६६; पंचा० १७, २; प्रव० १८; ५४६; —प्पा. पुं० (–आत्मन्) જેનું મન ધર્મમાં સ્થિર હોય તે. जिस का मन धर्म में स्थिर हो वह. one whose mind is steady in the matter of religion. दस० ६, ५०; १०, १, १७; (२) મોક્ષમાર્ગમાં રહેલ આત્મા. मोक्ष मार्ग में रही हुई आत्मा. a soul steady in the path of salvation. आया० १, ६, ४; १६४;

ठिइ. स्त्री० (स्थिति) આયુષ્યમાન; જીવન કાલ. आयुष्यमान; जीवन काल. Period of life; life time. नंदी० ११४; भग० १, १; ५; २, १; ३, २; ६, ७; १४, १; २४, १२; ३६, २; नाया० २; ८; ६; १६; १६; नाया० ध० २; जीवा० १; जं० प० ओव० ३८, पन्न० ४; अणुजो० १६०; कप्प० ४, १४०; उवा० २, १२४; (२) પન્નવણાના ચોથા પદનું નામ. पन्नवणा के चौथे पद का नाम. name of the 4th Pada of Pannavaṇā. पन्न० १. (३) જ્ઞાનાવરણીયાદિ કર્મની સ્થિતિ-અવસ્થાન કાલ. ज्ञानावरणीयादि कर्म की स्थिति; अवस्थान काल. the duration of Karma such as Jñānāvaraṇīya etc. क० गं० १, २; ५, ८६; सम० ४; भग० २, १; नाया० १; नि० नि० ६६, उत्त० ३४, २; (४) બેસવું; સ્થિર થવું. बैठना; स्थिर होना. remaining steady; act of sitting. पन्न० २३; नाया० १; नि० नि० ५४; सु० च० २, ३६३; —कंडग (–काण्डक) કર્મના સ્થિતિ ખંડનો સમૂહ. कर्म के स्थिति खंडों का समूह. a collection of the various durations of Karmas. कप्प० ५, १३; ३६; —कम्म. न० (–कर्मन्) સ્થિતિ રૂપે બંધાયેલ કર્મ; કર્મની સ્થિતિ. स्थिति रूप से बंधा हुआ कर्म; कर्म की स्थिति. duration of Karmas. ठा० ४, ४; (२) સ્થિતિ કર્મ; જન્મ સંસ્કાર. स्थिति कर्म; जन्म संस्कार. Karmas causing birth in a particular condition. नाया० १८; —कल्लाण. त्रि० (–कल्याण-स्थितिः त्रयस्त्रिंशत्सागरोपमलक्षणा कल्याणां येषांतैः) કલ્યાણરૂપ ઉત્કૃષ્ટમાં ઉત્કૃષ્ટ સ્થિતિ વાળા. स्थिति कल्याण; उत्कृष्ट में उत्कृष्ट स्थिति वाला possessed of the highest duration. भग० ८००; जं० प० २, ३१; —काल. पुं० (–काल) સ્થિતિ-કર્મ સ્થિતિની ઉદીરણાનો કાલ સમય. स्थिति -कर्म स्थिति की उदीरणा का काल-समय. time of forcing up or hastening the maturity of Karmas. क० प० ४, ६२; —क्खय. पुं० (–क्षय) સ્થિતિનો ક્ષય; આયુષ્યની સમાપ્તિ. स्थिति का क्षय; आयुष्य की समाप्ति. end of life-period; end of fixed duration. नाया० १; ८; १४; १६, भग० २, १; ६, ३३; २४, ८; कप्प० १, २; क० प० ६,४; —खंड. पुं० (–खण्ड) કર્મની સ્થિતિના ખંડ કકડા. कर्म की स्थिति के खंड टुकडे. a division or detachment of the duration of Karma. क० प० २, ५२;—ट्ठाण. न० (–स्थान) કર્મસ્થિતિના સ્થાનક. कर्म स्थिति के स्थानक. different conditions of Karmas. क० प० ५, ४८; —नामनिहत्ताउ. न० (–नामनिधत्तायुः) ગતિ જાતિ આદિ નામ કર્મની પ્રકૃતિની સ્થિતિને અનુસાર આયુકર્મનો બંધ થાય તે. गति जाति आदि नाम कर्म की प्रकृति के अनुसार

आयुकर्म का बंध होना. the formation of Āyukarma determined by the nature of the duration of Nāmakarma such as Gati, Jāti etc. भग० ६, ७; —निसेग. पुं० (-निषेक) કર્મની સ્થિતિમાં કર્મના દલિયા નાખવા તે. कर्म की स्थिति में कर्मों के समूह को डालना. incurring, adding more Karmas during the continuance of the same kind of Karma. क० प० २, ७५; ६, १५; —पडिहाअ. पुं० (-प्रतिघात) ઉત્કૃષ્ટ સ્થિતિનો નાશ થાય તે. उच्च स्थिति का नाश होना. destruction of maximum duration (of Karma) as such. ठा०५, १;—भेअ. पुं०(-भेद) સ્થિતિના ભેદ-પ્રકાર. स्थिति के भेद-प्रकार. a variety or mode of duration of Karma. क०गं०५,६५; —रस. पुं० (-रस) કર્મની સ્થિતિ અને રસ. कर्म की स्थिति और रस the duration and intensity of Karma. क० प० ३, १०; —रसघाय. पुं० (-रसघात) કર્મની સ્થિતિ અને રસની ઘાત કરવી તે. कर्म की स्थिति और रस का घात करना. destruction of the duration and intensity of Karma. क० प० ५, १२; —विसेस पुं० (-विशेष) કર્મની સ્થિતિ વિશેષ; વિશેષ પ્રકારની સ્થિતિ. कर्मकी स्थिति विशेष; विशेष प्रकार की स्थिति. a particular duration of Karma. क० प० ३, ४; क० गं० गं० ५, ८०; —संकम. पुं० (-संक्रम) કર્મની એક સ્થિતિ ભોગવાતી હોય તેમાં બીજી સ્થિતિ નાખવી તે. कर्म की एक स्थिति भोगते हुए उसमें दूसरी स्थिति डालना. mixing up the duration of one Karma which is bearing fruit with the duration of another Karma of the same class. क० प० २, २८; ४, १२; —संतठाण. न० (-सत्स्थान) કર્મ સંબંધી સ્થિતિના સ્થાનક. कर्म संबंधी स्थिति के स्थानक. the sources which determine the duration of Karmas. क० प० ७, २०;

ठिइपद. न० (स्थितिपद) પ્રજ્ઞાપના સૂત્રના ચતુર્થ પદનું નામ. प्रज्ञापना सूत्र के चतुर्थ पद का नाम. Name of the 4th Pada of Prajñāpanā Sūtra. भग० ११, ११;

ठिइबंध. पुं० (स्थितिबन्ध—अध्यवसाय-विशेषगृहीतस्य कर्मदलिकस्य स्थितिःकाल-नियमनम्) કર્મની સ્થિતિનો બન્ધ; કર્મનું કાલમાન. कर्म की स्थिति का बन्ध; कर्म का कालमान. Duration of the attachment of Karmic matter to the soul. क० गं० ४, ८५; ५, २१; ५५; क० प० ५, १२; ठा० ४, २; —अज्झवसाय. पुं० (-अध्यवसाय) સ્થિતિ બંધના હેતુભૂત અધ્યવસાયો. स्थिति बंध के हेतुभूत अध्यवसाय. thought-activity causing Karmic matter to remain attached to the soul for a certain fixed duration. क० गं० ४, ८५; ५, ६५; —ट्ठाण. न० (-स्थान) સ્થિતિ બંધના સ્થાનક. स्थिति बंध के स्थानक. a source of or cause of the duration of Karma. क०प०१, ५२;

ठिइवडिया. स्त्री० (स्थितिपतिता—स्थितौ कुलस्य मर्यादायां पतिता पुत्रजन्मादिक्रिया) કુલ વા લોકની સ્થિતિ; મર્યાદા; કુલની પરંપરાથી ચાલી આવતી જન્મ મહોત્સવાદિ

क्रिया. कुल वा लोककी स्थिति; मर्यादा; कुल परंपरासे चली आती जन्म महोत्सवादि क्रिया. A practice handed down from one generation to another e.g. celebrating the birth of a son. ओव० ४०; नाया० १; १८; भग० ११, ११; राय० २८६; कप्प० ४, १०१;

ठिइय. त्रि० (स्थितिक) ઊભું રહેલું; સ્થિર થયેલું. खड़ा रहा हुआ; स्थिर. Become steady; standing. उवा० १, ७८, ओव० ३३; (२) સ્થિતિવાળો. स्थितिवाला. steady; standing. भग० ६, ३३; १२, ५;

ठिइया. स्त्री० (स्थितिका) સ્થિતિ. स्थिति. Condition; state; state of lasting. उवा० ७, २०८; भग० १४, ६;

ठित त्रि० (स्थित) ચિત્તમાં સ્થિર રહેલું. चित्त में स्थिर रहा हुआ. Steadily remaining in the mind अणुजो० १३;

ठिति. पुं० (स्थिति) ગતિનો અભાવ. गति का अभाव. Absence of motion. जीवा० ३, ४; (२) સ્થિતિ; આયુષ્યકાલ. आयुष्यकाल. existence; duration of life. भग० २०, १; २४; २०; जं० प० जीवा० १; राय० २८३; सू० प० १८; (३) મર્યાદા. मर्यादा. limit. पंचा० २, २८;
—**नामनिहत्ताउय.** पुं० (-नामनिधत्तायुष्क) એક પ્રકારનો આયુકર્મનો બંધ. નરકાદિ ચાર ગતિ એકેન્દ્રિયાદિ પાંચ જાતિ અને અવગાહનાદિરૂપ જે નામકર્મની પ્રકૃતિ તેની સાથે આયુકર્મનું નિધત્ત થવું. नरकादि ४ गति एकेंद्रियादि पांच जाति और अवगाहनादि रूप जो नामकर्म की प्रकृति उसके साथ आयुकर्म का निधत्त होना. determination of Ayukarma in relation to the various kinds of Nāmakarma such as the four Gatis e. g. hell etc, the five Jātis e. g. possession of one-sense etc.; a sort of Karmic bondage in relation to the duration of life. पन्न० ६; —**भेअ.** पुं० (-भेद) કર્મની જે સ્થિતિ બાંધેલ હોય તેમાં અધ્યવસાયાદિ બલથી ન્યૂનાધિકતા કરવી તે. कर्म की जो स्थिति बन्धी हुई हो उसमें अध्यवसायादि बल से न्यूनाधिकता करना. act of changing the fixed duration of Karma by the strength of thought-activity etc. अंत० ३, ८; —**वडिया.** स्त्री० (-पतिता) કુલક્રમાગત; કુલમાં આવેલી સ્થિતિ પ્રમાણે; જન્મોત્સવાદિ ક્રિયા. कुलक्रमागत; कुल में आई हुई स्थितिके अनुसार जन्मोत्सवादि क्रिया. traditionally handed down from one generation to another in a family. निर० १, १; —**साहण.** न० (-साधन) સ્થિતિ-આચાર મર્યાદા સાધી બતાવી-દર્શાવવી તે. स्थिति-आचार मर्यादा की साधना कर दिखाना. act of pointing out rules of conduct by practising them पंचा० २, २८;

ठितिय पुं० (स्थितिक) ઊભા રહેનાર. खड़ा रहने वाला. One who stands. भग० २४, २०; (२) त्रि० સ્થિતિવાળો. स्थिति वाला. standing; steady; lasting. ठा० १, १;

ठिय. त्रि० (स्थित) રહેલ. रहा हुआ. Remaining, posted; standing. प्रव० ७८२;

ड.

डंड. पुं० (दण्ड) દંડ. दंड; दंडा. A thick short stick. पण्ह० २;

डंडि. पुं० (दण्डिन्) દંડધારી. दण्डधारी; दण्डको धारण करने वाला. (One) with a stick in his hand. ओव० ११;

डंडिखंड पुं० (दण्डिखण्ड) ટુકડા ટુકડા સીવીને જોડેલ વસ્ત્ર. टुकड़े टुकड़े सांकर जोडा हुआ वस्त्र. A garment made up of fragments stitched together. पण्ह० १, ३;

डंभण. न० (दंभन) દંભકારી બીજાને ઠગવું તે. दंभ करके औरों को ठगना. Act of deceiving another by hypocritical show. प्रव० ११५;

√**डंस.** धा० I. (दश) ડસવું; કરડવું. काटना; डंक मारना. To bite; to sting. **डसइ.** उवा० २७, ४; सु० च० १, ३१५; **डंसावेइ.** सु० च० १३, ५५;

डंसण. न० (दंशन) ડસવું; કરડવું. डंक मारना; काटना. Act of biting. पिं० नि० ३५८;

डक. न० (दष्ट) જંગમ સર્પાદિનું ઝેર. जंगम सर्पादिका विष. Poisonous effect due to serpent bite etc. ठा० ६, १; (२) त्रि० ડંક દિધેલ. डंक दिया हुआ. bitten; stung. पण्ह० १, १; २, ५;

डका. स्त्री० (ढका) શિવનું વાજું; ડમરૂ. शिव का वाजिंत्र; डमरू. A sort of small hand drum of the god Śiva. सु० च० १३, ४६;

डगलग. पुं० (*) નાના નાના પથરા; કાંકરા. छोटे छोटे पत्थर; कंकर. Small stones; a pebble. पिं० नि० भा० १५;

डड्ढ. त्रि० (दग्ध) બળી ગયેલું; ભસ્મ થયેલું. जला हुआ; भस्मित. Burnt to ashes; burnt. सु० च० ४, २२२;

डमर. पुं० (डमर) બે રાજ્યોના કે રાજકુમારોના પરસ્પર વિરોધથી થતો ઉપદ્રવ. दो राज्यों अथवा राजकुमारों के परस्पर विरोध से होता हुआ उपद्रव. Trouble caused by quarrel among princes of the same royal family. जीवा० ३,३; भग० ३,७; निसी० १२,२३; पण्ह० १,२; जं० प० १,१; ओव० ३१; सूय० २, १, १३; (२) હુલ્લડ; તોફાન; બળવો. हुल्लड; बखेडा. rebellion; commotion; riot. नाया २, ११; १००; उत्त० ११, १३; प्रव० ४५०; —कर. त्रि० (-कर) બળવો કરનાર; તોફાન કરનાર. बलवा करने वाला; तुफान करने वाला. a rebel; (one) who incites others to a rebellion. ओव० ३१;

डमरुय. न० (डमरुक) ડમરૂ નામનો વાજીંત્ર. डमरु नाम का वाजंत्र. A kind of drum. निसी० १७,३३;

√**डह.** धा० I,II. (दह) બળવું; દાઝવું. जलना; दग्ध होना. To burn; to get burnt.

डहइ. विवा० ७;

डहेइ. नाया० २;

डहिहेजा. वि० दस० ६, १, ७; उत्त० १२, २८; जं० प० अणुजो० १३६;

डहह. आ० सूय० २,१,१७; सु० च० १०,११८;

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

डहिस्संति. सु० च० १०, ११३;
डज्झइ-ति. क० वा० उत्त० ६, १४; आया० १, २, ४, ८३; १, ३, ३, ११६; पिं० नि० ११४; २००;
डज्झंति. सु० च० ४, २११;
डज्झेज्ज. क० वा० वि० विशे० २१०;
डज्झिहिही. क०वा०भ० प्र० ए०सु० च०६,४०;
डज्झंत. क० वा० व० कृ० नाया० १; सम० प० २१०; सु०च०२, ५६६; कप्प० ३, ३२;
डज्झमाण. क० वा०व० कृ०सूय० १, ५, १, ७; उत्त० ६, १४; सु० च० ३, ३६;

डहण. त्रि० (दहन) બાળવું. जलाना. Act of burning; setting fire to. पिं० नि० ४७९;

***डहर.** त्रि० (*) હલકું; તુચ્છ; નાનું. हलका; तुच्छ; छोटा. Mean; trivial; insignificant. ओघ० नि० १७८; ७१५; ओघ० नि० भा० २६०; निसी० १२, ३८; क० प० १, ८०; (२) બાળક. बालक. a child. सूय० १, २, १, २; २, ३, २३; आया० २, ११, १००; अंत० ६, ३; दस० ६, ३, १२; (३) તરુણ; યુવક. तरुण; युवक. young; youthful दसा० ५, २, २६;

डाइणी. स्त्री० (डाकिनी) ડાકણ. डाकन. डाकनी. A female ghost; a wench. पण्ह० १, ३;

डाग. पुं० (डाक) વૃક્ષની ડાળખી; નાની ડાળ. वृक्षकी डाली; छोटी शाखा. A tender twig of a tree आया० २, १०;१६६; (२) ડાંભા શાક વગેરેની ભાજી. भाजीके भिन्न २ प्रकार. varieties of vegetables used as salads. प्रव०१४२५;

डामरिअ. त्रि० (डामरिक) વિગ્રહ કરનાર. विग्रह करनेवाला. (One) who wages a war. पण्ह० १,२;

डाय. पुं० (*) ડાંભા વત્થુલ શાક વગેરેની ભાજી. भाजी के भिन्न २ प्रकार. A variety of vegetables used as salads. दसा० ३, १६; पिं० नि० २५०; प्रव० १४२४; आया० २, १, ४, २४; (२) त्रि० સારૂં. अच्छा. good. सम० ३३;

डायट्ठिई. स्त्री० (डायस्थिति) જે સ્થિતિથી માંડીને તે પ્રકૃતિની ઉત્કૃષ્ટ સ્થિતિનો બંધ થાય ત્યાં સુધીની બધી સ્થિતિઓની ડાય-સ્થિતિ એવી સંજ્ઞા છે. जिस स्थिति से लगाकर प्रकृति की उत्कृष्ट स्थिति का बंधन हो उस तक की सर्व स्थितियों को डायस्थिति ऐसी संज्ञा है. A term denoting all the intermediate stages from a particular stage of duration to the highest stage of duration of a particular kind of Karma. क० प० १; ६६; ३, ६;

***डाल.** न० (*) શાખા; ઝાડની ડાળ. शाखा; झाड की डाली. A branch of a tree; a bough of a tree. महा० प० १००; पंचा० १८३६;

***डालग.** पुं० (*) શાખાનો એક ભાગ; ડાળખી. शाखा का एक भाग; छोटी डाली. A small branch of a tree; an offshoot of a tree. आया० २,१, १०, ५८; (२) ફળનાં પતિકાં; ન્હાની કકડી. फल का छोटासा टुकडा-चीर. a small slice

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट(*). Vide foot-note (*)p. 15th.

e. g. of fruit. आया० २, ७, २, १६०;

*डाला. स्त्री० (*) શાખા; ડાલ. शाखा; डाली. A branch of a tree; an offshoot of a tree. सु० च० ६, ३०;

डाह. पुं० (दाह) બળવું; દાઝવું. जलना; दग्ध होना. Act of burning; act of catching fire. पिं० नि० ५७०;

डिंडिम. न० (-डिंडिम) વાદ્ય વિશેષ; નાનો ઢોલ. वाद्य विशेष. A kind of drum. राय० ८८; जीवा० ३, १;

डिंडिमय. पुं० (डिंडिमक) છોકરાને રમવાનો નાનો ઢોલ. बालकों के खेलने का छोटा ढोल. A small drum used as a toy by children. सूय० १, ४, २, १४;

डिंब. पुं० (डिम्ब) ઉપદ્રવ; બળવો. उपद्रव; बलवा. Trouble; rebellion. (२) હરકત; વિઘ્ન. विघ्न; तुफान. obstruction; riot. जीवा० ३, ३; ओव० सूय० २, १, १३; आया० २, ११, १७०; भग० ३, ७, निसी० १२, ३३; जं० प० १, १०;

डिंभ. पुं० (डिंभ) બાળક. बालक A child. ओघ० नि० भा० २०७; पिं० नि० ३१०;

डिंभअ य. पुं० (डिंभक) બાળક बालक A child. अंत० ६, १५; निर० ३, ४; नाया० २; ८; १८;

डिंभिया. स्त्री० (डिंभिका) બાલિકા; કન્યા. बालिका; कन्या. A young girl. नाया० १८;

* डुंगर पुं० (*) ડુંગર; પર્વત. पर्वत; पहाडी. A mountain; a hill. जं० प०

* डुंब. पुं० (*) માવત. मावत. An elephant-driver. पिं० नि० ३८७; (२) ચાંડાલ (મહેતર). चांडाल (महेतर). a person belonging to the untouchable class. सु० च० ८, ८२;

डुट्ठ. त्रि० (दुष्ट) દુષ્ટ; દુર્જન. दुष्ट; दुर्जन. Wicked; bad; evil. दसा० ४, ८४;

डूतिपलासअ. पुं० (दूतिपलाशक) દુતિપલાશ નામે ઉદ્યાન. दुतिपलाश नाम का उद्यान. A garden named Dūtipalāśa. दसा० ५, ६;

* डेवण. न० (*) ઉલ્લંઘન; ઓળંગવું. उलंघन; उलांघना. Act of transgressing or going beyond; crossing. ओघ० नि० ३९; गच्छा० ८२;

डेवेमाण. त्रि० (*) અતિક્રમણ કરતો. अतिक्रमण करता हुआ. (One) who transgresses, crosses or goes beyond. भग० १३, ६;

* डोअ. पुं० (*) લાકડાનો ચાટવો; लकडी का चाटू; दाल ओसावने हिलाने के काम में आने वाली वस्तु का नाम. A sort of ladle used for stirring broth etc. पिं० नि० २५०;

डोंगर. पुं० (डुंगाः शिलावृन्दाः चौरवृन्दाश्च सन्ति यत्र) પર્વત; ચોરોને રહેવાનું સ્થાન. पर्वत; चारों के रहने का स्थान. A mountain; a place or abode of thieves " पव्वयगिरिडोंगर रुक्खकंभाहिमारीए " भग० ७, ६; —डोंब. पुं० (डोंब) ડોંબ દેશ. डोंब देश. Domba country. (२) त्रि० ડોમ્બદેશ નિવાસી. डोम्ब देश निवासी. an inhabitant of the country called Domba. पण्ह० १, १; पन्न० १;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

डोंबिलग. त्रि० (डोम्बिलक) ડોમ્બિલદેશ નિવાસી. डोंबिल देश निवासी. An inhabitant of the country called Dombila. पराह० १, १; पन्न० १;

⊛ **डोंडिणी.** स्त्री० (*) બ્રાહ્મણી; બ્રાહ્મણ જાતિની સ્ત્રી. ब्राम्हण जाति की स्त्री. A female Brāhmaṇa; a female of the Brāhmaṇa caste. अणुजो० ४; ६६;

डोल. पुं० (*) મહુડાના ફળ. महुवा का फल. A fruit of a Mahuā tree. "बिगईओ सेमाणं डोलाइयं न विगईओ" प्रव० २२०;

डोहल. न० (दोहद) ત્રીજા મહિના દરમ્યાન ગર્ભવતી સ્ત્રીને ગર્ભના જીવના ભાવિ અનુસાર જુદી જુદી ઈચ્છા થાય તે; દોહલો. तीसरे महिने के दरम्यान गर्भवती स्त्री को गर्भ के जीव के भावी के अनुसार भिन्न भिन्न इच्छाएं हो वह. A variety of desires experienced by a woman in the third month of her pregnancy, these desires foreshadowing the future of the child in the womb. नाया० १; ८; विवा० ७; तंदु० १६; सु० च० १, ३०६;

ढ.

ढंक. पुं० (ढंक) ઢંક પક્ષી; પાણીના જીવો પર નિર્વાહ કરનાર એક પક્ષી. ढंक पक्षी; पानीके जीवोंपर निर्वाह करने वाला एक पक्षी. A kind of bird feeding upon insects living in the water. पन्न० १; जीवा० १; उत्त० १६, ५६; सूय० १, १, ३, ३; १, ११, २७; भग० ७, ६; १२, ८; जं० प०

ढंकण. पुं० (*) ચાર ઇન્દ્રિયવાળા જીવની એક જાત; માકડ. चार इन्द्रिय वाला जीव; खटमल. A four-sensed being; a bug. पन्न० १;

⊛**ढंकुण.** पुं० (*) માકડ. खटमल A bug. जं० प० (२) એક જાતનું વાજિંત્ર. एक जाति का वाजित्र. a kind of musical instrument. आया० २, ११, १६८; —**सद्द.** न० (-शब्द) ઢંકણ નામના વાજિંત્રનો શબ્દ. ढंकण नाम के वाजिन्त्र का शब्द. sound of a musical instrument named Dhaṅkaṇa. निसी० १७, ३८;

ढक्कवत्थुल. पुं० (ढक्कवास्तुल) શાક વનસ્પતિની એક જાત કે જે ઉગતાં અનન્તકાયિક હોય છે અને છેદ્યા પછી પ્રત્યેક થાય છે. शाक वनस्पति की एक जाति कि जो ऊगनेपर अनंत कायिक होती है और काट डालने के बाद प्रत्येक होती है. A sort of vegetable which contains infinite lives during growth but which becomes Pratyeka (having one life) after it is cut off. प्रव० २४२;

ढड्डर. पुं० (ढड्डर) અનુકરણ શબ્દ; જે સ્વર-આવાજમાં ઢરઢર થાય તે; ભાભરો અવાજ. अनुकरण शब्द; जिस स्वर का आवाज ढर ढर सा होता है वह. A sound resembling that produced by the pronunciation of Dhara-

* જુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

ḍhara, an onomatopoetic word. पिं॰ नि॰ ४२५०; ओघ॰ नि॰ भा॰ ५१६; (२) राहुदेवनुं नाम. राहुदेव का नाम. name of the god Rāhu. सू॰ प॰ २०; प्रव॰ १५४; —सर. पुं॰ (-स्वर) મ્હોટો સ્વર-આવાજ. बडा स्वर-आवाज. a loud sound. प्रव॰ १७३;

*ढिंकण. पुं॰ (*) માકડ; ખટમલ. खटमल. A bug. उत्त॰ १६, १४५;

ढेणियालग. पुं॰ (ढेणियकालक) पक्षि विशेष; ढेल विशेष. पक्षी विशेष; मोरनी; मयुरी. A particular kind of bird resembling a pea-hen. पराह॰ १, १;

ढेणियालिया. स्त्री॰ (ढेंढिकालिका) पक्षि: ढेल विशेष. मोरनी; मयुरी. A kind of bird; a bird resembling a pea-hen. अणुत्त॰ ३, १;

ढोल. पुं॰ (*) ઉંટ. ऊंट. A camel. जं॰प॰

ण.

ण. अ॰ (न) નકાર; ના; નહિ; નિષેધ. नकार; ना; नहीं; निषेध. A negative: not; no. नाया॰ १; २; ५; ८; १८; १५; १६; १८; भग॰ १, ६; २, १; ३, ७, २६, १; उत्त॰ १, १४; सूय॰ १,१, १, २०;

णई. स्त्री॰ (नदी) નદી. नदी. A river. नाया॰ १; ओव॰ ३८; जं॰ प॰ १, १०; —कच्छ. न॰ (-कच्छ) નદીની પાસેની ગીચ ઝાડી. नदी के नजदीक की घनी झाडी. a dense thicket of trees in the vicinity of a river. नाया॰ १;

णउअ-य. त्रि॰ (नवत) ९०; નેવું ९०; नव्वे. 90; ninety. " सत्तणउए जोयणसए अबाहाए अंतरे पराणत्ते " भग॰ १४, ८. जं॰ प॰ ६, १२५;

णउअ-य. न॰ (नियुत) ८४ લાખ નિયુતાંગ પ્રમાણ કાલ વિશેષ. ८४लाख नियुतांग प्रमाण काल विशेष. A period of time measuring 84 lacs of Niyutāṅgas. ठा॰ २, ४; भग॰ २५, ५;

णउअ(यं)ग. न॰ (नियुताङ्ग) ८४ લાખ અયુત પ્રમાણ કાલ વિશેષ. ८४ लाख अयुत प्रमाण काल विशेष. A period of time measuring 84 lacs of Ayutas. ठा॰ २, ४; भग॰२५,५;

णउइ. स्त्री॰ (नवति) નેવું; ९०. नव्वे; ९०. Ninety; 90. जं॰ प॰ भग॰ २०, ५;

णउल. पुं॰ (नकुल) નોળીઓ. नेवला; नकुल. A weasel. नाया॰ ८; १६; पराह॰ १; उवा॰ २, ६५; भग॰ १५, १; (२) न॰ વાદ્ય વિશેષ. वाद्य विशेष. a particular kind of musical instrument. राय॰ ८८; (३) पुं॰ પાણ્ડુરાજાનો દીકરો; પાંચ પાંડવમાંનો સૌથી નાનો ભાઇ. पाराडु राजा का पुत्र; पांच पाराडवों में से सब से छोटा भाई. one of the five sons of the king Pāṇḍu, so named. नाया॰ १६;

णउली. स्त्री॰ (नकुली) સર્પને વશ કરવાની વિદ્યા. सर्प को वश करने की विद्या. The art of charming serpents. ओव॰ १; कप्प॰

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

णं. अ० (*) વાક્યાલંકાર; વાક્યના અલંકાર રૂપ એક શબ્દ. वाक्यालंकार; वाक्य के अलंकार रूप एक शब्द. A particle used as an expletive. "से णं कालेणं तेणं समयेणं" नाया० १; अणुजो० ६; भग० १, १; ४, २; ६, ४; दस० ४, १, ४३; ६, ११; वव० १, २९; जं० प० वेय० १, ३९; पन्न० २;

णंगर. पुं० (*) લંગર; વહાણને રોકી રાખવાની દોરડી કે સાંકળ. लंगर; जहाज को रोकने का सांकल आदि. Anchor. विवा० ६;

णंगल. न० (लाङ्गल) હળ. हल. A plough. पण्ह० १, १;

णंगलई. स्त्री० (नङ्गलकी) એ નામની એક સાધારણ વનસ્પતિ. इस नाम की एक साधारण वनस्पति. A sort of vegetable containing infinite lives. पन्न० १; भग० २३, ४;

णंगलिअ-य पुं० (लाङ्गलिक) સોનાનું હળ હાથમાં લઇ સ્વારીમાં આગળ ચાલનાર સુભટ. सुवर्ण का हल हाथमें लेकर सवारी में आगे चलनेवाला सुभट. A warrior who moves in the van of a procession with a golden plough in the hand. जं० प० ३, ६७; कप्प० ओव० ३२; ३, ६७;

णंगोलिय. पुं० (लाङ्गोलिक) લાંગુલિક નામનો અંતરદ્વીપ; ૫૬ અંતરદ્વીપમાંનો એક. लांगुलिक नाम का अंतरद्वीप; ५६ अंतरद्वीप में से एक. Name of one of the 56 Antara Dvipas (islands). ठा० ४, २; (२) पुं० स्त्री० તે અંતરદ્વીપમાં વસનાર મનુષ્ય. उस अंतरद्वीपमें रहनेवाला मनुष्य. a person residing in the above island. पन्न० १;

णंद. पुं० (नन्द) સમૃદ્ધ. समृद्ध. Prosperous. "जय जय णंदा" कप्प० ४, १०८; नाया० १; (२) રાજગૃહ નગરીનો નંદણમણીયાર નામનો શેઠ. राजगृही नगरी का नंदनमनीयार नामका सेठ. name of a merchant of the town of Rājagrihi, also styled Nandamaṇiyara. नाया० १३; (३) ૧૧માં તીર્થંકરને પ્રથમ ભિક્ષા આપનાર. ११वें तीर्थंकर को प्रथम भिक्षा देने वाला. name of the person who first gave alms to the 11th Tirthaṅkara. सम० प० २३३; (४) આવતી ઉત્સર્પિણીમાં થનાર પ્રથમ વાસુદેવ. आगामी उत्सर्पिणी में होने वाला प्रथम वासुदेव. the first would-be Vāsudeva in the coming Utsarpiṇī. सम० (५) એક જાતનું લોઢાનું આસન. एक जाति का लोहे का आसन. a sort of iron seat. नाया० १; (६) સાતમા દેવલોકનું એક વિમાન જેની સ્થિતિ ૧૫ સાગરોપમની છે; એ દેવતા પંદર પખવાડીએ શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, અને પંદર હજાર વર્ષે ક્ષુધા ઉપજે છે. सातवे देवलोक का एक विमान उसकी स्थिति १५ सागरोपम की होती है. ये देवता १५ पक्ष में श्वासोच्छ्वास लेते हैं; और उन्हें १५००० वर्षों में क्षुधा लगती है. a heavenly abode of the 7th Devaloka the gods in which live for 15 Sāgaro-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

pamas, breathe once in fifteen fortnights and feel hungry once in 15000 years. सम॰ १५; (७) બાર જાતના વાજીંત્રનો સાથે શબ્દ કરવો તે. बारह जाति के बाजित्रों का एक साथ शब्द करना. a sound produced by playing upon twelve kinds of musical instruments at once. पंचा॰ ७, १६; (८) એ નામનો એક રાજકુમાર. इस नाम का एक राजकुमार. name of a royal prince. नाया॰ ८; (९) પડવો, છઠ અને અગીયારસ એ ત્રણ તિથિનું નામ. જુઓ "णंदा" શબ્દ. प्रतिपदा षष्ठि और ग्यारस इन तीन तिथियों का नाम देखो "णंदा" शब्द. a term denoting the first, sixth & eleventh days of a fortnight. vide. 'णंदा' जं॰ प॰

णंदकंत. पुं॰ (नन्दकन्त) આઠમાં દેવલોકનું એક વિમાન કે જેની સ્થિતિ ૧૫ સાગરોપમની છે; એના દેવતા ૧૫ પખવાડીએ શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે અને ૧૫૦૦૦ વર્ષે ભૂખ લાગે છે. सातवें देवलोक का एक विमान कि जिसकी स्थिति १५ सागरोपमकी होती है उसके देवता १५ पखवाडे श्वासोच्छ्वास लेते हैं और उन्हें १५००० वर्ष में क्षुधा लगती है. Name of a heavenly abode of the 7th Devaloka the gods in which live for fifteen Sāgaropamas, breathe once in 15 fortnights and feel hungry once in 15000 years. सम॰ १५;

णंदकूड. पुं॰ (नन्दकूट) સાતમાં દેવલોકનું એક વિમાન એની સ્થિતિ વગેરે નન્દકન્ત વિમાન પ્રમાણેજ છે. सातवें देवलोक का एक विमान; उसकी स्थिति इत्यादि णंदकंत विमान के समान ही है. Name of a heavenly abode in the 7th Devaloka similar to "णंदकंत" in point of duration of the life of its gods etc. सम॰ १५;

णंदग. पुं॰ (नन्दक) એ નામની કૃષ્ણવાસુદેવની તલવાર. इस नामकी कृष्ण वासुदेव की तलवार. Name of the sword of Krisṇa Vāsudeva पगह॰ १, ४;

णंदज्झय. पुं॰ (नन्दध्वज) સાતમાં દેવલોકનું એક વિમાન, એની સ્થિતિ વગેરે 'णंदकंत' વિમાન પ્રમાણે છે. सातवें देवलोक का एक विमान, उसकी स्थिति इत्यादि 'णंदकंत' विमान के समान है. A heavenly abode of the seventh Devaloka similar to "णंदकंत" in the duration of the life of its gods etc. सम॰ १५;

णंदण. पुं॰ (नन्दन) સમૃદ્ધિ. समृद्धि. Prosperity; wealth. नंदी॰ (२) પુત્ર. पुत्र; लड़का. a son. पगह॰ १, १; (३) ભરતક્ષેત્રના સાતમા બળદેવ. भरत क्षेत्र के सातवें बलदेव का नाम. the 7th Baladeva of Bharatakṣetra. प्रव॰ १२२४; सम॰ "त्तिविसाए णंदणनामं बलए होत्था" भग॰ ३, १; (४) મેરૂપર્વત ઉપરનું દેવતાઓને ક્રીડા કરવાનું વન. मेरु पर्वत पर का देवताओंके क्रीडा करनेका वन the forest of sport for gods on the Meru mountain. "वणेसु वा णंदण माहु सेठं" सूय॰ १, ६, १८; ठा॰ २, ३; (५) મલ્લિનાથ સ્વામિનો પૂર્વ ભવ. मल्लिनाथ स्वामी का पूर्व भव. the previous birth of Mallinātha Svāmi. सम॰ (६) મોકાયા નગરીની બહારનું ઉદ્યાન. मोकाया नगरी के बाहिर का [illegible]न.

दिशाकुमारी. पूर्व दिशा के रूचक पर्वत के ऊपर बसने वाली आठमें से चौथी दिशा-कुमारी. The fourth of the eight Diśākumāris residing on the Ruchaka mountain in the east. जं० प०

णंदसिंग. पुं० (नन्दशृंग) સાતમાં દેવલોકનું એક વિમાન; જુઓ "णंदकंत" શબ્દ. सातवें देवलोक का एक विमान; देखो "णंदकंत" शब्द. A heavenly abode of the 7th Devaloka; vide "णंदकंत" सम० १५;

णंदसिद्ध. पुं० (नन्दसिद्ध) સાતમાં દેવલોકનું એક વિમાન; જુઓ "णंदकंत" શબ્દ. सातवें देवलोक का एक विमान; देखो "णंदकंत" शब्द. A heavenly abode of the seventh Devaloka; vide "णंदकंत" सम० १५;

णंदा. स्त्री० (नन्दा) પડવો, છઠ્ઠ અને અગીયારસ એ ત્રણ તિથીનું નામ. प्रतिपदा, षष्टि और ग्यारस इन तीन तिथियों का नाम A term denoting the 1st 6th and 11th dates of a fortnight. (२) શીતલ નાથની માતાનું નામ. शीतल नाथ की माता का नाम. name of the mother of Śitalanātha. प्रव० ३२२; सम० (३) પૂર્વ રૂચક પર્વતપર વસનારી આઠમાંની બીજી દિશા કુમારી. पूर्व रुचक पर्वत के ऊपर बसने वाली आठ में से दूसरी दिशा कुमारी. the 2nd of the 8 Diśākumāris residing on the Ruchaka mount in the east. जं० प० (४) રતિકર પર્વત ઉપર ઇશાન ઇંદ્રની અગ્રમહિષીની રાજધાની. रतिकर पर्वत के ऊपर इशान इंद्र की अग्रमहिषी का पाटनगर. the capital city of the principal queen of Iśāna Indra on the mount Ratikara. ठा० ४,२; (५) અંજન પર્વત ઉપરની એક વાવનું નામ કે જે એક લાખ જોજનની લાંબી પહોળી અને ૧૦ જોજનની ઊંડી છે. अंजन पर्वत के ऊपर की एक बावड़ी का नाम कि जो एक लक्ष योजन लंबी चौड़ी और दस योजन गहरी है. name of a well on the mount Añjana having length and breadth of one lac Yojanas and 10 Yojanas in depth. जीवा० ३,४; ठा० ४, २; नाया० १; निसी० १, १; अंत० ७, १; (६) શ્રેણિક રાજાની એક રાણી. श्रेणिक राजा का एक रानी. a queen of the king Sreṇika. जं० प० ५, ११४; १२३; नाया० १;

णंदापुक्खरिणी. स्त्री० (नन्दापुष्करिणी) મેરૂથી વાયવ્ય ખુણે ૫૦ જોજન ઉપર ભદ્રસાલ વનમાંની ચાર વાવડીઓ. मेरु से वायव्य कोने में ५० योजन पर भद्रसाल वन की चार बावड़ी. The 4 wells in Bhadrasāla forest at a distance of 50 Yojanas in the north-west of Meru. जं०प० ४, १०३; नाया० १२; (२) સૂર્યાભના વનખંડમાંના મહેન્દ્રધ્વજ આગલની એક વાવ કે જે ૧૦૦ જોજન લાંબી ૫૦ જોજન પહોળી અને દશ જોજન ઊંડી છે. सूर्याभके बनखंड में के महेन्द्रध्वज के आगे की एक बावड़ी कि जो १०० योजन लंबी ५० योजन चौड़ी और दश योजन गहरी है. a well 100 Yojanas in length, 50 Yojanas in breadth and 10 Yojanas in depth in the vicinity of Mahendradhvaja in a forest of Sūryābha. राय० १५७; (३) ચંપા નગરીની બહારની એક વાવડીનું

नाम. चंपा नगरी के बाहर की एक बावडी का नाम. name of a well outside the town named Champā. नाया० २;

णंदापोक्खरिणी. स्त्री० (नन्दापुष्करिणी) जुओ " णंदापुक्खरिणी " शब्द. देखो " णंदापुक्खरिणी " शब्द. Vide " णंदा पुक्खरिणी " नाया० १३;

णंदावत्त. पुं० (नन्दावर्त) पांचमां देवलोकना इन्द्रना विमाननो व्यवस्थापक देवता. पांचवें देवलोकके इंद्रके विमानका व्यवस्थापक देवता. The deity in charge of the heavenly abode of the Indra of the 5th Devaloka. जं० प० ४; (२) सातमा देवलोकनुं एक विमान; एनी स्थिति १५ सागरोपमनी छे; ए पंदर पखवाडीए श्वासोश्वास ले छे; एने १५००० वर्षे भूख लागेछे. सातवें देवलोकका एक विमान. इस की स्थिति १५ सागरोपम की है. यहां के देवता १५ पक्ष से श्वासोच्छवास लेते हैं व १५००० वर्ष में उन्हें भूख लगती है. name of a heavenly abode of the 7th Devaloka similar to Nandakānta in the matter of life of its gods etc. सम० १५; (३) नवखुणा वालो साथीओ. नौ कोने वाला साथिया. a kind of auspicious mark with nine angles. जं० प०५, १२२; राय० पन्न० (४) चार इन्द्रिय वालो जीव विशेष. चार इंद्रिय वाला जीव विशेष. a kind of four-sensed sentient being. जीवा० १;

णंदि. पुं० (नन्दि-नन्दनं नन्दिः, नन्दन्ति प्राणिनोऽनेनास्मिन् वेति नन्दिः) आनंद; प्रमोद. आनन्द; प्रमोद. Joy; rejoicing. ठा० ४, २; आया० १, ३, २, ३; नाया० १; (३) गौण मोहनीय कर्म. गौण मोहनीय कर्म. secondary or subordinate Mohanīya karmas. सम० ५१; (४) बार प्रकारनां वाजींत्रोनो समुदाय. बारह प्रकारके वाजिंत्रोंका समुदाय. a collection or set of twelve kinds of musical instruments. राय० ११४; उत्त० ११, १७; (५) एक जातनुं झाड. एक जाति का वृक्ष. a kind of tree. नाया० १; (६) ए नामनो एक द्वीप अने एक समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island; also of an ocean. पन्न० १५; —गर. त्रि० (-कर) वृद्धि करनार. वृद्धि करनेवाला (one) that causes prosperity. नाया० १; —घोस. पुं० (-घोस) बार प्रकारनां वाजींत्रनो अवाज. बारह प्रकार के वाजिंत्रों का आवाज. a sound produced by playing upon twelve kinds of musical instruments at once. जं० प० ५, ११६; राय० ११४; (२) नन्दिना जेवो अवाज करनार. नंदीके समान आवाज करने वाला. (one) who produces the above kind of sound. ओव० ३०; तंदु० —चुण्णग. पुं० (-चूर्णक) अमुक द्रव्यना संयोगथी बनावेलुं चूर्ण. अमुक द्रव्यके संयोग से बनाया हुआ चूर्ण. powder prepared by mixing together particular ingredients. सूय० १, ४, २, ६; —राय. पुं० (-राग) समृद्धिथी उत्पन्नथयेल हर्ष. समृद्धि से उत्पन्न. हर्ष. joy arising from prosperity. भग० २. ५; —स्सर. पुं० (-स्वर) बार प्रकारना वाजींत्रोनो अवाज. बारह प्रकार के वाजिंत्रों का आवाज. chorus of sound

produced by 12 kinds of musical instruments. जीवा० ३, तंदु० राय० ११४;

णंदिआवत्त पुं० (नन्द्यावर्त) नवખુણાવાળો સાથીઓ. नौ कोने वाला साथिया. An auspicious mark with nine angles. ओव० जं० प० ५, ११८; (२) પાંચમા દેવલોકના ઇંદ્રનું વિમાન. पांचवें देवलोक के इंद्र का विमान. the heavenly car of the Indra of the 5th Devaloka. ओव० २५;

णंदिघोसा. स्त्री० (नंदिघोषा) થણિત કુમાર દેવતાની ઘંટા. थणित कुमार देवता का घंटा The bell of the deity named Thaṇita Kumāra. जं० प०

णंदिज्ज. न० (नंदेय) સ્થવિર આર્યરોહણથી નીકળેલ ઉદ્દેહગણનું પાંચમું કુલ. स्थविर आर्य रोहण से निकलाहुआ उद्देहगण का पांचवांकुल. The 5th family off-shoot of Uddehagaṇa originating from Sthavira Āryarohaṇa. कप्प० ८;

णंदिज्जमाण. त्रि० (नन्द्यमान) સમૃદ્ધિ વધારતો. समृद्धि बढताहुआ. Causing growth or advance in prosperity. ओव०

णंदिणीपिय. पुं० (नंदिनीपितृ) સાવર્થી નગરીનો રહેનારો એ નામનો ગાથાપતિ. सावर्थी नगरी का रहनेवाला इस नामका गाथापति. Name of a Gāthāpati (merchant)residing in the town of Sāvarthī. 'तत्थणं सावत्थीए णंदिणी पिया णामं गाहावई' उवा० १, २६८;

णंदिपुर. न० (नन्दिपुर) શાણ્ડિલ્ય દેશની રાજધાની. शाण्डिल देश का पाटनगर. The capital of the country called Śāṇḍila. प्रव० १६०२;

णंदिफल. न० (नंदिफल) એ નામનું વૃક્ષ. इस नाम का वृक्ष. Name of a tree. नाया० ५; (२) એનું પ્રતિપાદન કરનાર જ્ઞાતા સૂત્રનું ત્રીજું અધ્યયન. इसका प्रतिपादन करनेवाला ज्ञाता सूत्र का तीसरा अध्ययन the 3rd chapter of Jñātāsūtra describing the above. नाया० १;

णंदिमित्त. पुं० (नंदिमित्र) મલ્લિનાથ સાથે દીક્ષા લેનાર નંદિમિત્ર કુમાર. मल्लिनाथ के साथ दीक्षा लेनेवाला नंदिमित्र कुमार. Nandimitra prince or a young boy who took Dīkṣā (entered the order of monks) along with Mallināthа. नाया० ८;

णंदिमुइंग. न० (नन्दिमृदंग) એક પ્રકારનું વાજિંત્ર. एक प्रकार का वाजिंत्र. A sort of musical instrument. राय०

णंदिमुह पुं० (नन्दिमुख) બે આંગલી પ્રમાણ શરીરધારી પક્ષી વિશેષ. दो उंगलियों के प्रमाण का शरीरधारी पक्षी विशेष. A kind of bird with a body of the size of two fingers. पग्ह० १, १, ओव० जं० प०

णंदिया. स्त्री० (नन्दिमा) નંદિમા નામની ગાંધાર ગ્રામની પહેલી મૂર્છના. नंदिमा नाम की गांधार ग्राम की प्रथम मूर्छना. The primary tune of the Gāndhāra pitch in music. ठा० ७, १;

णंदियावत्त. पुं० (नन्द्यावर्त) નવખુણાવાળો સાથીઓ. नव कोने वाला साथिया. An auspicious mark with nine angles. जीवा० ३, ३; राय० (२) બ્રહ્મદેવલોકના ઇંદ્રનું મુસાફરી વિમાન. ब्रह्म देवलोक के इन्द्र का विमान. the heavenly

car of the Indra of Brahma Devaloka. ठा० ८, १; (२) બે ઇંદ્રિયવાળો જીવવિશેષ. दो इंद्रिय वाला जीव विशेष. a kind of two sensed sentient being. पन्न० १; (४) ઘોષ અને મહાઘોષ ઇંદ્રના લોકપાલનું નામ. घोष और महाघोष इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of the protector of the quarters owing allegiance to the Indras named Ghoṣa and Mahāghoṣa. ठा० ४, १;

णंदिरुक्ख. पुं० (नन्दिवृक्ष—वृक्षाणां भूमिंतिष्ठतीति) પીપલો; એક જાતનું ઝાડ. पीपल; एक प्रकार का वृक्ष. A kind of tree; the Pipala tree, ficus religiosa. ओव० जीवा० भग० २२, ३; पन्न० १; सम० प० २३३;

णंदिवद्धण. पुं० (नन्दिवर्द्धन) એ નામનો એક રાજકુમાર. इस नाम का एक राजकुमार. A prince of this name. विवा० ६;

णंदिवद्धणा. स्त्री० (नन्दिवर्द्धना) અંજન પર્વત ઉપરની એક વાવડી જે એક લાખ જોજનની લાંબી પહોળી અને દસ જોજનની ઉંડી છે. अंजन पर्वत के ऊपर की एक बावडी का नाम; जो एक लक्ष योजन लंबी चौडी है और दश योजन गहरी है. Name of a well on the mount Añjana, one lac of Yojanas in length and breadth and ten Yojanas in depth. जीवा० ३, ४; ठा० ४, २; (२) રૂચક પર્વત ઉપરની એક દિશા કુમારી. रुचक पर्वत के ऊपर की एक दिशा-कुमारी. a Diśākumārī on the mountain Ruchaka. ठा० ८; जं० प० ५, ११४;

णंदिसेणा. स्त्री०(नन्दिषेणा) પશ્ચિમ અંજન પર્વત ઉપરની એક વાવડી. पश्चिम अंजन पर्वत के ऊपर की एक बावडी. A well on the western Añjana mount. जीवा० ३, ४;

णंदिसेण. पुं० (नन्दिषेण) મથુરા નગરીના દામ રાજાના કુંવરનું નામ. मथुरा नगरी के दाम राजा के कुंवर का नाम. Name of the son of the king Dāma of the town of Mathurā. ठा० १; (२) ગૌતમનો પુત્ર; નન્દિવર્ધનનો શિષ્ય. गौतम का पुत्र, नन्दिवर्धन का शिष्य. a son of Gautama and disciple of Nandivardhana. तंदु

णंदिसेणा. स्त्री० (नन्दिषेणा) પૂર્વ અંજન પર્વત ઉપરની એક વાવનું નામ. पूर्व अंजन पर्वत के ऊपर की एक बावडी का नाम. Name of a well on the eastern Añjana mount. जीवा० ३, ४; (२) પૂર્વ રૂચક પર્વત ઉપર રહેનારી દિશાકુમારી. पूर्व रुचक पर्वत के ऊपर रहने वाली दिशाकुमारी. the Diśākumārī residing on the eastern Ruchaka mountain. ठा० ८;

णंदिसेणिया. स्त्री० (नन्दिषेणिका) શ્રેણિક રાજાની રાણી કે જેનો અધિકાર અંતગડદશા સૂત્રના સાતમા વર્ગના ચોથા અધ્યયનમાં છે. श्रेणिक राजा की रानी कि जिसका अधिकार अंतगडदशा सूत्र के सातवें वर्ग के चौथे अध्ययन में है. The queen of the king Śreṇika mentioned in the 4th chapter of the 7th section of Antagaḍadaśā Sūtra. अंत० ७, ४;

णंदिस्सर. पुं० (नन्दीश्वर) આઠમો નંદીશ્વર નામનો દ્વીપ. आठवां नंदीश्वर नाम का द्वीप. Name of the 8th island or continent named Nandiśvāra. ठा०

४, २;—दीव. पुं०(-द्वीप) नन्दीश्वर नामनो आठमो द्वीप. नन्दीश्वर नाम का आठवां द्वीप. the 8th island or continent named Nandīśvara. भग० २०, ६;

णंदिस्सरा स्त्री० (नन्दिस्वरा) वायुकुमार देवतानी घंटा वायुकुमार देवता का घंटा. The bell of the deity named Vāyukumāra. जं० प०

णंदी. स्त्री० (नंदी) जुओ " णंदि " शब्द. देखो " णंदि " शब्द. Vide " णंदि " जीवा० ३, ६; —चुराणग न० (-चूर्णक) जुओ " णंदिचुरणग " शब्द. देखो णंदिचुरणग " शब्द vide " णंदिचुरणग " सूय० १, ४, २, ६;

णंदीस्सर पुं० (नन्दीश्वर) जुओ "णंदिस्सर" शब्द. देखो " णंदिस्सर " शब्द. Vide " णंदिस्सर " नाया०८; जं० प० ५, ११७;

णंदीमुह. पुं० (नन्दिमुख) पक्षि विशेष. पक्षी विशेष. A kind of bird. पराह० १,१; —दीव. पुं० (-द्वीप) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. नाया० ८;

णंदीसरवर. पुं० (नन्दीश्वरवर) ए नामनो एक द्वीप इस नाम का एक द्वीप. Name of an island. ठा० ४, २; ७; जीवा० ३;

णंदीसरवरोद. पुं०(नन्दीश्वरवरोद) ए नामनो एक समुद्र इस नाम का एक समुद्र. Name of an ocean. जीवा० ३;

णंदुत्तर. पुं० (नन्दोत्तर) भवन पतिना इंद्रना रथनो अधिपति. भवन पति के इंद्र के रथ का अधिपति. The person in charge of the chariot of the Indra of Bhavanapati gods. ठा० ५, १;
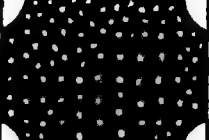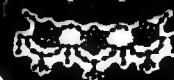
णंदुत्तरा. स्त्री० (नन्दोत्तरा) रतिकर पर्वत उपरनी ईशानेन्द्रनी अग्रमहीषीनी राजधानी. रतिकर पर्वत के ऊपर की इशान इंद्र की अग्रमहिषी का पाटनगर. The capital of the principal queen of Iśāna Indra, on the mount Ratikara. जीवा० ३; (२) पूर्व अंजनपर्वत उपरनी एक वावडीनुं नाम. पूर्व अंजन पर्वत के ऊपर की बावडी का नाम. name of a well on the eastern Añjana mount. ठा० ४, २; जीवा० ३; (३) मन्दर पर्वतना रिष्टकूट उपर वसनारी दिशाकुमारीमानी एक. मन्दर पर्वत के ऊपर रिष्ट शिखर पर रहनेवाली दिशाकुमारियोंमें से एक. one of the Diśākumārīs residing on the summit Rista of the Mandara mount. जं०प०५,११४.(४) पूर्व दिशाना रुचक पर्वत उपरनी एक दिशाकुमारी पूर्व दिशा के रुचक पर्वत ऊपर की एक दिशाकुमारी. a Diśākumārī residing on the eastern Ruchaka mount. जं०प० (५) ए नामनी श्रेणिक महाराजनी राणी के जेनो अधिकार अंतगडसूत्रना सातमां वर्गना त्रीजा अध्ययनमां छे. इस नाम की श्रेणिक महाराजा की रानी कि जिसका वर्णन अंतगड सूत्र के सातवे वर्ग के तीसरे अध्ययन में है. queen of the king Śreṇika, so named, who is mentioned in the 3rd chapter of the 7th section of Antagada Sūtra. अंत० ७, १;

णंदुत्तरावडिंसग. पुं० (नन्दोत्तरावतंसक) सातमा देवलोकनुं एक विमान; एनी स्थिति पंदर सागरोपमनी छे ए देवता पंदर पखवाडीए श्वासोश्वास ले छे, अने १५००० वर्षे क्षुधा लागे छे. सातवें देवलोकका एक विमान उसकी स्थिति पंद्रह सागरोपम की है; देवता पंद्रह पक्षमें श्वासोच्छ्वास लेते हैं; उ

— णक्खत्त - नक्षत्र. —

अभिजित् तारा ३	श्रवण ३	धनिष्ठा ५	शतभिषक १००
गायना मस्तकसमे.	कावड.	पक्षिनु पिंजर.	विखरायला फुल.
पूर्वा भाद्रपद २	उत्तरा भाद्रपद २	रेवती ३२	अश्विनी ३
अर्ध वाव.	अर्ध वाव.	नावा - वहाण.	घोडानु स्कंध.
भरणी ३	कृत्तिका ६	रोहिणी ५	मृगशिर ३
भग - योनी.	नाथिनी कोथळी.	गाडानी उध.	हरणनु मस्तक.
आर्द्रा १	पुनर्वसु ५	पुष्य ३	अश्लेषा ६
रुधिरनु बिन्दु.	त्राजवु.	वर्धमान - सरावलु.	पताका - धजा
मघा ७	पूर्वा फाल्गुनी २	उत्तरा फाल्गुनी २	हस्त ५
भांगेल गढ	अर्ध पल्यंक.	अर्ध पल्यंक.	हाथनो पंजो.
चित्रा १	स्वाति १	विशाखा ५	अनुराधा ४
विकस्यु फुल.	खीलो.	दामणी.	एकावली हार.
ज्येष्ठा ३	मूल ११	पूर्वाषाढा ४	उत्तराषाढा ४
हाथीना दंत.	वींछी.	हाथीनी चाल.	बेठेल सिंह.

R.V. TALSANIA.

उ.
णक्खत्त मंडल - नक्षत्र मंडल.
वा.
अभि.
प.
पू.
नै.
अ.
कुल ८ मांडला
११० योजनमां
द.
D.V.TALSNIA.

१५००० वर्ष में क्षुधा लगती है. A heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which live for 15 Sāgaropamas, breathe once in 15 fortnights and feel hungry once in 15000 years. सम० १५;

णंदोत्तरा. स्त्री० (नंदोत्तरा) જુઓ 'णंदुत्तरा' શબ્દ. देखो 'णंदुत्तरा' शब्द. Vide. "णंदुत्तरा" जीवा० ३; ४; जं० प०

णक्क. पुं० (*) નાક; નાસિકા. नाक; नासिका. The nose. जीवा० ३, ३; ओव० ३८; विवा० १. १;

णक्क. पुं० (नक्र) એક જાતનો મગર. एक जातिका मगर. A kind of alligator. पन्न० १; जीवा० १;

णक्ख. पुं० (नख) નખ. नख; नाखून. A nail on a finger or a toe. ओव० १०; जीवा० ३, ३; सू० प० १०;

णक्खत्त. न० (नक्षत्र) અભિજિત વગેરે ૨૮ નક્ષત્ર; આકાશમાં ચંદ્ર તથા સૂર્યની સાથે ગતિકરનાર જ્યોતિષી દેવતાની એક જાત (આ બધા નક્ષત્રોના આકાર અને નામ ચિત્રમાં દર્શાવેલ છે). अभिजित इत्यादि २८ नक्षत्र; आकाशमें चंद्र और सूर्य के साथ गतिकरनेवाल ज्योतिषी देवता की एक जाति (इन २८ नक्षत्रों के आकार और उनके नाम चित्र में बतलाये गये हैं). Any of the 28 constellations such as Abhijita etc. a class of planetary deities associated in motion with the sun and moon (the shapes and names of these constellations are given in the picture). नाया० १; ५;८; भग०१५, १;१८, ७; जीवा०३, ४; पन्न० १५; ओव० २५, ४०; अणुजो० १३१; १४३; सम० २७; सू० प० १०; १४; जं० प० ७, १४०; १४६; **—मंडल.** पुं० (-मण्डल) નક્ષત્રોનો આકાશમાં ચાલવાનો રસ્તો; નક્ષત્રના માંડલા; અશ્વિની આદિ ૨૮ નક્ષત્રો આકાશમાં જે સ્થાન ઉપર ફરે છે તે સ્થાનને નક્ષત્ર મંડલ કહેવામાં આવે છે. તેવા નક્ષત્રના માંડલા ૮ છે જેટલા ભાગમાં સૂર્યના ૧૮૩ માંડલા છે ચન્દ્રના ૧૫ માંડલા છે એટલા ભાગમાં નક્ષત્રના ૮ માંડલા છે. नक्षत्रों का फिरने का मार्ग; नक्षत्र का मण्डल; अश्विनी आदि २८ नक्षत्र आकाश में जिस प्रदेश पर फिरते हैं उस प्रदेश को नक्षत्र मण्डल कहते हैं. ऐसे नक्षत्र मण्डल ८ हैं जितने प्रदेश में सूर्य के १८३ मण्डल हैं और चन्द्र के १५ मण्डल हैं उतने ही प्रदेश में नक्षत्र के ८ मण्डल हैं. the paths on which the constellations move; the region of the sky consisting of the paths of Abhijita and other constellations 28 in number. There are such 8 orbits of the constellations and occupy as much region as is occupied by 183 circles described by the sun and 15 by the moon. जं०प०७,१४६; **—मास.** पुं० (-मास) નક્ષત્ર માસ; ૨૮ નક્ષત્ર ચંદ્રમાં સાથે જોગ જોડીએ તેટલો વખત. नक्षत्र मास; २८ नक्षत्र चंद्र के साथ योग करले उतना समय the lunar

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) P. 15th.

month; the time during which 28 constellations complete their conjunction with the moon. सम॰ २७; —विचय. पुं॰ (-विचय-विचयनं विचयः नक्षत्राणां विचयः स्वरूपनिर्णयः) નક્ષત્રના સ્વરૂપનો નિર્ણય. नक्षत्र के स्वरूपका निर्णय. determinaton of the form or nature of a constellation. सू॰ प॰ १;—विमाण. न॰ (-विमान) નક્ષત્રનું વિમાન. नक्षत्र का विमान. a celestial abode of a constellation. जं॰ प॰ ७, १७०; —संवच्छर. पुं॰ (-संवत्सर) જેટલા વખતમાં સર્વ નક્ષત્રો સૂર્યની સાથે જોગ જોડી રહે તેટલો વખત; ૩૨૭ અહોરાત્ર અને એક અહોરાત્રના ૬૭ ભાગ કરીએ તેવા ૫૧ ભાગ પ્રમાણ નક્ષત્ર સંવત્સર. जितने समय में सब नक्षत्र सूर्य के साथ योग जोडकर रहते हैं उतना समय; ३२७ अहोरात्र और एक अहोरात्र के ६७ भाग करें ऐसा ५१ भाग प्रमाण नक्षत्र संवत्सर the time taken by the sun to finish its round of conjunction with all the constellations viz. 327 days and nights and 51/67 of a day and night ठा॰ ५, ३; जं॰ प॰ ७, १५१; सू॰ प॰ १०;

णक्ख. पुं॰ (नख) નખ. नख. A nail on a finger. जं॰ प॰ —छेयणग. न॰ (-छेदनक) નખ હરણી નેયણી. नख हरणी; नेयणी. barber's instrument used in paring finger-nails. निसी॰ १, १८;

णग. पुं॰ (नग—नगच्छतीति गः न गः नगः) પર્વત. पर्वत. A mountain. "जहासे णगाणं पवरे सुमहं मंदरो गिरी" उत्त॰ ११, २६; सूय॰ १, ६, ६; नाया॰१; —इंद. पुं॰ (-इन्द्र) મેરૂ. मेरु. the mount Meru. सूय॰ १, ६, १३; —राय. पुं॰ (-राज) પર્વતનો રાજા; મેરૂ પર્વત. पर्वत का राजा; बडा पर्वत मेरु. king of mountains i. e. Meru. ठा॰ ६;

णगर. न॰ (नगर—नास्मिन् करोऽस्तीति नगरम्) ૧૮ પ્રકારના કર રહિત શહેર. १८ प्रकार के कर रहित शहर. A town not subject to any of the 18 varieties of taxes. पन्न॰ १; ठा॰ २, ४; पण्ह॰ १, ३; अणुजो॰ १२७; १३१; आया॰ १, ६, ५, १६४; वेय॰ १, ६; जं॰ प॰ ३, ४०; नाया॰ १; २; १६; —आवास पुं॰ (-आवास) નગરના લોકોના આવાસ-મહેલ. नगर के लोगों का आवास-महेल. an urban mansion. सम॰ —गावी. स्त्री॰ (-गौ) શહેરની ગાયો. शहर की गायें. an urban cow. "म-हिसा य अणहा य णगर गाविओ" विवा॰ २; —गुत्तिय. पुं॰ (-गुप्तिक) નગરનું રક્ષણ કરનાર કોટવાલ. नगर का रक्षण करने वाला कोटवाल. a protector or guard of a town; a Kotwāla. "ततेणं ते णगर गुत्तिया सुभद्दं सत्थवाहं कालगयं जाणित्ता" विवा॰ २; नाया॰१८; पण्ह॰ १, ३; —गोरूव. पुं॰ (-गोरूप) નગરના ચોપગા-ગાય બળદ વગેરે. नगर के चौपाये-गाय बैल इत्यादि. urban cattle e. g. a cow, ox etc. विवा॰ २; —घाय. पुं॰ (-घात) નગરને લુટનાર. नगर को लूटने वाला. one who pillages a town. नाया॰१८; —ट्ठाण. न॰ (-स्थान) નગરના ખંડેર. नगर के खंडहर; टूटे फूटे मकान. ruined or devastated building in a

city. कप्प० ४, ८८; —णिवेस. पुं० (-निवेश) नगरमां निवास करवो ते. नगर में निवास करना. residence in a town. सम० ७२;—दाह. पुं० (-दाह) शहेरमां आग लागवी ते. शहर में आग लगना. outbreak of fire in a city or town. जीवा० ३; —धम्म. पुं० (-धर्म) शहेरनो आचार. शहर का आचार. custom or usage of a city. ठा० १०; —निद्धमण. न० (-निर्धमन) नगर-शहेरनुं पाणी नीकळवानो मार्ग; खाळ. नगर-शहर का पानी निकलने का मार्ग; गटर; मोरी. an outlet for the water accumulating in a city; a main gutter. भग० ३, ७; नाया० २; —पड्डिया. स्त्री० (*) नगरनी पाडी नगर की पाडी (महीशी). an urban young buffalo. विवा० २; —माण. न० (-मान) नगर वसाववानी विधि; ७२ कळामांनी ४५ मी कळा. नगर बसाने की विधि; ७२ कलाओं में से ४५ वीं कला. the 45th of the 72 arts viz. the art of populating a town. नाया० १; ओ० प० सम०—मारी. स्त्री० (-मारी) नगरना लोकोनो मरकीथी थतो क्षय; नगरनी अंदर मरकी आवे ते. नगर के लोगों का महामारी से होता हुआ क्षय; नगर के भीतर महामारी का प्रवेश होना. havoc caused by plague in a town; outbreak of plague in a town. जीवा० ३; —रक्खिय. पुं० (-रक्षक—नगरं रक्षति यः स नगर रक्षकः) नगरनुं रक्षण करनार कोटवाळ. नगर का रक्षण करने वाला; कोटवाल. a protector or guard of a town; a Kotwāla. निसी० ४, ६; —वसभ. पुं० (-वृषभ) नगरना बळद. नगर के बैल. an urban ox. विवा० २;—वह. पुं० (-वध) नगरना बधां माणुसोने मारी नाखवां ते. नगर के सर्व मनुष्यों को मार डालना. the massacre of the whole people of a town. "से सुयई नगर वहे व सद्दे" सूय० १, ५, १, १८;

णगरी. स्त्री० (नगरी) नगरी; पुरी. नगरी; पुरी; बडा शहर. A city; a town. ओव० नाया० १६;

णगिण. त्रि० (नग्न) निष्परिग्रही; निर्ग्रंथ. निष्परिग्रही; निर्ग्रंथ. Possessionless (monk); nude in the sense of not possessed of worldly effects. आया० १, ६, २, १८४;

णग्ग. त्रि० (नग्न) नग्न; वस्त्र रहित. दिगंबर; नग्न Naked; unclad. नंदी० —भाव. न० (-भाव) नग्नपणुं; साधुपणुं. नग्नता; साधुत्व. state of being an ascetic; nakedness. "समणाणं निग्गथाणं नग्गभावे मुंडभावे" ठा० ६; नाया० १६;

णग्गइ. पुं० (नग्नजित्) गंधार (कन्दहार) देशनो राजा. गंधार (कन्दहार) देश का राजा. Name of a king of Kandahāra "नमिराया विदेहेसु गंधारेसु य नग्गई" उत्त० १८, ४६; (२) ए नामना एक क्षत्रिय राजर्षि. इस नाम के एक क्षत्रिय राजर्षि-संन्यासी. name of a royal

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

saint belonging to the Kṣatriya caste. ओव० ३८;

णग्गोह. पुं० (न्यग्रोध) वडनुं झाड. बडका वृक्ष. A banyan tree. जं०प०७,१६२;पन्न०१; भग०२२,३;(२) वडना आकारनुं संठाण. बड के आकार का संठाण. a type of physical constitution resembling the shape of a banyan tree. भग० २४, १; —**परिमंडल.** त्रि० (-परिमण्डल न्यग्रोधवत्परिमंडलं यस्य स तथा) वडना झाड जेवो आकार होय जेनो ते न्यग्रोध परिमंडल संठाण वाळो. जिसका आकार बड के वृक्ष जैसा हो वह; न्यग्रोध परिमंडल संठाण वाला. (one) possessed of a type of physical constitution rsembling a banyan tree in shape. जं० प० ७, १६२; तंडु० जीवा० १; —**वरपायव.** पुं० (-वरपादप-पादैर्भूम्यन्तर्वर्तिमूलविशेषैः पिबतीति) वड; मोटो वड. बड; बड़ा बड. a banyan tree; a large banyan tree. अंत० १, ५, १;

णच. अ० (नच) नहि. नहीं. No, not. नाया० १७;

णच्च. न० (नृत्य) नाचवुं ते, नाच. नाचना; नाच Dancing; a dance. ठा० ६; पन्न० २;

णच्चंतिय. त्रि० (नात्यन्तिक) अत्यंत-अतिशय नहि ते. अत्यंत-अतिशय नहीं वह. Not excessive; short of excessive. सूय० २, ६, २४;

णच्चण. न० (नर्तन) नाच; नाचवुं ते. नाच; नाचना. A dance; act of dancing. ओव० २४; —**सीलय.** पुं० (-शीलक) नाचवाना स्वभाव वाळो; मोर. नाचने के स्वभाव वाला; मोर. one given to dancing; a peacock. नाया० ३;

णच्चा. सं० कृ० अ० (ज्ञात्वा) जाणीने; समजीने. जानकर; समझकर. Having known or understood. "सव्वं णच्चा अहिट्टए" सूय० १, २, ३, १५; १, १, १, २०, आया० १, ३, १, १०६; १,३,२, ११४; उत्त० १, ४५; २, १३;

णच्चाविअ-य. न० (नर्तित) नचाववुं; हलाववुं ते नचाना; हिलाना. Act of causing to dance or move. ठा० ६; ओघ० नि० २६५;

णच्चासणण. त्रि०(नात्यासन्न) बहुपासे नहि ते बहुत निकट नहीं वह. Not close to; not very near. नाया० १; १४; भग० १, १; राय० ७४; जं० प० ५, १२२;

णच्चिय. त्रि० (नर्तित) नाचेल. नाचाहुआ Danced; (one) that has danced. नाया० १;

णट्ट. न० (नाट्य) नाट्य; नाटक; आंगिक, वाचिक, आहार्य अने सात्विक ए चार प्रकारना अभिनय साथे रस अने भावनी अभिव्यक्ति करावनार नर्तन. नाट्य; नाटक; नाच; आंगिक, वाचिक, आहार्य और सात्विक ये चार प्रकार के अभिनय सहित रस व भाव की अभिव्यक्ति कराने वाला नाच. A drama; a play; a dance accompanied with the four kinds of representations viz. of movement, speech etc which display various kinds of sentiments. नाया० १; ८; ओव० ३२; जं० प० ७,१५०; सू० प० १८; निसी० १२, ३२; ठा० ४, ४; (२) नाट्यकळा; नाटक संबंधी विज्ञान. नाट्य कला; नाटक के संबंध का विज्ञान. dramaturgy. ओव० सम० ३३; —**अणीय.** पुं० (-अनीक) नाटक करनार

माणुसोनो समूह. नाट्यकारों का समूह. a group of actors or dramatists. जं० प० ५, ११७; भग० १४, ६; —विहि. पुं० (-विधि) नाट्यकला; नाटक करवानी विधि-रीति. नाट्यकला; नाटक करने की विधि-रीति. the art of dramatic representation. भग० ११, ६; जीवा० ३; जं० प० ५, १२१;

णट्टय. त्रि० (नर्तक) नृत्य करनार. नृत्य करने वाला. A dancer. ओव०

णट्टमाल. पुं० (नक्तमाल) वृक्ष विशेष. वृक्ष विशेष. A particular kind of tree. जीवा० ३, ३; जं० प० १, १८;

णट्टमालअ-य. पुं० (नृत्यमालक) वैताढ्य पर्वतनी खण्डप्रपात गुफानो स्वामी देवता. वैताढ्य पर्वत की खण्डप्रपात गुहा का स्वामी देवता. The presiding deity of the cave Khanda Prapâta of the Vaitadhya mount. ठा० २, ३;

णट्टवत्थु. न० (नाट्यवस्तु) नाच, नाटकादिनुं प्रतिपादन करनारुं शास्त्र; २९ पापश्रुतमांनुं एक. नाच, नाटक आदि का प्रतिपादन करने वाला शास्त्र; २९ पापश्रुत में से एक. One of the 29 Pâpa Srutas (secular sciences) viz. the science of dramatic representation. पगह० २, ५;

णट्ठ. त्रि० (नष्ट) नाश पामेल; नष्ट थयेल. नाश पाया हुआ; नष्ट. Destroyed. "णट्ठसप्पह सब्भावे" सूय० १, ३, ३, १०; नाया० १८; १३; जीवा० ३, ४; राय० २७; भग० १५, १; (२) रातदिवसनुं १७मुं मुहूर्त. रात्र दिन का १७ वां मुहूर्त. the 17th Muhûrta of a day and night. जं० प० ५, १२१; सम० ३०; —तेय. त्रि० (-तेजस्) तेज प्रकाश नाश पामेल छे जेनुं ते. जिसका तेज-प्रकाश नष्ट होगया है वह. (one) whose lustre or brightness is destroyed; lack-lustre. भग० १५, १; —मइय. त्रि० (-मतिक) नाश पामेल छे बुद्धि जेनी. नष्ट बुद्धि वाला. (one) whose intellect is destroyed; a block head. नाया० १६; १७; —रज. त्रि० (रजस्—नष्टं सर्वथाऽदृश्यीभूतं रजो यत्र स तथा). रज वगरनुं. रज रहित; स्वच्छ. clean; free from dust or passion. जीवा० ३; —रय. त्रि० (-रजस्) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. जं० प० ४, ११३; —संगण. त्रि० (-संज्ञ) मननी भ्रान्तिवालो; जेनी संज्ञा नाश पामेल छे ते. मन की भ्रांतिवाला; नष्ट संज्ञा वाला. deluded in mind; (one) whose intelligence has faded away. नाया० १६; १७; —सुइय. पुं० (-श्रुतिक) श्रुत जेनी नाश पामी छे एवो; शास्त्र अशास्त्रनो विचार करवाने अशक्त. जिसकी श्रुति नष्ट होगई है ऐसा; शास्त्र अशास्त्र का विचार करने को अशक्त. (one) incapable of distinguishing between true and false scriptures. नाया० १; १७;

णट्ठवंत. पुं० (नष्टवत्) अहोरात्रनुं २६मुं मुहूर्त. अहोरात्र का २६ वां मुहूर्त. The 26th Muhûrta of a day and night. सम० ३०;

णड. पुं० स्त्री० (नट) नाटक करनारनी एक जात; नट. नाटक करनेवाला; नट. An actor in a drama. ओव० जं० प० २, ३४; ठा० ६; —खाइया. स्त्री० (-खादिता —नटस्येव संवेगादिकलधर्मकथाकरणोपार्जितभोजनादीनां खादितं भक्षणं यस्यां सा

नटखादिता) એક જાતની પ્રવ્રજ્યા; નાટકની માફક ધર્મશૂન્ય કથા કરીને આજીવિકા ચલાવવી તે. एक प्रकार की प्रव्रज्या; नाटक के समान धर्मशून्य कथा कर के आजीविका चलाना. a sort of asceticism, earning one's bread by empty talk like that of an actor in a drama, devoid of true religion. ठा० ४, ४; —पेच्छा. स्त्री० (-प्रेक्षा) નટને જોવું. नट को देखना. seeing a Naṭa-a dancer जं० प० २, २४;

णडिअ-य. त्रि० (*) પીડિત. पीडित. Afflicted; distressed. नाया० ६;

णणंदा. स्त्री० (ननान्द) નણંદ; પતિની બ્હેન. नणंद; पति की बहिन. A husband's sister. भग० १२, २;

णण्णत्त. अ० (नाऽन्यत्र) જુઓ 'णण्णत्थ' શબ્દ. देखो "णण्णत्थ" शब्द. Vide "णण्णत्थ" नाया० ६;

णण्णत्थ. अ० (नान्यत्र) એટલું વિશેષ; આ નહિ કે તે નહિ પણ એટલું इतना विशेष; ये नहीं कि वह नहीं परन्तु इतना. So much in particular; not this or that but this much. ओव० ३८; नाया० १; २; १८; भग० ३, २; ६, ५; १६, ३; दसा० ७, १;

णण्णहा. अ० (नान्यथा) બીજીરીતે નહિ अन्यरीतिसे नहीं. Not otherwise. पन्न० १;

णण्णहावाइ. पुं० (नान्यथावादिन्) અન્યથા વાદિ નહિ. अन्यथा वादी नहीं. (One) who deos not speak or believe otherwise नाया० २;

णत. त्रि० (नत) નમેલ. झुका हुआ. Bent; bowed down. सू० प० २०; (२) पुं० નત નામે એક વિમાન; એની સ્થિતિ ૧૯ સાગરોપમની છે; એ દેવતા સાડા નવ મહિને શ્વાસોશ્વાસ લે છે અને ૧૯૦૦૦ વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. नत नाम का विमान; उसकी स्थिति १६ सागरोपम की है; ये देवता ६॥ मास में श्वासोच्छ्वास लेते हैं और उन्हें १६००० वर्षमें क्षुधा लगती है. name of a heavenly abode, the gods in which live for 19 Sāgaropamas, breathe once in nine and half months and feel hungry once in 19000 years. सम० १६;

णत्त. न० (नक्त) રાત્રિ. रात्रि. A night. चं० प० १०;

णत्तिआ. स्त्री० (नप्तृका) દીકરાની દીકરી અને દીકરીની દીકરી. पुत्र की पुत्री और पुत्री की पुत्री. A grand-daughter. विवा० ३;

णत्तुआ. स्त्री० (नप्तृका) જુઓ "णत्तिआ" શબ્દ. देखो "णत्तिआ" शब्द. Vide "णत्तिआ" विवा० ३;—वइ. पुं० (-वर) પૌત્રીનો વર; દીકરીની દીકરીનો ધણી. पौत्रीका पति; पुत्री की पुत्री का धनी. a grand daughter's husband. विवा० ३;

णत्तुइणी. स्त्री० (नप्तृकिनी) દીકરાના દીકરા કે દીકરીના દીકરાની વહુ. पुत्र के पुत्र की अथवा पुत्री के पुत्र की स्त्री Wife of a grandson. विवा० ३;

णत्तई. स्त्री० (नप्तृकी) દીકરા કે દીકરીની

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

दीकरी. पुत्र वा पुत्री की पुत्री. A grand daughter. विवा० ३;

णत्तुणिश्र. पुं० (नप्तृक) पुत्रनो पुत्र;पौत्र. पुत्र का पुत्र. पौत्र. A son's son; a grandson. दस० ७, १८;

णत्तुणिश्रा-या. स्त्री० (नप्तृका) दीकरीनी दीकरी. पुत्री की पुत्री. A daughter's daughter. दस० ७, १५;

णत्थ. त्रि० (न्यस्त) साधुने वास्ते स्थापी राखेल. साधु के वास्ते रख छोडा हुआ. Reserved for an ascetic. सूय० १, ४; १, १५; (२) (नास्यन्ते वशीक्रियन्ते वृषभादयः दुर्मीक्रियन्ते वाऽनेनेति) नथः बळदनी नाथ. नथनी; बैल की नाथ. a nose string by which an ox is led. नाया० ३; भग० ६ ३३;

णत्थि. अ० (नास्ति) नथी. है नहीं. Is not. अणुजो० १३६; नाया० २; ३; ८; १६; भग० ३५, १२; निसी० ५, ६५;

णत्थिश्र. पुं०(नास्तिक नास्ति जीवः परलोको वा इत्येवं मतिर्यस्य) नास्तिक; अक्रियावादी. नास्तिक; अक्रियावादी. An atheist. ठा० ६, ४;

णत्थित्त. न० (नास्तित्व) नास्तित्व; अस्तित्वनो अभाव. नास्तित्व; अस्तित्व का अभाव. Absence of existence; nihilism. भग० १, ३;

णदी. स्त्री० (नदी) नदी, नदी. A river. जं० प० ठा० २, ४; (२) ए नामनो एक द्वीप अने एक समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island; also that of an ocean. जीवा० ३,४; —**मह.** पुं० (-मह) नदीनो महोत्सव. नदी का महोत्सव. festivity in honour of a river. राय० २१७;

णद्दिय न० (नर्दित) बळद वगेरेनो अवाज बैल इत्यादि का आवाज. Bellowing as that of an ox etc. नाया० ९;

णद्ध. त्रि० (नद्ध) बांधेल. बंधा हुआ. Bound tied तंदु०

णपुंसग. न० (नपुंसक) नपुंसक; नामर्द; पुरुष नहि तेम स्त्री पण नहि. नपुंसक; नामर्द; पुरुष भी नहीं और स्त्री भी नहीं. An impotent; hermaphrodite ' तिविहा णपुंसगा पएणत्ता ' ठा० ३, १; भग० ८. ८; —**पएणवणी.** स्त्री०(-प्रज्ञापनी) नपुंसकना लक्षण बतावनारी भाषा. नपुसक के लक्षण बताने वाली भाषा. language bearing the marks of impotence. पन्न० ११; —**लिंगसिद्ध.** पुं० (-लिङ्गसिद्ध) नपुंसक पणे सिद्ध थाय ते. नपुंसक पन से सिद्ध हो वह. getting of salvation in the state of impotency. नंदी० —**वयण.** न० (-वचन) नान्यतर जातिना शब्द. नान्यतर जाति के शब्द. a word in the neuter gender. जीवा० १;—**वेद.** पुं०(-वेद — वेद्यत इति वेदः नपुंसकस्य वेदः नपुंसकवेदः) नपुंसक वेदः त्रण वेदमांनो एक. नपुंसक वेद. तीन वेद में से एक. one of the three kinds of sex-feelings viz. that of an impotent. भग० २०,७; सम० २१; —**वेदग.** पुं०(-वेदक) नपुंसकवेदवाळो जीव. नपुंसक वेद वाला जीव. a soul with the sex-feeling of impotence. भग० ११, १; १८, १; २६, १; ३५, १; —**वेदय.** पुं० (-वेदक) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. vide above. भग० २६, १; —**वेय.** पुं०(-वेद) जुओ "णपुंसगवेद" शब्द. देखो ' णपुंसगवेद ' शब्द. vide " णपुंसगवेद " पन्न० २१; २३;

ठा० ६; सम० —वेयग. पुं०(-वेदक) જુઓ " णपुंसगवेदग " શબ્દ. देखो ' णपुंसगवेदग ' शब्द. vide " नपुंसगवेदग " ठा० ४, ४;

णपुंसय. न० (नपुंसक) જુઓ " णपुंसग " શબ્દ. देखो " णपुंसग " शब्द. Vide " णपुंसग " सम० २०; —वेयणिज्ज. न० (-वेदनीय) જેથી નપુંસકપણું વેદવામાં આવે તેવી એક મોહનીય કર્મની પ્રકૃતિ जिस से नपुंसकत्व-नामर्दाई का अनुभव हो ऐसी एक मोहनीय कर्म की प्रकृति. a variety of Mohanīya Karma by which a soul experiences the sex-feeling of an impotent. सम० २०;

णभ. न०(नभस्) આકાશ. आकाश. Sky. सूय० १, ६, ११; ओव० —सूर. पु० (-सूर) રાહુ; ચંદ્ર યા સૂર્યને ગ્રહણ કરતા એક જાતનો કાલો પુદ્ગલ. राहु; चंद्र या सूर्य को ग्रहण करने वाला एक जाति का काला पुद्गल. the demon Rāhu; causing an eclipse of the sun or moon. सू० प० २०;

णमंसण. न० (नमस्यन) નમસ્કાર કરવો તે. नमस्कार करना. Act of bowing to; act of saluting. भग० ६, ३३;

णमंसणया. स्त्री० (नमस्यन) નમસ્કાર કરવો તે. नमस्कार करना. Act of bowing to; act of saluting. ओव०२७;

णमंसणिज्ज. त्रि० (नमस्यनीय) નમસ્કાર કરવા યોગ્ય. नमस्कार करने योग्य. Worthy of being bowed to; worthy of being saluted. भग० १०; ५;

णमंसिय. त्रि० (*नमस्यित) નમસ્કાર કરેલ; નમેલ. नमस्कार किया हुआ; झुका हुआ. (One) who has bowed to; (one) who has saluted. भग० ४२, १;

णमण. न० (नमन) નમન; પ્રણામ. नमन; प्रणाम. A bow; a salutation. सूय० २, २, ७;

णमणी. स्त्री० (नमनी) ત્રીજી ગૌણ આજ્ઞા. तीसरी गौण आज्ञा. The third of the secondary commands. नंदी०

णमि. पुं० (नमि) નમિ નામના એક રાજર્ષિ કે જે અનેક કંકણ ખડખડે છે અને એકનો ખડખડાટ થતો નથી એટલા ઉપરથી વૈરાગ્ય પામી દીક્ષા લઇ મોક્ષે પહોંચ્યા; ચાર પ્રત્યેકબુદ્ધમાંના એક પ્રત્યેકબુદ્ધ. नमि नाम का राजा कि जो अनेक कंकण का खडखडाहट होता है परन्तु एक का अवाज नहीं होनेसे वैराग्य प्राप्त कर दीक्षा ले, मोक्ष को पहुंचे; चार प्रत्येक बुद्ध में से एक प्रत्येक बुद्ध. King Nami who marked that more bangles than one collide against each other (when the hand that wears them is in motion) and make a sound. He also marked that one bangle does not produce that sort of sound. So he became an ascetic and got salvation; he is one of the four Pratyeka Buddhas. उत्त० १८, ४५; (२) એકવીશમા તીર્થંકરનું નામ. एकवीसवें तीर्थंकर का नाम. name of the 21 st Tīrthaṅkara. अणुजो० ११६; सम० १५; (३) વૈતાઢ્યની ઉત્તર શ્રેણિમાંના વિદ્યાધરનો રાજા वैताढ्य की उत्तर श्रेणिमें के विद्याधरों का राजा. name of a king of the Vidyādharas residing

in the northern part of Vaitādhya. जं० प० (४) અંતગડદશા સૂત્રના પહેલા અધ્યયનમાં જેનો અધિકાર છે એવા એક સાધુ. अंतगड दशा सूत्र के पहिले अध्ययन में जिसका अधिकार है ऐसा एक साधु. name of an ascetic described or mentioned in the first chapter of Antagaḍadaśā Sūtra. ठा० १०;

णमिपव्वज्जा. स्त्री० (नामिप्रवज्या) એ નામનું ઉત્તરાધ્યયનનું ૮ મું અધ્યયન. इस नामका उत्तराध्ययन का ८ वां अध्ययन. Name of the 8th chapter of Uttarādhyayana. सम०

णमिय. त्रि० (नत) નમ્ર. नम्र. Bent; low; humble; bowed down. 'कुसुम फलभार णमियसाला' जीवा० ३; जं० प०

णमुक्कार. पुं० (नमस्कार) નમસ્કાર नमस्कार. A bow; a salutation दस० ५, १. ६३;

णमुदय. पुं० (नमुदय) એ નામનો ગોશાલાનો એક શ્રાવક. इस नामका गोशाला का एक उपासक-श्रावक. A layman-follower of Gosāla. भग० ७, १०;

णमो. अ० (नमस्) નમસ્કાર કરવો તે नमस्कार करना. Act of bowing or saluting; salutation. नाया० १; ८; १३; १६; नाया० ध० भग० १५, १; २३, १; २५, १३; २६, १; जीवा० ३, ४; ओव० १२; अणुजो० १२६; जं० प० ५, ११४; ११२; ११७; ११५;

णमोक्कार. पुं० (नमस्कार) નમસ્કાર. नमस्कार. A bow or salutation. आव० १, ५;

णमोक्कार. पुं० (नमस्कार) નમસ્કાર. नमस्कार. A bow; a salutation. नाया० १;

णय. अ० (नच) નહિ नहीं. No; not. सम० प० २३१;

णय. त्रि० (नत) નમ્ર થયેલ; નમેલ. नम्र; झुका हुआ. Bent low; modest; humble; (one) who has bowed. जं० प० ३, ५७; सूय० १, २, २, २७;

णय. पुं० (नय - नयत्यनेकांशात्मकं वस्त्वेकांशावलम्बनेन प्रतीति पथमारोपयति नयिते ऽनेनास्मिन् वेति नयः) અનેક ધર્મવાળી વસ્તુના એક ધર્મનો બોધ કરાવનાર અભિપ્રાય; નૈગમ આદિ સાત નયમાંનો ગમે તે એક. अनेक धर्मावलंबी वस्तु के एक धर्म का बोध कराने वाला अभिप्राय; नैगम आदि सात नय में से कोई भी एक. Any of the seven stand-points viz. Naigama etc; a stand-point showing one of many aspects of a thing. पन्न० १; १६; नाया० १; भग० ७, ३; १८, ६; (२) મત; દૃષ્ટિ; અપેક્ષા. मत; दृष्टि; अपेक्षा. view; point of view. सू० प० २०; **—अंतर.** त्रि० (-अन्तर) બે નયની વચ્ચેનો તફાવત; દૃષ્ટિ-મત ભેદ. नय के मध्यस्थ का अंतर; दृष्टि-मत भेद. difference between two points of view or stand-points. भग० १, ३; **—गइ.** स्त्री० (-गति) નૈગમ આદિ નયોએ પોત પોતાના મતનું પોષણ-સ્થાપન કરવું તે. પરસ્પર સાપેક્ષ સર્વ નયોથી પ્રમાણને બાધ ન આવે તેવી રીતે વસ્તુનું વ્યવસ્થાપન કરવું તે नैगम आदि नयों से अपने अपने मत का पोषण स्थापन करना; परस्पर सापेक्ष सर्व नयों से प्रमाण का बाध न आवे इस रीति से वस्तु का व्यवस्थापन करना. establishing or proving a thing by

various stand-points without involving contradiction with any पन्न० १६; —निउण. त्रि० (-नं-पुण) नैगम आदि नयमां निपुण -कुशल. नैगम आदि नयमें निपुण कुशल. proficient, well versed in the stand-points viz. Naigama etc. सम० १; —प्पहाण. त्रि० (-प्रधान) नयनी अंदर प्रधान. नय के अंदर प्रधान. the chief or principal among the stand-points. राय० —विहि पुं० (-विधि) नयना प्रकार. नय के प्रकार. varieties of stand points; various modes of stand-points. नाया० १; —विहिरणु. त्रि० (विधिज्ञ) नयना प्रकारने जाणनार नय के प्रकार को जानने वाला (one) who knows well the various modes of stand points नाया० १;

णयण न० (नयन) आंख; नेत्र; चक्षु. आंख; नेत्र; चक्षु An eye. नाया० १; ८; ६; १७; भग० ३, २; ६, ३३; ११, ११; जीवा० ३, ३; राय० २७; ओव० —आणंद. पुं० (-आनन्द) आंखनो आनन्द. आंख का आनन्द. delight of the eyes. नाया० १; —विस. न० (-विष) आंखनुं झेर रोष गुस्सो. आंख का विष-रोष-क्रोध. resentment or anger expressed in the eyes. नाया० ६; —वरण पुं० (-वर्ण) आंखनो रंग. आंख का रंग. colour of the eyes. नाया० ८; —माला स्त्री० (-माला) हारबंध ऊभेला माणसोनी आंखोनी पंक्ति. श्रेणी में खडे हुए मनुष्यों की आंखों की पंक्ति a line or series of the eyes of persons standing in rows. भग० ६, ३३; —कीया. स्त्री० (-कीका-कनीनिका) नेत्र-आंखनी कीकी. नेत्र-आंख की पुतली. the pupil of an eye. राय० २७; ओव०

णयर. न० (नगर) नगर; ज्यां हलकी वस्तु उपर कर न होय तेवुं शहेर. नगर; जहां हलकी वस्तु के ऊपर कर न हो ऐसा शहर. A town; a city; a town in which taxes are not levied on trivial articles. नाया० १; ८; १३; १४; १६; भग० ३, १; ५, ६; १६, ७; ओव० १७; ३२; —गुत्तिअ-य पुं० (-गोप्तृक) नगर रक्षक; कोटवाल. नगर रक्षक; कोटवाल. a protector or guard of a city; a Kotawāla. ओव. ३०; नाया० २; —णिगम पुं० (-निगम) नगरना निगम-महाजन-व्यापारी. नगर के निगम महाजन-व्यापारी. a trader residing in a city. नाया० २; —बली-वद्द. पुं० (-बलीवर्द) नगरनो खुंटीयो सांढ. नगर का सांड. a bull roaming a city. विवा० २; —महिला. स्त्री० (-महिला) नगरनी स्त्री-नारी. नगर की स्त्री-नारी. a woman residing in a city. नाया० २;

णयरी. स्त्री० (नगरी) नगरी, राजधानीनुं शहेर. नगरी; पाटनगर. A city, a capital-city. नाया० १; २; ४; ५; ६; भग० ३, १; जं० प० ७, १३८; १, १; राय० ४;

णर. पुं० (नर) नर; मनुष्य; पुरुष. नर; मनुष्य; पुरुष. A man; a person; a human being. नाया० १; ७; ८; राय० ४३; जं० प० ५, ११४; —अहिव पुं० (-अधिप) राजा. राजा. a king.

"कुंथूनामनराहिवो" उत्त० १८, ३६; —(री) ईसर. पुं० (-ईश्वर) રાજા. राजा. a king. "इक्खागरायवसहो कुंथूनाम नरीसरो" उत्त० १८, ३६; —देव. पुं० (-देव-नरेषु देवा नरदेवाः) ચક્રવર્તી. चक्रवर्ती. a Chakravarti; a lord of men. ठा० ५, १; (२) એ નામનો ઋષભદેવ સ્વામિનો એક પુત્ર. इस नाम का ऋषभदेव स्वामी का एक पुत्र. name of a son of Risabhadeva Swāmi. कप्प० ७; —णारीसंपरिवुड. त्रि० (-नारीसंपरिवृत) નરનારીથી ઘેરાયેલ. नरनारी से घिरा हुआ. surrounded by men and women. पगह० १, ३; —दुग. न० (द्विक) મનુષ્ય ગતિ અને મનુષ્યાનુપૂર્વી એ બે પ્રકૃતિ. मनुष्य गति और मनुष्यानुपूर्वी ये दो प्रकृति. two Karmic varieties named Manusya Gati and Manusyānupurvi. क० गं० ३, ८; —रुहिर. न० (-रुधिर) મનુષ્યનું લોહી. मनुष्य का रुधिर. human blood. राय० —वरीसर. पुं० (-वरेश्वर) શ્રેષ્ઠ રાજા. श्रेष्ठ राजा. the best among kings; an excellent king. "सगरो वि सागरन्तं भरहं नरवरीसरो" उत्त० १८, ४०; —वसह. पुं० (-वृषभ) નરની અંદર પ્રધાન ગુણવાળો; ઉત્તમ પુરુષ. नरों में प्रधान गुण वाला; उत्तम पुरुष. the highest or best among men, an excellent person. पगह० १, ४; —विग्गहगइ. स्त्री० (-विग्रहगति) મનુષ્યની વિગ્રહ ગતિ; કોઇપણ ગતિમાંથી ચ્યવી ઉત્પાંક ખાઈ મનુષ્યની ગતિમાં આવે તે. मनुष्य की विग्रह गति; कोई भी गति में से च्यवकर बक्रागमन होकर और अनियमित रीति से मनुष्य गतिमें आता है वह. passing of a soul into the state of a human being from any of the other states by an irregular process. ठा० १०; —संघाडग. न० (-संघाटक) નર-મનુષ્યનો સમૂહ. नर-मनुष्य का समूह. a multitude of men. जं० प० —सिरमाला. स्त्री० (-शिरोमाला) પુરુષોના માથાની માળા. पुरुषों की खोपड़ियों की माला. a garland of human skulls. नाया० ८; —सीह. पुं० (-सिंह) પુરુષમાં સિંહ સમાન. पुरुषों में सिंह के समान. a lion among men. नाया० १६;

णरअ-य. पुं० (नरक) નરક. नरक. Hell. आया० १, १, २, १६; दसा० ६, १; ८; नाया० २; १६; भग० १५, १;

णरकंतप्पवाय. न० (नरकान्ताप्रपात) જંબુદ્વીપના મન્દર પર્વતની ઉત્તરમાં નરકાન્તા નદીનો ધોધ. जंबूद्वीप के मन्दर पर्वत के उत्तर की नरकान्ता नदी की धारा. The fall of the river Narakanta in the north of the mount Mandara of Jambu Dvipa. ठा० २, ३;

णरकंता. स्त्री० (नरकान्ता) રુકિમ પર્વતના મહાપુંડરીક દ્રહમાંથી દક્ષિણ તરફ નીકળેલી મહાનદી. रुक्मि पर्वत के महाह्रद में से दक्षिण तरफ निकली हुई महानदी. A great river rising from lake Mahāpundarika on mount Rukmi and flowing in the south. ठा० २, ३; जं० प० ४, १११; —कूड. न० (-कूट) રુકિમ પર્વત ઉપરના આઠ કૂટમાંનું ચોથું કૂટ-શિખર. रुक्मि पर्वत के ऊपर के आठ कूट में से चौथा कूट

शिखर. the fourth of the eight summits of mount Rukmi. जं०प०

णरग. पुं० (नरक—नरान् कार्वन्ति शब्दयन्ति योग्यतायां अनियत क्रमेणाऽऽकारयन्ति जन्तून् स्वस्वस्थाने इति नरकाः) નરકાવાસા; નારકીના જીવોને રહેવાના સ્થાન. नरकावासा; नारकी जीवों को रहने का स्थान. A hell-abode for sinners. ठा० ४, १; पन्न० २; —**आवास.** पुं० (-आवास) નરકાવાસા; નારકીના સ્થાન. नरकावासा; नारकों का स्थान. a hell-abode. ठा० ८; —**इंद** पुं० (-इन्द्र) મ્હોટામાં મ્હોટો નરકાવાસો. बडे में बडा नरकावासा. the largest hell-abode. ठा० ६;—**तल.** न०(-तल) નરકનું તળું. नरक का तल. the bottom of hell दस० ६, १; —**पाल** पुं० (-पाल) નરકના રક્ષક પંદર જાતના પરમાધામિંક. नरक के रक्षक; पन्द्रह जाति के परमाधार्मिक. any of the 15 kinds of the tortenrers or guards of hell called paramādhārmikas. सूय० नि० १, ५, १, ७४; —**विभत्ति.** स्त्री० (-विभक्ति-विभाजनं विभक्तिःनरकाणां विभक्तिःनरक विभक्तिः) નરકના વિભાગ. नरक के विभाग. sub-divisions of hell. (२) તેનું પ્રતિપાદન કરનાર સૂયગડાંગ સૂત્રનું પાંચમું અધ્યયન. उसका प्रतिपादन करने वाला सूयगडांग सूत्र का ५वां अध्ययन. the 5th chapter of Sūyagaḍānga dealing whih the above. सूय० १,५,१; सम०

णरगत्त. न० (नरकत्व) નારકી પણું. नारकी पन. State of a hell-being. भग० १२, ७;

णरवइ. पुं० (नरपति) માણસનો સ્વામિ-નાયક; રાજા. मनुष्य का स्वामी-नायक; राजा. A lord of men; a king. नाया० १; ८; १६; ओव० ३१; पराह० २, ४; जं० प० ३, ४३; —**दत्तपयार.** पुं० (-दत्तप्रचार) રાજાએ આપેલ સત્તા. राजा की दी हुई सत्ता-अधिकार. power conferred by a king. नाया०१६; —**वि-दराणपयार.** पुं० (-दत्तप्रचार) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. नाया० १६;

णरिंद. पुं० (नरेन्द्र नरेष्विन्द्रो नरेन्द्रः) રાજા; ચક્રવર્તી આદિ. राजा; चक्रवर्ती आदि. A king; a Chakravarti etc. पराह० १, ४; ओव० नाया० १; ८; —**वसह.** पुं० (-वृषभ) મ્હોટો રાજા. बडा राजा. a great king; a sovereign prince. "एवं नरिंदवसहा निक्खंता जिणसासणे" उत्त० १८, ४७;

णरीसरत्तण. न० (-नरेश्वरत्व) નરેશ્વરપણું. રાજાપણું. राजापन; नृपत्व Kingship; royalty. "मामगं मणुयत्ते अम्माओ णरीसरत्तणंकर" पंचा० ५, १७;

णल पुं० (नल) એક જાતની વનસ્પતિ; નલ. एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation. जीवा० ३, १; ठा० ५, १;

णलदाम. न० (नलदामन) એ નામનો એક વણકર. इस नाम का एक कपडा बुनने वाला; जुलाहा. Name of a weaver. ठा० ४, ३;

णलिण. न० (नलिन) થોડું રાતું કમળ. कमल; थोडा लाल कमल. A lotus; a reddish lotus. जीवा० ३, १; राय० ८८; नाया० ८; पन्न० १; (२) ८४ લાખ નલિનાંગ પ્રમાણનો કાલ વિભાગ. ८४ लाख नलिनांग प्रमाण का काल विभाग A period

of time measuring 84 lacs of Nalināgnas. अणुजो० ११५; जीवा० ३, ४; ठा० २, ४; भग० ५, १; २५, ५; (३) નલિન વિમાન; સાતમા દેવલોકનું એક વિમાન એની સ્થિતિ સત્તર સાગરોપમની છે; એ દેવતા સાડાઆઠ માસે શ્વાસોશ્વાસ લે છે એને સત્તર હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. नलिन विमान; सातवे देवलोक का एक विमान; उसकी स्थिति सतरह सागरोपम की है; ये देवता साडे आठ मास में श्वासोश्वास लेते हैं और उन्हें सतरह सहस्त्र वर्षों मे क्षुधा लगती है. a heavenly abode of the 7th Devaloka where the gods live for 17 Sāgaropamas breathe every eight and half months and feel hungry once in 17000 years. सम० १७; (४) પશ્ચિમ મહાવિદેહના દક્ષિણ ખંડવાળી મેરૂ તરફથી સાતમી વિજય. पश्चिम महाविदेह के दक्षिण खंड की मेरु के तरफसे सातवीं विजय. the 7th Vijaya of the southern part of western Mahāvideha from the side of Meru. जं० प० (५) સાતમી વિજયનો રાજા. सातवीं विजय का राजा. the king of the 7th Vijaya. जं० प० (६) જમ્બુસુદર્શનની પૂર્વમાં આવેલી એક વાવ. जम्बू सुदर्शन के पूर्व मे आई हुई एक बावड़ी. a well in the east of Jambū Sudarśana. जं० प०

णलिणंग. न० (नलिनाङ्ग) ८४ લાખ પદ્મ પ્રમાણનો કાલ વિભાગ. ८४ लक्ष पद्म प्रमाण का काल विभाग. A period of time measuring 84 lacs of Padmas. अणुजो० ११५; ठा० २, ४; भग० ५, १; २५, ५;

णलिणकूड. पुं० (नलिनकूट) સીતા મહાનદીને ઉત્તર કિનારે અને આવર્ત વિજયની પૂર્વ સરહદ ઉપરનો વખારા પર્વત. सीता महानदी के उत्तर किनारे पर और आवर्त विजय की पूर्व सरहद के ऊपर आया हुआ वखारा पर्वत. A Vakhārā mount on the eastern border of Āvarta Vijaya and on the northern bank of the great river Sītā. जं० प० ४, ८५; ठा० २, ३; ३, ३; ४, २;

णलिणगुम्म. पुं० (नलिनगुल्म) શ્રેણિક રાજાની સ્ત્રી નલિનગુલ્માનો પુત્ર. श्रेणिक राजा की स्त्री नलिनगुल्मा का पुत्र. A son of Nalinagulmā the wife of king Śreṇika. (२) મહાપદ્મ સ્વામીના વખતનો રાજા. महापद्म स्वामी के समय का राजा. a king contemporaneous with Mahāpadma Svāmi. ठा० ८; (३) આઠમા દેવલોકનું એ નામનું એક વિમાન. आठवें देवलोक का इस नाम का एक विमान. name of a heavenly abode in the 8th Devaloka. सम० १८;

णलिणवण न० (नलिनवन) પુષ્કલાવતી વિજયમાં પુણ્ડરીક નગરીની ઉત્તર-પશ્ચિમ દિશામાં આવેલું એક ઉદ્યાન. पुष्कलावती विजय में पुण्डरीक नगरी की उत्तर-पश्चिम दिशामें आया हुआ एक उद्यान. A garden in the north-west of the town named Puṇḍarika in Puṣkalāvati Vijaya. नाया० १८; १६;

णलिणा. स्त्री० (नलिना) એક વાવનું નામ. एक बावडी का नाम. Name of a well. जीवा० ३, ४;

णलिणिवण न० (नलिनीवन) પદ્મલતાનું વન. पद्मलता का वन. A forest of lotus-creepers. नाया० १;

णलिणी. स्त्री० (नलिनी) કમલિની; પદ્મલતા. कमलिनी; पद्मलता. A lotus-creepers. ओव० नाया० १३;

णलिणीवण. न० (नलिनीवन) એ નામનું એક ઉદ્યાન. इस नाम का एक उद्यान-बगीचा. Name of a garden. नाया० १६;

णव. त्रि० (नवन्) નવ; ૯. नौ; ९. Nine; 9. "णवण्हंमासाणं" नाया० १४; भग० १२, ६; १४, ६; २०, ५; २४, १; २५, ६; ३१, ७; ३१, १; नाया० १; १४; १६; १६; निसी० १४, १२; मु०प० १; जं०प० ७, १४६; —**आयय.** पुं० (-आयत) નવ હાથ લંબાઇ. नौ हाथ की लम्बाई. length measuring nine arms (an arm from the tip of the middle finger to the elbow). नाया० १; —**कोडिपरिसुद्ध.** त्रि० (-कोटिपरिशुद्ध) નવ પ્રકારથી શુદ્ધ-નિર્દોષ. नौ प्रकार से शुद्ध-निर्दोष. faultless or pure in nine modes or ways. " नवकोडि परिसुद्धे भिक्खे पएणत्ते " ठा० ६; —**छिद्द.** त्रि० (-छिद्र) નવ, ૯ છિદ્ર વાળું. नौ छिद्र वाला. having nine holes. तंदु० —**जोयण.** पुं० (-योजन) નવ યોજન. नौ योजन. nine Yojanas (1 Yojana = 8 miles). नाया० ८; —**जोयणविच्छिएण.** त्रि० (-योजनविस्तीर्ण) નવ યોજન વિસ્તૃત. नौ योजन विस्तृत. having an extent of 9 Yojanas. नाया० ८; —**जोयणिय.** त्रि० (-योजनिक) નવ યોજનની લંબાઇ વાળું. नौ योजनकी लम्बाई वाला. of the length of nine Yojanas (1 Yojana = 8 miles). " जंबुद्दीवेणं दीवे नवजोयणिया मच्छा " ठा० ६; —**णउइ.** स्त्री० (-नवति) ૯૯; નવાણું. निन्यानवे. ninety-nine. सम० ६६; जं० प० ७, १३२; १४७; —**णवमिया.** स्त्री० (-नवमिका-नव नवमानि दिनानि यस्यां सा नवनवमिका) નવ નવક-૮૧ દિવસનું એક અભિગ્રહ-તપ, જેમાં એકેક દિવસે અથવા નવનવ દિવસે એકેક દાત અન્ન પાણીની વધારતાં નવ દાત સુધિ વધારી શકાય છે; નવ દાત ઉપરાંત કોઇપણ દિવસે અન્ન પાણી લેવાય નહિ એવી રીતે ૮૧ દિવસ સુધિ કરવાનું તપ. नव नवक ८१ दिन का अभिग्रह-तप, जिसमें एक एक दिन को अथवा नौ नौ दिन को एक एक दात अन्न जल की बढाते बढाते नौ दात पर्यन्त बढाई जा सकी है. नव दात के सिवाय अन्य कोई भी दिन को अन्न पानी लिया न जाय इस प्रकार ८१ दिन तक करने का तप. an austerity, so named, lasting for 81 days, in this austerity food and water are limited to the maximum amount of 9 Dāta (a measure). Starting with the minimum of one Dāta. The performer of this austerity may increase one Dāta every day or every nine days. अं० ९; ओव० ५; मग० —**पय.** पुं० (-पद) ચલમાણે; ચલિએ ઇત્યાદિ નવ પદ. चलमाणे; चलिए इत्यादि नौ पद. nine verbal forms such as Chalamāṇe, Chalie etc. भग० १, १; —**पुव्व.** न० (-पूर्व) નવ પૂર્વ-શાસ્ત્ર. नौ पूर्व-शास्त्र. nine Pūrvas or scriptures. भग० २५, ६; —**बंभचेर.** न० (-ब्रह्मचर्य) નવ પ્રકારનું બ્રહ્મચર્યનું પ્રતિપાદન કરનાર આચારાંગ સૂત્રનો પ્રથમ શ્રુત સ્કંધ; આચારાંગના પહેલાં

नव अध्ययन. नौ प्रकार के ब्रह्मचर्य का प्रतिपादन करनेवाला आचाराङ्ग सूत्र का प्रथम श्रुतस्कंध; आचारांग के प्रथम नो अध्ययन. The first nine chapters of Āchārānga explaining the nine modes of continence निसी० १६, १८; —विगइ. स्त्री० (-विकृति) दूध दहि घी तेल वगेरे नव प्रकारनी विकृति विगय. दूध, दही, घी, तेल इत्यादि नौ प्रकारकी विकृति विगय. nine kinds of transformations e. g. milk, curds, ghee, oil etc. " णव विगइओ पणणत्ताओ " ठा० ६; —हत्थुस्सेह. पुं० (-हस्तोत्सेध) नव हाथनी ऊंचाइ. नौ हाथ की ऊंचाई. height measuring nine arms-length. नाया० ८०

णव. त्रि० (नव) नवीन; नवुं; ताजुं. नवीन; नया; ताजा. New; fresh; novel. नाया० ९; १२; सम० ३०; ओव० सू० च० १, ३१८; —गिम्हकालसमय. पुं० (-ग्रीष्मकालसमय) नूतन ग्रीष्म काल. नया ग्रीष्म काल. opening summer. नाया० १; —ग्गह. पुं० (-ग्रह) नवुं ग्रहण करवुं ते. नया ग्रहण करना. new or fresh acceptance. सूय० १, ३, २, ११; —घडय. पुं० (-घटक) नवो घडो. नया घडा. a new pot; a new-made pot. नाया० १२; —पज्जयण. न० (-पायन) लोढाने तापमां नाखी तीक्ष्ण करी पाछुं पाणीमां नाखवुं ते; नवुं पाणी चडाववुं ते. लोहे को ताप में डाल ताक्ष्ण कर के पुनः पानी में डालना; नया पानी चढाना. act of dipping heated and sharpened iron again into water, with a view to make it stronger. "णवपज्जणएणं आसिएणं पाडसाहरिया " भग० १४, ७; नाया० ७; —साहुल. न० (-शाद्वल) तुरतनुं उगेलुं घास. ताजा उगा हुआ घास. fresh-grown grass. नाया० १; —सुत्त. त्रि० (-सूत्र) नवा सूतरवाळुं. नये सूत वाला. having or consisting of new-spun thread. " आसंदियं च नवसुत्तं पाउल्लाई संकमट्ठाए " सूय० १, ४, २, १५; —सुरभि. पुं० (-सुरभि) नूतन सुगन्ध. नया सुगन्ध. fresh, new perfume. नाया० १;

णवइ. स्त्री० (नवति) नेवुनी संख्या; ९०. नब्बे की संख्या; ९०. Ninety; 90. जं० प० २, ३३;

णवंग. न० (नवाङ्ग) बे कान, बे आंख, बे नासिका (केणुा) जीभ, स्पर्श अने मन ए नव अंग जागृत थतां जुवानी प्रगटे छे. दो कान, दो आंख, दो नासिका, जिव्हा, स्पर्श और मन ये नौ अंग जागृत होने पर युवावस्था प्रकट होती है. The nine organs or senses viz. two ears, two eyes, two nostrils, tongue, touch and mind (which in their bloom cause puberty). राय० २६१; नाया० १; —सुत्तपडिबोहिया. स्त्री० (-सुप्तप्रतिबोधिता-नवाङ्गानि कर्णादि लक्षणानि सन्ति प्रतिबोधितानि यौवनेन यस्याः सा तथा) नव यौवना स्त्री. नव यौवना स्त्री. a woman in her prime. विवा० २, १; वव० १०;

णवणीइया. स्त्री० (नवनीतिका) एक प्रकारनी वनस्पति. एक प्रकार का वनस्पति. A kind of vegetation. " णवणीया गुम्मा " जं० प० पन्न० १;

णवणीअ-य. न०(नवनीत)माखण. मक्खन.

Butter. भग० ११, ११; १८, ६; नाया० १; पन्न० ११; निसी० १, ५; श्रोव० ३८; ठा० ४, १;

णवनीत. न० (नवनीत) માખણ. मक्खन. Butter. सू० प० १०; जीवा० ३, ४; ओव०

णवम. त्रि० (नवम) નવમો-મી-મું. नौवां-वीं. Ninth. नाया० ६; १६; भग० २४, १२; २०; नाया० ध० ६;

णवमालिया. स्त्री० (नवमालिका) એ નામની એક વેલ. इस नामकी एक बेल. A kind of creeper. कप्प० ३, ३७;

णवमिया. स्त्री० (नवमिका) કિંપુરુષના ઇન્દ્ર સુપુરુષની બીજી પટ્ટરાણી. किंपुरुष के इन्द्र सुपुरुष की दूसरी प्रधान रानी. The 2nd crowned queen of Supuruṣa the Indra of the Kimpuruṣa kind of gods. ठा० ४, १; (२) દેવેન્દ્રની છઠ્ઠી પટ્ટરાણી; देवेन्द्र की छठी प्रधान रानी. the 6th among the crowned queens of Devendra. (३) મન્દર પર્વતની પશ્ચિમે આવેલા રૂચક પર્વતના રૂચકોત્તમ નામના કૂટ-શિખર-ઉપર વસનારી એક દિશાકુમારી. मन्दर पर्वत के पश्चिम ओर आये हुए रुचक पर्वत के रुचकोत्तम नाम के कूट-शिखर के ऊपर बसने वाली एक दिशाकुमारी. a Diśākumārī residing on the summit of Ruchaka mount named Ruchakottama in the west of themount Mandara. ठा० ८; जं० प० ५, १२२; (४) નવમિકા દેવી. नवमिका देवी. the goddess Navamikā. नाया० ध० ५; ६; जं० प० ५, ११४;

णवमी. स्त्री० (नवमी) નોમ. नौमि. The 9th day of a fortnight. जं० प० २, ३०; —पक्ख पुं० (-पक्ष—नवम्यास्तिथेः पक्षो ग्रहो यस्य तिथिमेलपातादिषु तथा दशनामतिथि पाते तत्कृत्यस्याष्टमे क्रियमाणत्वात्सनवमीपक्षः) જેમાં નોમનો સમાવેશ થતો હોય તેવી આઠમ जिस में नौमि का समावेश होता हो ऐसी अष्टमी. the 8th day of a fortnight which includes also the 9th. "चित्त बहुलस्स नवमी पक्खेणं," जं० प० ३;

णवय पुं० (नवत) એક જાતનું ઊનનું કપડું. एक जाति का ऊनी कपड़ा. A kind of woolen cloth. नाया० १;

णवरं. अ० (नवरम्) પણ આટલું વિશેષ परन्तु इतना अधिक But this much in addition; but this much besides. ओव० नाया० १; ८; १२; १६; भग० १, १; ३, १; ३, २; ६, ४; ७, १; १५, १; २४, १२, जं०प०७, १३५ ५,११६;

णवरि. अ० (नवरं) અંતર; પૂર્વના અતિદેશ કરતાં કંઇક વિશેષતા દ્યોતક. अंतर; पूर्व के अतिदेश की अपेक्षा कुछ विशेषता द्योतक. Moreover; besides. जं० प०

णवलग पुं० (नवलक) જાલ. जाल. A net. नंदी०

णवसिरीस. पुं० (नवशिरीष) એક જાતનું વૃક્ષ एक जाति का वृक्ष. A kind of tree. नाया० १;

णवहा. अ० (नवधा) નવ પ્રકારે. नौ प्रकार से. In nine modes or ways. भग० १२, ४;

णविय. त्रि० (नव्य) નવું. नया. New; novel. नाया० १८;

णसण. न० (न्यसन) મુકવું; આરોપણ કરવું તે. रखना; आरोपण करना. Act of leaving; act of attributing. जीवा० १;

णस्समाण. त्रि० (नश्यत्) सन्मार्गथी चलायमान थतो-विमुख थतो. सन्मार्ग से चलायमान होता हुआ. Sliding back, falling off from the right path. उवा० ७, २१८;

णह. न० (नभस्) आकाश. आकाश. Sky. firmament. दस० ७, ५२;

णह. पुं० (नख) नख. नख; नाखुन. A finger-nail. नाया० १; ४; ८; भग० २, १; आया० १, १, २, १६; १, १, ६, ५३; जीवा० ३, ३; राय० २२; सूय० २, २, ६; (२) करज; देणुं. कर्ज़ा; ऋण. a debt. तंदु० सम० —च्छेदणय. न० (-च्छेदनक) नख उतारवानुं हथीआर; नरेणी. नाखुन उतारने का औज़ार; नेरनी an instrument for pairing finger-nails. आया० २, १, ७, १; —च्छेयण. न० (-च्छेदन) नख छेदन करवुं ते. नख छेदन करना. act of pairing the finger-nails. विवा० ६; —सिर. न० (—शिरस्) नखनो अग्रभाग. नख का अग्रभाग. the fore-part or tip of a finger-nail. भग० ५, ४; —सिहा. स्त्री० (-शिखा) नखनो अग्रभाग. नख का अग्रभाग. the fore-part of a finger-nail. निसी० ३, ४१;

णहयल. न० (नभस्तल) आकाश. आकाश. Sky; firmament. नाया० १;

णहु. अ० (नहि) नहि. नहीं. No; not. नाया० ६;

णाअ. त्रि० (ज्ञात) जाणेलुं. जाना हुआ. Known. ओव० (२) न० दृष्टांत. दृष्टांत. illustration. वेय० ३, २०;

णाई. अ० (नञ्) नहि. नहीं. No;not. नाया० ५,७; —पुज्ज. त्रि० (-पूज्य) अपूजनीय; पूज्यनहि. अपूजनीय; पूजा के अयोग्य. not deserving worship or reverence. नाया० ७;

णाइ. स्त्री० (ज्ञाति) ज्ञाति; जाति; नात. ज्ञाति; जाति. A community; a caste; kin. (२) सजातीय; मातापितादि संबंधी. सजातीय; मातापितादि संबंधी. of the same class, relatives. नाया० १; ३; ४; ५; ७; ६; १४; १६; १८; भग० १६,५; १८, २; ओव० ४०; उत्त० १३, २३; सूय० १, २, १, २२; २, १, ३५; नाया० ध० —संग. पुं० (—संग) माता, पिता, पुत्र, स्त्री आदिनो संग-साथ. माता, पिता, पुत्र, स्त्री आदि का संग. a family consisting of mother, father, wife, son etc. सूय०; १, ३, २, ९;

णाइ. त्रि० (ज्ञातिन्) जेने सर्व पदार्थो ज्ञात-जाणेला छे ते; सर्वज्ञ. जिसको सर्व पदार्थ ज्ञात विदित हैं वह; सर्वज्ञ. Omniscient; (one) to whom all things are known. सूय० २, ६, २४; ठा० ५, ३;

णाइ. अ० (नाति) थोडुं; अल्प. थोडा; अल्प. Not much; a little. भग० ८, १०; —कडुय. त्रि० (-कटुक) थोडुं कडवुं. थोडा कडवा. not very bitter. नाया० १; —विगट्ठ. त्रि० (-विकृष्ट) अत्यन्त दीर्घ नहि. अत्यन्त दीर्घ न हो वह. not very long or far off; not excessively long. विवा० ३;

णाइय-अ. त्रि० (नादित) नाद करेल; पडछंदा उठेल. नादित; नादसे गूंज रही हुई; गूंजाहुआ. Sounded; reverberated; ringing with a loud sound. नाया० १; जं० प० ५, ११७;

ओव० ३१;

णाइल. पुं० (नागिल) આર્ય વજ્રસેનના અંતેવાસી, કે જેના ઉપરથી આર્ય નાગિલા શાખા નિકલી. आर्य वज्रसेन का शिष्य कि जिसके ऊपरसे आर्यनागिला शाखा निकली. Name of the disciple of Ārya Vajrasena from whom the offshoot named Ārya Nāgilā originated. कप्प० ८;

णाइवंत. त्रि० (ज्ञातिमत्) સ્વજાતીય; નાતિલો. स्वजातीय; अपनी ज्ञातिवाला. Of one's own caste or community. 'मित्तवं णाइवं होइ' उत्त० ३, १८;

णाऊण. पुं० (ज्ञात्वा) જાણીને; સમજીને. जान कर; समझ कर Having known or understood. ओव० १४; पंचा० ६,५०;

णाग. पुं० (नाग-गच्छतीति गः, न गः अगः गतिहीनः न अगः नागः, चलन धर्मसंयुक्तः) ભવનપતિ દેવોની નાગકુમાર નામે એક જાત; જેના મુગુટમાં સર્પની ફેણનું ચિન્હ છે તેવી એક દેવતાની જાત; નાગકુમાર. भवनपति देवों की नागकुमार नाम की एक जाति; जिसके मुकुटमें सर्प के फण का एक चिन्ह है ऐसी एक देवता की जाति; नागकुमार. A class of Bhavanapati gods called Nāgakumāra gods; a class of gods whose diadem bears a sign of the hood of a serpent. नाया० २; ८; ओव० २३; जीवा० ३, ३; (२) નાગ વંશમાં ઉત્પન્ન થયેલ. नाग वंशमें उत्पन्न. born in the family of Nāgakumāra gods. जं०प० ३, ४५; (३) હાથી. हाथी. an elephant. ओव० ३१; भग० ६, ३३; १२, ८; जीवा० ३, ३; (४) નાગકુમાર દેવતાનો મહોત્સવ. नागकुमार देवता का महोत्सव. a festivity of the Nāgakumāra gods. नाया० १; (५) સર્પ. सर्प. a snake; a serpent. ओव० (६) આર્યરક્ષિતના શિષ્ય, એ નામના આચાર્ય. आर्य रक्षित के शिष्य; इस नाम के आचार्य. a preceptor so named; a disciple of Āryarakṣita. कप्प० ८; (७) નાગ કેસર; એક જાતનું ઝાડ नागकेसर; एक जाति का वृक्ष a kind of tree. (८) ૮ મા તીર્થંકરનું ચૈત્ય વૃક્ષ. ८वें तीर्थंकर का चैत्य वृक्ष. a sacred tree in memory of the 8th Tīrthaṅkara. समव० प० २३३; (९) અમાવસ્યાની રાતે આવાનું ચાર (ધ્રુવ) સ્થિરકરણમાંનું ત્રીજું કરણ. अमावास्या का रात्रि को आने वाला चार (ध्रुव) स्थिर करण में से तीसरा करण. the third of the four Dhruva Karaṇas falling on the night of the dark-half of a month जं० प० ५, ११६; (१०) એ નામનો એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island, also name of an ocean. पन्न० १५; सु० प० १६; जीवा० ३, ४; (११) વલ્ગુ વિજયની પૂર્વ સરહદ પરનો વખારા પર્વત. वल्गुविजय की पूर्व सीमा पर आया हुआ वखारा पर्वत. a Vakhārā mount on the eastern boundary of Valguvijaya. जं० प०

-इंद. पुं० (-इन्द्र) નાગકુમારના ઈંદ્ર. नागकुमार का इन्द्र. the Indra of the Nāgakumāra gods. 'असुरिंद सुरिंदणागिंदा' सम० कप्प० ८; नाया० ८;

-ग्गह. पुं० (-ग्रह) નાગદેવતાના આવેશથી થયેલ રોગ; જ્વર વગેરે. नाग

देवता के आवेश से उत्पन्न रोग; ज्वर इत्यादि. a disease resulting from one's being possessed by a Nāgakumāra god e.g. fever etc. जीवा० ३, ३;—घर. न० (-गृह) नागदेवतानुं घर. नागदेवता का घर. a house belonging to a Nāgakumāra god. नाया० ८; —जएण. पुं० (-यज्ञ) नाग देवतानी पूजा; (महोत्सव). नाग देवता की पूजा; (महोत्सव). a festivity held in honour of Nāgakumāra gods. नाया० ८; —जत्ता. स्त्री० (-यात्रा) नागदेवतानी यात्रा. नागदेवता की यात्रा. a pilgrimage to propitiate Nāgakumāra gods नाया० ८; —धर. पुं० (-धर) हाथीने पकडनार माणस. हाथी को पकडनेवाला मनुष्य. a person who catches an elephant. ओव० —पडिमा. स्त्री० (-प्रतिमा) नागदेवतानी प्रतिमा. नाग देवता की प्रतिमा. an image of a Nāgakumāra god. 'तेसिणं जिण पडिमाणं पुरओ दो दो णागपडिमाओ पएणत्ताओ' जीवा० ३, ३; —परियावणिया. स्त्री०(-परिज्ञा- नागा नागकुमारास्तेषां परिज्ञा यस्यां ग्रंथपद्धतौ सा नागपरिज्ञा) ए नामनुं एक कालिक श्रुत. इस नाम का एक कालिक श्रुत. name of a Kālika scripture. नंदी० —पुप्फ न० (-पुष्प) नाग केसरनुं फूल. नाग केशर का फूल. a flower of the tree named Nāgakeśara. जं० प० —फडा. स्त्री० (-फणा) सर्पनी फेण. सर्प का फण. the hood of a serpent. (२) नागकुमार देवतानुं मुगुटमां रहेलुं चिन्ह. नाग कुमार देवता का मुगुट में रहा हुआ चिन्ह. the sign of serpent's hood in the diadem of Nāgakumāra gods. ओव० २३; —मह. पुं० (-मह) नागदेवतानो महोत्सव. नाग देवता का महोत्सव. a festivity held in honour of Nāgakumāra gods. आया० २, १, २, १२; राय० २१७; भग० ६, ३३; —वर. पुं० (-वर) प्रधान हाथी; उत्तम हस्ति. प्रधान हाथी; उत्तम हस्ति. an excellent elephant. ओव० जं० प० तंदु० भग० ६, ३३; (२) नागसमुद्रनो अधिपति देवता. नागसमुद्र का अधिपति देवता. the presiding deity of Nāgasamudra (ocean). सू० प० १६; —वीही. स्त्री० (-वीथी) शुक्रनी नव वीथीमांनी एक. शुक्र के नौ मार्ग में से एक. one of the 9 orbits of the planet Venus. ठा० ६; —साहस्सी. स्त्री० (-साहस्री) एकहजार नागकुमार देवता. एक सहस्र नागकुमार देवता. a thousand deities of the Nāgakumāra class. सम० ७२;

णागकुमार. पुं० (नागकुमार) नागकुमार देवता; भवनपतिनी एक जात. नाग कुमार देवता; भवनपति की एक जाति. A class of Bhavanapati gods; a deity of the Nagakumāra class of gods. भग०१, १; २४, २०; ठा०१,२; —(रिं)इंद. पुं० (-इन्द्र) नागकुमारना इन्द्र; धरणेन्द्र. नागकुमार का इन्द्र; धरणेन्द्र. Dharaṇendra, the king of Nāgakumāras. भग० १०, ४; —राय. पुं० (-राज) नाग कुमारना राजा-धरणेन्द्र. नागकुमार का राजा धरणेन्द्र. Dharaṇendra, the king of Nā-

gakumāras. भग० १०, ४;

णागज्जुण. पुं० (नागार्जुन) હિમવંત આચાર્યના શિષ્ય. हिमवंत आचार्य का शिष्य. Name of a disciple of the preceptor named Himvanta. नंदी० ३५; ४०;

णागणिय. न० (नाग्न्य) નગ્ન ભાવ; નિર્ગ્રન્થ ભાવ; સંયમ અનુષ્ઠાન. नग्न भाव; निर्ग्रन्थ भाव; संयम अनुष्ठान. Nudity; possessionlessness asceticism. सूय० १,७, २१;

णागदंत. पुं० (नागदंत) ખુંટો; ખીંટી. खूंटा; खूंटी. A peg attached to a wall. जीवा० ३४; राय०

णागदत्त. पुं० (नागदत्त) એ નામના એક રાજપુત્ર. इस नाम का एक राजपुत्र. Name of a royal prince. ठा० ३, ४; (२) બલરાજની સ્ત્રી સુભદ્રાના પુત્ર મહાબલરાજ કુમારનો પૂર્વ ભવ કે જેમાં તે મણિપુર નગરમાં એ નામ ધરાવતો હતો. बलराज की स्त्री सुभद्रा का पुत्र महाबलराज कुमार का पूर्व भव कि जिसमें वह मणिपुर नगर में इस नाम को धारण करता था. the previous birth of prince Mahābala son of Subhadrā queen of Balarāja. In that birth he bore the name given and lived in the town of Maṇipura. विवा० ७;

णागदत्ता. स्त्री० (नागदत्ता) १६ માં તીર્થંકરની પ્રવ્રજ્યા પાલખીનું નામ. १६ वें तीर्थंकर की प्रव्रज्या पालकी का नाम. Name of a palanquin of the 16th Tīrthaṅkara at the time of his initiation into the ascetic order. सम० प० २३१;

णागद्दार. न० (नागद्वार) સિદ્ધાયતનની પશ્ચિમ દિશામાં નાગકુમારના આવાસનું દ્વાર. सिद्धायतन की पश्चिम दिशा में नागकुमार के आवास का द्वार. The gate of the abode of Nāgakumāra in the west of Siddhāyatana. ठा० ४,२;

णागपव्वय. पुं० (नागपर्वत) જંબુદ્વીપના મંદર પર્વતની પશ્ચિમે શીતોદા નદીની ઉત્તરે આવેલો એક પર્વત. जंबूद्वीप के मंदर पर्वत के पश्चिम में शीतोदा नदी की उत्तर में आया हुआ एक पर्वत. Name of a mountain in the north of the river Śītodā in the west of the mount Mandara of Jambūdvīpa. ठा० २,३;

णागपुर. न० (नागपुर) હસ્તિનાપુર; કુરૂદેશનું મુખ્ય નગર. हस्तिनापुर; कुरु देश का मुख्य नगर. The capital city of the country called Kuru. ठा० १०; नाया० ध० ५;

णागबाण. पुं० (नागबाण) એક જાતનો દિવ્ય (દૈવી) ઘોડો. एक जाति का दिव्य (दैवी) घोड़ा. A kind of celestial horse. जीवा० ३;

णागभद्द. पुं० (नागभद्र) નાગદ્વીપનો અધિપતિ દેવતા. नाग द्वीप का अधिपति देवता. The presiding deity of Nāgadvīpa. सू० प० १६;

णागभूय. न० (नागभूत) આર્ય રોહણ સ્થવિરથી નીકળેલ ઉદ્દેહગણનું પ્રથમ કુલ. आर्यरोहण स्थावर से निकला हुआ उद्देहगणका प्रथम कुल. The first brotherhood of saints of Uddeha Gaṇa originating from Āryarohaṇa. कप्प० ८;

णागमहाभद्द. पुं० (नागमहाभद्र) નાગદ્વીપનો અધિપતિ દેવતા. नाग द्वीप का अधिपति देवता. The presiding deity of Nāgadvīpa. सू० प० १६;

रिक. A citizen; a person residing in a city. कप्प० ३; सूय० २, २, १३; —जण. पुं० (-जन) નગરના લોક. नगर के लोक. A citizen; citizens.

णागमहावर. पुं० (नागमहावर) નાગસમુદ્રનો અધિપતિ દેવતા. नागसमुद्र का अधिपति देवता. The presiding deity of Nāgasamudra. सू० प० १६;

णागमित्त. पुं० (नागमित्र) આર્ય મહાગિરીના એક શિષ્ય. आर्य महागिरी का एक शिष्य. Name of a disciple of Ārya Mahāgiri. ठा० ३, ४;

णागर. पुं० (नागर) નગરમાં રહેનાર મનુષ્ય; નાગરિક. नगर में रहने वाला मनुष्य; नाग नाया० १;

णागराज. पुं० (नागराज) નાગકુમાર દેવતાનો રાજા. नागकुमार देवता का राजा. A king of the Nāgakumāra deities. "वेलंधर नागराईणं" सम० १७;

णागरुक्ख. पुं० (नागवृक्ष) નાગ વૃક્ષ. नागवृक्ष. A kind of tree. "णाग रुक्खे भुयंगाणं" ठा० ८; भग० २०, २;

णागलया. स्त्री० (नागलता) નાગલતા; નાગરવેલ. नागलता; नागर बेल; पान की बेल. A creeper of betel-leaves. ओव० राय० १३७; —मंडव न० (-मण्डप) નાગરવેલનો માંડવો. नागर बेल का मण्डप. a bower of a creeping plant named Nāgaravela. राय० १३७; जीवा० ३, ३;

णागसिरी. स्त्री० (नागश्री) પ્રતિષ્ઠાનપુર નગરના નાગવસુ શેઠની સ્ત્રી અને નાગદત્તની માતા. प्रतिष्ठानपुर नगर के नागवसु श ; की स्त्री और नागदत्त की माता. The wife of Nāgavasu a merchant of the town of Pratiṣṭhānapura, and mother of Nāgadatta. नाया० १४; (२) ચંપા નગરીના સોમ બ્રાહ્મણની સ્ત્રી કે જેણીએ ધર્મરૂચિ નામના તપસ્વી મુનીને કડવી તુંબીનું શાક વ્હોરાવ્યું હતું. चंपानगरी के सोम ब्राम्हण की स्त्री कि जिसने धर्मरुचि नामक तपस्वी मुनि को कटु तुंबी का शाक बहराया था. the wife of Soma, a Brāhmaṇa of Champānagarī who served an ascetic named Dharmaruchi with cooked vegetables prepared from a bitter gourd नाया० १६;

णागसुहुम. न० (नागसूक्ष्म) એ નામનું એક લૌકિક શાસ્ત્ર. इस नाम का एक लौकिक शास्त्र. Name of a secular science. अणुजो० ४१;

णागहत्थि. पुं० (नागहस्तिन्) આર્યનન્દિ લક્ષ્મણના શિષ્ય. आर्यनन्दि लक्ष्मण के शिष्य. Name of a disciple of Ārya-Nandi Lakṣamaṇa. कप्प० ८;

णागोद. पुं० (नागोद) એ નામનો સમુદ્ર. इस नाम का समुद्र. Name of an ocean. सू० प० १६;

णाडअ-य. न० (नाटक) નાટક. नाटक. A drama; a play. जं० प० ५, ११५; विवा० ३;

णाडइज्ज. त्रि० (नाटकीय) નાટકનાં પાત્ર; એક્ટર. नाटक के पात्र; एक्टर. (One) acting in a drama; an actor in a drama. नाया० १; जं० प० (२) નટી. नटी. an actress. ठा० ५; जं० प०

णाडय पुं० (नाटक) નાટક કરનાર; નાચ કરનાર. नाटक करने वाला; नाचने वाला. A player in a drama; a dancer. नाया० १, ६;

णाण. न० (ज्ञान) જ્ઞાન; સમજણ; બોધ.

ज्ञान; समझ; बोध. Knowledge; understanding. भग० २, १; ५, ४; २४, १२; २५, ६; २६, १; नाया० १; २; ५; वेय० १, ४८; अणुजो० १४७; पन्न० १; सू० प० २०; आव० १, १; प्रव० ५५७; (२) आभिनिबोधिक ज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मनःपर्याय ज्ञान, એ પાંચ પ્રકારમાંનું ગમે તે એક. आभिनिबोधिक ज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मनःपर्याय ज्ञान और केवलज्ञान इन पांच प्रकार में से चाहे सो एक any of the five varieties of knowledge viz. Ābhinibodhika, Śruta, Avadhi, Manahparyāya, and Kevala. राय० (३) પન્નવણા સૂત્રના ત્રીજા પદના દશમા દ્વારનું નામ. पन्नवणा सूत्र के तृतीय पद के दसवें द्वार का नाम. name of the 10th Dvāra of the 3rd Pada of Pannavaṇī Sūtra. पन्न० ३;

—अंतराय. पुं० (-अन्तराय) જ્ઞાનમાં અંતરાય-વિઘ્ન પાડવું તે. ज्ञान में अन्तराय-विघ्न डालना. obstruction in the acquirement of knowledge. भग० ८, ६;

—अभिगम. पुं० (-अभिगम) જ્ઞાનની પ્રાપ્તિ. ज्ञान की प्राप्ति. acquirement of knowledge. ठा० ३, ३;

—आयार. पुं० (-आचार) કાલે-અવસરે ભણવું, વિનય સહિત ભણવું, બહુમાન પૂર્વક ભણવું; ઉપધાન તપ સહિત ભણવું, અનિન્હવપણે ભણવું, શબ્દ; અર્થ અને 'તદુભય' (શબ્દ અને અર્થ બન્ને) ને ગોપવ્યા શિવાય ભણવું એ આઠ જ્ઞાનોત્તેજક અનુષ્ઠાન તે જ્ઞાનાચાર. नियम से सीखना, विनय के साथ सीखना, बहुमान पूर्वक सीखना; उपधान तप सहित सीखना, अनिन्हवतासे सीखना, शब्द अर्थ और 'तदुभय' (शब्द व अर्थ) को बिना गुप्त रक्खे सीखना ये आठ ज्ञानोत्तेजक अनुष्ठान अर्थात् ज्ञानाचार. due observance of the eight points regarded as requisite in acquiring sound knowledge, viz. (1) regularity; (2) modesty (3) reverence (4) attentive repetition (5) non-concealment (6) non-suppression of senses (7) non-suppression of words and (8) non suppression of both words and senses. ठा० २, ३; ५, २; सम० ३३;

—आराहण. न० (-आराधन) જ્ઞાનની આરાધના કરવી તે. ज्ञान की आराधना करना. devotion to, worship of knowledge. ठा० ३, ४;

—आराहणा. स्त्री० (-आराधना) જ્ઞાનની આરાધના. ज्ञान की आराधना. devotion to, worship of knowledge. भग० ८, १०;

—आरिय. पुं० (-आर्य) જ્ઞાનેકરી આર્ય. ज्ञान के कारण आर्य. civilised (Ārya) by reason of the possession of knowledge. पन्न० १;

—इंद. पुं० (-इन्द्र) જ્ઞાન અથવા જ્ઞાનીમાં ઇન્દ્ર-શ્રેષ્ઠ; કેવલજ્ઞાની. ज्ञान अथवा ज्ञानी में इन्द्र-श्रेष्ठ; केवलज्ञानी. highest among those who are possessed of knowledge; one possessed of perfect knowledge ठा० ३, ४; ३, १;

—उप्पायमहिमा. स्त्री० (-उत्पादमहिमा-महिमन्) તીર્થંકરને કે કેવલીને કેવલજ્ઞાન ઉપજે ત્યારે કરવામાં આવતો જ્ઞાનનો મહિમા-મહોત્સવ. तीर्थंकर या केवलीको जब केवलज्ञान प्राप्त होता है तब की जानेवाली ज्ञानकी महिमा-महोत्सव. a festivity celebrated at the

time when a Tirthaṅkara or a Kevalī attains perfect knowledge. भग० ३, १; १४, २; ठा० ३, १; —उवओग. पुं० (-उपयोग) જ્ઞાનનો વ્યાપાર; જ્ઞાનમાં લક્ષ જોડવું તે. ज्ञान का व्यापार. ज्ञान में लक्ष जोडना. application use of knowledge; application to study. प्रव० ३१२; —उवघाय. पुं० (-उपघात) આલસથી જ્ઞાનનો નાશ. आलस्य से ज्ञान का नाश. destruction, decay of knowledge caused by idleness. ठा०१०; —कसायकुसील. पुं० (-कषाय-कुशील) જ્ઞાન આશ્રિત કષાય કુશીલ. ज्ञान आश्रित नैतिक बिगाड. moral impurity tainting knowledge. भग०२५, ६; —कुसील. त्रि० (-कुशील) જ્ઞાનને દૂષિત બનાવનાર. ज्ञान को दूषित बनाने वाला. (any thing) that taints knowledge. ठा० ५, ३; —(ऽ) च्चासायणा. स्त्री० (-आत्या-शातना) જ્ઞાનની અશાતના હીલણા. ज्ञान के प्रति दिखलाई जाती घृणा तिरस्कार वृत्ति. contempt or hatred shown towards knowledge. भग० ८, ६; —ट्ठया. स्त्री० (-अर्थना ज्ञानेनार्थयस्या-सौज्ञानार्थस्तद्भावस्तत्तथा) જ્ઞાનાર્થપણું; જ્ઞાનની અભ્યર્થના કરવી તે. ज्ञानार्थपन; ज्ञान की अभ्यर्थना करना. solicitation for knowledge; request for knowledge. भग० १८, १०; ठा० ४, २; —णिण्हवया. स्त्री० (-निह्नव) શાસ્ત્રોનો તથા શાસ્ત્ર ભણાવનારનો ઉપકાર ઓળવવો તે. शास्त्र का और शास्त्र को पढाने वाले का उपकार न मानना. non-acknowledgment of the debt of gratitude due to scriptures and to one who teaches them. भग०८, ६; —णिव्वत्ति. स्त्री० (-निर्वृत्ति) પાંચ પ્રકારનાં જ્ઞાનની નિષ્પત્તિ-સિદ્ધિ. पांच प्रकार के ज्ञान की निष्पत्ति-सिद्धि. acquisition or attainment of the five kinds of knowledge. भग० १९, ८; २०, ५; —(ऽऽ) त्त. पुं० (-आत्मन्) જ્ઞાની આત્મા; સમ્યગ્દૃષ્ટિ આત્મા. ज्ञानी आत्मा; सम्यग दृष्टि आत्मा. a soul possessed of right knowledge and faith. भग० १२, १०; —दंसण. पुं० न० (-दर्शन) જ્ઞાન અને દર્શન. ज्ञान और दर्शन. right knowledge and right faith. ठा० ७; नाया० ९; —दंसणट्ठाय. स्त्री० (-दर्शनार्थना) જ્ઞાન અને દર્શનની અપેક્ષા. ज्ञान और दर्शन की अपेक्षा. desire for or expectation of right knowledge and faith. नाया० ५; —दंसणधर. पुं० (दर्शनधर) જ્ઞાન અને દર્શનને ધરનાર; કેવલજ્ઞાની. ज्ञान और दर्शन को धारण करने वाला; केवलज्ञानी. (one) possessed of right knowledge and faith; an omniscient. नाया० १; —दंसणलक्खण. त्रि० (-दर्शनलक्षण- ज्ञानंच दर्शनंच लक्षणं स्वरूपं यस्यतत्तथा) સમ્યક્જ્ઞાન અને સમ્યક્દર્શન જેનું લક્ષણ-સ્વરૂપ હોય તે. सम्यक्ज्ञान और सम्यक्दर्शन जिसका लक्षण-स्वरूप हो वह. (one) having as an essential quality right knowledge and right faith. "चउक्करण-संजुत्तं नाणदंसण लक्खणं" उत्त० २८, १; —दंसणसमग्ग. त्रि० (-दर्शनसमग्र) જ્ઞાનદર્શનથી પૂર્ણ. ज्ञानदर्शन से पूर्ण.

perfect in the possession of right knowledge and right faith. "तत्तो णाणदंसण सम्मग्गे" उत्त० ८, २; —दंसि. पुं० (-दर्शिन्) ज्ञान दर्शन वाळो (जीव). ज्ञान दर्शन वाला (जीव). a soul possessed of right knowledge and right faith. भग० ४२, १; —पज्जव. पुं० (-पर्याय) ज्ञानना पर्याय. ज्ञान के पर्याय. modifications of knowledge. भग० २, १; —पडिणीयया. स्त्री० (-प्रत्यनीकता) ज्ञानमां प्रतिकूलता-वैरभाव. ज्ञानमें प्रतिकूलता-वैरभाव. opposition to, hostility towards knowledge. भग० ८, ८; —पडिसेवणाकुसील. पुं० (-प्रतिसेवनाकुशील) ज्ञाननी प्रतिसेवामां दूषण करनार. ज्ञानकी प्रतिसेवा में दूषण करनेवाला. one who taints the acqirement of right knowledge. भग० २५, ६; —परिणाम. पुं० (-परिणाम) ज्ञानलक्षण जीवना परिणाम. ज्ञान लक्षण जीव के परिणाम. a stage of development of the soul marked by possession of knowledge पन्न० १५; —परीसह. पुं०(-परीषह —परीषहणं परीषहः ज्ञानस्य मत्यादेः परिषहः) ज्ञाननो परिषह; ज्ञान न आवडवाथी थतुं कष्ट. ज्ञान का परिषह; ज्ञान न आनेसे होता हुआ कष्ट. affliction of the mind caused by the consciousness that one is ignorant. भग० ८, ८; —पायच्छित्त. न० (-प्रायश्चित्त) ज्ञानना अतिचारनी आलोचना; ज्ञाननी शुद्धि अर्थे प्रायश्चित करवुं ते. ज्ञान के अतिचार की आलोचना; ज्ञान की शुद्धिके लिये प्रायश्चित करना. expiation undergone for the purification of one's knowledge. ठा० ३, ४; ४, १; —पुरिस. पुं० (-पुरुष) ज्ञानवान पुरुष; ज्ञानप्रधान पुरुष. ज्ञानवान पुरुष; ज्ञानप्रधान पुरुष. a person possessed of knowledge; an educated person. ठा० ३, १; भग० २, ५; —पुलाअ. पुं० (-पुलाक) ज्ञानने निःसार बनावनार पुलाकलब्धिवाळो साधु. ज्ञान को निःसार बनानेवाला पुलाकलब्धिवाला साधु. an ascetic who renders his right knowledge useless by lapse in the observance of primary vows. ठा० ५, ३; भग० २५, ६; —पओस. पुं० (-प्रदोष) श्रुत आदिज्ञानमां अथवा ज्ञानीमां अप्रीति द्वेष करवो ते; ज्ञानावरणीय कर्म बांधवानो एक हेतु. श्रुत आदि ज्ञानमें अथवा ज्ञानीमें अप्रीति-द्वेष करना; ज्ञानावरणीय कर्म बांधनेका हेतु. showing disrespect or hatred towards the five kinds of knowledge or the persons possessed of them, a fault which leads to knowledge obscuring Karma. भग० ८, ६; —पवाअ. न० (प्रवाद) मतिज्ञान आदि पांच ज्ञान संबंधी प्ररूपणा करवी ते. मति ज्ञान आदि पांच ज्ञान के संबंध में प्ररूपणा करना. act of explaining the five kinds of knowledge such as Matijñāna etc. सम० —फल. न० (-फल) ज्ञाननुं फल. ज्ञान का फल. fruit of (right) knowledge भग० २, ५; —बल. पुं० (-बल) ज्ञानरूपी बल. ज्ञान रूपी बल. power,

strength in the form of knowledge. ठा० १०; —बुद्ध. त्रि० (-बुद्ध) ज्ञानावरणीयना क्षयोपशम आदिथी थयेल ज्ञानवडे बोध पामेल. ज्ञानावरणीय के क्षयोपशम आदि से उत्पन्न हुए ज्ञान से बोध पाया हुआ. (one) who has become enlightened by the knowledge attained through the destruction, subsidence etc. of knowledge-obscuring Karma ठा० २, ४;—बोहि. स्त्री० (-बोधि) ज्ञानावरणीयना क्षयोपशमथी धर्मनी प्राप्ति थवी ते. ज्ञानावरणीय के क्षयोपशम से धर्म की प्राप्ति होना. attainment of true religion by the destruction, subsidence etc. of knowledge-obscuring Karma. ठा० ३, २; —भट्ठ. त्रि० (-भ्रष्ट) ज्ञानथी भ्रष्ट थयेल. ज्ञान से भ्रष्ट. degraded from right knowledge. आया० १,६,४, १९०; —भावणा. स्त्री० (-भावना) ज्ञाननी भावना. ज्ञान भावना. meditation upon right knowledge. आया० २, ३, १, १;—मूढ. त्रि० (-मूढ) ज्ञानावरणीय कर्मना उदयथी ज्ञानमां मूढ-मूर्ख. ज्ञानावरणीय कर्मके उदयसे ज्ञानमें मूढ मूर्ख. foolish, ignorant on account of the matutrity of knowledge obscuring Karma ठा० २, ४; —मोह. पुं० (-मोह) ज्ञान संबंधी मोह. ज्ञान के संबंध में मोह. infatuation, delusion in point of right knowledge. ठा० २, ४; —रासि. पुं० (-राशि) ज्ञानने समूह. ज्ञान का समूह. mass of knowledge. पंचा० १६, ४५; —लोग. पुं० (-लोक) केवल ज्ञानादि लोक. केवल ज्ञानादि लोक. the world of omniscience etc. ठा० ३, २; —विणय. पुं० (-विनय) पांच प्रकारना ज्ञानने विनय करवो ते. पांच प्रकार के ज्ञान का विनय करना. showing reverence towards the five kinds of knowledge. भग० २५, ७; —विणयपरिहीण. त्रि० (-विनयपरिहीन) ज्ञान आचारथी रहित. ज्ञान आचार से रहित. devoid of the observance of the eight points (rules) requisite for the attainment of right knowledge चं०७० २०;—विराहणा स्त्री० (-विराधना) ज्ञाननी विराधना करवी ते; ज्ञाननुं खंडन करवुं ते. ज्ञान की विराधना करना; ज्ञान का खंडन करना. act of offending against right knowledge i. e. refuting it. सम० ३;—विसंवायणाजोग पुं० (-विसंवादना योग) ज्ञानी साथे खोटा झघडा मिथ्या विवाद करवो ते; ज्ञानावरणीय कर्म बांधवानो एक हेतु. ज्ञानी के साथ झूंठे झगडे मिथ्या विवाद; ज्ञानावरणीय कर्म बांधने का एक हेतु. act of entering into false and vexations discussions and disputes with persons possessed of right knowledge; this is a source of Jñānāvaraṇiya Karma. भग० ८, ६; —विसोहि. स्त्री० (-विशोधि) ज्ञानना आचारनुं पालन करवुं ते; ज्ञाननी शुद्धि करवी ते. ज्ञान के आचार का पालन, शुद्धि करना. putting into practice the rules prescribed by right knowledge; purification of knowledge by practice. ठा० १०;

—संका. स्त्री० (-शङ्का) ज्ञानना विषयमां शंका करवी ते. ज्ञान के विषय में शंका करना. doubt or misgiving in the matter of knowledge. सूय० १, १३, ३; —संपरण. त्रि० (-सम्पन्न) ज्ञान संपन्न; ज्ञानमां पूर्ण. ज्ञान संपन्न; ज्ञान में पूर्ण. possessed of knowledge; perfect in knowledge. भग० २, ५; २५, ७; —संपरणया. स्त्री० (-सम्पन्नता) ज्ञाननुं संपादन. ज्ञान का संपादन. acquirement of knowledge. "णाण संपरणयाए णं भंते ! जीवे किं जणयइ" उत्त० २६, ६१; भग० १७, ३;

णाणत्त. पुं० न० (नानात्व) नाना प्रकार; नानाभाव; नानापणुं. विविध प्रकार; विविध भाव; विविधता. Variety; difference; state of being different or having difference. भग० १, १; ५; ३, १; १२, ७; १८, ३; १६, ३; २०, १; २४, १; २६, २; नाया० ५; पन्न० १५; जं० प० ५, ११८; २, २६; ७, ७, १३५;

णाणप्पकार. त्रि० (नानाप्रकार) नाना प्रकारनुं; विचित्र. विविध प्रकारका; विचित्र. Of various modes; of different kinds; strange. सूय० १, १३, १;

णाणा. अ० (नाना) नाना प्रकार; अनेक; विविधि. विविध प्रकार; अनेक विधि से. Various; of various modes or forms. नाया० १; ७; ६; भग० ३, ३; ८, २; २५, ६; राय० ४५; ओव० २५; ३३; उत्त० ३, २; अणुजो० २८; जं० प० ५, ११४;

णाणागार. त्रि० (नानाकार) विविध आकारनुं विविध आकार का. Of various shapes; bearing various shapes or forms. प्रव० ११२०;

णाणाघोस. पुं० (नानाघोष) नाना प्रकारना आवाज-स्वर. विविध प्रकार की आवाज-स्वर. Various kinds of sounds or tunes. भग० १, १;

णाणाछंद. त्रि० (नानाच्छंद-नाना भिन्नः छन्दोऽभिप्रायो येषां ते तथा) नाना प्रकारना भिन्न भिन्न छंद-अभिप्रायवाला; जुदा जुदा अभिप्रायवाला. विविध प्रकार के भिन्न २ छंद-अभिप्राय वाला; भिन्न भिन्न अभिप्राय वाला. of various, differing opinions or likes and dislikes. सूय० २, २, ३०;

णाणाट्ठ. त्रि० (नानार्थ) नाना प्रकारना अर्थ छे जेना ते; अनेक अर्थवालुं. नाना प्रकार के अर्थ वाला; अनेक अर्थ वाला. Possessed of, bearing various meanings; homonymous. भग० १, १;

णाणादिट्ठि. त्रि० (नानादृष्टि—नानाविधा दृष्टि-र्दर्शनं येषां ते तथा) भिन्न भिन्न दृष्टि-दर्शन वाला. भिन्न भिन्न दृष्टि-दर्शन वाला. Possessed of, various creeds; possessed of various points of view. सूय० २, २, ३०;

णाणादेस. त्रि० (नानादेश) नाना प्रकार-जुदा जुदा देशना वतनी. नानाप्रकार-भिन्न भिन्न देश के वतनी. (Persons) residing in various countries. भग० ९, ३३;

णाणापन्न. त्रि० (नानाप्रज्ञ—नानाप्रकारा विचित्रक्षयोपशमात् प्रज्ञायतेऽनयेति प्रज्ञा सा विचित्रा येषां ते तथा) नाना प्रकारनी मति वाला. विविध प्रकार की मति वाला. Possessed of various moods of intellect. सूय० २, २, ३०;

णाणापिंडरय. त्रि० (नानापिंडरत) अनेक

પ્રકારના આહારાદિ પિંડમાં આસક્ત. अनेक प्रकार के आहारादि पिंड में आसक्त. Attached to, passionately fond of various kinds of food etc. " नाणापिंडरया दंता तेण वुच्चंति साहुणो " दस० १, ५;

णाणामणि. पुं० (नानामणि) નાના પ્રકારનાં મણી. नाना प्रकार के रत्न. Various kinds of gems. " णाणामणि कणगरयण-विमल " राय०

णाणामणिरयण. न० (नानामणिरत्न) નાના પ્રકારનાં મણિરત્ન. विविध प्रकार के मणिरत्न Various kinds of excellent gems. विवा० २;

णाणामल्ल. न० (नानामाल्य) નાના પ્રકારનાં ફૂલ. नाना प्रकार के फूल. Various kinds of flowers. "णाणामल्लपिणद्धा" राय० जीवा० ३;

णाणारंभ. त्रि० (नानारम्भ) નાના પ્રકારના ધર્માનુષ્ઠાન વાલા. नाना प्रकार के धर्मानुष्ठान वाला. Performing various kinds of religious practices. सूय० २, २, ३०;

णाणारुइ. त्रि० (नानारुचि) નાના પ્રકારની રૂચિ-અભિપ્રાય વાલા. विविध प्रकार की रुचि-अभिप्राय वाला. Possessed of, having various kinds of opinions or likes and dislikes. सूय० २, २, ३०;

णाणावंजन. न० (नानाव्यञ्जन) નાના પ્રકારના કકારાદિ વ્યંજન અક્ષર. नाना प्रकार के ककारादि व्यञ्जन अक्षर. Various consonants such as Ka etc. भग० १, १;

णाणावरण. पुं० (ज्ञानावरण) જ્ઞાનાવરણ; જ્ઞાન પ્રાપ્ત કરવામાં આડે આવતું આઠકર્મમાંનું પહેલું કર્મ. ज्ञानावरण; ज्ञान प्राप्त करने में विघ्नकर्ता आठ कर्मों में से पहिला कर्म. The first of the eight divisions of Karmas called knowledge-obscuring Karma. दसा० ५, ३२; ३३; नाया० ३;

णाणावरणिज्ज. न० (ज्ञानावरणीय) જ્ઞાન શક્તિને દબાવનાર આઠ કર્મમાનું પહેલું કર્મ. ज्ञान शक्ति को दबाने वाला आठ कर्मों में से पहिला कर्म. The first of the eight kinds of Karmas viz. that which obscures or checks the power of acquiring knowledge. ओव० २०; ठा० ४, १; भग० ६, ३; ८, ८; २०, ७; २७, १; ७; पन्न० २३;

णाणाविह. त्रि० (नानाविध) નાના પ્રકારનું; અનેક પ્રકારનું. नाना प्रकार का; अनेक प्रकार का. Of various kinds; of different kinds; नाया० १; ५; ८; ९; १६; जं० प० ५, ११६; ओव० पन्न० १; जीवा० ३;

णाणासंठिय. त्रि० (नानासंस्थित) નાના પ્રકારના સંસ્થાનવાલું; જુદા જુદા આકારનું. नाना प्रकार के संस्थान वाला; भिन्न भिन्न आकार का. Bearing various shapes or conformations. भग० २४, १२;

णाणासील. त्रि० (नानाशील — नानाप्रकारं शीलमनुष्ठानं येषां ते तथा) નાના પ્રકારના અનુષ્ઠાનવાલા. नानाप्रकार के अनुष्ठानवाला. Given to various kinds of (religious) practices or performances. सूय० २, २, ३०;

णाणि. पुं० (ज्ञानिन्) જ્ઞાનિ; યથાર્થ તત્વસ્વરૂપનો જાણનાર. ज्ञानी; यथार्थ तत्वस्वरूप को जाननेवाला. A person

possessed of right knowledge; a true philosopher. भग० २, १; ८, २; ११, १; १५, १; १८, १; २४, १; २६, १; प्रव० ४५७;

णात. पुं० (ज्ञात) वंशविशेषमां उत्पन्न थयेल. वंशविशेषमें उत्पन्न. Born in a particular family. नाया० ८; (२) ए नामनुं एक आर्य कुल के जेमां महावीर स्वामी उत्पन्न थया हता. इस नामका एक आर्य कुल कि जिसमें महावीर स्वामी उत्पन्न हुए थे. name of an Ārya (civilised) family in which Mahāvīra Svāmī was born. पन्न० १; (३) त्रि० ज्ञात कुलमां उत्पन्न थयेल. ज्ञात कुलमें उत्पन्न. born in the Jñāta family अणुजो० १३१;

णातकुमार. पुं० (ज्ञातकुमार) ज्ञातवंशना एक राजकुंवर. ज्ञात वंशका एक राजकुमार. A prince born in the Jñāta family. नाया० ८;

णातखंड. न० (ज्ञातखण्ड) ए नामनुं एक वन के ज्यां महावीर स्वामीए दीक्षा लीधी हती. इस नाम का एक बन कि जहां महावीर स्वामीने दीक्षा ली थी. Name of a forest where Mahāvīra Svāmī was initiated into religious order. ठा० १०;

णाति. स्त्री० (ज्ञाति) स्वजन; संबंधी. स्वजन; रिश्तेदार. A caste-fellow; a relative. सूय० २, ६, १०;

णाद. पुं० (नाद) घोष; अवाज. घोष; आवाज. Sound; loud sound. जीवा० ३, ४; सू० प० १६;

णादित. त्रि० (नादित) नाद करेल; अवाज करेल. नाद कियाहुआ; आवाज कियाहुआ. Sounded. भग० १६, ५;

णादिय. त्रि० (नादित) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. जीवा० ३;

णाभि. स्त्री० (नाभि) गाडानो एक भाग. गाडे-छकडे का एक भाग. A particular part of a cart. 'जंतक्कील णाभी वा' दस० ७, २८; (२) नाभि; डुंटी. नाभी; ढुंढी. the navel. जं० प० ५, ११४; आया० १, १, २, १६; ओव० १०; जीवा० ३, ३; (३) पुं० ऋषभदेवप्रभुना पितानुं नाम; पंदरमां कुलकर. ऋषभदेवप्रभु के पिता का नाम; पंद्रहवें कुलकर. name of the father of Lord Riṣabhadeva; the 15th Kulakara. सम० प०२२६; —प्पभव. त्रि० (-प्रभव) नाभिमांथी उत्पन्न थयेल. नाभि में से उत्पन्न. born from the navel. तंदु० —रस-हरणी. स्त्री० (-रसहरणी) नाभिनी नाल. नाभिकी नाल. the navel duct or canal. तंदु०

णाम. पुं० न० (नाम-नमनं नामः) परिणाम; भाव; संज्ञा विशेष. परिणाम; भाव; संज्ञा विशेष. Sense-perceptions and their objects; substance; a particular name. " कइ विहेणं भंते णामे पण्णत्ते " भग० २५, ५, ६; ३, १; १७, १;

णाम. अ० (नामन्) वाक्यालंकार; पाद-पूरण. वाक्यालंकार; पादपूरण. An expletive used as an ornament of speech or completing metre. ठा० ४, १; पण्ह० १, १; (२) न० अभिधान; नाम. अभिधान; नाम. a name. जं० प० ५, ११२; ११५; राय० २६; ३२; विवा० १; नाया० १; २; ४; ५; ८; ९;१२; १४; १६; १६; ओव०११;

पन्न० २; (१) જેના યોગે શરીર, રૂપ, બાંધો, આકૃતિ, જાતિ વગેરે શારીરિક સંપત્તિ શુભ કે અશુભ પ્રાપ્ત થાય છે તે નામકર્મ. जिसके योग से शरीर, रूप, बनावट, आकृति, जाति इत्यादि शारीरिक सम्पत्ति शुभ वा अशुभ प्राप्त होती है वह नामकर्म. Karmas by the rise of which good or bad physical constitution, grace, form, caste etc. of a soul are determined. पन्न० २० भग० २५, ६; २६, १; श्रोव०२०; (२)સંભાવના. संभावना. an indeclinable expressing conjecture, possibility etc. भग०३,३;—**अंकिय**. त्रि० (-अङ्कित) નામાંકિત; નામવાળું. नामवाला. having a name; marked by a name. नाया० १६; —**इंद**. पुं० (-इन्द्र) નામનો ઈંદ્ર; જેમાં ઈંદ્રના ગુણ નથી પણ કેવલ નામ જેનું ઈંદ્ર છે તે. नाम का इंद्र; जिसमें इंद्र के गुण नहीं है परन्तु केवल नाम जिसका इंद्र है वह. one who is Indra in name only. ठा० ३, १; —**कम्म**. न० (-कर्मन्) નામકર્મ; આઠકર્મમાંનું છઠ્ઠું કર્મ. नाम कर्म; आठ कर्म में से छठा कर्म the sixth of the eight kinds of Karmas "नामकम्म दुविहे पण्णत्ते" ठा०२,४;सम०४२;—**करण**. न० (-करण) નામકરણ સંસ્કાર; બારમા દિવસે બાલકનું નામ સ્થાપવું તે. नामकरण संस्कार; बारहवें दिनको बालक का नाम स्थापन करने का क्रिया. the ceremony of giving a name to a child on the 12th day after its birth. नाया० १; ८; —**गुत्त**. न० (-गोत्र) નામ અને ગોત્રકર્મની પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી આત્મા સારા યા નરસાં નામ ગોત્ર પામી શકે. नाम और गोत्र कर्म की प्रकृति कि जिसके उदय से आत्मा शुभ वा अशुभ नामगोत्र प्राप्त कर सके. the varieties of Nāma and Gotra Karmas by the maturity of which a soul is born in a good or bad family etc. सू० प० १६; राय० —**गोय**. न० (-गोत्र) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide above. नाया० १४; नाया० ध० दसा० १०, १; —**णंतश्र -य**. न० (-अनन्तक) નામથી અનંત. नाम से अनन्त. one endless in names; one named endless. ठा० ५, ३; १०; —**पुरिस**. पुं० (-पुरुष) નામને પુરૂષ અથવા જેનું નામ પુરૂષ છે તે. नाम का पुरुष अथवा जिसका नाम पुरुष है वह. a man in name only; (one) bearing the name "Man" ठा० ३, १; —**लोग**. पुं० (-लोक) નામને લોક; જેનું નામ લોક રાખવામાં આવ્યું હોય તે. नाम का लोक; जिसका नाम लोक रखनेमें आया है वह. Loka or world in name only; (one) bearing the name a Loke or world. ठा० ३, २; —**वग्ग**. पुं० (-वर्ग) નામ પ્રકૃતિનો સમુદાય. नाम प्रकृति का समुदाय. a collection or group of Nāma Prakritis. जीवा०२; —**वीर**. पुं० (-वीर—यस्य जीवस्या जीवस्य वा ऽन्वर्थरहितं वीर इति नाम क्रियते स नामवीरः नाम्नावीरः) વીર એવું નામ ધરાવનાર જીવ વા અજીવ પદાર્થ. वीर ऐसा नाम धारण करनेवाला जीव वा अजीव पदार्थ. anything or anybody bearing

the name "Valiant. सू॰ प॰ २; —सच्च. न॰ (—सत्य-नाम अभिधानं तत्सत्यं नामसत्यम्) सत्य જેનું નામ છે તે નામનું સત્ય. सत्य जिसका नाम है वह; नाम का सत्य. truth in name only; that which is named truth. ठा॰ १०; —सव्व. न॰(–सर्व—नाम च तत्सर्वं च नामसर्वम्) નામે કરીસર્વ. नाम से ही सर्व. everything by reason of the name or so far as the name goes. ठा॰ ४, २;

णामधिज्ज. न॰ (नामधेय) નામ; અભિધાન. नाम; अभिधान. A name; denomination. ओव॰ २६; नाया॰ १;

णामधेज्ज. न॰ (नामधेय) નામ; અભિધાન. नाम; अभिधान. A name; denomination. नाया॰ १, १६; पन्न॰ २; भग॰ १५, १; विवा॰ ५; जं॰ प॰ ७, १५८; ठा॰ ४, २; ओव॰ ४०; अणुजो॰ २८;

णामधेज्जवई. स्त्री॰ (नामधेयवती) પ્રશસ્ત નામવાળી. प्रशस्त नाम वाली. Bearing a famous name. नाया॰ १;

णामधेय. न॰ (नामधेय) જુઓ "णामधेज्ज" શબ્દ. देखो "णामधेज्ज" शब्द. Vide "णामधेज्ज" जं॰ प॰ ४, ११५; ओव॰

णामय. पुं॰ (नामक) નામ; સંભાવના. नाम; संभावना. A name; possibility. भग॰ १६, ३; नाया॰ १;

णाय. त्रि॰ (ज्ञात) જાણેલું; સમજેલું. ज्ञात; समझा हुआ. Known; understood. भग॰ १, ४; ७, ६; ६, ३१; १७, २; नाया॰ ७; राय॰ ३१; आया॰ १, १, १, २; (२) न॰ ઇક્ષ્વાકુ વંશનું એક અવાંતર કુલ; મહાવીર સ્વામિનું કુલ. इक्ष्वाकु वंश का एक कुल; महावीर स्वामी का कुल. the family of the Lord Mahāvīra; a branch of the Ikṣvāku family. ओव॰ १४; पराह॰ १, १; भग॰ ६, ३३; (३) त्रि॰ તે વંશમાં જન્મ પામેલ. उस वंश में जन्म प्राप्त. born in the above family. भग॰ २०, ८; ओव॰ १४; (४) न॰ દૃષ્ટાંત. दृष्टांत. an illustration. सम॰ ६; (५) જ્ઞાતા સૂત્રનો અર્થ-મતલબ. ज्ञातासूत्र का अर्थ. the purport or sense of Jñātā Sūtra. नाया॰ ध॰ —विहि. पुं॰ (–विधि) સ્વજનનો એક પ્રકાર. स्वजन का एक प्रकार. a particular kind of relationship. वव॰ ६, १; दसा॰ ६, २; —संग. पुं॰ (–सङ्ग) પરિચિત જનોનો સંગ. परिचित जनोंका संग. company of acquainted persons. सूय॰ १, ३, २, १२;

णाय. पुं॰ (नाद) નાદ; અવાજ; બુમ. नाद; आवाज; शोरगुल. Sound; loud sound. नाया॰ १;

णायअ. पुं॰ (ज्ञातक) ન્યાતીલો; જ્ઞાતિજન. स्वजातीय; ज्ञातिजन. A caste-fellow. जं॰ प॰ सूय॰ १, ८, १२; २, १, ३५; वव॰ ६, ६; नाया॰ १;

णायअ-य. पुं॰ (नायक) નાયક; નેતા. नायक; नेता. A leader; a head. सूय॰ १, १४, १; नाया॰ १; २;

णायक. पुं॰ (नायक) નાયક; નેતા. नायक; नेता. A leader; a head. पराह॰ १, ४;

णायकुमार. पुं॰(ज्ञातकुमार) જુઓ "णात-कुमार" શબ્દ. देखो "णातकुमार" शब्द. Vide "णातकुमार" नाया॰ ६;

णायखंड. न॰ (ज्ञातखण्ड) જુઓ "णात-खंड" શબ્દ. देखो "णातखंड" शब्द. Vide "णातखंड" ठा॰ १०;

णायग. पुं॰ (ज्ञातक) જુઓ "णायअ"

शब्द. देखो "णायअ" शब्द. Vide "णायअ" निसी॰ ८, १२;

णायग. पुं॰ (नायक) नायक; नेता; राजा; अधिपति. नायक; नेता; राजा; अधिपति. A leader; a king; a lord. सम॰ १; ३०; दसा॰ ६, १६; पराह॰ २, ५; (२) प्ररूपणा करनार. प्ररूपणा करने वाला. one who explains e. g. a religious text. सूय॰ १, १४, १;

णायज्झयण. न॰ (ज्ञाताध्ययन) ज्ञाता सूत्रनुं अध्ययन. ज्ञाता सूत्र का अध्ययन. A chapter of Jñātā Sūtra. नाया॰ २; ४; ५; ८; १२; १४; १६;

णायपुत्त. पुं॰ (ज्ञातपुत्र) ज्ञात वंशमां उत्पन्न थयेल; ज्ञात प्रख्यात सिद्धार्थ राजाना पुत्र महावीर स्वामी. ज्ञात वंश में उत्पन्न; ज्ञात प्रख्यात सिद्धार्थ राजा के पुत्र महावीर स्वामी. The Lord Mahāvīra, the son of the famous king Siddhārtha; born in the family named Jñata. उत्त॰ ६, १८; भग॰ १८, ७; सूय॰ १, ६, २४.

—वयण. न॰ (-वचन) महावीर स्वामिना वचन. महावीर स्वामी के वचन. words of Mahāvīra Svāmi. दस॰ १०, १;

णायय. त्रि॰ (ज्ञातक) जाणनार. जानने वाला. (One) who knows. नाया॰ ४;

णायव्व. त्रि॰ (ज्ञातव्य) जाणवा योग्य; अवबोधन करवुं. जानने योग्य; अवबोधन करना. Worthy of being known; act of knowing. अणुजो॰ १२८; १३०; निसी॰ २०, १०; भग॰ १६, ८; नाया॰ ध॰ ६;

णायसंड. न॰ (ज्ञातखण्ड) क्षत्रिय कुण्ड-पुरनी बहारनुं उद्यान; ज्यां महावीर स्वामीए दीक्षा लीधी. क्षत्रिय कुण्डपुर के बाहर का उद्यान जहां महावीर स्वामी ने दीक्षा लीथी. The garden outside Kṣatriya Kuṇḍapura where Mahāvīra Svāmi was initiated into the order of monks. आया॰ २, ३, १४;

—वण. न॰ (-वन) ज्ञातखंड नामनुं उद्यान. ज्ञानखंड नाम का उद्यान. a garden named Jñātakhaṇḍa. कप्प॰ ५, ११३;

णाया. स्त्री॰ (ज्ञात) जेमां दृष्टांत सहित अधिकार छे एवुं ज्ञाता नामनुं छठुं अंग सूत्र. जिसमें दृष्टांत सहित अधिकार है ऐसा ज्ञाता नाम का छठा अंग सूत्र. The 6th Aṅga Sūtra so named abounding in illustrations of the subject-matter. नाया॰ १; —(ऽ) णायाउज्झयण. न॰ (-ज्ञाताध्ययन) ज्ञाता सूत्रनुं अध्ययन. ज्ञाता सूत्र का अध्ययन. a chapter of Jñātā Sūtra. नाया॰ १; ६;

णायाधम्मकहा. स्त्री॰ (ज्ञाताधर्मकथा-ज्ञातानि उदाहरणानि तत्प्रधाना धर्मकथा ज्ञाताधर्म था) जेमां दृष्टांत सहित अधिकार छे एवं ए नामनुं छठुं अंगसूत्र. जिसमें दृष्टांत सहित अधिकार है ऐसा इस नाम का छठा अंगसूत्र. The sixth Aṅga Sūtra so named abounding in illustrations of the subject-matter. नाया॰ १; नाया॰ ध॰

णारअ-य. पुं॰ (नारद) नारद ऋषि. ऋषि नारद. The saint Nārada. ओव॰ ३८; (२) सौर्यपुर नगरना राजा समुद्रविजयनो छोकरो. सौर्यपुर नगर का राजा समुद्र विजय का पुत्र. name of the son of Samudravijaya the king of

Souryapura. ओव० (३) गन्धर्वना लश्करनो अधिपति गंधर्व. गन्धर्व के लश्करका अधिपति गंधर्व. the Gandharva commander-in-chief of the army of Gandharvas. ठा० ७;

णारयपुत्त. पुं० (नारदपुत्र) भगवान् महावीर स्वामीना ए नामना एक शिष्य. भगवान् महावीर स्वामी का इस नाम का एक शिष्य Name of a disciple of lord Mahāvīra. भग० ५, ८;

णाराय. न० (नाराच) सामे सामे बे वस्तुनो मर्कट बंध; ७ संघयणमांनुं त्रीजुं संघयण. आमने सामने दो वस्तुओं का मर्कट बंध; छः संघयण में से तृतीय संघयण. The third of the six kinds of physical constitutions in which the bones are loosely tied together by the sinews. जं०प० जीवा०१

णारायण. पुं० (नारायण) दशरथ राजना पुत्र रामना भाई लक्ष्मणनुं अपर नाम; भरत क्षेत्रना आ अवसर्पिणीना आठमां वासुदेव. दशरथ राजा के पुत्र राम के भाई लक्ष्मण का अन्य नाम; भरत क्षेत्र की इस अवसर्पिणी का आठवां वासुदेव. Another name of Laxmaṇa, son of Daśaratha and brother of Rāma the 8th Vāsudeva of Bharatakṣetra in the current Avasarpiṇī. प्रव० १२२६; सम०

णारिकंता. स्त्री० (नारीकान्ता) नीलवंत पर्वतथी नीकळी उत्तर तरफ रम्मकवास क्षेत्रमां वहेती एक महानदी. नीलवंत पर्वत से निकलकर उत्तर तरफ रम्मकवास क्षेत्र में बहती हुई एक महानदी. Name of a great river issuing from the Nīlavanta mountain and flowing in the north into Rammakavāsa Kṣetra. जं०प० ६,१२५; राय० सम० ठा० २, ३;

णारिकंताकूड. न० (नारीकान्ताकूट) नीलवंत पर्वतनुं छठुं कूट. नीलवंत पर्वत का छट्ठा कूट The sixth summit of the Nīlavanta mount. ठा० ६;

णारी. स्त्री० (नारी) नारी; स्त्री जाति. नारी; स्त्री जाति. A woman; womankind. सूय० १, ३, ४, १६;

णारिकंता. स्त्री० (नारीकान्ता) जुओ "णारिकंता" शब्द. देखो "णारिकंता" शब्द. Vide "णारिकंता" जं० प०

णाल. न० (नाल) कमळ आदिनो दांडो; कंद उपरनो भाग. कमल आदि का दंडा; कंद के ऊपर का भाग. A stalk of a lotus plant etc. आया० २, १, १, ८; (२) नाळ; डुंटी. नाल; डूंटी the navel. जं० प० ४, ११४;

णालंदइज्ज. न० (नालन्दीय) सूयगडांग सूत्रना बीजा श्रुतस्कंधना छठा अध्ययननुं नाम. सूयगडांग सूत्र के द्वितीय श्रुतस्कंध के छट्ठे अध्ययन का नाम Name of the 6th chapter of the 2nd Śrutaskandha of Sūyagaḍāṅga Sūtra सूय० २, ६;

णालंदा. स्त्री० (नालन्दा) ए नामनो राजगृह नगरनो एक लत्तो. राजगृह नगर का एक मार्ग; इस नाम का एक मोहल्ला. Name of a street of the city of Rajagriha. सूय० २, ७, १;

णालंदिज्ज. न० (नालंदीय) नालंदीय नामे सूयगडांग सूत्रनुं २३ मुं अध्ययन. नालंदीय नाम का सूयगडांग सूत्र का २३ वां अध्ययन. The 23rd chapter of the Sūyagaḍāṅga Sūtra so named. सम० २३;

णालिएर. पुं० (नारिकेल) નાળીએરી, નાળીએરનું ઝાડ. नारियल का वृक्ष. A cocoanut tree. पन्न० १; नाया० २, १, १, ८; जं० प० नाया० ६; (२) न० તેના ફલ; (નાળીએર). उस के फल; (नारियल) a cocoanut. नंदी० नाया० ६; —तिल्ल. न० (-तैल) નાળિએરનું તેલ; ટોપેરાનું તેલ. नारियल का तैल. cocoanut oil. नाया० ६; —मत्थय. न० (-मस्तक) નાળિએરના ઝાડનો ઉપલો ભાગ. नारियल के वृक्ष का ऊपरका हिस्सा. the top of a cocoanut tree. नाया० २, १, १, ८;

णालिबद्ध. न० (नालबद्ध) નાલ બંધ-નાળી વાળા ફૂલ; જાઇ જુઈ મોગરાદિ. डांठ-डंडी वाले फूल; जाइ जूइ मोगरादि. A flower growing on a stalk. पन्न० १;

णालिया. स्त्री० (नालिका) કમલ આદિની દાંડી; નાલિકા. कमल आदि की डंडी. A stalk of a lotus etc. तंदु० ८; विवा० १; (२) દ્યૂત ક્રીડા. द्यूत क्रीडा. gambling. भग० ६, ७; सूय० १, ६, १८; (३) કલમ્બુકા નામનું ઝાડ. कलम्बुका नाम का वृक्ष. a tree named Kalambukā. सू० प० ४; (४) એ નામની વેલ. इस नाम की बेल. name of a creeper. पन्न० १; —बद्ध. न० (-बद्ध) નાલિકા-ડાંડી વાળાં ફૂલ. डंडीवाले फूल. a flower growing on a stalk. पन्न० १;

णालियाखेड-ड्ड. न० (नालिकाखेट) દ્યૂત ક્રીડા વિશેષ; એક પ્રકારનો જુગાર. द्यूत क्रीडा विशेष; एक प्रकार का जुआ. A kind of gambling. जं० प० नाया० (२) ગ્રહોની ગતિ સમજવાને માટે ઘડી જેવી નળી બનાવવામાં આવે તે. ग्रहों की गति जाननेकी घडी जैसी नली. a contrivance by which in ancient times the motions and positions of planets were known. ओव० ४०; (४) કમલ આદિની નાલિકા છેદવાની કલા. कमल आदि की डंडी काटनेकी कला. the art of cutting stalks of lotuses etc. नाया० १;

णाली. स्त्री० (नाली) વખત માપવાની ઘડી. समय मापनेकी घडी. A chronometre. जीवा० ३; (२) એક જાતની વેલ. एक प्रकार की बेल. a sort of creeper. पन्न० १;

णावा. स्त्री० (नौ) નાવ; વહાણ; જહાજ. नाव; जहाज. A ship; a boat. नाया० ८; ६; १६; भग० ३, ३; ५, ४; पन्न० १६; सू० प० १०; सूय० १, १, २. ३१; निसी० १८, १; १७; २०; वेय० ६, ६; जं० प० ७, १५६; ३, ६५; ४२; —उस्सिंचय. न० (-उत्सिंचक) નાવાની અંદર પાણી ભરાઇ જાય તે ઉલેચવાનાં ઠામ ડોલ વગેરે. जहाज में पानी एकत्र हुआ हो उसे बाहर निकाल कर फेंकनेका बरतन बालटी इत्यादि. a bucket etc. used for pumping out the water that accumulates in a ship. निसी० १८, १७; —गय. त्रि० (-गत) નૌકામાં બેઠેલ. नौका में बैठा हुआ. seated in a boat; on board a ship. निसी० १८, २०; —वणियग. पुं० (-वाणिज्यक) નૌકા દ્વારા વ્યાપાર કરનાર. नौका द्वारा व्यापार करने वाला. a naval merchant. नाया० ८; १७; —संतारिम. न० (-संतार्य) જ્યાં વહાણ ચાલી શકે તેટલું પાણી. जहां जहाज चल सके उतना पानी. a navigable river, stream etc. आया० १, १, ३, १;

णाविय. पुं० (नाविक -नावा जीवति

नाविकः) નાવિક; નૌકા ચલાવનાર; વહાણ ચલાવનાર. नाविक; नौका चलानेवाला; जहाजी; मल्लाह. A sailor; a boatsman नाया० ६; भग० ५, ४;

णाविया. स्त्री० (नौका) નૌકા; વહાણ. नौका; जहाज. A boat; a ship. भग० ५, ४;

णास. पुं० (नासा) નાક. नाक The nose. सम० ११;

णास. पुं० (न्यास) સ્થાપન; થાપણ. स्थापन; धरोत. Putting down; laying down; a deposit. सम०

णासा. स्त्री० (नासा) નાસા; નાક; નાસિકા. नाक; नासिका. The nose. ओव० १०; नाया०१, १, २, १६; जं०प० जीवा० ३, ३; निसी० ५, ४०; —च्छेयण. न० (-च्छेदन) નાકનું છેદન કરવું તે. नाक का छेदन. act of piercing, cutting off the nose. नाया० २;—णिस्सासवोज्झ. त्रि० (-निश्वासवाह्य) નાકના ધીમા શ્વાસથી પણ ઉડી જાય તેવું હલકું. नाक के धीमे श्वास से भी उडजाय ऐसा हलका. (anything) so light that even a gentle breath from the nose would cause it to move. भग० ६, ३३; जीवा० ३, ३; —निस्सास. न० (-निःश्वास) નાસિકાનો વાયુ नासिका का वायु. breath exhaled from the nose. नाया० १; —पुड. पुं० (-पुट) નાસા પુટ; નાકના ફોયણા-નસકોરા. नाकके पुट. the nostril. नाया०१४;—बंध. पुं० (-बंध) નાકનું બાંધવું તે. नाक को दाबना. act of closing up the nose. नाया० १७; —भेय. पुं० (-भेद) નાસિકામાં છિદ્રકરવું તે. नासिका में छिद्र करना. act of perforating the nose. पण्ह० १,१;

णासिक्कपुर. न० (नासिक्यपुर) ગોદાવરી નદીની દક્ષિણે આવેલું એ નામનું નગર. गोदावरी नदी के दक्षिण में आया हुआ इस नाम का नगर. Name of a town in the south of the river Godāvarī. नंदी०

णासियपुड. न० (नासिकापुट) જુઓ "णासापुड" શબ્દ. देखो "णासापुड" शब्द. Vide "णासापुड" नाया० ८;

णासियासिंघाणग. न० (नासिकासिङ्घाणक) નાકનો મેલ; લીટ, ગુંગા વગેરે. नाक का मल. Dirt of the nose. तंदु०

णाह. पुं० (नाथ) નાથ; ધણી; રક્ષણ કરનાર; આશ્રય આપનાર; યોગક્ષેમ કરનાર. नाथ; स्वामी; रक्षक; आश्रय दाता; योगक्षेम करने वाला. A lord; a master; a husband; a protector; a supporter. नाया० ६; उत्त० २०, ११; सम० १;

णि. अ० (नि) વધારાના અર્થમાં; નિશ્ચય. विशेष के अर्थ में; निश्चय. An indeclinable used to express the sense of " In addition to " 'Indeed' विशा० ६;

णिअ. त्रि० (निज) સ્વકીય; પોતાનું. निज का; अपना. One's own; belonging to oneself. सू० प० २०;

णिअग. त्रि० (निजक) પોતાનું; સ્વકીય. अपना; स्वकीय. One's own; belonging to oneself. ओव० ३३; जं० प० ५, ११५; २, ३३;

णिअट्टिबादर. त्रि० (निवृत्तिबादर) આઠમા ગુણસ્થાનકમાં વર્તનાર. आठवें गुणस्थानक में रहने वाला. One who has attained the 8th Guṇasthānaka, or stage of spiritual evolution. सम० २७;

णिअडिल्लया. स्त्री० (निकृति) ઠગાઇ; માયા. ठगाई; नीचता; माया. Deceit; meanness. ओव० ३४;

णिअल. न० (निगड) પગની બેડી; લોઢાની સાંકલ. पैर की बेडिया; लोहे की सांकल. Iron chains; fetters. ओव० ३८;

णिइय. त्रि० (नित्य) નિત્ય; સ્થિર સ્વભાવ વાળું; અવિનાશી. नित्य; स्थिर स्वभाव वाला; अविनाशी. Permanent; steady; everlasting. सूय० १, १, ४, ६; जं० प० ७, १७४;

णिउण. त्रि० (निपुण) નિયત-નિશ્ચિત ગુણવાળું. नियत-निश्चित गुणवाला. Possessed of effective merits or virtues. पंचा० ११, २०;

णिउण. त्रि० (निपुण) નિપુણ; હોશિયાર; કુશલ; ચતુર; ચાલાક. निपुण; होशियार; कुशल; चतुर; चालाक. Clever; efficient; skilful. "खंतिणिउण पागारं तिगुत्तं दुप्प धंसयं" उत्त० ६, २०; नाया० १; ३; ६; ओव० २४; ३०; राय० ४४; ८०; सू० प० १; २०; —**उचिय.** त्रि० (-उचित) નિપુણ શિલ્પીથી બનાવેલ. निपुण शिल्पी से बनाया हुआ. Made by a skilful artist. नाया० १; —**कुसल.** त्रि० (-कुशल) ઘણો ચતુર-નિપુણ. अति चतुर-निपुण very clever; very skilful. राय० ८०; —**णयजुत.** त्रि० (-नययुत) સૂક્ષ્મ નીતિનો વિચાર કરનાર. सूक्ष्म नीति का विचार करने वाला. (one) devoting attention to fine or minute points of ethics. पंचा० २, १; —**बुद्धि.** स्त्री० (-बुद्धि) સૂક્ષ્મ બુદ્ધિ. सूक्ष्म बुद्धि. sharp intellect. पंचा० ११, २०; —**सिप्पोवगय.** (-शिल्पोपगत) શિલ્પકલા આદિમાં કુશલ થયેલ. शिल्पकला आदि में कुशल. (one) trained or skilful in a handicraft etc. नाया० १;

णिउणिय. त्रि० (नैपुणिक—निपुणं सूक्ष्मं ज्ञानं तेन चरन्तीति नैपुणिकाः) સૂક્ષ્મ જ્ઞાન વાલા. सूक्ष्म ज्ञानवाला. (One) possessed of expert knowledge. "नव णिउणिया वत्थु पगणता" ठा० ६;

णिउत्त. त्रि० (नियुक्त) પ્રવૃત્ત કરેલું; યોજેલ. प्रवृत्त कियाहुआ; योजित. Set about; started; planned. नाया० ६;

णिउद्जीव. पुं० (निगोदजीव) નિગોદના જીવ. निगोद के जीव. A sentient being residing in the Nigoda class of vegetation. जीवा० ६;

णिउर पुं० (निकुर) એક જાતનું ઝાડ. एक प्रकारका वृक्ष. A kind of tree नाया० ८;

णिउरंब न० (निकुरम्ब) સમૂહ. समूह. A group; a collection. "रम्मंमहामह निउरंब भूए" नाया० १; १३; (२) पुं० વૃક્ષ વિશેષ. वृक्ष विशेष. a particular kind of tree. नाया० ६;

णिओअ. पुं० (नियोग) વ્યાપાર; ક્રિયા. व्यापार; क्रिया Process; action. जं० प०

णिओग. पुं० (नियोग) આજ્ઞા; હુકમ. आज्ञा; हुक्म. Order; command. जं० प० ५, ११७; पंचा० ६, २८;

णिओद. पुं० (निगोद) એક શરીરમાં અનન્ત જીવ હોય એવી વનસ્પતિ; સાધારણ વનસ્પતિ. एक शरीर में अनन्त जीव हों ऐसी वनस्पति. A vegetation with infinite lives in its body. भग० २५, ५;

णिओय-अ. पुं० (निगोद) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.

पन्न० १; ३; जीवा० ६; (२) કુટુંબ. कुटुंब. a family. जं० प०

णिंदण. न० (निन्दन) નિન્દા કરવી; હેલણા કરવી. निन्दा. Act of censuring. नाया० ८; भग० १७, ३; (२) પશ્ચાત્તાપ. पश्चात्ताप. act of repenting, penitence. नाया० १६;

णिंदणया. स्त्री० (*निन्दन) પોતાના કર્મ કે દોષની નિન્દા કરવી તે. अपने दोष या कर्म की निन्दा करना. Act of censuring or adversely criticising one's own Karmas or faults. भग० १७, ३;

णिंदणा. स्त्री० (निन्दना) નિન્દા; નિંદવું; હેલના કરવી. निन्दा; निन्दा करना; अवगणना करना. Censure; act of censuring; speaking ill of. ओव० ४०;

णिंदणिज्ज. त्रि० (निन्दनीय) નિન્દવા યોગ્ય; નિન્દા કરવા યોગ્ય. निन्दा करने योग्य. Deserving censure; censurable. नाया० ३, १५;

णिंदिया. स्त्री० (निन्दिता) જેમાં એક વાર ઘાસ વગેરે નિંદવામાં આવે તે કૃષિ. जिसमें एक बार घास इत्यादि नींदनेमें आता है वह कृषि. Cultivation of land requiring weeding out of grass etc. once. ठा० ४, ४;

णिंदु. स्त्री० (निन्दु) મૂતવંધ્યા સ્ત્રી; મુવા બાલકનો જન્મ આપનાર માતા. मृत संतति जन्म दात्री; मृत बालक को जन्म देने वाली माता. A woman who gives birth to dead children. अंत० ३, ८;

णिंब. पु० (निम्ब) લીંબડો. निम्ब का वृक्ष. A Nimba tree. पन्न० १; भग० १८, ६; २२, २; (२) न० લીંબોલી; લીંબડાના ફલ. निम्बोली; निम्ब के फल. a seed of a Nimba tree. पन्न०

णिंबोलिया. स्त्री० (निम्बगुलिका) લીંબોલી; લીંબડાના ફલ. निम्बोली; निम्ब के फल. A seed of the Nimba tree. नाया० १६;

णिकर. पुं० (निकर) સમૂહ. समूह. A collection; a group. नाया० १;

णिकरिय. त्रि० (निकृत) જંતરડાના કાણામાંથી ખેંચેલું. जंत्रा के छेद में से खींचा हुआ. Drawn out like a wire from a die. ओव० १०;

णिकाइय. त्रि० (निकाचित-निर्युक्तिसंग्रहणीहेतूदाहरणाऽऽदिभिः अनेकधा व्यवस्थापितम्) હેતુ ઉદાહરણ આદિથી સિદ્ધ કરેલું. हेतु उदाहरण आदि से सिद्ध किया हुआ. Established or proved with the help of logical reason, illustration etc. भग० प० १६६; (२) નિકાચિત; છુટે નહિ તેવું. निकाचित; न छूटे ऐसा. firmly fastened, such as would not break. "चउव्विहे णिकाइए पणत्ते" ठा० ४, २;

णिकाय. पुं० (निकाय-निर्गतः काय औदारिकाऽऽदिर्यस्मात् यस्मिन् वा सति स निकायः) મોક્ષ. मोक्ष. Salvation. आया० १, १, ३, १८; (२) પૃથ્વીકાય, અપકાય તેઉકાય, વાઉકાય, વનસ્પતિકાય, અને ત્રસ કાય એ છ પ્રકારના જીવનો સમૂહ. पृथ्वी काय, अप्काय, तेउकाय, वायुकाय, वनस्पति काय, और त्रसकाय इन छः प्रकार के जीवों का समूह. a collection of the six kinds of sentient beings viz. those with bodies of earth, water, fire, wind, vegetable, and mobile sentient beings (Trasakāya). ओव० २४; सूय० ?,

४, ३; पन्न० २२; दस० ४; —पडिवरण. त्रि० (-प्रतिपन्न -निर्गतः काय औदारिका ऽऽदिर्यस्मात् यस्मिन् वा सति स निकायो मोक्षः तं प्रतिपन्नो निकायप्रतिपन्नः) મોક્ષને પ્રાપ્ત થયેલ. मोक्ष को प्राप्त. (one) who has attained salvation आया० १, १, ३, १८;

णिकाय. पुं० (निकाच -निकाचनं निकाचः) નિમંત્રણ કરવું; આમન્ત્રણ કરવું. निमन्त्रण करना; आमन्त्रण करना. Act of calling or inviting. सम० १२;

णिकाय. सं० कृ० अ० (निकाय्य) સ્થાપીને. स्थापन करके. Having established; having placed. " णिकाय समं पत्तेयं पत्तेयं पुच्छिस्सामो " आया० १, ४, २, १३३;

णिकुज्जिय. सं० कृ० अ० (निकुब्ज्य) શરીર નીચું કરીને. शरीर को झुकाकर. Having bent or lowered the body. निसी० १७, २३;

णिकुरंब. न० (निकुरम्ब) સમૂહ. समूह. A group; a collection. ओव० भग० १, १; नाया० १७; (२) કાળી મેઘઘટા. काली मेघघटा. a series of black clouds. जीवा० ३, ३;

णिकेअ-य. पुं० (निकेत) આવાસ; ઘર. आवास; घर. A house; an abode. नाया० १६.

णिक्क. त्रि० (*) શુદ્ધ; મેલ વગરનું. शुद्ध; निर्मल. Pure; free from dirt. नाया० १;

णिक्कंकड. त्रि० (निष्कंटक) નિરાવરણ; આવરણ રહિત. निरावरण; आवरण रहित. Uninterrupted; free from any obstacle. सम० जीवा० ३, ४; —च्छाय. त्रि० (-च्छाय) નિરાવરણ-આવરણ રહિત પ્રકાશવાળું. निरावरण-आवरण रहित प्रकाश युक्त. having uninterrupted light. राय० जं० प० १, १२;

णिक्कंखिय. त्रि० (निष्काङ्क्षित) અન્ય દર્શનની આકાંક્ષા રહિત. अन्य दर्शनकी आकांक्षा रहित. (One) free from a desire of knowing or practising another creed. सूय० २, ७, ६६;

णिक्कट्ठ. त्रि० (निष्कृष्ट) દુબળા શરીરવાળો. दुर्बल शरीरवाला. Lean; reduced. ठा० ४, ४; (२) બહાર ખેંચેલ. बाहर खींचा हुआ. drawn out. नाया० १८;

णिक्कंतार. त्रि० (निष्कान्तार-कान्तारमरण्यं निर्गतः कान्ताराद् निष्कान्तारम्) જંગલથી બહાર કાઢેલ. जंगल में बाहर निकाला हुआ. Taken out from a forest; led out of a forest. "कंताराओ णिक्कंतारं करेज्जा" ठा० ३, १;

णिक्कम्म. पुं० (निष्कर्मन्-निष्कान्तः कर्मणो निष्कर्मा) મોક્ષ. मोक्ष. Salvation. (२) સંવર. संवर. cessation of the influx of Karma. "णिक्कम्मदंसी इह मच्चिएहिं " आया० १, ४, ४, १३८; —दंसि. त्रि० (-दर्शिन् -निष्कर्मा मोक्ष संवरो वा तं द्रष्टुं शीलमस्येति निष्कर्मदर्शिन्) મોક્ષ માર્ગને જાણનાર; કર્મ બંધનથી મુક્ત. मोक्ष मार्ग को जानने वाला; कर्मबंधन से मुक्त. (one) who knows the path of salvation; freed from Karmic bondage. आया० १, ३, ४, १२४;

---

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) P. 15th.

णिक्कल. त्रि० (निष्कल) કલંક રહિત. निष्कलंक; कलंकरहित. Spotless; stainless. भग० १५, १;

णिक्कलुण. त्रि० (निष्करुण) દયા રહિત. दया रहित; निर्दय. Unkind; merciless. पराह० १, १;

णिक्कवय. त्रि० (निष्कवच) આવરણ રહિત; કવચ વિનાનો. आवरण रहित; कवच रहित. Devoid of a covering; devoid of an armour. ठा० ४, २;

णिक्कासिय. त्रि० (निष्कासित) નીકળેલ; કાઢી મુકેલ. निकला हुआ; निकाल दिया हुआ. Turned out; got out; driven out. ओव०

णिक्किंचण. त्रि० (निष्किञ्चन) નિષ્પરિગ્રહી. निष्परिग्रही. Not possessed of anything; possession-less. सूय० १, १३, १२;

णिक्किय. त्रि० (निष्क्रिय) ક્રિયારહિત. क्रियारहित. Devoid of action; inert. पराह० १, २; नाया० ६;

णिक्किव. त्रि० (निष्कृप) કૃપારહિત. कृपा रहित. Devoid of compassion; unkind. नाया० ६;

णिक्कोडण. न० (निष्कोटन) બન્ધન વિશેષ. बन्धन विशेष. A particular kind of bondage. पराह० १, ३;

णिक्खंत. त्रि० (निष्कान्त) નીકળેલ. निकलाहुआ. Come out; got out; gone out. नाया० १; नाया० ध० २; (२) સંસારમાંથી નીકળીને દીક્ષા લીધેલ. संसार में से निकलाहुआ; दीक्षा लियाहुआ. (one) who has freed himself from the world and has become a monk. सूय० १, ८, २४; उत्त० १८, १६;

णिक्खम न० (निष्क्रम) ઉપાધિ છોડી નીકળવું દીક્ષાલેવી તે; સુખનો એક પ્રકાર. उपाधि को त्याग कर निकलना, दीक्षा लेना; सुख का एक प्रकार. Act of stepping out of worldly troubles and cares; entrance into the ascetic order. ठा० १०;

णिक्खमण. न० (निष्क्रमण) સૂર્ય ચંદ્રનું તેના માંડલમાંથી બહાર નીકળવું તે. सूर्य चंद्र का उसके मंडल में से बाहर निकलना. The coming out of the sun and moon out of their orbits or circles. सू० प० १३;(२) દીક્ષા લેવી. दीक्षा लेना. entrance into the ascetic orders. नाया० १;५;८;(३) ઘરમાંથી બહાર નીકળવું તે. घर में से बाहर निकलना. act of coming out of the house; coming out of the house. आया० नि० १, १, ६, १५८; वेय० १, १०;

—अभिमुह. त्रि० (-अभिमुख) દીક્ષાની સન્મુખ; દીક્ષા લેવા તત્પર. दीक्षाके सन्मुख; दीक्षा लेने को तत्पर. ready for or bent on initiation into the ascetic order. नाया० ५;

—अभिसेय-अ. पुं० (-अभिषेक) દીક્ષાનો અભિષેક; દીક્ષાની ક્રિયા. दीक्षा का अभिषेक; दीक्षा की क्रिया. the ceremony of initiation into the ascetic order. भग० ९, ३३; नाया० ९; १६;

—चरियणिबद्ध. न० (-चरितनिबद्ध) મહાવીર સ્વામી આદિ તીર્થંકરની દીક્ષા મહોત્સવ વગેરે દશ્ય બતાવનાર નાટ્ય વિધિ; ૩૨ નાટકમાંનું એક. महावीर स्वामी आदि तीर्थंकरके दीक्षा महोत्सव इत्यादि दृश्य दिखाने वाली नाट्य विधि; ३२ नाटकों में से एक. one of the 32 kinds of a drama;

a dramatic representation exhibiting scenes of festivity celebrating the Dīkṣā of the lord Mahāvīra etc. राय॰—**महिमा.** पुं॰ स्त्री॰ (-महिमन्) દીક્ષા મહોત્સવ. दीक्षा महोत्सव. festivity of Dīkṣā i. e. initiation into the ascetic order. नाया॰ ८; —**सक्कार.** पुं॰ (-सत्कार) દીક્ષાનો સત્કાર. दीक्षा का सत्कार. honour paid to Dīkṣā or initiation into an ascetic order. नाया॰ ५;

णिक्खित्त. त्रि॰ (निक्षिप्त) છોડેલ; મૂકેલ. छोड दिया हुआ; रक्खा हुआ. Kept; placed; put down; left. नाया॰ १; भग॰ १२, १; पराह॰ १, ३; (२) વ્યવસ્થાપન કરેલ; રાખેલ. व्यवस्थापन किया हुआ; रक्खा हुआ. arranged; put into order. आया॰ २, १, १, ७; —**चरअ.** त्रि॰ (-चरक) રસોઈના વાસણમાંથી બહાર કહાડયું ન હોય તેવા આહારની ગવેષણા કરનાર. रसोई के पात्र में से बाहर निकाला न हो उस आहार की गवेषणा करने वाला. (one) who seeks only that food which is not taken out of a cooking-vessel. ठा॰ ५, १; ओव॰ —**दंड.** त्रि॰ (-दण्ड -निक्षिप्ताः निश्चयेन क्षितास्त्यक्ताःकायरूपा. प्राण्युपमर्दकारिणो दण्डा यस्ते तथा) મન વચન અને કાયાના દંડને ત્યજનાર. मन, बचन, और कायाके दण्डको त्यागने वाला. (one) who avoids sins connected with the mind, body and speech. आया॰ १, ८, ३, १३४; —**पुव्व.** त्रि॰ (-पूर्व) પહેલાં પોતાને માટે બનાવેલ. पहिले निज-स्वतः के लिये बनाया हुआ. prepared in the first instance for oneself. आया॰ २, २, ३, ८७; —**सत्थमुसल.** त्रि॰ (-शस्त्रमुशल) જેણે ખડગ આદિ શસ્ત્ર ત્યજી દીધા હોય તે. जिसने खड्ग आदि शस्त्रों को त्याग दिया हो. (one) who has left off or abandoned weapons such as a sword etc. भग॰ ७, १;

णिक्खिप्पमाण. त्रि॰ (निक्षिप्यमाण) પોતાને સ્થાને મુકતો. योग्य स्थान में रखता हुआ. Putting (anything) in its proper place; keeping in the proper place. "**अग्गपिंडं उक्खिप्पमाणं पेहाए अग्गपिंडं णिक्खिप्पमाणं** " आया॰ २, १, ४, २५;

√ **णिक्खिव.** धा॰ I, II. (नि+क्षिप्) ફેંકવું; નાખવું. फेंकना; डालना. To throw; to cast out.

णिक्खिवइ. नाया॰ १४;

णिक्खिवित्ता. नाया॰ १४; भग॰ १६, १; वव॰ १, १४;

णिक्खिवमाण भग॰ १६, १;

णिक्खिविअव्व. त्रि॰ (निक्षिप्तव्य) મુકવા યોગ્ય. रखने योग्य. Worth being put or kept. पराह॰ २, १;

णिक्खुड. पुं॰ (निष्कुट) પર્વત વિશેષ. पर्वत विशेष. A certain mountain. (२) નિષ્કંપ; સ્થિર. निष्कम्प; स्थिर. steady; firm. जं॰ प॰ ३, ५२;

णिक्खेव. पुं॰ (निक्षेप) રાખવું તે. रखना. Act of putting or keeping. नाया॰ ८; (२) નામ સ્થાપનાદિરૂપે નિક્ષેપ કરવો તે. नामस्थापनादि रूप से निक्षेप करना. attribution of a name without reference to its connotation. आया॰ नि॰ १, २, १, १६४;

णिक्खेवअ. पुं॰ (निक्षेपक) આલાપક.

खालापक. A depositor; a speaker नाया॰ध॰२;(२) રાખવું તે. रखना. act of keeping or putting. भग॰ २०, ६;

णिक्खोभ. त्रि॰ (निःक्षोभ) ક્ષોભ રહિત. क्षोभ रहित. Free from agitation; free from disturbance. सम॰ २;

√**णिगच्छ** धा॰ I. (निर्+गम्) નીકળવું. निकलना. To come out; to get out.

णिगच्छइ. नाया॰ १; ४; १४; विवा॰ ७;

णिगच्छंति. नाया॰ १;

णिगच्छामि. नाया॰ १४; १६; भग॰१५,१;

णिगच्छाहि. आ॰ नाया॰ १६;

णिगच्छित्ता. सं॰ कृ॰ नाया॰ २; ५; ८; १३; १४; भग॰ ११, ११; विवा॰ ७;

णिगच्छमाण. व॰कृ॰नाया॰ १; भग॰१,३३;

णिगम. पुं॰ (निगम) વ્યાપારીઓનું નિવાસ સ્થાન; જ્યાં ઘણા વાણિઆઓ વસતા હોય તે સ્થાન. व्यापारियों का निवास स्थान; जहां पर बहुत से वैश्य रहते हों वह स्थान. A place of abode for merchants or traders; a place where many traders reside. ठा॰ २, ४; उत्त॰ २, १८; नाया॰ १; दसा॰ ६, १६; पराह॰ १, ३; भग॰ १, १; (२) વાણીઆનો સમૂહ. वैश्य समूह. a group of traders or merchants. ठा॰३, ३; (३) અભિગ્રહ વિશેષ. अभिग्रह विशेष. a particular kind of vow. राय॰ (४) વ્યાપાર. व्यापार; बैपार. trade; commerce. सम॰ ३०; (५) નિશ્ચિત અર્થનો બોધ. निश्चित अर्थ का बोध. knowledge of settled principles. भग॰ ७, ९; —रक्खिय. त्रि॰ (रक्षित) જેણે વ્યાપારીઓની રક્ષા કરી હોય તે; વ્યાપારીઓમાં પ્રધાન-આગેવાન. जिसने व्यापारियों की रक्षा की हो वह; व्यापारियों में प्रधान-मुखिया. (one) who has protected merchants; a leading, prominent merchant. निसी॰ ४, ६;

णिगर. पुं॰ (निकर) સમૂહ; જથ્થો; ઢગલો. समूह; ढेर. A collection; a pile; a heap. नाया॰ ८; ६; भग॰ १५,१; जीवा॰ ३, ३; विवा॰ ६;

णिगरित. त्रि॰ (निगरित) શોધન કરેલ. शोधन किया हुआ. Refined; purified. जीवा॰ ३, ३;

णिगलिय. त्रि॰ (निगरित) ગાળીને શુદ્ધ કરેલ. छानकर शुद्ध किया हुआ. Purified by filteration. जं॰ प॰ तंदु॰

णिगस. पुं॰ (निकष) રેખા. रेखा. A line. पराह॰ १,४;

णिगाम. कि॰ वि॰ (निकाम) અતિશય; બહુ. अति; बहुत. Too much; excessive. ठा॰ ४,२; —पडिसेविणी. स्त्री॰ (-प्रतिसेविनी--निकामयत्यर्थं वाञ्छयाऽऽत्मनः पुरुषं प्रतिसेवते इत्येवंशीला निकामप्रतिसेविनी) ઇચ્છા પુરતો પતિનો સંગ કરનાર સ્ત્રી. इच्छाके प्रमाणसे पतिका संग करनेवाली स्त्री. a woman who cohabits with her husband not longer than the time of natural gratification. ठा॰ ५, २;—साइ. पुं॰ (-शायिन्) હદ ઉપરાંત સુનાર. हदसे अधिक सोनेवाला; प्रमाणसे अधिक निद्रा लेनेवाला. (one) who sleeps too much. दस॰ ४;

णिगास. पुं॰ (निकर्ष) પરસ્પર મેળાપ કરવો તે. आपस में मिलाना. Mutual union or intercourse. भग॰ २५, ७;

णिगिण त्रि॰ (नग्न) વસ્ત્ર રહિત. वस्त्र रहित; नंगा; नग्न. Naked; without clothes. सूय॰ १, २, १, ६;

णिगिणिण. न० (नाग्न्य) नग्नता; नग्नपणुं. नग्नता; नंगापन. Nakedness; nudity. उत्त० ५, २१;

√णि-गिरह. धा० I, II. (नि+गृह) पकडवुं; निग्रह करवो. पकड़ना; निग्रह करना. To catch hold of; to control; to subdue.

णिगिण्हेइ. भग० ३, ३३;

णिगिण्हित्तार. त्रि० (निगृहीतृ) निग्रह करनार. निग्रह करने वाला. (One) who controls, checks or prevents. दसा० ४, ८४;

णिगुंजमाण. त्रि० (निर्गुञ्जत) ખોંખારતો; ખોંખારા કરતો (ઘોડો). हिनहिनाता; हिनहिनाता हुआ घोड़ा. Neighing (e. g. a horse). नाया० ६;

णिगूढ. त्रि० (निगूढ) गुप्त. गुप्त. Hidden; secret. (२) मौन रहेल. मौन रहा हुआ; शान्त. silent. सूय० २, १५, ८१;

णिगोय. पुं० (निगोद) એક શરીરમાં અનન્ત જીવ હોય તે; અનન્ત કાય. एक शरीर में अनन्त जीव हों वह; अनन्तकाय. A physical body with infinite lives or souls. जं० प० ३, ३६;

णिग्गअ. त्रि० (निर्गत) नीકળેલ. निकला हुआ. Come out; gone out; got out. नाया० १; ५; ६;

णिग्गंथ. न० (नैर्ग्रन्थ्य) निर्ग्रंथना सिद्धांत-प्रवचन. निर्ग्रंथ के सिद्धान्त-प्रवचन. The religious creed of the Nirgranthas (ascetics). सूय० २, ६, ४२;

णिग्गंथ. पुं० (निर्ग्रन्थ-निर्गतो बाह्याभ्यन्तरो ग्रन्थो यस्मात् स निर्ग्रन्थः) બાહ્ય-ધન આદિ પરિગ્રહ અભ્યન્તર-અંદરનાં કષાયાદિ ગ્રંથથી રહિત; બાહ્યાભ્યન્તર પરિગ્રહ રહિત-નિઃસ્પૃહી જૈન સાધુ (સાધ્વી). बाह्य-धन आदि परिग्रह, अभ्यन्तर-अंदर के कषायादि ग्रंथ से रहित; बाह्याभ्यन्तर परिग्रह रहित निःस्पृही जैन साधु (साध्वी). A Jaina monk (or a nun) free from the tie or fetter of internal impurity due to passions and also from that of worldly possessions. नाया० १; २; ५; ६; १०; १५; भग० १, ३; ६, १; १६, ४; निसी० १७, २०; ओव० १६; ३४; जं० प० आव० ४, ८; **—धम्म.** पुं० (-धर्म) निर्ग्रन्थ धर्म; जैन धर्म. सर्वज्ञ का धर्म; जैन धर्म. the creed of the omniscients; Jainism. सूय० २, ६, ४२; **—पावयण.** न० (-प्रवचन) जैन सिद्धांत; जैन आगम. जैन सिद्धान्त शास्त्र; जैन आगम. The Jaina scriptures. नाया० १; १२; १३; १४; नाया० ध०

णिग्गंथी. स्त्री० (निर्ग्रन्थी) साध्वी. साध्वी. A nun. " चत्तारि णिग्गंथीओ पण्णत्ताओ " ठा० ४, ३; ४ २; ५, २; नाया० २; ५; ६; १०; १४; १५; १६; नाया० ध०

णिग्गच्छमाण. व० कृ० त्रि० (निर्गच्छत्) नीકળતું; બહાર જતું. निकलता हुआ; बाहर जाता हुआ. Coming out; going out. ओव० ३२;

णिग्गम. पुं० (निर्गम) निકળવું ते. निकलना. Act of coming out; coming out. नाया० ८; १८;

णिग्गमण. न० (निर्गमन) निકળવાનો માર્ગ. निकलने का मार्ग. A way out; an exit. नाया० २;

णिग्गय. अ० त्रि० (निर्गत) निકળેલું. निकलाहुआ. Come out; got out. नाया० १; ५; ९; १२; १३; १५; १६; १८;

१६; भग० १, १; १४, १; जं० प० १, १; (२) રહિત; અવિદ્યમાન. रहित; अविद्यमान. devoid of; not possessed of. ठा० १; —अग्गदंत. त्रि० (-अग्रदन्त) આગલા દાંત બહાર નીકલેલ છે જેના એવો. जिसके आगे के दांत बाहर निकले हुए हैं ऐसा. (one) whose fore-teeth are come out. नाया० ८;

णिग्गह. पुं० (निग्रह) નિગ્રહ; કબજામાં રાખવું; નિરોધ કરવો; અનાચારની પ્રવૃત્તિનું અટકાવવું. निग्रह; वश में रखना; निरोध करना; अनाचार की प्रवृत्ति को रोकना. Act of keeping under control; act of preventing or checking; act of checking sinful activity. नाया० १; ५; राय० २१५; दस० ३, ११; ओव० १५; निसी० १, १; भग० ७, ६; —द्वाण. न० (-स्थान) વાદમાં પ્રતિવાદી જેનાથી પકડાય તે નિગ્રહ સ્થાન. वाद में प्रतिवादी जिससे पकड़ में आता है वह निग्रह स्थान. the weak point by which an adversary is defeated in argument ठा० १; —दोस. पुं० (-दोष) પરાજય સ્થાન રૂપ દોષ. पराजय स्थान रूप दोष. faultiness e. g. of an argument, which leads to a defeat. ठा० १०; —प्पहाण त्रि० (-प्रधान) અનાચાર પ્રવૃત્તિનો નિષેધ કરવામાં પ્રધાન. अनाचार प्रवृत्तिका निषेध करनेमें प्रधान. (one) who is foremost in preventing sinful activities. निसी० १, १; ओव०

णिग्गाहि. त्रि० (निग्राहिन्) નિગ્રહ કરનાર. निग्रह करनेवाला. (One) who controls or subdues. उत्त० २५, २;

णिग्गुंडि. स्त्री० (निर्गुण्डि) એક પ્રકારની ગુચ્છ વનસ્પતિ. एक प्रकारकी गुच्छ वनस्पति. A kind of vegetation. पन्न० १;

णिग्गुण. त्रि० (निर्गुण) ગુણરહિત. गुणरहित. (One) not possessed of merits. ठा० ३, १; राय० २०८; जं० प० (२) ગુણવ્રતથી રહિત. गुणव्रतोंसे रहित. (one) devoid of the three Gunavratas. नाया० ८; भग० १२, ८;

णिग्गोह. पुं० (न्यग्रोध) વડનું ઝાડ. बडका वृक्ष. A banyan tree. सम० प० २३३; जीवा० १; (२) પહેલા તીર્થંકરનું ચૈત્ય વૃક્ષ. पहिले तीर्थंकरका चैत्य वृक्ष. the Chaitya tree of the first Tirthankara. सम० प० २३३; (२) નાભિ ઉપરના અવયવો સુંદર હોય અને તેની નીચેના સાધારણ હોય તેવું શરીરનું એક સંઠાણ. नाभिके ऊपरके अवयव सुंदर हों और उसके नीचेके साधारण हों ऐसा शरीरका एक संठाण-बांधा. a type of physical constitution in which the parts above the navel are graceful while those below it are plain. सम० प० २२७; —परिमंडल. न० (-परिमंडल) વડના વૃક્ષની પેઠે નાભિ ઉપરના અવયવો સુંદર અને નીચેના બેડોલ હોય તેવી જાતનું શરીરનું એક સંઠાણ. बड के वृक्ष के समान नाभि के ऊपर के अवयव सुंदर और नीचे के कुरूप हों ऐसा शरीरका एक संठाण-बांधा. A type of physical constitution in which the parts above the navel are graceful while those below are ugly as in the case of a banyan tree. ठा० ६, १; पन्न० १५;

णिग्घंटु. पुं० (निघण्टु) વૈદિક કોષ; નિઘણ્ટ શાસ્ત્ર. वैदिक कोष; निघण्ट शास्त्र. The

lexicon of Vedic words. ओव० ३८;

णिग्घाइय. त्रि० (निर्घातित) બહાર નીકળેલ. बाहर निकला हुआ. Come out; got out. नाया० १२;

णिग्घाय. पुं० (निर्घात) વૈક્રિય કરેલ વજ્રનું પડવું. वैक्रिय से किया हुआ वज्रका गिरना. Falling of a thunderbolt created by Vaikriya process. जीवा० १; पन्न० १; (२) વિજળીનું પડવું. बिजलीका गिरना. a lightning stroke. जीवा० १; पन्न० १; (३) ગર્જનાના કડાકા. गर्जनाका घोर शब्द. a peal of thunder. ठा० १०; अणुजो० १२७; (४) ઝરાનું વહેવું તે. झरनेका बहना. flowing of a stream. " णिग्घायाय पवत्तगं " सूय० १, १२, २२;

णिग्घायण. न० (निर्घातन) હણવું; મારવું; નાશ કરવો. हनना; मारना; नाशकरना. Act of killing or destroying. ओव० १७; जं० प०

णिग्घिण. त्रि० (निर्घृण-न विद्यते घृणा पापजुगुप्सालक्षणा यत्र स निर्घृणः) ઘૃણા, દયા અનુકંપા રહિત; નિર્દય. घृणा-दया अनुकंपा रहित; निर्दय. Unkind; cruel; without compassion. पण्ह० १, १; नाया० ९; —मइ. त्रि० (-मति) પારકું દ્રવ્ય લેવાની જેની મતિ છે તે. जिसकी पराया धन लेनेकी मति है वह. (one) who is greedy, covetous of another's wealth. पण्ह० १, ३;

णिग्घोस. पुं० (निर्घोष) અવાજ; સ્વર; શબ્દ; મહાધ્વનિ. आवाज; स्वर; शब्द; महाध्वनि. Sound; a loud sound; voice. ओव० ३१; ३४; नाया० १; ८; जं० प० ५, ११६; ११७; भग० ६; ३३; पण्ह० १; १; राय०

णिघंटु. पुं० (निघण्टु) એ નામનો વૈદિક કોષ. इस नामका वैदिक कोष. A Vedic dictionary of this name. " निघंटु छट्ठाणं संगोवंगाणं चउण्हं वेयाणं " भग० २, १;

णिचय. पुं० (निचय) સમૂહ; જથ્થો. समूह; जत्था. A collection; a group. ओव० १२; (२) કર્મ સંચય; કર્મ બંધ. कर्मसंचय; कर्मबंध. a collection of Karmas; Karmic bondage. सूय० १, १०, ६;

णिचिय. त्रि० (निचित) નિબિડ; ઘટ્ટ; ગાઢું. निबिड; घट्ट; गाढा. Dense; thick. राय० ३२; जीवा० ३, १; भग० १६; ३;

णिच्च. त्रि० (नित्य) નિત્ય; હમેશનું; સદાનું; શાશ્વત; નાશરહિત. नित्य; हमेशाका; सदाका; शाश्वत; नाशरहित. Permanent; everlasting. " जे भिक्खू कुमइ णिच्चं से न अच्छइ मंडले " उत्त० ३१, ६; नाया० १; २; ५; ९; भग० ६, ३३; १८, ७; ४२, १; सम० १२; ओव० —अणिच्च. त्रि० (अनित्य) નિત્યાનિત્ય. नित्यानित्य. permanent and impermanent. ठा० १; —उउआ. स्त्री० (-ऋतुका) નિત્ય રજસ્વલાવાળી સ્ત્રી કે જે ગર્ભ ધારણ કરી શકતી નથી. नित्य रजस्वलावाली स्त्री कि जो गर्भधारण न कर सकती हो. a woman having daily menstrual discharge and so incapable of conceiving a child. ठा० ५, २; —उऊग. त्रि० (-ऋतुक) જેની ઉપર બારેમાસ ફૂલફૂલ આવતાં હોય તે. जिसके ऊपर बारह मास फलफूल लगते हों वह. (a tree) that puts forth flowers and fruits in all the seasons. सम० प० २३३; —उव्विग. त्रि० (उद्विग्न) સદા ઉદાસીન; હમેશ ખિન્ન. सदा

उदासीन; हमेशा खिन्न. (one) who is ever gloomy or moody. दस० ५, २, ३६; —च्छणिय. त्रि० (-क्षणिक-नित्यं सर्वदा क्षणा उत्सवा यस्यासौ नित्यक्षणिकः) સર્વદા મોજ ઉડાવનાર-માનનાર. सर्वदा चैनबाजी उडानेवाला; आनन्द मनानेवाला. (one) who is always enjoying pleasure नाया० ४; —तालिच्छ. त्रि० (-तल्लिप्स) સદૈવ તત્પર. सदैव तत्पर. (one) who is always ready पंचा० १७, ४१; —दुक्खिय. त्रि० (-दुःखित) હમેશાનો દુઃખી થએલ. निरंतर दुःखी. (one) who is permanently miserable. तंदु०—दोस. पुं० (-दोष) નાશ ન પામે તેવો દોષ. नष्ट न हो ऐसा दोष. a permanent or constant fault. ठा० १०; —भाव. पुं० (-भाव) નિત્ય ભાવ. नित्य भाव constant; permanent existence. भग० १२, ७; —मति. स्त्री० (-स्मृति) નિત્ય સ્મરણ કરવું તે. नित्य स्मरण करना. constant remembrance. पंचा० १, ३६;

णिच्चंधकारतमस. त्रि० (नित्यान्धकारतमस-नित्यमेव अंधकारतमसं येषु ते तथा) હમેશાં જ્યાં અંધકાર છે તે; નરક વિગેરે. जहां हमेशा अंधकार है वह; नरक इत्यादि. (A place) permanently dark e. g. hell etc. दसा० ६, १;

णिच्चभत्त. न० (नित्यभक्त) દરરોજ ભોજન લેવું તે. प्रतिदिनका भोजन. Daily meal. सम० प० २३२;

णिच्चय. पुं० (निश्चय) નિશ્ચય; ચોક્કસ કરેલ ઠરાવ. निश्चय; निर्णय; यथार्थता. Determination; decision; certainty. राय० २१०;

णिच्चल. त्रि० (निश्चल) સ્થિર; અચલ. स्थिर; अचल. Steady; permanent; motionless. नाया० २; ८; १७; —पय. पुं० (-पद) નિશ્ચલપદ; મોક્ષ. निश्चल पद मोक्ष. absolution, salvation. राय०

णिच्चालोग. पुं० (नित्यालोक) ૬૨ મો મહાગ્રહ સૂર્ય પ્રજ્ઞપ્તિની ગણત્રી પ્રમાણે અને ઠાણાંગ સૂત્રની ગણત્રી પ્રમાણે ૬૪ મો. ६२ वां महाग्रह (सूर्य प्रज्ञप्तिकी गिनतीके अनुसार) और ठाणांग सूत्र की गिनतीके हिसाबसे ६४ वां. The 62nd great planet according to the calculation of Sūrya Prajñapti and 64th according to that of Thāṇāṅga Sūtra. " दो णिच्चालोया " ठा० २, ३;

णिच्चालोय. पुं० (नित्यालोक) જુઓ " णिच्चालोग " શબ્દ. देखो " णिच्चालोग " शब्द. Vide " णिच्चालोग " सू० प० २०;

णिच्चुज्जोतय. (नित्योद्योत) ૬૩ મો મહાગ્રહ સૂર્ય પ્રજ્ઞપ્તિની ગણત્રી પ્રમાણે અને ઠાણાંગ સૂત્રની ગણત્રી પ્રમાણે ૬૫ મો. ६३ वां महाग्रह सूर्य प्रज्ञप्ति की गिनती के अनुसार और ठाणांग सूत्र की गिनतीके अनुसार ६५ वां. The 63rd great planet according to the calculation of Sūrya Prajñapti and 65th according to that of Thāṇāṅga Sūtra. " दोणिच्चुज्जोया " ठा० २, ३;

णिच्चेट्ठ. त्रि० (निश्चेष्ट) ચેષ્ટા રહિત. चेष्टा रहित. Motionless, actionless. नाया० २, १६;

णिच्चेयणय. न० (निश्चेतनक) ચૈતન્ય વગરનું શરીર; મૃતદેહ. चैतन्य रहित शरीर; मृतदेह. A corpse; a dead body. तंदु०

*णिच्छुक. त्रि० (*) અવસરનો અજાણ. योग्य प्रसंग वा समय से अज्ञात. (One) not knowing the proper or opportune time नाया० ६;

णिच्छय. पुं० (निश्चय) निर्णय; निश्चय. निर्णय; निश्चय. Resolve; determinaton; decision. नाया०१; राय० २१५; भग० २, ४; १८, २; (२) અવ્યભિચારી નિયમ. व्यभिचार रहित नियम. a vow free from any sin; discrepancy. सम० ३; (३) निः निर्गत-निકળી ગયેલ છે ચય-કર્મ સમૂહ જેમાંથી કર્મનો સમૂહ નીકળી ગયેલ છે એવો મોક્ષ. जिसमेंसे निः-निर्गति निकल गया है चय-कर्मसमूह; कर्मका समूह निकलगया हो वह मोक्ष that from which the collection of Karmas has passed away i. e salvation or final bliss पगह० १, १; (४) વાસ્તવિક પદાર્થનેજ માનનાર દ્રવ્યાર્થિક નય. वास्तविक पदार्थको ही माननेवाला द्रव्यार्थिक नय. a real or essential point of view e. g calling a thinn in its reality. सम० ३; —णय. पुं० (नय) દ્રવ્યાર્થિક નય; નિશ્ચય નય. द्रव्यार्थिक नय; निश्चय नय. a real or essential point of view, e.g. calling a pitcher of clay a pitcher of clay. पंचा०७, ४६;सम०३;

णिच्छयण्ण. त्रि० (निश्चयज्ञ) નિશ્ચયાર્થ જાણનાર. निश्चयार्थ जाननेवाला. (One) whose knowledge is certain or positive. सूय० २, ६, १६;

णिच्छाय. त्रि० (निश्छाय) શોભા વગરનો; કદરૂપો. शोभा रहित; कुरूप. Ugly; deformed. नाया० १; ३; पगह० १, २;

णिच्छारिय. त्रि० (निस्तारित) પાર પહોંચાડેલ. बाहर निकाल दिया हुआ. Driven out; pushed out. नाया० १;

णिच्छिण्णा. त्रि० (निस्तीर्ण) પાર ગયેલ. किनारे को पहुंचा हुआ. (One) who has gone to the opposite shore; crossed. पन्न० ३६;

णिच्छिद्द. त्रि० (निश्छिद्र) છિદ્રરહિત. छिद्ररहित. Free from holes.नाया०६;

णिच्छिय. त्रि० (निश्चित) નિશ્ચિત; નક્કી કરેલ. निश्चित. नक्की किया हुआ. Certain; assured, undoubted. नाया० १; ७; भग० ६, ३३; सम० ११;

णिच्छुड. त्रि० (निक्षिप्त) બહાર નીકળેલ. बाहर निकला हुआ. Come out; taken out. नाया० ८, १६;

णिच्छुभणा. स्त्री० (निक्षोभणा) ભર્ત્સના; તિરસ્કાર. भर्त्सना; तिरस्कार. Act of rebuking, scolding or insulting. नाया० १६;

णिच्छुभाविय. त्रि० (निक्षोभित) બહાર કાઢી મુકેલ. बाहर निकाल दिया हुआ Driven out; pushed out नाया०८;

णिच्छूढ. न० (निष्ठ्यूत) થુંકવું તે. थूंकना. Act of spitting "सो परिव्वायगो हीलिज्जंतो णिच्छूढो" आव० १, २;

णिच्छूढ. त्रि० (निक्षिप्त) બહાર કાઢી મુકેલ. बाहर निकाल दिया हुआ. Pushed out; driven out. नाया० १६;१८;

णिच्छोडणा. स्त्री० (निश्छोटना) ભર્ત્સના; તિરસ્કાર. भर्त्सना; तिरस्कार. Act of rebuking, scolding or insulting.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) P. 15th.

भग० १५, १; नाया० १६;

√**णिजम.** धा० I, II. (नि+गम् (यच्छ्)=यम्) निश्चयथी प्राप्त करवुं; बांधवुं; बंधन करवुं. निश्चयसे प्राप्त करना;बांधना;बंधनकरना. To acquire; to tie; to fasten.

णियच्छति. पन्न० २३; सूय० २, ६, ३६;

णियच्छंति. सूय० १, ८, ८;

णिजुत्त. त्रि० (नियुक्त) निमेलुं; जोइए त्यां गोठवेलुं. नियत किया हुआ; योग्य स्थान पर जमाया हुआ. Appointed; arranged in proper place. ओव० २८;

णिजुद्ध. न० (नियुद्ध) कोई पण जातनी सलाह संधि स्वीकारवामां न आवे तेवुं युद्ध. कोई भी प्रकार की सुलह संधि स्वीकृत न की जाय ऐसा युद्ध. A battle in which the opposing hosts are not prepared to accept any terms of peace. ओव० नाया० १;

णिज्जप्प. त्रि० (निर्याप्य) सत्व रहित (भोजन). सत्व रहित (भोजन). (Food) devoid of substance. पगह० २, ५; **—पाणभोयण** न० (-पानभोजन) सत्व रहित भोजन पाणी. सत्व रहित भोजन पानी. food and drink devoid of substance or nutriment. पगह० २, ५;

णिज्जरण. न० (निर्जरण) निर्जरा; कर्मनुं खरवुं; निरस थयेल-भोगवाएल कर्मनुं झरीने दूर थवुं. निर्जरा; कर्म का गिर पड़ना; निरस भोगे जा चुके हैं ऐसे कर्म का गिर के दूर होना. Falling off, frittering away of Karmas from the soul after bearing fruit. ओव० २१;

णिज्जरा. स्त्री० (निर्जरा) कर्मनुं एक देशथी झरवुं-खरवुं ते; आत्माथी कर्मनुं छूटा थवुं; नव तत्वमांनुं एक. एक देश से कर्म का झरना गिरना; आत्मा से कर्म का पृथक् होना. Falling off of Karmas from the soul; e. g. after bearing their fruit. ठा० १, १; २, १; २, ४; ४, ४; भग० ६, १; १८, ३; पन्न० १५; सम० १; ओव० ३४, ४२; पंचा० ६, १४; **—पेहि.** त्रि० (-प्रेक्षिन्-निर्जरां प्रेक्षितुं शीलमस्येतिनिर्जरा प्रेक्षी) निर्जरातत्व जाणनार. निर्जरातत्व जाननेवाला. (one) who has knowledge of the category called Nirjarā. " मज्झत्थो णिज्जरापेही समाहिमणुपालए " आया०१,८,८,५; उत्त० २,३६; **—पोग्गल.** पुं०(-पुद्गल) आत्माथी छुटा थयेल कर्मना पुद्गल. आत्मा से भिन्न हुए कर्म के पुद्गल. Karmic matter separated from the soul by Nirjarā. भग० १८, ३; **—हेउ.** पुं० (-हेतु) निर्जरानुं कारण; कर्मक्षयनो हेतु. निर्जरा का कारण; कर्म क्षय का हेतु. cause of Nirjarā or destruction of Karma. पंचा० १२, २६;

णिज्जरिज्जमाण. त्रि० (निर्जीर्यमान) कर्मना पुद्गलनो क्षय करतो. कर्म के पुद्गलों का क्षय करता हुआ. (One) who is destroying Karmic matter. भग० १, १, २; ६, ३३;

णिज्जरिय. त्रि० (निर्जरित) क्षय करेल; निर्जरा करेल. निर्जरित; क्षय किया हुआ. (One) who has destroyed or caused to be wasted away. " णिज्जरिय जरामरणं वंदित्ताजिणवरं महावीरं " तंदु०

णिज्जवश्र. त्रि० (निर्यापक) म्होटा प्रायश्चित्तनो निर्वाह करनार. बडे प्रायश्चित्त का निर्वाह करने वाला. (One) who goes through a great expiation.

ठा० ८, १;

णिज्जवग. पुं० (निर्यापक-निर्यापयति तथा करोति गुर्वपि प्रायश्चित्तं शिष्यो निर्वाहयतीति निर्यापकः) મોટા પ્રાયશ્ચિત્તને નિર્વાહ કરાવનાર. बडे प्रायश्चित्त को निर्वाह कराने वाला (गुरु). (A preceptor) who causes his disciple to go through a hard expiatory penance. ठा० ८, १; १०; भग० २५, ७;

णिज्जवणा. स्त्री० (निर्यापना) પ્રાણિઓના પ્રાણને પ્રયાણ કરવાનું કૃત્ય; હિંસાનું એક નામ. प्राणियों के प्राण को प्रयाण कराने का कृत्य; हिंसाका एक नाम. Act of causing life to depart from sentient beings; a sort of Hinsā. पण्ह० १, १;

णिज्जाण. न० (निर्याण) જ્યાંથી પાછું આવવું ન હોય તેવું ગમન; મોક્ષ ગમન. जहां से वापिस आना न हो ऐसा गमन; मोक्ष गमन. Going with retreat; salvation. ओव० ३८; जं० प० ५, ११८; (२) સ્વતંત્ર ગમન. स्वतंत्र गमन. uncontrolled or independent movement. ओव० (३) મરણકાલે શરીરમાંથી આત્માનું બહાર નીકળવું તે. मृत्यु के समय शरीर में से आत्मा का बाहर निकलना. the soul's getting out from the body at death. ठा० ३, ४; (४) નગરથી બહાર નીકળવું તે. नगर से बाहर निकलना. act of going out of a town. ठा० ३, ४; (४) નગરમાંથી નીકળવાનો રસ્તો. नगर में से निकलनेका रास्ता. a road leading out of a town. " बाहुंदियाणं णिगामट्ठाणं । णेज्जाणिया णागरगमे वा जंपथ तं णिज्जाणं" निसी० चू० ८; सू० प० ४; चं० प० (५) નિસ્તાર; છેડો. निस्तार; अन्त. end; decision. सूय० २, २, ५७; **—कहा.** स्त्री० (-कथा) રાજાની સ્વારી નીકળે તેની વાત કરવી તે; રાજકથાનો એક પ્રકાર. राजा की सवारी निकलने की बात करना; राजकथा का एक प्रकार. a story describing the procession of a king. ठा० ४, २; **—भूमि.** स्त्री० (-भूमि) જે ઠેકાણે નિર્વાણપદ મળ્યું હોય તે ભૂમિ. जिस स्थान पर निर्वाणपद मिला हो वह भूमि. a place where one has attained salvation. जं० प० ५, ११८; **—मग्ग.** पुं० न० (-मार्ग-निर्याणस्य मोक्षपदस्य मार्गो निर्याणमार्गः) મોક્ષમાર્ગ. मोक्षमार्ग. the path of salvation. भग० ६, ३३; (२) જીવને નીકળવાનો માર્ગ. जीवको निकलने का मार्ग. a way for the soul to get out (of the body). " पंचविहे जीवस्स णिज्जाणमग्गे पण्णत्ते " ठा० ५, ३; भग० १६, १; २६, २; दसा० १; ३; (३) નીકળવાનો રસ્તો; બહાર જવાનો માર્ગ. निकलने का रास्ता; बाहर जाने का मार्ग. a road or path leading out; an exit. जं० प०

णिज्जाणियलेण. न० (नैर्याणिकलयन) નગરમાંથી નિકળવાના માર્ગપરનું મકાન. नगर में से निकलने के मार्गपरका मकान. A house on a road leading out of a town. भग० १३, ६;

णिज्जामअ-य. पुं० (निर्यामक) ખલાસી; સુકાની. नौका वाहक. A sailor; a helmsman. ओव० २१; नाया० १७;

णिज्जामग. पुं० (निर्यामक) ખલાસી. नाविक; मल्लाह. A sailor; a mariner; ओव० निशे० राय०

णिज्जाय. त्रि० (निर्यात) નીકળેલ. निकला हुआ. Come out; got out. नाया० १; ६; —**रूवरयय.** त्रि० (-रूपरजत) તજ્યું છે સોનું રૂપું જેણે તે. जिसने सोना चांदी त्याग किया है वह. (one) who has abandoned or given up gold and silver. " णिज्जायरूवरयए गिहिजोगंपरिवज्जए जे से भिक्खू " दस० १०, ६;

णिज्जास. पुं० (निर्यास) ઝાડનો રસ; ગુંદર વગેરે ચીકણો પદાર્થ. वृक्ष का रस; गोंद इत्यादि चिकना पदार्थ. Exudation of trees; gum etc. ओघ० नि०भा०१४२;

णिज्जिरण. त्रि० (निर्जीर्ण) ક્ષીણ; ક્ષય કરેલ. क्षीण; क्षय किया हुआ. Destroyed; wasted away. भग० १, १; ६, ३३; १२, ४; १४, ४; पन्न० ३६;

णिज्जिय. त्रि० (निर्जित) જીતેલું. जीता हुआ. Conquered. जं० प० —**सत्तु.** त्रि० (-शत्रु) શત્રુને જિત્યા છે જેણે તે. जिसने शत्रु को पराजित किया है वह (one) who has conquered enemies. राय०

णिज्जीव. न० (निर्जीव) સોનું આદિ ધાતુ મારવાં તે; ७१ મી કળા. सोना आदि धातु को मारना; ७१ वीं कला. The 71st art viz. rendering metals like gold etc. fit to be used as medicines by chemical processes. जं० प० ओव० सम०

णिज्जुत्त. त्रि० (निर्युक्त) આધીન. निश्चित; अवश्य. Certain; assured. नाया १; ओव०

णिज्जुत्ति. स्त्री० (निर्युक्ति —निश्चयेनार्थप्रतिपादिका युक्तिर्निर्युक्ति) યુક્તિ સહિત સૂત્રના અર્થ બતાવનાર ગ્રંથ. युक्ति सहित सूत्र के अर्थ बताने वाला ग्रंथ. A work fully and logically explaining the meaning of Sūtras. —**गार.** पुं० (-कार) નિર્યુક્તિ રચનાર ભદ્રબાહુ સ્વામિ વગેરે. निर्युक्ति के रचयिता भद्रबाहु स्वामी इत्यादि. an author of Niryuktis; e. g. Bhadrabāhu etc. आया० नि० १, १, १;

णिज्जूढ. त्रि० (निर्यूढ) બહાર કાઢી મુકેલ. बाहर निकाल दिया हुआ. Driven out; pushed out. नाया० १;

णिज्जूह. न० (निर्यूह) બારસાખ પાસે બહાર કાઢેલું લાકડું; ઘોડલો. किंवाड के नजदीक बाहर निकाला हुआ लकड; चौखटा. A bent piece of wood projecting out from the upper part of a door-frame. नाया० १; (२) ગોખ. झरोखा. a balcony; a gallery. (३) ગોખ વાળું ઘર. झरोखावाला मकान. a house having a balcony or a gallery. जीवा० ३, ३;

णिज्जूहग. पुं० (निर्यूहक) ઘોડલો; ટોડલો. चौखटा. A quadrangular piece of wood at the upper corner of the frame in which a door of a house or window is set; (this is often used as a sort of shelf) पगह० १, १;

णिज्जूहित्तए. हे० कृ० अ० (*निर्यूहितुम्) બહાર કાઢવાને. बाहर निकालने को. In order to push out or drive away. वव० २, ७;

णिज्जूहित्ता. सं० कृ० अ० (*निर्यूहित्वा) પાછા હઠીને; કાઢીમુકીને. पीछे हटा कर; निकाल कर. Having driven back; pushing out. दसा० ७, १;

णिउजोग. पुं॰ (नियोग) સેવક. सेवक; चाकर. A servant; an attendant. नाया॰ १;

णिजोय. पुं॰ (नियोग) સેવક. चाकर; सेवक. An attendant; a servant. नाया॰ १; (२) વસ્ત્ર, પાત્રાદિ ઉપકરણ. वस्त्र, पात्रादि उपकरण. articles of use for an ascetic such as clothes, vessels etc. राय॰ ८०;

णिज्झर. पुं॰ (निर्झर) પહાડમાંથી ઝરતું પાણી; ઝરો. पहाड में से झरता हुआ पानी; झरना. A stream of water; a brook issuing from a mountain. पन्न॰ २; जीवा॰ ३, ३; नाया॰ १;

णिज्झाइत्ता. सं॰ कृ॰ अ॰ (निर्ध्याय) બારીકીથી અવલોકન કરીને; બારીકીથી ચિન્તવન કરીને. सूक्ष्म रीति से अवलोकन करके; लक्ष पूर्वक चिन्तवन करके Having closely or minutely observed or thought upon. आया॰ १, १, ६, ५०;

णिज्झाइत्तार. त्रि॰ (निर्ध्यातृ) અતિ ચિંતા કરનાર. अति चिंता करने वाला. (One) given to excessive worry and anxiety. ठा॰ ६;

णिज्झोसइत्तार. त्रि॰ (*निज्झोंषयितृ) પૂર્વના કરેલાં કર્મને ખપાવનાર. पूर्व के किये हुए कर्मों का क्षय करने वाला. (One) who causes a destruction of the Karmas done by him in his past lives. आया॰ १, ३, ३, ११६;

√**णि-ट्ठव.** धा॰ I, II. (नि+स्था+णि) સમાપ્ત કરવું; પુરું કરવું. समाप्त करना. To complete; to bring to a close.

णिट्ठविंसु. भू॰ भग॰ २६, १; २;

णिट्ठवण. न॰ (निष्ठापन) નિપજાવવું. पैदा करना; उत्पन्न करना. To produce; to cause to be produced. पराह॰ १, १;

णिट्ठा. स्त्री॰ (निष्ठा) કાર્ય સિદ્ધિ; કાર્ય સમાપ્તિ. कार्य सिद्धि; कार्य की समाप्ति. Successful termination of work; completion of work. सूय॰ १, १५, २१; भग॰ १६, ४;

णिट्ठाण. न॰ (निष्ठान) સારા ગુણવાળું-સંસ્કારેલ ભોજન. अच्छे गुण वाला भोजन. Wholesome food. "णिट्ठाणरस निज्जूढं" दस॰ ८, २२; —कहा. स्त्री॰ (कथा) ભોજનના રસ અને ખર્ચ સંબંધી બનાવીત કરવી તે. भोजन के स्वाद और खर्च संबंधी वार्तालाप. a talk about taste and cost of food. ठा॰ ४, २;

णिट्ठिक. त्रि॰ (नैष्ठिक) ધર્મમાં શ્રદ્ધાપૂર્વક મગ્ન રહેનાર. धर्म में श्रद्धापूर्वक तल्लीन रहने वाला; धर्म निष्ठ. (One) who devotes himself faithfully to religion. पराह॰ २, ३;

णिट्ठिय. त्रि॰ (निष्ठित) સ્વકાર્ય સિદ્ધ કરેલ, પુરું કરેલ. अपना कार्य सफल किया हुआ; पूर्ण किया हुआ. (One) who has fulfilled his duties. पन्न॰ ३६; दस॰ ७, ४०; नाया॰ १; (२) पुं॰ મોક્ષ; પરિસમાપ્તિ. मोक्ष; सिद्धि. final liberation; completion. आया॰ १, ५, ६, १६८; (३) त्रि॰ સત્તાવાળું; નિષ્ઠાવાળું. सत्तावान्; श्रद्धावान्. potent; steadfast. भग॰ ६, १; (४) આસ્થા; શ્રદ્ધા. भरोसा; श्रद्धा; विश्वास. conviction; assurance; faith "णिट्ठियंभवइ" भग॰ १२, १; —ट्ठ. त्रि॰ (-अर्थ) કૃતકૃત્ય; જેનો અર્થ મનકામ સિદ્ધ થયો છે એવો. कृतकृत्य; जिसकी कार्य-सिद्धि होगई हो वह. (one) whose object is fulfilled. सूय॰ १, १५, १६; आया॰ १, ५, ६, १६८;

(२) વિષય સુખની પિપાસા-લાલસાથી રહિત; મુમુક્ષુ. विषय सुख की इच्छा से रहित. (one) free from attachment to the pleasures of the senses. "पंडिए मेहावी णिट्ठियट्ठे वीरे" आया० १, ६, ४, १६३; —ट्ठि. त्रि० (-आर्थिन्) મુમુક્ષુ-મોક્ષની ઇચ્છા રાખનાર. मुमुक्षु—मोक्ष प्राप्ति की इच्छा रखने वाला. (one) longing for deliverance. आया० १, ५, ६, १६८;

णिट्ठुभय त्रि० (निष्ठीवन) થુંકનાર. थूंकने वाला. A spitter; one who spits. पराह० २, १;

णिट्ठुर. त्रि० (निष्ठुर) નિષ્ઠુર; કઠોર; કઠિન. दुष्ट; कठोर; कडेदिलवाला. Cruel; unfeeling; harsh. ओव० २०; नाया० ८; ९; भग० ५, ४; जीवा० ३, १; —गिरा. स्त्री० (-गिर्) નિષ્ઠુર ભાષા. क्रूर भाषा. harsh speech. गच्छा० ६४;

णिट्ठुवण. न० (निष्ठीवन) થુંક; બલખો. थूंक; कफ; बलगम. Saliva, cough etc. from the mouth. (२) त्रि० થુંકનાર; બલખા આદિ ફેંકનાર. थूंकनेवाला; मुँहसे कफ फेंकने वाला. (one) who spits or ejects cough etc. from the mouth. ठा० ५, १;

णिडाल. न० (ललाट) લલાટ; કપાલ. ललाट; कपाल. Forehead. आया० २, १, २, १६; ओव० १०; नाया० ८; जीवा० ३, ३; तंदु० जं० प० ३, ४५;

णिणाअ-य. पुं० (निनाद) અવાજ; ધ્વનિ. आवाज; ध्वनि. Loud sound; noise. नाया० १; ८; १४; जीवा० ३, ४; जं० प०

णिराण. त्रि० (निम्न) નીચું. नीचा. Low. (२) न० નીચે; હેઠે. नीचे. below; downward दसा० ७, १; भग० १५, १; जं० प० ७, १५१;

णिराणक्खु. त्रि० (*) કાઢી મુકવું તે. निकाल देना. Casting out; ejection; driving out. "बाहिहा वा णिराणक्खु" आया० २, ७, १, ६५;

णिराणगा. स्त्री० (निम्नगा) નદી. नदी A river. पन्न० १;

णिराणायर. त्रि० (निम्नतर) વધારે નીચું. अधिक नीचा. Lower; at a lower level. भग० ३, १;

णिराणार. त्रि० (*निर्नगर) નગર બ્હાર કાઢેલ. शहर बाहर निकाला हुआ; निर्वासित. Driven out from a town. "अदेवगइए णिराणोर करेहिंति" भग० १५, १;

णिरािणमेस. त्रि० (निर्निमेष) આંખના પલકારા રહિત. जिसकी आंख के पलक नहीं लगते हैं वह; निमेष हीन. (One) with a fixed, stony gaze. ठा० ५, २;

णिराहइया. स्त्री० (नैह्नविकी) એક પ્રકારની લિપિ. एक प्रकार की लिपि. A kind of script. पन्न० १;

णिराह्ग पुं० (निह्नव) સિદ્ધાંતના સત્ય અર્થને ગોપવનાર; સત્ય સિદ્ધાંતના ઉત્થાપક જમાલી આદિ. सिद्धान्त के सत्य अर्थ को छिपाने वाला; सत्य सिद्धान्त के विरोधी जमाली आदि. (One) who conceals the true meaning of scriptures; (one) who refutes the true scriptures; e.g. Jamālī etc. ओव० ४१; ठा० ७;

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ની ફુટનોટ (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note(*) p. 15th.

णिरहव. पुं० (**निह्नव**) जुओ " निगहग " शब्द. देखो " खिरहग " शब्द. Vide " **निगहग** " ठा० ७;

णिरहवण. पुं० (**निह्नवन**) छुपाववुं ते. छिपाना. Act of concealing. विवा०२;

णितंब. पुं० (**नितम्ब**) पर्वतनी केड; पर्वतनो प्रांत भाग. पर्वत के मध्य या आसपास का भाग. The lower or middle part of a mountain. (२) स्त्रीनी केडनो पाछलो भाग. स्त्री की कमर का पिछला भाग. a hip of a woman behind her waist. " **णालवंतस्स वामहरय-वयस्स दाहिणिल्ल णितंबे** " जं०प० १, १७;

णितिउमाण न० (**नित्यावमान नित्यमवमानं प्रवेशः स्वपक्षपरपक्षयोर्येषु तानि तथा**) ज्यां साधु नित्य वहोरवा जाय ते कुल. जहां साधु नित्य गोचरी को जावे वह कुल. A family where Jaina monks go for food every day. आया० २, १, १, ६;

णितिय. त्रि० (**नैतिक**) नियत. नियमित. कायम; नियमित. Regular; fixed. भग० ६, ३३; (२) नित्य पिंड लेनार. प्रतिदिन पिंड-दान लेने वाला. a Jaina monk who receives his food at one and the same house every day. निसी० ४, ३२;

णितिय. त्रि० (**नित्य**) हमेशनुं: सदानुं. हमेशा का; नित्य का; सतत. Daily; every day; always. निसी० २, ३२; —(**या**) **वाइ.** त्रि० (**वादिन्**) पदार्थनुं एकांतपणे नित्यपणुं स्थापनार. एकान्ततया पदार्थ की स्थिरता स्थापन करने वाला. (one) who affirms the existence of a thing in absolute and unqualified terms. दसा० ६, ३; —(**या**) **वास.** पुं० (**-वास**) हमेश एक ठेकाणे निवास करवो; स्थिरवास. हमेशा एक जगह रहना; स्थिरवास. permanent stay; living in one place only. निसी० २, ३७;

णितिया. स्त्री० (**नित्या**) जम्बुसुदर्शननुं अपरनाम. जम्बूसुदर्शन (वृक्ष) का दूसरा नाम-पर्याय. A kind of tree also named the Jambū tree. जीवा० ३, ४;

णित्त. न० (**नेत्र**) नेत्र; आंख. आंख; नेत्र चक्षु. An eye. ठा० ६, १;

णित्तल. त्रि० (**निस्तल**) शरातुथी न उतारेल; अनिष्पन्न. अधूरा; असमाप्त. Unfinished; incomplete. " **तेण णित्तलं मणिरयणं असमाढेति** " भग० १५; १;

णित्तुस. त्रि० (**निस्तुष**) फोतरा रहित; विशुद्ध. छिलके रहित; विशुद्ध-बिना छिलके का. Free from husk; clean. पगह० २, ४;

णित्तेय. त्रि० (**निस्तेजस्**) तेज रहित. निस्तेज; प्रभाविहीन; तेजरहित. Without lustre; leaving no lustre. नाया० १; (२) वीर्य रहित. वीर्य रहित. weak; impotent. भग० ६, ३३;

णित्थरण. न० (**निस्तरण**) पार पामवुं. पार होजाना; उसपार पहुंचजाना. Act of crossing or reaching the other end; a successful performance. जं० प० नाया० १४; १८;

णित्थरियव्व. त्रि० (**निस्तरितव्य**) पार पामवा योग्य; जेनो अंत आवी शके ते. पारपाने योग्य; अन्त आने जैसा. Worthy or capable of being successfully performed; fit to be crossed. नाया० ३. ८;

णित्थाण. त्रि० (निःस्थान) સ્થાન ભ્રષ્ટ. स्थानभ्रष्ट; (अपने) स्थान से गिराहुआ; स्खालित. Fallen from one's place; degraded. नाया० १८; विवा० ३;

णित्थार. पुं० (निस्तार) પાર, છેડો. अन्त; पार; छोर. End; completion e. g. of a journey. नाया० ६;

णित्थारणा. स्त्री० (निस्तारणा) પાર પામવું તે. पारपाना; निस्तारहोना. Act of successfully going to the other end; act of finishing. जं०प०

णिदंसण. न० (निदर्शन) ઉદાહરણ. उदाहरण; नमूना. Examp'e. (२) નિરંતર જોવું તે. बार २ देखना; सतत अवलोकन. seeing repeatedly. ठा० १, १;

णिदा. स्त्री० (निदा—निदानं निदा) વેદના; પીડા. वेदना; पीडा; त्रास. Pain; oppression.; affliction. भग० १६,५;

णिदाघ. पुं० (निदाघ) જેઠમહિનાનું લોકોત્તર નામ. ज्येष्ठ मासका लोकोत्तर नाम. The summer month of Jyeṣṭha so named. जं० प०

णिदाय. पुं० (निदाक) ભાન પૂર્વક વેદના. ज्ञान-अनुभवपूर्ण वेदना. Conscious pain. भग० १६, ५;

णिदाह. पुं० (निदाघ) જ્યેષ્ઠ માસનું લોકોત્તર નામ. ज्येष्ठ मासका विशिष्टनाम. The month of Jyeṣṭha so named. सू० प० १;

णिद्दड्ढ. पुं० (निर्दग्ध) સીમન્તકપ્રભનામે નરકેંદ્રથી પૂર્વની આવલીકામાંનો ૨૧ મો નરકાવાસો. सीमन्तकप्रभ नामक नरकेन्द्रसे पूर्व की आवलिका का २१ वां नरकावास. The 21st abode of the hell of the eastern line of the region of hell called Simantakaprbha Narakendra. ठा० ५,२;

णिद्दड्ढमज्झ. पुं० (निर्दग्धमध्य) સીમન્તકપ્રભ નરકેન્દ્રની ઉત્તર આવલિકામાંનો ૨૧ મો નરકાવાસો. सीमन्तकप्रभ नरकेन्द्रका उत्तर आवलिकाका २१ वां नरकावास. The 21st abode of the hell of the northern line of the region of hell called Simantaka Prabha Narakendra. ठा० ६;

णिद्दड्ढावत्त. पुं० (निर्दग्धाऽऽवर्त) સીમન્તક નરકેન્દ્રની પશ્ચિમ આવલિકામાંનો ૨૧મો નરકાવાસો. सीमन्तक नरकेन्द्रकी पश्चिम आवलीका का २१ वां नरकावास. The 21st abode of the hell of the northern line of the region of hell called Simantaka Narakendra. ठा० ६;

णिद्दड्ढावसिट्ठ. पुं० (निर्दग्धावशिष्ट) સીમન્તક નરકેન્દ્રની દક્ષિણ આવલીકાનો ૨૧ મો નરકાવાસો. सीमन्तक नरकेन्द्रका दक्षिण आवलीकाका २१ वां नरकावास. The 21st abode of hell of the northern line of Simantaka Narakendra region of hell. ठा० ६;

णिद्दय. त्रि० (निर्दय) નિર્દય; કરૂણારહિત. निर्दय; कठोर; पाषाणहृदय Cruel; pitiless. पराह० १, १;

√ **णिद्दा.** धा० II. (नि+द्रा) ઉંઘવું; સુવું. ऊंघना; निद्रालेना; सोना. To sleep. णिद्दाएज्ज. जीवा० ३;

णिद्दा. स्त्री० (निद्रा) નિદ્રા; ઉંઘ; निद्रा; नींद; ऊंघ. sleep. ओव० १६; नाया० १, ६, २, ५; नाया० १३; पन्न० २३; दसा० ६, १; राय० २१५; —क्खय. पुं० (-क्षय) નિદ્રાનો ક્ષય. निद्राका क्षय, निद्राका न आना; एक रोग. loss of sleep; insomnia.

ठा० ५, २; —णिद्दा. स्त्री० (-निद्रा) ગાઢ નિદ્રા. गहरी नींद. profound sleep. पन्न० २३; ठा० ६; सम० —पमाश्र. पुं० (-प्रमाद) નિદ્રાથી પ્રમાદ. निद्राके कारण उत्पन्न प्रमाद; असावधानी; निद्राप्रमाद. inadvertence or negligence through sleep. ठा० ६, १;

णिद्दारिय. त्रि० (निर्दारित) ફાડેલ. फाडा-हुआ; विदारित. Torn; rent. पण्ह० १, ३;

णिद्दिट्ठ. त्रि० (निर्दिष्ट) કહેલ; દર્શાવેલ. कहाहुआ; बतलायाहुआ. Said pointed out; mentioned. पंचा ३, १२;

णिदुद्धिया. स्त्री० (निर्दुग्धिका) દુધ રહિત (ગાય વિગેરે). दूध विहीन (गाय आदि). (A cow etc) not giving milk तंदु०

णिद्देस. पुं० (निर्देश) આજ્ઞા. आज्ञा; हुक्म; अनुमति. Command; order. नाया० ६, १६; —वत्तिन. त्रि० (वर्तिन्) આજ્ઞા પ્રમાણે વર્તનાર. आज्ञाधारक; हुक्मके मुताबिक काम करनेवाला. obedient to a command "णिद्देस वत्ती पुण जे गुरूणं" दस० ९, २, २३;

णिद्दोस. त्रि० (निर्दोष) નિર્દોષ; દોષરહિત. निर्दोष; दोषरहित; निर्मल. Blameless; innocent; free from fault or defect. ठा० ७. पंचा० ७; ३५;

णिद्ध. त्रि० (स्निग्ध) ચીકાસવાળું; ચિગટું. चिकना; स्निग्ध. Oily; greasy. नाया० १; ५; ८; भग० १; १; ६, ६; १०, ६; २०, ५; ओव० पन्न० १; (२) સ્નેહવાળું. स्नेहवाला; स्नेही. affectionate; loving. सम० नाया० ८; (३) સુંવાળું. सुंवाला. smooth; soft. जं० प० ७, १६६; २, २०; ३, ४५; (४) કાન્ત; તેજસ્વી; कान्त; तेजस्वी; दिव्य. lovely; lustrous. पण्ह० १, ४; ओव० जीवा० ३; —ओभास. त्रि० (-अवभास) ચીકણા જેવું ભાસતું-દેખાતું. चिकना दिखाई देता हुआ. oily in appearance. नाया० १; राय० —पोग्गल. न० (-पुद्गल) ચીકણા પુદ્ગલ. चिकने पुद्गल पदार्थ. oily, sticky substance. भग० ७, ६; —फास. पुं० (-स्पर्श) સ્નિગ્ધ સ્પર્શ; ચીકાશ. चिकनाई; स्निग्ध स्पर्श; छूनेमें चिकना. oily; greasy in touch. सम० २२;

णिद्धंत. त्रि० (निर्ध्मात) અગ્નિમાં નાખી ધમેલ; તપાવેલ; વિશુદ્ધ કરેલ. अग्निपूत; अग्निमें तपाकर शुद्ध किया हुआ. Passed through the fire and purified; heated in a furnace. पन्न० २; जीवा० ३; ओव० १०; तंदु०

णिद्धण. त्रि० (निर्धन) નિર્ધન; ગરીબ. निर्धन; आकिंचन; दीन; गरीब. Without wealth; indigent; poor. नाया० १८; विवा० ३,

णिद्धन्नय त्रि० (निर्धान्यक) ધાન્ય અનાજ રહિત. अन्नरहित; धान्यविहीन. Without food-grain, barren of corn or food stuffs. तंदु०

णिद्धमण. न० (निर्धमन) ખાલ; મોરી. मोरी; नाली; गटर. A duct or outlet of water. ठा० ४, १; तंदु०

णिद्धम्म. त्रि० (निर्धर्म-निर्गतो धर्मात् श्रुतचारित्रलक्षणादिति) ધર્મ રહિત. बिना धर्मका; अधर्म पूर्ण. Irreligious; unrighteous. पण्ह० १, १;

णिद्धूय. त्रि० (निर्धूत) દુર કરેલ. दूरकिया हुआ; निष्कासित. Thrown away; shaken off; removed. राय०

णिधण न० (निधन) નાશ; પર્યવસાન; છેડો. नाश; पर्यवसान; अन्तकाल; अन्त. Death; termination; end पण्ह० १, १;

णिधत्त. न० (निधत्त) એક પ્રકારનો કર્મનો બંધ. कर्मका एक बन्धन. A particular kind of Karmic bondage. "चउविहे णिधत्ते पएणत्ते तंजहा पगइ णिधत्ते ठिइणिधत्ते" ठा० ४, २; भग० १, १;

णिधि. पुं० (निधि) ભંડાર; ખજાનો. कोष; निधि; भंडार; आगार. Treasure; store. सम० ३;

णिन्हइया. स्त्री० (निन्हविका) અઢાર લિપિમાંની એક. अठारह लिपियों में से एक. One of the eighteen kinds of scripts. सम० १८;

√ णि-पड. धा० I. (नि+पत) નીચે પડવું. नीचे गिरना; अधःपात. To fall down णिवडइ. नाया० ९;
णिवयन्ति. जीवा० ३, ४;

णिपतंत. त्रि० (निपतत्) નીચે પડતો. नीचे की ओर गिरता हुआ. Falling down. पराह० १, १;

णिपुण त्रि० (निपुण) નિપુણ; હોંશિયાર; ચતુર. चतुर; कुशल; निपुण; निष्णात. Skilful; clever; ingenious भग० १६, ४;

णिप्पंक. त्रि० (निष्पङ्क) ગારા વગરનું; કીચડ રહિત. कीचड या कीच रहित; पंकविहीन. Without mud; free from mud. जं० प० १, १२;

णिप्पकंप. त्रि० (निष्प्रकम्प) અતિ નિશ્ચલ. नितान्त; निश्चल, जडवत्; निश्चल-अटल-स्थिर. Quite motionless; steady. सम० २;

णिप्पच्चक्खाण. त्रि० (निष्प्रत्याख्यान) પ્રત્યાખ્યાન રહિત. प्रत्याख्यान (संकल्प) रहित. (One) who does not practise the vow called Pachchakhāṇa i. e. abstaining from doing particular things for a fixed period. भग० १२, ८; **—पोसहोववास.** त्रि० (-पौषधोपवास) જે પોરસી આદિ પચ્ચખાણ તથા પર્વને દિવસે પણ પોષો ઉપવાસ વગેરે ન કરે તે. पच्चखाण तथा पर्वके अवसर पर भी उपवास पौषध आदि न करने वाला. (one) who does not observe any vow or fast even on sacred days. भग० ७, ६;

णिप्पच्छिम. त्रि० (निष्पश्चिम) પાછલો. पिछला. Backward; latter. भग० ५, ७;

णिप्पट्ठ. त्रि० (निष्पृष्ट) જેમાં પુછવું ન પડે તેવું; સ્પષ્ટ; અસંદિગ્ધ. स्पष्ट; जिस में पूछने का काम न पडे; शंकारहित; असंदिग्ध. Evident; manifest; doubtless. नाया० ५; भग० १८, १०; **—पसिण-वागरण.** त्रि० (-प्रश्नव्याकरण) જેમાં પછી પુછવું ન પડે એવો જવાબ; છેલ્લો જવાબ. अन्तिम उत्तर; एक बात; जिसके पूछने की पुनः जरूरत न हो. (an answer) which leaves no scope for further questions; final answer. "णिप्पट्ठपसिणं वागरणं करेह" भग० १५, १;

णिप्पडियार. त्रि० (निष्प्रतिकार) ચિકિત્સા રહિત. असाध्य; निरुपाय; चिकित्सा-रहित. Irremediable; devoid of remedy. पराह० २, ४;

णिप्पराण. त्रि० (निष्पन्न) સિદ્ધ; નિષ્પન્ન થયેલ. सिद्ध; निष्पन्न. Fully accomplished; final. नाया० ८;

णिप्पत्ति. स्त्री० (निष्पत्ति) સિદ્ધિ. सिद्धि; सफलता. Liberation; deliverance; fulfilment. ठा० ४;

णिप्पभ. त्रि० (निष्प्रभ) પ્રભા રહિત. प्रभा

रहित; निराभ. Gloomy; dark. "रेवे चहुस्सामीति ज याइ विमाणा भरयाइं णिप्पभाइं पासित्ता" ठा॰ ३, ३;

णिप्परिग्गहरूइ. पुं॰ (निष्परिग्रहरुचि-निर्गता परिग्रहरुचिर्यस्य सः) परिग्रहनी ईच्छा वगरनो. जिसको परिग्रह की इच्छा न हो. Free from the desire of worldly belongings. पराह॰ २, ५;

णिप्पाण. त्रि॰ (निष्प्राण) प्राण रहित. निष्प्राण; गतप्राण; प्राण विहीन. Lifeless; dead. नाया॰ २; १६; १८;

णिप्पाव. पुं॰ (निष्पाव) वाल; एक जातनुं धान्य. एक धान्य विशेष. A kind of corn. "णिप्पा इं धराणा गंधे वाहगपलंटलसुणा ऽऽ इं" ठा॰ ५, ३; जं॰ प॰

णिप्पिवास त्रि॰ (निष्पिपास) पिपासा-लालसा-रहित. लालसा इच्छा रहित; निरिच्छ; उदासीन. Free from greed. नाया॰ १; १६; पराह॰ १, २; (२) स्नेह रहित. स्नेह रहित. devoid of love. पराह॰ १, १;

णिप्पुलाय. पुं॰ (निष्पुलाक) आवती उत्सर्पिणीमां भरतक्षेत्रमां थनार १४ मा तीर्थंकर. आगामी उत्सर्पिणी में भरत क्षेत्र में होने वाले १४ वें तीर्थंकर. Name of the 14th would be Tirthaṅkara in the coming Utsarpiṇi cycle. सम॰

णिप्फंद. त्रि॰ (निष्पन्द) चलन आदि क्रिया रहित; स्थिर. गति हीन; स्थिर. Motionless; steady. नाया॰ २; ८; १७;

णिप्फरण. त्रि॰ (निष्पन्न) पूर्ण, भरपूर; भरेलुं. पूर्ण; भरपूर; भरा हुआ. Completed; full; perfect. (२) पेदा थयेलुं; उपजेलुं. उपजा हुआ. emerged; created; produced. ओव॰ ४०; पंचा॰ ८, १६;

णिप्फाइऊण. सं॰ कृ॰ अ॰ (निष्पाद्य) उत्पन्न करीने. पैदा करके; उत्पन्न करके. Having produced पंचा॰ ७, ४३;

णिप्फाव. पुं॰ (निष्पाव) वाल; एक जातनुं धान्य. एक धान्य विशेष. A kind of corn. पन्न॰ १; जं॰ प॰

णिप्फेडिय. त्रि॰ (निष्फेटित) हरण करेल; लई लीधेल. हरण किया हुआ; छीना हुआ; लिया हुआ. Taken away; seized. ठा॰ ३, ४;

√ णिबंध. धा॰ I॰ (नि+बंध्) बांधवुं. बांधना; फाँसना. To bind; to fasten णिबंधइ. सम॰ २८;

णिबंधण. न॰ (निबन्धन) हेतु. हेतु; उद्देश्य; लक्ष्य. Cause; motive. नाया॰ १५;

णिबद्ध त्रि॰ (निबद्ध) गुंथेल; बांधेल ग्रथित; गूंथा हुआ; बांधा हुआ. Knitted; bound together नाया॰ १; सम॰ १; भग॰ १५, १; —आउय. न॰ (-आयुष्क) बांधेल आयुष्य. निश्चित आयुष्य. life-period pre-determined by Karma. नाया॰ १३;

णिब्बल त्रि॰ (निर्बल) बल हीन. अशक्त; कमजोर; निर्बल. Weak; feeble; lacking in strength. आया॰ १, ५, ४, १५९; —आसय. पुं॰ (-आशक) निर्बल-सत्व रहित खोराक लेवानो अभिग्रह धरनार साधु. जिस साधुने सत्व-हीन अपौष्टिक अन्न ग्रहण करने का संकल्प किया हो वह. a Sādhu who has made up his mind to take only such food as is lacking strength giving or invigorating ingredients. आया॰ १, ५, ४, १५६;

णिब्भच्छण न॰ (निर्भर्त्सन) आक्रोशथी

कटुवचन कहेवा; ठपको देवो ते. आवेशमें आकर ऊंचेसे कटुवचन कहना; उलाहना देना. Act of reproaching or rebuking in loud and threatening words. भग० १५, १; पण्ह० १, ३;

णिब्भच्छणा. स्त्री० (निर्भर्त्सना) ठपको देवो. उलाहना देना. Reproach; harsh words. भग० १५, १; नाया० १६;

णिब्भच्छिय. त्रि० (निर्भर्त्सित) ठपको आपेल. उपालम्भित; उलाहना दिया हुआ; भर्त्सना कियाहुआ. Reproached; rebuked. नाया० १८;

णिब्भय. त्रि० (निर्भय-निर्गतो भयात्) भय रहित. निर्भय; भयरहित; निडर. Fearless. नाया० १; ४; ८; १७; पण्ह० २, ३;

णिब्भिज्जमाण. त्रि० (निर्भिद्यमान) अतिशय भेदातुं. खूब भेदा हुआ. Excessively pierced; excessively torn. "जाव केतइ पुडाणं वा अणुवायंसि उब्भिजमाणाणं णिब्भिजमा णाणं वा" भग० १८, २; जं० प० जीवा० ३;

णिभ. त्रि० (निभ) सदृश; सरखुं; तुल्य. समान; सरीखा; तुल्य. Like; similar; resembling; equal. ओव० ३१; अणुजो० १३०; जं० प० ३;

णिभंग. पुं० (निभङ्ग) भांगवुं; तूटवुं ते. फूटना; टूटना. Act of breaking or being broken. पण्ह० १, १;

√**णि-भत्थ.** धा० II. (नि + भर्त्स्) तिरस्कार करवो. तिरस्कार करना. To reproach; to insult.

णिभत्थन्ति. नाया० १६;

णिभत्थेहिन्ति. भग० १५, १;

णिभिंदिय. सं० कृ० अ० (निर्भिद्य) अति भेदीने. अतिभेदन करके; बहुत खूब छेदकर. Having broken or pierced too much. निसी० १७, २३;

√**णि-मंत.** धा० II. (नि + मन्त्र्) एकांत विचार करवो ते. एकांत विचार करना; गुप्त मंत्रणा करना. To think or consult in a private, retired place.

णिमंतयंति. सूय० १, ३, २, १५;

णिमंतेंति. सूय० १, ३, २, १६;

णिमंतेमाण. आया० २, २, ३, ४०;

णिमंतणा. स्त्री० (निमंत्रणा) आमंत्रण करवुं. आमंत्रणकरना. Act of inviting. (२) प्रार्थना करवी. प्रार्थना करना. act of requesting. भग० २५, ७; सूय० १, ३, २, २२; पंचा० १२;

णिमग्ग. त्रि० (निमग्न) डुबेल; खुंचेल; तल्लीन. डूबाहुआ; मग्न; तल्लीन; तन्मय. Drowned; sunk in mud; plunged or absorbed in. ओव० १०; जीवा० ३, ३; पण्ह० १, ३;

णिमग्गजला. स्त्री० (निमग्नजला) तिमिस्र गुफानी अंदर वहेती नदी. तिमिस्र गुफा के भीतर बहनेवाली नदी. A river flowing in a cave named Timisra. जं० प०३, ५५;

√**णि-मज्ज.** धा० I. (नि+मस्ज्) स्नान करवुं. नहाना; स्नान करना. To bathe; to take bath.

णिमज्जावेइ. प्रे० जं० प० ३, ५५;

णिमज्जग. पुं० (निमज्जक) डुबकी मारी स्नान करनार तापसनी एक जात. डुबकी लगाकर स्नान करनेवाले तपस्वियों की एक जाति विशेष. A class of ascetics whose characteristic is to remain submerged in water for some time while bathing. निर० ४, १; भग० ११, ९;

णिमज्जण. न० (निमज्जन) જલમાં પ્રવેશ કરવો; ડુબકી મારવી. जलमें घुसना; पानीमें डुबकी लगाना. Act of plunging oneself into water; act of diving into water. पराह० १, १;

णिमि. पुं० (निमि) પરિધ; વર્તુલ. चक्र; गोलाकार; परिधि; वर्तुल. A circle; a circumference जीवा० ३, ४;

णिमित्त. पुं० (निमित्त) કારણ; હેતુ. कारण; हेतु; उद्देश्य; मंशा. Cause; immediate cause. नाया १; १४; पंचा० ७, २६; (२) એક પ્રકારનું જ્ઞાન; નિમિત્ત શાસ્ત્રથી ભૂત, ભવિષ્ય જાણવું તે. एक प्रकारका ज्ञान; निमित्त शास्त्र से भूत, भविष्य जानना. a branch of knowledge; knowing past and future events by the help of omens etc.प्रव०१३;—पिंड. पुं० (-पिएड) સાધુને નિમિત્ત બનાવેલો પિંડ-આહાર. साधु के लिए तयार किया हुआ भोजन. food prepared for a Sādhu. आया० ठा० २, १, ६, ५०;

णिमिस. पुं० (निमिष) આંખનો પલકારો. आंख का इशारा; पलक मारना. A twinkling of an eye. अंत० ६, ३;

णिमिसिअ. पुं० (नैमेषिक) આંખના પલકારા જેટલો વખત. पलक मारने इतना समय; निमिष. Time required for the twinkling of an eye. जीवा० ३;

णिमेस. पुं० (निमेष) આંખનો પલકારો; આંખ ઉઘાડ મીંચ કરવી તે. आंख खोलना व मींचना; पलक मारना. A twinkling of an eye; act of winking. भग० १४, १;

णिम्मंस. त्रि० (निर्मांस) માંસ રહિત मांस हीन; बिना मांस का. Without flesh; fleshless. नाया० १;

णिम्मद्दग. पुं० (निर्मर्दक) આગલાને મારીને ચોરી કરનાર; લુંટારો. हत्या करके चोरी करने वाला; लुटेरा. One who commits theft with murder; a robber. पराह० १, ३;

णिम्मद्दिय त्रि० (निर्मर्दित) મર્દન કરેલ; દલેલ. मर्दित; पीसा हुआ; दलन किया हुआ; चूरचूर किया हुआ. Pressed; ground. पराह० १, ३;

णिम्मल. त्रि० (निर्मल) નિર્મલ; સ્વચ્છ. मलरहित; साफ; स्वच्छ. Pure; pellucid; stainless. नाया० १; भग० २, ६, १५, १; सम० प० २३१; जीवा० ३; तंदु० पन्न० २; (२) पुं० કર્મરૂપી મેલથી વિશુદ્ધ થયેલ; સિદ્ધ ભગવાન. कर्मरूपी मल से शुद्ध; सिद्ध भगवान. free from the impurities of Karmas; a perfected soul. ओव० (३) બ્રહ્મલોકના ૭ વિમાનમાંનું ચોથું વિમાન. ब्रह्म लोक के ६ विमानों-निवास स्थानोंमेंसे ४ था विमान. the 4th of the 6 heavenly abodes of Brahmaloka. ठा० ६;

णिम्मवइत्तार. त्रि० (निर्मापयितृ) સફલતા પર્યંત કાર્ય કરનાર; કાર્યસિદ્ધિ મેલવનાર. सफलता प्राप्ति तक कार्य करने वाला; दृढ निश्चयी; कार्यमें सफलता पानेवाला. (One) who works on till success is attained;(one) who accomplishes the work undertaken (by him). ठा० ४, ४;

णिम्महियरागरोस. त्रि०(निर्मथितरागरोष) જેણે રાગ દ્વેષ મથી નાખ્યા છે તે जिसने राग द्वेष पर विजय पाया है वह; राग द्वेष रहित. (One) who has subdued or crushed out attachment and hatred जीवा० १;

णिम्माअ. त्रि० (निर्मात) निर्माणु करेल. बनाया हुआ; निर्मित. Produced or created. ओव० ३१;

णिम्माय. पुं० (निर्मात) निर्माणु करेल. बनाया हुआ. Made or created. नाया० ५; जं० प० ३, ४१;

णिम्मावित. त्रि० (निर्मापित) બનાવેલ; રચેલ. बनायाहुआ; रचित. Made; constructed; caused to be made. "पंचमहब्भूया अणिम्मिया अणिम्माविताअकडाणोकित्तिमा" सूय० २, १, १०;

णिम्मिय. त्रि० (निर्मित) निर्माणु करेल. बनाया हुआ; रचित; निर्मित. Created; produced. सूय० २, १, २२; नाया० १; ठा० ८; ओव० —**वाइ.** त्रि० (-वादिन्) જગત ઇશ્વરે બનાવેલ છે એમ બોલનાર. संसार परमात्मा का बनाया हुआ है यों कहने वाला. (one) who affirms that the universe is created by God. ठा० ८;

णिम्मिसिय. त्रि० (निर्मिषित) આંખ મીંચેલ; આંખનો પલકારો મારેલ. आंख बन्द किया हुआ; पलक मारा हुआ; निर्मिषित नेत्र. (One) with eyes closed; (one) who has winked (his) eyes. भग० १४, १;

णिम्मूल. त्रि० (निर्मूल) મૂલ વગરનું. मूल रहित. Having no root; baseless. "निम्मूलुल्लुय कराणोट्ट नासिका च्छिन्न हत्थ पाया" पराह० १, १; ३;

णिम्मेर. त्रि० (निर्मर्याद) મર્યાદ રહિત. निस्सीम; अपार; मर्यादा रहित; बेहद. Disrespectful; immodest; unlimited. राय०२०८; ठा० ३, १; भग० १२, ८; जं० प० २;

णिम्मोयणी. स्त्री० (निर्मोचनी) સર્પની કાંચલી. सांप की कैंचुली. The slough of a serpent. "जहाय भोई तणुयं भुयंगो णिम्मोयणी हिच पलेइ मुतो" उत्त० १४, ३४;

णिय. त्रि० (निज) પોતાનું; અંગત. निज; अपना; निजका. One's own; pertaining to one's self; personal. "णो लब्भंतिणियं परिग्गहं" ओव० १, २, २, ६; ओव० ४०; —**कुक्खि.** स्त्री० (-कुक्षि) પોતાની કુંખ. निजकी कोंख; कुक्षी. one's own womb. नाया० २; —**जोगपवित्ति.** स्त्री० (-योगप्रवृत्ति) પોતાના યોગની પ્રવૃત્તિ. अपनी निजकी कार्य-योग प्रवृत्ति. one's own physical, mental or moral activity. पंचा० २, ३६; —**लिंगि.** त्रि० (-लिङ्गिन्) પોતાના મતવાળો. निजकी संप्रदाय-मतवाला. (one) devoted to or holding one's own creed. जीवा० ३; —**समय.** पुं० (-समय) પોતાનો સમય; અવસર. निजका-अपना-खुद का अवसर. one's own time or opportunity. पंचा० १, २६;

णियइ. स्त्री० (नियति-नियमनं नियतिः) દૈવ; ભાગ્ય. दैव; भाग्य. Fate; destiny; providence. सूय० टी० १, १, २, ३; ठा० ४; (२) ભાવી ભાવ. होनहार, नियति. destined or fated event. —**कड.** त्रि० (-कृत) દૈવે કરેલ; ભાવિ ભાવથી બનેલ. दैव सम्पादित; होनहार द्वारा घटित-किया हुआ. fated; decreed by fate; destined. सूय० १, १, २, ३; —**वाइ.** पुं० (-वादिन) ભાવી ભાવને માનનાર. होनहार-भावी पर श्रद्धा रखने वाला. a fatalist; (one) who believes in the power of destiny

or fate. नंदी०

णियइ. स्त्री० (निकृति) માયા; કપટ. माया; कपट; छल. Dishonesty; cheating; deceit. पराह० १, २; सम० —**कम्म.** न० (–कर्मन्) માયા કરવી તે; ૨૯ મી ગૌણ ચોરી. कपट कार्य; प्रपंच; २९वीं गौण चोरी. deceit; a deceitful act; 29th species of minor or secondary thefts. पराह० १, ३; —**पराणाण.** त्रि० (–प्रज्ञान-निकृतिर्माया तद्विषये प्रज्ञानं यस्य स तथा) કપટ તત્પર. कपटी; मायावी; छली. deceitful; (one) conscious of deceit. सम० ३०;

णियइपव्वय. पुं० (नियतिपर्वत) એ નામનો એક પર્વત કે જ્યાં વાણવ્યંતર દેવો ક્રીડાર્થે વૈક્રિય શરીરનાં ભિન્ન ભિન્ન રૂપો ધારણ કરે છે. एक पर्वत विशेष कि जहां वाणव्यंतर देवता क्रीड़ा के लिए वैक्रिय शरीर के भिन्न भिन्न रूप धारण करते हैं. Name of a mountain where the gods of the Vāṇavyantara class change their bodies into various shapes by the Vaikriya process for sport. जीवा० ३; राय०

णियइय. न० (नैयतिक) નિશ્ચય; અવશ્યપણું. निश्चितता; स्थिरता; अनिवार्यता; नियति से सम्बद्ध. Certainty; state of being absolutely certain. पन्न० १५;

णियंटिय. त्रि० (नियन्त्रित) પ્રત્યાખ્યાનનો એક પ્રકાર; ગમે તેવી મુસીબત હોય છતાં પચ્ચખાણ ન છોડવાં તે. एक प्रकार का प्रत्याख्यान; चाहे जैसी कठिनाई में भी प्रत्याख्यान-पच्चखान का न तोडना. A mode of the vow of abstinence viz. maintaining it under any circumstance. ठा० १०;

णियंठ. पुं० (निर्ग्रन्थ) બાહ્ય અને અભ્યન્તર ગ્રન્થ–પરિગ્રહ રહિત; સાધુ. अन्तर्बाह्य ग्रन्थ-परिग्रह रहित; साधु. One not possessed of worldly wealth nor internally attached to it; an ascetic. भग० ५, १; २५, ६; ठा० ३, २; ४, ३;

णियंठत्त. न० (निर्ग्रन्थत्व) નિર્ગ્રન્થપણું; મમત્વરહિત સાધુપણું. निर्ग्रन्थता; ममत्व-विहीन-साधुता. Asceticism; monkhood bereft of all attachments. भग० २५, ६;

णियंठिय. त्रि० (नैर्ग्रन्थिक) નિર્ગ્રન્થ સંબંધી. निर्ग्रन्थ विषयक. Pertaining to an ascetic; pertaining to a Tīrthaṅkara. सूय० १, ६, २९;

√**णि-यंस.** धा० II (नि + वस्) પહેરવું; ધારણ કરવું. पहिनना; धारण करना. To wear; to put on.

णियंसइ. जीवा० ३, ४; राय० १८६; नाया० १;
णिअंसइ. जं० प०
णियंसित्ता. जीवा० ३, ४; राय० १८६;

णियंसण. न० (निवसन) વસ્ત્ર; પોશાક. वस्त्र; पोशाक. Dress; garment; attire. श्रोव० २४; पराह० १, ३; नाया० ८; पन्न० २; निसी० १५, ३५;

णियग. त्रि० (निजक) પોતાનું; સ્વકીય. अपना; निजका; स्वीय. One's own. नाया० १;२;४;७;८;६; भग० ६,३३; १२,६;१५,१; १६, ५; ६; विवा० ७; श्राया० १, २, १, ६४; —**परिवाल.** पुं० (–परिवार) પોતાનો પરિવાર. निज परिवार; अपना कुटुंब. one's own attendants, family. "णियगपरिवालेण सद्धिं संपरिवुडे" राय० श्रोव०

णियडि. स्त्री० (निकृति) અકૃતિ, અગ્નાની

पेठे धर्मना दंभथी लोकोने ठगवा ते; माया कपट करवुं ते. बगुला भक्ति; बकचेष्टा; बगुलेके समान मिथ्या धार्मिक ढोंग फैलाकर-कपटपूर्वक-लोगोंको ठगना. Hypocrisy; act of deluding others by affection of holiness. सूय० २, २; ६२; नाया० २; १८; पराह० १, ३; भग० १२, ५; --पराणाण. त्रि० (-प्रज्ञान) माया कपट जाणनार. मायावी; कपटी. familiar with fraudulent and deceitful practices. दसा० ६, २४; २५;

णियडिल्लया. स्त्री० (निकृति) माया; कपट; माया; कपट; छल. Deceit; fraud. भग० ८, ६; ठा० ४, २;

णियाणिय. त्रि० (निजनिज) पोतपोतानुं. अपना खुदका; अपना अपना. One's own (the use of this is rather peculiar to Indian vernaculars; in English it can be conveyed by the following example—They went to their houses each to his own). पंचा० २, १२;—तित्थ. न० (-तीर्थ) पोतपोताना सिद्धांत-प्रवचन. अपने २ सिद्धान्त प्रवचन. each one's religious creed. पंचा० ६, १६;

णियत. त्रि० (नियत) शाश्वत. शाश्वत; निरंतर; सतत. Everlasting; eternal. ठा० ५, ३;

णियति. स्त्री० (नियति) जुओ "णियइ" शब्द. देखो 'णियइ' शब्द. Vide 'णियइ' सूय० २, १, २४; --वाइअ. त्रि० (-वादिक) भावि भाव होय तेज थाय अने पुरुषार्थ अकिंचित्कर छे एम बोलनार. दैववादी; भावी श्रद्धा रखने वाला; जो होनहार हो, वही होता है, आदमी कुछ नहीं कर सकता, आदि बातें कहनेवाला. a fatalist;(one) who does not believe in the power of human effort. सूय० २, १; २६;

णियतिपव्वय. पुं० (नियतिपर्वतक) ए नामनो एक पर्वत. इस नाम का एक पर्वत. Name of a mountain. जीवा०३,४;

णियत्त. त्रि० (निवृत्त) निवृत्त; निवृत्ति पामेल. निवृत्त; छूटाहुआ. Retired; free; (one) who has abstained from. "परिग्गहारंभ नियत्त दोसा" उत्त० १४, ४१;

णियत्त. त्रि० (निकृत) छेदन करेल; कापेल. छेदाहुआ; काटाहुआ. Cut; mowed. नाया० १; २; १८;

णियत्तणिय. न० (निवर्तनिक) क्षेत्रनुं माप विशेष; क्षेत्रका एक विशिष्ट माप. A kind of measure of space. भग० ३, १; —मंडल पुं० (-मण्डल) शरीर प्रमाणे भूमि शरीरके प्रमाणानुसार भूमि space measured by the length of the body. भग० ३०, १;

णियत्थ. त्रि० (निवसित) पहेरेल; धारण करेल. पहिनाहुआ धारण कियाहुआ. Worn; put on. नाया० १; १६;

णियम. पुं० (नियम) नियम; अभिग्रह. नियम; अभिग्रह; संकल्प. A vow; a species of vow called Abhigraha. भग० ६, ३४; १८, १०; २०, ८; ४२, १; नाया० १; १६; राय० २१२; संथा० (२) पिंड विशुद्धी आदि उत्तर गुण. पिंड विशुद्धि आदि उत्तर गुण. minor qualities such as purity relating to food etc. सम० प० १६८; पगह०२,४; भग०२०,८; (३) निश्चय; नक्की; चोकस. निश्चय; ठीकठीक. certainty; surety. पन्न० १; १७; भग०

१२, १०; १६, ८; अणुजो० ८१; (४) अवश्य भावना. अवश्य भावना. unavoidable necessity. सम० ६; सूय० नि० १, १३; १२३; —अंतर. पुं० (-अन्तर) नियम वच्चे अंतर शंका-भेद. नियम विषयक अन्तर-भेद-शंका. difference between one rule and another. " वयंतरेहिं णियमंतरेहिं ". भग० १, ३; —णिप्पकंप. त्रि० (-निष्प्रकम्प) अपवाद विना नियम पाळनार; नियम पाळवामां चुस्त-कडक. कडक नियम पालक; दृढ सिद्धान्त वाला. unfailing in the observance of vows. पराह० १, १; —प्पहाण. त्रि० (-प्रधान) उत्तम नियम-व्रत अभिग्रह वाळो. शुद्ध संकल्प; उत्तम नियम वाला. (one) practising hard and austere vows. राय०

णियमश्रो. अ० (नियमतस्) नियमथी. नियम से; नियमानुसार. From a vow; through a vow, as a rule or vow. पंचा० १०, ४०;

णियमण. न० (नियमन) संयम. संयम; आत्म वृत्ति निरोध. Act of controlling; e. g. the sense; self-restraing. " उद्देसंम्मि चउत्थे समास वयंणणियमणं भणियं " आया० नि० १. ५, १, २१६;

णियय. त्रि० (नियत) शाश्वत; नित्य रहेनार. हमेशा रहने वाला; शाश्वत-स्थिर स्थायी. Eternal; everlasting. सूय० १, ८, १२; जीवा० ३, १; —चारि. त्रि० (-चारिन्) प्रतिबंध वगर विहार करनार. स्वतंत्रचारी; यथेच्छाचारी. (one) roaming or moving unobstructed from one place to another. " आसिले आगिले आणिप्पचारी " सूय० १, ७, २८; —पिंड. पुं० (-पिण्ड) हमेशां एक घरथी लेवामां आवतो पिंड आहार. सदैव एक ही घर से लिया जाने वाला भोजन. food daily received as alms from one and the same house. दस० १०;

णियय. त्रि० (निजक) पोतानुं. निजी; अपना; खुद का. One's own. नाया० १; २; १८; भग० १२, ६; —वयणिज्ज. त्रि० (-वक्तनीय) पोतानी दृष्टिए विवेचन करवा-निरूपण करवा योग्य. अपनी दृष्टिमें विवेचन करनेयोग्य; आत्म दृष्टि से निरूपण करने योग्य. fit to be explained from a particular accepted standpoint. " णिययवयणिज्जसच्चा सव्वनया विश्रालणे मोहा " सम० १; —कज्ज. न० (-कार्य) पोतनु नक्की करेलुं कर्तव्य. अपना-निजी निश्चित कर्तव्य. one's own prescribed or settled duty. नाया० १६; —घर. न० (-गृह) पोतानुं घर. निज गृह; घर का घर. one's own house. नाया० ६; —परिणाम. न० (-परिणाम) स्वाभिप्राय; पोतानो मत. स्वाभिप्राय; अपनी राय; निजकी सम्मति. one's own view or opinion; " णिययपरिणामा " जीवा० १; —बल. पु० (-बल) पोतानुं बळ; आत्मबळ. आत्मबल; स्वशक्ति; आत्मपौरुष. one's own strength of the mind or body. नाया० १६;

णियर. पु० (निकर) समूह; जथ्थो. समूह; झुंड. A multitude; a collection. नाया० १; ६; १७;

णियल. त्रि० (निगड) बंधन; बेडी. बेडी; बंधन; कैदी की जंजीर. Fetters. ओघ० नि० ४६७;

णियल्ल. पुं० (निगड) ८८ મહાગ્રહમાંનો ૫૩ મો મહાગ્રહ. ८८ महाग्रहोंमें से ५३ वां महाग्रह. The 53rd of the 88 great planets. " दो णियल्ला " ठा० २, ३;

णियाग. पुं० (नियाग) મોક્ષ. मोक्ष; मुक्ति; निर्वाण. Final beatitude; salvation. सूय० १, १६, ४; —**पडिवन्न.** त्रि० (-प्रतिपन्न) મોક્ષ માર્ગને પ્રાપ્ત થયેલ. मोक्ष मार्ग को प्राप्त; मोक्ष मार्गी. (one) who has secured the path leading to salvation. " धम्मविऊ णियागपडिवन्ने " सूय० १, १६, ४;

णियाण. न० (निदान) નિયાણું કરવું; તપસ્યા વગેરે કરણીના ફલની વાંછા કરવી. કરણીનું અમુક ફલ મળે એવી આશા રાખવી તે. निदान लगाना; तपस्या आदि कर्मों की फलाकांक्षा करना; अमुक कार्य से अमुक फल मिलने की आशा रखना. Desire for future sense-pleasures as a reward for austerities; hope of fruit for actions done. नाया० १२; १६; ओव० १६; ३९; ठा० १०; सूय० २, ३, १; —**करण.** न० (-करण) નિયાણું બાંધવું તે; કરણીના ફલ તરીકે ચક્રવર્તિ-ઇંદ્ર વગેરે થવાની પ્રાર્થના કરવી તે. निदान लगाना; कर्म फलानुसार इन्द्रादि पद की प्राप्ति के लिये प्रार्थना करना. act of praying that as a result of one's actions one might be an Indra, a Chakravartī etc ठा० २, ४; —**दोस.** पुं० (-दोष) નિયાણું બાંધવાથી લાગતો દોષ. (कर्म फल) करने के कारण लगने वाला दोष. sin incurred by desire for reward of actions (religious etc.). नाया० १६; —**मयग.** पुं० (-मृतक) નિયાણું બાંધીને મરનાર. (कर्म फल) की इच्छा रखकर-मरने वाला. (one) undergoing death with a heart full of desire for the reward of good actions done by him. ओव० —**मरण.** न० (-मरण) નિયાણું બાંધીને મરવું તે; બાલ મરણનો એક પ્રકાર. कर्म फल की इच्छा सहित मरना; बालमृत्यु विशेष. an ignorant, non-religious mode of death; death in a state in which the heart is full of desire for the reward of meritorious deeds done. ठा० ६; —**सल्ल.** न० (-शल्य) સંપત્તિ પામવાને નિયાણું કરવું તે; ત્રણ શલ્યમાંનું એક. धन प्राप्ति के अर्थ नियाणा करना; फलाकांक्षा रखना; तीन शल्यों में से एक. one of the three thorns in the spiritual path; Niyāṇa for getting wealth etc. ठा० ३, ३; सम० ३;

णियाणओ. अ० (निदानतस्) કારણથી. कारणतः; कारण से. Owing to; on account of. आया० १, ६, ०, १९२;

णियाय. पुं० (नियाग —नितरां यजनं यागः पूजा यस्मिन् सः) મોક્ષ. मोक्ष; मुक्ति. Salvation. सूय० १, १, २, २०; —**ट्ठि.** त्रि० (- र्थिन्) મોક્ષનો અર્થી. मोक्ष प्राप्ति का इच्छुक; मोक्षार्थी; मुमुक्षु. (one) desiring or aiming at salvation. " एवमेगं णियायट्ठी धम्ममाराहगावयं " सूय० १, १, २, २०; —**पडिवण्ण.** त्रि० (-प्रतिपन्न) મોક્ષને પ્રાપ્ત થયેલ. मोक्ष प्राप्त; मुक्त. (one) who has attained salvation; liberated. "नियायपडिवन्ने अमायं कुव्वमाणे वियाहिए" आया० १, १, ३, १८;

णियावादि. त्रि० (नियतवादिन्) પદાર્થો એકાન્તે નિત્ય છે એવા મતવાળો. सारे

पदार्थ एकान्त नित्य हैं ऐसे मत वाला. A believer in the doctrine that the things are everlasting. ठा० ८, १;

णियुत्त. त्रि० (नियुक्त) નિયુક્ત કરેલ; જોડેલ. नियुक्त किया हुआ; स्थापित; जुडा हुआ; लगाया हुआ. Employed; appointed; joined. नाया० ६;

णियुद्ध. न० (नियुद्ध) મલ્લનું યુદ્ધ. पहलवानों की कुश्ती; मल्लयुद्ध. Wrestling. जं० प०

णियोग. पुं० (नियोग—नियतो निश्चितो वा योगः सम्बंध इति नियोगः) અનુયોગ; વ્યાપાર. अनुयोग; व्यापार. Employment; application; activity. (२) નિશ્ચય; ચોક્કસ. निश्चय; चोक्कस. certainty; surety. पंचा० ८, १२;

णिरश्र. त्रि० (निरत) લીન; આસક્ત मग्न; डूबा हुआ; अनुरक्त, लीन. Attached to; absorbed in. पगह० २, १;

णिरइ. स्त्री० (निर्ऋति) રાક્ષસ. राक्षस. A kind of demon. (२) મૂલ નક્ષત્રનો અધિષ્ઠાતા દેવતા. मूल नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता. presiding deity of the constellation Mūla. " दो णिरइ " ठा० २, ३; जं० प० ७, १५२;

णिरइयार. पुं० (निरतिचार) પહેલા અને છેલ્લા તીર્થંકરના વખતમાં અતિચાર લાગ્યા વિના જે સામાયિક ચારિત્ર છોડી બીજું ચારિત્ર આરોપવામાં આવે છે તે; છેદોપસ્થાપનીય ચારિત્રનો બીજો ભેદ. पहिले और अन्तिम तीर्थंकर के समय में बिना अतिचार लगाये सामायिक चारित्र के सिवाय दूसरे चारित्र का आरोपन; छेदोपस्थापनीय चारित्र का दूसरा प्रकार. The 2nd variety of Chhedopasthāpaniya Chāritra; (during the times of the first and the last Tīrthaṅkaras) the practice of taking the second step of ascetic discipline passing over the 1st viz. Samāyika chāritra (this did not involve in those days the sin of Atichāra) भग० २५, ७; (२) त्रि० અતિચાર રહિત. अतिचार रहित. free from the sin of partial transgression. नाया० ७;

णिरंगण. त्रि० (निरङ्गण) રાગ રહિત. रागरहित; विरागी. Free from passion पन्न० ११;

णिरंजण. त्रि० (निरञ्जन–निर्गतो रञ्जनो यस्मात् सः) રાગથી રહિત; મુક્ત. राग रहित; मुक्त. Devoid of attachment; liberated; free from worldly attachment. " संख इव णिरंजणे " ठा० १, १;

णिरंतर न० (निरन्तर) નિરંતર; હમેશાં. हमेशा; सदैव. Constantly; incessantly. भग० १३, ६; १६, १; २, ७; ८१, १; राय० ३४; ओव० ठा० २, ३,

णिरंतरिय. त्रि० (निरन्तरिक–निर्गताऽन्तरिका लब्ध्वन्तररूपा येषां ते निरन्तरिकाः) જરાપણ અંતર રહિત. अंतर अवधि रहित; भेद शून्य. Without any interval. जीवा० ३; राय० जं० प०

णिरणुकंप. त्रि० (निरनुकम्प) અનુકંપા રહિત; નિર્દય. अनुकम्पा विहीन; कठोर; निर्दय. Merciless; unsympathetic; cruel. पगह० १, ३; नाया० २;

णिरणुक्कोस. त्रि० (निरनुक्कोश) દયા રહિત दयारहित; निर्दय. Callous; ruthless.

नाया० २;

णिरणुताव. त्रि० (निरनुताप) પશ્ચાતાપ રહિત. पश्चात्ताप रहित. Unrepented; remorseless. नाया० २;

णिरत्थ-य. अ० (निरर्थक) ફોકટ; નિરર્થક. मुफ्त; निरर्थक; व्यर्थ; वृथा. Useless; in vain. पराह० १, २;

णिरभिस्संग. त्रि० (निरभिष्वङ्ग) સંગ રહિત; બાહ્યાભ્યન્તર દ્રવ્ય પરિગ્રહ રહિત; નિઃસ્પૃહ. संग रहित; बाह्याभ्यन्तर द्रव्य परिग्रह हीन; निरिच्छ; निस्पृह. Free from attachment to worldly objects; free from desire. पंचा० २, ३४;

णिरय. त्रि० (निरत) આસક્ત. आसक्त; मोहमग्न; मग्न. Attached to. सम०

णिरय. पुं० (निरय) નરક. नरक. Hell. (२) નરકના જીવ; નારકી. नरक के जीव; नारकी. hell-beings. पन्न० २; पराह० १,१; दसा० ६, ४; —**आवलिया.** स्त्री० (-आवलिका) નિરય-નરકની આવલિકા-શ્રેણી-પંક્તિ બન્ધ નરકાવાસ. नरक की आवलिका-श्रेणि; पंक्तिबद्ध नरकावास. a row of abodes in hell; a series of abodes of hellish beings. पन्न० २; (२) એ નામનું એક સૂત્ર सूत्र विशेष. name of a Sūtra. जं० प० १; निर० १, ५; —**आवास.** पुं० (-आवास—आवसन्ति येषु ते आवासाः निरयाश्च ते आवासाश्चेति) નરકાવાસો. नरक वास; नरकस्थिति. an abode of hellish beings. "इमीसे णं भंते रयणप्पभाए पुढवीए कइ निरयावाससय सहस्सा पण्णत्ता" भग० १, ४; सम० २५, ३०, ३५; ४०; ४२; ५१; ५५; ७४; ८४; —**गइ.** स्त्री० (-गति) નરક ગતિ; ચાર ગતિમાંની એક. नरकगति; चार गतियों में से एक. existence in hell; one of the 4 conditions of existence. ठा० ५,३, १०; —**गामि.** त्रि० (गामिन्) નરકમાં જનાર. नरक गामी; नरक में जाने वाला. (one) destined to hellish life. जं० प० २, २७; —**गोयर.** पुं० (-गोचर) નરકમાં રહેનાર જીવ; નારકી. नरक में रहने वाला जीव; नारकी. an inmate of hell; a hellish being. पराह० १, २; —**पडिरूवय.** त्रि० (-प्रतिरूपक) નરક સમાન; નરકનો નમુનો. नरकवत्; नरक समान प्रमाण. hellish; like hell. नाया० १; —**पत्थड.** पुं० (-प्रस्तर) નરકનો પાથડો. नरक का प्रस्तर —थर. A stratum of hell. पन्न० ३; —**परिसामंत.** पुं० (-परिसामंत) નરકવાસની ફરતી બાજુ. नरकवासकी सीमा. the boundary-line of a hellish abode. भग० १३, ४; १३; ६; —**पाल.** पुं० (-पाल) નરકને પાલનાર; પરમાધામી. नरक पालक; परमाधामी. a custodian or sentinel of hell called Paramādhāmi. ठा० ४; १; —**वास.** पुं० (-वास) નરકરૂપ વાસ. नरकरूप वास; नरकवास. residence in hell. "णिरयवास गमणाजिय ०।" पराह० १, १; —**विभत्ति.** स्त्री० (विभक्ति) નરકના વિભાગ. नरक के विभाग, नरकप्रदेश. divisions of hell. (२) એ નામનું સૂયગડાંગ સૂત્રનું પાંચમું અધ્યયન. सूयगडांग सूत्र के पांचवे अध्यायका नाम name of the fifth chapter of Sūyagadānga Sūtra. पराह० १,२; —**विग्गहगइ.** स्त्री० (-विग्रहगति—निरयाणां नरकाणां विग्र

हात् क्षेत्रविभागानतिक्रम्य गतिगमनं निरय-विग्रहगतिः) नरकमां वक्रगतिએ જવું તે. नरकमें टेढी गतिसे जाना. passing of the soul to hell by an irregular motion or progress. ठा० १०; —वेयणिज्ज. न० (-वेदनीय) नरकमां वेदवा योग्य कर्म. नरकमें अनुभव लेनेयोग्य कर्म. Karma bearing fruit in hell. "णेरइए णिरय वेयणिज्जंमि कम्मंमि." ठा० ४, १;

णिरवकंखि. त्रि० (निरवकांक्षिन्) कांक्षा रहित. निरिच्छ; आकांक्षा हीन. Having no desire; free from desire. नाया० ८;

णिरवज्ज. त्रि० (निरवद्य) निर्दोष. निर्दोष; अनवद्य. Innocent; harmless. "स संजए समक्खाए णिरवज्जाहारे जे भिक्खू" दस० नि० ५, १;

णिरवयक्ख. त्रि० (निरपेक्ष) पर प्राण तरफ बेदरकार. पर प्राणरक्षामें असावधान. Careless as regards the safety of the lives of others. पण्ह० १, १; नाया० १; ८;

णिरवलंब. त्रि० (निरवलम्ब) आलंबन रहित, आधार-टेका वगरनो. निराधार; निरवलम्ब; आश्रयविहीन. Without any support to rest on. पण्ह० १, ३;

णिरवलाव. त्रि० (निरपलाप) कहेली वात बीजाने न कही देनार. दूसरेका कहा हुआ बात न कहनेवाला. (One) not communicating to others a secret confided to (him or her). सम० ३२;

णिरवसेस. त्रि० (निरवशेष) संपूर्ण. समग्र. सम्पूर्ण; समग्र; सारा. Full; complete; whole. भग० २, १; १२, ३; १४, १; १६, ८; १६, ८; २४, २०; २५, ३; ३४, ११;

ना० १;

णिरहिगरण. त्रि० (निरधिकरण) मोटा आरंभरूप शस्त्र वगरनो. बडे आरंभरूप शस्त्रोंसे रहित. Not possessed of weapons used for inflicting injury. पंचा० १६, २२;

णिरहिगरणि. त्रि० (निरधिकरणिन्) अधिकरण रहित; शस्त्र रहित. अधिकरण शस्त्र-विहीन; निःशस्त्र. Not possessed of offensive weapons. भग० १६, १;

णिराकिच्चा. सं० कृ० अ० (निराकृत्य) दूर करीने; त्यागीने. दूर करके; त्याग कर; छोडकर. Having repudiated; having given up. "ततोवायं णिराकिच्चा" सूय० १, ३, ३, १५;

णिराणंद. त्रि० (निरानन्द) आनंद रहित. निरानन्द; आनन्द रहित. Devoid of the feeling of joy. जं० प० २, ३३; नाया० १;

णिरातंक. त्रि० (निरातंक-निर्गतः आतङ्को रोगविशेषो यस्मात्) रोग रहित निरोग; निरामय; स्वस्थ. Healthy; free from disease. पण्ह० १, ४; ओव० नंदी०

णिराभिराम. त्रि० (निराभिराम-नितरां अभिरामो निराभिराम) अति सुंदर. अति सुंदर; बहुत रम्य. Surpassingly beautiful. पण्ह० १, ४;

णिरामगंध. त्रि० (निरामगन्ध) आमगंध-मूलोत्तर गुणखंडनरूप दोष तथी रहित. आमगन्ध मूलोत्तर गुणखंडनरूपी दोषोंसे रहित. Free from the guilt of a breach of fundamental or secondary virtues. "स सव्वदंसी अभिभूय नाणी णिरामगंधे धिइमं ठितप्पा" सूय० १, ६, ५;

णिरायंक. त्रि० (निरातंक) जुओ "णिरा-

तंक " श०६. देखो " णिरातंक " शब्द. Vide 'णिरातंक' जीवा० ३, ३;

णिरायास. त्रि० (निरायास) ખેદના કારણથી રહિત. खेदरहित; कष्टरहित; सरल; सहज. (One) having no cause for sorrow. पराह० २, ४;

णिरालंबन. त्रि० (निरालम्बन) આલમ્બન આધાર રહિત. निराधार; आधार-सहाय रहित. Having no support to rest on. "गयणमिव णिरालंबण" ठा० ६; नाया० ६;

णिरावकंखि. त्रि० (निरवकांक्षिन्) આકાંક્ષા રહિત; નિસ્પૃહી. आकांक्षा रहित; निरिच्छ; निस्पृह. Having no desire; unselfish. "निक्खम गहाउ णिरावकंखी कायं विउ सेज्ज नियाणछिन्ने" सूय० १, १०, २६;

णिरावयक्ख. त्रि० (निरपेक्ष) અપેક્ષા રહિત. जिसे अपेक्षा न हो वह; निरपेक्ष. Having no desire; unselfish. नाया० ६; पराह० १, ३;

णिरावरण. त्रि० (निरावरण) આવરણ રહિત. आवरण रहित. Free from obstruction; unhindered. नाया० १४;

णिरास. त्रि० (निराश) નિરાશ થયેલ. हतोत्साहित; निराशित. Hopeless. पराह० १, ३;—बहुल. त्रि० (-बहुल) અતિ નિરાશા વાલો. अत्यधिक निराशापूर्ण. extremely despondent. पराह० १, ३;

णिरासव. त्रि० (निराश्रव) આશ્રવ રહિત. आश्रव रहित; पाप रहित. Not incurring sin; free from inflow of Karmic matter पराह० २, ३;

णिरिंधणया. स्त्री० (निरिन्धनता) ઇંધન-બલતણનો અભાવ. ईंधन की कमी; जलाऊ लकड़ी का अभाव. Absence of fuel. भग० ७, १;

णिरिक्खण. न० (निरीक्षण) બારીકીથી જોવું; અવલોકન કરવું તે. बारीकी से देखना; निरीक्षण करना. Minute examination; minute, careful observation. ओव०

णिरिक्खिय. त्रि० (निरीक्षित) અવલોકન કરેલ; નિરીક્ષણ કરેલ. निरीक्षित; अवलोकित; देखाहुआ. Observed; scrutinized. नंदी०

√**णि-रुंभ.** धा० I, II. (नि-रुंध्) અટકાવવું; રોકવું; રૂંધવું. अटकाना; रोकना; निरोध करना. To obstruct; to detain; to hinder. (२) સન્માર્ગે વ્યવસ્થા કરવી. सन्मार्ग की व्यवस्था करना. to devote to some good purpose.

णिरुंभंति सूय० १, ५, १, ८४;

णिरुंभेहिंति. भग० १५, १;

णिरुंभित्ता. ओव० ४३; सूय० १, ४, २, २०;

णिरुंभण. न० (निरोधन-निर्गतं रोधनं निरोधनं.) અટકાયત; રોકાણ; રૂંધવું. अटकाव; रोक; निरोध; विघ्न; अन्तराय. Detention; obstruction; hindrance. पराह० १, १;

णिरुंभा. स्त्री० (निरुंभा) એ નામની એક દેવી. इस नाम की एक देवी. Name of a goddess. नाया० ध०

णिरुच्चार. न० (निरुच्चार) શૌચ ક્રિયાને વાસ્તે પણ ગામ બહાર જવાનો પ્રતિબંધ. शौचक्रियार्थ भी ग्राम बाहर जाने का प्रतिबंध-मनाई. Prohibition to go out of the city even for answering calls of nature. नाया० ८; पराह० १, ३;

णिरुच्छाह त्रि० (निरुत्साह) ઉત્સાહ રહિત. उत्साह रहित; निरुत्साह. Devoid of energy; not industrious; inac-

tive. जं० प० २, ३६;

णिरुज. न० (नीरुक्-रुजामभावो नरिुक्) रोगनो अभाव. निरोगता; रोगका अभाव Absence of disease; health पंचा० १६, २८;

णिरुत्त. न० (निरुक्त) निरुक्त; वेदमां आवेलां शब्दोनी निरुक्ति-व्युत्पत्ति दर्शावनार शास्त्र. निरुक्त; वेदों में आये हुए शब्दों की व्युत्पत्ति बतलाने वाला शास्त्र A Vedic etymological lexicon. ओव० ३८;

णिरुवक्कम. त्रि० (निरुपक्रम) कोइपण निमित्तथी जेनुं आयुष्य त्रुटे नहीं ते; जेटलुं बांध्युं होय तेटलुंज आयुष्य भोगवे ते किसी भी कारण से जिसकी आयुष्य क्षय न हो; नियत आयुका भोक्ता. (One) who is not liable to death by any accidental circumstances before the life-period fixed by Karma, is over. नाया० २०; १०; (२) मनना शोक आदिथी रहित. मानस० शोक आदि से रहित. free from mental trouble or sorrow. भग० २५, ७; —आउय. त्रि० (-आयुष्क) निकाचित आयुष्य वाळो; गमे ते निमित्त थाय तो पण जेटलुं आयुष्य बांध्युं होय तेटलुं पुरे पुरुं भोगवे ते. निकाचित आयु वाला; चाहे जिस कारण के रहते हुए भी निश्चित आयु का पूर्ण भोक्ता. (one) who does not die before the life period fixed by Karma in spite of any kind of accidental circumstances whatever their nature. भग० २०, १०; —भाव. पुं० (-भाव) कर्मनो अवश्य भोगवटो; निरुपक्रमपणुं; कर्मना उपक्रमनो अभाव. कर्मों का अनिवार्य भोग-निरुपक्रमता; कर्म के उपक्रम का अभाव. inevitable unavoidable bearing of the fruits of Karma. पंचा० ३, १५;

णिरुवक्किट्ठ. त्रि० (निरुपक्लिष्ट) स्वगत शोक आदि क्लेश रहित. अन्तः शोक क्लेश आदि से रहित. Free from mental or internal sorrow; untroubled in mind. "हट्ठस्स णवगलस्स णिरुवक्किट्ठस्स जंतुणो" अणुजो० भग० २५, ७; जं० प० २, १६;

णिरुवक्केस. त्रि० (निरुपक्लेश) शोक आदि बाधा रहित. शोक आदि बाधाओं से रहित. Free from worry and sorrow. ठा० ७;

णिरुवचारिय त्रि० (निरुपचरित) उपचार नहि करेल. शिष्टाचार रहित; उपचार रहित (One) who has not observed proper forms of respect. नाया० ५;

णिरुवद्दव. त्रि० (निरुपद्रव) उपद्रव रहित. निरुपद्रव; उपद्रव रहित. Free from troubles or obstacles. भग० १, १; ओव०

णिरुवम. त्रि० (निरुपम) उपमा रहित. निरुपम; उपमा-तुलना रहित; अतुल; अनुपम. Matchless; incomparable. जीवा० ३, ३;

णिरुवयरिय. त्रि० (निरुपचरित) जुओ "णिरुवचारिय" शब्द. देखो "णिरुवचारिय" शब्द. Vide "णिरुवचारिय" नाया० ५;

णिरुवलेव. त्रि० (निरुपलेप) कर्म लेप रहित. कर्म बन्धन से रहित. Unsmeared by Karma; untouched by Karma. जीवा० ३; (२) स्नेह वगरनो. स्नेह हीन. free from attachment.

पराह० २, ४;

णिरुवसग्ग. पुं० (निरुपसर्ग) જન્મ મરણ આદિ ઉપસર્ગ રહિત; મોક્ષ. जन्ममरणादि उपसर्गों से रहित;मोक्ष. Freedom from such troubles as birth, death, etc.; salvation. नाया० ८;

णिरुवहत. त्रि० (निरुपहत) જુઓ "णिरुवहय" શબ્દ. देखो "णिरुवहय" शब्द. Vide "णिरुवहय" नाया० १;

णिरुवहय. त्रि० (निरुपहत) રોગાદિથી નહિ હણાયેલ. रोगादि से मुक्त. Unharmed by unaffected with disease etc. भग० ७, १; ६, ३३; नाया० १; ३; ५; ६; १७; पराह० १, ४; (२) વિકાર રહિત. अविकारी; विकार हीन. free from transformation or modification. श्रोव० राय० (३) જ્વરાદિ ઉપદ્રવ રહિત. ज्वरादि उपद्रव रहित. free from such troubles as fever etc. जीवा० ३;

णिरुव्विग्ग. त्रि० (निरुद्विग्न) ઉદ્વેગ રહિત; મનની વ્યાકુલતા વગરનો. विकलता विहीन; अव्याकुल; अनुद्वेगी. Free from mental distress; unworried. नाया० १; १७;

णिरुस्साह. त्रि० (निरुत्साह) ઉત્સાહ ઉદ્યમ રહિત. उत्साह-जोश हीन. Devoid of zeal or enthusiasm; lazy. "णाहु धम्मणिरुस्साहो" सूय० नि० १, ८, १, ६२;

णिरूविऊण. सं० कृ० अ० (निरूप्य) આલોચના કરીને. आलोचना करके; सूक्ष्म अवलोकन करके. Having made a full confession; having seen or perceived. पंचा० ८; १०;

णिरूवियव्व. त्रि० (निरूपयितव्य) આલોચના યોગ્ય. आलोचना के योग्य. Worthy of being confessed; worthy of being seen or perceived. पंचा० ११, २०;

णिरूह. पुं० (निरूह) નાડીમાંથી લોહી કાઢવું તે. नसमें से रक्त निकालना. Act of letting out blood by opening a vein. "अणुवासणेहिय बथि कम्मेहिय निरूहेहिय सिरावेहेहिय" नाया० १३;

णिरेय. त्रि० (निरेज) નિષ્પ્રકમ્પ; નિશ્ચલ. निष्प्रकम्प; निश्चल; अटल. Firm; steady;motionless. भग०५,७;२५,४;

णिरोदर. त्रि० (निरुदर—निर्गता उदरविकारा येभ्यस्ते) નાનાં પેટવાળો; ઉદરના વિકાર વિનાનો. सामान्य पेटवाला; पेट सम्बन्धी बीमारी से रहित. (One) with a small belly; (one) free from any disease of the belly. जीवा० ३; पराह० १, ४;

णिरोह. पुं० (निरोध) નિરોધ; અટકાવ. निरोध; अटकाव Obstruction; check; prohibition. नाया० २; भग० २५, ७; (२) ઇંદ્રિયાદિનો નિગ્રહ કરવો તે. इन्द्रिय निग्रह. act of subduing the senses etc. उत्त० ४, ८;

√**णिर्-इक्ख.** धा० I (निर् + ईक्ष्) જોવું; નિરીક્ષણ કરવું. देखना; निरीक्षण करना. To see; to observe carefully.

णिरिक्खइ. नाया० ८;

णिरिक्खित्ति. नाया० ८;

णिरिक्खमाण. नाया० ८;

√**णिर्-तर** धा० I,II. (निर् + तृ) પાર પામવું; છેડો આણવો. पारपाना; समाप्त करना. To complete; to bring to an end.

णित्थारयामि. प्रे० नाया० ६;

णित्थरइ. नाया० ८;

णित्थरेज्जामो. वि० नाया० १८;

णित्थरिहिइ. भग० ७० नाया० १८;
णित्थरिजंत. क० वा० व० कृ० संथा०

√णिर्-धाव. धा० I. (निर् +धाव) દોડવું; હડી કાઢવી. दौड़ना; तेजीसे भागना. To run; to move swiftly.

णिद्धावइ. नाया० ८; १७;

√णिर्-धुण धा० I. (निर्+धू) ખંખેરીને ફેંકીદેવું; ઝાટકી કાઢવું. झटककर फेंकना; खंखेर डालना. To shake off; to remove by shaking.

णिद्धुणे "मणिद्धुणे धुमलं पुरेकडं" दस० ७, ५७;

णिद्धुणित्ताण. उत्त० १९, ८८;

√णिर्-नम. धा० I. (निर् + नम्+णिच्) નિશ્ચયથી નમાડવું; દૂર કરવું. निश्चयपूर्वक नमाना; दूर करना. To subdue entirely; to remove.

णिनामए. प्रे० वि० सूय०१, १३, १५;

√णिर्-ने. धा० II. (निर्+नी) બહાર લાવવું; કઢાડવું. बाहर लाना; निकालना. To take out; to bring out.

णीणिइंति. ओव० ३०; निसी० २, ४३; नाया० ८; ८; दसा० १०, १;

णीणेत्ता. सं० कृ० ओव० ३०;

√णिर्-पज्ज. धा० I. (निर्+पद्) નિપજવું; ઉત્પન્નથવું. पैदाहोना; उत्पन्नहो। To be produced; to be born.

णिप्पज्जइ. जं० प० २, ११;

"णिप्पज्जिस्सइ. भग० १५, १;

√णिर्-भच्छ. धा० II. (निर् + भर्त्स) તિરસ્કાર કરવો. तिरस्कार, अपमान या घृणा करना. To show contempt towards; to scold.

णिब्भच्छेइ. भग० १५, १; नाया० १८;

√णिर्-भत्थ. धा० II. (निर् + भर्त्स) તિરસ્કાર કરવો; ભર્ત્સના કરવી. भर्त्सना करना; निरस्कार करना. To scold; to threaten; to reproach.

णिब्भत्थेइ. ठा० ५, १;

√णिर्-मिस. धा० I. (निर+मिष्) આંખ ઉઘાડમીચ કરવી. आंख खोलना और मींचना; पलक मारना. To wink.

णिम्मिसेज्जा. वि० भग० १४, १;

√णिर्-वड्ढ. धा० I,II. (निर्+वृद्‌) ટુંકું કરવું; સંકોચવું. संकुचित करना; छोटा करना. To shorten; to contract.

णिवुड्ढित्ता. सं०कृ० "दित्तमक्खेत्तस्स णिवुड्ढित्ता रतणिक्खेत्तस्स अभिणिवुड्ढित्ता चारं चरति" सू० प० १;

णिवुड्ढमाण व० कृ० सू० प० २; जं० प० ७, १३२;

√णिर्-वत्त. धा० III. (निर्+वृत्) ઉત્પન્ન કરવું; બનાવવું. उत्पन्नकरना; बनाना. To make; to produce. (२) પૂરું થવું; નિવૃત્તિ પામવી. पूर्णहोना; निवृत्ति पाना to complete; to retire from; to be free from.

णिव्वत्तइ. नाया० ८;

णिव्वत्तयंति. प्रे० भग० २५, २;

णिव्वत्तेइ. आ० नाया० ८;

णिव्वत्तिज्जइ. क० वा० भग० १२, ४;

णिव्वत्तेमाण व०कृ० भग० १६, १; १७, १;

णिव्वत्तित्तए हे० कृ० नाया० ८;

√णिर्-वह धा० I,II. (निर्+वह्) નિર્વાહ કરવો; આજીવિકા ચલાવવી. निर्वाह करना; आजीविका चलाना. To maintain; to maintain one's livelihood.

णिव्वहेज्जा. वि० सूय० १, ८, २३;

णिव्वहे. सूय० १, १४, २०;

णिव्वाहित्तए. नाया० १८;

√णिर्-वा. धा० I. (निर् + वा+णि)

ઓલવવું; બુઝાવવું; ઠારી નાખવું. बुझाना; ठंडाकरना. To extinguish; to put out.

णिव्वावेंति. जं० प० २, ३६;

णिव्वावेज्जा. वि० दस० ४, ८;

णिव्वाविया. दस० ५, १, ६३;

णिव्वाविस्सति. भग० २, ३६;

√णिर्-विज्ज. धा०I. (निर्+विद्) निर्वेद वैराग्य पामवो; वैराग्य पाना; उदासीन होना. To be disgusted with and to be indifferent to the world and its ways; to renounce; (२) सुवुं. सोना to lie down.

णिव्विज्जइ. उत्त० २७, ४;

णिव्विज्जंति. उत्त० ३, ५;

√णिर्-विस. धा०I.(निर्+विश्) काढी मुकवुं; देशपार करवुं निर्वासित करना; निकाल देना. To drive out; to deport or transport.

णिव्विसेज्जा. वि० "एगंत मुकप्पा गंठव-हुत्ता एगं णिव्वि-सेज्जा" वव०२,२;

णिव्विसमाण. व० कृ० निसी० २०, १०; भग० २५, ७; ठा० ३, ४;

णिव्विसंत. व० कृ० ठा० ५, १;

√णिर्-सर. धा०I.(निर+सृ) फेंकवुं. फेंकदेना. To throw. (२) निकळवुं. निकलना, त्यागना. To abandon; to leave.

णिस्सरइत्ति. नाया० १; ६; १६; भग० १५, १; राय० २८३;

√णिर्-हर. धा०I,II. (नी+हृ) शौच माटे जंगल जवुं. शौचके लिये जंगलमें जाना. To go to a forest for answering calls of nature.

णीहारेति. प्रे० अंत० ३, ४;

णिलय. न० (निलय) घर. घर; गृह; सदन. A house; an abode. तंदु०नाया० १६;

णिलाड न० (ललाट) कपाल; मस्तक. मस्तक; कपाल; ललाट. The forehead; the head. पराह० १, ३; नाया० १६; —पट्टिया. स्त्री० (-पट्टिका) कपाल उपर करवामां आवती कंकुनी पटी; पीळ. भाल तिलक; भालकुंकुम; भालबिंदी. an auspicious mark on the forehead made with a sort of red powder. राय० १६४;

णिलित. व० कृ० त्रि० (निलीयमान) बेसतुं. बैठाहुआ; बैठता हुआ. Sitting. ओव० राय०

√णिलिज्ज. धा० II. (नि+ली) झाटकवुं. झटकना. To give a sudden jerky motion e. g. to a carpet etc.; to get rid of dust and refuse.

णिलिंजिज्जा. विधि० सूय० १, ४, २, २०;

णिलुक्क. त्रि० (निर्लोक्य) गुप्त. गुप्त; छिपा हुआ Hidden; secret. नाया० ८;

णिल्लंछण. न० (निर्लाञ्छन) नपुंसक करवुं ते; बुंटीआ आदिने सभारवा ते. नार्मद-नपुंसक बनाना; खस्सी करना. Emasculating castrating. पराह० १, २;

णिल्लज्ज. त्रि० (निर्लज्ज) लज्जा शरम रहित. निर्लज्ज; बेशरम. Shameless; devoid of sense of shame. पराह० १, २; नाया० ६;

णिल्लायंत. व० कृ० त्रि० (निर्लयत्-निरन्तरं लयति गच्छतीति) भागतो. भागताहुआ, Running away; escaping नाया० १;

णिल्लालिय. त्रि० (निर्लालित) पसरेल; नीकळेल. फैलाहुआ; फूटाहुआ. Spread; extended; projected out. नाया० १, ८; —अग्ग पुं० (-अग्र) उधाडा मोढामांथी लपलप थतो; बहार निकळतो जी-

भनो आगलो भाग-टेरवो. खुले मुंह में से लपलपाती जीभका अग्रभाग; जिव्हाग्र. the tip of the tongue issuing repeatedly out of the opened mouth. नाया० ८; —अग्गजीहा. स्त्री० (-अग्रजिव्हा) मोढामांथी लपलप थतो बहार नीकळतो जीभनो आगलो भाग. मुंह में से लपलपातीहुई जीभका अग्र भाग. the tip of tongue repeatedly issuing out of the mouth. नाया० ८;

णिल्लेव. त्रि० (निर्लेप) लेप रहित. निर्लेप; लेपहीन. Free from smearing, dirt. भग० ६, ७;

णिल्लेवण. न० (निर्लेपन) लेपनो अभाव; मेलनो अभाव. लेपका अभाव; निर्मल. Absence of smearing; absence of dirt. भग० ७, ४;

णिव. पुं० (नृप) राजा; नरपति. नृप; राजा. A king; a lord of men. पंचा० १८, २७; —कर. पुं० (-कर) राजानो हाथ. राजा का हाथ an arm of a king. पंचा० १८, २७;

णिवइत्ता. त्रि० (निपत्तृ) ऊतरनार; पडनार. गिरने वाला; उतरने वाला. (One) coming down; falling down. ठा०४,४;

णिवइय. त्रि० (निपतित) पडेल. गिरा हुआ. Fallen. नाया० १; (२) न० एक प्रकारनुं झेर; त्वचा झेर; दृष्टि झेर आदि. एक प्रकारका विष; त्वचाविष, दृष्टिविष आदि. a sort of poison e. g. of sight, of touch etc. ठा० ४, ४;

णिवउप्पय. पुं० (निपातोत्पात) जेमां ऊंचे चढवुं पाछुं नीचे पडवुं थाय तेवा प्रकारनुं एक नाटक; ३२ नाटकमांनुं एक. एक नाटक विशेष जिस में पहिले ऊंचे चढकर फिर नीचे गिरना हो; ३२ नाटकों में से एक. One of the 32 varieties of dramas involving rising up and falling down. जं० प०

णिवडण. न० (निपतन) नीचे पडवुं. नीचे गिरना. Act of falling down. पगह० १, २;

णिवडिय. त्रि० (निपतित) नीचे पडेल. निपतित; नीचे गिरा हुआ. Fallen down. भग० १५, १;

√**णिवत्त**. धा० I, II. (नि+वृत्) निवर्तवुं; अटकवुं. निवर्त होना; अटकना; दूर होना. To return; to desist from; to stop.

णियट्टति. उत्त० २, ४३;

णियत्तइ. नाया० ९;

णियट्टमाण. आया० १, ६, ४, १९०;

णिवत्त. त्रि० (निवृत्त) वीती गयेल; पसार थयेल. बीता हुआ; भूत; गत. Past; elapsed; gone. विवा० ५;—बारसग. त्रि० (-द्वादशक) बार दिवस वीती गयेल-पसार थयेल. जिस के बाद बारह दिन बीत गये हों वह; (that) since the happening of which twelve days have passed. विवा० ४;

णिवत्ति. स्त्री० (निवृत्ति) बंध थवुं; अटकवुं. बंद होना; अटकना; रुकना. Act of coming to a close; act of stopping. ठा० ८, १; (२) निष्पत्ति. निष्पत्ति. production; result; coming into existence. ठा० ४, ४;

√**णिवार**. धा० II. (नि+वृ) निवारण करवुं; रोकवुं. निवारण करना; रोकना. To check; to stop; to restrain.

णिवारेइ. प्रे० नाया० १६; १८; नाया० ध०

णिवारेसि. नाया० १;

णिवारेमि. नाया० ५;

णिवारित्तए. हे० कृ० नाया० ५;
णिवारिज्जइ. क० वा० भग० ६, ३३;
णिवारिज्जमाण. क० वा० व० कृ० भग० १२, १;

णिवसण. न० (निवसन) વસ્ત્ર. वस्त्र; कपडा. A cloth; a garment. नाया० १६;

णिवाइय. त्रि० (निपातित) નીચે પાડેલ. नीचे गिराया हुआ; अधःपातित. Thrown down; caused to fall down. नाया० १४;

णिवाएमाण. व० कृ० त्रि० (निपातयत्) નીચે પાડતો. नीचे गिराता हुआ (One) causing to fall down. नाया० २;

णिवाडेत्ता. सं० कृ० अ० (निपात्य) લગાડીને; નીચે પાડીને. लगाकर; नीचे गिरा कर. Having caused to fall down; having attached or applied. "जाणुं धरणितलंसि णिहट्टु णिवाडेइत्ता" जीवा० ३;

णिवातित. त्रि० (निपातित) નીચે પાડેલ. नीचे गिरायाहुआ. Fallen down. भग० १५, १;

णिवातिय. त्रि० (निपातित) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. विवा० १;

णिवाय. पुं० (निपात-निपतनं-निपातः) નીચે પડવું. नीचे गिरना; अधःपतन; निपात. Act of falling down; downfall. " आयवस्स णिवाएणं" उत्त० २, ३८; (२) બેસવું તે. बैठना. act of sitting पराह० १, २; (३) નિપાત; વ્યાકરણ શાસ્ત્ર પ્રસિદ્ધ ચ, વા આદિ અવ્યય. निपात; व्याकरण शास्त्र प्रसिद्ध च, वा आदि अव्यय. an indeclinable particle such as च वा etc. पराह० २, २; नाया० (४) ચપટી વગાડવી તે. चुटकी बजाना act of snapping the thumb with the middle finger. पन्न० १६;

णिवाय. त्रि० (निवात-निर्गतो वातो यस्मात्सः) વાયુ સંચાર રહિત. निवात; वायुसंचार हीन. Free from draughts of wind. " तंसिप्पेगे अणगारा हिमवाए णिवायमे संति " आया० १, ६, २, १३; भग० ३, १; ७, ८; ११,११;नाया०१६; **—गंभीर.** त्रि० (-गम्भीर) વાયુ આદિના પ્રવેશ રહિત; ગંભીર. वायु आदि के प्रवेश से शून्य; गंभीर. free from draughts of wind; calm. भग० ७, ८;

णिवायण. न० (निपातन) ખાડામાં ફેંકવું. खड्डे-गढे में फेंकना; गिराना. Act of throwing into a ditch or pit. पराह० १, २;

णिवारण. न० (निवारण) અટકાવવું તે. निवारण; रोक; अटकाव. Act of restraining or checking. भग० ६, ३३; (२) ટાઢ તાપને રોકનાર ઘર, હવેલી વગેરે. थंड ताप से बचाने वा रोकने वाला घर, हवेली आदि. a house, a mansion etc. which checks the rigour of cold and heat. उत्त० २, ७;

णिवारय. त्रि० (निवारक) નિવારણ કરનાર; અટકાવ કરનાર. निवारण करनेवाला; रोकने वाला; निवारक. (One) who stops, checks; (one) who restrains or prohibits. नाया० १६;

णिवास. पुं० (निवास-निरन्तरं वसन्ति जना-येषु ते) નિવાસ; રહેઠાણ. निवास; रहने की जगह. A place of residence; an abode. निसी० १, १;

णिविट्ठ. त्रि० (निविष्ट) મેળવેલ; પ્રાપ્ત કરેલ. लिया हुआ; प्राप्त किया हुआ. Got;

acquired. "थोवं बहु णिविट्ठम्मि" ठा० ४, २; (२) આસક્ત. आसक्त. attached; passionate. सूय० १, ६, ३; —कप्पठिइ. स्त्री० (-कल्पस्थिति) પરિહાર વિશુદ્ધ તપ પૂર્ણ કરેલની કલ્પસ્થિતિ; સાધુ સમાચારી વિશેષ. परिहार विशुद्ध तप पूर्ण कियेहुए की कल्पस्थिति; साधु समाचारी विशेष. a particular stage of ascetic-conduct to which a monk has risen. ठा० ५, २; —काइयकप्पठिइ. स्त्री० (-कायिककल्पस्थिति) પરિહાર વિશુદ્ધ તપ કરી બહાર નીકળેલ સાધુની કલ્પસ્થિતિ. परिहार विशुद्ध तप के बाद बाहर निकले हुए साधु की कल्पस्थिति. state of an ascetic who has completed the austerity known as Parihāra Viśuddha. वेय० ६, २०;

णिवित्ति. स्त्री० (निवृत्ति विषयेभ्यो निवर्त्तनं निवृत्ति) આરંભ વગેરે પાપથી નિવૃત્ત થવું તે. आरंभ आदि पापों से निवृत्ति. abstinance from actions which involve injury to or killing of living beings e. g. from flesh eating, drinking etc पंचा०७,३२; —पहाण. त्रि० (-प्रधान) આરંભથી નિવૃત્ત થવામાં પ્રધાન-શ્રેષ્ઠ. आरंभ से निवृत्त होने में प्रधान-श्रेष्ठ. prominent or excellent in abstaining from injury or act which involves injury to living being. पंचा० ७, ३२;

√ **णि-विस.** धा० II. (नि+विश) પ્રવેશ કરવો. प्रवेश करना; भीतर घुसना. To enter.

णिविसेज्जा. वि० वेय० २, १२;
णिविसित्ता. सं० कृ० नाया० ८;
णिविसमाण. व० कृ० वव० १, १६; २४;

णिवेसेइ. प्रे० नाया० ८; १६;
णिवेसंति. नाया० १६;
णिवेसंतु. नाया० १६;
णिवेसेहि. आ० विवा० ६;
णिवेसेह. आ० नाया० ८; १६;
णिवेसित्ता. सं० कृ० नाया० १६; राय २२;
णिवेसिय. निसी० ३, ४;

णिविसमाणकप्पठिइ. स्त्री० (निर्विशमानकल्पस्थिति) પરિહાર વિશુદ્ધ કલ્પ આચારીની કલ્પસ્થિતિ. परिहार विशुद्ध कल्पाचारी की कल्पस्थिति. State of one who is going through the austerity known as Parihāraviśuddha. वेय० ६, २०;

णिवेइय. त्रि० (निवेदित) નિવેદન કરેલ. निवेदित; प्रार्थित. Made known; declared. नाया० २;

√ **णि-वेद.** धा० I. II. (नि+विद्+णि) નિવેદન કરવું; જણાવવું; જાહેર કરવું. निवेदन करना; प्रकट करना To declare or make known.

णिवेदेइ. नाया० ८; १६;
णिवेदंति. नाया० २;
णिवेदेमि. ओव० ११, नाया० १;
णिवेदेमो. भग० ११, ११; दसा० १०, १;
णिवेदज्जा. वि० दसा० १०; १,
णिवेदेह. आ० १० १;
णिवेएइ. ओव० नाया० ६; १६; १८;
णिवेयइ. नाया० १४;
णिवेयंति. नाया० ८; १८;
णिवेएमो. जं० प० नाया० ३; ५३;
णिवेएहि. आ० नाया० १६;

णिवेयण. न० (निवेदन) નિવેદન; જાહેર કરવું તે. निवेदन; प्रकाशन. Act of declaring; act of making known. नाया० ५;

णिवेस. पुं० (निवेश) સ્થાપન કરવું તે; બેસાડવું તે. स्थापित करना; बैठाना; प्रतिष्ठा करना. Act of fixing or establishing; placing. नाया० ८; १६;

णिव्वट्टण. न० (निर्वर्त्तन) નગર માંથી નિકળવાનો માર્ગ. नगर बाहर होने का मार्ग. A way leading out of a town; an exit from a town. नाया० २;

णिव्वट्टित्ता. सं० कृ० अ० (निर्वर्त्य) જીવ પ્રદેશથી શરીરને જુદું કરીને. जीव प्रदेशसे शरीरको अलग करके. Having dissociated the body from the soul. ठा० २, ४;

णिव्वण त्रि० (निर्व्रण) ફોડા ચાંઠા આદિ-જખમ રહિત. घाव रहित; व्रणरहित. फोडे फुंसी आदिसे रहित. Free from boils, wounds etc. ओव० १०; जीवा० ३, ३; नाया० ३; जं० प० ७, १६६;

णिव्वत. त्रि० (निर्व्रत) વ્રત રહિત. व्रत रहित; संकल्प हीन. Vowless; devoid of a vow. राय० २०८;

णिव्वत्त. त्रि० (निर्वृत्त) નિવૃત્ત થયેલ निवृत्त; छूटाहुआ; मुक्त. Retired from; turned back from. ठा० ६; भग० ११, ११; (२) અતિક્રમણ કરેલ. अतिक्रमण किया हुआ. transgressed; crossed. नाया० १; जं० प० ३, ५३; (३) ઉત્પન્ન થયેલ. उत्पन्न. born; produced. नाया० १६; —मह. पुं० (-मह) નિવૃત્ત-પૂર્ણ થયેલ મહોત્સવ. निवृत्त महोत्सव; सानन्द समाप्त उत्सव. A festivity which has been completed. नाया० १;

णिव्वत्तण. न० (निर्वर्त्तन) ઉત્પન્ન કરવું. उत्पन्न करना; जन्म देना. Act of producing; creation; production. पन्न० २२;

णिव्वत्तणया. स्त्री० (निर्वर्त्तन) નિષ્પત્તિ; સિદ્ધિ. निष्पत्ति सिद्धि; सफलता. Act of finishing; completion; final result. " तओ णिव्वत्तणया तओ परियाइयत्ता " पन्न० १४;

णिव्वत्तणा. स्त्री० (निर्वर्त्तना) છુટવું; નિવૃત્ત થવું તે. मुक्त होना; छूटना. State of being free from; abstinence from. भग०१७,४; (२) ઉત્પન્ન કરવું તે. उत्पन्न act of making or producing. भग० १३,३;—अहिगरणिया. स्त्री० (-अधिकरणिकी) તલવાર વગેરે અધિકરણને તદ્દન નવીન તૈયાર કરવાથી લાગતી ક્રિયા. नितान्त नवीन तलवार आदि शस्त्रों को बनाने से लगने वाली क्रिया. the sin incurred by preparing absolutely new weapons such as swords etc. ठा० २, १; भग० ३, ३;

णिव्वत्ति. स्त्री० (निर्वृत्ति) વસ્તુની ઉત્પત્તિ; બનાવટ. वस्तु की उत्पत्ति; बनावट; घटना विधि. Making or creation of a thing (२) નિષ્પત્તિ. निष्पत्ति. creation; coming into existence. " कइ विहाणं भंते जीवणिव्वत्ती पण्णत्ता " भग० १६, ८; पन्न० १;

णिव्वत्तिय. त्रि० (निर्वर्तित) ઉત્પન્ન કરેલ બનાવેલ; ઉપાર્જન કરેલ. उत्पन्न किया हुआ; बनाया हुआ; उपार्जित. Produced; made; acquired. नाया० १; ८; भग० १६,१; पन्न० १४; ठा० २, ४; (२) વ્યવસ્થાપન કરેલ. व्यवस्थापन किया हुआ. arranged, managed. पन्न० २३;

णिव्वय. त्रि० (निर्व्रत) વ્રત રહિત. व्रत रहित; संकल्प शून्य. Devoid of vow; vowless. ठा० ३, १; २; नाया० ८;

भग॰ १२, ८; जं॰ प॰ ३, ३६;

णिव्वयण. न॰ (निर्वचन) ખુલાસો; જવાબ. खुलासा; उत्तर. Decision; reply. ठा॰ १०;

णिव्वाघाअ-य. त्रि॰ (निर्व्याघात) વ્યાઘાત રહિત; વિઘ્ન વિના. व्याघात रहित, निर्विघ्न; विघ्न शून्य. Free from obstruction; unfettered by obstacles "णिव्वाघाएणं पन्नरसकम्मभूमिसु" पन्न॰ २; नाया॰ १; १४ १६; भग॰ ११, ११; १७, ४; २५, २; ओव॰ ४०; (२) न॰ જેને ક્યાં રોકાણ-અટકાવ ન થાય તેવું-[illegible] કેવલજ્ઞાન. जिसको कहीं रुकाव -अटकाव न हो एसा. विघ्न राहित केवलज्ञान. omniscience which is unfettered by any obstruction. ओव॰ ४०;

णिव्वाघाइम त्रि॰ (निर्व्याघातिक) સ્વાભાવિક; કુદરતી; કોઈ વસ્તુના આવરણથી ન બનેલ. प्राकृतिक; नैसर्गिक; कुदरती; अकृत्रिम Natural; not artificial. सू॰ प॰ १८;

णिव्वाण. पुं॰ न॰ (निर्वाण) મોક્ષ. मुक्ति; मोक्ष. निर्वाण; परमपद प्राप्ति. Salvation; freedom from Karma; final beatitude due to the destruction of all Karmas. नाया॰ १; ८ १२; १७; ठा॰ ३, ३; सूय॰ १, ६; २६; सूय॰ नि॰ १, ११, ११४; (२) જંબુદ્વીપના એરવત ક્ષેત્રમાં આવતી ચોવીસીમાં થનાર ત્રીજા તીર્થંકર. जंबूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में आगामी चौवीसांमें होने वाले तीसरे तीर्थंकर. the 3rd would be Tīrthankara of Airavata Kṣetra in Jambūdvīpa in the coming Chauvīsī. सम॰ प॰ २४३; —अंग. न॰ (-अङ्ग) મુક્તિનું કારણ. मुक्तिका कारण; मोक्ष हेतु. cause or means of salvation. पंचा॰ १६, ४२; —गम. पुं॰ (-गम) નિર્વાણ-મોક્ષ ગમન. निर्वाण गमन; मोक्ष-मुक्तिको जाना- प्राप्त होना. attainment of salvation; final emancipation. नाया॰ ८; —मग्ग. पुं॰ (-मार्ग) મોક્ષનો માર્ગ. मोक्षका मार्ग; मुक्तिपथ. Path of salvation. नाया॰ १; भग॰ ६, ३३; —वाइ. त्रि॰ (-वादिन्) મોક્ષમાર્ગનો ઉપદેશ આપનાર. मोक्षमार्गका उपदेश देनेवाला. (one) who teaches the path of salvation. "पक्खीसु वा गरुले वेणुदेवे णिव्वाणवादीणिह णायपुत्ते." सूय॰ १, ६, २१; —साहण. न॰ (-साधन) મોક્ષનું સાધન. मोक्षका साधन. means of salvation; cause of final emancipation. नाया॰ ८; —सुह. न॰ (-सुख) મોક્ષનું સુખ, આનન્દ. मोक्षका सुख; मुक्तिका आनंद. bliss of salvation; final beatitude. नाया॰ नि॰ १, ३, १, २०८;

णिव्वाय. त्रि॰ (निर्वात) વાયુ રહિત निर्वात; वायुरहित; बिना हवाका. Free from draughts of wind. नाया॰ १;

णिव्वाविय. त्रि॰ (निर्वापित) શીતલ કરેલ; ઠંડુ પાડેલ. थंडा कियाहुआ; शान्त,-शीतल कियाहुआ. cooled; extinguished. नाया॰ १, १३;

णिव्वासिय. त्रि॰ (निर्वासित) હદપાર કરેલ. निर्वासित; हद बहार निकालाहुआ; Banished; driven out by a fiat. नाया॰ ८;

णिव्विगइय. न॰ (निर्विकृतिक) દૂધ આદિ રસનો પરિત્યાગ; વિગયના પચ્ચક્ખાણ. दूध आदि रसोंका परित्याग; विगयके प्रत्याख्यान.

Abstinence from, giving up of, such substances as milk and its transformations. भग० २५, ७;

णिव्विइट्ठ. पुं० (निर्विष्ट) જેણે પરિહારવિશુદ્ધ ચારિત્ર સેવેલ છે તે સાધુ. जिसने परिहार विशुद्ध चारित्रको पाला है वह साधु. An ascetic who has practised the austerity known as Parihāra-viśuddhi. ठा० ३, ४; नाया० १६; —**कप्पठिइ.** स्त्री० (-कल्पस्थिति.) પરિહાર વિશુદ્ધ ચારિત્રને પૂર્ણ કરનાર સાધુની કલ્પ-સ્થિતિ. परिहार विशुद्ध चारित्रको पूर्ण करनेवाले साधुकी कल्पस्थिति the stage reached by an ascetic after the performance of the austerity known as Parihāra viśuddhi. ठा० ३, ४: —**काइय.** पुं० (-कायिक) પરિહાર વિશુદ્ધ ચારિત્રને પૂર્ણ કરીને એ ચારિત્રથી બહાર નીકલનાર સાધુ. परिहार विशुद्ध चारित्रको समाप्तकर, इस चारित्रसे बाहर निकलाहुआ, आगे बढाहुआ साधु. an ascetic who has duly performed the austerity known as Parihāraviśuddhi and has stepped into the next higher stage. भग० २५, ७;

णिव्विण्ण. त्रि० (निर्विण्ण) ખિન્ન; ખેદયુક્ત खिन्न; दुःखित; खेदपूर्ण. Fatigued or afflicted in mind; sorrowful. "जो एत्तियंपि चित्ते इच्छइ सो को न विवक्खो" नाया० १, ३, ३, १२४; नाया० ८; (२) નિવૃત્ત; નિવૃત્ત થયેલ. retired from; turned back from; abstaining from. नाया० ४; ८; १८; १६; —**चारि.** त्रि० (-चारिन्) ખિન્ન થઈ ફરનાર खिन्न-दुखी होकर फिरनेवाला. fatigued or troubled in mind; afflicted in mind. "सेणिव्विण्णचारी अरते पयासु" आया० १, ५, ३, १५४; —**वरा.** स्त्री० (-वरा निर्विण्णा वराः परिणेतारो यस्यां सा निर्विण्णवरा) વિરક્તપતિવાળી સ્ત્રી. विरक्त पतिवाली स्त्री; वह स्त्री जिसका पति विरागी हो a woman whose husband is disgusted with the world and its ways and is ascetic in spirit. नाया० ध० १:

णिव्वित्त. त्रि० (निर्वृत्त) નિવૃતિ પામેલ; પુરૂં થયેલ. निवृति प्राप्त; पूर्ण; समाप्त. Finished; completed. ओव० ४०;

णिव्वियतिअ. त्रि० (निर्विकृतिक) જેમાં દૂધ ઘી વગેરે વિકૃતિનો ત્યાગ કરવામાં આવે છે તે તપ; નીવી. वह तप जिसमें दूध और उसके विविध विकृतिओं का त्याग किया जाता है; नीवी. A kind of austerity requiring abstinence from milk, ghee and its products; this is also called Nivī. ओव० १६:

णिव्विस. त्रि० (निर्विष) વિષ ઝેરથી-રહિત. विष हीन जहर रहित Free from poison. "णिव्विसं पंडुरं मांसं" ओव०

णिव्विसय. त्रि० (निर्विषय) વિષય અભિલાષા રહિત. विषय वासना काम वासना रहित; विरक्त; संयमी. Free from sensual lust. उत्त० १४, ४१; (२) દેશ બહાર કરેલ; દેશ ટે. અ.પેલ निर्वासित; देश से निकाला हुआ. exiled; banished from a country. पराह० १, ३; नाया० १६;

णिव्वासिय. त्रि० (निर्वासित) દેશથી બહાર કરેલ. देश बाहर किया हुआ. Banished; exiled; turned out of a

country. नाया॰ ८; १६; भग॰ १५, १;

णिव्विसेस. त्रि॰ (निर्विशेष) विशेषता रहित; साधारणु. विशेषता रहित;सामान्य; साधारण. Common; free from peculiarity or particularity. तंदु॰

णिव्वुत्र. त्रि॰ (निर्वृत) शीतल थयेल शान्त. थंडा; निर्वृत्त. Cooled; cool. आया॰ १, ८, १, २००; (२) निर्वाणु-मोक्ष गयेल. मोक्ष को प्राप्त; निर्वाण प्राप्त. free from the cycle of birth and death; finally liberated. प्रव॰ ३३, (३) स्वस्थ आत्मा. स्वस्थ्य-सबल-निरोग आत्मा. a calm, peaceful soul. नाया॰ १;

णिव्वुइ स्त्री॰ (निवृति) मननुं स्वस्थपणुं; समाधि मानसिक स्वस्थता; समाधि. Calmness or tranquillity of mind; peace of mind. पगह॰ १, २; (२) क्षीणु मोहावस्था. क्षीण मोहावस्था. happiness; freedom from delusion. सूय॰ नि॰ १, ११, ११४; (३) ओ नामना ओक आचार्य के जेना उपरथी निवुति शाखा नीकली. इस नाम के एक आचार्य कि जिनके ऊपर से एक शाखा निकली. name of a lineage styled after the preceptor of this name. कप्प॰ ८; —कर. त्रि॰ (-कर) सर्व कर्मनो क्षय करनार सर्व कर्मों का क्षय करने वाला. (one) that destroys all Karmas. पन्न॰ १; तंदु॰ जं॰ प॰ २, ३०; (२) सुखकर; शाता उपजावनार; सुखकर. giving peace and happiness. राय॰ ११९; नाया॰ १७; —पह. पुं॰ (-पथ) मोक्ष मार्ग. मोक्ष मार्ग; मुक्ति पन्थ. path of salvation. नंदी॰ —यार. त्रि॰ (-कार) शाता करनार. शान्तिदाता; निवृत्तिकार. peace giving; happiness giving. नाया॰ १;

णिव्वुक्कच्छिण्ण. त्रि॰ (*) निर्मूल करेल; जड मूलथी छेदेल. निर्मूलित; जे जड किया हुआ; जडमूल से छेदा हुआ; समूल नष्ट. Rooted out; eradicated. पगह॰ १, ३;

णिव्वुड. त्रि॰ (निर्वृत) शीतल-ठंडु थयेल. शीतल-थंडा किया हुआ. Cooled; cool. आया॰ १, ४, ३; १३६; (२) निर्वाणु पामेल. मोक्ष पामेल. निर्वाण पाया हुआ; मोक्ष पायाहुआ free from the cycle of birth and death; (one) who has attained final absolution. " जंकिञा णिव्वुडा एगे " सूय॰१,१५,२१;

णिव्वुड्ड. त्रि॰ (*निमज्जित) डुबी गयेल. डूबाहुआ; निमज्जित. Drowned; sunk. नाया॰ ६;

णिव्वुत्ति. स्त्री॰ (निर्वृति) निर्वाणुसुख. निर्वाण सुख; मोक्षसुख. Happiness of salvation. जीवा॰ ३, ४;

णिव्वुय. त्रि॰ (निर्वृत) सुखी; सन्तोषी. सुखी; संतोषी. Happy; contented. ओव॰ (२) क्रोध वगेरे दूर थवाथी शांत थयेल. क्रोधादि दूर होने से शान्त. tranquil on account of the banishment of anger etc. from the mind. " जे णिवुया पावेहिं कम्मेहिं " आया॰ १, ७, १, २००;

णिव्वूह. पुं॰ (निर्व्यूह) द्वारनो ओक भाग; टोडलो. द्वारका एक भाग; घोडला; दरवाजे

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) P. 15th.

की ऊपरी बारसाख की दोनों बाजू ऊपर निकलाहुआ भाग. A particular part of a door; a wooden block projecting from each of the upper ends of the door of a house. जीवा० ३, ४;

णिव्वेअणी. स्त्री० (निर्वेदिनी) संसारथी विरक्त बनावनार वैराग्यनी कथा. संसार से विरक्ति उत्पन्न करने वाली वैराग्य कथा. A story which produces disgust with the world and its ways, in the mind of the hearer. "णिव्वेयणी कहाचउ विहापण्णत्ता" ठा० ४, २; ओव० २१;

णिव्वेग. पुं० (निर्वेग निर्वेद) संसारथी विरक्ति. संसारसे विरक्ति; संसार से उदासीनता. Disgust with, repulsion from the world भग० १७, ३;

णिव्वेगणी. स्त्री० (*निर्वेगनी-निर्वेदनी) जुओ "णिव्वेअणी" शब्द. देखो "णिव्वेअणी" शब्द. Vide. 'णिव्वेअणी' ठा० ४, २;

णिव्वेय. पुं० (निर्वेद) वैराग्य; संसारथी विरक्तता. वैराग्य; संसार से विरक्ति. Dislike for or disgust with the world and its ways; renunciation. आया० १, ४, १, १२७; उत्त० १८, १८; २६, २; (२) मोक्षनी अभिलाषा. मोक्षेच्छा; मुक्तिकी अभिलाषा. desire for salvation or final liberation. प्रव० १४;

णिव्वेस. पुं० (निर्वेश) लाभ. लाभ; फायदा. Benefit; gain ठा० ५, २;

णिसंत. न० (निशान्त) विश्राम. विश्राम; आराम. Shelter; rest. नाया० १८; (२) घर. घर. a house. राय० ७४;१२;

णिसंत. त्रि० (निशान्त-नितरां शान्तो निशान्तः) अत्यंत शांत प्रकृतिवाळो. अत्यंत शांत प्रकृतिवाला; अमर्षशून्य; ठंडे मिजाजका. Extremely calm; serene. उत्त० १, ८; (२) सांभळेल. सुनाहुआ. heard. आया० २, १, २, ८०; नाया० १; ५; १३; १४; १६; नाया० ध० भग० ६, ३३; १०, २; (३) (निशाया अन्तमवसानं निशान्तम्) प्रभातनो वखत; रात्रिनो अंत. प्रातःकाल; उषःकाल; प्रातःकालीन संध्या. dawn; time of day-break. दस० ६, १; नाया० ८; (४) अवधारण करेल. स्मृतिपथ में अंकित; याद किया हुआ. fixed or retained in the mind. "अहासुतं वूहिजओ णिसंतं" सूय० १, ६, २;

णिसंस. त्रि० (नृशंस नृन्नरान् शंसति हिनस्तीति) क्रूरकर्म करनार. क्रूर कर्म करनेवाला. कठोर कर्मी. Wicked; cruel. पण्ह० २, १; नाया० २;

णिसग्ग. पुं० (निसर्ग) स्वभाव; प्रकृति. स्वभाव; प्रकृति; मिजाज. Nature. ओव० २०; ठा० २, १; —रुइ. स्त्री० (रुचि) उपदेश सांभळ्या वगर कुदरती रीते थती धर्म परनी अभिरुचि. उपदेश के न सुनते हुए भी स्वाभाविकतया उत्पन्न होने वाली धार्मिक रुचि. Intuitive liking for or faith in religion; inborn love of religion. ठा० ४, १; १०; भग० २५, ७; पन्न० १; नाया० ध० २;

णिसज्जअ. त्रि० (नैषधिक) पल्यंक आसने बेसनार पल्यंक-एक आसन विशेषसे बैठनेवाला. (One) sitting in a squatting posture. पण्ह० २, १;

णिसड्ड. त्रि० (निसृष्ट) निकळेल निकलाहुआ; निसृत; प्रस्फुटित. Come out; got out. (२) आपेल. दियाहुआ; प्रदत्त.

given; presented. राय० आया० १, ८, २; २०२; नाया० १; वय० २, १६; (३) मुक्त; छुटो. मुक्त; छुटाहुआ; स्वतंत्र. free; liberated. सम० ६; आया० २, २, १, ६४; (४) फेंकेल. फेंकाहुआ. thrown; flung. भग० १४, १;

णिसढ. पुं० (निषध नितरां सहते-स्कंधे समारोपितं भारमिति निषध) બળદ. बैल; वृषभ. An ox. चं० प० ४; (२) निषध नामे એક યાદવ કુમાર. निषध नामक एक यादव कुमार. a Yādavakumāra so named. नाया० १६; (३) મહાવિદેહની મર્યાદા કરનાર મેરૂથી દક્ષિણ તરફનો નિષધ નામે પર્વત. महाविदेहको पार्श्वगामित-करनेवाला मेरुका दक्षिण ओरका निषध पर्वत. the mountain named Nisadha in the south of Meru, forming the boundary line of Mahāvideha. "कहिणं भंते जंबूदीवे दीवे णिसहे णामं वासहरपव्वए पण्णत्ते" जं० प० ४; "दो णिसढा" ठा० २, ३; जीवा० ३, ४; —**कूड.** न० (-कूट) નિષધ પર્વતનું બીજું કૂટ-શિખર. निषध पर्वतका-दूसरा चोटी शिखर. the 2nd summit of the mount Nisadha. ठा० २, ३; जं० प० —**दह.** पुं० (-ह्रद) મન્દર પર્વતની દક્ષિણે દેવકુરૂમાંનો મોટો દ્રહ-ઝરો. मन्दर पर्वतकी दक्षिण दिशाके देवकुरुका बड़ा-विशाल स्रोत-झरना. a large stream of water in Devakuru in the south of the Mandara mount. कहिणं भंते देवकुराए णिसढदहे णामं दहे पण्णत्ते. जं० प० ४, ८६; ठा० ५, २; —**वासहर.** पुं० (-वर्षधर) એ નામનો એક પર્વત. इस नामका एक पर्वत. name of a mountain. नाया० ८;

णिसराण. त्रि० (निषण्ण) બેઠેલું; बैठाहुआ. Seated. नाया० १, ५; १, १२; भग० ७, ६; नाया० ध० ओघ० नि० ६; ओव० ३१; ठा० ५, २;

णिसम्म. सं० कृ० अ० (निशम्य) વિચારીને, હૃદયથી અવધારીને. विचारकर; हृदयसे निश्चित करके. Having thought; having thought or decided in the mind. नाया० १; ५; ८; ६; १२; १४; १६; १९; भग० ६, ३३; ११, ११; १५, १; जीवा० ३, ४; ओव० १२; आया० २, १, ३, १६; २, १, ६, ६९; ठा० ३, ३; —**भासि.** त्रि० (-भाषिन्) વિચારીને બોલનાર. विचारपूर्वक बोलनेवाला. (one) who speaks thoughtfully; considerate in speech. आया० २, ४, २, १४०; सूय० १, १०, १०;

णि-सर. धा० I. (नि+सृ) બહાર નીકળવું. बाहर निकलना. To get out; to come out.

णिसरइ पन्न० ११;

णिसरंति राय० २८

णिसरण. न० (निसरण) નીકળવું તે. निस्सरण; बाहर निकलने का कार्य. Act of getting out; moving out. नाया० १६;

णिसल्ल. त्रि० (निःशल्य) માયા, નિયાણ અને મિચ્છાદંસણ એ ત્રણ શલ્ય રહિત. माया, नियाण और मिच्छादंसण इन तीन शल्योंसे रहित. Devoid of, free from the thorns in the form of deceit, desire for the fruit of actions and heresy. महा० नि० १;

णिसह. पुं० (निषध) જુઓ "णिसढ" શબ્દ. देखो "णिसढ" शब्द. Vide "णिसढ" सूय० १, ६, २२; जं० प० पन्न० १६;

चं॰ प॰ ४; —कूड पुं॰ (कूट) જુઓ "णिसढकूड" શબ્દ. देखो "णिसढकूड" vide "णिसढकूड" ठा॰ ६; जं॰ प॰ —द्दह. पुं॰ (ह्रद) દેવકુરુની ચિત્ર વિચિત્ર કૂટ પર્વતથી ૮૩૪ જોજનને સાતીયા ચાર ભાગ ઉત્તરે સીતા નદીની વચ્ચે આવેલ એક દ્રહ. देवकुरुके चित्राविचित्र कूट पर्वतसे ८३४ योजनके (अनुमानतः) चार भाग उत्तरकी ओर सीता नदीके बीचमें आनेवाला एक झरना. a lake, stream in the middle of the river Sītā to the north of Chitravichitra peak of Devakuru at an approximate distance of 834 Yojanas. ठा॰ ५, २; जं॰ प॰

णिसा. स्त्री॰ (निशा) રાત્રીના જેવા અંધકારવાળી નરકભૂમિ. तामिस्र नामक नरक; रात जैसे अंधेरेवाला नरक. Hell which is as dark as night. सूय॰ २, ६, ४६;

√**णिसाम.** धा॰ I, II. (नि+शम्+णिच्) સાંભળવું; જાણવું. सुनना; जानना. To hear; to know.

णिसामेइ. नाया॰ १६; भग॰ १५, १,
णिसामिज्जा. वि॰ सूय॰ १, १, ४, ५;
णिसामेहि. आ॰ भग॰ १५, १,
णिसामित्ता. सं॰ कृ॰ सूय॰ १, १४, २४; आया॰ १, ८, ३, २०७;
णिसामित्तए. हे॰ कृ॰ नाया॰ ५; १२; १४;
णिसामेत्तए. हे॰ कृ॰ नाया॰ १४;

णिसिज्जा. स्त्री॰ (निषद्या) આસન; બેઠક. आसन; बैठक. A seat; posture. ठा॰ १, १; सूय॰ १, ६, २१;

णिसिअ-य. त्रि॰ (निशित) તીક્ષ્ણ; પાણીદાર; તીખી ધારવાળું. तीक्ष्ण; पानीदार; तेज धारवाला. Sharp; sharp-edged; spirited. सूय॰ १, ५, १, ८; १, ६, १;

णिसिट्ठ. त्रि॰ (निःसृष्ट) ફેંકેલ. फैंका हुआ. Thrown; flung. भग॰ १५, १; (२) મુક્ત; સ્વતંત્ર. released. सम॰ ६;

णिसिद्ध. त्रि॰ (-निषिद्ध) નિષેધ કરેલ; અટકાવેલ. मनाकियाहुआ; निषिद्ध. Checked; restrained; prohibited. पंचा॰ १२, २२;—जोग पुं॰ (योग) સદ્વ્યાપારનો અટકાવ નિષેધ કરેલ. सद्व्यापार का निषेध किया हुआ. (One) prohibited from, checked in salutary activity. पंचा॰ १२; २२;

√**णि-सिर.** धा॰ I. (नि+सृज्) આપવું; ફેંકવું; છોડવું डालना. फैंकना; छोड़ना. To give; to hand over; to present; to throw; to fling; to leave.

णिसिरइ. नाया॰ १६;
णिसिरिंति. सूय॰ २, २, ५;
णिसिरामि. नाया॰ १६; भग॰ १५, १;
णिसिरामो. आया॰ २, २, ६, ४६;
णिसिरित्ता. सं॰ कृ॰ भग॰ १५, १;
णिसिरंत. व॰ कृ॰ सूय॰ २, २, ५;
णिसिरावेंति. सूय॰ २, २, ६;

णिसिरण. न॰ (निसर्जन) નીકળવું તે निस्सरण बाहर आना; बहिरागमन. Act of getting out; starting out. पन्न॰ ११;

णिसिरणा. स्त्री॰ (निसर्जन) દાન. दान. Act of giving away in charity. (२) ત્યાગ. त्याग. abandoning. आया॰ २, १, १०, ११;

णिसिरिज्जमाण. त्रि॰ (निःसृज्यमान) ફેંકાતો. फैंकाजाता हुआ; फैंकता हुआ. Throwing; being flung भग॰ ८, ९;

णिसिरिय. त्रि॰ (निसृष्ट) તજેલ; મુકેલ. त्यागा हुआ. छोड़ा हुआ. Left; abandoned. भग॰ १२, ४;

णिसीइयव्व. त्रि० (*निषीदितव्य) બેસવા લાયક (ભૂમિ) बैठने योग्य भूमि-स्थल. (Place) worthy of, fit for, being a seat. भग० २. १,

√णि-सीय. धा० I. (नि+षद्) બેસવું. बैठना. To sit.

णिसीयइ. नाया० १; ८; १६; १६;

णिसजइ. नाया० १६;

णिसीदंति जीवा० ३;

णिसीयंति. नाया० १; ६; १६; जं० प० ४, ११७;

णिसियामो. सूय० २, ७, १५;

णिसीयह. नाया० १६;

णिसीइत्ता. सं० कृ० नाया० १६; भग० ११, ११;

णिसीइत्तए हे० कृ० भग० १३, ४; वेय० १, १६; ३, १;

णिसीयावेंति. प्रे० जं० प० ५, ११४;

णिसीयावित्ता. प्रे० सं० कृ० जं० प० ५, ११४;

णिसीयण. (निषीदन) બેસવું તે. बैठने का कार्य; बैठना. Act of sitting. भग० १३, ४; १५, ७; ठा० ७;

णिसीयव्व. त्रि० (निषीदितव्य) બેસવા યોગ્ય. बैठने योग्य. Worth sitting upon; worthy of being a seat or sitting place. नाया० १;

णिसीहिया. स्त्री० (नैषेधिकी) સ્વાધ્યાય કરવાની ભૂમિ. स्वाध्याय करने की भूमि-स्थल. A place for the study of scriptures. (२) પાપ ક્રિયાનો ત્યાગ. पाप कर्म का त्याग. giving up of sinful activities. नाया० १६; भग० १६, ५; जीवा० ३, ४; निसी० ५, २; (३) સામાચારીનો એક પ્રકાર. सामाचारी का एक प्रकार. a particular mode of ascetic-conduct. पंचा० १२, २;

णिसीहिया. स्त्री० (निशीथिका) સ્વાધ્યાય ભૂમિ. स्वाध्याय-भूमि. A place for the study of scriptures or for meditation. भग० १४, १०; नाया० ध० राय० १०६; निसी० १३, १;

णिसुंभा. स्त्री० (निशुम्भा) વૈરોચન ઇંદ્રની પાંચમી અગ્રમહિષી. वैरोचन इन्द्र की पांचवीं अग्रमहिषी-पट्टरानी. The 5th of the principal queens of Vairochana Indra. ठा० ४, २; नाया० ध० २; भग० १०, ५;

णिसुणिऊण. सं० कृ० अ० (निश्रुत्य) સાંભળીને. सुनकरके. Having heard. जीवा० १;

णिसेय. पुं० (निषेक) કર્મ પુદ્ગલની પ્રતિ સમય અનુભાગ રચના. कर्म पुद्गलों की प्रति सामयिक अनुभाग रचना. The intensity (of Karmic results) caused by a number of Karmic atoms operating in a particular instant. ठा० ६;

णिसेयग. त्रि० (निषेवक) સેવનાર; આરાધનાર. सेवक; आराधक. (One) who worships or propitiates; (one) who resorts to; (one) who serves. सूय० २, ६, ५;

णिसेविय. त्रि० (निषेवित) આશ્રય કરેલ. आश्रय किया हुआ; आश्रित. Resorted to; depended upon. उत्त० १०, १;

णिसेहिया. स्त्री० (नैषेधिकी-निषिध्यन्ते निराक्रियन्तेऽस्यां कर्माणीति नैषेधिकी) મોક્ષગતિ. मोक्षदशा; मुक्ति. State of salvation; final bliss. जीवा० ३;

णिस्संक. न० (निःशंक) નિઃશંક; ચોક્કસ. निःशंक; शंका रहित. Certain; un-

doubted; free from doubt. पंचा० ६, २;

णिस्संचार. त्रि० (निस्संचार) સંચાર રહિત; જે નગરમાં માણસોને આવવા જવાનું બંધ હોય તે. संचार आवागमन-रहित; वह नगर जिसमें आमद रफ्त का बंधन हो. (A town etc.) where movement of men etc. is prohibited; free from movement of men etc; still. नाया० ८;

णिस्संत. त्रि० (निःशान्त-नितरामतिशयेन शान्तः) અતિશય શાંત થયેલ. अतिशय शान्त. Extremely tranquil on account of control of anger etc. उत्त० १, ८; राय०

णिस्संदिद्ध त्रि० (निःसंदिग्ध) સંદેહ રહિત संदेह रहित; निस्सन्देह. Free from doubt; clear of doubt. भग० १५,१.

णिस्संदेह त्रि० (निस्सन्देह) સંદેહ રહિત. निस्सन्देह; शंका रहित. Free from doubt; clear of doubt. नाया० २,

णिस्संधि. त्रि० (निस्संधि) સાંધ-છિદ્ર રહિત. छिद्रशून्य; संधि रहित. Having no joint or hole. "णिस्संधिवाराविराहिया" पराह० १, १;

णिस्संस. त्रि० (निःशंस) પ્રશંસા રહિત. प्रशंसा रहित Free from praise; devoid of praise. पराह० १, २;

णिस्संस. त्रि० (नृशंस) ઘાતકી; ક્રૂર. घातकी; हत्यारा; क्रूर. Cruel: wicked. पराह० १, १; नाया० ९;

णिस्सराण. त्रि० (निः सञ्ज्ञ) સંજ્ઞા રહિત. संज्ञा रहित; बेनाम. Devoid of name, consciousness etc. सूय० नि० १, ५, १, ७१;

णिस्सयर. त्रि० (निःस्करकर) કર્મને જુદા પાડનાર. कर्म को पृथक करने वाला. (One) who gets rid of Karmas; (one) who seperates himself from Karma. आया० २, ४, १, ६;

णिस्सरण न० (निःसरण) બહાર નીકળવું बाहर निकलना; बहिर्गमन. Act of coming out or getting out; exit. ठा० ४,२; —णंदि. त्रि० (नन्दिन्) બહાર નીકળવામાં આનંદ પામનાર. बाहर निकलने में खुशी मानने वाला. (one) who takes delight in getting out ठा० ४,२;

णिस्सल्ल. त्रि० (निःशल्य) માયા નિયાણું અને મિચ્છાદંસણ એ ત્રણ શલ્ય રહિત. माया, नियाण और मिच्छादंसण इन तीन शल्यों से शून्य. Free from the three thorns in the form of deceit, attachment to the fruit of actions and heresy. सम० ६; आउ०

णिस्ससिय. न० (निःश्वसित) નીચે શ્વાસ મુકવે. सांस छोडना. दम लेना Act of breathing out; act of exhaling. नाया० ४;

णिस्सह त्रि० (निःसह) અતિ અશક્ત. बहुत कमज़ोर. Extremely weak or feeble सम० ६;

णिस्सहक्ष्र. त्रि० (निःसहक) અતિશય અશક્ત. बहुत कमज़ोर. अतिशय अशक्त. Extremely weak or feeble सम० ६;

णिस्सा. स्त्री० (निश्रा) આશ્રય; આલંબન. आश्रय; आलम्बन. Shelter; resort. भग० ३, २; निसी० १४, ४६; पन्न० १; —ट्ठाण. न० (-स्थान) આલંબન-આશ્રયના સ્થાન. आलम्बन या आश्रय का स्थान. a place of resort; an object which serves as a sup-

port or resting place. ठा० ५, ३; —वयण. न० (-वचन) કોઇને પ્રતિબોધ પમાડવાને કોઈ તેવા ગુણવાળાનું દૃષ્ટાંત આપવું તે. किसी को समझाने के लिए किसी समान गुणवाले का उदाहरण देकर समझाना. an illustration or an example given to teach a moral or spiritual lesson. ठा० ४, ३;

णिस्साए. सं० कृ० अ० (निश्रित्य) નેશ્રા-આશ્રય લઇને. आश्रय लेकर. Having resorted to; having rested on; depending on. सूय० २, ७, २;

णिस्साय. सं० कृ० अ० (निश्रित्य) આશ્રિને आश्रित होकर. Resting on; having resorted to; having connection with. भग० १५, १;

णिस्सास. पुं० (निःश्वास) નિશ્વાસ; અધોગામી શ્વાસ. नीचे की ओर श्वास छोड़ना. Sigh; downward breath. भग० १६, ११;

णिस्संचिया. सं० कृ० अ० (निःषिच्य) એક વાસણમાંથી બીજા વાસણમાં નાખીને एक पात्र से दूसरे पात्र में डालकर. Having poured from one vessel into another. दस० ५, १, ६३;

णिस्सिय. त्रि० (निःश्रित निश्रयेन श्रितः संबद्धो निःश्रितः) મેળવેલ. मिलाया हुआ. Got; obtained; joined; mixed. सूय० १, २, ३, ६; (२) નિશ્રયે બાંધેલ. निश्चय से बांधा हुआ. securely fastened; firmly bound. सूय० १, १, १, १०; २, ६, २३; (३) લિંગ; અંકિત. लिङ्ग. a characteristic. (४) આશ્રિત. आश्रित; आश्रय लिया हुआ. resting on; resorting to; depending on. ठा० १०; सम० सूय० १, १, २, ३०; अणुजो० १२८; (५) આસક્ત થયેલ. आसक्त. attached to; passionately fond of. सूय० १, १, १, १०; ठा० ५, २; (६) पुं० રાગ, આહાર આદિની લોલુપતા. राग, आहार आदि की इच्छा; लोलुपता. passion for, greed of food etc. ठा० ८;

णिस्सिय त्रि० (निःसृत) નિકળેલ. निकला हुआ; निःसृत. Come out; got out; started " तंच सरूवओ जं आणिस्सियामि " विशे० पन्न० १;

णिस्सील. त्रि० (निःशील) સારા સ્વભાવથી રહિત; દુઃશીલ. सद्भावशून्यः दुःशील; दुराचारी. Of an evil nature or disposition. ठा० ३, १; २; नाया० १८; राय० २०८; (२) આચાર રહિત. आचार रहित. devoid of ascetic conduct. जं० प० २, ३६; (३) સમાધિ-શાન્તિ રહિત. समाधि-शान्ति रहित. devoid of concentration or calmness of mind. भग० १२, ८; (४) શીયલ વગરનો; બ્રહ્મચર્યવ્રત રહિત. शील हीन; ब्रह्मचर्य शून्य; अब्रह्मचारी. incontinent; unchaste. ठा० ३, १; २; राय० २०८; (५) મહાવ્રત અને અણુવ્રત રહિત. महाव्रत और अणुव्रत रहित. not observing the major and the minor vows. भग० ७, ६;

णिस्सेणि. स्त्री० (निःश्रेणि) નિસરણી. निसैनी. A ladder. पगह० १, १;

णिस्सेयस. न० (निःश्रेयस्) કલ્યાણ. कल्याण; भला. Welfare; bliss. ठा० ३, ४; ६; —कर त्रि० (-कर) કલ્યાણ કરનાર. कल्याण करने वाला. (one) causing or giving welfare. नाया० ८;

णिस्सेयसिय. त्रि० (नैःश्रेयसिक—निःश्रेयसं मोक्षमिच्छतीति नैःश्रेयसिकः) મોક્ષાભિલાષી; મુમુક્ષુ. मोक्ष की इच्छा वाला; मुमुक्षु. One desirous of or longing for final liberation. भग० १५, १;

णिस्सेस. पुं० (निःश्रेयस्) મોક્ષ. मोक्ष; मुक्ति. Salvation; final liberation. " णिस्सेसाए अणुगामित्ताए " नाया० १; १३;

णिस्सेस. त्रि० (निःशेष) સમ્પૂર્ણ. सम्पूर्ण, समग्र. Complete; full; perfect. दस०६, २, २; —**कम्ममुक्क.** त्रि० (-कर्ममुक्त) સકલ કર્મથી મુકાયેલ; કર્મ બન્ધનથી છુટેલ. सर्व कर्मों से मुक्त; कर्म बन्ध रहित. entirely freed from Karma; rid of Karmic bondage. पंचा० २, ४३;

णिह. त्रि० (निह-निहन्यते निहः) માયાવી. मायावी. Deceitful. आया० १, २, ३, ८१; (२) ક્રોધ આદિથી પીડિત. क्रोध आदि से पीड़ित. troubled or afflicted on account of anger. सूय० १,२,१, १३; (३) (निहन्यन्ते प्राणिनःकर्मवशगा यस्मिन् तन्निहम्) આઘાતનું ઠેકાણું; યાતના સ્થાન. वेदना स्थल; यातना स्थान; वह स्थान जहां से पीड़ा होती हो. source of punishment or affliction. सूय० १, ५, २, ११;

णिह. त्रि० (स्निह-स्निह्यते श्लिष्यते अष्टप्रकारेण कर्मणा-इति स्निहः) રાગી; મમત્વવાળો. रागी; ममता वाला. Full of attachment and hatred; full of egotism. आया० १, ४, ३, १३५; सूय० १, २, २, ३०; (२) न० તેલ. तैल. oil. जीवा० ३, ३;

√**णि-हण.** धा० I. (नि + हन्) નાશ કરવો; હણવું. नाश करना; मारना. To kill; to destroy.

णिहणंति. जं० प० ५, ११४;

णिहणाहि. आ० नाया० १;

णिहणित्ता. सं० कृ० जं० प० ५, ११४;

णिहण. पुं० (निधन) વિનાશ; છેડો. विनाश; अन्त. Destruction; end. नाया० ६;

णिहत्त. न० (निधत्त) પરસ્પર મલેલ કર્મ પુદ્ગલોને દૃઢપણે ધારણ કરવો તે; કર્મ બન્ધનો એક પ્રકાર. परस्पर मिश्र कर्म पुद्गलों का दृढता पूर्वक धारण करने का कार्य; कर्म बन्धन विशेष. Firm adherence or holding together of Karmic molecules in mutual combination; a mode of Karmic bondage ठा० ४, २; भग० १, १;

णिहय. त्रि० (निहत) હણેલ; મારેલ. मारा हुआ; नष्ट. Killed; destroyed. " जम्हा दुवेयावडियं करेंति तम्हा उपए णिहयाकुमारा " उत्त० १२, ३२; दसा० ५, ३६; —**कंटय.** त्रि० (—कण्टक) જેણે કાંટા જેવા પ્રતિપક્ષીને મારેલ છે તે. जिसने कंटक रूप प्रतिपक्षी का नाश किया है (वह). (one) who has destroyed adversaries who were troublesom like thorns. ठा० ६; —**रय.** त्रि० (—रजस्) જેમાં રજ-મેલ દૂર થયેલ છે તે. जिसमें रज-मैल नहीं है वह निर्मल; रज रहित; सात्त्विक. freed from dirt or dust; clean. " अप्पंगलिया देवा णिहयरयं णट्ठरयं भट्ठरयं" जीवा० ३; राय० —**सत्तु.** त्रि० (-शत्रु) શત્રુને માર્યા છે જેણે. शत्रुहन्ता; रिपुघातक. (one) who has destroyed enemies. " ओहमसत्तु णिहयसत्तु मलियसत्तु निज्जियसत्तु " राय०

√**णि-हर.** धा० I, II. (नि+हृ) બહાર

काढवुं. खींच निकालना. To extract; to pull out.

णिहरइ. निसी० १, ४२; सूय० २, २, २०;

णिहरेइ. निसी० १, ३५;

णिहरिस्सामि. निसी० १, ३५;

णिहरित्तए. हे० कृ० विवा० ८;

णिहरंत. व० कृ० निसी० १, १२;

णिहरावेति. प्रे० सूय० २; २, २८;

णिहस. पुं० (निघर्ष) कसोटी; कसोटी काढवानो पत्थर. कसौटी; परीक्षापाषाण; निकषग्रावा. A touch-stone. पन्न० १७;

णिहा. स्त्री० (निहा-निहन्यन्ते प्राणिनः यस्यां सा निहा) माया. माया; छल; कपट. Deceit; fraud. "उवसंते णिहं चरे" सूय १. ८, १८;

णिहाण. नं० (निधान) चक्रवर्तीना नव निधान; भंडार. चक्रवर्ति के नौनिधान कोष; नवनिधि. A treasure; the nine treasures of a Chakravarti. ठा० ५, १; अणुजो०

णिहाय. सं० कृ० अ० (निधाय) स्थापीने. स्थापना करके. Having placed or established. सूय० १, ७, २१; (२) तजीने. छोड़करके; त्यागकर. having left or abandoned. सूय० १, १३, २३;

णिहार न० (निहार) निहार; शौचक्रिया. शौच क्रिया; दिशा, जंगल को जाना. Act of answering calls of nature; getting rid of excrements. ठा० ८;

णिहि. पुं० (निधि) भंडार; खजानो. भंडार; कोष; खजाना. A treasure; a store. "पंच णिही पराणत्ता" ठा० ५, ३; नाया० ३; जीवा० ३, ३; निसी० १३, २६; (२) ए नामनो एक द्वीप अने एक समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island; also that of an ocean. पन्न० १५; जीवा० ३, ४;
—**पइ.** पुं० (-पति) भंडारी; धाननो धणी. खजांची; कोषाध्यक्ष. a treasurer. भग० १२; ९; —**रयण.** न० (-रत्न) चक्रवर्तीनुं निधान-खजानो. चक्रवर्ती का कोष. a treasure belonging to a Chakravarti. जं० प०

णिही. स्त्री० (निही) अनंत जीववाली वनस्पतिनी एक जात. अनन्त जीववाली वनस्पति की एक जाति. A species of vegetation with infinite living beings in it पन्न० १;

णिहु. पुं० (स्निहु) ए नामनी एक वनस्पति कंद विशेष. इस नाम की एक वनस्पति; कंद विशेष. A kind of vegetation; a particular sort of bulbous root. जीवा० १; पन्न० १;

णिहुय. त्रि० (निभृत) निवृत थयेल; प्रवृत्ति रहित. निवृत्त; प्रवृत्ति शून्य. Retired; free from activity. सूय० १,८, १८; (२) प्रशांत वृत्ति वाले. प्रशान्त वृत्ति वाला. calm and quiet in mind. ओव० २१; (३) निश्चल; अचल. निश्चल; अचल; स्थिर. firm; steady; motionless उत्त० १९, ४१; पराह० १, ३;

णिहो. अ० (न्यक्) नीचे. नीचे; अधः. Low; below; down. "णिहोणिग्गच्छंति अंतकाले" सूय० १, ५, १, ५;

णीआगोय. न० (नीचगोत्र) गोत्र कर्मनी अशुभ प्रकृति. गोत्र कर्म की अशुभ प्रकृति. An evil variety or class of Gotra-Karma. अणुजो० १२७;

णीइ. स्त्री० (नीति) नैगम आदि नय. नैगम आदि न्याय-नय. A logical standpoint such as Naigama etc. ठा० २, ३; (२) नीति-न्याय; राजनीति;

समाजनीति वगेरे. नीति—न्याय; राजनीति; संमाज नीति वगैरह. morals; justice; politics. " तिविहा णीई पएणत्ता सामे दंडे भेए " ठा॰ ३, ३; नाया॰ १;

णीच. त्रि॰(नीच) नीचो;हलको. नीचा; घटिया; उतरता हुआ. Low; mean. ठा॰४, ३;

णीछूढ. न॰ (निष्ठ्यूत) थुंकेलुं. थूंका हुआ. (Saliva) spit out or ejected from the mouth. नंदी॰

णीजूहग. न॰ (निर्यूहक) बारणानो टोडलो; घोडलो. दरवाजे का घोडला. A block of wood jutting out from each of the two upper ends of a gate or door of a house. नाया॰१;

णीजूहयंतर. न॰ (निर्यूहकान्तर) बे टोडला वच्चेनुं अंतर. २ घोडलों के बीच का अन्तर. The distance or space between two blocks of wood each projecting from the upper end of a gate or door of a house. नाया॰ १;

णीणिय. त्रि॰ (निणित) बहार काढेल. बहार निकाला हुआ Brought out. नाया॰४;

णीणिया. स्त्री॰ (नीनिका) एक जातनो चार इंद्रियवाळो जीव. चार इंद्रिय वाला जीव विशेष. A kind of four-sensed living being. जीवा॰ १; पन्न॰ १;

णीति. स्त्री॰ (नीति) नीति—न्याय. नीति: न्याय; कायदा; इन्साफ; Politics; justice. नाया॰ १;

णीम. पुं॰ (नीप) कदंबनुं झाड. कदम्ब का वृक्ष. The Kadamba tree. पन्न॰१;

णीय. त्रि॰ (नीत) लावेल; आणेल. लाया हुआ. Brought; carried. नाया॰ १; १६; १७;

णीय. त्रि॰ (नित्य) नित्य; हमेश रहेनार. नित्य; सदा रहने वाला. Constant; permanent; eternal. ठा॰ १०;

णीय—अ. त्रि॰ (नीच) नीचुं; नानुं; ठींगणुं. नीचा; ठिंगना; छोटा. Low; dwarfish; small. भग॰ ३, १; २; १५, १; (२) नीच; हलको; नीचा कुलनो. नीच कुल का. mean; low-born. ठा॰ ३, ४; भग॰ ३, १; श्रणुजो॰ १४७;
—जण. त्रि॰ (—जन) नीच जातिनो माणस. नीच जाति का मनुष्य. a person of a low family or caste. " णीय-जण णिसेविओ लोगगरहणिज्जा " पण्ह॰१,२;
—दुवार. त्रि॰ (—द्वार) नीचा बारणावाळुं. नीचे या छोटे दरवाजे वाला. having low gates or doors. दस॰५, १, २०;

णीयत्तण. न॰ (नीचत्व) नीच पणुं. क्षुद्रता; नीचता. Lowness; meanness " नियत्तणे वट्टइ सच्चवाई " दस॰ ९,३,३;

णीययर. त्रि॰ (नीचतर) अति नीचुं. बहुत नीचा. Very low. भग॰ ३, १;

णीयागोय. न॰ (नीचगोत्र) गोत्रकर्मनी अशुभ प्रकृति. गोत्र कर्म की अशुभ प्रकृति. Evil Gotra-Karma causing birth in a low family. " उच्चागोया वेगे णीयागोयावेगे " सूय॰ २, १, १३;
—कम्म. न॰ (—कर्मन्) गोत्रकर्मनी अशुभ प्रकृति, के जेना उदयथी जीव नीच गोत्र प्राप्त करे. गोत्र कर्म की अशुभ प्रकृति, कि जिसके उदय से जीव को नीच गोत्र प्राप्त हो. a variety of Gotra-Karmas (family-determining Karmas) evil in its effects because by its rise or maturity a man is born in a low family. भग॰ ८, ६;

णीरय. त्रि॰ (नीरजस्) रजरहित; कर्मरूपी रज रहित. रजहीन; कर्मरूपी मल से

रहित. Free from dust or dirt; free from dirt in the form of Karmas जं० प० सय० १, १, ३, १२: १५, १;

*णीरिति. पुं० (नैर्ऋति) मूल नक्षत्रनो अधिष्ठाता देवता. मूल नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता. The presiding deity of a constellation bearing the same name. सू० प० १;

णीरुव्विग्ग. त्रि० (निरुद्विग्न) उद्वेग रहित; चिंता रहित. निश्चिन्त; उद्वेग विहीन; बेफिक. Careless; free from worry. नाया० ८;

णीरोग. त्रि० (नीरोग) रोग रहित निरोग; स्वस्थ. Free from disease; healthy. ठा० १०; नाया० १. (२) ग्लानि रहित. अम्लान; निराकम्प; ग्लानि रहित. free from mental distress or worry. ओव०

णीरोगय त्रि० (नीरोगक) रोग रहित; व्याधि वगरनो. रोग रहित; व्याधि विहीन. Free from disease; healthy. जावा० ३.

णील. त्रि० (नील) श्याम; नीलुं. श्याम; नीला; काला. Dark; black; blue. ठा० १०; (२) पुं० नीलो रंग. नीला रंग blue colour. पन्न० १; राय० ५०; (३) नीलम; एक जातनो मणि. नीलम. एक जाति का मणि. a kind of gem; a sort of blue gem जीवा० ३; (४) २५ मा ग्रहनुं नाम. २५ वें ग्रह का नाम. name of the 25th planet. "णीलेणि य" ठा० २, ३; सू० प० ०; (५) स्त्री० नील लेश्या; ७ लेश्यामां बीजी लेश्या. नीललेश्या. छ लेश्याओं मे से दूसरी. the 2nd of the six kinds of thought or matter-tints, viz. blue tint. पन्न० १७; (६) बाणनुं समूह बाणों का समूह; शर-समूह. a collection of arrows. राय० —पत्त. त्रि० (-पत्र) लीलां पांदडां वाळुं. हरे पत्तों वाला. having green leaves. पन्न० १; —पाणि. त्रि० (-पाणि - नीलः काण्डकलापः पाणौ येषां ते नीलपाणयः) जेना हाथमां बाणनो समुह छे ते. शर समूह का धारण करने वाला; शरधारी. (one) holding a number of arrows in the hand. राय० —प्पभ. त्रि० (-प्रभ) लीली प्रभावाळुं. हरी कान्ति वाला. possessed of green lustre. नाया० १; —वण्ण न० (-वर्ण) कृष्ण वर्ण; नीलो रंग. कालारंग; नीलारंग. black colour; blue colour. भग० ८, ९; २, ८; —वण्णपज्जव पुं० (-वर्ण पर्यव) काळा वर्ण-रंगना पर्याय काले रंग का पर्याय. A modification of black colour. भग०२५,३; —सालगणियत्था त्रि०(*)नीला रंगनी साडी पहेरेल. नीलेरंग की साडी पहिने हुए (one) who has put on a Sāri or garment of blue colour. विवा० १०;

णीलकंठ पुं० (नीलकंठ) शक्रेन्द्रनी महिष सेनानो अधिपति देवता. शक्रेन्द्र की महिष सेना का नायक देवता. The commanding deity of the army of buffaloes belonging to Śakrendra. ठा०४,२;

णीलकंठय. पुं० (नीलकंठक) मोर; मयूर. मोर; मयूर. A peacock. नाया० ३;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

णीलकणवीर. पुं० (नीलकरवीर) નીલા રંગની કણેરઃ વૃક્ષની એક જાત. नीले रंग की कनेर; वृक्ष विशेष. A kind of tree blue in colour. राय०

णीलकूड. पुं० (नीलकूट) નીલવંત વર્ષધર પર્વતનું એક શિખર. नीलवंत वर्षधर पर्वत का एक शिखर. A summit of the mountain named Nīlavanta Varṣadhara. ठा० २, ३;

णीलगुलिया. स्त्री० (नीलगुटिका) એક જાતનું રત્ન. एक रत्न विशेष; एक प्रकार का रत्न. A kind of gem. " णीलगुलियागवलप्प-गासा " जीवा० ३, ४; राय० नाया० १;

णीलबंधुजीव. पुं० (नीलबंधुजीव) નીલા રંગના પુષ્પ વાળું એક જાતનું ઝાડ. नीले रंग के फूल वाला एक वृक्ष विशेष. A kind of tree putting forth blue flowers. राय०

णीलय. पुं० (नीलक) લીલો રંગ. हरा रंग. Green colour. भग० १८, ६; २०,५;

णीललेस्स. त्रि० (नीललेश्य) નીલ લેશ્યાવાળો જીવ. नील लेश्या वाला जीव. (A soul) having blue thought-tint (Leśyā). ठा० १, १; भग० १८, ३; २५, १; —भवसिद्धिय. पुं० (-भवसिद्धिक) નીલ લેશ્યાવાળા ભવ્ય જીવ. नील लेश्या वाले भव्यजीव. A soul having blue tint and destined to attain salvation, eventually. भग० ३५,७;

णीललेस्सा. स्त्री० (नीललेश्या) ૬ લેશ્યામાંની બીજી લેશ્યા. ६ लेश्याओं में की दूसरी लेश्या. The 2nd of the six kinds of thought or matter-tints (Leśyās). पन्न० १, १७; भग० १, २;

णीलवंत. पुं० (नीलवत्) જમગ પર્વતથી દક્ષિણ દિશાએ ૮૩૪ જોજન અને ૪ સાતીયા ભાગ ઉપર સીતા નદીને વચગાળે આવેલ એ નામનો એક દ્રહ કે જેને બે પાસે વીશ કંચનક પર્વત છે. जमग पर्वत की दक्षिण दिशा में ८३४ योजन और चार सातीयां भाग ऊपर और सीता नदी के मध्य में आने वाला एक जलाशय जिसके दोनों ओर बीस कंचनक पर्वत हैं. Name of a great lake in the south of Jamaga mount in the middle of the course of the river Sītā on two of its sides it is bounded by twenty Kañchanaka mountains. जं० प० (२) તેનાવાસી નાગકુમાર દેવ. उस (द्रह) के निवासी नागकुमार देव. a Nāgakumāra kind of deities residing in the above lake. जं० प० (३) મન્દર પર્વતનું બીજું શિખર. मन्दर पर्वत का दूसरा शिखर. the second peak of Mandara mount. जं० प० (४) નીલવંત પર્વત; મહાવિદેહની ઉત્તર તરફની સીમા બાંધનાર પર્વત. नीलवंत पर्वत; महाविदेह की उत्तरी सीमा बनाने वाला पर्वत. the mount Nīlavanta forming the northern boundary of Mahāvideha. " कहिणं भंते जंबुदीवे णीलवंते णामं वासहरपव्वए पण्णत्ते " जं० प० ठा० २, ३; पन्न० १६; जीवा० ३, ८; —कूड. पुं० (-कूट) નીલવંત વર્ષધર પર્વતનું બીજું શિખર. नीलवंत वर्षधर पर्वत का दूसरा शिखर कूट the second peak of the Nīlavanta Varṣadhara mountain. " दो णीलवंत कूडा " ठा० २, ३; जं० प० —द्दहकुमार. पुं० (-द्रहकुमार) નીલવંત દ્રહનો અધિપતિ નાગકુમાર દેવ. नीलवंत द्रह का अधिपति नागकुमार देव. a

Nāgakumāra kind of deity presiding over the lake named Nilavanta. जीवा० ३, ४; —पव्वय. पुं० (-पर्वत) नीलवंत पर्वत. नीलवंत पर्वत. the mount Nilavanta. नाया० १६;

णीला. स्त्री० (नीला) नील लेश्या. नील लेश्या. Blue thought-tint or matter-tint. सम० (२) जम्बुद्वीपना मेरुनी उत्तरे रक्ता महानदीने मळती ए नामनी एक महानदी. जंबूद्वीप के मेरु की उत्तर तरफ रक्ता महानदी से मिलती हुई इस नाम की एक महानदी. name of a great river flowing into another great river named Raktā in the north of the Meru mount of Jambūdvipa. ठा० १०;

णीलाभास. पुं० (नीलाभास) २६मा महाग्रह. २६ वां महाग्रह. The 26th of the great planets. 'दो णीलाभासा' ठा० २, ३; च० प० सू० प०

णीलासोग. पुं० (नीलाशोक) नीला रंगनुं अशोक वृक्ष नीले रंग का अशोक वृक्ष. An Aśoka tree blue in colour. राय० (२) ए नामनुं सुदर्शन शेठनुं उद्यान. इस नाम का सुदर्शन सेठ का उद्यान. name of a park owned by the merchant named Sudarsana. नाया० ५; —उज्जाण. न० (-उद्यान) ए नामनुं एक उद्यान. इस नाम का एक उद्यान —बगीचा. name of a park or garden. विवा० ५;

णीलासोय. न० (नीलाशोक) सौगंधिका नगरीनी बहारनुं एक उद्यान. सौगंधिका नगरी के बाहर का एक उद्यान. Name of a garden or park outside the city of Saugandhikā. नाया० १; ५;

णीली. स्त्री० (नीली) नीली-गळी. नील. Indigo. नाया० १६; जीवा० ३, ४; जं० प० ३, ४५; (२) गुच्छ वनस्पतिनो एक प्रकार. गुच्छेदार वनस्पति विशेष. a sort of vegetation with clusters of leaves. पन्न० १;

णीलुप्पल. न० (नीलोत्पल) नीलोत्पल; कमळ. नीलोत्पल; नील कमल. A blue lotus. नाया० १; ३; ५; ८; ६; १४; भग० ६, ३३; —असि. पुं० (-असि) नीलोत्पल कमळ जेवी तलवार. नील कमल जैसी तलवार. a sword like a blue lotus. नाया० ८; —वण. न० (-वन) नीलोत्पल कमळनुं वन. नीलोत्पल कमल का वन. a forest of blue lotuses. तंदु०

णीलोभास. त्रि० (नीलावभास) मयुरना गळा जेवुं प्रकाश मान. मोर के कंठ के समान प्रकाशमान. Shining, bright like the neck of a peacock. ओव० राय० (२) २६मा ग्रहनुं नाम. २६ वें ग्रह का नाम. name of the 26th planet. सू० प० २०;

णीव. पुं० (नीप) कदंबनुं झाड. कदम्बका वृक्ष. A Kadamba tree. ओव० नाया० ६; (२) न० तेना फुल. उस (कदंब) के फल. a fruit of a Kadamba tree. नाया० १; भग० २२, ३;

णीवार. पुं० न० (नीवार) खेड्या वगरनी जमीनमां उगेल धान्य विशेष; सामो चोखा प्रभृति. बिना हल की हुई भूमिमें उत्पन्न धान्य विशेष; सोवा, चावल आदि. Rice etc. growing in uncultivated land. सूय० १, ३, २, १८; १, १५, १२;

णीसंक. त्रि० (निःशङ्क) शंका रहित. शंका-

रहित; निःशंक. Free from doubt. भग० १, ३;

णीसट्ठ. त्रि० (निःसृष्ट) ફેંકેલ; મુકેલ. फेंका हुआ; त्यक्त; छोड़ा हुआ. Left; abandoned; given up; freed; given out. पराह० १, १;

णीसासिउच्छ्रासियसम. न० (निःश्वासितोच्छ्वसितसम) ઉંચા નીચા સ્વરવાળું ગાન. ऊंचे नीचे स्वर वाला गान. A musical tune with rising and falling accents. ठा० ७;

णीसासिय. न० (निःश्वसित) નિઃશ્વાસ મુકવો. निश्वासडालना. Act of breathing out or exhaling; a sigh. नाया० ६;

णीसा. स्त्री० (*) ઘંટી. घट्टी; चक्की. A mill to grind corn etc. "दगवारएणं पिहियं णीसाए पीढएणवा" दस० ५, १, ४५;

णीसास. पुं० न० (निःश्वास) નીચે શ્વાસ મુકવો તે. श्वास छोडना. Act of exhaling or breathing out. ओव० ३६; नाया० १; ८; भग० १, १; १७, १२;

णीसासमाण. त्रि० (निःश्वसत्) શ્વાસ મુકતો सांस लेताहुआ; दम भरता हुआ. Breathing out; exhaling. नाया० ६;

णीसेयस. न० (निःश्रेयस्) નિશ્ચિત કલ્યાણ; મોક્ષ. निश्चित कल्याण; मोक्ष Final, certain bliss;salvation. जीवा० ३, ४;

णीहाडिया. स्त्री० (निर्हृतिका) પિરસણું. परोसा; कार्यवश आनेमें असमर्थ किसी मित्र आदिके यहां भेजाहुई भोजन की थाली. A dish of food etc. sent to a relative or friend who has not been able to partake of a general feast. वेय० २, १७;

णीहरण. न० (निर्हरण) મરણ સંસ્કાર. मृत्युसंस्कार; अन्त्येष्टि क्रिया. Funeral rite or ceremony. विवा० ५, ८; नाया० १४; भग० १५, १; (२) નિકળવું તે. निकलना. getting out; starting out. नाया० २;

णीहरमाण. त्रि० (नाहरत्) નિકળતો. मुक्त होता हुआ; फारिग होता हुआ Expelling; getting rid of; answering calls of nature. वेय० ६, ३;

णीहरित्तए. हे० कृ० अ० (निर्हर्तुम्) નિકાર કરવાને. मुक्त होनेके लिए; बाहर निकालने के लिए In order to expel; in order to clear or get rid of e. g. excrements. वेय० ६, ३;

णीहार. पुं० (निर्हार) દિશાએ-શૌચક્રિયાએ જવું. दिशा-शौच क्रियाके लिए जाना. Act of easing oneself; answering calls of nature. सम० ३४;

णीहारण. न० (निर्हारण) કાઢી મુકવું. निकाल देना; धक्का देकर निकाल देना. Act of driving away; pushing out ठा० २, ४;

णीहारि. त्रि० (निर्हारिन्) વ્યાપી જનાર; વિસ્તાર પામનાર. फैल जानेवाला; विस्तार पानेवाला. Extending; pervading; having the property of extension. सम० ३४; ओव० ३४; (२) ઘોષ-અવાજવાળું. घोष-शब्दवाला. full of sound; possessed of sound. ठा० १०;

णीहारिम. न० (*) જેના શબનું નિક-

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

रणु-अग्निसंस्कार वगेरे मरणु संस्कार थई शके तेवा स्थणे संथारो करवो ते. ऐसे स्थानपर संथारा करना कि जिससे मृत्युकबाद शवकी अन्त्येष्टि क्रियादि आसानी से होसकें. Act of giving up food and water in such a place so that after death the corpse can be removed for the purpose of funeral rites such as cremation etc. ठा० २,४; भग० २, २५, ७; १; १३, ७; (२) घणे दूर सुधी पहोंचे तेवुं. बहुत दूरतक पहुचेनवाला. (one) reaching a long distant ओव०

णीहू. स्त्री० (नीहू) कन्दनी ऐक जात. एक कन्द विशेष. A species of bulbous roots. भग० ७,३;२३,२; उत्त० ३६,६८;

णु अ० (नु) प्रश्न. प्रश्न; अव्यय-प्रश्नचिन्ह. An indeclinable marking question. दस० ७, ५१; (२) वितर्क. वितर्क; आश्चर्य चिन्ह. an indeclinable marking imagination or supposition विशे० ३०;

√ **णुक्-कर.** धा० II (न्यक्+कृ) धिक्कारवुं. धिक्कारना; बुरामला कहना. To reproach to show contempt towards. णुक्कारेंति. राय० १८२;

णुक्कार. पुं (न्यक्कार) नुकार शब्द करवो ते. घृणाव्यंजक शब्द. A sound expressive of contempt. राय०

णूणं अ० (नूनम्) नक्की; चोक्कस. ठीकठाक; निश्चित; स्पष्ट. Indeed; assuredly नाया० १; ५; ६; १६; भग० १, १; २, १; ५; १, १; १५, १; उत्त० २, ४ ; ओव० ४२; पन्न० ११; (२) तर्क, प्रश्न, हेतु ईत्यादि अर्थमां वपरातुं अव्यय. तर्क, प्रश्न, हेतु आदि अर्थोपयोगी अव्यय. an indeclinable used to mark supposition, question, reason etc. भग० २, ५; ६;

णूम. न० (नूम) गाढ अंधारुं. प्रगाढ अंधेरा; घनघोर अंधकार. Dense darkness. भग० १, ८; (२) पर्वतनी गुफा वगेरे; गुप्त स्थल. a mountain-cave etc. निसी० १२, १२; सूय० १, ३, ३, १; २, २, ८; (३) ढांकवुं. ढाकना. covering; act of covering. पराह० १, २; (४) माया; कपट. माया; कपट; छल. deceit; fraud. भग० १२, ५; सम० ५२; सूय० १, १, ४, १२; (५) कर्म. कर्म. action; Karma. आया० १, ८, ८, २४; **—गिह.** न० (-गृह) गीच झाडीमां आवेलुं घर. कुंज वाला घर. a house surrounded by trees. आया० २, ३, ३, १२७;

णे. अ० (णे) पाद पूरणु पाद पूरक णे. An expletive; an indeclinable used as an expletive. जीवा० ३;

णे. त्रि० (नः) अमे-अमारो-री रुं. हम, हमारा-री रे. We; our. भग० १, ६; २, ५; १५, १; दस० १, ६;

णेश्राउश्र-य. त्रि० (नैयायिक) न्याय युक्त; युक्ति प्रयुक्ति सहित. न्याययुक्त; युक्ति प्रयुक्ति सहित. Based on sound logical reasoning. ओव० ३४; सूय० १, २, १, २१; (२) जेमां निश्चय मुक्ति मले तेवो मार्ग. ऐसा मार्ग कि जिसके द्वारा निश्चित रूप से मोक्ष प्राप्त हो सके. a path surely and invariably leading to salvation. उत्त० १०, ३१; (३) न्यायशास्त्र जाणनार. न्यायाचार्य; न्यायविद् (one) proficient in logic ओव० ३४;

णेउणिश्र. न० (नैपुणिक) निपुणु; चतुर.

निपुण; चतुर; कुशल. Expert; wise; skilful. दस० ६, २, १३;

णेउर. न० (नूपुर) પગનું આભરણ; ઝાંઝર. पैर का भूषण; तोड़ा. A leg-ornament; an anklet. नाया० १; ८; १६; जीवा० ३, ३; (२) બે ઇંદ્રિય વાલો જીવ વિશેષ. दो इन्द्रिय वाला जीव विशेष. a species of living beings with two senses. पन्न० १; (३) ચાર ઇંદ્રિય વાલો જીવ. चार इन्द्रिय वाला जीव. a living being with four senses. पन्न० १;

णेगम. पुं० (नैगम-निगमा वणिजस्तेषां स्थानं नैगमम्) વાણિયા-વ્યાપારીઓનું નિવાસસ્થાન. व्यापारिओंका निवासस्थान A quarter of a town etc. where traders or merchants reside. भग० १८, २;; (२) શાસ્ત્રના અર્થમાં કુશલ. शास्त्रों के अर्थमें कुशल. proficient in scriptural texts and their meaning. ठा० ३, ३; (३) સાત નયમાંનો પહેલો નય. सात नय में से प्रथम न्याय-नय. the first of the seven logical standpoints of Jaina philosophy. ठा० १; पन्न० १६; —नय. पुं० (-नय) જૈન દર્શન-અભિમત સાત નયમાંનો પ્રથમ નય. जैन दर्शन के सात नयों में से पहिला नय. the first of the seven logical standpoints in the Jaina philosophy. विशे० ३१; —पढमासणिय. त्रि० (-प्रथमासनिक) વ્યાપારીઓમાં પ્રથમ આસન ધરાવનાર. व्यापारिओं में श्रेष्ठ-पहिले आसन का अधिकारी. (one) occupying the highest position among merchants. भग० १८, २;

णेच्छइय. पुं० (नैश्चयिक) નિશ્ચય નય. निश्चय नामक नय. A standpoint by which a thing is named after the substance of which it is evidently made. भग० १८, ६;

णेट्टूर. पुं०((नेट्टूर) એ નામનું એક અનાર્ય દેશ. एक अनार्य देश. Name of a Anārya country. (२) તેના વાસી મનુષ્ય. उस के निवासी लोग. a person residing in the above country. पराह० १, १;

णेतव्व. न० (नेतव्य) સમજી લેવું. समझ लेना; जानजाना. Grasping the meaning of; understanding; comprehending. सू० प० २०;

णेतव्व. त्रि० (ज्ञातव्य) જાણવા યોગ્ય. जानने योग्य; ज्ञातव्य. Worthy to be known. भग० १, १; २४, २;

णेतार. त्रि० (नेतृ) નાયક. अधिपति; नेता; नायक (One) who leads; a leader. जं० प०

णेत्त. न० (नेत्र) આંખ. आंख; नयन; चक्षु An eye. पन्न० १८, २२; (२) નેતરૂં. रस्सी. a rope or cord to tie the legs of a cow at the time of milking. उवा० २, ९४; (३) નેતરની છડી; સોટી. बेत; बेत वृक्ष की छड़ी. a cane; a birch rod. सूय० २, २, १८; —सूल. न० (-शूल) નેત્ર શૂલ; આંખનો કદાપો. नेत्र पीड़ा; आंख का दर्द. pain in the eye; sore eye. नाया० १३;

णेम. पुं० स्त्री० (नेम) જમીનથી ઉંચો નીકળતો પ્રદેશ; ભિંતની કિનારી. जमीन से ऊंचा उठा हुआ भाग; दिवाल का किनारा. Region or portion protruding from ground level. जं० प० राय० १०५;

णेमि. पुं० (नेमि) પૈડાનો ઘેરાવો; પૈડાની ધાર. पहियेका घेराव; चक्रकी परिधि. Circumference of a wheel. ओव० ३१; जं० प० ३, ४७; ठा० ३, ३; सूय० १, ८, १, ६; —**पडिरूवग.** न० (-प्रतिरूपक) ચક્રધારા સમાન; વૃત્તસંસ્થાન. चक्रधारा समान; गोलाकार. (any thing) circular in shape like a wheel. भग० १४, ६;

णेमित्तिय. न० (निमित्त) નિમિત્તશાસ્ત્ર; ૨૯ પાપ શાસ્ત્રમાંનું એક. निमित्तशास्त्र; २६ पापशास्त्रों में से एक. The science of omens; one of the 29 Pāpa Śāstras (secular sciences) ठा० ६;

णेम्मा. स्त्री० (*) જમીનથી નીકળતો પ્રદેશ. जमीन से ऊंचा उठा हुआ भाग-प्रदेश. Region higher in level than the ground. राय० ४४;

णेय. त्रि० (ज्ञेय) જાણવા યોગ્ય. ज्ञेय; जानने योग्य. Worthy to be known. राय० २१४; पन्न० २१; नाया० ११; १८;

णेयतिय. त्रि० (नैयतिक) નિત્ય. नित्य; शाश्वत. Constant; permanent; eternal. भग० १, २;

णेयव्व. त्रि० (ज्ञातव्य) જાણવા યોગ્ય. जानने योग्य; ज्ञातव्य. Worthy to be known; worth being known. ठा० २, ३; भग० २, २; ५, ४; १२, १०; २५, ४; २८, ११; नाया० १६; निसी० ६, ५, ११, १६; १८, २; दसा० १०, १; जं० प० ७, १३५; ६, १२४;

णेयव्व. त्रि० (नेतव्य) કહેવા વર્ણવવા યોગ્ય. कहने या वर्णन करने योग्य. Worthy to be told or described; worthy to be conveyed or communicated. ओव० २०; जं० प० ५, ११६;

णेयाउय. त्रि० (नैयायिक-न्यायेन चरति नैयायिकः) ન્યાયયુક્ત. न्याययुक्त; कायदे से चलने वाला. Logically sound; just; in accordance with justice. उत्त० ३, ६; दसा० १०, ३; ६, १८; (२) ન્યાયદર્શન ગૌતમશાસ્ત્રને જાણનાર. न्याय दर्शन-गौतम शास्त्र को जानने वाला. (one) proficient in the system of logic propounded by Gautama. सूय० टी० १, १, १, ६; (३) મોક્ષમાર્ગ બતાવનાર ન્યાયયુક્ત શાસ્ત્ર. मोक्षमार्ग का बतलाने वाला न्यायशास्त्र. a scripture based on logic and guiding one on the path to salvation. नाया० १;

णेयार. त्रि० (नेतृ) નેતા; નાયક. नेता; नायक; अध्यक्ष. (One) who leads; a leader. सूय० १, १, २, १८; १, ६, १७;

णेरइय. पुं० (नैरयिक) નરકમાં રહેનાર જીવ; નારકી. नरकवासी जीव; नारकी. A hell-being; a soul born in hell. ठा० १, १; २, ४; ३, १; उत्त० १०, १४; ओव० २०; ३८; अणुजो० १४०; भग० २, १; ६, ४; ८, ८; १६, १; १६, ८; २०, १०; २८, १; ३२, १; नाया० ८; दसा० ६, १; ४; पन्न० १; जीवा० १; (२) નરક ગતિ; નરકનો ભવ-અવતાર. नरकगति; नरक का भव-जन्म-अवतार.

* જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foo-note (*) p. 15th.

Birth in the infernal regions; state of existence in hell. ओव० ३८; —आउअ-य. न० (-आयुष्) नारकीनुं आयुष्य. नारकीका आयुष्य. life-period of a denizen of hell. भग० ८, ६; ३०, १; ठा० ४, २; —आवास. पुं० (-आवास) नरकावासो. नरकावास; नरक में निवास स्थान. abode in hell. भग० १२, ५; १८, ५; ठा० २, ४; —ठिति. स्त्री० (-स्थिति) नारकीनी स्थिति. नारकी की स्थिति-दशा. condition of a hellish being. भग० २४, १; —दुग्गइ. स्त्री० (-दुर्गति) नरकरूप दुर्गति. नरकरूप दुर्गति. bad plight in the form of birth in hell. ठा० ४, १; —पवेसण न० (-प्रवेशन) नरकमां प्रवेश. नरक में प्रवेश. entrance into hell भग० ६, ३२; —भव. पुं० (-भव) नारकीनो भव. नारकी का जन्म. birth as a denizen of hell. ठा० ४, २; —संसार. पुं० (-संसार) नरक गतिरूप संसार. नरक गतिरूप संसार; नारकी संसार. worldly existence akin to an abode in hell. ठा० ४, २; भग० २५, ७;

णेरइयत्त. न० (नैरयिकत्व) नारकीपणुं. नारकी पन. State of being a denizen of hell. भग० १२, ४;

णेरइयत्ता. स्त्री० (नैरयिकता) नारकीपणुं. नारकी पन. State of being a denizen of hell. नाया० २; १६; १६; भग० १२, ७; १४, १; १७, १; ठा० ४, ४; दसा० १०, ३;

णेरई. स्त्री० (नैर्ऋती) नैऋति-राक्षस जेनो देवता छे एवुं नक्षत्र; मूल नक्षत्र. नैर्ऋति-राक्षस के अधिपत्य वाला मूल-नक्षत्र. A constellation named Mūla having for its presiding deity a demon. भग० ७, १;

णेल. न० (नैल) गळीनो विकार. नील का विकार. A product of indigo. भग० १, १;

णेलवंत. पुं० (नीलवत्) महाविदेहनी उत्तर सरहद उपरनो पर्वत. महाविदेह की उत्तरी सीमा वाला पर्वत. A mountain on the northern boundary of Mahāvideha. (२) नीलवंत पर्वत उपर रहेनार तेनो अधिष्ठाता देवता. नीलवंत पर्वत पर रहने वाला उसका अधिष्ठाता देवता. the presiding deity of the Nilavanta mount, residing upon that mount. जं० प०

णेवत्थ. न० (नेपथ्य) वेश; पोशाक. वेष; पोशाक Dress; e. g. in a drama. ओव० २४; पन्न० २; पण्ह० १, ४, ठा० ४, २; नाया० १; १६; (२) पडदो. परदा. a curtain; e. g. in a drama. नाया० १, (३) अलंकार; आभूषण. अलंकार; आभूषण, जेवर; गहने. an ornament; a decoration पंचा० ८, २५; जं० प० ७, १५०;

णेव्वाण. न० (निर्वाण) मुक्ति; मोक्ष. मुक्ति, मोक्ष, मुक्ति Salvation; final bliss. "एतम्मि फलं णेयं परमं णेव्वाणमेव ... णियमेणा" पंचा० ८, ३४;

णेसज्जि. पुं० (नैषधिन्) निषिद्या पलांठी आसने बेसनार. आलथी पालथी मारकर आसन में बैठने वाला. (One) who sits with his legs crossed. पंचा० १८, १५; प्रव० ५६१;

णेसज्जिया. स्त्री० (नैषधिकी) निषिद्या पलांठी आसने बेसनार (स्त्री). पलांठी मारकर

बैठने वाली (स्त्री). (A woman) sitting with her legs crossed. ठा० ५, १; वेय० ५, २६;

णेसत्थिया. स्त्री० (नैसृष्टिकी) પત્થર વગેરે ફેંકવાથી લાગતી ક્રિયા. पत्थर आदि फेंकने से होने वाला कर्म बंध. Karma incurred by throwing a stone etc. ठा० २, १;

णेसप्प. पुं० (नैसर्प) નવ નિધાનમાંનો એક; જેમાં ગામ નગર આદિનું વર્ણન છે તે. नव निधान में का एक निधान; जिस में ग्राम नगर आदि का वर्णन है. One of the nine Nidhānas. जं० प० ठा० ९;

णेसाय. पुं० (निषाद) નિષાદ નામનો સ્વર; સાત સ્વરમાંનો એક. निषाद नामका संगीत का एक स्वर; सात प्रकार के स्वर में से एक. One of the seven musical notes so named. ठा० ७, १;

णेह. पुं० (स्नेह) સ્નેહ; અનુરાગ, પ્રીતિ. स्नेह, अनुराग; प्रीति; प्रेम. Affection; love; attachment. नाया० १; आउ० (२) ચિકાશ. चिकनापन. stickiness. नाया० १६; —**अवगाढ.** त्रि० (-अवगाढ) સ્નેહથી વ્યાપ્ત. स्नेह से परिपूर्ण. full of, absorbed in the emotion of love. नाया० १६; —**उत्तुप्पियगत्त.** त्रि० (-उत्स्नोपितगात्र) સ્નેહ વાળું શરીર. स्नेहपूर्ण शरीर; स्नेहमय गात्र. a body full of the feeling of love. विवा० २; —**क्खय.** पुं० (-क्षय) ચિકાશનો નાશ. चिकनाई का क्षय-नाश. destruction of stickiness or viscosity. नाया० १६; —**झाण.** न० (-ध्यान) પુત્ર આદિના સ્નેહનું ધ્યાન; દુર્ધ્યાનનો એક પ્રકાર. पुत्र आदि के स्नेह का ध्यान; दुर्ध्यान विशेष. a sort of undesirable contemplation, viz. that upon filial affection, conjugal bliss etc. आउ०

णो. त्रि० (नः) અમારું. हमारा. Our; ours. भग० ६, ३३;

णो. अ० (नो) નહિ; નિષેધ. नहीं; निषेध. No; not. भग० १, १; ३; ६; २, १; ५; ५, २; ६, ४; १६, ३; २०, १०; २२, २; २५, २; ६; नाया० १; ५; ७; ८; १४, १५; १६; आया० १, १, १, १; १; १, १, २; अणुजो० २; ओव ३८;

णोअक्खरसंबद्ध. त्रि० (नोअक्षरसम्बद्ध—अक्षरसम्बद्धादितरो नोऽक्षरसम्बद्धः) અક્ષર સંબંધથી ભિન્ન. अक्षर सम्बन्ध से भिन्न. Bearing a relation different from that due to or caused by letters. ठा० २, ३;

णोअमण. न० (नोऽमनस्) મન માત્ર. केवल एक मन; मन मात्र. Mind alone; nothing except mind. ठा० ३, ३;

णोअवयण. न० (नोऽवचन) વચન માત્ર. केवल वचन ही; एक वचन मात्र. Speech alone; nothing except speech. ठा० ३, ३;

णोआउज्ज. पुं० (नोआतोद्य) તાડન કર્યા વગર જે શબ્દ થાય તે; વાંસ વગેરે ચીરતાં જે શબ્દ થાય તે. ताडन बिना उत्पन्न होने वाला शब्द; बांस आदि का चीरते समय उत्पन्न होने वाला शब्द. Sound produced by anything else than beating or striking; e. g. that produced by tearing or rending. ठा० २, ३; —**सद्द.** पुं० (-शब्द) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. " **णो आउज्जसद्दे दुविहे पगणत्ते** " ठा० २, ३;

णोआगास. पुं॰ (नोआकाश) આકાશ ભિન્ન; આકાશ સદૃશ ધર્માસ્તિકાયાદિ. आकाश भिन्न; आकाश सदृश धर्मास्तिकायादि. Dharmāstikāya etc. as differentiated from Ākāśa etc ठा॰ २,१;

णोइंदिय. न॰ (नोइन्द्रिय) ઇન્દ્રિય ભિન્ન અને ઇંદ્રિયસદૃશ; મન. इन्द्रिय भिन्न एवं इन्द्रिय सदृश; मन. Mind. ठा॰ ६; भग॰ १८, १०; —**जवणिज्ज.** पुं॰ (–यापनीय) મન વશ કરવું તે. मन का संयम-निरोध. control of mind. भग॰ १८, १०; नाया॰ ५; —**त्थ.** पुं॰ (–अर्थ) મનનો વિષય. मन का विषय. an object of, perception for the mind. ठा॰ ६;

णोउस्सासग. पुं॰ (नोउच्छ्वासक) ઉચ્છ્વાસ પર્યાપ્તિ જેણે નથી પૂર્ણ કરી તે. जिसने उच्छ्वास पर्याप्ति पूर्ण न की हो. (One) that has not fully developed the power of respiration. "नेरइया दुविहा पराणता तंजहा उस्सासगा-चेव णोउस्सासगाचेव" ठा॰ २, २;

णोकसाय. पुं॰ (नोकषाय) હાસ્ય, રતિ, અરતિ, ભય, શોક, જુગુપ્સા, સ્ત્રીવેદ, પુરૂષવેદ, નપુંસકવેદ એ નવ મોહનીય કર્મની પ્રકૃતિ; કષાય ભિન્ન–કષાયસદૃશ ઉપર્યુક્ત ૯ પ્રકૃતિનો સમુદાય. हास्य,रति,अरति, भय, शोक, जुगुप्सा, स्त्रीवेद, पुरुषवेद, नपुंसकवेद ये मोहनीय कर्म की नौ प्रकृति; कषाय भिन्न –कषाय सदृश उपर्युक्त नौ प्रकृति का समुदाय. The aggregate of the nine varieties of Mohanīya Karma not classed under Kaṣāya though akin to it; viz. laughter, pleasure, disgust, fear, grief, dismay, male sex-feeling, female sex-feeling, and neuter sex feeling. पन॰ १३; —**वेयणिज्ज.** न॰ (–वेदनीय) મોહનીય કર્મની હાસ્યાદિ નવ પ્રકૃતિ. मोहनीय कर्म की हास्यादि नौ प्रकृति. the nine varieties of Mohanīya Karma e. g. laughter etc. "नवविहे नोकसाय वेयणिज्जे कम्मे पराणत्ते" ठा॰ ६;

णोकेवलणाण. न॰ (नोकेवलज्ञान) કેવલ જ્ઞાન ભિન્ન-કેવલજ્ઞાન સદૃશ; અવધિ અને મનપર્યવજ્ઞાન. केवलज्ञान भिन्न-केवलज्ञान सदृश; अवधि और मनपर्यवज्ञान. Avadhi Jñāna and Manaparyava Jñāna as differentiated from Kevala Jñāna. "णो केवलणाणे दुविहे पराणत्ते तं जहा ओहिणाणे चेव मण-पज्जव णाणे" ठा॰ २; १;

णोणाणायार. पुं॰ (नोज्ञानाचार) જ્ઞાનાચાર ભિન્ન; દર્શનાચાર વગેરે. ज्ञानाचार भिन्न; दर्शनाचार आदि. Right faith etc. as differentiated from right knowledge. "णोणाणायारे दुविहे पराणत्ते दंसणायारे चेव णो दंसणायारे चेव" ठा. २, ३;

णोतसणोथावर. पुं॰ (नोत्रसनोस्थावर) ત્રસ નહિં અને સ્થાવર નહીં તે; સિદ્ધ ભગવાન્. जो त्रस और स्थावर दोनों नहीं है वह; सिद्ध भगवान्. A being neither mobile or immobile; a liberated soul. जीवा॰ १०;

णोदंसणायार. पुं॰ (नोदर्शनाचार) દર્શનાચાર ભિન્ન; જ્ઞાનાચાર વગેરે. दर्शनाचार भिन्न; ज्ञानाचार आदि. Right knowledge etc. as differentiated from right faith "दुविहे णोदंसणा-यारे पराणत्ते" ठा॰ २, ३;

णोदिय. त्रि॰ (नोदित) પ્રેરણા કરેલ; અગાઉ

सन्मुभ करेल. प्रेरणा किया हुआ; प्रेरित; प्रचोदित; उत्साहित. Inspired; urged onward. नाया० ६;

णोपरमाणुपोग्गल. पुं० (नोपरमाणुपुद्गल) अपरमाणु पुद्गल; द्विप्रदेशी आदि स्कंध. अपरमाणु पुद्गल; द्विप्रदेशी आदि स्कंध. An aggregation of atoms in any number beyond a single indivisible atom. ठा० २, ३;

णोबद्धपास पुट्ठ. पुं० (नोबद्धपार्श्वस्पृष्ट) બદ્ધ નહીં કિંતુ એક પડખેથી સ્પષ્ટ-શબ્દ. कका हुआ नहीं वरन् एक ओरसे स्पष्ट तथा निकलता हुआ शब्द. A sound not altogether restrained but emerging from one side only. ठा० २, ३;

णोभासासद्द. पुं० (नोभासाशब्द) અવ્યક્ત શબ્દ; ભાષા પર્યાપ્તિ વગરનો શબ્દ. अव्यक्त शब्द; निरर्थक शब्द. An indistinct or inarticulate sound. "णोभासासद्दे दुविहे पराणत्ते" ठा० २, ३;

णोभिउरधम्म. पुं० (नोभिदुरधर्म-स्वतएव नो भिद्यते इति नोभिदुरधर्मः) સુદૃઢ ધર્મ. धर्मप्राण; धर्म में दृढ. One steadfast in religion. ठा० २, ३;

णोभूसणसद्द. पुं० (नोभूषणशब्द) ભૂષણ શબ્દ; ભિન્ન ભૂષણ શબ્દ; સદૃશ શબ્દ. भूषण शब्द; भिन्न भूषण शब्द; सदृश शब्द. A sound rising from anything but an ornament. "णोभूसणसद्दे दुविहे पराणत्ते" ठा० २, ३;

णोमल्लिया. स्त्री० (नवमल्लिका) જુઓ "णोमालिया" શબ્દ. देखो "णोमालिया" शब्द Vide. "णोमालिया" जीवा० ३;

णोमालिया. स्त्री० (नवमालिका) નવમાલતિ નામનું એક વૃક્ષ. नवमालती नामक एक वृक्ष. A plant of the jasmine species. पन्न० १; राय० ५६; जीवा० ३, ४; जं० प० ४, ६२;

णोल्लिय. त्रि० (नोदित) પ્રેરણા કરેલ. प्रेरित प्रचोदित. Inspired; impelled. पराह० १, ३;

णोसंजयासंजय. पुं० (नोसंयतासंयत) સંયત નહિ અને અસંયત પણ નહિ; સિદ્ધ ભગવાન. संयत व असंयत दोनोंसे परे; सिद्ध भगवान. One who is neither self-controlled nor otherwise; a perfected soul of a Siddha. ठा० ४, ४;

णोसराणोवउत्त. त्रि० (नोसंज्ञोपयुक्त) આહારાદિ સંજ્ઞા-ઉપયોગથી રહિત. आहारआदि. संज्ञा के उपयोगसे रहित. Devoid of any instinct for taking food etc; a being whose consciousness of hunger etc. has not developed. भग० २६, १;

ण्हवण. न० (स्नपन) સ્નાન. स्नान; मज्जन. Bath; act of bathing. पराह० १, २; सु० च० ४, १५०;

ण्हविअ-य. त्रि० (स्नापित) સ્નાન કરેલ; નાહેલ. स्नान किया हुआ; नहाया हुआ. Bathed; (one) who has bathed. उत्त० २२, ६; सु० च० २, १२;

ण्हाविऊण. सं० कृ० अ० (स्नापयित्वा) સ્નાન કરાવીને. स्नान कराकर. Having caused to be bathed. सु० च० २, ६०२;

ण्हविज्जत. त्रि० (स्नप्यमान) સ્નાન કરાતો. स्नान कराता हुआ. Bathing; (one) causing other to be bathed. सु० च० २, ४१;

ण्हाअ-य. त्रि० (स्नात) નાહેલ; સ્નાન કરેલ. नहाया हुआ; स्नान किया हुआ.

Bathed; (one) who has bathed. नाया० १; २; ५; ८; १२; १३; १४; १६; भग० २, ५; ६, ३३; १८, ७; दसा० १०, १; ओव० ११; उत्त० १२, ४१;

ण्हाण न० (स्नान) સ્નાન; નહાવું તે. स्नान; नहाना. Bath; bathing. सु० च० १, ३१२; भग० ११, ११; १०; विशे० १०२६; दसा० ६, ४; निसी० १, ६; —उदय. न० (-उदक) નહાવાનું પાણી. स्नान करनेका पानी. water for bathing. नाया०१३; —पीढ. न० (-पीठ) સ્નાન પીઠ; નહાવાનો બાજોઠ. स्नान पीठ; नहानेका बाजोट, पाट आदि. a seat for taking bath. नाया० १; जं० प० ३, ४३; —मंडव. पुं० (-मण्डप) સ્નાન કરવાનો માંડવો. स्नान मंडप. a bower used as a bath room. जं० प० ३, ४३; —मल्लिया. त्रि० (-मल्लिका) સ્નાનમાં ઉપયોગી એક જાતનું સુગંધી વૃક્ષ; મોટી માલતી. स्नानोपयोगी एक सुगन्धित वृक्ष विशेष; मोटी मालती jasmine; a plant bearing fragrant flowers. जीवा० ३; ० प० राय० ५६;

ण्हारु. न० (स्नायु) સ્નાયુ; નસ. स्नायु; नस; नाडी. A muscle; a nerve; a sinew. भग० १, ५; ५, ६; १, ६; जीवा० १; —जाल. पुं० (-जाल) સ્નાયુની જાલ-સમૂહ. तंतुजाल; स्नायु समूह. a net-work of muscles or sinews. भग० ६, ३३;

ण्हारुणी. स्त्री० (स्नायु) સ્નાયુ-માંસ તંતુ. स्नायु-मांस तंतु. A tendon; a muscle; a sinew. आया० १, १, ६, ५३; सूय० २, २, ६; जं० प०

ण्हाविया. स्त्री० (स्नापिका) સ્નાન કરાવનારી દાસી. स्नापिका; स्नानकराने वाली दासी. A maid-servant whose duty is to bathe her master or mistress. भग० ११, ११;

ण्हुसा. स्त्री० (स्नुषा) પુત્રની વહુ; છોકરાની સ્ત્રી. पुत्र वधु; बहु. A son's wife; a daughter-in-law. सूय० १, ४, ५; उत्त० ६, ३; आया० १. २, १, ६२;

इति श्रीश्वेताम्बरस्थानकवासिसम्प्रदायतिलकायमानपूज्यपाद श्री १००८ श्री गुलाबचन्द्रजित्स्वामिशिष्य श्रीजिनशासनसुधाकर-शतावधानि-पण्डित प्रवरमुनिराज श्री १०८ श्री रत्नचन्द्रजित्स्वामी विरचिते बृहदर्धमागधीकोषे सप्तमाक्षरम् णकारादिशब्दसङ्कलनं समाप्तम् ।

इति
द्वितीयो भागः